60 वीं

एम्स

वार्षिक रिपोर्ट

2015 -16

शरीरमाद्यं खलुधर्मसाधनम्

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
नई दिल्ली–110029

संयुक्त रूप से संपादित :

डॉ. कल्पना लूथरा, जैव रसायन विभाग

डॉ. अल्पना शर्मा, जैव रसायन विभाग

डॉ. विरेन्दर कुमार बंसल, शल्य चिकित्सा विभाग एवं उप–संकायाध्यक्ष (शैक्षिक)

डॉ. संदीप अग्रवाला, बालशल्य चिकित्सा विभाग

डॉ. संजीव लालवानी, न्याय चिकित्सा विभाग एवं कुल–सचिव

डॉ. पीयूष साहनी, जठरांत्र शल्य चिकित्सा एवं यकृत प्रत्यारोपण विभाग

डॉ. प्रताप शरण, मनोचिकित्सा विभाग

डॉ. यतन पाल सिंह बलहारा, मनोचिकित्सा विभाग

डॉ. दीप्ति विभा, तंत्रिका विज्ञान विभाग

डॉ. पुरवा माथुर, प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग, जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र

डॉ. एच. के. भट्टाचार्जी, शल्य चिकित्सा विभाग

डॉ. रोहित सक्सेना, डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र

डॉ. राकेश लोढ़ा, बाल चिकित्सा विभाग

डॉ. आर. लक्ष्मी, हृद् जैव रसायन विभाग

डॉ. प्रिया जगिया, हृद् विकिरण विज्ञान

डॉ. टोनी जॉर्ज जैकब, शरीर रचना विज्ञान विभाग

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (अ. भा. आ. सं.) की स्थापना सन 1956 में संसद के एक अधिनियम के द्वारा राष्ट्रीय महत्व के एक संस्थान के रूप में की गई थी। संस्थान की स्थापना का मुख्य उद्देश्य स्नातक–पूर्व तथा स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा में इसकी सभी शाखाओं में शैक्षिक पैटर्न विकसित करना, भारत में सभी मेडिकल कॉलेजों एवं अन्य संबद्ध संस्थानों के लिए चिकित्सा शिक्षा का एक उच्च स्तरीय निदर्शन करना; स्वास्थ्य कार्यकलापों की सभी महत्वपूर्ण शाखाओं में कार्मिकों के प्रशिक्षण हेतु सर्वोच्च स्तर की शैक्षिक सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराना; तथा स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा में आत्मनिर्भरता प्राप्त करना था।

संस्थान में शिक्षण, अनुसंधान तथा रोगी उपचार हेतु व्यापक सुविधाएं हैं। संस्थान द्वारा स्नातक–पूर्व तथा स्नातकोत्तर स्तरों पर चिकित्सा परा–चिकित्सीय पाठ्यक्रमों में शैक्षिक कार्यक्रम संचालित किए जाते हैं तथा अपनी ही डिग्रियां प्रदान की जाती हैं। यहां 52 विषयों में शिक्षण एवं अनुसंधान कार्य संचालित किया जाता है। एक वर्ष में अपने संकाय–सदस्यों तथा अनुसंधानकर्ताओं के 2000 से भी अधिक अनुसंधान प्रकाशनों के साथ संस्थान चिकित्सा अनुसंधान के क्षेत्र में अग्रणी है। एम्स द्वारा एक नर्सिंग कॉलेज भी चलाया जाता है। विभिन्न विभागों और केंद्रों द्वारा पूर्व एवं परा–नैदानिक विभागों की सहायता से सभी प्रकार की बीमारियों का व्यावहारिक रूप से उपचार किया जाता है। संस्थान द्वारा हरियाणा में बल्लभगढ़ में व्यापक ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्र में 50 बिस्तरों वाला एक अस्पताल भी चलाया जाता है जिसमें सामुदायिक चिकित्सा केंद्र के माध्यम से लगभग 8 लाख लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जाती हैं।

विषय–सूची

1. निदेशक की समीक्षा 007
2. संस्थान और इसकी समितियां 014
3. शैक्षिक अनुभाग 017
4. परीक्षा अनुभाग 025
5. सामान्य प्रशासन 032
6. मुख्य अस्पताल 037
7. नर्सिंग महाविद्यालय 067
8. अनुसंधान अनुभाग 075

9. विभाग

9.1 संवेदनाहरण विज्ञान 094
9.2 शरीर रचना विज्ञान 106
9.3 जैव रसायन 120
9.4 जैव आयुर्विज्ञान इंजीनियरी 134
9.5 जैव भौतिकी 139
9.6 जैव सांख्यिकी 144
9.7 जैव प्रौद्योगिकी 155
9.8 सामुदायिक चिकित्सा केंद्र 161
9.9 त्वचा एवं रतिज रोग विज्ञान 180
9.10 आपात चिकित्सा 186
9.11 अंतःस्राविकी एवं चयापचय 189
9.12 न्याय चिकित्सा और विष विज्ञान 198
9.13 जठरांत्र रोग विज्ञान एवं मानव पोषण 202
9.14 जठरांत्र शल्य–चिकित्सा एवं यकृत प्रत्यारोपण 215
9.15 जराचिकित्सा 222
9.16 रुधिर विज्ञान 227
9.17 अस्पताल प्रशासन 233
9.18 प्रयोगशाला चिकित्सा 237
9.19 काय–चिकित्सा 250
9.20 सूक्ष्म जैव विज्ञान 260
9.21 वृक्क विज्ञान 273
9.22 नाभिकीय चुंबकीय अनुनाद 280
9.23 नाभिकीय चिकित्सा 288
9.24 प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान 295
9.25 अस्थि रोग विज्ञान 313
9.26 कान, नाक एवं गला रोग विज्ञान एवं सिर एवं ग्रीवा शल्य चिकित्सा 321
9.27 बाल चिकित्सा विज्ञान 327

9.28 बाल शल्य चिकित्सा 356
9.29 विकृति विज्ञान 367
9.30 भेषजगुण विज्ञान 383
9.31 भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास 390
9.32 शरीर क्रिया विज्ञान 395
9.33 मनोचिकित्सा 408
9.34 पुल्मोनरी चिकित्सा एवं निद्रा विकार 424
9.35 विकिरण निदान 429
9.36 प्रजनन जैव विज्ञान 440
9.37 शल्य चिकित्सा 445
9.38 प्रतिरोपण प्रतिरक्षा विज्ञान एवं प्रतिरक्षा आनुवंशिकी 451
9.39 मूत्ररोग विज्ञान 460
9.40 प्रतिरोपण प्रतिरक्षा विज्ञान एवं प्रतिरक्षा आनुवंशिकी 462
9.41 मूत्ररोग विज्ञान 468

10. केंद्र

10.1 हृदय वक्ष विज्ञान केंद्र 476
10.2 दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र 508
10.3 डॉ. बी. आर. अंबेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल 520
10.4 डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र 550
10.5 जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र 570
10.6 राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र 595
10.7 तंत्रिका विज्ञान केंद्र 608

11. केंद्रीय सुविधाएं

11.1 बी. बी. दीक्षित पुस्तकालय 641
11.2 कैफेटेरिया 645
11.3 केंद्रीय पशु सुविधा 647
11.4 केंद्रीय कार्यशाला 649
11.5 कंप्यूटर सुविधा 651
11.6 इलेक्ट्रॉन सूक्ष्मदर्शी सुविधा 657
11.7 छात्रावास अनुभाग 660
11.8 संस्थान की नीति विषयक समिति 663
11.9 के. एल. विग आयुर्विज्ञान शिक्षा एवं प्रौद्योगिकी केंद्र 664
11.10 मीडिया और प्रोटोकॉल प्रभाग 669

12. प्रकाशन 675

13. वित्त प्रभाग

13.1 बजट एवं वित्त 848
13.2 लेखा–परीक्षा रिपोर्ट 1040

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

संगठन संरचना

संस्थान निकाय

शासी निकाय

वित्त समिति | चयन समिति | शैक्षिक समिति | संपदा समिति | अस्पताल प्रबंध समिति

1. निदेशक की समीक्षा

मुझे संस्थान की 60वीं वार्षिक रिपोर्ट और वर्ष 2015–16 के लिए लेखों का लेखा परीक्षित विवरण प्रस्तुत करते हुए गौरव का अनुभव हो रहा है।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली की स्थापना 1956 में भारत की संसद के एक अधिनियम द्वारा चिकित्सा शिक्षा में उत्कृष्टता के पोषण तथा स्वास्थ्य देखभाल के सभी पक्षों के केंद्र के रूप में कार्य करने के लिए की गई थी। इसे दुनिया भर में भारत के सर्वोत्तम चिकित्सा संस्थान के रूप में मान्यता दी गई है जिसमें उद्देश्यपूर्ण चिकित्सा शिक्षा, नवाचारी जैव चिकित्सा अनुसंधान और मानव स्वास्थ्य देखभाल है। जैसाकि भारत के माननीय स्वास्थ्य मंत्री, श्री जे.पी. नड्डा ने कहा, संस्थान की उत्कृष्टता यहां के हजारों संकाय सदस्यों, नर्सिंग कार्मिकों, वैज्ञानिकों, इंजीनियरी कर्मचारियों, तकनीशियनों, स्वच्छता और स्वास्थ्य परिचरों का सामूहिक प्रयास है और इन सबके अलावा यहां छात्रों द्वारा युवा ऊर्जा का प्रतिनिधित्व किया जाता है। हमारी मूल उपलब्धियों में से कुछ उपलब्धियों को इस रिपोर्ट में उजागर करने में मुझे बहुत खुशी हो रही है।

शिक्षा

भविष्य में आने वाली चुनौतियों और अवसरों की तैयारी के लिए हम भविष्य के लिए नेतृत्व के विविध प्रकार के समुदाय का पोषण करते हुए ऐसी नींव का निरंतर निर्माण कर रहे हैं जो स्वास्थ्य के संवर्धन और मानव कष्ट उन्मूलन के लिए प्रतिबद्ध है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने अगले तीन वर्षों में शिक्षा के लिए संस्थान की मूल संरचना को उन्नत बनाने के लिए लगभग 1,500 करोड़ रुपए का आबंटन किया है।

इसके 7 केंद्रों सहित विभिन्न अध्यापन विभागों और सुविधाओं तथा 41 स्टैंड–एलोन विभागों और लगभग 10,000 से अधिक जनशक्ति सहित 650 से अधिक संकाय सदस्यों के साथ एम्स, नई दिल्ली में बड़ी संख्या में विशेषज्ञ (एमडी/एमएस), सुपर–स्पेशलिस्ट (डीएम/एमसीएच), पीएचडी अध्येता और संबंधित स्वास्थ्य और बुनियादी विज्ञान विशेषज्ञ सहित नर्स और पैरामेडिकल पेशेवर कार्मिक तैयार किए जाते हैं। वर्ष के दौरान हमने विभिन्न पाठ्यक्रमों में 798 अध्येताओं का नामांकन किया है। इसकी अल्पावधि प्रशिक्षण योजना के तहत संस्थान द्वारा 653 प्रत्याशियों, 9 दीर्घ–अवधि प्रशिक्षुओं, 3 डब्ल्यूएचओ अध्येताओं (विदेशी नागरिकों) को डब्ल्यूएचओ अध्येतावृत्ति कार्यक्रम के तहत, और 35 डब्ल्यूएचओ अध्येताओं (भारतीय नागरिकों) को डब्ल्यूएचओ स्वदेशी अध्येतावृत्ति कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। हमने अन्य एम्स के लिए और प्रवेश परीक्षा के आयोजन तथा एमबीबीएस और बीएससी (ऑनर्स) नर्सिंग पाठ्यक्रमों के छात्रों के अंतिम चयन के लिए काउंसलिंग में मुख्य भूमिका निभाना भी जारी रखा है।

नए विभागों, नामतः ओंको–एनेस्थेसिया और पैलिएटिव मेडिसिन विभाग, और रूमेटोलॉजी विभाग इस वर्ष एम्स में आरंभ किए गए। संक्रामक रोगों, बाल वृक्कविज्ञान, बाल पल्मोनोलॉजी और गहन देखभाल, व्यसन निवारण मनोचिकित्सा, उपचारार्थ नाभिकीय चिकित्सा और वेस्कुलर रेडियोलॉजी पर नए डीएम पाठ्यक्रम भी शुरू किए गए। एम्स द्वारा अपनी पाठ्यचर्या को समर्थन देने के लिए नई अधिगम प्रबंधन

प्रणाली भी आरंभ की गई। सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग में एक पूर्ण सुसज्जित, आधुनिकतम, स्नातक–पूर्व प्रायोगिक हॉल पूरी तरह प्रचालनरत हो गया है। शरीर रचना विज्ञान विभाग द्वारा सहयोगात्मक विकि फॉर्मेट में स्नातकोत्तर गोष्ठियों का आयोजन शुरू किया गया है।

अपने हीरक जयंती वर्ष में, एम्स ने राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दोनों ही स्तरों पर छात्रों की विस्तृत संख्या के लिए नवाचारी अनुदेशात्मक अवसर प्रदान करना जारी रखा है। एम्स द्वारा हजारों चिकित्सकों और स्वास्थ्य देखभाल व्यवसायिकों के लिए क्रमिक चिकित्सा शिक्षा प्रदान की गई है, ताकि उन्हें कौशलों में सुधार, ज्ञान में वृद्धि और निष्पादन बेहतर बनाने में मदद मिले। हमने 197 से अधिक कार्यशालाओं, गोष्ठियों, सम्मेलनों और प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन/मेजबानी विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के सहयोग से की। 60वें वर्ष के समारोह के भाग के रूप में, एम्स द्वारा सार्वजनिक व्याख्यानों की एक श्रृंखला का भी आयोजन किया गया, ताकि स्वास्थ्य देखभाल में एक भागीदार के तौर पर सामान्य जनता को भी सम्मिलित किया जा सके।

एम्स द्वारा हृदय रोग विज्ञान, तंत्रिका शल्य चिकित्सा, बाल शल्य चिकित्सा, विकिरण विज्ञान, स्त्री रोग और प्रसूति विज्ञान, अर्बुद विज्ञान और अस्पताल प्रबंधन में स्नातकोत्तर और चिकित्सा शिक्षा के अपने स्तर में सुधार के लिए मॉरिशस के चिकित्सा संस्थानों को सहायता दी जा रही है। इसके अलावा, एम्स अपनी टेलिमेडिसन सुविधा – अखिल अफ्रीकी ई – स्वास्थ्य नेटवर्क का उपयोग सर सीवुसागुर रामगुलाम नेशनल अस्पताल, पेम्पलमोशेस, मॉरिशस में लाइव सर्जरी के प्रदर्शन और परामर्श प्रक्रिया के कार्यान्वयन के लिए करेगा। फ्रांस स्थित एफएएम – मेडिकल अकादमी फाउंडेशन और एम्स के बीच संयुक्त गोष्ठियों और कार्यशालाओं के आयोजन पर एक आपसी समझौता किया गया है। झारखण्ड सरकार ने एम्स की तकनीकी सहायता मांगी है ताकि वह रांची में राजेंद्र चिकित्सा विज्ञान संस्थान में सरकार द्वारा संचालित एक मात्र तृतीयक अभिघात केंद्र को उन्नत बना सके।

शैक्षिक रैंकिंग

- एम्स ने इण्डिया टुडे समूह – मेडिकल कॉलेजों के लिए निल्सन सर्वश्रेष्ठ कॉलेज सर्वेक्षण में सभी मानकों में 100 अंक प्राप्त किए हैं।
- वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग केंद्र के अनुसार विश्व भर में डिग्री प्रदान करने वाले उच्चतर शिक्षा के 1,000 संस्थानों में भारत से केवल एम्स ही एक ऐसा चिकित्सा संस्थान है जो इसमें सम्मिलित है।

सेवाएं

नैदानिक

एम्स अस्पताल द्वारा बड़ी संख्या में रोगियों को लागत प्रभावी सेवाएं प्रदान करते हुए उच्च गुणवत्ता के स्तर बनाए रखे गए हैं। एम्स का मुख्य अस्पताल और इसके केंद्र–हृद वक्ष और तंत्रिका विज्ञान केंद्र (सीएन सेंटर), जय प्रकाश नारायण शीर्ष अभिघात केंद्र (जेपीएनएटीसी), डॉ. बी. आर. अंबेडकर संस्थान–रोटरी कैंसर अस्पताल (बीआरएआईआरसीएच), डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र (आरएपीसीओएस), दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र (सीडीईआर), राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र (एनडीडीटीसी) – में बिस्तरों की कुल संख्या 2365 है। वर्ष के दौरान, एम्स में लगभग 35.33 लाख बाह्य रोगियों और 2.19 लाख आंतरिक रोगियों का इलाज किया गया तथा अनुकूलतम रोगी देखभाल

सेवा मानकों पर 1.7 लाख से अधिक ऑपरेशन किए गए, जिसमें बिस्तर अधिभोग का औसत लगभग 88 प्रतिशत, अस्पताल में रहने की औसत अवधि 7.7 दिन और मृत्यु की निम्न निवल दर 1.8 प्रतिशत रही। एम्स ने भारत के अंदर और बाहर, खास तौर पर दक्षिणी और दक्षिण पूर्वी एशिया में स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करने में की गई उन्नति जारी रखी है।

वर्तमान में एम्स में स्थायी विस्तार का चरण जारी है। दो वर्ष की अवधि के भीतर एम्स की आंतरिक रोगी क्षमता दोगुनी हो जाएगी। देश के सबसे बड़े 'राष्ट्रीय कैंसर संस्थान' की स्थापना झज्जर जिले के बाढ़सा में की जा रही है। यहां 710 बिस्तरों की सुविधा होगी। इसके अतिरिक्त, मातृ और शिशु ब्लॉक, एक नये ओपीडी ब्लॉक, नये सर्जिकल ब्लॉक, और आपातकालीन तथा नैदानिक ब्लॉक का कार्य विकास के विभिन्न चरणों में है। जय प्रकाश नारायण शीर्ष अभिघात केंद्र के विस्तार के लिए 1841 बिस्तरों की अतिरिक्त क्षमता के प्रस्ताव को भी अनुमोदित कर दिया गया है। इसमें पाचन रोग केंद्र, अंतःस्रावी विज्ञान, नाक, कान एवं गला रोग, स्पाइन, अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण और गुर्दा प्रत्यारोपण केंद्र शामिल हैं।

एम्स का रूपांतरण

एम्स द्वारा रूपांतरित बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) प्रक्रिया को टाटा कंसल्टेंसी सर्विसिस की सहायता से प्रारंभ किया गया है। इस नई एपॉइंटमेंट प्रणाली के साथ 100 नए ओपीडी पंजीकरण काउंटर पर प्रतिदिन 3000 से अधिक एपॉइंटमेंट की बुकिंग क्षमता उपलब्ध कराई गई है, जिससे एपॉइंटमेंट की प्रक्रिया में एक मिनट से कम का समय लगता है। ओपीडी रोगियों के लिए कुल प्रतीक्षा हॉल संख्या 4050 रोगियों तक बढ़ाई गई थी। इसके अलावा, एम्स ने अपनी ऑनलाइन एपॉइंटमेंट की प्रणाली 21 विभागों तक विस्तारित की है।

एम्स द्वारा रोगियों और आगंतुकों में संक्रमण का जोखिम घटाने के एक प्रयास में संक्रमण नियंत्रण के लिए आवश्यकतानुसार अनुकूल प्रक्रिया कार्यान्वित की गई है। बाल रोग विज्ञान विभाग के नवजात शिशु प्रभाग द्वारा एम्स में गुणवत्ता सुधार का प्रयास आरंभ किया गया है। इसके अलावा, डब्ल्यूएचओ इण्डिया के सहयोग से नवजात शिशु की देखभाल की गुणवत्ता में सुधार के लिए नर्सिंग मास्टर प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण दिया जाता है। प्रभाग द्वारा भूटान में राष्ट्रीय गुणवत्ता सुधार का प्रयास भी आरंभ किया गया है।

एम्स द्वारा रोगी को ज्यादा अनुकूल तरीके से सहायता देने की प्रक्रिया का निर्माण करने के लिए अनेक कदम उठाए गए हैं। एम्स में देश का प्रथम किफायती दवाइयों तथा उपचार के लिए विश्वसनीय आरोपण (अमृत) कार्यक्रम प्रारंभ किया गया है। इसमें कैंसर और हृदय रोगों के इलाज के लिए दवाओं तथा इम्प्लांट्स को इस कार्यक्रम के तहत बहुत अधिक रियायती दरों (50–90 प्रतिशत) पर बेचा जाएगा। एम्स द्वारा सशस्त्र सीमा बल आफिसर्स वाइव्ज एसोसिएशन के सहयोग से 570 बाहरी रोगियों को समायोजित करने के लिए अपनी रात्रि निवास सुविधाओं में वृद्धि की गई है। राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुसार एम्स ने अपने सभी फॉर्म, ओपीडी कार्ड, कागजात, मुहर और अन्य संबंधित सरकारी लेखन सामग्री को उन रोगियों की आसानी के लिए द्विभाषी हिंदी और अंग्रेजी के रूप में बदलना शुरू किया है, जो अंग्रेजी नहीं पढ़ सकते हैं। संस्थान ने

दिल्ली पुलिस के सहयोग से अंग परिवहन को आसान बनाने के लिए एक ग्रीन कॉरिडोर सफलतापूर्वक बनाया है।

जनस्वास्थ्य

एम्स संकाय से कई बार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय निकायों द्वारा स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली में सुधार लाने के लिए सार्वजनिक नीतियों के विकास हेतु परामर्श लिया जाता है।

वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा

भारत में सूक्ष्मजैव रोधी प्रतिरोधकता का बढ़ना एक गंभीर स्वास्थ्य विषय है और इसे सितंबर 2015 में अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ माननीय प्रधानमंत्री की बैठक में उठाया गया था। अमेरिका सरकार की शासकीय वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा की कार्यसूची (जीएचएसए) जिसमें इबोला की महामारी के बाद नए और बार–बार होने वाले संक्रमणों के फैलाव की जानकारी दी गई है, इसमें भारत में सूक्ष्मजैव प्रतिरोधकता और इससे बेहतर तरीके से निपटने हेतु योजना बनाने के लिए 8 मिलियन डॉलर की राशि आबंटित की गई है। इस परियोजना का संयुक्त निष्पादन भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएमआर), एम्स और अमेरिका के सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एण्ड प्रीवेंशन के भारतीय कार्यालय द्वारा किया जाएगा। यह कार्य 6 बड़े अस्पतालों में निगरानी संबंधी गतिविधियों के लिए प्रशिक्षित जनशक्ति तैयार करने के साथ शुरू किया जाएगा। ये केंद्र अस्पतालों के अगले सेट को प्रशिक्षण देंगे, ताकि प्रत्येक राज्य में वर्ष 2020 तक कम से कम एक नोडल सुविधा बनाई जा सके। आईसीएमआर एम्स और नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल के साथ मिलकर एच1एन1 वायरस के नियंत्रण हेतु सहयोग करेगा।

समुदायिक चिकित्सा केंद्र में विश्व स्वास्थ्य संगठन का गैर–संचारी रोगों के लिए क्षमता विकास और अनुसंधान हेतु सहयोगी केंद्र है। इस केंद्र द्वारा कैंसर, डायबिटीज़, ह्दय रोग सहित आघात की रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम; राष्ट्रीय आयोडीन न्यूनता विकार नियंत्रण कार्यक्रम; और राष्ट्रीय एचआईवी/एड्स निगरानी में तकनीकी सूचनाएं प्रदान की गई। दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र, एम्स को राष्ट्रीय मौखिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र और देश में मौखिक स्वास्थ्य संवर्धन के लिए यह डब्ल्यूएचओ का सहयोगी केंद्र घोषित किया गया है। कायचिकित्सा विभाग को तपेदिक में अनुसंधान और प्रशिक्षण के डब्ल्यूएचओ सहयोगी केंद्र के रूप में निर्दिष्ट किया गया। जरा चिकित्सा विभाग ने डब्ल्यूएचओ और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ''*बी हेल्दी*, बी मोबाइल'' परियोजना के समर्थन से वृद्ध लोगों के उपचार में मोबाइल टेलीफोनी की एप्लीकेशन पर एक परियोजना (एम. ऐजिंग परियोजना) प्रारंभ की है। भेषजगुण विज्ञान विभाग ने अनिवार्य औषधियों की राष्ट्रीय सूची में संशोधन करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। रूधिर विज्ञान विभाग द्वारा राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम को राष्ट्रीय थैलिसेमिया नियंत्रण कार्यक्रम के साथ जोड़ने में योगदान दिया गया। राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र ने पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इण्डिया के सहयोग से राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन के समर्थन सहित ऑनलाइन ओपिओइड प्रतिस्थापना उपचार दूरस्थ अधिगम कार्यक्रम का विकास किया है, जो सेवा प्रदाताओं की क्षमता निर्मित करेगा। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने एम्स और सफदरजंग अस्पताल के विशेषज्ञों का एक दल नेपाल में आए भूकंप में सहायता के लिए भेजा।

अनुसंधान

रोग को बेहतर रूप से समझने, इसका इलाज करने और रोकथाम के सर्वोत्तम प्रयासों को हमारे विशेष जैव चिकित्सा अनुसंधान उद्यम द्वारा समर्थन दिया जाता है और इन्हें बढ़ाया जाता है। वर्ष 2015–16 में, एम्स के अनुसंधान समुदाय द्वारा अध्येतावृत्ति में इसके नवाचार और प्रकाशन के नेतृत्व के माध्यम से उल्लेखनीय योगदान दिया गया। यहां 610 से अधिक निधिकृत अनुसंधान परियोजनाओं का आयोजन किया गया और संस्थान को आधुनिकतम क्षेत्रों में 72 करोड़ रुपए से अधिक की बाह्य अनुसंधान राशि अनुदान के रूप में प्राप्त हुई। वर्ष के दौरान संस्थान के संकाय और वैज्ञानिकों ने 109 अनुसंधान परियोजनाएं आरंभ की तथा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में 2100 से अधिक अनुसंधान पत्र प्रकाशित किए गए तथा 450 से अधिक मोनोग्राफ, पुस्तकों में अध्यायों, और पुस्तकों का प्रकाशन किया गया। एम्स में खोज और अधिगम के उद्यम की अनिवार्यता के रूप में हमारे अनुसंधान प्रकोष्ठ द्वारा वैज्ञानिकों और अनुसंधानकर्ताओं की अगली पीढ़ी को शिक्षा देने के लिए प्रभावी नई विधियों के विकास का निरंतर अभियान जारी है। इसके अलावा 141 नई अनुसंधान परियोजनाओं को लेने के लिए प्रतिभाशाली युवा संकाय सदस्यों को 5.04 करोड़ रुपए का आंतरिक अनुदान संवितरित किया गया।

ऑस्ट्रेलिया और भारत के जन स्वास्थ्य विशेषज्ञ गैर–संचारी, जीवन शैली से संबंधित बीमारियों के बारे में नए अनुसंधान पर सहयोग करेंगे जो विकासशील दुनिया में मृत्यु का बढ़ता कारण बन गए हैं, जैसे कि मधुमेह, हृदय रोग, स्ट्रोक और कैंसर। यूनिवर्सिटी ऑफ मेलबोर्न द्वारा गैर संचारी रोग अनुसंधान में अगले तीन वर्षों तक एनकोर – एक्सीलेंस का निधिकरण किया जाएगा। ग्लोबल एलाइंस फॉर क्रोनिक डिजीज और आईसीएमआर के तत्वावधान में जॉर्ज इंस्टीट्यूट फॉर ग्लोबल हेल्थ ऑफ ऑस्ट्रेलिया तथा एम्स द्वारा बंगलादेश, श्रीलंका और भारत में गर्भवती महिलाओं में प्रकार 2 मधुमेह की शुरूआत को टालने पर लक्षित जीवन शैली के संशोधन पर एक अनुसंधान परियोजना में सहयोग किया जा रहा है। मोनाश यूनिवर्सिटी ऑफ मेलबोर्न के सहयोग से एम्स द्वारा दीर्घ अवधि ऑस्ट्रेलिया – भारत ट्रॉमा प्रणाली सहयोग परियोजना का भी आयोजन किया गया है जिससे राष्ट्रीय ट्रॉमा रजिस्ट्री की स्थापना में मदद मिलेगी।

एम्स ने बैंगलोर में स्थित स्वामी विवेकानंद योग और अनुसंधान संस्थान (एस–व्यास) के साथ एक समेकित स्वास्थ्य देखभाल केंद्र की स्थापना के लिए एक समझौता किया है। एम्स का समेकित स्वास्थ्य देखभाल केंद्र योग, हृदय रोग विज्ञान, शरीर क्रिया विज्ञान, कैंसर उपचार, जराचिकित्सा, दंत शिक्षा और संक्रामक रोगों के क्षेत्रों में अनुसंधान, नीति परिप्रेक्ष्य का विकास तथा नैदानिक उपचार प्रदान करेगा।

एम्स श्वसन और हृदय रोग परिस्थितियों तथा हवा की गुणवत्ता के बीच संबंध के अध्ययन के लिए आईसीएमआर द्वारा निधिकृत एक तीन–केंद्र वाली पहल का नेतृत्व करने के लिए तैयार है। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र, एम्स द्वारा क्षेत्रीय नेत्र रोग संस्थान, गुवाहाटी, भारतीय जन स्वास्थ्य संस्थान, हैदराबाद और राष्ट्रीय भौतिकी प्रयोगशाला, दिल्ली के सहयोग से आंखों के स्वास्थ्य पर पर्यावरण और अंदरूनी धुंए के प्रभाव की जांच की जा रही है।

दिल्ली के महिला और बाल विकास विभाग द्वारा एम्स के सहयोग से सड़क पर रहने वाले बच्चों में नशीली दवाओं और मादक पदार्थों के नमूनों पर एक व्यापक अध्ययन किया जाएगा। इस अध्ययन से उन मुद्दों को पहचानने में मदद मिलेगी जैसे इलाज का अंतराल और जोखिम कारक, जिससे इस आबादी में विभिन्न रोगों की रोकथाम और इलाज के लिए उपचार के विकास में मार्गदर्शन पाने में मदद मिलेगी।

जनता के निहितार्थों के साथ कुछ अध्ययन

एंटीबायोटिक प्रतिरोधकता

चार चिकित्सा केंद्रों–एम्स (नई दिल्ली), जवाहर लाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान (पुडुचेरी), स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान (चण्डीगढ़) और क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज (वेल्लोर) में आईसीएमआर द्वारा एक अध्ययन आयोजित किया गया जिसमें प्रदर्शित किया गया कि एंटीबायोटिक के अंधाधुंध उपयोग से लगभग 50 प्रतिशत लोगों में एंटीबायोटिक की प्रतिरोधकता का विकास हो गया है।

चिरकालिक गैर संचारी विकारों के लिए योग

एम्स के संपूर्ण स्वास्थ्य क्लिनिक में किए गए अनेक अध्ययनों में दर्शाया गया है कि हाइपरटेंशन, कोरोनरी धमनी रोग और डायबिटीज़ मेलिटस पर योग के सकारात्मक प्रभाव होते हैं। योग, वजन में कमी और सिस्टोलिक रक्तचाप, हृदय रोगों के जोखिम कारकों के संशोधन और प्रदाहक एवं एंडोथेलियल कार्यों के मार्करों जैसे नैदानिक परिणामों में प्रभावी था।

प्रदूषण के स्वास्थ्य जोखिम

एम्स के रूमेटोलॉजी विभाग और भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित जलवायु परिवर्तन पर संचालित एक परियोजना में दर्शाया गया कि वायु प्रदूषण रूमेटोइड अर्थराइटिस के लक्षणों में वृद्धि करता है। एम्स के नेत्र रोग वैज्ञानिकों द्वारा किए गए एक अन्य अध्ययन में दर्शाया गया कि पर्यावरणीय प्रदूषण से आंखों में सूखापन और एलर्जी होती है।

पंजाब में मादक पदार्थों का उपयोग

पंजाब में राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र, एम्स और दिल्ली में स्थित गैर लाभकारी संगठन, सोसायटी फॉर प्रमोशन ऑफ यूथ एण्ड मासिस द्वारा किए गए एक सर्वेक्षण में ओपिओइड पर निर्भरता की व्यापकता दर 0.84 प्रतिशत पायी गयी। ओपिओइड निर्भरता के लिए 50 प्रतिशत से अधिक के उपचार अंतराल की उपस्थिति से सेवाओं के विस्तार की जरूरत का सुझाव प्राप्त हुआ।

अन्य विकास

एम्स ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के कायाकल्प प्रयास के तहत स्वच्छता को प्रोत्साहन देने के अपने प्रयासों के लिए द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया। एम्स द्वारा लगभग 138 एकड़ के अपने परिसर को देश में सबसे स्वच्छ और सबसे अधिक स्वास्थ्यप्रद रूप से रखे गए चिकित्सा प्रतिष्ठान के रूप में बदलने

का प्रयास किया गया है। एम्स जापान के न्यू एनर्जी एण्ड इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी डेवलेपमेंट ऑर्गनाइजेशन के समर्थन से बेहतरीन ऊर्जा बचत निष्पादन हेतु एक डाटा सेंटर बनाने के लिए कार्यरत है।

'म्युजियम गोज़ टू द हॉस्पिटल'' पहल के तहत राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली द्वारा बाल रोग विज्ञान विभाग के अंतरंग रोगी क्षेत्रों को एक जीवंत कला गैलरी में बदला गया, जहां उत्कृष्ट कलाकारों के लगभग 100 चित्रों का बहुमूल्य संग्रह प्रदर्शित किया गया है।

स्टाफ क्वार्टरों का पुनः विकास

नेशनल बिल्डिंग्स कन्सट्रक्शन कॉर्पोरेशन द्वारा एम्स के पश्चिमी परिसर और आयुर्विज्ञान नगर को एक परियोजना के तहत पुनः विकसित किया जाएगा जिसमें लगभग 4000 फ्लैटों का निर्माण सम्मिलित है।

एम्स को आयकर आथॉरिटी द्वारा राष्ट्रीय महत्व के संस्थान के रूप में अधिसूचित किया गया है। अब एम्स को किए गए दान पर कर योग्य आय से दान की गई राशि पर आयकर की कटौती 100 प्रतिशत और यदि दान अनुसंधान प्रयोजन के लिए किया गया है तो आयकर की कटौती 175 प्रतिशत की जाएगी।

सम्मान

हमारे समुदाय के अनेक विशिष्ट सदस्यों को एम्स में बहुत सी उपलब्धियां प्राप्त हुई हैं। प्रो. एम. वी. पद्मा श्रीवास्तव प्रतिष्ठित पद्मश्री पाने के लिए सबसे योग्य थी जोकि चौथा उच्चतम नागरिक सम्मान है जो कायचिकित्सा के क्षेत्र में योगदान के लिए दिया जाता है। प्रो. एन. आर. जगन्नाथन ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार की प्रतिष्ठित जे. सी. बोस राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति प्राप्त की। मैं ऐसे विशिष्ट सहकर्मियों के साथ काम करते हुए गौरव का अनुभव करता हूं।

एम्स ने भारत के लोगों को गुणवत्ता शिक्षा, लागत प्रभावी सेवा प्रावधान और नवाचारी जैव चिकित्सा अनुसंधान के माध्यम से बेहतरीन स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करने के लिए अपने प्रयास में सरकार की सहायता के अधिदेश को पूरा करने के वास्तविक प्रयास किए हैं। इस महान संस्थान में सेवा प्रदान करना तथा कई ऊर्जावान व्यक्तियों के साथ कार्य करना, एक दुर्लभ सौभाग्य है। मैं एम्स के प्रत्येक उस व्यक्ति के प्रति अपना हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं जिनकी प्रतिबद्धता ने इसे एक अद्वितीय संस्थान बनाया है।

एम. सी. मिश्र
निदेशक

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

संस्थान निकाय
1.04.2015 से 31.3.2016 तक प्रभावी

1.	श्री जगत प्रकाश नड्डा केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री निर्माण भवन, नई दिल्ली 110011	अध्यक्ष
2.	श्री रमेश बिधूड़ी, सांसद (लोकसभा) म. नं. 179 संपत हाउस, तुगलकाबाद गांव, नई दिल्ली 110044	सदस्य
3.	श्री पवेश साहिब सिंह वर्मा, सांसद (लोकसभा) 1/14 बी, शांति निकेतन, नई दिल्ली	सदस्य
4.	प्रोफेसर राम गोपाल यादव, सांसद (राज्य सभा) 8–ए, लोधी स्टेट, नई दिल्ली – 110003.	सदस्य 29.4.2015 से
5.	श्री विनय शील ओबेरॉय सचिव, भारत सरकार उच्च शिक्षा विभाग मानव संसाधन विकास मंत्रालय शास्त्री भवन, नई दिल्ली 110001	सदस्य 16.7.2015 से
6.	डॉ. एम. के. भान पूर्व सचिव, भारत सरकार जैव प्रौद्योगिकी विभाग नई दिल्ली 110003	सदस्य 16.7.2015 से
7.	श्री भानु प्रताप शर्मा सचिव (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण) भारत सरकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय निर्माण भवन, नई दिल्ली	सदस्य

8.	प्रोफेसर योगेश कुमार त्यागी कुलपति, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली 110007	सदस्य (पदेन) 16.7.2015 से
9.	डॉ. जगदीश प्रसाद महानिदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं भारत सरकार निर्माण भवन, नई दिल्ली 110011	सदस्य (पदेन)
10.	डॉ. डी. एस. राणा अध्यक्ष, प्रबंधन बोर्ड सर गंगा राम हॉस्पिटल, नई दिल्ली	सदस्य 16.7.2015 से
11.	डॉ. (श्रीमती) विजय लक्ष्मी सक्सेना पूर्व महासचिव इंडियन साइंस कांग्रेस एसोसिएशन (आईएससीए) कोलकाता, पश्चिम बंगाल, प्रतिनिधित्व आईएससीए	सदस्य 16.7.2015 से
12.	प्रोफेसर (डॉ.) राज बहादुर कुलपति, बाबा फरीद विश्वविद्यालय, पंजाब	सदस्य 16.7.2015 से
	डॉ. महेश बी. पटेल आचार्य, विकृति विज्ञान बी. जे. मेडिकल कॉलेज अहमदाबाद, गुजरात	सदस्य 12.2.2016 से
13.	प्रोफेसर योगेश चावला निदेशक, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़	सदस्य 16.7.2015 से
	डॉ. डी. जी. महेसकर कुलपति, महाराष्ट्र यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंस डिडोंरी रोड, महसरूल, नासिक 422004	सदस्य 12.2.2016 से
14.	डॉ. शिव सरीन निदेशक, आईएलबीएस, वसंत कुंज, नई दिल्ली	सदस्य 16.7.2015 से 11.3.2016 तक
15.	डॉ. एन. गोपालकृष्णन आचार्य, (वृक्क विज्ञान) मद्रास मेडिकल कॉलेज, चेन्नई	सदस्य 16.7.2015 से

16. श्रीमती विजया श्रीवास्तव — सदस्य
अपर सचिव एवं वित्त सलाहकार,
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय
निर्माण भवन, नई दिल्ली

17. प्रोफेसर एम. सी. मिश्र — सदस्य सचिव
निदेशक
अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

18. श्री अली रज़ा रिज़वी — विशेष आमंत्रित
संयुक्त सचिव
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय
निर्माण भवन, नई दिल्ली

19. प्रोफेसर बलराम ऐरन — विशेष आमंत्रित
संकायाध्यक्ष
अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

20. डॉ. डी. के. शर्मा, — विशेष आमंत्रित
चिकित्सा अधीक्षक
अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

3. शैक्षिक अनुभाग

संकायाध्यक्ष
बलराम ऐरन

उप–संकायाध्यक्ष

विरेन्द्र कुमार बंसल

कुल सचिव
संजीव लालवानी

शैक्षिक अनुभाग नीतियां, योजनाएं विकसित करता है तथा शैक्षिक गतिविधियां कार्यान्वित करता है। इन गतिविधियों में चिकित्सा, नर्सिंग, तथा परा–चिकित्सा पाठ्यक्रमों हेतु स्नातक–पूर्व, स्नातकोत्तर तथा डॉक्टरल कार्यक्रमों को सम्मिलित किया गया है। इन गतिविधियों का संचालन स्नातक–पूर्व, स्नातकोत्तर एवं परा–चिकित्सा प्रकोष्ठों द्वारा किया जाता है।

स्नातक–पूर्व शिक्षा
इस अनुभाग द्वारा नए छात्रों के लिए प्रवेश के उपरांत की औपचारिकताओं, पाठ्यक्रम विकसित करने एवं संशोधित करने तथा विभिन्न पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए स्नातक–पूर्व छात्रों के आंतरिक मूल्यांकन सहित शैक्षिक कार्यक्रमों का प्रबंध किया जाता है। इन पाठ्यक्रमों में शामिल हैं एम.बी.बी.एस., बी.एस–सी. (ऑनर्स) रेडियोग्राफी तथा नेत्र विज्ञान में चिकित्सा प्रौद्योगिकी तकनीक, बी.एस–सी. नर्सिंग (पोस्ट सर्टिफिकेट) तथा बी.एस–सी. (ऑनर्स) नर्सिंग पाठ्यक्रम।

आयुर्विज्ञान एवं शल्य चिकित्सा स्नातक (एम.बी.बी.एस.)

एम.बी.बी.एस. में शिक्षा के पैटर्न की समीक्षा की गई तथा जुलाई 2004 से इसकी पुनर्संरचना की गई। एम.बी.बी.एस. पाठ्यक्रम की अवधि साढ़े पांच वर्ष की है जिसमें 3 चरण और इंटर्नशिप सम्मिलित है।

चरण	अवधि (वर्षों में)	प्रशिक्षण
प्रथम	एक वर्ष	पूर्व – नैदानिक
द्वितीय	डेढ़ वर्ष	परा – नैदानिक
तृतीय	दो वर्ष	नैदानिक
इंटर्नशिप	एक वर्ष	विभिन्न विभागों में अनिवार्य रूप से रोटेशन

वर्तमान में एम.बी.बी.एस. पाठ्यक्रम में, प्रति वर्ष 72 भारतीय छात्रों (37 सामान्य, 11 अनु. जाति, 5 अनु. जनजाति एवं 19 अ. पि. वर्ग) को दाखिला दिया जाता है। ये चयन अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा में योग्यता के आधार पर किए गए थे। निःशक्त हड्डी रोग (ओपीएच) के लिए प्रत्याशियों के 3 प्रतिशत का आरक्षण क्षैतिज आधार पर प्रदान किया गया। इन 72 सीटों के लिए, 2,08,012 आवेदन प्राप्त हुए थे और 1,91,000 प्रत्याशियों ने 29 मई 2015 को आयोजित प्रवेश परीक्षा में भाग लिया है। 31 मार्च 2016 के अनुसार 74 इंटर्न सहित एमबीबीएस नामांकन में छात्रों की संख्या 365 थी।

इसमें विदेश मंत्रालय, भारत सरकार की सिफारिशों के आधार पर 5 विदेशी नागरिकों के नामांकन के लिए प्रावधान है। हालांकि, इस वर्ष (2015–16) में प्रवेश के लिए किसी विदेशी नागरिक की सिफारिश नहीं की गई थी।

इस वर्ष में, व्यावसायिक परीक्षाओं के प्रथम, द्वितीय तथा अंतिम चरण में प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले 9 योग्य एम.बी.बी.एस. छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

परा – चिकित्सा तथा नर्सिंग शिक्षा

वर्ष 2015–16 में, बी.एस–सी. (ऑनर्स) नर्सिंग पाठ्यक्रम में 77 छात्रों (39 सामान्य, 11 अनु. जाति, 6 अनु. जनजाति एवं 21 अ. पि. वर्ग) को प्रवेश दिया गया। बी.एस–सी नर्सिंग (पोस्ट सर्टिफिकेट) पाठ्यक्रम में 23 छात्रों (13 सामान्य, 3 अनु. जाति, 2 अनु. जनजाति एवं 5 अ. पि. वर्ग) को प्रवेश दिया गया।

नेत्र रोग विज्ञान तकनीक में 19 छात्रों (10 सामान्य, 3 अनु. जाति, 1 अनु. जनजाति तथा 5 अ. पि. वर्ग) तथा बी. एस–सी. (ऑनर्स) रेडियोग्राफी चिकित्सा प्रौद्योगिकी में 9 छात्रों (5 सामान्य, 1 अनु. जाति, 1 अनु. जनजाति तथा 2 अ. पि. वर्ग) को प्रवेश दिया गया। दिनांक 31 मार्च 2016 तक इन पाठ्यक्रमों में पंजी पर रखे गए छात्रों की संख्या निम्नलिखित थी :

पाठ्यक्रम	छात्रों की संख्या
नर्सिंग	
बी.एस–सी. नर्सिंग (पोस्ट सर्टिफिकेट)	44
बी.एस–सी (ऑनर्स) नर्सिंग	308
परा – चिकित्सा	
बी.एस–सी. (ऑनर्स) नेत्र विज्ञान तकनीक	59
बी.एस–सी. (ऑनर्स) रेडियोग्राफी में चिकित्सा प्रौद्योगिकी	28

स्नातकोत्तर शिक्षा

शैक्षिक अनुभाग द्वारा जूनियर तथा सीनियर रेजीडेंटों सहित स्नातकोत्तर छात्रों के प्रवेश तथा प्रशिक्षण संबंधी सभी गतिविधियों का संचालन किया जाता है। इस अनुभाग द्वारा विभिन्न विषयों में पी–एच.डी., डी. एम., एम.सी–एच, एम. डी., एम. एस., एम. डी. एस., एम. एच. ए., एम. बायोटेक्नोलॉजी (एम. बायोटेक) तथा एम. एस–सी पाठ्यक्रमों से संबंधित सभी गतिविधियों का संचालन किया जाता है।

भारतीय नागरिकों तथा प्रायोजित उम्मीदवारों को सभी स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश एक अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा के द्वारा दिया जाता है जो कि एम.एस–सी तथा एम. बायोटेक्नोलॉजी पाठ्यक्रमों के अलावा वर्ष में दो बार आयोजित की जाती है, जिसमें प्रवेश के लिए वर्ष में एक बार प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाती है। प्रायोजित श्रेणी के तहत, विदेशी नागरिकों को समान प्रवेश परीक्षा के माध्यम से प्रवेश दिया जाता है। वर्ष 2015–16 के दौरान विभिन्न पाठ्यक्रमों में 598 छात्रों को प्रवेश दिया गया। 31 मार्च 2016 तक पंजी पर स्नातकोत्तर तथा डॉक्टरल छात्रों की कुल संख्या 1525 थी।

वर्ष 2015–2016 में विभिन्न पाठ्यक्रमों में दाखिले

क्रम संख्या	पाठ्यक्रम का नाम	जुलाई 2015	जनवरी 2016	कुल
1	एम.एस–सी. / एम. बायोटेक / एम. एस–सी. नर्सिंग (अगस्त)	73	–	73
2	एमडी / एमएस / एमडीएस / एमएचए	180	156	336
3	डीएम / एमसीएच	38	87	125
4	पी.एच – डी	36	28	64

	कुल	**327**	**271**	**598**

दाखिले वर्ष में एक बार किए जाते हैं।

31 मार्च 2016 तक पंजी पर स्नातकोत्तर छात्र

क्र. सं.	पाठ्यक्रम का नाम	पंजीकृत छात्रों की संख्या
1	पी एच–डी	411
2	डीएम	194
3	एम–सीएच	122
4	अध्येता कार्यक्रम	1
5	एमडी / एमएचए	527
5	एमएस	83
6	एमडीएस	41
7	एम–एससी / एम. बायोटेक / एम–एससी. नर्सिंग	146
	कुल	**1525**

31 मार्च 2016 तक पंजी पर पीएच.डी. छात्रों का विषय–वार विवरण :–

क्र. सं.	विषय	सामान्य	प्रायोजित
1	संवेदनाहरण विज्ञान (डॉ. बीआरए आईआरसीएच)	5	0
2	संवेदनाहरण विज्ञान और गहन देखभाल (जेपीएनएटीसी)	1	0
3	शरीर रचना विज्ञान	32	0
4	जैव रसायन	29	0
5	जैव भौतिकी	34	0
6	जैव सांख्यिकी	5	0
7	जैव प्रौद्योगिकी	6	0
8	ब्लड बैंक	0	1
9	हृद् संवेदनाहरण विज्ञान	1	2
10	सामुदायिक चिकित्सा केंद्र	1	0
11	हृद् जैव रसायन	2	0
12	नैदानिक तंत्रिका मनोविज्ञान एनएस केंद्र	2	0
13	हृद् वक्ष केंद्र (स्टेम कोशिका)	2	0
14	नर्सिंग महाविद्यालय	2	0
15	हृद् विकिरण विज्ञान	1	0
16	हृद् वक्ष एवं वाहिका शल्य चिकित्सा	2	0
17	सामुदायिक नेत्र विज्ञान (डॉ. रा. प्र. केंद्र)	2	1
18	दंत शल्य चिकित्सा	1	0
19	त्वचा एवं रतिजरोग विज्ञान	4	0
20	आपात चिकित्सा	2	0
21	अंतःस्राविकी एवं चयापचय	7	0
22	न्याय चिकित्सा	4	0

23	जठरांत्र रोग विज्ञान एवं मानव पोषण एकक	7	0
24	जरा चिकित्सा	3	0
25	रुधिर विज्ञान	5	0
26	प्रयोगशाला चिकित्सा	15	0
27	प्रयोग अर्बुद विज्ञान	2	0
28	चिकित्सा अर्बुद विज्ञान (डॉ. बीआरए आईआरसीएच)	7	0
29	चिकित्सा भौतिक विज्ञान (डॉ. बीआरए आईआरसीएच)	3	0
30	काय चिकित्सा	3	0
31	सूक्ष्म जैव विज्ञान	28	2
32	तंत्रिका जैव रसायन	2	0
33	तंत्रिका मनोविज्ञान (तंत्रिका विज्ञान)	3	0
34	तंत्रिका विज्ञान	23	0
35	तंत्रिका शल्य चिकित्सा	6	1
36	नाभिकीय चुंबकीय अनुनाद	12	0
37	नाभिकीय चिकित्सा	5	0
38	न्यूरो – रेडियोलॉजी	1	0
39	प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान	0	1
40	नेत्र जैव रसायन (डॉ. रा. प्र. केंद्र)	4	0
41	नेत्र सूक्ष्मजैव विज्ञान (डॉ. रा. प्र. केंद्र)	1	0
42	नेत्र विकृति विज्ञान (डॉ. रा. प्र. केंद्र)	1	0
43	नेत्र भेषजगुण विज्ञान (डॉ. रा. प्र. केंद्र)	4	0
44	नेत्र विज्ञान (डॉ. रा. प्र. केंद्र)	3	0
45	बाल चिकित्सा	7	0
46	बाल चिकित्सा (नैदानिक / जनसांख्यिकी)	0	2
47	बाल चिकित्सा (अनुवांशिकी / बुनियादी विज्ञान)	9	1
48	विकृति विज्ञान	7	0
49	भेषजगुण विज्ञान	14	0
50	शरीर क्रिया विज्ञान	36	0
51	मनोचिकित्सा (व्यसन मनोविज्ञान)	1	0
52	मनोचिकित्सा (नैदानिक मनोविज्ञान)	8	0
53	मनोचिकित्सा (व्यसन मनोविज्ञान)	2	0
54	मनोचिकित्सा (क्लिनिकल मनोरोग)	1	0
55	पल्मोनरी चिकित्सा और निद्रा विकार	5	1
56	विकिरण अर्बुद विज्ञान (डॉ. बी.आर.अ. आई.आर.सी.एच.)	2	0
57	प्रजनन जैव विज्ञान	5	0
58	विकिरण अर्बुद विज्ञान	0	4
59	शल्य चिकित्सा	5	3
60	आघात शल्य चिकित्सा	0	1
61	प्रतिरोपण प्रतिरक्षा विज्ञान एवं प्रतिरक्षा आनुवांशिकी	6	0
	कुल	**391**	**20**

31 मार्च 2016 तक पंजी पर डी. एम. छात्रों का विषय–वार विवरण :–

क्र. सं.	विषय	सामान्य	प्रायोजित
1	हृद् संवेदनाहरण विज्ञान	8	2
2	हृद् विज्ञान	18	3
3	नैदानिक रुधिर विज्ञान	7	3
4	अंतःस्त्राविकी	8	3
5	जठरांत्र रोग विज्ञान	10	3
6	रुधिर विकृति विज्ञान	5	3
7	चिकित्सा अर्बुद विज्ञान	14	2
8	नवजात विज्ञान	4	3
9	वृक्क विज्ञान	8	5
10	तंत्रिका – संवेदनाहरण विज्ञान	10	3
11	तंत्रिका विज्ञान	20	1
12	तंत्रिका विकिरण विज्ञान	3	3
13	बाल तंत्रिका विज्ञान	6	3
14	नैदानिक भेषजगुण विज्ञान	3	0
15	फुफ्फुसीय चिकित्सा एवं निद्रा विकार	12	3
16	ओंको – एनेस्थेसिया, डॉ. बी.आर.अ. आई.आर.सी.एच.	3	0
17	गंभीर देखभाल चिकित्सा	4	1
18	संक्रामक रोग	3	0
19	चिकित्सीय औषधि	0	0
20	कार्डियक रेडियोलॉजी	1	0
21	व्यसन मनोरोग (एनडीडीटीसी)	2	0
22	बाल पल्मोनोलॉजी और गहन देखभाल	1	1
23	बाल नेफ्रोलॉजी	1	0
	कुल	**151**	**42**

31 मार्च 2016 तक पंजी पर एम.सी–एच छात्रों का विषय–वार विवरण :–

क्र. सं.	विषय	सामान्य	प्रायोजित
1	हृद् वक्ष एवं वाहिका शल्य चिकित्सा	12	1
2	तंत्रिका शल्य चिकित्सा	16	3
3	जठरांत्र शल्य चिकित्सा एवं वृक्क प्रतिरोपण	12	3
4	बाल शल्य चिकित्सा	5	3
5	मूत्र रोग विज्ञान	8	3
6	शल्यक अर्बुद विज्ञान	8	2
	कुल	**61**	**15**

31 मार्च 2016 तक पंजी पर विषय–वार अध्येतावृत्ति पाने वाले छात्रों विवरण :–

क्र. सं.	विषय	सामान्य	प्रायोजित
1	मातृ भ्रूण चिकित्सा (एमएफएम), प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान विभाग	1	0

31 मार्च 2016 तक पंजी पर एमसीएच (6 वर्ष पाठ्यक्रम) का छात्रों का विषय–वार विवरण :–

क्र. सं.	विषय	सामान्य	प्रायोजित
1	न्यूरोसर्जरी	11	0
2	बाल शल्य चिकित्सा	6	0
	कुल	**17**	**0**

31 मार्च 2016 तक पंजी पर डी. एम. (6 वर्षीय पाठ्यक्रम) के छात्रों का विषय–वार विवरण :–

क्र. सं.	विषय	सामान्य	प्रायोजित
1	संक्रामक रोग	1	0
	कुल	1	0

31 मार्च 2016 तक पंजी पर एम. डी. / एम. एस. / एम. डी. एस. छात्रों का विषय–वार विवरण :–

क्र. सं.	विषय	सामान्य	प्रायोजित
एमडी छात्र			
1	संवेदनाहरण विज्ञान	35	3
2	शरीर रचना विज्ञान	16	0
3	जैव रसायन	10	0
4	जैव भौतिकी	10	0
5	सामुदायिक चिकित्सा	15	1
6	त्वचा एवं रतिज रोग विज्ञान	14	3
7	न्याय चिकित्सा	8	0
8	अस्पताल प्रशासन	8	4
9	प्रयोगशाला चिकित्सा	8	0
10	काय चिकित्सा	52	2
11	सूक्ष्म जैव विज्ञान	12	0
12	नाभिकीय चिकित्सा	10	3
13	प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान	35	3
14	नेत्र विज्ञान	103	4
15	बाल चिकित्सा	25	3
16	विकृति विज्ञान	17	3

17	भेषजगुण विज्ञान	10	1
18	भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास	8	1
19	शरीर क्रिया विज्ञान	10	0
20	मनोचिकित्सा विज्ञान	27	3
21	विकिरण निदान	24	0
22	विकिरण चिकित्सा	9	2
23	जरा चिकित्सा	11	3
24	आपात चिकित्सा	8	3
25	प्रशामक चिकित्सा	0	0
	कुल	**485**	**42**
एम.एस.			
26	अस्थि रोग विज्ञान	16	4
27	कान, नाक एवं गला रोग विज्ञान (ईएनटी)	15	3
28	शल्य चिकित्सा	42	3
	कुल	**73**	**10**
एम डी एस			
29	कंजरवेटिव डेंटिस्ट्री एवं एंडोडोंटिक्स	9	1
30	ऑर्थोडोंटिक्स	9	3
31	प्रोस्थोडोंटिक्स	7	1
32	ओरल एवं मैक्सिलोफेशियल शल्य चिकित्सा	8	3
	कुल	**33**	**8**

31 मार्च 2016 तक पंजी पर एम.एस.सी. छात्रों का विषय–वार विवरण :–

क्र. सं.	विषय	सामान्य	प्रायोजित
1	शरीर रचना विज्ञान	10	1 (विदेशी नागरिक)
2	जैव रसायन	10	–
3	जैव भौतिकी	10	–
4	भेषजगुण विज्ञान	10	2 (विदेशी नागरिक)
5	शरीर क्रिया विज्ञान	10	–
6	परफ्यूजन प्रौद्योगिकी	12	–
7	जैव प्रौद्योगिकी	24	1 (विदेशी नागरिक)
8	नाभिकीय चिकित्सा प्रौद्योगिकी	11	1 (विदेशी नागरिक)
	कुल	**97**	**5**

31 मार्च 2016 तक पंजी पर एम.एस.सी. (नर्सिंग) छात्रों का विषय–वार विवरण :–

क्र. सं.	विषय	सामान्य	प्रायोजित
1	हृद् विज्ञान / सी. टी. वी. एस. नर्सिंग	10	1 (विदेशी नागरिक)
2	तंत्रिका विज्ञान नर्सिंग	6	–
3	बाल चिकित्सा नर्सिंग	10	–
4	मनोचिकित्सा नर्सिंग	7	–
5	अर्बुद विज्ञान	7	1 (विदेशी नागरिक)
	कुल	**40**	**2**

प्रशिक्षण कार्यक्रम

भारत तथा विदेश के विभिन्न संगठन के छात्रों और कर्मचारियों को अल्पावधिक, दीर्घावधिक एवं ऐच्छिक प्रशिक्षण प्रदान किए जाने का प्रावधान है। वर्ष के दौरान 851 व्यक्तियों को निम्नानुसार प्रशिक्षण प्रदान किया गया :–

क्र. सं.	प्रशिक्षण	प्रशिक्षुओं की संख्या
1	अल्पावधिक प्रशिक्षण : भारतीय नागरिक	590
2	अल्पावधिक प्रशिक्षण : विदेशी नागरिक	63
3	दीर्घावधिक प्रशिक्षण : भारतीय नागरिक	9
4	ऐच्छिक प्रशिक्षण : विदेशी नागरिक (स्नातक पूर्व छात्र)	27
5	वि. स्वा. सं. अध्येता : भारतीय नागरिक	3
6	वि. स्वा. सं. अध्येता : विदेशी नागरिक	35
	कुल	**727**

समिति बैठकें

शैक्षिक समिति, स्टाफ काउंसिल, संकायाध्यक्ष समिति, संकाय तथा अनुसंधान प्रस्तुतीकरण की बैठकें आयोजित करने का उत्तरदायित्व शैक्षिक अनुभाग का है। विवरण नीचे दिए गए हैं :–

क्र. सं.	समिति	बैठकों की संख्या
1	शैक्षिक समिति	1
2	स्टाफ काउंसिल	3
3	संकायाध्यक्ष समिति	4
4	संकाय (सामान्य चर्चा)	8
5	अनुसंधान प्रस्तुतीकरण	4

दीक्षांत समारोह

संस्थान का 43वां वार्षिक दीक्षांत समारोह 18 अक्टूबर 2015 को जवाहर लाल सभागार, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली में आयोजित किया गया। भारत के माननीय केंद्रीय वित्त मंत्री श्री अरुण जेतली ने दीक्षांत समारोह को संबोधित किया। उन्होंने विशिष्ट योग्य छात्रों को संस्थान पदक / पुरस्कार प्रदान किए तथा उपस्थित जन–समूह को संबोधित किया। अध्यक्ष, अ. भा. आ. सं. एवं माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, भारत सरकार डॉ. जे. पी. नड्डा द्वारा उपाधियां प्रदान की गई।

4. परीक्षा अनुभाग

एस. दत्ता गुप्ता

प्रभारी आचार्य (परीक्षा)

अशोक कुमार जरयाल
उप–संकायाध्यक्ष (परीक्षा)

ओ. पी. शर्मा
सहायक परीक्षा नियंत्रक

डी. के. गुप्ता
लेखा अधिकारी

समीक्षाधीन अवधि के दौरान, अनुभाग द्वारा नीचे दी गई व्यावसायिक एवं प्रवेश परीक्षाएं आयोजित की गई।

स्नातकोत्तर एवं स्नातक–पूर्व व्यावसायिक परीक्षाएं

इन परीक्षाओं के विवरण नीचे तालिका में प्रदान किए गए हैं।

क्र.सं.	परीक्षा	छात्रों की संख्या			
		परीक्षा में उपस्थित	अनुपस्थित	उत्तीर्ण	अनुत्तीर्ण
मई 2015					
1	अंतिम स्नातकोत्तर/पोस्ट डॉक्टरल	214	–	205	7+2 (परिणाम रोका गया है)
2	एम. एससी (नर्सिंग) चरण – 1	23	–	23	–
3	एम. एससी (नर्सिंग) चरण – 2	22	–	22	–
4	द्वितीय एम बी बी एस (पूरक)	5	–	3	2
5	अंतिम एम बी बी एस (पूरक)	4	1	2	1 (परिणाम रोका गया है)
6	बी. एससी. नर्सिंग (पोस्ट – प्रमाणपत्र) चरण – 1	22	–	19	3
7	बी. एससी. नर्सिंग (पोस्ट – प्रमाणपत्र)	23	–	23	–

	चरण – 2				
8	बी. एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग, चरण – 1	83	1	52	30
9	बी. एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग, चरण – 2	72	–	72	–
10	बी. एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग, चरण – 3	67	–	65	2
11	बी. एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग, चरण – 4	57	1	56	–

जुलाई 2015					
12	प्रथम व्यावसायिक एम बी बी एस	81	–	72	9
13	बी.एससी (ऑनर्स) नेत्र विज्ञान तकनीक चरण– 1	17	1	8	8
14	बी.एससी (ऑनर्स) नेत्र विज्ञान तकनीक चरण – 2	13	2	6	5
15	बी.एससी (ऑनर्स) नेत्र विज्ञान तकनीक चरण – 3	14	–	11	2+1 (परिणाम रोका गया है)
16	रेडियोग्राफी में बी.एससी (ऑनर्स) चिकित्सा तकनीकें चरण – 1	11	–	9	2
17	रेडियोग्राफी में बी.एससी (ऑनर्स) चिकित्सा तकनीकें चरण – 2	7	–	5	2
18	रेडियोग्राफी में बी.एससी (ऑनर्स) चिकित्सा तकनीकें चरण – 3	7	–	7	–
अगस्त 2015					
19	प्रथम एम बी बी एस व्यावसायिक (पूरक)	5	1	3	1
नवंबर 2015					
20	बी.एससी (ऑनर्स) नेत्र विज्ञान तकनीक चरण – 1 (पूरक)	11	–	7	4
21	बी.एससी (ऑनर्स) नेत्र विज्ञान तकनीक चरण – 2 (पूरक)	8	–	8	–
22	बी.एससी (ऑनर्स) नेत्र विज्ञान तकनीक चरण – 3 (पूरक)	3	–	3	–
23	रेडियोग्राफी में बी. एससी. (ऑनर्स)	2	–	1	1

	चिकित्सा तकनीक चरण – 1 (पूरक)				
24	रेडियोग्राफी में बी. एससी. (ऑनर्स) चिकित्सा तकनीक चरण – 2 (पूरक)	3	–	3	–
दिसंबर 2015					
25	अंतिम स्नातकोत्तर/पोस्ट डॉक्टरल	113	–	110	3
26	एम बी बी एस अंतिम वर्ष	77	1	73	3
27	एम बी बी एस द्वितीय वर्ष	68	1	61	5+1 (पात्र नहीं)
28	बी.एससी. (पोस्ट प्रमाणपत्र) नर्सिंग चरण – 1 (पूरक)	3	–	2	1
29	बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग चरण – 1 (पूरक)	29	–	27	2
30	बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग चरण – 3 (पूरक)	7	–	6	1 (पात्र नहीं)
जनवरी 2016					
31	एम बी बी एस अंतिम वर्ष (पूरक परीक्षा)	1	–	1	–
	महायोग	1072	9	965	92+6

स्नातक पूर्व तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश परीक्षाएं

क्र. सं.	पाठ्यक्रम	परीक्षा की तिथि	उम्मीदवारों की संख्या	
			आवेदक	उपस्थित
1.	एम. डी./एम. एस./एम. डी. एस. जुलाई 2015	10.05.2015	21431	17762
2.	डी एम/ एम सीएच / अध्येतावृत्ति कार्यक्रम, जुलाई 2015	16.05.2015	2366	1951
3.	एम बी बी एस, अगस्त 2015	01.06.2015	194685	151463
4.	बी. एससी (ऑनर्स) नर्सिंग 2015 (ऑनलाइन)	14.06.2015	4801	3201
5.	बी. एससी नर्सिंग (पोस्ट – प्रमाणपत्र) 2015 (ऑनलाइन)	20.06.2015	164	106

6.	बी. एससी (ऑनर्स) परा चिकित्सा पाठ्यक्रम 2015 (ऑनलाइन)	06.06.2015	1164	779
7.	एम. एससी कार्यक्रम 2015 (ऑनलाइन)	04.07.2015	573	343
8.	एम. एससी नर्सिंग 2015 (ऑनलाइन)	27.06.2015	1395	972
9.	एम जैव प्रौद्योगिकी 2015 (ऑनलाइन)	11.07.2015	544	261
10.	सीनियर रेजीडेंट्स भर्ती, जुलाई 2015	12.07.2015	1789	1326
11	पीएच.डी, जुलाई 2015	19.07.2015	578	306
12.	सीनियर रेजीडेंट्स भर्ती, जनवरी 2016	13.12.2015	834	537
13.	एम डी /एम एस/एम डी एस, जनवरी 2016	01.11.2015	33861	30185
14.	डी एम/ एम सीएच / अध्येतावृत्ति कार्यक्रम, जनवरी 2016	01.11.2015	2983	2459
15.	अखिल भारतीय स्नातकोत्तर दंत चिकित्सकीय प्रवेश परीक्षा 2016	13.12.2015	12384	10862
16.	पीएच. डी जनवरी 2016	23.01.2016	372	261
		महायोग	279924	222774

पीएच. डी की मौखिक परीक्षा में उत्तीर्ण प्रत्याशी : 64

भर्ती के लिए परीक्षा

क्र. सं.	परीक्षा का नाम	ऑनलाइन सीबीटी परीक्षा	साक्षात्कार की तिथि	उम्मीदवारों की संख्या	
				आवेदक	उपस्थित
1	सिस्टर ग्रेड 2	17.01.2016		44296	23648
2	निजी सहायक	22.11.2015		6	6
3	निजी सचिव	22.11.2015		20	13
4	आशुलिपिक	22.11.2015		13	4
5	अपर डिविजन क्लर्क	20.09.2015		54	35
6	कार्यालय अधीक्षक	20.09.2015		19	10

7	ऑपरेशन थिएटर सहायक	20.09.2015		275	272
8	कनिष्ठ लेखा अधिकारी	20.09.2015		78	70
9	वैज्ञानिक – I	1, 6, 8, 10, 13 और 15 अप्रैल 2015	17, 18, 20, 22 और 24 अप्रैल 2015	3057	1469
10	वैज्ञानिक – II	17, 20, 22, 28 और 30 अप्रैल 2015	17, 18, 20, 22, और 24 अप्रैल 2015	1043	473
			महायोग	48861	26000

संचालित की गई प्रवेश परीक्षाएं

1. 13.12.2015 में भारत के 23 शहरों में 49 केंद्रों (स्थानीय 6, दूरवर्ती 43) पर एम डी एस पाठ्यक्रमों के लिए 50 प्रतिशत ओपन मेरिट सीट आरक्षण से भर्ती हेतु अखिल भारतीय स्नातकोत्तर दंत प्रवेश परीक्षा – 2016 का आयोजन किया गया। परीक्षा परिणाम 21.12.2015 को घोषित किया गया।

2. जुलाई 2015 सत्र के लिए 10 मई 2015 को 76 केंद्रों (दिल्ली 17, दूरवर्ती 54) तथा जनवरी 2016 सत्र के लिए 1 नवंबर 2015 को 123 केंद्रों (दिल्ली 11, दूरवर्ती 112) में एम डी / एम एस / एम डी एस पाठ्यक्रमों में भर्ती हेतु एम्स स्नातकोत्तर प्रवेश परीक्षा का संचालन किया गया। इनके परिणाम क्रमशः 15 मई 2015 तथा 6 नवंबर 2015 को घोषित किए गए।

3. क्रमशः 16 – 25 मई 2015 तथा 1 – 23 नवंबर 2015 के दौरान 2–स्टेज प्रदर्शन मूल्यांकन के आधार पर जुलाई 2015 तथा जनवरी 2016 सत्र के लिए विभिन्न पोस्ट डॉक्टरल (सुपर स्पेशिलिटी) पाठ्यक्रम अर्थात् डी एम / एम सी एच / अध्येतावृत्ति के लिए चयन किया गया।

4. क्रमशः 19 – 27 जुलाई 2015 तथा 23 जनवरी 2016 – 1 फरवरी 2016 के दौरान 2 स्टेज प्रदर्शन मूल्यांकन के आधार पर जुलाई 2015 और जनवरी 2016 सत्रों के लिए पीएच डी कार्यक्रम के पंजीकरण हेतु उम्मीदवारों का चयन किया गया।

5. 1 जून 2015 को भारत के 153 शहरों में 398 (स्थानीय 32, दूरवर्ती 366) केंद्रों पर अगस्त 2015 सत्र के लिए एम्स सहित 6 नए एम्स के एम बी बी एस पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु परीक्षा का आयोजन किया गया।

6. सी बी टी ऑनलाइन पद्धति द्वारा 14 जून 2015 को दिल्ली तथा 6 एम्स (भोपाल, भुवनेश्वर, जोधपुर, पटना, रायपुर तथा ऋषिकेश) में बी एस सी (ऑनर्स) नर्सिंग की प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया गया।

7. वर्ष 2005 के लिए एम एस सी नर्सिंग पाठ्यक्रम हेतु प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया गया। यह परीक्षा 27 जून 2015 को केवल दिल्ली में सी बी टी ऑनलाइन पद्धति द्वारा आयोजित की गई। भर्ती 14 तथा 25 जुलाई 2015 को काउंसलिंग द्वारा मेरिट आधार पर किया गया।

8. बी एस सी नर्सिंग (पोस्ट – सर्टिफिकेट) की प्रवेश परीक्षा का आयोजन सी बी टी ऑनलाइन पद्धति द्वारा 20 जून 2015 को दिल्ली में किया गया तत्पश्चात् 24 जून 2015 को उम्मीदवारों का वैयक्तिक आकलन किया गया।

9. अगस्त 2015 सत्र के लिए दिल्ली में एक केंद्र पर सी बी टी ऑनलाइन पद्धति द्वारा 6 जून 2015 को रेडियोग्राफी में नेत्र विज्ञान तथा बी एस सी (ऑनर्स) चिकित्सा तकनीक में पैरा मेडिकल पाठ्यक्रमों यथा बी एस सी (ऑनर्स) प्रवेश हेतु प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई। इन दो पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु दिनांक 2 जुलाई तथा 13 जुलाई 2015 को मेरिट के आधार पर सीटों का आबंटन किया गया और 21 सितंबर 2015 को खुला परामर्श आयोजित किया गया।

अन्य गतिविधियों में सहभागिता

1. परीक्षा अनुभाग एम्स स्नातकोत्तर, एम बी बी एस, बी.एस–सी. (ऑनर्स) परा चिकित्सा, एम. एस–सी. (नर्सिंग) पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु काउंसलिंग तथा बी.एस–सी. नर्सिंग (पोस्ट प्रमाणपत्र) पाठ्यक्रम हेतु वैयक्तिक मूल्यांकन में सक्रिय रूप से भाग लेता है।

2. परीक्षा अनुभाग द्वारा भारत और विदेश में विभिन्न विश्वविद्यालयों और संस्थानों को उनकी प्रवेश परीक्षाएं आयोजित करने के लिए तकनीकी विशेषज्ञता भी प्रदान की जाती है।

महत्त्वपूर्ण घटनाएं

परीक्षा अनुभाग एम्स प्रवेश और भर्ती परीक्षाओं के आयोजन में अहम भूमिका निभाता है। इसके अलावा इनके दिए गए अधिदेशएम्स में विभिन्न स्नातक, स्नातकोत्तर और सुपर स्पेशिलिटी पाठ्यक्रमों के लिए व्यवसायिक परीक्षणों के साथ ही प्रवेश परीक्षा आयोजित करने के लिए परीक्षा अनुभाग में भी स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के निर्देशों के अनुसार भोपाल, भुवनेश्वर, जोधपुर, पटना, रायपुर और ऋषिकेश में स्थित छः अन्य अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान हेतु प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशों के अनुसार अखिल भारतीय स्नातकोत्तर दंत प्रवेश परीक्षा (एआईपीजीडीईई) भी आयोजित की गई। इनके अलावा, एम्स में विभिन्न पदों पर भर्ती के लिए प्रवेश परीक्षाएं नियमित रूप से आयोजित की जाती है।

परीक्षा के अधिक कुशल संचालन के लिए और पूरे देश भर से उम्मीदवारों की भागीदारी की सुविधा के लिए, परीक्षा अनुभाग ने अपने सभी प्रक्रिया सुधार को पूरा किया है। एक पहल जो पिछले वर्षों में शुरू किया गया था। सभी प्रवेश परीक्षाएं केवल ऑनलाइन (सीबीटी) पद्धति के माध्यम से संचालित की जाती है। देश भर में 153 शहरों, 398 केंद्रों में एम्स एमबीबीएस 2015 प्रवेश परीक्षा ऑनलाइन (सीबीटी) पद्धति के माध्यम से संचालित किया गया था। और 1,94,685 उम्मीदवारों ने दो पारियों में भाग लिया। यह भारत में चिकित्सा शिक्षा क्षेत्र में सबसे बड़ी ऑनलाइन परीक्षा है जिसे एक दिन में आयोजित किया गया।

हाल ही में, परीक्षा अनुभाग ने समर्थित आईटी के उम्मीदवारों के लिए इन प्रक्रियाओं की सुविधा के स्वचालन से अपनी व्यावसायिक परीक्षा के छात्रों के लिए सभी मैनुअल प्रक्रियाओं की जगह एक ऑनलाइन पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू कर दी है। परीक्षा अनुभाग ने नकद लेनदेन 2015 से और भी कम कर दिया।

परीक्षा अनुभाग ओल्ड पी. सी. ब्लॉक से पहले तल पर अभिसरण ब्लॉक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में स्थानांतरित कर दिया गया है। परीक्षा अनुभाग के इस नए कार्यालय के विभिन्न स्नातक, स्नातकोत्तर और एम्स में सुपर स्पेशियलिटी पाठ्यक्रमों के लिए आंतरिक रूप से व्यावसायिक परीक्षा संचालन करने की सुविधा है।

5. सामान्य प्रशासन

उप–निदेशक (प्रशासन)
श्री वी. श्रीनिवास

उप–सचिव
संजीव चतुर्वेदी

संस्थान के कार्मिक एवं स्थापना, सुरक्षा, संपदा, इंजीनियरी सेवा विभाग से संबंधित मामले, भंडार, सतर्कता एवं जनसंपर्क क्रियाकलापों सहित सामान्य प्रशासन का नियंत्रण एवं पर्यवेक्षण उप–निदेशक (प्रशासन) द्वारा किया जाता है। उपर्युक्त वर्णित क्षेत्रों की देखभाल करने के लिए विभिन्न शाखाएं हैं। प्रत्येक शाखा का नेतृत्व एक वरिष्ठ अधिकारी द्वारा सहायक अधिकारियों और स्टाफ सदस्यों की सहायता से किया जाता है। विभिन्न शाखाओं की देखभाल करने वाले अधिकारियों/स्टाफ का संक्षिप्त विवरण नीचे दिया हुआ है।

मुख्य प्रशासनिक अधिकारी
के. के. वैद्य

अधीक्षण अभियंता
मंजुल रस्तोगी

कार्यकारी अभियंता
एस. भास्कर   वी. के. शर्मा   वी. के. जायसवाल   विद्या भूषण

मुख्य प्रापण अधिकारी
राजेश गुप्ता

उप मुख्य सुरक्षा अधिकारी
आर.एस. रावत

वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी
अरुण कुमार सिंह   के. के. गिरिधारी   अजय कुमार (15 मई 2015 से)

प्रशासनिक अधिकारी

आर. के. शर्मा	रजी जावेद	ललित उराँव
के. पी. सिंह	रेनू भारद्वाज	सोनल गुलाटी (30 जून 2015 तक)
सतीश कुमार सिंह	ममता कुकरेती	ई.वी.एस. चक्रवर्ती (1 जनवरी 2016)
	नरेंद्र कुमार	पल्लव कुमार चित्तेज

वरिष्ठ भंडार अधिकारी

के. डी. शर्मा (31 जनवरी 2016 तक)   प्रदीप गुप्ता (23 फरवरी 2016 से)

भंडार अधिकारी

राकेश कुमार शर्मा	नरेंद्र कुमार	भवानी राम
यतेंद्र कुमार		अरविंद कुमार शर्मा

सहायक प्रशासनिक अधिकारी

बी. एस. गिल | राज कुमार | राजेंद्रन पिल्लई
अनीता टेटे | | एस. एल. चमोली

स्थापना अनुभाग और सामान्य प्रशासन की जिम्मेदारियों में नियुक्तियां, सांविधिक समितियों की बैठकों की व्यवस्था, संपदा एवं सम्पत्ति प्रबंधन, उपकरण सामग्री एवं उपभोज्यों की खरीद, सुरक्षा व्यवस्था, कर्मचारियों के कल्याण आदि शामिल हैं।

सभी केन्द्रों के स्टाफ सहित और संस्थान की कुल स्वीकृत स्टाफ 11,767 है। वर्तमान में स्टाफ की स्थिति निम्नानुसार है :–

क्र. सं.	श्रेणी / समूह	स्वीकृत पद	वर्तमान पद
1.	संकाय	882	718
2.	क	569	422
3.	ख	5533	4652
4.	ग	4783	4238
	कुल	11767	10044

अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ
संपर्क अधिकारी
राजपाल
आचार्य, नेत्ररोगविज्ञान, डॉ. रा. प्र. केंद्र

प्रशासनिक अधिकारी
ललित उराँव

वर्ष के दौरान अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ में अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति वर्ग के कर्मचारियों से विभिन्न अभ्यावेदन प्राप्त हुए। विवरण निम्नानुसार है :

प्राप्त अभ्यावेदनों की कुल संख्या : 9
समाधान किए गए / निपटाए मामलों की कुल संख्या : 2
विचाराधीन मामलों की कुल संख्या : 7

मामलों का संक्षिप्त विवरण :

1. श्रीमती किरण, सिस्टर ग्रेड–II, एनडीडीटीसी, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान का अभ्यावेदन जातिगत भेदभाव और उत्पीड़न से संबंधित। इस अभ्यावेदन को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति के कर्मचारियों की शिकायतों के निवारण के लिए गठित समिति को भेजा गया। इस मामले की अंतिम रिपोर्ट अभी प्रतीक्षा में है।
2. श्री यशवंत कुमार, पीए, डॉ. आर. पी. सेंटर, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, पी एस के चयन में और आरक्षण रोस्टर में अनियमितताओं से संबंधित। सक्षम प्राधिकारी द्वारा मामले की जांच की गई और तथ्यात्मक रिपोर्ट एनसीएससी को भेजी गई। मामले को निपटा दिया गया है।
3. श्री राजेन्द्र सिंह, प्रयोगशाला तकनीशियन, सीटीवीएस (ओटी), सी. एन. सेंटर, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, डॉ. शिव कुमार चौधरी के उत्पीड़न और अपमानजनक व्यवहार से संबंधित, सीटीवीएस विभाग में अनुसूचित जाति के प्रयोगशाला तकनीशियन के खिलाफ। इस अभ्यावेदन को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति के

कर्मचारियों की शिकायतों के निवारण के लिए गठित समिति के पास भेजा गया था। हालांकि, इस मामले की अंतिम रिपोर्ट की अभी प्रतीक्षा है।

4. श्री अविनाश बी. धार्गवे, मुख्य फिज़ियोथेरेपिस्ट, जराचिकित्सा विभाग में मुख्य फिज़ियोथेरेपिस्ट के कार्यालय की स्थापना और शिकायतों के निवारण (भेदभाव और उत्पीड़न) के लिए। सक्षम प्राधिकारी द्वारा मामले की जांच की गई है और सभी आवश्यक शिकायतों का एनसीएससी में निराकरण किया गया। मामले को निपटा दिया गया है।
5. सुश्री श्राबनी मोंडल, सिस्टर ग्रेड–I, एबी–4 वार्ड का अभ्यावेदन, अनुसूचित जाति कर्मचारी श्रीमती सरिता मेहता, सीएनओ और श्रीमती मंजू सिंह, डीएनएस के प्रति मानसिक उत्पीड़न से संबंधित। इस अभ्यावेदन को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के कर्मचारियों की शिकायतों के निवारण के लिए गठित समिति के पास भेजा गया था। हालांकि, इस मामले की अंतिम रिपोर्ट की अभी प्रतीक्षा है।
6. श्री महेश कुमार, ओ. टी. सहायक, डी–5 आईसीयू, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान का अभ्यावेदन, श्री अनिल शर्मा, तकनीकी सहायक, बाल रोग विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान द्वारा अनुसूचित जाति के कर्मचारी के साथ असंसदीय भाषा के उपयोग से संबंधित। इस अभ्यावेदन को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के कर्मचारियों की शिकायतों के निवारण के लिए गठित समिति के पास भेजा गया था। हालांकि, यह मामला समिति के विचाराधीन है।
7. श्री अमित कुमार, रेडियोलॉजी तकनीशियन ग्रेड–II, डॉ. बीआरए आईआरसीएच, एम्स का अभ्यावेदन, श्रीमती दीपक कुमारी डोगरा, एसटीओ और डॉ. संजय थुल्कर, एचओयू द्वारा मानसिक उत्पीड़न और अपने पद के दुरुपयोग से संबंधित। मामले को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के कर्मचारियों की शिकायतों के निवारण के लिए गठित समिति के पास भेजा गया था। हालांकि, यह मामला समिति के विचाराधीन है।
8. श्रीमती तरुणा अग्रवाल, रेडियोलॉजी तकनीशियन ग्रेड–II, डॉ. बीआरए आईआरसीएच, एम्स का अभ्यावेदन, प्रतिनिधित्व श्रीमती दीपक कुमारी डोगरा, एसटीओ और डॉ. संजय थुल्कर, एचओयू द्वारा मानसिक उत्पीड़न और अपने पद के दुरुपयोग से संबंधित। मामले को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के कर्मचारियों की शिकायतों के निवारण के लिए गठित समिति के पास भेजा गया था। हालांकि, यह मामला समिति के विचाराधीन है।
9. श्री सतबीर सिंह, रेडियोलॉजी तकनीशियन ग्रेड–II, एम्स का अभ्यावेदन, श्रीमती दीपक कुमारी डोगरा, एसटीओ, डॉ. बीआरए आईआरसीएच द्वारा मानसिक उत्पीड़न, असभ्य भाषा का उपयोग और कभी कभी पैसे की मांग से संबंधित। इस अभ्यावेदन को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के कर्मचारियों की शिकायतों के निवारण के लिए गठित समिति के पास भेजा गया था। हालांकि, यह मामला समिति के विचाराधीन है।

बजटीय सहायता

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के शासी निकाय ने 13 अप्रैल 2015 को आयोजित अपनी बैठक में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान धर्मस्व कोष की स्थापना को मंजूरी दी। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान धर्मस्व कोष एम्स अधिनियम के अनुसार काम कर रहा है। एम्स धर्मस्व कोष के गवर्नेंस मॉडल में कार्यकारी परिषद, स्टाफ सहित प्रशासनिक कार्यालय और तीन सलाहकार समितियां अर्थात् वैज्ञानिक सलाहकार समिति, निधि संवर्धन समिति और निधि निवेश समितियां शामिल हैं।

संस्थान के शासी निकाय ने संस्थान में दो चेयरों को स्थापित करने के लिए इन्फोसिस फाउंडेशन से अनुदान की स्वीकृति को मंजूरी दी : अर्बुद विज्ञान और प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान हेतु

प्रत्येक के लिए 5 करोड़ रुपए। अनुदान पर अर्जित ब्याज को निम्नलिखित प्रयोजनों के लिए उपयोग किया जाएगा :

(i) इंफोसिस चेयर
(ii) अनुसंधान निधिकरण
(iii) यात्रा छात्रवृत्ति
(iv) अनुसंधान पुरस्कार

<u>रोगी उपचार</u>

एम्स ई–अस्पताल परियोजना (ऑनलाइन पंजीकरण प्रणाली) 4 जुलाई 2015 को डिजिटल इंडिया वीक के हिस्से के रूप में भारत के प्रधानमंत्री द्वारा शुरू की गई थी। स्वास्थ्य मंत्री ने 15 जुलाई 2016 को 'काया कल्प–स्वच्छ और हरित एम्स' अभियान का शुभारंभ किया। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान ओपीडी परिवर्तन परियोजना को स्वास्थ्य मंत्री और राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) विद्युत, कोयला, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा द्वारा 25 दिसंबर 2015 को शुरू किया गया था। इस परियोजना से जनवरी 2016 तक 12 लाख रोगियों को लाभ हुआ। टाटा कंसल्टेंसी सर्विस द्वारा सीएसआर के आधार पर अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में कार्यान्वित परियोजना से रोगियों के लिए अधिक अनुकूल माहौल बना है।

सुपर स्पेशियलिटी विषयों के लिए बढ़ता हुआ रोगी भार और मांग से सर्वोच्च तृतीयक देखभाल अस्पतालों में उच्च स्वास्थ्य क्षेत्र के निवेश की अनिवार्यता बनी है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में राष्ट्रीय कैंसर संस्थान (710 बेड), मातृ एवं शिशु ब्लॉक (200 बेड) और आपातकाल और नैदानिक ब्लॉक (400 बेड) और नेशनल सेंटर फॉर एजिंग (200 बेड) के साथ निरंतर विस्तार का एक चरण वर्तमान में है। राष्ट्रीय कैंसर संस्थान ने 2035 करोड़ रुपए की लागत से 710 बिस्तरों के साथ स्वास्थ्य क्षेत्र में सबसे बड़ा सार्वजनिक निवेश प्रस्तुत किया है। राष्ट्रीय कैंसर संस्थान का भूमि पूजन समारोह 12 दिसंबर 2015 को आयोजित किया गया।

एम्स को एम्स ट्रॉमा सेंटर के पीछे की 14.95 एकड़ जमीन आवंटित की गई है जिसमें इसके रोगियों की देखभाल क्षमता में प्रमुख विस्तार किया जाएगा। इस क्षेत्र में योजनाबद्ध किए जा रहे प्रमुख केन्द्रों में 1800 से अधिक बेड जोड़े जाएंगे।

<u>निर्माण गतिविधियां</u>

ट्रॉमा सेंटर मोटरेबल सबवे के साथ पूर्व और पश्चिम अंसारी नगर कैम्पस को जोड़ना

ट्रॉमा सेंटर मोटरेबल सबवे के साथ पूर्व और पश्चिम अंसारी नगर कैम्पस को जोड़ने के प्रस्ताव के लिए 55 करोड़ रुपए अनुमोदित किए और यह काम पूरा हो चुका है।

पूर्वी कैम्पस में मौजूदा कैफेटेरिया का विस्तार।

कर्मचारी भार बढ़ने की वजह से मौजूदा कैफेटेरिया में विस्तार की सख्त जरूरत थी। इसलिए मौजूदा ब्लॉक को गिराने के बाद तीन स्तर वाले कैफेटेरिया की योजना बनाई थी। काम को 15 महीनों के निर्माण समय के साथ जनवरी 2015 में प्रारंभ किया गया। काम पूरी तरह तेजी से चल रहा है और 2016 के अंत तक इसके पूरा होने की उम्मीद है।

आपातकालीन सह–निदान ब्लॉक

मस्जिद मोठ इलाके में प्रस्तावित सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक के रोगियों के लिए केंद्रीय निदान सुविधाएं होंगी जिन्हें यह पूरा करेगा। योजना निर्माण के कुल क्षेत्रफल के आधार पर के निर्माण की लागत लगभग 550 करोड़ रुपए है और लगभग 1,00,000 वर्ग मीटर स्थान है।

ट्रॉमा कार्यक्षेत्र विस्तार : काम पूरा होने के अंतिम चरण में है।

ट्रॉमा सेंटर में रैन बसेरा/धर्मशालाः यह काम पावर ग्रिड कारपोरेशन द्वारा सीएसआर के तहत किया जा रहा है।

मस्जिद मोठ में ओपीडी : मास्टर प्लान के अनुसार इसका निर्माण किया जाना प्रस्तावित है और यह विभिन्न उपयोगिताओं को पूरा करेगा। बनाई गई योजना निर्माण के कुल क्षेत्रफल के आधार पर निर्माण की लागत 93351 वर्गमीटर पर 45000 रुपए प्रति वर्गमीटर है। ईएफसी ने 582.00 करोड़ रुपए की मंजूरी दी। नए ब्लॉक में मौजूदा सुविधाओं के स्थानांतरण के बाद वर्तमान भवन को एम्स की समग्र बिस्तर क्षमता को बढ़ाने के लिए वार्डों के रूप में इस्तेमाल किया जाएगा।

बल्लभगढ़ में छात्रावास/ओपीडी का निर्माण बल्लभगढ़ में ओपीडी, हॉस्टल और घरों के निर्माण का प्रस्ताव है। काम को लगभग 13 रुपए की अनंतिम लागत पर मार्च 2014 में प्रदान किया गया। परियोजना काफी हद तक पूरी हो गई है।

छात्रावास IV : 29.85 करोड़ रुपए की अनंतिम लागत से 310 बिस्तरों के लिए मस्जिद मोठ में छात्रावास के निर्माण के लिए प्रस्ताव को मास्टर प्लान के अनुसार मंजूरी दी गई जिसमें ये ब्लॉक प्रस्तावित हैं।

बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी ब्लॉक का निर्माण : ट्रॉमा सेंटर कैंपस में इस सुविधा की योजना बनाई गई है। उक्त प्रस्ताव के लिए ईएफसी को पहले से ही मंत्रालय द्वारा अनुमोदित किया जा चुका है।

राष्ट्रीय कैंसर संस्थान : झज्जर कैम्पस में दिसंबर 2015 को आधुनिकतम कैंसर उपचार केंद्र पर काम शुरू किया गया। इसमें 710 बिस्तर होंगे, सीसीईए द्वारा अनुमोदित परियोजना लागत 2035 करोड़ रुपए है। अस्पताल पैकेज 504.58 करोड़ रुपए और आवासीय पैकेज 312.99 करोड़ रुपए है।

राष्ट्रीय हृद वाहिका संस्थान : सलाहकार की नियुक्ति के लिए निविदाएं आमंत्रित की जा रही हैं।

मदर एंड चाइल्ड ब्लॉक : महिला और बच्चों के लिए अत्याधुनिक स्वास्थ्य सेवा की स्थापना की जा रही है।

सर्जिकल ब्लॉक : 200 बिस्तर वाले सर्जिकल ब्लॉक का कार्य पूरा होने के अंतिम चरण में है, संरचना पूरी हो गई है, मॉड्यूलर ओटी और आईसीयू के साथ उपकरण अभी खरीदे जाने हैं। परियोजना काफी हद तक पूरी हो गई है।

छात्रावास विस्तार : तीन ब्लॉकों में 550 बेड हॉस्टल का प्रस्ताव है जिसमें से एक ब्लॉक क्रियाशील है और शेष दो ब्लॉकों को दिसंबर 2016 के अंत तक क्रियाशील किया जाना कार्यात्मक प्रस्तावित है।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के विभिन्न परिसरों का पुनर्विकास : एनबीसीसी को एक परियोजना सलाहकार के रूप में नियुक्त किया गया है। एम्स संकाय की आवास की तीव्र कमी को पूरा करने के लिए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली ने पश्चिम अंसारी नगर और आयुर्विज्ञान नगर में अपने परिसरों का एक पुनर्विकास प्रस्ताव तैयार किया है।

6.0 मुख्य अस्पताल

चिकित्सा अधीक्षक
डी. के. शर्मा

अस्पताल प्रशासन विभाग
प्रोफेसर और प्रमुख
सिद्धार्थ सत्पथी

प्रोफेसर
आई. बी. सिंह संजय कुमार आर्य

सहायक आचार्य

निरुपम मदान
अनूप डागा
एंजेल राजन सिंह
अमित लठवाल
महेश आर.
परमेश्वर कुमार
विजयदीप सिद्धार्थ

पूरक बिस्तर

बिस्तर की श्रेणी	मुख्य अस्पताल	हृद् वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केंद्र
सामान्य वार्ड	827	277
सघन देखभाल एकक	92	63
अवलोकन	69	09
निजी वार्ड	165	63
कुल	1153	422

अस्पताल कार्य निष्पादन का विवरण

पैरामीटर	मुख्य अस्पताल		ह. तं. कें.		निष्कर्ष
	2015–16	2014–15	2015–16	2014–15	
अस्पताल में ठहरने की औसतन अवधि (दिनों में)	7.7	4.3	9.0	6.8	नियमित रूप से दाखिले के बिस्तरों का प्रभावी उपयोग।
औसत बिस्तर अधिभोग दर (प्रतिशत)	88.4	87.9	86.1	84.6	उचित अधिभोग दर्शाता है।
शुद्ध मृत्यु दर (प्रतिशत)	1.8	1.7	3.2	2.9	अस्पताल में गंभीर रूप से बीमार रोगियों की अधिक संख्या में भर्ती के बावजूद निम्न मृत्यु – दर को दर्शाते हैं।
संयुक्त अशोधित संक्रमण दर (प्रतिशत)	5.7 प्रतिशत	5.38 प्रतिशत	–	–	–

कृपया विवरण हेतु तालिका 1 एवं 2 देखें।

6.1 चिकित्सा अभिलेख विभाग

प्रभारी अधिकारी
निरूपम मदान

मुख्य चिकित्सा अभिलेख अधिकारी (कार्यकारी) और उप – पंजीयक, जन्म एवं मृत्यु
पैटी एस. लिंगदोह

कनिष्ठ चिकित्सा अभिलेख अधिकारी

पी. डी. शर्मा
अशोक कुमार
संदीप एम. सिंह
रोशन लाल – ।।

शिक्षा

1. सेंट स्टीफन अस्पताल, नई दिल्ली के चिकित्सा अभिलेख प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रम के नौ छात्रों ने दिनांक 28 अप्रैल 2015 को चिकित्सा अभिलेख अनुभाग (मुख्य अस्पताल), केंद्रीय प्रवेश / पूछताछ कार्यालय और राजकुमार अमृत कौर (आरएके) बहिरंग रोगी विभाग का दौरा किया।
2. नर्सिंग महाविद्यालय, अ. भा. आ. सं. के 25 बी.एससी. (पीबी) नर्सिंग प्रथम वर्ष के छात्रों ने चिकित्सा अभिलेख अनुभाग (मुख्य अस्पताल) का दौरा किया। 7 अगस्त 2015 को मुख्य चिकित्सा अभिलेख अधिकारी / कनिष्ठ चिकित्सा अभिलेख अधिकारी द्वारा एम्स में चिकित्सा अभिलेख प्रबंधन पर अभिविन्यास व्याख्यान दिया गया।
3. सेंट स्टीफन अस्पताल, नई दिल्ली के चिकित्सा अभिलेख प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रम के द्वितीय वर्ष के 9 छात्रों ने दिनांक 29 मार्च 2016 को चिकित्सा अभिलेख अनुभाग (मुख्य अस्पताल), केंद्रीय प्रवेश / पूछताछ कार्यालय और आर ए के बहिरंग रोगी विभाग का दौरा किया।
4. 22 मार्च 2016 को वित्तीय मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय लोक वित्तीय एवं नीति (एनआईपीएफपी) से चार कर्मचारी सदस्यों ने चिकित्सा अभिलेख विभाग और आरएके बहिरंग रोगी विभाग का दौरा किया।

प्रशिक्षण

1. डॉ. विकास एच., सीनियर रेजीडेंट, अस्पताल प्रशासन और सुश्री अंजू दीक्षित, चिकित्सा अभिलेख तकनीशियन, एम्स, मुख्य अस्पताल, 23 फरवरी 2016 को विकास भवन, दिल्ली में मुख्य पंजीयक (जन्म एवं मृत्यु) और आर्थिक एवं सांख्यिकी निदेशालय द्वारा आयोजित एमसीसीडी और आईसीडी–10 कोड के निर्दिष्ट पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
2. श्री प्रमोद जोशी, एलडीसी और श्री महेंद्र, एमआरटी (अनुबंध) 10 मार्च 2016 को सम्मेलन केंद्र, एनडीएमसी, पालिका केंद्र, नई दिल्ली में मुख्य पंजीयक (जन्म और मृत्यु) और आर्थिक और सांख्यिकी निदेशालय द्वारा संचालित नागरिक पंजीकरण प्रणाली पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
3. चिकित्सा अभिलेख अनुभाग और केंद्रीय पंजीकरण कार्यालय से आठ प्रतिनिधियों ने वर्ष के दौरान चरणबद्ध तरीके से सीबीएचआई, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, जयपुर केंद्र द्वारा आयोजित मुख्य अस्पताल विभिन्न सेवाकालीन अभिविन्यास प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों (अल्पावधि अर्थात एक सप्ताह) में भाग लेने के लिए नामित किया गया।

न्यायालय में उपस्थिति

दिल्ली तथा दिल्ली से बाहर विभिन्न न्यायालयों से चिकित्सा अभिलेख अनुभाग (मुख्य अस्पताल) से कुल संख्या 558 सम्मन/नोटिस प्राप्त हुए। संबंधित चिकित्सकों अथवा परामर्शदाताओं (मामले के अनुसार) तथा चिकित्सा अभिलेख विभाग के स्टाफ सदस्यों के विवादों को सुलझाने/निपटाने के लिए एम्स अस्पताल की ओर से न्यायालय में उपस्थित होने के लिए तैनात किया गया था।

प्रकरण अभिलेख जारी करना

लगभग 4052 चिकित्सा के प्रकरण अभिलेख (प्रकरण पत्रक) अनुसंधान, शिक्षा और अन्य शासकीय प्रयोजनों के लिए संबंधित परामर्शदाताओं द्वारा अधिकृत रेजीडेंटों के लिए जारी किए गए हैं।

चिकित्सा अभिलेखों का कम्प्यूटरीकरण

1. केंद्रीय भर्ती कार्यालय तथा मुख्य अस्पताल के अस्पताल पूछताछ कार्यालय को चिकित्सा अभिलेख अनुभाग सहित मुख्य अस्पताल और कार्डियोथोरेसिस और न्यूरोसाइंसेज (सीएन) केन्द्र के वॉर्ड क्षेत्रों का कंप्यूटरीकरण किया गया है और इन्हें एनआईसी के सॉफ्टवेयर से आपस में जोड़ा गया है। इस सॉफ्टवेयर से मुख्य अस्पताल में होने वाली सभी मृत्यु और जन्मों का अभिलेख तैयार किया जाता है।

2. भर्ती रोगी चिकित्सा अभिलेख का डिजिटलीकरण अभिलेखों का आसान पुनर्प्राप्ति के लिए 2014 से शुरू किया गया। इस तरह के मामले के अभिलेखों से अधिक 21 लाख पृष्ठों को स्कैन किया गया और अध्ययन एवं शिक्षा उद्देश्यों के लिए एम्स पुस्तकालय में रेजीडेंट और संकाय के लिए उपलब्ध है।

अंतः रोगी सेवाएं

1. अ. भा. आ. सं. देश भर से तथा विदेश से आने वाले रोगियों की बढ़ती जनसंख्या के बावजूद रोगी उपचार सेवा तथा गुणवत्ता की परम्परा को बनाए हुए है जो पूरे देश और विदेशों से अस्पताल में दिखाने के लिए आते हैं (चित्र 1)। वर्ष के दौरान मुख्य अस्पताल, हृद तंत्रिका केंद्र और दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र (सीडीईआर) की विभिन्न नैदानिक में कुल संख्या 1,22,691 रोगियों को भर्ती किया गया। विभाग, राज्य तथा जेंडर की भर्ती, छुट्टी और यहां ठहरने की औसत अवधि का विवरण तालिका 2 और 3 और चित्र 2 से 4 में दिया गया है।
2. मुख्य अस्पताल, सीएन केंद्र और सीडीईआर के विभिन्न शल्य चिकित्सा विषयों में वर्ष के दौरान कुल 1,11,850 शल्य चिकित्सा प्रक्रियाएं की गई थीं (तालिका 4)।
3. शिक्षा, अनुसंधान आदि के उद्देश्यों हेतु अंतरंग रोगियों के चिकित्सा अभिलेखों को आसानी से खोजने के लिए वर्गीकृत एवं श्रेणीबद्ध किया जाता है। इन अभिलेखों को उनके मामले अभिलेख संख्या के अनुसार कम्पेक्टर्स में रखा जाता है। हृद् तंत्रिका केंद्र और सीडीईआर के सभी अंतः रोगियों के रिकॉर्ड का रख–रखाव भी मुख्य अस्पताल के चिकित्सा अभिलेख अनुभाग द्वारा किया जाता है।

केंद्रीय भर्ती कार्यालय एवं अस्पताल पूछताछ

1. यह रुकावट के बिना 365 दिनों के लिए चौबीसों घंटे काम करता है।
2. इस कार्यालय द्वारा मुख्य अस्पताल, हृद वक्ष तंत्रिका विज्ञान केंद्र एवं सीडीईआर के अंतरंग क्षेत्रों की सभी भर्तियां निष्पादित की जाती हैं। यह रोगी पंजीकरण, भर्ती पर्ची (फेस शीट) का सृजन और परिचर पास जारी करना, आदि जैसे महत्वपूर्ण कार्यों का निष्पादन करता है।
3. यह रोगियों और एम्स के संबंध में शीघ्र और सटीक जानकारी प्रदान करने के लिए एक सामान्य जांच कार्यालय के रूप में भी कार्य करता है। यहां पारियों में कार्य करने स्वागत अधिकारी, कनिष्ठ चिकित्सा अभिलेख अधिकारी और चिकित्सा अभिलेख तकनीशियन, आदि कार्यरत हैं।

बाह्य रोगी विभाग और विशिष्टता क्लीनिक

1. कुल 18,33,156 रोगियों ने विभिन्न सामान्य ओ पी डी और मुख्य अस्पताल के आपातकालीन विभाग (तालिका 5) की विशिष्टता क्लीनिक में भाग लिया।

चिकित्सा अभिलेखों का काया–कल्प

1. श्रीमती पैटी एस. लिंगदोह, मुख्य चिकित्सा अभिलेख अधिकारी ने स्वच्छ भारत अभियान के तहत चिकित्सा अभिलेख अनुभाग, मुख्य अस्पताल और इससे संबंधित क्षेत्र साफ और स्वच्छ बनाने की पहल की। अस्पताल के चिकित्सा अभिलेख के लिए आबंटित बेसमेंट एरिया; पहला तल, अस्पताल भंडार; पहला तल, पोर्टा कैबिन, सी–1 वार्ड के पास; और इस गतिविधि में मुख्य अस्पताल अभिलेख कमरा शामिल था। प्रवेश, जन्म और मृत्यु रजिस्टरों में अच्छे से नई फाइल कवर और आसान पुनर्प्राप्ति के लिए अवधि के साथ स्टिकर के साथ रखा जाता है। उन्हें इस गतिविधि के लिए प्रशंसा प्रमाणपत्र से सम्मानित किया गया (चित्र)।
2. चिकित्सा अभिलेख अनुभाग, मुख्य अस्पताल में जगह की कमी से निपटने के लिए अंतरंग रोगी चिकित्सा अभिलेखों के ऑफ साइट अवधारणा शुरू की गई। 2006–10 के लिए रोगी चिकित्सा अभिलेख मेसर्स पी. एस. बेदी मामन इंडिया प्राइवेट लिमिटिड के माध्यम से ऑफ साइट भेजा गया।

सुश्री पैटी एस. लिंगदोह, मुख्य चिकित्सा अभिलेख अधिकारी एम्स के प्रति काया कल्प के तहत उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रशंसा प्रमाणपत्र प्राप्त किया और अस्पताल में साफ–सफाई, स्वच्छता और संक्रमण नियंत्रण को बढ़ावा देने में उत्कृष्ट की ओर केंद्रीय सरकारी अस्पतालों के बीच दूसरा पुरस्कार जीता।

क्र. सं.	मद	मुख्य अस्पताल		हृ. तं. केंद्र	
		2015–16	2014–15	2015–16	2014–15
1.	कुल भर्ती किए गए रोगी	102037	96689	20654	20721
	क. वयस्क एवं बच्चे	99578	93960	–	–
	ख. नवजात शिशु	2559	2729	–	–
2.	डिस्चार्ज हुए रोगियों की कुल संख्या (डीओआर और मृत्यु, फरार, एलएएमए सहित)	97423	89065	19235	19035
	क. वयस्क एवं बच्चे	94948	86374	–	–
	ख. नवजात शिशु	2475	2691	–	–
3.	उपचार के कुल दिन	331525	380812	117636	129522
	क. वयस्क एवं बच्चे	314974	364386	–	–
	ख. नवजात शिशु	16551	16426	–	–
4.	ठहरने की औसत अवधि (एएलएस नियमित)	7.7	4.3	9.0	6.8
	क. वयस्क एवं बच्चे	7.8	4.2	–	–
	ख. नवजात शिशु	6.7	6.1	–	–
5.	कुल रोगी देखभाल दिन (प्रतिदिन की गणना के अनुसार)	349833	345848	131667	129610
	क. वयस्क एवं बच्चे	347040	343410	–	–
	ख. नवजात शिशु	2793	2438	–	–
6.	रोगियों की प्रतिदिन औसत संख्या (प्रतिदिन की गणना के अनुसार)	958	947	361	355
	क. वयस्क एवं बच्चे	951	940	–	–
	ख. नवजात शिशु	7	7	–	–
7.	औसत बिस्तर अधिभोग (प्रतिशत)	88.4	87.9	86.1	84.6
	क. वयस्क एवं बच्चे (प्रतिशत)	87.7	88.9	–	–
	ख. नवजात शिशु (प्रतिशत)	0.7	33.4	–	–
8.	अस्पताल में जन्म	2559	2568	–	–
	क. लड़का	1312	1377	–	–
	ख. लड़की	1245	1191	–	–
	ग. इंटर सेक्स	2	–	–	–
9.	अंतरंग रोगी के बीच कुल मृत्यु (नवजात शिशु सहित)	2971	2723	877	842
	क. 48 घंटे के भीतर मृत्यु	1193	1203	263	293
	ख. 48 घंटे के बाद मृत्यु	1778	1520	614	549
	ग. सकल मृत्यु दर (प्रतिशत)	3.0	3.1	4.6	4.4
	घ. शुद्ध मृत्यु दर (प्रतिशत)	1.8	1.75	3.2	2.9
10.	कुल आपातकालीन में रोगी उपस्थित	180270	143034	–	–
	क. मृत्यु	2206	2072	–	–
	ख. मृत लाए गए रोगी	1219	969	–	–

चित्र 1 अंतरंग रोगियों का भौगोलिक वितरण

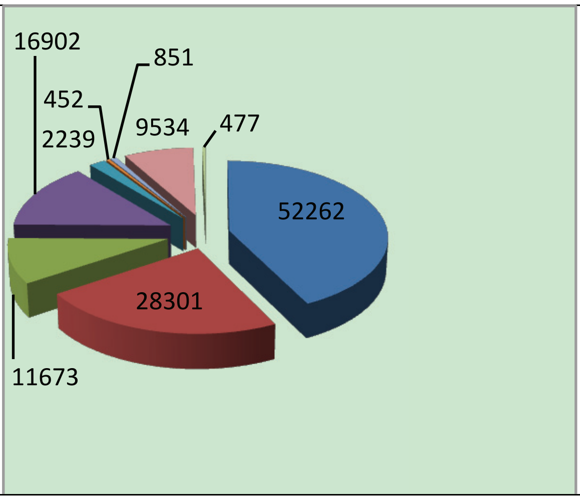

दिल्ली
उत्तर प्रदेश
हरियाणा
बिहार
राजस्थान
पंजाब
जम्मू और कश्मीर
अन्य राज्य
अन्य देश / विदेश

तालिका 2 विभाग वार भर्ती (मुख्य अस्पताल, हृद तंत्रिका केंद्र और सीडीईआर)

विभाग	भर्ती		अस्पताल से छुट्टी (डीओआर, मृत्यु, चले जाने वाले, एलएएमए, सहित)		उपचार के कुल दिन अवधि		ठहरने की औसत अवधि
	नियमित	अल्पकालीन	नियमित	अल्पकालीन	नियमित	अल्पकालीन	नियमित
एनेस्थिसियोलॉजी (पीड़ा क्लिनिक)	0	537	0	509	0	509	0.0
दंत चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान केंद्र	566	246	506	245	4002	245	7.9
त्वचा रोग	661	2817	633	2763	5958	2763	9.4
अंतःस्रावी	497	99	502	97	7677	97	15.3
जठरांत्र रोग विज्ञान	1610	1916	1522	1752	14641	1752	9.6
जठरांत्र शल्य चिकित्सा एवं लिवर प्रतिरोपण	739	422	717	356	12050	356	16.8
जरा चिकित्सा	613	360	567	329	7140	329	12.6
रुधिरविज्ञान	814	9430	766	9226	7297	9226	9.5
कायचिकित्सा 1	1211	680	1260	577	12582	577	10.0
कायचिकित्सा 2	754	398	858	306	8235	306	9.6
कायचिकित्सा 3	1480	1087	1217	1149	9985	1149	8.2
वृक्कविज्ञान	947	8248	882	8010	6555	8010	7.4
नवजातविज्ञान	2559	0	2475	0	16551	0	6.7
नवजात गहन चिकित्सा कक्ष	183	20	183	19	1699	19	9.3
नाभिकीय चिकित्सा	490	156	429	176	703	176	1.6
प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान 1	2221	2205	2176	2090	13365	2090	6.1

प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान 2	2417	2407	2191	2383	12468	2383	5.7
प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान 3	1929	1999	1874	1946	11849	1946	6.3
कैंसर विज्ञान (मुख्य)	557	1	580	0	3185	0	5.5
अस्थिरोग 1	1255	1973	1201	1739	9439	1739	7.9
अस्थिरोग 2	1108	1863	1128	1633	10317	1633	9.1
ऑटोलेरिन्जोलॉजी 1	625	1248	648	1100	3255	1100	5.0
ऑटोलेरिन्जोलॉजी 2	521	1092	500	1023	3265	1023	6.5
ऑटोलेरिन्जोलॉजी 3	535	1039	511	934	3352	934	6.6
बाल चिकित्सा 1	642	2891	751	2598	3890	2598	5.2
बाल चिकित्सा 2	405	1517	544	1343	4210	1343	7.7
बाल चिकित्सा 3	1700	9118	1369	9243	2376	9243	1.7
बालशल्य चिकित्सा	1588	1660	1559	1535	14646	1535	9.4
भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास	30	0	29	0	1329	0	45.8
मनोचिकित्सा	263	0	218	0	8350	0	38.3
निद्रा संबंधी और श्वास विकार	789	2355	796	2167	5813	2167	7.3
विकिरण चिकित्सा	12	0	17	0	56	0	3.3
संधिशोथ	0	7	0	7	0	7	0.0
शल्य चिकित्सा 1	1058	662	1045	571	8053	571	7.7
शल्य चिकित्सा 2	1172	745	1176	581	8404	581	7.1
शल्य चिकित्सा 3	895	545	964	423	7898	423	8.2
शल्य चिकित्सा 4	1726	1190	1594	997	10282	997	6.5
मूत्ररोग विज्ञान	1805	4727	1679	4529	8292	4529	4.9
कुल (मुख्य)	36377	65660	35067	62356	269169	62356	7.7

हृदविज्ञान	4155	4551	4049	4262	20854	4262	5.2
हृद वक्ष एवं वाहिका शल्य चिकित्सा	3296	05	3152	04	30900	04	9.8
तंत्रिकाविज्ञान 1	844	602	801	508	7381	508	9.2
तंत्रिकाविज्ञान 2	744	511	667	469	6708	469	10.1
तंत्रिकाविज्ञान 3	979	718	811	728	8114	728	10.0
तंत्रिका–शल्य चिकित्सा 1	1573	679	1436	586	19578	586	13.6
तंत्रिका–शल्य चिकित्सा 2	1400	595	1348	412	17130	412	12.7
तंत्रिका संवेदनाहरण	00	02	00	02	00	02	0.0
कुल (हृद तंत्रिका केन्द्र)	12991	7663	12264	6971	110665	6971	9.0

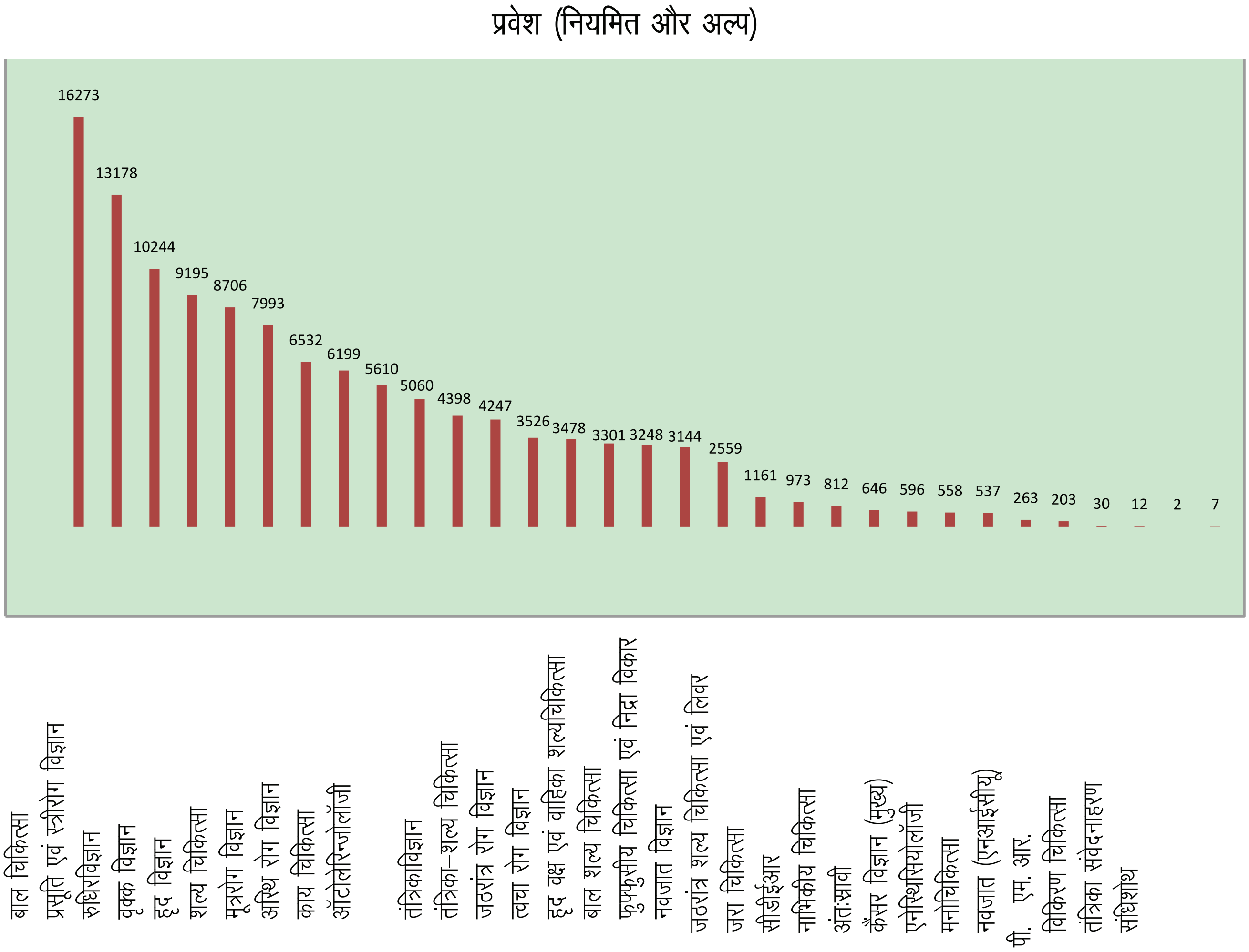

चित्र 2 विभाग वार भर्ती

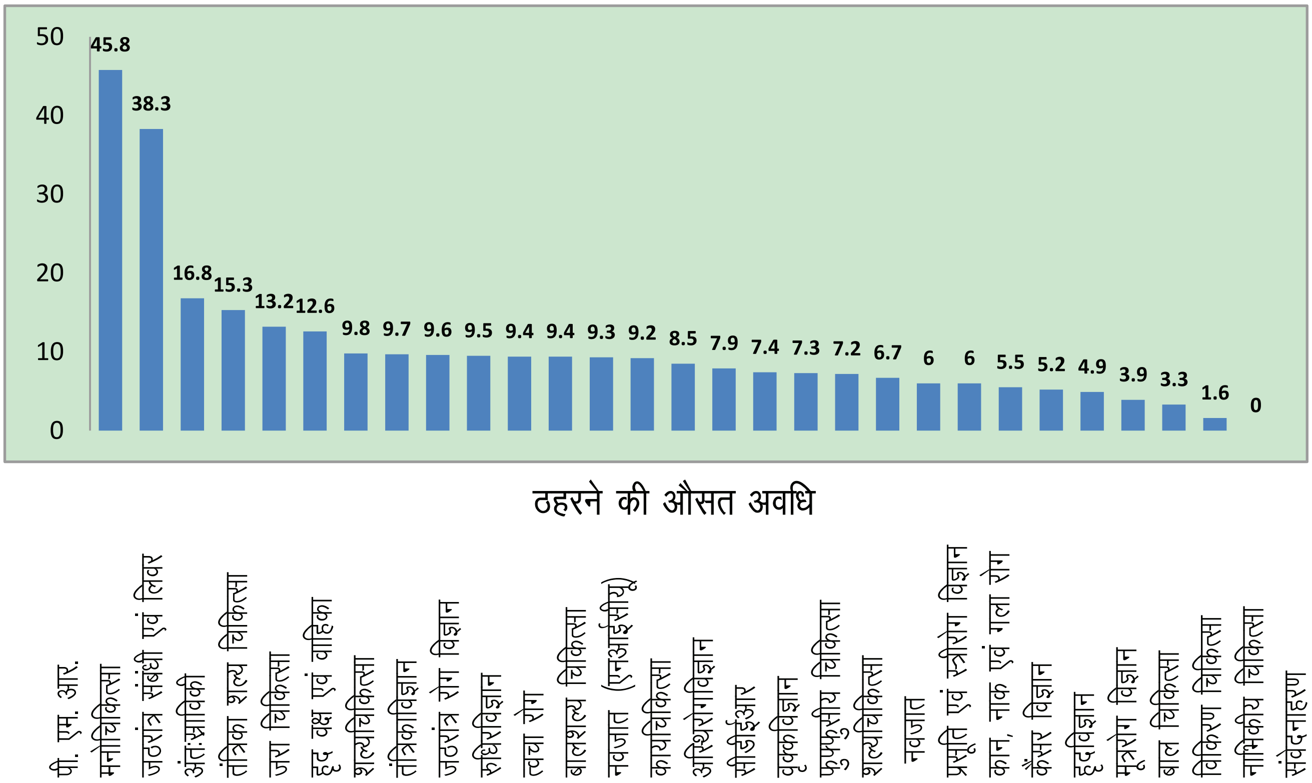

चित्र 3. विभाग वार ठहरने की औसत अवधि

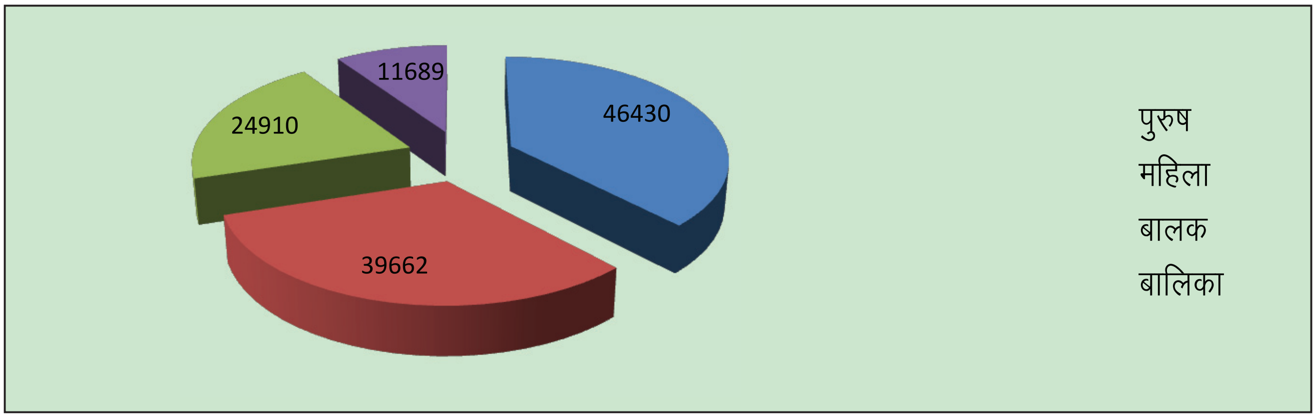

चित्र 4 लिंग–वार वितरण

तालिका 3. वर्ष के दौरान मृत्यु विभाग–वार

विभाग	कुल मृत्यु	48 घंटे के अंदर मृत्यु	48 से अधिक मृत्यु	सकल मृत्यु दर (प्रतिशत)	शुद्ध मृत्यु दर (प्रतिशत)
संवेदनाहरण विज्ञान (पीड़ा क्लिनिक))	02	00	02	0.4	0.4
दंत शल्यचिकित्सा / सीडीईआर	01	00	01	0.1	0.1
त्वचा रोग विज्ञान	16	03	13	0.5	0.4
अंतःस्रावी	08	03	05	1.3	0.8
जठरांत्र रोग विज्ञान	415	195	220	12.7	7.1
जठरांत्र और यकृत	72	13	59	6.7	5.6
जरा चिकित्सा	67	17	50	7.5	5.7
रुधिरविज्ञान	327	104	223	3.3	2.3
कायचिकित्सा 1	367	171	196	31.5	19.7
कायचिकित्सा 2	313	148	165	13.2	7.4
कायचिकित्सा 3	342	156	186	3.8	2.1
वृक्कविज्ञान	137	36	101	5.5	4.1
नवजात	12	03	09	5.9	4.5
नवजात (एनआईसीयू)	47	17	30	7.8	5.1
नाभिकीय चिकित्सा	00	00	00	0.0	0.0
प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान 1	09	02	07	0.2	0.2
प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान 2	05	02	03	0.1	0.1
प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान 3	01	01	00	0.0	0.0
कैंसर विज्ञान (मुख्य)	186	115	71	10.1	4.1
अस्थिरोगविज्ञान 1	11	00	11	0.4	0.4

अस्थिरोगविज्ञान 2	04	00	04	0.2	0.2
ऑटोलेरिन्जोलॉजी 1	02	00	02	0.1	0.1
ऑटोलेरिन्जोलॉजी 2	06	02	04	0.4	0.3
ऑटोलेरिन्जोलॉजी 3	07	05	02	1.2	0.3
बाल चिकित्सा 1	61	24	37	1.8	1.1
बाल चिकित्सा 2	64	22	42	3.4	2.3
बाल चिकित्सा 3	94	41	53	0.9	0.5
बालशल्य चिकित्सा	76	20	56	2.5	1.8
पी. एम. आर.	00	00	00	0.0	0.0
मनोचिकित्सा	00	00	00	0.0	0.0
फुफ्फुसीय चिकित्सा एवं निद्रा विकार	162	47	115	5.5	3.9
विकिरण चिकित्सा	01	01	00	0.1	0.0
संधिशोथ	00	00	00	0.0	0.0
शल्य चिकित्सा 1	49	14	35	3.0	2.2
शल्य चिकित्सा 2	33	09	24	1.9	1.4
शल्य चिकित्सा 3	18	05	13	1.3	0.9
शल्य चिकित्सा 4	40	12	28	1.5	1.1
मूत्ररोग विज्ञान	16	05	11	0.3	0.2
कुल (मुख्य)	2971	1193	1778	3.0	1.8
हृदविज्ञान	216	126	90	2.6	1.1
हृद वक्ष एवं वाहिका शल्य चिकित्सा	235	40	195	7.4	6.3
तंत्रिकाविज्ञान 1	86	24	62	6.6	4.8
तंत्रिकाविज्ञान 2	70	20	50	6.2	4.9
तंत्रिकाविज्ञान 3	68	13	55	4.4	3.6
तंत्रिका–शल्य चिकित्सा 1	105	21	84	5.2	4.2
तंत्रिका–शल्य चिकित्सा 2	97	19	78	5.5	4.5
तंत्रिका संवेदनाहरण	00	00	00	0.0	0.0
कुल (हृद तंत्रिका केन्द्र)	*877*	*263*	*614*	*4.6*	*3.2*

तालिका 4 शल्य चिकित्सा प्रक्रिया

विभाग	बड़े	छोटे		कुल
		अंतरंग रोगी मामले	बाह्य रोगी मामले	
शल्यचिकित्सा 1	873	362	3038	4273
शल्यचिकित्सा 2	1102	313	2855	4270
शल्यचिकित्सा 3	845	250	2682	3777
शल्यचिकित्सा 4	1278	679	3458	5415
जठरांत्र शल्य चिकित्सा एवं लिवर प्रतिरोपण	618	0	0	618

मूत्ररोग विज्ञान	1770	396	13051	15217
प्रसूति विज्ञान	1239	121	0	1360
ओटी इन–विट्रो फर्टिलाइजेशन	0	1557	0	1557
स्त्रीरोग विज्ञान 1	764	524	157	1445
स्त्रीरोग विज्ञान 2	1038	680	167	1885
स्त्रीरोग विज्ञान 3	616	437	124	1177
भ्रूण चिकित्सा	0	695	0	695
ऑटोलेरिन्जोलॉजी 1	1057	622	6490	8169
ऑटोलेरिन्जोलॉजी 2	851	640	6257	7748
ऑटोलेरिन्जोलॉजी 3	820	584	6012	7416
अस्थिरोग 1	1826	890	0	2716
अस्थिरोग 2	1677	1137	0	2814
बालशल्य चिकित्सा	2199	06	0	2205
आपात विभाग	0	144	0	144
प्लास्टिक सर्जरी	73	68	0	141
फुफ्फुसीय चिकित्सा एवं निद्रा विकार	6	0	0	06
एनेस्थिसियोलॉजी (पीड़ा क्लिनिक)	19	417	0	436
रुधिरविज्ञान	7	0	0	07
भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास	0	0	3242	3242
त्वचा रोग	0	0	9175	9175
कुल (मुख्य)	18678	10522	56708	85908

हृद वक्ष एवं वाहिका शल्य चिकित्सा	3909	0	0	3909
तंत्रिकाविज्ञान 1	1588	137	0	1725
तंत्रिकाविज्ञान 2	1551	131	0	1682
कुल (हृद तंत्रिका केन्द्र)	7048	268	0	7316

दंत शल्यचिकित्सा / सीडीईआर	546	08	18072	18626

तालिका 5. बाह्य रोगी उपस्थिति

काय चिकित्सा विभाग		नए रोगी	पुराने रोगी	कुल
काय चिकित्सा	**1.** सामान्य ओ पी डी	69825	82284	152109
	संधिशोथ	55	5266	5321
जरा चिकित्सा		13251	22587	35838
फुफ्फुसीय चिकित्सा एवं निद्रा विकार	**1.** सामान्य ओ पी डी	10887	20647	31534
	2. विशिष्टता क्लिनिक			
	क. निद्रा विकार	212	248	460
	ख. फेफड़ा कैंसर	313	1149	1462
	ग. आईएलडी– पीएएच	206	243	449
	घ. संयुक्त फुफ्फुसीय शल्य चिकित्सा	98	44	142

नाभिकीय चिकित्सा		2422	7568	9990
अंतःस्राविकी		14225	24731	38956
वृक्कविज्ञान	**1.** सामान्य ओ पी डी	9106	30426	39532
	2. विशिष्टता क्लिनिक			
	क. प्रतिरोपण	122	10322	10444
	ख. गुर्दा प्रत्यारोपण परामर्श	514	1125	1639
रुधिरविज्ञान		4281	13741	18022
जठरांत्र रोग विज्ञान		26226	30548	56774

बाल चिकित्सा	**1.** सामान्य ओ पी डी	41259	75282	116541
	2. विशिष्टता क्लिनिक			
	क. स्वस्थ शिशु	680	36	716
	ख. फॉलोअप टी बी	319	1919	2238
	ग. गुर्दा	291	2351	2642
	घ. बाल तंत्रिकाविज्ञान	1134	3080	4214
	ङ. बाल वक्ष	424	3151	3575
	च. उच्च जोखिम नवजात	718	2848	3566
	छ. आनुवंशिक एवं जन्म दोष	2991	1139	4130
	ज. अर्बुदविज्ञान	166	2346	2512
	झ. बाल विकास	747	1195	1942
	ञ. अंतःस्राविकी	463	1476	1939
	ट. न्यूरो सिस्टीसिर्कोसिस	350	1698	2048
	ठ. बाल कैंसर उत्तरजीवी	179	1114	1293
	ड. संधिशोथ	405	2813	3218
	ढ. मायोपैथी	403	1406	1809
	ण. बाल जठरांत्र रोग विज्ञान	481	1918	2399
त्वचा रोग	**1.** सामान्य ओ पी डी	31807	37441	69248
	2. विशिष्टता क्लिनिक			
	क. यौन संचारित रोग (त्वचा रोग विज्ञान सर्ज.)	894	1644	2538
	ख. एलर्जी	702	1883	2585
	ग. कुष्ठ रोग	333	2535	2868
	घ. पिगमेन्टेशन	689	2296	2985
	ङ. त्वचा शल्य चिकित्सा	823	1141	1964
मनोचिकित्सा	**1.** सामान्य ओ पी डी	18184	45353	63537
	2. विशिष्टता क्लिनिक			
	क. बाल–मार्गदर्शन	797	535	1332
शल्यक विभाग		नए रोगी	पुराने रोगी	कुल
शल्य चिकित्सा	**1.** सामान्य ओ पी डी	47064	36479	83543
	2. विशिष्टता क्लिनिक			
	क. प्लास्टिक सर्जरी	300	108	408

मूत्ररोग विज्ञान		19652	34946	54598
जठरांत्र संबंधी शल्य चिकित्सा		2876	7048	9924
बाल शल्य चिकित्सा	**1.** सामान्य ओ पी डी	7376	14902	22278
	2. विशिष्टता क्लिनिक			
	क. हाइड्रोसेफेलस	9	109	118
	ख. मूत्ररोग विज्ञान	407	2929	3336
	ग. पी.एस.टी.सी.	96	377	473
संवेदनाहरण	क. पीड़ा क्लिनिक	1303	1827	3130
	ख. पूर्व संवेदनाहरण क्लिनिक	7015	289	7304
अस्थि रोग	**1** सामान्य ओ पी डी	58717	78874	137591
	2. विशिष्टता क्लिनिक			
	क. फिजियोथेरेपी	20671	34875	55546
	ख. ऑक्यूपेशनल चिकित्सा	1530	8425	9955
	ग. हाइड्रोथेरैपी	1548	7046	8594
	घ. फॉलोअप	0	16193	16193
	ङ. ट्यूबरकुलोसिस	117	567	684
	च. स्कोलियोसिस	678	1582	2260
	छ. हाथ	1418	1753	3171
	ज. सी टी ई वी	199	2430	2629
	i. खेल	113	133	246
नाक, कान एवं गला रोग विज्ञान सहित आर यू ए एस	**1.** सामान्य ओ पी डी	40293	46173	86466
	2. विशिष्टता क्लिनिक			
	क. श्रवणविज्ञान	176	56	232
	ख. वाक	2519	3662	6181
	ग. श्रवण	442	409	851
	घ. वाणी	377	105	482
	ङ. वर्टिगो	165	123	288
	च. नासाविज्ञान	200	55	255
प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान	**1.** सामान्य ओ पी डी	38321	72674	110995
	2. विशिष्टता क्लिनिक			
	क. आई वी एफ	902	3238	4140
	ख. परिवार कल्याण	5108	3740	8848
	ग. प्रसव पूर्व	895	5167	6062
	घ. अंतःस्राविकी स्त्रीरोग विज्ञान	44	74	118
	ङ. उच्च जोखिम सगर्भता	2276	12725	15001
विकिरण चिकित्सा		454	1651	2105
भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास	**1.** सामान्य ओ पी डी	15174	22577	37751
	2. विशिष्टता क्लिनिक			
	क. प्रोस्थेटिक्स और ऑर्थोडोंटिक्स	5884	9138	15022
	ख. अक्षमता मूल्यांकन	0	166	166
	ग. ओपीडी (पीटी अनुभाग)	0	13334	13334
	घ. ओपीडी (ओटी अनुभाग)	0	10417	10417
	ङ. ओपीडी (एमएसडब्ल्यू)	0	3110	3110
अन्य	**1.** आपातकालीन/आपात	138297	41973	180270
	2. कर्मचारी स्वास्थ्य योजना	111719	85262	196981
	3. पोषण	7589	0	7589
महा योग		798906	1034250	1833156

6.2 आहारविज्ञान

मुख्य आहारविद्
डॉ. (श्रीमती) अलका मोहन चुटानी

वरिष्ठ आहारविद्
डॉ. (श्रीमती) परमीत कौर

आहारविद्
सुश्री स्वपना चतुर्वेदी

सहायक आहारविद्
सुश्री गुरदीप कौर
सुश्री मोनीता गहलोत
सुश्री वसुंधरा सिंह
सुश्री अंजलि भोला
सुश्री रेखा पाल

अंतरंग रोगियों, जिन्हें विभिन्न आहार परोसे गए (मुख्य अस्पताल एवं केन्द्र)

आहार का प्रकार	संख्या	आहार का प्रकार	संख्या
सामान्य आहार	3,78,341	प्राइवेट वार्ड हेतु आहार	81,617
अर्धठोस आहार	59,489	चिकित्सीय आहार	1,62,143
एन्टरल भोजन	46,617		
कुल	7,28,207		

बाह्य (ओपीडी) पोषण परामर्श

लिंग	ओपीडी रोगी	अंतरंग	कुल *
पुरुष	4138	2887	7025
महिला	3451	3945	7396
कुल	7589	6832	14421

*** बाल चिकित्सा वार्ड और केंद्र अंतः स्राविकी के अतिरिक्त**

शिक्षा
सीएनई (सतत पोषण शिक्षा)

1. खाद्य सुरक्षा पर अद्यतन, डॉ. अनीता मल्होत्रा, सह आचार्य, लक्ष्मीबाई कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, 10 जुलाई 2015.
2. डायबिटीज के प्रबंधन में मूल्य संवर्धित बाजरा – आधारित चिकित्सीय भोजन, डॉ. निर्मला यानेगी, प्रोफेसर, एफएसएन कॉलेज ऑफ रूरल होम साइंस, धारवाड़, 11 जनवरी 2016.
3. पोषण सप्ताह, 1–7 सितंबर 2015
   क. सुबह और शाम के स्टाफ के लिए हेल्दी ब्रेकफास्ट रेसिपी पर मास्टर कुक प्रतियोगिता (रसोइयां और मसालची पदाधिकारी)
   ख. स्टाफ में पोषण शिक्षा प्रदान करने के लिए क्विज प्रतियोगिता।
   ग. अल्पकालिक प्रशिक्षण छात्रों के लिए स्वच्छ और हरित भारत पर स्लोगन प्रतियोगिता आयोजित की गई।
   काया कल्प
1. विभाग में प्रमुख रसोई घर के सभी क्षेत्रों के साथ साथ निम्नलिखित क्षेत्रों में कर्मचारियों के लिए विकसित स्वच्छता/व्यक्तिगत स्वच्छता की जांचसूची :

क. कर्मचारी की व्यक्तिगत स्वच्छता च. खाना पकाने के सभी क्षेत्र ख. ट्रॉली की दैनिक साफ–सफाई छ. विभाग का बाहरी क्षेत्र ग. कार्यालय
ज. गैस बैंक क्षेत्र घ. वॉश रूम झ. स्टाफ रूम ङ अस्पताल की पेंट्रीज

2. निम्नलिखित क्षेत्रों के लिए विकसित साइनेज बोर्ड
क. खाना पकाने का क्षेत्र घ. गैस बैंक ख. चपाती मशीन ङ. स्टाफ शौचालय ग. आर. ओ. वॉटर च. ट्रॉली आउट टाइम

3. कर्मचारी द्वारा कैप, ग्लव्स और हेड गीयर्स पहनने की प्रथा लागू करने की शुरूआत की गई।

कम्प्यूटरीकरण

आहार भंडार के लिए सभी वस्तुओं को सभी स्टॉक /इंडेंट, प्राप्त करने और जारी करने का कंप्यूटरीकरण पूरा किया गया। इसके अलावा, डाइट शीट्स इंडेंट की गईं, जांच की गई और ऑनलाइन संकलन भी किया गया है।

प्रशिक्षण

6–11 अप्रैल 2015; 13–18 अप्रैल 2015, 20–25 अप्रैल 2015 और 27 अप्रैल – 2 मई 2015 के 4 बैचों में 'नेशनल स्किल सर्टिफिकेशन' योजना के लिए पूसा इंस्टीट्यूट में 24 रसोइयों और मसालची पदाधिकारियों को भेजा गया।

अन्य

1. विभाग के लिए एफएसएसएआई पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू की गई।
2. निजी वार्ड के नाश्ते के लिए नई व्यंजनों की शुरूआत की।
3. डायलिसिस यूनिट के लिए नए व्यंजनों की शुरूआत की।
4. विभिन्न भोजन के लिए भोजन परोसने का समय बदला गया।

6.3 नर्सिंग सेवाएं

मुख्य नर्सिंग अधिकारी (कार्यकारी)
सुश्री सरिता मेहता (9 जून 2014 से)
⇩
परिचर्या अधीक्षक : 5
⇩
उप परिचर्या अधीक्षक : 36
सहायक परिचर्या अधीक्षक : 169
⇩
स्टाफ नर्स ग्रेड 1 : 894
⇩
स्टाफ नर्स ग्रेड 2 : 2789

नर्सिंग सेवा एम्स का एक अभिन्न अंग है, जिसका उद्देश्य रोगी और समुदाय को उच्च गुणवत्ता नर्सिंग देखभाल प्रदान करना है। पेशेवर नर्सें एक ऐसे परिवेश में कार्य करती हैं जो कि अस्पताल में संबद्ध विभागों के अन्य सदस्यों के साथ व्यापक रोगी सेवाएं प्रदान करने में व्यावसायिकता और विशेषज्ञता को प्रोत्साहित करती हैं।

स्टाफ संख्या

अ. भा. अ. सं. में मुख्य कार्यबल का गठन विभिन्न विभागों से प्रशिक्षित व्यावसायिक नर्सों को शामिल करते हुए किया जाता है। एस आई यू (स्टाफ निरीक्षण एकक) मानकों पर स्टाफिंग नर्सिंग सेवाएं आधारित होती है।

सतत नर्सिंग शिक्षा

नर्सिंग स्टाफ शिक्षा के क्षेत्र में नर्सिंग देखभाल के स्तर में सुधार करने के लिए लगातार नर्सों के व्यावहारिक ज्ञान को अद्यतन करने के लिए सेवाकालीन और सतत शिक्षा कार्यक्रम द्वारा वर्ष भर किया जाता है।

नर्सिंग सेवाकालीन शिक्षा कार्यक्रम

सरलीकरणकर्ता : सुश्री सरिता मेहता, सीएनओ

परामर्शदाता : सुश्री सुमन आर. कश्यप, डीएनएस

शिक्षक

सुश्री रिबेका जे. हेराल्ड, सिस्टर ग्रेड 1 (एचआर)

सुश्री जेसी शाजी पॉल, सिस्टर ग्रेड 1

सुश्री पूनम आनंद, सिस्टर ग्रेड 1

अच्छी तरह से संरचित, सेवाकालीन शिक्षा कार्यक्रम जनवरी 2011 के बाद से आयोजित किया गया। प्रारंभ में, यह प्रत्येक एक घंटे की सप्ताह में दो बार की कक्षाओं के साथ शुरू किया गया था। बाद में इसे सप्ताह में तीन बार के लिए बढ़ा दिया गया। प्रति सप्ताह रोगी के बिस्तर के पास कार्य करने वाली नर्सों (सिस्टर ग्रेड ।। और सिस्टर ग्रेड ।) के लिए दो कक्षाओं का आयोजन किया गया, जबकि एक सप्ताह में एक कक्षा वरिष्ठ नर्सों (सिस्टर प्रभारी और उपरोक्त) के लिए है ।

मुख्य अस्पताल में विभिन्न विभागों से सेवाकालीन शिक्षा साप्ताहिक कक्षाओं में कुल 2115 नर्सों ने (सीएनओ 1, एनएस 1, डीएनएस 8, एएनएस 225, सिस्टर ग्रेड प्रथम की 782, सिस्टर ग्रेड ।। की 1098) भाग लिया।

वर्षों के दौरान निम्नलिखित व्याख्यान दिए गए थे।

1. सिस्टर प्रभारी / एएनएस / डीएनएस / एनएस / सीएनओ के लिए कक्षाएं

- नैदानिक क्षेत्र में स्टाफिंग
- संघर्ष प्रबंधन
- व्यक्तित्व विकास
- सुरक्षित रक्ताधान अभ्यास
- मधुमेह
- एम्स ट्रांसफॉर्मेशन के लिए संवेदनशील कार्यक्रम
- संधि शोथ
- संचार कौशल
- डेंगू बुखार के साथ रोगी का प्रबंधन
- क्लेव कनेक्टर्स का उपयोग
- इंफ्लुएंजा के साथ रोगी का प्रबंधन
- अंतः शिरा फ्लूड थैरेपी
- घाव प्रबंधन
- उच्च रक्तचाप के साथ रोगी के प्रबंधन
- समस्या को सुलझाना

2. **बेडसाइड नर्सों के लिए कक्षाएं**

- सुरक्षित दवा प्रशासन
- इंजेक्शन क्लेक्सेन प्रशासन
- सुरक्षित रक्तधान अभ्यास
- मधुमेह
- संधि शोथ
- डेंगू बुखार के साथ रोगी का प्रबंधन
- इंफ्लुएंजा के साथ रोगी का प्रबंधन
- अंतः शिरा फ्लूड थैरेपी
- घाव प्रबंधन
- उच्च रक्तचाप के साथ रोगी के प्रबंधन

विभिन्न बैचों में उपरोक्त विषयों पर कुल **167 व्याख्यान** लिए गए थे।

बुजुर्ग स्वास्थ्य देखभाल के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपीएचसीई) मुख्य अस्पताल से नर्सों के लिए मासिक कार्यशाला वृद्धावस्था चिकित्सा विभाग के सहयोग से आयोजित की गई। नर्सिंग शिक्षकों द्वारा कार्यशाला में सत्रों की भी सुविधा है। पांच कार्यशालाओं का आयोजन किया गया और 148 नर्सों को प्रशिक्षित किया गया।

एक सुनिश्चित उन्मुखीकरण कार्यक्रम 2015–17 के बी. एससी पीसी बैचों के लिए आयोजित किया गया।

स्वयं के कार्य क्षेत्र में नर्सिंग देखभाल के मानकों का उन्नयन करने के लिए और व्यावहारिक मुद्दों को हल करने का मुख्य अस्तपाल के ए से डी विंग्स में नैदानिक शिक्षण शुरू किया गया। यह प्रयास नैदानिक क्षेत्रों के बेडसाइड नर्सों और पर्यवेक्षी नर्सिंग कर्मियों की सक्रिय भागीदारी के साथ 1 जनवरी 2015 को शुरू किया गया। 31 मार्च 2016 तक आयोजित सत्रों की संख्या इस प्रकार हैं :

- सुश्री रिबेका हेराल्ड के पर्यवेक्षण के तहत एबी विंग में 175 सत्र।
- सुश्री जेसी शाजी पॉल के पर्यवेक्षण के तहत सी विंग में 86 सत्र।
- सुश्री पूनम आनंद के पर्यवेक्षण के तहत डी विंग में 65 सत्र।

नर्सिंग में उच्च अध्ययन

एम्स में नर्सिंग सेवाओं के उच्च अध्ययन के लिए प्रचुर अवसर सुविधा से नर्सिंग देखभाल में सुधार लाने पर ध्यान केंद्रित। नियमित सेवाओं के 5 वर्ष के बाद, नर्सें पूर्ण वेतन के साथ उच्च अध्ययन को आगे बढ़ाने के लिए पात्र हैं। वर्ष के दौरान बेसिक बी. एससी नर्सिंग प्रोग्राम में 14 नर्सों ने और 4 ने एम. एससी नर्सिंग प्रोग्राम में भाग लिया।

सम्मेलन और कार्यशाला में भाग लिया

1. 12 अप्रैल 2015 : सीएनई, ओंकोलॉजी नर्सिंग में बेसिक, आईआरसीएच सेमिनार रूम : 6 प्रतिभागी।
2. 19 अप्रैल 2015 : वरिष्ठ नागरिकों के लिए दूसरा वार्षिक वॉकथॉन और कार्यशाला : 25 प्रतिभागी।
3. 21 अप्रैल 2015 : सीएनई, कंप्यूटरीकरण कार्यशाला, सीएमईटी : 21 प्रतिभागी।
4. 23 अप्रैल 2015 : बुजुर्ग के स्वास्थ्य देखभाल के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपीएचसीई), बुजुर्ग के देखभाल में नर्सों का प्रशिक्षण, वृद्धावस्था चिकित्सा और सेवाकालीन शिक्षा इकाई, मुख्य अस्पताल : 28 प्रतिभागी।
5. 14–16 मई 2015 : जीएफएटीएम राउंड 7 परियोजना के तहत नर्सों के लिए टीबी प्रशिक्षण, नाइटटिंगले इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग, नोएडा, उ. प्र. : 3 प्रतिभागी।
6. 16 मई 2015 : टर्मिनल स्टरलाइजेशन पर विज्ञान, द्वारका, नई दिल्ली : 3 प्रतिभागी।
7. 18 मई 2015 : सीएनई, कंप्यूटरीकरण कार्यशाला, सीएमईटी : 36 प्रतिभागी।
8. 28 मई 2015 : बुजुर्ग स्वास्थ्य देखभाल के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपीएचसीई), बुजुर्ग के देखभाल में नर्सों का प्रशिक्षण, वृद्धावस्था चिकित्सा और सेवाकालीन शिक्षा इकाई, मुख्य अस्पताल : 34 प्रतिभागी।
9. 28–30 मई 2015 : जीएफएटीएम राउंड 7 परियोजना के तहत नर्सों के लिए टीबी प्रशिक्षण, नाइटेंगल इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग, नोएडा, उ. प्र. : 1 प्रतिभागी।
10. 4–6 जून : जीएफएटीएम राउंड 7 परियोजना के तहत नर्सों के लिए टीबी प्रशिक्षण, नाइटेंगल इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग, नोएडा, उ. प्र. : 3 प्रतिभागी।

11. 18–20 जून 2015 : जीएफएटीएम राउंड 7 परियोजना के तहत नर्सों के लिए टीबी प्रशिक्षण, नाइटेंगल इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग, नोएडा, उ. प्र. : 2 प्रतिभागी।

12. 18 जून 2015 : बुजुर्ग के स्वास्थ्य देखभाल के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपीएचसीई), बुजुर्ग के देखभाल में नर्सों का प्रशिक्षिण, वृद्धावस्था चिकित्सा और सेवाकालीन शिक्षा इकाई, मुख्य अस्पताल : 26 प्रतिभागी।

13. 22 जून 2015 : सीएनई, कंप्यूटरीकरण कार्यशाला, सीएमईटी : 30 प्रतिभागी।

14. 22 – 24 जून 2015 : जीएफएटीएम राउंड 7 परियोजना के तहत नर्सों के लिए टीबी प्रशिक्षण, नाइटेंगल इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग, नोएडा, उ. प्र. : 2 प्रतिभागी।

15. 6–8 जुलाई 2015 : जीएफएटीएम राउंड 7 परियोजना के तहत नर्सों के लिए टीबी प्रशिक्षण, नाइटेंगल इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग, नोएडा, उ. प्र. : 2 प्रतिभागी।

16. 12 जुलाई 2015 : कैंसर विज्ञान कार्यशाला, आईआरसीएच सेमिनार रूम : 22 प्रतिभागी।

17. 13–15 जुलाई 2015 : जीएफएटीएम राउंड 7 परियोजना के तहत नर्सों के लिए टीबी प्रशिक्षण, नाइटेंगल इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग, नोएडा, उ. प्र. : 2 प्रतिभागी।

18. 21–25 जुलाई 2015 : प्रभावी रोगी देखभाल के लिए नर्सिंग में उन्नत शैक्षिक प्रौद्योगिकी, टीएनएआई, ग्रेटर नोएडा : 2 प्रतिभागी।

19. 22 जुलाई 2015 : सीएनई, कंप्यूटरीकरण कार्यशाला, सीएमईटी : 29 भागीदारी।

20. 23 जुलाई 2015 : बुजुर्ग के स्वास्थ्य देखभाल के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपीएचसीई), बुजुर्ग के देखभाल में नर्सों का प्रशिक्षण, वृद्धावस्था चिकित्सा और सेवाकालीन शिक्षा इकाई, मुख्य अस्पताल : 29 प्रतिभागी।

21. 29–31 जुलाई 2015 : जीएफएटीएम राउंड 7 परियोजना के तहत नर्सों के लिए टीबी प्रशिक्षण, नाइटेंगल इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग, नोएडा, उ. प्र. : 1 प्रतिभागी।

22. 2–6 अगस्त 2015 : पूर्व सम्मेलन कार्यशाला, आपातकालीन स्वास्थ्य देखभाल में प्रौद्योगिकी के लागत प्रभावी उपयोग, एम्स, नई दिल्ली : 10 प्रतिभागी।

23. 3–7 अगस्त 2015 : आत्म रक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम, एम्स, नई दिल्ली : 25 प्रतिभागी।

24. 6–8 अगस्त 2015 : सम्मेलन, आपातकालीन स्वास्थ्य देखभाल में प्रौद्योगिकी लागत प्रभावी उपयोग, एम्स, नई दिल्ली 25 प्रतिभागी।

25. 10–12 अगस्त 2015 : जीएफएटीएम राउंड 7 परियोजना के तहत नर्सों के लिए टीबी प्रशिक्षण, नाइटेंगल इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग, नोएडा, उ. प्र. : 2 प्रतिभागी।

26. 12 अगस्त 2015 : मृतक अंग और ऊतक दान पर नर्सों का प्रशिक्षण, ओआरबीओ, एम्स : 6 प्रतिभागी।

27. 24 अगस्त 2015 : बुजुर्ग के स्वास्थ्य देखभाल के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपीएचसीई), बुजुर्ग के देखभाल में नर्सों का प्रशिक्षण, वृद्धावस्था चिकित्सा और सेवाकालीन शिक्षा इकाई, मुख्य अस्पताल : 31 प्रतिभागी।

28. 25 अगस्त 2015 : सीएनई, कंप्यूटरीकरण कार्यशाला, सीएमईटी : 24 प्रतिभागी।

29. 26 अगस्त 2015 : मृतक अंग और ऊतक दान पर नर्सों का प्रशिक्षण, ओआरबीओ, एम्स : 6 प्रतिभागी।

30. 1–3 सितंबर 2015 : जीएफएटीएम राउंड 7 परियोजना के तहत नर्सों के लिए टीबी प्रशिक्षण, नाइटेंगल इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग, नोएडा, उ. प्र. : 2 प्रतिभागी।

31. 10 सितंबर 2015 : मृतक अंग और ऊतक दान पर नर्सों का प्रशिक्षण, ओआरबीओ, एम्स : 7 प्रतिभागी।

32. 13 सितंबर 2015 : सीएनई, ओंकोलॉजी नर्सिंग में बेसिक, एम्स : 10 प्रतिभागी।

33. 17–19 सितंबर 2015 : जीएफएटीएम राउंड 7 परियोजना के तहत नर्सों के लिए टीबी प्रशिक्षण, नाइटेंगल इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग, नोएडा, उ. प्र. : 2 प्रतिभागी।

34. 19 सितंबर 2015 : कार्यशाला, व्यक्तिगत विकास और संचार कौशल, एम्स, नई दिल्ली : 7 प्रतिभागी।

35. 23 सितंबर 2015 : मृतक अंग और ऊतक दान पर नर्सों का प्रशिक्षण, ओआरबीओ, एम्स : 6 प्रतिभागी।

36. 30 सितंबर 2015 : सीएनई, कंप्यूटरीकरण कार्यशाला, सीएमईटी : 12 प्रतिभागी।
37. 3–4 अक्तूबर : भारत – अमेरिका आपातकालीन चिकित्सा सम्मेलन, एम्स : 4 प्रतिभागी।
38. 7 अक्तूबर 2015 : कार्यशाला, अनुसंधान नैतिकता और प्रकाशन (आरईएपी), एम्स, नई दिल्ली : 10 प्रतिभागी।
39. 14 अक्तूबर 2015 : कार्यशाला, व्यक्तित्व विकास और संचार कौशल, एम्स, नई दिल्ली : 23 प्रतिभागी।
40. 15 अक्तूबर 2015 : मृतक अंग और ऊतक दान पर नर्सों का प्रशिक्षण, ओआरबीओ, एम्स : 7 प्रतिभागी।
41. 19 अक्तूबर 2015 : सीएनई, कंप्यूटरीकरण कार्यशाला, एम्स, नई दिल्ली : 32 प्रतिभागी।
42. 26–28 अक्तूबर 2015 : बाल आपात स्थिति, एम्स, नई दिल्ली : 7 प्रतिभागी।
43. 29 अक्तूबर 2015 : न्यूरो ट्रॉमा के साथ रोगी की संपूर्ण देखभाल में नर्सों की भूमिका, एम्स, नई दिल्ली : 16 प्रतिभागी।
44. 28 अक्तूबर 2015 : मृतक अंग और ऊतक दान पर नर्सों का प्रशिक्षण, ओआरबीओ, एम्स : 7 प्रतिभागी।
45. 2–4 नवंबर 2015 : बुजुर्ग तंत्रिका विज्ञान पर नर्सिंग अद्यतन, एम्स, नई दिल्ली, : 19 प्रतिभागी।
46. 5–7 नवंबर 2015 : राष्ट्रीय कैंसर विज्ञान सम्मेलन, एम्स, नई दिल्ली : 21 प्रतिभागी।
47. 7 नवंबर 2015 : कार्यशाला, अनुसंधान नैतिकता और प्रकाशन (आरईएपी), एम्स, नई दिल्ली : 11 प्रतिभागी।
48. 14–15 नवंबर 2015 : अस्पताल अपशिष्ट प्रबंधन और संक्रमण नियंत्रण पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, एम्स, नई दिल्ली : 30 प्रतिभागी।
49. 15 नवंबर 2015 : स्टोमा केयर वर्कशॉप, आईआरसीएच, एम्स, नई दिल्ली : 3 प्रतिभागी।
50. 16 नवंबर 2015 : मृतक अंग और ऊतक दान पर नर्सों का प्रशिक्षण, ओआरबीओ, एम्स : 5 प्रतिभागी।
51. 16 –21 नवंबर 2015 : नर्सिंग प्रशासकों के लिए गुणवत्ता प्रबंधन कार्यक्रम, नोएडा, उ. प्र. : 2 प्रतिभागी।
52. 21 नवंबर 2015 : सीएनई और कंप्यूटरीकरण कार्यशाला, एम्स, नई दिल्ली : 27 प्रतिभागी।
53. 27 नवंबर 2015 : मृतक अंग और ऊतक दान पर नर्सों का प्रशिक्षण, ओआरबीओ, एम्स : 7 प्रतिभागी।
54. 28 नवंबर 2015 : कार्यशाला, व्यक्तित्व विकास और संचार कौशल, एम्स, नई दिल्ली : 12 प्रतिभागी।
55. 27–29 नवंबर 2015 : जरा विज्ञान और वृद्धा चिकित्सा पर तीसरा राष्ट्रीय सम्मेलन, लोधी रोड, नई दिल्ली : 30 प्रतिभागी।
56. 5 दिसंबर 2015 : कार्यशाला, अनुसंधान नैतिकता और प्रकाशन (आरईएपी), एम्स, नई दिल्ली : 6 प्रतिभागी।
57. 10 दिसंबर 2015 : मृतक अंग और ऊतक दान पर नर्सों का प्रशिक्षण, ओआरबीओ, एम्स : 7 प्रतिभागी।
58. 17 दिसंबर 2015 : मृतक अंग और ऊतक दान पर नर्सों का प्रशिक्षण, ओआरबीओ, एम्स : 7 प्रतिभागी।
59. 19 दिसंबर 2015 : कंप्यूटरीकरण कार्यशाला, एम्स, नई दिल्ली : 33 प्रतिभागी।
60. 6 जनवरी 2016 : कार्यशाला, अनुसंधान नैतिकता और प्रकाशन (आरईएपी), एम्स, नई दिल्ली : 4 प्रतिभागी।
61. 17 जनवरी 2016 : युवा पीढ़ी के माध्यम से बुजुर्ग सशक्तीकरण – सक्रिय एजिंग को बढ़ावा देने के लिए भारत स्वास्थ्य जागरूकता योजना, राजघाट, नई दिल्ली : 29 प्रतिभागी।
62. 20 जनवरी 2016 : मृतक अंग और ऊतक दान पर नर्सों का प्रशिक्षण' सेमिनार रूम में ओआरबीओ, एम्स। कुल 07 प्रतिभागी।
63. 22–23 जनवरी 2016 : नर्सों के लिए एम्स अल्ट्रासांउड ट्रॉमा लाइफ सपोर्ट कोर्स (एयूटीएलएसएन), एम्स, नई दिल्ली : 10 प्रतिभागी।
64. 27 जनवरी 2016 : सीएनई, कंप्यूटरीकरण कार्यशाला, एम्स, नई दिल्ली, 9 प्रतिभागी।
65. 28 जनवरी 2016 : मृतक अंग और ऊतक दान पर नर्सों का प्रशिक्षण' ओआरबीओ, एम्स : 7 प्रतिभागी।
66. 13 फरवरी 2016 : कार्यशाला, अनुसंधान नैतिकता और प्रकाशन (आरईएपी), एम्स, नई दिल्ली : 10 प्रतिभागी।
67. 13 फरवरी 2016 : स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों के लिए आवश्यक जीवन कौशल, एम्स, नई दिल्ली : 7 प्रतिभागी।

68. 14 फरवरी 2016 : अस्पतालों के लिए आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण, साकेत, नई दिल्ली : 1 प्रतिभागी।

69. 12–14 फरवरी 2016 : इंडियन एसोसिएशन ऑफ न्यूनेटल नर्सेज के लिए राष्ट्रीय सम्मेलन, कोयंबटूर, तमिलनाडु : 3 प्रतिभागी।

70. 15–17 फरवरी 2016 : नैदानिक नर्सिंग अद्यतन, संक्रामक रोग और उभरता संक्रमण, एम्स, नई दिल्ली : 20 प्रतिभागी।

71. 17–18 फरवरी 2016 : नर्सों के लिए उन्नत अल्ट्रासांउड ट्रॉमा लाइफ सर्पोट कोर्स, एम्स, नई दिल्ली : 6 प्रतिभागी।

72. 22–24 फरवरी 2016 : आईसीयू में मानवीय देखभाल – नर्सोंकी भूमिका, एम्स, नई दिल्ली : 8 प्रतिभागी।

73. 23–27 फरवरी 2016 : नर्सिंग प्रशासकों के लिए गुणवत्ता प्रबंधन कार्यक्रम, नोएडा, उ. प्र. : 2 प्रतिभागी।

74. 27 फरवरी 2016 : सीएनई, कंप्यूटरीकरण कार्यशाला, एम्स, नई दिल्ली : 12 प्रतिभागी।

75. 1–3 मार्च 2016 : ओंकोलॉजी नर्सिंग अद्यतन, एम्स, नई दिल्ली, 10 प्रतिभागी।

76. 5 मार्च 2016 : मनोरोग पुनर्वास सेवाओं में नर्सों की भूमिका पर राष्ट्रीय स्तर कार्यशाला, निम्हांस, बैंगलोर : 1 प्रतिभागी।

77. 9–11 मार्च 2016 : तनाव प्रबंधन पर मनोरोग नर्सिंग अद्यतन, एम्स, नई दिल्ली : 15 प्रतिभागी।

78. 17–19 मार्च 2016 : हृद विज्ञान / सीटीवीएस नर्सिंग अद्यतन, एम्स, नई दिल्ली : 12 प्रतिभागी।

79. 17 मार्च 2016 : मृतक अंग और ऊतक दान पर नर्सों का प्रशिक्षण, ओआरबीओ, एम्स : 7 प्रतिभागी।

80. 26 मार्च 2016 : कार्यशाला, अनुसंधान नैतिकता और प्रकाशन (आरईएपी), एम्स, नई दिल्ली : 7 प्रतिभागी।

81. 28 मार्च –1 अप्रैल 2016 : ट्रांसफॉर्मिंग नर्सिंग एजुकेशन प्रैक्टिस, आरएके कॉलेज ऑफ नर्सिंग, नई दिल्ली : 1 प्रतिभागी।

82. 28 मार्च – 2 अप्रैल 2016 : नर्सिंग प्रशासकों के लिए प्रबंधन विकास कार्यक्रम, नोएडा, उ. प्र. : 2 प्रतिभागी।

83. 28 – 30 मार्च 2016 : गुणवत्ता सुधार के साथ नवजात नर्सिंग आधारित सुविधा, एम्स, नई दिल्ली : 6 प्रतिभागी।

प्रतिभागियों को छोड़कर परामर्शदाता और विशेषज्ञों के रूप में वर्ष के दौरान कार्यशाला / सम्मेलन में कुल 935 नर्सिंग कर्मियों (सीएनओ 1, डीएनएस10, एएनएस 86, सिस्टर ग्रेड 1 301, सिस्टर ग्रेड 2 538) ने भाग लिया।

पिछले वर्ष आयोजित विभिन्न कार्यशालाओं, सीएमई और राष्ट्रीय सम्मेलनों में विभिन्न विभागों की नर्सों ने स्किल स्टेशन एवं हैंड्स ऑन ट्रेनिंग सत्रों हेतु समन्वयकों के रूप में भाग लिया एवं कार्य निष्पादन किया।

विभिन्न शिक्षण संस्थानों से आंगतुक

भारत के विभिन्न शैक्षिक संस्थानों के समूहों के लिए (कुल 351 आगंतुक) एम्स के नर्सिंग एजुकेटर्स के अभिविन्यास संचालित कार्यक्रमों की सूची नीचे दी गई है।

1. टेरना कॉलेज ऑफ नर्सिंग, 14 अप्रैल 2015 (35 बी एससी नर्सिंग अंतिम वर्ष छात्र और व्याख्याता)।
2. बेल – एयर कॉलेज ऑफ नर्सिंग, 16 अप्रैल 2015 (बी. एससी नर्सिंग अंतिम वर्ष 37 छात्र और व्याख्याता)।
3. एमएस रमैय्या इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग एजुकेशन एंड रिसर्च, 28 अप्रैल 2015 (बी.एससी नर्सिंग अंतिम वर्ष 35 छात्र और व्याख्याता)।
4. सेवा मंडल एजुकेशन सोसाइटी कॉलेज ऑफ नर्सिंग, मुंबई, 3 सितंबर 2015 (बी.एससी नर्सिंग अंतिम वर्ष 20 छात्र और व्याख्याता)।
5. कॉलेज ऑफ नर्सिंग, क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, वेल्लोर, 8 सितंबर 2015 (एम.एससी नर्सिंग अंतिम वर्ष 25 छात्र और व्याख्याता)।
6. निमहांस, कॉलेज ऑफ नर्सिंग, बैंगलोर, 17 दिसंबर 2015 (बी.एससी नर्सिंग अंतिम वर्ष 35 छात्र और व्याख्याता)।
7. होली स्प्रिट इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग एजुकेशन, मुंबई, 4 फरवरी 2015 (बी.एससी नर्सिंग अंतिम वर्ष 29 छात्र और व्याख्याता)।

8. आर आर अस्पताल, नई दिल्ली, 11 फरवरी 2016 (17 पोस्ट–बेसिक नर्सिंग छात्र और व्याख्याता)।
9. बैंगलोर बैपटिस्ट अस्पताल, कॉलेज ऑफ नर्सिंग, बैंगलोर, 23 फरवरी 2016 (बी.एससी नर्सिंग अंतिम वर्ष 35 छात्र और व्याख्याता)।
10. स्व. रतिभाई प्रभुदास पटेल नर्सिंग कॉलेज, आनंद जिला, गुजरात, 3 मार्च 2016 (बी.एससी नर्सिंग अंतिम वर्ष 34 छात्र और व्याख्याता)।
11. कॉलेज ऑफ नर्सिंग, सेंट मारथा हॉस्पिटल, बैंगलोर, 1–15 मार्च 2016 (बी.एससी नर्सिंग अंतिम वर्ष 35 छात्र और व्याख्याता)।
12. आरडीओ कॉलेज ऑफ नर्सिंग, लैमडेंग, इम्फाल पश्चिम, मणिपुर, 17 मार्च 2016 (जनरल नर्सिंग मिडवाइफरी/ पोस्ट बी.एस.सी. नर्सिंग के अंतिम वर्ष के 26 छात्र और व्याख्याता)।
13. एसएसकेएम कॉलेज ऑफ नर्सिंग, वेस्ट बंगाल गर्वमेंट, कोलकाता, 22 मार्च 2016 (एम.एससी नर्सिंग अंतिम वर्ष 4 छात्र)।

नर्सिंग सूचना विज्ञान विशेषज्ञ (एनआईएस)

एम्स में कंप्यूटरीकरण की ओर से प्रमुख बल, अर्थात अस्पताल सूचना प्रणाली (एचआईएस) और इलेक्ट्रॉनिक मेडिकल रिकॉर्ड (ईएमआर) में, नैदानिक नर्सों के एक नए समूह को प्रशिक्षित किया और नर्स सूचना विज्ञान विशेषज्ञ (एनआईएस) के रूप में नियुक्त किया जो इस प्रयास की दिशा में एक उत्प्रेरक के रूप में कार्य करते हैं। एनआईएस नर्सिंग में उभरते हुए विशेषता, नर्सिंग और मुख्य उद्देश्यों के साथ सूचना विज्ञान के एक एकीकरण में से एक है :

1. एचआईएस में मैनुअल कार्यप्रवाह के सुचारू संक्रमण में मदद करने के लिए।
2. नर्सों, डॉक्टरों और तकनीशियनों के लिए कार्यशालाओं और प्रशिक्षण सत्रों की सुविधा के लिए।
3. एम्स में उपयोग किए गए नई तकनीक/ सॉफ्टवेयर कार्यक्रमों के बारे में ज्ञान अद्यतन करने के लिए।
4. रोगियों / रिश्तेदारों के संतुष्टि स्तर को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण देखभाल क्षेत्र में डॉक्टरों और रोगियों के बीच संचार अंतर को पाटने के लिए।
5. उन्नयन कार्यक्रमों में सहायता के लिए रोगी देखभाल और परिणामों में सुधार के लिए।

6.4 संक्रमण नियंत्रण नर्सिंग गतिविधियां

संकाय प्रभारी

डॉ. आरती कपिल, सूक्ष्मजैविकी

संक्रमण नियंत्रण नर्स

सुश्री एल्प्रेडा एम. विक्टर सुश्री एवंगेलिन वसंत सुश्री श्रीनित्या राघवन

वार्षिक स्वास्थ्य देखभाल संघ संक्रमण (एचसीएआई) दर

क्र. सं.	क्षेत्र	कुल प्रमुख सर्जरी/ प्रवेश	एचसीएआई (प्रतिशत)
1	सर्जिकल यूनिट	15,906	497 (3.1)
2	आईसीयू	3913	641 (16.3)

संयुक्त एचसीएआई दर : $\frac{(497 + 641) \times 100}{15906 + 3913} = 5.7\%$

1. पांच एचआईसीसीओएम (अस्पताल संक्रमण नियंत्रण समिति) का आधे दिन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया और 157 नर्सिंग कर्मियों को प्रशिक्षित किया।
2. संक्रमण नियंत्रण नर्स (आईसीएन) ने कॉलेज ऑफ नर्सिंग, एम्स द्वारा आयोजित 'संक्रामक रोग और उभरते संक्रमण' पर नैदानिक नर्सिंग अद्यतन के लिए 30 सेवाकालीन नर्सिंग कर्मियों के एक समूह के लिए संक्रमण नियंत्रण नर्स की भूमिका पर एक सत्र लिया।
3. मुख्य अस्पताल में क्षेत्रों को चार संक्रमण नियंत्रण नर्सों के बीच विभाजित किया गया।
4. एचआईसीसीओएम : आईसीएन द्वारा दैनिक आधार पर और जब भी जरूरत महसूस की गई, अलग–अलग क्षेत्र के राउंड में नैदानिक क्षेत्रों में ऑनसाइट प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया और समस्याओं के संक्रमण नियंत्रण पर कोर कमेटी के साथ चर्चा के बाद सुधारा गया था।
5. निगरानी गतिविधियां : हर महीने लिए गए पर्यावरण संवर्धन और स्टेरिलिटी नमूने और सभी संबंधित क्षेत्रों के लिए दर्ज की गई और वितरित की गई रिपोर्ट और अस्पताल नीति के अनुसार उचित प्रोटोकॉल सुदृढ़ करने के लिए विचार–विमर्श की निगरानी।
6. सभी शल्य चिकित्सा इकाइयों और सभी आईसीयू के लिए हर महीने डेटा विश्लेषण किया और सभी शल्य चिकित्सा इकाइयों और आईसीयू के संबंधित प्रोफेसर प्रभारी के पास वितरित की गई।
7. शल्य चिकित्सा इकाई और आईसीयू की वार्षिक डेटा विश्लेषण की गणना की गई और चिकित्सा अभिलेख अनुभाग के साथ अस्पताल प्रशासन से प्रोफेसर प्रभारी, सूक्ष्मजीव विज्ञान अस्पताल संक्रमण नियंत्रण, चिकित्सा अधीक्षक, मुख्य नर्सिंग अधिकारी और अधिकारी प्रभारी, संक्रमण नियंत्रण संक्रमण नियंत्रण के पास वितरित किए गए।
8. राउंड सीनियर रेजीडेंट, अस्पताल प्रशासन, स्वच्छता निरीक्षक और डीएनएस तल पर्यवेक्षक के साथ जैव चिकित्सा अपशिष्ट सरप्राइज द्वि–साप्ताहिक आयोजित किए जाते हैं।
9. एचआईसीसीओएम प्रशासनिक राउंड संक्रमण नियंत्रण कोर समिति के साथ समय पर आयोजित किए जाते हैं, पहचान की समस्याओं पर चर्चा की और सुधारा गया है।

10. स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा स्वच्छ भारत अभियान के तहत 'काया–कल्प' – स्वच्छ अस्पताल अभियान शुरू किया गया। स्वच्छ और हरित एम्स अभियान के दिशा निर्देशों को तैयार किया गया। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान द्वारा इन अनोखे दिशा–निर्देशों के परिवर्तन और इन्हें अपनाने के एजेंट द्वारा काया–कल्प परिवर्तन से यह अभियान नेतृत्व की ओर अग्रसर है। यहां 8 महत्वपूर्ण परिणाम क्षेत्र हैं। आईसीएन केआरए 6 : संक्रमण नियंत्रण और केआरए 5 : जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन के भाग थे। आईसीएन स्टूक इंसेंटिव राउंड। केआरए 5 के तहत स्पिल प्रबंधन किट के लिए जरूरत थी। सभी नैदानिक क्षेत्रों में स्पिल प्रबंधन किट उपलब्ध कराने के लिए आईसीएन को बढ़ावा दिया और लागू किया। नए इमरजेंसी वार्ड में नीडल स्टिक इंजरी रजिस्टर बनाया गया और फॉर्म 3 उपलब्ध कराया गया था। काया–कल्प आंतरिक मूल्यांकन प्रारूप केआरए 6 के लिए आवश्यक दिशा निर्देशों के आधार पर बनाया गया।

निगरानी के एकत्र नमूने (मुख्य अस्पताल)

कुल निगरानी के नमूने	कुल पर्यावरण और विसंक्रमण नमूने	कुल उपयोग घोल नमूने	कुल विसंक्रमित नमूने		कुल गैर विसंक्रमित नमूने	
			कुल पर्यावरण और विसंक्रमित नमूने	उपयोग में घोल के नमूने	कुल पर्यावरण और विसंक्रमित नमूने	उपयोग में घोल के नमूने
7198	5127	2071	4205	1741	922	330

6.5 कल्याण एकक

कल्याण अधिकारी, श्रीमती प्रीति आहलूवालिया द्वारा रोगी और कर्मचारी कल्याण सेवाएं, आयोजित की गई।

रोगी कल्याण

रोगी देखभाल : ₹ 41,93,688 (लगभग) दान के रूप में उगाही की गई।

उद्देश्य	दान	दानकर्ता
मुख्य अस्पताल तथा केंद्रों में उपचार कराने वाले गरीब तथा जरूरतमंद रोगियों के उपचार एवं शल्य चिकित्सा हेतु	**₹2,81,000**	जवाहर भवन ट्रस्ट
	₹2,31,414	साहू जैन ट्रस्ट
	₹66,000	सेवा प्रकल्प महिला मंडल ट्रस्ट
	₹30,000	बैजनाथ भंडारी पब्लिक चेरिटेबल ट्रस्ट
	₹16,000	चेतनालय
	₹4,000	विजय गुजराल फाउंडेशन
	₹42,500	सुश्री स्तुति शर्मा
	₹34,000	श्री दीपक शर्मा
	₹25,000	श्री विनोद तनेजा
	₹25,000	श्रीमती सुपर्णा श्रीवास्तव
	₹15,000	सुश्री महारानी प्रसाद

एम्स निर्धन रोगी निधि खाता।	**₹1,50,000** **₹1,50,000** **₹35,000** **₹25,000** **₹20,000** **₹11,000** **₹11,000** **₹11,000** **₹10,000** **₹5,000** **₹2,100** **₹500**	श्रीमती द्वारका प्रसाद ट्रस्ट श्रीमती द्वारका प्रसाद ट्रस्ट सुश्री प्रीति भटनागर सुश्री महारानी प्रसाद सुश्री लवलीन कौर फुकेला श्रीमती अंजना अहलुवालिया श्री अरुण भारद्वाज श्री नितिन कात्याल श्री सिद्धार्थ मोदी सुश्री शकुंतला भाटिया श्रीमती पुष्पा भारद्वाज डॉ. रवि मित्तल
कैंसर रोगियों को निःशुल्क उपलब्ध करवाई गई कैंसर–रोधी दवाएं।	**₹27,94,650** **₹1,98,524**	गोपाल फाउंडेशन डॉ. चेतन मेमोरियल डिवाइन ट्रस्ट

उपर्युक्त के अतिरिक्त, ₹ 7,05,000 की राशि जो पहले दो बैटरी संचालित पर्यावरण अनुकूल वाहनों की खरीद के लिए दान के रूप में श्रीमती उषा शर्मा से प्राप्त किया जो एम्स निर्धन रोगी खाते (मुख्य अस्पताल) में स्थानांतरित किया गया। आगे, गरीब रोगियों को, राष्ट्रीय आरोग्य निधि, प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत निधि, स्वास्थ्य मंत्री के विवेकाधीन अनुदान तथा अन्य सरकारी तथा गैर–सरकारी एजेंसियों से, उनके उपचार के लिए वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए मार्गदर्शन दिया जा रहा है तथा उनकी सहायता की जा रही है। अस्पताल निर्धन रोगी निधि से निर्धन रोगियों को सहायता भी प्रदान की जाती है और उनकी दाखिले, लेवी प्रभारों में छूट, जांच प्रभारों आदि में छूट के लिए मार्गदर्शन तथा सहायता भी की जाती है।

धर्मशालाएं

वहां कल्याण गतिविधि के रूप में तीन विश्राम सदन चलाए जा रहे हैं, अर्थात एम्स में उपचार करवा रहे रोगियों और उनके तीमारदारों को आश्रय प्रदान किया गया। राजगढ़िया विश्राम सदन, सुरेका विश्राम सदन तथा श्री साईं विश्राम सदन द्वारा संस्थान तथा इसके केंद्रों में उपचार करवा रहे 16,400 से भी अधिक रोगियों और उनके तीमारदारों को आश्रय प्रदान किया गया। रोगियों एवं उनके परिचरों की सहायता हेतु सदनों से अस्पताल तक आने–जाने के लिए वाहन सुविधा प्रदान की जा रही है।

राजगढ़िया विश्राम सदन के अंदर विश्राम सदन में ठहरने वाले बच्चों के लिए एक खेलने कूदने की सुविधा प्रदान की गई। यह सुविधा कैंसर पेशेंट एड एसोसिएशन (सीपीएए) द्वारा सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को दोपहर 2.30 बजे से शाम 4.30 बजे तक दी जाती है। इसके अलावा सीपीएए द्वारा यहां ठहरने वालों को सुविधा देने के लिए सप्ताह में एक दिन योग कक्षा का आयोजन किया जाता है। यह निवासियों के लिए दीवाली और होली का आयोजन भी करते हैं। सपना (एनजीओ) राजगढ़िया विश्राम सदन ठहरने वाले के लिए सप्ताह में एक बार भोजन सामग्री के दैनिक 58 दूध के पैकेट और 60 पैकेट वितरित किए जाते है।

रेन बसेरा

यह सुविधा नवंबर 2012 में सुरेका विश्राम सदन के पास स्थापित की गई और दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड द्वारा प्रबंधित

किया जा रहा है। इस सुविधा में बाहर से आने वाले गरीब और जरूरतमंद रोगियों और उनके साथ आने वाले परिचारकों को निवास की सुविधा दी जाती है, जिनका एम्स में इलाज किया जाता है।

आगे, सर्दियों के मौसम के दौरान सशस्त्र सीमा बल और सीआरपीएफ द्वारा 100 व्यक्तियों के लिए रेन बसेरा टेंट भी स्थापित किए गए। रेन बसेरा टेंट सीडीईआर, एम्स के पास डीयूएसआईबी द्वारा स्थापित किया गया।

कर्मचारी कल्याण

अनुकम्पा आधार पर नियुक्ति

अनुकम्पा आधार पर नियुक्ति के मामलों पर विचार किया गया। परिवार के सदस्यों को हुई भारी क्षति को सहन करने तथा जो जिम्मेदारियां उन पर आ गई हैं, उन्हें निभाने में सक्षम बनाने के लिए सहायता प्रदान करने हेतु परामर्श सेवाएं तथा नैतिक सहायता प्रदान की गई।

यौन उत्पीड़न की शिकायतों के समाधान के लिए समिति

एम्स में 1999 में महिलाओं के यौन उत्पीड़न के विषय में शिकायतों से निपटने के लिए एक समिति का गठन किया गया और यह एम्स में कार्यरत महिला कर्मचारियों के लिए एक प्रभावी शिकायत निपटान प्रक्रिया प्रदान करती है। यह समिति प्राप्त शिकायतों पर पूछताछ करती है। इसकी बैठकों में दिल्ली महिला आयोग द्वारा संस्तुत गैर सरकारी संगठन के सदस्य भाग लेते हैं। पूछताछ की रिपोर्ट के साथ सिफारिशें अनिवार्य कार्यवाही हेतु सक्षम प्राधिकारी के पास भेजी जाती है। यह जहां तक संभव हो, कार्य स्थल पर उत्पीड़न रोकने के लिए महिलाओं हेतु एक सुरक्षित, निरापद और स्वस्थ माहौल उद्देश्य सुनिश्चित करती है।

महिला निवारण प्रकोष्ठ

यह निवारणों / शिकायतों का समाधान करने के लिए जनवरी 2014 के दौरान एम्स में महिला निवारण प्रकोष्ठ का गठन किया गया था :

1. एम्स की महिला छात्राएं।
2. एम्स की महिला कर्मचारी जो नियमित, अस्थाई, तदर्थ, परियोजना, अस्थाई स्थिति, दैनिक पारिश्रमिक, संविदा या आउट सोर्स नौकरियों पर अन्य पदों के अलावा किसी प्रकार से कार्यरत हैं।

शिकायतों के साथ महिला शिकायत प्रकोष्ठ विचारार्थ विषय संदर्भ के अपने शर्तों के अनुसार प्राप्त किया जाता है।

''कार्य स्थल पर महिला के यौन उत्पीड़न' पर वार्ता

महिला शिकायत प्रकोष्ठ, एम्स के सहयोग से सीएमईटी संकाय, रेजीडेंट डॉक्टरों, छात्रों, नर्सों, अधिकारियों और कर्मचारियों के लाभ के लिए 9 फरवरी 2016 को अखिल भारतीय महिला सम्मेलन, श्रीमती कुलजीत कौर, उपाध्यक्ष, द्वारा 'कार्यस्थल पर महिला के यौन उत्पीड़न' पर वार्ता आयोजित की गई। वार्ता में कर्मचारियों और छात्रों ने बड़ी संख्या में भाग लिया।

आत्म रक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम

संस्थान की सभी महिला छात्राओं, रेजीडेंट डॉक्टरों, संकाय, कर्मचारियों की पत्नियों और कर्मचारियों की निर्भर बेटियों के लाभ के लिए जेंडर संवेदीकरण / जागरूकता मॉड्यूलों के विकास के लिए एम्स में एक उप कार्यबल आत्म रक्षा प्रशिक्षण के तीसरे बैच का आयोजन किया गया।

विशेष पुलिस यूनिट (दिल्ली पुलिस) नानकपुरा, नई दिल्ली द्वारा महिला और बच्चों के लिए प्रशिक्षण आयोजित

किया गया। प्रशिक्षण निःशुल्क था और 3 से 7 अगस्त 2015 (5 दिनों) तक किया गया था।

परामर्श सेवाएं

कर्मचारियों, रोगियों और उनके संबंधियों को ये सेवाएं प्रदान की गई कि ताकि वे अपनी भौतिक, सामाजिक, भावनात्मक, आर्थिक, पारिवारिक और वैवाहिक समस्याओं से उबर / समायोजित कर सकें और इस प्रकार अपनी सामाजिक कार्यशैली उन्नत बना सकें।

शिकायतों का निवारण

स्टाफ–सदस्यों तथा रोगियों की शिकायतों का समाधान करने के लिए सेवाएं प्रदान की जा रही हैं।

खेलकूद गतिविधियां

27 फरवरी – 2 मार्च 2016 चंडीगढ़ में आयोजित 23वें वेटेरन नेशनल टेबल टेनिस चैंपियनशिप्स 2015 स्टैग में (मुख्य 40+ टीम दिल्ली के खेल सदस्य) डॉ. विजय शर्मा, अपर आचार्य (ऑर्थोपोडिक्स), जेपीएनए ट्रॉमा सेंटर, एम्स ने कांस्य पदक जीता।

दीवाली समारोह

कर्मचारी कल्याण समिति मेडिकल इंस्टीट्यूट रेजीडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (एमआईआरडब्ल्यूए) द्वारा चलाए जा रहे नर्सरी एवं प्राथमिक विद्यालय में पढ़ रहे एम्स के कर्मचारियों के बच्चों के साथ दीवाली का त्यौहार मनाया। इस अवसर पर, प्रोफेसर एम. सी. मिश्रा, निदेशक, एम्स तथा डॉ. डी. के. शर्मा, चिकित्सा अधीक्षक, एम्स और श्री वी. श्रीनिवास, उप निदेशक (प्रशासन), एम्स की उपस्थिति में स्वेटर, उपहार तथा मिठाइयां दी गई। (सौजन्य दानदाता : श्रीमान और श्रीमती सुनील भुटानी)।

प्रोफेसर एम. सी. मिश्रा, निदेशक, श्री वी. श्रीनिवास, उप निदेशक (प्रशासन), एम्स, श्री सुनील भुटानी (दाता), डॉ. डी. के. शर्मा, चिकित्सा अधीक्षक, एम्स, सुश्री प्रीति अहलुवालिया, कल्याण अधिकारी और श्री जे. एल. राय के साथ साथ (बाएं से दाएं) एमआईआरडब्ल्यूए द्वारा चलाई जा रही नर्सरी और प्राइमरी में पढ़ रहे छात्रों के लिए एम्स ने उपहार प्रस्तुत किए।

डॉ. विजय शर्मा, अपर आचार्य (ऑर्थोपेडिक्स), जेपीएनए ट्रॉमा सेंटर, एम्स ने स्टैग 23 वीं वेटरेन नेशनल टेबल टेनिस चैंपियनशिप्स (2015) में कांस्य पदक जीता।

6.6 चिकित्सा समाज कल्याण एकक

चिकित्सा समाज कल्याण एकक चिकित्सा अधीक्षक की देखरेख में कार्य करती है। मुख्य अस्पताल की इकाई में 11 चिकित्सा समाज सेवा अधिकारी (एमएसएसओ) मुख्य अस्पताल के 16 महत्वपूर्ण विभागों के ओपीडी और वार्डों की देखभाल करते हैं। एमएसएसओ के लिए इसके अलावा, यहां रोगी देखभाल और मार्गदर्शन के लिए इकाई के तहत 19 अंशकालिक सामाजिक गाइड (पीटीएसजी) और एक अस्पताल परिचर काम कर रहे हैं।

हमारा सिद्धांत : 'रोगियों के लिए प्रतिबद्ध, एम्स के लिए प्रतिबद्ध'

मुख्य चिकित्सा समाज सेवा अधिकारी (कार्यकारी)
बी. आर. शेखर

चिकित्सा समाज सेवा अधिकारी पर्यवेक्षक
पंकज कुमार

प्रमुख एमएसएसओ गुर्दा प्रत्यारोपण प्राधिकरण समिति के भी नोडल अधिकारी है।
उपचार के लिए गरीब और जरूरतमंद रोगियों के लिए वित्तीय सहायता : ₹ 25,38,04,055

1. राष्ट्रीय आरोग्य निधि (आरएएन), 652 रोगियों को एमओएचएफडब्ल्यू के माध्यम से ₹25,07,15,022 की वित्तीय सहायता। श्री पंकज कुमार, एमएसएसओ पर्यवेक्षण द्वारा आरएएन मामलों की सलाह दी जाती है और प्रलेखित किए जाते हैं और वे श्री बी. आर. शेखर, प्रमुख एमएसएसओ के साथ एम्स आरएएन उप समिति में इन मामलों का प्रतिनिधित्व करते हैं।
2. गरीब और जरूरतमंद रोगियों के लिए कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिटी (सीएसआर) दान की शुरूआत की और 21 रोगियों के लिए ₹ 24,01,670 की वित्तीय सहायता की व्यवस्था की।
3. 120 गरीब और जरूरतमंद रोगियों के लिए ट्रस्ट एंड वॉलेंटरी डोनर के माध्यम से ₹ 4,43,304 की व्यवस्था की।
4. ओपीडी क्षेत्र में निर्धन निधि दानपात्र स्थापित किया गया : ₹ 33,000 एकत्र (अस्पताल बिलिंग अनुभाग के माध्यम से निर्धन निधि एम्स में जमा किए गए)।
5. एम्स निर्धन निधि के माध्यम से 218 निर्धन रोगियों के लिए ₹ 2,11,059 की मदद की।

निर्धन और जरूरतमंद रोगियों के लिए निःशुल्क दवाइयां और अन्य दान

1. एमएसडब्ल्यूयू में स्वैच्छिक दान के माध्यम से ₹15,00,000 से 10,266 ओपीडी रोगियों के लिए निःशुल्क दवाएं।
2. एम्स में भर्ती कराए गए लगभग 600 रोगियों को निः शुल्क दवाइयां /शल्य चिकित्सा मदों के लिए।

अस्पताल लेवी प्रभारों और रेलवे रियायत की छूट

1. लगभग 12,500 निर्धनी रेखा से नीचे (बीपीएल)/निर्धन रोगियों के लिए अस्पताल प्रभारों से छूट सीटी, एमआरआई, पीईटी और एचएलए आदि सहित विभिन्न अस्पताल लेवी प्रभारों में छूटें।
2. लगभग 9900 बाह्य रोगियों के लिए रेलवे रियायत की सुविधा प्रदान की। इकाई रेलवे मंत्रालय के दिशानिर्देशों के अनुसार कैंसर, अप्लास्टिक एनीमिया, टीबी, कुष्ठ रोग, थैलेसीमिया, किडनी ट्रांसप्लांट, डायलिसिस और मूक और बधिर रोगियों को रेलवे रियायत प्रदान करता है।

परामर्श और मार्गदर्शन

1. लगभग 30,000 रोगियों को परामर्श और निर्देश दिया।
2. डेंगू अवधि के दौरान लगभग 1500 रोगियों को विशेष परामर्श और निर्देश दिया।

आपात विभाग से पुनर्वास और रेफरल

1. 141 रोगियों के पुनर्वास मेडिको–लीगल मामले (एमएलसी) : गैर एमएलसी अज्ञात / परोक्ष / बेसहारा / अनाथ रोगी।
2. बिस्तरों की अनुपलब्धता के कारण आपात एमएसएसओ के माध्यम से प्रवेश के लिए सफदरजंग अस्पताल और अन्य सरकारी अस्पताल के लगभग 8800 रोगियों के स्थानांतरण की सुविधा।
3. प्रतिष्ठित उच्च न्यायालय आदेश के अनुसार आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग श्रेणी के तहत निःशुल्क उपचार के लिए निजी अस्पतालों के रोगियों के संप्रेषण की सुविधा। दिल्ली में 46 निजी अस्पतालों में निःशुल्क उपचार के लिए 1 लाख रुपए या उससे नीचे की एक परिवार की आय के साथ सभी व्यक्ति पात्र हैं।

टीएचओए अधिनियम के तहत अंग प्रत्यारोपण का प्राधिकार

टीएचओए, 1994 के अनुसार गुर्दे असंबंधित गुर्दा दाताओं के 28 मामलों में गुर्दा प्रत्यारोपण प्राधिकरण समिति के समक्ष छानबीन, मूल्यांकन, दस्तावेज और प्रस्तुत किए गए। मानव अंग प्रत्यारोपण अधिनियम (टीओएचए) 1994 के अनुसार समिति के मामले मुख्य एमएसएसओ और श्री अनिल जी. माली, एमएसएसओ परामर्श, समन्वय और प्रलेखन प्रस्तुत करते हैं।

प्रशिक्षण और अभिविन्यास

1. देश भर के विभिन्न कॉलेजों से सामाजिक कार्य के 19 छात्रों को सामाजिक कार्य प्रशिक्षण प्रदान किया गया।
2. पूरे भारत में विभिन्न कॉलेजों से लगभग 150 एमएसडब्ल्यू छात्रों के लिए ''अस्पताल व्यवस्था में चिकित्सा सामाजिक सेवाओं' पर पांच अभिविन्यास सत्र दिए गए थे।

विशेष समारोह

9 नवंबर 2015 को एबी–5 वार्ड में दीवाली समारोह और मैजिक शो : चिकित्सा समाज कल्याण एकक द्वारा निदेशक, डीडीए, चिकित्सा अधीक्षक, वरिष्ठ वित्तीय सलाहकार और प्रमुख, बाल शल्य चिकित्सा की उपस्थिति में एक मैजिक शो और दीवाली समारोह आयोजित किया गया।

संस्थान दिवस समारोह और प्रदर्शनी में चिकित्सा सामाजिक कल्याण एकक ने 7 पोस्टरों को प्रदर्शित किया।

चिकित्सा अधीक्षक की उपस्थिति में और सीएसआर एकक / ट्रस्ट की सहायता से निर्धन रोगियों की मदद के लिए सभी एमएसएसओ के साथ 20 मार्च 2016 को विश्व सामाजिक कार्य दिवस का समारोह आयोजित किया।

अन्य योगदान

1. आपात विभाग में गैर–एमएलसी से एमएलसी रूपांतरण (135) और रोगी डेटा सुधार (41)।
2. सामाजिक सेवाओं के लिए डिजिटलीकरण प्रक्रिया शुरू की गई। विशेष रूप से डिजाइन किए गए सॉफ्टवेयर के माध्यम से रेलवे रियायत प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने की शुरूआत कर दी गई।
3. मुख्य एमएसएसओ ने अस्पताल स्वास्थ्य और स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए उप–समिति (काया–कल्प) के लिए योगदान दिया।

शिक्षा
प्रशिक्षण गतिविधियां

1. श्री बी. आर. शेखर, मुख्य एमएसएसओ ने 10 अक्तूबर 2015 को बीपीएस महिला विश्वविद्यालय सोनीपत में सामाजिक कार्य और मानसिक स्वास्थ्य पर कार्यशाला में ''एम्स में चिकित्सा सामाजिक सेवाओं'' पर व्याख्यान दिया।

2. श्री बी. आर. शेखर, मुख्य एमएसएसओ ने 24–26 फरवरी 2016 को राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय, अजमेर में 34 वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में ''एम्स में चिकित्सा सामाजिक सेवाओं'' पर व्याख्यान दिया।
3. मुख्य एमएसएसओ श्री बी. आर. शेखर, द्वारा चिकित्सा समाज कल्याण इकाई, मुख्य अस्पताल में अस्पताल व्यवस्था में एमएसएसओ की भूमिका पर (अस्पताल प्रशासन) एमएचए छात्रों के लिए नियमित सत्र आयोजित किया गया।

4. श्री विवेक कुमार सिंह, एमएसएसओ ने 6–14 अक्तूबर 2015 को कार्ल कुबेल इंस्टीट्यूट फॉर डेवलपमेंट एजुकेशन, कोयंबटूर में अहिंसक संचार (एनवीसी) पर तीसरी कार्यशाला' की सुविधा प्रदान की।

5. श्री बी. आर. शेखर, मुख्य एमएसएसओ और श्री विवेक कुमार सिंह, एमएसएसओ ने 18 फरवरी 2016 को दिल्ली स्कूल ऑफ सोशल वर्क पर विभाग–एजेंसी इंटरफेस 2016 में ''चिकित्सा सामाजिक कार्य पद्धतियां : कुछ परिप्रेक्ष्य' पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

6. श्री विवेक कुमार सिंह, एमएसएसओ ने सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली में एआईएएमएसडब्ल्यूपी के वार्षिक राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''महिलाओं के समग्र स्वास्थ्य के लिए अहिंसक संचार (एनवीसी)' एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

संगोष्ठी का आयोजन

विश्व सामाजिक कार्य दिवस समारोह, 20 मार्च 2016, एम्स, नई दिल्ली

रोगी की देखभाल सेवाएं

1. एमएसएसओ अपने मनोवैज्ञानिक–सामाजिक आर्थिक आकलन के माध्यम से निर्धन रोगियों को उनके लिए बनाई गई विभिन्न योजनाओं से रोगियों को लाभ प्राप्त करने में सहायता करता है।

2. एमएसएसओ सामाजिक–आर्थिक समीक्षा के लिए विभिन्न वार्डों से विचार–विमर्श की प्रतिक्रिया में गरीब/निर्धन रोगियों को निः शुल्क दवाएं/शल्य चिकित्सा मदों को प्राप्त करने में सहायता करता है। इसी तरह गरीब / निर्धन रोगियों को ओपीडी में अनुवर्ती निःशुल्क दवाएं / शल्य चिकित्सा मदों को प्राप्त करने के लिए एमएसएसओ से सहायता मिलती है।

3. बाह्य रोगियों और उनके परिचारकों को आवास की सुविधा उपलब्ध करना।

4. स्वास्थ्य प्रचार और शैक्षिक गतिविधियां : आईईसी सामग्री और स्वास्थ्य शिविरों (जैसे रक्तदान शिविर, एड्स जागरूकता शिविर और स्वास्थ्य जागरूकता बैठक) के माध्यम से स्वास्थ्य – शिक्षा और स्वास्थ्य जागरूकता का प्रसार करना।

5. योजना और प्रशासन : रोगी कल्याण गतिविधियों में सुधार लाने और अधिक से अधिक रोगी अनुकूल पर्यावरण बनाने के लिए अस्पताल प्रशासन और विभिन्न विभागों के साथ समन्वय अंशकालिक सामाजिक मार्गदर्शकों के माध्यम से मुख्य अस्पताल में विभिन्न सूचना और मार्गदर्शन का प्रबंधन।

6. निधि जुटाना और नेटवर्किंग : रोगी कल्याण के लिए विभिन्न निगमित सामाजिक दायित्व (सीएसआर) इकाइयों, ट्रस्ट और दानदाताओं के साथ समन्वय और नेटवर्किंग।

7. आपातकालीन में आपातकालीन देखभाल : हर समय सभी चिकित्सा सामाजिक सेवाएं प्रदान करना जिसमें रोगियों का स्थानांतरण और पुनर्वास, आपातकालीन विभाग में सुचारु रूप से कार्य जारी रखना शामिल है।

8. रोगी देखभाल सुविधा के प्रबंधन के लिए महामारियों, आपदाओं और प्राकृतिक आपदाओं के दौरान विशेष सेवाएं।

6.7 अस्पताल बिलिंग अनुभाग

दाताओं से प्राप्त दान (बैंक ब्याज + दान + निर्धन निधि दानपात्र) : ₹ 16,22,958.00.

143 + 75 = 218 रोगियों के लिए किए गए भुगतान : ₹ 2,11,059.00

(एम्स निर्धन निधि खाते में पिछले बकाया के साथ–साथ वर्ष के दौरान प्राप्त दान से राशि वितरित की गई)।

7. नर्सिंग महाविद्यालय

प्राचार्या
डॉ. मंजू वत्स

व्याख्याता

डॉ. संध्या गुप्ता	डॉ. रेशेल एंड्रूज	डॉ. दीपिका सी. खाखा
डॉ. कमलेश शर्मा	सुश्री शशि मवार	डॉ. पूनम जोशी
श्री एल. गोपीचंद्रन	सुश्री सिबी रिजु	सुश्री अदिति पी. सिन्हा
डॉ. प्रज्ञा पाठक	सुश्री उज्जवल दहिया	सुश्री रिम्पल शर्मा
सुश्री सेसिला एम. एस.	सुश्री मंजू	सुश्री एल. लेविस मुरी
सुश्री वाय. सुरबाला देवी		सुश्री स्मिता दास

वरिष्ठ नर्सिंग व्याख्याता
सुश्री गीता राज़दान

नर्सिंग व्याख्याता

सुश्री किरण सिंह सिमक	सुश्री गायत्री बत्रा	सुश्री सुचेता
सुश्री बबिता साहू	डॉ. फिलोमिना थॉमस	सुश्री मीना आरा
सुश्री सीमा सचदेवा	सुश्री अनुभा डी.	सुश्री नीलिमा राज
सुश्री नेमखोलम	श्री हंसाराम	सुश्री मोनिका सभरवाल

शिक्षा

इस शैक्षणिक वर्ष में 56 बी. एससी (ऑनर्स) नर्सिंग, 23 बी. एससी नर्सिंग (पोस्ट–बेसिक) छात्र और 22 एम. एससी नर्सिंग छात्रों ने कॉलेज से स्नातक किया।

स्नातकपूर्व

बी. एससी (ऑनर्स) नर्सिंग : चार वर्षीय पाठ्यक्रम में 56 विद्यार्थियों ने स्नातक उपाधि प्राप्त की।

बी.एससी नर्सिंग (पोस्ट–बेसिक) : दो वर्षीय पाठ्यक्रम में 23 विद्यार्थियों ने स्नातक उपाधि प्राप्त की।
स्नातकोत्तर

एम. एससी नर्सिंग : दो वर्षीय पाठ्यक्रम में 22 विद्यार्थियों ने स्नातक उपाधि प्राप्त की। इस वर्ष के कार्यक्रम में 22 विद्यार्थियों ने निम्नलिखित विशेषज्ञताओं में भाग लिया :

1. बाल चिकित्सा नर्सिंग
2. मनोरोग चिकित्सा नर्सिंग
3. हृदय रोग विज्ञान / सीटीवीएस नर्सिंग
4. तंत्रिकाविज्ञान नर्सिंग

नर्सिंग महाविद्यालय द्वारा अभिविन्यास / संक्षेप सत्र आयोजित किए गए :

- भारत के विभिन्न शैक्षिक संस्थानों से 6 समूहों में आगंतुक।
- गर्भावधि मधुमेह और प्रजनन महिलाओं में विकसित टाइप ।। डायबिटीज़ के बढ़ते खतरे पर सुश्री मार्गरेटा पर्सन, वरिष्ठ व्याख्याता, नर्सिंग विभाग, उमिया विश्वविद्यालय, स्वीडन द्वारा स्वीडिश प्रतिनिधिमंडल और एक व्याख्यान की व्यवस्था की।

क्रमिक नर्सिंग शिक्षा (क्र. न. शि.)

1. 18 नवंबर 2015, कॉलेज के वार्षिक दिवस के अवसर पर ब्रेस्ट कैंसर और पिंक वॉक पर संगोष्ठी।
2. बाल आपात स्थिति पर कार्यशाला, 26–28 अक्तूबर 2015; एम्स से 28 नर्सों ने कार्यशाला में भाग लिया। डॉ. पूनम जोशी व्याख्याता समन्वयक थी।
3. वृद्धावस्था तंत्रिका विज्ञान पर कार्यशाला, 2–4 नवंबर 2015; एम्स से 29 नर्सों ने कार्यशाला में भाग लिया। डॉ. संध्या गुप्ता और सुश्री सिबी रिजु व्याख्याता समन्वयक थी।
4. 12–14 फरवरी 2016 को पीएसजी कॉलेज ऑफ नर्सिंग, कोयंबटूर में आयोजित 'नियोनेटल नर्सेस : चैंपियंस फॉर नियोनेटल सर्वाइवल' विषय पर इंडियन एसोसिएशन ऑफ नियोनेटल नर्सेस के 6 वें वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया। सम्मेलन में 150 नर्स प्रतिनिधिमंडलों ने भाग लिया। डॉ. मंजू वत्स, प्राचार्य सम्मेलन की अध्यक्ष थी।
5. 12 फरवरी 2016 को कोयंबटूर में 6 आईएएनएन सम्मेलन के दौरान नवजात नर्सिंग के विभिन्न पहलुओं पर भी छः पूर्व सम्मेलन कार्यशालाएं आयोजित की गई।
6. 12 फरवरी 2016 को कोयंबटूर में 6 आईएएनएन सम्मेलन के दौरान आयोजित वैज्ञानिक लेखन और सूचना पुनर्प्राप्ति के लिए उपकरण पर कार्यशाला।
7. 12 फरवरी 2016 को पीएसजी कॉलेज ऑफ नर्सिंग, कोयंबटूर में 6 आईएएनएन सम्मेलन के दौरान आयोजित वेंटिलेशन : आक्रामक और गैर–आक्रामक पर कार्यशाला। डॉ. पूनम जोशी, व्याख्याता समन्वयक थी।
8. पीएसजी कॉलेज ऑफ नर्सिंग, कोयंबटूर, तमिलनाडु में आयोजित इंडियन एसोसिएशन ऑफ नियोनेटल नर्सेस के 6वें सम्मेलन के दौरान 12 फरवरी 2016 को नवजात पुनर्जीवन कार्यक्रम (एनआरपी) पर कार्यशाला।
9. 15–17 फरवरी 2016 को संक्रामक रोगों और उभरते हुए संक्रामक पर कार्यशाला; 38 नर्सों ने कार्यशाला में भाग लिया। डॉ. प्रज्ञा पाठक और सुश्री लेविस मुरी व्याख्याता समन्वयक थी।

10. 22–24 फरवरी 2016 को नर्सों की आईसीयू–भूमिका में मानवीय देखभाल पर कार्यशाला; 29 नर्सों ने कार्यशाला में भाग लिया। डॉ. संध्या गुप्ता और सुश्री उज्जवल दहिया व्याख्याता समन्वयक थी।
11. 1–3 मार्च 2016 को कैंसर विज्ञान अद्यतन – ओंको–इमर्जेंसी पर कार्यशाला; कार्यशाला में 37 नर्सों ने भाग लिया। डॉ. रेशेल एंड्रूज और सुश्री मोनिका सभरवाल व्याख्याता समन्वयक थी।
12. 17–19 मार्च 2016 को हृदय संबंधित अद्यतन पर कार्यशाला; कार्यशाला में 29 नर्सों ने भाग लिया। श्री एल. गोपीचंद्रन और डॉ. कमलेश शर्मा व्याख्याता समन्वयक थे।
13. 9–11 मार्च 2016 को तनाव प्रबंधन पर कार्यशाला; 28 नर्सों ने कार्यशाला में भाग लिया। डॉ. दीपिका खाखा, और सुश्री मोनिका सभरवाल अध्यापक समन्वयक थी।

प्रदत्त व्याख्यान

डॉ. मंजू वत्स : 9	दीपिका सी. खाखा : 9	कमलेश शर्मा : 8
पूनम जोशी : 2	सिबी रिजु : 4	रिम्पल शर्मा : 1
सेसिला एम. एस. : 2	अनुभा डी. : 3	नीलिमा राज : 3

मौखिक पेपर / पोस्टर प्रस्तुति : 7 (2 पुरस्कार : सामाजिक और समुदाय – आधारित लोक स्वास्थ्य सत्र में 'सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति पुरस्कार', महिला स्वास्थ्य सत्र में पहला पुरस्कार)।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 14	पुस्तकों में अध्याय : 1	पुस्तक : 2

रोगी उपचार

1. विभागीय संकाय एवं विद्यार्थियों ने संस्थान के समस्त नैदानिक विभागों की रोगी उपचार संबंधी बाहरी एवं आंतरिक गतिविधियों में हिस्सा लिया।

2. संकाय एवं विद्यार्थियों ने इनका आयोजन और व्यवस्था की :–

   क. 24–26 सितंबर 2015 को एम्स, नई दिल्ली के 60 वें संस्थान दिवस पर प्रदर्शनी और बीपी, बीएमआई और ब्लड शुगर सर्वे।
   ख. पल्स पोलियो प्रोग्राम। डॉ. कमलेश शर्मा समन्वयक और पर्यवेक्षण।
   ग. सीएसआई हृदय रोकथाम 2015 के शाम को कार्डियोलॉजिकल सोसाइटी द्वारा आयोजित 21 सितंबर 2015 को एम्स, नई दिल्ली में 'द ग्रेट इंडिया बीपी सर्वे' घटक। डॉ. कमलेश शर्मा द्वारा समन्वित और भाग लिया।
   घ. एन.सी.टी., दिल्ली सरकार द्वारा आयोजित दक्षिणी दिल्ली के 6 केंद्रों में पल्स पोलियो प्रोग्राम के 4 राउंड। डॉ. कमलेश शर्मा कार्यक्रम समन्वयक और समन्वयक।
   ङ विभिन्न स्वास्थ्य मुद्दों पर जैसे कि ब्लड प्रेशर, टीकाकरण, नवजात देखभाल, प्रसव देखभाल आदि पर एम्स के ग्रामीण क्षेत्र में और 151 से अधिक शहरी झुग्गियों और ओपीडी में 112 स्वास्थ्य शिक्षा सत्र।

च. छात्रों ने अंबेडकर नगर समुदाय के विभिन्नि ब्लॉकों में 9 सर्वेक्षण किया, उनके स्वास्थ्य और सामाजिक जरूरतों की पहचान की और रोल–प्ले और प्रदर्शनियों के रूप में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। डॉ. कमलेश शर्मा द्वारा समन्वित और पर्यवेक्षण।

छ. संबंधित विषयों पर 9 प्रदर्शनियों और 9 रोल–प्ले का आयोजन किया। डॉ. कमलेश शर्मा द्वारा समन्वयक और पर्यवेक्षण।

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण उपलब्धियां

डॉ. मंजू वत्स इंडियन एसोसिएशन ऑफ नियोनेटल नर्स की अध्यक्ष निर्वाचित की गई जिसे जारी रखा गया; कार्यपालिका और नर्सिंग शिक्षा समिति, भारतीय नर्सिंग परिषद; भारतीय नर्सिंग परिषद, पी एच डी कंसोर्शियम के कोर समूह की सदस्य; यूजीसी की राष्ट्रीय आकलन एवं प्रत्यायन परिषद के लिए केएलई विश्वविद्यालय, बेलगांव और एसएनडीटी विश्वविद्यालय मुंबई के सहकर्मी टीम के सदस्य; बाबा मस्त नाथ विश्वविद्यालय, रोहतक, हरियाणा का निरीक्षण करने के लिए यूजीसी विशेषज्ञ समिति के सदस्य; मुज्जफर नगर नर्सिंग इंस्टीट्यूट के निरीक्षक के लिए चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी, मेरठ के लिए निरीक्षक, सरदार पटेल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के लिए आरएमएल अवध यूनिवर्सिटी, फरीदाबाद, उ. प्र.; यू पी एस सी, के जी एम यू लखनऊ, एम्स ऋषिकेश, बीएचयू वाराणसी, यूजीसी, बाबा गुलाम शाह बादशाह यूनिवर्सिटी राजौरी जम्मू और कश्मीर, चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी, मेरठ के लिए सदस्य, चयन समिति; एम्स की विभिन्न समितियों में भागीदारी : कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की रोकथाम, महिलाओं की सुरक्षा और लिंग संवेदीकरण, महिला शिकायत प्रकोष्ठ, स्टाफ काउंसिल, दीक्षांत समारोह, संस्थान दिवस, चयन समिति, सी एम ई टी पर कार्य बल – एम. एससी नर्सिंग और बीएससी (ऑनर्स) नर्सिंग, नर्सिंग कॉलेज के लिए संवर्ग समीक्षा बैठक, एनपीटीईएल बैठक, एसी बसों की खरीद के लिए समिति के लिए 7 एम्स से प्रवेश के लिए अमेरिका पुरस्कार चयन समिति के एम्सोनियंस, रैगिंग विरोधी दस्ता, परामर्श के कर्मचारी विकास और तकनीकी विनिर्देश समिति; हिन्दी पखवाड़े समारोह के दौरान हिन्दी अनुभाग, एम्स द्वारा हिंदी निबंध प्रतियोगिता के लिए निर्णायक के रूप में आमंत्रित किया गया, एनएनएफ अध्येता, पश्चिम बंगाल स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय और बाबा फरीद स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के लिए परीक्षक; एम्सोनियंस की कार्यकारी सदस्य मनोनीत किया गया; भारत में नर्सिंग कैडर के लिए क्लिनिकल ऑटोनॉमी पर नवजात कार्रवाई समूह, परामर्श के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, बाल स्वास्थ्य विभाग के लिए विशेषज्ञ, बच्चे के स्वास्थ्य प्रशिक्षण के अनुरूप : प्रशिक्षण पैकेज का विकास; स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के आरपीओ टास्क फोर्स के लिए विशेषज्ञ; एम्स डब्ल्यूएचओ सीसीआर द्वारा मातृ देखभाल समन्वय की समीक्षा और विकास पॉकेट बुक के लिए कोलंबो में डब्ल्यूएचओ बैठक के लिए विशेषज्ञ; बीमार नवजात, बच्चे और मातृ देखभाल सेवाओं के लिए अस्पताल देखभाल की गुणवत्ता सुधार के लिए डब्ल्यूएचओ उपकरण और दिशा निर्देशों के क्षेत्र परीक्षण के लिए केंद्रीय समन्वय टीम की बैठक के लिए आईएनसीएलईएन के लिए विशेषज्ञ; एएसयू नर्सिंग देखभाल और शिक्षा के विकास के लिए सेंट्रल काउंसिल फॉर इंडियन मेडिसिन के लिए विशेषज्ञ; आशा और एनएमएल पुस्तक चयन समिति पर टीएसी की बैठक के लिए एनएचएसआरसी के लिए विशेषज्ञ; पीजीआईएमएस रोहतक और जामिया हमदर्द यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली के लिए नर्सिंग में अध्ययन के सदस्य बोर्ड; 28 मार्च 2016 को आरएके कॉलेज ऑफ नर्सिंग भविष्य में कार्यबल बनाया – ट्रांसफॉर्मिंग नर्सिंग शिक्षा और अभ्यास पर वरिष्ठ नर्सिंग पेशेवरों के लिए राष्ट्रीय कार्यशाला के उद्घाटन के अवसर पर मुख्य अतिथि; 6 अगस्त 2015 को इमर्जेंसी हेल्थकेयर, जेपीएनएटीसी एम्स में प्रौद्योगिकी के प्रभावी उपयोग पर 5 वां अंतरराष्ट्रीय सीएमई, कार्यशाला और सम्मेलन 'स्कोप ऑफ इंफॉर्मेटिक्स : वाइडनिंग द होरिजन' पर सत्र के लिए अध्यक्ष; 6 अगस्त 2015 को इमर्जेंसी हेल्थकेयर, जेपीएनएटीसी एम्स में प्रौद्योगिकी के प्रभावी

उपयोग की लागत पर 5 वीं अंतरराष्ट्रीय सीएमई, कार्यशाला और सम्मेलन में पोस्टर प्रस्तुति के लिए निर्णायक; 13 फरवरी 2016 को इंडियन एसोसिएशन ऑफ नियोनेटल नर्सेज़ के 6 वें वार्षिक सम्मेलन 'स्ट्रेटेजीस फॉर मेकिंग एव्री न्यूबॉर्न सर्वाइव' आधार व्याख्यान के लिए अध्यक्ष।

डॉ. दीपिका सी. खाखा संपादकीय बोर्ड, जर्नल ऑफ नर्सिंग साइंस एंड प्रैक्टिस की सदस्य थी; सदस्य, इंडियन जर्नल ऑफ एडवांस्ड नर्सिंग, स्कॉलर रिपोर्ट, सलाहकार बोर्ड के सदस्य; नर्सिंग साइंस, नर्सिंग और अभ्यास के इतिहास में जर्नल ऑफ हेल्थ एंड एलाइड साइंसेज़, बाबा फरीद यूनिवर्सिटी नर्सिंग जर्नल, जर्नल ऑफ एडवांस्ड रिसर्च के अंतरराष्ट्रीय पत्रिका समीक्षक; सदस्य, डब्ल्यूएचओ ग्लोबल क्लीनिकल प्रैक्टिस नेटवर्क (जीसीपीएन), वैश्विक मानसिक स्वास्थ्य में अनुसंधान और अभ्यास आगे बढ़ाने के लिए मानसिक स्वास्थ्य एवं प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों के लिए प्रतिबद्ध के अंतरराष्ट्रीय समुदाय; दिल्ली विश्वविद्यालय में जीएफएटीएम आर – 7 के लिए विशेषज्ञ और संसाधन व्यक्ति; डीएनसी निरीक्षक; विशेषज्ञ, तीर्थंकर महावीर विश्वविद्यालय में संकाय साक्षात्कार के लिए चयन समिति; कोर संकाय, पूर्व सम्मेलन कार्यशाला, वृद्धावस्था नर्सिंग, 26 नवंबर 2015; एम. एससी शोध के लिए चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय और एम्स के लिए सामग्री वैधता की गई; विभागीय आकलन, पीएचडी उम्मीदवार, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली; बाल यौन शोषण में केंद्रित समूह चर्चा के लिए विशेषज्ञ : बहु आयामी पैमाने पर और मनोवैज्ञानिक आघात हस्तक्षेप, मनोरोग विज्ञान के पीएचडी अध्ययन विभाग का विकास; डीएम वाले रोगियों के बीच स्वयं की देखभाल के ज्ञान और अभ्यास का आकलन करने के लिए एक वर्णनात्मक अध्ययन पर शोध की सामग्री वैधता; एम्स अस्पताल में एचआईवी / एड्स के बारे में 18–40 वर्ष आयु की महिलाओं के ज्ञान और रवैया का आकलन करने के लिए अध्ययन सामग्री वैधता; अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़, जामिया हमदर्द, बाबा फरीद यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंस, महर्षि मर्कंदेश्वर विश्वविद्यालय और गुजरात विश्वविद्यालय में परीक्षक और बीएफयूएचएस के लिए एम.एससी नर्सिंग शोध के अधिनिर्णायक। शोध पत्र अन्य पत्रिकाओं में उद्धृत : मैथ्यू एन, खाखा डी, कुरैशी ए, सागर आर. स्ट्रेस एंड कोपिंग अमंग एडोलसेंट्स इन सिलेक्टिड स्कूल्स इन द कैपिटल सिटी ऑफ इंडिया. इंडियन जे पीडियाट्रि 2015; 82 (9) : 809–16 (प्रीवेलेंस ऑफ स्ट्रेस एंड स्ट्रेस टोलरेंस लेवल्स अमंग एडोलेसेंट्स बॉयस ए डिस्ट्रिक्ट लेवल क्रॉस सेक्शनल स्टडी इन साउथ इंडिया से उद्धृत . इंट जे एडोलसेंट मेड हेल्थ) एंड जोशवा, खाखा डी सी, महाजन एस. फैटीग एंड डिप्रेशन एंड स्लीप प्रोब्लम्स अमंग हिमोडायलिसिस पेशेंट इन ए टर्शरी केयर सेंटर. सऊदी जे किडनी डिस ट्रांसप्ल 2012; 23 (4) : 729–35. (साइटिड बाय डेविसन एस एन, लेविस ए, मॉस ए एच, झा वी, ब्राउन ई ए. एग्जीक्यूटिव समरी ऑफ द केडीआईजीओ कॉन्ट्रोवर्सीज कॉन्फ्रेंस ऑन सपोर्टिव केयर इन क्रोनिक किडनी डिजीजः डेवलपिंग ए रोड मैप टू इम्प्रुविंग क्वालिटी केयर. किडनी इंट (2015); बाबा फरीद यूनिवर्सिटी में 7 परियोजनाओं के लिए एडजंक्टर; 27–29 नवंबर 2015 को यूसीएमएस, नई दिल्ली में जरा विज्ञान और वृद्धावस्था चिकित्सा पर तीसरा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में बुजुर्गों नर्सिंग कार्यशाला समन्वित किया / आयोजित किया; (1) 10–11 अप्रैल 2015 को सीएमईटी पर एक शोध पत्र लेखन कार्यशाला, (2) कोलंबिया विश्वविद्यालय और डब्ल्यूएचओ, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 13 अप्रैल, 2015 को मानसिक स्वास्थ्यः लिंग, युवाओं और सामाजिक न्याय पर वैश्विक संगोष्ठी (3) तंत्रिका मनोवैज्ञानिक आकलन पर पांचवां राष्ट्रीय कार्यशाला, 16–18 जुलाई 2015, बेंगलुरू (4) 9 अक्तूबर 2015 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में मास मीडिया और मानसिक बीमारी पर पैनल चर्चा, (5) प्रथम भारत–फ्रांस एफएएम–जन स्वास्थ्य व चिकित्सा अभिनव मंच, 19–20 नवंबर 2015, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली, (6)

27–29 नवंबर 2015 को नई दिल्ली में जरा विज्ञान और वृद्धावस्था चिकित्सा पर तीसरा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (7) 9 फरवरी 2016 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में कार्यस्थल में यौन उत्पीड़न पर संगोष्ठी में भाग लिया।

डॉ. कमलेश शर्मा (1) रॉयल चैलेंज ऑफ पीडियाट्रिक्स एंड चाइल्ड हेल्थ (आरसीपीसीएच), कलावती सरन चिल्ड्रन हॉस्पिटल, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली में 21 नवंबर 2015 को एनईएसटी प्रदाता पाठ्यक्रम 'नियोनेटल इमरजेंसी सिमुलेशन टीम ट्रेनिंग' में संकाय के रूप में समन्वित / सुगम बनाया, (2) बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी में 20 मार्च 2016 को डॉक्टरों और नर्सों के लिए एनईएसटी प्रदाता पाठ्यक्रम, 'नियोनेटल इमरजेंसी सिमुलेशन टीम ट्रेनिंग' के संकाय (3) कॉलेज ऑफ नर्सिंग, एम्स, सीआरएचएसपी, बल्लभगढ़ में 22 मार्च 2016 को नर्सिंग कर्मियों के लिए एनआरपी अद्यतन; 12–14 फरवरी 2016 को पीएसजी कॉलेज ऑफ नर्सिंग, कोयंबटूर, तमिलनाडु में इंडियन एसोसिएशन ऑफ नियोनेटल नर्सेज़ पर 6 वें वार्षिक सम्मेलन में नवजात पोषण में नए अंतर्दृष्टि पर पूर्ण सत्र की अध्यक्षता; निवारक परिषद, कार्डियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया, 25–27 सितंबर 2015 को नई दिल्ली में दूसरे सीएसआई कार्डियक प्रिवेंट, कार्डियकवैस्कुलर नर्सिंग और डायटेटिक्स, समुदाय में हृदय रोग को रोकने और पुनःस्थापित करने के लिए 'नर्स' कार्रवाई : एक नवीन दृष्टिकोण पर सत्र की अध्यक्षता की; 26–28 फरवरी 2016 को नई दिल्ली में 10वें मेंस हेल्थ वर्ल्ड कांग्रेस, मेंस हेल्थ सोसाइटी ऑफ इंडिया और इंटरनेशनल मेंस हेल्थ सोसाइटी पर 26 फरवरी 2016 को 'पुरुषों में घरेलू हिंसा : नर्सिंग के लिए चिंता का विषय' पर सत्र की अध्यक्षता की; (1) 13–14 मई 2015 को कोलंबो, श्रीलंका में स्वास्थ्य प्रणाली के लिए न्यायसंगत उपयोग के माध्यम से वैश्विक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य पर पहला अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीओपीएच 2015); 12 अगस्त 2015 को नैदानिक परीक्षा या परीक्षणों की विश्वसनीयता की अवधारणा और मापन पर आधे दिन की सीएमईटी कार्यशाला, (2) 25–27 सितंबर 2015 को नई दिल्ली में प्रीवेंटिव काउंसिल, कार्डियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया का दूसरा सीएसआई हृदय संबंधी रोकथाम; (3) 3 अक्तूबर 2015 को जेएनयू में फार्माकोलॉजी और कार्डियोलॉजी, एम्स और स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित हृदय अनुसंधान कन्वर्जेंस और हृदय के दौरे पर प्रमाणन कार्यक्रम, (4) 19 नवंबर 2015, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में पहला एम्स–एफएएम जन स्वास्थ्य और चिकित्सा अभिनव मंच, (5) 20 नवंबर 2015, गुड़गांव में नियोनेटल इमरजेंसी सिमुलेशन टीम ट्रेनिंग, एनईएसटी टीओटी पाठ्यक्रम, (6) 6–9 जनवरी 2016 को गांधीनगर, गुजरात में आईएपीएसएम (23) और आईपीएचए (5) – गुजरात अध्याय के इंडियन एसोसिएशन ऑफ प्रीवेंटिव और सामाजिक चिकित्सा और संयुक्त राज्य सम्मेलन का 43 वां वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन (7) पीएसजी कॉलेज ऑफ नर्सिंग, कोयंबटूर, तमिलनाडु इंडियन एसोसिएशन ऑफ नियोनेटल नर्सेज़ का 6 वां वार्षिक सम्मेलन; परीक्षक : गुजरात विश्वविद्यालय, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़, जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, पश्चिम बंगाल स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद, उत्तर प्रदेश, बाबा फरीद यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइसेंज़, पंजाब, एसजीपीजीआईएमएस लखनऊ, महाराज विनायक वैश्विक विश्वविद्यालय, जयपुर, पीजीआईएमएस, रोहतक, हरियाणा और उत्तर पूर्वी इंदिरा गांधी क्षेत्रीय स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विज्ञान संस्थान, शिलॉन्ग; समीक्षक : नर्सिंग साइंस और मिडवाइफरी, सोशल साइंस जर्नल में उन्नत अनुसंधान की अंतरराष्ट्रीय पत्रिका; तदर्थ निरीक्षक, भारतीय नर्सिंग परिषद (आईएनसी) और दिल्ली नर्सिंग परिषद (डीएनसी); सहयोजित सदस्य, नर्सिंग शिक्षा समिति, आईएनसी; स्टूडेंट नर्सेज़ एसोसिएशन (एसएनए) सलाहकार 2012 के बाद से; 60 वें

संस्थान दिवस समारोह पर 25 सितंबर 2015 को कॉलेज ऑफ नर्सिंग के समन्वित सांस्कृतिक कार्यक्रम गतिविधियों में भाग लिया।

डॉ. पूनम जोशी नवंबर 2015 को पी. एचडी से सम्मानित किया था, आरजीयूएचएस, कर्नाटक; 2015 अप्रैल में जेपीएनए ट्रॉमा सेंटर, एम्स में उन्नत ट्रॉमा देखभाल नर्स प्रशिक्षक पाठ्यक्रम पूरा किया; 6–8 अप्रैल 2015 को 'नर्सिंग केयर ऑफ द सिक न्यूबॉर्न' के लिए सुविधा और 12 अगस्त 2015 को नर्सों के लिए शिक्षा का नवीन उपकरण; बी.एससी और एम.एससी नर्सिंग के लिए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जीजीएस, आईपीयू, महाराज विनायक ग्लोबल यूनिवर्सिटी, पीजीआई, चंडीगढ़, जामिया हमदर्द, बाबा फरीद यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज के लिए परीक्षक; सदस्य, इग्नू में बीएसएन–107, बी.एससी (पीबी) नर्सिंग के लिए मॉडरेशन बोर्ड; गुणवत्ता सुधार (क्यूआई) पहल में संकाय सदस्य और एनआईसीयू, एम्स में 3 क्यूआई परियोजनाओं में भाग लिया; मई 2015 को नर्सिंग, रुफैदा कॉलेज ऑफ नर्सिंग, जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय में पीएचडी कक्षाएं ली; 20 नवंबर 2015 को नियोनेटल इमरजेंसी सिमुलेशन ट्रेनिंग (एनईएसटी) टीओटी पाठ्यक्रम में भाग लिया।

श्री एल. गोपीचंद्रन एम्स ट्रॉमा सेंटर में उन्नत ट्रॉमा देखभाल नर्स प्रशिक्षक पाठ्यक्रम पूरा किया; एम्स ट्रॉमा सेंटर में बेसिक लाइफ सपोर्ट और एडवांस्ड कार्डियक लाइफ सपोर्ट कोर्स पूरा किया; एम्स–सीटीवीएस विभाग में गुणवत्ता पहल टीम और परियोजना के सदस्य के रूप में भाग लिया। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओपन स्कूलिंग (एमएचआरडी) के ओआरटी पाठ्यक्रम समुदाय के सदस्य के रूप में भाग लिया; एम्स (रायपुर, जोधपुर, ऋषिकेश), पीजीआईएमईआर चंडीगढ़, हिमालय यूनिवर्सिटी, बाबा फरीद यूनिवर्सिटी और एनईआईजीआरआईएचएमएस, शिलॉन्ग के परीक्षक, थीसिस मूल्यांकनकर्ता।

सुश्री सिबी रिजु को जराचिकित्सा नर्सिंग विशेषता के लिए पाठ्यक्रम का मसौदा तैयार करने में शामिल किया था; दोनों अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के छात्रों और अन्य कॉलेजों के छात्रों के लिए एक विशेषज्ञ के रूप में अनुसंधान उपकरण मान्य; आशा के कारण चलने में भाग लिया, मार्च 2016; एम्स संकाय के लिए आईएचआई द्वारा आयोजित की गुणवत्ता में सुधार कार्यशाला में भाग लिया; आरपीसी ऑपरेशन थिएटर में सामान्य संज्ञाहरण प्रतीक्षा स्थल समय कम करने के लिए आरपी सेंटर परियोजना का भाग। परियोजना अन्य परियोजनाओं के बीच में सबसे अच्छा फैसला किया और स्वीडन क्यूआई सम्मेलन के लिए चयनित किया गया; कॉलेज ऑफ नर्सिंग के संकाय के लिए प्रपत्रों के निर्माण और रखरखाव पर छोटे क्यूआई परियोजना में भी शामिल किया जो चल रहे है।

सुश्री उज्जवल दहिया नई इमरजेंसी में आने वाले रोगियों के 100 प्रतिशत ट्राइएज प्राप्त करने के लिए नई इमरजेंसी वार्ड में गुणवत्ता सुधार परियोजना में भाग लिया; नई दिल्ली में 10 वें पुरुष स्वास्थ्य विश्व सम्मेलन में नर्सिंग सत्र के लिए संकाय; ओआरबीओ, एम्स द्वारा आयोजित किए गए अंग दान में प्रशिक्षण नर्सों के लिए संकाय।

सुश्री रिम्पल शर्मा ने निम्नलिखित कार्यशालाओं में भाग लिया (1) योग्यता आधारित पाठ्यक्रम पर कार्यशाला, 12 अक्तूबर 2015, (2) राष्ट्रीय कैंसर विज्ञान नर्सिंग सम्मेलन, 5–7 नवंबर 2015, (3) भारतीय–फ्रेंच शिखर सम्मेलन, 19–20 नवंबर 2015, (4) विश्व गुर्दा दिवस, 10 मार्च 2015, और (5) चिकित्सा और स्वास्थ्य शिक्षा में आधारित पाठ्यक्रम, 30 मार्च – 1 अप्रैल 2016.

सुश्री सेसिलिया एम. एस. चरण सिंह यूनिवर्सिटी में एम. एससी के परीक्षक थीं।

डॉ. फिलोमिना थॉमस अगस्त 2015 को नर्सिंग, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय में पीएचडी की उपाधि से सम्मानित किया, मैकमास्टर विश्वविद्यालय के साक्ष्य प्रणाली के मैकमास्टर ऑनलाइन रेटिंग के लिए रेटर (स्वास्थ्य देखभाल साहित्य में या राष्ट्रीय साक्ष्य समीक्षा संगठनों द्वारा उच्च गुणवत्ता अध्ययन और व्यवस्थित समीक्षा प्रकाशित चल रहे और मूल्यांकन भी शामिल है); लेबर रूम, एम्स में गुणवत्ता सुधार की पहल में भागीदार और गोथेनबर्ग, स्वीडन में आयोजित स्वास्थ्य देखभाल में गुणवत्ता और सुरक्षा पर हेल्थकेयर अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुति के लिए स्वीकृत 'लेबर वार्ड में एक मानक प्रक्रिया के रूप में त्वचा से संपर्क करने के लिए त्वचा को स्थिर करना' पोस्टर के सह लेखक; उच्च कुशल स्वास्थ्य कर्मियों के प्रवास पर ओटावा परियोजना के कैनेडियन इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ रिसर्च – यूनिवर्सिटी में टीम के सदस्य और सहयोगी के रूप में 2009 के बाद से शामिल किए गए; नर्सिंग साइंस और मिडवाइफरी में इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस्ड रिसर्च (एडीआर प्रकाशन) के समीक्षक; 28–30 मार्च 2016 को बाल चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित गुणवत्ता सुधार के साथ नवजात नर्सिंग आधारित सुविधा पर कार्यशाला 'प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण' में भाग लिया।

सुश्री अनुभा डी. 25–27 सितंबर, 2015 को दिल्ली में हृदय रोग के रोकथाम पर राष्ट्रीय सम्मेलन नर्सिंग सत्र, सीएसआई हृदय रोकथाम 2015 के समिति आयोजन के सदस्य थे; 26–28 फरवरी 2016 को दिल्ली में 10 वें मेंस हेल्थ वर्ल्ड कांग्रेस 2016, नर्सिंग सत्र, वैज्ञानिक समिति की सदस्य।

8. अनुसंधान अनुभाग

संकायाध्यक्ष (अनुसंधान)
एस. के. आचार्य

उप–संकायाध्यक्ष (अनुसंधान)
प्रमोद गर्ग

प्रशासनिक अधिकारी	लेखा अधिकारी	भंडार अधिकारी
नरेंद्र कुमार	श्रीमती मीनाक्षी डबराल	राकेश शर्मा

विशिष्टताएं

अनुसंधान, संकाय और अ. भा. आ. सं. के वैज्ञानिकों के लिए एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है और इस दिशा में अनुभाग विभिन्न राष्ट्रीय / अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों जैसे भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्ल्यू), विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) वेलकम ट्रस्ट और अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक सहयोग द्वारा वित्त पोषित बाह्य अनुसंधान परियोजनाओं को प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहन प्रदान करके एक महत्वपूर्ण सुविधा प्रदाता की भूमिका निभाता है। अनुसंधान अनुभाग कुशल प्रशासन, दिशा निर्देशों के विकास, अनुसंधान के लिए निधि खातों और भंडार का रखरखाव और प्रबंधन, अनुसंधान कर्मचारियों की नियुक्ति, भुगतान और उपकरणों की खरीद आदि उपलब्ध कराने द्वारा अ. भा. आ. सं. में सभी अनुसंधान गतिविधियों का समर्थन करने के लिए नोडल बिंदु है।

अनुसंधान अनुभाग की तीन कार्यात्मक इकाइयां अर्थात प्रशासनिक, लेखा और भंडार हैं। इसके अलावा, बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) और उपयुक्त पेटेंट दाखिल करने में संकाय / वैज्ञानिकों को एक प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और पेटेंट प्रकोष्ठ मार्गदर्शन देती है। दिन – प्रतिदिन के कार्य प्रशासन, वित्त और भंडार खरीद संकायाध्यक्ष (अनुसंधान) और उप संकायाध्यक्ष (अनुसंधान); वरिष्ठ अधिकारियों एवं सहायकों के एक दल के देखरेख में किया जाता है। अनुभाग बाह्य अनुसंधान परियोजनाओं में शोध, तकनीकी और गैर तकनीकी समर्थन स्टाफ की नियुक्ति करता है और इस प्रकार के स्टाफ नियुक्ति को 'परियोजना स्टाफ' कहा जाता है। सभी मशीनरी, उपकरण, रसायन, आकस्मिक खरीद आदि इस अनुभाग के माध्यम से किए जाते हैं। अनुभाग इस उद्देश्य के लिए तैयार किए गए दिशा निर्देशों के अनुसार सभी अनुसंधान से संबंधित कार्य को करता है।

बाह्य अनुसंधान अध्यक्ष अनुसंधान समिति (डीआरसी) और अनुसंधान सलाहकार परिषद (आरएसी) के तहत प्रबंधित है।

अध्यक्ष अनुसंधान समिति (डीआरसी)

अनुसंधान विभाग के कार्य में सुधार लाने, जैव चिकित्सा अनुसंधान के समग्र वातावरण को बढ़ाने के लिए दिशा – निर्देश प्रदान करने के लिए और मिशन उन्मुख और अंतर – विभागीय, अंतर – संस्थागत और अंतर – देश अनुसंधान सहयोग आधारित विषय को बढ़ावा देने के लिए प्राप्त विभिन्न सुझावों पर चर्चा करने के लिए 09.12.

2013 को समिति गठित की गई थी। डीआरसी समयबद्ध अनुसंधान गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए आर्थिक सहायता एजेंसियों के साथ बेहतर समन्वय के लिए मार्गदर्शन प्रदान करता है और प्रशासनिक, वित्तीय और खरीद मामलों से संबंधित नीतियां निर्धारित करता है। वर्तमान डीआरसी के निम्नलिखित सदस्य हैं :

1.	संकायाध्यक्ष (अनुसंधान)	अध्यक्ष
2.	संकायाध्यक्ष (शैक्षणिक)	सदस्य
3.	डॉ. अनुराग श्रीवास्तव आचार्य और प्रमुख, शल्य चिकित्सा विभाग	सदस्य
4.	डॉ. वी. के. पॉल आचार्य और प्रमुख, बाल चिकित्सा विभाग	सदस्य
5.	डॉ. ललित कुमार आचार्य और प्रमुख, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग	सदस्य
6.	डॉ. कामेश्वर प्रसाद आचार्य और प्रमुख, तंत्रिका विज्ञान विभाग	सदस्य
7.	डॉ. अरविंद बग्गा आचार्य, बाल चिकित्सा विभाग	सदस्य
8.	डॉ. जे. एस. त्यागी आचार्य, जैव प्रौद्योगिकी विभाग	सदस्य
9.	डॉ. ए. के. डिंडा आचार्य, विकृति विज्ञान विभाग	सदस्य
10.	डॉ. के. आनंद आचार्य, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र	सदस्य
11.	डॉ. राजू शर्मा आचार्य, विकिरण निदान विभाग	सदस्य
12.	डॉ. निखिल टंडन आचार्य, अंतःस्राविकी विभाग	सदस्य
13.	डॉ. वी. के. मोहन आचार्य, संवेदनाहरण विभाग	सदस्य
14.	डॉ. विनीत आहुजा आचार्य, जठरांत्र विज्ञान विभाग	सदस्य
15.	डॉ. रोहित भाटिया अपर आचार्य, तंत्रिका विज्ञान विभाग	सदस्य

16.	डॉ. वी. श्रीनिवास अपर आचार्य, जैव सांख्यिकीय विभाग	सदस्य
17.	डॉ. अमित गुप्ता अपर आचार्य, आपातकालीन चिकित्सा विभाग, जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा सेंटर	सदस्य
18.	उप–संकायाध्यक्ष (शैक्षणिक)	सदस्य
19.	डॉ. पूर्वा माथुर अपर आचार्य, सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा सेंटर	सदस्य
20.	डॉ. गुरविंदर कौर वैज्ञानिक – 4, प्रत्यारोपण प्रतिरक्षा विज्ञान एवं प्रतिरक्षा आनुवंशिकी विभाग	सदस्य
21.	उप–संकायाध्यक्ष (अनुसंधान)	सदस्य–सचिव

अनुसंधान सलाहकार परिषद (आरएसी)

अनुसंधान सलाहकार परिषद को वर्तमान समय की आवश्यकताओं के लिए संगत नैदानिक और बुनियादी अनुसंधान को बढ़ावा देने के समग्र उद्देश्य के साथ अनुसंधान के बुनियादी ढांचे, प्राथमिकताओं, क्षमता विकास, संसाधन जुटाने और संपर्क के संबंध में नीति और कार्यनीति सुझाने के लिए 11 फरवरी 2014 को गठित किया गया था। परिषद अंतर – विभागीय, अंतर – संस्थागत और अंतर – देश को बढ़ावा देने और प्रोत्साहित करने और अनुसंधान गतिविधियों के ट्रांसलेशनल मूल्य प्राप्त करने के लिए विशिष्ट जानकारी प्रदान करने के उपायों का सुझाव देती है।

1.	आचार्य एम. के. भान पूर्व सचिव, जैव प्रौद्योगिकी विभाग भारत सरकार, नई दिल्ली	अध्यक्ष
2.	आचार्य विजय राघवन सचिव, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली	सदस्य

3.	आचार्य एम. सी. मिश्र निदेशक, एम्स., नई दिल्ली	सदस्य
4.	आचार्य एन. के. गांगुली प्रतिष्ठित आचार्य, जैव प्रौद्योगिकी पूर्व महा निदेशक, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, राष्ट्रीय प्रतिरक्षा संस्थान, नई दिल्ली	सदस्य
5.	आचार्य योगेश चावला निदेशक, पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, चंडीगढ़	सदस्य
6.	अध्यक्ष (शैक्षणिक) एम्स, नई दिल्ली	सदस्य
7.	आचार्य गुलापल्ली एन राव नेत्र स्वास्थ्य के प्रतिष्ठित अध्यक्ष अध्यक्ष, हैदराबाद इंस्टीट्यूट संस्थापक, एल वी प्रसाद नेत्र संस्थान, हैदराबाद	सदस्य
8.	डॉ. टी के चंद्रशेखर सचिव, साइंस एंड इंजीनियरिंग रिसर्च बोर्ड (एसईआरबी), भारत सरकार, 5 और 5ए, निचला भूतल, वसंत स्क्वायर मॉल, सेक्टर – बी, पॉकेट – 5, वसंत कुंज, नई दिल्ली	सदस्य
9.	डॉ. एस. एस. कोहली वैज्ञानिक 'जी', भारत सरकार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग टेक्नोलॉजी भवन, न्यू महरोली रोड, नई दिल्ली	सदस्य
10.	आचार्य टी. पी. सिंह पूर्व अध्यक्ष, जैव भौतिकी विभाग / प्रतिष्ठित आचार्य, जैव प्रौद्योगिकी, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली	सदस्य
11.	डॉ सत्यजीत रथ वैज्ञानिक – 7, राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान अरुणा आसफ अली रोड, नई दिल्ली	सदस्य

12.	आचार्य सैयद हसनैन प्रतिष्ठित आचार्य, जीव विज्ञान भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली	सदस्य
13.	डॉ. सुधीर कृष्णा राष्ट्रीय जीव विज्ञान केंद्र जीकेवीके, बेल्लारी रोड, बैंगलोर	सदस्य
14.	डॉ. शुभदा वी. चिपलुंकर निदेशक, एडवांस सेंटर फॉर ट्रीटमेंट रिसर्च एंड एजुकेशन इन कैंसर (एसीटीआरईसी), सं. 2, सेक्टर – 22, खरघर, नवी मुंबई	सदस्य
15.	डॉ. सौम्या स्वामीनाथन सचिव, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, महा निदेशक, आईसीएमआर, नई दिल्ली	सदस्य
16.	डॉ. टी. एस. राव पूर्व वरिष्ठ सलाहकार, जैव प्रौद्योगिकी विभाग भारत सरकार, नई दिल्ली	सदस्य
17.	डॉ. डी. के. शर्मा चिकित्सा अधीक्षक एम्स, नई दिल्ली	सदस्य
18.	उप–संकायाध्यक्ष (अनुसंधान)	सदस्य
19.	संकायाध्यक्ष (अनुसंधान)	सदस्य सचिव

आंतरिक अनुसंधान अनुदान (बुनियादी और नैदानिक विज्ञान)

आंतरिक अनुसंधान अनुदानों का प्रबंधन संकायाध्यक्ष (शैक्षिक) से संकायाध्यक्ष (अनुसंधान) के पास दिनांक 2.7. 2011 के कार्यालय ज्ञापन संख्या 5–59 / आंतरिक अनुसंधान / 2010 / आरएस के अनुसार अंतरित किया गया है। स्थायी वित्त समिति में मद संख्या एफसी–198/15 द्वारा 4.7.2011 को आयोजित अपनी बैठक में कुल आंतरिक अनुसंधान समर्थन की राशि प्रतिवर्ष 50 लाख रुपए से बढ़ाकर 5 करोड़ करने के लिए अनुमोदन दिया है। वर्ष 2015–16 के लिए आंतरिक अनुसंधान परियोजनाओं की सूची निम्नानुसार है।

वर्ष 2015–16 के दौरान आंतरिक अनुसंधान परियोजनाएं

क्र. सं.	परियोजना कोड	अन्वेषक का नाम	स्वीकृत निधि (रु.)	शीर्षक
1	ए–084	शैफाली गुलाटी	382823	रेडोमाइज्ड प्लासेबो कंट्रोल्ड ट्रायल ऑफ वेलप्रोएट एण्ड लेवोकेर्निटाइन इन चिल्ड्रन विद स्पाइनल मस्कुलर एट्रॉफी एज्ड 2–15 इयर्स
2	ए–159	रेनू ढींगरा	500000	एंडोप्लाज्मिक रेटिकुलम स्ट्रेस इन पैथोजेनिक ऑफ प्रीक्लेम्प्सिया : एन इन विट्रो स्टडी
3	ए–193	संजीव कुमार गुप्ता	178920	आईकेजेडएफ1 (एकेरोस) म्यूटेशन्स इन बी सेल एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया
4	ए–194	आशुतोष बिस्वास	241000	रोल ऑफ बायोमार्कर्स इन सीवेरे डेंगू फीवर
5	ए–223	चित्तरंजन बेहरा	360766	एसोसिएशन ऑफ़ मेंस्ट्रुएशन विद कम्लीटिड सुसाइड – ए हॉस्पिटल बेस्ड केस कंट्रोल स्टडी
6	ए–224	स्मृति हरी	480000	रोल ऑफ सीई–एमआरआई ऑफ ब्रेस्ट एण्ड एमआर गाइड ब्रेस्ट बायोप्सी फॉर प्रीऑपरेटिव एवेल्यूएशन ऑफ पेशेंट्स डायग्नोस्ड विद ब्रेस्ट कैंसर एण्ड सिलेक्टिड फॉर ब्रेस्ट कंसर्वेशन सर्जरी
7	ए–231	रितु सहगल	400000	द एक्सप्रेशन ऑफ़ पी75एनटीआर एंड टीआरकेए रिसेप्टर्स इन ब्रेस्ट कैंसर
8	ए–233	रविंद्र कुमार पांडे	500000	टू एवेलुएट द एफिकेसी ऑफ ट्रेनेक्सेमिक एसिड इन रिड्यूसिंग इंफ्लेमेटरी रिसपान्स इन लीनो–रीनल शंट सर्जरीज़ – ए रेंडोमाइज्ड, डबल ब्लाइंड स्टडी
9	ए–241	सूरज सेनजाम सिंह	150000	स्टडी ऑफ सेंस ऑफ कोहेरेंस एण्ड स्पेक्टल्स कम्प्लायंस एमंग सैकंडरी स्कूल स्टुडेंट इन दिल्ली
10	ए–245	सुजॉय पाल	173750	पोस्टीरियर (एसएमए–फर्स्ट) एप्रोच वर्सिस स्टैंडर्ड पैनक्रिएटोडेंनेक्टॉमी इन पेशेंट्स विद पैंक्रिएटिक कैंसर विद स्पेशल फोकस ऑन सर्कमफेरेंशियल रिसेक्शन मर्जिन्स एंड मीडियम टर्म सर्वाइवल आउटकम : ए रेंडोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल
11	ए–246	कुंजैंग चोस्डोल	480000	इफ़ेक्ट ऑफ एफएटीआई ऑन ट्यूमर सप्रेसर सिग्नलिंग पाथवे (सेल्वेडोर – वार्ट – हिप्पो (एसडब्ल्यूएच) पाथवे) इन ग्लियोमा
12	ए–248	मधुसूदन के. एस.	180000	रोल ऑफ डिफ्यूजन वेटेड एंड परफ्यूजन मैग्नेटिक रेजोनेंस इमेजिंग इन द एवेल्यूएशन ऑफ रिस्पॉन्स ऑफ ओस्टियोसार्कोमा टू नियोएडजुवेंट कीमोथेरैपी

13	ए–249	निखिल टंडन	320069	इन्फ्लुएंस ऑफ पैंक्रिएटिक एक्सोसीरिन एफिशिएंसी एंड रोल ऑफ जीएलपी–1 इन रेगुलेटिंग ग्लाइसेमिक वेरिएबिलिटी इन पेशेंट्स विद डायबिटीज ड्यू टू क्रोनिक इडियोपैथिक पैंक्रिएटिटिस : ए क्रॉस – सेक्शनल, ऑब्जर्वेशनल स्टडी
14	ए–250	कल्पना लूथरा	400000	जनरेशन एंड करेक्टराइजेशन ऑफ एचआईवी–1 प्राइमरी आइसोलेट्स फ्रॉम पीडियाट्रिक पेशेंट्स फॉर देयर न्यूट्रालाइजेशन ससेप्टिबिलिटी टू ब्रोडली न्यूट्रिलाइजिंग एंटीबॉडीज़
15	ए–251	प्रमोद गर्ग	544214	जिनोमिक एंड एपीजिनोमिक एक्सप्रेशन इन गॉलब्लेडर कैंसर
16	ए–252	रविंदर गोस्वामी	500000	एसेसमेंट ऑफ द मॉलीक्यूलर फैक्टर्स प्रीडिस्पोसिंग बेसल गैंगलिया फॉर कैल्सीफिकेशन : न्यूवर ऑस्टियोजेनिक मॉलीक्यूल्स
17	ए–253	सौमिता बाग्ची	379170	प्रोस्पेक्टिव मॉनीटरिंग ऑफ बीकेवी रेप्लीकेशन इन द फर्स्ट इयर फॉलोइंग रीनल ट्रांसप्लांटेशन इन एडल्ट इंडियन रीनल ट्रांसप्लांट रेसीपिएंट्स
18	ए–254	ललित धर	553100	द रोल ऑफ ह्यूमन साइटोमेगेलोवायरस (एचसीएमवी) इन अल्सरेटिव कोलाइटिस (यूएस)
19	ए–257	के. एच. रीता	28104	स्टडी ऑफ द एफिकेसी ऑफ एंटीएपिलेप्टिक ड्रग – नैनो ड्रग डिलीवरी सिस्टम्स इन एक्सपेरिमेंटल एनिमल मॉडल्स
20	ए–258	विजय एल. कुमार	375000	स्टडीज ऑन द एफिकेसी ऑफ आर्टिसुनेट इन एक्सपेरिमेंटल मॉडल ऑफ कोलोरेक्टल कैंसर
21	ए–259	जागृति भाटिया	16071	एवेल्यूएशन ऑफ द प्रोटेक्टिव इफेक्ट ऑफ युजेनॉल ऑन ब्लियोमाइसिन – इंड्यूस्ड पल्मोनरी फाइब्रोसिस इन रैट्स
22	ए–260	रमा जयासुंदर	450000	इन–विट्रो असेसमेंट ऑफ एंटी–एचआईवी पोटेंशियल एंड फाइटोमेटाबोलोमिक्स ऑफ सिलेक्ट मेडिसिनल प्लांट्स
23	ए–262	सीमा सेन	400000	क्लिनिकल इम्प्लीकेशन ऑफ एपिथीलियल मेसेकाइमल ट्रांजिशन मार्कर्स इन आइलिड सिबेसियसग्लैंड कार्सिनोमा
24	ए–263	अल्पना शर्मा	360000	स्टडी ऑफ डेंड्रिटिक सेल्स इन पैथोजेनेसिस ऑफ पेम्फीगस वुल्गारिस
25	ए–264	विवेक त्रिखा	420000	टेम्पोरल एक्सप्रेशन ऑफ सीरम बायोकैमिकल मार्कर्स ऑफ बोन टर्नओवर इन फीमोरल शाफ्ट

				फ्रैक्टर्स ऑपरेटिड विद इंट्रामेडुलरी नेलिंग
26	ए–266	शाह आलम खान	232000	एवेल्यूएशन ऑफ सीरम वेस्कुलर एंडोथीलियल ग्रोथ फेक्टर (वीईजीएफ) इन चिल्ड्रन विद लेग – काफ – पर्थेस डिजीज
27	ए–267	गुरविंदर कौर	500000	लिनेज स्पेसिफिक काइमेरिस्म एनालिसिस फॉर मॉनीटरिंग एंग्राफ्टमेंट फॉलोविंग एलोजेनिक हिमेटोपॉइटिक स्टेम सेल ट्रांसप्लांटेशन (एचएससीटी)
28	ए–268	एस. सेंथिल कुमारन	396492	पोस्ट स्ट्रोक न्यूरोप्लास्टिक पोटेंशियल ड्यूरिंग स्पोंटेनियस रिकवरी फॉर मोटर प्रोसेसिंग
29	ए–269	जतिंदर कटयाल	150000	टू डिटरमाइन द इफेक्ट ऑफ सीज़र, जिंक एडमिनिस्ट्रेशन एंड एंटीएपीलेप्टिक ड्रग्स ऑन ब्रेन एंड बॉडी जिंक होमियोस्टेसिस
30	ए–271	सुरभी व्यास	100000	रोल ऑफ नॉन कंट्रास्ट एमआरआई इंक्लूडिंग डिफ्यूजन वेटिड (डीडब्ल्यूआई) एंड कंट्रास्ट इनहांस्ड एमआर इमेजिंग इन एवेल्यूएशन ऑफ सीनोविटिस ऑफ स्मॉल जॉइंट्स ऑफ रिस्ट एंड हैंड्स इन पेशेंट्स ऑफ रियूमेटॉइड आर्थराइटिस (आरए)
31	ए–274	अस्मिता पाटिल	490280	इन–विट्रो स्टडी ऑफ द मॉलीक्यूलर नेचर ऑफ पैराक्राइन इंटरेक्शन बिटवीन द टेस्टीकुलर सेरटोली एंड जर्म सेल्स ऑफ इमैच्योर एंड मैच्योर मेल माइस
32	ए–275	रोहित भाटिया	500000	रोल ऑफ ब्लड बायोमार्कर्स इन डिफरेंशिएटिंग इस्चेमिक स्ट्रोक एंड इंट्रासेरेब्रल हेमरेज; एंड देयर एसोसिएशन विथ इटियोलॉजी एंड आउटकम्स
33	ए–281	सुबोध कुमार	500000	प्रोग्नोस्टिक सिग्निफिकेन्स ऑफ साइटोकाइन्स एंड बायोमार्कर्स इन पेशेंट्स विद ट्रॉमेटिक लंग इंजरीज
34	ए–282	टी. वेलपण्डियन	450000	फंक्शनल इम्पोर्टेंस ऑफ न्यूक्लियोसाइड ट्रांसपोर्टर्स इन द ऑक्यूलर डिस्पोजिशन ऑफ देयर सबस्ट्रेट्स – फॉर टार्गेटिड ऑक्यूलर ड्रग डिलीवरी
35	ए–284	दिनेश कल्याणसुंदरम	455788	डिजाइन एंड टेस्टिंग ऑफ ऑर्थोडोंटिक मिनिस्क्रेव्स एम्बेडिड विद सेंसर्स टू डिटेक्ट इंफ्लेमेशन – फेज 1
36	ए–286	पुनीत मिश्रा	134136	प्रीवलेंस एंड रिस्क फैक्टर्स ऑफ कॉम्प्लीकेशन्स इन डायबिटीज पेशेंट्स ऑफ ए रूरल कम्युनिटी

				ऑफ बल्लबगढ़
37	ए–291	सुदीप सेन	450000	एनालाइसिस ऑफ द एक्सप्रेशन ऑफ म्यूसिन्स इन ह्यूमन ओरल म्यूकोसल एपिथीलियल सेल्स (ओएमईसी) ऑन यूजिंग माइकोफेनोलेट मोफेटिल (एमएमएफ) *इन विट्रो*
38	ए–292	नलिन मेहता	495000	मॉलीक्यूलर बेसिस ऑफ कैटियोनिक एंटी – माइक्रोबियल पेप्टाइड एक्शन ऑन ह्यूमन साइटोट्रोफोब्लास्ट सेल लाइन्स इन विट्रो
39	ए–293	वीरेश्वर भटनागर	39758	ए कम्पेरेटिव कॉरलेशन ऑफ सीरोलॉजिकल मार्कर्स ऑफ ऑटोइम्युन इंफ्लेमेशन विद द इम्युनोहिस्टोकेमिस्ट्री ऑफ द लिवर इन बाइलरी एट्रेक्सिया
40	ए–294	दीपिका डेका	6255	आइसोलेशन एंड करेक्टराजेशन ऑफ मेसेंकाइमल स्टेम सेल्स फ्रॉम एमनीटोटिक फ्लुइड एंड वॉर्टन जेली
41	ए–296	ओ. पी. मूर्ति	48013	द स्टडी द एल्कोहल प्रोडक्शन बाय माइक्रोब्स इन ब्लड एंड विट्रीयस ह्यूमर इन ह्यूमन बॉडी एंड ड्यूरिंग स्टोरेज ऑफ सैम्पल्स
42	ए–297	बिमल कुमार दास	305211	टू इस्टेब्लिश ए रीयल टाइम पीसीआर बेस्ड रैपिड एसे फॉर द डिटेक्शन ऑफ कौसेटिव पैथोजीन्स ऑफ एक्यूट बैक्टीरियल मैनिनजाइटिस
43	ए–298	अचल कुमार श्रीवास्तव	400000	सीएसएफ टेस्टोस्टेरोन इन मोटर न्यूरॉन डिजीज
44	ए–299	एम. श्रीनिवास	64055	कम्पेरिजन ऑफ वेरियस बिलियोएंटेरिक एनेस्टोमोसिस – अल्ट्रास्ट्रक्चरल एवेल्यूएशन बाय इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी
45	ए–301	मेजर एम. डी. रे	60000	रोल ऑफ टिस्सील (फाइब्रिन सीलेंट) इन इलियोइंगौनल ब्लॉक डिसेक्शन टू रिड्यूस द रेट ऑफ लिम्फेटिक ड्रेनेज एंड सेरोमा फॉर्मेशन, देयर बाय मोर्बिडिटी
46	ए–302	विजय शर्मा	390000	इम्यूनोलॉजिकल डिसर्प्शन्स इन इंडियन ऑर्थोपैडिक ट्रॉमा पेशेंट्स एंड इट्स रोल इन फॉर्मूलेशन ऑफ डैमेज कंट्रोल ऑर्थोपेडिक्स गाइडलाइन्स
47	ए–304	रेणु भाटिया	132154	इफेक्ट ऑफ ट्रांसक्रेनियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन ऑन पैन स्टेट्स ऑफ क्रोनिक टेंशन टाइप हैडएक पेशेंट्स
48	ए–307	सचिन तलवार	500000	इफेक्ट ऑफ प्री–ऑपरेटिव एडमिनिस्ट्रेशन ऑफ एलोप्यूरीनॉल ऑन पोस्ट–ऑपरेटिव ऑउटकम्स इन पेशेंट्स अंडरगोइंग इंट्राकार्डियक रिपेयर ऑफ

				टेट्रोलॉजी ऑफ फेलोट
49	ए–308	वी. सीनु	280861	ए स्टडी ऑफ एपिजेनेटिक ऑफ ब्रेस्ट कैंसर बाय एवेल्यूएशन ऑफ टिशू साइट–स्पेसिफिक प्रमोटर डीएनए मेथिलेशन प्रोफाइल्स इन ब्रेस्ट कैंसर
50	ए–309	बिप्लब मिश्रा	55244	ए स्टडी ऑफ रोल ऑफ लिम्फेंजियोजेनेसिस इन ब्रेस्ट कैंसर
51	ए–310	अतिन कुमार	500000	एवेल्यूएशन ऑफ एफिकेसी, सेफ्टी एंड आउटकम ऑफ स्प्लेनिक आर्टरी एम्बोलाइजेशन इन ट्रॉमेटिक स्प्लेनिक इंजरीज़
52	ए–311	मनीष सिंघल	498750	एनिमल ट्रायल ऑफ एडवांस्ड वाउंड प्रॉडक्ट्स
53	ए–312	सीमा सिंघल	494000	अस्समेंट ऑफ डिजीज़ सेवेरिटी इन पेशेंट्स विद एपिथिलियल ओवरियन कैंसर बाय ईएमटी रिलेटिड प्रोटीन एक्सप्रेशन एंड माइक्रो आरएनए 200 ए, बी, सी
54	ए–313	विशेष जैन	84000	रोल ऑफ डिलेड कॉर्टिकल ट्रांजिट टाइम ऑन एमएजी3 सिंटीग्राफी इन आइडेंटिफाइंग पेशेंट्स विद पेल्वीयूरेटेरिक जंक्शन ऑब्स्ट्रक्शन हु विल बेनिफिट फ्रॉम पायलोप्लास्टी
55	ए–314	सुजाता सतपथी	449000	डेवलपमेंट ऑफ नॉन–कंप्यूटर बेस्ड कॉग्निटिव ट्रेनिंग इंटरवेंशन किट फॉर 6–11 ईयर्स ओल्ड चिल्ड्रेन विद एडीएचडी
56	ए–315	जयंत कुमार पी	440000	आईजीएफ2बीपी1 एज़ नोवल बायोमार्कर इन ईटीवी6 – आरयूएनएक्स1 पोजिटिव बी–एएलएल.
57	ए–316	राकेश गर्ग	189000	टू एक्सेस द रोल ऑफ रेस्पिरेटरी फिजियोथेरैपी इन द इफेक्टिवनेस ऑफ प्लयूरोडेसिस इन एडल्ट पेशेंट्स विद मैलिग्नेंट प्लुरल इफ्युशन
58	ए–317	सिमरन कौर	437715	कॉर्टिकल सोर्सेज ऑफ कॉग्निटिव डिसोनेंस : ए क्यूईईजी स्टडी
59	ए–318	निशांत वर्मा	500000	प्रीवेलेंस ऑफ माइक्रो स्पोरिडिया एंड देयर मॉलिकुलर कैरेक्टराइजेशन
60	ए–319	अर्चना अगरूप	435000	रियल टाइम पीसीआर टू नो द प्रीवेलेंस ऑफ मायकोप्लाज्मा निमोनिया इन इम्युनोडेफिशिएंट चिल्ड्रेन विद सीवियर निमोनिया
61	ए–320	शिप्रा अग्रवाल	487000	एवेल्यूएशन ऑफ बीआरएएफ (वी 600 ई) म्यूटेशन एंड एमएपीके/ईआरके पाथवे एक्टिवेशन मार्कर्स इन पैपिलरी कार्सिनोमा ऑफ थाइरॉयड एज़ पोटेंशियल

				डायग्नोस्टिक, प्रोग्नोस्टिक एंड थेरापुटिक इंडिकेटर्स.
62	ए–321	अर्चना सिंह (आई)	450000	एन अस्समेंट ऑफ फंक्शनल क्वालिटी ऑफ एचडीएच इन कोरोनरी आर्टरी डिजीज़.
63	ए–322	दीपाली जैन	400000	एनालायसिस ऑफ पीडी–एल1 एक्सप्रेशन इन नॉन–स्मॉल सेल कार्सिनोमा : इम्प्लीकेशन फॉर ऑप्शनल इम्यून टार्गेटिड थेरैपी.
64	ए–323	एम. वनथी	400000	स्टडी ऑफ थ्रोम्बोस्पॉनडिन – I पॉलीमॉर्फिज्म्स इन पेशेंट्स विद हाइ रिस्क कॉर्नियल रेसिपियंट बेड
65	ए–324	देवसेनापति कंडासामी	350000	रोल ऑफ होल बॉडी एमआरआई इन द एवेल्यूएशन ऑफ पायरेक्सिया ऑफ अंनोन ओरिजिन विद नॉन–डायग्नोस्टिक प्रीलिमिनरी इंवेस्टीगेशंस
66	ए–325	सुमित सिन्हा	400000	ए स्टडी टू एक्सेस द रोल ऑफ न्यूरो इमेजिंग एंड सीरम बायोमार्कर्स इन प्रीडिक्टिंग द सेवेरिटी एंड फंक्शनल आउटकम आफ्टर एक्यूट ट्रॉमेटिक स्पाइनल कॉर्ड इंजरी
67	ए–326	दालिम कुमार बैद्य	179000	इंट्राऑप्रेटिव लंग प्रोटेक्टिव वेंटिलेशन इन पेरिटोनिटिस पेशेंट्स अंडरगोइंग इमरजेंसी लैपेरोटॉमी : ए रेंडोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल
68	ए–327	सरिता मोहापात्र	435000	इंटेस्टाइनल कोलनिजाइशन एंड ब्लड–स्ट्रीम इंफेक्शन ड्यू टू कार्बेपेनम रेजिस्टेंट इंटरोबैक्टीरियासिस इन फेब्रिल न्यूट्रोपेनिक पेशेंट्स
69	ए–328	हितेंदर गौतम	447648	एवेल्यूएशन ऑफ पेशेंट केयर यूरिन लिपोएराबिनोमनन एंटीजन डिटेक्शन फॉर डायग्नोसिस ऑफ ट्यूबरकुलोसिस इन चिल्ड्रेन
70	ए–329	हीमांगा के भट्टाचार्जी	205000	ए प्रोस्पेक्टिव स्टडी ऑफ क्लिनिको–पैथोलॉजिकल फैक्टर्स इन मेट्यूरेशन ऑफ आर्टरियो–वेनस फिस्टुला इन पेशेंट्स विद क्रोनिक किडनी डिजीज़
71	ए–330	चारु महाजन	70000	इफेक्ट ऑफ मैग्निजम एंड लिग्नोकेसिन ऑन पोस्टक्रेनियोटॉमी पेन : ए कम्पेरेटिव, रेंडोमाइज्ड, डबल–ब्लाइंडेड, प्लेसिबो–कंट्रोल्ड स्टडी.
72	ए–331	हरिप्रसाद जी	490000	एवेल्यूएटिंग द कॉम्बिनेड इफेक्ट ऑफ इंसुलिन लाइक ग्रोथ फैक्टर – 1, ट्रांसफॉमिंग ग्रोथ फैक्टर – ? एंड फाइब्रोब्लास्ट ग्रोथ फैक्टर – 2 ऑन कार्डियक प्रोजेनिटर स्टेम सेल्स
73	ए–332	नीरजा गुप्ता	500000	एवेल्यूएशन ऑफ मोडिफायर जींस इन पेशेंट्स विद गोचर डिजीज़ यूजिंग जेनेरेशन सिक्वेंसिंग

74	ए–333	रवनीत कौर	153000	इम्पैक्ट ऑफ एन इंटरीग्रेटिड डायबिटीज़ सेल्फ मैनेजमेंट एजुेशन प्रोग्राम ऑन सेल्फ केयर एंड ग्लायसेमिक कंट्रोल अमंग डायबिटिक पेशेंट्स एटेंडिंग नॉन कम्युनिकेबल डिजीज (एनसीडी) क्लिनिक एट ए सेकेंडरी लेवल हॉस्पिटल इन ए रूरल एरिया – ए रेंडमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल
75	ए–334	केशव गोयल	500000	असेसमेंट ऑफ सेरेब्रल ऑटोरेगुलेशन बाय नीयर इंफ्रारेड स्पेक्ट्रोस्कोपी (एनआईआरएस) इन पेशेंट्स विद सीवियर ट्रॉमेटिक ब्रेन इंजरी (टीबीआई)
76	ए–335	झुमा शंकर	300000	अर्ली गोल डायरेक्टिड थैरेपी इन पीडियाट्रिक स्पेटिक शॉक : कम्पेरिज़न ऑफ आउटकम्स असिंग इंटरमिटेंट वर्सेस कंटिन्युअस एससीवीओ2 मॉनिटरिंग
77	ए–336	काना राम जाट	500000	प्रीवेलेंस ऑफ एलर्जिक ब्रोंको पल्मोनरी एस्परगिलोसिस इन चिल्ड्रेन विद पुअरली कंट्रोल्ड अस्थमा एंड एसोसिएशन विद पॉलीमोंफिज्म्स ऑफ सर्फेक्टेंट प्रोटीन ए2, मन्नान–बाइंडिंग लेक्टिन, टोल–लाइक रिस्पेटर 9 एंड सिस्टिक फाइब्रोसिस ट्रांसमेम्ब्रेन कंडक्टेंस रेगुलेटर जींस
78	ए–337	शर्मिष्ठा डे	490000	डेवलपमेंट ऑफ पेप्टाइड इंहेबिटर ऑफ 5 – लाइपोएक्सीजीनेस एंड अस्समेंट ऑफ देयर न्यूरो–प्रोटेक्टिव इफेक्ट इन इन–विट्रो मॉडल ऑफ एल्जाइमर्स डिजीज़.
79	ए–338	गगनदीप सिंह	335000	यूटिलिटी ऑफ थैराप्युटिक ड्रग मॉनिटरिंग ऑफ वोरिकोनेजोल लेवल्स इन पीडियाट्रिक पेशेंट्स हेविंग हेमोटोलॉजिक मैल्गिनेंसिस विद क्लिनिकली सस्पेक्टिड इंवेसिव फंगल इंफेक्शंस
80	ए–339	रोहन चावला	460000	इफेक्ट ऑफ इंट्राविट्रिअल नेटेलिजुमैब ऑन रेटिना ऑफ रैबिट्स
81	ए–340	नूपुर गुप्ता	420000	टीयर एनालायसिस फॉर इंफ्लेमेटरी मार्कर्स इन पेशेंट्स विद केराटोकोनस
82	ए–341	टोनी जॉर्ज जैकब	486520	एक्सप्लोरेशन ऑफ द नेक्सस बिटवीन इंफ्लेमेशन एंड सेल डेथ इन एक्सोक्राइन पैंक्रियास इन म्यूराइन मॉडल्स ऑफ एक्सपेरिमेंटल पैंक्रियाटाइटिस
83	ए–342	रचना मील	500000	प्रोग्नोस्टिक सिग्निफिकेंस ऑफ न्युक्लियर फैक्टर मार्कर्स लाइट चेन एन्हांसर ऑफ एक्टिवेटिड बी सेल (एनएफकेबी) इन यूवियल मेलेनोमा
84	ए–343	उमा कांगा	450000	क्लिनिकल रिलिवेंस ऑफ एचएलए–ई एंड एमएचसी क्लास–। चेन रिलेटिड जीन (एमआईसीए) इन

				हेमेटोपोयटिक स्टेम सेल ट्रांसप्लांटेशन
85	ए–344	बैबास्वता नायक	400000	क्लिनिकल रिलिवेंस ऑफ ह्यूमन ल्यूकोसाइट एंटीजन (एचएलए – जी) मॉलिकुलस एंड इट्स पॉलीमॉर्फिज्म इन हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा
86	ए–345	ज्योति मीणा	400000	प्लेसेंटल ग्रोथ फैक्टर एज़ ए प्रीडिक्टिव एंड प्रोग्नोस्टिक मार्कर फॉर डेवलपमेंट ऑफ प्री–एक्लेम्पसिया इन हाइ रिस्क पेशेंट्स
87	ए–346	इथेयाथुला ए. एस.	480000	स्ट्रक्चरल बेस्ड ड्रग–डिजाइन : हिस्टीडाइन बायोसिंथेसिस पाथवे प्रोटीन हिस एफ / हिस एच एज़ ड्रग टार्गेट अगेंस्ट साल्मोनेला टाइफी
88	ए–347	आशीष चौधरी	345000	प्रीवेलेंस एंड मॉलिकुलर कैरेक्टराइजेशन ऑफ ओकल्ट हेपेटाइटिस सी वायरस इंफेक्शन (ओसीआई) इन पेशेंट्स विद क्रिप्टोजेनिक लीवर डिजीज़
89	ए–348	अमर रंजन	400000	टू एवेल्यूएट द रोल ऑफ थ्रोम्बोपोयटिन एज़ ए मार्कर ऑफ पोस्टऑपरेटिव इंफेक्शन इन पेशेंट्स विद गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल मैलिग्नेंसी
90	ए–349	ज्ञानिन्दर पाल सिंह	216000	कम्पेरिज़न ऑफ फाइबर ऑप्टिक एंडोट्रैकियल इंट्यूबेशन विद एंड विदआउट द यूज़ ऑफ एयर–क्यू एज़ ए कंडिट इन पेशेंट्स विद सर्वाइकल स्पाइन इंजरी : ए पायलट स्टडी
91	ए–350	प्रशून चटर्जी	90000	प्रीडिक्टिंग फ्राइलटी इन इंडियन हॉस्पिटल सेटिंग : कम्पेरिजन ऑफ थ्री इंडिकेटर्स
92	ए–351	नीरज कुमार	370000	इंसिडेंस ऑफ पोस्टीरियर वेसल वॉल पंक्चर्स ड्यूरिंग अल्ट्रासाउंड गाइडिड वैस्कुलर एक्सेस : शॉर्ट एक्सिस वर्सेस लॉन्ग एक्सिस अप्रोच
93	ए–352	सुजाता मोहंती	470000	स्टडी ऑफ एक्सोम्स सेक्रेक्टिड बाय मेंसेकाइमल स्टेम सेल्स (एमएससी) डेराइव्ड फ्रॉम बोन मैरो एंड एडिपोस टिशू
94	ए–353	कपिल यादव	300000	वेलिडेशन ऑफ स्पॉट यूरिन सैंपल अगेंस्ट 24 आवर यूरिन सैंपल फॉर एस्टिमेशन ऑफ डाइटरी सोडियम इंटेक एट पॉपुलेशन लेवल
95	ए–354	राहुल महाजन	140000	प्रोस्पेक्टिव क्रॉस सेक्शनल केस–कंट्रोल स्टडी टू आइडेंटिफाइ द रिस्क फैक्टर्स एसोसिएटिड विद क्रोनिक डर्मेटोफाइटोसिस ऑफ स्किन
96	ए–355	रमन दीप पटनायक	180000	रिस्पॉन्स टू लिथियम प्रोफाइलेक्सिस अमंग पेशेंट्स विद बायपोलर डिस्ऑर्डर : रिलेशनशिप विद क्लिनिकल वेरिएबल्स एंड इंफ्लेमेटरी साइटोकाइन

				(टीएनएफ–?).
97	ए–356	सुदीप कुमार दत्ता	425000	एवेल्यूएशन ऑफ ऑर्गेनोक्लोराइन पेस्टिसाइड्स लेवल्स बिफोर एंड आफ्ट हिमोडायलिसिस एंड आफ्टर रीनल ट्रांसप्लांटेशन इन क्रोनिक किडनी डिजीज़ : ए पायलट स्टडी
98	ए–357	सविता यादव	310237	ए पायलट स्टडी टू फाइंड द इफेक्ट ऑफ पेरीन्यूरल इंजेक्शंस ऑफ प्लेटलेट रीच प्लाज्मा एंड मल्टीप्लाइ साइट्स अलॉन्ग द उलनार नर्व ट्रंक ऑन इम्प्रूमेंट इन लेप्रोसी रिलेटिड पेरीफेरल न्यूरोपैथी.
99	ए–358	सुरुचि हसीजा	287500	कम्प्रेशन ऑफ बीवेलिरूडिन टू हेपेरिन विद प्रोटेमाइन रिवर्सल इन एक्सायनोटिक चिल्ड्रेन अंडरगोइंग ओपन हार्ट सर्जरी
100	ए–359	तुलिका सेठ	500000	टी हेल्पर सेल प्रोफाइल एंड द इम्पैक्ट ऑफ नॉच ऑन एक्वायर्ड एप्लास्टिक एनीमिया : ए पायलट स्टडी
101	ए–360	मोना शर्मा	500000	हाइ रेजोल्यूशन सेक्स क्रोमोसम जीनोम एनालायसिस इन पैथोजेनेसिस ऑफ प्रीमैच्योर ओवरियन फेलियर
102	ए–361	अनुपम रैना	250000	एवेल्यूएशन ऑफ नोवल फॉरेंसिक एक्सीबिट्स एंड एसटीआर इंफॉर्मेटिवली ऑफ वाय–एसटीआर मार्कर्स इन काइमेरिज्म सिचुएशंस
103	ए–362	सौम्यारंजन मलिक	496500	टू एवेल्यूएट द एसोसिएशन बिटवीन इम्युनोहिस्टोकैमिकल एक्सप्रेशन ऑफ सेल साइकिल रेगुलेटरी मॉलिकुल (पी53, आरबी, पी16, पी14) एंड एपिजेनेटिक रेगुलेटर (ईजेडएच2) इन प्राइमरी डिफ्यूज़ लार्ज बी सेल लिम्फोमा.
104	ए–363	देवेंद्र कुमार यादव	260000	रेफरेंस रेंज ऑफ सीरम अल्फा फेटोप्रोटीन (एएफपी) इन इंडियन चिल्ड्रेन बिलो थ्री ईयर्स ऑफ एज
105	ए–364	सीमा कौशल	485000	स्टडी ऑफ एमआईआर 200 सी एंड ईएमटी मार्कर्स (जेडईबी1, जेडईबी2 एंड ट्विस्ट) इन ब्लैडर यूरोथेलियल कार्सिनोमा
106	ए–365	रजनी यादव	485200	स्टडी ऑफ सेलुलर सिग्नलिंग नेटवर्क्स इन हेपेटोब्लास्टोमा बाय होल ट्रांसक्रिप्टोम सिक्वेंसिंग
107	ए–366	शुभ्रदीप करमाकर	480000	टू आइडेंटिफाइ द एक्स्ट्रासेलुलर सिग्नल्स लीडिंग टू मॉड्यूलेशन ऑफ टीईटी2 एंजाइम एक्टिविटी एंड ऑल्टर द 5एचएमसी (हाइड्रोक्सीमेथी1 सायटोसिन) कंटेंट ड्यूरिंग एरिथाइरॉयड डिफरेंटिएशन
108	ए–367	जागृति भाटिया	460000	एवेल्यूएशन ऑफ द प्रोटेक्टिव इफेक्ट ऑफ हेस्पेरिडिन ऑन ब्लेयोमायसिन इंड्यूज्ड पल्मोनरी फाइब्रोसिस इन

				रैट्स
109	ए–368	राजीव कुमार	350000	एनाटोमिकल वेरिएशंस ऑफ राउंड विंडो निश इन ह्यूमन केडेवेरिक टेम्पोरल बोंस एंड इट्स रिलिवेंस टू कोकेलर इम्प्लांट इलेक्ट्रोडेस इंसर्शन
110	ए–369	शिवानंद गमनगट्टी	500000	ए कम्पेरिजन ऑफ ट्रांसजुगलर लिवर बायोप्सी (टीजेएलबी) एंड कोएक्सियल अल्ट्रासाउंड गाइडिड पल्गाड – परक्यूटेनियस लिवर बायोप्सी (पीपीएलबी) इन पेशेंट्स विद इम्पेयर्ड कोएगुलेशन
111	ए–370	अजय गोगिया	275000	टू एवेल्यूएट द एक्सप्रेशन ऑफ ईजीएफआर एंड सायटोकेरेटिन (सीके) 5/6 इन ट्रिपल नेगेटिव ब्रेस्ट कैंसर (टीएनबीसी) एंड कोरिलेट विद पुअर प्रोग्नोस्टिक मोर्फोलॉजिकल फीचर्स एंड क्लिनिकल आउटकम
112	ए–371	प्रतीक कुमार	300000	नॉन–इंवेसिव कैरेक्टराइजेशन ऑफ किडनी स्टोंस
113	ए–372	ब्रषभानु नायक	240000	स्टडी ऑफ एमआईआरएनए–182 एंड एमआईआरएनए–187 एज़ पोटेंशियल बायोमार्कर्स इन प्रोस्टेट कैंसर पेशेंट्स एंड इट्स कोरिलेशन विद सीरम पीएसए, ग्लीसन स्कोर एंड स्टेजिंग ऑफ प्रोस्टेट कैंसर
114	ए–373	गौरव छाबड़ा	350000	अस्सेमेंट ऑफ प्लेटलेट फंक्शंस इन पेशेंट्स विद एक्यूट ट्रॉमेटिक ब्रेन इंजरी
115	ए–374	बिचित्रा नंदा पात्रा	25000	स्टिग्मा इन पेशेंट्स विद डिप्रेसिव डिसऑर्डर्स एंड सबस्टेंस यूज़ डिसऑर्डर्स : ए पायलट स्टडी
116	ए–375	बबीता गुप्ता	500000	इंफ्लुएंस ऑफ एनीस्थेटिक टेक्निक्स ऑन प्रो एंड एंटी–इंफ्लेमेटरी इफेक्ट इन पेल्विक–एसेटेबुलर एंड फीमर सर्जरी
117	ए–376	संजीव शर्मा	450000	जेनेटिक मार्कर्स फॉर थोरेसिस एरोटिक एनयूरिज्म एंड डिसेक्शंस
118	ए–377	सुरभि गुप्ता	400000	सरकुलेटिंग माइक्रोआरएनए एज़ बायोमार्कर्स फॉर टेस्टिकुलर जर्म सेल ट्यूमर्स : ए पायलट स्टडी
119	ए–378	रोहित वर्मा	224528	ए स्टडी ऑफ ब्रेन एक्टिवेशन यूजिंग फंक्शनल नीयर इंफ्रेरेड स्पेक्ट्रोस्कोपी एंड क्वांटिटेटिव इलेक्ट्रो–इंसेफेलोग्राफिक स्पेक्ट्रल एनालायसिस इन केटेटोनिया
120	ए–379	रेणु शर्मा	85000	ट्रांसलेशन एंड वेलिडेशन ऑफ द टीन एडिक्शन सेवेरिटी इंडेक्स (टी–एसी) ऑन इंडियन पॉपुलेशन
121	ए–380	एम श्रीनिवास	500000	टू स्टडी द वेरियस गैस्ट्रिक ट्यूब्स फॉर एसोफेजियल

				रिप्लेस्मेंट सर्जरी
122	ए–381	सीमा सिंह	500000	ऑर्गेनाइजेशन ऑफ द डेवलपिंग मायएंटेरिक प्लक्स इन मिडगट, हिंडगट एंड इलियोसेकल वाल्व इन ह्यूमंस.
123	ए–382	इमेकुलेता ज़ेस	385000	डेवलपमेंट ऑफ ए मल्टीप्लक्स पॉलीमर्सेज़ चेन रिएक्शन (पीसीआर) एस्से फॉर रैपिड डिटेक्शन ऑफ एसपरजिलस स्पे. एंड मुर्कोमायसेटेस फ्रॉम टिशू सैंप्लस एंड ब्लड फ्रॉम पेशेंट्स विद सस्पेक्टिड इंवेसिव फंगल इंफेक्शन एंड एप्लीकेशन ऑफ मेल्टिंग – कर्व एनालायसिस फॉर स्पेशिस आइडेंटिफिकेशन ऑफ मुर्कोमायसेटेस
124	ए–383	करण मदान	480000	प्रोसपेक्टिव रेंडोमाइज्ड कम्पेरिजन ऑफ ट्रांसट्रेकियल वर्सेस ट्रांस–इसोफेजियल अप्रोच फॉर फाइन नीडल एस्पिरेशन ऑफ मीडियास्टीनल लेशंस यूजिंग द एंडोब्रोनकियल अल्ट्रासाउंड (ईबीयूएस) स्कोप
125	ए–384	शाश्वत मिश्रा	382000	रेडियोलॉजिकल एंड माइक्रोसर्जिकल कम्पेरिजन ऑफ द ऑप्रेटिव एक्सपोजर्स ओब्टेंड थ्रो फार – लेटरल एंड ट्रांसस्कोंडायलर अप्रोचीस इन इंजेक्टिड केडेवेरिक ह्यूमन हीड्स
126	ए–385	सुजॉय पाल	500000	ए प्रीलिमिनरी स्टडी टू डॉक्यूमेंट द जेनेटिक एंड मॉलिकुलर प्रोफाइल ऑफ रिसेक्टिड कलरेक्टल कैंसर्स इन इंडिया
127	ए–386	अदिति सिन्हा	500000	रोल ऑफ वैस्कुलर एंडोथीलियल ग्रोथ फैक्टर इन मीडिएटिंग रीनल रिकवरी फ्रॉम, एंड प्रोटेन्यूरिया इन, पेशेंट्स विद हिमोलायटिक यूरेमिक सिंड्रोम एसोसिएटिड विद एंटीबॉडीज़ टू कम्प्लीटमेंट फैक्टर एच
128	ए–387	रचना भार्गव	40000	एक्सटेंट ऑफ इंटरनेट यूज़ अमंगस्ट एडोलेसेंस विद नॉन–सायकोटिक डिसऑर्डर्स : ए केस कंट्रोल स्टडी
129	ए–388	प्रताप शरण	100000	ए स्टडी कम्पेयरिंग फीनोमेनोलॉजी ऑफ डीहैट सिंड्रोम इन मेल पेशेंट्स एंड जेनेटिकली अनरिलेटिड एकम्पेनिंग पर्संस प्रेजेंटिंग एट ए टर्शरी केयर सेंटर इन नॉर्दन इंडिया
130	ए–389	वंदना जैन	500000	प्रीवेलेंस ऑफ एसएचओएक्स एंड आईजीएफएएलएस म्यूटेशंस एंड देयर कोरिलेशन विद एंडोक्राइन पैरामीटर्स इन चिल्ड्रेन विद इडियोपैथिक शॉर्ट स्ट्रेचर
131	ए–390	विवेक टंडन	450000	स्टडी ऑफ माइक्रो आरएनए इन लॉन्ग–टर्म एपिलेप्सी

				एसोसिएटिड ट्यूमर्स एंड फोकल कॉर्टिकल डिस्प्लासिया
132	ए–391	नवदीप सोखल	250000	इफेक्ट ऑफ डिकम्पेरेसिव क्रेनिएक्टॉमी ऑन जुगलर वेनस ओसिमेट्री इन पेशेंट्स विद सीवियर ट्रॉमेटिक ब्रेन इंजरी
133	ए–392	नम्रता शर्मा	480000	टू एवेल्यूएट ऑफ द रोल ऑफ कोलेजन क्रॉस–लिंकिंग इन एशियन आइज़ इन माइक्रोबायोल केरेटिटिस
134	ए–393	रंजीत कुमार साहू	315000	एमजीएमटी प्रोमीटर मेथीलेशन इन प्राइमरी सेंट्रल नर्वेस सिस्टम लिम्फोमा (पीसीएनएसएल)
135	ए–394	निशिकांत अविनाश दाम्ले	495000	रेडियोलेबलिंग ऑफ ट्रेस्टुजुम्ब विद ल्यूटेटियम – 177 इट्स क्वालिटी कंट्रोल टू एवेल्यूएट इट एज़ ए पोटेंशियल एजेंट फॉर रेडियोइम्युनोथेरैपी इन ब्रेस्ट कैंसर
136	ए–395	आर. लक्ष्मी	490000	स्टडी ऑफ एसोसिएशन ऑफ टेट्राहाइड्रोबायोप्टेरिन (बीएच4) लेवल्स इन एंडोथीलियल प्रोजेनिटर सेल (ईपीसी) विद ईपीसी नंबर इन सीएडी पेशेंट्स
137	ए–396	वेंकटेश्वरन के. अय्यर	500000	पायलट स्टडी ऑन एप्लीकेशन ऑफ एमयूसी एक्सप्रेशन एंड डब्ल्यूएचओ 2010 क्लासिफिकेशन ऑफ गॉल ब्लैडर कार्सिनोमा ऑन फाइन नीडल एस्पीरेशन कायटोलॉजी यूजिंग सेल ब्लॉक्स एंड एवेल्यूएशन ऑफ प्रोग्नोस्टिक मार्कर्स
138	ए–397	नीरजा रानी	500000	रोल ऑफ हाइड्रोजेन सल्फाइड इन माइग्रेशन ऑफ ह्यूमन ट्रोफोब्लास्ट सेल्स एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन प्लेसेटेशन : एन इन–विट्रो स्टडी
139	ए–398	शमीम अहमद शमीम	373500	कम्पेरिजन ऑफ वेरियस बिलियोएंटेरिक एनास्टोमोसिस – अल्ट्रास्ट्रक्चरल एवेल्यूएशन बाय इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी
140	ए–399	प्रबुद्ध गोयल	480000	रोल ऑफ प्लाज्मा रेनिन एक्टिविटी इन प्रीडिक्टिंग रीनल डैमेज इन पेशेंट्स विद न्यूरोजेनिक ब्लैडर एंड इट्स कोरिलेशन विद एक्सिटिंग पैरामीटर्स ऑफ रीनल डैमेज
141	ए–400	ललित कुमार	500000	टू इंवेस्टीगेट द रोल ऑफ पीएआरपी–1 इन सिस्प्लेटिन रेजिस्टेंस इन सर्वाइवल कैंसर

बाह्य अनुसंधान परियोजना

अनुसंधान अनुभाग केंद्र प्रमुखों और विभागों के प्रमुख द्वारा अग्रेषित अ. भा. आ. सं. के संकाय / वैज्ञानिकों से परियोजना प्रस्तावों को प्राप्त करता है। यह अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में पालन की जा रही प्रक्रिया के अनुसार वेटिंग के पहले चरण के लिए अनुसंधान अनुभाग के माध्यम से किए जाने वाले परियोजना प्रस्ताव

के लिए अनिवार्य है। 2015–16 के दौरान, अनुसंधान अनुभाग ने विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों से 72 करोड़ रुपए के बाह्य अनुसंधान समर्थन प्राप्त किया है।

एम्स में अनुसंधान उपलब्धि की मान्यता

अनुसंधान अनुभाग 'अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान उत्कृष्टता पुरस्कार' प्रदान करने के द्वारा अपने संकाय / वैज्ञानिकों के गुणवत्ता अनुसंधान परिणामों को मान्यता प्रदान करता है। वर्ष 2015–16 के दौरान, निम्नलिखित पुरस्कार दिए गए हैं :

प्रथम पुरस्कार (प्रमाणपत्र और 50,000)

नैदानिक श्रेणी

गोविंद के मखारिया , आचार्य, गेस्ट्रोएंटेरोलॉजी विभाग

बुनियादी श्रेणी

सरमन सिंह, आचार्य, प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग

द्वितीय पुरस्कार (प्रमाणपत्र और 30,000 प्रत्येक)

नैदानिक श्रेणी

नम्रता शर्मा, आचार्य, नेत्र विज्ञान विभाग

बुनियादी श्रेणी

अल्पना शर्मा, आचार्य, जैव रसायन विभाग

तृतीय पुरस्कार (प्रमाणपत्र और 25,000 प्रत्येक)

नैदानिक श्रेणी

समीर बक्शी, आचार्य, चिकित्सा कैंसर विज्ञान विभाग

नीता सिंह, आचार्य, प्रसूति विज्ञान एवं स्त्री रोग विभाग

बुनियादी श्रेणी

टी. वेलापांडियन, आचार्य, नेत्र औषधि विज्ञान विभाग, आर. पी. सेंटर

सुरेन्दर सिंह, अपर आचार्य, औषधि विज्ञान विभाग

प्रशस्ति का प्रमाणपत्र (प्रमाणपत्र और 10,000 प्रत्येक)

नैदानिक श्रेणी

राजेश मल्होत्रा, आचार्य और प्रमुख, ऑर्थोपेडिक्स विभाग

जी. सेतुरमन, आचार्य, त्वचा विज्ञान विभाग

विनीत आहुजा, आचार्य, गेस्ट्रोइंटेरोलॉजी विभाग

अशोक के जरयाल आचार्य, शरीर विज्ञान विभाग

रविन्द्र राव, सहायक आचार्य, मनोचिकित्सा विभाग

प्रभाजोत सिंह, सहायक आचार्य, मूत्र विज्ञान विभाग

बुनियादी श्रेणी

के. एच. रीता, अपर आचार्य, औषधि विज्ञान विभाग
एस. बी. रे, आचार्य, शरीर रचना विभाग
हरीप्रसाद जी, सहायक आचार्य, जैव भौतिकी विभाग
डी. एस. आर्या, आचार्य, औषधि विज्ञान विभाग

अन्य गतिविधियां

निम्नलिखित गतिविधियां संकाय / वैज्ञानिकों के लाभ के लिए आरंभ की गई हैं।

1. नैदानिक अन्वेषक विकास कार्यक्रम : प्रधान अन्वेषक के रूप में कार्य।
2. स्नातकोत्तर छात्रों के लिए अनुसंधान विधि पर पाठ्यक्रम
3. एम्स दान निधि की स्थापना

संवेदनाहरण विज्ञान, पीड़ा चिकित्सा और गंभीर उपचार

आचार्य एवं अध्यक्ष
महेश कुमार अरोड़ा

आचार्य

रविन्द्र कुमार बत्रा
माया देहरान
गंगा प्रसाद
राजेश्वरी सुब्रमणियम
दिलीप आर. शिंदे (आरपीसी)
विरेन्द्र कुमार मोहन
वनलाल दारलोंग
अंजन त्रिखा
लोकेश कश्यप
विम्मी रेवाड़ी

अपर आचार्य

रेणु सिन्हा (आरपीसी)
रविन्द्र कुमार पांडे
रश्मि रामचन्द्रन
ज्योत्सना पुंज
अंजोली छाबड़ा
बबिता गुप्ता (जेपीएनए ट्रॉमा सेंटर)
छवि साहनी (जेपीएनए ट्रॉमा सेंटर)

सह–आचार्य
अमर पाल भल्ला

सहायक आचार्य

दालिम कुमार बैद्य (सीडीईआर)
पुनीत खन्ना
प्रवीन तलवार
देवलीना गोस्वामी (सीडीईआर)
बिकाश रंजन रे
देबेश भोई
शैलेंद्र कुमार (आईवीएफ)
प्रीत मोहिंदर सिंह
राहुल आनंद
अजीत कुमार

विशिष्टताएं

प्रोफेसर एम. के. अरोड़ा ने 1 मार्च 2015 को विभाग के प्रमुख के रूप में पदभार संभाल लिया है। इस अवधि के दौरान एक वित्त पोषित परियोजना पूरी की गई थी और 9 नई वित्त पोषित परियोजनाएं एम्स या आईसीएमआर से वित्तीय समर्थन से शुरू की गई थी। विभाग द्वारा 10 अंतर्विभागीय अनुसंधान परियोजनाओं पर कार्य जारी है और ऐसी 3 परियोजनाएं पूरी हो गई है। विभाग 21 अनुसंधान परियोजनाओं (गैर – वित्त पोषित) को पूरा करने और रोगी देखभाल के उच्च मानकों के रखरखाव के लिए इसके अलावा अंततः 46 नई परियोजनाओं को आरंभ करने के लिए सक्षम थे। विभाग ने बहु अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध वक्ताओं / शैक्षणिकों से जुड़े 4 सम्मेलन / कार्यशालाओं / सीएमई का आयोजन किया। कई विभागीय संकाय ने संवेदनाहरण विज्ञान की दिशा में उनके योगदान के लिए विभिन्न सरकारी एजेसियों से राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता / पुरस्कार प्राप्त किया।

संकाय सदस्यों ने विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर चुनौती पूर्ण विषयों पर लगभग 100 वार्ताएं दी। विभाग के प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में 77 शोध पत्र प्रकाशित हुए। इसके अलावा, कई संकाय सदस्यों को विभिन्न प्रतिष्ठित राष्ट्रीय / अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं के संपादकीय बोर्डों के लिए निर्वाचित / पुनः नियुक्ति किया गया था। वर्तमान वर्ष में हमारे संस्थान द्वारा लक्षित उच्च मानकों को ध्यान में रखते हुए संवेदनाहरण के क्षेत्र में प्रगति के मार्ग को चिहिनत है।

हमने एक विनिमय कार्यक्रम के लिए एनेस्थिसियोलॉजी, सेंट. लुइस में वाशिंगटन विश्वविद्यालय, अमेरिका के विभाग साथ सहयोग किया है। दो प्रोफेसर (डी मुरे और अंशुमान शर्मा) तथा 2 प्रशिक्षु 7 मार्च से 28 मार्च 2016 को हमारे विभाग में आए थे। उन्होंने ऑपरेशन थिएटर में पर्यवेक्षक के रूप में कार्य किया और शिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

शिक्षा

विभाग ने स्नातक पूर्व और स्नातकोत्तर छात्रों और एम.एससी और बी.एससी नर्सिंग छात्रों दोनों के शिक्षण को सक्रिय रूप से आगे बढ़ाया है। एक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के लिए ओआरए/ओटीए के रूप में भी कार्यशाला शुरू की गई थी। जनवरी 2016 से डी एम (गंभीर उपचार चिकित्सा) शुरू की गई, पांच उम्मीदवार पाठ्यक्रम में शामिल हुए।

वर्ग / शिक्षण सत्र

1. एमबीबीएस छात्र (6वां सेमेस्टर) : 16			
2. स्नाकोत्तर शिक्षण कार्यक्रम			
संगोष्ठियां	30	प्रकरण प्रस्तुतीकरण	30
पत्रिका क्लब	29	शिक्षण	29
अंतिम सेमेस्टर परीक्षा (व्यावहारिक + थ्योरी) : प्रत्येक 6 माह			
सिम्युलेटर सत्र	12	नए जूनियर रेज़ीडेंट्स के लिए कक्षाएं	14
3. नर्सिंग छात्र (एमएससी और बीएससी)	22		

इसके अलावा, विभाग ने प्रचालन कक्ष के अंदर शिक्षण पर ध्यान केंद्रित किया है जो एमबीबीएस छात्रों, इंटर्न, स्नातकोत्तर छात्रों, प्रचालन कक्ष तकनीशियन और नर्सिंग छात्रों (दोनों एमएससी और बीएससी) के लिए व्यावयहारिक कौशल प्रदान करना शामिल है।

विभाग द्वारा आयोजित क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

1. 3 ऑफ्थेल्मिक फोरम इण्डियन सोसायटी ऑफ एनेस्थेटिस्ट्स कांग्रेस 2015 (ओएफआईएसए 2015) तीसरा ऑफ इस्कोन 17 – 18 अक्टूबर 2015, आरपी सेंटर, एम्स, नई दिल्ली
2. ओटी टेक्नीशियन कार्यशाला–1 (एनेस्थीसिया मशीन और निगरानी), 1 नवंबर, 2015
3. एम्स दर्द कार्यविधि और क्षेत्रीय एनेस्थीसिया सम्मेलन, 8 – 10 जनवरी 2016, एम्स, नई दिल्ली
4. ओटी टेक्नीशियन कार्यशाला 2 (सी पी आर – बी एल एस), 14 फरवरी 2016, एम्स, नई दिल्ली

प्रदत्त व्याख्यान

महेश कुमार अरोड़ा : 6	रविन्द्र कुमार बत्रा : 3	
राजेश्वरी सुब्रमणियम : 10	अंजन त्रिखा : 16	माया देहरान : 1
दिलीप शिंदे : 1	लोकेश कश्यप : 2	गंगा प्रसाद : 1
विरेन्द्र कुमार मोहन : 2	विम्मी रेवाड़ी : 10	रेणु सिन्हा : 12
ज्योत्सना पुंज : 8	बबिता गुप्ता : 8	रविन्द्र कुमार पांडे : 12
अंजोली छाबड़ा : 15	छवि साहनी : 3	रश्मि रामचन्द्रन : 6
अमर पाल भल्ला : 5	दालिम कुमार बैद्य : 1	देवलीना गोस्वामी : 2
प्रीत मोहिंदर सिंह : 3	पुनीत खन्ना : 5	बिकाश रंजन रे : 8
राहुल आनंद : 2	प्रवीन तलवार : 3	देबेश भोई : 7
अजीत कुमार : 5		

प्रस्तुत किए गए मौखिक शोध पत्र / पोस्टर : 28

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

पूर्ण

1. सामान्य संज्ञाहरण और बीआईएस के साथ सेवोफ्लुरेंस के मैक के सहसंबंध के तहत सहज सांस लेने वाले बच्चों में कम नेत्र प्रक्रिया के दौरान मध्य आंख की स्थिति के अनुरक्षण के लिए सेवोफ्लुरेन और बिसपेक्ट्रल के मिनिमम एलवेयोलर कंसेंट्रेशन (मैक) का मूल्यांकन। रेणु सिन्हा, एम्स, 1 वर्ष, 2014–15, 1 लाख रुपए।

जारी

1. आपातकालीन लेपेरोटोमी के दौर से गुजर रहे पेरिटोनिटिस रोगियों में इंट्राऑपरेटिव फेफड़ा सुरक्षात्मक वेंटिलेशन : यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, डेलिम के बैद्य, इंट्रामुरल प्रोजेक्ट (एम्स), 2 वर्ष, 2015–जारी, 1.79 लाख रुपए।

2. तंत्रिका सांकेतिक मॉनिटर इलेक्ट्रोमायोग्राफी एंडोट्रेकियल ट्यूब के साथ इंट्युबेशन के समय में लेरिंजियल एडक्टर बनाम एडक्टर पॉलिसिस के पक्षाघात की तुलना। ज्योत्सना पुंज, आंतरिक अनुदान, एम्स, 1 वर्ष 2011–16, 2 लाख रुपए।

3. लाइनो–रीनल शंट सर्जरी के बाद पोस्टऑपरेटिव एनालजेसिया हेतु कॉन्टिनस ट्रांसवर्सस एब्डोमिनिस प्लेन (टीएपी), विमी रेवाड़ी, एम्स इंट्रामुरल निधि, दो वर्ष, 2013 – 16, 97,500 रुपए।

4. शल्य गहन चिकित्सा इकाई में ट्रॉमा रोगियों में तीव्र गुर्दे चोट (एकेआई) के एक प्रारंभिक नैदानिक मार्कर के रूप में प्लामा और यूरिन न्यूट्रोफिल गेलेटिनेस एसोसिएटेड लिपोकैलिन (एनजीएएल) का मूल्यांकन। डॉ. बबिता गुप्ता, आईसीएमआर, 2 वर्ष, जुलाई 2014 – जून 2016, 18 लाख रुपए।

5. पेल्विक–एसिटेबुलर और फीमर सर्जरी में प्रो और एंटी–इंफ्लेमेटरी प्रभाव पर संवेदनाहारी तकनीक का प्रभाव, बबिता गुप्ता, एम्स, 2 वर्ष, जुलाई 2015–2017, 10 लाख रुपए।

6. आपातकालीन लेपेरोटोमी के दौर से गुजर रहे पेरिटोनिटिस रोगियों में इंट्राऑपरेटिव फेफड़ा सुरक्षात्मक वेंटिलेशन : यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, डेलिम के बैद्य, इंट्रामुरल प्रोजेक्ट (एम्स), 2015–जारी, 1.79 लाख रुपए।

7. सीजेरियन सेक्शन के बाद पीठ दर्द की घटना और जोखिम कारक : एक संभावित अवलोकन अध्ययन। डेलिम के बैद्य, एथिक्स समिति क्लियर्ड और नॉन थीसिस, 2014.

8. एनेस्थिसिया दिए गए बच्चे में फेस मास्क बनाम लार्यंजियल मास्क एयरवे के साथ इंट्रोओक्यूलर दबाव परिवर्तन की तुलना। वी. दारलॉन्ग, इंट्रामुरल प्रोजेक्ट (एम्स), 2014

9. लिइनो – रिनल शंट सर्जरी में इंफ्लेमेटरी प्रतिक्रिया में कमी करने में ट्रांसक्सेमिक एसिड की प्रभाविकता का मूल्यांकन करना – एक यादृच्छिक डबल ब्लाइंड प्लासेबो नियंत्रण अध्ययन। डॉ. रविंदर कुमार पांडे, अ. भा. आ. सं., 2 वर्ष, 2014 – 2016, 5 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं
जारी

1. एक तृतीयक देखभाल केंद्र में टीएमजे संधिग्रह के संचालित मामलों में एक पूर्वव्यापी अध्ययन।

2. बच्चों में ट्रैकियल इंट्युबेशन गहराई का मार्गदर्शन में प्रीडिक्टिव समीकरणों की शुद्धता : एक संभावित पर्यवेक्षणीय अध्ययन।

3. बच्चों में ओरोट्रेकियल इंट्युबेशन के लिए एक कॉन्ड्यूट के रूप में एयर क्यू आईएलए : सुपाइन और लेटरल पॉजिशन के बीच एक तुलना।

4. जन्मजात रूबेला सिंड्रोम के साथ बच्चों में नेत्र शल्य चिकित्सा प्रक्रियाओं के लिए संवेदनाहारी प्रबंधन : एक पूर्वव्यापी विश्लेषण।

5. ऊपरी अंग आर्थोपेडिक सर्जरी में सुप्राक्लेविकुलर ब्लॉक हेतु अल्ट्रासाउंड निर्देशित कॉर्नर पॉकेट बनाम दो एलिकोट्स इंजेक्शन तकनीक की प्रभावकारिता का आकलन : एक भावी, यादृच्छिक अध्ययन।

6. शिशुओं में सामान्य संज्ञाहरण के दौरान एएमबीयू ऑरा 40 लेरिंजियल मास्क तथा क्लासिक एलएमए की तुलनात्मक प्रभावकारिता और सुरक्षा : यह अध्ययन शुरू करने के लिए आचार समिति के कार्यालय से मंजूरी प्राप्त संभावित रेण्डमाइज्ड अध्ययन।

7. पैर की सर्जरी करवा रहे बच्चों में ऑपरेशन पश्चात एनाल्जेसिया के लिए कौडल एपीड्यूरल ब्लॉक और पोप्लिटियल नर्व ब्लॉक के बीच तुलना।

8. बाल चिकित्सा रोगियों में गुर्दे की सर्जरी के लिए सिंगल शॉट परवेर्टेब्रल ब्लॉक के साथ कौंडल एपीड्यूरल ब्लॉक की तुलना।

9. एएमबीयू ऑरो 40 लेरिंजियल मास्क की प्रभावकारिता और सुरक्षा की तुलना तथा बच्चों में सामान्य संज्ञाहरण के दौरान क्लासिक एलएमए : एक भावी यादृच्छिक अध्ययन।

10. उच्च रक्तचाप से ग्रस्त रोगियों में ओरोट्रेकियल इंट्युबेशन का अनुपालन करने वाले हिमोडायनेमिक प्रतिक्रिया और अपर एयरवे मोर्बिडिटी की तुलना – मैकिंटोश डायरेक्ट लार्जजोस्कोप बनाम ग्लिडेस्कोप विडियोलेरिंजोस्कोप।

11. आंख के बाल चिकित्सा इनुक्लीशन में पेरिबुलबर ब्लॉक और सब–टेनान इंफिल्ट्रेशन की तुलना।

12. सुरक्षा की तुलना और स्व दबाव की प्रभावकारिता बनाम बच्चों में परंपरागत एयर–क्यू इंट्युबेटिंग लेरिंजिल एयरवे : एक भावी, यादृच्छिक तुलनात्मक अध्ययन।

13. बाल चिकित्सा मोतियाबिंद में पोस्ट ऑपरेटिव एनलजेसिया हेतु उप–टेनन और पेरिबुलर ब्लॉक की तुलना ।

14. सर्जरी द्वारा प्रसव के बाद एनाल्जेसिक आवश्यकता के साथ ऑपरेशन पूर्व दर्द भविष्यवाणी प्रश्नावली, सीरम प्रोजेस्टेरोन और सीरम प्रोलेक्टिन स्तरों के बीच सहसंबंध – एक प्रारंभिक अध्ययन।

15. चयनित ऑफ्थेलमिक सर्जरी कराने वाले बच्चों में सिरम कॉर्टिसोल स्तर पर डेक्समेडेटोमिडिन के प्रभाव और ऑपरेशन के दौरान हीमोडायनेमिक्स – एक भविष्य लक्षी, यादृच्छिक तुलनात्मक अध्ययन।

16. सबरैकनॉइड ब्लॉक के तहत कुल घुटने प्रतिस्थापन आर्थोप्लास्टी करवा रहे रोगियों में ऑपरेशन पूर्व एनाल्जेसिया के लिए फेमोरल तंत्रिका ब्लॉक में एक सहायक के रूप में डेक्सामेडोटोमाइन का प्रभाव – एक खुराक प्रतिक्रिया का अध्ययन।

17. प्रोपोफोल की इंडक्शन खुराक पर अलग अलग समय अंतराल में फेंटानिल देने का प्रभाव।

18. सीज़ेरियन अनुभाग के दौर से गुजर रहे प्रसूति रोगियों में लम्बर पंचर की सफलता की दर पर लेटरल डिक्युबिट्स स्थिति में संशोधित 45 डिग्री के हैड अप का प्रभाव।

19. बाल चिकित्सा आबादी में रेडियल आर्टरी केन्युलेशन की आसानी से रिस्ट एंगुलेशन का प्रभावः अल्ट्रासाउंड निर्देशित संरचनात्मक मूल्यांकन।

20. पेरिऑपरेटिव इंफ्लेमेटरी साइटोकिन्स अल्टरेशन और नैदानिक जटिलताओं पर क्षेत्रीय संज्ञाहरण का प्रभाव।

21. प्रॉक्सिमल स्प्लेनो रीनल शंट के स्प्लिनेक्टोमी के दौर से गुजर रहे नॉन सिरोटिक पोर्टल हाइपरटेंशन (एनसीपीएच) के रोगियों में एक एंहांस्ड रिकवरी ऑफ्टर सर्जरी (ईआरएएस) प्रोटोकोल के लाभों का मूल्यांकन।

22. सामान्य एनेस्थेसिया के तहत महिला रोगियों की वैकल्पिक सर्जरी में प्रोपोफोल प्रेरित हाइपोटेंशन पर प्रीऑपरेटिव चिंता का प्रभाव।

23. प्रसूति रोगियों में सब अर्कानोइड ब्लॉक ऑनसेट टाइम्स पर नी चेस्ट पॉजिशन : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

24. अल्ट्रासोनोग्राफी का उपयोग कर रोगियों में मैकेनिकली वेंटिलेटेड में सेंट्रल वेनस के गैर आक्रामक आकलन : दो तकनीकों की तुलना।

25. लाइव डोनर ओपन नेफ्रेक्टॉमी करवा रहे रोगियों में ऑपरेशन पूर्व दर्द से राहत के लिए पैरावेर्टेब्रल ब्लॉक और ट्रांसवर्सेस एब्डोमिनिस प्लान ब्लॉक : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

26. स्तन सर्जरी में परवेर्टेब्रल पेक्टोरेलिस 2 और सेरेट्स एंटेरियर प्लान ब्लॉक : स्थानीय एनेस्थेटिक और ऑपरेशन पश्चात एनाल्जेसिया का प्रसार।

27. यूएसजी एब्डक्टर कैनाल ब्लॉक बनाम लोकल इंट्राआर्टिकुलर इंफिल्ट्रेशन का कुल घुटने के प्रतिस्थापन तुलना में पोस्टऑपरेट दर्द राहत : रेण्डमाइज्ड, प्रोजेक्ट प्रोस्पेक्टिव नियंत्रित परीक्षण।

28. अल्ट्रासाउंड निर्देशित पेक्टोरेलिस नर्व ब्लॉक 1 और 2 स्तन सर्जरी की एनाल्जेसिक प्रभावकारिता ।

29. एंडोट्रेकियल इंटयुबेशन के लिए विश्वसनीय उपकरण के रूप में अल्ट्रासाउंड का उपयोग जब नौविस एनेस्थेसिया रेजीडेंटों द्वारा प्रदर्शन किया गया – एक संभावित अवलोकन अध्ययन।

30. सामान्य एनेस्थिसिया के तहत लैप्रोस्कोपिक स्त्री रोग प्रक्रियाओं में ऑपरेशन करवा रहे रोगियों में ट्रांसवर्सेस एब्डोमिनिस प्लान निर्देशित अल्ट्रासाउंड के लिए क्वाड्रेट्स ल्यूम्बोरम ब्लॉक निर्देशित अल्ट्रासाउंड के एनाल्जेसिक प्रभावकारिता की तुलना करना।

31. यूनीलेटरल मल्टीपल रिब फ्रैक्चर के लिए निरंतर थोरेसिक एपीड्यूरल इंफ्यूजन के साथ निरंतर सेराटस एंटीरियर प्लेन ब्लॉक की प्रभावकारिता की तुलना करना।

32. पोस्ट ऑपरेटिव दर्द के नियंत्रण के लिए टेम्पोरोमेंडिबुलर जॉइंट एंकीलोसिस सर्जरी में स्थानीय एनेस्थेटिक घाव इंफिल्ट्रेशन की प्रभावकारिता की तुलना करना।

33. स्थायी स्थिति और पार्श्व डिक्यूबिट्स स्थिति के साथ पार्श्व डिक्यूबिट्स स्थिति में संशोधित 45 डिग्री पर उठाई हुई स्थिति में निम्नलिखित परिणामों की तुलना करना।

34. केवल ऑपिओइड प्राप्त करने वाले पारंपरिक समूह की तुलना में वयस्क महिलाओं (20 – 70 वर्ष) में स्तन की सर्जरी (एसएलएनडी / एमआरएम के साथ एमआरएम / एमआरएम सहित एएलएनडी) में पीईसीएस1 और पीईसीएस2 ब्लॉक की दक्षता का निर्धारण करना।

35. टूनिकेट डिफ्लेशन के बाद सर्जरी क्षेत्र, प्रणालीगत और चयापचय परिर्वतनों की तुलना द्वारा पीडियाट्रिक एक्स्ट्रेमिटी सर्जरी में टूनिकेट कफ प्रेशर आवश्यकता के न्यूनतम प्रभाव का मूल्यांकन करना। तीन विभिन्न टूनिकेट कफ प्रेशर की तुलन करने के लिए एक भावी यादृच्छिक अध्ययन।

36. एक्सिलरी वेन केन्युलेशन के माध्यम से केंद्रीय वेनस कैथेटर हेतु ऑप्टिमल लंबाई निर्धारित करना।

37. न्यूनतम भेदक काइमेक्टोमी कराने वाले मायस्थेमिया ग्रेविस के रोगियों में चार की गणना तथा डायफ्रेग्मेटिक मोटाई के प्रभाज की ट्रेन के बीच सह संबंध देखना।

38. वयस्क गुर्दे प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ताओं में अल्ट्रासाउंड निर्देशित ट्रांसवर्सेस एब्डोमिनिस ब्लॉक में रोपिवेक्सीन के लिए एक सहायक के रूप में क्लोनिडाइन की प्रभावकारिता का अध्ययन करना – एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

39. लम्बोस्क्रेल स्पाइन सर्जरी के दौर से गुजर रहे रोगियों में पेरिऑपरेटिव एनाल्जेसिया प्रदान करने के लिए अल्ट्रासाउंड निर्देशित कौडल मॉर्फीन की प्रभावकारिता का अध्ययन करना।

40. इंट्रा और पोस्टऑपरेटिव एनाल्जेसिया आवश्यकता में कमी करने का अध्ययन करना और स्थिरीकरण से गुजर रहे पेल्विक एसेटेबुलर चोट वाले रोगियों में प्री–इमप्टिव इंट्राथेकल मॉर्फिन के बाद स्वास्थ्य लाभ की गुणवत्ता।

41. एक विकासशील देश में स्तर 1 ट्रॉमा सेंटर में कूल्हे के फ्रैक्चर वाले वृद्ध रोगियों के ऑपरेशन पूर्व प्रबंधन में ऑपरेशन पूर्व इकोकार्डियोग्राफी की भूमिका का अध्ययन करना और हृदय का मूल्यांकन : एक पूर्वव्यापी अध्ययन।

42. स्थानीय एनेस्थेटिक की ट्रांसफोर्मिनल एपीड्यूरल इंजेक्शन तथा लम्बोस्क्रैल रेडिकुलर दर्द में डोर्सल रूट गैंगलियोन पल्स्ड रेडियोफ्रीक्वेंसी उपचार – एक यादृच्छिक, ट्रिपल ब्लाइंड, सक्रिय नियंत्रण परीक्षण।

43. वैकल्पिक सर्जर के लिए मधुमेह और गैर मधुमेह वाले लोगों में 6 और 8 घंटों के लिए उपवास के बाद गैस्ट्रिक की मात्रा का अल्ट्रासोनिक मूल्यांकन।

44. अल्ट्रासाउंड निर्देशित परवेर्तेब्रल, स्तन सर्जरी में पीईसीएस और सेराटस प्लेन ब्लॉक : स्थानीय एनेस्थेटिक और पोस्टऑपरेटिव एनलजेसिया का स्प्रीड।

पूर्ण

1. सिंगल इंसिशन लेप्रोस्कोपिक कोलेकायस्टोमी (एसआईएलसी) के दौर से गुजर वाले वयस्क रोगियों में अल्ट्रासाउंड गाइडिड ट्रांसवर्सस एब्डोमिनिस प्लेन (टीएपी) ब्लॉक का एनाल्जेसिक प्रभावकारिता – एक अनियमित नियंत्रित परीक्षण।

2. अल्ट्रासाउंड गाइडिड इंटरनल जुगुलर वेन केन्युलेशन हेतु शॉर्ट एक्सिस और मेडियल ऑब्लिक व्यू के बीच एक यादृच्छिक तुलना।

3. कार्डियो पल्मोनरी रोक के उच्च जोखिम में रोगियों के परिवार के सदस्यों के लिए बुनियादी जीवन सहायता पर वीडियो प्रशिक्षण कार्यक्रम बनाम मैनेक्वाइन प्रदर्शन के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए तुलनात्मक अध्ययन।

4. स्थानीय एनेस्थिसिया के तहत इंगुइनल हर्निया को ठीक करवा रहे रोगियों में ऑपरेशन पूर्व एनाल्जेसिया को बढ़ावा देने में सिंगल शॉट टीएपी की प्रभावकारिता।

5. बाल चिकित्सा रोगियों में सी–मैक वीडियो लैरिंजोस्कोपी स्ट्रेट ब्लेड के साथ एंडोट्रेकियल इंट्युबेशन के लिए दो तकनीकों की सफलता की तुलना : एक यादृच्छिक अध्ययन।

6. प्रक्रियात्मक की स्थिति की तुलना, रिकवरी टाइम, सेवोफ्लूरेन खपत और बच्चों में कम नेत्र परीक्षा के लिए दो अलग अलग कम प्रवाह संज्ञाहरण तकनीक की लागत।

7. आंख के बाल चिकित्सा इनुक्लीशन में पेरिबुलबर ब्लॉक और सब–टेनान इंफिल्ट्रेशन की तुलना।

8. स्तन की सर्जरी कराने वाली रोगियों में एनेस्थिसिया देने पर अल्ट्रासाउंड से मार्गदर्शित पैरा वर्टिब्रल ब्लॉक की लैंड मार्क तकनीक द्वारा पैरा वर्टिब्रल ब्लॉक की तुलना।

9. अस्वस्थ मोटापे से ग्रस्त रोगियों में इंट्युबेशन के लिए मैकइंटोश लैरिंजोस्कोप, मैककॉय लैरिंजोस्कोप और ग्लिडेस्कोपेविडियो लैरिंजोस्कोप के प्रभाव और सुरक्षा की तुलना।

10. नवजात शिशुओं में ग्लूकोज होमियोस्टेसिस और इलेक्ट्रोलाइट संतुलन पर अंतर–शल्य चिकित्सा तरल पदार्थ परहेजों से युक्त विभिन्न डेक्सट्रोज की तुलना।

11. विभिन्न बाल चिकित्सा आयु वर्ग में सेवोफ्लुरेन आगमन के बाद इंट्रावेनस केन्युलेशन को सफल बनाने के लिए समय का तुलनात्मक मूल्यांकन।

12. बाल चिकित्सा रोगियों में सी–मैक वीडियो लैरिंजोस्कोपी स्ट्रेट ब्लेड के साथ एंडोट्रेकियल इंट्युबेशन के लिए दो तकनीकों की सफलता की तुलना : एक यादृच्छिक अध्ययन।

13. संशोधित रैडिकल मैस्टेक्टोमी में निरंतर थोरैसिस परवर्टेब्रल इंफ्यूजन : फैंटनील के साथ और उसके बना रोपिवैक्सीन के लिए प्रभावकारिता की तुलना करने हेतु यादृच्छिक, भावी, डबल ब्लाइंड।

14. लैप्रोस्कोपिक डोनर नेफ्रेक्टॉमी करवा रहे रोगियों में इंट्राथेकल मॉर्फिन बनाम टीएपी ब्लॉक की तुलना।

15. लैप्रोस्कोपिक कोलेकायस्टेक्टोमी करवा रहे रोगियों में पीओएनवी की घटनाओं को कम करने में प्रभावी 5 प्रतिशत डेक्सट्रोज के ऑपरेशन पूर्व क्रियान्वयन करता है : एक भावी, डबल ब्लाइंड, यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन।

16. पूरी बेहोशी में दांत की सर्जरी के दौरान ऑपरेशन के बाद दर्द से राहत के लिए इटोरीकोकसिब के लिए ऑपरेशन से पहले एक प्री एम्पटिव खुराक का मूल्यांकन : एक यादृच्छिक, भविष्यलक्षी दोहरा ब्लाइंड प्लासेबो नियंत्रित परीक्षण।

17. विभिन्न समय अंतरालों में प्रोपोफॉल की प्रस्तावित खुराक को कमी करने पर फैंटनील 2 माइक्रो ग्राम / कि.ग्रा. का प्रभाव।

18. वयस्कों में प्रोपोफॉल के साथ एनेस्थिसिया देने के बाद एलएमए प्रोसियल प्रविष्टि का इष्टतम समय : एक यादृच्छिक समय प्रतिक्रिया का अध्ययन।

19. वयस्कों में एलएमए प्रोसियल को हटाने का इष्टतम समय : आइसोफ्लुरेन के तीन विभिन्न मैक मूल्य की तुलना।

20. टोटल लैप्रोस्कोपिक हाइस्टेरेक्टोमी के लिए इंट्राथेकल मॉर्फिन के कम खुराक की सुरक्षा और प्रभावकारिता। एक डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

21. स्पाइनल एनेस्थेसिया या कॉम्बाइंड स्पाइनल एपीड्यूरल एनेस्थेसिया के तहत सर्जरी के दौर से गुजर रहे रोगियों में बेहोश करने की क्रिया पर नजर रखने के स्पेक्ट्रल एन्ट्रॉपी का उपयोग।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. सीजेरियन सेक्शन के बाद पीठ दर्द की घटना और जोखिक कारक : एक संभावित अवलोकन अध्ययन (स्त्री रोग और प्रसूति)।

2. ऑफ्थेलमोलॉजी सर्जरी (आरपी सेंटर) के लिए बच्चों में ओरल प्रीमेडिकेशन हेतु मेडाजोलाम – केटाइमाइन की संयोजकता लॉ – बलरम हाई डोज़।

3. पीडियट्रिक मोतियाबिंद सर्जरी में अट्रेक्यूरियम की न्यूनतम खुराक का मूल्यांकन : एक यादृच्छिक चिकित्सीय परीक्षण, ऑप्थल्मोलॉजी विभाग (आरपी सेंटर)।

4. सहायता नेविगेशनल बनाम पारंपरिक एंडोस्कोपिक साइनस सर्जरी कंप्यूटर के दौरान हीमोडायनेमिक परिवर्तन, खून की कमी और एनेस्थेटिक एजेंटों की आवश्यकता – एक संभावित यादृच्छिक अध्ययन (ईएनटी)।

5. ओपन बनाम लेप्रोस्कोपिक डोनर नेफ्रेक्टोमी करवा रहे रोगियों में दर्द और अस्पताल में रहने की तुलना (सर्जिकल विषय)।

6. एकल चीरा लेप्रोस्कोपिक सर्जरी (एसआईएलएस) बनाम पारंपरिक 4–पोर्ट कोलेकाइस्टेक्टोमी (सामान्य सर्जरी) करवा रहे रोगियों में परिणामों की तुलना (सर्जिकल विषय)।

7. अब्जोबेबल बनाम नॉन अब्जोबेबल सुटुरेस का उपयोग से लेप्रोस्कोपिक इंकिसियोजनल हार्निया को ठीक करने के बाद परिणामों की तुलना (सर्जिकल विषय)।

8. पैंक्रीटिकोडौडेनेक्टोमी के दौर से गुजर रहे रोगियों में सर्जरी (ईआरएएस) कार्यक्रम के बाद निम्नलिखित एंहांस्ड रिकवरी के परिणाम (जीआई सर्जरी और जिगर प्रत्यारोपण)।

9. एक्यूट पैन्क्रियाटाइटिस (गैस्ट्रोएंटरोलॉजी) के साथ रोगियों में दर्द से राहत के लिए डिक्लोफेनाक बनाम पेंक्रीटिटिस की प्रभावकारिता।

पूर्ण

1. ऊपरी वायु मार्ग सर्जरी करवा रहे ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया रोगियों के ऑपरेशन पूर्व जटिलाएं : एक पूर्वव्यापी विश्लेषण। मैक्सिलोफेशियल सर्जरी विभाग (सीडीईआर)।

2. स्टेरॉइड उपचारित इंफ्लेमेटरी बॉवेल रोग के रोगियों के लिए ऑपरेशन पूर्व निम्न खुराक स्टेरॉइड का मूल्यांकन (जीआई सर्जरी)।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 61 पुस्तकों में अध्याय : 40 पुस्तकें और मोनोग्राफ्स : 2

रोगी उपचार

प्रदान की गई सेवाएं	जीए / एमएसी के अंतर्गत किए गए मामलों की संख्या
जीआई सर्जरी ओटी	349
सामान्य शल्य चिकित्सा ओटी	3110
दंत शल्य चिकित्सा ओटी	380
यूरोलॉजी ओटी	1379
नाक, कान व गला	984
गायनेकोलॉजी ओटी	1333
पीडियाट्रिक सर्जरी ओटी	1814
दर्द ओटी	515
आपातकालीन ओटी	4737
ऑर्थोपेडिक्स ओटी	3313
मेटर्निटी ओटी	2853
आईवीएफ ओटी	538
ऑफ्थेलमिक ओटी	8129

एबी 8 आईसीयू – सांख्यिकी	
नई भर्ती वार्ड में स्थानांतरित मौत	492 407 115
आपातकालीन ड्यूटी टीम ने पेरिफेरल आमंत्रणों में भाग लिया	2156

पेरिफेरल एनेस्थीसिया सेवाएं	
एमआरआई सीटी स्कैन एमईसीटी अन्य रेडियोलॉजी सेवाएं (डीएसए)	411 782 374 143
दर्द क्लिनिक (ओपीडी)	3123

आपात स्थिति सहित कुल एनेस्थेसिया मामले – 28919
कुल पेरिफेरल जी ए और एम ए सी मामले (एमआरआई/सीटी/एमईसीटी/डीएसए) – 1710
कुल पेरिफेरल कॉल में भाग लिया – 2156

स्वैच्छिक सामुदायिक सेवा

डॉ. माया देहरान

1. वर्ष 2015 – 16 के सभी रविवारों पर भट्टी सेंटर्स, राधा स्वामी सत्संग ब्यास, नई दिल्ली की डिस्पेंसरी में ओ पी डी सेवाएं प्रदान की;

2. उन्होंने 2015 – 16 में 12 दिनों की अवधि के लिए भट्टी सेंटर्स, राधा स्वामी सत्संग ब्यास, नई दिल्ली में सत्संग के लिए सार्वजनिक आयोजनों के दौरान रोगियों तक प्राथमिक चिकित्सा और महत्वपूर्ण देखभाल सेवाएं प्रदान की और तृतीयक देखभाल अस्पतालों के लिए स्थानांतरित कर दिया जाता है;

3. दिल्ली से ब्यास जा रही एक विशेष ट्रेन में प्राथमिक चिकित्सा सेवाएं प्रदान की।

4. महाराज स्वर्ण सिंह चैरिटेबल अस्पताल बीड, पंजाब ने इस वर्ष के 22 दिनों के लिए स्वैच्छिक एनेस्थीसिया सेवाएं उपलब्ध कराई।

डॉ. लोकेश कश्यप / डॉ. प्रीत एम सिंह

1. प्रो. लोकेश, डॉ. प्रीत एम सिंह विभाग की ओर से 20 नवंबर से 2 दिसंबर के बीच हान सोट गुजरात में ऑपरेशन रेनबो कनाडा द्वारा आयोजित सहायतार्थ मिशन पर गए। प्लास्टिक सर्जरी के ऑपरेशन जैसे कटे हुए होंठ, कटे हुए तालु, त्वचा की ग्राफ्टिंग आदि की गई और हमारे दल ने मिशन के दौरान एनेस्थीसिया संबंधी सहायता प्रदान की।

डॉ. अजीत कुमार

1. 20 से 24 सितंबर 2015 को लेह लद्दाख में प्रदान की जाने वाली एनेस्थेसिया सेवाएं। अशोक मिशन द्वारा आयोजित।

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

आचार्य एम. के. अरोड़ा प्रोफेसर एम के अरोड़ा एम्स परिवहन समिति के अध्यक्ष थे, एम्स की सह–अध्यक्ष इंजीनियरिंग सलाहकार समिति, पीएम एम्बुलेंस समिति, डीएम पाठ्यक्रमों के लिए समिति के सदस्य, एम्स और सेंटर ऑफ एम्स ''इंटेंसिव एण्ड क्रिकेट केयर' में डी एम प्रोग्राम के विकास हेतु विशेषज्ञ समिति सदस्य, मस्जिद मोठ कैम्पस में आपातकाल और निदान के लिए ब्लॉक समिति सदस्य, एम्स; सर्जिकल ब्लॉक समिति सदस्य, एम्स में मातृ एवं शिशु ब्लॉक; गैस्ट्रो के लिए नई सेवाएं शुरू किया, ग्राम, आघात के संज्ञाहरण और अन्य; अध्यक्ष न्यूरो एनेस्थीसिया सम्मेलन, 18 से 20 सितंबर 2015, एम्स, दिल्ली; अध्यक्ष न्यूरो एनेस्थीसिया सम्मेलन, 18 से 20 सितंबर 2015, एम्स, दिल्ली; अध्यक्ष 3 ऑफसैकोन, 17–18 अक्टूबर 2015, एम्स, दिल्ली; न्यायाधीश (पेपर अवार्ड प्रस्तुति) एवं अध्यक्ष, टीएमसी–डैक 2015, 4 से 6 दिसंबर 2015, टाटा मेमोरियल अस्पताल, मुंबई; अध्यक्ष : एक विशेषता के रूप में दर्द प्रबंधन, एम्स दर्द अभ्यास और क्षेत्रीय एनेस्थेसिया (एपीपीआरए), 8 से 10 जनवरी 2016, एम्स, दिल्ली; अध्यक्षः एआरडीएस, पलमोक्रिट, 16 जनवरी, एम्स, दिल्ली; अध्यक्ष एम्स पीजी सर्जिकल वीक, 3 मार्च 2016 एम्स, दिल्ली।

आचार्य रविंद्र कुमार बत्रा संगठित चिकित्सा लेखक मिलिए – 14 नवंबर 2015, 2015 एम्स, नई दिल्ली में; सदस्य, ''कार्य समूह समिति'' राष्ट्रीय परीक्षा बोर्डय सदस्य आचार परीक्षा समिति, राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड;सदस्य, थीसिस समीक्षा समिति, राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड; अध्यक्ष, परीक्षा के एनेस्थिसियोलॉजी राष्ट्रीय बोर्ड में नैदानिक परीक्षा के लिए ओएससीई स्टेशनों का गठन। ''उत्तर पुस्तिका के गुणात्मक मूल्यांकन''के लिए समिति के सदस्य, राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड; सदस्य, वर्चुअल मेडिकल कक्षा शिक्षण समूह एम्स में; सदस्य व समन्वयक, एनेस्थिसियोलॉजी की विशेषता बोर्ड, राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड; सत्र संचालित 'डॉ पुनूस ओरेशन' एनेस्थिसियोलॉजिस्टस इंडियन सोसायटी (दिल्ली शाखा), 11 अप्रैल, 2015 एनएएससी परिसर, पूसा, नई दिल्ली; पर एक सत्र की अध्यक्षता की 'इंस्ट्रस्टिंग केस डिस्केशन', 3 ऑफसैकोन 2015 1. (एनेस्थेसियोलॉजिस्टस के भारतीय समाज के नेत्र फोरम) 18 अक्टूबर 2015, आरपीसी, एम्स, दिल्ली; 'इमरजेंसी हस्तक्षेप' पर एक सत्र की अध्यक्षता की, इमरजेंसी रेडियोलॉजी की सोसाइटी के 2 वार्षिक सम्मेलन, 31 अक्तूबर से 2 नवंबर 2015, एम्स, दिल्ली;' क्षेत्रीय एनेस्थीसिया और पश्चात दर्द पर एक सत्र की अध्यक्षता की एम्स दर्द प्रैक्टिस व क्षेत्रीय एनेस्थीसिया (एपीपीआरए) सम्मेलन, 2016, 8 जनवरी 2016 एम्स, दिल्ली;'एनेस्थीसिया' पर एक सत्र की अध्यक्षता की, सीएमई सर्जरी–2016, 28 फरवरी, 2016, एम्स, दिल्ली।

आचार्य राजेश्वरी सुब्रमण्यम फरवरी 2014 के बाद से संकाय प्रभारी बी बी दीक्षित लाइब्रेरी के रूप में नामित किया गया था; 1200 से अधिक पत्रिकाओं के लिए ऑनलाइन के उपयोग सहित अच्छी तरह से उन्नत बनाया पुस्तकालय है; नवीनीकृत की वाचनालय; लॉन्च 'ईबीएससीओ' और आयोजित अध्यक्ष, आईएसए की स्थिति (दिल्ली शाखा)

आचार्य अंजन त्रिखा प्रोफेसर अंजन त्रिखा 3 डॉ. ई जी तांबे मेमोरियल ओरेशन दिया गया, 23 जनवरी 2015, नागपुर शाखा, इंडियन सोसायटी ऑफ एनेस्थिसियॉलॉजिस्ट, नागपुर; 2 स्व. डॉ. आर. के. प्रधान मेमोरियल ओरेशन पर 28 नवंबर, 2015 इंडियन सोसायटी ऑफ एनेस्थिसियॉलॉजिस्टस, महाराष्ट्र राज्य सम्मेलन, जलगांव, महाराष्ट्र; उन्हें इण्डियन कॉलेज ऑफ एनेस्थिसियोलॉजिस्ट के शैक्षणिक समिति के नामित सदस्य; एसोसिएशन ऑफ ऑब्स्टेट्रिक एनेस्थिसिया के अध्यक्ष तथा जर्नल के रूप में मनोनीत और जर्नल ऑफ ऑब्स्टेट्रिक एनेस्थिसिया एण्ड क्रिटिकल केयर के मुख्य संपादक के रूप में मनोनीत किया गया।

डॉ. माया देहरान, एम्स, नई दिल्ली में पहली बार एनेस्थीसिया तकनीशियनों के लिए कार्यशाला का आयोजन।

प्रोफेसर दिलीप शिंदे पत्रिका एक्टा एनेस्थेसियोलॉजिक बेलजिका के लिए समीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया था : पत्रिका एक्टा एनेस्थेसियोलॉजिक बेलजिका में प्रकाशन के लिए लेख पर विचार के लिए मूल अध्ययन श्रेणी में शोध पत्र की समीक्षा की; अध्यक्षता सत्र : (1) डिस्कोजेनिक दर्द, 8 जनवरी 2016, (2) प्रबंधन कार्यनीति में सिंड्रोम पीठ विफल रहा है, 9 जनवरी 2016, एपीआरए–2016 एम्स दर्द प्रैक्टिस और क्षेत्रीय एनेस्थीसिया सम्मेलन, 8–10 जनवरी 2016, जेएलएन सभागार, एम्स, दिल्ली; अध्यक्षता सत्र : ऑफ्थेल्मिक फोरम आईएसए में बेसिक साइंस और नैदानिक अभ्यास, इंडियन सोसायटी ऑफ एनेस्थेसियोलॉजिस्ट्स, जयपुर का 63वां वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन, 28 दिसंबर 2015, बी एम बिड़ला ऑडिटोरियम और कन्वेंशन सेंटर, जयपुर; अध्यक्षता सत्र एपीएएएस 2015 चंडीगढ, 25 अक्तूबर, 2015 पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़; नेत्र शल्य चिकित्सा में पोस्ट ऑपरेटिव उल्टी और मितली और एंटीमेटिक थेरैपी पोस्ट अध्यक्षता सत्र : ऑफ्थेल्मिक संज्ञाहरण में अद्यतन, 3 ऑथाल्मिक फोरम भारतीय समाज एनेस्थेटिस्ट कांग्रेस 2015 का (ओएफआईएसए 2015), 17–18 अक्तूबर 2015, आरपी सेंटर, एम्स, दिल्ली।

आचार्य गंगा प्रसाद संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, राम मनोहर लोहिया अस्पताल, पीजीआईएमईआर, नई दिल्ली के लिए तकनीकी विशेषज्ञ आमंत्रित किया गया था। एनेस्थेसियोलॉजिस्ट्स का इंडियन सोसायटी उपाध्यक्ष, दिल्ली अध्याय, 2015–16; पोस्टर सत्र के निर्णायक, एम्स दर्द प्रैक्टिस व क्षेत्रीय एनेस्थीसिया सम्मेलन, 8 – 10 जनवरी 2016, एम्स, दिल्ली।

डॉ. बबिता गुप्ता एक पुस्तक संपादित 'ट्रामा संज्ञाहरण और गहन देखभाल के अनिवार्य' जो माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री द्वारा जारी किया गया था, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में 28 मार्च 2016 को श्री जेपी नड्डा, निर्माण भवन, नई दिल्ली; लॉ ईएफ और टीएचआर पर सत्र के लिए अध्यक्ष था, टाइट बनाम नॉन टाइट ग्लाइसेमिक नियंत्रण, की अनुसंधान समिति एनेस्थिसियोलॉजी और चिकित्सीय औषध सम्मेलन, 4 अक्टूबर 2015, श्री गुरु राम दास मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट, श्री अमृतसर, अमृतसर।

डॉ. रविंदर कुमार पांडे इंटरनेशनल जर्नल ऑफ प्रीऑपरेटिव अल्ट्रासाउंड एंड एप्लाइड टेक्नीक्स (आईजेपीयूटी) के लिए प्रमुख संपादक के रूप में चुने गए थे; इंडियन जर्नल ऑफ एनेस्थीसिया (आईजेए) के लिए समीक्षक थे, एनेस्थिसियोलॉजी और चिकित्सीय औषध (जेओएसीपी) जर्नल, नैदानिक संज्ञाहरण (जेसीए) के जर्नल और मेडिकल मामले की रिपोर्ट के जर्नल ; दर्द प्रबंधन पर चौथा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में कार्यशाला पर अल्ट्रासाउंड गाइडिड हैंड्स के मुख्य समन्वयक थे, 7 – 9 नवंबर 2015, एनेस्थिसियोलॉजी विभाग द्वारा आयोजित, एसजीपीजीआईएमएस, लखनऊ; प्रशिक्षण पर अल्ट्रासाउंड गाइडिड नर्व ब्लॉक और हैंड्स के मुख्य समन्वयक – वार्षिक शैक्षिक सत्र – 21 से 23 नवंबर 2015, दर्द काय चिकित्सा के संकाय द्वारा आयोजित, कैंडी टीचिंग अस्पताल में श्रीलंका का एनेस्थेसियोलॉजिस्ट्स और इंटेंसिविस्ट्स कॉलेज।

डॉ. अंजोली छाबड़ा ने एंटीकोएगुलेटिड रोगी और स्थानीय संवेदनाहारी प्रणालीगत टॉक्सीसिटी में क्षेत्रीय संज्ञाहरण पर एक सत्र की अध्यक्षता की, बेसिक अल्ट्रासाउंड निर्देशित क्षेत्रीय एनेस्थेसिया कोर्स, 6 – 7 नवंबर 2015, नाजारथ अस्पताल, शिलांग; एनेस्थेसिया कार्यशाला क्षेत्र हेतु समन्वयक और संकाय थीं, एम्स दर्द और क्षेत्रीय एनेस्थीसिया (एपीपीआरए) सम्मेलन, 8 – 10 जनवरी 2016, एम्स, नई दिल्ली।

डॉ. छवि साहनी विभिन्न अप्रयुक्त स्वास्थ्य सेवाओं (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय) के लिए नेशनल करिकुलम कार्य दल की सदस्य थीं।

डॉ. दालिम बैद्य को चेट्टीनाड मेडिकल जर्नल का राष्ट्रीय संपादक चुना गया ; एपेरिटो जर्नल ऑफ सर्जरी एंड एनेस्थिसिया के अंतरराष्ट्रीय संपादक के रूप में चुना गया।

डॉ. देबेश भोई ने फोटोग्राफी प्रतियोगिता में तीसरा स्थान जीता, 32वां वार्षिक शैक्षिक कांग्रेस, 2016, श्रीलंका का एनेस्थेसियोलॉजिस्ट्स और इंटेंसिविस्ट्स कॉलेज (30 जनवरी 2016)।

9.2 शरीर रचना विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

टी. एस. रॉय

आचार्य

ए. शरीफ	पुष्पा धर	एस. बी. रे
रीमा दादा	अरुंधति शर्मा (जेनेटिक्स)	टी. के. दास (इलेक्ट्रॉन इक्रोस्कोपी, समाप्त मई, 2015)
रेणु ढींगरा		टी. सी. नाग (इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी)

अपर आचार्य

रितु सहगल

सहायक आचार्य

सरोज कालेर	टॉनी जॉर्ज जैकॉब	नीरजा रानी
सीमा सिंह	सुभाष यादव (इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी)	

विशिष्टताएं

एम्ससेल्फ ''एम्स ई–अधिगम सुविधा'' के साथ अधिगम प्रबंधन, हाई डेफिनिशन वीडियो प्रेजेंटेशन और सम्मेलन प्रणाली तथा वेब होस्टिंग के लिए फ्री एंड ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर (एफओएसएस) के साथ नए और शक्तिशाली सर्वर की स्थापना के बाद कार्यात्मक बनाया गया था।

विभाग ने किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ में 20–23 नवंबर 2015 से आयोजित एनाटॉमिकल सोसायटी ऑफ इंडिया (एनएटीसीओएन–63) का 63वें राष्ट्रीय सम्मेलन में विभाग के मिश्रित अधिगम सुविधा का लाइव, ऑनलाइन वीडियो सम्मेलन और प्रदर्शन आयोजित किया और चिकित्सा शिक्षा एवं प्रौद्योगिकी केंद्र (सीएमईटी), अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में आयोजित कार्यशालाओं के दौरान चिकित्सा शिक्षा में मिश्रित अधिगम का व्याख्यान प्रदर्शन किया। 'अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान ई–लर्निंग सुविधा' विभाग उनकी स्नातकोत्तर शिक्षण गतिविधियों में मूडल उपयोग करने के लिए तंत्रिका विज्ञान और मनोरोग विभाग समर्थन कर रहा है। शारीरिक विज्ञान में डिजिटल अधिगम संसाधन सामग्री के इन–हाउस विकास के लिए बुनियादी ढांचे की स्थापना के लिए तैयारी कर रहे हैं। विभाग इस सुविधा का उपयोग कर एमबीबीएस छात्रों की

नियमित रूप से ऑनलाइन रचनात्मक आकलन आयोजित करता है। शैक्षणिक गतिविधियां और प्रस्तुतियां ऑनलाइन चर्चा फोरम के साथ ऑफलाइन का उपयोग करके भी आयोजित कर रहे हैं। विभाग अब नियमित रूप से एक सहयोगी विकी प्रारूप में पीजी सेमिनार आयोजित करता है और सक्रिय रूप से शरीर रचना में स्नातकोत्तर छात्रों और सीनियर रेजीडेंट्स द्वारा अधिगम संसाधन आधारित वीडियो के निर्माण में शामिल है।

विभाग ने न्यूरोसर्जरी, आर्थोपेडिक्स, नाक, कान, गला, एनेस्थीसिया और सर्जरी विभाग के लिए कई कौशल प्रशिक्षण और शव कार्यशालाओं के संगठन सुविधाजनक बनाकर प्रदान करने में सहायता की है। कई संकाय सदस्यों ने विभिन्न विश्वविद्यालयों और संस्थानों के लिए संकाय के रूप में दौरों के जरिए सेवा प्रदान की है और भारत और विदेश दोनों में अतिथि और आमंत्रित व्याख्यान दिए हैं। संकायों और छात्रों द्वारा किए गए शोध कार्य को विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बैठकों और सम्मेलनों में प्रस्तुत किया गया है। कई छात्रों ने सकल शरीर रचना विज्ञान, तंत्रिका विज्ञान, भ्रूण और आनुवंशिकी के क्षेत्रों में अपने कार्य के लिए पुरस्कार प्राप्त किया है। संकाय अंतर और बाह्य एजेंसियों से अनुदान के साथ अनुसंधान के क्षेत्र में लगे हुए हैं और सहकर्मी की समीक्षा की पत्रिकाओं में उल्लेखनीय शोध प्रकाशित किया है। उन्होंने विभिन्न अंतर तथा बाह्य वित्त पोषित एजेंसियों से अनुसंधान परियोजनाओं हेतु समीक्षक के रूप में कार्य किया और कई राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं के संपादकीय मंडल के सदस्यों के रूप में भी कार्य किया। विभाग द्वारा सेवा विभिन्न आनुवंशिक और चयापचय विकारों के लिए नैदानिक परीक्षण और परामर्श के माध्यम से शवलेप सुविधाओं और रोगी देखभाल के रूप में प्रदान की गई है।

शिक्षा

अभिनव शैक्षिक गतिविधियां

विभाग चिकित्सा शिक्षा और प्रौद्योगिकी केंद्र (सीएमईटी), अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली, में आयोजित कार्यशालाओं के दौरान चिकित्सा शिक्षा में मिश्रित अधिगम के व्याख्यान–प्रदर्शनों का आयोजन किया, अपनी स्नातकोत्तर शैक्षणिक गतिविधियों में मूडल का उपयोग करने के लिए तंत्रिका–विज्ञान और मनोरोग विभाग के लिए पार्श्व समर्थन प्रदान किया गया है। कई शल्य चिकित्सा विशेषता और एनेस्थिसियोलॉजी विभाग विभिन्न कार्यशालाओं के लिए विच्छेदन हॉल और सूक्ष्म शरीर रचना विज्ञान में प्रयोगशाला ई लर्निंग सुविधाएं इस्तेमाल की गई है। नेटवर्क की आधारिक संरचना सूक्ष्म शरीर रचना विज्ञान प्रयोगशाला में 150 छात्र स्टेशनों के लिए समर्थन के साथ कन्वर्जेंस ब्लॉक के भूतल और बेसमेंट 1 (इलेक्ट्रॉन सूक्ष्मदर्शी सुविधा) के लिए मुख्य विभाग से बढ़ाई गई। मूडल द्वारा संचालित ई लर्निंग सुविधा और लर्निंग प्रबंधन प्रणाली विभाग में स्नातकोत्तर और स्नातक शिक्षण/अधिगम गतिविधियों के लिए नियमित तौर पर इस्तेमाल कर रहे हैं।

स्नातक पूर्व, स्नातकोत्तर, पैरामेडिकल शिक्षण
लघु और दीर्घकालिक अवधि प्रशिक्षण

कई संकाय सदस्यों ने एम. एससी. तंत्रिका विज्ञान और आण्विक मानव आनुवंशिकी पाठ्यक्रम के लिए जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर में सहायक संकाय के रूप में सेवा दी।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

विभाग द्वारा कई प्रशिक्षण और शव संबंधी कार्यशालाओं के आयोजन में मदद प्रदान की गई जिससे विभिन्न विभागों के कार्मिकों को प्रशिक्षण देने में सहायता मिली है।

1. गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल सर्जरी, मल्टी–ऑर्गन हार्वेस्टिंग कार्यशाला, 2 अप्रैल, 2015
2. तंत्रिका शल्यचिकित्सा, तंत्रिका शल्यचिकित्सा कौशल प्रशिक्षण कार्यशाला, 14 अप्रैल, 2015
3. ईएनटी, राइनोप्लास्टी और फेशियल प्लास्टिक और सिर और गर्दन की सर्जरी पर स्वयं कार्य करने की शव कार्यशाला, 1–3 मई, 2015
4. एम्स संधिसंधान सप्ताह के दौरान आर्थोपेडिक्स, शव पाठ्यक्रम, 17–23 अगस्त 2015.
5. बायोमेडिकल इंजीनियरिंग, आधुनिक चिकित्सा : एक इंजीनियरिंग के नजरिया, 28 अगस्त, 2015
6. मनोविज्ञान, दिल्ली विश्वविद्यालय, मस्तिष्क का प्रदर्शन, 8 अक्टूबर, 2015
7. एनेस्थिसियोलॉजी, तीसरे ओएफआईएसएसीओएन 2015 पर कार्यशाला, 17–18 अक्टूबर, 2015
8. प्रसूति एवं स्त्री रोग, श्रोणि की शारीरिक रचना में रेज़ीडेंट्स का प्रशिक्षण, 18–21 दिसंबर 2015
9. एपीपीआरए 2016 के दौरान शवों पर हस्तक्षेप कार्यशाला निर्देशित एनेस्थिसियोलॉजी, प्रतिदीप्तिदर्शन, 10 जनवरी 2016
10. फुफ्फुसीय चिकित्सा, फुफ्फुसीय कार्यशाला, 14–15 जनवरी 2016
11. आर्थोपेडिक्स, एम्स संधिसंधान अद्यतन और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान शव संधिसंधान पाठ्यक्रम, 20–21 फरवरी 2016

प्रदत्त व्याख्यान

टी. एस. रॉय : 4	ए. शरीफ : 1	एस. बी. रे : 2
रीमा दादा : 14	अरुंधति शर्मा : 6	टी. सी. नाग : 2
रेणु ढींगरा : 3	रितु सहगल : 2	सरोज कालेर झाझरिया : 1
टोनी जॉर्ज जैकब : 3	एस. सी. यादव : 1	

मौखिक शोध पत्र / पोस्टर प्रस्तुति : 30

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. मानव सर्पिल नाड़ी ग्रन्थि में आयु से संबंधित आकारिकी और तंत्रिका रासायनिक बदलाव, टी एस रॉय, आईसीएमआर, 3.5 वर्ष, 2012–16, एसआरएफ।

2. चूहा मध्य मस्तिष्क धमनी रोड़ा मॉडल में इश्चेमिया – रिपरफ्यूशन चोट में ऑटोफेजी और एपॉपटोसिस के बीच परस्पर वार्ता, टीएस रॉय, आईसीएमआर, 3.6 वर्ष, 2012–16, एसआरएफ।

3. भारतीय जनसंख्या में गठिया के रोगियों में टीएच–17 (टी–सहायक–17) कोशिकाओं की भूमिका का अध्ययन करना, ए. शरीफ, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2015–18, 49 लाख रुपए।
4. एस्ट्रोजन रजोनिवृत्ति तथा एजिंग ब्रेन : मस्तिष्क के गैरःप्रजनन क्षेत्रों में रजोनिवृत्ति संबंधी प्रभावों को समझने हेतु प्रायोगिक तथा एस्ट्रोजन एवं संघटकों जैसे कि चिकित्सीय खोजों की संरक्षी प्रभावों तक पहुंचना, पुष्पा धर, आई.सी.एम.आर., 3 वर्ष, 2012–15, 27 लाख रुपए।
5. पुरुष बांझपन में ऑक्सीडेटिव तनाव तथा डी एन ए क्षति के साथ स्पर्म टेलोमेरी लम्बाई विश्लेषण तथा इसका सह–संबंध। रीमा दादा, डी बी टी, 3 वर्ष, 2012–2015, 55 लाख रु.।
6. गैर पारिवारिक बचपन के कैंसर वाले बच्चों के पिताओं में शुक्राणु डीएनए की क्षति का विश्लेषण, रीमा दादा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2015–18, 36 लाख रु.।
7. उत्तरी भारतीय बच्चों में वृद्धि हार्मोन का उत्परिवर्तन विश्लेषण, अरुंधति शर्मा, आईसीएमआर, 4.5 वर्ष, 2011–16, आईसीएमआर एसआरएफ।
8. दुर्गम रिकेट्स और हाइपोफोस्फेटेमिया वाले रोगियों का आनुवंशिक अध्ययन, अरुंधति शर्मा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2015–18, लगभग 30.0 लाख रुपए।
9. प्रीएक्लेम्पसिया के पेथोजेनसिस में एंडोप्लास्मिक रेटीकुलम तनाव : एक इन विट्रो अध्ययन, रेणु ढींगरा, अ. भा. आ. सं., 2 वर्ष, 2013–15, 10 लाख रुपए।
10. ट्रोफोब्लास्ट कोशिकाओं के प्रवास और आक्रमण क्षमता पर हाइड्रोजन सल्फाइड के प्रभाव का अध्ययन, आईसीएमआर, 45 लाख रुपए की राशि, रेणु ढींगरा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2014–17, 45 लाख रु.।
11. वेरिएबल फोटोपेरियोइटस के प्रकटन के पश्चात नियोनेटल चिक रेटीना में मोर्फोलोजिकल एवं बायोकेमिकल परिवर्तन, टी. सी. नाग, एसईआरबी (डी एस टी), 3 वर्ष, 2013–16, 33 लाख रु.।
12. उम्र बढ़ने के साथ और प्रयोगात्मक लोहे अधिभार में चूहे रेटिना में लोहे नियामक प्रोटीन की अभिव्यक्ति पैटर्न, टी सी नाग, सीएसआईआर, 3 वर्ष, 2015–17, 22.8 लाख रु.।
13. सामान्य उम्र बढ़ने के साथ मनुष्य में कोरोइडल वाहिकाओं के अल्ट्रास्ट्रक्चरल और इम्युनोहिस्टोकैमिकल विश्लेषण, टी सी नग, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2015–18, 21.4 लाख रु.।
14. स्तन कैंसर में पी75एनटीआर और टीआरकेए रिसेप्टरों की अभिव्यक्ति, रितु सहगल, इंस्टीट्यूट रिसर्च ग्रांट, 2 वर्ष, 2013–15, 10 लाख रुपए।
15. चूहों में ऑपरेशन पश्चात दर्द में रीढ़ की हड्डी के स्तर पर विशिष्ट न्यूरोट्रांसमीटर और न्यूरोपेप्टाइड शामिल करने पर एक अध्ययन, सरोज कालेर झाझरिया, इंस्टीट्यूट रिसर्च ग्रांट, एक वर्ष, 2015–16, 5 लाख रु.।
16. मानव ट्रोफोब्लास्ट कोशिकाओं के प्रवास में हाइड्रोजन सल्फाइड की भूमिका और गर्भनाल पर इसके प्रभाव : एक *इन विट्रो* अध्ययन, नीरजा रानी, अनुसंधान अनुदान संस्थान, 2 वर्ष, 2015–17, 5 लाख रुपए।
17. मनुष्यों में आद्यमध्यांत्र, पश्चांत्र और इलियोसेकल वाल्व में माइंट्रिक प्लेक्सस विकासशील का संगठन। सीमा सिंह, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, 2 वर्ष, 2015–17, 5 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. मानव कर्णावत नाभिक का विकास
2. मानव इंफेरियर कलिकुलस में आयु परिवर्तन
3. मानव सर्पिल नाड़ीग्रन्थि में आयु परिवर्तन
4. मानव सर्पिल अस्थिबंध में आयु परिवर्तन
5. मानव ट्रोकलियर, एब्डयूसेंट एवं कोकलियर नर्व में आयु परिवर्तन।
6. चूहा मध्य मस्तिष्क धमनी रोड़ा मॉडल में एंजियोटेनसिन रिसेप्टर मॉड्यूलेशन का प्रभाव : मोर्फोलोजिकल एवं बायोकेमिकल अध्ययन।
7. तीव्र अग्नाशयशोथ के म्यूराइन मॉडल पर ट्रि– मेथिलेमाइन एन–ऑक्साइड का प्रभाव
8. आंतों का तंत्रिका तंत्र के विकास पर फ्लोराइड जोखिम के प्रभाव : एक प्रयोगात्मक अध्ययन।
9. मानव फेटल पैनक्रियास में न्यूरॉन्स का रूपात्मक अध्ययन।
10. मानव भ्रूण बृहदान्त्र में विकासशील आंतों का तंत्रिका तंत्र का रूपात्मक अध्ययन।
11. भ्रूण आरोही और सिग्मॉइड बृहदान्त्र के आकृति विज्ञान परिवर्तन का अध्ययन करना।
12. मानव भ्रूण में माइंट्रिक प्लेक्सस के विकास का अध्ययन।
13. आर्सेनिक ट्रियोऑक्साइड प्रदर्शन के बाद चूहा बेसल अग्रमस्तिष्क संरचनाओं पर करकुमिन का प्रभाव
14. आर्सेनिक ट्राइऑक्साइड से अवगत कराए गए वयस्क चूहों में हिप्पोकैम्पस के सीए–1 क्षेत्र पर करकुमिन पूरकता का प्रभाव
15. आर्सेनिक ट्राइऑक्साइड से अवगत कराए गए लंबे समय से वयस्क चूहों के हृदय ऊतकों में रूपात्मक और जैव रासायनिक परिवर्तन पर करकुमिन का प्रभाव।
16. चूहों के बेसल नाड़ीग्रन्थि में आर्सेनिक ट्रिऑक्साइड प्रेरित न्यूरोटॉक्सिटी पर करक्यूमिन पूरकता की भूमिका का मूल्यांकन।
17. मॉर्फिन सहनशील चूहों की रीढ़ की हड्डी में चयनात्मक न्यूरोपेप्टाइड्स की भूमिका।
18. ऑपरेशन पश्चात दर्द के चूहा मॉडल में रीढ़ की हड्डी के स्तर पर विशिष्ट न्यूरोट्रांसमीटर की भागीदारी का अध्ययन।
19. समय से पहले डिम्बग्रंथि विफलता में साइटोजेनेटिक और आण्विक मूल्यांकन।
20. भ्रूण के विकास में पैतृक कारक।
21. डिप्रेशन में आण्विक विश्लेषण : एक प्रकरण नियंत्रण अध्ययन।
22. पुरुष बांझपन में टेलोमेरे गतिशीलता।
23. रेटिनोब्लास्टोमा के आनुवंशिक और आण्विक आधार
24. 5 अल्फा रिडक्टेस 2 कमी और एण्ड्रोजन असंवेदनशीलता वाले रोगियों में फीनोटाइप जीनोटाइप सह–संबंध का अध्ययन करना।
25. अज्ञातहेतुक पुरुष बांझपन के आण्विक आधार।
26. रेडियोधर्मी आयोडीन की सायटोटोक्सिटी का निर्धारण करने के लिए माइक्रोन्यूक्लियाइ एसे।
27. पुरुष बांझपन में महामारी विज्ञान के अध्ययन।
28. ध्यान आधारित तनाव में कमीः क्या यह प्राथमिक खुला कोण मोतियाबिंद के लिए चिकित्सीय है (पीओएजी)
29. मोटापे पर हस्तक्षेप आधारित लघु अवधि योग का प्रभाव।
30. फाइब्रोमायलजिया में आनुवंशिकी अध्ययन।

31. रुमेटी गठिया में एपिजीनोम पर योग और ध्यान का प्रभाव।
32. जननांगों के अपजनन और 46, एक्सवाई कुपोषण से पीड़ित रोगियों में प्रत्याशी जीन (एनआर5ए1, डीएएक्स1, डीएचएच, डीएमआरटी1, एसओएक्स9, एसआरवाई, डब्ल्यूटी1) का उत्परिवर्तन विश्लेषण।
33. एल्कोहल और ओपियॉइड निर्भरता में मोनोएमिनेरजिक एवं गाबर्जिक पाथवे जीन पोलिमोर्फिज्म के साथ ब्रेन इमेजिंग (पीईटी / एसपीईसीटी) का आनुवंशिक एसोसिएशन तथा सह – संबंध पर अध्ययन करना।
34. एल्कोहल निर्भरता में जीआरआईएन2ए जीन पॉलीमॉर्फिज्म के डोपमिनेर्जिक मार्ग जीन और संघ के एपिजेनेटिक परिवर्तन।
35. पोस्टेरियर पोलर कैटरेक्ट के आनुवंशिक अध्ययन।
36. जेनेटिक बेसिस अंडरलाईंग स्टीवन्स – जॉनसन सिंड्रोम (एसजेएस) की पहचान हेतु अध्ययन।
37. वृद्धि हार्मोन कमी वाले एशियाई भारतीय में जीनोटाइप – फीनोटाइप सह–संबंध पर अध्ययन।
38. दुर्दम्य रिकेट्स और हायपोफोस्फेटेमिया वाले रोगियों में उत्परिवर्तनीय अध्ययन।
39. अग्रस्थ पीयूषिका ग्रंथ्यर्बुद के रोगियों में आनुवंशिक और एपीजेनेटिक प्रोफाइलिंग।
40. शराब निर्भरता वाले मोनोमाइन पाथवे जीन के बहुरूपता, मेथिलिकरण और अभिव्यक्ति की स्थिति के एसोसिएशन पर अध्ययन।
41. वीईजीएफ जीन बहुरूपता और प्टेरीजियम का एसोसिएशन।
42. ओपिओइड निर्भरता वाले जीआरआईएन2ए और डीआरडी4 जीन बहुरूपता का एसोसिएशन।
43. *जीआरआईएन2ए* जीन में आरएस 9927871 बहुरूपता वाले शराब पर निर्भरता एसोसिएशन का अध्ययन।
44. प्रीएक्लेम्पसिया में एंडोप्लास्मिक रेटीकुलम तनाव में एस–वीईजीएफआर की भूमिका।
45. ट्रोफोब्लास्ट कोशिकाओं के प्रवास पर हाइड्रोजन सल्फाइड का प्रभाव और प्रीक्लेम्पसिया में इसकी स्थिति।
46. सिस्टाथियॉन गामा लायस माध्यित ट्रोफोब्लास्ट कोशिका भेदन में माइक्रो आर.एन.ए. – 30 की भूमिका और प्रीएक्लेम्पसिया में इसकी स्थिति।
47. प्रीक्लेम्पसिया में अम्बिलिकल अर्टेरी वेलोसाइमेट्री के साथ फेटो – मैटरनल हाइड्रोजन सल्फाइड उत्पादन का सह–संबंध।
48. मानव ट्रोफोब्लास्ट सेल के हाइड्रोजन सल्फाइड में संवहनी मध्यस्थता पलायन में वेस्कुलर एंडोथेलियल ग्रोथ फैक्टर रिसेप्टर (वीईजीएफआर) की भूमिका।
49. जल्दी और देर से शुरू होने के प्री एक्लेम्पसिया में नाल के विभिन्न क्षेत्रों में सिस्टेथियोनाइन गामा लाएस और जीआरपी78 की अभिव्यक्ति।
50. प्रीक्लेम्पसिया में माइक्रो आरएनए–22, विशिष्टता प्रोटीन 1 और सिस्टेथियोनाइन बीटा सिंथेस की अभिव्यक्ति और ट्रोफोब्लास्ट सेल इंवेशन के विनियमन में उसकी भूमिका।
51. आयु बढ़ने के साथ और प्रयोगात्मक लोहे अधिभार में चूहा रेटिना में लोहे विनियामक प्रोटीन की अभिव्यक्ति पैटर्न।
52. प्रसव पूर्व ध्वनि उत्तेजना के लिए अवगत कराए गए नवजात चूजे के केंद्रीय श्रवण मार्ग और हिप्पोकैम्पस में मस्तिष्क व्युत्पन्न न्यूरोट्रोफिक कारक के पश्चजनन सम्बन्धी विनियमन।
53. पोस्ट–हैच चूज़े रेटिना में ऑक्सीडेटिव तनाव और अंतर्जात न्यूरोप्रोटेक्टिव तंत्र प्रकाश प्रेरित।
54. चर फोटोपेरियोड्स के प्रकाश के लिए अवगत कराए गए नवजात चूज़े रेटिना में कैल्बिडिन डी–28के, केलेट्रिनीन और पैरावल्बुमिन अभिव्यक्ति।

55. बाहरी रेटिना को नुकसान और भीतरी रेटिना में उसके परिणामों का प्रकाश प्रेरित।
56. चर फोटोपेरियोड्स के प्रकाश के अवगत कराए गए नवजात चूज़े रेटिना में बीडीएनएफ और टीआरके–बी पैटर्न अभिव्यक्ति।
57. स्तन ग्रंथि और निप्पल–एरियोला कॉम्प्लेक्स की वेस्कुलर की आपूर्ति का एक संरचनात्मक और रेडियोलॉजिकल अध्ययन।
58. सौम्य और घातक स्तन ट्यूमर में टायरोसिन काइनेज एक रिसेप्टर अभिव्यक्ति।
59. बी–ह्यूमन कोरियोनिक गोनाडोट्रोपिन और रिसेप्टर इंटरएक्टिंग प्रोटीन–1 की मात्रात्मक अभिव्यक्ति के साथ मानव पित्ताशय कैंसर में हिस्टोलॉजिकल ट्यूमर सामग्री की तुलना।
60. एक्यूट पैनक्रिएटाइटिस के दो मूरिन मॉडल पर ट्राई मिथाइलएमाइन एन–ऑक्साइड (टीएमएओ) का प्रभाव।
61. मायोकार्डियल हाइपरट्रॉफी के चूहा मॉडल में लेफ्ट स्टेलट गैंग्लिया के टोटल ग्लियल कोशिकाओं का मात्रात्मक आकलन।
62. चूहा मध्य मस्तिष्क धमनी अटकाव में एंजियोटेनसिन रिसेप्टर मॉड्यूलेशन का प्रभाव : मोर्फोलोजिकल एवं बायोकेमिकल अध्ययन।
63. आवर्ती गर्भस्थ हानि में शुक्राणु आण्विक कारकों की भूमिका।
64. मानव ट्रोफोब्लास्ट कोशिका के प्रवास और प्रीक्लेम्पसिया में इसकी स्थिति के बारे में हाइड्रोजन सल्फाइड का प्रभाव।
65. गैस्ट्रो न्यूरो एंडोक्राइन ट्यूमर के सीकेआईटी और साइटोकेरेटिन 19 अभिव्यक्ति और अल्ट्रा स्ट्रक्चरल आकृति विज्ञान।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. हैंडस ऑन – स्किल्स प्रशिक्षण तथा इंट्रेक्टिव वर्चुअल प्रशिक्षण मॉड्यूल द्वारा तंत्रिका शल्य चिकित्सा कुशलता के विकास का मूल्यांकन (वेब आधारित दूरसंचार –शिक्षा और वास्तविक समय मूल्यांकन), (तंत्रिका शल्य चिकित्सा, शरीर रचना, फॉरेंसिक मेडिसिन, आईआईटी–डी : सीएसई)
2. एंडोस्कोपिक न्यूरोसर्जरी प्रशिक्षण और ऑपरेशन पूर्व तंत्रिका शल्य चिकित्सा योजना बनाने के लिए 3डी / स्टेरियोस्कोपी आधारित आभासी वास्तविकता सिमुलेशन मंच का विकास, (तंत्रिका शल्य चिकित्सा, शरीर रचना, फॉरेंसिक मेडिसिन, आईआईटी–डी : सीएसई)
3. मनुष्यों में आद्यमध्यांत्र, पश्चांत्र और इलियोसिकल में विकासशील माइएंट्रिक प्लेक्सस का संगठन। (स्त्री रोग)
4. ग्रसनी प्रतिस्थापन सर्जरी के लिए विभिन्न गैस्ट्रिक ट्यूबों का अध्ययन (बाल शल्य चिकित्सा)
5. रेटिनोब्लास्टोमा : जेनेटिक अध्ययन (डॉ. आर. पी. सेंटर)।
6. पीओएजी में जीनोटाइप और फीनोटाइप सहसंबंध (डॉ. आर. पी. सेंटर)।
7. पीसीजी के रोगजनन में ऑक्सीडेटिव तनाव, (डॉ. आर. पी. सेंटर)।
8. फाइब्रोमायलजिया में आनुवंशिकी अध्ययन (शरीर क्रिया विज्ञान)।
9. अस्थमा में वाईकेएल40 लेवल (जैव भौतिकी)।

10. आई वी एफ करवा रही पी सी ओ एस वाली महिलाओं में फोलिकुलर तरल में ऑक्सीडेटिव तनाव बायोमार्कर्स का स्तर तथा परिणामों के साथ इसके संबंध (प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान)।
11. जन्मजात विकृति के साथ भ्रूण वाले सामान्य और गर्भवती युगल जोड़ों का एमनियोटिक द्रव में ऑक्सीडेटिव तनाव का मूल्यांकन (प्रसूति एवं स्त्री रोग)।
12. जननांगों अपजनन और 46, एक्सवाई कुपोषण से पीड़ित रोगियों में सात जीन (एनआर5ए1, डीएएक्स1, डीएचएच, डीएमआरटी1, एसओएक्स9, एसआरवाई, डब्ल्यूटी1) का उत्परिवर्तन विश्लेषण, (अंतःस्राविकी विज्ञान)।
13. फिब्रोमायेल्जिया रोगियों में पीड़ा मोड्यूलेशन स्थिति पर ट्रांसक्रेनियल चुम्बकीय उद्दीपन का प्रभाव, (शरीर क्रिया विज्ञान)।
14. रुमेटी गठिया में एपिजीनोम पर योग और ध्यान का प्रभाव। (कायचिकित्सा)
15. जननांगों अपजनन / एजेनेसिस के कारण 46 एक्सवाई डीएसडी वाले रोगियों में जीन म्यूटेशन का अध्ययन करना (अंतःस्राविकी विज्ञान)।
16. मोटापे में अल्पकालिक योग आधारित हस्तक्षेप का प्रभाव (शरीर क्रिया विज्ञान)
17. बचपन के कैंसर में शुक्राणु डीएनए अखंडता की हानि (डॉ. आर पी सेंटर)।
18. वृद्धि हार्मोन कमी वाले एशियाई भारतीय में जीनोटाइप – फीनोटाइप सह–संबंध पर अध्ययन, (अंतःस्राविकी विज्ञान)।
19. जन्मजात एड्रेनल हाइपरप्लेसिया – मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन (अंतःस्राविकी विज्ञान)।
20. प्राथमिक हाइपरपैराथायरोडिज्म, पैंक्रिएटिक ट्यूमरों एवं पिटूएट्री ट्यूमरों के रोगियों में मेन 1 जीन मुटेशन तथा इसकी नैदानिक जटिलताएं (अंतःस्राविकी विज्ञान)।
21. हैंड्स ऑन – स्किल्स प्रशिक्षण तथा इंट्रेक्टिव वर्चुअल प्रशिक्षण द्वारा तंत्रिका शल्य चिकित्सा कुशलता के विकास का मूल्यांकन, आईसीएमआर, (तंत्रिका शल्य चिकित्सा)
22. तंत्रिका शल्य चिकित्सा कुशलता प्रशिक्षण हेतु 3डी वर्चुअल प्रशिक्षण मॉड्यूल्स का डीएसटी + डीबीटी प्रायोजित तंत्रिका शल्य चिकित्सा कुशलता प्रशिक्षण सुविधा तथा विकास का विस्तार (तंत्रिका शल्य चिकित्सा)
23. विज्ञान एवं तकनीकी विभाग डीएसटी एफआईएसटी का कार्यक्रम डीएसटी एफआईएसटी स्तर 2 (तंत्रिका शल्य चिकित्सा)।
24. हृद् विकिरण विज्ञान विभाग सहित आपातकालीन वाहिका एक्सेस हेतु एक नोवल इंट्राओसियस एक्सेस डिवाइस का संभाव्यता अध्ययन (हृद् चिकित्सा विज्ञान)।
25. चिक्स *(गेलस डोमेस्टिकस)* में प्रिनेटल रेपीटेटिव ऑडिटरी स्टिमुलेशन के पश्चात विजुअल कोर्टेक्स का प्रकार्यात्मक विकास : नोरड्रेनेलिन की भूमिका, (शरीर क्रिया विज्ञान)।
26. विभिन्न जैव – फिल्म सामग्रियों के लिए अलग अलग बैक्टीरिया के जैव फिल्म गठन की जीवाणु पालन और प्रवृत्ति का अध्ययन (अस्थि रोग)।
27. ट्रोफोब्लास्टिक कोशिकाओं की माइग्रेशन में एच$_2$एस की भूमिका – एक *इन विट्रो स्टडी* (प्रसूति एवं स्त्री रोग, जैव रसायन)
28. मानव शव के सिर में इंजेक्शन दूर–पार्श्व और ट्रांसकॉनडायलर दृष्टिकोण के माध्यम से प्राप्त ऑपरेटिव जोखिम के रेडियोलॉजिकल और सूक्ष्म शल्य चिकित्सा की तुलना। (शारीरिक रचना और तंत्रिका शल्यचिकित्सा)।

29. स्तन कैंसर में पी75एनटीआर और टीआरकेए रिसेप्टर्स की अभिव्यक्ति (शल्य–चिकित्सा, विकृति विज्ञान)।
30. तीव्र अग्नाशयशोथ प्रेरित सेरुलेइन के पैथोजेनेसिस में ईआर तनाव की भूमिका और तीव्र अग्नाशयशोथ की गंभीरता पर रासायनिक केपरोनेस के प्रभाव, (गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी, आईजीआईबी, स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज, जेएनयू)।
31. म्यूराइन प्रयोगात्मक तीव्र अग्नाशयशोथ प्रेरित एल–आर्जिनाइन की गंभीरता पर डेक्सामेथासोन और इंफ्लिक्सीमैब का प्रभाव (जीआई सर्जरी)।
32. चूहों में प्रयोगात्मक तीव्र अग्नाशयशोथ की गंभीरता पर रोगनिरोधी एलएमडब्ल्यू हेपरिन और अनफ्रैक्शन्ड हेपरिन का मूल्यांकन (जीआई सर्जरी)।
33. मानव में आद्यमध्यांत्र, पश्चांत्र और इलियोसिकल वाल्व में विकासशील माइंट्रिक का संगठन (शरीर रचना विज्ञान, प्रसूति एवं स्त्री रोग)

पूर्ण

1. भ्रूण तथा वयस्क मानव पैंक्रिएटिक डक्ट प्रणाली की मोर्फोलॉजी।
2. अभिलेखागार, स्ट्रीमिंग और टेलीकॉन्फ्रेंसिंग के लिए 3डी एंडोस्कोपी और 3डी माइक्रोसकोपिक सुविधा और केंद्रीय भंडार सर्वर के साथ तंत्रिका सर्जरी कौशल प्रशिक्षण सुविधा (तंत्रिका शल्य चिकित्सा, शरीर रचना विज्ञान, फॉरेंसिक मेडिसिन, आईआईटी–डी : सीएसई)
3. हृदय अतिवृद्धि के एक चूहे मॉडल में अंतर्जात तंत्रिका वृद्धि कारक (एनजीएफ) की भूमिका (शरीर रचना विज्ञान, औषध विज्ञान)
4. मानव भ्रूण में इलियोकेसल जंक्शन के तंत्रिका वितरण का रूपात्मक अध्ययन।
5. विभिन्न बिलियो एंट्रिक के सम्मिलन की तुलना।
6. नवजात चूहों में प्रायोगिक कोलोनिक डायवर्जन।
7. आरएसए में शुक्राणु कारक।
8. एलएचओएन में आनुवंशिक अध्ययन (डॉ. आर. पी. सेंटर)।
9. जन्मजात मोतियाबिंद में आनुवंशिक अध्ययन (डॉ. आर. पी. सेंटर)।
10. स्विस एलबिनो चूहों पर प्रकाश प्रेरित रेटिना क्षति में सिर्टुइन 1 की भूमिका।

पेटेंट दायर :

1. तिवारी एम, भट एम, डिंडा ए, यादव एस सी. कैंसर जांच प्रणाली। भारतीय पेटेंट दायर (अनंतिम) आईएन 201611011074. 2016 मार्च 30.

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 31 सार : 4 पुस्तकों में अध्याय : 1

रोगी उपचार

आनुवंशिक निदान एवं परामर्श सेवाएं

गुणसूत्र विश्लेषण	466	मॉलिकुलर स्क्रीनिंग (विभिन्न आनुवांशिकी विकारों के लिए)	50
कैरियोटाइपिंग	480	सेमिनल आरओएस	560
वाईक्यू माइक्रोडिलिशन का विश्लेषण	152	स्पर्म डीएफआई	61
शवों का संलेपन	612		
परिवहन हेतु	589	शिक्षण / अनुसंधान हेतु	23

फ्लूरोसिस नैदानिक प्रयोगशाला : फ्लूओराइड आकलन

पेशाब	44	रक्त / सीरम	42
पीने का पानी	33		

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां

आचार्य टी. एस. रॉय न्यूरोसाइंसेस इंडियन एकेडमी (आईएएन) 2015 के अध्येता के लिए चुने गए, इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोसाइंसेज, 2015–16 के कार्यकारी समिति के सदस्य के रूप में नामित थे; वह अग्न्याशय संपादकीय बोर्ड के निरंतर सदस्य हैं। उन्होंने शरीर रचना विज्ञान विभाग आरटीआई के अंतर्गत प्रकटीकरण के लिए केंद्रीय जन संपर्क अधिकारी (सीपीआईओ) के रूप में कार्य जारी रखा है। वे स्टोर परचेस कमिटी, पशु कल्याण समिति संस्थान और एमबीबीएस पाठ्यक्रम समिति के अध्यक्ष हैं। वे पशु आचार समिति संस्थान के सह–उपाध्यक्ष हैं। वे पशु कल्याण समिति संस्थान के अध्यक्ष हैं। वे अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के पीएचडी सुधार समिति, अस्पताल प्रबंधन समिति, स्टाफ काउंसिल, अंतर भित्ति परियोजना समीक्षा समिति (आधारभूत विज्ञान), दिवस समारोह समिति संस्थान, केन्द्रीकृत कोर अनुसंधान सुविधा और एंटी रैगिंग कमेटी के सदस्य हैं। उन्होंने आईसीएमआर के तंत्रिका विज्ञान अनुसंधान परियोजना और वार्षिक परियोजना रिपोर्ट की समीक्षा की। वे केजीएमसी, लखनऊ, स्वामी राम हिमालय विश्वविद्यालय, जॉली ग्रांट और पंडित बीडी शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान संस्थान, रोहतक, 2015–16 में एमडी के सेटर और बाह्य परीक्षक थे। वे राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान केंद्र (एनबीआरसी) के बाह्य परीक्षक थे। उन्हें पंडित बीडी शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान संस्थान, रोहतक में संकाय सदस्यों के चयन के लिए बाह्य विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया था। पीजीआई चंडीगढ़, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान भुवनेश्वर, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान जोधपुर, केजीएमयू लखनऊ और आईजीआईएमएस पटना। प्रो. रॉय को एसोसिएशन ऑफ जेरेंटोलॉजी, इंडिया के कार्यकारी उपाध्यक्ष के रूप में नामित किया गया था। वे भारत में मेडिकल कॉलेजों के मूल्यांकन के लिए मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया विशेषज्ञ समिति के समन्वयक और सदस्य थे। वह पंडित बी. डी. शर्मा, स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय रोहतक के

शारीरिक रचना में अध्ययन स्नातकोत्तर बोर्ड के सदस्य थे। उन्होंने पहले 'काया कल्प' अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान पर मेडिकल राइटर्स मीट, कार्यशाला में भाग लिया। उन्होंने पात्रिका, पैक्रियास, जर्नल ऑफ एनाटॉमी, नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ इंडिया और एनाटॉमिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया के लिए पांडुलिपियों की समीक्षा की। प्रो. रॉय को एम्स स्नातकोत्तर नैदानिक शोध के इनाम पुरस्कार समिति के सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया था। पीएच डी छात्र डॉ. एस. शर्मा ने उनके प्रकाशन ''शर्मा एस, नाग टी सी, ठाकर ए, भारद्वाज डी. एन., रॉय टीएस. एज एसोसिएटिड चेंजिस इन द ह्यूमन कोकेलर न्यूक्लियस – ए थ्री– डायमेंशनल मॉडलिंग एंड इट्स पोटेंशियल एप्लीकेशन फॉर ब्रेनस्टेम इम्प्लांट्स''. जे एनस् सोश. इंडिया 2014; 63 : 12–18 के लिए क) डॉ. पीसी बंसल मेमोरियल गोल्ड मेडल पुरस्कार, ख) डॉ. लीज़ा चाको मेमोरियल पुरस्कार, ग) डॉ. एच. जे. मेहता पुरस्कार, संरचनात्मक सोसायटी भारत 2015 सर्वश्रेष्ठ प्रकाशित पत्र के लिए तीसरा पुरस्कार प्राप्त किया।

आचार्य ए. शरीफ अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भुवनेश्वर, उड़ीसा में संकाय की भर्ती के लिए चयन समिति के सदस्य थे और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान ऋषिकेश, उत्तराखंड में शरीर रचना में संकाय सदस्यों के चयन के लिए बाहरी विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया।

आचार्य एस. बी. रे को आईआईटी, दिल्ली में दिसंबर 2015 को आयोजित भारत अंतरराष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था। उन्हें सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इंवेस्टीगेशन द्वारा नामित एक विशेष अदालत ने बुलाया और नियुक्त किया और उन्होंने मेडिको लीगल विशेषज्ञ के रूप में काम किया। उन्हें स्कूल ऑफ न्यूरोसाइंसेस, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर के द्वारा एम.एससी न्यूरोसाइंस बैच के छात्रों को पढ़ाने के लिए अतिथि संकाय के रूप में आमंत्रित किया गया था। उन्हें यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज, शाहदरा, दिल्ली में प्रथम प्रोफेशनल एमबीबीएस परीक्षा के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा शरीर रचना में बाहरी परीक्षक नियुक्त किया गया।

डॉ. रीमा दादा और उसके छात्रों ने 4–6 अप्रैल, 2015 को यूटा यूएसए में अपनी वार्षिक बैठक पर अमेरिकन कांग्रेस ऑफ एंड्रोलॉजी द्वारा तीन पुरस्कारों से सम्मानित किया और प्राप्त किया; आईएएसआर द्वारा आण्विक जीवविज्ञान के लिए प्रतिष्ठित जोसेफ लिस्टर अवार्ड 2015 प्राप्त किया और आईएएसआर अध्येता के रूप में भी नामित किया गया; विभिन्न मेडिकल कॉलेजों के आकलन और मान्यता के लिए भी प्रत्यायन परिषद द्वारा नामित किया गया था; संपूर्ण चिकित्सा, स्टेरियोलॉजी कार्यशाला, एमएएमसी पर 5 सम्मेलनों जैसे एनएटीसीओएन, एसीई, भारत ऑस्ट्रिया बैठक में सत्र की अध्यक्षता की; मेडिकल जेनेटिक्स में डीएम के लिए प्रस्ताव की समीक्षा करने के लिए विशेषज्ञ समिति के सदस्य थे; प्रजनन जैवचिकित्सा और स्टेम सेल में एडिनबर्ग और रोयन अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान पुरस्कार के लिए चिकित्सा अनुसंधान परिषद अध्येतावृत्ति के जूरी सदस्य, ईरान; जर्नल ऑफ जीनोमिक्स एंड बायोइनफॉरमेटिक्स के समीक्षक, जर्नल ऑफ रिप्रोडक्शन एंड कॉन्ट्रासेप्शन, पीएलओएस वन, यूरोपियन जे ऑफ ह्यूमन जेनेटिक्स, ब्रिटिश जर्नल ऑफ मेडिसिन एंड मेडिकल रिसर्च, अमेरिकन जे ऑफ ह्यूमन जेनेटिक्स, आरबीएम ऑन लाइन, इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च, एंड्रोलोजिया, फर्टिलिटी एंड स्टेरिलिटी, माइटोकॉन्ड्रिया, बीएमजे केस रिपोर्ट, एंड्रोलोजिया, जे ऑफ पीडियाट्रिक न्यूरोलॉजी और जे आफ पीडियाट्रिक बायोकेमिस्ट्री, इंडियन जर्नल ऑफ यूरोलॉजी जेनेटिक्स एंड मॉलीकुलर रिसर्च, वर्तमान बाल अनुसंधान, स्त्री रोग और प्रसूति में मानव प्रजनन विशेषज्ञ समीक्षाएं, एशियन जे ऑफ एंड्रोलॉजी, आईओवीएस,

इंडियन जे ऑफ यूरोलॉजी, इंडियन जे ऑफ बायोकेमिस्ट्री एंड बायोफिजिक्स, ब्रेस्ट कैंसर रिसर्च एंड ट्रीटमेंट; डीबीटी, आईसीएमआर, भारत अमेरिकी प्रौद्योगिकी फोरम और वेलकम ट्रस्ट को प्रस्तुत की परियोजनाओं के समीक्षक; टेलोमेर और टेलोमेरेज़ के लिए संपादकीय बोर्ड पर, जे पीडियाट्रि न्यूरोल एंड जे पीडियाट्रि बायोकेम, ओपन एंड्रोलॉजी जे, इंट जे मेडिसिन; एंड्रोलॉजी और इंडियन सोसयाटी ऑफ फर्टिलिटी की अमेरिकन सोसायटी के सदस्य के लिए नामित किया; सदस्य, पुरुष बांझपन पर आईसीएमआर कार्य बल; आनुवंशिकी में मूल्यांकन एमडी और पीएचडी शोध और बिट्स पिलानी, मणिपाल और सीडीआरआई लखनऊ में आनुवंशिकी में पीएचडी शोध के लिए बाह्य परीक्षक थे; पंडित बी. डी. शर्मा यूनिवर्सिटी ऑफ रोहतक, अगस्त 2015 को बी. एससी आनुवंशिकी के लिए परीक्षक; सदस्य, एम्स के दीक्षांत समारोह, एम्स संस्थान दिवसीय प्रदर्शनी और सांस्कृतिक संध्या के लिए कोर कमेटी और संयोजक डीएनए अनुसंधान, पाठ्यक्रम पर एंटी रैगिंग समिति, जैव सुरक्षा संस्थान समिति; स्वायत्त संस्थानों में अनुसंधान गतिविधियों के मानक के सुधार को देखने के लिए संस्थान समिति के सदस्य; सदस्य, पीएचडी और पीजी के लिए दिशा निर्देश तैयार करने के लिए बोर्ड के पीजी परामर्श और सदस्य; संकाय प्रभारी, छात्र संघ चुनाव; विभिन्न मेडिकल कॉलेजों और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (पटना और भुवनेश्वर) के सीनियर रेजीडेंट और संकाय चुनाव के लिए आमंत्रित किया। सदस्य, नेत्र रोगों में चिकित्सा आनुवांशिकी के लिए कंसोर्शियम, आरपी केंद्र; क्वेश्चन बैंक के सत्यापन के लिए राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड द्वारा नामित; जीएनडीयू अमृतसर में आनुवंशिकी के लिए बाहरी संकाय; राजकुमारी अमृत कौर कॉलेज ऑफ नर्सिंग नई दिल्ली, हमदर्द इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज़, नई दिल्ली और दुर्गा भाई देशमुख कॉलेज नई दिल्ली; यूएसए में 2 पुरुषों की पत्रिका में प्रकाशित किए गए पुरुषों के स्वास्थ्य और अपने काम के कुछ भाग पर अमेरिका टॉक शो की आवाज पर दिखाई गई और रायटर द्वारा उनके साक्षात्कार के अंश ऑनलाइन उपलब्ध थे; टाइम्स ऑफ इंडिया नवंबर 2015 में यह भी दिखाया गया कि पिता के धूम्रपान से बच्चों के जीन में कैंसर हो सकता है।

आचार्य अरुंधति शर्मा उत्तरी भाग में प्रचलित विभिन्न आनुवंशिक रोगों के मानचित्रण के लिए मेटाबोलिज्म एंड मोलीकुलर रिसर्च सोसायटी के विशेषज्ञों में से एक के रूप में सेवा करने के लिए और इस क्षेत्र में आम और दुर्लभ म्यूटेशन के डेटाबेस बनाने के लिए जारी है; आनुवंशिकी, आण्विक मानव आनुवंशिकी विभाग, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर के लिए बाहरी संकाय; विभिन्न संस्थानों द्वारा इस क्षेत्र में सक्रिय अनुसंधान अंततः लिए गए आनुवंशिकी के लिए स्नातकोत्तर छात्रों और युवा संकाय सदस्यों के परिचय और आरंभ करने के लिए आमंत्रित किया; लखनऊ विश्वविद्यालय के आण्विक मानव आनुवंशिकी छात्र के पी. एचडी थीसिस के लिए बाह्य परीक्षक; राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं से कई पत्र की समीक्षा की; सदस्य, केन्द्रीकृत कोर अनुसंधान सुविधा एम्स; अंतः स्त्राविका के क्षेत्र में ब्याज की गुणवत्ता, मौलिकता, महत्व और स्तर के लिए शीर्ष दस सर्वश्रेष्ठ प्रकाशित रिपोर्ट, उच्च श्रेणी में एक प्रकाशन चयनित किया। व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों को जारी रखने के एक भाग के रूप में चिकित्सकों में प्रशिक्षण शिक्षा और कनिष्ठ शोधकर्ताओं की मदद करने के लिए जर्नल बेस्ड लर्निंग (जेबीएल) कार्यक्रम में सुविधा के लिए चयनित एक अन्य प्रकाशन।

आचार्य रेणु ढींगरा मस्कुलोस्कैलेटल अल्ट्रासाउंड सोसाइटी के लिए शरीर रचना – एक तकनीकी सलाहकार के रूप में काम किया; सदस्य, संपादकीय बोर्ड, जर्नल ऑफ इंटरनेशनल सोसायटी ऑफ प्लास्टीनेशन; इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ प्लास्टिनेशन के सदस्य के लिए जारी है, डीएएसएमओएस के

कार्यकारी सदस्य और अ. भा. आ. सं. के शिक्षण अनुसूची समिति के सदस्य, अ. भा. आ. सं. में आभासी शिक्षण के लिए शैक्षणिक सलाहकार पैनल के सदस्य; प्लास्टीनेशनल के अंतरराष्ट्रीय पत्रिका के लिए प्रस्तुत समीक्षित अनुसंधान शोध पत्रों की समीक्षा की।

आचार्य टी. सी. नाग ने औषधीय रसायन विज्ञान और इंटरनेशनल जर्नल ऑफ डेवलपमेंट न्यूरोसाइंस में पीएलओएस वन, इंडियन जे मेड रेस, मिनि रिव्यूज़ से पांडुलिपियों की समीक्षा की।

डॉ. रितु सहगल सदस्य, फरवरी 2016 में आयोजित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के छात्र के यूनियन इलेक्शंस के संस्थान दिवसीय प्रदर्शनी उप समितियों और सलाहकार परिषद, 2015 के बाद से मेडिकल राइटर्स ग्रुप; वर्तमान में मेडिकल राइटर्स समूह के भाग के रूप में शरीर रचना पाठ्य पुस्तकों के संपादन और लेखन में शामिल हुए; अक्तूबर 2015 में आयोजित 'योग्यता आधारित पाठ्यक्रम' पर ई–लर्निंग की सुविधा, कार्यशाला विभागीय के लिए (सीएमईटी) टेली–कॉन्फ्रेंसिंग प्रस्तुतियां इन–हाउस में और मार्च, 2016 में आयोजित एम्स–मिशिगन विश्वविद्यालय अनुसंधान पाठ्यक्रम में भाग लिया; माइक्रोएनाटोमी एंड माइक्रो टेक्नीक्स लैबोरेटरीज के उप प्रभारी थी; केंद्रीय सहायक जन सूचना अधिकारी (सीएपीआईओ), शरीर रचना विज्ञान विभाग; छात्र सदस्यता कार्यक्रम के लिए विभागीय काउंसेलर; जुलाई 2015 में बाह्य परीक्षक, बीडीएस वार्षिक परीक्षा।

डॉ. झाझरिया, 18–22 मार्च 2016 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में यूनिवर्सिटी ऑफ मिशिगन रिसर्च मेथोडोलॉजी कोर्स – अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान विश्वविद्यालय में भाग लिया; हिन्दी अनुभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान द्वारा आयोजित हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता में पुरस्कार प्राप्त किया; टॉक्सिकोलॉजी और न्यूरोटॉक्सिकोलॉजी पत्रिकाओं के अंतरराष्ट्रीय पत्रिका के लिए पांडुलिपियों की समीक्षा की; अपने लेख के लिए चार प्रशंसा पत्र है; शिक्षण अनुसूची समिति और इंस्टीट्यूशनल एंटी रेजिंग स्वाक्ड की सदस्य हैं।

डॉ. टॉनी जॉर्ज जैकोब ने 10–11 मार्च, 2016 को एम्स, नई दिल्ली में एम्स – यूनिवर्सिटी ऑफ मिशिगन रिसर्च मैथड्स कोर्स में भाग लिया; प्रत्यारोपण इम्यूनोलॉजी विभाग के लिए वैज्ञानिक 1 और 2 के पदों के लिए कर्मियों की नियमित नियुक्ति के लिए सदस्य चयन समिति; वार्षिक स्नातक विश्वविद्यालय परीक्षा दंत अध्ययन और अनुसंधान गाजियाबाद के लिए आईटीएस केंद्र में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के बाहरी परीक्षक; शारीरिक विज्ञान शिक्षा, नैदानिक शरीर रचना, बीएमसी गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ इंडिया और जर्नल ऑफ एनाटोमिकल सोसायटी ऑफ इंडिया के समीक्षक; जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर में एम. एससी न्यूरोसाइंसेस कोर्स के लिए सहायक संकाय; सदस्य, स्टोर परचेस कमिटी, सूक्ष्म जीव विज्ञान, एम्स, नई दिल्ली और एम्स, नई दिल्ली में कोर रिसर्च फैसिलिटी एंड न्यू एनिमल हाउस की इमारत के लिए संचालन समितियां; सदस्य, आयोजन समिति, जरा विज्ञान और वृद्धावस्था चिकित्सा 2015 पर तीसरी अंतरराष्ट्रीय कांग्रेस, नई दिल्ली; परीक्षा अनुभाग के लिए केंद्र निरीक्षक और संकाय प्रतिनिधि, एम्स, नई दिल्ली; प्रभारी, अंग दान सेवा, शरीर रचना विभाग, एम्स, नई दिल्ली।

डॉ. नीरजा रानी सिरोही जूलॉजी / न्यूरोसाइंस, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर, भारत में डीबीटी समर्थन से स्कूल ऑफ स्टडीज़ के साथ चल रहे एम.एससी न्यूरोसाइंस प्रोग्राम में संकाय के रूप में दौरा करती है।

डॉ. सीमा सिंह जूलॉजी / न्यूरोसाइंस, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर, भारत में डीबीटी समर्थन से स्कूल ऑफ स्टडीज़ के साथ चल रहे एम.एससी न्यूरोसाइंस प्रोग्राम में संकाय के रूप में दौरा करती है।

अतिथि वैज्ञानिक

1. डॉ. डैनियल ब्रेनर, एम.डी., पीएच. डी, वॉशिंगटन यूनिव पेन सेंटर, वॉशिंगटन यूनिवर्सिटी सेंट लुइस, यूएसए
2. डॉ. दीपक नायर, संकाय, तंत्रिका विज्ञान केंद्र, भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंगलोर, भारत।
3. डॉ. सौरव बनर्जी, संकाय, राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान केंद्र (एनबीआरसी), मानेसर, हरियाणा, भारत।

3 जैव रसायन

आचार्य एवं अध्यक्ष

डी. एन. राव (31 जनवरी 2016 तक) | एस. एस. चौहान

आचार्य

सुब्रत सिन्हा (प्रतिनियुक्ति पर)	एम. आर. राजेश्वरी	पी. पी. चट्टोपाध्याय
कल्पना लूथरा	अल्पना शर्मा	कुंजेंग चोसडॉल

सहायक आचार्य

सुदीप सेन	अर्चना सिंह–।	अर्चना सिंह–।।
जयंत कुमार पी.	शुभ्रादीप कर्माकर	प्रज्ञा आचार्य

विशिष्टताएं

- विभाग ने राशि 6.5 करोड़ रुपए सहित विभिन्न राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों जैसे डी. बी. टी, डी.एस.टी, आई. सी. एम. आर, सी. एस. आई. आर, इंडो–कैनेडियन, आयुष मंत्रालय और आंतरिक एम्स द्वारा 22 अनुसंधान परियोजनाओं के वित्तपोषण जारी रखे हैं और इस वर्ष में 10 अनुसंधान परियोजनाएं (निधियां : 4.0 करोड़ रुपए) पूरी की गई।
- विभाग के विभिन्न संकाय के साथ 39 विभागीय परियोजनाएं और 20 सहयोगी परियोजनाएं जारी हैं।
- राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में 56 अनुसंधान प्रकाशन और 17 अनुक्रमित सार प्रकाशित किए गए।
- संकाय द्वारा 26 आमंत्रित वार्ताएं दी गईं और विभिन्न वैज्ञानिक मंचों पर संकाय / अनुसंधान छात्रों (मौखिक / पोस्टर) द्वारा 37 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए।
- संकाय और छात्रों ने विभिन्न सम्मेलनों में मौखिक प्रस्तुतियों और सर्वोत्तम पोस्टर पुरस्कार के लिए प्रथम / द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किए।
- विदेश से आए प्रख्यात वैज्ञानिकों द्वारा विभाग में छः अतिथि व्याख्यान दिए गए।
- विभाग में 9 एमएससी, 12 एमडी और 28 पीएचडी छात्रों को पंजीकृत किया गया।
- विभिन्न परियोजनाओं में 20 अनुसंधान कर्मचारी कार्य कर रहे हैं।
- अनुसंधान में वर्तमान प्रगति को शामिल विषयों को शामिल करने के लिए एमडी और एम एससी के छात्रों के लिए पाठ्यक्रम कार्यों को बड़े पैमाने पर पुनर्गठित किया गया है।
- एम्स में एम्स, 11–13 अप्रैल 2015 और विश्व इम्यूनोलॉजी दिवसीय संगोष्ठी, 29 अप्रैल, 2015 को स्वास्थ्य और रोग में विभाग ने फ्रेडरिच अटेक्सिया और डीएनए संरचना पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।
- विभाग के रोगियों के लिए नैदानिक सेवाएं प्रदान की गई और विभिन्न परीक्षणों के कुल 4330 नमूनों का प्रदर्शन किया।

शिक्षा

स्नातक पूर्व

विभाग द्वारा स्नातक पूर्व शिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसके तहत एम.बी.बी.एस. (दो सेमिस्टर), नर्सिंग (एक सेमिस्टर) तथा बी.एस.सी (ऑनर्स) नर्सिंग (एक सेमिस्टर) पाठ्यक्रम शामिल थे। जैव रसायन संकल्पनाओं के स्व–निदेशित तथा संदर्भगत अधिगम को सरल बनाने के लिए समूह चर्चाओं के लिए नए समस्या आधारित मॉड्यूल शामिल किए गए हैं।

स्नातकोत्तर

इसमें 9 एम. एससी. तथा 12 एम. डी. विद्यार्थी शामिल हैं। विभाग में 28 पी. एचडी. विद्यार्थी भी हैं। पोस्ट डॉक्टरेट छात्रों के रूप में यहां दो डीएसटी और आईसीएमआर महिला वैज्ञानिक कार्य कर रहे हैं। अनुसंधान में वर्तमान प्रगति को शामिल विषयों को शामिल करने के लिए स्नातकोत्तर छात्रों (एमडी और एमएससी) के लिए पाठ्यक्रम कार्यों को बड़े पैमाने पर पुनर्गठित किया गया है। इस व्यापक पाठ्यक्रम में निम्नलिखित मॉड्यूल शामिल हैं : प्रोटियोमिक्स, आण्विक जीव विज्ञान और आनुवंशिकी, प्रतिरक्षा विज्ञान, कोशिका जीव विज्ञान और संकेतन, स्टेम कोशिका जीव विज्ञान, जीव विज्ञान प्रणाली और जैव सूचना विज्ञान और गुणवत्ता नियंत्रण। वैज्ञानिक लेख की कार्यप्रणाली और जीव विज्ञान छात्रों को समझाने में मदद देने और समालोचना सहित इसके विश्लेषण के लिए प्रत्येक मॉड्यूल के अंत में एक नई धारा ''शोध पत्र के महत्वपूर्ण विश्लेषण'' को शामिल किया गया है।

बीपीकेआईएचएस, धरान, नेपाल पांच स्नातकोत्तर छात्रों (एमडी और एमबीबीएस) ने विभाग में चार सप्ताह के लिए अनुसंधान प्रशिक्षण प्राप्त किया। दस स्नातकोत्तर छात्रों ने आण्विक जीव विज्ञान और प्रतिरक्षा विज्ञान की विभिन्न तकनीकों में प्रशिक्षण प्राप्त किया।

आयोजित सम्मेलन

जैव रसायन विभाग (प्रोफेसर एमआर राजेश्वरी) एम्स में, 11–13 अप्रैल 2015 तक स्वास्थ्य और रोग में फ्रेडरीच अटेक्सिया और डीएनए संरचना पर एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। उचित रूप से स्कूली बच्चों के बीच वैज्ञानिक उत्साह बनाने हेतु राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में सरकारी स्कूलों से 25 छात्रों को आमंत्रित किया गया। इसके अलावा युवा फ्रेडरीच अटेक्सिया के रोगियों को भी आमंत्रित किया गया था और छात्रों ने सीधे रोगियों के साथ बातचीत की तथा उनके भावी रोगी के परिदृश्य से बीमारी को समझने के लिए बहुत उपयोगी था।

विभाग (प्रोफेसर अल्पना शर्मा) ने इंडियन इम्यूनोलॉजी सोसाइटी के तत्वावधान में एम्स में 29 अप्रैल 2015 पर वर्ल्ड इम्यूनोलॉजी दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / संगोष्ठी / राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

प्रदत्त व्याख्यान

डी. एन. राव : 4	श्याम एस. चौहान : 1	एम. आर. राजेश्वरी : 3
कल्पना लूथरा : 7	अल्पना शर्मा : 3	सुदीप सेन : 2

अर्चना सिंह I : 1 जयंत कुमार पी. : 2 शुभ्रादीप कर्माकर : 1

प्रस्तुत किए गए मौखिक पत्र / पोस्टर : 36

छात्रों के पुरस्कार :

1. स्वास्थ्य और रोग में फ्रेडरीच अटेक्सिया और डीएनए संरचना पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में हिमांशु एन. सिंह को सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति से सम्मानित किया, 11–13 अप्रैल, 2015, एम्स, नई दिल्ली
2. स्वास्थ्य और रोग में फ्रेडरीच अटेक्सिया और डीएनए संरचना पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में नीलम लोहानी को सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति से सम्मानित किया, 11–13 अप्रैल, 2015, एम्स, नई दिल्ली
3. सर गंगा राम अस्पताल, नई दिल्ली में 20 मार्च 2016 को डॉ. लुबिना खान को नैदानिक जैव रसायन की 5वीं वार्षिक सीएमई पर मौखिक प्रस्तुति के लिए प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया।
4. सर गंगा राम अस्पताल, नई दिल्ली में 20 मार्च 2016 को श्री नीतेश मिश्रा, एमएससी छात्र को नैदानिक जैव रसायन की 5वीं वार्षिक सीएमई पर मौखिक प्रस्तुति के लिए दूसरे पुरस्कार से सम्मानित किया।
5. जैव रसायन विभाग, एम्स में 29 अप्रैल 2015 को लुबिना खान, पीएचडी छात्र को विश्व इम्यूनोलॉजी दिवस पर संगोष्ठी में मौखिक प्रस्तुति के लिए प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया।
6. विश्व इम्यूनोलॉजी दिवस पर संगोष्ठी में दयासागर दास को दूसरी सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार, 29 अप्रैल 2015, एम्स, नई दिल्ली
7. 50वें अंतरराष्ट्रीय लिवर सम्मेलन, 2015 (आईएलसी) में पोस्टर प्रस्तुति के लिए सुश्री मानसी मनचंदा युवा अन्वेषक पंजीकरण पुरस्कार दिया गया था, वियना, आस्ट्रिया, 22 – 26 अप्रैल 2015
8. वियना, आस्ट्रिया, में यूरोपीय कैंसर सम्मेलन में भाग लेने के लिए 25–29 सितंबर, 2015 को एमडी छात्र (डॉ जानवी मन्हास) अपने सार शीर्षक ''अंडरस्टेंडिंग एग्रेसिव कोलेरेक्टल कैंसर बाय जीन एक्सप्रेशन एनालाइसिस ऑफ कैंसर स्टेम सेल एण्ड वॉन'' के लिए एक प्रस्तावित पत्रिका (मौखिक प्रस्तुति) एक अंतरराष्ट्रीय यात्रा पुरस्कार था।
9. अंतरराष्ट्रीय स्टेम कोशिका सम्मेलन, सिडनी, ऑस्ट्रेलिया में 8–10 नवम्बर, 2015 कोएमडी छात्र (डॉ संदीप कुमार अग्रवाल) अपने सार (पोस्टर प्रस्तुति) शीर्षक ''मायोफिनोलेट मोफेटिल इंड्यूस्ड इंक्रीज इन म्यूसिन एक्सप्रेशन इन प्राइमरी कल्चर्स ऑफ ओरल म्यूकोसल एपिथिलियल सेल फाइंड्स एप्लीकेशन इन लिम्बल स्टेम सेल डेफिशिएंसी'' के लिए अंतरराष्ट्रीय यात्रा पुरस्कार प्राप्त किया
10. भारतीय नैदानिक जैव रसायन संघ के सम्मेलन में सुधासिनी पांडा (सांत्वना पुरस्कार), दिल्ली अध्याय सीएमई, 20 मार्च 2016, सर गंगा राम अस्पताल, दिल्ली
11. सर्वोत्तम मौखिक और पोस्टर : दवाओं की खोज पर चयन जैव सम्मेलन, 9–11 सितम्बर 2015, हैदराबाद
12. दूसरा सर्वोत्तम मौखिक प्रस्तुतीकरण : फ्लो साइटोमेट्री कार्यशाला 2016, 14–18 मार्च 2016, भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी), बैंगलोर

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. महिलाओं के मध्यस्थता आवर्तक गर्भपात में एंटी फॉस्फोलिपिड एंटीबॉडी में प्रतिरक्षा प्रोथ्रोम्बोटिक / प्रोइंफ्लेमेटरी परिवर्तन का मूल्यांकन और इसके मॉडुलन में सह एंजाइम क्यू10 की भूमिका, डी एन राव, आई सी एम आर, 3 वर्ष, 2015–2017, 16 लाख रुपए
2. कुष्ठ रोग में गामा डेल्टा टी कोशिकाओं की भूमिका, डी. एन. राव, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2015–17, 36 लाख रुपए
3. मानव प्राथमिक ग्लियोब्लास्टोमा में पीटीईएन विनियमित जीन का नैदानिक महत्व पर एक अध्ययन. श्याम एस. चौहान, डीबीटी, 2013–16, 3 वर्ष, 47.22 लाख रुपए
4. पीजी पाठशाला ई–सामग्री बायोफिजिक्स शैक्षिक परियोजना : राष्ट्रीय मिशन, एम. आर. राजेश्वरी, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी), 2 वर्ष, 2015–17, 1.12 लाख रुपए
5. मस्तिष्क संबंधी रोग के लिए संभावित चिकित्सीय एजेंट के रूप में पुनः संयोजक मानव एरिथ्रोपीटिन। एम. आर. राजेश्वरी, अंतरराष्ट्रीय सहयोग भारत–ऑस्ट्रिया के माध्यम से डीएसटी – डब्ल्यूटीजेड, 2 वर्ष, 2015–17, 8.85 लाख रुपए
6. टी कोशिका सब्सट्रेट द्वारा एक्टोएंजाइम और नकारात्मक सह उत्तेजक मॉलीक्यूल्स एक्सप्रेस्ड पर एचआईवी1सी की ट्रांसक्रिप्शनल जीन सायलेंसिंग का प्रभाव : एचआईवी संक्रमण में जीर्ण–प्रतिरक्षा सक्रियण के लिए प्रासंगिकता। पार्थप्रसाद चट्टोपाध्याय, 3 वर्ष, 2013–16, 23.4 लाख रुपए
7. कोरोनरी आर्टरी रोग की पैथोफिजियोलॉजी और गंभीरता के साथ ल्यूकोसैट झिल्ली पूरक नियामक प्रोटीन, एमबीएल और एमएएसपी2 का संबंध। कल्पना लूथरा, आईसीएमआर, 2015 – 18, 44 लाख रुपए
8. बाल चिकित्सा रोगियों से उप प्रकार–सी एचआईवी–1 के लिफाफा ग्लाइकोप्रोटीन के विरुद्ध पुनः संयोजक मानव श्रृंखला एकल संस्करण के टुकड़े (एससीएफवी) का उत्पादन और लाक्षणीकरण। कल्पना लूथरा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2015–18, 29 लाख रुपए।
9. पेम्फीगस वुलगेरियस के रोगजनन में टी$_{एच}$17 और ट्रेग लिम्फोसाइटों के अध्ययन, अल्पना शर्मा, आई. सी. एम. आर, 2012–15, 28 लाख रुपए।
10. ट्रांसिशनल सेल कार्सिनोमा में एचएएस का मॉलीक्यूलर तथा प्रोटियोमिक प्रोफाइलिंग, अल्पना शर्मा, आई. सी. एम. आर, 3 वर्ष, 2012–15, 29.59 लाख रुपए।
11. पैमफिगस वुल्गेरिस के रोगजनन में डेंड्राइटिक कोशिकाओं का अध्ययन, अल्पना शर्मा, एम्स, 2 वर्ष, 2014–16, 8.60 लाख रुपए
12. ग्लियोमा में ट्यूमर शमन संकेतन मार्ग (साल्वाडोर वार्ट – हिप्पो (एसडब्ल्यूएच) मार्ग), पर एफएटी1 का प्रभाव, कुंजेंग चॉसडॉल, एम्स, 2 वर्ष, 2014–2016, 10 लाख रुपए
13. ग्लियोब्लास्टोमा में हाइपॉक्सिया एवं नॉच सिग्नलिंग : प्रतिकूल फीनोटाइप हेतु उपलक्षण, कुंजेंग चॉसडॉल, डीबीटी, 4 वर्ष, 2011–15, 47.81 लाख रुपए

14. संकेत पारगमन के स्तर, कोशिका विकास गुण तथा इनफ्लेमेटरी मॉड्युलेटर्स का उद्भवन में एफएटी1 एवं साइक्लोऑक्सीजीन्स 2 (सीओएक्स 2) के बीच अंतः क्रिया संबंधी अध्ययन द्वारा कैंसर तथा प्रदाह का विश्लेषण, कुंजेंग चॉसडॉल, डीएसटी, 3 वर्ष, 2012–2015, 20.24 लाख रुपए
15. प्रो–इंफ्लेमेट्री और एंटी–इंफ्लेमेट्री मार्ग के बीच ग्लियोमा में, संतुलन के विनियमन में एफएटी1, एक नए ओंकोजीन इम्प्लीकेटिड की भूमिका, खुशबू इरशाद (युवा वैज्ञानिक) मेंटर : कुन्जेंग चोसडोल, डीएसटी–एसईआरबी स्टार्ट–अप अनुसंधान अनुदान, 2 वर्ष, 2016–18, 40.9 लाख रुपए
16. मानव अस्थि मज्जा व्युत्पन्न मेसेकाइमल स्टेम कोशिका इन विट्रो में सिम्फीटन ऑफिनेल की मैकेनिज्म अंतर्निहित डॉक्यूमेंटिड ऑस्टियोजेनिक गतिविधि का वर्णन, सुदीप सेन, आयुष मंत्रालय, 3 वर्ष, 2015–18, 47.6 लाख रुपए
17. कोलोरेक्टल कैंसर स्टेम कोशिकाओं का अलगाव और आण्विक लाक्षणीकरण, सुदीप सेन, डीबीटी, 3 वर्ष, 2015–18, 25 लाख रु.
18. कोरोनरी आर्टरी की बीमारी में एचडीएल की कार्यात्मक गुणवत्ता का मूल्यांकन। अर्चना सिंह, आंतरिक, 2 वर्ष, 2015.17, 8.75 लाख रुपए
19. डीएसटी युवा वैज्ञानिक शुरूआती अनुदान, क्षय रोग में एफओके1 वीडीआर बहुरूपता के साथ विटामिन डी रिसेप्टर (वीडीआर) और कैथेलिसिडिन अभिव्यक्ति और उनके सह–संबंध का अध्ययन। अर्चना सिंह, डीएसटी, 3 वर्ष, 2015–18, 23 लाख रुपए
20. ईटीवी6–आरयूएनएक्स1 ऋणात्मक बी–एएलएल में एक नए बायोमार्कर के रूप में आईजीएफ2बीपी1, जयंत कुमार पी, एम्स आंतरिक, 2 वर्ष, 2015–17, 8.60 लाख रुपए
21. एएमएल के पैथोजेनेसिस में टीईटी की भूमिका, शुभ्रदीप कर्माकर, एसईआरबी / डीएसटी, 2016–19, 50 लाख रुपए
22. एंथ्रियॉइड भेदभाव के दौरान टीईटी 2 एंजाइम गतिविधि और 5 एचए में परिवर्तन सामग्री के मॉडुलन के लिए अग्रणी कोशिकीय संकेतों की पहचान करना, शुभ्रदीप कर्माकर, एम्स आंतरिक, 2015–17, 5 लाख रु.

पूर्ण

1. चिकनगुनिया के लिए विकासशील पेप्टाइड आधारित टीके। डी.एन. राव, डीएसटी, 3 वर्ष, 2013–16, 45 लाख रुपए।
2. एचआईवी वैक्सीन डिज़ाइन के लिए भारतीय तथा दक्षिण अफ्रीकी एचआईवी – 1 सबटाइप सी वायरस पर न्यूट्रिलाइज़िंग एंटीबॉडी एपीटोप्स की पहचान, कल्पना लूथरा, डीएसटी, 2011–2015, 86 लाख रुपए।
3. एचआईवी – 1 संक्रमण के द्रुमाकृतिक (डेंड्रिटिक्स) कोशिकाओं की क्रियात्मक विशेषताएं, कल्पना लूथरा, डीएसटी, 3.6 वर्ष, 2012–15, 37 लाख रुपए
4. एचआईवी – 1 क्लेड सी एन्वेल्प से चिरकालिक संक्रमित भारतीय बाल रोगियों का मूल्यांकन, कल्पना लूथरा, डीबीटी, 4 वर्ष, 2012–16, 92 लाख रुपए
5. बच्चों में एचआईवी–1 संक्रमण के विकृतिजन्य में क्रियात्मक विशेषताएं, कल्पना लूथरा, डीबीटी, 3 वर्ष, 2012 – 15, 80 लाख रुपए

6. बड़े पैमाने पर एंटीबॉडी को निष्क्रिय करने के लिए उनकी संवेदनशीलता निराकरण हेतु बाल चिकित्सा रोगियों से एचआईवी –1 प्राथमिक आइसोलेटों का उत्पादन और लाक्षणीकरण, कल्पना लूथरा, एम्स, 2 वर्ष, 2014 – 16, 9 लाख रुपए।
7. ऑटोइम्यून त्वचा विकार की विकृतिजन्यता में γδ टी सेल तथा उसके अपमार्जक ग्राही (एससीएआरटी) का अध्ययन : पेम्फीगस वल्गेरिस, अल्पना शर्मा, डीबीटी, 3.6 वर्ष, 2011–2014, 45 लाख रुपए
8. इन विट्रो मायकोफिनोलेट मोफेटिल (एमएमएफ) के उपयोग पर मानव मौखिक श्लैष्मिक उपकला कोशिकाओं (ओएमईसी) में म्यूसिन्स की अभिव्यक्ति का विश्लेषण, सुदीप सेन, एम्स, 2 वर्ष, 2012–16, 8.5 लाख रुपए
9. मेलिग्नेंट कोशिकाओं की उत्पत्ति में सम्मिलित क्रिटिकल ट्रांसक्रिप्शनल मॉड्यूल्स पर समाकलनात्मक अन्वेषण, सुदीप सेन (एम्स, दिल्ली), और डॉ. विप्लव बोस (आईआईटीजी), डीबीटी, 3 वर्ष, 2012–15, एम्स (27 लाख रुपए) आईआईटीजी (37 लाख रुपए)
10. तीव्र लिम्फोब्लासटिक ल्यूकेमिया के बाल चिकित्सा के मामलों में माइटोकोंड्रियल डीएनए प्रति संख्या का आकलन, अर्चना सिंह, आंतरिक, 2 वर्ष, 2013–15, 6.96 लाख रुपए

विभागीय परियोजना

जारी

1. विभिन्न मेटास्टेटिक क्षमता के साथ स्तन कैंसर की कोशिकाओं में कैथेस्पिन बी के अंतर अभिव्यक्ति की आणविक तंत्र की व्याख्या
2. मौखिक कैंसरजनन में एमआईजी6 की भूमिका
3. ग्लियोमा में 14–3–3ς और प्रोथिमोसिन ए के नैदानिक महत्व पर एक अध्ययन
4. बाल चिकित्सा तीव्र माइलॉयड ल्यूकेमिया में कैथेस्पिन एल और बी अभिव्यक्ति का नैदानिक महत्व
5. मानव पित्ताशय कैंसर में सिस्टीन कैथेप्सिन एल और बी की अभिव्यक्ति
6. एफआरडीए सकारात्मक, एफआरडीए – संदिग्ध और एफआरडीए वाहक की प्रोटियोमिक्स
7. विभिन्न ऑक्सीजन एकाग्रता के तहत कैंसर की कोशिकाओं की प्रवास और आक्रमण विशेषताओं पर नैनोकणों का प्रभाव
8. एचआईवी संक्रमित व्यक्तियों में टी कोशिकाओं की आवृत्ति और कार्यक्षमता के साथ एनएफ – केबी और अपने सहयोग की अभिव्यक्ति का मूल्यांकन
9. पेंफिगस वुलगेरिस के इम्यूनोपैथोजिनेसिस में पैटर्न मान्यता रिसेप्टर्स (पीआरआर) के साथ–साथ γδ टी सेल सबसेट की प्ररूपी और कार्यात्मक भूमिका की खोज
10. ट्रोपोब्लास्ट के विनियमित इनवेसिवनेस में एमआईआर–22, विशिष्ट प्रोटीन–1 और सिस्टेथियोनिन गामा लाएज़ की भूमिका
11. स्वास्थ्य नियंत्रण करने के लिए तपेदिक और हाउस होल्ड कॉन्ट्रेक्ट्स की तुलना और पल्मोनरी ट्यूबरकुलोसिस में आयरन होमियोस्टेसिस में शामिल नियामक प्रोटीन की भूमिका का अध्ययन करना
12. यूरोथिलियल कार्सिनोमा में हाइएल्यूरोनिक एसिड सिग्नलिंग कासकेड का अध्ययन

13. ब्लेडर के परिवर्ती कोशिका कार्सिनोमा के रोगियों में टीएच 17 कोशिकाओं के साइटोकाइन एवं परिवर्ती कारकों का उद्भवन
14. मल्टीपल मायलोमा में टेलोमरेज़ गतिविधि और शेलटेरिन जटिल और इससे संबद्ध कारकों का अध्ययन
15. पेम्फीगस वल्गेरिस में डेंड्राइटिक कोशिकाओं के अध्ययन
16. मूत्राशय कैंसर में आरएएसएफएफ जीन और उनके संकेत का अध्ययन
17. पेम्फीगस वुलगारियस के इम्युनोपैथोजेनेसिस में गामा डेल्टा टी कोशिका
18. विटिलिगो में इम्युनोपैथोजेनेसिस में डेंड्रिटिक कोशिकाओं की भूमिका
19. ग्लायोमा में एफएटी 1 जीन एक्सप्रेशन का नियमन
20. ग्लियोमा में एफएटी1, पी53 और एचआईएफ1ए के बीच बातचीत के संकेत
21. गंभीर हाइपोक्सिक स्थिति के तहत एचआईएफ1 विनियमन में हाइपोक्सिया और पी53 की भूमिका के विभिन्न डिग्री के तहत जीबीएम कोशिका लाइनों में जीन अभिव्यक्ति का अध्ययन करना
22. ग्लियोमा में एचआईएफ1ए के कार्यात्मक संपर्क और नॉच रिसेप्टर का अध्ययन करना
23. हाइपोक्सिया और कीमोथेरेपी की प्रतिक्रिया : ग्लिअल ट्यूमर कोशिका लाइनों में एक अध्ययन
24. ग्लियोमा की कीमो– संवेदनशीलता पर एफएटी1 और पी53
25. व्युत्पन्न मीजेनकाइमल स्टेम कोशिका से पेट की कार्सिनोमा कोशिका लाइनों और मानव अस्थि मज्जा में स्टेमनेस के साथ ईएमटी / एमईटी मार्कर की तुलना
26. कोलोरेक्टल कार्सिनोमा के विभिन्न हिस्टोपैथोलॉजिकल ग्रेडिंग से कैंसर स्टेम कोशिकाओं की पृथक्करण, पहचान और लक्षणीकरण
27. मानव कोलोरेक्टल कार्सिनोमा में कैंसर कोशिका भेदभाव और ट्यूमर माइक्रोएनवायर्नमेंट के बीच संघ
28. मानव अस्थि मज्जा व्युत्पन्न मेसेकाइमल स्टेम कोशिका इन विट्रो में ऑस्टियोजेनेसिस में सिम्फीटन ऑफिसिनेल की भूमिका का वर्णन
29. स्टैटिन चिकित्सा पर एक्यूट कोरोनरी सिंड्रोम (एसीएस) के रोगियों में एचडीएल कार्यक्षमता पर अध्ययन
30. सीरम एचडीएल कोलेस्ट्रॉल के स्तर को निर्धारित करने में वसा ऊतक एबीसीए1 की भूमिका की खोज
31. बाल चिकित्सा तीव्र लिम्फोब्लासटिक ल्यूकेमिया (एएलएल) में माइटोकॉन्ड्रियल चयापचय रि–प्रोग्रामिंग पर अध्ययन
32. तपेदिक रोगियों और नियंत्रण में आईएनओएस जीन बहुरूपी संस्करण के साथ नाइट्रिक ऑक्साइड और इंड्यूसिबल नाइट्रिक ऑक्साइड सिंथेस (आईएनओएस) और उनके सह–संबंध की अभिव्यक्ति का अध्ययन करना
33. ईटीवी6– आरयूएनएक्स1 सकारात्मक बी सेल तीव्र लिम्फोब्लासटिक ल्यूकेमिया में आईजीएफ2बीपी1 की भूमिका
34. ट्रोपोब्लास्ट आक्रमण के दौरान पीपीएआर अल्फा की भूमिका
35. ट्रोफोब्लास्ट आक्रमण और भेदभाव पर कॉर्टिसोल का प्रभाव
36. एएमएल के पैथोजेनेसिस में टीईटी2 की भूमिका

37. ट्रोपोब्लास्ट आक्रमण में टीईटी2 की भूमिका
38. ओवेरियन कैंसर में कैंसर वृषण / जर्मलाइन जीन पीओटीईई की अभिव्यक्ति में डीएनए मेथिलिकरण का प्रभाव
39. एपिथीलियल ओवेरियन कैंसर में प्रोटीन अभिव्यक्ति पर डीएनए मेथिलीकरण का प्रभाव

पूर्ण

1. मौखिक कैंसरजनन में एचएनआरएनपीडी, पीटीईएन, ईबी1 और एस100ए2 प्रोटीनों का नैदानिक महत्व पर एक अध्ययन।
2. हिपेटोटॉक्सिक एजेंट द्वारा कैथेस्पिन एल और बी का विनियमन
3. मुंह के कैंसर में एचएनआरएनडीपी के ट्रांसक्रिप्शनल विनियमन का अध्ययन करना
4. एफआरडीए के लिए बायोमार्कर के रूप में प्लाज्मा सेल मुक्त न्यूक्लिक एसिड और माइक्रो आरएनए का मूल्यांकन
5. एचएमजीए1 अभिव्यक्ति पर एचएमजीए1 जीन और उनके प्रभाव के विभिन्न क्षेत्रों के साथ ट्रिप्लेक्स फोर्मिंग ओलिगोन्यूक्लियोटाइड के बंधन की थर्मोडायनेमिक स्थिरता
6. एचआईवी –1 क्लेड सी एन्वेलप ग्लियोप्रोटीन जीपी 160 का इम्यूनोलॉजिकल लाक्षणीकरण
7. मूत्राशय की संक्रमणकालीन कार्सिनोमा में छोटे – ल्यूसिन समृद्ध प्रोटियोग्लिकैन का अध्ययन
8. ग्लियोमा में प्रदाह संबंधी पाथवे एवं एफएटी 1
9. ब्रेन ट्यूमर के साथ फोलेट मेटाबोलिजिंग एंजाइमों और उनके संघ का एकल न्यूक्लियोटाइड बहुरूपता (एसएनपी)
10. ग्लियोमा सेल लाइन में वसा 1 और कॉक्स 2 की कार्यात्मक अंतःक्रिया
11. माइकोफिनोलेट मोफटिल (एमएमएफ) तथा बिवेकीजुमेब (बीवीसीजेड) इन विट्रो के प्रयोग द्वारा मानव ओरल म्यूकोसल एपीथिलीयल कोशिकाओं (ओएमईसी) में म्यूकिन्स एवं एंजियोजेनेसिस मार्कर्स का विश्लेषण
12. बाल्यावस्था में तीव्र लिम्फोब्लासटिक ल्यूकेमिया में संभव पूर्वाभासी मूल्य के लिए माइटोकोंड्रियल डीएनए प्रति संख्या का मूल्यांकन
13. न्यूनतम अवशिष्ट रोग के साथ बाल चिकित्सा तीव्र माइलॉयड ल्यूकेमिया और इसके संबंध में माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए प्रति संख्या का विश्लेषण (एक खोजपूर्ण रोग)
14. तपेदिक में फोक I पॉलीमरेज के साथ विटामिन डी रिसेप्टर (वीडीआर) और कैथेलिसिडिन अभिव्यक्ति और उनके सह–संबंध का अध्ययन

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. स्तन कैंसर में ऊतक साइट विशिष्ट प्रमोटर डीएनए मेथिलिकरण प्रोफाइल का मूल्यांकन द्वारा स्तन कैंसर के एपिजेनेटिक्स का एक अध्ययन (शल्य–चिकित्सा, एम्स)
2. अग्न्याशय के कार्सिनोमा के साथ रोगियों में रेग–4 और एमवीसी–4 की अभिव्यक्ति (जठरांत्र विज्ञान, एम्स)

3. क्रोनिक पैन्क्रियाटाइटिस में फाइब्रोसिस के अग्नाशय कार्य और मार्कर पर एंटीऑक्सीडेंट पूरकता का प्रभाव : एक यादृच्छिक प्लेसबो नियंत्रित डबल नेत्रहीन परीक्षण (जठरांत्र विज्ञान, एम्स)
4. तीव्र इस्कीमिक स्ट्रोक के लिए रक्त बायोमार्कर के निदान पैनल का विकास (तंत्रिका विज्ञान, एम्स)
5. ऑर्थोडोंटिक दांत के हिलने के दौरान मिनी स्क्रू साइट के आसपास बायोमार्कर के रूप में सेल मुक्त न्यूक्लिक एसिड परिसंचारी – एक मात्रात्मक विश्लेषण (दंत शल्य चिकित्सा एम्स)
6. प्रबलित बल के पहले और के बाद पेरी–मिनी स्क्रू प्रत्यारोपण तरल पदार्थ में मानव बृहत भक्षककोशिका कॉलोनी उत्तेजक फैक्टर स्तरों का मात्रात्मक मूल्यांकन (दंत शल्य चिकित्सा एम्स)
7. टी सेल सबसेट द्वारा एक्टोएंजाइमों और नकारात्मक सह उत्तेजक अणुओं को व्यक्त करने पर आईवी1सी की ट्रांसक्रिप्शनल जीन सायलेंसिंग पर प्रभाव : एचआईवी संक्रमण में एचआईवी में पुरानी प्रतिरक्षा सक्रियण की प्रासंगिकता (प्रत्यारोपण प्रतिरक्षा विज्ञान एवं प्रतिरक्षा आनुवंशिकी)
8. मां के दूध, भ्रूण और नवजात शिशु में प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया नियमन में गर्भावस्था और स्तनपान के दौरान मौखिक प्रोबायोटिक पूरकता का प्रभाव – एक यादृच्छिक डबल नेत्रहीन प्लेसबो नियंत्रित परीक्षण (प्रसूति एवं स्त्री रोग, एम्स)
9. विटिलिगो रोगियों में जारी मिलेनोसाइट प्रत्यारोपण में कैचेकोलायारन्स तथा उनके मेटाबोलाइट्स का निर्धारण (त्वचा विज्ञान और रतिजरोग)
10. सक्रिय नॉन – सेग्मेंटल विटिलिगो में फॉक्सपी3 एक्सप्रेशन एवं फॉक्सपी3 प्रोमोटर मिथाइलेशन स्तर की व्याख्या (त्वचा विज्ञान और रतिजरोग)
11. स्किन ऑटोइम्यून विकार पेम्फीगस वल्गेरिस में टी हेल्पर साइटोकिन्स की भूमिका (त्वचा विज्ञान और रतिजरोग)
12. वृक्क कोशिका कार्सिनोमा में माइक्रोआरएनए का अध्ययन (मूत्रविज्ञान)
13. नेत्र पलक के कार्सिनोमा में एपीथिलियल मेसेनेकेमल ट्रांसिशन (ईएमटी) : एक इम्युनोहिस्टरोकैमिकल एवं मॉलीक्यूलर अध्ययन (डॉ. रा. प्र. केंद्र, एम्स)
14. मानव अस्थि मज्जा व्युत्पन्न मेसेकाइमल स्टेम कोशिका इन विट्रो में सिम्फीटन ऑफिनेल की मैकेनिज्म अंतर्निहित डॉक्यूमेंटिड ऑस्टियोजेनिक गतिविधि का वर्णन (एप्लाइड मैकेनिक्स, आईआईटी दिल्ली; सीसीआरएच, नई दिल्ली; आर्थोपेडिक्स, एम्स)
15. कोलोरेक्टल कैंसर स्टेम कोशिकाओं का अलगाव और आणविक लाक्षणीकरण (जीआई सर्जरी, सर्जिकल ऑंकोलॉजी और सामान्य शल्य चिकित्सा, फिजियोलॉजी, पैथोलॉजी, एम्स, डीआरडीओ, नई दिल्ली)
16. एफईसीडी के रोगजनन में माइक्रो आरएनए की भूमिका (आर. पी. सेंटर, एम्स)
17. बीसीआर – एबीएल जैसे बी–एएलएल में नए जीन के सिग्नेचर की पहचान करने के लिए ट्रांसक्रिप्टोम विश्लेषण (प्रयोगशाला कैंसर विज्ञान, एम्स)
18. एएमएल में टीईटी2 विशिष्ट ई–क्यूटीएल और एएमएल में पी–क्यूटीएल (शिकागो विश्वविद्यालय, यूएसए)
19. ओवेरियन कैंसर में डीएनए मेथिलिकरण के साथ सिस्प्लेटिन संवेदनशीलता और सहसंबंध में पीएआरपी1 और वाय–ग्लूटेमिल सिस्टीन सिंथेटेस अवरोध की भूमिका (आईआरसीएच, एम्स)

20. रुमेटॉइड आर्थराइटिस में एपिजेनेटिक प्रोफाइल पर योग और ध्यान का प्रभाव (शरीर रचना विज्ञान, एम्स)

पूर्ण

1. पेरी – इम्पेनिटिस एराउंड टेम्पोरेरी एन्कोरेज डिवाइस (टेड) में एचएमजीबी1 प्रोटीन (दंत शल्य चिकित्सा)
2. कैनाइन विकर्षण और कैनाइन अपवर्तन के दौरान जीसीएफ में इंटरल्यूकिन–1–बीटा के स्तर की एक तुलनात्मक मूल्यांकन (दंत शल्य चिकित्सा)
3. क्रोनिक ऑब्सट्रेक्टिव पल्मोनरी रोग और वहां रोग की गंभीरता के साथ विकास के लिए आईएल–6, आईसी–13 और आईएल–10 जोखिम कारकों के रूप में जेनेटिक बहुरूपता का अध्ययन (पल्मोनरी मेडिसिन और नींद संबंधी विकार, एम्स)
4. मेलिग्नेंट कोशिकाओं के प्रसार में महत्वपूर्ण ट्रांसक्रिप्शनल शामिल मॉड्यूल पर एकीकृत जांच (जैव प्रौद्योगिकी, आईआईटी, गुवाहाटी)
5. माइकोफिनोलेट मोफटिल (एमएमएफ) तथा बिवेकीजुमेब (बीवीसीजेड) इन विट्रो के प्रयोग द्वारा मानव ओरल म्यूकोसल एपीथिलीयल कोशिकाओं (ओएमईसी) में म्यूकिन्स एवं एंजियोजेनेसिस मार्कर्स का विश्लेषण (ओरल और मैक्सिलोफेशियल सर्जरी, सीडीईआर, एम्स)
6. उच्च जोखिम वाले रोगियों में पूर्व प्रसवाक्षेप के विकास के लिए एक भावी सूचक और निदान मार्कर के रूप में आंवल वृद्धि कारक (प्रसूति एवं स्त्री रोग, एम्स)।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 54 सार : 17 पुस्तकों में अध्याय : 1

रोगी उपचार

कुल परीक्षण : 4330 नमूने

सीईए : 1850 नमूने	सीए : 19.9 : 1350 नमूने	पीएसए : 425 नमूने
सीए 125 : 120 नमूने	सीए 15.3 : 75 नमूने	एफईआरआरआईटीआईएन : 200 नमूने
विटामिन बी12 : 100 नमूने	एएफपी : 90 नमूने	एफओएलएटीई : 120 नमूने

गुणवत्ता नियंत्रण :

दिनचर्या आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन योजना के अलावा, वर्ष की गुणवत्ता रिपोर्ट देने के लिए पिछले 4 माहों के लिए बाह्य गुणवत्ता आश्वासन योजना (ईक्यूयूएएस) में सफल मासिक भागीदारी।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां

आचार्य डी. एन. राव ने चिकनगुनिया के निदान में उत्कृष्ट शोध के लिए एम्स उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त किया; आईसीएमआर 2016 द्वारा डॉ वाई एस नारायण राव पुरस्कार प्राप्त किया; भारतीय इम्यूनोलॉजी सोसाइटी (आईआईएस) के अध्यक्ष के रूप में कार्य जारी किया; एफआईएमएसए के सदस्य।

आचार्य एस. एस. चौहान प्रो टी एन पट्टाभिरमन 25–27 नवंबर 2015 को चिकित्सा शिक्षा के स्नातकोत्तर और अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़, में आयोजित भारत के नैदानिक जीव रसायनज्ञानी का संघ की 42वें वार्षिक बैठक के दौरान व्याख्यान 2015 वितरित किए गए। वह 26–28 फरवरी 2016 को नई दिल्ली में आयोजित बायोमेडिकल भारतीय विज्ञान अकादमी की 5वीं वार्षिक बैठक में कैंसर जीव विज्ञान और चिकित्सा विज्ञान पर संयोजक और एक संगोष्ठी का अध्यक्ष थे। उन्होंने पुस्तकालय समिति, संस्थान दिवस समारोह समिति, जैव प्रौद्योगिकी शिक्षण सलाहकार समिति, एम्स, जैव सुरक्षा समिति, वी.पी. चेस्ट संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय, प्रश्न अंतःविषय जैव प्रौद्योगिकी इकाई के पत्रिका मॉडरेशन समिति,अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, शैक्षणिक परिषद, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय की स्थायी समिति के सदस्य के रूप में कार्य जारी रखा। प्रो चौहान विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक पत्रिकाओं के लिए जैव रसायन और समीक्षक में अनुसंधान और रिपोर्ट के संपादकीय बोर्ड पर है। वे जैविक कैमिस्ट की सोसायटी (भारत), भारतीय नैदानिक जीव रसायनज्ञानी संघ और भारतीय कैंसर अनुसंधान संघ के आजीवन सदस्य हैं।

आचार्य एम. आर. राजेश्वरी राष्ट्रपति, भारत के डीएनए सोसायटी, कार्यकारी परिषद के सदस्य, भारतीय जैवभौतिक सोसायटी के लिए जारी है; न्यूरो रसायन शास्त्र के लिए, 2006 के बाद आईसीएमआर परियोजना समीक्षा समिति (पीआरसी); स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, स्वास्थ्य मंत्रालय (डीएचआर), चिकित्सा प्रौद्योगिकी; विश्वविद्यालय अनुदान आयोग पर विभिन्न समितियां 2006; लाइफ साइंसेज स्कूल, केन्द्रीय विश्वविद्यालय, राजस्थान, 2013 के बाद के सदस्य; इन्स्पायर के लिए विशेषज्ञ मेंटर (प्रेरित अनुसंधान विज्ञान खोज के नवाचार) – डीएसटी कार्यक्रम; वैज्ञानिक पत्रिकाएं : अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाएं : जे फोटोबायोलॉजी, बायोम स्ट्रक्चर एण्ड डिन (जेबीएसडी), पीएलओएस वन, जे. अमेर. कैम. सो., जर्नल ऑफ मॉलीक्यूलर के लिए विशेषज्ञ समीक्षक, आणविक संरचना की पत्रिकाएं; डीएनए और कोशिका जीव विज्ञान; यूर. जे. मे. कैम., भौतिक रसायन विज्ञान (एम केम सो.) आण्विक जैव प्रणाली की पत्रिका (रॉयल सोसाइटी ऑफ लंदन). आण्विक जीव विज्ञान रिपोर्ट, खाद्य और रासायनिक विष विज्ञान; औषधीय रसायन विज्ञान में लघु समीक्षा; हरित रसायन विज्ञान पत्र और समीक्षा; कैंसर चिकित्सा की पत्रिका, रासायनिक ऊष्मा की पत्रिका; स्पेक्ट्रोकिमिका एक्टा भाग एक : आण्विक और बायोमॉलीक्यूलर स्पेक्ट्रोस्कोपी, जे बायोफी, रसायन विज्ञान, फोटोकेम और फोटोबायो की पत्रिका. (बी) औषधीय रसायन विज्ञान में लघु समीक्षा, तंत्रिका विज्ञान अनुसंधान, बीएमसी कैंसर, ओंकोटार्गेट की पत्रिका, भारतीय पत्रिकाएं : क्लिनिकल जीवरसायन की भारतीय पत्रिका और जैव रसायन और जैव भौतिकी की भारतीय पत्रिका; एम्स में, 11–13 अप्रैल, 2015 को आयोजित ''इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन फ्रेड्रेइच अटेक्सिया एण्ड डीएनए स्ट्रक्चर इन हेल्थ एण्ड डिजीज'' के आयोजन सचिव के रूप में एक सम्मेलन का आयोजन; ''ई–पीजी पाठशाला'' के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा विषय ''विषय जैवभौतिकी के लिए ई–सामग्री का विकास'' पर राष्ट्रीय परियोजना (सूचना और प्रौद्योगिकी (एनएमई–आईसीटी) के माध्यम से राष्ट्रीय शिक्षा मिशन) के प्रमुख अन्वेषक

आचार्य कल्पना लूथरा भारत–ब्रिटेन के सहयोगी यूकेआईईआरआई (यूके इंडिया एजुकेशन रिसर्च इनिशिएटिव) परियोजना में प्रधान अन्वेषक के रूप में, एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर स्थापित करने में सफल हो गए, कि अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली 110029, भारत और लिवरपूल विश्वविद्यालय, यूनाइटेड किंगडम के बीच 9 अप्रैल, 2015 को हस्ताक्षर किए गए थे; सूचना प्रौद्योगिकी

अनुसंधान अकादमी (आईटीआरए) के परियोजना की समीक्षा समिति के सदस्य और 15 फरवरी, 2016 को आईटीआरए – में समीक्षा पैनल की बैठक में भाग लिया; जनवरी 2016 में एम्स, भुवनेश्वर में शिक्षकों की भर्ती के लिए विषय विशेषज्ञ के रूप में स्थायी चयन समिति की बैठक; मानव प्रतिरक्षा फीनोटाइप्स और संक्रामक रोग भारत–यूएस टीका कार्यक्रम (वीएपी) पर भारत–यूएस द्विपक्षीय सहयोगात्मक अनुसंधान अनुदान के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा करने के लिए विनिर्देश डीबीटी विशेषज्ञ समूह समिति के सदस्य; जुलाई, 2015. जामिया हमदर्द, नई दिल्ली में 28वें वार्षिक सम्मेलन, आईएसएआरसीओएन – 2015, 29–31 अक्तूबर 2015 में एक सत्र की अध्यक्षता की; एम्स में निम्नलिखित समितियों के सदस्य : मूल विज्ञान के लिए पीजी अनुसंधान हेतु आचार समिति; स्टेम सेल अनुसंधान; वार्षिक रिपोर्ट संपादन; सत्र जुलाई, 2015 के लिए पीजी पाठ्यक्रमों के लिए परामर्श; दो वर्षों के लिए नियुक्ति एआरओ / आरए / एलटी / एलए / डीईओ / क्षेत्र कार्यकर्ता / प्रोग्रामर आदि हेतु केंद्रीय भर्ती समिति के लिए चयन समिति; निम्नलिखित अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं के लिए समीक्षक : वैज्ञानिक रिपोर्ट, पीएलओएस एक; 4 मार्च 2016 को आईसीएमआर मुख्यालय कार्यालय में ऑनलाइन अल्पावधि छात्रावस्था प्रस्तावों की समीक्षा के सदस्य; सीएमईटी, एम्स, नई दिल्ली पर 12 फरवरी 2016 को ''माइक्रोटीचिंग'' पर सुविधाप्रदाता कार्यशाला; एमबीबीएस छात्र एब्बी कौशिक चारी, प्रो. कल्पना लूथरा की देखरेख में शीर्षक "एचआईवी–1 से संक्रमित रोगी में डेंड्रिटिक कोशिकाओं के इम्यूनोमॉड्यूलेटरी भूमिका" आईसीएमआर (लघु अवधि छात्रवृत्ति) अध्येतावृत्ति, 2015 से सम्मानित।

आचार्य अल्पना शर्मा पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए अनुसंधान एवं विकास ट्विनिंग कार्यक्रम (डीबीटी) और अल्पकालिक छात्रावस्था, आईसीएमआर, विशेषज्ञ चयन समिति, जेएन मेड कोल., एएमयू अलीगढ़ की परियोजना समीक्षा समिति की एक सदस्य हैं; एमडी जैव रसायन और पीएचडी सिद्धांत पेपर सेटिंग, एएमयू अलीगढ़ के लिए शोधपत्र संचालन के लिए बाहरी विशेषज्ञ; कोषाध्यक्ष और भारतीय जैव चिकित्सा विज्ञान अकादमी (2014–16); महासचिव, जैव चिकित्सा भारतीय विज्ञान अकादमी (2014–16); एम्स, नई दिल्ली में 29 अप्रैल 2015 को अंतरराष्ट्रीय इम्यूनोलॉजी दिवस पर संगोष्ठी आयोजित; कैंसर अनुसंधान, अमेरिका और इंट गाइन कैंसर सोसायटी, अमेरिका के अमेरिकन एसोसिएशन के सक्रिय सदस्य; अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, कश्मीर यूनिवर्सिटी, मुंबई विश्वविद्यालय और दिल्ली विश्वविद्यालय में पीएचडी थीसिस और मौखिक परीक्षा आयोजन के लिए बाहरी परीक्षक (एम्स) नई दिल्ली में एमएससी के लिए और एएमयू, लेडी हार्डिंग (दिल्ली विश्वविद्यालय) और एम्स, पटना में एमबीबीएस के लिए बाह्य परीक्षक; वित्तीय अनुदान के लिए प्रस्तुत डीबीटी, डीएसटी और सीएसआईआर के समीक्षित तदर्थ शोध प्रस्ताव; अंतरराष्ट्रीय स्तर के कई पत्रिकाओं के लिए समीक्षा लेख; आईएचसी नई दिल्ली में पटना, आईएबीएस राष्ट्रीय सम्मेलन में इम्यूनोकॉन 2015 में सत्र की अध्यक्षता की; वीएमएमसी सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली में नैदानिक जैव रसायन उपकरणों की खरीद के लिए तकनीकी विशेषज्ञ समिति; एम्स में यूजी के लिए सदस्य, वार्षिक रिपोर्ट समिति, एम्स और शिक्षण कार्यक्रम समिति।

डॉ. कुंजेंग चोसडोल शेष प्रकाशन ''ए कम्बाइंड जीन सिगनेचर ऑफ हाइपॉक्सिया एण्ड नॉच पाथवे इन ह्यूमन ग्लियोब्लास्टोमा एण्ड इट्स प्रोग्नोस्टिक रेलेवेंस'' की मान्यता में एम्स उत्कृष्टता अनुसंधान पुरस्कार 2015 (3 पुरस्कार) प्राप्त किया; भारतीय कैंसर अनुसंधान संघ के लिए कोषाध्यक्ष (2014–2016); डीबीटी 'न्यूरोसाइंस' परियोजना की समीक्षा के लिए डीबीटी नामित विशेषज्ञ; आईजीआईबी, दिल्ली विश्वविद्यालय में पीएचडी / एम

फिल अनुसंधान कार्य की प्रगति के लिए मूल्यांकनकर्ता के बाह्य विशेषज्ञ; नेचर प्रकाशन समूह (एनपीजी) और भारतीय नैदानिक जैव रसायन पत्रिका के लिए पांडुलिपि; अन्य संस्थान / विश्वविद्यालयों (साउथ कैंपस, ड्यू, एमएएमसी मेडिकल कॉलेज, दिल्ली, बीपी कोइराला इंस्टीट्यूट, नेपाल) के पीएचडी, एमडी और एमएससी थीसिस की समीक्षा; मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस जैव रसायन परीक्षा के बाह्य परीक्षक।

डॉ. सुदीप सेन की एमडी छात्रा (डॉ. जान्हवी मन्हास) को सारांश के लिए एक प्रस्तावित शोधपत्र (मौखिक प्रस्तुति) थी और 25–29 सितंबर, 2015 को वियना, ऑस्ट्रिया में यूरोपीय कैंसर बैठक में भाग लेने के लिए एक अंतरराष्ट्रीय यात्रा का पुरस्कार प्राप्त किया; एमडी छात्र (डॉ संदीप कुमार अग्रवाल) 8–10 नवम्बर, 2015 को अंतरराष्ट्रीय स्टेम कोशिका सम्मेलन, सिडनी, ऑस्ट्रेलिया में अपने सार के लिए अंतरराष्ट्रीय यात्रा का पुरस्कार प्राप्त किया।

डॉ. अर्चना सिंह–I : सिरोही में निगमित सामाजिक दायित्व परियोजना के हिस्से के रूप में स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के लिए एक प्रशिक्षण और मूल्यांकन कार्यक्रम का संचालन : सिरोही राजस्थान की उनकी जलग्रहण क्षेत्र में जेके सीमेंट सीएसआर द्वारा जारी बालवाडीह के कार्यों का आकलन। जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं का पता लगाना और बच्चे कुपोषण के प्रबंधन पर एक पुनश्चर्या प्रशिक्षण भी किया गया।

डॉ. अर्चना सिंह–II : ईशा सिंह (एम. बी. बी. एस. छात्र) डॉ अर्चना सिंह की देखरेख में शीर्षक "पल्मोनरी तपेदिक में विटामिन डी की अभिव्यक्ति बाध्यकारी प्रोटीन (वीडीबीपी) और विटामिन डी की प्लाज्मा एकाग्रता" आईसीएमआर एसटीएस (लघु अवधि छात्रवृत्ति) अध्येतावृत्ति, 2015 से सम्मानित किया।

डॉ. शुभ्रादीप कर्माकर ने हैदराबाद, 2015 में औषधि की खोज और विकास के लिए सर्वश्रेष्ठ मौखिक एवं पोस्टर पुरस्कार; बैंगलोर, 2016 में एफसीएम2016 की बैठक में दूसरा सर्वश्रेष्ठ मौखिक पुरस्कार जीता।

अतिथि वैज्ञानिक

1. 8 अप्रैल, 2015 को ''मलेरिया संचरण प्रतिरोधक क्षमता को अवरुद्ध करने नैनोकणों को मजबूत प्रदर्शित करने के साथ में वितरित ई. कोलाई में प्लाज्मोडियम फाल्सीपेरम पीएफएस25 का उत्पादन'' पर डॉ. राजेश कुमार, स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ एण्ड ट्रॉपिकल मेडिसिन, टुलान विश्वविद्यालय, न्यू ऑरलियन्स लॉ।
2. 20 अप्रैल 2015 को ''न्यूरोट्रोफिक कारक बीडीएनएफ और जीडीएनएफ और उनके संभावित नैदानिक अनुप्रयोग का आण्विक विनियमन'' पर डॉ अनमोल कुमार, आण्विक तंत्रिका विज्ञान लैब, हेलसिंकी के जैव प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय संस्थान।
3. 15 मई 2015 को ''लूप मध्यस्थता आइसोथर्मल जीन प्रवर्धन (लैम्प) : नवाचार जीन प्रवर्धन तकनीक; उद्योग और व्यावसायीकरण के लिए प्रयोगशाला से उभरते वायरल संक्रमण और ट्रांसलेशनल यात्रा के नैदानिक निदान में परिप्रेक्ष्य'' पर डॉ एम.एम. परिदा, प्रमुख, विषाणु विज्ञान विभाग, डी. आर. डी. ओ, ग्वालियर।

4. 15 जुलाई 2015 को ''टिक जनित रोग'' पर प्रो. रोमन आर गंटा, निदेशक, रोग जनित रोग उत्कृष्टता केंद्र, कन्सास स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए।
5. 29 सितम्बर 2015 को ''इंफ्लेमेटरी रोगों के लिए नए चिकित्सात्मक लक्ष्यों के लिए खोज'' पर डॉ माधव भाटिया, रोग विज्ञान विभाग, ओटागो विश्वविद्यालय, क्राइस्ट चर्च, न्यूजीलैंड।
6. 9 फरवरी 2016 ''उच्च रक्तचाप की आनुवंशिकी को समझने के लिए मानवीकृत ट्रांसजेनिक चूहे'' डॉ अशोक कुमार, तोलेडो स्वास्थ्य विज्ञान परिसर विश्वविद्यालय, टोलेडो ओहियो, यूएसएए।

9.4 जैव आयुर्विज्ञान इंजीनियरी

आचार्य

हरपाल सिंह	वीणा कौल

प्रतिष्ठित आचार्य
स्नेह आनंद

सहायक आचार्य

एस. एम. के. रहमान	संदीप कुमार झा	दिनेश कल्याणसुंदरम
अनूप सिंह	नीतू सिंह	अमित मेहंदीरत्ता

विशिष्टताएं

विभाग (जिसे सीबीएमई, आईआईटी दिल्ली में सेंटर फॉर बायोमेडिकल इंजीनियरिंग भी कहते हैं) में अब आठ स्थायी संकाय और एक प्रतिष्ठित आचार्य हैं। डॉ. निवेदिता कर्माकर ने इस वर्ष स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ले ली है।

विभाग की स्थापना 1971 में एम्स और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली के एक संयुक्त उद्यम के रूप में की गई थी। केन्द्र ने चिकित्सा और जैविक समस्याओं को संबोधित करने के लिए अभियांत्रिकी के सिद्धांत अपनाए हैं। विभाग में भारत के बड़े संस्थानों और अस्पतालों के साथ सहयोगात्मक परियोजनाएं हैं।

विभाग निदान, उपचार, उपचार प्रतिक्रियाओं के अनुवर्तन और औषधि प्रदायगी की तकनीकों, साधनों और विधियों के ज्ञान प्रसार तथा विकास पर लक्षित हैं। विभाग के संकाय सदस्य निम्नलिखित प्राथमिकता क्षेत्रों में अनुसंधान के लिए कार्यरत हैं :

- जैव सामग्री
- बायो इंस्ट्रूमेंटेशन
- बायो मैकेनिक्स
- मेडिकल इमेजिंग

पिछले एक वर्ष में निम्ननिलिखित नई प्रयोगशालाओं को बनाने के साथ अनुसंधान सुविधाओं / प्रयोगशालाओं का पुनगर्ठन शुरू किया गया :

- मेडिकल इमेज और सिगनल प्रोसेसिंग लेबोरेटरी (एमईडीइमेज)

निम्नलिखित नए उपकरण की स्थापना की गई थी :

- 8×16 इंच यूवी – ओजोन क्लीनर की स्थापना लैब ऑन ए चिप और बायोसेंसर प्रयोगशाला में की गई, डॉ. संदीप के. झा

अनुसंधान के अलावा विभाग अध्यापन में संलग्न रहा है, जहां आईआईटी दिल्ली में जैव चिकित्सा इंजीनियरिंग के संगत पीजी, यूजी और पूर्व पीएचडी के पाठ्यक्रम प्रस्तावित किए जाते हैं।

पिछले एक वर्ष में, विभाग में 3 नए अनुदान, 1 पेटेंट प्रौद्योगिकी, 29 प्रकाशित शोध पत्र, 17 सम्मेलन की कार्यवाही / सार, 2 पुस्तक अध्याय और 4 पीएचडी छात्रों को डिग्री प्रदान करने के लिए योग्यता प्राप्त हुई है। इस अवधि के दौरान संकाय सदस्यों को 5 पुरस्कार प्राप्त हुए। विभाग ने दो सम्मेलन / कार्यशालाओं का भी आयोजन किया।

शिक्षा

2015–16 में पीएच.डी से सम्मानित किया

प्रत्याशी	थीसिस शीर्षक	पर्यवेक्षक
शांतनु लाले	डेवलपमेंट ऑफ स्टिमुली रिस्पॉन्सिव पॉलीमेरिक नैनोसिस्टम्स फॉर कैंसर थेरेप्यूटिक्स	वीना कौल
अलका खन्ना	डायग्नोस्टिक मैथड्र्स फॉर डिटेक्शन ऑफ मायोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस	हरपाल सिंह
विवेक बंसल	डेवलपमेंट एण्ड इवेल्यूएशन ऑफ बायोडिग्रेडेबल पॉलीमेरिक नैनोपार्शियल एण्ड एल्युमिनियम बेस्ड एडमिक्सचर बेस्ड फॉर्मुलेशन फॉर वैक्सीन डिलीवरी	हरपाल सिंह
एम. एस. नागानन्द	एन इनोवेटिव तकनीके टू एडवांस फिजिको – कोगनेटिव पैरामीटर असेस्टमेंट इन प्रेगनेंसी	स्नेह आनंद

कार्यशाला/संगोष्ठी का आयोजन

1. चिकित्सा इमेजिंग : तकनीक और नैदानिक अनुप्रयोग; द्वारा आयोजित : डॉ अमित मेहंदीरत्ता और डॉ अनूप सिंह, टीईक्यूआईपी– 2 और सीईपी कार्यशाला; 3 – 4 अप्रैल 2015; आईआईटी दिल्ली

2. चिकित्सा उपकरणों के डिजाइन पर कार्यशाला; डॉ दिनेश कल्याणसुंदरम और डॉ श्रीराम हेगड़े द्वारा आयोजित; टीईक्यूआईपी– 2 और सीईपी कार्यशाला; 9 से 10 मई 2015; आईआईटी दिल्ली

3. इंजीनियरिंग और चिकित्सा के क्षेत्र में प्रौद्योगिकी और अनुप्रयोग : लेजर पर कार्यशाला; डॉ जी विजया प्रकाश, डॉ दिनेश कल्याणसुंदरम द्वारा आयोजित; टीईक्यूआईपी–2 और सीईपी कार्यशाला; 11 से 13 सितम्बर 2015; आईआईटी दिल्ली

4. चिकित्सा इमेजिंग : तकनीक और इमेज प्रसंस्करण कार्यशाला; द्वारा आयोजित : डॉ अमित मेहंदीरत्ता और डॉ अनूप सिंह, टीईक्यूआईपी– 2 और सीईपी कार्यशाला; 25 – 27 मार्च 2016; आईआईटी दिल्ली

प्रदत्त व्याख्यान

वीणा कौल : 2 अनूप सिंह : 4 अमित मेहंदीरत्ता : 3

अनुसंधान

दायर किए गए पेटेंट : 2015 (दायर किए गए) संदीप कुमार झा और अनुराधा सोनी. ग्लूकोज़ की निगरानी के लिए गैर आक्रामक प्रणाली और विधि. (भारतीय पेटेंट आवेदन सं. 1587/डीईएल/2015 दिनांक 2.6. 2015)

वित्त पोषित परियोजनाएं

पूर्ण

1. लक्षित दवा वितरण का उपयोग कर बुद्धिमान नैनोकणों से कैंसर की रोकथाम के लिए बहुविषयक दृष्टिकोण, डॉ. वीणा कौल, 55 लाख रु., डीबीटी

2. अक्षय संसाधनों से डिजाइन, बायोडिग्रेडेबल कोपॉलीमर्स : गुण और अनुप्रयोगों का मूल्यांकन, डॉ. हरपाल सिंह, डीबीटी, 88 लाख रुपए

3. रक्त जैविक तरल पदार्थ के अवशोषण के लिए पॉलीमेरिक फिल्मों का विकास, डॉ. हरपाल सिंह, 12 लाख रुपए, आईएनएमएएस, डीआरडीओ

4. अनुमोदित चीलेंटिंग एजेंट का उपयोग करते हुए भारी धातुओं के डीकॉर्पोरेशन के लिए नए पॉलीमर आधारित सूत्र का विकास, डॉ. हरपाल सिंह, 20.1 लाख रुपए, डीएसटी

5. कैंसर के निदान और उपचार के लिए बायोडिग्रेडेबल पॉलीमर / नैनोक्रिस्टल का विकास, डॉ. हरपाल सिंह, 50 लाख रु., डीएसटी

6. न्यूरोसर्जरी के लिए कम कीमत वाले प्रभारी एंडोस्कोपिक उपकरण प्रणाली का विकास (वेंट्रीकुलर, इंट्रा–क्रेनियल तथा स्कल – आधारित सर्जरी), डॉ. स्नेह आनंद, 32.1 लाख रुपए , डीएसटी

जारी

1. आपात चिकित्सा तथा गहन चिकित्सा सेटिंग में स्वास्थ्य कार्यकर्त्ताओं के संज्ञान की निगरानी एवं चिकित्सा विसंगति के साथ उसका संबंध, डॉ. स्नेह आनंद, 29.4 लाख रुपए, आईसीएमआर।

2. परिमाणन और मोशन फ्रेम मॉडलिंग का उपयोग करते हुए अल्ट्रासाउंड इलास्टोग्राफी का उपयोग कर स्तन कैंसर चित्रों की मात्रा, योग्यता ज्ञात करना, डॉ. स्नेह आनंद, 47.5 लाख रुपए, आईसीएमआर।

3. खरगोशों में स्कैनिंग और संचरण इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी द्वारा शुक्राणु आकृति विज्ञान सहित सेमनेलॉजिकल मापदंडों पर ईएमएफ एक्सपोजर (जीएसएम – तरह रेडियोफ्रीक्वेंसी) का प्रभाव। डॉ. स्नेह आनंद, 49.91 लाख रुपए, डीएसटी।

4. ट्रॉपिकल हिमोस्टेसिस के लिए हाइब्रिड नैनोकोम्पोसाइट मेट्रिक्स का विकास और मूल्यांकन, डॉ. वीणा कौल, 25 लाख रुपए, एलएसआरबी, रक्षा मंत्रालय।

5. स्तन कैंसर के उपचार में दवा और एसआईआरएनए की मिश्रित लक्षित प्रदायगी के लिए हाइब्रिड पॉलीमेरिक नैनोसिस्टम्स हाइब्रिड का विकास, डॉ. वीणा कौल, 44.30 लाख रुपए, डीबीटी।

6. कोशिकाओं में भिन्नता के लिए विट्रो में उनका मूल्यांकन और इलेक्ट्रोस्पाइनिंग द्वारा पॉलीमेरिक हाइब्रिड स्कैफोल्ड का विकास, डॉ. वीणा कौल, 6 लाख रुपए, सीएसआईआर।

7. कैंसर के निदान और थेरैपी के लिए लौह ऑक्साइड आधारित नैनोथेरानोस्टिक्स का विकास, डॉ. हरपाल सिंह, 25 लाख रुपए, डीबीटी।

8. जैविक रूप से प्रासंगिक नैनोस्ट्रक्चर्स की डिजाइन में संरचना गतिविधि संबंध, डॉ. नीतू सिंह, 55 लाख रुपए, नैनोमिशन, डीएसटी।

9. 3 डी में सेंसिंग सेलुलर बायोमार्कर के लिए नवीन सामग्री, डॉ. नीतू सिंह, 45 लाख रुपए, डीबीटी द्वारा आईवायबीए।

10. बायोरिएक्टर में इन–सीटू उत्पाद की निगरानी के लिए कैपिलरी इलेक्ट्रोफोरेसिस एम्परोमेट्रिक डिटेक्टर माइक्रोचिप, संदीप के. झा, 61.7 लाख रुपए, डीबीटी।

11. न्यूरो पुनर्वास के लिए रोबोटिक हैंड को सहायता प्रदान करना, डॉ. अमित मेहंदीरत्ता, 27 लाख रु., एसईआरबी, डीएसटी।

12. अंतःकपालीय बड़े पैमाने पर घावों के साथ रोगियों की डीसीई छिड़काव एमआरआई डेटा के प्रसंस्करण के लिए मात्रात्मक सॉफ्टवेयर उपकरण, डॉ. अनूप सिंह, 25.31 लाख रु., एसईआरबी, डीएसटी।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 19 सार : 14 पुस्तकों में अध्याय : 2

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण उपलब्धियां

विभाग के छात्रों ने जीता (1) डॉ नीतू सिंह द्वारा मेंटर के तौर पर यूजी छात्र के लिए डिजाइन और नवाचार ग्रीष्मकालीन पुरस्कार दिया जा रहा है (2) जैव चिकित्सा विज्ञान में सबसे अच्छे प्रकाशन के लिए अरुण कुमार डोगरा को पुरस्कार।

प्रोफेसर स्नेह आनंद ने इंजीनियरिंग विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए श्री ओम प्रकाश भसीन को पुरस्कार 2015 प्राप्त किया; चिकित्सा और जैव इंजीनियरिंग अमेरिकी संस्थान (एआईएमबीई) 2016 के अध्येता के रुप निर्वाचित किया गया था; भारत की पहली महिला बायोमेडिकल इंजीनियर के रूप में एआईएमबीए के एक प्रमाण पत्र से सम्मानित भी किया गया था; भारत ज्योति पुरस्कार 2015 को प्राप्त किया।

डॉ. अमित मेहंदीरत्ता ने चिकित्सा में अंतरराष्ट्रीय मैग्नेटिक रेसोनेंस सोसाइटी (आईएसएमआरएम) द्वारा ई. के. जैवोस्की पुरस्कार प्राप्त किया, मई 2015, टोरंटो, कनाडा।

डॉ. अनूप सिंह ने चिकित्सा में अंतरराष्ट्रीय मैग्नेटिक रेसोनेंस सोसाइटी (आईएसएमआरएम) द्वारा ई. के. जैवोस्की पुरस्कार प्राप्त किया, मई 2015, टोरंटो, कनाडा।

आगंतुक वैज्ञानिक

1. प्रोफेसर आशुतोष चिलकोटी, जैव चिकित्सा इंजीनियरिंग के प्रोफेसर, निदेशक, सेंटर फॉर बायोलॉजिकली इंस्पायर मटीरियल्स एण्ड मटीरियल्स सिस्टम, 30 अक्तूबर 2015, रोगी के लिए प्रयोगशाला से आण्विक जैव अभियांत्रिकी का अनुवाद करना।
2. डॉ. एच. एस. रानु, प्रेसीडेंट, अमेरिकन ऑर्थोपेडिक बायोमैकेनिक्स रिसर्च इंस्टीट्यूट, अटलांटा, जॉर्जिया, यूएसए, 12 अक्टूबर, 2015.
3. सैमुअल लॉरेंस, साइटो विवा, यूएसए, 18 नवंबर, 2015.
4. डॉ सुधीर बग्गा, यूएसए, 19 जनवरी 2016, एकीकृत चिकित्सा और व्यावहारिक अनुप्रयोग।
5. डॉ. माइकल सेरपी, रसायन विज्ञान विभाग, अलबर्टा विश्वविद्यालय, कनाडा, 16 फरवरी 2016, स्टिमुली, रेस्पोंसिव पॉलीमर – बेस्ड सेंसर, मसल्स एण्ड ड्रग डिलीवरी प्लेटफार्म।
6. प्रोफेसर मरक्कू टूरुनेन, स्कूल ऑफ इंफॉर्मेशन साइंस, यूनिवर्सिटी ऑफ टेम्पेरे, फिनलैंड, 21 दिसम्बर 2015, डिजाइनिंग एम्बॉडिड इंटरफेस फॉर चैलेंजिस एनवार्यनमेंट्स।

9.5 जैव भौतिकी

इन्सा वरिष्ठ वैज्ञानिक
टी. पी. सिंह

आचार्य एवं अध्यक्ष
पुनीत कौर

आचार्य
अलागिरी श्रीनिवासन   सविता यादव   सुजाता शर्मा

सहायक आचार्य
शर्मिष्ठा डे   जी हरीप्रसाद राव   इथायाथुल्ला ए.एस.
कृष्णा कुमार   सरोज कुमार

वैज्ञानिक
एस. भास्कर सिंह   आशा भूषण

विशिष्टताएं

वर्ष के दौरान, जैव भौतिकी विभाग के पास 16 से अधिक जारी अनुसंधान परियोजनाएं बाह्य अनुदानों द्वारा वित्तपोषित हैं। जैव भौतिकी विभाग में दवा की डिजाइन और नए विशिष्ट बायोमार्कर की खोज के आधार पर जैविक प्रक्रिया, तर्कसंगत संरचना के आण्विक आधारित अनुसंधान का निर्धारण करने से संबंधित है। विभाग प्रोटीन और छोटे अणु क्रिस्टल, चिकित्सा जैव सूचना विज्ञान, प्रोटीन अनुक्रमण और पेप्टाइड संश्लेषण, प्रोटियोमिक्स और गतिशील प्रकाश प्रकीर्णन पर डेटा संग्रह के लिए सुविधाएं प्रदान करता है। विभाग को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डी एस टी), भारत सरकार से उच्चतर शैक्षिक संस्थानों (एफ आई एस टी) में विज्ञान और प्रौद्योगिकी मूल संरचना के सुधार अनुदान में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के सुधार के लिए निधि प्राप्त हुई, जो पिछले वर्ष में जारी की गई है। पिछले एक वर्ष में संकाय एवं वैज्ञानिकों ने विभिन्न समकक्ष समीक्षित पत्रिकाओं में 30 अनुसंधान प्रकाशित किए। विभाग द्वारा वर्तमान एम एस सी, पी एच डी एवं एम डी छात्रों को स्नातकोत्तर शिक्षा एवं अल्पावधि तथा दीर्घावधि प्रशिक्षण देना जारी रखा हुआ है। देश के सभी भागों से संकाय सदस्यों एवं वैज्ञानिकों को व्याख्यान एवं सेमिनारों में आमंत्रित किया गया था और 44 व्याख्यान दिए गए।

शिक्षा

स्नातकोत्तर

जैव भौतिकी विभाग के संकाय एवं वैज्ञानिक पी एच डी, एम एस सी (जैव भौतिकी) एवं एम डी (जैव भौतिकी) डिग्री हेतु छात्रों को शिक्षा एवं मार्गदर्शन दे रहे हैं। स्नातकोत्तर शिक्षा में सैद्धांतिक कक्षाएं, हैंड्स–ऑन प्रायोगिक कक्षाएं तथा शोध प्रबंध परियोजनाएं सम्मिलित हैं।

अल्पावधिक एवं दीर्घावधिक प्रशिक्षण

यह विभाग विभिन्न संस्थानों एवं विश्वविद्यालयों के एम एस सी एवं एम टेक छात्रों को दीर्घावधिक एवं अल्पावधिक प्रशिक्षण भी देता है।

विभाग द्वारा आयोजित क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

डॉ पुनीत कौर ने दो कार्यशालाओं का आयोजन किया : (1) दवाओं की खोज में जैव सूचना विज्ञान पर कार्यशाला, 2–5 फरवरी 2016, एम्स, नई दिल्ली और (2) पाइपलाइन पायलट का उपयोग करते हुए अगली पीढ़ी के अनुक्रम विश्लेषण, 28–31 मार्च 2016, एम्स, नई दिल्ली

प्रदत्त व्याख्यान

टी. पी. सिंह : 12	पुनीत कौर : 4	ए. श्रीनिवासन : 3
सविता यादव : 3	सुजाता शर्मा : 1	शर्मिष्ठा डे : 4
हरीप्रसाद जी. : 3	ए. एस. इथायाथुल्ला : 3	

मौखिक पत्र / पोस्टर प्रस्तुति : 19

1 सर्वोत्तम लेख और 2 पोस्टर पुरस्कार जीते।

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. पेप्टाइडोग्लायकैन रिकॉगनाइजेशन प्रोटीन (पीआरपी), पेप्टाइडिल टीआरएनए–हाइड्रोलेस, डायहाइड्रोडिपिकोलाइनेट सिंथेस (डीएचडीपीएस), डायहाइड्रोपिकोलिनेट रिडक्टेस (डीएचडीपीआर) और फोस्फोलिपेस ए2 का संरचनात्मक अध्ययन, टी पी सिंह, भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, 5 वर्ष, 2014–19, 25 लाख रुपए।
2. विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के मूल संरचना में सुधार के लिए निधि, पुनीत कौर, डीएसटी, 5 वर्ष, 2012 –17, 323 लाख रुपए।
3. अखिल – जीनोम का विकास और टायफॉइडल साल्मोनेला एंटेरिका के लिए नए दवा लक्ष्यों का पहचान आधारित ज्ञान – दवाओं की खोज के लिए जीनोमिक दृष्टिकोण, पुनीत कौर, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2014–16, 32 लाख रुपए।
4. एम्स में जैव चिकित्सा सूचना सुविधा, डॉ. पुनीत कौर, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2013–18, 100 लाख रुपए।
5. न्यूरोडीजेनेरेटिव विकारों के लिए औषधीय पौधों की मान्यताः लक्ष्य चयनात्मक विधि विकास, ए. श्रीनिवासन, एनएमपीबी, एमओएचएफडब्ल्यू, 3 वर्ष, 2015–18, 47 लाख रुपए।
6. ऐंटी–फंगल प्रोटीनों को अलग एवं शुद्ध करने के लिए *सिट्रलस लेनाटस* प्रोटियोम की स्क्रीनिंग : पर्यावरण प्रदूषण को कम करने में सहायता हेतु बायो फंगीसाइड्स के निर्माण हेतु एक कदम , सविता यादव, पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, 3 वर्ष, 2012–15, 20.66 लाख रुपए।
7. एचई 4 : मानव पुनः उत्पादन में एक संभाव्य बहुमुखी भूमिका, सविता यादव, डीएसटी, 2012–15, 28.87 लाख रुपए।

8. सेमिनल प्लाज्मा में मानव सीरम एल्बुमिन– प्रोलेक्टिव इंड्युसिबल प्रोटीन (एच एस ए–पी आई पी) जटिलता : प्रजनता / बांझपन में भूमिका, सविता यादव, आईसीएमआर, 2012–15, 44 लाख रुपए
9. क्रॉस ब्रीड बैलों में बन्ध्यता : प्रजनता की शीघ्र सूचना के लिए र्स्पमेटोजेनिक कोशिका मार्कर्स हेतु खोज, 2012–16, सविता यादव, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, 2012–16, 96 लाख रुपए।
10. हल्की बोधात्मक क्षति (एम सी आई) और अल्जाइमर रोग (ए डी) के लिए संभावित चिकित्सीय लक्ष्य के तौर पर सिरटुइन के विशिष्ट पेप्टाइड एक्टिवेटर की डिजाइन, शर्मिष्ठा डे, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2015–18, 20 लाख रुपए।
11. पार्किंसन और अल्जाइमर रोग में चयनित आयुर्वेदिक जड़ी बूटियों के संभावित एंटी–ऑक्सीडेंट प्रभाव, शर्मिष्ठा डे, आयुष, 3 वर्ष, 2015–18, 20 लाख रुपए।
12. हृदय पूर्वज स्टेम कोशिकाओं पर इंसुलिन के संयुक्त प्रभाव जैसे वृद्धि कारक –1, परिवर्तन वृद्धि कारक–बीटा और फाइब्रोब्लास्ट वृद्धि कारक–2 का मूल्यांकन, हरिप्रसाद जी, एम्स, 2 वर्ष, 2015–17, 4.9 लाख रुपए।
13. शाइजोफ्रेनिया और पार्किंसन्स रोग के डोपामाइन निर्धारित राज्यों में प्रोटीन सिग्नेचर की पहचान के लिए सीएसएफ के प्रोटिओमिक्स, हरिप्रसाद जी, डीएसटी, 3 वर्ष, 2014–18, 31.1 लाख रुपए।
14. संरचनात्मक आधारित दवा डिजाइन : साल्मोनेला टाइफी के विरुद्ध नई दवा के लक्ष्य के रूप में हिस्टीडाइन बायोसिंथेसिस मार्ग प्रोटीन एचआईएसएफ / एचआईएसएच; ए. एस. इथायाथुल्ला, एम्स, 2 वर्ष, 2015–16, 4.8 लाख रुपए।
15. साल्मोनेला एंटेरिका से बैक्टीरिया कोशिका विभाजन प्रोटीन एफटीएसजेड की संरचनात्मक और बायोफिजिकल लाक्षणीकरण : रोगाणुरोधी दवा लक्ष्य, ए. एस. इथायाथुल्ला, डीएसटी, 3 वर्ष, 2016–19, 39 लाख रुपए।
16. एक संभावित ट्यूमर मार्कर और स्तन कैंसर के रोगियों के लिए दवा लक्ष्य के रूप में गामा सायन्यूक्लेइन का अध्ययन, एस भास्कर सिंह, एम्स, 2 वर्ष, 2014–16, 10 लाख रुपए

पूर्ण

1. शुक्राणु प्रोटियोमिक्स : सामान्य और गैर गतिशील शुक्राणु में अवकल प्रोटीन अभिव्यक्ति – संभावित कारण और मार्कर, ए श्रीनिवासन, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2013–16, 20.5 लाख रुपए
2. परंगीपेत्ताई तट के साथ मोलस्क से शेल प्रोटीन की विविधता (भारत का पूर्वी तट), ए श्रीनिवासन, पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, 3 वर्ष, 2012–15, 34.3 लाख रुपए
3. एक बहु दवा प्रतिरोधी रोगजनक बैक्टीरिया से मेथियोनियोनाइन एमिनोपेप्टाइडेस (एमईटीएपी) का तीन आयामी संरचना दृढ़ संकल्प, *एसिनेटोबेक्टर बौमांनी,* सुजाता शर्मा, डीबीटी, 3 वर्ष, 2012 – 15, 9 लाख रुपए
4. अल्जाइमर रोग की इन विट्रो मॉडल में 5– लिपोक्सीजीनेस और उनके न्यूरो सुरक्षात्मक प्रभाव का आकलन की पेप्टाइड अवरोध का विकास, शर्मिष्ठा डे, एम्स, 1 वर्ष, 2015–16, 4.9 लाख रुपए
5. प्रथम पंक्ति कीमोथेरेपी हेतु रिस्पोंडर्स एवं नॉन–रिस्पोंडर्स का प्रोटीन प्रोफाइल को समझने के लिए अण्डाशय कैंसर ऊतक का तुलनात्मक प्रोटियोमिक विश्लेषण, हरीप्रसाद जी, एम्स., 2 वर्ष, 2013–15, 5 लाख रुपए

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. बैक्टीरियल पेप्टीडॉग्लीकैन मार्ग से प्रोटीनों के आणविक विश्लेषण और जैव भौतिक लाक्षणीकरण।
2. एस. टाइफी से दवा प्रतिरोधी प्रोटीन के लिए रोगाणुरोधी अणुओं का विकास।
3. मुर प्रोटीन के संरचनात्मक लाक्षणीकरण।
4. एस. टाइफी के लिए जीनोम विश्लेषण और लक्ष्य की पहचान।
5. लेक्टोफेरिन की सी–टर्मिनल हॉफ (सी–लोब) की संरचना एवं कार्य और एन एस ए आई डी–प्रवृत्त गेस्ट्रोपेथी को कम करने के लिए एजेंट के रूप में इसका अनुप्रयोग।
6. एंटी–एर्लिजेनिक लाइगेंडों के प्लांट एलर्जी और संरचना के आधार पर डिजाइन की आणविक संरचना कार्य के अंतर्संबंधों का निर्धारण।
7. एक बहु दवा प्रतिरोधी रोगजनक बैक्टीरिया से मेथियोनियोनाइन एमिनोपेप्टाइडेस (एमईटीएपी) का तीन आयामी संरचना दृढ़ संकल्प, *एसिनेटोबेक्टर बौमांनी।*
8. भारतीय जनसंख्या में एचएनएससीसी की प्रगति में एनएफकेबी1 और एनएफकेबी1ए का महत्व
9. इसी के लिए पार्किन्सन रोग और पेप्टाइड प्रावरोधक के डिजाइन के लिए एक प्रोटीन मार्कर का विकास
10. एंटीबायोटिक प्रतिरोधी रोगजनकों के विरुद्ध रोगाणुरोधी पेप्टाइड्स की डिजाइन, संश्लेषण और मूल्यांकन।
11. सिर और गले स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा (एचएनएससीसी) और नॉन स्मॉल सेल लंग कैंसर (एनएससीएलसी) प्रोपोसिंग थैरेप्यूटिक लक्ष्य में सीरम प्रोटीन मार्कर के रूप में सेल संकेतन अणुओं का मूल्यांकन।
12. न्यूरोडिजनरेटिव रोगों और इसके चिकित्सकीय निहितार्थ में सेस्ट्रिन की भूमिका।
13. टाउ प्रोटीन की क्लोनिंग, अभिव्यक्ति और शोधन।
14. क्लेबसिएला निमोनिया से एचआईएसएफ / एचआईएसएच की क्लोनिंग, अभिव्यक्ति, शुद्धिकरण और संरचनात्मक लाक्षणीकरण।
15. सालमोनेला टाइफी से एफटीएसजेड का संरचनात्मक और कार्यात्मक लाक्षणीकरण।
16. पी53 उत्परिवर्तियों के स्थिरीकरण के लिए पी73 (डीएनए बाध्यकारी डोमेन) और इन–सिलिको आधारित दवा डिजाइन का जैवभौतिक लाक्षणीकरण।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. एस. टाइफी के लिए अवरोधकों के नए लक्ष्यों और विकास की पहचान (सूक्ष्म जीव विज्ञान)
2. मानव मौखिक कैंसर कोशिका लाइन पर कुछ चयनित पौधों और उनके आण्विक लक्ष्य की कैंसर विरोधी गतिविधियों की जांच (जैव प्रौद्योगिकी)
3. आयु बढ़ने के मार्कर के रूप में सीरम में नए इंट्रासेल्युलर प्रोटीनों का मूल्यांकन (जेरियाट्रिक मेडिसिन)
4. वृद्ध भारतीयों में कैंसर : व्यापक कार्यात्मक मूल्यांकन और एक बायोमार्कर के लिए एक उपकरण का विकास, (जेरियाट्रिक मेडिसिन)

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 25

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां

आचार्य टी. पी. सिंह (आईएनएसए वरिष्ठ वैज्ञानिक) : आई. एस. एस. आर. एफ. 2016 में मध्य कैरियर वैज्ञानिक के लिए जी. पी. तलवार पुरस्कार प्राप्त किया; अध्यक्ष आई. ए. बी. एस. 2016, आई. एस. एस. आर. एफ. 2016

डॉ शर्मिष्ठा डे ने नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज के सदस्य; भारतीय जैवभौतिक सोसायटी के आजीवन सदस्य, यूरोपीय पेप्टाइड सोसायटी, भारतीय पेप्टाइड सोसायटी, इंडियन साइंस कांग्रेस, प्रोटियोमिक सोसायटी ऑफ इंडिया, एसोसिएशन ऑफ जेरेंटोलॉजी (भारत), भारतीय जैव चिकित्सा विज्ञान अकादमी संघ (आईएबीएस), भारतीय कैंसर अनुसंधान संघ (आईएसीआर) एम्स, उत्कृष्टता अनुसंधान पुरस्कार 2015 जीता।

अतिथि वैज्ञानिक

पिछले एक वर्ष में प्रस्तुत किए गए व्याख्यान और वैज्ञानिक सहयोग के लिए दौरे किए गए विभाग के निम्नलिखित वैज्ञानिकों और प्रख्यात शिक्षाविद का उल्लेख किया : प्रोफेसर एच.एच. सिद्दीकी, इंटीग्रल विश्वविद्यालय; प्रो एन. के. गुप्ता, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (दिल्ली); डॉ आशीष अरोड़ा, केन्द्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान, डॉ एस गौरीनाथ, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, डॉ परविंदर कुमात, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (दिल्ली); प्रोफेसर फैजन अहमद, जामिया मिलिया इस्लामिया, भारत; डॉ पुष्कर शर्मा, राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान; प्रोफेसर राकेश भटनागर, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, भारत।

9.6 जैव सांख्यिकी

आचार्य एवं अध्यक्ष
आर. एम. पाण्डे

आचार्य

एस. एन. द्विवेदी | वी. श्रीनिवास

सहायक आचार्य
मारूफ अहमद खान

वैज्ञानिक
एम. कलाइवानी

विशिष्टताएं

विभाग में 100 से भी अधिक जारी अनुसंधान परियोजनाएं थीं जिनकी प्रकृति सामान्यतः सहयोगी परियोजना थीं; तथा एम्स में विभिन्न केंद्रों / विभागों के साथ 48 पूर्ण सहयोगी अनुसंधान परियोजनाएं की। दिनचर्या जिम्मेदारियों के अलावा, संकाय सदस्यों एवं वैज्ञानिकों ने संस्थान में विभिन्न प्रशासनिक एवं वैज्ञानिक समितियों में शामिल थे; आईसीएमआर, डीबीटी, डीएसटी, आयुष की विभिन्न वैज्ञानिक समितियों के सदस्य को आमंत्रित किया; अनेक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय क्लिनिकल परीक्षणों के डेटा सेफ्टी मॉनिटरिंग बोर्ड (डी एस एम बी) पर कार्य किया; अनुसंधान प्रणाली विज्ञान एवं जैव सांख्यिकी पर विभिन्न कार्यशालाओं के दौरान 30 से भी अधिक आमंत्रित व्याख्यान दिए; तथा देश में विभिन्न विश्वविद्यालय के लिए परीक्षक थे। वर्ष के दौरान संकाय एवं वैज्ञानिकों द्वारा विभिन्न समकक्ष समीक्षित चिकित्सा पत्रिकाओं में 110 अनुसंधान प्रकाशित किए गए; और विभिन्न चिकित्सा विशेषताओं से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय दोनों चिकित्सा पत्रिकाओं के लिए समीक्षक बने रहे।

शिक्षा

विभाग स्नातक पूर्व, पैरामेडीकल एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों अर्थात् एम बी बी एस, मेडिकल टेक्नोलॉजी इन रेडियोलॉजी में बी एससी (ऑनर्स), एम बायोटेक, बी एससी, एम एससी नर्सिंग तथा एम डी कॉम्युनिटी मेडीसिन हेतु बायोस्टेटिक्स एवं एसेंशिएल्स ऑफ रिसर्च मेथड्स' शिक्षण का कार्य कर रहा है। विभाग एमडी, एमएस, डीएम, एम. सीएच, एमडीएस और एमएचए निवासियों के लिए कार्यशालाएं 'अनुसंधान प्रणाली, लेखन और संचार' पर 5 दिन अनिवार्य पाठ्यक्रम कार्य के संचालन में समन्वय करता है तथा महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अनुरोध पर संकाय सदस्यों ने रेजीडेंटों और पीएच डी छात्रों के लिए व्याख्यान दिए एवं संस्थान में अनेक विभागों में विभागीय वैज्ञानिक प्रस्तुतीकरणों में भाग लिया। विभाग में पी एच डी छात्रों को मार्गदर्शन देने के अतिरिक्त संकाय सदस्यों एवं वैज्ञानिकों ने सह – मार्गदर्शक और पीएच डी, डी एम, एम सीएच, एम डी और एम एस छात्रों की डॉक्टरल समिति सदस्यों के रूप में संस्थान के अन्य विभागों की शैक्षिक गतिविधियों में योगदान दिया। एक उद्देश्य के साथ 'हैण्ड्स ऑन ट्रेनिंग इन यूजिंग एसटीएटीए' की 4 दिवसीय अवधि पर डेटा प्रबंधन और सांख्यिकीय विश्लेषण, कार्यशाला के क्षमता निर्माण के लिए नए पीएचडी छात्रों के लिए आयोजित किया गया था।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

प्रदत्त व्याख्यान

आर. एम. पाण्डे : 12 एस. एन. द्विवेदी : 8 वी. श्रीनिवास : 5 एम. कलाइवानी : 5

मौखिक पत्र / पोस्टर प्रस्तुति : 9 (सर्वश्रेष्ठ शोध 2015 के लिए प्रो. के. सी. बासु मल्लिक पुरस्कार)

अनुसंधान
वित्तपोषित परियोजनाएं
जारी

1. मधुमेह यकृत रोग अंतर्निहित : तीव्र और जीर्ण यकृत रोग के लघु अवधि परिणाम पर मधुमेह के प्रभाव का पता लगाने के लिए परस्पर अनुभागीय बहु–केंद्रित अध्ययन (डेटा समन्वय और निगरानी अध्ययन) श्रीनिवास वी., पश्चिम बंगाल लीवर फाउंडेशन के माध्मय से ब्रिस्टल मायर्स स्क्विब फाउंडेशन, 3 वर्ष, 2014–17, 10,08,000 रुपए।

2. हाथ के पंजों के लिए टेंडन हस्तांतरण प्रक्रियाओं के अनुपालन के लिए तीन सप्ताह के स्थिरीकरण की तुलना में तीव्र सक्रिय लामबंदी के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए बहुकेंद्रीय परीक्षण (डेटा समन्वय और निगरानी अध्ययन), श्रीनिवास वी, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली, 3 वर्ष, 2015–18, 21,22,584 रुपए।

3. भारत में क्रोहन रोग : एक देश से एक बहु केंद्रीय अध्ययन जहां क्रोहन रोग के साथ ही आंत के ट्यूबरकुलोसिस स्थानिक है (डेटा समन्वय और निगरानी अध्ययन), श्रीनिवास वी, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, भारत सरकार, 3 वर्ष, 2016–19, 27,99,971 रुपए।

विभागीय परियोजनाएं
जारी

1. सिर की चोट वाले रोगियों में 6 महीने में अस्पताल में मृत्यु दर और परिणाम को निर्धारित करने के लिए उपयुक्त सांख्यिकीय मॉडल पर एक अध्ययन।
2. उत्तरी भारत में बच्चों में अस्थमा के बारम्बार के बिगड़े हुए लक्षणों और लंबे समय तक नियंत्रित करने के लिए सांख्यिकीय मॉडल की तुलना।
3. भारत में किशोर बच्चे के बीच धूम्रपान, शराब पीने और तम्बाकू चबाने के लिए डेटा संग्रह तरीकों और संबंधित महामारी विज्ञान मॉडल का तुलनात्मक मूल्यांकन।

4. स्तन कैंसर के उपचार में नियो–एडजुवेंट कीमोथेरेपी : जोखिम प्रतिस्पर्धा के साथ और बिना जीवन रक्षा / खतरे मॉडल की प्रणालीगत समीक्षा और मेटा विश्लेषण और तुलना।

5. मौखिक कैंसर रोगियों के बीच लिम्फ नोड भागीदारी और स्थानीय पुनरावृत्ति के पैटर्न और जुड़ाव कारक : जैव सांख्यिकीय संबंधी।

6. भारत में नवजात मृत्यु दर के साथ जुड़े कारकों की पहचान करने के लिए बहुस्तरीय मॉडलिंग।

सहयोगात्मक परियोजनाएं

जारी

1. डायफ्रेगमेटिक मोटाई के क्रम का आकलन और यांत्रिक वेंटीलेशन पर रोगियों में नैदानिक परिणाम पर इसके प्रभाव। (पल्मोनरी, क्रिटिकल केयर एंड स्लीप मेडिसिन)।
2. आईसीयू में वीएपी / एचएपी दुर्घटना के साथ पर्यावरण प्रदूषण और इसका सह–संबंध : एक भावी अध्ययन। (पल्मोनरी, क्रिटिकल केयर एंड स्लीप मेडिसिन)।
3. स्वस्थ भारतीयों में नाइट्रिक ऑक्साइड छोड़ना और अवरोधात्मक श्वसन मार्ग वाले रोगियों के साथ इसकी तुलना। (पल्मोनरी, क्रिटिकल केयर एंड स्लीप मेडिसिन)।
4. घाव भार $\leq$5 सहित पैरनकाइमल न्यूरोसिस्टीसरकोसिस के रोगियों में स्टीरॉइड के साथ 7 दिन बनाम 28 दिन तक एलबैंडाजॉल उपचपार के रेडियोलॉजिक परिणाम की तुलना : एक यादृच्छिक अध्ययन (नियंत्रित परीक्षण)।
5. सार्कोइडोसिस के निदान में स्थल मूल्यांकन पर तेजी के साथ ईबीयूएस – टीबीएनए बनाम पारंपरिक टीबीएनए का उपयोगी निदान : एक यादृच्छिक अध्ययन (पल्मोनरी, क्रिटिकल केयर एंड स्लीप मेडिसिन)।
6. एम्स– ईआरएएसएमयूएस कोहोर्ट अध्ययन। स्ट्रोक और संज्ञानात्मक अस्वीकार के कारणों को जानने के लिए जनसंख्या आधार पर भावी कोहोर्ट अध्ययन : एक पार सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य, (तंत्रिका विज्ञान और एरासमस, रोटरडैम, नीदरलैंड)।
7. वृक्क प्रतिरोपण में ग्राफ्ट निराकरण हेतु स्टोकेस्टिक मॉडल्स (जैव सांख्यिकी एवं स्वास्थ्य सूचना विज्ञान, एस जी पी जी आई एम एस, लखनऊ)।
8. बड़े पैमाने पर स्वास्थ्य सर्वेक्षण में संवेदनशीलता विश्लेषण और इसके अनुप्रयोग (जैव सांख्यिकी एवं स्वास्थ्य सूचना विज्ञान, एस जी पी जी आई एम एस, लखनऊ)।
9. प्रिएक्लेम्प्सिया में एण्डोप्लास्मिक रेटीकुलम तनाव पर सोल्युबल वेस्कुलर एण्डोथेलियल वृद्धि कारक ग्राही – 1 (एसवीईजीएफआर–1 / एसएफएलटी1) की भूमिका – इन विट्रो अध्ययन (शरीर रचना विज्ञान)।
10. बाल्यावस्था नेफ्रोटिक संलक्षण में वृक्क पेथोजेनेसिस पर फ्लुराइड विषाक्तता की भूमिका : अल्ट्रा संरचनात्मक, जैवरसायन एवं प्रोटियोमिक अध्ययन (शरीर रचना विज्ञान)।
11. मानव ट्रोफोब्लास्ट कोशिकाओं के प्रवास पर हाइड्रोजन सल्फाइड की भूमिका (शरीर रचना विज्ञान)।
12. प्रीक्लैम्पसिया में साइस्टेथियोनाइन गामा लायस मध्यस्थता ट्रोफोब्लास्ट कोशिक आक्रमण में माइक्रो आरएनए 30 की भूमिका और इसकी स्थितियां (शरीर रचना विज्ञान)।
13. ट्रोफोब्लास्ट के आक्रमण को विनियमित करने में एमआईआर–22, विशिष्टता प्रोटीन –1 और साइस्टेथियोनाइन गामा लायस की भूमिका (शरीर रचना विज्ञान)।
14. अल्जाइमर रोग में टीएयू के हाइपरफोस्फेराइलेशन में शामिल संभावित मॉड्यूलेटर के लक्षित मार्गों का अध्ययन (जैव भौतिकी)
15. दिल्ली के शहरी झुग्गियों में सामान्य नेत्र स्थितियों के संबंध में जागरुकता एवं स्वास्थ्य संबंधित प्रथाओं पर अध्ययन (सामुदायिक नेत्र विज्ञान)।
16. घातक फोस्फाइड जहर का उपयोग कर एल्यूमीनियम और जिंक के मात्रात्मक आकलन (फॉरेंसिक मेडिसिन)।
17. वृद्ध भारतीयों में कैंसर : व्यापक प्रकार्यात्मक निर्धारण एवं नोवल प्रोटीन मार्कर हेतु एक साधन का विकास (जरा चिकित्सा)।
18. आयु बढ़ने के मार्कर के रूप में सीरम में नए इंट्रासेल्युलर प्रोटीनों का मूल्यांकन (जेरियाट्रिक मेडिसिन)।
19. बुजुर्गों में मांस पेशी पुनर्जनन का अध्ययन : चूहा मॉडल का विकास (जेरियाट्रिक मेडिसिन)।

20. वृद्ध वयस्कों में संज्ञानात्मक हानि के मूल्यांकन में टीएसपीओ उन्नत पीईटी स्कैन का अध्ययन (जेरियाट्रिक मेडिसिन)।
21. वृद्ध भारतीयों में ऑर्थोस्टेटिक हाइपोटेंशन का अध्ययन (जेरियाट्रिक मेडिसिन)।
22. कैंसर रोगियों में ओन्कोलॉजिकल दर्द के प्रबंधन में स्क्रम्बलर उपचार की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन (आईआरसीएच)।
23. न्यूमोसिस्टिम जिरोवेकी और इसके नैदानिक महामारी विज्ञान के सह संबंध के नैदानिक उपभेदों की जनसंख्या आनुवंशिकी का अध्ययन (सूक्ष्मजैवविज्ञान)।
24. इंवेसिव एवं कॉमेंसल स्ट्रेप्टोकोकस न्यूमोनिया के पार्थक्यों का आण्विक लाक्षणीकरण (सूक्ष्मजैवविज्ञान)।
25. एचआईवी/एड्स वाले रोगियों में आन्त्र पैरासाइटिक सह – संक्रमण एवं सीडी4 गणना, वाइरल भार तथा ऐंटीरेट्रोवायरल औषध प्रतिरोध पर इसका प्रभाव (सूक्ष्मजैव विज्ञान)।
26. दिल्ली एवं आस–पास के क्षेत्र में रेडियोलेबल्ड ऐंटी सी डी 20 ऐंटीबॉडीस 131 आयोडीन रेटुजीमेब / 90 की चिकित्सीय प्रतिक्रिया का निर्धारण (सूक्ष्मजैव विज्ञान)।
27. दिल्ली एवं आस–पास के क्षेत्र में तीव्र बैक्टीरिएल मेनिनजाइटाइड्स के केसों से पृथक नीसेरिया मेनिनजाइटाइड्स का आण्विक लाक्षणीकरण (सूक्ष्मजैव विज्ञान)।
28. एचआईवी संक्रमित व्यक्तियों में टी कोशिकाओं के आवृत्ति और कार्यक्षमता सहित एन.एफ. – के.बी. अभिव्यक्ति और इसके सहयोग का मूल्यांकन (सूक्ष्मजैव विज्ञान)।
29. फंक्शनल मैग्नेटिक रेसोनेंस इमेजिंग (एफ एम आर आई) का प्रयोग करके चिरकारी दुःसाध्य मिरगी में संज्ञान एवं जीवन गुण का अध्ययन (तंत्रिका विज्ञान)।
30. पार्किंसन रोग में ट्रांसक्रिनियल मैग्नेटिक स्टीमुलेशन की भूमिका की जांच करना (तंत्रिका विज्ञान)।
31. भारत में जनसंख्या आधारित कोहर्ट अध्ययन के लिए अंग्रेजी और हिंदी में साक्ष्य आधारित प्रश्नावली की डिजाइनिंग और सत्यापन (तंत्रिका विज्ञान)।
32. शहरी दिल्ली में रहने वाले 50 वर्ष की आयु और उससे अधिक आयु वाले लोगों में सेरेब्रल माइक्रो ब्लीड की व्यापकता और निर्धारकों का अध्ययन : एक जनसंख्या आधारित क्रॉस अनुभागीय अध्ययन (तंत्रिका विज्ञान)।
33. 50 वर्ष और उससे अधिक की आयु वाले वयस्कों में मस्तिष्क एमआरआई पर आकस्मिक निष्कर्षों की व्यापकता : एक जनसंख्या आधारित क्रॉस अनुभागीय अध्ययन (तंत्रिका विज्ञान)।
34. संज्ञानात्मक व्यवहार एवं प्रकार्यात्मक चुम्बकीय अनुनाद इमेजिंग (एफ.एम.आर.आई.) द्वारा द्विभाषिक विकासात्मक डिस्लेक्सिया, अध्ययन पूर्व एवं पश्च थेरेपी का तंत्रिका मनोविज्ञानात्मक एवं तंत्रिका जैव विज्ञानात्मक आधार (एन. एम.आर.)।
35. स्तन कैंसर में गैर – इंवेसिव पहचान, उपचार प्रतिक्रिया एवं ट्यूमर मेटाबोलिज्म के मूल्यांकन में चुम्बकीय रीसोनेंस स्पेक्ट्रोस्कॉपी इमेजिंग (एम.आर.एस.आई.) एवं डिफ्यूज़न वेटिड एम आर आई (डी.डब्ल्यू. : एम.आर.आई.) (एन.एम.आर.)।
36. प्रोस्टेट कैंसर के मूल्यांकन में विभिन्न चुम्बकीय अनुनाद इमेजिंग एवं स्पेक्ट्रोस्कॉपिक पद्धतियों की भूमिका (एन एम आर)।
37. एनएमआर का उपयोग कर पार्किंसन रोग में बायोमार्कर की पहचान (एन एम आर)।
38. एनएमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी का उपयोग कर प्रोस्टेट कैंसर का मेटाबोलोमिक्स अध्ययन (एन एम आर)।
39. प्रोस्टेट कैंसर का पता लगाने में एमआर मार्गदर्शिका बायोप्सी की भूमिका (एन एम आर)।
40. रेडियोआयोडिन (131 आई – एनए) चिकित्सा करा रहे विभेदित थायरॉइड कैंसर वाले बच्चों और वयस्कों में डोसीमेट्रिक अध्ययन (नाभिकीय चिकित्सा)।
41. माइक्रोन्यूक्ली विश्लेषण का उपयोग करके हाइपरथाइरॉइड रोगियों में अल्प डोज़ 131आई थेरेपी की साइटोजेनेटिक विषाक्तता पर अध्ययन (नाभिकीय चिकित्सा)।

42. 177 एल यू डी ओ टी ए – टी ए टी ई सहित न्यूरोइंडोक्राइन ट्यूमरों की रेडियोन्यूक्लाइड थेरेपी में डोसीमेट्रिक अध्ययन (नाभिकीय चिकित्सा)।
43. एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया (एएलएल) के साथ भारतीय बच्चों में कीमोथेरेपी प्रेरण के लिए प्रस्तुतीकरण और प्रतिक्रिया में प्रोग्नोस्टीक मानकों के साथ आईकेजेएफ – 1 जीन परिवर्तन और साइटोकाइन रिसेप्टर जैसे कारक 2 (सीआरएलएफ–2) अभिव्यक्ति का एसोसिएशन (बालचिकित्सा)।
44. इंडक्शन के अंत में फ्लो साइटोमीटरी द्वारा बी – कोशिका लाइनेज़ तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकीमिया में अल्पतम अवशिष्ट रोग (एमआरडी) की पहचान (बालचिकित्सा)।
45. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में काय चिकित्सा एवं वृक्क विज्ञान वार्डों में अवलोकित ए डी आर के पैटर्न की गहन प्रतिकूल औषध प्रतिक्रिया (एडीआर) की निगरानी एवं विश्लेषण (भेषजविज्ञान)।
46. प्रीक्लेम्पसिया वाली महिलाओं में गर्भावस्था अवधि के दौरान वेस्कुलर कार्यों, बैरोरेफ्लेक्स संवेदनशीलता और एंजियोजेनिक कारकों का मूल्यांकन (शरीर क्रिया विज्ञान)।
47. स्तन कैंसर के रोगियों में आणविक मापदंडों सहित प्रोग्नोस्टिक कारकों की जैव सांख्यिकीय पक्ष : एक महामारी विज्ञान का मूल्यांकन (रेडियोथेरेपी)।
48. परिधीय धमनी रोग में बायोमार्कर्स (शल्य चिकित्सा विभाग)।
49. निचले अंगों के परिधीय धमनी रोग के रोगियों में जीवित व्यायाम प्रशिक्षण कार्यक्रम की प्रभावोत्पादकता का मूल्यांकन करने के लिए अध्ययन एवं उनके जीवन गुणवत्ता का मूल्यांकन करना (शल्य चिकित्सा विभाग)।
50. मानव स्पाइरल गैंग्लिऑन में आयु संबंधित मोर्फोलॉजिकल एवं न्यूरोकैमिकल परिवर्तन (शरीर रचना विज्ञान)।
51. ह्यूमन इन्फीरियर कोलीकुलस में आयु संबंधी परिवर्तन : एक मोर्फोलॉजिकल और न्यूरोकेमिकल अध्ययन (शरीर रचना विज्ञान)।
52. ऑपरेशन पश्चात दर्द वाले चूहे मॉडल में रीढ़ की हड्डी के स्तर पर विशिष्ट न्यूरोपेप्टाइडेस की भागीदारी का अध्ययन (शरीर रचना विज्ञान)।
53. फ्रीड्रिच–अटेक्सिया के पैथोजेनेसिस के साथ रिलेवेंस में ट्रिप्लेक्स बाइंडिंग प्रोटीनों के प्लाज्मा सर्कुलेटिंग न्यूक्लिक एसिड और इन–विट्रो विश्लेषण का मूल्यांकन (जैव रसायन)।
54. मानव मलाशय कैंसर में विभेदन और ट्यूमर माइक्रोएन्वार्यनमेंट के बीच संघ की जांच (जैव रसायन)।
55. भारत में बच्चों और बुजुर्गों के बीच तीव्र श्वसन नलिका के संक्रमण में श्वसन रोगजनकों का महामारी विज्ञान अध्ययन (सामुदायिक चिकित्सा केन्द्र)।
56. उत्तर भारत में मधुमेह रेटिनोपेथी का जानपदिक रोग विज्ञान (सामुदायिक नेत्र रोग विज्ञान, आर पी सेंटर)।
57. इनहेरिटिड एपिडर्मोलिसिस बुल्लोसा के निदान में इम्युनोफ्लोरसेंस मानचित्रण के साथ इम्युनोहिस्टोकैमिस्ट्री एंटीजन मानचित्रण का एक तुलनात्मक अध्ययन (त्वचा रोग एवं रतिरोग विज्ञान)।
58. जन्मजात इक्थियोसिस वाले बच्चों में अस्थि खनिज समस्थिति पर विटामिन डी पूरकता का प्रभाव (त्वचा रोग एवं रतिरोग विज्ञान)।
59. तीव्र अभिन्न पेट दर्द के साथ आपातकालीन विभाग में आने वाले बुजुर्ग रोगियों के लिए निर्णय लेने में पेट के कंट्रास्ट एडवांस्ड सीटी की भूमिका (आपात चिकित्सा)।
60. पी.सी.ओ.एस. के साथ महिला, प्रकार 2 डायबेटिक मेलिटस के परिवार के इतिहास के साथ और के बिना में क्लीनिकल, बायोकेमिकल, हार्मोनल पारिवारिक विशेषताएं और एफ.टी.ओ. जीन भिन्नता (अंतः स्राविकी एवं चयापचय)।
61. बुजुर्ग एशियाई भारतीयों में फ्रेजिलिटी हिप फ्रैक्चर्स के क्लिनिकल, महामारी विज्ञान और पर्यावरण जोखिम संबद्ध कारकों का एक अध्ययन, आयु 60 वर्षों से अधिक (अंतः स्राविकी एवं चयापचय)।
62. सिरोसिस के रोगियों में हेपैटोसेलुलर कार्सिनोमा के निदान में कंट्रास्ट उन्नत अल्ट्रासाउंड की भूमिका (जठरांत्र रोग विज्ञान एवं मानव पोषण)।

63. क्षणिक इलेस्टोग्राफी, अपरुपण तरंग इलेस्टोग्राफी और सीरम जैव रासायनिक मार्कर का उपयोग करते हुए तीव्र यकृत रोग वाले रोगियों में लीवर फाइब्रोसिस का आकलन (जठरांत्र रोग विज्ञान एवं मानव पोषण)।
64. इंफ्लेमेटरी मल रोग और इंस्टेस्टिनल ट्यूबरकुलोसिस वाले रोगियों में टी–नियामक कोशिका अभिव्यक्ति की गतिशीलता (जठरांत्र रोग विज्ञान एवं मानव पोषण)।
65. डेमेंशिया और उनके देखभालकर्ताओं के साथ वृद्ध व्यक्तियों के लिए व्यावसायिक चिकित्सा की प्रभावशीलता (जरा चिकित्सा विज्ञान)।
66. गहन धूम्रपान बंद करने के हस्तक्षेप बनाम सिफारिशें के एक पैकेज का प्रभाव, फेंफड़े के तपेदिक के स्मीयर पॉजीटिव रोगियों में परिणामों पर मूलभूत धूम्रपान बंद करने की सलाह; एक यादृच्छक नियंत्रित परीक्षण (काय चिकित्सा)।
67. एचआईवी–संक्रमित व्यक्तियों में सक्रिय तपेदिक और निमोनिया के विकास पर विटामिन डी की पूरकता के प्रभाव को निर्धारित करने के लिए एक संभावित डबल–ब्लाइंड, यादृच्छिक, प्लासेबो–नियंत्रित परीक्षण (काय चिकित्सा)।
68. ऑब्स्ट्रक्टिव स्लीप एपनिया वाले रोगियों में बायोमार्कर पर निरंतर सकारात्मक एयरवे दबाव (सीपीएपी) का प्रभाव (काय चिकित्सा)।
69. महिलाओं की 40 वर्षों से कम आयु में साइक्लोफॉस्फेमाइड चिकित्सा के साथ डिम्बग्रंथि विफलता की घटना (काय चिकित्सा)।
70. ट्यूबरकुलोसिस में संभावित माइक्रो आरएनए की अभिव्यक्ति विश्लेषण (काय चिकित्सा)।
71. एलजे (लोवेनस्टिन जेन्सेन) मीडिया विधि के उपयोग द्वारा दिल्ली राज्य में एक्स / एमडीआर–टीबी का प्रसार (बड़े पैमाने / बहु दवा प्रतिरोधी तपेदिक पर) (काय चिकित्सा)।
72. लिक्विड कल्चरल एमजीआईटी – 960 के उपयोग से दिल्ली राज्य में पल्मोनरी टी. बी. मामलों में दवा प्रतिरोधी पैटर्न की रूपरेखा (काय चिकित्सा)।
73. एचआईवी–ट्यूबरकुलोसिस संबद्ध इम्युन रिकंस्टीट्यूशन इंफ्लेमेटरी सिंड्रोम (आई.आर.आई.एस.) के प्रीडिक्टर के रूप में इंफ्लेमेटरी बायोमार्करों को परिसंचारित करना (काय चिकित्सा)।
74. प्रोटियोमिक्स दृष्टिकोण का उपयोग करके ऑब्सेक्ट्रक्टिव स्लीप एपनिया वाले रोगियों में रोग से संबंधित बायोमार्कर (काय चिकित्सा)।
75. तीव्र माइलॉइड ल्यूकेमिया में माइटोकॉन्ड्रियल डी.एन.ए. नियामक क्षेत्र में परिवर्तन के नैदानिक और जैविक महत्व (चिकित्सा कैंसर विज्ञान)।
76. बाल चिकित्सा हॉजकिन लिंफोमा – जीवविज्ञान और परिणाम (चिकित्सा कैंसर विज्ञान)।
77. ए.एम.एल. रोगियों में डब्ल्यूएनटी / बी केटेनिन संकेतन मार्ग के जैविक और नैदानिक महत्व का अध्ययन (चिकित्सा कैंसर विज्ञान)।
78. माइटोकॉन्ड्रियल डी.एन.ए. में परिवर्तन के नैदानिक और जैविक महत्व (चिकित्सा कैंसर विज्ञान)।
79. आई.आर.सी.एच. में ऑस्टियो – सार्कोमा रोगियों के परिणाम और लक्षण कारकों का उपचार (चिकित्सा कैंसर विज्ञान)।
80. बाल चिकित्सा गैर–हॉगकिंस लिंफोमा रोगियों में संचार टी विनियामक कोशिकाएं (चिकित्सा कैंसर विज्ञान)।
81. वेंकोमाइसिन और हाइ लेवल जेंटेमिसिन रजिस्टेंट एंटेरोकोकस फैसियम और इंटेरोकोकस फैसलिस के क्लीनिकल वियोजन का कथित विषैलापन कारक और आण्विक टाइपिंग का विश्लेषण (सूक्ष्म जैव विज्ञान)।
82. क्लेबसिएला निमोनिया की आण्विक टाइपिंग के विशेष संदर्भ सहित नवजात पूति का त्वरित निदान (सूक्ष्म जैव विज्ञान)।
83. विस्तारित स्पेक्ट्रम सेफेलोस्पोरींस के लिए संवेदनशीलता की कमी के साथ नेइसेरिया गोनोरोसी उपभेदों के आण्विक विशेषता (सूक्ष्म जैव विज्ञान)।

84. रोगियों में क्राइप्टोस्पोरीडियम प्रजाति और परजीवी के अधिक लाक्षणीकरण का पता लगाने के लिए एक आण्विक नैदानिक प्रोब का विकास (सूक्ष्म जैव विज्ञान)।
85. टाइफोइडल साल्मोनेला के विरुद्ध वैकल्पिक रोगाणुरोधी एजेंटों का एक अध्ययन (सूक्ष्म जैव विज्ञान)।
86. अल्सरेटिव कोलाइटिस में साइटोमेगालोवायरस के लिए मात्रात्मक वास्तविक समय पी.सी.आर. और जीनोटाइपिंग (सूक्ष्म जैव विज्ञान)।
87. एक तृतीयक देखभाल अस्पताल में प्रोस्थेटिक संयुक्त संक्रमण का परिमाण (पी.जे.आई.) और प्रोस्थेटिक संयुक्त संक्रमण के माइक्रोबियल प्रोफाइल की पहचान के लिए प्रवर्धन आधारित डी.एन.ए. विश्लेषण की भूमिका (सूक्ष्म जैव विज्ञान)।
88. तीव्र इस्केमिक स्ट्रोक के निदान और लक्षणों में रक्त मार्कर के एक नैदानिक पैनल का विकास (तंत्रिका विज्ञान)।
89. इस्केमिक स्ट्रोक के साथ भारतीय रोगियों में एस्पिरिन प्रतिरोध के साथ जुड़े जेनेटिक और नैदानिक कारक (तंत्रिका विज्ञान)।
90. गैर छोटे सेल फेफड़ों के कैंसर में प्रारंभिक उपचार प्रतिक्रिया मूल्यांकन के लिए पूरे शरीर प्रसार भारित एमआरआई के साथ पूरे शरीर को एफ –18 एफ.डी.जी. पी.ई.टी. सी.टी. की गतिशील एफ –18 एफ.डी.जी. पी.ई.टी. / सी.टी. प्रोटोकॉल और तुलना का मानकीकरण (नाभिकीय चिकित्सा)।
91. यूवाइटिस के प्रयोगात्मक मॉडल में एप्टामेटर्स के बी.आर.बी. ट्रांसपोंडर कार्य और मूल्यांकन को समझना (नेत्र भेषजगुण विज्ञान)।
92. कार्डियोमेटाबोलिक जोखिम के साथ जुड़े एडिपोसिटी की प्रोग्रामिंग और जैव रासायनिक मार्करों पर शीघ्र शैशवावस्था में वसा द्रव्यमान के लाभ की भूमिका (बाल चिकित्सा विज्ञान)।
93. भारतीय व्यवस्था में स्तन कैंसर में सेंटिनल लिम्फ नोड बायोप्सी और मूल्यांकन तकनीक का अनुकूलन (शल्य चिकित्सा)
94. वेंट्रोमेडिकल हाइपोथेलेमिक कार्यों पर पूरी स्पाइनल कॉर्ड की चोट का प्रभाव : चुंबकीय क्षेत्र की भूमिका (शरीर क्रिया विज्ञान)।
95. 3 जी फ्रीक्वेंसी बैंड के एक्सपोरुड चूहों में व्यवहार इलेक्ट्रोफिजियोलॉजीकल और दर्द का न्यूरोकेमिकल संबद्ध पर चुंबकीय क्षेत्र का प्रभाव (शरीर क्रिया विज्ञान)।
96. हल्के संज्ञानात्मक हानि और अल्जाइमर रोग में संज्ञानात्मक घाटे और स्ट्रेस रिएक्टिविटी का मात्रात्मक ई.ई.जी. कोरेलेट्स (शरीर क्रिया विज्ञान)।
97. स्वस्थ स्वयंसेवकों में संज्ञानात्मक प्रदर्शन में भावना प्रेरित परिवर्तन का मात्रात्मक ई.ई.जी. कोरेलेट्स (शरीर क्रिया विज्ञान)।
98. स्पाइनल कॉर्ड की चोट में चुंबकीय क्षेत्र के एक्सपोज़र के साथ–साथ लोहे के आक्साइड नेनोपार्टिकल के न्यूरोरीजनरेशन निम्न आरोपण (शरीर क्रिया विज्ञान)।
99. गुर्दे की पथरी के आकलन में दोहरी ऊर्जा सीटी की भूमिका (विकिरण निदान)।
100. प्रसार भारित एम.आर. इमेजिंग और अल्ट्रासाउंड इलास्टोग्राफी का उपयोग करते हुए आम जनता के गर्दन का मूल्यांकन (विकिरण निदान)।
101. वयस्क दर्दनाक ब्रेकियल जाल चोट के चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग मूल्यांकन (विकिरण निदान)।
102. ऑब्सट्रेक्टिव स्लीप एपनिया सिंड्रोम में ऊपरी श्वासपथ के मूल्यांकन में गतिशील एम.आर.आई. (विकिरण निदान)।
103. कीमोथेरेपी के दौर से गुजर रहे रोगियों में गैर–छोटे सेल फेफड़ों कार्सिनोमा के मूल्यांकन में परफ्यूजन सीटी की भूमिका (विकिरण निदान)।

104. सामान्य शल्य चिकित्सा के निवासियों के ऑपरेटिव प्रदर्शन पर बेंच प्रशिक्षण का मूल्यांकन का एक अध्ययन (शल्य चिकित्सा)।

पूर्ण

1. ट्रोफोब्लास्ट कोशिकाओं में पेरोक्सिसम प्रोलिफीरेटर सक्रिय ग्राही (पी.पी.ए.आर.) एवं एंजियोजेनिक कारकों की अभिव्यक्ति पर हायपोक्सिया का प्रभाव (शरीर रचना विज्ञान)।
2. दिल्ली के शहरी झुग्गियों में सामान्य नेत्र स्थितियों के संबंध में जागरुकता एवं स्वास्थ्य संबंधित प्रथाओं पर अध्ययन (सामुदायिक नेत्र विज्ञान)।
3. गंभीर डेंगू ज्वर में बायोमार्कर्स (कायचिकित्सा)।
4. बायो–मार्कर्स पार्किन्सन्स रोग के रूप में सिर्ट्यून्स का मूल्यांकन (कायचिकित्सा)।
5. बाल्यावस्था दुःसाध्य मिरगी में आरंभिक बनाम बिलम्ब शल्यचिकित्सा का यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (आर सी टी) (तंत्रिका विज्ञान)।
6. स्पाइनल कोर्ड विक्षतियों वाले रोगियों में निद्रा की नियतकालिक अंग गतिविधियों की व्यापकता एवं पैटर्न का अध्ययन और नैदानिक रूपरेखा के साथ इसका सह–संबंध (तंत्रिकाशल्यचिकित्सा)।
7. स्तन कैंसर में गैर – इंवेसिव पहचान, उपचार प्रतिक्रिया एवं ट्यूमर मेटाबोलिज्म के मूल्यांकन में चुम्बकीय रीसोनेंस स्पेक्ट्रोस्कॉपी इमेजिंग (एम.आर.एस.आई.) एवं डिफ्यूज़न वेटिड एम आर आई (डीडब्ल्यू : एमआरआई) (एन एम आर)।
8. शिशु नियोप्लाज्मा, न्यूरोब्लास्टोमा में एस सी एफ / सी – किट जीन का जिनोमिक एवं प्रोटियोमिक विश्लेषण (बाल शल्य चिकित्सा)।
9. स्पेस्टिसिटी में एल्प्रजोलम के प्रभाव पर प्रायोगिक अध्ययन (पी एम आर)।
10. स्थूल रोगियों में सी प्रतिक्रियाशील प्रोटीन स्तर पर व्यायाम का प्रभाव (पी एम आर)।
11. स्तन कैंसर के अध्ययन हेतु चुम्बकीय अनुनाद (एम आर) बहु–पैरामेट्रिक पहुंच एवं जैवविज्ञानात्मक मार्करों के साथ इसका सह – संबंध (एन एम आर)।
12. भारत में पांच वर्ष से कम आयु वाले बच्चों का इंफ्लुएंजा प्रतिरक्षण का आर्थिक मूल्यांकन (सामुदायिक कार्य चिकित्सा)।
13. उच्च स्तर जेंटामायसिन प्रतिरोध इंटरोकोकस फेसिएम एवं इंटररोकोकस फेकेलिस तथा वेंकोमायसिन के क्लिनिकल पार्थक्यों का आण्विक टाइपिंग एवं अनुमानित विषाक्तता कारकों का विश्लेषण (सूक्ष्म जैव विज्ञान)।
14. बन्ध्यता एवं यूरोजेनिटल संक्रमणों वाले रोगियों में क्लैमाइडिया ट्रैकोमेटिस की व्यापकता तथा पी सी आर – प्रतिबंध फ्रैग्मेंट लेंथ पोलीमोर्फिज्म एवं ओ. एम. पी. ए. सीक्वैसिंग द्वारा जीनोटाइपिंग (सूक्ष्म जैव विज्ञान)।
15. आणिवक पद्धतियों द्वारा लेजियोनिला न्यूमोफिला संक्रमण का निदान तथा आण्विक मार्करों का उपयोग करके लेजियोनिला न्यूमोफिला के क्लिनिकल एवं पर्यावरण संबंधी पार्थक्यों का विश्लेषण (सूक्ष्म जैव विज्ञान)।
16. एच आई वी संक्रमित भारतीय व्यक्तियों में सी. डी. 56 सी. डी. 16 + सी. डी. 3–प्राकृतिक मारक कोशिकाओं की भूमिका (सूक्ष्म जैव विज्ञान)।
17. क्षय रोग के प्रारंभिक और निश्चित निदान के लिए संभावित बायोमार्कर की पहचान करने के लिए क्षय रोग प्लेयरल के बहाव का प्रोटियोमिक अध्ययन (काय चिकित्सा)।
18. एमडीआर टीबी रोगियों में सॉलिड कल्चर विधि और लाइन प्रोब एसे द्वारा एम. टीबी में तुलनात्मक दवा संवेदनशीलता परीक्षण (काय चिकित्सा)।
19. चूहों में नशा समाप्त होने पर नैलोबुफिन के प्रभाव : व्यवहार, बायोकेमिकल और आणविक अध्ययन (मनोरोग)।

20. स्कूल जाने वाले किशोरों के बीच न्यूरोकॉन्गनेटिव प्रदर्शन और व्यवहार पैटर्न पर कुल सोने के समय का प्रभाव (मनोरोग)।
21. नवजात हीयरिंग स्क्रीनिंग के लिए विरूपण उत्पाद और क्षणिक रूप से उत्पन्न ओटोकौस्टिक उत्सर्जन का निदान प्रदर्शन (बाल चिकित्सा विज्ञान)।
22. लूपस नेफ्रैटिस में परिणाम के साथ क्लिनिको पैथोलॉजिकल सहसंबंध (बाल चिकित्सा विज्ञान)।
23. ई.एस.एस. के हिंदी संस्करण का सत्यापन (काय चिकित्सा)।
24. लूपस नेफ्रैटिस में प्रतिक्रिया के प्रीडक्टर्स (काय चिकित्सा)।
25. तीव्र अभिन्न पेट दर्द के साथ आपातकालीन विभाग में आने वाले बुजुर्ग रोगियों के लिए निर्णय लेने में पेट के कंट्रास्ट एडवांस्ड सीटी की भूमिका (विकिरण निदान)।
26. विटिलिगो में प्रत्यारोपण के लिए एकल एंजाइम (ट्रिप्सिन) और मल्टीपल एंजाइमों (ट्रिप्सिन, कोलेजिनेस और डिस्पेस) के उपयोग करने के लिए एक्सट्रेक्टिड हेयर फॉलिकल आउटर रूट शीथ सेल सस्पेंशन (ईएफएफ ओआरएस सीएस) को तैयार करने के प्रभावकारिता, व्यवर्हाता और विभिन्न कोशिका आबादी की संरचना के आकलन का एक तुलनात्मक अध्ययन (त्वचा रोग विज्ञान)।
27. कोलॉन के माइक्रोस्कोपिक प्रेन्यूप्लास्टिक म्यूकोसल लेसन्स में परिवर्तित प्रोटीन अभिव्यक्ति की इम्यूनोहिस्टोकेमिकल का पता लगाना (विकृति विज्ञान)
28. आण्विक विधियों द्वारा स्क्रब सन्निपात का रैपिड निदान (सूक्ष्म जैव विज्ञान)।
29. गंभीर ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया सिंड्रोम के लिए उदार में एंडोथेलियल कार्य (काय चिकित्सा)।
30. गॉल ब्लेडर कार्सिनोमा में कीमोरेडियोथेरेपी के लिए प्रतिक्रिया के मूल्यांकन में प्रसार भारित एमआरआई के साथ एमआरआई की भूमिका (विकिरण निदान)।
31. बाल चिकित्सा हॉडगकिन लिम्फोमा के मूलभूत, अंतरिम और उपचार पश्चात आकलन में पेट सी.टी. बनाम सी.ई. सी.टी. का मूल्यांकन (विकिरण निदान)।
32. अस्वस्थ मोटापे के संज्ञानात्मक कार्यों पर बेरिएट्रिक सर्जरी के प्रभाव का आकलन (शल्य चिकित्सा विभाग)।
33. आईआरसीएच, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में ऑटो–एच.एस.सी.टी. के लिए भर्ती किए गए रोगियों में खराब लामबंदी के जी–सीएसएफ लामबंदी और कारक प्रीडिक्टिव के साथ स्टेम सेल उपज की एक भावी अध्ययन (चिकित्सा कैंसर विज्ञान)।
34. प्रगतिशील और / या दुर्दम्य बाल चिकित्सा कैंसर में सर्वश्रेष्ठ सहायक देखभाल बनाम कम खुराक रसायन चिकित्सा (मेट्रोनोमिक थेरैपी) : एक डबल ब्लाइंड प्लासेबो नियंत्रित यादृच्छिक अध्ययन (चिकित्सा कैंसर विज्ञान)।
35. अल्सरेटिव कोलाइटिस में कोलोरेक्टर कार्सिनोमा की घटना (जठरांत्र रोग विज्ञान एवं मानव पोषण)।
36. शीघ्र स्तन कैंसर वाले रोगियों के एक कम्प्यूटरीकृत भावी डेटाबेस का विश्लेषण (शल्य चिकित्सा कैंसर विज्ञान)
37. मौखिक जीभ के कैंसर के रोगियों के भावी कम्प्यूटरीकृत डेटाबेस की समीक्षा (शल्य चिकित्सा कैंसर विज्ञान)
38. रेटिनोब्लास्टोमा के जीवित बचे लोगों में दीर्घावधि जीवंत और गैर दृश्य परिणाम (चिकित्सा कैंसर विज्ञान)।
39. चरण IV बी आवर्तक या निरंतर कार्सिनोमा गर्भाशय ग्रीवा में प्रशामक कीमोथेरेपी के एक खुले लेबल यादृच्छिक चरण ।। पायलट अध्ययन (चिकित्सा कैंसर विज्ञान)।
40. ओपन हार्ट सर्जरी वाले बाल चिकित्सा रोगियों में मायोकार्डियल संरक्षण के लिए डेलनिडो और सेंट थॉमस कार्डियोप्लाजिया सोल्यूशन की तुलना (सी. टी. वी. एस.)।
41. गर्भावधि मधुमेह वाली एशियाई महिलाओं में मेटफार्मिन और उपचर्म इंसुलिन की सुरक्षा और प्रभावकारिता के एक यादृच्छिक खुले लेबल वाले तुलनात्मक अध्ययन, (प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान)।
42. भारतीय जनसंख्या में एच.एल.ए. के जीनोमिक विविधता (प्रतिरोपण प्रतिरक्षा विज्ञान)।

43. नवजात स्वास्थ्य में उन्नत अनुसंधान केंद्र (बाल चिकित्सा विज्ञान)।
44. उच्च स्तरीय जेन्टामाइसिन रेसिस्टेंट *एंटरोकोकस फेसियम* एवं *एंटेरोफोकस फैशलिस* के नैदानिक आइसोलेट्स की मॉलीक्यूलर विशेषता (सूक्ष्म जैव विज्ञान)।
45. ग्रामीण भारत के लिए नवजात स्वास्थ्य देखभाल सेवा वितरण मॉडल का विकास (सामुदायिक चिकित्सा केन्द्र)।
46. एपिडर्मोलिसिस बुल्लोसा का आण्विक विश्लेषण (त्वचा रोग एवं रतिरोग विज्ञान)।
47. जन्मजात मत्स्यवत वाले बच्चों की प्राथमिक देखभाल करने वालों के बीच व्यक्तिगत तनाव, परिवार का बोझ तथा जीवन की गुणवत्ता और मनोवैज्ञानिक डार्मेटोलॉजिकल हस्तेक्षप के प्रभाव का मूल्यांकन (त्वचा रोग एवं रतिरोग विज्ञान)।
48. एशियाई भारतीय विषयों में मातृ एवं नवजात शिशु के लिए विटामिन डी की स्थिति पर विटामिन डी पूरकता के प्रभाव की जांच करने के लिए एक यादृच्छिक डबल ब्लाइंड नियंत्रित परीक्षण (अंतः स्राविकी एवं चयापचय)।

प्रकाशन
पत्रिकाएं : 94 सार : 4 पुस्तकों में अध्याय : 2

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां

आचार्य आर. एम. पाण्डे को राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान अकादमी (एफ.ए.एम.एस.) के अध्येता का पुरस्कार दिया गया, उन्हें एम्स से पहले जैव सांख्यिकीविद् के रूप में सम्मानित किया गया था। एथिक्स समिति : अध्यक्ष, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक हेल्थ (पीएचएफआई के तहत), दिल्ली; समन्वयक : एम्स में जेआर / एसआर अकादमी के लिए अनुसंधान विधियां, लेखन और संचार पर अनिवार्य पांच दिवसीय कार्यशाला; सदस्य : यूनाइटेड नेशन्स रिजनल सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी, डीबीटी के तहत; साइंटिफिक एडवाइजरी कमिटी ऑफ नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एपिडर्मियोलॉजी (आईसीएमआर) और क्षेत्रीय चिकित्सा अनुसंधान केंद्र (आरएमआरसी – आईसीएमआर); आर.एन.टी.सी.पी. (भारत सरकार) पर गतिविधि अनुसंधान; अनुसंधान सलाहकार परिषद, बी.पी.के.आई.एच.एस., धारन, नेपाल; अनुसंधान सलाहकार समिति, वल्लभ भाई पटेल चेस्ट इंस्टीट्यूट, दिल्ली विश्वविद्यालय; एकेडमिक काउंसिल संतोष यूनिवर्सिटी (यू.जी.सी. के तहत) गाजियाबाद; एसएएम बच्चों पर डीबीटी – आईसीएमआर एलायंस अध्ययन के संचालन समिति के सदस्य; नैदानिक बहु – केंद्रित सहयोगात्मक अध्ययन के संचालन समिति के सदस्य, भारत में लिसोसोमल स्टोरेज डिसऑर्डर के जैव रसायन और आणिवक लाक्षणीकरण; विशेषज्ञ समिति, क्लेफ्ट लिप और प्लेट एनोमली (आईसीएमआर) पर टास्क फोस परियोजना; आईसीएमआर के एचआरआरसी के समीक्षा का कार्य करने के लिए शीर्ष समिति; भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के आकलन बोर्ड; बिल मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन और डीबीटी द्वारा निधिकृत भव्य भारत चुनौतियों / पोषण तथा स्वास्थ्य पर तकनीकी सलाहकार समूह; डीएसटी द्वारा जीवन पर मोबाइल टावर एवं हैंडसेट से आईएमएफ विकिरण जोखिम के संभावित प्रभाव पर अनुसंधान एवं विकास प्रस्तावों तथा अनुसंधान एवं विकास पहल संबंधित का मूल्यांकन करने के लिए विशेष समिति; भारत (आईसीएमआर) में बाल चिकित्सा एचआईवी मामलों के बोझ के आकलन पर विशेषज्ञ समिति; समय और गति का अध्ययन करने के लिए यूनिसेफ के तहत बाल अध्ययन प्रभाग के तकनीकी सलाहकार समूह; सदस्य डीएसएमबी : डब्ल्यूएचओ द्वारा नवजात मृत्यु दर, डब्ल्यूएचओ द्वारा समन्वित पर कंगारू मां की देखभाल आधारित समुदाय; विशेषज्ञ समूह, निम्हांस द्वारा राष्ट्रीय मस्तिष्क स्वास्थ्य सर्वेक्षण; परीक्षक : दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में प्रस्तुत पीएचडी थीसिस आई. आई. पी. एस., मुंबई; तथा केरल विश्वविद्यालय। संपादकीय बोर्ड के सदस्य : इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स; इंडियन जर्नल ऑफ चेस्ट डिज़ीज़ एंड एलाइड साइंसेजा; इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल स्पेशलिटीज़।

आचार्य एस. एन. द्विवेदी : इंडिया इंटरनेशनल फ्रेंडशिप सोसायटी के ''भारत गौरव पुरस्कार'' से सम्मानित; सदस्य : व्यावहारिक सांख्यिकी और विकास अध्ययन संस्थान, लखनऊ के शासी निकाय; सांख्यिकी विभाग, कलकत्ता

विश्वविद्यालय में प्रोत्साहित करने के लिए सलाहकार समिति (यूजीसी नामित); पीएचएफआई, नई दिल्ली में बहु केंद्रित अध्ययन के लिए डेटा सुरक्षा निगरानी बोर्ड (डीएसएमबी); बाल चिकित्सा विभाग में डीएसएमबी; एम्स, नई दिल्ली में ''रोल ऑफ योगा निद्रा इन इनसोमनिया पेशेंट्स'' डीएसएमबी; आईसीएमआर विधियों पर टास्क फोर्स समिति; डीएचआर भारत सरकार के मॉडल रूरल हेल्थ रिसर्च यूनिट्स (ब्लॉक लेवल) के लिए विशेष परियोजना समीक्षा समिति; मौखिक स्वास्थ्य, आईसीएमआर पर परियोजना समीक्षा समिति; एनआईएमएस, आईसीएमआर, नई दिल्ली की वैज्ञानिक सलाहकार समिति (एसएसी); इंडियन जर्नल ऑफ चाइल्ड हेल्थ का संपादकीय बोर्ड; नैदानिक जैव सांख्यिकी के लिए अंतरराष्ट्रीय सोसायटी; इंटरनेशनल एपिडर्मियोलॉजिकल एसोसिएशन, यूएसए; स्नातकोत्तर थीसिस के लिए इंस्टीट्यूट एथिक्स कमिटी; बाह्य विशेषज्ञ : डीएसटी और सीएसआईआर में परियोजना प्रस्तावों के मूल्यांकन के लिए जेआईपीएमईआर वैज्ञानिक सलाहकार समिति (जेएसएसी)। बाह्य परीक्षक : पीएच.डी. थीसिस, गुरू गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, दिल्ली; गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी; राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान केंद्र, मानेसर का तंत्रिका विज्ञान; समीक्षक : इंटरनेशनल सोसायटी फॉर क्लिनिकल बायोस्टेस्टीक्स; इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च; इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड रिव्यूस, ब्रिटिश जर्नल ऑफ मेडिसिन एंड मेडिकल रिसर्च।

आचार्य वी. श्रीनिवास सदस्य; एथिक्स समिति, एम्स; परियोजना समीक्षा समिति के लिए आंतरिक अनुदान, एम्स; इंस्टीट्यूट फॉर साइटोलॉजी एंड प्रीवेंटिव ऑन्कोलॉजी, आईसीएमआर की वैज्ञानिक सलाहकार समिति (एसएसी); इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च के आकलन बोर्ड; तकनीकी मूल्यांकन समिति, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, भारत सरकार; कैंसर विज्ञान, तंत्रिका विज्ञान और नेत्र विज्ञान की परियोजना समीक्षा समिति, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, भारत; सांख्यिकीय सलाहकार : इंडियन जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी एंड वेनेरियल डिजीज (आईजेडीवीएल); जर्नल ऑफ इंडियन एसोसिएशन ऑफ चाइल्ड एंड एडल्ट मेंटल हेल्थ (जेआईएसीएएम), जैव सांख्यिकी समीक्षक : जर्नल ऑफ क्लिनिकल ऑन्कोलॉजी (अमेरिकन सोसायटी फॉर क्लिनिकल ऑन्कोलॉजी), पीडियट्रिक्स (अमेरिकन एकेडमी ऑफ पीडियट्रिक्स), इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च, इंडियन जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी, वेनेरियोलॉजी एंड लेप्रोलॉजी एंड इंडियन पीडियट्रिक्स थे।

डॉ. एम. ए. खान एसोसिएट संपादक थे : जर्नल ऑफ स्टेटिस्टिक्स एंड मैथमेटिक्स – यूएसए; संपादकीय बोर्ड के सदस्य (जैव सांख्यिकी) : अमेरिकन जर्नल ऑफ एप्लाइड मैथमेटिक्स एंड स्टेटिस्टिक्स, यूएसए; वैज्ञानिक समीक्षक : इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च, इंडिया; अमेरिकन जर्नल ऑफ एप्लाइड मैथमेटिक्स एंड स्टेटिस्टिक्स, यूएसए; जर्नल ऑफ ओबेसिटी, यूके थे।

डॉ. एम कलाइवेनी सांख्यिकीय संपादक : जर्नल ऑफ न्यूरोएनेस्थिसियोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर; समीक्षक : इंडियन जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी, वेनेरियोलॉजी एंड लेप्रोलॉजी (वॉल्टर्स कलुवर) इंडिया और इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च; सदस्य : डीबीटी परियोजना के लिए डीएसएमबी सदस्य; डीबीटी परियोजना स्थल दौरे समिति सदस्य और टीएचएसटीआई, डीबीटी, भारत सरकार के जांच समिति सदस्य थे।

9.7 जैव प्रौद्योगिकी

आचार्य एवं अध्यक्ष

वाई. डी. शर्मा

आचार्य

जे. एस. त्यागी एच. के. प्रसाद (30 जून 2015 को सेवानिवृत्त) एस. एन. दास

सह–आचार्य
अनुश्री गुप्ता

विशिष्टताएं

विभाग द्वारा प्रति बैच 12–14 छात्रों को प्रवेश करने के लिए चिकित्सा जैव प्रौद्योगिकी में विशेषज्ञता के साथ जैव प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रम में स्नातकोत्तर सफलता पूर्वक चलाया जाता है। विभाग पीएच.डी कार्यक्रम भी चलाता है। एम. एससी और पी. एचडी छात्रों की कुल संख्या 35 के आस पास है। इसके अलावा, एम. एससी और पी. एचडी, विभाग राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के अध्येतावृत्ति कार्यक्रम के लिए सहायता भी प्रदान करता है। संकाय सरकारी वित्त एजेंसियों से बाह्य अनुसंधान अनुदान की एक बड़ी संख्या प्राप्त करते हैं। संकाय द्वारा सरकार और विभिन्न विश्वविद्यालयों / संस्थानों को अध्यापन और अनुसंधान के पक्षों पर विशेषज्ञ सलाह दी जाती है, आमंत्रित व्याख्यान दिए जाते हैं और उच्च प्रभाव वाली पत्रिकाओं में शोधपत्र प्रकाशित किए जाते हैं।

शिक्षा
स्नातकोत्तर

विभाग द्वारा चिकित्सा जैव प्रौद्योगिकी में अपने दो वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम जारी रखे गए, जिनसे एम. बायोटेक डिग्री प्रदान की गई। अध्यापन कार्यक्रम में सैद्धांतिक और प्रायोगिक कक्षाएं, संगोष्ठी प्रस्तुतिकरण और अनुसंधान परियोजनाएं (लघु शोध प्रबंध) आयोजित की जाती हैं, जो चिकित्सा अनुसंधान के अग्रणी क्षेत्रों में होती हैं। छात्रों पर व्यक्तिगत ध्यान दिया जाता है और प्रायोगिक कक्षाओं में स्वयं कार्य का अनुभव होता है।

एम्स संकाय के अलावा जैव प्रौद्योगिकी, जैव सूचना विज्ञान, आण्विक चिकित्सा, जीनोमिक्स, प्रोटियोमिक्स, आदि से संबंधित अनुसंधान और विकास के अपने संबंधित क्षेत्रों में छात्रों के लिए अंतर्दृष्टि प्रदान करने के लिए विभिन्न विशेषताओं से जेएनयू, आईजीआईबी, आईसीजीईबी, एनआईआई और एनआईआईटी से विशेषज्ञों को आमंत्रित किया जाता है।

विभाग द्वारा चिकित्सा जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में पीएच.डी कार्यक्रम का आयोजन जारी है।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

प्रदत्त व्याख्यान
वाई. डी. शर्मा : 2 जे.एस. त्यागी : 6 एस. एन. दास : 1

मौखिक पत्र / पोस्टर प्रस्तुतीकरण : 4

अनुसंधान
वित्तपोषित परियोजनाएं
जारी

1. *पी. विवेक्स* ट्राइप्टोफेन– समृद्ध प्रतिजन पर रोग प्रतिरक्षण और आनुवंशिक बहुरूपता अध्ययन, वाई. डी. शर्मा, आई. सी. एम. आर., 3 वर्ष, 2013–16, 22.5 लाख रुपए।
2. बायोमेडिसिन के लिए विशेष अनुप्रयोग के साथ जैव प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर प्रशिक्षण कार्यक्रम, वाई. डी. शर्मा, डी. बी. टी., 5 वर्ष, 2014–19, 22.58 लाख रुपए प्रति वर्ष।
3. ट्रांसलेशंस स्वास्थ्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के बीच नेशनल एलायंस बायोडिजाइन कार्यक्रम और इन–विट्रो निदान, जया एस. त्यागी, डीबीटी, 6 वर्ष, 2010–16, 62.045 लाख रुपए।
4. उत्कृष्टता केंद्र, श्रेणी ।।। – सीआईईबी परियोजना : टेम्पोरल प्रतिलेखन प्रोफाइल, कंप्यूटेशनल विश्लेषण और पोस्ट ट्रांस्क्रिप्शनल जीन सायलेंसिंग के दोहन की पहचान करना और मेजबान के बीच संपर्क अवरोधन और निष्क्रिय और सक्रिय रूप से रेप्लिकेशन माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस, जया एस. त्यागी, डीबीटी, 5 वर्ष, 2011–16, 219.99 लाख रुपए।
5. एसवाई–एसटीबी : टी. बी. संक्रमण में मेजबान पैथोजन अंतःक्रियाओं की गतिशीलता को सुलझाने हेतु एक नेटवर्क कार्यक्रम। डीबीटी नेटवर्क परियोजना, जया एस. त्यागी, डी. बी. टी., 5 वर्ष, 2011–16, 145.57 लाख रुपए।
6. जे. सी. बोस राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति, जया एस. त्यागी, डी. बी. टी., 5 वर्ष 2012–17, 68 लाख रुपए।
7. टीबी, एमडीआर–टीबी और एक्सडीआर–टीबी के सरल और तेजी से निदान के लिए नोवल नमूना प्रसंस्करण, जया एस. त्यागी, डीबीटी (एसबीआईआरआई), 2.5 वर्ष, 2015–2017, 47.41 लाख रुपए।
8. तपेदिक रोगियों में प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया में टाइप 1 इंटरफेरॉन (एस) के प्रतिरक्षाविज्ञानी प्रभाव का अध्ययन, एच. के. प्रसाद, आई.सी.एम.आर., 2 वर्ष, 2013–2015, 18 लाख रुपए।
9. मुखीय शल्की कोशिका कार्सिनोमा से पीड़ित रोगियों में टी हेल्पर 17 (टी एच 17) कोशिकाओं का फिनोटाइपिक एवं कार्यात्मक लाक्षणीकरण एवं उसके ट्यूमर विरोधी गतिविधियों का मूल्यांकन करना। एस. एन. दास, डी. बी. टी., 3 वर्ष, 2013–2015, 51.15 लाख रुपए।
10. कुछ चुने हुए औषधीय पौधों के कैंसर रोधी गतिविधियों की जांच एवं मानव मुंह कैंसर सेल लाइन पर उनके आण्विक लक्ष्य। एस. एन. दास, आयुष, 3 वर्ष, 2014–2017, 25.71 लाख रुपए।

11. मौखिक कैंसर में अपने लक्षित व्यवधान के पीआई3के / एकेटी संकेतन और अर्बुदरोधी प्रभाव पर अध्ययन, एस. एन. दास, डी. एस. टी., 3 वर्ष, 2015–18, 54.22 लाख रुपए।

पूर्ण

1. संदूषित बैक्टीरियल विभेद से एंटी–ट्यूबरकुलर सिद्धांत का अलगाव और विशेषता। जया एस. त्यागी, डी. बी. टी., 2 वर्ष, 2013–15, 4.70 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. उच्च बंधुता डीएनए का उपयोग करते हुए क्षयरोग के त्वरित निदान।
2. क्षय रोग के लिए तीव्र और सटीक नैदानिक परीक्षण का विकास और सत्यापन।
3. निद्रा मॉडल में *माइकोबैक्टीरियम के क्षयरोग* का अनुकूलन।
4. टीएचपी–1 कोशिका संक्रमण मॉडल में *माइकोबैक्टीरियम क्षयरोग* के जीन अभिव्यक्ति हस्ताक्षर।
5. *माइकोबैक्टीरियम क्षयरोग* के डेव आर निर्भर प्रमोटरों की ट्रांसक्रिप्शनल विश्लेषण।
6. *माइकोबैक्टीरियम क्षयरोग* की एंटीबायोटिक सहिष्णुता में डेव आर निद्रा नियामक की सुप्तावस्था में भूमिका और बैक्टीरियल निकासी के सुधार के लिए डेव आर को लक्षित करना।
7. संक्रमण के विटामिन सी एक्स विवो मॉडल में *माइकोबैक्टीरियम क्षयरोग* के लिए मेजबान प्रतिक्रिया का विश्लेषण।
8. विटामिन सी 'निद्रा' संक्रमण मॉडल आधारित टीएचपी–1 में निष्क्रिय' माइकोबैक्टीरियम क्षयरोग कार्यात्मक परस्पर क्रिया – मानव के सिलिको में भावी और विश्लेषण।
9. क्षयरोग के लिए सरल, तीव्र और कुशल नैदानिक परीक्षणों का विकास और मान्यता।
10. *माइकोबैक्टीरियम क्षयरोग* के खिलाफ बेडाक्वालाइन की प्रभावकारिता में सुधार लाने में विटामिन सी – मध्यस्थता निद्रा की भूमिका।
11. मेजबान–रोगजनक परस्पर क्रिया : *माइकोबैक्टीरियम क्षयरोग* के साथ संक्रमण के लिए मेजबान रक्षा प्रतिक्रियाओं पर विटामिन सी का प्रभाव।
12. रोगजनक माइक्रोबैक्टीरिया के एटी एवं गैर–एटी समृद्ध डीएनए, प्रविष्टि तत्वों और डीएनए बाध्यकारी प्रोटीन का तुलनात्मक अध्ययन।

पूर्ण

1. *माइकोबैक्टीरियम क्षयरोग* के डेव आर निर्भर प्रमोटरों की ट्रांसक्रिप्शनल विश्लेषण
2. निद्रा मॉडल में *माइकोबैक्टीरियम के क्षयरोग* का अनुकूलन
3. *माइकोबैक्टीरियम क्षयरोग* जीएलसीबी प्रतिजन का तेजी से पता लगाने के लिए एप्टामर टेक्नोलॉजी का अनुप्रयोग।
4. *माइकोबैक्टीरियम क्षयरोग* के डेव आर विनियमन के ट्रांसक्रिप्शनल विनियमन में पीएचओपी प्रतिक्रिया नियामक की भूमिका को समझना।

5. ट्यूबरकुलस मेनिनजाइटिस के निदान के लिए डीएनए एप्टामर का जनरेशन, लक्षण वर्णन और अनुप्रयोग।
6. मानव क्षय रोग में चयापचय और प्रतिरक्षा कार्य पर तनाव की भूमिका का अध्ययन।
7. चयनित माइक्रोबैक्टीरियल स्ट्रेनों और एंटीजनों के लिए बोवाइनों और मनुष्यों की प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया का अध्ययन।
8. मौखिक कैंसर में अपनी प्राकृतिक अवरोधकों के फोस्फोइनोसिटाइड 3 – काइनेज़ संकेतन और विरोधी ट्यूमर गतिविधियों पर अध्ययन।
9. मौखिक कैंसर कोशिका लाइनों पर *ओपरकुलाना टर्पेथम* की अर्बुदरोधी गतिविधियों पर अध्ययन (एससीसी9 और एससीसी 25)
10. मौखिक कैंसर में *सिनामोमम जाइलेनिसम* के अर्बुदरोधी प्रभावों का अध्ययन करना।
11. मौखिक स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा वाले रोगियों में $टी_{एच}$17 कोशिकाओं के प्ररूपी और कार्यात्मक लक्षण वर्णन।
12. मौखिक स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा वाले रोगियों में सीडी 4^{+} $सीडी25^{+}$$एफओएक्सपी3^{+}$ विनियामक टी कोशिकाओं ($टी_{आरईजी}$) कोशिकाओं के प्ररूपी और कार्यात्मक विशेषताएं।
13. मौखिक कैंसर में पीआई3 के / एकेटी संकेतन के लक्षित विघटन का अर्बुदरोधी प्रभाव।
14. मौखिक और मुखग्रसनीय कैंसर में बायोमार्करों (सीडी44 और एमआईआर155) की अभिव्यक्ति का अध्ययन करना।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. ग्रेनुलोमेटस मीडियास्टीनल लसीकापर्व विकृति वाले रोगियों में माइकोबैक्टीरियल क्षयरोग प्रतिजन (एचएसपीएक्स और जीएलसीबी) और डीएनए पीसीआर का पता लगाने की उपयोगिता।
2. स्वदेशी रूप से विकसित अभिकर्मकों का उपयोग कर एंटीजन डिटेक्शन द्वारा एक्सट्रापल्मोनरी टीबी का निदान, (आरएमएल अस्पताल)।
3. मौखिक सबम्यूकोसल फाइब्रोसिस और स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा के मामलों में सीरम सर्विवाइन स्तरों का अध्ययन (ईएनटी)

पूर्ण

1. रेटिनोब्लास्टोमा में कैंसर रोधी औषधि वितरण कोलेस्ट्रॉल–टेदर्ड का प्रभावी मूल्यांकन, (आर.पी. सेंटर)।
2. निदान और इलाज के बाद क्रोनिक माइलॉयड ल्यूकेमिया (सीएमएल) रोगियों में एनके सेल आबादी को गिनना, (बीआरए–आईआरसीएच)
3. *साल्मोनेला टाइफी* से एफटीएस2 का संरचनात्मक और कार्यात्मक लक्षण वर्णन, (जैव भौतिकी)
4. पार्किंसंस रोग और मानसिक असंतुलन के डोपामाइन डिटेक्टिड स्टेट्स में प्रोटीन सिग्नेचर का प्रोटियोमिक्स, (जैव भौतिकी)

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 16 सार : 2

पेटेंट

1. ट्यूबरकुलस मेनिनजाइटिस के लिए पता लगाने की प्रणाली आधार पर नोवल एप्टामर। इनवेंटर टी. के. शर्मा, जे. एस. त्यागी, ए. धीमन। भारतीय अनंतिम पेटेंट आवेदन सं. 201611001550, 15.01.2016 को दायर किया।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां

प्रोफेसर वाई. डी. शर्मा सभी तीन राष्ट्रीय विज्ञान अकादमियों के सदस्य हैं; सेक्शनल कमेटी ऑफ मेडिकल साइंसेज फॉर इंडियन एकेडमी ऑफ सांइसेज, बैंगलोर के सदस्य; एचआरडी पर डीबीटी एक्सपर्ट समिति के सदस्य; मलेरिया पर डीएसआईआर परियोजना समीक्षा समिति के सदस्य; यूजीसी–एसएपी सलाहकार समिति के सदस्य; दक्षिण एशिया विश्वविद्यालय के जैव प्रौद्योगिकी के अध्ययन बोर्ड के सदस्य, दिल्ली; वनस्थली विद्यापीठ के जैव प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर अध्ययन बोर्ड, सदस्य; सदस्य, अनुसंधान विकास परिषद, हिमाचल विश्वविद्यालय, शिमला; दिल्ली विश्वविद्यालय के साउथ कैंपस, दिल्ली में अध्ययन बोर्ड के सदस्य; जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में अभियांत्रिकी और अंतः विषय विज्ञान के संकाय के डॉक्टरल समिति में विशेषज्ञ; कई विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों में शिक्षकों के पदों के लिए चयन समिति के सदस्य; वेक्टर साइंस फोरम पर परियोजना समीक्षा समिति, आईसीएमआर के सदस्य; डीएसटी आईएनएसपीआईआरई फैकल्टी फेलोशिप के सदस्य; साउथ एशिया यूनिवर्सिटी के लिए बायोसेफ्टी कमिटी के लिए डीबीटी विशेषज्ञ; डीबीटी परियोजना सलाहकार समिति के सदस्य; एन. आई. आई. की वैज्ञानिक समीक्षा समिति के विशेषज्ञ सदस्य।

प्रोफेसर जे. एस. त्यागी इंडियन सोसाइटी ऑफ सेल बायोलॉजी के प्रो. जे. दास मेमोरियल लेक्चर पुरस्कार प्राप्तकर्ता है, ट्रांसलेशनल हेल्थ साइंस एंड टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट, फरीदाबाद, बायोडिजाइन और निदान के लिए केंद्र में टीबी निदान कार्यक्रम के मानद अतिथि प्रध्यापक और मेंटर, आईएनएसए, नई दिल्ली के अनुभागीय समिति 9 और आईएनएसए के अंतर–अकादमी आदान समिति, परिषद के सदस्य, क्षयरोग में राष्ट्रीय अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिक सलाहकार समिति के सदस्य, चेन्नई, डीएनए फिंगरप्रिंटिंग और डायग्नोस्टिक्स के लिए वैज्ञानिक सलाहकार समिति के सदस्य, हैदराबाद, नेशनल सेंटर फॉर सेल साइंस के वैज्ञानिक सलाहकार समिति के सदस्य, पुणे, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पैथोलॉजी के वैज्ञानिक सलाहकार समिति के सदस्य, नई दिल्ली, सदस्य, साइंटिफिक वैल्यू, भारतीय विज्ञान अकादमी, बेंगलुरू पर पैनल, पीजीआई चंडीगढ़, दिल्ली विश्वविद्यालय, कलकत्ता विश्वविद्यालय, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, आईआईटी बॉम्बे के पी.एचडी /एम. एससी परीक्षाओं के परीक्षक, आईसीएमआर, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, सीडीएफडी, आईएलएस, समन्वयक, सेंट्रल कोर रिसर्च फैसिलिटी, एम्स के रोगाणुरोधी प्रतिरोधी, संकाय चयन / जांच / आकलन समिति पर बाइरैक आइडिया–थोन के लिए विशेषज्ञ और जुरी सदस्य, संस्थागत आचार

समिति (आधारभूत विज्ञान), एम्स के सदस्य, पेटेंट कमिटी, एम्स के सदस्य, एम्स एंडोमेंट फंड के लिए वैज्ञानिक सलाहकार समिति के सदस्य, एम्स अनुसंधान उत्कृष्टता पुरस्कार के लिए जांच समिति के सदस्य।

प्रोफेसर एस. एन. दास को राष्ट्रीय अकादमी चिकित्सा विज्ञान के अध्येता के लिए चुना गया, अध्येता जारी है, इंटरनेशनल अकेडमी ऑफ बायोलॉजिकल थैरेपी; इंडियन इम्युनोलॉजी सोसाइटी के आजीवन सदस्य; द कायटोमेट्री सोसाइटी, भारत; सदस्य : अमेरिकन एसोसिएशन फॉर कैंसर रिसर्च, यूएसए, डीकेएफजेड एलुमिनि एसोसिएशन, हीडलबर्ग, जर्मनी, अलेक्जेंडर वॉन हम्बोल्ट फाउंडेशन एलुमनि एसोसिएशन, जर्मनी;डीबीटी, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार कैंसर जीवविज्ञान पर कार्य दल समूह; तकनीकी समिति, विकृति विज्ञान संस्थान (आईसीएमआर) नई दिल्ली; सदस्य, संयोजक डीएनए अनुसंधान के लिए जैवनैतिकता समिति, एम्स; सदस्य, नेगोसिएशन कमिटी, एम्स; सदस्य, अनुसंधान सलाहकार समिति, गुरू गोबिंद सिंह मेडिकल कॉलेज, बाबा फरीद यूनिवर्सिटी, फरीदकोट, पंजाब; पी. एचडी परीक्षक – जामिया हमदर्द यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, पांडिचेरी विश्वविद्यालय, बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, पिलानी, राजस्थान, जादवपुर विश्वविद्यालय, जादवपुर, कोलकाता; केरल विश्वविद्यालय, तिरुवनंतपुरम, केरल; सदस्य, संपादकीय बोर्ड : ओपन जर्नल ऑफ टॉक्सिकोलॉजी, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ओस्टियोपोरोसिस एंड मेटाबोलिक डिसऑडर्स; राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं के लिए समीक्षक; मौखिक कैंसर विज्ञान, कैंसर जांच, डीएनए और सेल बायोलॉजी, लाइफ साइंसेज़, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इम्युनोजेनेटिक्स, यूरोपियन जर्नल ऑफ ओरल साइंसेज़, ह्यूमन इम्युनोलॉजी, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ह्यूमन जेनेटिक्स, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कैंसर, जर्नल ऑफ ओरल पैथोलॉजी एंड मेडिसिन, पीएलओएस वन, कैंसर लेटर्स, इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च, इंडियन जर्नल ऑफ कैंसर। जुलाई 2015 को एल्ज़ेवियर, एम्स्टर्डम, नीदरलैंड, से ''समीक्षा का प्रमाण पत्र'' प्राप्त किया। साधना अग्रवाल पी एच. डी छात्र को 1 अक्तूबर 2015 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली में सबसे अच्छे शोध पत्र के लिए डॉ. अरुण फोतेदार मेमोरियल पुरस्कार से सम्मानित किया।

अतिथि वैज्ञानिक

उर्मिला शेरावत, पीएच. डी. छात्रा ने 18.03.2016 को विजमैन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, रेहोवोट, इजराइल में 'फ्रॉम एम्स टू डब्ल्यूआईएस : एक प्रेरणात्मक कहानी' पर वार्ता प्रदान की।

9.8 सामुदायिक चिकित्सा केंद्र

आचार्य एवं अध्यक्ष
चंद्रकांत एस. पाण्डव

आचार्य

शशि कांत	संजीव कुमार गुप्ता	किरण गोस्वामी
आनंद कृष्णन	बेरीडेलाइन नोंग्कायरिह	पुनीत मिश्रा
	संजय कुमार राय	

अपर आचार्य
वाई. एस. कुसुमा कुमारी

सहायक आचार्य

कपिल यादव	अनिल कुमार गोस्वामी	सुमित मल्होत्रा
पार्थ हल्दर	रवनीत कौर	राहुल शर्मा
	हर्षल आर साल्वे	

जन स्वास्थ्य नर्स पर्यवेक्षक

मर्सी जॉन

विशिष्टताएं

केंद्र का मुख्य फोकस क्षेत्र इसके शहरी और ग्रामीण स्वास्थ्य कार्यक्रमों के माध्यम से व्यापक स्वास्थ्य सेवाओं के एक दोहराने योग्य मॉडल के विकास पर रहा है। शहरी स्वास्थ्य कार्यक्रम दक्षिणपुरी एक्सटेंशन, अम्बेडकर नगर, नई दिल्ली में एक शहरी पुनर्वास कॉलोनी के लिए समुदाय आधारित स्वास्थ्य सेवाओं प्रदान करता है। यह हरियाणा राज्य सरकार और एम्स के बीच एक सहयोगी परियोजना के रूप में बल्लभगढ़ ब्लॉक, हरियाणा के फरीदाबाद जिले में व्यापक ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा परियोजना (सीआरएचएसपी), बल्लभगढ़ स्थापित किया गया है। एम्स में सीसीएम के रोग निवारण और प्रकोप प्रतिक्रिया प्रकोष्ठ (डीपीओआरसी) के लिए नोडल विभाग है। डीपीओआरसी का अधिदेश वाहक जनित रोगों (उदाहरण के लिए डेंगू, मलेरिया आदि) और एम्स परिसर में जल जनित रोग (हैजा, टाइफाइड और हिपेटाइटिस ए) की रोकथाम और नियंत्रण करना है। डॉ. चंद्रकांत एस. पांडव डीपीओआरसी के अध्यक्ष हैं और अन्य विभागीय संकाय सदस्य भी एम्स के इंजीनियर एवं स्वच्छता विभाग की ओर से सदस्यों के साथ साथ इसका हिस्सा हैं। विभाग ने 2015–16 में डीपीओआरसी की चार बैठक में भाग लिया। सीसीएम 'काया कल्प' (स्वच्छ अस्पताल अभियान) का हिस्सा था और डॉ. पांडव स्वास्थ्य और स्वच्छता के 7 मुख्य परिणामी क्षेत्र के अध्यक्ष थे। सीसीएम में एनसीडीपीसी आधारित समुदाय में क्षमता विकास और अनुसंधान के लिए डब्ल्यूएचओ सहयोग केंद्र है। सीसीएम ने स्ट्रोक (एनपीसीडीसीएस) सहित कैंसर, मधुमेह, हृदय रोग की रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम; राष्ट्रीय आयोडीन की कमी के विकारों पर कार्यक्रम (एनआईडीडीसीपी)

और राष्ट्रीय एचआईवी / एड्स निगरानी में तकनीकी जानकारी प्रदान करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

फोटोग्राफ : एनसीडी की रोकथाम और नियंत्रण के लिए लोक स्वास्थ्य दृष्टिकोण पर एम्स पीजीआई दूसरे राष्ट्रीय पाठ्यक्रम के प्रतिभागी; फरवरी, 2016 ।

शिक्षा

स्नातकोत्तर : इसमें 4–5 सेमेस्टर में एमबीबीएस छात्रों को 5 सप्ताह के लिए शहरी स्वास्थ्य कार्यक्रम के लिए तैनात किया जाता है और महामारी विज्ञान का व्यायाम, स्वास्थ्य वार्ता और परिवार के अध्ययन का संचालन। सातवें सत्र में, बल्लभगढ़ में 6 सप्ताह के लिए तैनात किया जाता है। यह एक आवासीय सूची है जिसमें महामारी विज्ञान में प्रशिक्षण, सामुदायिक स्वास्थ्य के लिए अभिविन्यास, जिला स्तरीय स्वास्थ्य प्रणालियों के लिए बच्चे के स्वास्थ्य और मानसिक स्वास्थ्य, अभिविन्यास के समुदाय पक्ष और आईएमएनसीआई पर विशेष बल सहित राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम शामिल हैं।

इंटर्न : इंटर्न तीन महीने के लिए तैनात किया जाता है, एसडीएच, बल्लभगढ़ में 6 सप्ताह में विभाजित है, और दयालपुर और छैन्सा में पीएचसी में प्रत्येक तीन सप्ताह। पोस्टिंग आवासीय रहती हैं। एसडीएच, इसमें रोगी प्रबंधन सहित बुनियादी नैदानिक कौशल सीखना और सामान्य प्रसव का आयोजन किया जाता है। पीएचसी पोस्टिंग के दौरान, इंटर्न पीएचसी के क्लिनिक में स्वास्थ्य सेवा वितरण में, साथ ही साथ उप केंद्रों पर प्रसव पूर्व क्लिनिक में भाग लेते हैं। इन्हें समुदाय के स्तर की गतिविधियों से अनुभव प्राप्त होता है जैसे स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं और उप केंद्रों के पर्यवेक्षण के रूप में, पीएचसी में आउटरीच गतिविधियां, टीकाकरण और अन्य जारी गतिविधियां।

सामुदायिक चिकित्सा में स्नातकोत्तर : इनमें से प्रत्येक को 16 महीने के लिए शहरी और ग्रामीण स्वास्थ्य कार्यक्रम में तैनात किया जाता है। नियमित रूप से शिक्षण कार्यक्रम में सेमिनार, परिवार और नैदानिक मामले पर प्रस्तुतियां, अस्पताल और क्षेत्र के अभ्यास क्षेत्र पर समस्या आधारित अभ्यास के साथ ही पत्रिका क्लब भी शामिल हैं।

बीएससी नर्सिंग और पोस्ट सर्टिफिकेट नर्सिंग छात्र : इन्हें शहरी स्वास्थ्य कार्यक्रम में तैनात किया जाता है और प्रत्येक की ग्रामीण पोस्टिंग 1.5 माह के लिए सीआरएचएसपी में आवासीय होती है। इन्होंने एसडीएच, बल्लभगढ़ में 1 महीना और पीएचसी दयालपुर में 2 सप्ताह बिताया। उन्हें प्रसव पूर्व देखभाल के क्षेत्र में वार्ड प्रबंधन और प्रतिरक्षण में प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है । उनके प्रशिक्षण की निगरानी कॉलेज ऑफ नर्सिंग, एम्स के संकाय द्वारा की जाती है।

सेवाकालीन प्रशिक्षण

अस्पताल और क्षेत्र कर्मचारियों हेतु सीआरएचएसपी, एसडीएच में समय समय पर सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। वर्ष 2015 – 16 के दौरान निम्नलिखित इस प्रकार थे :

1. नर्सिंग कर्मचारियों के लिए विभिन्न विषयों जैसे नवजात पुनर्जीवन कार्यक्रम, जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन, रोगी की देखभाल के लिए विभिन्न उपकरणों का उपयोग, आवश्यक नवजात शिशु की देखभाल, ऑपरेशन के पश्चात् रोगी का प्रबंधन और संक्रमण नियंत्रण पर इक्कीस घंटों का सेवाकालीन प्रशिक्षण।

2. एम्स के नर्सिंग कॉलेज के सहयोग से नवजात पुनर्जीवन पर 2016 में 9 और 22 मार्च 2016 को दो कार्यशालाएं, सीएचएचएसपी की नर्सिंग और क्षेत्र कर्मचारी हेतु आयोजित की गई।

3. सीआरएचएसपी के स्वच्छता कर्मचारियों को जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन पर प्रशिक्षित किया गया था।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

1. डेनिएल लुलियनो द्वारा इन्फ्लुएंजा मृत्यु आकलन ग्लोबल और राष्ट्रीय प्रयास पर संगोष्ठी। सीडीसी, अटलांटा, 5 नवंबर 2015, एम्स।
2. सीआरएचएसपी, बल्लभगढ़, हरियाणा में 16 – 23 जनवरी 2016 (उन्नत स्तर) को ऑपरेशनल रिसर्च पर एम्स – स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (डीएचआर) कार्यशाला।
3. एनसीडी रोकथाम और नियंत्रण के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य दृष्टिकोण पर दूसरा एम्स पीजीआई राष्ट्रीय पाठ्यक्रम, 20–25 फरवरी 2016, नई दिल्ली।
4. स्वास्थ्य का चौथा आयाम – स्वास्थ्य आध्यात्मिक, 26 फरवरी 2016, एम्स, नई दिल्ली।

प्रदत्त व्याख्यान

चंद्रकांत एस. पांडव : 3	किरण गोस्वामी : 3	आनंद कृष्णन : 10
बेरीडेलाइन नोंग्कायरिह : 3	पुनीत मिश्रा : 2	संजय राय : 2
कपिल यादव : 9	अनिल कुमार गोस्वामी : 3	सुमित मल्होत्रा : 6
पार्थ हल्दर : 4	रवनीत कौर : 2	राहुल शर्मा : 2
हर्षल आर. साल्वे : 3		

मौखिक शोध पत्र/ पोस्टर प्रस्तुति : 17

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. मानव संसाधन विकास का स्वास्थ्य अनुसंधान योजना – आपरेशनल रिसर्च, सुमित मल्होत्रा, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, एमओएचएफडब्ल्यू, 1 वर्ष, 2015, ₹ 16 लाख।
2. जनसंख्या के स्तर पर आहार में सोडियम की मात्रा के आकलन के लिए 24 घंटा मूत्र का नमूना के बीच मौजूद मूत्र के नमूने का सत्यापन, कपिल यादव, एम्स, 2 वर्ष, 2016, ₹ 3 लाख।
3. भारत के एचआईवी / एड्स प्रहरी निगरानी पांच सेंट्रल जोन राज्य (बिहार, दिल्ली, झारखंड, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश), संजय के राय, नाको, एमओएचएफडब्ल्यू, 2 वर्ष, 2015, ₹ 129 लाख।

4. प्रवास, गतिशीलता और प्रसव पूर्व देखभाल : दिल्ली में प्रवासी गर्भवती महिलाओं के बीच प्रसव पूर्व देखभाल सेवाओं की कवरेज और उपयोग में सुधार करने के लिए प्रमुख तत्वों की पहचान करने के लिए एक खोजपूर्ण अध्ययन, वाय. एस. कुसुमा, डीएसटी, 2 वर्ष, 2014, ₹ 37 लाख।
5. उत्तर भारत में विटामिन डी पूरकता और जीवन शैली के हस्तक्षेप का उपयोग पर पूर्व मधुमेह वाली महिलाओं में टाइप 2 मधुमेह की रोकथाम। पुनीत मिश्रा, डीएसटी, 3 वर्ष, 2012, ₹ 58 लाख।
6. बल्लभगढ़ के एक ग्रामीण समुदाय के मधुमेह वाले रोगियों में प्रसार और जटिलताओं से जुड़े जोखिम वाले कारक, पुनीत मिश्रा, एम्स, 1 वर्ष, 2014, ₹ 5 लाख।
7. लाइसेंस्ड वैक्सीन रोटा टेक के लिए बोवाइन–ह्यूमन रीएसोर्टेंट रोटावायरस वैक्सीन (बीआरवी–टीवी) एक जीवित उदासीन टेट्रावलेंट (जी1–जी4) के ऑल इन वन तरल की प्रतिरक्षा गैर–हीनता मूल्यांकन और सुरक्षा के लिए तीसरे चरण के अध्ययन चरण, जब इसे आयु के लिए अन्य नियमित सिफारिश टीकों के साथ भारतीय नवजात शिशुओं में समन्वित रूप से 3 खुराक श्रृंखला के रूप में दिया जाता है, पुनीत मिश्रा, शांता बायोटेक, 1 वर्ष, 2014, 34 लाख रुपए।
8. भारत में बच्चों और बुजुर्गों के बीच तीव्र श्वसन तंत्र के संक्रमण में श्वसन रोगाणुओं की महामारी विज्ञान का अध्ययन। आनंद कृष्णन, सीडीसी, अटलांटा, 5 वर्ष, 2011, ₹ 25 करोड़।
9. ग्रामीण क्षेत्र में माध्यमिक स्तर के अस्पताल में गैर–संचारी रोग (एनसीडी) क्लिनिक में आने वाले मधुमेह के रोगियों के बीच स्वयं देखभाल और ग्लायसेमिक नियंत्रण पर समेकित मधुमेह स्वयं–प्रबंधन शिक्षा कार्यक्रम का प्रभाव, रवनीत कौर, एम्स, 1 वर्ष, 2015, 1.53 लाख रुपए।

पूर्ण

1. राष्ट्रीय आयोडीन की कमी से विकार और नमक की मात्रा का सर्वेक्षण, कपिल यादव, नेशनल कोलिएशन फॉर ऑप्टिमल आयोडीन इनटेक एण्ड गेन, 1 वर्ष, 2014–15, ₹ 54 लाख।
2. दिल्ली की एक पुनर्वास कॉलोनी में बुजुर्ग लोगों के बीच में गैर संचारी रोगों (एनसीडी), अनिल के. गोस्वामी, एम्स, 1 वर्ष, 2014–15, ₹5 लाख।
3. उत्तरी भारत ग्रामीण के वयस्कों में अपवर्तक त्रुटियों, प्रेसबायोपिया और स्पेक्टेकल कवरेज पर जनसंख्या आधारित अध्ययन, सुमित मल्होत्रा, एम्स, 2 वर्ष, 2013, ₹ 4.44 लाख।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. अंतःशिरा लौह सुक्रोज की तुलना तथा हरियाणा में एक उप जिला अस्पताल में भाग लेने के लिए गर्भवती महिलाओं के बीच मध्यम एनीमिया के उपचार के लिए मौखिक मार्ग से लौह प्रशासन : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
2. ग्रामीण बल्लभगढ, जिला फरीदाबाद, हरियाणा में समुदाय में रहने वाले बुजुर्ग व्यक्तियों के बीच में एनीमिया की व्यापकता।
3. ग्रामीण बल्लभगढ़ में किशोरों के बीच अवसादग्रस्तता विकारों – एक समुदाय आधारित अध्ययन।
4. ग्रामीण बल्लभगढ़, हरियाणा, भारत में किशोरों के बीच चिंता विकार।

5. दिल्ली के वृद्धाश्रम की सुविधा का आकलन और उनमें रहने वाले बुजुर्ग व्यक्तियों के बीच में चयनित पुरानी स्थिति पर एक अध्ययन।
6. ग्रामीण बल्लभगढ़, हरियाणा में रहने वाले बुजुर्ग व्यक्तियों के स्वास्थ्य पर हैसियत से बाहर व्यय।
7. श्वसन वायरस के कारण भारत में मृत्यु बोझ का आकलन : इन्फ्लुएंजा और श्वसन सिंसिशियल वायरस।
8. दिल्ली में शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की गुणवत्ता का आकलन।
9. हरियाणा के एक ग्रामीण इलाके में बुजुर्ग व्यक्तियों के बीच गिरने का एक अध्ययन
10. एक शहरी पुनर्वास कॉलोनी, दक्षिण दिल्ली में किशोरों के बीच स्क्रीन आधारित मीडिया और स्क्रीन समय मूल्यांकन का प्रयोग।
11. विकलांगता का प्रसार और ग्रामीण बल्लभगढ़, हरियाणा में वयस्क आबादी के बीच जीवन की गुणवत्ता में इसका सहयोग।
12. ग्रामीण बल्लभगढ़, हरियाणा में बुजुर्गों के बीच घुटने के ऑस्टियोआर्थराइटिस का प्रसार।
13. दिल्ली सरकार के माध्यमिक स्तर के अस्पतालों की एनसीडी सेवाओं के प्रावधान के लिए तत्परता का आकलन।
14. ग्रामीण उत्तर भारत में न्यूरल ट्यूब दोषों की घटना।
15. स्नातक मेडिकल छात्रों द्वारा प्रौद्योगिकी और इंटरनेट के इस्तेमाल के पैटर्न को समझना : एक पार अनुभागीय अध्ययन।
16. बल्लभगढ़, हरियाणा में एक स्वास्थ्य सुविधा के 5–15 वर्ष के बीच आउट पेशेंट उपस्थिति बैक्टीरियल गले में खराश की पहचान के लिए एक नैदानिक स्कोर का सत्यापन।
17. ग्रामीण बल्लभगढ़, हरियाणा में गर्भवती महिलाओं के बीच सामान्य मानसिक विकारों का प्रसार।

पूर्ण

1. भारत में पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों के इन्फ्लुएंजा टीकाकरण के आर्थिक मूल्यांकन।
2. ग्रामीण बल्लभगढ, हरियाणा, भारत में गर्भवती महिलाओं के बीच प्रत्यक्ष आयरन की पूरकता का पर्यवेक्षण किया गया।
3. हरियाणा के एक ग्रामीण समुदाय में गर्भावस्था का अपव्यय।
4. एक सूचना पुस्तिका के विकास के दृष्टिकोण से बाल चिकित्सा के प्रतिरक्षा कक्ष, ओपीडी एम्स, नई दिल्ली में भाग लेने वाले 6 माह से 2 वर्ष के आयु समूह के बच्चों की माताओं के बीच पूरक खाद्य से संबंधित ज्ञान और अभ्यास पहुंच के लिए प्रतिस्पर्धात्मक अध्ययन, और सीआरएचएसपी, बल्लभगढ़।
5. दिल्ली के एक पुनर्वास कॉलोनी में बुजुर्ग लोगों के बीच में गैर संचारी रोग।
6. जिला फरीदाबाद, हरियाणा में घर आधारित प्रसव के बाद देखभाल का मूल्यांकन।

सहयोग परियोजनाएं

जारी

1. एक जनसंख्या आधारित स्ट्रोक और संज्ञानात्मक गिरावट के कारणों को जानने के लिए भावी कोहर्ट अध्ययन : एक पार सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य (न्यूरोलॉजी, एम्स)।

2. भारत में आयोडीन की मात्रा के स्रोतों की खोज : मूल निवासी खाद्य सामग्री, विनिर्मित वस्तुओं में नमक और नमक घरों में इस्तेमाल किया (एमोरी विश्वविद्यालय और ग्लोबल एलायंस बेहतर पोषण, लाभ के लिए)।
3. राष्ट्रीय आई.डी.डी. और नमक का सेवन सर्वेक्षण (जैव सांख्यिकी, जैव रसायन, एम्स)।
4. मधुमेह वाले रोगियों के पैरों की देखभाल में शिक्षा के क्षेत्र में एक ऑडियो – विजुअल डिस्प्ले की उपयोगिता, (अंतःस्राविकी और चयापचय, एम्स)।
5. भारत में प्रतिवर्ती और स्थायी गर्भनिरोधक का बोध (प्रसूति स्त्री रोग, एम्स, और न्यू मैक्सिको स्वास्थ्य विज्ञान केंद्र विश्वविद्यालय)।

पूर्ण

1. फरीदाबाद जिला, हरियाणा (सीडीईआर एम्स) में बल्लभगढ़ ब्लॉक का मौखिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण।
2. प्रसवोत्तर अवधि में अवसाद और चिंता विकार : प्रसार, मनोवैज्ञानिक सामाजिक संबद्ध है, तथा मां–शिशु संबंधों पर प्रभाव (प्रसूति स्त्री रोग, एम्स)।
3. दिल्ली की शहरी झुग्गियों में सामान्य नेत्र स्थितियों के संबंध में जागरूकता एवं स्वास्थ्य संबंधी प्रथाओं पर अध्ययन (सामुदायिक नेत्र रोग विज्ञान, डॉ. रा. प्र. नेत्र रोग विज्ञान केंद्र, एम्स)।
4. वेदारण्याम, भारत में नमक उत्पादन में कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं के बीच स्वास्थ्य स्थिति और व्यावसायिक स्वास्थ्य खतरों का मूल्यांकन, (सामुदायिक चिकित्सा, जेआईपीएमईआर)।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 44 पुस्तकों में अध्याय : 4 पुस्तकें : 4

रोगी उपचार

सामुदायिक चिकित्सा केन्द्र में दो व्यापक क्षेत्र – ग्रामीण (व्यापक ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा परियोजना, बल्लभगढ़) और शहरी स्वास्थ्य कार्यक्रम में रोगी देखभाल सेवाएं हैं। इसके अलावा, इसके ग्रामीण घटक के तहत यह व्यापक ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान भी करता है।

सारांश
सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ (सीआरएचएसपी उप–प्रभागीय अस्पताल (एस.डी.एच.) तथा दो प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पी.एच.सी.)) ने निम्नलिखित रोगी देखभाल सेवाएं प्रदान की हैं :

- 3,63,270 रोगियों को बाहरी सेवाएं
- 11,920 रोगियों को आंतरिक सेवाएं
- 63,237 रोगियों की आपातकालीन सेवाएं
- उप–प्रभागीय अस्पताल बल्लभगढ़ में 3,208 रोगी की सर्जिकल सेवाएं
- उप–प्रभागीय अस्पताल बल्लभगढ़ में 178 एलएससीएस सहित 3500 महिलाओं को /नेटल/ डिलीवरी सेवाएं और इसके अतिरिक्त दो पीएचसी में 971 डिलीवरी सेवाएं।

शहरी स्वास्थ्य कार्यक्रम (यूएचपी) के तहत, टीकाकरण सहित कुल 27,217 रोगियों को देखा गया :

1. व्यापक ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा परियोजना, बल्लभगढ़

यह सामुदायिक चिकित्सा के लिए केंद्र की ग्रामीण शाखा है और दयालपुर और छैंसा में उप–प्रभागीय अस्पताल और दो पीएचसी शामिल है। व्यापक ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा परियोजना (सीआरएचएसपी), बल्लभगढ़, दो श्रेणियों के तहत सीआरएचएसपी, बल्लभगढ़ में रोगी देखभाल का वर्णन किया गया है। गहन क्षेत्र अभ्यास क्षेत्र में, सीआरएचएसपी दो पीएचसी के साथ जुड़े 12 उप केंद्रों के एक नेटवर्क के माध्यम से 96453 की आबादी को पूरा करता है। सीआरएचएसपी पर रोगी की देखभाल, बल्लभगढ़ दो श्रेणियों के तहत वर्णित है।

क. एसडीएच, बल्लभगढ़ में रोगी देखभाल सेवाएं प्रदान की गई और
ख. प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में रोगी देखभाल सेवाएं प्रदान की गई

एसडीएच, बल्लभगढ़ में प्रदान की गई रोगी देखभाल सेवाएं :
ओपीडी सेवाएं

दैनिक	सप्ताह में एक बार
• सामान्य दवा	• गैर संक्रामक रोग क्लिनिक
• सामान्य शल्य चिकित्सा	• शारीरिक चिकित्सा और पुनर्वास
• बाल चिकित्सा	• बाल शल्य चिकित्सा
• प्रसूति एवं स्त्री रोग	• त्वचा विज्ञान और यौन रोग
• नेत्र विज्ञान	सप्ताह में दो बार
• मनोरोग	• कान, नाक और गला
• हड्डी रोग विज्ञान	सप्ताह में तीन बार
• आयुष	प्रसव पूर्व क्लिनिक
• दंत	

बाह्य रोगी

कुल बाह्य रोगियों की संख्या (नए और पुराने)	3,07,773
नए बाह्य रोगियों का प्रतिशत	53
रोगियों की ब्रेक अप विशेषता के अनुसार	
चिकित्सा	1,02,705
बाल चिकित्सा	70,944
प्रसूति एवं स्त्री रोग	28,560

प्रसव पूर्व क्लिनिक	17,528
नेत्र विज्ञान	13,225
शल्य चिकित्सा	11,966
ईएनटी	10,153
दंत	8,730
शारीरिक चिकित्सा और पुनर्वास	8,882
गैर–संक्रामक रोग क्लिनिक	6,759
त्वचा विज्ञान	7,864
आयुष	7,545
अस्थि रोग	7,875
मनोचिकित्सक	5,037

कुल आंतरिक रोगी सेवाएं (बिस्तरों की कुल संख्या : 50)

कुल प्रवेश (जन्म सहित)	10,723
आंतरिक रोगियों की संख्या, विशेषता द्वारा	
• प्रसूति एवं स्त्री रोग	5,863
• बाल रोग	3,573
• नेत्र विज्ञान	673
• शल्य चिकित्सा	400
• ईएनटी	143
• चिकित्सा	52
• भौतिक चिकित्सा और पुनर्वास	19
रोगियों की संख्या, प्रवेश के स्रोत द्वारा	
• आपातस्थिति के माध्यम से प्रवेश	3,979
• ओपीडी के माध्यम से प्रवेश	3,300
• नवजात शिशुओं का प्रवेश	3,444
भर्ती होने की औसत दर (प्रतिशत)	185.1%
आयोजित कुल प्रसव (आईयूडी सहित)	3,500
रोगियों के लिए रहने की औसत अवधि (दिनों में)	3.15

आपात सेवा	संख्या
पंजीकृत रोगी	55,266
मेडिको–लीगल मामले	5,041
आपातकालीन प्रवेश	3,117

एसडीएच, बल्लभगढ़ में सर्जिकल प्रक्रियाओं की संख्या

शल्य चिकित्सा प्रक्रियाएं	संख्या	शल्य चिकित्सा प्रक्रियाएं	संख्या
प्रसूति एवं स्त्री रोग	1,040	सामान्य सर्जरी	715
नेत्र विज्ञान	606	बाल सर्जरी	567
कान, नाक और गला	133	पीएमआर	147
कुल	**3,208**		

प्रयोगशाला और नैदानिक सेवाएं	संख्या	प्रयोगशाला और नैदानिक सेवाएं	संख्या
प्रयोगशाला जांच	2,21,545	एक्स–रे	17,962
अल्ट्रासोनोग्राफी	10,607	मलेरिया स्लाइड	6,677
एचआईवी परामर्श और परीक्षण सेवाए	5,677	मलेरिया के कुल पॉजिटिव मामले	शून्य

संशोधित राष्ट्रीय तपेदिक नियंत्रण कार्यक्रम (आरएनटीसीपी)

एसडीएच, बल्लभगढ़ अस्पताल संशोधित राष्ट्रीय क्षय रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत एक क्षय रोग इकाई (टीयू) है। चार नामित माइक्रोस्कोपी सेंटर (डीएमसी) इस इकाई के अधीन हैं। कुल ट्यूबरकुलोसिस मामले का एसडीएच में उपचार किया गया, बल्लभगढ़ में वर्ष के दौरान 719 थे, जिनमें से 580 नए मामले सामने आए थे और 139 मामलों का पहले इलाज किया गया था।

रोगी संख्या	बल्लभगढ़ टीयू	पीएचसी छैन्सा	पीएचसी दयालपुर	कुल
उपचार के कुल शुरूआती मामले	719	63	55	837
नए मामले	580	54	39	673
पिछले उपचारित मामले	139	9	16	164

इंटेंसिव फील्ड अभ्यास क्षेत्र में क्लिनिकल सेवाएं :

पीएचसी	बाह्य रोगी सेवाएं			आंतरिक रोगी सेवाएं	आपातकालीन सेवाएं
	नए मामले	दोबारा विजिट	कुल		
दयालपुर	16,037	13,873	29,910	545	3,649
छैन्सा	13,417	12,170	25,587	652	4,322
कुल	29,454	26,043	55,497	1,197	7,971

प्रत्येक पीएचसी में आयोजित एक विशेष गतिविधि द आउट रीच स्पेशलिटी ओपीडी (ओआरएसओ) है जहां बल्लभगढ़ में वरिष्ठ पद के निवासी एक साप्ताहिक आधार पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में रोगियों को देखते हैं। यह सेवाएं जून 2013 में सेवा शुरू की गई, 2015–16 के दौरान निम्नलिखित के रूप में प्रत्येक पीएचसी के मामलों में भाग लिया।

सेवाएं	पीएचसी दयालपुर	पीएचसी छैन्सा
प्रसूति एवं स्त्री रोग	685	1,463
बाल चिकित्सा	478	346
नेत्र विज्ञान	942	463
मनोरोग	283	78
कुल	**2,388**	**2,350**

सामुदायिक स्वास्थ्य सेवाएं :

आईएफपीए के लिए मुख्य एमसीएच और जनसांख्यिकीय संकेतक

संकेतक	मान
कुल जनसंख्या	96,453
प्रति 1000 जनसंख्या जन्म दर	21.0
प्रति 1000 जनसंख्या मृत्यु दर	6.1
जन्म के समय लिंग अनुपात (1000 पुरुषों पर महिलाएं)	926
प्रति 1000 जीवित जन्म शिशु मृत्यु दर	33.0
5 वर्ष से कम उम्र पर मृत्यु प्रति 1000 जीवित जन्म दर	39.4
कुल प्रसव पूर्व पंजीकरण	2,212
पंजीकृत मामलों का सम्पूर्ण टीटी कवरेज	%
संस्थागत प्रसव पीएचसी छैन्सा का प्रतिशत	94.4
संस्थागत प्रसव पीएचसी दयालपुर का प्रतिशत	94.9
डिलीवरी हट्स पीएचसी छैन्सा का प्रतिशत	450
डिलीवरी हट्स पीएचसी दयालपुर का प्रतिशत	521
प्रसवोत्तर डाले गए आईयूसीडी	115

राष्ट्रीय वाहक जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम

संकेतक	पीएचसी दयालपुर	पीएचसी छैन्सा
मलेरिया स्लाइड की कुल संख्या का परीक्षण किया	6286	3657
धनात्मक मामलों की कुल संख्या	18	6
वार्षिक परजीवी घटना	0.37	0.12

वार्षिक परीक्षा रक्त दर	12.96	7.55
स्लाइड धनात्मकता दर	0.28	0.16

विशेष सेवाएं

1. गर्भावस्था के दौरान आयरन सुक्रोज इंफ्युजन : गर्भावस्था के दौरान एनीमिया के उच्च दबाव से निपटने के लिए और इससे संबंधित जटिलताएं, इसे पहली बार 2014–15 में अपनाया गया था। यह गांवों में प्रसव पूर्व क्लीनिकों से गर्भवती रोगियों पर रक्त की कमी पर नजर रखने और आयरन सुक्रोज देने के लिए पीएचसी के लिए भेजते हैं। स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं और आशा कार्यकर्ताओं द्वारा रोगियों का फॉलोअप किया जाता है।

पीएचसी	कुल
दयालपुर	578
छैन्सा	321

2. उच्च जोखिम गर्भावस्था पर नजर रखना : उच्च जोखिम गर्भधारण प्रत्येक गांव में प्रसव पूर्व क्लिनिकों के दौरान एक दिनचर्या के रूप में पहचानी गई। इन गर्भधारणों पर स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के लिए उत्पन्न मासिक कार्य योजना के साथ–साथ सीआरएचएसपी में विकसित एक विशेष सॉफ्टवेयर का उपयोग कर इन्हें ट्रैक किया गया था।

पीएचसी	कुल
दयालपुर	428
छैन्सा	454

3. कंप्यूटरीकरण : कंप्यूटरीकरण ओपीडी पंजीकरण और कम्प्यूटरीकृत सारांश सूची प्रबंधन 2014–15 के दौरान शुरू किया गया था। पीएचसी के दोनों स्थानों में पहले से ही रोगियों का कंप्यूटरीकृत डिस्चार्ज किया गया था। एसडीएच के साथ पीएचसी में भी सभी छात्रों के लिए इंटरनेट के साथ कंप्यूटर सुविधा उपलब्ध थी। ओपीडी पंजीकरण, प्रवेश रजिस्टर और रोगियों के डिस्चार्ज के सारांश और डेटाबेस सभी कंप्यूटरीकृत थे।

4. एसडीएच, बल्लभगढ़ में लेप्रोस्कोपिक शल्य चिकित्सा प्रक्रियाओं का प्रावधान
   लेप्रोस्कोपिक ऑपरेटिव प्रक्रियाओं की सुविधा का पहले लेप्रोस्कोपिक सर्जरी के साथ 27 अक्तूबर 2015 को उद्घाटन किया गया था। डॉ. एम. सी. मिश्रा, निदेशक, एम्स, नई दिल्ली द्वारा प्रदर्शन किया जा रहा है। लेपेरोस्कोपिक प्रक्रिया एक साप्ताहिक आधार पर की जा रही है, और इसमें लेपेरोस्कोपिक

कोलेक्सिसटेक्टोमी और लेपेरोस्कोपिक हर्निया की मरम्मत शामिल है। लेपेरोस्कोपिक की कुल 38 प्रक्रियाओं को मार्च 2016 तक किया गया था।

शहरी स्वास्थ्य कार्यक्रम

दक्षिण दिल्ली के दक्षिण पुरी एक्सटेंशन, डॉ. अम्बेडकर नगर में स्थित शहरी स्वास्थ्य कार्यक्रम के फील्ड प्रैक्टिस एरिया के सामुदायिक केन्द्र में ब्लॉक 1 से 7, 14, 15 और 19 में और सुभाष कैंप, दक्षिणपुरी की लगभग 36,000 की आबादी को सेवा प्रदान की जाती है। शहरी स्वास्थ्य कार्यक्रम में स्वास्थ्य उपचार सेवाएं प्रदान की जाती हैं। शहरी स्वास्थ्य केंद्र में रोगी देखभाल सेवाएं भी प्रदान की जाती हैं।

नैदानिक सेवाएं

गतिविधियां		संख्या
ओपीडी	देखे गए रोगियों की कुल संख्या (प्रतिरक्षण सहित)	27217
	कुल रेफरल की सं.	1576
प्रयोगशाला सेवाए	कुल प्रयोगशाला परीक्षण	3667
	एचबी जांच करने की संख्या	1460
	जिनकी संख्या एचबी 7 ग्राम प्रतिशत से कम होती है	41
	जिनकी संख्या एचबी 11 ग्राम प्रतिशत से अधिक होती है	508
	मलेरिया की जांच करना	174
	धनात्मक प्लाज्मोडियम वाइवैक्स	1
	प्लाज्मोडियम फाल्सीपेरम परीक्षण धनात्मक	0
	रक्त शर्करा एफबीएस, पीपीएस, आरबीएस	1827
	मूत्र एल्बुमिन और शुगर की जांच की	40
	मूत्र में गर्भावस्था परीक्षण	10
	रक्त समूह	77

बाल स्वास्थ्य सेवाएं

गतिविधि		संख्या
टीकाकरण	बी सी जी	107
	डी पी टी 1	8
	डी पी टी 2	12
	डी पी टी 3	9
	ओपीवी 0 खुराक (जन्म खुराक)	55
	ओ पी वी 1	276
	ओ पी वी 2	273
	ओ पी वी 3	267
	हिपेटाइटिस–बी1	32
	हिपेटाइटिस–बी2	7
	हिपेटाइटिस–बी3	18
	खसरा	329
	टाइफाइड का टीका	704
विटामिन ए	9 माह और 5 वर्ष के बीच दिया गया	1003

मातृ स्वास्थ्य सेवाएं

प्रसव पूर्व देखभाल	शहरी स्वास्थ्य केंद्र में देखी गई गर्भवती महिलाओं की संख्या	1018
	टीटी1 लेने वाली गर्भवती महिलाओं की संख्या	138
	टीटी2 + या बूस्टर लेने वाली गर्भवती महिलाओं की संख्या	140
	100 आयरन – फोलिक एसिड गोली लेने वाली गर्भवती महिलाओं की संख्या	231
परिवार नियोजन	वितरित किए गए कंडोम की संख्या	2730
	वितरित की गई मौखिक गर्भनिरोधक गोलियों की संख्या	99

विशेष सेवाएं

एचआईवी एड्स – शुभचिंतक कॉल सुनी गई और परामर्श दिया गया	600
मौसमी बीमारी हेल्पलाइन कॉल सुनी गई	45

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां

डॉ. चंद्रकांत एस. पाण्डव, डॉ. संजय के राय और डॉ. अनिल गोस्वामी ने गुणवत्ता देखभाल सुधार के लिए योगदान अस्पताल में साफ–सफाई, स्वच्छता और संक्रमण नियंत्रण को बढ़ावा देने में उत्कृष्टता की ओर से प्रयासों के लिए वर्ष 2015–2016 को केंद्रीय सरकारी अस्पतालों के बीच 'कायाकल्प' के तहत दूसरा पुरस्कार जीता। एम्स की ओर से उन्होंने उत्कृष्ट योगदान के लिए एम्स, निदेशक से प्रशंसा प्रमाण पत्र प्राप्त किया।

1. डॉ. आनंद कृष्णन को दक्षिण–पूर्व विश्व एनसीडी फेडरेशन ऑफ एशिया के लिए क्षेत्रीय पार्षद (डब्ल्यूएनएफ) के रूप में नामित किया गया था।

2. डॉ. आनंद कृष्णन एनसीडी को इंटरनेशनल जर्नल के संपादक के रूप में नामित किया गया था, डब्ल्यूएनएफ की आधिकारिक पत्रिका।

3. डॉ. संजय के राय को वर्ष 2016–18 के लिए भारतीय सार्वजनिक स्वास्थ्य संघ का ''*उपाध्यक्ष*'' (उत्तरी क्षेत्र) चुना गया था;

4. डॉ. कपिल यादव को वर्ष 2016–18 के लिए लोक स्वास्थ्य इंडियन जर्नल, सदस्य संपादकीय बोर्ड के रूप में चुने गए।

5. डॉ. सुमित मल्होत्रा को 43वें एनुअल नेशनल कांफ्रेंस ऑफ इण्डियन एसोसिएशन ऑफ प्रीवेंटिव एण्ड सोशल मेडिसिन में ''डज़ जेंडर इंफ्लुएंस बर्डन ऑफ ब्लाइंडनेस इन इण्डिया''? एविडेंस फ्रॉम सिस्टेमेटिक रिव्यू एण्ड मेटा एनालाइसिस।'' के लिए जेंडर एण्ड हेल्थ श्रेणी के तहत सरोज झा अवार्ड फॉर बेस्ट पेपर प्राप्त हुआ जिसका आयोजन गांधीनगर, 7–9 जनवरी 2016 को किया गया।
6. भारत के डॉ. अनिल गोस्वामी को इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल सोशल वर्क प्रोफेशनल्स, चंडीगढ़ द्वारा संरक्षक के रूप में नामित किया गया था।

प्रोफेसर चंद्रकांत एस पांडव डॉ. वसंतराव गार्ड धन्वन्तरि पुरस्कार–2015 जुलाई 2015 में सोलापुर जिले, महाराष्ट्र में सार्वजनिक स्वास्थ्य और समाज के कल्याण में योगदान के लिए, इंस्टीट्यूट बॉडी के सदस्य नियुक्त, स्नातकोत्तर मेडिकल रिसर्च संस्थान, चंडीगढ़; अगस्त और सितम्बर 2015 के दौरान स्थायी चयन समिति की बैठक में भाग लिया, सदस्य, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय पोषण मिशन पर सलाहकार समिति; सदस्य, कुपोषण पर सलाहकार समिति और खाद्य एवं पोषण बोर्ड की भूमिका, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार; अध्यक्ष, रोग निवारण और प्रकोप प्रतिक्रिया प्रकोष्ठ की समिति (डीपीओआरसी), अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली; सदस्य, राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन के तकनीकी संसाधन समूह, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय; सदस्य, खाद्य संपुष्टिकरण, विशेषज्ञ समूह तथा खाद्य सुरक्षा के लिए नियमों और दिशानिर्देश के विकास के लिए भारतीय मानक प्राधिकरण, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय; मदनपल्ली और बंगलौर, कर्नाटक, अहमदनगर, नासिक और कोल्हापुर, महाराष्ट्र, अहमदाबाद, गुजरात में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और गैर संचारी रोगों पर स्वास्थ्य संवर्धन शिविर (एनसीडी) में भाग लिया और आयोजन किया; सत्र में अध्यक्षता की, सतत विकास लक्ष्य और पोषण की ओर, इंडियन एसोसिएशन ऑफ प्रिवेंटिव एंड सोशल मेडिसिन, गांधीनगर के 43वें वार्षिक सम्मेलन, गुजरात, 7–9 जनवरी 2016; क्षेत्रीय समन्वयक (दक्षिण एशिया क्षेत्र), आयोडीन ग्लोबल नेटवर्क (आईजीएन) में भाग लिया; 'ट्रैकिंग प्रोग्रेस टुवड्र्स सस्टेनेबल एलिमिनेशन ऑफ़ आयोडीन डेफिशियेंसी डिसऑर्डर्स', 19–23 अक्टूबर 2015, ढाका, बांग्लादेश; श्रीलंका में आयोडीन की कमी से विकार नियंत्रण कार्यक्रम की बैठक, 4 – 8 नवंबर 2015, कोलंबो, श्रीलंका; 'ट्रैकिंग प्रोग्रेस टुवड्र्स सस्टेनेबल एलिमिनेशन ऑफ़ आयोडीन डेफिशियेंसी डिसऑर्डर्स इन बांग्लादेश', 15–21 जनवरी 2016; प्रबंधन परिषद की बैठक, आयोडीन की कमी से विकार के नियंत्रण के लिए अंतरराष्ट्रीय परिषद, 31 मार्च – 4 अप्रैल 2016, मस्कट, ओमान; प्रबंधन परिषद और निदेशक

मंडल आयोडीन ग्लोबल नेटवर्क की संयुक्त बैठक, 17 – 23 मार्च 2016, रॉयल कॉलेज ऑफ आब्सटेट्रिक्स एण्ड गायनेकोलाजी, लंदन, यूके।

प्रोफेसर शशि कांत को सदस्य, राजेंद्र मेमोरियल रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज की वैज्ञानिक सलाहकार समिति, पटना; सदस्य, वैज्ञानिक सलाहकार समिति, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल स्टेटिस्टिक्स, नई दिल्ली; विषय विशेषज्ञ, एम्स में समुदाय और परिवार चिकित्सा के सहायक प्रोफेसर का चयन, ऋषिकेश, और भुवनेश्वर; अध्यक्ष इंस्टीट्यूशनल रिव्यू बोर्ड ऑफ आईआईएचएमआर, जयपुर; सदस्य, टेक्निकल रिसोर्स ग्रुप, एचआईवी सर्विलांस एंड एस्टिमेशन ऑफ़ नेशनल एड्स कंट्रोल ऑर्गेनाइजेशन नामित किया गया था।

प्रोफेसर संजीव कुमार गुप्ता सदस्य, संशोधित राष्ट्रीय क्षय रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान की कोर कमेटी; कई पत्रिकाओं के लिए समीक्षकः नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ इंडिया के; इण्डियन जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ, इंडियन जर्नल ऑफ़ कम्युनिटी मेडिसिन; परीक्षकों की बोर्ड में नियुक्त, एमडी कम्युनिटी मेडिसिन पूरक परीक्षा, आजाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली, 20–21 अक्टूबर 2016; सदस्य, पीएच डी डॉक्टरेट समिति, सामुदायिक नेत्र विज्ञान, नेत्र विज्ञान के लिए डॉ आर. पी. केंद्र, एम्स।

प्रोफेसर किरण गोस्वामी प्रोफेसर किरण गोस्वामी एफ.ए.आई.एम.ई.आर. अध्येतावृत्ति के लिए चुना गया; सीएमसी में सफलतापूर्वक संपर्क कार्यशाला, लुधियाना, 2–8 फरवरी 2016, सीबीएसई में विशेषज्ञ, सामाजिक चिकित्सा एवं सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यशाला, (सामुदायिक स्वास्थ्य में यूजीसी नेट परीक्षा), नोएडा 13–17 नवंबर 2015; आईएनसीएलईएन द्वारा गृह आधारित नवजात प्लस (एचबीएनसी प्लस) मूल्यांकन परियोजना के लिए केंद्रीय समन्वय दल के सदस्य, एम्स में राज्य अभिविन्यास और प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया, भोपाल, 27–30 जनवरी 2016 और जिला रायसेन में फोकस समूह चर्चा, 25–26 फरवरी 2016; विशेषज्ञ, दिल्ली में टीआईएएसएन सामाजिक जरूरतों को संबोधित करने के लिए तकनीकी हस्तक्षेप पर समिति की बैठक, 29 फरवरी–1 मार्च 2016; अध्यक्ष, अनुसूचित उप–योजना एसईईडी प्रभाग के अधीन परियोजना प्रस्तावों के मूल्यांकन के लिए कार्यक्रम सलाहकार समिति, डीएसटी मार्च 2016 के बाद से; बाहरी परीक्षक, कम्युनिटी मेडिसिन, पूर्व अंतिम एमबीबीएस परीक्षा, श्रीनगर, 23–25 जुलाई 2015, तथा यूसीएमएस दिल्ली में एमबीबीएस 3 व्यावसायिक, 23–27 नवंबर 2015; सदस्य, मातृ में अनुसंधान प्राथमिकता सेटिंग व्यायाम के लिए राष्ट्रीय संचालन समूह, नवजात शिशु, बाल स्वास्थ्य और पोषण (एमएनसीएचएन), इंक्लेन; कार्यक्रम समन्वयक, एनएसएस यूनिट, एम्स।

प्रोफेसर आनंद कृष्णन एनसीडी रोकथाम और नियंत्रण के लिए अनुसंधान और समुदाय आधारित कार्यनीतियों के लिए डब्ल्यूएचओ सहयोग केन्द्र के प्रमुख। सदस्य, कैंसर के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम की निगरानी पर राष्ट्रीय संचालन समिति, मधुमेह, सीवीडी और स्ट्रोक; सदस्य, एनसीडी डिवीजन के लिए आईसीएमआर परियोजना समीक्षा समिति (सीवीडी मानसिक स्वास्थ्य, न्यूरोलॉजी); सलाहकार, मीडिया लैब एशिया, सार्वजनिक स्वास्थ्य में सूचना प्रौद्योगिकी के उपयोग पर डीईआईटीवाई; सदस्य, समिति छानबीन, 'स्वास्थ्य और जैव प्रौद्योगिकी में नवाचार' के लिए प्रदर्शन के चयन हेतु आईसीएमआर, राष्ट्रपति भवन; सदस्य, तकनीकी सलाहकार समिति, ग्लोबल एडल्ट टुबैको सर्वे 2015; सदस्य, तकनीकी सलाहकार समूह–राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण; सदस्य, राष्ट्रीय एनसीडी निगरानी सर्वेक्षण का उपकरण और

मैनुअल के विकास के लिए तकनीकी लीड; सदस्य, भारत के महापंजीयक कार्यालय द्वारा गठित मौखिक पोस्टमार्टम के लिए टीएसी; दल के नेता, एकीकृत रोग निगरानी परियोजना दिसंबर 2015 के डब्ल्यूएचओ–जीओआई समीक्षा की संयुक्त निगरानी मिशन; सदस्य, टीका प्रभाव और आर्थिक मॉडलिंग सूचित करने के लिए इन्फ्लुएंजा डेटा का मूल्यांकन करने के लिए डब्ल्यूएचओ टास्क फोर्स, सदस्य, डब्ल्यूएचओ इन्फ्लुएंजा बोझ आकलन पर कार्य समूह; सदस्य इन्फ्लूएंजा टीका तकनीकी सलाहकार समूह, अगली पीढ़ी इन्फ्लूएंजा टीकों के लिए डब्ल्यूएचओ पसंदीदा उत्पाद लक्षण का विकास; एम्स; यूएसआईईएफ नेहरू–फुलब्राइट छात्रवृत्ति के लिए समीक्षक; आरएसवी नेटवर्किंग महामारी विज्ञान नेटवर्क (जनरल आरएसवी) की बैठक में भाग लिया, 22–24 जून 2015, एडिनबर्ग; डब्ल्यूएचओ इन्फ्लुएंजा इकोनॉमिक बर्डेन आकलन मैनुअल की समीक्षा की; सदस्य, आंतरिक अनुसंधान अनुदान (नैदानिक) समीक्षा समिति, जिनेवा, स्विट्जरलैंड, 7–11 दिसंबर 2015; अध्यक्षता, इन्फ्लूएंजा के लिए जोखिम कारक, डब्ल्यूएचओ इन्फ्लूएंजा रोग बर्डन पर तकनीकी परामर्श, 8–10 दिसंबर 2015 जिनेवा; सदस्य, मधुमेह पर भारतीय रोग अध्ययन ग्लोबल बर्डन पर विशेषज्ञ समूह; सदस्य, वैज्ञानिक सलाहकार जीर्ण रोग नियंत्रण के लिए समिति केंद्र (सीसीडीसी); सदस्य, पुराने रोगों के लिए भागीदारी के लिए राष्ट्रीय सलाहकार समूह; सदस्य, भारत (यूसीएचएआई) सलाहकार बोर्ड में जलवायु स्वास्थ्य संघ को समझना; सलाहकार वीएचएआई, ग्लोबल फंड समर्थित मृत्यु डेटा विश्लेषण पर परियोजना; सदस्य, संपादकीय बोर्ड, विश्व स्वास्थ्य कार्रवाई; भारत में गैर संचारी रोग (एनसीडी) के रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय बहुक्षेत्रीय कार्रवाई योजना (एनएमएसएपी) पर अंतर–मंत्रालयी परामर्श में भाग लिया, 19 फरवरी 2016 और; जीवन शैली की बीमारियों पर प्रथम राष्ट्रीय सीएमई पर एनसीडी रोकथाम पर संचालित चर्चा, 7 मार्च 2016, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़; सदस्य, तकनीकी सलाहकार समूह, पंजाब राज्य एनसीडी रिस्क फैक्टर सर्वेक्षण; ईएमआरओ के लिए एनसीडी निगरानी के लिए समीक्षित डब्ल्यूएचओ क्षेत्रीय प्रशिक्षण पैकेज।

प्रोफेसर बेरीडेलाइन नोंग्कायरिह सह आयोजक थे, गैर–संचारी रोगों के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य के प्रयास पर दूसरा राष्ट्रीय पाठ्यक्रम, 20–25 फरवरी 2016; सह–अन्वेषक, परियोजना : भारत में राष्ट्रीय गैर संचारी रोग निगरानी सर्वेक्षण; बाह्य परीक्षक, क्षेत्रीय चिकित्सा विज्ञान संस्थान, इंफाल, मणिपुर, अप्रैल 2015, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, नवंबर 2015 और जनवरी 2016 में जेएनआईएमएस मणिपुर; अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय पत्रिकाओं के लिए समीक्षक (इंडियन जर्नल मेडिकल रिसर्च, जर्नल ऑफ़ हेल्थ, पापुलेशन एंड न्यूट्रिशन, आईसीडीडीआर बांग्लादेश, इंडियन जर्नल कम्युनिटी हेल्थ, इंडियन जर्नल कम्युनिटी मेडिसिन, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मेडिसिन एंड पब्लिक हेल्थ, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एडवांस्ड मेडिकल रिसर्च, डब्ल्यूएचओ साउथ–ईस्ट एशिया जर्नल ऑफ़ पब्लिक हेल्थ, एशिया पैसिफिक जर्नल पब्लिक हेल्थ, कैंसर बायोलॉजी और मेडिसिन, इंडियन पेडियाट्रिक्स आदि)। फरवरी 2016 को आईसीएमआर अल्पावधि छात्रावस्था (एसटीएस) कार्यक्रम ऑनलाइन समीक्षा के लिए समीक्षक।

प्रोफेसर पुनीत मिश्रा सदस्य, तकनीकी संसाधन समूह, किशोरों में स्वास्थ्य, एमओएचएफडब्ल्यू। सदस्य और सह–अध्यक्ष, कार्यक्रम सलाहकार परिषद, डीएसटी; डीएसटी, आईसीएमआर, डीबीटी सीपीसीबी के लिए परियोजनाओं के आकलन के साथ शामिल; आईसीएमआर अल्पावधि छात्रावस्था (एसटीएस) कार्यक्रम ऑनलाइन समीक्षा के लिए समीक्षक; विशेषज्ञ, लोक सेवा आयोग, ब्रिटेन; पीजी परीक्षक, भारत सरकार मेडिकल कालेज, पटियाला; राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय जर्नल के लिए समीक्षक : आईजेपीएच,

आईजेपी, ट्रोपिकल पीडिएक्ट्रिक्स, लैंसेट, आईजेएमआर, बीएमजे, आदि; आईपीएचए सम्मेलन देहरादून में भाग लिया और जमैका अस्पताल, न्यूयॉर्क में मनोरोग और नशा मुक्ति विभाग में प्रशिक्षित किया गया।

प्रोफेसर संजय राय को पंजाब विश्वविद्यालय द्वारा नामित किया गया था, सदस्य के रूप में, परीक्षक बोर्ड, सामुदायिक चिकित्सा; बाह्य परीक्षक, कम्युनिटी मेडिसिन में एम.बी.बी.एस. अंतिम व्यावसायिक परीक्षा, सरकारी मेडिकल कॉलेज, चंडीगढ़, 13 मई 2015; सदस्य, तकनीकी सलाहकार समूह, भारत में बाल्यावस्था निमोनिया के सार्वजनिक स्वास्थ्य महत्व पर जोर देने के लिए अनुसंधान कार्यक्रम, बिल और मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन में आईएनसीएलईएन के लिए समर्थित कार्यक्रम; एड्स नियंत्रण विभाग (डीएसी) द्वारा नामित, पांच पूर्वोत्तर राज्यों के लिए एचआईवी सेंटिनेल सर्विलांस (एचएसएस) के लिए तकनीकी सहायता प्रदान करने के लिए ''फोकल पर्सन' के रूप में एमओएचएफडब्ल्यू (दिल्ली, बिहार, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और झारखंड); सामरिक समूह के सदस्य, मातृ एवं नवजात शिशु कार्य समूह, आईएनडीईपीटीएच में और समूह की बैठक में भाग लिया, कंपाला, युगांडा, 18 – 19 जून 2015; विभिन्न पत्र–पत्रिकाओं हेतु समीक्षा उदहारण स्वास्थ्य और जनसंख्या परिप्रेक्ष्य और मुद्दे, इंडियन जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ, इंडियन जर्नल ऑफ कम्युनिटी मेडिसिन, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ इपिडेमियोलोजी, इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स, एनएमजेआई, आदि.; बिहार, झारखंड, दिल्ली, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश के कई आयोजित पर्यवेक्षी क्षेत्र का दौरा एकीकृत जैविक और व्यवहार निगरानी (आईबीबीएस) की निगरानी के लिए, और एचआईवी प्रहरी निगरानी और इन राज्यों के लिए तकनीकी सहायता प्रदान करता है; बाहरी परीक्षक, एम.बी.बी.एस. अंतिम व्यावसायिक परीक्षा, पीजीआईएमएस, रोहतक में सामुदायिक चिकित्सा, 11–15 जनवरी 2016

डॉ. कुसुमा वाई. एस. सदस्य थे, एनसीडी जोखिम कारक सहयोग (एनसीडी–आरआईएससी); पुराने रोगों सहयोग समूह के लिए मेटाबोलिक जोखिम कारकों की वैश्विक बोझ; डीबीटी और आईसीएमआर का समीक्षक के रूप में कार्य किया; संपादकीय बोर्ड के सदस्य, नृविज्ञान और सामाजिक नीति के जातीय–चिकित्सा और एफ्रो–एशियन जर्नल पर अध्ययन; अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय व्यावसायिक पत्रिकाओं के लिए समीक्षक; जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के लिए निर्णायक के रूप में सेवा प्रदान की।

डॉ. कपिल यादव ने देहरादून में इंडियन पब्लिक हेल्थ एसोसिएशन के राष्ट्रीय वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया; विशेषज्ञ, समिति के राष्ट्रीय आयोडीन की कमी से विकार नियंत्रण कार्यक्रम (एनआईडीडीसीपी) के लिए आईईसी सामग्री को विकसित करना; राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर एनआईडीडीसीपी करने के लिए तकनीकी सहायता प्रदान करते हैं; स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के लिए गुणवत्ता मानकों के विकास की दिशा में योगदान दिया।

डॉ. अनिल गोस्वामी सदस्य, सलाहकार समिति, परिवार कल्याण कार्यक्रम सलाहकार समिति, आकाशवाणी भवन, नई दिल्ली; नोडल अधिकारी, रोग निवारण प्रकोप प्रतिक्रिया प्रकोष्ठ (डीपीओआरसी), 2008 के बाद एम्स; सदस्य, वैज्ञानिक सलाहकार समिति, राष्ट्रीय संगोष्ठी, नेशनल कांफ्रेंस ऑफ इण्डियन एसोसिएशन ऑफ प्रीवेंटिव एण्ड सोशल मेडिसिन, 2016; प्रिवेंटिव एंड सोशल मेडिसिन 2016 के 43 वें वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया गांधीनगर, गुजरात, स्वास्थ्य और स्वच्छता संवर्धन (स्वच्छ और हरित एम्स का केआरए–7) कायाकल्प (स्वच्छ अस्पताल अभियान) के तहत सदस्य उप–समिति; 'वाहक जनित रोग तैयारियों की समीक्षा'; पर एमओएचएफडब्ल्यू की बैठकों में भाग लिया; 'डेंगू और मलेरिया तैयारी' पर स्वास्थ्य के

राज्य मंत्रालय के साथ बैठकों में भाग लिया, दिल्ली सचिवालय, नई दिल्ली; डीपीओआरसी, एम्स के अंतर्गत सुलभ कर्मचारियों के लिए आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम निवारक सेवाओं को उपलब्ध कराना।

डॉ. सुमित मल्होत्रा ने इण्डियन एसोसिएशन ऑफ प्रीवेंटिव एण्ड सोशल मेडिसिन (आईएपीएसएम) के 43वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन के भाग के रूप में 6 जनवरी 2016 को गणितीय मॉडलिंग के पूर्व सम्मेलन कार्यशाला में भाग लिया और इण्डियन पब्लिक हेल्थ एसोसिएशन के 60वें राष्ट्रीय सम्मेलन, 4–6 मार्च 2016 देहरादून; भारतीय और अंतरराष्ट्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य पत्रिकाओं के लिए समीक्षक; एसडीएच पर पोषण प्रदर्शनी का आयोजन, बल्लभगढ़, राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के दौरान, 1–7 सितंबर 2015, खाद्य एवं पोषण बोर्ड, फरीदाबाद डिवीजन, महिलाओं की एवं बाल विकास मंत्रालय के सहयोग से।

डॉ. पार्थ हलदर, 2015 के लिए भारत में एचआईवी के अनुमान के लिए राष्ट्रीय कार्य समूह सदस्य थे, नाको, एमओएचएफडब्ल्यू; अतिथि संकाय, हेल्थकेयर एनालिटिक्स पर कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम – भारतीय प्रबंधन संस्थान, बेंगलूर, फरवरी 2016; सदस्य, एम्स में केंद्रीय क्षेत्रीय संस्थान, एचआईवी प्रहरी निगरानी के लिए नई दिल्ली;एम्स, नई दिल्ली में एम्स – मिशिगन विश्वविद्यालय, अनुसंधान क्रियाविधि पाठ्यक्रम में भाग लिया, मार्च 2016; फोगार्टी इंटरनेशनल सेंटर दो दिवसीय संगोष्ठी प्रायोजित, स्वास्थ्य एनालिटिक्स और रोग मॉडलिंग 2016 (एचएडीएम 2016) पर ग्रेजुएट स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ, पिट्सबर्ग विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका, 29 फरवरी–1 मार्च 2016 हैदराबाद; एचआईवी प्रसार, घटना, मृत्यु, तथा पीएमटीसीटी की आवश्यकता वाली मां तथा लोगों और बच्चों की एआरटी आवश्यकता पर राष्ट्रीय स्तर पर और राज्य स्तर के अनुमान पाने के लिए नाको द्वारा तकनीकी सहायता प्रदान की गई; विशेषज्ञ समूह की बैठक, मृदा संचारित हेलमिंथैसिस, 29 जून 2015, एनसीडीसी, दिल्ली में भाग लिया, भारत में एसटीएच के करंट बर्डन मैप की ओर से राष्ट्रीय योजना विकसित की गई; प्रशिक्षण कार्यशाला में भाग लिया, एचआईवी आबंटन दक्षता और वित्तीय प्रतिबद्धता विश्लेषण, 16 – 18 सितंबर 2015, नई दिल्ली, विश्व बैंक समूह और भारत में एचआईवी नियंत्रण के लिए कार्यक्रमों की लागत अनुकूलन के लिए द यूनिवर्सिटी ऑफ न्यू साउथ वेल्स ऑस्ट्रेलिया द्वारा संचालित।

डॉ. रवनीत कौर ने भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले (आईआईटीएफ) में कैंसर जागरूकता और स्क्रीनिंग अभियान (स्वास्थ्य चेतना अभियान) में भाग लिया। एमओएचएफडब्ल्यू द्वारा प्रगति मैदान आयोजित, 14–27 नवंबर 2015; आयोजित ''स्तनपान संवर्धन – जागरूकता और समर्थन '1–7 अगस्त 2015, एसडीएच बल्लभगढ़ विश्व स्तनपान सप्ताह का निरीक्षण करना। स्तनपान कराने वाली माताओं के प्रश्नों के समाधान के लिए लैक्टेशन मैनेजमेंट क्लिनिक सेट–अप; योग्यता आधारित पाठ्यक्रम पर कार्यशाला में भाग लिया, चिकित्सा शिक्षा और प्रौद्योगिकी के लिए के. एल. विग केंद्र, 12 अक्टूबर 2015; ई–मेडिकल रिकॉर्ड्स पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया, जेपीएन एपेक्स ट्रामा सेंटर, 4 नवंबर 2015.

डॉ. हर्षल आर साल्वे आईसीएमआर और स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा एनसीडी निगरानी सर्वेक्षण के लिए उपकरणों के विकास में शामिल दल के सदस्य थे; त्रैमासिक आईडीडी न्यूज़लेटर आईक्यू + जागृति के संपादक; कोलंबो, श्रीलंका में श्रीलंका–2016 में नेशनल आयोडीन स्टेट्स सर्वे की प्रारंभिक बैठक में भाग लिया और तकनीकी इनपुट प्रदान किया।

अन्य महत्वपूर्ण उपलब्धियां / गतिविधियां

1. दक्षिणपुरी एक्सटेंशन में एक स्वास्थ्य प्रदर्शनी और वार्ता का आयोजन किया गया, 'खाद्य सुरक्षा' पर शहरी क्षेत्र अभ्यास क्षेत्र, विश्व स्वास्थ्य दिवस की पूर्व संध्या, 6 अप्रैल 2015, दक्षिणपुरी एक्सटेंशन, नई दिल्ली।
2. वर्ल्ड हेल्थ डे पर पोस्टर, विषय : खाद्य सुरक्षा, 6 अप्रैल 2015, एम्स ओपीडी और ट्रॉमा केंद्र, नई दिल्ली।
3. ''विश्व तम्बाकू निषेध दिवस'' 2015 को एक माह के लिए 26 मई 2015 को, एम्स, नई दिल्ली में ''तम्बाकू और इसके दुष्परिणाम'' (12 पोस्टर) पर एक प्रदर्शनी प्रदर्शित की गई थी।
4. एम्स, नई दिल्ली 30 मई 2015, की शाम को 'टुबैको', पब्लिक लेक्चर पर प्रदर्शन।
5. 29 जून 2015, दक्षिणपुरी एक्सटेंशन, नई दिल्ली 'वर्ल्ड ड्रग एब्यूज़ और इलिसिट ट्रैफिकिंग डे'' पर एक प्रदर्शन।
6. एम्स परिसर, 1 जुलाई से 31 नवंबर 2015, एम्स, नई दिल्ली में पोस्टर और बैनर पर 40 प्रमुख स्थलों पर डेंगू और मलेरिया से प्रदर्शित किए गए थे।
7. एम्स के संस्थान दिवस का आयोजन किया गया, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री द्वारा प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया, विभिन्न सार्वजनिक स्वास्थ्य के मुद्दों पर 18 फिल्म शो भी आयोजित किए गए, 24–26 नवंबर 2015, एम्स, नई दिल्ली।
8. 'स्वाइन फ्लू' 15 अक्टूबर 2015, सीआरएचएसपी, बल्लभगढ़ पर पोस्टर के 20 सेट प्रदर्शित किए गए थे।
9. 'विश्व कुष्ठ दिवस' 30 जनवरी 2016, दक्षिणपुरी एक्सटेंशन, नई दिल्ली पर प्रदर्शनी का आयोजन।

एम्स में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) गतिविधियां

दक्षिणपुरी एक्सटेंशन में आयोजित किए गए विभिन्न स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम, नई दिल्ली विषयों पर जैसे स्वाइन फ्लू, उच्च रक्त दाब, मधुमेह, क्षय रोग, डेंगू, मलेरिया, दस्त, मोटापा, बाल विवाह, शराब, कैंसर, कुपोषण और प्रसव पूर्व देखभाल; 'खाद्य सुरक्षा' पर एक पोस्टर प्रतियोगिता छात्र संघ के सहयोग से आयोजित की गई थी, एम्स, 18 अप्रैल 2015; छात्र संघ द्वारा आयोजित मेडिकल प्रदर्शनी उत्प्रेरक में भाग लिया, 2–3 मई 2015, एम्स, नई दिल्ली; आर.के. पुरम, नई दिल्ली में स्वास्थ्य देखभाल पर काम कर रहे एक संगठन डीएनआईपी केयर के सहयोग से प्रदर्शनी का आयोजन किया; ओखला, नई दिल्ली में डीएनआईपी देखभाल के सहयोग से 'तम्बाकू' पर प्रदर्शनी का आयोजन; एसयू एम्स और रेड रिबन क्लब, एम्स 30 मार्च 2016 के सहयोग से एक 'रक्तदान शिविर' (87 यूनिट का दान) आयोजित।

9.9 त्वचा एवं रतिज रोग विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष
विनोद कुमार शर्मा

आचार्य

नीना खन्ना | कौशल के वर्मा | एम. रामम
बिनोद के. खैतान | सुजय खांडपुर | जी. सेथुरमन

अपर आचार्य
सोमेश गुप्ता

सहायक प्रोफेसर
कनिका साहनी | सविता यादव
राहुल महाजन (नवंबर 2015 तक)

विशिष्टताएं
विभाग ने मिशिगन यूनिवर्सिटी, यूएसए के साथ अंतरराष्ट्रीय सहयोग सहित शीर्षक 'जेनेटिक एनालिसिस ऑफ सोरियासिस एण्ड सोरियाटिक अर्थराइटिस इन इण्डिया' परियोजना का पूरा निधिकरण किया। डॉ. बिनोद के. खैतान को 2015 में अध्येता, नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंस तथा राष्ट्रीय सम्मेलन डीईआरएमएसीओएन – 2016 में आईएडीवीएल द्वारा डॉ. एल के भूटानी पुरस्कार दिया गया; डॉ. जी सेतुरमन को आईसीएमआर द्वारा के. सी. कंधारी पुरस्कार से सम्मानित किया गया; डॉ. सोमेश गुप्ता ने 2015 में क्लिनिकल विज्ञान में एम्स उत्कृष्टता पुरस्कार जीता।

विभिन्न पत्रिकाओं में संपादन के कार्य में निम्नलिखित संकाय शामिल थे; (1) डॉ. वी के शर्मा, अनुभाग अधिकारी, ब्रिटिश जनरल ऑफ डर्मेटोलॉजी; (2) डॉ. एम. रामम : मुख्य संपादक, इण्डियन जनरल ऑफ डर्मेटोलॉजी, वेनेरोलॉजी एण्ड लेप्रोलॉजी; (3) डॉ. सुजय खाण्डपुर : संपादक, इण्डियन जनरल ऑफ डर्मेटोलॉजी एण्ड डायग्नोस्टिक डर्मेटोलॉजी।

डॉ. वी. के. शर्मा को निदेशक मंडल का अंतरराष्ट्रीय प्रेक्षक, अमेरिकन अकादमी ऑफ डर्मेटोलॉजी नियुक्त किया गया है और उन्होंने इंटरनेशनल सोसायटी ऑफ डर्मेटोलॉजी के वाइस प्रेसिडेंट के रूप में कार्य किया। डॉ. कौशल के वर्मा, यौन संचारित संक्रमण के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय संघ – एशिया प्रशांत (आईयूएसटीआई – एपी) के वाइस चेयरमेन के रूप में कार्य करते रहे, डॉ. सोमेश गुप्ता एशिया – प्रशांत क्षेत्र के क्षेत्रीय निदेशक, यौन संचरित संक्रमण विरुद्ध अंतरराष्ट्रीय संघ (आईयूएसटीआई) थे।

विभाग में डर्मोपैथोलॉजी सोसायटी ऑफ इण्डिया की वार्षिक बैठक तथा इंटरनेशनल सोसायटी ऑफ डर्मेटोपैथोलॉजी की 36वीं गोष्ठी आयोजित की गई, इसका आयोजन 19 – 21 नवंबर 2015 को नई दिल्ली में किया गया और डॉ. एम. रामम इसके आयोजक सचिव तथा डॉ. सुजय खाण्डपुर ने संगठन सचिव के तौर पर कार्य किया।

विभाग में 31,807 नए और 37,441 पुराने रोगियों के साथ एक व्यस्त बाह्य रोगी सेवा चलाई जाती है। वार्ड में 3478 नियमित प्रवेश किए गए थे। विभाग में एक सीनियर रेजीडेंट की तैनाती बल्लभगढ़ में साप्ताहिक ओपीडी में भी की जाती है।

शिक्षा

नौ उम्मीदवारों ने एम.डी. (त्वचारोग एवं रतिजरोग विज्ञान) प्रशिक्षण को पूर्ण किया, 4 उम्मीदवारों ने 2 से 4 हफ्ते तक चलने वाले अल्पावधिक प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। हमारे विभाग के रेजीडेंट्स ने निम्नलिखित पुरस्कार जीते हैं :

प्रदत्त व्याख्यान :

वी. के. शर्मा : 9	नीना खन्ना : 9	कौशल के. वर्मा : 14
एम. रामम : 14	बिनोद के. खैतान : 7	सुजय खाण्डपुर : 7
जी. सेतुरमन : 2	सोमेश गुप्ता : 16	कनिका साहनी : 5

प्रस्तुत किए गए मौखिक शोध पत्र / पोस्टर : 8

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. भारत में सोराइसिस एवं सोराइटिक आर्थराइटि्स का आनुवंशिकी विश्लेषण, वी. के. शर्मा, एन. आई. एच., यू. एस. ए, 5 वर्ष, 2011–2016, 60 लाख रुपए।
2. विटिलिगो और त्वचा रंजकता में एमआईआरएनए हस्ताक्षर को परिभाषित करना, वी के शर्मा, आई ए डी वी एल, 1 वर्ष, 2015–16, 4.9 लाख रुपए।
3. एलोपेसिया एरीटा के रोगजनन में आनुवंशिक पश्चजनन सम्बन्धी और प्रतिरक्षा में शामिल घटकों की भूमिका को परिभाषित करना, वी के शर्मा, आई सी एम आर ए, 3 वर्ष, 2015–18, 45 लाख रुपए।
4. पीयूवीए सोल और यूनानी फॉर्मूलेशन यूएनआईएम – 004 (मौखिक) और यूएनआईएम – 005 (एलए) की क्लिनिकल दक्षता की तुलना और सुरक्षा और विटिलिगो के उपचार में सनलाइट, नीना खन्ना, आयुष मंत्रालय, 3 वर्ष, 2015 – 2018, 35.47 लाख रुपए।
5. मध्यम से गंभीर पेम्पिगस वल्गेरिस में रिटुक्सिम्ब इंफ्युजन और डेक्सामेथेसोन सायक्लोफोस्फेमाइड पल्स की दक्षता की तुलना करना। सुजय खाण्डपुर, आई सी एम आर, 9.1 लाख रुपए।
6. रोग गतिविधि के साथ एक्टिव और स्टेबल सोरियासिस में सिरम और ऊतक टीएच1 और टीएच2 सायटोकाइन स्तरों की तुलना करना और इसका सह संबंध। सुजय खाण्डपुर, एम्स, 2015–2016, 3.3 लाख रुपए।
7. कुष्ठ रोग संबंधी पेरिफेरल न्यूरोपैथी में सुधार पर अलनर नर्व ट्रंक के साथ कई स्थानों पर प्लेटलेट से भरपूर प्लाज्मा के पेरिन्यूरल इंजेक्शनों के प्रभाव का पता लगाने के लिए एक प्रायोगिक अध्ययन, सविता यादव, एम्स, 2 वर्ष, 2015 – 16, 3.3 लाख रुपए।

पूर्ण

1. सक्रिय नॉन – सेग्मेंटल जरनलाइज्ड विटिलिगो में फॉक्स, प्रोमोटर डीएनए मिथाइलेशन लेवल की भूमिका समझना, वी. के. शर्मा, डीबीटी, 3 वर्ष, 2011–14, 60 लाख रुपए।
2. ''एक्ने वलगेरिस के इलाज में 0.025 प्रतिशत जैल और क्लिंडा मायसिन 1 प्रतिशत जैल की तुलना में 0.04 प्रतिशत ट्रेटिनोइन (माइक्रोस्फियर) और क्लिंडा मायसिन 1 प्रतिशत के संयोजन की दक्षता और निरापदता के मूल्यांकन हेतु फेस

3, बहु केंद्र, तीन शाखा वाले यादृच्छिक डबल ब्लाइंड, सक्रिय नियंत्रित, समानांतर अध्ययन। नीना खन्ना, डॉ. रेड्डी लैबोरेटोरिज़, 6 माह, नवंबर 2014 – जुलाई 15, 11.28 लाख रुपए।

3. इनफेंटाइल हीमेंगियोमा के उपचार में सिस्टेमिक स्टेरॉइड्स का यादृच्छिक परीक्षण, जी. सेतुरमन। आई सी एम आर, 3 वर्ष, 2012 – 15, 14 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. प्रोग्रेसिव नॉन – सिग्मेंटल विटिलिगो बनाम नॉन प्रोग्रेसिव नॉन – सिग्मेंटल विटिलिगो के साथ रोगियों में नैरो बैंड यूवी – बी उपचार के प्रभाव के मूल्यांकन के लिए एक तुलनात्मक, अवलोकन अध्ययन।
2. पिग्मेंट में बदलावों की आकारिकी और विस्तार के बीच सह संबंध का आकलन करने के लिए एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन और क्यूटेनियस स्क्लेरोसिस की डिग्री और कायिक स्क्लेरोसिस में बड़े अंगों का शामिल होना।
3. एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण लिचेन प्लेनस पिग्मेंटोस्स में इसोट्रेटिनोइन की प्रतिक्रिया का मूल्यांकन करना।
4. टोपिकल रूप से संशोधित क्लिगमैन सूत्रण की तुलना में मेलाज्मा के उपचार में 1064 नैनो मीटर क्यू स्विच्ड एनडी – याग लेजर की दक्षता और निरापदता की तुलना के लिए विभाजित चेहरे का यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन।
5. एण्ड्रोजेनेटिक एलोपेसिया के हिस्टोपैथोलॉजिकल और खोपड़ी की बायोप्सी के क्षैतिज वर्गों द्वारा एलोपेसिया एरीटा सुविधाओं का एक अध्ययन।
6. खोपड़ी की बायोप्सी के ट्रांसवर्स सेक्शन पर एलोपेसिया एरीटा एण्ड एण्डोजेनेटिक की हिस्टोपैथोलॉजिकल विशेषताओं का एक अध्ययन।
7. वीआईएस – 22 अंकों के लिए एक अध्ययन में नैदानिक सार्थकता आबंटित करना।
8. वयस्क एक्जीमा क्लिनिकल और प्रीकटेस्ट
9. लंबी अवधि मेथोट्रेक्सेट उपचार पर सोरियासिस और रैटर रोग के रोगियों में अल्ट्रासाउंड इलेस्टोग्राफी द्वारा यकृत फाइब्रोसिस का आकलन।
10. चेहरे का आयतन घटाने के लिए ऑटोलॉगस गैर–संवर्धित डर्मल सेल सस्पेंशन ट्रांसप्लांटेशन
11. सीएडी पैच और फोटोपैच परीक्षण
12. प्लेटलेट रीच प्लाज्मा इम्प्रोन सर्जिकल रिपिग्मेंटेशन इंस्टेबल विटिलिगो में गैर संवर्धित एपिडर्मल सेल सस्पेंशन को निलंबित करना। एक डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन।
13. बचपन की शुरुआती फोटोडर्मेटोसिस क्लिनिको – हिस्टोपैथोलॉजिकल अध्ययन –
14. सौंदर्य प्रसाधन के कारण संपर्क डर्मेटाइटिस।
15. हेयर डाई के कारण संपर्क डर्मेटाइटिस।
16. डेक्सामेथासोन – पेम्फिगुस में साईक्लोफॉस्फोमाइड नाड़ी चिकित्सा।
17. पार्थेनियम डर्मेटाइटिस के रोगियों में पार्थेनियम एसिटोम निष्कर्ष की विभिन्न सांद्रताओं के साथ पैच परीक्षण प्रतिक्रिया समय का मूल्यांकन।
18. पुरुष पैटर्न एलोपेसिया में पीआरपी
19. पेमफिग्स दीर्घकालिक फॉलोअप में रिटुमिक्समैब
20. कुष्ठ रोग प्रेरित यूलनर न्यूरोपैथी में प्लेटलेट से भरपूर प्लाज्मा की भूमिका।
21. भारत में एक तृतीयक देखभाल केंद्र में सौंदर्य प्रसाधन के कारण संपर्क डर्मेटाइटिस की सूजन के साथ रोगियों में संपर्क सेंसिटिज़ेर्स का अध्ययन।
22. स्थिरता और विटिलिगो में सहज रिपिग्मेंटेशन का अध्ययन
23. टी कोशिकाओं और पेम्फिगुस वुल्गारिस के रोगजनन में इसकी स्कैवेंजर रिसेप्टर का अध्ययन।
24. संबंधित परिधीय न्यूरोपैथी कुष्ठ रोग पर पेरिन्यूरल पीआरपी इंजेक्शन के प्रभाव ढूंढना
25. स्थानीय विटिलिगो के इलाज में हैण्ड–हेल्ड एनबी – यूवीबी डिवाइस की उपयोगिता।
26. वायरल एक्सानथिम से दवा प्रेरित एक्ज़ांथीमा के बीच अंतर करने के लिए त्वचा बायोप्सी की उपयोगिता।

पूर्ण

1. हाइपरपिग्मेंटेशन और पैच और फोटोपैच परीक्षण का अध्ययन
2. क्रोनिक एक्टिनिक डर्मेटिटिस
3. जेनाइटल हर्पिस से पीड़ित भारतीय रोगियों में जीवन गुणवत्ता (क्यूओएल) का मूल्यांकन।
4. एकल एंजाइम (ट्रिप्सिन) तथा अनेक एंजाइम (ट्रिप्सिन, कॉलेजनेस और डिस्पेस) का उपयोग करते हुए विटिलिगो के प्रत्यारोपण में निष्कर्षित बाल के फोलिकल की बाहरी जड़ के शीथ कोशिका निलंबन की विभिन्न कोशिका आबादियों की दक्षता और संरचना का तुलनात्मक अध्ययन।

सहयोगात्मक परियोजनाएं

जारी

1. मिर्गी रोधी दवाएं लेने वाले रोगियों में मिर्गी इम्यूनोजेनेटिक्स तंत्र, न्यूरोलॉजी विभाग (न्यूरोलॉजी)।
2. एक अध्ययन में स्टीवंस जॉनसन सिंड्रोम के आनुवंशिक आधार की पहचान करना (एसजेएस), एनाटॉमी विभाग (एनाटॉमी)।
3. लेप्रोसी रोगियों में सीडी4 टीसीआर δ की भूमिका का मूल्यांकन करना (बायोकेमिस्ट्री)।
4. उप क्लिनिकल हाइपोथायरॉडिज्म के रोगियों में पॉलिसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस) प्रस्तुत करने वाली महिलाओं में क्लिनिकल, बायोकैमिकल, हार्मोनल और इंसुलिन संवेदनशीलता के पैरामीटरों के लिवोथायरॉक्सिन प्रतिस्थापन में सुधार (एण्डोक्राइनोलॉजी)।

पूर्ण

1. टीएच–1 और टीएच–2 प्रकार साइटोकाइन जीन बहुरूपता के अध्ययन और पार्थेनियम डर्मेटाइटिस की सूजन के साथ इसका संबंध, (बायोकेमिस्ट्री)।
2. कुष्ठ रोग में पोलराइज्ड प्रतिरक्षण : मेजबान प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया को आकार देने में प्रेरक और विनियामक टी सेल सबसेट की भूमिका, (प्रत्यारोपण प्रतिरक्षण और इम्यूनोजेनेटिक्स विभाग)।

प्रकाशन

जर्नल : 41 पुस्तक में अध्याय : 8 पुस्तक और मोनोग्राफ : 3

रोगी उपचार

विभाग में दो आइसोलेशन कक्ष सहित 29 बेड वार्ड हैं। अप्रैल 2015 से मार्च 2016 तक किए गए कुल दाखिले 3478 हैं और इसमें 31807 नए मामले तथा 37441 ओपीडी में पुराने मामले हैं। ओपीडी द्वारा सामान्य डर्मेटोलॉजी रोगियों (सुबह के शुरूआती समय में) और विशेषज्ञ क्लिनिकों (एसटीडी, कुष्ठ रोग, डर्मेटो सर्जरी, पिग्मेटेशसन, एलर्जी) और लेजर (डायोड, कार्बन डाईऑक्साइड, एनडीवायएजी लेजर, पल्स डाई लेजर) पर दोपहर में दोनों प्रकार के रोगियों को लिया जाता है। फोटोथेरेपी और साइड लैब की प्रयोगशाला में सुबह और दोपहर में प्रक्रियाएं की जाती है। वर्ष के दौरान सुबह के ओपीडी में देखे गए कुल मामले 88,820 और दोपहर के क्लिनिक में 18,388 मामले देखे गए। विभाग ने एक सीनियर रेजीडेंट द्वारा प्रबंधित बल्लभगढ़ में सप्ताह में एक दिन त वचा ओपीडी शुरू की है।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां

प्रोफेसर वी. के. शर्मा को इंटरनेशनल लीग ऑफ डर्मेटोलॉजी सोसायटी (आईएलडीएस) उत्कृटता पुरस्कार मिला, वे 3 वर्ष के लिए बोर्ड ऑफ़ डायरेक्टर्स मीटिंग के अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षक थे; उपाध्यक्ष, इंटरनेशनल सोसायटी ऑफ डर्मेटोलॉजी; अध्यक्ष इंटरनेशनल लायज़न समिति, आईएडीवीएल; अनुभाग संपादक, ब्रिटिश जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी; सदस्य, संपादक – मंडल, 'डर्मेटाइटिस' जनरल ऑफ अमेरिकन कॉन्टेक्ट डर्मेटाइटिस सोसाइटी; सलाहकार बोर्ड – आईजेडीवीएल आईजेएसटीडी जनरल; सदस्य संपादकीय के रूप में प्रतिभागी, आईजेडीवीएल 2015, 19 दिसंबर, 2015, बैंगलोर; डर्मेटोलॉजी सोसायटी की बैठक, वाशिंगटन, अमेरिका; डर्मेटाइटिस एडिटोरियल बोर्ड मीटिंग, 4 मार्च 2016, वाशिंगटन, अमेरिका; आंतरिक पर्यवेक्षक के रूप में एएडी बोर्ड की बैठक, 7 मार्च 2016, वाशिंगटन, यूएसए

प्रोफेसर कौशल के. वर्मा, चेयर निर्वाचित इंटरनेशनल यूनियन अगेंस्ट सेक्सुअली ट्रांसमिटेड इन्फेक्शन्स–एशिया पैसिफ़िक (आईयूएसटीआई – एपी); इंटरनेशनल यूनियन अगेंस्ट सेक्सुअली ट्रांसमिटेड इन्फेक्शन्स–एशिया पैसिफ़िक (आईयूएसटीआई – एपी); सदस्य, इंटरनेशनल कांटेक्ट डर्मेटाइटिस रिसर्च ग्रुप (आईसीडीआरजी) संयोजक, स्थायी विशेषज्ञ समूह (त्वचा विज्ञान, रतिजरोग और लेप्रोलॉजी) मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया; विशेषज्ञ, संकाय चयन, एम्स, भुवनेश्वर; विशेषज्ञ, मेडिकल साइंसेज में वरिष्ठ रिसर्च एसोसिएट्स का चयन, सीएसआईआर, नई दिल्ली; केंद्रीय परिषद के सदस्य, इंडियन एसोसिएशन ऑफ़ डर्मेटोलॉजिस्ट्स, वेनेरियोलॉजिस्ट्स और लेप्रोलॉजिस्ट्स (आईएडीवीएल); विशेषज्ञ; लाइव फोन – इन हेल्थ प्रोग्राम ऑन दूरदर्शन, दूरदर्शन भवन, नई दिल्ली; परीक्षक, पीजीआईएमईआर में एमडी परीक्षा, चंडीगढ़ और लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली; एचआईवी कांग्रेस, गोवा में 'प्री एक्सपोज ऑर एण्ड पोस्ट एक्सपोज' पर एक सत्र की अध्यक्षता।

प्रोफेसर एम. रामम ने अतिथि प्रोफेसर के तौर पर डर्मेटोलॉजी विभाग, कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, सैन फ्रांसिस्को का जून 2015 में दौरा किया और जनवरी 2014 से अब तक एडिटर – इन – चीफ, इण्डियन जनरल ऑफ डर्मेटोलॉजी वेनेरेलॉजी और लेप्रोलॉजी रहे।

प्रोफेसर बिनोद के. खैतान संपादकीय सलाहकार बोर्ड, आईजेडीवीएल के सदस्य थे; वे सदस्य, संपादकीय बोर्ड आईडीओजे थे; उन्हें 2015 में एफएएमएस (फेलो, नेशनल अकादमी ऑफ मेडिकल साइंसिस, भारत) से सम्मानित किया गया; डॉ. एल के भूटानी पुरस्कार जनवरी 2016 में कोयंबटूबर में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन डरमाकॉन – 2016 में आईएडीवीएल द्वारा अध्यापन और अनुसंधान हेतु प्रदान किया गया।

प्रोफेसर सुजॉय खांडपुर ने फोटोडर्मेटोलॉजी तथा फोटोबायोलॉजी में यूके में अप्रैल 2015 के दौरान राष्ट्र मंडल शैक्षिक अध्येतावृत्ति 2014 पूरी की; वे मुख्य संपादक, इण्डियन जर्नल ऑफ डर्मेटोपैथोलॉजी एण्ड डायग्नोस्टिक डर्मेटोलॉजी; समन्वयक, आईएडीवीएल के डर्मेटोपैथोलॉजी के विशेष रुचि समूह; 19 – 21 नवंबर 2015 को नई दिल्ली में इंटरनेशनल सोसायटी ऑफ डर्मेटोपैथोलॉजी की 36वीं गोष्ठी के और डर्मेटोपैथोलॉजी सोसायटी ऑफ इण्डिया की वार्षिक बैठक के आयोजक सचिव रहे।

प्रोफेसर जी. सेतुरमन को भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद् के – प्रो. के सी कंधारी डर्मेटोलॉजी तथा वेनेरोलॉजी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

डॉ. सोमेश गुप्ता ने 2015 के लिए क्लिनिकल विज्ञान में एम्स उत्कृष्टता पुरस्कार में दूसरा स्थान पाया; उन्हें 9 – 11 अप्रैल 2015 के बीच नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ एसोसिएशन ऑफ क्युटेनियस सर्जन (आई), कोलकाता में डॉ. पी एन बहल ओरेशन प्रदान करने के लिए आमंत्रित किया गया।

डॉ. कनिका साहनी इंडियन जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी वेनेरोलॉजी एण्ड लेप्रेरोलॉजी की सहायक संपादक थी, आई जे डी वी एल, जे सी ए एस, आई जे डी, बी जे डी, सी ई डी के लिए समीक्षक, के एल विग सेंटर फॉर मेडिकल एजुकेशन एण्ड टेक्नोलॉजी में 12 अगस्त 2015 को ''क्लिनिकल परीक्षण या जांचों की विश्वसनीयता की संकल्पना और मापन'' पर कार्यशाला

में भाग लिया, उन्होंने 20 अगस्त, 2015 को के एल विज सेंटर फॉर मेडिकल एजुकेशन एण्ड टेक्नोलॉजी में 'प्रभावी फीडबैक देने' पर कार्यशाला में भाग लिया।

डॉ. सविता यादव डर्मेटोलॉजी वेनेरोलॉजी और लेप्रोलॉजी के इण्डियन जर्नल के सहायक संपादक थे; आईजेडीवीएल, जेओसीडी, आईजेडी, आईडीओजे, बीजेडी, सीईडी हेतु समीक्षक; आईएडीवीएल–एसआईजी हेतु संगठन सचिव, 6 अप्रैल 2015 को एम्स डर्मेटोलॉजी कार्यशाला में आयोजित, मैनचेस्टर में बीएडी 2015 में आयोजित हेतु अध्येतावृत्ति से पुरस्कृत, 7 – 9 जुलाई 2015; सिलने की तकनीक पर कार्यशाला एसीएसआईसीओएन 2015 में स्वयं कार्य की कार्यशाला में संकाय, 9 – 11 अप्रैल 2015 साइंस सिटी, कोलकाता; स्नातकोत्तर छात्रों की जरूरतों को समझने पर पैनल चर्चा के सदस्य आईएडीवीएल – एम्स डर्मेटोलॉजी रेसीडेंट डॉक्टर और पीजी अध्यापक सम्मेलन, 1 – 2 अगस्त 2015, एम्स, नई दिल्ली; माइक्रो नीडलिंग – कॉम्प्लिकेशंस आईएडीवीएल – एसआईजी, एम्स, डीएसबी डर्मेटोसर्जरी कार्यशाला, 6 अप्रैल 2015, एम्स, नई दिल्ली।

डॉ. नीतु बहारी को डर्माकोन जनवरी 2016 में भाग लेने के लिए आईएडीवीएल डीएसबी अध्येतावृत्ति 2015 प्रदान की गई, 24 जनवरी, कोयंबटूर।

डॉ. विशाल गुप्ता, सीनियर रेजीडेंट को बर्मिंघम चिल्ड्रंस हॉस्पिटल, बर्मिंघम, यूके में 18वें वार्षिक बाल रोग डर्मेटोलॉजी पाठ्यक्रम (23 – 27 मई, 2016) में भाग लेने के लिए विज्ञान और अनुसंधान इंजीनियरी बोर्ड से अंतरराष्ट्रीय यात्रा अनुदान प्राप्त हुआ; उन्हें 23वें वर्ल्ड कांग्रेस ऑफ डर्मेटोलॉजी (डब्ल्यूसीडी), 8 – 13 जून 2015, वेनकुवर, कनाडा में भाग लेने के लिए भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद् से यात्रा अनुदान प्राप्त हुआ, उन्हें 23वें वर्ल्ड कांग्रेस ऑफ डर्मेटोलॉजी (डब्ल्यूसीडी), 8 – 13 जून 2015, वेनकुवर, कनाडा में भाग लेने के लिए डब्ल्यूसीडी राइजिंग स्टार अध्येतावृत्ति भी प्रदान की गई।

डॉ. रिती भाटिया, सीनियर रेजीडेंट को 23वें वर्ल्ड कांग्रेस ऑफ डर्मेटोलॉजी (डब्ल्यूसीडी), 8 – 13 जून 2015, वेनकुवर, कनाडा में भाग लेने के लिए आईएडीवीएल – डब्ल्यूसीडी अध्येतावृत्ति प्रदान की गई; सहायक संपादक इण्डियन जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी, वेनेरोलॉजी और लेप्रोलॉजी (आईजेडीवीएल), जनवरी 2016 तक।

अतिथि वैज्ञानिक

1. डॉ. रईचिरो अबे, प्रोफेसर, डर्मेटोलॉजी विभाग, निगाता यूनिवर्सिटी, ग्रेजुएट स्कूल ऑफ मेडिकल और डेंटल साइंस, निगाता, जापान, 'पैथोमैकेनिज्म ऑफ सिवियर क्युटेनियस एडवर्स ड्रग रिएक्शन : बेंच टू बेडसाइड' पर एक वार्ता दी, 12 फरवरी 2016
2. प्रो. एम. इसाकसून, स्वीडन से 'कॉन्टेक्ट डर्मेटाइटिस टू नेल पॉलिश इन नॉन प्रोफेशनल सेटिंग्स' पर प्रोफेसर ऑफ प्रोफेसर तथा चेयर ऑफ डर्मेटोलॉजी, 10 मार्च 2016।
3. डॉ. त्रिलोकराज तेजस्वी, सहायक प्रोफेसर, डर्मेटोलॉजी विभाग, यूनिवर्सिटी ऑफ मैकनिगन, 'टेलेडर्मेटोलॉजी और डर्मेकोस्कोपी' पर, 4 अप्रैल 2015.

9.10 आपात चिकित्सा

आचार्य एवं अध्यक्ष
प्रवीण अग्रवाल

आचार्य
एल. आर. मुरमू

सहायक आचार्य
मोहम्मद ताहिर अंसारी नायर जमशेद महेंद्र कुमार
मीरा इक्का (अनुबंध) प्रकाश रंजन मिश्रा (अनुबंध)

विशिष्टताएं

विभाग हर समय विभिन्न प्रकार की चिकित्सा, बाल रोग और गैर अभिघात आपातकालीन स्थितियों के रोगियों को गुणवत्ता पूर्ण आपातकालीन देखभाल प्रदान करने में अग्रणी रहा है। किसी प्रकार के अभिघात के रोगियों को भी शुरूआती आपातकालीन देखभाल प्रदान की जाती है। वर्ष 2015–16 के दौरान लगभग 1,42,000 रोगियों का विभाग में आगमन हुआ। वर्ष 2012 से, यह भारत के कुछ ऐसे शैक्षिक विभागों में से एक है जहां आपातकालीन चिकित्सा की विशेषज्ञता में स्नातकोत्तर डिग्री प्रदान की जाती है। विभाग अन्य विभागों के स्नातक छात्रों, नर्सों और पराचिकित्सा कार्मिकों को गंभीर रूप से बीमार रोगियों की शुरूआती आपातकालीन देखभाल का प्रशिक्षण और अध्यापन भी करता है। विभाग के संकाय सदस्य आपातकालीन चिकित्सा विषय में भारतीय चिकित्सा परिषद् तथा राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड द्वारा मान्यता प्राप्त कॉलेजों के मौजूदा और भावी संकाय को प्रशिक्षण प्रदान करने में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विभाग इस क्षेत्र में डॉक्टरों, नर्सों और पराचिकित्सा कार्मिकों के प्रशिक्षण के लक्ष्य सहित आपातकालीन चिकित्सा पर सम्मेलनों के आयोजन के लिए यूएसए के अनेक विश्वविद्यालयों के साथ सक्रिय रूप से सहयोग करता है। इनमें से कुछ विश्वविद्यालयों में यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ फ्लोरिडा, सनी डाउनस्टेट, न्यूयॉर्क और मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी शामिल हैं। सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एण्ड प्रीवेंशन, अटलांटा के सहयोग से विभाग द्वारा उन्हें किसी दुर्घटना के लिए तैयार करने हेतु चिकित्सा व्यावसायिकों के प्रशिक्षण में शामिल किया जाता है, जो नासिक कुंभ मेला, 2015 और उज्जैन कुंभ मेला, 2016 के दौरान हुई। आपातकालीन चिकित्सा पर 11वें भारत अमेरिकी वर्ल्ड कांग्रेस के दौरान विभाग द्वारा स्कूली बच्चों के लिए 'चोट की रोकथाम और सुरक्षित प्रथा' पर एक चित्रकला और पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। लोगों को चोट की रोकथाम के बारे में जागरुक बनाने के लिए एक वाकाथोन का भी आयोजन किया गया। विभाग दो सार्वजनिक व्याख्यानों में भी सक्रिय रूप से शामिल रहा, जिनमें से एक वेक्टर जनित रोगों तथा दूसरा डेंगू संक्रमण पर था। विभाग संस्थान द्वारा रोगी देखभाल और परिणाम में सुधार लाने के लिए गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम का हिस्सा था।

शिक्षा

विभागीय संकाय द्वारा जीवन के लिए सहायक पाठ्यक्रमों के तहत स्नातक पूर्व और स्नात्तकोत्तर पाठ्यक्रमों को संचालित किया जाता है। विभाग द्वारा आपात चिकित्सा के लिए रेजिडेंट्स के लिए शैक्षिक गतिविधियों की अनुसूची (सेमिनार, जर्नल क्लब, केस पर चर्चा) सप्ताह में पांच बार चलाई जाती है। रेजीडेंटों को सिमुलेशन आधारित अध्यापन और प्रशिक्षण दिया जाता है। इसके अलावा विभागीय संकाय वर्ग द्वारा व्याख्यान और सेमिनार के माध्यम से स्नातक पूर्व, स्नातकोत्तर और नर्सिंग विद्यार्थियों को प्रबोधक शिक्षा प्रदान की गई थी।

विभाग द्वारा चलाए जा रहे अल्पकालिक प्रशिक्षण के तहत अन्य देशों (इंग्लैंड, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया) के पांच स्नातक पूर्व विद्यार्थी को प्रशिक्षण दिया गया।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा
सम्मेलन / सेमिनार / कार्यशालाओं का आयोजन

1. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में आपातकालीन चिकित्सा की 11वीं भारत–अमेरिका वर्ल्ड कांग्रेस, नई दिल्ली, 27 सितंबर से 4 अक्तूबर 2015

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन
प्रदत्त व्याख्यान
प्रवीण अग्रवाल : 14 मोहम्मद ताहिर अंसारी : 2 नायर जमशेद : 1
प्रकाश रंजन मिश्रा : 5

मौखिक पत्र/ पोस्टर प्रस्तुतीकरण : 2

अनुसंधान
वित्तपोषित परियोजनाएं
जारी

1. आपातकालीन विभाग में एक्यूट कोरोनरी सिंड्रोम (एसीएस) के साथ रोगियों के जोखिम स्तरीकरण में नए कार्डियक मार्कर की भूमिका, प्रवीण अग्रवाल, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2014–16, 35.26 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं
जारी

1. आपातकालीन विभाग में एक्यूट कोरोनरी सिंड्रोम (एसीएस) के साथ रोगियों के जोखिम स्तरीकरण में कार्डियक बायो मार्कर की भूमिका।
2. आपातकालीन विभाग में क्लिनिको–प्रयोगशाला और गंभीर सेप्सिस और सेप्टिक शॉक में सूक्ष्मजीव विज्ञानी प्रोफाइल।
3. सर्वाइकल स्पाइन चोटों में देखभाल अल्ट्रासाउंड के बिंदु।
4. आपातकालीन विभाग में वाइड अवेक स्थानीय एनेस्थीसिया की भूमिका।
5. गंभीर अग्नाशय शोथ के प्रोग्नोस्टिक मार्कर के रूप में सीरम न्यूट्रोफिल जिलेटिनेस संबद्ध लिपोकेलिन की भूमिका।
6. आपातकालीन विभाग में आने वाले चेतना के अविभाजित बदल स्तर के साथ रोगियों में मूत्र विष विज्ञान स्क्रीन की उपयोगिता।
7. तीव्र हृदय की विफलता में प्लाज्मा न्यूट्रोफिल जेलेटिनेज़ से जुड़े लिपोकैलिन (एनजीएएल) के पूर्वाभासी महत्व।
8. अनिर्धारित आपातकालीन विभाग के लक्षण छुट्टी के 72 घंटे के अंदर फिर से आना।

पूर्ण

1. कम्पेरेटिव इवेल्यूशन ऑफ बायोमार्कर्स विद क्लिनिकल सेवेरिटी स्कोर्स फॉर आउटकम प्रेडिक्शन इन पेशेंट्स विद सेप्सिस इन द इमरजेंसी डिपार्टमेंट।

2. तीव्र अविभेदित पेट दर्द के साथ आपातकालीन विभाग के बुजुर्ग रोगियों की उपस्थिति पर निर्णय लेने में सीईसीटी एडोमेन की भूमिका।

सहयोगी परियोजनाएं
जारी

1. ऑर्थोपेडिक्स विभाग के उपक्षित मोंटेग्गिया फ्रैक्चर अव्यवस्था के लिए विभिन्न प्रक्रियाओं के नैदानिक और रेडियोलॉजिकल परिणाम (अस्थिरोग विज्ञान)।
2. इन विट्रो में मानव अस्थि मज्जा व्युत्पन्न मीजेनकाइमल स्टेम सेल में सिम्फायटम ऑफिसिनेल के ऑस्टियोजेनिक प्रलेखित के पीछे तंत्र को स्पष्ट करना (जैव रसायन विभाग)।
3. बृहदांत्र कार्सिनोमा सेल लाइनों और मानव अस्थि व्युत्पन्न मीजेनकाइमल स्टेम कोशिकाओं में स्टेमनेस के साथ ईएमटी / एमईटी हस्ताक्षरों की तुलना, (जैव रसायन विभाग)।
4. कोहनी में पुराने दर्द की एमआरआई मूल्यांकन, (रेडियोलॉजी विभाग)।

प्रकाशन
पत्रिकाएं : 8 पुस्तकों में अध्याय : 2 पुस्तक : 1

रोगी उपचार
रोगियों की कुल संख्या : 1,80,267
छोटे ऑपरेशन थिएटर में की गई कुल सर्जरी : 180

पुरस्कार, सम्मान तथा महत्वपूर्ण घटनाएं

आचार्य प्रवीण अग्रवाल जरनल ऑफ इमरजेंन्सिस, ट्रॉमा एंड शॉक, प्रमुख सह–संपादक बने रहे, जो पब मेड इंटरनेशनल इंडेक्स्ड है। वे फार्माकोविजिलेंस प्रोग्राम ऑफ इंडिया (पीवीओआई) के लिए केंद्रीय औषध मानक नियंत्रण संगठन और इंडियन फार्माकोपिया कमीशन के एकल समीक्षा पैनल के नामित सदस्य; सदस्य वैज्ञानिक निकाय, इंडियन फार्माकोपिया कमीशन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार; सदस्य, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय विशेष समिति और भारत में शैक्षणिक आपातकालीन विशेषज्ञ कॉलेज भी बने रहे। उन्हें भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली की ऐथिक्स समिति के एक सदस्य, राष्ट्रीय अस्पताल और स्वास्थ्य देखभाल प्रदाता प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीएच) की अनुसंधान समिति के एक सदस्य, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान संस्थान के तहत जैव चिकित्सा युक्तियों के क्षेत्र में एक विशेषज्ञ और स्वास्थ्य तथा परिवार कल्याण मंत्रालय (आपातकालीन चिकित्सा राहत विभाग) द्वारा चिकित्सकों हेतु उन्नत राष्ट्रीय आपातकालीन जीवन समर्थक पाठ्यक्रम हेतु पाठ्यचर्चा के विकास के लिए गठित विशेषज्ञों के पैनल का एक सदस्य मनोनीत किया गया है। उन्हें दक्षता आधारित पाठ्यचर्या, अध्यापक पात्रता योग्यता (टीईक्यू) तथा ट्रोमेटोलॉजी और सर्जरी में स्नातकोत्तर (एमएस) हेतु न्यूनतम मानक जरूरतों (एमएसआर) को अंतिम रूप देने के लिए भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा गठित विशेषज्ञ समूह का सदस्य मनोनीत किया गया है। उन्हें इसके अलावा सदस्य के रूप में भी नामित किया गया है, उन्हें आपातकालीन चिकित्सा में संकाय विकास कार्यक्रम के राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड द्वारा गठित विशेषज्ञ समूह का सदस्य मनोनीत किया गया है। उन्हें विभिन्न अस्पतालों में डीएनबी – आपातकालीन चिकित्सा कार्यक्रमों के आकलन के लिए एक निरीक्षक चुना गया है।

अंतः स्राविकी एवं चयापचय

आचार्य एवं अध्यक्ष
निखिल टंडन

आचार्य
नंदिता गुप्ता रविन्द्र गोस्वामी

अपर आचार्य
राजेश खडगावत विवेक पी. ज्योत्सना

सहायक आचार्य
मो. अशरफ गनी
यशदीप गुप्ता
(6 जून 2015 से)

वैज्ञानिक
एम. एल. खुराना
(30 जून 2015 तक)

विशिष्टताएं

विभाग द्वारा अनेक शैक्षिक गतिविधियां की जाती हैं जैसे अंतः स्राविकी – विकृति विज्ञानी सम्मेलन, प्रत्येक सप्ताह में एक बार अंतः स्राविकी – शल्य – चिकित्सीय – नाभिकीय चिकित्सा (बुधवार) तथा अंतः स्राविकी विकिरण नैदानिक बैठक (शुक्रवार) प्रत्येक सप्ताह में की जाती है। ये हैं प्रत्येक सप्ताह एक संगोष्ठी (बुधवार), एक जर्नल क्लब (शुक्रवार) और एक नैदानिक वर्ग (गुरुवार)। इन गतिविधियों के दौरान अत्यंत नैदानिक महत्व और हाल ही में उच्च प्रभाव लेख के विषयों पर चर्चा की गई। विभाग द्वारा बाह्य रोगी दैनिक सेवाएं चलाई जाती है, यहां हार्मोन आमापन, चयापचय अध्ययन और अस्थि घनत्व मापन के लिए आधुनिकतम प्रयोगशाला सेवाएं हैं।

शिक्षा
स्नातक, स्नातकोत्तर, पेरामेडिकल प्रशिक्षण
विभाग सक्रिय रूप से स्नातक, स्नातकोत्तर और पोस्टडॉक्टरल मेडिकल छात्र और नर्सिंग छात्रों के शिक्षण में शामिल रहा है। आंतरिक चिकित्सा और जरा चिकित्सा (एमडी) से (एमडी) विभाग के स्नातकोत्तर छात्र एक और दो महीने पोस्टिंग के लिए विभाग में आते हैं।

दीर्घ और लघु अवधि प्रशिक्षण
- दो उम्मीदवार को डीएम पाठ्यक्रम में शामिल किया गया।
- दो उम्मीदवारों को पीएचडी (एण्डोक्राइनोलॉजी) में शामिल किया गया।

- पांच उम्मीदवारों को लघु अवधि प्रशिक्षण की अनुमति दी गई।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्याशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन
प्रदत्त व्याख्यान

निखिल टंडन : 22	रविंदर गोस्वामी : 2	राजेश खड़गावत : 14
विवेक पी. ज्योत्सना : 5	मोहम्मद अशरफ गनी : 9	यशदीप गुप्ता : 5

अनुसंधान
वित्तपोषित परियोजनाएं
जारी

1. गैर संचारी जीर्ण हृदय और फेफड़े रोग (सीवीपीडी) से निपटने के लिए विकासशील देशों में वैश्विक स्वास्थ्य गतिविधियां – उत्कृष्टता केंद्र (सीओई), डॉ. निखिल टंडन, एन आई एच, यू एस ए, 5 वर्ष, 2011–16, 41.77 लाख रुपए।
2. ग्लू अनुदान योजना बचपन का मोटापा : इंफ्लेमेटरी मार्कर, जीन भिन्नता और एपिजेनेटिक्स, उत्तर भारत के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में एक संघ अध्ययन, डॉ. निखिल टंडन, डी बी टी, 5 वर्ष, 2011 – 16, 60.91 लाख रुपए।
3. एक यादृच्छिक, दोहरे अंधेपन, मल्टीसेंटर, तीसरे चरण के अध्ययन का मूल्यांकन करना कुशिंग रोग वाले रोगी में प्रभावकारिता और पेसिरिओटाइड एल ए आर की सुरक्षा डॉ. निखिल टंडन, नोवार्टिस इंडिया, 2 वर्ष, 2014 – 16, 11.26 लाख रुपए।
4. सोलन निगरानी अध्ययन, डॉ. निखिल टंडन, आई सी एम आर, 2 वर्ष, 2014 – 16, 48.92 लाख रुपए।
5. भारत में युवावस्था के आरंभ – चरण 2 में ही डायबिटीज़ वाले रोगियों का पंजीकरण। डॉ. निखिल टंडन, आई सी एम आर, 5 वर्ष, 2012–2017, 93.90 लाख रुपए।
6. इंसुलिन के हृदय सुरक्षा की तुलना एक परीक्षण डेग्लुदेक बनाम हृदय की घटनाओं के उच्च जोखिम में टाइप 2 डायबिटीज़ के साथ विषयों में ग्लेरगीन, डॉ. निखिल टंडन, नोवा नोर्डिस्क इंडिया, 4 वर्ष, 2014 – 18, 7.69 लाख रुपए।
7. को–मॉर्बिड डायबिटीज़ और अवसाद के लिए समन्वित देखभाल, डॉ. निखिल टंडन, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ़ मेंटल हेल्थ, एन आई एच, यू एस ए, 5 वर्ष, 2014 – 19, 88.22 लाख रुपए।
8. गर्भावधि मधुमेह के साथ दक्षिण एशियाई महिलाओं के बीच टाइप 2 मधुमेह की रोकथाम के लिए एक जीवन शैली हस्तक्षेप कार्यक्रम, डॉ. निखिल टंडन, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2015–2020, 72.77 लाख रुपए।
9. युवा एशियाई भारतीय पुरुषों में कंकाल की मांसपेशियों की शक्ति में सुधार के लिए विटामिन डी और कैल्शियम की खुराक : आरसीटी, डॉ. रविंद्र गोस्वामी, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2015 – 17, 51.04 लाख रुपए।
10. इडियोपैथिक हाइपोपैराथायरॉडिज्म वाले रोगियों में कैल्शियम संवेदन रिसेप्टर ऑटोएंटीबॉडिज़ का कार्यात्मक महत्व, डॉ. रविंदर गोस्वामी। डीबीटी, 3 वर्ष, 2016–2018, 44 लाख रुपए।
11. बुजुर्ग एशियाई भारतीयों में 60 वर्ष से अधिक आयु में कूल्हे की हड्डी की भंगुरता के साथ इसके टूटने से जुड़े क्लिनिकल, एपिडेमियोलॉजिकल और पर्यावरण संबंधी जोखिम कारकों का अध्ययन, डॉ. राजेश खड़गावत, आई सी एम आर, 3 वर्ष, 2014 – 16, 33.2 लाख रुपए।
12. भारत में व्यावसायिक उपलब्ध कॉलेकैल्सिफेरॉल तैयारियों की सामग्री शक्ति में परिवर्तनशीलता का अध्ययन करना, डॉ. राजेश खड़गावत, इंडियन सोसायटी ऑफ बोन एंड मिनरल रिसर्च (आई एस बी एम आर), 1 वर्ष, 2014–16, 2.5 लाख रुपए।
13. भारतीय स्कूली बच्चों में ऑटोइम्यून थायरॉइडिटिस और थायराइड रोग की उत्तेजना के संबंध में आयोडीन पूरकता की चिंताओं को संबोधित करना : निम्नलिखित तीन दशकों में यूनिवर्सल साल्ट आयोडाइजेशन (यू एस आई), डॉ. राजेश खड़गावत, डी आर डी ओ, 3 वर्ष, 2014 – 17, 42 लाख रुपए।

14. यौन भेदभाव, नैदानिक, सामाजिक और मनोवैज्ञानिक प्रभाव के विकार। डॉ. विवेका पी. ज्योत्सना, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2014 – 17, 39.86 लाख रुपए।
15. एक्सवाय 46, डीएसडी के कारण जननांगों में डिस्जेनेसिस / एजेनेसिस वाले रोगियों में जीन म्यूटेशन का अध्ययन करना। डॉ. विवेका, पी. ज्योत्सना, डीबीटी, 3 वर्ष, 2014 – 2017, 15 लाख रुपए।
16. प्रभावकारिता का आकलन करने के लिए एक द्वितीय चरण परीक्षण और केवल पसिरोटिड एस.सी. की सुरक्षा या कुशिंग रोग के साथ रोगियों में कबर्गोलिने की संयोजकता, डॉ. विवेका पी. ज्योत्सना, नोवार्टिस, 6 वर्ष, 2015 – 2021, 10 लाख रुपए।
17. एक फेस 3, बहु केंद्र, डबल ब्लाइंड यादृच्छिक विद् ड्रॉल अध्ययन में एलसीआई699 के बाद 24 सप्ताह, एकल शाखा, खुले लेबल वाली खुराक का आमापन तथा उपचार अवधि द्वारा कुशिंग रोग के रोगियों के इलाज के एलसीआई 699 की निरापदता और दक्षता का मूल्यांकन करना, डॉ. विवेका पी. ज्योत्सना, नोवार्टिस, 5 वर्ष, 2016 – 2021, 29.53 लाख रुपए।
18. पॉली सिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस) वाली भारतीय महिलाओं में प्रज्जवलन की भूमिका और भोजन संबंधी कारकों द्वारा इसका मॉड्यूलेशन। डॉ. मोहम्मद अशरफ गनी, डी बी टी, 3 वर्ष, 2013–16, 56.87 लाख रुपए।
19. गैर संचारी रोग के परिणाम और जोखिम कारकों के विशेष संदर्भ में कश्मीर घाटी में जनजातीय आबादी का स्वास्थ्य सर्वेक्षण : डीएसटी द्वारा प्रायोजित एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन। डॉ. मोहम्मद अशरफ गनी, डी एस टी, 3 वर्ष, 2013–16, 172.86 लाख रुपए।
20. क्वांटिटेशन एण्ड कम्पेरेटिव एवेल्यूशन ऑफ इंसुलिन रेसिस्टेंस, प्रोइंफ्लेमेटरी एण्ड प्रोकोएगुलेंट मार्कर्स इन ड्रग नैव वर्सस ओरल कंट्रासेप्टिव पिल्स (ओ सी पी) ट्रीटेड पी सी ओ एस विमेन, डॉ. मोहम्मद अशरफ गनी, डी एस टी, 3 वर्ष, 2013 – 16, 18 लाख रुपए।
21. कश्मीरी पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पी सी ओ एस) में आई सी ए एम – 1, टी एन एफ – α, एम सी पी – 1 और पी ए आई – 1 जीन के आनुवंशिक वेरिएंट का मूल्यांकन और दवा नैव बनाम मौखिक गर्भनिरोधक गोलियों (ओ सी पी) उपचार पी सी ओ एस महिला में इन जीनों की अभिव्यक्ति का तुलनात्मक विश्लेषण, डॉ. मोहम्मद अशरफ गनी, डीएसटी, 3 वर्ष, 2013 – 16, 15 लाख रुपए।
22. विटामिन डी की कमी से भारतीय बच्चों के लिए इष्टतम विटामिन डी पूरकता कार्यनीतियां, डॉ. मोहम्मद अशरफ गनी, एण्डोक्राइन और डायबिटिक फोरम, 2 वर्ष, 2015 – 16, 36 लाख रुपए।
23. पॉलिसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस) वाली महिलाओं में विटामिन बी12 की कमी की दर तथा पीसीओएस से प्रभावित महिलाओं के इलाज में पारंपरिक दवाओं के प्रबंधन में पारंपरिक दवाओं की दक्षता पर विटामिन बी12 पूरक का प्रभाव, डॉ. मोहम्मद अशरफ गनी, डी बी टी, 3 वर्ष, 2014 – 17, 99.69 लाख रुपए।
24. पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस) वाली महिलाओं में वेंट्रिकुलर कार्य पर स्पीरोनोलेक्टोन उपचार के वेंट्रिकुलर कार्य और प्रभाव पर ए सी ई एन एफ, के बीटा आई एल – 6 और टी एन एफ अल्फा की जेनेटिक बहुरूपता का प्रभाव, डॉ. मोहम्मद अशरफ गनी, डी एस टी, 3 वर्ष, 2014 – 17, 16 लाख रुपए।
25. ट्रायल आईडी : ईएक्स1250 – 4080 कार्डियो वेस्कुलर घटनाओं के उच्च जोखिम वाले टाइप 2 डायबिटीज़ के व्यक्तियों में इंसुलिन डेग्लूडेक बनाम इंसुलिन ग्लार्जिन की कार्डियो वेस्कुलर निरापदता की तुलना के लिए एक परीक्षण। बहु केंद्र परीक्षण सस्टेन ट्रायल, डॉ. मोहम्मद अशरफ गनी, नोवो नोर्डिस्क, 5 वर्ष, 2013 – 18, 40 लाख रुपए।

पूर्ण

1. विटामिन डी तथा कैल्शियम से उपचारित ओस्टियोपोरोटिक रजोनिवृत्ति पश्च महिलाओं में अस्थिभंग के जोखिम को कम करने के लिए ओडानासेटिव (एम के – 0822) की सुरक्षा तथा प्रभावात्मकता का आकलन करने के लिए एक चरण – 3 यादृच्छिक प्लेसेबो नियंत्रित नैदानिक परीक्षण। डॉ. निखिल टंडन, एम ई आर सी के और सी ओ., यू एस ए, 6 वर्ष, 2009 – 15, 168.11 लाख रुपए।
2. बायोडिजाइन के लिए नेशनल एलायंस कार्यक्रम तथा ट्रांसलेशनल हेल्थ साइंस तथा प्रौद्योगिकी संस्थान और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के बीच इन विट्रो निदान, डॉ. निखिल टंडन, डी बी टी, 5 वर्ष, 2010 – 15, 35 लाख रुपए।

3. अग्रिम : एक फैक्टोरियल रक्तचाप कम करने का यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, एक तय कम खुराक पेरिनोडोप्रील के साथ – इंडापैमाइड संयोजन औरसघन ग्लूकोज़ नियंत्रण के साथ – ग्लिक्लाजाइड (ग्लिक्लाजाइड एमआर) जारी है – टाइप 2 डायबिटीज़ के साथ उच्च जोखिम वाले व्यक्तियों के बीच संवहनी रोगों की रोकथाम के लिए आधारित आहार, डॉ. निखिल टंडन, अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य के लिए जॉर्ज इंस्टीट्यूट, ऑस्ट्रेलिया, 5 वर्ष, 2010 – 15, 6.47 लाख रुपए।
4. टाइप 2 डायबिटीज़ के रोगियों में ग्लायसेमिक नियंत्रण, जीवन की गुणवत्ता और ऑक्सीडेटिव तनाव मार्करों पर व्यापक योग श्वास रोग कार्यक्रम का प्रभाव, डॉ. निखिल टंडन, डीबीटी, 3 वर्ष, 2012 – 15, 126.63 लाख रुपए।
5. 11–17 वर्षीय आयु के मोटे एशियाई भारतीय लोगों में इंसुलिन प्रतिरोध तथा बीटा कोशिका प्रकार्य पर विटामिन डी अनुपूरण के प्रभावों की जांच करने के लिए एक यादृच्छिक डबल ब्लाइंड नियंत्रित परीक्षण, डॉ. राजेश खडगावत, आई सी एम आर, 3 वर्ष, 2011–15, 45 लाख रुपए।
6. टाइप 2 डायबिटीज़ वाले बच्चों और किशोरों में ग्लाइसेमिक नियंत्रण पर मेटफार्मिन बनाम मेटफार्मिन मोनोथैरेपी सहित संयोजन में लाइराग्लुटाइड का प्रभाव और सुरक्षा : एक 26 सप्ताह खुले लेबल विस्तार के बाद 26 सप्ताह डबल ब्लाइंड यादृच्छिक, समानांतर समूह, प्लासेबो नियंत्रित बहु केंद्र परीक्षण, डॉ. राजेश खड़गावत, नोवो नोर्डिस्क, 2 वर्ष, 2014–15, 10 लाख रुपए।
7. वृद्धि हार्मोन की कमी वाले रोगियों में जीनोटाइप फीनोटाइप सह संबंध। डॉ. विवेक पी. ज्योत्सना, डी एस टी, 3 वर्ष, 2012 – 2015, 22.25 लाख रुपए।
8. प्राथमिक हाइपरपैराथायरॉइडिज्म, अग्नाशय और पिट्यूटरी ट्यूमर और इसके नैदानिक निहितार्थ वाले रोगियों में मेनिन जीन म्यूटेशन, डॉ. विवेक पी. ज्योत्सना, अ. भा. आ. सं., 2013–2015, 10 लाख रुपए।
9. भारतीय पीसीओएस महिलाओं 2013 में ओसीपी के प्रो इंफ्लेमेटरी और प्रोकॉएगुलैंट प्रभाव। डॉ. मोहम्मद अशरफ गनी, डीएसटी, 3 वर्ष, 2013–2015, 18 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. टू एसेस ग्लाइसेमिक वेरिएबिलिटी यूजिंग कंटिनस ग्लूकोस मॉनिटरिंग सिस्टम (सी जी एम एस) इन पेशेंट्स ऑफ क्रोनिक कैलसिफिक पेंक्रिटिटिस विद् डायबिटिज़ विद एण्ड विदाउट एक्सोक्राइन इंसफिसियंसी : ए क्रॉस – सेक्शनल नॉन – इंटरवेंशनल स्टडी एक क्रॉस सेक्शनल गैर हस्तक्षेप अध्ययन।
2. इंसुलिन प्रतिरोध का आकलन तथा टाइप 1 प्रकार के डायबिटीज़ मेलिटस रोगियों में उपापचयी सिंड्रोम की व्यापकता।
3. टाइप 1 डायबिटीज़ वाले रोगियों में अल्कोहल–रहित फैटी लिवर रोग का प्रसार।
4. अस्थि खनिज घनत्व में लॉन्गीट्युडिनल चेंज और हाइपोपैराथायरोडिज्म में फ्रैक्चर्स की व्यापकता।
5. बाहर काम करने वाले लोगों में विटामिन डी की स्थिति।
6. विटामिन डी की स्थिति पर नियंत्रित सूर्य की रोशनी का प्रभाव।
7. स्पष्ट रूप से स्वस्थ पुरुष व्यक्तियों में सीरम एंड्रोजन मानकों पर एडिपोसिटी के प्रभाव का अध्ययन।
8. मोटापे के शिकार बच्चों और किशोरों में इंसुलिन प्रतिरोध के निर्धारकों का अध्ययन करना।
9. वृद्धि हार्मोन की कमी वाले बच्चों में फीनोटाइप और रेडियोलॉजिकल सहसंबंध।
10. जी ए 68–डीओटीएएन ओसीपीईटी / सीटी तथा एफ 18 – एफडीजी पीईटी / सीटी के साथ न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर की विशेषता और ऊतक विकृति विज्ञान के साथ परिणाम की तुलना।
11. 11 – 17 आयु वर्ष के मोटे एशियाई भारतीय बच्चों में इंसुलिन प्रतिरोध के निर्धारकों का अध्ययन करना। पिट्यूटरी मोर्फोमेट्री का विभिन्न आयु समूहों में अध्ययन करना।
12. पिट्यूटरी मोर्फोमेट्री का विभिन्न आयु समूहों में अध्ययन करना।
13. मोटापे से ग्रस्त भारतीय व्यक्तियों में अग्नाशय बीटा सेल कार्यो पर विटामिन डी पूरकता का प्रभाव।
14. 5 वर्ष से 6 महीने की उम्र में सूखा रोग के उपचार के लिए 90,000 और 1,80,000 आइयू मौखिक एकल खुराक में विटामिन डी की प्रभावकारिता की तुलना करना।

15. दिल्ली में शहरी वयस्कों के कार्डियो–चयापचय स्वास्थ्य पर उनके "संभावित सुरक्षात्मक प्रभाव" के संबंध में भारतीय शाकाहारी भोजन का आकलन।
16. भोजन की गुणवत्ता और किशोरों के बीच अकादमिक प्रदर्शन पर व्यक्तित्व के प्रभाव का अध्ययन करना : लड़कों और लड़कियों के बीच एक तुलना।
17. एशियाई भारतीय नवजात शिशुओं में अस्थि समूह के निर्धारक के निर्धारण – पोषण परिप्रेक्ष्य।
18. 46 एक्सवाई गोनेडल डायजेनेसिस और एजेंसियों के साथ रोगियों में जीन म्यूटेशन (एनआर 5 ए 1, डीएएक्स 1, डीएच एच, डब्ल्यूटी1, एसआरवाई, डीएमआर टी1, एसओ एक्स 9) का अध्ययन।
19. बाह्य रोगी के संदर्भ में मधुमेह में पैरों की देखभाल पर रोगी शिक्षा पैकेज की प्रभावशीलता।
20. कुशिंग्स सिंड्रोम वाले रोगियों में अस्थि स्वास्थ्य।
21. पीसीओएस वाली महिलाओं के बीच गैर एल्कोहलिक फैटी लीवर रोग का मूल्यांकन।
22. पीसीओएस वाली बांझ महिलाओं की इन–विट्रो निषेचन की सफलता का नैदानिक, जैव रासायनिक और हार्मोनल भविष्यवक्ता।
23. स्लीप एपनिया का नैदानिक जैव रासायनिक और चयापचय संबद्ध और पीसीओएस वाली महिलाओं के बीच संज्ञानात्मक रोग।
24. प्रकार 2 डायबिटीज़ मेलिटस के अभिभावक इतिहास के साथ या इसके बिना महिलाओं में एफटीओ तथा ओमेंटिन 1 जीन के संदर्भ सहित क्लिनिकल, बायोकैमिकल, हार्मोनल और आनुवंशिक पैरामीटर।

पूर्ण

1. प्रो–बायोटिक तैयारी वीएसएल # 3 की मौखिक दवा देने का प्रभाव, व्यवहार्य लाइव के 8 उपभेदों के एक चिकित्सकीय सुरक्षित मिश्रण, टाइप । डायबेटिक मेलिटस (टी1डीएम) एक यादृच्छिक वाले व्यक्तियों में चयापचय नियंत्रण पर लायोफिलाइज्ड लैक्टिक एसिड बैक्टीरिया, डबल ब्लाइंड प्लासेबो नियंत्रित परीक्षण।
2. प्रकार 1 डायबिटीज़ मेलिटस वाले रोगियों में एलएल – 37 एंटीमाइक्रोबायल पेप्टाइड और इसका गाइसेमिक स्तर से संबंध।
3. टाइप 1 डायबिटीज़ मोल सेल बायोकेम रोगियों में एमआरएनए अभिव्यक्ति के अध्ययन की हाउसकीपिंग–जीन।
4. नियमित देखभाल के दौरान पहली और तीसरी तिमाही में गर्भवती महिलाओं में विटामिन डी की कमी के प्रसार का अध्ययन करना।
5. पहली तिमाही ग्लूकोज जांच और गर्भावस्था में गर्भकालीन डायबिटीज़ मेलिटस के विकास के साथ सीरम इंसुलिन के स्तर के बीच संबंध।
6. गर्भवती एशियाई – भारतीय महिलाओं में थायरॉइड पैरोक्सीडेस एंटीबॉडी सकारात्मकता का प्रसार।
7. कूल्हे की गैर दर्दनाक अस्थिभंग वाले रोगियों में विटामिन डी की कमी के प्रसार का आकलन करना।
8. प्राथमिक हाइपोथायरायडिज्म की नैदानिक, जैव रासायनिक और रेडियोलॉजिकल सुविधाओं का अध्ययन करना : विटामिन डी पोषण और ऊतकविकृतिविज्ञानी का प्रभाव।
9. एथेरोस्क्लेरोसिस के एक मार्कर के रूप में कैरोटिड इंटिमा मीडिया मोटाई (सी आई एम टी) का अध्ययन करना और 4–18 वर्ष के आयु समूह में मोटापे के शिकार बच्चों में इंसुलिन प्रतिरोध के लिए इसका सहसंबंध।
10. 6–18 वर्ष के आयु समूह में मोटापे के शिकार व्यक्तियों में इंसुलिन प्रतिरोध और बीटा कोशिका कार्य के साथ सीरम विटामिन डी स्तर के संबंध का अध्ययन करना।
11. 6–18 वर्ष के आयु समूह में मोटापे से ग्रस्त बच्चों और किशोरों में धमनी कठोरता का आकलन।
12. स्पष्ट रूप से स्वस्थ पुरुष व्यक्तियों में सीरम एंड्रोजन मानकों पर एडिपोसिटी के प्रभाव का अध्ययन।
13. मोटापे के शिकार बच्चों और किशोरों में इंसुलिन प्रतिरोध के निर्धारकों का अध्ययन करना।
14. टाइप 2 मधुमेह में माइटोकोंड्रियल दोषों और वीडीआर बहुरूपताओं का अध्ययन।
15. मेटफार्मिन की तुलना पर डायबिटीज़ मेलिटस में सीरम बी12 का स्तर मेटफॉर्मिन उनके लिए नहीं है : मेटाफार्मिन इंटेक प्रभाव सीरम बी12 का स्तर करता है।
16. डायबिटीज़ में इनवेसिव कवक राइनोसिनुसिटीस : नैदानिक, सूक्ष्म जीव विज्ञानी और रेडियोलॉजिकल रूपरेखा।

17. अस्थानिक कुशिंग सिंड्रोम के नैदानिक प्रोफाइल : डेटा के एक पूर्वव्यापी विश्लेषण।
18. कुशिंग सिंड्रोम में लिपिड प्रोफाइल।

सहयोगात्मक परियोजनाएं
जारी

1. हाइपोपैराथायरॉडिज्म में बेसल गैन्लिया कैल्सीकेशन का आण्विक आधार (एनाटॉमी, फॉरेंसिक मेडीसिन)।
2. इडियोपैथिक हाइपोपैराथायरोडिज्म वाले रोगियों में मोतियाबिंद सर्जरी का दीर्घकालिक परिणाम तथा इसकी कैलसेमिक स्थिति के साथ इसके संबंध (ऑफ्थेलोमोलोजी)।
3. यौन भेदभाव के विकार (डी एस डी) : नैदानिक, सामाजिक और मनोवैज्ञानिक प्रभाव (मनोचिकित्सक)।
4. प्रभावकारिता का आकलन करने के लिए एक द्वितीय चरण परीक्षण और केवल पसिरोटिड एस.सी. की सुरक्षा या कुशिंग, वित्तीय : नोवार्टिस (प्रोटोकोल संख्या सी एस ओ एम 230 बी 2411) 2015 – 21, (विकिरण विज्ञान)।
5. 46, एक्सवाय डीएसडी के कारण जननांगों के डिस्जेनेसिस / एजेनेसिस वाले रोगियों में जीन म्यूटेशन का अध्ययन करना। डीबीटी द्वारा वित्तीय, 2014 – 16 (जेनेटिक्स, एनेटोमी विभाग)।
6. एक फेस 3, बहु केंद्र, डबल ब्लाइंड यादृच्छिक विद् ड्रॉल अध्ययन में एलसीआई699 के बाद 24 सप्ताह, एकल शाखा, खुले लेबल वाली खुराक का आमापन तथा उपचार अवधि द्वारा कुशिंग रोग के रोगियों के इलाज के एलसीआई 699 की निरापदता और दक्षता का मूल्यांकन करना (एलसीआई699सी2301) (विकिरण विज्ञान)।
7. पीसीओ वाली महिलाओं के बीच नैदानिक जैव रासायनिक और हार्मोनल मापदंडों पर बैरियाट्रिक सर्जरी का प्रभाव (सर्जरी) ।
8. स्लीप एपनिया और पीसीओ वाली किशोर महिलाओं में नैदानिक, जैव रासायनिक और इंसुलिन के प्रति संवेदनशीलता मानकों के साथ इसका सह–संबंध (चिकित्सा एवं स्त्री रोग)।

पूर्ण

1. टू कॉरिलेट रिडक्शन इन पैंक्रिएटिक पेरेंकाइमा फॉलोइंग पेंक्रिएटिको – डौडेनेक्टोमी विद रिस्क ऑफ न्यू – ओनसेट डायबिटिज़ यूजिंग मल्टी – डिटेक्टर रॉ कंप्यूटिड टोमोग्राफी इमेजिंग वॉल्युमेट्री (गैस्ट्रोएंटेस्टाइनल सर्जरी)।
2. स्थानीय संज्ञाहरण की इंफिल्ट्रेशन के साथ और इसके बिना सर्जरी के बाद नवजात शिशुओं में हाइपरग्लाइसेमिक प्रतिक्रिया का अध्ययन करना (बाल चिकित्सा सर्जरी)।
3. क्रमिक इको कार्डियोग्राफिक पैरामीटरों द्वारा चिरकालिक ल्यूकेमिया रोगियों में एंथ्रो साइक्लिन इंफ्यूजन की चिरकालिक कार्डियक विषालुता का अध्ययन करना एवं इन रोगियों के इलाज में माध्यमिक प्रतिरक्षा थ्रोम्बोसाइटोपिनिया के कारणों और इलाज के प्रभाव का अध्ययन – एक भविष्य अवलोकन अध्ययन (हिमेटोलॉजी)
4. प्रारंभिक मध्य आयु में चिरकालिक गुर्दा रोग के महामारी विज्ञान बायोमार्कर के साथ वयस्कता तक जन्म से बॉडी मास इंडेक्स में गर्भावधि की आयु, जन्म के समय वजन और श्रृंखला परिवर्तन का संबंध।
5. इडियोपैथिक हाइपोपैराथायरॉडिज्म में कोइलएसडिजीज की व्यापकता तथा कैलसेमिक नियंत्रण पर ग्लूटेन–फ्री डाइट का प्रभाव (गैस्ट्रोएंटरोलॉजी और पैथोलॉजी)।
6. भारत में टाइप 1 मधुमेह वाले युवा वयस्क रोगियों में तपेदिक की व्यापकता (माइक्रोबायोलॉजी और श्वसन चिकित्सा, रेडियोडायग्नोसिस)।
7. वृद्धि हार्मोन की कमी वाले एशियाई भारतीय रोगियों में जीनोटाइप–फेनोटाइप सह–संबंध (कोशिकाजननप्रकरण, एनाटॉमी विभाग)।
8. एण्डोक्राइनोलॉजी में प्राथमिक हाइपरपैराथायरॉडिज्म, पिट्यूटरी ट्यूमर और अग्नाशय ट्यूमर की उपस्थिति में रोगियों में मेनिन जीन म्यूटेशन का अध्ययन। (सायटोजेनेटिक्स, एनाटॉमी प्रभाग)।

प्रकाशन
जर्नल : 68 सार : 4

रोगी देखभाल
ओपीडी उपस्थिति

माह, वर्ष	पुराने मामले	नए मामले	डीओवाय क्लिनिक	कुल
अप्रैल, 2015	2434	1131	145	3710
मई 2015	2152	1148	185	3485
जून 2015	1896	1376	141	3413
जुलाई 2015	2389	1396	120	3905
अगस्त 2015	1957	1218	125	3300
सितंबर 2015	2164	1265	97	3526
अक्तूबर 2015	2093	1192	135	3420
नवंबर 2015	1875	1031	115	3021
दिसंबर 2015	2208	1167	120	3495
जनवरी 2016	1915	1063	160	3138
फरवरी 2016	1995	1007	130	3132
मार्च 2016	1991	880	123	2994
कुल	**25069**	**13874**	**1596**	**40539**

कृपया अध्याय 6 में आंतरिक और अन्य रोगी संबंधित विवरण देख जा सकते हैं। अस्पताल

प्रयोगशाला सेवाएं
हार्मोन जांचें

सं.	हार्मोन	किए गए ट्यूब आमापन		सं.	हार्मोन	किए गए ट्यूब आमापन
1	टी 4	10,842		13	विटामिन डी	5822
2	टीएसएच	17,283		14	इंसुलिन	3598
3	टीपीओ	1695		15	सी पेप्टाइड	303
4	एलएच	2033		16	जीएच	807
5	एफएसएच	2512		17	जीएडी	211
6	पीआरएल	2714		18	एफटी 4	1173
7	कोरटिसोल	4177		19	आईजीएफ 1	403
8	टेस्टोस्टीरोन	2933		20	ई2	486
9	डीएचईए	924		21	केल्सिटोनिन	1
10	17 ओएचपी	222		22	एसएचबीजी	317
11	एसीटीएच	1084			कुल	**64, 662**
12	पीटीएच	4622				

प्रयोगशाला में की गई जांच

संख्या	जांच	नमूनों की संख्या
1	रक्त शर्करा	19,473
2	ग्लाइसेटिड हिमोग्लोबिन	23,210
3	यूरिन पीएच	325
4	ओस्मोलेलिटी (पेशाब और सिरम)	460
5	सिरम कुल कोलेस्ट्रॉल	7429
6	सिरम ट्राइग्लाइसेराइड	7429
7	सिरम एचडीएल कोलेस्ट्रॉल	7429
8	सिरम एलडीएल कोलेस्ट्रॉल	6679
	कुल जांचें	**72,434**

विशेषज्ञता क्लिनिक :
(क) शनिवार को डायबिटीज़ ऑफ यंग
(ख) सोमवार दोपहर बाल और किशोर एण्डोक्राइन क्लिनिक
(ग) समुदाय सेवा / कैम्प।

विभाग द्वारा मोटापे, पीसीओएस, डायबिटीज़ और थायरॉइड विकारों पर खास तौर से जागरुकता तथा छानबीन कार्यक्रमों के लिए शिविरों का नियमित आयोजन किया जाता है।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण कार्यक्रम

आचार्य निखिल टंडन को राष्ट्रपति ओरेशन दिया गया : एंडोक्राइन सोसायटी ऑफ़ इंडिया; इब्राहिम मेमोरियल ओरेशन; साउथ एशियाई फेडरेशन ऑफ़ एंडोक्राइन सोसाइटीज़; प्रेसिडेंशियल ओरेशन : एंडोक्राइन सोसायटी ऑफ़ तमिलनाडु और पुदुचेरी; एमएमएस आहूजा ओरेशन : इंडियन सोसायटी फॉर बोन एंड मिनरल रिसर्च; प्रोफ. बी. एल. अग्रवाल ओरेशन; विज्ञान और प्रौद्योगिकी (स्वास्थ्य और चिकित्सा विज्ञान) के लिए श्री ओम प्रकाश भसीन पुरस्कार जीता; 25 जुलाई 2015 को फैलोशिप समीक्षा समिति की बैठक के सदस्यों की बैठक हुई नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज, भारत (एनएएसआई), इलाहाबाद।

आचार्य रविंदर गोस्वामी संकाय (सहायक, सह, अपर और प्रोफेसर) के चयन हेतु एम्स के एंडोक्राइनोलॉजी विभाग, भुवनेश्वर, और एम्स, जोधपुर; मेडिकल साइंसेज के संजय गांधी पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट में पीएचडी चिरायु के लिए विशेषज्ञ, लखनऊ; टास्क फोर्स के सदस्य ह्यूमन जेनेटिक्स और 2015 के बाद से आज तक जीनोम विश्लेषण; एमडी, एमएस। डीएम के चयन के लिए आईसीएमआर विशेषज्ञ और पुरस्कार के चयन के लिए एमसीएच थीसिस; मेडिकल परियोजनाओं के लिए सदस्य परियोजना समीक्षा समिति, सीएसआईआर 2015 के बाद से आज तक।

डॉ. राजेश खडगावत ने संस्थान में प्रतिनियुक्ति पर लेह, लद्दाख में चिकित्सा शिविर में भाग लिया, 20 – 27 सितंबर 2015 के बीच; राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित साक्षात्कार के लिए विशेषज्ञ विषय हैं, अजमेर, राजस्थान में अजमेर, 19 अगस्त, 2015 को; एनआरएस मेडिकल कॉलेज के लिए डीएम परीक्षक, कोलकाता, स्वास्थ्य विज्ञान के श्रीमनत शंकरदेव विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, स्वास्थ्य विज्ञान पश्चिम बंगाल विश्वविद्यालय, सदस्य, एसएई–डेथ समिति, डीसीजीआई; सदस्य, विषय विशेषज्ञ समिति (एण्डोक्राइनोलॉजी), डीसीजीआई।

डॉ. विवेक पी. ज्योत्सना वर्ष 2015 में नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंस (एमएनएएमएस) के सदस्य थे।

डॉ. मोहम्मद अशरफ गनी को बोर्ड मेम्बर इण्डियन थायरॉइड जर्नल का सलाहकार चुना गया था;निर्वाचित राष्ट्रपति मेटाबोलिक सिंड्रोम, प्रीडायबिटीज़ और पीसीओएस (एम. पी. पीसीओएस) सोसाइटी

अतिथि वैज्ञानिक

1. प्रोफेसर अभिमन्यु गर्ग (विजिटिंग प्रोफेसर), डलास, टेक्सास, अमेरीका (4 – 8 जनवरी 2016)
2. प्रोफेसर एनरिको कारमिना, निदेशक, एन्डाक्राइनोलॉजी विभाग, यूनिवर्सिटी ऑफ पलेर्मो, इटली, और कार्यकारी निदेशक एई–पीसीओएस सोसायटी (25 अगस्त 2015)

12 न्याय चिकित्सा और विषविज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष
एस. के. गुप्ता

आचार्य
डी. एन. भारद्वाज

अपर आचार्य
संजीव लालवानी (ज.प्र.ना.ए.ट्रा.कें.) आदर्श कुमार (ज.प्र.ना.ए.ट्रा.कें.)

सहायक आचार्य
चित्तरंजन बेहरा अभिषेक यादव

वैज्ञानिक **II** रसायनज्ञ
अनुपमा रैना ए. के. जायसवाल

विशिष्टताएं
विभाग जटिल चिकित्सा विधि समस्याओं के लिए शीर्ष रेफरल केंद्र हैं। विभाग द्वारा न्यायालयों, सी बी आई, विभिन्न राज्यों के अपराध शाखा, एन एच आर सी और अन्य अन्वेषण एजेंसियों द्वारा भेजे गए मामलों में विशेषज्ञ राय प्रदान की जाती है। यह चिकित्सा – विधि शव परीक्षा, अध्यापन, प्रशिक्षण, अनुसंधान, मृत्यु होने पर एमएलसी शव लेप करना, क्लिनिकल विधि विज्ञान काय चिकित्सा सेवाओं, चिकित्सा – विधि मामलों में विशेषज्ञ की राय और अदालत संबंधी कार्यों में शामिल है। विभाग द्वारा तीन प्रयोगशाला सेवाएं यथा – विष विज्ञान प्रयोगशाला, डी. एन. ए. फिंगर प्रिंटिंग और ऊतक विकृति विज्ञान प्रयोगशाला चलाई जाती हैं। हिस्टोपैथोलॉजी प्रयोगशाला द्वारा एम्स में किए जाने वाले चिकित्सा विधि शव परीक्षण, दक्षिणी और दक्षिण पूर्वी दिल्ली के क्षेत्राधिकार में आने वाले मामलों और अनुसंधान प्रयोजन के लिए हिस्टोपैथोलॉजी सेवाएं प्रदान की जाती हैं। इस वर्ष के दौरान न्याय चिकित्सा रेडियोलॉजी और न्याय चिकित्सा मानव विज्ञान इकाइयां आरंभ की गई थी। ऑटोमैटिक बायोकैमिकल एनालाइजर का उपयोग शैक्षिक प्रयोजन में किया गया था। कुल 14 विभागीय अनुसंधान परियोजनाएं जारी हैं और तीन पूरी हो गई है। दो आंतरिक निधिकृत परियोजनाएं पूरी हो गई हैं। विभिन्न वैज्ञानिक पत्रिकाओं में 34 शोध पत्र प्रकाशित किए गए। विभाग के डॉक्टरों द्वारा 2326 चिकित्सा विधि शव परीक्षा की गई और दिल्ली तथा कई राज्यों की विभिन्न अदालतों के 920 सम्मन पर कार्रवाई की गई।

शिक्षा
विभाग द्वारा स्नातकपूर्व एवं स्नातकोत्तर शिक्षण में सक्रिय रूप से काम कर रहा है। इसमें 8 स्नातकोत्तर छात्र (एम.डी.) एवं 3 पीएच. डी छात्र विभाग में पंजीकृत हैं। विभाग में अखिल भारतीय अन्य विश्वविद्यालयों से बी. एससी. और एम. एससी. छात्रों के डी. एन. ए. फिंगरप्रिंटिंग एवं चिकित्सा आविष–विज्ञान में प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाता है। विभिन्न विश्वविद्यालयों से 9 छात्रों को आविष विज्ञान प्रयोगशाला में छोटी अवधि के प्रशिक्षण के लिए प्रशिक्षित किया गया।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / सम्मेलन
प्रदत्त व्याख्यान
आदर्श कुमार : 9 चितरंजन बेहरा : 1 अशोक कुमार जायसवाल : 1

मौखिक पत्र / शोध पत्र प्रस्तुति : 17

(आईएससी – 2015 में प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया; 5वीं अंतरराष्ट्रीय विज्ञान कांग्रेस 8 – 9 दिसम्बर 2015 को काठमांडू नेपाल में संघ सम्मेलन; आईएएमएलई – 2016 में प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया; 30 – 31 जनवरी 2016 को हैदराबाद में आयोजित)।

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

शून्य

पूर्ण

1. घातक जहर फास्फाइड में एक उपकरण के रूप में एल्यूमीनियम और जस्ता स्तर के मात्रात्मक निर्धारण का अध्ययन, डॉ. आदर्श कुमार, एम्स, 2 वर्ष, 2013 – 15 (2016 तक विस्तारित) 2.67 लाख रुपए।
2. पूर्ण आत्महत्या के साथ माहवारी का संबंध – अस्पताल आधारित केस नियंत्रण अध्ययन। चित्तरंजन बेहरा, एम्स, 2 वर्ष, 2013–2014 (2015 तक विस्तारित), 5 लाख रुपए।

विभागीय परियोजना

जारी

1. सड़क यातायात दुर्घटनाओं में रक्त और विट्रियस ह्यूमर में शराब के स्तर का एक मात्रात्मक और गुणात्मक अनुमान।
2. विभिन्न समय अंतराल के संबंध में पोस्टमार्टम के रक्त के नमूनों में शराब का एक मात्रात्मक अध्ययन।
3. मिर्गी में अचानक मौत में विषाक्तता, जैव रासायनिक और हिस्टोपैथोलॉजिकल निष्कर्ष।
4. मुर्दाघर, एम्स में फांसी के कारण मौत में विषाक्तता निष्कर्ष।
5. घातक जहर फास्फाइड में एक उपकरण के रूप में एल्यूमीनियम और जस्ता के स्तर के मात्रात्मक निर्धारण का अध्ययन।
6. मौत के बाद विभिन्न रोगाणुओं द्वारा मानव शरीर में एल्कोहल के अंतर्जात उत्पादन का अनुमान और मेडिको–लीगल मुद्दों के लिए इनकी प्रासंगिकता।
7. विभिन्न जैविक नमूने में एल्कोहल तथा विभिन्न दवाओं की विषाक्तता विश्लेषण एवं वितरण पैटर्न और आत्महत्या से होने वाली मौतों में न्यूरोलॉजिकल प्रभाव।
8. छात्र आत्महत्या : दक्षिण दिल्ली के लिए एक क्रॉस अनुभागीय वर्णनात्मक अध्ययन।
9. अचानक हृदय की मौत में हृदय और फेफड़े के ऊतक विज्ञान के स्पेक्ट्रम : एक शव परीक्षा अध्ययन।
10. बिजली से होने वाली मौतों में जलने के निशान का हिस्टोपैथोलॉजिकल मूल्यांकन।
11. इलेक्ट्रोक्युशन मौत के मामले में रोग और जैव रासायनिक विश्लेषण।
12. आत्म हत्या के लिए लटकने पर बंधन नहीं होने की चोटें : एक भविष्य लक्षी अध्ययन।
13. हाइपोथर्मिया होने वाली मौतों में अंतः स्रावी ग्रंथियों की हिस्टोपैथोलोजी : एक अस्पताल आधारित मामला नियंत्रण अध्ययन।
14. एंटेमॉर्टम और पोस्ट मॉर्टम इलेक्ट्रोक्युशन द्वारा त्वचा के घावों का सकल और हिस्टोपैथोलॉजिकल अवकलन, त्वचा के कैलस और त्वचा के सूखने के साथ पोस्ट मॉर्टम की पीलिंग।

पूर्ण

1. सैप्टिसीमिया से मरने वाले मामलों के न्यूरोट्रॉमा में विभिन्न अंगों के हिस्टोपैथोलॉजिकल और सूक्ष्मजीव विज्ञान अध्ययन।
2. अन्य संबद्ध बाह्य के साथ साथ विभिन्न मांसपेशियों पर चोटों में बदलाव और फांसी के कारण मौत के मामलों में घुटन के निशान के स्थितीय बदलाव के साथ गर्दन की आंतरिक चोट का अध्ययन।

3. बिजली से होने वाली मौतों में जलने के निशान का हिस्टोपैथोलॉजिकल मूल्यांकन।
4. लावारिस शवों का पोस्टमार्टम विशेषताओं में से एक पूर्वव्यापी समीक्षा (2006 – 12)।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. मानव शव की टेम्पोरल हड्डियों में गोल विंडो निश के संरचनात्मक बदलाव और कर्णावत प्रत्यारोपण इलेक्ट्रोड प्रविष्टि के लिए प्रासंगिकता (ई एन टी)।
2. इम्यूनोहिस्टोकैमिकल विश्लेषण मैट्रिक्स मेटालोप्रोटीनेज़ (एम एम पी 2 और 9), मैट्रिक्स मेटालोप्रोटीनेसिस के ऊतक इंहिबिटर्स (टी आई एम पी – 1 और 2), आरोही थोरेसिक महाधमनी धमनीविस्फार में कोलेजन 1 और कोलेजन 4, (पैथोलॉजी)।
3. एपीडेमोमा में एपिथेलियल – मेसेंकाइमल बदलाव (ई एम टी) (पैथोलॉजी) विभाग।

पूर्ण

1. अंदरूनी कान में अलग एंडोस्कोपिक दृष्टिकोण का मूल्यांकन, ई. एन. टी. विभाग,

प्रकाशन

जर्नल : 26

रोगी उपचार

क. आपात सेवाएं : न्याय चिकित्सा एवं आविष विज्ञान विभाग द्वारा चोट, यौन अपराध, विषायन और अन्य जटिल मामलों में दिल्ली के दक्षिण और दक्षिण – पूर्व जिले में घायलों को चिकित्सा कानूनी सेवाएं प्रदान की जाती है। इस अवधि के दौरान लगभग 1500 कॉल पर कार्रवाई की गई थी।

ख. शवगृह सेवाएं : शवगृह में कुल 2326 (1585 + 741 – जेपीएनएटीसी) मेडिको लीगल ऑप्टोप्सी किए गए।

ग. नैदानिक न्याय चिकित्सा : विभाग द्वारा जांच अधिकारी और अदालत से संदर्भित द्वारा आयु के आकलन, पोटेंसी और अन्य मेडिको–लीगल की परीक्षा के लिए लाए गए 617 मामले निपटाए गए। विभाग के चिकित्सा बोर्ड द्वारा सीबीआई से प्राप्त लगभग एक 16 से अधिक मामले निपटाए गए थे। इसके बाद कुल 911 (451 + 460 – जेपीएनएटीसी) के मामलों में दुर्घटना आदि से संदर्भित जटिल मामलों में विचार प्रस्तुत किए थे।

घ. समन : दिल्ली और दूसरे राज्यों के 920 मामलों में विभाग के डॉक्टर न्यायालय में पेश हुए।

ङ चिकित्सा विषविज्ञान : एम्स के नैदानिक विभाग, मेडिको–लीगल मामले और शैक्षणिक मामलों द्वारा भेजे गए विभिन्न विषों के लिए 103 परीक्षण किए गए।

च. जैव रसायन : शैक्षिक उद्देश्य के लिए प्राप्त 410 नमूनों पर जांचें आयोजित की गईं।

छ. न्याय ऊतकविकृति विज्ञान : विभाग द्वारा दक्षिण और दक्षिण–पूर्व जिले एवं अनुसंधान उद्देश्य हेतु विधिक चिकित्सा ऑटोप्सी मामलों के नमूनों के लिए ऊतक विकृति विज्ञानी सेवाएं प्रदान की जा रही है। अनुसंधान करने के लिए यह विभाग हिस्टोपैथोलॉजी सेवा प्रदान करता है। इस अवधि के दौरान कुल 195 मामलों और 899 नमूनों की जांच–पड़ताल की गई।

ज. शव रक्षा लेप सुविधा : विभाग एमएलसी (पोस्टमार्टम मामले) के लिए शव रक्षा लेप सुविधा प्रदान कर रहा है। इस अवधि के दौरान लगभग 175 मामलों में शव रक्षा लेप किए गए।

छ. सामुदायिक सेवाएं : विभाग के प्रशिक्षण कार्यक्रम में देश भर से सीबीआई अधिकारियों, पुलिस अधिकारियों और लोक अभियोजकों का भाग लेना जारी है।

ङ चिकित्सीय प्रत्यारोपण के लिए अंग पुनःप्राप्ति : चिकित्सकीय प्रत्यारोपण के लिए शवगृह और दिए गए राष्ट्रीय नेत्र बैंक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में 70 कॉर्निया की पुनः प्राप्ति की गई।

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

डॉ. आदर्श कुमार को डॉ. प्रीति चौधरी मैमोरियल ओरेशन प्रदान किया गया और उन्होंने इंटरनेशनल साइंस कांग्रेस एसोसिएशन की 5वीं इंटरनेशनल साइंस कांग्रेस में 'बींग मेडिकल डिटेक्टिव – द चैलेंजिस एण्ड प्रोस्पेक्टस, मिथ्स एण्ड रियालिटिज़' पर वार्ता दी, जिसका आयोजन 8 – 9 दिसंबर 2015 को त्रिभुवन विश्वविद्यालय, काठमांडू, नेपाल; 5वीं इंटरनेशनल साइंस कांग्रेस (आईएससी 2015) द्वारा किया गया इंटरनेशनल साइंस कांग्रेस एसोसिएशन की फैलोशिप से सम्मानित किया गया। त्रिभुवन विश्वविद्यालय, काठमांडू, नेपाल में आयोजित; उन्हें हिरासत में होने वाली मौत और हिरासत में होने वाली हिंसा की जांच के लिए दिशानिर्देश तैयार करने की उप समिति का अध्यक्ष मनोनीत किया गया जो एशिया पैसिफिक मेडिकोलीगल एसोसिएशन और इंटरनेशनल कमेटी ऑफ रेड क्रॉस (आईसीआरसी) द्वारा 17 देशों के पूरे एशिया प्रशांत क्षेत्र के लिए गठित की गई। मेंबर एडिटोरियल बोर्ड ऑफ़ वेरियस जर्नल–इंटरनेशनल एडिटोरियल बोर्ड मेंबर – अदली टिप बुलेटिन – टर्की एंड एसोसिएट एडिटर – मेडिकोलीगल अपडेट, जर्नल ऑफ रिसर्च इन मेडिकल एजुकेशन एंड एथिक्स। वेब संपादक इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ हेल्थ रिसर्च और मेडिकोलीगल प्रैक्टिस। मेंबर एडिटोरियल बोर्ड – जर्नल ऑफ़ इंडियन सोसाइटी ऑफ़ टॉक्सिकोलॉजी, जर्नल ऑफ़ कर्नाटक मेडिकोलीगल सोसाइटी, जर्नल ऑफ़ साउथ इंडिया मेडिकोलीगल एसोसिएशन, इंडियन जर्नल ऑफ़ कम्युनिटी और फैमिली मेडिसिन, इंडियन जर्नल ऑफ फॉरेंसिक मेडिसिन और टॉक्सिकोलॉजी।

डॉ. सी. बेहरा को फोरेंसिक चिकित्सा एवं विष विज्ञान के भारतीय कांग्रेस (आईसीएमएफटी) से फेलोशिप सम्मानित किया गया। डिपार्टमेंट ऑफ फॉरेंसिक मेडिसिन और टॉक्सिकोलॉजी, फैकल्टी ऑफ मेडिसिन और हेल्थ साइंसेज से 14 वार्षिक सम्मेलन में 13–14 नवंबर 2015 को सम्मानित किया गया, एसजीटी विश्वविद्यालय, गुड़गांव, दिल्ली एनसीआर।

डॉ. ए. के. जायसवाल, जर्नल ऑफ फोरेंसिक केमिस्ट्री और टोक्सिकोलॉजी के संपादक थे।

9.13 जठरांत्र रोग विज्ञान एवं मानव पोषण

आचार्य एवं अध्यक्ष
सुब्रत के. आचार्य

आचार्य

अनूप सराया | उमेश कपिल | प्रमोद गर्ग
विनीत आहूजा | गोविंद के माखरिया

सहायक आचार्य

शालीमार | बैबस्वत नायक

विशिष्टताएं

विभाग द्वारा राष्ट्रीय सम्मेलन (यकृत रोग में यकृत के अध्ययन और वर्तमान परिप्रेक्ष्य के लिए इंडियन नेशनल एसोसिएशन का 23वां वार्षिक सम्मेलन); एक्स्ट्रा पल्मोनरी ट्यूबरकुलोसिस (एब्डोमिनल ट्यूबरकुलोसिस) पर दिशा निर्देश तैयार करने के लिए बैठक; विश्व हेपेटाइटिस दिवस की पूर्व संध्या पर भारत में वायरल हेपेटाइटिस पर जागरूकता बढ़ाने के लिए एक सार्वजनिक व्याख्यान; इंडियन सोसायटी ऑफ गेस्ट्रोएंटेरोलॉजी की ओर से गेस्ट्रोएंटेरोलॉजी में प्रशिक्षुओं के लिए दो शैक्षणिक कार्यक्रम (गेस्ट्रोएंटेरोलॉजी यंग मास्टर्स एंड यंग क्लिनिशयन्स प्रोग्राम); और 19 सितंबर 2015 को एम्स, नई दिल्ली में आईएनएएसएल की दूसरे आईसीएआरई बैठक आयोजित की गई थी। संकाय और रेजीडेंट द्वारा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बैठकें और सम्मेलनों (जिनमें से कई ने सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार जीता) में कई व्याख्यान दिया और कई शोध पत्र प्रस्तुत किए गए तथा इंडेक्स पत्रिकाओं में 78 वैज्ञानिक शोध पत्र प्रकाशित किए। विभाग के संकाय सदस्यों द्वारा शिक्षा, अनुसंधान और कार्यक्रमों के साथ संबंधित विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बोर्डों को सेवा प्रदान की गई थी।

शिक्षा

विभाग द्वारा जठरांत्र रोग विज्ञान में डी एम, तथा जठरांत्र रोग विज्ञान एवं मानव पोषण में पीएच डी पर पाठ्यक्रम हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान किए जा रहे हैं। विभाग ने स्नातक पूर्व तथा स्नातकोत्तर छात्रों के प्रशिक्षण में भी भाग लिया।

दीर्घ अवधि प्रशिक्षण : 13 डी एम प्रत्याशी   7 पी एच डी प्रत्याशी
अल्प अवधि प्रशिक्षण : 4 प्रशिक्षु (3–6 माह की अवधि)

विभाग द्वारा आयोजित क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशालाएं / संगोष्ठियां

1. एक्स्ट्रा पल्मोनरी ट्यूबरकुलोसिस (एब्डोमिनल ट्यूबरकुलोसिस) पर दिशा निर्देश तैयार करने के लिए बैठक, एम्स, नई दिल्ली, 1 जुलाई 2015.

2. विश्व हेपेटाइटिस दिवस, एम्स, नई दिल्ली, 28 जुलाई 2015.

3. गेस्ट्रोएंटेरोलॉजी यंग मास्टर्स, एम्स, नई दिल्ली, 21–23 अगस्त 2015.

4. यकृत के अध्ययन और सीपीएलडी के लिए इंडियन नेशनल एसोसिएशन का 23वां वार्षिक सम्मेलन, 31 जुलाई – 2 अगस्त 2015.

5. यंग क्लिनिशयन्स प्रोग्राम, एम्स, नई दिल्ली, 18–20 सितंबर 2015.

6. आईएनएएसएल की दूसरी आईसीएआरई बैठक, एम्स, नई दिल्ली, 19 सितंबर 2015.

प्रदत्त व्याख्यान :

एस. के. आचार्य : 20	अनूप सराया : 5	उमेश कपिल : 9
प्रमोद गर्ग : 8	गोविंद माखरिया : 10	शालीमार : 5

मौखिक पत्र / पोस्टर प्रस्तुति : 15

अनुसंधान
वित्त पोषित परियोजनाएं
जारी

1. लीन एनएएफएलडी में रोगजनन, एस. के. आचार्य, डीएसटी, 3 वर्ष (2013–16) निधि : 48 लाख रुपए।

2. जे. सी. बोस पुरस्कार, एस. के. आचार्य, डीएसटी, 5 वर्ष (2012–17), निधि : 68 लाख रुपए।

3. एचबीईएजी – सकारात्मक या एचबीईएजी – ऋणात्मक क्रॉनिक हेपेटाइटिस बी (सीएचबी) सहित नॉन सिरोटिक व्यक्तियों में 48 सप्ताहों के लिए केयर टेनोफोविर डिसोप्रोक्सिल फ्यूमेरेट मोनोथैरेपी या पेगिनेटेरफेरोन ए–2ए मोनोथैरेपी के पेगिंटेरफेरोन ए–2ए (पेगासीआर) बनाम मानक के साथ संयोजन में टैनोफोविर डिसोप्रोक्सील फुमेरेट (टी डी एफ) के प्रभावकारिता और सुरक्षा के मूल्यांकन के लिए यादृच्छिक, खुले लेबल, सक्रिय नियंत्रण, श्रेष्ठता अध्ययन (जीएस–यूएस–174–0149–ए)। एस. के. आचार्य, गीलीड साइंसेज इंक. यूएसए, 2 वर्ष (2014–16)। निधि : 24 लाख रु.।
4. एचबीईएजी – ऋणात्मक, क्रॉनिक हेपेटाइटिस बी के उपचार के लिए टेनोफोविर एलाफेनमिड (टीएएफ) 25 मि.ग्रा. क्यूडी बनाम टेनोफोविर डिसोप्रोक्सील फुमरेट (टी डी एफ) 300 मि. ग्रा. क्यूडी की सुरक्षा और प्रभावकारिता के मूल्यांकन के लिए एक चरण 3, यादृच्छिक, डबल ब्लाइंड अध्ययन, (जीएस–यूएस–320–0108), एस. के. आचार्य, गीलीड साइंसेज इंक. यू एस ए, 3 वर्ष (2014–17), निधि : 49 लाख रु.।
5. एचबीईएजी – ऋणात्मक क्रॉनिक हेपेटाइटिस बी के उपचार के लिए टेनोफोविर एलाफेनमिड (टीएएफ) 25 मि.ग्रा. क्यूडी बनाम टेनोफोविर डिसोप्रोक्सील फुमरेट (टीडीएफ) 300 मि. ग्रा. क्यूडी की सुरक्षा और

प्रभावकारिता के मूल्यांकन के लिए एक चरण 3 यादृच्छिक, डबल ब्लाइंड अध्ययन, एस. के. आचार्य, गीलीड साइंसेज इंक. यू एस ए, 3 वर्ष (2014–17), निधि : 32.6 लाख रु.।

6. क्रॉनिक जीनोटाइप 1 या 3 हेपेटाइटिस सी वायरस संक्रमण के उपचार में सोफास्बुविर के साथ रिबेविरिन की सुरक्षा और निरापदता के मूल्यांकन के लिए एक फेज़ 3 बी, बहुकेंद्र, यादृच्छिक, खुले लेबल वाला अध्ययन, एस. के. आचार्य, गीलीड साइंसेज इंक. यू एस ए, 2 वर्ष (2015–17), निधि : 20.3 लाख रु.।
7. गंभीर चिरकालिक पैनक्रिएटाइटिस में आंत की म्यूकोसा का अध्ययन करना और अंग विफलता तथा मृत्यु दर के साथ इसका सह संबंध ज्ञात करना, अनूप सराया, डीबीटी, 3 वर्ष (2015–18). निधि : 56.3 लाख रु.।
8. चिरकालिक पैनक्रिएटाइटिस में बायोमार्कर के रूप में माइक्रो आरएनए, जिन्हें पैनक्रिएटिक कैंसर विकसित होने का जोखिम है, अनूप सराया, डीबीटी, 3 वर्ष (2016–19). निधि : 91 लाख रु.।
9. जीर्ण यकृत की बीमारी : विटामिन डी के विशेष संदर्भ में और यकृत अस्थिदुष्पोषण पर उनकी पूरकता के साथ सूक्ष्म पोषक तत्वों की स्थिति – एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। अनूप सराया, आईसीएमआर, 3 वर्ष (2013–16), निधि : 69 लाख रुपए।
10. अग्न्याशय के कैंसर से पीड़ित रोगियों में रेग–4 और एमयूसी –4 की अभिव्यक्ति। अनूप सराया, आईसीएमआर, 3 वर्ष (2013–16), निधि : 25 लाख रुपए।
11. स्तन कैंसर के विकास सहित विटामिन डी और कैल्शियम का संबंध : मामला नियंत्रण अध्ययन। उमेश कपिल, डीबीटी, 2 वर्ष (2013–16), निधि : 39 लाख रुपए।
12. पोषाहार का आकलन, 60 वर्ष और उससे अधिक आयु के बुजुर्ग आबादी में रुग्णता स्थिति और स्वास्थ्य सुविधाओं का उपयोग। उमेश कपिल, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, 2 वर्ष (2015–17), निधि : 22 लाख रुपए।
13. जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश में एचआईजी से संबंधित 10–16 वर्ष की आयु वर्ग के बच्चों में अधिक वजन, मोटापा और बाल चिकित्सा चयापचय संबंधी संलक्षण और जुड़े जोखिम वाले कारकों के प्रसार का अध्ययन। उमेश कपिल, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, 2 वर्ष (2014–17). निधि : 39 लाख रुपए।
14. क्रॉनिक पैन्क्रियाटाइटिस का जीनोम व्यापी संबंधित अध्ययन। प्रमोद गर्ग, डी बी टी, 3 वर्ष (2014–17). निधि : 1.63 करोड़ रुपए।
15. चूहे में साइरुलेइन उत्प्रेरित तीव्र पैन्क्रिएटाइटिस के रोगजनन में अंतःप्रद्रव्य जालिका तनाव की भूमिका और तीव्र पैन्क्रिएटाइटिस की गंभीरता पर रासायनिक संरक्षिकाओं का प्रभाव। प्रमोद गर्ग, आई सी एम आर, 3 वर्ष (2014–17). निधि : 45 लाख रुपए।
16. पित्ताशय कैंसर में जीनोमिक और एपिजीनोमिक अभिव्यक्ति। प्रमोद गर्ग, एम्स अनुसंधान योजना, 2 वर्ष (2014–16). निधि : 10 लाख रुपए।
17. इन्फ्लेमेट्री बाउल डिजीज (अल्सरेटिव कोलाइटिस, क्रोहन्स रोग) से पीड़ित रोगियों में ट्रीगरिंग रोग गतिविधि हेतु ''माइक्रोएनवायर्नमेंटल क्यू'' विटामिन ए है। विनीत आहूजा, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, 3 वर्ष (2013–16). निधि : 82 लाख रुपए।
18. इन्फ्लेमेट्री बाउल डिजीज पर भारत यूएस उत्कृष्टता। विनीत आहूजा, इंडो यूएस साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी फोरम, 4 वर्ष, (2013–16). निधि : 60 लाख रुपए।

19. अल्सरेटिव कोलाइटिस तथा क्रोन्स रोग में मूल्यांकित इंटीग्रेन इनहिबिटर हेतु फेज 3 बहुकेंद्रीय परीक्षण। विनीत आहूजा, मिलेनियम फार्मास्यूटिकल्स, बोस्टन, 8 वर्ष (2008–2016). निधि : 15 लाख रुपए।

20. इंफ्लेमेट्री बाउल डिजीज में तुलनात्मक आंत यूकेरियोटिक माइक्रोबायोम : आनुवंशिक रूप से विभिन्न रोग व्यापकता वाले क्षेत्रों में रहने वाली समान आबादी में एक सामान्य लिंक की खोज। विनीत आहूजा, डीएसटी, 2 वर्ष (2015–17). निधि : 21 लाख रुपए।
21. मानव जठरांत्र इम्यूनोलॉजी ट्रांसलेशनल कार्यक्रम। विनीत आहूजा, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, 3 वर्ष (2014–17). निधि : 78 लाख रुपए।
22. भारत में क्रोहन रोग : एक देश से बहु केंद्र अध्ययन जहां आंतों के ट्यूबरकुलोसिस के साथ ही क्रोहन रोग स्थानिक है, विनीत आहूजा, आई सी एम आर, 3 वर्ष (2016–19)। निधियां : 15.7 लाख रुपए।
23. सिलियाक रोग और अन्य एंटेरोपैथिक वाले रोगियों में विलस असामान्यताओं के आकलन के लिए बायोमार्कर, गोविंद मखारिया, डी एस टी, 3 वर्ष (2014–17). निधि : 64 लाख रु.।
24. कम इम्यूनोजेनिक ग्लूटेन वाले गेहूं के विकास के लिए अन्वेषण। गोविंद मखारिया, आई. सी. ए. आर., 3 वर्ष (2014–17) निधि : 49 लाख रुपए।
25. मधुमेह – यकृत रोग एम्ब्रस : चिरकारी यकृत रोग के अल्पावधि परिणाम पर मधुमेह के प्रभाव की खोज के लिए एक पारस्परिक अनुभागीय बहु केंद्रित अध्ययन। शालीमार, लीवर फाउंडेशन, 3 वर्ष (2014–17). निधि : 10 लाख रुपए।
26. जीनोटाइप 3 के उप समूह के उपचार के लिए कठिन उपचार हेतु सोफोसबुवीर (क्रॉनिक, हेपेटाइटिस सी, नेव का अनुभवी उपचार और सिरोसिस (सीटी – 227) का अनुभवी उपचार), शालीमार, सिपला, 2 वर्ष (2015–17)। निधियां : कंपनी द्वारा प्रदान की गई दवाएं।
27. क्रॉनिक हेपेटाइटिस सी संक्रमण (सीटी – 228) वाले रोगियों के उपचार के लिए सोफोसबुवीर, पेगिंटरफेरोन और रिबावायरिन, शालीमार, जायडस, 2 वर्ष (2015–17)। निधियां : कंपनी द्वारा प्रदान की गई दवाएं।
28. मानव ल्यूकोसाइट प्रतिजन (एचएलए–जी) अणुओं के नैदानिक प्रासंगिकता और हेपैटोसेलुलर कार्सिनोमा में अपनी बहुरूपता, बी नायक, एम्स अनुसंधान योजना (आंतरिक)। 1 वर्ष (2015–16). निधि : लाख रु.।

पूर्ण

1. सिरोसिस के रोगियों में हेपेटोसेल्यूलर कार्सिनोमा के उपचार हेतु रेडियो फ्रीक्वेंसी एब्लेशन (आर एफ ए) तथा परक्यूटेनियस एसिटिक एसिड (पी ए आई) का यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (आर सी टी)। एस. के. आचार्य, आई सी एम आर, 3 वर्ष (2012–2015). निधि : 22 लाख रुपए।
2. उन्नत हेपेटोसेल्यूलर कार्सिनोमा (बी सी एल सी) अवस्था डी के उपचार में मुखीय थैलीडोमाइड तथा कैपीसिटाबाइन बनाम सहायक चिकित्सा का यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (आर सी टी)। एस. के. आचार्य आई सी एम आर, 3 वर्ष (2012–2015). निधि : 14 लाख रुपए।
3. अनरिसेक्टेबल हेपेटोसेल्यूलर कार्सिनोमा (बी सी एल सी सी) के उपचार में ट्रांसआर्टिरियल कीमोथेरेपी (टी ए सी) बनाम मुखीय थेलिडोमाइड एवं कैपीसिटाबाइन का यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। एस. के. आचार्य, आई सी एम आर, 3 वर्ष (2012–2015). निधि : 31.5 लाख रुपए।

4. अनरिसेक्टेबल हेपेटोसेल्यूलर कार्सिनोमा के उपचार में ट्रांसआर्टिरियल कीमोइम्बोलाइजेशन (टी ए सी ई) बनाम टी ए सी ई और मुखीय दवा चिकित्सा का यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (आर सी टी)। एस. के. आचार्य, आई सी एम आर, 3 वर्ष (2012–2015). निधि : 42 लाख रुपए।

5. हिमाचल प्रदेश, भारत के तीन उच्च एल्टीट्यूट क्षेत्रों (1000 मीटर एवं उससे अधिक) से 6–18 वर्ष के आयु समूह में बच्चों में विटामिन डी हीनता एवं संबंधित कारकों की व्यापकता का आकलन। उमेश कपिल, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, 2 वर्ष (2013–15). निधि : 59 लाख रुपए।
6. तीव्र पैन्क्रिएटाइटिस से उत्प्रेरित गॉलस्टोन हेतु जोखिम कारकों के रूप में एस पी आई एन के – 1 कैथेप्सीन बी तथा सी एफ टी आर जीन म्यूटेशंस का एक अध्ययन। प्रमोद गर्ग, आई सी एम आर, 3 वर्ष (2012–15). निधि : 27 लाख रुपए।
7. यकृत विफलता के विकास के एक कारक के रूप में ट्रांसर्टेरियल कीमोम्बोलिजेशन करवा रहे हिपेटोसेलुलर कार्सिनोमा वाले रोगियों के मूल्यांकन में इंडोकाइनाइन ग्रीन का उपयोग। शालीमार, एम्स अनुसंधान योजना (आंतरिक), 2 वर्ष (2013–15), निधियां : 10 लाख रुपए।
8. भारतीय रोगियों में हेपेटाइटिस सी वायरस उपचार के परिणामों पर आई एल 28बी जीन पोलिमोर्फिज्म का प्रभाव। बी नायक, अनुसंधान योजना (आंतरिक), 2 वर्ष (2013–15), निधि : 5 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. तीव्र क्रोनिक यकृत विफलता पर एमोनिया काइनेटिक्स : तीव्र क्रोनिक यकृत विफलता पर प्रासंगिकता, संक्रमण और गुर्दे की विफलता।

2. थ्रोमबोलेस्टोग्राफी का उपयोग कर क्रोनिक यकृत विफलता वाले रोगियों में कोएगुलेशन असामान्यताओं का आकलन।

3. यकृत बायोप्सी और फाइब्रोस्कैन का उपयोग कर बेरियाट्रिक सर्जरी के प्रभाव का आकलन।

4. तीव्र यकृत विफलता में संक्रमण और अमोनिया की संगति।

5. इसोफेजियल कैंसर में उपकला कोशिका आसंजन अणु (ईपी–सीएएम) के नैदानिक महत्व।

6. यकृत में वसा सामग्री और एंजियोग्राफिक कोरोनरी धमनी संकीर्णता के सहसंबंध।

7. 18 एफ फ्लोरो – कोलाइन पीईटी – सीटी का उपयोग कर हिपेटोसेलुलर कार्सिनोमा की जांच : 18एफ – एफडीजी पीईटी – सीटी और प्रसार भारित एमआरआई के साथ तुलना।

8. अलग अलग आंत ट्यूबरकुलोसिस और क्रोह्न रोग के लिए मार्कर के रूप में उपचर्म वसा के अनुपात में आंत आधारित इमेजिंग का विकास और सत्यापन।

9. हेपेटाइटिस सी वायरस से संक्रमित रोगियों में प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया को समझने के लिए रिवर्स आनुवंशिक आधारित पुनः संयोजक न्यू केसल रोग वायरस मॉडल का विकास।

10. तीव्र यकृत की विफलता का परिणाम और लंबे समय तक उत्तरजीविता पर अलग इटियोलॉजिस का प्रभाव।

11. तीव्र यकृत की विफलता का परिणाम और लंबे समय तक उत्तरजीविता पर इटियोलॉजिस का प्रभाव।

12. तीव्र पैनक्रिएटाइटिस वाले रोगियों में दर्द से राहत के लिए डिक्लोफेंस बनाम पेनटाजोकाइन की प्रभावकारिता।

13. पैनक्रियास के कार्सिनोमा वाले रोगियों में आरईजी4 और एमयूसी4 की अभिव्यक्ति।

14. एच बी ई ए जी नेगेटिव क्रोनिक हेपेटाइटिस बी मेग्नीट्यूड, वायरल एवं मेजबान लाक्षणीकरण।

15. न्यूक्लियोस (टी) आईडीई अनुरूप चिकित्सा और एच.बी.वी. पोलीमर्स गतिविधि पर उसके प्रभाव पर चिरकालिक हेपेटाइटिस रोगियों में हेपेटाइटिस बी वायरस सफलता।

16. इम्यूनोटोलरेंट चिरकारिक एच. बी. वी. संक्रमण : प्राकृतिक दौर।

17. सी.एल.डी., ए.एल.एफ. और ए.सी.एल.एफ. रोगियों से हिपेटोट्रॉपिक वायरस आइसोलेट की प्रयोगशाला जांचें।

18. तीव्र क्रोनिक यकृत विफलता वाले रोगियों में मेसेंकाइमल स्टेम सेल उपचार : एक डबल ब्लाइंड, यादृच्छिक प्लासेबो नियंत्रित परीक्षण।

19. तीव्र यकृत विफलता में न्यूट्रोफिलिक कार्य।

20. वर्तमान और तीव्र पैनक्रिएटाइटिस के पैथोजेनेसिस में ऑक्सीडेटिव तनाव।

21. तीव्र गंभीर अल्सरेटिव कोलाइटिस में परिणाम के कारक।

22. अल्सरेटिव कोलाइटिस वाले रोगियों में कोलोरेक्टल कैंसर की व्यापकता।

23. टाइप 1 डायबिटीज मेलिटस वाले रोगियों में नॉन अल्कोहलिक फैटी यकृत रोग की व्यापकता।

24. एचसीसी में लोकोरीजनल थेरैपी की प्रतिक्रिया के आकलन के लिए सी–रिएक्टिव प्रोटीन की भूमिका।

25. लक्षित एमटीओआर पाथवे एच.सी.सी. में उनके मॉडुलन और बायोमार्कर के रूप में माइक्रोआरएनए की भूमिका।

26. पैनक्रिएटिक कैंसर में सिगनल ट्रांसडक्शन का एमआईआरएनए मध्यस्थता मॉड्यूलेशन की भूमिका।

27. अग्न्याशय के कैंसर से पीड़ित रोगियों में डी.एन.ए. मेथिलिकरण पैटर्न का पूर्वाभासी महत्व पर अध्ययन।

28. तीव्र पैनक्रिएटाइटिस के परिणाम के भविष्यवक्ताओं का मूल्यांकन करना।

29. आंत की सूजन के रोग में रोग गतिविधि मार्करों के रूप में यूरिनरी सोडियम और पोटेसियम का मूल्यांकन करना।

30. सिरोसिस वाले रोगियों में आंत म्यूकोसा में 2 और 4 क्लेंडिन पर आंतों के पारगम्यता और अभिव्यक्ति का अध्ययन करना।

31. एसीएलएफ रोगियों के बीच एसआईआरएस और सीएआरएस के काइनेटिक्स का अध्ययन करना और रोग के परिणामों के साथ इसकी मध्यस्थों के साथ सहसंबंध।

32. क्रॉनिक यकृत विफलता पर एक्यूट वाले रोगियों में पैथोफिजियोलॉजिकल परिवर्तन का अध्ययन करना।

33. क्रोनिक यकृत विफलता वाले रोगियों पर एक्यूट में सेरोब्रल एडिमा और न्यूरोपैथोलॉजिकल परिवर्तन की व्यापकता का अध्ययन करना।

34. सोफोसबुवीर आधारित उपचार वाले क्रोनिक हेपेटाइटिस सी उपचारित रोगियों में प्रतिरोध जुड़वा वेरिएंट (आरएवी) का अध्ययन करना।

35. क्या गंभीर तीव्र अग्नाशयशोथ से पीड़ित रोगियों में संक्रमित अग्नाशय नेक्रोसिस के बाद के विकास के लिए प्रारंभिक शुरुआती अंग विफलता प्रीडिस्पोज करते है?

पूर्ण

1. भारतीय जनसंख्या में क्रॉनिक हेपेटाइटिस – सी में प्रतिक्रिया का कारक।

2. गंभीर यकृत विफलता में सेप्सिस के साथ एट्रियल अमोनिया का सह संबंध।

3. उत्तर भारतीय जनसंख्या में एच बी वी उपभेदों के परिसंचारी की म्यूटेशन रूपरेखा।

4. हेपेटिक इंसल्ट के लिए चिरकारी यकृत विफलता के कारण पर तीव्र।

5. एच.वी.ओ.टी.ओ. में परिणामों के उपचार और नए प्रोग्नोस्टिक स्कोर का विकास।

6. हेपेटिक वेन बहिर्वाह पथ अवरोध में एचसीसी के जोखिम कारक और घटनाएं।

7. हेपेटिक इंसल्ट के लिए चिरकारी यकृत विफलता के कारण पर तीव्र।

8. तीव्र अग्नाशयशोथ वाले रोगियों में आंतों का पारगम्यता अध्ययन करना।

9. तीव्र पैनक्रिएटाइटिस में परिणाम पर एंटीबायोटिक प्रतिरोधी बैक्टीरिया और कवक संक्रमण का प्रभाव।

10. गंभीर तीव्र अग्नाशयशोथ वाले रोगियों में सिट्रुलाइन और (इंटेस्टाइनल फैटी एसिड बाध्यकारी प्रोटीन) आईएफएबीपी की जांच।

11. चिरकारी अग्न्याशयशोथ में फाइब्रोसिस के मार्कर्स एवं पैंक्रियाटिक प्रकार्य पर ऐंटीऑक्सीडेंट संपूरण का प्रभाव

12. स्पोंटेनियस बैक्टीरियम पेरिटोनाइटिस वाले रोगियों में मानक खुराक बनाम दैनिक इंट्रावेनस एल्बुमिन के एक खुले लेबल यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण में साइटोकाइन रूपरेखा का आकलन।

13. इडियोपेथिक आवर्तक तीव्र पैनक्रिएटाइटिस वाले रोगियों में ऑक्सीडेटिव तनाव और एंटीऑक्सीडेंट स्तरों का आकलन।

14. क्रोनिक हेपेटाइटिस बी वाले भारतीयों में टेनोफोवीर डिसोप्रोक्सिल फ्यूमेरेट / टीडीएफ की प्रभावकारिता और सुरक्षा।

15. सिलियाक रोग से पीड़ित रोगियों के प्रथम श्रेणी के रिश्तेदारों में पैरासैल्यूलर परमिएबिलिटी और टाइट जंक्शनों का विकृति शरीरक्रियाविज्ञान।

16. इंफ्लेमेटरी आंत्र रोग में गर्भावस्था के परिणाम और इंफ्लेमेटरी आंत्र रोग कोर्स पर गर्भावस्था के प्रभाव।

17. एबडोमिनल ट्यूबरकुलोसिस में बहु दवा प्रतिरोधी ट्यूबरकुलोसिस की व्याप्ति।

सहयोगी परियोजनाएं
जारी

1. पैंक्रिएटिक स्यूडोसिस्ट का इंडोस्कॉपिक बनाम लेप्रोस्कोपिक ड्रेनेज का यादृच्छिक परीक्षण। शल्य चिकित्सा विषय विभाग, एम्स।

2. चिरकारी पैंक्रियाटाइटिस के लिए शल्य चिकित्सा बनाम इंडोस्कोपिक उपचार का यादृच्छिक परीक्षण। जी आई सर्जरी विभाग, एम्स।

3. पूर्ण आत्महत्या के साथ इंफ्लेमेटरी साइटोकाइन्स का एसोसिएशन : एक अस्पताल आधारित प्रकरण नियंत्रण अध्ययन, फोरेंसिक मेडिसिन विभाग, एम्स।

4. कोर्टिकोस्टेरियोड्स और बोवाइन कोलोस्ट्रम बनाम कोर्टिकोस्टेरियोड्स और प्लेसबो के संयोजन चिकित्सा की तुलना : 'इन एक्सट्रीम्स' एल्कोहोलिक हैपेटाइटिस के उपचार में एक बहुकेंद्रिक, यादृच्छिक, डबल ब्लाइंड, प्लेसबो नियंत्रित परीक्षण। जठरांत्र विज्ञान विभाग, दयानंद चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल, लुधियाना। जी. बी. पंत अस्पताल, नई दिल्ली और ग्लोबल हॉस्पिटल, हैदराबाद।

5. सीरम बायोमार्कर्स पीडियाट्रिक ओस्टियोसार्कोमास में बढ़ी हुई चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग एवं हिस्टोपैथोलॉजी – विपरीत डाइनेमिक के बीच सहसंबंध। अस्थिरोग विज्ञान विभाग, एम्स।

6. यकृत में वसा सामग्री और एंजियोग्राफी कोरोनरी धमनी संकीर्णता के सहसंबंध। हृदयरोगविज्ञान विभाग, वी.एम.एम.सी. और सफदरजंग अस्पताल।

7. चूहों में तीव्र अग्नाशयशोथ प्रयोगात्मक के मॉडल वाहिनी बंधाव पर एंटी–इंफ्लेमेट्री दवाओं और एनए– टॉरोकोलेट का प्रभाव, शरीर रचना विभाग, एम्स।

8. आई.बी.डी. में यूकेरियोटिक माइक्रोबायोम विविधता, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी ट्रांसलेशनल यूनिट, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी, यू.के.।

9. यकृत में शिथिलता वाले सीलियक रोग वाले रोगियों में यकृत के एटियोलॉजिकल और हिस्टोलॉजिकल सुविधा का मूल्यांकन, विकृति विज्ञान विभाग, एम्स।

10. अल्सरेटिव कोलाइटिस के रोगजनन में डायस्रेगलेटिड की भूमिका की खोज। स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय।

11. मानव जठरांत्र इम्यूनोलॉजी ट्रांसलेशनल कार्यक्रम, ट्रांसलेशनल स्वास्थ्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, फरीदाबाद।

12. मोर्बिडली मोटे रोगियों की नॉन–एल्कोहोलिक फैटी लीवर रोग में ऑक्सीडेटिव तनाव और प्रो–एंटी इंफ्लेमेटरी पाथवे पर बेरिएट्रिक सर्जरी का प्रभाव। शल्य चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान।

13. आंत के टीबी और क्रोहन रोग में मैक्रोफेज पोलीराइजेशन, इंटरनेशनल सेंटर फॉर जेनेटिक इंजीनियरिंग एंड बायोटेक्नोलॉजी, नई दिल्ली।

14. एन.एम.आर. स्पेक्ट्रोस्कोपी द्वारा सीलियक रोग का चयापचय अध्ययन, एन.एम.आर. विभाग, एम्स।

15. थायराइड दुष्क्रिया का पता लगाने के लिए नैनोकणों पर आधारित एम्पेरोमेट्रिक बायोसेंसर, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, जेपी इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, नोएडा, उ. प्र.।

16. आई.बी.डी. के लिए एक पर्यावरण जोखिक कारक के रूप में मौखिक तंबाकू, मैसेचुसेट्स जनरल अस्पताल, हार्वर्ड मेडिकल स्कूल, बोस्टन, यूएसए।

17. क्रिप्टोजेनिक यकृत रोग वाले रोगियों में ओकुलट हेपेटाइटिस सी वायरस संक्रमण की व्यापकता और आणविक लाक्षणीकरण, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग, एम्स।

18. सेलियाक रोग के रोगियों की पहली डिग्री संबंधों में थायराइड ऑटोइम्युनिटी की व्यापकता, अंतःस्राविकी और प्रजनन जीव विज्ञान विभाग, एम्स।

19. सुमोलेशन और पुरानी आंतों की सूजन, क्षेत्रीय जैव प्रौद्योगिकी केंद्र, फरीदाबाद।

20. गैर एल्कोहलिक फैटी यकृत रोग वाले रोगियों में पीएनपीएलए 3 जीन म्यूटेशन का अध्ययन करना, दिल्ली विश्वविद्यालय।

21. सीलियाक रोग वाले अनुभवहीन उपचार के रोगियों में नैदानिक / उप नैदानिक एंडोक्राइनोपैथीस और एंडोक्राइन ऑर्गन ऑटोइम्युनिटी की व्यापकता का अध्ययन करना, अंतःस्राविकी विभाग, एम्स।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 63 सार : 14 पुस्तकों में अध्याय : 21 पुस्तकें : 1

रोगी उपचार

नैमिक गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी क्लिनिक (सोमवार से शुक्रवार)

नए रोगी : 26148 पुराने रोगी : 28364

विशेष क्लिनिक

क्लिनिक	नए मामले	पुराने मामले
लीवर	1690	13404
पैंक्रियाज़	591	2520
आईबीडी तथा आईटीबी	449	5202
इन्टरवेंशनल	231	306
सिलियक	106	730

एंडोस्कोपी सेवाएं

नैदानिक एवं चिकित्सीय एंडोस्कोपी	20765
नैदानिक एवं चिकित्सीय कोलोनोस्कॉपी	3750

नैदानिक सिग्मोइडोस्कॉपी	3720
ई.एस.टी. एवं ई.वी.एल.	5450
साइड व्यूइंग एंडोस्कॉपी	970
एंडोस्कोपिक रेट्रोग्रेड कॉलेंजियो पैंक्रिएटोग्राफी (ईआरसीपी)	3250
एंडोस्कोपिक अल्ट्रासाउंड (नैदानिक एवं चिकित्सीय)	820
फाइब्रोस्कैन	4500

जांचों की सूची जो विभाग में की गई थी

विभाग में आण्विक जीवविज्ञान, कोशिका संवर्धन, प्रतिरक्षा विज्ञान, वायरोलॉजी और जैव रसायन प्रयोगशालाएं रोगी सेवाओं के लिए हैं। विभागीय प्रयोगशालाओं में निम्नलिखित जांचें की गईं :

1. रीयल टाइम पी सी आर द्वारा हेपेटाइटिस बी वायरस क्वांटिटेशन	3873
2. रीयल टाइम पी सी आर द्वारा हेपेटाइटिस सी वायरस क्वांटिटेशन	3064
3. सिक्वेंसिंग द्वारा हेपेटाइटिस सी वायरस जीनोटाइपिंग	20
4. रीयल टाइप सी पी आर द्वारा हेपेटाइटिस सी वायरस जीनोटाइपिंग	35
5. आरटी–पीसीआर द्वारा हेपेटाइटिस ई वायरस डिटेक्शन	66
6. रीयल टाइम एआरएमएस पीसीआर द्वारा एचएलए–जी जीनोटाइपिंग	10
7. रीयल टाइम एआरएमएस पीसीआर द्वारा एचएलए आरएस 12979860 जीनोटाइपिंग	10
8. स्पेक्ट्रोफोटोमेट्री द्वारा लिपिड पेरोक्सीडेशन (एमडीए)	150
9. कोलोरीमेट्री द्वारा फ्री रेडिकल एंटीऑक्सिडेंट पोटेंशियल (एफआरएपी)	150
10. स्पेक्टोफोटोमेट्री द्वारा विटामिन सी	229
11. काइनेटिक विधि द्वारा सुपरऑक्साइड डिसम्यूटेस	140
12. इम्युनोटर्बिडोमेट्री द्वारा सीरम सेरूलोप्लाज्मीन	1000
13. कोलोरीमेट्री द्वारा सीरम कॉपर	1001
14. कोलोरीमेट्री द्वारा 24 घंटे यूरिनरी कॉपर	528
15. ग्रेसस अमापन और रासायनिक कमी द्वारा कुल नाइट्रिक ऑक्साइड	567
16. एलाइसा द्वारा एसएचएलए	77
17. एलाइसा द्वारा एचएससीआरपी	223
18. एलएएल अमापन द्वारा एंडोटोक्सिन	10
19. एलाइसा द्वारा आईएल 1 बीटा	88
20. एलाइसा द्वारा आईएल 6	88
21. एलाइसा द्वारा टीएनएफ अल्फा	88
22. एलाइसा द्वारा एडिपोनेक्टिन	88
23. एलाइसा द्वारा रेसिस्टीन	88
24. एलाइसा द्वारा लेप्टिन	88
25. एलाइसा द्वारा विस्फेटिन	88
26. प्रोथ्रोम्बिन टाइम	4058
27. रक्त अमोनिया	630

28. डी–सिलोज	300
29. फिकल काइमोट्रिप्सिन	102
30. फिकल फैट	136
31. फिकल एलास्टेस	136
32. हाइड्रोजन ब्रीथ परीक्षण	137

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण उपलब्धियां

प्रोफेसर एस. के. आचार्य एम्स में डीन (अनुसंधान) है। उन्हें सदस्य, केआईआईटी विश्वविद्यालय के प्रबंधन और सलाहकार बोर्ड और केआईएमएस, भुवनेश्वर के रूप में नामित किया गया था; साइंस इंजीनियरिंग समीक्षा बोर्ड, डीएसटी, भारत सरकार के सदस्य; जेसी बोस अध्येतावृत्ति, डीएसटी, भारत सरकार से सम्मानित किया गया और अध्यक्ष, शैक्षणिक समिति, एम्स, जोधपुर। उन्हें क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, वेल्लोर द्वारा छठवें मैथन एंड मिनी मैथन ओरेशन; और डॉ. सीएच. ज्ञानेश्वर मेमोरियल ओरेशन (19 जुलाई 2015, विशाखापट्टनम) सम्मानित किया गया।

प्रोफेसर अनूप सराया ने निम्नलिखित वैज्ञानिक सत्रों की अध्यक्षता की : ए.पी.ए.एस.एल. में 'हेपेटिक फाइब्रोसिस एंड इट्स एसेसमेंट' (18 दिसंबर 2015, नई दिल्ली); आईएसजीसीओएन में 'प्रोग्नोस्टीकेशन एंड लिवर ट्रांसप्लांट इन ए.एल.एफ.' और 'अमेबिक लिवर एबसेस' (22 नवंबर 2015, इंदौर)।

प्रोफेसर उमेश कपिल को अस्थायी सलाहकार नामांकित किया गया था, दक्षिण – पूर्व एशिया क्षेत्र (21–22 मार्च 2016, नई दिल्ली) में कुपोषण के दोहरे बोझ को कम करने के लिए कार्यनीति मसौदा कार्य योजना की समीक्षा करने के लिए डब्ल्यूएचओ की क्षेत्रीय बैठक; सदस्य, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार (24 सितंबर 2015) द्वारा गठित इंफेंट एंड यंग चाइल्ड फीडिंग पर राष्ट्रीय संचालन समिति; सदस्य, पोषण कार्यनीति पर चर्चा के लिए स्वास्थ्य और पोषण डेटा पर अंतर मंत्रालयी, नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया (नीति) आयोग (29 फरवरी 2016); और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा मातृत्व, नवजात शिशु, बाल स्वास्थ्य और पोषण के क्षेत्र में आनुसंधान प्राथमिकता व्यवस्था अभ्यास के लिए राष्ट्रीय संचालन समूह बैठक के सदस्य। उन्हें टफ्टस विश्वविद्यालय, बोस्टन यूएसए द्वारा आयोजित 'टू डिटर्मिन द कम्परेटिव इफेक्टिवनेस एंड कोस्ट इफेक्टिवनेस ऑफ डाइटरी पॉलिसी टू इम्प्रूव मेटर्नल – चाइल्ड हेल्थ एज वेल एज क्रोनिक डिजीज आउटकम्स' (8–10 दिसंबर 2015, काठमांडू, नेपाल) पर अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला में आमंत्रित किया गया था। उन्होंने इंडियन पब्लिक हेल्थ एसोसिएशन के 60वें राष्ट्रीय वार्षिक सम्मेलन में डॉ. के. एन. राव मेमोरियल में भाषण (4–6 मार्च 2016, देहरादून) दिया।

प्रोफेसर प्रमोद गर्ग को सदस्य, संपादकीय बोर्ड, वैज्ञानिक रिपोर्ट और संपादकीय बोर्ड, गैस्ट्रोएंटेस्टाइनल एंडोस्कोपी के रूप में नामांकित किया गया था; इंडियन सोसायटी ऑफ गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी (2015–2017) के शासी परिषद के सदस्य; कैंसर बायोलॉजी पर सदस्य, डीबीटी टास्क फोर्स; एसोसिएशन एडिटर ऑफ पैनक्रिएटोलॉजी; सचिव निर्वाचन और कार्यकारी परिषद सदस्य, इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ पैनक्रिएटोलॉजी (2014 के बाद से); मानद सचिव, इंडियन पैनक्रियास क्लब (2014 के बाद से)। उन्होंने अमेरिकन पैनक्रिएटिक एसोसिएशन कॉन्फ्रेंस में प्रतिष्ठित 'पॉल वेबस्टार ओरेशन' दिया (सैन डिएगो, यूएसए; यूएसए नवंबर, 2015)।

प्रोफेसर विनीत आहूजा ने एन.आई.एम.ए.सी.ओ.एन. – 2015 के 13वें वार्षिक सम्मेलन (नागपुर, 17 अक्टूबर 2015) में भाषण और आईएमए डायमंड जुबली आईडीपीएल भाषण पुरस्कार (नई दिल्ली, 15 दिसंबर 2015) दिया। उन्होंने सह–लेखक प्रस्तुतियां दी जिसने इंडियन सोसायटी ऑफ गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी (इंदौर, नवंबर 2015) की वार्षिक संस्था में युवा अन्वेषक शोध पत्र पुरस्कार और अध्यक्ष पोस्टर पुरस्कार जीता।

प्रोफेसर गोविंद मखारिया को आयुर्वेदिक विज्ञान में केंद्रीय अनुसंधान परिषद और यूनानी मेडिसिन, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार (2015–2017) में केंद्रीय अनुसंधान परिषद के शासी निकाय के सदस्य के रूप में नामांकित किया गया था; सह–अध्यक्ष, वर्ल्ड डायजेस्टिव हेल्थ डे 2016 (वर्ल्ड गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी एसोसिएशन); बोर्ड सदस्य, इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर द स्टडीज ऑन सिलियाक डिजीज़ (2015–2019); संपादकीय सलाहकार बोर्ड सदस्य, क्लिनिकल एंड ट्रांसलेशनल गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी (अमेरिकन कॉलेज ऑफ गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी); डीबीटी सीलियाक डिजीज कंसोर्टियम के लिए समन्वयक; इंफ्लेमेटरी बॉवेल डिजीज पर इंडियन सोसायटी ऑफ गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी टास्क फोर्स के समन्वयक; युवा चिकित्सा कार्यक्रम के समन्वयक, इंडियन सोसायटी ऑफ गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी; शासी निकाय के सदस्य, इंडियन मोटिलिटी एंड फंक्शनल डिजीज एसोसिएशन; सदस्य, सीलियाक रोग पर इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च टास्क फोर्स; और विशेषज्ञ सदस्य, डीबीटी ह्यूमन जेनेटिक्स टास्क फोर्स बैठक। उन्होंने इंडियन सोसायटी ऑफ गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी, इंदौर, 2015 के वार्षिक सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार (पूर्ण सत्र) जीता।

डॉ. बैबास्वता नायक को बायोकेमिस्ट्री एंड बायोटेक्नोलॉजी रिसर्च, ड्रग रिसर्च, जैव रसायान तथा जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान ट्रॉपिकल गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, इंडियन जर्नल ऑफ वायरोलॉजी, पीएलओएस वन, वायरस रिसर्च, वायरोलॉजी जर्नल, वायरल इम्यूनोलॉजी, और जर्नल ऑफ वेटेरिनरी साइंस पत्रिकाओं के समीक्षक के लिए मनोनीत किया गया। वे आईसीएमआर एसटीएस 2016 विशेषज्ञ समूह और डीएसटी एसईआरबी अनुदान प्रस्तावों के समीक्षक हैं।

अतिथि वैज्ञानिक

- प्रो. साइमन ट्रेविस, गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी और एंडोस्कोपी के चिकित्सा निदेशक, जॉन रेडक्लिफ हॉस्पीटल ऑक्सफोर्ड (22 अप्रैल 2015)।
- स्पेन से डॉ. एनरिक डि–मैडेरिया (24 नवंबर 2015)।
- ओलिंप कॉर्पोरेशन, जापान से डॉ. गोनो (22 दिसंबर 2015)।

9.14 जठरांत्र शल्य चिकित्सा और यकृत प्रत्यारोपण

आचार्य एवं अध्यक्ष
पीयूष साहनी

अपर आचार्य

सुजॉय पाल | निहार रंजन दाश

सहायक प्रोफेसर (अनुबंध पर)

राजेश पंवार | आनंद नारायण सिंह (16 दिसंबर 2015 से प्रभावी)

विशिष्टताएं

विभाग ने 31 जुलाई से 2 अगस्त 2015 तक नई दिल्ली में भारतीय यकृत अध्ययन संघ (आईएनएएसएल) – यकृत रोगों में वर्तमान परिप्रेक्ष्य (सीपीएलडी) के सर्जिकल हेपेटोलोजी सेक्शन का 23 वें वार्षिक सम्मेलन का आयोजन किया। पूरे भारत से निवासियों, अध्येताओं और युवा अभ्यास सर्जन को यकृत सर्जरी और प्रत्यारोपण में अत्याधुनिक ज्ञान प्रदान करने के उद्देश्य से 3 दिवसीय कार्यक्रम। हमने 1 से 4 अक्तूबर, 2015 तक मेडिकल जर्नल संपादकों के लिए वर्ल्ड एसोसिएशन ऑफ मेडिकल एडिटर्स (डब्ल्यूएएमई) अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का भी आयोजन किया। यह पहली बार आयोजित डब्ल्यूएएमई सम्मेलन था और मेडिकल प्रकाशन से संबंधित मुद्दों पर मिलने और चर्चा करने के लिए संपादकों, प्रकाशकों और सहकर्मी समीक्षक के लिए अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से किया गया था। हमने 25 नवंबर 2015 को भारत में डॉ. रामलिंगास्वामी बोर्ड रूम, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में मृतक दाता अंग प्रत्यारोपण पर दूसरा राष्ट्रीय नीति गोलमेज का भी आयोजन किया, भारत में विकसित मृतक दाता अंग प्रत्यारोपण कार्यक्रमों पर विचार–विमर्श करने के लिए राष्ट्रीय विशेषज्ञों और नीति निर्माताओं को एक साथ लाया गया। हमने 15 नवंबर 2015 को एम्स, नई दिल्ली, इंडियन ओस्टोमी सोसायटी की सिल्वर जुबली बैठक और द ओस्टोमी सोसायटी की तीसरी वार्षिक बैठक का भी आयोजन किया गया। हमने 3 अप्रैल 2015 को निवासियों के लिए शव बहुअंग पुनर्प्राप्ति पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।

शिक्षा

विभाग सक्रिय रूप से स्नातक छात्रों के प्रशिक्षण में शामिल है। प्रबोधक व्याख्यान और एकीकृत सेमिनार के माध्यम से छठवें और आठवें सेमेस्टर के छात्रों को निम्न विषयों को सिखाया जाता था।

1) पोर्टल हाइपर टेंशन
2) सुप्त और घातक इसोफेजियल विकार
3) ऊपरी जठरांत्र रक्तस्राव
4) निचली जठरांत्र रक्तस्राव
5) तीव्र आंत्र रुकावट
6) आंत्र क्षयरोग
7) बड़ी और छोटी आंत्र की सूजन घाव
8) आंत्र और यकृत के अमीबा घाव
9) पेट का कैंसर
10) पित्त पथरी रोग और जटिलताएं
11) बाइलरी स्ट्रिक्चर्स
12) पित्ताशय का कैंसर
13) अवरोधक पीलिया
14) अग्न्याशय का कैंसर
15) एक्यूट पैनक्रिएटाइटिस
16) क्रोनिक पैनक्रिएटाइटिस
17) शल्य चिकित्सा के रोगियों में पोषण

विभाग द्वारा जठरांत्र शल्य चिकित्सा में एक एमसीएच पुरस्कार प्रदान करने के लिए 3 वर्षीय प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। यहां विभाग में 15 एमसीएच के छात्र हैं। विभाग की ओर से 1–3 माह की अवधि के लिए अल्पावधि अवलोकन की सुविधा भी प्रदान की जाती है। विभाग ने पिछले 2 वर्षों के लिए, हर वर्ष राष्ट्रीय अकादमी चिकित्सा विज्ञान, काठमांडू, नेपाल से एक एमसीएच छात्र के लिए 1 वर्ष की दीर्घकालीन अवधि प्रशिक्षण भी प्रदान किया था। साप्ताहिक शैक्षणिक गतिविधियों में हाल ही के साप्ताहिक लेखा, सार की प्रस्तुतियां, अनुसंधान और शोध प्रबंध परियोजनाओं पर प्रकाशित कागजात, एक संगोष्ठी, पत्रिका क्लब और चर्चा में शामिल हैं। इनके अलावा जठरांत्र विज्ञान और जीआई रेडियालॉजी का संयुक्त चक्र सम्मेलन सप्ताह में एक बार आयोजित किया जाता है तथा दो सप्ताह में एक बार एक जीई–जीआई सर्जरी हिस्टोपैथोलॉजी सम्मेलन का आयोजन किया जाता है।

विभाग द्वारा क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्याशालाएं/ संगोष्ठियां / राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

1. 1–4 अक्तूबर 2015 को ली मेरिडियन होटल, नई दिल्ली, भारत, मेडिकल जर्नल एडिटर्स के लिए वर्ल्ड एसोसिएशन ऑफ मेडिकल एडिटर्स (डब्ल्यूएएमई) इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस।
2. 31 जुलाई – 2 अगस्त 2015 को मानेकशॉ कंवेंशन सेंटर दिल्ली, इंडियन एसोसिएशन फॉर स्टडी ऑफ लीवर (आईएनएएसएल) – यकृत रोग में वर्तमान परिप्रेक्ष्य (सीपीएलडी) का 23 वें वार्षिक सम्मेलन का सर्जिकल रुधिर अनुभाग।
3. 25 नवंबर 2015 को डॉ. रामालिंगा स्वामी बोर्ड रूम, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली भारत में मृतक दाता अंग प्रत्यारोपण पर दूसरी राष्ट्रीय नीति गोलमेज।

4. 15 नवंबर 2015 को अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली में इंडियन ओस्टोमी सोसाइटी की सिल्वर जुबली बैठक और ओस्टोमी सोसाइटी की तीसरी वार्षिक बैठक।
5. 3 अप्रैल 2015 को शव बहु अंग पुनर्प्राप्ति पर कार्यशाला।

प्रदत्त व्याख्यान

पीयूष साहनी : 36 सुजॉय पाल : 7 निहार रंजन दाश : 7
राजेश पंवार : 2

मौखिक पत्र / पोस्टर : 7

अनुसंधान
वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. परिधीय उच्छेदन मार्जिन और मध्यम अवधि के उत्तरजीविता परिणाम पर विशेष ध्यान देने के साथ पैनक्रिएटिक कैंसर से पीड़ित रोगियों में पॉस्टिरीयर (एस एम ए – फर्स्ट) एप्रोच बनाम स्टैण्डर्ड पैनक्रिएटोकोड्यूडेनेक्टॉमी : एक भावी तुलना यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, सुजॉय पाल, एम्स, 4 वर्ष, 2012–16, ₹ 5,00,000.
2. वैकल्पिक जठरांत्र शल्य चिकित्सा में क्लोरहेक्सीडाइन एल्कोहल प्रेप बनाम सेवलॉन / बीटाडाइन प्रेप के साथ त्वचा तैयारी पर आरसीटी, पीयूष साहनी. एम्स, 4 वर्ष, 2012–16, ₹ 1,50,000.
3. इसोफेगस की आवश्यकता वाली सर्जरी के कोरोसिव स्ट्रिक्चर सहित रोगियों में इसोफेगल रिसेक्शन बनाम बायपास, एन. आर. दाश, एम्स, 4 वर्ष, 2012–2016, ₹1,50,000.
4. असंयमी (फेकल / यूरीनरी) के नॉन–इनवेसिव उपचार हेतु कम कीमत की डिवाइस का विकास, पीयूष साहनी, 4 वर्ष, डी एस टी, 2012–16, ₹21,60,000.
5. एक स्वदेशी किफायती नो–फ्रिल इंटरनल फीडिंग पंप का विकास, पीयूष साहनी, डी एस टी, 2 वर्ष, 2015–17, ₹23,85,000.
6. भारत में उच्छेदन कोलोरेक्टल कैंसर के आनुंशिक और आण्विक प्रोफाइल दस्तावेज के लिए एक प्रारंभिक अध्ययन, सुजॉय पाल, 2 वर्ष, 2015–17, ₹5,00,000.

विभागीय परियोजनाएं
जारी

1. कार्सिनोमा ओसियोफेगस से रोगियों में निम्न ओसियोफेगसटॉमी जीवन की लंबी अवधि गुणवत्ता का आकलन।
2. जठरांत्र सर्जरी के दौर से गुजर रहे रोगियों में जीवन की गुणवत्ता में और पश्चात जटिलता परिणामों में इंट्राऑपरेटिव घटनाओं के सहसंबंध।
3. जठरांत्र और हेपेटोबिलियरी प्रक्रियाओं के दौर से गुजर रहे रोगियों में व्यापक जटिलता सूचकांक (सीसीआई) की भावी मान्यता।

4. इसोफेगल रिसेक्शन के दौर से गुजर रहे रोगियों में सर्जरी (ईआरएएस) प्रोटोकॉल के बाद रिकवरी को बढ़ाने के व्यवहार्यता और कार्यान्वयन के परिणाम।
5. चूहों में तीव्र पैंक्रियाटाइटिस प्रयोगात्मक की तीव्रता पर कम वजन आण्विक हेपेरिन और अनफ्रैक्शनेटिड हेपरिन रोगनिरोधी का मूल्यांकन।
6. पैनक्रिएटिको डियोडैनेक्टोमी के दौर से गुजर रहे रोगियों में सर्जरी (ईआरएएस) कार्यक्रम के बाद रिकवरी बढ़ाने के बाद के परिणाम।
7. संक्षारक स्ट्रिक्चर्स इसोफेगस के लिए सर्जरी : जटिलताएं, मानसिक स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता (क्यूओएल) का आकलन।
8. ईएचपीवीओ वाले रोगियों में कलर डॉपलर के साथ सीटी पोर्टोग्राफी और अल्ट्रासोनोग्राफी की तुलना।
9. म्यूराइन प्रयोगात्मक एक्यूट पैंक्रियाटाइटिस की गंभीरता पर स्टेरॉयड और एंटी साइटोकाइन मोनोक्लोनल एंटीबॉडी का प्रभाव।
10. इसोफेगस के एससीसी के लिए नियोएडजुवेंट कीमोरेडियोथेरैपी बनाम डायरेक्ट सर्जरी की तुलना के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
11. विच्छेदन में अयोग्य / मेटास्टेटिक इसोफेगल कैंसर वाले रोगियों में अकेले एसईएमएस+कीमोरेडियोथेरैपी बनाम एसईएमएस+आरटी तुलना के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
12. डिले गैस्ट्रिक इम्प्टिइंग की घटना के संदर्भ में पॉलीरिक रिंग एक्सिसिंग बनाम क्लासिकल पैनक्रिएटोडुओडेनेक्टॉमी का एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।

पूर्ण

1. एक्स्ट्राहेपेटिक पोर्टल शिरापरक रुकावट वाले रोगियों में हाइपरस्प्लेनिज्म – स्प्लेनोमेगाली और पोर्टल उच्च रक्तचाप की गंभीरता और सर्जरी के बाद पाठ्यक्रम के साथ अपने सहसंबंध।

2. एक संभावित अवलोकन और संक्रमण के भार का मूल्यांकन करने के लिए अध्यन हस्तक्षेप और जीआई सर्जरी विभाग में एक एंटीबायोटिक नीति के कार्यान्वयन के प्रभाव।

3. शोथकारी आंत्र रोग (आईबीडी) के रोगियों में सर्जरी के दुर्बल परिणाम के लिए पूर्वानुमान जोखिम कारक जिनकी इलियल पाउच ऐनल एनोस्टोमोसिस (आईपीएए) की गई है।

4. ऑपरेशन के दौरान कम मात्रा में स्टीरॉइड देने का मूल्यांकन जो स्टीरॉइड से उपचारित शोथकारी आंत्र रोग के रोगियों को दी जाती है– एक भविष्य यादृच्छिक अध्ययन।

5. प्रोक्सिमल स्पेलनोरिनल शंट सर्जरी से गुजर रहे रोगियों में प्रोटोकॉल एक एनहांस्ड रिकवरी के बाद सर्जरी (ईआरएएस) के लाभों का मूल्यांकन।

6. बाइलरी हाइलम में मैलिग्नेंट रुकावट के साथ रोगियों के प्रबंधन में एक पक्षीय बनाम द्वि पक्षीय परक्यूटेनियस ट्रांस हैपेटिक बाइलरी ड्रेनेज की सुरक्षा और दक्षता : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

7. पी. जे. पुनर्निर्माण की 2 तकनीकों की तुलना का एक संभावित यादृच्छिक अध्ययन : वाहिनी से म्यूकोसा बनाम डंकिंग।

सहयोगी परियोजना

जारी

1. हेपेटोबिलियरी मेलिग्नेंसिस के साथ रोगियों में पोर्टल वेन इम्बोलाइजेशन की एक पर्यवेक्षणीय अध्ययन (रेडियोडायग्नोसिस)।

2. क्रोनिक पैंनक्रियाटाइटिस की शल्य चिकित्सा उपचार बनाम एंडोस्कोपिक – एक तुलनात्मक परिणाम (गैस्ट्रोइंटेरोलॉजी)।

पूर्ण

1. प्रतिरोधात्मक पीलिया के लिए पर्क्यूटेनियस ट्रांसेप्टिक बिलियरी ड्रेनेज : परिणाम और जीवन की गुणवत्ता का आकलन (रेडियोडायग्नोसिस)।

2. जैमसिटेबिन और ऑक्सेलीप्लेटिन बनाम जैमसिटेबिन और कैपेसिटेबिन द्वारा पीटीबीडी के बाद रुकावट वाले पीलिया /स्टेंटिंग (पीटीबीडी या ईआरसीपी) सहित ऑपरेशन के लिए अयोग्य कारसिनोमा गॉल ब्लेडर : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (मेडिकल ऑन्कोलॉजी)।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 18   सार : 5   पुस्तकों में अध्याय : 6   पुस्तकें : 3

रोगी उपचार

ओ पी डी

देखे गए नए रोगियों की कुल संख्या : 931   देखे गए पुराने रोगियों की कुल संख्या : 8882

विशिष्टता क्लिनिक

विभाग ने रोगियों के लिए नियमित स्टोमा क्लिनिक शुरू किया है।

विशेष प्रयोगशाला सुविधाएं

एनल मेनोमिट्री, इसोफेगियल मेनोमिट्री, 24 घण्टे एम्बुलेटरी इसोफेजियल पी एच निगरानी, इंडोट्रेनिंग प्रयोगशाला।

आंतरिक रोगी

कुल सर्जिकल प्रक्रियाएं : 616 ऐच्छिक : 429 आपातकालीन : 187

विशेष रुचि के क्षेत्र

बाइलरी ऑब्स्ट्रक्शन :	87	पोर्टल हाइपरटेंशन :	43
इसोफेजियल कैंसर :	32	कार्सिनोमा गॉल ब्लेडर :	27
अल्सरेटिव कोलाइटिस :	25	अपर जी आई हैमरेज :	10
लोअर जी आई हैमरेज :	12	तीव्र पैनक्रिएटाइटिस :	26
क्रोनिक पैनक्रिएटाइटिस :	12	बाइलरी स्ट्रिक्चर्स :	28
पैन्क्रिएटोड्यूडेनेक्टॉमी :	45	लीवर रिसेक्शंस :	27

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण उपलब्धियां

प्रोफेसर पीयूष साहनी, इंटरनेशनल कमेटी ऑफ मेडिकल जर्नल एडिटर्स (आई सी एम जे ई) के वर्ल्ड एसोसिएशन ऑफ मेडिकल एडिटर्स (डब्ल्यू ए एम ई) के प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त हैं। उन्होंने अध्यक्ष, सदस्य समिति, डब्ल्यूएएमई के लिए नियुक्त किया गया। उन्होंने 1–4 अक्तूबर 2015 को मेडिकल जर्नल एडिटर के लिए डब्ल्यूएएमई अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। उन्होंने डब्ल्यूएएमई से विशिष्ट सेवा पुरस्कार प्राप्त किया। वे दि नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ इंडिया और एसोसिएट एडिटर, जी. आई. सर्जरी एनुअल के संपादक हैं। वे राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड के विशिष्टता मंडल (सर्जिकल गेस्ट्रोइंटेरोलॉजी) के सदस्य भी हैं। वे इंडियन एसोसिएशन ऑफ सर्जिकल गैस्ट्रोइंटेरोलॉजी की कार्यकारी समिति के सदस्य एवं पूर्व सचिव और इंडियन एसोसिएशन ऑफ सर्जिकल गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी, शिक्षा समिति के सदस्य भी हैं। वे इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल जर्नल एडिटर्स के अध्यक्ष भी हैं।

डॉ. सुजॉय पाल, इंडियन एसोसिएशन ऑफ सर्जिकल गैस्ट्रोइंटेरोलॉजी के कार्यकारी समिति और कार्यक्रम समिति के सदस्य है। उन्होंने 31 जुलाई से 2 अगस्त 2015 तक मानेकशॉ कन्वेंशन सेंटर, दिल्ली में इंडियन एसोसिएशन फॉर स्टडी ऑफ लीवर (आईएनएएसएल)– सीपीएलडी के 23 वें वार्षिक सम्मेलन के लिए सर्जिकल पाठ्यक्रम समन्वयक सर्जिकल हेपेटोलॉजी अनुभाग का आयोजन किया। उन्होंने 25 नवंबर 2015 को भारत में डॉ. रामलिंगा स्वामी बोर्ड रूम, एम्स, नई दिल्ली में मृतक दाता अंग प्रत्यारोपण पर दूसरी गोलमेज राष्ट्रीय नीति बैठक का भी आयोजन किया।

डॉ. निहार रंजन दाश को भारतीय ऑस्टोमी सोसायटी के अध्यक्ष के रूप में छठवीं बार फिर से निर्वाचित किया गया। उन्होंने 15 नवंबर 2015 को द ऑस्टोमी सोसाइटी एम्स, नई दिल्ली, में द इंडियन ऑस्टोमी सोसाइटी की सिल्वर जुबली बैठक और तीसरी वार्षिक बैठक का आयोजन किया। उन्होंने 'हाउ टू लीव हैप्पीली विद द स्टोमा एण्ड इट्स एसेप्टेंस इन सोसाइटी' पर जनता में जागरूकता पैदा करने के लिए दिल्ली और एनसीआर में सार्वजनिक और कर्मचारियों के बारे में, अंतःक्रियात्मक सत्र और क्षेत्रीय दौरे का आयोजन किया। उन्होंने 17 नवंबर 2015 को 'वेब कमिटी बाय इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर डिजीज ऑफ इसोफेगस (आईएसडीई)' के लिए

आमंत्रित किया। इस वर्ष में इसोफेगल कैंसर में त्रैमासिक प्रगति पर आईएसडीई की वेबसाइट को अद्यतन करने में शामिल किया गया। वे जनवरी 2016 से 'भारत औषध नियंत्रक के विषय विशेषज्ञ थे। वह आईजीआईएमएस के संपादकीय बोर्ड, जर्नल के सदस्य थे। वह राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं (उष्णकटिबंधीय गैस्ट्रोइंटरोलॉजी, अग्न्याशय, यूरोपीय जर्नल ऑफ रेडियोलॉजी, नैदानिक कोशिका विज्ञान और पैथोलॉजी के वार्षिक वृतान्त) विभिन्न पत्रिकाओं के समीक्षक है; (सर्जरी में ऑनलाइन क्वेश्चन आंसर फॉर्म) एम्स भुवनेश्वर और प्रश्न इंडिया के लिए विषय विशेषज्ञ; 21 मार्च को हेल्थ भास्कर, दैनिक भास्कर न्यूजपेपर 'एसिडिटी से बचने के लिए जरूरी बातें' पर एक लेख लिखा था। पेज 3, 2016; अध्यक्षता संगोष्ठी, 1–3 अप्रैल 2016, गुड़गांव (दिल्ली एनसीआर); एचसीसी, तीसरा अंतरराष्ट्रीय यकृत संगोष्ठी (आईएलएस) के लिए प्रबंधन दिशा–निर्देश; अध्यक्ष, 1–4 अक्तूबर 2015 को पुणे में इंडियन एसोसिएशन ऑफ सर्जिकल गैस्ट्रोइंटेरोलॉजी (आईएएसजीसीओएन 2015), का सीएमई पॉटपुरी, 25 वां राष्ट्रीय सम्मेलन; संचालक, ओपरेटिव वर्कशॉप : लैप्रोस्कोपिक लीवर रिसेक्शन; आईएनएएसएल / सीपीएलडी, एम्स, नई दिल्ली, अगस्त 2015; संकाय, लैपेरोसर्ज 2015, कोयंबटूर, 14–16 मई 2015; संयोजक, सर्जिकल इमरजेंसी पर सीएमई – वैज्ञानिक दृष्टिकोण, ओडिशा फ्रैग्नेंस, जून 2015 को दिल्ली, डीओडीए द्वारा आयोजित।

9.15 जराचिकित्सा

आचार्य एवं अध्यक्ष

ए. बी. डे

सहायक आचार्य

प्रसून चटर्जी | अविनाश चक्रवर्ती | सोबिया निसार

विशिष्टताएं

जरा चिकित्सा विभाग द्वारा यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंस, दिल्ली और इंटरनेशनल नेटवर्क फॉर प्रीवेंशल ऑफ एल्डर एब्यूज के सहयोग से 27 – 29 नवम्बर 2015 को तीसरे इंटरनेशनल कॉग्रेस ऑफ जेरोंटोलॉजी एण्ड जेरियाट्रिक मेडिसिन का आयोजन किया गया। विभाग ने विश्व स्वास्थ्य संगठन, जिनेवा, डब्ल्यूएचओ भारत कार्यालय और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार (एमओएच एण्ड एफडब्ल्यू, जीओआई) की परियोजना, 'बी हेल्दी, बी मोबाइल'' से समर्थन सहित वृद्धावस्था देखभाल (मेजिंग परियोजना) में मोबाइल टेलीफोनी के अनुप्रयोग पर भी एक परियोजना आरंभ की है। इस परियोजना का आशय 'प्रधानमंत्री 75 +' के ''वृद्धावस्था देखभाल में मोबाइल टेलीफोनी'' के कार्यान्वयन का है, जो वृद्ध लोगों की स्वास्थ्य देखभाल के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम का प्रयास है। इस परियोजना के तहत 27 नवम्बर, 2015 को 'वृद्धावस्था देखभाल में मोबाइल टेलीफोनी के कार्यान्वयन पर स्कोपिंग कार्यशाला' और 29 नवम्बर 2016 को 'वृद्धावस्था देखभाल में मोबाइल टेलीफोनी के कार्यान्वयन पर तकनीकी कार्यशाला' का आयोजन कार्य योजना की शुरूआत के लिए किया गया। विभाग द्वारा एनपीएचसीई के प्रशिक्षण तथा अनुसंधान घटक को मजबूत बनाने के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण संस्थान को तकनीकी सहयोग भी प्रदान किया गया।

शिक्षा

विभाग द्वारा भारत में जरा चिकित्सा विभाग से सबसे बड़ा स्नातकोत्तर किया जाना जारी है। प्रत्येक सप्ताह अध्यापन के पांच सत्रों के साथ स्नातकोत्तर प्रशिक्षण पर एक प्रमुख फोकस किया गया है। विभाग ने एनपीएचसीई के तहत वर्ष के दौरान पांच आधे दिन के कार्यक्रमों में एम्स की 152 नर्सों को वृद्धावस्था देखभाल में प्रशिक्षण; राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संस्थान, नई दिल्ली से एकीकृत वृद्धावस्था देखभाल में स्नातकोत्तर डिप्लोमा के 22 छात्रों के लिए इंटर्नशिप प्रशिक्षण; इंस्टीट्यूट ऑफ होम इकोनॉमिक्स, नई दिल्ली के स्वास्थ्य और सामाजिक जरा विज्ञान में स्नातकोत्तर डिप्लोमा के छात्रों के लिए सिद्धांत और व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया; तथा जराचिकित्सा विज्ञान के बारे में स्नातक छात्र के संवेदीकरण की शुरुआत की।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

- बुजुर्ग के स्वास्थ्य की देखभाल के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम को मजबूत बनाने पर परामर्शदात्री की बैठक, 3–4 सितम्बर 2015, नई दिल्ली
- जरा विज्ञान और जराचिकित्सा की 10वीं अंतरराष्ट्रीय संघ – एशिया ओशिनिया महासम्मेलन में शीर्षक 'डिमेंशिया केयर विदआउट ड्रग : केयरग्रिवर ट्रेनिंग फॉर इम्प्रूविंग क्वालिटी ऑफ लाइफ एण्ड कम्फर्ट ऑफ ओल्ड पीपल विद डिमेंशिया', 'इ इवॉल्यूएशन ऑफ जेरियाट्रिक मेडिसिन एज

एन अकेडमिक डिसिप्लीन इन साउथ इस्ट एशिया रीजन', और 'द अनमेट नीड्स फॉर हेल्थ एण्ड केयर ऑफ ओल्डर पीपल इन एशिया : अर्ली फाइंडिंग्स फ्रॉम इजीकेयर प्रोजेक्ट इन फाइव एशियन सेंटर्स' पर संगोष्ठियां, 19–21 अक्तूबर 2015, चियांग माई, थाईलैंड

- संगोष्ठी शीर्षक 'पेलिएटिव केयर इन जेरियाट्रिक मेडिसिन', 'क्लिनिक जेरियाट्रिक्स', और 'कम्पेटेंसी वर्कशॉप : गेट एण्ड फॉल रिक्स एवेल्यूएशन फॉर हेल्थ केयर प्रेक्टिशनर' के साथ जरा विज्ञान और जरा चिकित्सा पर तीसरा अंतरराष्ट्रीय महासम्मेलन (आईआईआईआईसीजीजीएम 2015) और दुर्व्यवहार रोकथाम अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क सम्मेलन (आईएनपीईए) की प्रथम बैठक; 26–29 नवम्बर 2015, नई दिल्ली
- बुजुर्गों के स्वास्थ्य की देखभाल के प्रशिक्षण मॉड्यूल और इन लेखकों और समीक्षकों की पहचान की सामग्री को अंतिम रूप देने के लिए विशेषज्ञों और कोर समूह के सदस्यों की पूर्व तैयारी कार्यशाला, 23–24 फरवरी 2016, नई दिल्ली।

प्रदत्त व्याख्यान

ए. बी. डे : 2 प्रसून चटर्जी : 2

प्रस्तुत किए गए मौखिक पत्र / पोस्टर : 45
(7 प्रस्तुतियों को पुरस्कार प्राप्त)

अनुसंधान
वित्तपोषित परियोजनाएं
जारी

1. पुराने भारतीयों में मूत्र असंयम : जीवन की गुणवत्ता पर प्रबंधन कार्यनीति और प्रभाव का आकलन, ए बी डे, स्वेंस्का सेलुलोसा अकेटिबोलागेट, भारत, 1 वर्ष, 2015–2016, 4.5 लाख रुपए

2. प्रत्यक्ष स्पष्ट रूप से स्वस्थ बुजुर्ग विषयों में उम्र बढ़ने पर आयुष रसायन (ए और बी) के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए सहयोगी बहु केंद्रित चिकित्सीय परीक्षण. ए बी डे. केन्द्रीय अनुसंधान आयुर्वेदिक विज्ञान परिषद, 3 वर्ष, 2014–2017, 36.5 लाख रु.

3. वृद्ध लोगों के कल्याण के लिए एक वेब आधारित पोर्टल www.oldagesolutions.org. ए बी डे, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी, जीओआई), 3 वर्ष, 2014–2017, 33 लाख रुपए

4. मनोविकार देखभाल : नए गैर औषधीय हस्तक्षेप की उपयोगिता और कार्यान्वयन, ए बी डे, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, 2 वर्ष, 2014–2016, 7.5 लाख रुपए

5. बुढ़ापे की देखभाल में मोबाइल टेलीफोनी के आवेदन हेतु मूल संरचना के विकास के लिए 'एम एजिंग' परियोजना, ए बी डे, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, 1 वर्ष, 2016–2017, 8. 5 लाख रुपए
6. भारतीय अस्पताल स्थापित करने में भविष्यवाणी दोष : तीन संकेतकों की तुलना, प्रसून चटर्जी एम्स, 1 वर्ष, 2015–2016, 5 लाख रुपए

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. वृद्ध भारतीयों में ऑर्थोस्टेटिक हाइपोटेंशन का अध्ययन
2. भारत में वृद्ध लोगों में मानसिक स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता पर मधुमेह का प्रभाव और इसके निहितार्थ
3. वृद्ध वयस्कों में संज्ञानात्मक हानि के मूल्यांकन में टीएसपीओ उन्नत पीईटी स्कैन का अध्ययन
4. संज्ञानात्मक स्थिति पर हृदय संबंधी कारणों और इसके प्रभाव के लिए बेहोशी का मूल्यांकन
5. वृद्ध रोगियों में रुमेटी गठिया का अध्ययन
6. वृद्ध व्यक्तियों में वृद्धावस्था सिंड्रोम का पता लगाने में आसान देखभाल साधनों के अनुप्रयोग
7. बहुत वृद्ध जनसंख्या में हृदय की स्थिति का आकलन
8. बहुत वृद्ध जनसंख्या में गति और संतुलन का आकलन
9. पुराने वयस्कों में निचले एक्सिट्रिमिटी मांसपेशी कार्य के मात्रात्मक और गुणात्मक अध्ययन
10. पुराने रोगियों में दीर्घकालीन देखभाल की आवश्यकता के परिवार की देखभाल दाता की जरूरतों के आकलन
11. भारतीय तृतीयक देखभाल अस्पताल में वैकल्पिक ऑर्थोपेडिक प्रक्रिया के दौर से गुजरे पुराने रोगियों का अध्ययन
12. वृद्ध भारतीयों में कैंसर : व्यापक कार्यात्मक मूल्यांकन और एक नए प्रोटीन मार्कर के लिए एक उपकरण का विकास
13. उम्र बढ़ने के मार्कर के रूप में सीरम में नए इंट्रासेलुलर प्रोटीन का मूल्यांकन
14. बुढ़ापे में कंकाल की मांसपेशी पुनर्जनन का अध्ययन

पूर्ण

1. दिल का दौरा पड़ने वाले वृद्ध रोगियों की नैदानिक रूपरेखा
2. वृद्ध भारतीयों में हल्के संज्ञानात्मक हानि के नैदानिक और जैव रासायनिक रूपरेखा (एम सी आई)
3. बुजुर्ग रोगियों में सीओपीडी में हृदय की जटिलताएं
4. कैंसर वाले वृद्ध रोगियों के बीच उपशामक देखभाल की आवश्यकताओं का आकलन
5. वृद्ध भारतीयों में कमजोरी का पता लगाने के लिए एक नए नैदानिक प्रोटोकॉल और जैव रासायनिक उपकरणों का सत्यापन

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 5 सार : 17 पुस्तकें : 1

रोगी उपचार

विभाग ने प्रतिदिन ओपीडी सेवा और सप्ताह में एक बार दोपहर मेमोरी क्लिनिक की सेवा प्रदान की है। वर्ष के दौरान ओपीडी में 35835 (13199 नए और 22636 पुनः दौरा) लोगों को परामर्श प्रदान किए गए थे और मेमोरी क्लिनिक में 209 नए और 134 पुराने रोगियों को देखा गया है। विभाग ने दिवस देखभाल सेवा से 3610 रोगियों के लिए पुनर्वास सेवाएं प्रदान की हैं। वर्ष के दौरान वृद्धावस्था चिकित्सा वार्ड में 961 रोगी भर्ती किए गए।

सामुदायिक सेवा

विभाग ने भारत में बढ़ती उम्र के स्वास्थ्य, एक गैर लाभ परोपकारी संगठन के साथ सहयोग में निम्नलिखित समुदाय की पहल का आयोजन किया :

- वृद्ध व्यक्तियों और कैंसर के बारे में सामाजिक जागरूकता बढ़ाने के लिए 19 अप्रैल 2015 को कैंसर के बचे हुए बुजुर्गों के लिए (डब्ल्यूडब्ल्यूएससी 2015) वाकाथॉन और कार्यशाला; और
  - गांधी स्मृति, राजघाट में केंद्रीय गृह मंत्री श्री राजनाथ सिंह की उपस्थिति में 19.01.2016 को 'अखिल भारतीय युवा उत्पादन अभियान की भागीदारी के माध्यम से वृद्ध व्यक्तियों के बीच स्वास्थ्य जागरूकता उत्पादन' का शुभारंभ।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण कार्यक्रम

आचार्य ए. बी. डे ने भारतीय जराचिकित्सा अकादमी (30 अक्टूबर–1 नवंबर 2015, चंडीगढ़) के 13वें वार्षिक सम्मेलन में डॉ ए वेंकोबा राव का भाषण दिया। यह निम्नलिखित विशेषज्ञ समितियों के सदस्य थे : आसान देखभाल अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क की बैठक (20–21 अगस्त 2015, बिरमिंघम ब्रिटेन), दक्षिण–पूर्व एशिया के देशों में वृद्ध व्यक्तियों पर डब्ल्यूएचओ एसईआरएओ परामर्श की पूर्व बैठक (28 अक्तूबर 2015, जिनेवा, स्विट्जरलैंड), उम्र बढ़ने तथा स्वास्थ्य पर डब्ल्यूएचओ व्यापक नीति तथा कार्य योजना पर सार्वभौमिक परामर्श (29–30 अक्तूबर 2015, जिनेवा स्वीट्जरलैंड) डीएसटी के टीआईडीई कार्यक्रम की 12वीं पीएएमसी बैठक, भारत सरकार (19–20 नवंबर 2015, मुंबई), एलएएसआई सहयोगात्मक केंद्रों पर परामर्शी की बैठक (4 दिसंबर 2015, मुंबई) और लंबे समय तक और उपशामक देखभाल पर डब्ल्यूएचओ एसईएआरओ बैठक (17–18 मार्च 2016, नई दिल्ली)। उन्होंने इसमें राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत वरिष्ठ नागरिक लाभ पैकेज तैयार करने के लिए स्वास्थ एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के कार्य दल में कार्य किया।

डॉ प्रसून चटर्जी ने अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य पर्यटन महासम्मेलन में एक अतिथि व्याख्यान दिया (19 मार्च 2016, बैंगलोर)। उन्हें चिकित्सा अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण मैनुअल के विकास के लिए समन्वयक के रूप में भी नामांकित किया गया।

अतिथि वैज्ञानिक

1. डॉ निहारिका सूचक, सह–आचार्य, जराचिकित्सा विभाग, चिकित्सा, फ्लोरिडा स्टेट यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिसिन, फ्लोरिडा, यूएसए (16–29 नवम्बर 2015)

2. 17 दिसंबर 2015 को 'हार्मोनिज्ड डायग्नोस्टिक असेस्टमेंट ऑफ डिमेंशिया फॉर लॉन्गीट्यूडिनल एजिंग स्टडी ऑफ इंडिया' की एक एनआईएच वित्त पोषित परियोजना पर एक परामर्शी की बैठक में अमेरिका और भारत (हार्वर्ड स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ से प्रोफेसर डेविड ब्लूम; दक्षिणी कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय से प्रोफेसर जिनकूक ली, श्री अल्बर्ट बी वीरमन और प्रोफेसर एरिइ केप्टेयीन; यूनिवर्सिटी ऑफ मिशिगन से प्रोफेसर डेविड वेयर और प्रोफेसर केनेथ एम लांगा; रैंड कॉर्पोरेशन से प्रोफेसर पिइफेंग हू और कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी से डॉ जिम स्मिथ; अंतरराष्ट्रीय जनसंख्या विज्ञान संस्थान से प्रोफेसर पी अरोकियासामी और डॉ सारंग पेडगोंकार; राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और न्यूरो संस्थान से डॉ मैथ्यू वर्गीस; चिकित्सा विज्ञान संस्थान से डॉ आईएस गंभीर; डॉ एसएन मेडिकल कॉलेज से डॉ अरविंद जैन; शेरे–कश्मीर चिकित्सा विज्ञान संस्थान से डॉ परवैज कौल; मद्रास मेडिकल कॉलेज से डॉ जी शांति; ग्रांट मेडिकल कॉलेज और जे जे ग्रुप ऑफ हॉस्पीटल से डॉ ललित सांखे; गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज से डॉ त्रिबेनी शर्मा; और मेडिकल कॉलेज से डॉ के पी सेल्वाराज चेत्तियार) से वैज्ञानिकों के दल ने भाग लिया।

3. प्रोफेसर प्रदीप कुमार राय, निदेशक, ई–स्वास्थ्य पर डब्ल्यूएचओ कोलेब्रेशन सेंटर, यूनिवर्सिटी ऑफ न्यू साउथ वेल्स, सिडनी, ऑस्ट्रेलिया (28 मार्च 2016)

9.16 रुधिरविज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष
आर. सक्सेना

आचार्य

एच. पी. पति   एस. त्यागी   एम. महापात्रा

अपर आचार्य

तूलिका सेठ   प्रवास मिश्रा

वैज्ञानिक – 2
एस. सेजवाल

विशिष्टताएं

विभाग रुधिरविज्ञानी विकारों के निदान एवं उपचार हेतु रीयल टाइम पी सी आर/पी सी आर/फ्लोसाइटोमिट्री जैसी आधुनिक तकनीकों का प्रयोग करने में संलग्न था। यहां हीमोग्लोबिनोपैथिस के निदान के लिए अन्य तरीकों के साथ–साथ, हीमोग्लोबिन केशिका क्षेत्र इलेक्ट्रोफोरेसिस है। इसमें रुधिरविज्ञानी विकारों से पीड़ित रोगियों का नैमिक निदान एवं उपचार भी सम्मिलित था। विभाग द्वारा एप्लास्टिक एनिमिया, थैलासीमिया, ल्यूकीमिया तथा माइलोडिस्प्लास्टिक सिंड्रोम के लिए एलोजेनिक हीमेटोपोइएटिक स्टेम कोशिका प्रत्यारोपण का प्रदर्शन जारी है और इस वर्ष में 34 को पूरा किया गया है। विभाग ने हेप्लो–आइडेंटिकल ट्रांसप्लांट्स का भी प्रदर्शन किया।

प्रोफेसर रेणु सक्सेना और डॉ. तूलिका सेठ ने राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के साथ जुड़े हुए एक नई पहल और राष्ट्रीय कार्यक्रम, राष्ट्रीय थैलेसीमिया नियंत्रण कार्यक्रम बनाने के लिए योगदान दिया। डॉ. सेठ ने उत्तराखंड में राज्य स्तर पर कार्यक्रम में शामिल प्रशिक्षण डॉक्टरों और अन्य के लिए कार्यक्रम में और निर्माण भवन में आयोजित राज्यों के लिए राष्ट्रीय संवेदीकरण में भाग लिया।

शिक्षा

विभाग ने पीएच. डी के लिए नैदानिक रुधिर और रुधिर विकृति विज्ञान में डीएम पाठ्यक्रम संचालित करना जारी रखा गया और पी. एचडी के लिए छात्रों को लिया जाता है।

संकाय रुधिर विज्ञान तथा काय चिकित्सा में स्नातक पूर्व छात्रों और बाल चिकित्सा विभाग के छात्रों हेतु नैदानिक रोगी अध्ययनों की कक्षाएं लेना जारी रखा गया। उन्होंने विकृति विज्ञान में एम डी पाठ्यक्रम रुधिर विज्ञान छात्रों को प्रशिक्षण प्रदान करना भी जारी रखा। विभाग ने 1 से 6 माह के लिए अलग– अलग अवधि के लिए अन्य संस्थानों से नैदानिक और रुधिर प्रयोगशाला से 03 डॉक्टरों को क्षेत्र में प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस वर्ष के दौरान 3 एम. एससी छात्रों के लिए भी 1 से 6 महीने से अलग–अलग अवधि के लिए आण्विक रुधिर में अल्पकालिक प्रशिक्षण चलाया गया।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा /कार्यशाला/ संगोष्ठी/राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

प्रदत्त व्याख्यान

रेणु सक्सेना : 15 एच. पी. पति : 5 सीमा त्यागी : 5

एम. महापात्रा : 3 तूलिका सेठ : 23 प्रवास मिश्रा : 6

मौखिक पत्र / पोस्टर प्रस्तुति : 15

अनुसंधान
वित्तपोषित परियोजनाएं
जारी

1. एक्यूट माइलॉयड ल्यूकीमिया का आण्विक रूपरेखा, आर. सक्सेना, डी बी टी, 4 वर्ष, 2013–2016, 8 लाख रुपए।
2. सिकल सेल रोग के फीनोटाइप पर मॉड्यूलेटिंग कारकों की भूमिका, आर. सक्सेना, डी एस टी, 3 वर्ष, 2013–2016, 24. 32 लाख रुपए।
3. भारतीय और कनाडा की आबादियों में क्रॉनिक लिम्बोसाइटिक ल्यूकेमिया (सीएलएल) के नैदानिक और आणविक सुविधाओं की तुलना, आर. सक्सेना, इंडो शास्त्री अनुदान, 2 वर्ष, 2013–2016, 6 लाख रुपए।
4. पोस्ट थ्रोम्बोटिक सिंड्रोम में जोखिम कारक, प्रवास मिश्रा, एम्स, 5 वर्ष, 2014–2019, 5 लाख रुपए।
5. एप्लास्टिक एनीमिया और जटिल टेलोमिरेज, तूलिका सेठ, अ. भा. आ. सं., 2 वर्ष, 2013, 5 लाख रुपए।
6. डेंगू संक्रमण में थ्रोम्बोसाइटोपेनिया की पैथोफिजियोलॉजी, तूलिका सेठ, डीबीटी (क्षेत्रीय जैव प्रौद्योगिकी केंद्र) 2 वर्ष, 2014, 3.78 लाख रुपए।
7. एक्यूट माइलोइड ल्यूकेमिया के लिए कीमोथैरेपी से गुजर रहे रोगियों में आक्रामक कवक संक्रमण की घटनाएं – कवकरोधी रोगरोधन का प्रभाव। भारत में एक भावी, बहुकेंद्रीय, पर्यवेक्षणीय अध्ययन। तूलिका सेठ, एम ई आर सी के, सी एम सी वेल्लोर, 1 वर्ष, 2015, 20,000 रुपए।
8. अवरोधकों वाले गंभीर या मध्यम हीमोफीलिया रोगियों में वॉन विलब्रांड फैक्टर ध्यान केंद्रित युक्त इम्यून टोलरेंस इंडक्शन, फैक्टर 8, (आईटीआई), तूलिका सेठ, मैक्स–नीमन, 3 वर्ष, 2015, 1 लाख रुपए।

पूर्ण

1. सक्रिय प्रोटीन सी प्रतिरोध और एफवी कमी वाले भारतीय रोगियों में कारक वी के आण्विक विशेषता, आर सक्सेना. आई सी एम आर. 4 वर्ष. 2011–2014. लगभग 10 लाख रुपए।
2. एनीमिया वाले रोगियों की जांच के लिए हीमोग्लोबिन रंग स्ट्रिप की निदान सटीकता (एचसीएस), एक डिजिटल हीमोग्लोबिनोमीटर (ट्रू एचबी) और एक नॉन इनवेसिव डिवाइस (टच एचबी), आर सक्सेना. एमओएचएफडब्ल्यू. 9 माह, 2014–15, 22.44 लाख रुपए।
3. क्रोनिक माइलॉयड ल्यूकेमिया में नव औषधि, प्रवास मिश्रा, एनएटीसीओ, 3 वर्ष, 2012–2015, 6 लाख रुपए।
4. आईटीपी रोगियों के साइटोकाइन प्रोफाइल, तूलिका सेठ, सीएसआईआर, 2 वर्ष, 2013–2015, 5 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं
जारी

1. वंशानुगत गोलककोशिकता में फ्लो सायटोमेट्री और पारंपरिक विधि द्वारा एरिथ्रोसाइट ओसमोटिक कमजोरी की तुलना।
2. उच्च जोखिम गर्भावस्था क्लिनिक में एलएसी आमापन (एपीटीटी–एलए, केसीटी, डीपीटी और डीआरवीवीटी

(स्क्रीन)) की तुलना।

3. एएमएल में आईएचसी, सायटोकेमिस्ट्री और फ्लो सायटोमेट्री द्वारा मायलोप्रोक्सिडेस डिटेक्शन की तुलना।
4. क्रिस्टलाइन एम्फोटेरिसिन बी के प्रतिकूल प्रोफाइल।
5. बीएम विफल सिंड्रोम वंशानुगत अप्रासंगिक के लिए उपकरण के रूप में सकारात्मक पीएनएच क्लोन की उपयोगिता।
6. डीप वेन थ्रोम्बोसिस के लिए जोखिम कारकों के रूप में (पेरीफेरल ल्यूकोसाइट्स, एरिथ्रोसाइट्स और रेड सेल सूचकांक) हेमेटोलॉजिकल वेरिएबल्स की भूमिका का अध्ययन करना।
7. हीमोफिलिया रोगियों में अस्थि खनिज घनत्व का आकलन करना और बीएमडी और हीमोफिलिक आर्थोपैथी पर मांग प्रोफायलेक्सिस बनाम रिप्लेसमेंट थैरेपी का प्रभाव।
8. शिरापरक थ्रोम्बोएम्बाल्जिम से जुड़े हुए कैंसर के नैदानिक प्रोफाइल – एक पूर्वव्यापी अध्ययन।
9. सीएमएल–सीपी में नए निदान रोगियों में जल्दी आण्विक प्रतिक्रिया की घटना और प्रस्तुति पर नैदानिक मानकों के साथ संबंध।
10. फ्लो सायटोमेट्री द्वारा दाता ग्राफ्ट में टी आरईजी कोशिकाओं का पता लगाना और परिमाणन और स्टेम सेल प्रत्यारोपण के रोगियों में तीव्र जीवीएचडी के साथ अपने सह–संबंध।
11. मायलोडिसप्लास्टिक सिंड्रोम रोगियों में 5–मेथीलेसायटोसिन (5–एमसी) अभिव्यक्ति का मूल्यांकन और इसके पूर्वाभासी प्रभाव।
12. यकृत आईएनआर
13. प्रारंभिक टी पीएएलएल
14. सीएमएल में निलोटीनिब बनाम इमेटिनिब की तुलना।
15. एएलएल में हाइपरग्लाइसेमिया।
16. तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में निदान पर ट्रॉमेटिक लम्बर पंचर : परिणाम पर जोखिम कारक और प्रभाव।
17. पीएनएच के निदान में सीडी157 शामिल सिंगल ट्यूब पांच एंटीबॉडीज़ फ्लो सायटोमेट्रिक विधि का मूल्यांकन।
18. थैलेसीमिया में अस्थिर प्लाज्मा लोहा
19. गंभीर हीमोफिलिया ए में टेलर्ड प्रोफाइलैक्सिस : भारत में तृतीयक देखभाल अस्पताल में संभावित हस्तक्षेप अध्ययन।
20. टी कोशिका लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में फ्लो सायटोमेट्री द्वारा शीघ्र टी कोशिका प्रीकर्सर ल्यूकेमिया सबसेटों का पता लगाना और उनके फॉलोअप।
21. मायलोडिसप्लास्टिक सिंड्रोम रोगियों में 5–मेथिलसायटोसिन (5–एमसी) अभिव्यक्ति का मूल्यांकन और इसके पूर्वाभासी प्रभाव।
22. हीमोफिला में दीर्घ कार्य कारक प्रोफिलैक्सिस
23. हाइपरग्लायसेमिया : तीव्र लिम्फोब्लासटिक ल्यूकेमिया में उपचार परिणाम पर प्रभाव।
24. ट्रॉमेटिक लम्बर पंचर : तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में कारण और प्रभाव।
25. परंपरागत एम्फोटेरिसिन : परिणाम परिवर्तनीय
26. तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में फ्लो सायटोमेट्री द्वारा न्यूनतम अवशिष्ट रोग

पूर्ण

1 क्रोनिक माइलॉयड ल्यूकेमिया में इमैटिनिब बनाम निलोटिनिब वाले उपचार के शुरूआती तीन माह का तुलनात्मक प्रतिक्रिया मूल्यांकन करना।

2 पैरोक्सीमल नोकट्यूरनल हीमोग्लोबिन्युरिया (पीएनएच) निदान के लिए परीक्षण आधारित एरोलायसिन (एफएलएईआर) की उपयोगिता और जेल कार्ड के साथ इसकी तुलना और फ्लो सायटोमेट्रिक विधि।

3 फ्लो सायटोमेट्री द्वारा रेड सेल ओसमोटिक कमजोरी की तुलना और वंशानुगत गोलककोशिकता में पारंपरिक विधि।

4 पैरोक्सीमल निशाचर हीमोग्लोबिनुरिया क्लोन का पता लगाने में परीक्षण आधारित फ्लोरेसेंट की उपयोगिता और

अन्य सायटोमेट्रिक एंटीबॉडीज़ के साथ इसकी तुलना।

5 तीव्र माइलॉयड ल्यूकेमिया में इम्युनोहिस्टोकेमिस्ट्री, सायटोकेमिस्ट्री और फ्लो सायटोमेट्री द्वारा मायलोपेरोक्सिडेस का पता लगाने की तुलना।

6 उच्च जोखिम गर्भावस्था में चार विधियों द्वारा लुपस एंटीकॉगुलेंट आमापन का महत्व और तुलना।

7 ऐंथ्रासाइक्लिन थैरेपी लेने वाले रोगियों में हृदय रोग।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. डीप वेनस थ्रोम्बोसिस और श्रोणि कैंसर के लिए सर्जरी में प्रोफिलैक्सिस के रूप में डेलटेपैरिन की भूमिका (सर्जिकल ऑन्कोलॉजी)।
2. गंभीर मलेरिया में हिमेटोलोजिकल और कोएगुलेशन असामान्यताएं – एक संभावित अवलोकन अध्ययन। (कायचिकित्सा)।
3. डीएचएफ में गंभीरता के प्रदाहक भविष्यवक्ताओं का मूल्यांकन : एक संभावित मामला – नियंत्रण अध्ययन (कायचिकित्सा)।
4. गर्भवती महिलाओं के बीच इलाज के पालन के लिए और लोहे की स्थिति पर आयरन तथा फोलिक एसिड टेबलेट बनाम तैयार कैप्सूल का प्रभाव : एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण (सामुदायिक चिकित्सा)।
5. ओकुलर जीवीएचडी (नेत्र विज्ञान)
6. मैकुलर अपजनन के लिए ऑटोलोगस स्टेम सेल (नेत्र विज्ञान)
7. जीवीएचडी पोस्ट एल्लो – प्रत्यारोपण वाले एचएलए–जी और सह संबंध (प्रत्यारोपण इम्युनोलॉजी और इम्युनोजेनेटिक्स)
8. एप्लास्टिक एनीमिया और टी सेल सबसेट (प्रत्यारोपण इम्युनोलॉजी और इम्युनोजेनेटिक्स)

पूर्ण

1. मानव में एक्यूट नेक्रोटाइजिंग पैन्क्रियाटाइटिस के रोगजनन में अग्नाशय ऊतक छिड़काव और संवहनी परिवर्तन और उनके प्रदाहक मध्यस्थों का मूल्यांकन करना (गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी और मानव पोषण)।
2. प्रमुख जठरांत्र सर्जरी में डीप वेन थ्रोम्बोसिस (डीवीटी) की घटना : एक संभावित अवलोकन अध्ययन। (जीआई सर्जरी)।
3. स्प्लेनोमेगाली के साथ इसके सहसंबंध और पोर्टल हाइपरटेशन की गंभीरता – एक्स्ट्राहिपेटिक पोर्टल वेनस रुकावट वाले रोगियों में हाइपरस्प्लेनिज्म और सर्जरी के बाद का पाठ्यक्रम (जीआई सर्जरी)।
4. रक्त के हाइपरकोएगुलेबल का परीक्षण पोस्ट–ट्रॉमेटिक टेम्पोरोमैंडिबुलर जॉइंट एंकायलोसिस और हाइपोक्सिया के इन विट्रो प्रभावों और मेसेंकाइमल स्टेम सेल पर सक्रिय प्रोटीन सी के लिए एक जोखिम कारक है (दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र)।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 28 पुस्तकों में अध्याय : 8

रोगी देखभाल

आण्विक प्रयोगशाला

बीसीआर–एबीएल : 863पीएमएल आरएआरए : 53एनपीएम : 24एफएलटी : 34जेएके 2 : 289

कुल परीक्षण : 1263बायोप्सी प्रयोगशाला

अस्थि मज्जा बायोप्सी : 2463 रेटिकुलिन : 390

आईएचसी प्रयोगशाला : 246

हीमोग्राम प्रयोगशाला (204 ए)

हीमोग्राम वार्ड : 33183 ओपीडी : 12759 अस्थि मज्जा : 2565

कोएगुलेशन प्रयोगशाला

डीआईसी + एससी : 6000	प्लेटलेट जमा होना : 384	पीटी / आईएनआर : 1200
लुपस एंटीकोगुलेंट : 2500	एपीटीटी (एच) : 200	वीडब्ल्यूडी एजी : 250
फैक्टर आमापन : 300	जांच में कारक : 390	मात्रात्मक में कारक : 30
थक्का घुलनशीलता : 50	प्रोटीन सी : 200	प्रोटीन एस : 200
एपीसीआर : 200	एटी – ||| : 200	एस. होमोसिस्टीन : 500
बी2 जीपी : 2000	एमटीएचएफआर : 100	एफ वी लीडेन : 300
पी 2010 : 3		

हीमोलायटिक एनीमिया प्रयोगशाला

एचपीएलसी	: 1510	सिकलिंग टेस्ट	: 68	प्लाज्मा एचबी	: 21
जेल कार्ड से (डीसीटी/आईसीटी) से कुम्ब टेस्ट	: 305	यूरिन हीमोसिडेरिन	: 80	जी6पीडी स्क्रीनिंग	: 695
इंक्यूबेटिड ओसमोटिक फ्रेगिलिटी टेस्ट	: 360	एचबीएच इंक्लूशन टेस्ट	: 55	सीरम फेरिटिन	: 2010
जेल कार्ड सीडी 55 / सीडी 59 से पीएनएच	: 89	सीरम आयरन स्टडीज़	: 20	हैम्स टेस्ट	: 8
क्रायोग्लोबुलिंस	: 2	एलएपी स्कोर	: 310	सायटोकेमिस्ट्री	: 930

बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी)

हमारे पास हीमेटोपोएटिक स्टेम कोशिका प्रत्यारोपण, थ्रोम्बोसिस और रक्त स्राव विकारों के लिए और हेमेटो–ओंकोलॉजी के मामले में पोस्ट–थैरेपी के लिए फॉलोअप क्लिनिक लंबे समय और सप्ताह और विशेष क्लिनिक के तीन दिन तक ओपीडी है।

मामले	**वयस्क पुरुष**	**वयस्क महिला**	बाल **रोगी**	**कुल**
पुराने	8222	4240	8530	20992
नए	4450	1101	1952	7503
कुल योग				28495

दिवस उपचार

हमारे पास प्रक्रियाओं, आधान चिकित्सा और अल्प कीमोथैरेपी के लिए व्यस्त दैनिक दिवस उपचार सुविधा है।

प्रवेश	9256	पीआरबीसी	3505	अन्य रक्त उत्पाद	1152
कीमोथैरेपी	2967	आईटी	643	शिरावेध	169
बीएम बीएक्स और एस्पिरोन	1485				
कुल	9256				

अंतरंग रोगी

हम तीव्र ल्यूकेमिया, एप्लास्टिक एनीमिया और अन्य हेमेटोलॉजिक विकारों जैसे गंभीर हीमोफिलिया और आईटीपी के रोगियों के लिए आंतरिक रोगी उपचार प्रदान करते हैं। हम एक व्यस्त परामर्शी सेवा भी प्रदान करते हैं। हम हेमेटोलॉजिक और हेमेटो–ओंकोलॉजी रोगों के लिए हैपेलो प्रत्यारोपण सहित एलोजेनिक हेमेटोपोइटिक स्टेम सेल प्रत्यारोपण के लिए एक सफल प्रत्यारोपण कार्यक्रम चलाते हैं। पिछले वर्ष हमने 34 प्रत्यारोपणों का प्रदर्शन किया।

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण उपलब्धियां

प्रोफेसर रेणु सक्सेना एप्कॉन 2015 में 'क्रोनिक लिम्फोप्रोलिफेरेटिव डिसऑर्डर्स' पर संचालित रूधिर संगोष्ठी; इंस्पायर अध्येतावृत्ति, डीएसटी पर विशेषज्ञ समिति बैठक के सदस्य; स्वास्थ्य विज्ञान डीएसटी के लिए कार्यक्रम सलाहकार समिति के सदस्य; सदस्य, परियोजना समीक्षा समिति – आईसीएमआर; मानव आनुवंशिकी और जीनोम विश्लेषण पर कार्यबल के सदस्य – डीबीटी;

रुधिर और कैंसर विज्ञान, डीसीजीआई के लिए नए औषधि सलाहकार समिति के सदस्य; चिकित्सा उपकरण सलाहकार समिति, डीसीजीआई के सदस्य; हीमोफिलिक फेडरेशन ऑफ इंडिया के चिकित्सा सलाहकार; पीटी प्रदाता के लिए एनएबीएल (डीएसटी) प्रत्यायन समिति के विशेषज्ञ सदस्य; आचार समिति, आईसीएमआर कैंपस 2 के अध्यक्ष जारी है; आचार समिति, आईआईटी दिल्ली के सदस्य; रुधिर विज्ञान और रक्ताधान चिकित्सा – एम्स ईक्यूएपी कार्यक्रम के भारतीय सोसायटी के समन्वयक बने रहे हैं; नवंबर 2015 में कैपकॉन भिलाई में आयोजित आईएपीएम छत्तीसगढ़ अध्याय द्वारा व्याख्यान पुरस्कार प्राप्त किया;उत्तर–भारतीय आबादी में 'एंटीथ्रोम्बिन ।।। की कमी : थ्रोम्बोसिस के लिए एक जोखिम कारक को कम करके आंकने के लिए निगरानी पत्र?'' जिन्होंने 5–8 नवंबर, 2015 को बेंगलुरू में रुधिर विज्ञान और रक्ताधान के भारतीय समाज के 56वें वार्षिक सम्मेलन में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।

डॉ. सीमा त्यागी को रुधिर विज्ञान और रक्ताधान के भारतीय पत्रिका के सह संपादक के रूप में नियुक्त किया; विद्वानों की रिपोर्ट के लिए रुधिर अनुभाग के संपादक के रूप में नियुक्त किया, एक ओपन एक्सेस जर्नल।

डॉ. एम. महापात्रा रुधिर विज्ञान और रक्ताधान के भारतीय सोसाइटी (आईएसएचबीटी) के मानद सचिव थे और रॉयल कॉलेज फिजिशियंस – लंदन के अध्येता बने (एफआरसीपी)।

डॉ. तूलिका सेठ आचार समिति–एम्स मूलभूत–स्नातकोत्तर समिति के सदस्य थे; आचार समिति दिल्ली विश्वविद्यालय साउथ कैंपस के सदस्य; आचार समिति आईसीपीओ के सदस्य (आईसीएमआर संस्थान; आचार समिति आयुष के सदस्य।

9.17 अस्पताल प्रशासन

आचार्य एवं अध्यक्ष

सिद्धार्थ सतपति

चिकित्सा अधीक्षक, डॉ. रा. प्र. केंद्र

शक्ति कुमार गुप्ता

चिकित्सा अधीक्षक, मुख्य अस्पताल

डी. के. शर्मा

आचार्य

आई. बी. सिंह   संजय आर्य   आरती विज

सहायक आचार्य

निरूपम मदान   अमित लथवाल   अनूप डागा   महेश आर.
एंजेल राजन सिंह   विजयदीप सिद्धार्थ   परमेवर कुमार

शिक्षा

विभाग द्वारा आयुर्विज्ञानी स्नातकों के लिए स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम अर्थात एम. एच. ए. (अस्पताल प्रशासन में स्नातकोत्तर) कार्यक्रम चलाया जा रहा है जो भारत में पहली बार फरवरी 1966 में आरंभ किया गया था और अब यह विशिष्ट स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के रूप में स्वीकार किया गया है। अस्पताल प्रशासन में रेजीडेंसी कार्यक्रम ''हैंड्स ऑन ट्रेनिंग'' पर बल देता है, जहां रेजीडेंट प्रशासक अस्पताल के ''प्रशासकीय नियंत्रण कक्ष'' में रात–दिन 'ड्यूटी अधिकारी' के रूप में कार्य करता है और ड्यूटी समय के बाद सभी अस्पताल कार्यकलापों को समन्वित करता है। यह अस्पताल के मुख्य केन्द्र के रूप में कार्य करता है।

संकाय सदस्यों ने विभिन्न संगठनों, जिसमें केन्द्र, राज्य सरकारें, अर्धसैनिक बल और विभिन्न सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों जैसे कि आईआईसीएम, रांची तथा निजी क्षेत्र प्रबंधन संस्थानों सहित कार्यरत डॉक्टरों के लिए कई शिक्षण कार्यक्रम संचालित किए हैं।

अल्प और दीर्घावधि प्रशिक्षण : 5

1. शेर–ए–कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, श्रीनगर से तीन एम डी (अस्पताल प्रशासन) छात्र
2. बी. पी. कोइराला इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ साइंसेस, धरन, नेपाल से एक छात्र
3. आईआईएम, कलकता से एक एमबीए छात्र

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा
विभाग द्वारा आयोजित सम्मेलन, सेमिनार एवं कार्यशालाएं

1. हैदराबाद में 4–10 अक्तूबर 2015 को 12वें स्वास्थ्य देखभाल कार्यपालक प्रबंधन विकास कार्यक्रम (एचएक्सएमडीपी) का आयोजन।
2. एम्स, नई दिल्ली में 14–15 नवंबर 2015 को अस्पताल अपशिष्ट प्रबंधन और संक्रमण नियंत्रण पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (आईएसएचडब्ल्यूसीओएम – 2015) का आयोजन।

प्रदत्त व्याख्यान

डी. के. शर्मा : 2
सिद्धार्थ सतपति : 20
आई. बी. सिंह : 2
संजय आर्य : 5
आरती विज : 7
निरूपम मदान : 5
अनूप डागा : 13
महेश आर : 11
एंजेल राजन सिंह : 5
विजयदीप सिद्धार्थ : 4
पी. कुमार : 2

मौखिक पत्र / पोस्टर प्रस्तुतीकरण : 6

अनुसंधान

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. एम्स अस्पताल में नर्सों की व्यावसायिक गुणवत्ता और नर्सों में आक्रोश का अध्ययन।
2. परिचालन दक्षता के लिए लीन सिक्स सिग्मा सिद्धांतों को कार्यान्वित करने के लिए एम्स (मुख्य अस्पताल) में रेडियोडायग्नोसिस विभाग में सीटी स्कैनर का मौजूदा कार्यप्रवाह पैटर्न का अध्ययन करना।
3. दिल्ली में चुनिंदा अस्पतालों के बीच अस्पताल की सफाई के लिए राष्ट्रीय दिशा – निर्देशों के कार्यान्वयन का तुलनात्मक अध्ययन।
4. एएमसी / सीएमसी अवधि के दौरान चुनिंदा अस्पताल उपकरण के डाउनटाइम का अध्ययन।
5. मुख्य अस्पताल में ओटी के उपयोग का अध्ययन।
6ण एम्स में रोगी अनुभव में सुधार लाने के लिए चुनिंदा एनएबीएच मानकों के लिए अंतरंग में भर्ती कराए गए रोगियों के आकलन और देखभाल का अध्ययन करना।
7. चिकित्सा अधीक्षक कार्यालय (अस्पताल अनुभाग) की मौजूदा रिकॉर्ड प्रबंधन प्रणाली का अध्ययन।
8. अस्पताल सूचकांकों में सुधार लाने में हेल्थकेयर विश्लेषकों की भूमिका का अध्ययन करना।
9. रोगी सुरक्षा में सुधार लाने के लिए चयनित महत्वपूर्ण रोगी देखभाल क्षेत्रों में दवा त्रुटियों का अध्ययन करना।
10. एम्स में नए भर्ती व्यावसायिकों (डॉक्टरों और नर्सों) के बीच संगठनात्मक परिवेश का अध्ययन।
11. एम्स, नई दिल्ली में बिस्तर उपयोग का अध्ययन।
12. सुधार लाने के लिए कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) और इसके सहायकों और सुझावों के स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं की मौजूदा प्रणाली का अध्ययन।

पूर्ण

1. एम्स अस्पताल में कार्यस्थल हिंसा के जोखिम मूल्यांकन का अध्ययन।
2. अ. भा. आ. सं. में नई आपातकालीन स्थिति में भीड़भाड़ के लिए कारणों के रूप में रोगी के प्रवाह को प्रभावित करने वाले कारकों का अध्ययन करना।
3. जीआई सर्जरी विभाग में रोगी सुरक्षा के उपकरण के रूप में स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं के बीच संचार का अध्ययन करना।
4. अ. भा. आ. सं. मुख्य अस्पताल, निविदाओं में प्रतिस्पर्धा की सीमा तक चिकित्सा उपकरण की खरीद प्रथाओं का अध्ययन; और निविदा प्रक्रिया में भाग लेने का निर्धारण करने वाले कारक।
5. अ. भा. आ. सं. अस्पताल में वरिष्ठ नागरिकों की अंतरंग रोगी देखभाल की लागत का विश्लेषण।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. तृतीयक देखभाल शिक्षण संस्थान के एमबीबीएस छात्रों के बीच तनाव का मूल्यांकन, मनोरोग।
2. शिशुओं में अंतर्निरीक्षण : भारत में एकाधिक अस्पताल आधारित निगरानी, इनक्लेन ट्रस्ट।
3. भारत में सार्वजनिक क्षेत्र अस्पताल में एक अंतरंग रोगी वार्ड में नशीले पदार्थों के बीच रोगी के अनुभवों का अध्ययन, मनोरोग, एम्स, नई दिल्ली।
4. एम्स, भारतीय प्रबंधन संस्थान, लखनऊ में शल्य चिकित्सा मदों के लिए इन्वेंट्री प्रणाली की डिजाइन।
5. सीआरएचएसपी – एम्स, बल्लभगढ़, सीसीएम, एम्स, नई दिल्ली के वयस्क ग्रामीण आबादी के बीच अंग दान में ज्ञान और बाधाओं का अध्ययन।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 13 **सार : 1** **पुस्तकों में अध्याय : 2**

डॉ. डी. के. शर्मा ने रांची में कोल इंडिया के चिकित्सा अधीक्षक, जीडीएमओ के लिए अस्पताल प्रबंधन और प्रशासन पर विशेष कार्यक्रम में भाग लिया; स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (पीएमएसएसवाई प्रभाग), भारत सरकार द्वारा नामित जम्मू और कश्मीर में नए एम्स की स्थापना के लिए स्थल के निरीक्षण के लिए केंद्रीय दल के सदस्य के रूप में आमंत्रित किए गए थे; निदेशक, रांची इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूरो – साइकिएट्री एंड एलाइड साइंसेज (आरआईएनपीएएस) कांके, रांची के लिए पात्रता मानदंड के बारे में संबंधित विचार – विमर्श बैठक में भाग लिया; एनआईआरईएच, भोपाल में भोपाल पीड़ितों के विभिन्न पहलूओं पर गौर करने के लिए भारत के माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा गठित सलाहकार समिति की बैठक में भाग लिया। उन्हें हैदराबाद में अस्पताल प्रशासन विभाग द्वारा आमंत्रित संसाधन संकाय एचएक्सएमडी के रूप में आमंत्रित किया गया था और उन्होंने संजय गांधी पोस्ट ग्रेचुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, लखनऊ में अस्पताल प्रशासन (अभ्यास कार्य) में डिप्लोमा में परीक्षा का आयोजन किया।

आचार्य सिद्धार्थ सतपति इस वर्ष के दौरान ''सवर्ण शक्ति'' पुरस्कारों के लिए एनटीपीसी परियोजना अस्पतालों के आकलन के लिए तकनीकी विशेषज्ञ व्यक्ति थे, अस्पताल प्रशासन के संकाय और अन्य समूह ए पदों के चयन के लिए सलाहकार और विशेषज्ञ व्यक्ति के रूप में एम्स, भुवनेश्वर के विकास के लिए योगदान दिया, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में अस्पताल प्रशासन विभाग में संकाय पदों के चयन के लिए स्थायी चयन समिति की सहायता के लिए विशेषज्ञ व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किए गए थे, शाहिद हुसैन खान मेवाती, सरकारी चिकित्सा कॉलेज, मेवात के चिकित्सा अधीक्षक के विशेषज्ञ व्यक्ति के रूप में आमंत्रित थे; उन्होंने भवन समिति के सदस्य के रूप में राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान संस्थान के विकास के लिए योगदान दिया जो विस्तार योजनाओं और कार्यान्वयन की देखरेख करते हैं। प्रो. सतपति ने वैज्ञानिक और तकनीकी समिति और डब्ल्यूएएसईटी के संपादकीय समीक्षा बोर्ड के सदस्य के रूप में कार्य किया; जेएएचए और आईजेआरएफएचएचए के संपादकीय समिति के सदस्य के रूप में और भारत के राष्ट्रीय चिकित्सा पत्रिका के लिए समीक्षक रहे। वे 29 दिसंबर 2015 को एम्स में आयोजित वार्षिक भारत – यूएस वैश्विक स्वास्थ्य देखभाल समिति के दौरान सह–अध्यक्ष और जूरी के रूप में नामित थे।

आचार्य आई. बी. सिंह को एम्स में दिसंबर 2015 में आयोजित एमएचए अंतिम परीक्षा के लिए आंतरिक परीक्षक के रूप में, स्नातकोत्तर डिग्री परीक्षा के लिए बाह्य परीक्षक के रूप में व्यवहारिक नैदानिक के आयोजन के लिए 20–21 नवंबर 2015 में आयोजित की और नारायण चिकित्सा कॉलेज में अस्पताल प्रशासन (एमडी) के लिए मौखिक परीक्षा में विशेषज्ञ, डॉ. एनटीआर यूनिवर्सिटी ऑफ हॉस्पीटल, एपी विजयवाड़ा, एम्स, ऋषिकेश के अतिरिक्त प्रोफेसर अस्पताल प्रशासन के चयन के लिए संकाय चयन साक्षात्कार के लिए बाह्य विशेषज्ञ व्यक्ति के रूप में नियुक्त किया गया था और 1 सितंबर 2015 को साक्षात्कार का आयोजन किया। वे आरएफएचएचए (अनुसंधान संस्थापन स्वास्थ्य और अस्पताल प्रशासन) के कार्यकारी समिति के सामरिक बैठक के लिए मूलसंरचना और मानकीकरण, अनुरूपता आकलन और उत्पाद सुरक्षा तथा विशेष आमंत्रित सदस्य में सह – प्रचालन हेतु गुणवत्ता मूलसंरचना पर भारत – जर्मन कार्य समूह द्वारा चिकित्सा स्थानों में विद्युत सुरक्षा पर वर्कशॉप के लिए विशेष सदस्य के रूप में आमंत्रित किए गए थे। उन्होंने स्वास्थ्य और परिवार कल्याण और

अर्चिना, मूल्यांकन समिति के केंद्रीयकृत प्रायोजित योजना ''स्थापना जिला / संदर्भित अस्पताल सं. यू12012 / 901 / 2014 – एनई – ।।, भारत सरकार'' के तहत उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रस्तुत डीपीआरएस (विवरण परियोजना रिपोर्ट) के तकनीकी मूल्यांकन के लिए संख्या हेतु विशेष समिति में भाग लिया था और आईएसएचडब्ल्यूएमसीओएन में पर्यावरण प्रबंधन पर वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता की थी।

आचार्य संजय आर्या एमएचए व्यवहारिक परीक्षा के लिए एएफएमसी, पुणे में और पीजीआई चंडीगढ़ में एनबीई के लिए परीक्षक थे। उन्होंने राष्ट्रीय वित्तीय प्रबंधन संस्थान (एनआईएफएम) में आयोजित सार्वजनिक प्रापण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। वे एम्स भुवनेश्वर में संकाय के चयन के लिए और इंस्टीट्यूट ऑफ लिवर एंड बिलियरी साइंसेज में स्टाफ सहायक के लिए एक विशेषज्ञ थे। वे मैक्स सुपर स्पेशिलिटी अस्पताल, साकेत के लिए अंग प्रत्यारोपण (सचिव के नामित (एच एंड एफडब्ल्यू)) के लिए राज्य स्तर प्राधिकृत समिति के सदस्य के रूप में नामित थे।

आचार्य आरती विज बोर्ड ऑफ एचएलएल लाइफकेयर लि., गोवा एंटीबायोटिक एंड फार्मास्यूटिकल्स लि. (जीएपीएल), एचएलएल बायोटेक लिमिटेड (सभी भारत सरकार के उद्यम) पर निदेशक है और एनओटीटीओ के तहत प्रत्यारोपण समन्वयकों के पाठ्यक्रम पाठ्यचर्या को अंतिम रूप देने के लिए संचालत समिति के सदस्य है। उन्होंने राष्ट्रीय नेत्र बैंक के लिए उत्कृष्ट योगदान के लिए डॉ. रा. प्र. नेत्र रोग विज्ञान केंद्र से प्रशंसा प्रमाणपत्र प्राप्त किया।

डॉक्टर निरूपम मदान ''आईएसएचडब्ल्यूएमसीओएन 2015'' के लिए अयोजन सचिव थे। वे अस्पताल प्रशासन पर आईआईसीएम रांची, एसआईपीएआरडी, त्रिपुरा और एनटीपीसी, नोएडा सेवारत प्रशिक्षण कार्यक्रम में अतिथि संकाय हैं। वे अस्पताल और स्वास्थ्य देखभाल प्रशासन के लिए अनुसंधान फाउंडेशन की पत्रिका के संपादकीय बोर्ड के सदस्य भी हैं।

डॉक्टर अनूप डागा सह–संपादक, जर्नल ऑफ एकेडमी ऑफ हॉस्पीटल एडमिनिस्ट्रेशन तथा अस्पताल और स्वास्थ्य देखभाल प्रशासन के अनुसंधान फाउंडेशन की अंतरराष्ट्रीय पत्रिका के संपादकीय बोर्ड के सदस्य हैं।

डॉ. महेश आर. चिकित्सा उपकरण और अस्पताल योजना प्रभाग परिषद (एमएचडीसी), ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड के प्रधान सदस्य, पैक चेतावनी के विकास के लिए समिति, एमओएचएफडब्ल्यू, भारत सरकार (तम्बाकू नियंत्रण प्रभाग) में विशेषज्ञ, नैदानिक स्थापना, भारत सरकार, डीजीएचएस के लिए ''न्यूनतम मानक विकास'' हेतु सह समिति के सदस्य, कोल इंडिया लिमिटेड और इसकी सहायक कंपनियों में स्वास्थ्य सुविधा के अध्ययन के लिए समिति में विशेषज्ञ सदस्य हैं तथा उन्होंने सुधार लाने के लिए सुझाव दिया। वे कोल इंडिया लि. के चिकित्सा अधीक्षक, जीडीएमओ के लिए अस्पताल प्रबंधन और प्रशासन पर विशेष कार्यक्रम के लिए एनटीपीसी, नोएडा, आईआईसीएम रांची में अतिथि संकाय भी हैं। वे अस्पताल प्रशासन के अकादमी के लिए नोएडा में अतिथि संकाय भी हैं।

डॉ. विजयदीप सिद्धार्थ ने अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन्स ऑफ इंडियन ऑरिजिन (एएपीआई), यूएसए और एम्स, नई दिल्ली द्वारा आयोजित स्वास्थ्य देखभाल और अस्पताल प्रशासन की श्रेणी में वैश्विक स्वास्थ्य देखभाल शिखर सम्मेलन 2016 में अनुसंधान शोध पत्र प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता और त्रिपुरा के स्वास्थ्य देखभाल वितरण प्रणाली के अध्ययन के लिए विशेषज्ञ समिति के सदस्य हैं और उन्होंने स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत बनाने के लिए रोड मैप का विकास किया।

9.18 प्रयोगशाला चिकित्सा

आचार्य एवं अध्यक्ष
ए. के. मुखोपाध्याय

आचार्य
एम. इराद सरमन सिंह

अपर आचार्य
सुभद्रा शर्मा

सहायक आचार्य
सुदीप कुमार दत्ता श्याम प्रकाश गौरव छाबड़ा (अनुबंध)

वैज्ञानिक
श्रीमती वंदिता वासुदेव, एस –3

विशिष्टताएं

इस वर्ष के लिए विभाग की सबसे उल्लेखनीय उपलब्धि नैदानिक जैव रसायन और रुधिर प्रयोगशालाओं में सख्त गुणवत्ता आश्वासन के साथ रोगियों की जांच और इसके परिणामों के ऑनलाइन संरचण के लिए ऑनलाइन नियुक्ति एम्स के एलआईएस और एचआईएस के साथ इसका संबंध था। इसमें जांच के कुल समय में कमी आई है और काम का बोझ बढ़ने के साथ विभाग की क्षमता में वृद्धि की गई। देश भर में अनुकरण के लिए एम्स में स्थापित प्रयोगशाला चिकित्सा के विषय के मॉडल की अन्य उल्लेखनीय उपलब्धि चिकित्सा परिषद द्वारा इसे मान्यता देना रही है। हमारे विभाग का अनुकरण करते हुए बंगबंधु शेख मुजीब मेडिकल यूनिवर्सिटी ढाका, बांग्लादेश में 2015 में प्रयोगशाला चिकित्सा के अनुशासन की स्थापना की गई है और प्रयोगशाला चिकित्सा में एमडी (और डिप्लोमा के दो वर्ष के पाठ्यक्रम) के तीन वर्ष पाठ्यक्रम की शुरूआत की गई है। विभाग के संकाय कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मान और पुरस्कार लाना जारी रखा है। इसके अलावा, परिसंचारी ट्यूमर कोशिका और एचपीएलसी का पता लगाने के लिए कई उपकरण, नई जांचें शुरू करने के लिए प्रारंभिक आधार बनाया गया है और ये मानकीकरण की प्रक्रिया में हैं।

शिक्षा

एम्स के स्नातक (एमबीबीएस छात्रों) के प्रयोगशाला काय चिकित्सा के विषय के परिचय के लिए, एम्स के शैक्षणिक अनुभाग द्वारा 6वें सेमेस्टर के छात्रों के लिए एक व्याख्यान श्रृंखला पहली बार सृजित की गई थी और संकाय द्वारा व्याख्यान दिया गया था। सीएमईटी द्वारा नए नियुक्त किए गए प्रयोगशाला तकनीशियनों के लिए प्रयोगशाला काय चिकित्सा संकाय की सहायता से उन्मुखीकरण कक्षाएं आयोजित की गई। विभागीय संकाय प्रयोगशाला काय चिकित्सा, पैथोलॉजी और जैव रसायन विभागों से स्नातकोत्तर (एमडी छात्रों) के शिक्षण और प्रशिक्षण में और बी. एससी. नर्सिंग छात्रों के लिए व्याख्यान कक्षाएं लेने में शामिल थे। एम बायोटेक्नोलॉजी छात्रों के लिए पहली बार विभागीय संकाय को इम्यूनोलॉजी के व्याख्यान देने में शामिल किया गया था। फ्लेबोटोमिस्ट और तकनीकी अभिविन्यास प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए भी कक्षाओं को आरंभ किया गया था। सभी संकाय सदस्यों ने एम. डी. और पीएच. डी. थीसिस में संबंधित छात्रों को मार्गदर्शन प्रदान करना जारी रखा।

अल्प अवधि प्रशिक्षण :
डब्ल्यूएचओ अध्येता : 8 एमएससी प्रशिक्षु : 1 पीएचडी प्रशिक्षु (पीजीआई चंडीगढ़) : 1

आयोजित क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशाला / संगोष्ठी / सम्मेलन

1. आंत्र परजीवी रोगों के प्रयोगशाला निदान पर स्वयं कार्य की कार्यशाला : एम्स, नई दिल्ली में 10 दिसंबर 2015 को इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल माइक्रोबायोलॉजिस्ट दिल्ली चेप्टर (माइक्रो – डी – कॉन 2015) के तत्वावधान में।
2. हैदराबाद, भारत में 8 फरवरी, 2016 को फेडरेशन ऑफ एशियन बायोटेक के तत्वावधान में बायो एशिया ग्लोबल समिट के दौरान तीव्र निदान पर सीएमई।
3. ट्यूबरकुलोसिस निदान और प्रबंधन में चुनौतियों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी : एम्स, नई दिल्ली में 30 मार्च 2016 को विश्व तपेदिक दिवस के अवसर पर आयोजित।

प्रदत्त व्याख्यान

ए. के. मुखोपाध्याय : 7 सरमन सिंह : 16
सुदीप कुमार दत्ता : 5 श्याम प्रकाश : 4 गौरव छाबड़ा : 3

मौखिक पत्र / पोस्टर प्रस्तुति : 8

अनुसंधान
वित्त पोषित परियोजनाएं
जारी

1. अरुणाचल प्रदेश के औषधीय ऑर्किड : सूक्ष्म प्रजनन : पादप रसायन विशेषता और जैविक गतिविधि मूल्यांकन, सरमन सिंह, डीबीटी, 2013–16, 67.47 लाख रुपए।
2. किनेटोप्लास्टिड औषध विकास : पूर्व नैदानिक पाइपलाइन केआईएनडीआरईडी का सुदृढ़ीकरण, सरमन सिंह, यूरोपियन कमिशन, 2013–16, 2 करोड़ रुपए।
3. एडविया सेंटूर सिस्टम पर संक्रामक रोगों मार्करों के लिए बैच प्रभावकारिता परीक्षण, सरमन सिंह, सीमेंस लिमिटेड., 2015–17, 9.34 लाख रुपए।
4. भारत के उत्तर–पूर्वी क्षेत्रों से माइकोबैक्टीरियम क्षयरोग की आण्विक महामारी विज्ञान और दवा प्रतिरोध पैटर्न, सरमन सिंह, डीबीटी, 2014–17, 81.19 लाख रुपए।
5. त्वचा के तपेदिक का पता लगाने के लिए आसंजक सेंसर, सरमन सिंह, बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन, यूएसए, 2015–16, 31.80 लाख रुपए।
6. स्टैंडर्ड फीनोटाइपिक और आणविक विधियों के साथ एबॉट रियल टाइम एमटीबी आरआईएफ / आईएनएच प्रतिरोध के पक्ष दर पक्ष तुलना और मूल्यांकन, सरमन सिंह, एबॉट हेल्थ केयर प्रा. लि., 2015–16, 15.54 लाख रुपए।
7. क्रोनिक किडनी रोग के रोगियों में हिमोडायलिसिस से पहले और बाद में तथा गुर्दे प्रत्यारोपण के बाद ऑर्गनक्लोराइन कीटनाशकों स्तरों का मूल्यांकन : एक पायलट अध्ययन, सुदीप कुमार दत्ता, एम्स, आंतरिक अनुसंधान अनुदान, 2015–17, 6.4 लाख रुपए।
8. लूप मीडिएटेड आइसोथर्मल एम्प्लीफिकेशन (एलएएमपी) द्वारा एचसीवी आरएनए एम्पलीफिकेशन के लिए घरेलू आमापन के विकास के लिए एक सस्ती विधि, श्याम प्रकाश, डीबीटी, 2013–2016, 24.76 लाख रुपए।
9. हेपेटाइटिस बी वायरस डीएनए (एचबीवी डीएनए) और एचसीवी आरएनए क्वांटिटेशन के लिए माइक्रो पीसीआर का तीव्र नैदानिक मूल्यांकन, श्याम प्रकाश, बिग टेक बैंगलोर, 2013–2016, 15 लाख रुपए।
10. तीव्र घातक मस्तिष्क चोट वाले रोगियों में प्लेटलेप कार्य का आकलन, गौरव छाबड़ा, एम्स आंतरिक अनुदान, 2015–16, 3.5 लाख रुपए।

पूर्ण

1. पार्किन्सन रोग में माइटोकॉन्ड्रियल उत्परिवर्तन, माइटोकॉन्ड्रियल कार्य और ऑक्सीडेटिव तनाव का अध्ययन करना, ए

के मुखोपाध्याय, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, 3 वर्ष, 2011–14, 35.67 लाख रुपए।

2. एंटी–टी टी वी एंटी बॉडीज़ के लिए टोर्क टेनो वायरस (टी टी वी) एवं विकसित ई आई ए सिस्टम के एन–22 रीजन की क्लोनिंग एवं अभिव्यक्ति, एम इरशाद, सी. एस. आई. आर., 3 वर्ष, 2011–14, 19.92 लाख रुपए।
3. एनईआर के मध्य कैरियर वैज्ञानिक के लिए संक्रामक रोग निदान में हाल ही में तकनीक पर लघु अवधि प्रशिक्षण, सरमन सिंह, डीबीटी, 2013–15, 34.44 लाख रुपए।
4. एचआईवी सेरोपॉजिटिव रोगियों में एम. ट्यूबरकुलोसिस में आण्विक महामारी विज्ञान और आनुवंशिक लाक्षणीकरण, सरमन सिंह, आई. सी. एम. आर., 2012–2015, 19 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. पार्किंसन रोग में माइटोकोंड्रियल मेम्ब्रेन क्षमता।
2. अवसाद के रोगियों में जीन टीएनएफ–अल्फा (308 जी/ए), आईएल–1 बीटा (511 सी/टी) और आईएल–6 (174जी/सी) में बहुरूपता का अध्ययन : नैदानिक गंभीरता के साथ इनका सहयोग।
3. हिपेटाइटिस वायरसों हेतु मल्टीप्लेक्सिंग जांच।
4. गुर्दे की विफलता वाले रोगियों में टीटीवी की भूमिका।
5. भारतीय समुदायों में सीआरएफ पर महामारी वैज्ञानिक अध्ययन।
6. पॉली पेप्टाइड संबद्ध टीटीवी की क्लोनिंग, अनुक्रमण और अभिव्यक्ति।
7. भारतीय जनसंख्या में टीटीवी और एचसीवी की जीनोटाइपिंग।
8. टोक्सोप्लाज्मा गोंडी से अभिव्यक्ति क्लोनिंग और एक अत्यधिक प्रतिजनी पुनः संयोजक प्रतिजन की शोधन और अपने मूल्यांकन से मानव और पशु के टोक्सोप्लाज़्मोसिज़ का निदान करना।
9. माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के लिए नए एंटीजनों पॉलीक्लोनल मोनो और एंटीबॉडीज तैयार करना और उनके नैदानिक नमूनों में निदान का मूल्य।
10. भारत विशिष्ट पूर्व एक्सडीआर/एक्सडीआर–टीबी का तेजी से निदान करने के लिए नई आण्विक परीक्षण का विकास।
11. एचआईवी सीरो – नेगेटिव वयस्क और दस्त वाले बाल चिकित्सा रोगियों के मल नमूनों में माइक्रोपोरिडिया की व्यापकता को देखना।
12. सेरोपॉजिटिव बकरियों से परजीवियों जैसे लीशमैनिया या आइसोलेशन का लाक्षणीकरण।
13. भारत के विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों से 24 लोकस माइक्रोबैक्टीरियल इंटरस्प्रेस्ड दोहराए गए इकाई चर संख्या अग्रानुक्रम दोहराने टाइपिंग और स्पोलिगोटाइपिंग द्वारा माइकोबैक्टीरियम क्षयरोग की आण्विक महामारी विज्ञान। लेखन चरण में।
14. माइकोबैक्टीरियम क्षयरोग की तीव्र पता लगाने के लिए जांच लूप मीडिएटेड आइसोथर्मल एम्प्लीफिकेशन (एलएएमपी) का विकास और नैदानिक नमूनों से एनटीएम। लेखन चरण में।
15. पल्मोनरी और अतिरिक्त पल्मोनरी ट्यूबरकुलोसिस वाले रोगियों के मूत्र में एक्सपर्ट एमटीबी / आरआईएफ के निष्पादन का अध्ययन करना। 2015–2017.
16. क्रोनिक किडनी रोग (चरण 5डी) रोगियों में ऑर्गनोक्लोराइन कीटनाशकों के स्तरों पर गुर्दे प्रत्यारोपण के प्रभाव का आकलन करना।
17. टाइट जंक्शन (क्लुडिन्स) के विषम डाइमिथाइल अर्जिनाइन और आणविक अभिव्यक्ति और गैस्ट्रिक कैंसर में क्रमादेशित कोशिका मृत्यु लाइगेंड – 1 में अनियंत्रण।
18. इंफ्लेमेटरी बॉवेल रोग में थियोपुरिन और हिमेटोलॉजिकल सूचकांकों की निगरानी : प्रभावकारिता और परिणाम का एक आकलन।
19. गैर शल्य चिकित्सा एंडोडोंटिक उपचार करवा रहे रोगियों में सीरम विटामिन डी स्तर का आकलन करने के लिए क्रॉस अनुभागीय पैथफिंडर अध्ययन और पेरिएपिकल हीलिंग के साथ इसकी सहयोगी क्षमता का निरीक्षण।
20. सीलियाक रोग और अन्य एंटेरोपैथिस के साथ रोगियों में विलस असामान्यताओं के आकलन के लिए बायोमार्कर (एस)।
21. हरियाणा, उत्तर भारत में उप जिला अस्पताल में भाग लेने के लिए गर्भवती महिलाओं के बीच मध्यम एनीमिया के उपचार

में इंट्रावेनस आयरन सुक्रोज की प्रभावशीलता।

22. प्लेटलेट आधान की आवश्यकता के लिए आघात रोगियों में प्लेटलेट डिसफंक्शन का अध्ययन।

पूर्ण

1ए नैदानिक गंभीरता और उपचार की प्रतिक्रिया के साथ संबंध : प्रमुख अवसाद में परिधीय तनाव बायोमार्कर (एस100बी, 8 आइसोप्रोस्टेन और 8 हाइड्रोक्सी – 2 – डीऑक्सीग्वानोसिन) का अध्ययन।

2ए माइकोबैक्टीरियम में बहु औषधि प्रतिरोध में शामिल प्रोटीनों की पहचान, क्लोनिंग, शोधन और लाक्षणीकरण।

3ए एचआईवी के यौन संचरण और रोगजनन में मानव हर्पीज़ वायरस की भूमिका का अध्ययन करना।

4ए पेरासेल्युलर पारगम्यता और टाइट जंक्शन और सीलियाक रोग में रोगियों के परिवार के सदस्यों में उनके विनियमन के पैथोफिसियोलॉजी।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1ए पहली तिमाही ग्लूकोज स्क्रीनिंग और गर्भावस्था में गर्भावधि मधुमेह मेलिटियस के विकास के साथ सीरम इंसुलिन के स्तर के बीच संबंध।(एंडोक्राइनोलॉजी और चयापचय, एम्स)।

2ए भारतीय जनसंख्या में क्रोनिक रीनल फेलियर (सीआरएफ) पर एक मल्टीसेंट्रिक अध्ययन (नेफ्रोलॉजी, एम्स)।

3ए ब्रोन्कोएल्वियोलर लेवेज का उपयोग कर जीन एक्सपार्ट एमटीबी / आरआईएफ अमापन द्वारा पीडियाट्रिक पल्मोनरी ट्यूबरकुलोसिस और रिफैम्पिसिन प्रतिरोध का तेजी से निदान (डॉ. आरएमएल अस्पताल, नई दिल्ली)।

4ए पल्मोनरी ट्यूबरकुलोसिस के मामले में नैदानिक और रेडियोलॉजीकल निदान वाले गैस्ट्रिक एस्पिरेट में जीनएक्सपर्ट द्वारा माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस का तेजी से निदान। (डॉ आरएमएल अस्पताल, नई दिल्ली)।

5ए तपेदिक के लिए तेजी से और सटीक निदान परीक्षण का विकास और सत्यापन। (बायोटेक्नोलॉजी, एम्स)।

6ए भारतीय संदर्भ में रहने वाले गुर्दे एलोग्राफ्ट प्राप्तकर्ताओं में प्रारंभिक बनाम बाद के सीएमवी संक्रमण के जोखिक कारकों का आकलन, नैदानिक रूपरेखा और परिणाम। (नेफ्रोलॉजी, एम्स)।

7ए गुर्दे प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ताओं में पल्मोनरी संक्रमण : एक भावी कोहोर्ट पर्यवेक्षणीय अध्ययन। (नेफ्रोलॉजी, एम्स)।

8ए दिल्ली और एनसीआर क्षेत्र में आयरन और कैल्शियम मेटोबॉलिज्म पर नेतृत्व जोखिम की भूमिका का अध्ययन और ऑटोमोबाइल कार्यकर्ताओं में वीडीआर बहुरूपता के साथ इसका संबंध (जैव रसायन विभाग, एसजीटी यूनिवर्सिटी, गुड़गांव)।

9ए निकासी के मामलों में दांत के हिलाने की दर सहित मानव लार और मसूड़ों के सेरेविकुलर में एंजाइम गतिविधि रूपरेखा की तुलना करना : एक नैदानिक अध्ययन परिप्रेक्ष्य। (ऑर्थोडोंटिक्स और डेंटोफेशियल ऑर्थोपीडिक्स, आईडीएसटी डेंटल कॉलेज, मोदीनगर, उत्तर प्रदेश)।

10ए फ्लोरोपेरिमिडिन और इरियोटेकेन प्राप्त करने के लिए कैंसर रोगी में कीमोथेरेपी प्रेरित डायरिया पर प्रोबायोटिक वीएसएल#3@ की प्रभावकारिता जांच के लिए एक चरण ।। / ।।। यादृच्छिक, डबल ब्लाइंड प्लासेबो नियंत्रित अध्ययन (मेडिकल ऑन्कोलॉजी डॉ. बीआरए आईआरसीएच, एम्स)।

11ए टाइप – 1 डायबिटीज मेलिटस (टी1डीएम) के साथ व्यक्तियों में चयापचय नियंत्रण पर व्यवहार्य जीवन, लयोफिलाइज्ड लैक्टिक एसिड बैक्टीरिया के 8 उपभेदों के एक चिकित्सकीय सुरक्षित मिश्रण के वीएसएल#3 की तैयारी के लिए प्रोबायोटिक के मौखिक प्रशासन का प्रभाव; एक यादृच्छिक, डबल – ब्लाइंड, प्लोसेबो नियंत्रित परीक्षण। (एंडोक्राइनोलॉजी, एम्स)।

12ए उप जिला अस्पताल, जिला फरीदाबाद, हरियाणा में भाग लेने के लिए गंभीर एनीमिया के लिए उदार वाली गर्भवती महिलाओं के बीच हीमोग्लोबिन के स्तर में सुधार लाने के लिए इंट्रावेनस फेरिक कार्बोक्सी मेलटोस (एफसीएम) के प्रभाव का आकलन करने के लिए एकल आर्म खुले लेबल परीक्षण। (समुदायिक काय चिकित्सा, एम्स)।

पूर्ण

1. मनुष्यों में रक्त कोशिकाओं और रक्त के प्रवाह पर चुंबकीय क्षेत्र जोखिम के प्रभाव का अध्ययन। (बायोमेडिकल इंजीनियरिंग, एम्स)
2. शीघ्र निदान या अंग रोग और सेप्सिस के लिए मोनोसाइटिक्स के संभावित उत्पन्न के बाद आघात साइटोकाइन का आकलन। (लैब मेडिसिन, जेपीएनएटीसी, एम्स)

प्रकाशन

जर्नल : 24 सार : 3 पुस्तकों में अध्याय : 2

रोगी की देखभाल

केंद्रीकृत रक्त संग्रह सुविधा

I. फ्लेबोटॉमी

फ्लेबोटॉमी और प्राथमिक और भोजन के बाद नमूने की कुल संख्या 365788

II. की गई जांचें

रक्त स्राव का समय, क्लोटिंग का समय : 1660 प्रोथ्रोम्बिन समय : 2036

एरिथ्रोसाइट सेडिमेंटेशन दर : 45380 एपीटीटी : 696

III. रक्त नमूनों का वितरण

क) लैब मेडिसिन विभाग

क्लिनिकल रसायन : 156313 क्लिनिकल रुधिर विज्ञान : 146351

क्लिनिकल सूक्ष्म जीव विज्ञान 3359

ख) अन्य विभाग / केंद्रों की प्रयोगशालाएं

सीएनसी : 22440 ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन : 2943

सूक्ष्म जीव विज्ञान : 7534

टिप्पणी : कंप्यूटरीकरण के कारण दिखाए गए डेटा कंप्यूटरीकरण से योग के साथ–साथ मैनुअल रिकॉर्ड है।

आपातकालीन प्रयोगशाला सेवा (चौबीसों घंटे)

रुधिर विज्ञान अनुभाग

क्र.सं.	परीक्षण	कुल	क्र.सं.	परीक्षण	कुल
1.	एचबी	87353	2.	टीएलसी	87353
3.	पीएलटी	87353	4.	पीटी	60860
5.	टीटी	1107	6.	एपीटीटी	18299
7.	डी–डिमर	1835	8.	एमपी	–
9.	सीएसएफ सेल्स	15872	10.	पेशाब	2456
11.	रक्त सी/एस	–	12.	सीएसएफ सी	3180
				/एस	
13.	स्लाइड स्टेन	4390	14.	एच.डी. मल	–
15.	एमसीवी	87353	16.	एमसीएच	87353

17.	एमसीएचसी	87353	18.	पीसीवी	–
19.	आरबीसी	87353	20.	बी/सी	7724
21.	अन्य	–			
कुल		**727194**			

विशो जांचें :

क्र. सं.	**जांच**	**ओपीडी में की गई जांचों की संख्या**	**क्र. सं.**	**जांच का नाम**	**ओपीडी में की गई जांच की संख्या**
1	विटामिन बी12	1703	2	फोलिक एसिड	1095
3	फेरिटिन	857	4	सीईए	120
5	सीए 19.9	100	6	सीए 15.3	56
7	आईपीटीएच	131			

कुल जांचें : 4062

कमरा नं. 18 से सेवाएं

एडिनोसाइन डीएमिनेज जांच (ए डी ए)

बॉडी फ्लुइड : एससिटिक फ्लुइड, पेरिकार्डियल फ्लुइड, प्ल्यूरल फ्लुइड, पेरिटोनियल, सीएसएफ सिस्ट्स फ्लुइड, बॉडी ब्लड, बोन मैरो नमूने।

कुल : 1900

नैदानिक जैव रसायन आपातकालीन सेवाएं

जांच	**संख्या**	**जांच**	**संख्या**
ग्लूकोज :	14,059	यूरिया :	1,35,105
क्रिएटिनिन :	1,35,105		
इलेक्ट्रोलाइटिस			
सोडियम :	1,37,838	पोटेशियम :	1,37,838
आयनीकृत कैल्शियम :	1,37,838	क्लोराइड :	1,37,838
बिलीरूबिन :			
कुल	96,781	कंजुगेट :	205
एसजीओटी :	1,310	एसजीपीटी :	1,310
एएलपी :	1,310	टी. प्रोटीन :	1,310
एल्युमिनियम	1,310	एमाइलेस :	7,202
सीएसएफ प्रोटीन :	6,304	सीएसएफ ग्लूकोज :	6,304
इलेक्ट्रोलाइट्स के साथ एबीजी	10,345		
कुल	**9,77,312**		

रुधिर विज्ञान अनुभाग

क्र. सं.	परीक्षण	ओपीडी	वार्ड	क्र. सं.	परीक्षण	ओपीडी	वार्ड
1.	एचबी	116964	87515	2.	टीएलसी	116964	87515
3.	पीसीवी	116964	87515	4.	डीएलसी	116964	87515
5.	ईएसआर	159858	10493	6.	पी/एस मॉर्फोलॉजी	21091	24139
7.	प्लेटलेट	116964	87515	8.	रेटिक गणना	4497	380
9.	एब्स इयोस. गणना	116964	87515	10.	एएनसी	116964	87515
11.	एमपी	22796	–	12.	थिक स्मियर	15320	–
13.	एमसीवी	116964	87515	14.	एमसीएच	116964	87515
15.	एमसीएचसी	116964	87515	16.	आरबीसी	116964	87515
17.	आरडीडब्ल्यू	116964	87515	18.	एमपीवी	116964	87515
19.	पीटी	–	28058	20.	एपीटीटी	–	8362
21.	टीटी	–	3303	22.	डी–डिमर	–	3143
23.	अन्य (मीन स्टार्टअप और टटडाउन, आंाकन और अनुरक्षण मैनुअल परीक्षण, गुणवत्ता नियंत्रण नमूना, यूएचआईडी के बिना परीक्षण, परीक्षण अनुरोध पर)					261614	182335
कुल						**2005708**	**1397908**

महायोग : 34,03,616

* परीक्षण दोहराना, परीक्षण जांच, गुणवत्ता नियंत्रण नमूना, आंतरिक क्यूसी आदि।

टिप्पणी : एचबी, टीएलसी, पीसीवी, डीएलसी, प्लेटनेट, एमसीवी, एमसीएचसी, आरबीसी को एक ही समय में एकल जांच के रूप में मापा जाता है।

नैदानिक जैव रसायन नियमित सेवाएं

जांच	रक्त	यूरिन	तरल पदार्थ
शर्करा :	1,18,186	–	3,700
यूरिया :	3,39,455	1,254	–
क्रिएटिनिन :	3,39,455	18,718	–
कैल्शियम :	3,39,455	18,718	–
फॉस्फेट :	3,39,455	18,718	–
यूरिक एसिड :	3,12,025	13,205	–
सोडियम :	3,27,551	18,718	–
पोटेयिम :	3,27,551	18,718	–
एसजीओटी :	3,32,117	–	–
एसजीपीटी :	3,32,117	–	–
एल्केलाइन फॉस्फेट :	3,32,117	–	–
बिलिरुबिन			
i) कुल :	3,38,335	–	–
ii) कंजुगेट :	3,20,112	–	–
टी. प्रोटीन :	3,39,455	–	3,700
एल्युमिनियम :	3,39,455	–	3,700
कोलेस्टेरॉल :	65,409	–	–
एमाइलेज :	12,963	–	–

ए सी पी :	105	–	–
24 घंटे एल्युमिनियम :	–	22,388	–
कुल :	**48,55,323**	**1,30,437**	**11,100**
महायोग :	**49,96,860**		

नैदानिक जैव रसायन दुर्लभ जांचें

जांच	**संख्या**	**जांच**	**संख्या**
एचबीएसएजी :	100	आईजीएम एंटी एचबीसी :	100
एचबीईएजी :	25	एंटी एचसीवी :	200
आईजीएम एंटी एचईवी :	50	आईजीएम एंटी एचडीवी :	्ाून्य
आईजीएम एंटी एचएवी :	50	एचसीवी – आरएनए :	300
टीटीवी – डीएनए :	1000	सीके :	50
एलडीएच :	50	टीजी :	100
एलडीएलसी :	100	एचडीएलसी :	100
कुल :	**1,325**		

सूक्ष्म जीव विज्ञान अनुभाग
नियमित जांचें

1. मूत्र

जांचों का नाम	**ओ. पी. डी.**	**वार्ड**	**कुल**
चिकित्सा बोर्ड	0	1425	1425
नियमित	30094	31491	61585
माइक्रोस्कोपिक	30094	31491	61585
पीएच	30094	31491	61585
विशिट ग्रेविटी	30094	31491	61585
एसीटोन	30094	31491	61585
बाइल पिगमेंट / साल्ट	30094	31491	61585
यूरोबिलिनोजीन	30094	31491	61585
ब्लड	30094	31491	61585
बेन्स जोंस प्रोटीन	281	290	571
कायलुरिया	217	97	314
पोरफोबिलिनोजीन	64	60	124
मायोग्लोबिनुरिया	17	31	48
हीमोग्लोबिन	17	0	17
मूत्र संवर्धन	16033	0	16033
तनाव पहचान परीक्षण	14530	0	14530
एंटीबायोटिक संवेदनीलता	2820	0	2820
उप – योग	**2,74,731**	2,**53,831**	**5,28,562**

2. **मल जांच**

वेट माउंट सेलाइन	4512	2994	7506
वेट आयोडिन स्टाइन	4512	2994	7506
मल में मिलने वाला रक्त	1937	1336	3273
फैट ग्लोबुल्स	341	205	546
स्टूल जेड – एन स्टेन, मोडिफाइड जेड – एन स्टेन, ट्राइक्रोम और क्रोमोटोप के लिए विाे स्टेन	226	173	399
उप योग	**11,528**	**7,702**	**19,230**

3. **सीरम विलोण**

नियमित	4363	-	4363
प्रतिक्रियाओं की संख्या	4363	-	4363
गतिाीलता	4363	-	4363
संख्या	2984	-	2984
फ्रुक्टोज	1721	-	1721
मोर्फोलॉजी	2984	-	2984
उप – योग	**20,778**		**20,778**

4. **बलगम विलोण**

प्राप्त नमूनों की कुल संख्या	2958	147	**3105**
जेड एन स्टेनिंग (माइक्रोस्कोपी)	5916	294	**6210**
एमटीबी कल्चर	288	44	**332**
उप – योग	**9162**	**485**	**9,647**

5. **यूरिन एएफबी विलोण**

प्राप्त नमूनों की कुल संख्या	758	-	758
जेड एन स्टेनिंग (माइक्रोस्कोपी)	1516	-	1516
एमटीबी कल्चर	19	-	19
उप – योग	**2293**	-	**2293**

ख.विशेष जांचें

इम्यूनो– सीरोलॉजिकल और आणविक निदान जांच

6. **टॉर्च**

जांच *	**कुल**	**जांच** *	**कुल**
टोक्सोप्लाज्मा गोंडाई आईजीजी	984	टोक्सोप्लाज्मा गोंडाई आईजीएम	1013
रूबेला आईजीजी	977	रूबेला आईजीजी	861
साइटोमेगालो वायरस आईजीजी	1114	साइटोमेगालो वायरस आईजीजी	1201
हर्पेस सिम्प्लेक्स वायरस आईजीजी	355	हर्पेस सिम्प्लेक्स वायरस आईजीजी	238
हर्पेस सिम्प्लेक्स वायरस (1+2) आईजीएम	238	रूबेला आईजीजी एविडिटी	24
साइटोमेगालो वायरस आईजीजी एविडिटी	16		
उपयोग	**7021**		

(ये जांचें वर्ा के अधिकांा समय के लिए निलंबित रही हैं)

7. **वायरल मार्कर और एचआईवी**

एंटी एचएवी आईजीएम	776	एचबीएसएजी	18720
एंटी एचबीसीआईजीएम	127	एचबीईएजी	1057
एंटी एचबीई	95	एंटी एचबीएस	487
एंटी एचसीवी एंटीबॉडी	14162	एचईवी आईजीएम	168
एचआईवी (1+2) एलाइसा	12164		
उप – योग	**47,756**		

8. **अन्य**

मीजल्स आईजीजी	158	मम्प्स आईजीजी	114
वेरिसेल्ला आईजीजी	630	वेरिसेल्ला आईजीएम	570
ईबीवी आईजीजी	16	ईबीवी आईजीएम	10
उप – योग	**1498**		

9. **आण्विक जांचें**

लीशमानिया पीसीआर	11	टीबी पीसीआर	4926
सीएमवी (आरटीपीसीआर)	467	एचआईवी वायरल लोड (एनए एसबीए)	250
उप – योग	**5654**		

10. **लीमे निया सीरोलॉजी**

सीरोलॉजी	41
एल. डी. के लिए माइक्रोस्कोपी	11
रोगी नमूने से लीशमानिया कल्चर	11
लीशमानिया स्ट्रेन अनुरक्षण (इन विट्रो)	1440
हैमस्टर में लैब स्ट्रेन अनुरक्षण	24
उप – योग	**1527**

11. **बी.डी. इंफ्लूक्स सेल सॉर्टर (फ्लो सायटोमीटर)**

फ्लो सायटोमीटर आमापन	**689**

12. **टी बी प्रयोगााला**

नमूनों की प्राप्त कुल संख्या	2011

जेडएन स्ट्रेनिंग :	4889
एलजे मीडियम इनोकुलेटेड	4822
बीएसीटीईसी एमजीआईटी 960 इनोकुलेटेड	21
बीएसीटीईसी एमजीआईटी 960 :	4368
बैक्टेक एमजीआईटी डीएसटी 960 :	1237
बैक्टेक एमजीआई टीडीएसटी 960 : सेकेंड लाइन	430
कोलोरिमेट्रिक रेडोक्स इंडिकेटर जांच (सी आर आई)	990
ट्यूबरकुलिन स्किन जांच निपादन (पी पी डी)	13
टीबी कल्चर पुटि जांच स्ट्रिप्स द्वारा निपादित	454
लाइन प्रोब जांच (एचएआईएस एन जांच)	125
जीन एक्सपर्ट एमटीबी / आरआईएफ	1157
डीएनए अनुक्रमण	4
उप योग	**20,521**
महा योग	**6,65,176**

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां

आचार्य ए. के. मुखोपाध्याय 2014 बीबीवीए फाउंडेशन फ्रॉन्टियर्स ऑफ नॉलेज एवार्ड, स्पेन के लिए नामांकन परिषद के सदस्य और इंफॉसिस साइंस फाउंडेशन एवार्ड, 2014 के लिए नामांकन परिषद के सदस्य बन गए। सैन फ्रांसिस्को क्रॉनिकल ने चेतना (डॉ. दीपक चोपड़ा द्वारा लेखन) के लिए विज्ञान पर उनके कार्य के लिए उनके लगातार दो मुद्दों में लाया गया; महावीर वर्द्धमान मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली में संकाय चयन के लिए सदस्य, चयन समिति, इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी; मेडिकल और मेडिकल साइंस, मनोरोग अनुसंधान के अंतरराष्ट्रीय पत्रिका के लिए समीक्षक।

आचार्य एम. इरशाद इंडियन इंटरनेशनल फ्रेंडशिप सोसायटी (आईआईएफएस) द्वारा ''महात्मा गांधी एकता सम्मान'' से सम्मानित किया गया था और हिपेटाइटिस सी वायरस (एचसीवी) : ए रिव्यू ऑफ इम्यूनोलॉजिकल आस्पेक्ट्स पर वर्ल्ड जर्नल ऑफ गैस्ट्रोइंटेरोलॉजी के मुख्य संपादक का सम्मान दिया गया जो इंटरनेशनल रिव्यू ऑफ इम्यूनोलॉजी में प्रकाशित है, जिसे 40 से अधिक बार उद्धृत किया गया और यह दुनिया के सर्वोच्च एक प्रतिशत लेखों में से एक है। उनकी जीवनी कई प्रसिद्ध वैश्विक और भारतीय निर्देशिका में भारत के सर्वश्रेष्ठ नागरिकों की श्रेणी में प्रकाशित की गई थी।

आचार्य सरमन सिंह ने नवाचार अनुसंधान कार्य के लिए इंडुस फाउंडेशन (एक वैश्विक गैर –लाभकारी संगठन) से ''अनुसंधान उत्कृष्टता पुरस्कार'' प्राप्त किया; निर्वाचित अध्यक्ष, इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल माइक्रोबायोलॉजिस्ट (दिल्ली क्षेत्र) 2015–16; अध्यक्ष सोसायटी ऑफ इम्युनोलॉजी एंड इम्युनोपैथोलॉजी (2014–16) और अध्यक्ष, एसोसिएशन फॉर बैटर हैल्थ एंड सोसायटी (एबीएचएएस) के रूप में बने रहे; वर्ल्ड एड्स सम्मेलन 2016 के लिए सार समीक्षक; अध्यक्ष, पुरस्कार समिति, चिकित्सा विज्ञान पर सर्वश्रेष्ठ हिन्दी पुस्तक लेखन, आईसीएमआर; सदस्य, टास्क फोर्स ऑन ट्यूबरकुलोसिस, डीबीटी; अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति आबादी और ग्रामीण विकास के लिए टास्क फोर्स, डीबीटी; अंतरराष्ट्रीय मानकीकरण संगठन (आईएसओ), जिनेवा की वैश्विक तकनीकी समिति; भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), नई दिल्ली; सीपीसीएसईए (पर्यावरण मंत्रालय, भारत सरकार) द्वारा इंस्टीट्यूट ऑफ जीनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी (आईजीआईबी) के संस्थागत पशु एथिक्स समिति के लिए नामांकित; जामिया हमदर्द यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली; वीपी पटेल चेस्ट इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली और रोहतक यूनिवर्सिटी, रोहतक, हरियाणा; सदस्य, कंडेम्नेशन बोर्ड, आईसीएमआर; राज्यों में मॉडल रूरल हेल्थ रिसर्च यूनिट्स (एमआरएचआरयू) की स्थापना पर तकनीकी मूल्यांकन समिति; उपकरण क्रय समिति; आईसीएमआर; कोर समिति सदस्य,वैज्ञानिक बी से जी के लिए लचीली पारितोषिक योजना के तहत आईसीएमआर वैज्ञानिकों की पदोन्नति के लिए आकलन बोर्ड; पोस्ट–डॉक्टरल फैलोशिप पुरस्कार समिति, आईसीएमआर; सेवानिवृत्त आईसीएमआर वैज्ञानिकों और आईसीएमआर की प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और पेटेंट समिति के पुनः रोजगार के लिए विशेषज्ञ समिति, आईसीएमआर; जर्नल मेडिसिन (आईएफ : 5.7), वाल्टर्स क्लुवर (यूएसए) के चयनित शैक्षिक संपादक; प्रमुख संपादक, प्रयोगशाला चिकित्सकों की पत्रिका; संपादक, ट्यूबरकुलोसिस रिसर्च एंड ट्रीटमेंट; चिकित्सा विश्वविद्यालयों के मूल्यांकन में राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (एनएएसी) के सहकर्मी टीम के सदस्य के रूप में यूजीसी द्वारा चयनित; विकासशील देशों में द ओपन एड्स जर्नल, जर्नल ऑफ इंफेक्शन के संपादकीय और समीक्षा बोर्ड, नैदानिक चिकित्सा : त्वचा विज्ञान, लैंसेट, जामा, नैदानिक संक्रामक रोग, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, नैदानिक और प्रायोगिक प्रतिरक्षा विज्ञान, एफईएमएस प्रतिरक्षा विज्ञान, जर्नल ऑफ मेडिकल विरोलॉजी, जर्नल ऑफ मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी, जर्नल ऑफ इंफेक्शन, एड्स केयर एंड बिहेवियर, चिकित्सा अनुसंधान का अभिलेखागार, नैदानिक अभ्यास में संक्रामक रोग; इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंटीग्रेटिव बायोलॉजी, जर्नल ऑफ पैरासिटोलॉजी, चिकित्सा विज्ञान निगरानी, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ जेनेटिक्स एंड मॉलीकुलर बायोलॉजी, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मेडिसिन एंड मेडिकल साइंसेज; इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंटीग्रेटिव बायोलॉजी; मॉलीकुलर मेडिसिन में विशेषज्ञ समीक्षक; बायोमेड सेंट्रल – संक्रामक रोग, ट्रॉपिकल मेडिसिन एंड हेल्थ; साक्ष्य आधारित पूरक और वैकल्पिक चिकित्सा; आण्विक और कोशिकीय जैव रसायन (एमसीबीआई); कैंडिनेवियन जर्नल ऑफ क्लिनिकल एंड लैबोरेटरी इंवेस्टीगेशन; ट्रॉपिकल मेडिसिन एंड इंटरनेशनल हेल्थ; पीएलओएस नेगलेक्टेड ट्रॉपिकल डिजीज; एनाल्स ऑफ क्लिनिकल माइक्रोबायोलॉजी एंड एंटीमाइक्रोबिल्स; इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी; करंट साइंस; जर्नल ऑफ पैरासिटिक डिजीज; जर्नल ऑफ लेबोरेटरी मेडिसिन; न्यूरोलॉजी इंडिया; जर्नल ऑफ पोस्टग्रेजुएट मेडिसिन; इंडियन जर्नल ऑफ गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी; इंडियन जर्नल ऑफ लेप्रोसी; इंडियन जर्नल ऑफ

मेडिकल रिसर्च; इंडियन जर्नल ऑफ एक्सपेरिमेंटल बायोलॉजी; इंडियन जर्नल ऑफ पीडियट्रिक्स; इंडियन जर्नल ऑफ फिजियोलॉजी; इंडियन जर्नल ऑफ वेक्टर बोर्न डिजीज; लंग इंडिया; ट्रॉपिकल पैरासिटोलॉजी; वर्ल्ड जर्नल ऑफ हिपेटोलॉजी; श्री अमिताभ बच्चन के साथ क्षय रोग पर एक बैठक में कार्यकर्ताओं के एक समूह का चयन करने के लिए यूएसए के राजदूत द्वारा आमंत्रित; इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी के तत्वावधान के तहत परजीवी रोगों और क्षय रोग पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी पर स्वयं कार्य करने की प्रशिक्षण कार्यशाला पर एक राष्ट्रीय स्तर का आयोजन।

डॉ. सुदीप कुमार दत्ता को प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग से एम्स परिवर्तन परियोजना के लिए नोडल सदस्य के रूप में और प्रयोगशाला चिकित्सकों की पत्रिका के लिए सहायक संपादक के रूप में भारतीय मानक ब्यूरो में चिकित्सा प्रयोगशाला उपकरण अनुभागीय समिति, एमएचडी – 10 के लिए वैकल्पिक सदस्य के रूप में नामित किया गया था।

डॉ. श्याम प्रकाश डीएसटी के एसईआरसी प्रभाग और आईसीएमआर के पोषण प्रभाग प्रभाग की परियोजना समीक्षा समिति के सदस्य हैं।

अतिथि वैज्ञानिक

प्रोफेसर जवाहर (जय) कालड़ा ने सस्केचेवान के रॉयल विश्वविद्यालय अस्पताल विश्वविद्यालय का दौरा किया और उप निदेशक (ए) की उपस्थिति में प्रयोगशाला काय चिकित्सा के रेंजीडेट्स, संकाय और प्रयोगशाला प्रबंधन और त्रुटि प्रकटीकरण पर चिकित्सा अधीक्षक के लिए व्याख्यान दिया।

9.19 काय चिकित्सा

आचार्य एवं अध्यक्ष
सुरेंद्र. के. शर्मा

आचार्य
रीता सूद
नवीत विग
आशुतोष बिस्वास
संजीव सिन्हा

अपर आचार्य
नवल किशोर विक्रम

सहायक आचार्य
मनीष सोनेजा
पीयूष रंजन
नीरज निश्चल
पंकज जोरवाल
अरविंद कुमार
रणवीर सिंह जाडोन
प्रयास सेठी (संविदा)
अनिमेश राय (संविदा)

विशिष्टताएं

विभाग संस्थान को प्रदान की जाने वाली सेवाओं का अविभाज्य भाग रहा है। नैत्यिक सेवाओं के अतिरिक्त संक्रामक रोगों, वक्ष चिकित्सा, मेटाबोलिक सिंड्रोम, उच्च रक्तचाप, नींद के विकारों के क्षेत्र में इसका महत्वपूर्ण स्थान है।. वेंटीलेटर से बाहर आने के लिए नावा के अनुप्रयोग सहित क्रिटिकल केयर मेडिसिन के सभी पहलुओं में भी इस विभाग की दीर्घावधिक रुचि रही है। इस विभाग ने एंडो – ब्रोंकियल अल्ट्रा सोनोग्राफी करना शुरू किया है और अपने रेजीडेंट्स को प्रशिक्षण देने के इच्छुक है। इस विभाग को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा एक्स्ट्रा पल्मोनरी–टीबी (ईपीटीबी) के लिए उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) का दर्जा दिया गया है। इस विभाग को ईपीटीबी के प्रबंधन हेतु राष्ट्रीय दिशा निर्देश बनाने का कार्य सौंपा गया है। इसे तपेदिक में अनुसंधान और प्रशिक्षण के लिए डब्ल्यूएचओ – सहयोगी केंद्र (डब्ल्यूएचओ – सीसी) के रूप में भी नामित किया गया है। यह केंद्र अनुसंधान सहयोग हेतु ईपीटीबी मॉड्यूलर प्रशिक्षण प्रदान करेगा और राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय अनुरोधों के लिए विशेषज्ञ परामर्श देगा। यह विभाग जनजातियों के स्वास्थ्य को प्रोत्साहन देता है और स्वास्थ्य देखरेख सेवाएं प्रदान करने में एक सहभागी के रूप में कार्य रहा है तथा हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति में आईसीएमआर क्षेत्रीय केंद्र में अनुसंधान करता है।

शिक्षा

विभाग द्वारा व्यापक स्नातक पूर्व और स्नातकोत्तर अध्यापन कार्यक्रम चलाया जाता है, जिसमें समेकित व्याख्यान, संगोष्ठियां, शय्यागत नैदानिक मामलों पर चर्चा और जर्नल क्लब शामिल हैं। विभाग ने पीएचडी कार्यक्रम अच्छे से स्थापित किया है। इस वर्ष विभाग में यूएसए, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और संयुक्त अरब अमीरात से नौ छात्रों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। विभाग ने 2016 से संक्रामक रोगों (भारत में पहली बार) में डीएम पाठ्यक्रम भी शुरू किया।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

1. सार्वजनिक व्याख्यान, 'ट्यूबरकुलोसिस और इसके विभिन्न पक्ष', एम्स, नई दिल्ली, 1 अप्रैल 2015.
2. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में 14–18 जुलाई, 2015 को ''एक्स्ट्रा पल्मोनरी टीबी (इंडेक्स टीबी) दिशानिर्देश'' पर विशेषज्ञ समूह की अद्यतन बैठक।
3. कार्यशाला : 19 अगस्त 2015 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में एक प्रभावी प्रतिक्रिया देना (आधे दिन की)।
4. 'डेंगू बुखार : रोकथाम, नियंत्रण और प्रबंधन में चुनौती' पर सीएमई, 12 सितंबर 2015, एम्स, नई दिल्ली।
5. दूसरी क्षेत्रीय बैठक, उत्तरी क्षेत्र हेतु आंतरिक चिकित्सा के शीर्ष। 13 सितंबर 2015 को डिपार्टमेंट ऑफ मेडिसिन एण्ड चेस्ट रिसर्च फाउंडेशन, पुणे और एम्स, नई दिल्ली द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित की गई।
6. 19 सितंबर 2015, एम्स, नई दिल्ली 'इंहेलेशन उपकरणों', पर वैज्ञानिक बैठक कार्यक्रम।
7. सार्वजनिक व्याख्यान, 'डेंगू बुखार', 24 सितंबर 2015, एम्स, नई दिल्ली।
8. कार्यशाला : विकासशील योग्यता आधारित पाठ्यक्रम (पूरा दिन), 12 अक्तूबर 2015, एम्स, नई दिल्ली।
9. नैदानिक बेडसाइड अध्यापन (आधे दिन), 18 नवंबर 2015, एमएएमसी, नई दिल्ली।
10. कार्यशाला : प्रशिक्षण के दौरान प्रभावी प्रतिक्रिया उपलब्ध कराना (आधे दिन), 27 नवंबर 2015, ढाका, बंगलादेश।
11. जिका वायरल रोग पर विशेष व्याख्यान, 13 फरवरी 2016, एम्स, नई दिल्ली।
12. कार्यशाला : चिकित्सा और स्वास्थ्य व्यवसाय शिक्षा के क्षेत्र में आधारभूत कोर्स (तीन दिन), 30 मार्च 2016 – 1 अप्रैल 2016, सीएमईटी, एम्स, नई दिल्ली।

प्रदत्त व्याख्यान

एस. के. शर्मा : 5
रीता सूद : 9
आशुतोष बिस्वास : 6
संजीव सिन्हा : 2
नवल के. विक्रम : 2
मनीष सोनेजा : 4
पीयूष रंजन : 2
नीरज निश्चल : 2
पंकज जोरवाल : 1
रणवीर सिंह जाडोन : 1

मौखिक पत्र / पोस्टर प्रस्तुतीकरण : 5

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. एचआईवी संक्रमित व्यक्तियों में सक्रिय तपेदिक और निमोनिया के विकास पर विटामिन डी पूरकता के प्रभाव को निर्धारित करने के लिए (आर.सी.टी.) एक संभावित डबल–ब्लाइंड, यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। डॉ. एस. के. शर्मा, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, 3 वर्ष, 2013–2016, 22.46 लाख रुपए।
2. फुफ्फुसीय तपेदिक वाले स्मीमर–पॉजिटिव रोगियों में परिणामों पर गहन धूम्रपान समाप्ति के हस्तक्षेप बनाम उपयुक्त, बुनियादी धूम्रपान समाप्ति सलाह के एक पैकेज का प्रभाव; एक खुला–लेबल यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। डॉ. एस. के. शर्मा, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, 3 वर्ष, 2013–2016, 24 लाख रुपए।

3. ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया वाले रोगियों में मूत्र प्रोटियोम विश्लेषण, डॉ. एस के शर्मा, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, 3 वर्ष, 2013– 2016, 47 लाख रुपए।
4. लाइपोडिस्ट्रोफी से संबंधित एच आई वी के उपचार में प्लेसबो बनाम सेरोग्लिटाजोर 4 एमजी की सुरक्षा एवं दक्षता के मूल्यांकन हेतु एक भावी बहु केन्द्रीय डबल–ब्लाइंड यादृच्छिक अध्ययन। डॉ. एस. के . शर्मा, कैडिला फार्मास्युटिकल्स लि., 1 वर्ष, 2015 – 2016, 11.44 लाख रुपए।
5. डीएचएफ में गंभीरता के इंफ्लेमेटरी प्रीडिक्टर्स का मूल्यांकन : एक संभावित अवलोकन मामला – नियंत्रण अध्ययन। डॉ. आशुतोष बिस्वास, आई. सी. एम. आर., 3 वर्ष, 2013–15, 44.63 लाख रुपए।
6. गंभीर डेंगू बुखार में बायोमार्करों की भूमिका। डॉ. आशुतोष बिस्वास, एम्स, 2 वर्ष, 2013–14, 4.82 लाख रुपए।
7. भारत में एचआईवी और क्षयरोग संक्रमण वाले एंटीरेट्रोवायरल – नाइव रोगियों में उच्च सक्रिय एंटीरेट्रोवायरल थैरेपी पर आधारित नेविरेपिने (400 मि. ग्रा.) की एक दैनिक खुराक बनाम नेविरेपिने की दो बार दैनिक खुराक (200 मि. ग्रा.)। डॉ. संजीव सिन्हा, नाको, वर्ष 2012, 48.5 लाख रुपए।
8. एड्स और अपने बच्चों के साथ भारतीय महिलाओं के स्वास्थ्य और पोषण में सुधार लाने के लिए आशा। डॉ. संजीव सिन्हा, एनआईएच, यूएसए, 2013, 364.48 लाख रुपए।
9. क्षयरोग के लिए आण्विक दृष्टिकोण पर अध्ययन : एमडीआर और एक्सडीआर – तनाव और दवा संवदेनशीलता परीक्षण, नई नैदानिक परीक्षण के विकास के प्रसार का दृढ़ संकल्प और क्षयरोग के लिए नए दवाओं की खोज प्लेटफॉर्म के लिए एक परिकल्पना का परीक्षण। डॉ. संजीव सिन्हा, फार्मास्युटिकल्स विभाग, भारत सरकार, (एनआईपीईआर, मौहाली और अ. भा. आ. सं. के बीच सहयोगात्मक परियोजना), 106.09 लाख रुपए।
10. भारत में स्वास्थ्य व्यासायिकों के बीच एड्स स्टिगमा की कमी। डॉ. संजीव सिन्हा, एनआईएच, यूएसए (सहयोगात्मक यूसीएसएफ, यूएसए और अ. भा. आ. सं. परियोजना), 2013, 136 लाख रुपए।
11. भारत में एचआईवी में कैंसरों का फैलाव, जोखिम कारकों और परिणामों पर अध्ययन। डॉ. संजीव सिन्हा, आई. सी. एम. आर. (सहयोगात्मक यूसीएलए, यूएसए और अ. भा. आ. सं. परियोजना), 2013, 38.57 लाख रुपए।
12. भारत में सक्रिय तपेदिक संक्रमण के साथ सह–संक्रमित एचआईवी रोगियों मेंएचआईवी दवा प्रतिरोधी म्यूटेशन के पैटर्न का अध्ययन। नाको, डॉ. संजीव सिन्हा, 2014, 56.5 लाख रुपए।
13. स्वास्थ्य, निद्रा और न्यूरो–कोग्निटिव कार्य, में मोबाइल फोन के इस्तेमाल के प्रभाव का अध्ययन करना। डॉ. संजीव सिन्हा, विज्ञान और तकनीकी विभाग, 3 वर्ष, 2015 – 2018, 88 लाख रुपए।
14. तपेदिक के इलाज के लिए नई जैव चिकित्सकीय दृष्टिकोण, डॉ. संजीव सिन्हा, डीओपी, 2016, 120 लाख रुपए।
15. विटामिन डी3 पूरक के साथ और इसके बिना श्रेणी 1 उपचार पल्मोनरी ट्यूबरकुलोसिस रोगियों में रिलेप्स होने की रोकथाम : एक यादृच्छिक डबल ब्लाइंड नियंत्रित परीक्षण, डॉ. संजीव सिन्हा, डीएचआर, आईसीएमआर, 2016, 195.23 लाख रुपए।
16. मलेरिया में बायोमार्कर्स प्रिडिक्टिंग गंभीरता एवं परिणाम। डॉ. मनीष सोनेजा, एम्स, 2 वर्ष, 2013–2015, 5 लाख रुपए।
17. नींद और न्यूरोकोग्निटिव कार्यों पर मोबाइल फोन के उपयोग के कारण विद्युत चुम्बकीय विकिरण का प्रभाव : एक आणविक दृष्टिकोण। डॉ. मनीष सोनेजा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, 3 वर्ष, 2015–2018, 65 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

पूर्ण

1. परिधीय लिम्फाडेनोपैथी की क्लीनीको–पैथोलॉजिकल और रेडियोलॉजिकल प्रोफाइल।
2. गंभीर मलेरिया में हेमेटोलॉजिकल और कॉएगुलेशन मापदंडों का अध्ययन।
3. एनएएफएलडी में एब्डोमिनल सबक्यूटेनियस एडिपोस टिशू कम्पार्टमेंट की फैटी एसिड संरचना।
4. मध्यम गंभीर ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया सिंड्रोम में एंडोथिलियल कार्य।
5. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, आउटरीच आउट पेशेंट विभाग, झज्जर में सरकारी स्वास्थ्य सुविधा ले रहे रोगियों में संतुष्टि के स्तर पर अध्ययन।
6. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के काय चिकित्सा विभाग में डेंगू बुखार वाले रोगियों की भर्ती की वर्तमान प्रबंधन के तरीकों का मूल्यांकन।
7. गंभीर सेप्सिस और सेप्टिक सदमे वाले रोगियों में महत्वपूर्ण देखभाल बंडलों के कार्यान्वयन के परिणाम।
8. ह्यूमन इम्यूनोडेफिशियंसी वायरस से संक्रमित महिलाओं में ह्यूमन पेपिलोमा वायरस संक्रमण और असामान्य गर्भाशय ग्रीवा कोशिका विज्ञान के प्रसार का एक अध्ययन।
9. मलेरिया की गंभीरता में बायोमार्कर का मूल्यांकन।
10. ओएसए में ईएसएस के हिंदी संस्करण का मान्यकरण।
11. तपेदिक में संभावित माइक्रो आरएनए की अभिव्यक्ति विश्लेषण।
12. पेंसिटोपेनिया और तपेदिक के बीच संबंध निर्धारित करने के लिए अध्ययन।
13. नकारात्मक बलगम में ब्रोंकोस्कोपी और ब्रोंकोस्कोपिक प्रक्रियाओं तथा छाती इमेजिंग पर बुखार और मिलियरी शेडोइंग के साथ आने वाले बलगम–की कमी वाले रोगियों का निदान उपज।
14. कैथेटेराइज्ड रोगियों में कैंडिरिया का महत्व।
15. रुमेटी गठिया के रोगियों में मनोरोग सह–रुग्णता का परिमाण।
16. मोटापे से ग्रसित व्यक्तियों के बीच मोटापे के प्रति ज्ञान, दृष्टिकोण, अभ्यास (के.ए.पी.प्रश्नावली) का आकलन करने के लिए प्रश्नावली का विकास एवं सत्यापन।
17. गैर अल्कोहल फैटी लीवर रोग में जीवन शैली संशोधन सलाह का पालन।
18. चयापचय सिंड्रोम के साथ अस्थानिक वसा जमाव का सह–संबंध।
19. एनएएफएलडी के साथ पोषण और जीवन शैली जोखिम कारको का सह–संबंध (गैर अल्कोहल वसा यकृत रोग)।
20. गैर–अल्कोहोलिक फैटी लीवर रोग में स्वायत्त कार्यों का अध्ययन।
21. एक तृतीयक देखभाल केंद्र में मोटापे के साथ रोगियों में मनोरोग सह–रुग्णता का परिमाण।
22. अस्थि खनिज घनत्व, वसा की मात्रा, और पोषक तत्वों की खुराक के साथ गैर एल्कोहोलिक फैटी लीवर रोग का सह–संबंध
23. एचआईवी / एड्स से ग्रस्त रोगियों के बीच मौखिक कैंडिडा संक्रमण।
24. गंभीर डेंगू बुखार में पैथोजेनेटिक मार्कर्स।
25. एचआईवी / एड्स के बीच एफडीजी – पीईटी / सीटी के लंबे समय तक बुखार और नैदानिक उपयोगिता।
26. गंभीर और गैर गंभीर डेंगू संक्रमण के बीच साइटोकिन्स की तुलना।
27. वयस्क एचआईवी प्रगति मॉडल के साथ पी.एल.एच.ए. का अस्तित्व विश्लेषण।
28. ब्रोन्कोएल्वियोलर लेवेज नमूना का उपयोग कर संदिग्ध तपेदिक वाले रोगियों में स्पूटम–स्मियर नेगेटिव और स्पूटम–स्कार्स के जीन एक्सपर्ट (एक्सपर्ट® टीबी/आरआईएफ) का मूल्यांकन।

29. नैदानिक वियोजन में एंटीबायोटिक प्रतिरोध पैटर्न और रुग्णता के साथ इसका सह–संबंध।
30. क्षयरोग लिम्फाडेनोपैथी के निदान में जीन एक्सपर्ट का मूल्यांकन।
31. ल्यूपस नेफ्रैटिस के मामले में उपचार के प्रतिक्रिया का भावी अध्ययन करना।
32. ल्यूपस नेफ्रैटिस वाले रोगियों में क्लिनिकोपैथोलॉजिकल सह–संबंध के बिना होते हैं।
33. मेटाबोलिक असामान्यताएं और पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम में नींद से संबंधी विकार।
34. गंभीर मलेरिया में रुधिरविज्ञान संबंधी और जमावट असामान्यताओं का अध्ययन।
35. स्वास्थ्य और न्यूरो–कोग्निटिव कार्य, नींद में मोबाइल फोन के इस्तेमाल के प्रभाव का अध्ययन करना।
36. इंट्राथोरासिक बचपन में तपेदिक में मल के नमूने में एमटीबी / आरआईएफ एक्सपर्ट परख की निदान सटीकता।
37. कनेक्टिव टिशू डिजीज के रोगियों में इंटरस्टिशियल लंग डिजीज की रोग क्रिया के मूल्यांकन में पी ई टी / सी टी / एच आर सी टी चेस्ट का प्रयोग।
38. ल्यूपस नेफ्रैटिस वाले रोगियों में मूत्र मार्कर की उपयोगिता।
39. रुमेटी गठिया के रोगियों और अपनी ऊर्जा के साथ जुड़े कारकों की पलटन में सकारात्मक ट्यूबरकुलीन परीक्षण के प्रसार का अध्ययन करना।
40. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में काय चिकित्सा विभाग में यंत्रवत् संवातित रोगियों में दर्द, उत्तेजना और प्रलाप के प्रोटोकॉल आधारित प्रबंधन के परिणाम।
41. कृत्रिम एयरवे रखरखाव पर दिशा–निर्देशों के कार्यान्वयन के परिणाम और एम्स, नई दिल्ली में काय चिकित्सा विभाग में यंत्रवत् संवातित रोगियों में ट्यूब देखभाल।
42. एम्स, नई दिल्ली में काय चिकित्सा विभाग में महत्वपूर्ण रूप से बीमार रोगियों को अस्पताल के अंदर परिवहन के दौरान प्रतिकूल परिणामों की घटनाओं पर मानकीकृत जांच सूची के कार्यान्वयन की प्रभावशीलता।
43. एम्स में अस्पताल में भर्ती रोगियों में हाइपरग्लेसेमिया हाइपोग्लेसेमिया का एडीए / एएसीई के दिशा निर्देशों के अनुरूप प्रबंधन के निहितार्थ परिणाम।

सहयोगात्मक परियोजनाएं

जारी

1. नैदानिक, रोग अभिव्यक्ति के साथ *एम. ट्यूबरकुलोसिस* की विभिन्न जीनोटाइप का संबंध तथा पोस्ट–प्राईमरी तपेदिक की बीमारी परिणाम। (प्रयोगशाला चिकित्सा)
2. बृहतभक्षककोशिका प्रवास निरोधात्मक कारक (एम आई एफ) पेरोक्सीसम प्रोलिफेरेटर – सक्रिय, रिसेप्टर – वाई (पीपीएआरवाई) इंटरलुकिन – 6 (आईएल – 6) सी–रिएक्टिव प्रोटीन (सीआरपी), इनसुलिन रिसेप्टर सबस्ट्रेट (आई आर एस), इनसुलिन रिसेप्टर सबस्ट्रेट (आई आर एस) 1 और ऑब्स्ट्रेक्टिव स्लीप एपनिया सिंड्रोम (ओएसएएस) में लेप्टिन रिसेप्टर जीन तथा गैर एल्कोहलिक वसा यकृत रोग (एनएएफएलडी) के साइटोकाइन और हार्मोन स्तरों के साथ आनुवंशिक बहुरूपताओं और परस्पर संबंधों का अध्ययन करना (पल्मोनरी चिकित्सा एवं निद्रा विकार)
3. ऑब्स्ट्रेक्टिव स्लीप एपनिया में गंभीर फेफड़ों की चोट बायोमार्कर जीन बहुरुपताओं की भूमिका (पल्मोनरी चिकित्सा एवं निद्रा विकार)।
4. भारतीय मोटापे के शिकार किशोरों में गैर एल्कोहलिक वसा यकृत रोग के लिए संवेदनशीलता का निर्धारण करने में नैदानिक आनुवंशिक बहुरूपताएं, नैदानिक और जैव रासायनिक मापदंडों का प्रभाव (पीडियाट्रिक्स)।

5. मोटापा और चयापचय सिंड्रोम : पोषण, शरीर क्रिया गतिविधि और इंफ्लेमेशन की भूमिका (पल्मोनरी चिकित्सा एवं निद्रा विकार)।
6. तपेदिक और दवा प्रतिरोधी तपेदिक के साथ जुड़े को–मोर्बिडीटीस, एक्स्ट्रा पल्मोनरी तपेदिक पर प्रशिक्षण और अनुसंधान केंद्र डब्ल्यूएचओ का सहयोग (डब्ल्यूएचओ)।
7. भारतीय एक्स्ट्रा पल्मोनरी टीबी (सूचकांक–टीबी) दिशानिर्देश–2015 सीटीडी, (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार)।
8. जीनोम विज्ञान और भविष्य सूचक दवा द्वितीय चरण पर उत्कृष्टता केंद्र (रूमेटोलॉजी)।
9. मिनोपोजल के बाद ऑस्टियोपोरोसिस से प्रभावित महिलाओं में इंटास डेनोसुमैब (60 मि. ग्रा. एकल उपयोग बोतल) की तुलना में संदर्भ सूचीबद्ध दवा प्रोलिया® (डेनोसुमैब, 60 मि. ग्रा. एकल उपयोग बोतल) पर एक बहु केंद्रिक, यादृच्छिक, खुले लेबल, समानांतर, फार्माकोकायनेटिक्स, चिकित्सीय प्रभावकारिता मूल्यांकन करने के लिए तीसरे चरण का अध्ययन। (रूमेटोलॉजी)।

पूर्ण

1. भारत में बचपन में मोटापा : इसके मापन और निर्धारकों पर एक बहु केंद्र अध्ययन (एंडोक्राइनोलॉजी और मेटाबोलिज्म, और आइएनसीएलइएन)।

रोगी उपचार

मेडिसिन ओपीडी एक सीधे बिना–रेफरल के सप्ताह में 6 दिन चलने वाली क्लीनिक है। यह विभाग स्लीप डिसऑर्डर क्लीनिक (सोमवार 2 बजे), संक्रामक रोग क्लीनिक (सोमवार 2 बजे), और चेस्ट क्लीनिक (शुक्रवार, 2 बजे) सहित स्पेशियलिटी क्लीनिक चलाता है। विभाग राष्ट्रीय कार्यक्रमों के तहत एआरटी केंद्र, डॉट्स केंद्र डॉट्स प्लस साइट भी चलाता है। विभाग में एक पल्मोनरी फंक्शन टेस्ट्स लैब है जिसमें प्रतीक्षा अवधि नहीं है तथा जांच की जाती है तथा उसी दिन रिपोर्टें दे दी जाती हैं। ब्रोंकोस्कोपी लैब डी ।। वार्ड में स्थित है और एंडोब्रोंकियल अल्ट्रासाउंड प्रणाली से सुसज्जित है। सी।। वार्ड में स्थित स्लीप लैब पॉलीसोम्नोग्राफी मशीनों, एम्बुलेटरी रक्त चाप मॉनीटरिंग प्रणाली तथा एंडोथेलियल दुष्क्रिया के अनाक्रामक मूल्यांकन हेतु उपकरण से सुसज्जित है। चिकित्सा विभाग एम्स अस्पताल में आने वाले तथा आरएनटीसीपी (संशोधित राष्ट्रीय ट्यूबरकुलोसिस नियंत्रण कार्यक्रम) के अंतर्गत दिल्ली के 6 जोनों (चेस्ट क्लीनिक्स) से भेजे गए ट्यूबरकुलोसिस रोगियों को नैदानिक सुविधाएं उपलब्ध कराता है। इस विभाग में नवीनतम जैव सुरक्षा स्तर 3 (बीएसएल–3) प्रयोगशाला है। विभिन्न क्लीनिकों में रोगियों और विभाग द्वारा की जा रही प्रयोगशाला जांच के आंकड़े निम्नवत हैं :

चिकित्सा ओ. पी. डी.

नए मामले :	1,00,625	पुराने मामले	55,700

संक्रामक रोग क्लीनिक (सोमवार दोपहर 2 बजे)

नए मामले :	206		

निद्रा क्लीनिक (सोमवार दोपहर 2 बजे)

नए मामले :	432	पुराने मामले :	324

वक्ष क्लीनिक (शुक्रवार दोपहर 2 बजे)

नए मामले :	537	पुराने मामले :	538

एंटीरिट्रोवायरल (ए आर टी) सेंटर (मार्च 2016 तक)

कुल रोगी पंजीकृत	9,413	प्रारंभ एआरटी	4,167
नियमित फॉलोअप :	2,714	2015–16 में एआरटी प्रारंभ	364

अ. भा. आ. सं. डॉट्स केंद्र

डॉट्स (अप्रैल 2015 – मार्च 2016) पर प्रारंभ किए गए कुल रोगी

श्रेणी 1 :	73	श्रेणी 2 :	21

डॉट्स–प्लस साइट

श्रेणी 4 :	6	श्रेणी 5 :	1

प्रयोगशालाएं

निद्रा प्रयोगशाला :

निद्रा अध्ययन :	455	ईजेड स्कैन :	302

ब्लड प्रेशर की एम्बुलेटरी निगरानी : 272

एंडोथेलियल दुष्क्रिया अध्ययन : 45

पल्मोनरी फंक्शन टेस्ट प्रयोगशाला :

पल्मोनरी कार्य परीक्षण :	5182	6 मिनट का पैदल चलने का परीक्षण :	263
ब्रोंकोस्कोपिज़ किए गए :	192	ईबीयूएस :	47

एडीए / एसीई प्रयोगशाला :

एडिनोसाइन डिमिनेस परीक्षण :	124	एसीई परीक्षण :	228

डीओटीएस और पीएमडीटी सेवाएं (नमूनों की संख्या)

बलगम स्मियर के लिए :	8,847	ठोस संवर्धन के लिए :	642
लिक्विड संवर्धन के लिए :	7,560	सोलिड ड्रग ससेप्टिबिलिटी परीक्षण के लिए :	35
लिक्विड डीएसटी के लिए :	385	लाइन प्रोब परीक्षण (एलपीए) के लिए :	4,131
जीन एक्सपर्ट के लिए :	2,494		

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 31 सार : 2 पुस्तकों में अध्याय : 7 पुस्तक और मोनोग्राफ्स : 1

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां

आचार्य एस. के. शर्मा सेंटर फॉर एक्स्ट्रा पल्मोनरी ट्यूरबकुलोसिस (ईपीटीबी) के प्रभारी आचार्य हैं, जिसे स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्ल्यू) द्वारा विभाग में स्थापित किया गया; सलाहकार, राष्ट्रीय कार्य दल, टीबी नियंत्रण कार्यक्रम में मेडिकल कॉलेजों की भागीदारी; तकनीकी सलाहकार क्षेत्रीय निदेशक, वाहक जनित रोग पर डब्ल्यूएचओ (दक्षिण पूर्व एशिया के क्षेत्रीय कार्यालय); अध्यक्ष, विशेषज्ञ समिति, 'मोबाइल टावर और हैडसेट से जीवन पर ईएमएफ विकिरण उद्भासन के संभावित प्रभाव और इससे जुड़े अनुसंधान और विकास प्रयासों' पर प्रस्तावों का मूल्यांकन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी); एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इण्डिया (एपीआई) की क्लिनिकल चिकित्सा और सेवा गतिविधियों में डॉ. जिवराज मेहता का प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त किया;विभाग को क्षय रोग में प्रशिक्षण और अनुसंधान के

लिए डब्ल्यूएचओ सहयोग केंद्र के रूप में नामित किया गया था। केलांग, लाहौल एवं स्पीति (हिमाचल प्रदेश) में एक मॉडल ग्रामीण स्वास्थ्य अनुसंधान इकाई (एमआरएचआरयू) का जनजातीय स्वास्थ्य सेवा से जुड़े स्थापना के लिए एक प्रयास और आईसीएमआर के तहत राष्ट्रीय जनजातीय स्वास्थ्य संस्थान, जबलपुर (मध्य प्रदेश)। संपादक, इण्डियन जर्नल ऑफ चेस्ट डिजीज एण्ड एलाइड साइंसिस; सह संपादक, इंडियन जर्नल ऑफ ट्यूबरकुलोसिस (आईजेटी); एडिटर ऑफ सेक्शन ऑन ट्यूबरकुलोसिस, लंग इण्डिया; सदस्य, संपादक मंडल, इंडियन जर्नल ऑफ स्लीप मेडिसिन, चेस्ट (अमेरिकन कॉलेज ऑफ चेस्ट फिजिशियन), द ओपन ट्रॉपिकल मेडिसिन जर्नल, इण्डियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च, नेशनल एडवाइजरी बोर्ड (पल्मोनोलॉजी) ऑफ जर्नल ऑफ द एपीआई (जेएपीआई), जर्नल ऑफ कृष्णा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस यूनिवर्सिटी, ऑर्फन ड्रग: अनुसंधान और समीक्षा, जर्नल ऑफ क्लिनिकल एण्ड साइंटिफिक रिसर्च, साउथ अफ्रीकन रेस्पीरेटरी जर्नल, जर्नल ऑफ रेस्पीरेटरी रिसर्च एण्ड जर्नल ऑफ क्लिनिकल ट्यूबरकुलोसिस; सदस्य, सलाहकार बोर्ड, जेएपीआई, इण्डियन जर्नल ऑफ ट्यूबरकुलोसिस, एण्ड जर्नल ऑफ क्लिनिकल ट्यूबरकुलोसिस एण्ड अदर मायकोबैक्टीरियल रोग; समीक्षक, वैज्ञानिक रिपोर्ट, स्लीप मेडिसिन एण्ड मेडिसिन (बालटिमोर); कार्यकारी संपादक, 10वां संस्करण, टेक्स्टबुक ऑफ मेडिसिन ऑफ एपीआई और सेक्शन एडिटर, पल्मोनोलॉजी, और इसी पुस्तक के क्रिटिकल केयर मेडिसिन सेक्शन; अंतरराष्ट्रीय सलाहकार बोर्ड, डेविडसंस प्रिंसिपल्स एण्ड प्रैक्टिस ऑफ मेडिसिन (23वां); अध्यक्ष, राष्ट्रीय ईपीटीबी दिशानिर्देश समिति; सह–अध्यक्ष केंद्रीय टीबी प्रभाग के साथ बैड क्वालिन के उपयोग हेतु दवा निरापदता निगरानी पर समिति, एमओएचएफडब्ल्यू; सलाहकार, आयोजन समिति, नेशनल कांफ्रेंस ऑफ इण्डियन स्लीप डिसोर्डर एसोसिएशन (आईएसडीए) 2016; विशेषज्ञ सदस्य, पल्मोनरी पुनर्वास के लिए एमओएचएफडब्ल्यू की राष्ट्रीय तकनीकी विशेषज्ञ समिति और एआरवी योग्यता तथा पूर्वानुमान पर कार्य समूह; बैड क्वालिन – कंडिशनल एण्ड एक्सपेंडिड एक्सिस प्रोग्राम पर राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया, राष्ट्रीय टीबी नियंत्रण कार्यक्रम प्रबंधकों की क्षेत्रीय बैठक, कोलम्बो, श्री लंका तथा ईपीटीबी, सह रोगियों के प्रबंधन में टीबी तथा दवा प्रतिरोधक टीबी के प्रबंधन में आसपास के देशों (बैंकॉक और जकार्ता) के तृतीयक अस्पतालों में क्लिनिकल प्रथा का सिंहावलोकन; वैकल्पिक सदस्य, दक्षिण–पूर्व एशिया क्षेत्रीय तकनीकी कार्य समूह पर क्षय रोग देखभाल और रोकथाम संबंधी समिति; सदस्य, विशेषज्ञ समूह विरोधी क्षयरोग दवाओं पर चर्चा करने के लिए दिशा–निर्देश, प्रबंधन और रोकथाम प्रतिकूल दवा प्रतिक्रिया, आईसीएमआर; सदस्य, वैज्ञानिक सलाहकार समिति, ईबीएससीओ और स्वास्थ्य विभाग के कार्यकारी बोर्ड, कैम्ब्रिज, अमेरिका; संकाय के चयन के लिए विशेषज्ञ, काय चिकित्सा विभाग में विशेषज्ञ और कर्मचारी, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ; पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़, राष्ट्रीय क्षय रोग और श्वसन रोग संस्थान, नई दिल्ली, और एम्स, पटना; बाहरी परीक्षक, फैलोशिप परीक्षा (एफसीपीएस भाग–2 नैदानिक और मौखिक) चिकित्सा में, बांग्लादेश कॉलेज ऑफ फिजिशियन एण्ड सर्जन; डीएम (फेफड़े, क्रिटिकल केयर एंड स्लीप मेडिसिन) परीक्षा, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ और किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ।

आचार्य रीता सूद ने वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ मेडिकल एजुकेशन (डब्ल्यूएफएमई) का प्रतिनिधित्व किया, 68वां सत्र, दक्षिण पूर्व एशिया के लिए डब्ल्यूएचओ क्षेत्रीय समिति, तिमोर लेस्ते, 7 – 10 सितंबर, 2015; एशिया प्रशांत क्षेत्र चिकित्सा शिक्षा नेटवर्क अनुसंधान बैठक में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया, निगाटा, जापान, 25 – 27 जुलाई 2015 क्योटो विश्वविद्यालय, जापान द्वारा समर्थित; अंतरराष्ट्रीय पोस्टर सत्र के लिए निर्णायक, एनुवल कांफ्रेंस ऑफ जेपनीज़ सोसायटी ऑफ मेडिकल एजुकेशन, 25 जुलाई 2015; एमओएचएफडब्ल्यू द्वारा नामित सदस्य, संस्थान निकाय, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ऋषिकेश; जेपीएनएटीसी में भारत में स्वास्थ्य देखभाल में मानव कारकों पर गोलमेज सम्मेलन में विशेषज्ञ के रूप में भाग लेने के लिए आमंत्रित; बुनियादी विज्ञान के लिए बाहरी परीक्षक (एकीकृत मॉड्यूल), सुल्तान कबूस

विश्वविद्यालय, ओमान; 10वीं कार्यकारी समिति बैठक की अध्यक्षता की, चिकित्सा शिक्षा के लिए दक्षिण पूर्व एशियाई क्षेत्रीय एसोसिएशन (एसईएआरएएमई), ढाका; अतिथि संकाय, स्वास्थ्य में प्रगतिशील शिक्षा के क्षेत्र में मास्टर कार्यक्रम, महाराष्ट्र स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय; नेतृत्व मॉड्यूल के लिए निदेशक और संकाय पाठ्यक्रम तथा चिकित्सा अधिकारियों के व्यक्तित्व परीक्षण के लिए यूपीएससी के सलाहकार; अध्यक्ष, आंतरिक अनुसंधान अनुदान समिति, एम्स में नैतिकता की अनुसूची समिति और सदस्य शिक्षण उप समिति, नई दिल्ली; सम्मानित अतिथि और निर्णायक, वरिष्ठ शैक्षिक प्रश्नोत्तरी, पल्स (छात्रों के वार्षिक उत्सव), एम्स।

आचार्य नवीत विग सदस्य, रोगाणुरोधक प्रतिरोध निगरानी नेटवर्क की स्थापना पर आईसीएमआर के विशेषज्ञ समूह तथा एचआईवी/एड्स पर आईसीएमआर तकनीकी संसाधन समूह एवं सदस्य, एचआईवी/एड्स परियोजना समीक्षा समिति (पीआरसी) आईसीएमआर; सदस्य, इण्डिया क्लेन कार्यक्रम मूल्यांकन समूह हैं।

आचार्य आशुतोष बिस्वास मानव अधिकार आयोग, भारत सरकार के एक विशेषज्ञ सदस्य हैं हिरासत में मौत के मामले में कानूनी कार्यवाही के लिए विशेषज्ञ राय देने के लिए जिम्मेदार है; राष्ट्रीय संसाधन व्यक्ति, प्रशिक्षक कार्यक्रम का प्रशिक्षण, एनबीवीडीसीपी से भारत में वाहक जनित रोगों के नैदानिक प्रबंधन का आयोजन, एमओएचएफडब्ल्यू; वाहक जनित रोगों की रोकथाम, नियंत्रण और प्रबंधन के लिए विभिन्न राष्ट्रीय नीतियों का मूल्यांकन करने हेतु एनबीवीडीसीपी के विशेषज्ञ सदस्य; विशेषज्ञ और डब्ल्यूएचओ के लिए अस्थायी सलाहकार, एसईएआरओ के लिए मूल्यांकन और तैयारी राष्ट्रीय तथा डेंगू संक्रमण के नैदानिक प्रबंधन के लिए अंतरराष्ट्रीय दिशा निर्देश; डीसीजी (1) में विशेषज्ञ सदस्य सुरक्षा जांच के लिए तथा तय खुराक संयोजन की प्रभावकारिता (एफडीसी); विशेषज्ञ सदस्य, अनुसंधान सलाहकार समिति (महामारी विज्ञान), एनआईएमआर (आईसीएमआर), स्वास्थ्य विभाग, एमओएचएफडब्ल्यू; विशेषज्ञ सदस्य, चयन बोर्ड, संयुक्त चिकित्सा सेवा परीक्षा, संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी); विशेषज्ञ सदस्य, उप प्रबंधक के पद के लिए गेल भर्ती के लिए चयन समिति (काय चिकित्सा – चिकित्सा सेवा विशेषज्ञ), एम्स भुवनेश्वर, मेडिसिन में संकाय, आईजीआईएमएस, पटना; वैज्ञानिक ई, आईसीएमआर; अंतरराष्ट्रीय बाहरी परीक्षक, अंतिम फैलोशिप (एफसीपीएस भाग–2 नैदानिक और मौखिक), चिकित्सा, डॉक्टरों और सर्जनों के बांग्लादेश कॉलेज (बीसीपीएस), ढाका, बांग्लादेश; विशेषज्ञ सदस्य, 5वें एशियाई वैक्सीन सम्मेलन में टीके का विकास; डब्ल्यूएचओ द्वारा आयोजित डेंगू टीके के लिए एशियाई डेंगू सम्मेलन में भारत की ओर से पेनालिस्ट और विशेषज्ञ सदस्य, अध्यक्ष, क्लिनिकल इंफेक्शस डिजीज सोसायटी का पांचवां वार्षिक सम्मेलन, इंटरनेशनल कांग्रेस ऑफ इंफेक्शज डिजीज का सत्रहवां सम्मेलन और दिल्ली दूरदर्शन टीवी शो 'गुड इवनिंग इण्डिया' (लाइव) विषय पर विशेष आमंत्रित के रूप में 'डेंगू और समान समस्याएं तथा डीडी ऊर्दू के लिए कार्यक्रम 'मोबाहिसा' (सामाजिक मुद्दों पर आधारित) विषय 'डेंगू से बचाव' पर वार्ता दी।

आचार्य संजीव सिन्हा सदस्य, मेडिकल बोर्ड अंटार्कटिका अभियान, भारत सरकार, वैज्ञानिक समिति के सदस्य, नाको, एमओएचएफडब्ल्यू और स्वास्थ्य कल्याण कार्यक्रम के सदस्य, पर्यटन मंत्रालय; सदस्य, एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इण्डिया, नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज, इंडियन चेस्ट सोसायटी, इंडियन थायराइड सोसायटी, अमेरिकन थोरेसिक सोसायटी, इंटरनेशनल एड्स सोसायटी हैं।

डॉ. मनीष सोनेजा ने एपिकोन, हैदराबाद में शोध प्रस्तुति सत्र और एम्स, नई दिल्ली में डेंगू संगोष्ठी में एक सत्र की अध्यक्षता की।

डॉ. नीरज निश्चल ने नैदानिक रोग सम्मेलन सत्र की अध्यक्षता की तथा वे एपिकोन, हैदराबाद में चिकित्सा प्रश्नोत्तरी के लिए क्विजमास्टर थे । वे अगस्त 2015 में चीन के भारतीय युवा प्रतिनिधिमंडल का भी हिस्सा थे।

डॉ. पंकज जोरवाल ने एपिकोन, हैदराबाद में शोध प्रस्तुति सत्र की अध्यक्षता की।

डॉ. रणवीर सिंह जाडोन ने शहडोल, मध्य प्रदेश में आदिवासी आबादी के लिए चिकित्सा शिविर–मेडिकल मिशन में भाग लिया।

9.20 सूक्ष्म जैव विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

जे. सी. सामंत रे (31 मई 2015 तक) गीता सतपति (1 जून 2015)

आचार्य

रमा चौधरी	आरती कपिल	ललित धर
बिमल के दास	बिजय रंजन मिर्धा	बेनु धवन
इमाकुलाता जैस		सीमा सूद

अपर आचार्य

उर्वशी बी. सिंह

सहायक आचार्य

सरिता महापात्रा	आशीष चौधरी	गगनदीप सिंह
हितेंद्र गौतम	अर्चना अंगरुप (20 नवंबर 2015 तक)	निशांत वर्मा
निशात हुसैन अहमद (जून 2015 तक)		तनु सागर (संविदा; 29 दिसंबर 2015 से)

विशिष्टताएं

विभाग रोगी की देखभाल, शिक्षण, अनुसंधान और सीएमई कार्यक्रमों के प्रति समर्पित रहा है। परंपरा को जारी रखने के साथ, इस वर्ष में विभाग कई उपलब्धियों के साथ जुड़े थे।

विभाग एमबीबीएस, एमडी, पीएचडी और बीएससी (नर्सिंग) पाठ्यक्रमों में नामांकित स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों के शिक्षण में सक्रिय रूप से शामिल रहा है। इस वर्ष पूरी तरह सुसज्जित, अत्याधुनिक, स्नातक सूक्ष्म जीव विज्ञान व्यावहारिक हॉल अभिसरण ब्लॉक (8वीं मंजिल) में पूरी तरह से बनाया गया है। इसके अलावा, विभाग द्वारा काय चिकित्सा विभाग सहित दो डीएम (संक्रामक रोगों) कार्यक्रम को जनवरी 2016 से आरंभ कर दिया गया है। यह पहली बार हुआ है कि दो अलग–अलग विभागों ने देश में इस तरह के शैक्षिक पाठ्यक्रम आरंभ करने के लिए सहयोग किया है।

एमबीबीएस में प्रवेश के बाद सहित 6 वर्षों का एक कार्यक्रम है, और अन्य एमडी के बाद तीन वर्षीय कार्यक्रम है।

विभाग ने, जो स्वास्थ्य सेवाओं का एक आवश्यक घटक है, रोगी की देखभाल की दिशा में योगदान दिया। इस वर्ष के दौरान इसमें कुल 2,58,366 नैदानिक परीक्षण किए गए थे और इसने अस्पताल संक्रमण नियंत्रण में एक प्रमुख भूमिका निभाई है। इसके अलावा इस, एचआईवी प्रयोगशाला ने एनएबीएल मान्यता (आईएसओ 15189 : 2012) प्राप्त किया।

विभाग ने अनुक्रमित राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में साठ प्रकाशनों से अधिक के साथ अनुसंधान के संदर्भ में एक प्रमुख योगदान दिया। कई वित्त पोषित अनुसंधान परियोजनाएं इस अवधि के दौरान आरंभ या जारी की गई थी, जिसमें से कई अन्य विभागों या संस्थानों के साथ सहयोग में की गई थीं। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में पुरस्कार जीतने के लिए कई मौखिक और पोस्टर प्रस्तुत किए गए थे।

विभाग ने कई कार्यशालाओं / सीएमई के संगठनों को शामिल किया था और 16 नवंबर 2015 को (एम्स नई दिल्ली और गंगा की सफाई के लिए राष्ट्रीय मिशन द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित) ''नॉन – प्युट्रीफाइंग प्रॉपर्टीज़ ऑफ गंगा वॉटर'' पर कार्यशाला के लिए नोडल विभाग द्वारा आयोजन किया तथा विश्व टीबी दिवस के अवसर पर एक सीएमई का आयोजन किया गया था।

वायरोलॉजी अनुभाग ने वायरस आइसोलेशन, सीरोटाइप पहचान के साथ ही डेंगू एनएस1 एंटीजन एलाइसा और एंटी – डेंगू आईजीएम एलाइसा के निष्पादन द्वारा डेंगू के प्रकोप (अगस्त – अक्टूबर 2015) के दौरान नैदानिक सेवाओं और कार्यक्रमगत सहायता प्रदान की।

विभाग द्वारा काय चिकित्सा विभाग सहित दो डीएम (संक्रामक रोग) कार्यक्रम को जनवरी 2016 सत्र के लिए एम्स में आरंभ किया गया है – एमबीबीएस में प्रवेश के बाद सहित 6 वर्षों का एक कार्यक्रम है, और अन्य एमडी के बाद एक तीन वर्षीय कार्यक्रम है। इसके अलावा, एचआईवी प्रयोगशाला ने एनएबीएल मान्यता (आईएसओ 15189 : 2012) प्राप्त की। विभाग ने 16 नवंबर 2015 को (एम्स नई दिल्ली और गंगा की सफाई के लिए राष्ट्रीय मिशन द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित) नोडल विभाग ने आयोजित ''नॉन – प्युट्रीफाइंग प्रॉपर्टीज़ ऑफ गंगा वॉटर'' पर कार्यशाला का आयोजन किया तथा विश्व टीबी दिवस के अवसर पर 'यूनाइट टू एंड टीबी' के एक सीएमई का आयोजन एम्स, नई दिल्ली में 29 मार्च 2016 को किया।

शिक्षा

स्नातक	स्नातकोत्तर	लघु – अवधि प्रशिक्षण
चिकित्सा सूक्ष्म जीव विज्ञान के लिए एमबीबीएस चिकित्सा सूक्ष्म जीव विज्ञान	पीएचडी (सूक्ष्मजीव विज्ञान) – व्याख्याता : एक बार / सप्ताह – जर्नल क्लब : एक बार / सप्ताह -	विभाग ने देश के विभिन्न भागों से 27 प्रत्याशियों के लिए अल्पकालिक प्रशिक्षण

के लिए बीएससी (नर्सिंग)	एमडी (सूक्ष्मजीव विज्ञान) / डीएम (संक्रामण रोग) – व्याख्याता : एक बार / सप्ताह – जर्नल क्लब : एक बार / सप्ताह – ट्यूटोरियल दो बार / माह – व्यावहारिक कार्य प्रस्तुति : दो बार / माह	प्रदान किया है।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

1. विभाग 16 नवंबर 2015 को (एम्स नई दिल्ली और गंगा की सफाई के लिए राष्ट्रीय मिशन द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित) ''प्युट्रीफाइंग प्रॉपर्टीज़ ऑफ गंगा वॉटर'' पर कार्यशाला के आयोजन के लिए नोडल विभाग रहा।

2. प्रहरी निगरानी अस्पतालों के माइक्रोबायोलॉजिस्ट, पैथोलॉजिस्ट और लैब तकनीशियनों के लिए डेंगू / चिकनगुनिया की प्रयोगशाला निदान पर दो दिवसीय स्वयं कार्यशाला आयोजित की गई। विषाणु विज्ञान प्रयोगशाला, सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली (डॉ. ललित धर और डॉ आशीष चौधरी) में 20 – 21 अगस्त 2015 को एम्स एनवीबीडीसीपी एपेक्स लैबोरेटरी के सहयोग से दक्षिण दिल्ली नगर निगम (एसडीएमसी) द्वारा आयोजित।
3. कार्यशाला : आईएएमएम – डीसी सैटेलाइट कार्यशाला, अखिल भारतीय आयुविज्ञान संस्थान, नई दिल्ली, एंटीफंगल संवेदनाशीलता जांच, 10 दिसंबर 2015 (डॉ. इमाकुलेता जैस और गगनदीप सिंह)।
4. कार्यशाला : एचआईवी प्रयोगशाला द्वारा अर्धवार्षिक राज्य संदर्भ प्रयोगशाला (एसआरएल) समीक्षा कार्यशाला, 12 जनवरी 2016 (डॉ. बिमल के दास)।
5. संगोष्ठी (सीएमई) : विश्व टीबी दिवस – 'यूनाइट टू एंड टीबी' (डॉ. उर्वशी बी. सिंह और हितेंद्र गौतम), 29 मार्च 2016, एम्स, नई दिल्ली।
6. पाठ्यक्रम में प्रयोगशाला तकनीकी स्टाफ द्वारा भाग लिया गया : नई दिल्ली में 28–29 जनवरी 2016 को नाको द्वारा आयोजित एचआईवी जांच और आईसीटीसी के सुदृढ़ीकरण के लिए प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण के लिए श्री आशुतोष शर्मा और सुश्री नीमा नेगी ने भाग लिया।

प्रदत्त व्याख्यान

गीता सतपति : 2	रमा चौधरी : 3	आरती कपिल : 11
ललित धर : 4	इमाकुलेता जैस : 3	सीमा सूद : 3
उर्वशी बी. सिंह : 1	सरिता महापात्रा : 1	आशीष चौधरी : 2
गगनदीप सिंह : 3	हितेंद्र गौतम : 1	निशात हुसैन अहमद : 1

प्रस्तुत किए गए मौखिक शोध पत्र / पोस्टर : 57

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. ''द एशिया कॉर्निया सोसायटी इंफेक्शस स्टडी'' (एसीएसआईकेएस), डॉ. गीता सतपति (सह–प्रधान अन्वेषक), एशिया कॉर्निया फाउंडेशन, थर्ड हॉस्पीटल एवेन्यू, सिंगापुर, 12 माह, 2016, 16 लाख रुपए।
2. नोबल बैक्टिरियोसिस के पृथक्कीकरण हेतु मॉलीक्यूलर पद्धतियों तथा मीटाजीनोमिक्स के अनुप्रयोग द्वारा मानव जठरांत्रीय माइक्रोबायल डायवर्सिटी का विश्लेषण, डॉ. रमा चौधरी, डी बी टी, 5 वर्ष, 2011–16, 100.422 लाख रुपए।
3. समुदाय और भारतीय बाल चिकित्सा आबादी में एंटीबायोटिक प्रतिरोध का अस्पताल पर भार; प्रोबायोटिक्स और भूगोल का प्रभाव, डॉ. रमा चौधरी, आई सी एम आर, 3 वर्ष, 2012 – जारी, 12 लाख रुपए।
4. रोगाणुरोधी प्रतिरोध के राष्ट्रीय निगरानी के लिए नोडल केंद्र – 2013 – 2017. आई सी एम आर, डॉ. आरती कपिल, आई सी एम आर, 5 वर्ष, 2014 – 19, 60 लाख रुपए (1 वर्ष)।
5. साल्मोनेला एंटेरिक सीरोवर टाइफी और पैराटाइफी ए में एजयथ्रोमाइसिनसुससेयोटिबिलिटी के लिए परिभाषित ईसीओएफएफ मूल्य, आरती कपिल, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2015–17, 22 लाख रुपए।
6. एचआईवी प्रारंभिक शिशु निदान रेफरल प्रयोगशाला, डॉ. ललित धर, एनएसीओ, कोई निश्चित अवधि नहीं, 2012 – जारी, 8 लाख रुपए प्रति वर्ष + अभिकर्मक समर्थन।
7. डेंगू और चिकनगुनिया के लिए राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम सर्वोच्च प्रयोगशाला, डॉ. ललित धर, एनवीबीडीसीपी, कोई निश्चित अवधि नहीं, 2012 – जारी, 3 लाख रुपए प्रति वर्ष + अभिकर्मक समर्थन।
8. उन्नत जैव जोखिक शमन. . . श्वसन संक्रमण, डॉ. ललित धर, सीडीसी (एनआईवी, पुणे के माध्यम से), 5 वर्ष, 2015–जारी, 44.38 लाख प्रति वर्ष।
9. भारत में एचआईवी – 1 के उभरते नए वायरल उपभेदों के प्रतिकृति फिटनेस और रोगजनक जांच के लिए एक बहु–केन्द्रित पर्यवेक्षणीय अध्ययन, डॉ. बिमल दास, डीबीटी, 3 वर्ष, 2015–18, 73 लाख रुपए।
10. तीव्र बैक्टीरियल मेनिनजाइटिस के निदान के लिए वास्तविक समय पी सी आर का मानकीकरण तथा हार्मोनल का सह संबंध और सीएनएस में सेल प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया मध्यस्थता। डॉ. बिमल दास, एम्स, 2 वर्ष, 2014 – 16, 4 लाख रुपए।
11. श्वसन नैदानिक नमूनों में *न्यूमोसिस्टिस जिरोवेसी* की जनसंख्या आनुवांशिकी अध्ययन तथा न्यूमोसिस्टिस निमोनिया (पी सी पी) के साथ रोगियों के नैदानिक स्थिति के साथ अपने सहसंबंध। डॉ. बी आर मिर्धा, एस ई आर बी, डी एस टी, 3 वर्ष, 2013 – 16, 34 लाख रुपए।
12. क्रिप्टोस्पोडियम स्पीशीज़ एवं *एंटरोसाइटोजॉनबिनुसी* के विशेष संदर्भ सहित कोकिडियन का जनसंख्या जेनेटिक अध्ययन तथा डायरिया के रोगियों में रोग की संचरण पहचान तथा जोखिम कारकों के साथ इसका सह संबंध। डॉ. बी. आर. मिर्धा, आई सी एम आर, 3 वर्ष, 2013–2016, 20 लाख रुपए।
13. गुर्दा प्रतिरोपण के रोगियों में सब क्लीनिकल क्रिप्टोकोकोसिस के निदान हेतु इम्यूनोब्लॉट आमापन का विकास, डॉ. इमाकुलेता जैस, डी बी टी, 3.6 वर्ष, 2012–16, 47 लाख रुपए।
14. दिल्ली और देश के अन्य हिस्सों से रोधी संवेदनशीलता परीक्षण और नैदानिक पृथक *क्रिप्टोकोकस* स्ट्रेन के जीनोटाइपिंग, डॉ. इमाकुलाता जैस, डी बी टी, 3.6 वर्ष, 2012–16, 139.88 लाख रुपए।
15. इनवेसिव फंगल संक्रमण वाले रोगियों से ऊतक नमूने और रक्त से एसपर्जिलस एसपी और म्यूकोमायकेट्स का तीव्रता से पता लगाने के लिए मल्टीप्लेक्स पीसीआर अमापन का विकास और म्यूकोमायसोसिस की प्रजातियों की पहचान के लिए मेल्टिंग वक्र का अनुप्रयोग, डॉ. इमाकुलाता जैस, एम्स, 1 वर्ष, 2015–16, 3.8 लाख रुपए।

16. समकालिक पहचान के लिए एक रैपिड टेस्ट और जीवाणु संक्रमण के लिए देखभाल के बिंदु पर रोगाणुरोधी प्रतिरोध का पता लगाना : एक प्रोटोटाइप के रूप में *एन गोनारिया*, डॉ. सीमा सूद, ग्रैंड चुनौतियां – कनाडा, 2 वर्ष, 2013 – 15, 8 लाख रुपए।
17. इन विट्रो के साथ देश भर में एसटीडी रोगियों से प्राप्त *एन गोनारिया* के आणविक विश्लेषण के लिए सेफालोस्पोरिन्स और मैक्रोलाइड प्रतिरोध के लिए संवेदनशीलता की कमी हुई, डॉ. सीमा सूद, आई सी एम आर, 2 वर्ष 2015–17, 29.5 लाख रुपए।
18. भारत में क्रोहन रोग : देश से एक बहु केन्द्रित अध्ययन जहां जॉन रोगी के साथ ही आंतों के तपेदिक स्थानिक है, डॉ. उर्वशी बी. सिंह, आईसीएमआर / डीएचआर, 3 वर्ष, 2016–19, 45 लाख रुपए।
19. टीबी और टीबी में औषधि प्रतिरोध के लिए स्वदेशी निदान किट का सत्यापन, डॉ. उर्वशी बी. सिंह, आईसीएमआर / डीबीटी, 2 वर्ष, 2014–16, 59 लाख रुपए।
20. फुफ्फुसीय एवं अतिरिक्त फुफ्फुसीय तपेदिक के रोगियों के नैदानिक नमूनों के तौर पर माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस एंटीजन बायोमार्कर्स का मूल्यांकन तथा पहचान। डॉ. उर्वशी बी. सिंह, आई सी एम आर, 3 वर्ष, 2013–16, 45 लाख रुपए।
21. बांझ महिलाओं (आई सी एम आर कार्य दल अध्ययन) में प्रजनन तपेदिक की पहचान में परंपरागत पद्धतियों (हिस्टोपेथोलॉजी, कल्चर, ए एफ बी, स्टेनिंग इन एंडोमिट्रियल सेम्पल्स) तथा लेप्रोस्कोपिक के लिए मॉलीक्यूलर पद्धतियों (पी सी आर, इम्यूनोहिस्टोकैमिस्ट्री) का मूल्यांकन, डॉ. उर्वशी बी. सिंह, आई सी एम आर, 4 वर्ष, 2012–16, 39 लाख रुपए।
22. फेब्रिल न्यूट्रोपेनिक रोगियों में कार्बानेनिम रेजिस्टेंट एंटरोबैक्टीरियस के कारण आंतों का उपनिवेशवाद और रक्त – धारा संक्रमण, सरिता महापात्रा, एम्स, 1 वर्ष, 2015–16, 4.37 लाख रुपए।
23. क्रिप्टोजेनिक यकृत रोग वाले रोगियों में ऑकुल्ट हेपेटाइटिस सी संक्रमण (ओसीआई) की रोकथाम और आणविक लाक्षणीकरण, डॉ. आशीष चौधरी, एम्स, 2 वर्ष, 2015 – जारी, 3.45 लाख रुपए प्रति वर्ष।
24. चिकित्सकीय संदिग्ध आक्रामक फंगल संक्रमणों के साथ हिमेटोलॉजिक मैलीग्नेसिस वाले बाल चिकित्सा रोगियों में वोरिकोनेजोल स्तरों के चिकित्सीय दवा निगरानी की उपयोगिता, डॉ. गंगनदीप सिंह, एम्स, 1 वर्ष, 2015–16, 3.35 लाख रुपए।
25. बच्चों में क्षय रोग के निदान के लिए प्रतिजन का पता लगाने के लिए यूरिन लिपोरेबिनोमेनन की देखभाल के बिंदु का मूल्यांकन, डॉ. हितेंद्र गौतम, एम्स, 1 वर्ष, 2015–16, 4.47 लाख रुपए।

26. माइक्रोस्पोरिडिया और उनके आणविक लाक्षणीकरण की व्याप्ति, डॉ. निशांत वर्मा, एम्स, 1 वर्ष, 2015–16, 5 लाख रुपए।

पूर्ण

1. दिल्ली में रहने वाले एटिपिकल कंजंक्टिवाइटिस का एक संभावित व्यापक अध्ययन और वायरस कंजंक्टिवाइटिस के तीव्र निदान के लिए मल्टीप्लेक्स पीसीआर अमापन का विकास, डॉ. गीता सतपति, एम्स, 2 वर्ष, 2013–15, 7.5 लाख रुपए।
2. भारत में *ए. फ्लेवस* संक्रमण की महामारी विज्ञान पैथोजीनोमिक्स और जीव विज्ञान प्रणाली – एक एकीकृत दृष्टिकोण, डॉ. गीता सतपति, एम्स, 2 वर्ष, 2013–15, 9.6 लाख रुपए।
3. अस्पताल परिवेश से लीजोनेला न्यूमोफिला का पता लगाना तथा पर्यावरण नमूना से लीजोनेला प्रजातियों के तेजी से पता लगाने के लिए एल ए एम पी – पी सी आर का विकास, डॉ. रमा चौधरी, एम्स, 2 वर्ष, 2013 – 15, 5 लाख रुपए।

4. माइकोप्लाज्मा निमोनिया का पता लगाना तथा आणविक एस्सेस के द्वारा श्वसन तंत्र के संक्रमण में लीजोनेला न्यूमोफिला : एक बहु केन्द्रित अध्ययन, डॉ. रमा चौधरी, आई सी एम आर, 3 वर्ष, 2011 – 14, 49.66 लाख रुपए।
5. नवजातों में संक्रमण की निगरानी – आई सी एम आर कार्य दल द्वारा अध्ययन। (आई सी एम आर मुख्यालय और भारत में छह केंद्र), डॉ. आरती कपिल, आई. सी. एम. आर, 4 वर्ष, 2011 – 15, 15 लाख रुपए।
6. उच्च स्तरीय जेन्टामाइसिन रेसिस्टेंट एंटरोकोकस फेसियम एवं एंटेरोफोकस फैशलिस के नैदानिक आइसोलेट्स की मॉलीक्यूलर विशेषता, डॉ. बीनू धवन, आई सी एम आर, 3 वर्ष, 2012–15, 33.88 लाख रुपए।
7. एन. गोनोरिया के लिए संभावित एंटीमाइक्रोबायल्स का इन विट्रो मूल्यांकन, डॉ. सीमा सूद, एम्स, 2 वर्ष, 2012 – 14, 5 लाख रुपए।
8. एक्स्ट्रा पल्मोनरी ट्यूबरकुलोसिस के उपचार में गाइडिंग उपचार संबंधी नीतियों में औषधि प्रतिरोधी तपेदिक के शीघ्र निदान की भूमिका, डॉ. उर्वशी बी. सिंह, आई सी एम आर, 3 वर्ष, 2012–15, 45 लाख रुपए।
9. एमडीआर और एक्सडीआर तपेदिक का शीघ्र पता लगाने के लिए इन–हाउस लाइन प्रोब एसे का विकास और मूल्यांकन, डॉ. उर्वशी बी. सिंह, डी बी टी, 4 वर्ष, 2011–2015. 37 लाख रुपए।
10. उपचार करने वाले रोगियों के श्रेणी 1, 2 और एम डी आर फुफ्फुसीय तपेदिक में उपचार की विफलता के प्रतिरक्षात्मक संबद्धता का मूल्यांकन। डॉ. उर्वशी बी. सिंह, अ. भा. आ. सं., 1 वर्ष, 2014–15, 5 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं
जारी

1. संवर्धन ऋणात्मक संक्रमण के निदान में उन्नत जीमोमिक्स का उपयोग (सेप्टेसेमिया और एंडोफ्थेलमिटिस)।
2. वेरिकोनेजोल और नेटामाइसिन के लिए कार्निया अल्सर रोगियों में एंटी फंगल संवेदनशीलता परीक्षण।
3. एस्पेर्जिलस एसपीपी. आंख और प्रणालीगत संक्रमणों के संरचनात्मक और आण्विक लाक्षणीकरण।
4. टायफोडियल सेलमोनिला के विरुद्ध आल्टरनेट एंटीमाइक्रोबायल एजेंट्स का अध्ययन।
5. एच आई वी सेरोपॉज़िटिव महिलाओं के जननांग पथ में डी एन ए वायरस पर एक आण्विक अध्ययन।
6. मात्रात्मक वास्तविक समय पीसीआर और अल्सरेटिव कोलाइटिस में साइटोमैगालोवायरस के लिए जीनोटाइपिंग।
7. ब्लास्टोसिटिस होमिनिस की जांच तथा इसकी ज्वलनशील आंत्र सिंड्रोम के रोगी में आण्विक टाइपिंग : एक क्रॉस अनुभागीय अध्ययन।
8. तृतीयक देखभाल अस्पताल में प्रोस्थेटिक संयुक्त संक्रमण की गंभीरता और कृत्रिम संयुक्त संक्रमण के माइक्रोबियल रूपरेखा की पहचान के लिए प्रवर्धन आधारित डीएनए विश्लेषण की भूमिका।
9. तृतीयक देखभाल अस्पताल की एक गहन चिकित्सा इकाई में लाइनजोलिड उपयोग और प्रतिरोध।
10. हार्डवेयर प्रत्यारोपण के साथ स्वच्छ आर्थोपेडिक सर्जरी के दौरान रोगियों के बीच शल्य चिकित्सा स्थल संक्रमण में बंडल हस्तक्षेप की प्रभावशीलता : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
11. आक्रामक फंगल संक्रमणों के निदान के लिए वास्तविक समय पीसीआर।
12. इम्युनोकोम्प्रोमाइस्ड रोगियों में एस्परजिलस प्रतियों का महामारी विज्ञान और औषधि प्रतिरोध।

13. विस्तारित स्पैक्ट्रम सिफेलोस्पोरिन्स के लिए *एन. गोनोरिया* स्ट्रैन्स में डिक्रिस्ड ससेप्टिबिलिटी का आण्विक लाक्षणीकरण।
14. *एन. गोनोरिया* में विस्तारित स्पेक्ट्रम सेफलोस्पोरिन की कमी की संवेदनशीलता का पता लगाने के लिए उच्च विभेदन पिघलने (एच आर एम) वक्र विश्लेषण।
15. एक प्रायोगिक अध्ययन *एन. गोनोरिया,* एस टी आई क्लिनिकल में भाग लेने के लक्षण रोगियों में सी ट्रैकोमैटिस सह –संक्रमण दर निर्धारित करना।
16. *एन. गोनोरिया* के लिए एप्टामर आधारित पहचान प्रणाली का विकास।
17. सारकॉइडोसिस के इटियोपैथोजेनेसिस में *माइकोबैक्टीरियम क्षयरोग* की भूमिका।
18. हिमेटोलॉजिकल मैलीगनेंसी रोगियों में कार्बापेनेम प्रतिरोध एंटेरोबैक्टीरियस की वजह से आंतों का उपनिवेशवाद और रक्त – धारा संक्रमण की व्याप्ति।
19. क्रिप्टोजेनिक यकृत रोग वाले रोगियों में अल्ट्रासेंट्रिफेगड प्लाज्मा का उपयोग कर ओकल्ट हेपेटाइटिस सी संक्रमण (ओसीआई) का आणविक निदान करना।
20. पीडियट्रिक हिमेटोलॉजिक मैलीगनेंसी रोगियों में वोरिकोनजोल की चिकित्सीय दवा निगरानी।
21. इंफ्लेमेटरी बाउल रोग में माइक्रोस्पोरिडिया का पता लगाना और आण्विक लाक्षणीकरण।

पूर्ण

1. आंख के कारण एकेंथोमोब एसपीपी का जीव विज्ञान और जीनोटाइपिंग और प्रोटियोमिक विश्लेषण का उपयोग कर सीएनएस संक्रमण।
2. सिस्टिक फाइब्रोसिस और वेंटिलेटर से जुड़े निमोनिया के बाल चिकित्सा रोगियों में सांस की बीमारियों के कारण बुर्खेलडेरिया सेपेसिया।

सहयोगी परियोजनाएं
जारी

1. नोबल बैक्टिरियोसिस के पृथक्कीकरण हेतु मॉलीक्यूलर पद्धतियों तथा मेटाजीनोमिक्स के अनुप्रयोग द्वारा मानव जठरांत्रीय माइक्रोबायल डायवर्सिटी का विश्लेषण। (डीबीटी)।
2. भारत में एपिडेमियोलॉजिकल बच्चों और बुजुर्गों के बीच तीव्र श्वसन तंत्र के संक्रमण में श्वसन रोगजनक का अध्ययन (सेंटर फॉर कम्युनिटी मेडिसिन, एम्स और सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रीवेंशन, एटलांटा, यूएसए)।
3. सेरेब्रल मलेरिया में प्लाज्मोडियम फाल्सीपेरम साइटोएडहेरेन्स अणुओं की पहचान (आईसीजीईबी, नई दिल्ली)।
4. जाइगोमायसेट्स और म्यूकोमायक्रोसिस : महामारी विज्ञान, वर्गीकरण और आण्विक जीव विज्ञान। (सूक्ष्म जीव विज्ञान, पीजीआई, चंडीगढ़)।
5. भारत में म्यूकोमायकोसिस की महामारी विज्ञान, उपचार और परिणाम पर बहु केन्द्रित पर्यवेक्षणीय अध्ययन (इंफेक्शस डिजीज वीईडीएएनटीए इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, नवरंगपुरा, अहमदाबाद)।
6. त्वचा की पुरानी डर्माटोफाइटोसिस के साथ जुड़े जोखिक कारकों की पहचान करने के लिए भावी क्रॉस अनुभागीय प्रकरण – नियंत्रण अध्ययन (त्वचा रोग विज्ञान, एम्स)।
7. एयरवे नली और वीएपी की घटनाओं में मानक एंडोट्रेकियल ट्यूब के साथ एंडोट्रकियल ट्यूब और सबग्लोटिक सक्शन ड्रेनेज की तुलना (पल्मोनरी मेडिसिन, एम्स)।

8. अल्प अवधि और 3 माह के परिणाम पर सीओपीडी और इसके प्रभाव के साथ तीव्र लक्षण के रोगियों में वेंटीलेटर से जुड़े निमोनिया के कारक (पल्मोनरी मेडिसिन, एम्स)।
9. सक्रिय सामान्यीकृत विटिलिगो तथा वर्णक नियमन में रोगजनन में माइक्रो आर एन ए की भूमिका का वर्णन (त्वचा रोग विज्ञान, एम्स)।
10. वेंटीलेटर से जुड़े निमोनिया के साथ एयरवे नली और एंडोट्रेकियल ट्यूब बायोफिल्म के गतिशील संबंधों का अध्ययन करना (पल्मोनरी मेडिसिन, एम्स)।
11. बच्चों में इंट्रा–थोरैसिक तपेदिक के निदान में जीन एक्स्पर्ट एमटीबी / आरआईएफ की भूमिका (बाल रोग, एम्स)।
12. श्रेणी 2 आहार पर पल्मोनरी ट्युबरकुलोसिस रोगियों में रिलेप्स और उपचार विफलताओं के लिए जोखिम कारकों के रूप में नैदानिक और औषधीय मापदंडों का मूल्यांकन। (पल्मोनरी चिकित्सा और निद्रा विकार, एम्स)।
13. 6 महीने तक आरएनटीसीपी कैटेगरी I उपचार के 6 महीने लगातार अथवा 9 महीने के बाद आरंभिक प्रतिक्रिया का यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण – जेनाइटल ट्यूबरकुलोसिस के उपचार हेतु अध्ययन (प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान विभाग, एम्स)।
14. बांझ दंपतियों में जेनिटल ट्यूबरकुलोसिस के निदान में नए त्वरित निदान मॉडेलिटीज (जीन एक्सपर्ट और यूरिनरी लिपोरैबिनोमेनन (एलएएम) के उपयोग का मूल्यांकन करना : एक क्रॉस–सेक्शनल अध्ययन (प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान, एम्स)।

पूर्ण

1. भारत में ए. फ्लेवस संक्रमण की महामारी विज्ञान, पैथोजीनोमिक्स और जीव विज्ञान प्रणाली – एक एकीकृत दृष्टिकोण (पीजीआई चंडीगढ़, वीएमएमसी, अरविंद नेत्र अस्पताल, मदुरै)।
2. फोमित प्रदूषण और आईसीयू में वी पी / एचएपी घटना के साथ इसका सहसंबंध : एक भावी अध्ययन (पल्मोनरी मेडिसिन, एम्स)।
3. अनुकूलित सोडियम हाइपोक्लोराइट मध्यस्थता रूट कैनाल कीटाणुशोधन के लिए एक सहायक के रूप में इलेक्ट्रॉनिक सर्वोच्च लोकेटर के आवेदन – एक पूर्व–विवो अध्ययन (दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र, एम्स)।
4. नैदानिक निदान के लिए लागत प्रभावी ग्लूकोज बायोसेंसर का विकास और निर्माण (जैव प्रौद्योगिकी विभाग, दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी)।
5. 6 महीने तक आरएनटीसीपी कैटेगरी I उपचार के 6 महीने लगातार अथवा 9 महीने के बाद आरंभिक प्रतिक्रिया का यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण – जेनाइटल ट्यूबरकुलोसिस के उपचार हेतु अध्ययन (प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान विभाग, एम्स)।
6. एक्स्ट्रा पल्मोनरी ट्यूबरकुलोसिस के उपचार में गाइडिंग उपचार संबंधी नीतियों में औषधि प्रतिरोधी तपेदिक के शीघ्र निदान की भूमिका (न्यूरोलॉजी, गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी, पल्मोनरी मेडिसिन और निद्रा विकार, एम्स, आरबीआईपीएमटी, दिल्ली)।
7. उपचार प्राप्त कर रहे रोगियों के श्रेणी 1, 2 और एम डी आर फुफ्फुसीय तपेदिक में उपचार की विफलता के प्रतिरक्षात्मक संबद्धता का मूल्यांकन। (पल्मोनरी चिकित्सा और निद्रा विकार, एम्स)।
8. बाल चिकित्सा जनसंख्या : इंट्रा–थोरेसिक ट्यूबरकुलोसिस और बहु दवा प्रतिरोधी तपेदिक का शीघ्र निदान (बाल रोग, एम्स)।
9. एमडीआर और एक्सडीआर तपेदिक का शीघ्र पता लगाने के लिए इन–हाउस लाइन प्रोब एसे का विकास और मूल्यांकन। (पल्मोनरी चिकित्सा और निद्रा विकार, एम्स)।

प्रकाशन

जर्नल : 57 सार : 6 पुस्तकों में अध्याय : 3

रोगी देखभाल

विभाग ने 2,58,366 कुल जांचें की।

विश्लेषण / परीक्षण / जांच का नाम	निष्पादित परीक्षणों की संख्या	विश्लेषण / परीक्षण / जांच का नाम	निष्पादित परीक्षणों की संख्या
जीवाणु प्रयोगशाला		विषाणु प्रयोगशाला	
पस नमूने का संवर्धन और पहचान	21,065	इन्फ्लुएंजा वास्तविक समय मल्टीप्लेक्स आरटी–पीसीआर	900
मूत्र नमूने का संवर्धन और पहचान	39,515	एचएसवी 1 और 2 डीएनए पीसीआर (सीएसएफ जीयूडी, नेत्र आदि)	379
रक्त नमूने का संवर्धन और पहचान	30,202	एचसीएमवी डीएनए पीसीआर (मूत्र, कोलोनिक बायोप्सी आदि)	557
बलगम/गला/ट्रेकियल स्वैब नमूने का संवर्धन और पहचान	20,105	एचआईवी – 1 प्रोवायरल डीएनए पीसीआर (प्रारंभिक शिशु निदान)	2,150
सीएसएफ नमूने का संवर्धन और पहचान	9,229	कोशिका संवर्धन (इंफ्ल्यूएंजा, डेंगू, एचएसवी 1 और 2)	267
मल नमूने का संवर्धन और पहचान	2,002	एचसीएमवी पीपी65 एंटीजेनेमिया (इम्यूनोफ्ल्यूरेसेंस)	152
एंटीमाइक्रोबियल संवेदनशीलता परीक्षण		डेंगू एनएस1 एंटीजन (एलाइसा)	1,619
मवाद / स्राव / ऊतक – रोगाणुरोधी संवेदनशीलता परीक्षण	4,065	एंटी – डेंगू आई जी एम (एलाइसा)	3,282
मूत्र – रोगाणुरोधी संवेदनशीलता परीक्षण	3,045	एंटी – चिकनगुनिया आई जी एम (एलाइसा)	157
रक्त – रोगाणुरोधी संवेदनशीलता परीक्षण	2,015	एंटी – जेपनीज़ इंसेफेलिटिस आई जी एम (एलाइसा)	03
श्वसन नमूने – रोगाणुरोधी संवेदनशीलता परीक्षण	3,126	एसएसपीई निदान के लिए कॉम्प्लिमेंट फिक्सेशन टेस्ट (सीएफटी)	170
सीएसएफ / स्टेराइल नमूने – रोगाणुरोधी संवेदनशीलता परीक्षण	502	ज़ेंक स्मीयर	13
मल – रोगाणुरोधी संवेदनशीलता परीक्षण	68	कुल	9,649
कुल	1,34,939		
अस्पताल संक्रमण नियंत्रण (एचआईसी) प्रयोगशाला		एचआईवी लैब.	

निगरानी संवर्धन	21,234
सीएसएसडी निगरानी	2,280
पानी के नमूने	1,282
कुल	24,796
अवायवीय, विशेष रोगजनक और माइकोप्लाज्मा प्रयोगशाला	
एनारोबिक संवर्धन (बाइल, पस, ड्रेन, ब्लड आदि)	1,176
सी. डिफिशिल मल संवर्धन	329
सी. डिफिशिल एलाइसा (टॉक्सिन ए और बी)	327
सी. डिफिशिल पीसीआर और टाइपिंग	37
कैंपिलोबेक्टर मल संवर्धन	06
बारटोनेल्ला संवर्धन	04
एंटी – बारटोनेल्ला आईजीएम (आईएफए)	04
बारटोनेल्ला पी सी आर	0
लेप्टोस्पाइरा संवर्धन	6
एंटी – लेप्टोस्पाइरा आई जी एम (एलाइसा)	345
मूत्र डार्क ग्राउंड माइक्रोस्कोपी	330
प्लाज़्मा डार्क ग्राउंड माइक्रोस्कोपी	336
एंटी – *लीजोनेला न्यूमोफिला आईजीजी (एलाइसा)*	210
लीजोनेला न्यूमोफिला मूत्र एंटीजन	40
लीजोनेला संवर्धन	140
लीजोनेला पर्यावरणीय नमूने	45
लीजोनेला न्यूमोफिला पीसीआर	137
स्क्रब टाइफस आईजीएम एलाइसा	224
स्क्रब टाइफस आईएफए	170
स्क्रब टाइफस पी सी आर	89
स्क्रब टाइफस के लिए आईसीटी	224
एंटी – माइकोप्लाज्मा न्यूमोनिया आईजीएम	204
माइकोप्लाज्मा न्यूमोनिया संवर्धन	196
माइकोप्लाज्मा न्यूमोनिया पीसीआर	74
माइकोप्लाज्मा होमिनिस संवर्धन	194

एचआईवी जांच	2,797
सीडी 4 की संख्या (फ्लोसायटोमेट्री)	6,236
एचआईवी वायरल लोड विश्लेषण (नए परीक्षण आरंभ)	45
कुल	9,078
कवक विज्ञान और आईसीपी प्रयोगशाला	
श्वसन नमूने (बीएएल, ट्रैकियल एस्पिरेट, स्पुटम)	4,041
मूत्र	1,785
सीएसएफ	1,002
विविध (प्लेट्स, स्वाब्स, कैथेटर टिप्स)	1,500
मवाद	1,023
ऊतक / बायोप्सी	469
नाखून / बाल / त्वचा की खुरचन	335
रक्त / अस्थि मज्जा	2,037
रक्त बेकटेक संवर्धन	10
क्रिप्टोकोकल एंटीजन का पता लगाना	738
एस्परजिलस एंटीबॉडी	71
गैलेक्टोमनन एंटीजन	2,105
हिस्टोप्लाज्मा एंटीबॉडी	106
हिस्टोप्लाज्मा पीसीआर	14
क्रिप्टोकोकस पीसीआर	11
पैन फंगल पीसीआर	5
रक्त / खमीर एमआईसी	46
डर्माटोफाइटस एमआईसी	36
विविध (फेयोइड)	2
कुल	15,336
परजीवी विज्ञान प्रयोगशाला	
इन्टेस्टाइनल पैरासिटोसिस	
मल परीक्षा – अंडे / परजीवी (गीला माउंट / सांद्र)	1,465
कोसिडियन परजीवी – मोड.	1,465

			एसिड – फास्ट / विशेष स्टैनिंग	
माइकोप्लाज्मा होमिनिस पीसीआर	194		ऊतक के नमूने (होमोजेनेट्स)	38
माइकोप्लाज्मा जेनिटेलियम पीसीआर	96		इन – विवो संवर्धन	50
यूरीप्लाज्मा यूरीलिटिकम संवर्धन	194		मलेरिया	
यूरीप्लाज्मा यूरीएलिटिकम पीसीआर	194		जीम्सा स्टेनिंग	4,246
एंटी – *क्लेमायडिया* आईजीएम (एलाइसा)	204		एक्रिडाइन ओरेंज (एओ) फ्लोरसेंट स्टेनिंग पीएस	4,246
क्लैमाइडिया ट्रैकोमैटिस पीसीआर	422		मात्रात्मक बफी कोट (क्यूबीसी)	1,316
एनारोब्स की तुलना करने के लिए अंतर प्रयोगशाला के लिए स्ट्रैंस	3		मलेरिया एच आर पी– 2 एंटीजन परख का पता लगाना	759
कुल	6,154		लीशमनियासिस (काला अजार)	
			जीम्सा स्टेनिंग	353
यौन संचारित रोग (एसटीडी) प्रयोगशाला			एक्रिडाइन नारंगी (ए ओ) फ्लोरसेंट स्टेनिंग	353
उच्च योनि स्वैब्स (एचवीएस)	319		मात्रात्मक बफी कोट (क्यू बी सी)	353
वीर्य	893		काला अजार सीरोलॉजी (आरके–39)	807
प्रोस्टेटिक स्राव की अभिव्यक्ति (ई पी एस)	158		फाइलेरिया	
मूत्रमार्ग स्राव	73		प्रत्यक्ष परीक्षण एवं रक्त की सांद्रता	145
सर्वाइकल बहाव	188		पतला और मोटा स्मियर	145
योनि से बहाव	33		एक्रिडाइन ओरेंज (ए ओ) फ्लोरोसेंट स्टेनिंग	145
रोगाणुरोधी संवेदनशीलता परीक्षण			अन्य जांचें	
उच्च योनि स्वैब्स (एचवीएस)	67		न्यूमोकायस्टीसिजिरोवेसाई संक्रमण (पीसीपी) के लिए जांच	180
वीर्य	68		फ्री लिविंग अमीबा (एफएलए) के लिए सेरेब्रोस्पाइनल फ्लुइड जांच	145
प्रोस्टेटिक स्राव की अभिव्यक्ति (ई पी एस)	30		परजीवी सीरम विज्ञान	
मूत्रमार्ग से रिसाव	08		एलाइसा द्वारा एंटी–एंटअमीबा आईजीजी का एमोबिक सीरोलॉजी	113
कुल	1,837		हाइडेटिड रोग सीरोलॉजी (एलाइसा / आईएचए)	112
			एलाइसा द्वारा आईजीजी एंटीबॉडीज के लिए टोक्सोप्लामोसिस सीरोलॉजी	31
तपेदिक प्रयोगशाला			विविध	

ज़ील – नीलसन (जेड एन) स्टेनिंग के लिए स्मियर	12,600		एस्पीरेटस का परीक्षण (बलगम, मवाद आदि)	240
लॉवेनस्टेन – जेन्सेन (एल जे) मध्यम – संवर्धन और संवेदनशीलता	1,692		कुल	16,707
एमजीआईटी 960 रैपिड संवर्धन	3,169			
बेकटेक – एंटीट्यूबरकुलर संवेदनशीलता परीक्षण	1,725		सीरोलॉजी प्रयोगशाला	
माइकोबैक्टीरियम क्षयरोग के लिए पीसीआर	6,877		वीडीआरएल	6676
जीन एक्स्पर्ट एमटीबी / आरआईएफ	2,508		विडाल	4188
एडीए परीक्षण	264		टीपीएचए	88
कुल	28,835		एएसएलओ	83
			कुल	11,035

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां

आचार्य गीता सतपति को 2015 में उनके क्षेत्रीय चिकित्सा अनुसंधान केंद्र के लिए आईसीएमआर द्वारा एक वैज्ञानिक सलाहकार समिति सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया था।

आचार्य रमा चौधरी ने 16–19 अक्तूबर 2014 को जयपुर में आयोजित 42वें सम्मेलन में इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल माइक्रोबायोलॉजिस्ट की घोषणा द्वारा आईएएमएम एंडोवमेंट व्याख्यान पुरस्कार 2014 व्याख्यान दिया। नवंबर 2015 में प्राप्त किया; वे एएसएम अंतरराष्ट्रीय राजदूत 2016–18 थीं।

आचार्य बी. के. दास को बैंकॉक, थाईलैंड में आयोजित 7–14 अक्तूबर, 2015 को 39वें एशिया पैसिफिक हिस्टोकॉम्पेटिबिलिटी एंड इम्युनोजेनेटिक्स एसोसिएशन (एपीएचआईए) सम्मेलन में ''प्रोलाइफरेशन डायनेमिक्स ऑफ गैग – सी स्पेसिफिक नेव एंड मेमोरी सीडी4 + सीडी8+ टी लिम्फोकाइट्स डुरिंग ह्यूमन इम्युनोडिफिसिएंसी वायरस इंफेक्शन'' शीर्षक पर शोध पत्र के लिए सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुतीकरण से सम्मानित किया गया।

आचार्य बी. आर. मिर्धा को एम्स पटना में आयोजित 16 से 18 अक्तूबर 2015 को राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान अकादमी के 55वें वार्षिक सम्मेलन के दौरान नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज (इंडिया), एफएएमएस के फैलोशिप से सम्मानित किया गया; ''आईएएमएम सिल्वर जुबली प्राइज – पैरासिटोलॉजी ऑन द रिसर्च प्रेजेंटेशन'' लगातार क्रिप्टोपोरिडियोसिस में नाइटाजोक्सानाइड की चिकित्सीय विफलता : जेआईपीएमईआर, पुडुचेरी में 25 से 29 नवंबर 2015 को आयोजित इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल माइक्रोबायोलॉजिस्ट का 39वें राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान : रोग और अस्तित्व की संबद्धता।

आचार्य बेनु धवन को 27–29 मई, 2015 को नेशनल एसोसिएशन ऑफ ऑर्थोपीडिक्स एंड ट्रॉमेटोलॉजी (ईएफओआरटी) कांग्रेस, प्राग, चेक गणराज्य के 16वें यूरोपियन फेडरेशन में ''माइक्रोबायोलॉजिकल स्पेक्ट्रम ऑफ प्रोस्थेटिक जॉइंट इंफेक्शन फ्रॉम ए टर्शरी केयर हॉस्पीटल'' पोस्टर शीर्षक के लिए विशेष गौरव से सम्मानित किया गया; 25 सितंबर 2015 को सिंह के, कुमार एस, शेखर एस, धवन बी, डे एस. द्वारा

''सिंथेसिस एंड बायोलॉजिकल एवाल्यूशन ऑफ नोवल पेप्टाइड बीएफ2 एज एन एंटीबैक्टीरियल एजेंट अगेंस्ट क्लिनिकल आइसोलेट्स ऑफ वैनकोमायसिन – रेजिस्टेंट एंटरोकोकाई. जे मेड केम. 2014 नवं. 13, 57 (21) : 8880–5. (आईएफ : 5.447)'' शीर्षक के शोध पत्र के लिए मूलभूत विज्ञान के लिए एम्स उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

आचार्य सीमा सूद ने आईसीएमआर लाला राम चंद कंधारी पुरस्कार – 2012 प्राप्त किया।

डॉ. उर्वशी बी. सिंह ने 10 – 12 दिसंबर 2015 को इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल माइक्रोबायोलॉजिस्ट, दिल्ली चेप्टर, माइक्रो – डी – कॉन के 7वें वार्षिक सम्मेलन में इम्युनोडायग्नोस्टिक टेक्नीक्स पर संजय सरदाना मेमोरियल पुरस्कार प्राप्त किया।

डॉ. सरिता महापात्रा को 17वें आईसीआईडी, हैदराबाद : 2016 के दौरान भारत और दक्षिण पूर्व एशिया से युवा अन्वेषकों के लिए बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन ट्रेवल अनुदान पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

डॉ. आशीष चौधरी को जेआईपीएमईआर, पुडुचेरी में 27–29 नवंबर 2015 को आयोजित 39वें राष्ट्रीय सम्मेलन में आईएएमएम द्वारा प्रदत्त वायरोलॉजी – 2014 में सर्वश्रेष्ठ प्रकाशित शोध पत्र के लिए इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल माइक्रोबायोलॉजिस्ट (आईएएमएम) पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

डॉ. हितेन्द्र गौतम ने इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी, आईएएमएम नेशनल सम्मेलन, 2015 में 27–29 नवंबर 2015 को जेआईपीएमईआर, पोंडिचेरी में इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल माइक्रोबायोलॉजिस्ट, आईएएमएम, माइक्रोकॉन – 2015 के राष्ट्रीय सम्मेलन में डॉ. एस. एस. केलकर मेमोरियल पुरस्कार – 2015 (स्वर्ण पदक) जीता।

अतिथि वैज्ञानिक

1. डॉ. सतीश पी. रामचंद्र राव, प्रोफेसर और अध्यक्ष, कोशिका जीव विज्ञान और आण्विक आनुवंशिकी विभाग, देवराज यूआरएस मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, कोलर, कर्नाटक द्वारा सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली में 30 जुलाई, 2015 को ''यूरिनरी एक्सोसोम पैराडिग्म ऑन किडनी फंक्शन'' पर एक व्याख्यान दिया।

2. डॉ. ज्ञानु लेमिछेन, सहायक प्रोफेसर, सेंटर फॉर ट्यूबरकुलोसिस रिसर्च, काय चिकित्सा विभाग, जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी, स्कूल ऑफ मेडिसिन द्वारा सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली में 30 सितंबर, 2015 को ''टीबी इन द 21 सेंचुरी : न्यू वल्नरेबिलिटीज ऑफ *एम. ट्यूबरकुलोसिस* सेल वॉल एंड पोटेंशियल न्यू ट्रीटमेंट'' पर एक व्याख्यान दिया।

9.21 वृक्क विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष
संजय के. अग्रवाल

आचार्य

दीपांकर एम. भौमिक | संदीप महाजन

सहायक आचार्य

सोमिता के. बागची | राज के. यादव | योगेश छाबड़ा (अनुबंध) 8 जनवरी 2016 से

विशिष्टताएं

विभाग ने इस अवधि के दौरान एम्स में पहला एबीओ–असंगत गुर्दा प्रत्यारोपण किया है। हीमोडायलेसिस के लिए नए आधुनिकतम रिवर्स ओस्मोसिस जल संयंत्र लगाया गया है जो हीमोडायलिसिस के लिए अति शुद्ध पानी प्रदान करता है। विभाग ने सभी गुर्दा प्रत्यारोपण के रोगियों के लिए प्रतिरक्षी संदमक दवा की निःशुल्क निगरानी जारी रखी है। यह हर सप्ताह लगभग 80 रोगियों को कम लागत पर हीमोडायलिसिस की सुविधा दी जाती है और गरीबी रेखा से नीचे के रोगियों के लिए यह निःशुल्क है। विभाग ने गुर्दा विज्ञान में संभावित अनुसंधान के नमूनों का एक जैव संग्रहालय भी स्थापित किया है। संकाय क्रोनिक किडनी रोग, डायलिसिस और गुर्दे के प्रत्यारोपण से संबंधित सभी सरकारी नीति बनाने वाले निकायों में शामिल है। डॉ. एस. के. अग्रवाल राष्ट्रीय अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन (एनओटीटीओ) के लिए तकनीकी सलाहकार और राष्ट्रीय अंग और ऊतक प्रत्यारोपण रजिस्ट्री (एनओटीटीआर) के प्रभारी अधिकारी है।

शिक्षा

दीर्घ – अवधि प्रशिक्षण

विभाग द्वारा पोस्ट एम डी (मेडिसिन और पीडियाट्रिक) के प्रत्याशियों के लिए एम्स द्वारा आयोजित अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा में योग्यता के आधार पर चुने जाने पर डी एम नेफ्रोलॉजी का तीन वर्षीय डिग्री पाठ्यक्रम चलाया जाता है। इस अवधि के दौरान डी एम नेफ्रोलॉजी पाठ्यक्रम में पांच प्रत्याशियों ने प्रवेश लिया था। आंतरिक काय चिकित्सा, जराचिकित्सा काय चिकित्सा और आपातकालीन काय चिकित्सा, मूत्र विज्ञान और संवेदनाहरण तथा क्रिटिकल केयर मेडिसिन विभागों के स्नातकोत्तर छात्रों को 1–2 माह की अल्पावधि के लिए चक्रानुक्रम आधार पर तैनात किया जाता है। वर्तमान में विभाग में 6 माह प्रत्येक के लिए तीन गैर शैक्षिक जूनियर रेजीडेंट हैं।

लघु – अवधि प्रशिक्षण

विभाग ने पीडियट्रिक नेफ्रोलॉजी प्रभाग से रेजीडेंट्स के लिए लघु अवधि प्रशिक्षण प्रदान किया है जो नियमित आधार पर नेफ्रो–पैथोलॉजी सम्मेलन के लिए भी आते है।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा /कार्यशाला / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

विभाग द्वारा आयोजित

1. एम्स पीडी कॉलेज, 26 अप्रैल 2015, इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली।
2. विश्व गुर्दा दिवस – 2015 और आरएमएल अस्पताल के सहयोग से 3 मई 2015 को आयोजित सार्वजनिक जागरूकता संबंधित गुर्दा रोग, आर एम एल अस्पताल, नई दिल्ली।
3. एम्स वृक्क विज्ञान सम्मेलन – 2015, 16–18 अक्टूबर 2015. यह बैठक अन्य की तुलना में भारत में या यहां तक कि दुनिया भर में सबसे अधिक और क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा वर्तमान प्रकरण आधारित प्रारूप पैटर्न के साथ भारत में आयोजित तीसरी बैठक आयोजित की गई थी। पूरी बैठक पारस्परिक थी। बैठक की नए आमंत्रित संकाय और सभी प्रतिनिधियों द्वारा सराहना की गई थी। प्रतिनिधियों में स्नातकोत्तर, नेफ्रोलॉजिस्ट, काय चिकित्सा के स्नातक छात्रों का मिश्रण था और आंतरिक काय चिकित्सा, नेफ्रोलॉजी, पीडियाट्रिशियन, पैथोलॉजिस्ट आदि जैसे काय चिकित्सा की विभिन्न शाखाएं भी थी। पैथोलॉजिस्ट की संख्या अच्छी खासी है, आईएसएन – पैथोलॉजी पाठ्यक्रम से अधिक प्रत्याशी पंजीकृत है। संकाय सहित लगभग 200 प्रतिनिधियों ने इस बैठक में भाग लिया। प्रतिनिधि भारत के सभी हिस्सों से थे। आईएसएन–एएनआईओ फैलो के लिए पंजीकरण शुल्क माफ कर दिया गया था जो प्रशिक्षु थे।

प्रदत्त व्याख्यान

एस. के. अग्रवाल : 7	दीपांकर भौमिक : 4	संदीप महाजन : 9
सोमिता बागची : 4	आर. के. यादव : 1	

मौखिक शोधपत्र / पोस्टर प्रस्तुतीकरण : 6

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. शहरी भारतीय आबादी में वयस्कों में क्रोनिक किडनी रोग के प्रसार पता लगाने के लिए बहुकेंद्रीय अध्ययन। डॉ. एस के अग्रवाल, आई सी एम आर, नई दिल्ली, 4 वर्ष, 2012 – 16, 90 लाख रुपए।

पूर्ण

1. भारतीय रोगियों में गुर्दे के प्रत्यारोपण के बाद पहले वर्ष में बी के वायरस प्रतिकृति की भावी निगरानी, सोमिता बागची, आंतरिक अनुदान, 2 वर्ष, 2014 – 16, 6.2 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. गुर्दे प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ता और हिस्टोपैथोलॉजिकल सह संबंध में प्रोटीनूरिया।

2. वृक्क प्रतिस्थापन चिकित्सा वाले रोगियों में एच बी वी और एच सी वी संक्रमण का क्लिनिको – पैथोलॉजिकल का सहसंबंध।

3. भारतीय संदर्भ में संबंधित गुर्दे एलोग्राफ्ट प्राप्तकर्ता जीवित में जोखिम कारक, नैदानिक प्रोफ़ाइल और देर से बनाम जल्दी एमवी संक्रमण के परिणाम का आकलन।
4. तीव्र गुर्दे की चोट के स्पेक्ट्रम और भारत में एक तृतीयक देखभाल अस्पताल में इसकी छोटी और लंबी अवधि के परिणाम।
5. गुर्दे एलोग्राफ्ट प्राप्तकर्ताओं में मूत्र मार्ग में संक्रमण का भावी अध्ययन।
6. जीवित संबंधी गुर्दा प्रत्यारोपण के परिणामों के संबंध में सीएसए तथा टेक्रोलाइमस का प्रभाव।
7. चिरकालिक गुर्दा रोग के रोगी जोकि डायलेसिस पर नहीं है उनमें कैरोटिड आरट्री इंटीमल मीडिया थिकनैस की वृद्धि का मूल्यांकन तथा एंडोथेलियल दुष्क्रिया तथा जैव रासायनिक पैरामीटरों के साथ इसका सह–संबंध।
8. गुर्दे के प्रत्यारोपण के बाद पहले वर्ष में अस्पताल में भर्ती आवश्यकता संक्रमण की प्रोफाइल और जोखिम कारक।
9. भारत में एक तृतीयक देखभाल अस्पताल में बायोप्सी सिद्ध गुर्दे की बीमारी के पैटर्न चित्रित करना।
10. भारतीय जनसंख्या में आइजीए नेफ्रोपैथी का ऑक्सफोर्ड वर्गीकरण के मूल्यांकन के लिए पूर्वव्यापी अध्ययन।
11. गुर्दे प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ताओं में फेफड़े में संक्रमण : भावी कोहॉर्ट पर्यवेक्षणीय अध्ययन।
12. आइडियोपैथिक मेम्ब्रनस नेफ्रोपैथी (आईएमएन) में उपयोगी रिटुक्सिमब : एक पूर्वव्यापी अध्ययन।
13. नैदानिक प्रस्तुति और गुर्दे के प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ताओं में डेंगू के परिणाम : एक पूर्वव्यापी विश्लेषण।
14. गुर्दे के प्रत्यारोपण के पहले और बाद धमनी कठोरता और स्वायत्त कार्य का आकलन।
15. गुर्दे दाताओं का दीर्घकालिक परिणाम।

पूर्ण

1. प्रारंभिक मध्यम उम्र में गुर्दे की दीर्घकालिक बीमारियों के महामारी विज्ञान बायोमार्कर के साथ जन्म से वयस्कता तक शरीर द्रव्यमान सूचकांक में गर्भावधि उम्र जन्म के समय वजन और क्रम परिवर्तन का संबंध।
2. एफजीएफ–23 पेरिटोनियल डायलिसिस और उसके संबद्ध।
3. भारतीय जनसंख्या में आइजीए नेफ्रोपैथी का ऑक्सफोर्ड वर्गीकरण के मूल्यांकन के लिए पूर्वव्यापी अध्ययन।
4. भारत में बुजुर्ग रोगियों में बायोप्सी सिद्ध गुर्दे की बीमारी की प्रोफाइल के मूल्यांकन के लिए पूर्वव्यापी अध्ययन।
5. नैदानिक रूपरेखा और उपचार प्रतिक्रिया के मूल्यांकन के लिए पूर्वव्यापी अध्ययन और प्राथमिक एफएसजीएस के साथ वयस्क रोगियों के परिणाम।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. नवजात शिशुओं और गुर्दे के प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ताओं से मानव साइटोमेगालोवायरस का पता लगाना और जीनोटाइपिंग (माइक्रोबायोलॉजी)।
2. मॉलिकुलर डिटेक्शन एण्ड कैरेक्टराइजेशन ऑफ न्यूमोसिस्टिस जीरोवेकी इन रिस्पीरेटिरी सैम्प्ल्स फ्रॉम द पेशेंट्स बोथ इम्यूनोकॉम्प्रोमाइज्ड एज़ वैल इम्यूनोकॉम्पेटेंट विद सस्पेक्टिड इंटरस्टिशियल निमोनिया एण्ड अदर क्रोनिक लंग डिजीज (माइक्रोबायोलॉजी)।

3. टू स्टडी द प्रीवलेंस ऑफ यू एल 97 जीन म्युटेशन इन गैंसिक्लोविर नॉन – रिस्पोंडर्स बनाम रिस्पोंडर्स इन इण्डियन रिनल ट्रांसप्लांट पेशेंट्स (लैब मेडिसिन)।
4. परिणामों की तुलना का एक भावी अध्ययन तथा लेप्रोस्कोपिक दाता नेफ्रेक्टोमी बनाम खुली दाता नेफ्रेक्टोमी के बाद जीवन की गुणवत्ता (सर्जरी)।
5. न्यूमोसिस्टिस जिरोवेसी का नैदानिक उपभेदों की जनसंख्या आनुवंशिकी का अध्ययन और इसके क्लिनिको – महामारी विज्ञान सहसंबंध (माइक्रोबायोलॉजी)।
6. हीमोडायलिसिस के लिए धमनी के उपयोग में इमेजिंग और हस्तक्षेप (रेडियोलॉजी)।
7. लाइव संबंधित गुर्दे प्रत्यारोपण के दौरान जल्दी भ्रष्टाचार समारोह पर तरल पदार्थ हाइड्रेशन की दर का प्रभाव (एनेस्थीसिया)।
8. ल्युपस नेफ्रैटिस में उपचार की प्रतिक्रिया की भविष्यवाणी बायोमार्कर की पहचान (काय चिकित्सा)।
9. इम्युनोग्लोबुलिन प्रकाश श्रृंखला प्रेरित गुर्दे की विफलता के साथ मल्टिपल मायलोमा के रोगियों में भावी मार्कर की पहचान (मेडिकल ऑन्कोलॉजी)।
10. प्रत्यारोपण मधुमेह मेलिट्स के पश्चात पर्यवेक्षणीय – एक भावी अध्ययन (फार्मोकोलॉजी)।
11. क्रोनिक किडनी रोगी (चरण 5डी) रोगियों में ऑर्गनोक्लोराइन कीटनाशकों के स्तरों पर गुर्दे के प्रत्यारोपण के प्रभाव का मूल्यांकन (लैब मेडिसिन)।
12. इंफ्लेमेटरी बॉवेल डिजीज (आईबीडी) में रोग गतिविधि मार्करों के रूप में यूरिनरी सोडियम और पोटेशियम का मूल्यांकन (गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी)।
13. शल्य गहन देखभाल इकाई में आघात रोगियों में गुर्दे की गंभीर चोट (एकेआई) में एक प्रारंभिक मार्कर के रूप में प्लाज्मा और यूरिन न्युट्रोफिल गेलेटाइनस – सहयोगी लिपोकेलिन (एनजीएएल) का मूल्यांकन (एनेस्थीसिया)।
14. सबक्लिनिकल क्रिप्टोकोकस के निदान के लिए इम्युनोब्लॉट विश्लेषण का विकास (माइक्रोबायोलॉजी)।
15. दिल्ली और भारत के अन्य हिस्सों से एंटीफंगल संवेदनशीलता परीक्षण और क्रिप्टोकोकल आइसोलोट्स की जीनोटाइपिंग (माइक्रोबायोलॉजी)।

पूर्ण

1. हीमोडायलेसिस के लिए धमनी शंट में इमेजिंग और हस्तक्षेप (रेडियोडायग्नोसिस)
2. जेनेटिक बहुरूपता और टोल जैसे रिसेप्टर्स, मैनोस बाध्यकारी लेक्टिन और मैट्रिक्स मेटालोप्रोटाइनेस की अभिव्यक्ति और पुराने पेरिटोनियल डायलिसिस वाले रोगियों में सह–रुग्णता और संक्रमण के साथ इसका सह–संबंध (माइक्रोबायोलॉजी)।

प्रकाशन

जर्नल : 8 पुस्तकें : 1

रोगी देखभाल

सभी नेफ्रोलॉजी संबंधी रोगों के लिए सामान्य नेफ्रोलॉजी देखभाल प्रदान करने के अलावा विभाग गुर्दा प्रत्यारोपण इलाज की आधुनिकतम सुविधा, हीमोडायलिसिस, सीएपीडी और गुर्दा प्रत्यारोपण अंतिम चरण के गुर्दा रोगियों को बहुत ही कम लागत पर प्रदान करता है। विभाग द्वारा आपसी प्रत्यारोपण और ए बी ओ के गैर अनुकूल गुर्दा प्रतिरोपण भी करता है। विभाग द्वारा निःशुल्क प्रतिरक्षी संदमन दवा निगरानी प्रदान की जाती है। हीमोडायलिसिस के दौरान मशीन के लिए अति शुद्ध पानी प्रदान किया जाता है ताकि रोगियों का पूरी तरह सुरक्षित हीमोडायलिसिस किया जा सके।

क्र. सं	क्षेत्र	उप–शीर्षक	2015
1.	हिमोडायलेसिस (एचडी) से संबंधित	नए रोगी	1078
		आपातकालीन रोगी	706
		कुल	9842
		प्लाजमफेरेसिस	222
		फेमोरल वेन कैथेराइजेशन	803
		जुगुलर / सबक्लेवियन वेन कैथेटेराइजेशन	238
		अर्टेरियोवेनस शंट्स	0
		अर्टेरियोवेनस फिस्टुला	850
		फार्माकैथ इंसर्शन	25
2.	आईसीयू से संबंधित	सीआरआरटी / एसएलईडी	47
3.	पेरिटोनियल डायलाइसिस (पीडी	तीव्र पीडी	45
		सतत एम्बुलेटरी (सीएपीडी)	17
4.	आंतरिक संबंधित	किडनी बायोप्सी	545
		लिवर बायोप्सी	7
		आंतरिक नियमित प्रवेश	1400
		आंतरिक लघु प्रवेश	482
		आंतरिक मौत / पुरुष	99/68
		नेफ्रोलॉजी परामर्श	4693
		अल्ट्रासाउंड	543
5.	दिवस उपचार	पल्स मेथीलप्रीडनिसोलोन टीटी	29
		आईवी आयरन थेरेपी	162
		आईवी सायक्लोफोस्फेमाइड थेरेपी	52
		अन्य विविध उपचार	239
6.	गुर्दा प्रत्यारोपण	एलआरआरटी का मूल्यांकन	523
		केडेरवर ग्राही का मूल्यांकन	59
		जीवित आरटी दाता	148
		केडेवर आरटी दाता	12
7.	गुर्दा प्रयोगशाला संबंधित	रक्त के नमूने	82226
		बायोकेमेस्ट्री (यूरिया, सीआर, एनए, के)	82226
		मूत्र ओस्मोलेलिटी	241
		24 घण्टे यूरिन जांच	11822
		आरटी रोगियों के लिए हिमोग्राम	15636
		सीओ2	16780
		सिरम आयरन	9129
		टीआईबीसी	9145
		यूआईबीसी	9145
		टी सेचुरेशन	9143

	सिरम फेरिटिन	3297
	एनजीएएल	0
	टीएसी स्तर	3734
	वीआईटी – डी और पीटीएच	745
	मूत्र पी ओ 4	298
8. ओपीडी संबंधी	गुर्दा क्लिनिक के नए रोगी	8419
	गुर्दा क्लिनिक के पुराने रोगी	28578
	गुर्दा क्लिनिक के कुल रोगी	36997
	आरटी परामर्श क्लिनिक (3 दिन / सप्ताह)	1660
	आरटी के नए मामले	148
	आरटी के पुराने मामले	9979
	आरटी क्लिनिक के कुल रोगी	10127

पुरस्कार, सम्मान तथा महत्त्वपूर्ण घटनाएं

आचार्य एस. के. अग्रवाल ने भारतीय चिकित्सा संघों द्वारा मेडएचिवर अवार्ड 2015 प्राप्त किया; ओपन एक्सेस जर्नल 'एसएम जर्नल ऑफ हेपेटाइटिस रिसर्च एंड ट्रीटमेंटेड' में संपादकीय दल के सदस्य होने के लिए आमंत्रित किया गया; नैदानिक नेफ्रोलॉजी के अभिलेखागार के एक संपादकीय बोर्ड के सदस्य के रूप में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया; महानिदेशक, आई सी एम आर द्वारा भोपाल मेमोरियल हॉस्पीटल एंड रिसर्च सेंटर, भोपाल में चिकित्सा सेवाओं पर विशेषज्ञ समूह के सदस्य बनने के लिए नामांकित किया; वृक्क विज्ञान और गुर्दे थेरेपी के संपादकीय बोर्ड के सदस्य होने के लिए आमंत्रित; स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अक्तूबर 2015 को जी न्यूज नेटवर्क चैनलों द्वारा 'स्वस्थ भारत सम्मान' पर प्रदत्त; 2015 के बाद से नेफ्रोलॉजी के विश्व पत्रिका के एसोसिएट संपादक होने के लिए आमंत्रित; इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में 15 जनवरी को आयोजित ''अंडरस्टैडिंग द हेल्थ ऑफ एग्रीकल्चर वर्कफोर्स विद् फोकस ऑन सीकेडी ऑफ नॉन – ट्रेडिशनल (सीकेडीएनटी) एक्यूज'' के शीर्षक की एक बैठक के लिए संकाय आमंत्रित; राज्य मंत्री, एमओएचएफडब्ल्यू, श्रीपाद येसो नाइक द्वारा 'बेस्ट नेफ्रोलॉजिस्ट ऑफ द इयर्स' के लिए स्वास्थ्य देखभाल उत्कृष्टता पुरस्कार 2015.

आचार्य संदीप महाजन राष्ट्रीय पीडी दिशानिर्देश समिति के सदस्य; भारतीय सीकेडी–एमबीडी दिशानिर्देश समिति के सदस्य थे; उन्हें विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा डी वाई पाटिल विद्यापीठ पुणे के योजना बोर्ड के लिए नामित किया गया; मंत्रालय मानव संसाधन एवं विकास द्वारा गुजरात के केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रथम कोर्ट में सदस्य के रूप में नामित किया; भारत की पेरिटोनियल डायलिसिस सोसायटी के उत्तर जोनल कार्यकारिणी में हैं; उन्हें एन आई एच / एन एच एल बी आई वित्त पोषित इस्केमिया – सी के डी परीक्षण के लिए न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन के द्वारा भारत (नेफ्रोलॉजी) के लिए एक देश के रूप में नियुक्त किया गया। भारतीय सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थान द्वारा उच्च रक्तचाप प्रबंधन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम के राष्ट्रीय विशेषज्ञ पैनल के लिए आमंत्रित थे।

अतिथि वैज्ञानिक

1. डॉ. संजीव सेठी, प्रयोगशाला चिकित्सा और विकृति विज्ञान, मायो क्लिनिक, मिनेसोटा विभाग के प्रोफेसर, यूएसए, वृक्क विज्ञान विभाग में आए और 10 अप्रैल 2015 को ''क्लासिफिकेशन एंड रिपोर्टिंग ऑफ

ग्लोमेरुलोनेफ्रिटिस'' पर अतिथि व्याख्यान दिया।

2. डॉ. अनिल के. मंडल, नैदानिक प्रोफेसर, काय चिकित्सा विभाग, यूनिवर्सिटी ऑफ फ्लोरिडा और सहायक प्रोफेसर, विकृति विज्ञान, यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ कैरोलिना, चैपल हिल ने 28 अगस्त 2015 को विभाग का दौरा किया और 'ग्लूकोज मैनेजमेंट इन प्रीजर्वेशन ऑफ रिनल फंक्शन इन डायबिटीज' पर व्याख्यान दिया।

9.22 नाभिकीय चुम्बकीय अनुनाद

आचार्य और अध्यक्ष

एन. आर. जगन्नाथन

अपर आचार्य

रमा जयासुंदर | एस. सेंथिल कुमारन

सहायक आचार्य

उमा शर्मा | वीरेंद्र कुमार

वैज्ञानिक

सुजीत कुमार मेवाड़ | पवन कुमार

विशिष्टताएं

प्रो. एन. आर. जगन्नाथन को विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार की प्रतिष्ठित जे. सी. बोस नेशनल फैलोशिप प्राप्त करने के लिए चयनित किया गया था और चिकित्सा में इंटरनेशनल सोसायटी फॉर मैग्नेटिक रेसोनेंस (आईएसएमआरएम), संयुक्त राज्य अमेरिका का भारतीय अध्याय के अध्यक्ष के रूप में निर्वाचित किया गया था। विभाग ने 22 मार्च 2016 को 'इन–हाऊस संगोष्ठी' का आयोजन कर अपना 24वां विभाग दिवस मनाया।

शिक्षा
स्नातकोत्तर

विभाग के संकाय तथा वैज्ञानिकों ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के जैव प्रौद्योगिकी विभाग के एम. बायोटेक कार्यक्रम में भाग लिया तथा ''संरचनात्मक जैव विज्ञान तथा एनएमआर प्रौद्योगिकी'' तथा ''आण्विक चिकित्सा'' विषयक पाठ्यक्रम पर व्याख्यान दिए। स्नातकोत्तर प्रशिक्षण कार्यक्रम, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग हेतु संकाय सदस्यों ने ''उच्च मानसिक कार्य : तकनीक (एफएमआरआई) और विधि विज्ञान'' विषय पर पाठ्यक्रम के सैद्धांतिक भाग तथा प्रदर्शन में हिस्सा लिया। विभाग ने 22 मार्च 2016 को 'इन–हाऊस संगोष्ठी' का आयोजन कर अपना 24 वां विभाग दिवस मनाया।

अल्पकालिक / दीर्घकालिक प्रशिक्षण

भारत के विभिन्न संस्थानों तथा विश्वविद्यालयों से चिकित्सा एवं विज्ञान विधाओं से दस व्यक्तियों तथा अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के बी एससी रेडियोग्राफी के छात्रों ने एमआरआई, एफएमआरआई और एमआरएस तकनीकों में प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा

22 मार्च 2015 को 'वन डे ओपन–हाउस सिम्पोजियम' आयोजित किया गया और विभिन्न छात्रों द्वारा किए गए शोध पर प्रस्तुतियां प्रस्तुत की गई। संकाय सदस्यों ने समीक्ष्य वर्ष के दौरान क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा, संगोष्ठी, कार्यशालाओं तथा सम्मेलनों में भाग लिया तथा व्याख्यान दिए।

प्रदत्त व्याख्यान

एन. आर. जगन्नाथन : 14 रमा जयासुंदर : 14 एस. सेंथिल कुमारन : 11

वीरेंद्र कुमार : 3

मौखिक पत्र / पोस्टर प्रस्तुतीकरण : 20

अनुसंधान
वित्तपोषित परियोजनाएं
जारी

1. विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थानों (एफआईएसटी) में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के बुनियादी ढांचे के सुधार के लिए निधि, एन. आर. जगन्नाथन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, (डीएसटी), भारत सरकार, 5 वर्ष, 2014– 2019, 147.00 लाख रुपए।

2. स्तन कैंसर अध्ययन के लिए चुंबकीय अनुनाद (एमआर) बहु–पैरामीट्रिक दृष्टिकोण और आणविक मार्कर के साथ इसका सहसंबंध, एन. आर. जगन्नाथन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, (डीएसटी), भारत सरकार, 3 वर्ष, 2013–2016, 53.7 लाख रुपए।

3. नए मानकीकरण और गुणवत्ता आकलन पैरामीटर में सहायता करने के लिए एक आयुर्वेदिक नजरिए से औषधीय पौधों की स्पेक्ट्रोस्कोपी विश्लेषण, राम जयसुंदर, राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड (एनएमपीबी), आयुष विभाग, 4 वर्ष, 2011–2015, 96.90 लाख रुपए।

4. मानकीकरण और गुणवत्ता आकलन के लिए औषधीय पादपों के स्पेक्ट्रोस्कोपी विश्लेषण, रमा जयसुंदर, राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड (एनएमपीबी), आयुष विभाग, 3 वर्ष, 2014–2017, 48.96 लाख रुपए।

5. चुने हुए औषधीय पौधों में एंटी एचआईवी संभाव्यता और फाइटो मेटेलो बोलामिक्स का पात्रे आकलन, रमा जयसुंदर, आंतरिक अनुसंधान अनुदान, एम्स, नई दिल्ली, 1 वर्ष, 2014–2015, 5.00 लाख रु.।

6. शास्त्रीय आयुर्वेदिक सूत्रीकरण का वैज्ञानिक विश्लेषण : स्तनधारी कैंसर व्युत्पन्न कोशिका लाइनों और विवो में आनुवंशिक रूप से प्रेरित ड्रोसोफिला ट्यूमर के एक खोजपूर्ण अध्ययन, प्रदीप सिन्हा (आईआईटी कानपुर)।

7. (सह–पीआई : जयासुंदर), संधि सीड ग्रांट, आईआईटी कानपुर, 1 वर्ष , 2014–2015, 5.00 लाख रुपए।

8. आकारिकी, कार्यात्मक, बायोकेमिकल और व्यवहार के मूल्यांकन के बाद ईएमएफ विकिरण, एस सेंथिल कुमारन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) भारत सरकार, 3 वर्ष, 2015–2017, 49. 50 लाख रुपए।

9. नेत्रहीनों के विषयों में कार्यात्मक और न्यूरोबायोलॉजिकल विश्लेषण, एस सेंथिल कुमारन, डीएसटी–संज्ञानात्मक विज्ञान पहल, 3 वर्ष, 2014–2016, 34.02 लाख रुपए।

10. मोटर प्रोसेसिंग के लिए स्पोनटेनियस रिकवरी के दौरान पोस्ट स्ट्रोक न्यूरोप्लास्टिक संभाव्यता, एस. सेंथिल कुमारन, आंतरिक अनुसंधान अनुदान, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2014–2016, 4.75 लाख रुपए।

11. इन विट्रो एनएमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी का उपयोग करके सेलियाक रोग का चयापचय, उमा शर्मा, जैव प्रौद्योगिकी विभाग। (डीबीटी) भारत सरकार, 3 वर्ष, 2011–2015, 33.63 लाख रुपए।

पूर्ण

1. चुने हुए औषधीय पौधों में एंटी एचआईवी संभाव्यता और फाइटो मेटलो बोलामिक्स का पात्रे आकलन, रमा जयसुंदर, आंतरिक अनुसंधान अनुदान, एम्स, नई दिल्ली, 1 वर्ष, 2014–2015, 5.00 लाख रुपए।

2. जैव कार्यात्मक मार्कर का उपयोग करके क्रोनिक इस्केमिक स्ट्रोक में ऑटोलॉगस मोनोन्यूक्लियर स्टेम कोशिकाओं की पैराक्राइन तंत्र का अध्ययन, एम वी पद्मा श्रीवास्तव (सह–पीआई : कुमारन), वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर), 3 वर्ष, 2012 – 2015, 32.00 लाख रुपए।

3. तीव्र स्ट्रोक के बाद पूर्वानुमान कार्यात्मक परिणाम : एशियाई भारतीयों में नैदानिक–रेडियोलॉजिकल पैरामीटर्स और वृद्धि कारक के एक मॉडल का मूल्यांकन, एम वी पद्मा श्रीवास्तव (सह–पीआई : कुमारन), वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार, 3 वर्ष, 2013–2015, 37.57 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. प्रोस्टेट कैंसर का पता लगाने में एमआर निर्देशित बायोप्सी की भूमिका।
2. स्तन कैंसर और आण्विक मार्करों के साथ इसके संबंध के अध्ययन के लिए चुंबकीय अनुनाद (एमआर) मल्टी–पैरामेट्रिक दृष्टिकोण।
3. एनएमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी द्वारा सेलियाक रोग के मेटाबोलोमिक्स अध्ययन।
4. चूहों में स्ट्रोक की प्रयोगात्मक मॉडल में लेरकानिडिपाइन और सिटालोप्रेम के तंत्रिका रक्षात्मक अध्ययन।
5. एनएमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी का उपयोग करके प्रोस्टेट कैंसर का चयापचय अध्ययन।
6. यूथेमिक रोगियों में बाइपोलर 1 विकार के साथ संज्ञानात्मक कार्यों की तंत्रिका रासायनिक संबद्धता।
7. स्वस्थ नवजात शिशुओं की मेटाबोलोमिक रूपरेखा।
8. चूहों में क्षणिक फोकल मस्तिष्क इस्चेमिया के बीच सेरेबेरल धमनी रुकावट मॉडल में नैनो वाहक आधारित बेब्रेराइन क्लोराइड के तंत्रिका रक्षात्मक अध्ययन।
9. चिकित्सीय पौधों का स्पेक्ट्रोस्कोपिक विश्लेषण।
10. एक आयुर्वेदिक नजरिए से चुनिंदा औषधीय पौधों का स्पेक्ट्रोस्कोपी विश्लेषण।

11. न्यूरो मनोवैज्ञानिक और द्विभाषी विकास डिस्लेक्सिया के न्यूरोबायोलॉजिकल आधार संज्ञानात्मक व्यवहार और कार्यात्मक चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग (एफएमआरआई) द्वारा पूर्व और बाद चिकित्सा अध्ययन।
12. चूहों में स्ट्रोक की प्रयोगात्मक मॉडल में लेरकानिडिपाइन और सिटालोप्रेम के तंत्रिका रक्षात्मक अध्ययन।
13. यूथेमिक रोगियों में बाइपोलर 1 विकार के साथ संज्ञानात्मक कार्यों की तंत्रिका रासायनिक संबद्धता।
14. चूहों में स्ट्रोक की प्रयोगात्मक मॉडल में फ्यूमेरिक एसिड एस्टर (एफएई) का मूल्यांकन।
15. चूहों में क्षणिक फोकल मस्तिष्क इस्केमिया के बीच सेरेबेरल धमनी रुकावट मॉडल में नैनो वाहक आधारित बेब्रेराइन क्लोराइड के तंत्रिका रक्षात्मक अध्ययन।
16. पोस्ट–पोलियो सिंड्रोम में एमआरएस की भूमिका।
17. प्रोस्टेट कैंसर के मॉलिकुलर इमेजिंग के लिए एमआरआई रासायनिक विनिमय हस्तांतरण।

पूर्ण

1. एकाधिक काठिन्य (एमएस) के चूहे मॉडल पर एमआर अध्ययन
2. गैर औषधीय उन्मादी बाध्यकारी विकार के रोगियों में चुंबकीय अनुनाद स्पेक्ट्रोस्कोपी द्वारा मस्तिष्क तंत्रिका रसायन शास्त्र मूल्यांकन में असामान्यताएं और एसिटालोपराम उपचार के 12 सप्ताह के बाद परिवर्तन।
3. प्रोस्टेट कैंसर के मूल्यांकन में विभिन्न चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग और स्पेक्ट्रोस्कोपी विधियों की भूमिका।
4. चयन आयुर्वेदिक सूत्रीकरण के स्पेक्ट्रोस्कोपी विश्लेषण और औषधीय मूल्यांकन।
5. कार्यात्मक चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग (एफएमआरआई) नेत्रहीन व्यक्तियों में धारणा और अर्थगत कार्यों के साथ संबद्ध तंत्रिका संज्ञानात्मक और दृश्य मार्ग परिवर्तन।
6. ''प्रीनेटल क्रॉनिक नॉइस'' से अवगत चिक (गैलास डोमेस्टिकस) के विकास में श्रवण प्रांतस्था एनालॉग की उत्तेजक और निरोधात्मक सिनेप्सेस का आण्विक अध्ययन।
7. कोमल ऊतक सार्कोमा के प्रबंधन में प्रोटॉन चुंबकीय अनुनाद स्पेक्ट्रोस्कोपी की भूमिका।
8. गैर औषधीय उन्मादी बाध्यकारी विकार के रोगियों में चुंबकीय अनुनाद स्पेक्ट्रोस्कोपी द्वारा मस्तिष्क तंत्रिका रसायन शास्त्र मूल्यांकन में असामान्यताएं और एसिटालोपराम उपचार के 12 सप्ताह के बाद परिवर्तन।
9. ऑब्सट्रेक्टिव स्लीप एपनिया में 3 टेस्ला में मस्तिष्क एमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. तीव्र लिम्फोब्लासटिक ल्यूकेमिया का इलाज करवा रहे बच्चों में न्यूरोइमेजिंग और सेरेब्रल मेटाबोलाइट परिवर्तन : एक पायलट अध्ययन, बाल चिकित्सा विज्ञान, अ. भा. आ. सं.।
2. चूहों में स्ट्रोक की प्रयोगात्मक मॉडल में लेरकानिडिपाइन और सिटालोप्रेम के तंत्रिका रक्षात्मक अध्ययन, औषध विज्ञान, एम्स।
3. यकृत ग्लायकोजेनेसिस टाइप 1 और 3 की आणविक और जैव रासानियक लाक्षणीकरण, बाल चिकित्सा विज्ञान, अ. भा. आ. सं.।

4. गैर औषधीय उन्मादी बाध्यकारी विकार के रोगियों में चुंबकीय अनुनाद स्पेक्ट्रोस्कोपी द्वारा मस्तिष्क तंत्रिका रसायन शास्त्र मूल्यांकन में असामान्यताएं और एसिटालोपराम उपचार के 12 सप्ताह के बाद परिवर्तन। मनोरोग, अ. भा. आ. सं.।
5. बाइपोलर 1 विकार के साथ यूथेमिक रोगियों में संज्ञानात्मक कार्यों के तंत्रिका रासायनिक संबद्ध मनोरोग अ. भा. आ. सं.।
6. स्वस्थ नवजात शिशुओं की मेटाबोलोमिक रूपरेखा, बाल चिकित्सा विज्ञान, अ. भा. आ. सं.।
7. चूहों में स्ट्रोक की प्रयोगात्मक मॉडल में फ्यूमेरिक एसिड एस्टर (एफएई) का मूल्यांकन, औषध विज्ञान, एम्स।
8. चूहों में क्षणिक फोकल मस्तिष्क आइस्केमिया के बीच सेरेबेरल धमनी रुकावट मॉडल में नैनो वाहक आधारित बेब्रेराइन क्लोराइड के तंत्रिका रक्षात्मक अध्ययन, औषध विज्ञान, अ. भा. आ. सं.।
9. गैर औषधीय उन्मादी बाध्यकारी विकार के रोगियों में चुंबकीय अनुनाद स्पेक्ट्रोस्कोपी द्वारा मस्तिष्क तंत्रिका रसायन शास्त्र मूल्यांकन में असामान्यताएं और एसिटालोपराम उपचार के 12 सप्ताह के बाद परिवर्तन, मनोरोग, अ. भा. आ. सं.।
10. चिकित्सीय पौधों का स्पेक्ट्रोस्कोपिक विश्लेषण, नेत्र औषध विज्ञान और फार्मेसी विभाग, अ. भा. आ. सं।
11. आयुर्वेदिक पॉलीहर्बल सूत्रीकरण का स्पेक्ट्रोस्कोपिक विश्लेषण, नेत्र औषध विज्ञान और फार्मेसी विभाग, जैव रसायन, अ. भा. आ. सं.।
12. चुनिंदा औषधीय पौधों की एचआईवी रोधी क्षमता और एनएमआर स्पेक्ट्रोस्कोपिक फाइटो चयापचय के इन विट्रो आकलन, जैव प्रौद्योगिकी विभाग।
13. शास्त्रीय आयुर्वेदिक सूत्रीकरण का वैज्ञानिक विश्लेषण : स्तनधारी कैंसर व्युत्पन्न कोशिका लाइनों और विवो में आनुवंशिक रूप से प्रेरित ड्रोसोफिला ट्यूमर के एक खोजपूर्ण अध्ययन, जीव विज्ञान और जैव अभियांत्रिकी विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), कानपुर।
14. हेमिपेरेटिक मस्तिष्क पक्षाघात वाले बच्चों में संशोधित बाधा गतिविधि चिकित्सा प्रेरित तंत्र में अंतर्दृष्टि प्रदान करना – एक कार्यात्मक चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग आधारित अध्ययन, बाल चिकित्सा विज्ञान, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली।
15. तीव्र लिम्फोब्लासटिक ल्यूकेमिया का इलाज करवा रहे बच्चों में न्यूरोइमेजिंग और सेरेब्रल मेटाबोलाइट परिवर्तन : एक पायलट अध्ययन, बाल चिकित्सा विज्ञान, अ. भा. आ. सं.।
16. प्रीक्लैम्पसिया में स्तन दूध के इन विट्रो एनएमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी, भारतीय विद्यापीठ विश्वविद्यालय, पुणे।
17. रेटिनोब्लास्टोमा के मल्टीमॉडल इमेजिंग के लिए इंजीनियर बहु कार्यात्मक नैनो सामग्री, सस्त्र विश्वविद्यालय, तंजावुर।
18. तंत्रिका संज्ञानात्मक गिरावट और मस्तिष्क चयापचय से जुड़े एचआईवी, चिकित्सा विभाग, अ. भा. आ. सं.।
19. एनएमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी प्रोटॉन का उपयोग करके रक्त चयापचय पर हृदय–संज्ञाहरण बायोप्सी का प्रभाव, हृद् संवेदनाहरण विभाग, अ. भा. आ. सं.।
20. चिरकालिक यकृत विफलता (एसीएलएफ) पर तीव्र में मेटाबोलाइट मध्यस्थता अंग क्रॉस टॉक कई अंग विफलता के लिए होता है, जैव रसायन विभाग, अ. भा. आ. सं.।
21. ओरल कैंसर और मधुमेह संबंधी रेटिनोपैथी का एनएमआर मेटाबोलोमिक्स अध्ययन, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर।

पूर्ण

1. मानव मोनोसाइटिक सेल–लाइन (टीएचपी1) के चयापचय रूपरेखा पर डेक्सामेथेसोन का प्रभाव, जैव प्रौद्योगिकी, अ. भा. आ. सं.।
2. ट्यूबरकुलोसिस रोगियों के सीरम नमूनों के मेटाबोलिक रूपरेखा, कॉन्टेक्ट और नियंत्रण, जैव प्रौद्योगिकी, अ. भा. आ. सं.।
3. कार्यात्मक चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग (एफएमआरआई) का उपयोग कर क्रॉनिक इंट्राएक्टेबल एपिलेप्सी में संज्ञान और क्यू.ओ.एल. का अध्ययन, तंत्रिका विज्ञान, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली।
4. भारत में एचआईवी आबादी में सीएनएस भागीदारी में एमआरएस की भूमिका, चिकित्सा विभाग, अ. भा. आ. सं.।
5. गैर अल्कोहोल वसा यकृत रोग (एन.ए.एफ.एल.डी.) में एब्डोमिनल सबक्यूटेनियस एडिपोस टिशू की फैटी एसिड संरचना, चिकित्सा विभाग, अ. भा. आ. सं.।
6. ^{177}ल्यूटेटियम लेबल रेडियोफर्मास्युटिकल्स संश्लेषण के दौरान नाभिकीय औषधि कर्मियों के लिए पूरे शरीर विकिरण जोखिम का आकलन, नाभिकीय चिकित्सा विभाग, अ. भा. आ. सं.।
7. बैल की उर्वरता में प्लाज्मा, मूत्र और वीर्य के एनएमआर मेटाबोलोमिक्स अध्ययन, जी.ए.डी.वी.ए.एस. यू., लुधियाना, पंजाब।
8. बच्चों में क्रॉनिक लीवर रोग में कम से कम यकृत मस्तिष्क विकृति का प्रसार : मस्तिष्क चुंबकीय अनुनाद स्पेक्ट्रोस्कोपी (एम.आर.एस.) अध्ययन, एस.जी.पी.जी.आई., लखनऊ।
9. भारतीय जनसंख्या में नॉन – एल्कोहोलिक फैटी लीवर रोग (एन.ए.एफ.एल.डी.) के रोगजनन का अध्ययन करना, जठरांत्र रोग विज्ञान विभाग, एम्स।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 7 पुस्तकों में अध्याय : 1

रोगी उपचार

विभाग में रोगी उपचार एवं अनुसंधान के लिए तीन होल बॉडी एमआरआई स्केनर्स (एक 1.5 टेसला तथा दो 3.0 टेसला स्केनर्स) है। विभाग द्वारा रोगी उपचार एमआरआई सेवाओं को प्रतिदिन 12 घंटे से अधिक समय प्रदान किया जाता है। अप्रैल, 2015 से मार्च 2016 अवधि के दौरान स्कैन किए गए रोगियों की संख्या का विवरण हैं :

क्लिनिकल डायग्नोस्टिक एमआरआई स्कैन	5688 रोगी
अनुसंधान	685 रोगी तथा व्यक्ति।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां

प्रोफेसर एन. आर. जगन्नाथन को जे. सी. बोस नेशनल फैलोशिप, डीएसटी से सम्मानित किया गया; निर्वाचित अध्यक्ष, चिकित्सा में इंटरनेशनल सोसायटी फॉर मैग्नेटिक रेसोनेंस का भारतीय अध्याय, अमेरिका; भर्ती किए गए, सह सदस्य, क्वान्टिटेटिव इमेजिंग नेटवर्क, राष्ट्रीय कैंसर संस्थान, राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान, अमेरीका; दो वैज्ञानिक सत्र के सह–आयोजक : ''इन्फेक्शस डिजीज प्री–क्लीनिकल

सेल एंड टिशू लेवल स्टडीज'' और इन्फेक्शस डिजीज–प्रीक्लीनिक्ल इन विवो स्टडीज'' और अध्यक्ष, ''केमिस्ट्री एंड इमेजिंग प्रोब्स–एमआरआई'' पर सत्र, 2015 विश्व आण्विक इमेजिंग सम्मेलन, हवाई, संयुक्त राज्य अमेरिका, सितंबर 2015; आमंत्रित वक्ता, 19 वां इंटरनेशनल सोसायटी फॉर मैग्नेटिक रेसोनेंस कॉन्फ्रेंस, शंघाई, चीन, अगस्त 2015; डीएसटी, सदस्य द्वारा नामित, सुविधा प्रबंधन समिति (एफएमसी), परिष्कृत विश्लेषणात्मक उपकरण सुविधा, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मद्रास; चिकित्सा में इंटरनेशनल सोसायटी फॉर मैग्नेटिक रेसोनेंस की 23 वीं वार्षिक बैठक में भाग लेने के लिए ई. के. जवॉइसकी वृत्ति पुरस्कार प्राप्त किया, टोरंटो, कनाडा, मई 2015; मॉलिक्युलर इमेजिंग सोसायटी ऑफ इंडिया (एमआईएसआई) के उपाध्यक्ष हैं; विदेश सचिव, नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज, इलाहाबाद; अध्यक्ष; अध्यक्ष, राष्ट्रीय संचालन समिति, स्वदेशी चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग–एक राष्ट्रीय मिशन, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय; सदस्य, संज्ञानात्मक विज्ञान अनुसंधान पहल पर टास्क फोर्स डीएसटी; सदस्य, उच्चतर शैक्षिक संस्थानों में एस एंड टी बुनियादी ढांचे के सुधार के लिए कोष, पीजी कालेज, डीएसटी; सदस्य, 'मनुष्यों पर 'स्थिर चुंबकीय क्षेत्र के लिए सुरक्षा दिशा निर्देशों और बहुत कम आवृत्ति चुंबकीय क्षेत्र जोखिम' राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केंद्र, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय; सदस्य, मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स और स्वास्थ्य सूचना पर कार्य समूह, इलेक्ट्रानिक्स और स्वास्थ्य सूचना, संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय; जैव चिकित्सा विज्ञान में महत्वपूर्ण योगदान के लिए प्रतिष्ठित डॉ. कुंती और ओम प्रकाश ओरेशन से सम्मानित किया गया, आईसीएमआर; पूर्व अध्यक्ष, एशियाई बायोफिजिक्स एसोसिएशन; प्रायोगिक नाभिकीय मैग्नेटिक रेसोनेंस सम्मेलन में वार्ता के लिए सबसे पहले भारतीय को आमंत्रित किया, कैलिफोर्निया अमेरीका; सदस्य, कार्यक्रम समिति, 2014 विश्व मॉलिक्युलर इमेजिंग सम्मेलन, सियोल; उपाध्यक्ष, मॉलिक्युलर इमेजिंग सोसायटी ऑफ इंडिया; सदस्य, युवा जांचकर्ताओं पुरस्कार समिति, चिकित्सा में इंटरनेशनल सोसायटी फॉर मैग्नेटिक रेसोनेंस, अमेरीका; सदस्य, डीएसटी के कार्यक्रम अनुसंधान और वैज्ञानिक उत्कृष्टता विश्वविद्यालय (पीयूआरएसई) को बढ़ावा देने के तहत मैसूर विश्वविद्यालय और बेंगलूर विश्वविद्यालय के लिए निरीक्षण समिति; सदस्य, संपादकीय बोर्ड : (क) एमएजीएमए (भौतिकी, जीव विज्ञान और चिकित्सा में मैग्नेटिक रेसोनेंस सामग्री); (ख) अनुनाद चुंबकीय अंतर्दृष्टि; (ग) उप संपादक, तंत्रिका विज्ञान इमेजिंग; (घ) एनएमआर जैवचिकित्सा; (ङ) चुम्बकीय अनुनाद इमेजिंग; (च) बायोमेडिकल स्पेक्ट्रोस्कोपी और इमेजिंग; (छ) जैवभौतिक समीक्षा; सदस्य के रूप में है, संचालन समिति, एशियाई बायोफिजिक्स एसोसिएशन; परिषद के सदस्य, जैविक प्रणालियों में अनुनाद चुंबकीय पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, अमेरीका; सदस्य, कार्यक्रम सलाहकार समिति, जैव रसायन अनुभाग, जैवभौतिकी और आण्विक जीवविज्ञान, डीएसटी; सदस्य, संचालन समिति, परिष्कृत उपकरण सुविधाएं, डीएसटी; समन्वयक, ''जैव चिकित्सा उपकरण एवं जैव अभियांत्रिकी'' पर विशेषज्ञ पैनल, जीवन विज्ञान अनुसंधान बोर्ड, डीआरडीओ; सदस्य, इंटरनेशनल यूनियन ऑफ प्योर एंड एप्लाइड बायोफिज़िक्स के लिए आईएनएसए समिति; सदस्य, प्रबंधन सलाहकार समिति, परिष्कृत उपकरण सुविधा, सीडीआरआई, लखनऊ; सदस्य, प्रबंधन सलाहकार समिति, परिष्कृत उपकरण सुविधा, भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंगलोर; सदस्य, वैज्ञानिक सलाहकार समिति, जैव विज्ञान एवं जैव अभियांत्रिकी समूह, आईआईटी इंदौर; सदस्य, अनुसंधान परिषद, इंस्टीट्यूट फॉर न्यूक्लियर मेडिसिन एंड एलाइड साइंसेज, इनमास; सदस्य, विज्ञान सलाहकार परिषद, राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान केंद्र, मानेसर; पूर्व अध्यक्ष, भारतीय जैवभौतिक सोसायटी; अध्येता, भारतीय विज्ञान अकादमी, बैंगलोर; अध्येता, नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज, इलाहाबाद; अध्येता, राष्ट्रीय विज्ञान चिकित्सा अकादमी, दिल्ली; अध्येता, चिकित्सा में इंटरनेशनल सोसायटी फॉर मैग्नेटिक रेसोनेंस, अमेरीका; अध्येता, भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी।

प्रोफेसर राम जयसुंदर को महिला स्वास्थ्य पर दूसरा राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य वक्ता आमंत्रित किया गया थाः चुनौतियां और समाधान, पुणे, 2015; एनआईएच द्वारा इंटरनेशनल रिसर्च कंसोर्टियम का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया, भारत, 2015 में पूरक और एकीकृत स्वास्थ्य के लिए दक्षिण पूर्व एशिया केंद्र संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा प्रायोजित किया; राष्ट्रीय अनुसंधान विकास निगम (एनआरडीसी), वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग (डीएसआईआर) द्वारा आमंत्रित किया, डीएसटी, भारत सरकार के एक गैर सरकारी अंशकालिक निदेशक, 2015 के रूप में अपने बोर्ड पर होना; आयुर्वेद पर अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक अनुसंधान समूह के सलाहकार बोर्ड के लिए आमंत्रित किया, जर्मनी, 2015; 'रोग मॉडल के लिए ह्यूमन सिमुलेशन एंड एल्गोरिदम' पर परियोजनाओं के लिए एक संरक्षक के लिए आमंत्रित किया, सूचना प्रौद्योगिकी अनुसंधान अकादमी, सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, 2015; उन्नत अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए भारत–फ्रांस केंद्र पर कार्यशाला में सत्र की अध्यक्षता के लिए आमंत्रित किया, नई दिल्ली, 2015; आईटीआरए–ह्यूसिम परियोजनाओं के लिए समीक्षा पैनल के अध्यक्ष के लिए आमंत्रित किया, सूचना प्रौद्योगिकी अनुसंधान अकादमी, सूचना और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, 2015.

डॉ. एस. सेंथिल कुमारन पत्रिकाओं के समीक्षक है (क) विपरीत मीडिया और आण्विक इमेजिंग, (ख) जर्नल ऑफ पार्किंसंस डिजीज, (ग) जर्नल ऑफ मेडिकल फिजिक्स, (घ) जर्नल ऑफ बायोसाइंसेज, (ङ) बायोमेडिकल इंजीनियरिंग/बायोमेडिजीनाइस्की टेक्निक। वह विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) जैसी आर्थिक सहायता एजेंसियों के परियोजनाओं के भी समीक्षक है; वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर); भारत–अमेरिका विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी फोरम (आईयूएसएसटीएफ) और जैव प्रौद्योगिकी विभाग।

डॉ. उमा शर्मा को नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज, भारत : के एक सदस्य के रूप में निर्वाचित किया गया; इंटरनेशनल विले जर्नल्स के लिए समीक्षक, एनएमआर बायोमेडिसिन और जे मैग्न. रीसन. इमेजिंग, बीबीआर और डब्ल्यूजेजी। वह भारतीय जैवभौतिकी सोसायटी के एक कार्यकारी परिषद के सदस्य भी है। उनके कागज ''सीलियाक रोग में जठरांत्र म्यूकोसा के चयापचय असामान्यताएंः इन विट्रो प्रोटॉन एनएमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी अध्ययन प्रोटॉन एनएमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी सीलियाक रोग वाले रोगियों के ड्योडेनल म्यूकोसल बायोप्सी के लिए चयापचय प्रोफाइल में अंतर की जांच करने के लिए और विलस एट्रॉफी के बायोमार्कर का पता लगाने और नियंत्रित करने के लिए प्रयोग किया गया, एनएमआर ज्ञान आधार – 2015 में प्रकाश डाला गया।

डॉ. वीरेन्द्र कुमार चिकित्सा में इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर मैग्नेटिक रिसोनेंस से ई. के. जैवोस्की पुरस्कार प्राप्त किया, कोन्कोर्ड, सी ए, यू.एस.ए.। वह चिकित्सा के वर्तमान चयापचय, बेंथम विज्ञान और समीक्षक, वोल्टर्स क्लुवर के संपादकीय बोर्ड के सदस्य भी है।

9.23 नाभिकीय चिकित्सा

आचार्य एवं अध्यक्ष
सी. एस. बाल

आचार्य

राकेश कुमार | चेतन डी. पटेल (हृ. तं. कें.)

सहायक आचार्य

अनिल के. पाण्डे (चिकित्सा भौतिकी) | माधवी त्रिपाठी

निशिकांत ए. दामले | शमीम ए. शमीम

विशिष्टताएं

नाभिकीय चिकित्सा विभाग (मुख्य) में 3 एसपीईसीटी/सीटी, 2 सिंगल हैड और एक डुएल हैड गामा कैमरा, वैल काउण्टर के साथ एक अपटेक प्रोब और सुसज्जित रेडियो फार्मेसी प्रयोगशाला है। यहां 2 पीईटी/सीटी स्कैनर हैं। पिछले साल विभाग ने सभी जांचों की प्रतीक्षा सूची को कम करने की स्वयं एक पहल की। विभाग रेडियोन्यूक्लाइड थैरेपी के लिए दैनिक ओपीडी चलाया जा रहा है और विभाग में सभी 5 परामर्शदाता ओपीडी चला रहे हैं। विनियामक प्राधिकरण (एईआरबी) द्वारा उठाए गए कई बिंदु जिनका अनुपालन पहले नहीं किया गया था, उन्हें संशोधित किया गया और अनुपालन रिपोर्ट एईआरबी में भेजी गई। किए गए स्कैनों की संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि हासिल की गई।

एम्स में नाभिकीय चिकित्सा पर सभी जांचों को बहुत ही मामूली शुल्क पर किया जाता है। इस प्रकार गरीब और मध्यम वर्गों के रोगियों को काफी लाभ हुआ क्योंकि ये जांच पूरे देश के बहुत कम केंद्रों में उपलब्ध हैं और वह भी बहुत अधिक कीमत पर।

वर्तमान में, विभाग में 16 एमडी छात्र, 8 एमसी छात्र, 4 पीएचडी छात्र और अनुसंधान कार्य के साथ–साथ दैनिक शैक्षणिक गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल हैं।

विभाग ने देश में पहली बार चिकित्सीय नाभिकीय औषधि में डीएम पाठ्यक्रम शुरू किया।

शिक्षा

वर्ष के दौरान विभाग के संकाय ने चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम, कार्यशाला, संगोष्ठियों और वार्षिक सम्मेलन को जारी रखा, इनमें भाग लिया और 48 व्याख्यान दिए।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा में प्रदत्त व्याख्यान, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन : 15

मौखिक पत्र / प्रस्तुत पोस्टर : 7

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. बी कोशिका गैर – हॉगकिंस लिंफोमा (एनएचएल) रोगियों के निदान के लिए 68 जीए– लेबल रिटुक्सीमैड को विकसित करना, सी. एस. बाल, अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी, वियना, 7 वर्ष, 2010–17, 25.92 लाख रुपए।
2. बाल चिकित्सा लिंफोमा में जल्दी प्रतिक्रिया मूल्यांकन के लिए 18एफ – एफडीजी पीईटी / सीटी व्याख्या मापदंड का मानकीकरण, सी. एस. बाल, अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी, वियना, 3 वर्ष, 2014–17, 12.96 लाख रुपए।
3. कार्डियक रिसाइंक्रोनाइजेशन चिकित्सा के लिए प्रस्तुत हृदय विफलता के रोगियों के प्रबंधन में गेटेड एसपीईसीटी मायोकार्डियल परफ्यूजन इमेजिंग (एमपीआई) द्वारा इंट्रावेंट्रीकुलर सिंक्रोनाइज्म आकलन का मूल्य। चेतन डी. पटेल, अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी, वियना, 3 वर्ष, 2013–16, 11 लाख रुपए अब तक।
4. अल्जाइमर टाइप डेमेंशिया (एडी) के लिए प्रगति माइल्ड कॉगनाइटिव ईम्पेयरमेंट (एमसीआई) के साथ लोगों में एफ–18 फ्लोरो डिऑक्सी ग्लूकोज पोजीट्रॉन एमिशन टोमोग्राफी (एफडीजी – पीईटी) पर नींद वास्तुकला में परिवर्तन, मेलाटोनिन का स्तर और चयापचय असामान्यताओं का अध्ययन, माधवी त्रिपाठी, डीएसटी, 3 वर्ष, 2013–16, 54.42 लाख रुपए।
5. ल्यूटेशियम–177 के साथ ट्रास्तुजुमेब का रेडियो लेबलिंग, स्तन कैंसर में रेडियो रोग–प्रतिरक्षा चिकित्सा के लिए संभावित एजेंट के रूप में इसे मूल्याकंन करने के लिए इसके गुणवत्ता नियंत्रण, निशिकांत ए. दामले, एम्स, 1 वर्ष, 2016, 4.95 लाख रुपए।

पूर्ण

1. प्रोस्टेट कैंसर के रोगियों के मूल्यांकन में पीईटी/सीटी पीएसए लेबल गैलियम, आंतरिक, सी. एस. बाल, अ. भा. आ. सं., 2 वर्ष, 2014–2016, 4 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. वॉटरशेड एल्गोरिथ्म का उपयोग करके ठोस ट्यूमर कैंसर वाले रोगियों में एफ–18 एफडीजी पीईटी/सीटी छवियों पर ट्यूमर विभाजन।
2. टाइप 2 मधुमेह रोग वाले रोगियों में एसिम्प्टोमेटिक मायोकार्डियल इस्केमिया की जांच।
3. बाल चिकित्सा हॉजकिन लिंफोमा : जीवविज्ञान और परिणाम।

4. टीसी99एम एमएए फेफड़ों के परफ्यूजन स्कैन का उपयोग करके फॉन्टैन प्रक्रिया के बाद फुफ्फुसीय परफ्यूजन की तुलना : अतिरिक्त हृदय टीसीपीसी बनाम लेटरल टनल टीसीपीसी।
5. 18 एफ–एफडीजी पीईटी/सीटी स्कैन पर उदरगणिका ट्यूमर का पता लगाने में सुप्राथ्रेशहोल्ड स्टोकेस्टिक अनुनाद तकनीक की भूमिका।
6. अनुसंधान उद्देश्यों के लिए फिल्टरेड बैक प्रोजेक्शन (एफबीपी) एल्गोरिथ्म का विकास और मान्यता।
7. फेफड़ों में गांठों के 18एफ–एफडीजी–पीईटी/सीटी डेटाबेस का विकास और उनके सुविधा वेक्टर की गणना।
8. वॉटरशेड एल्गोरिथ्म का उपयोग करके ठोस ट्यूमर कैंसर वाले रोगियों में एफ–18 एफडीजी पीईटी/सीटी छवियों पर ट्यूमर विभाजन।
9. डायनेमिक एफ–18 एफडीजी प्रोटोकॉल का मानकीकरण और फेफड़ों के कैंसर में प्रारंभिक उपचार प्रतिक्रिया मूल्यांकन के लिए डिफ्यूज़न वेटिड एमआरआई के साथ पूरे शरीर के एफडीजी पीईटी की तुलना।
10. उच्च जोखिम प्रोस्टेट कैंसर के स्टेजिंग के लिए पारंपरिक इमेजिंग तौर तरीकों के साथ ^{68} जीए–पीएसएमए पीईटी/ सीटी की तुलना।
11. पीईटी /सीटी प्राथमिक हाइपरपैराथायरॉइडिज्म के साथ रोगियों में हाइपरफंक्शनिंग पैराथायरॉइड ऊतक के स्थानीयकरण में 18 एफ –फ्लोरोकोलाइन की भूमिका।
12. एडेनोकार्सिनोमा प्रोस्टेट वाले रोगियों के रिस्टेजिंग में ^{18}एफ फ्लोरोमैथीकोलाइन और ^{68}जीए–पीएसएमए पीईटी/सीटी की तुलना।
13. गुर्दा प्रत्यारोपण के लिए भारतीय दाताओं में अनुमानित जीएफआर मूल्यों के आधार पर 99एम टीसी–डीटीपीए दो नमूना विधि, गेट्स' विधि और सूत्र के बीच तुलना।
14. संदिग्ध इंसुलिनोमास के स्थानीयकरण में 68जीए–एक्सेडिन 4 पीईटी/सीटी और 68 जीए–डीओटीएएनओसी पीईटी/सीटी की तुलना।
15. गैस्ट्रो एंटेरोपैंक्रियाटिक न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमरों के निदान में ^{68}जीए–डीओटीएटीओसी बनाम ^{68} जीए–डीओटीएएनओसी पीईटी /सीटी की तुलना।
16. ^{18}एफ एफडीजी (2–(^{18} एफ) फ्लोरो–2–डिओक्सी–डी–ग्लूकोज) के उत्पादन के लिए दो रेडियोकेमिस्ट्री मॉड्यूलों (कैसेट और ट्यूबिंग आधारित) की तुलना।
17. प्राथमिक हाइपर पैराथाइरॉयडिज्म वाले रोगियों में पैराथाइरॉयड एडेनोमास के स्थानीयकरण में 4डी सीटी, 4डी एमआर और फ्लोरोकोलाइन पीईटी की तुलना।
18. बंध्याकरण प्रतिरोधी प्रोस्टेट कैंसर (सीआरपीसी) में ^{177} ल्यूटेशियम–लेबल पीएसएमए–617 की चिकित्सीय भूमिका और मात्रामापी का मूल्यांकन करना।
19. विभेदित थायरॉइड कैंसर के दौर से गुजर रहे बच्चे और युवा वयस्कों में रेडियोआयोडीन (^{131}आई–एनए) चिकित्सा से डोसिमेट्रिक अध्ययन।
20. ल्यूटेशियम–177 के साथ ट्रास्तुजुमेब का रेडियो लेबलिंग, स्तन कैंसर में रेडियो रोग–प्रतिरक्षा चिकित्सा के लिए संभावित एजेंट के रूप में इसे मूल्याकंन करने के लिए इसके गुणवत्ता नियंत्रण।
21. पोस्ट कीमोथैरेपी स्तन कैंसर रोगियों में एक्सिलरी नोडल मेटास्टेसिस का पता लगाने के लिए अंतःशिरा फ्लोरोसेंट ट्रेसर डायन की प्रभावकारिता का अध्ययन करना।

22. पैपिलरी थायरॉइड कार्सिनोमा में संभावित चिकित्सीय लक्ष्य, बीआरएएफ (वी600ई) उत्परिवर्तन और फोस्फोरायलेटिड एमईके और ईआरके का मूल्यांकन।
23. जोड़ों में रेनियाम–188 / ल्यूटेशियम–177 के साथ परंपरागत उपचार तौर–तरीकों के लिए सूजन वाले जोड़ की स्थिति दुर्दम्य में रेडियोसाइनोवेक्टोमी की प्रतिक्रिया का मूल्यांकन करना।
24. रेडियोसाइनोवेक्टॉमी के लिए एलयू–177 स्टेनौस कोलाइड की तैयारी और गुणवत्ता नियंत्रण।
25. रि–188 लिपियोडोल और रि–188 एसएसएस लिपियोडोल की सिंथेसिस प्रक्रिया और गुणों की तुलना।
26. अज्ञात प्राथमिक स्थल के साथ माध्यमिक ग्रीवा लिम्फ नोड में एफएनएसी प्रोवेन स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा के मामले में अलग–अलग संभव प्राथमिक स्थलों के क्लिनिको–रेडियो–पैथोलॉजिकल मूल्यांकन।
27. क्रोनिक आर्थराइटिस की रेडियोसाइनोवेक्टॉमी में ल्यूटियम – 177 और रेनियम – 188 की तुलनात्मक भूमिका।

पूर्ण

1. हार्ट फेलियर वाले रोगियों में जीवन की गुणवत्ता और कार्यात्मक स्थिति के साथ तुलना में टीसी–99एम – एमआईबीआई मायोकार्डियल परफ्यूजन एसपीईसीटी पर मूल्यांकन बाएं वेंटीकुलर डायसिंक्रोनी, मायोकार्डियल परफ्यूजन असामान्यताएं और सिस्टोलिक कार्य के बीच संबंध।
2. तनाव एडेनोसाइन टीसी99एम द्वारा मायोकार्डियल परफ्यूज़न असामान्यताओं की तुलना का पता लगाना।
3. एडेनोसाइन पर एमआईबीआई मायोकार्डियल परफ्यूजन एसपीईसीटी और कोरोनरी फ्लो रिजर्व।
4. आर्टीरियल स्विच ऑपरेशन के बाद रोगियों की जांच के लिए तनाव इकोकार्डियोग्राफी।
5. सीमिन्ड का उपयोग कर मायोकार्डियल परफ्यूजन इमेजिंग पर इंफीरियर वॉल डिफेक्ट्स का लाक्षणीकरण
6. मोंटे कार्लो कोड और इसके नैदानिक सत्यापन।
7. टीसी99 एम पर इसेन्मेन्गेर सिंड्रोम में दाएं निलय में परफ्यूजन दोष का पता लगाना।
8. एमआईबीआई मायोकार्डियल परफ्यूजन इमेजिंग।
9. कोरोनरी एंजियोग्राफी के साथ तनाव मायोकार्डियल परफ्यूजन छवियों का सहसंबंध : एक पूर्वव्यापी अध्ययन''
10. पीईटी / सीटी द्वारा गैर–छोटे सेल फेफड़ों के कैंसर (एन.एस.सी.एल.सी.) में कीमोथेरैपी के उपचार की प्रतिक्रिया के प्रारंभिक मूल्यांकन।
11. सीमिन्ड मोंटे कार्लो कोड और इसके नैदानिक सत्यापन का उपयोग कर मायोकार्डियल परफ्यूजन इमेजिंग पर अवर वॉल डिफेक्ट्स की विशेषता।
12. पीईटी / सीटी पर लीवर सेगमेंटेशन / फजी– *सी* का उपयोग सीटी छवियों का अर्थ है क्लस्टरिंग।
13. स्थानीय रूप से उन्नत स्तन कैंसर में नियो – एडजुवेंट कीमो / हार्मोनल थैरेपी के आकलन की प्रतिक्रिया में पीईटी / सीटी एफ–18 एफडीजी का उपयोग बनावट विश्लेषण की भूमिका।
14. ग्रीवा के प्रारंभिक कार्सिनोमा में पीईटी / सीटी की भूमिका।
15. बाल चिकित्सा लिम्फोमा में पीईटी / सीटी की भूमिका।
16. ट्यूमर की एविंग सार्कोमा फैमिली में कीमोथेरैपी प्रतिक्रिया का आकलन करने में एमआर की भूमिका।
17. ग्रासनलीय कार्सिनोमा के पूर्व शल्य चिकित्सा स्टेजिंग में एफडीजी–पीईटी / सीटी की भूमिका।

18. प्राथमिक डीसीआर विफलता में अंतर्ज्ञान के साथ और इसके बिना माइटोमायसिन सी का उपयोग करके पुनरीक्षण बाह्य डीसीआर का परिणाम।
19. लैक्रिमल ग्लैंड ट्यूमर के निदान और स्टेजिंग में पीईटी/सीटी की भूमिका।
20. स्तन कैंसर में पीईटी/सीटी की भूमिका और कन्वेंशनल इमेजिंग मॉडेलिटीज़ के साथ तुलना।
21. पल्मोनरी ट्यूबरकुलोसिस में पीईटी/सीटी की भूमिका : पीईटी/सीटी इमेजिंग पर विभिन्न पैटर्न।
22. एलएबीसी आईएलडी – चिकित्सा में नियो–एडजुवेंट कीमोहॉर्मोनल थेरैपी के मूल्यांकन में बनावट विश्लेषण की भूमिका।
23. कार्सिनोमा स्तन में स्केलेटल मेटास्टेसिस का पता लगाने के लिए एफ 18 एनएएफ पर आधारित साइक्लोट्रॉन के साथ जनरेटर बाउंड जीए68 बिसफोस्फोनेट पीईटी/सीटी की तुलना।
24. हृदय विफल रोगियों की जीवन गुणवत्ता और व्यावहारिक स्थिति के साथ तुलना में टीसी99एम–एमआईबीआई मायोकार्डियल परफ्यूजन एसपीईसीटी पर बाएं निलय डायसिंक्रोनी मायोकार्डियल परफ्यूजन विषमता और सिस्टोलिक प्रकार्य आकलित के बीच संबंध।
25. तनाव एडेनोसाइन से मायोकार्डियल परफ्यूजन विषमता की तुलना का पता लगाना।
26. आर्टीरियल स्विच ऑपरेशन के बाद रोगियों की जांच के लिए एडेनोसाइन तनाव इकोकार्डियोग्राफी पर टीसी 99एम – एमआईबीआई मायोकार्डियल परफ्यूजन एसपीईसीटी और कोरोनरी फ्लो रिजर्व।
27. रिस्टेजिंग के लिए पीईटी/सीटी स्कैन से गुजर रहे स्तन कैंसर से ज्ञात रोगियों में प्रतिपक्षी स्तन कैंसर का पता लगाने में एफ 18 – एफडीजी पीईटी/सीटी की भूमिका जे न्यूक्लि मेड 2015 56:291.
28. उदर बुर्कीट लिंफोमा वाले रोगियों के प्रबंधन में एफडीजी पीईटी /सीटी की बढ़ती हुई भूमिका।
29. एक अज्ञात प्राथमिक के साथ घातक उत्पत्ति के एस्किट्स के मूल्यांकन में एफडीजी पीईटी/सीटी का वृद्धिशील मूल्य।
30. प्रीमिटिव न्यूरोएक्टोडर्मल ट्यूमर वाले रोगियों के रिस्टेजिंग में ^{18}एफ–एफडीजी – सीटी की भूमिका।
31. प्राथमिक उपचार के बाद रिस्टेजिंग गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर में ^{68}जीए–डीओटीएएनओसी पीईटी–सीटी : एकल संस्थागत अनुभव।
32. बॉडी मास इंडेक्स से संबंध वाले प्रारंभिक चरण स्तन कैंसर रोगियों में सेंटिनेल का पता लगाने के लिए एसपीईसीटी–सीटी सिंटीग्राफी का मूल्यांकन।
33. ^{177}ल्यूटेशियम लेबल किए हुए रेडियो फार्मास्यूटिकलों के सिंथेसिस के दौरान नाभिकीय औषधि कर्मियों के लिए पूरे शरीर विकिरण जोखिम का अनुमान।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. चिकित्सा और आक्रामक दृष्टिकोण के साथ तुलनात्मक स्वास्थ्य प्रभावशीलता का अंतरराष्ट्रीय अध्ययन (इस्केमिया परीक्षण), कार्डियोलॉजी।
2. इस्केमिक स्ट्रोक और टीआईए, न्यूरोलॉजी, कार्डियोलॉजी से पीड़ित रोगियों में स्पर्शोन्मुख कोरोनरी धमनी और रोग लक्षण के प्रसार।

पूर्ण

1. रोधगलितांश संबंधित धमनी के देर से खुलने के बाद स्टेम सेल की भूमिका। (कोट परीक्षण), कार्डियोलॉजी, स्टेम सेल सुविधा।
2. कोरोनरी घटनाओं के जोखिम मध्यवर्ती में रोगियों के आकलन में एसईसीटी–एमपीआई और कोरोनरी सीटी एंजियोग्राफी की भूमिका, कार्डियोलॉजी।
3. प्राथमिक एंजियोप्लास्टी के दौरान फ्रैक्शनल फ्लो रिजर्व निर्देशित स्टेंटिंग के साथ थ्रंबस आकांक्षा मैनुअल, कार्डियोलॉजी।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 64 सार : 9 पुस्तकों में अध्याय : 3

रोगी उपचार

सीएनसी में नाभिकीय हृद विज्ञान एकक द्विमुखी स्पेक्ट–सीटी गामा कैमरा से सुसज्जित है। नाभिकीय हृद विज्ञान एकक सी एन केंद्र एवं अस्पताल के अन्य विभागों से हृद अध्ययनों के लिए रेफर किए गए रोगियों का प्रबंध करता है।

विभाग द्वारा मायोकार्डियल परफ्युजन अध्ययन किया जाता है जो कोरोनरी धमनी रोग के रोगियों के निदान और प्रबंधन का अनिवार्य परीक्षण है। पेसमेकर पर रोगियों के मूल्यांकन एवं कीमोथेरेपी लेने वाले रोगियों में हृद आकलन हेतु सं. रो. कैं. अ. एवं केंद्र से रेफर किए गए सी ए डी रोगियों में बाएं वेंट्रीकुलर प्रकार्य के आकलन के लिए रेडियोन्यूक्लाइड वेंट्रीकुलोग्राफी को भी निष्पादित किया जाता है।. हम मायोकार्डियल जीवन क्षमता के आकलन के लिए एफ–18 एफ डी जी ग्लूकोज मेटाबॉलिक अध्ययन तथा एन– 13 एन एच 3 परफ्यूजन के साथ हृद पी ई टी इमेजिंग को भी निष्पादित करते हैं।

रेडियोन्यूक्लाइड जांच

क्र. सं.	जांच	संख्या	क्र. सं.	जांच	संख्या
1.	थाइरॉइड स्कैन	273	2.	डब्ल्यू बी (निदान) आई – 131	1745
3.	आरएआईयू	1145	4.	बोन स्कैन	2805
5.	रिनल डायनेमिक स्कैन	3884	6.	डीएमएसए	984
7.	जीएफआर	1850	8.	डीआरसीजी	210
9.	एचआईडीए स्कैन	228	10.	ईसीडी	531
11.	जीईटी (गैस्ट्रिक खाली होने का समय)	62	12.	जी. आई. ब्लीड	25

13.	गैस्ट्रो इसोफेजियल रीफ्लक्स	500	14.	ब्रेन जीएचए एसपीईसीटी	9
15.	पीटीएच	111	16.	कार्डियक एसपीईसीटी	1887
17.	99 एमटीसी थाइरॉयड स्कैन	223	18.	लिम्फोसिंटीग्राफी	201
19.	सेंटेनिल लिम्फ नोड	150	20.	एमआईबीजी स्कैन (डायग्नोस्टिक)	213
21.	पीईटी / सीटी स्कैन (एफडीजी)	5742	22.	18 एफ फ्लोराइड	50
23.	पीईटी / सीटी स्कैन (एनएच$_4$)$^+$	150	24.	जीए^{68} डीओटीए एनओसी	750
25.	एसपीईसीटी / सीटी (आई–131)	350	26.	एसपीईसीटी / सीटी	651
27.	मैकेल्स स्कैन	50	28.	टीआरओडीएटी स्कैन	332
29.	मायोकार्डियल परफ्यूजन स्टडी	1887	30.	आरएनवी स्टडी	737
31.	कार्डियक पीईटी	57	32.	विविध वी / क्यू	49

थेरैपी

क्र. सं.	थेरैपी	रोगियों की सं.	क्र. सं.	थेरैपी	रोगियों की सं.
1.	सीए थाइरॉइड	722	2.	थाइरोटॉक्सिकॉसिस	329
3.	बोन पेन पेलिएशन	13	4.	एमआईबीजी	15
5	पीआरआरटी	100	6	रेडियोसाइनेवेक्टोमी	35
7	पीएसएमए	33			

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां

प्रोफेसर सी. एस. बाल को 25 सितंबर 2015 को संस्थान पर नैदानिक अनुसंधान श्रेणी में एम्स उत्कृष्ट पुरस्कार 2015 से सम्मानित किया गया था।
प्रोफेसर राकेश कुमार *इंडियन जर्नल ऑफ मॉलिकुलर इमेजिंग* और *करंट मॉलिकुलर इमेजिंग* के संपादक थे और कैंसर के खिलाफ संघ परियोजना के लिए विशेषज्ञ समीक्षक थे, विज्ञान और प्रौद्योगिकी और डीआरडीओ विभाग, रक्षा मंत्रालय।
डॉ. माधवी त्रिपाठी को 6 नवंबर 2014 को ओसाका इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर, ओसाका, जापान में 13 वीं वार्षिक बैठक एआरसीएनएम में एशियाई न्यूक्लियर मेडिसिन बोर्ड 2014 (एफएएनएमबी) की अध्येतावृत्ति से सम्मानित किया गया।

24 प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष
अलका कृपलानी

आचार्य

सुनेश कुमार	दीपिका डेका	नीरजा भाटला
के. के. रॉय	नीना मल्होत्रा	वत्सला डढ़वाल
नूतन अग्रवाल	जे. बी. शर्मा	नीता सिंह

सहायक आचार्य

अपर्णा शर्मा	गरिमा कछवा	रीता माही
पी. वनामेल	विदुषी कुलश्रेष्ठ	सीमा सिंघल
राजेश कुमारी		ज्योति मीणा

वैज्ञानिक
रोहिणी सहगल (ग्रेड. 3)

विशिष्टताएं

विभाग 2001 से स्नातकोत्तर प्रशिक्षण के लिए प्रति माह बैठकों का आयोजन करता है। प्रशिक्षण घटक में नैदानिक और शल्य चिकित्सा कौशल, प्रोटोकोल और दिशानिर्देशों के विकास, मामले का प्रस्तुतीकरण और चर्चाएं शामिल हैं। दिल्ली के विभिन्न शैक्षिक तथा अध्यापन संस्थानों से आमंत्रित संकाय तथा अंतरराष्ट्रीय संकाय, स्नातकोत्तरों के प्रशिक्षण में सहयोग देते हैं। विभाग 'स्त्री रोग एंडोस्कोपी सर्जरी,' 'उच्च जोखिम गर्भावस्था,' 'स्त्री रोग अर्बुद विज्ञान,' 'अल्ट्रासोनोग्राफी' और 'बांझपन' जैसे विभिन्न सुपर स्पेशियलिटी विषयों में अल्प और दीर्घ अवधि प्रशिक्षण प्रदान करता है।

प्रसवोत्तर कार्यक्रम (पीपीपी) अस्पताल के क्षेत्र में और साथ ही फील्ड अभ्यास क्षेत्रों में आरसीएच एवं परिवार कल्याण सेवाओं का एक पैकेज उपलब्ध कराने द्वारा परिवार कल्याण कार्यक्रम के लिए एक अनिवार्य केंद्र आधारित दृष्टिकोण है। यह एक एकीकृत बहु–विषयक अभ्यास के रूप में चलाया जाता है जहां प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग बाल रोग, सामुदायिक चिकित्सा, शल्य चिकित्सा और संवेदनाहरण विज्ञान विभागों के साथ समन्वय करता है।

शिक्षा

स्नातक पूर्व, स्नातकोत्तर, पैरामेडिकल

दिल्ली पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन फोरम (प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान विभाग) वर्ष 2001 से प्रतिमाह स्नातकोत्तर प्रशिक्षण हेतु बैठकों का आयोजन कर रहा है। ये नैदानिक एवं शल्य चिकित्सा कौशल, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान के प्रति समस्या अभिमुखी दृष्टिकोण, प्रोटोकॉल एवं दिशानिर्देश, मामला प्रस्तुतीकरण तथा

चर्चाओं में स्नातकोत्तरों को पूरक प्रशिक्षण देने के लिए है। दिल्ली के विभिन्न शैक्षिक तथा अध्यापन संस्थानों से आमंत्रित संकाय तथा अंतरराष्ट्रीय संकाय, स्नातकोत्तरों के प्रशिक्षण में सहयोग देते हैं।

अल्प अवधि प्रशिक्षण

विभाग स्त्री रोग एंडोस्कोपी सर्जरी, उच्च जोखिम गर्भावस्था, स्त्री रोग अर्बुद विज्ञान, अल्ट्रासोनोग्राफी और बांझपन जैसे विभिन्न सुपर स्पेशियलिटी विषयों में अल्प अवधि प्रशिक्षण प्रदान करता है। निम्नलिखित डॉक्टरों को विभिन्न विषयों में प्रशिक्षित किया गया :

1. डॉ ईशा वाधवन, 30 मार्च 2015 से 25 अप्रैल 2015, मातृ भ्रूण चिकित्सा।
2. डॉ शकुन त्यागी, मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, 8 मई 2015 से 7 जून 2015, भ्रूण चिकित्सा
3. डॉ कल्याण कुमार नाथ, एएमसीएच परिसर, डिब्रुगढ़, असम। 1 जुलाई 2015 से 14 जुलाई 2015, भ्रूण चिकित्सा।
4. डॉ. (लैफ्टिनेंट कर्नल) गुंजन राय सैनिक अस्पताल, सैन्य अस्पताल, देहरादून, 1 जुलाई 2015 से 30 जून 2017, भ्रूण चिकित्सा।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

1. प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान द्वारा आयोजित एमएएस में 23वां डब्ल्यूएचआई प्रशिक्षण कार्यक्रम, 6–9 अप्रैल 2015, एम्स, नई दिल्ली।
2. भ्रूण चिकित्सा पर कार्यशाला, आईएसयूओजी अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी 1 मई 2015 एम्स, नई दिल्ली।
3. प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान द्वारा आयोजित पीसीओएस और टर्नर्स सिंड्रोम पर संगोष्ठी, एम्स, गायनी एंडोक्राइन सोसायटी ऑफ इंडिया, 26 अप्रैल 2015, एम्स, नई दिल्ली।
4. बांझपन में ऑपरेटिव एंडोस्कोपी; एमएएस में 24वां डब्ल्यूएचआई प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, 20 जुलाई 2015, एम्स, नई दिल्ली।
5. टीएलएच का विकास; एमएएस में 24वां डब्ल्यूएचआई प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, 23 जुलाई 2015, एम्स, नई दिल्ली।
6. फेनिक्स–2015, प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान, एम्स द्वारा आयोजित और आईएजीई के सहयोग से डीजीईएस, एओजीडी के सहयोग से जीईएसआई के डीजीईएस (दिल्ली गायनेकोलोजिकल एंडोस्कोपिस्ट्स सोसायटी) का वार्षिक सम्मेलन, 28–30 अगस्त 2015, एम्स, नई दिल्ली।
7. बांझपन में ऑपरेटिव एंडोस्कोपी; एमएएस में 25वां डब्ल्यूएचआई प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, 22 फरवरी 2016, एम्स, नई दिल्ली।
8. टीएलएच का विकास; एमएएस में 25वां डब्ल्यूएचआई प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, 25 फरवरी 2016, एम्स, नई दिल्ली।

प्रदत्त व्याख्यान

अलका कृपलानी : 34	सुनेश कुमार : 5	दीपिका डेका : 21	नीरजा भाटला : 26
कालोल कुमार रॉय : 14	नीना मल्होत्रा : 12	वत्सला डढ़वाल : 7	नूतन अग्रवाल : 8
जे. बी. शर्मा : 4	नीता सिंह : 8	अपर्णा शर्मा : 20	गरिमा कछवा : 10
रीता माही : 7	विदुषी कुलश्रेष्ठ : 6	सीमा सिंघल : 8	राजेश कुमारी : 2
रोहिणी सहगल : 1			

प्रस्तुत किए गए मौखिक पत्र/पोस्टर : 77

अनुसंधान
वित्तपोषित परियोजनाएं
जारी

1. चरण 3 नैदानिक परीक्षण में 3 आकार / मॉडल में एसएमबी टी सीयू 380 एजी : न्यूनतम, सामान्य और अधिकतम। एसएमबी टीसीयू 380 एजी की प्रविष्टि, निष्कासन और साइड प्रभाव के संबंध में सुरक्षा का मूल्यांकन करना। अलका कृपलानी, एसएमबी कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया, मुंबई, एक वर्ष 2015–16. 5 लाख रुपए।
2. भारत में प्रतिवर्ती और स्थायी गर्भनिरोधक (पीओपीआई) का बोध। अलका कृपलानी, यूनिवर्सिटी ऑफ न्यू मैक्सिको, यूएसए, एक वर्ष 2015–16. 3.89 लाख रुपए।
3. ग्रीवा की पूर्व–दुर्दमता एवं शीघ्र दुर्दमता विक्षतियों का पता लगाने के लिए एक उपकरण के रूप में मैग्नीविजुलाइजर का उपयोग। अलका कृपलानी, आईसीएमआर, एक वर्ष, 2015–2016, (सेवा विधि में)।
4. निवारक ग्रीवा कैंसर में एचपीवी टीके की 2 बनाम 3 खुराकों की प्रभावकता एवं सुरक्षा : भारतीय बहुकेंद्रित यादृच्छिक परीक्षण, नीरजा भाटला, डब्ल्यूएचओ–आईएआरसी, 7 वर्ष, 2009–16, 234000 (1,18,44,401 रुपए) यूएस डॉलर।
5. युवा महिलाओं (16–26 वर्ष) की तुलना में पूर्व किशोरों एवं किशोरों (9–15 वर्ष) में वी503 (एमुल्टीवेलेंट एचपीवी एल1 वायरस – जैसे पार्टिकल (वीएलपी) टीके) की इम्यूनोजेनेसिटी, सहनशीलता एवं निर्माण संगति का प्रदर्शन करने के लिए फेज ।।। क्लिनिकल परीक्षण। नीरजा भाटला, एमएसडी फार्मास्युटिकल्स, 6 वर्ष, 2010–16, 9.2 लाख रुपए।
6. ग्रीवा कैंसर स्क्रीनिंग के लिए उभरते हुए नवीन बायोमार्कर के रूप में एचआर–एचपीवी ओंकोजीन अति–अभिव्यक्ति की परिमाणात्मक पहचान का मूल्यांकन, नीरजा भाटला, क्योर हेल्थ डायग्नोस्टिक्स, 2 वर्ष, 2014–16, 35 लाख रुपए।
7. अण्डाशय कार्सिनोमा में ह्यूमन एपिडायडिमस प्रोटीन 4 (एचई4) की अभिव्यक्ति और रोग के निदान के साथ संबंध, नीरजा भाटला, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2014–16, 3.51 लाख रुपए।
8. पराम्परागत पद्धतियों (इंडोमेट्रियल नमूनों में हिस्टोपैथोलॉजी, कल्चर, एएफबी स्टेनिंग) के विरूद्ध आण्विक पद्धतियां (पीसीआर इम्यूनोहिस्टोकैमिस्ट्री) का मूल्यांकन एवं बांझ महिलाओं में जनन संबंधी तपेदिक की पहचान में लैप्रोस्कोपी। नीना मल्होत्रा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2013, 36 लाख रुपए।
9. स्तन दूध, भ्रूण एवं नवजात में प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया को ठीक करने के लिए सगर्भता के दौरान मुखीय प्रोबायोटिक अनुपूरण एवं दुग्धपान का प्रभाव – एक यादृच्छिक डबल ब्लाइंड नियंत्रित परीक्षण, नीना मल्होत्रा, सीडी फार्मा, 2 वर्ष, 2015 – जारी, 33.85 लाख रुपए।
10. पोस्टपार्टम अवधि में तनाव एवं उत्कंठा विकार : व्यापकता, मनो–समाज सह संबंध एवं माता–शिशु के संबंध पर प्रभाव, वत्सला डढवाल, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2014–2016, 46.28 लाख रुपए।
11. सामान्य भ्रूणों एवं जन्मजात असंगतियों वाले भ्रूणों में एम्नियोटिक तरल ऑक्सीडेटिव स्तर एवं प्रकार्यात्मक जीनोमिक विश्लेषण, वत्सला डढ़वाल, अ. भा. आ. सं., 2.5 लाख रुपए।
12. आवर्तक गर्भावस्था के नुकसान वाले रोगियों में गर्भावस्था में साइटोकाइन का स्तर, नूतन अग्रवाल, अ. भा. आ. सं., 2.5 वर्ष, 2013–15, 5 लाख रुपए।

13. मानव स्वास्थ्य पर गैर – लोनिंग इलेक्ट्रोमैग्नेटिक फील्ड (ईएमएफ) का प्रभाव, जे. बी. शर्मा, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2009 – अब तक, 47 लाख रुपए।
14. प्रारंभिक डिस्मेनोरिया के उपचार में ड्रोटेवीराइन हाइड्रोक्लोराइड (80 एमजी) एवं मेफिनेमिक एसिड (250 एमजी) की नियत डोज़ सम्मिश्रण बनाम मेफिनेमिक एसिड (250 एमजी) एकल की प्रभावकता एवं सुरक्षा : दोहरा, यादृच्छिक तुलनात्मक अध्ययन, जे. बी. शर्मा, वॉल्टर बुशनेल प्रा. लि., एक वर्ष, 2014–15, 7 लाख रुपए।
15. सगर्भता डायबिटीज़ वाली एशियाई महिलाओं में मेटफोर्मिन एवं त्वचा के नीचे इंसुलिन की सुरक्षा तथा प्रभावकता का यादृच्छिक ओपन लेबल तुलनात्मक अध्ययन, नीता सिंह, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2014–16.
16. पूर्व में असफल प्रतिरोपण वाली महिलाओं में आईवीएफ के परिणाम पर स्थानीय इंडोमेट्रियल आघात का प्रभाव : जीनोम विस्तृत ट्रांस्क्रिप्टोमिक आधार का अन्वेषण, नीता सिंह, अ. भा. आ. सं., 1 वर्ष, 2015, 5 लाख रुपए।
17. स्तन दूध, भ्रूण एवं नवजात में प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया को ठीक करने के लिए सगर्भता के दौरान प्रोबायोटिक अनुपूरण एवं दुग्धपान का प्रभाव – एक यादृच्छिक दोहरा नियंत्रित परीक्षण, नीना मल्होत्रा, सीडी फार्मा, 3 वर्ष, 45 लाख रुपए।
18. एशियाई – भारतीय रोगियों में मातृत्व एवं नवजात शिशु के विटामिन डी के स्तर पर विटामिन डी अनुपूरण के प्रभाव की जांच करने के लिए यादृच्छिक दोहरा नियंत्रित परीक्षण, गरिमा कछावा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2013–2016, 45 लाख रुपए।
19. बांझ महिलाओं में जेनिटल क्लैमाइडिया ट्रैकोमैटिस संक्रमण की भूमिका, विदुषी कुलश्रेष्ठ, अ. भा. आ. सं., 1 वर्ष, 2016–17, 5 लाख रुपए।
20. उच्च जोखिम वाले रोगियों में प्री–एक्लेम्पसिया के विकास के लिए पूर्वानुमान और प्रोग्नोस्टिक मार्कर के रूप में प्लासेंटल वृद्धि कारक, ज्योति मीणा, अ. भा. आ. सं., 2 वर्ष, 2015–16, 4 लाख रुपए।
21. विजुअल निरीक्षण और कोलपोस्कोपी पर वुलवल लेशन्स में साइटोलॉजिकल लेशन्स और एचपीवी प्रकार की व्यापकता, राजेश कुमारी, अ. भा. आ. सं., 3 वर्ष, 2016–19, 4.44 लाख रुपए।
22. ईएमटी संबंधित प्रोटीन अभिव्यक्ति और माइक्रो आरएनए 200ए, बी, सी द्वारा एपिथेलियल ओवरियन कैंसर वाले रोगियों में रोग की गंभीरता का आकलन, सीमा सिंघल, अ. भा. आ. सं., एक वर्ष, 2015–16, 4.98 लाख रुपए।

पूर्ण

1. उच्च कैंसर ग्रीवा के उपचार में करक्युमिन का मूल्यांकन, सुनेश कुमार, डीबीटी, 5 वर्ष 7 माह, 2007–2013, 48 लाख रुपए।
2. प्रमाणित एचपीवी – 16 या 18 के साथ बायोप्सी प्रमाणित सीआईएन 2/3 या सीआईएन3 के उपचार के लिए सेल्लेक्ट्रा® – 5पी सहित इलेक्ट्रोपोरेशन (ईपी) के पश्चात वीजीएक्स–3100 (एचपीवी16 ई6/ई7, एचपीवी18 ई6/ई7 डीएनए वैक्सीन) प्रदत्त आईएम का फेज ।। प्लासेबो – नियंत्रित अध्ययन। नीरजा भाटला, मैक्स नीमन, 2 वर्ष, 2013–15, 8.39 लाख रुपए।
3. ग्रीवा संक्रमण में एचपीवी की व्यापकता, जीनोटाइप वितरण तथा ग्रीवा इंट्राएपिथेलियल नियोप्लासिया में इसका संबंध तथा भारतीय महिलाओं में ग्रीवा कैंसर, नीरजा भाटला, शांता बायोटेक्नीक्स, 2 वर्ष, 2013–15, 14.05 लाख रुपए।

4. ऑक्सीडेटिव तनाव मार्कर्स एवं प्रोइंफ्लैमेटरी मार्कर्स पर कोएंजाइम क्यू10 की भूमिका का अध्ययन करना एवं एंटी–फॉस्फोलिपिड मीडिएटिड / इडियोपैथिक रीकरंट मिस्कैरेज पर इसकी जटिलताएं, के अर्पणा शर्मा, अ. भा. आ. सं., 2 वर्ष, 2013–2015, 10 लाख रुपए।
5. प्रिक्लेंप्सिया बनाम सामान्य स्वास्थ्य सगर्भताओं वाली महिलाओं में फिजियोलॉजिकल एवं बायोकैमिकल मार्कर्स द्वारा वैस्कुलर इंडोथेलियल प्रकार्य का मूल्यांकन, गरिमा कछवा, अ. भा. आ. सं., 3 वर्ष, 2012–2015, 5 लाख रुपए।

विभागीय परियोजना

जारी

1. एपिथेलियल ओवरियन कैंसरों के लिए प्राथमिक डीबल्किंग से गुजरने वाले रोगियों में पैराएरोटिक और पेल्विक लिम्फ नोड मेटास्टेसिस की घटना।
2. एंडोमेट्रियल कार्सिनोमा में लेप्टिन और एडिपोनेक्टिन के सीरम स्तर और हिस्टोलॉजिकल ग्रेड, मायोमेट्रियल इनवेशन, मेटास्टेसी के साथ उसका सहयोग।
3. टोटल लैप्रोस्कोपिक हिस्टेरेक्टोमी में थंडरबीट, हार्मोनिक ऐस और लिगेसस की तुलना में यादृच्छिक भावी अध्ययन।
4. क्लोमिफेन साइट्रेट प्रतिरोधी पॉलीसिस्टिक ओवरियन सिंड्रोम के मामले में मोनोपोलर नीडल बनाम हार्मोनिक स्केलपल द्वारा लेप्रोस्कोपिक ओवरियन ड्रिलिंग के मूल्यांकन
5. तनाव मूत्र असंयम वाली महिलाओं में बर्च कोल्पो सस्पेंशन और ट्रांस ओब्ट्यूटर वैजिनल टेप प्रक्रिया का तुलनात्मक अध्ययन।
6. आईवीएफ रोगियों में भावी परिणाम में 3डी इंडोमेट्रियल वॉल्यूम एवं 2डी इंडोमेट्रियल गाढ़ेपन की भूमिका का अध्ययन करना।
7. आरएच– आइजोइक्यूनाइज्ड सगर्भता वाली महिलाओं में भ्रूण एनीमिया सहित विभिन्न रक्त वाहिकाओं में डॉपलर वेलोसिमीटरी का सहसंबंध।
8. उच्च ग्रेड ग्रीवा इंट्राएपिथेलियल नियोप्लासिया (सीआईएन2+) के निदान के लिए एचपीवी ई6/ई7 एमआरएनए विश्लेषण एवं उच्च जोखिम एचपीवी डीएनए जांच का तुलनात्मक मूल्यांकन।
9. जन्म के समय वज़न के साथ पहली तिमाही में प्लासेंटल वॉल्यूम और वेस्कुलराइजेशन सूचकांकों का संपर्क।
10. दूसरी तिमाही के गर्भपातों के लिए ऑक्सीटोसिन एवं मिजोप्रोस्टोल अथवा लेक्टेट के पश्चात माइफिप्रिस्टोन का अग्रदर्शी अध्ययन।
11. सी ए इंडोमेट्रियम में हर्जनर की व्यापकता एवं पूर्वानुमानिक महत्ता।
12. भारतीय आबादी के बीच दो आयामी बायोमेट्री और तीन आयामी फ्रेक्शनल लिम्ब मात्रा का उपयोग करके जन्म के समय वज़न की भविष्यवाणी।
13. प्रथम तिमाही ऐतिहासिक कारकों और जैव रसायन और जैव भौतिक मार्करों के आधार पर जुड़वां गर्भधारण में प्रीएक्लेम्पसिया के लिए भावी अध्ययन।
14. मातृ पूर्व – गर्भावस्था बीएमआई, गर्भावधि वज़न बढ़ना, पोषण और नवजात वसा की मात्रा के साथ चयापचय मार्करों का संबंध।

15. 11–13 + 6 सप्ताह स्कैन में भ्रूण संरचनात्मक विकृतियों की प्रसव पूर्व निदान की व्यवहार्यता का अध्ययन करना।
16. अंडोत्सर्ग इंडक्शन एवं आईयूआई चक्रों में अस्पष्ट प्रसव अशक्तता वाले दंपत्तियों में एंडोमेट्रियल स्क्रैचिंग के पश्चात सगर्भता दर का मूल्यांकन करना।
17. इन विट्रो फर्टिलाइजेशन करवाने वाली महिलाओं में इंडोमेट्रियल गाढ़ापन, प्रतिरोपण दर एवं सगर्भता दर पर ग्रेनुलोसाइट कॉलोनी स्टीमुलेटिंग कारक का इंट्रायूटेराइन पर्फुजन का प्रभाव : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
18. ट्रांसवेजाइनल अल्ट्रासाउंड एवं एमआरआई द्वारा निम्न सेग्मेंट सिजेरियन स्कार का निर्धारण।
19. गर्भावस्था में एनीमिया के प्रबंधन में इंट्रावेनस फेरिक कार्बोक्सीमेलटोस बनाम आयरन सुक्रोज कॉम्प्लेक्स की प्रभावकारिता, सुरक्षा और लागत की प्रभावी ढंग से तुलना करना।
20. मेटाफोर्मिन प्लस मायोइनोसिटोल में हार्मोन और चयापचय परिणामों बनाम ओवीआई और आईयूआई करवा रहे पीसीओएस महिलाओं में अकेले मेटफोर्मिन और प्रजनन परिणाम की तुलना करना।
21. एंडोमेट्रियोसिस वाली महिलाओं में जीएनआरएच एगोनिस्ट की तुलना के रूप में कैबेरगोलाइन की प्रभावकारिता का मूल्यांकन : एक भावी यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
22. आईवीएफ / आईसीएसआई रोगियों में भ्रूण स्थानांतरण के बाद पूर्ण आराम बनाम पूर्ण आराम नहीं।
23. इन विट्रो फर्टिलाइजेशन (आईवीएफ) करवाने वाले खराब प्रतिक्रिया देने वालों में फोलीकुलर फ्लशिंग एवं प्रत्यक्ष चूषण की तुलना करते हुए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
24. एंडोमेट्रियोसिस से जुड़े बांझपन वाली महिलाओं में गैर – एआरटी गर्भावस्था के लिए एंडोमेट्रियोसिस प्रजनन क्षमता सूचकांक (ईपीआई) का सत्यापन : एक भावी अध्ययन।

पूर्ण

1. एशरमैन सिंड्रोम वाले रोगियों में पारंपरिक रेसेक्टोस्कोपी बनाम मिनी रेसेक्टोस्कोपी का उपयोग कर हाइस्टेरोस्कोपिक एड्हेसियोलायसिस की तुलना का प्रायोगिक अध्ययन।
2. कार्सिनोमा एंडोमेट्रियम में उनके 2 / एनईयू अभिव्यक्ति के प्रीवलेंस और प्रोग्नोस्टिक का मूल्यांकन।
3. एपिथेलियल ओवरियन कार्सिनोमा के निदान में सीरम एचई4 और सीए125 के स्तरों का सहसंबंध।
4. चिरकारी श्रोणि पीड़ा में 9 एमएम टेलीस्कोप के साथ 5 एमएम टेलीस्कोप की तुलना करते हुए एक प्रायोगिक अध्ययन।
5. यूनीपोलर पद्धति बनाम बायपोलर पद्धति का उपयोग करके हिस्टिरोस्कॉपिक मायोमेक्टोमी का अग्रदर्शी यादृच्छिक तुलनात्मक अध्ययन।
6. चिरकारी श्रोणि पीड़ा के प्रबंधन के लिए मिनिलेप एरोस्कोपी (5 एमएम) बनाम संशोधित मिनिलेप एरोस्कोपी (2.9 एमएम) की तुलना करते हुए एक प्रायोगिक अध्ययन।
7. आईवीएफ भ्रूण स्थानांतरण में आरोपण दर पर एंडोमेट्रियल स्क्रेचिंग की भूमिका का मूल्यांकन करना।
8. फ्रोजन भ्रूण स्थानांतरण में प्राकृतिक चक्र बनाम एचआरटी।
9. एपिथेलियल ओवरियन कैंसर में एस्सिटिक तरल में आईएल–6 और वीईजीएफ का मूल्यांकन और प्रोग्नोसिस से इसका संबंध।
10. एसयूआई वाली महिलाओं में विटामिन डी की कमी और विटामिन डी पूरकता का प्रसार।
11. एम्नियोटिक तरल से उत्पन्न मेसेंकाइमल स्टेम सेल के विभेदन का पार्थक्य।

12. अस्पष्ट भ्रूण संबंधी जन्मजात असामान्यताओं में सीमेन आरओएस स्तरों एवं स्पर्म डीएनए क्षति स्तरों की भूमिका की जांच करना।
13. आरएच – आइसोइम्युनाइज्ड माता के एनीमिक भ्रूण में बायोकैमिकल परिवर्तन।
14. मानव प्रतिरक्षाहीनता वायरस से संक्रमित महिलाओं में मानव पेपिलोमावायरस संक्रमण एवं ग्रीवा असामान्यताओं का अध्ययन।
15. अंडाशय कार्सिनोमा में मानव एपिडायडिमस प्रोटीन 4 (एचई4) की अभिव्यक्ति एवं पूर्वानुमान से सह संबंध।
16. जेनिटल टीबी में एंडोमेट्रियम, फैलोपियन ट्यूब और ओवरिज पर एटीटी का प्रभाव।
17. वॉल्ट प्रोलेप्स के मूल्यांकन और मात्रात्मक में गतिशील एमआरआई पेल्विस की भूमिका।
18. सिजेरियन छेदन के पश्चात सर्जिकल स्थल संक्रमणों का अध्ययन – व्यापकता, जोखिम कारकों और उत्पन्न करने वाले सूक्ष्मजीव।
19. मेटफॉर्मिन बनाम इंसुलिन द्वारा सगर्भता अवधि की डायबिटीज़ के उपचार का तुलनात्मक अध्ययन : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
20. जेनिटल ट्यूबरकुलोसिस में एंडोमेट्रियम, फैलोपियन ट्यूब और ओवरिस पर एंटीट्यूबरकुलर उपचार के प्रभाव पर हस्तक्षेप अध्ययन।
21. एंडोमेट्रियल हाइपरप्लेसिया एवं कार्सिनोमा में बायोमार्कर्स की अभिव्यक्ति।
22. एपिथेलियल अंडाशय कैंसर से पीड़ित रोगियों का एस्सिटिक तरल में इंटरल्यूकीन – 6 एवं वीईजीएफ स्तरों का मूल्यांकन।
23. ट्रांसवेजाइनल अल्ट्रासाउंड एवं एमआरआई द्वारा निम्न सेग्मेंट सिजेरियन स्कार का निर्धारण।
24. वाल्ट प्रोलेप्स के मूल्यांकन में एमआरआई की भूमिका एवं इसका पीओपीक्यू वर्गीकरण तथा ऑपरेटिव निष्कर्ष के साथ संबंध।
25. अल्पतम से मध्यम एंडोमेट्रियोसिस के सर्जिकल सुधार के पश्चात अति अंडोत्सर्ग एवं इंट्रा यूटेराइन वीर्यारोपण करवाने वाली महिलाओं में उन्नत परिणाम में जीएनआरएच एनालॉग्स की भूमिका।
26. बायोफिजिकल एवं बायोकैमिकल मार्कर्स द्वारा प्रारंभिक सगर्भता में वास्कुलर प्रकार्य का मूल्यांकन तथा बाद की सगर्भता में प्रिक्लेम्प्सिया के विकास के साथ सह संबंध।
27. लैप्रोस्कोपिक एंडोमेट्रियोटिक सिस्टेक्टॉमी के पश्चात अण्डाशय संचय का अध्ययन करना तथा प्रसवन क्षमता परिणाम के साथ पश्च सिस्टेक्टॉमी अण्डाशय दबाव के प्रभाव को सह संबंधित करना : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
28. साइटोकाइन स्तरों पर गर्भावस्था के परिणाम और प्रभाव पर साइटोकिन्स और आवर्तक गर्भावस्था के नुकसान में पेंट्राक्सीन 3 और माइक्रोनाइज्ड प्रोजेस्टेरोन की भूमिका के स्तरों का अध्ययन करना।
29. अस्पष्ट प्रसव अशक्ति से पीड़ित रोगियों में जन्मजात थ्रोम्बोफिलिया के लिए जांच एवं सामान्य जनसंख्या तथा पुनरावर्ती सगर्भता क्षति वाले मामले।
30. लैप्रोस्कोपिक मायोमेक्टॉमी के दौरान रक्त हानि को कम करने के लिए इंट्रामायोमेट्रीयल वेसोप्रेसीन के साथ रेक्टल मिसोप्रोस्टॉल का इंट्रामायोमेट्रियल वेसोप्रेसीन प्लस के प्रभाव की तुलना करना : एक यादृच्छिक क्लिनिकल परीक्षण।
31. उच्च ग्रेड ग्रीवा इंट्रा एपिथेलियल नियोप्लासिया के निदान के लिए एचपीवी ई6 / ई7 अमापन और उच्च जोखिम एचपीवी 5 डीएनए का तुलनात्मक मूल्यांकन।
32. इन विट्रो फर्टिलाइजेशन कराने वाली महिलाओं में फोलीकल मॉनीटरिंग की पद्धतियों पर आधारित 2डी और 3 डी स्वचालित अल्ट्रासाउंड की तुलना करते हुए यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

33. अल्पतम से मध्यम एंडोमेट्रियोसिस के सर्जिकल सुधार के पश्चात अति अंडोत्सर्ग एवं इंट्रा यूटेराइन वीर्यारोपण करवाने वाली महिलाओं में उन्नत परिणाम में जीएनआरएच एनालॉग्स की भूमिका – एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
34. इन विट्रो फर्टिलाइजेशन करवाने हाइड्रोसाल्पिंक्स वाली महिलाओं में लैप्रोस्कॉपिक प्रोक्सिमल ट्यूबल संरोधन या साल्पिंगजेक्टॉमी के पश्चात अंडाशय संचय एवं सहायक प्रजननीय तकनीक परिणाम : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. लार में प्रोटियोमिक हस्तक्षेप की भूमिका की खोज : डिम्बग्रंथि के कैंसर के लिए गैर इनवेसिव निदान उपकरण की दिशा में एक कदम (आईसीएमआर)।
2. उच्च जोखिम रोगियों में प्री–एक्लेम्पसिया के विकास के लिए पूर्वानुमान और प्रोगनोस्टीक मार्कर के रूप में प्लासेंटल वृद्धि कारक (आईएमआरजी, एम्स)
3. प्रारंभिक डायस्मेनोरिया के उपचार में ड्रोटेवीराइन हाइड्रोक्लोराइड (80 एमजी) एवं मेफिनेमिक एसिड (250 एमजी) की नियत डोज़ सम्मिश्रण बनाम मेफिनेमिक एसिड (250 एमजी) एकल की प्रभावकता एवं सुरक्षा : दोहरा, यादृच्छिक तुलनात्मक अध्ययन (वॉल्टर और बुशनेल)।
4. डाउन सिंड्रोम के गैर इन्वेंसिव जन्मपूर्व निदान के लिए मैटर्नल सर्कुलेशन में मानव क्रोमोजोम 21–डिराइव्ड एम आई आर एन ए की पहचान (बाल रोग, जेनेटिक यूनिट)।
5. सूखे रक्त स्पॉट द्वारा प्रसव पूर्व जांच पहल : वर्गीकरण और संसाधनों के उपयोग हेतु भूमिका। (प्रसूति और स्त्री रोग विभाग, एमएएमसी)।
6. सर्जिकल जन्मजात विसंगतियों के लिए भ्रूण परामर्श के लिए दिशा–निर्देशों की स्थापना। डीबीटी द्वारा वित्त पोषित। (बाल शल्य चिकित्सा)।
7. मातृ, नवजात शिशु और अपरिपक्व विज्ञान के लिए अंतः संस्थागत कार्यक्रम – जन्म का अध्ययन करने के लिए एक ट्रांसलेशन दृष्टिकोण (बाल रोग)।
8. स्ट्रोक और संज्ञानात्मक अस्वीकार के कारणों को जानने के लिए जनसंख्या आधार पर भावी कोहोर्ट अध्ययन : एक पार सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य। (तंत्रिका विज्ञान)।
9. ट्रोफोब्लास्ट कोशिकाओं के प्रवास और आक्रमण क्षमता पर हाइड्रोजन सल्फाइड के प्रभाव का अध्ययन (शरीर रचना विज्ञान)।
10. ग्रीवा के कैंसर में सिसप्लेटिन प्रतिरोध में पी ए आर पी – 1 की भूमिका की जांच करना (चिकित्सा अर्बुद विज्ञान, आईआरसीएच)।
11. मानव ट्रोफोब्लास्ट कोशिकाओं के प्रवास में हाइड्रोजन सल्फाइड की भूमिका और गर्भनाल पर इसके प्रभाव : एक इन–विट्रो अध्ययन (शरीर रचना विज्ञान)।
12. मानव में विभिन्न गर्भावधि उम्र में मिडगट, हिंडगट और इलियोसेकल वॉल्व में मायएंटेरिक प्लेक्सस का संगठन (शरीर रचना विज्ञान)।
13. एपिथेलियल वृद्धि कारक रिसेप्टर और स्थानीय रूप में लक्षित उपचार के प्रभाव कीमो रेडियोथेरेपी के बाद सप्ताहिक पक्लिटेक्सेल और कार्बोप्लेटिन के साथ एनईओ सहायक कीमोथेरेपी की भूमिका का अध्ययन करने के लिए फेज 2 प्रत्याशित परीक्षण (रेडियोथेरेपी)।

14. एंडोमेट्रियोसिस में एस्ट्रोजेनिज्म का आणविक आधार (शरीर क्रिया विज्ञान)।
15. ओवरियन एंडोमेट्रियोसिस के जीनोम – व्यापक ट्रांसक्रिप्शनल लैंडस्केप का अध्ययन (शरीर क्रिया विज्ञान)।
16. महिलाओं में एंटीफोस्फोलिपिड एंटीबॉडी मेडिएटेड और इडियोपैथिक आवर्तक गर्भपात में प्रोथ्रेम्बोटिक / प्रोइंफ्लेमेट्री परिवर्तन का मूल्यांकन और इसके मॉडुलन में कोएंजाइम क्यू10 की भूमिका (जैव रसायन)।
17. समय से पहले डिम्बग्रंथि विफलता के निदान की रोग प्रतिरक्षण पहलू (जैव रसायन)।
18. समय से पहले डिम्बग्रंथि विफलता में साइटोजेनेटिक और आणविक विश्लेषण (शरीर रचना विज्ञान)।
19. पूर्व प्रसवाक्षेप जांच के लिए संवहनी कार्यों, बैरोरिफ्लेक्स संवेदनशीलता और जैव रासायनिक कारकों का मूल्यांकन (शरीर क्रिया विज्ञान)।
20. एशियाई भारतीय नवजात शिशुओं में बोन मास के निर्धारक – पोषण परिप्रेक्ष्य (अंतः स्रावी और चयापचय)।
21. पॉलीसिस्टिक डिम्बग्रंथि सिंड्रोम, ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया सिंड्रोम और इंसुलिन प्रतिरोध के बीच संबंधों का अध्ययन करना (कायचिकित्सा)।

पूर्ण

1. सीजेरियन सेक्शन सर्जरी तकनीक के सीओआरओएनआईएस – अंतरराष्ट्रीय अध्ययन – एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण (ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी, लंदन)।
2. एशरमैन सिंड्रोम वाली महिलाओं में सब एंटोलॉगोन्स स्टेम कोशिका आरोपण की भूमिका (आईसीएमआर)।
3. एक पायलट अध्ययन : एशरमैन सिंड्रोम और खराब अंतर्गर्भाशय वाली महिलाओं में ऑटोलोगस स्टेम कोशिका का उप अंतर्गर्भाशयकला प्रत्यारोपण की भूमिका (आईसीएमआर)।
4. एपिथिलियल ओवरियन कैंसर से पीड़ित रोगियों को प्रदान की गई कीमोथेरेपी चिकित्सा में मेटफॉर्मिन बनाम प्लेसिबो के तौर पर प्रदत्त चिकित्सा के प्रभाव का मूल्यांकन : एक डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रित नैदानिक परीक्षण (चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, आईआरसीएच)।
5. एम्नियोटिक द्रव से व्युत्पन्न मेसेंकाइमल स्टेम सेल का आइसोलेशन और विशेषता (स्टेम कोशिका सुविधा)।
6. एक विस्तार भ्रूण जन्मजात विसंगतियों में वीर्य ऑक्सीडेटिव तनाव और शुक्राणु डीएनए की क्षति की भूमिका (जैव रसायन)।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 54 सार : 6 पुस्तकों में अध्याय : 16 पुस्तकें और मोनोग्राफ : 3

रोगी उपचार

- गायनी एंडोक्राइन क्लिनिक प्रत्येक सप्ताह बुधवार : पीसीओएस, यौन अंतरीय विकारों, समयपूर्व रजोनिवृत्ति जैसी किसी भी एंडोक्राइन समस्याओं वाली युवा महिलाओं के लिए चलाया जाने वाला एक विशेष क्लिनिक है।
- आईवीएफ क्लिनिक–यूनिट की आईवीएफ क्लिनिक सक्रिय रूप से संचालित एवं क्रियाशील है। रोगी भर्ती हो रहे हैं एवं आईवीएफ किया जा रहा है तथा प्रति माह 50 रोगियों के लिए अन्य एआरटी प्रक्रियाएं।
- अनुर्वर दंपति उपचार।
- जन्मपूर्व क्लिनिक – बाह्य एवं आंतरिक आधार पर जन्मपूर्व रोगियों का उपचार करना।
- ओपीडी एवं आंतरिक में रोगियों के क्लिनिकल उपचार में सक्रिय रूप से सम्मिलित होना।

- एचपीवी डीएनए जांच – 440

क्लिनिक के प्रकार के द्वारा रोगियों की उपस्थिति का विभाजन

क्लिनिक	दिन / सप्ताह की संख्या	रोगी	
		नए	पुराने
सामान्य ओपीडी	6	37152	72710
उच्च जोखिम सगर्भता क्लिनिक	3	2282	12764
गायनी एंडोक्राइन क्लिनिक	3	55	73
स्त्रीरोगविज्ञानात्मक कैंसर क्लिनिक	2	594	2864
आईवीएफ क्लिनिक	1	886	3135
एएनसी	3	922	5135
परिवार कल्याण क्लिनिक	6	5108	3740

मातृत्व एवं शिशु स्वास्थ्य (एमसीएच) कार्य निष्पादन

सेवाएं	पिछले वर्ष में (2014–15)	वर्तमान वर्ष में (2015–16)
गर्भवती महिलाएं		
टीटी 1 डोज	1634	1568
टीटी 2 डोज	803	984
बच्चे (0–1 वर्ष) प्रतिरक्षण		
डीपीटी 3 डोज		
बालक	30	12
बालिका	21	18
पोलियो 3 डोज		
बालक	30	12
बालिका	21	18
बीसीजी		
बालक	1482	1439
बालिका	1237	1438
खसरा		
बालक	712	625
बालिका	587	515

निष्पादित किए गए ऑपरेशनों की सूची

ऑपरेशन	प्रकार	यूनिट 1	यूनिट 2	यूनिट 3	कुल

एम्नियोसेंटेसिस	छोटा	80	72	138	290
चिरकारी विलस सैंपलिंग	छोटा	69	57	88	214
आईयूटी (भ्रूण चिकित्सा)	छोटा	34	31	97	162
कोर्डोसेंटेसिस	छोटा	3	2	24	29
भ्रूण चिकित्सा कुल	छोटा	**186**	**162**	**347**	**695**
नैदानिक हिस्टरस्कोपी	छोटा	524	680	437	1641
लैप्रोस्कॉपी डायग्नोस्टिक	बड़ा	279	440	264	983
हिस्टरस्कोपी पोलीपेक्टॉमी	बड़ा	30	34	14	78
हिस्टरस्कोपी सेप्टल उच्छेदन	बड़ा	33	37	14	84
वयस्क स्त्रीरोगविज्ञान–हिस्टीरेक्टॉमी	बड़ा	184	203	134	521
किशोर स्त्रीरोगविज्ञान	बड़ा	23	7	22	52
लैप सिस्टेक्टॉमी	बड़ा	43	51	41	135
गायनी अर्बुदविज्ञान	बड़ा	93	174	56	323
लैप मायोमैक्टॉमी	बड़ा	33	31	17	81
प्लास्टिक रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी	बड़ा	22	12	19	53
रिकैनालाइजेशन कोर्न्युल प्रतिरोपण	बड़ा	4	7	6	17
ओपन मायोमैक्टॉमी	बड़ा	14	37	18	69
हिस्ट मायोमैक्टॉमी	बड़ा	11	20	13	44

विभिन्न प्रयोगशाला का विवरण

छोटे

ईए एवं ईसीसी : 1416
आईयूआई : 497
एनएसटी : 2683
ईए : 2525
अंडाशय सिस्ट चूषण : 34
पेप स्मीयर : 3301
प्रसूति अल्ट्रासाउंड : 2589
एफ–प्रपत्र यूएसजी : 1200

डी एवं सी : 22
आयरन थेरैपी : 386
एमटीपी–यूएसजी : 5803
कोल्पोस्कॉपी / क्रायो/लीप : 335
एमटीपी की सं. : 787
ग्रीवा बायोप्सिज : 165
गायनी अल्ट्रासाउंड : 13091

प्रसूति

बड़े ऑपरेशन : एलएससीएसः 1239
छोटे ऑपरेशन :
ऑपरेटिव वेजाइनल प्रसूतियां : फोर्सेप्सः 121
वेजाइनल प्रसूतियां : सामान्य : 1173

प्रसवोत्तर कार्यक्रम :

विभिन्न परिवार नियोजन पद्धतियों, प्रसवोत्तर कार्यक्रम की उपलब्धियां

पद्धतियां	पिछले वर्ष (2014–15)	वर्तमान वर्ष (2015–16)
कॉपर टी	796	925
ओरल पिल्स	718 पैकेट	624 पैकेट
परंपरागत गर्भनिरोधक	2730 पीस	45240 पीस
नसबंदी	911	814

विभाग (विशेष क्लिनिक और / या विशेष प्रयोगशाला सुविधाओं सहित) में उपलब्ध सुविधाएं : कोल्पोस्कोपी 476

सामुदायिक सेवाएं / शिविर
सर्जिकल कैंसर शिविर

- गौतम पुरी में आयोजित ग्रीवा और स्तन कैंसर जागरूकता सप्ताह, 4–11 मार्च 2016
- स्त्री रोग ओपीडी, एम्स में आयोजित ग्रीवा और स्तन कैंसर जागरूकता सप्ताह, एम्स, 4–11 मार्च 2016
- डॉ. दीपिका डेका, भ्रूण चिकित्सा प्रभाग की इकाई प्रमुख। 1,000 से अधिक भ्रूण रक्ताधान एम्स में किया गया था और 10.9.15 को हिंदू, हिंदुस्तान, अमर उजाला, दैनिक भास्कर में समाचार प्रिंट द्वारा जागरूक बनाया गया था।
- डॉ. नीरज भाटला, आचार्य, अध्यक्ष, मीडया और प्रोटोकॉल प्रभाग ने सार्वजनिक व्याख्यान श्रृंखला कार्यक्रम (मीडिया और प्रोटोकॉल प्रभाग के तहत विवरण देखें) आयोजित किया।
- डॉ. सीमा सिंघल, सहायक आचार्य ने संस्थान दिवस समारोह में भाग लिया और स्त्री रोग के कैंसर की रोकथाम और गुणवत्ता में सुधार के संबंध में जागरूकता फैलाने के लिए एक पोस्टर प्रस्तुत किया : 2015 में स्किन टू स्किन कॉन्टेक्ट स्थापित की और मार्च 2016 में महिला दिवस समारोह की पूर्व संध्या पर। महिलाओं के स्वास्थ्य के मुद्दों पर वार्ता प्रस्तुत की। संघमित्रा महिला कर्मचारियों के लिए राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) का एक गैर–सरकारी मंच है।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां

आचार्य अलका कृपलानी को मई 2015 को डीएमए, दिल्ली, द्वारा चिकित्सा व्यावसाय में उत्कृष्ट योगदान के लिए डीएमए (दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन) से सम्मानित किया गया था, 28 दिसंबर 2015 को आईएमए एनएटीसीओएन – 2015, दिल्ली में 2014–2015 के लिए प्रदान की गई सेवाओं की मान्यता में आईएमए डॉ. जगदीश्वरी मिश्रा ओरेशन पुरस्कार से सम्मानित किया गया; 22 अगस्त 2015 को नेशनल एसोसिएशन ऑफ रिप्रोडक्टिव एंड चाइल्ड हेल्थ ऑफ इंडिया (एनएआरसीएचआई), नई दिल्ली के 22वें वार्षिक सम्मेलन के प्रबंधन में एंडोमेट्रियोसिस–वर्तमान अवधारणाओं सहित वितरित व्याख्यान; 18.10.2015 को गाजियाबाद ऑब्ज. गायनी

सोसायटी, गाजियाबाद द्वारा आयोजित उच्च जोखिम गर्भावस्था पर 17वां वार्षिक सीएमई में 'डायग्नोसिस एंड मैनेजमेंट ऑफ एंटी फोस्फोलिपिड एंटीबॉडी सिंड्रोम इन प्रेगनेंसी'; डॉ. मीरा अग्निहोत्री ने 28.11.2015 को कानपुर में हाल ही में आधारभूत और 27वें राज्य सम्मेलन (यूपीसीओजी – 2015) के लिए प्रसूति और स्त्री रोग के राष्ट्रीय सम्मेलन में 'सीजेरियन मायोमेक्टोमी' पर व्याख्यान दिया; एमओजीएस – डॉ. एम. डी. अदातिया ने 6.02.2016 को मुंबई ऑब्स. एंड गायनी सोसायटी, मुंबई द्वारा आयोजित एमओजीएस 2015–2016 में 'फीमेल जेनिटिकल ट्रेक्ट एनोमेलीस : फ्रॉम डायग्नोसिस टू इंटरवेंशन' पर सम्मेलन में व्याख्यान दिया; 5.3.2016 को एफओजीएसआई और राजकोट ऑब्स. एंड गायनी सोसायटी, राजकोट द्वारा आयोजित पश्चिमी क्षेत्र युवा एफओजीएसआई सम्मेलन 2016 में 'एंडोस्कोपी इन बीओएच' पर आरओजीएस व्याख्यान; 19.03.2016 को औरंगाबाद ऑब्स. एंड गायनी सोसायटी, औरंगाबाद द्वारा आयोजित उच्च जोखिम गर्भावस्था, आधुनिक प्रौद्योगिकी और प्रसूति सोनोग्राफी में एफओजीएसआई राष्ट्रीय सम्मेलन में 'आरपीएल – करंट कंसेप्ट्स इन मैनेजमेंट' पर व्याख्यान। 28–30 अगस्त 2015 को एओजीडी, दिल्ली के सहयोग से आईएजीई, जीईएसआई के सहयोग से प्रसूति और स्त्री रोग विभाग, एम्स द्वारा आयोजित डीजीईएस (दिल्ली गायनेकोलॉजिकल एंडोस्कोपिस्ट्स सोसायटी) के वार्षिक सम्मेलन में 'ए रेयर केस ऑफ इंफेक्टेड सरवाइकल डिवर्टिकुलम इन एक इंफर्टाइल पेशेंट, फेनिक्स – 2015' पर एंडोस्कोपी पर सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र के लिए तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया; 28–30 अगस्त 2015 को एओजीडी, दिल्ली के सहयोग से आईएजीई, जीईएसआई के सहयोग से प्रसूति और स्त्री रोग विभाग, एम्स द्वारा आयोजित डीजीईएस (दिल्ली गयनीकोलॉजिकल एंडोस्कोपिस्ट्स सोसायटी) के वार्षिक सम्मेलन में 'स्टीरॉइड सेल ट्यूमर, नॉट अदरवाइस स्पेसिफाइड – ए केस रिपोर्ट, फेनिक्स – 2015' पर सर्वश्रेष्ठ प्रकरण रिपोर्ट के लिए प्रथम पुरस्कार; 13–17 जनवरी 2016 को एफओजीएसआई आगरा द्वारा आयोजित 59वें एआईसीओजी में 'इफेक्ट्स ऑफ मायोइनोसिटोल इन क्लिनिकल, हार्मोनल एंड मेटाबोलिक पैरामीटर्स ऑफ पीसीओएस इन कम्पेरिजन टू मेटाफॉर्मिन' पर आधिकारिक विषय में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर के लिए एफओजीएसआई – डॉ. (श्रीमती) जगदीश्वरी मिश्रा पुरस्कार। 13–17 जनवरी 2016 को एफओजीएसआई आगरा द्वारा आयोजित 59वें एआईसीओजी 2016 में 'रोल ऑफ एटीटी फॉर पोजिटिव एंडोमेटिरियल एस्पिरेट डीएनए – पीसीआर रिप्रोडक्टिव आउटकम इन इंफर्टिल पेशेंट्स इन इंडियन सेटिंग – ए रैंडमाइज्ड ट्रायल' पर वरिष्ठ श्रेणी में प्रसूति और स्त्री रोग में सर्वश्रेष्ठ वैज्ञानिक अनुसंधान कार्य के लिए वर्ष 2015 हेतु (डॉ. नूतन अग्रवाल), एफओजीएसआई – सीओआरआईओएन पुरस्कार।

आचार्य सुनेश कुमार ने समकक्ष पुनरीक्षक 'यूरोपियन जर्नल ऑफ ऑब्स्टेट्रिक्स, गाइनकोलॉजी एण्ड रिप्रोडक्टिव मेडिसिन; सदस्य, इंटरव्यू बोर्ड फॉर दि पोस्ट ऑफ मेडिकल ऑफिसर, संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी), नई दिल्ली; सदस्य, गाइनी में संकाय चयन हेतु चयन समिति पीजीआई, चण्डीगढ़; सदस्य, गाइनी में संकाय चयन हेतु चयन समिति, पीजीआईएमईआर, रोहतक; सदस्य, आईसीएमआर ग्रुप ऑन रिसर्च इन रिप्रोडक्टिव मेडिसिन; सदस्य, आईसीएमआर रिसर्च एडवाइजरी कमेटी फॉर मॉडल रूरल हेल्थ रिसर्च यूनिट (एमआरएचआरयू) राजस्थान; सदस्य, भारतीय मानक ब्यूरो, उपभोक्त कार्य मंत्रालय, खाद्य और सार्वजनिक वितरण, भारत सरकार; सदस्य, डीबीटी सब ग्रुप कमेटी फॉर फाइनेलाइजिंग दि आरईएसीएच स्कीम फॉर बायोटेक्नोलॉजी बेस्ड प्रोग्राम्स फॉर वुमेन; सदस्य, टेक्निकल स्पेसिफिकेशन / सिलेक्शन कमेटी एट एम्स, नई दिल्ली; एम्स, नई दिल्ली में सदस्य, स्टाफ काउंसिल, के रूप में अपनी सेवाएं दीं, सदस्य, ऐथिक्स समिति, एम्स, नई दिल्ली।

आचार्य दीपिका डेका ने भ्रूण चिकित्सा अध्येतावृत्ति के रूप में जनवरी 2016 से आरंभ किया।

आचार्य नीरजा भाटला ने नए स्नातकोत्तर के लिए उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया; शैक्षिक प्रस्तुतियों, उपस्थिति आदि में प्रदर्शन से संबंधित स्नातकोत्तर के लिए नियमित रूप से, जारी प्रतिक्रिया प्रदान करने के लिए और खामियों और कमियों के सुधार के लिए समर्थन प्रदान करने के लिए सुदृढ़ीकरण के प्रारंभिक पालन की आयोजित प्रणाली; एफओजीएसआई पूर्व–कांग्रेस कार्यशाला के लिए प्रभारी / समन्वयक : कार्यालय हिस्टीरोस्कोपी और कोलपोस्कोपी; 59वें अखिल भारतीय प्रसूति और स्त्री रोग – एआईसीओजी 2016 (13–17 जनवरी 2016), आगरा; प्रिवेंटिव ऑन्कोलॉजी में सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र के लिए सरस्वती अरोड़ा पुरस्कार से सम्मानित किया; पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया (पीएचएफआई), नई दिल्ली में साक्ष्य आधारित मधुमेह प्रबंधन में ''जेस्टेशनल डायबिटीज मेलिटस'' में प्रमाणित पाठ्यक्रम के लिए राष्ट्रीय विशेषज्ञ, गेस्टेशनल डायबिटीज पर विकसित शिक्षण मॉड्यूल; अध्यक्ष, एसोसिएशन ऑफ गइनोकोलॉजिक ऑन्कोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया (एजीओआई), भारत भर से विशेषता छात्रों के लिए शुरू की गतिविधि : 22–23 अगस्त 2015 को टाटा मेमोरियल हॉस्पीटल, मुंबई में पहली बार आयोजित; सदस्य, तकनीकी सलाहकार पैनल, महिलाओं के लिए व्यापक स्वास्थ्य देखभाल छानबीन और उपचार कार्यक्रम, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश, 29 मई 2015;
2–5 अप्रैल 2015 को तिरुपति, आंध्र प्रदेश में क्यूए, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत लेबर रूम और आरएमएनसीएच + ए से संबंधित क्षेत्रों के लिए विकसित एसओपी और प्रोटोकॉल के लिए विशेषज्ञ समूह की बैठक में भाग लिया; 9 अप्रैल 2015 को जैव प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली में जीव विज्ञान के पुराने रोग के तहत चयापचय और ऑटो–इम्युन रोगों पर विशेषज्ञ समूह बैठक; 15 अप्रैल 2015 को राष्ट्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण संस्थान, नई दिल्ली में कार्सिनोजेनेसिस पर कार्यशाला में भाग लिया; मई 2015 को नई दिल्ली में 'ट्रेनिंग मॉड्यूल्स फॉर कॉम्प्रीहेंसिव कैंसर सर्विक्स स्क्रीनिंग एंड मैनेजमेंट, डब्ल्यूएचओ साउथ ईस्ट एशिया रिजनल ऑफिस' के विकास के लिए एक विशेषज्ञ समूह के सदस्य; 5 मई 2015 को जैव प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली द्वारा आयोजित जीव विज्ञान के पुराने रोगों के तहत चयापचय और ऑटो – इम्युन रोगों पर विशेषज्ञ समूह बैठक; अंडाशय के कैंसर, फैलोपियन ट्यूब और पेरिटोनियम के लिए संशोधित एफआईजीओ मंचन मसौदा तेयार किया, अक्टूबर 2015, सरवाइकल कैंसर के प्राथमिक रोकथाम के लिए संसाधन आधारित दिशा–निर्देशों का विकास, एएससीओ वार्षिक बैठक, दुबई, यूएई, 12 दिसंबर 2015; 3 मार्च 2016 को नई दिल्ली में पीएसआई – एफओजीएसआई भागीदारी बैठक पर सामरिक चर्चा में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया; 4 मार्च 2016 को इंस्टीट्यूट ऑफ साइटोलॉजी एंड प्रीवेंटिव ऑन्कोलॉजी (आईसीपीओ), नोएडा द्वारा आयोजित भारतीय अंतरराष्ट्रीय केंद्र में ''इम्प्लीमेंटेशन ऑफ नेशनल कैंसर अर्ली डिटेक्शन एंड स्क्रीनिंग'' पर यूएस–एनसीआई और राष्ट्रीय हितधारकों के साथ विचार–विमर्श बेठक में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया; 15 मार्च 2016 को इंस्टीट्यूट ऑफ साइटोलॉजी एंड प्रीवेंटिव ऑन्कोलॉजी (आईसीपीओ), नोएडा द्वारा आयोजित भारत में स्तन, सरवाइकल और मुखीय कैंसर की जांच के लिए अद्यतन मानक प्रोटोकॉल के विकास पर प्रथम तकनीकी कार्य समूह कार्यशाला। उन्होंने 27 फरवरी 2016 को गुजरात कैंसर एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट, अहमदाबाद के डॉ. टी. बी. पटेल व्याख्यान पुरस्कार में व्याख्यान दिया। वह जेनिटल इंफेक्शन्स एंड नियोप्लासिया (एओजीआईएन) 2014–16 को एशिया ओशिनिया रिसर्च ऑर्गनाइजेशन के अध्यक्ष है; बोर्ड के सदस्य, इंटरनेशनल फेडरेशन फॉर सरवाइकल पैथोलॉजी एंड कोलपोस्कोपी (आईएफसीपीसी), 2014–17; सदस्य, इंटनेशनल फेडरेशन फॉर सरवाइकल पैथोलॉजी एंड कोल्पोस्कोपी (आईएफसीपीसी) की वैज्ञानिक समिति, 2014–17; अध्यक्ष, ऑन्कोलॉजी एंड ट्रोफोब्लास्टिक ट्यूमर्स कमिटी, एफओजीएसआई, 2014–17; अध्यक्ष, गायनी ऑन्कोलॉजी कमिटी, इंटरनेशनल फेडरेशन फॉर गयनीकोलॉजी एंड ऑब्सटेट्रिक्स (एफआईजीओ), 2015–18. वह सरवाइकल कैंसर की जांच के लिए मल्टीमॉडल स्पेक्ट्रोस्कोपी प्लेटफॉर्म पर आधारित एक एचपीवी एंटीबॉडी बायोमार्कर के मूल्यांकन के लिए नए अंतरराष्ट्रीय सहयोग के विकास : एक

प्रायोगिक अध्ययन, यूनिवर्सिटी ऑफ मिशिगन के साथ सहयोगी अनुसंधान में शामिल है; सरवाइकल कैंसर की जांच करवा रही महिलाओं पर 100 रोगी प्रायोगिक अध्ययन में देखभाल विजुअल निरीक्षण के मानक के लिए ट्रांसवेजाइनल कोल्पोस्कोपी की पक्ष दर पक्ष तुलना, यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ कैरोलिना; मीडिया और प्रोटोकॉल प्रभाग के अध्यक्ष के रूप में, एम्स के लिए प्रतिनिधिमंडलों का सुविधाजनक दौरे : (1) श्री केइया आइदा, स्वास्थ्य देखभाल उद्योग को बढ़ावा देने और स्वास्थ्य देखभाल के वैश्विक विस्तार के लिए सहायक मंत्री के नेतृत्व में जापानी प्रतिनिधिमंडल, (2) डॉ. उतुंग सुसेनो सुतरजो, इंडोनेशिया के स्वास्थ्य मंत्री के महा सचिव ने नेतृत्व में इंडोनेशिया, (3) माइनर लयॉड, डीन, स्टैंफॉर्ड यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन और (4) माननीय श्री ए. के. गायन, मॉरीशस गणराज्य के स्वास्थ्य और जीवन गुणवत्ता मंत्री। वह 26 अक्टूबर 2015 को कैरियर एडवांसमेंट स्कीम (सीएएस) जामिया हमदर्द, हमदर्द विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के तहत रुफेदा कॉलेज ऑफ नर्सिंग में आचार्य के पद के लिए चयन समिति के विशेषज्ञ हैं; आईसीएमआर मुख्यालय, नई दिल्ली में 2 नवंबर 2015 को वैज्ञानिक – डी के पद के लिए एक प्रत्याशी के चयन के लिए चयन समिति के सदस्य; आईसीएमआर मुख्यालय, नई दिल्ली में 9 दिसंबर 2015 को वैज्ञानिक–ई (गायनेकोलॉजी) के पद के लिए एक प्रत्याशी के चयन के लिए चयन समिति के सदस्य; आईसीएमआर, नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर रिसर्च इन एनवायर्नमेंटल हेल्थ (एनआईआरईएच), भोपाल, आईसीएमआर, नई दिल्ली में 27 जनवरी 2016 को वैज्ञानिक–सी (स्त्री रोग और प्रसूति) के पद के लिए आवेदनों की जांच करने के लिए जांच समिति के सदस्य; 19 मार्च 2016, 23 मार्च 2016 और 29 मार्च 2016 को कर्मचारी राज्य बीमा निगम द्वारा आयोजित बसई दारापुर, नई दिल्ली में ईएसआईसी पीजीआईएमएसआर के लिए शिक्षण संकाय के साक्षात्कार के लिए चयन बोर्ड में विशेषज्ञ सदस्य।

आचार्य के. के. रॉय एमएस–प्रसूति / स्त्री रोग (ऑर्गनोक्लोराइन पेस्टीसाइड के प्रकरण के संदर्भ में प्रीक्लेम्पसिया में एक्सीडेटिव तनाव और एंटी–ऑक्सीडेटिव जीन की भूमिका – नियंत्रण अध्ययन) के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय (दक्षिण परिसर) के लिए थीसिस मूल्यांकनकर्ता थे; एक गर्भनिरोधक विधि के रूप में पेरिमेनोप्यूसल महिलाओं में डिसोजेस्ट्रेल बनाम एलएनजी – आईयूएस : एक यादृच्छिक संभावित हस्तक्षेप परीक्षण; गर्भावस्था दरों और शुक्राणु डीएनए की क्षति पर अंतर्गर्भाशयी गर्भाधान के लिए वीर्य तैयार करने की दो तकनीकों की तुलना) के अध्यक्ष।

आचार्य नीना मल्होत्रा ने एसिस्टेड कंसेप्शन यूनिट, किंग्स कॉलेज, लंदन में तर्कसंगत रॉयल कॉलेज ऑफ ऑब्सटेट्रिशियन एंड गयनीकोलॉजिस्ट लंदन यू. के. से मैलकॉम ब्लैक यात्रा अध्येतावृत्ति प्राप्त की (23.10.2015 से 4.11.2015)।

आचार्य वत्सला डढ़वाल ने वरिष्ठ जैव–चिकित्सा वैज्ञानिक 2015–16 के लिए आईसीएमआर अंतरराष्ट्रीय अध्येतावृत्ति प्राप्त की और वे मातृ देखभाल के डब्ल्यूएचओ पॉकेट बुक का विकास करने के लिए कोर समूह के सदस्य थीं।

आचार्य नूतन अग्रवाल ने शोध पत्र 'प्रीनेटल इंट्रा – एमनियोटिक इंस्टीलेशन ऑफ सरफेक्टेंट फॉर एंड प्रीवेंशन ऑफ नियोनेटल रिस्पेरेटरी डिस्ट्रेस सिंड्रोम इन प्रीटर्म बर्थ – ए न्यू मॉडलिटी' पर एफओजीएसआई 2015 को नवीन अनुसंधान के लिए कोरियोन पुरस्कार, शोध पत्र 'इफेक्ट ऑफ मायोइनोसिटोल इन क्लिनिकल बायोकैमिकल एंड मेटाबोलिक पैरामीटर्स ऑफ पीसीओ इन कम्पेरिजन ऑफ मेटफॉर्मिन' पर एफओजीएसआई 2016 को सर्वश्रेष्ठ पोस्ट के रूप में जगदीश्वरी मिश्रा पुरस्कार; 'इंट्रा – एमनियोटिक इंस्टीलेशन ऑफ

सरफेक्टेंट बिफॉर डिलीवरी फॉर प्रीवेंशन ऑफ नियोनेटल रिस्पेरेटरी डिस्ट्रेस सिंड्रोम इन प्रीटर्म बर्थ' शीर्षक पर सर्वश्रेष्ठ (मुख्य मार्गदर्शक के रूप में) के लिए लीलावती सलवान पुरस्कार प्राप्त किया।

आचार्य जे. बी. शर्मा ने नई दिल्ली में प्रकाशित प्रसूति और स्त्री रोग की विशेष राष्ट्रीय पत्रिका के भारतीय प्रसूति और स्त्री रोग के मुख्य संपादक के रूप में 31 अक्टूबर 2015 को सत्या पॉल व्याख्यान पुरस्कार दिया; ढाका बांग्लादेश में 29 जुलाई 2015 से 2 अगस्त 2015 को एफसीपीएस भाग 2 नैदानिक और मौखिक परीक्षक; नई दिल्ली में 8–10 नवंबर 2015 को एमआरसीओजी भाग 2 परीक्षक।

आचार्य नीता सिंह ने इंडियन फर्टिलिटी सोसायटी के वार्षिक सम्मेलन के लिए प्रश्नोत्तरी का आयोजन।

डॉ. गरिमा कछवा बीपी कोइराला इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, धरन, नेपाल और जर्नल ऑफ ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी ऑफ इंडिया (जेओजीआई) से एमडी (प्रसूति एवं स्त्री रोग) शोध पत्र के लिए समीक्षक हैं। वे 18 मई 2015 को स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग के सहायता अनुदान योजना (जीआईए) के तहत इन क्षेत्र में 'महिलाओं से संबंधित जन्मजात विकृति और आनुवंशिकी, मातृ स्वास्थ्य, बाल स्वास्थ्य, कम बाल लिंग अनुपात और अन्य लिंग और स्वास्थ्य एवं शारीरिक रूप से स्वास्थ्य समस्याओं' के लिए तकनीकी मूल्यांकन समिति (टीईसी) हेतु एक विशेषज्ञ हैं; सदस्य, अब तक आईसीएमआर – 2014 के माध्यम से नैदानिक अनुसंधान के संचालन के लिए स्थानीय समन्वयक / विशेषज्ञ समिति। सदस्य, हिंसा के खिलाफ फेडरेशन ऑफ ऑब्सटेट्रिकल एंड गायनीकोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया का महिला प्रकोष्ठ; भारत सरकार की एंडोक्राइन सोसायटी ऑफ इंडिया द्वारा 'गर्भावस्था में थाइरॉइड की जांच' की समीक्षा करने के लिए विशेषज्ञ और एफओजीएसआई प्रतिनिधि; 3 मार्च 2016 को भारत सरकार, एफओजीएसआई के साथ लंबे समय के लिए काम करने वाले गर्भनिरोधक, समर्थन बैठक और भारतीय जनसंख्या संघ, भारत सरकार, एफओजीएसआई के साथ प्रजनन विकल्प पूरा करने का समर्थन के लिए अंतरराष्ट्रीय जनसंख्या सेवाओं द्वारा पीईएचईएल कार्यक्रम।

डॉ. पी. वनामेल ने पोषण के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ प्रकाशन के लिए प्रो. सुकतमी स्वर्ण पदक पुरस्कार प्राप्त किया। इसकी नेहरू मेडिकल कॉलेज, बेलगाम, कर्नाटक में अपने 33वें वार्षिक सम्मेलन के दौरान भारतीय चिकित्सा सांख्यिकी संस्था (आईएसएमएस) द्वारा घोषणा की गई थी। वह सार्वजनिक स्वास्थ्य पोषण, आईजेएमआर, बीएमजे नवाचार, बीएमजे के लिए समीक्षक है।

डॉ. विदुषी कुलश्रेष्ठ को 'स्टीरॉइड सेल ट्यूमर, नॉट अदरवाइस स्पेसिफाइड – ए केस रिपोर्ट' के विविध विषय पर सह–लेखक के रूप में सर्वश्रेष्ठ प्रकरण रिपोर्ट के लिए प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। 28–30 अगस्त 2015 को प्रसूति और स्त्री रोग विभाग, एम्स और डीजीईएस, दिल्ली द्वारा आयोजित डीजीईएस (दिल्ली गायनेकोलॉजिकल एंडोस्कोपिस्ट्स सोसायटी) का वार्षिक सम्मेलन; 13–17 जनवरी 2016 को एफओजीएसआई, आगरा द्वारा आयोजित 59वें एआईसीओजी में सह–लेखक के रूप में 'भारतीय परिवेश में बांझ रोगियों में प्रजनन परिणाम पर एंडोमेट्रियल एस्पीरेट्स में सकारात्मक डीएनए पीसीआर के लिए एंटी – ट्यूबरकुलर उपचार की भूमिका – एक यादृच्छिक परीक्षण' पर वरिष्ठ श्रेणी में प्रसूति एवं स्त्री रोग में सर्वश्रेष्ठ वैज्ञानिक कार्य के लिए वर्ष 2015 के लिए एफओजीएसआई – सीओआरआईओएन पुरस्कार (दूसरे विजेता) से सम्मानित; 13–17 जनवरी 2016 को एफओजीएसआई, आगरा द्वारा आयोजित 59वें एआईसीओजी में सह–लेखक के रूप में 'मेटफोर्मिन की तुलना में पीसीओएस के नैदानिक, हार्मोनल और मेटाबोलिक पैरामीटर में प्रभाव' पर अधिकारित विषयों पर सर्वश्रेष्ठ पोस्टर के लिए एफओजीएसआई – डॉ. (श्रीमती) जगदीश्वरी मिश्रा पुरस्कार से

सम्मानित। 14–18 जुलाई 2015 को एम्स, नई दिल्ली में दिशा–निर्देशों के मसौदे तैयार करने को अंतिम रूप देने के लिए सूचकांक टीबी दिशा–निर्देश अद्यतन के विशेषज्ञ समूह की बैठक में भाग लिया; 28–30 अगस्त 2015 को एओजीडी, दिल्ली के सहयोग से आईएजीई, जीईएसआई के सहयोग से प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, एम्स और डीजीईएस द्वारा आयोजित डीजीईएस (दिल्ली गायनेकॉलोजिकल एंडोस्कोपिस्ट्स सोसायटी) के वार्षिक सम्मेलन में एंडोस्कोपी और इंफर्टिलिटी पर प्रश्नोत्तरी का आयोजन; 18 सितंबर 2015 को एओजीडी, दिल्ली के सहयोग से प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, एम्स द्वारा आयोजित 'स्त्रीरोग और प्रसूति में हार्मोन' पर क्षेत्रीय प्रश्नोत्तरी; 26 सितंबर 2015 को प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, एम्स, दिल्ली द्वारा आयोजित प्रजनन अवधि (गायनी एंडोक्राइन सोसायटी ऑफ इंडिया (जीईएसआई) और एंडोक्राइन कमिटी ऑफ एसोसिएशन ऑफ आब्सटेट्रिशियन्स एंड गायनीकोलॉजिस्ट के सहयोग से एफओजीएसआई पहल) में असामान्य गर्भाशय रक्तस्राव के प्रबंधन के लिए *भारतीय महिलाओं हेतु* अच्छी नैदानिक प्रथाओं सिफारिशें (जीसीपीआर) तैयार करने के लिए एयूबी आम सहमति बैठक के लिए बैठक के समन्वयक; सदस्य, रेडियोग्राफी पाठ्यक्रम में एमबीबीएस, बीएससी नर्सिंग, ऑप्टोमेट्री, चिकित्सा प्रौद्योगिकी के लिए नए छात्रों के लिए मेडिकल बोर्ड, एम्स; 21 नवंबर 2015 को रेजीडेंट डॉक्टर एसोसिएशन एम्स द्वारा आयोजित प्रसूति एवं स्त्री रोग में नेशनल एम्स मेडिक्विज 'आईजीएनआईटीई – 2015' के संचालन के लिए संकाय; 4 जनवरी 2016 को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, दिल्ली द्वारा आयोजित गर्भपात की चिकित्सा विधि पर दिशा–निर्देशों को अंतिम रूप देने के लिए विशेषज्ञ समिति की बैठक के संकाय। फरवरी 2016 में जारी दिशा–निर्देश। उन्होंने फेनिक्स – 2015 में एंडोस्कोपी और विविध विषय पर 2 मुक्त शोध पत्र सत्रों की अध्यक्षता की, 28 अगस्त 2015 को एओजीडी, दिल्ली के सहयोग से आईएजीई, जीईएसआई के सहयोग से प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, एम्स और डीजीईएस द्वारा आयोजित डीजीईएस (दिल्ली गायनीकॉलोजिकल एंडोस्कोपिस्ट्स सोसायटी) का वार्षिक सम्मेलन; 14–17 जनवरी 2016 को एफओजीएसआई, आगरा द्वारा आयोजित 59वें एआईसीओजी में 2 मुक्त शोध पत्र सत्रों की अध्यक्षता की।

डॉ. सीमा सिंघल लखनऊ में 19 अप्रैल 2015 को इंडियन सोसायटी ऑफ कोलपोस्कोपी एंड सरवाइकल पैथोलॉजी (आईएससीसीपी) के 10वें वार्षिक सम्मेलन में सर्वाइकल कैंसर के प्रबंधन में चुनौतियों के लिए पैनलिस्ट थीं 3 जनवरी 2015 को एफओजीएसआई और एओजीडी द्वारा आयोजित सीएमई गायनी ऑन्कोलॉजी में महिलाओं में प्री–मेनोपोज़ल में एडेनेक्सल मासेस का प्रबंधन; रेजीडेंट्स आरडीए क्विज के लिए आयोजित नेशनल मेडिक्विज : पहली बार के लिए 21 नवंबर को इग्नाइट; संत परमानंद अस्पताल में योनि सर्जरी के लिए वीडियो कार्यशाला। रॉयल कॉलेज ऑफ ऑब्सटेट्रिशियन एंड गायनेकोलॉजिस्ट (आरसीओजी – एनज़ेड), इंडियन मेनोपॉस सोसायटी (एमआईएस) और नेशनल एसोसिएशन फॉर रिप्रोडक्टिव एंड चाइल्ड हेल्थ ऑफ इंडिया (एनएआरसीएचआई) के सहयोग से योनि सर्जरी और यूरोगायनीकोलॉजी पर वीडियो कार्यशाल, 18 अक्टूबर 2015, एम्स (ग्लसगोव इमर्जैंसी ट्रॉमा सम्मेलन) ग्लासगोव इमर्जेन्सी सर्जरी और ट्रॉमा संगोष्ठी – एम्स सत्र में जीईएसटी सम्मेलन : पेरिमोटर्म सीजेरियन सेक्शन; एओजीडी में न्याय मुक्त शोध पत्र; नैदानिक परीक्षण, नई दवाओं और नए चिकित्सा उपकरणों के अनुप्रयोगों की विभिन्न श्रेणियों के मूल्यांकन के लिए आगामी नए औषधि प्रभाग (एसएनडी) सीडीएससीओ (मुख्यालय) के लिए व्यक्ति विशेषज्ञ समिति सदस्य; सदस्य, राष्ट्रीय जीव विज्ञान संस्थान, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा संस्थान की एंज़ाइम और हार्मोनल प्रयोगशाला के गुणवत्ता नियंत्रण परीक्षण के सुदृढ़ीकरण के लिए समिति; डॉ. एस राधाकृष्णन मेमोरियल नेशनल टीचर्स पुरस्कार प्राप्त किया, 4 सितंबर 2015; फैलो अमेरिकन कॉलेज ऑफ सर्जन (एफएसीएस) के रूप में चुना गया; डीएनबी परीक्षक, हैदराबाद 26–29 मई 2015; एम्स में गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम में संकाय के रूप में सक्रिय

रूप से शामिल है, नवजात के त्वचा से त्वचा संपर्क को बढ़ावा देने पर परियोजना सफलतापूर्वक पूरी की गई; एम्स में सीसीआर में परियोजना प्रस्तुत की गई और उपरोक्त परियोजना पर एक पोस्टर गोथेनबर्ग सम्मेलन में स्वीकार किया गया है तथा सह–अन्वेषकों में से एक के द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा, क्यूआई अवधारणाओं के लिए स्नातक को जागरूक करने के लिए एम्स में आयोजित संगोष्ठी; एफईएनआईएक्स 2015 में शोध पत्र, पोस्टर के लिए न्यायाधीश और स्त्री रोग में एंडोस्कोपी पर सह–मध्यस्थ प्रश्नोत्तरी; इंडियन जर्नल ऑफ गायनी ऑन्कोलॉजी (आईजेजीओ), इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईजेएमआर), जर्नल ऑफ ऑब्सटेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी (जेओजी), जर्नल ऑफ क्लिनिकल डायग्नोस्टीक्स एंड रिसर्च (जेसीडीआर) और यूरोपियन जर्नल ऑब्स्टेट्रिक्स गायनेकॉलोजी एंड रिप्रोडक्टिव बायोलॉजी के लिए समीक्षक; स्त्री रोग एवं प्रसूति पाठ्यक्रम के प्रत्यायन या नवीकरण के लिए डीएनबी निरीक्षक : भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र और अस्पताल, रेलवे अस्पताल, मुंबई; सी. एस. आइ. कल्याणी जनरल अस्पताल, चेन्नई, तमिलनाडु; डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर सेंट्रल रेलवे अस्पताल, बयकुल्ला, मुंबई, दिसंबर 2015; लाइफ मेम्बर एसोसिएशन ऑफ गायनी ऑन्कोलॉजिस्ट्स ऑफ इंडिया; ईएसजीओ – यूरोपियन सोसायटी ऑफ गायनी ऑन्कोलॉजी; एओजीआईएन इंडिया; आईएसजीई : इंटरनेशनल सोसायटी ऑफ गायनी एंडोस्कोपी एंड जीईएसआई – गायनी एंडोक्राइनोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया।

9.25 अस्थिरोग विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष
पी.पी. कोतवाल

आचार्य

राजेश मल्होत्रा
एच. एल नाग
रवि मित्तल
सी. एस. यादव
शाह आलम खान

अपर आचार्य
विजय कुमार

सहायक आचार्य
भावुक गर्ग
विजय दिग्गे

विशिष्टताएं

विभाग में सामान्य अस्थि रोग के अलावा आम जनता को कला अस्थि रोग सेवाओं के बारे में जानकारी प्रदान की गई है। विभाग द्वारा जोड़ों के प्रतिस्थापन, ऑर्थ्रोस्कोपी, रीढ़ की हड्डी, ट्यूमर, हाथ और पैर सर्जरी और बाल चिकित्सा आर्थोपेडिक्स के अति विशिष्ट क्षेत्र में लोगों को सेवा दी गई है। हमने इन क्षेत्रों में बाह्य एम्स से कई सर्जनों के लिए लघु अवधि के प्रशिक्षण की व्यवस्था की है। विभाग ने दूर और पास से सर्जनों के लिए विभिन्न अस्थि रोग वाले विषयों और दिए गए ज्ञान पर अनेक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों और सीएमईएस का आयोजन किया है। हमने देशों के निर्धन एवं उपेक्षित सेवा के लिए दूरदराज के हिस्सों में कई शिविरों का आयोजन किया था।

शिक्षा

1. अस्थि रोग विज्ञान शल्य चिकित्सा में स्नातकोत्तर शिक्षण कार्यक्रम (एम एस. ऑर्थोपीडिक्स)
2. स्नातकपूर्व शिक्षण कार्यक्रम
3. नर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम
4. अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम

विभाग द्वारा आयोजित क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशालाएं / संगोष्ठी

1. एम्स – आईएसएसएच व्रिस्ट कोर्स, 25–26 जुलाई 2015, नई दिल्ली।
2. 20 नवंबर 2015 को जर्नी II बीसीएस (एक्टिव नी सिस्टम), एम्स, नई दिल्ली पर कार्यशाला।
3. एम्स, नई दिल्ली में 17–23 अगस्त 2015 को रिवर्स शोल्डर ऑर्थ्रोप्लास्टी, ऑर्थ्रोप्लास्टी सप्ताह, एम्स।
4. एम्स, नई दिल्ली में 19 अगस्त 2015 को ऑर्थ्रोप्लास्टी शोल्डर केस, एम्स ऑर्थ्रोप्लास्टी सप्ताह।
5. टीएचए कार्यशाला, 18 अगस्त 2015, एम्स बोर्ड रूम, ओआरएस, दिल्ली द्वारा।

6. टीकेए कार्यशाला, 21 अगस्त 2015, एम्स बोर्ड रूम, ओआरएस, दिल्ली द्वारा।
7. एम्स ऑर्थ्रोप्लास्टी सप्ताह, 17–23 अगस्त 2015, एम्स, दिल्ली।
8. 4वां एम्स ऑर्थ्रोप्लास्टी अपडैट, 29 नवम्बर 2015, जेएलएन ऑडिटोरियम, एम्स।
9. एम्स कैडेवर ऑर्थ्रोप्लास्टी कोर्स, 20–21 फरवरी 2016, एम्स, रामालिंगास्वामी बोर्ड रूम।
10. सेरेब्रल पाल्सी में समग्र अस्थि रोग का प्रबंधन, शारीरिक उपचार–2015 के 4वां अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, 26–29 नवंबर 2015, जे एन ऑडिटोरियम, एम्स, नई दिल्ली।
11. अस्थि के विशालकाय कोशिका ट्यूमर के प्रबंधन में प्रोटोकॉल, दिल्ली अस्थि रोग संघ का वार्षिक सम्मेलन, 30 अक्तूबर से 1 नवंबर 2015, सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली, नई दिल्ली।
12. आधुनिक एक्टाबुलर सिस्टम – कंटीनम का मूल्यांकन, एम्स ऑर्थ्रोप्लास्टी सप्ताह के दौरान हिप ऑर्थ्रोप्लास्टी इंटरेक्शन की कार्यशाला, 17–24 अगस्त 2015, एम्स, नई दिल्ली।
13. संक्रमित टीकेए दो स्टेज या एकल चरण संशोधन का प्रबंधन – तकनीक और परिणाम, एम्स ऑर्थ्रोप्लास्टी सप्ताह के दौरान हिप ऑर्थ्रोप्लास्टी इंटरेक्शन की कार्यशाला, 17–24 अगस्त 2015, एम्स, नई दिल्ली।
14. एंटेरोमिडियल ऑस्टियोआर्थराइटिस, यूनिकॉन्ड्रिलर नी रिप्लेसमेंट कार्यशाला, 17–24 अगस्त 2015, एम्स, नई दिल्ली।
15. संक्रमित टीएचआर का प्रबंधन, एम्स ऑर्थ्रोप्लास्टी सप्ताह के दौरान हिप ऑर्थ्रोप्लास्टी इंटरेक्शन की कार्यशाला, 17–24 अगस्त 2015, एम्स, नई दिल्ली।
16. एम्स – आईएसएसएच रिस्ट कैडेवरिक कोर्स, 25–26 जुलाई 2015, नई दिल्ली।
17. सर्वाइकल डिस्क ऑर्थ्रोप्लास्टी शव कार्यशाला, 17–अगस्त 2015, एम्स, नई दिल्ली।
18. ऊपरी लिम्ब ऑर्थ्रोप्लास्टी शव कार्यशाला, 19 अगस्त 2015, एम्स, नई दिल्ली।
19. एक्जामिनेशन ऑफ व्रिस्ट, रिस्ट कोर्स, 25–26 जुलाई 2015, एम्स, नई दिल्ली।

प्रदत्त व्याख्यान

पी. पी. कोतवाल : 40	राजेश मल्होत्रा : 79	एच. एल. नाग : 11
रवि मित्तल : 17	चंद्र शेखर यादव : 48	शाह आलम खान : 9
विजय कुमार : 15	भावुक गर्ग : 34	विजय कुमार डी : 1

मौखिक पत्र / पोस्टर की प्रस्तुति : 34

** सर्वोत्तम पोस्टर पुरस्कार, * विशेष विशिष्ट पोस्टर

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. पूरे कूल्हे को बदलने की आवश्यकता वाले व्यक्तियों में डेल्टा मोशन कप प्रणाली के अस्तित्व और प्रदर्शन पर नजर रखने के लिए एक बहु केंद्र, भावी, नियंत्रित पूर्व बाजार नैदानिक अनुवर्ती अध्ययन (पीएमसीएफएस)। राजेश मल्होत्रा, जॉनसन एंड जॉनसन मेडिकल, इंडिया, 3 वर्ष, 26.11.2012 – 25.11.2015, 35.50 लाख रुपए।
2. दवा का उपयोग पैटर्न, उपचार की संतुष्टि और ऑस्टियोपोरोसिस अध्ययन (म्यूजिक) का अपर्याप्त

नियंत्रण : नैदानिक व्यवहार में ऑस्टियोपोरोसिस के लिए उपचार करा रही रजोनिवृत्ति उपरांत महिला का एशिया प्रशांत अध्ययन'' राजेश मल्होत्रा, एमईआरसीके, 2 वर्ष, 25.02.2014–14.04.2016, 3.30 लाख रुपए।

3. भारतीय रजोनिवृत्ति उपरांत ऑस्टियोपोरोटिक महिलाओं में वरीयता, सुविधा, अनुपालन, दृढ़ता और बोन टर्नओवर मार्करों में वार्षिक जोलेंड्रोनिक एसिड बनाम साप्ताहिक एलेंड्रोनेट की तुलना। राजेश मल्होत्रा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 01.06.2015–31.05.2018, 39.15 लाख रुपए।
4. एक्स्ट्रा स्पाइनल ऑस्टियोआर्टिकुलर ट्यूबरकुलोसिस में एटीटी की लघु अवधि 6 माह बनाम 9 माह उपचार की प्रभावकारिता, सी. एस. यादव, जैव प्रौद्योगिकी और विज्ञान विभाग, 3–4 वर्ष, 2013–17, 60 लाख रुपए।
5. सुरक्षा, उपयुक्तता और भारतीय जनसंख्या में यूनिकम्पार्टमेंटल नी रिप्लेसमेंट की चिकित्सीय प्रभावकारिता। विजय कुमार और राजेश मल्होत्रा, डीएसटी और यूकेआईईआरआई, 2 वर्ष, अक्तूबर 2014 – अक्तूबर 2016, 35 लाख रुपए।
6. ऑस्टियोपोरोसिस के उपचार के लिए एलेंड्रोनेट और टेरिपैराटाइड के साथ उपचार के दौरान और बाद बोन स्कैन परिवर्तन की तुलना। भावुक गर्ग, आईसीएमआर; 3 वर्ष, 2015–18, 39.15 लाख रुपए।
7. कंप्यूटर असिस्टेड रोगी विशिष्ट ओस्टियोटॉमी विकसित और बड़ा सीटी स्कैन और 3 डी पुनर्निर्माण के मॉडल की मदद से रीढ़ की हड्डी में विकृति के लिए गाइड ड्रिल करना। भावुक गर्ग, डीबीटी, 3 वर्ष, 2013–16, 50 लाख रुपए।

पूर्ण

1. बर्मिंघम मिड हैड रिसेक्शन ऑर्थोप्लास्टी के बाद समीपस्थ ओर्बिक अस्थि खनिज घनत्व और प्रणालीगत धातु आयन के स्तर का आकलन। राजेश मल्होत्रा, आईसीएमआर, 4 वर्ष और 3 माह, 15.03.2011 – 14.06.2015, 27.3 लाख रुपए।
2. विभिन्न जैव सामग्री के लिए विभिन्न बैक्टीरिया के जैव–फिल्म निर्माण के जीवाणु पालन और बैक्टीरियल प्रवृत्ति का अध्ययन करना, राजेश मल्होत्रा, आईसीएमआर, 1 वर्ष 3 माह, 01.02.2014 – 16.04.2015, 12.52 लाख रुपए।
3. मानव अस्थि मज्जा व्युत्पन्न मेसेनकायमल स्टेम कोशिकाओं की अलगाव और आणविक लक्षणीकरण, रवि मित्तल, एम्स, 2 वर्ष, 2013 – 2015, 10 लाख रुपए।
4. क्या कार्पल टनेल रिलीज होने के बाद अंगूठे का विरोध प्राप्त करता है। भावुक गर्ग, एम्स, 3 वर्ष, 2014–15, 3 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. नैदानिक तुलना के लिए एक भावी यादृच्छिक चिकित्सीय परीक्षण, मीडियल पाइवोट और पोस्टिरियल स्थिर घुटने के बीच फ्लोरोस्कोपिक और रेडियोलॉजिकल का परिणाम।

2. एसीएल चोट वाले रोगियों में घुटने के अग्रपाश्विक लिग्मेंट के क्लिनिको – रेडियोलॉजिकल मूल्यांकन।

3. पुराने कलाई के दर्द के मूल्यांकन में एमआर अर्थोग्राम और रिस्ट अर्थोग्राम और रिस्ट अर्थ्रोस्कोपी का तुलनात्मक अध्ययन।
4. भारतीय जनसंख्या में अपनी भूमिका को परिभाषित करने के लिए एक प्रयास के साथ यूनिकम्पार्टमेंट घुटना प्रतिस्थापन के परिणामों का मूल्यांकन।
5. कृत्रिम संयुक्त संक्रमण की भयावहता और एक तृतीयक देखभाल अस्पताल में कृत्रिम संयुक्त संक्रमण की माइक्रोबियल प्रोफाइल की पहचान करने के लिए प्रवर्धन बोंड डीएनए विश्लेषण की भूमिका (सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग)। पूरे घुटने को बदलने की पोर्टेबल नेवीगेशन तकनीक के आधार पर लार्ज कंसोल, इमेज लेस कम्प्यूटर असिस्टिड नेवीगेशन बनाम एक्सीलेरोमीटर की तुलना का भावी यादृच्छिक अध्ययन।
6. पुराने घुटने के दर्द का एमआरआई मूल्यांकन।
7. सबक्रोमिकल टकराव सिंड्रोम के उपचार में प्लेटलेट रिच प्लाज्मा बनाम कॉर्टिकोस्टेरॉइड इंजेक्शन की अनियमित परीक्षण की तुलना।
8. 35 वर्ष की आयु के बराबर या उससे कम के रोगियों में संपूर्ण कूल्हे संधिसंधान के क्लिनिकल और रेडियोलॉजिकल परिणाम के मूल्यांकन का पूर्वव्यापी और भावी अध्ययन करना।
9. रोगियों में क्लिनिकल और रेडियोलॉजिकल परिणाम आकलन का पूर्वव्यापी अध्ययन जिनमें मेटल पॉलीथेलीन आर्टिकुलेशन पर मेटल आर्टिकुलेशन बनाम मेटल के साथ टीएचआर होता है।
10. पूरे घुटने की आर्थोप्लास्टी के लिए पोस्टऑपरेटिव परिणाम पर पूर्व – ऑपरेटिव मनोवैज्ञानिक कारकों का प्रभाव।
11. एसीएल ग्राफ्ट का एमआरआई और पीईटी स्कैन मूल्यांकन
12. कंधे की अकड़न का प्रबंधन।
13. बाल चिकित्सा ऑस्टियोसारकोमास में डायनेमिक एमआरआई और ऊतकविकृतिविज्ञानी, सीरम बायोमार्कर के बीच सहसंबंध।
14. इंविग सार्कोमा में पी53, की 67 लेबलिंग इंडेक्स, सीएक्ससीएल12 कीमोकाइन और इसके रिसेप्टर सीएक्ससीआर4 और सीएक्ससीआर7 का अध्ययन।
15. पूरे घुटने को बदलने की नेवीगेशन तकनीक के आधार पर कम्प्यूटर असिस्टिड नेवीगेशन बनाम एक्सीलेरोमीटर की तुलना का भावी यादृच्छिक अध्ययन।

पूर्ण

1. घातक हड्डी के ट्यूमर में बाह्य विकिरण चिकित्सा के जैव यांत्रिक जांच।
2. क्लिनिकोपैथोलॉजी सुविधाओं, उपचार के परिणाम और ऑस्टियोसार्कोमा वाले रोगियों के पूर्वाभासी कारकों का मूल्यांकन।
3. कलाई के पुराने दर्द के मूल्यांकन में एमआर आर्थोग्राम और रिस्ट अर्थ्रोस्कोपी का तुलनात्मक अध्ययन।
4. सबएक्रोमियल इंपिंगमेंट सिंड्रोम के उपचार में प्लेटलेट रिच प्लाज्मा बनाम कोर्टिकोस्टेरियोड इंजेक्शन की यादृच्छिक परीक्षण तुलना।
5. एमआरआई के उपयोग के साथ सभी के अंदर एसीएल पुनर्निर्माण आर्थ्रोस्कोपिकली सहायता में सॉकेट वाइडेनिंग और ग्राफ्ट हेडिंग का अध्ययन करना।
6. कंधे की अकड़न का प्रबंधन।
7. क्या कार्पल टनल रिलीज होने के बाद अंगूठे का विरोध प्राप्त करता है।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. सुरक्षा, उपयुक्तता और भारतीय आबादी में यूनिकम्पार्टमेंटल नी रिप्लेसमेंट की चिकित्सीय प्रभावकारिता, (यूकेआईईआरआई – डीएसटी)।
2. कूल्हे सुरक्षात्मक उपकरण की डिजाइन और विकास, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी, दिल्ली)।
3. रुमेटॉइड आर्थराइटिस का इटियोलॉजी – फोस्फोप्रोटियोमिक्स की भूमिका का एक खोजपूर्ण अध्ययन (इंस्टीट्यूट ऑफ जिनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी, नई दिल्ली)।
4. जांच की हड्डी के सिरे की इडियोपैथिक एवेस्कुलर नेक्रोसिस में पीएआई – 1 प्रमोटर अनुक्रम रूपों का संबंध (शरीर रचना विज्ञान)
5. रूमेटॉइड आर्थराईटिस में एपिजेनेटिक प्रोफाइल पर योगा और ध्यान का प्रभाव (शरीर रचना विज्ञान)।
6. आर्थराइटिस के प्रयोगात्मक मॉडल में लोसोनिया इंटर्मिस, कॉलकिकम लुटियम, टर्मिनल चेबुला की प्रभावकारिता और सुरक्षा
7. कूल्हे की जन्मजात अव्यवस्था में रोगी विशिष्ट तनाव विश्लेषण (आईआईटी, दिल्ली)।
8. मेलिगनेंट बोन ट्यूमर्स में एक्स्ट्राकोर्पोरियल इरेडिएशन थेरैपी की जैव यांत्रिकी जांच (आईआईटी, दिल्ली)।
9. कूल्हे सुरक्षात्मक उपकरण की डिजाइन और विकास, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी, दिल्ली)।

पूर्ण

1. कूल्हे सुरक्षात्मक उपकरण की डिजाइन और विकास, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी, दिल्ली)।
2. रुमेटॉइड आर्थराइटिस का इटियोलॉजी – फॉस्फोप्रोटियोमिक्स की भूमिका का एक खोजपूर्ण अध्ययन (इंस्टीट्यूट ऑफ जिनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी, नई दिल्ली)।
3. मेलिगनेंट बोन ट्यूमर्स में एक्स्ट्राकोर्पोरियल इरेडिएशन थेरैपी की जैव यांत्रिकी जांच (आईआईटी, दिल्ली)।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 30 पुस्तकों में अध्याय : 31 पुस्तकें और मोनोग्राफ : 1

रोगी उपचार

सुविधाएं उपलब्ध :

विभाग में अस्थि रोग के निम्नलिखित उप–विशेषताओं पर की गई देखभाल इस प्रकार है :

1. जनरल ऑर्थोपेडिक्स
2. हाथों की सर्जरी – वयस्क और बाल रोग चिकित्सा
3. जोड़ का प्रतिस्थापन – प्राथमिक और संशोधन
4. ऑर्थोस्कोपी – खेल की चोट और अपजननीय विकार
5. रीढ़ की हड्डी – अपजननीय और बाल रोग चिकित्सा
6. बाल शल्य चिकित्सा – जन्मजात और अधिग्रहीत

7. ट्यूमर सर्जरी – सुप्त और घातक
8. पैरों की सर्जरी
9. ट्रॉमा – ताजे आघात और उपेक्षित आघात

विशेष क्लिनिक्स :

1. स्कोलियोसिस क्लिनिक
2. विकलांगता क्लिनिक
3. हैंड क्लिनिक
4. स्पोर्ट्स इंजरी क्लिनिक
5. सीटीईवी क्लिनिक
6. बोन एंड सॉफ्ट टिशू ट्यूमर क्लिनिक

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां

आचार्य पी. पी. कोतवाल ने नई दिल्ली में सी पी झुनझुनवाला फाउंडेशन द्वारा ''नेशनल एक्सलेंस अवार्ड इन मेडिसिन'', जनवरी 2016 प्राप्त किया। जयपुर में आयोजित इंडियन ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन के वार्षिक सम्मेलन में ''कॉन्फ्रेंस लेक्चर' दिया दिसम्बर 2015; विषय 'ऑर्थोप्लास्टी ऑफ दी अपर एक्सेट्रिमिटी''; मेरठ में आयोजित भारतीय अस्थि रोग संघ के उत्तर प्रदेश अध्याय के वार्षिक सम्मेलन में ''गाजियाबाद ओरेशन'' व्याख्यान दिया; फरवरी 2016. विषय ''फ्रैक्चर्स ऑफ डिस्टल रेडियस : द करंट स्टेटस''।

आचार्य राजेश मल्होत्रा को भारत एलायंस रिसर्च ट्रेनिंग फैलोशिप (डीबीटी) वेलकम ट्रस्ट (पर्यवेक्षक के रूप में) से सम्मानित किया गया था; एपीओए 2016, मेलबोर्न, ऑस्ट्रेलिया, 29 मार्च – 1 अप्रैल 2016 में पोस्टर : ''अवर क्लासिफिकेशन ऑफ प्रोट्रसयो एक्टाबुली एण्ड एन एल्गोरिद्दम फॉर सर्जिकल तकनीकी फॉर डीलिंग विद द प्रोबलम'' के लिए सर्वोत्तम पत्रिका पुरस्कार प्रस्तुत किया; सर्जन इंटरनेशनल कॉलेज ऑफ सर्जन्स 2015 के इंटरनेशनल कॉलेज के एफआईसीएस – अध्येता से सम्मानित किया। हिप और नी सर्जन के अमेरिकन एसोसिएशन के सदस्य से सम्मानित किया; अंतिम एमएस (ऑर्थो), 14 मई 2015, गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, बाबा फरीद विश्वविद्यालय, पटियाला के बाह्य परीक्षक; एमएस (ऑर्थो), 15–16 मई 2015, गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, पटना के बाह्य परीक्षक; एमएस (ऑर्थो), 18 मई 2015, गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, गुवाहाटी के बाह्य परीक्षक; एमएस (ऑर्थो), 20–21 मई 2015, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी के बाह्य परीक्षक; सदस्य, संपादकीय बोर्ड, न्यूरोलॉजी इंडिया; नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ इंडिया के लिए समीक्षक; आईसीएमआर, डीबीटी, डीएसटी के प्रस्तुत वित्तपोषण हेतु आवेदन के लिए समीक्षक; इंडियन जर्नल ऑफ ऑर्थोपेडिक्स, इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स, इंडियन पीडियाट्रिक्स, जर्नल ऑफ बोन एण्ड जॉइंड सर्जरी (ब्रिटिश), जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक हेल्थ (यूके), क्लिनिक एनाटॉमी, जर्नल ऑफ मेडिकल केस रिपोर्ट्स, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मेडिकल रिपोर्ट्स (आईजेएमआर), इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मेडिकल प्रैक्टिस के लिए समीक्षक और वर्ल्ड जर्नल ऑफ एंडोक्राइन सर्जरी (डब्ल्यूजेओईएस), ब्रिटिश जर्नल ऑफ मेडिसिन एण्ड मेडिकल रिसर्च, जर्नल ऑफ बोन एण्ड जॉइंट रिसर्च (जेबीजेआर), द नी, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोकैमिस्ट्री एण्ड बायोटेक्नोलॉजी, बायोइनोर्गनिक कैमिस्ट्री एण्ड एप्लीकेशन्स, जर्नल ऑफ हैंड एण्ड माइक्रोसर्जरी, जर्नल ऑफ ऑर्थोपेडिक एजुकेशन, बीएमसी मस्कलोस्केलेटल डिस्ऑर्डर, पोस्टग्रेजुएट मेडिसिन के लिए समीक्षक (एमपीआर); राष्ट्रीय स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान के प्रस्तुत वित्तपोषण हेतु आवेदन और

एनएचएस, यूके (एनआईएचआर और आरएफपीबी) के रोगी के लाभ कार्यक्रम हेतु अनुसंधान के लिए समीक्षक; डीबीटी, नई दिल्ली में 19 फरवरी 2016 को 'स्टेम सेल अनुसंधान और पुनर्योजी चिकित्सा,' डीबीटी समिति (डीएसएमबी) पर टास्क फोर्स के लिए सदस्य; 'स्टेम सेल अनुसंधान और पुनर्योजी चिकित्सा' पर टास्क फोर्स के विशेषज्ञ, डीबीटी समिति; बायो इंजीनियरिंग परियोजनाओं आईसीएमआर पर बायोटेक्नोलॉजी विभाग (डीबीटी), टास्क फोर्स के लिए विशेषज्ञ समूह के सदस्य; कोमल ऊतक सार्कोमा और ऑस्टियोसार्कोमा के लिए दिशा निर्देश पर उप–समिति के कैंसर प्रबंधन पर आईसीएमआर, टास्क फोर्स में अध्यक्ष; 16 मार्च, 2016 को राष्ट्रपति भवन के लॉन में चिकित्सा प्रौद्योगिकियों पर प्रदर्शनी के दौरान आयोजित ''पॉलिसी डायलॉग फॉर अपटेक ऑफ इनोवेटिव टेक्नोलॉजिस फॉर पब्लिक हेल्थ यूज'' पर एक गोलमेज चर्चा में भाग लिया, एफएफएन. संस्थापक सदस्य सचिव – फ्रेगिलिटी फ्रैक्चर नेटवर्क (एफएफएन) आईएसबीएमआर. आईएसबीएमआर (इंडियन सोसाइटी ऑफ बोन मिनरल सोसाइटी) ऑर्थोपेडिक पहल के संयोजक थे।

आचार्य एच. एल. नाग भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) के मानद सलाहकार थे। महासचिव, भारतीय खेल चिकित्सा संघ (आईएफएसएम) थे; नियुक्त सदस्य, अस्पताल प्रबंधन बोर्ड; सदस्य, टेक्निकल स्पेसिफिकेशन सिलेक्शन कमिटी ऑफ सर्जिकल आइटम्स; कोषाध्यक्ष, आर्थोपेडिक रिसर्च सोसायटी, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान; सदस्य, स्टोर कमिटी अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान; अध्यक्ष, हाई पावर्ड थेराप्यूटिक यूज एक्संप्शन (टीयूई) कमीशन ऑफ नेशनल एंटी डोपिंग एजेंसी (एनएडीए), भारत सरकार; ऑर्थोपेडिक्स विभाग, चिकित्सा विज्ञान इंदिरा गांधी संस्थान, पटना के लिए उपकरणों की खरीद हेतु विषय विशेषज्ञ; वैज्ञानिकों 1 और 2, एम्स के पदों पर भर्ती के लिए साक्षात्कार के लिए सदस्य, चयन समिति; फिजियोथेरेपी यूनिट के संकाय प्रभारी; एक अपराधी की जांच करने के लिए चिकित्सा बोर्ड के अध्यक्ष; ऑर्थोपेडिक्स विभाग, एलएचएमसी और संबद्ध अस्पताल में संविदा संकाय के चयन के लिए सदस्य, चयन समिति; एसोसिएट प्रोफेसर, ऑर्थोपेडिक्स विभाग, स्वास्थ्य विज्ञान रोहतक विश्वविद्यालय के चयन के लिए बाह्य विशेषज्ञ, चयन समिति; बाइलरी और यकृत रोग संस्थान, नई दिल्ली में फिजियोथेरेपिस्ट के चयन के लिए विषय विशेषज्ञ; ऑर्थोपेडिक्स विभाग, एम्स, ऋषिकेश के लिए उपकरणों की खरीद के लिए विषय विशेषज्ञ।

आचार्य रवि मित्तल जर्नल ऑफ फुट एंड एंकल सर्जरी एशिया पेसिफिक और चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय कृष्णा संस्थान की पत्रिका के संपादकीय बोर्ड के सदस्य; सदस्य, कोर कमेटी, आरएनटीसीपी; सचिव, ऑर्थोपेडिक रिसर्च सोसायटी अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, 2015; दिल्ली में हिंदू राव अस्पताल में मेडिकल कॉलेज के संकाय के चयन के लिए चयन समिति के सदस्य; 16 जनवरी 2015 को एम्स में वरिष्ठ रेजीडेंट्स के चयन हेतु चयन समिति के सदस्य थे।

आचार्य चंद्र शेखर यादव को श्री लोकनाथ सर्राफ स्मृति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था, 19 जुलाई 2015, केंद्रीय मंत्री, राजस्थान रतनाकर सोसायटी द्वारा, फिक्की ऑडिटोरियम 18–22 मई, 2015 को घुटने और हिप ऑर्थोप्लास्टी में न्यू जर्सी, न्यू जर्सी, यूएसए में विचारों का आदान–प्रदान करने हेतु ऑपरेशन थिएटर, क्लीनिक, वॉर्डों का दौरा करने के लिए माउंट सिनाई डॉक्टरों द्वारा आमंत्रित किया।

डॉ. शाह आलम खान को मार्च 2015 में मेलिगनेंट बोन ट्यूमर्स पर एक्स्ट्राकोर्पोरियल एरेडिएशन और री–इंप्लांटेशन थेरैपी की जैव रसायन की जांच पर काम करने के लिए ''गांधियन यंग टैकनोलोजिकल इनोवेशन अवॉर्ड – 2015'' से सम्मानित किया। 25–27 जून, 2015 को कोपेनहेगन, डेनमार्क में अपनी वार्षिक बैठक, एमएएससीसी–2015 में भाग लेने हेतु कैंसर में सहायक उपचार के लिए बहुराष्ट्रीय संघ द्वारा स्टीवन ग्रनबर्ग यात्रा छात्रवृत्ति से सम्मानित किया।

डॉ. भावुक गर्ग इंटरनेशनल कॉलेज ऑफ सर्जरी (एफआईसीएस), 2015 के अध्येता है; मिनिमली इनवेसिव स्पाइन सर्जन ऑफ इंडिया, 2015 के सदस्य हैं। वे अमेरिकन कॉलेज ऑफ सर्जन के एक प्राप्तकर्ता थे : यंग फैलो मेंटोरशिप प्रोग्राम 2015–2016।

अतिथि वैज्ञानिक

1. नील पेरी सेठ फिलाडेल्फिया
2. अल्फ्रेड ट्रिया – यूएसए

9.26 नाक, कान एवं गला रोग विज्ञान, सिर एवं ग्रीवा शल्य चिकित्सा

आचार्य एवं अध्यक्ष
सुरेश चंद्र शर्मा

आचार्य
आलोक ठक्कर

अपर आचार्य
राकेश कुमार

सहायक आचार्य

कपिल सिक्का
प्रेम सागर
सुचिता सिंह
चिरोम अमित सिंह
डेविड विक्टर कुमार इरुगु
राजीव कुमार
अरविंद कैरो
हितेश वर्मा

विशिष्टताएं

विभाग ने अपने स्वयं के छात्रों के लिए और प्रतिनिधियों तथा पर्यवेक्षकों के लिए भी गुणवत्ता की शिक्षा प्रदान करने हेतु अपनी गतिविधियों को जारी रखा। विभाग ने प्रतिष्ठित एओआईसीओएन 2016 के लिए एक लाइव शल्य कार्यशाला सहित वर्ष में 6 बड़ी और छोटी कार्यशालाएं आयोजित की, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया था तथा इसकी अच्छी तरह से सराहना की गई थी।

विभाग ने पीजीआईएमईआर, आरएमएल नई दिल्ली, आईजीआईएमएस, पटना और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भुवनेश्वर में शुरुआती / परामर्श कर्णावत प्रत्यारोपण कार्यक्रम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

शिक्षा

एम. बी. बी. एस. छात्रों के लिए छठे और आठवें सत्रों में औपचारिक व्याख्यान अनुसूची आयोजित की जाती हैं तथा व्याख्यान एक घंटे का होता है। स्नातक पूर्व छात्रों को 2 महीने के लिए बारी – बारी से विभाग (ओपीडी और वार्ड) में तैनात किया जाता है। उन्हें मूलभूत ईएनटी परीक्षा के बारे में बताया जाता है और निदान और सामान्य ईएनटी रोगों, साथ ही संचार कौशल के प्रबंधन के साथ परिचित कराया जाता है।

स्नातकोत्तर हेतु, बड़े लक्ष्यों में रोगी उपचार, शिक्षण, अनुसंधान योग्यता एवं टीम कार्य शामिल हैं। विभाग समय समय पर विभिन्न वर्तमान विषयों पर राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों के लिए कार्यशालाओं एवं सम्मेलन भी आयोजित करता है। विभाग में भारत और विदेश से पर्यवेक्षक आते हैं और विभागीय गतिविधियों, विशेष निदानशालाओं, सेमिनारों एवं ऑपरेशन प्रक्रियाओं का अवलोकन किया जाता हैं।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

1. एसोसिएशन ऑफ ऑटोलेरिंजियोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया की नैदानिक मासिक बैठक, दिल्ली राज्य शाखा, 17 जुलाई 2015, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
2. ऑटोलॉजी अपडेट और लाइव सर्जिकल कार्यशाला 2015, 4–6 सितंबर 2015, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
3. अस्थायी हड्डी विच्छेदन पाठ्यक्रम पर उन्नत कार्य, 10–12 दिसंबर 2015, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
4. एसोसिएशन ऑफ ऑटोलेरिंजियोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया के 68वां वार्षिक सम्मेलन के लिए लाइव सर्जिकल कार्यशाला, 28 जनवरी 2016, गुड़गांव, हरियाणा

दीर्घ अवधि प्रशिक्षण

लेफ्टिनेंट कर्नल उमा पटनायक, ईएनटी विशेषज्ञ, सैन्य अस्पताल, हिसार 2.9.2014 से 1.9.2015 तक प्रभावी।

अल्पावधिक प्रशिक्षण

डॉ गौतम बीर सिंह, आचार्य, नाक, कान एवं गला रोग विज्ञान विभाग, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली, 3 माह 1 सितंबर, 2015 से 30 नवंबर, 2015 के बीच प्रभावी।

प्रदत्त व्याख्यान

एस. सी. शर्मा : 6	आलोक ठक्कर : 61	राकेश कुमार : 20
कपिल सिक्का : 17	चिरोम अमित सिंह : 12	राजीव कुमार : 4
डेविड विक्टर कुमार : 2	प्रेम सागर : 2	हितेश वर्मा : 4
सुचिता सिंह : 4	अरविंद कुमार कैरा : 1	

मौखिक पत्र / पोस्टर की प्रस्तुति : 14 (सर्वोत्तम शोध पत्र पुरस्कार सहित, सर्वोत्तम पोस्टर, सर्वोत्तम पोस्टर और सर्वोत्तम शोध पत्र के लिए दूसरा पुरस्कार : प्रतिष्ठित मुकुट सहारिया पुरस्कार)

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. सिर और ग्रीवा कैंसर में सेंटीनेल लिम्फ नोड मानचित्रण के लिए इंडोकाइनिन–ग्रीन लोडिड साइटोकेरेटिन लक्षित कैल्शियम फॉस्फेट नैनोपार्टिकुलेट प्रणाली का विकास, आलोक ठक्कर, डीबीटी 3 वर्ष, 2014–2016, 45 लाख रुपए।

2. श्वसनीय पेपिलोमेटोसिस की पुनरावृत्ति में घटती गंभीरता एवं घटती हुई सर्जिकल पुनरावृत्ति में होम्योपैथिक मेडिकेशन थुजा (आर्बोर विटे) के साथ एडजुवेंट उपचार की प्रभावोत्पादकता का मूल्यांकन करने के लिए डबल ब्लाइंड, प्लेसेबो नियंत्रित, यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, आलोक ठक्कर, आईसीएमआर, 3 ½ वर्ष, 2012–15, 55 लाख रुपए।
3. श्रवण विकलांगता का प्रचलन और इटियोलॉजी – राष्ट्रीय कार्य बल परियोजना (समन्वय केंद्र)। आलोक ठक्कर, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, 4 वर्ष, 2015 – 19, 60 लाख रुपए।
4. सिर और गर्दन स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा (एम्स साइट) में मानव पेपिलोमा वायरस का प्रचलन, आलोक ठक्कर, सिर और ग्रीवा अर्बुद विज्ञान सहकारी समूह (एचएनसीओजी), 2 वर्ष, 2015 – 2017।
5. मानव स्वास्थ्य पर गैर – आयोनाइजिंग इलैक्ट्रोमैग्नेटिक फील्ड का प्रभाव : ऑडिटरी और वेस्टिबुलर सिस्टम पर प्रभाव, राकेश कुमार, आईसीएमआर, 3.5 वर्ष, 2013–2016, 90 लाख रुपए।
6. राउंड विंडो और एंटेरो–इंफेरियर कॉकलियोस्टोमी तकनीक द्वारा इंट्राकॉक्लेयर इलेक्ट्रोड एरे और शल्य आघात की तुलना की सम्मिलन के बाद संरचनाओं को इंट्राकॉक्लेयर करने के लिए शल्य आघात का मूल्यांकन, कपिल सिक्का एम्स, 2 वर्ष, 2013–15, 4.8 लाख रु.।
7. साउंड 4 ऑल : रोबस्ट और अफोर्डेबल ऑडियोलॉजिकल परीक्षण के लिए पुनः इंजीनियरिंग हाइ एंड ऑडियोमेट्रिक डिवाइस, कपिल सिक्का, इंडो जर्मन साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी सेंटर (आईजीएसटीसी), 3 वर्ष, 2016–19, 36.8 लाख रु.।
8. भीतरी कान के विभिन्न एंडोस्कोपी दृष्टिकोण का मूल्यांकन, चिरोम अमित सिंह, एम्स, 2 वर्ष, 2013–15, 4.78 लाख रुपए।
9. कॉक्लियर इम्प्लांट इलेक्ट्रोड इंसर्शन के लिए मानव शव की टेम्पोरल हड्डियां और अपनी प्रासंगिकता में राउंड विंडो निश की संरचनात्मक विविधता, राजीव कुमार, एम्स, 1 वर्ष, 2015–16, 3.5 लाख रुपए

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. कॉक्लियर प्रत्यारोपण सर्जरी के बाद रोगियों में बाल रोग कॉक्लियर आरोपण के अल्पकालिक और दीर्घकालिक परिणाम।
2. मौखिक कैविटी की स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में मेंडिब्यूलर भागीदारी का क्लिनिको–रेडियोलॉजिकल–हिस्टोपैथोलॉजिकल सह–संबंध।
3. सीपीएपी के लिए ओएसएएस और असहिष्णुता या अपर्याप्त अनुपालन के साथ रोगी में सीपीएपी उपचार के अनुपालन/प्रतिक्रिया में सुधार लाने में ऊपरी एयरवे की शल्य चिकित्सा उपचार की भूमिका का मूल्यांकन।
4. ऑटोस्क्लेरोसिस वाले रोगियों में सीओ2 लेजर बनाम पारंपरिक तकनीक की तुलना करना।
5. लिम्फोसाइंटिग्राफी द्वारा सिनोनेसल ट्यूमर के लसीका जल निकासी मार्ग के इनविवो का अन्वेषण।
6. मौखिक सबम्यूकोसल फाइब्रोसिस और स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा के मामले में सीरम सुरविविन के स्तर का अध्ययन।

7. इलेक्ट्रोड के कॉकलियोस्टॉमी बनाम राउंड विंडो इंसर्शन के जरिए कॉक्लेयर प्रत्यारोपण सर्जरी के दौर से गुजर रहे प्रीलिंगुयाल्ब/एल प्रोफाउंड एसएनएचएल रोगी में परिणाम का आकलन।
8. एक पक्षीय बधिरता–उपचार के विकल्प की बीमारी से संबंधित रुग्णता और रोगी की स्वीकृति का आकलन करने का एक अध्ययन।
9. ओरल कैविटी स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में सर्कुलेटिंग ट्यूमर सेलों का पता लगाना और परिमाणन।
10. जेएनए उच्छेदन पर अन्तःशल्य बनने की क्रिया के प्रभाव की तुलना।
11. मौखिक सबम्यूकोकस फाइब्रोसिस की प्रतिरक्षा ऊतक रसायन विशेषता और शल्य परिणाम।
12. बच्चे और देखभाल करने वालों के जीवन की गुणवत्ता पर बाल रोग चिकित्सा ट्रेकियोस्टोमी और इसके प्रभाव का अध्ययन।
13. टेम्पोरल बोन के न्यूमेटाइजेशन के विभिन्न प्रकारों में कोलेस्टिएटोमा सैक में ईजीएफआर अभिव्यक्ति का मूल्यांकन।
14. गुहा विस्मृति/कैनाल वॉल पुनर्निर्माण के साथ या बिना कैनाल वॉल डाउन सर्जरी के दौर से गुजरे सीएसओएम वाले रोगियों में परिणाम की तुलना।

पूर्ण

1. क्लिनिको – रेडियोलॉजिकल निष्कर्षों के साथ जेएनए और इसके संबंध में एस्ट्रोजन बीटा–रिसेप्टर की अनुकूलता।
2. जेएनए के साथ मामलों में ''टेरिगो–प्लेटिन फोस्सा टेरिगॉइड कैनाल कॉम्प्लेक्स'' का भ्रूण विकास और प्रथम ब्रेंकियल आर्क अवशेष विडियन आर्टरी के आकलन का ऊतकीय मूल्यांकन द्वारा जेएनए की उत्पत्ति का अन्वेषण।
3. ऑटोस्केलरोसिस में स्टेपीज़ सर्जरी में ऑडिटरी और वेस्टीबुलर मूल्यांकन।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 33 सार : 3 पुस्तकों में अध्याय : 12

रोगी उपचार

विभाग द्वारा ओपीडी, ऑपरेशन थिएटर और छोटी ओ.टी. सेवाएं प्रदान करने के अलावा, कोक्लियर इम्प्लांट, राइनोलॉजी, वर्टिगो, वॉइस और स्वैलोयिंग के साथ ऑडियोलॉजी और वाणी रोग निदान और विशेषता क्लिनिक के पुनर्वास इकाई, ऑडियोलॉजी और स्कल आधार पर और सप्ताह में दो बार सिर और ग्रीवा कैंसर क्लिनिक चलाता है। विभाग सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ और आउटरीच ओपीडी, झज्जर में ग्रामीण सेवाएं भी प्रदान करता है। आंकड़े निम्नानुसार हैं :

<u>ऑपरेशन किए गए रोगियों की संख्या :</u>

मुख्य ओ.टी. बड़े मामले – 2449 छोटे मामले – 1789

छोटे ओ.टी. (ओ. पी. डी. प्रक्रियाएं) : 18843

<u>ओ. पी. डी. में देखे गए रोगियों की संख्या</u>

नए रोगी : 40714 पुराने पंजीकरण : 54855

<u>आर.यू.ए.एस. में देखे गए रोगियों की संख्या</u>

नए रोगी : 2773 पुराने पंजीकरण : 3776
वार्ड में कुल दाखिले : 1677 (ईएनटी वार्ड में); 5060 (कुल ईएनटी प्रवेश)

विशेषता क्लिनिक्स

क्र. सं.	क्लिनिक	नए मामले	पुराने मामले	कुल
1	वर्टिगो	165	123	288
2	ऑडियोलॉजी और स्कल बेस	176	56	232
3	कॉक्लियर इम्प्लांट	181	71	252
4	वॉयस	377	105	482
5	राइनोलॉजी	200	54	254
6	सिर और ग्रीवा कैंसर	955	4488	5443
7	रेडियोलॉजी सम्मेलन	623	–	623

सामुदायिक सेवा क्लिनिक

एक ही तरीके से प्रचालन की सुविधाओं के साथ सामुदायिक अस्पताल, बल्लभगढ़ में दो बार साप्ताहिक क्लिनिक।
प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, गुड़गांव में साप्ताहिक क्लिनिक।
आईआईटी दिल्ली में सामुदायिक अस्पताल में साप्ताहिक क्लिनिक।
आउटरीच ओ. पी. डी. झज्जर में दैनिक ओपीडी सेवाएं।

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण उपलब्धियां

आचार्य एस. सी. शर्मा ने विभाग में विभिन्न कार्यशालाओं और कार्यक्रमों का संचालन करने के लिए संकाय का नेतृत्व किया। उन्होंने एनईआईएचजीआरआईएमएस, शिलांग में कॉक्लेयर प्रत्यारोपण कार्यक्रम का नेतृत्व किया और आईयूएसएसटीएफ परियोजनाः नॉर्थईस्टर्न विश्वविद्यालय में सिर और गर्दन के कैंसर नैनोमेडिसिन विज्ञान और प्रौद्योगिकी केंद्र के लिए नैनोमेडिसिन, परियोजना : भारत अमेरिका विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंच, 1–11 नवंबर 2015, बोस्टन, संयुक्त राज्य अमेरिका के तत्वावधान के तहत दौरा तथा बातचीत भी की। एओआई – गुजरात राज्य शाखा (जीएसबी), अहमदाबाद के 39वें वार्षिक राज्य सम्मेलन में सर्वाइकल पैरागैंगलियोमा के प्रबंधन पर एस एस बाल्गे ओरेशन, एसोसिएशन ऑफ ऑटोलेरिंजियोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया, पश्चिम बंगाल अध्याय, सिलीगुड़ी के 44वें वार्षिक सम्मेलन में डॉ सत्यभान रॉय मेमोरियल ओरेशन–2015 और न्यूरो–ऑटोलॉजिक और इक्विलीब्रियोमेट्रिक सोसायटी, एम्स, भोपाल के वार्षिक सम्मेलन में ''ट्यूमर्स ऑफ फेशियल नर्व – मैनेजमेंट ऑप्शन्स'' पर डॉ. पी. पी. कार्णिक ओरेशन का व्याख्यान दिया। प्रारूप ''सूचकांक टीबी'' दिशा–निर्देश के लिए ईपीटीबी (अतिरिक्त पल्मोनरी क्षयरोग दिशानिर्देश) दिशानिर्देश कोर समूह में ईएनटी टीबी समूह का नेतृत्व किया।

आचार्य आलोक ठक्कर ने उत्तराखंड राज्य एओआई, रामनगर, अप्रैल 2015 के 10वे वार्षिक सम्मेलन पर थायरॉइडेक्टमी मूल्यांकन में एक प्रचालन पर श्री केशवानन्द और श्रीमती विद्यावती कौशल मेमोरियल व्याख्यान दिया। उन्होंने एसोसिएशन ऑफ ऑटोलेरिंजियोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया, वार्षिक मध्यावधि सम्मेलन, गैंगटोक, 24–25 सितम्बर 2015 में ऑटोलेरिंजियोलॉजी में रोबोटिक सर्जरी पर डॉ एल एच

हीरानंदानी मेमोरियल व्याख्यान दिया। उन्हें सशस्त्र बल चिकित्सा कॉलेज, पुणे में विश्व श्रवण दिवस के अवसर पर "द अनटोल्ड सक्सेस स्टोरी ऑफ हीयरिंग रेस्ट्रोरेशन" पर अतिथि व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया था; मानद सचिव, सिर ग्रीवा अर्बुद विज्ञान के लिए फाउंडेशन; मानद कोषाध्यक्ष, स्कल बेस सर्जरी सोसायटी ऑफ इंडिया; कार्यकारी समिति के सदस्य, एशिया पेसिफिक सोसायटी ऑफ थायरॉइड सर्जरी संपादकीय बोर्ड के सदस्य, ईएनटी मास्टरक्लास, यूके की पत्रिका, 2010–2016; संपादकीय बोर्ड के सदस्य, द ऑटोराइनोलेरिंजियोलॉजिस्ट, यूके. 2010–अब तक; संपादकीय बोर्ड के सदस्य, ऑटोराइनोलेरिंजियोलॉजी क्लिनिक्स – एक अंतरराष्ट्रीय पत्रिका, 2011–अब तक।

डॉ. राकेश कुमार एओआई, दिल्ली शाखा के कार्यकारी सदस्य; एनईएस भारत के कार्यकारी सदस्य; ईएनटी उपकरणों के लिए मानक स्थापित करने हेतु बीआईएस समिति एमएचडी – 4 के सह–सदस्य थे।

डॉ. कपिल सिक्का संपादकीय बोर्ड के सदस्य और सहायक संपादक, इंडियन जे ऑफ ऑटोलॉजी थे; समीक्षक, इंडियन जे ऑटोलॉजी, इंडियन जे ऑटोलेरिंजियोलॉजी, सिर एवं ग्रीवा शल्य चिकित्सा, इंडियन जे पीडियाट्रिक्स; कॉक्लेयर इम्प्लांट ग्रुप ऑफ इंडिया के कार्यकारी सदस्य के रूप में निर्वाचित किए गए; संयुक्त सचिव, एसोसिएशन ऑफ ऑटोलेरिंजियोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया, दिल्ली राज्य शाखा; सिर और ग्रीवा कैंसर विज्ञान महासंघ (एफएचएनओ) द्वारा 2015–16 को प्रतिष्ठित एफएचएनओ अध्येतावृत्ति से सम्मानित किए गए; प्रारूप 'सूचकांक टीबी' के दिशा निर्देशों के लिए ईपीटीबी (अतिरिक्त पल्मोनरी क्षयरोग दिशानिर्देश) के दिशा निर्देश कोर समूह के सदस्य।

डॉ. राजीव कुमार वर्ष 2016–17 के लिए एसोसिएशन ऑफ ऑटोलेरिंजियोलॉजी ऑफ इंडिया, दिल्ली राज्य शाखा के कार्यकारी सदस्य के रूप में निर्वाचित किए गए; वर्ष 2016–17 के लिए न्यूरो–ओटोलॉजिकल एण्ड इक्वीलीब्रियोमैट्रिक सोसायटी ऑफ इंडिया के कार्यकारी सदस्य के रूप में निर्वाचित किए गए; कान नाक एवं गला रोग विज्ञान और सिर और ग्रीवा सर्जरी के लिए भारतीय पत्रिका के लिए समीक्षक; चिकित्सा के मामले की रिपोर्ट की पत्रिका के लिए समीक्षक।

डॉ. अरविंद कैरो ने मसौदा 'सूचकांक टीबी' के दिशा निर्देश के लिए ईपीटीबी (अतिरिक्त पल्मोनरी क्षयरोग दिशानिर्देश) के दिशा निर्देश कोर समूह के सदस्य थे।

डॉ. डेविड विक्टर कर्नल पपातला एंडोवमेंट ओरेशन, 27 दिसंबर 2015, होटल सितारा रॉयल, सरकारी ईएनटी अस्पताल, कोटी, हैदराबाद के सामने में एक व्याख्यान दिया; चिकित्सा और चिकित्सा विज्ञान के मूल अनुसंधान पत्रिका (बीआरजेएमसीएस), खुली पहुंच वाली सहकर्मी समीक्षा की अंतरराष्ट्रीय पत्रिका, 2015–तक के लिए सह–संपादक; 16/02/2016 से 29/02/2016 तक प्रो. पीटर कोस्टेंटिनो, लेनोक्स हिल हॉस्पीटल / न्यू यॉक हैड एण्ड नेक इंस्टीट्यूट न्यू यॉर्क, यूएसए के साथ 'एंडोस्कोपिक स्कल बेस सर्जरी' में अल्पावधि अध्येतावृत्ति में भाग लिया।

अतिथि वैज्ञानिक

1. प्रोफेसर जे. सी. वॉटकिनसन, थायरॉइडेक्टोमी पर अतिथि व्याख्यान, 27 जनवरी 2016.
2. डॉ माइकल पिटमैन, ग्लोटिक सल्कस के प्रबंधन पर अतिथि व्याख्यान, 10 मार्च 2016.

9.27 बाल रोग विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

विनोद के. पॉल (नवजात विज्ञान)

आचार्य

अशोक के. देवरारी (नवजात विज्ञान)

अरविंद बग्गा (वृक्क विज्ञान)

सुशील के. काबरा (पल्मोनोलॉजी, गहन उपचार, तपेदिक)

मधुलिका काबरा (आनुवंशिकी)

पंकज हरी (वृक्क विज्ञान)

शैफाली गुलाटी (तंत्रिका विज्ञान)

अपर आचार्य

रमेश अग्रवाल (नवजात विज्ञान)

वंदना जैन (अंतः स्राविकी विज्ञान)

रचना सेठ (अर्बुद विज्ञान)

राकेश लोधा (पल्मोनोलॉजी, गहन उपचार, तपेदिक)

सहायक आचार्य

बिस्वरूप चक्रबर्ती (तंत्रिका विज्ञान)

अदिति सिन्हा (वृक्क विज्ञान)

नीरजा गुप्ता (आनुवंशिकी)

एम. जीवा शंकर (नवजात विज्ञान)

काना राम जाट

झूमा शंकर

(पल्मोनोलॉजी, गहन उपचार, तपेदिक)

रजनी शर्मा (अंतः स्राविकी विज्ञान)

रोहन मलिक (जठरांत्र रोग विज्ञान)

नीरजा गुप्ता (आनुवंशिकी)

अनु सचदेवा (नवजात विज्ञान)

चंद्र कुमार (नवजात विज्ञान)

अदिति सिन्हा (वृक्क विज्ञान)

बिस्वरूप चक्रवर्ती (तंत्रिका विज्ञान)

प्रशांत कुमार जौहरी (तंत्रिका विज्ञान)

जगदीश प्रसाद मीणा (अर्बुद विज्ञान)

नरेंद्र कुमार बागरी (रुमेटोलॉजी)

वैज्ञानिक

मधुमिता रॉय चौधरी

रश्मि शुक्ला (संविदा)

शिवराम शास्त्री (संविदा)

जी. पी. दास (चिकित्सा)

अन्य स्टाफ

सविता सप्रा : नैदानिक मनोचिकित्सक

अनुजा अग्रवाल : आहारविद

पल्लवी मिश्रा : जैव रासायनिक

साधना अरोड़ा : तकनीकी अधिकारी

सुमिता गुप्ता : भौतिक चिकित्सक

डी. यादव : चिकित्सा समाज सेवा अधिकारी

विशिष्टिताएं

भारत में पहली बार, बाल रोग नेफ्रोलॉजी और बाल रोग पल्मोनोलॉजी और गहन देखभाल पर नए डीएम पाठ्यक्रम इस वर्ष शुरू किया गया है। विभाग अब चार डीएम पाठ्यक्रम (नियोनेटोलॉजी और बाल रोग न्यूरोलॉजी समेत) चलाता है।

प्रथम डॉ. ओ. पी. घई व्याख्यान प्रोफेसर मेहरबान सिंह, पूर्व विभागाध्यक्ष द्वारा दिया गया था। इसके अलावा विभाग में सर्वश्रेष्ठ सीनियर रेजीडेंट के लिए डॉ. ओ. पी. घई स्वर्ण पदक इस वर्ष आरंभ किया गया था। व्याख्यान और स्वर्ण पदक दोनों स्वर्गीय प्रोफेसर ओ. पी. घई, विभाग के संस्थापक संकाय के परिवार द्वारा एक उदार अनुदान के माध्यम से स्थापित किए गए हैं।

आनुवंशिकी प्रभाग, बाल रोग विभाग, अन्य 4 वर्ष के कार्यकाल के लिए मई 2015 में डब्ल्यूएचओ सहयोगात्मक नैदानिक और प्रयोगशाला आनुवंशिकी केंद्र के रूप में नामित किया गया था।

बाल रोग विभाग ने एम्स में 12 विभागों में गुणवत्ता सुधार (क्यूआई) शुरू किया है, जिनमें से सात ने सक्रिय रूप से अपनी संबंधित प्रणालियों में क्यूआई परियोजनाओं को आगे बढ़ाया है। पिछले 7 माहों में कार्यशालाओं की एक श्रृंखला के प्रसार का आयोजन किया गया था जिसकी अवधारणा को एम्स में संकाय, रेजीडेंट और नर्सों के साथ साझा किया गया था। एम्स इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ इम्प्रूवमेंट, कैम्ब्रिज के अध्याय के रूप में नामित किया गया है जिसमें स्टाफ सदस्यों द्वारा क्यूआई संसाधन सामग्रियों के ऑनलाइन अधिगम सुविधा होगी। अगस्त और अक्टूबर 2015 के बीच चार गुणवत्ता सुधार कार्यशालाएं आयोजित की गई थी। कार्यशालाओं के उद्देश्यों में रोगी देखभाल में क्यूआई की अवधारणाओं और विधियों, जांच नमूने हेतु, कार्यस्थलों में स्थानीय दलों के निर्माण द्वारा ऐसा करने में सक्षम क्यूआई परियोजनाओं, संकाय के क्षमता निर्माण के लिए प्रशिक्षित संकाय का सृजन किया था ताकि वे स्नातक पूर्व और स्नातकोत्तर के पूर्व सेवा शिक्षा में इसका उपयोग और प्रशिक्षित संकाय स्नातकोत्तर थीसिस विषयों के लिए क्यूआई परियोजनाओं को विकसित करेंगे।

नवजात प्रभाग ने देश में नवजात इकाइयों के रोल आउट क्यूआई के लिए डब्ल्यूएचओ भारत के माध्यम से नवजात देखभाल में 125 नर्सिंग मास्टर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण आरंभ किया है। प्रभाग ने भूटान में राष्ट्रीय क्यूआई पहल शुरू की है।

क्रमशः नैदानिक आनुवंशिकी और नवजात देखभाल के लिए दोहरे डब्ल्यूएचओ सहयोग केंद्रों के रूप में आनुवंशिकी और नवजात प्रभागों द्वारा नवजात स्वास्थ्य सुदृढ़ीकरण और जन्म दोषों की निवारण पर डब्ल्यूएचओ दक्षिण पूर्व एशिया क्षेत्रीय नेटवर्क के लिए तकनीकी एंकर उपलब्ध करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। एक ई–ब्लास्ट सेवा (नवजात देखभाल के लिए संगत महत्वपूर्ण लेखों को साझा करना) और तिमाही समाचार पत्र (क्षेत्र में महत्वपूर्ण घटनाओं के बारे में सूचना) को दो संयुक्त प्रभागों द्वारा समन्वित किया जा रहा है।

नवजात शिशु प्रभाग छोटे अस्पतालों में काम कर रही नर्सों के लिए आवश्यक नवजात देखभाल और सुविधा आधारित बीमार नवजात देखभाल पर उच्च गुणवत्ता प्रशिक्षण पैकेज के संशोधित सेट को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। पैकेज और प्रशिक्षण विधि योग्यता और कौशल विकास की दिशा में सक्षम है। अपनाई गई विधि सिमुलेटर, प्रकरण परिदृश्य आदि का उपयोग से भागीदारीपूर्ण है और इसमें ज्ञान तथा कौशलों के मूल्यांकन के तत्व शामिल हैं। प्रशिक्षण पैकेज सेवारत नर्सों और उनकी पूर्व सेवा शिक्षा दोनों के लिए उपयोग किया जा सकता है।

नवजात प्रभाग ने नवंबर 2015 में 'नवजात स्वास्थ्य में उन्नत अनुसंधान के लिए आईसीएमआर केंद्र' के रूप में इसका 5 वर्ष का कार्यकाल पूरा किया है। परियोजना में चार अनुसंधान अध्ययन और दो क्षमता निर्माण गतिविधियों को शामिल किया गया। कम से कम 8 पांडुलिपियां प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशन के लिए प्रकाशित / प्रस्तुत की गई।

नवजात प्रभाग ने कई नए वीडियो (सेप्सिस कार्य के लिए नवजात प्रक्रियाएं, इष्टतम न्यूरोडेवलपमेंट के लिए स्टीमुलेशन और उच्च जोखिम नवजात शिशुओं का अनुवर्तन) विकसित की है और इन्हें वेबसाइट (www.newbornwhocc.org) पर अपलोड किया है।

एम्स स्नातक दल (मेहनाज ग्रेवाल और निखिल मेहता) ने जनवरी 2016 में स्नातक चिकित्सा छात्रों के लिए प्रतिष्ठित 28वें इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिकस प्रश्नोत्तरी के अंतिम राष्ट्रीय दौर में पहला पुरस्कार जीता।

राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली में 'संग्रहालय अस्पताल जाता है' पहल के तहत मास्टरों के लगभग 100 कीमती चित्रों के एक उदार संग्रह के साथ विभाग के अंतरंग रोगी क्षेत्रों का लाइव आर्ट गैलरी में रूपांतरण किया गया है। नेशनल म्यूजियम इंस्टीट्यूट के संकाय और अनुसंधानकर्ताओं द्वारा इस पहल के एक भाग के रूप में इतिहास और कला की प्रशंसा पर बच्चों के लिए कार्यशाला का आयोजन किया।

डिज्नी इंडिया ने बच्चों की ओपीडी को और नव निर्मित प्रतीक्षा क्षेत्र को बच्चों के लिए रंगीन, आरामदायक और उनके अनुकूल बनाने के लिए बच्चों के लोकप्रिय कार्टून के आकर्षक पोस्टर के साथ से सजाया।

मिर्गी के लिए मोबाइल एप शुरू किया गया था। यह एप गूगल और एपल प्ले स्टोर से आसानी से डाउनलोड किया जा सकता है तथा माइक्रोसाइट (m.pedneuroaiims.org) पर भी उपलब्ध है। माइक्रोसाइट में विभिन्न न्यूरोडेवलपमेंटल विकारों पर चिकित्सकों और अभिभावकों के लिए इसके अतिरिक्त शैक्षिक सामग्री प्रदान की गई है।

विभाग ने इस वर्ष कुल 4 सार्वजनिक व्याख्यान और 4 पारिवारिक बैठकों का आयोजन किया और सीपीएए, सीएएनकेआईडीएस और सैंट जूड के लिए कैंसर रोगियों के साथएनजीओ के जीवंत सहयोग से जारी है।

विभाग को लोकप्रिय पत्रिका – 'द वीक' द्वारा लगातार 9वीं बार के लिए भारत में सर्वश्रेष्ठ बाल रोग विभाग का दर्जा दिया गया था।

शिक्षा

डी.एम. कार्यक्रम : चार डीएम कार्यक्रम नियोनेटोलॉजी, न्यूरोलॉजी, नेफ्रोलॉजी और पल्मोनरी और गहन चिकित्सा देखभाल सहित चल रहे हैं। पिछले दो कार्यक्रम जनवरी 2016 में शुरू किए गए। कुल 19 छात्रों को नामांकित किया गया।

पीएच.डी. कार्यक्रम : लगभग 20 स्कॉलर पीएच.डी (नैदानिक तथा महामारी विज्ञान सहित) कर रहे हैं। एक सक्रिय शिक्षण कार्यक्रम सहित साप्ताहिक जर्नल क्लब, अनुसंधान विधि तथा अतिथि व्याख्यान पीएच.डी. शिक्षण गतिविधि के एक भाग है। सभी पीएच.डी स्कॉलर्स के लिए अंग्रेजी भाषा शिक्षा का आरंभ किया गया।

एमबीबीएस शिक्षण : जारी

एमबीबीएस शिक्षण : विभाग के संकाय सदस्य एमबीबीएस छात्रों को बाल चिकित्सा में उनकी तैनाती के दौरान (ओपीडी तथा वॉर्ड) व्याख्यान तथा समेकित सेमिनारों के साथ बेडसाइट शिक्षण में सम्मिलित रहे। विभाग ने 7वें सेमेस्टर के छात्रों हेतु सीआएचएसपी बल्लभगढ़ में संकाय शिक्षण को पुनः आरंभ किया है।

बाल रोग विभाग ने आठ सेमेस्टर में पोस्टरों, छोटे समूह का परस्पर उपयोग कर वॉल चार्ट, सिमुलेटर, टेबलेट्स, प्रकरण अध्ययनों का उपयोग कर बीमार नवजात शिशुओं के प्रबंधन के लिए प्रदर्शन, प्रकरण अध्ययन, मानक उपचार प्रोटोकॉल का उपयोग कर ब्रोंकियल अस्थमा के विषयों में आठवें सेमेस्टर के लिए अभिनव सेमिनारों को आरंभ किया।

नवजात शिशु प्रभाग ने भारत और एसईएआर क्षेत्र के विभिन्न संस्थानों से नवजात शिशु चिकित्सकों के सहयोग से *'बीमार नवजात देखभाल पाठ्यक्रम' (3 माह), 'नवजात नर्सिंग और गुणवत्ता सुधार पाठ्यक्रम' (10 सप्ताह)* और *'सीपीएपी पाठ्यक्रम' (8 सप्ताह)* में शामिल विकसित ऑनलाइन पाठ्यक्रम में भूमिका निभाई है। इस मंच में बीमार नवजात देखभाल, सीपीएपी और तब तक आवश्यक नवजात देखभाल में एसईएआर में विभिन्न देशों से लगभग 2000 डॉक्टरों (10 बीमार नवजात पाठ्यक्रम) और 1500 नर्सों (पिछले 4 पाठ्यक्रम और वर्तमान में जारी अद्यतन ईएनसीसी पाठ्यक्रम) को प्रशिक्षित किया गया है।

सीनियर रेजीडेंसी कार्यक्रम : विशेषज्ञता आधारित सीनियर रेसीडेंसी कार्यक्रम को मजबूत किया गया तथा उत्कृष्टता पुरस्कार प्रदान किया गया।

प्रशिक्षु : कुल 35 अल्प अवधि / दीर्घ अवधि प्रशिक्षुओं को विभाग के विभिन्न प्रभागों में प्रशिक्षण प्रदान किया गया। (आनुवंशिक 12, बाल मनोचिकित्सा 3, बाल वृक्क विज्ञान 2, बाल तंत्रिका विज्ञान 1, बाल रोग पल्मोनोलॉजी 3 तथा अंतस्राविकी 3, नवजात विज्ञान 11)।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

1. डॉ. वंदना जैन ने एम्स में 13 अगस्त 2015 को इंडियन सोसायटी ऑफ पीडियाट्रिक एंड एडोलसेंट एंडोक्राइनोलॉजी (आईएसपीएई) के दिल्ली चेप्टर की बैठक का आयोजन किया।
2. डॉ. मधुलिका काबरा ने वर्ल्ड डाउन सिंड्रोम डे का आयोजन किया, 23 मार्च 2016, एम्स, नई दिल्ली।
3. प्रो ए के देवरारी ने निम्नलिखित का आयोजन किया :
   - क. थिम्फु में 18–20 नवंबर 2015 को डब्ल्यूएचओ कंट्री ऑफिस के लिए डब्ल्यूएचओ, पैरो, भूटान द्वारा समर्थित सुविधा आधारित नवजात देखभाल के लिए मास्टर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण।
   - ख. गुजरात राज्य एनएनएफ में 31 जुलाई – 2 अगस्त 2015 को सेंट जॉन्स बैंगलोर, 5–7 अप्रैल 2015 में सुविधा आधारित नवजात नर्सिंग पर कार्यशाला।
   - ग. एम्स, नई दिल्ली में 28–30 मार्च 2016 को गुणवत्ता सुधार के साथ सुविधा आधारित नवजात नर्सिंग पर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण।
   - घ. एम्स के विभागों में 21 अगस्त, 3 सितंबर, 20 सितंबर, 19 अक्टूबर के लिए गुणवत्ता सुधार पर चार कार्यशालाएं।
   - ङ. एम्स डब्ल्यूएचओ सीसी द्वारा सेंट जॉन्स मेडिकल कॉलेज अस्पताल के साथ साझेदारी में तीन दिवसीय वेंटिलेशन कार्यशालाओं का आयोजन किया, 5–7 अप्रैल 2015; गुजरात राज्य एनएनएफ 31 जुलाई – 2 अगस्त 2015; राज्य एनएचएम पश्चिम बंगाल, 25–27 मार्च 2015.
4. डॉ. रमेश अग्रवाल, डॉ. एम. जीवा शंकर : देश के विभिन्न भागों से रेजीडेंट और बाल रोग विशेषज्ञों के अभ्यास के लिए 'नवजात वेंटिलेशन' पर दो कार्यशालाओं का आयोजन (मई 2015 और दिसंबर 2015)।

5. डॉ. अरविंद बग्गा ने द वर्ल्ड किडनी डे का आयोजन किया : थीम 'किडनी डिजीज एंड चिल्ड्रन : एक्ट अर्ली टू प्रीवेंट इट' पर 7–12 मार्च 2016 के सप्ताह के दौरान नेफ्रोलॉजी विभाग और पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी प्रभाग द्वारा संयुक्त रूप से मनाया गया था। गतिविधियों में 'किडनी डिजीज' पर सार्वजनिक व्याख्यान और पैनल चर्चा शामिल है, दिल्ली भर से नर्सिंग छात्रों और चिकित्सकों के लिए एक सीएमई बैठक, स्कूली बच्चों और कॉलेज के छात्रों के बीच जागरूकता के सृजन के लिए संगोष्ठी, बाल रोग में स्नातकोत्तर छात्रों के लिए व्याख्यान, विभिन्न किडनी रोगों के बारे में जागरूकता का सृजन करने वाले पोस्टरों का प्रदर्शन और किडनी के रोग वाले बच्चों के अभिभावकों के लिए शैक्षिक पुस्तिकाएं जारी की गई।
6. डॉ. शैफाली गुलाटी ने निम्नलिखित का आयोजन किया :
   क. ऑटिज्म जागरूकता पर सार्वजनिक स्वास्थ्य व्याख्यान और पैनल चर्चा : मुख्यधारा में उन्हें लाना और 30 अप्रैल 2015 को टेलीफोन हेल्पलाइन का शुभारंभ।
   ख. 10 मई 2015 को 'ओपीडी के साथ आईपीडी में रोगी रिकॉर्ड रखरखाव' पर संगोष्ठी सह कार्यशाला।
   ग. आईएपी नैदानिक बैठक में समन्वय और 16 जुलाई 2015 को 'नॉट सो ट्रिवियल मैनिफेस्टेशन्स ऑफ ट्रिवियल ट्रामा' की प्रस्तुति।
   घ. बच्चों के लिए बहु–विषयक दृष्टिकोण पर विभागीय संगोष्ठी : 11 अक्टूबर 2015 को डर्मोटोलॉजिकल, कान, आंख, दांत (डीईईडी) देखभाल पर विशेष ध्यान केंद्रित करना।
   ङ. 21 जनवरी 2016 को प्रो. रॉबर्ट ओवरियर द्वारा बाल्यावस्था में पेरिफेरल न्यूरोपैथीस पर एक अद्यतन पर अतिथि व्याख्यान।
   च. 26 मार्च 2016 को डॉ. माइकल एलन लोबट्ज द्वारा ''कोंक्यूज़न / माइल्ड ट्रॉमेटिक ब्रेन इंजरी इन पीडियाट्रिक पेशेंट्स'' पर अतिथि व्याख्यान।
7. डॉ. रचना सेठ ने निम्नलिखित का आयोजन किया :
   क) पेशेंट एजुकेशन प्रोग्राम ऑन चाइल्डहुड कैंसर : मई, 2015
   ख) पेशेंट – डॉक्टर इंटरेक्टिव फोरम : नवंबर 2015
   ग) मंथली मीटिंग ऑफ सपोर्ट ग्रुप ऑफ कैंसर 'सम्भव'
8. डॉ. एस. के. काबरा और डॉ. राकेश लोधा और डॉ. कानाराम जाट ने 5–6 सितंबर 2015 को अस्थमा पर एम्स बाल रोग पल्मोनोलॉजी और गहन देखभाल पाठ्यक्रम मॉड्यूल 3 आयोजित किया गया।
9. डॉ. झुमा शंकर और डॉ. काना राम जाट ने जनवरी 2016 में पीएएलएस पाठ्यक्रम का आयोजन किया; सीएमईटी; बीएलएस पाठ्यक्रम फरवरी 2016, सीएमईटी, एम्स।

प्रदत्त व्याख्यान

अंतःस्राविकी विज्ञान

वंदना जैन : 6 रजनी शर्मा : 2

जठरांत्र रोग विज्ञान

रोहन मलिक : 4

आनुवंशिकी

मधुलिका काबरा : 10 नीरजा गुप्ता : 10 सविता सप्रा : 3

नवजात विज्ञान

ए. के. देवरारी : 21 रमेश अग्रवाल : 9 एम. जीवा शंकर : 17

अनु सचदेवा : 11 एन. चंद्र कुमार : 4

नेफ्रोलॉजी

अरविंद बग्गा : 14 पंकज हरी : 8 अदिति सिन्हा : 5

तंत्रिका विज्ञान

शैफाली गुलाटी : 35 बिस्वरूप चक्रबर्ती : 5 प्रशांत जौहरी : 2

अर्बुद विज्ञान

रचना सेठ : 10 जगदीश प्रसाद मीणा : 1

पल्मोनोलॉजी, गहन उपचार, क्षय रोग

एस के काबरा : 33 राकेश लोधा : 13 काना राम जाट : 8

झूमा शंकर : 7

श्री धनेश्वर यादव : 7

मौखिक पत्र/पोस्टर की प्रस्तुति : 65

* तीन पुरस्कार विजेता के शोध पत्र

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. 'एक एकीकृत – ओमिक्स एप्रोच का उपयोग करके अस्थमा में बायोमार्कर खोज,' राकेश लोधा, सीएसआईआर, आईजीआईबी, 2009–2016, 2.1 करोड़ रुपए।
2. ऑटिज्म से पीड़ित बच्चों में रक्त हेवी मेटल स्तरों तथा मात्रात्मक ईईजी सहसंबंध, शैफाली गुलाटी, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2014–2017, 49 लाख रुपए।
3. कीमो से उपचार (सी से सी) : कैंसर उत्तरजीवी का अध्ययन, रचना सेठ, जीव दया फाउंडेशन, डालस, यूएसए, 6 वर्ष, 2011–2017, 20 लाख रुपए।
4. अस्थमा वाले बच्चों में सीरम बायोमार्कर और पल्मोनरी कार्य परीक्षण का सहसंबंध, नरेंद्र कुमार बागरी, यूजीसी, 2 वर्ष, 2015, 5.7 लाख रुपए।
5. भारत में डेंगू वायरस संक्रमण, एस. के. काबरा/राकेश लोधा, एनआईएच, यूएसए, 5 वर्ष, 2015–19, 1 करोड़ रुपए।

6. 18 माह से 6 वर्ष तक की आयु वाले ऑटिज्म व्यापकता विकारों से पीड़ित भारतीय बच्चों हेतु व्यावसायिकों की तुलना में अभिभावकों द्वारा सामाजिक–सांस्कृतिक संवेदी देशी रूप में विकसित मॉड्यूल की प्रभावकता, सविता सप्रा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2014–2017, 26.9 लाख रुपए।
7. अपरिपक्व नवजात शिशुओं में बकरी के फेफडे से बने एक अभिनव और सस्ते सर्फ़क्टैंट की प्रभावकारिता और सुरक्षा, रमेश अग्रवाल, वेलकम ट्रस्ट, 3 वर्ष, 2015–18, 10 करोड़ रुपए।
8. अधिक वजन वाले बच्चों और किशोरों के बीच वजन को कम करने के लिए एक परिवार आधारित व्यापक योग कार्यक्रम की प्रभावकारिता : एक आरसीटी, वंदना जैन, आयुष मंत्रालय, 3 वर्ष, 2015–18, 51.6 लाख रुपए।
9. अगली पीढ़ी के अनुक्रमण का उपयोग कर गौचर रोग वाले रोगियों में अपरिवर्तक जीन का मूल्यांकन, नीरजा गुप्ता, एम्स, 1 वर्ष, 2015–16, 5 लाख रुपए।
10. गिलीड जीएस – यूएस – 334 – 1112 : बच्चों में हेपेटाइटिस सी पर नैदानिक परीक्षण, रोहन मलिक, गिलीड लाइफ साइंसेज, 18 माह, 2016–2018, 18 लाख रुपए।
11. दिल्ली में बाल डेंगू रोगियों में रोग की गंभीरता के सह–संबंध की पहचान, एस. के. काबरा, डीबीटी, 3 वर्ष, 2012–2015, 46.4 लाख रुपए।
12. भारतीय एटेक्सिया टेलेंजिक्टेसिया रोगियों में मुटेशन्स के स्पैक्ट्रम की पहचान। रश्मि शुक्ला। जैव – प्रौद्योगिकी विभाग, 3 वर्ष, 2014–2017, 34.8 लाख रुपए।
13. सेप्टिक शॉक वाले बच्चे में रुक–रुक कर बनाम सतत एससीवीओ2 की निगरानी, झुमा शंकर, एम्स, 2 वर्ष, 2015–2017, 8 लाख रुपए।
14. बाल्यावस्था में गंभीर लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकिमिया में आण्विक विकल्प : *सीआरएलएफ 2* पुनः व्यवस्था तथा जीनस काइनेज (जेएके 1 और जेएके2) म्युटेशन्स की भूमिका, रचना सेठ, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2015–2018.
15. गंभीर लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकिमिया के भारतीय रेगियों में रिलेप्स जोखिम के पूर्वानुमान हेतु आण्विक लक्षणवर्णन, रचना सेठ, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2014–2017, अनुसंधान एसोसिएट हेतु फैलोशिप।
16. भारत में लिसोसोमल स्टोरेज विकारों का नैदानिक जैव रसायन तथा आण्विक लक्षणवर्णन के बहु केन्द्रीय सहयोगी अध्ययन : लिसोसोमल स्टोरेज विकारों हेतु अनुसंधान पहल। मधुलिका काबरा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2015–2018, 30 लाख रुपए।
17. खराब नियंत्रित अस्थमा वाले बच्चों में एलर्जिक ब्रोंकोपल्मोनरी एसपेरगिलोसिस की व्याप्तता और सरफेक्टेंट प्रोटीन ए2 की बहुरूपता, मन्नान – बाध्यकारी लेक्टिन, टोल की तरह रिसेप्टर 9 और सिस्टिक फाइब्रोसिस ट्रांसमेम्ब्रन प्रवाहकत्व नियामक जीनों के साथ सह–संबंध, काना राम जाट, एम्स आंतरिक परियोजना, 2 वर्ष, 2015–2017, 5,50,000 रुपए।
18. एसएचओएक्स और आईजीएफएएलएस म्यूटेशन्स की व्याप्तता और इडियोपैथिक शॉर्ट स्टेचर वाले बच्चों में अंतःस्रावी मानकों के साथ उनका सह–संबंध, वंदना जैन, एम्स, 1 वर्ष, 2015–16, 5 लाख रुपए।
19. नवजात और जन्म दोष के लिए एसईएआरनेट – एनबीबीडी डेटाबेस का गुणवत्ता आश्वासन, मधुलिका काबरा, डब्ल्यूएचओ, 1 वर्ष, 2016–17, 5 लाख रुपए।
20. ओएनटीओपी मंच का उपयोग कर विशेष नवजात शिशु देखभाल इकाई (एसएनसीयू) में बीमार नवजात शिशु देखभाल के लिए गुणवत्ता सुधार पहल, ए. के. देवरारी, एसेस हेल्थ इंटरनेशनल, ए. पी. एंड सीआईएफएफ, 2 वर्ष, 2015–17, 6.7 लाख रुपए।

21. स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी से पीड़ित 2–15 वर्ष की आयु वाले बच्चों में वाल्प्रोएट एवं लिवोकारनिटाइन का यादृच्छिक प्लेसेबो नियंत्रित परीक्षण, शेफाली गुलाटी, एम्स, 3 वर्ष, 2012–2015, 10 लाख रुपए।
22. विशेष नवजात शिशु देखभाल इकाई की गुणवत्ता में सुधार द्वारा कुसमयता रेटिनोपैथी को कम करना, ए. के. देवरारी, पीएचएफआई, $3^1/_2$ वर्ष जुलाई 2015 से दिसंबर 2018, 114 लाख रुपए।
23. नेफ्रोटिक संलक्षण पर अनुसंधान। अरविंद बग्गा, अनुसंधान में त्रिपक्षीय सहभागिता, यूके, भारत एजुकेशन एवं रिसर्च इनिशिएटिव, 3 वर्ष, 2013–16, 34.68 लाख रुपए।
24. एडिपॉजिटी तथा बायोकैमिकल मार्कर्स से जुड़े कार्डियोमेटाबोलिक जोखिम के कार्यक्रम पर अर्ली इंफैंसी में फेट मास के बढ़ने की भूमिका, वंदना जैन, डीबीटी, 4 वर्ष, 2012–16, 75 लाख रुपए।
25. बच्चों में तपेदिक रोधी की निदान में जीन–एक्सपर्ट एमटीबी / आरआईएफ निर्धारण की भूमिका, एस. के. काबरा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2013–16, 64.55 लाख रुपए।
26. सुविधा केंद्र आधारित नवजात नर्सिंग पर नर्सिंग व्यावसायिकों के लिए प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण (टीओटी), ए. के. देवरारी, डब्लयूएचओ, 6 माह, 2015–16, 13.78 लाख रु.
27. अस्पताल में भर्ती नवजात शिशुओं में बैक्टीरियल सेप्सिस के रोग जीव विज्ञान और निदान को समझना : एक बहु केंद्रित अध्ययन, रमेश अग्रवाल, कृष्णमोहन अत्माकुरी, डीबीटी, 2 वर्ष, 2015–17, 1.7 करोड़ रुपए।
28. बचपन के दौरान तीव्र श्वसन संक्रमण क्यों बाल्यावस्था के समय चिरकारी एयरवे रोग बन जाता है : छोटे वायुमार्ग तथा प्रतिरक्षा असंतुलन की अंतरीय भूमिका, एस. के. काबरा, डीबीटी, 5 वर्ष, मार्च 2012 से मार्च 2017, 1.24 करोड़ रुपए।

पूर्ण

1. एंटी–फैक्टर एच ऑटोएंटीबॉडी से संबद्ध हीमोलाइटिक यूरेमिक सिंड्रोम, अरविंद बग्गा, इंडो–फ्रेंच सेंटर फॉर द प्रोमोशन ऑफ एडवांस्ड रिसर्च, 3 वर्ष, 2012–16, 40 लाख रुपए।
2. एपीडब्ल्यू डब्ल्यूएचओ, मधुलिका काबरा, डब्ल्यूएचओ, 1 वर्ष, 2014–15, 5 लाख रुपए।
3. नवजात स्वास्थ्य में आधुनिक अनुसंधान केन्द्र, विनोद के पॉल/अशोक देवरारी, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2010–15, 12 करोड़ रुपए।
4. मृत जन्म के आनुवंशिक मूल्यांकन में एरे–आधारित तुलनात्मक जीनोमिक हाइब्रिडाइजेशन (एरे सीजीएच) का नैदानिक अनुप्रयोग, मधुलिका काबरा, डीबीटी, 3 वर्ष, 2013–2015, लगभग 85 लाख रुपए।
5. बच्चों में तपेदिक रोधी दवाओं के फार्माकोकाइनेटिक्स पर कुपोषण तथा एचआईवी संक्रमण का प्रभाव। राकेश लोधा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2012–15, 48 लाख रुपए।
6. हिमोलेटिक यूरेमिक सिंड्रोम में एंटी–कम्प्लीमेंट फेक्टर एच ऑटोएंटीबॉडीज का कार्यात्मक लक्षण वर्णन तथा आनुवंशिक आधार, अरविंद बग्गा, डीबीटी, 4 वर्ष, 2011–2015, 108 लाख रुपए।
7. इडियोपैथिक शॉर्ट स्टेचर वाले बच्चों में जीएचआर जीन म्युटेशन्स, वंदना जैन, एम्स, 3 वर्ष, 2012 – 15, 5 लाख रुपए।
8. उत्तर भारत में हिब मेनिंगजाइटिस सेंटीनल निगरानी (एनआई – 1088), एस. के. काबरा तथा एस भटनागर, इनक्लेन, 3 वर्ष, 2011–15, 1.09 करोड़ रुपए।
9. डाउन सिंड्रोम के गैर आक्रामक जन्म पूर्व निदान हेतु मातृ संचरण में मानव क्रोमोसोम्स 21 ड्राइव्ड एमआईआरएनए की पहचान, मधुलिका काबरा, डीबीटी, 3 वर्ष, 2013–15, 57 लाख रुपए।
10. हरियाणा, भारत में दो जिलों के प्राथमिक उपचार केन्द्रों में बच्चे का जन्म तथा नवजात उपचार की गुणवत्ता में सुधार, रमेश अग्रवाल, डब्ल्यूएचओ, जीनेवा, 2 वर्ष, 2014–16, यूएसएडी 25000

11. भारतीय मोटे किशोर बच्चों में गैर एल्कोहलिक फैटी लीवर रोग के संदेह का पता लगाने में आनुवंशिक पोलिमोर्फिज्म, नैदानिक तथा जैव रासायनिक पैरामीटरों का दबाव, वंदना जैन, आईसीएमआर, 3.5 वर्ष, 2012–15, 49 लाख रुपए।
12. ट्यूबरस स्केलरोसिस वाले भारतीय रोगियों में आण्विक आनुवंशिक अध्ययन, मधुमिता रॉयचौधरी, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2013–15, 50 लाख रुपए।
13. स्टेरॉइड निर्भर वृक्क संलक्षणों अथवा बार बार पुनः लक्षण दोहराए जाने वाले बच्चों में मायको फेनोलेट मोफिटेल बनाम लिवामाइसोल की सुरक्षा तथा प्रभाव क्षमता की तुलना हेतु यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, अरविंद बग्गा, आईसीएमआर, 3.5 वर्ष, 2012–16, 28 लाख रुपए।
14. फोकल सेग्मेंटल ग्लोमेरुलोस्केलरोसिस तथा स्टेरॉइड प्रतिरोध नेफ्रोटिक संलक्षण वाले बच्चों में पुटेटिव परमिएबिलटी धारक के रूप में सीरम सोल्यूएबल यूरोकाइनेज ग्राही, अरविंद बग्गा, डीबीटी, 3.5 वर्ष, 2012–15, 44 लाख रुपए।
15. बाल्यावस्था कैंसर के लिए उपचार करवा रहे बच्चों में फेब्राइल न्यूट्रोपेनिक एपिसोड हेतु नैदानिक तथा पूर्वानुमानित बायोमार्कर के रूप में प्रोकेलेक्टोनिन (पीसीटी) की भूमिका का पता लगाना, रचना सेठ, एम्स, 2 वर्ष, 2014–16, 3 लाख रुपए।
16. बाल्यावस्था के तीव्र लिम्फोब्लासटिक ल्यूकेमिया का उपचार करवा रहे बच्चों में नैदानिक विषाक्तता का एक संकेत के रूप में घर में मेथोट्रेक्सेट की एकाग्रता और अपनी मेटाबोलाइट का अनुमान लगाना, रचना सेठ, एम्स, डीबीटी ग्लू अनुदान, 5 वर्ष।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. टाइप 1 डायबिटीज मेलिटस वाले किशारों में चौबीस घंटे अम्बुलेटरी बीपी निगरानी और अन्य मैक्रो–और सूक्ष्म संवहनी जटिलताओं के साथ इसका सह–संबंध।
2. ज्ञान पुस्तिका विकसित करने के लिए दृश्य के साथ पूरक खाद्य पदार्थों से संबंधित शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में 6 माह से 2 वर्षों के आयु वर्ग में बच्चे की माताओं के ज्ञान और अभ्यास का आकलन करने के लिए तुलनात्मक अध्ययन।
3. एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन : स्टेरॉयड संवेदनशील नेफ्रोटिक सिंड्रोम वाले बच्चों में रिलेप्स के लिए लघु प्रीडनिसोलोन उपचार की प्रभावकारिता।
4. भारतीय बच्चों में वेसिकोयूरेट्रल रिफलक्स की व्यापकता का एक अध्ययन तथा ग्रेड ऑफ रिफलक्स, रीनल हाइपोप्लेक्सिया तथा नैदानिक प्रस्तुतीकरण के साथ इसका सह – संबंध।
5. सेप्टिक शॉक में प्रारंभिक तरल पदार्थ पुनर्जीवन में संतुलित घोल बनाम सामान्य सेलाइन।
6. चिकनगुनिया वायरस जीन्स की क्लोनिंग तथा अभिव्यक्ति और बच्चों तथा वयस्कों में चिकनगुनिया पैथोजेनेसिस में उनकी भूमिका का मूल्यांकन।
7. तरल पदार्थ चिकित्सा मार्गदर्शन के लिए सेप्टिक शॉक पुनर्जीवन का चिकित्सीय समापन तुलना।
8. देर से अपरिपक्व और अवधि नवजात शिशुओं में कोर्ड क्लैम्पिंग में देरी के साथ गर्भनाल मिल्किंग की तुलना : यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
9. अतिरिक्त हेपेटिक पोर्टल वेन ऑब्स्ट्रेक्शन वाले रोगियो में पोर्टल दबाव और सीरम नाइट्रिक ऑक्साइड के साथ हेपेटिक अर्टेरी प्रतिरोधक सूचकांक का सह–संबंध।

10. एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकिमिया (एएलएल) वाले भारतीय बच्चों में नैदानिक परिणामों के पूर्व सूचक के रूप में आईकेजेडएफ – 1 जीन विकल्प तथा साइटोकाइन रिसेप्टर जैसे कारक 2 जीन अभिव्यक्ति का सह संबंध।
11. सेप्टिक शॉक वाले बच्चों में एंटी–बायोटिक्स के पहले फ्लुइड बोलस और पहली खुराक की मान्यता और प्रबंधन के लिए समय को कम करना।
12. नैदानिक और बड़े डेटा के एकीकरण के माध्यम से बाल गहन देखभाल इकाइयों में सेप्सिस का जल्दी पता लगाना।
13. प्राथमिक गुर्दे ट्यूबलर विकार और रिफ्लक्स नेफ्रोपैथी वाले बच्चों में प्रोटीनूरिया पर एनालाप्रिल का प्रभाव : एक पर्यवेक्षणीय अध्ययन।
14. सिस्टिक फिब्रोसिस वाले बच्चों तथा किशोरों में बोन मिनरल एक्रीएशन पर अभ्यास हस्तक्षेप कार्यक्रम का प्रभाव।
15. दवा प्रतिरोधी मिर्गी वाले बच्चों के बीच केटोजेनिक आहार, संशोधित एटकिन्स आहार और कम ग्लायसेमिक सूचकांक की प्रभावकारिता : एक यादृच्छिक गैर – हीनता परीक्षण।
16. प्राथमिक सिलियरी डिस्काइनेसिया की चिकित्सकीय संदिग्ध मामलों में सिलियरी विषमता के इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपिक अध्ययन।
17. सिस्टिक फिब्रोसिस से पीड़ित बच्चों में पल्मोनरी एक्सरबेशन हेतु विज्ञान।
18. पूर्व स्कूली आयु वर्ग वाले बच्चों में शारीरिक गतिविधि और इसके निर्धारकों का मूल्यांकन।
19. बच्चों में इडियोपैथिक शॉर्ट स्टेचर के आनुवंशिक आधार का पता लगाना : *एसएचओएक्स, जीएचआर* तथा *आईजीएफएएलएस* म्युटेशन्स की व्यापकता।
20. एक मोटापा क्लिनिक में दाखिल किशोरों में वज़न को कम करने वाले कारकों को प्रभावित करना।
21. गंभीर रूप से बीमार मशीनी रूप से वेंटीलेटर वाले बच्चों में तरल पदार्थ की अधिकता संबंधी मृत्युदर।
22. हिमोलाइटिक यूरिमिक सिंड्रोम वाले रोगियों में एंटी–फेक्टर एच ऑटो–एंटी बॉडीज का कार्यात्मक लक्षण वर्णन।
23. मुखीय साइक्लोफोसफामाइड से उपचारित नेफ्रोटिक सिंड्रोम वाले बच्चों में गोनेडल फंक्शन।
24. 21 हाइड्रोक्सीलेस कमी वाले जन्मजात अधिवृक्क हाइपरप्लासिया वाले बच्चों के विकास पैटर्न और नैदानिक रूपरेखा।
25. नेफ्रोटिक सिंड्रोम वाले बच्चों में तीव्र गुर्दे की चोट की घटनाएं और जोखिम कारक।
26. गंभीर रूप से बीमार मशीनी रूप से संवातित बच्चों में पॉलीन्यूरोपैथी की घटना।
27. सेप्टिक शॉक में एससीवीओ2 की रुक रुक कर बनाम सतत निगरानी।
28. आसामयिक के रेटिनोपैथी (आरओपी) के लिए लेजर उपचार के दौरान दर्द प्रबंधन के लिए फेंटेनायल इंफ्यूजन बनाम मौखिक डेक्सट्रोज की कम खुराक – एक खुला लेबल यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
29. अस्थमा से पीड़ित बच्चों में मेटाबोलिक असामान्यताएं।
30. आग्रही अस्थमा वाले बच्चों में मेटाबोलिक सिंड्रोम।
31. हिपेटिक ग्लायकोजेनोसिस टाइप 1 और 3 के आण्विक और जैव रासायनिक लाक्षणीकरण।
32. भारत में तीव्र – ज्वर बीमारी के साथ जुड़े चिकनगुनिया वायरस के आण्विक और रोग प्रतिरक्षण लाक्षणीकरण।
33. ऑटोसोमल प्राप्त कर रहे नॉन–सिंड्रोमिक श्रवण हानि वाले भारतीय परिवारों में आण्विक आनुवंशिक अध्ययन।

34. म्युकोपोलिसेक्रीडोसिस टाइप 1, 2 और 3 वाले रोगियों में बायोमार्कर्स का म्युटेशन्स विश्लेषण तथा सह–संबंध।
35. ट्यूबरस स्केलेरोसिस वाले भारतीय रोगियों में टीएससी जीन में म्युटेशन्स व्यापकता।
36. तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया के जीवित बचे बच्चों में तंत्रिका संज्ञानात्मक और मनोसामाजिक कमी।
37. बाल्यावस्था गंभीर लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में एनओटीसीएच1 : म्युटेशन्स प्रोफाइल, जीन अभिव्यक्ति, ल्यूकिमोजेनेसिस की भूमिका तथा नैदानिक परिणामों के साथ संबंध।
38. तीन महीनों से 5 वर्ष की आयु वाले डाउन सिंड्रोम वाले भारतीय बच्चों में शारीरिक वृद्धि और इसका निर्धारण (डॉ. फानीप्रिया की एमडी थीसिस)।
39. गंभीर रूप से बीमार मशीनी रूप से संवातित बच्चों में पॉलीन्यूरोपैथी।
40. मशीनी रूप से संवातित बच्चों में गैस्ट्रोएसोफेगल रिफ्लक्स की व्याप्तता और जोखिक कारक।
41. एचआईवी संक्रमित बच्चों में अल्प बोन मिनरल डेंसिटी की व्याप्तता।
42. ड्यूचेन मसल डिस्ट्रॉफी वाले बच्चों में चिकनी मांसपेशियों में शिथिलता की व्यापकता।
43. गंभीर ल्यूकिमिया के नवीन रूप से नैदानिक बच्चों में ट्यूबरकुलोसिस संक्रमण की व्यापकता।
44. मुखीय स्टेरॉयड उपचार में कम से कम 6 माह के लिए 5–18 वर्ष के डिसट्रोफिनोपैथी रोगियों में पल्मोनरी प्रकार्य जांच।
45. अपरिपक्व 32 सप्ताह या इससे कम के गर्भ के सहज नवजात शिशुओं के परिणामों में सुधार करने के लिए सुनहरे घंटे बंडल के कार्यान्वयन पर गुणवत्ता की पहल।
46. चार वर्ष की उम्र से छोटे बच्चों में नेफ्रोटिक सिंड्रोम की प्रारंभिक प्रकरण के लिए प्रीडनिसोलोन के साथ 3 माह बनाम 6 माह की प्रभावकारिता और सुरक्षा की तुलना के लिए यादृच्छिक खुला लेबल नियंत्रित परीक्षण।
47. अक्सर रिलेप्सिंग स्टेरॉयड संवेदनशील नेफ्रोटिक सिंड्रोम वाले रोगियों में संक्रमण के दौरान दैनिक निर्मित लेवमिसोल बनाम दीर्घकालिक वैकल्पिक दिनों के स्टेरॉयड की प्रभावकारिता और सुरक्षा की तुलना के लिए यादृच्छिक खुला लेबल नियंत्रित परीक्षण।
48. बीपीडी वाले अपरिपक्व नवजात शिशुओं (32 सप्ताह से कम) की श्वसन रुग्णता, विकास और तंत्रिका विकासात्मक परीणाम : एक भावी कोहॉर्ट अध्ययन।
49. लंबे समय तक एंटीबायोटिक चिकित्सा पर नवजात शिशुओं में रोगनिरोधी विटामिन 'के' की भूमिका – एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
50. नवजात / शिशु कोलेस्टेटिक यकृत रोग के निदान, भविष्यवाणी और अनुवर्ती कार्रवाई में शियर वेव एलास्टोग्राफी की भूमिका।
51. नेफ्रोटिक सिंड्रोम से पीड़ित रोगियों में उत्तक विज्ञान तथा रोग के पूर्वसूचक कोर्स में घुलनशील यूरोकाइनेज प्लाज्मिनोजेन एक्टिवेटर रिसेप्टर (एसयूपीएआर) तथा यूरीनरी सीडी80 की भूमिका।
52. गर्भावधि मधुमेह वाली माताओं के लिए अवधि और देर से अपरिपक्व नवजात शिशुओं की लघु अवधि परिणाम।
53. दवा प्रतिरोधी मिर्गी वाले बच्चों में नींद की असामान्यताएं और पॉलीसोमनोग्राफिक रूपरेखा।
54. 4 माह से 18 वर्ष के आयु वर्ग के मिर्गी वाले बच्चों के टेलीफोन आधारित अनुवर्तन : अमाने सामने मूल्यांकन की आवश्यकता के लिए महत्वपूर्ण नैदानिक घटनाओं की पहचान करने के लिए विशेषता नर्स और डीएम पीडियाट्रिक न्यूरोलॉजी रेजीडेंट के बीच सटीकता की तुलना।
55. सेरेब्रल पेल्सी वाले बच्चों में बीएमडी पर संरचित वज़न वहन व्यायाम कार्यक्रम का प्रभाव।

56. प्रेडनीसोन, साइटोसाइन एराबिनोसाइड तथा वीसीआर का उपयोग करके आवर्ती एलसीएच वाले बच्चों के परिणाम का मूल्यांकन।
57. बी सेल सब–पोपुलेशन्स पर हाइली एक्टिव एंटीरिट्रो–वायरल थेरेपी का प्रभाव तथा एचआईवी–1 संक्रमित बच्चों में उनके सह–स्टीमुलेटरी ग्राही का अध्ययन।
58. म्युटेशन्स व्यापकता पर अध्ययन तथा मायटोकोंड्रियल विकारों वाले भारतीय रोगियों में उत्तकविकृति विज्ञानी, न्यूरोइमेजिंग एवं जैव रासायनिक मेटाबोलिज्म के साथ इसका सह–संबंध।
59. प्रसव पश्चात 24–72 घण्टे की आयु वाले स्वस्थ नवजात का यूरिनरी मेटाबोलिक प्रोफाइल।
60. देर से अपरिपक्व और अवधि नवजात शिशुओं में फोटोथेरेपी के विच्छेदन के लिए कट–ऑफ सिफारिश के निम्न एक मूल्य बनाम दो टीएसबी मूल्यों का उपयोग – एक गैर – न्यूनता परीक्षण।
61. डाउन सिंड्रोम वाले बच्चों में निद्रा विकार श्वसन के निदान में बाल रोग निद्रा प्रश्नावली की उपयोगिता।
62. गंभीर रूप से बीमार बच्चों में गुर्दे की गंभीर चोट के पूर्वानुमान के सुधार हेतु रीनल एंजिना इंडेक्स की वैधता।
63. बाल गहन उपचार एकक में वेंटीलेटर से जुड़ा–निमोनिया : घटनाएं, जोखिम कारक तथा इटियोलॉजिकल एजेंट।

पूर्ण

1. संपूर्ण जीनोम सीजीएच एरे का उपयोग करके इडियोपैथिक एमआर वाले भारतीय बच्चों में जीनोमिक पुनः व्यवस्था का अध्ययन।
2. रीयल टाइम पीसीआर का उपयोग करके इडियोपैथिक मेंटल रिटार्डेशन वाले बच्चों में सबटेलोमेरिक असंतुलन का अध्ययन।
3. डीएसएम 5 मानदण्ड पर आधारित एडीएचडी के लिए एम्स संशोधित आईएनडीटी – एडीएचडी टूल : विकास तथा वैधता।
4. डीएसएम 5 मानदण्ड पर आधारित ऑटिज्म स्पैक्ट्रम विकार हेतु एम्स संशोधित आईएनडीटी – एडीएसडी टूल : विकास तथा वैधता।
5. गंभीर रूप से बीमार मशीनी रूप से संवातित बच्चों में तरल पदार्थ की अधिकता संबंधी मृत्युदर।
6. इडियोपैथिक शॉट स्टेचर हेतु विशेष ध्यान वाले 4 से 16 वर्ष की आयु के बच्चों का नैदानिक तथा जैव रासायनिक लक्षण–वर्णन।
7. मेलिगनेंट मीडियास्टीनल मासिस का क्लीनिको – पैथोलॉजिकल विश्लेषण।
8. मृत जन्म के फीनोटाइपिक लक्षण वर्णन में वर्चुअल तथा परम्परागत शव परीक्षा का तुलनात्मक अध्ययन।
9. टिपिकली डेवलपिंग चिल्ड्रन के साथ ऑटिज्म स्पैक्ट्रम विकारों से पीड़ित बच्चों के मध्य रक्त 25 हाइड्रोक्सी विटामिन डी तथा अन्य सूक्ष्म पोषण स्तरों की तुलना।
10. पहले गैर उत्तेजित दौरे वाले बच्चों में एपिलिप्टि – फॉर्म असामान्यता की पहचान में जल्दी बनाम देर से ईईजी की तुलना : एक देशांतरीय अध्ययन।
11. पेरेनचायमल न्यूरोसिस्टीसरकोसिस के साथ लिजन्स लोड 5 के बराबर या इससे कम वाले रोगियों में 7 दिन बनाम 28 दिन एल्बेंडाजोल उपचार के साथ स्टेरॉइड के विकिरण विज्ञानी परिणामों की तुलना : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
12. देर से अपरिपक्व और अवधि नवजात शिशुओं में कोर्ड क्लैम्पिंग में देरी के साथ गर्भनाल मिल्किंग की तुलना : यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।

13. अतिरिक्त हेपेटिक पोर्टल वेन ऑब्स्ट्रेक्शन वाले रोगियों में पोर्टल दबाव और सीरम नाइट्रिक ऑक्साइड के साथ हेपेटिक अर्टेरी प्रतिरोधक सूचकांक का सह–संबंध।
14. 0 से 18 वर्ष की आयु के बच्चों में एपिलेप्सी तथा न्यूरोमोटर इम्पेयरमेंट्स के एम्स संशोधित इन्क्लेन नैदानिक यंत्रों का विकास तथा वैधता।
15. स्टेरॉयड निर्भर नेफ्रोटिक सिंड्रोम वाले रोगियों में लिम्फोसाइट सब्सेट्स तथा यूरिनरी सीडी80 निष्कर्षण पर रिटुक्सिमेब का प्रभाव।
16. किशोरों में अस्थि स्वास्थ्य पर कुल शरीर वसा तथा इसके क्षेत्रीय वितरण का प्रभाव।
17. वेलप्रोएट मोनोथेरेपी के 6 माह पर नवीन रूप से नैदानिक एपिलेटसी वाले 3 से 14 वर्ष की आयु वाले बच्चों तथा किशोंरों में सीरम विटामिन डी स्तर तथा बोन मिनरल सघनता पर प्रभाव : एक अग्रदर्शी अध्ययन।
18. सिंगल कैल्सिफाइड न्यूरोसिस्टीसरकोसिस लेसन वाले बच्चों में इलेक्ट्रोएंसेफ्लोग्राफिक अपसामान्यताएं : एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन।
19. भारतीय शिशुओं (डीएएसआईआई) हेतु मानक संदर्भित जांच विकास निर्धारण पैमाने की तुलना में देरी से विकसित ''जोखिम पर'' 1 माह से 2 वर्ष की आयु वाले शिशुओं तथा बच्चों में तंत्रिकाविकासात्मक जांच के रूप में आयु तथा अवस्था प्रश्नावली 3 (एएसक्यू3) की भारतीय ग्राह्यता तथा वैधता।
20. जन्मजात अधिवृक्क हाइपरप्लासिया वाले बच्चे के अभिभावकों में ज्ञान, तनाव और कॉपिंग।
21. असामयिक के रेटिनोपैथी (आरओपी) के लिए लेजर उपचार के दौरान दर्द प्रबंधन के लिए फेंटेयल इंफ्यूजन बनाम मौखिक डेक्सट्रोज की कम खुराक – एक खुला लेबल यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
22. एक्टोडर्मल डिसप्लेसिया वाले भारतीय रोगियों में आण्विक आनुवंशिक अध्ययन।
23. बर–बार पुनरावर्तन स्टेरॉयड निर्भर निफ्रोटिन सिंड्रोम से पीड़ित रोगियों में वैकल्पिक दिनों पर मानक उपचार *बनाम* लो डोज प्रेडनिसोलोन वाली दैनिक उपचार की प्रभावक्षमता तथा सुरक्षा की तुलना हेतु यादृच्छिक ओपन लेबल्ड नियंत्रित परीक्षण।
24. हेमिपेरिटिक सेरिब्रल पालसी वाले बच्चों में संशोधित कंसट्रेंट प्रेरित गतिविधि उपचार का आंतरिक क्रियाविधि प्रदान करना – एक कार्यात्मक चुम्बकीय अनुनाद इमेजिंग आधारित अध्ययन।
25. अपरिपक्व लगभग 32 सप्ताह के गर्भ के सहज नवजात शिशओं के परिणामों में सुधार करने के लिए सुनहरे समय बंडल के कार्यान्वयन पर गुणवत्ता की पहल।
26. स्टेरॉइड प्रतिरोधी नेफ्रोटिक सिंड्रोम वाले रोगियों में घटाव को बनाए रखने में मायकोफेनोलेट मोफिटेल तथा टेक्रोलाइमस की प्रभावकता तथा सुरक्षा की तुलना हेतु यादृच्छिक ओपन लेबल्ड नियंत्रित परीक्षण।
27. बीपीडी वाले अपरिपक्व नवजात शिशुओं (32 सप्ताह से कम) की श्वसन रुग्णता, विकास और तंत्रिका विकासात्मक परीणाम : एक भावी कोहोर्ट अध्ययन।
28. लंबे समय तक एंटीबायोटिक चिकित्सा पर नवजात शिशुओं में रोगनिरोधी विटामिन के की भूमिका – एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
29. नवजात / शिशु कोलेस्टीटिक यकृत रोग के निदान, भविष्यवाणी और अनुवर्ती कार्रवाई में शियर वेव एलास्टोग्राफी की भूमिका।
30. गर्भावधि मधुमेह वाली माताओं के लिए अवधि और देर से अपरिपक्व नवजात शिशुओं की लघु अवधि के परिणाम।
31. मोबाइल फोन के उपयोग से संबंधित व्यक्तिगत स्वास्थ्य देखभाल के मोबाइल फोन, रिपोर्ट व्यवहार और हाथ स्वच्छता प्रथाओं के माइक्रोबियल संदूषण की निगरानी : एक संभावित पर्यवेक्षणीय अध्ययन।

32. भारत में तृतीयक देखभाल अस्पताल में अस्पताल में भर्ती बच्चों में दर्द के स्रोतों, तीव्रता और प्रबंधन कार्यनीति का सर्वेक्षण।
33. 5 वर्ष से कम आयु के ड्यूचेन मांसपेशी डायस्ट्रोफी (डीएमडी) (देखभाल चिकित्सा के मानक पर) वाले बच्चों के टेलीफोन आधारित अनुवर्ती कार्रवाई : यह आमने सामने के परामर्श की आवश्यकता की महत्वपूर्ण नैदानिक घटनाओं की पहचान के लिए कैसे सटीक है?
34. प्रसव पश्चात 24 – 72 घण्टे की आयु वाले स्वस्थ नवजात का यूरिनरी मेटाबोलिक प्रोफाइल।
35. देर से अपरिपक्व और अवधि नवजात शिशुओं में फोटोथेरेपी के विच्छेदन के लिए कट ऑफ सिफारिश के निम्न एक मूल्य बनाम दो टीएसबी मूल्यों का उपयोग – एक गैर – न्यूनता परीक्षण।
36. डाउन सिंड्रोम वाले बच्चों में सांस लेने में अव्यवस्थित नींद के निदान में बाल चिकित्सा नींद प्रश्नावली की उपयोगिता।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. एशियाई भारतीय व्यक्तियों में मातृ एवं नवजात शिशु के लिए विटामिन डी की स्थिति पर विटामिन डी की पूरकता के प्रभावों की जांच करने के लिए एक यादृच्छिक डबल ब्लाइंड नियंत्रित परीक्षण (अंतःस्राविकी एवं चयापचय)।
2. आई सी एम आर यंग डायबिटिक्स रजिस्ट्री (अंतःस्राविकी एवं चयापचय)।
3. टाइफोडल साल्मोनेला के विरुद्ध वैकल्पिक एंटी माइक्रोबाइल कारक पर अध्ययन (सूक्ष्म जैव विज्ञान)।
4. इम्युनोकम्प्रोमाईज्ड रोगियों में एस्पेरिगिलोसिस : महामारी विज्ञान और नशीली दवाओं के प्रतिरोध (सूक्ष्म जैव विज्ञान)।
5. बाल यौन शोषण : एक बहुआयामी पैमाने और मनोवैज्ञानिक आघात हस्तक्षेप का विकास (मनोरोग)।
6. प्रोबायोटिक हस्तक्षेप के लिए ऑटिस्टिक बनाम सामान्य बच्चों में प्रीडोमिनेंट गट माइक्रो फ्लोरा और उनके चयापचयों का तुलनात्मक विश्लेषण (डेयरी माइक्रोबायोलॉजी, नेशनल डेयरी रिसर्च इंस्टीट्यूट करनाल)।
7. सीलियक रोग के निदान में द्वितीय पीढ़ी के मानव ऊतक ट्रांसग्लूटेमिनेस आमापन में व्यावसायिक रूप से उपलब्ध नैदानिक सटीकता की तुलना (जठरांत्र रोग विज्ञान)।
8. डीएसएम – 5 द्वारा ऑटिज्म निदान के 6–9 वर्ष के आयु वर्ग के बच्चों की अतिसक्रियता पर निहित भारित संपीड़न का प्रभाव (आईआईटी दिल्ली)।
9. देखभालकर्ताओं की जानकारी को बढ़ाने में कंनवुलशन हेतु प्राथमिक सहायता पर संरचनात्मक शैक्षिक कार्यक्रम की प्रभावक्षमता (नर्सिंग महाविद्यालय)
10. एपिडर्मोलिसिस बुल्लोसा (त्वचा रोग विज्ञान)
11. प्रगति रेटिनोबलास्टोमा में मल्टीनोडल उपचार मोडेलिटीज की सुरक्षा तथा प्रभावकता का मूल्यांकन (नेत्र रोग विज्ञान)।
12. बाल चिकित्सा रोगियों से सबटाइप – सी एचआईवी – 1 के एनवलप ग्लाइकोप्रोटीन के खिलाफ मानव पुनः संयोजक एकल श्रृंखला संस्करण फ्रेग्मेंट (एससीएफवी) का उत्पादन और लाक्षणीकरण (जैव रसायन विज्ञान)।
13. गोनेडल डायजेनेसिस और 46, एक्सवाई कैरियोटाइप वाले भारतीय रोगियों में आनुवंशिकी उत्परिवर्तन (अंतःस्राविकी एवं चयापचय)।

14. एपिलेप्सी वाले बच्चों में जीवन की गुणवत्ता सबंधी स्वास्थ्य; चाइल्ड एण्ड पेरेंटल परसेप्शन्स, नॉलेज एण्ड एटीट्यूड, नर्सिंग।
15. भारत में बच्चों में एचआईवी 1 संक्रमण का प्रतिरक्षा विज्ञानी लक्षण–वर्णन (जैव रसायन विभाग)।
16. विषाणुजनित के आच्छादन के विरुद्ध मानव मोनोक्लोनल ऐंटीबॉडिज़ की उत्पत्ति एवं बाल एच आई वी–1 संक्रमण का प्रतिरक्षा रोगजनन, जैव रसायन विभाग, (पीएचडी थीसिस)।
17. मातृ, नवजात शिशु और शिशु विज्ञान के लिए अंतर – संस्थागत कार्यक्रम, टीएचएसटीआई, फरीदाबाद।
18. इम्यून सप्रैस्ड बच्चों में आक्रामक एसपरजिलोसिस : निदान तथा रोग का निदान।
19. बहु–केंद्रित गुणवत्ता सुधार परियोजना का पर्यवेक्षण : पीडियाट्रिक आईसीयू और पीडियाट्रिक ईडी में ट्रेकियल इंट्यूबेशन अभ्यास की सुरक्षा और गुणवत्ता में सुधार, एनआईसीयूएस चिल्ड्रिन हॉस्पीटल ऑफ फिलडेलफिया, यूएसए एंड पीएएलआईएसआई समूह।
20. बाल ओंकोलॉजी रोगियों में फेब्राइल न्यूट्रोपेनिया हेतु मार्कर्स का पैनल, सूक्ष्म जैव विज्ञान, जैव सांख्यिकी।
21. गंभीर रूप से बीमार बच्चों में प्लेटलेट ट्रांसफ्यूजन के प्वाइंट व्याप्तता, पी3 टी जांचकर्ता, वेइल कॉर्नेल मेडिसिन, यूएसए और पीएएलआईएसआई समूह।
22. पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस) और चिकित्सीय तौर तरीकों के लिए उनकी प्रतिक्रिया के साथ भारतीय महिलाओं में व्याप्तता, क्षेत्रीय फीनोटाइपिक भिन्नता, कॉर्मोबिडिटीज और जोखिम कारक : भारत भर में एक बहुत केंद्रित अध्ययन, अंतःस्राविकी एवं चयापचय विभाग, एम्स – टीएचएसटीआई ग्लू अनुदान योजना, टीएचएसटीआई, फरीदाबाद।
23. इनवेसिव कवक संक्रमण के निदान के लिए वास्तविक समय पीसीआर अमापन, सूक्ष्म जीव विज्ञान।
24. नेफ्रोटिक सिंड्रोम पर अनुसंधान, यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिस्टोल, ब्रिस्टोल, यूके, यूनिवर्सिटी ऑफ मिशिगन मेडि. कल स्कूल, एन अर्बोर, एमआई, यूएसए।
25. अस्वीकृत कॉर्नियल एलोग्राफ्ट में एशियाई भारतीयों में थ्रोम्बोस्पोंडिन – 1 बहुरूपताओं का अध्ययन, डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र
26. बाल टी–एएलएलएस में नॉच सिरिंज्स की भूमिका।
27. गुमनाम स्वस्थ रक्त बैंक दाताओं में डेंगू / चिकनगुनिया वायरस के खिलाफ त्रिदोषन और सेल की मध्यस्थता प्रतिरक्षा स्मृति को चिन्हित करना और मूल्यांकन करना कि क्या डेंगू / चिकनगुनिया वायरस, आईसीजीईबी, नई दिल्ली के खिलाफ प्रतिरक्षा स्मृति के साथ सख्ती से सह–मौजूद सेल मध्यस्थता प्रतिरक्षा स्मृति है।
28. नॉच इंटरेक्टर्स के रूप में 5 प्रतिलेखन कारकों की पहचान के सह–अभिव्यक्ति का अध्ययन करने द्वारा बाल चिकित्सा तीव्र लिम्फोब्लासटिक ल्यूकेमिया (एएलएल) रोगियों में नॉच सहक्रियाओं की पहचान, टीएचएसटीआई, कैंसर विज्ञान प्रयोगशाला (एम्स), बाल रोग, जैव सांख्यिकी।
29. अस्पताल में भर्ती नवजात शिशुओं में रोग जीव विज्ञान और बैक्टीरिया पूति के निदान को समझना : एक बहु केंद्रित अध्ययन, टीएचएसटीआई, फरीदाबाद और एनसीबीएस, बेंगलुरू।

पूर्ण

1. एंटी – फेक्टर एच ऑटोएंटीबॉडी एसोसिएटिड हिमोलाइटिक यूरिमिक सिंड्रोम, लेबोरेट्री इम्युनोलॉजी, हॉस्पीटल यूरोपीयन जॉर्जिस पोमपिडू, आईएनएसईआरएम यूएमआरएस 872, पेरिस फ्रांस।
2. नवजात स्वास्थ्य में आधुनिक अनुसंधान केन्द्र, बाल रोग और सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग, सफदरगंज अस्पताल, मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, और चाचा नेहरू बाल चिकित्सालय, दिल्ली।

3. सेरिब्रल पाल्सी वाले बच्चों में पोलिमोर्फिज्म प्रभावित लीड तथा मर्करी के आवर्तन का मूल्यांकन, भेषजगुण विज्ञान।
4. हीमोलेटिक यूरेमिक सिंड्रोम में एंटी–कम्प्लीमेंट फेक्टर एच ऑटोएंटीबॉडीज का कार्यात्मक लक्षण–वर्णन एवं आनुवंशिक आधार, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्युनोलॉजी, नई दिल्ली।
5. हरियाणा, भारत में दो जिलों के प्राथमिक उपचार केन्द्रों में बच्चे का जन्म तथा नवजात उपचार की गुणवत्ता में सुधार, बाल रोग विज्ञान विभाग, गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, चंडीगढ़ और एसडब्ल्यूएसीएच, हरियाणा।
6. एक्स्ट्राओकुलर रेटिनोब्लास्टोम के परिणाम : बहुविध प्रबंधन, नेत्र विज्ञान।
7. अधिभार तथा मोटे बच्चों में मनोविकृति विज्ञान तथा शारीरिक आकार संबंधी, मनोचिकित्सा।
8. परम्परागत इक्थियोसिस वाले रोगियों में विटामिन डी संपूरक की भूमिका, त्वचा रोग विज्ञान।
9. फेब्राइल न्यूट्रोपेनिक एपिसोड्स में प्रिवेलिंग ओर्गेनिज्म प्रोफाइल तथा एंटीमाइक्रोबायल संवेदनशीलता को निर्धारित करना, सूक्ष्म जीव विज्ञान।
10. हमारे केंद्र में 1–14 वर्ष की आयु वाले बाल अर्बुद–विज्ञानी रोगियों में फेब्राइल न्यूरोजेनिक एपिसोड में गंभीर बैक्टीरियल संक्रमण की पूर्वसूचना के मूल्यांकन प्रोफाइल का निर्धारण, सूक्ष्म जीव विज्ञान।

प्रकाशन

पत्रिका : 155 सार : 17 पुस्तकों में अध्याय : 34 पुस्तक : 10

रोगी उपचार

बहिरंग रोगी सेवाएं

विभाग द्वारा दैनिक रूप से बाल चिकित्सा ओपीडी में सामान्य ओपीडी सेवाएं दी जाती हैं। इस वर्ष के दौरान लगभग 1.87 लाख बहिरंग रोगी परामर्श दिए गए जिसमें पिछले वर्ष से लगभग 60 प्रतिशत वृद्धि हुई है। विभाग द्वारा 15 अति विशिष्टता क्लीनिक चलाए जा रहे हैं।

सेवा का नाम	नए रोगी	पुराने रोगी	कुल उपस्थिति
बाल रोग सामान्य ओपीडी	38188 + 1267 (ईएचएस)	62719	102174
बाल रोग तंत्रिका विज्ञान क्लीनिक	938	2815	3753
बाल रोग मायोपेथी क्लीनिक	332	1222	1554
बाल रोग जठरांत्र विज्ञान हिपाटोलॉजी एवं पोषण (पीजीसी)	459	1771	2230
बाल रोग स्वस्थ शिशु क्लीनिक	709	36	745
बाल रोग उच्च जोखिम नवजात विज्ञान क्लीनिक (एचआरसी)	679	2674	3353
बाल रोग वृक्क विज्ञान क्लीनिक (आरएमसी)	464	6776	7040
बाल रोग चेस्ट क्लीनिक (पीसीसी)	516	5767	6282

बाल रोग तपेदिक क्लीनिक	319	2546	2865
बाल रोग रुमेटोलॉजी क्लीनिक	294	1651	1860
बाल रोग आनुवंशिकी एवं जन्म दोष क्लीनिक	2991	1131	4122
बाल चिकित्सा अर्बुद विज्ञान क्लीनिक	49	1995	2044
बाल रोग कैंसर उत्तरजीविता क्लीनिक	177	1098	1275
बाल रोग अंतःस्रावी एवं चयापचय क्लीनिक (पीईसी)	458	1448	1906
बाल विकास क्लीनिक (सीडीसी)	737	1195	1932
न्यूरोसिस्टिसर्कोसिस क्लीनिक (एनसीसी)	368	1699	2057
ऑटिज्म क्लीनिक	295	90	385
बाल मनोविज्ञान ओपीडी	2250	2388	4638
महायोग	50223	137209	187432

इसके अतिरिक्त, बाल चिकित्सा चेस्ट क्लीनिक में सिस्टिक फिब्रोसिस तथा बाल चिकित्सा एचआईवी सेवाएं भी प्रदान की गई। कंगारू मदर केयर यूनिट, सामान्य तथा नवजात में जोखिम फॉलो–अप सेवाएं।

भौतिक चिकित्सा सेवाएं तंत्रिका विज्ञान क्लीनिक, मायोपैथी क्लीनिक, आनुवंशिक क्लीनिक, उच्च जोखिम, इंडो विकास क्लीनिक, बाल चिकित्सा चेस्ट क्लीनिक, रुमेटोलॉजी क्लीनिक में रोगियों को सेवाएं तथा ओ.पी.डी. सेवाएं प्रदान की गई। कुल फिजियोथेरेपी सत्र प्रदान किए गए : 11,964.

आंतरिक सेवाएं

- अंतरंग सेवाओं में सामान्य वार्ड में भर्ती सुविधाएं, दिवस उपचार सुविधा, नवजात एकक (एनआईसीयूएस ए तथा बी), कंगारू मदर केयर एकक एवं बाल गहन उपचार सुविधा सम्मिलित है।
- विभाग में 8 बिस्तर वाली उच्च निर्भरता इकाई का संचालन बच्चों के वार्ड में किया जाता है जो बाल रोगियों को जीवन समर्थन तथा अन्य विशेष जरूरतें पूरी करता है। एचडीयू की नर्सों के लिए एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- सी 5 वार्ड में स्थित दिवस उपचार में अल्प प्रक्रियाओं अथवा जांचों के लिए आवश्यकता वाले बच्चों को भर्ती किया गया।

कुल आंतरिक भर्ती

बाल चिकित्सा वार्ड में लंबे समय तक भर्ती : 2747 दिवस उपचार सुविधा में भर्ती : 13526

पीआईसीयू में भर्ती रोगी : 286 एनआईसीयू ए + बी में भर्ती रोगी : 620

प्रयोगशाला सेवाएं

विभाग की विभिन्न प्रयोगशालाओं द्वारा 50 से अधिक विशिष्ट नैदानिक जांचें करायी जाती है – जिनमें अनेक दुर्लभ विकारों के लिए हैं जोकि देश में आसानी से उपलबध नहीं हैं।

केन्द्रीय प्रयोगशाला

एंडोमायसियम एंटीबॉडी (ईएमए)	1087	टिशू ट्रांसग्लुटेमिनेस (टी टी जी एलिसा)	334
नाइट्रो ब्ल्यू टेट्राज़ोलियम (एनबीटी)	13	सीआरपी एलिसा	160
आईएल–6 एलिसा	160	सीडी–80 एलिसा	160
एसएमएसी (सी5बी–9) एलिसा	82	सीएफआई एलिसा	164
सीआईसी एलिसा	280	शीप आरबीसी लायसिस अमापन	150
सीडी–46 एलिसा	40	एंजियोपॉइटिन लाइक प्रोटीन – 3 एलिसा	80
एंजियोपॉइटिन लाइक प्रोटीन – 4 एलिसा	80	एसयूपीएआर (एलिसा)	80

एंटी आईजीजी बीड्स अमापन (मुक्त फैक्टर एच आकलन के लिए) 25

आहारविद

1) पोषण पर्चों के लिए संदर्भित बाह्य रोगियों की कुल संख्या
   नए रोगी : 3127 पुराने रोगी : 880 महायोग : 4007

2) कुल आंतरिक रोगी ने विशेष सलाहकार के माध्यम से भाग लिया, विस्तृत परामर्श = 2011

अंतः स्राविकी विज्ञान

एच बी ए 1 सी	500	यूरिन माइक्रो एल्बुमिन	200
ग्रोथ हार्मोन एलिसा	200	17 – ओएच प्रोग्रेस्ट्रोन एलिसा	200
ग्रोथ हार्मोन	600	25 हाइड्रोक्सिविटामिन डी	200
पीटीएच	100	फ्री टी3	100
फ्री टी4	100	कोर्टिसोल	400
इंसुलिन	200		

जठरांत्र विज्ञान

ऊपरी जठरांत्र इण्डोस्कॉपी	1022	कोलोनोस्कॉपी	39
लीवर बायोप्सी	7		

आनुवंशिकी

साइटोजेनेटिक प्रयोगशाला

क्र. सं.	जांच	रोगियों की संख्या
1.	एम्नियोटिक फ्लुइड कल्चर	292
2.	कोरियोनिक विली कल्चर	21
3.	पेरिफेरल ब्लड कल्चर	607
4.	कॉर्ड ब्लड कल्चर	14

5.	क्यूएफ – पीसीआर (नवंबर, 2015 – मार्च 2016)	121

<u>आण्विक प्रयोगशाला</u>

1.	बीटा थैलासीमिया (बी थेल) म्युटेशन्स विश्लेषण	225 परिवारों में
	बी थैल हेतु प्रिनेटल निदान	102 परिवारों में
	एक्सएमएनआई पोलीमोर्फिज्म	20
2.	स्पाइनल मस्कुलर एट्रॉफी (एसएमए) म्युटेशन विश्लेषण	175 मामलों में
	एसएमए हेतु प्रिनेटल निदान	25 परिवारों में
3.	एलबिनिज्म म्युटेशन विश्लेषण	10 मामलों में
	डयूशेन मस्कुलर डिस्ट्रॉफी (डीएमडी) म्युटेशन विश्लेषण	462 परिवारों में
	डीएमडी हेतु प्रिनेटल निदान	21 परिवारों में
4.	हिमोफिलिया ए लिंकेज विश्लेषण	14 परिवारों में
	हीमोफिलिया हेतु प्रिनेटल निदान	2 परिवारों में
5.	फ्रेगाइल एक्स स्क्रीनिंग	316 परिवारों में
	फ्रेगाइल एक्स हेतु प्रिनेटल निदान	1 परिवार
6.	सिस्टिक फिब्रोसिस मोलिकुलर विश्लेषण	165 मामलों में
	सिस्टिक फिब्रोसिस हेतु प्रिनेटल निदान	4 परिवारों में
7.	एकोन्ड्रोप्लेशिया म्युटेशन विश्लेषण	24 मामलों में
	एकोन्ड्रोप्लेशिया हेतु प्रिनेटल निदान	2 परिवारों में
8.	नॉन सिंड्रोमिक हियरिंग लॉस (कनेक्शिन 26) स्क्रीनिंग	31 मामलों में
	कनेक्शिन 26 हेतु प्रिनेटल निदान	4 परिवारों में
9.	असामान्यताओं से संबंधित सेक्स क्रॉमेटिन	56 मामलों में

अनुसंधान आधार पर की गई जांचें :

1.	इचथ्योसिस वुल्गैरिस म्युटेशन विश्लेषण	10 परिवारों में
2.	ग्लूटेरिक एसिडिमिया टाइप 1 म्युटेशन विश्लेषण	7 परिवारों में
	ग्लूटेरिक एसिडिमिया टाइप 1 हेतु प्रिनेटल निदान	2 परिवारों में
3.	मिथाइलमेलोनिक एसिडिमिया (एमएमए) म्युटेशन विश्लेषण	2 परिवारों में
	ग्लूटेरिक एसिडिमिया टाइप 1 हेतु प्रिनेटल निदान	1 परिवार
4.	बायोटिनिडेज डेफीशेंसी म्युटेशन विश्लेषण	9 परिवारों में
5.	स्मॉल माइक्रो डिथ्लशन सिंड्रोम्स हेतु स्क्रीनिंग	86 मामलों में
	स्मॉल माइक्रो डिथ्लशन सिंड्रोम्स हेतु प्रिनेटल निदान	2 परिवारों में
6.	मिगालेनसेफलिक ल्यूकोइसेफलोपैथी (एमएलसी) म्युटेशन विश्लेषण	6 मामलों में
7.	गुचर सिंड्रोम म्युटेशन विश्लेषण	2 मामलों में
	गुचर सिंड्रोम हेतु प्रिनेटल निदान	2 परिवारों में
8.	मेटाक्रोमेटिक ल्यूकोडिसट्रॉफी (एमएलडी) म्युटेशन विश्लेषण	5 परिवारों में

	एमएलडी हेतु प्रिनेटल निदान	1 परिवार
1.	क्राब्बे हेतु कॉमन डिथ्लशन (जीएएलसी जीन में 31 केबी)	6 परिवारों में
2.	माइटोकोंड्रियल म्युटेशन विश्लेषण	12 परिवारों में
3.	ट्यूबरस सक्लेरोसिस (टीएससी) म्युटेशन विश्लेषण	35 परिवारों में
4.	टीएससी हेतु प्रिनेटल निदान	2 परिवारों में
5.	एमपीएस 1, 2 और 3 म्युटेशन विश्लेषण	45 मामलों में
6.	एमपीएस हेतु प्रिनेटल निदान	3 परिवारों में
7.	जीएसडी टाइप 1 और 3 म्युटेशन विश्लेषण	13 मामलों में

जैव रसायन प्रयोगशाला

क्र. सं.		विकार	रोगियों की संख्या
1	ट्रिपल मार्कर	एंटीनेटल स्क्रीनिंग	800
	एमएसएएफपी एलॉन		3
	ड्यूल मार्कर टेस्ट		860
2	एमिनो एसिड मेटाबोलिज्म के विकारों हेतु टीएलसी	मेटोबोलिक स्क्रीनिंग	
	यूरिन		89
3	म्यूकोपोली सकेरिडोसिस के विकार (यूरिन स्पॉट परीक्षण)		31
4	होमोसिस्टीइन्यूरिया टेस्ट		24
5	रिड्यूसिंग सबस्टेंस इन यूरिन		176
6	डीएनपीएच		109
7	एफईसीएल3		127
8	यूरिन पोरफायरिया		50
9	ओलिगोसकेरिडेस		33
10	ब्लड एमोनिया		998

चयापचय की जन्मजात के लिए एन्जाइम जांच

एन्जाइम जांच हेतु रोगियों की कुल संख्या : 507

क्र. सं.	एंजाइम अमापन	विकार	रोगियों की संख्या
1	एरिलसेल्फेट ए	मेट मेटक्रोमेटिक – ल्यूकोडिसट्रॉफी	79
2	बीटा – ग्लूकोसाइडेज	गुचर रोग	60
3	अल्फा – आइड्यूरोनाइडेज	हरलर सिंड्रोम (एमपीएस – 1)	41
4	गैलेक्टोज – 6 – सल्फेट सल्फटेज	मोर्कियो ए (एमपीएसआईवीए)	12
5	गेंगलियोसिडोसिस	जीएम1 गेंगलियोसिडोसिस तथा मोकियो बी (एमपीएस 4 बी)	36

6	एरिलसल्फेटेज – बी	एमपीएस–4	3
7	बीटा – ग्लूकोसाइडेज	मेरोटिएक्स – लेमी सिंड्रोम (एमपीएस 7)	6
8	बायोटिनिडेज		86
9	जीएएलटी	गैलेक्टोसेमिया	83
10	हेक्सोसेमिनिडेज ए	टे–सेच	18
11	प्लाज्मा हेक्स – ए	म्यूकोलाइपिडोसिस	9
12	प्लाज्मा – एएसए	म्यूकोलाइपिडोसिस	9
13	सिटोटेरियोसिडेज (प्लाज्मा)		101
14	बी – गैलेक्टोसेरिब्रोसाइडेज (क्राब्बेस)	क्राब्बेस	53
15	पेलमिलोयल – प्रोटीन–थियोएसटिरेज (आईएनसीएल)	आईएनसीएल	23
16	स्फींगो मायलिनेज	नेइमन पिक डिजीज	39
17	अल्फा – ग्लूकोसाइडेज़	पोम्प	16
18	अल्फा – गैलेक्टोसाइड्स	फाबरी	4
19	अल्फा–फ्यूकोसाइडस	फ्यूकोसाइडोसिस	1
20	ए–मैनोसाइडेस	मैनोसाइडोसिस	2
21	अल्फा–एन–एसेटायलग्लूकोसेमिनिडेज	सैंफिलिपो बी (एमपीएस 3 बी)	8
22	एसेटायल – कोएः अल्फा ग्लोकोसेमिनाइड एन – एसेटायलट्रांसफेरस	सैंफिलिपो सी (एमपीएस 3 सी)	8
23	एन –एसेटायलग्लूकोसेमाइन – 6 – सल्फेट सल्फेटेज	सैंफिलिपो डी (एमपीएस 3 डी)	5
विभिन्न लायसोसोमल स्टोरेज विकारों के लिए प्रिनेटल निदान			19
	सीवीएस (एनआईएच)	नॉन – इम्यून हाइड्रोप्स	10
	सीवीएस (एएसए)	मेटाक्रोंटिक्लेयूकोडायस्ट्रोफी	1
	सीवीएस (जीएम1)	जीएम1 गैंग्लियोसाइडोसिस	2
	सीवीएस (एमपीएस –1)	एमपीएस 1	1
	सीवीएस (हेक्स – ए)	हेक्स – ए	1
	सीवीएस (गौचर्स)	गौचर्स रोग	1
	सीवीएस (एमपीएस – 6 ए)	एमपीएस – 6 ए	2
	सीवीएस (आईएनसीएल)	इंफेंटाइल एनसीएल	1

बाल रोग वृक्क विज्ञान

बच्चों में गुर्दा प्रत्यारोपण	10
हीमोडायलेसिस	1462
गंभीर पेरीटोनियल डायलेसिस (ऑटोमेटिड पेरिटोनियल डायलेसिस सहित)	114
निरंतर एम्बुलेटरी पेरीटोनियल डायलेसिस	45

प्लाज्माफेरिसिस सत्र	414
निरंतर गुर्दा पुनःस्थापन उपचार	9
अस्थायी हीमोडायलेसिस कैथेटर प्लेसमेंट (आंतरिक, जुगलर, फेमोरल)	215
रीनल बायोप्सी	169
कंप्लीमेंट फेक्टर एच हेतु एलिसा	185
कंप्लीमेंट फेक्टर एच के एंटीबॉडीज हेतु एलिसा	439
सरफेस सीडी46 अभिव्यक्ति	96
दैनिक देखभाल में इंट्रावेनस इंफ्यूजन	605

तंत्रिका विज्ञान

क्र. सं.	जांच	संख्या
1.	इलेक्ट्रोएंसेफेलोग्राफी ईईजी वीडियो अम्बुलेटरी ईईजी	1724 832 607
2.	तंत्रिका चालन अध्ययन इलेक्ट्रोमायोग्राफी सिम्पैथेटिक स्कीन प्रतिक्रिया (एसएसआर) दोहराव तंत्रिका स्टीमुलेशन अध्ययन आरएनएसटी	367 281 7 13
3.	पॉलीसोमनोग्राफी	61 (21.10.2016 से आरंभ)
4.	ओटोकोयूस्टिक इमिशन	23

प्रक्रियाएं :

क्र. सं.	जांच	संख्या
1.	मांसपेशी बायोप्सी	167
2.	तंत्रिका बायोप्सी	9
3.	त्वचा बायोप्सी	9
4.	सी एस एफ लैक्टेट / एंटी मीसल्स / ऑटो इम्युन	158
5.	ब्लड लैक्टेट	212
6.	नियोस्टीगमाइन चैलेंज टेस्ट	3
7.	फोर आर्म इस्केमिया टेस्ट	1
8.	डायनेमोमेट्री आयोजित हैंड	52

बाल रोग अर्बुद विज्ञान

1.	फ्लोसाइटोमेट्री तीव्र ल्यूकेमिया के रोगियों के लिए किया जाता है	80
2.	तीव्र ल्यूकेमिया के लिए कैरियोटाइपिंग और आण्विक अध्ययन	75
3.	तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया के लिए एमआरडी अनुमान	75
4.	कोएगुलेशन विश्लेषण	75

बाल रोग पल्मोनोलॉजी

1.	स्वेट क्लोराइड अनुमान	560
2.	पीडियाट्रिक फ्लेक्सीबल ब्रोंकोस्कोपी	260
3.	ईबीयूएस (एंडोब्रोंकियल अल्ट्रासाउंड)	13
4.	स्पायरोमेट्री	4021
5.	इंफैंट पीएफटी	273
6.	प्लेथीस्मोग्राफी	10
7.	आईओएस	3126
8.	एफईएनओ और नेसल एनओ	620
9.	कुल और विशिष्ट आईजीई	450
10.	अभ्यास जांच	102

श्री धनेश्वर यादव (एमएसएसओ)

गतिविधि	लाभ प्राप्त करने वाले रोगियों की संख्या (लगभग)
रोगी को सूचना तथा मार्गदर्शन	3510
परामर्श एवं मनो उपचार	1900
रेलवे में रियायत जारी करवाने में सहायता देना	1100
आवास दिलाने में सहायता	250
विभिन्न जांचों में शुल्क में छूट	2700
गरीब रोगियों को वित्तीय सहायता संचालित करना	700
अज्ञात / परित्यक्त बच्चों का पुनर्वास	2
सामाजिक कार्य प्रशिक्षुओं का निरीक्षण	1
गरीब रोगियों की विविध आवश्यकताएं जैसे शवों की उनके पैतृक स्थान पर अंतिम संस्कार की व्यवस्था करना।	5
नई पंजीकरण प्रणाली पर आयोजित प्रतिक्रिया	100 रोगियों की

अन्य सेवाएं

<u>सामुदायिक / सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाएं</u>

डॉ. वंदना जैन

- मीडिया से बातचीत द्वारा 28 जनवरी 2016 को आयोजित *'चाइल्डहुड ऑबेसिटी'*, अनुपालन पर सार्वजनिक व्याख्यान, पैनल चर्चा और प्रदर्शनी।
- *टाइप 1 डायबिटीज एजुकेशन एंड पेशेंट इंटरेक्शन प्रोग्राम्स* 19 मई 2015 और 27 फरवरी 2016 को आयोजित किया गया था।

डॉ. रजनी शर्मा

- टाइप 1 डायबिटीज वाले बच्चों के लिए रोगी शिक्षा कार्यक्रम, 19 सितंबर 2015, एम्स, नई दिल्ली
- टाइप 1 डायबिटीज वाले बच्चों के लिए रोगी शिक्षा कार्यक्रम, 27 फरवरी 2016, एम्स, नई दिल्ली

- चाइल्डहुड ऑबेसिटी : पार्ट ऑफ ऑर्गनाइजेशन एंड पैनल डिसक्शन पर सार्वजनिक व्याख्यान, 28 जनवरी 2016, एम्स, नई दिल्ली
- बच्चों में थायरॉइड रोग पर अखिल भारतीय रेडियो कार्यक्रम (23.7.15 को लाइव कार्यक्रम)
- टाइप 1 डायबिटीज मेलिटस वाले बच्चों के लिए मुफ्त इंसुलिन का प्रावधान।

डॉ. रोहन मलिक
सितंबर 2015 में एसएनएम अस्पताल लेह, लद्दाख में एम्स – अशोका फाउंडेशन कैम्प टीम का भाग।

डॉ. मधुलिका
आनुवंशिकी प्रभाग द्वारा 23 मार्च को डाउन सिंड्रोम हेल्थ रिकॉर्ड फोल्डर (राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत) जारी करने के साथ वर्ल्ड डाउन सिंड्रोम मनाया गया; दूरदर्शन (बधिर, जन्म दोष) पर दो चर्चाएं की गईं।

डॉ. नीरजा गुप्ता
डीडी उर्दू पर रक्तसंबंध और जन्म दोषों पर वार्ता की गई।

डॉ. शैफाली गुलाटी
ऑटिज्म जागरूकता : ''ब्रिंगिंग देम इनटु द मेनस्ट्रीम'' पर सार्वजनिक स्वास्थ्य व्याख्यान और पैनल चर्चा का आयोजन। रोगियों के लिए द्विभाषिक रोगी सूचना पुस्तिका और ऑटिज्म रोगियों के लिए टेलीफोन हेल्पलाइन (9868399037) जारी किए गए थे जिसका शुभारंभ 30 अप्रैल 2015 को श्री लव वर्मा, सचिव, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा किया गया।

डॉ. अरविंद बग्गा
वर्ल्ड किडनी डे के अवसर पर आयोजित 'किडनी डिजीज इन चिल्ड्रन' पर रोगी का नेतृत्व और अभिभावक की शिक्षा और बातचीत (7–12 मार्च 2016)।

डॉ. रचना सेठ
आयोजित विश्व कैंसर दिवस कैंसर जागरूकता सामग्री जारी करने के साथ 4 फरवरी को मनाया गया था; इंटरनेशनल चाइल्डहुड कैंसर डे पर चाइल्डहुड कैंसर (ऑल इंडिया रेडियो) पर वार्ता दी गई, 'टोटल हेल्थ– दिल्ली दूरदर्शन : चाइल्डहुड कैंसर डे में पैनल चर्चा में भाग लिया।

इंटरनेशनल चाइल्डहुड कैंसर डे न्यूट्रिशनल रिहेबिलिटेशन प्रोग्राम के अवसर पर कैंसर से प्रभावित बच्चों के लिए इंडियन कैंसर सोसायटी के साथ कैंसर से प्रभावित बच्चों के लिए हेल्प लाइन (चौबीस घंटे) शुरू की गई थी।

डॉ. एस़. के. काबरा
व्याख्यान : एम्स, नई दिल्ली में 23.9.2015 को बच्चों में डेंगू बुखार पर सार्वजनिक व्याख्यान आयोजित; 'वायु प्रदूषण पर : अपने स्वास्थ्य की रक्षा कैसे करें' पर सार्वजनिक व्याख्यान एम्स में 22.12.2015 को आयोजित; बचपन में टीबी पर सार्वजनिक व्याख्यान एम्स में 17.3.2016 को आयोजित, जोड़ों के दर्द से अपने आप को कैसे बचाएं : रोकथाम और उपचार 23.3.2016.

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां

प्रोफेसर विनोद पॉल को डब्ल्यूएचओ, भारत और विज्ञान अकादमी की अध्येतावृत्ति (एफएएससी) द्वारा सार्वजनिक स्वास्थ्य चैंपियन पुरस्कार से सम्मानित किया गया था; दुनिया भर में महिलाओं, बच्चों और किशोरों के स्वास्थ्य के लिए वैश्विक कार्यनीति के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए संयुक्त राष्ट्र महासचिव द्वारा प्रतिष्ठित निर्भरता जवाबदेही पैनल के सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया; स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्ल्यू) के बाल स्वास्थ्य पर तकनीकी संसाधन समूह के अध्यक्ष और नवजात सेवा कार्य समूह के सह–अध्यक्ष कायम है; एमओएचएफडब्ल्यू के निम्नलिखित समितियों के सदस्य : टीकाकरण पर राष्ट्रीय तकनीकी सलाहकार समूह (एनटीएजीआई), केंद्रीय पर्यवेक्षण बोर्ड (पीसी एंड पीएनडीटी एक्ट), टीकों पर नई औषध सलाहकार समिति (एनडीएसी), सीडीएससीओ, डीसीजीआई; नेशनल न्यूट्रिशन मिशन और द नेशनल शेडो कोडेक्स कमिटी (महिला एवं बाल विकास विभाग) पर कोर समूह के सदस्य; स्वास्थ्य, हिमाचल प्रदेश पर राज्य आयोग के सह–अध्यक्ष, स्थायी चयन और शैक्षिक समितियों के अध्यक्ष और एम्स के संस्थान निकाय के सदस्य और प्रबंधन बोर्ड, बाबा फरीद यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज, फरीदकोट (पंजाब) के सदस्य; बाल स्वास्थ्य कार्यनीति, पंजाब सरकार की समिति के सदस्य और सदस्य, स्वास्थ्य पर कार्य बल, पंजाब शासन सुधार आयोग, पंजाब सरकार; अध्यक्ष : क. मातृ एवं बाल स्वास्थ्य पर रोग समूह के आईसीएमआर – पीएचएफआई इंडिया ग्लोबल बर्डन, ख. बाइरैक/डीबीटी के सोशल इनोवेशन प्रोग्राम फॉर एफोर्डेबल एंड रिलेवेंट टू सोशल हेल्थ (स्पर्श) के एसटीएजी और ग. नवजात स्वास्थ्य में इमोलेंट पर डब्ल्यूएचओ/बीएमजीएफ अध्ययन; आईसीएमआर वैज्ञानिक सलाहकार समूह के सदस्य क. संचारी रोग, ख. जोधपुर में डेजर्ट मेडिसिन रिसर्च सेंटर, ग. मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा मिड–डे मील कार्यक्रम पर समिति के अध्यक्ष; देश में स्कूली बच्चों के लिए ऊर्जा और खाद्य पदार्थ के लिए राष्ट्रीय निर्देशों में संशोधन को चलाया; राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केंद्र के कार्यकारी बोर्ड के सदस्य; लाल बहादुर प्रशासन अकादमी, मसूरी में अतिथि संकाय; प्रत्येक नवजात कार्य योजना, संपादकीय बोर्ड, बायोमेड सेंट्रल, मातृ स्वास्थ्य, नियोनेटोलॉजी और पेरिनेटोलॉजी, वैज्ञानिक सलाहकार समूह, हार्वर्ड – बीएमजीएफ – डब्ल्यूएचओ बेहतर जन्म कार्यक्रम अध्ययन और सभी के लिए स्वास्थ्य पर नेटवर्क विषयगत समूह के वैश्विक सतत विकास समाधान पर वैश्विक संचालन समिति के सदस्य; डब्ल्यूएचओ दक्षिण पूर्व एशिया क्षेत्र के लिए मातृ एवं बाल स्वास्थ्य पर तकनीकी सलाहकार समूह के अध्यक्ष; क्षेत्रीय निदेशक के तकनीकी सलाहकार समिति, डब्ल्यूएचओ एसईएआर के सदस्य; विशेषज्ञ बैठकों के लिए डब्ल्यूएचओ मुख्यालय के अस्थायी सलाहकार : मातृ एवं नवजात शिशु स्वास्थ्य देखभाल की गुणवत्ता; नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूट्रिशन में श्रीकांतिया मेमोरियल व्याख्यान प्रदान किया और डीडी नेशनल, बीबीसी और डीडी न्यूज पर स्वास्थ्य पर कई शो को दिखाया।

डॉ. वंदना जैन ने जनवरी 2016 में केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन एजेंसी, भारत सरकार के लिए घरों (अनाथालयों) में भर्ती कराए गए बच्चों के लिए मानकीकृत चिकित्स जांचों पर दिशा–निर्देशों की तैयारी में भाग लिया। ये दिशा–निर्देश देश भर में कार्यान्वित किया जाएगा। उन्होंने एम्स प्रतिनिधि के रूप में और महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार के तहत केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन एजेंसी (कारा), एक स्वायत्त निकाय के अध्यक्ष के रूप में सेवा दी। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के 'चीनी, नमक और वसा पर विशेषज्ञ समूह' के सदस्य। भारतीय वयस्कों और बच्चों के लिए और इनमें कटौती के लिए सिफारिशों द्वारा चीनी, नमक और वसा की वर्तमान खपत पैटर्न पर एक रिपोर्ट तैयार की। वह नवंबर, 2015 में आयोजित प्रतिष्ठित आईएसपीएई – पीडियाट्रिक एंडोक्राइनोलॉजी ट्रेनिंग (पीईटी) पाठ्यक्रम के चौथे संस्करण के लिए संकाय थीं। डॉ. जैन 'गाइडलाइन्स ऑन मैनेजमेंट ऑफ डायबिटीज इन प्रीस्कूलर्स' के लिए इंट.

रनेशनल सोसायटी फॉर पीडियाट्रिक एंड एडोलसेंट डायबिटीज (आईएसपीएडी) के लेखन समिति की सदस्य है। उन्होंने इंटरनेशनल सोसायटी फॉर पीडियाट्रिक एंड एडोलसेंट डायबिटीज (आईएसपीएडी) और ऑस्ट्रेलियन पीडियाट्रिक एंडोक्राइन ग्रुप (एपीईजी), 2015 के लिए सार समीक्षा समिति पर सेवा दी। वह इंडियन सोसायटी फॉर पीडियाट्रिक एंड एडोलसेंट एंडोक्राइनोलॉजी (आईएसपीएई), 2015 की द्विवार्षिक बैठक की वैज्ञानिक समिति की सदस्य थीं।

डॉ. रजनी शर्मा को रॉयल कॉलेज ऑफ पीडियाट्रिकस एंड चाइल्ड हेल्थ इन पीडियाट्रिक एंडोक्राइनोलॉजी, लंदन, 2015 के अशोक नथवानी अतिथि अध्येतावृत्ति से सम्मानित किया गया था। वह अंतरराष्ट्रीय संस्था (यूरोपीयन सोसायटी ऑफ पीडियाट्रिक एंडोक्राइनोलॉजी) के सहयोग से इंडियन सोसायटी ऑफ पीडियाट्रिक एंड एडोलसेंट एंडोक्राइनोलॉजी (आईएसपीएई) के तहत बाल चिकित्सा अंतःस्रावी प्रशिक्षण कार्यक्रम के संकाय सदस्य थीं। पीडियाट्रिक एंडोक्राइनोलॉजी पर स्नातकोत्तर प्रश्नोत्तर का आयोजन और इसका संचालन। वह इंडियन सोसायटी ऑफ पीडियाट्रिक एंड एडोलसेंट एंडोक्राइनोलॉजी (आईएसपीएई) के परिषद सदस्य और आईएसपीएई (कैपन्यूज) के ऑनलाइन पत्रिका के संपादकीय सदस्य है।

आचार्य मधुलिका काबरा ने चेन्नई में 4 मार्च 2016 को 41वें आईएसएचजी बैठक के दौरान इंडियन सोसायटी ऑफ ह्यूमन जेनेटिक्स, डॉ. आईसी वर्मा लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार प्राप्त किया। वह डीबीटी – डीएनबी मेडिकल जेनेटिक्स कार्यक्रम के लिए निगरानी समिति के अध्यक्ष हैं। वह भारत सरकार द्वारा ''रेयर डिसऑर्डर्स'' पर उप समिति के सदस्य और दिल्ली सरकार द्वारा गठित ''रेयर डिजीज'' समिति के सदस्य हैं।

आचार्य ए. के. देवरारी असामयिक के रेटिनोपैथी पर भारत सरकार कार्य दल के लिए कार्यक्रम सह–निदेशक है; 2015–18 नवजात स्वास्थ्य, भारत सरकार, 2014–17 पर राष्ट्रीय तकनीकी सलाहकार समूह के सदस्य; मेट्रिक्स ग्रुप लंदन स्कूल ट्रॉपिकल मेडिसिन एंड हाइजीन और डब्ल्यूएचओ के प्रत्येक नवजात कार्य योजना के सदस्य, 2015–16; नवजात में मानक उपचार दिशानिर्देशों को तैयार करने के लिए एनएसएचआरसी के सदस्य, 2015–16.

डॉ. रमेश अग्रवाल को भ्रूण और नवजात चिकित्सा सेमिनार में एसोसिएट संपादक के रूप में नियुक्त किया गया था। वह नवजात में अध्ययन और प्रकाशन रिपोर्टिंग के लिए एसपीआरआईएनजी गाइडेंस पर विशेषज्ञ पैनल के सदस्य हैं; नेशनल इंटीट्यूट ऑफ बायोमेडिकल इमेजिंग एंड बायोइंजीनियरिंग (एनआईबीआईबी), डिपार्टमेंट ऑफ हेल्थ एंड ह्यूमन सर्विसेज, एनआईएच, यूएसए के साथ ''द डेवलपमेंट ऑफ लो कोस्ट, डायग्नोस्टिक एंड थेराप्यूटिक मेडिकल टेक्नोलॉजी'' पर भारत – यूएस सहयोग पर विशेषज्ञ समिति के सदस्य; भारत में टीका विनिर्माण और विपणन के अनुमोदन के लिए सीडीएससीओ के व्यक्ति विशेषज्ञ समिति (टीका) के विशेषज्ञ सदस्य हैं।

डॉ. एम. जीवा शंकर को डब्ल्यूएचओ, जिनेवा में ''ब्रेस्टफीडिंग इन ए चेंजिंग वर्ल्ड'' पांडुलिपियों के लेखकों की बैठक में एक विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया था। वह आईपीआईएसटीओएसएस परियोजना, एशिया और अफ्रीका में 5–6 देशों में शामिल एक बहु–देशीय परियोजना के संचालन समूह के सदस्य हैं; निधि के लिए बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन के लिए प्रस्तुत हुए। वह भारत के विभिन्न राज्यों में छह जिला अस्पतालों में शामिल एक बहु – स्थल परियोजना के 'नवजात में संक्रमण की निगरानी' पर आईसीएमआर कार्य दल अध्ययन के संचालन समूह के सदस्य हैं। डॉ. जीवा ने ''मैनेजिंग पॉसिबल सीरियस बैक्टीरियल

इंफेक्शन इन यंग इंफेंट्स वेन रिफेरल इस नॉट फिजिबल'' दिशा–निर्देशों के लिए 'सिम्पलर एंटीबायोटिक रिजिमैन्स फॉर मैनेजिंग सिक यंग इंफेंट्स हूज फैमिलीस डू नॉट एसेप्ट रेफरल' पर प्रणालीगत समीक्षा का आयोजन और संगत ग्रेड तालिकाओं को तैयार किया (*www.who.int/maternal_child_adolescent/documents/bacterial -infection-infants/en/*)।
वे अपरिपक्व प्रसव के साथ गर्भवती महिलाओं में एंटेनेटल कोर्टिकोस्टीरॉइड पर अध्ययन के लिए अध्ययन प्रोटोकॉल के विकास पर डब्ल्यूएचओ (मुख्यालय, जिनेवा) कार्यशाला में एक विशेषज्ञ रहे; भारत में स्तरीय रोगी बोझ पहल पर सहयोग के लिए वैश्विक बोझ रोग (जीबीडी) भारतीय मातृ एवं बाल स्वास्थ्य विशेषज्ञ समूह में विशेषज्ञ; (डब्ल्यूएचओ), जिनेवा, स्विजरलैंड में 12–13 नवंबर 2015 को आयोजित अपरिपक्व प्रसव वाली गर्भवती महिलाओं में प्रसव पूर्व कोर्टिकोस्टीरॉइड पर अध्ययन के लिए अध्ययन प्रोटोकॉल, प्राथमिक / माध्यमिक स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं में प्रसव पूर्व कोर्टिकोस्टीरॉइड पर प्रायोजित बहु–स्थल अध्ययन के लिए प्रोटोकॉल विकास कार्यशाला के विकास में एक विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया। अस्थिर अपरिपक्व नवजात शिशुओं में तत्काल त्वचा से त्वचा संपर्क पर प्रायोजित बहु – स्थल अध्ययन के लिए अध्ययन प्रोटोकॉल के विकास, ''इमीडिएट पेरेंट इंफेंट स्कीन–टू–स्कीन स्टडी (आईपीआईएसटीओएसएस)'' अध्ययन के लिए प्रोटोकॉल विकास कार्यशाला, 5–11 सितंबर 2015, यूनिवर्सिटी ऑफ कैप टाउन, दक्षिण अफ्रीका, कैप टाउन में एक विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया; अस्थिर अपरिपक्व नवजात शिशुओं में तत्काल त्वचा से त्वचा संपर्क पर प्रायोजित बहु–स्थल अध्ययन के संचालन समूह के सदस्य, ''इमीडिएट पेरेंट इंफेंट स्कीन–टू–स्कीन स्टडी (आईपीआईएसटीओएसएस)'' अध्ययन के लिए प्रोटोकॉल विकास कार्यशाला, 1–5 दिसंबर 2015, यूनिवर्सिटी ऑफ कैप टाउन, दक्षिण अफ्रीका, कैप टाउन के सदस्य के रूप में भाग लिया।

आचार्य अरविंद बग्गा वैज्ञानिक पीठ, इगुजु, ब्राजील में आयोजित किए जा रहे इंटरनेशनल पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी के 17वें कांग्रेस; सितंबर 2016; इंडियन सोसायटी ऑफ नेफ्रोलॉजी, एफआईएसएन के अध्येतावृत्ति से सम्मानित; 'थ्रोम्बोटिक माइक्रोएंजियोपैथी' पर किडनी डिजीज इम्प्रूविंग ग्लोबल आउटकम्स (केडीआईजीओ) के आमंत्रित विशेषज्ञ थे; इंडियन पीडियाट्रिक्स के प्रबंधन संपादक; संपादक, पीडियाट्रिक रिसर्च; संपादकीय बोर्ड, पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी; इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स, पीडियाट्रिक्स एंड चाइल्ड हेल्थ; वर्ल्ड जे पीडियाट्रिक्स; सदस्य, पीडियाट्रिक समीक्षा समूह, इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च; अध्यक्ष, डीएम पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी पर एमसीआई की विशेषज्ञ समिति; अनुसंधान सलाहकार समिति के सदस्य : जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार हैं।

आचार्य पंकज हरि सदस्य, आघात और आपातकालीन बाल रोग की भारतीय पत्रिका के संपादकीय बोर्ड, जर्नल ऑफ प्रोग्रेस इन पीडियाट्रिक यूरोलॉजी, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ नेफ्रोलॉजी यूरोलॉजी हैं।

डॉ. अदिति सिन्हा संयुक्त सचिव, इंडियन सोसायटी ऑफ पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी; परिषद सदस्य, इंटरनेशनल पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी एसोसिएशन और पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी के लिए समीक्षक, इंडियन पीडियाट्रिक, इंडियन जर्नल ऑफ नेफ्रोलॉजी, इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक हैं।

आचार्य शैफाली गुलाटी टिंग वैल्प्रोएट – ड्रग स्थिति के दिशा–निर्देशों के विकास के लिए नेशनल एडवाइजरी बोर्ड ऑफ इंडियन एपिलेप्सी सोसायटी के सदस्य; इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च के लिए तंत्रिका विज्ञान परियोजनाओं के लिए विशेषज्ञ हैं। अमेरिकन जर्नल ऑफ मेडिकल जेनेटिक्स, बीएमजे ओपन सहित विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं (26) के लिए संपादकीय बोर्ड सदस्य (3 पत्रिका) और समीक्षक।

कई अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय व्यावसायिक निकाय (18) के सदस्य; गूगल और एप्पल प्ले स्टोर पर उपलब्ध मिर्गी के लिए मोबाइल एप के समन्वित विकास; भारत के राष्ट्रीय फार्मूलरी के 5वें संस्करण के तैयार मसौदे के लिए समिति के सदस्य; नॉन पोलियो एएफपी के सदस्य आईसीएमआर विशेषज्ञ समूह; विभिन्न परिस्थितियों में बच्चों का सामाजिक निर्धारक और प्रबंधक; राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के लिए विशेषज्ञ; डीएम (पीडियाट्रिक न्यूरोलॉजी) पाठ्चर्या, एमसीआई के लिए योग्यता आधारित दिशानिर्देशों और अध्यापक पात्रता योग्यता के विकास के लिए विशेषज्ञ; ऑटिज्म (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय) में प्रमाणपत्र हेतु दिशानिर्देशों के विकास के लिए विशेषज्ञ; मृत्यु के गंभीर प्रतिकूल घटनाओं की रिपोर्ट की जांच करने के लिए समिति के सदस्य जो क्लिनिकल परीक्षण में हुई है, (डीसीजीआई); जटिलताओं वाले बच्चों की व्यापक देखभाल की दिशा में अभिसरण कार्रवाई हेतु रूपरेखा के विकास के लिए विशेषज्ञ (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय); भारतीय अतिरिक्त पल्मोनरी टीबी दिशानिर्देशों के विकास के लिए विशेषज्ञ; ऑटिज्म वाले व्यक्तियों के लिए व्यापक सेवाएं और बाल्यावस्था हस्तक्षेप कार्यक्रम को मजबूत बनाने के लिए मॉड्यूल के विकास के लिए तैयार करने हेतु विशेषज्ञ; संकाय भर्ती के लिए विशेषज्ञ, एनआईएमएच, सिकंदराबाद और साउथ एशिया पल्स में ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकारों के लिए अभिभावक माध्यस्थता हस्तक्षेप के तकनीकी सलाहकार समूह सदस्य; 31वें इंटरनेशनल एपिलेप्सी कांग्रेस के अलावा एक आमंत्रित वक्ता के रूप में सार समीक्षक और पोस्टर टूर गाइड; ऑटिज्म के लिए वैश्विक कार्य के शुभारंभ के लिए अंतरराष्ट्रीय समूह के विशेषज्ञ सदस्य; विशेषज्ञ, निम्न संसाधन व्यवस्थाओं में सामुदायिक आधारित आटिज्म का पता लगाना, 4 दिसंबर, 2015, पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया, गुड़गांव, नई दिल्ली; अध्यक्ष, प्रथम अकारण जब्ती, समकालीन अभ्यास, बाल चिकित्सा अद्यतन, आईएपी सेंट्रल दिल्ली सिटी ब्रांच द्वारा आयोजित, 4 अक्टूबर, 2015, बीएलके सुपर स्पेशिलिटी हॉस्पीटल, नई दिल्ली; सदस्य, निःशक्त व्यक्तियों के अधिकार विधेयक, 2014 में 12 नए निःशक्त पहचान के मूल्यांकन के लिए दिशानिर्देश की तैयारी के लिए विशेषज्ञ समिति, पहली विशेषज्ञ समिति बैठक, 10 नवंबर 2015, पर्यावरण भवन, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली।

डॉ. प्रशांत जौहरी एनएचआरसी के साथ विशेषज्ञ समिति के सदस्य थे जो पूर्वी उ.प्र. में जाप. बी एंसेफेलाइटिस/एक्यूट एंसेफेलाइटिस सिंड्रोम के लिए मृत्यु के द्वितीयक कारक की जांच करते हैं।

डॉ. रचना सेठ को इंडियन कैंसर सोसायटी–एनडीटीवी कैंसर की शीर्ष समिति के सदस्य मनोनीत किया गया था।

डॉ. राकेश लोधा एसोसिएट संपादक, इंडियन पीडियाट्रिक एंड सेक्शन एडिटर, इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स हैं; उन्होंने डॉ. आई सी वर्मा उत्कृष्टता पुरस्कार – सितंबर 2015 और संस्थान अनुसंधान पुरस्कार 2015 में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया।

डॉ. काना राम जाट को नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज (एनएएमएस, भारत) की सदस्यता से सम्मा. नित किया गया। वह एशियन जर्नल ऑफ क्लिनिकल पीडियाट्रिक्स एंड नियोनेटोलॉजी के संपादकीय सदस्य और बाल स्वास्थ्य और विकास में फ्रंटियर हैं। वे निम्नलिखित पत्रिकाओं के लिए समीक्षक हैं : कोक्रेन सहयोग, पीडियाट्रिक्स, पीडियाट्रिक पल्मोनोलॉजी, इंडियन पीडियाट्रिक्स, पीडियाट्रिक एलर्जी, इम्युनोलॉजी एंड पल्मोना. लॉजी; इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स, रिस्पेरेटरी केयर, जर्नल ऑफ एड्स एंड एचआईवी रिसर्च (जेएएचआर), इंडियन जे ऑफ क्रिटिकल केयर मेडिसिन (आईजेसीसीएम) और डब्ल्यूएचओ के बुलेटिन।

डॉ. झुमा शंकर 'बेसिक लाइफ सपोर्ट कोर्स एट एम्स' और 'एम्स पीडियाट्रिक पल्मोनोलॉजी और इंटेंसिव केयर मॉड्यूल 2016' की टीम के आयोजन का भाग थे।

अतिथि वैज्ञानिक

आनुवंशिकी

1. डॉ. अशोक वेलोदी, सलाहकार मेटाबोलिक बाल चिकित्सक, ग्रेट ऑरमंड स्ट्रीट, लंदन (यू.के)
2. डॉ. क्रिस्टोफर, सॉल्ट लेक सिटी यूटा, 28 जनवरी 2016
3. डॉ. अली, आईएचआई, कैम्ब्रिज
4. डॉ. सू गूलो, आईएचआई, कैम्ब्रिज।

वृक्क विज्ञान

1. प्रोफेसर क्रिस्टोफ लिचेट, वृक्क विज्ञान प्रभाग, हॉस्पीटल फॉर सिक चिल्ड्रन, टोरोंटो, कनाडा।
2. प्रोफेसर जोहन वांदे वाले, बाल रोग वृक्क विज्ञान में प्रोफेसर, यूनिवर्सिटी हॉस्पीटल, गेन्ट, बेल्जियम।

9.28 बाल शल्य चिकित्सा

आचार्य एवं अध्यक्ष
डी. के. गुप्ता

आचार्य

वीरेश्वर भटनागर
संदीप अग्रवाल
मीनू बाजपेयी
एम. श्रीनिवास (प्रतिनियुक्ति पर)

सहायक आचार्य

शिल्पा शर्मा
प्रबुद्ध गोयल
विशेष जैन
देवेन्द्र यादव
अंजन धुआ

विशिष्टताएं

एम्स में बाल्य शल्य चिकित्सा विभाग न केवल सामान्य पीडियाट्रिक सर्जरी अपितु इंटरसेक्स विकार, थोरासिक सर्जरी, ओंकोलॉजी, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल सर्जरी और 14 वर्ष तक की आयु वाले बच्चों में न्यूरोसर्जरी सहित नियोनेटल सर्जरी, यूरोलॉजी के क्षेत्र में भी नवीनतम रोगी देखरेख सुविधाएं उपलब्ध कराता है।

विभाग के संकाय मॉलीकुलर बायोलॉजी और स्टेम कोशिका अनुसंधान के क्षेत्र में जन्मजात विकृतियों और कैंसर से संबंधित विभिन्न अंतरंग और बहिरंग अनुसंधान परियोजनाओं में भी सक्रिय रूप से शामिल हैं। रोगी देखरेख, अनुसंधान, शिक्षण और प्रशिक्षण अंग्रेज़ी में होने के कारण विभाग का निरीक्षण करने और पीडियाट्रिक सर्जरी तथा इसकी उप – विशेषज्ञता में प्रशिक्षण लेने के लिए इस विभाग को भारत और विदेशों से बड़ी संख्या में अनुरोध प्राप्त होते हैं।

विभाग के संकाय को उनकी शैक्षिक उत्कृष्टता और वैज्ञानिक योगदानों के लिए नियमित रूप से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मान पुरस्कार, प्रतिष्ठा और पदक प्राप्त होते हैं, इनमें से प्रोफेसर डी. के. गुप्ता का 134 देशों के प्रतिनिधित्व वाले वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ एसोसिएशन ऑफ पीडियाट्रिक सर्जन्स का तीन वर्षों (2014–2016) के लिए अध्यक्ष चुना जाना सर्वाधिक उल्लेखनीय है। यह एम्स, भारत और एशिया के लिए एक अद्वितीय और दुर्लभ सम्मान है।

विभाग एम्स में आगामी मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य केंद्र में स्टाफ स्थान और संकाय के साथ विस्तार के लिए, गंभीर विकृतियों, उन्नत कैंसर, आघात और अन्य लोगों के साथ बच्चों के लिए सभी उप विशिष्टताओं और देखभाल के विकास की ओर अग्रसर है।

डॉ. एम. श्रीनिवास 3 वर्षों के लिए ई.एस.आई. अस्पताल और मेडिकल कॉलेज, हैदराबाद के लिए मार्च 2015 से प्रभावी, प्रतिनियुक्ति पर हैं।

शिक्षा

स्नातक, स्नातकोत्तर, पैरामेडिकल शिक्षण

बाल चिकित्सा सर्जरी से संबंधित विषयों पर स्नातक चिकित्सा और नर्सिंग छात्रों के लिए व्याख्यान और सेमिनार आयोजित किए जाते हैं। स्नातकोत्तर शिक्षण और एम. सीएच बाल शल्य चिकित्सा प्रशिक्षुओं का प्रशिक्षण – जिसमें सेमिनार, जर्नल क्लब तथा मामलों पर चर्चा, थीसिस प्रस्तुतियां और शिक्षण के दौर आयोजित किए जाते हैं। रोटेशन पर प्रशिक्षु – न्यूरो सर्जरी में एम. सीएच, नियोनेटोलॉजी में डीएम प्रशिक्षु, जनरल सर्जरी प्रशिक्षण में एमएस प्रशिक्षु। बी. एससी. और एमएससी नर्सिंग छात्रों के वार्ड में प्रशिक्षण।

भारत और विदेश से 6 प्रशिक्षुओं को लघु अवधि प्रशिक्षण प्रदान किए गए थे ।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

1. 23–24 दिसंबर 2015 को एम्स, नई दिल्ली में इंडियन सोसाइटी ऑफ पीडियाट्रिक यूरोलॉजी एंड एशियन सोसाइटी ऑफ पीडियाट्रिक यूरोलॉजी, पीडियाट्रिक यूरोलॉजी में उन्नति।

2. 20 फरवरी 2015 को एम्स, नई दिल्ली में यूरोपियन बोर्ड ऑफ पीडियाट्रिक सर्जरी एग्जामिनेशन का अध्येतावृत्ति का आयोजन।

प्रदत्त व्याख्यान

डी. के. गुप्ता : 19	वी. भटनागर : 8	मीनू बाजपेयी : 7
संदीप अग्रवाल : 9	शिल्पा शर्मा : 7	अंजन धुआ : 3
प्रबुद्ध गोयल : 2		

प्रस्तुत किए गए मौखिक पत्र / पोस्टर : 50 (पुरस्कार : इंडियन एसोसिएशन ऑफ पीडियाट्रिक सर्जंस का आईएपीएस–यू.सी. चक्रबर्ती पुरस्कार, इंडियन एसोसिएशन ऑफ पीडियाट्रिक सर्जंस का दो सर्वश्रेष्ठ पत्र या पोस्टर पुरस्कार, इंडियन एसोसिएशन ऑफ पीडियाट्रिक सर्जंस का आईएपीएस–पुरुषोत्तम उपाध्याय प्रकाशन पुरस्कार)

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. बिलियरी अविवरता में लिवर की इम्युनोहिस्टोकैमिस्ट्री के साथ स्व–प्रतिरक्षित सूजन के सीरम वैज्ञानिक मार्कर का एक तुलनात्मक संबंध, वी भटनागर, एम्स, 1 वर्ष, 2014–15, 4,80,000 रु.।

2. जन्मजात एकपक्षीय यूरेटेरोपेलविक जंक्शन रुकावट में (गैर–आनुवंशिक मार्कर) जीर्ण अंतरालीय अपवृक्कता के नैदानिक और आणविक मार्कर पर एक अध्ययन, डॉ मीनू बाजपेयी, भारतीय आईसीएमआर, 4 वर्ष

3. एक तृतीयक देखभाल अस्पताल में पूर्व आरोपण आनुवंशिक निदान करने के लिए संबंधित शल्य चिकित्सा सुधार–जन्म के दोषों में उत्तराधिकार के जोखिम कारकों और पैटर्न पर एक अध्ययन, मीनू बाजपेयी, आईसीएमआर, 4 वर्ष

4. मूत्र असंयम के तंत्रिका के रुग्णता को सम्मान के साथ रोग को संशोधित करने के एजेंटों के स्थानीय निरोधात्मक प्रभाव सहित यूरोथेलिम और उनके रिश्ते में अभिवाही संकेत तंत्र की भूमिका पर एक अध्ययन, मीनू बाजपेयी, डी.बी.टी. 3 वर्ष

5. सर्जिकल जन्मजात विसंगतियों (बीटी /पीआर9572/एमईडी /97/210/2013) के लिए भ्रूण परामर्श के लिए दिशानिर्देशों की स्थापना, शिल्पी शर्मा, डीबीटी, 3 वर्ष, 2014–2017, 39,76,112 रु.

6. विल्मस ट्यूमर में वैश्विक मेथिलिकरण पैटर्न की खोज, एस अग्रवाल, एम्स, 1 वर्ष, 2015–16, 5,00,000 रु.

7. तीन वर्ष से कम आयु वाले बच्चों में सीरम अल्फा–भ्रूणप्रोटीन की संदर्भ श्रेणी, देवेंद्र कुमार यादव, एम्स, 2 वर्ष, 2015–17, 2,30,000 रु.

8. पी.यू.जे. रुकावट के साथ बच्चों में एम.ए.जी.3 सिन्टीग्राफी पर कॉर्टिकल पारगमन समय की भूमिका, विशेष जैन, एम्स, 2 वर्ष, 2015–17, 1,65,000 रु.

9. गुर्दे की क्षति के मौजूदा मानकों के साथ तंत्रिकाजन्य मूत्राशय और उसके सहसंबंध वाले रोगियों में गुर्दे की क्षति का अनुमान लगाने में प्लाज्मा रेनिन गतिविधि की भूमिका, प्रबुद्ध गोयल, एम्स, 2 वर्ष, 2016–18, 4,80,000 रु.

10. आर ए एस (रेनिन एंजियोटेनसिन प्रणाली) सक्रियण और नैदानिक प्रतिक्रिया के लिए सम्मान के साथ जन्मजात हाइड्रोनेफ्रोसिस का एंटियोपैथोजेनेसिस में एसीई आई / डी एंड एटी प्रकार द्वितीय रिसेप्टर जीन की बहुरूपता के संघ का अध्ययन करना, मीनू बाजपेयी, सीएसआईआर, 3 वर्ष

11. बच्चों में जन्मजात मूत्र संबंधी विसंगतियों के रोगजनन में जीन पर्यावरण अंतःक्रिया की भूमिका का अध्ययन करना, मीनू बाजपेयी, आई.सी.एम.आर.।

पूर्ण

1. प्रतिरोधी यूरोपैथी में गुर्दे संरक्षण में अस्थि मज्जा मोनोन्यूक्लियर कोशिकाओं और गुर्दे की स्टेम कोशिकाओं की भूमिका – चूहों में एक प्रायोगिक अध्ययन, शिल्पा शर्मा, एम्स, दो वर्ष, 2013–15, 5,00,000 रु.।

2. निदान और पृष्ठीय मूत्रमार्ग वाल्व (पीयूवी) के उपचार में आणविक मार्कर की भूमिका का अध्ययन (गैर आनुवांशिक), डॉ मीनू बाजपेयी, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), 4 वर्ष, 2013–16।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. बच्चों में कोलोरेक्टल कैंसर का एक अध्ययन

2. न्यूरोब्लोस्टोमा वाले रोगियों में पूर्वाभासी कारकों और दीर्घकालिक परिणाम का एक एम्बीस्पेक्टिव मूल्यांकन।

3. एनोरेक्टल विकृतियों के साथ रोगियों, एनोरेक्टल मेनोमेट्री का उपयोग करने में एनोरेक्टल कार्य की लंबी अवधि के पश्चात परिणामों का आकलन।

4. एकपक्षीय नॉन – सिंड्रोमिक विल्म्स ट्यूमर वाले बच्चों में गुर्दे का कार्य का आकलन : एक एम्बी – स्पेक्टि नियंत्रण अध्ययन

5. चूहे वृषण के उच्च वृषण वाहिका बंधाव, कम वृषण वाहिका बंधाव और ऑटो प्रत्यारोपण की तुलना

6. पित्त अविवरता में पूर्व पोर्टोएंटेरोस्टोमी परिणाम के साथ सोनिक हेजहॉग अभिव्यक्ति, स्टेलेटे सेल एक्टिवेशन और टीजीएफबीटा11 का सहसंबंध।

7. भारत में हिपेटोब्लास्टोमा में बीटा कैटेनिन जीन उत्परिवर्तन की जांच।

8. एक अधोमूत्रमार्गता ग्लैंड मैच में एनाटोमिकल लैंडमार्क एक नॉर्मल ग्लैंड के साथ उनका मिलान करना?

9. चूहों में प्रयोगात्मक प्रेरित लिवर फाइब्रोसिस में पाइपेरिन के साथ करक्यूमिन और अपने संयोजन का प्रभाव :एक तुलनात्मक विश्लेषण।

10. अधोमूत्रमार्गता में कोर्डी सुधार के लिए एक संशोधित तकनीक का मूल्यांकन।

11. संवहनी विकृतियों में इंट्रालेशनल सोडियम सल्फेट टेट्राडेकिल इंजेक्शन थेरेपी का मूल्यांकन

12. बच्चों में अग्नाशय–ग्रहणी उच्छेदन का मूल्यांकन

13. वॉल्व फुलगरेशन पर उम्र के साथ पश्च मूत्रमार्ग वाल्व और उनके संबंध के साथ रोगियों में गुर्दे के कार्य, गुर्दे के क्षेत्रों और मूत्राशय के कार्य का मूल्यांकन

14. दो चरण वाली तकनीक के साथ प्रॉक्सिमल हाइपोस्पेडियास के लिए बच्चों के ऑपरेशन में दीर्घकालिक परिणाम

15. हाइपोस्पेडियास मरम्मत के दीर्घकालिक परिणाम

16. न्यूरोब्लास्टोमा के दीर्घकालिक परिणाम : एक विकासशील देश में पूर्वाभासी कारकों के लिए खोज – एक एम्बीस्पेक्टिव अध्ययन

17. मोनोथैरेपी और पीएलएडीओ अवस्था के साथ उपचार पर हिपेटोब्लास्टोमा वाले बच्चों के उपचार का भावी अध्ययन।

18. गुर्दे की स्पष्ट सेल सार्कोमा के प्रबंधन के लिए पांच दवा आहार पर भावी अध्ययन।

19. बाल चिकित्सा घातक रोगाणु सेल ट्यूमर के उपचार में प्लैटिनम आधारित व्यवस्थाओं के उपयोग के साथ परिणाम।

20. रोगियों के संवर्धन गेस्ट्रोसाइटोप्लास्टी और सोमेटिक विकास का स्थानीय और प्रणालीगत प्रभाव पर अध्ययन

21. बच्चों में खुले हेरनियोटॉमी बनाम लेपेरोस्कोपिक की तुलना : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

22. रसायनरोग निरोध, डिफ्लक्स और यूरेटेरिक रिइम्प्लांटेशन के साथ गुर्दे के कार्य के वेसीकोयूरेटेरिक प्रतिवाह – दीर्घकालिक परिणाम – एक तुलनात्मक विश्लेषण

पूर्ण

1. महिलाओं में निम्न एनोरेक्टल मैलीफॉर्मेशन के उपचार हेतु प्राथमिक स्पष्ट प्रक्रिया बनाम पारंपरिक तीसरी अवस्था प्रक्रिया : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. एफ18–एफडीजी पीईटी/सीटी बनाम पीडियाट्रिक हैब्डोमायोसार्कोमास के स्टेजिंग के लिए परम्परागत इमेजिंग का तुलनात्मक मूल्यांकन। (चिकित्सा कैंसर, रेडियोलॉजी, नाभिकीय चिकित्सा)।
2. ईएचपीवीओ वाले बच्चों में पोर्टल दबाव के साथ यकृत धमनी प्रतिरोधक सूचकांक का सहसंबंध। (रेडियोडायग्नोसिस, बायोकैमिस्ट्री)

3. हिपेटोब्लास्टोमा में बीटा कैटेनिन (सीटीएनएनबी1) जीन म्यूटेशंस का पता लगाना (कैंसर विज्ञान, विकृति विज्ञान)।
4. ठोस ट्यूमरों वाले बच्चों में एडरिमायसिन के प्रबंधन से संबंधित कार्डियोटोक्सीसिटी का मूल्यांकन (नाभिकीय चिकित्सा)
5. यूरोडायनेमिक के अध्ययन का उपयोग करते हुए बच्चों में कम मूत्र पथ कार्य पर एपीड्यूरल एनलजेसिया के प्रभाव का मूल्यांकन (संवेदनाहरण विज्ञान)।
6. हिर्स्चस्प्रुंग रोग के माध्यम से पुल के बाद लगातार कब्ज के रोगियों की आंत में न्यूरोनल मार्कर का मूल्यांकन (विकृति विज्ञान)।
7. शिशुओं में नवजात पित्तस्थिरता में शीयर वेव इलेक्टोग्राफी का मूल्यांकन (रेडियोडायग्नोसिस, पैथोलॉजी)।
8. विलम्स ट्यूमर में वैश्विक मेथिलिकरण पैटर्न की खोज (विकृति विज्ञान, कैंसर विज्ञान)।
9. रिलेप्स्ड / आवर्तक ठोस ट्यूमरों वाले बच्चों में आईसीई (आइफोस्फेमिड, कार्बोप्लाटिन और इटोपोसाइड) सेल्वेज अवस्था के साथ उपचार के परिणाम (चिकित्सा अर्बुद विज्ञान, विकिरण चिकित्सा और विकिरण विज्ञान)।
10. आई आर एस – 5 अवस्था के साथ उपचार पर हैब्डोमायोसार्कोमा वाले बच्चों में उपचार के भावी अध्ययन (चिकित्सा अर्बुद विज्ञान, विकिरण चिकित्सा और विकिरण विज्ञान)।
11. संशोधित एन डब्ल्यू टी एस – 5 अवस्था के साथ उपचार पर विलम्स ट्यूमर वाले बच्चों के उपचार के भावी अध्ययन (चिकित्सा अर्बुद विज्ञान, विकिरण चिकित्सा और विकिरण विज्ञान)।
12. 3 वर्ष की आयु से कम भारतीय बच्चों में सीरम अल्फा–भ्रूण प्रोटीन का संदर्भ श्रेणी (प्रजनन जीव विज्ञान)।
13. वेसिकोयूरेटेरिक रिफ्लस्क के विभिन्न ग्रेडों में रीनल आरक्षण (नाभिकीय चिकित्सा)।
14. ^{131}आई एमआईबीजी एसपीईसीटी सीटी के साथ पैरागैंग्लियोनोमा और तुलना के आरंभिक मंचन और पुनः मंचन में ^{68}जीए लेबल्ड ओक्ट्रेयोटिड संपूर्ण शरीर पॉजीट्रोन एमिशन टोमोग्राफी – कंप्यूटिड टोमोग्राफी (पीईटी – सीटी) की भूमिका (नाभिकीय चिकित्सा, अंतःस्राविकी विज्ञान, शल्य चिकित्सा विभाग)।
15. पीयूजे प्रतिरोध वाले बच्चों में एमएजी3 सिंटीग्राफी पर कॉर्टिकल परागमन समय की भूमिका (नाभिकीय चिकित्सा)।
16. हिपेटोब्लास्टोमा के निदान में डिफ्यूजन – एमआरआई की भूमिका और हिपेटोबलस्टोमा के पैथोफिजियोलॉजी में वीईजीएफ की भूमिका (विकिरण विज्ञान, जैव रसायन), चिकित्सा अर्बुद विज्ञान।
17. आवर्तक विलम्स ट्यूमर के उपचार में आईसीई थैरेपी की भूमिका (चिकित्सा अर्बुद विज्ञान, विकिरण चिकित्सा और विकिरण विज्ञान)।
18. उन्नत गैर जिम्मेदार और आवर्तक न्यूरोब्लास्टोमा के लिए एमआईबीजी चिकित्सा की भूमिका (नाभिकीय चिकित्सा)।
19. तंत्रिकाजन्य मूत्राशय वाले रोगियों में पूर्वानुमान गुर्दे की क्षति में प्लाज्मा रेनिन गतिविधि की भूमिका और गुर्दे की क्षति के मौजूदा पैरामीटरों के साथ उसका सह–संबंध (जैव सांख्यिकी, प्रजनन जीव विज्ञान)।

20. थोरेसिस पी एन ई टी में निदान कारकों का अध्ययन (चिकित्सा अर्बुद विज्ञान, विकिरण विज्ञान और विकिरण चिकित्सा, विकृति विज्ञान)।
21. श्रोणि पी एन ई टी में निदान कारकों का अध्ययन (चिकित्सा अर्बुद विज्ञान, विकिरण चिकित्सा और विकिरण विज्ञान, विकृति विज्ञान)।
22. कसाय पोर्टोएंटेरोस्टॉमी के बाद प्रारंभिक परिणाम की भविष्यवाणी करने के लिए सरल मार्कर के रूप में सीरम बिलीरूबिन और क्षारीय फॉस्फटेज़ पूर्व शल्य चिकित्सा और पश्चात स्तरों का अनुपात (विकृति विज्ञान)।
23. जीनोटाइपिंग और ट्रांसयक्रिप्टोमिक्स एरे के माध्यम से क्रोमोसोमल विविधताओं और इसके कार्य प्रासंगिकता तुलना–ए–तुलना हाइपोस्पेडियस रोगियों का आकलन (उन्नत आण्विक विज्ञान अनुसंधान केन्द्र, केजीएमयू, लखनऊ)

पूर्ण

1. बाल शल्य चिकित्सा वार्ड (ए. बी. 5 वॉर्ड) में एम्स के बाल शल्य चिकित्सा रोगियों और उनके माता–पिता के लिए व्यापक मुक्ति परामर्श योजना के प्रभाव का आकलन करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (कॉलेज ऑफ नर्सिंग)।
2. सार्कोकोसिजियल टेराटोमा के बच्चों में मस्तिष्क संबंधी दीर्घकालिक जटिलताओं का आकलन (नाभिकीय चिकित्सा, रेडियोडायग्नोसिस)।
3. विलम्स ट्यूमर में ट्यूमर सूक्ष्म वातावरण में टी–रेगुलेटरी कोशिकाओं और साइटोकाइन्स की भूमिका को परिभाषित करना (चिकित्सा अर्बुद विज्ञान, जैव रसायन)।
4. कोमल ऊतक सार्कोमा रोगियों में क्लिनिक–पैथोलॉजिकल विशेषता उपचार के परिणाम और निदान कारकों के मूल्यांकन (चिकित्सा अर्बुद विज्ञान, विकिरण चिकित्सा)।
5. जन्मजात अधिवृक्क हाइपरप्लेसिया होने में 18 वर्ष के कम उम्र वाले बच्चों के माता–पिता के ज्ञान, तनाव और मुकाबला करने की क्षमताएं (कॉलेज ऑफ नर्सिंग)।
6. हिपेटोब्लास्टोमा में लिवर का शल्यक्रिया पूर्व तृतीय चरण 3डी इमेजिंग एमडीसीटी।
7. महिलाओं में निम्न एनोरेक्टल मैलीफॉर्मेशन के उपचार हेतु प्राथमिक स्पष्ट प्रक्रिया बनाम पारंपरिक तीसरी अवस्था प्रक्रिया : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (जैव सांख्यिकी)

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 37   सार : 9   पुस्तकों में अध्याय : 31

रोगी उपचार

विभाग और संकाय द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न विशेषता वाले क्लिनिक :

हाइड्रोसेफेलस, प्रसव पूर्व निदान, पीडियाट्रिक यूरोलॉजी, क्रैनियोसिनोस्टोसिस, जीआई हिपेटोबिलियरी, और अनुवर्ती कार्रवाई, पीडियाट्रिक सॉलिड ट्यूमर, पीडियाट्रिक थोरेसिक सर्जरी, इंटरसेक्स और हिपोस्पेडियास

उपलब्ध सुविधाएं

- नवजात शल्य चिकित्सा रोगियों के लिए गहन चिकित्सा इकाई
- बाल शल्य चिकित्सा रोगियों के लिए उच्च निर्भरता क्षेत्र
- कंप्यूटर आधारित यूरोडायनामिक तथा यूरोफ्लोमेट्री अध्ययन, एनोरेक्टल मैनोमेट्री और इसोफेजियल मैनोमेट्री
- गैस्ट्रोइसोफेजियल रिफ्लक्स के लिए 24 घंटे पीएच निगरानी और इम्पेंडेंस मैनोमेट्री

सामुदायिक सेवाएं

सीआरएचएसपी, बल्लभगढ़ में साप्ताहिक बाह्य रोगी क्लिनिक और शल्यक सत्र

ओपीडी तथा विशेष क्लिनिकों में उपस्थिति

क्लिनिक	नए रोगी	पुराने रोगी	कुल
सामान्य ओपीडी	7339	14956	22295
हाइड्रोसिफलिस क्लिनिक	7	109	116
बाल मूत्र रोग विज्ञान क्लिनिक	407	3184	3591
उभयलिंगी क्लिनिक (डीएसडी)	34	50	84
बाल ठोस ट्यूमर क्लिनिक (आईआरसीएच)	130	1934	2064
ट्यूमर क्लिनिक	94	372	466
क्रेनियोसिनोस्टोसिस क्लिनिक	2	–	–
सीआरएचएसपी बल्लभगढ़	1824	–	–

दाखिले

एबी 5 वार्ड (बाल शल्य चिकित्सा) : 1946 (1368 लंबे समय से प्रवेश और 578 लघु प्रवेश)

एबी 5 / आई सी यू (नवजात शल्य चिकित्सा आईसीयू) : 188

शल्य चिकित्सा प्रक्रियाएं

मुख्य ओटी : बड़ी प्रक्रियाएं : 1383 — लघु प्रक्रियाएं : 933

ओपीडी प्रक्रियाएं (कुल) : 3000 — ओपीडी में बायोप्सी : 80

सीआरएचएसपी, बल्लभगढ़ : लघु मामले : 179; ओपीडी प्रक्रियाएं : 352

विशेष जांचें

यूरोडायनेमिक अध्ययन : 323 यूरोफ्लोमीटरी : 613 एनोरेक्टल मेनोमीटरी : 77

इसोफैजियल मेनोमीट्री : 3 24 घण्टे पीएच निगरानी : शून्य

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां

प्रोफेसर डी के गुप्ता आर के इंडियन एसोसिएशन ऑफ पीडियाट्रिक सर्जन 2015, गांधी स्वर्ण पदक प्राप्त किया, इंडियन एसोसिएशन ऑफ पीडियाट्रिक सर्जन 2015 के पूर्व अध्यक्ष और सचिव सह कोषाध्यक्ष के रूप में पदक; उद्‌घाटन करने के लिए मुख्य अतिथि, अंतरराष्ट्रीय बाल चिकित्सा सर्जरी संगोष्ठी, सउदी जर्मन अस्पताल ऑडिटोरियम, दुबई में सत्र पश्चात और पैनल चर्चा; भाषण देने के लिए सम्मानित मुख्य अतिथि, यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज, ढाका पर अंतर–मंत्रालयी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में उद्‌घाटन समारोह; राष्ट्रपति, वर्ल्ड फेडरेशन, पीडियाट्रिक सर्जन 2014–16 और फेडरेशन ऑफ एसोसिएशन्स ऑफ पीडियाट्रिक सर्जन्स फ्रॉम सार्क रीजन (एफएपीएसएस), 2004 से; मानद प्रोफेसर, जैव चिकित्सा अनुसंधान केंद्र, लखनऊ; सदस्यः वैज्ञानिक सलाहकार समिति (एस.ए.सी.), जैव चिकित्सा अनुसंधान केंद्र, एसजीपीजीआई, लखनऊ; मुख्य संपादक, जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक सर्जिकल स्पेशल्टीज, बुखारेस्ट; सलाहकार, जर्नल ऑफ इंडियन एसोसिएशन ऑफ पीडियाट्रिक सर्जन; सदस्य, सलाहकार परिषद, पीपुल्स विश्वविद्यालय, भोपाल; समीक्षक और विशेषता में 12 अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं के लिए संपादकीय बोर्ड के सदस्य; अध्यक्ष : ग्रीनवुड और लिस्टर अध्येतावृत्ति पुरस्कार, ब्रिटिश एसोसिएशन ऑफ पीडियाट्रिक सर्जन, ब्रिटेन; अध्यक्ष, वैज्ञानिक समिति, बाल चिकित्सा सर्जरी की 5 वां विश्व सम्मेलन, 2016; सम्मानित अतिथि और उद्‌घाटन भाषण वितरित किया, जापानी सोसायटी ऑफ न्यूनेटल एंड पेरीनेटल मेडिसिन का 51 वां सम्मेलन, फुकुओका; बाल चिकित्सा सर्जन 2015 के बांग्लादेश एसोसिएशन द्वारा विशेष सम्मान से सम्मानित; मुख्य अतिथि, 69 वां स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया, माउंट आबू 2015; उद्‌घाटन करने के लिए सम्मानीय अतिथि, सत्र की अध्यक्षता और मध्यम पैनल, अधोमूत्रमार्गता पर 6 वां विश्व सम्मेलन, इंटरनेशनल सोसायटी हायपोस्पेडायिस, डीएसडी, सेलिजेनस्टाड्ट जर्मनी; मुख्य अतिथि, सम्मानित अतिथि, मुख्य वक्ता, चीफ ऑपरेटिंग सर्जन, पैनलिस्ट, भारत में संचालक (दिल्ली, श्रीनगर, कोलकाता, मुंबई, माउंट आबू) और कई अन्य देशों के अलेक्जेंड्रिया, जर्मनी, तुर्की, बांग्लादेश, जापान, दुबई में वैज्ञानिक सम्मेलनों, कार्यशाला, लाइव सर्जरी प्रदर्शन और मध्यम वैज्ञानिक सत्र उद्‌घाटन; दूसरा बाल चिकित्सा सर्जरी सम्मेलन और लाइव ऑपरेटिव कार्यशाला पर उद्‌घाटन भाषण वितरित किया, अलेक्जेंड्रिया; पोस्टर पुरस्कार के लिए ''कटिंग क्रॉस इशू'' और जज पर वैज्ञानिक सत्र संचालित किया, अंतर–मंत्रालयी अंतरराष्ट्रीय सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज पर सम्मेलन, ढाका; बाल चिकित्सा सर्जरी में एमसीएच परीक्षक, दिल्ली विश्वविद्यालय, एसकेआईएमएस, श्रीनगर; मुख्य आयोजक, बाल चिकित्सा सर्जरी में परीक्षा का पहला 1 यूरोपीय बोर्ड, दिल्ली; विजिटिंग प्रोफेसर, चिल्ड्रन हॉस्पिटल में नैदानिक मामला चर्चा और लाइव सर्जरी प्रदर्शन, अलेक्जेंड्रिया; यौन भेदभाव के विकारों के सीएमई के दौरान पैनल चर्चा और अध्यक्षता वैज्ञानिक सत्र के संचालक, पार्क क्लिनिक एंड रिसर्च सेंटर, कोलकाता; नवोन्मेष और चिकित्सा प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य देखभाल सम्मेलन–2015 पर पैनलिस्ट, नई दिल्ली; विशेषज्ञ, शिखर चयन समिति, बाल चिकित्सा सर्जरी में संकाय, शेर–ए–कश्मीर इंस्टीट्‌यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, जम्मू–कश्मीर; अध्यक्ष, वैज्ञानिक सत्र, बाल चिकित्सा कोलोरेक्टल सर्जरी का 22 वां अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, मिलान विश्वविद्यालय, इटली; अध्यक्ष, डब्ल्यूओएफएपीएस – ईसी के 12 प्रतिनिधियों की कार्यकारी समिति की बैठक; विशेषज्ञ, चयन समिति, ऑन्कोलॉजिस्ट, कमला नेहरू मेमोरियल अस्पताल, इलाहाबाद; अतिथि संकाय, आईसीसीए अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला, फुकुओका, जापान 26–28 अगस्त 2015; विशेषज्ञ, पूल अधिकारियों का चयन, डीएसटीपी– सीएसआईआर; सदस्य, सलाहकार समिति, केन्द्रीय पशु सुविधा एम्स; अध्यक्ष : विशेष क्रय समिति (एसपीसी), एम्स; मध्यस्थ,

चिकित्सक रोगी संबंध पर पैनल चर्चा, 14–16 अगस्त 2015 को माउंट आबू में मन, शारीरिक और चिकित्सा का 31 वां वार्षिक सम्मेलन; संचालक, अधो मूत्रमार्गता पर पैनल चर्चा, सोसायटी ऑफ इंडिया एनजेड–मूत्रविज्ञान का वार्षिक सम्मेलन, श्रीनगर; अध्यक्ष, स्वर्ण जयंती व्याख्यान पर वैज्ञानिक सत्र, इंडियन एसोसिएशन ऑफ पीडियाट्रिक सर्जन, मुंबई; अध्यक्ष, हेल्थकेयर सेक्टर में नवाचारों पर संगोष्ठी, नई दिल्ली; अध्यक्ष, वैज्ञानिक सत्र, वैश्विक सर्जरी–राष्ट्रीय सर्जिकल फोरम पर लैंसेट कमीशन नई दिल्ली; पुस्तक समीक्षा : इयान रोजर्स और फ्रेडरिक एल वंडरबॉम, यूके, लैम्बर्ट शैक्षणिक प्रकाशन द्वारा परिणाम पर मोनोग्राम और शैशव जठर निर्गम स्टेनोसिस का कारण. 2015.

प्रोफेसर वी. भटनागर बोर्ड ऑफ स्टडीज़, डिपार्टमेंट ऑफ पीडियाट्रिक सर्जरी, संजय गांधी पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, लखनऊ में फरवरी 2011 से सदस्य; गवर्निंग काउंसिल सदस्य, चाचा नेहरु बाल चिकित्सालय, नई दिल्ली 2012; 2004 के बाद से संपादकीय बोर्ड के सदस्य, भारतीय बाल चिकित्सा पत्रिका; 1996 के बाद से सदस्य, संपादकीय बोर्ड, बाल चिकित्सा शल्य चिकित्सकों के भारतीय संघ की पत्रिका; 2008 के बाद से सलाहकार पैनल के सदस्य, राष्ट्रीय विज्ञान चिकित्सा अकादमी; उपाध्यक्ष, एम्सोनियन्स; सीएमई अध्यक्ष। प्रोफेसर दयाल मेमोरियल ओरेशन. इंडियन एसोसिएशन ऑफ पीडियाट्रिक सर्जन, चेन्नई के तमिलनाडु और पुडुचेरी अध्याय, 13 जून 2015 – बाल चिकित्सा हिपेटो बाइलरी रोग राज्यों में नाइट्रिक ऑक्साइड की प्रासंगिकता; यू. सी. चक्रवर्ती पुरस्कार 2015, इंडियन एसोसिएशन ऑफ पीडियाट्रिक सर्जन, मुंबई का 41वां वार्षिक सम्मेलन, 1–4 अक्टूबर, 2015; पुरु उपाध्याय पुरस्कार प्रकाशन 2015, इंडियन एसोसिएशन ऑफ पीडियाट्रिक सर्जन, मुंबई का 41वां वार्षिक सम्मेलन, 1–4 अक्तूबर, 2015.

प्रोफेसर मीनू बाजपेयी को भारतीय केंद्र सरकार द्वारा भारत गठन में विपरीत लिंगी समुदाय से संबंधित मुद्दों पर समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया था; भारतीय पूर्वोत्तर क्षेत्र, राष्ट्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी संचार परिषद, डीएसटी, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार में मुख्य समन्वयक, यौन विकास के विकार के लिए सूचना का प्रसार; अध्यक्ष, कैफेटेरिया समिति, एम्स; 'ट्रामा में एम. सी. एच.' शुरू करने के लिए समिति; विशिष्ट मदों के लिए अस्पताल भंडार क्रय समिति; एम्स में गहन देखभाल डीएम विशेषता पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए समिति; सदस्य स्टोर क्रय समिति, एम्स (मुख्य); (1) इंडियन एसोसिएशन ऑफ पीडियाट्रिक्स सर्जन (टीपीपीएस–2015) का तमिलनाडु और पांडिचेरी अध्याय के दौरान अध्यक्षता वैज्ञानिक सत्र; (2) विवेकानंद पालीक्लिनिक और चिकित्सा विज्ञान संस्थान, लखनऊ में इंडियन एसोसिएशन ऑफ पीडियाट्रिक्स सर्जन के उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड अध्याय का तीसरे वार्षिक सम्मेलन आयोजित किया; (3) और लोक स्वास्थ्य, स्काई संस्थान, लखनऊ पर सीएमई और कार्यशाला के दौरान 'पुरानी बीमारी : सतत सार्वजनिक स्वास्थ्य में जीवन को खतरा' एक व्याख्यान दिया; आमंत्रित संकाय (1) बाल शल्यक्रिया, यूरोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया (यूएसआई), राजकोट पर कार्यशाला और सीएमई, (2) कोचीन मेंइंडोस्कोपिक और लेप्रोस्कोपिक सर्जन ऑफ इंडिया (सेल्सीकॉन–2015) का 8वां राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया; (3) तिरुपति में इंडियन एसोसिएशन ऑफ पीडियाट्रिक्स सर्जन (एपी–आईएपीएस) के आंध्र प्रदेश अध्याय की वार्षिक बैठक; (4) इंडियन सोसाइटी फॉर पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी (आईएसपीएनकॉन –2015), जयपुर का 27वां वार्षिक सममेलन; बाह्य परीक्षक, पश्चिम बंगाल स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, कोलकाता में एम.सीएच बाल शल्य चिकित्सा परीक्षा; चंडीगढ़ में ऊपरी मार्ग पर लाइव ऑपरेटिव कार्यशाला में शिक्षकों का बोर्ड, यूरोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया

(यूएसआई) के रूप में भाग लिया; पूर्वोत्तर क्षेत्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, निरजुली, और आरके मिशन अस्पताल, ईटानगर और टोमो रीबा अस्पताल, नाहरलगुन, अरुणाचल प्रदेश में 'जन्म दोष पर शिक्षा व जागरूकता कार्यक्रम' – एक एनसीएसटीसी, भारत सरकार की पहल आयोजित; मध्य प्रदेश सरकार और शहडोल के रोटरी क्लब द्वारा शहडोल, मध्य प्रदेश में 'राहत' नाम वाले चिकित्सा राहत परिसर के भाग का आयोजन।

प्रोफेसर संदीप अग्रवाल को एग्जिक्यूटिव बोर्ड सदस्य, एशियन एसोसिएशन ऑफ पीडियाट्रिक सर्जन के रूप में नामित किया गया; इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स के अनुभाग संपादक; अध्यक्ष, सर्जिकल ओंकोलॉजी अनुभाग, इंडियन एसोसिएशन ऑफ पीडियाट्रिक सर्जन; एसआईओपीईएल के रिसोर्स चैलेंज्ड नेशंस स्टडी ग्रुप के उपाध्यक्ष; सचिव, एम्सोनियन्स – पूर्व छात्र एसोसिएशन ऑफ एम्स; एम्स में पीएच.डी. सुधारों पर विचार करने के समिति के सदस्य; जेआर (एमडी / एमएस / एमएचए) और एसआर (डीएम / एमसीएच) और एसआर (गैर–डीएम / एमसीएच) एम्स में सीटों / पदों की रूपरेखा दिशानिर्देशों के समिति के सदस्य; ओटी प्रबंधन समिति; और एम्स की 59वीं वार्षिक रिपोर्ट समिति के सदस्य; इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ पीडियाट्रिक सर्जिकल ओंकोलॉजी (आईपीएसओ), और यूरोपियन बोर्ड ऑफ एग्जॉमिनेशन और यूरोपियन सोसाइटी ऑफ पीडियाट्रिक सर्जरी द्वारा संचालित बाल चिकित्सा सर्जिकल कैंसर विज्ञान में स्नातकोत्तर कक्षा के लिए पाठ्यक्रम प्रशिक्षक।

डॉ शिल्पा शर्मा को आई.ए.पी.एस. एथिकॉन यात्रा अध्येतावृत्ति 2016 के लिए चयनित; राष्ट्रीय प्रतिभा सम्मान समारोह 2016 के दौरान पर्वतीय लोक विकास समिति द्वारा दिल्ली गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया था। 3 मार्च 2016 (विश्व जन्म दोष दिवस) पर एक वेबसाइट birthdefect.in का शुभारंभ किया; अध्यक्ष, अनुसंधान अनुभाग, भारतीय बाल शल्य–चिकित्सा संघ 2015–17; संपादकीय बोर्ड के सदस्य, अंतरराष्ट्रीय बाल शल्य–चिकित्सा।

डॉ अंजन धुआ को राष्ट्रीय चिकित्सा चिज्ञान आकदमी से सम्मानित किया गया; एमएनएएसआई, राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, इलाहाबाद के सदस्य से सम्मानित किया; एफआईएपीएस, इंडियन एसोसिएशन ऑफ पीडियाट्रिक सर्जन्स के अध्येता से सम्मानित किया; संपादकीय बोर्ड सदस्य, एसएम जर्नल पीडियाट्रिक सर्जरी; पूर्व सम्मेलन कैंसर विज्ञान पाठ्यक्रम के लिए अध्ययन सामग्री का सह संकलनकर्ता, 16 जून 2015, लजुबलजाना, बाल चिकित्सा सर्जिकल ओंकोलॉजी में स्लोवेनिया और मास्टरक्लास, 26–28 अक्तूबर 2015, राजा फहद आर्म्ड फोर्सेस अस्पताल, जेद्दा।

डॉ प्रबुद्ध गोयल को सदस्य, जीवन विज्ञान और चिकित्सा व्यावसायिक विज्ञान सलाहकार बोर्ड, एक विशेष वैश्विक नेटवर्क बनाया गया था।

अतिथि वैज्ञानिक

1. प्रो. पेनका स्टेफेनोवा, बच्चों का अस्पताल, प्लोवडिव, बुल्गारिया
2. श्री आजाद माथुर, नॉर्विच, यू.के.
3. श्री रॉबर्ट कराची, ग्लासगो
4. सुश्री रोजमेरी मैकेंजी, ग्लासगो।

9.29 विकृति विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष
सुब्रत के. पाण्डा

आचार्य

चित्रा सरकार	मनोज कु. सिंह	एस. दत्ता गुप्ता
ए. के. कारक	रुमा रे	ए. के. डिंडा
एम. सी. शर्मा		वेंकटेश्वरन के. अय्यर

अपर आचार्य

संदीप आर. माथुर		वैशाली सूरी

सहायक आचार्य

सुधीर अरावा	गीतिका सिंह	असित रंजन मिर्धा
दीपाली जैन	प्रसन्नजीत दास	रजनी यादव
सीमा कौशल	शिप्रा अग्रवाल	सौम्या रंजन मलिक
	आदर्श बरवाद	

समूह क अधिकारी

हिमेंद्र सिंह तोमर		शंकर राम आर्य

शिक्षा

स्नातकोत्तर

एम डी छात्र : 21   सीनियर रेजीडेंट : 17   पी एच डी छात्र : 8

अल्पकालीन प्रशिक्षण

1. रक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली से डॉ. गौरव प्रताप सिंह गेहलोत की 1 अप्रैल 2014 से दो वर्षों के लिए दीर्घ अवधि के लिए गए।
2. रक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली से सर्ज. लेट. कमांडर. रितु मेहता 23 दिसंबर 2013 से दो वर्षों के लिए दीर्घ अवधि के लिए गईं।
3. डॉ. लेट. कर्नल प्रज्ञा शर्मा 1 अप्रैल 2015 से दो वर्षों के लिए दीर्घ अवधि तक प्रशिक्षण में शामिल रही हैं।
4. डॉ. मौशमी, मोना दाहल, पुर्बेश अधिकार और शंकर बास्तकोटी ने फरवरी 2016 में एक माह के लिए अल्प अवधि प्रशिक्षण प्राप्त किया।
5. डॉ. सॉन्ग कोल सन, II कोल किम, कोन गुन हांग और रॉयोंग गोन ओम ने 8 सितंबर 2016 से कोरिया सें 8 सप्ताह के लिए अल्प अवधि प्रशिक्षण प्राप्त किया।

6. डॉ. बिपिन कुमार ने 16 जुलाई 2015 से रिनल पैथोलॉजी में एक माह के लिए अल्प अवधि प्रशिक्षण प्राप्त किया।
7. सुश्री तुलसी नेगी, सुश्री प्रिया पूनिया और सुश्री अलका सेनवाल ने 1 जुलाई 2015 से एक माह के लिए अल्प अवधि प्रशिक्षण प्राप्त किया।
8. डॉ. गरिमा डुंडी ने 15 मई 2015 से एक माह के लिए अल्प अवधि प्रशिक्षण प्राप्त किया।

प्रदत्त व्याख्यान

एस. के. पांडा : 1	चित्रा सरकार : 8	एम. के. सिंह : 5	एस. दत्ता गुप्ता : 12
ए. के. डिंडा : 10	रुमा रे : 1	एम. सी. शर्मा : 15	संदीप माथुर : 9
वैशाली सूरी : 5	रजनी यादव : 2	असित रंजन मिर्धाः 9	दीपाली जैन : 6
सीमा कौशल : 2	सौम्या रंजन : 4	सुधीर कुमार ए : 3	प्रसन्नजीत दास : 7
आदर्श बरवाद : 3			

मौखिक शोध पत्रों / पोस्टरों की प्रस्तुति : 56

पुरस्कार

गैस्ट्रो हिपेटोपैथोलॉजी – एक मामला आधारित चर्चा पर नैदानिक – विकृति विज्ञान संबंधी सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर, तृतीय पुरस्कार पोस्टर, हिंदुस्तान सिबा गायगी एपिलेप्सी पुरस्कार, हर्बर्ट क्रॉस न्यूरोऑन्कोलॉजी पुरस्कार, द्वितीय पुरस्कार – पोस्टर, प्रथम – पोस्टर सर्वश्रेष्ठ पोस्टर, प्रशंसा पुरस्कार, सर्वश्रेष्ठ मौखिक मामला प्रस्तुतीकरण पुरस्कार, नई दिल्ली, 21 फरवरी 2016; सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुतीकरण के लिए प्रो. के. सी. बासु मल्लिक पुरस्कार, इंडियन एसोसिएशन ऑफ पैथोलॉजिस्ट एंड माइक्रोबायोलॉजिस्ट (एपीसीओएन 2015) का 64वां वार्षिक सम्मेलन, कोची, 4–6 दिसंबर 2015; द्वितीय पुरस्कार, युवा जांच अन्वेषक पुरस्कार सत्र, 56वां वार्षिक सम्मेलन, इंडियन सोसायटी ऑफ गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी (आईएसजीसीओएन 2015), इंदौर, 19–22 नवंबर 2015; प्रथम पुरस्कार, पूर्ण अधिवेशन, इंडियन सोसायटी ऑफ गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी (आईएसजीसीओएन 2015) का 56वां वार्षिक सम्मेलन, इंदौर, 19–22 नवंबर 2015, आईएसजी एबीओटीटी प्रेसिडेंशियल पोस्टर पुरस्कार।

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. हेपेटाइटिस ई वायरस (एचईवी) जीवन चक्र में वायरल प्रोटीज और मेजबान अंतर्जात प्रोटीएज़ की भूमिका। एस. के. पांडा, डीएसटी, 3 वर्ष, 26.11.2015 – 25.11.2018, 58.63 लाख रुपए।
2. जे सी बोस अध्येतावृत्ति। एस. के. पांडा, डीएसटी, 2007 से सेवानिवृत्ति तक, 1.21 करोड़ रुपए।
3. आभासी शिक्षण के लिए स्वास्थ्य और चिकित्सा विज्ञान में डिजाइन एवं ई पाठ्यक्रम का विकास, मनोज के. सिंह, उन्नत कंप्यूटर विकास केंद्र (सी–डैक), 3 वर्ष, 26.12.2013 से 25.12.2016, 118.17 लाख रुपए।
4. आभासी कौशल प्रयोगशाला, मनोज के सिंह, 2 वर्ष, 10.10.2014 से 09.10.2016, 262.50 लाख रुपए।

5. हिपेटोब्लास्टोमा में सेलुलर संकेत नेटवर्क का अध्ययन, रजनी यादव, अ. भा. आ. सं., 2 वर्ष, 2015–17, 9.7 लाख रुपए।
6. वक्ष कैंसर के रोगियों में आक्रामक रोग की भविष्यवाणी के लिए कैंसर पूर्वानुमान परीक्षण का विकास, संदीप आर. माथुर, डीबीटी, 3 वर्ष, 2012–15, 17 लाख रुपए।
7. आण्विक उप प्रकार और एण्ड्रोजन रिसेप्टर स्थिति के आधार पर युवा महिलाओं में स्तन कैंसर का स्तरीकरण : एक क्लिनिकोपैथोलॉजिकल अध्ययन, संदीप आर. माथुर, एम्स, 2 वर्ष, 2014–16, 4.9 लाख रुपए।
8. एविंग सार्कोमा में सी. एक्स. सी. आर.4, एस. डी. एफ.– 1, सी. एक्स. सी. आर.7 अभिव्यक्ति का इम्यूनोहिस्टोकैमिकल विश्लेषण, पी53 उत्परिवर्तन और केआई 67 लेबलिंग इंडेक्स (एल आई) के साथ इसका सह संबंध तथा भावी निहितार्थ, असित रंजन मिर्धा, एम्स, 2 वर्ष, 2013–15, 5 लाख रुपए।
9. पूरे एक्सॉम अनुक्रमण के माध्यम से ग्लियोमा विकास और प्रगति को उजागर करना, चित्रा सरकार, डीबीटी, 3 वर्ष, 2013–16, 99 लाख रुपए (लगभग)
10. जे. सी. बोस अनुसंधान अध्येतावृत्ति, चित्रा सरकार, डीएसटी, 5 वर्ष 2016–20, प्रति वर्ष 10 लाख रुपए।
11. फेफड़ों के कैंसर के आणविक सबटाइपिंग में ईजीएफआर उत्परिवर्तन, एएलके जीन पुनर्व्यवस्था, केआरएएस उत्परिवर्तन, और एफ.जी.एफ.आर.1 उत्परिवर्तन की पहचान। दीपाली जैन, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2014– 16, 20 लाख रुपए
12. पल्मोनरी एडीनोकार्सीनोमा वाले रोगियों के ट्यूमर ऊतकों और सीरा के मिलान में ईजीएफआर उत्परिवर्तन का पता लगाना और तुलना, दीपाली जैन, डीबीटी, 3 वर्ष, 2014–17, 25 लाख रुपए।
13. गैर लघु सेल फेफड़ों के कार्सिनोमा में काइनेज मार्ग संकेतन में रैपेमिसिन का स्तनधारी लक्ष्य (एमटीओआर) और माइटोजन सक्रिय प्रोटीन (एमएपी) का एक व्यापक विश्लेषण। दीपाली जैन, लेडी टाटा मेमोरियल ट्रस्ट, 3 वर्ष, 2015 – 18, 15 लाख रुपए।
14. गैर लघु सेल कार्सिनोमा में पीडी–एल1 अभिव्यक्ति का विश्लेषण : वैकल्पिक प्रतिरक्षा लक्षित चिकित्सा के लिए निहितार्थ। दीपाली जैन, अ. भा. आ. सं., 1 वर्ष, 2015–16, 4 लाख रुपए।
15. ब्लेडर यूरोथेलियल कार्सिनोमा में एमआईआर200सी और ईएमटी मार्करों (जेडईबी1, जेडईबी2 और ट्विस्ट) का अध्ययन। सीमा कौशल, अ. भा. आ. सं., 1 वर्ष, 2015–16, 4.84 लाख रुपए।
16. नैदानिक क्षमता, प्रोग्नोस्टिक और चिकित्सीय संकेतक के रूप में थायराइड की पेपिलरी कार्सिनोमा में बीआरएएफ (वी600ई) उत्परिवर्तन और एमएपीके / ईआरके मार्ग सक्रियण मार्कर का मूल्यांकन। शिप्रा अग्रवाल, अ. भा. आ. सं., 2 वर्ष, 2015–17, 10 लाख रुपए।
17. प्राथमिक फैलाव बड़े बी सेल लिंफोमा में सेल चक्र नियामक अणु (पी53, आरबी, पी16, पी14) और एपिजेनेटिक विनियामक (ईजेडएच2) के प्रतिरक्षा ऊतक रसायन अभिव्यक्ति के बीच सहयोग का मूल्यांकन करना। सौम्या रंजन मलिक, अ. भा. आ. सं., 2 वर्ष, 2015–16, 9.7 लाख रुपए।
18. रिफ्रेक्टरी / रिलेप्स्ड प्राथमिक बड़े बी सेल लिंफोमा वाले रोगियों में सरवाइवल पर सीएमवाईसी, बीसी12, बीसी16 और एपस्टीन बर्र वायरस की भूमिका का मूल्यांकन करना : एक एम्बिस्पेक्टिव अध्ययन। सौम्या रंजन मलिक, डीएसटी, 3 वर्ष, 2016–19, 30 लाख रुपए।
19. ह्यूमन कॉर्नियल कंस्ट्रक्ट एसेम्बलिंग हेतु सेल शीट इंजीनियरिंग। ए. के. डिंडा, आई आई टी – दिल्ली, 5 वर्ष, 2011–16, 1 करोड़ रुपए।
20. विसरल लिशमानियासिस के इलाज के लिए एम्फोटेरिसिन बी की औषधि प्रदायगी प्रणाली आधारित लागत प्रभावी नैनो कण का विकास, ए के डिंडा, डी बी टी, 5 वर्ष, 2012–17, 89 लाख रुपए।

21. प्रोइंफ्लेमेटरी साइटोकिन्स के प्लाज्मा स्तर पर विशिष्ट एसआईआरएनए और इसके प्रभाव द्वारा मोनोसाइट / माइक्रोफेज पर ऑक्सीडाइज–एलडीएल रिसेप्टर (एलओएक्स–1) की विवो साइलेंसिंग के लिए एसआईआरएनए प्रदायगी आधारित नैनो कण–पशु मॉडल में एक अध्ययन। ए. के. डिंडा, डीबीटी, 3 वर्ष 2013–16, 35.66 लाख रुपए।
22. बढ़ते प्रतिजन प्रस्तुति और लंबे समय तक उन्मुक्ति के साथ नए नैनो कण आधारित हिपेटाइटिस बी (एचबीवी) टीके का विकास। ए. के. डिंडा, डीबीटी, 3 वर्ष, 2013–16, 91.36 लाख रुपए।
23. मौखिक और श्वसन मार्ग के माध्यम से बृहत भक्षककोशिका रिसेप्टर विशिष्ट लक्ष्यीकरण के लिए नैनो पर्टिकुलेट एंटीट्यूबरकुलर दवा वितरण प्रणाली का विकास : प्रथम चरण का अध्ययन। ए. के. डिंडा, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2015–17, 49.73 लाख रुपए।
24. भविष्य कैंसर स्क्रीनिंग की कोलोन – खोज की संभावना के सूक्ष्म प्रेनियोप्लास्टिक घावों का आण्विक लाक्षणीकरण। पी. दास, डीबीटी, 3 वर्ष, 2015–18, 25 लाख रुपए।

पूर्ण

1. उप जीनोमिक आरएनए के निर्माण के लिए जिम्मेदार हिपेटाइटिस ई वायरस में इंटरजेनिक सिस के रूप में कार्यरत तत्वों का विश्लेषण। एस. के. पांडा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 4 अप्रैल 12 – 3 अप्रैल 2015, 61,264 रुपए।
2. गैर एल्कोहोलिक वसा यकृत रोग (एनएएफएलडी) और गैर एल्कोहोलिक स्टीटो हिपेटाइटिस (एन.ए.एस. एच) के विकृति शरीर क्रिया विज्ञान अध्ययन हेतु एक अंतः पात्र प्रणाली का विकास। एस. के. पांडा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 1 अगस्त 12 – 31 जुलाई 15, 48.33 लाख रुपए।
3. ग्लियोमास में पॉलीकोम्ब रीप्रैसिव कॉम्प्लेक्सिस का एक लाक्षणिक विकृति विज्ञानी तथा आण्विक आनुवंशिक अध्ययन। चित्रा सरकार, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2012–15, 50 लाख रुपए (लगभग)।
4. ग्लियोब्लास्टोमा मल्टीफॉर्म में बड़े इमप्रिंटिड एमआईआरएनए समूह की भूमिका समझने के लिए जीनोमिक और कार्यात्मक मार्ग। चित्रा सरकार, डीबीटी, 3 वर्ष, 2012–15, 50 लाख रु. (लगभग)।
5. बाल चिकित्सा मेनिनजियोमास बनाम वयस्क में क्लिनिको पैथोलॉजिकल सुविधाओं और आण्विक आनुवंशिक परिवर्तन का एक अध्ययन। वैशाली सूरी, अ. भा. आ. सं., 3 वर्ष, 2013–15, 10 लाख रुपए।
6. थोरेसिक एओर्टिक एन्यूरिज्म में मेट्रिक्स मेटेलो प्रोटीनेस – 2, मेट्रिक्स मेटेलो प्रोटीनेस – 9, ऊतक संदमक मेटेलो प्रोटीनेस – 1, ऊतक संदमक मेटेलो प्रोटीनेस – 2, कोलेजन 1 और 4 की अभिव्यक्ति। सुधीर अरावा, अ. भा. आ. सं., 2 वर्ष, 2013–15, 5 लाख रुपए।
7. स्तन कैंसर में भावी मार्कर के तौर पर एमआईआरएनए वि–विनियमन और आई एल–10 अभिव्यक्ति का अध्ययन। ए के डिंडा, सीएसआईआर, 3 वर्ष, 2012–15, 25 लाख रुपए।
8. इनमास जैव चिकित्सा उत्पादों की मानव फॉर्मेकोलॉजी और आविष विज्ञान रूपरेखा। ए के डिंडा, डी आर डी ओ, 3 वर्ष, 2012 – 15, 19 लाख रुपए।
9. भारतीय रोगियों में सेलियाक रोगों के निदान और अनुवर्तन के लिए वस्तु प्रकाश सूक्ष्मदर्शी और आकारिकी मानदण्डों का विकास। प्रसन्नजीत दास, अ. भा. आ. सं., 2 वर्ष, मार्च 2013 – फरवरी 2016, 10 लाख रुपए।

10. क्रोनिक हिपेटाइटिस में यकृत साइटोकाइन अभिव्यक्ति, हिपेटोसाइट प्रोलिफरेशन, प्रोजिनेटर सेल सक्रियण। एस दत्ता गुप्ता, अ. भा. आ. सं., 2 वर्ष, 2013–15, 5 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. आण्विक उप प्रकार द्वारा युवा महिलाओं में स्तन कैंसर का स्तरीकरण।
2. बांझपन वाले रोगियों में एंडोमेट्रियल ट्यूबरकुलोसिस के इम्युनोहिस्टोकैमिकल मूल्यांकन।
3. सीरम एचडीएल कोलेस्ट्रॉल का निर्धारण करने में वसा युक्त ऊतकों के एबीसीए1 की भूमिका की खोज।
4. एंडोमेट्रियोसिस में एस्ट्रोजेन का आण्विक आधार।
5. ऑलिगोडेंड्रोग्लियोमास में एमआईआरएनए की रूपरेखा।
6. मिर्गी जुड़े ट्यूमर – आनुवंशिक परिवर्तन और माइक्रो आरएनए की रूपरेखा का अध्ययन।
7. पीडियाट्रिक मेनिनजियोमास – क्लिनिकोपैथोलॉजिक सुविधाएं, हार्मोनल रूपरेखा और आनुवंशिक परिवर्तन का अध्ययन।
8. वयस्क मेड्यूलोब्लास्टोमास – आण्विक सबटाइपिंग और क्लिनिकोपैथोलॉजिकल सह–संबंध।
9. ओलिगोडेंड्रोग्लियोमास में बीआरएएफ और पीआई3के / एमटीओआर मार्ग में परिवर्तन।
10. डीएनईटी और गैंग्लियोमस में एमटीओआर मार्ग।
11. हॉडकिंस लिम्फोमा में 1एल–6 का अध्ययन।
12. सीएनएस पीएनईटी की प्रतिरक्षा ऊतक रसायन और आण्विक विश्लेषण का अध्ययन।
13. स्पाइनल एपेंडायमोमा में एनएफ–2 और एमटीओआर मार्ग का अध्ययन।
14. पीनियल ट्यूमर में आण्विक परिवर्तन और प्रोग्नोस्टिक मार्करों का अध्ययन।
15. भारत में फेफड़े एडिनोकार्सिनोमा में सामान्य ड्राइवर उत्परिवर्तन : एक विश्लेषण प्रतिरक्षा ऊतक रसायन।
16. एनएससीएलसी में ईजीएफआर डाउनस्ट्रीम संकेतक मार्गों का विश्लेषण और ईजीएफआर टीके1 प्रतिरोध के तंत्र स्पष्ट करना।
17. मूत्राशय कार्सिनोमा में ईएमटी मार्कर का अध्ययन।
18. तीव्र रोधगलन और उसके निदान महत्व के लिए रोगियों में प्राथमिक पीसीआई कराने के बाद थ्रोम्बस एस्पीरेटिड का लाक्षणीकरण।
19. चूहों में ब्लियोमिसिन प्रेरित पल्मोनरी टॉक्सीसिटी में मेटफोर्मिन पर अध्ययन।
20. चेहरे की मात्रा घटने के उपचार में ऑटोलॉगस गैर–सुसंवर्धित त्वचीय लिए सेल निलंबन प्रत्यारोपण।
21. हाइपर पिगमेंटेशन का डर्मोस्कोपिक अध्ययन।
22. ल्यूप्स मिलियारिस डिसेमिनेट्स फेसिसेइ और ग्रेनूलोमेटोस चेलिटिस का क्लिनिको पैथोलॉजिकल अध्ययन।
23. मौखिक स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा और वेरुकोकस कार्सिनोमा में एचपीवी 16 और ईएचएफआर उत्परिवर्तन।

24. चूहे में प्रायोगिक फुफ्फुसीय धमनी के उच्च रक्तचाप में अर्जुन (अर्जुन वृक्ष (रोक्स्ब)), और तुलसी (ओसिमम सैंक्टम (लिन.)) का मूल्यांकन।
25. मौखिक उप म्यूकस फाइब्रोसिस के प्रतिरक्षा ऊतक रसायन विशेषताएं और शल्य परिणाम।
26. प्राथमिक सिलिअरी डिस्कीनेसिया के चिकित्सकीय संदिग्ध मामलों में सिलिअरी असामान्यता के इलेक्ट्रॉन सूक्ष्म अध्ययन।
27. सोने के नैनो कणों का रेडियोवर्धन क्षमता का अध्ययन।
28. गठिया के लिए लक्षित नैनो दवा वितरण प्रणाली का विकास।
29. काला – जार के उपचार हेतु नैनोपार्टिकल्स आधारित औषधि डिलीवरी प्रणाली को लक्षित करना।
30. क्रियाशील जैव संगत बहुलक घाव ड्रेसिंग की कम लागत का विकास।
31. मेम्ब्रेनस ग्लोमेरुलोनेफेराइटिस के गुर्दे बायोप्सी पर पीएलएआर–2 प्रतिरक्षा ऊतक रसायन का अध्ययन।
32. पैनक्रियाटिक और कोलेनजियोकार्सिनोमा में एमयूसी1, एमयूसी5ए, एमयूसी4 और आरईजी4 की भूमिका।
33. डेस्मोप्लास्टिक गैस्ट्रोइंटेरो पैन्क्रिएटिक ट्यूमर में स्पार्क की भूमिका को खोजना : लक्षित चिकित्सा के लिए एक संभावित एजेंट।
34. पित्ताशय में श्वान सेल हैमर्टोमा : एक घाव जो कभी भी पहचाना नहीं जाता।
35. लद्दाख के निवासियों और उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में हिपलोरी जीनोटाइपिंग और जीनोमिक विविधता मूल्यांकन।
36. गैर–एल्कोहोलिक स्टीटोहैपेटाइटिस और हेपैटोसेलुलर कार्सिनोमा के बीच एक पैथोजेनेटिक लिंक स्थापित करने में यह उपयोग की व्यवहार्यता की जांच करने के लिए यकृत में सामान्य एमआईआरएनए अभिव्यक्ति पैटर्न की रूपरेखा।
37. कोलोरेक्टल कार्सिनोमा और सामान्य नियंत्रण की तुलना में डीएनए मेथिलिकरण विशिष्ट पीसीआर अमापन द्वारा ट्यूमर सप्रेसर जीनों की मेथिलिकरण स्थिति का पता लगाना।
38. एक्स्ट्रा हिपेटिक पोर्टल वेनस ऑब्स्ट्रक्शन और यकृत के गैर – सिरोटिक पोर्टल फाइब्रोसिस का हिस्टोलॉजिकल भेदभाव।

पूर्ण

1. मृत प्रसव के प्ररूपी लाक्षणीकरण में वर्चुअल और परम्परागत शव परीक्षण का तुलनात्मक अध्ययन।
2. नियो–एडजुवेंट कीमोथेरेपी के बाद ट्यूमर के इविंग सारकोमा के परिवार की प्रतिक्रिया के आकलन में एमआर की भूमिका।
3. ग्लियोमा में हिस्टोन मार्करों की अभिव्यक्ति।
4. पीडियाट्रिक ग्लियोब्लास्टोमा में एमआईआरएनए की रूपरेखा।
5. जीबीएम के आण्विक वर्गीकरण के लिए सरलीकृत दृष्टिकोण।
6. सीएनएस के एटीआरटी में ईजेडएच2, साइक्लिन डी1 और वीईजीएफ की अभिव्यक्ति।
7. इंट्राक्रेनियल जनन कोशिका ट्यूमर – बहु केंद्र अध्ययन।
8. पीडियाट्रिक ऑलिगोडेंड्रोग्लियोमास – आण्विक आनुवंशिक परिवर्तन का अध्ययन।
9. ग्लियोब्लास्टोमास में डीएनए मिथाइलट्रांसफरेस की अभिव्यक्ति।
10. एपीडायमोमा में आरईएलए फ्यूजन का अध्ययन।
11. एपीडायमोमा में न्यूक्लेयोफोस्मिन का अध्ययन।

12. हेमार्टिन – ट्यूबरिन, डब्ल्यूएनटी / बी कैटेनिन, एम–टीओआर संकेतक और फोकस कोर्टिकल डिसप्लासिया में स्टेम सेल मार्करों का अध्ययन।
13. फाइब्रोसिस, केशिका घनत्व, आर्टीओलर घनत्व और कोलेजन आईवी वितरण के पैटर्न का हिस्टोलॉजिक तथा मोर्फोमेट्रिक विश्लेषण करने के विशेष संदर्भ सहित विस्तारित कार्डियोमायोपैथी का विकृति विज्ञान मूल्यांकन – एंडोमायोकार्डियल बायोप्सी तथा एक्सप्लांटिड नेटिव हृदय का अध्ययन।
14. युवा भारतीयों में कोरोनरी एथेरोस्क्लोरोसिस की व्यापकता : एक ऑटोप्सी अध्ययन।
15. सर्वाइकल लिम्फ नोड में मेटास्टेटिक स्क्वैमस कोशिका कार्सिनोमा की तुलना में वेरुकोस कार्सिनोमा और मुंह के स्क्वैमस कोशिका कार्सिनोमा में ई–कैधेरीन, बीटा–कैधेरीन और विमेंटिन का इम्यूनोहिस्टोकैमिकल अध्ययन।
16. विटिलिगो में प्रत्यारोपण के लिए एकल एंजाइम (ट्रायपसिन) और कई एंजाइमों (ट्रायपसिन, कोलेजेनेस और डिसपेस) का उपयोग कर तैयार फोलिकल आउटर रूट शेथ सेल निलंबन के विभिन्न सेल जनसंख्याओं की प्रभावकारिता और संरचना का तुलनात्मक अध्ययन।
17. इम्यूनोहिस्टोकैमिस्ट्री पर विशेष बल सहित क्यूटेनियस तपेदिक का क्लिनिको मॉर्फोलॉजिकल अध्ययन।
18. मैक्यूलोपेपुलर वायरल एक्जेंथीमा और दवा प्रेरित एक्जेंथीमा की हिस्टोपैथोलॉजिकल सुविधाओं का आकलन।
19. लिम्फ नोड मेटास्टेसिस के साथ और इसके बिना तथा वेरुकोस कार्सिनोमा में मुंह के स्क्वेमस कोशिका कार्सिनोमा में जैक–पी, स्टैट–3 और बी सी एल–2 की इम्यूनोहिस्टोकैमिकल अभिव्यक्ति।
20. कैल्शियम फॉस्फेट आधारित और गोल्ड नैनो पार्टिकल के इंडोसाइटोसिस और फेट का अध्ययन।
21. इमेजिंग और कैंसर लक्षित करने के लिए धातु नैनो पार्टिकल।
22. स्तन कैंसर में आईएल–10 विनियामक एमआईआरएनए का अध्ययन।
23. कोलोन के माइक्रोस्कोपिक प्रीनियोप्लास्टिक म्यूकोसल घावों में आण्विक परिवर्तन की जांच।
24. डिस्पेप्सिया के रोगियों में इयोसिनोफिलिक एसोफेगिटिस की व्यापकता का आकलन।
25. क्रोहन रोग की आंतों की बायोप्सी में माइकोबैक्टीरियम पैराट्यूबरकुलोसिस की व्यापकता की जांच।
26. प्रारंभिक सीलिएक रोग में एपॉप्टोटिक मार्ग वाले मार्करों का एक पूर्वव्यापी अध्ययन : क्या इससे उपचार की कार्यनीति बदल जाएगी।
27. भारतीय रोगियों में सेलियाक रोगों के निदान और अनुवर्तन के लिए वस्तु प्रकाश सूक्ष्मदर्शी और आकारिकी मानदण्डों का विकास
28. यकृत फाइब्रोसिस में कैथेपसिन एल और बी अभिव्यक्ति का उन्नयन : चूहा मॉडल और रोगियों में एक अध्ययन।
29. बैरेट एसोफेगस में वास्तविक ग्रेड डिसप्लेसिया के लिए मार्फोलॉजिकल और इम्युनोहिस्टोकैमिकल मार्करों की तुलना।
30. साइटोसेंट्रिफ्यूज्ड बायोप्सी लगाने की तैयारी : लुमेन आवास आंत्र परजीवी के माइक्रोस्कोपिक निदान की एक साधारण लागत प्रभावी तकनीकी सुविधा।
31. प्राथमिक अज्ञात जठरांत्र से एक एडिनो कार्सिनोमा के मूल स्थल का निर्धारण करने में हेप पार 1 अभिव्यक्ति स्थित एक भूमिका पर कार्य करना।

सहयोगी परियोजना

जारी

1. उच्च ग्रेड सर्वाइकल इंट्राएपिथिलियल नियोप्लासिया के निदान के लिए एचपीवी ई6/ ई7 एमआरएनए एसे और उच्च जोखिम एचपीवी डीएनए परीक्षण का तुलनात्मक मूल्यांकन। (स्त्री रोग और प्रसूति विज्ञान)।
2. स्तन कैंसर के रोगियों में आण्विक मापदंडों सहित पूर्वाभासी कारकों के जैव सांख्यिकीय पहलू : एक महामारी मूल्यांकन (बीआरए आईआरसीएच)।
3. स्तन कैंसर के ऑप्टिकल लाक्षणीकरण। (सर्जरी)।
4. एंडोमेट्रियल पैथोलॉजी के आकलन में शेयरवेव एलास्टोग्राफी और मल्टीपैरामेट्रिक एमआरआई की भूमिका। (विकिरण निदान)।
5. एफडीजी पीईटी सीटी, एमआरआई और एनएमआर का उपयोग कर स्तन कैंसर का आण्विक वर्गीकरण : एक प्रायोगिक अध्ययन। (सर्जरी)।
6. स्तन कैंसर और स्तन संरक्षण सर्जरी के लिए चयनित रोगियों के निदान के ऑपरेशन से पहले मूल्यांकन के लिए स्तन के सीई – एमआरआई और एमआर निर्देशित स्तन बायोप्सी की भूमिका (विकिरण निदान)।
7. ट्रिपल नेगेटिव स्तन कैंसर में एपिडर्मल वृद्धि कारक प्रतिक्रिया और साइटोकेरेटिन 5/6 की अभिव्यक्ति का मूल्यांकन और खराब प्रोग्नोस्टिक मॉर्फोलॉजिकल विशेषताओं का सह–संबंध, नियो–एडजुवेंट कीमोथेरेपी के लिए प्रतिक्रिया और परिणाम। (चिकित्सा अर्बुदविज्ञान)।
8. ग्लियोमा में एफएटी 1 जीन अभिव्यक्ति का विनियमन, जैव रसायन विभाग, एम्स, नई दिल्ली।
9. 'मिर्गी के इलाज के लिए कठिन' के विशेष संदर्भ में मिर्गी में उत्कृष्टता का केंद्र (तंत्रिका शल्य चिकित्सा)।
10. पल्मोनरी एडीनोकार्सिनोमा में प्लाज्मा ईजीएफआर उत्परिवर्तन (फेफड़े संबंधी चिकित्सा और निद्रा विकार)।
11. नैदानिक लचीला ब्रोंकोस्कोपी के लिए 1 प्रतिशत बनाम 2 प्रतिशत लिग्नोकेन की तुलना; यादृच्छिक चिकित्सीय परीक्षण। (फेफड़े संबंधी चिकित्सा और निद्रा विकार)।
12. पेरिफेरल फेफड़े के घावों के निदान के लिए रेडियल प्रोब एंडोब्रोंकाइल अल्ट्रासाउंड (आरपी – ईबीयूएस) की विशेषताओं का प्रदर्शन (फेफड़े संबंधी चिकित्सा और निद्रा विकार)।
13. चेस्ट इमेजिंग में बुखार और मिलियरी शैडोइंग के साथ आने वाले रोगियों में ब्रोंकोस्कोपिक प्रक्रियाओं के नैदानिक उपज का आकलन। (काय–चिकित्सा)
14. ट्यूबरकुलोसिस में जीन एक्सपर्ट प्रदर्शन का मूल्यांकन। (काय–चिकित्सा)
15. चरण 3बी या 4 गैर स्क्वैमस गैर लघु सेल फेफड़े के कैंसर वाले रोगियों में रखरखाव पेमेट्रेक्स्ड के अनुपालन द्वारा रखरखाव पेमेट्रेक्स्ड बनाम पैक्लिटैक्सेल पल्स कार्बोप्लाटिन के अनुपालन द्वारा पेमेट्रेक्स्ड पल्स कार्बोप्लाटिन की प्रभावकारिता या सुरक्षा की तुलना के लिए खुले लेबल यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण। (चिकित्सा अर्बुद विज्ञान)
16. टेस्टीकुलर जर्म सेल ट्यूमर के लिए बायोमार्कर के रूप में एमआईआरएनए परिसंचारी। (रिप्रोडक्टिव मेडिसिन)।
17. प्रोस्टेट कैंसर में एमआईआरएनए का अध्ययन। (मूत्ररोग विज्ञान)
18. फोलिकुलर लिम्फोमा में लेनालिडोमाइड पल्स रिटुक्सीमेब बनाम बेंडम्यूस्टाइन पल्स रिटुक्सीमब के चरण 3 खुले लेबल यादृच्छिक परीक्षण। (चिकित्सा अर्बुद विज्ञान)।
19. दिल का दौरा पड़ने में फाइब्रोसिस। (भारत और यूके में भेषज गुण विज्ञान, हृदय रोग विज्ञान)।

20. रिकैलसिट्रेंट एनोजेनाइटल और एक्स्ट्रा जेनाइटल (सामान्य) वॉट्र्स में माइकोबैक्टीरियम टीका और इसके चिकित्सीय परीक्षण के प्रतिकूल प्रभाव और इंजेक्शन के दर्द को कम करने के लिए एक नया निर्माण और पैकेजिंग का विकास। (त्वचा रोग विज्ञान)।
21. फेशियल वॉल्यूम हानि के उपचार में ऑटोलॉगस गैर सुसंवर्धित त्वचा कोशिका निलंबन प्रत्यारोपण। (त्वचा रोग विज्ञान)।
22. चूहों में ब्लियोमिसिन प्रेरित पल्मोनरी टॉक्सीसिटी में सीसमोल पर अध्ययन (भेषज गुण विज्ञान)
23. पेंफिगस वलगरिस के इम्युनोपैथोजेनेसिस में पैटर्न मान्यता रिसेप्टर्स (पीआरआर) के साथ $\gamma\delta$ टी सेल सबसेट के प्ररूपी और कार्यात्मक भूमिका की खोज। (भेषज गुण विज्ञान)
24. सीज़र के विभिन्न पशु मॉडलों में एंटीएपिलेक्टिक दवाओं के नैनोफॉरम्यूलेशन की प्रभावकारिता का अध्ययन करना। (भेषज गुण विज्ञान)।
25. उन्नत घाव उत्पाद के पशु परीक्षण। (शल्य चिकित्सा)
26. ईएमटी संबंधी प्रोटीन अभिव्यक्ति और माइक्रो आरएनए 200ए, बी, सी द्वारा एपिथेलियल ओवरियन कैंसर वाले रोगियों में गंभीर रोग का आकलन। (स्त्री रोग और प्रसूति विज्ञान)
27. स्थानीय रूप से उन्नत, रिसेक्टेबल कार्सिनोमा गॉल ब्लेडर वाले रोगियों में कंकरंट बनाम सिक्वेंशियल नियोएडजुवेंट कीमो रेडियोथेरेपी के पश्चात् शल्य चिकित्सा : एक पायलट अध्ययन। (जीआई शल्य चिकित्सा, चिकित्सा अर्बुद विज्ञान, विकिरण अर्बुद विज्ञान)।
28. कोलोरेक्टल कार्सिनोजेनेसिस के दौरान कोलोन म्यूकोसा में अनोखे मोर्फोलॉजिकल आइडेंटीफिएबल प्री नियोप्लास्टिक घावों की पहचान (जीआई शल्य चिकित्सा, शल्य चिकित्सा)।
29. पेट के सूक्ष्म प्रेनियोप्लास्टिक म्यूकोसल वाले घावों में परिवर्तित प्रोटीन अभिव्यक्ति की जांच, (जीआई शल्य चिकित्सा, शल्य चिकित्सा)।
30. कोलोरेक्टल कैंसर में केआरएएस उत्परिवर्तन का पता लगाने के लिए कम लागत वाली विधियों का मान्यकरण, (विकृति विज्ञान)।
31. पोस्ट–प्राइमरी ट्यूबरकुलोसिस के नैदानिक, रोग अभिव्यक्ति और रोग परिणाम के साथ एम. क्षय रोग के विभिन्न जीनोटाइप के अग्नाशय कैंसर, जठरांत्र विज्ञान और एच एन यू. जैव रसायन, विकृति विज्ञान संघ में संकेत पारगमन वाले नियमन एमआईआरएनए मॉड्यूलेटिंग की भूमिका पर एक अध्ययन। (प्रयोगशाला चिकित्सा, टीबी और श्वसन रोग चिकित्सा, विकृति विज्ञान और एलआरएस संस्थान)।
32. सेलिएक रोग और अन्य एंटेरोपैथीज वाले रोगियों में विलस असामान्यताओं के आकलन के लिए बायोमार्कर। (जठरांत्र विज्ञान और एचएनयू)।
33. प्रोटीन प्रोफाइलिंग द्वारा इंडोमेट्रोसिस के विकृति शरीर क्रिया विज्ञान को समझना तथा तनाव के साथ इसका सह संबंध। (शरीर क्रिया विज्ञान, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान, प्रजनन जीव विज्ञान, जैव सांख्यिकी)।
34. ''प्टेरिगो – पेलेटाइन फोसा – प्टेरिगोइड कैनल कॉम्पलेक्स'' के भ्रूण विकास के हिस्टोलॉजिकल मूल्यांकन द्वारा जुवेनाइल नेसल एंजियोफाइब्रोमा (जेएनए) की उत्पत्ति का अन्वेषण और जेएनए के साथ मामलों में पहली ब्रेकियल आर्च रेमनेंट विडियन आर्टरी का आकलन। (ईएनटी, शारीरिक रचना, रेडियोडायग्नोसिस, विकृति विज्ञान, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान)।
35. पोस्ट – केसाइ पोर्टोएंटेरोस्टॉमी की प्रारंभिक परिणाम का पूर्वानुमान के लिए सरल मार्कर के रूप में पूर्व शल्य चिकित्सा और पश्चात सीरम बिलिरूबिन और एल्केलाइन फॉस्फेट का अनुपात। (बाल शल्य चिकित्सा)।

36. क्रोनिक हेपेटाइटिस पर तीव्र नैदानिक और हिस्टोपैथोलॉजिकल सुविधाओं का अध्ययन। (जठरांत्र रोग विज्ञान और एचएनयू)।
37. गैर – सिरोटिक पोर्टल फाइब्रोसिस (एनसीपीएफ) और एक्स्ट्रा हिपेटिक पोर्टल वेनस ऑब्स्ट्रक्शन (ईएचपीवीओ) की हिस्टोपैथोलॉजी, (जठरांत्र रोग विज्ञान और एचएनयू, जीआई शल्य चिकित्सा)।
38. लिवर फाइब्रोसिस के हिस्टोलॉजिकल और फाइब्रो स्कैन स्कोरिंग की तुलना, (जठरांत्र रोग विज्ञान और एचएनयू)।
39. रोगसूचक और स्पर्शोन्मुख मामलों और परिवार के सदस्यों में सीलिएक रोग का हिस्टोपैथोलॉजी, (जठरांत्र रोग विज्ञान और एचएनयू)।
40. अस्वस्थ मोटापे में लेप्रोस्कोपिक स्लीव गैस्ट्रेक्टॉमी (बैरिएट्रिक सर्जरी) पर गैर एल्कोहलिक वसामय यकृत रोग (एनएएफएलडी) का प्रभाव, (शल्य चिकित्सा, जठरांत्र रोग विज्ञान और एचएनयू)।
41. स्थानीय रूप से उन्नत गुदा कैंसर में नियोएडजुवेंट कीमोरेडियोथेरैपी की प्रतिक्रिया के लिए प्रीडिक्टिव बायोमार्कर (विकिरण अर्बुद विज्ञान, शल्यक अर्बुद विज्ञान)।
42. एनएमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी और इम्युनोहिस्टोकैमिस्ट्री का उपयोग करते हुए सेलिएक रोग में आंत्र म्यूकोसा के मेटोडोनोमिक्स और एंजाइम गतिविधि रूपरेखा का सहसंबंध (नाभिकीय चुम्बकीय अनुनाद, जठरांत्र रोग विज्ञान और एचएनयू)।
43. तीव्र और जीर्ण यकृत रोग में लीवर बायोप्सी (जठरांत्र रोग विज्ञान और एचएनयू)।
44. हिर्स्चस्प्रुंग रोग के लिए कोलेक्टोमी के बाद गैर–गतिशीलता के कारणों का लाक्षणीकरण (बाल शल्य चिकित्सा)।
45. इन विट्रो एनएमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी का उपयोग कर सेलियाक रोग वाले रोगियों में मल्टी – सिस्टम संलिप्तता की जांच के लिए अध्ययन। (नाभिकीय चुम्बकीय अनुनाद, जठरांत्र रोग विज्ञान और एचएनयू)।
46. यकृत ग्लायकोजेनेसिस टाइप 1 ए और 3 का आणविक और जैव रासायनिक लाक्षणीकरण। (जराचिकित्सा, बाल चिकित्सा विज्ञान, नाभिकीय चुम्बकीय अनुनाद)
47. मौखिक स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में परिसंचारी ट्यूमर कोशिकाओं का पता लगाना और मात्रा। (कान, नाक एवं गला, स्टेम कोशिका सुविधा)
48. टाइट जंक्शन की आण्विक अभिव्यक्ति और गैस्ट्रिक कैंसर की प्रगति में म्यूकोसल एपिथेलियल सेल पोलरिटी के विघटन। (प्रयोगशाला चिकित्सा, जठरांत्र शल्य–चिकित्सा, जठरांत्र रोग विज्ञान और एचएनयू)।
49. प्रोस्टेट कैंसर का पता लगाने में एमआर निर्देशित बायोप्सी। (नाभिकीय चुम्बकीय अनुनाद, मूत्ररोग विज्ञान, विकिरण निदान आईआरसीएच)
50. एनएमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी का उपयोग कर प्रोस्टेट कैंसर का मेटाबोलोमिक्स अध्ययन। (नाभिकीय चुम्बकीय अनुनाद, मूत्ररोग विज्ञान, विकिरण निदान आईआरसीएच)
51. मौखिक स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में मैंडिबल के नैदानिक, रेडियोलॉजिकल और हिस्टोपैथोलॉजिकल भागीदारी।
52. प्रोस्टेट कैंसर के रोगियों में संभावित बायोमार्कर के रूप में एमआईआरएनए–182 और एमआईआरएनए–187 का अध्ययन और सीरम पीएसए, ग्लेसन स्कोर और प्रोस्टेट कैंसर के मंचन के साथ इसका सह–संबंध। (मूत्ररोग विज्ञान)

53. सिर और गर्दन के कैंसर में सेंटिनल लिम्फ नोड मानचित्रण के लिए इंडोकाइनाइन–ग्रीन लोडेड साइटोकेरेटिन लक्षित कैल्शियम फॉस्फेट नैनोपार्टिकल का विकास। (कान, नाक एवं गला रोग विज्ञान एवं सिर एवं ग्रीवा शल्य चिकित्सा)
54. सुपरफिशियल मूत्राशय कैंसर के लिए संयुक्त कीमो और फोटोथर्मल उपचार का अनुप्रयोग। (मूत्ररोग विज्ञान)
55. मौखिक कैंसर का पता लगाने के लिए नैनोबायोचिप का विकास। (सेंटर फॉर नैनोसाइंस, जेएनयू)
56. पशु मॉडल में हर्बल के अर्क के घाव भरने के प्रभावकारिता का मूल्यांकन। (नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन)।
57. प्राथमिक अति परजीविता वाले रोगियों में हाइपर फंक्शनिंग पैराथाइरॉइड ऊतक के स्थानीयकरण में 18एफ कोलीन पीईटी–सीटी की भूमिका (नाभिकीय चिकित्सा)।
58. दैनिक देखभाल थायरॉइडिक्टोमी सर्जरी पर प्रायोगिक अध्ययन। (शल्य चिकित्सा)
59. 177 ल्यूटेटियम लेबल रेडियोफार्मास्यूटिकल्स के संश्लेषण के दौरान परमाणु चिकित्सा कर्मियों के लिए पूरे शरीर विकिरण जोखिम का आकलन। (नाभिकीय चिकित्सा)
60. मानव कोलोरेक्टल कैंसर में भेदभाव और ट्यूमर सूक्ष्म पर्यावरण के बीच सहयोग का अध्ययन करना (जैव रसायन)।
61. मानव पेट के कैंसर स्टेम कोशिकाओं में संभावित बायोमार्कर की पहचान और सत्यापन (जैव रसायन)।
62. सेलियाक रोग और अन्य एंटेरोपैथीज़ वाले रोगियों में विलस विषमता के आकलन के लिए बायोमार्कर (जठरांत्र रोग विज्ञान)।
63. स्थानीय रूप से उन्नत गुदा कैंसर में नियोएडजुवेंट कीमोरेडियोथेरैपी की प्रतिक्रिया के लिए प्रीडिक्टिव बायोमार्कर (आईआरसीएच)।
64. एनएमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी और इम्युनोहिस्टोकैमिस्ट्री का उपयोग करते हुए सेलिएक रोग में आंत्र म्यूकोसा के मेटोडोनोमिक्स और एंजाइम गतिविधि रूपरेखा का सहसंबंध (नाभिकीय चिकित्सा)।
65. तीव्र और जीर्ण यकृत रोग में लीवर बायोप्सी (जठरांत्र रोग विज्ञान)।
66. क्रोहन रोग के साथ *माइकोबैक्टीरियम एवियम* सबस्पा. *पैराट्यूबरकुलोसिस* का एसोसिएशन (जठरांत्र रोग विज्ञान)।
67. अल्सरेटिव कोलाइटिस वाले रोगियों में कोलोरेक्टल कार्सिनोमा की व्यापकता (जठरांत्र रोग विज्ञान)।
68. कोलोरेक्टल कार्सिनोमा के विभिन्न हिस्टोपैथोलॉजिकल ग्रेड से कैंसर स्टेम कोशिकाओं का अलगाव, पहचान और लाक्षणीकरण। (जैव रसायन)।
69. स्थानीय रूप से उन्नत गुदा कैंसर के मूल्यांकन में मल्टीपैरामेट्रिक एमआरआई की भूमिका (रेडियोलॉजी)।
70. सेलियाक रोग वाले यकृत रोग वाले रोगियों में यकृत के हिस्टोलॉजिकल सुविधाओं का मूल्यांकन करना। (जठरांत्र रोग विज्ञान)।
71. इन विट्रो एनएमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी का उपयोग कर सेलियाक रोग वाले रोगियों में मल्टी – सिस्टम भागीदारी की जांच के लिए अध्ययन। (नाभिकीय चिकित्सा)
72. उन्नत जीबी कार्सिनोमा में ईआरसीसी1, एचईएनटी1, आरआरएम1 और आरआरएम2 के ट्यूमर अभिव्यक्ति रूपरेखा का लाक्षणीकरण। (चिकित्सा अर्बुदविज्ञान)
73. नियोनेटल / इंफेंटाइल कोलेस्टेटिक यकृत रोगों के निदान, भविष्यवाणी और अनुवर्तन में शेयर वेव इलेस्टोग्राफी की भूमिका। (रेडियोलॉजी)

74. आंतों के तंत्रिका तंत्र पर फ्लोराइड के लिए पूर्व और प्रसवोत्तर जोखिम का प्रभाव। (शरीर रचना विज्ञान)

पूर्ण

1. डिम्बग्रंथि कार्सिनोमा में मानव अधिवृषण प्रोटीन 4 (एचई4) की अभिव्यक्ति और रोग के निदान के साथ सह–संबंध (प्रसूति और स्त्री रोग विज्ञान)।
2. एंडोमेट्रियल कार्सिनोमा में एचईआर–2 / एनईयू की अभिव्यक्ति। (प्रसूति और स्त्री रोग विज्ञान)।
3. एसोसिएशन ऑफ मेंस्ट्रुएशन विद् कम्प्लीट सुसाइड – एक अस्पताल आधारित मामला नियंत्रण अध्ययन (फॉरेंसिक मेडिसिन और टोक्सीकोलॉजी, पैथोलॉजी और मनोचिकित्सा)।
4. ग्लियोमास में चिप अनुक्रमण। (आईजीआईबी, दिल्ली)
5. ग्लियोमा में फैट1, पी53 और एचआईएफ1अल्फा के बीच बातचीत का संकेत। (जैव रसायन विभाग)।
6. सार्कोइडोसिस के निदान में स्थल मूल्यांकन पर तेजी के साथ ईबीयूएस – टीबीएनए बनाम पारंपरिक टीबी एनए का उपयोगी निदान : एक यादृच्छिक अध्ययन। (पल्मोनरी चिकित्सा एवं निद्रा विकार)।
7. मैक्रोफ़ेज इंडोसाइटोसिस और आरओएस के जनरेशन पर एचआईएफ 1 अल्फा जीन अभिव्यक्ति की ब्लॉकिंग का प्रभाव, (आण्विक चिकित्सा केन्द्र, जेएनयू)।
8. कोलोन के माइक्रोस्कोपिक प्रीनियोप्लास्टिक श्लैष्मिक घावों में आणविक बदलाव की जांच। (जठरांत्र शल्य–चिकित्सा, जठरांत्र रोग विज्ञान और एचएनयू, विकृति विज्ञान)
9. डिस्पेप्सिया के रोगियों में इयोसिनोफिलिक एसोफेगिटिस की व्यापकता का आकलन (जठरांत्र रोग विज्ञान और एचएनयू)।
10. प्रारंभिक सीलिएक रोग में एपॉप्टॉटिक मार्ग वाले मार्करों का एक पूर्वव्यापी अध्ययन : क्या इससे उपचार की कार्यनीति बदल जाएगी? (जठरांत्र रोग विज्ञान और एचएनयू)।
11. भारतीय रोगियों में सेलियाक रोगों के निदान और अनुवर्तन के लिए वस्तु प्रकाश सूक्ष्मदर्शी और आकारिकी मानदण्डों का विकास (जठरांत्र रोग विज्ञान और एचएनयू)।
12. यकृत फाइब्रोसिस में कैथेपसिन एल और बी अभिव्यक्ति का उन्नयन : चूहा मॉडल और रोगियों में एक अध्ययन। (जैव रसायन, जठरांत्र रोग विज्ञान और एचएनयू)।
13. बैरेट एसोफेगस में वास्तविक ग्रेड डिसप्लेसिया के लिए मार्फोलॉजिकल और इम्युनोहिस्टोकैमिकल मार्करों की तुलना। (जठरांत्र रोग विज्ञान और एचएनयू)।
14. साइटोसेंट्रिफ्यूज्ड बायोप्सी लगाने की तैयारी : लुमेन आवास आंत्र परजीवी के माइक्रोस्कोपिक निदान की एक साधारण लागत प्रभावी तकनीकी सुविधा। (जठरांत्र रोग विज्ञान और एचएनयू)।
15. सरकमफेरेंशियल रिसेक्शन मार्जिन और मध्यम अवधि सरवाइवल परिणाम पर विशेष ध्यान देने के साथ पेरिएमपुलरी ट्यूमर और पैनक्रिएटिक कार्सिनोमा वाले रोगियों में पैनक्रिएटोडुओडेनेक्टोमी के लिए पोस्टीरियर (एसएमए प्रथम) दृष्टिकोण बनाम मानक। (जठरांत्र शल्य–चिकित्सा, विकिरण निदान)
16. क्लिनिकल पैथोलॉजिकल, महामारी विज्ञान, इमेजिंग सटीकता, उपचार के परिणामों और प्रचलित फेफड़े के मेटास्टेसिस के प्रोग्नोस्टिक कारकों की समीक्षा। (शल्यक अर्बुद विज्ञान, विकिरण निदान आईआरसीएच)
17. लेप्रोस्कोपिक एंडोमिट्रिओटिक सिस्टेक्टॉमी के बाद ओवेरियन सुधार तथा प्रजनन परिणामों पर पोस्ट सिस्टेक्टॉमी ओवरियन सप्रेशन का अध्ययन : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। (प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान)।
18. कोमल ऊतक सार्कोमा के भावी रखरखाव कम्प्यूटरीकृत डेटाबेस का विश्लेषण। (शल्यक अर्बुद विज्ञान)
19. अल्सरेटिव कोलाइटिस वाले रोगियों में कोलोरेक्टल कार्सिनोमा की व्यापकता (जठरांत्र रोग विज्ञान)।

20. क्रोहन रोग और आंत के तपेदिक में एम1 और एम2 मैक्रोफेज की भूमिका। (जठरांत्र रोग विज्ञान)

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 153 सार : 11 पुस्तकों में अध्याय : 4

रोगी उपचार

प्रयोगशाला सेवाएं

शल्य विकृति विज्ञान प्रयोगशाला

संसाधित नमूने	48132	विशेष स्टेन	32000
फ्रोज़न सेक्शन	5029		

साइटोपैथोलॉजी प्रयोगशाला

कुल नमूने	24398	एफएनएसी (बाहरी रोगी)	10818
नियमित एक्सफोलिएटिव्स	10040	सर्विकल स्मीयर्स (पी.ए.पी.)	3540
प्रतिरक्षा ऊतक रसायन	989		

की गई शव परीक्षाएं	29
इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कॉपी संसाधित नमूने	1432

प्रतिरक्षा ऊतक रसायन प्रयोगशाला

नैदानिक	39931	अनुसंधान	1283

तंत्रिका विकृति विज्ञान सेवाएं

तंत्रिका विकृति विज्ञान शल्य चिकित्सा के नमूने	2789	फ्रोज़न सेक्शन	271

प्रतिरक्षा ऊतक रसायन

नियमित	8549	अनुसंधान	1103
मांसपेशी बायोप्सी	2870		
मांसपेशी एंजाइम ऊतक रसायन	1230	नैदानिक एफआईएसएच	54
मांसपेशी प्रतिरक्षा ऊतक रसायन	95		

ऊतक संवर्धन प्रयोगशाला

एच और ई स्टेनिंग	7391	विशेष स्टेन	903
प्रतिरक्षा ऊतक रसायन	3429	फ्रोज़न सेक्शन	5029
गैर अभिरंजित	2812	कोटिड स्लाइस	19961

वृक्क विकृति विज्ञानी सेवाएं

गुर्दा बायोप्सी के इम्यूनोफ्लोरसेंस	716	मूत्र में ठोस पदार्थ विश्लेषण	1714
गुर्दा बायोप्सी के इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी	666		

हृद विकृतिविज्ञान सेवाएं

नियमित	403	अनुसंधान	125

कोटिड स्लाइड

एपीईएस	46254		
अन्य			
प्रतिरक्षा ऊतक रसायन	271	एस और ई स्टेन	147
मैनुअल प्रसंस्करण : हृदय प्रतिरोपण पश्चात् बायोप्सी	11	ब्लॉक को काटना (अस्थिर सेक्शन)	405
स्किन बायोप्सी को काटना	249 मामले (प्रत्येक 6 स्लाइड)		
गुर्दा बायोप्सी को काटना	425 मामले (प्रत्येक 10 स्लाइड)		
फ्रोज़न कटिंग	30 मामले (प्रत्येक 3 स्लाइड)		
कोटिड स्लाइड	4000 स्लाइड		

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

रेजीडेंट पुरस्कार :

1. आंचल कक्कड़ को फरवरी 2016 को दिल्ली में दिल्ली चेप्टर ऑफ इंडिया एसोसिएशन ऑफ पैथोलॉजिस्ट और माइक्रोबायोलॉजिस्ट के वार्षिक सम्मेलन में प्रतिभाशाली युवा रोगविज्ञानी पुरस्कार मिला।
2. आंचल कक्कड़ को एक्टा साइटोलॉजिक में प्रकाशित गैस्ट्रोएंटेस्टाइनल स्ट्रोमल के फाइन नीडल एस्पिरेट्स में डीओजी1 इम्युनोमार्कर की उपयोगिता के लिए साइटोलॉजिस्ट के इंडियन एकेडमी द्वारा सत्य मोंगा पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

आचार्य एस के पांडा को 31 मार्च, 2018 तक वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद के चिकित्सा विज्ञान अनुसंधान समिति के एक अध्यक्ष के रूप में मनोनीत किया; महा निदेशक, आईसीएमआर, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गठित भोपाल मेमोरियल हॉस्पीटल एंड रिसर्च सेंटर, भोपाल में चिकित्सा सेवाओं पर विशेषज्ञ समूह के सदस्य के रूप में मनोनीत किया; हैदराबाद में निधिकरण के लिए परियोजना समीक्षा बैठक में भाग लिया और पादप विज्ञान विभाग, स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज, हैदराबाद विश्वविद्यालय, 28 मई 2015 में ''रोल ऑफ वायरल प्रोटियस एंड होस्ट एंडोजेनस प्रोटियास इन हेपेटाइटिस ई वायरस (एचईवी) लाइफ साइकिल'' शीर्षक पर प्रस्तुत परियोजना को प्रस्तुत किया; नामांकित मेंटरिंग इंस्पायर इंटर्नशिप कार्यक्रम, डीएसटी, भारत सरकार, भुवनेश्वर, 18–22 सितंबर 2015; 16 दिसंबर 2015 को किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी में पैथोलॉजी विषय में संकाय चयन के लिए एक विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित।

आचार्य चित्रा सरकार को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के जे सी बोस अध्येतावृत्ति से सम्मानित किया गया था; इंडियन नेशनल साइंस एकेडमी के अध्येतावृत्ति से सम्मानित किया गया; इंटरनेशनल सोसायटी ऑफ न्यूरोपैथोलॉजी के उपाध्यक्ष; सचिव, न्यूरोपैथोलॉजी सोसायटी ऑफ इंडिया; एम्स आंतरिक अनुसंधान समिति (मूलभूत विज्ञान) के अध्यक्ष; सदस्य, जर्नल न्यूरोपैथोलॉजी के संपादकीय बोर्ड (जापान से प्रकाशित); सदस्य, आईसीएमआर के वैज्ञानिकों को बढ़ावा देने के लिए आकलन समिति; वैज्ञानिकों के लिए काउंसिल ऑफ द इंडियन एकेडमी ऑफ कमिटी के सदस्य; 2013–15 के लिए बैंगलोर; जर्नल ''करंट साइंस'' के चयन संपादक (2013–2015); शासी निकाय और राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान केंद्र, मानेसर के वैज्ञानिक

सलाहकार समिति के सदस्य; इंस्टीट्यूट ऑफ पैथोलॉजी, नई दिल्ली के वैज्ञानिक सलाहकार समिति के सदस्य; राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली के ह्यूमन एथिक्स समिति के सह–अध्यक्ष (2013–2015); जैवचिकित्सा अनुसंधान डॉ. अंबेडकर केंद्र के ह्यूमन एथिक्स समिति के सदस्य (2012–2015); तंत्रिका विज्ञान के टास्क फोर्स के सदस्य, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार; मई 2016 में प्रकाशित की जाने के लिए सेंट्रल नर्वस सिस्टम के ट्यूमर के डब्ल्यूएचओ वर्गीकरण के अद्यतन में निम्नलिखित अध्यायों के सह–लेखक के लिए डब्ल्यूएचओ द्वारा आमंत्रित : सीएनएस एम्ब्रयोनल ट्यूमर, एनओएस, बहुपरती रोसेट्स के साथ एम्ब्रियोनल ट्यूमर, सी19 एमसी – परिवर्तित और एनओएस।

आचार्य मनोज कुमार सिंह को पांडिचेरी यूनिवर्सिटी के अंतर्गत इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट, पोंडिचेरी के मान्यता / अनुमोदन के लिए उपलब्ध शारीरिक और अन्य शिक्षण सुविधाओं के अनुपालन सत्यापन आकलन का कार्य सौंपा गया था; 22.9.2015 को भोपाल में उपलब्ध शारीरिक और अन्य शिक्षण सुविधाओं के सत्यापन आकलन का कार्य सौंपा गया था; एम्स, रायपुर (छत्तीसगढ़) में नियमित आधार पर संकाय पदों की पुनः भर्ती के लिए चयन समिति में विशेषज्ञ व्यक्ति; दुर्लभ रोग पर सदस्य विशेषज्ञ कोर ग्रुप पैनल, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च – कोलकाता; बिहार लोक सेवा आयोग, पटना में संकाय पदों के चयन के लिए विशेषज्ञ डॉक्टर (पैथोलॉजी) साक्षात्कार बोर्ड के लिए विशेषज्ञ; सहायक आचार्य (हिस्टोपैथोलॉजी) और पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (पीजीआईएमईआर), चंडीगढ़ के आचार्य (हिस्टोपैथोलॉजी) के पद के चयन के लिए बाह्य विशेषज्ञ।

आचार्य एस दत्ता गुप्ता परीक्षा अनुभाग के प्रभारी आचार्य है; वर्ष 2015 के लिए उपाध्यक्ष और वर्ष 2016 के लिए इंडियन एसोसिएशन ऑफ पैथोलॉजिस्ट एंड माइक्राबायोलॉजिस्ट के चयनित अध्यक्ष थे; इंडियन जर्नल ऑफ पैथोलॉजी एंड माइक्रोबायोलॉजी के एसोसिएट संपादक; सदस्य, संपादकीय बोर्ड, इंडियन जर्नल ऑफ लैबोरेटरी फिजिशियन्स, इंडियन जर्नल ऑफ डर्मेटोपैथोलॉजी एंड डायग्नोस्टिक डर्मेटोलॉजी एंड इंडियन जर्नल ऑफ चेस्ट डिजीज; सेलियाक रोग : अंडर डायग्नोज्ड एंड अंडर–रिकॉग्नाइज्ड पर डॉ. बी डी बरुआ व्याख्यान दिया, नॉर्थ ईस्ट चेप्टर ऑफ इंडियन एसोसिएशन ऑफ पैथोलॉजिस्ट एंड माइक्रोबायोलॉजिस्ट का 26वां वार्षिक सम्मेलन, गुवाहाटी, 3 अक्टूबर 2015; युवा अन्वेषक पुरस्कार सत्र में द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित, इंडियन सोसायटी ऑफ गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी (आईएसजीसीओएन 2015) का 56वां वार्षिक सम्मेलन, इंदौर, 19–22 नवंबर 2015; पूर्ण अधिवेशन में प्रथम पुरस्कार से सम्मानित, इंडियन सोसायटी ऑफ गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी (आईएसजीसीओएन 2015) का 56वां वार्षिक सम्मेलन, इंदौर, 19–22 नवंबर 2015; इंडियन एसोसिएशन ऑफ पैथोलॉजिस्ट एंड माइक्रोबायोलॉजिस्ट (एपीसीओएन 2015) के 64वें वार्षिक सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुतीकरण पुरस्कार, कोची, 4–6 दिसंबर 2015.

आचार्य ए. के. डिंडा को मूलभूत विज्ञान के लिए एम्स उत्कृष्टता पुरस्कार 2014–15; एपीसीओएन 2015 में शोध पत्र कार्य के लिए सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान शोध पत्र के लिए डॉ. खनोलकर पुरस्कार से सम्मानित किया गया था; सदस्य ''एडवाइजरी बोर्ड ऑफ एकेडमिक स्टडीज'', मोतीलाल नेहरू नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, इलाहाबाद 2014–16 के रूप में मनोनीत किया गया; विशेषज्ञ सदस्य, महानिदेशक आईसीएमआर द्वारा एडवाइजरी ग्रुप ऑफ डेवलपमेंट ऑफ गाइडलाइन फॉर नैनो सेफ्टी रेगुलेशन के रूप में मनोनीत किया गया; सदस्य, जैव प्रौद्योगिकी विभाग के नैनो – बायोटेक्नोलॉजी टास्क फोर्स कमिटी, भारत सरकार; आईसीएमआर के नैनोमेडिसिन टास्क फोर्स के सदस्य; नैनोमेडिसिन और नैनोटॉक्सीसिटी के क्षेत्र में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग

के लिए विनियामक रूपरेखा सलाहाकार समूह के मनोनीत सदस्य; सदस्य, रिसर्च एडवाइजरी काउंसिल ऑफ इंस्टीट्यूट ऑफ नैनोसाइंस एंड टेक्नोलॉजी, मौहाली, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्थान।

आचार्य एम. सी. शर्मा को केंद्रीय तंत्रिका तंत्र के ट्यूमर के आगामी डब्ल्यूएचओ क्लासिफिकेशन में निम्नलिखित अध्याय : ट्यूबरोस स्क्लेरोसिस कॉम्प्लेक्स, सबएपेंडिमल जिएंट सेल एस्ट्रोसाइटोमा के सह लेखक के लिए डब्ल्यूएचओ द्वारा आमंत्रित किया गया था।

डॉ संदीप माथुर को दिल्ली चेप्टर ऑफ इंडियन एकेडमी ऑफ साइटोलॉजिस्ट का सचिव नियुक्ति किया गया था; एक्टा साइटोलॉजिक में प्रकाशित 'यूटिलिटी ऑफ डीओजी1 इम्युनोमार्कर इन फाइन नीडल एस्पिरेट्रस ऑफ गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल स्ट्रोमल ट्यूमर' शीर्षक पर शोध पत्र को इंडियन एकेडमी ऑफ साइटोलॉजिस्ट द्वारा सत्य मोंगा पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

डॉ. रजनी यादव को एपीसीओएन 2015 में न्यूरोऑन्कोलॉजी में शीर्षक 'प्रोग्नोस्टीक वॉल्यू ऑफ एमआईबी – 1, पी53, एपिडर्मल ग्रोथ फैक्टर रिसेप्टर, एंड आईएनआई1 इन चाइल्डहुड कोर्डोमस' पर सर्वश्रेष्ठ प्रकाशित शोध पत्र के लिए श्रीमती कुंती देवी मेहरोत्रा पुरस्कार; आईएसी 2015 में दिल्ली चेप्टर बैठक में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार; एपीसीओएन 2015 में सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुतीकरण के लिए प्रो. केसी बासु पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

डॉ. दीपाली जैन : पर्यवेक्षक, 1–26 फरवरी 2016, थॉरेसिस पैथोलॉजी, विकृति विज्ञान विभाग, मेमोरियल स्लोन केटरिंग सेंटर, न्यूयॉर्क, यूएसए।

डॉ. सौम्या को विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग से प्रारंभिक कैरियर अनुसंधान पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

डॉ. प्रसन्नजीत दास को आईएसजी एबॉट प्रेजिडेंशियल पोस्टर पुरस्कार, इंडियन सोसायटी ऑफ गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी, वार्षिक सम्मेलन, इंदौर 2015; 2015 में इंदौर में युवा अन्वेषक पुरस्कार, इंडियन सोसायटी ऑफ गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी द्वारा नैदानिक अनुसंधान में सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र, वार्षिक सम्मेलन से सम्मानित किया गया था।

9.30 भेषजगुण विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष
वाई. के. गुप्ता

आचार्य

वी. एल. कुमार	कमल किशोर	एन. आर. विश्वास (प्रतिनियुक्ति पर)
एस. के. मौलिक	डी. एस. आर्य	जितेंद्र कत्याल

अपर आचार्य

सुरेन्द्र सिंह	के. एच. रीटा	जागृति भाटिया

सहायक आचार्य

पूजा गुप्ता	हरलोकेश नारायण यादव	सुधीर सारंगी

वैज्ञानिक

शारदा एस. पेशिन	थॉमस कालीकल	अमिता श्रीवास्तव
	माधुरी गुप्ता	सुन्दर सिंह सैमुअल

विशिष्टताएं

आवश्यक दवाओं की राष्ट्रीय सूची 2011 स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संशोधित की गई थी। देश भर में परामर्श बैठकों को इस राष्ट्रीय महत्व की गतिविधि में शामिल किया गया और सूची का संकलन किया गया। प्रोफेसर वाई के गुप्ता कोर कमेटी के उपाध्यक्ष थे और भेषजगुण विज्ञान विभाग ने राष्ट्रीय महत्व के इस प्रतिष्ठित कार्य के लिए संसाधन प्रदाता के रूप में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

शिक्षा

विभाग एम. बी. बी. एस. (तृतीय, चतुर्थ एवं पंचम सेमिस्टर), बी.एससी. नर्सिंग (ऑनर्स), एम एससी (भेषजगुण विज्ञान), एम. डी., पीएच डी. एवं डी एम. (नैदानिक भेषजगुण विज्ञान) पाठ्यक्रमों के शिक्षण कार्यक्रमों में संबद्ध रहा है।

सरकारी मेडिकल कॉलेज, श्रीनगर से श्री ताहिर अहमद बाबा ने विभाग में एचपीएलसी पर 6 महीने का प्रशिक्षण लिया।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

1. भारत में साइटोटॉक्सिक दवाओं के उपयोग पर दिशा–निर्देश तैयार करने पर कार्यशाला, 21 मार्च 2016, राष्ट्रीय विकृति विज्ञान संस्थान (आईसीएमआर), सफदरजंग अस्पताल, दिल्ली।
2. भारत में कीटनाशक संबंधित मुद्दों के लिए बहु–संस्थागत तालमेल दृष्टिकोण पर कार्यशाला, 23 नवंबर, 2015, एम्स, दिल्ली।

प्रदत्त व्याख्यान

वाई. के. गुप्ता : 1 वी. एल. कुमार : 1 कमल किशोर : 1
पूजा गुप्ता : 2 हरलोकेश नारायण यादव : 2 शारदा शाह पेशिन : 3
अमिता श्रीवास्तव : 1

मौखिक पत्र / पोस्टर की प्रस्तुति : 7

अनुसंधान
वित्त पोषित परियोजनाएं
जारी

1. चूहों में स्ट्रोक की प्रयोगात्मक मॉडल में लेरकेनिडिपाइन और सिटेलोप्रेम के न्यूरोप्रोटेक्टिव अध्ययन, वाई. के. गुप्ता, डीएसटी, 3 वर्ष, 2014–2017, 18.6 लाख रुपए।
2. एनएलईएम 2011 के संशोधन और कोरोनरी स्टेंट की अनिवार्यता पर रिपोर्ट, वाई के गुप्ता, भारतीय भेषज आयोग, गाजियाबाद, 2014–16.
3. फार्मोकोविजिलेंस हेतु नैदानिक अनुसंधान केंद्र (सीआरआरसी) की स्थापना। वाई. के. गुप्ता, पीएटीएच (स्वास्थ्य में उपयुक्त प्रौद्योगिकी के लिए कार्यक्रम), 2013–2016, 59.79 लाख रुपए।
4. कोलोरेक्टल कैंसर की प्रयोगात्मक मॉडल में आर्टिसुनेट की प्रभावकारिता पर अध्ययन। वी एल कुमार, अ. भा. आ. सं., 2 वर्ष, 2014–2016, 7.75 लाख रुपए।
5. चूहे में प्रयोगात्मक पल्मोनरी धमनी उच्च रक्तचाप में अर्जुन [(अर्जुन वृक्ष (रोक्सब.)] और तुलसी [(*ओसिनम सेक्टम लिन्न.*)] का मूल्यांकन। एस. के. मौलिक, आयुष, 3 वर्ष, 2013–2016, 28.74 लाख रुपए।
6. चूहों में हर्बल फार्मूलों अल्जाइमर रोग की विरोधी उच्च रक्तचाप और कार्डियो–सुरक्षात्मक कार्रवाई, एस के मौलिक, डाबर इंडिया, 3 वर्ष, 2013 – 16, 12.59 लाख रुपए।
7. जीर्ण सूजन की प्रयोगात्मक मॉडल में ओमेगा–3 फैटी एसिड में संयंत्र लिपिड समृद्ध की गतिविधि को संशोधित करने वाले रोग का मूल्यांकन, सुरेंद्र सिंह, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2013 – 16, 29.71 लाख रुपए।
8. होम्योपैथिक दवाओं की प्रारंभिक औषधीय विज्ञानी और सुरक्षा का अध्ययन, सुरेन्द्र सिंह, केंद्रीय होमोपैथी अनुसंधान परिषद, आयुष विभाग, 2 वर्ष, 2014–2016, 19.31 लाख रुपए।
9. चूहे में स्ट्रोक की प्रयोगात्मक मॉडल में फुमेरिक एसिड एस्टर (एफएईएस) का मूल्यांकन, के. एच. रीटा, डीबीटी, 3 वर्ष, 2015–18, 59.54 लाख रुपए।
10. चूहों में अल्जाइमर रोग के स्पोरिडिक मॉडल में उसके सम्मिश्रण और एडारावोन, टोरिन की संभावना का मूल्यांकन करना। के. एच. रीटा, डीएसटी, 3 वर्ष, 2012–15, 28.06 लाख रुपए।
11. चूहों में सिसप्लेटिन इंड्यूस्ड नेफ्रोटोक्सिसिटी में बरबेरिन और डायजिन के नेफ्रोप्रोटेक्टिव प्रभाव का मूल्यांकन। जागृति भाटिया, डीबीटी, 3 वर्ष, 2015–2018, 24.99 लाख रुपए।

12. चूहों में सिसप्लेटिन इंड्यूरड नेफ्रोटोक्सिसिटी में उसके संयोजन और एनालाप्रिल, गालांगिन के नेफ्रोप्रोटेक्टिव प्रभाव का मूल्यांकन। जागृति भाटिया, डीएसटी, 3 वर्ष, 2013–2016, 21.60 लाख रुपए।
13. चूहों में फाइब्रोसिस फेफड़े प्रेरित ब्लियोमायसिन पर हेस्पेरिडिन के सुरक्षात्मक प्रभाव का मूल्यांकन, जागृति भाटिया, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, 1 वर्ष, 2015–2016, 4.60 लाख रुपए।

पूर्ण

1. संगत पशु मॉडल में अपने हर्बल सूत्रण तैयार करने की प्रभावकारिता के मूल्यांकन द्वारा पारंपरिक आरोग्य लोक प्रथा की औषधि के दावे का सत्यापन। वाई. के. गुप्ता, आईसीएमआर, 1 वर्ष, 2014–15, 13.25 लाख रुपए।
2. माइग्रेन के प्रोफिलेक्सिस में उपयोग किए गए हर्बोमिनरल आयुर्वेदिक तैयार करने का भेषजगुण–विज्ञान संबंधी मूल्यांकन। वाई. के. गुप्ता, आईपीसीए 5 वर्ष, 2011–16, 29.61 लाख रुपए।
3. प्रयोगात्मक पशु मॉडल में अपस्माररोधी दवा नैनो दवा वितरण प्रणाली की प्रभावकारिता का अध्ययन, के. एच. रीटा, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, 1 वर्ष 2014–2015, 3.05 लाख रुपए।
4. चूहों में सिस्पलेटिन इनड्यूरड नेफ्रोटोक्सिसिटी में इपिकेटेसिनगालेटी, नोबिलेटिन और हेसपेरिडिन के रेनोप्रोटैक्टिव प्रभाव का मूल्यांकन, जागृति भाटिया, डीबीटी, 3 वर्ष, 2012–2015, 3 वर्ष, 7.72 लाख रुपए।
5. चूहों में फाइब्रोसिस फेफड़े प्रेरित – ब्लियोमायसिन पर यूजियोनल के सुरक्षात्मक प्रभाव का मूल्यांकन, जागृति भाटिया, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, 1 वर्ष, 2015–2016, 4 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. लेरकानीडीपाइन और सिटालोप्रेन का न्यूरोप्रोटेक्टिव पोटेंशियल वाले एंटी ऑक्सीडेंट, चूहों में स्ट्रोक की प्रयोगात्मक मॉडल में एंटी – इंफ्लेमेटरी और कैल्शियम चैनल ब्लॉकिंग गतिविधि।
2. परम्परागत एंटी एपिलेप्टिक एवं ओरल हाइपोग्लाइसिमिक एजेंट्स सहित चुने हुए औषधीय पादपों का अंतःक्रियात्मक प्रोफाइल का मूल्यांकन।
3. अल्जाइमर रोग के लिए फार्मूले के विकास हेतु ट्रेडिशनल हर्बल इंग्रेडिएंट का अनुकूलन : इन–विट्रो एवं इन–विवो अध्ययन।
4. कोलोरेक्टल कैंसर की प्रयोगात्मक मॉडल में आर्टिसुनेट की सुरक्षा और प्रभावकारिता पर अध्ययन।
5. आर्टिसुनेट के एंटीयूक्लियर गुणों पर अध्ययन।
6. अल्सरेटिव कोलाइटिस की प्रयोगात्मक मॉडल में रॉक्सिथ्रोमायसिन की प्रभावकारिता पर अध्ययन।
7. इंफ्लेमेशन और अल्सरेटिव कोलाइटिस के प्रयोगात्मक मॉडल में मेटफॉर्मिन की प्रभावकारिता पर अध्ययन।
8. कोलाइटिस की प्रयोगात्मक मॉडल में *कैलोट्रोपिसप्रोसेरा* के लेटेक्स से मेथनॉल निकालने की प्रभावकारिता।

9. कोलोरेक्टल कैंसर की प्रयोगात्मक मॉडल में *कैलोट्रोपिसप्रोसेरा* की लेटेक्स की मेथनॉल निकालने की प्रभावकारिता।
10. आईआरसीएच, एम्स, दिल्ली में संवहनी एण्डोथेलियल वृद्धि कारक रिसेप्टर को लक्षित टायरोसिन काइनेज अवरोधकों का प्रतिकूल प्रभाव प्रोफ़ाइल और पैटर्न निर्धारित करना।
11. चूहों में स्ट्रेप्टोजोटोसाइन प्रेरित मधुमेह अपवृक्कता में एपिजेनिन जांच करने के लिए औषधीय और आणविक तंत्र पर अध्ययन।
12. पोस्ट ट्रांसप्लांट डायबीटीज़ मेलिटस है – एक संभावित अवलोकन अध्ययन।
13. वयस्क एचआईवी प्रगति मॉडल के साथ पी.एल.एच.ए. का अस्तित्व विश्लेषण।
14. इस्केमिया रिपरफ्युजन चोट लगने पर चूहे के हृदय के प्रायोगिक मॉडल में फेबोबुक्सोस्टेट के हृदय सुरक्षात्मक प्रभाव के कार्डियक हाइपरट्रोफी अध्ययन के प्रायोगिक मॉडल में क्रायसिन के हृदय सुरक्षात्मक प्रभाव का अध्ययन।
15. चूहों में ब्लियोमायसिन प्रेरित फेफड़े विषाक्तता में मेटफार्मिन का अध्ययन।
16. हृदय अतिवृद्धि के एक प्रयोगात्मक मॉडल में हेसपेरिडिन के प्रभाव का मूल्यांकन।
17. चूहों में प्रेरित फेफड़े विषाक्तता ब्लीयोमायसिन में सेसामोल का अध्ययन।
18. चूहों में सिस्पैटिन प्रेरित नेफ्रोटोक्सिसिटी में मैंजिफेरिन की नेफ्रोप्रोटेक्टिव प्रभाव का मूल्यांकन।

पूर्ण

1. चिरकालिक माइलॉइड ल्यूकेमिया रोगियों में माइक्रोआरएनएएस की अभिव्यक्ति रूपरेखा और इसका इमाटिनिब उपचार प्रतिक्रिया के साथ सह संबंध।
2. क्या मेटफार्मिन की फार्माकोकाइनेटिक्स स्लीव गैस्ट्रेक्टोमी के बाद परिवर्तन करता है : एक अर्ध प्रयोगात्मक अध्ययन।
3. मिर्गी रोधी औषधि के साथ एक आयुर्वेदिक औषधि की फार्माकोकाइनेटिक एवं फार्माकोडायनामिक अंतःक्रिया : एक प्रायोगिक एवं नैदानिक अध्ययन।
4. आम तौर पर इस्तेमाल ऑर्गनोफोस्फेट कीटनाशकों और एंटीऑक्सीडेंट विटामिन की चिकित्सीय क्षमता के मूल्यांकन की जेनोटोक्सीसिटी पर इन विट्रो अध्ययन।
5. आर्थराइटिस में *कैलोट्रॉपिसप्रोसेरा* लेटेक्स फ्रेक्शंस का फाइटोथेराप्यूटिक क्षमता पर अध्ययन।
6. उच्च रक्तदाब रोधक दवाएं लेने वाले रोगियों में प्रतिकूल प्रभाव की रूपरेखा : एक प्रश्नावली के आधार पर अध्ययन।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. मुखीय और श्वसन मार्ग के मध्यम से विशेष लक्ष्य करते हुए मेक्रोफेज रिसेप्टर हेतु नेनोपार्टिकुलेट एंटी –टी.बी. ड्रग डिलीवरी सिस्टम का विकास : [फेस 1, विकृति विज्ञान।]
2. वृक्क रोग के रोगियों में अपेक्षित एंटीहाइपर टेंसिव औषधि पर एंटी ट्यूबरकुलर थेरेपी के एक भाग के रूप में रिफेम्पीसिन का प्रभाव, [वृक्क रोग विज्ञान।]
3. काला – जार के उपचार हेतु लक्षित नैनोपार्टिकल्स आधारित औषधि डिलीवरी प्रणाली का विकास, विकृति विज्ञान।

4. डोपामाइन बीटा–हाइड्रोक्सीलेस उच्च रक्तचाप के खिलाफ मुकाबला करने के लिए शक्तिशाली छोटे अणु अवरोधकों की विवो स्क्रीनिंग में जांच (जैव रसायन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय दक्षिण परिसर, दिल्ली)।
5. रोधग्लन में चिकित्सा के रूप में कार्डियक प्रोजेनिटर स्टेम कोशिकाएं और वृद्धि कारक कॉकटेल : चूहे मॉडल और बाद के हस्तक्षेप के ऊतक प्रयोगों पर सत्यापन। (जैव भौतिकी विभाग)
6. हृदय अतिवृद्धि के एक चूहे मॉडल मे अंतर्जात तंत्रिका वृद्धि कारक (एनजीएफ) की भूमिका (शरीर रचना विज्ञान विभाग)
7. घातक जहर फास्फाइड में एक उपकरण के रूप में एल्यूमीनियम और जस्ता के स्तर का मात्रात्मक निर्धारण का अध्ययन (रक्त, जिगर, पेट सामग्री) (न्याय चिकित्सा एवं विष विज्ञान)।
8. जे भारतीय रोगी मेटल आर्टिक्यूलेशन पर एक धातु के साथ हिप आर्थोप्लास्टी से गुज़रे हैं उनमें मेटल डिब्रिस के लिए प्रतिकूल प्रतिक्रिया का मूल्यांकन करना (एआरएमडी) (रक्त/सीरम) (क्रोमियम (सीआर) और कोबाल्ट (सीओ) (अस्थि रोग विज्ञान विभाग)।

पूर्ण

1. डायोड फोटोथैरेपी के उत्सर्जन प्रकाश का उपयोग उच्च बनाम निम्न विकिरण प्राप्त हाइपरबिलिरुबिनेमिया के साथ नवजात शिशुओं के लिम्फोसाइट्स में डीएनए क्षति की रूपरेखा की तुलना, (बाल रोग विज्ञान)।
2. कोलोरेक्टल कैंसर के प्रायोगिक मॉडल में आर्टीसुमेट की प्रभावकता का अध्ययन, (विकृति विज्ञान)।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 35 सार : 5 पुस्तकों में अध्याय : 1

रोगी उपचार

आईसीपी–एईएस स्पेक्ट्रोफोटोमीटर के साथ धातुओं के आकलन।

विभाग पीपीबी स्तरों पर इंडक्टिवली कपल्ड प्लाज़्मा एटोमिक एमिशन स्पेक्ट्रोस्कोपी (आईसीपी–एईएस) स्पेक्ट्रोफोटोमीटर (मॉडल जेवाई – 2000@2) द्वारा सहयोगी अध्ययन के लिए आयुर्वेदिक सुत्रीकरण तथा मानव और जंतु मॉडल के जैविक नमूनों (रक्त, सीरम, ऊतक) में ट्रेस मेटल कॉपर, जिंक, निकल, एल्युमिनियम, क्रोमियम, कोबाल्ट तथा हैवी मेटल पीबी, एचजी, सीडी, एएस जैसी धातुओं की संख्या के आकलन में शामिल है।

उपचारिक औषधि निगरानी सुविधा

टीडीएम (उपचारिक औषधि निगरानी) भेषजगुण विज्ञान विभाग में मरीज के नमूनों में दवा के स्तर का आकलन करने में संलग्न है। उच्च प्रदर्शन तरल क्रोमैटोग्राफी (एचपीएलसी) सिस्टम रोगी के नमूनों में दवा के स्तर में गुणात्मक और मात्रात्मक अनुमानों के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है।

राष्ट्रीय विष सूचना केंद्र

भेषजगुण विज्ञान विभाग में राष्ट्रीय विष सूचना केंद्र (एनपीआईसी) जहर के प्रबंधन पर जानकारी देने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यहां एनपीआईसी द्वारा हर समय सेवा प्रदान की जाती है जिसका लाभ पूरे देश के इलाज करने वाले चिकित्सक, सरकारी एजेंसियां, गैर सरकारी संगठन और आम जनता द्वारा उठाया जा सकता है।

राष्ट्रीय विष सूचना केंद्र, भेषजगुण विज्ञान विभाग द्वारा प्राप्त विषाक्तता संबंधी कॉल

	सं	प्रतिशत
कॉलों की कुल संख्या	1992	
विष संबंधी कॉल	1928	96.8
सूचना कॉल	64	3.2
लिंग		
पुरुष	1203	62.4
महिला	725	37.6
श्रेणियां		
घरेलू उत्पाद	923	47.9
उद्योग संबंधी रसायन	100	5.2
कृषि कीटनाशी	232	12.0
औषधि	499	25.9
काटना एवं डंक मारना	55	2.9
पादप	40	2.1
विविध	42	2.2
अज्ञात	37	1.9

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

आचार्य कमल किशोर सम्मेलन में वैज्ञानिक समिति के अध्यक्ष थे : ' भारतीय शहरों में प्रदूषण हटाने पर राष्ट्रीय सम्मेलन', एम्स, ऋषिकेश में संकाय साक्षात्कार के लिए विषय विशेषज्ञ तथा एम्स, भुवनेश्वर में आयोजित संकाय साक्षात्कार के लिए स्थायी चयन समिति के सदस्य; एम्स, ऋषिकेश, (उत्तराखंड) में वर्ष 2015 के लिए अनुसंधान सलाहकार समिति की बैठक के सदस्य; जेआरएफ, एम्स, नई दिल्ली के चयन के लिए चयन समिति के अध्यक्ष; एम्स, नई दिल्ली में आयोजित साक्षात्कार में रेडियोग्राफ़र के चयन के लिए चयन समिति के सदस्य।

डॉ. के. एच. रीटा विषय विशेषज्ञ समिति (एसईसी), औषधि महा नियंत्रक (भारत) (क) नैदानिक परीक्षण, ख) नई दवाइयां और (ग) नए चिकित्सा उपकरणों के अनुमोदन से संबंधित मामलों में डीसीजीआई

कार्यालय की सदस्य थीं; सहकर्मी समीक्षा सदस्य, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हेल्थ रिसर्च एंड मेडिको लीगल प्रैक्टिस (आईजेएचआरएमएलपी)।

डॉ. जागृति भाटिया ने एम्स एक्सीलेंस रिसर्च पुरस्कार 2015 प्रशस्ति प्रमाण पत्र प्राप्त किया। आधारभूत अनुसंधान श्रेणी के तहत प्रदान किया गया।

डॉ. अमिता श्रीवास्तव आयोजन समिति 2015 में सदस्य थीं, विष विज्ञान पर चौथे ग्लोबल शिखर सम्मेलन, अगस्त 24–26, फिलाडेल्फिया, यूएसए।

9.31 भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास

आचार्य एवं अध्यक्ष
यू. सिंह

आचार्य
संजय वाधवा एस. एल. यादव गीता हाण्डा

सहायक आचार्य
श्रीकुमार वी.

वरिष्ठ फिज़ियोथेरेपिस्ट
ओ. पी. यादव

वरिष्ठ व्यावसायिक चिकित्साविद्
रमन कुमार सिंह लिली फरहत प्रवीन

वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी
अजय बब्बर

विशिष्टताएं

हमारे विभाग में एक ऑस्ट्रेलियाई शिष्टमण्डल ने सहयोगात्मक अनुसंधान पर वार्ता के लिए दौरा किया और एम्स, दिल्ली के साथ एक समझौता ज्ञापन तैयार किया। डॉ. संजय वाधवा इस एमओयू के लिए नोडल अधिकारी थे। बिते वर्षों में रोगियों की संख्या क्रमिक रूप से बढ़ी है और एक समान गति पर इसका बढ़ना जारी है। विभाग के संकाय, अधिकारी और रेजीडेंट डॉक्टर एम्स के अंदर और बाहर सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजनाओं में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं, इसके अलावा मास मीडिया तथा सार्वजनिक व्याख्यानों के जरिए रोगी शिक्षा कार्यक्रमों एवं सीएमई कार्यक्रमों में बोलते हैं। विभाग द्वारा यूएसए के प्रमाणित प्रोस्थेटिक्स और ऑर्थोटिस्ट द्वारा व्याख्यान सहित एक क्रमिक पुनर्वास शिक्षा कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। विभाग के संकाय को नीति बनाने और अन्य कार्यों के लिए अपनी विशेषज्ञ राय देने हेतु सरकार के विभिन्न निकायों और विभिन्न विश्वविद्यालयों द्वारा आमंत्रित किया जाता है।

शिक्षा

स्नातक पूर्व अध्यापन : सेमिस्टर 8 के लिए 8 गोष्ठियों का एक सेट और सेमिस्टर 6 के लिए एक गोष्ठी का आयोजन विभाग द्वारा किया गया। इसके अलावा, छात्रों को एक प्रोस्थेटिक और ऑर्थोटिक (पी एंड ओ) कार्यशाला सहित विभाग की विभिन्न गतिविधियों को दिखाया गया। नौ स्नातकोत्तर छात्र एमडी (पीएमआर) कर रहे हैं। भारत सरकार के बाहर से तीन संस्थानों की ओर से प्रोस्थेटिक्स और ऑर्थोटिक्स के छात्रों ने अपने अध्यापन कार्यक्रम के भाग के रूप में पी एण्ड ओ कार्यशाला में भाग लिया। सशस्त्र सेना के तीन दीर्घ अवधि प्रशिक्षुओं ने पीएमआर में अपना प्रशिक्षण किया, एक ने वर्ष के दौरान प्रशिक्षण पूरा कर लिया है।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

विभाग द्वारा आधे दिन का सीआरई कार्यक्रम 'ट्रांसटिबियल सॉकेट फिटमेंट और एलाइनमेंट पैरामीटर – सीपीओ की विधि'' पर कॉम्प्रिहेंसिव प्रोस्थेटिक्स एण्ड ऑर्थोटिक्स इण्डिया, नई दिल्ली द्वारा एम्स की प्रोस्थेटिक और ऑर्थोटिक कार्यशाला, पीएमआर

विभाग में 6 अक्तूबर 2015 को आयोजित किया गया और इसमें संसाधन व्यक्ति / वक्ता श्री रोमेल भांटी – अमेरिकन बोर्ड द्वारा प्रमाणित प्रोस्थेटिस्ट और ऑर्थोटिस्ट, यूएसए में कार्यरत हैं।

प्रदत्त व्याख्यान :
यू. सिंह : 2 संजय वाधवा : 4 श्रीकुमार वी. : 5
सुमेध नारायण मोरे : 1

मौखिक पत्र / पोस्टर की प्रस्तुति : 8

अनुसंधान
विभागीय परियोजनाएं
जारी

1. डायबिटीज़ मेलिटस वाले रोगियों में पैर में दबाव के केंद्र पर कस्टम द्वारा ढाले गए जूते के प्रभाव को निर्धारित करना।
2. फाइबोमायलेजिया रोगियों में दर्द मॉड्यूलेशन पर ट्रांसक्रेनियल चुंबकीय उत्तेजना का प्रभाव।
3. मल्टीपल मायलोमा के साथ रोगियों में पुनर्वास के लिए जरूरतों का मूल्यांकन।
4. प्लांटर फैसिटिस में पेलपेशन तकनीकी बनाम अल्ट्रासाउंड द्वारा स्थानीय स्टेरॉइड इंजेक्शन के परिणाम की तुलना का एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
5. घुटने के ऑस्टियोआर्थराटिस के रोगियों में इंट्राआर्टिकुलर इंजेक्शन की एक खुराक से प्लेटलेट से भरपूर प्लाज्मा और उच्च आण्विक भार वाले हायलूरोनिक एसिड से दर्द में कमी और जीवन की गुणवत्ता में सुधार की तुलना।
6. स्पाइनल कॉर्ड में चोट वाले पक्षाघात रोगियों में अस्थि खनिज घनत्व का मूल्यांकन।
7. एकतरफा घुटने टखने प्रोस्थेसिस के ऑनलाइन गति अनुकूलन।
8. एचिल्लस टेनडिनोपैथी में कोलेजन पेप्टाइड टाइप 1, कोंड्रोइटिन सल्फेट, सोडियम हायलूरोनेट और विटामिन सी के संयोजन बनाम यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण डिक्लोफेनेक सोडियम की प्रभावकारिता की तुलना।
9. कंधे की अकड़न में इंट्रा–आर्टीकुलर स्टेरॉयड इंजेक्शन बनाम अल्ट्रासाउंड निर्देशित सुप्रास्केपुलर नर्व ब्लॉक के परिणाम की तुलना करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
10. एम्स, नई दिल्ली में निःशक्त व्यक्ति द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँचने में चुनौतियों का सामना करने का एक खोजपूर्ण अध्ययन।
11. जल्दी और उन्नत ऑस्टियोआर्थराइटिस में संतुलन दोष की तुलना।
12. स्टंप लंबाई, चाल मापदंडों के बीच संबंध तथा एकतरफा ट्रांसटिबियल ऐम्प्युटी में गतिशील संतुलन।
13. वायवीय स्पंज नियंत्रण घुटने से ऊपर प्रोस्थेसिस पर प्रायोगिक ट्रेल बनाए रखना (आईआईटी–टीईपीपी)।

पूर्ण

1. चूहों में स्पाइनल कॉर्ड इंजरी द्वारा प्रवृत्त आस्टियोपोरोसिस पर चुम्बकीय क्षेत्र का प्रभाव।
2. स्ट्रोक रोगियों में गेट और आसनीय स्थिरता पर इंट्राक्राइनल प्रत्यक्ष और वर्तमान उत्तेजना और फ्लुक्सोटाइन के साथ संयोजन में डुअल–टास्क व्यायाम का प्रभाव।

सहयोगी परियोजनाएं
जारी

1. सीओपीडी रोगियों में विटामिन डी की कमी में विटामिन डी पूरकता की भूमिका : डबल ब्लाइंड, यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (चिकित्सा एवं अतः स्राविकी विज्ञान विभाग)।
2. एम्स टर्शरी केयर सेंटर में भाग लेने टाइप 1 डायबिटीज मेलिटस वाले रोगियों में पेरीआर्थराइटिस कंधे की व्यापकता (अतः स्राविकी विज्ञान विभाग)।
3. आर्टीफिशियल हाथ के साथ आर्टीफिशियल उंगलियों का डिजाइन (नॉर्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, शिलांग)।
4. शारीरिक रूप से अशक्त व्यक्तियों के लिए स्मार्ट फंक्शनल इलेक्ट्रिकल स्टीमुलेटर का डिजाइन। (जैव–चिकित्सा इंजीनियरी विभाग, क्रस्ट मुरथल, सोनीपत)।
5. 2–15 वर्ष की आयु स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी वाले बच्चों में वैल्प्रोएट और लेवोकार्नीटिन नियंत्रित यादृच्छिक प्लेसेबो का परीक्षण (बाल रोग विभाग)।
6. न्यूरो पुनर्वास पोस्ट–स्ट्रोक के लिए रोबोटिक हैंड से सहायता प्रदान ट्रांसक्रेनियल चुंबकीय उत्तेजना चिकित्सा (आईआईटी दिल्ली)।
7. पीठ के निचले हिस्से में दर्द के रोगियों में दर्द की स्थिति और मोटर कॉर्टेक्स की उत्तेजनशीलता का एक अध्ययन : ट्रांसक्रेनियल चुंबकीय उत्तेजना का प्रभाव (शरीरक्रिया विज्ञान)।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 2 पुस्तकों में अध्याय : 6

रोगी उपचार

नए रोगी

ओपीडी (चिकित्सक परामर्श)	15174	प्रोस्थेटिक्स और ऑर्थोटिक्स	5884
बल्लभगढ़ पीएमआर ओपीडी	3407		
कुल नए मामले	24465		

पुराने रोगी

ओपीडी (चिकित्सक परामर्श)	22577	अशक्तता मूल्यांकन क्लिनिक	166
रेलवे रियायत प्रमाण पत्र	355	ओपीडी विजिट (पी टी अनुभाग)	13334
ओपीडी दौरा (ओटी अनुभाग)	10417	ओपीडी विजिट (एमएसडब्ल्यू)	3110
ओपीडी दौरा (पी एंड ओ क्लिनिक)	9138	माइनर ओटी प्रक्रिया	3242
ओटी बल्लभगढ़ में प्रमुख सर्जरी	125		
कुल पुराने रोगी	62464		
महा योग	86929		

विभाग के विशेष क्लिनिक :

शामिल की गई नई सेवाएं : पेशीय–कंकाल प्रयोगशाला : कम्प्यूटरीकृत मूल्यांकन और व्यायाम उपकरण।

जारी क्लिनिक

1. फुट क्लिनिक।
2. अशक्तता मूल्यांकन क्लिनिक।

3. ब्रेस चेक आउट क्लिनिक : रोगियों को अंतिम प्रदायगी से पहले उन प्रोस्थेटिक और ऑर्थोटिक डिवाइस की जांच करना जिन्हें हमारी कार्यशाला में बनाया गया है।
4. केस कॉनफरेंस : लक्ष्य स्थापित करने और उपचार के मूल्यांकन के लिए दीर्घकालिक पुनर्वास रोगियों की चर्चा।
5. जिम राउंड क्लिनिक : पीएमआर के अंतर्गत भर्ती रोगियों की चिकित्सा का मूल्यांकन।

सामुदायिक सेवाएं

रोगी उपचार : समय समय पर अशक्तता व्यक्तियों के कल्याण के लिए मथुरा में ग्रामीण शिविरों में विभागीय संकाय और रेजीडेंट डॉक्टर शामिल हैं।

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण उपलब्धियां

आचार्य यू. सिंह को एम्स में हिंदी पखवाड़े के दौरान सितंबर 2015 में हिंदी श्रुतलेख कार्य में सांत्वना पुरस्कार मिला, उन्हें स्पाइनल बीमारियों और अपना जीवन इस महत्वपूर्ण कार्य के लिए समर्पित करने के लिए इसके प्रबंधन में असाधारण योगदान को मान्यता देते हुए स्पाइनल कॉर्ड सोसायटी द्वारा लाइफ टाइम एचिवमेंट पुरस्कार इस्कोन 2015 के दौरान, नई दिल्ली, 26 सितंबर 2015 को दिया गया। वे सीएमई सत्र 6, न्यूरोकॉग्निशन और न्यूरोट्रॉमा में न्यूरोरेहेबिलिटेशन, तीसरा एम्स न्यूरोट्रॉमा सम्मेलन, नई दिल्ली, के अध्यक्ष थे, 29 अक्टूबर 2015; अध्यक्ष, पहले, ग्यारहवां और चौदहवां सत्र, आईएपीएमआरसीओएन 2016, इम्फाल, 12–14 फरवरी 2016;उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान सम्मानित अतिथि, आईएपीएमआरसीओएन 2016, इंफाल, 12–14 फरवरी 2016; आईएपीएमआरसीओएन 2016 के दौरान पुरस्कार सत्र के निर्णायक, इंफाल, फरवरी 12–14, 2016। वे विभिन्न समितियों के सदस्य रहे हैंः अनुसंधान समिति, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर; शैक्षणिक समिति, राष्ट्रीय अस्थि विकलांग संस्थान, कोलकाता; अध्यक्ष, अनुसंधान की समीक्षा समिति, इण्डियन स्पाइनल इंजुरिज़ सेंटर, वसंत कुंज, नई दिल्ली। डॉ. सिंह मानद संपादक हैं, इंडियन जर्नल ऑफ फिजिकल मेडिसिन और रिहेबिलिटेशन; सलाहकार संपादक और समीक्षक, जनरल ऑफ रिहेबिलिटेशन काउंसिल ऑफ इण्डिया लोकोमोटर और एसोसिएटिड डिसेबिलिटिज़। वे एनल्स ऑफ इण्डियन अकादमी ऑफ न्यूरोलॉजी के समीक्षक हैं; इंडियन जर्नल ऑफ न्यूरो सर्जरी; जर्नल ऑफ स्पाइनल कॉर्ड मेडिसिन; जर्नल ऑफ अमेरिकन अकादमी ऑफ फिजिकल मेडिसिन एण्ड रिहेबिलिटेशन, डॉ. सिंह संपादकीय बोर्ड के सदस्य भी हैं, इंडियन जर्नल ऑफ फिजियोथेरेपी एण्ड ऑक्युपेशंस थेरेपी; बायोसाइंसेज और टेक्नोलॉजी (आईजेबीएसटी) के इंटरनेशनल जर्नल के लिए संपादकीय बोर्ड के माननीय सदस्य। सलाहकार बोर्ड के सदस्यः फिजिकल मेडिसिन एण्ड रिहेबिलिटेशन के सेंट जॉन्स हैंडबुक, बंगलुरू, अगस्त 2013.। वे वरिष्ठ संपादक हैं : राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड द्वारा, एस्ट्रोसाइट, मल्टीस्पेशलिटी जर्नल, नई दिल्ली, दिसंबर 2013 से; एम्स सार्वजनिक व्याख्यान श्रृंखला के दौरान पेनलिस्ट, लाइफ विद् हैड इंजरी, प्रिवेंशन एण्ड ट्रीटमेंट, 30 अक्तूबर 2015, 'टोटल हेल्थ में अर्थराइटिस' पर डीडी न्यूज में फोन–इन लाइव टीवी कार्यक्रम के दौरान 24 जनवरी 2016 को विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित।

आचार्य संजय वाधवा चिकित्सा विज्ञान के राष्ट्रीय अकादमी में, नई दिल्ली, विश्व स्ट्रोक दिवस के अवसर पर, 28 अक्टूबर, 2015 को स्ट्रोक की रोकथाम, प्रबंधन और पुनर्वास, पर एक संगोष्ठी आयोजित की। उन्हें कृत्रिम अंग, पुनर्वास उपकरणों और विकलांगों के लिए उपकरण, अनुभागीय समिति, एमएचडी 09, भारतीय मानक ब्यूरो, भारत सरकार, मानक भवन, मार्च 2016 से 3 साल के दूसरे कार्यकाल के लिए नई दिल्ली का अध्यक्ष नामित किया गया था। डॉ. वाधवा विभिन्न समितियों के सदस्य हैं : चिकित्सा उपकरण एवं अस्पताल योजना प्रभाग परिषद (एमएचडीसी), भारतीय मानक ब्यूरो, भारत सरकार, मानक भवन, नई दिल्ली; सदस्य, कार्यक्रम सलाहकार और टाइड कार्यक्रम के लिए निगरानी समिति की बैठक, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार; राष्ट्रीय सलाहकार, इंडियन जर्नल ऑफ जेरियाट्रिक केयर; सदस्य, 'विकलांगता में अनुसंधान' पर कार्य समूह, आईसीएमआर; जुलाई 2015 के बाद से 3 वर्ष के कार्यकाल के लिए राष्ट्रीय चिकित्सा एकेडमी ऑफ साइंसेज (भारत) के निर्वाचित उपाध्यक्ष; जून 2015 के बाद से 3 वर्ष के कार्यकाल के लिए चिकित्सा के नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज (भारत) के निर्वाचित सदस्य; प्रबंधन पर स्थायी समिति, एनएएमएस; अनुशासनिक समिति, एनएएमएस; प्रकाशन सलाहकार समिति, एनएएमएस;

एनएएमएस के शैक्षणिक समिति; एनएएमएस के शैक्षणिक परिषद; एनएएमएस की व्याख्यान और पुरस्कार समिति; साक्षात्कार बोर्ड, संघ लोक सेवा आयोग, सहायक आचार्य के चयन के लिए, पीएमआर; राष्ट्रीय जन सहयोग एवं बाल विकास संस्थान, नई दिल्ली के संस्थागत समीक्षा बोर्ड (आईआरबी); 2016 में नए वर्ष के स्वास्थ्य संकल्प' पर 'टोटल हेल्थ', डीडी न्यूज में फोन इन लाइव टीवी कार्यक्रम के दौरान रविवार, 3 जनवरी, 2016 को विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित। 3 दिसंबर 2015 को 'अंतरराष्ट्रीय निशक्त व्यक्ति दिवस' पर स्वास्थ्य शो में दूर दर्शन चैनल पर आधे घण्टे का लाइव कार्यक्रम; 12 अक्तूबर, 2015 को एम्स, नई दिल्ली में 'व्यायाम और अर्थराइटिस की सहायक युक्तियों' पर अर्थराइटिस के जागरुकता कार्यक्रम के दौरान जन व्याख्यान और पैनल चर्चा, 'अंतरराष्ट्रीय निशक्त व्यक्ति दिवस' पर एक पेज के विशेष लेख में 29 नवंबर 2015 को राष्ट्रीय समाचार पत्र, नवभारत टाइम्स में एक विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया।

आचार्य एस. एल. यादव 'स्तर 2 अभिघात देखभाल सुविधाओं में पुनर्वास इकाइयों की स्थापना के लिए प्रचालन दिशानिर्देश' तैयार करने के लिए विशेष सदस्य थे। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार। उन्होंने एसकेआईएमएस, श्रीनगर, कश्मीर में 19 – 20 सितंबर 2015 के दौरान मध्यावधि सी.एम.ई. में एक सत्र की अध्यक्षता की। इम्फाल, मणिपुर में वार्षिक आईएपीएमआर सम्मेलन के दौरान एक सत्र। राजस्थान में संकाय चयन हेतु आरपीएससी, अजमेर में विषय के विशेषज्ञ। अध्यक्ष – आईएपीएमआर और आईपीएआरएम। डॉ. यादव ने एएपीएम एण्ड आर में 1 – 4 अक्तूबर 2015 को बोस्टन, यूएसए में हिस्सा लिया; जयपुर में आईओएसीओएन में, 10 – 14 दिसंबर 2015 को भाग लिया। अध्यक्ष ओबीसी समिति। एम्स और स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार की विभिन्न समितियों के विशेषज्ञ सदस्य। आईएसएसआईसीओएन में स्पाइनल कॉर्ड सोसायटी, नई दिल्ली की 15वीं वार्षिक वैज्ञानिक बैठक में 25 से 27 सितंबर 2015 के बीच सत्र 10 में 'आमंत्रित वार्ता' की अध्यक्षता की; 'उभरते हुए देशों में एससीआई देखभाल प्रदान करने की चुनौतियों को पूरा करने' के लिए पैनल चर्चा में पैनलिस्ट थे; सर्वोत्तम शोध पत्र सत्र के लिए स्वर्ण पदक एससीएस प्रदान करने के निर्णायक थे।

आचार्य गीता हांडा एम्स, भुवनेश्वर में संकाय चयन के लिए साक्षात्कार समिति की सदस्य थीं। वे यूपीएससी विशेषज्ञ सलाहकार पैनल की सदस्य थी; भारतीय प्रबंधन संस्थान के लिए शोध मूल्यांकन समिति, कलकत्ता; उपकरण निरीक्षण समिति एम्स, ऋषिकेश।

डॉ. श्रीकुमार वी. आईएसएसआईसीओएन 2015 में, सह–अध्यक्षः स्थिति वक्तव्य : ''मानव एससीआई में स्टेम कोशिका/कोशिकीय हस्तक्षेप : क्या यह समय दिशानिर्देशों से नियमन की ओर जाने का है?''; 2016 में ''सदस्य, वैज्ञानिक समिति, दिल्ली पीएमआरसी; कोषाध्यक्ष, इंद्रप्रस्थ एसोसिएशन ऑफ रिहेबिलिटेशन मेडिसिन; कार्यकारी समिति सदस्य, इण्डियन एसोसिएशन ऑफ फिजिकल मेडिसिन एण्ड रिहैबिलिटेशन। वे सह–वेब प्रशासक हैं (www.iapmr.org)।

श्री अजय बब्बर एमएचडी 09 भारतीय मानक ब्यूरो, नई दिल्ली, आर्टिफिशल लिंब्स, रिहैबिलिटेशन अप्लाएंसिस एण्ड इक्विपमेंट फॉर डिसेबल्ड अनुभागीय समिति के सदस्य थे।

श्री अनिल कुमार एमएचडी 09 भारतीय मानक ब्यूरो, नई दिल्ली आर्टिफिशल लिंब्स, रिहैबिलिटेशन अपलायंसिस एण्ड इक्विपमेंट फॉर डिसेबल्ड अनुभागीय समिति के सदस्य थे।

9.32 शरीर क्रिया विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष
किशोर कुमार दीपक

आचार्य

हरुदानंदा मल्लिक	देबब्रत घोष	कंवल प्रीत कोच्चर
रत्ना शर्मा	नलिन मेहता	सुमन जैन
अशोक कुमार जरयाल		राज कुमार यादव

अपर आचार्य
अंजना तलवार

सहायक आचार्य

अस्मिता पाटिल	रेणु भाटिया	सिमरन कौर
प्रशांत तुलसीदास तायडे	दींनू संतहंदरण	नसरीन अख्तर

विशिष्टताएं

विभाग डॉक्टरल कार्यक्रम के अलावा स्नातकपूर्व एवं स्नातकोत्तर शिक्षण में भी सम्मिलित है। विभाग के संकाय सदस्यों द्वारा स्नातकपूर्व तथा स्नातकोत्तर शिक्षा एवं अनुसंधान तकनीकियों में प्रशिक्षण हेतु एम्स तथा अन्य संस्थानों में कार्यशालाओं एवं संगोष्ठियों के संचालन हेतु जनशक्ति प्रशिक्षण भी चलाया जा रहा है। संकाय वर्ग द्वारा तंत्रिका शरीर क्रिया विज्ञान (ऑटोनॉमिक नर्वस सिस्टम सहित), सेलुलर और आण्विक शरीर क्रिया विज्ञान, पोषण वेस्कुलर शरीर क्रिया विज्ञान, प्रजनन, श्वसन तथा योग सहित विभिन्न क्षेत्रों में अनेक बाह्य तथा आंतरिक अनुसंधान परियोजनाएं चलाई जा रही हैं। अनुसंधान से प्राप्त परिणामों को विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक संगोष्ठी में प्रस्तुत किया गया तथा सूचिका के अनुसार प्रकाशित किया गया। इसके वास्तविक अनुसंधान के आधार पर विभाग द्वारा सुधार हेतु सर्जरी एवं योग संबंधी मध्यस्थता के दौरान ऑटोनोमिक एवं वेस्कुलर कार्य मूल्यांकन, दर्द उपचार, इंट्राऑपरेटिव मॉनीटरिंग में उच्चतम तकनीकियों के प्रयोग द्वारा रोगियों को उल्लेखनीय सहायता प्रदान की गई। संकाय सदस्यों द्वारा कई पुरस्कार एवं सम्मान प्राप्त किए गए तथा विभाग के विद्यार्थियों को शरीर क्रिया अनुसंधान एवं आयुर्विज्ञान शिक्षा में नवीनतम योगदान के लिए सराहा गया। ऑल इंडिया फार्माकोलॉजिस्ट्स एंड फिजियोलॉजिस्ट्स ऑफ इंडिया (एपीपीआई) दिल्ली अध्याय के तत्वावधान के तहत अनेक शैक्षिक समारोह आयोजित किए गए। विभाग ने 16–18 दिसंबर 2015 से सार्क देशों के लिए कार्यशाला का आयोजन किया और विदेशों में वैज्ञानिकों के साथ तकनीकों को इसके हाल ही में राज्य के साथ साझा किया।

शिक्षा

1. स्नातकपूर्व शिक्षण : 100 घंटे
2. स्नातकोत्तर शिक्षण :
   क. एम एससी छात्र : 9
   ख. एम डी छात्र : 11
   ग. पीएच.डी अध्येता : 33
3. नर्सिंग एवं संबद्ध पाठ्यक्रम : कुल छात्र : 140

4. अल्पकालिक प्रशिक्षण :

क. जेआईपीएमईआर, पुडुचेरी से एक अपर आचार्य (4–24 मई 2015) और एक सहायक आचार्य (1–30 जून 2015) के लिए तंत्रिका शरीर क्रिया विज्ञान और उन्नत संवहनी कार्यात्मक अंतर शल्य चिकित्सा में।

ख. नींद प्रयोगशाला में आर. जी. कर मेडिकल कॉलेज, कोलकता से एक जूनियर रेजीडेंट के लिए प्रशिक्षण प्रदान किया, 1–30 जून 2015

ग. स्वायत समारोह परीक्षण प्रयोगशाला में चिकित्सा जैव प्रौद्योगिकी केंद्र से एक छात्र के लिए अल्पावधि प्रशिक्षण प्रदान किया, एमडी यूनिवर्सिटी, रोहतक, 1–31 जुलाई 2015.

घ. संज्ञानात्मक तंत्रिका शरीर क्रिया विज्ञान प्रयोगशाला में चिकित्सा जैव प्रौद्योगिकी केंद्र से चार छात्रों के लिए अल्पावधि प्रशिक्षण प्रदान किया, एमडी यूनिवर्सिटी, रोहतक, 1–31 जुलाई 2015.

ङ. जैव प्रौद्योगिकी विभाग से दो एम.टेक (जैव प्रौद्योगिकी) छात्रों के लिए अल्पावधि प्रशिक्षण प्रदान किया, गौतम बुध यूनिवर्सिटी, ग्रेटर नोएडा, 21 मई – 14 जुलाई 2015.

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशालाएं / संगोष्ठियां / राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

1. सार्क नेशन्स के लिए टेक्नीक्स इन फिजियोलॉजिकल साइंसेस (टीआईपीएस–2015) पर अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला (संयोजक : के के दीपक)। एम्स, नई दिल्ली, 16–18 दिसंबर 2015.
2. कम्पीटेंसी बेस्ड मेडिकल एजुकेशन पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान आयोजित डेवलपिंग कम्पीटेंसी बेस्ड करिकुलम पर कार्यशाला (संसाधन संकाय : के के दीपक)। किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, उ. प्र., लखनऊ, 9–10 अक्टूबर 2015.
3. शरीर–क्रिया विज्ञान में तकनीकों पर सार्क राष्टों के लिए कार्डियोवस्कुलर ऑटोनॉमिक फंक्शन के मूल्यांकन और वेस्कुलर फंक्शन के मूल्यांकन पर कार्यशाला। (टीआईपीएस – 2015) (संयोजक : के. के. दीपक), एम्स, नई दिल्ली, 16–18 दिसंबर 2015.
4. ऑटोनोमिक फंक्शन एंड वेस्कुलर फंक्शन पर कार्यशाला, एसोसिएशन ऑफ फिजियोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया (एएसएसओपीआईसीओएन 2015) का वार्षिक सम्मेलन। (संयोजक : के के दीपक), श्री राम मूर्ति स्मारक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, बरेली, 26 अक्टूबर 2015.
5. माइक्रोग्रेविटी पर भारत–ऑस्ट्रेलिया संगोष्ठी, फिजियोलॉजी एंड फार्माकोलॉजी (एपीपीआईसीओएन 2015) का राष्ट्रीय सम्मेलन। (संयोजक : के के दीपक), एम्स, जोधपुर, 25–28 नवंबर 2016.
6. वेस्कुलर फंक्शन पर कार्यशाला, फिजियोलॉजी एंड फार्माकोलॉजी (एपीपीआईसीओएन 2015) का राष्ट्रीय सम्मेलन। (संयोजक : के के दीपक), एम्स, जोधपुर, 25–28 नवंबर 2016.
7. एमआरआई का उपयोग कर न्यूरोइमेजिंग पर क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा : फिजियोलॉजिस्ट एंड फार्माकोलॉजिस्ट के लिए निहितार्थ। (संयोजक : के के दीपक), 7 नवंबर 2016, फिजियोलॉजिस्ट एंड फार्माकोलॉजिस्ट (एपीपीआईसीओएन 2015) का राष्ट्रीय सम्मेलन, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर, 25–28 नवंबर 2016.
8. ओएससीईई और ओएसपीईई पर कार्यशाला। (संयोजक : के के दीपक), के एल विग सीएमईटी, एम्स, नई दिल्ली, 6 मई 2015.
9. इम्पोर्टेंस ऑफ स्लीप इन स्कूल चिल्ड्रन पर संगोष्ठी (संयोजक : एच एन मलिक), एम्स नई दिल्ली, 8 अप्रैल 2015.
10. डिस्कवरिंग द मिस्ट्री ऑफ स्लीप पर संगोष्ठी, 61 एपीपीआईसीओएन (संयोजक : एच एन मलिक), एम्स, जोधपुर, 27 नवंबर 2015

11. नेशनल स्लीप मेडिसिन कोर्स (संयोजक : एच एन मलिक), गुवाहाटी, 5–6 दिसंबर 2015.
12. फोर्थ स्लीप टेक्नोलॉजी वर्कशॉप (संयोजक : एच एन मलिक), एम्स, नई दिल्ली, 9–10 दिसंबर 2015
13. ड्राउसी ड्राइविंग पर संगोष्ठी (संयोजक : एच एन मलिक), एम्स, नई दिल्ली, 9–10 दिसंबर 2015
14. पॉलीसोनोग्राफी पर अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला, (संयोजक : एच एन मलिक), सार्क देशों के लिए टेक्नीक्स इन फिजियोलॉजिकल साइंसेस टीआईपीएस – 2015, एम्स, नई दिल्ली, 16–18 दिसंबर 2015
15. होल ट्रांसक्रिप्टोमिक्स माइक्रोएरे पर कार्यशाला, (संयोजक : डी घोष), सार्क देशों के लिए टेक्नीक्स इन फिजियोलॉजिकल साइंसेस टीआईपीएस – 2015, एम्स, नई दिल्ली, 16–18 दिसंबर 2015
16. एजुकेटिंग मेडिकल स्टुडेंट्स टू बी ए ह्यूमेन डॉक्टर पर परस्पर कार्यशाला (संयोजक : के पी कोच्चर), सीएमईटी, एम्स, नई दिल्ली, 29 जनवरी 2016
17. बेरेंट्सकाफ्ट्स पोटेंशियल पर कार्यशाल। (संयोजक : के पी कोच्चर), सार्क देशों के लिए टेक्नीक्स इन फिजियोलॉजिकल साइंसेस टीआईपीएस – 2015, एम्स, नई दिल्ली, 16–18 दिसंबर 2015
18. फंक्शनल इमेजिंग ऑफ कॉग्निटिव फंक्शन्स पर संगोष्ठी (संयोजक : रत्ना शर्मा), एपीपीआईसीओएन, एम्स, जोधपुर, 28 नवंबर 2015.
19. रिकॉर्डिंग एंड एनालायसिस ऑफ क्वांटिटेटिव ईईजी पर कार्यशाला (संयोजक : रत्ना शर्मा), सार्क देशों के लिए टेक्नीक्स इन फिजियोलॉजिकल साइंसेस टीआईपीएस – 2015, एम्स, नई दिल्ली, 16–18 दिसंबर 2015
20. ऑप्टिमाइजिंग टूल्स फॉर स्किल्स एसेसमेंट पर कार्यशाला, कम्पीटेंसी बेस्ड मेडिकल एजुकेशन पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी। (संसाधन संकाय : नलिन मेहता) किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, उ. प्र., लखनऊ, 9–10 अक्टूबर 2015.
21. बायोएथिक्स पर सौंपे गए पूर्व सम्मेलन कार्यशाला। (संयोजक : नलिन मेहता) एसोसिएशन ऑफ फिजियोलॉजिस्ट्स एंड फार्माकोलॉजिस्ट्स ऑफ इंडिया (एपीपीआईसीओएन 2015) का राष्ट्रीय सम्मेलन। एम्स, जोधपुर, 25 नवंबर 2015.
22. रिसर्च एथिक्स पर संगोष्ठी। (संयोजक : नलिन मेहता)। एपीपीआईसीओएन, एम्स, जोधपुर, 26 नवंबर 2015.
23. करंट एथिकल एंड रेगुलेटरी रिक्वायरमेंट्स फॉर क्लिनिकल ट्रायल्स – एन अवेयरनेस प्रोग्राम पर कार्यशाला (संसाधन संकाय : नलिन मेहता)। ईएसआई डेंटल कॉलेज हॉस्पीटल, रोहिणी, नई दिल्ली, 15 दिसंबर 2015.
24. पेन एसेसमेंट इन ह्यूमन्स एंड एनिमल्स पर कार्यशाला (संयोजक : सुमन जैन)। सार्क देशों के लिए टेक्नीक्स इन फिजियोलॉजिकल साइंसेस टीआईपीएस – 2015, एम्स, नई दिल्ली, 16–18 दिसंबर 2015
25. ऑटोनोमिक एंड वेस्कुलर फंक्शन टेस्टिंग का लाइव प्रदर्शन। (संयोजक : अशोक जरयाल) अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आईएसएलईटीसीओएन – 2015 (डायबिटीज मेलिट्स – हाल के अद्यतन), श्री बालाजी मेडिकल कॉलेज, चेन्नई, 27 जुलाई 2015
26. लाइव प्रदर्शन, इंट्राऑपरेटिव न्यूरो – फिजियोलॉजिकल मॉनिटरिंग (संयोजक : अशोक जरयाल), न्यूरो – एनेस्थिसिया अद्यतन – 2015, 26–27 सितंबर 2015, एम्स, नई दिल्ली।
27. एसेसमेंट ऑफ कार्डियोवेस्कुलर ऑटोनॉमिक फंक्शन एंड एसेसमेंट ऑफ वेस्कुलर फंक्शन पर कार्यशाला (संयोजक : अशोक जरयाल), टेक्नीक्स इन फिजियोलॉजिकल साइंसेस (टीआईपीएस 2015) पर सार्क देश, एम्स, नई दिल्ली, 16–18 दिसंबर 2015.

28. ह्यूमन फैक्टर्स पर कार्यशाला (संयोजक : राज कुमार यादव). जेपीएनए ट्रॉमा सेंटर, एम्स, नई दिल्ली :
   क. कार्यशाला 1 : थिंकिंग एगिलिटी इन मेडिसिन, 28 सितंबर 2015
   ख. कार्यशाला 2 : द रेसिलिएंट डॉक्टर, 28 सितंबर 2015
   ग. कार्यशाला 3 : मेंटल टफनेस फॉर वॉमैन, 29 सितंबर 2015
   घ. मेरी केइटली द्वारा आयोजित, माननीय प्रोफेसर, माइंड एसोसिएट्स, यू. के.

29. योग एंड मेडिटेशन पर कार्यशाला (संयोजक : राज कुमार यादव), सार्क देशों के लिए टेक्नीक्स इन फिजियोलॉजिकल साइंसेस टीआईपीएस – 2015, एम्स, नई दिल्ली, 16–18 दिसंबर 2015
30. माइंड, मेडिसिन एंड मेडिटेशन : एविडेंस – बेस्ड योग विद् साइंस पर कार्यशाला (संसाधन संकाय : राज कुमार यादव), सीएमईटी, एम्स, नई दिल्ली के लिए संकाय, रेजीडेंट और छात्र, 18 फरवरी 2016
31. स्ट्रेस मैनेजमेंट बाय योग : एन एम्स – एसवीवाईएएसए इनिशिएटिव पर कार्यशाला। (आयोजन सचिव : राज कुमार यादव), एम्स, नई दिल्ली, 12–13 मार्च 2016.
32. एपीपीआई दिल्ली चेप्टर के तत्वावधान के तहत शैक्षणिक समारोह। (आयोजन सचिव : राज कुमार यादव – एपीपीआई, दिल्ली चेप्टर – संगठित 4 अतिथि व्याख्यान, 1 संगोष्ठी और 1 सीएमई)
33. पल्मोनरी फंक्शन टेस्टिंग बाय स्पाइरोमेट्री पर कार्यशाला। (संयोजक : अंजना तलवार)। सार्क देशों के लिए टेक्नीक्स इन फिजियोलॉजिकल साइंसेस टीआईपीएस – 2015, एम्स, नई दिल्ली, 16–18 दिसंबर 2015
34. स्ट्रेस मैनेजमेंट फॉर एनसीएचपीई 2015 पर कार्यशाला (स्वास्थ्य व्यावसायिक शिक्षा पर राष्ट्रीय सम्मेलन)। (संयोजक : अस्मिता पाटिल), मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली, 18 नवंबर 2015
35. ट्रांसक्रिनियल मैग्नेटिक स्टीमुलेशन फॉर पैन मैनेजमेंट पर कार्यशाला (संयोजक : रेणु भाटिया)। सार्क देशों के लिए टेक्नीक्स इन फिजियोलॉजिकल साइंसेस टीआईपीएस – 2015, एम्स, नई दिल्ली, 16–18 दिसंबर 2015
36. एसेसमेंट ऑफ वेरियस डोमैन्स ऑफ कॉग्निटिव फंक्शन्स पर कार्यशाला। (संयोजक : सिमरन कौर)। सार्क देशों के लिए टेक्नीक्स इन फिजियोलॉजिकल साइंसेस टीआईपीएस – 2015, एम्स, नई दिल्ली, 16–18 दिसंबर 2015

प्रदत्त व्याख्यान

के. के. दीपक : 20	एच. एन. मल्लिक : 8	डी. घोष : 2
के. पी. कोचर : 6	रत्ना शर्मा : 2	नलिन मेहता : 16
सुमन जैन : 2	अशोक जरयाल : 4	राज कुमार यादव : 4
अंजना तलवार : 1	अस्मिता पाटिल : 1	रेणु भाटिया : 2

मौखिक पत्रों और पोस्टरों की प्रस्तुति : 23

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. प्राणायाम अभ्यास की हृद एवं वेस्कुलर ऑटोनोमिक मैकेनिज्म का आधारभूत अध्ययन। के. के. दीपक, सीसीआरवाईएन, 2 वर्ष, 2014–17, 17.64 लाख रुपए।

2. हृदय गति परिवर्तनशीलता विश्लेषण पर केंद्रीकृत सिस्टम की अभिकल्पना एवं विकास, के. के. दीपक, मीडिया लैब एशिया, 2 वर्ष, 2015–17, 47.60 लाख रुपए।
3. सिर उठाने, सिर नीचे झुकाने के दौरान और नव स्वस्थ्य व्यक्तियों में शरीर के निचले भाग में ऋणात्मक दबाव पर कार्डियो वेस्कुलर भिन्नता पर धीमी सांस लेने के चिरकालिक प्रभाव। के.के. दीपक सीसीआरवाईएन 2 वर्ष, 2016–17, 66.75 लाख रुपए।
4. कोरोनरी धमनी रोग के रोगियों में फ्रामिंघम जोखिक स्कोर, वेस्कुलर और स्वायत्त कार्य मानकों के साथ एंजियोग्राफिक स्कोर का सह–संबंध। के. के. दीपक, सीएसआईआर, 3 वर्ष, 2015–18, 23.18 लाख रुपए।
5. चूहों के थर्मोरेगुलेशन में प्रिऑप्टिक एरिया थर्मो टीआरपीवी की भूमिका, एच. एन. मल्लिक, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2014–16, 15 लाख रुपए।
6. अभिव्यक्ति आमापनों के जीनोम व्यापक विश्लेषण (जीडब्ल्यूए) से एंडोमेटरियोसिस के लिए ट्रांसक्रिप्टोमिक भूनिर्माण, डी. घोष, डीएसटी, 3 वर्ष, 2015–18, 47.37 लाख रुपए।
7. मानव प्लेसेंटल साइट्रोफोब्लास्ट कोशिकाओं पर कैटिऑनिक अल्फा–हेलीकल एंटीमाइक्रोबायल पेप्टाइड की प्रक्रिया का सेल्यूलर एवं मॉलीक्यूलर आधार, डी. घोष, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2012–15, 41.58 लाख रुपए।
8. हाई थ्रूपुट प्रोटियोमिक्स स्ट्रेटिजी का प्रयोग करके इंडोमेट्रियोसिस को समझना, डी. घोष, डीएसटी, 3 वर्ष 6 माह, 2010–2014, 35 लाख रुपए।
9. वक्ष कैंसर रोगियों में संशोधित फैटिगबिलिटी एवं तनाव के लिए संयुक्त चिकित्सा के तौर पर योग की प्रभावोत्पादकता : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, राजकुमार यादव, अ. भा. आ. सं., 2 वर्ष, 2014–16, 10 लाख रुपए।
10. स्थिर सी ओ.पी.डी. वाले रोगियों में प्लाज्मा बायोमार्कर्स का मल्टी एनालेट प्रोफाइलिंग तथा नैदानिक पैरामीटरों के साथ उनका सह – संबंध : एक प्राणायाम आधारित अध्ययन। अंजना तलवार, सी एस आई आर, 3 वर्ष, 2013–16, 23.6 लाख रुपए।
11. स्थिर सी.ओ.पी.डी. रोगियों में श्वसन पथ मेक्रोफेजिस का एरे आधारित कम्पेरिटिव जीनोमिक हाइब्रिडाइजेशन तथा ग्लोबल जीन ट्रांसक्रिप्ट प्रोफाइलिंग का प्रयोग करके जीनोम वाइड जीन प्रोफाइलिंग। अंजना तलवार, डीएसटी, 3 वर्ष, 2013–16, 50 लाख रुपए।
12. मानव साइटोट्रोफोब्लास्ट कोशिका रेखा इन विट्रो पर कैटिओनिक एंटी–माइक्रोबायल पेप्टाइड प्रक्रिया का मॉलीकुलर आधार, नलिन मेहता, अ. भा. आ. सं., 2 वर्ष, 2014–16, 9.95 लाख रुपए।

पूर्ण

1. चूहों में थर्मोजेनेसिस एवं निद्रा पर आहार विज्ञान संबंधी ग्लूटामेट की भूमिका। एच. एन. मल्लिक, अजीनोमोटो कं., जापान, $3^1/_2$ वर्ष, 2011–2014, 20 लाख रुपए।
2. पार्किंसन रोग में जन्मजात दोषों के क्वांटिटिव ई ई जी सह–संबंध, रत्ना शर्मा, डीबीटी, $3^1/_2$ वर्ष, 2011–15, 22 लाख रुपए।
3. मोटे रोगियों में बायोमार्कर्स के प्रयोग द्वारा ग्लूकोज मेटाबॉलिज्म संबंधी बेरिएट्रिक सर्जरी के प्रभाव के मूल्यांकन का भविष्य सापेक्ष अध्ययन। राज कुमार यादव, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2012–2015, 29 लाख रुपए।
4. सिरदर्द वाले रोगियों में पुराने तनाव प्रकार के पीड़ा स्तर पर ट्रांसक्रेनियल चुम्बकीय उद्दीपन का प्रभाव, रेणु भाटिया, अ. भा. आ. सं., 2 वर्ष, 2014–16, 2.5 लाख रुपए।

5. संज्ञानात्मक मतभेद के कोर्टिकल स्रोत : ए क्यूईईजी अध्ययन, सिमरन कौर, अ. भा. आ. सं., 1 वर्ष, 2015–16, 4.98 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. डायनेमिक सेरिब्रल ऑटो–रेगुलेशन आर्टियल रक्तदबाव की बारंबारता एवं एम्प्लीट्यूड डिपेंडेंट का प्रभाव।
2. चूहे के थर्मोरेगुलेशन में प्रिऑप्टिक एरिया थर्मो टीआरपीवी चैनल्स की भूमिका।
3. गट में और प्रिऑप्टिक क्षेत्र में आंतों में ग्लूटामेट द्वारा थर्मोजेनेसिस का मैकेनिज्म।
4. चूहों में नींद में लेटरल स्पेटम की भूमिका।
5. चूहों में क्षेत्रीय मस्तिष्क तापमान पर फिजियोलॉजिकल चुनौतियों का प्रभाव।
6. चूहों में नींद और नींद के अभाव के दौरान न्यूरोमस्कुलर परिवर्तन।
7. एंडोमेट्रोसिस में एस्ट्रोजेनिज्म का मॉलीकुलर आधार।
8. गर्भाशय एंडोमेट्रोसिस का ट्रांसक्रिप्टोमिक लैंडस्केप का अध्ययन।
9. एंडोमेट्रियोसिस में एंडोमेट्रियल स्ट्रोमल कोशिकाओं की संभावित नियोप्लास्टिक।
10. साध्य बोधात्मक दुर्बलता तथा अल्जाइमर रोग में संज्ञात्मक उपलब्धि का परिमाणात्मक ईईजी सह संबंध।
11. पार्किंसन रोग में संज्ञात्मक कमी का परिमाणात्मक ईईजी सह–संबंध।
12. तटस्थ संज्ञानात्मक और संबद्ध मनौवैज्ञानिक प्रतिक्रिया पर सकारात्मक, नकारात्मक और तटस्थ प्रभाव के मात्रात्मक ईईजी संबद्धता।
13. सामान्य व्यक्तियों तथा पार्किंन्सन रोग में स्केडिक आई मूवमेंट्स का संज्ञानात्मक नियंत्रण : एक व्यावहारिक घटना संबंधी संभावित तथा प्रकार्यात्मक चुम्बकीय अनुनाद इमेजिंग अध्ययन।
14. संज्ञानात्मक हस्तक्षेप पर संगीत के प्रभाव का मात्रात्मक ईईजी सह–संबंध।
15. शाइजोफ्रेनिया में विजुयो–स्पेशियल कार्य करने का मात्रात्मक ईईजी सह–संबंध।
16. मोतियाबिंद में अनुभूति का तंत्रिका प्रसंस्करण : एक मात्रात्मक ईईजी अध्ययन।
17. बाइनोकुलर प्रतिद्वंद्विता के दौरान कॉग्रएनसीय और भावात्मक संयोजक के तंत्रिका प्रसंस्करण : ए क्यूईईजी अध्ययन।
18. भावनात्मक हस्तक्षेप के कार्टिकल स्रोत : ए क्यूईइजी अध्ययन।
19. पार्किसन रोग के 6–ओएचडीए चूहा मॉडल में मोटर, सज्ञानात्मक पर सुपरपैरामैग्नेटिक आयरन ऑक्साइड नैनो कणों के आरोपण और चुंबकीय क्षेत्र उत्तेजना के उपचारात्मक प्रभाव का अध्ययन करना।
20. मेरूदंड की चोट से पीड़ित चूहों में चुंबकीय क्षेत्र उद्‌भवन सहित आयरन ऑक्साइड नेनोपार्टिकल के आरोपन के बाद न्यूरोजनरेशन।
21. चूहों में पूर्ण रीढ़ की हड्‌डी की चोट में कार्टिकल पुनर्गठन : सुपरपैरामैग्नेटिक नैनो कणों और कम तीव्रता चुंबकीय क्षेत्र जोखिम का प्रभाव।
22. अल्जाइमर रोग के इंट्रासेरेब्रोवेंट्रिकुलर स्ट्रेप्टोजोटोसिन प्रेरित चूहा मॉडल पर एक रूपात्मक और कार्यात्मक अध्ययन : चुंबकीय क्षेत्र उत्तेजना का प्रभाव।
23. पूर्ण रीढ़ की हड्‌डी की चोट में स्नायु उत्थान : चूहों में चुंबकीय क्षेत्र प्रदर्शन के साथ आयरन ऑक्साइड नैनोपार्टिकल आरोपण का प्रभाव।

24. स्पाइनल कोर्ड क्षति के चूहा मॉडल में चिरकारी दर्द के तीव्र दर्द में परिवर्तन पर चुंबकीय क्षेत्र उद्भवन का प्रभाव।
25. डायनेमिक सेरिब्रल ऑटो–रेगुलेशन आर्टियल रक्तदबाव की बारंबारता एवं एम्प्लीट्यूड डिपेंडेंट का प्रभाव।
26. योग आधारित जीवन शैली के हस्तक्षेप के बाद मोटापे में परिफेरल रक्त मोनोन्यूक्लियर कोशिकाओं की जीनोमिक अभिव्यक्ति और प्रोटीन प्रोफाइल का सह–संबंध।
27. ग्लुकोमा पर अल्पावधि योग–आधारित जीवन शैली हस्तक्षेप का प्रभाव : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
28. मोटापे की अनुभूति पर अल्पावधि योग – आधारित जीवन शैली हस्तक्षेप का प्रभाव।
29. एंडोमेट्रियोसिस वाले रोगियों की एंडोमेट्रियल ऊतक में बीसीएल–2 और आरएबी25 प्रोटीन।
30. मेटाबोलिक सिंड्रोम पर आहारविज्ञान इंटरवेंशन की तुलना में योग आधारित जीवनशैली की प्रभावोत्पादकता : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
31. प्रोटीन प्रोफाइलिंग द्वारा इंडोमेट्रोसिस के विकृति शरीर क्रिया विज्ञान को समझना तथा तनाव के साथ इसका सह संबंध।
32. स्थूल भारतीय व्यक्तियों में पैनक्रिएटिक बीटा सेल फंक्शंस पर विटामिन डी सप्लीमेंटेशन का प्रभाव।
33. योग आधारित कार्डियक पुनर्वास के दौर से गुजर रहे रोगियों में मायोकार्डियल इंफ्रैक्शन में ऑटोनोमिक टोन, वेस्कुलर और एंडोथेलियल कार्यों का मूल्यांकन।
34. सिर उठाने, सिर नीचे झुकाने के दौरान और नव स्वस्थ्य व्यक्तियों में शरीर के निचले भाग में ऋणात्मक दबाव पर कार्डियो वेस्कुलर भिन्नता पर धीमी सांस लेने के चिरकालिक प्रभाव।
35. स्वस्थ स्वास्थ्यकर्ताओं में कॉग्निटिव परफॉर्मैंस में अनुमानित परिवर्तन भावनाओं का परिमाणात्मक ईईजी सह संबंध।
36. स्लीप आर्किटेक्चर पर ध्यानावस्था का प्रभाव।
37. एंडोमेट्रोसिस में एस्ट्रोजेनिज्म का मॉलीकुलर आधार।
38. डायनेमिक सेरिब्रल ऑटो–रेगुलेशन पर आर्टियल रक्तदबाव की बारंबारता एवं एम्प्लीट्यूड डिपेंडेंट ओसीलेशंस का प्रभाव।
39. पुराने माइग्रेन में न्यूरोनेविगेशन आधारित दोहराव ट्रांसक्रेनियल चुंबकीय उत्तेजना की भूमिका।
40. फाइब्रोमायलेगिया रोगियों में दर्द मॉड्यूलेशन स्थिति पर ट्रांसक्रेनियल चुंबकीय उत्तेजना का प्रभाव।
41. पुराने तनाव प्रकार के सिर दर्द के दर्द की स्थिति पर दोहराव ट्रांसक्रेनियल चुंबकीय उत्तेजना का प्रभाव।
42. चिरकारी तनाव – टाइप सिरदर्द में सेंट्रल तथा पेरीफेरल दर्द मॉड्यूलेशन पर आरटीएमएस का प्रभाव।
43. पुराने निचले पीठ के दर्द में दर्द की स्थिति और कार्टिकोमोटर एक्सीटेबिलिटी का अध्ययन : ट्रांसक्रेनियल चुंबकीय उत्तेजना का प्रभाव।
44. नियत ऑर्थोडोंटिक उपचार करवा रहे रोगियों में मैसस्टर मांसपेशी के थर्मल संवेदनशीलता और मोटर गतिविधि का अध्ययन।
45. भावनात्मक हस्तक्षेप के कोर्टिकल सूत्र : ए क्यूईईजी अध्ययन।
46. मॉडल ऑडियो–विजुअल इंटरेक्शन पर क्यूईईजी सह–संबंध।

पूर्ण

1. निद्रा के दौरान शरीर, मांसपेशियों तथा मस्तिष्क के बीच आपसी संबंध।

2. ''योग निद्रा'' की इलेक्ट्रोफिजियोलॉजिकल विशेषताएं तथा प्राथमिक इंसोमनिया रोगियों में उसकी भूमिका।
3. एंडोमेट्रोसिस वाले रोगियों में पेरीटोनियल तरल में लेप्टिन तथा ग्रेलिन : वी ई जी एफ तथा आई एल 6 के साथ सह – संबंध।
4. सामान्य व्यक्तियों तथा पार्किंन्सन रोग के रोगियों में स्केडिक आई मूवमेंट्स का संज्ञानात्मक नियंत्रण : एक व्यावहारिक, घटना संबंधी संभावित तथा प्रकार्यात्मक इमेजिंग अध्ययन।

सहयोगी परियोजनाएं
जारी

1. रेडियल आर्टिरियल प्रेशर पैच के उपयोग कर कफ लैस नॉनइंवेसिव रक्तदाब मापन, इंडो–यूएस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी फोरम और यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग, आईआईटी दिल्ली।
2. मस्तिष्क में मॉर्फोलॉजिकल परिवर्तनों द्वारा स्पाइनोसेरिबेलर एटोक्सिया टाइप 1, 2 एवं 3 की तुलना वाले रोगियों में ऑटोनॉमिक फंक्शन का मूल्यांकन।
3. प्रीक्लेम्पसिया जांच के लिए वस्कुलर कार्य बेरोरिफ्लेक्स संवेदनशीलता और जैव रसायन कारकों का मूल्यांकन, प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान, अ. भा. आ. सं.
4. फियोक्रोमोसाइटोमा के रोगियों में ट्यूमर निकाले जाने के पहले और बाद में ऑटोनोमिक एवं वस्कुलर कार्य का मूल्यांकन। अंतःस्राविकी, अ. भा. आ. सं.
5. नवीन निदान हापरटेंसिव के मधुमेही रोगियों में ऑटोनोमिक वस्कुलर एवं एंडोथिलियल कार्य पर एंजियोटोंसिन कंवर्टिंग एंजाइम्स इंहेबिटर का प्रभाव, अंतःस्राविकी, अ. भा. आ. सं.
6. योग आधारित हृद पुनर्स्थापन के रोगियों में व्यक्तिक्रमण पर मायोकार्डियल में ऑटोनोमिक टोन, वस्कुलर एवं एंडोथिलियल कार्य का मूल्यांकन, हृदरोग विज्ञान, अ. भा. आ. सं.।
7. स्वस्थ व्यक्तियों में एंडोथेलियल कार्य और जीन अभिव्यक्ति का अध्ययन और विभिन्न सोमेटोटाइप वर्गीकरणों के साथ इसका सह–संबंध। इंस्टीट्यूट ऑफ जीनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी (आईजीआईबी)।
8. ऑटोनोमिक स्टीमुलेशन के दौरान कार्डियोवेस्कुलर और श्वसन संकेतक के बीच गतिशील परस्पर का लाक्षणीकरण। उपकरण और नियंत्रण अभियांत्रिकी विभाग, डॉ. बी आर अम्बेडकर एनआईटी, जलांधर।
9. मानव में लाल रक्त कोशिकाओं तथा रक्त प्रवाह पर चुंबकीय क्षेत्र उद्भवन के प्रभाव का अध्ययन, जैव चिकित्सा अभियांत्रिकी केंद्र, आईआईटी, दिल्ली।
10. तपेदिक रोग में संभावित माइक्रो आरएनए का अभिव्यक्ति विश्लेषण। काय चिकित्सा, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली।
11. पिछले विफल रहे आरोपण के साथ आईवीएफ चक्र के परिणाम पर स्थानीय एंडोमेट्रियल चोट (एलईआई) का प्रभाव : जीनोम व्यापक ट्रांसक्रिप्टोमिक आधार की खोज। प्रसूति एवं स्त्री रोग, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली।
12. कोलोरेक्टल कैंसर स्टेम सेल की आइसोलेशन एवं मॉलीक्यूलर विशेषताएं। जैवरसायन, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली।
13. मानव अस्थि मैरो व्युत्पन्न मेसेंकायमेल स्टेम कोशिकाओं के आइसोलेशन और मॉलीकुलर लाक्षणीकरण। जैव रसायन, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली।
14. ऑटिज्म वाले बच्चों में रक्त हेवी धातु का स्तर और मात्रात्मक ईईजी कोरिलेट्स। बाल रोग, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली।

15. एनएमआर का उपयोग कर पार्किंसन रोग में जैव मार्करों की पहचान। एनएमआर, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली।
16. चूहों में मध्य सेरेब्रल अर्टरी आक्लुजन मॉडल में स्ट्रोक संबंधित जीनों के अभिव्यक्ति स्तर और प्रोमोटर मेथायलेशन पैटर्न पर मानव अस्थि मज्जा मेसेंकायमल स्टेम कोशिकाओं के प्रबंधन का प्रभाव। तंत्रिका विज्ञान, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली।
17. प्राथमिक खुले कोण मोतियाबिंद वाले रोगियों में मस्तिष्क पूरिपूर्णता आधारित तनाव में कमी के प्रभाव का मूल्यांकन। डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली।
18. बी एम आई 25–29.9 कि. ग्रा. / एम^2 बनाम 30–34.9 कि. ग्रा. / एम^2 वाले व्यक्तियों में पोषण तथा जीवन शैली परिवर्तनों का प्रभाव तथा बी एम आई $\geq$35 कि. ग्रा. / एम^2 में बेरियाट्रिक सर्जरी के प्रभाव का निर्धारण करना। शल्य चिकित्सा, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली।
19. वयस्क भारतीय स्थूल रोगियों में वजन घटने, शरीर वसा वितरण तथा इंसुलिन प्रतिरोधक क्षमता पर सुपरवाइज्ड आहार तथा जीवनशैली सुधार का प्रभाव। शल्य चिकित्सा, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली।
20. आवर्ती गर्भावस्था हानि में साइटोकाइन स्तरों की भूमिका और प्रोजेस्टेरॉन पर साइटोकाइन स्तरों का प्रभाव। प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान विभाग, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली।
21. डिप्रेशन से पीड़ित रोगियों में सेलुलर एजिंग के बायोमार्करो पर योग आधारित जीवनशैली हस्तक्षेप का प्रभाव। शरीर रचना विभाग, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली।
22. ग्लोकोमा रोगियों के जीवन की योग आधारित हस्तक्षेप के तौर पर सहायक इंप्रूविंग गुणवत्ता की भूमिका। डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली।
23. अल्जाइमर रोग में तनावयुक्त हाइपरफोस्फोराइलेशन में सम्मिलित संभावित मॉड्यूलेटर टारगेटिंग पाथवे का अध्ययन। जैवभौतिकी विभाग, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली।
24. गंभीर आघात मस्तिष्क की चोट के बाद परिणाम को निर्धारित करने में इंटरसेसरी प्रेयर की भूमिका का एक पायलट अध्ययन। तंत्रिका शल्य चिकित्सा, आरएमएल, नई दिल्ली और तंत्रिका शल्य चिकित्सा, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली।
25. 6 से 18 वर्ष के सिस्टिक फाइब्रोसिस से पीड़ित रोगियों में बोन मिनरल डेंसिटी पर व्यायाम मध्यस्थता का प्रभाव, बाल चिकित्सा, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली।
26. पार्किंसन रोग में श्वसन प्रतिबाधा और हृदय की दर परिवर्तनशीलता का एक अध्ययन। तंत्रिका विज्ञान, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली।
27. सीओपीडी में अनुमानिती टी– रेगुलेटरी कोशिकाओं का इन–विट्रो जनरेशन। पल्मोनरी चिकित्सा, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली।
28. रीढ़ की सर्जरी के दौरान ट्रांसक्रेनियल इलेक्ट्रिकल मोटर की पैदा हुई संभावनाओं पर डेक्समेडिटोमाइडिन सह सहायक के साथ दो एनेस्थेटिक रिजम का प्रभाव : एक प्रायोगिक अध्ययन। तंत्रिका संवेदनाहरण और महत्वपूर्ण देखभोल, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली।

पूर्ण

1. न्यूरोरिहेबिलिटेशन हेतु रोबोटिक हेंड असिस्टेड ट्रांसक्रेनियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन थेरैपी, आईआईटी, दिल्ली।

प्रकाशन

पत्रिका : 33

रोगी उपचार

ऑटोनोमिक प्रकार्य प्रयोगशाला तथा वाहिका प्रकार्य प्रयोगशाला :
संदर्भित रोगियों के लिए नैदानिक सुविधा प्रदान की जाती है। प्रयोगशालाओं में ऑटोनोमिक टोन क्वांटिफिकेशन तथा गैस्ट्रिक मॉटेलिटी (इलैक्ट्रोगैस्ट्रोग्राफी, ईजीजी) की नॉन इन्वेसिव रिकॉर्डिंग के साथ ऑटोनोमिक रिएक्टिविटी की नियमित जांच प्रदान की जाती है। इस वर्ष ऑटोनोमिक फंक्शन परीक्षण के लिए कुल 1,875 मानकों की जांच की गई, जिसमें 1665 रोगी तथा 210 स्वस्थ व्यक्ति थे।

इंट्रा–ऑपरेटिव न्यूरो–मोनीटरिंग : इंट्रा–ऑपरेटिव न्यूरो–मोनीटरिंग की सहायता तंत्रिका शल्य क्रिया विभाग (लगभग 80 शल्य क्रिया) के लिए प्रदान की गई।

इंटीग्रल स्वास्थ्य क्लिनिक : *मन, चिकित्सा एवं ध्यान एकीकरण की सुविधा*
इंटीग्रल स्वास्थ्य क्लिनिक (आईएचसी) में मन, चिकित्सा एवं ध्यानावस्था गतिविधियों के प्रचार के लिए ध्यान एकीकरण की सुविधा उपलब्ध है।

यह एक योग–आधारित जीवन शैली हस्तक्षेप बाह्य रोगी सुविधा हैं जिसका प्रयोग न केवल चिकित्सा संबंधी उपचार हेतु बल्कि स्वास्थ्य चेतना के विकास के एक हिस्से के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है। एक डिस्ट्रेसर सुविधा के तौर पर आईएचसी द्वारा एक सहायक सुविधा शुरू की गई है जो एम्स के तनावग्रस्त कर्मचारियों सहित संकाय, विद्यार्थियों रेजिडेंट्स एवं स्टाफ सदस्यों के लिए है।

कुल 365 (तीन सौ पैंसठ) व्यक्तियों (अनुवर्ती जांच के तौर पर) को इसमें प्रत्येक न्यूनतम दो सप्ताह के लिए नामित किया गया है तथा वर्ष 2015 – 16 के दौरान आईएचसी में लाभान्वित किया गया। इसमें पुरानी बीमारियों (जैसे मधुमेह, मोटापा, हृद् वक्ष रोग, चिरकारी तनाव इत्यादि) तथा एम्स के विभिन्न विभागों (हृद्रोग विज्ञान विभाग, सर्जिकल विज्ञान विभाग, मनोचिकित्सा इत्यादि) के संदर्भित रोगी सम्मिलित हैं।

दर्द अनुसंधान प्रयोगशाला : रूमेटोलॉजी, पीएमआर, ऑर्थोपीडिक्स और न्यूरोलॉजी ओपीडी से संदर्भित पुराने दर्द की स्थितियों के लिए आरटीएमएस उपचार प्रदान की गई। डॉर्सोलेटरल प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स पर आरटीएमएस फाइब्रोमायालजिया के 90 रोगियों और पुराने तनाव प्रकार के सिरदर्द के 40 रोगियों को दिया गया था।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं
प्रोफेसर के. के. दीपक ने प्रो. एस. आर. मैत्रा मेमोरियल व्याख्यान पुरस्कार में विषय 'ऑटोनोमिक मॉड्यूलेशन ऑफ फिजिकल ट्रेनिंग इफेक्ट' पर दिया, 27 जून 2015, फिजियोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया; सदस्य, योग के क्षेत्र में टास्कफोर्स – साइंस एंड टेक्नोलॉजी ऑफ योग एंड मेडिटेशन (एसएटीवाईएएम), स्वास्थ्य और मस्तिष्क; रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ), भारत सरकार, रक्षा मंत्रालय के तहत अगले कार्यकाल (04 जनवरी 2016 से 03 जनवरी 2019) के लिए आर्म्ड फोसेस मेडिकल रिसर्च कमिटी (एएफएमआरसी) का गैर आधिकारिक सदस्य; सदस्य वैज्ञानिक सलाहकार समिति, सेंट्रल काउंसिल फॉर रिसर्च इन योग एंड नेचुरोपैथी (सीसीआरवाईएन); सदस्य, वालियाथन समिति, स्नेह भार्गव समिति, वेंकटथमल समिति आदि द्वारा नियम और विनियम की सिफारिश की; अध्यक्ष, केंद्रीय भर्ती समिति, अनुसंधान अनुभाग एम्स; सह – अध्यक्ष, स्टोर क्रय समिति, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान; अध्यक्ष, वार्ता समिति, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान; अध्यक्ष, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

परीक्षा पोर्टल, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान की निविदा प्रक्रिया को पूरा करने के लिए समिति; विशेष सदस्य चयन समिति (संकाय पद), संघ लोक सेवा आयोग, नई दिल्ली; फिजियोलॉजी, गवर्न. मेडिकल कॉलेज, गुवाहाटी में एमडी के लिए बाह्य परीक्षक; कार्यकारी संपादक, शरीर विज्ञान और औषध विज्ञान, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान इंडियन जर्नल के रूप में सेवा; विशेष आमंत्रित, वर्ष 2015, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान एम्स के लिए छात्र संघ चुनाव की सलाहकार परिषद् के सदस्य, समिति अनुसंधान कैडर के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में नियुक्ति / अवशोषण के लिए नए दिशा निर्देश तैयार करने के लिए; सदस्य वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट से रूपांतरण के लिए उप समिति वैज्ञानिक कैडर के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के वार्षिक निष्पादन मूल्यांकन रिपोर्ट के फार्म समिति के सदस्य तदर्थ अनुसंधान योजनाओं और अपनी परियोजनाओं समीक्षा समिति के माध्यम से वित्तीय सहायता के लिए शोध फैलोशिप के लिए विशेषज्ञ सदस्य; सदस्य, संकाय चयन समिति, जामिया हमदर्द, नई दिल्ली; राष्ट्रीय अनुसंधान विकास निगम में जैव प्रौद्योगिकी के लिए विशेषज्ञ पैनल (एनआरडीसी), डीएसआईआर के गठन के लिए विशेषज्ञ; ऑल इंडिया प्री मेडिकल / प्री डैंटल प्रवेश परीक्षा की सलाहकार समिति (एआईपीएमटी) 2015 सीबीएसई के सदस्य, सदस्य, एम्स में ''संचार कौशल का समावेश पर समिति; यूजी चिकित्सा शिक्षा, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायपुर में शरीर विज्ञान के लिए बाहरी परीक्षक; इंट्राऑपरेटिव न्यूरोफिजियोलॉजिकल निगरानी पर सदस्य समिति (एमईपी और एसएसईपी) कार्डियक सर्जरी और महाधमनी में सीएनसी एम्स; सदस्य, आईसीएमआर, नई दिल्ली में परियोजना समीक्षा समिति; फिजियोलॉजी, किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ के विभाग में प्रैक्टिकल / मौखिक परीक्षा आयोजित करने के लिए बाह्य परीक्षक; डीडी नेशनल पर दिखाई गई : 27 जून 2015 को ''सुबह सवेरे – योग एंड मेडिटेशन''; पैनलिस्ट, पैनल चर्चा : योग्यता आधारित चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए कार्यनीति, कम्पेटेंसी बेस्ड मेडिकल एजुकेशन पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी, किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, उ. प्र., लखनऊ, 9–10 अक्टूबर 2015; पैनलिस्ट, पैनल चर्चा : 1 नवंबर 2015 को इंडियन एसोसिएशन ऑफ न्यूरोसाइंटिस्ट (आईएएन 2015) के 33वें वार्षिक सम्मेलन के दौरान आयोजित ''इंट्रोस्पेक्शन ऑन बोर्डरलेस न्यूरोसाइंस रिसर्च इन इंडिया'', गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, चंडीगढ़।

प्रोफेसर एच. एन. मलिक नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेस, 2015 के अध्येता के रूप में निर्वाचित थे; अध्यक्ष : 2013–2016 के लिए एशियन स्लीप रिसर्च सोसाइटी; अध्यक्ष : इंडियन सोसायटी फॉर स्लीप रिसर्च 2015–2017; वित्त सचिव : एसोसिएशन ऑफ फिजियोलॉजिस्ट्स एंड फार्माकोलॉजिस्ट्स ऑफ इंडिया 2013–2015; सदस्य, गवर्निंग काउंसिल वर्ल्ड स्लीप सोसायटी 2016–2018.

प्रोफेसर डी. घोष अध्यक्षता : 'मेल फार्टिलिटी एंड एनवायर्नमेंट' पर राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर में 11–13 सितंबर 2015 को प्रजनन स्वास्थ्य चुनौतियों : मुद्दे और उपचार पर राष्ट्रीय सम्मेलन (एनसीआरएचसी – 2015) में सत्र; अध्यक्षता 'रिप्रोडक्टिव फिजियोलॉजी' पर एम्स, जोधपुर में 25–28 नवंबर 2016 को फिजियोलॉजी और फार्मोकोलॉजी का राष्ट्रीय वार्षिक सम्मेलन में सत्र।

प्रोफेसर नलिन मेहता सदस्य, बोर्ड ऑफ स्टडीज, स्कूल ऑफ मेडिसिन एंड पैरामेडिकल हेल्थ साइंसेज, गुरू गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली; सदस्य, मनोरोग सामाजिक कार्य में एम. फिल की योजना और पाठ्यचर्या से संबंधित शैक्षणिक परिषद की उप समिति, गुरू गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली; फिजियोलॉजी विषय में एमसीक्यू प्रश्न बैंक के सत्यापन / आधुनिकीकरण के लिए विशेषज्ञ सदस्य, राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड (एनबीई) द्वारका, नई दिल्ली; फिजियोलॉजी विषय में थ्योरी उत्तर पुस्तिकाओं के ऑनसाईट मूल्यांकन के लिए परीक्षक, राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड (एनबीई) द्वारका, नई दिल्ली; सदस्य, अध्यापकों की मान्यता के लिए विशेषज्ञ समिति, गुरू गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली; प्रत्याशी अध्यक्ष 'पीएचडी सेल' यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेस, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली; अध्यक्ष,

इंस्टीट्यूशनल एथिक्स कमिटी – ह्यूमन रिसर्च (आईईसी – एचआर), यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेस, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली; अध्यक्ष, सेंट्रल काउंसिल फॉर रिसर्च इन योग एंड नेचुरोपैथी (सीसीआरवाईएन) के 'इंस्टीट्यूशनल एथिक्स कमिटी', नई दिल्ली; सदस्य, इंडिपेंडेंड इथिक्स कमेटी, इंटरनेशनल क्लीनिकल इपिडेमियोलॉजी नेटवर्क (आईएनसीएलईएन), नई दिल्ली; सदस्य, इंस्टीट्यूशनल इथिकल कमिटी ऑफ प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन–एनुअल स्टेट्स ऑफ एजुकेशन रिपोर्ट (पीईएफ–एएसईआर) सेंटर, नई दिल्ली; ''रिसर्च एथिक्स एंड साइंटिफिक इंटीग्रिटी'' पर संगोष्ठी पूर्व कार्यशाला की अध्यक्षता, 6वां एनुअल पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया (पीएचएफआई) अनुसंधान संगोष्ठी, इंडिया हैबिटेट सेंटर, 16 मार्च 2016; पैनलिस्ट, कम्पीटेंसी बेस्ड मेडिकल एजुकेशन, किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, उ. प्र., लखनऊ में 9–10 अक्टूबर 2015 को अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान आयोजित विषय : ''रिसर्च इन मेडिकल एजुकेशन : नेशनल एंड इंटरनेशनल सीनेरियो'' पर पैनल चर्चा।

प्रोफेसर ए. के. जरयाल सब डीन, परीक्षा अनुभाग, एम्स, नई दिल्ली; डीआईपीएएस, डीआरडीओ, रक्षा मंत्रालय के क्रय भंडार समिति (एसपीसी) के लिए बाह्य विशेषज्ञ; 12वां पंचवर्षीय योजना परियोजना की परियोजना निगरानी और समीक्षा समिति बैठक के लिए बाह्य विशेषज्ञ थे। डीआईपीएएस, डीआरडीओ, रक्षा मंत्रालय; एम्स, जोधपुर में 25–28 नवंबर 2016 को एपीपीआईसीओएन 2015 में ''डिसक्रिप्शन एंड वेलीउेशन ऑफ ए नॉवेल मैथड ऑफ मैचरिंग फरिंजियल प्रेसर इन न्यू–बर्न'' अनुसंधान कार्य के लिए छात्र को रेस्पिरेटरी फिजियोलॉजी में प्रस्तुत सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र के लिए तकनीक / उपकरण में एच. एच. लोस्केक रिसर्च पुरस्कार से सम्मानित किया गया था; एम्स, जोधपुर में 25–28 नवंबर 2016 को एपीपीआईसीओएन 2015 में ''कोरिलेशन्स बीटवीन एंडोथेलियल फंक्शन इन द सिस्टेमिक एंड सेरेब्रल सरकुलेशन एंड इनसुलिन रेजिस्टेंस इन टाइप 2 डायबिटीज मेलिट्स'' अनुसंधान कार्य के लिए एंडोक्राइनोलॉजी / न्यूरो एंडोक्राइनोलॉजी में सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र के लिए छात्र को ए. वी. तिलक पार्वती देवी पुरस्कार से सम्मानित किया गया था; ''रोल ऑफ फंक्शनल ब्रेन मैपिंग इन एपिलेप्सी एंड ब्रेन ट्यूमर सर्जरी'' अनुसंधान प्रस्तुतीकरण के लिए अनुसंधान समूह को यात्रा पुरस्कार प्रदान किया गया। मुंबई में 3–6 सितंबर 2015 को डब्ल्यूएसएसएफएन अंतरिम बैठक 2015 के लिए स्टीरियोटेक्टीक और फंक्शनल न्यूरोसर्जरी के लिए विश्व सोसायटी।

प्रोफेसर राज कुमार यादव सदस्य, मेडिकल बोर्ड, एम्स, हड्डी की आयु के लिए चिकित्सा परीक्षा / हड्डी की जांच; सदस्य, तीन वर्ष 2015–2018 के लिए संस्थागत एथिक्स समिति, सीसीआरवाईएन, आयुष; सदस्य : 22.04.2015 के बाद से एम्स में रसायन / कांच / विविध वस्तुओं की खरीद के लिए तकनीकी विनिर्देश / चयन समिति; *वित्तीय सहायता के लिए* अनुसंधान परियोजना विश्लेषक : विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, उ. प्र., लखनऊ; एएसएसओपीआईसीओएन 2015 (एसोसिएशन ऑफ फिजियोलॉजिस्ट्स ऑफ इंडिया का राष्ट्रीय सम्मेलन) के लिए राष्ट्रीय सलाहकार बोर्ड सदस्य; निर्वाचन आयुक्त, एसवाईएस (सोसायटी ऑफ यंग साइंटिस्ट्स) चुनाव, एम्स मई, 2015 थे। बीएमसी कार्डियोवेस्कुलर विकारों; बीएमसी पूरक और वैकल्पिक चिकित्सा; इंटरनेशनल जर्नल ऑफ योग थैरेपी के लिए समीक्षक; सदस्य, एमबीबीएस के लिए शिक्षण कार्यक्रम समिति (फेज 1); अध्यक्ष : 26–29 अक्टूबर 2015 को एएसएसओपीआईसीओएन, बरेली, उ. प्र. में 28 अक्टूबर 2015 को 'स्कोप ऑफ इलेक्ट्रो–डायग्नोस्टीक रिसर्च इन फिजियोलॉजी' के वैज्ञानिक सत्र; सलाहकार परिषद, विशेष आमंत्रित : एम्स छात्र यूनियन इलेक्शन 2016, 4 फरवरी 2016 को आयोजित; संपादकीय बोर्ड : इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्लिनिकल एंड एक्सपेरिमेंटल फिजियोलॉजी (वल्टर्स क्लुवर हेल्थ); प्रेस सम्मेलन : 20.06.15 को बोर्ड रूम, एम्स, नई दिल्ली में ''एविडंस बेस्ड योग रिसर्च एट एम्स'' पर प्रेस सम्मेलन डॉ. राज कुमार यादव ने प्रो. एम सी मिश्रा, निदेशक, डॉ अम्बुज रॉय और प्रो. तनुज दादा के साथ साझा किया; योग आधारित जीवन शैली हस्तक्षेप पर मीडिया कवरेज : डी डी नेशनल

: गुड इवनिंग इंडिया, 15 जून 2015; लोकसभा टीवी : लोकमंच, 18 जून 2015; डीडी नेशनल : आज सवेरा, 20 जून 2015; डीडी न्यूज : टोटल हेल्थ, 21 जून 2015; एमडीएनआईवाई, नई दिल्ली – चेनल इंद्रप्रस्थ, 16 और 19 जून 2015; दैनिक जागरण, दैनिक भास्कर, एशियन एज, अमर उजाला, 16 और 21 जून 2015; सदस्य, स्टाफ काउंसिल, एम्स नई दिल्ली; चयन समिति सदस्य (अनुसंधान अनुभाग, एम्स) : अनुसंधान सहायक / प्रयोगशाला तकनीशियन / प्रयोगशाला परिचारक / डीईओ / क्षेत्र श्रमिक आदि की नियुक्ति के लिए; संस्थान में वार्षिक दर संविदा आधार पर एक आधिकारिक कैटरर की नियुक्ति के लिए सदस्य, विभागीय क्रय समिति (कैफटेरिया विभाग, एम्स); वित्त सचिव, टीआईपीएस 2015, एम्स, नई दिल्ली में 16–18 दिसंबर 2015 को सार्क देशों के लिए फिजियोलॉजिकल साइंस में तकनीक; सचिव, एसोसिएशन ऑफ फिजियोलॉजिस्ट्स एंड फार्माकोलॉजिस्ट्स ऑफ इंडिया (एपीपीआई), *दिल्ली चेप्टर;* उप छात्रावास अधीक्षक, एम्स, नई दिल्ली; सचिव, संकाय क्लब, एम्स, नई दिल्ली; संयुक्त सचिव, संकाय एसोसिएशन एम्स, नई दिल्ली (सितंबर 2015 तक)।

अतिथि वैज्ञानिक

1. डॉ. सुधीर कुमार बग्गा, टोरेंस, कैलीफोर्निया, ''इंटीग्रेटिव मेडिसिन एंड प्रैक्टिकल एप्लीकेशन'' पर वार्ता दी, 19 जनवरी 2016
2. डॉ. माजिद दीवान, प्रोफेसर, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग, स्कूल ऑफ मेडिसिन, तुलान यूनिवर्सिटी, यूएसए।
3. डॉ. संपदा सिन्हा, 10 जुलाई 2015 से 9 अगस्त 2015, ''न्यूरोइमेजिंग : एनालायसिस ऑफ ब्रेन सरफेस एंड डीप स्ट्रक्चर्स ऑफ ह्यूमन ब्रेन यूजिंग एमआरआई डेटा'' पर वार्ता दी गई, 11 अगस्त 2015.
4. डॉ. सुसेन, मनोविज्ञान विभाग, साउ पॉलो यूनिवर्सिटी, ब्राजील, 28 मार्च 2016.
5. प्रोफेसर तुषार क्रांति घोष, मानव शरीर क्रिया विज्ञान विभाग, राजा बाजार साइंस कॉलेज, यूनिवर्सिटी ऑफ कलकत्ता, कोलकाता, पश्चिम बंगाल, 11 मार्च 2016.

9.33 मनोचिकित्सा

आचार्य एवं अध्यक्ष

एस. के. खण्डेलवाल

आचार्य

आर. के. चड्डा   प्रताप शरण   राजेश सागर

अपर आचार्य

नंद कुमार   ममता सूद

सहायक आचार्य

सुजाता सत्पथी   रमन दीप पट्टनायक   कौशिक सिन्हा देब

रोहित वर्मा   बिचित्रा नंदा पात्रा

मुख्य एम.एस.एस.ओ.
करण सिंह

बाल मनोवैज्ञानिक
रेनु शर्मा

विशिष्टताएं

विभाग ने 10–12 अप्रैल 2015 को रामलिंगास्वामी बोर्ड रूम, एम्स, नई दिल्ली में मानसिक और व्यावहारिक विकार के संशोधन के लिए *अंतरराष्ट्रीय सलाहकार समूह के क्षेत्र अध्ययन समन्वय समूह* की बैठक आयोजित की। कोलंबिया विश्वविद्यालय और डब्ल्यूएचओ के सहयोग से विभाग ने 13 अप्रैल 2015 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में मानसिक स्वास्थ्य : जेंडर, युवा और सामाजिक न्याय पर संगोष्ठी भी आयोजित की। आयोजन में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया और भारतीय संदर्भ में वर्तमान कार्य और भविष्य की दिशाओं को साझा/चर्चा करने के लिए एक साथ विभिन्न क्षेत्रों से पणधारकों को लिया गया। अन्य महत्वपूर्ण गतिविधि जिसमें विभाग ने कोलंबिया विश्वविद्यालय और डब्ल्यूएचओ के सहायोग से 14 अप्रैल 2015 को एम्स, नई दिल्ली में आईसीडी–11 यौन विकारों के वर्गीकरण पर डब्ल्यूएचओ तकनीकी बैठक पर डब्ल्यूएचओ–कोलंबिया विश्वविद्यालय संगोष्ठी का आयोजन किया।

विभाग ने तंबाकू के इस्तेमाल के स्वास्थ्य खतरों से संबंधित महत्वपूर्ण सूचना का प्रसार 30 मई 2015 को जेएलएन ऑडिटोरियम, एम्स, नई दिल्ली में ''तंबाकू–हेल्थ और डिजीज़ : चॉयस इज़ योर्स'' के विषय पर सार्वजनिक व्याख्यान और पैनल चर्चा आयोजित की। अन्य महत्वपूर्ण सार्वजनिक व्याख्यान और पैनल चर्चा 27

अगस्त 2015 को जेएलएन ऑडिटोरियम, एम्स, नई दिल्ली में *'लिविंग विद शाइज़ोफ्रेनिया'* के विषय पर आयोजित की। इसके अलावा, संकाय ने सक्रिय रूप से 18 अप्रैल 2015 को एम्स, नई दिल्ली में कई अन्य शैक्षिक आयोजनों को आयोजित करने में, विशेष रूप से *'ओपिएट सबस्टिट्यूशन थैरेपी' पर वार्षिक सीएमई* को शामिल किया था।

विभाग ने मानसिक स्वास्थ्य श्रृंखला के भाग के रूप में सेमिनार हॉल II और III, कमलादेवी कॉम्प्लैक्स में इंडिया इंटरनेशनल सेंटर (आईआईसी) पर सार्वजनिक व्याख्यान और पैनल चर्चाओं की एक श्रृंखला आयोजित की वक्ताओं ने समकालीन समय में मानसिक स्वास्थ्य के महत्व को मनोरोग और विभिन्न संबद्ध विशेषताओं पर, विशेष रूप से भूमंडलीकरण, प्रवास के संदर्भ में और हमारे व्यक्तिगत, सामाजिक और कार्य जीवन पर मांगों को अधिक बनाने के लिए बढ़ती प्रतिस्पर्धा पर चर्चा की। व्याख्यान में समाज के सभी क्षेत्रों से लोगों ने सक्रिय भागीदारी के साथ भाग लिया। पैनल चर्चा/सार्वजनिक व्याख्यान के प्रमुख क्षेत्र निम्नलिखित थे।

1. शराब : साधारण वस्तु नहीं, 5 मई 2016
2. इंटरनेट – क्या हम "लॉग" या "आदी" हैं? 2 फरवरी 2016
3. हिंसा : हमारे समय का एक जुनून है, 15 जनवरी 2016
4. संस्कृति और मानसिक स्वास्थ्य, 30 नवंबर 2015
5. ड्रग्स, मानव तस्करी, और पलायन, 21 जुलाई 2015
6. मरने या मरने में सहायता का अधिकार : बहस जारी है, 25 मई 2015

शिक्षा

मनोचिकित्सा विभाग द्वारा की गई स्नातक, स्नातकोत्तर, पराचिकित्सा शिक्षण, अल्पावधि/ दीर्घावधि प्रशिक्षण और नवीन शैक्षिक गतिविधियों सहित सभी शैक्षिक गतिविधियों की सूची नीचे दी गई हैं :

स्नातक पूर्व शिक्षण	नैदानिक तैनाती
तृतीय सेमेस्टर : 24 घण्टे	4 – 5 सेमेस्टर : 20 दिन
6वां सेमेस्टर : 14 घण्टे	6–8 सेमेस्टर : 40 दिन
8वां सेमेस्टर : 6 घण्टे	

सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ में स्नातक शिक्षण

7वां सेमेस्टर : 10 घण्टे (सामुदायिक मनोचिकित्सा)
बी एससी नर्सिंग

2 सेमेस्टरों में कुल मिलाकर 38 घण्टे

पी एच डी तथा स्नातकोत्तर शिक्षण

1. पत्रिका विचार विमर्श सप्ताह में एक बार

2. शोध प्रोटोकॉल, बीच सत्र में प्रस्तुति, सप्ताह में एक बार
3. ट्यूटोरियल, सप्ताह में दो बार
4. सेमिनार, सप्ताह एक बार
5. केस सम्मेलन, सप्ताह एक बार
6. स्नातकोत्तर मनोरोग विज्ञान तथा डॉक्टरल स्तर के नैदानिक मनोविज्ञान छात्रों हेतु मनोचिकित्सा पर्यवेक्षण।
7. परामर्श का पर्यवेक्षण – मनोचिकित्सा में जूनियर रेजीडेंट्स हेतु संपर्क प्रशिक्षण।
8. संकाय / स्टाफ प्रस्तुति, प्रत्येक सेमेस्टर में सीसीआर तथा सीजीआर के अलावा प्रत्येक सप्ताह में एक बार

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

1. आईसीडी–10 मानसिक और व्यवहार विकारों में संशोधन के लिए अंतरराष्ट्रीय सलाहकार समूह के क्षेत्र अध्ययन समन्वय समूह की डब्ल्यूएचओ बैठक, 10–12 अप्रैल, 2015, एम्स, नई दिल्ली (एस के खंडेलवाल, पी शरण)।
2. मानसिक स्वास्थ्य : जेंडर, युवा और सामाजिक न्याय पर डब्ल्यूएचओ–कोलंबिया विश्वविद्यालय – एम्स संगोष्ठी, 13 अप्रैल 2015, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली (एस के खंडेलवाल, पी शरण)।
3. यौन विकारों के आईसीडी–11 वर्गीकरण पर डब्ल्यूएचओ तकनीकी बैठक, 14 अप्रैल 2015, एम्स, नई दिल्ली (एस के खंडेलवाल, पी शरण)।
4. 'तंबाकू–स्वास्थ्य या रोग : चुनाव आपका है' पर सार्वजनिक व्याख्यान और पैनल चर्चा, 30 मई, 2015 एम्स, नई दिल्ली।
5. ''लिविंग विद शाइजोफ्रेनिया' पर सार्वजनिक व्याख्यान और पैनल चर्चा, 27 अगस्त, 2015, एम्स, नई दिल्ली।
6. 'ओपिएट सबस्टिट्यूशन थैरेपी' पर वार्षिक सीएमई, 18 अप्रैल 2015, एम्स, नई दिल्ली।
7. इंडिया इंटरनेशनल सेंटर (आईआईसी) – मानसिक स्वास्थ्य सीरीज : मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित विभिन्न विषयों पर सार्वजनिक व्याख्यान और पैनल चर्चा सेमिनार हॉल, कमलादेवी कॉम्प्लेक्स, आईआईसी में आयोजित किए गए। वक्ताओं ने समकालीन समय में इन मुद्दों के महत्व, विशेष रूप से बदलती जीवनशैलियों के संदर्भ में चर्चा की। इन व्याख्यानों में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। आईआईसी मानसिक स्वास्थ्य सीरीज़ की सूची इस प्रकार है :
   क) शराब : साधारण वस्तु नहीं, 5 मई 2016
   ख) इंटरनेट – क्या हम ''लॉग'' या ''आदी'' हैं? 2 फरवरी 2016
   ग) हिंसा : हमारे समय का एक जुनून है, 15 जनवरी 2016
   घ) संस्कृति और मानसिक स्वास्थ्य, 30 नवंबर 2015
   ङ) ड्रग्स, मानव तस्करी, और पलायन, 21 जुलाई 2015
   च) मरने या मरने में सहायता का अधिकार : बहस जारी है, 25 मई 2015

प्रदत्त व्याख्यान

एस. के. खण्डेलवाल : 11 राकेश चड्डा : 15 पी. शरण : 15

आर. सागर : 43 एम. सूद : 4 सुजाता सत्पथी : 14

रोहित वर्मा : 1 कौशिक एस. देब : 12

मौखिक पत्र / पोस्टर की प्रस्तुति : 39

अनुसंधान
वित्त पोषित परियोजनाएं
जारी

1. नोडल क्षेत्रीय उपचार और प्रशिक्षण केंद्र परियोजना, एस के खंडेलवाल, एड्स, टीबी और मलेरिया के लिए ग्लोबल फंड; 9 वां दौर, 3 वर्ष, 2012–16।
2. ई–स्वास्थ्य परियोजना : www.alcoholwebindia.org, एस. के. खंडेलवाल, विश्व स्वास्थ्य संगठन, अनिश्चितकालीन।
3. औषधीय विकास कार्य योजना को मजबूत बनाना, एस. के. खंडेलवाल, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, 3 वर्ष, 2014–17।
4. मानसिकता में परिमाणात्मक इलेक्ट्रो–एंसेफेलोग्राफी स्पेक्ट्रल विश्लेषण के एंडोफेनोटाइपिक संभावित परीक्षण, पियाली मोंडाल एस. के. खंडेलवाल, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद, 1 वर्ष, 2015–16.
5. अल्जाइमर मनोभ्रंश (एडी) में संज्ञानात्मक और कार्यात्मक अभाव पर न्यूरोनेविगेटिड उच्च आवृत्ति दोहराव ट्रांसक्रेनियल चुंबकीय उत्तेजना (एचएफ–आरटीएमएस) के नैदानिक प्रभावकारिता : एक यादृच्छिक शेम नियंत्रित अध्ययन, प्रियंका यादव, एस. के. खंडेलवाल, राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान, 1 वर्ष, 2015–16,
6. भारत में यौन विकार और यौन स्वास्थ्य के लिए आईसीडी – 11 प्रस्तावों का क्षेत्र परीक्षण, प्रताप शरण, विश्व स्वास्थ्य संगठन, 3 वर्ष 2013–2016, 12 लाख रुपए।
7. एक मद प्रतिक्रिया दृष्टिकोण का उपयोग कर एक सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील व्यापक उपाय और अवसाद स्क्रीनिंग पैमाने का विकास, प्रताप शरण, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान अनुसंधान योजना, 1 वर्ष, 2014–2015, 1 लाख रुपए।
8. एसईएआर देशों में लंबे समय दुख विकार के लिए साधन पहचान का चयन / विकास के लिए समीक्षा, प्रताप शरण, विश्व स्वास्थ्य संगठन – दक्षिण पूर्व एशिया क्षेत्रीय कार्यालय, 3 माह, जुलाई–अक्तूबर 2015, 4 लाख रुपए।
9. एसईएआर देशों में लंबे समय तक ग्रीफ विकार के लिए पहचान यंत्र का विकास। प्रताप शरण, विश्व स्वास्थ्य संगठन – दक्षिणी पूर्वी एशिया क्षेत्रीय कार्यालय, 1 वर्ष, 2016, 4 लाख रुपए।

10. डब्ल्यूएचओ–एसईएआरओ के लिए एक मानसिकता पहचान उपकरण का विकास, राजेश सागर, डब्ल्यूएचओ–एसईएआरओ, 2 वर्ष 2013–2015, 7.8 लाख रुपए।
11. प्रसवोत्तर अवधि में अवसाद और चिंता विकार : मां–शिशु संबंधों पर व्यापकता, मनोवैज्ञानिक सामाजिक संबद्ध और प्रभाव, राजेश सागर, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2013–17, 30 लाख रुपए।
12. ''रॉक ऑन परियोजना : बच्चे में अनुभूति की रिमेडियेशन उपेक्षा पर काबू पाना'', राजेश सागर, कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, सैन फ्रांसिस्को, संयुक्त राज्य अमरीका, 1 वर्ष, 2015–2016, 12.83 लाख रुपए।
13. बाल संरक्षण संस्थानों में मानसिक स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं में अंतराल विश्लेषण पर अध्ययन, राजेश सागर, राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग, (एनसीपीसीआर), 4 माह, 2015, आईएनआर, 4. 99 लाख रुपए।
14. डब्ल्यूएचओ–एसईएआरओ के लिए बौद्धिक अक्षमता के प्रबंधन के लिए घर–आधारित उपायों पर तकनीकी दिशा–निर्देशों को विकसित करना, राजेश सागर, डब्ल्यूएचओ–एसईएआरओ, 3 माह, 2015, 3 लाख रुपए।
15. अवसादग्रस्तता विकारों और मादक पदार्थ उपयोग विकारों वाले रोगियों में स्टिग्मा : एक पायलट अध्ययन, बिचित्र नंदा पात्रा, एम्स, नई दिल्ली, 1 वर्ष, 2015–16, 25000 रुपए।
16. यादृच्छिक शेम नियंत्रण डबल ब्लाइंड ट्रायल में शाइजोफ्रेनिया से गुजर रहे व्यक्ति में संज्ञानात्मक क्रिया और मुख्य रूप से नकारात्मक लक्षणों में उच्च–आवृत्ति दोहराव ट्रांसक्रेनियल चुंबकीय उत्तेजना (आरटीएमएस) का प्रभाव, नंद कुमार, डीएसटी, 3 वर्ष, 2015, 48 लाख रुपए।
17. बायपोलर विकार वाले रोगियों के बीच लिथियम प्रोफाइलेक्सिस की प्रतिक्रिया : क्लिनिकल वेरिएबल और इंफ्लेमेटरी साइटोकाइन (टीएनएफ–अल्फा) के साथ संबंध, आर डी पट्टनायक, एम्स, 1 वर्ष, 2015–16, 1. 8 लाख रुपए।
18. एडीएचडी वाले 6–11 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए गैर–कंप्यूटर–आधारित संज्ञानात्मक प्रशिक्षण हस्तक्षेप किट का विकास, एस सत्पथी, एम्स, नई दिल्ली, 1.5 वर्ष, 2015–17, 4.69 लाख रुपए।
19. ओपिओइड सबस्टिट्यूशन थैरेपी (ओएसटी) कार्यान्वयन पर एक ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का विकास और परीक्षण, अतुल अंबेकर, कौशिक सिन्हा देब, पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया, 2 वर्ष, 2014–16, 12.69 लाख रुपए।
20. केटेटोनिया में स्पेक्ट्रोस्कॉपी और मात्रात्मक इलेक्ट्रो–इंसेफेलोग्राफी स्पेक्ट्रल विश्लेषण अवरक्त के पास कार्यात्मक का उपयोग करके मस्तिष्क सक्रियण का अध्ययन, रोहित वर्मा, एम्स, 1 वर्ष, 2015–16, 2.24 लाख रुपए।

पूर्ण

1. सी.ई.ए.आर.ओ. हेतु तनाव पहचान यंत्र का सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील विकास, प्रताप शरण, विश्व स्वास्थ्य संगठन – दक्षिणी पूर्वी एशिया क्षेत्रीय कार्यालय, 1 वर्ष, 2014–2015, 4.6 लाख रुपए।
2. बृहत डिप्रेसिव विकार तथा मेनिया वाले रोगियों में प्रकार्यात्मक चुम्बकीय अनुनाद इमेजिंग (एफएमआरआई) का प्रयोग तथा न्यूरो कॉग्निटिव अध्ययन, राजेश सागर, डीएसटी, 5 वर्ष, 2011–2015, 38.76 लाख रुपए।
3. विशिष्ट शिक्षण विकार : भारतीय प्रतिप्रेक्ष्य, राजेश सागर, डी एस टी, 2 वर्ष, 2012–2014, 5 लाख रुपए।
4. बायपोलर विकार में कॉग्निटिव प्रकार्य तथा सीरम ब्रेन ड्राइव्ड न्यूरोट्रॉफिक कारक का निर्धारण : एक वर्षीय नेचुरलाइस्टिक फॉलो–अप अध्ययन, राजेश सागर, डीएसटी 3 वर्ष, 2012–2015, 29.3 लाख रुपए।

5. अटेंशन डेफिसिट / हाइपर एक्टिविटी विकार (एडीएचडी) में रेमिडिएट कॉगिनिटिव कंट्रोल डिफिक्टस के लिए एक नोवल न्यूरोप्लास्टिसिटी आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम का मूल्यांकन, राजेश सागर, फोगार्टी अंतरराष्ट्रीय नैदानिक अनुसंधान अनुदान (एनआईएच, यूएसए), 3 वर्ष, 2012–2015 7.87 लाख रुपए।
6. शाइजोफ्रेनिया के फार्मोकोजेनेटिक्स पर बहु–केंद्रीय परियोजना, राजेश सागर, आईसीएमआर, 4 वर्ष, 2012–2015, 5 लाख रुपए।
7. डब्ल्यूएचओ–एसईएआरओ–क्षेत्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यनीति और कार्य योजना, राजेश सागर, डब्ल्यूएचओ–एसईएआरओ, 3 माह, 2014, 6.6 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. श्रवण मतिभ्रम वाले खंडित मनस्कता के रोगियों में डिफ्यूजन टेंसर इमेजिंग के माध्यम से सफेद पदार्थ की अखंडता का आकलन।
2. न्यूरोमायलिटिस ऑप्टिका और सामान्य नियंत्रण के साथ एकाधिक काठिन्य वाले रोगियों में संज्ञानात्मक कार्यों, अवसाद, चिंता, थकान, नींद और दैनिक जीवन की गतिविधियों की तुलना का अध्ययन।
3. अवसाद वाले रोगियों में बढ़ती उम्र में सेलुलर के बायोमार्कर पर जीवन शैली हस्तक्षेप का प्रभाव।
4. हल्की संज्ञानात्मक हानि और मनो भ्रंश वाले व्यक्तियों में तनाव के मार्करों और उनके योगदान।
5. पूर्व और बाद के चिकित्सा द्विभाषी विकास डिस्लेक्सिया के न्यूरो संज्ञानात्मक और न्यूरो बायोलॉजिकल पहलुओं का अध्ययन।
6. मेश फिक्सेशन के विभिन्न तकनीकियों के साथ इनशियन और वेंट्रल हर्निया लेप्रोस्कोपिक उपचार के पश्चात् दीर्घ अवधि परिणाम, चिरकारी पीड़ा, जीवन की गुणवत्ता तथा लागत प्रभावकता की तुलना हेतु अग्रदर्शी यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन।
7. इनिशियल और वेंट्रल हर्निया लेप्रोस्कोपिक मेश उपचार हेतु मेश फिक्सेशन नॉन एब्जोर्बेबल टेकर्स बनाम एब्जोर्बेबल टेकर्स की दो तकनीकों के पश्चात् दीर्घ अवधि परिणाम, चिरकारी पीड़ा, जीवन की गुणवत्ता तथा लागत प्रभावकता की तुलना हेतु अग्रदर्शी यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन।
8. पित्ताशय में पथरी रोग से ग्रस्त रोगियों में एक चीरे वाले लैप्रोस्कोपिक पित्ताशय–उच्छेदन के साथ मानक चार पोर्ट वाले लैप्रोस्कोपिक पित्ताशय–उच्छेदन के परिणाम की तुलना करने के लिए भावी यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन।
9. प्रमुख अवसाद में (एस 100 बी, 8– इसोप्रोस्टेन और 8 हाइड्रोक्सी–2–डियोक्सीगौनोसाइन) परिधीय तनाव बायोमार्कर का अध्ययन।
10. विभिन्न जैविक नमूने और आत्मघात से होने वाली मौतों में उनकी न्यूरोबायोलॉजिकल प्रभाव में शराब और विभिन्न दवाओं की विषाक्तता विश्लेषण और वितरण पैटर्न।
11. ग्रामीण बल्लभगढ़ में किशोरों के बीच व्याकुलता विकार।
12. उन्माद की तरह व्यवहार वाले चूहा मॉडल में घड़ी के जीन का अध्ययन।
13. अवसाद के रोगियों में जीन (308 जी/ए), आईएल–1 बीटा (511 सी/ टी), और आईएल – 6 (174 जी/सी) टीएनएफ – अल्फा में बहुरूपता का अध्यनन : उनका सहयोग और नैदानिक गंभीरता।

14. लेपेरोस्कॉपी डोनर नेफ्रेक्टॉमी बनाम ओपन डोनर नेफ्रेक्टॉमी के बाद परिणाम और जीवन की गुणवत्ता की तुलना का एक भावी अध्ययन।
15. एडीएचडी वाले बच्चों में प्रीफ्रंटल कॉर्टिकल गतिविधि : एक कार्यात्मक निकट अवरक्त स्पेक्ट्रोस्कोपी (एफएनआईआरएस) अध्ययन।
16. सहवर्ती पित्त की पथरी और सामान्य पित्त नलिका की पथरी वाले रोगियों के एकल चरण बनाम दो चरण प्रबंधन के बाद जीवन की गुणवत्ता की तुलना : एक भावी यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
17. 8–18 वर्ष आयु वर्ग के एचआईवी संक्रमण वाले बच्चों में एचआईवी की स्थिति के प्रकटन के साथ जुड़े हुए भावनात्मक और व्यावहारिक स्वास्थ्य स्थिति।
18. बल्लभगढ़ ग्रामीण में किशोरों के बीच अवसादग्रस्तता विकार : समुदाय आधारित अध्ययन।
19. ब्रोंकियल अस्थमा वाले बच्चों और किशोरों में मनोरोग रुग्णता और संज्ञानात्मक कार्य।
20. हार्मोन विकास की कमी के बचपन शुरुआत के साथ एशियाई भारतीय विषयों में जीनोटाइप–फीनोटाइप सह–संबंध पर अध्ययन।
21. ध्यान अभाव अतिसक्रियता विकार (एडीएचडी) वाले बच्चों में निद्रा संबंधी परेशानियां।
22. अवसादग्रस्त किशोरों के लिए कंप्यूटर की मदद से एकीकृत संज्ञानात्मक व्यवहार चिकित्सा।
23. किशोरों में क्रोध – मनोविकृतिविज्ञान और प्रबंधन।
24. सिर दर्द और चिंता विकार वाले किशोरों में व्यक्तिगत बनाम समूह ट्रांसडायग्नोस्टिक संज्ञानात्मक व्यवहार चिकित्सा के अध्ययन की तुलना।
25. अवसादग्रस्त विकारों में मेटाकॉग्निटिव थैरेपी।
26. जुनूनी बाध्यकारी विकारों के उपचार में मैनुअल दृष्टिकोण की स्वयं सहायता।
27. बल्लभगढ़ ग्रामीण में किशोरों के बीच चिंता विकार – समुदाय आधारित अध्ययन।
28. अवसाद वाले रोगियों में सेलुलर एजिंग के बायोमार्करों पर जीवनशैली हस्तक्षेप आधारित योग प्रभाव।
29. बाल यौन शोषण के लिए बहुआयामी आघात स्केल और मनोवैज्ञानिक आघात केंद्रित हस्तक्षेप का विकास।
30. विशिष्ट अधिगम विकार के लिए घर आधारित हस्तक्षेप का विकास।
31. कानून के साथ संघर्ष में किशोरों के लिए संज्ञानात्मक व्यवहार आधारित हस्तक्षेप मॉड्यूल का विकास।
32. कल्याण; निद्रा और संज्ञानात्मक प्रकार्य पर मोबाइल फोन का उपयोग करने के प्रभाव का अध्ययन करना।
33. न्यूरोकॉग्निटिव डिक्लाइन और मस्तिष्क चयापचय से जुड़े एचआईवी।
34. बचपन में मोटापे के न्यूरो–कॉग्निटिव और मनोसामाजिक पहलू।
35. भारतीय बच्चों में ड्रॉ–ए–पर्सन टेस्ट का उपयोग करके विशिष्ट विकारों की जांच।
36. मध्यम दर्दनाक मस्तिष्क की चोट में संज्ञानात्मक कार्य पर रिपीटेटिव ट्रांसक्रेनियल मैगनेटिक स्टीमुलेशन का प्रभाव।
37. शाइजोफ्रेनिया में नकारात्मक लक्षणों और संज्ञानात्मक कार्य पर उच्च आवृत्ति दोहराव ट्रांसक्रेनियल चुंबकीय उत्तेजना (आरटीएमएस) का प्रभाव।
38. टर्शरी केयर सेंटर में विद्युत आक्षेपी चिकित्सा के पैटर्न और परिणाम की पूर्वव्यापी चार्ट समीक्षा।
39. टर्शरी केयर सेंटर में दोहराव ट्रांसक्रेनियल चुंबकीय उत्तेजना (आरटीएमएस) के पैटर्न और परिणाम की पूर्वव्यापी चार्ट समीक्षा।
40. कम–संसाधन वाली व्यवस्थाओं में इलाज के लिए गंभीर मुश्किल मानसिक बीमारियों के लिए मोबाइल आधारित हस्तक्षेप रूपरेखा का विकास।
41. पहला प्रकरण मनोविकृति वाले युवा रोगियों की जरूरतों 'देखभाल करने वालों का गुणात्मक आकलन।

42. उपचार प्रतिरोधी जुनूनी में ट्रांसक्रेनियल डायरेक्ट करंट स्टिमुलेशन (टीडीसीएस) – बाध्यकारी विकार : एक ओपन–लेबल परीक्षण।
43. शाइजोफ्रेनिया लक्षणात्मक पहले एपिसोड में एंटीरियर सिंगुलेट वाइट मैटर इंटीग्रिटी का न्यूरो–केमिकल सह–संबंध।
44. उपचार प्रतिरोधी उन्माद में ट्रांसक्रेनियल डायरेक्ट करंट स्टिमुलेशन (टीडीसीएस) – बाध्यकारी विकार : एक ओपन–लेबल परीक्षण।
45. कार्यकारी/संज्ञानात्मक कार्य में सुधार लाने में टीबीआई (घाव मस्तिष्क चोट) मध्यम वाले रोगियों में आरटीएमएस की प्रभावकारिता का आकलन करना।
46. कम–संसाधन वाली व्यवस्थाओं में इलाज के लिए गंभीर मुश्किल मानसिक बीमारियों के लिए मोबाइल आधारित हस्तक्षेप रूपरेखा का विकास।
47. शाइजोफ्रेनिया और संबंधित विकारों वाले रोगियों में चिंता और इसके सह–संबंधी की रोकथाम पर अध्ययन।
48. कम संसाधन सेटिंग में गंभीर मानसिक बीमारियों वाले रोगियों को देखभाल करने वालों के साथ अध्यापन स्नातकोत्तर प्रशिक्षण संचार।
49. पोस्ट मायोकार्डियल इन्फार्क्शन रोगियों में हृदय अतालता के साथ चिंता और अवसाद के संबंध का एक अध्ययन।
50. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में परामर्श संपर्क सेवाओं के लिए कार्यक्षेत्र और ध्यान केंद्रित जरूरतों का आकलन।
51. मानसिक विकृतियों वाले रोगियों का मोबाइल फोन का उपयोग कर सेवा वितरण में सुधार और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता पैदा करने की व्यवहार्यता।
52. टाइप 2 डायबिटीज़ मेलिटस वाले रोगियों में अवसाद और चिंता विकार और ग्लाइसेमिक नियंत्रण, जीवन की गुणवत्ता और विकारों के साथ इसके संबंध।
53. एडीएचडी वाले बच्चों में प्रीफ्रंटल कॉर्टिकल गतिविधि : एक कार्यात्मक निकट अवरक्त स्पेक्ट्रोस्कोपी (एफएनआईआरएस) अध्ययन।
54. अभिघातजन्य मस्तिष्क की चोट वाले रोगियों में आक्रामकता की रोकथाम और संबद्ध का आकलन करने के लिए अध्ययन, जेपीएनए ट्रॉमा सेंटर, एम्स, नई दिल्ली।
55. डिसोसिएटिव ऐंठनों में वियोजन के तंत्रिका संबद्ध पर क्रॉस–सेक्शनल, नियंत्रित एफएमआरआई अध्ययन।
56. ल्यूकेमिया वाले बच्चों के माता–पिता के संकट पर डिस्ट्रेस मैनेजमेंट मॉड्यूल (डीएमएम) के प्रभाव का आकलन करने के लिए यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
57. बाल यौन शोषण : बहुआयामी स्केल और मनोवैज्ञानिक आघात हस्तक्षेप का विकास।
58. तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया वाले बच्चों के मनोवैज्ञानिक व्यवहार और संज्ञानात्मक कार्य : विकास और समग्र मनोवैज्ञानिक हस्तक्षेप की व्यवहार्यता।
59. बुजुर्गों में मैलीग्नेंसी – एक स्क्रीनिंग उपकरण और प्रोटीन बायोमार्कर का विकास।
60. अ. भा. आ. सं. में नर्सों के जीवन की व्यावसायिक गुणवत्ता का एक अध्ययन।
61. भारत के वृद्ध व्यक्तियों में मानसिक स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता पर मधुमेह और इसके निहितार्थ का प्रभाव।
62. ब्रोंकियल अस्थमा वाले बच्चों और किशोरों में मनोरोग रुग्णता और संज्ञानात्मक कार्य।

63. हार्मोन विकास की कमी के बचपन शुरुआत के साथ एशियाई भारतीय विषयों में जीनोटाइप–फीनोटाइप सह–संबंध पर अध्ययन।
64. बाल्यावस्था के तंत्रिका बोधातमक और मनो सामाजिक पक्ष। भारतीय बच्चों में ड्रॉ–ए–पर्सन टेस्ट का उपयोग करके विशिष्ट विकारों की जांच।

पूर्ण

1. एक तृतीयक देखभाल स्वास्थ्य की स्थापना में बड़ी उम्र में संज्ञानात्मक हानि का शीघ्र पता लगाना।
2. ट्रॉमा यूनिट, एम्स में काम कर रहे नर्सों के ज्ञान और रवैये को संशोधित करने में मनोवैज्ञानिक प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण मॉड्यूल की प्रभावशीलता का एक अध्ययन।
3. दिल्ली में वृद्धाश्रम में रहने वाली जराचिकित्सा आबादी का मानसिक स्वास्थ्य प्रोफाइल का एक अध्ययन।
4. एक तृतीयक देखभाल केंद्र में शल्य चिकित्सा बहिरंग विभाग में निचले अंग में उपस्थित परिधीय धमनी रोग से पीड़ित रोगियों में व्यायाम के प्रशिक्षण कार्यक्रम की निगरानी की प्रभावकारिता का मूल्यांकन का अध्ययन।
5. डीएसएम 5 संशोधित मानदंड : विकास और सत्यापन पर आधारित एडीएचडी के लिए आईएनडीटी – उपकरण को संशोधित किया।
6. डीएसएम 5 संशोधित मानदंड : विकास और सत्यापन पर आधारित एएसडी के लिए आईएनडीटी – उपकरण को संशोधित किया।
7. खंडित मनस्कता दवा चिकित्सा विज्ञान के फार्माकोजेनेटिक्स।
8. दंपत्ति गुर्दा प्रतिरोपण समूह में दाता तथा प्राप्तकर्ता की जीवन की गुणवत्ता पर गुर्दा प्रत्यारोपण के प्रभाव का अध्ययन।
9. ध्यान अभाव अतिसक्रियता विकार वाले बच्चों में नैदानिक प्रोफाइल और परिधीय बायोमार्कर।
10. विशेष रूप से पढ़ने के विकारों का पारिवारिक और आनुवंशिक अध्ययन (डिस्लेक्सिया)।
11. कैंसर वृद्ध रोगियों का प्रकार्यात्मक एवं सह – रुग्णताएं।
12. अवसादग्रस्त किशोरों के लिए संज्ञानात्मक व्यवहार चिकित्सा।
13. बाल्यावस्था में दुसाध्य मिर्गी में जल्दी बनाम देर से यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण (आरसीटी)।
14. मनोभ्रंश से पीड़ित बुजुर्ग के घर पर देखभाल प्रबंधन पर प्राथमिक देखभाल करने वालों के लिए नियोजित शिक्षण कार्यक्रम के प्रभाव आकलन का एक अध्ययन।
15. जीर्ण मनोदैहिक विकारों वाले रोगियों के जीवन की गुणवत्ता सुधार लाने में मन–शरीर चिकित्सा की प्रभावशीलता।
16. अवसादग्रस्त किशोरों के लिए संज्ञानात्मक व्यवहार चिकित्सा।
17. बाल्यावस्था में दुसाध्य मिर्गी में जल्दी बनाम देर से यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण (आरसीटी)।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. शाइजोफ्रेनिया और पार्किंसन रोग के डोपामाइन निर्धारित अवस्था में प्रोटीन संकेतों की पहचान के लिए सीएसएफ का प्रोटिओमिक्स (जैव भौतिकी विभाग, एम्स)।
2. अवसाद और आत्महत्या के विचार में उम्मीदवार जीन का इंट्रा–जेनिक रूपांतर : भारतीय जनसंख्या में संघ अध्ययन। (मानव शास्त्र विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय)।
3. बुजुर्ग स्वास्थ्य के बारे में स्कूल छात्रों (14 से 20 वर्षों की आयु) के ज्ञान, रवैया और व्यवहार का ऑनलाइन सर्वेक्षण (वृद्धावस्था चिकित्सा, एम्स)।
4. प्रसवोत्तर अवसाद में आनुवंशिक बहुरूपताओं, न्यूरोट्रोपिक कारकों और पोषक तत्व बायोमार्करों और मातृ अवसाद गंभीरता के साथ इसके संबंध का अध्ययन (प्रयोगशाला चिकित्सा, एम्स)।
5. पारिवारिक और यदा कदा मिलने वाले मामलों का उपयोग कर डिस्लेक्सिया – लिंकिंग जीन और व्यवहार का न्यूरोनल माइग्रेशन पाथवे और व्यवहार संबद्धों में आनुवंशिक वेरिएंटों के बीच जुड़ावों की पहचान (एनबीआरसी, मानेसर)।
6. भारत में अवसाद और मधुमेह के लिए सहयोगात्मक देखभाल (अंतःस्रावविज्ञान, एम्स, नई दिल्ली)।
7. कल्याण, नींद और संज्ञानात्मक क्रिया पर मोबाइल फोन के प्रभाव का अध्ययन करना। (चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली)।
8. दर्दनाक चोट के बाद न्यूरोकॉग्निटिव परेशानी के जल्दी पूर्वानुमान के लिए मार्कर के रूप में नोवल कोटेड प्लेटलेट्स पर उपयोगिता 2015–18, (ट्रॉमा सेंटर)।
9. तीव्र क्षणिक मानसिक विकार वाले रोगियों में न्यूरो–कॉग्निशिन और न्यूरो–इमेजिंग का अध्ययन, इनके पहले डिग्री सापेक्ष और सामान्य नियंत्रण (डीबीटी)
10. नई दिल्ली बर्थ कोहॉर्ट – परिवार समूह में फेफड़ों, हृदय चयापचय जोखिम कारकों और मानसिक स्वास्थ्य पर प्रारंभिक जीवन विकास पैटर्न की संगति का आकलन करने के लिए अनुवर्ती अध्ययन (पीएचएफआई, सीडीआरएफ)।
11. नई दिल्ली बर्थ कोहॉर्ट में एक इंटरजेनरेशनल स्टडी – माता–पिता का विकास पैटर्न और उनके बच्चों में जीर्ण रोग जोखिम के बीच संबद्धता (पीएचआरआई अनुसंधान अनुदान, एसईआरबी–डीएसटी)।
12. संज्ञानात्मक मतभेद का मस्तिष्क प्रान्तस्था संबंधी स्रोत : एक क्यूईईजी अध्ययन।
13. एडीएचडी वाले 6–11 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए नॉन–कंप्यूटर आधारित संज्ञानात्मक प्रशिक्षण हस्तक्षेप किट का विकास।
14. गैर–मानसिक विकारों वाले किशोरों के बीच इंटरनेट उपयोग करने की हद : एक मामला नियंत्रण अध्ययन, 2015–17.
15. रूपात्मक, कार्यात्मक, जैव रासायनिक और व्यवहार मूल्यांकन के बाद – ईएमएफ विकिरण, (एनएमआर)।
16. नींद और न्यूरोकॉग्निटिव कार्यों पर मोबाइल फोन का उपयोग करने की वजह से ईएमएफ विकिरण का प्रभाव : एक आण्विक दृष्टिकोण (काय चिकित्सा)।
17. मध्यम दर्दनाक मस्तिष्क की चोट में संज्ञानात्मक कार्य पर रिपीटेटिव ट्रांसक्रेनियल मैगनेटिक स्टीमुलेशन का प्रभाव (तंत्रिका शल्यचिकित्सा, जेपीएन ट्रॉमा सेंटर, एम्स, नई दिल्ली)।

18. खंडित मनस्कता से पीड़ित व्यक्ति में मुख्य रूप से संज्ञानात्मक क्रिया और नकारात्मक लक्षण में उच्च आवृत्ति दोहराव ट्रांसक्रेनियल चुंबकीय उत्तेजना (आरटीएमएस) का प्रभाव अध्ययन कर एक यादृच्छिक शेम के लिए नियंत्रित डबल ब्लाइंड परीक्षण (नैदानिक तंत्रिका–मनोविज्ञान, तंत्रिका विज्ञान केंद्र, एम्स, नई दिल्ली)।
19. डिसोसिएटिव ऐंठनों में वियोजन के तंत्रिका संबद्ध पर क्रॉस–सेक्शनल, नियंत्रित एफएमआरआई अध्ययन। (नाभिकीय चुंबकीय अनुनाद)।
20. प्रचलित स्तन कैंसर में सेंटिनेल नोड बायोप्सी के साथ–साथ बीसीएस और मैसेटेक्टॉमी के बाद जीवन की गुणवत्ता (शल्य चिकित्सा)।
21. जठरांत्र संबंधी शल्य चिकित्सा के अनुवर्ती के दौरान जीवन की गुणवत्ता (जठरांत्र संबंधी शल्य चिकित्सा)।
22. घाव मस्तिष्क चोट वाले रोगी में व्यापकता और आक्रामकता की संबद्ध का आकलन करने के लिए अध्ययन (जेपीएनए ट्रॉमा सेंटर, एम्स, नई दिल्ली और कॉलेज ऑफ नर्सिंग)।
23. दिल्ली के पब्लिक स्कूलों में किशोरों के भोजन का सेवन और आहार गुणवत्ता का अध्ययन करने पर व्यवहार और स्वभाव का प्रभाव (गृह विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय)।

पूर्ण

1. एसईएआरओ के लिए सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील अवसाद पहचान उपकरण का विकास (डब्ल्यूएचओ एसईएआरओ)।
2. किशोरों में तनाव के नैदानिक मेनीफेस्टेशन में न्यूरोट्रॉफिन, सायटोकाइंस तथा आनुवंशिक पोलिमोर्फिज्म की भूमिका। (प्रयोगशाला चिकित्सा, एम्स, नई दिल्ली)।
3. लेप्रोस्कोपिक छेदन हर्निया सुधार में हल्के वजन और भारी वजन मेश के चिरकारी कमर दर्द और जीवन की गुणवत्ता की तुलना में यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। (शल्य चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली)।
4. मस्तिष्क सक्रियण के लिए संगीत और योग निद्रा की प्रभावशीलता की तुलना : यादृच्छिक नियंत्रण प्रायोगिक अध्ययन (कंप्यूटर विज्ञान विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली)।
5. सामान्य नियंत्रण के साथ न्यूरोमायलिटिस ऑप्टिका और एकाधिक काठिन्य में संज्ञानात्मक कार्य, अवसाद और चिंता का एक तुलनात्मक अध्ययन (तंत्रिका विज्ञान विभाग)।
6. एसिटालोप्रम इलाज के 12 सप्ताह के बाद ओसीडी रोगियों और परिवर्तन में अनमेडिकेटिड एमआरएस द्वारा मस्तिष्क में असामान्यताओं का आकलन (नाभिकीय चुंबकीय अनुनाद विभाग)।
7. हिजड़ों में मानसिक स्वास्थ्य, मादक द्रव्य सेवन और जीवन की गुणवत्ता (राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन)।
8. एसोसिएशन ऑफ मेंस्ट्रुएशन विद् कम्प्लीट सुसाइड : एक अस्पताल आधारित मामला नियंत्रण अध्ययन (फॉरेंसिक मेडिसिन एवं टोक्सिकोलॉजी विभाग, एम्स)।
9. छात्रों की आत्महत्या : दक्षिण दिल्ली से एक संभावित अध्ययन (फॉरेंसिक मेडिसिन एवं टोक्सिकोलॉजी विभाग, एम्स)

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 60 सार : 32 पुस्तकों में अध्याय : 6

पुस्तकें और मोनोग्राफ : 7

रोगी उपचार

विभाग सामान्य अस्पताल व्यवस्था में मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के क्षेत्र में अग्रणी है। विभाग ने सामान्य वयस्क मनोरोग, बच्चे और किशोर मनोरोग, परामर्श संपर्क मनोरोग विज्ञान और सामुदायिक सेवाओं के क्षेत्र में इन दोनों क्षेत्रों को सेवाएं प्रदान की है। विभाग द्वारा क्लिनिक, साप्ताहिक बाल और किशोर मनोरोग क्लिनिक, मनोदैहिक क्लिनिक, सामान्य मानसिक विकार क्लिनिक, गंभीर मानसिक विकार क्लिनिक, और दोहरा निदान क्लिनिक दैनिक रूप से चलाया जाता है, और चौबीसों घंटे आपातकालीन सेवाएं भी प्रदान करता है। विभाग सीआरएचएसपी, बल्लभगढ़ में सप्ताह में 6 दिन समुदाय आउटरीच सेवाएं भी प्रदान करता है, दयालपुर और छैंसा में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में एक दिन शामिल है। विभाग झज्जर में एम्स परिसर में एक साप्ताहिक क्लिनिक भी चला रहा है। औषधीय और गैर औषधीय दोनों उपचार का प्रयोग किया जाता है। उपचार मनोचिकित्सकों, नैदानिक मनोवैज्ञानिक, सामाजिक कार्यकर्ता और मनोरोग नर्सों से मिलकर बहुविषयक टीम द्वारा आयोजित किया जाता है। मनोवैज्ञानिक उपचार जैसे सहायक मनोचिकित्सा, मनोवैज्ञानिक शिक्षा, संज्ञानात्मक व्यवहार चिकित्सा और व्यवहार थैरेपी का उपयोग किया जाता है। संशोधित विद्युत आक्षेपिक चिकित्सा सप्ताह में दो बार दिया जाता है। परामर्श संपर्क सेवाएं दो सलाहकार, एक सीनियर रेजीडेंट और दो जूनियर रेजीडेंटों सहित टीम द्वारा चलाए जाते हैं। विभाग न्यूरोनेविगेशन सुविधा के साथ दोहराव ट्रांस चुंबकीय उत्तेजना (आरटीएमएस) सेवा प्रदान करता है।

विभाग वैज्ञानिक गतिविधियों के साथ ही साथ सामुदायिक जागरूकता गतिविधियों के आयोजन के क्षेत्र में भी अग्रणी रहा है। विभाग ने एम्स में विषयों की विविधता पर सार्वजनिक व्याख्यान के रूप में सामुदायिक जागरूकता गतिविधियों की एक संख्या का आयोजन किया है। विभाग ने मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित विषयों की रेंज पर इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में संगोष्ठियों की एक श्रृंखला का आयोजन किया है।

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण उपलब्धियां

आचार्य एस. के. खण्डेलवाल 2014–16 के भारतीय सामाजिक मनोरोग संघ के अध्यक्ष थे; अध्यक्ष, जनहित याचिका पर भारतीय मनोरोग संगठन कार्य बल; सदस्य, संपादकीय बोर्ड, मानसिक स्वास्थ्य एवं मानव व्यवहार की पत्रिका; सदस्य, इंडियन जर्नल ऑफ सोशल साइकियाट्री के संपादकीय बोर्ड; सदस्य, आईसीएमआर के परियोजना समीक्षा समिति; सदस्य, मनोरोग पर यूजी पाठ्यचर्या को संशोधित करने के लिए एमसीआई पाठ्यचर्या समिति; सदस्य, राष्ट्रीय मादक पदार्थ सर्वेक्षण कार्य समूह (सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय और एनएसएसओ); सदस्य, न्यूनतम मानक नैदानिक स्थापना अधिनियम डीजीएचएस, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय प्रारूप पर सलाहकार समिति; राजस्व विभाग, वित्त मंत्रालय के वैकल्पिक विकास पर समिति के सदस्य; एचआईवी और इंजेक्शन औषधि प्रयोग पर तकनीकी संसाधन समूह के सदस्य (नाको, भारत सरकार); अध्यक्ष, आयोजन समिति, सामाजिक मनोरोग के लिए भारतीय एसोसिएशन का वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन, 6–8 नवंबर, 2015, आगरा।

आचार्य आर. के. चड्डा ने 17–18 अक्तूबर, 2015 को नेशनल एकेडमी ऑफ द मेडिकल साइंसेज (भारत) के वार्षिक सम्मेलन में ''ग्लोबल बर्डन ऑफ मेंटल डिसऑर्डर्स : मीटिंग द चैलेंज'' चिकित्सा विज्ञान के राष्ट्रीय अकादमी के जनरल अमीर चंद व्याख्यान दिया; सदस्य, कार्यकारी समिति, नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज (भारत); सदस्य, संपादकीय बोर्ड, बीजेपी अंतरराष्ट्रीय; अध्यक्ष, अंडर ग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन पर इंडियन साइकियाट्रिक सोसायटी टास्क फोर्स; आमंत्रित सदस्य, 27–28 जुलाई 2015 को वारविक विश्वविद्यालय, ब्रिटेन में ''रिलीजियस हीलिंग एंड मेंटल हेल्थ : एन इनोवेटिव आउटकम स्ट्डी इन नॉर्थ इंडिया'', वेलकम फंडिंग बिड के लिए सहयोग बैठक।

आचार्य प्रताप शरण एम्स में छात्र कल्याण के प्रभारी प्रोफेसर थे; आईसीडी–10 मानसिक और व्यवहार विकार में संशोधन के लिए डब्ल्यूएचओ के अंतरराष्ट्रीय सलाहकार समूह के सदस्य, (2009 के बाद से); डब्ल्यूएचओ के आईसीडी–10 मानसिक और व्यवहार विकार में संशोधन के लिए भोजन विकार पर कार्य समूह (2012 के बाद से) और मानसिक स्वास्थ्य के गैप एक्शन प्रोग्राम के लिए डब्ल्यूएचओ के दिशा निर्देश विकास समूह–इंटरवेंशन गाइड (2014 के बाद से); इंडियन एसोसिएशन फॉर सोशल साइकियाट्रिक के अनुसंधान पर टास्क फोर्स के अध्यक्ष (2012 के बाद से); वरिष्ठ संपादक, जर्नल ऑफ पत्रिका; कार्य समिति के सदस्य, नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ इंडिया; सदस्य, इंडियन जर्नल ऑफ साइकियाट्री : के संपादकीय बोर्ड, इंडियन जर्नल ऑफ सोशल साइकियाट्री, जर्नल ऑफ मेंटल हेल्थ एंड ह्यूमन बिहेवियर; अध्यक्ष, भारतीय बाल एवं किशोर मानसिक स्वास्थ्य संघ के 13वें द्विवार्षिक सम्मेलन में संगोष्ठी शीर्षक 'फ्रॉम पेरेंटिंग टू प्रोटियोमिक्स – आई' एंड 'केयरगिवर्स' बच्चों के बीच अक्षमता के संबंध में भारत में मानसिक स्वास्थ्य जरूरतों, संसाधन और अंतराल (19–21 नवंबर 2015, पुणे) ओपियोड सबस्टिट्यूशन थैरेपी (ओएसटी) : नीति और व्यवहार (18–19 अप्रैल 2015) पर सीएमई के लिए 'अनुभवात्मक खाते' पर सत्र, मास मीडिया और मानसिक स्वास्थ्य पर सार्वजनिक व्याख्यान और पैनल चर्चा (9 अक्टूबर 2015, नई दिल्ली); छात्रों के चिकित्सा शिक्षण के मानवीय डॉक्टर होने का शीर्षक कार्यशाला (29 जनवरी 2016, नई दिल्ली); बाल और किशोर मानसिक स्वास्थ्य के लिए भारतीय संघ के 13 वें द्विवार्षिक सम्मेलन में पत्र एवं पोस्टर पुरस्कार के निर्णायक (19–21 नवंबर 2015, पुणे); राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान केंद्र और निमहांस अनुसंधान योजना की परियोजनाओं के समीक्षक; स्प्रिंगर, भारत के लिए ''मानसिक स्वास्थ्य, लिंग, गरीबी और बेघर'' पुस्तक; और वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य, वैश्विक मानसिक स्वास्थ्य, भोजन विकार की पत्रिका, यौन स्वास्थ्य, नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ इंडिया, इंडियन जर्नल ऑफ साइकियाट्री, इंडियन जर्नल पैलिएटिव केयर के लिए सहकर्मी समीक्षक। एमडी और डीएनबी मनोरोग परीक्षा और संकाय चयन बोर्डों के परीक्षक; 1 अक्टूबर 2015, नई दिल्ली में अनुसंधान अनाचार का पता लगाने और संभालने पर सीओपीई–डब्ल्यूएएमई कार्यशाला के लिए संसाधन व्यक्ति; वर्ल्ड एसोसिएशन ऑफ मेडिकल एडिटर्स (डब्ल्यूएएमई) मेडिकल जर्नल एडिटर्स के लिए अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, (2–4 अक्टूबर 2015, नई दिल्ली); भारतीय सामाजिक मनोविज्ञान संघ के 22 वें राष्ट्रीय सम्मेलन में राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान केंद्र में 'इवोल्विंग स्ट्रेटेजीस फॉर न्यूरोसाइंस रिसर्च' (3 नवंबर 2015), मीडिया और मानसिक स्वास्थ्य के सत्र पर बुद्धिशीलता बैठक; (6–8 नवम्बर 2015, आगरा) डब्ल्यूएचओ दक्षिण–पूर्व एशिया क्षेत्र के सदस्य राज्यों के लिए आत्मकेंद्रित स्पेक्ट्रम विकारों के प्रश्नावली का विकास; ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकारों पर क्षेत्रीय कार्यनीति पर डब्ल्यूएचओ एसईएआरओ की बैठक (25–26 फरवरी 2016, नई दिल्ली); और मनोविकृति और द्विध्रुवी विकार और डब्ल्यूएचओ मानसिक स्वास्थ्य एटलस के लिए डब्ल्यूएचओ एमएच जीएपी हस्तक्षेप

दिशा–निर्देश (एमएचजीएपी–आईजी) संशोधित प्रारूप मॉड्यूल – 2014;डब्ल्यू पी ए क्षेत्रीय कांग्रेस में पारिस्थितिक कार्यान्वयन (क्लिनिक–आधारित) क्षेत्रीय अध्ययन पर कार्यशाला (6 जून, 2015, ओसाका जापान); 2, 4 और 7वें सेमेस्टर के एमबीबीएस छात्रों के लिए संचार कौशल कार्यशालाएं (अक्टूबर, 2015, जनवरी 2016 और फरवरी 2016) और सामाजिक चिकित्सा केंद्र और सामुदायिक स्वास्थ्य जेएनयू में मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों पर संगोष्ठी (17 नवंबर 2015, नई दिल्ली); और मेडिकल जर्नल एडिटर्स 2015 के लिए अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, वर्ल्ड एसोसिएशन ऑफ मेडिकल एडिटर्स (डब्ल्यूएएमई) के सलाहकार बोर्ड के सदस्य (2–4 अक्टूबर 2015, नई दिल्ली), मानसिक और नशे की लत के विकार : व्यक्तिगत, क्लीनिकल सामाजिक परिप्रेक्ष्य के परिणाम–मानसिक स्वास्थ्य में रोगी प्रतिवेदित परिणाम और व्यक्ति केंद्रित देखभाल पर तीसरी बैठक (23–25 सितंबर 2016, वॉशिंगटन डीसी) और सामाजिक मनोविज्ञान कांग्रेस के वर्ल्ड एसोसिएशन के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (30 नवंबर – 4 दिसंबर 2016, नई दिल्ली)।

आचार्य राजेश सागर केन्द्रीय मानसिक स्वास्थ्य प्राधिकरण (मानसिक स्वास्थ्य अधिनियम, भारत सरकार के तहत नियामक संस्था) के सचिव थे; सदस्य, आचार समिति, राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान केंद्र, (डीम्ड विश्वविद्यालय), मानेसर, गुड़गांव; संपादक, इंडियन साइकियाट्री सोसायटी – उत्तरी क्षेत्र (मानसिक स्वास्थ्य और मानव व्यवहार की पत्रिका); मनोरोग, डिप्लोमेट ऑफ नेशनल बोर्ड (डीएनबी), नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन, नई दिल्ली में विशेष सलाहकार बोर्ड के संयोजक; स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के लिए सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य विकास परियोजना पर तकनीकी समिति के अध्यक्ष; स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के लिए मानसिक स्वास्थ्य के मानद सलाहकार; सदस्य, आचार समिति, सेंटर काउंसिल ऑफ होम्योपैथी रिसर्च (सीसीआरएच); डीएसटी के लिए एसएलडी परियोजना के सलाहकार के लिए नियुक्त किया; इंडियन साइकियाट्री सोसायटी के संसदीय समिति के संयोजक के लिए नियुक्त किया; जीवन में और अनुसंधान एवं विकास पहल से संबंधित मोबाइल टावरों और हैंडसेटों से ईएमएफ विकिरण जोखिम के संभावित प्रभाव पर अनुसंधान एवं विकास प्रस्तावों का मूल्यांकन करने के लिए विशेषज्ञ समिति के सदस्य, डीएसटी; सदस्य, मनोचिकित्सा और नैदानिक अनुसंधान केंद्र (सीपीसीआर), अंबेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली के सलाहकार समिति; केन्द्रीय दत्तक नियामक प्राधिकरण (सीएआरए) समिति के विशेषज्ञ सदस्य, महिला एवं बाल मंत्रालय; संज्ञानात्मक विज्ञान अनुसंधान पहल (सीएसआरआई), डीएसटी के तहत तकनीकी मूल्यांकन के लिए टास्क फोर्स के सदस्य; आईएमए और यूनिसेफ द्वारा बाल यौन शोषण पर राष्ट्रीय सलाहकार समूह (एनएजी) के सदस्य; सीएसए पर क्षेत्रीय टीओटी और चिकित्सा डॉक्टरों / अध्यापक प्रशिक्षण पर प्रशिक्षण सामग्री और संसाधन व्यक्ति के विकास में शामिल थे; विशेषज्ञ सदस्य, राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम (एनएमएचपी), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय पर तकनीकी सलाहकार समूह; जीपीएस / एमओएस, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के लिए प्रशिक्षण मॉड्यूल के विकास के लिए राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम (एनएमएचपी) के तहत विशेषज्ञ कार्य समूह के सदस्य; सदस्य, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के डीन समिति; सदस्य, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, सैनिक स्कूल सोसायटी; डीएसटी के 'संज्ञानात्मक विज्ञान अनुसंधान पहल (सीएसआरआई)' के तहत टास्क फोर्स की दूसरी बैठक में अनुसंधान के प्रस्तावों का मूल्यांकन करने के लिए समिति के विशेषज्ञ सदस्य; डब्ल्यूएचओ के ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार (एएसडी) पर देश की जानकारी प्रदान करने में योगदान दिया; नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन की विभिन्न

गतिविधियों में शामिल हुए; आईसीएमआर, नई दिल्ली और स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (डीएचआर), भारत सरकार द्वारा अनुसंधान परियोजनाओं की समीक्षा करने के लिए समीक्षा समिति परियोजना समूह के विशेषज्ञ सदस्य; सदस्य, मानसिक स्वास्थ्य संस्थान एवं अस्पताल के संस्थान निकाय, आगरा; 30 अक्टूबर, 2015 को औषध विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली द्वारा आयोजित आवश्यक दवाओं की राष्ट्रीय सूची (एनएलईएम) के लिए मानसिक स्वास्थ्य पर समूह के विशेषज्ञ सदस्य; पीएचडी उम्मीदवार के लिए बाह्य परीक्षक / विशेषज्ञ, निमहांस, बैंगलोर, सितंबर, 2015; सदस्य, चयन समिति जेआईपीएमईआर, पांडिचेरी (फरवरी, 2016) आईसीएमआर, (सितंबर, 2015), इम्फाल, मणिपुर (अगस्त, 2015) अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, (अगस्त, 2015), उत्तरी दिल्ली मेडिकल कॉलेज, हिंदू राव (सितंबर, 2015); मार्च, 2015 को राष्ट्रीय बाल संरक्षण अधिकार आयोग (एनसीपीसीआर) द्वारा "स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा और संरक्षण" पर समूह के विशेषज्ञ सदस्य; अप्रैल, 2015 को पीएचएफआई, गुड़गांव द्वारा विज्ञान में वेलकम ट्रस्ट सहयोगात्मक पुरस्कार के लिए अवधारणा नोट विकसित करने पर इंडिया सेंटर ऑफ क्रोनिक कंडिशंस (सीसीसीसी) और विज्ञान लेखन समूह के शुभारंभ में भाग लिया;समूह–2015 – के बाद ग्लोबल बर्डन ऑफ डिज़ीज (जीबीडी–इंडिया) मानसिक और मस्तिष्क संबंधी स्वास्थ्य (एमएनएच) के विशेषज्ञ समूह के सदस्य; सदस्य, परियोजना के लिए सलाहकार समिति–भारत में प्राथमिक मानसिक स्वास्थ्य देखभाल के नवीन प्रावधान : जॉर्ज इंस्टीट्यूट ऑफ ग्लोबल हेल्थ, नई दिल्ली द्वारा वेलकम ट्रस्ट–डीबीटी एलायंस फैलोशिप के लिए व्यवस्थित चिकित्सा मूल्यांकन, रेफरल और उपचार (स्मार्ट) मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम;संज्ञानात्मक विज्ञान अनुसंधान पहल (सीएसआई–पीडीएफ), डीएसटी के तहत पोस्ट डॉक्टरल फेलोशिप के मूल्यांकन के लिए विशेषज्ञ समिति के सदस्य; डब्ल्यूएचओ–एसईएआरओ, नई दिल्ली द्वारा एएसडी पर क्षेत्रीय कार्यनीति को अंतिम रूप देने पर समूह के विशेषज्ञ सदस्य; विशेषज्ञ सदस्य, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के आतंरिक अनुदान के लिए परियोजना समीक्षा समिति (क्लीनिकल), 2015–2016 एम्स।

डॉ. नंद कुमार को 2 वर्षों के लिए इंडियन साइकियाट्रिक सोसायटी उत्तरी क्षेत्र के सीएमई समिति के अध्यक्ष के लिए नियुक्त किया गया; 6 जून 2015 को नई दिल्ली में आयोजित ''ट्रांसक्रेनियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन एंड अदर नोवल ब्रेन स्टिमुलेशन थैरेपीज़ फॉर साइकियाट्रिक डिसऑर्डर्स'' पर कार्यशाला में संकाय; 19–20 नवंबर 2015 को मुंबई में आयोजित टाइड के लिए पीए और एमसी की 12वीं बैठक में भाग लेने के लिए डीएसटी द्वारा विशेष आमंत्रित किया। और बॉम्बे प्रदर्शनी केन्द्र (बीईसी), मुंबई में ''इंडिया रेहेब एंड केयर'' में भाग लिया; 18 अगस्त, 2015 को मनोरोग विभाग, पीजीआईएमईआर–डॉ. आरएमएल अस्पताल (भारत सरकार) तकनीकी विनिर्देश समिति के विशेषज्ञ समिति सदस्य; अगस्त 2015 में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के किशोर स्वास्थ्य विभाग के लिए तकनीकी संसाधन समूह के सदस्य।

डॉ. ममता सूद इंडियन साइकियाट्रिक सोसायटी के अंडर ग्रेजुएट एजुकेशन पर टास्क फोर्स, संयोजक थी।

डॉ. रमनदीप पट्टनायक जर्नल ऑफ मेंटल हेल्थ एंड ह्यूमन बिहेवियर (जेएमएचएचबी) के एसोसिएट संपादक थे, इंडियन साइकियाट्रिक सोसाइटी, उत्तरी क्षेत्र के ऑफिशियल जर्नल। (www.jmhhb.org)

डॉ. रोहित वर्मा 'देखभाल के लिए पाथवे' पर विशेष मुद्दे के लिए "इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्लिनिकल साइकियाट्री" – जर्नल के अतिथि संपादक थे। पत्रिका के सहायक संपादक – ''एशियन जर्नल ऑफ कॉग्निटिव न्यूरोलॉजी''; परियोजना शीर्षक ''ए स्टडी ऑफ ब्रेन एक्टिवेशन यूजिंग फंक्शनल नीयर इंफ्रेरेड स्पेक्ट्रोस्कॉपी एंड क्वांटिटेटिव इलेक्ट्रो– इंसेफ्लोग्राफिक स्पेक्ट्रल एनालायसिस इन केटेटोनिया'' के लिए 28 दिसंबर 2015 को एम्स आंतरिक पुरस्कार प्राप्त किया। दुबई, संयुक्त अरब अमीरात में 19–21 नवंबर 2015 को आयोजित पार्किंसंस की गति विकार और न्यूरोमॉड्यूलेशन के लिए 2 मध्य पूर्व शिविर में अंतरराष्ट्रीय पार्किंसंस और गति विकार सोसायटी एशिया ओशिनिया अनुभाग (एमडीएस–एओएस) से ट्रैवल पुरस्कार प्राप्त किया; मनीला, फिलीपींस में 11–13 मार्च, 2016 को 5 वीं एशियाई और औशेयनियन पार्किंसंस रोग और गति विकार सम्मेलन में अंतरराष्ट्रीय पार्किंसंस और गति विकार सोसायटी एशिया ओशिनिया अनुभाग (एमडीएस–एओएस) से ट्रैवल अवार्ड – प्राप्त किया; 2016– 2018 कैलेंडर वर्षों के लिए अंतरराष्ट्रीय पार्किंसंस और गति विकार सोसायटी (एमडीएस) की सदस्यता के लिए एमडीएस सदस्यता को – मंजूरी दी; 15–18 फरवरी, 2016 को शहडोल, मध्य प्रदेश में मेडिकल मिशन राहत के तहत आदिवासी क्षेत्र में आयोजित विशेषता क्लीनिक – समुदाय कल्याण के लिए क्लिनिक।

डॉ. बिचित्रा पात्रा वर्ल्ड साइकियाट्रिक एसोसिएशन इंटरनेशनल कांग्रेस 2016 से प्रारंभिक कैरियर मनोचिकित्सक अध्येतावृत्ति प्राप्त की; (प्रो. आर. के. चड्डा के साथ) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के लिए शराब का उपयोग विकारों का प्रबंधन करने के लिए मानक उपचार दिशानिर्देश की तैयारी में भाग लिया; *'क्लिनिकल केस रिपोर्ट'* पत्रिका के सह संपादक।

डॉ. सुजाता सत्पथी ने ''तनाव प्रबंधन पेशेवर''– आईसीएसएमपी 2015 पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान तनाव और स्वास्थ्य (6 नवंबर, 2015) पर एक सत्र की अध्यक्षता की; बच्चों को गोद लेने के लिए इंटर कंट्री एनओसी केंद्रीय दत्तक संसाधन समिति (सीएआरए) के सदस्य; इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग, शहिद राजगुरु कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली के ''इम्पैक्ट ऑफ बिहेवियरल एडिक्शन टू यूज ऑफ गैजेट्स ऑन फिजिकल एंड मेंटल हेल्थ ऑफ एडोलेसेंट्स'' पर डीयू नवीन परियोजना के मेंटर; जलवायु परिवर्तन में दक्षिण एशिया में रहने वाले बच्चों के लिए कार्य की प्राथमिकताओं की पहचान करने के लिए सार्क क्षेत्रीय सलाहकार की बैठक के सदस्य; महासचिव, भारतीय संज्ञानात्मक व्यवहार चिकित्सा संघ; मनोविज्ञान विभाग, मैसूर विश्वविद्यालय, मैसूर के पीएचडी थीसिस मूल्यांकनकर्ता;

अतिथि वैज्ञानिक

1. प्रोफेसर वीना दास, मानव विज्ञान विभाग, जॉन हॉपकिंस विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका। *मनोव्यथा : स्वास्थ्य, बीमारी, गरीबी* पर चर्चा (2015), 3 फरवरी, 2016

9.34 पल्मोनरी चिकित्सा एवं निद्रा विकार

आचार्य एवं अध्यक्ष
रणदीप गुलेरिया

आचार्य
जी. सी. खिलनानी

अपर आचार्य
अनंत मोहन

सहायक आचार्य

करण मदान   विजय हड्डा

शिक्षा
विभाग द्वारा आयोजित

1. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान पल्मोक्रिट 2016, 14–17 जनवरी 2016

प्रदत्त व्याख्यान

रणदीप गुलेरिया : 18	जी. सी. खिलनानी : 14	अनंत मोहन : 10
विजय हड्डा : 2	करण मदान : 15	

अनुसंधान
वित्त पोषित परियोजनाएं
जारी

1. अवरोधक निद्रा एपनिया संलक्षण (ओ एस ए एस) तथा गैर–एल्कोहलिक फैटी लीवर रोग (एन ए एफ एल डी) में मारकोफेज माइग्रेशन इनहिबिटरी फेक्टर (एम आई एफ) पेरोक्सिसम प्रोलिफिरेटर–एक्टिवेटिड, रिसेप्टर–वाय (पी पी ए आर वाय) इंटरल्यूकिन– 6 (आई एल– 6) सी–रिएक्टिव प्रोटीन (सी आर पी), इन्सुलिन रिसेप्टर सब्सट्रेट (आई आर एस) इंसुलिन रिसेप्टर सबसट्रेट (आई आर एस) 1 तथा लेप्टिन रिसेप्टर जीनों के साइटोकाइन तथा हार्मोन स्तरों के साथ सह–संबंध तथा आनुवंशिक पोलिमोर्फिज्म का अध्ययन। रणदीप गुलेरिया, 3 वर्ष, 2012–15।
2. उत्तर भारतीय लोगों में चिरकारी ऑब्स्ट्रक्टिव पल्मोनरी रोग तथा उसके उपायों से संबंधित पोलिमोर्फिज्म का आनुवंशिक संबंधी अध्ययन : सी ओ पी डी जेनेटिक कंसोर्टियम। रणदीप गुलेरिया, 3 वर्ष, 2012–15।
3. अवरोधक निद्रा एपनिया में फेफड़े की गंभीर चोट बायोमार्कर जीन पोलिमोर्फिज्म की भूमिका। रणदीप गुलेरिया, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2012–15।

4. सारकॉइडोसिस में उपचार के लिए रोग और प्रतिक्रिया की गंभीरता का आकलन करने में ल्यूकोट्रिएन स्तर और इंफ्लेमेटरी मार्करों की उपयोगिता। रणदीप गुलेरिया, आईसीएमआर।
5. पोषण, शारीरिक गतिविधि तथा प्रदाह की मोटापा तथा चयापचयी संलक्षण भूमिका। रणदीप गुलेरिया, डीबीटी, 3 वर्ष, 2013–16।
6. उत्तर भारत से मोटे बच्चों में ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया सिंड्रोम के आनुवंशिक और हार्मोनल निर्धारक। रणदीप गुलेरिया, डीबीटी, 3 वर्ष, 2014–17।
7. श्रेणी ।। (पुनः उपचार) आहार पर तपेदिक से पीड़ित रोगियों में उपचार विफलता और पतन के लिए जोखिम कारक के रूप में विभिन्न नैदानिक और औषधीय मापदंडों का मूल्यांकन। अनंत मोहन, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2013–16, 30 लाख रुपए।
8. गैर छोटी कोशिका फेफड़ों के कैंसर के रोगियों के जीव विज्ञान को समझने के लिए आनुवंशिक परिवर्तन की व्याख्या। अनंत मोहन, डी बी टी, 3 वर्ष, 2015–18 25 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. सेप्सिस वाले रोगियों के बीच कंकाल की मांसपेशी के सोनोग्राफिक मूल्यांकन का एक भावी अध्ययन।
2. मामूली गंभीर सीओपीडी वाले रोगी में फेफड़े के पुनर्वास की एक यादृच्छिक तुलना।
3. उन्नत फेफड़े एडीनोकार्सीनोमा वाले रोगियों के सीरम में एपिडर्मल वृद्धि कारक रिसेप्टर (ईजीएफआर) जीन म्यूटेशन और जीन अभिव्यक्ति का पता लगाने का नैदानिक निहितार्थ।
4. सारकॉइडोसिस और तपेदिक में माइक्रोबैक्टीरियल प्रतिजन विशिष्ट प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया का तुलनात्मक मूल्यांकन।
5. श्वासनली उपनिवेशन और वीएपी के मामलों में मानक अंतःश्वासनलीय ट्यूब के साथ सबग्लोटिक सक्शन ड्रेनेज के साथ अंतःश्वासनलीय ट्यूब की तुलना।
6. एडीनोकार्सिनोमा फेफड़े वाले रोगियों में सीरम और ऊतक ईजीएफआर म्यूटेशन्स के बीच सामंजस्य।
7. क्रोनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी रोग वाले रोगियों में व्यायाम क्षमता और जीवन की गुणवत्ता पर संरचित बाह्य रोगी पल्मोनरी पुनर्वास हस्तक्षेप के प्रभाव : एक भावी नियंत्रित अध्ययन।
8. स्वस्थ भारतीय आबादी में एक्सहैल्ड नाइट्रिक ऑक्साइड मूल्य और प्रतिरोधी वायु मार्ग रोग वाले रोगियों के लिए इसकी तुलना।
9. अतिरिक्त मूत्र – फुफ्फुसीय तपेदिक रोगियों में बायोमार्कर के रूप में विभिन्न व्यक्त प्रोटीन की पहचान और मूल्यांकन।
10. गैर नैदानिक स्त्रावी फुफ्फुस बहाव में रिजिड मिनी थोरैकोस्कोपी बनाम सेमीरिजिड थोरैकोस्कोपी : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
11. रोगजनन में ईटीएस–1 और टीएच1 मध्यस्थता बायोमार्कर की भूमिका और सारकॉइडोसिस वाले रोगियों में उपचार के लिए प्रतिक्रिया का आकलन।
12. सीओपीडी रोगियों में एनईएफ2 संकेतन मार्ग और सिगरेट धूम्रपान करने वाले और बायोमास एक्स्ट्रेक्ट मॉडल के माध्यम से फेफड़ों के रोगों में पॉलीमिनेस और सेलुलर तनाव और एपोप्टोसिस मध्यस्थता की भूमिका।
13. फेफड़े के सारकॉइडोसिस वाले रोगियों में चिकित्सा के लिए निदान और प्रतिक्रिया में कुल एंटीऑक्सीडेंट स्थिति की भूमिका।
14. एडेनोकार्सिनोमा फेफड़े के रोगियों में सीरम ईजीएफआर उत्परिवर्तन विश्लेषण।

15. केंद्रीय श्वासनली अवरोध के लिए विभिन्न हस्तक्षेप प्रक्रिया के बाद परिणामों का अध्ययन।
16. गैर छोटी कोशिका फेफड़े कैंसर में सीरम और ऊतक ईजीएफआर म्यूटेशन्स के बीच सामंजस्य का अध्ययन।
17. भागीदार कार्डियक के साथ सारकॉइडोसिस रोगियों की व्यापकता और नैदानिक रूपरेखा का अध्ययन।
18. निमोनिया से जुड़े हुए वेंटीलेटर के साथ एयरवे कोलोनाइजेशन और अंतःश्वासनलीय ट्यूब के गतिशील संबंधों का अध्ययन करना।
19. अस्थमा के निदान में एक्सहैल्ड नाइट्रिक ऑक्साइड की उपयोगिता और इस रोग के नियंत्रण के साथ इसका संबंध।
20. सीओपीडी और स्वस्थ लोगों में डायाफ्रामेटिक प्रकार्य का अल्ट्रासोनोग्राफी आकलन : फेफड़े के कार्य और शरीर की संरचना के साथ संबंध।

पूर्ण

1. क्रोनिक प्रतिरोधी वायु मार्ग रोग में तीव्र हाइपरकैपनिक श्वसन की विफलता में गैर–इनवेसिव वेंटिलेशन की वापसी के लिए तीन कार्यनीतियों की तुलना।
2. सार्कोइडोसिस के निदान में स्थल मूल्यांकन पर तेजी के साथ ईबीयूएस – टीबीएनए बनाम पारंपरिक टीबीएनए का उपयोगी निदान : एक यादृच्छिक अध्ययन।
3. गैर निदान मीडियास्टीनल लिम्फाडेनोपैथी वाले रोगियों में ईबीयूएस – टीबीएनए का नैदानिक उपचार।
4. गैर निदान प्लेयूरल इफ्यूजन में सेमि–रिजिड थोरैकोस्कोपी का नैदानिक उपचार।
5. आईसीयू में वीएपी/एचएपी की घटना के साथ पर्यावरण प्रदूषण और इसके सह–संबंध : एक भावी अध्ययन।
6. स्वस्थ भारतीय आबादी में एक्सहैल्ड नाइट्रिक ऑक्साइड मूल्य और प्रतिरोधी वायु मार्ग रोग वाले रोगियों के लिए इसकी तुलना।
7. अवरोधक निद्रा एपनिया वाले मोटे रोगियों में आंशिक एक्सहैलेड नाइट्रिक ऑक्साइड (एफईएनओ)।
8. ब्रोंकाइल अस्थमा वाले रोगियों में एस्पर्गिलस फ्यूमिगेट्स हाइपरसेंसिटीविटी की रोकथाम।
9. सीओपीडी (ओवरलैप सिंड्रोम) वाले रोगियों में अवरोधक निद्रा एपनिया (ओ एस ए) का प्रसार और स्वास्थ्य संबंधित जीवन की गुणवत्ता पर इसके प्रभाव।
10. हिमेटोपोयटिक स्टेम सेल प्रत्यारोपण के बाद फेफड़े की जटिलताएं।
11. डायाफ्राम मोटाई की श्रृंखला आकलन और मैकेनिकल वेंटीलेशन पर रोगियों में नैदानिक परिणाम पर इसके प्रभाव।
12. स्टेम सेल प्रत्यारोपण के बाद फेफड़े जटिलताओं का अध्ययन।
13. अन्य मापदंड के साथ अस्थमा नियंत्रण और इसके सह संबंध का आकलन करने में फ्रेक्शनल एक्सहैल्ड नाइट्रिक ऑक्साइड (एफईएनओ) के उपयोग का अध्ययन।
14. स्वस्थ पल्मोनरी ट्यूबरकुलोसिस से अंतर सक्रिय में 18एफ एफडीजी पीईटी स्कैन की उपयोगिता।

सहयोगी परियोजनाएं
जारी

1. त्वचा से क्षय रोग का पता लगाने के लिए एडहेसिव सेंसर (प्रयोगशाला चिकित्सा)।
2. सेप्सिस वाले रोगियों के बीच ल्यूकोसाइट्स की विशेषता और परिणाम का पूर्वकथन (प्रयोगशाला अर्बुद विज्ञान और तंत्रिका विज्ञान)।

3. पीईटी / सीटी द्वारा गैर–छोटे कोशिका फेफड़ों के कैंसर (एनएससीएलसी) में कीमोथेरेपी के उपचार प्रतिक्रिया का प्रारंभिक मूल्यांकन (नाभिकीय चिकित्सा)।
4. वृक्क रोग के रोगियों में अपेक्षित एंटी हाइपरटेंसिव औषधि पर एंटी ट्यूबरकुलर थैरेपी के एक भाग के रूप में रिफाम्पीसिन का प्रभाव। (वृक्क विज्ञान)।
5. ट्यूबरकुलोसिस रोगियों में प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया पर टाइप – आई– इंटरफेरोन(एस) के प्रतिरक्षा जीव विज्ञान प्रभाव का अध्ययन। (जैव सांख्यिकी)

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 52 सार : 2 पुस्तकों में अध्याय : 2

रोगी उपचार

पल्मोनरी चिकित्सा ओ पी डी

नए रोगी	10520	पुराने रोगी	19373

फेफड़ा कैंसर क्लीनिक

नए रोगी	448	पुराने रोगी	1622

संयुक्त पल्मोनरी सर्जरी क्लीनिक

नए रोगी	285	पुराने रोगी	342

निद्रा विकार क्लीनिक

नए रोगी	285	पुराने रोगी	342

आईएलडी /पीएएच क्लीनिक

नए रोगी	204	पुराने रोगी	262

प्रयोगशालाएं

श्वसन प्रयोगशाला

स्पाइरोमीटरी प्रक्रियाएं	13768	डिफ्यूजन क्षमता आकलन	2890
बॉडी बॉक्स (प्लीथिस्मोग्राफी) माप	80	एमआईपी, एमईपी	424

ब्रोंकोस्कॉपी प्रयोगशाला

फाइब्रोप्टिक ब्रोंकोस्कॉपी प्रक्रियाएं	3591	एंडोब्रोंकियल अल्ट्रासाउंड	263
थोरेकोस्कोपी	52	क्रायोथेरेपी	07
स्टेंटिंग	20	रिजिड थोरेकोस्कोपी	42
इलेक्ट्रोकॉटरी	11		

निद्रा प्रयोगशाला

पोलीसोम्नोग्राफी अध्ययन	327	सीपीएपी अनुमापन	205

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां

आचार्य रणदीप गुलेरिया ने प्रतिष्ठित ''पद्म श्री'' प्राप्त किया; मानव संसाधन विकास मंत्रालय, स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, मध्याह्न भोजन प्रभाग, भारत सरकार द्वारा मध्याह्न भोजन योजना के लिए अधिकार प्राप्त समिति के सदस्य; सीएसआईआर द्वारा गठित नैदानिक परीक्षण की निगरानी के लिए स्वतंत्र डेटा निगरानी समिति (आईडीएमसी) के सदस्य; भारत में अस्थमा और क्रोनिक ऑब्सट्रक्टिव एयरवे रोगों के प्रबंधन के लिए दिशा निर्देश तैयार करने के लिए डब्ल्यूएचओ द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय निकायों के सदस्य; नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज के अध्येता; भारत के चिकित्सक संघ के आजीवन सदस्य; नेशनल कॉलेज ऑफ चेस्ट फिजिशियंस ऑफ इंडिया के आजीवन सदस्य; इंडियन चेस्ट सोसायटी के आजीवन सदस्य; अंतरराष्ट्रीय आण्विक ऊर्जा एजेंसी, वियना के विकिरण सुरक्षा के सलाहकार; इन्फ्लूएंजा टीकों व टीकाकरण, जिनेवा, स्विट्जरलैंड के डब्ल्यूएचओ के कार्यरत समूह वैज्ञानिक सलाहकार समूह के विशेषज्ञ (एसएजीई) के सदस्य; अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान पटना के सदस्य; आईसीएमआर के ''क्षय रोग, कुष्ठ रोग और अन्य वक्ष रोग के परियोजना समीक्षा समिति के सदस्य; अस्पतालों में दवा के प्रबंधन पर एशियाई क्षेत्रीय प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के लिए कोर ग्रुप के सदस्य : ड्रग्स और चिकित्सा समितियों की भूमिका, नई दिल्ली; डब्ल्यूएचओ मुख्यालय, जिनेवा, स्विट्जरलैंड में इन्फ्लूएंजा टीकों और टीकाकरण पर एसएजीई कार्यरत समूह के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सलाहकार; 23 फरवरी 2016 को वसंत विहार, नई दिल्ली में ''साक्ष्य पीढ़ी और प्रसार'' ''संयुक्त सेवा संस्थान'' सत्र की अध्यक्षता की।

आचार्य जी. सी. खिलनानी 2015–2017 तक यूएसए अमेरिकन कॉलेज ऑफ चेस्ट फिजिशियंस के ग्लोबल गवर्नर थे; नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज (भारत) से अध्येतावृत्ति प्राप्त की; 4–7 नवंबर 2015 को जयपुर में "द इंडियन चेस्ट सोसायटी (आईसीएस) और नेशनल कॉलेज ऑफ चेस्ट फिजिशियन इंडिया (एनसीसीपी) "(एनएपीसीओएन–2015) के 17 वें संयुक्त राष्ट्रीय सम्मेलन" कटिंग एज 1 सत्र की अध्यक्षता की। भारतीय शहरों के लिए यूनिफॉर्म नेशनल एयर क्वालिटी इंडेक्स के विकास के समूह के विशेषज्ञ सदस्य – केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, पर्यावरण एवं वन मंत्रालय।

डॉ. अनंत मोहन को मई 2015 के बाद से रॉयल कॉलेज ऑफ फिजिशियंस (एफआरसीपी, लंदन) के अध्येता के लिए नामित किया गया था; अमेरिकन कॉलेज ऑफ चेस्ट फिजिशियंस (एफसीसीपी) के अध्येता रहे; "परियोजना समीक्षा समिति", आईसीएमआर, दिल्ली के सदस्य।

9.35 विकिरण निदान

आचार्य एवं अध्यक्ष
अरुण कुमार गुप्ता

आचार्य

दीप नारायण श्रीवास्तव	राजू शर्मा	संजय थुलकर (आईआरसीएच)
संजय शर्मा (आरपीसी)		आशु सेठ भल्ला

अपर आचार्य

स्मृति हरि	शिवानंद गामनगाटी (ट्रॉमा सेंटर)	अतिन कुमार (ट्रॉमा सेंटर)

सहायक आचार्य

चंदन जे. दास	मधुसूदन के. एस.	सुरभी व्यास
मनीषा जाना	देवसेनाथिपथी कंडासामी	चंद्रशेखर एस. एच. (आईआरसीएच)
स्मिता मनचंदा	अंकुर गोयल	प्रियंका नारांजी
एकता धमीजा (आईआरसीएच)		मुकेश यादव (आईआरसीएच)

वैज्ञानिक–4
शशि बी. पॉल

मुख्य तकनीकी अधिकारी (समूह क)
कविता तनेजा

विशिष्टताएं

विभाग के संकाय सदस्य रोगी देखभाल, शिक्षा और अनुसंधान में सक्रिय रूप से शामिल रहे। इस अवधि के दौरान समीक्षा के तहत विभाग में रेडियोलॉजी सूचना प्रणाली (आरआईएस) और तस्वीर पुरालेख तथा संचार प्रणाली (पीएसीएस) उन्नत बनाए गए। संकाय सदस्यों ने विभिन्न सीएमई, राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में 135 व्याख्यान दिए। पूरी दुनिया के विभिन्न सम्मेलनों में लगभग 40 पोस्टर और मौखिक शोधपत्र प्रस्तुत किए गए। वे आठ आंतरिक वित्तपोषित अनुसंधान परियोजनाओं में शामिल थे। इसके अलावा वे 30 पूर्ण और जारी विभागीय परियोजनाओं तथा अन्य क्लिनिकल विभागों के सहयोग से 94 परियोजनाओं में शामिल थे। संकाय सदस्य सक्रिय रूप से अनुसंधान में शामिल रहे और 105 से अधिक विभिन्न सूचीबद्ध राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में शोध पत्रों का प्रकाशन किया गया।

शिक्षा

स्नातक–पूर्व

विभाग के संकाय सदस्य स्नातकपूर्व छात्रों के अध्यापन में सक्रिय रूप से शामिल थे। इस अवधि में संकाय द्वारा स्नातक–पूर्व छात्र–छात्राओं के लिए कुल 65 व्याख्यान दिए गए।

स्नातकोत्तर

एम डी : इसमें कुल 25 जूनियर रेजीडेंट हैं।

स्नात्तकोत्तर छात्रों की शैक्षिक गतिविधियों में 35 सेमिनार, 35 जर्नल क्लब, 70 प्रकरण चर्चाएं, 70 दिलचस्प फिल्म सत्र एवं 80 व्याख्यान कक्षाएं शामिल हैं।

रेडियोग्राफी (एमटीआर) में बी एस. सी (ऑनर्स) चिकित्सा प्रौद्योगिकी

वर्ष 2015 – 16 में इस पाठ्यक्रम में 10 छात्रों के बैच को प्रवेश दिया गया था। इस पाठ्यक्रम की अवधि तीन वर्ष की है और इसमें अभी 27 छात्र शामिल है।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशालाएं / संगोष्ठियां / राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

आयोजित क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा

1. रामालिंगास्वामी बोर्ड कक्ष में 13 जून 2015 को अस्थायी हड्डी इमेजिंग पर सीएमई का आयोजन किया गया।
2. जवाहरलाल सभागार में इमरजेंसी रेडियोलॉजी के लिए सोसायटी का वार्षिक सम्मेलन 31 अक्टूबर – 2 नवंबर 2015 को आयोजित किया गया था।
3. दिल्ली इमेजिंग अद्यतन 2016 – भारतीय रेडियोलॉजिकल और इमेजिंग एसोसिएशन के दिल्ली अध्याय का वार्षिक सम्मेलन।

प्रदत्त व्याख्यान

राजू शर्मा : 21	संजय शर्मा : 1	आशु सेठ भल्ला : 26
स्मृति हरि : 7	शिवानंद गामनगाट्टी : 16	अतिन कुमार : 18
चंदन जे. दास : 6	मधुसूदन के. एस. : 5	सुरभी व्यास : 4
मनीषा जाना : 6	देवसेनाथिपथी : 9	स्मिता मनचंदा : 3
अंकुर गोयल : 8	प्रियंका नारांजी : 3	शशि बी. पॉल : 3

मौखिक पत्र / पोस्टर की प्रस्तुति : 40

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. मेडिकल इमेजिंग का उपयोग करते हुए सहयोगात्मक डिजिटल निदान प्रणाली (कोलैब डीडीएस) का प्रयोगिक कार्यान्वयन, अरुण कुमार गुप्ता, राजू शर्मा, देवसेनाथिपथी कंडासामी, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, 2 वर्ष, 2015–17, 1,14,00,270 रुपए।

2. गैर नैदानिक प्रारंभिक जांच के साथ अज्ञात मूल के पायरेक्सिया के मूल्यांकन में पूरे शरीर की एमआरआई की भूमिका। देवसेनाथिपथी कंडासामी आंतरिक, 2 वर्ष, 2015–17, 3,50,000 रुपए।
3. स्तन कैंसर और स्तन संरक्षण सर्जरी के लिए चयनित रोगियों के निदान के ऑपरेशन से पहले मूल्यांकन के लिए स्तन के सीई – एमआरआई और एम आर निर्देशित स्तन बायोप्सी की भूमिका। एस. हरि, अ. भा. आ. सं. द्वारा आंतरिक अनुदान, 2 वर्ष, 2014 – 16, 100,000 रुपए।
4. रूमेटोइड आर्थराइटिस (आर.ए.) के रागियों में कलाई और हाथों के छोटे जोड़ो के सिनोविटिस के मूल्यांकन में नॉन–कंट्रास्ट एम आर आई इंक्ल्यूडिंग डिफ्युजन वेटिड (डी.डब्ल्यू.आई.) तथा कंट्रास्ट इन्हेंस्ड एम आर इमेजिंग की भूमिका। डॉ. सुरभी व्यास, आंतरिक अनुदान, दो वर्ष, 2014 – 16, 100,000 रुपए।
5. दर्दनाक प्लीहा चोटों में प्लीहा धमनी एम्बोलाइजेशन की प्रभावकारिता, सुरक्षा और परिणाम का मूल्यांकन। अतिन कुमार, आंतरिक अनुदान, 1 वर्ष विस्तार के साथ 1 वर्ष, 2015 – 2017, 5,00,000 रुपए।

पूर्ण

1. नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी के लिए ओस्टियोसर्कोमा की प्रतिक्रिया के मूल्यांकन में डिफ्युजन वेटिड और परफ्युजन एम आर आई की भूमिका। मधुसूदन के. एस. एम्स आंतरिक अनुदान, एक, एक और वर्ष के विस्तार के साथ, 2014–2016. 1,80,000 रुपए।
2. सीटी स्कैन पर अनिश्चित गुर्दे मासेस का मूल्यांकन करने में (कंट्रास्ट इंहांस्ड, डी डब्ल्यू आई और बी ओ एल डी) कंट्रास्ट इंहांस्ड अल्ट्रासाउंड, सोनोलेस्टोग्राफी और एमआरआई की भूमिका – एक भावी अध्ययन। चंदन जे दास, एम्स आंतरिक, 2 वर्ष, 2013–15, 5 लाख रुपए।
3. मेडिकल इमेजिंग का उपयोग करके सहयोगात्मक डिजिटल निदान प्रणाली (सहयोग डीडीएस) का प्रायोगिक कार्यान्वयन। अरूण कुमार गुप्ता, राजू शर्मा, देवसेनाथिपथी, नैशनल नौलेज नेटवर्क। 2 वर्ष 3 माह, अक्तूबर 2013 – दिसंबर 2015, 314.4 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. कोहनी के पुराने दर्द का एम. आर. आई. मूल्यांकन।
2. निचले अंगों के परिधीय धमनी ओक्लूसिव रोग के रोगियों में एक उपशामक उपचार के रूप में सीटी निर्देशित लंबर सिम्पैथेक्टोमी।
3. छोटी आंत के अल्सर प्रोलिफरेटिव रोगों में एमआर इंटरोग्राफी की भूमिका।
4. स्थानीय रूप से उन्नत मलाशय के कैंसर के मूल्यांकन में मल्टी पैरामेट्रिक एमआरआई की भूमिका।
5. बलगम में खून आने में दोहरी ऊर्जा सीटी एंजियोग्राफी की उपयोगिता।
6. प्रोस्टेट कैंसर के मूल्यांकन में मल्टीपैरामेट्रिक एमआरआई की भूमिका, प्रसार टेंसर इमेजिंग और रीयल टाइम अल्ट्रासाउंड इलास्टोग्राफी की भूमिका।
7. एमआरआई और / या हिस्टोपैथोलॉजी सह–संबंध के साथ में गर्भाशय की विकृति मूल्यांकन में शीयरवेव सोनो–इलास्टोग्राफी का मूल्यांकन।
8. पुराने पीठ दर्द में उन्नत इमेजिंग और छवि निर्देशित हस्तक्षेप।
9. नवजात / शिशु कोलेस्टेटिक लिवर रोग के निदान, पूर्वनुमान और अनुवर्तन में शीयरवेव इलास्टोग्राफी की भूमिका।
10. दर्दनाक सीएसएफ राइनोरिया के रोगियों में सीटी सिस्टेर्नोग्राफी और एमआर सिस्टेर्नोग्राफी की भूमिका।

11. अकर्तक पेट दर्द अभिघात में दोहरे चरण सीटी की भूमिका, अकर्तक पेट दर्द अभिघात में दोहरे चरण सीटी की भूमिका।
12. मौखिक कार्सिनोमा की प्रतिक्रिया मूल्यांकन में डीडब्ल्यूआई की भूमिका।
13. बलगम में खून आने में दोहरी ऊर्जा सीटी एंजियोग्राफी संयुक्त ब्रोंकियल एवं पल्मोनरी प्रोटोकॉल की उपयोगिता।
14. स्तन कैंसर के रोगियों की पूर्व शल्य चिकित्सा स्थानीय अवस्था में बहुपद्धति इमेजिंग की भूमिका (मैमोग्राफी, अमेरिका और डीसीईएम आरआई), स्तन संरक्षण के उपचार के लिए चिकित्सकीय उपयुक्तता।
15. ब्लंट एब्डोमिनल ट्रॉमा में ठोस अंग चोट के मूल्यांकन में कंट्रास्ट एनहांस्ड अल्ट्रासाउंड की भूमिका।
16. स्तन कैंसर के रोगियों में नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी रिस्पांस का आकलन करने में शीयर वेव इलास्टोग्राफी की भूमिका।

पूर्ण

1. पुराने टखने में दर्द का एमआरआई मूल्यांकन।
2. आंत धमनी स्युडोएनेयूरीज्मस की एम्बोलाइजेशन का पूर्वव्यापी मूल्यांकन।
3. गॉल ब्लैडर कार्सिनोमा में कीमोरेडियोथेरेपी के लिए प्रतिक्रिया के मूल्यांकन में डिफ्यूजन वेटिड इमेजिंग के साथ एम आर आई की भूमिका।
4. हीमोडायलिसिस के लिए धमनी फिस्टुलाज़ में इमेजिंग और हस्तक्षेप।
5. गैर अक्लॉहोलिक वसीय जिगर रोग (फैटी लिवर डिसीज़) के निदान और अनुवर्तन में एम.आर.आई. की भूमिका।
6. ऊपरी मूत्र मार्ग के मूत्र संबंधी रोगों के मूल्यांकन में स्प्लिट बॉलस डुअल एनर्जी सिंगल एक्विजिशन की भूमिका।
7. ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया में ऊपरी वायुमार्ग के मूल्यांकन में गतिशील एमआरआई।
8. रोगियों की इविंग सारकोमा परिवार में नियो–एडजुवेंट कीमोथेरेपी के उत्तर का आकलन करने में एमआरआई की भूमिका।
9. रूमेटोइड आर्थराइटिस के मूल्यांकन में पॉवर डॉपलर तथा अल्ट्रासाउंड की भूमिका : एमआरआई और कन्वेंशनल रेडियोग्राफी के साथ तुलना।
10. मूत्राशय की कार्सिनोमा में ट्यूमर चरण और ग्रेड की भविष्यवाणी में डिफ्यूजन वेटेड एम आर इमेजिंग की भूमिका : 3 टी एम आर सिस्टम पर एक भावी अध्ययन।
11. कार्सिनोमा ग्रीवा में कीमोरेडिएशन के उत्तर की भविष्यवाणी करने में छिड़काव सीटी की भूमिका।
12. बाल चिकित्सा हॉजकिन लिंफोमा के उपचार के बाद आकलन और बेसलाइन, इंटेरिम में सीईसीटी बनाम पीईटी/सीटी का मूल्यांकन।
13. वयस्क बहुजाल चोटों का एमआरआई मूल्यांकन।
14. सीआरएफ रोगियों में धमनी फिस्टुला निर्माण में संवहनी मानचित्रण।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. हेपटोबिलियरी मैलिग्नैन्सीज़ में पोर्टल वेन एम्बोलाइजेशन। (गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल सर्जरी)

2. इलेक्टिव सर्जरी के लिए निर्धारित मधुमेह और गैर मधुमेह रोगियों में 6 और 8 घंटे के लिए उपवास के बाद गैस्ट्रिक की मात्रा का अल्ट्रासोनोग्राफी मूल्यांकन। (एनेस्थेसियोलॉजी)
3. एक्ट्रोहिपेटिक पोर्टल वेन ऑब्स्ट्रक्शन में सीटी पोर्टोग्राफी और कलर डोपलर की तुलना (गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल सर्जरी)
4. एपिडेमियोलॉजी, जोखिम कारकों का मूल्यांकन तथा एक तृतीयक नेत्र केंद्र में दर्दनाक ऑप्टिक न्यूरोपैथी के रोग के निदान और प्रोग्नोसिस में न्यूरोइमेजिंग की भूमिका। (नेत्र विज्ञान)
5. दोहरी ऊर्जा सीटी का उपयोग कर कोरोनरी धमनी नरम पट्टिका का कम्पोसिशनल अध्ययन। (भौतिकी काय चिकित्सा)
6. रीनल स्टोन्स के गुणधर्मों का मूल्यांकन करना। (भौतिकी काय चिकित्सा)
7. मौखिक गुहा के स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में जबड़े की भागीदारी का क्लिनिको – रेडियोलॉजिकल–हिस्टोपैथोलॉजिकल सह–संबंध (ईएनटी)
8. फेफड़े के एस्परजिलोमा वाले रोगियों के शल्यक परिणाम –एक पर्यवेक्षणीय अध्ययन (शल्य चिकित्सा)
9. टेम्पोरल बोन के न्यूमेटिसेशन के विभिन्न प्रकारों में कोलेस्टेटोमा सैक में एपिडर्मल वृद्धि वाले कारक रिसेप्टर (ईजीएफआर) अभिव्यक्ति का मूल्यांकन। (ईएनटी)
10. मैस्सेटर मांसपेशियों और बाइट फोर्स की मोटाई पर छोटे दांत के आर्क के प्रभाव का एक मूल्यांकन : एक प्रारंभिक अध्ययन (डेंटल – प्रोस्थोडोंटिक्स)
11. किशोर नेसोफेरिंजियल एंजियोफिब्रोमा की लकीर पर एम्बोलाइजेशन के प्रभाव की नैदानिक तुलना। (ईएनटी)
12. सेप्सिस वाले रोगियों के बीच कंकाल की मांसपेशी के सोनोग्राफिक मूल्यांकन का एक भावी अध्ययन। (पल्मोनरी चिकित्सा)
13. चेस्ट इमेजिंग में बुखार और मिलियरी शैडोविंग के साथ रोगियों में देखे गए ब्रोकोंस्कोपी और ब्रोंकोस्कोपिक प्रक्रियाओं के नैदानिक उपज का अनुमान। (काय चिकित्सा)
14. नॉन–स्मॉल कोशिका वाले फेंफड़ों के कैंसर में शीघ्र उपचार प्रतिक्रिया का मूल्यांकन करने के लिए प्रसार भारित एमआरआई के साथ पूरे शरीर का 18–एफ एफडीजी पीईटी / सीटी के डायनेमिक एफ–18 एफडीजी पीईटी / सीटी प्रोटोकॉल और तुलना का मानकीकरण (नाभिकीय चिकित्सा)।
15. बाल चिकित्सा मेंडिब्यूलर फ्रैक्चर के विभिन्न प्रबंधन कार्यनीति में परिणामों की तुलना करने के लिए एक पूर्वव्यापी अध्ययन, (डेंटल – ओएमएफएस)।
16. टेम्पोरोमेंडीबुलर जॉइंट एंकीलोसिस के उपचार में कॉस्टोकॉड्रल ग्राफ्ट इंटरपॉजिशनल ऑर्थ्रोप्लास्टी और ट्रांसपोर्ट डिस्क डिस्ट्रेक्शन ऑस्टियोजिनेसिस के बीच सफलता–दर की तुलना के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण। (डेंटल – ओएमएफएस)
17. प्रणालीगत स्क्लेरोसिस में त्वचीय स्क्लेरोसिस और प्रमुख अंग भागीदारी के पृष्ठ–भूमि में आकृति विज्ञान और रंगदार परिवर्तन की हद के बीच संबंध का आकलन करने के लिए एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन।
18. निरंतर सकारात्मक एयरवे प्रेशर (सीपीएपी) विफलता या ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया सिंड्रोम (ओएसएएस) के मामलों में सर्जरी द्वारा इसके अनुपालन सुधार करने के लिए गैर शिकायती मामले में ऊपरी वायुमार्ग का मूल्यांकन। (पल्मोनरी चिकित्सा)
19. टी. एम. जे. एंकीलोसिस के उपचार में पेट के वसा तथा वसा के इंटरपोस्ड पेडिक्लेड बुक्कल पैड के वसा और वॉल्यूमेट्रिक श्रींकेज का मूल्यांकन करने के लिए एक क्लस्टर यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षा। (डेंटल – ओएमएफएस)

20. एक तृतीयक उपचार केंद्र में टीएमजे एंकीलोसिस संचालित के मामलों के परिणाम पर एक पूर्वव्यापी अध्ययन। (डेंटल – ओएमएफएस)
21. सक्रिय ट्यूबरकुलोसिस से सह संक्रमित एच आई वी रोगियों में एच आई वी रेजिस्टेंट म्यूटेशंस की अध्ययन पद्धति, काय चिकित्सा।
22. पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस) वाली भारतीय महिलाओं में सूजन की भूमिका और इसके आहार कारकों से इसका मॉडुलन। (अंतः स्राविकी)
23. एच आई वी / एड्स (एड्स एसोसिएटेड पी यू ओ) में 4 सप्ताह से अधिक अवधि के बुखार की जांच करने हेतु एफडीजी – पीईटी / सीटी बनाम सीईसीटी की उपयोगिता का अध्ययन। (काय चिकित्सा)
24. प्रोस्टेट कैंसर रोगियों की जांच में गैलियम – 68 (जी ए – 68) लेबल्ड पीएसएमए पी ई टी / सी टी। (नाभिकीय चिकित्सा)
25. युवा और देर से शुरू होने वाले रुमेटोइड गठिया के बीच क्लिको-जैव रासायनिक और रेडियोलॉजिकल भिन्नताएं। (जरा काय चिकित्सा)
26. संबंधित पेरिफेरल न्यूरोपैथी लेप्रोसी पर प्लेटलेट से भरपूर प्लाज्मा उपचार के प्रभाव का अध्ययन करना। (त्वचा रोग विज्ञान)
27. क्षयरोग लिम्फाडेनोपैथी में जीनएक्सपर्ट का मूल्यांकन।(काय चिकित्सा)
28. एमडीआर / एक्सडीआर वाले रोगियों में उपचार के परिणाम – एक भावी अध्ययन (काय चिकित्सा)
29. इडियोपैथिक प्रतिरोधी एजूस्पर्मिया के लिए माइक्रोसर्जिकल वेसोएपिडिडायमॉस्टोमी की प्रत्यक्षता दरों के साथ जुड़े हुए कारकों का मूल्यांकन। (मूत्र विज्ञान)
30. एड्स में अवसरवादी संक्रमण (काय चिकित्सा)
31. मेडिस्टिनल घाव में ईबीयूएस – सीटी और पीईटी–सीटी के साथ संबंध (काय चिकित्सा)
32. गंभीर डेंगू संक्रमण में साइटोकिन्स की भूमिका। (काय चिकित्सा)
33. गुर्दे प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ताओं में फेफड़े के संक्रमण : एक भावी पलटन पर्यवेक्षणीय अध्ययन। (वृक्क रोग विज्ञान)
34. उन्नत कार्सिनोमा फेफड़े में ट्यूमर एंजियोजेनेसिस और उपचार की प्रतिक्रिया के मूल्यांकन में पीईटी–सीटी और डीडब्ल्यूआई की भूमिका। (नाभिकीय चिकित्सा)
35. कांसट्रेशन प्रतिरोधी प्रोस्टेट कैंसर में ^{175}एलयू डोसिमेट्री। (नाभिकीय चिकित्सा)
36. डीडब्ल्यू एमआरआई और परफ्यूजन सीटी द्वारा गुर्दा कोशिका कार्सिनोमा में ट्यूमर एंजियोजेनेसिस का ऑपरेशन से पहले पूर्वानुमान और उन्नत गुर्दा कोशिका कार्सिनोमा में इन बायोमार्करों का उपयोग कर ट्यूमर ग्रेड का अनुमान लगाना। (मूत्र विज्ञान)
37. जन्मजात अधिवृक्क हायपरप्लासिया प्राप्त शारीरिक स्टेरॉयड रिप्लेसमेंट वाले बच्चों और किशोरों में अस्थि खनिज घनत्व। (बाल रोग विज्ञान)
38. ग्रीवा रीढ़ की सीटी मोर्फोमेट्री। (अस्थि रोग विज्ञान)
39. ऑस्टिओसारकोमा के मूल्यांकन में गतिशील एमआरआई की भूमिका। (अस्थि रोग विज्ञान)
40. विभिन्न आयु समूहों में एमआरआई का उपयोग कर पिट्यूटरी मोर्फोमेट्री का अध्ययन करना। (अंतः स्राविकी एवं चयापचय)
41. जन्मजात वृद्धि हार्मोन की कमी में क्लिनिको रेडियोलॉजिकल सह–संबंध (अंतः स्राविकी एवं चयापचय)
42. हेपेटोब्लास्टोमा की इमेजिंग मूल्यांकन में एमआरआई की भूमिका। (बाल शल्य चिकित्सा)
43. टाइप 1 मधुमेह में गैर–अल्कॉहोलिक फैटी लीवर रोग का प्रचलन। (अंतः स्राविकी एवं चयापचय)
44. एक्रोमिगेली में स्लीप एपनिया का आकलन और नैदानिक, प्रयोगशाला पैरामीटरों और ग्रसनी की इमेजिंग के साथ इसकी गंभीरता के सहसंबंध (अंतः स्राविकी एवं चयापचय)

45. महिलाओं में प्रकार 2 के डायबिटीज के इतिहास के साथ और इसके बिना पीसीओएस सहित क्लिनिकल, बायोकैमिकल, हार्मोनल, कार्यात्मक विशेषताएं और एफटीओ जीन में भिन्नता (अंतः स्राविकी एवं चयापचय)।
46. स्तन कैंसर में पारंपरिक पेलपेशन निर्देशित स्तन संरक्षण शल्य चिकित्सा के साथ इंट्रा–ऑपरेटिव अल्ट्रासाउंड निर्देशित छांटना निम्नलिखित कॉस्मेटिक परिणाम और लकीर मार्जिन की तुलना – एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (शल्य चिकित्सा)।
47. स्त्री जननांग क्षय रोग का एक नैदानिक, इमेजिंग, इंडोस्कोपिक और प्रयोगशाला मूल्यांकन। (स्त्री प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान)।
48. प्रारंभिक स्तन कैंसर के मामलों में 1 बनाम 2 सें. मी. मार्जिन और सिम्पल बनाम ओंकोप्लास्टि का प्रभाव और सौंदर्य परिणाम और गुणवत्ता समायोजित जीवन वर्ष पर उनका प्रभाव। (सर्जरी)।
49. ऑपरेशन योग्य स्तन कैंसर वाली महिलाओं में एक्सिल्ला की व्यवस्थित प्रबंधन कार्यनीति – स्तर 1 पर नोड धनात्मक रोगियों के यादृच्छिकरण बनाम ऑक्सीलरी लिम्फ नोड का विच्छेदन। (सर्जरी)।
50. स्तन कैंसर के रोगियों में नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी के बाद क्लिनिकल रूप से पूरी तरह ठीक होने पर पैथोलॉजिकल दृष्टि से पूरी तरह ठीक होने में रेडिकल रेडियोथेरेपी की भूमिका का मूल्यांकन – एक सुपीरियोरिटी यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (सर्जरी)।
51. ऑपरेशन योग्य स्तन कैंसर वाली महिलाओं में सेंटीनेल नोड का पता लगाने के लिए फ्लोरसीन सहित मेथिलिन ब्ल्यू बनाम टेकनेटियम सल्फर कोलोइड सहित मेथिलिन ब्ल्यू की पहचान दर की तुलना (सर्जरी)।
52. डेकेयर थायरॉयडेक्टोमी संचालन पर प्रायोगिक अध्ययन (सर्जरी)।
53. निम्नलिखित लेप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी में पहुंच गॉलब्लैडर स्पेसिमेंस के मूल्यांकन में डिजिटल फोटोग्राफी की भूमिका। (सर्जरी)।
54. ऑपरेशन योग्य स्तन कैंसर वाली महिलाओं में एक्सिल्ला की व्यवस्थित प्रबंधन कार्यनीति – स्तर 1 पर नोड धनात्मक रोगियों के यादृच्छिकरण बनाम ऑक्सीलरी लिम्फ नोड का विच्छेदन। (सर्जरी)।
55. गुर्दे की पथरी की डीईसीटी और इन–विट्रो लक्ष्ण वर्णन (मेडिकल फिजिक्स)।
56. माइटोकोंड्रियल रोगों का नैदानिक और एमआर मूल्यांकन (बाल रोग विज्ञान)।
57. यंत्रवत् संवातित रोगियों में डायाफ्राम शक्ति और मोटाई पर श्वासपटलीय तंत्रिका उत्तेजना का प्रभाव (फिजियोथेरेपी)।
58. लेपेरोस्कोपिक बनाम एण्डोस्कोपिक ड्रेनेज द्वारा पैंक्रियाज़ के स्यूडोसिस्ट हेतु एक भविष्य लक्षी यादृच्छिक परीक्षण (सर्जरी)।
59. भारतीय संदर्भ में ईएसआरडी के रोगियों में ए – वी फिस्टुला की परिपक्वता पर क्लिनिकल रूपरेखा और वेस्कुलर हिमोडायनेमिक्स के प्रभाव का आकलन (सर्जरी)।
60. इंग्विनल हर्निया की मरम्मत में लेपेरोस्कोपिक संपूर्ण एक्स्ट्रा पेरिटोनियल (टीईपी) और ट्रांसएब्डोमिनल प्री–पेरिटोनियल (टीएपीपी) के बाद वृषण के कार्य, यौन कार्यशीलता और जीवन की गुणवत्ता पर एक भविष्य लक्षी यादृच्छिक तुलना (सर्जरी)।
61. सामान्य बाईल डक्ट स्टोन्स तथा कान्कोमिटेन्ट गॉल स्टोन्स वाले रोगियों के एकल अवस्था बनाम दो अवस्था प्रबंधन के बाद जीवन की गुणवत्ता की तुलनाः व्यवस्थित समीक्षा तथा मेटाएनिलिसिस के साथ एक भावी यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
62. हल्की और मध्यम अभिघात मस्तिष्क चोट वाले रोगियों में बोधात्मक तथा मनोवैज्ञानिक कार्य में सुधार हेतु 'हॉलिस्टिक और समेकित न्यूरोसायकोलॉजिकल पुनर्वास' के विकास और प्रभावशीलता हेतु यादृच्छिक नियंत्रित क्लिनिकल परीक्षण (तंत्रिका मनोविज्ञान)।

63. सब एक्सीयल सर्वाइकल स्पाइन पेडिकल्स के मोर्फोमेट्रिक अध्ययन पर आधारित लक्षण रहित व्यक्तियों की कंप्यूटरीकृत टोमोग्राफी (ऑर्थोपेडिक्स)।
64. उत्परिवर्तन स्पेक्ट्रम का अध्ययन करना, तथा माइटोकॉन्ड्रियल विकारों वाले भारतीय रोगियों में ऊतक विकृति विज्ञानी, न्यूरोइमेजिंग और जैव रासायनिक चयापचयों के साथ इसका सह–संबंध। (पीडियाट्रिक्स)
65. भारतीय रोगियों में ट्यूबर स्क्लेरोसिस का म्युटेशनल स्पेक्ट्रम। (बाल रोग विज्ञान)
66. हेपेटोब्लास्टोमा की इमेजिंग मूल्यांकन में एमआरआई की भूमिका। (बाल शल्य चिकित्सा)

पूर्ण

1. भारतीय आबादी में एचआईवी में सीएनएस के शामिल होने में एमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी की भूमिका। (काय चिकित्सा)
2. शुरुआती मधुमेह वाले युवा रोगियों के बीच फेफड़े टीबी रोग और अव्यक्त टीबी की व्यापकता (एण्डोक्राइनोलॉजी और मेटाबोलिज्म)।
3. शुरुआती मधुमेह वाले युवा रोगियों के बीच कंधे में पेरिअर्थराइटिस की व्यापकता। (एण्डोक्राइनोलॉजी और मेटाबोलिज्म विभाग)
4. भ्रूण के एमआर विट्रोप्सी। (बाल रोग विज्ञान)
5. अधिक भार वाले भारतीय किशोरों में एन ए एफ एल डी की अतिसंवेदनशीलता निर्धारित करने में जेनेटिक पॉलिमार्फिज्म, क्लिनिकल और बायोमेडिकल पैरामीटरों का प्रभाव।(बाल रोग विज्ञान)
6. टर्म ऐज में बहुत कम वजन पैटर्न नवजात शिशुओं में पीवीएल का पता लगाने में एम आर आई ब्रेन के साथ अल्ट्रासाउंड क्रेनियम का मूल्यांकन।(बाल रोग विज्ञान)
7. शुरुआती मधुमेह के युवा रोगियों के बीच फेफड़े टीबी रोग और अव्यक्त टीबी की व्यापकता (एण्डोक्राइनोलॉजी और मेटाबोलिज्म)।
8. शुरुआती मधुमेह वाले युवा रोगियों के बीच कंधे में पेरिअर्थराइटिस की व्यापकता। (एण्डोक्राइनोलॉजी और मेटाबोलिज्म)
9. दीर्घ अवधि अनुवर्तन पर लक्षण रहित हाइपोपैराथायरॉइडिज्म के रोगियों में बीएमडी और वर्टिब्राल की हड्डी टूटना (एण्डोक्राइनोलॉजी और मेटाबोलिज्म)।
10. एमआरआई का उपयोग कर सभी आंतरिक ऑथ्रोस्कोपिक एसीएल पुनः निर्माण में सॉकेट के विस्तार और हैमिस्ट्रिंग टेंडन ग्राफ्ट का अध्ययन। (अस्थि रोग विज्ञान)
11. उच्च जोखिम प्रोस्टेट कैंसर के मंचन के लिए पारंपरिक इमेजिंग तौर तरीकों के साथ–68 जी ए–पीएसएमए पीईटी / सीटी की तुलना। (नाभिकीय चिकित्सा)।
12. एक्यूट नॉन स्पेसिफिक पेन ऐब्डोमेन के साथ प्रौढ़ रोगियों को इमरजेंसी डिपार्टमेंट में ले जाने के लिए निर्णय लेने में सीईसीटी ऐब्डोमेन की भूमिका।
13. तीव्र डेंगू बुखार में पैथॉजेनेटिक मार्कर्स। (काय चिकित्सा)
14. दोहरी ऊर्जा सीटी (डीईसीटी) का उपयोग गुर्दे की पत्थरी के भौतिक गुण का मूल्यांकन। (भौतिकी कायचिकित्सा)
15. एनएएफएलडी में स्वायत्त कार्यों का अध्ययन। (काय चिकित्सा)
16. बचपन के प्रारंभ में ग्रोथ हार्मोन की कमी सहित एशियाई भारतीय विषयों में जेनोटाइप–फेनोटाइप सह संबंध से संबंधित अध्ययन (एनाटोमी)।
17. किशोर नेसोफेरीन्जियल एंजियोफाइब्रोमा में विडियन आर्टरी का मूल्यांकन। (ईएनटी)

18. किशोर नेसोफेरिंजियल एंजियोफिब्रोमा में एस्ट्रोजन रिसेप्टर बीटा सकारात्मकता का अध्ययन। (ईएनटी)
19. घातक गठिया से पीड़ित रोगियों में परक्यूटेनियस ट्रांसपेटिक बाइलरी ड्रैनेज से रोगियों के अनुवर्तन। (गैस्ट्रो इंटेस्टाइनल सर्जरी)
20. पीटीबीडी / स्टेंटिंग के बाद घातक गठिया में अनरिसेक्टेबल कार्सिनोमा गॉल ब्लैडर में जेम साइटेविन और ऑक्जलिप्लेटिन बनाम जेम साइटेबिन और कैपिसाइटेबिन : एक यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन। (गैस्ट्रो इंटेस्टाइनल सर्जरी)
21. इंडिटरमिनेट सर्वाइकल अथवा ऑग्जिलरी एंडेनोपैथी वाले रोगियों में क्लिनिकल, सोनोग्राफिक और हिस्टॉलॉजिकल जांच परिणामों का मूल्यांकन। (काय चिकित्सा)
22. मेटाबोलिक सिंड्रोम से पीड़ित रोगियों में ई सी एच ओ और बॉडी मास इंडेक्स के साथ एम आर आई के उपयोग से एपिकार्डियल फैट, फैटी लिवर और एब्डोमिनल फैट का सह संबंध। (काय चिकित्सा)
23. एक्स्ट्राहेप्टिक पोर्टल वेन आब्सट्रक्शन के रोगियों में हायपर्सप्लेनिज्म का मूल्यांकन (गैस्ट्रो इंटेस्टिनल सर्जरी)।
24. बाइलरी हाइलम के मैलिग्नंट आब्सट्रक्शन से पीड़ित रोगियों के प्रबंधन में यूनिलेटरल बनाम बाइलेटरल परक्यूटेनियस ट्रांसफेटिक बाइलरी ड्रैनेज की सुरक्षा और दक्षता : यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन। (गैस्ट्रो इंटेस्टाइनल सर्जरी)
25. आईबीडी तथा आंतों में टीबी के आगे बढ़ने के दौर और गंभीरता पर आंत वसा और सीरम एडिपोसिटोकाइनेस का प्रभाव। (गैस्ट्रो इंटेरोलॉजी)
26. मधुमेह में इनवेसिव कवक राइनोसिनुसिटिस : नैदानिक, सूक्ष्मजीवविज्ञानी और रेडियोलॉजिकल प्रोफ़ाइल। (एण्डोक्राइनोलॉजी और मेटाबोलिज्म)
27. प्रथम गैर उद्दीपित दौरे वाले बच्चों में एपीलेप्टीफॉर्म असामान्यताओं का पता लगाने में शीघ्र बनाम विलंब से किए गए ईईजी की तुलना (बाल तंत्रिका विज्ञान)।
28. पेरन काइमल में न्यूरोसिस्टी सर्कोसिस के रोगियों में स्टीरॉइड के साथ 7 दिन बनाम 28 दिन एलबेंडाजोल उपचार के रेडियोलॉजिकल परिणाम की तुलना, घाव के ≤ 5: भार सहित : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (बाल तंत्रिका विज्ञान)।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 92 पुस्तकों में अध्याय : 32 पुस्तक : 3

रोगी उपचार

क्र. सं.	जांच / विशेष प्रक्रिया के नाम	जांचों की कुल संख्या
1	नियमित एक्स रे	
	• ओपीडी	1,00,874
	• आंतरिक	25,558
	• दुर्घटना	51,444
	• वहनीय	40,730

	कुल नियमित एक्स रे	**2,18,606**

2	विशेष जांच • बेरियम अध्ययन • अंतःशिरा पायेलोग्राफी • मिक्टुरेटिंग सीस्टोरेथ्रोग्राफी • हिस्टेरोसाल्पिंगोग्राफी • ऑपरेशन थियेटर अध्ययन • अन्य कंट्रास्ट अध्ययन कुल	 1788 1815 1440 782 147 1146 ------------ **7,118**
3	मैमोग्राफी	**3,554**
4	डेक्सा स्कैन	**327**
5	अल्ट्रासाउंड • नियमित • आपातकालीन • डॉप्लर कुल	 27,411 24,085 3418 ------------ **54914**
6	सीटी • शरीर • सिर कुल	 16,330 7,961 ---------- **24,291**
7	एमआरआई	**5250**
8	हस्तक्षेप प्रक्रियाएं • वस्कुलर • अल्ट्रासाउंड– निर्देशित • सीटी – निर्देशित • संवहनी • मैमोग्राफी बायोप्सी / एफएनएसी कुल	 1563 4029 661 1799 75 -------------- **8,127**
	महायोग	**3,22,187**

पुरस्कार, सम्मान तथा महत्वपूर्ण उपलब्धियां

1. आचार्य डी. एन. श्रीवास्तव को नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज (एनएएमएस), नई दिल्ली, भारत, वर्ष 2014 – 15 के लिए 'अचंत लक्ष्मीपति ओरेशन' से सम्मानित किया गया।
2. आचार्य राजू शर्मा को इण्डियन रेडियोलॉजी एण्ड इमेजिंग एसोसिएशन की दिल्ली शाखा द्वारा विशिष्ट सेवा पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
3. आचार्य संजय शर्मा को जनवरी 2015 में इण्डियन कॉलेज ऑफ रेडियोलॉजी की अध्येतावृत्ति प्रदान की गई।

4. आचार्य आशु सेठ भल्ला को इण्डियन जर्नल ऑफ रेडियोलॉजी एण्ड इमेजिंग का सह संपादक नियुक्त किया गया।
5. डॉ. मधुसूदन ''फ्लैट पैनल सीटी के विकास'' की परियोजना के लिए रेडियोलॉजी विशेषज्ञ समीक्षक सदस्य थे, बायोटेक्नोलॉजी इंडस्ट्री रिसर्च असिस्टेंस काउंसिल (भारत सरकार का उद्यम) द्वारा वित पोषित; ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया के लिए रेडियोलॉजी विशेषज्ञ सदस्य; नेशनल इनिशिएटिव एलाइड हेल्थ साइंस के लिए कार्य दल के रेडियोलॉजी विशेषज्ञ सदस्य जो रेडियोलॉजिक तथा इमेजिंग तकनीक के लिए पाठ्यचर्या तैयार करता है; 2015 में नेशनल अकादमी ऑफ मेडिकल साइंस की सदस्यता प्रदान की गई।
6. डॉ. चंदन जे. दास सदस्य, कोर समिति, इंडेक्स टीबी दिशानिर्देश की बैठक, केंद्रीय टी बी प्रभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, जिसे अतिरिक्त पल्मोनरी ट्यूबरकुलोसिस दिशानिर्देश में हाल में प्रकाशित किया गया है।
7. डॉ. शिवानंद गामनगाटी को आईआरआईए की इंदौर शाखा द्वारा डॉ. एम. एस द्विवेदी ओरेशन से सम्मानित किया गया।
8. डॉ. देवसेनाथिपथी, डॉ. राजू शर्मा, डॉ. अंकुर गोयल और डॉ. अरुण कुमार गुप्ता को 27 नवंबर से 2 दिसंबर 2015 के बीच शिकागो में 101वीं वार्षिक बैठक आरएसएनए, में 4डी ड्यूल एनर्जी सीटी इन द इवेल्यूएशन ऑफ पेराथायरॉइड एडिनोमा : द न्यू किड ऑन द ब्लॉक प्रस्तुत किया गया जिसके लिए कम लाउड पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
9. डॉ. सुरभी व्यास आईआरएल, काय चिकित्सा विभाग में ईपीटीबी के उत्कृष्टता केंद्र की सदस्य; पैनल सदस्य, राष्ट्रीय अनिवार्य दवा पुनरीक्षण समिति की राष्ट्रीय सूची की सदस्य हैं।
10. डॉ. अतिन कुमार इंडियन रेडियोलॉजी एण्ड इमेजिंग एसोसिएशन के दिल्ली अध्याय द्वारा 2016 में शैक्षिक उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किए गए; वे इंडियन रेडियोलॉजिकल एण्ड इमेजिंग एसोसिएशन द्वारा आपातकालीन और अभिघात के उप विशेषज्ञता अध्याय के अध्यक्ष चुने गए।
11. डॉ. स्मिता मनचंदा को चाचा नेहरु बाल चिकित्सालय की तकनीकी सलाहकार समिति का सदस्य नियुक्त किया गया; उन्हें स्वास्थ्य कार्यक्रम 'संजीवनी – बात सेहत की' के लिए जनवरी 2016 में 'एयर विविध भारती' के लिए रेडियोनिदान के बाह्य विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया।

9.36 रूमेटोलॉजी

आचार्य एवं अध्यक्ष
उमा कुमार
सहायक आचार्य

आरती शर्मा	(दिसंबर 2015 में कार्यभार ग्रहण किया)	हीरा लाल अलावा

विशिष्टताएं

यह विभाग अगस्त 2015 में बनाया और अधिसूचित किया गया था। इस विभाग में विश्व स्तरीय रोगी देखभाल सेवाएं प्रदान की जाती है तथा यह ऐसे संसाधनों के निर्माण में उपयोगी भी है जो रूमेटोलोजीकल रोगों के रोगियों के बहुत बड़े भार से निपटने के लिए आवश्यक है। यहां 6 बिस्तर वाले रूमेटोलॉजी दिवस देखभाल की सेवाएं 2012 में सबसे पहले भारत में एम्स के अंदर शुरू की गई जहां विभिन्न हस्तक्षेपों, इलाजों और प्रक्रियाओं के लिए रोगियों को कम समय के लिए दाखिल किया जाता है। वर्ष के दौरान 3062 रोगियों को लाभ मिला है। अर्थराइटिस के बारे में जनता के बीच जागरुकता को बढ़ाने की विभिन्न शैक्षिक गतिविधियों में समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने हिस्सा लिया तथा इन कार्यक्रमों की बहुत प्रशंसा की गई। विभाग अनुसंधान में भी अग्रणी रहा है। वर्तमान में विभाग के पास बाहरी स्रोतों से 94 लाख रुपए का अनुसंधान अनुदान प्राप्त है तथा यहां अनेक सहयोगात्मक परियोजनाएं भी चल रही हैं। विभागीय क्लिनिकल प्रतिरक्षा विज्ञान प्रयोगशाला से पूरे अस्पताल को विभिन्न प्रतिरक्षात्मक जांचों के संदर्भ में सुविधा प्रदान की जाती हैं, जिनकी संख्या बहुत अधिक है।

प्रशिक्षित रूमेटोलॉजी विशेषज्ञों की जरूरत को महसूस करते हुए विभिन्न सरकारी संगठनों के चिकित्सा विशेषज्ञों को अल्पावधि प्रशिक्षण नियमित आधार पर प्रदान किया जा रहा है। विभाग 2016 के अंत तक रूमेटोलॉजी में डीएम आरंभ करने का इच्छुक है।

विभाग में रेजीडेंट के लिए एक सक्रिय अध्यापन कार्यक्रम है। रेजीडेंट ने इण्डियन रूमेटोलॉजी एसोसिएशन द्वारा आयोजित राष्ट्रीय रूमेटोलॉजी क्विज जीती है और डॉ. उमा कुमार के अधीन किए गए अनुसंधान कार्यों को 17वें एशिया पैसिफिक लीग ऑफ एसोसिएशन फॉर रूमेटोलॉजी कांग्रेस 2015 (एपीएलएआर 2015) में सर्वोत्तम क्लिनिकल शोध पत्र का पुरस्कार प्राप्त हुआ।

शिक्षा

स्नातक पूर्व व्याख्यान और बेडसाइड अध्यापन

1. संयोजक ऊतक रोगों के लिए इम्यूनोसप्रेसिव चिकित्सा।
2. ओवरलैप सिंड्रोम, एमसीटीडी, एसएलई, सजोग्रेन सिंड्रोम, प्रणालीगत काठिन्य।
3. ल्यूपस नेफ्राइटिस (संगोष्ठी)।
4. क्लिनिकल इम्यूनोलॉजी का दायरा, ऑटोइम्यूनिटी और ऑटोइम्यूनिटी बीमारियों में मौजूद अवधारणा

5. प्रणालीगत नेक्रोटाइज़िंग वेसकुलिटिस

चौथे, छठे एवं आठवें सेमिस्टर के लिए बेड साइड अध्यापन नियमित रूप से पूरी की गई थी।

स्नातकोत्तर : सेमिनार, बेडसाइड अध्यापन, मृत्यु समीक्षाएं, पत्रिका स्कैन और पत्रिका क्लब, हर हफ्ते मामला चर्चा।

लघु अवधि प्रशिक्षण
1. डॉ. बी. के सिंह, ईएसआई अस्पताल से विशेषज्ञ, बसईदारापुर, दिल्ली – 3 माह
2. डॉ. विनोद 6 माह से

टेलीमेडिसिन व्याख्यान आईजीएमएस शिमला के लिए

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्याशालाएं / संगोष्ठियां / राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

1. दिल्ली रूमेटोलॉजी एसोसिएशन मासिक नैदानिक बैठक, 25 जुलाई 2015, दिल्ली।
2. अर्थराइटिस पर सार्वजनिक जागरुकता कार्यक्रम, 12 अक्तूबर 2015, दिल्ली।
3. एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इण्डिया के वार्षिक सम्मेलन में ऑटोएंटीबॉडी कार्यशाला (एपिकॉन 2016), 28 जनवरी 2016, हैदराबाद।

प्रदत्त व्याख्यान
उमा कुमार : 19

मौखिक पत्र / पोस्टर की प्रस्तुति : 1 (*सर्वक्षेष्ठ नैदानिक शोध पुरस्कार प्राप्त किया)

अनुसंधान
वित्तपोषित परियोजनाएं
जारी

1. स्वास्थ्य (रोग प्रतिरक्षण) और रोग की स्थिति (रूमेटोइड अर्थराइटिस) पर जलवायु, वायु प्रदूषण, और सामाजिक–आर्थिक कारकों के प्रभाव का अध्ययन करना। उमा कुमार, 28 जनवरी 2013 से 30 जून 2016, डीएसटी, 55,80,330.00 रुपए।
2. रूमेटोइड अर्थराइटिस के इलाज के लिए लक्षित नैनोमेडिसिन का विकास, उमा कुमार, 27 अगस्त 2014 से 27 जुलाई 2017, डीबीटी, 42,79,404.00 रुपए।
3. सक्रिय सोरियोटिक अर्थराइटिस (फ्युचर 5) के रोगियों में दो वर्ष तक दक्षता (संरचनात्मक क्षति के संदमन सहित), सुरक्षा तथा सहनशीलता दिखाने के लिए पहले से भरे हुए सिरिंज में सबक्युटेनियस सेकुकिनुमैप (150 मि. ग्रा. और 300 मि. ग्रा.) का एक चरण 3, यादृच्छिक, डबल ब्लाइंड, प्लासेबो नियंत्रित बहु केंद्रित अध्ययन, उमा कुमार, 6 जुलाई 2016 से अप्रैल 2018, नोवर्टिस इण्डिया प्रा. लि. 19,44,000,00।
4. मीनोपोजल के बाद ओस्टियोपोरोसिस से प्रभावित महिलाओं में संदर्भ सूचीबद्ध दवा प्रोलिया® (डेनोसुमैब, 60 मि. ग्रा. एकल उपयोग वाली वायल) की तुलना में इंस्टास डेनोसुमैब (60 मि. ग्रा. एकल उपयोग वाली

वायल) की क्लिनिकल दक्षता, निरापदता और फार्मेकोकाइनेटिक्स का मूल्यांकन करने के लिए एक बहु केंद्रिक, यादृच्छिक, आकलन कर्ता ब्लाइंड, समानांतर, फेस 3 अध्ययन।' उमा कुमार, 5 अगस्त 2015 से 31 मार्च 2017, लेम्बडा थेरापियूटिक्स इण्डिया प्रा. लि., 2,58,420.00 रुपए।

5. 'कायिक स्क्लेरोसिस से जुड़े इंटर स्टीशियल फेफड़ा रोग' (एसएससी – आईएलडी) के रोगियों में कम से कम 52 सप्ताह के लिए मुंह के रास्ते निनटेडेनिब इलाज की दक्षता और निरापदता के मूल्यांकन के लिए एक दोहरी ब्लाइंड, यादृच्छिक, प्लासेबो नियंत्रित परीक्षण, उमा कुमार, 16 फरवरी 2016 से 30 अप्रैल 2017, बोइहरिंगर – इंगलहेम इण्डिया प्रा. लि., 12,38,000.00 रुपए।
6. जटिल रोगों की जीव विज्ञान प्रणाली : आनुवंशिक निष्कर्षों से रुमेटी गठिया के लिए अणु विकास का नेतृत्व करना। जीनोम साइंसेज़ एण्ड प्रीडिक्टिव मेडिसिन (जीईएसपीआरईएम) फेज़–II पर उत्कृष्टता केंद्र , उमा कुमार, 20 दिसंबर 2015 – 19 दिसंबर 2020, डीबीटी, 59,60,000.00 रुपए।

पूर्ण

1. ब्रिस्टोल मेयर्स स्क्विब आईएम 101174 अध्ययन – एक फेस 3बी बहु केंद्रिक, यादृच्छिक डबल डमी अध्ययन में सबक्युटेनियस मार्ग और इंट्रावेनस तरीके से रियूमेटाइड अर्थराइटिस के रोगियों में एबेटेसेप्ट की दक्षता और निरापदता की तुलना करना जिन्हें पृष्ठ भूमि में मेथोट्रेक्सेट दिया जाता है और मेथोट्रेक्सेट की अपर्याप्त प्रक्रिया का अध्ययन करना, उमा कुमार, 8/नवंबर /2008 – 30 / जुलाई 2015, 6 वर्ष 8 माह, ब्रिस्टोल मेयर्स स्क्विब इण्डिया प्रा. लि., 9,76,549.00 रुपए।
2. इफेक्टर और रेगुलेटरी टी कोशिकाओं के प्रतिनिधित्व, ट्रेफिकिंग और कार्यात्मक अंतः क्रियाएं : रियूमेटाइड अर्थराइटिस में स्थानीय प्रतिरक्षी प्रतिक्रिया पर प्रभाव, उमा कुमार, 3 मार्च 2012 – 5 अप्रैल 2015, 3 वर्ष, डीएसटी, 12,000,00.00 रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. सक्रिय ल्यूपस नेफ्रैटिस की भविष्यवाणी के लिए मूत्र बायोमार्कर (एमसीपी–आई और सेरुलोप्लाज्मिन) की उपयोगिता।
2. सिस्टेमिक ल्यूपस अर्थमेटोसस फ्लेयर में विटामिन डी की कमी के संबंध का अध्ययन।
3. रियूमेटोइड अर्थराइटिस में विकलांगता और परिवार पर बोझ।

पूर्ण

1. सीटीडी के रोगियों में आईएलडी की रोग गतिविधि के आकलन में पीईटी और सीटी उच्च विभेदन चेस्ट की उपयोगिता।
2. ल्यूपस नेफ्रैटिस में उपचार की प्रतिक्रिया के प्रीडिक्टर्स।
3. ल्यूपस नेफ्रैटिस में परिणाम के साथ क्लिकोपैथोलॉजिकल का सहसंबंध – एक पूर्वव्यापी कोहोर्ट अध्ययन।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. सहगामी मध्यम से गंभीर चिरकालिक प्लाक सोरियासिस के सोरियाटिक अर्थराइटिस वाले रोगियों में एडेलिमुमैब बायोसिमिलर (एग्जमशिया; जेडआरसी – 3197) की दक्षता और निरापदता के आकलन के लिए एक अन्वेषक द्वारा आरंभ परीक्षण : खुले लेबल वाला भविष्य लक्षी प्रायोगिक प्रकरण श्रृंखला, त्वचा रोग विज्ञान और रतिज रोग विज्ञान विभाग/एम्स।
2. घुटने के जोड़ में एलयू – 177 के साथ पारंपरिक इलाज विधियों के साथ शोथकारी जोड़ की स्थिति में रिफ्रैक्टरी के साथ रेडियो साइनोवेक्टोमी की प्रतिक्रिया का मूल्यांकन, नाभिकीय चिकित्सा विभाग / एम्स।
3. रियूमेटोइड अर्थराइटिस के जीव विज्ञान को समझना : कुछ/नए आनुवंशिक निर्धारकों की कार्यात्मक विशेषताएं दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय।
4. ''रियूमेटोइड अर्थराइटिस में अनुवांशिकी प्रोफाइल पर योग और ध्यान का प्रभाव'' शरीर रचना विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान।
5. रिटुक्सिमा फार्माकोलॉजी, की फोकस्ड फार्माकोविजलेंस, फार्माकोलॉजी एम्स।
6. आर्थराइटिस के साथ या बिना सूजन आंत्र रोग (आईबीडी) रोगियों में आंत माइक्रोबायोम में अंतर पर अध्ययन, एमिटी विश्वविद्यालय।

पूर्ण

1. फिब्रोमयाल्जिया रोगियों में दर्द मॉड्युलेशन स्थिति पर ट्रांसक्रेनियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन का प्रभाव, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग, एम्स।
2. भारतीय आबादी में अर्थराइटिस रोगियों में टीएच (टी–हेल्पर)–17 कोशिकाओं की भूमिका का अध्ययन करना, शरीर रचना विज्ञान विभाग, एम्स।
3. इफेक्टर और विनियामक टी कोशिकाओं का प्रतिनिधित्व, ट्रेफिकिंग और कार्यात्मक लाक्षणीकरण : रियूमेटाइड अर्थराइटिस में स्थानीय प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया का प्रभाव, मानव प्रतिरोपण प्रतिरक्षा विज्ञान, एम्स।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 2 पुस्तकों में अध्याय : 2

रोगी उपचार :
विभाग मरीजों की बड़ी संख्या को सेवा प्रदान करता है। पिछले एक साल में लगभग 30.0000 रोगियों का बाह्य रोगी विभाग में उपचार किया गया।

क. विभाग में सुविधाएं
1. रूमेटोलॉजी क्लिनिक : बृहस्पति वार दोपहर 2 बजे से जारी : पिछले वर्ष में 5266 रोगी देखे गए।
2. रूमेटोलॉजी दिवस उपचार : सोमवार से शुक्रवार – प्रातः 8 बजे से सायं 4 बजे तक, शनिवार प्रातः 8 बजे से दोपहर 1 बजे तक।

पल्स / जैविक	इंट्राआर्टिकुलर इंजेक्शन	इंट्रामस्क्युलर इंजेक्शन	सबक्युटेनियस इंजेक्शन	बायोप्सीस	कठिन मामलों	अल्ट्रासाउंड	कुल

चिकित्सा					पर चर्चा		
1409	786	167	104	38	435	124	3063

3. नैदानिक इम्यूनोलॉजी प्रयोगशाला

आरएफ	एएनए	एएनसीए	एसीएल	एंटी डीएस – डीएनए	सी3	इम्यूनोग्लोबुलिंस	क्रायोग्लोबुलिनेमिया	एंटी – एलकेएम	एएसएमए	कुल
6977	9272	3134	3081	2889	828	1106	142	1100	1080	29608
प्रयोगशाला जुलाई से सितंबर के लिए निष्क्रिय थी। जुलाई में बड़ी आग दुर्घटना के कारण ऐसा हुआ, यह अभी भी केवल आंशिक रूप से कार्य कर रहा है क्योंकि उपकरणों की अनुपलब्धता है।										

ख. सामुदायिक सेवा

1. लेह में 20 से 25 सितंबर 2015 और प्रतापगढ़, उ. प्र., में नवंबर 2015 से रूमेटोलॉजिकल विकारों के साथ रोगियों के लिए चिकित्सा शिविर आयोजित किया।
2. एम्स में अर्थराइटिस पर जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन।
3. रूमेटोलॉजिकल विकारों के बारे में जागरुकता बढ़ाने के लिए प्रिंट मीडिया में लेखन।
4. अर्थराइटिस पर टीवी और रेडियो कार्यक्रम में भागीदारी।
5. लोगों की जागरुकता के लिए अर्थराइटिस में भ्रांतियों और तथ्यों पर पुस्तकों का लेखन।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां

प्रोफेसर उमा कुमार ने आईएमए कानपुर से आर के जलोटा मेमोरियल ओरेशन प्राप्त किया; इंटरनेशनल जर्नल रूमेटिक डिजीज के संपादकीय बोर्ड के निर्वाचित सदस्य; सीडीएससीओ के लिए डीसीजीआई द्वारा रूमेटोलॉजी में विषय विशेषज्ञ निर्वाचित; विभिन्न विश्वविद्यालयों में रूमेटोलॉजी डीएम पाठ्यक्रम के कार्य की समीक्षा करने के लिए विषय के रूप में एमसीआई द्वारा नामांकित; दिल्ली रूमेटोलॉजी एसोसिएशन के निर्वाचित अध्यक्ष।

अतिथि वैज्ञानिक

1. डॉ. जसविंदर सिंह : स्टाफ रूमेटोलॉजिस्ट, बरमिंघम वी ए मेडिकल सेंटर, मेडिसिन एण्ड एपिडेमियोलॉजी के सह–आचार्य, यूनिवर्सिटी ऑफ अलाबामा बरमिंघम, यूएसए।
2. डॉ. दिनेश खन्ना : कायचिकित्सा के आचार्य, निदेशक यूनिवर्सिटी ऑफ मिशिगन स्क्लरोडर्मा कार्यक्रम। रूमेटोलॉजी प्रभाग / कायचिकित्सा विभाग, सूट 7सी27, 300 नोर्थ इंगाल्स स्ट्रीट, एसपीसी 5422, एन्न अर्बोर, एमआई 48109 यूएसए।

9.37 प्रजनन जैव विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष
आनंद कुमार

आचार्य
आशुतोष हल्दर

अपर आचार्य
प्रदीप कुमार चतुर्वेदी

सहायक आचार्य
सुरभि गुप्ता
मोना शर्मा

विशिष्टताएं

विभाग मुख्य रूप से शिक्षण, प्रशिक्षण, अनुसंधान और प्रकाशन से संबंधित कार्य के अलावा नैदानिक सेवाओं और भारत के विभिन्न भागों से मार्गदर्शन/सलाह देने/परामर्श रेफरल मामलों में शामिल है। सीआरआईए सुविधा द्वारा कैंसर मार्कर, थायरॉइड प्रोफाइल और प्रजनन हार्मोन सहित 16 मापदंडों के लिए परीक्षण प्रदान किए जाते हैं। तीस नए परीक्षण शुरू करने की अनुमति प्राप्त की गई है और इनमें से अधिकांश परीक्षण निशुल्क और इनमें से छः परीक्षण नाममात्र शुल्क के साथ जल्द ही मरीजों की देखभाल के लिए उपलब्ध हो जाएंगे। प्रजनन जैव विज्ञान और नैदानिक भ्रूण विज्ञान में एम. एससी पाठ्यक्रम की शुरूआत के लिए अनुमोदन प्राप्त किया गया है। एम. एससी. पाठ्यक्रम अगस्त 2016 में आरंभ होगा। विभाग द्वारा हमारे अपने पीएच. डी. छात्रों और विभिन्न प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण एवं शिक्षण प्रदान किया गया। विभाग द्वारा विभिन्न फ्लोरोसेंट सीटू संकरण (एफ आई एस एच) और पोलीमरेज़ चेन रिएक्शन (पीसीआर) से संबंधित सेवाओं के रूप में प्रजनन परामर्श, बाल रोग विज्ञान, हृदय रोग विज्ञान या नैदानिक रुधिरविज्ञान से सीधे या अनुरोध पर और साथ ही दिल्ली के बाहर से आने वाले रेफरल मामलों में अनुरोध पर परामर्श/राय प्रदान किए जाते हैं। अधिकांशतः नैदानिक परामर्श सेल्फ रेफरल वेब खोज (प्रजनन संबंधी विकार, कुरूपता, कैंसर, आदि के मामले) के बाद किया गया था। विभाग के संकाय सदस्यों को विभिन्न शैक्षणिक योगदान (एनआईआई आचार समिति, एनएबीएल विशेषज्ञ समिति की बैठक, कृषि विशेषज्ञ बैठक मंत्रालय आईसीएमआर एपी चयन समिति, डी.एम. पाठ्यक्रमों के लिए एम. सी.आई. मूल्यांकन आदि) के लिए कई राष्ट्रीय शिक्षाविदों द्वारा आमंत्रित किया गया था।

शिक्षा

पीएचडी व प्रशिक्षु छात्र : छह पीएचडी छात्र; साप्ताहिक सेमिनार/पत्रिका क्लब; सप्ताह में दो बार प्रयोगशाला डेटा प्रस्तुति; प्रजनन जीव विज्ञान और नैदानिक भ्रूणविज्ञान में एमएससी पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए अनुमोदन प्राप्त किया गया है।एम.एससी पाठ्यक्रम अगस्त 2016 से शुरू किया जाएगा।

एम डी
स्नातकोत्तर–एम डी प्रयोगशाला चिकित्सा छात्र, एम डी जैव रसायन विज्ञान छात्र।
क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

प्रदत्त व्याख्यान

आनंद कुमार : 1 आशुतोष हल्दर : 7 सुरभि गुप्ता : 1
मोना शर्मा : 1

मौखिक पत्र / पोस्टर की प्रस्तुति : 11

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. एफ आई एस एच नेगेटिव नैदानिक रूप से संदेहास्पद 22 क्यू 11.2 माइक्रोडिलिशन संलक्षणों में एरे तुलनात्मक जीनोमिक हाइब्रिडाइजेशन (ए सी जी एच) द्वारा उप–माइक्रोस्कोपिक क्रोमोसोमल इम्बेलेंस तथा यूनिपेरेंटलडिसॉमी हेतु एक जांच। हल्दर ए, आई. सी. एम. आर., 4 वर्ष, सितंबर 2011 से सितंबर 2015, 40 लाख रुपए।
2. 22क्यू11.2 डिलिशन सिंड्रोम में फिनोटाइपिक विजातीयता/ परिवर्तनशीलता के तंत्र का पता लगाने के लिए एक जांच। हल्दर ए, आई सी एम आर, 2 वर्ष, जनवरी 2015, 41 लाख रुपए।
3. एच सी जी किट्स हेतु गुणवत्ता नियंत्रण। पी. के. चतुर्वेदी, एच एल एल लाइफकेयर लिमिटेड, स्वास्थ्य मंत्रालय, वार्षिक 7.–80 लाख रुपए।
4. वृषण रोगाणु सेल ट्यूमर के लिए बायोमार्कर के रूप में माइक्रोआरएनए परिसंचारी : एक पायलट अध्ययन, सुरभि गुप्ता, एम्स इंट्रामुरल अनुदान। 2 वर्ष, 2015 – 17, 8.0 लाख रुपए।
5. समयपूर्व ओवेरियन विफलता के रोगजनन में उच्च संकल्प सेक्स क्रोमोजोम जीनोम विश्लेषण, मोना शर्मा, एम्स इंट्रामुरल अनुदान, 2 वर्ष, 2015–17, पहले साल के लिए 5.0 लाख रुपए।

पूर्ण

1. टेस्टीकुलर जर्म सेल प्रतिबंध (परिपक्वता प्रतिबंध) : फीनोटाइप – जीनोटाइप सह–संबंध की जांच। हल्दर ए, अ. भा. आ. सं., 3+ वर्ष, जनवरी 2012 से मार्च 2015, 14.5 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. लेडिग सेल में वी ई जी एफ प्रजनन के विनियमन में 3, 5, 3′ – एल ट्राईआयोडोथायरोनिन (टी3) की भूमिका।
2. टेस्टीकुलर जर्म कोशिका पर रोक (परिपक्वता पर रोक) : फिनोटाइप – जिनोटाइप के सह संबंध की एक जांच।
3. मैक्रोप्रोलेकटिनेमिया की इटियोपैथोलॉजी।
4. पॉलीसिस्टिक ओवरियन सिंड्रोम की इटियोलॉजी और बायो मार्कर।
5. समयपूर्व डिम्बग्रंथि विफलता के आनुवंशिक निर्धारक।
6. लेडिग सेल कार्यों के नियामक के रूप में तापमान।
7. लेडिग सेल कार्य पर टीएसएच की भूमिका।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. एच आई एफ संक्रमित व्यक्ति में सक्रिय तपेदिक और निमोनिया के विकास पर विटामिन डी पूरकता के प्रभाव को निर्धारित करने के लिए एक संभावित, डबल–ब्लाइंड, यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, काय चिकित्सा विभाग, एम्स।
2. पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम के क्लिनिकल, चयापचय और हार्मोनल पैरामीटरों पर मैटफॉर्मिन के साथ मायोइनोसिटॉल की दक्षता के आकलन हेतु यादृच्छिक क्लिनिकल परीक्षण, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान विभाग, एम्स।
3. मध्यम से गंभीर रुकावटपूर्ण नींद एपनिया के रोगियों में तंत्रिका बोधात्मक क्षति पर निरंतर धनात्मक वायुमार्ग दबाव उपचार के प्रभाव, कायचिकित्सा विभाग, एम्स।
4. गंभीर ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया सिंड्रोम के लिए मध्यम में एंडोथिलियल कार्य, कायचिकित्सा विभाग, एम्स।
5. मध्यम से गंभीर रुकावटपूर्ण नींद एपनिया के रोगियों में तंत्रिका बोधात्मक क्षति पर निरंतर धनात्मक वायुमार्ग दबाव उपचार के प्रभाव। काय चिकित्सा विभाग, एम्स।
6. 3 साल से कम उम्र के भारतीय बच्चों में सीरम अल्फा भ्रूण प्रोटीन के संदर्भ रेंज, बाल शल्य चिकित्सा विभाग, एम्स।
7. टेस्टीकुलर कार्य, यौन कार्य और जीवन की गुणवत्ता पर लेपेरोस्कोपिक पूर्णता से अतिरिक्त पेरिटोनियल (टी ई पी) तथा ट्रांसएब्डोमिनल प्रीपेरिटोनियल (टी ए पी पी) इनग्विनल हर्निया सुधार के बाद भविष्यलक्षी यादृच्छिक तुलना। शल्य चिकित्सा विभाग, एम्स।
8. सेरेब्रल पाल्सी वाले बच्चों में अस्थि खनिज घनत्व पर, संरचित वजन असर कार्यक्रम का प्रभाव, बाल रोग विभाग, एम्स।
9. एकाधिक मायलोमा में अस्थि मज्जा माइक्रोएनवार्यनमेंट की भूमिका, चिकित्सा अर्बुद विज्ञान, आईआरसीएच, एम्स।
10. प्रोटीन प्रोफाइलिंग द्वारा इंडोमेट्रोसिस के विकृति शरीर क्रिया विज्ञान को समझना तथा तनाव के साथ इसका सह संबंध। शरीर क्रिया विज्ञान, एम्स।
11. अस्पष्टीकृत मृत प्रसव का आणविक आनुवंशिक मूल्यांकन। जेनेटिक्स यूनिट, बाल रोग विभाग, एम्स।

12. प्रारंभिक अपरिपक्व टी–कोशिका तीव्र लिम्फोब्लासटिक ल्यूकेमिया की आण्विक जीव विज्ञान, प्रयोगशाला अर्बुद विज्ञान, आईआरसीएच, एम्स।
13. पारंपरिक नैदानिक विकृति विज्ञान पैरामीटरों वाले गैस्ट्रिक एडेनोकार्सिनोमा और सह– संबंध में सी एम ई टीजीन अभिव्यक्ति का मूल्यांकन – एक वर्णनात्मक अध्ययन। विकृति विज्ञान, यूसीएमएस/जीटीबी, दिल्ली विश्व विद्यालय।
14. ग्रीवा अंतःउपकला रसौली के हिस्टोलॉजिक ग्रेड के एक मार्कर के रूप में ग्रीवा कोशिका विज्ञान नमूनों में एचटीईआरसी प्रवर्धन का मूल्यांकन। विकृति विज्ञान, यूसीएमएस/जीटीबी, दिल्ली विश्वविद्यालय।
15. मानव स्वास्थ्य में गैर – आयोनाइजिंग विद्युत चुम्बकीय क्षेत्र का प्रभाव। जैव रसायन विज्ञान विभाग, एम्स।
16. सामान्य और गैर–गतिशील शुक्राणु संभव मामलों और मार्करों में शुक्राणु प्रोटियोमिक्स अंतर प्रोटीन अभिव्यक्ति, जीव भौतिकी विभाग, एम्स।
17. विपरीत प्रेरित अपवृक्कता के निदान में लिपोकैलिन संबद्ध यूरिनरी न्यूट्रोफिल गेलटिनस की भूमिका। वृक्क विज्ञान विभाग, एम्स।
18. निचले भाग सीजेरियन सेक्शन रोगियों में सीरम प्रोजेस्टेरोन और पोस्टोपरेटिव एनाल्जेसिक आवश्यकता के साथ प्रोलैक्टिन स्तर और पूर्व शल्य चिकित्सा दर्द भावी प्रश्नावली के बीच सहसंबंध। संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, एम्स।
19. तंत्रिकाजन्य मूत्राशय के साथ रोगियों में गुर्दे की क्षति का अनुमान लगाने में प्लाज्मा रेनिन गतिविधि की भूमिका तथा गुर्दे की क्षति, के मौजूदा मानकों के साथ इसके सह–संबंध बाल शल्य चिकित्सा विभाग, एम्स।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 5 सार : 1 पुस्तकों में अध्याय : 1

<u>रोगी उपचार</u>

पुरुष प्राथमिक हाइपोगोनेडिज्म, आवर्तक गर्भपात, आवर्तक आई वी एफ विफलता, आनुवंशिकी विकारों और मैलफॉर्मेशन सिंड्रोम में विशेष रूप से परामर्श / प्रबंधन की योजना / सलाह और प्रजनन आनुवंशिकी से संबंधित के लिए मुख्य रूप से दिल्ली के अन्य अस्पतालों या स्वयं रेफरल से डॉ. हल्दर के लिए लगभग 100 से अधिक मामले भेजे गए थे।

प्रयोगशाला सेवा

एसटीआर/माइक्रोसेटेलाइट मार्कर का उपयोग करके मानकीकृत अतिरिक्त आणविक साइटोजेनेटिक तकनीक (सीटू संकरण सेवाओं में चल रहे फ्लोरोसेंट के अलावा) और रोगी देखभाल के लिए उपयोग किया जाता है।

<u>सीआरआईए सुविधा</u> : सुविधा में अंतरंग रोगियों तथा बाह्य रोगियों के रक्त नमूनों में एलएच, एफएसएच, प्रोलेक्टिन, टी3, टी4, टीएसएच, टेस्टोस्टेरोन, एस्ट्राडियोल, प्रोजेस्टेरोन, अल्फा फीटो प्रोटीन, प्रोस्टेट स्पेसिफिक एंटीजन (पीएसए), बीटा एचसीजी, सीए–125 तथा कोर्टिसोल और विटामिन डी के लिए नियमित जांचें की गई।

शुरूआती नए परीक्षण (एंटी टी पी ओ, एंटी टी जी, फ्री टी3, फ्री टी4, बी एन पी, ट्रोपोनिन आई, सी के एम बी, होमोसाइस्टाइन, एस एच बी जी, सी ई ए, सी ए 19.9, सी ए 15.3, फ्री पी एस ए, प्रो ग्रेप, एच ई 4, एक्टिव बी 12, फेरिटिन, फोलैट, इंसुलिन, पी टी एच, सी – पेप्टाइड, एच बी ए 1 सी और एंटी सी सी पी, डी एच टी, 17 हाइड्रोक्सप्रोजेस्टेरोन, ए सी टी एच, जी एच, इनहिबिन बी और एएमएच) मुफ्त रूप से कराने के लिए अनुमति दी गई है और जल्द ही रोगी उपचार के लिए उपलब्ध हो जाएगी।

जांच का नाम	किए गए परीक्षण की संख्या	जांच का नाम	किए गए परीक्षण की संख्या
एफ एस एच	5630	एल एच	5045
प्रोलेक्टिन	4676	डी एच ई ए – एस	315
टी3	14609	टी4	17509
टी एस एच	32414	टेस्टोस्टेरॉन	1703
एस्ट्राडियोल	950	प्रोजेस्टेरॉन	264
ए एफ पी	5568	पी एस ए	3014
बीटा एच सी जी	1679	सीए – 125	2485
कोर्टिसॉल	608	विटामिन डी	14947
फोलेट	1263	एक्टिव विटामिन बी12	2034
सी–पेप्टाइड	17	सीए19.9	542
सीईए	745	फेरिटिन	1243
एंटी सीसीपी	411	पीटीएच	960
एंटी – टीपीओ	243	होमोसिस्टीन	104
इंसुलिन	167	सीए 15.3	24
एसएचबीजी	18	टीजी	123
बीएनपी	71	फ्री टी 3	6
फ्री टी 4	6	फ्री पीएसए	4
ट्रोपिओनिन आई	15	सीकेएमबी	8
सायक्लोस्पोरिन	17	जीएच	28
डीएचटी	3	17 ओएच प्रोजेस्टेरोन	69
इनहिबिन बी	104	एएमएच	253
एचई 4	4		
कुल	**119898**		

निष्पादित की गई जांचों की संख्या पिछले वर्ष 91321 से बढ़कर इस वर्ष 119898 हो गई है।

एंड्रोलाजी प्रयोगशाला : पूरे किए गए सीमन विश्लेषण : 101, पूरे किए गए फ्रूक्टोज़ विश्लेषण : 101

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण उपलब्धियां

आचार्य आनंद कुमार : इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च, सेलुलर फिजियोलॉजी एंड बायोकेमिस्ट्री, मॉलिकुलर बायोलॉजी रिपोट्र्स, जर्नल ऑफ एनिमल साइंस एंड टेक्नोलॉजी के समीक्षक थे; पी.एचडी के लिए राजीव गांधी जैव प्रौद्योगिकी केंद्र, तिरुवनन्तपुरम के परीक्षक थे।

आचार्य आशुतोष हल्दर : निम्नलिखित अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं के समीक्षक थे; ओपन जर्नल ऑफ क्लिनिकल डायग्नोस्टिक्स ऑफ साइंटिफिक रिसर्च (200 से अधिक ओपन एक्सेस जर्नल प्रकाशित); जर्नल क्लीनिकल केस रिपोर्ट एंड रिव्यू (सीसीआरआर); जेबीआर जर्नल ऑफ क्लिनिकल डायग्नोसिस एंड रिसर्च; एशियन जर्नल ऑफ मेडिकल साइंसेज (2012 तक); ऑस्टिन जर्नल ऑफ रिप्रोडक्टिव मेडिसिन एंड इंफर्टिलिटी; बायो इंफो पब्लिकेशंस जर्नल (70 से अधिक ओपन एक्सेस और 70 से अधिक सदस्यता आधारित सहकर्मी की समीक्षा की पत्रिकाएं प्रकाशित); ग्लोबल जर्नल ऑफ ह्यूमन जेनेटिक्स एंड जीन थेरैपी; क्लीनिकल रिसर्च एंड डेवलपमेंट : ओपन एक्सेस; एशियन जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल एण्ड क्लिनिकल रिसर्च; निम्नलिखित राष्ट्रीय पत्रिकाओं के समीक्षक थे, जर्नल ऑफ द एसोसिएशन ऑफ फिजिशियंस ऑफ इंडिया (जेनेटिक्स सेक्शन); नैदानिक अनुसंधान और विकास; इनोवेर जर्नल ऑफ मेडिकल साइंस; भारतीय चिकित्सा परिषद (कार्य दल के सदस्य, बोर्ड ऑफ स्पेशिएलिटी ऑफ मेडिकल जेनेटिक्स; राष्ट्रीय प्रत्यायन परीक्षण एवं अंशांकन प्रयोगशाला बोर्ड (एनएबीएल); (प्रत्यायन समिति; आनुवंशिकी और कोशिकाजनन प्रकरण विशेषज्ञ); नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्यूनोलॉजी (स्टेम कोशिका अनुसंधान और उपचार संस्थागत समिति); कृषि मंत्रालय (एंडोक्राइन डिसरप्टर्स एंड पेस्टीसाइट्स कमिटी); आईसीएमआर जेनेटिक रिसर्च सेंटर, मुंबई (वैज्ञानिक सलाहकार समिति); संवर्धन आकलन बोर्ड के आईसीएमआर वैज्ञानिक, आईसीएमआर;डीएम परीक्षा के परीक्षक, मेडिकल जेनेटिक्स (एसजीपीजीआईएमएस); पीएचडी के परीक्षक (विभिन्न विश्वविद्यालय)

डॉ. पी. के. चतुर्वेदी : जर्नल ऑफ एंड्रोलॉजिया, के पत्रिका समीक्षक (पाण्डुलिपि/वैज्ञानिक शोध पत्र)। आईसीएमआर और डीबीटी के लिए परियोजना समीक्षक के संस्थान/सरकारी समिति के सदस्य, एनआईएचएफडब्ल्यू के क्रय समिति के सदस्य। पीएचडी के लिए परीक्षक।

9.38 शल्य चिकित्सा

निदेशक
एम. सी. मिश्र

आचार्य एवं अध्यक्ष
अनुराग श्रीवास्तव

आचार्य

सुनील चुम्बर	राजेंद्र प्रसाद	वी. सीनू
संदीप अग्रवाल		वीरेन्द्र कुमार बंसल

अपर आचार्य

अनीता धर		सुबोध कुमार (ट्रॉमा केन्द्र)
अमित गुप्ता (ट्रॉमा केन्द्र)	मनीष सिंघल (ट्रॉमा केन्द्र)	सुषमा सागर (ट्रॉमा केन्द्र)
	बिप्लब मिश्रा (ट्रॉमा केन्द्र)	

सहायक आचार्य

हिमांग के. भट्टाचार्जी	असुरी कृष्णा	पीयूष रंजन
मंजुनाथ मारुति पॉल		मोहित जोशी
यशवंत राठौर	कमल	सुहानी
	ओम प्रकाश (संविदा पर)	

विशिष्टताएं

हमारा विभाग न्यूनतम भेदक, वक्ष, गुर्दे प्रत्यारोपण, स्तन और जठरांत्र और बैरिएट्रिक सर्जरी में शामिल है। हम स्तन कैंसर और गुर्दे प्रत्यारोपण क्लीनिक चला रहे हैं। शल्य चिकित्सा विभाग में 3–6 मार्च, 2016 के बीच 10वां एम्स शल्य चिकित्सा सप्ताह और 27–28 फरवरी 2016 तक शल्य चिकित्सा में क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा का आयोजन किया गया। एम्स के स्तन पाठ्यक्रम का आयोजन 16 मार्च 2016 को किया गया। हमने 5 अप्रैल 2015 को वक्ष शल्य चिकित्सा संगोष्ठी का भी आयोजन किया। इसके अलावा, हम मूलभूत और उन्नत लेप्रोस्कोपिक प्रशिक्षण के लिए न्यूनतम भेदक प्रशिक्षण कार्यक्रम चला रहे हैं।

शिक्षा

(क) प्रत्येक बुधवार को सायं 5.00 से 6.00 बजे तक संगोष्ठी।
(ख) प्रत्येक सोमवार को शाम 5.00 से 6.00 बजे तक सीनियर रेजीडेंट द्वारा मामले का प्रस्तुतीकरण।
(ग) सप्ताह में एक बार प्रत्येक इकाई में जूनियर रेजीडेंट द्वारा पत्रिका क्लब प्रस्तुत किया गया।
(घ) सप्ताह में एक बार प्रत्येक इकाई में जूनियर रेजीडेंट द्वारा मृत्यु दर और गतिशीलता दौर।
(ड.) एमबीबीएस छात्रों के लिए ओपीडी/वार्ड में व्याख्यान, अध्यापन अनुसूची।
(च) एमबीबीएस छात्रों के लिए समय–समय पर आयोजित आंतरिक व्याख्यान।
(छ) नर्सिंग छात्रों के लिए व्याख्यान।

विभाग के न्यूनतम भेदक शल्य चिकित्सा प्रशिक्षण केंद्र में निम्नलिखित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किए गए:

1. मूल और उन्नत लेप्रोस्कोपिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम : 13
2. लेप्रोस्कोपिक हर्निया सर्जरी : 9

3. लेप्रोस्कोपिक कोलोरेक्टल सर्जरी : 2
4. लेप्रोस्कोपिक सिलाई : 2

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

1. दसवां अ. भा. आ. सं. शल्य चिकित्सा सप्ताह, इंटरनेशनल मिनीमल एसेस सर्जरी सम्मेलन सीएमई–कम लाइव कार्यशाला, एंडोसजर्ग – 2016, 3 – 6 मार्च, 2016, एम्स, नई दिल्ली।
2. महिला दिवस का उत्सव, 9 मार्च 2016, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली।
3. सर्जरी पर सी एम ई, 2016, 27 – 28 फरवरी 2016, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली।
4. अ. भा. आ. सं. स्तन पाठ्यक्रम, 16 मार्च 2016, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली
5. दिल्ली स्टेट चेप्टर ऑफ एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स ऑफ इंडिया की मासिक बैठक, 20 फरवरी 2016, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली।

प्रदत्त व्याख्यान

अनुराग श्रीवास्तव : 9
राजेंद्र प्रसाद : 4
संदीप अग्रवाल : 14
वीरेन्द्र कुमार बंसल : 9
अनिता धर : 2
हिमांग के. भट्टाचार्जी : 1
पीयूष रंजन : 1
मंजुनाथ मारुति पॉल : 2
मोहित जोशी : 3
असुरी कृष्णा : 1
यशवंत राठौर : 2
कमल : 1
सुहानी : 2

मौखिक पत्र/पोस्टर की प्रस्तुति : 20

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. क्रोनिक क्रिटिकल लिम्ब इस्केमिया वाले रोगियों में विच्छेदन की रोकथाम में ऑटोलॉगस स्टेम कोशिकाओं की सुरक्षा और प्रभावकारिता. बहुकेन्द्रीय यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण डीबीटी, अनीता धर, 75 लाख रुपए।
2. स्टेमपेयूसेल के इंट्रामस्क्युलर एडमिनिस्ट्रेशन का एक गैर यादृच्छिक, ओपन लेबल, मल्टी–सेंट्रिक, डोज रैगिंग, चरण 2 अध्ययन के प्रभाव और सुरक्षा का आकलन – ब्यूर्जर रोग की वजह से महत्वपूर्ण लिम्ब इस्केमिया के साथ रोगियों में सीएलआई™ (पूर्व विवो कल्चरर्ड वयस्क अस्थि मज्जा व्युत्पन्न एलोजेनिक मेसेंकाइमल स्टेम सेल.। स्टेमपेयूटिक्स लिमिटेड द्वारा निधिकृत बहु केंद्रिक अध्ययन है। अनीता धर., लगभग 50 लाख रुपए जारी (एक भाग पूरा)।
3. क्रोनिक किडनी रोग वाले रोगियों में धमनी फिस्टुला की परिपक्वता में क्लिनिक रोग कारकों का एक भावी अध्ययन. एच. के. भट्टाचार्जी. एम्स, 5 लाख रुपए, अप्रैल 2015 – मार्च 2017.
4. नैदानिक परिणाम के साथ कम धमनी रोग और अपने सहयोग में नाइट्रिक ऑक्साइड, नाइट्रिक ऑक्साइड सिंथेस, संवहनी एंडोथिलियम वृद्धि कारक, इंटरल्यूकिन का मूल्यांकन, एम्स, अनीता धर, 5 लाख रुपए।
5. लोअर लिम्ब लिम्फेडेमा के उपचार में मल्टी लेयर लोकल इण्डियन बैंडेज के साथ केओबी से लघु स्ट्रैच बैंडेज सिस्टम की तुलना दक्षता हेतु यादृच्छिक अध्ययन, केओबी। अनीता धर।
6. केओबी से दो परत वाली कंप्रेशन बैंडेज प्रणालियों और कई परत वाली स्थानीय भारतीय बैंडेज की तुलना पैर के वेनस अल्सर के इलाज में करने के लिए यादृच्छिक अध्ययन, केओबी, अनीता धर।

पूर्ण

1. पैक्रियाज के स्यूडोसिस्ट के लैप्रोस्कोपिक बनाम एंडोस्कोपिक ड्रेनेज का भावी यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। वीरेन्द्र कुमार बंसल, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, 15 लाख रुपए, जनवरी 2012 से अप्रैल 2015।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. लेप्रोस्कोपिक टोटली एक्स्ट्रा पेरिटोनियल (टीईपी) तथा ट्रांस एब्डोमिनल प्री–पेरिटोनियल (टीएपीपी) इन्यूनल हर्निया उपचार के पश्चात् टेस्टीकुलर कार्य, यौन कार्य तथा जीवन की गुणवत्ता की भावी यादृच्छिक तुलना।
2. प्रचलित स्तन कैंसर के साथ महिलाओं में सेंटिनल नोड का पता लगाने के लिए फ्लोरेसिन प्लस मिथाइलिन ब्लू बनाम टेक्नीशियम सल्फर कोलाइड प्लस मिथाइलिन ब्लू की पहचान दर की तुलना करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित, समानांतर समूह, गैर हीनता परीक्षण।
3. स्किन स्पेरिंग मेसेक्टॉमी के ओंकोलॉजिक और एस्थेटिक परिणामों का मूल्यांकन करने के लिए एम्बीसेक्टिव कोहार्ट अध्ययन।
4. ओरिक्टोलेगस क्युनिकुलस रैबिट्स में पॉलीमर मिश्रित झिल्लियों के ऊतक में जुड़ाव के गुण, ऊतक की संगतता, हिमोस्टेटिक और रोगाणुरोधी गुणों की एक जांच।
5. भारतीय संदर्भ में ईएसआरडी वाले रोगियों में एवी फिस्टुला की परिपक्वता पर क्लिनिकल प्रोफाइल और वेस्कुलर हिमोडायनेमिक्स के प्रभाव का आकलन – एक भावी अध्ययन।
6. रेक्टल कैंसर के लिए निश्चित सर्जरी के बाद जीवन की गुणवत्ता का आकलन।
7. स्थानीय रूप से उन्नत स्तन कैंसर के रोगियों और उनके संबंध में चिकित्सकीय हस्तक्षेप के साथ परिसंचारी माइक्रोआरएनए 106ए और इंटरल्युकिन 10 – एक प्रायोगिक अध्ययन।
8. स्तन कैंसर में परिस्पर्शन निर्देशित स्तन संरक्षण शल्य चिकित्सा के साथ अंतर–शल्य चिकित्सा अल्ट्रासाउंड निर्देशित उच्छेदन के बाद कॉस्मेटिक परिणाम और उच्छेदन मार्जिन की तुलना। एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
9. कॉकोमिटेंट गॉल स्टोन और सीबीडी स्टोन वाले रोगियों में जीवन की गुणवत्ता के बाद एकल चरण बनाम दो चरण प्रबंधन की तुलना। एक भावी यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
10. स्तन कैंसर के रोगियों के बीच निम्न स्तन ओंकोप्लास्टी के लिए जागरूकता का मूल्यांकन और कॉस्मेटिक संतुष्टि।
11. पॉलिसिस्टिक ओवेरियन सिंड्रोम वाली महिला पर बेरियाट्रिक सर्जरी के प्रभाव का मूल्यांकन।
12. सिरम एचडीएल कोलेस्ट्रोल स्तर के निर्धारण में एडिपोस टिशू एटीपी बाइंडिंग कैसेट ट्रांसपोर्ट एआई (एबीसीए1) की भूमिका की खोज।
13. सुपर ओबेस रोगियों में कॉर्मोबिडिटिस जीवन गुणवत्ता पर लेपेरोस्कोपिक ओमेगा लूप गैस्ट्रिक बायपास का प्रभाव।
14. रुग्ण मोटापे में गैर–एल्हकोलिक वसा यकृत रोग (एनएएफएलडी) पर लेप्रोस्कोपिक स्लीव गैस्ट्रेक्टोमी (बैरिएट्रिक सर्जरी) का प्रभाव।
15. बी एम आई 25 – 30 कि. ग्रा./वर्ग मीटर बनाम 30 – 35 कि. ग्रा./वर्ग मीटर वाले रोगियों में पोषण और जीवन शैली के संशोधन का प्रभाव और बी एम आई 35 के. जी./वर्ग मीटर से कम में बैरिएट्रिक सर्जरी के प्रभाव का आकलन करना।
16. गाइनेकोमैस्टिया वाले रोगियों में नैदानिक प्रकार, हार्मोनल प्रोफाइल और उपचार के परिणामों की जांच।

17. डोर्स फंडोप्लीकेशन के साथ अपने स्वरोच्चारण बनाम लेप्रोस्कोपिक हेलर के कोण वाले लेप्रोस्कोपिक हेलर कार्डियोमोयाटोमी करा रहे रोगियों में अकेलासिया कार्डिया की दीर्घकालिक नैदानिक परिणाम।
18. प्रारंभिक और प्रचलित स्तन कैंसर के रोगियों में सेंटिनल नोड बायोप्सी का दीर्घकालिक परिणाम।
19. मायेस्थेनिया ग्रेविस रोगियों में मध्यम इंवेसिव थायमेक्टोमी के मध्यम परिणाम।
20. इलेक्टिव थोरेसिक सर्जरी के तहत गुजर रहे रोगियों में चेस्ट ट्यूबस के प्रोटोकोल आधारित प्रबंधन के मूल्यांकन परिणाम का यादृच्छिक अध्ययन।
21. क्यूओएल का तुलनात्मक यादृच्छिक परीक्षण, टीईपी और टीएपीपी मरम्मत के बाद क्रोनिक ग्रोइन पेन और टेस्टीकुलर कार्य।
22. लिम्फेडेमा की रोकथाम में स्तन सर्जरी के बाद बेंजेथिन पेनिसिलिन, बनाम लिम्ब देखभाल के बारे में शिक्षा का यादृच्छिक परीक्षण।
23. बहु रेनाल विसल्स के साथ किडनी ग्राफ्ट के लघु अवधि परिणाम का अध्ययन। एक नैदानिक अवलोकन संभावित और पूर्वव्यापी प्रायोगिक अध्ययन।
24. मायस्थेनिया ग्रेविस के रोगियों में वीएटीएस थायमेक्टोमी के बाद सर्जरी के परिणाम और रोग दोबारा होना।
25. पल्मोनरी एस्परजिलोमा वाले रोगियों में सर्जिकल परिणाम – एक यादृच्छिक अध्ययन।
26. प्रारम्भिक अवस्था में स्तन कैंसर के साथ महिलाओं में सौंदर्य परिणाम और गुणवत्ता समायोजित जीवन वर्ष पर स्तन पेरेंकाइमल दोष की 1 से. मी. बनाम 2 से. मी. रिसेक्शन मार्जिन और ओंकोप्लास्टिक क्लोजर का प्रभाव : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
27. विरोधी एस्ट्रोजन सेंटक्रोमैन और टैमोक्सीफैन के साथ इंट्रालेशनल ट्रिएमेसिनोलोन इंजेक्शन सहित फाइब्रोएडीनोमा की थेरैपी।
28. वयस्क गुर्दे प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ताओं में अल्ट्रासाउंड निर्देशित ट्रांसवर्सिस एब्डोमिनस प्लेन ब्लॉक में रोपिवेकेन के लिए एक सहायक के रूप में क्लोनीडाइन की प्रभावकारिता का अध्ययन करना – एक डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
29. स्तन कैंसर के रोगियों में कीमोथेरेपी के बाद एक्सीलरी नोडल मेटास्टेसिस का पता लगाने में इंट्रावेनस फ्लोरसेंट ट्रेसर डाई की दक्षता का अध्ययन करना।
30. ब्रेस्ट कैंसर रिसेप्टर इमेजिंग डिटेक्टिंग मेटास्टेसिस के लिए एफईएस–पीईटी का उपयोग और एंटीहार्मोनल उपचार हेतु प्रीडिक्टिंग रेस्पोंस।

पूर्ण

1. जीवित संबंधी गुर्दा प्रत्यारोपण में लेप्रोस्कोपिक दाता नेफ्रेक्टोमी बनाम खुले दाता नेफ्रेक्टोमी का एक तुलनात्मक अध्ययन।
2. लाइव लेप्रोस्कोपिक दाता नेफ्रेक्टोमी के लिए दो एनाल्जेसिक तकनीकें – इंट्राथीकल मॉर्फिन (आईटीएम) और अनुप्रस्थ एब्डोमिनिस प्लान (टीएपी) ब्लॉक का एक संभावित, यादृच्छिक, प्लासेबो – नियंत्रित, खुले लेबल की तुलना।
3. स्तन कैंसर रोगियों के एक शल्य चिकित्सा लेखा परीक्षा।
4. मेसटेक्टोमी के दौरान अल्ट्रासोनोग्राफी बनाम त्वचा के मानक फ्लैप को उठाने के साथ प्रीमेमरी फेसिया की पहचान के बाद स्कैल्पल या डायाथर्मी द्वारा त्वचा के फ्लैप को उठाने के साथ ऑपरेशन के बाद जटिलताओं की तुलना करना।
5. लेप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी करा रहे रोगियों में पीओएनवी की घटनाओं को कम करने में 5 प्रतिशत डेक्सट्रोजन प्रभाव के प्रशासन पेरि–ऑपरेटिव करता है : एक संभावित, डबल ब्लाइंड, यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन।

6. स्तन कैंसर के रोगियों के बीच स्तन ओंकोप्लास्टी के बाद जागरूकता और कॉस्मेटिक संतुष्टि का मूल्यांकन।
7. प्रचलित स्तन कैंसर में स्तन संरक्षण सर्जरी और सेंटीनेल लिम्फ नोड बायोप्सी (एसएलएनबी) और एसएलएनबी के साथ मैस्टेक्टोमी के पालन के लिए जीवन और हाथ की रुग्णता की गुणवत्ता।
8. सहवर्ती पित्त की पथरी और सीबीडी पथरी वाले रोगियों के एकल चरण बनाम दो चरण उपचार के बाद जीवन की गुणवत्ता के परिणामों का आरसीटी।
9. स्तर 1 ट्रॉमा केंद्र में उदरीय ट्रॉमा वाले रोगियों में लेप्रोस्कोपी की भूमिका के मूल्यांकन हेतु पूर्वव्यापी तथा भावी अध्ययन।
10. स्तन कैंसर के रोगियों में कीमोथेरेपी के बाद एक्सीलरी नोडल मेटास्टेसिस का पता लगाने में इंट्रावेनस फ्लोरसेंट ट्रेसर डाइंग की दक्षता का अध्ययन करना।
11. रुधिर विज्ञानी विकारों के लिए स्प्लीनेक्टॉमी करा रहे रोगियों में जीवन की गुणवत्ता का अध्ययन करना।
12. थायरॉयड ग्रंथि के एक लोब हेतु भेदभाव थायराइड कैंसर सीमित के लिए कुल बनाम कुल थाइरॉइडेक्टॉमी के पास (अवशिष्ट थायराइड के रेडियो–एबलेशन के साथ) : एक यादृच्छिक परीक्षण।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. लेप्रोस्कोपिक टोटली एक्स्ट्रा पेरिटोनियल (टीईपी) तथा ट्रांस एब्डोमिनल प्री–पेरिटोनियल (टीएपीपी) इन्यूनल हर्निया उपचार के पश्चात् टेस्टीकुलर कार्य, यौन कार्य तथा जीवन की गुणवत्ता की भावी यादृच्छिक तुलना।
2. स्पोसल गुर्दे प्रत्यारोपण समूह में दाता और प्राप्तकर्ता के जीवन की गुणवत्ता पर गुर्दे प्रत्यारोपण के प्रभाव का अध्ययन।
3. रोगियों जिनमें गुर्दे का प्रत्यारोपण कराना पड़ा के बीच प्रतिकूल घटनाओं के लिए सक्रिय निगरानी : एक भावी अवलोकन अध्ययन।
4. भारतीय संदर्भ में ईएसआरडी वाले रोगियों में एवी फिस्टुला की परिपक्वता पर क्लिनिकल प्रोफाइल और वेस्कुलर हिमोडायनेमिक्स के प्रभाव का आकलन – एक भावी अध्ययन।
5. स्थानीय रूप से उन्नत स्तन कैंसर के रोगियों और उनके संबंध में चिकित्सकीय हस्तक्षेप के साथ परिसंचारी माइक्रोआरएनए 106ए और इंटरल्युकिन 10 – एक प्रायोगिक अध्ययन।
6. सहगामी गॉल स्टोन और सीबीडी स्टोन के रोगियों के एकल चरण बनाम दो चरण प्रबंधन के बाद जीवन की गुणवत्ता की तुलना करना। एक भावी यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
7. विभेदित थायरॉयड कैंसर के दौर से गुजर रहे रेडियो आयोडीन (131 आई–एनए) उपचार के साथ बच्चों और युवा वयस्कों में डॉसीमेट्रिक अध्ययन (नाभिकीय चिकित्सा)।
8. बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) 27.5 – 35 कि. ग्रा./वर्ग मीटर वाले रोगियों में टाइप 2 डायबिटीज मेलिटस पर लेप्रोस्कोपिक स्लीव गेस्ट्रेक्टोमी का प्रभाव।
9. आपातकालीन लेपेरोटोमी के दौर से गुजर रहे पेरिटोनिटिस रोगियों में इंट्राऑपरेटिव कम ज्वार की मात्रा वेंटिलेशन : एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन। (एनेस्थेसिया)
10. कोलोरेक्टल कार्सिनोमा के विभिन्न हिस्टोपैथोलॉजिकल ग्रेडिंग से कैंसर स्टेम कोशिकाओं का अलगाव, पहचान और लाक्षणीकरण (बायोकैमेस्ट्री, फिजियोलॉजी, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल सर्जरी और पैथोलॉजी)।
11. आण्विक मार्करों के साथ स्तन कैंसर अध्ययन तथा इसके सह संबंध के लिए मल्टीपैरामैट्रिक दृष्टिकोण (एनएमआर, रेडियो डायग्नोसिस, रेडियोथेरेपी, बायोटेक्नोलॉजी)।
12. यकृत दाता खुली नेफ्रेक्टोमी कराने वाले रोगियों में ऑपरेशन के दौरान दर्द से राहत के लिए पैरावर्टिब्रल ब्लॉक और ट्रांसवर्स एब्डोमिनिस प्लेन ब्लॉक : एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।

13. अवरोधक निद्रा एप्निया पर बेरिएट्रिक सर्जरी के प्रभाव के मूल्यांकन हेतु भावी अध्ययन।
14. विभिन्न रोग की स्थिति में सिनुक्लीन पर अध्ययन (बायोफिजिक्स, ऑकुलर फार्माकोलॉजी, बायोटेक्नोलॉजी)
15. वयस्क गुर्दे प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ताओं में अल्ट्रासाउंड निर्देशित ट्रांसवर्सिस एब्डोमिनस प्लेन ब्लॉक में रोपिवेसिइन के लिए एक सहायक के रूप में क्लोनीडाइन की प्रभावकारिता का अध्ययन करना–एक डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 38 सार : 14 पुस्तकों में अध्याय : 38 पुस्तक : 1

रोगी देखभाल

विभाग अंतः चरण गुर्दे रोग के रोगियों और कैंसर सर्जरी में वेस्कुलर के उपयोग के लिए सर्जरी में शामिल स्तन कैंसर के रोगियों के लिए बहु साधन उपचार, मिनीमल इनवेसिव सर्जरी, गुर्दे के प्रत्यारोपण, हिपेटो–बाइलरी और पैंक्रिएटिक सर्जरी, थेरेसिक और थोरेकोस्कोपिक सर्जरी, प्लास्टिक और पुनर्निर्माण सर्जरी, अंतः स्रावी सर्जरी, चयापचय और बैरिएट्रिक सर्जरी सहित कई क्षेत्रों में नियमित सेवाएं प्रदान कर रहा है। विभाग नियमित ओ. पी. डी. के अलावा निम्न विशेष क्लिनिक चलाता है :

- प्रभारी आचार्य, बी. सी. सी. (ब्रेस्ट कैंसर क्लिनिक), प्रत्येक शनिवार को सुबह 9.00 बजे आयोजित किया जाता है जिसमें पुराने मामलों का फॉलोअप, कीमोथेरेपी, और नए मामलों का पंजीकरण शामिल हैं।
- प्रत्येक शुक्रवार दोपहर 2.00 बजे फॉलोअप क्लिनिक आयोजित की जाती।
- प्रत्येक बुधवार दोपहर 2.00 बजे चेस्ट क्लिनिक आयोजित की जाती है।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां

आचार्य एम. सी. मिश्रा (कृपया ट्रॉमा केन्द्र की रिपोर्ट देखें)

आचार्य अनुराग श्रीवास्तव इंटरनेशनल मिनिमल एक्सेस सर्जरी कांफ्रेंस में सीएमई कम लाइव वर्कशॉप हेतु प्रमाण पत्र, 3–6 मार्च 2016 को एण्डोसर्ज – 2016; रॉयल कॉलेज ऑफ फिजिशियन और सर्जन ऑफ ग्लास्गो, द्वारा आयोजित ग्लास्गो एमर्जेंसी सर्जरी और ट्रॉमा सिम्पोजियम (जीईएसटीएस)–2016 में भागीदारी का प्रमाणपत्र, 25–26 फरवरी 2016; 16–22 सितंबर 2015 को पीयूएलएसई 2015 हेतु 43वां वार्षिक सोशियो–कल्चरल लिटरेरी एण्ड स्पोर्ट फेस्ट को पुरस्कृत; माननीय अतिथि : एपीएससीओएन–2015 (मिनिमल इंवेसिव सर्जरी), एम्स, 29–30 अगस्त 2015 को पटना; 18–19 अप्रैल 2015 को जवाहरलाल नेहरु मेडिकल कॉलेज, एएमयू, अलीगढ़ द्वारा आयोजित रिसर्च मैथोडोलॉजी पर कार्यशाला में प्रशंसा प्रमाण पत्र।

आचार्य सुनील चुम्बर सर्जरी–2016 में सीएमई आयोजित, एम्स, 27–28 फरवरी 2016, नई दिल्ली और फर्स्ट मेडिकल राइटर्स मीट'–2015, एम्स, 14 नवंबर 2015, नई दिल्ली।

आचार्य राजेंद्र प्रसाद को श्रेणी के तहत एम्स एक्सीलेंस रिसर्च अवार्ड 2015 (तीसरा पुरस्कार) से पुरस्कृत किया गया : क्लिनिकल रिसर्च शीर्षक, 'लेप्रोस्कोपिक हेलर्स कार्डियोमायोटोमी के साथ एंगल ऑफ हिस एक्सेंटुएशन बनाम डोर फंडोप्लिकेशन के साथ, लेपेरोस्कोपिक हेलर्स कार्डियोमायोटोमी के लक्षणयुक्त परिणाम : यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण का परिणाम, वर्ष 2014 – 15 के दौरान; लेह, लद्दाख में मेडिकल कैम्प टू ट्रीट सीरियस और क्रोनिक पेशेंट्स के भाग के रूप में अशोक मिशन द्वारा आमंत्रित, 20–27 सितंबर 2015; रोबोटिक सर्जंस काउंसिल ऑफ इण्डिया मीटिंग में भाग लिया, 12–13 सितंबर 2015, अमृता इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, कोच्चि।

आचार्य संदीप अग्रवाल को बैरियाट्रिक सर्जरी यूनिट एट होर्मेटोन यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल में कार्य करने हेतु कॉमनवेल्थ एकेडमिक स्टाफ फेलोशिप से पुरस्कृत किया गया, लंदन, यूके; आईजीआईएमएस में दो प्रथम गुर्दा प्रत्यारोपण करने वाले दल के प्रमुख सदस्य, मार्च 2016 में बिहार में टीचिंग हॉस्पिटल; अध्यक्ष, आईएसओटी 2015, 1–4 अक्तूबर 2015, चेन्नई, तमिलनाडु।

आचार्य वीरेन्द्र कुमार बंसल ग्लास्गो–एफआरसीएस (ग्लास्गो) के फेलोशिप ऑफ रोयल कॉलेज ऑफ फिजिशियन एण्ड सर्जन थे; सदस्य सचिव, संकायाध्यक्ष समिति, एम्स, नई दिल्ली; सदस्य, बी. पी. कोराला इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ साइंस शैक्षिक समिति, धरण, नेपाल; सदस्य, आईटीएस इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंस शैक्षिक समिति, गाजियाबाद; सदस्य सचिव, स्टाफ काउंसिल एम्स, नई दिल्ली; सदस्य, इंस्टीट्यूट एथिक्स समिति एम्स, नई दिल्ली; 15 मार्च से 18 मार्च 2016 से कार्यशाला सह समन्वयक के रूप में संगठित एण्डोसर्ज 2016; एमआईएसटीसी में निम्नलिखित पाठ्यक्रम आयोजित (i) ''ऑपरेटिव लेपेरोस्कोपी – बेसिक एण्ड एडवांस्ड'' में 12 पाठ्यक्रम, (ii) ''लेपेरोस्कोपिक सुचरिंग स्किल्स'' में 2 पाठ्यक्रम, (iii) 'लेपेरोस्कोपिक कोलोरेक्टरल सर्जरी' में 2 पाठ्यक्रम; (iv) ''लेपेरोस्कोपिक हर्निया सर्जरी' में 6 पाठ्यक्रम; निम्नलिखित संपादकीय में कार्य किया था (i) संपादकीय आईएचएस / एसईएलएसआई न्यूज़लेटर; (ii) यूएसए से लिपिनकोट विलियम्स और विलकिंस द्वारा प्रकाशित सर्जिकल लेपेरोस्कोपिक एण्ड एण्डोस्कोपिक परक्युटेनियस टेकनिक्स (एसएलईपीटी) हेतु समीक्षक; (iii) इण्डियन जर्नल ऑफ सर्जरी, ट्रोपिकल गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी, इण्डियन जर्नल ऑफ गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी, ब्रिटिश जर्नल ऑफ सर्जरी, सर्जिकल एण्डोस्कोपी, सउदी जर्नल ऑफ सर्जरी, बीएमसी सर्जरी एण्ड ''हर्निया'' जर्नल हेतु समीक्षक।

डॉ. अनीता धर एक्स्ट्रा पल्मोनरी ट्यूबरकुलोसिस (ईपीटीबी) उपचार दिशानिर्देशों का विकास : ईपीटीबी रोगियों में विभिन्न क्षेत्रों में विशेष रूप से लिम्फ नोड, सॉफ्ट टिशू में सर्जिकल संकेतों हेतु नियम की भूमिका, मुख्य प्रोफेसर एस.सी. शर्मा के तहत, एम्स, नई दिल्ली; डायबेटिक फुट केयर गाइडलाइंस डेवलपमेंट एट नेशनल लेवल। स्मिथ एण्ड नेफ्यू द्वारा आयोजित विभिन्न मेडिकल इंस्टीट्यूट, सरकारी और निजी दोनों इस समूह के भाग है। छात्रों की अध्यक्षता और शिक्षण, एएसआई नोर्थ जोनल सीएमई, 4 से 5 जुलाई 2015, दिल्ली; एक सत्र की अध्यक्षता की, इमेज गाइडिड थेरेपिज़ 2015, वेस्कुलर मेलफोर्मेशंस, 11 दिसंबर 2015, दिल्ली; वर्कशॉप ऑन कोलोरेक्टल सर्जरी, लेपेरोस्कोपिक कोलोरेक्टल सर्जरी, 25 जुलाई 2015, जॉन्सन एण्ड जॉन्सन, दिल्ली; वर्कशॉप ऑन सोलिड ऑर्गन कोर्स, लेपेरोस्कोपिक सोलिड ऑर्गन कोर्स, 14 अगस्त 2015, जॉन्सन एण्ड जॉन्सन, दिल्ली; एसईआर 2015 में एक सत्र की अध्यक्षता की; सोसायटी फॉर एमर्जेंसी रेडियोलॉजी, एक्यूट कार्डियोवेस्कुलर एमर्जेंसिस, 1 नवंबर 2015; *सोशल सर्विसिस* : ब्रेस्ट कैंसर के बारे में जागरुक करना – ट्रूथ बनाम मिथ्स इन टैगोर इंटरनेशनल स्कूल, वसंत विहार, इण्डियन कैंसर सोसायटी की ओर से, 19 नवंबर 2015; स्तन कैंसर के रोगियों के लिए सहायक देखभाल का हिस्सा है : रोगी की देखभाल के साथ शल्य चिकित्सा विभाग में इन रोगियों के लिए त्रैमासिक बैठक और परामर्श सत्र, सीपीएए, दिल्ली; प्रत्येक वर्ष, अक्तूबर के महीने में सीपीएए के साथ स्तन जागरूकता माह का आयोजन करना और सक्रिय रूप से भाग लेना; परिधीय धमनी रोग और धूम्रपान में एक मजबूत सहयोग है – मैंने एसओपीडी के माध्यम से प्रत्येक सोमवार को जागरुकता बढ़ाई।

डॉ. हिमांग के. भट्टाचार्जी ने एम्स और द सेंटर फॉर नेक्स्ट जनरेटशन एण्डोस्कोपिक इंटरवेंशन के बीच न्यूनतम इनवेसिव सर्जरी के लिए अनुसंधान हेतु सहयोग की शुरुआत और कम लागत वाले सस्ते उपकरणों का विकास किया, ओसाका यूनिवर्सिटी, जापान; इस सहयोग के भाग के रूप में, पोर्टेबल लेप्रोस्कोपी के लिए नव विकसित प्रोटोटाइप की व्यवहार्यता का परीक्षण करने के लिए एक शव कार्यशाला का आयोजन। कार्यशाला के दौरान, भारतीय और जापानी सर्जन दोनों ने भाग लिया। मानव मृत शरीरों में पोर्टेबल लेपेरोस्कोपिक प्रणाली की व्यवहार्यता का सफल प्रदर्शन किया गया; एम्स, नई दिल्ली,

27–28 फरवरी 2016 को प्रथम ''नेशनल क्वीज इन सर्जरी'' आयोजित; दो सत्रों की अध्यक्षता की, 10वां एम्स सर्जिकल वीक, इंटरनेशनल मिनिमल एक्सेस सर्जरी कांफ्रेंस, सीएमई कम लाइव वर्कशॉप एण्डोसर्ज – 2016 साइंटिफिक प्रोग्राम कम लाइव सर्जरी, 5–7 मार्च 2016, जवाहरलाल ऑडिटोरियम एम्स, नई दिल्ली।

डॉ. पीयूष रंजन प्रशिक्षक थे, एडवांस ट्रॉमा लाइफ सपोर्ट प्रोवाइडर एण्ड इंस्ट्रक्टर कोर्स, एम्स, नई दिल्ली; अध्यक्ष, एण्डोसर्ज, मार्च 2016, एम्स, नई दिल्ली; अध्यक्ष, एम्स, जीईटीएस, मार्च, 2016, एम्स, नई दिल्ली; विशेषज्ञ, डेलफी एक्सरसाइज़ फॉर नेशनल एस्टीमेशन ऑफ ब्लड रिक्वायर्मेंट इन इण्डिया, मार्च 2016, चेन्नई; अध्यक्ष, एसजीपीजीआई ब्रेस्ट कोर्स, फरवरी, 2016, एसजीपीजीआई, लखनऊ; व्याख्यान, सर्जरी में जटिलताएं – पीजी सीएमई में न्यूनतम बनाने के लिए, फरवरी 2016, एम्स, नई दिल्ली; कोर्स डायरेक्टर, एटीएलएस प्रोवाइडर कोर्स आईआईईएमएस, दिसंबर 2015, कोट्टायाम; व्याख्यान, स्कूल सेफ्टी प्रोग्राम नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिसास्टर मैनेजमेंट, अगस्त और नवंबर, 2015, एम्स, नई दिल्ली; अध्यक्ष, आरकेएम कांफ्रेंस, सितंबर, 2015, कोलकाता।

डॉ. मंजुनाथ मारुति पॉल ईपीटीबी 2015 दिशा–निर्देशों के विकास में शल्य चिकित्सा समूह के प्रमुख विशेषज्ञ के सदस्य थे। राष्ट्रीय प्रश्नोत्तरी सत्र की अध्यक्षता की, सर्जरी सीएमई 2016, 1 मार्च 2016, कांफ्रेंस हॉल, एम्स, नई दिल्ली; मौखिक प्रस्तुति पर प्रतियोगिता शोध सत्र की अध्यक्षता की {हर्निया (ओपन एण्ड लेपेरोस्कोपिक)}, जीआई सर्जरी एण्ड जनरल सर्जरी, 10वीं एम्स सर्जिकल वीक, इंटरनेशनल मिनिमल एक्सेसस कांफ्रेंस, सीएमई कम लाइव वर्कशॉप एण्डोसर्ज – 2016, साइंटिफिक प्रोग्राम कम लाइव सर्जरी, 6 मार्च 2016, एम्स, नई दिल्ली।

डॉ. मोहित जोशी संयुक्त आयोजन सचिव थे, सिम्पोजियम ऑन थोरेसिक सर्जरी, 5 अप्रैल 2015, एम्स, नई दिल्ली; संकाय, एण्डोसर्ज – 2016, 4–6 मार्च 2016, एम्स, नई दिल्ली; संकाय, ग्लास्गो एमर्जेंसी सर्जरी एण्ड ट्रॉमा सिम्पोजियम, 25–26 फरवरी 2016, एम्स, नई दिल्ली।

डॉ. असुरी कृष्णा संयुक्त आयोजन सचिव थे, एण्डोसर्ज 2016, 4–6 मार्च 2016, एम्स, नई दिल्ली; पाठयक्रम निदेशक, एटीएलएस, 10–12 अक्तूबर 2015, इण्डियन इंस्टीट्यूट ऑफ एमर्जेंसी मेडिकल सर्विसिस, कोट्टायाम, केरल; संकाय, एटीएलएस, 19–21 नवंबर 2015, एम्स, नई दिल्ली।

डॉ. यशवंत राठौर संकाय थे, पीजी सीएमई (एण्डोसर्ज 2016), 6 मार्च 2016, शल्य चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली; पोस्टर मूल्यांकन सत्र हेतु न्यायाधीश, एण्डोसर्ज 2016, 4–6 मार्च 2016, शल्य चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली; अध्यक्ष, एण्डोसर्ज 2016, 4–6 मार्च 2016, शल्य चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली; अध्यक्ष, ऑपरेटिव सर्जरी 2015 में एक दिन, 27 सितंबर 2015, शल्य चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली।

डॉ. कमल ने स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, द्वारा आयोजित 'स्वास्थ्य चेतना अभियान' में भाग लिया, 35वां इंटरनेशनल ट्रेड फेयर 2015, नई दिल्ली, 14 से 27 नवंबर 2015; पोस्टर मूल्यांकन सत्र के लिए न्यायाधीश, एण्डोसर्ज 2016, 4 से 6 मार्च 2016, शल्य चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली; अध्यक्ष, एसजीपीजीआई ब्रेस्ट कोर्स 2016, 13 से 14 फरवरी 2016, एण्डोक्राइन एण्ड ब्रेस्ट सर्जरी विभाग, एसजीपीजीआईएमएस, लखनऊ, उ. प्र.; सह–समन्वयक, मेडिकर राइटर्स मीट, जनवरी 2016, शल्य चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली; संकाय, दूसरी एम्स ब्रेस्ट कोर्स, 6 मार्च 2016, शल्य चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली; संकाय, पीजी सीएमई (एण्डोसर्ज 2016), 6 मार्च 2016, शल्य चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली; सह–समन्वयक, मेडिकल राइटर्स मीट, जनवरी 2016, शल्य चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली

डॉ. सुहानी कॉम्पेटिटिव ओरल पेपर एवेल्यूशन सत्र की निर्णायक थी, एण्डोसर्ज 2016, 5 से 6 मार्च 2016, शल्य चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली; आयोजन संकाय सदस्य, एण्डोसर्ज 2016, 3 – 6 मार्च 2016, शल्य चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली; सह–आयोजक, मेडिकल राइटर्स मीट, जनवरी 2016, शल्य चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली; स्वास्थ्य चेतना अभियान, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, द्वारा आयोजित, 35वां इंटरनेशनल ट्रेड फेयर 2015, नई दिल्ली, 14 – 27 नवंबर 2015; बीएसएनएल मुख्य कार्यालय, दिल्ली में ब्रेस्ट कैंसर स्क्रीनिंग प्रोग्राम।

अतिथि वैज्ञानिक

1. डॉ. संजय अग्रवाल, श्वसन और गहन देखभाल चिकित्सा सलाहकार, इंस्टीट्यूट फॉर लंग हेल्थ, ब्रिटेन एण्डोसर्ज – 2016 में भाग लिया, 3 से 6 मार्च 2016.
2. डॉ. वाल्डेमर एल ओलेजेवेस्की, एमडी, पीएचडी सर्जिकल रिसर्च ट्रांसप्लांटेशन एण्ड एपिजेनेटिक्स विभाग, मेडिकल रिसर्च सेंटर, पोलिश एकेडमी ऑफ साइंसेज, 5 पॉविन स्कीगो स्ट्रीट 02–106 वॉरसॉ, पॉलैंड ने एंडोसर्ज–2016 में भाग लिया, 3–6 मार्च 2016।

9.39 रक्ताधान चिकित्सा और रक्त कोष

अपर आचार्य
कबिता चटर्जी

मुख्य चिकित्सा अधिकारी
पूनम कौशिक

विशिष्टताएं

यह विभाग रोगियों की देखभाल और रक्त की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और इस लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु अथक प्रयास करता है। स्वैच्छिक रक्तदान में वृध्दि के साथ कुल रक्तदान में लगभग 4 प्रतिशत की वृध्दि हुई है। ग्रामीण क्षेत्रों में प्रदाता शिक्षा, प्रेरणा एवं भर्ती सफलता से की गयी है जिससे इस स्वैच्छिक दान में मदद मिली है।

रक्त सुरक्षा के प्रयास चल रहे हैं और हम इ.सी.आई. द्वारा परीक्षण शुरू करने में सफल रहे हैं जो एचआईवी के लिए फोर्थ जनरेशन परीक्षण और एचसीवी के लिए थर्ड जनरेशन के माध्यम द्वारा सभी संगृहित इकाईयों की जांच करने के लिए अधिक सुग्राही परीक्षण है। सभी संगृहित इकाईयों पर सुरक्षा की अतिरिक्त परत बनाने के लिए आईडी–एनएटी जांच की जा रही है और पिछले साल इससे भी अधिक संवेदनशील और विशेष जांच अल्ट्रियो प्लस शुरू की गयी थी। मुख्य रक्त कोष की एनएटी प्रयोगशाला सीएनसी रक्त कोष और जेपीएनएटीसी रक्त कोष के लिए विषाणु संक्रामक मार्करों के लिए केन्द्रीय परीक्षण की सुविधा है।

विस्तरित पैनल के प्रयोग द्वारा ऐन्टिबॉडी जांच की परीक्षण सुविधा आपातकालीन रोगियों के लिए भी बढ़ा दी गयी है। अनियमित ऐन्टिबॉडी युक्त रोगियों में रोगप्रतिकारकों की पहचान अब एक नियमित प्रक्रिया के रूप में सामान्य ढंग से की जाने लगी है।

हमारे ऐंटिबॉडी टाइटर्स के लिए जांच और प्लाज्माफेरेसिस प्रक्रियाओं के द्वारा रक्त कोष ने एबीओ असंगत गुर्दा प्रत्यारोपण का समर्थन किया है।

शिक्षा

विकृतिविज्ञान, प्रयोगशाला चिकित्सा और रूधिर विज्ञान विभाग के स्नातकोत्तर छात्रों को विभाग में उनकी तैनाती के दौरान पढ़ाया गया था।

प्रदत्त व्याख्यान

कबिता चटर्जीः 3 पूनम कौशिकः 4

मौखिक पत्र/पोस्टर की प्रस्तुतिः 3

अनुसंधान

सहयोगी परियोजना

पूर्ण

1. माईराजोल पी आर टी की प्रभावकारिता बनाम *एस.एपिडर्मिडिस* की नैदानिक प्रासंगिक स्तरों के साथ चुनौती की प्रभावकारिता।

प्रकाशन
पत्रिकाएं : 4 सार : 3 पुस्तकों में अध्यायः 1
रोगी उपचार

- ऑटोलॉगस रक्तदान
- ऑटोलॉगस बिंबाणु (प्लेटलेट) दान
- स्वयंसेवी रक्तदान शिविर सुविधा
- एफेरिस्स प्रक्रियाएं (एसडीपी, टीपीई, पीबीएससी)
- स्वचालित रक्त वर्गीकरण और सीरमविज्ञान
- स्वचालित संक्रामक मार्करों का परीक्षण
- एम्स के तीन रक्त कोषों के सभी दान की गई इकाईयों का आईडी–एनएटी परीक्षण कराना।
- 100 प्रतिशत रक्त अवयव तैयार करना
- अनियमित रोगप्रतिकारक की पहचान
- रोगप्रतिकारक की जांच
- रोगप्रतिकारक अनुमापनांक
- ल्युकोडीप्लेटेड रक्त/अवयव
- किरणन सुविधा

सामुदायिक सेवाएं/शिविर

- मुख्य रक्त कोष ने दिल्ली, एनसीआर में कुल 86 स्वयंसेवी रक्त दान शिविरों का आयोजन किया और 6300 से अधिक (यूनिट्स) इकाईयॉ संगृहित किए।
- सीएचसी बल्लभगढ़ के साथ जुड़े ग्रामीण क्षेत्रों में प्रदाताओं के लिए प्रेरणात्मक और शिक्षाप्रद कार्यक्रम किए गए।
- मुख्य रक्त कोष को सीएचसी बल्लभगढ़ के भण्डार केन्द्र के लिए मूल रक्त कोष बनाने की प्रक्रिया जारी है।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां
डॉ॰ राहुल चौरसिया, वरिष्ठ रेजीडेन्ट, रक्ताधान चिकित्सा विभाग, को ब्रिटिश रक्ताधान संस्था, लंदन, यू.के. के 33वे वार्षिक सम्मेलन के संयोजन में अंतर्राष्ट्रीय रक्ताधान संस्था के 25वे क्षेत्रीय सम्मेलन पर अंतर्राष्ट्रीय रक्ताधान संस्था द्वारा हेरोल्ड गनसन फैलोशिप पुरस्कार दिया गया।
25 अगस्त, 2015 को सेंटजॉन्स मेडिकल कॉलेज, बैंगलोर जॉननगर, सरजापुर रोड, कर्नाटक में एमसीआई के निरीक्षण हेतु रक्ताधान चिकित्सा विशेषज्ञ।

9.40 प्रतिरोपण प्रतिरक्षा विज्ञान एवं प्रतिरक्षा आनुवंशिकी

आचार्य एवं अध्यक्ष
डी. के. मित्रा

वैज्ञानिक

उमा कांगा	सुनील कुमार	संजीव गोस्वामी

शिक्षा

अल्प अवधि प्रशिक्षण : विभाग द्वारा विकृति विज्ञान और प्रयोगशाला चिकित्सा विज्ञान के जूनियर रेजीडेंट तथा वृक्क विज्ञान और रूधिर विज्ञान विभाग के सीनियर रेजीडेंट (डीएम छात्र) के लिए अल्पावधि प्रशिक्षण प्रदान किया गया। वर्ष 2015–16 के दौरान विभिन्न विश्वविद्यालयों और संस्थानों के 10 छात्रों एवं दिल्ली तथा आस पास के अस्पतालों के डॉक्टरों को एचएलए परीक्षण तथा अन्य इम्यूनोलॉजीकल परीक्षण में प्रयोगशाला तकनीकों के लिए अल्पावधि प्रशिक्षण दिए गए हैं।

डी एम छात्रों को प्रशिक्षण : विकृति विज्ञान विभाग से (6), वृक्क विज्ञान, चिकित्सा अर्बुद विज्ञान (1), प्रयोगशाला चिकित्सा (8), रुधिर विज्ञान (4), एम्स से अनेक डीएम छात्रों को एचएलए जांच तथा अन्य प्रतिरक्षा विज्ञानी जांचों की तकनीकें सिखाई गई तथा विभाग में प्रशिक्षण दिया गया।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा (सीएमई)
वर्ष के दौरान संकाय और विभाग के वैज्ञानिकों ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में अनेक व्याख्यान दिए और भाग लिया। एचएलए जीनों की डीएनए टाइपिंग के लिए राष्ट्रीय स्तर पर एक गुणवत्ता नियंत्रण अभ्यास प्रगति पर है। विभिन्न कोशिका संवर्धन आमापनों सहित फ्लो साइटोमेट्री आधारित आमापनों का प्रशिक्षण छात्रों तथा आने वाले प्रशिक्षुओं को नियमित रूप से दिया जाता है। संकाय ने संस्थान के विभिन्न विभागों (जैव प्रौद्योगिकी, चिकित्सा अर्बुद विज्ञान, रूधिर विज्ञान, विकृति विज्ञान, चिकित्सा और शरीर रचना) में इन विभागों की शैक्षिक पाठ्यचर्या के अनुसार विशेष व्याख्यान भी दिए। ये व्याख्यान एमडी बाल रोग, रूधिर विज्ञान और शरीर रचना विज्ञान पीजी पर दिए गए। संस्थान के विभिन्न विभागों में इम्यूनोलॉजी पर व्याख्यान दिया गया।

प्रदत्त व्याख्यान

डी. के. मित्रा : 7	उमा कांगा : 7

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. टी सेल सबसेट्स द्वारा एक्टो–एंजाइम्स और नकारात्मक को–स्टिम्युलेटरी मॉलीक्यूल्स पर एचआईवी1सी के जीन सायलेंसिंग ट्रांसक्रिप्शनल के प्रभाव : एचआईवी संक्रमण में क्रोनिक इम्यून सक्रियण के लिए प्रासंगिक, डी. के. मित्रा, डीबीटी, 3 वर्ष, 2013–2016, 75.24 लाख रुपए।

2. अव्यक्त और सक्रिय तपेदिक रोगियों में पॉली फंक्शनल टी सेल्स की साइटोकाइन प्रोफाइल : विनियामक टी सेल्स का प्रभाव, डी. के. मित्रा, डी बी टी, 3 वर्ष, 2014–2017, 97.58 लाख रुपए।
3. अभिव्यक्ति और दवा इफ्लक्स पंप के प्रकार्य पर होस्ट टी सेल प्रतिक्रिया का प्रभाव : टीबी दवा प्रतिरोधी के लिए प्रासंगिकता, डी के मित्रा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2014–2017, 78.5 लाख रुपए।
4. मल्टीवेलेंट लीशमानिया टीका विकास, डी. के. मित्रा बीआईआरएसी, डी बी टी, 3 वर्ष, 2015–2018, 100.2 लाख रुपए।
5. गुर्दे प्रत्यारोपण के बाद तीव्र अस्वीकृति पर एचएलए–जी का प्रभाव, उमा कांगा, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2014–16, 10 लाख रुपए।
6. आण्विक चिकित्सा के लिए केंद्र की स्थापना (सीईएमएम), एम्स, उमा कांगा, सीएसआईआर, 5 वर्ष, 2012–2017, 2.19 करोड़ रुपए।
7. हिमोलाइटिक यूरेमिक सिंड्रोम से जुड़े एंटीफैक्टर एच एंटीबॉडी, उमा कांगा (सह–अन्वेषक), सीईएफआईपीआरए (इंडो–फ्र), 3 वर्ष, 2013–2016, 50 लाख रुपए।

पूर्ण

1. मानव क्षयरोग में मेजबान प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया पर एचएलए–जी के प्रभाव, उमा कांगा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2012–2015, 45.85 लाख रुपए।
2. नॉर्थ इंडियन टर्शरी केयर सेंटर में क्रोनिक आईटीपी रोगियों के जेनेटिक प्रोफाइल का एक अध्ययन, उमा कांगा, सीएसआईआर, 2 वर्ष, 2013–2015, 11.5 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. रुमेटॉइड आर्थ्राइटिस के रोगजनन में डिसटिंक्ट टी सेल सब्सेट्स का अध्ययन।
2. टी बी वाले वृद्ध रोगियों में टी कोशिका प्रतिक्रिया का अध्ययन।
3. मानव क्षयरोग में मेजबान टी सेल प्रतिक्रिया हेतु इम्यूनोरेगूलेटरी मेकेनिज्म पर अध्ययन।
4. सरकोइडोसिस में विभिन्न टी सेल सबसेट्स का फीनोटाइपिक तथा कार्यात्मक लक्षण – वर्णन।
5. लिशमानिया डोनोवानी संक्रमण के दौरान लिशमानिया डीएनए और टीएलआर – 9 अंतः क्रिया की मध्यस्थता में सह कारकों / अणुओं की पहचान के लिए अध्ययन।
6. कुछ आयुर्वेदिक जड़ी बूटियों की इम्यूनोमॉड्यूलेटरी संभावना का मूल्यांकन।
7. तपेदिक और सार्कोइडोसिस में मेजबान – रोगाणु अंतः क्रियाओं में एक्सोसोम और एमआईआरएनए की भूमिका।
8. क्रोनिक एथेरोस्कलेरोसिस डिसीज़ः जीन अभिव्यक्ति तथा एथेरोस्कलेरोटिक प्लेक्स के एमआइआरएनए प्रोफाइल में स्टेजःस्पेसिफिक परिवर्तन का एकीकृत विश्लेषण तथा परिसंचालन में प्लाज्मा–व्युत्पनन बाह्य पुटिकाओं के साथ सहसंबंध।

सहयोगी परियोजनाएं

1. टी सेल सबसेट द्वारा व्यक्त ऋणात्मक सह उद्दीपक अणुओं और एक्टो–एंजाइमों पर एचआईवी 1 सी के ट्रांसक्रिप्शनल जीव साईलेंसिग का प्रभाव : एचआईवी संक्रमण में पुराने प्रतिरक्षा सक्रियण के लिए प्रासंगिक। अनुदान एजेंसी : जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग के सहयोग से, असम मेडिकल कॉलेज, डिब्रूगढ़ और क्रिश्चियन इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ साइंसेज एंड रिसर्च, दीमापुर।
2. सुप्त और सक्रिय तपेदिक रोगियों में बहु कार्यात्मक टी कोशिकओं की साइटोकाइन रूपरेखा : टी विनियामक कोशिकाओं का प्रभाव। अनुदान एजेंसी : जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग के सहयोग से, असम मेडिकल कॉलेज, डिब्रूगढ़।
3. मानव तपेदिक में मेजबान प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया पर एचएलए – जी का प्रभाव। अनुदान एजेंसी : डॉ. उमा कांगा के साथ सहयोग में आईसीएमआर, प्रतिरोपण प्रतिरक्षा विज्ञान और प्रतिरक्षा आनुवंशिकी विभाग, एम्स।
4. सुप्त रहने और रोग जनकता की प्रतिक्रिया में सीडी 4 + टी कोशिकाओं का बहु कार्यात्मक विश्लेषण – *एमटीबी* एंटीजन के साथ संबद्ध डॉ. स्टीवेन जी. रीड, अध्यक्ष और प्रमुख वैज्ञानिक अधिकारी, इंफेक्शस डिजीज रिसर्च इंस्टीट्यूट्ट, सीएटल, वॉशिंगटन, यूएसए।
5. प्रतिरक्षा अकार्यात्मकता के सुधार और सुरक्षा पर एक चूहा *एमटीबी* संक्रमण मॉडल में प्रोग्राम की गई कोशिका मृत्यु – 1 (पीडी 1) ब्लॉकेड का मूल्यांकन, डॉ. यू. डी. गुप्ता, निदेशक, जेएएलएमए।
6. तपेदिक (टीबी) में सुरक्षात्मक प्रतिरक्षा को समझने के लिए टी सेल स्मृति प्रतिक्रिया का अध्ययन डॉ. सौम्य चटर्जी एम डी, सहायक आचार्य (संक्रामक रोग, एलर्जी और प्रतिरक्षा विज्ञान प्रभाग, सेंट लुइस यूनिवर्सिटी, सेंट लुइस, यूएसए) और सेसिलिया लिंडेस्टेम अर्लेहम, पीएच.डी (टीका खोज प्रभाग, ला जोला इंस्टीट्यूट फॉर एलर्जी एण्ड इम्यूनोलॉजी (एलजेआई), ला जोला, सी.ए., यूएसए)।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 6

रोगी उपचार

गुर्दा प्रत्यारोपण	प्रापक	दाता	कुल
जीवित संबंधी	388	391	770
शव प्रत्यारोपण (किडनी)	54	8	
क्रॉस मैच टेस्ट – सीडीसी (सीरोलॉजी)	724		
क्रॉस मैच टेस्ट – (फ्लोसाइटोमेट्री)	296		
ल्यूमिनेक्स पीआरए	522		
ल्यूमिनेक्स (डीएसए निगरानी)	114		

अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण			
	प्रापक	दाता	कुल
एप्लास्टिक एनीमिया	83	339	422
तीव्र ल्यूकेमिया	36	108	144
थैलेसीमिया	37	67	104
क्रोनिक माइलॉयड ल्यूकेमिया	13	36	49
अन्य	19	56	75
कुल	188	606	794

बीएमटी में काइमेरिज्म अध्ययन 33 प्राप्तकर्ता दाता जोड़े
बीएमटी के लिए असंबंधित दाता जांच 100*

*वर्ष के दौरान, अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण (बीएमटी) के लिए 'एशियन इंडियन डोनर मैरो रजिस्ट्री' से असंबंधित एचएलए दाता मिलान खोज के लिए कुल 100 अनुरोध प्राप्त हुए।

नैदानिक
स्पोंडिलोआरथ्रोपैथीज़ (एचएलए– बी27) 350
अन्य रोग (बीहेक्ट्स, सिलिएक रोग, नार्कोलेप्सी) 62
इम्यून डेफिसिएंसी विकार रोग 630

आण्विक प्रतिरक्षा विज्ञान प्रभाग
एचएलए टाइपिंग

126	एचएससीटी प्रापक
309	एचएससीटी दाता
435	कुल

रोग	संख्या
एसएए	7
एएमएल	44
एएलएल	20
टीएचएएल	2
सीएमएल	11
अन्य	22
कुल	126
अन्य नैदानिकी	
सीडी	20
कुल	20

शिमेरिज्म	33 प्रापक – दाता जोड़े

सेलुलर इम्यूनोलॉजी प्रभाग

प्राथमिक और द्वितीयक इम्यूनो डेफिशिएंसी डिजीज के लिए निःशुल्क लागत सेवा प्रदान की गई

	कुल मामले
प्राथमिक इम्यूनो डेफिशिएंसी (18 वर्ष से कम)	188
द्वितीयक इम्यूनो डेफिशिएंसी (18 वर्ष से अधिक)	45
इम्यूनो निगरानी (रिटुक्सीमैब के बाद)	21
कुल	254

क्र.सं.	निदान	मार्कर / आमापन	जांचों की संख्या
1.	टी सेल आवृत्ति	सीडी3, सीडी4, सीडी8,	153
2.	बी सेल आवृत्ति	सीडी19, 20	136
3.	एन के सेल आवृत्ति	सीडी3, सीडी56, सीडी16	82
4.	एन के सेल गतिविधि (एचएलएच)	सीडी3, सीडी56, परफोरिन	52
5.	एएलपीएस	सीडी3, सीडी4, सीडी8, टीसीआरए बीटा	7
6.	ल्यूकोसाइट्स अडहेशन डेफिसिएंसी	सीडी11 ए, बी और सीडी18	64
7.	क्रोनिक ग्रेनुलोमेटस डिजीज	डीसीएफडीए / डीएचआर	128
8.	हाइपर आईजीएम	सीडी3, सीडी69, सीडी154 (सीडी40एल)	5
9.	टी सेल कार्य (आईएफएन – गामा)	सीडी3, सीडी8, आईएफएन – गामा	3
	कुल		630

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण उपलब्धियां

डॉ. उमा कांगा ने पिछले तीन वर्ष से 'चिरकालिक रोग जीव विज्ञान' पर डीबीटी कार्यदल की सदस्यता जारी रखी है। इस कार्य दल द्वारा ऑटोइम्यूनिटी, कार्डियोलॉजी, गुर्दा रोग आदि के संबंधित अनुसंधान क्षेत्रों में अनुसंधान परियोजनाओं की समीक्षा की जाती है; इन्हें जैव–प्रोद्योगिकी विभाग भारत सरकार द्वारा 'एचएलए टिशू टाइपिंग और प्रत्यारोपण प्रतिरक्षा विज्ञान' हेतु डीबीटी स्वास्थ्य देखभाल प्रयोगशाला' का आकलन करने के लिए 'समीक्षा समिति की अध्यक्ष' नियुक्त किया गया, जो गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज, गुवाहाटी असम में स्थापित की गई है; एम्स की केंद्रीय कोर अनुसंधान सुविधा के तहत 'जीनोमिक्स सुविधा' की स्थापना की समन्वय समिति की सदस्य; झज्जर, एम्स में स्थापित किए जा रहे राष्ट्रीय कैंसर संस्थान (एनसीआई) के लिए 'प्रयोगशाला सलाहकार समिति' की सदस्य।

अतिथि वैज्ञानिक

1. डॉ. समरजीत दास, पीएच.डी, विकृति विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य, जॉन हॉपकिंस यूनिवर्सिटी, बाल्टीमोर, मैरीलैंड, युनाइटेड स्टेट्स।

2. डॉ. सौम्या चटर्जी, एमडी, सहायक आचार्य, संक्रामक रोग, एलर्जी और प्रतिरक्षा विज्ञान प्रभाग, आंतरिक चिकित्सा और आण्विक जीव विज्ञान विभाग, सेंट लुइस यूनिवर्सिटी, सेंट लुइस, एमओ, यूनाइटिड स्टेट्स।
3. डॉ. सुब्रत मजूमदर, पीएच.डी, आचार्य, आण्विक चिकित्सा प्रभाग, बोस संस्थान, कलकत्ता विश्वविद्यालय ।
4. डॉ. मैथियास शिमैन – ग्रुप लीडर, फ्लो साइटोमेट्री कोर यूनिट, यूनिवर्सिटी ऑफ म्युनिख (प्रायोजक : बेकमैन कोल्टर)।
5. डॉ. पॉल ए. राजू, आनुवंशिक विभाग, स्टैंफोर्ड यूनिवर्सिटी, स्टैंफोर्ड, कैलिफोर्निया, यूनाइटिड स्टेट्स।

9.41 मूत्ररोग विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष
पी. एन. डोगरा

आचार्य

अमलेश सेठ	राजीव कुमार

सहायक आचार्य

प्रभजोत सिंह	आशीष कुमार सैनी (जेपीएनएटीसी) (22 फरवरी 2016 को त्याग पत्र दिया)
ऋषि नैयर	बृषभानु नायक

विशिष्टताएं

विभाग द्वारा एम्स में 21 नवंबर 2015 को मूत्रविज्ञान में एमसीएच. पाठ्यक्रम की स्थापना के 50 वर्ष और हमारे विभाग के पहले विभागाध्यक्ष, स्वर्गीय प्रोफेसर सरिंदर मान सिंह के सम्मान में 'प्रथम सरिंदर मान सिंह मेमोरियल व्याख्यान' समारोह आयोजित किया गया। पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में प्रोफेसर एस. के. शर्मा, पूर्व निदेशक और विभागाध्यक्ष द्वारा व्याख्यान दिया गया था।

विभाग ने 28 फरवरी 2016 को मेन्स हेल्थ सोसाइटी ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित इंटरनेशनल सोसायटी ऑफ मेन्स हेल्थ के तत्वावधान में 10वें पुरुष स्वास्थ्य विश्व महासम्मेलन के भाग के रूप में एक लाइव ऑपरेटिव कार्यशाला और वेबकास्ट का भी आयोजन किया। विभाग के संकाय ने अन्य सर्जरी के बीच प्रोस्टेट, माइक्रोसर्जिकल वेसोइपिडिडिमोस्टॉमी और प्रोस्टेट की एमआरआई– टीआरयूएस फ्यूजन बायोप्सी के लिए लेज़र शल्य चिकित्सा का प्रदर्शन किया।

शिक्षा

विभाग ने संकायों ने समीक्ष्य वर्ष के दौरान क्रामिक आयुर्विज्ञान शिक्षा कार्यक्रमों, संगोष्ठियों, राष्ट्रीय तथा अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया तथा व्याख्यान दिया।

विभाग ने स्नातकपूर्व तथा नर्सिंग छात्रों के लिए व्याख्यान दिया। विभाग द्वारा तीन वर्षों की अवधि में मूत्ररोग विज्ञान में एम सी एच डिग्री के लिए 11 स्नातकोत्तर छात्रों को प्रशिक्षित किया गया।

विभाग द्वारा मूत्ररोग विज्ञान में रोबोटिक्स, इंडोयूरोलॉजी, लेप्रोस्कोपी, ओपन सर्जरी तथा माइक्रोसर्जरी को देखने तथा सीखने के लिए विभिन्न भारतीय/विदेशी आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालयों से अध्येता तथा अतिथि संकायों का स्वागत किया गया।

विभाग के संकाय विभिन्न विश्वविद्यालयों में एनबीई तथा एम. सीएच. मूत्ररोग विज्ञान में परीक्षक के रूप में रहे तथा मूत्ररोग विज्ञान स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए शिक्षण तथा प्रशिक्षण एवं सुविधाओं के मानकों की मान्यता के लिए भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद तथा राष्ट्रीय बोर्ड के निरीक्षक बने रहे।

विभाग के संकायों ने मूत्ररोग विज्ञान में एम. सीएच. तथा डी एन बी के प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों के लिए पाठ्यचर्या के पुनः गठन तथा नवीनीकरण में सक्रिय रूप से भाग लिया।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशालाएं/ संगोष्ठी / राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन

1. मूत्रविज्ञान में प्रथम डॉ. सरिंदर मान सिंह व्याख्यान, 21 नवंबर 2015, जे. एल. ऑडिटोरियम, एम्स, नई दिल्ली
2. ''स्वर्ण जयंती समारोह'' मूत्र रोग विज्ञान विभाग, एम्स, 21 नवंबर 2015, जे. एल. ऑडिटोरियम, एम्स, नई दिल्ली।
3. 10वें पुरुष स्वास्थ्य विश्व महासम्मेलन के दौरान बीपीएच, मूत्रमार्ग निंदा और पुरुष बांझपन सहित पुरुष स्वास्थ्य से संबंधित आयोजित लाइव ऑपरेटिव कार्यशाला, 28 फरवरी 2016, दिल्ली।
4. वीएमएमसी और सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली द्वारा आयोजित ''लाइव ऑपरेटिव अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला के साथ यूरो–ओंकोलॉजी में मास्टर क्लास'' के दौरान रोबोट प्रोस्टेटेक्टॉमी के लिए लाइव ऑपरेटिव कार्यशाला का आयोजन किया, 26 मार्च 2016, नई दिल्ली (सीएसओआई, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली)।

प्रदत्त व्याख्यान

पी. एन. डोगरा : 7	अमलेश सेठ : 7	राजीव कुमार : 20
प्रभजोत सिंह : 1	ऋषि नैयर : 1	बृषभानु नायक : 5

मौखिक पत्र / पोस्टरों की प्रस्तुति : 22

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. कैंसर की प्रगति में एसपीआईएनके1 की भूमिका : नियामक तंत्र और चिकित्सीय लक्ष्य संभावित, अमलेश सेठ (आईआईटी कानपुर : डॉ. बुशरा अतीक), डी बी टी / वेलकम ट्रस्ट एलायंस, 3 वर्ष, 2013.
2. सुपरफिशियल यूरिनरी ब्लेडर कैंसर हेतु एकीकृत कीमो और फोटोथर्मल थेरैपी के लिए नैनोटेक्नोलॉजी का अनुप्रयोग, अमलेश सेठ, डीबीटी, 3 वर्ष, 2016.
3. पुरुष अनुर्वरता : डेमोग्राफिक्स, इटियोलॉजी और मानक नैदानिक अभ्यास के परिणाम, राजीव कुमार, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2015–17, 11.66 लाख रुपए।
4. सीरम पीएसए, ग्लीसन स्कोर और प्रोस्टेट कैंसर स्टेगिंग, के साथ प्रोस्टेट कैंसर के रोगियों और इसके संबंध में संभावित बायोमार्कर के रूप में एमआईआरएनए 182 और एमआईआरएनए 187 का अध्ययन, बृषभानु नायक, एम्स, 2 वर्ष, 2015–17, 4.8 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. इडियोपैथिक प्रतिरोधी अशुक्राणुता वाले रोगियों में वेसोइपिडिडिमोस्टॉमी के प्रत्यक्षता की भविष्यवाणी के कारकों का भावी विश्लेषण।
2. प्रारंभिक प्रोस्टेट कैंसर का पता लगाने में एमपीएमआरआई – टीआरयूएस फ्यूजन बायोप्सी।
3. लोअर यूरिनरी ट्रेक्ट लक्षण वाले स्पाइनल ट्यूबरकुलोसिस में पहले और शल्य चिकित्सा हस्तक्षेप के बाद नैदानिक और यूरोडायनेमिक मापदंडों की भावी तुलना।
4. क्रोनिक प्रोस्टेटिटिस/क्रोनिक पैल्विक पैन सिंड्रोम के प्रबंधन में पीडीई–5 की भूमिका का अध्ययन ।
5. उपचारित जेनिटोयुरनेरी टीबी वाले रोगियों के नेफ्रेक्टॉमी नमूनों में लाइव टीबी बेसिली के सूक्ष्मजीवविज्ञानी साक्ष्य।

6. रीनल सेल कार्सिनोमा में प्रोग्नोस्टिक मार्कर के रूप में प्री–ऑपरेटिव सीरम सी–रिएक्टिव प्रोटीन, प्लेटलेट काउंट, कैल्शियम का स्तर।
7. गैर जटिल सोलिटरी रीनल स्टोन का आकार 1 सेमी से अधिक के लिए ईएसडब्ल्यूएल और पीएनएल पहले और बाद में काम करने वाले गुर्दे की तुलना।
8. खराब काम करने वाले गुर्दे में ऊपरी नलिका के पुनर्निर्माण सर्जरी के परिणाम।
9. रीनल ट्यूमर सर्जरी में बदलते रुझान।

पूर्ण

1. दा विंसी S® शल्य चिकित्सा प्रणाली और शल्य चिकित्सा प्रक्रियाओं पर इसके प्रभाव के साथ डिवाइस की खराबी : क्या डिवाइस की आयु बढ़ना जिम्मेदार होगा?
2. कंटेम्परी कोहोर्ट में क्लेवाइन डिंडो स्तर पर लैप्रोस्कोपिक नेफ्रेक्टोमी की जटिलताएं।
3. मानक वाइट लाइट सिस्टोस्कॉपी की तुलना में गैर–पेशीय आक्रामक ब्लेडर कैंसर के निदान तथा उपचार में नेरो बैंड इमेजिंग की भूमिका।
4. एंटीरियर यूरेथेरल प्रतिबंधों के लिए ग्राफ्ट यूरेथ्रोप्लास्टी के निम्न परिणाम।
5. खराब काम करने वाले गुर्दे में रोबोटिक पायलोप्लास्टी के परिणाम।
6. एबीओ रक्त समूह के प्रकार और ट्यूमर ग्रेड, स्टेज, पुनरावृत्ति और प्रगति यूरेनरी ब्लेडर की संक्रमणकालीन सेल कार्सिनोमा के बीच संबंध।
7. रोबोटिक सर्जरी में सहायक सर्जन की भूमिका।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. प्रोस्टेट कैंसर के निदान के लिए यूरिनरी माइक्रोसेमिनोप्रोटीन बीटा (एमएसएमबी) और प्रोस्टेट विशिष्ट प्रतिजन (पीएसए) अनुपात। (विकृति विज्ञान)
2. जीवन की गुणवत्ता पर फियोक्रोमोसाइटोमा और पैरागैंगलियोमा रिमूवल और उसके प्रभाव के दौर से गुजर रहे रोगियों में लगातार उच्च रक्तचाप और मधुमेह की व्यापकता और भविष्यवक्ता (संवेदनाहरण, अंतःस्राविका)
3. पुरुष बांझपन : डेमोग्राफिक्स, एटियोलॉजी और मानक नैदानिक अभ्यास के परिणाम (शरीर रचना विज्ञान)
4. ब्लेडर यूरोथेलियल कार्सिनोमा में एमआईआर200सी और ईएमटी मार्करों (जेडईबी1, जेईबी2 और ट्विस्ट) का अध्ययन (विकृति विज्ञान)
5. रोबोटिक प्रोस्टेटेक्टॉमी नमूनों की पूरे माउंट हिस्टोपैथोलॉजिकल परीक्षा के साथ प्रोस्टेट कैंसर : तुलना में मल्टीपैरेमेट्रिक एमआरआई और प्रसार टेंसर इमेजिंग की भूमिका (रेडियोलॉजी)

पूर्ण

1. फियोक्रोमोसाइटोमा के पेरि–ऑपरेटिव प्रबंधन और पोस्ट ऑपरेटिव परिणामों पर इसके प्रभाव (संवेदनाहरण, अंतःस्राविकी)।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 23 सार : 19 पुस्तकों में अध्याय : 3

रोगी उपचार

मुख्य अस्पताल ओपीडी

नए रोगी : 19123 पुराने रोगी : 36339

बीआरएआईआरसीएच यूरो – मैलीग्नेंसी क्लिनिक

नए रोगी : 381 पुराने रोगी : 4066

एंड्रोलॉजी और इंफर्टिलिटी क्लिनिक

नए रोगी : 621 पुराने रोगी : 202

दाखिला

दीर्घ दाखिला : 1459 लघु दाखिला : 791

छुट्टी : 2371

मुख्य ओ टी शल्यक प्रक्रियाएं : 2301

ओपन सर्जरी : 553

रेडिकल सिस्टेक्टॉमी	44	रेडिकल नेफ्रेक्टॉमी	24
साधारण नेफ्रेक्टॉमी	16	पार्शियल नेफ्रेक्टॉमी	16
सिरे से सिरे तक यूरेथ्रोप्लास्टी	40	ग्राफ्ट यूरेथ्रोप्लास्टी	21
एंटीरियर ले ओपन	11	सेकेंड स्टेज क्लोजर	4
ट्रांसप्यूबिक यूरेथ्रोप्लास्टी	0	पाइलोप्लास्टी	25
ऑगमेंटेशन सिस्टोप्लास्टी	4	कोंटिनेंट केथेट्राइजेबल पाउच	0
एड्रिनलेक्टॉमी	10	बोएरी फ्लैप	3
यूरेट्रिक रिइम्प्लांटेशन	5	रेडिकल नेफ्रोयूरेटेरेक्टॉमी	16
वी वी एफ रिपेयर	20	कुल पेनेक्टॉमी	2
ओर्चिडोपेक्सी	7	प्रोस्टेक्टॉमी	3
एयूएस इंप्लांटेशन	0	पार्शियल पेनेक्टॉमी	10
सिस्टोलिथोटॉमी	4	हाइपोस्पेडियास रिपेयर	9
आइलियोइंग्यूनल लिम्फ नोड डिसेक्शन	4	ए वी फिस्टुला	1
पैरागेंगलियोमा एक्सीजन	4	यूरेटेरोकेलीकोस्टॉमी	2
उच्च वक्षणीय अंडग्रंथि	8	अन्य	240

इंडोयूरोलॉजी : 1399

ऊपरी क्षेत्र : 448		निचला क्षेत्र : 951					
पीसीएन एल	192	टीयूआरपी	71	सीएलटी	25	डीजेएस	200
यूआरएस	186	टीयूआरबीटी	267	एचओएलईपी	43	डीजेआर	99
आरआई आरएस	70	पीवीपी	8	एचओएलसीटी	3	ओआईयू	11
		सीपीई	110	इंडोडाइलेशन	35	टीयूआर फुलगुरेशन	26
		क्लोट इवेकुएशन	1	यूरेटेरोसील	2	लेजर वेल्डिंग	1

				इंसिशन			
		इंडोस्कोपिक मूल्यांकन	25	अन्य	24		
		एचओएलएपी	0				

लेप्रोस्कोपिक : 168

रेडिकल नेफ्रेक्टॉमी	35	पार्शियल नेफ्रेक्टॉमी	4
साधारण नेफ्रेक्टॉमी	60	एड्रिनलेक्टॉमी	19
पाइलोप्लास्टी	13	नेफ्रोयूरेटेरेक्टॉमी	27
डायग्नोस्टिक लेप	1	अन्य	9

रोबोटिक : 127

रेडिकल प्रोस्टेक्टॉमी	43	रेडिकल सिस्टेक्टॉमी	1	पाइलोप्लास्टी	42
यूरेटेरोलिथोटॉमी	11	साधारण प्रोस्टेटक्टॉमी	2	यूरेट्रिक रिइम्पलांटेशन	0
साधारण नेफ्रेक्टॉमी	0	पार्शियल नेफ्रेक्टॉमी	20	रेडिकल नेफ्रेक्टॉमी	2
पाइलोप्लास्टी	4	अन्य	0	पार्शियल सिस्टेक्टॉमी	2

माइक्रोसर्जरी : 54

वीईए	25	वीवीए	3	एमवीएल	12	स्क्रोटल एक्सप्लोरेशन	13
टीईएसई	1						

माइनर ओ टी : 13595

एंडोस्कोपिक	2404	यूरोफ्लोमेट्री	5334
ओपन	23	यूरोडायनेमिक अध्ययन	444
माइनर केस	5150	स्टोन विश्लेषण	240

ईएसडब्ल्यूएल : 1068

नए मामले	399	पुराने मामले	669

अल्ट्रासाउंड प्रक्रियाएं : 324

प्रोस्टेट बायोप्सी	254	एसपीसी	30
एमआरआई – ट्रस्ट फ्यूजन बायोप्सी	92	पीसीएन	20
यूएसजी	2		

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां

आचार्य पी. एन. डोगरा को हिप्पोक्रेट्स फाउंडेशन, नोएडा द्वारा मूत्र रोग विज्ञान में बहुमूल्य योगदान के लिए चिकित्सा उत्कृष्टता पुरस्कार – 2015; संस्था के योगदान के लिए 20 नवंबर 2015, नई दिल्ली को मेन्स हेल्थ वर्ल्ड महासम्मेलन और डीयूएससीओएन द्वारा मेन्स हेल्थ अचीवर के पुरस्कार से सम्मानित किया गया था; जे एल ऑडिटोरियम, एम्स, नई दिल्ली में 21 नवंबर, 2015 को मूत्र रोग विज्ञान में डॉ सरिन्दर मान सिंह प्रथम व्याख्यान आयोजन किया गया; नई दिल्ली में मूत्र रोग विज्ञान विभाग, एम्स, 21 नवम्बर, 2015 'स्वर्ण जयंती समारोह' का आयोजन किया गया; दिल्ली में 28 फरवरी

2016 को 10वां पुरुष स्वास्थ्य विश्व महासम्मेलन के दौरान बीपीएच, मूत्रमार्ग अवक्षेपण और पुरुष बांझपन सहित पुरुषों के स्वास्थ्य से संबंधित लाइव ऑपरेटिव कार्यशाला का आयोजन किया; नई दिल्ली में 26 मार्च 2016 को वीएमएमसी और एसजेएच द्वारा आयोजित लाइव ऑपरेटिव अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला के साथ यूरो– ओंकोलॉजी में मास्टरक्लास के दौरान रोबोट प्रोस्टेटेक्टॉमी के लिए लाइव ऑपरेटिव कार्यशाला का आयोजन किया गया; इलेक्ट प्रेसीडेंट, यूरोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया, 2016–17 के रूप में निर्वाचित किया; अध्यक्ष, एम्स अस्पताल प्रबंधन बोर्ड; एम्स के भविष्य में क्षमता निर्माण के लिए मौजूदा आपातकालीन सेवाओं और योजना की समीक्षा करने के लिए समिति के अध्यक्ष; अध्यक्ष, सीडीई एण्ड आर में एम एण्ड ई और उपभोज्य वस्तुओं की खरीद के लिए एसपीसी; अध्यक्ष, कंडेम्नेशन समिति ऑफ इंस्टीट्यूट फॉर व्हीकल्स एण्ड इक्विपमेंट्स; भारतीय चिकित्सा परिषद और राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड द्वारा मूत्र रोग विज्ञान प्रशिक्षण के लिए रि–फ्रेमिंग पाठ्यक्रम के लिए विषय विशेषज्ञ; टीम के सदस्य जिनमें सुपर स्पेशलिटी सर्जिकल विभागों में एसआरएस के आकलन और प्रशिक्षण के लिए तैयार किए गए प्रारूप दिशा–निर्देश; एम्स के लिए आरएफडी की तैयारी हेतु शिक्षा उप समिति के सदस्य; 25 अप्रैल, 2015 को पूर्वोत्तर यूरो ओंको अपडेट, राजीव गांधी कैंसर संस्थान एवं अनुसंधान केन्द्र, नई दिल्ली में सत्र की अध्यक्षता की थी; 'थेरेप्यूटिक ऑप्शन्स फॉर न्यूरोजेनिक डेट्रूसोर ओवरेक्टिव' और 'थेरेप्यूटिक ऑप्शन्स फॉर न्यूरोजेनिक अंडरेक्टिव डेट्रूसोर' पर; न्यूरोजेनिक ब्लैडर, इंकंटिनेंस एण्ड यूरोडायनेमिक्स साइंटिफिक प्रोग्राम, मूत्र रोग विज्ञान और वृक्क प्रत्यारोपण विभाग, वीएम चिकित्सा कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल, 2 मई, 2015 पर अंतरराष्ट्रीय मास्टर क्लास; 'ट्रेलिंग फॉर रोबोटिक्स एण्ड डकिंग', पर लाइव यूरो कैंसर विज्ञान कार्यशाला, आरजी कर मेडिकल कॉलेज कोलकाता और बंगाल यूरोलॉजिकल सोसाइटी, 24–25 जुलाई 2015, कोलकाता; वीडियो सत्र, एनुअल कॉन्फ्रेंस ऑफ यूरोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया, 7–10 जनवरी, 2016, हैदराबाद; एमआरआई–यूएसजी फ्यूजन बायोप्सी और अन्य रेजीडेन्ट्स सत्र पर, लाइव ऑपरेटिव अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला के साथ यूरो–ओंकोलॉजी में मास्टरक्लास, 26–27 मार्च, 2016, वीएमएमसी और सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली; प्रोस्टेट कैंसर संगोष्ठियां, 10वां पुरुष स्वास्थ्य विश्व महा सम्मेलन और कार्यशाला, 26–28 फरवरी, 2016, दिल्ली; रोबोटिक प्रोस्टेटेक्टॉमी में मास्टर क्लास में लाइव ऑपरेटिव कार्यशाला में प्रकरण चर्चा, 16 नवंबर 2015, मेदांता, गुड़गांव; वीएमएमसी और एसजेएच द्वारा आयोजित स्थानीय प्रोस्टेट कैंसर के प्रबंधन के लिए वर्तमान दिशानिर्देश, प्रोस्टेट कैंसर के प्रबंधन पर वर्तमान विकास पर सीएमई, 26 दिसम्बर 2015, दिल्ली; डीएमए द्वारा आयोजित पुरूष स्वास्थ्य, आईएमए नेटोकॉन, 27–28 दिसम्बर 2015, दिल्ली।

आचार्य राजीव कुमार ने विभाग में एंड्रोलॉजी और पुरुष बांझपन क्लिनिक शुरू किया; चिकित्सा लेखन और शोध पद्धति पर कार्यशालाओं के लिए, (1) 26–27 मार्च, 2016 को भारत, एम्स, में चिकित्सा और दंत चिकित्सा महाविद्यालयों के शिक्षकों के लिए, (2) स्वास्थ्य अनुसंधान और विकास, एंजिल्स शहर, फिलीपीन्स : 14–15 जनवरी 2016 के लिए फिलीपीन्स परिषद के लिए, (3) 8वां राष्ट्रीय चिकित्सा लेखन कार्यशाला : मनीला, फिलीपीन्स : 27–28 अगस्त, 2015 में; (4) अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में शोधकर्ता : 17–18 अगस्त, 2015 के लिए; (5) अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के संकाय, नई दिल्ली : 10–11 अप्रैल, 2015 के लिए; (6) वर्ष के दौरान एम्सः कई पाठ्यक्रम में नए स्नातकोत्तर छात्रों के लिए संसाधन व्यक्ति और संकाय के रूप में भाग लिया; शिक्षा बोर्ड के लिए *माइक्रोसर्जिकल वेसोइपिडेडिमल ऐनेस्टोमोसिस* का लाइव सर्जिकल प्रदर्शन, भारत वेबकास्ट और लाइव प्रसारण के लिए यूरोलॉजिकल सोसाइटी, 10वां पुरुष स्वास्थ्य विश्व महा सम्मेलन, नई दिल्ली : 25 फरवरी, 2016; मूत्र रोग विज्ञान पाठयक्रम ढाका, बांग्लादेश में

अमेरिकन यूरोलॉजिकल एसोसिएशन के पाठ के दौरान *माइक्रोसर्जिकल वेसोवसोस्टॉमी* के 2 मामले का लाइव सर्जिकल प्रदर्शन : 22 अगस्त 2015; 3डी – लैप एंडो फ्यूजन कोची के दौरान *लेपेरोस्कोपी रेडिकल नेफ्रेक्टॉमी* का लाइव सर्जिकल प्रदर्शन : 8 – 9 अगस्त 2015; परिषद के सदस्य, यूरोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया से निर्वाचित किया; रोबोटिक सर्जरी, रोबोट सर्जन परिषद, 11–12 सितंबर 2015, कोच्चि और अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी मूत्र रोग विज्ञान, 20–21 फरवरी, 2016, एच.एन. रिलायंस अस्पताल, मुंबई में रोगी पक्ष सर्जन।

डॉ. प्रभजोत सिंह को सम्मानित किया गया : प्रोस्टेट कैंसर वर्ल्ड कांग्रेस केन्र्स, क्वींसलैंड, ऑस्ट्रेलिया, अगस्त 2015 में भाग लेने के लिए ऑस्ट्रेलियाई प्रोस्टेट कैंसर अनुसंधान से यात्रा अनुदान; यूरो ओंकोलॉजी, अगस्त 2015 में डॉ. डेक्लन मर्फी के तहत पीटर मैककुलम कैंसर केंद्र मेलबोर्न, ऑस्ट्रेलिया में एक सप्ताह प्रेक्षकर्ता; शल्यक्रिया सहकर्मी की समीक्षा संगोष्ठी की पत्रिका में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया, म्यूनिख, जर्मनी, मार्च 2016; पुनर्निर्माण और उन्नत रोबोटिक मूत्र रोग विज्ञान पर रोबोटिक सर्जरी, इंटरनेशनल लाइव ऑपरेटिव कार्यशाला में रोगी पक्ष शल्य चिकित्सक परिप्रेक्ष्य, 21 फरवरी 2016, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़; लाइव ऑपरेटिव कार्यशाला के लिए परिचालन संकाय, पुरुष स्वास्थ्य विश्व महासम्मेलन, फरवरी 2016, एम्स नई दिल्ली; अध्यक्ष, फिलिंग और वॉइडिंग सिस्टोमेट्री, न्यूरोजैनिक ब्लेडर, इंकॉन्टिनेन्स और यूरोडायनेमिक पर अंतरराष्ट्रीय मास्टर कलास, 2 मई 2015, सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली।

डॉ. ऋषि नैयर भारतीय मूत्रविज्ञान पत्रिका के संपादकीय समिति के सदस्य थे; यूरोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया (एनजेडयूएसआई) के उत्तर क्षेत्र अध्याय के परिषद के सदस्य के रूप में चुने गये ऑनलाइन सतत व्यावसायिक विकास (सीपीडी) की पहल करने हेतु सामग्री योगदान करने के लिए आमंत्रित किया गया, बीजेयूआई ज्ञान, बीजेयू इंटरनेशनल (बीजेयूआई) द्वारा विकसित किया जा रहा है। रीढ़ की हड्डी में चोट वाले रोगियों में ''एटियोपैथोजेनेसिस एण्ड मैनेजमेंट ऑफ यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन्स'' पर एक शिक्षण मॉड्यूल लिखा था। मार्च 2016 में बीजेयूआई ज्ञान संसाधन सामग्री के रूप में प्रकाशित किया। डीओआई : 10.18591/बीजेयूआईके0546; मूत्र रोग विज्ञान के विषय में नैदानिक मूल्यांकन आधारित प्रारंभिक आकलन और आचार कार्यस्थल में कार्य शुरू करने के लिए राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड के तहत डीएनबी प्रशिक्षुओं के लिए परीक्षक; 'न्यूरेटिक बच्चे की व्यावहारिक प्रबंधन' पर एक सत्र की अध्यक्षता की, न्यूरोजैनिक ब्लेडर, इंकॉन्टिनेन्स और यूरोडायनेमिक पर अंतरराष्ट्रीय मास्टर कलास, 3 मई 2015, सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली; लाइव ऑपरेटिव कार्यशाला, यूरोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया (एनजेड–यूएसआईसीओएन) के उत्तर क्षेत्र अध्याय के 25वें वार्षिक सम्मेलन के दौरान एक सत्र की अध्यक्षता की, 17 सितंबर 2015, एसकेआईएमएस, श्रीनगर; संचालित पोस्टर (लेप्रोस्कोपी, रोबोटिक्स और महिला मूत्र रोग विज्ञान), यूरोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया (एनजेड–यूएसआईसीओएन) के उत्तर क्षेत्र अध्याय के वार्षिक सम्मेलन पर एक सत्र की अध्यक्षता की, 18 सितम्बर 2015, एसकेआईएमएस, श्रीनगर; गुर्दा कैंसर, 10वां पुरुष स्वास्थ्य विश्व महासम्मेलन पर एक सत्र की अध्यक्षता की, 27 सितंबर 2015, नई दिल्ली; 'पैथोफिजियोलॉजी ऑफ यूरिनरी इंकॉन्टिनेन्स' पर एक सत्र की अध्यक्षता की, ''यूरोडाइनेमिक्स इन फिमेल्स – डेमीस्टीफाइड'' पर सीएमई, 3 अप्रैल 2016ए मेदांता, मेडिसिटी, गुड़गांव; लाइव ऑपरेटिव कार्यशाला, पुरुष स्वास्थ्य महा सम्मेलन के लिए कार्यकारी संकाय, 28 फरवरी 2016, एम्स, नई दिल्ली।

डॉ. बृषभानु नायक शंघाई, चीन में 6 सितम्बर, 2015 को 13वें यूएए महासम्मेलन 2015 पर एएसयू, यूएए युवा अनुभाग, सीयूए युवा मूत्र रोग विशेषज्ञ अनुभाग कार्यक्रम 2015 में यूएए युवा अनुभाग अध्येतावृत्ति से सम्मानित किया गया था; 13वें यूएए महासम्मेलन 2015 के साथ संयोजन के रूप में शंघाई में 6 सितंबर, 2015 को एएसयू कार्यशाला में पैनल चर्चा का हिस्सा थे; गाइज़ एण्ड सेंट थॉमस अस्पताल, लंदन, ब्रिटेन के लिए नैदानिक दौरे हेतु यूरोपीय मूत्र रोग विज्ञान छात्रवृत्ति से सम्मानित किया; यूएसआईसीओएन 2015 के उत्तर क्षेत्र अध्याय, 17 सितंबर 2015, श्रीनगर और यूरो–ओंकोलॉजी लाइव ऑपरेटिव कार्यशाला, 26 मार्च 2016, सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली पर लाइव सर्जरी प्रदर्शन के लिए ऑपरेटिंग टीम के सदस्य।

अतिथि वैज्ञानिक

1. डॉ. निखिल वासदेव, चित्रा सेठिया रोबोटिक केंद्र, यूसीएलएच, लंदन, हर्टफोर्डशायर एण्ड साउथ बेडफोर्डशायर यूरोलॉजिकल कैंसर सेंटर, लिस्टर अस्पताल, एसजी1 4एबी, यूके जनवरी माह 2016।

10.1 हृदय वक्ष विज्ञान केंद्र

प्रमुख
बलराम एरन

हृदय वक्ष और संवहनी सर्जरी

आचार्य एवं अध्यक्ष
बलराम एरन

आचार्य

एस. के. चौधरी
यू. के. चौधरी
ए. के. बिसोई

अपर आचार्य

सचिन तलवार
मिलिंद पी. होते
वी. देवागौरु

सहायक आचार्य

मनोज कुमार साहू
पी. राजशेखर
सर्वेश पाल सिंह
रमेश पी. मेनन

हृदय रोग विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष
वी. के. बहल

आचार्य

अनीता सक्सेना
के. सी. गोस्वामी
एस. सेठ
एन. नायक
एस. एस. कोठारी
आर. जुनेजा
एस. मिश्र
जी. कार्तिकेयन
एस. सिंह
बलराम भार्गव
आर. नारंग
राकेश यादव
गौतम शर्मा

अपर आचार्य

अम्बुज रॉय
एस. रामकृष्णन

सहायक आचार्य

सौरभ के. गुप्ता
सुनील के. वर्मा
नीरज पारेख

हृदय संवेदनाहरण

आचार्य एवं अध्यक्ष
उषा किरण

आचार्य

संदीप चौहान
पूनम मल्होत्रा कपूर
नीति मखीजा

अपर आचार्य

मिनाती चौधरी | संभुनाथ दास | विश्वास मलिक

<u>हृदय विकिरण विज्ञान</u>

आचार्य एवं अध्यक्ष

संजीव शर्मा

आचार्य

गुरप्रीत सिंह गुलाटी

अपर आचार्य

प्रिया जागिया

सहायक आचार्य

संजीव कुमार

<u>हृदय जैव रसायन</u>

आचार्य

लक्ष्मी रामकृष्णन

<u>नाभिकीय चिकित्सा (सीटीसी)</u>

अपर आचार्य

चेतन डी. पटेल

<u>हृदय विकृति विज्ञान</u>

आचार्य

रूमा रे

सहायक आचार्य

सुधीर कुमार अरावा

<u>स्टेम सेल सुविधा</u>

अपर आचार्य

सुजाता मोहंती

<u>अंग पुनः प्राप्ति एवं बैंकिंग संगठन (ओआरबीओ)</u>

आचार्य, अस्पताल प्रशासन

आरती विज

रक्ताधान सेवाएं

लक्ष्मी रामकृष्णन

मुख्य चिकित्सा अधिकारी
अंजली हजारिका

वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी

कल्पना मिश्रा	बिजय माझी	सुरेश कुमार

चिकित्सा सामाजिक सेवा अधिकारी
वीना बेलानी सुप

विशिष्टताएं

हृदय वक्ष और संवहनी सर्जरी

कार्डियो थोरासिक और वैस्कुलर सर्जरी (सीटीवीएस) विभाग रोगी देखरेख, शिक्षण और अनुसंधान के क्षेत्र में अग्रणी था। इसके अलावा, बड़ी संख्या में जन्मजात और अर्जित कार्डियो थोरासिक रोगों वाले रोगियों को सेवा प्रदान करते हुए विभाग अनुसंधान और प्रकाशनों के क्षेत्र में राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तरों पर अनुसंधान और सहयोग में सक्रिय रूप से संलग्न रहा। विभाग के संकाय सदस्यों ने राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में व्याख्यान दिए और महत्वपूर्ण शोध पत्र प्रस्तुत किए।

हृदय रोग विज्ञान

विभाग ने करीब 1,25,000 बाह्यरोग आगंतुकों के लिए खान पान का प्रबंध किया। इकोकार्डियोग्राफी के अंतर्गत 35,000 से अधिक रोगियों को भर्ती किया गया और लगभग 3600 डायग्नॉस्टिक कार्डियक कैथिटेराइजेशंस संचालित किए गए। इंटरवेंशनल प्रक्रियाओं में 3000 से अधिक रोगियों की चिकित्सा की गई जिसमें एंजियोप्लास्टी, डिवाईस इंप्लांटेशन एवं बैलून वाल्वोप्लास्टीस शामिल है।

इस अवधि में, कार्डियक रोग के बृहद स्पेट्रम में रोगी के अध्ययन के लिए विभाग ने सभी अनुसंधान परियोजनाओं में भाग लिया। रियूमेटिक हार्ट डिजीज, कोरोनरी आर्टरी डिजीज, कार्डियक सर्जरी में जेंडर वायस और वॉल्व थ्रोम्बोसिस से रोगियों की चिकित्सा से संबंधित महत्वपूर्ण प्रकाशन महत्वपूर्ण साइंटिफिक जर्नल्स में प्रकाशित किए गए। हमने इण्डिया लाइव 2016 और सीएसआई कार्डियक प्रीवेंट 2015 सहित प्रमुख कार्डियोलॉजी बैठकों का आयोजन किया। विभाग ने 21 सितंबर को देश भर में एक दिवसीय बीपी कार्यक्रमों का आयोजन किया जिसमें 1.7 लाख से अधिक लोगों के बीपी दर्ज किए गए। विभाग के संकाय सदस्यों ने जेएनयू के साथ एक जर्नल जेपीसीएस आरंभ किया है और यह इंडियन हार्ट जर्नल तथा एनल्स ऑफ पीडियाट्रिक कार्डियोलॉजी सहित प्रमुख कार्डियोलॉजी पत्रिकाओं का हिस्सा है।

रोगियों की देख रेख, अनुसंधान और शिक्षण के अतिरिक्त, विभाग देश में कार्डियोलॉजी में शैक्षिक प्रबंधन के अतिरिक्त बड़े क्षेत्रों में शामिल रहा। विभाग के संकाय सदस्यों को राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय कार्डियोलॉजी निकायों में पद धारण करने के लिए आमंत्रित किया गया और शैक्षिक एजेंडा पर पुनः फोकस करने में सहयोग किया।

हृदय संवेदनाहरण

हृदय संवेदनाहरण विभाग के संकाय और रेजीडेंट डॉक्टरों को नेशनल एण्ड इंटरनेशनल कांफ्रेंस में दो सर्वोत्तम शोध से पुरस्कृत किया गया था। सभी आचार्य और अपर आचार्य लगभग पूरे भारत में विभिन्न डीएम हृदय संवेदनाहरण पाठ्यक्रम के लिए परीक्षक थे। प्रो. उषा किरण को पीजीआईएमईआर, चण्डीगढ़ में सोसायटी ऑफ ट्रांस–इसोफेजियल इकोकार्डियोग्राफी द्वारा पहला भाषण पुरस्कार से सम्मानित किया

गया था। वह लगातार पीआरएएन के उपाध्यक्ष रही, (पीएआरकेआईएनएसओएन संबंधित जागरुकता नेटवर्क) और विभिन्न जर्नल के संपादकीय बोर्ड सदस्य रही। प्रो. संदीप चौहान विभिन्न जर्नल के संपादकीय बोर्ड सदस्य थे और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया। प्रो. नीति मखिजा आईएसीटीए की शिक्षक और आईएसीटीए की अध्यापक कार्यकारी सदस्य के रूप में निर्वाचित। वे विभिन्न जर्नलों के संपादकीय बोर्ड और सह संपादकीय सदस्य भी थीं। प्रो. पूनम मल्होत्रा जर्नल की मुख्य संपादक थीं – ''एनाल्स ऑफ कार्डियक एनेस्थेसिया'' और इन्हें पबमेड में अनुक्रमित किया गया। वे सिमुलेशन सोसायटी एण्ड इण्डियन कॉलेज ऑफ कार्डियक एनेस्थेसिया की सह संस्थापक थीं। उन्हें दो पुरस्कार भी मिले। प्रो. मिनाती चौधरी विभिन्न जर्नल और एटेंडिड इंटरनेशनल कांफ्रेंस की संपादकीय बोर्ड सदस्य थीं। उन्होंने ओटी तकनीकों के लिए एक नियमित शिक्षण कार्यक्रम शुरू किया। उन्हें इण्डियन एसोसिएशन ऑफ कार्डियोवेस्कुलर एण्ड थोरेसिक एनेस्थेसिया के कार्यकारी सदस्य के रूप में निर्वाचित किया गया था। 50 से भी अधिक शोध पत्र कार्डियक एनेस्थेसिया के संकाय और रेजीडेंट द्वारा प्रकाशित किए गए थे।

डॉ. संदीप चौहान ने एम्स में चौथी एम्स ईसीएमओ वर्कशॉप आयोजित की थी। डॉ. पूनम मल्होत्रा ने पीजी असेंबली के रूप में 8वीं क्वार्टरली कॉलोइड्स सिम्पोजियम एण्ड 10वीं क्वार्टली साइंटिफिक मीटिंग आयोजित की थी। डॉ. उषा किरण ने एम्स में निदेशक एम्स के मार्गदर्शन में ''रोल ऑफ योग एण्ड मेडिटेशन फॉर हेल्थ'' पर संगोष्ठी आयोजित की थी। उन्होंने एम्स के सभी कर्मचारियों के लिए बी के शिवानी द्वारा एक सीएमई का आयोजन किया था, जिसकी अध्यक्षता प्रोफेसर बलरान ऐरन, संकायाध्यक्ष और डॉ. डी के शर्मा, चिकित्सा अधीक्षक, एम्स ने की।

हृदय विकिरण विज्ञान

शिक्षा : विभाग के संकाय ने विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक बैठकों में 45 व्याख्यान दिए।

विभाग ने सोसायटी ऑफ इमेज गाइडिड थेरेपीज़ की पहली बैठक दिसंबर 2015 में 'इमेज गाइडिड थेरापिज़', (नीचे) आयोजित की ।

यहां फरवरी 2016 में ''पेरिफेरल एंजियोग्राफिक टेकनिक्स'' पर एक वेबिनार भी आयोजित किया गया। जुलाई 2015 सत्र में वेस्कुलर रेडियोलॉजी पाठ्यक्रम में डीएम शुरू किया गया था, जिसमें एक प्रत्याशी को दाखिल किया गया। विभाग ने हैदराबाद से विजिटिंग फेलो की मेजबानी भी की। इसके अतिरिक्त, संकाय कई वैज्ञानिक जर्नलों के संपादक मंडलों के सदस्य और समीक्षक हैं।

अनुसंधान : विभागीय संकाय 5 अनुसंधान परियोजनाएं और थीसिस चला रहा है। उन्होंने समकक्ष समीक्षित अंतरराष्ट्रीय जर्नलों में 14 अनुसंधान पत्र प्रकाशित किए। एक शोध पत्र अंतरराष्ट्रीय बैठकों में भी प्रस्तुत किया गया।

नैदानिक देखभाल : विभाग द्वारा अस्पताल में विभिन्न विशेषता विभागों से संदर्भित रोगियों को कार्डियकवेस्कुलर इमेजिंग और वेस्कुलर हस्तक्षेप उपचार सेवाएं प्रदान करना जारी है।

हृदय जैव रसायन

रोगी देखभाल क्षेत्र में एम्स के अन्य विभागों तथा अस्पतालों के रोगियों का कार्डियोथोरेसिक केंद्र में अनेक प्रकार की जांचें करना जारी है। एम्स में विभिन्न विभागों के साथ 17 अनुसंधान परियोजनाओं में कार्डियक बायोकेमेस्ट्री के संकाय शामिल हैं। आचार्य आर लक्ष्मी कॉम्प्रेहेंसिव नेशनल न्यूट्रिशन सर्वे (सीएनएनएस) के आयोजन हेतु स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा गठित तकनीकी सलाहकार बोर्ड में सदस्य थीं। उन्होंने सीएनएनएस में विश्लेषण के लिए जिम्मेदार प्रयोगशाला कर्मचारियों के मास्टर प्रशिक्षण में यूनीसेफ को तकनीकी समर्थन प्रदान किया। उन्होंने सर्वेक्षण के लिए सीआरओ के चयन में यूनीसेफ की भी सहायता की। वे (1) मोटापा और मेटाबोलिक सिंड्रोम (2) गैर संचारी रोग के क्षेत्र में आईसीएमआर के लिए समीक्षा परियोजनाओं हेतु समीक्षा समिति की सदस्य थी।

नाभिकीय चिकित्सा

कार्डियो थोरेसिक मेडिसिन (सीटीसी) में विशिष्ट नैदानिक न्यूक्लियर कार्डियोलॉजिकल प्रक्रियाएं पूरी की जाती हैं। यह यूनिट शिक्षण और अनुसंधान कार्य में भी सक्रिय रूप से शामिल रहती है। न्यूक्लियर मेडिसिन स्नातकोत्तर और न्यूक्लियर मेडिसिन प्रौद्योगिकी छात्रों को न्यूक्लियर कार्डियोलॉजी प्रक्रियाओं में चक्रानुक्रम आधार पर प्रशिक्षित किया जाता है। इस समय यह यूनिट एम सीएच,डीएम,एमडी और एम. एससी छात्रों सहित नौ छात्रों के थीसिस अथवा शोध पत्र संबंधी कार्य में लगी हुई है जहां न्यूक्लियर कार्डियोलॉजी उनके अनुसंधान कार्य का भाग है। यह यूनिट अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा अभिकरण, वियना, ऑस्ट्रिया द्वारा वित्त पोषित ''वेल्यू ऑफ इंट्रावेंट्रीकुलर सिंक्रोनिज्म असेस्मेंट बाई गेटेड स्पेक्ट मायोकार्डियल परफ्यूजन इमेजिंग (एमपीआई) इन द हार्ट फेलियर पेशेंट्स सबमिटेड टू कार्डियक रिसिंक्रोनाइजेशन थेरैपी'' शीर्षक से अंतरराष्ट्रीय बहु केंद्रित अनुसंधान परियोजना में शामिल है। यह यूनिट छः वित्त पोषित परियोजनाओं के लिए अन्य विभागों का भी सहयोग कर रहा है जिनमें से दो आईसीएमआर, एक अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा अभिकरण और एक राष्ट्रीय हृदय, फेफड़े और रक्त संस्थान (एनएचएलबीआई), यूएसए द्वारा वित्त पोषित है।

हृदय विकृति विज्ञान

हृदय विकृति विज्ञान हिस्टोपैथोलॉजी और साइटोपैथोलॉजी मामलों की नैमिक नैदानिक रिपोर्टिंग, स्नातकपूर्व छात्रों और स्नातकोत्तर छात्रों के शिक्षण, स्नातकोत्तर संगोष्ठियों, जर्नल क्लबों के संयोजन, पल्मोनरी पैथोलॉजी अंतरविभागीय सम्मेलनों, अनुसंधान और विकास संबंधी गतिविधियां, विशेष रूप से कार्डियक और पल्मोनरी पैथोलॉजी से संबंधित और संस्थान द्वारा समय–समय पर दिए गए अन्य कार्यों में शामिल है।

स्टेम सेल सुविधा (डीबीटी – स्टेम कोशिका अनुसंधान हेतु उत्कृष्टता केंद्र)

स्टेम सेल सुविधा हेतु प्रतिबद्ध है और पूर्व वित्तीय वर्ष 2015–16 के दौरान आधारभूत, प्रीक्लिनिकल, क्लिनिकल स्टेम सेल रिसर्च और रोगी देखभाल सेवाएं शामिल हैं। वर्तमान में 6 परियोजनाएं जारी है : एकल (एन=03) और विभिन्न विभागों के सहयोग से (एन=03), जिससे विभिन्न एजेंसियां जैसे डीबीटी, आईसीएमआर, यूजीसी, आदि द्वारा वित्त पोषित हैं। यह सुविधा विभिन्न शैक्षिक कार्यक्रमों में शामिल रही है जैसे भारत में विभिन्न संस्थानों के स्नातकोत्तर और व्यावसायिक छात्रों को प्रशिक्षण प्रदान करना। वर्तमान में कुल 9 पीएच.डी छात्र और 7 एमडी और डीएम छात्र यहां से डिग्री ले रहे हैं। भारत के अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों से छात्र जैसे आईआईटी–खड़गपुर और दिल्ली यूनिवर्सिटी, साउथ कैम्पस, ने प्लेटफॉर्म के रूप में इस सुविधा का उपयोग करते हुए पीएच. डी. के भाग भी पूरे किए हैं। इस सुविधा से तीन छात्रों का

आईसीएमआर से वित्त पोषण के लिए अपनी परियोजना के प्रस्ताव को प्रस्तुति के लिए चयन किया गया था। वर्तमान वर्ष में, वर्तमान में यह विभिन्न वैज्ञानिक रूपों में 12 अनुसंधान प्रकाशन और 12 सार प्रस्तुत थे। इस सुविधा के संकाय विभिन्न प्रतिष्ठित के संपादकीय बोर्ड के सदस्य के रूप में शामिल किया जाता है। इंटरनेशनल जर्नल जैसे साइंटिफिक रिपोर्ट (नेचर पब्लिशिंग ग्रुप), ट्रांसलेशनल सर्जरी, करेंट ट्रेंड्स इन स्टेम सेल एण्ड रिजनरेटिव मेडिसिन, इंसाइट्स इन स्टेम सेल, आदि। सुविधा के संकाय भी विभिन्न अंतरराष्ट्रीय निकायों का एक हिस्सा है जैसे इंटरनेशनल सोसायटी ऑफ सेलुलर थेरेपी (आईएससीटी), इंटरनेशनल सोसायटी ऑफ स्टेम सेल रिसर्च (आईएसएससीआर) एण्ड इंटरनेशनल सोसायटी ऑफ बायोलॉजिकल केमिस्ट्स। इस सुविधा के संकाय ने आर्थिक सहायता एजेंसियों जैसे डीबीटी, बायोसीएआरई, बीआईआरएसी, आदि के अनुसंधान और विकास खंड के अंतर्गत विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं के मूल्यांकन की दिशा में योगदान दिया है।

ओआरबीओ

दिल्ली पुलिस अधिकारियों हेतु ओआरबीओ द्वारा 24.11.2015 को सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया। माननीय गृह राज्य मंत्री, भारत सरकार, श्री किरण रिजिजू ने अंगदान में उनके बहुमूल्य योगदान के लिए 28 दिल्ली पुलिस अधिकारियों को सम्मानित किया। ओआरबीओ के प्रयास पर डीसीपी (दक्षिण) को अंग दान मुद्दों के समन्वय के लिए नोडल अधिकारी के रूप में प्रतिनियुक्त किया गया था। दिल्ली पुलिस के अधिकारियों के लिए 23/02/2016 को एमएलसी में अंग और ऊतक दान पर ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 50 दिल्ली पुलिस अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया। प्रोग्राम ऑन कैडवर ऑर्गन एण्ड टिशू डोनेशन पर सेवाकालीन नर्सों के लिए प्रक्रिया की शुरूआत की गई थी। एम्स के विभिन्न आईसीयू से 12 बैचों में शामिल 180 नर्सों को प्रशिक्षित किया गया था। सार्वजनिक शिक्षा और जागरूकता पैदा करने के लिए अंग और ऊतक दान पर 131 जागरूकता शिविर आयोजित किए गए थे। 5655 लोगों ने ओआरबीओ की प्रेरणा पर अंग और ऊतक दान की शपथ ली। ओआरबीओ ने एम्स में हृदय प्रत्यारोपण के पंजीकरण के नवीकरण को समन्वित किया। ओआरबीओ ने भी एनओटीटीओ द्वारा प्रत्यारोपण समन्वयकों के पाठ्यक्रम को अंतिम रूप देने में योगदान दिया।

अप्रैल से जून 2015 के बीच ओआरबीओ के संकाय सदस्य 422 बिस्तर वाली सुपर स्पेशलिटी के सीएन सेंटर के प्रबंधन और प्रशासन में भी शामिल रहा, जिसमें मानव संसाधन प्रबंधन, रोगी देखभाल का समेकन और समन्वय शामिल हैं। रक्त बैंक, प्रयोगशाला, मैनीफोल्ड, रिसेप्शन, लॉण्ड्री, सीएसएसडी आदि हेतु नर्सिंग, सफाई, सुरक्षा, प्रशासन, भण्डार एवं अन्य सहायक स्टाफ का निरीक्षण किया गया। हृद तंत्रिका केंद्र में (1) प्रशासनिक पहलुओं के लिए नर्सिंग तल समन्वयक और वार्ड प्रबंधन (2) रोगियों के नैदानिक और नर्सिंग देखभाल के लिए प्रबंधन के लिए रोगी देखभाल समन्वयक की प्रणाली को लागू किया गया।

रक्ताधान सेवाएं

हृ. तं. केंद्र की रक्त आधान सेवाएं एकत्रण और प्रसंस्करण द्वारा सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण रक्त और रक्त घटक उपलब्ध करवा कर एम्स के हृ. तं. केंद्र में भर्ती रोगियों की चौबीस घंटे ट्रांसफ्यूजन आवश्यकताओं को पूरा करती हैं। इन गतिविधियों में घर पर और बाहर रक्त एकत्रण, रक्त दाता को प्रेरणा देना तथा रक्त दान पूर्व एवं उसके पश्चात काउंसलिंग, रक्त घटक तैयार करना तथा विभिन्न सीरम संबंधी जांचें शामिल हैं। पैक्ड रेड सेल्स, प्लाज्मा, फ्रेशफ्रोजन प्लाज्मा, प्लेटलेट युक्त प्लाज्मा, प्लेटलेट सार, क्रियोप्रीसिपिटेट, ल्यूकोडेप्लेटेड रेड सेल्स जैसे घटक और प्लेटलेट पर्याप्त संख्या में और हर समय उपलब्ध हैं। अफेरेसिस प्रक्रियाओं और ऑटोलॉग्स दान की सुविधा उपलब्ध है।

बीटीएस में किए गए सीरम संबंधी परीक्षणों में रक्त समूह परीक्षण, अनियमित एंटीबॉडी की जांच करना, कॉलम संश्लेषण जैसी नवीनतम प्रौद्योगिकी का प्रयोग करके अनुकूलता परीक्षण करना शामिल है। एकत्र किए गए प्रत्येक यूनिट रक्त में हेपेटाइटिस बी, हेपेटाइटिस सी, एचआईवी–1 और 2 सिफिलिस और मलेरिया जैसे ट्रांसफ्यूजन दाययोग्य संक्रमणों का परीक्षण किया जाता है। इसके अतिरिक्त, हृदय प्रत्यारोपण के मामलों में सीएमवी परीक्षण किया जाता है। बेहतर परिणाम और गुणवत्ता के लिए विभाग की अधिकांश प्रयोगशालाओं में स्वचलन का प्रयोग किया जाता है। एचआईवी/ एचसीवी/ एचबीवी का पता लगाने के लिए अतिरिक्त स्क्रीनिंग जांच के रूप में एनएटी (न्यूक्लियक अम्ल प्रवर्धन परीक्षण) द्वारा दाता रक्त नमूनों की जांच की जा रही है। रक्त और रक्त घटकों, उपकरणों, प्रक्रियाओं और सेवाओं जैसे इसके उत्पादों के लिए गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली विद्यमान है। न्यूमेटिक ट्यूब सिस्टम लगाया गया था और रोगी के रक्त नमूनों तथा रूपों को लाने और ले जाने में प्रयोग किया जाता है। रक्त बैंक गतिविधि का कंप्यूटीकरण हो गया है और एचआईएस के साथ एकीकरण का कार्य प्रगति पर है।

शिक्षा

हृदय वक्ष और संवहनी सर्जरी

सीटीवीएस विभाग में निम्नलिखित हृदय सर्जरी, पैरा–मेडिकल स्टाफ, अल्पावधि प्रशिक्षण लिया था : डॉ. नवाग्बोसो, नाइजीरिया से चिमैबी इक्चुक्वु, डॉ. मुश्ताक अहमद मीर, शेर–ए–कश्मीर, इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, श्रीनगर, डॉ. अब्दुल मजीद दार, शेर–ए–कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, श्रीनगर, डॉ. अरविंद पी. रमन, मेडिकल कॉलेज अस्पताल, त्रिवेंद्रम, डॉ. कुनाल कृष्णा, सरकारी मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल, कोट्टायाम, गांधीनगर, पी. ओ. कोट्टायाम, केरल; डब्ल्यूएचओ अध्येता : डॉ. ग्वांग जीओ जेओ; डॉ. किल हयों आरआई; डॉ. मयोंग ग्योंग चोई; डॉ. जिन किम; डॉ. इन ग्योंग एचओ; डॉ. एच. वाययू किम; डॉ. जेई सॉन्ग किम; डॉ. चु नाम रा फ्रॉम डीपीआर कोरिया (8 सप्ताह)।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशाला / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

1. संरक्षण वॉल्व पर कार्यशाला, 1 – 5 अप्रैल, 2015, एम्स, नई दिल्ली।
2. 22 – 23 अगस्त 2015 को बेंटालज़ प्रक्रिया पर कार्यशााल, एम्स, नई दिल्ली।
3. ऑटोलॉगस पेरीकार्डियम के साथ महाधमनी वाल्व के पुनर्निर्माण पर कार्यशाला, 22 फरवरी 2016, एम्स, नई दिल्ली।
4. ऑर्टिक डिसेक्शंस पर कार्यशाला, 11 – 13 मार्च 2016, एम्स, नई दिल्ली।

प्रदत्त व्याख्यान

एस. के. चौधरी : 80	सचिन तलवार : 13	वी. देवागौरु : 5
मिलिंद पी होते : 5	सर्वेश पाल सिंह : 2	रमेश मेनन : 2

मौखिक पत्र/पोस्टर की प्रस्तुति : 18

हृदय रोग विज्ञान

विभाग में स्नातक, स्नातकोत्तर के शिक्षा और प्रशिक्षण शामिल है। संकाय द्वारा दैनिक शैक्षणिक गतिविधियों में जर्नल क्लब, मृत्यु दर बैठक, कैथ सम्मेलन, अल्प और दीर्घ सेमिनार, वाद–विवाद, नैदानिक मामला चर्चा और स्पॉटर्स शामिल हैं।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशाला / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

1. सीएसआई कार्डियक रोकथाम 2015, 25–27 सितंबर 2015, होटल ताज पैलेस, नई दिल्ली।
2. इण्डिया लाइव 2016, 26–28 फरवरी 2016, होटल ताज पैलेस, नई दिल्ली।
3. सीएसआई दिल्ली शाखा वार्षिक बैठक 2016, 12–13 मार्च 2016, होटल ललित, नई दिल्ली।
4. जेपीसीवीएस वार्षिक बैठक जेएनयू नई दिल्ली।

प्रदत्त व्याख्यान

वी. के. बहल : 8	अनीता सक्सेना : 10	एस. एस. कोठारी : 8
आर. जुनेजा : 2	संदीप सेठ : 1	जी. कार्तिकेयन : 4
एस. रामकृष्णन : 15	नीरज पारेख : 4	सौरभ के. गुप्ता : 2

मौखिक पत्र/पोस्टर की प्रस्तुति : 8

हृदय संवेदनाहरण

- सेना से 2 लेफ्टिनेंट कर्नल प्रायोजकों सहित 13 डीएम अभ्यर्थियों और मुख्य एनेस्थिया विभाग से 12 अन्य एम–डी जूनियर रेजिडेंट डॉक्टरों को कॉर्डियक–थोरेसिस–एनीस्थिया में सुपरस्पेशिलिटी प्रशिक्षण दिया गया।
- कॉर्डियक एनीस्थिया की विशेषता में अल्पकालिक प्रशिक्षण हेतु लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज से 9 एमडी अभ्यर्थियों को भेजा गया।
- श्री चित्रा तिरुनल इंस्टीट्यूट, त्रिवेंद्रम के 4 डीएम अभ्यर्थियों को अल्पकालिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया।
- विभाग में 2 संकाय और एक परफ्यूसनिस्ट सहित तीन उम्मीदवार पी. एच. डी. कर रहे हैं।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा/संगोष्ठी/कार्यशाला/राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का आयोजन

1. चौथी एम्स – ईसीएमओ कार्यशाला, 16 अगस्त 2015, एम्स, नई दिल्ली
2. सह आयोजन टीईई कार्यशाला 21 – 23 अगस्त 2015 नारायण ह्दयालय बैंगलोर

प्रदत्त व्याख्यान

संदीप चौहान : 9 | नीति मखीजा : 2 | पूनम कपूर मल्होत्रा : 28

मौखिक पत्र/पोस्टर की प्रस्तुति : 8

हृदय विकिरण विज्ञान

शिक्षण :

अतिरिक्त विभागीय

पूर्व स्नातक : कार्डियोवेस्कुलर इमेजिंग और वेस्कुलर हस्तक्षेपों के आधार पर व्याख्यान।

स्नातकोत्तर : कार्डियक रेडियोलॉजी क्विज, चिकित्सा, शल्य चिकित्सा, जठरांत्र विज्ञान, हृदय रोग विज्ञान और हृदय वक्ष शल्य चिकित्सा अर्थात संबद्ध विशेषता विभागों में मध्यस्थता सेमिनार। हृदय विज्ञान विभाग सहित नैदानिक–विकिरण बैठकें। संबद्ध विशेषताओं सहित नैदानिक संयुक्त दौर और नैदानिक अनुदान दौर में भागीदारी।

अंतरा–विभागीय

दैनिक मामले प्रस्तुतियां; साप्ताहिक पत्रिका क्लब और सेमिनार

<u>प्रशिक्षण :</u>

रेडियोलॉजी में जूनियर और सीनियर रेजीडेंट्स और हृदय रोग विज्ञान में सीनियर रेजीडेंट्स का प्रशिक्षण, कार्डियोवैस्कुलर इमेजिंग तथा संवहनी हस्तक्षेप की तकनीकों में सीटीवीएस और हृदय संवेदनाहरण।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशाला / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

1. इमेज गाइडिडथेरापिज़, 11–13 दिसंबर, 2015, दिल्ली। लाइव कांफ्रेंस एण्ड वेबिनार।
2. पेरिफेरल एंजियोग्राफिक टेकनिक्स, 12 फरवरी 2016, दिल्ली। वेबिनार।
3. इमेजिंग एण्ड इंटरवेंशन इन ऑर्टिक डिसेक्शन, 11 – 13 मार्च 2016, दिल्ली। लाइव कांफ्रेंस एण्ड वेबिनार।

प्रदत्त व्याख्यान

संजीव शर्मा : 10 गुरप्रीत सिंह गुलाटी : 15 प्रिया जगिया : 11

संजीव कुमार : 7

मौखिक पत्र/पोस्टर की प्रस्तुति : 1

<u>हृदय जैव रसायन</u>

शिक्षा : विभाग में तीन छात्र पीएचडी कर रहे हैं। यहां एमडी (जैव रसायन) के छात्रों के लिए प्रयोगशाला नैदानिकी में प्रशिक्षण कक्षाओं का आयोजन किया गया। यह स्नातक अध्यापन में भी शामिल रहा है।

प्रदत्त व्याख्यान

लक्ष्मी रामाकृष्णन : 1

मौखिक पत्र / पोस्टर की प्रस्तुति

<u>नाभिकीय चिकित्सा</u>

स्नातकोत्तर छात्रों की सं. : 31 (16 एम डी न्यूक्लियर मेडिसिन छात्र और 15 एमएससी न्यूक्लियर मेडिसिन तकनीक के छात्र, न्यूक्लियर कार्डियोलॉजी में चक्रानुक्रम आधार पर); क्लिनिकल अध्ययनों की रिपोर्टिंग के दौरान एमडी छात्रों का 'ऑन साइट' अध्यापन।

प्रदत्त व्याख्यान

चेतन डी. पटेल : 4

मौखिक पत्र/पोस्टर की प्रस्तुति : 2

<u>हृद विकृति विज्ञान</u>

कार्डियक पैथोलॉजी हिस्टोपैथोलॉजी और साइटोपैथोलॉजी मामलों की नैमिक नैदानिक रिपोर्टिंग; स्नातकपूर्व छात्रों और स्नातकोत्तर छात्रों के शिक्षण; स्नातकोत्तर संगोष्ठियों, जर्नल क्लबों के संयोजन; पल्मोनरी पैथोलॉजी अंतरविभागीय सम्मेलनों, अनुसंधान और विकास संबंधी गतिविधियां, विशेष रूप से कार्डियक और पल्मोनरी पैथोलॉजी से संबंधित और संस्थान द्वारा समय–समय पर दिए गए अन्य कार्यों में शामिल था।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशाला / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन :

प्रदत्त व्याख्यान

रूमा रे : 1 सुधीर कुमार ए : 3

स्टेम सेल सुविधा

स्नातक पूर्व, स्नातकोत्तर, पैरामेडिकल : विभाग पीएचडी, डीएम एवं एमडी के कार्यक्रमों में भाग लेता है।

क्र. सं.	कार्यक्रम	छात्रों की संख्या
1	एमएससी	लागू नहीं
2	पीएचडी	09
3	डीएम और एमडी	07
4	पैरामेडिकल	लागू नहीं

दीर्घ और लघु अवधि प्रशिक्षण :

लघु अवधि : लागू नहीं दीर्घ अवधि : 05

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशाला / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

प्रदत्त व्याख्यान

सुजाता मोहंती : 9

मौखिक पत्र/पोस्टर की प्रस्तुति : 7

ओआरबीओ

1. एम.बी.बी.एस. छात्रों के लिए कोमा और मस्तिष्क मृत्यु और अंग दान प्रबंधन पर एकीकृत व्याख्यान, अ. भा. आ. सं.।
2. एम्स और अन्य संस्थानों का एमएचए और एमएसडब्ल्यू छात्रों का अभिविन्यास।
3. शव अंग और ऊतक दान की प्रक्रिया पर सेवाकालीन नर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम ओआरबीओ प्रारंभ किया। एम्स के विभिन्न आईसीयू से 180 नर्सों के 12 बैचों को प्रशिक्षण दिया गया।
4. ओआरबीओ द्वारा दिल्ली पुलिस के अधिकारियों के लिए एमएलसी में अंग और ऊतक दान पर अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। दिल्ली पुलिस के 50 अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशाला / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

1. दिल्ली पुलिस के अधिकारियों को सम्मानित करने का कार्यक्रम 24.11.2015 को आयोजित किया गया। माननीय गृह राज्य मंत्री, भारत सरकार, श्री किरण रेजीजु ने दिल्ली पुलिस के 28 अधिकारियों को अंग दान में महत्वपूर्ण योगदान के लिए सम्मानित किया।

प्रदत्त व्याख्यान : 7

मौखिक पत्र/पोस्टर की प्रस्तुत : 3

रक्ताधान सेवाएं

अंजली हजारिका

1. सहायक आचार्य का प्रशिक्षण किया, ट्रांसफ्युजन मेडिसिन, 15 से 19 अप्रैल 2015 से ब्लड बैंक प्रोसिजर में एम्स रायपुर।
2. इन सर्विस एजुकेशन प्रोग्राम एट न्यूरोसाइंस के भाग के रूप में सुरक्षित ब्लड ट्रांसफ्युजन पर नर्सों और ओटी तकनीशियनों को प्रशिक्षित किया, सीएनसी एम्स, 19 एवं 26 अगस्त 2015,
3. 11 सितंबर 2015 को बी बी दीक्षित लाइब्रेरी द्वारा आयोजित एक्सेसिंग ई–रिसोर्सिस एण्ड यूजिंग एंटी–प्लाजिएरिज्म में अभिविन्यास कार्यशाला में भाग लिया और 10 और 11 अप्रैल 2015 को सीएमईटी, एम्स द्वारा एक अनुसंधान शोध पत्र लिखने पर कार्यशाला।
4. डीडीयू हॉस्पिटल, दिल्ली में 31 जुलाई 2015 को इम्यूनो – हेमेटोलॉजी पर सीएमई और कार्यशाला में भाग लिया।
5. चिकित्सक अधिकारी, एनएसीओ (एमओएचएफडब्ल्यू), भारत सरकार द्वारा आयोजित लैब तकनीशियन और स्टाफ नर्स, आरएमएल पीजीआईएमईआर, नई दिल्ली में दिसंबर 2015 से मार्च 2016 के बीच ब्लड बैंक के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षण संसाधन व्यक्ति थे।
6. एम्स में (ई–हेल्थकेयर में तकनीकी का प्रभावी उपयोग लागत) 5वां इंटरनेशनल सीएमई सीईयूटीएच में अध्यक्ष सत्र, 8 अगस्त 2015
7. बीटीएस सीएनसी में तकनीकी कर्मचारियों ने निम्नलिखित कार्यक्रमों में भाग लिया : सुश्री अनीता रानी (तकनीकी अधिकारी) एवं सुश्री चित्रा शर्मा ने 31 जुलाई 2015 को डीडीयू हॉस्पिटल में इम्यूनोहेमेटोलॉजी पर कार्यशाला में भाग लिया, सुश्री सुषमा माकन (तकनीकी अधिकारी) श्री इरफान खान और श्री अजय कुमार ने आरएमएल पीजीआई, नई दिल्ली में 1 से 5 फरवरी 2016 को एनएसीओ (एमओएचएफडब्ल्यू) द्वारा रक्ताधान सेवाएं हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। एनआईएमएस यूनिवर्सिटी, राजस्थान से (2013 – 2015) सुश्री चित्रा शर्मा बीएमएलटी में अध्ययनरत हैं, सुश्री चित्रा शर्मा और श्री इरफान खान ने एम्स में 22 से 23 फरवरी 2016 को नेशनल हेल्थ प्रोफेशनल्स कांफ्रेंस – 2016 (एएचपीसीओएन) में भाग लिया।
8. श्री थानकम्मा मैथ्यूस और श्री मंगलराम, स्टाफ नर्स, 8 से 10 फरवरी 2016 को रक्ताधान नर्सों, एनएसीओ (एमओएचएफडब्ल्यू) के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

प्रदत्त व्याख्यान

अंजली हजारिका : 3

अनुसंधान

हृदय वक्ष और संवहनी सर्जरी

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. कार्यात्मक माइट्रल वाल्व प्रत्यावहन (एफएमआर) के उपचार में डिवाइस बीएसीई (बेसल एनुलोप्लास्टी ऑफ कार्डिया एक्सटर्नली) की सुरक्षा और प्रभावकारिता का मूल्यांकन। चौधरी एस के, फोनिक्स कार्डियक डिवाइसेज प्राइवेट लिमिटेड, 3 वर्ष, 2015
2. बाल कार्डियक सर्जरी कराने वाले रोगियों में मायोकार्डियल सुरक्षा के लिए डेलनिडोकार्डियोप्लैजिया और सेंट थोमस कार्डियोप्लैजिया की तुलना। तलवार सचिन, सीएसआईआर, 2015, प्रतीक्षारत।

3. ओपन हार्ट सर्जरी करवा रहे बाल चिकित्सा रोगियों में मौखिक थायरोक्सीन पूरकता : ए डबल ब्लाइंड रेण्डोमाइज्ड क्लिनिकल ट्रायल तलवार सचिन, सीएसआईआर 2015, प्रतीक्षारत।

पूर्ण

1. सीएबीजी ऑफ और ऑन पम्प रेवेस्कुलेराइजेशन अध्ययन (सीओआरओएनएआरवाय), बलराम एरन, द कैनेडियन इंस्टीट्यूटस ऑफ हेल्थ रिसर्च, 6 वर्ष, 2009 – 2015, 30 लाख रुपए।
2. फैलोट के टेट्रोलॉजी के इंट्राकार्डियक रिपेयर से गुजर रहे रोगियों में ऑपरेशन पश्चात परिणाम पर एलोपुरिनोल के ऑपरेशन पूर्व व्यवस्था का प्रभाव, तलवार सचिन, एम्स आंतरिक अनुदान, 2014–15, 5,00,000 रु.।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. थोरेसिक एयोर्टिक एन्यूरिज्म का मोर्फोमेट्रिकी विश्लेषण (सीटीवीएस, पैथोलॉजी)।
2. वक्ष एरोटिक ऐन्यूरिज्म और विच्छेदन के लिए आनुवंशिकी मार्कर। सीटीवीएस, कार्डियक रेडियोलॉजी, कार्डियोलॉजी।
3. बाइकस्पिड महाधमनी वॉल्व वाले रोगियों के आरोही महाधमनी में अपक्षयी परिवर्तन की हद तक ऊतक रोग विज्ञान अध्ययन। सीटीवीएस, पैथोलॉजी, कार्डियोलॉजी, कार्डियक रेडियोलॉजी।
4. एमआरआई सहसंबंध के एब्स्टेइन विसंगति के शल्य चिकित्सा लेखा परीक्षा और महत्व। सीटीवीएस, कार्डियक रेडियोलॉजी, कार्डियोलॉजी।
5. स्थापित रुमेटिक वेल्वुलर रोग वाले रोगियों में उप–नैदानिक रोग गतिविधि का नॉन – इनवेसिव का पता लगाना। सीटीवीएस, कार्डियोलॉजी, पैथोलॉजी।
6. एरोटिक एन्नुलस डायमीटर और रियूमेटिक माइट्रल रिगर्जिटेशन के रोगियों में इंटेट्रिगोनल दूरी के बीच संबंध : 2डी, 3डी ट्रांसइसोफेजियल इकोकार्डियोग्राफिक से तैयार इंटेट्रिगोनल दूरी और प्रत्यक्ष रूप से मापी गई इंटेट्रिगोनल दूरी पर सीटीवीएस, कार्डियक एनेस्थीसिया के बीच सह संबंध का मूल्यांकन करने के लिए एक अध्ययन।
7. फिब्रिलिन 1 जीन म्युटेशन और सिस्टिक मेडिकल डिजनरेशन के साथ ऑर्टिक न्यूरिज्मस में टीजीएफ बीटा की भूमिका। सीटीवीएस, पैथोलॉजी।

पूर्ण

1. डीएसए और एमआर तकनीकों के उपयोग कर एंजियोसोम लक्षित वेसल बैड का महत्व और महत्वपूर्ण अंग इस्केमिया वाले रोगियों में एंडोवेस्कुलर उपचार में इसकी प्रासंगिकता। सीटीवीएस, कार्डियक रेडियोलॉजी, रेडियोलॉजी, सर्जरी।
2. गेटेड सीटी सहित एयोर्टिक एन्यूरिज्म और टाइप बी एयोर्टिक विच्छेदनों के आकलन में वेल्यूमेट्रिक विश्लेषण और गतिशील इमेजिंग की भूमिका। सीटीवीएस, कार्डियक रेडियोलॉजी, कार्डियोलॉजी।
3. बाल कार्डियक सर्जरी कराने वाले रोगियों में मायोकार्डियल सुरक्षा के लिए डेलनिडो कार्डियो प्लैजिया और सेंट थोमस कार्डियोप्लैजिया की तुलना। सीटीवीएस, कार्डियक जैव रसायन, कार्डियक एनीस्थिसियोलॉजी।
4. ओपन हार्ट सर्जरी करवा रहे बाल चिकित्सा रोगियों में मौखिक थायरोक्सीन पूरकता। सीटीवीएस, एंडोक्राइनोलॉजी, कार्डियोलॉजी।
5. एकल वेंट्रिकल फिजियोलॉजी के साथ रोगियों के कार्डियो पल्मोनरी व्यायाम पैरामीटरों की तुलना जिनका सुपीरियर कैवोपल्मोनरी एनास्टोमोसिस (बीडी ग्लैन) और/या संपूर्ण कैवोपल्मोनरी कनेक्शन किया गया है। सीटीवीएस, कार्डियोलॉजी, फिजियोथेरैपी, फिजियोलॉजी।

6. यूनिवेंट्रिकुलर फिजियोलॉजी के लिए सर्जरी करवा रहे रोगियों में कार्डियोपल्मोनरी बाइपास पर बाइ डायरेक्शनल कैवोपल्मोनरी एनास्टोमोसिस (बी डी ग्लेन) के तीन विभिन्न तकनीकों की तुलना। सीटीवीएस, कार्डियक जैव रसायन, कार्डियक एनीस्थिसियालॉजी।
7. वक्ष एरोटिक ऐन्यूरिज्मस में मेट्रिक्स मेटालोप्रोटिनेज–2, मेट्रिक्स मेटेलोप्रोटिनेज–9, ऊतक इनहिबीटर मेटलोप्रोटिनेज–1, ऊतक इनहिबीटर मेटेलोप्रोटीनेज–2, कोलाजेन 1 एवं 4 अभिव्यक्ति की अभिव्यक्ति सीटीवीएस, पैथोलॉजी।

हृदय विज्ञान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. हरियाणा के बल्लभगढ़ ब्लॉक में 18 – 25 साल की उम्र वाले वयस्क व्यक्तियों में रियूमेटिक हृदय रोग की दर का आकलन डॉप्लर के साथ इकोकार्डियोग्राफी द्वारा करना, अनीता सक्सेना, आईसीएमआर, 3 वर्ष, फरवरी 2016 – जनवरी 2019, 38.83 लाख रुपए।
2. जन समूह के लिए इकोनोमिक कफलेस बीपी मेजरमेंट डिवाइस, ए प्रसाद (आईआईटी) और अपर जुनेजा, आईयूएसएसटीएफ, 3 वर्ष, 2015 – 17, 45 लाख रुपए।
3. नवजात शिशुओं और परिधीय वीएएससी डीएस में महाधमनी के निसंकुचन का जल्दी पता लगाने के लिए अभिनव उपकरण। अभिजात बैलुर और आर जुनेजा, बीआईआरएसी, 3 वर्ष, 2015–17, 25 लाख रुपए।
4. बच्चों में कार्डियक चैनलोपैथिज़ और दुर्लभ हृदय विकारों की आनुवंशिकी, आर जुनेजा और श्रीधर शिवासुब्बु आईजीआईबी (डीबीटी), 3 वर्ष, 2015–17, आईजीआई द्वारा संपूर्ण निधिकरण।
5. एक्यूट रुमेटिक बुखार में एंडोथेलियल कार्य, एस. रामाकृष्णन, आई सी एम आर, 2 वर्ष, 2014–16, 55 लाख रुपए।
6. पीसीआई के बाद मैनुअल संपीड़न के लिए नाड़ी बंद होने के उपकरणों की तुलना, संदीप सिंह, अ. भा. आ. सं., 1 वर्ष, 2014–15, 5,00,000 रुपए।
7. प्राथमिक एंजियोप्लास्टी के दौरान आंशिक प्रवाह आरक्षित मार्गदर्शित स्टेंटिंग के साथ मैनुअल थ्रोम्बस एस्पिरेशन, नीरज पारेख, एम्स, 1 वर्ष, 2014 – 15, 5 लाख रुपए।
8. युवा वयस्कों में एक्यूट कोरोनरी सिंड्रोम के उपन्यास मार्कर का मूल्यांकन। सुनील कुमार वर्मा, एम्स, 2 वर्ष, 2013–15, 10 लाख रुपए।

पूर्ण

1. जन्मजात हृद रोगों में गंभीर पल्मोनरी आर्टेरी हाइपरटेंशन हेतु इंट्रावास्कुलर अल्ट्रासाउंड। आर जुनेजा, डीएसटी, 2014
2. बच्चों में रूमेटिक हृद रोग – अ. भा. आ. सं. अग्रदर्शी रजिस्ट्री। अनीता सक्सेना, आईसीएमआर, 2012–2015, 28 लाख रुपए।
3. रियूमेटिक हार्ट डिजीज ग्लोबल रजिस्ट्री (आरईएमईडीवाय) जी कार्तिकेयन (ग्लोबल सीओ – पीआई) कैनेडियन इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ रिसर्च, 2011 – 15, कैनेडियन डॉलर 150,000.
4. स्टेरॉइड्स इन कार्डियक सर्जरी (एसआईआरएस) ट्रायल जी कार्तिकेयन कैनेडियन इंस्टीट्यूटस ऑफ हेल्थ रिसर्च 4 2011 – 2015, कैनेडियन डॉलर 60,000 (केवल भारत)।
5. कोरोनरी इवेंट्स की इंटरमीडिएट जोखिम में रोगियों का आकलन में रेस्ट – स्ट्रेस एमआईबीआई–एसपीईसीटी से कोरोनरी सीटी एंजियोग्राफी की तुलना – एक प्रायोगिक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण जी कार्तिकेयन (ग्लोबल पीआई) अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी, 2011 – 15, यूरो 24,000 (केवल भारत)

6. मोबाइल पर डिस्प्ले के साथ एकल चैनल ईसीजी ऑन द गो, अभिनव और आर जुनेजा एसबीआईआरआई, सीएसआईआर, 3 वर्ष, 2013, 15 25 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. नॉन–कार्डियक सर्जरी के दौर से गुजर रहे रोगियों में प्रीऑपरेटिव जोखिम मूल्यांकन में बाएं निलय के विश्राम में कार्य करने का मूल्य।
2. ऑर्टो–ओस्टियल एर्थरोस्क्लेरोटिक कोरोनरी आर्टरी डिजीज रिस्क फेक्टर प्रोफाइल्स, डेमोग्राफिक और एंजियोग्राफिक विशेषताएं और इटियोलॉजी को समझना।
3. बच्चों में पेरिकार्डियल रोग : एक अवलोकन अध्ययन।
4. 12–लीड ईसीजी रेस्टिंग पर प्रारंभिक रीपोलेरिजेशन पैटर्न वाले व्यक्तियों के इलेक्ट्रोफिजियोलॉजिक का लाक्षणीकरण।
5. प्राथमिक पीसीआई से गुजर रहे रोगियों में पता लगाना और परिणामों का निर्धारक।
6. सही वेंट्रिकुलर पेसिंग के साथ रोगियों में बाएं निलय में शिथिलता की घटना और भविष्यवाणी।
7. प्राथमिक पीसीआई कराने वाले एसटी के अधिक स्तर सहित मायोकार्डियल इंफारकेशन के रोगियों में धुम्रपान करने वाले रोगियों के क्लिनिकल और एंजियोग्राफिक प्रोफाइल तथा 6 माह के परिणाम।
8. सामान्य आर्टेरियल ट्रंक का क्लिनिकल और मोर्फो–एंटोमिक अध्ययन।
9. क्रोनिक लिवर रोग वाले रोगियों में कार्डियोवेस्कुलर आकलन।
10. क्या उच्च दवा स्टेटिन उपचार के कारण स्मृति की हानि होती है?
11. माइट्रल स्टेनोसिस कराने वाले रोगियों में एट्रियल फाइब्रिलेशन के चिरकालिक रूपांतरण और अल्पावधि नियंत्रण में फ्लेकानिनाइड की उपयोगिता जिन्हें पीटीएमसी है।
12. प्राथमिक फेफड़ा /मेडीस्टिनल सारकॉइडोसिस के नाम से ज्ञात रोगियों में हृदय की भागीदारी की घटना।
13. इंट्रालेशनल बीटा ब्लॉकर्स बनाम पेरिओर्बिटल केशिका रक्तवाहिकार्बुद में मौखिक बीटा ब्लॉकर्स की तुलना।
14. स्थापित आरएचडी के रोगियों में नर्स के नेतृत्व में रोगी के परिणामों के लाभ।

पूर्ण

1. हृदय विफलता के रोगियों में अंतः स्रावी असामानताएं।
2. माइट्रल रेगुरगिटेशन में स्पेकल ट्रैकिंग और व्यायाम क्षमता के साथ सह संबंध।
3. बस चालकों के बीच बीपी निगरानी औषधालय।
4. तीव्र मायोकार्डियल इंफ्रेक्शन और उसके निदान महत्व के लिए रोगियों में प्राथमिक पीसीआई कराने के बाद थ्रोम्बस एस्पीरेटिड का लाक्षणीकरण।
5. क्यूआरएस की अवधि के साथ दाएं वेंट्रिकल में पेसिंग स्थल का सह संबंध।
6. चिरकालिक एसटी उन्नयन सहित मायोकार्डियल इंफारक्शन के लिए प्राथमिक परक्युटेनियस हस्तक्षेप; परिणाम और परिणामों के निर्धारक।
7. तीव्र मायोकार्डियल इंफ्रेक्शन और उसके निदान महत्व के लिए रोगियों में प्राथमिक पीसीआई कराने के बाद थ्रोम्बस एस्पीरेटिड का लाक्षणीकरण।
8. क्यूआरएस परिसर अवधि के साथ सही वेंट्रिकल में पेसिंग साइट का सहसंबंध।
9. कैथेटराइजेशन प्रयोगशाला, एम्स, नई दिल्ली में हृदय का कैथेटराइजेशन कराने वाले रोगियों में 2–5 साल के बीच सह प्रचालन पर रिकॉर्ड की गई मां की आवाज़ के प्रभाव का आकलन करने के लिए यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।

10. इसेन्मेन्गेर सिंड्रोम वाले रोगियों में मयोकार्डियल परफ्युजन की असामान्यता।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. माइक्रा ट्रांसकैथेटर पेसिंग अध्ययन। (मेडट्रोनिक)
2. एमईआरईएस1 क्लिनिकल ट्रायल। (मैरिल)
3. इस्केमिया परीक्षण (एनआईएच)।
4. टेक्स्टमेड्स – दवा लेने के पालन और माध्यमिक रोकथाम में सुधार लाने के लिए टेक्स्ट संदेश – एक अंतरराष्ट्रीय यादृच्छिक परीक्षण (नेशनल हेल्थ एण्ड मेडिकल रिसर्च काउंसिल (एनएचएमआरसी), ऑस्ट्रेलिया)।
5. इनविक्टस (इनवेस्टीगेशन ऑफ रियूमेटिक एएफ ट्रीटमेंट यूजिंग विटामिन के एंटागोनिस्ट्स, रिवारोक्सेबेन और एस्पीरिन स्टडीज़)। (पॉपुलेशन हेल्थ रिसर्च इंस्टीट्यूट, कनाडा)

हृदय संवेदनाहरण

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. डेसफ्लूरेन – फेंटेनिल और मेडाजोलाम – फेंटेनिल एनेस्थीसिया के प्रभावों की तुलना हृदय के वॉल्व की सर्जरी के बाद कार्डियक तथा तंत्रिका विज्ञान बायोमार्करों पर करना। पूनम मल्होत्रा कपूर, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2014 – 17, 18 लाख रुपए।

पूर्ण

1. सायनोटिक जन्म जात हृदय रोग के लिए शंट प्रक्रिया में डेस फ्लूरेन और टीवा – तैयार और प्रकाशित (परिशिष्ट) पूनम मल्होत्रा, फ्लोरिडा ग्रुप द्वारा आयोजित, दो वर्ष, 2014 – 16

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. ऑपरेशन से पहले टेट्रोलॉजी ऑफ फेलट के रोगियों में ऑपरेशन के बाद ठीक होने के लिए पूर्व संकेतक के रूप में इकोकार्डियोग्राफी से दाएं वेंट्रिकल के कार्य का आकलन।
2. ग्रेट आर्टरिज़ में आर्टिरियल स्विच ऑपरेशन कराने पर डी – ट्रांसपॉजिशन वाले शिशुओं में रेलाइट आधारित विस्कोमीटर का उपयोग।
3. धमनी स्विच आपरेशन में विभिन्न ईएसीए खुराक के साथ मूत्र एन गैल विश्लेषण।
4. कोलाइड और क्रिस्टालॉइड्स तुलना

पूर्ण

1. ऑन पम्प और ऑफ पम्प बीडी ग्लेन पर बीएनपी माप।
2. ऑपरेशन के पहले लक्ष्य निर्देशित उपचार का प्रयोग करके ऑफ पम्प और ऑन पम्प सीएबीजी के लिए एनजीएएल।
3. एरोटिक वॉल्व बदलने के बाद कार्डियक बायोमार्कर पर डेस फ्लूरेन और कुल इंट्रावेनस एनेस्थीसिया के साथ बेहोशी की दवा ग्रहण करने के प्रभावों की तुलना करना।

हृदय विकिरण विज्ञान

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. रीढ़ की हड्डी में चोट के इलाज के लिए ऑटोलॉगस बोन- मज्जा व्युत्पन्न कोशिकाओं मोनोन्यूक्लियर की इंट्रा धमनी इंजेक्शन का उपयोग।
2. वक्ष महाधमनी धमनीविस्फार और विच्छेदन के साथ रोगियों में संभावित आनुवंशिक बायोमार्कर का अध्ययन।

पूर्ण

1. महत्वपूर्ण अंग इस्केमिया वाले रोगियों में लक्ष्य पोत बिस्तर की पहचानः एमआरए और डीएसए की तुलना।
2. क्रोनिक कंस्ट्रिक्टिव पेरीकार्डिटिस में माइकोकार्डियल संलिप्तता : निदान और उपचार परिणामों की पूर्व सूचना के लिए इमेजिंग की भूमिका।
3. ओएसए/ओएचएस वाले मोटापे से ग्रस्त भारतीयों में हृदय रुग्णता का मूल्यांकन करना।

हृदय जैव रसायन

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. एंडोथीलियल प्रोजेनिटर सेल (ईपीसी) टेट्राहाइड्रोबायोप्टेरिन (बीएच4) स्तर और ईपीसी संख्या के साथ उनका सहयोग और कोरोनरी धमनी रोग (सीएडी) के रोगियों में कार्य का अध्ययन। आर लक्ष्मी, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 39 लाख रु.।
2. एण्डोथेलियल प्रोजेनिटर कोशिका (ईपीसी) के साथ सीएडी रोगियों में ईपीसी की संख्या में टेट्राहाइड्रोबायोपटेरिन (बीएच4) स्तरों के संबंध का अध्ययन। आर लक्ष्मी, एम्स, 2 वर्ष, 2015, 10 लाख रु.।

पूर्ण

1. वयस्क अवस्था में टेलोमेर लंबाई एवं टेलोमेरेज गतिविधि पर जन्म आकार, शिशु एवं बाल्यावस्था वृद्धि का संबंध। आर. लक्ष्मी डीबीटी, 2012–2015, 70.87 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. वयस्क अवस्था में टेलोमेर लंबाई एवं ऑक्सीडेटिव तनाव मार्करों पर जन्म आकार, शिशु एवं बाल्यावस्था कैचअप वृद्धि का संबंध।
2. एंडोथीलियल प्रोजेनिटर सेल (ईपीसी) टेट्राहाइड्रोबायोप्टेरिन (बीएच4) स्तर और ईपीसी संख्या के साथ उनका सहयोग और कोरोनरी धमनी रोग (सीएडी) के रोगियों में कार्य का अध्ययन।
3. भारत में एक सुपरस्पेशलिटी सेंटर में एक ब्लड बैंक में रक्त सूची अनुकूलन।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. ल्यूकोसाइट मेंम्ब्रेन पूरक नियामक प्रोटीन के संबंध, पैथोफिजियोलॉजी और कोरोनरी धमनी रोग की गंभीरता के साथ एमबीएल और एमएएसपी2 (जैव रसायन)
2. पोलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस) और आहार कारकों से अपने मॉड्यूलेशन के साथ भारतीय महिला में इंफ्लेमेशन की भूमिका (एंडोक्राइनोलॉजी)।
3. परिणाम के विशेष संदर्भ में कश्मीर घाटी में जनजातीय आबादी का स्वास्थ्य सर्वेक्षण और गैर–संचारी रोग के जोखिम कारक : एक सहयोगात्मक क्रॉस अनुभागीय अध्ययन (एंडोक्राइनोलॉजी)।
4. भारतीय महिला में पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस) के साथ विटामिन बी12 की कमी की व्यापकता और पीसीओएस वाली महिला के प्रबंधन में परंपरागत दवा की प्रभावकारिता पर विटामिन बी12 का प्रभाव (एंडोक्राइनोलॉजी)।
5. कोरोनरी धमनी रोग वाले रोगियों की इर्मोटेलाइज पेरीफेरल ब्लड मोनोन्युक्लियर कोशिकाओं के जीन टेलोमेरेज ट्रांसक्रिप्टेस (टीईआरटी) लक्षित करना। (स्टेम कोशिका)।
6. जन्म वजन एवं वृद्धि ट्रेजेक्टरी के आनुवंशिक निर्धारक एवं इन एंथ्रोपोमेट्रिक संसूचकों पर अभिभावकीय जीनोटाइप का प्रभाव (अंतः स्राविकी विज्ञान)।
7. 60 वर्ष एवं अधिक आयु के वृद्ध जन समुदाय में पोषणिक स्तर, आहार संबंधित रूग्णता एवं स्वास्थ्य उपचार सुविधाओं के प्रयोग का मूल्यांकन (मानव पोषण एकक)।
8. हिमाचल प्रदेश, भारत के तीन उच्च एल्टीट्यूट क्षेत्रों (1000 मीटर एवं ऊपर) से 6–18 वर्ष के आयु समूह में बच्चों में विटामिन डी हीनता एवं संबंधित कारकों की व्यापकता का मूल्यांकन (भारत मानव पोषण एकक)।
9. विटामिन डी और स्तन कैंसर के विकास के साथ कैल्शियम का संबंधः–एक मामला नियंत्रित अध्ययन (मानव पोषण एकक)।
10. अधिक वजन के प्रसार का अध्ययन, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश में एचआईजी के संबद्ध में 10–16 वर्ष के आयु समूह के बच्चों में मोटापा और बाल चिकित्सा उपापचयी सिंड्रोम और जुड़े हुए जोखिम कारक (मानव पोषण एकक)।
11. चिरकारी अग्न्याशय शोथ में फिब्रोसिस के मार्कर्स एवं पैंक्रियाटिक प्रकार्य पर ऐंटीऑक्सीडेंट संपूरण का प्रभाव : यादृच्छिक नियंत्रित दोहरा परीक्षण (जठरांत्र विज्ञान)।
12. पीडियाट्रिक ओपन–हार्ट सर्जरी में डेलनाइड और सेंट थॉमसकार्डियो प्लेजिया समाधान की एक तुलना : एक भावी यादृच्छिक नियंत्रक परीक्षण (सीटीवीएस)।
13. आपातकालीन विभाग में तीव्र कोरोनरी सिंड्रोम (एसीएस) वाले रोगियों के स्ट्रेटिफिकेशन जोखिम में कार्डियक बायोमार्कर्स की भूमिका (आपातकालीन चिकित्सा)।
14. आर्टिरियल स्विच ऑपरेशन से गुजर रहे शिशुओं में ईएसीए की विभिन्न खुराक के साथ यूरिन का एनजीएएल विश्लेषण (कार्डियक एनेस्थीसिया)।
15. किशोर बालिकाओं (12–19 वर्ष) के बीच हिमोग्लोबिन स्तरों पर विटामिन बी 12 के साथ आयरन और फोलिक एसिड (आईएफए) के पैकेज के पूरक के प्रभाव पर दक्षता परीक्षण (मानव पोषण एकक)।
16. जनसंख्या के स्तर पर आहार सोडियम की मात्रा के आकलन के लिए 24 घंटे मूत्र के नमूने के बीच स्पॉट यूरिन के नमूने का मान्यकरण। (सीसीएम)
17. प्रारंभिक लक्ष्य बाल चिकित्सा सेप्टिक आघात : परिणामों की तुलना के लिए अंतराल पर बनाम सतत निगरानी एससीवीओ2 का उपयोग करना (बाल रोग विज्ञान)

पूर्ण

1. युवा वयस्कों की कार्डियोलोजी में एक्यूट कोरोनरी सिंड्रोम के नए मार्कर का मूल्यांकन।
2. माइट्रल स्टेनोसिस वाले रोगियों में मूल स्ट्रोक की व्याप्तता।

3. रूमेटिक माइट्रल स्टेनोसिस में अटरियल फाइब्रिलेशन के लिए एक जोखिम कारक के रूप में क्रॉनिक इंफ्लेमेशन की भूमिका : क्या एएफ घटना इफ्लेमेटरी बायोमार्करों की भविष्यवाणी कर सकते है? (हृदय रोग विज्ञान)।

नाभिकीय चिकित्सा

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. वेल्यू ऑफ इंट्रावेंट्रीकुलर सिंक्रोनिज्म असेस्मेंट बाई गेटेड स्पेक्ट मायोकार्डियल परफ्यूजन इमेजिंग (एमपीआई) इन द हार्ट फेलियर पेशेंट्स सबमिटेड टू कार्डियक रिसिंक्रोनाइजेशन थेरैपी। चेतन डी. पटेल, आईएईए, विएना, 3 वर्ष, 2013–16, 11 लाख रु.।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. वॉटरशेड एल्गोरिथ्म का उपयोग कर ठोस ट्यूमर कैंसर के साथ रोगियों में एफ–18 एफडीजी पीईटी/सीटी छवियों पर ट्यूमर विभाजन।
2. टाइप 2 मधुमेह के रोगियों में स्पर्शोन्मुख दौरे की जांच।
3. बाल चिकित्सा होजकिन लिंफोमा : जीवविज्ञान और परिणाम
4. टीसीपीसी 99एम एमएए लंग परफ्युजन स्कैन का उपयोग करते हुए फोंटन प्रक्रिया के बाद फेफड़े के परफ्युजन की तुलना : एक्स्ट्राकार्डियक टीसीपीसी बनाम लेटरल टनल टीसीपीसी।
5. आर्टीरियल स्विच ऑपरेशन के बाद रिग्रेस्ड वेंट्रिकल के साथ रोगियों की जांच के लिए एडेनोसाइन तनाव इकोकार्डियोग्राफी पर तनाव एडेनोसाइन टीसी 99एम एमआईबीआई मायोकार्डियल परफ्यूजन एसपीईसीटी और कोरोनरी फ्लो रिजर्व द्वारा मायोकार्डियल परफ्यूजन असामान्यताओं की तुलना।

पूर्ण

1. हार्ट फेलियर वाले रोगियों में जीवन की गुणवत्ता और कार्यात्मक स्थिति के साथ तुलना में टीसी–99एम – एमआईबीआई मायोकार्डियल परफ्यूजन एसपीईसीटी पर मूल्यांकन बाएं वेंट्रीकुलर डायसिंक्रोनी, मायोकार्डियल परफ्यूजन असामान्यताएं और सिस्टोलिक कार्य के बीच संबंध।
2. आर्टीरियल स्विच ऑपरेशन के बाद रिग्रेस्ड वेंट्रिकल के साथ रोगियों की जांच के लिए एडेनोसाइन तनाव इकोकार्डियोग्राफी पर तनाव एडेनोसाइन टीसी 99एम एमआईबीआई मायोकार्डियल परफ्यूजन एसपीईसीटी और कोरोनरी फ्लो रिजर्व द्वारा मायोकार्डियल परफ्यूजन असामान्यताओं की तुलना का पता लगाया गया।
3. सिमिंद मोंटे कार्लो कोड का उपयोग कर मायोकार्डियल परफ्यूजन इमेजिंग और उनके नैदानिक चिकित्सा पर इंफेरियर वॉल दोष का लाक्षणीकरण।
4. टीसी99एम– एमआईबीआई मायोकार्डियल परफ्यूजन इमेजिंग पर इसेन्मेन्गर सिंड्रोम में दाहिने निलय में परफ्यूजन दोष का पता लगाना।
5. कोरोनरी एंजियोग्राफी के साथ तनाव मायोकार्डियल परफ्युजन इमेजिंग का सह संबंध : एक पूर्व व्यापी अध्ययन।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. चिकित्सा और गहन दृष्टिकोण के साथ तुलनात्मक स्वास्थ्य प्रभावशीलता का अंतरराष्ट्रीय अध्ययन (इस्केमिया परीक्षण) कार्डियोलॉजी।

2. इस्केमिक स्ट्रोक और टीआईए वाले रोगियों में सिम्प्टोमेटिक और एसिप्टोमेटिक कोरोनरी धमनी रोग की व्यापकता। न्यूरोलॉजी, कार्डियोलॉजी।

पूर्ण
1. रोधगलितांश संबंधित धमनी के देर से खुलने के बाद स्टेम कोशिका की भूमिका (सीओएटी परीक्षण) कार्डियोलॉजी, स्टेम कोशिका सुविधा।
2. कोरोनरी घटनाओं के इंटरमिडिएट जोखिम में रोगियों के मूल्यांकन में एसईसीटी–एमपीआई और कोरोनरी सी टी एंजियोग्राफी की भूमिका। कार्डियोलॉजी।
3. प्राथमिक एंजियोप्लास्टी के दौरान आंशिक प्रवाह आरक्षित मार्गदर्शित स्टेंटिंग के साथ मैनुअल थ्रोम्बस एस्पिरेशन कार्डियोलॉजी।

<u>हृद विकृति विज्ञान</u>

विभागीय परियोजनाएं

जारी
1. तीव्र मायोकार्डियल इंफ्रेक्शन और उसके निदान महत्व के लिए रोगियों में प्राथमिक पीसीआई कराने के बाद थ्रोम्बस एस्पीरेटिड का लाक्षणीकरण।
2. चूहों में ब्लियोमाइसिन–इंड्यूस्ड पल्मोनरी टोक्सिटी में मेटफॉर्मिन पर अध्ययन।
3. फेशियल वॉल्यूम घटने के उपचार में ऑटोलॉगस गैर–सुसंवर्धित त्वचीय कोशिका संस्पेंशन प्रत्यारोपण।
4. हाइपर पिग्मेंटेशन का डर्मोस्कोपिक अध्ययन।
5. ल्यूपस मिलियारिस डिसमिनेट्स फेसिसि और ग्रेनुलोमेट्स सृक्कशोथ क्लीनिकोपैथोलॉजिकल अध्ययन।
6. ओरल स्क्वैमस कोशिका कार्सिनोमा और वेरूकोस कार्सिनोमा में एचपीवी–16 और ईजीएफआर में उत्परिवर्तन।
7. चूहों में फेफड़े की धमनी उच्च रक्तचाप के प्रयोगशाला में अर्जुन (*अर्जुन वृक्ष* (*रॉक्सब.*)) और तुलसी (*ओसीमम सैंक्टम* (*लिन्न.*)) का मूल्यांकन।
8. ओरल सब म्युकस फाइब्रोसिस के इम्यूनोहिस्टोकेमिकल लक्षण और सर्जिकल परिणाम।
9. प्राथमिक सिलियरी डाय डिस्केनेसिया के क्लिनिकल दृष्टि से संदिग्ध मामलों में सिलियरी असामान्यता का इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपिक अध्ययन।

पूर्ण
1. वक्ष एरोटिक ऐन्यूरिज्मस में मेट्रिक्स मेटालोप्रोटिनेज–2, मेट्रिक्स मेटेलोप्रोटिनेज–9, ऊतक इंहिबीटर मेटलोप्रोटिनेज–1, ऊतक इंहिबिटर मेटेलोप्रोटीनेज–2, कोलाजेन 1 एवं 4 अभिव्यक्ति की अभिव्यक्ति।
2. फाइब्रोसिस, कोशिका घनत्व, आर्टरियोलर घनत्व और कोलेजन 4 वितरण के पैटर्न के हिस्टोलॉजिकल और मोर्फोमेट्रिक विश्लेषण के विशेष संदर्भ में फैली हुई कार्डियोमायोपैथी के रोग का मूल्यांकन – एंडोमायोकार्डियल बायोप्सी और एक्सप्लांटिड मूल हृदय पर एक अध्ययन।
3. युवा भारतीयों में कोरोनरी एथिरोस्क्लिरोसिस की व्यापकता : एक ऑटोप्सी अध्ययन।
4. ई–कैथेरिन, बीटा–म्यूनोहिस और और एक गर्भाशय ग्रीवा लिम्फ नोड में एक मेटास्टेटिक स्क्वैमस कोशिका कार्सिनोमा के साथ उसकी तुलना में मौखिक स्क्वैमस कोशिका, वेरूकोस कार्सिनोमा में विमेंटिन का इम्युनोहिस्टोकैमिकल अध्ययन।
5. एकल एंजाइम (ट्रिप्सिन) और कई एंजाइम (ट्रिप्सिन, कोलेजिनेस और डिस्पेस) से विटिलिगो में प्रतिरोपण के लिए निकाले गए बाल के फॉलिकल बाहरी जड़ की शीथ कोशिका निलंबनों की विभिन्न कोशिकाओं की दक्षता, जीव क्षमता और संरचना का तुलनात्मक अध्ययन।
6. इम्यूनोहिस्टोकैमिस्ट्री पर विशेष बल के साथ त्वचीय तपेदिक का एक क्लिनको रूपात्मक अध्ययन।

7. मैकुलोपेपुलर वायरल एक्जांथेम और दवा प्रेरित एक्जांथीमा की हिस्टोपैथोलॉजिकल सुविधाओं का आकलन।
8. कार्सिनोमा के साथ और लिम्फनोड मेटास्टेसिस और वेरूकस कार्सिनोमा के बिना ओरल स्क्वैमस सेल में जैक –पी, स्टेट–3 तथा बीसीएल–2 की इम्यूनोहिस्टोकैमिकल अभिव्यक्ति।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. हार्ट फेलियर में फाइब्रोसिस (भारत और यूके में फार्माकोलॉजी, कार्डियोलॉजी)।
2. प्रतिकूल प्रभावों को कम करने के लिए पैकेजिंग और माइकोबैक्टीरियम वैक्सीन के दर्द का इंजेक्शन और एक नए नियमन का विकास और दुर्दम्य एनोजेनिटल और एक्स्ट्रा–जेनेटिकल (सामान्य) में उनका नैदानिक परीक्षण वार्ट्स (त्वचा विज्ञान) एम्स।
3. फेशियल वॉल्यूम घटने के उपचार में ऑटोलॉगस गैर–सुसंवर्धित त्वचीय कोशिका संस्पेंशन प्रत्यारोपण, त्वचा रोग विज्ञान, एम्स।
4. चूहे में प्रेरित फेफड़े विषाक्तता ब्लिओमायसिन में सीसेमोल का अध्ययन, फार्माकोलॉजी एम्स।
5. पेम्फिगस वलगेरिस के इम्यूनोपैथोजेनेसिस में पैटर्न मान्यता रिसेप्टर (पीआरआर) के साथ $\gamma\delta$ टी कोशिका सबसेट की फिनोटाइपिक और कार्यात्मक भूमिका की खोज, फार्मेकोलॉजी, एम्स।

<u>स्टेम सेल सुविधा *(डीबीटी–स्टेम सेल अनुसंधान के लिए उत्कृष्टता केंद्र)*</u>

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. अस्थि मज्जा और एडिपोस ऊतक से प्राप्त मिसेनकाइमल स्टेम कोशिकाओं (एमएससी) द्वारा स्रावित एक्सोसोम का अध्ययन। सुजाता मोहंती, एम्स 1 वर्ष, 2015 – 16, 4.70 लाख रुपए।
2. माइक्रोपैटर्न सतह और डिसेलुराइज्ड कोर्नियस का उपयोग कर स्कल्पचरिंग कॉर्निया निर्माण, सुजाता मोहंती, डीबीटी, 3 वर्ष, 2014–2017, 27.98 लाख रुपए।
3. कोरोनरी धमनी रोग के रोगियों में पेरीफेरल रक्त मोनो न्यूक्लियर कोशिकाओं को स्थायी बनाने के लिए टीलोमरेस ट्रांसक्रिप्टेस (टीईआरटी) जीन को लक्षित कराना। सुजाता मोहंती, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2014–2017, 56.0 लाख रुपए।
4. माइटोकोंड्रियल अंतरण के जरिए कोशिका की मरम्मत और पुनर्जनन में ऊतक विशिष्ट एमएससी की भूमिका के मूल्यांकन के लिए एक तुलनात्मक अध्ययन, सुजाता मोहंती, डीबीटी, 3 वर्ष, 2016 – 19, 16.0 लाख रुपए।

पूर्ण

1. मानव अस्थि मज्जा मेसेंकायमल स्टेम कोशिकाओं से व्युत्पन्न प्रकार्यात्मक रूप से सक्रिय कार्डियोमायोसाइटिस के वंश की ओर हृद विशेष जीनों के संबंध का अध्ययन करना, सुजाता मोहंती, आई सी एम आर, 3 वर्ष, 2012–15, 49.9 लाख रुपए।
2. एंब्रियोनिक स्टेम कोशिकाओं के स्व नवीनीकरण के अनुरक्षण में माउस एंब्रियोनिक फिब्रोब्लास्ट एवं मानव फोर स्किन फाइब्रोब्लास्ट फीडर कोशिकाओं की भूमिका : टी जी एफ – एवं आई जी एफ –।। की भूमिका, सुजाता मोहंती, यूजीसी, 2 वर्ष, 2013–15, 4.7 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. कार्यात्मक कार्डियोमायोकाइटस में अस्थि मज्जा व्युत्पन्न मेसेंकायमल स्टेम कोशिकाओं के विभेद क्षमता का पता लगना।
2. मानव मेसेंकायमल स्टेम कोशिकाओं से कार्यात्मक डोपामिनर्जिक न्यूरोन्स का अध्ययन।
3. एचएलए–जी और अन्य घुलनशील कारकों के माध्यम से ऊतक विशिष्ट मानव एमएससी की इम्यूनोमॉड्यूलेटरी संभाव्यता।
4. दवा प्रेरित जिगर चोट मॉडल में ऊतक विशिष्ट एमएससी निकाली गई एक्सोसोम्स की भूमिका का मूल्यांकन।
5. पूर्ण क्लिनिकल संभाव्यता के लिए दाता के कॉर्नियल ऊतकों के विस्तारित उपयोग हेतु कार्यनीतियों की खोज के लिए पात्रे अध्ययन।
6. स्टीवन जॉनसन सिंड्रोम और उसके नेत्र सिक्वेल की आण्विक विशेषता।
7. भेदभाव थायराइड कैंसर का इमेजिंग और आणविक लक्षण वर्णन।
8. हेपेटो सेलुलर कार्सिनोमा में बायोमार्कर के रूप में माइक्रो आरएनए की भूमिका।
9. कैल्शियम सिलिकेट आधारित सिमेंट द्वारा गैर अवकलित मिसेनकाइमल स्टेम कोशिकाओं की कोशिकीय प्रतिक्रियाओं तथा ऑस्टियोजेनिक संभाव्यता का तुलनात्मक मूल्यांकन – एक हिस्टोकैमिकल अध्ययन।
10. स्तन कैंसर के लक्षण वर्णन ऑप्टिकल।
11. अस्थि ऊतक इंजीनियरी में मानव अस्थि मज्जा से उत्पन्न एचएमएससी और इसके अनुप्रयोग हेतु एचयूवीईसी माइक्रो ऊतकों से पात्रे और जीवे एण्डोथेलियल नलियों को स्थिर बनाना।
12. मौखिक केविटी स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में परिसंचारी ट्यूमर कोशिकाओं के डिटेक्शन और मात्रा का पता लगाना।
13. एप्लास्टिक एनीमिया में टी कोशिकाएं सबसेट और उनके कार्य
14. डायबिटीज़ के घावों में ठीक होने की ताकत बढ़ाने के लिए दिए गए मेट्रिक्स में एडिपोज से उत्पन्न मिसेनकाइमल स्टेम कोशिकाओं के अवकलन को समझना।
15. चूहों में मध्य सेरिब्रल आर्टरी की रुकावट के मॉडल में आघात पर आघात संबंधी जीनों के अभिव्यक्ति स्तर पर मानव अस्थि मज्जा से उत्पन्न मिसेनकाइमल स्टेम कोशिकाओं और प्रवर्तक के मेथिलेशन पैटर्न के प्रभाव।

पूर्ण

1. संपूर्ण हृदय ब्लॉक में पेसिंग आवश्यकताओं को कम करने के लिए स्टेम सेल थेरैपी की भूमिका।
2. एकल एंजाइम (ट्रिप्सिन) और कई एंजाइम (ट्रिप्सिन, कोलेजिनेस और डिस्पेस) से विटिलिगो में प्रतिरोपण के लिए निकाले गए बाल के फॉलिकल बाहरी जड़ की शीथ कोशिका निलंबनों (ईएचएफ ओआरएस सीएस) की विभिन्न कोशिकाओं की दक्षता, जीव क्षमता और संरचना का तुलनात्मक अध्ययन।
3. एम्नियोटिक द्रव से मेसेंकायमल स्टेम सेल का आइसोलेशन और लाक्षणीकरण।
4. रक्त स्राव के आघात से प्रभावित अभिघात पीड़ितों में पुनर्योगज मानव एरिथ्रो प्रोटीन की भूमिका का अध्ययन करना : स्टेम कोशिका विषमता के माध्यम से एक विट्रो एप्रोच।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. मैकुलर डिजनरेशन से संबंधित ड्राइ ऐज में ऑटोलॉग्स अस्थि मज्जा व्युत्पन्न स्टेम कोशिकाओं का मूल्यांकन (रा. प्र. केन्द्र)।
2. आंखों में जलन के कारण कुल लिम्बल स्टेम कोशिका कमी के कारण इसके प्रबंधन में एम्नियोटिक झिल्ली प्रतिरोपण बनाम लिम्बल लेंटिक्युल प्रत्यारोपण से ऑटोलॉगस संवर्धित लिम्बल स्टेम कोशिकाओं की तुलना : एक यादृच्छिक नियंत्रित क्लिनिकल परीक्षण (आरपीसी)।
3. बाइफंक्शनल मार्करों के उपयोगी स्ट्रोक में ऑटोलोगस स्टेम सेल ट्रांसप्लांटेशन की पेराक्राइन मैकेनिज्म का अध्ययन (तंत्रिका विज्ञान)।

पूर्ण

1. अंबिलिकल कॉर्ड और एम्नियोटिक फ्ल्यूड से मेसेंकायमल स्टेम कोशिकाओं का आइसोलेशन एवं लाक्षणीकरण।

ओआरबीओ

जारी

1. भारत में एक सुपर स्पेशिलिटी ब्लड सेंटर में ऑप्टिमिसिंग ब्लड इंवेंटरी का प्रबंधन
2. अ. भा. आ. सं. अस्पताल में नर्सों के व्यावसायिक जीवन की गुणवत्ता और नर्सों में बर्न आउट पर अध्ययन।

पूर्ण

1. अ. भा. आ. सं. में विभिन्न प्रयोगशालाओं में तत्संबंधी जांच और शुल्क का अध्ययन।
2. जठरांत्र शल्य चिकित्सा विभाग, अ. भा. आ. सं. में रोगियों की सुरक्षा के लिए एक उपकरण के रूप में स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के बीच संचार का अध्ययन करना।
3. सी. एन. सेंटर में पैकेज चार्ज के तहत इलाज कराने वाले रोगियों के बिल्स की प्रतिपूर्ति प्रक्रिया और निपटान का अध्ययन।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. सीआरएचएसपी – एम्स, बल्लभगढ़ सीसीएम, एम्स, नई दिल्ली में वयस्क ग्रामीण आबादी के बीच ऑर्गन डोनेशन में ज्ञान और बाधाओं का अध्ययन।

रक्ताधान सेवाएं

विभागीय परियोजनाएं

1. भारत में एक सुपरस्पेशलिटी रक्त केंद्र में अनुकूलन रक्त सूची प्रबंधन – एक मामला अध्ययन।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. एचआईवी – 1 प्राथमिक आइसोलेट का उत्पादन और लाक्षणीकरण व्यापक उदासीनी कारक एंटीबॉडी की उदासीनीकरण संवेदनशीलता के लिए बाल रोगियों से अलग करना, जैव रसायन विभाग, एम्स।
2. एचआईवी–1 संक्रमण में डीसी–एसआईजीएनआर की इम्यूनोमोड्यूलेटरी की भूमिका, जैव रसायन विभाग, एम्स।

3. एचआईवी – 1 प्राथमिक आइसोलेट का उत्पादन और लाक्षणीकरण व्यापक उदासीनी कारक एंटीबॉडी की उदासीनीकरण संवेदनशीलता के लिए बाल रोगियों से अलग करना। जैव रसायन विभाग, एम्स।
4. एचआईवी–1 संक्रमण में डीसी–एसआईजीएनआर की इम्यूनोमोड्यूलेटरी की भूमिका, जैव रसायन विभाग, एम्स।
5. एचआईवी–1 से संक्रमित एंटीरेट्रोवाइरल नैवे और उपचारित व्यक्तियों के डेंटड्राइटिक कोशिकाओं पर नियामकों और पूरक रिसेप्टर्स की अभिव्यक्ति का अध्ययन, जैव रसायन विभाग, एम्स
6. कोरोनरी धमनी रोग वाले रोगियों के इम्मोर्टिलाइज पेरीफेरल रक्त मोनोन्युक्लियर कोशिकाओं को जीन टेलोमेरेज रिवर्स ट्रांसक्रिप्टेस (टीईआरटी) लक्षित करना, स्टेम सेल विभाग, सीएनसी।
7. स्वस्थ भारतीय वयस्कों में सीरम मुक्त लाइट चेन्स के सामान्य संदर्भ रेंज की स्थापना। प्रयोगशाला अर्बुद विज्ञान, बीआरए, आईआरसीएच, एम्स।

प्रकाशन

हृदय वक्ष और संवहनी सर्जरी

पत्रिकाएं : 35 सार : 5 पुस्तकों में अध्याय : 7

हृदय रोग विज्ञान

पत्रिकाएं : 69 पुस्तकों में अध्याय : 10

हृदय संवेदनाहरण

पत्रिकाएं : 47 पुस्तकों में अध्याय : 6 पुस्तकें : 1

हृदय विकिरण विज्ञान

पत्रिकाएं : 13

नाभिकीय चिकित्सा

पत्रिकाएं : 4 सार : 1

हृदय विकृति विज्ञान

पत्रिकाएं : 24 सार : 11

स्टेम सेल सुविधा

पत्रिकाएं : 10 पुस्तकों में अध्याय : 1

ओआरबीओ

पत्रिकाएं : 2 सार : 1

रोगी उपचार

हृदय वक्ष और संवहनी सर्जरी

किए गए कुल ऑपरेशनों की संख्या

1. ओपन हार्ट सर्जरी	2991
2. क्लोज्ड हार्ट सर्जरी	0916
कुल ऑपरेशन	3907

हृदय वक्ष और संवहनी सर्जरी बाह्य रोगी विभाग में 49608 रोगी को देखा गया और इलाज किया गया।

हृदय रोग विज्ञान

1. नए ओपीडी मामले	36050
2. पुराने हृदय रोग विज्ञान मामले	92085

रोगी सेवाएं

टी एम टी	2134	होल्टर	2800
इकोकार्डियोग्राफी	33300	फेटल इकोकार्डियोग्राफी	150
ईसीजी	40590	एबीपी	184
टीईई	38	एचयूटीटी	154

कैथ लैब सेवाएं

सीएआरटी	2340	कैथ	1278
बैलून डिलेटेशन	150	पीटीएमसी	376
पीडीए	158	एएसडी डिवाइस	65
वीएसडी डिवाइस	20	पीटीसीए	1394
पेसमेकर्स	252	आईसीडी	65
सीआरटी–पी	66	आरएफए	120
सीएआरटीओ	30	डीएसए	420
ईवीएलए	260		

हृदय संवेदनाहरण

- 2–3 रोगियों को प्रतिदिन एनेस्थीसिया उपचार।

हृदय विकिरण विज्ञान

प्रक्रिया	संख्या	प्रक्रिया	संख्या
एमआरआई	391	सीटी	**2801**
डीएसए	1100	डॉपलर और अल्ट्रासाउंड	**4009**
कैथेटर एंजियोग्राफिस	6703		

कार्डियक बायोकेमिस्ट्री

कार्डियक बायोकेमिस्ट्री प्रयोगशाला कार्डियोथोरासिक केंद्र के बाह्य और आंतरिक रोगियों तथा अन्य विभागों और अस्पतालों के रोगियों के कुछ नैदानिक परीक्षण करती है। अस्पताल की सूचना प्रणाली के साथ प्रयोगशाला उपकरण की इंटरफेसिंग द्वारा रोगी देखभाल सेवाओं में सुधार लाया गया है। वॉर्ड नमूने न्यूमैटिक ट्यूब सिस्टम के द्वारा प्राप्त किए जाते हैं। इस प्रयोगशाला में किए गए परीक्षणों की सूची और उनका वार्षिक कार्यभार निम्नवत है :

ग्लूकोज, केएफटी, एलएफटी, सीए, पीओ4, एमिलेस	32,500
थाइरॉयड प्रोफाइल, प्रोलैक्टिन, कोर्टिसोल	9000

डायजोक्सिन	120	साइक्लोस्पोरिन	100
लिपिड प्रोफाइल	24500	सीके	5000
सीके – एमबी	3300	एलडीएच	5700
एएसओ	4500	सीआरपी	6800
होमोसिस्टीन	530	विटामिन बी 12	5400
विटामिन डी	3500	पीटीएच	200
वीएमए	515	एड्रेनालाइन और नोराड्रेलिन	700
एचबी ए1सी	8000	हेमोग्राम	35000
पीटी/आईएनआर	32000	एपीटीटी	5500

नाभिकीय चिकित्सा

सीएनसी में नाभिकीय हृद विज्ञान एकक द्विमुखी स्पेक्ट–सीटी गामा कैमरा से सुसज्जित है। नाभिकीय हृद विज्ञान एकक सी एन केंद्र एवं अस्पताल के अन्य विभागों से हृद अध्ययनों के लिए रेफर किए गए रोगियों का प्रबंध करता है।

विभाग द्वारा मायोकार्डियल परफ्युजन अध्ययन किया जाता है जो कोरोनरी धमनी रोग के रोगियों के निदान और प्रबंधन का अनिवार्य परीक्षण है। पेसमेकर पर रोगियों के मूल्यांकन एवं कीमोथेरेपी लेने वाले रोगियों में हृद आकलन हेतु सं. रो. कैं. अ. एवं केंद्र से रेफर किए गए सीएडी रोगियों में बाएं वेंट्रीकुलर प्रकार्य के आकलन के लिए रेडियोन्यूक्लाइड वेंट्रीकुलोग्राफी को भी निष्पादित करता है। हम मायोकार्डियल जीवन क्षमता के आकलन के लिए एफ–18 एफडीजी ग्लूकोज मेटाबॉलिक अध्ययन तथा एन–13 एनएच 3 परफ्यूजन के साथ हृद पी ई टी इमेजिंग को भी निष्पादित करते हैं।

एमयूजीए प्रयोगशाला

मायोकार्डियल परफ्यूजन अध्ययन	1887	आरएनवी अध्ययन	737
कार्डियक पीईटी	57	विविध (वी/क्यू स्कैन, 1 पास)	49
किए जाने वाले अध्ययन की कुल संख्या	2730		

हृद विकृति विज्ञान

नमूने

नैमिक :	403 रोगियों की संख्या	अनुसंधान	125 रोगियों की संख्या
कोटिड स्लाइडें :	एपीईएस	46254 स्लाइडों की संख्या	

अन्य कार्य

एच और ई स्टेन	147 स्लाइडें	एपीईएस कोटेड :	55262 स्लाइडें

पोस्ट प्रत्यारोपण बायोप्सी का मैनुअल प्रसंस्करण :	11 मामले
ब्लॉक (बेदाग वर्गों) को हटाना :	405 मामले
इम्युनोहिस्टोकैमिस्ट्री	271 स्लाइडें

स्टेम सेल सुविधा

विभाग में उपलब्ध सुविधाएं

1. बोन मैरो से स्टेम सेल आइसोलेशन 37
2. बोन मैरो का क्रायोप्रिसर्वेशन 01
3. एफेरेसिस सैम्पल का क्रायोप्रिसर्वेशन 06
4. अम्बीलिकल कॉर्ड ब्लड क्रायोप्रिसर्वेशन 03
5. कल्चर्ड ओरल म्युकोसा एपिथेलियल ट्रांसप्लांटेशन 24
6. कल्चरल लिम्बल एपिथेलियल ट्रांसप्लांट 02
7. ग्राफ्टिंग 13 बैचों के लिए एमनिओटिक मेम्ब्रेन तैयार करना (360 रोगी)
8. स्टेम सेल प्री और पोस्ट ट्रांसप्लांटेशन/इंफ्युजन का वायबिलीटी 49
9. स्टेम सेल गणना 39

ओआरबीओ

1. हृदय प्रत्यारोपण के पंजीकरण के नवीकरण में समन्वित।
2. डोनर रजिस्ट्री : ओरबो के प्रोत्साहित करने पर अंग दान हेतु 5655 व्यक्तियों ने प्रतिज्ञा की।
3. अंग एवं ऊतक दान के अच्छे कार्य को बढ़ाने के लिए विभिन्न संगठन के साथ सहयोग।

समुदाय सेवा / कैम्प की कुल संख्या : 131 नग

ब्लड ट्रांसफ्यूजन सेवाएं

रक्त इकाई एकत्र	
प्रतिस्थापन दाता	10395
विभाग में स्वैच्छिक दाता	242
रक्त मोबाइल के माध्यम से स्वैच्छिक दाता	276
परिवार के स्वैच्छिक दाता	10354
आईआरसीएस से प्राप्त रक्त	11
अस्पताल, ब्लड बैंक, एम्स से प्राप्त रक्त	63
अन्य अस्पतालों से प्राप्त रक्त	48
जमा रक्त इकाइयों की कुल संख्या	**21389**
जारी रक्त यूनिट	
सीटीवीएस / एनएस को जारी ब्लड इकाई	25019
अस्पताल, ब्लड बैंक, एम्स से जारी रक्त	640
जेपीएनएटीसी को जारी रक्त	25
आईआरसीएस को जारी रक्त	321
अन्य अस्पतालों को जारी रक्त	1553
एचआईवी/एचबीएसएजी/एचसीवी/ रिएक्टिव यूनिट हटाई गईं।	577
जारी रक्त यूनिट की कुल संख्या	**28135**

प्रयोगशाला प्रक्रियाएं	
रक्त समूह (एबीओ) की कुल संख्या	91268
रक्त समूह (आरएच) की कुल संख्या	61268
किए गए क्रॉस मैचिंग की कुल संख्या	118995
संक्रामक मार्कर	
एचआईवी जांच	25128
एचबीवी जांच	25060
एचसीवी जांच	25080
वीडीआरएल जांच	23450
एमवी जांच	23450
एनएटी जांच	21355
सीएमवी जांच	414
एचबीवी जांच	उपलब्ध नहीं
कुल	**143937**
तैयार किए गए रक्त घटकों की कुल सं.	
फ्रेश फ्रोजन प्लाज्मा (एफएफपी)	20935
प्लेटलेट सांद्र	17815
पुनः प्राप्त प्लाज्मा	2290
क्रायोप्रेसीपिटेट	1010
पैक्ड लाल सेल्स	21267
एकल दाता प्लेटलेटफेरेसिस	8
कुल	**63325**

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां

<u>हृदय वक्ष और संवहनी सर्जरी</u>

आचार्य बलराम एरन ने जी. बी. पंत अस्पताल, नई दिल्ली में 7 मार्च 2015 को डॉ. माधुरी निगम मेमोरियल ओरेशन प्रदान किया; इण्डियन एसोसिएशन ऑफ कार्डियो वेस्कुलर और थोरेसिक सर्जरी के तहत टेक्नो कॉलेज 2015 के दौरान एक व्याख्यान दिया, 28 से 29 मार्च, जयपुर; 21.04.2015 को डॉ. बी. एल. कपूर, मेमोरियल अस्पताल, नई दिल्ली के पंजीकरण (न्यू) का निरीक्षण आयोजित किया। इंडो–यूएस हेल्थ समिट, मिन्नएपोलिस, यूएसए में 2 से 5 अगस्त 2015 में भाग लिया; पीजीआईएमईआर में संकाय पद हेतु भर्ती नियमों में संशोधित करने हेतु समिति के सदस्य के रूप में मनोनीत, अक्तूबर 2015 माह में चण्डीगढ़; संकायाध्यक्ष, शैक्षिक, एम्स, जून 2015; एपेक्स टेकनिकल कमेटी, एनओटीटीओ के सदस्य के रूप में नियुक्त।

आचार्य एस. के. चौधरी ने प्रतिष्ठित ''डॉ. सदाशिवन ओरेशन'' दिया जिसका शीर्षक ''हाउ टू स्टार्ट एन ऑर्टिक प्रोग्राम : ए जर्नी इंटू पर्सनल बिलिव्स एण्ड कंविक्शंस'' था : इण्डियन एसोसिएशन ऑफ कार्डियोवेस्कुलर एण्ड थोरेसिक सर्जन का 62वां वार्षिक सम्मेलन, 19 से 22 फरवरी 2016, लखनऊ। यह

विशेषज्ञता का सबसे प्रतिष्ठित राष्ट्रीय ओरेशन है; जीईएमएससीओएन 2015, नई दिल्ली में डॉ. हर्ष वर्धन, मंत्री, विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 'डिस्टिंग्विश्ड एल्यूमंस अवार्ड'' से पुरस्कृत; एरोटा एण्ड वेस्कुलर, फॉर इण्डियन जर्नल ऑफ थोरेसिक एण्ड कार्डियोवेस्कुलर सर्जरी, नई दिल्ली में अनुभाग संपादक के रूप में नियुक्त; एसजेएच, नई दिल्ली हेतु हार्ट लंग मशीन की खरीद, 2015 हेतु महा निदेशालय, स्वास्थ्य सेवा निदेशालय द्वारा तकनीकी विनिर्देशन को अंतिम रूप देने लिए सदस्य; एसजीपीजीआई, लखनऊ में हार्ट, लंग, एण्ड हार्ट–लंग ट्रांसप्लांटेशन 2015 के लिए बाहरी विशेषज्ञ के रूप में नामित; इंस्पेक्शन ऑफ एस्कॉर्ट हार्ट फोर्टिस इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली फॉर हार्ट ट्रांसप्लांटेशन, 2015; इंस्पेक्शन ऑफ इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल, नई दिल्ली फॉर हार्ट ट्रांसप्लांटेशन के रूप में नामित, 2015; आरआईएमएस समर्थन हेतु दल के नेता, रांची सीटीवीएस विभाग के विकास के लिए; पीजीआईएमईआर में एमसीएच (सीटीवीएस) हेतु शोध के मूल्यांकन के लिए आंतरिक विशेषज्ञ, चण्डीगढ़, जून 2015; इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिसिन, काठमांडू, नेपाल में 28 से 29 सितंबर 2015 के बीच एमसीएच (सीटीवीएस) की परीक्षा के मूल्यांकन और किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ, 20 जुलाई 2015 को आयोजित परीक्षा के लिए आंतरिक विशेषज्ञ; एम्स, ऋषिकेश, 2015 के डिपार्टमेंट ऑफ सीटीवीएस में अपर प्रोफेसर के चुनाव हेतु विशेषज्ञ; सहायक प्रोफेसर, डिपार्टमेंट ऑफ सीटीवीएस, एम्स, पटना, 2015; सहायक आचार्य/सह आचार्य, डिपार्टमेंट ऑफ सीटीवीएस, एम्स, जोधपुर, 2016.

आचार्य सचिन तलवार को शिकागो में जन्मजात हृदय सृजन सोसायटी की वार्षिक बैठक में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया और अक्तूबर 2015 में सेनिंग ऑपरेशन के साथ बड़ी उम्र के रोगियों के अनुभव प्रस्तुत किए; भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् द्वारा एमसीएच (बाल रोग, सीटीवीएस) के लिए पाठ्यचर्या बनाने हेतु बोर्ड के संयोजक; इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कार्डियोलॉजी, एशियन कार्डियोवेस्कुलर एण्ड थोरेसिक एनाल्स, यूरोपीयन जर्नल ऑफ कार्डियोथोरेसिक सर्जरी, इंटरएक्टिव कार्डियोवेस्कुलर एण्ड थोरेसिक सर्जरी, कार्डियोलॉजी इन यंग, इण्डियन जर्नल ऑफ थोरेसिक एण्ड कार्डियोवेस्कुलर सर्जरी, इण्डियन जर्नल ऑफ सर्जरी, जर्नल ऑफ पोस्टग्रेजुएट मेडिसिन, इण्डियन जर्नल ऑफ मेडिकल साइंस, वर्ल्ड जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक एण्ड कॉनजिनिटल हार्ट सर्जरी, कार्डियोलॉजी इन यंग हेतु नियमित समीक्षक; पीजीआई चण्डीगढ़ में संकाय चुनाव के लिए चयन समिति सहायता के लिए बाहरी विशेषज्ञ; एमसीएच (सीटीवीएस) गुजरात यूनिवर्सिटी; नागपुर में एमसीएच सीटीवीएस परीक्षक।

आचार्य मिलिंद होते को हार्ट ट्रांसप्लांट रजिस्ट्री हेतु डेटाबेस के फॉर्मूलेशन के लिए नोटो समिति के सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया था – दाता के मानदंड और प्राप्त करने वाले के मानदंड, प्राप्त करने वाले के फॉलोअप।

डॉ. रमेश मेनन को हावर्ड मेडिकल स्कूल के एसक्यूआईएल कार्यक्रम हेतु चुना गया था, 2015–16 के लिए, रोगी सुरक्षा, गुणवत्ता, सूचना विज्ञान, नेतृत्व पर मिश्रित अध्ययन आधार पर प्रमाणपत्र पाठयक्रम।

<u>हृदय रोग विज्ञान</u>

आचार्य वी. के. भाल पाठ्यक्रम निदेशक थे, इण्डिया लाइव एण्ड एमेरिटस संपादक, इण्डियन हार्ट जर्नल।

आचार्य अनीता सक्सेना एपीपीसीएस (एशिया पैसिफिक पीडियाट्रिक सोसाइटी ऑफ इंडिया) की अध्यक्ष। पीडियाट्रिक कार्डियोलॉजी, वेराइटी चिल्ड्रेंस हार्ट सेंटर विनिपेग के अतिथि आचार्य रहीं और नेशनल रूमैटिक हार्ट कंसोर्शियम की अध्यक्ष रहीं।

आचार्य एस. एस. कोठारी शेर–ए–कश्मीर इंस्टीट्यूट, श्रीनगर में संकाय के चुनाव/पदोन्नति हेतु विशेषज्ञ; एम्स, रायपुर में नियमित संकाय पद के चयन के लिए विषय के विशेषज्ञ; श्री चित्रा तिरुनाल इंस्टीट्यूट फॉर मेडिकल साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी में बाह्य विशेषज्ञ।

आचार्य बलराम भार्गव ने भारत में वहनीय स्वास्थ्य देख रेख के लिए आर एण्ड डी पर वेलकम ट्रस्ट डीबीटी का प्रयास; बीएमजे इनोवेशंस के सम्पादक; अध्यक्ष, एसएलआईएम (सोसायटी फॉर लेस इंवेस्टीगेटिव मेडिसिन) रहे।

आचार्य के. सी. गोस्वामी कार्डियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया, दिल्ली शाखा के अध्यक्ष रहे।

डॉ. संदीप सेठ जेपीसीएस के मुख्य संपादक थे।

आचार्य राकेश यादव सीएसआई के ई सी सदस्य थे।

आचार्य संदीप मिश्रा इंडियन हार्ट जर्नल के संपादक थे; बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज एससीएआई, एशिया इंटरवेंशन के सहायक संपादक; टीसीटी भारत के पाठ्यक्रम निदेशक, श्रीलंका इंटरवेंशनल की बैठक।

आचार्य नितीश नायक अमेरिकन कॉलेज ऑफ कार्डियोलॉजी के अध्येता चुने गए और आईएचजे के कार्यकारी संपादक रहे।

आचार्य जी. कार्तिकेयन बीएमजे द्वारा प्रकाशित हृदय की तीन पत्रिकाओं में से एक, *हार्ट एशिया* के मुख्य संपादक; रियूमेटिक हार्ट डिजीज (आरएचडी) के समूह सदस्य, इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ मेट्रिक्स एण्ड एवेल्यूशन (आईएचएमई) द्वारा रोग अध्ययन समन्वित के वैश्विक भार के विशेषज्ञ समूह; रियूमेटिक हार्ट डिजीज, एविडेंस, एडवोकेसी, कॉम्युनिकेशन सलाहकार समिति के प्रमुख, होप (आरएचईएसीएच) जो ''टू आइडेंटिफाई, डिस्क्राइब एण्ड डिसेमिनेट सॉल्यूशंस फॉर दिस नेगलेक्टिड डिजीज एण्ड टू रिड्यूस द बर्डन ऑन वुलनेरेबल पॉपुलेशंस अराउंउ द वर्ल्ड'' (http://www.rheach.org/) के अधिदेश के साथ एक अंतरराष्ट्रीय सहयोग हैं।

डॉ. अम्बुज रॉय अमेरिकन कॉलेज ऑफ कार्डियोलॉजी के अध्येता थे।

डॉ. एस. रामाकृष्णन को सचिव, कार्डियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया दिल्ली (सी एस आई) के रूप में चुना गया; पीडियाट्रिक कार्डियोलॉजी के एनल्स के सहायक सम्पादक; पीडियाट्रिक कार्डियक सोसाइटी ऑफ इंडिया के सचिव रहे, ट्रेजरर ऑफ नेशनल रियूमेटिक हार्ट कंसोर्शियम; आईएचजे के कार्यकारी संपादक और जेपीसीएस के सह संपादक रहे।

हृदय संवेदनाहरण

हृदय संवेदनाहरण विभाग के संकाय और रेजीडेंट डॉक्टरों को राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में सम्मानित किया गया और दो सर्वोत्तम शोध पत्र पुरस्कार दिए गए। सभी वरिष्ठ आचार्य पूरे भारत में विभिन्न डीएम हृदय संवेदनाहरण पाठ्यक्रम के लिए परीक्षक रहे हैं।

आचार्य उषा किरण को सोसायटी ऑफ ट्रांसइसोफेजियल इकोकार्डियोग्राफी द्वारा प्रथम ओरेशन पुरस्कार से सम्मानित किया गया; वे प्राण (पार्किंसन संबंधी जागरुकता नेटवर्क) की उपाध्यक्ष और विभिन्न पत्रिकाओं के

एडिटोरियल बोर्ड की सदस्य बनी रही; उन्हें चण्डीगढ़ में टीईई के सम्मेलन में तथा चेन्नई के सम्मेलन में सर्वोत्तम शोध पत्र पुरस्कार और जनक मेहता पुरस्कार प्रदान किया गया।

आचार्य संदीप चौहान अनेक पत्रिकाओं के एडिटोरियल बोर्ड के सदस्य थे और उन्होंने अनेक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में हिस्सा लिया; ''कॉम्युनिकेशन प्रोब्लम इन डॉक्टर पेशेंट् रिलेशनशिप'' सत्र के लिए और ''डॉक्टर पेशेंट रिलेशनशिप'' पर एक अन्य सत्र में पैनालिस्ट रहें; 32वें राष्ट्रीय माइंड बॉडी मेडिसिन सम्मेलन, माउंड आबू, राजस्थान में; वर्ल्ड कांग्रेस ऑफ क्लिनिकल प्रिवेंटिव कार्डियोलॉजी एण्ड इमेजिंग में ''सेल्फ हेल्प किट टू कॉम्बेट स्ट्रेस बाय रिक लॉग'' पर सत्र की अध्यक्षता की; एम्स में 16.08.2015 को चौथी एम्स ईसीएमओ कार्यशाला का आयोजन किया।

आचार्य नीति मखिजा आईएसीटीए की कार्यकारी सदस्य निर्वाचित की गई और वे आईएसीटीए की अध्यापक तथा संपादकीय बोर्ड की सदस्य एवं विभिन्न पत्रिकाओं की सह संपादक रही; एफएनबी कार्डियक एनेस्थीसिया की राष्ट्रीय परीक्षक; श्री चित्रा और कोलकाता में डीएम कार्डियक एनेस्थीसिया परीक्षक; पीजीआईएमईआर, चण्डीगढ़ के लिए एमडी शोध प्रबंध की परीक्षक; नौवें राष्ट्रीय पेरिऑपरेटिव टीईई वर्क शॉप कम सीएमई में 21.08.2015 – 23.08.15 तक जन्मजात हृदय रोग के लिए इकोकार्डियोग्राफी पर सत्र की अध्यक्षता की; नारायण हृदयालय बैंगलोर; कार्डियक वॉल्व पर सत्र की अध्यक्षता; संरचना और कार्य, 03.10.2015 – 04.10.15 के बीच चौथी व्यापक पेरिऑपरेटिव टीईई कार्यशाला, मेदांता, द मेडिसिटी अस्पताल गुड़गांव; 10वें वार्षिक पेरिऑपरेटिव और क्रांतिक देखभाल इकोकार्डियोग्राफी कार्यशाला में 26.02. 16 – 28.02.2016 के बीच पीजीआईएमआर, चण्डीगढ़ में कोरोनरी आर्टरी रोग पर सत्र की अध्यक्षता की।

आचार्य पूनम मल्होत्रा पत्रिका – एनल्स ऑफ कार्डियक एनेस्थीसिया की मुख्य संपादक थी और उन्हें पब मेड में सूचीबद्ध किया गया; सिमोलेशन सोसायटी की सह संस्थापक और इण्डियन कॉलेज ऑफ कार्डियक एनेस्थीसिया; अध्यक्ष, ईसीएमओ रोगियों के प्रबंधन : पतली रेखा पर चलना; टीईई पर कार्यशाला की सह आयोजक और पेरिऑपरेटिव फेलोशिप परीक्षा के लिए समन्वय परीक्षक। टीईई कार्यशाला 21 – 23 अगस्त 2015, नारायण हृदयालय बैंगलोर; 'हेल्दी हार्ट' पर जन सम्मेलन के लिए पेनल सदस्य, क्लिनिकल और निवारक कार्डियोलॉजी तथा इमेजिंग (डब्ल्यूसीसीपीसीआई) पर दसवीं वर्ल्ड कांग्रेस, 2015, 3 – 5 सितंबर, 2015 माउंट आबू राजस्थान; बाल रोग कार्डियोलॉजी भावी चुनौतियां पर सत्र की अध्यक्ष; 2015 के लिए डॉ. ओपी यादव पर प्रदान किए जाने वाले 'डॉ. के के. मल्होत्रा मेमोरियल ओरेशन 'से सम्मानित किया गया, माननीय अध्यक्ष; वॉल्वोलर हृदय रोग; इको द्वारा मार्गदर्शित प्रबंधन; हृदय की आवाज़' सत्र के लिए; 'एससीसीटी के संयुक्त सत्र के लिए अध्यक्ष; 'स्टेमी और एसीएस में परिणामों के सुधार' पर वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता की, वर्ल्ड एसोसिएशन ऑफ मेडिकल एडिटर्स (डब्ल्यूएएमई) इंटरनेशनल कांफ्रेंस फॉर मेडिकल जर्नल एडिटर की राष्ट्रीय समिति डब्ल्यूएएमई 2015 की सदस्यता, 1 – 4 अक्तूबर 2015, एम्स, नई दिल्ली।

आचार्य मिनाती चौधरी अनेक पत्रिकाओं के संपादकीय मंडल की सदस्य थी और उन्होंने अनेक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में हिस्सा लिया; ओटी तकनीशियनों के लिए एक नियमित रूप से शिक्षण कार्यक्रम शुरू किए।

हृदय विकिरण विज्ञान

आचार्य संजीव शर्मा आईजीएमसी, शिमला में जुलाई, 2015 में एमडी (रेडियोडायग्नोसिस) हेतु परीक्षक थे; पीजीआई, चण्डीगढ़ में दिसंबर में एमडी (रेडियोडायग्नोसिस) के लिए परीक्षक; कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय रेडियोलॉजी एण्ड कार्डियोलॉजी जर्नल के लिए समीक्षक; विशेषज्ञ, वियना में इंटरनेशनल

एटोमिक एनर्जी एजेंसी, रेडियोलॉजी सुविधा की स्थापना पर परामर्शिका बनाने के लिए 1–11 सितंबर 2015 के बीच ऑस्ट्रिया का दौरा, ऑस्ट्रिया।

डॉ. गुरप्रीत एस. गुलाटी को इंडियन एसोसिएशन ऑफ कार्डियक इमेजिंग का उपाध्यक्ष (गैर–चयनित) नामित किया गया था; वे इंडियन हार्ट जर्नल के अनुभाग संपादक (इमेजिंग अनुभाग), सदस्य, एडिटोरियल बोर्ड, कार्डियोवेस्कुलर इमेजिंग सेक्शन ऑफ इंडियन जर्नल ऑफ रेडियोलॉजी एंड इमेजिंग; कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय रेडियोलॉजी और कार्डियोलॉजी पत्रिकाओं के लिए समीक्षक रहे।

डॉ. प्रिया जगिया कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय रेडियोलॉजी और कार्डियोलॉजी पत्रिकाओं के लिए समीक्षक रहीं।

डॉ. संजीव कुमार कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय रेडियोलॉजी और कार्डियोलॉजी पत्रिकाओं के लिए समीक्षक रहे।

हृदय जैव रसायन

डॉ. लक्ष्मी रामकृष्णन कम्प्रेहेंसिव नेशनल न्यूट्रिशन सर्वे (सीएनएनएस) के संचालन हेतु स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा गठित तकनीकी सलाहकार समूह की सदस्य थी; ओबेसिटी एण्ड मेटाबोलिक सिंड्रोम के क्षेत्र में इण्डियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च के परियोजना समीक्षा समिति के विशेषज्ञ सदस्य। गैर संचारी रोगों के क्षेत्र में आईसीएमआर की भी एक विशेषज्ञ सदस्य; भारत के विभिन्न राज्यों में डायबिटीज़ और डायबिटीज़ पूर्व स्थिति के अनुमान के लिए आईसीएमआर इण्डिया डायबिटीज़ (इण्डिया बी) पर कार्यदल परियोजना के लिए विशेषज्ञ सदस्य; इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कार्डियोलॉजी एण्ड रिसर्च के संपादकीय बोर्ड के सदस्य; राष्ट्रीय संपादक, जे ऑफ प्रैक्टिस ऑफ कार्डियोवेस्कुलर साइंसिस; पीएलओएस वन हेतु लेखों की समीक्षा, बीएमसी क्लिनिकल पैथोलॉजी, जे ऑफ डेवलपमेंट ऑरिजिन ऑफ एडल्ट डिजीज, आईजेएमआर, कार्डियोवेस्कुलर एण्ड थोरेसिक ओपन, इण्डियन हार्ट जर्नल।

नाभिकीय चिकित्सा

डॉ. चेतन डी. पटेल को नाभिकीय चिकित्सा विभाग, एम्स, ऋषिकेश, 2015 में सहायक प्रोफेसर के चुनाव हेतु विशेषज्ञ के रूप में मनोनीत किया गया था; नेशनल एण्ड इंटरनेशनल न्यूक्लियर मेडिसिन जर्नल हेतु समीक्षक; निर्वाचित – सोसायटी ऑफ न्यूक्लियर मेडिसिन इण्डिया के कार्यकारी समिति के सदस्य।

हृदय विकृति विज्ञान

डर्मेटोपैथोलॉजी कार्यशाला पीजीआई में आयोजित त्वचा रोग विज्ञान सीएमई में भाग लिया, 18–19 अप्रैल 2015 में चण्डीगढ़; आईएसडीपी के 36वें संगोष्ठी में भाग लिया, 19–21 सितंबर 2015 को होटल इरोज में आयोजित; जेएनयू में दिल का दौरा पड़ने के प्रमाण पत्र कार्यक्रम में भाग लिया, 3 अक्तूबर 2015 को नई दिल्ली; कोच्ची, केरल में आईएपीएम (एपीसीओएन 2015) के वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया। दिसंबर 2015

स्टेम सेल सुविधा

डॉ. सुजाता मोहंती स्टेम सेल रिसर्च; नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्यूनोलॉजी, नई दिल्ली; इंस्टीट्यूट ऑफ लिवर एण्ड बिलियरी साइंसिस, नई दिल्ली; डीबीटी रिप्रेजेंटेटिव एट अपोलो हॉस्पिटल; श्री गंगा राम हॉस्पिटल, नई दिल्ली; वी. पी. चेस्ट इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली; नेशनल ब्रेन रिसर्च सेंटर; सदस्य : इंटरनेशनल सोसायटी फॉर सेलुलर थेरेपी (आईएससीटी), सोसायटी फॉर स्टेम सेल रिसर्च (आईएसएससीआर),

सोसायटी ऑफ बायोलॉजिकल केमिस्टस (एसबीसी), इम्यूनोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इण्डिया; सदस्य, डीबीटी–बायोटेक्नोलॉजी केरियर एडवांसमेंट एण्ड रिओरियंटेशन प्रोग्राम फॉर वूमेन साइंटिस्टस (बीआईओसीएआरई), बायोटेक्नोलॉजी इंडस्ट्री रिसर्च असिस्टेंस काउंसिल (बीआईआरएसी), कोर कमेटी फॉर स्टेम सेल डोनर रेजिस्ट्री फॉर बोन मैरो ट्रांसप्लांट इन इण्डिया, ब्रेनस्टोर्मिंग मीटिंग ऑन बायोफेब्रिकेशन एण्ड 3डी बायोप्रिंटिंग; सदस्य – रिसर्च ग्रांट रिव्यू कमेटी, बायोटेक्नोलॉजी विभाग, नई दिल्ली, इण्डियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च, नई दिल्ली, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली, काउंसिल ऑफ साइंटिफिक एण्ड इंडस्ट्रियल रिसर्च, नई दिल्ली हेतु संस्थान समिति के सदस्य थीं।

ओआरबीओ

आचार्य आरती विज भारत सरकार के उपक्रम एचएलएल लाइफ केयर लिमिटेड के बोर्ड की स्वतंत्र (गैर सरकारी अंशकालिक) डायरेक्टर थीं। गोवा एंटीबायोटिक एण्ड फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड (जीएपीएल) (गर्वेमेंट ऑफ इण्डिया इंटरप्राइसिस) के स्वतंत्र (गैर–सरकारी अंशकालिक) निदेशक; एचएलएल बायोटेक लिमिटेड (गर्वेमेंट ऑफ इण्डिया इंटरप्राइसिस) के स्वतंत्र (गैर–सरकारी अंशकालिक) निदेशक; सदस्य, एनओटीटीओ के तहत प्रत्यारोपण समन्वयक के पाठ्यक्रम को अंतिम रूप देने हेतु संचालन समिति; नेशनल आई बैंक को ऑफ्थेलमोलॉजी के लिए उत्कृष्ट योगदान हेतु डॉ आर. पी. केंद्र से प्रशंसा पत्र प्राप्त किया।

श्री मुकेश कुमार एमएसएसओ, वर्ल्ड रिसर्च जर्नल ऑफ कार्डियोलॉजी एण्ड लाइफ मेम्बर ऑफ इण्डियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल सोशल वर्क प्रोफेशनल्स हेतु समीक्षक बने।

रक्ताधान सेवाएं

भारत के हेमोविजिलेंस प्रोग्राम की सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया, एनआईबी, एमओएफएचडब्ल्यू भारत सरकार के तहत, और संबंधित बैठकों और कार्यशालाओं में भाग लिया; नेशनल ब्लड सेल, एनएचएम के सदस्य के रूप में, निर्माण भवन में रक्त संग्रहण केंद्र के दिशा–निर्देशों के पुनर्गठन में भाग लिया। लखनऊ में उ. प्र. में रक्त संबंधी सेवाओं के कार्यान्वयन के लिए राज्य कार्ययोजना की बैठक में हिस्सा लिया; एनएचएम, एमओएचएफडब्ल्यू, भारत सरकार के तहत राष्ट्रीय रक्त कोशिका की एक समिति के सदस्य के रूप में; स्टेट ब्लड काउंसिल के सदस्य नामित, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार; वर्द्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज में 9 मई 2015 को चौथे सेम हेतु डीएमएलटी परीक्षक थे, ;वर्द्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज में बाहरी परीक्षक थे, 5वां सेम डीएमएलटी, 28 नवंबर 2015; ब्लड बैंक से संबंधित चिकित्सा उपकरणों के तकनीकी वाणिज्यिक निविदा के लिए बाहरी तकनीकी विशेषज्ञ थे, सफदरजंग अस्पताल विभाग, निर्माण भवन में आयोजित; ब्लड बैंक के लिए उपकरणों का तकनीकी विनिर्देशन के लिये समिति के सदस्य थे; नेशनल ब्लड सेल, एनएचएम, भारत सरकार के तहत; एनएसीओ, एमओएचएफडब्ल्यू द्वारा आयोजित ''नेशनल स्टेकहोल्डर मीट टुवर्डस 100 प्रतिशत वोलंटियरी ब्लड डोनेशन'' पर कार्यशाला में भाग लिया।

अतिथि वैज्ञानिक

1. डॉ. श्रीनिवासराव, एस. जी. रेडियोलॉजी विभाग, एसवीआईएमएस, तिरुपति।
2. डॉ. जुबैध, जकारिया, प्रमुख, कैंसर रिसर्च सेंटर, इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल रिसर्च, जालान पहांग, कुआलालम्पुर, मलेशिया।

10.2 दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र

प्रमुख

नसीम शाह (सितंबर 2015 तक)	ओ. पी. खरबंदा (अक्टूबर 2015 से)

ऑर्थोडोंटिक्स एवं डेंटोफेशियल विकृति प्रभाग

आचार्य
रितु दुग्गल

सहायक आचार्य

प्रभात कुमार चौधरी | विलास समृत

ओरल एंड मैक्सीलोफेशियल सर्जरी प्रभाग

आचार्य

अजॉय रॉयचौधरी | ओंकिला भूटिया

सहायक आचार्य

कृष्ण भट्ट | राहुल यादव

प्रोस्थोडोंटिक्स प्रभाग

आचार्य
वीना जैन

सहायक आचार्य

गुंजन परुथी | धीरज कुमार कोली

डोडोंटिक्स प्रभाग

अपर आचार्य
विजय प्रकाश माथुर

सहायक आचार्य

कल्पना बंसल | नितेश तिवारी

कंज़र्वेटिव डेंटिस्ट्री एंड एण्डोडोंटिक्स प्रभाग

अपर आचार्य
अजय लोगानी

सहायक आचार्य

अमृता चावला	विजय कुमार

ओरल पैथोलॉजी एंड माइक्रोबायोलॉजी प्रभाग

सहायक आचार्य
दीपिका मिश्रा

पेरियोडोंटिक्स प्रभाग

सहायक आचार्य
कुणाल ढींगरा

विशिष्टताएं

ऑर्थोडोंटिक्स प्रभाग को मैलोक्लुजन, डेंटोफेशियल डिफोर्मिटिस तथा क्लेफ्ट होंठ और तालू वाले रोगियों के लिए ऑर्थोडोंटिक गुणवत्ता देखभाल प्रदान की गई है। विभाग ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर क्षेत्र में नेतृत्व प्रदान किया है। डॉ. खरबंदा रिपोर्टिंग वर्ष में बारह राष्ट्रीय और आठ अंतरराष्ट्रीय समारोह के लिए आमंत्रण वक्ता थे। इसके अलावा, व्यावसायिक और शैक्षणिक विशेषज्ञता को आईसीएमआर और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, जैव प्रौद्योगिकी विभाग जैसे विभिन्न सरकारी / अनुसंधान संगठनों के लिए विस्तार दिया गया था। डॉ. खरबंदा ने अंतरराष्ट्रीय संपादकीय बोर्ड के सदस्य और समीक्षा बोर्ड सहकर्मी के रूप में क्षमता में ऑर्थोडोंटिक्स के क्षेत्र में महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं के लिए महत्वपूर्ण आदान दिए।

प्रभाग या मौखिक तथा मैक्सिलोफेशियल सर्जरी ने ऑकुलोप्लास्टी की एक नई सेवा और अवशिष्ट डिफॉर्मिटी सुधार शुरू किया है। विभाग ने 2014 में भारत में टेम्पोरो मैंडिबुलर संयुक्त बदलाव सर्जरी पहली बार संचालित की थी। इस रिपोर्टिंग वर्ष में, कुल 15 जोड़ों का प्रतिस्थापन किया गया है। विभाग 3डी मॉडल प्रौद्योगिकी का उपयोग कर चेहरे की विषमता वाले रोगियों के लिए संपूर्ण चेहरे के सुधार प्रदर्शन के लिए भारत में पहला केंद्र बना है। विभाग को मैक्सिलोफेशियल सर्जरी के लिए ऑपरेशन की आवश्यकता वाले रोगियों के लिए शून्य प्रतीक्षा सूची बनाए रखने पर गर्व है। विभाग ने जे पी ट्रॉमा सेंटर के साथ सहयोग प्रारंभ किया है जिसके तहत रेंजीडेंट और संकाय को ट्रॉमा सेंटर के लिए तैनात किया जा रहा है और आघात रोगियों की देखभाल इसमें शामिल है।

पेरियोडोंटिक्स प्रभाग पेरियोडोंटल रोग की रोकथाम, निदान और उपचार संबंधित है। यह विभाग पेरियोडोंटल उपचार की मांग करने वाले रोगियों की एक बड़ी संख्या के लिए इष्टतम देखभाल प्रदान करता है और साथ ही उन्हें अन्य विभागों में भेज सकता है। गैर–शल्य चिकित्सा और शल्य चिकित्सा पेरियोडोंटल उपचार, पेरियोडोंटल प्लास्टिक सर्जरी, मुलायम और कठोर ऊतक पुनर्योजी प्रक्रियाओं, डायोड लेजर असिस्टेड नरम ऊतक को छांटना और एडजंक्टिव पॉकेट क्षतशोधन प्रक्रियाओं जैसी उपचार प्रक्रियाओं के विभिन्न प्रकार विभाग में किए जा रहे है। विभाग में वर्तमान में संकाय के रूप में एक सहायक प्रोफेसर और एक सीनियर रेजीडेंट है। विभाग में चार डेंटल हाइजिनिस्ट है जिन्हें विशेषज्ञ के पर्यवेक्षण के अंतर्गत बुनियादी पेरियोडोंटल देखभाल प्रदान करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है।

शिक्षा

*स्नातक पूर्व : 7*वें सेमेस्टर एमबीबीएस छात्रों का नैदानिक शिक्षण।

स्नातकोत्तर : वर्तमान में केंद्र में ऑर्थोडोंटिक्स में एमडीएस पूर्णकालिक स्नातकोत्तर कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है और ऑर्थोडोंटिक्स में पहला पीएच.डी. प्रत्याशी जनवरी 2012 में भर्ती किया गया था। डॉ. खरबंदा केंद्रीय वैज्ञानिक उपकरण संगठन (सीएसआईओ), चंडीगढ़ में श्री अभिषेक गुप्ता और श्री बाला चक्रवर्ती पीएच.डी. थीसिस के लिए सह मार्गदर्शक है।

ओरल एंड मैक्सीलोफेशियल सर्जरी प्रभाग

- स्नातकोत्तर सेमिनार, पत्रिका क्लब, बेड साइड मामला चर्चा और सर्जिकल प्रशिक्षण।
- समस्या आधारित अधिगम
- शिक्षण में ''टेल –शो–डू–रिव्यू'' मॉडल
- लॉग बुक और रिकॉर्ड रखना
- क्या सही हुआ, क्या बेहतर हो सकता था? सेमिनार में मॉडल।

प्रोस्थोडोंटिक्स में स्नातकोत्तर : प्रयोगशाला कार्यों में पर्यवेक्षण के साथ ही एमडीएस प्रोस्थोडोंटिक छात्रों के लिए संगठित और आयोजित सेमिनार, पत्रिका क्लब, नैदानिक प्रकरण चर्चा।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशालाएं / संगोष्ठियां / राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

डब्ल्यूएचओ सीसी और राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र, दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र ने इस वर्ष में निम्नलिखित को आयोजित किया है :

1. राष्ट्रीय मौखिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के लिए राज्य नोडल अधिकारियों की बैठक –
2. दंत चिकित्सा संस्थानों के प्रमुखों के लिए तम्बाकू नशा उन्मूलन सुविधाओं पर समर्थन बैठक
3. एनआईएचएफडब्ल्यू के सहयोग से कार्यक्रम प्रबंधन पर राज्य नोडल अधिकारियों का प्रशिक्षण
4. आईईसी विकास पर विशेषज्ञ समूह बैठक – तिथि।
5. ''लेटेस्ट एडवांस इन लेजर डेंटिस्ट्री'' पर उपदेशात्मक सह सौंपे गए पाठ्यक्रम, 24 मई 2015, जयपुर।
6. क्रेनियोमैक्सीलोफेशियल फ्रेक्चर प्रबंधन में एओसीएमएफ पाठ्यक्रम – सिद्धांत, 2–5 जुलाई 2015, नई दिल्ली।

7. एओसीएमएफ परिचयात्मक संगोष्ठी, 21 अगस्त 2015, भोपाल।
8. ''एम्पावरमेंट ऑफ डेंटल प्रोफेशनल्स इन टुबेको सेसेशन'' पर पूर्ण दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला, 23 अगस्त 2015, चंडीगढ़।
9. ''डेंटल फोटोग्राफी'' पर कार्यशाला, 11 सितंबर 2015, एम्स, नई दिल्ली।
10. ''लेजर एप्लीकेशन्स एंड सेफ्टी'' पर पूर्ण दिवसीय प्रशिक्षण, 17 सितंबर 2015, बहादुरगढ़, हरियाणा।
11. बाल चिकित्सा रोगियों में मुलायम ऊतक लेजर पर पूर्व सम्मेलन पाठ्यक्रम, 18 सितंबर 2015, मुरादनगर, उ. प्र.।
12. स्टेनलेस स्टील क्राउन पर प्रशिक्षण सह सौंपे गए कार्य, 19 अक्टूबर 2015, उ. प्र.।
13. ''एडहेसिव डेंटिस्ट्री'' पर कार्यशाला, 19 नवंबर 2015, एम्स, नई दिल्ली।
14. 'एडवांस्ड पेरियोडोंटल सर्जिकल प्रोसीडर्स एंड रेपिड ऑर्थोडोंटिक टूथ मूवमेंट'' पर लाइव सर्जिकल कार्यशाला, नवंबर 2015, सीडीईआर, एम्स, नई दिल्ली।
15. ''रिसेंट एडवांस इन परियोडोंटल सर्जरी एंड सर्जिकली असिस्टेड रेपिड टूथ मूवमेंट'' पर सीएमई, 24 नवंबर 2015, एम्स, नई दिल्ली।
16. ''जेनेटिक एंड टिशू इंजीनियरिंग – फ्यूचर ट्रेंड्स इन रिसर्च इन ओरल हेल्थ एंड डिजीज'' पर सीएमई, 26 दिसंबर 2015, एम्स, नई दिल्ली।
17. अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष एओसीएमएफ पाठ्यक्रम – क्रेनियोमैक्सीलोफेशियल फ्रेक्चर मैनेजमेंट (ऑर्थोथिक्स पर आधे दिन सहित) का सिद्धांत, 15–17 जनवरी 2016, मस्कट, ओमान।
18. एओसीएमएफ परिचयात्मक संगोष्ठी भारत, 22 जनवरी 2016, लुधियाना।
19. ''3डी प्लानिंग फॉर इंम्लांटोलॉजी'' पर सीएमई, 30 जनवरी 2016, एम्स, नई दिल्ली।
20. ''सीटिंग फिजियोलॉजी'' पर व्याख्यान, 18 फरवरी 2016, एम्स, नई दिल्ली।
21. बाल चिकित्सा रोगियों में मुलायम ऊतक लेजर के उपयोग पर पूर्व सम्मेलन कार्यशाला, 18 फरवरी 2016, नई दिल्ली।
22. एओसीएमएफ परिचयात्मक संगोष्ठी, 1 मार्च 2016, नई दिल्ली।
23. ''ऑर्थोडोंटिक – परियोडोंटल इंटरेक्शन्स एंड डेंटल स्लीप मेडिसिन'' पर संगोष्ठी, 21 मार्च 2016, एम्स, नई दिल्ली।

<u>प्रदत्त व्याख्यान</u>

ओ. पी. खरबंदा : 19	रितु दुग्गल : 1	अजॉय रॉय चौधरी : 15
वीना जैन : 4	ओंकिला भूटिया : 1	अजय लोगानी : 5
विजय माथुर : 14	कल्पना बंसल : 2	नितेश तिवारी : 2
विजय कुमार : 1	अमृता चावला : 2	कृष्ण भट्ट : 1

मौखिक लेख / पोस्टर की प्रस्तुति : 26 (4 सम्मानित सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुतीकरण)

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. 'कंकाल मेटास्टेसिस वाले रोगियों में जबड़े की हड्डियों के घनत्व पर बिस्फॉस्फोनेट चिकित्सा के प्रभाव : एक पायलट अध्ययन'। वीना जैन, आई सी एम आर, 2014–16, 10 लाख रुपए।

2. हाइपरकोएगुलेबिलिटी के लिए मार्करों के बीच संबंध का मूल्यांकन करने के लिए अध्ययन और मैंडिबुलर कोंडायलर फ्रैक्चर रोगियों में टेम्पोरोमैंडिबुलरकायलोसिस का विकास करना। अजॉय रॉय चौधरी, अ. भा. आ. सं., 2013–16, 5 लाख रुपए।

पूर्ण

1. ''भारत में क्लेफ्ट लिप एवं पैलेट एनोमली : उपचार की क्लिनिकल प्रोफाइल, जोखिम के कारक और वर्तमान स्थिति – एक अस्पताल आधारित अध्ययन।'' कार्य दल परियोजना (पायलट चरण), ओ. पी. खरबंदा, आई सी एम आर, तीन वर्ष नौ माह, अप्रैल 2012 – जून 2015, 22.38 लाख रुपए।
2. हाइपरकोएगुलेबिलिटी के लिए मार्करों के बीच संबंध का मूल्यांकन करने के लिए अध्ययन और मैंडिबुलर कोंडायलर फ्रैक्चर रोगियों में टेम्पोरोमैंडिबुलरकायलोसिस का विकास करना। अजॉय रॉय चौधरी, अ. भा. आ. सं., 2013–16, 5 लाख रुपए।
3. डायबिटीज मेलिट्स और ओरल कैंडिडिसिस : संक्रमण के विशिष्ट प्रसार, रितु दुग्गल, आई सी एम आर, 3 वर्ष, 2012–15, 36.89 लाख रुपए।
4. फरीदाबाद जिला, हरियाणा के बल्लभगढ़ ब्लॉक में मौखिक स्वास्थ्य सर्वे, नसीम शाह, डब्ल्यूएचओ – एसईएआरओ, 7 माह, मार्च – सितंबर 2015, 10.30 लाख रुपए।
5. परिपक्व, स्थायी, गैर जीवंत दांतों में रूट कैनाल ऑब्ट्यूरेशन से पारम्परिक एंडोडॉन्टिक उपचार की तुलना में एक नवाचारी, गैर ऑप्ट्यूरेशन एंडोस्कोपिक उपचार प्रोटोकॉल ''सील बायो'' की दक्षता के मूल्यांकन के लिए एक यादृच्छिक समकक्ष क्लिनिकल परीक्षण, नसीम शाह, आई सी एम आर, 3 वर्ष, 2012–15, 20 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं
जारी

1. सीबीसीटी का उपयोग कर बढ़ती तीसरी श्रेणी रोगियों में संयुक्त तेज पैलेटल एक्सपेशन और मैक्सीलेरी प्रोट्रेक्शन उपचार के अनुपालन में आयामी स्केलेटल और डेंटोलवेयोलर परिवर्तन का मूल्यांकन।
2. आर्थोडोंटिक मिनिस्क्रू इम्प्लांट्स के माइक्रोबायोलॉजिकल कोलोनाइजेशन का पैटर्न।
3. पीए सेफेलोमेट्रिक मापन की विश्वसनीयता और वैधता : पारंपरिक और कम्प्यूटरीकृत सेफेलोमेट्रिक विश्लेषण सॉफ्टवेयर की तुलना।
4. ऑर्थोडोंटिक दांत आवागमन के दौरान एमएमपी–8 के दौर में मिनी स्क्रू इम्प्लांट स्थल का स्तर।
5. ऑर्थोडोंटिक दांत आवागमन के दर पर निम्न स्तर लेजर उपचार के प्रभाव का मूल्यांकन करना।
6. सेफेलोमेट्रिक सुपरिम्पोजिशन मापन की विश्वसनीयता और वैधता : पारंपरिक और कम्प्यूटरीकृत सेफेलोमेट्रिक सॉफ्टवेयर की तुलना।
7. पेरि मिनीस्क्रू इम्प्लांट फ्लुइड में मैक्रोफेज कालोनी स्टीमुलेटिंग कारक स्तरों का मात्रात्मक मूल्यांकन।
8. ऑर्थोडोंटिक दांत आवागमन के दौरान मिनी स्क्रू स्थल के आस पास बायोमार्कर के रूप में सेल मुक्त न्यूक्लेइक एसिड परिसंचारी – एक मात्रात्मक विश्लेषण।

9. ऑर्थोडोंटिक फोर्स अनुप्रयोग से पहले और बाद में पेरि–मिनीस्क्रू इम्प्लांट सरेविकुलर तरल पदार्थ में पेंट्राक्सिन – 3 स्तरों का मात्रात्मक मूल्यांकन।
10. विजुअल जांच, लेजर प्रतिदीप्ति और ऑपरेटिंग माइक्रोस्कोपी का उपयोग कर तय ऑर्थोडोंटिक के पश्चात सफेद धब्बे वाले घावों का मूल्यांकन : एक तुलनात्मक नैदानिक अध्ययन।
11. ऑर्थोडोंटिक मिनिस्क्रू के लिए ग्रेड 5 टाइटेनियम एलॉय के संशोधन के जैव रासायनिक सतह के लिए माध्यमिक सेलुलर प्रतिक्रियाएं।
12. पूर्ण कृत्रिम दांतों वाले रोगियों में चबाने की दक्षता और काटने के बल पर सॉफ्ट लाइनर का प्रभाव।
13. प्रोस्थोडोंटिक्स पुनर्वास के बाद रोगियों में उपचार की संतुष्टि और उनके सामाजिक आर्थिक स्थिति के साथ इसका सह संबंध – एक प्रारंभिक अध्ययन।
14. पेरि – इम्प्लांट अंतराल में एल–पीआरएफ और एलोप्लास्ट संयुक्त रूप से उपयोग करके तत्काल प्रत्यारोपण के आसपास स्थिरता और क्रेस्टल बोन स्तर का तुलनात्मक मूल्यांकन।
15. मैससेटर मांसपेशियों की मोटाई और काटने के बल पर छोटे दंत चाप के प्रभाव का मूल्यांकन – एक प्रारंभिक अध्ययन।
16. परीक्षण करना कि क्या रक्त की हाइपरकोएगुलेबल अवस्था पोस्ट– ट्रयूमेटिक टेम्पोरोमैंडिबुलर जॉइंट एकायलोसिस और हाइपोक्सिया के इन–विट्रो प्रभावों और मेसेंकायमल स्टेम कोशिकाओं पर प्रोटीन सी सक्रियण के लिए जोखिम कारक है।
17. टेम्पोरोमैंडिबुलर संयुक्त के आंतरिक गड़बड़ी में आर्थोसेंटेसिस बनाम श्रेणी 4 लेजर उपचार के बाद इलाज के परिणाम का तुलनात्मक मूल्यांकन – एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
18. टेम्पोरोमैंडिबुलर संयुक्त अस्थि समेकन रोगी में ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया पर अर्थोप्लास्टी के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए संयुक्त पॉलीसोम्नोग्राफिक और रेडियोग्राफिक अध्ययन।
19. ओरल ल्यूकोप्लासिया के प्रबंधन में प्रणालीगत लाइकोपीन चिकित्सा बनाम क्रायोथैरेपी के बाद लघु अवधि उपचार परिणाम का मूल्यांकन – एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
20. टेम्पोरोमैंडिबुलर जॉइंट डिस्लोकेशन / सबल्यूएक्सटोइन में ऑटोलॉगस रक्त और डेक्सट्रोज प्रोलोथेरेपी के परिणामों की तुलना में एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
21. रेट्रोजेनिया रोगियों में जेनियल डिस्ट्रेक्शन के बाद डायगैस्ट्रिक और मायलोइड मांसपेशियों के जटिल क्षेत्र में ईएमजी परिवर्तन के मूल्यांकन के लिए एक भावी अध्ययन।
22. टेम्पोरोमैंडिबुलर जॉइंट के आंतरिक गड़बड़ी में आर्थोस्कोपिक लेवेज – एक भावी अध्ययन।
23. भारतीय आबादी के बीच टीएमजे अस्थिसमेकन में एलोप्लास्टिक टीएमजे प्रतिस्थापन के साथ मैंडिबुलर काइनेमेटिक्स और रोगियों के जीवन की गुणवत्ता का मूल्यांकन।
24. टीएमजे अस्थि समेकन के उपचार में फैट और एब्डोमिनल फैट के इंटरपोज्ड पीडिक्लेडबुकेल के फैट और वॉल्यूमेट्रिक श्रिंकेज के मूल्यांकन के लिए एक क्लस्टर यादृच्छिक नियंत्रित नैदानिक परीक्षण।
25. गैर सर्जिकल एंडोडोंटिक चिकित्सा के रेडियोग्राफिक परिणाम पर सीरम विटामिन डी स्तर के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक पार अनुभागीय पाथफाइंडर अध्ययन।
26. टेम्पोरोमैंडिबुलर जॉइंट एंकायलोसिस के इलाज में कोस्टोकोंड्रियल ग्राफ्ट इंटरपोजिशनल अर्थोप्लास्टी और ट्रांसपोर्ट डिस्क डिसट्रेक्शन ऑस्टीयोजेनेसिस के बीच सफलता की दर की तुलना के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

27. मौखिक सबम्यूकोस फाइब्रोसिस मामलों में फाइब्रोटोमी के बाद इंट्राओरल दोषों के पुनर्निर्माण में संशोधित नैसोलेबियल फ्लेप बनाम बुकल फैट पैड ट्रांसफर की सफलता दर का तुलनात्मक मूल्यांकन – एक समानांतर समूह यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
28. "गैर सर्जिकल एंडोडोंटिक चिकित्सा के दौरान पेरियपिकल एक्सट्रशन के संदर्भ में इनोकुलेटेड डेंटिनल डेबरीस के परिणाम निर्धारित स्वीकार्य स्तरों के लिए रोडेंट मॉडल अध्ययन।
29. गैर महत्वपूर्ण अपरिपक्व स्थायी पूर्वकाल दांत के एपिकल ऑगमेंटेशन पर न्यूनतम इनवेसिव एंडोडोंटिक उपचार प्रोटोकॉल के प्रभाव के मूल्यांकन के लिए एक प्रारंभिक नैदानिक अध्ययन।
30. गैर महत्वपूर्ण अपरिपक्व स्थायी पूर्वकाल दांत के प्रबंधन के लिए खनिज टेरियोक्साइड सकल बैरियर का इष्टतम शिखर सीमा निर्धारित करने के लिए एक प्रारंभिक नैदानिक अध्ययन।
31. गैर सर्जिकल एंडोडोंटिक उपचार के लिए इष्टतम शिखर आकार निर्धारित करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
32. गैर सर्जिकल एंडोडोंटिक चिकित्सा से गुजर रहे रोगियों में सीरम विटामिन डी स्तर के आकलन के लिए क्रॉस – सेक्शनल पथफाइंडर अध्ययन और पेरिएपिकल हीलिंग के साथ इसकी क्षमता का एसोसिएशन निरीक्षण।
33. गैर – सर्जिकल एंडोडोंटिक उपचार के दौरान परिएपिकल एक्स्ट्रेशन के संदर्भ में इनोकुलेटेड डेंटिनल डेबरिस के निर्धारित स्वीकार्य स्तरों के लिए एक स्थापित रोडेंट मॉडल अध्ययन।
34. पीडियट्रिक मैंडिबुलर फ्रैक्चर्स के विभिन्न प्रबंधन कार्यनीति में परिणामों की तुलना करने के लिए एक पूर्वव्यापी अध्ययन।
35. टीएमजे एंकायलोसिस के ऑपरेटेड प्रकरण का पूर्वव्यापी अध्ययन – एक संस्थागत अनुभव।
36. टेम्पोरोमैंडिबुलर जॉइंट एंकायलोसिस के उपचार में कोस्टोकोंड्रल ग्राफ्ट इंटरपोजिशनल अर्थोप्लास्टी और ट्रांसपोर्ट डिस्क डिस्ट्रेक्शन ऑस्टीयोजेनेसिस के बीच सफलता दर की तुलना करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
37. टोरल सुमूकोयस फाइब्रोसिस मामलों में फाइब्रोटोमी के बाद इंट्राओरल दोषों के विनिर्माण पुनर्निर्माण में संशोधित नैसोलेबियल फ्लेप बनाम बुकल फैट पैड ट्रांसफर की सफलता दर का तुलनात्मक मूल्यांकन – एक समानांतर समूह यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

पूर्ण

1. ऑर्थोडोंटिक दांत क्रिया के दौरान मिनिस्क्रू साइड के आसपास उच्च गतिशीलता समूह बॉक्स 1 प्रोटीन स्तर का मात्रात्मक मूल्यांकन।
2. ऑर्थोडोंटिक मिनिस्क्रू की पुनःप्राप्ति : इन विट्रो अध्ययन पर प्रविष्टि का माप और टोर्क हटाने का मापन।
3. पेरिइम्प्लांट के अंतर को भरने के लिए एलॉग्राफ्ट और एल–पीआरएफ के साथ तुरंत लगाए गए दांत प्रत्यारोपण की स्थिरता और क्रेस्टल हड्डी की ऊंचाई में परिवर्तन का तुलनात्मक मूल्यांकन।
4. टाइटेनियम और जरकोनिया एबटमेंट्स के साथ टाइटेनियम इंप्लांटों के आसपास क्रेस्टल बोन की ऊंचाई में परिवर्तन का तुलनात्मक मूल्यांकन।
5. पॉलिश और ग्लाज्ड जरकोनिया के विरुद्ध प्राकृतिक दांत लगाने का एक तुलनात्मक मूल्यांकन।

6. टेम्पोरोमैंडिबुलर एंकायलोसिस मामलों में ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया पर अर्थोप्लास्टी के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए संयुक्त पॉलीसोम्नोग्राफिक और रेडियोग्राफिक अध्ययन।
7. टेम्पोरोमैंडिबुलर जोड़ के आंतरिक गड़बड़ी में आर्थोसेंटेसिस बनाम श्रेणी 4 लेजर उपचार के बाद इलाज के परिणाम का तुलनात्मक मूल्यांकन – एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
8. सकारात्मक दबाव सिरिंज के साथ 20 डिग्री से. और 45 डिग्री से. में 2.5 प्रतिशत एनएओसी1 के साथ सिंचन का तुलनात्मक मूल्यांकन, क्षतशोधन, कीटाणुशोधन और पेरिएपिकल निकासी में नेवीटिप एफएक्स, एंडो वैक, वाइब्रिंज (सोनिक) और पेसिव अल्ट्रासोनिक सिंचन – एक स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन सूक्ष्म और सूक्ष्म जैव वैज्ञानिक अध्ययन।
9. कैनल ओरिफिसेस स्थान का सह–संबंध और दाढ़ में केरियास घावों का साइट – एक पूर्व विवो अध्ययन।
10. डेमिनरलाइज्ड एनामेल लेशन्स पर सिल्वर डायमिन फ्लोराइड और फ्लुओर प्रोटेक्टर एन वार्निश की पुनर्खनिजीकृत की प्रभावकारिता : एक पूर्व विवो मात्रात्मक एनर्जी डिसपेरेसिव एक्स–रे (ईडीएक्स) विश्लेषण।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. सूजन का पता लगाने के साथ ऑर्थोडोंटिक मिनिस्क्रू एम्बेडेड का डिजाइन और परीक्षण – फेज 1. जैव चिकित्सा अभियांत्रिकी विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली।
2. सीबीसीटी डेटा का उपयोग कर 3–डी सेफेलोमेट्रिक विश्लेषण के लिए स्वचालित लैंडमार्क का पता लगाना। सेंट्रल साइंटिफिक इंस्ट्रुमेंट्स ऑर्गनाइजेशन (सीएसआईओ), चंडीगढ़।
3. सीबीसीटी स्कैन डेटा का उपयोग कर ऊपरी एयरवे का स्वचालित विभाजन। सेंट्रल साइंटिफिक इंस्ट्रुमेंट्स ऑर्गनाइजेशन (सीएसआईओ), चंडीगढ़।
4. ओरल माइक्रोबायोमी, प्लाज्मा मेटाबोलोम, डायबिटीज में तम्बाकू नहीं लेने वाले कार्डियो वेस्कुलर रोग के रोगियों का अध्ययन, कार्डियोलॉजी विभाग, एम्स।
5. तम्बाकू धूम्रपान करने वालों में क्यू – प्रेरित क्रेविंग से जुड़े एफएमआरआई परिवर्तन, मनोचिकित्सा विभाग, एम्स।
6. कंकाल मेटास्टेसिस वाले रोगियों में जबड़े की हड्डियों के घनत्व पर बिस्फोस्फोनेट उपचार के प्रभाव – एक पायलट अध्ययन; आईआरसीएच और रेडियोलॉजी, एम्स, नई दिल्ली।
7. बचपन के प्रारम्भिक विकास हॉर्मोन कमी के साथ एशियाई भारतीय व्यक्तियों में जीनोटाइप–फीनोटाइप सह–संबंध पर अध्ययन, शरीर रचना विज्ञान।
8. श्रेणी 2 मैलोक्लुजन के साथ किशोर और युवा व्यस्क में मिनिप्लेट एंकोरेड हाइब्रिड फिक्स्ड कार्यात्मक उपकरण के प्रभावों का मूल्यांकन, ऑर्डोडोंटिक्स एंड डेंटोफेशियल ऑर्थोपीडिक्स विभाग, सीडीईआर, एम्स।

पूर्ण

1. एक्स–रे का उपयोग कर कंकाल इमेजिंग में नेटवर्क सक्षम चिकित्सा निदान और शिक्षा, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी), नई दिल्ली; सेंट्रल साइंटिफिक इंस्ट्रुमेंट्स ऑर्गनाइजेशन, चंडीगढ़; भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मुंबई; विकिरण निदान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली।

2. फरीदाबाद जिला, हरियाणा के बल्लभगढ़ ब्लॉक में मौखिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र, एम्स।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 44 सार : 2 पुस्तकों में अध्याय : 6

रोगी उपचार

ऑर्थोडोंटिक्स एंड डेंटोफेशियल डिफॉर्मिटी प्रभाग

समीक्षा वर्ष के दौरान हमने क्लेफ्ट होंठ और तालु वाले रोगियों के अंतःविषय उपचार पर अधिक बल दिया है।

ओरल एंड मैक्सीलोफेशियल सर्जरी प्रभाग

ओरल एंड मैक्सीलोफेशियल सर्जरी ओपीडी और अंतरंग रोगी सेवाएं

1. एक्सोडोंटिया, सरल और जटिल
2. टेम्पोरोमैडीबुलर जॉइंट सर्जरी
3. क्रेनियो–फेशियल ट्रॉमा
4. चेहरे की ऑर्थोग्रन्थिक और एस्थेटिक सर्जरी
5. ओरल एंड मैक्सीलोफेशियल पैथोलॉजी
6. मैक्सीलोफेशियल संक्रमण
7. ऑब्सट्रेक्टिव स्लीप एपनिया के लिए सर्जरी
8. ट्राइजेमिनल नेयूराल्जिया क्लिनिक
9. ऑस्ट ओडोंटोकेराटोप्लास्टी

प्रोस्थोडोंटिक्स प्रभाग : पूर्ण और आंशिक रूप से एडेंटुलोस रोगियों का दंत चिकित्सा पुनर्वास। हम ओरल एंड मैक्सीलोफेशियल प्रोस्थोडोंटिक्स, प्रत्यारोपण दंत चिकित्सा और टेम्पोरोमैंडिबुलर विकारों पर विशेषता क्लीनिक चला रहे हैं। कृत्रिम अंग के विभिन्न प्रकार जो हम रोगियों के लिए निर्माण कर रहे हैं, कृत्रिम दांतों की पंक्ति, हटाने योग्य आंशिक कृत्रिम दांतों की पंक्ति, क्राउन और ब्रिज कार्य, लेमिनेट्स ओस्क्लुसल स्पिलिंट, प्रत्यारोपण समर्थित प्रोस्थेसिस (हटाने योग्य और फिक्स्ड) और मैक्सीलोफेशियल प्रोस्थेसिस (अतिरिक्त मौखिक / चेहरे और इंट्रा मौखिक) है। विभाग में हम हटाने योग्य और फिक्स्ड प्रोस्थोडोंटिक उपकरणों के निर्माण के लिए दो प्रयोगशालाएं चला रहे हैं।

पेडोडोंटिक्स और प्रिवेंटिव डेन्टीस्ट्रि प्रभाग मौखिक स्वास्थ्य समस्याओं के साथ बच्चों की रिपोर्टिंग के लिए आधुनिक निवारक, निदान और उपचार सुविधाएं प्रदान करता है। नियमित प्रक्रिया के अलावा, हमारा प्रभाग समान समर्पित छोटे ओटी के साथ भारत में बाल चिकित्सा कोमल ऊतक लेजर दंत चिकित्सा के लिए सर्वश्रेष्ठ केंद्रों में से एक के रूप में विशिष्ट है। विशेष दंत चिकित्सा देखभाल पीडियट्रिक नेफ्रोलॉजी, ऑन्कोलॉजी, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, न्यूरोलॉजी, कार्डियो – थोरेसिस सर्जरी और हीमेटोलॉजी से रेफरल की बड़ी संख्या के साथ अपने स्पेक्ट्रम कार्य का एक अभिन्न भाग है। दंत क्षय निवारक प्रोटोकॉल अति आधुनिक

कार्यनीतियों के साथ अंतरराष्ट्रीय दिशा निर्देशों के अनुसार सख्ती से इसका पालन करता है। प्राथमिक और स्थायी दांत निकलने में दर्दनाक चिकित्सकीय चोटों की रिपोर्टिंग सभी आकस्मिक आधार पर प्रबंधित है और चौबीसों घंटे दंत आघात और दर्द प्रबंधन की सुविधा भी प्रस्तावित की गई है।

कंजर्वेटिव दंत चिकित्सा और एंडोडोंटिक्स प्रभाग

कंजर्वेटिव दंत चिकित्सा और एंडोडोंटिक्स के विशेषता क्लीनिक को एक सप्ताह में दो बार आयोजित किया जाता है।

एक गैर सर्जिकल और सर्जिकल एंडोडोंटिक उपचार क्लिनिक में शुरू किया गया है और यह एक सप्ताह में एक बार आयोजित किया जाता है।

पेरियोडोंटिक्स प्रभाग

विभिन्न उपचार प्रक्रियाएं विभाग में की जाती हैं :

- परंपरागत गैर – शल्य चिकित्सा और शल्य चिकित्सा पेरियोडोंटल उपचार
- पेरियोडोंटल प्लास्टिक सर्जरी
- कोमल और सख्त ऊतक पुनर्योजी प्रक्रियाएं
- डायोड लेजर असिस्टेड कोमल ऊतक को छांटना और एडजंक्टिव पॉकेट डेब्राइडमेंट प्रक्रियाएं

सामुदायिक सेवाएं / शिविर आदि

1. सीडीईआर एम्स रोटरी मिडटाउन अस्पताल, त्रिलोकपुरी में समुदाय आउटरीच सेवाएं चला रहा है।
2. डॉ. कल्पना बंसल 14–27 नवंबर 2015 को प्रगति मैदान में आयोजित भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले के दौरान स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा आयोजित की जा रही मौखिम स्वास्थ्य जागरूकता शिविर के लिए समन्वयक थीं।

क्र. सं.	क्लिनिक	नए	पुराने	कुल
1.	ट्राइजेमिनल न्यूरोल्जिया	133	187	320
2.	कंबाइन क्लेफ्ट पैलेट	98	1058	1156
3.	ओरल प्रोफाइलेक्सिस	10036	6047	16083
4.	ऑर्थोडोंटिक्स	2843	17368	20211
5.	प्रोस्थोडोंटिक्स	6918	10927	17845
6.	रेस्टोरेटिव – सह – एंडोडोंटिक	6780	17670	24450
7.	ओरल एण्ड मैक्सीलो फेशियल सर्जरी	15018	20366	35384
8.	पेरियोडोंटिक्स	4012	8634	12646
9.	पेरियोडोंटिक्स (छोटी सर्जरी)			557
10.	ओपीडी रोगी	43029	9241	52270
11.	ऑपरेशन	बड़े	छोटे + निष्कर्षण	कुल
		546	1072+17088	18626
12.	रेडियोलॉजी (एक्स रे)			38756

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

आचार्य ओ. पी. खरबंदा ने 1 अक्टूबर 2015 से प्रभावी रूप से दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र के प्रमुख के रूप में कार्यभार ग्रहण किया; रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सशस्त्र बल चिकित्सा सेवा के मानद परामर्शदाता / सलाहकार के रूप में नियुक्त; आईआईटी, नई दिल्ली की सीनेट के लिए नामांकित किए जाने हेतु पहले दंत व्यावसायिक; यूनिवर्सिटी ऑफ सिडनी, ऑस्ट्रेलिया में नियुक्त अतिथि व्यावसायिक; पीजीआई चंडीगढ़ में संस्थापकों को व्याख्यान दिया; जिनेवा और बैंकॉक में डब्ल्यूएचओ की बैठकों में भाग लेने के लिए आमंत्रित; रोसमैन यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेस, यूएसए में मॉयर संगोष्ठी में वार्ता के लिए पहले दंत चिकित्सक; मुंबई में वार्षिक दीक्षांत समारोह और इंटरनेशनल कॉलेज ऑफ डेंटिस्ट्स (आईसीडी) के पुरस्कार समारोह में भाग लेने के लिए आमंत्रित; एम्स भुवनेश्वर, किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) लखनऊ और कलिंग इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंसेस (केआईडीएस), केआईआईटी यूनिवर्सिटी, भुवनेश्वर, उड़ीसा में संकाय चयन के लिए एक विशेषज्ञ सदस्य के रूप में नियुक्त; इसके फाउंडेशन के स्वर्ण जयंती के दौरान किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी के मुख्य अतिथि; अहमदाबाद में टास्क फोर्स परियोजना के पायलट चरण के लिए आईसीएमआर द्वारा आमंत्रित समन्वयक; स्वामी विवेकानंद सुभारती यूनिवर्सिटी, मेरठ के अनुसंधान सलाहकार बोर्ड के विशेषज्ञ सदस्य; मौखिक स्वास्थ्य और स्नातकोत्तर अनुसंधान अनुदान के क्षेत्र में अनुसंधान परियोजनाओं की समीक्षा करने के लिए आईसीएमआर के लिए विशेषज्ञ; केजीएमयू लखनऊ, पीजीआई चंडीगढ़, त्रिभुवन यूनिवर्सिटी नेपाल, महर्षि मार्कंडेश्वर कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेस एंड रिसर्च – मुलाना, अंबाला में स्नातकोत्तर परीक्षक; अध्यक्ष, आचार समिति, मानव रचना डेंटल कॉलेज (एमआरडीसी) फरीदाबाद; 23 दिसंबर 2015 को ''हेल्थ शो'' कार्यक्रम में भाग लेने के लिए लोक सभा टेलीविजन द्वारा आमंत्रित; अध्यक्ष – वैाानिक सत्र (ख) ऑर्थोडोंटिक मिनिस्क्रू की नियुक्ति के लिए तालु स्थलों का मात्रात्मक मूल्यांकन (ग) लघु अवधि फेसमास्क थेरेपी के बाद कोंडायलर स्थिति का 3डी मूल्यांकन, 8 इंटरनेशनल ऑर्थोडोंटिक कांग्रेस – डब्लयूएफओ 2015, 27–30 सितंबर 2015, एक्सेल डॉकलैंड्स, लंदन (यूके); मुख्य अतिथि, सीएमई कार्यक्रम, 26 अगस्त 2015, इंद्रप्रस्थ डेंटल कॉलेज, गाजियाबाद; ओरल हेल्थ, वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन (डब्ल्यूएचओ) बैठक पर तकनीकी बैठक के लिए आमंत्रित, 5–6 नवंबर 2015, डब्ल्यूएचओ मुख्यालय, जिनेवा, स्विट्जरलैंड।

आचार्य रितु दुग्गल स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, निर्माण भवन में एमडीएस योजना 2016–17 के लिए समिति की सुनवाई के लिए सदस्य है; सरस्वती डेंटल कॉलेज, लखनऊ में चिकित्सा और दंत चिकित्सा संकाय के अनुमोदन के लिए चयन समिति के सदस्य; संघ लोक सेवा आयोग, नई दिल्ली में दंत चिकित्सा के सहायक प्रोफेसर के पद के लिए विशेषज्ञ सदस्य; एसजीटी यूनिवर्सिटी, गुड़गांव में दंत चिकित्सा विज्ञान के लिए एथिकल समिति के अध्यक्ष; सदस्य, विभिन्न विश्वविद्यालयों में एमडीएस सीटों की संबद्धता के लिए परीक्षण पैनल।

आचार्य अजॉय रॉय चौधरी स्नातकोत्तर शिक्षा प्रदान करने के लिए भारत में विभिन्न डेंटल कॉलेजों के शिक्षण, मूलसंरचना सुविधा के सत्यापन के लिए डेंटल काउंसिल निरीक्षक हैं; भारत में विभिन्न डेंटल कॉलेजों के लिए मान्यता से संबंधित डेंटल काउंसिल ऑफ इंडिया के निर्णय की समीक्षा करने के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की समिति के सदस्य; लोक सेवा आयोग उत्तर प्रदेश, किंग जॉर्ज यूनिवर्सिटी लखनऊ, ईएसआई अस्पतालों और देश भर के छह एम्स में चयन समिति में विशेषज्ञ; किंग जॉर्ज यूनिवर्सिटी, लखनऊ के

लिए स्नातकोत्तर परीक्षक; ब्रिटिश जर्नल ऑफ ओरल एंड मैक्सीलोफेशियल सर्जरी, नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ इंडिया, डेंटल ट्रॉमेटोलॉजी एंड नेशनल जर्नल ऑफ ओरल एंड मैक्सीलोफेशियल सर्जरी के लिए समीक्षक।

डॉ. विजय प्रकाश माथुर को दिसंबर 2015 में 'फैलो ऑफ इंटरनेशनल कॉलेज ऑफ डेंटिस्ट्स' से सम्मानित किया गया था; केंद्रीय स्वास्थ्य शिक्षा ब्यूरो, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय द्वारा स्वच्छता पर स्वास्थ्य शिक्षा पुस्तिका के लिए आमंत्रित विशेषज्ञ; विभिन्न डेंटल कॉलेज में चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी की ओर से निरीक्षण किए जाने के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के ''स्कीम फॉर यंग साइंटिस्ट्स एंड टेक्नोलॉजिस्ट्स – एसवाईएसटी'' के लिए परियोजनाओं की जांच के लिए आईसीएमआर और विशेषज्ञ हेतु जनजातीय स्वास्थ्य अनुसंधान के लिए एथिकल दिशा–निर्देशों को तैयार करने हेतु कोर समिति के सदस्य।

डॉ. अजय लोगानी को इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिको लीगल विशेषज्ञों द्वारा इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिको लीगल विशेषज्ञों (एफआईएएमएलई) के अध्येता से सम्मानित किया गया और पंडित बी डी शर्मा यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेस रोहतक के अध्ययन स्नातकोत्तर बोर्ड (कंजर्वेटिव दंत चिकित्सा और एंडोटोटिक्स) के लिए बाह्य विशेषज्ञ सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया था।

डॉ. प्रभात कुमार चौधरी को 27–30 सितंबर 2015 को एक्सेल, लंदन, यूके में आयोजित 8वें इंटरनेशनल ऑर्थोडोंटिक कांग्रेस में भाग लेने और शोध पत्र प्रस्तुत करने के लिए वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ ऑर्थोडोंटिस्ट (डब्ल्यूएफओ –15) की ओर से ब्रिटिश ऑर्थोडोंटिक सोसायटी द्वारा प्रतिष्ठित शैक्षिक यात्रा से सम्मानित किया गया था।

डॉ. कुणाल ढींगरा को अक्टूबर 2015 में चेन्नई, तमिलनाडु में आयोजित आईसीओआई चौथी साउथ ईस्ट एशियन इम्प्लांट संगोष्ठी में ओरल इम्प्लांटोलॉजी में अपने नैदानिक कौशल की मान्यता के लिए प्रतिष्ठित इंटरनेशनल कांग्रेस ऑफ ओरल इम्प्लांटोलॉजिस्ट्स (यूएसए) के 'राजनयिक' की उपाधि प्रदान की।

अतिथि वैज्ञानिक

- डॉ. कुलदीप डीमेलो, आचार्य एवं अध्यक्ष, ऑर्थोडोंटिक्स विभाग, व्यास डेंटल कॉलेज, जोधपुर (भारत)।
- डॉ. रॉबर्ट ए. होरोविट्ज, क्लिनिकल सहायक प्रोफेसर, डिपार्टमेंट ऑफ इम्प्लांट डेंटिस्ट्री, न्यू यॉर्क यूनिवर्सिटी, कॉलेज ऑफ डेंटिस्ट्री, न्यू यॉर्क, यूएसए।
- प्रोफेसर रेना डिसूजा, इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर डेंटल रिसर्च, यूएसए।
- डॉ. राघुनाथ पुटट्या, इनोवेशन्स इन इंफेक्शन कंट्रोल एंड मॉनिटरिंग, 19 फरवरी 2016
- डॉ वेली जुस्सी जलकनेन, सिटिंग फिजियोलॉजी, 18 फरवरी 2016
- डॉ. स्टेन ब्रॉडी, 3डी इम्प्लांट प्लानिंग, 30 जनवरी 2016

आर. अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल

आचार्य एवं प्रमुख
जी. के. रथ
(विकिरण अर्बुद विज्ञान)

आचार्य

एन. के. शुक्ला
(शल्य चिकित्सा अर्बुद विज्ञान)

ललित कुमार
(चिकित्सा अर्बुद विज्ञान)

सुभाष चंद्र
(विकिरण अर्बुद विज्ञान)

सिद्धार्थ सत्पथी
(अस्पताल प्रशासन)

राजीव कुमार
(प्रयोगशाला अर्बुद विज्ञान)

एस. वी. एस. देव
(शल्य चिकित्सा अर्बुद विज्ञान)

संजय थुलकर
(विकिरण निदान)

सुषमा भटनागर
(संवेदनाहरण विज्ञान)

अतुल शर्मा
(चिकित्सा अर्बुद विज्ञान)

समीर बख्शी
(चिकित्सा अर्बुद विज्ञान)

सीमा मिश्रा
(संवेदनाहरण विज्ञान)

डी. एन. शर्मा
(विकिरण अर्बुद विज्ञान)

सुमन भास्कर
(विकिरण अर्बुद विज्ञान)

प्रतीक कुमार
(चिकित्सा भौतिकी)

अपर आचार्य

सुष्मिता पाथी
(विकिरण अर्बुद विज्ञान)

रितु गुप्ता
(प्रयोगशाला अर्बुद विज्ञान)

सहायक आचार्य

हरेश के. पी.
(विकिरण अर्बुद विज्ञान)

चंद्रशेखर एस. एच.
(विकिरण निदान)

अनीता चोपड़ा
(प्रयोगशाला अर्बुद विज्ञान)

सुभाष गुप्ता
(विकिरण अर्बुद विज्ञान)

प्रणय तंवर
(प्रयोगशाला अर्बुद विज्ञान)

संजीव कुमार गुप्ता
(प्रयोगशाला अर्बुद विज्ञान)

अमर रंजन सिंह
(प्रयोगशाला अर्बुद विज्ञान)

सुनील कुमार
(शल्य चिकित्सा अर्बुद विज्ञान)

मेजर एम. डी. रे
(शल्य चिकित्सा अर्बुद विज्ञान)

सच्चिदानंद जी भारती
(संवेदनाहरण विज्ञान)

विनोद कुमार
(संवेदनाहरण विज्ञान)

राकेश गर्ग
(संवेदनाहरण विज्ञान)

निष्कर्ष गुप्ता
(संवेदनाहरण विज्ञान)

अजय कुमार गोगिया
(चिकित्सा अर्बुद विज्ञान)

रंजीत कुमार साहू
(चिकित्सा अर्बुद विज्ञान)

प्रभात सिंह मलिक

रंभा पाण्डेय

अहितान्नि बिस्वास

(चिकित्सा अर्बुद विज्ञान)	(विकिरण अर्बुद विज्ञान)	(विकिरण अर्बुद विज्ञान)
रितेश कुमार (विकिरण अर्बुद विज्ञान)	दुर्गातोष पांडेय (शल्य चिकित्सा अर्बुद विज्ञान)	अलोक गुप्ता (चिकित्सा अर्बुद विज्ञान)
समीर रस्तोगी (चिकित्सा अर्बुद विज्ञान)	बिवस बिस्वास (चिकित्सा अर्बुद विज्ञान)	भरत चौहान (चिकित्सा अर्बुद विज्ञान)
मुकेश यादव (विकिरण निदान)	एकता धमीजा (विकिरण विज्ञान)	
प्रशासनिक अधिकारी रजी जावेद	लेखा अधिकारी मीरा गुप्ता	भंडार अधिकारी राकेश शर्मा

विशिष्टताएं

संवेदनाहरण विज्ञान

संवेदनाहरण विज्ञान इकाई को जून 2015 में अर्बुद–संवेदनाहरण और प्रशामक चिकित्सा विभाग उन्नत बनाया गया। विभाग संवेदनाहरण, गहन देखभाल, दर्द और प्रशामक देखभाल सेवाएं प्रदान करता है। विभाग का मिशन उपचारात्मक और प्रशामक दोनों आशय के साथ कैंसर वाले रोगियों के लिए नवीनतम और व्यापक देखभाल प्रदान करना है। इसमें विभिन्न नैदानिक उपाय, शल्य चिकित्सा प्रक्रिया, दर्द और प्रशामक प्रक्रियाओं की सेवाएं शामिल हैं। विभाग तीव्र और जीर्ण दर्द प्रबंधन के लिए रात–दिन सेवाएं प्रदान करता है। विभाग ने छः पलंग वाले गहन चिकित्सा इकाई जो गंभीर रूप से बीमार रोगियों की देखभाल और कैंसर रोगियों की प्रशामक देखभाल के लिए छः पलंग वाले प्रशामक देखभाल वार्ड के लिए प्रदान किया। विभाग अपनी नियमित शैक्षिक गतिविधियों और रोगी के लिए प्रस्तावित लाभों के लिए कैंसर के दर्द, प्रशामक देखभाल और ऑपरेशन के बाद चिकित्सा के क्षेत्र में विभिन्न अनुसंधान गतिविधियों को भी आगे बढ़ा रहा है। विभाग ने प्रोटोकॉल विकसित किया और बेहतर रोगी प्रबंधन के लिए एसओपी संरचित किया। विभाग नियमित आधार पर सीएमईएस, सम्मेलनों और कार्यशालाओं का आयोजन करता है। विभाग वर्ष में दो बार जून और नवंबर के महीने में प्रशामक देखभाल में सर्टिफिकेट कोर्स और वर्ष में एक बार फरवरी के महीने में प्रशामक देखभाल पर फाउंडेशन कोर्स का भी आयोजन करता है।

दिल्ली कैंसर रजिस्ट्री (डीसीआर)

दिल्ली कैंसर रजिस्ट्री एक जनसंख्या आधारित कैंसर रजिस्ट्री है जो कि 169 से अधिक सरकारी अथवा निजी अस्पतालों / केंद्रों और 250 नर्सिंग होम्स तथा एमसीडी और एनडीएमसी के प्रमुख सांख्यिकी प्रभाग से कैंसर रोगियों का डेटा एकत्र करती है और दिल्ली के शहरी निवासियों में विभिन्न प्रकार के कैंसर के मामलों की जानकारी देती हैं। 1988 में जब रजिस्ट्री की स्थापना हुई थी तो इसने 5854 कैंसर के नए मामले पंजीकृत किए थे और पिछले कई वर्षों में कैंसर के नए मामलों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है और 2010 में पंजीकृत मामलों की संख्या 17176 थी। दिल्ली के पुरुषों में कैंसर के आम साइट्स फेफड़े, जीभ, पौरुष ग्रंथि, मुंह और गले में और महिलाओं में कैंसर के आम साइट्स स्तन, गर्भाशय ग्रीवा, अंडाशय, पित्ताशय की थैली और गर्भाशय ग्रीवा में होते हैं। रजिस्ट्री द्वारा तैयार की गई रिपोर्टों का अनुसंधानकर्ताओं, सरकारी संगठनों इत्यादि द्वारा व्यापक प्रयोग किया जाता है।

चिकित्सा अर्बुद विज्ञान

विभाग में नियमित डीएम और पीएचडी प्रशिक्षण कार्यक्रम के साथ नियमित शिक्षण और अनुसंधान कार्यक्रम होता है। वर्तमान में, 17 नियमित डीएम छात्र (3 प्रायोजित प्रत्याशियों सहित) और 7 पीएचडी छात्र अपना प्रशिक्षण/अनुसंधान कर रहे हैं। इसके अलावा, (विभिन्न राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी/विश्वविद्यालयों द्वारा प्रायोजित) 9 छात्रों ने विभाग में अपना प्रशिक्षण प्राप्त किया। इन्हें विभाग में 9 संकाय सदस्यों द्वारा निर्देशित किया जा रहा है। विभिन्न अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय चिकित्सा पत्रिकाओं में 82 शोध पत्रों से अधिक शोधपत्र प्रकाशित किए गए, और 25 व्याख्यान अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय बैठकों में वितरित किया। भारत में अनेक विश्वविद्यालयों में चिकित्सा अर्बुद विज्ञान संकाय को डीएम और पीएचडी के परीक्षकों के रूप में आमंत्रित किया गया। विभाग में बहुत सक्रिय अनुसंधान कार्यक्रम भी हैं; 20 से अधिक शोध परियोजनाएं विभिन्न अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय सरकारी और गैर सरकारी एजेंसियों द्वारा वित्त पोषित वर्तमान में चलाए जा रहे हैं। विभाग में रोगियों की देखभाल के लिए नियमित प्रयोगशाला सेवा भी है, इनमें सीएमएल रोगियों के लिए कोशिकाजनन प्रकरण और पीसीआर की सुविधा, स्टेम सेल प्राप्तकर्ताओं के लिए सीडी 34 इन्यूमरेशन और क्रायोप्रिजर्वेशन की सुविधाएं शामिल है। इसके अलावा, 97 रोगियों का मूल कोशिका प्रत्यारोपण कराना पड़ा। विभाग ने जनवरी 2016 के बाद से अंतःस्रावी मैलिग्नेंसी पर भी एक नया क्लिनिक शुरू किया, इसे सप्ताह में एक बार हर पूर्वाह्न शनिवार को चलाया जाता है। अस्थि मज्जा और मूल कोशिका प्रत्यारोपण में अध्येतावृत्ति के लिए प्रस्ताव स्टाफ परिषद द्वारा अनुमोदित किया गया और अगले वर्ष से शुरू होने की संभावना है। यह सब कड़ी मेहनत और गंभीर प्रयासों के साथ संभव हुआ था, जो विभाग के सभी सदस्यों ने किया।

चिकित्सा भौतिकी

विभग द्वारा अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान और डॉ. बीआरए आईआरसीएच में विभिन्न विभागों में मेडिकल इमेजिस के इमेज गुणवत्ता और विकिरण सुरक्षा और अनुकूलन में एक्स–रे उत्सर्जक मेडिकल इमेजिंग उपकरण, शिक्षा और अनुसंधान के विकिरण सुरक्षा, वैधानिक अनुपालन किया जाता है। विभाग सीएनसी, सीडीईआर, ट्रॉमा, आरपीसी, विकिरण विज्ञान, अस्थि रोग विज्ञान, जठरांत्र विज्ञान, मूत्रविज्ञान, संज्ञाहरण, अंतःस्त्राविका विज्ञान विभाग आदि सहित भी हमारे द्वारा सेवा प्राप्त करते हैं। हमने परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड, मुंबई के साथ पूरे एम्स में फैले लाइसेंस प्राप्त/पंजीकृत हमारे 144 एक्स–रे उत्सर्जक इमेजिंग उपकरण प्राप्त करने के लिए अब तक, महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हमने एईआरबी के साथ विकिरण कामगारों को भी दर्ज किया है जो विकिरण सुरक्षा नियमों के तहत अनिवार्य है। हमने रोगियों, कर्मचारियों और जनता के लाभ के लिए इमेजिंग मशीनों से नियमित गुणवत्ता की जांच और विकिरण खुराक मापन निकाले। 2015–2016 के दौरान, हमने 7188 मापन, परीक्षण, प्रयोग, जोखिम और ब्लड बैग विकिरण निकाले। हमने साथ ही विकिरण मात्रामापी, इमेज अनुकूलन और विकिरण सुरक्षा के क्षेत्र में पीएचडी कार्यक्रम किए।

विकिरण निदान

दो नए संकाय सदस्य विभाग में शामिल हुए। विभिन्न अंतःक्षेपी प्रक्रियाएं जैसे इमेज गाइडिड बायोप्सी, एफएनएसी, परक्यूटेनियस कैथेटर ड्रेनेज, परक्युटेनियस नेफ्रोस्टॉमी, बिलेयरी स्टेंटिंग, पीआईसीसी लाइन, सेंट्रल लाइन, एम्बोलाइजेशन, आरएफ एब्लेशन प्रक्रियाओं की काफी वृद्धि हुई। एम्स कम्प्यूटरीकरण समिति, नियुक्तियों की पहल और सक्रिय समर्थन के साथ और विभाग में सभी जांचों की रिपोर्टिंग को डिजिटलीकृत किया गया। नाभिकीय चिकित्सा और जीआई ट्यूमर बोर्ड के साथ दो नए साप्ताहिक क्लिनिको–रेडियोलॉजिकल सम्मेलनों को इस वर्ष शुरू किया गया।

शल्यचिकित्सा अर्बुदविज्ञान

विभाग के सभी संकाय सदस्यों ने स्नातक और स्नातकोत्तर शिक्षण और 15 एमसीएच और 12 गैर शैक्षणिक सीनियर रेजीडेंट और 5 लघु/दीर्घकालिक प्रशिक्षुओं सहित 27 सीनियर रेजीडेंट्स के संरचित प्रशिक्षण में भाग लिया। विभागीय संकाय एमसीएच शिक्षण और प्रशिक्षण और उनके शोध कार्य में मार्गदर्शक में शामिल है। संकाय ने विकिरण कैंसर विज्ञान, चिकित्सा कैंसर विज्ञान, जैव रसायन और जैव प्रौद्योगिकी वृद्धावस्था चिकित्सा आदि सहित विभिन्न विभागों के शोध कार्य में सह–निर्देशक के रूप में काम किया। उन्होंने व्याख्यान देने, पैनल चर्चा में भाग लेने और शैक्षिक वीडियो प्रस्तुत करने के लिए 31 सीएमई कार्यक्रम और राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया। संकाय और रेजीडेंट स्तन कैंसर, जठरांत्र कैंसर, सिर और गर्दन के कैंसर, स्त्री रोग कैंसर, हड्डी और कोमल ऊतक ट्यूमर, थोरेसिस कैंसर, हेपेटा बिलियरी पैंक्रियाटिक कैंसर और जेनिटोयूरेनरी कैंसर के लिए विशेष कैंसर क्लीनिक में भाग लेते हैं। मंगलवार और गुरुवार को सुबह 2 सर्जिकल ऑन्कोलॉजी ओपीडी चलाई जाती हैं। विभाग कैंसर के रोगियों के लिए बड़े और छोटे ऑपरेशन की सुविधाएं प्रदान करता है। संकाय ने ओस्टोमेट्स को सलाह देने, ऑल इंडिया रेडियो में बात करने और एनजीओ द्वारा आयोजित कैंसर जागरूकता शिविरों में भाग लेने के लिए सामुदायिक सेवाओं में भाग लिया। संकाय सदस्यों को संपादकीय बोर्ड के सदस्यों, शोध पत्र के समीक्षक और राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय निकायों के सदस्यों के रूप में शामिल किया गया था। संकाय सदस्यों ने एमसीएच सर्जिकल ऑन्कोलॉजी और एमएस सर्जरी परीक्षाओं के लिए विभिन्न चिकित्सा कॉलेजों और संस्थाओं के परीक्षक के रूप में काम किया। उन्होंने अखिल भारतीय एमबीबीएस और स्नातकोत्तर परीक्षाओं के संचालन में भी भाग लिया।

शिक्षा

प्रयोगशाला अर्बुद विज्ञान

लघु अवधि प्रशिक्षु

1. डॉ. शीफा हक सहायक प्रोफेसर, शेर–ए–कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, श्रीनगर, जनवरी 2016.
2. डॉ. मंजूर अहमद मलिक सहायक प्रोफेसर, शेर–ए–कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, श्रीनगर, जनवरी 2016.

चिकित्सा अर्बुद विज्ञान

डी एम कार्यक्रम : इसमें 16 नियमित छात्र हैं।

पी एच डी प्रशिक्षण : सात पी एच डी विद्यार्थी चिकित्सा अर्बुद विज्ञान के विभिन्न पक्षों में अपना कार्य कर रहे हैं।

- डॉ. सोबुही इकबाल – महिला वैज्ञानिक – परियोजना का शीर्षक स्तन कैंसर के रोगियों में एक प्रोग्नोस्टिक मार्कर के रूप में परिसंचारी सेल–फ्री डीएनए (सीसीएफडी) का मूल्यांकन। अनुदान एजेंसी – स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय।

प्रशिक्षु

1. अभिजीत सिंह 20 मई 2014 से 16 जुलाई 2014 तक : विषय : ''टू स्टडी द लेवल्स ऑफ रिसेप्टर एक्टिवेटिड न्यूक्लियर–केबी (आरएएनकेएल) साइटोकाइन एंड द आइसोलेशन ऑफ प्लाज्मा सेल्स फ्रॉम बोन मैरो ऑफ मल्टीप्लाइ मायलोमा पेशेंट्स''। (भारतीय विज्ञान अकादमी–आईएनएसए, ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षु)।

2. रबि शंकर पाल (आईआईएसईआर, कोलकाता) 02 जून, 2015 से 31 जुलाई 2015 तक : विषय : ''ए कम्पेरेटिव स्टडी ऑफ एनके सेल पॉपुलेशन इन क्रोनिक माइलॉयड ल्यूकेमिया (सीएमएल) पेशेंट्स एट डायग्नोसिस एंड कम्प्लीट रीमिशन इन कम्पेरिज़न विद हेल्दी इंडिविजुअल्स''।
3. साकेत वत्स मिश्र 31 जनवरी, 2015 से जून 2015 तक : विषय : ''टू एनुमेरेट द एनके सेल पॉपुलेशन इन क्रोनिक माइलॉयड ल्यूकेमिया (सीएमएल) पेशेंट्स एट डायग्नोसिस एंड पोस्ट–ट्रीटमेंट।''
4. तोरशा कुंडू आईआईएसईआर, कोलकाता 15.06.2015 से 14.08.2015 तक।
5. एस. सुजिथ्रा 1.06.2015 से 29.07.2015 तक : विषय : सरवाइकल कैंसर सेल लाइन और सिसप्लेटीन रेजिस्टेंस (इंडियन एकेडमी ऑफ साइंसेज़ बैंगलोर, और आईएनएसए – ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षु)।
6. वर्षा (वीआईटी, वेल्लोर) 1.12.2015 से 31.05.2016 तक : विषय : सरवाइकल कैंसर सेल लाइन और मैकेनिज्म ऑफ सिसप्लेटीन रेजिस्टेंस।
7. रोहित प्रियदर्शी (जामिया विश्वविद्यालय दिल्ली 01.01.2016 से 30.06.2016) : विषय : सिसप्लेटीन रेजिस्टेंस इन सरवाइकल कैंसर सेल लाइन (हेला सेल लाइन) और इफेक्ट ऑफ पीएआरपी इनहेबिशन ऑन ड्रग एक्टिविटी।
8. रितु 01.01.2016 से 30.06.2016 तक : विषय : ''एवेल्यूएशन ऑफ एनके सेल्स इन अर्ली एंड एडवांस्ड ब्रेस्ट कैंसर पेशेंट्स''।
9. डॉ. नबीलह बिंती अब्दुल खालिद, मलेशिया (01.03.2015 से 31.7.2015) : विषय : स्टेम सेल ट्रांसप्लांटेशन।

चिकित्सा भौतिकी

- चिकित्सा भौतिकी विभाग एम डी रेडियोलॉजी, एम बी बी एस, बी एस सी (ऑनर्स) नर्सिंग एवं बी एस सी (ऑनर्स) रेडियोग्राफी कर रहे विद्यार्थियों के लिए विकिरण सुरक्षा, विकिरण भौतिकी एवं विकिरण विज्ञानात्मक इमेजिंग में गुणवत्ता के क्षेत्र में शिक्षा प्रदान की। वर्तमान में विभाग में 3 पी.एच.डी. छात्रों को प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है।

विकिरण निदान

- संकाय ने स्नातक, स्नातकोत्तर और सुपर स्पेशियलिटी टीचिंग, रेडियो–कॉन्फ्रेंस, ट्यूमर बोर्ड की बैठक, क्लीनिक कम्बाइंड राउंड, क्लीनिकल ग्रैंड राउंड में भाग लिया। संकाय ने आईआरसीएच और संस्थान में आयोजित विभिन्न गोष्ठियों में भी भाग लिया।

शल्य चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

- स्नातकोत्तर शिक्षण : 15 एम सी एच सर्जिकल ओंकोलॉजी के छात्र। संकाय ने बीआरए आईआरसीएच और एम्स के विभिन्न विभागों से डीएम मेडिकल ऑन्कोलॉजी शोध, एमडी रेडियो निदान एमडी विकिरण कैंसर विज्ञान शोध व पीएचडी छात्रों में सह–मार्गदर्शक और सह–पर्यवेक्षकों के रूप काम किया। संकाय आरसीसी, तिरुवंनतपुरम से डेंटल सर्जरी रेजीडेंट और एमसीएच छात्रों के शिक्षण और प्रशिक्षण में शामिल था जिसे एक महीने के रोटेशन पर पोस्ट किया जाता है।
- पैरा नैदानिक शिक्षण/प्रशिक्षण : संकाय को एमएससी के नर्सिंग अर्बुद विज्ञान छात्रों को शिक्षण मे शामिल किया गया था।
- लघु और दीर्घ अवधि प्रशिक्षण :
    1. मलेशिया से डॉ. डाफ्ने एंटोनीसामी – 1 मार्च 2015 से 31 अगस्त 2015 तक, 6 माह।
    2. डॉ. राजेश कुमार सिंह एमसीएच छात्र – 1 अप्रैल 2015 से 30 अप्रैल 2015 तक, 1 माह।

3. डॉ. विक्रम सिंह एमसीएच छात्र – 1 सितंबर 2015 से 31 अक्टूबर 2015 तक, 2 माह ।
4. डॉ. निवेदिता शर्मा एमसीएच छात्र – 1 सितंबर 2015 से 31 अक्टूबर 2015 तक, 2 माह।
5. डॉ. पुष्पेंद्र मलिक सहायक प्रोफेसर – 1 फरवरी 2016 से 30 अप्रैल 2016 तक, 3 माह।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा /कार्यशाला/ संगोष्ठी/राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन
संवेदनाहरण विज्ञान

1. पुणे में 12–14 फरवरी 2016 को इंडियन एसोसिएशन ऑफ पैलिएटिव केयर (आईएपीसीओएन 2016) का 23वां अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन।
2. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान और यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज, नई दिल्ली द्वारा संयुक्त रूप से 7 नवंबर, 2015 को आयोजित अंतरराष्ट्रीय तंत्रिकाविकृति दर्द अद्यतन, 2015.
3. जुलाई और नवंबर, 2015 के माह में प्रशामक देखभाल में आईएपीसी प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम।
4. दिल्ली में और इसके आसपास कैंसर रोगियों के उपचार चिकित्सा चिकित्सकों और नर्सिंग स्टाफ के लिए मार्च 2015 में प्रशामक देखभाल पर 14वें फाउंडेशन पाठ्यक्रम का आयोजन।

चिकित्सा अर्बुद विज्ञान

1. संगोष्ठी कक्ष, आईआरसीएच में 31 जनवरी 2015 को ''प्राथमिक सीएनएस लिंफोमा'' पर संगोष्ठी।
2. उन्नत एनएससीएलसी प्रबंधन पर पी. जी. छात्र के लिए संगोष्ठी : एक मामला आधारित चर्चा'' संगोष्ठी कक्ष, आईआरसीएच में 18/04/2015 को आयोजित किया गया था।
3. संगोष्ठी कक्ष, आईआरसीएच में 12 और 13 दिसंबर, 2015 को ''रेंडमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल्स : डिजाइन, इंटरप्रीटेशन एंड रिपोर्टिंग'' पर संगोष्ठी।
4. संगोष्ठी कक्ष, आईआरसीएच में 6 फरवरी 2016 को मल्टीपल मायलोमा पर लघु संगोष्ठी।
5. संगोष्ठी कक्ष, आईआरसीएच में 5 फरवरी 2015 को ''सीएमएल : ईएलएन गाइडलाइंस – 2013 एंड इट्स क्लिनिकल इम्प्लीकेशंस'' पर प्रो. मिशेल बकरानी, बोलोग्ना विश्वविद्यालय द्वारा संगोष्ठी।
6. संगोष्ठी कक्ष, आईआरसीएच में 7 जुलाई 2015 को कैंसर चिकित्सा सीआरसी पर डॉ. डब्ल्यू. टोंग, सीईओ द्वारा संगोष्ठी।
7. आईआरसीएच, कक्ष में 1 दिसंबर 2015 को ''कीमोथेरेपी इन एडवांस्ड एंड मेटास्टेटिक कोलो–रेक्टल कैंसर – फ्यूचर एंड बीयोंड'' पर प्रो. थियरी आंद्रे, फ्रांस द्वारा संगोष्ठी।
8. संगोष्ठी कक्ष चौथे तल में 11 दिसंबर 2015 को ''रोल ऑफ मेंटेनेंस थेरेपी इन एपिथेटिकल ओवरियन कैंसर'' पर प्रो. अमित ओजा, प्रिंसेस मार्गरेट हॉस्पिटल टोरंटो कनाडा द्वारा संगोष्ठी।
9. संगोष्ठी कक्ष, आईआरसीएच में ''पारिवारिक स्त्री रोगों के कैंसर के लिए एक व्यावहारिक दृष्टिकोण'' क्वीन मैरी यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन से डॉ. रंजीत मनचंदा, सलाहकार गायनीकोलॉजिकल ऑन्कोलॉजिस्ट द्वारा संगोष्ठी।
10. संगोष्ठी कक्ष में 7 अप्रैल 2016 को ''टेलीओंकोलॉजी : ए मॉडल फॉर रूरल कैंसर सर्विस'' पर डॉ. अभिषेक जोशी, ऑस्ट्रेलिया द्वारा संगोष्ठी।

प्रदत्त व्याख्यान
संवेदनाहरण विज्ञान

सुषमा भटनागर : 17	सीमा मिश्रा : 8	राकेश गर्ग : 13
निष्कर्ष गुप्ता : 12	सच्चिदानंद जी भारती : 11	विनोद कुमार : 9

दिल्ली कैंसर रजिस्ट्री
एन. मनोहरण : 3

प्रयोगशाला अर्बुद विज्ञान

रितु गुप्ता : 12 अमर रंजन सिंह : 5 संजीव कुमार गुप्ता : 5

चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

ललित कुमार : 4 अतुल शर्मा : 2 समीर बख्शी : 16
रंजीत कुमार साहू : 1 प्रभात सिंह मलिक : 2

चिकित्सा भौतिकी

प्रतीक कुमार : 9

विकिरण निदान

संजय थुलकर : 1 चंद्रशेखर एस. एच. : 6 मुकेश यादव : 2
एकता धमीजा : 4

विकिरण अर्बुदविज्ञान

जी. के. रथ : 8 सुभाष चंद्र : 4 डी. एन. शर्मा : 11
सुमन भास्कर : 1 सुष्मिता पाथी : 1 सुभाष गुप्ता : 1
हरेश के. पी. : 1 रंभा पांडेय : 1 अहिताग्नि बिस्वास : 4
रितेश कुमार : 1

शल्य चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

एन. के. शुक्ला : 3 एस. वी. एस. देव : 16 सुनील कुमार : 2
एम. डी. रे : 1

मौखिक शोध पत्र/पोस्टर की प्रस्तुति

संवेदनाहरण विज्ञान : 8 दिल्ली कैंसर रजिस्ट्री : 3 प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान : 9
चिकित्सा अर्बुदविज्ञान : 19 चिकित्सा भौतिकी : 13 विकिरण निदान : 2
विकिरण अर्बुदविज्ञान : 11 शल्य चिकित्सा अर्बुदविज्ञान : 39 (बीसीआई – ट्रेवल स्कोलर अवॉर्ड, पाचवां सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार)

अनुसंधान

संवेदनाहरणविज्ञान

वित्तपोषित परियोजना

जारी

1. घातक फुफ्फुस बहाव वाले वयस्क रोगियों में प्लेयूरोडोसिस की प्रभावशीलता में श्वसन भौतिक चिकित्सा की भूमिका का आकलन करना, राकेश गर्ग, एम्स, 2 वर्ष, 2015–16, 189,000 रुपए।
2. सिर और गर्दन के कैंसर की सर्जरी के दौर से गुजरने वाले रोगियों में इंट्राऑपरेटिव हाइपोथर्मिया पर एमिनो एसिड समृद्ध समाधान प्रबलित एयर वार्मिंग और निषेचन का तुलनात्मक मूल्यांकन : एक भावी यादृच्छिक अध्ययन, डॉ. निष्कर्ष गुप्ता, एम्स, 1 वर्ष, 2014 – 15; (लगभग) 4 लाख रु.।
3. स्तन कैंसर के रोगियों में ऑपरेशन के बाद मितली और उल्टी को रोकने के लिए एप्रीपिटेंट बनाम डेक्सामेथेसोन, जी भारती, एम्स, 1 वर्ष, 2014 – 15, 1 लाख रुपए।

पूर्ण

1. कैंसर रोगियों में ओपिओडस हेतु प्रतिक्रिया के आण्विक निर्धारक : भारतीय परिदृश्य, आईसीएमआर, 2013–2015, 28,14,000 लाख रुपए, सुषमा भटनागर।

दिल्ली कैंसर रजिस्ट्री

जारी

1. कैंसर पंजीकरण और देखभाल के पैटर्न पर आधारित अस्पताल की स्थापना और स्तन कैंसर, गर्भाशय ग्रीवा कैंसर और सिर और गर्दन के कैंसर, एस.वी.एस. डियो, राष्ट्रीय कैंसर पंजीकरण केन्द्र, राष्ट्रीय रोग सूचना और अनुसंधान केन्द्र, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद पर उत्तरजीविता अध्ययन, बैंगलोर, 3 वर्ष, 2014, (लगभग) 31 लाख रुपए।

प्रयोगशाला अर्बुद विज्ञान

जारी

1. चिरकारी लिम्फोसाइटिक ल्यूकेमिया में डी एन ए मेथिलेशन की पूर्वानुमानिक संगति, ऋतु गुप्ता, डी बी टी, 3 वर्ष, 2011–16, 50.41 लाख रुपए।
2. माइक्रो आरएनए संग्राहक जीन अभिव्यक्ति के संदर्भ में मायलोमा जीनोम पूछताछ; ऋतु गुप्ता; डीबीटी, 3 वर्ष, 2014 – 17; 69.74 लाख रुपए।
3. इमेज प्रोसेसिंग तकनीक का उपयोग करके एक्यूट लिम्फोब्लासटिक ल्यूकेमिया (एएलएल) बी–लाइनेज में कम से कम अवशिष्ट रोग अनुमान (एमआरडी) के लिए स्वचालित कंप्यूटर सहायता उपकरण, ल्यूकोएनालाइजर का विकास और डिजाइन, रितु गुप्ता, डीईआईटीवाय, 3 वर्ष, 2014–17, 46.67 लाख रुपए।
4. क्रोनिक लिम्फोसायटिक ल्यूकेमिया (सीएलएल) में रोग प्रगति और कीमोथेरेपी के प्रतिरोध के लिए जिम्मेदार विकृतिविज्ञानी प्रासंगिक एमआईआरएनए की व्याख्या, रितु गुप्ता, डीबीटी, 3 वर्ष, 2015–18, 105 लाख रुपए।
5. क्रोनिक माइलॉयड ल्यूकेमिया– मेकेनिस्ट व्यू वाले भारतीय रोगियों में टाइरोसीन काइनेज अवरोधकों के लिए प्रतिरोध, रितु गुप्ता, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2015–18, 29.04 लाख रुपए।
6. एकाधिक मायलोमा पर कैंसर अनुसंधान पर उत्कृष्टता की इकाई, रितु गुप्ता, डीबीटी, 5 वर्ष, 2016–21, 314 लाख रुपए।
7. जठरांत्र संबंधी कैंसर के पोस्ट ऑपरेटिव मामलों में मार्कर ओएस पूतिता के रूप में थ्रोम्बोपोएटिन का मूल्यांकन, अमर रंजन सिंह, 4 लाख रुपए, एम्स, 2015.
8. बी सेल तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में आई के जेड एफ 1 (इकारोस) उत्परिवर्तन, संजीव कुमार गुप्ता, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष 3 माह, 2013–15; 9 लाख रुपए।

पूर्ण

1. चिरकारी लिम्फोसाइटिक ल्यूकेमिया में डीएनए मेथिलेशन की पूर्वानुमानिक संगति, ऋतु गुप्ता, डीबीटी, 3 वर्ष, 2011–16, 50.41 लाख रुपए।

चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

जारी

1. मोबाइल फोन प्रयोक्ताओं में कैंसर का जोखिम, ललित कुमार, आईसीएमआर, 4 वर्ष, 2012–16, 11.74 लाख रुपए।

2. उच्च एपिथेलियल अण्डाशय कैंसर हेतु प्रत्येक 3 सप्ताह में कार्बोप्लेटिन के सम्मिश्रण के साथ साप्ताहिक पेक्लीटिक्सल, ललित कुमार, डीबीटी, 4 वर्ष, 2010–16, 17.95 लाख रुपए।
3. एपिथेलियल अण्डाशय कैंसर, फैलोपियन ट्यूब कार्सिनोमा अथवा प्रारंभिक पेरीटोनियल कार्सिनोमा के प्रथम पंक्ति उपचार के रूप में कार्बोप्लेटिन पैक्लीटेक्सल में बेवासिजुमेब के अतिरिक्त आकलन करने के लिए वैश्विक अध्ययन, ललित कुमार, रॉश, 4 वर्ष, 2011–16, 5.4 लाख रुपए।
4. मल्टीपल मायलोमा के रोगियों में लाइट चेन से उद्दीपित गुर्दा विफलता अवधि में भविष्यलक्षी मार्कर की पहचान, ललित कुमार, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2015–2016.
5. एम.एम. में आणविक आनुवंशिकी का अध्ययन, ललित कुमार, डीबीटी, 3 वर्ष, 2015–18, 45 लाख रु.।
6. ड्यूक सी और उच्च जोखिम ड्यूक्स बी कोलोरेक्टल कैंसर–एक अंतरराष्ट्रीय, बहु केंद्र, डबल ब्लाइंड, अनियमित प्लेसबो नियंत्रित तीसरे चरण के परीक्षण के लिए एस्पिरिन, अतुल शर्मा, सिंगापुर नैदानिक अनुसंधान संस्थान, 5 वर्ष, 2013–18, प्रति रोगी 500 अमरीकी डॉलर।
7. फ्लोरोपायरिमिडिनेस और या आइरिनोटेकन वाले कैंसर के रोगियों में कीमोथेरेपी–प्रेरित दस्त पर वीएसएल#3® की प्रभावकारिता की जांच करने के लिए चरण II/III, यादृच्छिक, डबल ब्लाइंड, प्लेसेबो नियंत्रित अध्ययन, अतुल शर्मा, सीडी फार्मा इंडिया, 6 वर्ष, 2010–16, लगभग 18.00 लाख रुपए।
8. तीव्र मायेलॉइड ल्यूकेमिया में माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए नियामक क्षेत्र में परिवर्तन के नैदानिक और जैविक महत्व का अध्ययन, समीर बख्शी, डीबीटी, 3 वर्ष, 2013–16, 45.75 लाख रुपए।
9. बाल चिकित्सा एक्यूट माइलॉयड ल्यूकेमिया में आणविक मार्कर के रूप में माइक्रोआरएनए की प्रभावकारिता की जांच, समीर बख्शी, डीबीटी, 3 वर्ष, 2015–18, 26.85 लाख रुपए।
10. बाल चिकित्सा और किशोरों के कैंसर में प्रतिषेध, गैर–अनुपालन, परित्याग और बाह्य रोगी संक्रमण के उपचार में सुधार, समीर बख्शी, लेबरा फाउंडेशन, 3 वर्ष, 2015–18, 93.33 लाख रुपए।
11. ट्रिपल नेगेटिव स्तन कैंसर में ईजीएफआर, सीके 5/6 की अभिव्यक्ति। अजय गोगिया, एम्स, 3.25 लाख रुपए।
12. पीसीएनएसएल में एमजीएमटी प्रमोटर मेथिलिकरण, रंजीत कुमार साहू, एम्स, 1 वर्ष, 2015–16, 3.15 लाख रुपए।
13. गेम्सिटेबाइन–प्लेटिनम डॉब्लेट के साथ इलाज किए गए पित्ताशय के उन्नत कार्सिनोमा में आरआरएम1, आरआरएम2, एचईएनटी1 और ईआरसीसी1 अभिव्यक्ति की भूमिका, रंजीत कुमार साहू, नाग फाउंडेशन पुणे, 3 वर्ष, 2015–18, 5 लाख रुपए।
14. गैर छोटे कोशिका में फेफड़ों के कैंसर में बेवासिजुमेब (एवेस्टीन) के साथ बेवासिजुमेब (जायडस कैडिला) की सुरक्षा, सहनशीलता और प्रभावकारिता के लिए भावी, यादृच्छिक, बहु–केंद्र अध्ययन, प्रभात सिंह मलिक, कैडिला हेल्थ केयर, 1 वर्ष, 2015–16, 13.64 लाख रुपए।

पूर्ण

1. चिरकारी मायलेजिनियस वाले रोगियों में निलोटिनिब की तुलना में इमेटिनिब डोज़ ऑप्टीमाइजेशन का यादृच्छिक फेज 3 अध्ययन एवं मानक डोज़ हेतु सब ऑप्टीमल प्रतिक्रिया, ललित कुमार, नोवार्टिस इंडिया, 5 वर्ष, 2011–2016, 15 लाख रुपए।
2. नॉन हॉजकिन्स लिम्फोमा में रीटुक्सिमेब (जिनोटिक) की सुरक्षा एवं प्रभावोत्पादकता का मूल्यांकन करने के लिए एक बहुकेंद्रिक ओपन लेबल फेज़ 3 अध्ययन, ललित कुमार, रैनबैक्सी फाउंडेशन, गुड़गांव, 5 वर्ष, 2010–15, 4.68 लाख रुपए।
3. क्रोनिक माइलॉयड ल्यूकेमिया (सी एम एल) में प्रतिक्रिया आकलन का मानकीकरण, समीर बख्शी, डी बी टी, 4 वर्ष, 2011–15, 71.48 लाख रुपए।

चिकित्सा भौतिकी

जारी

1. कोरोनरी धमनी प्लैक का मूल्यांकन, प्रतीक कुमार, आई सी एम आर, 4 वर्ष, 2011–15, 25.58 लाख रुपए।
2. गुर्दे की पथरी के गैर–आक्रामक लक्षण, प्रतीक कुमार, एम्स, 2 वर्ष, 2015–2017, 3 लाख रुपए।

विकिरण निदान

जारी

1. स्तन कैंसर के लिए मेटेलिक ट्यूमर मार्कर क्लिपः डिजाइन, विकास और नैदानिक निहितार्थ, संजय थुल्कर, विज्ञान और अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), 3 वर्ष, 2015–17, 23.27 लाख रुपए।

विकिरण अर्बुदविज्ञान

जारी

1. सहायक कीमोथेरेपी / रेडियोथेरेपी से उपचारित गैर मेटास्टेटिक स्तन कैंसर वाले रोगियों में आयुष क्यूओएल – 2 सी के साथ जीवन की गुणवत्ता का मूल्यांकन करने के लिए एक प्रायोगिक अध्ययन एवं आणविक मार्कर्स के साथ इसका सह संबंध, जी. के. रथ, केन्द्रीय आयुर्वेद एवं सिद्ध अनुसंधान परिषद, 5 वर्ष, 2010–15, 51,45 लाख रुपए।
2. स्थानीय रूप से उन्नत मलाशय के कैंसर में न्यूएडजुवेंट कीमो–रेडियोथेरेपी की प्रतिक्रिया के लिए भविष्य उत्तरदायी बायोमार्कर, एस. पाथी, एम्स; 3 वर्ष, 2013, 5 लाख रुपए।
3. फेफड़ों के स्थानीय रूप से उन्नत गैर छोटे सेल कार्सिनोमा में समवर्ती कीमोथेरेपी बनाम पारंपरिक समवर्ती कीमो–रेडियोथेरेपी के साथ हाइपोफ्रेक्शनेटिड रेडियोथेरेपी – अनियमित नियंत्रित परीक्षण, एस पाथी, 3 वर्ष, 2016.
4. एचपीवी पॉजिटिव कार्सिनोमा गर्भाशय ग्रीवा सेल लाइनों में रेडियोथेरेपी के अतिरिक्त एंटीवायरल एजेंट और हर्बल फार्मूलों की ट्यूमरिसिडल प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक पायलट अध्ययन, हरेष के पी, एम्स, 1 वर्ष, 2013, 5 लाख रुपए।
5. कीमोथेरेपी से उद्दीपित थ्रोम्बोसाइटोपेनिया के प्रबंधन में यूपीएलएटी के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक भविष्यलक्षी अध्ययन। हरेष के पी, संत फार्मास्युटिकल्स, 2 वर्ष, 2013, 5 लाख रुपए।

पूर्ण

1. दिल्ली के एक तृतीयक देखभाल संस्थान में उपचार के बाद ग्रीवा के कैंसर और उनकी जीवन की गुणवत्ता के साथ महिलाओं के एक क्लिनिको महामारी विज्ञान का अध्ययन, सुभाष गुप्ता, 2 वर्ष, 2013–16.

शल्यक अर्बुद विज्ञान

जारी

1. स्तन, सिर और गर्दन और ग्रीवा के कैंसर में देखभाल और अस्तित्व के अध्ययन का पैटर्न। एस वी एस. देव, आई सी एम आर, 3 वर्ष, 2014–16, 30 लाख रुपए।
2. चबाने वाले तंबाकू और गैर चबाने वाले तंबाकू स्वस्थ व्यक्तियों की तुलना में निर्धूम तंबाकू प्रेरित मौखिक कैंसर के रोगियों की ओरल माइक्रोबायोम की विविधता, – एक मेटाजीनोमिक दृष्टिकोण, दिग्विजय वर्मा, डीएसटी–एसईआरबी, 3 वर्ष, 2015–18, 50 लाख रुपए।
3. स्तन कैंसर के लिए मेटेलिक ट्यूमर मार्कर। डिजाइन, विकास और नैदानिक निहितार्थ, संजय थुल्कर, डीएसटी, 2 वर्ष, 2015–16, 50 लाख रुपए।

4. स्तन कैंसर में पूर्वाभासी मार्कर के रूप में सेल फ्री डीएनए परिसंचारी का मूल्यांकन, सोबुही इकबाल, आईसीएमआर, 1 वर्ष, 2015–16, 12 लाख रुपए।
5. मौखिक गुहा के उन्नत स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में नियो एडजुवेंट कीमोथेरेपी की प्रतिक्रिया के आकलन के लिए भारित चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग प्रसार का मूल्यांकन, सुनील कुमार, एम्स, 2 वर्ष, 2014–15, 1 लाख रुपए।
6. लसीका जल निकासी और सेरोमा निर्माण, जिससे रुग्णता की दर को कम करने के लिए इलियो वंक्षण ब्लॉक विच्छेदन में फाइब्रिन सीलेंट की भूमिका, एम डी रे, एन के शुक्ला, सुनील कुमार एट ऑल, एम्स, 1 वर्ष, 2014–15, 60,000 रुपए।
7. लसीका जल निकासी और सेरोमा निर्माण, जिससे रुग्णता की दर को कम करने के लिए इलियो वंक्षण ब्लॉक विच्छेदन में फाइब्रिन सीलेंट की भूमिका, एम डी रे, एन के शुक्ला, सुनील कुमार एट ऑल, एम्स, 2 वर्ष, 2014–16, 60,000 रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

संवेदनाहरण विज्ञान

जारी

1. महिला कैंसर रोगियों में दुर्दम्य दुर्बलता को दुर्बलता की प्रगति में देरी में पोषण हस्तक्षेप के प्रभाव का अध्ययन : भारत में आधारित एक अध्ययन।
2. कैंसर के रोगियों में दर्द के सामाजिक सामग्री की पहचान करने के लिए एक खोजपूर्ण पार अनुभागीय अध्ययन।
3. कैंसर के रोगियों में कुल दर्द का आकलन करने के लिए उपकरण का विकास।
4. कैंसर रोगियों में ओपियोड्स से प्रतिक्रिया के आण्विक निर्धारक : भारतीय परिदृश्य।
5. कैंसर रोगियों में ऑन्कोलॉजिकल दर्द के प्रबंधन में स्क्रेमब्लर थेरेपी की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन।
6. कैंसर दर्द के सामाजिक निर्धारकों की खोज।
7. भारतीय आबादी में वयस्क कैंसर रोगियों में रिफ्रैक्टरी दुर्बलता के लिए दुर्बलता की प्रगति की देरी में पोषण परामर्श और "बेहतर आटे" पूरकता की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करना।
8. पोषण की स्थिति के बीच संबंध का आकलन करना और वयस्क उपशामक भारतीय कैंसर रोगियों में जीवन की गुणवत्ता।
9. घातक फुफ्फुस रिसाव वाले वयस्क रोगियों में प्ल्यूरोडेसिस की प्रभावशीलता में श्वसन भौतिक चिकित्सा की भूमिका का आकलन करना।
10. प्रशामक देखभाल इकाई में भर्ती रोगियों में नींद की गुणवत्ता और कैंसर के दर्द के बीच संबंध का मूल्यांकन करना – एक अवलोकन अध्ययन।
11. वयस्क रोगियों के दौर से गुजर रहे कैंसर सर्जरी में अस्पताल में रहने की अवधि पर पोषण की स्थिति का प्रभाव : संभावित अवलोकन अध्ययन।
12. सिर और गर्दन के कैंसर की सर्जरी के दौर से गुजर रहे रोगियों में कफ स्फीति तकनीक का उपयोग करके ग्लिडेस्कोप वीडियोलैरिंगोस्कोप और परम्परागत मेसिनटोश लैरिंगोस्कोप के साथ नेसोट्रेकियल इंटुबेशन का तुलनात्मक मूल्यांकन : एक भावी यादृच्छिक अध्ययन।
13. प्रशामक कैंसर रोगी में नसों में अफीम के साथ एनाल्जेसिक टिट्रेशन के दो तकनीकों (बोलस मोर्फिन बनाम मोर्फिन इंफ्यूशन) की तुलना - एक भावी यादृच्छिक अध्ययन।

प्रयोगशाला अर्बुद विज्ञान

जारी

1. कई माइलोमा में प्रत्यारोपण की स्थापना में न्यूनतम अवशिष्ट रोग (एमआरडी) परिणाम का एक आकलन।
2. मल्टीपल माइलोमा में बोन मैरो माइक्रोएन्वायर्नमेंट की भूमिका।
3. एक्यूट माइलॉयड ल्यूकेमिया में डब्ल्यूएनटी संकेतन मार्ग अणुओं और जीन उत्परिवर्तन के साथ अपने सहयोग का विश्लेषण।
4. माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए में परिवर्तन के क्लिनिकल जैविक महत्व।
5. कैंसर रोगियों में ओपियॉइड हेतु प्रतिक्रिया के आण्विक निर्धारक।
6. एएससीटी सेटिंग में मायलोमा/लिंफोमा में लिम्फोसाइट सबसेट विश्लेषण।

पूर्ण

1. मल्टिपल मायलोमा के रोगियों में सिस्टेटिन सी और आईएल 6 के सीरम स्तर का मूल्यांकन।
2. परम्परागत कोशिकाजननप्रकरण से भारतीय रोगियों में तीव्र लिम्फोब्लासटिक ल्यूकेमिया में क्रोमोजोम में संख्यात्मक परिवर्तन का अध्ययन।

चिकित्सा अर्बुद विज्ञान

जारी

1. ग्रीवा के कैंसर में सिस्पैटिन प्रतिरोध में पीएआरपी – 1 और बी–केटेनिन की भूमिका।
2. एकाधिक मायलोमा में कम से कम अवशिष्ट रोग।
3. तीव्र माइलॉयड ल्यूकेमिया में आम उत्परिवर्तन (एफएलटी3, सीईबीपीए) के साथ डब्ल्यूएनटी संकेतन अणुओं और अपने सहसंबंध का अध्ययन करना।
4. मल्टीपल माइलोमा में बोन मैरो माइक्रोएन्वायर्नमेंट की भूमिका।
5. तीव्र माइलॉयड लेकिमिया में माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए नियामक क्षेत्र में परिवर्तन के नैदानिक और जैविक महत्व का अध्ययन।
6. तृतीयक देखभाल अस्पताल में बाल चिकित्सा गैर हॉडकिन लिंफोमा के क्लिनिकोपैथोलॉजिक और उपचार के परिणाम।
7. बाल चिकित्सा एएमएल रोगियों में समग्र अस्तित्व पर बेस लाइन सीरम जिंक लेवल के प्रभाव का अध्ययन करना।
8. बाल चिकित्सा हॉडकिन लिंफोमा – जीवविज्ञान और परिणाम।
9. बाल चिकित्सा हॉडकिन लिंफोमा के परिणाम पर इम्युनहिस्टोकेमिस्ट्री से आईएल – 6 अभिव्यक्ति का पूर्वभासी महत्व।
10. ऑटोलॉगस स्टेम सेल प्रत्यारोपण में प्रतिरक्षा पुनर्गठन।
11. आईआरसीएच, एम्स के फिलाडेल्फिया नेगेटिव म्येलोप्रोलिफेरेटिव नियोप्लास्म का अध्ययन।
12. मंच 2 बी और 3 एनएससीएलसी वाले रोगियों में नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी की सुरक्षा और प्रभावकारिता का अध्ययन : एक प्रायोगिक अध्ययन।
13. उन्नत गैर स्क्वैमस गैर छोटे सेल फेफड़ों के कैंसर में प्रेरण आहार के रूप में पेमेट्रेक्स्ड–कार्बोप्लेटिन बनाम पैक्लिटैक्सेल– कार्बोप्लेटिन की प्रभावकारिता और सुरक्षा की तुलना करने के लिए चरण–।।। ओपन लेबल यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन ।

पूर्ण

1. रेटिनोब्लास्टोमा के उत्तरजीवी में लंबी अवधि के दृश्य और गैर दृश्य परिणाम।
2. रेटिनोब्लास्टोमा में सिरट्यूइन 1 और एफओएक्सओ3ए की अभिव्यक्ति और नैदानिक महत्व।
3. वृक्क कोशिका कार्सिनोमा क्लिनिकोपैथोलॉजिकल प्रोफाइल और उपचार के परिणाम।
4. प्रोस्टेट कैंसर वाले रोगियों से ऊतक और प्लाज्मा में वीईजीएफ मूल्यांकन करना और माइक्रो वेसल डेंसिटी, ग्लीसन स्कोर और अन्य क्लिनिकोपैथोलॉजिकल मानकों के साथ इसके सह–संबंध।
5. कोमल ऊतक सार्कोमा रोगी में क्लिनिकोपैथोलॉजिक विशेषता उपचार और पूर्वाभासी कारक का मूल्यांकन।
6. कोमल ऊतक सार्कोमा रोगियों में संवहनी एंडोथिलियल वृद्धि कारक (वीईजीएफ) अभिव्यक्ति का विश्लेषण।
7. एक ओपन लेबल यादृच्छिक चरण 2, मंच 4बी में प्रशामक कीमोथेरेपी का प्रायोगिक अध्ययन आवर्तक या प्रयासरत कार्सिनोमा गर्भाशय ग्रीवा।
8. एकाधिक मायलोमा में पोस्ट ऑटोलॉगस स्टेम सेल प्रत्यारोपण में कम से कम अवशिष्ट रोग की स्थिति का आकलन।
9. आईआरसीएच, एम्स में एचएससीटी – स्वतः के लिए भर्ती किए गए रोगियों में साइटोकाइन लामबंदी और दुर्बल लामबंदी अनुमानित कारकों के साथ स्टेम सेल यील्ड का भावी अध्ययन।
10. एकाधिक मायलोमा के रोगियों में सिस्टेटिन – सी और आईएल 6 के सीरम स्तर का मूल्यांकन।

चिकित्सा भौतिकी

जारी

1. मेडिकल इमेज लेज़र प्रिंटर के गुणवत्ता आश्वासन के लिए प्रोटोकॉल का विकास।
2. डोज़ीमीटर प्रयोजन के लिए नई ल्यूमिनिसेंस सामग्री का विकास।
3. दृष्टिगत रूप से उत्तेजित ल्यूमिनिसेंस डोसीमीटर का कैलीब्रेशन एवं उपयोग।
4. दोहरे एनर्जी सीटी स्कैनर का प्रयोग करके गुर्दे के लक्षणों का वर्णन।
5. फ़्लूरोस्कोपी की गुणवत्ता आश्वासन के लिए प्रोटोकॉल का विकास।
6. लीड एप्रन और थाइरोइड कॉलर की गुणवत्ता आश्वासन के लिए प्रोटोकॉल का विकास।

विकिरण निदान

जारी

1. मौखिक गुहा के स्थानीय रूप से उन्नत स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी के बाद स्थानीय स्टेजिंग और प्रतिक्रिया आकलन के लिए भारित एमआरआई प्रसार की भूमिका।

विकिरण अर्बुद विज्ञान

1. सर्विकल कार्सिनोमा के लिए एमआरआई से मार्गदर्शित आईसीआरटी ।
2. हाइपोफ्रेक्शनेशन बनाम प्रारंभिक स्तन कैंसर में स्तन संरक्षण सर्जरी के बाद परम्परागत विभाजन रेडियोथेरेपी में तीव्र विषाक्तता और जीवन की गुणवत्ता का अध्ययन और तुलना करना।
3. कार्सिनोमा में इसोफैगस देखभाल का पैटर्न : भारत में तृतीयक कैंसर केंद्र से अनुभव।
4. तीव्रता संग्राहक रेडियोथेरेपी तकनीक के लिए रोगी विशिष्ट पूर्व उपचार सत्यापन तरीकों का मूल्यांकन।
5. रेटिनोब्लास्टोमा में इंट्रा–धमनी कीमोथेरेपी की प्रभावकारिता और सुरक्षा।
6. स्थानीय रूप से उन्नत मलाशय के कैंसर के मूल्यांकन में मल्टी पैरामीट्रिक एमआरआई की भूमिका।

7. आईआरसीएच, एम्स के लिए प्रस्तुत पेट के कैंसर का कम्प्यूटरीकृत नैदानिक डेटाबेस का विश्लेषण।
8. आईआरसीएच, एम्स के लिए प्रस्तुत इसोफेजियल कैंसर के भावी कम्प्यूटरीकृत सर्जिकल डेटाबेस का विश्लेषण।
9. आईआरसीएच, एम्स के लिए प्रस्तुत गैस्ट्रिक कार्सिनोमा के भावी कम्प्यूटरीकृत सर्जिकल डेटाबेस का विश्लेषण।
10. मध्यवर्ती और उच्च जोखिम प्रोस्टेट कैंसर में तीव्रता संग्राहक रेडियोथेरेपी के साथ एलोनएक्स्टर्नल बीम रेडियोथेरेपी बनाम कम्बाइंड एक्स्टर्नल बीम रेडियोथेरेपी प्लस एचडीआर ब्रेकीथेरेपी को बढ़ावा देने के लिए यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
11. बुजुर्ग व्यक्तियों में ग्लियोब्लास्टोमा मल्टीफॉर्म में पारंपरिक रेडियोथेरेपी बनाम हाइपो – फ्रेक्शनेटेड का एक यादृच्छिक अध्ययन।
12. एक्सटर्नल बीम रेडियोथेरेपी में आईटीवी (आंतरिक लक्ष्य मात्रा) के डोसीमेट्रिक प्रभाव का एक अध्ययन।
13. कैंसर के इलाज में इमेज गाइडिड रेडियोथेरेपी (आईजीआरटी) के लिए इलेक्ट्रॉनिक पोर्टल इमेजिंग डिवाइस (ईपीआईडी) और कोन बीम संगणित टोमोग्राफी (सीबीसीटी) का उपयोग करके रोगी स्थिति सटीकता के मूल्यांकन करने के लिए अध्ययन।
14. पॉली कीमोथेरेपी आधारित मिथोट्रेक्सेट के लिए पूरी तरह से प्रतिक्रिया के बाद नव निदान प्राथमिक केंद्रीय तंत्रिका तंत्र लिंफोमा के रोगियों में कम खुराक पूरे ब्रेन रेडियोथेरेपी की व्यवहार्यता का मूल्यांकन करने के लिए अध्ययन।
15. कार्सिनोमा इसोफेगस में देखभाल के पैटर्न : भारत में तृतीयक देखभाल केंद्र से अनुभव।
16. प्रारंभिक स्तन कैंसर में अनुदार उपचार के बाद हाइपोफ्रेक्शनेशन बनाम नियमित रूप से विभाजन आरटी में तीव्र विषाक्तता और जीवन की गुणवत्ता की तुलना और अध्ययन करना।
17. नव निदान प्राथमिक सीएनएस लिंफोमा के रोगियों में कीमोथेरेपी आधारित मिथोट्रेक्सेट के बाद पूरे ब्रेन रेडियोथेरेपी अनुकूलित प्रतिक्रिया की व्यवहार्यता का मूल्यांकन करने के लिए अध्ययन।
18. समवर्ती बनाम हाइपोफ्रेक्शनेटिड रेडियोथेरेपी के साथ अनुक्रमिक लेट्रोजोल के साथ इलाज किए गए रजोनिवृत्ति के बाद हार्मोन रिसेप्टर पॉजिटिव कार्सिनोमा स्तन रोगियों में तीव्र फुफ्फुसीय विषाक्तता और जीवन की गुणवत्ता का आकलन।

पूर्ण

1. उपचार परिणाम और गर्भाशय ग्रीवा कार्सिनोमा में भावी अनुमान लगाने वाले कारकों का निर्धारण।
2. दिल्ली के एक तृतीयक देखभाल संस्थान में उपचार के बाद ग्रीवा के कैंसर और उनकी जीवन की गुणवत्ता के साथ महिलाओं के एक क्लिनिको महामारी विज्ञान का अध्ययन।
3. स्थानीय रूप से उन्नत सीए गर्भाशय ग्रीवा में कीमोब्रेकीथेरेपी बनाम ब्रेकीथेरेपी का एक यादृच्छिक अध्ययन।
4. सिर और गर्दन के एडोनॉइड सिस्टिक कार्सिनोमाः एकल संस्थागत पूर्वव्यापी विश्लेषण।
5. कक्षीय ग्रेनुलोसाइटिक सार्कोमा के लिए कंफॉर्मल रेडियोथेरेपी।

शल्यक अर्बुद विज्ञान

जारी

1. साफ घाव वाले शल्य कैंसर विज्ञान रोगियों में एंटीबायोटिक प्रोफिलैक्सिस की एक खुराक बनाम तीन खुराक की तुलना करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

2. कई अंगों की निर्देशित परम्परागत जांच (सी.आई.) भावी अध्ययन की तुलना में एकल साधन के रूप में स्थानीय रूप से उन्नत / आवर्तक स्तन कैंसर के स्टेजिंग में पीईटी– सीटी स्कैन (पोजीट्रॉन एमिशन टोमोग्राफी और सीटी स्कैन) की भूमिका।
3. स्थानीय रूप से उन्नत सीमारेखा मौखिक कैंसर में कम लागत, कम खुराक, मौखिक, नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी प्रोटोकॉल – व्यवहार्यता अध्ययन।
4. आईआरसीएच, एम्स में आने वाले मुंह के कैंसर की असामान्य साइटों वाले रोगियों के कम्प्यूटरीकृत भावी डेटाबेस का विश्लेषण।
5. आईआरसीएच– एम्स के लिए प्रस्तुत पेट के कैंसर के रोगियों का भावी कम्प्यूटरीकृत डेटाबेस का विश्लेषण।
6. रिसेक्टेबल कोमल ऊतक सार्कोमा का प्रीऑपरेटिव मूल्यांकन में पोजीट्रान एमिशन टोमोग्राफी की भूमिका और हिस्टो–पैथोलॉजिकल ग्रेडिंग के साथ सहसंबंध का भावी विश्लेषण।
7. आईआरसीएच – एम्स के लिए प्रस्तुत इसोफेगल कैंसर रोगियों के भावी कम्प्यूटरीकृत डेटाबेस का विश्लेषण।
8. कैंसर के रोगियों में प्रशामक शल्य चिकित्सा की नैदानिक प्रोफाइल और पैटर्न : एम्बी–स्पेक्टिव अध्ययन।
9. आईआरसीएच– एम्स के लिए प्रस्तुत गैस्ट्रिक कैंसर रोगियों के भावी कम्प्यूटरीकृत डेटाबेस का विश्लेषण।
10. भारतीय स्तन कैंसर के रोगियों में स्तन मानवमिति के आकलन का भावी अध्ययन।
11. साइटो कमी और एचआईपीईसी पूरा होने के बाद पूर्व – ऑप्रेटिव रुग्णता।
12. इलियो– वंक्षण विच्छेदन की रुग्णता कम करने के लिए रिवर फ्लो चीरा।
13. स्थानीय रूप से उन्नत मलाशय के कैंसर के प्रबंधन में पूर्व ऑपरेटिव लघु पाठ्यक्रम रेडियोथेरेपी बनाम एनएसीटी – दीर्घकालिक रेडियोथेरेपी।

पूर्ण

1. प्रारम्भिक स्तन कैंसर वाले रोगियों में एक कम्प्यूटरीकृत भावी डेटाबेस का विश्लेषण।
2. थोरेसिक और एब्डोमिनो – पेल्विक मेलिग्नेंसिस के लिए सर्जरी कराने वाले रोगियों में डीवीटी की दर का आकलन करने के लिए एक भविष्यलक्षी अध्ययन।
3. शल्यक अर्बुदविज्ञान विभाग, आईआरसीएच, एम्स में क्लिनिक–पैथोलॉजिकल, महामारी विज्ञान, इमेजिंग सटीकता, उपचार के परिणाम और प्रचलित फेफड़े के मेटास्टेसिस के पूर्वाभासी कारकों की समीक्षा।
4. कई अंगों की निर्देशित परम्परागत जांच (सी.आई.) की तुलना में एकल साधन के रूप में स्थानीय रूप से उन्नत/आवर्तक स्तन कैंसर के स्टेजिंग में पीईटी–सीटी स्कैन (पोजीट्रॉन एमिशन टोमोग्राफी और सीटी स्कैन) की भूमिका।
5. प्रारंभिक जीभ के कैंसर वाले रोगियों में एक संभावित कम्प्यूटरीकृत डेटाबेस का पूर्वव्यापी विश्लेषण।
6. कोमल ऊतक सार्कोमा का भावी कम्प्यूटरीकृत नैदानिक डेटाबेस का विश्लेषण।
7. मुंह के कैंसर में गर्भाशय ग्रीवा नोड मेटास्टेसिस के आकलन में एफएनएसी अल्ट्रासाउंड की भूमिका और अल्ट्रासाउंड निर्देशित का मूल्यांकन करने के लिए एक भावी अध्ययन।
8. इलियो– वंक्षण विच्छेदन की रुग्णता कम करने के लिए रिवर फ्लो चीरा।
9. साइटो कमी और एचआईपीईसी पूरा होने के बाद पूर्व – ऑप्रेटिव रुग्णता।

सहयोगी परियोजनाएं

संवेदनाहरण विज्ञान

जारी

1. पोस्ट थोरैकोटॉमी दर्द सिंड्रोम (पेंट) मूल्यांकन करने के लिए पेरिकॉस्टल थोरैक्टॉमी क्लोजर के साथ इंट्राकॉस्टल की तुलना करने के लिए भावी यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, शल्यक अर्बुदविज्ञान।
2. थ्रोम्बोपोएटिन के विश्लेषण से जठरांत्र द्रोह के ऑपरेशन के बाद के मामलों में संक्रमण का पूर्वकथन, प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान।
3. चरण आईआईबी और आईआईआईए एनएससीएलसी में नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी की सुरक्षा और प्रभावकारिता : सिंगल आर्म फेज–II स्टडी, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान।

प्रयोगशाला अर्बुद विज्ञान

जारी

1. कैंसर रोगियों में ओपियॉइड हेतु प्रतिक्रिया के आण्विक निर्धारक (संवेदनाहरण विज्ञान)
2. मायलोमा में अस्थि मज्जा माइक्रोएनवार्यनमेंट का अध्ययन (चिकित्सा अर्बुदविज्ञान)
3. एकाधिक मायलोमा में कम से कम अवशिष्ट रोग का पता लगाना (चिकित्सा अर्बुद विज्ञान)
4. अभिघातजन्य मस्तिष्क की चोट के रोगियों में नव परिसंचारी प्रोकोगुलैंट माइक्रोपार्टिकल की पहचान और तीव्र कॉगुलोपेथी प्रेरित आघात के पैथोफिजियोलॉजी में उनकी भागीदारी। (प्रयोगशाला चिकित्सा, ट्रॉमा सेंटर)
5. आईसीआईसीएलई बी–लाइनेज एएलएल परियोजना (चिकित्सा अर्बुदविज्ञान)

चिकित्सा अर्बुद विज्ञान

1. एकाधिक मायलोमा के प्रबंधन के लिए प्रयुक्त विभिन्न रेग्मींस की सुरक्षा : एक पूर्वव्यापी अध्ययन (औषध विज्ञान)।
2. बोर्टेजोमिब प्रेरित परिधीय तंत्रिकाविकृति वर्णन करने के लिए अध्ययन करना और जोखिम कारक की पहचान करना जो इसकी घटना की भविष्यवाणी कर सकते हैं (औषध विज्ञान)।

विकिरण विज्ञान

1. उन्नत ऊपरी पेट कैंसर वाले रोगियों में सीटी (अभिकलन किए गए टोमोग्राफी) से अल्ट्रासाउंड निर्देशित सीलियाक प्लेक्सस न्यूरोलाइसिस की पुष्टि की गई। (अबुर्द–संज्ञाहरण और प्रशामक देखभाल)।
2. गैर छोटे कोशिका फेफड़ों के कैंसर में बेवासिजुमेब (जायडस कैडिला) और बेवासिजुमेब (एवेस्टीन) की सुरक्षा, सहनशीलता और प्रभावकारिता की तुलना करने के लिए भावी यादृच्छिक, बहु केंद्र अध्ययन (चिकित्सा अर्बुद विज्ञान)।

विकिरण अर्बुद विज्ञान

जारी

1. गुर्दा कैंसर में शल्यचिकित्सा के पश्चात् प्रिऑपेरटिव लघु क्रम रेडियोथेरेपी (25 गें) बनाम प्रिऑपरेटिव सहयोगी रेडियोथेरेपी (45 गें) तथा कीमोथेरेपी का यादृच्छिक अध्ययन। (शल्यक अर्बुद विज्ञान, चिकित्सा अर्बुद विज्ञान)।
2. प्राथमिक सीएनएस लिंफोमा में एमजीएमटी प्रमोटर मेथिलिकरण (चिकित्सा अर्बुद विज्ञान, पैथोलॉजी)।
3. ल्यूटेटियम – 177 के साथ ट्रेस्टुजुमेब की रेडियोलेबलिंग : स्तन कैंसर में रेडियोइम्युनोथेरेपी के लिए संभावित एजेंट के रूप में इसका मूल्यांकन (नाभिकीय चिकित्सा)

शल्य चिकित्सा अर्बुद विज्ञान

जारी

1. उत्तर भारत से स्पोरेडिक स्तन कैंसर में पीटीईएन के प्रमोटर मेथिलिकरण का अध्ययन (जैव विज्ञान, जामिया विश्वविद्यालय)।
2. स्तन कैंसर में इसके बहाव के संकेत को प्रभावित करने के लिए एफजीएफआर2 और प्रत्याशी जीन का विश्लेषण (जैव विज्ञान, जामिया विश्वविद्यालय)।
3. गैर छोटे सेल फेफड़े कार्सिनोमा में रेपामाइसिन (एमटीओआर) और माइटोजन सक्रिय प्रोटीन (एमएपी) काइनसे सिग्नलिंग पाथवे के स्तनधारी लक्ष्य का व्यापक विश्लेषण (विकृति विज्ञान)।
4. मौखिक गुहा के स्थानीय रूप से उन्नत स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी के बाद स्थानीय स्टेजिंग और प्रतिक्रिया आकलन के लिए प्रसार भारित एमआरआई की भूमिका (विकिरण विज्ञान)।
5. स्थानीय रूप से उन्नत मलाशय के कैंसर के मूल्यांकन में मल्टी पैरामीट्रिक एमआरआई की भूमिका (विकिरण विज्ञान)।
6. टेस्टिकुलर रोगाणु सेल ट्यूमर के लिए बायोमार्कर के रूप में माइक्रो आरएनए परिसंचारी : एक प्रायोगिक अध्ययन (माइक्रोबायोलॉजी)।
7. मध्यवर्ती और उच्च जोखिम प्रोस्टेट कैंसर में संयुक्त ईबीआरटी प्लस एचडी ब्रैकी चिकित्सा को बढ़ावा बनाम आईएमआरटी के साथ ईबीआरटी अलोन का यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण (रेडियोथेरेपी)।
8. कैंसर वाले पुराने रोगियों के कार्यात्मक स्थिति और सह रुग्णता (जरा चिकित्सा)।
9. भारतीय स्तन कैंसर के रोगियों में एलआईएफआर और वाईएपी जीन का आणविक विश्लेषण (जीव विज्ञान, जामिया विश्वविद्यालय)।
10. भारतीय स्तन कैंसर के रोगियों में लैट्स2 और एफओएसपी3 जीन का आणविक विश्लेषण (जीव विज्ञान, जामिया विश्वविद्यालय)।
11. भारतीय स्तन कैंसर के रोगियों में फोक्सो जीन परिवार की अभिव्यक्ति का अध्ययन (जैव विज्ञान, जामिया विश्वविद्यालय)।

पूर्ण

1. डिस्चार्ज के बाद मुंह के कैंसर रोगी के रिश्तेदारों के पोस्ट ऑपरेटिव देखभाल से संबंधित ज्ञान पर शैक्षिक पैकेज के प्रभाव का आकलन करने के लिए अध्ययन, नर्सिंग महाविद्यालय।

प्रकाशन

पत्रिका : 188 सार : 32 पुस्तकों में अध्याय : 21 पुस्तक : 3

रोगी उपचार

कुल स्टाफ

संकाय सदस्य	42	आंशिक समय सामाजिक मार्गदर्शक	06
रेजीडेंट डॉक्टर	94	आउटसोर्स हाउसकीपिंग कर्मचारी	139
समूह 'क' आधिकारिक	27	आउटसोर्स सुरक्षा कर्मचारी	79
समूह 'ख' आधिकारिक	334	आउटसोर्स डेटा एंट्री ऑपरेटर	24
समूह 'ग' आधिकारिक	161	आउटसोर्स स्वच्छता कर्मचारी	76

कुल बिस्तर क्षमता : 182

चिकित्सा अर्बुद विज्ञान : 78 विकिरण अर्बुद विज्ञान : 37

शल्यक अर्बुद विज्ञान : 61 प्रशामक उपचार एकक : 6

कुल ओ पी डी उपस्थिति : 1,46,688

पंजीकृत किए गए नए रोगी 11099 पुनः आगमन 135589

विभिन्न ओपीडी / क्लिनिक

क्र. सं.	ओपीडी /क्लिनिक का नाम	नए रोगी			पुनः आगमन		
		पुरुष	महिला	कुल	पुरुष	महिला	कुल
1.	वयस्क चिकित्सा अर्बुद विज्ञान	447	574	1021	12573	21641	34214
2.	वयस्क लिम्फोमा ल्यूकेमिया	-	-	-	-	-	-
3.	एएमएल/ एचएल	133	65	198	2188	1399	3587
4.	एएलएल/सीएमएल	296	140	436	3309	3275	6584
5.	स्तन कैंसर	37	590	627	148	7672	7820
6.	अस्थि एवं कोमल ऊतक	115	86	201	731	700	1431
7.	कीमोथेरेपी मूल्यांकन	-	-	-	-	-	-
8.	पारिवारिक कैंसर	-	-	-	-	-	-
9.	जठरांत्र	373	272	645	1148	840	1988
10.	स्त्रीरोग विज्ञान – 'क'	-	98	98	-	591	591
11.	स्त्रीरोग विज्ञान – 'ख'	-	316	316	-	1735	1735
12.	स्त्रीरोग विज्ञान – 'ग'	-	180	180	-	538	538
13.	प्रजनन मूत्र और स्त्री रोग	128	177	305	957	1050	2007
14.	सिर एवं गला (शल्य चिकित्सा) – क	407	92	499	1635	427	2062
15.	सिर एवं गला (ई एन टी) – ख	803	152	955	3543	945	4488
16.	हिपेटो बाइलरी तथा पैनक्रिएटिक	179	127	306	893	588	1481
17.	फेफड़े का कैंसर	484	153	637	4255	2030	6285
18.	एनएचएल / एमएम / सीएलएल	156	70	226	1777	1165	2942
19.	तंत्रिका अर्बुदविज्ञान	235	116	351	799	436	1235
21.	नेत्र ट्यूमर	02	02	04	-	-	-
22.	बाल चिकित्सा अर्बुदविज्ञान	306	109	415	7134	5213	12347
23.	बाल लिम्फोमा ल्यूकेमिया	125	39	164	3919	2171	6090
24.	बाल (शल्यचिकित्सा)	54	34	88	1374	930	2304
25.	पीड़ा राहत	384	256	640	5533	5411	10944
26.	पीड़ा एवं प्रशामक उपचार (आरटी–2)	-	-	-	03	-	03
27.	बाल रोग पैलिएटिव देखभाल	-	-	-	-	05	05
28.	विकिरणचिकित्सा	659	744	1403	5297	6782	12079
29.	शल्यक अर्बुद विज्ञान	265	238	503	2447	2791	5238
30.	वक्ष अर्बुद विज्ञान	267	191	458	1469	924	2393
31.	प्रत्यारोपण	19	16	35	631	470	1101

32.	मूत्ररोगविज्ञान असाध्यता	342	39	381	3433	633	4066
33.	अंतर असाध्यता	06	01	07	23	08	31
	कुल	**6222**	**4877**	**11099**	**65219**	**70370**	**135589**

कुल योग : 146688

दाखिले		अस्पताल से छुट्टी	
नियमित	7803	नियमित	7685
अल्प / दिवस उपचार	30764	अल्प / दिवस उपचार	27612
कुल	38567	कुल	35297
कुल मृत्यु	307		

ऑपरेशन थिएटर सेवा			
बड़े ऑपरेशन	1379	छोटे ऑपरेशन	6993
कुल ऑपरेशन	8372		

इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम	4424

ओपीडी प्रक्रियाएं (उपचार कमरा नंबर 15)	5531
ओपीडी कीमोथेरेपी सेवाएं (उपचार कमरा नंबर 15)	
पुरुष	3399
महिला	2138
बालक (बाल चिकित्सा)	5291
बालिका (बाल चिकित्सा)	2192
कुल	13020

ओपीडी उपस्थिति

	पंजीकृत नए रोगी			पुनः आगमन		
	पुरुष	महिला	कुल	पुरुष	महिला	कुल
अप्रैल – 2015	570	402	972	5176	5932	11108
मई – 2015	538	438	976	5513	5464	10977
जून – 2015	528	413	941	5307	5791	11098
जुलाई – 2015	600	437	1037	6336	6245	12581
अगस्त – 2015	558	356	914	5586	5975	11561
सितम्बर – 2015	457	389	846	5892	5909	11801
अक्टूबर – 2015	485	383	868	4967	5509	10476
नवम्बर – 2015	417	337	754	4764	5478	10242
दिसम्बर – 2015	475	422	897	5407	6192	11599
जनवरी – 2016	539	458	997	5272	5585	10857
फरवरी – 2016	569	395	964	5646	6375	12021

मार्च – 2016	486	447	933	5353	5915	11268
कुल	6222	4877	11099	65219	70370	135589

नए ओपीडी रोगियों का भौगोलिक वितरण

क्र. सं.	राज्य/केंद्र शासित प्रदेश	कुल
1.	आंध्र प्रदेश	07
2.	अण्डमान निकोबार	02
3.	असम	41
4.	अरुणाचल प्रदेश	01
5.	बिहार	1452
6.	चंडीगढ़	02
7.	छत्तीसगढ़	15
8.	दिल्ली	3611
9.	गुजरात	04
10.	हरियाणा	1211
11.	हिमाचल प्रदेश	32
12.	जम्मू और कश्मीर	117
13.	झारखण्ड	121
14.	केरल	09
15.	कर्नाटक	05
16.	मध्य प्रदेश	180
17.	महाराष्ट्र	02
18.	मेघालय	04
19.	मणिपुर	33
20.	मिजोरम	01
21.	नागालैण्ड	03
22.	उड़ीसा	56
23.	पंजाब	54
24.	राजस्थान	263
25.	सिक्किम	22
26.	तमिलनाडु	03
27.	तेलंगाना	04
28.	त्रिपुरा	03
29.	उत्तर प्रदेश	3390
30.	उत्तरांचल	322
31.	पश्चिम बंगाल	70
	कुल	11040
अन्य देश		
1.	अफगानिस्तान	09
2.	बांग्लादेश	01

3.	मॉरीशस	01
4.	नेपाल	44
5.	नाइजीरिया	02
6.	केन्या	02
	कुल	59
	कुल योग	11099

प्रयोगशाला अर्बुद विज्ञान सेवाएं

1.	हीमोग्राम : एचबी, टीएलसी, प्लेटलेट्स	52372
2.	पेरिफेरल रक्त लेप	8641
3.	अस्थि मज्जा चूषण	4187
4.	साइटो कैमिस्ट्री	997
5.	सीरम प्रोटीन इलेक्ट्रोफोरेसिस	3836
6.	इम्यूनोफिक्सेशन	909
7.	यूरीन इलेक्ट्रोफोरेसिस	1187
8.	एपीएएपी	–
9.	फ्लो	16685
10.	एफएनएसी (लिम्फ नोड)	–
11.	साइटो – स्पिन	705
12.	ईएसआर	65
13.	मॉलीक्यूलर बायोलॉजी	1904
14.	एसएफएलसी	2844
15.	सीरम फ्रीलाइट चेन	800
16.	बीटा 2 – माइक्रोग्लोबुलिन	70
	कुल	95202

अफरेसिस

1.	सिंगल डोनर प्लेटलेट्स	2160
2.	पेरिफेरल ब्लड स्टेम सेल – हार्वेस्ट	186
3.	हिमोग्राम	24307
4.	प्लाज्मा	19
5.	ग्रेनुलोसाइट की संख्या	13
	कुल	26685

चिकित्सा अर्बुद विज्ञान प्रयोगशाला सेवाएं

1.	फिलाडेलफिया क्रोमोसोम का पता लगाने के लिए साइटोजेनेटिक्स	398
2.	कीमेरिज्म के लिए साइटोजेनेटिक्स	02
3.	सीएमएल (गुणात्मक) में पी 210 और पी190 ट्रांसलोकेशन का पता लगाने के लिए आरटी – पीसीआर	435
4.	सीएमएल (मात्रात्मक) में पी 210 और पी190 ट्रांसलोकेशन का पता लगाने के लिए	–

	आरक्यू – पीसीआर	
5.	फ्लो साइटोमेट्री द्वारा सीडी 34 गणना	194
6.	फ्लो साइटोमेट्री द्वारा सीडी 3 गणना	13
7.	ल्यूकेमिया के लिए इम्यूनोफीनोटाइपिंग	–
8.	एमएनसी गणना	186
9.	स्टेम सेल का क्रायोप्रेसर्वेशन – 80	93
10.	4 में स्टेम सेल का स्टोरेज	96
11.	बोन मैरो ट्रांसप्लांट	02
12.	स्टेम सेल का इंफ्यूजन	163
13.	स्टेम सेल की वायबिलिटी	163
14.	एस्परजिलोसिस पता लगाने के लिए एलिसा	666
15.	एएमएल में एफएलटी – 3 म्यूटेशन्स की स्क्रीनिंग	–
	कुल	2411

चिकित्सा भौतिकी सेवाएं

1.	इरेडिएटिड रक्त बैगों की संख्या	4225
2.	एक्स रे मशीनों पर की गई गुणवत्ता गारंटी जांच	2196
3.	डॉ. भी. रा. अ. सं. रो. कैं. अ., में फिल्म प्रोसेसर पर की गई गुणवत्ता गारंटी जांच	108
4.	विकिरण विज्ञान (मुख्य) में फिल्म प्रोसेसर पर गुणवत्ता गारंटी जांच	108
5.	एक्स रे एककों में विकिरण आउटपुट माप	384
6.	अ. भा. आ. सं. में फिल्म प्रोसेसर पर किया गया गुणवत्ता जांच	108
7.	विकिरण सुरक्षा सर्वेक्षण माप	03
8.	सगर्भता हेतु असावधानीवश अनावरण में सलाह	07
9.	मैमोग्राफी में रेडिएशन आउटपुट में एकरूपता	–
10.	एम्स में फ्लोरोस्कोपी पर की गई गुणवत्ता गारंटी जांच टीसीओटी	51
	कुल	7190

विकिरण उपचार सेवाएं

1.	रेडियो उपचार पर मामले	33245
2.	रेडियो उपचार पर कुल क्षेत्र	66889
3.	ब्रेकीथेरैपी पर मामले	277
4.	उपचार योजना एवं अनुरूपण	3316
5.	दो एवं तीन डायमेंशनल डोज़ वितरण	85
6.	कंपेंसेटर्स	427
7.	शील्डिंग ब्लॉक्स इम्मोबिलाइजेशन डिवाइसिस एवं ओरेफिट्स	1752
8.	विकिरण समीक्षा क्लिनिक	1355
9.	कीमोथेरेपी पर मामले की संख्या	7151
	कुल	114497

विकिरण निदान

1.	सी. टी. स्कैन	8194
2.	अल्ट्रा–साउण्ड	7379
3.	मेमोग्राफी	1463
4.	एक्स–रे (नैमिक)	18440
5.	डॉप्लर	282
6.	इंटरवेंशन	1612
7.	विशेष जांच (बीए. आई)	338
8.	यूएस (पोर्टेबल)	–
	कुल	37708

संवेदनाहरण विज्ञान

विभाग में सुविधाएं उपलब्ध हैं :

1. ओंको–एनेस्थीसिया और प्रशामक चिकित्सा के विकसित विभाग।
2. दर्द और प्रशामक देखभाल वार्ड के लिए छः बिस्तर।
3. एक सप्ताह में छः दिन दर्द और प्रशामक देखभाल क्लीनिक।
4. अल्ट्रासाउंड निर्देशित लाइन केंद्रीय शिरापरक लाइन प्लेसमेंट।
5. कैंसर दर्द के रोगियों के लिए रेडियोफ्रीक्वेंसी एबलेशन।
6. कैंसर दर्द के रोगियों में स्क्रेम्बलर थेरेपी।
7. एनेस्थिसियोलॉजी के प्रशामक चिकित्सा इकाई में इंडियन एसोसिएशन ऑफ पैलिएटिव केयर सर्टिफिकेट कोर्स, डॉ. बीआरए, आईआरसीएच एक वर्ष में दो बार प्रशामक देखभाल में इंडियन एसोसिएशन ऑफ पैलिएटिव केयर सर्टिफिकेट कोर्स संचालन के लिए नोडल सेंटर है।
8. कैंसर के रोगियों में दर्द के मनोसामाजिक और आध्यात्मिक पहलू पर अनुसंधान।
9. दर्द और प्रशामक देखभाल के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सहकारी अनुसंधान शुरू किया गया।
10. पश्च ऑपरेटिव रोगियों के लिए आईसीयू सुविधाएं।
11. एनजीओ द्वारा उच्च असाध्यताओं वाले रोगियों को गृह आश्रय देना तथा फॉलो–अप रिपोर्टों को जानने के लिए उनके साथ मासिक बैठक का आयोजन करना।
12. रेडियो थेरेपी, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान तथा शल्यक अर्बुदविज्ञान के रोगियों के लिए क्रिटिकल उपचार प्रदान करना।
13. बाल विकिरण चिकित्सा हेतु सुविधा।
14. अस्थि मज्जा बायोप्सी, सेंट्रल लाइन प्रवेशन, अस्थि मज्जा हार्वेस्टिंग तथा अन्य जैसी अल्प बाल अर्बुदविज्ञान प्रक्रियाओं के लिए संवेदनाहरण।
15. लिवर, फेफड़ा एवं स्तन कार्सिनोमा हेतु संवेदनाहरण, रेडियो फ्रिक्वेंसी उच्छेदन के तहत बाल विकिरण विज्ञानात्मक प्रक्रियाओं के लिए सुविधा।

शल्य चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

विभाग में सुविधाएं उपलब्ध हैं

1. छोटा ऑपरेशन थिएटर : लघु ओटी में लिम्फ नोड बायोप्सी, पंच / ट्रूकट बायोप्सी, त्वचा / मुखीय ट्यूमर्स का उच्छेदन, मृदु ऊतक ट्यूमर्स, फीडिंग जेजुनोस्टॉमी, कोलोस्टॉमी, दीर्घ अवधि कीमोथेरेपी के लिए हिकमेन्स कैथेटर/कीमो पोर्ट्स के प्रवेश सहित नैदानिक एवं लघु चिकित्सीय प्रक्रियाएं उपलब्ध हैं।
2. एंडोस्कॉपी सेवाएं (नैदानिक एवं चिकित्सीय) :

— नैदानिक एंडोस्कॉपी : वीडियो और फाइबर ऑप्टिक ऊपरी जी. आई. एंडोस्कोपी, एक तरफ दृष्टिगत ड्यूडिनास्कोपी, कोलोनोस्कोपी, सिग्मोडोस्कोपी, ब्रोंकोस्कोपी, सिस्टोस्कोपी, नेसोफेरिंगो लेंरिजियोस्कोपी तथा लेपेरोस्कोपी

— चिकित्सीय एंडोस्कॉपी : स्ट्रिक्चर डायलेशन, इंट्राल्यूमिनल रेडियोथेरेपी, स्टेंटिंग तथा त्वचीय एंडोस्कोपिक गैस्ट्रोस्टॉमी।

किए गए छोटे ऑपरेशन और एंडोस्कॉपी प्रक्रिया : 8372
किए गए बड़े कैंसर ऑपरेशन : 1978

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां
संवेदनाहरण विज्ञान

आचार्य सुषमा भटनागर 2009 से अब तक इण्डियन जर्नल ऑफ पॉलिएटिव केयर की मुख्य संपादक है; वैज्ञानिक अध्यक्ष, फरवरी, 2016 को इंडियन एसोसिएशन ऑफ पैलिएटिव केयर के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन; अध्यक्ष, अनुसंधान समिति, एशिया प्रशांत धर्मशाला नेटवर्क, 2015–19;निदेशक बोर्ड, इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ हॉस्पाइस एंड पैलिएटिव केयर, 2015–18; सलाहकार सदस्य, इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ स्टडी ऑफ पेन प्रेस, 2015–18; विशेषज्ञ समूह के सदस्य, 2014 से अब तक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, पूरे भारत में प्रशामक देखभाल के लिए कार्यान्वित रूपरेखा का विकास; 2013 से अब तक एशिया पेसिफिक हॉस्पाइस पैलिएटिव केयर नेटवर्क के संकाय और सह–दल के नेता; संपादकीय बोर्ड के सदस्य, वर्ल्ड जर्नल ऑफ एनीस्थिसियोलॉजी, 2012–16; प्रशामक चिकित्सा का इतिहास, 2012–18; इंडियन एसोसिएशन ऑफ पैलिएटिव केयर के सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम के लिए मानद संकाय हैं; इंडियन एसोसिएशन ऑफ पैलिएटिव केयर के सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम हेतु पाठ्यक्रम समन्वयक हैं, 2008 से अब तक; अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं ब्रिटिश जर्नल ऑफ एनेस्थीसियोलॉजी, क्लिनिकल जर्नल ऑफ एनेस्थीसियोलॉजी, जर्नल ऑफ मेडिसिन एंड मेडिकल साइंसेज, अमेरिकन जर्नल ऑफ हॉस्पाइस एंड पैलिएटिव केयर की समीक्षक हैं; 26 फरवरी 2016 को बैंगलोर में 'एडवांस स्टेज कैंसर पेन मेनेजमेंट एवेल्यूशन ऑफ यौगिक ब्रीथिंग इंटरवेंशन ऑन बायोकेमिकल मार्कर पेशेंट्स पेन परसेप्शन क्वालिटी ऑफ लाइफ' : बैठक परियोजना में भाग लिया; 12–14 फरवरी, 2016 को पुणे में 'इंडियन एसोसिएशन ऑफ पैलिएटिव केयर' (आईएपीसीओएन 2016) के 23 वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के सह–अध्यक्ष; 4 जून 2015 को मुंबई में बाह्य परीक्षक, एमडी (प्रशामक चिकित्सा) प्रायोगिक परीक्षा आयोजन।

डॉ. सीमा मिश्रा 5–7 फरवरी 2016 को इंदौर में आईएसएसपीसीओएन, इंदौर 2016 अंतःक्षेपी दर्द प्रक्रियाओं में यूएसजी निर्देशित में अध्यक्ष थी; वे 12–14 फरवरी 2016 को पुणे में आईएपीसीओएन 2016, मौखिक पत्र प्रस्तुति पर सत्र में अध्यक्ष थी।

डॉ. राकेश गर्ग को 25–29 दिसंबर 2015 को जयपुर में इंडियन सोसायटी ऑफ एनिस्थीसियोलॉजिस्ट–आईएसएसीओएन 2015 के 63 वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में शोध पद्धति पर कार्यशाला के लिए राष्ट्रीय मॉड्यूल के विकास और इंडिया सोसायटी ऑफ एनिस्थीसियोलॉजिस्ट के लिए कार्यशाला आयोजन की ओर से महत्वपूर्ण योगदान के लिए आईएसए अध्यक्ष पुरस्कार 2015 से सम्मानित किया; सिंगापुर मेडिकल जर्नल फॉर सिंगापुर मेडिकल एसोसिएशन के लिए समीक्षक के रूप में उत्कृष्ट सेवा की मान्यता में विशिष्टता के साथ समीक्षा करने के लिए सिंगापुर मेडिकल जर्नल (एसएमजे) समीक्षक मान्यता पुरस्कार 2015 प्राप्त किया; 'एक्सीलेंस इन पेन मैनेजमेंट ऑफ द ईयर' को प्राप्त करने के लिए 2015 लीडर अवॉर्ड (हेल्थकेयर) से सम्मानित किया; मेडगेट टुडे (प्रिंट मीडिया पार्टनर) और एबीएनईएसडब्ल्यूएआरई (ऑनलाइन मीडिया पार्टनर) के सहयोग से 24 एमआरसी नेटवर्क

द्वारा सम्मानित किया गया; एनीस्थीसियोलॉजी के क्षेत्र में योगदान और उपलब्धि प्राप्त करने के लिए (चिकित्सा/संवेदनाहरण विज्ञान की श्रेणी में) 'आउटस्टेंडिंग साइंटिस्ट' अवॉर्ड प्राप्त किया; वीआईएफआरए 2015 में वीनस इंटरनेशनल फाउंडेशन, उन्नत अनुसंधान और डिजाइन केंद्र द्वारा सम्मानित किया; कौन है जो दुनिया में है के 2016 संस्करण (33 वें संस्करण) के लिए चयनित किया गया; सह संपादक, इंडियन जर्नल ऑफ एनीस्थीसिया, जर्नल ऑफ एनीस्थिसियोलॉजी एंड क्लिनिकल फर्माकोलॉजी और जर्नल ऑफ मेडिकल केस रिपोर्ट; संपादकीय बोर्ड के सदस्य, वर्ल्ड जर्नल ऑफ क्लिनिकल केसिज़ और एनीस्थिसियोलॉजी–ओपन जर्नल (एओजे); शैक्षणिक संपादक (2014–2017): ब्रिटिश जर्नल ऑफ मेडिसिन एंड मेडिकल रिसर्च; डॉक्टर के सुझाव को नवभारत टाइम्स दिल्ली में प्रकाशित किया गया था; एशिया पेसिफिक क्रिटिकल केयर सोसायटी के आजीवन सदस्य; गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (जीएमसीएच), चंडीगढ़ में बीएससी (एनीस्थीसिया और ऑपरेशन थियेटर तकनीशियन) के लिए पंजाब यूनिवर्सिटी के बाह्य परीक्षक; मेडक्रेव समूह की पत्रिकाओं के सलाहकार बोर्ड सदस्य; बीएमसी संपादक अकादमी के सदस्य; एनीस्थिसियोलॉजी और गहन देखभाल चिकित्सा के लिए जर्मन सोसायटी के किशोर अज्ञात हेतु गठिया के लिए ऑर्फन एनीस्थिसिया परियोजना में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया; पाठ्यक्रम विकास के लिए भारत सरकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अधीन नेशनल इमरजेंसी लाइफ सपोर्ट कोर्स के लिए एम्स अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण केंद्र और कोर समिति के सदस्य पर एएचए मान्यता प्राप्त बीएलएस और एसीएलएस पाठ्यक्रम के प्रशिक्षण लिए कोर संकाय और नेशनल इमरजेंसी लाइफ सपोर्ट कोर्स के लिए संकाय।

प्रयोगशाला अर्बुद विज्ञान

डॉ. रितु गुप्ता को जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) द्वारा 'यूनिट ऑफ एक्सिलेंस इन कैंसर रिसर्च ऑन मल्टीपल मायलोमा' से सम्मानित किया; निम्नलिखित पोस्टर : रानी एल, माथुर एन, गुप्ता आर, गोगिया ए., धनजल जे. के., सुंदर डी, कुमार एल., शर्मा ए. के लिए पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, चंडीगढ़, भारत (12–13 मार्च 2016) में आयोजित (एमपीएआई 2016) भारत के मॉलिकुलर पैथोलॉजिस्ट के 5 वें वार्षिक सम्मेलन में पोस्टर सत्र में प्रथम पुरस्कार मिला। क्रोनिक लिम्फोसायटिक ल्यूकेमिया में जीनोमिक डीएनए मेथिलिकरण और जीन अभिव्यक्ति प्रत्यक्ष प्रासंगिक एपिजेनेटिक परिवर्तन का एकीकरण; निम्नलिखित पोस्टर : गुप्ता आर, रानी एल, माथुर एन, दहिया एम, गोगिया ए, कुमार एल, शर्मा के लिए पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, चंडीगढ़, भारत (12–13 मार्च 2016) में आयोजित (एमपीएआई 2016) भारत के मॉलिकुलर पैथोलॉजिस्ट के 5वें वार्षिक सम्मेलन में पोस्टर सत्र में दूसरा पुरस्कार प्राप्त किया। मल्टीप्लेक्स लिगेशन–डिपेंडेंट प्रॉब एम्प्लीफिकेशन (एमएलपीए) का उपयोग कर सीएलएल में आनुवंशिक असामान्यता की पहचान। मॉलिकुलर पैथोलॉजी एसोसिएशन ऑफ इंडिया की 5वीं वार्षिक सम्मेलन में पोस्टर प्रस्तुति।

डॉ. अमर रंजन सिंह नारायण मेडिकल कॉलेज, सासाराम, बिहार में एमबीबीएस बाह्य परीक्षक थे; नारायण मेडिकल कॉलेज, सासाराम, बिहार और पीएमसीएच, पटना; साइंस एंड इंजीनियरिंग रिसर्च बोर्ड (एसईआरबी), विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा यात्रा अनुदान पुरस्कार प्राप्त किया; अटलांटा, संयुक्त राज्य अमेरिका में रुधिर और रक्त विकार पर तीसरे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने के लिए धर्मशिला कैंसर अस्पताल, नई दिल्ली द्वारा यात्रा अनुदान पुरस्कार, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा यात्रा अनुदान पुरस्कार; 27–28 नवंबर 2015 को नैदानिक कैंसर विज्ञान, रोम, इटली में मॉलिकुलर डायग्नोस्टिक्स, जीनोमिक्स और एपिजेनेटिक्स में भाग लेने के लिए यूरोपियन स्कूल ऑफ ऑन्कोलॉजी, मिलान, इटली द्वारा यात्रा अनुदान पुरस्कार; 13–14 दिसंबर 2015 को पैथोकोन और

लैब एक्सपो, नई दिल्ली में 'डायग्नोसिस ऑफ एक्सट्रामेड्यूलरी प्लाज्माब्लास्टिक प्लाज्मा सेल मायलोमा प्रेजेंटिंग एज़ प्लाज्माब्लास्टिक लिम्फोमा' पोस्टर प्रस्तुति में दूसरा पुरस्कार जीता; 22 अगस्त, 2015 को परिधीय रक्त, अस्थि मज्जा और शरीर के तरल पदार्थ के स्मियर की तैयारी पर कार्यशाला का आयोजन किया।

डॉ. संजीव कुमार गुप्ता ने 19 दिसंबर 2015 को दिल्ली सोसायटी ऑफ हेमेटोलॉजी के 26 वें वार्षिक सम्मेलन, मौखिक पत्र प्रस्तुति में तृतीय पुरस्कार जीता।

चिकित्सा अर्बुद विज्ञान
आचार्य ललित कुमार को 18 अक्टूबर 2015 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, पटना में नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज की वार्षिक बैठक के दौरान डॉ वी.आर. खानोलकर ओरेशन दिया; धारवाड़ विश्वविद्यालय में 18–19 जून, 2015 को यूजीसी द्वारा यूपीई (यूनिवर्सिटी विद पोटेंशियल फॉर एक्सिलेंस) के तहत कर्नाटक विश्वविद्यालय द्वारा निगरानी समिति के सदस्य यूजीसी; सदस्य वैज्ञानिक परिषद, इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर (आईएआरसी), ल्योन, फ्रांस; परिषद के सदस्य : भारतीय विज्ञान अकादमी, बैंगलोर; एम्स भुवनेश्वर और एम्स जोधपुर में मेडिकल ऑन्कोलॉजी में संकाय के लिए सदस्यीय चयन समिति; शेर–ए–कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद और कैंसर संस्थान (डब्ल्यूआईए) अड्यार, चेन्नई में डीएम के परीक्षक; अध्यक्ष, अंतरराष्ट्रीय कैंसर सम्मेलन 2016, 6.2.2016, धर्मशीला अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र, दिल्ली।

प्रोफेसर समीर बख्शी को स्वास्थ्य देखभाल उत्कृष्टता सम्मेलन और पुरस्कार 2015 में वर्ल्ड वाइड अचिवर्स द्वारा बेस्ट ऑन्कोलॉजिस्ट ऑफ द ईयर से सम्मानित किया।

डॉ. रंजीत कुमार साहू को पित्ताशय कैंसर के क्षेत्र में अनुसंधान करने के लिए वर्ष 2015 के लिए सुरभि नाग अनुसंधान पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

चिकित्सा भौतिकी

डॉ. प्रतीक कुमार रेडियोलॉजी सेवाओं में कार्यान्वित गुणवत्ता प्रबंधन पर बैठक के लिए अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) वियना द्वारा विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया; वित्त पोषण के लिए परियोजनाओं को प्रस्तुत करने के लिए जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (बाइरैक) जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा विशेषज्ञ और रेफरी, विकिरण की बैठक के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली विकिरण चिकित्सा पाठ्यक्रम को अंतिम रूप देने के लिए चिकित्सा सलाहकार समूह, विकिरण विभाग में चिकित्सा विज्ञानी के चयन के लिए एम्स भुवनेश्वर, विकिरण चिकित्सा विभाग में प्रोफेसर के चयन के लिए बीएचयू वाराणसी, न्यूक्लियर मेडिसिन के सहायक प्रोफेसर के चयन के लिए डॉ. राम मनोहर लोहिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज लखनऊ, पीएचडी सारांश को अंतिम रूप देने के लिए विभागीय अनुसंधान समिति के सदस्य रूप में राजस्थान स्वास्थ्य विश्वविद्यालय; डीएमएलटी के लिए एएमयू अलीगढ़ के लिए परीक्षक/प्रश्नपत्र सेटर, बी.एससी. मेड टेक्नोलॉजी के लिए पीजीआईएमईआर चंडीगढ़, बीएमआईटी पाठ्यक्रम के लिए इग्नू दिल्ली, डीआरपी पाठ्यक्रम के लिए जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय दिल्ली, बी.आर.टी. पाठ्यक्रम के लिए राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, बी.एससी मेड टेक कोर्स के लिए यूसीएमएस और जीटीबी अस्पताल दिल्ली; नेचर पब्लिशिंग ग्रुप लंदन से वैज्ञानिक रिपोर्ट को प्रस्तुत करने के लिए पांडुलिपियों के लिए रेफरी, एल्सवियर बी.वी. से जर्नल ऑफ रेडिएशन रिसर्च और एप्लाइड साइंसेज, जर्नल ऑफ क्लीनिकल एंड डायग्नॉस्टिक रिसर्च, विज्ञान प्रौद्योगिकी एवं पर्यावरण के लिए केरल राज्य परिषद, परियोजनाओं के वित्तपोषण के लिए तिरुवनंतपुरम; डीएनबी रेडियोडायगनोसिस के लिए पोस्टग्रेचुएट मेडिकल कॉलेज एंड रिसर्च नई दिल्ली के जीबी पंत संस्थान में अतिथि संकाय, पीजी डिप आरपी पाठ्यक्रम के लिए जीजीएस इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय दिल्ली; इंटरनेशनल मेडिकल फिजिक्स डे और राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस पर सत्र के अध्यक्ष, दिल्ली राज्य कैंसर संस्थान और एएमपीआई–एनसी; सदस्य, संपादकीय बोर्ड, जर्नल ऑफ रेडिएशन एंड कैंसर रिसर्च (जेआरसीआर) मुंबई; इमेज गाइडिड थेरेपीज़ 2015 एम्स में इमेज गाइडिड थेरेपीज़ में सुरक्षा के विकिरण जोखिम और उपायों के लिए संसाधन व्यक्ति; संपादक, मेडिकल फिजिक्स क्रोनिकल; सदस्य, संपादकीय मंडल, जर्नल ऑफ मेडिकल फिजिक्स; सदस्य, इलेक्ट्रो– मेडिकल इक्विपमेंट सेक्शनल कमेटी, बीआईएस, नई दिल्ली; सदस्य, बोर्ड ऑफ कॉलेज ऑफ मेडिकल फिजिक्स ऑफ इंडिया (सीएमपीआई)।

विकिरण अर्बुद विज्ञान

आचार्य जी. के. रथ झज्जर में राष्ट्रीय कैंसर संस्थान (एम्स परिसर 2) के प्रमुख, है; अध्यक्ष, स्थायी चयन समिति, संकाय चयन, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भोपाल; 19 मार्च 2016 को उत्तर प्रदेश, एआरओआईसीओएन, उत्तर प्रदेश, लखनऊ में 'इमर्जिंग पैराडिग्म्स इन प्रीसिशन रेडियोथेरेपी एंड ओंकोलॉजी प्रैक्टिसेज़' एम. सी. पंत ओरेशन का उद्घाटन किया; 9 मई 2015 को जीएमसीएच, चंडीगढ़ में 'एडवांसमेंट ऑफ जी आई कैंसर मैनेजमेंट' पर सीएमई के उद्घाटन में मुख्य अतिथि; 19–20 जनवरी 2016 को एनसीआई नामित कैंसर केंद्र, ओमाहा, संयुक्त राज्य अमेरिका, यूएनएमसी कैंसर सेंटर और कॉलेज ऑफ पब्लिक हेल्थ के दौरे के लिए यूनिवर्सिटी ऑफ नेब्रास्का मेडिकल सेंटर के निदेशक द्वारा आमंत्रित; 26 फरवरी 2015 को शीर्षक 'ए कॉन्फ्रेंस ऑफ न्यू आइडियास इन कैंसर–चैलेंजिंग डोगमास' टाटा मेमोरियल सेंटर प्लेटिनम जुबली सम्मेलन के अध्यक्ष; अध्यक्ष, एशियन क्लिनिकल ऑन्कोलॉजी सोसायटी (एसीओएस) का 12वां अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन; अध्यक्ष, वैज्ञानिक सलाहकार समिति (एसएसी), नेशनल सेंटर फॉर डिजीज़ इंफॉर्मेटिक्स एंड रिसर्च (एनसीडीआईआर), भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, बैंगलोर; सीडीएसी और आरसीसी, तिरुवनंतपुरम द्वारा प्रस्तुत परियोजना शीर्षक ''मैमोग्राम के लिए कंप्यूटर सहायता प्राप्त पता लगाने की प्रणाली का विकास

(मैमोग्राम के लिए सीएडी) के लिए डीआईटी के पीआरएसजी; ''कैंसर मेनेजमेंट गाइडलाइंस'' पर आईसीएमआर टास्क फोर्स; 12 जनवरी 2015 को एनसीडीआईआर, एनसीआरपी, बैंगलोर में वैज्ञानिक डी के पद के लिए चयन समिति; समीर, मुंबई और इनमास, डीआरडीओ, नई दिल्ली द्वारा कार्यान्वित किए जा रहे चिकित्सा और अन्य अनुप्रयोगों के लिए उच्च ऊर्जा इलेक्ट्रॉन लाइनर एक्सीलेटर प्रौद्योगिकी के अनुसंधान और विकास परियोजना शीर्षक के लिए राष्ट्रीय संचालन समिति, अध्यक्ष; चिकित्सा उपचार के लिए आंशिक रूप से व्यय चुकाने के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए समिति, अध्यक्ष; विशेषज्ञ समितियों/परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड निकाय (एईआरबी) के सदस्य; सदस्य, रेडियोथेरेपी विकास कार्यक्रम, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के स्थायी समिति; सदस्य, इंडो अमेरिकन कैंसर एसोसिएशन, आईजीआईएमएस, पटना में विकिरण कैंसर विज्ञान विभाग के लिए संकाय सदस्यों के चयन/पदोन्नति के विशेषज्ञ; विशेषज्ञ, संकाय का चयन, आरसीसी तिरुवनंतपुरम, 22 दिसंबर 2015; 14 मई 2015 और 31 अक्तूबर, 2015 को एमडी रेडियोथेरेपी, एसजीपीजीआई, लखनऊ के बाह्य परीक्षक; सदस्य, तकनीकी संसाधन समूह (सलाहकार समूह) एनपीसीडीसीएस, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय; सदस्य, 6 एमवी मेडिकल लाइनेक के लिए प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण के लिए पीआरएसजी बैठक और निम्न लाइनेक संबंधित परियोजनाओं की समीक्षा : लाइनेक ट्यूब और लीनियर एक्सीलरेटर मशीन के बैच के निर्माण के लिए सुविधा की स्थापना; दोहरी फोटोन ऊर्जा और कई इलेक्ट्रॉन ऊर्जा का डिजाइन और विकास; एसएएमईईआर, मुंबई में कार्यान्वित की जा रही विकास और कैंसर उपचार (चरण II) के लिए 6 एमवी चिकित्सा लाइनेक का विकास और परिनियोजन; सदस्य, वैज्ञानिक सलाहकार समिति, क्षेत्रीय चिकित्सा अनुसंधान केंद्र (आरएमआरसी), डिब्रूगढ़; सदस्य, आईसीएमआर के उत्तर पूर्व परियोजना समीक्षा समिति (पीआरसी–एनई); सदस्य, तीन क्षेत्रीय कैंसर केंद्र (आचार्य तुलसी क्षेत्रीय कैंसर केंद्र, बीकानेर, आचार्य हरिहर क्षेत्रीय कैंसर केंद्र, कटक और क्षेत्रीय कैंसर केंद्र, अगरतला, और क्षेत्रीय कैंसर केंद्र, इलाहाबाद) के शासी निकाय; सदस्य, निकाय संस्थान, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भोपाल; सदस्य, शासन परिषद, दिल्ली राज्य कैंसर संस्थान (डीएससीआई), नई दिल्ली; सदस्य, इंडियन कैंसर विनर एसोसिएशन; सदस्य, परियोजना समीक्षा समिति, कैंसर विज्ञान (पीआरसी कैंसर विज्ञान), इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च, नई दिल्ली; सदस्य, परियोजना समीक्षा समिति, पूर्वोत्तर क्षेत्र (पीआरसी एनई), इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च, नई दिल्ली; सदस्य, कैंसर फाउंडेशन, दिल्ली; 15 अप्रैल 2015 को डॉ. आरएमएल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, लखनऊ में विकिरण कैंसर विज्ञान विभाग में प्रोफेसर चयन के विशेषज्ञ; 5 जून 2015 को एसकेआईएमएस, जम्मू–कश्मीर में रेडियोथेरेपी के लिए उपयुक्त उम्मीदवारों के पदोन्नति/चयन के विशेषज्ञ; सदस्य, बैंगलोर में इंडियन कैंसर कांग्रेस 2017 के राष्ट्रीय समन्वय समिति; ईएसआईसी अस्पताल, बसई दारापुर में प्रस्तावित चिकित्सा शिक्षा परियोजना की जांच करने के लिए समिति, सदस्य; जम्मू (कटरा) में श्री माता वैष्णो देवी नारायण सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के लिए लिनियर एक्सीलेटर की खरीद के विशेषज्ञ; अध्यक्ष, केजीएमयू, लखनऊ में लिनियर एक्सीलेटर स्थापना के लिए हाइ पावर कमिटी; सदस्य, 13 जुलाई 2015 को अहमदाबाद में जीसीआरआई के लिए टेलीकोबाल्ट यूनिट और परंपरागत सिम्युलेटर मशीन की खरीद के लिए विशिष्टताओं को चिंतन करने के लिए तकनीकी समिति बैठक, सदस्य; सदस्य, आरसीसी, अगरतला में जी+7 बिल्डिंग के लिए उपकरणों की खरीद, स्थापना और कमीशन के लिए तकनीकी मूल्यांकन समिति; डॉ. आरएमएलआईएमएस, लखनऊ विकिरण कैंसर विज्ञान विभाग के लिए सामान, 4 डी सीटी सिमुलेटर और 4 डीटीपीएस के साथ लाइनेक कम ऊर्जा (6 एमवी) के लिए तकनीकी मूल्यांकन बैठक के विशेषज्ञ; एम्स, भुवनेश्वर और एम्स, जोधपुर रेडियोथेरेपी के लिए स्थायी चयन समिति, संकाय चयन के विषय विशेषज्ञ; सदस्य, स्थायी शैक्षणिक और अनुसंधान परिषद (एसएआरसी) सीएनसीआई, कोलकाता; 2 फरवरी 2016 को एसीटीआरईसी, मुंबई में पीएचडी मौखिक परीक्षा के परीक्षक;

डॉ. बी. बरूआ कैंसर संस्थान, गुवाहाटी में हाइ एनर्जी लिनियर एक्सीलेटर के तकनीकी प्रस्तावों का मूल्यांकन करने के लिए तकनीकी समिति के सदस्य; 22 फरवरी 2016 को एनईआईजीआरआईएचएमएस, शिलॉन्ग, कैंसर विज्ञान विभाग के लिए दोहरी ऊर्जा एक्सीलेटर के प्रसंस्करण के लिए विशिष्टता को अंतिम रूप देने के लिए विशेषज्ञ; संपादक, इंडियन जर्नल ऑफ चेस्ट डिजीज़ एंड एलाइड साइंसेज, इंडियन जर्नल ऑफ कैंसर, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोसाइंसेज एंड टेक्नोलॉजी, जर्नल ऑफ कन्टेम्पररी ब्रैकीथेरेपी, साउथ एशियन जर्नल ऑफ कैंसर; संपादक परामर्श, जर्नल ऑफ कैंसर रिसर्च एंड थेराप्युटिक्स; 1 अगस्त, 2015 को क्लिनिकल ऑन्कोलॉजी, टीएमसी, कोलकाता में फेफड़ों के कैंसर, विवाद संपादित में एसबीआरटी/एसएबीआर के विवाद और भूमिका पर दो सत्रों के अध्यक्ष : शिक्षण व्याख्यान।

डॉ. सुष्मिता पाथी संपादकों, समीक्षकों और लेखकों इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस फॉर मेडिकल जर्नल एडिटर्स अक्टूबर 2015 के लिए सहकर्मी समीक्षा के लिए कार्यशाला में भाग लिया; नवंबर 2015, भारत, लखनऊ के विकिरण अर्बुदविज्ञानी संघ के 37 वें वार्षिक सम्मेलन सार और विभिन्न वैज्ञानिक पत्रिकाएं के समीक्षक; जे. एल. एन. ऑडिटोरियम में मई 2015 को रेटिनो ब्लास्टोमा पर सार्वजनिक व्याख्यान में अध्यक्ष; उत्तरजीवी के जीवन में सुधार करने में बचपन के कैंसर के इलाज से परे सार्वजनिक व्याख्यान में पैनलिस्ट। जे. एल.एन. ऑडिटोरियम फरवरी, 2016.

डॉ. सुभाष गुप्ता इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ओंकोलॉजी साइंस के सह संपादक है; कार्सिनोमा प्रोस्टेट और मूत्राशय के लिए कैंसर प्रबंधन के दिशा निर्देशों के लिए आईसीएमआर उपसमिति के सह–अध्यक्ष; 29 सितंबर 2015 को आईएचसी, दिल्ली में एनजेडएआरओआईसीओएन में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर सत्र के जज; आईसीपीओ, नोएडा के कैंसर जांच गतिविधियों से जुड़े हैं; अध्यक्षता सत्र : 29 सितंबर 2015 को आईएचसी, नई दिल्ली में स्तन कैंसर, एनजेडएआरओआईसीओएन के लिए रेडियोथेरेपी में इमेज गाइडेंस; 29–31 जनवरी, 2016, राजकोट में वायआरओसी 2016, संकाय ने सत्र की अध्यक्षता करने के लिए आमंत्रित किया।

डॉ. के. पी. हरेश इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ओंकोलॉजी साइंस के मुख्य संपादक और कार्सिनोमा प्रोस्टेट और मूत्राशय कैंसर प्रबंधन के दिशा निर्देशों के लिए आईसीएमआर उपसमिति के अध्यक्ष हैं; आईसीपीओ, नोएडा के कैंसर जांच गतिविधियों से जुड़े हैं; 29 सितंबर 2015 को आईएचसी, नई दिल्ली में एनजेडएआरओआईसीओएन, स्तन कैंसर के लिए रेडियोथेरेपी में इमेज गाइडेंस।

शल्यक अर्बुद विज्ञान

आचार्य एन. के. शुक्ला आईएनसीपीटी सम्मेलन के सम्मानित अतिथि, एम्स, ऋषिकेश, एम्स, रायपुर और केजीएमयू लखनऊ के संकाय के लिए चयन समिति में विशेषज्ञ थे; 5 अप्रैल 2015 को एम्स, नई दिल्ली में फेफड़े के कैंसर के सर्जिकल प्रबंधन पर सत्र की अध्यक्षता की, वक्ष शल्य चिकित्सा पर संगोष्ठी; 27–28 फरवरी 2016 को एम्स, नई दिल्ली, सीएमई–सर्जरी 2016 में कुछ सामान्य कैंसर की सर्जरी पर अध्यक्षता सत्र; 3–6 मार्च 2016 को एम्स, नई दिल्ली में एम्स–पोस्ट ग्रेजुएट सीएमई, 10वां एम्स सर्जिकल वीक रोगियों में मेजर ऑपरेटिव प्रक्रियाओं पर सत्र की अध्यक्षता की।

आचार्य एस. वी. एस. देव को एसोसिएशन ऑफ ब्रेस्ट सर्जन ऑफ इंडिया के कोषाध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया था; ब्रेस्ट सर्जरी इंटरनेशनल ऑफ इंटरनेशनल सोसायटी ऑफ सर्जरी के परिषद के सदस्य के रूप में मनोनीत किया; न्यू इंडियन जर्नल ऑफ सर्जरी, इंडियन जर्नल ऑफ सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, इंडियन जर्नल ऑफ पैलिएटिव केयर के संपादकीय बोर्ड के सदस्य के लिए मनोनीत

किया; ब्रेस्ट कैंसर क्लिनिकल ट्रायल – नेशनल कैंसर ग्रिड, टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल मुंबई के अध्यक्ष के लिए नियुक्त किया; डीबीटी और यूआईसीसी जिनेवा के वैज्ञानिक परियोजना समीक्षा के लिए तकनीकी विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया; जीसीआरआई अहमदाबाद के लिए शल्य चिकित्सा उपकरणों की अधिप्राप्ति और खरीद के लिए तकनीकी विशेषज्ञ; एम्स, जोधपुर और भुवनेश्वर में संकाय चयन के लिए विशेषज्ञ के रूप में स्थायी चयन समिति की बैठक में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया; बीएचयू वाराणसी में संकाय चयन के लिए विशेषज्ञ के रूप में स्थायी चयन समिति की बैठक में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया; राजीव गांधी स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, बैंगलोर, जीसीआरआई अहमदाबाद, बीएचयू वाराणसी और टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल मुंबई में एमसीएच सर्जिकल ऑन्कोलॉजी परीक्षा के परीक्षक; 26–28 फरवरी 2016 को टीएमएच, मुंबई में डॉ. आर बाडवे, टीएमएच – प्लेटिनम जुबली कॉन्फ्रेंस द्वारा अवलोकन के कार्य, मुख्य वक्ता के रूप में व्याख्यान की अध्यक्षता की।

डॉ. एम. डी. रे को एसीओएस अप्रैल, 2016 में इलियो इंगुइनल ब्लॉक डिसेक्शन (आईआईबीडी) पर स्वयं डिज़ाइन तकनीक पर बेस्ट पेपर से सम्मानित किया; एशिया में सबसे बड़े गुर्दे के ट्यूमर (5.018 कि.ग्रा.) के ऑपरेशन के लिए लिम्का बुक रिकार्ड में उल्लेख किया है; एसीओएस 2016 की कार्यशाला में प्रोफेसर पॉल सुगरबेकर द्वारा साइटोरिडक्शन और एचआईपीईसी पूरा करने के लिए लाइव सर्जरी के एक मध्यस्थ के रूप में आमंत्रित किया; निदेशक, एम्स द्वारा एसएसबी पुरस्कार के लिए नामित किया; सर्जरी में अपनी उत्कृष्टता के लिए दिल्ली सरकार द्वारा सम्मानित किया गया।

10.4 डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र

प्रमुख

वाई. आर. शर्मा (31.12.2015 को सेवानिवृत्त)

अतुल कुमार (1.1.2016 से)

आचार्य

प्रदीप शर्मा	रमनजीत सिहोटा	गीता सत्पथी
जे. एस. टिटियाल	राधिका टंडन	एस. के. खोखर
शक्ति कुमार गुप्ता (चिकित्सा अधीक्षक)	महेश चंद्र	दिलीप आर. शिंदे (नेत्र संवेदनाहरण)
मनदीप सिंह बजाज	राज पाल	सीमा सेन (नेत्र विकृति विज्ञान)
संजय शर्मा (विकिरण निदान)	सीमा कश्यप (नेत्र विकृति विज्ञान)	नम्रता शर्मा
तनुज दादा	प्रदीप वेंकटेश	नीलम पुष्कर
टी. वेलपंडियन (नेत्र भेषजगुण विज्ञान)	प्रवीण वशिष्ट (सामुदायिक नेत्र विज्ञान)	जसबीर कौर (नेत्र जैव रसायन विज्ञान)

अपर आचार्य

रोहित सक्सेना	विनय गुप्ता	रेनू सिन्हा (नेत्र संवेदनाहरण)
तुषार अग्रवाल	एम. वनाथी	राजेश सिन्हा
भावना चावला		परिजात चंद्रा

सहायक आचार्य

सेनजाम सूरज सिंह	आलोक कुमार रवि	नबनिता हल्दर
नूपुर गुप्ता	रचना मील	विनोद कुमार
रोहन चावला	सुनील चौधरी	स्वाति फुलझने
विवेक गुप्ता		निशात हुसैन अहमद

शिक्षा

स्नातक पूर्व : एमबीबीएस 77

स्नातकोत्तर : एम. डी. (पूर्ण) : 32; एमडी छात्र : 107; पीएचडी : 23

पैराक्लिनिकल : बी ऑप्टोमेट्री : 42

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशालाएं / संगोष्ठियां / राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

1. अगस्त 2015, एम्स, नई दिल्ली नेत्र विज्ञान, ''पैन अफ्रीकन ई नेटवर्क प्रोजेक्ट'' में फेम्टो सेकेण्ड लेजर सर्जरी।

2. सीएमई – आरपीसी अपडेट 2016 का आयोजन 12 और 13 मार्च 2016 को, डॉ. आर. पी. नेत्र विज्ञान केंद्र द्वारा 49वें वार्षिक स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर जवाहर लाल ऑडिटोरियम, एम्स, नई दिल्ली में 10 मार्च 2016 को किया गया।
3. कम विजन और पुनर्वास के लिए राष्ट्रीय कार्य योजना तैयार, 26–27 सितंबर 2015, डॉ. आरपीसी, एम्स नई दिल्ली।
4. एसईएआरओ अंतर–देश कार्यशाला, प्राथमिक नेत्र देखभाल में स्वयंसेवकों को शामिल करने के लिए प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण, 5 से 6 दिसंबर 2015, डॉ. आर पी सी, एम्स, नई दिल्ली।
5. रजत जयंती समारोह, भारतीय नेत्र बैंक एसोसिएशन, 9 अक्तूबर, डॉ. आरपीसी, एम्स, 10 से 11 अक्तूबर – ली मेरिडियन, नई दिल्ली।

प्रदत्त व्याख्यान

अतुल कुमार : 17	गीता सत्पथी : 1	राधिका टंडन : 3	शक्ति गुप्ता : 10
महेश चंद्रा : 2	दिलीप शिंदे : 2	संजय शर्मा : 2	नम्रता शर्मा : 45
प्रवीण वशिष्ट : 18	रेणु सिन्हा : 11	पारिजात चंद्रा : 11	सेनजाम सूरज सिंह : 5
नूपुर गुप्ता : 7	रचना मील : 7	विवेक गुप्ता : 5	

मौखिक पत्र / पोस्टरों की प्रस्तुतिः 77

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. ड्राई एज संबंधी मैकुलर डिजनरेशन में ऑटोलोगस बोन मैरो डिराइव्ड स्टेम सेल्स का मूल्यांकन – एक व्यापक अध्ययन। अतुल कुमार आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2015 – 18, 49 लाख रुपए।
2. ''द एशिया कॉर्निया सोसायटी इंफेक्शियस स्टडी'' (एसीएसआईकेएस) गीता सत्यपथी, एशिया कॉर्निया फाउंडेशन, तीसरा अस्पताल एवेन्यू, सिंगापुर, 12 माह 2016, 16 लाख रुपए।
3. आइलिड सेबसीयस ग्रंथि कार्सिनोमा में एपिथेलियल मेसेंकाइमल संक्रमण मार्कर का नैदानिक निहितार्थ। एस. सेन आईआरजी, 2 वर्ष 2014–16, 6 लाख रु.।
4. इंट्राऑक्युलर मेलिग्नेंट बाल्यावस्था ट्यूमर में एच. एम. जी. प्रोटीन्स की भूमिका। एस कश्यप, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2012–15, 32.3 लाख रु.।
5. इंट्राऑकुलर बाल्यावस्था के ट्यूमर में माइटोकोंड्रियल डी एन ए का आण्विक अध्ययन। सीमा कश्यप, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2015–17, 23.7 लाख रुपए।
6. प्राइमरी ओपन एंगल ग्लूकोमा और प्राइमरी एंगल क्लोसर ग्लूकोमा के रोगियों के टियर फिल्म तथा एक्वेयस ह्युमर में विशिष्ट प्रोटीनों की पहचान। जसबीर कौर, एसईआरबी, डीएसटी, 3 वर्ष, 2014–17, 32.16 लाख रुपए।
7. मानव रेटिनोब्लास्टोमा की जीन अभिव्यक्ति रूपरेखा। जसबीर कौर, डीबीटी, 3 वर्ष, 2013–16, 65.98 लाख रु.।
8. समय से पहले रेटिनोपैथी में जीनों की अभिव्यक्ति विभेदन। जसबीर कौर, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2013 – 15, 17.82 लाख रुपए।
9. भारत में परिहार्य दृष्टिहीनता महामारी विज्ञान का अध्ययन, प्रवीण वशिष्ट, एनपीसीबी, एमओएचएफडब्ल्यू, 3 वर्ष, 2015 – 18, 52.88 लाख रुपए।
10. प्राथमिक नेत्र देखभाल सेवाएं प्रदान करने में स्वयंसेवक के शामिल होने पर ऑपरेशन अनुसंधान, प्रवीण वशिष्ट, साइटसेवर, 5 वर्ष, 2016–17, 163.74 लाख रुपए।

11. दिल्ली के स्कूली बच्चों के बीच निकट दृष्टि को प्रभावित करने वाले परिवर्तनीय कारकों के लिए स्वास्थ्य शिक्षा हस्तक्षेप पर एक प्रायोगिक अध्ययन। प्रवीण वशिष्ट, डीएसटी, 01 वर्ष, 2014–15, 19.92 लाख रुपए।
12. सीबीएम – आरपीसी विकलांगता समावेशी नेत्र स्वास्थ्य कार्यक्रम। सूरज सिंह सेंजम, सीबीएम, 5 वर्ष, 2015–20, 14.33 लाख रुपए।
13. राष्ट्रीय ट्रेकोमा व्यापकता सर्वेक्षण। प्रवीण वशिष्ट, एनपीसीबी, 2 वर्ष, 2014 – 16, 105.62 लाख रुपए।
14. राष्ट्रीय ट्रेकोमा रैपिड मूल्यांकन। प्रवीण वशिष्ट एनपीसीबी, 2 वर्ष, 2014 – 16, 91.39 लाख रुपए।
15. भारतीय नेत्र कोषों के लिए कॉर्नियल प्रत्यारोपण पुनःसंरक्षण हेतु गुणवत्ता नियंत्रित पैरामीटर्स तथा डिस्पेन्सिंग एम के मीडिया का विकास। टी. वेलपण्डियन, स्वास्थ्य मंत्रालय, 2009–16, जारी, 61.93 लाख रुपए।
16. ऑपरेशन के बाद आईओएल डीसेंट्रेशन होया सर्जिकल ऑप्टिक्स के बाद उच्च स्तर के विपथन की दर कम करने के लिए एस्फेरिक संतुलित कर्व्ड डिजाइन वाले इंट्रा ऑक्युलर लेंस की संभाव्यता का मूल्यांकन करने के लिए भावी अध्ययन। 2 वर्ष, 2015 – 17, 3.50 लाख रुपए।
17. एक तृतीयक स्तर के सरकारी सहायता प्राप्त नेत्र अस्पताल में रोगियों के बीच आईओएल चुनने पर मोतियाबिंद रोगियों के प्री–ऑपरेटिव परामर्श के प्रभाव का निर्धारण करना। एलकोन, 6 वर्ष, 2011 – 16, 2.05 लाख रुपए।
18. रजोनिवृतोत्तर शुष्क नेत्र का उपचार करने के लिए आइसोफ्लेवोन्स के नए ऊपरी सूत्रण का विकास और पूर्व नैदानिक अध्ययन। नबनिता हल्दर, डीएसटी, 3 वर्ष, 2014 – 17, 22.7 लाख रुपए।
19. रेटिनोब्लास्टोमा के लिए नए कैंसर रोधी एजेंटों के विकास हेतु दवा और जैव विश्लेषणात्मक विधियों के विकास के लिए व्यवहार्यता अध्ययन। टी. वेलपण्डियन, आईएनवीआईसीटीयूएस, 3 वर्ष, 2013 – 16, 38. 86 लाख रुपए।
20. नेत्र और अन्य संक्रमण में इसकी अनुमानित उपयोग के लिए क्यूएसपीआर प्लेटफॉर्म पर आधारित नए एंटीमाइक्रोबायल्स के विकास पर सहयोगात्मक अध्ययन। टी. वेलपण्डियन, व्योम बायोसाइंस, 2 वर्ष, 2014 – 16, 23.12 लाख रुपए।
21. विशेष आबादी में उनके उपयोग के लिए दवा उत्पादों का विकास और मानकीकरण, टी. वेलपण्डियन, आईएनएमएएस, डीआरडीओ, 2015–17, 26 लाख रुपए।
22. इन सिलिको प्रीडिक्शन ऑफ ड्रग्स पेनेट्रेटिंग थ्रू ब्लड रेटिनल बैरियर्स फॉर हाई–थ्रोपुट ऑकुलर ड्रग डेवलपमेंट के लिए इनविवो आधारित क्यूएसपीआर, मॉडल टी. वेलपण्डियन, डीबीटी, 2015 – 18, 51 लाख रुपए।
23. असेम्बलिंग मानव कॉर्नियल निर्माण हेतु सेल शीट इंजीनियरिंग, राधिका टंडन, आईआईटी दिल्ली, 5 वर्ष, 2011 – 16.
24. भारत में नेत्र स्वास्थ्य पर वैश्विक गर्मी और पराबैंगनी विकिरण (यू वी आर) का सामना करने के प्रभाव पर बहुकेन्द्रित सहयोगात्मक अध्ययन। राधिका टंडन, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2010–15.
25. दिल्ली के स्कूली बच्चों के बीच निकट दृष्टि को प्रभावित करने वाले परिवर्तनीय कारकों के लिए स्वास्थ्य शिक्षा हस्तक्षेप पर एक प्रायोगिक अध्ययन। रोहित सक्सेना, डीएसटी, 2 वर्ष, 2013 – 15.
26. सीबीएम–आरपीसी विकलांगता नेत्र स्वास्थ्य कार्यक्रम तथा एल.वी. और पुनर्वास सेवाओं का सुदृढ़ीकरण, रोहित सक्सेना, सीबीएम, 5 वर्ष, 2015 – 20.
27. एक्यूट नॉन–आर्टेरिटिक एंटीरियर इस्केमिक ऑप्टिक न्यूरोपैथी (एनएआईओएन) के साथ व्यक्तियों के लिए एक या बहु दवा इंट्राविट्रियल इंजेक्शंस द्वारा वितरित क्यूपीआई –1007 का एक पाइवोटल फेस 2 / 3, यादृच्छिक, डबल–मास्क्ड, शाम–कंट्रोल्ड ट्रायल, रोहित सक्सेना, क्वार्क फार्मास्युटिकल्स, 3 वर्ष, 2016–19.

28. दीर्घकालिक एंटीग्लूकोमा चिकित्सा के क्रोनिक मोतियाबिंद वाली आंखों में आंसू न्यूरोमेडिएटर्स का मूल्यांकन। एम. वनाथी, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2015–17.
29. ऑक्युलर जी वी एच डी में आंसुओं का मूल्यांकन। एम. वनाथी, एम्स, 3 वर्ष, 2013–15.
30. केराटोकोनस में आंसू बायोमार्कर की भूमिका, नूपुर गुप्ता, एम्स, 2 वर्ष, 2015–16.
31. दिल्ली में स्कूल विजन स्क्रीनिंग कार्यक्रम के तहत चश्मा प्रदान किए गए स्कूली बच्चों में चश्मे के अनुपालन का आकलन, भारत, नूपुर गुप्ता, ऑप्टोमेट्री छात्रों के लिए इंडियन विजन इंस्टीट्यूट, छात्र अनुसंधान अनुदान के हिस्से के रूप में, 2 वर्ष, 2015–16.
32. भारत में परिहार्य अंधेपन के महामारी विज्ञान का अध्ययन, नूपुर गुप्ता एनपीसीबी, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, 3 वर्ष, 2015 – 18.
33. नेत्र संबंधी त्रुटि पर विजन दिल्ली परियोजना – एक समुदाय की नेत्र देखभाल पहल। नूपुर गुप्ता, साइटसेवर्स, 3 वर्ष, 2012 – 15.
34. भारत में एनपीसीबी नेशनल ट्रेकोमा सर्वे के तहत ट्रेकोमा व्यापकता सर्वेक्षण – 9 जिले (अनुलग्नक – क)। नूपुर गुप्ता एनपीसीबी, 1 वर्ष, 2014 – 15.
35. एनपीसीबी नेशनल ट्रेकोमा सर्वेक्षण के तहत ट्रेकोमा तीव्र आकलन (अनुलग्नक ख)। नूपुर गुप्ता, एनपीसीबी, 1 वर्ष, 2014 – 15.
36. भारत में नेत्र स्वास्थ्य पर ग्लोबल वर्मिंग और पराबैंगनी विकिरण (यू वी आर) का सामना करने के प्रभाव पर बहुकेन्द्रित सहयोगात्मक अध्ययन। नूपुर गुप्ता आरआईओ, गुवाहाटी, नेशनल फिजिक्स लेबोरेटरी, दिल्ली और आईआईपीएच, हैदराबाद।
37. स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों के लिए प्रशिक्षण सत्र आयोजित करने पर प्रचालन अनुसंधान परियोजना। नूपुर गुप्ता, स्वास्थ्य अनुसंधान योजना के तहत स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग।
38. यूवील मेलेनोमा में सक्रिय बी कोशिकाओं की परमाणु कारक मार्कर प्रकाश श्रृंखला बढ़ाने (एनएफकेबी) के भावी महत्व, रचना मील, आईआरजी, 1 वर्ष, 2015 – 2016.

पूर्ण

1. दिल्ली में रहने वाले असामान्य कंजक्टिविटिस का एक संभावित व्यापक अध्ययन और वायरल कंजक्टिविटिस के तेजी से निदान के लिए एक मल्टीप्लेक्स पीसीआर आमापन का विकास। गीता सत्पथी, एम्स, 2 वर्ष, 2013 – 15, 7.5 लाख रुपए।
2. भारत में एफ्लेवस संक्रमण के महामारी विज्ञान, जीव विज्ञान और प्रणाली पैथोजिनोमिक्स – एक एकीकृत दृष्टिकोण। गीता सत्पथी, डीबीटी, 2 वर्ष, 2013 – 15, 9.6 लाख रुपए।
3. प्रहरी निगरानी इकाई परियोजना, दिल्ली प्रवीण वशिष्ठ एनपीसीबी, 15 वर्ष, 2001 – 15, 3 लाख रुपए।
4. प्रहरी निगरानी इकाई के लिए राष्ट्रीय निगरानी इकाई, प्रवीण वशिष्ट, एनपीसीबी, 5 वर्ष, 2010 – 15, 3 लाख रुपए।
5. दिल्ली बस्तियों में अपवर्तक त्रुटि सेवाओं को मजबूत बनाने के लिए विजन दिल्ली परियोजना, प्रवीण वशिष्ट साइटसेवर्स, 4 वर्ष, 2012 – 15, 179.12 लाख रुपए।
6. दिल्ली की शहरी बस्तियों में सामान्य नेत्र विकार रोग अवस्था के बारे में स्वास्थ्य संबंधी प्रैक्टिस एवं जागरूकता संबंधी अध्ययन। प्रवीण वशिष्ट, डीएसटी, 2 वर्ष, 2013 – 2015, 19.52 लाख रुपए।
7. रेटिनोब्लास्टोमा के उपचार में खरगोशों में कैंसर प्रतिरोधी एजेंट के नेत्रीय काइनेटिक्स का प्रभाव तथा संभावित बहुलताओं पर उसके प्रयोग का मूल्यांकन। टी. वेलपण्डियन, आईसीएमआर, 4 वर्ष, 2011 – 15, 20.12 लाख रुपए।

8. इनका सबस्ट्रेस के ऑक्युलर डिस्पोसिशन में न्यूक्लियोसाइड ट्रांसपोर्टरों का कार्यात्मक महत्व – लक्षित नेत्र दवा वितरण करना। टी. वेलपण्डियन, एम्स, 2 वर्ष, 2014 – 16, 4 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. सूखे एएमडी के प्रबंधन के लिए ऑटोलॉगस स्टेम कोशिकाओं का मूल्यांकन।
2. डॉ. आर पी सी, एम्स, नई दिल्ली में कम विजन और पुनर्वास सेवाओं का सुदृढ़ीकरण। (क्रिस्टोफेल ब्लिडंन मिशन द्वारा परियोजना वित्त पोषण)।
3. डी. आर. में कोन्व. एफ. ए. निर्देशित पास्कल लेजर उपचार के साथ अल्ट्रा वाइड फील्ड एफ.ए. (यूडब्ल्यूएफएफए) की तुलना।
4. डॉ. आर पी सी, एम्स, नई दिल्ली में एक तृतीयक अस्पताल सेवाओं में इनबॉर्न और आउटबॉर्न शिशुओं में प्रीमेचुरिटी प्रोफ़ाइल की रेटिनोपैथी,
5. फैकोफ्रेग्मेंटशन के बाद पोस्टीरियरली डिस्लोकेटेड लेंस का रचनात्मक और दृश्य परिणाम, डॉ. आर पी सी, एम्स, नई दिल्ली।
6. प्रीमैचुरिटी (आरओपी) के रेटिनोपैथी के पशु मॉडल में रेटिनल रेनिन एंजियोटेनसिन प्रणाली (आरएएस) की भूमिका का मूल्यांकन।
7. बचपन की दृष्टिहीनता का महामारी विज्ञान अध्ययन।
8. संवर्धन नकारात्मक संक्रमण के निदान में उन्नत जीनोमिक्स का उपयोग (सेप्टीसीमिया और एंडोफ्थैल्मिटिस)।
9. वोरिकोनेजोल और नेटामायसिन के लिए कोर्नियल रोगियों में रोधी संवेदनशीलता परीक्षण।
10. मायकोटिक केराटिटिस एण्ड इंवेसिव इंफेक्शन के मोर्फोलॉजी और आण्विक विशेषता और पारंपरिक विधि जैसे डिटेक्शन और कल्चर के साथ तुलना।
11. बाल चिकित्सा और वयस्क आबादी में कक्षीय सेल्यूलिटिस का नैदानिक कवरेज और उपचार के परिणाम का तुलनात्मक अध्ययन।
12. किशोरों में ओपन एंगल ग्लूकोमा में जीनोमिक बदलाव।
13. मोतियाबिंद में आण्विक परिवर्तन।
14. रेटिनोब्लास्टोमा में ट्यूमरजन्यता से संबंधित माइटोकांड्रियल जीन संबद्ध का मॉलीक्यूलर विश्लेषण।
15. आइलिड के सिबेसियस कार्सिनोमा में एपीथिलियल मिसेनकिमल ट्रांसिशन (ई एम टी) – एक इम्युनोहिस्टोकैमिकल और आण्विक अध्ययन।
16. यूवील मेलेनोमा में एनएफकेबी मार्ग की आणविक लक्षण वर्णन।
17. मानव यूवील मेलेनोमा की जीन एक्सप्रेशन प्रोफाइल।
18. दवाओं के इंट्राऑक्युलर पेनेट्रेशन के लिए ऑर्गेनिक केटिओनिक ट्रांसपोर्टर्स का मॉड्यूलेशन।
19. कंप्यूटर सहायक ड्रग डिजाइन में प्रयुक्त पोस्टमीनोपोज़ल ड्राय आंख के लिए टॉपिकल एस्ट्रोजन अथवा एंड्रोजन रिसेप्टर मॉड्यूलेटर का विकास।
20. प्रायोगिक पशु मॉडलों में कैंसर रोधी एजेंट के ट्रांस – स्क्लेरल प्रसव के लिए आइयोंटोफोरेटिक विधि का मूल्यांकन (आईसीएमआर द्वारा निधिकरण)।
21. शव के नेत्रों से इसकी मात्रा के ठहराव के लिए ए2ई और एलसी – एमएस/एमएस विधि के माइक्रोवेव सहायता प्रदान संश्लेषण के लिए नई विधि का विकास।
22. रक्त नेत्र बाधाओं को कम करने में न्यूक्लेसाइड ट्रांसपोर्टरों के कार्यात्मक महत्व को समझना।
23. रेटिनोब्लास्टोमा पर कोलेस्ट्रॉल टेथर्ड कैंसर विरोधी दवा वितरण की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करना।

24. ट्रोपिकल आइसोफ्लेवोंस इन सेक्स स्टीरॉइड डेफिशियंट ड्राई आई मॉडल्स : हार्डेरियन ग्लैंड के स्राव की भूमिका।
25. आयरन इंट्राकुलर बाहरी पिण्ड वाले रोगियों में बहुकेंद्रक इलेक्ट्रोरेटिनोग्राम में परिवर्तन की शल्यक्रिया पूर्व और पश्चात आकलन।
26. डिफ्युज डायबेटिक मैकुलर एडेमा में मैकुलर ग्रिड लेजर फोटोकॉएगुलेशन के साथ संयोजन में और मोनोथेरेपी के रूप में इंट्राविट्रील बेवासिजुमैब।
27. नेत्र आघात के पैटर्न निर्धारित करने और नेत्र ट्रामा स्कोरिंग (ओटीएस) के आधार पर अंतिम दृश्य तीक्ष्णता।
28. फैकोफ्रेग्मेंटशन के बाद पोस्टिरिअरली डिस्लोकेटेड क्रिस्टलाइन लेंस के संरचनात्मक और दृश्य परिणाम।
29. नवजात मामलों के इलाज में रेनीबिजुमैब के साथ संयोजन में अल्ट्रा वाइड इमेजिंग गाइडेड पेरीफेरल लेजर बनाम केवल रेनीबिजुमैब से शाखा रेटिनल वेन ऑक्लुजन उपचार की तुलना के लिए भावी यादृच्छिक हस्तक्षेप परीक्षण।
30. बड़े मैक्युलर होल के लिए इंवर्टेड आंतरिक सीमाकारी झिल्ली फ्लैप तकनीक के साथ मैक्युलर होल सर्जरी का तुलनात्मक मूल्यांकन – एक भावी यादृच्छिक अध्ययन।
31. रीकैल्सिट्रेंट ट्रेक्शनल बनाम गैर ट्रेक्शनल मधुमेह मैक्युलर एडेमा के लिए विट्रेक्टोमी (आईएलएम पीलिंग के साथ) के बाद संरचनात्मक और कार्यात्मक परिणाम।
32. ऑपरेशन के बीच मैक्युलर होल सर्जरी में सूक्ष्मदर्शी के साथ जुड़े आई–ओसीटी का उपयोग करते हुए रेटिना की बनावट का तुलनात्मक मूल्यांकन – भावी यादृच्छिक अध्ययन।
33. मधुमेह मैक्युलर एडेमा में ओसीटी का सामना करते हुए रेटिना की संरचनात्मक अखंडता और नजर के सुधार के मूल्यांकन के लिए इंट्रा विट्रियल रेनीजुमैब प्राप्त करना – भावी अध्ययन।
34. प्रीमेचुरिटी के आक्रामक पोस्टीरियर रेटिनोपैथी के प्रबंधन में फंडस फ्लोरसैन एंजियोग्राफी की भूमिका।
35. एक तृतीयक अस्पताल में इनबॉर्न और आउटबॉर्न शिशुओं में प्रीमेचुरिटी प्रोफ़ाइल की रेटिनोपैथी।
36. फैकोफ्रेग्मेंटशन के बाद पोस्टीरियली डिस्लोकेटेड लेंस का शारीरिक और दृश्य परिणाम।
37. डायबिटिक रेटिनोपैथी के पैटर्न स्कैन लेज़र गाइडिड उपचार में अल्ट्रा वाइड फील्ड फ्लोरोसीन एंजियोग्राफी के साथ कंवेंशनल फ्लोरोसीन एंजियोग्राफी की तुलना के लिए एक भावी, यादृच्छिक हस्तक्षेप परीक्षण।
38. नेत्र आघात स्कोर पर आधारित नेत्र आघात के पैटर्न – एक व्यापक अध्ययन।
39. रिकैलसिट्रेंट ट्रैक्शनल बनाम गैर ट्रैक्शनल मधुमेह मैकुलर एडीमा के लिए विट्रेक्टोमी के बाद (आईएलएम पीलिंग के साथ) संरचनात्मक और कार्यात्मक परिणाम।
40. बड़े धब्बेदार छेद के लिए इंवर्टिड इंटर्नल लिमिटिंग झिल्ली फ्लैप तकनीक के साथ पारंपरिक मैकुलर होल सर्जरी का तुलनात्मक मूल्यांकन – एक भावी यादृच्छिक अध्ययन।
41. नवजात मामलों के इलाज में रेनीबिजुमैब के साथ संयोजन में अल्ट्रा वाइड इमेजिंग गाइडेड पेरीफेरल लेजर बनाम केवल रेनीबिजुमैब से शाखा रेटिनल वेन ऑक्लुजन उपचार की तुलना के लिए भावी यादृच्छिक हस्तक्षेप परीक्षण।
42. पोस्टऑपरेटिव एपिरेटिनल मेम्ब्रेन के विकास में रेगमेटोजिनस रेटिनल डिटेचमेंट के लिए विट्रिओरेटिनल सर्जरी के दौरान आईएलएम पीलिंग की भूमिका – एक यादृच्छिक परीक्षण।
43. मधुमेह मैक्युलर एडेमा आंखों में ओसीटी इमेजिंग का सामना करते हुए रेटिना की संरचनात्मक अखंडता और नजर के सुधार के मूल्यांकन के लिए इंट्रा विट्रियल रेनीजुमैब उपचार प्राप्त करना – एक भावी अध्ययन।

44. मैकुलर छेद सर्जरी में इंट्रोऑपरेटिव माइक्रोस्कोप एकीकृत आईओसीटी का उपयोग करते हुए रेटिनल वास्तु परिवर्तन का तुलनात्मक मूल्यांकन – एक भावी यादृच्छिक परीक्षण।
45. अल्ट्रा वाइड फील्ड फ्लोरसेन एंजियोग्राफी मार्गदर्शित पेरिफेरल लेजर फोटोकॉएगुलेशन के साथ और इंट्रा विट्रियल एंटी वीईजीएफ से मधुमेह मैक्युलर एडिमा को शामिल करते हुए रिकैल्सिट्रेंट केंद्र का तुलनात्मक मूल्यांकन – एक यादृच्छिक अध्ययन।
46. प्रीमेचुरिटी (आरओपी) के रेटिनोपैथी के लिए लेजर उपचार के दौरान दर्द प्रबंधन के लिए मौखिक सुक्रोज बनाम कम खुराक फेंटानिल – एक खुला लेबल यादृच्छिक क्लिनिकल परीक्षण।
47. समय से पहले रेटिनोपैथी में जीन अभिव्यक्ति रूपरेखा।
48. आरओपी के पशु मॉडल में रेटिनल रेनिन एंजियोटेनसिन प्रणाली (आरएएस) की भूमिका का विकास।
49. ऑपरेशन के बाद एपिरेटिनल झिल्ली के विकास की रोकथाम में रेगमेटोजिनस रेटिनल अलग होने के लिए विट्रियोरेटिनल सर्जरी के दौरान आईएलएम पीलिंग की भूमिका : एक भावी यादृच्छिक परीक्षण।
50. ऑपरेशन के बीच मैक्युलर होल सर्जरी में सूक्ष्मदर्शी के साथ जुड़े आई–ओसीटी का उपयोग करते हुए रेटिना की बनावट का तुलनात्मक मूल्यांकन – एक भावी यादृच्छिक अध्ययन।
51. मधुमेह मैक्युलर एडिमा को शामिल करते हुए रिकैल्सिट्रेंट केंद्र में अल्ट्रा वाइड फील्ड फ्लोरसेन एंजियोग्राफी (यूडब्ल्यूएफए) मार्गदर्शित पेरिफेरल लेजर फोटोकॉएगुलेशन – एक तुलनात्मक यादृच्छिक अध्ययन।
52. बाहरी रेटिनल संरचनात्मक अखण्डता और नजर में सुधार के मूल्यांकन के लिए इंट्राविट्रियल रैनीबिजुमैब प्राप्त करने पर डायबिटिक मैक्युलर एडिमा आंख (डीएमई) में एन फेस ओसीटी इमेजिंग : एक भावी अध्ययन।
53. अस्पताल मुर्दाघर में इन – सीटू पुनर्प्राप्ति के दौरान दाता कॉर्नियल परिशोधन के लिए तरीकों का मूल्यांकन।
54. टेरीजियम में अल्ट्रावायलेट रेडिएशन का सामना करने के मार्कर के तौर पर कंजक्टाइवल ऑटोफ्लोरसेंस।
55. दर्दनाक ऑप्टिक न्यूरोपैथी का महामारी विज्ञान, जोखिम कारक और नैदानिक प्रोफ़ाइल।
56. एण्डोथेलियल डिस्फंक्शन वाले रोगियों में डिस्समेट की स्ट्रीपिंग ऑटोमेटिड एण्डोथेलियल केराटोप्लास्टी बनाम पेनेट्रेटिंग केराटोप्लास्टी का सह प्रभावी विश्लेषण।
57. भारत में केरोटोप्लास्टी से गुजर रहे रोगियों में जीवन की गुणवत्ता का विश्लेषण करने के लिए एक उपकरण के रूप में राष्ट्रीय नेत्र संस्थान विजुअल कार्य प्रश्नावली (वीएफक्यू–25)के आधुनिक रूपातंर को अनुकूल बनाना, अद्यतन करना तथा मान्य करना।
58. फंगल कार्नियल अल्सर में एम्फोटेसिसिन बी आई ड्रॉप का मूल्यांकन।
59. कार्नियल एडीमा के लिए इलाज के तौर तरीकों का मूल्यांकन।
60. नई दिल्ली में प्रत्यारोपण के रोगियों की आम जनता और रिश्तेदारों के बीच ज्ञान और दृष्टिकोण के संबंध में ऊतकों और अंग दान का एक तुलनात्मक अध्ययन।
61. संशोधित टाइटेनियम बैक प्लेट के साथ बोस्टन केरेटोप्रोस्थेसिस के परिणाम और जटिलता का मूल्यांकन – एक प्रायोगिक अध्ययन।
62. बाल चिकित्सा दृष्टिहीनता का महामारी विज्ञान।
63. स्थानीय रूप से उन्नत मलाशय कैंसर के मूल्यांकन में मल्टीपैरामेट्रिक एमआरआई की भूमिका।
64. बाल चिकित्सा मोतियाबिंद में पोस्टऑपरेटिव एनालजेसिया के लिए सब–टेनोन और पेरिबुलर ब्लॉक की तुलना।

65. यूएसजी एडक्टर कैनाल ब्लॉक बनाम स्थानीय इंट्राआर्टिकुलर इंफिल्ट्रेशन के संपूर्ण घुटना प्रतिस्थापन तुलना में ऑपरेशन के बाद दर्द से राहत यादृच्छिक, भावी, नियंत्रित परीक्षण।
66. बाल चिकित्सा रोगियों में गुर्दे की सर्जरी के दौर से गुजरे पैरावर्टिब्रल ब्लॉक और कैडल एपीड्यूरल ब्लॉक की तुलना।
67. लंबोसेकरल रेडिक्युलर दर्द में डोर्सल रुट गैंगलिया पल्स युक्त रेडियो फ्रिक्वेंसी उपचार और स्थानीय संवेदनाहरण चिकित्सक के ट्रांसफोरामिना एपिड्यूरल इंजेक्शन : एक यादृच्छिक, तिहरा ब्लाइंड, सक्रिय नियंत्रित परीक्षण।
68. मायसथिनिया ग्रेविस के रोगियों में न्यूनतम भेदक थायमेक्टोमी कराने पर चार की संख्या के बीच ट्रेन और डाइफ्रैग्मेटिक प्रभाज के बीच सह संबंध देखना।
69. लेरिंजियल मास्क सांस के रास्ते पर ऑफ्थेल्मिक सर्जरी कराने वाले बच्चों में इसे निकालने पर एंट्रोपी से मार्गदर्शित अल्प प्रवाहडेस फ्लूरेन संवेदनाहरण के प्रभाव – एक, भावी, यादृच्छिक, तुलनात्मक अध्ययन।
70. सीरम कोर्टिसोल स्तर पर डेक्समेडिटोमिडाइन का प्रभाव तथा वैकल्पिक नेत्र शल्य चिकित्सा के दौर से गुजर रहे बच्चों में पेरिऑपरेटिव हेइमोडायनेमिक्स – एक भावी, यादृच्छिक, तुलनात्मक अध्ययन।
71. स्टिमुलेटिड सर्वाइकल स्पाइन चोट वाले बच्चों में स्टोर्ज साइज 2 मैसिंटोश ब्लेड सीएमएसी और साइज 2 डी–ब्लेड सीएमएसी की तुलना : एक भावी यादृच्छिक अध्ययन।
72. जन्मजात रूबेला सिंड्रोम वाले बच्चों में नेत्र शल्य चिकित्सा प्रक्रिया के लिए एनेस्थेटिक प्रबंधन : एक यादृच्छिक विश्लेषण।
73. इस्केमिक मोनोन्यूरोपैथी में प्रणालीगत कारकों की भूमिका का मूल्यांकन।
74. स्ट्रेबिस्मस में 6 नर्व प्लासी में पार्शियल वीआरटी की भूमिका का मूल्यांकन।
75. लेट्रल रेक्टस पक्षाघात में स्थानांतरण के लिए निशिदा प्रक्रिया का मूल्यांकन।
76. इंटरमिटेंट डिवर्जेंट भेंगापन के मामले में संवेदी स्थिति और मोटर नियंत्रण का सहसंबंध।
77. सर्जरी के परिणामों पर भेंगापन सर्जरी के बाद कोई पैचिंग नहीं और पैचिंग का तुलनात्मक मूल्यांकन।
78. इस्केमिक मोनोन्यूरोपैथी की कौसेशन के लिए जोखिम कारक।
79. एचडी ओसीटी पर डिस्क चेंज पैपिलोएडेमा का मूल्यांकन।
80. बाइनोकुलर सिमुलेट स्टीरिओप्टिक कार्य पर प्रेरित एनिसोमेट्रोपिया का प्रभाव।
81. निदान में पीईटी/सीटी की भूमिका का मूल्यांकन तथा अश्रु ग्रंथि ट्यूमर का मंचन।
82. मौखिक प्रोप्रानोलोल की तुलना में पेरिकुलर रक्तवाहिकार्बुद में सामयिक प्रोप्रानोलोल के प्रभाव का मूल्यांकन।
83. कॉन्ट्रेक्टिड सॉकेट के पुनर्निर्माण में श्लेष्मा झिल्ली ग्राफ्टिंग के लिए फाइब्रिन ग्लू का मूल्यांकन।
84. पेरिकुलर के पिलरी हेमेंजियोमास के प्रबंधन में इंट्रालेशनल प्रोपानोलोल का मूल्यांकन।
85. डिस्टल कैनलिकुलर ब्लॉकों में मिनिमोनोका स्टेंट के साथ लेक्रिमल ट्रीफिनेशन का मूल्यांकन।
86. फेसिया लाटा की तुलना में फ्रंटेलिस स्लिंग सर्जरी के लिए सिलिकॉन का मूल्यांकन।
87. पेरिओकुलर कैपिलरी हेमेंजियोमास के प्रबंधन में इंट्रालेशनल प्रोपानोलोल का मूल्यांकन।
88. लैक्रीमल आउटफ्लो ऑब्स्ट्रक्शन के साथ इपिफोरा के प्रबंधन में बोटुलिनम इंजेक्शन का मूल्यांकन।
89. जन्मजात प्टोसिस में लेवेटोर मसल परिवर्तन।
90. मानव यूवील मेलेनोमा के जीन की अभिव्यक्ति प्रोफ़ाइल।

91. आइलिड के कार्सिनोमा में एपीथिलियल–मिसेंकिमल ट्रांसमिशन (ई एम टी)।
92. जन्मजात प्टोसिस के लिए सिलिकॉन गोफन सर्जरी : टार्सल तकनीक बनाम सिलाई से निर्धारण करना।
93. असफल प्राथमिक डीसीआर मे इंटुबेशन के साथ या इसके बिना, मायटोमायसिन सी का प्रयोग करके संशोधन बाहृय डीसीआर का परिणाम।
94. एक तृतीयक देखभाल केंद्र के लिए कक्षीय या पेरिऑर्बिटल आघात के साथ प्रस्तुत रोगियों की क्लिनिकोएपिडेमियोलॉजिक प्रोफ़ाइल।
95. इनुक्लिशन से गुजर रहे रोगियों में सिलिकॉन और पोरस पॉलीथेलीन ऑर्बिटल प्रत्यारोपण की तुलना।
96. बाल चिकित्सा और वयस्क रोगियों में कक्षीय कोशिका का नैदानिक पाठ्यक्रम और उपचार के परिणाम का एक तुलनात्मक अध्ययन।
97. एनोपैथाल्मोस, माइक्रोपैथाल्मोस और नेत्रविदर का नैदानिक और आनुवंशिक विश्लेषण।
98. यूवीयल मेलेनोमा में आण्विक और म्युटेशनल अध्ययन और क्लिनिक–रोग मानकों के साथ इनका संबंध।
99. एनोपैथाल्मोस, माइक्रोपैथाल्मोस और नेत्रविदर का नैदानिक और आनुवांशिक विश्लेषण। स्टीवेंस–जॉनसन सिंड्रोम वाले रोगियों में लीड मार्जिन पैथोलॉजिस के लिए म्यूकस झिल्ली ग्राफ्टिंग (फिब्रिन ग्लू बनाम सुचुर)। एक यादृच्छिक तुलनात्मक अध्ययन।
100. प्रत्यारोपण माइग्रेशन के साथ एनोपथेल्मिक सॉकेट्स में पोरस पॉलीथेलीन इम्प्लान्ट्स के शल्यक परिणाम का मूल्यांकन।
101. एनोप्थैल्मिक कांट्रैक्टिड सॉकेट के पुनर्निर्माण में कल्टिवेटिड म्यूकस झिल्ली का मूल्यांकन।
102. स्टीवेंस–जॉनसन सिंड्रोम वाले रोगियों में लीड मार्जिन पैथोलॉजिस के लिए म्यूकस झिल्ली ग्राफ्टिंग (फिब्रिन ग्लू बनाम स्यूचर)। एक यादृच्छिक तुलनात्मक अध्ययन।

पूर्ण

1. ऑक्युलर स्क्वेमस सेल नियोप्लासिया तथा अन्य ट्यूमर सप्रेसर्स के साथ उसके सह संबंध में स्ट्रेटिफिन की भूमिका।
2. जीनोटाइपिंग और प्रोटियोमिक्स का प्रयोग करके मानव संक्रमण करने वाले *एकैंथामोइबा* के प्रकारों के लाक्षणीकरण का अध्ययन।
3. दिल्ली के शहरी मलिन बस्ती में सामान्य नेत्र अवस्था के बारे में स्वास्थ्य संबंधी प्रैक्टिस एवं जागरूकता संबंधी अध्ययन – 2010 से अब तक।
4. विभिन्न पीडियाट्रिक आयु वर्ग में सेवोफ्लूरेन इंडक्शन के बाद सफल इंट्रावेनस केन्युलेशन के लिए समय का तुलनात्मक मूल्यांकन।
5. पीडियाट्रिक रोगियों में सी–मैक वीडिओ लेरिंजोस्कोप स्ट्रेट ब्लेड के साथ एण्डोट्रेकीयल इंटुबेशन के लिए दो तकनीकों की सफलता का तुलना : एक यादृच्छिक अध्ययन।
6. ऑटोलॉगस एंटीरियर लेंस कैपसूल एप्लिकेशन के साथ फेकोट्रेबिकुलेक्टोमी बनाम फेकोट्रेबेकुलेक्टोमी।
7. होरिजोंटल रेक्टी के लिए कंवेंशनल स्ट्रेबिस्मस सर्जरी के साथ न्यूनतम इनवेसिव स्ट्रेबिस्मस सर्जरी का तुलनात्मक अध्ययन।
8. दृश्य विकलांगता वाले व्यक्तियों के प्राथमिक केयरगिवर्स में बोझ और तनाव।
9. गैर आर्टिरिटिक एंटीरियर इस्केमिक ऑप्टिक न्यूरोपैथी के लिए जोखिम कारकों का एक भावी अध्ययन।

10. स्पेक्ट्रल डोमेन ओसीटी का उपयोग करते हुए रेटिनल डिस्ट्रोफी में गहरी इमेजिंग की वृद्धि और कोरोइडल मोटाई का आकलन।
11. बाहरी डेक्राइसिस्टोराइनोस्टोमी में सर्जिकल स्थल पर संक्रमण की रोकथाम के लिए इंट्रावेनस एंटीबायोटिक बनाम ऑपरेशन के बाद मौखिक एंटीबायोटिक प्रोफाइलेक्सिस की ऑपरेशन के दौरान एक बोलस की खुराक की दक्षता की तुलना के लिए यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
12. एसडी–ओसीटी का उपयोग कर डायबेटिक मैक्यूलर ओडिमा में कोरॉइड के मार्फोयोलॉजिकल और वेस्कुलर परिवर्तन का अध्ययन।
13. निम्न मैक्यूलर सूचकांक मैक्यूलर होल का तुलनात्मक मूल्यांकन : एक नियंत्रित परिप्रेक्ष्य अध्ययन।
14. आंख के पीडियाट्रिक इनुक्लीशन में पेरिबुलबर ब्लॉक और सब–टेनन इंफिल्ट्रेशन की तुलना।
15. पेशाब के ऊपरी मार्ग में पेशाब संबंधी रोग के मूल्यांकन में स्प्लिट बोलस डुअल एनर्जी एकल अधिग्रहण की भूमिका।
16. अम्ब्ल्योपिया चिकित्सा में सक्रिय विजन चिकित्सा के रूप में वीडियो गेम की भूमिका का मूल्यांकन।
17. एमेट्रोपिया के प्राप्त मामलों में दूर एंव समीप के स्टेरियोप्सिस का मूल्यांकन (मयोपेस, हाइपरमेट्रोप्स एवं यंग यूनिलेटरल एफेक्स।
18. स्ट्रेबिस्मस में एचआरक्यूओएल प्रश्नावली की जवाबदेही।
19. बाल चिकित्सा और वयस्क रोगियों में ऑर्बिटल सेलुलिटिस के इलाज का परिणाम तथा नैदानिक पाठ्यक्रम का एक तुलनात्मक अध्ययन।
20. जन्मजात प्टोसिस के लिए सिलिकॉन स्लिंग सर्जरी : टार्सल तकनीक बनाम सिलाई से निर्धारण करना।
21. मौखिक प्रोप्रानोलोल की तुलना में पेरिओकुलर हेमेंजियोमा में सामयिक प्रोप्रानोलोल के प्रभाव का मूल्यांकन।

सहयोगात्मक परियोजनाएं

जारी

1. भारत में एमएमसी ऑग्मेंटिड ट्रेबेकुलेक्टोमी के बीच प्राथमिक मोतियाबिंद की सफलता के साथ जुड़े नैदानिक और हिस्टोपैथ कारकों का मूल्यांकन। नेत्र विज्ञान (रा.प्र. केन्द्र)
2. एम्नियोटिक झिल्ली प्रतिरोपण की तुलना में द्विपार्श्वीय रूप से नेत्र के बहुत अधिक जल जाने वाले रोगियों में संवर्धित मौखिक म्यूकोसल एपिथिलियल कोशिकाओं की भूमिका का मूल्यांकन (पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़)।
3. बोन मैरो डिराइव्ड स्टेम सेल थेरेपी और ट्रैबेकुलर मेशवर्क : एक प्रायोगिक अध्ययन। नेत्र विज्ञान (आरपीसी)
4. कॉर्नियल एपिथियिल स्टेम कोशिकाओं के एक्स विवो विस्तार के लिए मानव एम्नियोटिक झिल्ली का वैकल्पिक सबस्ट्रेट के रूप में कार्य करने के लिए संभावित बायोपॉलीमर का विकास। नेत्र विज्ञान (आरपीसी)
5. पूरी क्लिनिकल पोटेंशियल हार्नेसिंग द्वारा कॉर्नियल ट्रांसप्लांटेशन के लिए दाता कॉर्नियल टिशूज़ के विस्तारित उपयोग के लिए कार्यनीतियां। नेत्र विज्ञान (आरपीसी)
6. माइकोफिनोलेट मोफेटिल (एमएमएफ) और बेवेसिजूमेब (बीवीसीजेड) पात्रे इस्तेमाल करते हुए मानव मौखिक म्यूकोसल एपिथिलियल कोशिकाओं (ओएमईसी) में म्यूसिन्स तथा एंजियोजेनेसिस मार्करों की अभिव्यक्ति का विश्लेषण (जैव रसायन)

7. टेरीजियम में अल्ट्रावायलेट रेडिएशन का सामना करने के मार्कर के तौर पर कंजक्टाइवल ऑटोफ्लोरसेंस। नेत्र विज्ञान (आरपीसी)
8. स्टीवन जॉनसन सिंड्रोम ओकुलर सिक्वेले पीएच.डी. की आण्विक लक्षण वर्णन। नेत्र विज्ञान (आरपीसी)
9. प्राथमिक केरोटोप्लास्टि में एचएसवी – 1 इटियोलॉजी का पता लगाना और संदिग्ध वायरल केरेटाइटिस के मामलों में ग्राफ्ट की विफलता : एक भावी क्लिनिको पैथोलॉजिकल और आण्विक अध्ययन। – आईसीएमआर – नेत्र विज्ञान (आरपीसी)।
10. रेटिनोब्लास्टोमा में कीमोरिडक्शन की विफलता – एक नैदानिक और हिस्टोपैथोलॉजिकल जोखिम कारक। नेत्र विज्ञान (आरपीसी)
11. एक्स्ट्राऑकुलर रेटिनोब्लास्टोमा के लिए मल्टीमॉडल इलाज के दृष्टिकोण का मूल्यांकन : एक यादृच्छिक अध्ययन। नेत्र विज्ञान (आरपीसी)
12. आरबी में स्टेम सेल मार्कर की अभिव्यक्ति और इनका क्लिनिकोपैथोलॉजिकल सह–संबंध। नेत्र विज्ञान (आरपीसी)
13. आरबी में डिफ्यूजन वेटिड एमआरआई की भूमिका। नेत्र विज्ञान (आरपीसी)
14. एमनियोटिक झिल्ली के बीच सुरक्षा और जैव–कॉम्पेटिबिलिटी की तुलना तथा एक प्रयोगात्मक मॉडल में एपिथेलियल दोष के उपचार में जैव बहुलक। नेत्र विज्ञान (आरपीसी)
15. जन्मजात ग्लूकोमा में दीर्घ अवधि प्रोग्नोसिस के साथ एंगल संरचनाओं के हिस्टोपैथोलॉजी का सहसंबंध। नेत्र विज्ञान, आरपीसी
16. मानव यूवील मेलेनोमा के जीन अभिव्यक्ति प्रोफ़ाइल। नेत्र विज्ञान (आरपीसी)
17. इंट्राऑकुलर और कक्षीय रेटिनोब्लास्टोमा में सिर्टुइन 1 और एफ ओ एक्स ओ 3 का नैदानिक महत्व (आईआरसीएच)।
18. ऑकुलर सरफेस रोग के लिए गैस परमीबल स्क्लेरल संपर्क लेंस के साथ क्लिनिकल परफोरमेंस और ऑकुलर सरफेस होमेंस्टेसिस का अध्ययन, पीएचडी। नेत्र विज्ञान (आरपीसी)
19. सर्कुलेटिंग सेल फ्री डीएनए (सीसीएफडीएनए) का मूल्यांकन और इनकी त्वचा कार्सिनोमा में बायोमार्कर के रूप में क्लिनिकल उपयोगिता। (दिल्ली विश्वविद्यालय)
20. भारत में नेत्र स्वास्थ्य पर ग्लोबल वार्मिंग और पराबैंगनी विकिरण (यू वी आर) का सामना करने के प्रभाव पर बहुकेन्द्रित सहयोगात्मक अध्ययन। (आरआईओ, गुवाहाटी, नेशनल फिजिकल प्रयोगशाला, दिल्ली और आईआईपीएच, हैदराबाद आरपीसी एम्स, आरआईओ गुवाहाटी, एनपीएल हैदराबाद)
21. मधुमेह के एक प्रयोगात्मक मॉडल में परिवहनों की अभिव्यक्ति का मूल्यांकन (जैव प्रौद्योगिकी)।
22. लक्षित पी पी ए आर–गामा के लिए फ्लैवानॉइड लाइब्रेरी की आभासी जांच और डायबिटिज़ की प्रयोगात्मक मॉडल में इसका मूल्यांकन (जैव प्रौद्योगिकी)।
23. एक्युट रसायनिक चोट में टोपिकल कॉर्ड रक्त सिरम की बूंदों तथा एम्नियोटिक झिल्ली प्रत्यारोपण की दक्षता की तुलना के लिए एक भावी यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। (ऑफ्थेल्मोलॉजी)।
24. ग्राफ्ट कार्य के टेक्रोलिमस का रक्त स्तर का सहसंबंध और जीवन की गुणवत्ता का एक भावी अध्ययन और पोस्ट गुर्दे प्रत्यारोपण रोगियों में टेक्रोलिमस का प्रतिकूल प्रभाव (सर्जरी)।
25. कैंसर विरोधी पॉली हर्बल निर्माण की चुनिंदा सामग्री के स्पेक्ट्रोस्कोपी लक्षण और औषधीय मूल्यांकन (जैव प्रौद्योगिकी)।
26. सरोगेट मार्कर का उपयोग करके रेटिनोब्लास्टोमा में पी–ग्लाइकोप्रोटीन की अभिव्यक्ति का मूल्यांकन। (ऑफ्थेलमोलॉजी)
27. बाल चिकित्सा आबादी में प्लाज्मा एंटीट्युबरकुलर दवा के स्तर की मात्रा। (बाल रोग विज्ञान)

28. चूहों में मस्तिष्क माइक्रोडायलिसेट से न्यूटोट्रांसमिटर्स की मात्रा के लिए विधि का विकास। (फिजियोलॉजी)।
29. कैडवेरिक आंखों से ए2ई की मात्रा। (अरविंद मेडिकल रिसर्च फाउंडेशन, मदुराई)
30. महामारी विज्ञान, जोखिम कारकों का मूल्यांकन तथा निदान में न्यूरोइमेजिंग की भूमिका तथा एक तृतीयक आंख केंद्र में दर्दनाक ऑप्टिक न्यूरोपैथी के रोग का निदान। (ऑफ्थेलमोलॉजी)
31. जन्मजात प्टोसिस में लिवेटोर मसल का परिवर्तन। (पैथोलॉजी)
32. भारत में एफ्लेवस संक्रमण के महामारी विज्ञान, पैथोजिनोमिक्स और प्रणाली जीव विज्ञान – एक एकीकृत दृष्टिकोण।

पूर्ण

1. स्टेम कोशिका की कमी के रोगों में नेत्र सतह पुनर्निर्माण के लिए लिम्बल स्टेम कोशिकाओं का संवर्धन। (ओआरबीओ, जैव रसायन)
2. रेटिनोब्लास्टोमा में पोलो–लाइक काइनेज प्रोटीन की भूमिका – एक इम्यूनोहिस्टोकैमिकल अध्ययन। (ऑफ्थेलमोलॉजी)
3. महामारी विज्ञान, जोखिम कारकों का मूल्यांकन तथा निदान में न्यूरोइमेजिंग की भूमिका तथा एक तृतीयक नेत्र केंद्र में दर्दनाक ऑप्टिक न्यूरोपैथी के रोग का निदान। (ऑफ्थेलमोलॉजी)
4. डुएल एनर्जी सीटी का उपयोग करते हुए कोरोनरीआर्टरी सॉफ्ट प्लेक का संरचनात्मक अध्ययन। (चिकित्सा भौतिकी)
5. बाल चिकित्सा और वयस्क रोगियों में ऑर्बिटल सेलुलिटिस के इलाज का परिणाम तथा नैदानिक पाठ्यक्रम का एक तुलनात्मक अध्ययन। (ईएनटी)
6. विफल प्राथमिक डी.सी.आर. में इंटूबेशन के साथ या इसके बिना, मायटोमायसिन सी का अपयोग करके संशोधित बाह्य डी.सी.आर. का परिणाम।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 112　　पुस्तकों में अध्याय : 13　　पुस्तक : 5

रोगी उपचार

1.	सामान्य ओ. पी. डी.	152455	99349	251804
2.	आपातकालीन	8799	-	8799
	कुल मामले	161254	99349	260603

विशिष्टता क्लीनिक

1.	कॉर्निया क्लिनिक	5959	11524	17483
2.	लैंस क्लिनिक	825	1955	2780
3.	यूविआ क्लिनिक	1079	3667	4746
4.	कांटेक्ट लैंस क्लिनिक	985	2239	3224
5.	ग्लूकोमा क्लिनिक	3759	11195	14954
6.	ऑक्यूप्लास्टी क्लिनिक	3305	2493	5798
7.	बाल नेत्र विज्ञान क्लिनिक	418	36	454

8.	रेटिना क्लिनिक	3883	4904	8787
9.	तंत्रिका नेत्र विज्ञान क्लिनिक	2584	2328	4912
10.	विट्रियो रेटिनल क्लिनिक	2478	2282	4760
11.	आर. ओ. पी.	830	1124	1954
12.	ऑक्युलर ओंकोलॉजी क्लिनिक	378	1329	1707
13.	अल्प दृष्टि सहायक सामग्री	2798	464	3262
14.	क) आर्थोप्टिक क्लिनिकल	2211	21265	23476
	ख) स्क्विंट क्लिनिक	5205	19982	25187
15.	रिफ्रेक्शन	-	40644	40644
	कुल मामले	**36697**	**127431**	**164128**
	मामलों के महा योग	**197951**	**226780**	**424731**

प्रवेश	संख्या	प्रवेश	संख्या
सामान्य	16030	दुर्घटना	2775
निजी	1178	लघु	8435
दिवस देखभाल	10362		
कुल	**38780**		

जांच	संख्या	जांच	संख्या
पोस्ट सेग्मेंट लेजर (पीआरपी)	3203	वायएजी लेजर + एसएलटी	3688
ओसीटी	43478	एफएफए	7082
सीपी (पोस्ट सिग.)	5361	एलआई (लेजर इंटरफेरोमीटरी)	5774
वीकेजी (ओआरबी–स्कैन)	3702	आईओएल (लेंस स्टार)	18404
रिफ्रैक्शन	51966	एलवीए लैब	3532
एनसीटी+एटीएन (टोनोमीट्री)	22307	सीसीटी / एन.सीसीटी (पैकीमेट्री)	8465
एसएम (स्पेकुलर माइक्रोस्कोपी)	5615	एएसओसीटी	2174
सीपी (क्लिनिकल फोटोग्राफी)	1981	ईबी क्लिनिक – न्यू	7438
यूबीएम	846	एआर (ऑटो रिफ्रैक्शन)	63505
आई–ट्रेस	1103	ईबी क्लिनिक – ओल्ड	1504
संपर्क लेंस नए	3548	संपर्क लेंस पुराने	2722

एएल (एक्सिअल लंबाई)	20367	केएम	18613
आईओएल मास्टर	3037	यूएसजी बीस्कैन	19821
एचवीएफ (ऑटोमेटिड पेरिमेट्री)	14156	ईसीजी	2550
जीवीएफ	1515	वीईआर	4144
ईआरजी	704	ईओजी	46
विपरीत संवेदनशीलता	3029	कलर दृष्टि	3181
वीडियो स्लिट लैम्प फोटोग्राफी	388	मल्टीफोकल ईआरजी (एमएफ ईआरजी)	9
ऑटोलेंसोमेट्री (पीओजी)	7398	स्किर्मर्स जांच	385
केरेटोमीट्री (मैनुअल + ऑटो)	20018	ब्रीक अप टाइम (बीयूटी)	270
टीयर लैब	165	पेंटाकैम	3859
एचआरटी 3	6105	फ्लेयरमीटर	321
मेडिकल बोर्ड	971	डीआरपीपीटी	43
जीडीएक्स ईसीसी/वीसीसी	896	ऑप्टिक्स न्यूटिटिस क्लिनिक	438
एचडी–ओसीटी	1029		

नेत्र विकृति विज्ञान

रक्त

कुल ल्यूकोसाइट काउंट (टी एल सी), विविध ल्यूकोसाइट काउंट (डी एल सी), पेरीफेरल रक्त स्मियर (पी बी एस), एर्थ्रोसाइट सेडीमेंटेशन दर (ईएसआर), रक्तस्राव समय (बी टी)/क्लोटिंग टाइम (सी टी) : 61,031

मूत्र	8,212
हिस्टोपेथोलॉजी, साइटोपेथोलॉजी एवं अनुसंधान	27,745

नेत्र जैव रसायन

नमूनों की कुल संख्या (अनुसंधान से भिन्न)	7940
आंतरिक	5485
बाह्य	2455

नेत्र सूक्ष्म जैव विज्ञान

बैक्टीरियल संवर्धन एवं संवेदनशीलता	11915
फंगल संवर्धन	3730
साइटोलॉजी हेतु नमूनों पर कार्रवाई	2578
डी.एफ.ए. का उपयोग कर केलामाइडिया एजी डिटेक्शन हेतु नमूनों पर कार्रवाई	504
डीएफए का उपयोग कर एचएसवी एजी का पता लगाने के लिए नमूने पर कार्रवाई।	34
हर्पीस सिम्प्लेक्स वायरस, एडिनो और कॉक्साकी वायरस के लिए वायरस पीसीआर (कंजक्टिवाइटिस/ कॉर्नियल अल्सर)	40
माइक्रोस्पोरिडिया हेतु नमूनों पर कार्रवाई	03
मायकोबैक्टीरिया हेतु नमूनों पर कार्रवाई	12
एकैनथेमोइबा के लिए संवर्धन	25
महा योग	18841

नेत्र भेषण गुण विज्ञान

मीडिया सहित ऑक्यूलर फार्मेसी के माध्यम से दी गई मुफ्त दवाएं (बोतलें)	123514

रेडियोलॉजी

एक्स रे	6257	सीटी	1435	एमआरआई	48

सामुदायिक नेत्र विज्ञान

मलिन बस्तियों में नेत्र देखभाल सेवा	आउटपुट
प्राथमिक नेत्र उपचार क्लिनिक :	20
झुग्गी झोपड़ी बस्तियों में पीईसी केंद्रों में परिचर :	55649
झुग्गी झोपड़ी बस्तियों में पीईसी केंद्रों में पूरे किए गए रिफ्रेक्शन :	21333
झुग्गी बस्तियों में वितरित छूट प्राप्त चश्मे :	19300
रा. प्र. केंद्र को भेजे गए रोगी :	6091

नेत्र देखभाल स्वयंसेवक प्रशिक्षण कार्यक्रम

आयोजित स्वयंसेवी प्रशिक्षण कार्यक्रम :	40
प्रशिक्षित स्वयंसेवक :	599

नेत्र स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम

नेत्र स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम का आयोजन :	141
स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम में भागीदार :	2105

ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में मोतियाबिंद सर्जरी के लिए रीच–इन–कार्यक्रम

आयोजित प्रौढ़ स्क्रीनिंग शिविर :	5
जांच किए गए लोग	1597
रा. प्र. केंद्र को भेजे गए रोगी :	330

स्कूल नेत्र स्क्रीनिंग कार्यक्रम

एसईएस कार्यक्रम के तहत सम्मिलित विद्यालय :	32
स्कूल विज़न स्क्रीनिंग कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षित अध्यापक :	37

जांच किए गए बच्चों की संख्या :	9767
किए गए रिफ्रेक्शन की संख्या	716
बच्चों को चश्मे का परामर्श :	572
बच्चों को चश्मे दिए गए :	267

मधुमेह रेटिनोपैथी जांच शिविर

आयोजित डीआर जांच शिविरों की कुल संख्या :	156
शिविरों में जांच किए गए मधुमेह रोगी :	3364
कुल डीआर रोगियों की पहचान और आर. पी. सेंटर के लिए रेफर :	448
आगे उपचार के लिए रा.प्र. केंद्र में कुल रोगियों की सूचना दी	307

सामुदायिक नेत्र विज्ञान के तहत डॉ. आर. पी. सेंटर में उपचार के लिए दर्ज किए गए रोगी

सामुदायिक नेत्र विज्ञान के तहत दर्ज किए गए कुल रोगी :	3535
मोतियाबिंद सर्जरी के लिए रिपोर्ट करने वाले रोगियों की संख्या	2333
सामुदायिक नेत्र विज्ञान के तहत मोतियाबिंद सर्जरी के लिए ऑपरेशन के कुल रोगी :	1806
आयोजित अनुवर्ती शिविर :	42
अनुवर्ती शिविरों में जांच किए गए रोगी :	1077

एनपीसीबी – राष्ट्रीय ट्रेकोमा सर्वेक्षण

ट्रेकोमा सर्वेक्षण के लिए कवर किए गए जिलों की संख्या	19
जांच कराने वाले व्यक्तियों की संख्या (10 वर्ष और उससे अधिक)	54607
बच्चों की जांच की संख्या (1–9 वर्ष)	24066

आरएएबी

कवर किए गए जिले	7
लोगों की जांच (50 वर्ष और इससे अधिक)	19401

कम दृष्टि और पुनर्वास

कम दृष्टि सामग्री उपलब्ध कराए गए रोगियों की संख्या	314
पुनर्वास परामर्श उपलब्ध कराए गए रोगियों की संख्या	142

आई बैंक

कुल आंखें / कॉर्निया एकत्र :	1463	कुल प्रत्यारोपित :	953

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां

आचार्य अतुल कुमार डॉ. आर. पी. सेंटर फॉर ऑफ्थेल्मिक साइंस के प्रमुख नियुक्त किए गए और सलाहकार, ऑफ्थेलमोलॉजी भारत सरकार। दिसंबर 2015 से 2018; सशस्त्र बल चिकित्सा सेवा के लिए मानद सलाहकार नियुक्त, दिसम्बर 2015 – 18; अमेरिकन जर्नल ऑफ ऑफ्थेलमोलॉजी हेतु समीक्षक नियुक्त, मार्च 2015; 66वें डीओएस वार्षिक सम्मेलन ''डायबेटिक मैकुलर एडेमा'' पर डॉ. पी. के. जैन ओरेशन पुरस्कृत किया गया, 10 से 12 अप्रैल 2015; बेस्ट क्लिनिकल टॉक इन मंथली क्लिनिकल बैठक हेतु डॉ. कृष्णा सोहन सिंह ट्रॉफी से सम्मानित, 66 वां डीओएस वार्षिक सम्मेलन, 10 से 12 अप्रैल 2015; जर्नल ऑफ क्युटेनियस और ऑकुलर टोक्सिकोलॉजी हेतु समीक्षक नियुक्त, जुलाई 2015; ''यूज़ ऑफ एडवांस्ड जीनोमिक्स इन

माइक्रोबायोलॉजी ऑफ कल्चरल नेगेटिव इंफेक्श्ंस'' डॉक्टरल समिति के सदस्य; नवंबर 2015; इंडियन मेडिकल एसोसिएशन से सम्मानित, डॉ. ए. के. एन. सिन्हा नेशनल पुरस्कार, दिसंबर, 2015; 9 जनवरी 2016 को एआईओएस पर ''अंडरस्टैंडिंग डायबेटिक रेटिनोपैथी'' पर अतिथ्य वेबीनर आमंत्रित; सलाहकार बोर्ड के सदस्य नियुक्त, करेंट इण्डियन आई रिसर्च जर्नल ऑफ ऑफ्थेल्मिक रिसर्च समूह, मार्च 2016; सह–अध्यक्ष नियुक्त, नेशनल प्रोग्राम फॉर कंट्रोल ऑफ ब्लाइंडनेस (एनपीसीबी), भारत सरकार के तहत 13 वीं पंच वर्षीय योजना हेतु सलाहकार समिति।

आचार्य प्रदीप शर्मा को मई 2015 में पुणे, महाराष्ट्र में डॉ. एमजी भिडे मेडल पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया था; गुरुप्रिया विजन रिसर्च फाउंडेशन द्वारा आमंत्रित, राधात्री नेत्रालय से प्रदत्त, डॉ. टीएनसी वेदांतम ओरेशन, सितंबर 2015, चेन्नई; पीजीआईएमईआर द्वारा आमंत्रित, चण्डीगढ़ से प्रदत्त, डॉ. लोखानपाल ओरेशन, चण्डीगढ़, मार्च 2016; एएपीओएस देने हेतु आमंत्रित, वैनकौवर में फिलिप नेप लेक्चर ऑफ अमेरिकन एसोसिएशन फॉर पीडियाट्रिक ऑफ्थेलमोलॉजी एण्ड स्ट्राबिस्मस हेतु प्रदत्त, जो 9 अप्रैल 2016 को दिया गया।

आचार्य गीता सत्पथी को उनके आरएमआरसी, भुवनेश्वर संस्थान के लिए आईसीएमआर की वैज्ञानिक सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया।

आचार्य जीवन एस. टिटियाल ''सदगुरु मेडल', से पुरस्कृत सदगुरु सेवा सिंह ट्रस्ट, सदगुरु नेत्रा चिकित्सायल, अगस्त 2015; चित्रकूट, एम पी; उपलब्धि पुरस्कार, एशिया पेसिफिक एकेडमी ऑफ ऑफ्थेलमोलॉजी (एपीएओ) अप्रैल 2015; एशिया पैसिफिक एसोसिएशन ऑफ केरेकैट एण्ड रिफ्रैक्टिव सर्जंस (एपीएसीआरएस) 2015; कुआला लुम्पुर (मलेशिया); पीके जैन ओरेशन ऑन कॉर्नियल एण्डोथेलियम : सर्जन पर्सपेक्टिव। दिल्ली ऑफ्थेलमोलॉजिकल सोसायटी का 67वां वार्षिक सम्मेलन, अप्रैल 2016, नई दिल्ली।

आचार्य राधिका टंडन इलेक्ट – ईबीएआई, ईबीएआई के अध्यक्ष थे; सदस्य एपेक्स तकनीकी समिति – एनओटीटीओ; सदस्य, डीबीटी – एनईआई विजन रिसर्च प्रोग्राम हेतु संयुक्त कार्य समूह।

आचार्य एस. के. खोखर समीक्षक थे : नेत्र विज्ञान में सेमिनार, ऑफ्थेलमिक रिसर्च, पीडियाट्रिक ऑफ्थेलमोलॉजी और स्ट्रेबिस्मस, जर्नल ऑफ फोटोमेडिसिन एण्ड लेजर सर्जरी, ऑफ्थेलमोलॉजिकल मेडिसिन में मामला रिपोर्ट, इण्डियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च, इण्डियन जर्नल ऑफ ऑफ्थेलमोलॉजी, साउदी जर्नल ऑफ ऑफ्थेलमोलॉजी, मिडल ईस्ट जर्नल ऑफ ऑफ्थेलमोलॉजी, जर्नल ऑफ क्लिनिकल एण्ड एक्सपेरिमेंटल ऑफ्थेलमोलॉजी (ओएमआईसीएस समूह); निम्नलिखित जर्नल के संपादक बोर्ड – वर्ल्ड जे ऑफ ऑफ्थेलमोलॉजी, ऑफ्थेलमोलॉजी मेडिसिन में मामला रिपोर्ट, जर्नल ऑफ क्लिनिकल एण्ड एक्सपेरिमेंटल ऑफ्थेलमोलॉजी (ओएमआईसीएस समूह), जेएएमए ऑफ्थेलमोलॉजी से साइंटिफिक एण्ड एकेडमिक पब्लिशिंग, कॉलम्बिया इंटरनेशनल पब्लिशिंग सीएमई क्रेडिट्स (पांडुलिपि समीक्षा हेतु)।

आचार्य शक्ति कुमार गुप्ता को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, त्रिपुरा सरकार में विभिन्न अस्पतालों सहित स्वास्थ्य प्रणाली का अध्ययन करने और सुधार के लिए परामर्शों का सुझाव तथा अंतरालों को पहचानने के लिए मानद परामर्शदाता नियुक्त किया गया; इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च फाउंडेशन ऑफ हॉस्पिटल और हेल्थकेयर एडमिनिस्ट्रेशन के मुख्य संपादक; हेल्थकेयर कनेक्शन द्वारा आयोजित इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑफ स्मार्ट हॉस्पिटल ऑफ टोमोरो (एसएचओटी 2016) के दौरान ''नेक्स्ट जनरेशन हेल्थकेयर'' पर पैनल चर्चा में संचालक और एफआईसीसीआई ऑडिटोरियम में 19 फरवरी 2016 को रिसर्च फाउंडेशन ऑफ हॉस्पिटल एण्ड हेल्थ केयर एडमिनिस्ट्रेशन (आरएफएचएचए), नई दिल्ली, भारत; इंस्टीट्यूट ऑफ लिवर एण्ड

बिलियरी साइंस, नई दिल्ली, भारत में 1 मार्च 2016 को उप प्रमुख संचालन (मेडिकल) के चुनाव के लिए विशेषज्ञ सदस्य; अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान द्वारा आयोजित साइंटिफिक कमेटी (इण्डिया) फॉर रिसर्च पेपर कॉम्पिटिशन ऑर्गनाइज्ड नई दिल्ली और जेएलएन ऑडिटोरियम, नई दिल्ली में 29 दिसंबर 2015 को अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इण्डियन ऑरिजिन (एएपीआई, यूएसए), के अध्यक्ष। एम्स, नई दिल्ली में लगभग 124 प्रतिभागियों ने भाग लिया; 23 दिसंबर 2015 को इण्डियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) द्वारा हुमैनिटेरियन एमर्जेंसी और डिसास्टर रिसर्च के दौरान अनुसंधान पर उप समिति के सदस्य, नई दिल्ली, भारत; अस्पताल प्रशासन विभागएम्स और इण्डियन सोसायटी ऑफ हॉस्पिटल वेस्ट मैनेजमेंट द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन हॉस्पिटल वेस्ट मैनेजमेंट एण्ड इंफेक्शन कंट्रोल में ''बायो मेडिकल वेस्ट कल्चरल एण्ड क्लिनलीनेस इन डिविजन एण्ड सोशल पर्सपेक्टिव'' पर सत्र की अध्यक्षता की 14 से 15 नवंबर 2015। कोलंबो, श्रीलंका में 7 से 10 सितंबर 2015 तक आयोजित एम.डी. परीक्षा (चिकित्सा प्रशासन भाग–II) के लिए कोलंबो विश्वविद्यालय, श्रीलंका द्वारा आमंत्रित बाह्य परीक्षा। यूनिवर्सिटी ऑफ हैदराबाद में 5 मई 2015 को आयोजित पीएचडी परीक्षण हेतु बाह्य परीक्षक, हैदराबाद, भारत;/एसकेआईएमएस में 28 से 29 अप्रैल 2015 को आयोजित एमडी (हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन) प्रैक्टिकल/वाइवा वोस वार्षिक परीक्षा के लिए बाह्य परीक्षक, श्रीनगर जम्मू और कश्मीर, भारत; मेडिकल साइंस के संकाय सदस्य, 2015 – 2018 की त्रिवार्षिक अवधि हेतु यूनिवर्सिटी ऑफ जम्मू; पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए हेल्थकेयर पर सीआईआई कोर कमेटी के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया, भारत, 2015 – 2016; एफआईसीसीआई हेल्थ सर्विस नेशनल कमेटी के सदस्य, वर्ष 2015 – 16 के लिए भारत; एफआईसीसीआई हेल्थ इंसुरेंस कमेटी के सदस्य, भारत; हॉटल इम्पेरियल कनॉट प्लेस, नई दिल्ली में 7 अगस्त 2015 को हेल्थकेयर कनेक्शन द्वारा आयोजित ''फ्युचर ऑफ हेल्थकेयर – 2030 इशूज़, चैलेंजिस एण्ड स्ट्रेटेजिक सॉल्यूशंस'' पर पैनल चर्चा में संचालक; वेलिंगकर इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट डेवलपमेंट एण्ड रिसर्च में 14 दिसंबर 2015 को हेल्थकेयर मैनेजमेंट प्रोग्राम हेतु सलाहकार बोर्ड बैठक में भाग लिया। मुंबई, सलाहकार बोर्ड के सदस्य के रूप में भारत; हॉटल इम्पेरियल कनॉट प्लेस, नई दिल्ली में 7 अगस्त 2015 को हेल्थकेयर कनेक्शन द्वारा आयोजित ''फ्युचर ऑफ हेल्थकेयर – 2030 इशूज, चैलेंजिस एण्ड स्ट्रेटेजिक सॉल्यूशंस'' पर पैनल चर्चा में संचालक।

आचार्य महेश चंद्र ऑटोलोगस एंटीरियर लेंस कैप्सूल एप्लिकेशन के साथ शोध प्रबंध फेकोट्रेबेकुलेक्टोमी बनाम फेकोट्रेबेकुलेक्टोमी के शीर्षक डॉ. शबिताभ कुमार के शोध प्रबंध मूल्यांकन के परीक्षक थे; (641–यूसीएमएस) डॉ. गुप्ता पूनम एम. बी. बी. एस (2013–16) के शोध प्रबंध की रिपोर्ट का मूल्यांकन किया जो क्षैतिज रेक्टाइ के लिए पारंपरिक स्ट्रेबिस्मस सर्जरी के साथ न्यूनतम भेदक स्ट्रेबिस्मस सर्जरी का तुलनात्मक अध्ययन है, डिपार्टमेंट ऑफ ऑफ्थेलमोलॉजी मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज एण्ड एसोसिएट लोक नायक, जी. बी. पंत और जी.एन.ई.सी अस्पताल, नई दिल्ली; बाहरी विशेषज्ञ, पोस्ट ऑफ सीनियर रेजीडेंट ऑफ्थेलमोलॉजी हेतु साक्षात्कार, 16 जुलाई 2015, गुरु नानक आई सेंटर, नई दिल्ली; जम्मू और कश्मीर पब्लिक सर्विस कमिशन द्वारा आयोजित द हेल्थ एण्ड मेडिकल एजुकेशन डिपार्टमें में पोस्ट ऑफ कॉन्सल्टेंट (ऑफ्थेलमोलॉजी) के लिए साक्षात्कार संचालन हेतु विषय विशेषज्ञ, 7 सितंबर, 2015, आयोग कार्यालय, श्रीनगर।

आचार्य दिलीप शिंदे तीसरे ओएफआईएसएसीओएन2015 के आयोजक सचिव थे (17 – 18 अक्तूबर 2015)

आचार्य संजय शर्मा सिम्पोजियम इशू ऑफ इण्डियन जे यूरोलॉजी के अतिथि संपादक थे, जुलाई से सितंबर 2016 मुद्दे (न्यूवर इमेजिंग मोडेलिटिज़ इन यूरोलॉजी को समर्पित); इण्डियन कॉलेज ऑफ रेडियोलॉजी के अध्येता; इण्डियन जर्नल ऑफ रेडियोलॉजी एण्ड इमेजिंग के संपादकीय बोर्ड के सदस्य; एम्स ऋषिकेश के स्थायी संकाय चयन के साक्षात्कार बोर्ड के लिए बाहरी विशेषज्ञ, 16 जुलाई 2015.

आचार्य नमृता शर्मा : वूमेन ऑफ्थेल्मिक सोसायटी द्वारा लीडरशिप से पुरस्कृत; ऑल इण्डिया ऑफ्थेल्मिक सोसायटी द्वारा आर पी धांधा से पुरस्कृत; एसोसिएशन ऑफ कॉम्युनिटी ऑफ्थेल्मोलॉजिस्ट ऑफ इण्डिया द्वारा पुरस्कृत, 2015.

आचार्य नीलम पुष्कर : एशिया–पैसिफिक एकेडमी ऑफ ऑफ्थेलमोलॉजी – एचिवमेंट पुरस्कार, 2015 में प्राप्त किया; ने इनोवेटिव टेकनिक ऑफ आइलिड रिकंस्ट्रक्शन इन पबमेड इंडेक्स्ड जर्नल प्रकाशित किया।

आचार्य प्रवीण वशिष्ट : एडिटोरियल बोर्ड ऑफ जर्नल ऑफ कॉम्युनिटी मेडिसिन एण्ड फैमिली हेल्थ के सदस्य; वर्ष 2014 – 15 के दौरान संगठनात्मक गतिविधियों में अतिरिक्त साधारण समर्थन के लिए एसीओआईएन 2015 प्रशंसा स्वर्ण प्लेक हेतु सम्मानित किया गया, नेशनल कांफ्रेंस एण्ड इंटरनेशनल एसेंबली ऑफ एसीओआईएन लखनऊ; एकेडमिक एण्ड रिसर्च कमेटी ऑफ एसीओआईएन हेतु अध्यक्ष, दिनांक 2016 तक; अवधि 2014 – 16 के लिए आईएसजीईओ बोर्ड के कार्यकारी सदस्य।

आचार्य जसबीर कौर : बाह्य विशेषज्ञ, एसोसिएट प्रोफेसर के पद के लिए स्थायी चयन समिति, बायोकेमेस्ट्री विभाग, इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, पटना, 5 अक्तूबर 2015; परीक्षक, पीएच.डी शोध प्रबंध मूल्यांकन, यूनिवर्सिटी ऑफ मद्रास, चेन्नई; आयोजक, दो दिन अर्थात 13 से 14 अक्तूबर 2015 के दौरान रिकंस्टीट्यूटिड पीएसी इन हेल्थ साइंस की पहली बैठक; मुख्य वक्ता और तकनीकी सत्र के अध्यक्ष, 21वीं सदी (एनसीबीएमबीसीसी) के संदर्भ में न्यू चैलेंज इन बायोटेक्नोलॉजी एण्ड मोलिकुल बायोलॉजी पर दूसरा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, दिनांक 28 फरवरी 2016, सेंट जॉन कॉलेज (डॉ. बीआरए यूनिवर्सिटी), आगरा। जारी : सदस्य, इंस्टीट्यूशनल एथिकल कमेटी, एसीआरआई, नई दिल्ली। सदस्य आईजेओ संपादकीय बोर्ड, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ऑफ्थेलमोलॉजी 2015 – 16; समीक्षक : पीएलओएस वन; ट्युमर बायोलॉजी; करेंट आई रिसर्च।

डॉ. रोहित सक्सेना : वर्ष 2015 में इण्डियन जर्नल फॉर कॉम्युनिटी मेडिसिन में सर्वोत्तम शोध प्रकाशित के लिए इण्डियन एसोसिएशन ऑफ प्रीवेंटिव एण्ड सोशल मेडिसिन द्वारा बी के महाजन पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया।

डॉ. एम. वनाथी : ने एडिटर दिल्ली जर्नल ऑफ ऑफ्थेलमोलॉजी के रूप में सेवा प्रदान की। दिल्ली ऑफ्थेलमोलॉजिकल सोसायटी के महासचिव चुने गए।

डॉ. राजेश सिन्हा : 'एसीओआईएन एप्रीसिएशन प्लेक 2015', एसोसिएशन ऑफ कॉम्युनिटी ऑफ्थेलमोलॉजिस्ट्स ऑफ इण्डिया के 6वें वार्षिक सम्मेलन पर प्रशंसा, लखनऊ, उ. प्र.; 'डॉ. नीलिमा पावडे ओरेशन एण्ड लाइफ टाइम अचिवमेंट अवॉर्ड', विदर्भा ऑफ्थेल्मिक सोसायटी के 40वें वार्षिक सम्मेलन में पुरस्कृत, नागपुर; संगठनात्मक उपलब्धि, चीफ ऑर्गनाइजिंग सेक्रेट्री ऑफ द एनुवल कांफ्रेंस ऑफ द दिल्ली ऑफ्थेलमोलॉजिकल सोसायटी, 10 से 12 अप्रैल 2015.

डॉ. परिजात चंद्रा : समीक्षक : जर्नल ऑफ पोस्टग्रेजुएट मेडिसिन; इण्डियन जर्नल ऑफ ऑफ्थेलमोलॉजी; आई; जर्नल ऑफ क्लिनिकल ऑफ्थेलमोलॉजी एण्ड रिसर्च; इण्डियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स; इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ऑफ्थेलमोलॉजी; इण्डियन पीडियाट्रिक्स; संपादकीय बोर्ड सदस्य (सेक्शन संपादकीय रेटिना / यूीव) – डीओएस टाइम्स। ऑफिशियल बुलेटिन ऑफ दिल्ली ऑफ्थेलमोलॉजिकल सोसायटी (2015–); कोषाध्यक्ष – ऑफ्थेल्मिक रिसर्च एसोसिएशन (2014 – 16); सदस्य – नेशनल लिस्ट ऑफ एसेंशियल मेडिसिंस (एनएलईएम 2011) की राष्ट्रीय सूची की समीक्षा हेतु नेशनल कंसल्टेशन मीटिंग की कोर समिति।

इण्डियन फार्माकोपोइया आयोग। दिल्ली; चैप्टर लीडर – इंटरनेशनल हेल्थ इंस्टीट्यूट पर एम्स अध्याय, यूएसए; विशेषज्ञ कार्य समूह के सदस्य – आर.ओ.पी. के कारण दृष्टिहीनता की रोकथाम के लिए राष्ट्रीय आरओपी टास्क फोर्स। एमओएचएफडब्ल्यू, जीओआई के तहत; परीक्षक – एमएस (ऑफ्थेल्मोलॉजी) दिल्ली यूनिवर्सिटी। यूसीएमएस. 22 से 24 अप्रैल 2015; परीक्षक – एमबीबीएस पार्ट 3 (ऑफ्थेलमोलॉजी)। दिल्ली यूनिवर्सिटी। यूसीएमएस। 23 से 28 नवंबर 2015.

डॉ. सेंजम सूरज सिंह : वर्ष 2015 के लिए एसीओआईएन की कॉम्युनिटी हेल्थ सर्वे कमेटी के अध्यक्ष के रूप में नामित; जर्नल ऑफ कॉम्युनिटी मेडिसिन एण्ड हेल्थ एजुकेशन के संपादकीय बोर्ड के सदस्य; सामुदायिक चिकित्सा एवं जन स्वास्थ्य के अभिलेखागार के संपादकीय बोर्ड के सदस्य; खेल समिति के सदस्य सचिव और आरपीसी खेल दिवस 21/02/2016 पर फुटबॉल मैच हेतु मैन ऑफ द मैच जीता।

डॉ. नूपुर गुप्ता : एम्स के संस्थान दिवस पर ''प्रीवलेंस ऑफ कॉर्निल डिजीज इन द रुरल इण्डियन पॉपुलेशन : द कॉर्नियल ओपेसिटी रुरल एपिडर्मेलॉजिकल (सीओआरई) अध्ययन'' शोध पत्र के लिए एम्स अनुसंधान उत्कृष्टता अवार्ड 2015 से सम्मानित। 24 सितंबर 2015; 43 वें दीक्षांत समारोह मे पीएचडी. की उपाधि प्रदान की गई, एम्स, 18 अक्तूबर 2015; एआईओएस के वार्षिक सम्मेलन के 73वें उद्घाटन समारोह में ''कॉम्युनिटी बेस्ड एपिडेमियोलॉजिकल स्टडी ऑन कॉर्नियल डिजीज इन नोर्थ इण्डिया'' *बेस्ट ई – पोस्टर हेतु* ई. टी. सेलवम पुरस्कार प्राप्त किया, एआईओएस – 5 फरवरी 2015, नई दिल्ली, भारत; मेम्बरशिप कॉर्निया सोसायटी ऑफ इण्डिया से सम्मानित – फरवरी 2015, इण्डियन सोसायटी फॉर कॉर्निया एण्ड केरेटो – रिफ्रैक्टिव सर्जंस (आईएससीकेआरएस) – अक्तूबर 2015, आई बैंक एसोसिएशन ऑफ इण्डिया (ईबीएआई) और कॉर्निया सोसायटी ऑफ इण्डिया (सीएसआई) – नवंबर 2015.

अतिथि वैज्ञानिक

1. डॉ. शैलो होफमेन एलएसयू फोर्ट लौडरडेल फ्लोरिडा यूएसए से हैं, 4 दिसंबर 2015.
2. डॉ. जेम्स चोडोश, एमडी, पीएच डी, प्रोफेसर, हार्वर्ड मेडिकल स्कूल यूएसए ने डॉ. आर. पी. सेंटर में 2 फरवरी 2015 को शैक्षिक और अनुसंधान सहयोगों पर चर्चा के लिए दौरा किया।

10.5 जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र

	प्रमुख एम. सी. मिश्रा	
अपर चिकित्सा अधीक्षक संजीव के. भोई		
आचार्य कामरान फारूकी		
अपर आचार्य		
संवेदनाहरण	आपात चिकित्सा	न्याय चिकित्सा
बबिता गुप्ता छवि साहनी	संजीव के. भोई	संजीव लालवानी आदर्श कुमार
प्रयोगशाला चिकित्सा	तंत्रिका शल्य चिकित्सा	अस्थि रोग विज्ञान
अरुलसेल्वी एस. पूर्वा माथुर	दीपक अग्रवाल दीपक के. गुप्ता सुमित सिन्हा	विजय शर्मा बुद्धदेव चौधरी विवेक त्रिखा
विकिरण निदान	शल्य चिकित्सा	
शिवानंद जी. अतिन कुमार	सुषमा सागर, सुबोध कुमार अमित गुप्ता, मनीष सिंघल बिप्लब मिश्रा	
सह–आचार्य तंत्रिका शल्य चिकित्सा जी. डी. सत्यार्थी		

	सहायक आचार्य	
संवेदनाहरण विज्ञान	हृद विज्ञान	गंभीर उपचार
नवीन यादव	नीरज पारेख	कपिल देव सोनी ऋचा गर्ग
वृक्क विज्ञान	तंत्रिका संवेदनाहरण विज्ञान	तंत्रिका शल्य चिकित्सा
सौमिता बागची	केशव गोयल, नवदीप सोखल, आशीष बिंद्रा ज्ञानेन्द्र पाल सिंह, नीरज कुमार	पंकज के. सिंह
प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान	बाल शल्य चिकित्सा	मूत्र रोग विज्ञान
गरिमा कछावा	शिल्पा शर्मा	आशीष सैनी

विशिष्टताएं

जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र, एम्स ने उत्कृष्ट रोगी देखभाल सेवाओं, अनुसंधान, अध्यापन तथा प्रशिक्षण प्रदान करने में स्वयं को एक नेता के रूप में स्थापित किया है। स्टाफ के सभी संकाय तथा सदस्य ट्रॉमा के पीड़ितों को उत्कृष्ट देखभाल प्रदान करने में सक्रियता से कार्यरत है। वर्ष 2015–16 में कुल 68,640 रोगी कैजुअलिटी में आए। इनमें से 5,290 रोगियों को दाखिल किया गया। कुल 34,629 रोगी अनुवर्ती ओपीडी में आए। कुल 5,678 रोगियों का ऑपरेशन किया गया। संकाय एवं स्टाफ की स्वीकृत

संख्या में वृद्धि के साथ–साथ ज. प्र. ना. ए. ट्रॉ. केन्द्र में रोगियों की संख्या में उल्लेखनीय रूप से वृद्धि हुई है।

एम्स में स्नातकपूर्व तथा स्नातकोत्तर अध्यापन में शामिल होने के अतिरिक्त, संकाय सदस्य देश के विभिन्न अस्पतालों तथा एजेंसियों के चिकित्सीय तथा अर्ध चिकित्सीय स्टॉफ को अल्पावधि तथा दीर्घावधि प्रशिक्षण प्रदान करने में सक्रिय रूप से कार्यरत हैं। उन्हें एटीएलएस प्रोटोकॉलों, बीईसीसी, एयूटीएलएस, इत्यादि सहित ट्रॉमा रोगियों के प्रबंधन के लिए नवीनतर प्रविधियों संबंधी प्रशिक्षण दिया जाता है। जानकारी को अद्यतन करने के लिए, अंतरक्रियात्मक संगोष्ठियों, सीएमई, संगोष्ठियों एवं सम्मेलनों का आयोजन किया गया।

जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र, एम्स को प्रतिष्ठित एशिया प्रशांत हैंड हाइजीन उत्कृष्टता पुरस्कार 2015 से सम्मानित किया गया। कुल लगभग 205 अनुसंधान लेख राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए। संकाय सदस्य विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं में भी लगे हुए हैं तथा उन्होंने अपने द्वारा संचालित अनुसंधान पर आधारित शोधपत्र विभिन्न राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय मंचों में प्रस्तुत किए हैं। अनुसंधान के आधार पर, नीति निर्माताओं को ट्रॉमा मर्त्यता तथा रुग्णता की घटनाओं को कम करने की ओर लक्षित अनेक निविष्टियों का सुझाव प्रदान किया गया।

रोगी देखभाल संबंधित सेवाओं में सूचना प्रौद्योगिकी का प्रयोग, रोगी देखभाल से जुड़े नवीनतम उपकरण की स्थापना, अन्य विशिष्टताएं जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र में शामिल हैं।

शिक्षा

प्रशिक्षण

जेपीएनएटीसी के संकाय दल भारत एवं विदेश से पधारे छात्रों के लिए अल्पावधिक/चयनित प्रशिक्षण/नैदानिक पर्यवेक्षक में नियमित रूप से संबद्ध रहे। वर्ष 2015–16 के दौरान जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र में निम्नलिखित प्रशिक्षित किए गए है :

आर्मी : 05	सीआरपीएफ : 89	आईटीबीपी : 08	एनडीआरएफ : 06
कुल : 108			

शिक्षण

जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र के संकाय सदस्यगण स्नातकपूर्व छात्रों, स्नातकोत्तर छात्रों, सीनियर रेजीडेंट, नर्सेज, पैरा मेडिकल स्टाफ, एवं ओ. टी. तकनीशियनों के लिए शिक्षण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों को नियमित रूप से आयोजित करने में संबद्ध रहे।

प्रदत्त व्याख्यान

एम. सी. मिश्रा : 13	आदर्श कुमार : 9	आशीष बिंद्रा : 17
अतिन कुमार : 18	बबिता गुप्ता : 8	छवि साहनी : 4
दीपक गुप्ता : 10	ज्ञानेन्द्र पाल सिंह : 7	कपिल डी. सोनी : 32
केशव गोयल : 11	नवदीप सोखल : 13	ऋचा अग्रवाल : 14
एस. अरुलसेल्वी : 5	संजीव के. भोई : 2	शिवानंद जी. : 16
सौमिता बागची : 4	सुमित सिन्हा : 14	तेज प्रकाश सिन्हा : 1
विवेक त्रिखा : 47		

मौखिक शोधपत्र/पोस्टर की प्रस्तुति : 80

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. दर्दनाक स्प्लेनिक चोटों में स्प्लेनिक आर्टरी एम्बोलाइजेशन की प्रभावकारिता, सुरक्षा और परिणाम का मूल्यांकन, अतिन कुमार, 1 वर्ष, 2015–17, एम्स, 5 लाख रुपए।
2. सर्जिकल इंटेंसिव केयर यूनिट में ट्रॉमा रोगियों में एक प्रारंभिक नैदानिक मार्कर के रूप में (एकेआई) की भविष्यवाणी में प्लाज्मा और मूत्र न्यूट्रोफिल जिलेटिनेज से जुड़े लिपोकेलिन (एनजीएएल) का मूल्यांकन, बबीता गुप्ता, 2 वर्ष, 2014– 2016, आईसीएमआर, 18 लाख रुपए।
3. पेल्विक–एक्टाबुलर और फीमर सर्जरी में प्रो और एंटी–इंफ्लेमेटरी प्रभाव पर संवेदनाहारी तकनीकों का प्रभाव, बबीता गुप्ता, 2 वर्ष, 2015–17, एम्स, 10 लाख रुपए।
4. भारत अमेरिकी परियोजना : सिर की क्षति पर सहयोगात्मक तथा दिशानिर्देशों का पालन (सीएचआईआरएजी), दीपक गुप्ता, 4 वर्ष, 2011–15, एनआईएच / एनआईएनडीएस, 30 लाख रु.।
5. ट्रॉमेटिक ब्रेन इंजरी (ईयूआरओटीएचईआरएम) के बाद आईसीपी रिडक्शन के लिए उपचारिक हाइपोथर्निया (32–35 डिग्री से.) का सघन उपचार चिकित्सा की यूरोपीय समाज, दीपक गुप्ता, 3 वर्ष, 2012–15, कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय, यूके, 40 लाख रुपए।
6. टीबीआई में सहयोगी यूरोपीय न्यूरोट्रॉमा प्रभावशीलता अनुसंधान : एक संभावित अनुदैर्ध्य अवलोकन अध्ययन और टीबीआई में सहयोगी भारतीय न्यूरोट्रॉमा प्रभावशीलता अनुसंधान : एक संभावित अनुदैर्ध्य अवलोकन अध्ययन (केंद्र और सीआईएनटीईआर – टीबीआई), दीपक गुप्ता, 5 वर्ष, 2015–2020, एनआईएच / एनआईएनडीएस, 10 लाख रुपए।
7. तीव्र बाल चिकित्सा टीबीआई में दृष्टिकोण और निर्णय, दीपक गुप्ता, 5 वर्ष, 2015–2020, एनआईएच / एनआईएनडीएस, 200 लाख रुपए।
8. सर्वाइकल स्पाइन की चोट वाले रोगियों में एक पाइपलाइन के रूप में एयर–क्यू के उपयोग के साथ और इसके बिना फाइबर ऑप्टिक एंडोट्रेकियल इंक्टूबेशन की तुलना : एक प्रायोगिक अध्ययन, ज्ञानेंद्र पाल सिंह, 1 वर्ष, 2015–2016, एम्स, 2.16 लाख रुपए।
9. आघात रोगियों में लेपेरोटोमी के पश्चात जटिलताओं की भविष्यवाणी में माइक्रोडायलिसिस व्युत्पन्न चयापचय मापदंडों की भूमिका : एक व्यवहार्यता और प्रायोगिक अध्ययन, कपिल देव सोनी, 1 वर्ष, 2014, एम्स, 5 लाख रुपए।
10. मस्तिष्क में गंभीर घाव के रोगियों में एनआईआरएस का उपयोग करते हुए सेरेब्रल ऑटोरेगुलेशन का आकलन, केशव गोयल, 2 वर्ष, 2016, एम्स, 5 लाख रुपए।
11. गंभीर टीबीआई के साथ रोगियों में जुगलर वेनस ऑक्सीमेट्री पर डिकम्प्रेसिवक्रेनिएक्टॉमी का प्रभाव, नवदीप एस., 2 वर्ष, 2015–16, एम्स, 5 लाख रुपए।
12. भारत में अस्पताल संक्रमण नियंत्रण का पता लगाने और रोगाणुरोधी प्रतिरोध को रोकने के लिए क्षमता निर्माण और सुदृढ़ीकरण, पूर्वा माथुर, 5 वर्ष, 2015–20, 13.57 लाख अमेरिकी डॉलर।
13. भारत में लेवल एक ट्रॉमा सेंटर पर आण्विक जानपादिक रोग विज्ञान, पूर्वा माथुर, डीएसटी, 3 वर्ष, 2013–2016, 23.58 लाख रुपए।
14. प्रारंभिक ट्रॉमा प्रेरित तीव्र कोएगुलोपैथी (ईटीआईसी) के विकास में अभिघातजन्य मस्तिष्क चोट के रोगियों और उनकी भागीदारी में प्रोकोएगुलेंट मार्करों परिसंचारी की पहचान, एस. अरुलसेल्वी, 2 वर्ष, 2014–16, आईसीएमआर, 32.39 लाख रुपए।

15. घातक मस्तिष्क चोट वाले रोगियों में नए सरकुलेटिंग प्रोकोगुलैंट की पहचान और प्रारंभिक घातक प्रेरित तीव्र कोएगुलोपैथी के पैथोफिलियोलॉजी में उनकी भागीदारी, एस. अरुलसेल्वी, 3 वर्ष, 2014–2017, डीबीटी, 49.95 लाख रुपए।
16. प्लेटलेट आधान प्राप्त करने थ्रोम्बोसाइटोपेनिक सिर में चोट के रोगियों में जमावट की प्रतिक्रिया का अध्ययन, एस अरुलसेल्वी, 2 वर्ष, 2015–17, आईसीएमआर 16.12 लाख रुपए।
17. ट्रॉमा रक्तस्रावी सदमे (टी/एचएस) के बीच नैदानिक परिणाम के साथ सेलुलर संकेतक मार्ग और उसके सह–संबंध की जीन अभिव्यक्ति, सक्रियण की भूमिका का अध्ययन, संजीव के. भोई, 3 वर्ष, आईसीएमआर, अनुमोदित 2014, 67 लाख रुपए।
18. एक शव संबंधी विच्छेदन की सुविधा की स्थापना के लिए प्रस्ताव, सुमित सिन्हा, आईसीएमआर, जेपीएनएटीसी, एम्स, नई दिल्ली।
19. गंभीर घाव मस्तिष्क की चोट के बाद परिणाम को निर्धारित करने में इंटरसेसरी प्रेयर की भूमिका की एक प्रायोगिक अध्ययन, सुमित सिन्हा, आईसीएमआर।
20. भारतीय जनसंख्या में चिरकालिक पीठ में दर्द और लम्बर अपजननीय रोगों के साथ रीढ़ की हड्डी में सेजिटल के संतुलन का सहसंबंध, सुमित सिन्हा, एओ स्पाइन परियोजना।
21. तीव्र दर्दनाक रीढ़ की हड्डी की चोट के बाद गंभीरता और कार्यात्मक परिणाम का अनुमान लगाने में न्यूरोइमेजिंग और सीरम बायोमार्कर की भूमिका का आकलन का एक अध्ययन, सुमित सिन्हा, एम्स।
22. इंट्रामेडुलरी नेलिंग के साथ फेमोरल शाफ्ट फ्रैक्चर प्रचालन में बोन टर्नओवर के सीरम जैव रासायनिक मार्कर के टेम्पोरल अभिव्यक्ति, विवेक त्रिखा, 2 वर्ष, 2014–15, एम्स, 9.6 लाख रुपए।

पूर्ण

1. घातक फॉस्फाइड की विषाक्तता में एक उपकरण के रूप में एल्यूमिनियम और जिंक के स्तर के मात्रात्मक निर्धारण का अध्ययन, आदर्श कुमार, 2 वर्ष, 2013–16, 2.67 लाख रुपए।
2. मिर्गी सर्जरी के दौर से गुजरे रोगियों में डेक्समेडिटोमाइडिन का सेरब्रोप्रोटेक्टिव प्रभावों का अध्ययन करना – एक बायोमार्क निर्देशित अध्ययन, आशीष बिंद्रा, 2 वर्ष, 2013–15, एम्स, 3 लाख रु.।
3. यूरोक्रिटिकल केयर यूनिट का सप्ताह : न्यूरोक्रिटिकल केयर में बिंदु व्याप्तता अवलोकन अध्ययन : प्रिंस अध्ययन। केशव गोयल, अक्तूबर 2014।
4. आईसीयू प्रवास के दौरान सिर में चोट के साथ रोगियों में इलेक्ट्रोलाइट असामान्यताएं : एक संभावित अवलोकन अध्ययन, नवदीप एस, पूर्ण।
5. भारत में तृतीयक देखभाल अस्पताल में अस्पताल अधिग्रहित संक्रमणों के लिए ऑटोमेटेड इलेक्ट्रॉनिक निगरानी प्रणाली का विकास एवं क्रियान्वयन, पूर्वा माथुर, आईसीएमआर, 4 वर्ष, 2011–2015, 15.26 लाख रुपए।
6. अंग दुष्क्रिया एवं सेप्सिस के शीघ्र निदान हेतु मोनोसाइट्स के पोस्ट ट्रॉमा – साइटोकाइन प्रोड्यूसिंग पोटेंशियल का आकलन, पूर्वा माथुर, डीबीटी, 3 वर्ष, 2012–15, 36.96 लाख रुपए।
7. भारत में बीटा – लेक्टेमस प्रोड्यूसिंग ग्राम निगेटिव नासोकोमियल पैथोजीन्स का आण्विक एवं भटक विज्ञानी अध्ययन। पूर्वा माथुर, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2012–15, 35.11 लाख रुपए।
8. वास्तविक समय ब्रोंकोस्कोपी के दौरान अल्ट्रासोनोग्राफी मार्गदर्शित परक्यूटेनियस ट्रेकेयोस्टॉमी कोई लाभ प्रदान करता है; एक प्रारंभिक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। रिचा अग्रवाल, 2 वर्ष, 2013–2015, एम्स, 83,000 रुपए।
9. प्रेरित जठरांत्र आंत्र चोट के घाव मस्तिष्क चोट (टीबीआई) का हिस्टोपैथोलोजिकल मूल्यांकन, एस. अरुलसेल्वी, 1 वर्ष, 2014–15, एम्स, 4 लाख रुपए।

10. हिमौरेजिक शॉक वाले ट्रॉमा पीड़ितों में संयुक्त मानव एरथ्रोपोइटिन की भूमिका का अध्ययन : स्टेम कोशिका विभेद के माध्यम से एक इन विट्रा दृष्टिकोण, संजीव के भोई, 3 वर्ष, 2011–14, आईसीएमआर, 43 लाख रु.।
11. ट्रॉमा हिमौरेजिक शॉक रोगियों में एस्ट्रोजीन की सुरक्षा और प्रभावकारिता का अध्ययन करना, संजीव के. भोई, 3 वर्ष, 2011–14, आईसीएमआर, 37 लाख रुपए।
12. भारतीय रोगियों में गुर्दा प्रत्यारोपण के अनुपालन में पहले वर्ष में बीके वायरस प्राकृतिक की भावी निगरानी, सौमिता बागची, 2 वर्ष, 2014–16, एम्स, 6.2 लाख रुपए।
13. ब्रेकियल प्लेक्सस के इंट्रा–फास्कीकुलर टोपोग्राफी का एक शव के सूक्ष्म–एनाटोमिक अध्ययन। सुमित सिन्हा, आईसीएमआर।
14. एन्यूरिज्मल सब – आरकाइड हैमरेज के बाद वेसोस्पेस्म एवं सुधारात्मक कार्य परिणाम की रोक कम में सिमबस्टिन की भूमिका : एक भावी यादृच्छिक डबल ब्लाइंड प्लेसबो नियंत्रित परीक्षण, सुमित सिन्हा, एम्स, 1 लाख रुपए।
15. सिवियर ट्रॉमेटिक मस्तिष्क क्षति वाले रोगियों में प्रोजेस्ट्रोन का एक यादृच्छिक प्लासेबो नियंत्रित परीक्षण, सुमित सिन्हा, एम्स।
16. न्यूरोनल उत्थान और कार्यात्मक बटाली में मानव गर्भनाल रक्त स्टेम कोशिकाओं और तंत्रिका स्टेम सेल की भूमिका : तीव्र रीढ़ की हड्डी की चोट सहित नर चूहों में एक तुलनात्मक अध्ययन, सुमित सिन्हा, डीबीटी।
17. एक्यूट सिवियर ट्रॉमेटिक मस्तिष्क क्षति वाले रोगियों में हाइपोथर्मिया के साथ या उसके बिना प्रोजेस्ट्रोन का एक यादृच्छिक प्लासेबो नियंत्रित परीक्षण (फैक्टोरियल डिजाइन), सुमित सिन्हा, डीबीटी।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. शवगृह, एम्स में दी गई फांसी की सूचना के कारण मौत में विषाक्तता निष्कर्ष।
2. घातक फॉस्फाइड विषाक्तता में एक उपकरण के रूप में एल्युमिनियम और जिंक के स्तर के मात्रात्मक निर्धाकरण का अध्ययन।
3. शराब के टॉक्सीकॉलोजिकल विश्लेषण और वितरण पैटर्न और विभिन्न बायोलॉजिकल में विभिन्न दवाएं और आत्महत्या से मृत्यु में इसके न्यूरोबायोलॉजिकल प्रभाव।
4. छोटी आंत के अल्सेरोप्रोलिफरेटिव रोगों में एमआर एंटरोग्राफी की भूमिका।
5. ट्रॉमेटिक सीएसएफ नाकस्राव वाले रोगियों में सीटी सिस्टेरनोग्राफी और एमआर सिस्टेरनोग्राफी की भूमिका।
6. ब्लंट एब्डोमिनल ट्रॉमा में डबल फेज सीटी की भूमिका।
7. हिमोप्टिसिस में ड्यूएल एनर्जी सीटी एंजियोग्राफी (कम्बाइंड ब्रोंकियल और पल्मोनरी प्रोटोकॉल) की उपयोगिता।
8. ब्लंट एब्डोमिनल ट्रॉमा में ठोस ऑर्गन चोट के मूल्यांकन के कंट्रास्ट्र एनहांस्ड अल्ट्रासाउंड की भूमिका।
9. पेरि–ऑपरेटिव इंफ्लेमेटरी साइटोकाइन्स अल्टरेशन और क्लिनिकल कॉम्प्लीकेशन्स पर क्षेत्रीय एनेस्थिसिया का प्रभाव।
10. अपर लिम्ब ऑर्थोपेडिक सर्जरीज़ में सुप्राक्लेविकुलर ब्लॉक के लिए अल्ट्रासाउड गाइड कॉर्नर पॉकिट बनाम दो एलिकोट इंजेक्शन तकनीकों की प्रभावकारिता का आकलन : एक भावी, यादृच्छिक अध्ययन।

11. इंट्रा और पोस्ट–ऑपरेटिव एनालजेसिया आवश्यकता में कमी का अध्ययन करना और पेल्विक एकेटेबुलर चोट से गुजर रहे स्थिरीकरण वाले रोगियों में अग्र इंट्राथेकल मॉर्फिन के बाद रिकवरी की गुणवत्ता।
12. विकासशील देशों में लेवल 1 ट्रॉमा सेंटर में हिप फ्रैक्चर वाले वृद्ध रोगियों के ऑपरेशन पूर्व इकोकार्डियोग्राफी की भूमि का अध्ययन और ऑपरेशन पूर्व प्रबंधन में कार्डियक मूल्यांकन : एक पूर्वव्यापी अध्ययन।
13. लम्बोसैकरल स्पाइन सर्जरी के गुजरने वाले रोगियों में पूर्व शल्य चिकित्सा एनलजेसिया प्रदान करने के लिए अल्ट्रासाउंड निर्देशित कौडल मॉर्फिन की प्रभावकारिता का आकलन।
14. एकपक्षीय एकाधिक पसली फ्रैक्चर के लिए निरंतर थोरेसिक एपीड्यूरल इंफ्यूजन के साथ निरंतर सेराटस पूर्वकाल प्लेन ब्लॉक की प्रभावकारिता की तुलना।
15. टीबीआई में सेरेब्रल माइक्रोडायलसिस : पूर्वानुमान परिणाम।
16. ट्रॉमेटिक एटलेंटोक्सिल चोटों में न्यूरोलॉजिकल परिणाम, फ्यूजन दरों और जटिलताओं को प्रभावित करने वाले कारक : एक गैर यादृच्छिक एम्बीस्पेक्टिव अध्ययन।
17. एनेस्थेटिक और गहन देखभाल प्रबंधन की सर्वाइकल स्पाइनल चोट की आवश्यकता के साथ बच्चों में परिणाम के नैदानिक संकेतक – एक पूर्वव्यापी विश्लेषण।
18. सामान्य संज्ञाहरण के तहत फाइबर ऑप्टिक ऑरोट्रेकियल इंक्टूबेशन के यादृच्छिक परीक्षण की दो तकनीकों की तुलना : एयरक्यू इंट्यूबेटिंग लैरिंजियल एयरवे के उपयोग के साथ और इसके बिना फाइबर ऑप्टिक इंक्टूबेशन।
19. सेरेबेलोपोंटाइन ट्यूमर सर्जरी से गुजरने वाले रोगी में लंबे समय से आईसीयू और अस्पताल में ठहराने पर सेवोफ्लुरेन – एयर वर्सिस सेवाफ्लुरेन नाइट्रस ऑक्साइड एनेस्थिसिया का प्रभाव – एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
20. ब्रोंकोस्कोपी निर्देशित रक्ताधान के दौरान वास्तविक समय अल्ट्रासाउंड किसी लाभ को प्रदान करना : एक प्रारंभिक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
21. बड़े संवहनी मेनजियोमास में डेक्समेडेटोमिडाइन का इंट्राऑपरेटिव उपयोग।
22. दर्दनाक रीढ़ की हड्डी में चोट के बाद हृदय जटिलताएं।
23. सिर की चोट वाले रोगियों में एक्स्टुबेशन विफलता के जोखिम कारकों और कारणों का अध्ययन।
24. सिर में चोट के रोगियों में आईसीयू बेहोश करने की क्रिया के लिए डेक्समेडटोमिडाइन के प्रभाव।
25. अवेक क्रेनियोटॉमी प्रोपोफोल बनाम डेक्समेडेटोमिडाइन।
26. सुप्राटेंटोरियल क्रेनियोटॉमी से गुजरने वाले रोगियों में उद्भव और रिकवरी प्रोफाइल पर तीन एनेस्थेटिक तकनीकों की तुलना।
27. पिट्यूटरी ट्यूमर के इंडोस्कोपिक ट्रांसनेसल ट्रांसफेनियोडल उच्छेदन के लिए डेसफ्लुरेंस और टीआईवीए के बिस्पेक्ट्रल सूचकांक निर्देशित एडमिनिस्ट्रेशन की तुलना।
28. नैदानिक नमूनों से एम तपेदिक, एम एवियम जटिल और एनटीएम के तेजी से पता लगाने और भेदभाव के लिए एक नए लूप मध्यस्थता इज़ोटेर्माल प्रवर्धन परख (लैम्प)।
29. मध्यम और निम्न आय वाले देशों में स्लाइड और फिल्टर पेपर से एम. ट्यूबरकुलोसिस में बहु औषध प्रतिरोध का आणविक रूप से पता लगाना।
30. एमडीआर/एक्सडीआर तपेदिक के निदान, रोग का निदान और पूर्वानुमान के लिए एक संयोजक प्रतिजन की क्लोनिंग, अभिव्यक्ति, शोधन और मूल्यांकन।
31. लीशमानियासिस और तपेदिक के प्रोफिलैक्सिस के लिए काइमेरिक डीएनए वैक्सीन का जंतुओं के अध्ययन।
32. लीशमानिया का वीएल और पीकेडीएल उपभेदों का पता लगाने और भेदभाव के लिए एल्यूमीनियम पीसीआर।

33. रोगियों के रक्त में ए–जी हैपेटाइटिस वायरल संक्रमण का पता लगाने के लिए एक कदम पीसीआर (आरटी–पीसीआर) का विकास।
34. *एल. डोनोवनी* का मिल्टेफोसिन प्रतिरोधी और संवेदनशील उपभेदों का तुलनात्मक पूरे जीनोम अनुक्रम विश्लेषण।
35. भारत के उत्तर पूर्वी क्षेत्रों से मायोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के मॉलीक्यूलर एपिडेमियोलॉजी और ड्रग रजिस्टेंस का पैटर्न।
36. संक्रामक और इंफ्लेमेटरी विकारों के साथ रोगियों में सी रिएटिव प्रोटीन और कुल ल्यूकोसाइट काउंट का तुलनात्मक मूल्यांकन।
37. मानक फीनोटाइप और मॉलीक्यूलर विधियों के साथ एबोट रीयर टाइम एमटीबी आरआईएफ/आईएनएच रजिस्टेंस के साथ तुलना और मूल्यांकन।
38. पार्किन्सन रोग में माइटोकॉन्ड्रिया की म्यूटेशनल और कार्यात्मक स्थिति।
39. विभिन्न मानव शरीर स्थलों से आइसोलेटिड मायकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के बीजिंग और नॉन बीजिंग जीनोटाइपों की व्याप्तता।
40. भारत के विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों से स्पोलिगोटाइपिंग और 24 लोकस माइक्रोबैक्टीरियल इंटरस्प्रेड दोहराव इकाई वेरिएबल नंबर टैंडम दोहराव टाइपिंग द्वारा माइकोबैक्टीरियम क्षयरोग की आण्विक महामारी विज्ञान।
41. सेरोपॉज़िटिव बकरी से लीशमानिया या लीशमानिया जैसी परजीवी की विशेषता का अलगाव।
42. दस्त के साथ एचआईवी सीरो नकारात्मक वयस्कों, बाल चिकित्सा रोगी की मल के नमूने में माइक्रोस्पोरिडिया की व्यापकता को देखना।
43. भारत विशिष्ट पूर्व एक्सडीआर/एक्सडीआर–टीबी के त्वरित निदान के लिए नए आणविक परीक्षण का विकास।
44. नैदानिक नमूनों में मायकोबैक्टीरियम तपेदिक और उनके निदान मूल्य के नए एंटीजन के विरुद्ध मोनो और पॉलीक्लोनल एंटीबॉडी की स्थापना।
45. मानव और पशुओं के टोक्सोप्लाज़्मोसिज़ के निदान के लिए टोक्सोप्लाज्मा गोंडाई और उसके मूल्यांकन से एक उच्च प्रतिजनी पुनः संयोजक प्रतिजन की अभिव्यक्ति और शुद्धीकरण की क्लोनिंग।
46. प्रेरित माध्यमिक जठरांत्र परिवर्तनों की अभिघातजन्य मस्तिष्क की चोट के अध्ययन।
47. प्रारंभिक ट्रॉमा प्रेरित तीव्र कोएगुलोपैथी के विकास में अभिघातजन्य मस्तिष्क चोट के रोगियों और उनकी भागीदारी में प्रोकोएगुलेंट मार्करों परिसंचारी की पहचान।
48. प्लेटलेट ट्रांसफ्यूजन की आवश्यकता वाले आघात रोगियों में प्लेटलेट अक्रियाशीलता का अध्ययन।
49. इंट्रामेडुलरी नाइलिंग के साथ फेमोरल शाफ्ट फ्रैक्चर प्रचालित में बोन टर्नओवर के सीमर बायोकैमिकल मार्करों की अस्थायी अभिव्यक्ति।
50. पूरी रीढ़ की हड्डी में चोट में सेल स्टेम – एक यादृच्छिक प्लेसेबो नियंत्रित परीक्षण।
51. ऑर्थोपेडिक आघात रोगियों में सर्जिकल स्थल संक्रमण के भावी अध्ययन।
52. भारत में एक सुपर स्पेशियलिटी रक्त केंद्र में रक्त इन्वेंटरी प्रबंधन के अनुकूलन – एक मामले का अध्ययन।
53. ट्रॉमा रोगियों के लिए एक पूर्वाभासी मार्कर के रूप में सीरम परासारिता की उपयोगिता।
54. पोस्ट आघात इम्युनो रोगजनन और परिणाम में टीएच9, टीएच17, टीएच22 और टी नियामक कोशिकाओं की भूमिका।
55. ऑर्थोपेडिक सर्जरी में आघात पेरिऑपरेटिव जलनशील साइटोकिन्स परिवर्तन और नैदानिक जटिलताओं पर क्षेत्रीय संज्ञाहरण के प्रभाव।

56. ट्रॉमा हिमौरेजिक शॉक रोगियों में एस्ट्रोजीन की सुरक्षा और प्रभावकारिता का अध्ययन करना।
57. प्लेटलेट ट्रांसफ्यूजन की आवश्यकता वाले आघात रोगियों में प्लेटलेट अक्रियाशीलता का अध्ययन।
58. पृथक गंभीर घाव मस्तिष्क की चोट में प्लेटलेट डेराइव्ड और एंडोथिलियल डेराइव्ड माइक्रोपार्टिकल्स सहित जमावट के प्रारंभिक मार्कर की भूमिका।
59. गुर्दा प्रत्यारोपण के बाद पहले वर्ष में अस्पताल में भर्ती होने पर संक्रमण आवश्यकता की रूपरेखा और जोखिम कारक।
60. भारत में तृतीयक देखभाल अस्पताल में बायोप्सी प्रूवेन गुर्दे रोग के पैटर्न को चित्रित करना।
61. गुर्दे प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ताओं में फेफड़े का संक्रमण : भावी कोहोर्ट पर्यवेक्षणीय अध्ययन।
62. इडियोपैथिक झिल्लीदार नेफ्रोपैथी (आईएमएन) में रिटुक्सीमैब का उपयोग : एक पूर्वव्यापी अध्ययन।
63. गुर्दे प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ताओं में नैदानिक प्रदर्शन और डेंगू के परिणाम : एक पूर्वव्यापी विश्लेषण।
64. वैकल्पिक न्यूरोसर्जिकल रोगियों में ऑपरेशन के पश्चात सीटी स्कैन की व्यवहार्यता।
65. ब्रेकियल पलेक्सस के एंडोस्कोपिक एक्सप्लोरेशन की व्यवहार्यता –एक शव का अध्ययन।
66. अभिघातजन्य मस्तिष्क की चोट में सीरम बायोमार्कर के साथ जीसीएस संयोजन द्वारा एक नया जीसीएस स्कोरिंग प्रणाली का सत्यापन।
67. लेवल 1 ट्रॉमा सेंटर में पेल्विक फ्रैक्चर मैनेजेड का एक भावी अध्ययन।

पूर्ण

1. नॉन – एल्कोहिक फैटी लीवर रोग की अनुवर्ती कार्रवाई और निदान में एमआरआई की भूमिका।
2. ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एप्निया में ऊपरी एयरवे के मूल्यांकन में गतिशील एमआरआई।
3. युवा ब्रेकियल प्लेक्सस चोटों का एमआरआई मूल्यांकन।
4. सीआरएफ रोगियों में आटेरियोवेनस फिस्टुला सृजन में संवहनी मानचित्रण।
5. एक तृतीयक स्तर ट्रॉमा सेंटर में घातक मस्तिष्क की चोट के साथ बाल चिकित्सा रोगियों की निश्चेतक प्रबंधन – एक पूर्वव्यापी अध्ययन।
6. घाव मस्तिष्क की चोट के रोगियों में अंतःकपालीय दबाव पर सीने में फिजियोथैरेपी की दो अलग–अलग तकनीक के प्रभाव की तुलना करना : एक यादृच्छिक क्रॉस ओवर अध्ययन।
7. मृत्यु दर जोखिम की भविष्यवाणी के लिए उत्तर भारत के आघात रोगियों में इंटरमॉउंटेन रिस्क स्कोर (आईएमआरएस) का सत्यापन, 30 दिनों के भीतर में अस्पताल में रहने वाले।
8. युवा वयस्क पुरुष के सीरम एण्ड्रोजन के स्तर वसा की मात्रा के प्रभाव का अध्ययन।
9. अंग दुष्क्रिया एवं सेप्सिस के शीघ्र निदान हेतु मोनोसाइट्स के पोस्ट ट्रॉमा साइटोकाइन प्रोड्यूसिंग पोटेंशियल का आकलन।
10. हिमौरेजिक शॉक वाले ट्रॉमा पीड़ितों में संयुक्त मानव एरथ्रोपोइटिन की भूमिका : स्टेम कोशिका विभेद के माध्यम से एक इन–विट्रो दृष्टिकोण।
11. ट्रॉमेटिक ब्रेकियल प्लेक्सस इंजुरीज – सर्जिकल परिणामों का विश्लेषण।
12. गंभीर घाव वाले मस्तिष्क की चोट के बाद कार्यात्मक और संज्ञात्मक रिकवरी : एक तृतीयक आघात देखभाल केन्द्र में क्रॉस अनुभागीय अध्ययन।
13. एन्यूरिज्म सब आर्किनॉइड हैमोरैजिक के बाद वेसोस्पम और कार्यात्मक परिणाम में सुधार की रोकथाम में सिमवास्टिन की भूमिका : एक भावी यादृच्छिक डबल ब्लाइंड प्लासेबो नियंत्रित परीक्षण।
14. क्लिनॉइडल मेनिंजियोमास।

15. डीसी करवा रहे गंभीर टीबीआई वाले रोगियों में शामिल पूर्वव्यापी सह भावी गैर यादृच्छिक विश्लेषणात्मक अध्ययन।
16. स्तर–I, ट्रॉमा सेंटर में गंभीर घाव वाले मस्तिष्क की चोट में डिकॉम्प्रेसिव क्रेनिएक्टॉमी की भूमिका।
17. हैमोरैजिक शॉक रोगियों की रिकवरी में साइटोकाइन्स जीन पॉलीमॉर्फिज्म की क्लिनिकल प्रासंगिकता।
18. भारतीय जनसंख्या में आईजीए नेफ्रोपैथी के एचई ऑक्सफोर्ड वर्गीकरण के मूल्यांकन के लिए पूर्वव्यापी अध्ययन।
19. भारत में बुजुर्ग रोगियों में बायोप्सी प्रूवेन गुर्दे रोग की रूपरेखा का मूल्यांकन करने के लिए पूर्वव्यापी अध्ययन।
20. प्राईमरी एफएसजीएस वाले युवा रोगियों में क्लिनिकल रूपरेखा और उपचार प्रतिक्रिया तथा परिणाम का मूल्यांकन करने के लिए पूर्वव्यापी अध्ययन।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. एपेनडायमोमा में एपिथिकल से मेसेंकायमल ट्रांजिशन्स (ईएमटी), पैथोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली।
2. ग्रीवा रीढ़ की सीटी मॉर्फोमेट्री, आर्थोपेडिक विभाग।
3. ऑस्टियोसार्कोमा के मूल्यांकन में डायनेमिक एमआरआई की भूमिका, ऑर्थोपेडिक विभाग।
4. माइटोकॉन्ड्रियल रोगों के नैदानिक और एमआर मूल्यांकन, बाल रोग विज्ञान विभाग।
5. मैकेनिकली वेंटिलेटिड वाले रोगियों में डायाफ्राम स्ट्रेंथ और मोटाई पर श्वासपटलीय तंत्रिका उत्तेजना का प्रभाव, फिजियोथेरैपी विभाग।
6. अग्न्याशय के जमाव की लेप्रोस्कोपिक बनाम इंडोस्कोपिक ड्रेनेज की तुलना में एक भावी अनियमित परीक्षण, शल्य चिकित्सा विभाग।
7. भारतीय कॉन्टेक्स में ईएसआरडी के साथ रोगियों में एवी नालव्रण की परिपक्वता पर नैदानिक प्रोफाइल और संवहनी हिमोडायनामिक के प्रभाव का आकलन – एक भावी अध्ययन, शल्य चिकित्सा विभाग।
8. लेपेरोस्कोपिक संपूर्ण एक्स्ट्रापेरिटोरियल रिपेयर (टीईपी) तथा ट्रांसएब्डोमिनल प्रीपेटीटोनियल (टीएपीपी) इगुनल हर्निया रिपेयर करवा रहे रोगियों के लैगिक कार्यक्षमता, वक्षण कार्य, एवं जीवन की गुणवत्ता का एक अग्रदर्शी यादृच्छिक तुलनात्मक अध्ययन, शल्य चिकित्सा विभाग।
9. आनुषंगिक पित्त पथरी और सामान्य बाइल डक्ट स्टोनों के साथ रोगियों के दो चरण प्रबंधन बनाम एकल चरण के बाद जीवन की गुणवत्ता की तुलना : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। शल्य चिकित्सा विभाग।
10. हल्के और मध्यम घाव मस्तिष्क चोट का उपयोग के साथ रोगियों में संज्ञानात्मक और मनोवैज्ञानिक कार्य में सुधार के लिए 'समग्र और एकीकृत न्यूरो मनोवैज्ञानिक पुनर्वास' के विकास और प्रभावशीलता – एक यादृच्छिक नियंत्रित चिकित्सकीय परीक्षण, तंत्रिका मनोविज्ञान विभाग।
11. एसिम्प्टोमेटिक वाले व्यक्तियों में सबएक्सिल सर्वाइकल स्पाइन पेडिकल्स के कंप्यूटरीकृत टोमोग्राफी आधारित मॉर्फोमेट्रिक अध्ययन, अस्थि रोग विभाग।
12. माइटोकॉन्ड्रियल विकारों के साथ भारतीय रोगियों में ऊतक विकृति विज्ञानी, न्यूरोइमेजिंग और जैव रासायनिक चयापचयों के साथ उत्परिवर्तन स्पेक्ट्रम और उसके सहसंबंध का अध्ययन, आनुवंशिकी, बाल रोग विज्ञान विभाग।

13. ट्यूबरोस स्क्लेरोसिस रोगियों के उत्परिवर्तनीय स्पेक्ट्रम, आनुवंशिकी, बाल रोग विज्ञान विभाग।
14. आघात रोगियों में पश्चात की जटिलताओं के बाद लेपेरोटॉमी का अनुमान लगाने में माइक्रो डायलिसिस व्युत्पन्न चयापचय मापदण्डों की भूमिका – एक व्यवहार्यता और प्रायोगिक अध्ययन, शल्य–चिकित्सा विभाग, तंत्रिका शल्यचिकित्सा।
15. मैकेनिकली वेंटिलेटिड रोगियों में डायाफ्राम स्ट्रेंथ और मोटाई पर श्वासपटलीय तंत्रिका उत्तेजना का प्रभाव, सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग, शल्य चिकित्सा।
16. वक्ष के रोगों ट्रामा गंभीरता स्कोर और रोगी के परिणाम सहित सीने में दर्द और उनके संबंध के साथ रोगियों में साइटोकिन्स (आईएल – 1 बीटा, आईएल–6, आईएल–8, आईएल–10 और टीएनएफ–अल्फा) और बायोमार्कर्स (वीडब्ल्यूएफ एण्ड सीसी–16) का अध्ययन, सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग, शल्य चिकित्सा।
17. एंडोस्कोपिक पिट्यूटरी सर्जरी के दौर से गुजर रहे रोगियों में हिमोडायनेमिक और रिकवरी पर लिडोसाइन इंफ्यूजन का प्रभाव : एक मल्टीसेंटर, यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, स्वास्थ्य विज्ञान केन्द्र, मैनिटोबा विश्वविद्यालय, विनिपेग, कनाडा।
18. सेंट्रल लाइन एसोसिएटेड ब्लड स्ट्रीम इंफेक्शन (सीएलएबीएसआई) को कम करने में क्लोरेहेक्सिडिन ग्लुकोनेट इप्रेगनेटेड पैच (बीआईओपीएटीसीएच[R]) की प्रभावशीलता पर भावी अध्ययन, सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग, जेपीएनएटीसी, एम्स।
19. एक रेफरल भारतीय अस्पताल में रक्त प्रवाह संक्रमण (बीएसआई) के रेफरल भारतीय अस्पताल निगरानी में रक्त प्रवाह संक्रमण (बीएसआई) की निगरानी। सूक्ष्य जीव विज्ञान विभाग, जेपीएनटीसी, एम्स।
20. न्यूरोक्रिटिकल केयर यूनिट का सप्ताह : न्यूरोक्रिटिकल केयर में बिंदु व्याप्तता अवलोकन अध्ययन : पीआरआईएनसीई अध्ययन, बायलर कॉलेज ऑफ मेडिसिन, हॉस्टन, टेक्सस।
21. आईसीयू प्रवास के दौरान सिर में चोट के साथ रोगियों में इलेक्ट्रोलाइट असामान्यताएं : एक संभावित अवलोकन अध्ययन, प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग, जेपीएनएटीसी, एम्स।
22. गंभीर टीबीआई के साथ रोगियों में कंठ वेनस ओक्सिमेट्री पर डिकम्प्रेसिव ग्रेनिएक्टॉमी का प्रभाव, न्यूरोसर्जरी विभाग, जेपीएनएटीसी, एम्स।
23. सिर पर चोट में ऑप्टिक तंत्रिका मियान व्यास, न्यूरोसर्जरी विभाग, मिशिगन विश्वविद्यालय, ऐन आर्बर, यूएसए, न्यूरोसर्जरी जेपीएनएटीसी, एम्स।
24. तीव्र बाल चिकित्सा टीबीआई परीक्षण (अनुकूलन) के एक अध्ययन में दृष्टिकोण और निर्णय, गंभीर उपचार चिकित्सा के प्रोफेसर, न्यूरोलॉजिकल सर्जरी, पिट्सबर्ग विश्वविद्यालय, यूएसए, न्यूरोसर्जरी जेपीएनएटीसी, एम्स।
25. गंभीर टीबीआई के साथ रोगियों में निकट अवरक्त स्पेक्ट्रोस्कोपी (एनआईआरएस) द्वारा मस्तिष्क ऑटोरेगुलेशन का आकलन, न्यूरोसर्जरी, जेपीएनएटीसी, एम्स।
26. दर्दनाक फेफड़े की चोट वाले रोगियों में साइटोकाइन्स और बायोमार्कर के प्रोग्नोस्टिक महत्व, आघात शल्य चिकित्सा और महत्वपूर्ण देखभाल।
27. सीने में दर्द के रोगियों में परिणाम में टीएच1, टीएच2, न्यूट्रोफिल और मोनोसाइट्स की भूमिका, ट्रामा सर्जरी।
28. स्तर–1, ट्रॉमा सेंटर में सीने में दर्द के रोगियों में फेफड़े के कार्य, प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया और जीवन की गुणवत्ता पर योग के प्रभाव का अध्ययन, ट्रामा सर्जरी।
29. पेल्विक फ्रैक्चर्स के साथ पॉलीट्रॉमा रोगियों के अंतिम परिणाम में टी–सहायक लिम्फोसाइटिक प्रतिक्रिया की भूमिका का अध्ययन करना।
30. पेल्विक–एक्टाबुलर और फीमर सर्जरी में समर्थक और एंटी इंफ्लेमेटरी प्रभाव पर एनेस्थेटिक तकनीकों का प्रभाव, एनेस्थेसिया।

31. एक शव विच्छेदन सुविधा की स्थापना के लिए प्रस्ताव, न्यूरोसर्जरी।
32. पेट/वक्ष मॉडल का निर्माण/सत्यापन, सर्जरी, जेपीएनए ट्रॉमा सेंटर।
33. जेपीएन एपेक्स ट्रॉमा सेंटर में शव संबंधी कौशल प्रयोगशाला की स्थापना के लिए प्रस्ताव, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली, भारत, न्यूरोसर्जरी, जेपीएनए ट्रॉमा सेंटर।
34. प्रारंभिक ट्रॉमा प्रेरित तीव्र कोएगुलोपैथी (ईटीआईसी) के विकास में अभिघातजन्य मस्तिष्क चोट के रोगियों और उनकी भागीदारी में प्रोकोएगुलेंट मार्करों परिसंचारी की पहचान, लैब मेडिसिन और न्यूरो सर्जरी, जेपीएनएटीसी, एम्स।
35. स्पाइन सर्जरी के बाद ऑपरेशन पश्चात मॉर्फिन कंजम्प्शन पर ऑपरेशन पूर्व विटामिन सी बनाम प्लासेबो की एकल खुराक के प्रभावों के यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन, न्यूरो एनेस्थिसियां और लैब मेडिसिन, जेपीएनएटीसी, एम्स।
36. सर्जिकल इंटेंसिव केयर यूनिट में ट्रॉमा रोगियों में एक प्रारंभिक नैदानिक मार्कर के रूप में एकेआई की भविष्यवाणी में प्लाज्मा और मूत्र न्यूट्रोफिल जिलेटिनेज से जुड़े लिपोकेलिन (एनजीएएल) का मूल्यांकन, एनेस्थिसियां और लैब मेडिसिन, जेपीएनएटीसी, एम्स।
37. सिर पर चोट के रोगियों में प्लाज्मा ट्रांसफ्यूजन सहित सामान्य जमावट कारक के स्तर पर और अपने सहयोग के साथ एलिवेटेड पीटी/आईएनआर के लिए संदर्भ सीमा का निर्धारण, न्यूरोसर्जरी और प्रयोगशाला चिकित्सा, जेपीएनएटीसी, एम्स।
38. स्पाइन सर्जरी के बाद ऑपरेशन पश्चात मॉर्फिन कंजम्पशन पर ऑपरेशन पूर्व विटामिन सी बनाम प्लासेबो की एकल खुराक के प्रभावों के यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन, तंत्रिका संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, प्रयोगशाला चिकित्सा, जेपीएनएटीसी, एम्स।
39. फांसी लगाकर आत्महत्या के मामलों में लार ग्रंथि और कैरोटिड आर्टरी में ऊतक विकृति विज्ञानी परिवर्तन, फोरेंसिक चिकित्सा और प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग, जेपीएनएटीसी।
40. पेल्विक एक्टाबुलर सर्जरी के बाद एनेस्थेटिक तकनीकों के समर्थक और एंटी इंफ्लेमेटरी प्रभाव, एनेस्थीसिया, ओर्थोपेडिक्स और प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग, जेपीएनएटीसी।
41. पार्किंसन रोग में माइटोकोंड्रियल डीएनए म्यूटेशन और प्रतिक्रियाशील ऑक्सीन प्रजातियों का अध्ययन, प्रयोगशाला चिकित्सा, प्रयोगशाला चिकित्सा के साथ एम्स का मनोचिकित्सा विभाग, जेपीएनएटीसी।
42. भारत में एक सुपर स्पेशियलिटी रक्त केंद्र में रक्त इन्वेंटरी प्रबंधन का अनुकूलन – एक मामले का अध्ययन, ब्लड बैंक/ओआरबीओ/सीएनसी की बायोकैमिस्ट्री, एम्स।
43. अवसाद के रोगियों में टीएनएफ–अल्फा (308 जी/ए), आईएल–1 बीटा (511 सी/टी) और आईएल6 (174 जी/सी) जीनों में बहुरूपता का अध्ययन : नैदानिक गंभीरता के साथ उसके सहयोग, प्रयोगशाला चिकित्सा और मनोरोग विभाग।
44. एशियाई – भारतीय व्यक्तियों में मातृत्व और नवजात बच्चों में विटामिन डी की स्थिति पर विटामिन डी पूरकता के प्रभाव की जांच के लिए एक यादृच्छिक डबल ब्लाइंड नियंत्रित परीक्षण, अंतःस्राविकी स्त्री रोग विभाग, एम्स और प्रयोगशाला चिकित्सा, जेपीएनएटीसी।
45. गैस्ट्रिक कैंसर की प्रगति में टाइट जंक्शन और श्लैष्मिक एपिथिलियल सेल पोलरिटी के विघटन की आण्विक अभिव्यक्ति, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग, प्रयोगशाला चिकित्सा।

पूर्ण

1. पहले अकारण उत्तेजित बच्चों में एपिलेप्टिफॉर्म असामान्यताओं का पता लगाने में शीघ्र बनाम देर ईईजी की तुलना : एक देशातंरीय अध्ययन, बाल तंत्रिका विज्ञान विभाग।
2. घाव लोड ≤ 5ः के साथ पैरेंकाइमल न्यूरोसाइटिसेरोकोसिस के साथ रोगियों में स्टीरॉयड के साथ 7 दिनों की तुलना में 28 दिनों के एल्बेंडेजोल चिकित्सा के रेडियोलॉजिकल परिणाम की तुलना : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, बाल तंत्रिका विज्ञान विभाग।

3. आईसीयू प्रवास के दौरान सिर में चोट के साथ रोगियों में इलेक्ट्रोलाइट असामान्यताएं : एक भावी अवलोकन अध्ययन, प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग, जेपीएनएटीसी, एम्स।
4. थ्रोम्बोएलास्टोग्राफी, प्रोटीन सी और प्रोटीन एस मार्करों का उपयोग कर आपातकालीन सर्जरी से गुजर रहे उन आघात हैमोरैजिक शॉक रोगियों (टीएचएस) में कोएगुलेशन स्थिति का मूल्यांकन, संवेदनाहरण विज्ञान एवं प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग, जेपीएनएटीसी, एम्स।
5. फेफड़े गुम चोट और बैक्टीरियल निमोनिया के बाद तीव्र सूजन प्रतिसाद प्राप्त करने के लिए टोल जैसे रिसेप्टर 3 के साथ डबल स्ट्रेंडेड आरएनए का आदान प्रदान, मिशिगन विश्वविद्यालय, यूएसए/प्रयोगशाला चिकित्सा और जेपीएनएटीसी के तंत्रिका शल्यचिकित्सा विभाग, एम्स।
6. सेप्टिसीमिया से मरने वाले न्यूरोट्रॉमा मामलों में अंगों के सूक्ष्मजीवविज्ञानी तुलना और हिस्टोपैथोलॉजिकल परीक्षा, न्याय चिकित्सा, विकृति विज्ञान और प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग, एम्स।
7. न्यूरोनल उत्थान और कार्यात्मक बटाली में मानव गर्भनाल रक्त स्टेम कोशिकाओं और तंत्रिका स्टेम सेल की भूमिका : तीव्र रीढ़ की हड्डी की चोट सहित नर चूहों में एक तुलनात्मक अध्ययन, तंत्रिका शल्य चिकित्सा, विकृति विज्ञान, एम्स और प्रयोगशाला चिकित्सा, जेपीएनएटीसी।
8. फेफड़ों एडिनोकार्सिनोमा में एनाप्लास्टिक लिम्फोमा काइनेस (एएलके) इम्युनोहिस्टोकैमिस्ट्री, विकृति विज्ञान और प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग, जेपीएनएटीसी।
9. ऑब्सट्रक्टिव रेनोपैथी में गुर्दे परिरक्षण में अस्थि मज्जा मोनोन्यूक्लियर कोशिकाओं और गुर्दे की स्टेम कोशिकाओं की भूमिका – चूहों में एक प्रायोगिक अध्ययन, बाल शल्य चिकित्सा विभाग।
10. दर्दनाक फेफड़े की चोट वाले रोगियों में साइटोकाइन्स और बायोमार्कर के प्रोग्नोस्टिक महत्व, ट्रॉमा सर्जरी।
11. भारतीय ऑर्थोपीडिक ट्रॉमा रोगियों में रोग प्रतिरक्षा अवरोध और क्षति नियंत्रण ऑर्थोपीडिक्स दिशानिर्देशों को तैयार करने में इसकी भूमिका, ऑर्थोपेडिक सर्जरी।
12. पार्किंसन रोग में माइटोकोंड्रियल डीएनए म्यूटेशन और प्रतिक्रियाशील ऑक्सीजन प्रजातियों का अध्ययन, लैब मेडिसिन, न्यूरोलॉजी।
13. किशोरों में अवसाद के नैदानिक अभिव्यक्ति में टी सेल एपॉप्टॉसिस, न्यूरोट्रोफिन्स, साइटोकाइन्स और आनुवंशिक बहुरूपताओं की भूमिका, लैब मेडिसिन, साइकियाट्री।
14. आपातकाल और गहन देखभाल की स्थापना और चिकित्सा त्रुटियों के संबंध में स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं का निगरानी संज्ञान, तंत्रिका शल्य चिकित्सा विभाग।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 72 सार : 9 पुस्तकों में अध्याय : 20 पुस्तकें : 1

रोगी उपचार

कुल कैजुएल्टी उपस्थिति : 68640

पुरुष :	50870	महिलाएं :	17770
एमएलसी :	32929	एनएमएलसी :	35711

विकिरण निदान

क्र. सं.	जांच	संख्या
1.	साधारण एक्स – रे (आपातकालीन, वार्ड, पोर्टेबल सहित)	120674
2	फ्लोरोस्कोपी	145

3.	सी टी	18559
4.	अल्ट्रासाउंड सहित डॉपलर और निर्देशित हस्तक्षेप	
5.	हस्तक्षेप प्रक्रियाओं सहित डिजिटल सबस्ट्रेक्शन एंजियोग्राफी	104
6.	एमआरआई	1136
	कुल	140618

प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग में किए गए परीक्षण

1. हिमेटोलॉजी

हिमोग्लोबिन :	45363	टीएलसी :	45363
विभेदक काउंट :	45363	एचसीटी :	45363
आरबीसी :	45363	एमसीएच :	45363
एमसीएचसी :	45363	एमसीवी :	45363
आरडीडब्ल्यू :	45363	प्लेटलेट काउंटः	45363
रेटिक काउंट :	45363	ईएसआर :	4718
ब्लड पैरासाइट :	5013		
कुल	5,08,724		

कोएगुलेशन

पीटी :	26369	एपीटीटी :	26369
टीटी :	4916	फाइब्रीनोजेन :	4704
थ्रोम्बोइलास्टोग्राफी :	5162	डी–डाइमर :	4541
कुल	72,061		

2. क्लीनिकल पैथोलॉजी

यूरीन रूटीन एवं माइक्रोस्कॉपी :	5037		
यूरीन माइयोग्लेबीन :	2888	सीएसएफ माइक्रोस्कॉपी :	3699
फैट ग्लोब्यूल्स :	4220		
कुल	15,844		

हिमेटोलॉजी अनुभाग में किए गए कुल परीक्षण : 5,96,629

3. बायोकैमिस्ट्री

शर्करा :	10762	यूरिया :	35236
क्रीएटीनाइन :	35217	कैल्शियम :	29186
फॉस्फोरस :	29077	यूरिक एसिड :	18584
सोडियम :	34011	पोटेशियम :	34020
टीबीआईएल :	20498	डीबीआईएल :	20476
कुल प्रोटीन :	20469	एल्बुमिन :	20399
एएसटी :	22939	एएलटी :	22947
एएलपी :	22892	कोलेस्ट्रोल :	3590
एमीलेज :	3420	एचडीएलडी :	979
एलडीएलडी :	979	टीजी :	979
वीएलडीएल :	979	सीके :	685

एमजी :	1512	लीपेज :	715
सीके – एमबी :	20	सीएसएफ शर्करा :	633
सीएसएफ टीआईपी :	656	पेरीटोनियल फ्ल्यूड शर्करा :	100
पेरीटोनियल फ्ल्यूड प्रोटीन :	55	यूरीन शर्करा :	50
यूरीन प्रोटीन :	50	यूरिनरी स्पॉट सोडियम :	10
यूरिनरी कैल्शियम :	33	यूरिनरी क्रीएटीनाइन :	785
प्लेयरल फ्लूइड एमिलेज :	38	पीओ2 :	10427
पीसीओ2 :	10427	पीएच :	10427
पोटेशियम (के) :	10427	सोडियम (एनए) :	10427
कैल्श्यिम (सीए)	10427	सीएल :	10427

बायोकैमिस्ट्री अनुभाग में किए गए कुल परीक्षण : 4,65,970

4. माइक्रोबायोलॉजी

कल्चर :	12066	बैक्टीरियल पहचान :	2580
एंटीबॉडीज सेंसिटीविटी :	2580	एचआईवी सीरोलॉजी :	882
हिपाटाइटिस बी सीरोलॉजी :	884	हिपेटाइटिस सी सिरोलॉजी :	862
अस्पताल संक्रमण निगरानी कल्चर :	4125	पीसीटी :	552

माइक्रोबायोलॉजी अनुभाग में किए गए कुल परीक्षण : 24,531

हिस्टोपैथोलॉजी

सर्जरी, ऑर्थोपेडिक्स, न्यूरोसर्जरी, फोरेंसिक विभाग से प्राप्त किए गए ऊतक के नमूने : 1044

रक्त बैंक

रक्तदान

माह	दाता		प्रतिस्थापक दाता			स्वैच्छिक दाता			स्वैच्छिक दाता शिविर	
	संवीक्षित	रक्त	पुरुष	महिला	कुल	पुरुष	महिला	कुल	अतरंग	बहिरंग
अप्रैल 15	878	694	536	5	541	136	17	153	87	66
मई 15	690	566	458	1	459	105	2	107	107	शून्य
जून 15	740	593	498	3	501	90	2	92	92	शून्य
जुलाई 15	933	751	565	4	569	163	19	182	121	61
अगस्त 15	889	679	563	10	571	104	4	108	108	शून्य
सितम्बर 15	853	686	529	4	533	146	7	153	98	55
अक्तूबर 15	976	804	612	10	622	172	10	182	100	82
नवम्बर 15	815	684	560	14	574	107	3	110	110	शून्य
दिसम्बर 15	907	746	565	15	580	155	11	166	103	63
जनवरी 16	763	634	544	4	548	80	6	86	86	शून्य
फरवरी 16	799	659	503	3	506	146	7	153	153	शून्य
मार्च 16	815	687	467	2	469	215	3	218	195	23
कुल	10055	8183	6398	75	6473	1619	91	1710	1360	350

स्वैच्छिक रक्त दान शिविर की संख्या : 10

संघटक पृथक्करण प्रयोगशाला

माह	तैयार किए गए घटक				रक्त और घटकों का गुणवत्ता नियंत्रण
	आरबीसी पैक	ताजे फ्रोजन प्लाज्मा	प्लेटलेट	क्रायोप्रेसीपिटेट	
अप्रैल 15	694	566	538	156	सभी इकाइयों का 1 प्रतिशत
मई 15	566	494	477	84	सभी इकाइयों का 1 प्रतिशत
जून 15	593	541	513	16	सभी इकाइयों का 1 प्रतिशत
जुलाई 15	751	624	589	80	सभी इकाइयों का 1 प्रतिशत
अगस्त 15	679	641	634	59	सभी इकाइयों का 1 प्रतिशत
सितम्बर 15	686	676	672	49	सभी इकाइयों का 1 प्रतिशत
अक्तूबर 15	804	724	704	20	सभी इकाइयों का 1 प्रतिशत
नवम्बर 15	652	611	598	81	सभी इकाइयों का 1 प्रतिशत
दिसम्बर 15	746	652	617	83	सभी इकाइयों का 1 प्रतिशत
जनवरी 16	634	551	535	83	सभी इकाइयों का 1 प्रतिशत
फरवरी 16	659	567	555	51	सभी इकाइयों का 1 प्रतिशत
मार्च 16	687	611	588	65	सभी इकाइयों का 1 प्रतिशत
कुल	8183	7258	7020	827	

संक्रामक मार्कर प्रयोगशाला और दाता परामर्श

माह	एचआईवी		एचबीएसएजी		एचसीवी		वीडीआरएल		एमपी	
	पूरा किया	प्रतिक्रिया	पूरा किया	प्रतिक्रिया	पूरा किया	प्रतिक्रिया	पूरा किया	प्रतिक्रिया	पूरा किया	प्रतिक्रिया
अप्रैल 15	729	1	763	6	734	8	764	1	716	शून्य
मई 15	592	2	667	8	587	1	611	शून्य	568	1
जून 15	612	3	614	13	608	5	631	शून्य	587	शून्य
जुलाई 15	782	2	787	13	782	6	810	2	753	शून्य
अगस्त 15	696	4	700	9	699	1	717	4	665	शून्य
सितम्बर 15	725	शून्य	728	7	727	2	751	2	701	शून्य
अक्तूबर 15	851	1	847	13	847	1	869	2	824	1
नवम्बर 15	662	3	666	13	662	3	692	1	640	शून्य
दिसम्बर 15	797	1	804	14	800	2	809	शून्य	767	शून्य
जनवरी 16	661	शून्य	664	11	663	3	676	1	633	शून्य
फरवरी 16	681	1	712	10	683	5	705	1	655	शून्य
मार्च 16	712	3	782	14	709	2	735	2	683	शून्य
कुल	8500	21	8734	131	8501	39	8770	16	8192	2

समूहीकरण प्रयोगशाला

माह	दाता समूहीकरण	रोगी समूहीकरण	कुल
अप्रैल 15	694	920	1614

मई 15	566	885	1451
जून 15	593	831	1424
जुलाई 15	751	840	1591
अगस्त 15	679	904	1583
सितम्बर 15	686	920	1606
अक्तूबर 15	804	1051	1855
नवम्बर 15	684	984	1668
दिसम्बर 15	746	931	1677
जनवरी 16	687	917	1604
फरवरी 16	659	912	1571
मार्च 16	634	993	1627
कुल	8183	11088	19271

आपातकालीन निर्गम पटल : प्राप्त किए गए रोगी नमूने, पूरे किए गए क्रॉस–मैच और जारी किए गए रक्त/घटक

माह	प्राप्त किए गए नमूने	क्रॉस–मैच के लिए	पूरे किए गए क्रॉस–मैच	जारी किए गए पीआरबीसी	जारी किए गए एफएफपी	जारी किए गए पीआरसी	जारी किए गए क्रायो
अप्रैल 15	920	831	2487	688	428	369	88
मई 15	885	792	2389	606	511	375	30
जून 15	831	755	2297	544	349	345	30
जुलाई 15	840	785	2100	654	272	300	19
अगस्त 15	904	856	2457	708	461	507	58
सितम्बर 15	1051	941	2870	622	360	610	36
अक्तूबर 15	1114	981	2966	847	465	708	86
नवम्बर 15	984	880	2582	717	430	536	23
दिसम्बर 15	931	830	2417	606	538	449	शून्य
जनवरी 16	917	798	2209	585	475	382	12
फरवरी 16	912	811	2273	611	314	431	5
मार्च 16	993	838	2615	671	378	438	34
कुल	11282	10098	29662	7859	4981	5450	421

अन्य अस्पताल के रक्त बैंक के लिए जारी किए रक्त और घटक

माह	रक्त		एफएफपी		पीआरसी		क्रायो	
	जारी किए गए	प्राप्त किए गए	जारी किए गए	प्राप्त किए गए	जारी किए गए	प्राप्त किए गए	जारी किए गए	प्राप्त किए गए
अप्रैल 15	शून्य	शून्य	50	शून्य	25	शून्य	शून्य	शून्य
मई 15	शून्य	शून्य	250	शून्य	10	10	शून्य	शून्य
जून 15	1	7	120	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
जुलाई 15	1	7	120	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
अगस्त 15	शून्य	7	10	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
सितम्बर 15	2	17	65	शून्य	124	16	शून्य	शून्य
अक्तूबर 15	शून्य	9	शून्य	शून्य	80	42	शून्य	शून्य
नवम्बर 15	शून्य	2	शून्य	शून्य	15	शून्य	शून्य	शून्य
दिसम्बर 15	शून्य	5	115	शून्य	10	10	शून्य	शून्य
जनवरी 16	0	2	125	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

फरवरी 16	33	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
मार्च 16	15	5	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
कुल	52	61	855	शून्य	254	78	शून्य	शून्य

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां

प्रोफेसर एम. सी. मिश्रा ने सूक्ष्म जीव विज्ञान प्रभाग, प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग, एम्स 29–30 मार्च 2016 को क्षय रोग के नियंत्रण के लिए यूनाइट ऑल के उद्घाटन सत्र के दौरान वार्ता दी; वार्षिक दीक्षांत समारोह 2016 के दौरान दीक्षांत समारोह संबोधित करने के लिए मुख्य अतिथि, दयानंद मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, लुधियाना, पंजाब, 28 मार्च 2016; लाइव ऑपरेटिव अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला के साथ यूरो–ओंकोलॉजी में मास्टरक्लास के उद्घाटन सत्र के दौरान सम्मानित अतिथि, 27 मार्च 2016, मूत्रविज्ञान विभाग और गुर्दे प्रत्यारोपण, वीएमएमसी और सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली; अमेरिकी गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल इंडोस्कोपिक सर्जन (एसएजीईएस 2016) की सोसायटी की वार्षिक बैठक, 16–19 मार्च 2016 बोस्टन, यूएसए, प्रस्तुत कागज : लेपेरोस्कोपिक संपूर्ण एक्स्ट्रापेरिटोरियल रिपेयर (टीईपी) तथा ट्रांसएब्डोमिनल प्रीपेरीटोनियल (टीएपीपी) इगुनल हर्निया रिपेयर करवा रहे रोगियों के लैंगिक कार्यक्षमता, वक्षण कार्य, एवं जीवन की गुणवत्ता का एक अग्रदर्शी यादृच्छिक तुलनात्मक अध्ययन; योग द्वारा तनाव प्रबंधन की एक कार्यशाला के उद्घाटन सत्र के दौरान वक्ता, 12–13 मार्च 2016, एम्स; डॉ राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केन्द्र के 49वें वार्षिक स्थापना दिवस के उद्घाटन समारोह के दौरान वक्ता, 12 मार्च 2016, एम्स; स्कूल/कॉलेज के छात्रों के लिए जागरूकता कार्यक्रम के दौरान सम्मानित अतिथि, नेफ्रोलॉजी विभाग, विश्व गुर्दा दिवस, 10 मार्च 2016; सुदृढ़ीकरण राष्ट्रीय प्रतिक्रिया क्षमताओं पर राष्ट्रीय कार्यशाला के दौरान वक्ता, भारत में ट्रामा देखभाल और राष्ट्रीय क्षमता निर्माण के लिए प्रयास, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) द्वारा आयोजित, 7 मार्च 2016; गॉल ब्लेडर, हर्निया, लेप्रोस्कोपिक एड्रेनेलेक्टॉमी पर लाइव ऑपरेशन और इंडोस्कोपिक हर्निया सुधारने के लिए प्रशिक्षण परिप्रेक्ष्य पर वितरित वार्ता, लैप्रोस्कोपिक कोलेसाइटेक्टॉमी के दौरान एंडोस्कोपिक ग्रोइन हर्निया सुधारने और सामान्य पित्त नलिका की चोट पर पैनल चर्चा में भाग लिया, न्यूयॉर्क से प्रेसिडेंसियल और आईएचएस व्याख्यान और लाइव वीडियो टेली सम्मेलन पर सत्र की अध्यक्षता, 10वां एंडोसर्ज 2016, एम्स, नई दिल्ली; मुख्य अतिथि, उद्घाटन सत्र, पूर्व 10वां एंडोसर्ज 2016 सीएमई – मामला चर्चा, 3 मार्च 2016, एम्स; कैंसर में ट्रांसलेशनल अनुसंधान पर एक भारत (एम्स–आईसीएमआर–डीबीटी) यूएसए संयुक्त संगोष्ठी के दौरान मुख्य अतिथि, 1 मार्च 2016, एम्स; मुख्य अतिथि, निवासियों के लिए सीएमई, सर्जिकल विषय विभाग, एम्स, 27 फरवरी 2016, एम्स; कन्याकुमारी–कश्मीर–वॉक ऑफ होप से अपने मार्ग पर श्री एम, आध्यात्मिक गुरु द्वारा वितरित किए गए 4वें डाइमेंशन ऑफ हेल्थ – स्पिरिचुअल, की – नोट पर एक सत्र के दौरान बोलने और अध्यक्षता करने के लिए मुख्य अतिथि, 26 फरवरी 2016, एम्स; मुख्य अतिथि, उद्घाटन सत्र, रिह्यूमेटोलॉजी अपडेट, रिह्यूमेटोलॉजी विभाग, फोर्टिस फ्लाइट, लेफ्टिनेंट राजन ढल अस्पताल, वसंत कुंज, नई दिल्ली, 21 फरवरी 2016; मुख्य अतिथि, उद्घाटन सत्र, भारतीय चिकित्सा विज्ञानियों के एसोसिएशन का 40वां वार्षिक सम्मेलन, 20 फरवरी 2016, के. एन. उडुपा ऑडिटोरियम, इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, बीएचयू, वाराणसी; प्रदर्शनी का उद्घाटन किया और विश्व बाल कैंसर दिवस पर सार्वजनिक व्याख्यान दिया, 18 फरवरी 2016, बाल रोग विज्ञान विभाग, एम्स; दीक्षांत भाषण देने के लिए मुख्य अतिथि, 32वां स्थापना दिवस और दूसरा वार्षिक दीक्षांत समारोह, आयुर्विज्ञान इंदिरा गांधी संस्थान, पटना, 13 फरवरी 2016; ब्रेकियल प्लेक्सस और परिधीय तंत्रिका शल्य चिकित्सा तथा परिधीय तंत्रिका शल्य चिकित्सा के भारतीय समाज की 5वीं वार्षिक बैठक के वैश्विक महा सम्मेलन के उद्घाटन सत्र के दौरान वार्ता, 5 फरवरी 2016, इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली; पूर्व सम्मेलन शव कार्यशाला के उद्घाटन सत्र के दौरान वार्ता (ब्रेकियल प्लेक्सस और परिधीय तंत्रिका शल्य चिकित्सा तथा परिधीय तंत्रिका शल्य चिकित्सा के भारतीय समाज की 5वीं वार्षिक बैठक के वैश्विक महा सम्मेलन), 4 फरवरी 2016, जेपीएनएटीसी; एटीएलएस प्रदाता पाठ्यक्रम के उद्घाटन के स्नातक समारोह के दौरान वार्ता, टेनिस क्लब, पंजिम, गोवा, 30 जनवरी 2016; ट्रामा पर सीएमई के दौरान वक्ता, 29 जनवरी 2016, हेल्थवे अस्पताल द्वारा आयोजित, पंजिम, गोवा; एसोसिएशन ऑफ ऑटोलेरिंजियोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया (एओआईसीओएन 2016)

के 68वें वार्षिक सम्मेलन के उद्घाटन सत्र के दौरान वार्ता के लिए सम्मानित अतिथि, गुड़गांव, हरियाणा; राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क पर चौथी कार्यशाला के दौरान सचिव के पैनल और पैनल चर्चा में भाग लिया, 21 जनवरी 2016, जवाहर लाल नेहरू तकनीकी विश्वविद्यालय, हैदराबाद; सफल लाइव दाता यकृत प्रत्यारोपण कार्यक्रम चिह्नित करने के लिए दाता सम्मान दिवस, इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल, नई दिल्ली के दौरान अध्यक्ष, 20 जनवरी 2016, सीएलबीएस, इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल, सरिता विहार, नई दिल्ली; आईसीएमआर वैज्ञानिकों के लिए पुरस्कार समारोह के दौरान सम्मानित अतिथि, 19 जनवरी 2016, एम्स; युवा पीढ़ी के माध्यम से बुजुर्ग को सशक्त बनाने के प्रक्षेपण के दौरान सम्मानित किया – एक पैन हेल्थ अवेयरनेस कम्पेनिंग टू प्रमोट हेल्दी एजिंग – इंटरजनरेशन इम्पावरमेंट, गांधी दर्शन, राजघाट, नई दिल्ली में हेल्दी एजिंग इंडिया द्वारा आयोजित, 17 जनवरी 2016; मुख्य अतिथि, पोस्ट स्नातक असेंबली के उद्घाटन सत्र, इंटेंसिव केयर यूनिट में इकोकार्डियोग्राफी और एच डी निगरानी में अनुकरण का उपयोग करते हुए हैंड ऑन कार्यशाला, सिमुलेशन सोसायटी, 17 जनवरी 2016, नई दिल्ली; मुख्य अतिथि, उदघाटन सत्र, चौथी एम्स पल्मोक्रिट – 2016, 16–17 जनवरी 2016, एम्स; ट्रामा देखभाल (एनहांस्ड फर्स्ट रिस्पॉन्डर्स ट्रेनिंग – मुख्य विशेषताएं) पर तकनीकी सत्र–4 की अध्यक्षता की, 14 जनवरी 2016, एक विषय : सड़क सुरक्षा – कार्रवाई के लिए समय के साथ सड़क सुरक्षा सप्ताह के दौरान जागरूक करने के लिए अंतरराष्ट्रीय रोड फेडरेशन द्वारा आयोजित, नई दिल्ली; उद्घाटन सत्र के दौरान वक्ता, स्वास्थ्य सूचना विज्ञान पर कार्यशाला, 11 जनवरी 2016, एम्स; मुख्य अतिथि, उद्घाटन सत्र, एम्स दर्द अभ्यास और क्षेत्रीय एनेस्थिसिया पर (एपीपीआरए 2016; सम्मेलन और कार्यशाला, 8–10 जनवरी 2016, एनेस्थिसिया, क्रिटिकल केयर और दर्द चिकित्सा विभाग, एम्स; 10वां सप्ताह सीओएमबीएटी पाठ्यक्रम में सीआरपीएफ में भाग लेने वाले नए चिकित्सा अधिकारियों के साथ बातचीत की, स्वास्थ्य देखभाल में ट्रॉमा केयर, करुणा का महत्व, संचार और ट्रस्ट के एबीसी को वितरित किया, 31 दिसंबर 2015, आंतरिक सुरक्षा अकादमी, सीआरपीएफ, माउंट आबू, राजस्थान; राष्ट्रीय अतिथि संकाय, आपदा प्रबंधन के बारे में बात करने के लिए वरिष्ठ सीआरपीएफ अधिकारियों हेतु मीडिया पाठ्यक्रम को समझना और प्रबंध : मास कैजुअल्टी डिजास्टर एण्ड डिलीवर वेलेडिक्शन एड्रेस के दौरान मीडिया आकर्षक, 30 दिसंबर 2015, आंतरिक सुरक्षा अकादमी द्वारा आयोजित, सीआरपीएफ, माउंट आबू, राजस्थान; ब्लाइंड पुरस्कार के 5वां नाइट्स के दौरान अध्यक्ष, लायंस क्लब दिल्ली, 27 दिसंबर 2015, आईआईसी,नई दिल्ली : आइ डोनेशन – ऑर्गन डोनेशन पर की–नोट व्याख्यान; स्वास्थ्य देखभाल में विश्व उद्यमिता शिखर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र पर मुख्य अतिथि और वक्ता, 26 दिसंबर 2015, गुड़गांव : स्वास्थ्य की देखभाल में उद्यमिता पर की–नोट का पता लगाना और नेतृत्व करना; मिनिमल एक्सेस सर्जरी में प्रशिक्षण : 23 दिसंबर 2015 को बाल मूत्रविज्ञान के उन्नतिकरण के दौरान चुनौतियां और समाधान, डॉ रामलिंगास्वामी बोर्ड कक्ष, एम्स; वक्ता, ऑटोमोबाइल एसोसिएशन ऑफ अपर इंडिया (एएयूआई) द्वारा ड्राइवरों के लिए उन्नत प्राथमिक चिकित्सा का शुभारंभ, अंतरराष्ट्रीय रोड फेडरेशन (आईआरएफ) और सड़क और भूतल परिवहन मंत्रालय, भारत सरकार, 21 दिसंबर 2015, नई दिल्ली; एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स ऑफ इंडिया द्वारा भारत में मिनिमल एक्सेस सर्जरी के विकास के लिए आयोजित अतिथि व्याख्यान और सम्मान, प्लेटिनम जयंती सम्मेलन, गुड़गांव, 18 दिसंबर 2015, लेप्रोस्कोपिक सर्जरी – एम्स में हमारा अनुभव में विकास और प्रशिक्षण पर वार्ता; मुख्य अतिथि, फिजियोलॉजी में प्रौद्योगिकी पर कार्यशाला के उद्घाटन सत्र, सार्क एसोसिएशन ऑफ फिजियोलोजिस्ट, फिजियोलॉजी विभाग, एम्स, 16 दिसंबर 2015; राष्ट्रीय संकाय, एसिकॉन 2015 के दौरान लाइव ऑपरेटिव कार्यशाला, 16 दिसंबर 2015; पुस्तक विमोचन – बॉडी बर्डन 2015 की चर्चा के दौरान पैनल के सदस्य : विज्ञान और पर्यावरण केंद्र की ओर से भारत के स्वास्थ्य की स्थिति, 15 दिसंबर 2015, नई दिल्ली; मुख्य अतिथि, उद्घाटन सत्र, 8वां अरमान डोगरा मेमोरियल फुटबॉल टूर्नामेंट, डीपीएस, आरके पुरम, 15 दिसंबर 2015; अतिथि वक्ता / पैनल के सदस्य, एनडीटीवी –हिताची सामाजिक इनोवेशन फोरम 2015, 10 दिसंबर 2015, नई दिल्ली; वक्ता–पैनल के सदस्य, वैश्विक अनुसंधान एवं विकास शिखर सम्मेलन 2015, निर्माण पारिस्थितिकी तंत्र : एक प्रमुख समर्थक के रूप सरकार, 8 दिसम्बर 2015, विज्ञान भवन, फिक्की द्वारा आयोजित; वक्ता और अध्यक्ष, 13वीं अंतरराष्ट्रीय शल्य चिकित्सा महासम्मेलन, सोसायटी ऑफ सर्जन्स ऑफ बांग्लादेश, 4–7 दिसंबर 2015 : 1) लेपेरोस्कोपिक डोनर नेफ्रोक्टॉमी : हाउ टू इस्टेबिश द प्रोग्राम, 2) ट्रेनिंग इन लेपेरोस्कोपिक सर्जरी : चैलेंजीस एण्ड ऑपर्च्युनिटी, 3)

ट्रॉमा : एन एपिडेमिक ऑफ 21 सेंचुरी – एप्रोच टू ट्रॉमा केयर : नेशनल एण्ड इंटरनेशनल पर्सपेक्टिव, 5 दिसम्बर 2015, बांगलादेश इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस सेंटर पर वार्ता दी; मुख्य अतिथि, स्नातक समारोह, चौथा एम्स महत्वपूर्ण देखभाल पाठयक्रम, 3 दिसंबर 2015, एम्स, नई दिल्ली; स्वास्थ्य देखभाल शीर्षक आईएसबी राष्ट्रीय सम्मेलन – ड्राइविंग इंडिया ग्रोथ मोमेंटम : सार्वजनिक नीति में क्षमता निर्माण पर पैनल चर्चा के दौरान पैनल के सदस्य, विनिर्माण एवं मूलसंरचना, 3 दिसंबर 2015 में भारतीय व्यापार स्कूल (आईबीएस) द्वारा आयोजित, नई दिल्ली में मोहाली; बच्चों में मिर्गी पर सार्वजनिक जागरूकता पैदा करने के लिए सार्वजनिक व्याख्यान और पैनल चर्चा, 2 दिसंबर 2015, बाल रोग विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान; मुख्य अतिथि, उद्‌घाटन सत्र, 4 एम्स ऑर्थोप्लास्टी अद्यतन–2015, ऑर्थोपेडिक्स विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, 29 नवंबर, 2015; वक्ता, भारत में टेलीमेडिसिन अग्रिम में संस्थागत नेतृत्व की विषय प्रासंगिकता पर 11वीं वार्षिक अंतरराष्ट्रीय टेलीमेडिसिन महासम्मेलन, शिक्षा टेलीमेडिसिन पर सत्र, 28 नवंबर; अतिथि संकाय एवं वक्ता (पित्त नली क्षतिः कब, क्यों, कैसे?) भारतीय शल्य चिकित्सकों का दिल्ली राज्य अध्याय संघ सर्जीकॉन–2015, शल्य चिकित्सा विभाग, एस.जी.आर.एच., नई दिल्ली, 27–29 नवंबर 2015; इनमास, नई दिल्ली द्वारा आयोजित, आपदा जोखिम कम करने एवं तैयारी हेतु डी.आर.डी.ओ. प्रौद्योगिकी पर राष्ट्रीय कार्यशाला एवं संगोष्ठी 28 नवंबर 2015; मुख्य अतिथि एवं वक्ता, इंडियन सोसाइटी ऑफ आर्गन ट्रांसप्लांटेशन एवं इंटिग्रेटिड लीवर फाउंडेशन के सहयोग से एम्स द्वारा आयोजित भारत में मृतकदाता अंग प्रत्यारोपण पर दूसरी नेशनल पॉलिसी राउण्ड टेबल जिसका शीर्षक है मृतक दाता कार्यक्रम हेतु मानव पूंजी का विकास, डॉ. रामलिंगास्वामी सभागार कक्ष, एम्स, 25 नवंबर 2015; वक्ता, दिल्ली पुलिस कार्मिक को सम्मानित एवं सरहााने हेतु पुरस्कार समारोह, जिन्होंने कि एम्स में मृतक अंगदान कार्यक्रम कराने में सहायता की, भारत सरकार के गृह राज्य मंत्री इस समारोह के मुख्य अतिथि, एम्स, 24 नवंबर, 2015; सम्मानित अतिथि, तंत्रिका विज्ञान केन्द्र, एम्स की स्वर्ण जयंती कांग्रेस का उद्‌घाटन समारोह, तंत्रिका विज्ञान केंद्र, एम्स, 24 नवंबर 2015; वक्ता, भेषजगुण विज्ञान विभाग, एम्स, कीटनाशक सूत्रीकरण प्रौद्योगिकी संस्थान (आई.पी.एफ.टी.) तथा रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा भारत में पेस्टीसाइड्स संबंधी मामलों के लिए बहु संस्थागत सहक्रिया पहुंच पर कार्यशाला का उद्‌घाटन सत्र, डॉ. रामलिंगास्वामी सभागार कक्ष, एम्स, नई दिल्ली, 23 नवंबर 2015; 21 नवंबर 2015 को प्रिसिंप्लस प्रोगेरेसिव स्कूल एसोसिऐशन द्वारा आयोजित इफेक्टिव लीडरशिप की उभरती चुनौतियों की चर्चा करने के लिए सी.बी.एस.ई एवं सी.एस.आई.सी.ई. या अन्य बोर्डों से संबद्ध पब्लिक स्कूलों के प्रधानाचार्यों और अध्यक्षों के वैश्विक सम्मेलन में शिक्षा और स्वास्थ्य विषय पर वक्ता, विवेकानंद इंस्टीट्यूट फॉर प्रोफेशनल स्टडीज, नई दिल्ली; प्रथम सरीन्द्र मानसिंह व्याख्यान 2015 की अध्यक्षता, मूत्र रोग विज्ञान विभाग, एम्स का स्वर्ण जयंती समारोह, 21 नवंबर 2015; प्लमोनरी चिकित्सा एवं निद्रा विकारों में नवीन एडवांसिस विषय पर जेफेरसन विश्वविद्यालय, यू.एस.ए.–एम्स संगोष्ठी के उद्‌घाटन सत्र के दौरान वक्ता, प्लमोनरी चिकित्सा एवं निद्रा विकार विभाग, एम्स, 21 नवंबर 2015; स्वास्थ्य क्षेत्र में चुनौतियों का सामना करने हेतु नेतृत्व पर सत्र, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण की राष्ट्रीय संस्था, स्वास्थ्य क्षेत्र में नेतृत्व विकास पर प्रशिक्षण कोर्स, नई दिल्ली, 19 नवंबर 2015; संयोजक एवं मेजबान, संयुक्त रूप से एम्स एवं *फाउंडेशन दी आई अकैदिमी दी मैडीसीन ऑफ फ्रांस* (एफ.ए.एम.) द्वारा आयोजित प्रथम भारतीय–फ्रांस सार्वजनिक स्वास्थ्य एवं मेडिकल इन्नोवेशन फोरम, एम्स, 19–20 नवंबर 2015; स्वास्थ्य उपचार में क्षमता निर्माण पर भारतीय–स्वेडेन सहयोग का उद्‌घाटन सत्र, एम्स, 18 नवंबर 2015; मुख्य अतिथि, 47वां वार्षिक दिवस कार्यक्रम, नर्सिंग महाविद्यालय, एम्स, 18 नवंबर 2015; संयोजक, एंटिबॉयोटिक्स जागरूकता सप्ताह के दौरान एनटिबॉयटिक्स के विवेकपूर्ण प्रयोग को बढ़ावा देने पर पैनल विचार विमर्श एवं आई.सी.एम.आर.–एम्स पब्लिक लैक्चर, एम्स, 17 नवंबर 2015; नई इलेक्टरॉन सूक्ष्मदर्शी सुविधा एवं राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यशाला का उद्‌घाटन, शरीर रचना विभाग, एम्स, 17 नवंबर 2015; संयोजक, एम्स द्वारा आयोजित गंगा जल के नॉन–पूट्रीफायिंग गुणों पर कार्यशाला। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, जल संसाधन एवं गंगा के मंत्रियों तथा वरिष्ठ पर्यावरणविद् ने उद्‌घाटन सत्र के दौरान मुख्य व्याख्यान दिए, एम्स, 16 नवंबर 2015; ऑसटोमी सोसाइटी ऑफ इंडिया की वार्षिक साधारण निकाय बैठक के उद्‌घाटन सत्र के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में, एम्स, 15 नवंबर 2015;।

अस्पताल कचरा प्रबंधन एवं इन्फेक्शन कंट्रोल (आई.एस.एच.डब्ल्यू.एम.सी.ओ.एन. 2015) विषय पर अस्पताल प्रशासन विभाग एवं इंडियन सोसाइटी ऑफ हॉस्पिटल बेस्ट मैनेजमेंट द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित अंतरर्राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र के दौरान वक्ता, एम्स, नई दिल्ली, 14 नवंबर 2015; मेडिकल राइट्र्स फोरम, एम्स द्वारा आयोजित मेडिकल राइट्र्स मीट के उद्घाटन सत्र के दौरान मुख्य अतिथि, एम्स, 14 नवंबर 2015; भारत में आई.सी.यू. में क्लेक्टिव कम्पिटेंस को विकसित करने पर उद्घाटन सत्र के दौरान प्रमुख व्याख्यान, मिलेनियम में क्रिटिकल केयर एडवांसिस (एकारीडॉन 2015) पर तृतीय वार्षिक सम्मेलन, नई दिल्ली, 8 नवंबर 2015;। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन, नई दिल्ली द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय दवा मॉनीटरिंग हेतु विश्व स्वास्थ्य संगठन कार्यक्रम में नेशनल फार्मेकोविजिलेंस केन्द्रों की सहभागिता के प्रतिनिधियों की 38वीं वार्षिक सभा के समापन सत्र के दौरान वक्ता, 6 नवंबर 2015; मुख्य अतिथि, उद्घाटन सत्र, डॉ. बी.आर.ए.आई.आर.सी.एच. एवं ओ.एन.ए.आई. दिल्ली अध्याय, एम्स, नई दिल्ली द्वारा 17वां राष्ट्रीय ऑनकोलॉजी नर्सिंग सम्मेलन 2015, 5 नवंबर 2015; ट्रांसलेशनल कैंसर अनुसंधान में सरकारी निजी सहभागिता पर पैनल विचार विमर्श के संचालक, मोलिक्यूलर ऑन्कोलॉजी एवं ट्रांसलेशनल कैंसर अनुसंधान पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरानः 3 बीएस बेंच, बेडसाइड एवं बिजनेस, नई दिल्ली 1 नवंबर 2015; वक्ता, नार्थ सेंट्रल रेलवे कॉलेज की एलमिनाई मीट, टुंडला, फरीदाबाद, 1 नवंबर 2015; संवेदनाहरण तकनीकविद् की प्रथम कार्यशाला के दौरान प्रेरक व्याख्यान के लिए मुख्य अतिथि, संवेदनाहरण विभाग, एम्स, 1 नवंबर 2015; तृतीय एम्स तंत्रिका अभिघात सम्मेलन, (ए.एन.टी.सी. 2015) के उद्घाटन सत्र के दौरान वक्ता, तंत्रिका शल्य चिकित्सा विभाग, एम्स, 29 अक्टूबर 2015; भारत में अस्पताल पूर्व उपचार पर प्रमुख व्याख्यान, एम्स, 31 अक्टूबर 2015; उद्घाटन सत्र के दौरान मुख्य अतिथि आपातकालीन विकिरण विज्ञान सोसाइटी (एस.ई.आर. 2015) का दूसरा वार्षिक सम्मेलन, विकिरण निदान विभाग, एम्स, नई दिल्ली, 31 अक्टूबर 2015; सम्मानित अतिथि, रेड क्रॉस की अंतरराष्ट्रीय समिति (आई.सी.आर.सी.), भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी (आई.आर.सी.एस.) विश्व स्वास्थ्य संगठन एवं एम्स पी.एच.एफ.आई. के सहयोग से आपदा प्रबंधन, ट्रॉमा एवं मास कैजुअलटी पर अधिकांश लोगों के लिए प्रथम स्वास्थ्य आपातकालीन कोर्स (हेल्प) का उद्घाटन सत्र, नई दिल्ली, 28 अक्टूबर 2015; प्रशांत निलयम, पुट्टपरथी, आंध्र प्रदेश, भगवान श्री सत्य साईं बाबा के 90 वें वर्ष के आगमन पर श्री सत्य साईं ट्रस्ट द्वारा सामान्य अस्पताल को नया पब्लिक ओ.पी.डी. ब्लॉक समर्पित करने के समारोह के दौरान मुख्य अतिथि, 23 अक्टूबर 2015; नए एम्स के प्रबंधन की उच्च अधिकार समिति की तीसरी बैठक 22 अक्टूबर 2015 को एम्स में आयोजित की गई, एम्स; नए एम्स के प्रबंधन की उच्च अधिकार समिति की दूसरी बैठक 19 अक्टूबर 2015 को आयोजित की गई, एम्स;, एम्स के कामकाजी समूह द्वारा एम्स के गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम पर चौथी कार्यशाला आयोजित, एम्स, 19 अक्टूबर 2015, एम्स; 43वां एम्स दीक्षांत समारोह आयोजित एवं संचालित किया गया, निदेशक की रिपोर्ट दी गई, भारत सरकार के वित्त मंत्री, श्री अरुण जेटली, मुख्य अतिथि थे, भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्री की अध्यक्षता में 552 सफल विद्यार्थियों को क्रमशः उपाधियां प्रदान की गई 18 अक्टूबर 2015; तीसरा ऑफीसेकॉन 2015 (नेत्र संवेदनाहरण तकनीकी एवं लाइव कार्यशाला), संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, पीड़ा चिकित्सा एवं गहन उपचार, एम्स, नई दिल्ली, 17 अक्टूबर 2015; विश्व गठिया दिवस 2015 के अवसर पर गठिया रोग एवं गठिया विकारों के लिए जागरूकता जगाने हेतु सार्वजनिक जागरूकता पैनल विचार विमर्श के उद्घाटन सत्र के दौरान मुख्य अतिथि, रूमेटोलॉजी विभाग, एम्स, 12 अक्टूबर 2015; सामर्थ्य आधारित पाठ्यक्रम पर कार्यशाला उद्घाटन सत्र के दौरान मुख्य अतिथि, एम्स, 12 अक्टूबर 2015; अतिथि राष्ट्रीय संकाय, भारतीय शल्य चिकित्सक संघ के उत्तर अध्याय पर 32वां वार्षिक सम्मेलन, शोभा सिंह सभागार, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, कागंडा, टांडा, हिमाचल प्रदेश 9–11 अक्टूबर 2015, लाइव ऑपरेटिव कार्यशाला के दौरान लैपरोस्कोपिक कॉलेसिटेक्टॉमी की गई, ग्रोइन हर्निया की लैपरोस्कोपिक टी.ई.पी. रिपेयर की गई, इनसीजनल हर्निया की लैपरोस्कोपिक रिपेयर की गई, 9 अक्टूबर 2015; उद्घाटन सत्र के दौरान सम्मानित अतिथि, 10 अक्टूबर 2015; मुख्य अतिथि, भारतीय आहारविज्ञान संघ (दिल्ली अध्याय) द्वारा मिरगी में आहार चिकित्सा के साथ कीटोजेनेटिक डाइट्स पर जोर विषय पर कार्यशाला का उद्घाटन सत्र आयोजित किया गया, एम्स, नई दिल्ली, 3 अक्टूबर 2015; इनडूसैम

2015 के उद्घाटन सत्र के दौरान मुख्य अतिथि आपात चिकित्सा पर 11वीं भारतीय–संयुक्त अमेरिका सम्मेलन 30 सितम्बर–5 अक्टूबर 2015, एम्स, 3 अक्टूबर 2015; डी.जी., भारतीय डाक के द्वारा आपातकालीन उपचार पर स्मारक डाक स्टैम्प जारी की गई; हृदय रोग विज्ञान विभाग, एम्स तथा पब्लिक हेल्थ एवं प्रिवेन्टिव मेडिसन विभाग, जे.एन.यू. द्वारा संयुक्त रूप से मोबाइल कार्डियक एप की शुरूआत, दिशा निर्देश एवं पत्रिका तथा अंग दान एवं हृद् प्रत्यारोपण संगोष्ठी के दौरान मुख्य अतिथि, नई दिल्ली, 3 अक्टूबर 2015; भारत में वैश्विक परिप्रेक्ष्य के साथ ट्रॉमा उपचार सेवा की स्थिति पर पूर्व–सम्मेलन (इंदूसैम 2015) गोल मेज चर्चा, सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली, 2 अक्टूबर 2015; ट्रॉमा एवं गंभीर उपचार में टीम संकल्पना पर पूर्व–सम्मेलन (इन्दूसैम–2015) कार्यशाला के उद्घाटन सत्र के दौरान मुख्य अतिथि, सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली, 2 अक्टूबर 2015; मैरी कीटली, यू.के. ऑफ माइंड एसोसिएट्स, द्वारा संचालित कार्य एवं रोगी उपचार में मानवीय कारकों पर पूर्व–सम्मेलन (इन्दूसैम–2015) कार्यशाला, एम्स, 2 अक्टूबर 2015; संयोजक एवं विचार विमर्श की अगुआई, भूटान, जापान, मालदीव, नेपाल, यू.के., संयुक्त राज्य अमेरिका की सहभागिता के साथ एशियन नेटवर्क का विकास करने की दिशा में सिफारिश करने के उद्देश्य से सार्क क्षेत्र में आपात ट्रॉमा उपचार सेवा पर पूर्व सम्मेलन (इन्दूसैम–2015) गोल मेज चर्चा, ट्रॉमा केन्द्र, नई दिल्ली, 1 अक्टूबर 2015; एम्स एवं माइंड एसोसिएट्स यू.के. द्वारा महिलाओं में मानसिक दृढ़ता एवं रेसीलेंट डॉक्टर, दक्षता नेतृत्व पर विचार करना विषय पर कार्यशाला के दौरान सहभागिता एवं मुख्य अतिथि; सम्मेलन कक्ष एम्स, 28–29 सितंबर 2015; एम्स तंत्रिका संवेदनाहरण अद्यतन 2015 के उद्घाटन सत्र के दौरान मुख्य अतिथि, एम्स, 26 सितंबर 2015; वर्ष 2015–2016 हीरक जयंती समारोह के भाग के रूप में डॉ. रा.प्र. नेत्र विज्ञान केन्द्र, एम्स द्वारा आयोजित कम दृष्टि में सहायक प्रौद्योगिकी विषय पर कार्यशाला के उद्घाटन सत्र के दौरान सम्मानित अतिथि 26 सितम्बर 2015; 2014 में समझौता ज्ञापन का अनुपालन करते हुए अनुषंगी सहयोगः एम्स के हीरक जयंती वर्ष का उद्घाटन, एम्स–ओसाका विश्वविद्यालय की संयुक्त रूप से कैडेवर कार्यशाला आयोजित, एम्स, नई दिल्ली 21–23 सितंबर 2015; भारत की सेरीब्रोवेस्कुलर सोसाइटी के 15वें वार्षिक सम्मेलन के उद्घाटन सत्र के दौरान मुख्य अतिथि, पंजाब, 19 सितंबर 2015; मुख्य अतिथि, उद्घाटन सत्र, भारत के कोलोन एवं रेक्टल सर्जंस (एक्रसीकॉन 2015) का 38वां वार्षिक सम्मेलन एवं ए.सी.आर.एस.आई. का दीक्षांत समारोह, नई दिल्ली, 18 सितंबर 2015; उत्तरी–क्षेत्र यूरोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया (एन.जेड.–यूसीकॉन) के 25वें वार्षिक सम्मेलन के उद्घाटन सत्र के दौरान मुख्य अतिथि, एस.के.आई.सी.सी., श्रीनगर, जम्मू कश्मीर, 17 सितंबर 2015; ए.एस. आई. मद्रास सिटी ब्रांच चेन्नई द्वारा आयोजित ट्रोमेटॉलॉजी एवं गंभीर उपचार के भारतीय संघ (आई.ए.टी. सी.सी) (ट्रॉमेसीकॉन 2015) के 5वें वार्षिक सम्मेलन के दौरान भारत में ट्रॉमा उपचार की वर्तमान स्थिति पर मुख्य अतिथि एवं अतिथि व्याख्यान दिया, 12–13 सितंबर 2015; मुख्य अतिथि, दीक्षांत समारोह संबोधन, निट्टी विश्वविद्यालय, मैंगलोर, कर्नाटक के 5वां वार्षिक दीक्षांत समारोह में, 5 सितंबर 2015; मुख्य अतिथि, उद्घाटन सत्र दिल्ली, स्त्रीरोग विज्ञान एन्डोस्कोपिस्ट्स सोसाइटी का वार्षिक सम्मेलन जिसका शीर्षक है–स्त्री जननक्षमता और उसके बाद, उत्कृष्टता की जांच, फेनिक्स–2015, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली, 29 अगस्त 2015; विश्व स्वास्थ्य संगठन तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सहयोग से विकसित राष्ट्रीय मौखिक स्वास्थ्य कार्यक्रम (एन.ओ.एच.पी.) हेतु वेबसाइट की शुरूआत, दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र (सी.डी.ई.आर.) एम्स, 27 अगस्त 2015; डॉ. रा.प्र. नेत्र विज्ञान केन्द्र, एम्स एवं स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा दृष्टिहीनता से बचाव हेतु राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत नेत्र एवं अंगदान कार्यक्रम के बारे में जागरूक करने के लिए 30वें राष्ट्रीय नेत्रदान पाक्षिक समारोह की शुरूआत, 26 अगस्त 2015; एम्स में प्रथम एडवांस्ड कार्डियक लाइफ सपोर्ट (ए.सी.एल.एस.) कार्यक्रम की शुरूआत, सिमुलेशन सुविधा एम्स, 26 अगस्त 2015; एम्स की गुणवत्ता सुधारने हेतु प्रथम कार्यशाला की शुरूआत, 22 अगस्त 2015; एम्स एन्थ्रोप्लास्टी सप्ताह के उद्घाटन सत्र के दौरान सम्मानित अतिथि, अस्थि रोग विज्ञान विभाग, एम्स, 22 अगस्त 2015; 69वे स्वतंत्रता दिवस के मौके पर एम्स में झंडारोहण एवं स्वतंत्रता दिवस व्याख्यान, 15 अगस्त 2015; मुख्य अतिथि, भारत के एन्डोस्कोपिक तथा लैपरोस्कोपिक शल्य चिकित्सकों (सेलसीकॉन 2015) के 8वें वार्षिक सम्मेलन के दौरान भाग लेने के लिए राष्ट्रीय अतिथि संकाय,

अंतरराष्ट्रीय सी.एम.ई. एवं लाईव कार्यशाला, कोचीन, केरल, 7–9 अगस्त 2015; ई–स्वास्थ्य उपचार में प्रौद्योगिकी का लागत प्रभावी उपयोग (सी.ई.यू.टी.ई.एच.–2015) विषय पर 5वें राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान सम्मानित अतिथि, 6 अगस्त 2015; मुख्य अतिथि, उद्घाटन सत्र, आई.ए.डी.वी.एल.–एम्स त्वचारोग विज्ञान रेजीडेन्ट डॉक्टर्स एवं स्नातकोत्तर अध्यापकों का सम्मेलन एम्स, नई दिल्ली, 1 अगस्त 2015; संयुक्त रूप से आयोजित संगोष्ठी के दौरान आस्ट्रेलिया–भारत ट्रॉमा प्रणाली सहयोग (ए.आई.टी.एस.सी.) के समय भारत में चोट की स्थिति पर प्रमुख व्याख्यान, एल्फर्ड अस्पताल, मेलबार्न, ऑस्ट्रेलिया, 29 जुलाई 2015; वक्ता, दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र (सी.डी.ई.आर.) तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय मौखिक स्वास्थ्य कार्यक्रम (एन.ओ.एच.पी.) हेतु राज्य के शीर्ष अधिकारियों की बैठक का उद्घाटन सत्र, एम्स, नई दिल्ली,13 जुलाई 2015; युवा वैज्ञानिकों की सोसाइटी (एस.वाई.एस.) द्वारा प्रकाशित संवाद पत्र का विमोचन किया गया, एम्स, 26 जून 2015; वक्ता, एम्स में उसके कर्मचारियों के लिए ब्रहम्कुमारियों द्वारा ध्यान (मेडिटेशन) और चिकित्सा पर कार्यशाला आयोजित की गई, एम्स 26 जून 2015; पिंक चाय कैंसर कॉनक्लेव 2015: पुर्नजीवन द्वारा एक पहल के दौरान पैनल सदस्य, विषयः विद्यालय के पाठ्यक्रम में धूम्रपान, लत और कैंसर पर अध्याय शामिल करना, 25 जून 2015; प्रथम अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह के बाद योग एवं आधुनिक चिकित्सा विषय पर विचार विमर्श करने हेतु लोक सभा टी.वी. के तकनीकी विशेषज्ञों द्वारा लाइव प्रसारण, नई दिल्ली, 21 जून 2015; वक्ता, एफ.आई.सी.सी.आई. एवं हिंदु शिक्षा बोर्ड द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित मेक इन इंडियाः उच्च शिक्षा नीति की रूपरेखा के दौरान स्कूल ऑफ इंटरनेशनल बॉयोडिजाइन, नई दिल्ली, 8 जून 2015; डॉ. टी.ई.उडवाडिया के द्वारा मुंबई में आई.ए.जी.ई.एस. के जरिए लैपरोस्कोपिक कॉलेसिटेक्टॉमी का 25वां स्मरण समारोह मनाया गया, भारतीय स्वास्थ्य मंत्री द्वारा बधाई दी गई एवं लैपरोस्कोपिक शल्य चिकित्सा दक्षता शीर्षक पर विचार विमर्श किया गया, 31 मई 2015; डॉ. राजेन्द्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केन्द्र, एम्स द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय रेटीनोब्लास्टोमा सप्ताह के मौके पर बच्चों में रेटीनोब्लास्टोमा का जल्दी पता लगाने और बचाव हेतु सार्वजनिक जागरूकता पर पैनल विचार विमर्श–सार्वजनिक व्याख्यान के दौरान मुख्य अतिथि एवं पैनल सदस्य, 15 मुई 2015; मुख्य अतिथि, जे.पी. एन.ए.ट्रॉमा केन्द्र, एम्स की नर्सों द्वारा आयोजित नर्स दिवस समारोह, जिसका शीर्षक है–गुणवत्ता आशवासन, हाथों की सफाई के बारे में जागरूकता, सुरक्षित भोजन, चोट से बचाव घाव उपचार एवं रोगी सुरक्षा आदि, 12 मई 2015; सी.एस.आर. के तहत टी.सी.एस. के सहयोग से एम्स का डिजिटाइजेशन आई. सी.टी. के माध्यम से एम्स का रूपांतरण के बारे में एम्स के संकाय एवं विभागाध्यक्षों को सम्मिलित करके की गई कार्यशाला के दौरान परिचयात्मक संबोधन,एम्स, 12 मई 2015; तंत्रिका शल्य चिकित्सा विभाग, एम्स द्वारा जटिल स्पाइन शल्य चिकित्सा पर 5वीं लाइव ऑपरेटिव कार्यशाला के दौरान मुख्य अतिथि, 9 मई 2015; आधार कार्ड (यू.ए.आई.डी.) से जुड़ा हुआ एन.आई.सी. द्वारा विकसित ऑनलाईन ओ.पी.डी. रजिस्ट्रेशन सिस्टम की शुरूआत करने हेतु अतिथि, एम्स, 7 मई 2015; मुख्य व्याख्यान दिया गयाः ट्रॉमाः 21वी सदी की महामारी ट्रॉमा उपचार की ओर एक पहुंचः सी.एम.ई. रीसस्कीटेशन–2015 के राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य के दौरान, संवेदनाहरण एवं गंभीर उपचार विभाग, बेस अस्पताल, दिल्ली कैंट, 2 मई 2015; प्रमुख व्याख्यान दियाः चिकित्सीय इलेक्ट्रोनिकी एवं उपकरण के वैश्विक सम्मेलन सत्र के दौरान मेक इन इंडियाः मितव्यय स्वास्थ्य उपचार नवोन्मेष स्टेनफोर्ड भारत बायोडिजाइन, अंतरराष्ट्रीय बायोडिजाइन स्कूल, एम्स, नई दिल्ली, 2 मई 2015; क्विक हॉटस्पॉट इंट्रा– एब्डॉमिनल पॉलीप्रोपीलीनः क्या यह उचित है? पर अंतरराष्ट्रीय अतिथि संकाय की वार्ता एवं वैज्ञानिक सत्र मैश की अध्यक्षताः वर्तमान में और अधिकतर भविष्य में पेपर प्रस्तुती फ्री पेपर्स : लैप टी.ई.पी. सुधार–तृतीयक उपचार केन्द्र में 10 वर्ष का अनुभव एवं भावी यादृच्छिक परीक्षण अध्ययन के दीर्घ कालीन परिणाम की तुलना, चिरकारी दर्द, जीवन की गुणवत्ता और मूल्य–मैश फिक्सेशन की दो तकनीकियों के बाद प्रभावकता– एब्सॉरेबल ट्रैकर्स बनाम–नॉन एब्जॉरेबल –इनसीजनल एवं वेन्टरल हरनीया के लैपरोस्कोपिक मैश रिपेयर हेतु; पोस्टर प्रदर्शनः टी.ई.पी. बनाम लैपरोस्कोपिक इंगुयीनल हर्निया रिपेयर के परिणामों की तुलना का भावी यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, एब्डॉमीनल वॉल हर्निया सर्जरी पर प्रथम विश्व सम्मेलन, मीलान सम्मेलन केन्द्र, मीलान, इटली, 25–29 अप्रैल 2015 ; हैल्दी एजिंग इंडिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित कैंसर से जीवित बचे बुजुर्गों के लिए दूसरी वार्षिक वॉक–ए–थॉन को एम्स से सिरीफोर्ट

तक झंडा दिखाया गया तथा वृद्ध लोगों को स्वास्थ्य उपचार देने विषय पर कार्यशाला का उद्घाटन सत्र, 19 अप्रैल 2015; उद्घाटन सत्र, मनोचिकित्सा विभाग एवं विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा आयोजित आई.सी.डी–11 लैंगिक विकारों के वर्गीकरण पर तकनीकी बैठक, एम्स, नई दिल्ली, 14 अप्रैल 2015; उद्घाटन सत्र, विश्व स्वास्थ्य संगठन, कॉलम्बिया विश्वविद्यालय एवं एम्स, नई दिल्ली द्वारा मानसिक स्वास्थ्यः लिंग, युवा एवं सामाजिक न्याय विषय पर वैश्विक संगोष्ठी आयोजित की गई; 13 अप्रैल 2015; मुख्य अतिथि, उद्घाटन सत्र, तंत्रिका विभाग द्वारा आयोजित ट्रॉपीकॉन 2015, भारतीय तंत्रिका विज्ञान अकादमी का ट्रॉपिकल न्यूरोलॉजी सेक्शन, नई दिल्ली, 11 अप्रैल 2015; मुख्य अतिथि, फ्राइडरीच अटैक्सिया और स्वास्थ्य एवं रोग मे डी.एन.ए. संरचना पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन सत्र, जैवरसायन विभाग, एम्स, 11 अप्रैल 2015; वक्ता, अंतरराष्ट्रीय सड़क परिसंघ के सहयोग से सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय (एम.ओ.आर.टी.एच.) द्वारा आयोजित भारतीय अध्याय के लिए अखिल भारतीय राज्य सरकारों की बैठक, ट्रॉमा उपचार एवं गोल्डन आवर के समय लिए जाने वाली फर्स्ट ऐड ट्रॉमा उपचार पर भारी वाहन के चालकों को प्रशिक्षित करना, नई दिल्ली, 10 अप्रैल 2015; आई.सी.डी.–10 का रीवीजन मानसिक और व्यवहारिक विकारों के लिए फील्ड स्टडीज कॉर्डिनेशन ग्रुप की अंतरराष्ट्रीय बैठक का उद्घाटन सत्र, मनोचिकित्सा विभाग, एम्स, 10 अप्रैल 2015; मुख्य अतिथि, एपिलेप्सी न्यूरोबायोलॉजी एवं क्रियात्मक कार्यशाला, एडवांस्ड लाइव एपिलेप्सी सर्जरी का उद्घाटन सत्र, सम्मेलन कक्ष, एम्स, 9 अप्रैल 2015;।

डॉ. आदर्श कुमार त्रिभुवन विश्वविद्यालय, काठमांडू, नेपाल में 8–9, दिसंबर 2015 को आयोजित किए गए अंतरराष्ट्रीय विज्ञान कांग्रेस एसोसिएशन द्वारा 5वीं अंतरराष्ट्रीय विज्ञान महासम्मेलन (आईएससी–2015) के दौरान विषय बीइंग मेडिकल डिटेक्टिव द चैलेंजिस एण्ड प्रोस्पेक्ट्स, मिथ्स एण्ड रियलिटीज़ के आयोजन पर डॉ प्रीति चौधरी मेमोरियल व्याख्यान वितरित किया; त्रिभुवन विश्वविद्यालय, काठमांडू, नेपाल में आयोजित 5वीं अंतरराष्ट्रीय विज्ञान महासम्मेलन (आईएससी–2015) में 8–9 दिसंबर, 2015 को आयोजित 5वें सम्मेलन में अंतरराष्ट्रीय विज्ञान महासम्मेलन संघ की अध्येतावृत्ति से सम्मानित किया; एशिया–प्रशांत मेडिको लीगल एसोसिएशन और रेड क्रॉस अंतरराष्ट्रीय समिति (आई सी आर सी) द्वारा 17 देशों में शामिल पूरे एशिया–प्रशांत क्षेत्र के लिए कंस्टोडियल डेथ एण्ड कंस्टोडियल टॉर्चर जांच में दिशानिर्देशों की तैयारी के लिए उप–समिति का अध्यक्ष नामित किया; राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के मेडिकोलीगल विशेषज्ञ; केंद्रीय जांच ब्यूरो के मेडिकोलीगल विशेषज्ञ; अंतरराष्ट्रीय संपादकीय बोर्ड के सदस्य – एडली टिप बुलेटिन – तुर्की, एसोसिएट एडीटर – मेडिकोलीगल अपडेट, वेब संपादक – स्वास्थ्य अनुसंधान एवं मेडिकोलीगल अभ्यास की अंतरराष्ट्रीय पत्रिका, संपादकीय बोर्ड के सदस्य – भारतीय विष विज्ञान सोसाइटी की पत्रिका (कर्नाटक मेडिकोलीगल सोसाइटी की पत्रिका, दक्षिण भारत मेडिकोलीगल संघ की पत्रिका, समुदाय और परिवार चिकित्सा की भारतीय पत्रिका, फोरेंसिक और विष विज्ञान की भारतीय पत्रिका)।

डॉ. अतिन कुमार को 2016 में भारतीय रेडियोलॉजिकल और इमेजिंग एसोसिएशन के दिल्ली राज्य अध्याय द्वारा शैक्षिक उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया; भारतीय रेडियोलॉजिकल और इमेजिंग संघ द्वारा आपातकाल और आघात के उप–विशिष्टता अध्याय के प्रमुख के रूप में नियुक्त।

डॉ. बबीता गुप्ता स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, निर्माण भवन, नई दिल्ली में 28 मार्च 2016 को डॉ. बबीता गुप्ता द्वारा संपादित ट्रॉमा एनेस्थिसिया और गहन उपचार की देखभाल की अनिवार्य पुस्तकों का विमोचन माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, श्री जे. पी. नड्डा जी द्वारा किया गया। अध्यक्ष : एनेस्थिसियोलॉजी और नैदानिक औषध सम्मेलन के सत्र अल्प ईएफ और टीएचआर, टाइट बनाम नॉन टाइट ग्लाइसेमिक नियंत्रण, रिसर्च सोसायटी के लिए, 4 अक्तूबर 2015, श्री गुरु राम दास चिकित्सा विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान, श्री अमृतसर, अमृतसर।

छवि साहनी विभिन्न संबद्ध स्वास्थ्य सेवाओं (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय) के राष्ट्रीय पाठ्यक्रम कार्यबल की सदस्य थीं। जेरियाट्रिक मेडिसिन के सिद्धांतों और अभ्यास पर पुस्तक में जेरियाट्रिक ट्रामा पर अध्याय लिखा था।

कपिल देव सोनी ने स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय से बुनियादी सांख्यिकी का प्रमाण पत्र प्राप्त किया; शल्य चिकित्सा ट्रॉमा एवं गंभीर उपचार विभाग में सुश्री मीनू कुमारी की पीएच.डी. की थीसिस में डॉक्टरल की समिति के सदस्य। सीने में दर्द के साथ रोगियों के परिणाम में टी सहायक कोशिकाओं और न्यूट्रोफिल की भूमिका; मैकेनिकली वेंटिलेटिड वाले रोगियों में डायाफ्रामेटिक स्ट्रेंथ और मोटाई पर मध्यच्छद तंत्रिका उत्तेजना की शल्य चिकित्सा अभिघात और गंभीर उपचार प्रभाव विभाग में श्री अल्ताफ पीएच.डी. की थीसिस में डॉक्टरल समिति के सदस्य और मार्गदर्शक; एआईटीएससी के एक भाग के रूप में अभिघात रजिस्ट्री का विकास; अभिघात 2 (टीसी2) गहन चिकित्सा इकाई का उन्नयन।

केशव गोयल एम्स उन्नत जीवन देखभाल सहायता (एसीएलएस) की कोर संकायों के सदस्य थे। जेपीएनएटीसी, नई दिल्ली में सितंबर 2015 को परिचयात्मक पाठ्यक्रम; दिसम्बर 2015 से जेपीएनएटीसी में आयोजित एम्स अल्ट्रासाउंड लाइफ समर्थन पाठ्यक्रम (एयूएलटीएस) प्रशिक्षक पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पारित किया; अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन (एएचए) से प्रशिक्षक पाठ्यक्रम में बीएलएस और उन्नत कार्डियक जीवन समर्थन पाठ्यक्रम (एसीएलएस) के अद्यतनों को सफलतापूर्वक पारित किया; जेपीएनएटीसी, नई दिल्ली में बीईसीसी अगस्त, 2015 के पाठ्यक्रम निदेशक।

नवदीप सोखल : एनआरडीसी द्वारा पेटेंट व्यावसायीकरण : मेक इन इंडिया के तहत एनआरडीसी के अनुसंधान और विपणन समिति द्वारा व्यावसायीकरण हेतु प्रभावी वेंटिलेशन की निगरानी के लिए मेरे पेटेंट आवेदन सांस के नमूना लाइन को स्वीकार किया गया है।

पूर्वा माथुर ने शोध पत्र के लिए मौखिक प्रस्तुति में पहला पुरस्कार जीता : भारत में एक एपेक्स ट्रामा सेंटर के आईसीयू न्यूरोट्रॉमा से लेक्टेमस उत्पादन ग्राम नकारात्मक नोसोकोमियल रोगजनकों का आण्विक महामारी विज्ञान अध्ययन, दिल्ली। तीसरा एम्स न्यूरोट्रॉमा सम्मेलन, 28–31 अक्तूबर 2015, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली; सर्वोत्तम पोस्टर के लिए प्रथम पुरस्कार : भारत में एक एपेक्स ट्रॉमा सेंटर से बीटा – लेक्टेमस ग्राम नकारात्मक नोसोकोमियल रोगजनकों की प्रतिरोध प्रोफाइल, एसोसिएशन ऑफ मेडिकल माइक्रोबायोलॉजिस्ट – दिल्ली अध्याय, 23 अप्रैल 2016, आर्मी अस्पताल (रिसर्च एंड रेफरल) दिल्ली, भारत; पोस्टर के लिए दूसरा पुरस्कार : भारत में बीटा हिमोलाइटिक स्ट्रेप्टोकोकी में रोगाणुरोधी प्रतिरोध, 23 अप्रैल 2016, आर्मी अस्पताल (रिसर्च एंड रेफरल) नई दिल्ली।

अरुलसेल्वी एस. प्रयोगशाला चिकित्सकों की पत्रिका के लिए सहायक संपादक; प्रयोगशाला चिकित्सकों की पत्रिका की समीक्षक (जेएलपी); इंडियन जर्नल ऑफ ऑर्थोपेडिक्स (आईजेओ) की समीक्षक; ब्रिटिश जर्नल ऑफ रिसर्च नोट्स की समीक्षक; आईसीएमआर और डीबीटी वित्त पोषित परियोजनाओं के लिए अनुसंधान सलाहकार समिति के सदस्य; जेपीएनएटीसी, एम्स, स्टोर खरीद समिति आदि की सदस्य थीं; विभिन्न पीजी पाठ्यक्रमों के लिए परामर्श समिति की सदस्य, 11–19 जून और 23 जुलाई, 2015; मणिपुर स्वास्थ्य सेवा ग्रेड 3 विशेषज्ञ चिकित्सा अधिकारियों के लिए उपयुक्त प्रत्याशियों के चयन साक्षात्कार के लिए व्यक्तित्व परीक्षण के बोर्ड के सदस्य – स्वास्थ्य विभाग में विकृति विज्ञान और ब्लड बैंक, मणिपुर सरकार (8.8.15); एलएचएमसी, दिल्ली (दिसंबर, 2015) में एमबीबीएस (पैथोलॉजी) परीक्षा के लिए बाह्य परीक्षक; जेपीएनएटीसी रक्त बैंक, एम्स के

लिए आयोजित रक्तदान शिविर; एम्स में एमडी ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन आरंभ करने के लिए समिति; जेपीएनएटीसी एम्स में सीएफ समिति; जेपीएनएटीसी, एम्स में जांच समिति।

संजीव के. भोई ने एम्स, ट्रॉमा सेंटर में मजबूत आपातकालीन और आघात देखभाल की सुविधा विकसित करने के लिए अमेरिका के राष्ट्रपति बराक ओबामा द्वारा पुरस्कार प्राप्त किया; नई दिल्ली में नर्सों के लिए एम्स ट्रॉमा अल्ट्रासाउंड जीवन सहयोग पाठ्यक्रम; एम्स गंभीर उपचार सोनोग्राफी पाठ्यक्रम।

शिवानंद गामनगाटी को आईआरआईए के इंदौर शाखा द्वारा डॉ. एम. एस. द्विवेदी व्याख्यान से सम्मानित किया गया।

सुमित सिन्हा ने शोध शीर्षक के लिए मूलभूत विज्ञान श्रेणी में सर्वोत्तम शोध पुरस्कार जीता – 'रोल ऑफ ह्यूमन अम्बिलीकल कॉर्ड ब्लड स्टेम सेल एण्ड न्यूरल स्टेम सेल इन न्यूरोनल रिजनरेशन एण्ड फंक्शन रिस्टोरेशन : ए कम्पेरेटिव स्टडी इन मेल एडल्ट रैट्स विद एक्यूट स्पाइनल कॉर्ड इंजुरीज़' 15–20 मई 2016 को स्पाइन सप्ताह, सिंगापुर; शोध शीर्षक के लिए मूलभूत विज्ञान श्रेणी में सर्वोत्तम शोध पुरस्कार जीता – 'रोल ऑफ ह्यूमन अम्बिलीकल कॉर्ड ब्लड स्टेम सेल एण्ड न्यूरल स्टेम सेल इन न्यूरोनल रिजनरेशन एण्ड फंक्शन रेस्टोरेशन : ए कम्पेरेटिव स्टडी इन मेल एडल्ट रैट्स विद एक्यूट स्पाइनल कॉर्ड इंजुरीज़' 28–31 अक्तूबर 2015 को वार्षिक न्यूरोट्रॉमा सम्मेलन, नई दिल्ली में सर्वोत्तम शोध पुरस्कार जीता; डब्ल्यूसीएनएस संस्था ने 2016 सम्मेलन के दौरान बीपीआई पर अपनी पहली पुस्तक का शुभारंभ किया गया। इस पुस्तक में ब्रेकियल प्लेक्सस चोट और परिधीय तंत्रिकाओं पर अपने ज्ञान को बढ़ाने के लिए प्रशिक्षु के लिए विशाल डोमेन जानकारी उपलब्ध है। उपक्रमों को प्रचलित करने के लिए यह न्यूरॉन सर्जन, हैंड सर्जन, और प्लास्टिक सर्जनों के लिए भी लाभकारी है। संभावित प्रोफेसरों ने इस पुस्तक में अपने जीवन भर का उपक्रम साझा किया है। आईएसपीएनएस संस्था के भविष्य में बीपीआई के क्षेत्र में अधिक साहित्य प्रकाशित करेंगे।

तेज प्रकाश सिन्हा ने सक्रिय रूप से नए प्रशिक्षण मॉड्यूल को डिजाइन करने में मदद की :– एम्स अल्ट्रासाउंड ट्रॉमा लाइफ, नई दिल्ली।

विवेक त्रिखा भारतीय आर्थोपेडिक एसोसिएशन के आर्थोपेडिक्स राष्ट्रीय पत्रिका (पबमेड अनुक्रमित जर्नल) की भारतीय पत्रिका के सह–संपादक थे; उन्होंने जून 2015 के माह में ब्रिटेन के विभिन्न अस्पतालों में आईओएस – ब्रिटेन कनिष्ठ अध्येतावृत्ति 2 सप्ताह प्रशिक्षण पूरा किया।

10.6 राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र

आचार्य एवं अध्यक्ष
एस. के. खंडेलवाल

आचार्य

राका जैन | राकेश लाल | अंजू धवन

अपर आचार्य

सोनाली झांजी | अतुल अम्बेडकर

सह आचार्य

नानाजी काव (जून 2015 तक)

सहायक आचार्य

यतन पाल सिंह बालहारा	गौरी शंकर कालोइया	रविन्द्र राव
प्रभु दयाल	अश्वनी के. मिश्र	जय सिंह यादव (8 अक्तूबर 2015 तक)
रचना भार्गव	बिश्वदीप चटर्जी	आलोक अग्रवाल
रिजवाना कुरैशी	पियाली मंडल	सिद्धार्थ सरकार

वैज्ञानिक

अनीता चोपड़ा | हेम सेठी (30 सितम्बर 2015 तक)

चिकित्सा सामाज सेवा अधिकारी

ब्रहम प्रकाश | दीपक यादव | रत्नेश कुमार

लेखा अधिकारी
मीनाक्षी डबराल

प्रशासनिक अधिकारी

के. पी. सिंह (7 मार्च 2016 तक) | रजी जावेद (8 मार्च 2016 से)

सहायक नर्सिंग अधीक्षक

मरियम सेबस्टियन | मंजू अरोड़ा

भंडार अधिकारी
भवानी राम

विशिष्टताएं

राष्ट्रीय औषधि निर्भरता उपचार केन्द्र (एनडीडीटीसी) द्वारा नैदानिक उपचार सेवाएं, क्षमता निर्माण, अनुसंधान (उपचार मॉडलों के विकास सहित), नीति तथा नियोजन के क्षेत्र में कार्य पूरा किया गया है। वर्ष 2015–16 के दौरान केंद्र ने नशीली दवाओं के दुरुपयोग के क्षेत्र में उपचार, प्रशिक्षण और अनुसंधान के संबंध में प्रगति की है। एनडीडीटीसी द्वारा मादक पदार्थ के उपयोग पर केंद्र में डब्ल्यूएचओ के साथ सहयोग किया जा रहा है। गाजियाबाद परिसर, तीन समुदायिक क्लिनिकों तथा तीन विशेषज्ञों क्लिनिकों में सामान्य ओपीडी के माध्यम 6604 नए रोगी और 62,472 पुराने रोगियों सहित 2015–16 के दौरान कुल 69,076 रोगियों को देखा गया था। केन्द्र के संकाय सदस्यों ने राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (नाको), द ग्लोबल फंड टू फाइट एड्स, ट्यूबरकुलोसिस एण्ड मलेरिया (जीएफएटीएम), राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी), चाइल्ड लाइन, इंडिया (एक एनजीओ) आदि जैसे संगठनों द्वारा आयोजित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया। केन्द्र के संकाय सदस्यों ने राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय व्यावसायिक निकायों में महत्वपूर्ण पदों पर कार्य करने के साथ राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय संगठनों में तकनीकी विशेषज्ञ और प्रतिष्ठित पत्रिकाओं के संपादकीय मंडल में कार्य किया। अनेक संकाय सदस्यों को व्यासायिक सम्मान और पुरस्कार प्रदान किए गए हैं। केंद्र ने विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों द्वारा 19 अनुसंधान परियोजनाओं का वित्तपोषण किया। इस अवधि के दौरान अभिजात समीक्षित राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में कुल 67 लेख और पुस्तकों / रिपोर्टों में 19 पुस्तक / अध्याय प्रकाशित किए गए थे। एनडीडीटीसी ने 18–19 अप्रैल 2015 को अपने वार्षिक दिवस समारोह के एक भाग के रूप में ''ऑपियॉइड सबस्टिट्यूशन थेरैपी (ओएसटी) : पॉलिसी एण्ड प्रैक्टिस'' एक राष्ट्रीय सीएमई कार्यक्रम का आयोजन किया। जनवरी 2016 से एनडीडीटीसी में एडिक्शन मनोरोग में मेडिसिन के डॉक्टरेट (डीएम) पाठ्यक्रम की शुरूआत की। हाल ही में अक्तूबर 2015 में आईएसएएम वार्षिक बैठक (इंटरनेशनल सोसायटी ऑफ एडिक्शन मेडिसिन) आयोजित की, एनडीडीटीसी ने वर्ष 2019 के लिए नई दिल्ली में आईएसएएम की वार्षिक बैठक में सफलतापूर्वक निविदा की मेजबानी की।

शिक्षा

स्नातक पूर्व

एमबीबीएस छात्रों को उनके मनोरोग विभाग में तैनाती के दौरान केन्द्र पर एक दिन के लिए तैनात किया जाता है।

स्नातकोत्तर

एम. डी. (मनोचिकित्सा) करने वाले छात्रों की तैनाती 6 माह के लिए की जाती है।
केन्द्र एडिक्शन साइकियाइट्री में डीएम और पीएचडी भी प्रदान करता है।

पीएच डी के लिए शैक्षिक कार्यक्रम

1. *जर्नल चर्चा – साप्ताहिक
2. *सेमिनार – साप्ताहिक
3. *रोगी सम्मेलन – साप्ताहिक
4. *संकाय / स्टाफ प्रस्तुतीकरण – साप्ताहिक
5. *प्रत्येक सेमिस्टर में दो सी. सी. आर. और सी. जी. आर – साप्ताहिक
6. सेमिनार / जर्नल क्लब – साप्ताहिक (एनडीडीटीसी, गाजियाबाद में)

** ये मनोचिकित्सा विभाग और केन्द्र की संयुक्त गतिविधियां हैं।*

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा /कार्यशाला / संगोष्ठी/राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

प्रदत्त व्याख्यान

एस. के खंडेलवाल : 11	राकेश लाल : 4	अंजु धवन : 8	सोनाली झांजी : 2
अतुल अम्बेडकर : 13	यतन पाल सिंह बलहारा : 36		गौरी शंकर कालोइया : 6
रविन्द्र राव : 5	प्रभु दयाल : 1		अश्वनी कुमार मिश्र : 4
रचना भार्गव : 6	आलोक अग्रवाल : 6		बिश्वदीप चटर्जी : 4

मौखिक शोध पत्र/ पोस्टर की प्रस्तुतिः 42 (एक सर्वोच्च शोध पुरस्कार शामिल)

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. नोडल क्षेत्रीय उपचार एवं प्रशिक्षण केन्द्र परियोजना, एस.के. खंडेलवाल एआईडीएस के लिए वैश्विक निधिकरण, टीबी और मलेरिया; राउंड 9, 3 वर्ष, 2012–16.
2. ई–स्वास्थ्य परियोजना : www.alcoholwebindia.org, एस.के. खंडेलवाल, विश्व स्वास्थ्य संगठन, अनिश्चितकालीन।
3. नशीली दवाओं के विकास कार्य कार्यक्रम का सुदृढ़ीकरण, एस.के. खंडेलवाल, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, 3 वर्ष, 2014–17.
4. राष्ट्रीय तकनीकी प्रशिक्षण केन्द्र, एस.के. खंडेलवाल, फाइट एड्स के लिए वैश्विक निधिकरण, टीबी और मलेरिया–दौर 9, एचआईवी–आईडीयू परियोजना, 3 वर्ष, 2012–2016.

5. डीडीएपी सुदृढ़ीकरण के लिए योजना : डीटीसी की स्थापना, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, ड्रग डी–एडिक्शन कार्यक्रम (डीडीएपी). एस.के. खंडेलवाल, डीडीएपी, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, 3 वर्ष 2014–2017.
6. सड़क के बच्चों का मानचित्रण और आकार का आकलन, जो दिल्ली में नशीली दवाओं का उपयोग करते हैं, अंजू धवन, महिला एवं बाल विकास विभाग, दिल्ली सरकार, 1 वर्ष, सितंबर 2015–अगस्त 2016, 18,18,390 रु.।
7. ओपियॉइड सबस्टीट्यूशन थेरैपी (ओएसटी) के कार्यान्वयन पर एक ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का विकास और परीक्षण, अतुल अम्बेडकर, पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया, 2 वर्ष, 2014–2016, 12,69,000 रु.।
8. प्रिसक्रिप्शन ओपियॉइड के दुरुपयोग के साथ व्यक्तियों के लिए उपयोग का सामाजिक जनसांख्यिकीय और मनोसामाजिक प्रोफाइल तथा मंशा के एक क्रॉस सेक्शनल का मूल्यांकन अध्ययन, यतन पाल सिंह बल्हारा, आईसीएमआर, 15 माह, 2014–2015, 15,80,000 रुपए।
9. मादक पदार्थ के उपयोग के विकार से संबंधित मानसिक और विकलांगता के साथ युवा व्यक्तियों के बीच यौन रोग के प्रजनन और यौन स्वास्थ्य तथा प्रसार की स्थिति का तुलनात्मक अध्ययन, यतन पाल सिंह बल्हारा, आईसीएमआर, 18 माह, 2014–2016, 8,04,000 रुपए।
10. उत्तरी भारत में तृतीयक नशा मुक्ति केंद्र में तम्बाकू नशा उन्मूलन के लिए समूह की स्थापना में संज्ञानात्मक व्यवहार आधारित हस्तक्षेप, गौरी शंकर कालोइया, आईसीएमआर, 1 वर्ष, अगस्त 2015 – जुलाई 2016, 4,37,280 रुपए।
11. गैर मानसिक विकारों के साथ किशोरावस्था के बीच इंटरनेट का उपयोग करने की सीमा : एक मामला नियंत्रण अध्ययन, रचना भार्गव, एम्स, 2, 2015–2017, 80,000 रुपए।

पूर्ण

1. चूहों के मादक द्रव्य के निकलने पर नेलब्यूफिन का प्रभाव : व्यवहारात्मक, जैव रासायनिक और आण्विक अध्ययन, राका जैन, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, 42 माह, 2012–2015, 46,00,000 लाख रुपए।
2. भारत में मेथोडोन की पूर्व विपणन निगरानी, अतुल अम्बेडकर, रूसन फार्मास्युटिकल्स, 2 वर्ष, 2012–2014, 28,89,750 रु.।
3. ओपियॉइड और एल्कोहल डिपेंडेंस सिंड्रोम के बीच मेटाबोलिक सिंड्रोम की व्यापकता का एक तुलनात्मक अध्ययन, यतन पाल सिंह बल्हारा, एम्स, नई दिल्ली, 1 वर्ष (एक और वर्ष के लिए बढ़ाया गया), 2013–2016, 3,60,000 रुपए।
4. गैर कानूनी पदार्थ के उपयोग करने के विकार के लिए माध्यमिक और तृतीयक निवारण कार्यनीतियों की समीक्षा, यतन पाल सिंह बल्हारा, डब्ल्यूएचओ – एसईएआरओ, 2 माह, 2016, 3,48,000 रुपए।
5. दक्षिण पूर्व एशियाई क्षेत्र (एसईएआर) में शराब पीते हुए कार चलाने पर रुग्णता और मृत्यु दर से संबंधित साहित्य की समीक्षा, यतन पाल सिंह बल्हारा, डब्ल्यूएचओ – एसईएआरओ, 2 माह, 2015, 2,05,000 रुपए।
6. एक नशा मुक्ति केंद्र में उपचार की मांग व्यक्तियों के बीच शराब का उपयोग करने के लिए बोझ और सामाजिक–आर्थिक लागत कारण का आकलन, यतन पाल सिंह बल्हारा, डब्ल्यूएचओ – एसईएआरओ, 4 माह, 2015, 10,79,000 रुपए।

7. उनके मानसिक स्वास्थ्य में सुधार हेतु आपदा प्रबंधन में कार्यरत व्यक्तियों के लिए मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों की पहचान करने और सहायता प्रदान करना, यतन पाल सिंह बल्हारा, डब्ल्यूएचओ – एसईएआरओ, 2 माह, 2015, 2,77,000 रुपए।
8. आपदा की स्थापना में तत्काल मानसिक स्वास्थ्य की सुपुर्दगी और मनोवैज्ञानिक सामाजिक देखभाल के लिए क्षेत्र संचालन पर दिशानिर्देश का विकास, यतन पाल सिंह बल्हारा, डब्ल्यूएचओ – एसईएआरओ, 3 माह, 2016, 4,09,000 रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. किशोरावस्था में मादक द्रव्य सेवन के प्रबंधन के साथ संबद्ध कारकों में से एक 5 वर्ष पूर्वव्यापी अध्ययन।
2. एक तृतीयक देखभाल उपचार केंद्र से एचआईवी के जांच की सकारात्मक और नकारात्मक उपचार चाहने वालों के नैदानिक और प्रयोगशाला प्रोफाइल पर एक तुलनात्मक मूल्यांकन के आधार : एक पूर्वव्यापी चार्ट का विश्लेषण अध्ययन।
3. ब्यूप्रेनोर्फिन आधारित ओपियॉइड प्रतिस्थापन चिकित्सा पर रोगियों में उपयोग किए गए कैनबिस का एक क्रॉस सेक्शनल तुलनात्मक अध्ययन।
4. व्यक्तित्व प्रोफ़ाइल और युवाओं के बीच मानसिक स्वास्थ्य पर एक क्रॉस सेक्शनल तुलनात्मक अध्ययन, जो ड्रग का उपयोग करते हैं।
5. मादक द्रव्य सेवन, मनोरोग को मॉर्बिडिटी और जीवन की गुणवत्ता में मेथाडोन बनाम ब्यूप्रेनोर्फिन पर अनुरक्षित रोगियों के एक क्रॉस सेक्शनल, समुदाय आधारित तुलनात्मक अध्ययन।
6. ओपियॉइड निर्भरता के लिए नेलट्रेक्सॉन और ब्यूप्रेनोर्फिन उपचार में प्रवेश युवा वयस्कों के बीच उपचार में प्रतिधारण की एक प्राकृतिक तुलना।
7. क्रमिक प्रशिक्षण वर्ष भर में मनोरोग की ओर चिकित्सा स्नातक के व्यवहार का आकलन करने के लिए एक भावी अध्ययन।
8. भारत में प्राथमिक देखभाल की स्थापना में शराब का उपयोग करने के विकारों के लिए शराब का उपयोग करने के विकारों की पहचान जांच (एयूडीआईटी) सहायक संक्षिप्त हस्तक्षेप के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक भावी अध्ययन।
9. नशीली दवाओं पर निर्भरता उपचार केंद्र में एक तृतीयक देखभाल में रोगी उपचार की मांग करने वालों के बीच उपचार कम्प्लेटर्स और गैर– कम्प्लेटर्स की एक पूर्वव्यापी चार्ट समीक्षा।
10. शराब पर निर्भरता के साथ रोगियों में इसे बंद करने के दौरान सीरम बीडीएनएफ स्तरों का एक अध्ययन।
11. एक तृतीयक देखभाल केंद्र में मादक द्रव्य सेवन विकार रोगी में मांग के साथ सह रोगियों के बीच होने वाले मानसिक विकारों के प्रसार पर एक अध्ययन।
12. गैस–क्रोमैटोग्राफी–नाइट्रोजन फॉस्फोरस डिटेक्टर द्वारा पदार्थ प्रयोक्ताओं के मूत्र में कोटेनिन, पेंटाजोसिन और फेनिरेमाइन के एक साथ पता लगाने के लिए एक दक्ष पद्धति।
13. उपचार की मांग अफीम प्रयोक्ताओं के एक पर्यवेक्षणीय अध्ययन।
14. ब्यूप्रेनोर्फिन / ब्यूप्रेनोर्फिन – नेलॉक्सॉन संयोजन पाने वाले ओपियॉइड पर निर्भर रोगियों की जैव रासायनिक और हिमेटोलॉजिकल रूपरेखा का आकलन।
15. किशोर इनहेलेंट प्रयोक्ताओं में जैव रासायनिक उपायों का आकलन।

16. शहरी कॉलेज जाने वाली छात्राओं में मादक द्रव्य सेवन और संबद्ध कारकों का आकलन : एक खोजपूर्ण अध्ययन।
17. एक शहरी महिलाओं के कॉलेज में तंबाकू के इस्तेमाल के साथ जुड़े मादक पदार्थ का उपयोग और कारकों का आकलन – एक खोजपूर्ण अध्ययन।
18. शराब निर्भरता सिंड्रोम के साथ व्यक्तियों पर संज्ञानात्मक प्रतिनिधित्व और संज्ञानात्मक थेरेपी का प्रभाव।
19. भारत में किशोर बच्चों के लिए धूम्रपान करने, शराब पीने और तम्बाकू चबाने के लिए डेटा संग्रह की विधियां और महामारी विज्ञान मॉडलों से संबंधित तुलनात्मक मूल्यांकन।
20. सिरदर्द और चिंता विकार के साथ किशोरों में व्यक्तिगत बनाम समूह ट्रांसडायग्नोस्टिक संज्ञानात्मक व्यवहार चिकित्सा का तुलनात्मक अध्ययन।
21. एक समुदाय औषध उपचार क्लिनिक में ओपियॉइड एगोनिस्ट दवाओं पर ओपियॉइड निर्भर करने वाले अनुरक्षित रोगियों का पाठ्यक्रम और दीर्घकालिक परिणाम – एक चार्ट की समीक्षा।
22. अलग करने वाले आक्षेप में पृथक्करण के तंत्रिका संबद्ध पर क्रॉस सेक्शनल, नियंत्रित एफएमआरआई अध्ययन।
23. कानून के साथ संघर्ष में किशोरों के लिए संज्ञानात्मक व्यवहार आधारित हस्तक्षेप के मॉड्यूल का विकास।
24. विशिष्ट प्रशिक्षण विकार के लिए गृह आधारित हस्तक्षेप का विकास।
25. अलग करने वाले विकार के साथ किशोरों में मनोवैज्ञानिक हस्तक्षेप मॉड्यूल का विकास।
26. मनोचिकित्सा विभाग और राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केन्द्र (एनडीडीटीसी), अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली द्वारा वेब इंटरफेस का विकास।
27. राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के तहत ओपियॉइड प्रतिस्थापन चिकित्सा का आर्थिक विश्लेषण – एक क्रॉस सेक्शनल तुलनात्मक अध्ययन।
28. चूहों के मादक द्रव्य के रोकने पर नेलब्यूफिन का प्रभाव : व्यवहारात्मक, जैव रासायनिक और आण्विक अध्ययन।
29. मध्यम घाव मस्तिष्क की चोट में संज्ञानात्मक कार्य पर दोहराए गए ट्रांसक्रेनियल चुंबकीय उत्तेजना का प्रभाव।
30. ब्यूप्रेनोर्फिन रखरखाव पर रोगियों के बीच मध्यम / उच्च जोखिम एल्कोहल उपयोग के लिए जांच और संक्षिप्त हस्तक्षेप का प्रभाव : एक नैदानिक और एल्कोहल – बायोमार्कर अध्ययन।
31. एगोनिस्ट रखरखाव उपचार पर ओपियॉइड निर्भर रोगियों में धूम्रपान अवसान हस्तक्षेप की प्रभावकारिता।
32. तम्बाकू धूम्रपान करने वालों में क्यू प्रेरित लालसा के साथ जुड़े एफएमआरआई परिवर्तन।
33. एक तृतीयक देखभाल केंद्र में मोटापे के साथ रोगियों में मनोरोग मदों का परिमाण।
34. सड़क के बच्चों का मानचित्रण और आकार का आकलन, जो दिल्ली में नशीली दवाओं का उपयोग करते हैं।
35. चिंता और अवसाद के साथ रोगियों के प्रबंधन में मेटा–संज्ञानात्मक उपचार।
36. इयुथेमिक स्थिति में द्विध्रुवी विकार के साथ रोगियों में संज्ञानात्मक कार्यों का न्यूरोकेमिकल संबद्ध।
37. तीव्र ओपियॉइड वापसी के उपचार के लिए सब लिंगुअल ब्यूप्रेनोर्फिन बनाम मौखिक मेथाडोन : एक यादृच्छिक, डबल ब्लाइंड, डबल–डमी, नियंत्रित अध्ययन।

38. ब्यूप्रेनोर्फिन – नेलोक्सोन संयोजन पर ओपियॉइड निर्भर वाले अनुरक्षित रोगियों के परिणाम : एक चार्ट की समीक्षा।
39. एक समुदाय की स्थापना में उपयोग किए गए कैनाबिस के उपयोग और मनोसामाजिक परिणामों का पैटर्न।
40. शराब की निर्भरता के साथ रोगियों में प्लेटलेट्स मोनोमाइन ऑक्सीडेस बी गतिविधि का स्तर और संज्ञानात्मक कार्य : एक खोजपूर्ण अध्ययन।
41. एडीएचडी के साथ बच्चों में प्रीफ्रंटल कार्टिकल गतिविधि : एक कार्यात्मक अवरक्त के पास स्पेक्ट्रोस्कोपी (एफएनआईआरएस) अध्ययन।
42. एक तृतीयक देखभाल अस्पताल में मादक द्रव्य सेवन के साथ दाखिल किए गए रोगियों के बीच खुद को नुकसान पहुंचाने के विकार और आत्महत्या के प्रयास की व्यापकता और विशेषताएँ।
43. धूम्रपान मापदंडों में कमी के लिए सरल सलाह के साथ एनआरटी और परामर्श के साथ एनआरटी के प्रभावशीलता के लिए तीन समूह यादृच्छिक डिजाइन।
44. शराब पर निर्भरता सिंड्रोम के साथ इन व्यक्तियों के बीच की पहचान करने में स्क्रीनिंग उपकरणों के अवसादग्रस्तता सुविधाओं और विश्वसनीयता के समय का दौर।
45. ब्रोंकियल अस्थमा के साथ बच्चों और किशोरों में मनोरोग रुग्णता के अध्ययन और संज्ञानात्मक कार्य।
46. हिंदी भाषा में संपूर्ण शराब का उपयोग करते हुए विकारों की पहचान के परीक्षण (ऑडिट) मैनुअल (प्रश्नावली सहित) का अनुवाद, अनुकूलन और सत्यापन।

पूर्ण

1. एल्कोहल पर आश्रित व्यक्तियों में हाल ही में विष निकालने के बाद इसकी तलब से संबंधित संकेत पर मीठे स्वाद के प्रभाव का आकलन।
2. मादक द्रव्यों के उपयोग करने वाले बच्चों में साइकोसोशल कारकों का आकलन, जो कानून के साथ के विवाद में हैं।
3. नई दिल्ली में चयनित स्कूलों से किशोरों में बीएमआई और मनोवैज्ञानिक परिवर्तियों के बीच एक सह संबंधी अध्ययन।
4. स्वीकार्य शब्दावली और एक प्रकार के शाइजोफ्रेनिया में उपसमूहों के बारे में विचारों का तुलनात्मक अध्ययन।
5. अवलोकन गृह से किशोरों में और उपचार की स्थापना में मादक पदार्थ का उपयोग, मनोरोग रुग्णता और मनोसामाजिक कारकों पर एक अध्ययन।
6. अनुरक्षण उपचार पर आश्रित ओपियॉइड रोगियों में तम्बाकू का उपयोग।
7. समुदाय दवा उपचार क्लिनिक में सेवा प्राप्तकर्ताओं के बीच अपराध और कारावास से संबंधित अनुभव का एक अध्ययन।
8. डिगबोई, असम की औद्योगिक टाउनशिप में शराब और नशीली दवाओं का उपयोग करते हुए तेजी से स्थिति का आकलन।
9. समुदाय दवा उपचार क्लिनिक में ओपियॉइड निर्भर सेवा प्राप्तकर्ताओं के बीच अपराध और कारावास से संबंधित अनुभव का एक अध्ययन।
10. हिजड़ों की मानसिक बीमारी, मादक पदार्थ का उपयोग और जीवन की गुणवत्ता।

11. हानिकारक / खतरनाक शराब के उपयोग वाले विषयों में परिणामों के साथ शराब पीने और अपने संबंधों का पैटर्न – एक समुदाय आधारित अध्ययन।
12. विकार उपचार केन्द्र का उपयोग करते हुए एक तृतीयक देखभाल पदार्थ पर नेलट्रेक्सॉन उपचार पर ओपियॉइड आश्रितों के बीच परिणाम से जुड़े भविष्यवक्ताओं के पूर्वव्यापी अध्ययन।
13. एक तृतीयक देखभाल में मादक पदार्थ के सेवन पर आंतरिक रोगी और बाह्य रोगी के उपचार में निकले वाले और पुनः प्रवेश के साथ जुड़े जोखिम वाले कारकों के आकलन का एक पूर्वव्यापी समूह अध्ययन।
14. पंजाब राज्य में दवा निर्भरता की जनसंख्या के लिए आकार के आकलन पर अध्ययन।
15. हानिकारक / खतरनाक शराब के उपयोग वाले विषयों में परिणामों के साथ शराब पीने और अपने संबंधों का पैटर्न।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. सड़क के बच्चों का मानचित्रण और आकार का आकलन, जो दिल्ली में नशीली दवाओं का उपयोग करते हैं, महिला एवं बाल विकास विभाग, दिल्ली सरकार।
2. गहन धूम्रपान नशा उन्मूलन हस्तक्षेप बनाम सिफारिश के एक पैकेज का प्रभाव, पल्मोनरी ट्यूबरकुलोसिस के साथ स्मियर पॉजिटिव रोगियों में परिणामों पर आधारभूत धूम्रपान नशा उन्मूलन सलाह; एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, काय चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान।
3. समस्याग्रस्त शराब के उपयोग के प्रबंधन के लिए (द्वितीय चरण) ऑनलाइन पोर्टल के लिए मॉड्यूल का विकास, आईआईटी दिल्ली।
4. शराब निर्भरता में मोनोमाइन मार्ग के जीनों की बहुरूपता, मेथिलिकरण और अभिव्यक्ति स्थिति के सहयोग पर अध्ययन, शरीर रचना विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान।
5. ग्रामीण बल्लभगढ़ में किशोरों के बीच चिंता का विकार – एक समुदाय आधारित अध्ययन, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र (सीसीएम), एम्स, नई दिल्ली।
6. भारत में किशोरावस्था वाले बच्चों के बीच धूम्रपान, शराब पीने और तंबाकू चबाने के लिए डेटा संग्रह विधियों और महामारी विज्ञान से संबंधित मॉडल का तुलनात्मक मूल्यांकन, जैव सांख्यिकी विभाग, एम्स, नई दिल्ली।
7. राजस्थान में ऑपियोइड दवाओं का उपयोग करते हुए उपलब्धता और पैटर्न की एक तेजी से स्थिति का आकलन, सोसाइटी फॉर प्रमोशन ऑफ यूथ एण्ड मासेस, नई दिल्ली।
8. राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के तहत आईडीयू हस्तक्षेप के नैदानिक कर्मचारियों का क्षमता निर्माण – राष्ट्रीय तकनीकी प्रशिक्षण केन्द्र (एनटीटीसी), राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन, भारत और इम्मानुएल हॉस्पिटल संघ सरकार, ग्लोबल फंड राउंड 9 आईडीयू अनुदान के प्रधान प्राप्तकर्ता।

पूर्ण

1. पंजाब ऑपियोइड निर्भरता सर्वेक्षण, सोसायटी फॉर प्रमोशन ऑफ यूथ एण्ड मासेज़ और सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार।
2. समस्याग्रस्त शराब का उपयोग के प्रबंधन के लिए ऑनलाइन पोर्टल के लिए मॉड्यूल का विकास (चरण 1), आईआईटी, दिल्ली।

3. आपदा प्रबंधन कर्मियों के लिए मनोवैज्ञानिक संकट की पहचान और प्रबंधन पर दिशा निर्देशों का विकास, आईआईटी दिल्ली।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 48 सार : 23 पुस्तकों में अध्याय : 8 पुस्तक : 7

रोगी उपचार

प्रवेश की कुल संख्या	1073
डे केयर वॉर्ड में दौरे करते हुए रोगी की कुल संख्या	555
प्रतिदिन कार्य दिवस में प्रवेश की औसत संख्या	04
एनडीडीटीसी में प्रतिदिन कार्य दिवस पर ओपीडी उपस्थिति की औसत संख्या (नए रोगी)	22
एनडीडीटीसी में प्रतिदिन कार्य दिवस पर ओपीडी उपस्थिति की औसत संख्या (पुराने रोगी)	133
त्रिलोकपुरी में प्रतिदिन कार्य दिवस पर ओपीडी उपस्थिति की औसत संख्या (नए रोगी)	0.50
त्रिलोकपुरी में प्रतिदिन कार्य दिवस पर ओपीडी उपस्थिति की औसत संख्या (पुराने रोगी)	60

सुंदर नगरी मोबाइल क्लिनिक में प्रतिदिन कार्य दिवस पर ओपीडी उपस्थिति की औसत संख्या (नए रोगी)	0.39
सुंदर नगरी मोबाइल क्लिनिक में प्रतिदिन कार्य दिवस पर ओपीडी उपस्थिति की औसत संख्या (पुराने रोगी)	50
सुंदर नगरी मेथाडोन क्लिनिक में प्रतिदिन कार्य दिवस पर ओपीडी उपस्थिति की औसत संख्या (नए रोगी)	0.37
सुंदर नगरी मेथाडोन क्लिनिक में प्रतिदिन कार्य दिवस पर ओपीडी उपस्थिति की औसत संख्या (पुराने रोगी)	75
एक वर्ष में दर्ज किए गए बिस्तर	77.66 प्रतिशत
रहने की औसत अवधि	12 दिन

ओपीडी उपस्थित (एनडीडीटीसी, त्रिलोकपुरी सामुदायिक एवं मोबाइल क्लिनिक सुंदर नगरी, मेथाडोन क्लिनिक सुंदर नगरी दिल्ली) : 69076

डिस्चार्ज : 1628

प्रवेश शुल्क में छूट : 150

	ओ. पी. डी. एवं विशिष्टता निदानशालाओं में उपस्थिति (एनडीडीटीसी)	नए रोगी	पुराने रोगी	कुल
	सामान्य ओ.पी.डी. विशिष्टता क्लिनिक	6368	39330	45698
क)	तम्बाकू प्रयोग अवसान क्लिनिक	43	483	526
ख)	किशोरावस्था क्लिनिक	28	127	155
ग)	द्वि–निदान क्लिनिक	53	479	532

क.	कुल (सामान्य ओपीडी क + ख + ग)	6492	40419	46911
ख.	त्रिलोकपुरी समुदायिक क्लिनिक	149	17694	17843
ग.	मोबाइल क्लिनिक, सुंदर नगरी, दिल्ली	116	14691	14807
घ.	मेथाडोन क्लिनिक, सुंदर नगरी, दिल्ली	112	22053	22165
	कुल (क + ख + ग +घ)	6604	62472	69076

जैव रसायन प्रयोगशाला

जैव रसायन परीक्षण : 24994 हिमेटोलॉजिकल : 7393

एचआईवी जांच : 91

ड्रग स्क्रीन प्रयोगशाला

दवा का परीक्षण	सं.	दवा का परीक्षण	सं.
मार्फिन	3781	कोडाइन	2536
ब्यूप्रेनॉर्फिन	3301	प्रॉक्सीवोन	2721
एविल	2606	नेल्ट्रेक्सोन	2536
पेंटोजोसाइन	2646	बेंजोडियाजेपिन्स	6372
कोटिनाइन	135	केनाबिस	935
बार्टिट्यूरेट	40	कोकीन	40
इनहेलेंट	55		
मूत्र में जांच की गई नशीली दवाओं की कुल संख्या	27664		

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण उपलब्धियां

आचार्य एस. के. खंडेलवाल को भारतीय सामाजिक मनोरोग संघ का अध्यक्ष (2014–16) निर्वाचित किया गया था। उन्हें सदस्य, संपादकीय बोर्ड, मानसिक स्वास्थ्य और मानव व्यवहार पत्रिका; संपादकीय बोर्ड, भारतीय सामाजिक मनोविज्ञान पत्रिका; आईसीएमआर की परियोजना की समीक्षा समिति; मनोरोग पर स्नातकीय पाठ्यक्रम को संशोधित करने के लिए एमसीआई पाठ्यचर्या समिति; राष्ट्रीय नशीली दवाओं के सेवन सर्वेक्षण कार्य समूह (सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय और एनएसएसओ); नैदानिक स्थापना अधिनियम के प्रारूप न्यूनतम मानक, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, एमओएचएफडब्ल्यू पर सलाहकार समिति; राजस्व विभाग, वित्त मंत्रालय के वैकल्पिक विकास पर समिति; एचआईवी और इंजेक्शन नशीली दवाओं के प्रयोग (नाको, भारत सरकार) पर तकनीकी संसाधन समूह के लिए नियुक्त किया गया था। उन्हें जनहित याचिका पर अध्यक्ष, भारतीय मनोरोग सोसायटी कार्य बल नियुक्त किया गया था।

आचार्य राका जैन को एरिजोना बिल्टमोर होटल, फोइनिक्स, एरिजोना, यूएसए में आयोजित 2015 एनआईडीए इंटरनेशनल फोरम की बैठक में 20वें एनआईडीए इंटरनेशनल फोरम की वर्षगांठ पर नशीली दवाओं के दुरुपयोग पर बिल्डिंग इंटरनेशनल सहयोगात्मक अनुसंधान के दो दशकों की मान्यता में ''पायनियर'' के रूप में प्रशंसा का एक प्रमाणपत्र से सम्मानित किया गया। उन्हें नशीली दवाओं निर्भरता पर (निर्भरता दायित्व मूल्यांकन) डब्ल्यूएचओ विशेषज्ञ सलाहकार पैनल के सदस्य के रूप में डब्ल्यूएचओ द्वारा नामांकित किया गया था; उन्होंने जिनेवा, स्विट्जरलैंड में आयोजित नशीली दवाओं

निर्भरता पर विशेषज्ञ समिति (ईसीडीडी) की 37वीं बैठक में भाग लिया। उन्हें हैदराबाद में आयोजित 2016 की बैठक आईएएमएलई (इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिको–लीगल एक्सपर्ट) के दौरान "फोरेंसिक विष विज्ञान" में अध्येतावृत्ति से सम्मानित किया गया। उन्हें हैदराबाद में आयोजित मेडिकल प्रैक्टिस में मेडिकल नेग्लीजेंस एण्ड लिटिगेशन पर आईएएमएलई–2016– 7वां अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, ''फोरेंसिक विज्ञान, फोरेंसिक चिकित्सा एवं विष विज्ञान'' में वर्तमान अग्रिमों पर 7वां अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में ''फॉरेंसिक साइकियाट्री, टॉक्सीकोलॉजी एण्ड फार्माकोलॉजी फॉरेंसिक'' के सत्र अध्यक्षता की।।

आचार्य अंजू धवन ने कोलम्बो योजना और अमेरिकी विदेश विभाग द्वारा सेवा प्रदाता संबोधित करने के लिए चाइल्ड ड्रग एडिक्शन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के विकास हेतु एक विशेषज्ञ के रूप में योगदान दिया। उन्हें एडिक्शन चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण समिति की अंतरराष्ट्रीय संघ; किशोर स्वास्थ्य प्रभाग के तकनीकी संसाधन समूह, एमओएचएफडब्ल्यू, भारत सरकार; महिला एवं बाल गृह, महिला की एवं बाल विकास विभाग, दिल्ली सरकार में मानसिक स्वास्थ्य इकाइयों की निगरानी समिति का सदस्य नियुक्त किया गया।

डॉ. सोनाली झांजी ने विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर ''तम्बाकू छोड़ो : स्वास्थ्य चुनो'' पर अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान सार्वजनिक स्वास्थ्य व्याख्यान श्रृंखला के तहत सार्वजनिक व्याख्यान का आयोजन किया; वह भारतीय सार्वजनिक स्वास्थ्य संगठन द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा परियोजना शीर्षक ''भारत में राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम में नशा उन्मूलन क्षमता को सुदृढ़ बनाने" में तकनीकी सलाहकार समूह (टीएजी); स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत परियोजना ''तम्बाकू नशा उन्मूलन के लिए स्वास्थ्य" के अंतिम रूप दिए गए मॉड्यूल पर विशेषज्ञ समूह की बैठक; स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के तहत ''तम्बाकू छोड़ो लाइन सेवा'' पर पाठ्यक्रम मॉड्यूल को अंतिम रूप देने पर विशेषज्ञ समूह की बैठक की सदस्य थीं। उन्होंने एनडीडीटीसी में स्कूली बच्चों के लिए तंबाकू के इस्तेमाल से संबंधित हानि पहुंचाने पर एक तीन दिवसीय प्रदर्शनी का आयोजन किया।

डॉ. अतुल अम्बेडकर एचआईवी और इंजेक्शन नशीली दवाओं के उपयोग (संयुक्त राष्ट्र, वियना) पर संयुक्त राष्ट्र के लिए सामरिक सलाहकार समूह के सदस्य थे; नशीली दवा निर्भरता पर विशेषज्ञ सलाहकार पैनल (डब्ल्यूएचओ, जिनेवा); शराब नियंत्रण पर तकनीकी सलाहकार समूह (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार); नेशनल फंड फॉर कंट्रोल ऑफ ड्रग एब्यूज (एनएफसीडीए) की शासी निकाय (वित्त मंत्रालय, भारत सरकार); एचआईवी और इंजेक्शन नशीली दवाओं के उपयोग पर तकनीकी संसाधन समूह (नाको, भारत सरकार); राष्ट्रीय संयोजक, पदार्थ का उपयोग विशेषता उपधारा (भारतीय मनोरोग संस्था)।

डॉ. यतन पाल सिंह बल्हारा को भारतीय मनोरोग संस्था (आईपीएस) के युवा मनोचिकित्सक पुरस्कार से सम्मानित किया गया था; आईपीएस का भागवत पुरस्कार; न्यूरोसाइकियाट्री विभाग, ऐन शाम्स विश्वविद्यालय, कायरो, मिस्र में मनोरोग पर 11वें अंतरराष्ट्रीय महासम्मेलन के लिए आरंभिक कैरियर मनोचिकित्सक का पुरस्कार; एडिक्शन अध्ययन, किंग्स कॉलेज लंदन, ब्रिटेन; एडिलेड; ऑस्ट्रेलिया विश्वविद्यालय; वर्जीनिया कॉमनवेल्थ यूनिवर्सिटी, यूएसए; कैलोस्टे गुल्बेंकियान फाउंडेशन, चिकित्सा विज्ञान के संकाय के मानसिक स्वास्थ्य विभाग (लिस्बन के नोवा विश्वविद्यालय) और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा सहयोगी सदस्य, गुल्बेन्कियान नेटवर्किंग मानसिक स्वास्थ्य प्लेटफार्म – एक सहयोगात्मक प्रयास; डब्ल्यूएचओ नेटवर्किंग मानसिक स्वास्थ्य विद्वान में एडिक्शन अध्ययन से मास्टर

ऑफ साइंस में अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम के लिए क्षेत्रीय परामर्शदाता नियुक्त किया; एडिक्शन व्यावसायिकों के कोलम्बो प्लान इंटरनेशनल सेंटर फॉर क्रेडेंटियालिंग एण्ड एजुकेशन (आईसीसीई) के लिए प्रशिक्षक नियुक्त किया; वर्ल्ड एसोसिएशन ऑफ ड्यूल डिस्ऑर्डर के आंचलिक प्रतिनिधि (डब्ल्यूएडीडी) के रूप में मनोनीत किया; भारत, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के मानक उपचार दिशानिर्देशों के विकास के लिए विशेषता उप समूह मनोरोग, कार्य बल; विश्व मनोरोग एसोसिएशन की शिक्षा कोर समिति के सदस्य (डबल्यूपीए) निर्वाचित किए; डब्ल्यूएचओ ग्लोबल मानसिक स्वास्थ्य विद्वान, कोलंबिया विश्वविद्यालय और डब्ल्यूएचओ; इंटरनेशनल सोसायटी फॉर बाइपोलर डिस्ऑर्डर (आईएसबीडी) के पार्षदों के बोर्ड; आईपीएस का एडिक्शन मनोरोग अनुभाग; डब्ल्यूएचओ–दक्षिण पूर्व एशिया के क्षेत्रीय कार्यालय (एसईएआरवो) के क्षेत्रीय आत्महत्या निरोधक कार्यनीति की विशेषज्ञ समिति; डब्ल्यूएचओ – एसईएआरवो की ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार पर क्षेत्रीय कार्यनीति की विशेषज्ञ समिति; ''डब्ल्यूएचओ ग्लोबल सर्वे ऑन एल्कोहल एण्ड हेल्थ – 2015'' के लिए योगदान दिया; डब्ल्यूएचओ – एसईएआरवो के लिए सदस्य देशों (मानसिक स्वास्थ्य कार्य योजना 2013–20 के आधार पर) हेतु ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार (एएसडी) प्रश्नावली की तकनीकी समीक्षा आयोजित की; डब्ल्यूएचओ, जिनेवा के लिए 2010 एमएचजीएपी दिशानिर्देश; डब्ल्यूएचओ, जिनेवा के लिए डब्ल्यूएचओ 2015 ग्लोबल शराब नीति की प्रश्नावली; डब्ल्यूएचओ, जिनेवा के लिए शराब और स्वास्थ्य (जीआईएसएएच) उपयोगकर्ता मूल्यांकन प्रश्नावली पर वैश्विक सूचना प्रणाली; स्वास्थ्य मंत्रालय, भूटान सरकार के लिए भूटान शीर्षक ''सुसाइड प्रीवेंशन इन भूटान : ए थ्री इयर एक्शन प्लान (जुलाई 2015 – जून 2018) ''प्रथम आत्महत्या की रोकथाम कार्य योजना; राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) के लिए तकनीकी संसाधन व्यक्ति और मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ; एसोसिएट एडीटर, मानसिक स्वास्थ्य और एडिक्शन की अंतरराष्ट्रीय पत्रिका; एनडीडीटीसी, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली की न्यूज–एन–व्यूज़ समाचार पत्रिका; एडिक्शन चिकित्सा की पत्रिका के संपादकीय बोर्ड के सदस्य; मानसिक और मानसिक स्वास्थ्य नर्सिंग की पत्रिका (जेपीएमएचएन); शैक्षणिक मनोरोग; मानसिक स्वास्थ्य और मानव व्यवहार (जेएमएचएचबी) की पत्रिका; खंड संपादक, मादक दवाओं का दुरुपयोग, मनोरोग एएसईएएन की पत्रिका।

डॉ रविंद्र राव को सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के तहत समर्थित (एनजीओ) और गैर–सरकारी संगठनों द्वारा एकीकृत एडिक्ट पुनर्वास केन्द्र (आईआरसीएएस) की मान्यता के लिए प्रत्यायन समिति के सदस्य नियुक्त किया गया था।

डॉ अश्वनी कुमार मिश्र को अंतरराष्ट्रीय सांख्यिकी संस्थान (आईएसआई) और अंतरराष्ट्रीय सांख्यिकीय संघ (आईएएसई) के लिए सदस्य; भारतीय चिकित्सा सांख्यिकी संस्था (आईएसएमएस) और भारतीय जनसंख्या अध्ययन संघ (आईएएसपी) के आजीवन सदस्य के रूप में निर्वाचित किया गया था।

डॉ रचना भार्गव डब्ल्यूएचओ ग्लोबल मानसिक स्वास्थ्य विद्वान के रूप में चयनित किया गया था। उन्होंने ''60 वर्ष की आयु वाले वर्ग के बुजुर्गों की जनसंख्या और इससे अधिक में स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं के पोषण और रुग्णता की स्थिति और उपयोगिता का आकलन'' पर आईसीएमआर समीक्षा समिति में विशेषज्ञ रूप में कार्य किया। उन्होंने इंडियन एसोसिएशन ऑफ चाइल्ड एण्ड मेंटल हेल्थ में द्विवार्षिक सम्मेलन में ऑटिस्टिक स्पेक्ट्रम विकार सत्र पर संगोष्ठी की अध्यक्षता की। वह अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान और इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित आईसीडी–10 मानसिक और व्यवहार विकारों के संशोधन के लिए अंतरराष्ट्रीय सलाहकार समूह के क्षेत्र अध्ययन समन्वय समूह की अंतरराष्ट्रीय बैठक के संयुक्त आयोजन सचिव थे।

डॉ आलोक अग्रवाल नशा एकीकरण पुनर्वास केंद्र (आईआरसीए), सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार; औषध दुरुपयोग पर राष्ट्रीय सर्वेक्षण के लिए राष्ट्रीय समन्वय समिति सामाजिक न्याय मंत्रालय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार पर समिति के सदस्य नियुक्त किया गया था; उन्होंने नशामुक्ति सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए योजना : नशामुक्ति कार्यक्रम (डीडीएपी), एमओएच एण्ड एफडब्ल्यू, भारत सरकार के औषध उपचार क्लीनिक की स्थापना के तहत 6 राज्यों में 14 सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं में मादक द्रव्य सेवन विकारों के उपचार के लिए प्रमाण आधारित सेवाओं की स्थापना के लिए योगदान दिया।

डॉ पियाली मंडल ने सिखाने और अच्छी गुणवत्ता करने वाले अनुसंधान के लिए क्षमता को मजबूत बनाने हेतु सीएमईटी द्वारा व्यवस्था की कार्यशालाओं में भाग लिया। उन्होंने 22वें वर्ल्ड एसोसिएशन ऑफ सोशल साइकियाट्री महासम्मेलन के लिए आयोजित समिति के एक सदस्य के रूप में कार्य किया। उन्हें एनडीडीटीसी पर महिलाओं के लिए एक नई विशेषता क्लीनिक की स्थापना में शामिल किया गया था।

डॉ सिद्धार्थ सरकार ने भारतीय मनोरोग संस्था का युवा मनोचिकित्सक पुरस्कार जीता।

अतिथि वैज्ञानिक

1. श्री फ्लावियो मिरेला, मुख्य क्षेत्रीय अनुभाग ने 21 अक्तूबर 2015 को दक्षिण एशिया और पूर्व तथा एशिया प्रशांत क्षेत्र के लिए (आरएसएसएईएपी) एनडीडीटीसी का दौरा किया। वह यूएनओडीसी, दक्षिण एशिया के लिए क्षेत्रीय कार्यालय (आरओएसए) के अधिकारियों के साथ गए थे।
2. एड्स की देखभाल, चीन से एक दल, भारत में 15 दिसंबर, 2015 को कार्यान्वित किया जा रहे एमएमटी के तौर–तरीकों पर एनडीडीटीसी से समझने द्वारा जारी सुंदर नगरी समुदाय क्लिनिक का दौरा किया।

10.7 तंत्रिका विज्ञान केन्द्र

प्रमुख
कामेश्वर प्रसाद

तंत्रिका विज्ञान
आचार्य एवं अध्यक्ष
कामेश्वर प्रसाद

आचार्य

एम. वी. पदमा श्रीवास्तव
मंजरी त्रिपाठी
विनय गोयल
गरिमा शुक्ला
अचल श्रीवास्तव
रोहित भाटिया

अपर आचार्य
ममता भूषण सिंह

सहायक आचार्य

दीप्ति विभा
दीपा दाश (संविदा आधार पर)

तंत्रिका शल्य चिकित्सा
आचार्य एवं अध्यक्ष
भवानी शंकर शर्मा

मानद आचार्य

प्रकाश नारायण टंडन
अजीत के. बनर्जी

आचार्य
अशोक कुमार महापात्रा
(एम्स, भुवनेश्वर में प्रतिनियुक्ति पर)

शशांक शरद काले
पी. सरत चंद्र
आशीष सूरी
राजेंद्र कुमार
मनमोहन सिंह

अपर आचार्य

दीपक अग्रवाल (जेपीएनएटीसी)
दीपक गुप्ता (जेपीएनएटीसी)
सुमित सिन्हा (जेपीएनएटीसी)

सह आचार्य
गुरूदत्त सत्यार्थी (जेपीएनएटीसी)

सहायक आचार्य

पंकज कुमार सिंह (जेपीएनएटीसी)
विवेक टंडन
सचिन बोरकर
हितेश गुर्जर
अमन जगदेवन
शाश्वत मिश्रा
राजीव शर्मा
श्वेता केडिया
रमेश डोड्डामणि
दत्ताराज सावरकर

तंत्रिका–संवेदनाहरण विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष
प्रमोद के. बिठ्ठल

आचार्य
अरविंद चतुर्वेदी   मिहिर प्रकाश पाण्डिया

अपर आचार्य
राजेंद्र सिंह चौहान   गिरिजा प्रसाद रथ   हेमांशु प्रभाकर

सहायक आचार्य
ज्ञानिंदर पाल सिंह (जेपीएनएटीसी)   आशीष बिंद्रा (जेपीएनएटीसी)   नीरज कुमार (जेपीएनएटीसी)
केशव गोयल (जेपीएनएटीसी)   कपिल देव सोनी (जेपीएनएटीसी)   ऋचा अग्रवाल (जेपीएनएटीसी)
नवदीप सोखल (जेपीएनएटीसी)   चारु महाजन   इंदु कपूर
सूर्या कुमार दुबे

न्यूरोइमेजिंग और इंटरवेंशनल न्यूरोरेडियोलॉजी

आचार्य एवं अध्यक्ष
एस. बी. गायकवाड़

आचार्य
अजय गर्ग

सहायक आचार्य
एस. लेव जोसेफ देवराजन   हिमांशु अग्रवाल

नैदानिक तंत्रिका–मनोचिकित्सा

अपर आचार्य
आशिमा नेहरा

तंत्रिका जैव रसायन विज्ञान

सहायक आचार्य
अशोक शर्मा

विकृति विज्ञान – तंत्रिका विकृति विज्ञान अनुभाग

आचार्य
चित्रा सरकार   मिहिर चंद शर्मा

अपर आचार्य
वैशाली सूरी

अस्पताल प्रशासन

आई. बी. सिंह

मुख्य चिकित्सा अधिकारी
अंजली हजारिका

तंत्रिका विज्ञान

विशिष्टताएं

विभाग ने अपनी स्थापना के 50 गौरवशाली वर्षों के पूरा होने का समारोह मनाया; सेमिनार कक्ष, तंत्रिका विज्ञान केंद्र में पूर्व छात्र बैठक के आयोजन के साथ ही इस समारोह के उपलक्ष्य में कई प्रतिष्ठित पूर्व छात्र के जन समूह के साथ इसमें भाग लिया।

पिछले वर्ष से, विभाग ने सफलतापूर्वक कई वर्षों द्वारा मिर्गी निगरानी इकाई के कार्य करने के सावधानीपूर्वक पुनर्गठन के माध्यम से मिर्गी सर्जरी कार्यक्रम के लिए वीडियो टेलीमेट्री निगरानी हेतु रोगी प्रतीक्षा समय को कम किया।

विभाग ने इरामस यूनिवर्सिटी, नीदरलैंड के सहयोग से प्रारंभिक कोहोर्ट अध्ययन में अच्छी प्रगति करना जारी रखा है।

शिक्षा

1. स्नातकपूर्व और स्नातकोत्तर अध्यापन : परिभाषित पाठ्यचर्या के अनुसार नियमित कक्षाएं और संगोष्ठियां तंत्रिका विज्ञान के संकाय द्वारा की जाती है।
2. डीएम तंत्रिका विज्ञान : वर्तमान में, तंत्रिका विज्ञान विभाग में डीएम प्रशिक्षण करने वाले 16 वरिष्ठ रेजीडेंट हैं।
3. पीएच. डी. : वर्तमान में तंत्रिका विज्ञान में पीएच. डी. करने वाले 27 छात्र हैं।
4. नर्सिंग छात्र : यहां एक समर्पित न्यूरोलॉजी नर्सिंग कार्यक्रम है और संकाय सदस्य छात्रों के लिए निष्पादन और कक्षाओं में नियमित प्रशिक्षण कक्षाएं लेते हैं।

विभाग द्वारा आयोजित क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा/कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

1. आईएएन के क्लिनिकल न्यूरोफिजियोलॉजी सबसेक्शन का दूसरा वार्षिक सम्मेलन, 28–29 नवंबर 2015, नई दिल्ली, तंत्रिका विज्ञान विभाग, एम्स।
2. एम्स तंत्रिका विज्ञान स्वर्ण जयंती सम्मेलन, 23–24 नवंबर 2015, नई दिल्ली, विभाग समन्वयक : प्रो. अचल श्रीवास्तव और डॉ. दीप्ति विभा।
3. आईएचसी में ट्रॉपिकॉन, 2015 (ट्रॉपिकल न्यूरोलॉजी सब सेक्शन बैठक का राष्ट्रीय वार्षिक सम्मेलन), 11–12 अप्रैल, 2015.

प्रदत्त व्याख्यान

कामेश्वर प्रसाद : 9	एम. वी. पद्मा श्रीवास्तव : 12	मंजरी त्रिपाठी : 22
अचल कुमार श्रीवास्तव : 10	गरिमा शुक्ला : 13	रोहित भाटिया : 4
ममता भूषण सिंह : 6	दीप्ति विभा : 7	

मौखिक शोध पत्र और पोस्टर की प्रस्तुति : 34

**एएएन 2015 द्वारा और एसोसिएशन ऑफ इंडियन न्यूरोलॉजिस्ट्स ऑफ अमेरिका (एआईएनए) द्वारा गुणवत्ता सुधार पुरस्कार से सम्मानित, 22 अप्रैल 2015, यू. एस. ए., वॉशिंगटन डी.सी.

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. स्ट्रोक और संज्ञानात्मक अस्वीकार के कारणों को जानने के लिए जनसंख्या आधार पर भावी कोहोर्ट अध्ययन : एक पार सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य। कामेश्वर प्रसाद, डी.बी.टी., 8 वर्ष, 2014–22, 3116 लाख रुपए।
2. एक स्थापना का उपयोग कर संपूर्ण एक्जोम अनुक्रमण का उपयोग कर स्ट्रोक के जेनेटिक इटियोलॉजी का गूढ़ रहस्य और बहु केंद्रित भारतीय स्ट्रोक बायोबैंक का पहले से बाह्य संपूर्ण निधिकृत। कामेश्वर प्रसाद, डीबीटी, 5 वर्ष, 2013–18, 197 लाख रुपए।
3. भारतीय आबादी में स्ट्रोक के आनुवंशिकी जोखिम कारकों की पहचान। कामेश्वर प्रसाद, डीबीटी, 5 वर्ष, 2013–18, 64.44 लाख रुपए।
4. स्पोंटेनियस इंट्रासेरेब्रल हैमोरेज के बाद अल्पावधि और दीर्घावधि परिणाम के लिए एन्हांस प्रीडिक्टिव पावर के लिए बायोमार्कर। कामेश्वर प्रसाद, डीबीटी, 5 वर्ष, 2013–18, 119.4 लाख रुपए।
5. भारत के चारों ओर से स्ट्रोक आनुवंशिकी में एक स्थायी संसाधन की ओर : 4 आई अध्ययन। कामेश्वर प्रसाद, यूके इंडिया एजुकेशन रिसर्च इनिशिएटिव (यूकेआईईआरआई), 2 वर्ष, 2013–15, 2.75 लाख रुपए।
6. विकलांगता परिणाम पैमाने और कार्यात्मक इमेजिंग पर माप स्ट्रोक के रोगियों के लिए कंस्ट्रेंड प्रेरित गतिविधि उपचार (सी आई एम टी) और ट्रांसक्रेनियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन (टी एम एस) के साथ सी आई एम टी का तुलनात्मक परीक्षण। एम. वी. पद्मा श्रीवास्तव, डीएसटी, 3 वर्ष, 2013–16, 42.74 लाख रुपए।
7. भारत में स्ट्रोक के बाद परीक्षण–परिवार के नेतृत्व पुनर्वास में भाग लिया। एम. वी. पद्मा श्रीवास्तव; नेशनल हेल्थ एंड मेडिकल रिसर्च काउंसिल ऑस्ट्रेलिया, 3 वर्ष, 2013–16, 22.54 लाख रुपए।
8. लद्दाख में मिर्गी और स्ट्रोक के बारे में ज्ञान, दृष्टिकोण और आचरण : समुदाय, अध्यापक, स्कूली बच्चे और पैरामेडिकल स्टाफ के लिए प्रशिक्षण और जानकारी का प्रसार। एम. वी. पद्मा श्रीवास्तव; डीएसटी, 3 वर्ष, 2013–16, 29.1 लाख रुपए।
9. जैव कार्यात्मक मार्करों का उपयोग कर स्ट्रोक में ऑटोलॉगस स्टेम सेल प्रत्यारोपण के पैराक्राइन तंत्र का अध्ययन। (डीएसटी प्रेरित संकाय पुरस्कार के लिए मेंटर) एम. वी. पद्मा श्रीवास्तव और आशु भसीन, डीएसटी, 5 वर्ष, 2013–18, 35 लाख रुपए।
10. ट्यूबरकुलोसिस मैनिंजाइटिस वाले रोगियों में इंफ्रेक्शन की भाविष्यवाणी के लिए नैदानिक ग्रिड का विकास। एम. वी. पद्मा श्रीवास्तव, डीएसटी, 3 वर्ष, 2015–18, 59.99 लाख रुपए।
11. अनिर्धारित स्रोत (रि–स्पेक्ट एसस.) के एम्बोलिक स्ट्रोक वाले रोगियों में थ्रोम्बिन इनहिबिटर डाबिगट्रेन एक्स्टेक्सीलेट 110 या 150 मि.ग्रा. (दिन में दो बार) बनाम एकेटायसेलिकाइलिक एसिड (100 मि. ग्रा. दिन में एक बार) की प्रभावकारिता और सुरक्षा की तुलना में माध्यमिक स्ट्रोक की रोकथाम में 1160.189 यादृच्छिक, डबल ब्लाइड मूल्यांकन का द्विपक्षीय अध्ययन। एम. वी. पद्मा श्रीवास्तव, बोइहरिंगर इंगेल्हेम इंडिया प्रा. लि. मुंबई, 3 वर्ष, 2016–19, 25 लाख रुपए।
12. एचएलए एलील और मिरगी के साथ लोगों में त्वचा संबंधी दवा प्रतिक्रियाओं के साथ अपने सहयोग का पता लगाने के लिए एक त्वरित निदान विधि का सत्यापन। मंजरी त्रिपाठी, डीबीटी, 3 वर्ष, 2013–16, 96 लाख रु.।
13. मिर्गी के रोगियों के सीरम में संबद्ध एंटीबॉडी का सहयोग। मंजरी त्रिपाठी, डीबीटी, 3 वर्ष, 2012–16, 30 लाख रु.।
14. मिर्गी में एमईजी – नेटवर्क और प्रसारण। मंजरी त्रिपाठी, डीबीटी, 5 वर्ष, 2011–16, 5 करोड़ रुपए।

15. दुर्दम्य और क्रोनिक माइग्रेन के रोगियों में आयुर्वेदिक उपचार प्रोटोकॉल का रोग निरोधी गुणों का मूल्यांकन करने के लिए यादृच्छिक नियंत्रित चिकित्सीय परीक्षण। मंजरी त्रिपाठी, आईपीसीए लेबोरेटरीज, 3 वर्ष, 2012–15, 17 लाख रुपए।
16. डेमेंशिया वाले रोगियों में संज्ञानात्मक मूल्यांकन जांचों का बहु–केंद्रिक अध्ययन। मंजरी त्रिपाठी, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2012–16, 20 लाख रुपए।
17. निरंतर धनात्मक वायु मार्ग दबाव (सी पी ए पी) के साथ कार्डियोवेस्कुलर (सी वी) को घटाने में मानक देखभाल के अलावा गंभीर रुकावटपूर्ण स्लीप एपनिया (ओ एस ए) के इलाज में प्रभावशीलता का निर्धारण करने के लिए एक अंतरराष्ट्रीय बहु केन्द्र, खुले समानांतर समूह, भविष्यलक्षी, यादृच्छिक, नियंत्रित परीक्षण। मंजरी त्रिपाठी, जॉर्ज यूनि., 5 वर्ष, 2010–15, 15 लाख रु.।
18. एन टीएमएस, एफएमआरआई और एमईजी का उपयोग कर क्रॉनिक इंटरक्टेबल एपिलेप्सी में एलोक्वेंट कोर्टेक्स : एक तुलनात्मक अध्ययन। मंजरी त्रिपाठी, डीएसटी, 3 वर्ष, 2015–18, 49 लाख रु.।
19. सेरेब्रल एटाक्सियस वाले रोगियों में कारण और संशोधक बदलाव को जानने के लिए माइटोकोंड्रियल जीनोम और एक्सोमी के गहरे लक्षित नैदानिक अनुक्रम। अचल कुमार श्रीवास्तव; डीएसटी, 3 वर्ष, 2016–19, 75 लाख रुपए।
20. माइक्रोआरएनए सिग्नेचर की पहचान और उनके लक्षित जीन मॉड्यूलेटिंग एससीए टाइप–2 पैथोजेनेसिस। अचल कुमार श्रीवास्तव; डीबीटी, 3 वर्ष, 2014–16, 72 लाख रु.।
21. स्पिनोसेरेबलर अटेक्सिया विकारों में न्यूरोडिजनरेटिव फिनोटाइप के मात्रात्मक विश्लेषण : न्यूरोलॉजिकल, रेडियोइमेजिंग, न्यूरोसाइकाइट्रिक और अटेक्सिया के इाइनेमेटिक मूल्यांकन द्वारा जटिल फिनोटाइप के लिए मोनोमॉर्फिक हेतु खोज करने के लिए एक एकीकृत दृष्टिकोण। अचल कुमार श्रीवास्तव; सीएसआईआर, 3 वर्ष, 2013–16, 20 लाख रु.।
22. प्रारंभिक शुरूआती रिसेसिव सेरेबलर अटेक्सिया (ईओसीए) का नैदानिक और आणविक लाक्षणीकरण। अचल कुमार श्रीवास्तव; आईसीएमआर; 3 वर्ष, 2012–15, 47 लाख रुपए।
23. मोटर न्यूरोन रोग में सीएसएफ टेस्टोस्टेरोन। अचल कुमार श्रीवास्तव, एम्स, 1 वर्ष, 2014–16, 4 लाख रु.।
24. आई पी एस सेल मॉडल और अगले उत्पादन अनुक्रमण का उपयोग कर एस सी ए में आणविक रोगजनन की व्याख्या। नैदानिक–प्रधान अन्वेषक : अचल कुमार श्रीवास्तव, सी.एस.आई.आर., 3 वर्ष, 4 करोड़ रु.।
25. ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर से पीड़ित बच्चों के बीच सरकैडियन स्लीप रिद्म असामान्यताएं : एक प्रकरण नियंत्रण अध्ययन। गरिमा शुक्ला, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2014–17, 78 लाख रु.।
26. 'सेंट्रल पॉलीसोमनोग्राफी निगरानी सुविधा' के लिए मूलसंरचना विकास परियोजना। गरिमा शुक्ला, डीएसटी, 3 वर्ष, 2014–17, 21 लाख रु.।
27. स्ट्रोक टीआईए वाले रोगियों में स्पर्शोन्मुख और रोगसूचक सीएडी की व्याप्तता। रोहित भाटिया, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2015–17, 32 लाख रु.।
28. इस्केमिक और रक्तस्रावी स्ट्रोक के बीच अंतर के लिए रक्त जैव मार्कर और वहां स्ट्रोक इटियोलॉजी और परिणामों के साथ इसका संबंध। रोहित भाटिया, एम्स, 2 वर्ष, 2014–16, 10 लाख रु.।
29. चिकित्सकीय रिफ्रेक्टरी एपिलेप्सी रोगियों में दवाओं को पुनः गठित करने के बाद अनुवर्ती जब्ती आवृत्ति पर मिर्गी निगरानी इकाई (ई एम यू) में एंटीएपिलेप्टिक दवा (ए ई डी) अवकाश का प्रभाव – एक संभावित अवलोकन नियंत्रित अध्ययन। ममता भूषण सिंह, एम्स, 5 लाख रुपए।

पूर्ण

1. गंभीर आघात के बाद प्रकार्यात्मक परिणामों का अनुमान लगाना : एशियाई भारतीयों में नैदानिक विकिरण विज्ञानी पैरामीटरों और वृद्धि कारकों के मॉड्यूल का मूल्यांकन। एम. वी. पद्मा श्रीवास्तव, डीएसटी., 3 वर्ष, 2012–15, 42.19 लाख रुपए।
2. भारत–यूएस सहयोगी स्ट्रोक रजिस्ट्री और मूलसरंचना विकास (एन 1410)। एम. वी. पद्मा श्रीवास्तव, डीबीटी, 16.15 लाख रुपए।
3. स्ट्रोक पुनर्प्राप्ति के लिए बायोमार्कर के रूप में वृद्धि कारकों पर गहन भौतिक चिकित्सा और टीएमएस की भूमिका का अध्ययन। एम. वी. पद्मा श्रीवास्तव, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2012–15, 38.88 लाख रुपए।
4. चिरकालिक इस्केमिक मिडिल सेरेब्रल आर्टरी (एम सी ए) टेरिटरी स्ट्रोक के रोगियों में क्लिनिकल आकलन, डिफ्यूजन टेंसर इमेजिंग (डी टी आई) और ट्रांसक्रेनियल मैग्नेटिक स्टीमुलेशन (टी एम एस) से प्राप्त पैरामीटरों द्वारा ऊपरी अंग में मोटर सुधार का पूर्वानुमान। अचल कुमार श्रीवास्तव, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2012–15, 36 लाख रुपए।
5. पहली बार स्ट्रोक आने वाले रोगियों में रुकावट पूर्ण स्लीप एपनिया बनाम रिफ्रैक्टरी हाइपरटेंशन : सामान्य रोगाणु जनन प्रक्रिया की खोज। गारिमा शुक्ला, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2013–16, 42 लाख रुपए।
6. मोनोमेलिक एमीयोट्रॉफी (एमएमए) के रोगियों में लगातार वायरल संक्रमण का पता लगाने और भूमिका का खोज। दीप्ति विभा, एम्स, 5 लाख रु.।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. कैरोटिड स्टेंटिंग के बाद के परिणाम का अध्ययन।
2. सीएनएस ट्यूबरकुलोसिस में उपचार के 9 महीनों के बाद सक्रिय रोगों की आवृत्ति।
3. स्ट्रोक और लिंग तथा सामाजिक आर्थिक कारक में शामिल गोलार्द्ध के बीच सहयोग का अध्ययन करना।
4. स्ट्रोक पुनर्प्राप्ति के लिए बायोमार्कर के रूप में वृद्धि कारकों पर गहन भौतिक चिकित्सा और टी एम एस की भूमिका का अध्ययन।
5. स्ट्रोक रोगियों में पोस्चर स्थिरता और चाल पर फ्लोएक्सटिन और टीडीसीएस के साथ ही डीटीटी का प्रभाव। (आईसीएमआर में लागू)
6. माइटोकॉन्ड्रियल जीनोम और ट्रांसक्रिप्टोमी विश्लेषण के माध्यम से फ्रेडरिच एटाक्सिया फीनोटाइप के आण्विक सह–संबंध का अध्ययन करना।
7. भारत में ऑटोसोमल रिसेसिव सेरेबलर अटेक्सियास का डिकोवोल्यूशन : एक क्लिनिक – आनुवंशिक दृष्टिकोण और फिनोटाइपिक – जीनोटाइपिक सहसंबंध।
8. स्पाइनोसेरेबेलर एटाक्सिया टाइप 12 में कंपन और चाल की विशेषता।
9. न्यूरोडिजनरेटिव विकार के पैथोफिजियोलॉजी में माइक्रोआरएनए की भूमिका : स्पाइनोसेरेबेलर अटाक्सिया टाइप 2.
10. जीनोम व्यापक जांच द्वारा नोवल अनस्टेबल टैंडेम न्यूक्लेयोटाइड रिपीट की पहचान और जेनेटिकली अनकैरेटाइराज्ड प्रोग्रेसिव सेरेबल के पैथोजेनेसिस में इसका निहितार्थ।
11. स्पाइनोसेरेबेलर एटाक्सिया में ट्रिप्लेट रिपीट फ्लैंकड हैपेलोटाइप क्षेत्र और माइटोकॉन्ड्रियल जीनोम में कार्यात्मक आनुवंशिक तत्वों की पहचान करना।
12. स्पिनोसेरेबलर अटेक्सिया टाइप – 12 के न्यूरोडिजनरेटिव रोग के मॉलीकुलर पैथोफिजियोलॉजी का अध्ययन करना।
13. तीव्र तंत्रिका जीव विज्ञान विकारों वाले रोगियों में नए शुरूआती रेस्टलेस लेग सिंड्रोम – एक भावी अध्ययन।

14. दुर्दम्य मिर्गी वाले रोगियों में ऑक्सकार्बेजेपिन, लेवेटिरेसेटम और सोडियम वैल्प्रोएट का संज्ञानात्मक, व्यवहारिक और नींद संबंधित प्रभाव – एक उभयपक्षी अध्ययन।
15. इस्केमिक स्ट्रोक के साथ उत्तर भारतीय आबादी में एस्पिरिन प्रतिरोध के साथ जुड़े आनुवंशिक और नैदानिक कारक।
16. फोकस और सामान्यीकृत मिर्गी के अंतर के लिए नैदानिक कारकों का अध्ययन।
17. थेजान स्वास्थ्य सहयोग (जेएसएस), गानियारी में दूरदराज के आदिवासी समुदाय में अनिर्धारित मिर्गी की पहचान और इलाज : एक व्यवहार्यता अध्ययन।
18. तृतीयक देखभाल केंद्र में पॉलीन्यूरोपैथी वाले रोगियों का नैदानिक और इलेक्ट्रोफिजियोलॉजी रूपरेखा।

पूर्ण

1. भारत में युवा में शुरूआती हॉर्न सेल रोग का नैदानिक लाक्षणीकरण। प्रकाशन के अंतर्गत।
2. संसाधन सीमित व्यवस्थाओं में औषधि दुर्गम्य मिर्गी के साथ शल्य चिकित्सा प्रत्याशियों की पहचान करने के लिए उपकरण का प्रदर्शन।
3. दीर्घावधि एजाथियोप्राइन पर मायस्थेनिया ग्रेविस की दर और प्रत्यावर्तन : एक उभयपक्षी अध्ययन।
4. पीएनईएस के वीडियो सेमियोलॉजी।
5. टेम्पोरल लोब मिर्गी में दुर्गम के साथ संबद्ध जोखिम वाले कारकों का अध्ययन।
6. स्पाइनोसेरेबेलर एटाक्सिया टाइप 12 में न्यूरोसाइकोलॉजिल आकलन।
7. एपिलेप्टिक साइजर के साथ और उसके बिना रोगियों में साइकोजेनिक नॉन एपिलेप्टिक साइजर का तुलनात्मक अध्ययन।
8. भारत में एससीए 12 रोगियों में संज्ञानात्मक हानि।
9. निदान में 'एम्स इनसोमनिया मूल्यांकन प्रश्नावली' की विश्वसनीयता और वैधता तथा इनोसोमनिया का इटियोलॉजिकल वर्गीकरण।
10. लेवेटिरेसेटम बनाम ऑक्सकार्बेजेपाइन के कारण व्यवहार प्रभाव और सोमनोलेनस – दुर्गम्य मिर्गी वाले उत्तरी भारतीय रोगियों का एक पूर्वव्यापी तुलनात्मक अध्ययन।
11. प्राथमिक रेस्टलेस लेग्स सिंड्रोम के डोपामिनर्जिक उपचार के लिए प्रतिक्रियाएं : 192 भारतीय रोगियों का लेखा परीक्षा।
12. प्रतिरोधी उच्च रक्तचाप वाले रोगियों बनाम स्ट्रोक रोगियों के बीच रेस्टलेस लेग्स सिंड्रोम (विलिस–एकबोम रोग) – एक भावी तुलनात्मक अध्ययन।
13. स्ट्रोक रोगियों के बीच गंभीर ऑब्सट्रेक्टिव स्लीप एपनिया के लिए मध्यस्थता की व्याप्तता : इस्केमिक बनाम रक्तस्रावी स्ट्रोक।
14. ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार में पॉलीसोमनोग्राफिक स्लीप असामान्यताएं – भारतीय बच्चों में भावी अध्ययन।
15. स्ट्रोक मैट्रिसेस और स्ट्रोक के परिणामों में सुधार लाने के लिए आपातकालीन स्टाफ हेतु शिक्षा की भूमिका।
16. रियूमेटिक हृदय रोग के रोगियों में स्ट्रोक के पूर्व संकेतक।
17. भारत में मिर्गी के रोगियों की टेलीफोनिक समीक्षा : एक यादृच्छिक समानांतर समूह अध्ययन।
18. इडियोपैथिक इंट्राक्रेनियल हाइपरटेंशन वाले रोगियों में छह महीनों में खराब दृश्य परिणाम का भविष्यवक्ता।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. स्ट्रोक और संज्ञानात्मक अस्वीकार के कारणों को जानने के लिए जनसंख्या आधार पर भावी कोहोर्ट अध्ययन : एक पार सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य, ईरास्मस यूनिवर्सिटी, नीदरलैंड + एम्स, नई दिल्ली के 12 विभाग।

2. मानव स्वास्थ्य पर गैर – आयोनाइजिंग इलैक्ट्रो मैग्नेटिक फील्ड (ईएमएफ) का प्रभाव, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद।
3. मिर्गी में माइक्रो – आरएनए उत्परिवर्तन, एक खोजपूर्ण अध्ययन, आण्विक विभाग/नॉर्थ ईस्ट हिल यूनिवर्सिटी।
4. एससीए टाइप 1, 2 और 3 के रोगियों में ऑटोनोमिक फंक्शन का मूल्यांकन और मस्तिष्क में रूपात्मक बदलाव के साथ तुलना, शरीर क्रिया विज्ञान, एम्स।
5. डाउन सिंड्रोम बच्चों में नींद के समय सांस लेने की गड़बड़ी के लिए जांच उपकरण के रूप में बाल चिकित्सा नींद प्रश्नावली की उपयोगिता, बाल रोग विज्ञान विभाग, एम्स।
6. ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया सिंड्रोम (ओएसएएस) और सीपीएपी के लिए असहिष्णुता या अपर्याप्ता वाले रोगियों में निरंतर सकारात्मक एयरवे प्रेशर (सीपीएपी) के लिए अनुपालन/प्रतिक्रिया में सुधार लाने में अपर एयरवे के सर्जिकल उपचार की भूमिका, ईएनटी विभाग, एम्स।
7. एम्योट्रॉफिक लेटरल स्क्लेरोसिस वाले रोगियों में एस. एन. पी और नियंत्रण, आई. आई. टी. दिल्ली।
8. मायस्थेनिया ग्रेविस में थायमेक्टोमी करवा रहे रोगियों के परिणाम, सर्जरी, एम्स।

पूर्ण

1. एनएमओ बनाम एमएस वाले रोगियों में अवसाद (डिप्रेशन), मनोचिकित्सा, एम्स।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 76 सार : 22 पुस्तकों में अध्याय : 13

पुस्तकें : 1

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां

आचार्य कामेश्वर प्रसाद सदस्य, रॉयल कॉलेज ऑफ फिजिशियन्स, एडिनबर्ग, वर्ल्ड स्ट्रोक संगठन; वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ न्यूरोलॉजी, अंतरराष्ट्रीय सलाहकार समिति, स्वास्थ्य देखभाल में गुणवत्ता सुधार के लिए एशिया प्रशांत मंच; संक्रमण रोग और द इंटरनेशनल कोक्रेन सहयोग के एआरआई का समीक्षा समूह; इंटरनेशनल क्लिनिकल एपिडर्मियोलॉजी नेटवर्क; न्यू यॉर्क एकेडमी ऑफ साइंसेज; अमेरिकन एकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी; कोक्रेन मिर्गी समीक्षा समूह; कोक्रेन न्यूरोलॉजिकल नेटवर्क; क्रोनिक रोगी जीव विज्ञान पर टास्क फोस, डीबीटी; कार्यकारी परिषद, असम विश्वविद्यालय, सिल्चर (2010–13); इंडियाक्लेन हेल्थ रिसर्च कैपिसिटी बिल्डिंग इनिशिएटिव के लिए तकनीकी सलाहाकार समूह; निदेशक, नैदानिक महामारी विज्ञान इकाई, एम्स, नई दिल्ली; अध्यक्ष, एम्स, नई दिल्ली की न्यूरोसाइंसेज सेंटर ओपीडी समिति; सदस्य, कार्यकारी परिषद, पंडित भगवत दयाल शर्मा यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइंसेज, रोहतक; संपादक, एडिनबर्ग – बेस्ड कोक्रेन स्ट्रोक ग्रुप और एम्स्टर्डम–बेस्ड कोक्रेन एआरआई ग्रूप; संपादकीय बोर्ड के सदस्य – ब्रिटिश मेडिकल जर्नल, प्रैक्टिकल न्यूरोलॉजी, कोक्रेन एआरआई रिव्यू ग्रुप, ऑस्ट्रेलिया; न्यूरोलॉजी इंडिया, एनाल्स ऑफ इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी, ब्रिटिश मेडिकल जर्नल, स्ट्रोक, कैनेडियन मेडिकल एसोसिएशन जर्नल, जर्नल ऑफ एपिडमियोलॉजी एंड कम्युनिटी हेल्थ, जर्नल ऑफ एंटीमाइक्रोबियल्स एंड कीमोथेरेपी, सीएनएस औषधि, कोक्रेन स्ट्रोक, न्यूरोलॉजी इंडिया, एनाल्स ऑफ इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी, जर्नल ऑफ एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन्स ऑफ इंडिया, नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ इंडिया के लिए समीक्षक।

आचार्य एम. वी. पदमा श्रीवास्तव को वर्ष 2016 के लिए भारत सरकार द्वारा 'पद्मश्री' से सम्मानित किया गया; निम्स, हैदराबाद द्वारा वर्ष 2015, के लिए एमवीआर रेड्डी व्याख्यान से सम्मानित; वर्ष 2015 के लिए आंध्र मेडिकल कॉलेज द्वारा एंडोवमेंट ओरेशन से सम्मानित किया गया, आं. प्र.; विश्व स्ट्रोक सम्मेलन, 2016 के लिए सह–अध्यक्ष, वैज्ञानिक समिति के रूप में नियुक्त; शैक्षणिक समिति, निम्हांस, बैंगलोर के नियुक्त सदस्य; नम्स

शैक्षणिक परिषद, 2015 के निर्वाचित सदस्य; सदस्य अध्येतावृत्ति समीक्षा समिति, नासी इलाहाबाद, 2015; सदस्य, चयन समिति की बैठक, 4–5 अप्रैल 2015, निम्हांस, बैंगलोर; जीबी की बैठक, 6 अप्रैल 2015, श्री चित्रा तिरुनाल आयुर्विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, त्रिवेंद्रम; शैक्षणिक समिति की बैठक, 2 मई 2015, निम्हांस, बैंगलोर; संस्थान निकाय की बैठक एससीटीआईएमएसटी, 13 जुलाई 2015, श्री चित्रा तिरुनाल आयुर्विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, त्रिवेंद्रम; वर्ल्ड स्ट्रोक कांग्रेस 2016 योजना बैठक, 15 जुलाई 2015, हैदराबाद; एनसीडी – टीएजी की बैठक, 24 अगस्त 15, एसआईएफपीएसए बैठक हॉल, ओम कैलाश टावर, लखनऊ; परियोजना समीक्षा बैठक, डीएसटी – पीएसी बैठक, 29 जनवरी 2016, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान सम्मेलन हॉल, भुवनेश्वर; चयन समिति की बैठक, 4 फरवरी 16, एम्स, जोधपुर; डीएनबी कार्यक्रम, एनबीई–निरीक्षण बैठक, 18 फरवरी 16, पूना हॉस्पीटल एंड रिसर्च सेंटर, पुणे; परियोजना समीक्षा बैठक, सत्यम के कार्य बल की बैठक, निम्हांस, 24–26 फरवरी 16, निम्हांस, डीएम परीक्षा, 8 मार्च 16, डीएमसी, लुधियाना, पंजाब, विशेष समूह की बैठक, 10 मार्च 2016; एससीटीआईएमएसटी में जीबी की बैठक, 19 मार्च 16, टेक्नोलॉजी भवन दिल्ली, त्रिवेंद्रम; टेलीस्ट्रोक की बैठक, 21–22 मार्च 16, शिमला में परीमहल, हिमाचल; सदस्य, स्पेशिलिटी एडवाइजरी बोर्ड फॉर न्यूरोलॉजी, एनबीई, भारत सरकार; सदस्य, टास्क फोर्स न्यूरोसाइंसेज, डीबीटी, भारत सरकार; सदस्य, सीएमई कार्यक्रम समिति, निर्माण समिति और प्रकाशन सलाहकार समिति, एनएएमएस; सदस्य, टास्क फोर्स फॉर न्यूरोसाइंसेज, आईसीएमआर, भारत सरकार।

आचार्य मंजरी त्रिपाठी ने उदयपुर, राजस्थान में द इंडियन एपिलेप्सी सोसायटी, अक्टूबर 2015 के लिए एपिलेप्सी और ईईजी स्कूल का आयोजन किया; इस्तांबुल में 5 से 9 सितंबर 2015 में आयोजित 31वें अंतरराष्ट्रीय मिर्गी सम्मेलन (आईईसी) में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुतीकरण से सम्मानित किया गया था।

आचार्य विनय गोयल को निर्वाचित किया गया था : कार्यकारी सदस्य, एशियन ओशेयनियन सेक्शन – मूवमेंट डिसऑर्डर्स सोसायटी, 2015–2017; निर्वाचित : कार्यकारी के सदस्य, न्यूरोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया, 2015–2018

आचार्य गरिमा शुक्ला मनोनीत सदस्य, द इंटरनेशनल रेस्टलेस लेग्स सिंड्रोस स्टडी ग्रुप के कार्यकारी समिति–मार्च 2015; वैज्ञानिक समिति, वर्ल्ड स्लीप कांग्रेस 2017 के मानोनीत सदस्य, प्राग; समन्वयक के रूप में आयोजित, न्यूरोलॉजी सबसेक्शन और निर्देशक पैरामोमनियस पर कार्यशाला, स्लीपकॉन 2016 के न्यूरोलॉजी भाग, द इंडियन स्लीप डिसऑर्डर्स एसोसिएशन की वार्षिक बैठक, दिनांक 25–27 मार्च 2016।

डॉ. रोहित भाटिया को स्ट्रोक पर शोध पत्र के लिए वॉशिंगटन, डी. सी. में एएएन की वार्षिक बैठक में 2015 के लिए द अमेरिकन एकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी क्वालिटी इम्प्रूवमेंट एवार्ड से सम्मानित किया गया था। स्ट्रोक पर कार्य के लिए वार्षिक बैठक में द एसोसिएशन ऑफ इंडियन न्यूरोलॉजिस्ट ऑफ अमेरिका 2015 से सम्मानित किया गया था।

डॉ. ममता भूषण सिंह ने वैंकूवर में 2016 की वार्षिक बैठक के द अमेरिकन एकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी इंटीग्रेटेड न्यूरोसाइंस सत्र के लिए प्रस्तुत ''प्रैक्टिकल एप्रोचेस टू न्यूरोविंग द एपिलेप्सी ट्रीटमेंट गैप'' शीर्षक पर प्रस्तावित पाठ्यक्रम को 2016 की वार्षिक बैठक में स्वीकार कर लिया गया; द अमेरिकन एकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी द्वारा वार्षिक पुरस्कार के रोगी अधिवक्ता द 2016 केनेथ एम. विस्ट जूनियर एमडी से सम्मानित किया गया।

डॉ. दीप्ति विभा अनुसंधान विधि पर कार्यशाला, एएमयू, अलीगढ़, अप्रैल 2015 के लिए संसाधन व्यक्ति थीं; कल्पना चावला गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, करनाल और सफदरगंज अस्पताल, नई दिल्ली के लिए न्यूरोलॉजी उपकरण के तकनीकी मूल्यांकन के लिए तकनीकी विशेषज्ञ; न्यूरोलॉजी एक्स्ट्रा पल्मोनरी ट्यूबरकुलोसिस

(ईपीटीबी) दिशानिर्देशों से पैनल सदस्य; कार्यस्थल आधारित नैदानिक मूल्यांकन के लिए राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड के लिए विशेषज्ञ।

तंत्रिका शल्य चिकित्सा

विशिष्टताएं

इस वर्ष हमारे विभाग का स्वर्ण जयंती वर्ष मनाया गया था। वर्ष के दौरान हमने नए अधिगम अग्रिमों पर एक प्रोत्साहन के साथ शैक्षिक कार्यक्रमों का आयोजन किया। हमने आरओएसओ रोबोट प्राप्त किया और न्यूरोसर्जिकल प्रक्रियाओं में रोबोट से सहायता प्रदान करने का प्रदर्शन किया।

1. डॉ. बी. एस. शर्मा को स्वर्ण जयंती समारोह और एम्स में पूर्व छात्र बैठक में अध्यापकों के अध्यापक पुरस्कार से सम्मानित किया था। उन्हें न्यूरोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष के रूप में निर्वाचित किया गया था और न्यूरोलॉजिकल सर्जन एजुकेशन कमिटी के एशियन ऑस्ट्रेलेसियन सोसायटी के अध्यक्ष के रूप में निर्वाचित किया गया था।
2. डॉ. पी. एस. चंद्र ने विखाशापट्टनम में आयोजित इंडियन एपिलेप्सी कांग्रेस में प्रतिष्ठित डॉ. सहगल व्याख्यान दिया।
3. डॉ. आशीष सूरी ने एनएएमएस स्वर्ण जयंती स्मरणोत्सव पुरस्कार व्याख्यान, कैरियर विकास के लिए डीबीटी राष्ट्रीय जैव विज्ञान पुरस्कार और डीबीटी टाटा नवाचार अध्येता पुरस्कार प्राप्त किया।
4. डॉ. दीपक अग्रवाल ने ईएलईटीएस द्वारा रोगी प्रदर्शन प्रणाली के लिए स्वास्थ्य देखभाल नेतृत्व मंच में सर्वश्रेष्ठ परियोजना पुरस्कार प्राप्त किया। डॉ. दीपक गुप्ता ने माइक्रोडायलेसिस पर शोध पत्र के लिए न्यूरोट्रॉमा और एम्स न्यूरोट्रॉमा सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार प्राप्त किया।
5. डॉ. सुमित सिन्हा ने शव प्रशिक्षण और अनुसंधान सुविधा स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्हें सिंगापुर में स्पाइन वीक में और एम्स के वार्षिक न्यूरोट्रॉमा सम्मेलन में भी स्पाइन कोर्ड चोटों में उपयोगी स्टेम कोशिकाओं पर शोध पत्र के लिए बेसिक लाइफ साइंस श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
6. डॉ. विवेक टंडन ने लेजर निर्देशित थर्मल एब्लेशन पर उनके पोस्टर के लिए उदयपुर में एपिलेप्सी सर्जरी कांग्रेस में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार प्राप्त किया, उन्होंने लंदन की आईजीएएसएस स्पाइन फैलोशिप प्राप्त की थी।
7. डॉ. सचिन बोरकर ने यूसीएसएफ स्पाइन सेंटर, सैन फ्रांसिस्को, यूएसए में वर्ष 2015 के लिए एएएनएस/सीएनएस स्पाइन सेक्शन्स क्रोकार्ड इंटरनेशनल फैलोशिप (स्पाइन और पेरिफेरल नर्व) प्राप्त किया। उन्होंने फेशियल नर्व के डीटीआई ट्रेकिंग पर उनके शोध पत्र के लिए दिल्ली न्यूरोलॉजिकल एसोसिएशन बैठक में सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार प्राप्त किया।
8. डॉ. मनोज ने एम्स में स्वर्ण जयंती पूर्व छात्र सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार प्राप्त किया।
9. डॉ. दत्ताराज ने वर्ष 2015 के लिए आईएसपीएन अध्येतावृत्ति पुरस्कार और इटेलियन सोसायटी ऑफ नयूरोसर्जरी यंग नयूरोसर्जन एजुकेशनल अनुदान प्राप्त किया।

शिक्षा

1. तंत्रिका शल्य चिकित्सा कौशल प्रशिक्षण सुविधा : तंत्रिका शल्य चिकित्सा विभाग ने जटिल तंत्रिका शल्य चिकित्सा कौशल प्रशिक्षण के विकास के लिए केंद्रीय पशु सुविधा में डीएचआर + डीएसटी + डीबीटी तंत्रिका शल्य चिकित्सा कौशल प्रशिक्षण में इसके सभी रेजीडेंट के लिए नियमित कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। डॉ. आशीष सूरी ने इन सत्रों के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। निम्नलिखित कार्यक्रम का आयोजन किया गया –

- सिमुलेशन – आधारित तंत्रिका शल्य चिकित्सा कौशल प्रशिक्षण सत्र : 1324
- कुल तंत्रिका शल्य चिकित्सा सिमुलेशन – आधारित अल्पावधि कौशल प्रशिक्षण : 33
  - 4 सप्ताह का अल्पावधि प्रशिक्षण : 13
  - 2 सप्ताह का अल्पावधि प्रशिक्षण : 20

  तंत्रिका शल्य चिकित्सा खोपड़ी आधार और कौशल प्रशिक्षण अध्येता : 3

2. शव प्रशिक्षण और अनुसंधान सुविधा (सीटीआरएफ) पाठ्यक्रम

सीटीआरएफ द्वारा विभिन्न विशेषज्ञताओं – तंत्रिका शल्य चिकित्सा, न्यूरोएंडोस्कोपी, स्पाइन, न्यूनतम इनवेसिव स्पाइन, एनेस्थिसियोलॉजी, आपातकालीन चिकित्सा, मौखिक और मैक्सिलोफैशियल सर्जरी, प्लास्टिक सर्जरी, हड्डी रोग, ब्रेकियल प्लेक्स और कार्डियोथोरेसिस सर्जरी पर पिछले एक वर्ष के दौरान कुल 31 पाठ्यक्रमों का आयोजन किया गया। कुल 500 प्रतिनिधियों को सभी विशेषज्ञताओं सहित पिछले वर्ष के दौरान प्रशिक्षित किया गया।

- एम्स इन–हाउस रेजीडेंट्स के लिए दूसरा शव पाठ्यक्रम (15, 19–21 अप्रैल 2015)
- तीसरा शव पाठ्यक्रम (अप्रैल 2015)
- चौथा शव पाठ्यक्रम (7–12 फरवरी 2016)

3. सीटीआरएफ में अन्य द्वारा आयोजित पाठ्यक्रम

- फरवरी 2015, जुलाई 2015, अक्टूबर 2015, दिसंबर 2015, मार्च 2016 में आयोजित,

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन
विभाग द्वारा आयोजित क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / सम्मेलन

वर्ष 2015–16 के दौरान हमने कार्डियोन्यूरोसाइंसेस सेंटर का स्वर्ण जयंती वर्ष मनाया। वर्ष के दौरान कई शैक्षिक गतिविधियां आयोजित की गई और उनकी सूची निम्नानुसार है :

1. डॉ. अश्विनी शरण, यूएसए 9–10 अप्रैल, 2015 एपिलेप्सी एंड फंक्शनल न्यूरोसर्जरी लाइव ऑपरेटिव वर्कशॉप।
2. डॉ. अश्विनी शरण, यूएसए 10 अप्रैल, 2015 लेजर सर्जरी फॉर एपिलेप्सी।
3. डॉ. हेनरी हेम, जर्मनी 8–10 मई, 2015 कॉम्प्लेक्स स्पाइन वर्कशॉप थीम : कायफोस्कोलियोसिस, फ्रॉम थ्योरी टू प्रैक्टिस।
4. डॉ. चार्ल्स टेयो, ऑस्ट्रेलिया 15–20 जून, 2015, अतिथि प्रोफेसर, लाइव ऑपरेटिव डेमोंस्ट्रेशन।
5. डॉ. चार्ल्स टेयो, ऑस्ट्रेलिया 15 जून, 2015, क्लासिफिकेशन एंड करंट कॉन्सेप्ट्स इन मैनेजमेंट ऑफ ब्रेनस्टेम ग्लियोमा।
6. डॉ. चार्ल्स टेयो, ऑस्ट्रेलिया 17 जून, 2015, करंट कॉन्सेप्ट्स इन मैनेजमेंट ऑफ ग्लियोमास।
7. डॉ. चार्ल्स टेयो, ऑस्ट्रेलिया 18 जून, 2015, इंसुलर ग्लियोमा मैनेजमेंट एंड सर्जिकल न्यूआंसेस।
8. डॉ. चार्ल्स टेयो, ऑस्ट्रेलिया 20 जून, 2015, कीहोल कॉन्सेप्ट।
9. डॉ. चार्ल्स टेयो, ऑस्ट्रेलिया 20 जून, 2015, कीहोल एप्रोचेस टू थर्ड वेंट्रिकल।
10. डॉ. चार्ल्स टेयो, ऑस्ट्रेलिया 20 जून, 2015, डीटीआई ट्रेक्टोग्राफी इन ग्लियोमा सर्जरी।
11. डॉ. चार्ल्स टेयो, ऑस्ट्रेलिया 21 जून, 2015, मिनी–प्टेरियोनल एप्रोच।
12. डॉ. अजय गर्ग, एम्स 24 जून, 2015 एमआरआई सिक्वेंसेस इन न्यूरोसर्जिकल प्रैक्टिस।
13. जयंत एन. आचार्य, यूएसए 26 जून, 2015 स्टीरियोइज एंड न्यूरोस्टीमुलेशन।
14. विनीता आचार्य, यूएसए 26 जून, 2015 क्लिनिकल सिगनिफिकेंस ऑफ एपिलेप्टिक औरास।

15. डॉ. अजय गर्ग, एम्स 15 जुलाई, 2015 न्यूवर एमआरआई सिक्वेंसेस।
16. डॉ. सुमित सिन्हा, एम्स 02 सितंबर, 2015 एंडोस्कोपिक डिकम्प्रेशन इन लम्बर कैनल स्टेनोसिस।
17. प्रोफेसर ताकिजावा, जापान, 15–17 सितंबर, 2015 लाइव सर्जिकल डेमोंस्ट्रेशन ऑन ईसी–आईसी बाईपास।
18. प्रोफेसर ताकिजावा, जापान 15 सितंबर, 2015 गेस्ट लेक्चर ऑन ईसी– आईसी बाईपास।
19. प्रोफेसर केंजी ओहाटा, ओसाका, जापान, 21–22 सितंबर, 2015 लाइव सर्जिकल डेमोंस्ट्रेशन।
20. प्रोफेसर केंजी ओहाटा, ओसाका, जापान, 22 सितंबर, 2015 सर्जरी ऑन इंट्राक्रेनियल वेनस सिस्टम।
21. डॉ. पार्थ तिरुमाला, यूनिवर्सिटी ऑफ पिट्सबर्ग, यूएसए 5 अक्टूबर, 2015 द रोल ऑफ इंट्राऑपरेटिव मॉनिटरिंग विद् केस स्टडीज।
22. एम्स अनुअल स्पाइन कार्यशाला, 23–25 अक्टूबर, 2015 लाइव सर्जिकल डेमोंस्ट्रेशन थीम : डिफॉर्मिटी।
23. प्रोफेसर मेरिनस डी क्लेवर, नीदरलैंड्स 21 अक्टूबर, 2015 लो ग्रेड स्पोंडायलोलिस्थेसिस : द इम्पोर्टेंस ऑफ स्पाइनपेल्विक पैरामीटर्स।
24. वार्षिक न्यूरोट्रॉमा सम्मेलन 2015, 28–31 अक्टूबर, 2015 सीएमई और शव कार्यशाला।
25. एम्स न्यूरोसाइंसेज गोल्डन जुबली कांग्रेस 23–24 नवंबर, 2015 सम्मेलन।
26. डब्ल्यूएफएनएस न्यूरोएंडोस्कोपी लाइव ऑपरेटिव कार्यशाला 25–26 नवंबर, 2015 सीएमई और लाइव ऑपरेटिव कार्यशाला।

प्रदत्त व्याख्यान

बी. एस. शर्मा : 17	पी. सरत चंद्र : 14	आशीष सूरी : 33
राजेंद्र कुमार : 4	मनमोहन सिंह : 10	दीपक गुप्ता : 12
सुमित सिन्हा : 11	शाश्वत मिश्रा : 1	अमन जगदेवन : 1
राजीव शर्मा : 3	श्वेता केडिया : 1	मनोज फलक : 1
पंकज कुमार सिंह : 2	विवेक टंडन : 3	दत्ताराज सावरकर : 2

मौखिक पत्र और पोस्टर की प्रस्तुति : 35

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. अभिलेखागार, स्ट्रीमिंग और टेलीकॉन्फ्रेसिंग के लिए 3डी एंडोस्कोपिक और 3डी माइक्रोस्कोपिक सुविधा और केंद्रीय भंडार सर्वर के साथ न्यूरो सर्जरी कौशल प्रशिक्षण सुविधा। आशीष सूरी, डीएसटी। एम्स + सीएसई – आईआईटी – डी, 5 वर्ष, 2013–18, 650 लाख रु.।
2. एंडोस्कोपिक न्यूरो सर्जरी प्रशिक्षण और ऑपरेशन पूर्व न्यूरो सर्जरी योजना बनाने के लिए आभासी वास्तविक सिमुलेशन मंच आधारित 3डी / स्टीरियोस्कोपी का विकास। आशीष सूरी, डीएचआर, एम्स + सीएसई–आईआईटी – डी, 3 वर्ष, 2014–17, 211 लाख रु.।
3. कैरियर विकास के लिए राष्ट्रीय जैव विज्ञान पुरस्कार, 2015, आशीष सूरी, डीबीटी, 3 वर्ष, 2016–18, 15 लाख रुपए।
4. टाटा इनोवेशन फैलोशिप पुरस्कार 2015, आशीष सूरी, डीबीटी, 5 वर्ष, 2016–20, 30 लाख रुपए।
5. उत्कृष्ट मिर्गी केंद्र : पूर्ण लगभग 600 एमईजीएस, केंद्र द्वारा पूर्ण आणविक, इंट्रासेलुलर और इलेक्ट्रोफिजिलॉजिकल अध्ययन किया गया है। पी एस चंद्र।
6. पार्किंसन रोग में ऑटोलोगस मेसेंकाइमल स्टेम कोशिकाएं। राजिंदर कुमार, रिलायंस लाइफ साइंसेज मुंबई द्वारा निधिकृत, फॉलोअप पूर्ण किया गया।

7. भारत – यूएस परियोजना : कोलेबोरेटिव हैड इंजरी एंड एडहरेंस टू गाइडलाइन्स (सीएचआईआरएजी) दीपक गुप्ता एनआईएच / एनआईएनडीएस 4 वर्ष 2011–2015, 30 लाख रूपए।
8. मस्तिष्क की अभिघात चोट (यूरो थर्म) के बाद आईसीपी की कमी के लिए चिकित्सीय हाइपोथर्मिया (32–35 डिग्री से.) की यूरोपीयन सोसायटी ऑफ इंटेसिव केयर मेडिसिन का अध्ययन, दीपक गुप्ता, कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी, यूके, 3 वर्ष, 2012–2015 40 लाख रुपए।
9. टीबीआई में सहयोगात्मक यूरोपियन न्यूरोट्रॉमा प्रभावकारिता अनुसंधान : टीबीआई में भावी अनुदैध्य अवलोकन अध्ययन और सहयोगात्मक भारतीय न्यूरोट्रॉमा प्रभावकारिता अनुसंधान : एक भावी अनुदैध्य अवलोकन अध्ययन (केंद्र और सीआईएनटीईआर – टीबीआई) दीपक गुप्ता एनआईएच/एनआईएनडीएस, 5 वर्ष, 2015–2020 10 लाख रूपए।
10. तीव्र बाल रोग टीबीआई के दृष्टिकोण और निर्णय। एनआईएच/एनआईएनडीएस दीपक गुप्ता 5 वर्ष 2015–2020 2.0 करोड़ रुपए।
11. जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा सेंटर में शव विच्छेदन सुविधा की स्थापन के लिए प्रस्ताव, सुमित सिन्हा। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली, भारत, आईसीएमआर।
12. गंभीर आघात मस्तिष्क चोट के बाद परिणाम का निर्धारण करने में इंटरसेसरी प्रेयर की भूमिका का प्रायोगिक अध्ययन। सुमित सिन्हा, आईसीएमआर।
13. भारतीय आबादी में क्रोनिक लॉ बैक और लम्बर डिजनरेटिव रोगों के साथ स्पाइनल सेगिटल बेलेंस का संबंध। सुमित सिन्हा, एओ स्पाइन द्वारा निधिकृत।
14. तीव्र आघात रीढ़ की हड्डी की चोट के बाद गंभीर और कार्यात्मक परिणाम की भविष्यवाणी में न्यूरोइमेजिंग और सीरम बायोमार्कर की भूमिका का आकलन करने के लिए अध्ययन। सुमित सिन्हा, आंतरिक निधि।
15. सरवाइकल स्पोंडायलोटिक मायलोपैथी के लिए हिंज – डोर सरवाइकल लैमिनोप्लास्टी से पहले और बाद सरवाइकल रोटेशन और पोस्ट–ऑपरेटिव एक्सियल नीक लक्षण के लिए इसका संबंध। सचिन बोरकर एओ स्पाइन इंडिया, 2 वर्ष, 2014–16, 3,96,000. रूपए।
16. दीर्घावधि मिर्गी से जुड़े ट्यूमर और फोकल कार्टिकल डायप्लासिया में मैक्रोआरएनए का अध्ययन, विवेक टंडन एम्स, 1 वर्ष, 2015 4.75 लाख रुपए।
17. चोटिल मानव शव के सिर में फर–लेटरल और ट्रांसकोंडायलर दृष्टिकोण के माध्यम से प्राप्त ऑपरेशन के खतरों की रेडियोलॉजिकल और माइक्रोसर्जिकल तुलना। शाशवत मिश्रा आंतरिक निधि एम्स अनुदान 1 वर्ष से 2 के लिए विस्तार योग्य 2015–2016, 3,82,000 रुपए।
18. मेसियल टेम्पोरल लोब एपिलेप्सी में हिस्टोन डिकेटायलेस की भूमिका को पढ़ना। रमेश शरनप्पा डोड्डामणि, डीएसटी 2 वर्ष 2016–17 500000 रुपए।

पूर्ण

1. हैंड्स ऑन–स्किल्स प्रशिक्षण तथा इंटरेक्टिव वर्चुअल प्रशिक्षण द्वारा न्यूरो सर्जरी कुशलता के विकास का मूल्यांकन। (टेली–एजुकेशन और वास्तविक समय मूल्यांकन आधारित वेब)। आशीष सूरी, आईसीएमआर, एम्स + सी एस ई – आईआईटी – डी। 4 वर्ष, 2012–16, 184 लाख रुपए।
2. न्यूरोसर्जरी के लिए कम कीमत वाले प्रभारी एन्डोस्कोपिक औजारों का विकास, आशीष सूरी, डीएसटी–आईडीपी, भारत, एम्स + बीएमई – आईआईटी – डी, 4 वर्ष, 2012–16, 86 लाख रूपए।
3. सरवाइकल स्पोंडायलोटिक मायलोपैथी के लिए हिंज – डोर सरवाइकल लैमिनोप्लास्टी से पहले और बाद में सरवाइकल रोटेशन और पोस्ट–ऑपरेटिव एक्सियल नीक लक्षण के लिए इसका संबंध। (एओ स्पाइन इंडिया निधि)।
4. ब्रेकियल प्लेक्सस के इंट्रा – फैससिकुलर टोपोग्राफी के शव माइक्रो एनाटोमिक अध्ययन। सुमित सिन्ह, आईसीएमआर।

5. वैसोस्पेसम की रोकथाम में सिमवेस्टीटिन की भूमिका और एन्यूरिज्म सब–अर्कानॉइड हेमरेज के बाद कार्यात्मक परिणाम में सुधार लाना : एक भावी यादृच्छिक डबल ब्लाइंड प्लासेबो नियंत्रित परीक्षण। सुमित सिन्हा, एम्स 1 लाख रुपए।
6. गंभीर आघात मस्तिष्क चोट वाले रोगियों में प्रोगेस्टेरोन के प्रभाव की जांच करने के लिए यादृच्छिक प्लासेबो नियंत्रित अध्ययन। सुमित सिन्हा, आंतरिक निधि।
7. न्यूरोनल रिजनरेशन और फंक्शनल रेस्टोरशन में मानव अम्बेलिकल कोर्ड रक्त स्टेम कोशिकओं तथा न्यूरल स्टेम कोशिकाओं की भूमिका : गंभीर स्पाइनल कोर्ड क्षतियों वाले वयस्क पुरुष चूहों में एक तुलनात्मक अध्ययन। (रैपिड यंग इंवेस्टीगेटर स्कीम 2011) सुमित सिन्हा, डीबीटी।
8. एक्यूट सिवियर ट्रॉमेटिक मस्तिष्क क्षति वाले रोगियों में हाइपोथर्मिया के साथ या उसके बिना प्रोजेस्ट्रोन का एक यादृच्छिक प्लासेबो नियंत्रित परीक्षण (फैक्टोरियल डिजाइन)। सुमित सिन्हा, डीबीटी।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. ओलिगोडेंड्रोग्लियोमस के आणविक और आनुवंशिक परिवर्तन।
2. एंटेरियर ट्रांसपेट्रोजल दृष्टिकोण।
3. कावेर्नोयस और पेट्रोयस आईसीए का शव आधारित अध्ययन।
4. मस्तिक की चोट में गामा नाइफ फ्रेक्शन की भूमिका और इसके परिणाम।
5. डीएसए/एमआरआई बनाम एमआरआई के साथ मस्तिष्क एवीएम नियोजन के परिणाम और जटिलाएं।
6. टीबीआई में सेरेब्रल माइक्राडायलिसिस : प्रोग्नोस्टीकेशन का परिणाम।
7. दर्दनाक एटलांटोक्सियल चोट में कारक प्रभावित न्यूरोलॉजिकल परिणाम, फ्यूजन दर और जटिलताएं : एक गैर यादृच्छिक एम्बिस्पेक्टिव अध्ययन।
8. वैकल्पिक न्यूरो सर्जरी रोगियों में ऑपरेशन पूर्व सीटी स्कैन की व्यवहार्यता।
9. ब्रेकियल प्लेक्सस के एंडोस्कोपिक अन्वेषण की व्यवहार्यता – एक शव का अध्ययन।
10. दर्दनाक मस्तिष्क चोट में सीरम बायोमार्करों के साथ जीसीएस संयोजन द्वारा नए जीसीएस स्कोरिंग प्रणाली का सत्यापन।
11. इंट्राऑपरेटिव एमआरआई निर्देशित सर्जरी।
12. ट्रॉमेटिक हाइड्रोसेफेलोयस में ईटीवी की भूमिका।
13. एवीएम के दीर्घावधि फॉलोअप।
14. सेरेब्रल माइक्रोडायलिसिस एक दर्दनाक मस्तिष्क चोट है।
15. सीवी जंक्शन विसंगतियों और ऑपरेशन पूर्व संबंध में 3डी सीटी एंजियोग्राफी की भूमिका।
16. बड़े वेस्टीबुलर स्कैवनोमस में फेशियल तंत्रिका कार्य के संरक्षण के लिए ऑपरेशन पूर्व फेशियल नर्व डिफ्यूजन टेंसर इमेजिंग की प्रभावकरिता : एक भावी यादृच्छिक अध्ययन।
17. कैरियरी मैलफॉर्मेशन वाले रोगियों में सी1–सी2 की भूमिका।
18. दर्दनाक मस्तिष्क चोट में वेसोस्पाज्म का अध्ययन।
19. जीके के बाद एकोयूस्टीक स्कवानोमा वाले रोगियों के दीर्घावधि फॉलो–अप।

पूर्ण

1. कुशिंग रोग का शल्य चिकित्सा प्रबंधन।
2. मस्तिष्क की बड़ी अर्टेरियोवेनस मैलफॉर्मेशन : एकल अंश गामा नाइफ रेडियोसर्जरी और दीर्घावधि परिणाम की भूमिका।
3. पिट्यूटरी एडेनोमा में प्राथमिक गामा नाइफ थैरेपी : एक पूर्वव्यापी 10 वर्षों का फॉलो अप

4. पिट्यूटरी स्टाल्क संरक्षण के साथ और उसके बिना पिट्यूटरी एडेनोमा के रोगियों में गामा नाइफ प्रेरित हाइपोपिट्यूटरिज्म का तुलनात्मक अध्ययन।
5. दर्दनाक ब्रेकियल प्लेक्सस चोट : सर्जिकल परिणामों का विश्लेषण।
6. गंभीर दर्दनाक मस्तिष्क चोट के बाद कार्यात्मक और संज्ञानात्मक रिकवरी : एक तृतीयक आघात देखभाल केंद्र में सह–अनुभागीय अध्ययन।
7. वैसोस्पेसम की रोकथाम में सिमवेस्टीटिन की भूमिका और एन्यूरिज्म सब–अर्कानॉइड हेमरेज के बाद कार्यात्मक परिणाम में सुधार लाना : एक भावी यादृच्छिक डबल ब्लाइंड प्लासेबो नियंत्रित परीक्षण।
8. क्लिनॉइडल मेनिनजियोमास।
9. डीसी करवा रहे गंभीर टीबीआई वाले रोगियों में शामिल पूर्वव्यापी सह भावी गैर यादृच्छिक विश्लेषणात्मक अध्ययन।
10. स्तर 1 एपेक्स ट्रॉमा सेंअर में गंभीर घाव मस्तिष्क की चोट में डिकम्प्रेसिव क्रेनियक्टोमी की भूमिका।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. अभिलेखागार, स्ट्रीमिंग और टेलीकॉन्फ्रेसिंग के लिए 3डी एंडोस्कोपिक और 3डी माइक्रोस्कोपिक सुविधा और केंद्रीय भंडार सर्वर के साथ न्यूरो सर्जरी कौशल प्रशिक्षण सुविधा। (एम्स : शरीर रचना विज्ञान, फोरेंसिक मेडिसिन, आईआईटी–डी : सीएसई)
2. एंडोस्कोपिक न्यूरो सर्जरी प्रशिक्षण और ऑपरेशन पूर्व न्यूरो सर्जरी योजना बनाने के लिए आभासी वास्तविक सिमुलेशन मंच आधारित 3डी/स्टीरियोस्कोपी का विकास। एम्स : (शरीर रचना विज्ञान, फोरेंसिक मेडिसिन, आईआईटी–डी : सीएसई)

पूर्ण

1. हैंड्स ऑन–स्किल्स प्रशिक्षण तथा इंट्रेक्टिव वर्चुअल प्रशिक्षण मॉड्यूल द्वारा न्यूरो सर्जरी कुशलता के विकास का मूल्यांकन (वेब आधारित टेली – एजुकेशन और वास्तविक समय मूल्यांकन)। एम्स : (शरीर रचना विज्ञान, फॉरेंसिक मेडिसिन, आईआईटी–डी : सीएसई)।
9. न्यूरोसर्जरी के लिए कम कीमत वाले प्रभारी एन्डोस्कोपिक औजारों का विकास (आईआईटी–डी : सीबीएमई)।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 100 सार : 2 पुस्तकों में अध्याय : 5

रोगी उपचार

न्यूरोसर्जरी विभाग में जनरल न्यूरोसर्जिकल वार्ड जिनमें प्रत्येक यूनिट (35 x 2 विस्तर) के साथ दो यूनिटें हैं। 23 बिस्तरों वाले दो आईसीयू हैं। ट्रामा सेंटर में अब 7 इलेक्टिव ऑपरेशन थियेटर ओर एक एक्सक्ल्यूसिव ऑपरेशन थियेअर है। हम सभी न्यूरोसर्जिकल सबस्पेशलिटीज़; वैस्कुलर सर्जरी, एपिलेप्सि सर्जरी, मिनिमली इनवेसिव क्रैनियल एण्ड स्पाइनल न्यूरोसर्जरी, पेडियाट्रिक न्यूरोसर्जरी, फंकशनल न्यूरोसर्जरी, न्यूरो–ऑनकोसर्जरी, स्कल बेस और कम्पलेक्स स्पाइनल सर्जरीज के लिए विश्व स्तरीय न्यूरोसर्जिकल सुविधाएं प्रदान करते हैं। वर्ष 2015–16 के दौरान हमने रोगियों की निम्नलिखित संख्या का इलाज किया।

1. बाह्य रोगी विभाग क) कुल नए मामले 14369 ख) कुल पुराने मामले 30507 ग) बाल चिकित्सा नए मामले 1983 घ) बाल चिकित्सा पुराने मामले 5455 ङ) कुल मामले 44876
2. गामा नाइफ ओपीडी नए मामले 435 गामा नाइफ ओपीडी पुराने मामले 1523 गामा नाइफ निष्पादन 455

3. शल्य चिकित्सा सीएनसी की कुल संख्या 3408
4. वैकल्पिक शल्य चिकित्सा (जेपीएनएटीसी) की संख्या 1371
5. शल्य चिकित्सा की कुल संख्या 4779

समाजिक सेवा :
प्रो आशीष सूरी : निर्धन रोगियों के लिए जून 2015 और दिसंबर 2015 में मोगा, पंजाब में न्यूरो हेल्थ कैम्प। डॉ मनमोहन सिंह ने दूरस्थ क्षेत्रों के निर्धन रोगियों के इलाज के लिए लेह, लद्दाख में 1 सप्ताह के दीर्घ वार्षिक एम्स कैम्प में भाग लिया।

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण उपलब्धियां
आचार्य बी. एस. शर्मा को स्वर्ण जयंती समारोह और एम्स में पूर्व छात्र बैठक में अध्यापकों के अध्यापक पुरस्कार दिया। उन्हें अध्यक्ष, न्यूरोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया; निर्वाचित अध्यक्ष, न्यूरोएंडोस्कोपी सोसायटी ऑफ इंडिया; अध्यक्ष, दिल्ली न्यूरोलॉजिकल एसोसिएशन; अध्यक्ष, इंडियन सोसायटी ऑफ पेरिफेरल नर्व सर्जरी; अध्यक्ष, सेरेब्रोवेस्कुलर सोसायटी ऑफ इंडिया; अध्यक्ष, स्कल बेस सर्जरी सोसायटी ऑफ इंडिया; अध्यक्ष, न्यूरोट्रॉमा सोसायटी ऑफ इंडिया; अध्यक्ष, एशियन – ऑस्ट्रेलियन सोसायटी ऑफ न्यूरोलॉजिकल सर्जन एजुकेशन कमिटी के रूप में निर्वाचित किया गया था।

आचार्य पी. एस. चन्द्र ने विशाखापट्नम में 04–25 फरवरी 2016 को आयोजित इंडियन एपिलेप्सी कांग्रेस में डॉ. सहगल व्याख्यान दिया; भारत के स्कल बेस सोसायटी (www.sbssi.og) के सचिव बनाए गए; माननीय कोषाध्यक्ष, न्यूरोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया (एनएसआई); इंडियन एपिलेप्सी सोसायटी के कार्यकारी सदस्य; सदस्य, मिर्गी के लिए इंटरनेशनल लीग का उप–आयोग (पीडियट्रिक एपिलेप्सी सर्जरी); एशियन एपिलेप्सी सर्जरी कांग्रेस का आयोजन : अक्टूबर 2015.

आचार्य आशीष सूरी ने 18 अक्टूबर 2015, एम्स – पटना, पटना, बिहार में राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान अकादमी के वार्षिक सम्मेलन में एनएएमएस स्वर्ण जयंती स्मरणोत्सव पुरस्कार व्याख्यान; कैरियर डेवलपमेंट – 2015 के लिए डीबीटी नेशनल बायोसाइंस पुरस्कार; डीबीटी टाटा इनोवेशन फेलोशिप पुरस्कार 2015 प्राप्त किया; एफ.ए.एम.एस. – फैलो एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज; सहायक प्रोफेसर, स्कूल ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान – दिल्ली; कार्यकारी सदस्य एनएसआई – न्यूरोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया; संयोजक सीएनएस – एनएसआई (कांग्रेस ऑफ न्यूरोलॉजिकल सर्जन – न्यूरोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया) सिमुलेशन कार्यशाला; विशेषज्ञ डीबीटी बायो–इंजीनियरिंग टास्क फोर्स; विशेषज्ञ आईसीएमआर न्यूरोसाइंस ट्रांसलेशनल रिसर्च टास्क फोर्स; अतिथि प्रोफेसर : क्लूवर फाउंडेशन, अतिथि प्रोफेसर, डिपार्टमेंट ऑफ न्यूरोसर्जरी, यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो स्कूल ऑफ मेडिसिन, शिकागो, यूएसए; अतिथि प्रोफेसर : अतिथि प्रोफेसर, डिपार्टमेंट ऑफ न्यूरोसर्जरी, यूनिवर्सिटी ऑफ मिनेसोटा, मिनियापोलिस, यूएसए।

डॉ. दीपक अग्रवाल को होटल रॉयल प्लाजा, नई दिल्ली में 12 मार्च 2015 को ईएलईटीएस द्वारा 'पेशेंट डिस्प्ले सिस्टम' के लिए हेल्थकेयर लीडर्स फोरम और पुरस्कारों में इसकी श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ परियोजना से सम्मानित किया गया था; एम्स अल्ट्रासाउंड ट्रॉमा लाइफ सपोर्ट पाठ्यक्रम के निदेशक जो 4 देशों में आयोजित किया जाता है; 'एम्स – कीप इट सिम्पल सोनोग्राफी फॉर न्यूरोसर्जन' के कार्यक्रम निदेशक : भारत और नेपाल में कार्यशाला का आयोजन किया है; डॉक्टर और नर्सों के लिए आयोजित एम्स – अनुसंधान एथिक्स और प्रस्तुतीकरण पाठ्यक्रम के कार्यक्रम निदेशक; भारत भर में नियमित रूप से आयोजित एम्स – व्यक्तिगत विकास,

संचार और प्रस्तुतीकरण कौशल कार्यशाला के कार्यक्रम निदेशक; अध्यक्ष, कंप्यूटरीकरण, एम्स नई दिल्ली; संकाय प्रभारी कंप्यूटरीकरण, कॉल सेंटर, नेटवर्किंग एंड टेलीमेडिसिन, जेपीएनएटीसी, एम्स।

डॉ. सुमित सिन्हा ने 15–20 मई 2016 से स्पाइन वीक, सिंगापुर में प्रस्तुत किए जाने के लिए शोध पत्र शीर्षक – 'रोल ऑफ ह्यूमन अम्बिलिकल कोर्ड ब्लड स्टेम सेल्स एंड न्यूरल स्टेम सेल्स इन न्यूरोनल रिजनरेशन एंड फंक्शनल रेस्टोरेशन : ए कम्परेटिव स्टडी इन मेल एडल्ट रेट्स विद् एक्यूट स्पाइनल कोर्ड इंजरीस' के लिए बुनियादी वैज्ञानिक श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार; 28–31 अक्टूबर 2015 तक वार्षिक न्यूरोट्रॉमा सम्मेलन में शोध पत्र शीर्षक – 'रोल ऑफ ह्यूमन अम्बिलिकल कोर्ड ब्लड स्टेम सेल्स एंड न्यूरल स्टेम सेल्स इन न्यूरोनल रिजनरेशन एंड फंक्शनल रेस्टोरेशन : ए कम्परेटिव स्टडी इन मेल एडल्ट रेट्स विद् एक्यूट स्पाइनल कोर्ड इंजरीस' के लिए बुनियादी वैज्ञानिक श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार जीता; डब्ल्यूसीएनएस सोसायटी ने 2016 के सम्मेलन के दौरान बीपीआई पर उनकी पहली पुस्तक का विमोचन किया। इस पुस्तक में ब्रेकियल प्लेक्सस चोट और पेरिफेरल तंत्रिकाओं पर अपने ज्ञान को बढ़ाने के लिए प्रशिक्षु हेतु विशाल डोमेन सूचना है। यह उनके कार्यों पर बिना कोई तैयार के न्यूरॉन सर्जन, हैंड सर्जन और प्लास्टिक सर्जन के लिए लाभकारी है। प्रख्यात प्रोफेसरों ने इस पुस्तक में अपने जीवन भर के कार्यों को साझा किया है। आईएसपीएनएस सोसायटी भविष्य में बीपीआई के क्षेत्र में और अधिक साहित्य प्रकाशित करेंगे; प्रत्येक एक माह की अवधि के लिए इंडियन सोसायटी ऑफ पेरिफेरल नर्व सर्जरी ब्रेकियल प्लेक्सस फॉलोशिप कार्यक्रम के तहत भारत और विदेश के चार अध्येताओं का प्रशिक्षण।

डॉ. सचिन बोरकर को यूसीएसएफ स्पाइन सेंटर, सैन फ्रांसिस्को, यूएसए में वर्ष 2015 के लिए एएएनएस/सीएनएस स्पाइन सेक्शन क्रॉकार्ड इंटरनेशनल फैलोशिप (स्पाइन एंड पेरिफेरल नर्व) से सम्मानित किया गया; न्यूरोसर्जरी बेस्ट पेपर आवार्ड, दिल्ली न्यूरोलॉजिकल एसोसिएशन की वार्षिक बैठक, 23–24 जनवरी 2016, नई दिल्ली।

डॉ. विवेक टंडन ने उदयपुर में एशियन एपिलेप्सी कांग्रेस में लेजर निर्देशित मिर्गी सर्जरी पर सर्वश्रेष्ठ पोस्टर के लिए प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया; गायज़ एंड सैंट थॉमस अस्पताल में डॉ. खाई लाम के तहत माह प्रेक्षकता कार्यक्रम के लिए लंदन की यात्रा हेतु आईजीएएसएस स्पाइन सर्जरी अध्येतावृत्ति प्राप्त की; अक्टूबर, 2015 में उदयपुर में एशियन एपिलेप्सी सर्जरी कांग्रेस का सह–आयोजन; एथिकॉन इंस्टीट्यूट ऑफ सर्जिकल एजुकेशन में माइक्रोन्यूरो – वेस्कुलर सर्जरी कार्यशाला के लिए प्रभारी संकाय।

डॉ. दत्ताराज सावरकर को अक्टूबर 2015 में इजमिर में इंटरनेशनल सोसायटी ऑफ पीडियाट्रिक न्यूरोसर्जरी द्वारा 2015 के लिए ''आईएसपीएन स्कॉलरशिप आवार्ड'' से सम्मानित किया गया; सितंबर 2015 में रोम, इटली में शोध पत्र प्रस्तुतीकरण के लिए इटेलियन सोसायटी ऑफ न्यूरोसर्जरी (सिंक) यंग न्यूरोसर्जन एजुकेशनल अनुदान पुरस्कार प्राप्त किया; मार्च 2016 में मुंबई में आयोजित 12वें इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ सेरेब्रोवेस्कुलर सर्जन और पहला एएएसएनएस अंतरिम बैठक में भाग लेने के लिए यंग न्यूरोसर्जन स्कॉलरशिप पुरस्कार प्राप्त किया; इंटरनेशनल न्यूरोसर्जरी लाइव ऑपरेटिव वर्कशॉप में एंडोस्कोपिक पिट्यूटरी सर्जरी की तकनीक के निष्पादन और प्रदर्शन के लिए अतिथि संकाय के रूप में आमंत्रित किया गया जो जून 2015 में हिंदुजा अस्पताल, मुम्बई में आयोजित 5वें इंटरनेशन न्यूरोसर्जरी अपडेट 2015 का भाग था; अगस्त 2015 में न्यूरोएंडोस्कोपी अध्येतावृत्ति कार्यक्रम के तहत एनएससीबी मेडिकल कॉलेज जबलपुर में आयोजित लाइव ऑपरेटिव वर्कशॉप में एंडोस्कोपिक एंडोनसल स्कल बेस एप्रोचीज एंड एंडोस्कोपिक डिसेक्टोमी की तकनीक के निष्पादन और प्रदर्शन के लिए अतिथि संकाय के रूप में आमंत्रित किया गया; जोधपुर मेडिकल कॉलेज, जोधपुर, 2015 में आयोजित लाइव ऑपरेटिव वर्कशॉप में एंडोस्कोपिक पिट्यूटरी सर्जरी एंड एंडोस्कोपिक लम्बर डिसेक्टोमी की तकनीक के निष्पादन और प्रदर्शन के लिए अतिथि संकाय के रूप में आमंत्रित; एम्स तंत्रिका

विज्ञान स्वर्ण जयंती समारोह के भाग के रूप में नवंबर 2015 में एम्स, नई दिल्ली में आयोजित डब्ल्यूएफएनएस न्यूरोएंडोस्कोपी लाइव ऑपरेटिव वर्कशॉप में एंडोस्कोपिक पिट्यूटरी सर्जरी की तकनीक का निष्पादन और प्रदर्शन; एम्स शव प्रशिक्षण और अनुसंधान सुविधा (सीटीआरएफ) द्वारा आयोजित एम्स शव कार्यशाला में एंडोस्कोपिक एंडोनसल स्कल बेस एप्रोचीस की तकनीक का प्रदर्शन; तीसरा एम्स वार्षिक तंत्रिका ट्रॉमा सम्मेलन, अक्टूबर 2015 के तहत आयोजित शव कार्यशालाओं में एंडोस्कोपिक एंडोनसल स्कल बेस एप्रोचीस की तकनीक का प्रदर्शन।

अतिथि वैज्ञानिक

1. डॉ. अश्विनी शरन, यूएसए थॉमस जेफरसन यूनिवर्सिटी, फिलाडेल्फिया, यूएसए डॉ. हेनरी हेलम जर्मनी डॉ. चार्ली टेयो, ऑस्ट्रेलिया
2. प्रोफेसर जयंत एन. आचार्य, यूएसए
3. प्रोफेसर विनिता आचार्य, यूएसए
4. प्रोफेसर ताकिजावा, जापान
5. प्रोफेसर केंजी ओहाटा, जापान
6. डॉ. पार्थ तिरुमाला, यूनिवर्सिटी ऑफ पिट्सबर्ग, यूएसए
7. प्रोफेसर मेरिनस डे क्लेयूवर, नीदरलैंड

तंत्रिका संवेदनाहरण विज्ञान

विशिष्टताएं

4444 न्यूरो सर्जिकल प्रक्रियाओं (3073 न्यूरो साइंस केन्द्र पर और 1371 जेपीएनएटीसी पर) के लिए एनेस्थेटिक प्रबंधन पूरा किया गया था। इसके अतिरिक्त, 480 न्यूरो रेडियोलॉजिकल प्रक्रियाओं के लिए भी एनेस्थेटिक प्रबंधन पूरा किया गया था।

संवेदनाहरण देखभाल मस्तिष्क घावों के लिए गामा नाइफ उपचार करवा रहे 10 रोगियों को प्रदान किए गए थे। 4904 आईसीयू रोगियों (3487 – एनएससी; 1417 – टीसी3 आईसीयू, जेपीएनएटीसी) के गहन देखभाल प्रबंधन का निष्पादन किया गया था। कुल 3573 रोगियों (2588 नए और 985 पुराने) को एनएससी में पूर्व संवेदनाहरण चेक–अप (पीएसी) क्लिनिक ओपीडी में देखा गया था।

दर्द क्लीनिक ओपीडी, एनएससी में कुल 543 रोगियों (34 नए और 409 पुराने) को देखा गया था और उनमें से 322 का उपचार तंत्रिका ब्लॉक में किया गया था।

दो अभ्यर्थियों को डीएम (न्यूरो एनेस्थियोलॉजी) डिग्री प्रदान की गई थी। पांच नए अभ्यर्थियों ने डीएम पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया था। अन्य तंत्रिका संवेदनाहरण विभागों के 21 स्नातकोत्तर छात्रों तथा 15 सीनियर रेज़ीडेंट्स ने न्यूरो एनेस्थेसिया प्रशिक्षण प्राप्त किया।

सत्रह अनुसंधान परियोजनाएं (2 वित्तपोषित, 14 विभागीय और 1 सहयोगात्मक) पूरी की गई जबकि 32 अनुसंधान परियोजनाएं (8 वित्तपोषित, 22 विभागीय और 12 सहयोगात्मक) जारी हैं।

विभाग ने एम्स न्यूरो एनेस्थेसिया अपडेट – 2015 और एम्स काडवेरिक एयरवे कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया। 89 व्याख्यान विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में विभाग के संकाय सदस्यों द्वारा दिए गए थे। उन्होंने विभिन्न सम्मेलनों में 17 अनुसंधान शोध पत्रों को भी प्रस्तुत किया। संकाय और रेजीडेंट द्वारा विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक पत्रिकाओं में 58 लेखों को प्रकाशित किया गया था। बारह सार अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक पत्रिकाओं में प्रकाशित किए गए थे। पुस्तकों में बीस अध्यायों को संकाय द्वारा लिखा गया था। एक पुस्तक संकाय सदस्य द्वारा लिखी/संपादित की गई थी।

एक संकाय मुख्य संपादक होगा और 02 संकाय सदस्य एक राष्ट्रीय जर्नल के कार्यकारी संपादक होंगे।

शिक्षा

क. स्नातकोत्तर शिक्षण

1. 21 एमडी एनेस्थेसियोलॉजी छात्रों (एम्स के एनेस्थेसियोलॉजी विभाग के 12 और एलएचएमसी के 09 छात्रों) ने अपने पाठ्यक्रम के अभिन्न अंग के रूप में, विभाग में न्यूरो एनेस्थियोलॉजी प्रशिक्षण प्राप्त किया।
2. दस सीनियर रेज़ीडेंट्स (एम्स के एनेस्थेसियोलॉजी विभाग से 09 और डॉ. बीआरएआईआरसीएच एनेस्थेसियोलॉजी विभाग के 06) ने परस्पर बदलाव आधार पर अंतरविभागीय चक्रानुक्रम के एक भाग के रूप में परिवर्ती अवधियों में एनेस्थेसियोलॉजी में प्रशिक्षण प्राप्त किया।
3. विभागीय शिक्षण कार्यक्रम के एक भाग में रूप में सप्ताह में तीन बार (सोमवार, मंगलवार, शनिवार) को सेमिनार, जर्नल क्लब और मामला प्रस्तुतीकरण (एक बार में एक घंटे तक) को आयोजित किया गया।

विभाग द्वारा आयोजित सम्मेलन, संगोष्ठी, कार्यशालाएं

1. विभाग द्वारा 26.09.2015 और 27.09.2015 के बीच अ. भा. आ. सं. संवेदनाहरण विज्ञान अद्यतन – 2015 सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।
2. एम्स केडवेरिक एयरवे वर्कशॉप, 6 मार्च 2016, जेपीएनएटीसी, एम्स, नई दिल्ली एक बड़ी सफलता थी।

प्रदत्त व्याख्यान

प्रमोद कुमार बिठ्ठल : 3	अरविंद चतुर्वेदी : 1	मिहिर प्रकाश पांडिया : 2
गिरिजा प्रसाद रथ : 6	हेमांशु प्रभाकर : 5	ज्ञानिंदर पाल सिंह : 9
आशीष बिंद्रा : 17	नीरज कुमार : 11	केशव गोयल : 11
नवदीप सोखल : 6	चारू महाजन : 4	इंदु कपूर : 2
सूर्य कुमार दुबे : 5		

शोध पत्र / पोस्टर की प्रस्तुति : 32

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. लम्बर डिसेक्टोमी से गुजर रहे रोगियों में इंट्राऑपरेटिव फेंटायनल कंजंप्शन पर ट्रांसक्यूटेनियस इलेक्ट्रिकल नर्व स्टीमुलेशन (टीईएनएस) का प्रभाव। आर. एस. चौहान, इंडियन सोसायटी ऑफ न्यूरोएनेस्थिसियोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर (आईएसएनएसीसी), दो वर्ष, 2015–17, 50,000 रुपए।
2. स्ट्रोक रोगियों में परिणाम के आकलन के लिए अप्रत्यक्ष कैलोरीमेट्री का उपयोग : मानक की तुलना बनाम वजन आधारित सूत्र। गिरिजा प्रसाद रथ जीई हेल्थ केयर प्रा. लि. दो 01.03.2016–29.02.2018 (उपकरण)

पूर्ण

1. प्रोन स्थिति में तरल पदार्थ जवाबदेही के कारक के रूप में प्लेथ परिवर्तनशीलता सूचकांक की तुलना और स्ट्रोक की मात्रा की विविधता। गिरिजा प्रसाद रथ, आईसीएमआर, एक, 1.12.2015–/31.11.2015, 5,45,475 रु.।
2. सरवाइकल स्पाइन चोट वाले रोगियों में कंडुइट के रूप में एयर–क्यू के उपयोग के साथ और उसके बिना फाइबरऑप्टिक एंडोट्रेकियल इंटुबेशन की तुलना : एक पायलट अध्ययन ज्ञानिंद्र पाल सिंह अनुसंधान अनुभाग एम्स एक वर्ष 2015–2016, 2,16,000 रुपए।

3. स्पाइन सर्जरी के बाद ऑपरेशन पश्चात मॉर्फिन कंजंप्शन पर एकल खुराक प्रीओपरेटिव विटामिन सी बनाम प्लोसेबो के प्रभाव के यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन। डॉ. नीरज कुमार, एम्स, 1 वर्ष, 2014–2015, 2,80,000 रु.।
4. अल्ट्रासाउंड निर्देशित संवहनी उपयोग के दौरान पोस्टेरियर वेसल वॉल पंचर्स की घटना : लघु एक्सिस बनाम दीर्घ एक्सिस दृष्टिकोण डॉ. नीरज कुमार एम्स, 1 वर्ष 2015–2016, 3,70,000 रूपए।
5. गंभीर दर्दनाक मस्तिष्क चोट वाले रोगियों में एनआईआरएस का उपयोग कर सेरेब्रल ऑटोरेगुलेशन का आकलन। डॉ. केशव गोयल एम्स 2 वर्ष जनवरी 2016 5 लाख रूपए।
6. गंभीर दर्दनाक मस्तिष्क चोट वाले रोगियों में जुगुलर वेनस ऑक्सीमेट्री पर डिकम्प्रेसिव क्रेनियोक्टोमी का प्रभाव। डॉ. नवदीप सोखल आंतरिक अनुदान, 2 वर्ष 2015–16 5 लाख रूपए।
7. पोस्ट – क्रेनियोटोमी दर्द पर मैग्नीजियम और लिग्नोकाइन का प्रभाव : एक तुलनात्मक, यादृच्छिक, डबल ब्लाइंड, प्लासेबो – नियंत्रित अध्ययन। चारु महाजन एम्स 1 2015 70,000 रुपए।
8. मिर्गी का ऑपरेशन हुए रोगियों में डेक्समेडेटोमिडाईन के सेरेब्रोप्रोटेक्टिव प्रभावों का अध्ययन–एक बायोमार्कर निर्देशित अध्ययन। डॉ. आशीष बिंदरा, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (आंतरिक निधिकरण), 2 वर्ष, जनवरी 2013–मार्च 2015, 3 लाख रू.।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. सर्जरी से गुजर रहे एक्रोमेगली वाले रोगियों में एयरवे का आकलन : ट्रेकियल इंटुबेशन की सफलतापूर्वक भविष्यवाणी।
2. संवेदनाहरण के तहत रोगियों में एन ऑप्टिक नर्व शीथ डायमीटर प्रतिक्रिया। एक यादृच्छिक नियंत्रित पायलट अध्ययन।
3. सर्जिकल क्लिपिंग करवा रहे सबराकनॉइड हिमोरेहज वाले रोगियों में तंत्रिका जीव विज्ञान परिणाम पर इंट्राक्रेनियल एन्यूरिज्म के इंट्राऑपरेटिव अलगाव का प्रभाव। एक पूर्वव्यापी विश्लेषण।
4. गंभीर दर्दनाक मस्तिष्क चोट वाले रोगियों में चेस्ट फिजियोथैरेपी और ट्रेकियल सक्शनिंग के बाद इंट्राक्रेनियल और प्रणालीगत दबाव पर डिक्समेडिटोमाइडिन और लिग्नोकाइन के प्रभाव की तुलना करना। एक यादृच्छिक, ब्लाइंड पायलट अध्ययन।
5. सामान्य संवेदनाहरण के तहत न्यूरोसर्जिकल रोगियों में कार्डियक परिणाम के इंट्राऑपरेटिव अनुमान के लिए दो गैर–आक्रामक विधियों की तुलना।
6. सुपरटेंटोरियल क्रेनियोटोमी करवा रहे रोगियों में आपातकालीन और रिकवरी प्रोफाइल पर तीन एनेस्थेटिक तकनीकों की तुलना।
7. सेरेबेलोपोंटाइन एंगल ट्यूमर सर्जरी करवा रहे रोगियों में सेवोफ्लुरेन/नाइट्रस ऑक्साइड बनाम सेवोफ्लुरेन/एयर के प्रभाव की तुलना करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
8. जागृत अवस्था के दौरान बेहोश करने की क्रिया के लिए डेक्समेडेटोमिडिन बनाम प्रोपोफॉल संक्रमण की प्रभावशीलता की तुलना।
9. बड़े इंट्राक्रानियल ट्यूमरों को कटने के दौरान रोगियों के अस्पताल में रहने पर लक्षित निर्देशित इंट्राऑपरेटिव फ्लुइड थैरेपी का प्रभाव।
10. बाल चिकित्सा मस्तिष्क ट्यूमर का ऑपरेशन से पहले प्रबंधन : एक पूवव्यापी विश्लेषण।
11. रीढ़ की हड्डी की सर्जरी के दौरान ट्रांसक्रिनियल इलेक्ट्रिकल मोटर से पैदा क्षमता पर सहायक के रूप में डिक्समेडेटोमाइडिन के साथ दो संवेदनाहारी व्यवस्थाओं का प्रभाव : एक पायलट अध्ययन।
12. पिट्यूटरी ट्यूमर के ट्रांसस्फेनॉइडल रिसेक्शन के लिए डिस्फ्लुरेंस और कुल इंट्रावेनस संवेदनाहरण के बिस्पेक्ट्रल सूचकांक – निर्देशित व्यवस्था की तुलना।

13. संवेदनाहरण और गहन देखभाल के प्रबंधन की आवश्यकता वाले सरवाइकल स्पाइन चोट वाले बच्चों में परिणाम के नैदानिक संकेतक – एक पूर्वव्यापी विश्लेषण।
14. सामान्य संवेदनाहरण के तहत फाइबरऑप्टिक ओरोट्रेकियल इंटुबेशन के दो तकनीकों का यादृच्छिक परीक्षण तुलना : एयर –क्यू इंटुबेटिंग लार्यंजियल एयरवे के उपयोग के साथ और उनके बिना फाइबरऑप्टिक इंटुबेशन।
15. बड़े संवहनी तंत्रिका अर्बुद में डिएक्समेडिटोमाइडिन के इंट्राऑपरेटिव उपयोग।
16. सिर की चोट वाले रोगियों में आईसीयू में एक्सट्यूबेशन विफल रहने के जोखिम कारकों और कारणों का अध्ययन करना।
17. सिर की चोट वाले रोगियों में आईसीयू में संवेदनाहरण के लिए डेक्समेडेटोमिडिन के प्रभाव।
18. अवेक क्रेनियोटॉमी प्रोपोफॉल बनाम डिक्समेडेटोमाइडिन।
19. जागृत अवस्था के दौरान बेहोश करने की क्रिया के लिए डेक्समेडेटोमिडिन बनाम प्रोपोफॉल संक्रमण की प्रभावशीलता की तुलना।
20. न्यूरोकायमल सबरैकनॉइड हेमरेज में भावी परिणाम में फुल आउटलाइन ऑफ अनरिस्पोसिवनेस (एफओयूआर) स्कोर और पांरपरिक स्कोर की तुलना।
21. सामान्य संवेदनाहरण के तहत रोगियों में एक ऑप्टिक नर्व शीथ डायमीटर (ओएनएसडी) प्रतिक्रिया को समाप्त करने के टाइडल कार्बन डाइऑक्साइड (ईटीसीओ2) एकाग्रता : एक यादृच्छिक नियंत्रण पायलट अध्ययन।
22. सर्जरी से गुजर रहे एक्रोमेगली वाले रोगियों में एयरवे का आकलन : ट्रेकियल इंटुबेशन की सफलतापूर्वक भविष्यवाणी।

पूर्ण

1. एंटेरियर सरवाइकल स्पाइन सर्जरी में डिक्समेडेटोमाइडिन का उपयोग और हिमोडायनेमिक स्थिरता और रिवकरी रूपरेखा पर प्रभाव।
2. एंडोस्कोपिक बनाम माइक्रोस्कोपिक तकनीक द्वारा ट्रांसफेनॉइडल पिट्यूटरी सर्जरी करवा रहे रोगियों के ऑपरेशन पूर्व पाठ्यक्रम – एक पूर्वव्यापी विश्लेषण।
3. 'एनेस्थिसिया फॉर एवेक क्रेनियोटोमी' के गहरे मस्तिष्क स्टीमुलेशन सर्जरी – हमारे संस्थागत अनुभव के दौरान संवेदनाहरण प्रबंधन और ऑपरेशन से पहले की जटिलताएं – 54 मामलों का पूर्वव्यापी अध्ययन।
4. सुप्रेटेंटोरियल सर्जरी में सेवोफ्लुरेन और डिसफ्लुरेंन के बीच इंट्राऑपरेटिव मस्तिष्क की स्थिति और ऑपरेशन पश्चात रिवकरी की तुलना।
5. इंट्राक्रेनियल सर्जरी के दौर से गुजर रहे बुजुर्ग रोगियों में ऑपरेशन पूर्व जटिलाएं – एक संभावित अवलोकन अध्ययन।
6. बुजुर्ग आबादी में सरवाइकल स्पाइन/स्पाइनल कोर्ड पैथोलॉजी के साथ रोगियों में पोस्टऑपरेटिव जटिलताओं का पूर्वव्यापी अध्ययन।
7. तंत्रिका शल्य चिकित्सा गहन देखभाल में रोगियों में पल्मोनरी संक्रमण के जीवाणु और एंटीबायोटिक संवेदनशीलता पैटर्न।
8. सेवोफ्लुरेन संवेदनाहरण के दौरान सेरेब्रल स्वः विनियमन और सीओ2 अभिक्रियाशीलता पर डेक्समेडेटोमिडिन का प्रभाव।
9. गंभीर दर्दनाक मस्तिष्क की चोट वाले रोगियों में इंट्राक्रेनियल दबाव की निगरानी : एक पूर्वव्यापी अध्ययन।
10. क्रेनियोफेर्यंजियोमा के लिए सर्जरी करा रहे रोगियों के परिणाम के प्रभावित कारक।
11. पोस्टऑपरेटिव एनाल्जेसिक आवश्यकता के लिए लम्बर स्पाइन इंस्ट्रूमेंटेशन सर्जरी में संवेदनाहारी सहायक के रूप में इंट्राऑपरेटिव कम खुराक केटामाइन और डेक्समेडेटोमिडिन के बीच एक तुलनात्मक अध्ययन।

12. सेवोफ्लुरेन और डिसफ्लुरेन के ईक्वाई – मैक सांद्रता में बिस्पेक्ट्रल सूचकांक मानों पर नाइट्रस ऑक्साइड का प्रभाव।
13. एक तृतीयक स्तर ट्रॉमा सेंटर में दर्दनाक मस्तिष्क की चोट वाले बाल चिकित्सा रोगियों का एनेस्थेटिक प्रबंधन – एक पूर्वव्यापी अध्ययन।
14. दर्दनाक मस्तिष्क चोट के रोगियों में इंट्राक्रेनियल प्रेशर पर चेस्ट फिजियोथैरेपी की दो विभिन्न तकनीकों के प्रभाव की तुलना करना : एक यादृच्छिक क्रॉसओवर अध्ययन।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. रेटिनोब्लास्टोमा में इंट्राआर्टिरियल कीमोथैरेपी। डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र।
2. स्ट्रोक रोगियों में परिणाम के आकलन के लिए अप्रत्यक्ष कैलोरीमेट्री का उपयोग : मानक की तुलना बनाम वजन आधारित सूत्र। तंत्रिका विज्ञान।
3. रीढ़ की हड्डी की सर्जरी के दौरान ट्रांसक्रिनियल इलेक्ट्रिकल मोटर से पैदा क्षमता पर सहायक के रूप में डिक्समेडेटोमाइडिन के साथ दो संवेदनाहारी व्यवस्थाओं का प्रभाव : एक पायलट अध्ययन। शरीर क्रिया विज्ञान।
4. बड़े संवहनी तंत्रिका अर्बुद में डिएक्समेडिटोमाइडिन के इंट्राऑपरेटिव उपयोग। तंत्रिका शल्य चिकित्सा।
5. दैनिक सर्जिकल प्रक्रियाओं के दौरान सफल एक्सटुबेशन के एक कारक के रूप में एम–मोड सोनोग्राफी द्वारा डायफ्रेगमेटिक मूवमेंट का एक मूल्यांकन। संवेदनाहरण, रेडियोडायग्नोसिस।
6. अल्ट्रासाउंड निर्देशित केन्युलेशन पर कैरोटिड अर्टरी और इसके निहितार्थ के संबंध में इंटर्नल जुगुलर वेन का एनाटोमिकल रूपांतरण : एक पर्यवेक्षणीय अध्ययन। संवेदनाहरण।
7. एण्डोस्कोपिक पिट्यूटरी सर्जरी कराने वाले रोगियों में हीमोडायनेमिक्स पर लिडोकेन इंफ्यूजन के प्रभाव और इनका ठीक होना : एक बहु केंद्रिक, यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, स्वास्थ्य विज्ञान केंद्र, यूनिवर्सिटी ऑफ मैनिटोबा, विन्नीपेग, कनाडा।
8. सेंट्रल लाइन एसोसिएटेड ब्लड स्ट्रीम इंफेक्शन (सीएलएबीएसआई) को कम करने में क्लोरेहेक्सिडिन ग्लुकोनेट इप्रेगनेटेड पैच (बीआईओपीएटीसीएच^{R}) की प्रभावशीलता पर भावी अध्ययन, सूक्ष्म जीव विज्ञान, जेपीएनएटीसी, एम्स।
9. रेफेरल इंडियन हॉस्पीटल में ब्लड स्ट्रीम इंफेक्शन (बीएसआई) की निगरानी, रेफेरल इंडियन हॉस्पीटल में ब्लड स्ट्रीम इंफेक्शन (बीएसआई) की निगरानी, सूक्ष्म जीव विज्ञान, जेपीएनएटीसी, एम्स।
10. न्यूरोक्रिटिकल केयर इकाई का सप्ताह : न्यूरोक्रिटिकल देखभाल में बिंदु रोकथाम अवलोकन अध्ययन : पीआरआईएनसीई अध्ययन। जुलाई 2014. (आईईसी/एनपी – 190/2014 आरपी – 03/2014) बयलॉर कॉलेज ऑफ मेडिसिन, हॉस्टन, टेक्सास।
11. दर्दनाक फेफड़े की चोट वाले रोगियों में साइटोकाइन और बायोमार्करों का प्रोग्नोस्टीक महत्व। ट्रॉमा सर्जरी एंड क्रिटिकल केयर।
12. पोस्ट–क्रैनियोटोमी दर्द पर मैग्नीशियम और लिग्नोकाइन के प्रभाव : एक तुलनात्मक, यादृच्छिक, डबल ब्लाइंड, प्लासेबो – नियंत्रित अध्ययन। रीढ़ की हड्डी की सर्जरी के दौरान क्षमता : एक पायलट अध्ययन। तंत्रिका जैव रसायन।

पूर्ण

1. आईसीयू में रहने के दौरान सिर की चोट वाले रोगियों में इलेक्ट्रोलाइट असमान्यताएं : एक भविष्यलक्षी अवलोकन अध्ययन। लैब मेडिसिन, जेपीएनएटीसी, एम्स।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 53 सार : 13 पुस्तकों में अध्याय : 20

पुस्तकें : 1

रोगी उपचार

4444 न्यूरो सर्जिकल प्रक्रियाओं (3073 न्यूरो साइंस केन्द्र पर और 1371 जेपीएनएटीसी पर) के लिए एनेस्थेटिक प्रबंधन पूरा किया गया था। इसके अतिरिक्त, 480 न्यूरो रेडियोलॉजिकल प्रक्रियाओं के लिए भी एनेस्थेटिक प्रबंधन पूरा किया गया था।

संवेदनाहरण देखभाल मस्तिष्क घावों के लिए गामा नाइफ उपचार करवा रहे 10 रोगियों को प्रदान किए गए थे। 4904 आईसीयू रोगियों (3487 – एनएससी; 1417 – टीसी3 आईसीयू, जेपीएनएटीसी) के गहन देखभाल प्रबंधन का निष्पादन किया गया था। कुल 3573 रोगियों (2588 नए और 985 पुराने) को एनएससी में पूर्व संवेदनाहरण चेक–अप (पीएसी) क्लिनिक ओपीडी में देखा गया था।

दर्द क्लीनिक ओपीडी, एनएससी में कुल 543 रोगियों (134 नए और 409 पुराने) को देखा गया था और उनमें से 322 का उपचार तंत्रिका ब्लॉक में किया गया था।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां

आचार्य प्रमोद के. बिठ्ठल को भारतीय चिकित्सा परिषद द्वारा डीएम न्यूरोएनेस्थिसियोलॉजी के लिए शिक्षण अनुसूची तैयार करने वाली समिति के सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया था।

प्रोफेसर अरविंद चतुर्वेदी को विदेश में कार्य सौंपा गया था और उन्होंने सुल्तान क्वाबूस यूनिवर्सिटी हॉस्पीटल, मस्कट, ओमान में 2 वर्षों के लिए मई 2014 से संवेदनाहरण विभाग और आईसीयू में वरिष्ठ सलाहकार और एनेस्थिसिया के प्रभारी के रूप में कार्य किया। वह मेडिकल जर्नल के समीक्षक भी हैं, सुल्तान क्वाबूस यूनिवर्सिटी (एसक्यूयू) मेडिकल जर्नल ओमान (एसक्यूयू मेड जे ओमान) के समीक्षक के रूप में चुना गया। जर्नल ऑफ एनेस्थिसियोलॉजी एंड क्लिकिनल फार्माकोलॉजी (जेओएसीपी) के समीक्षक हैं और इस वर्ष में कई वैज्ञानिक चिकित्सा लेखों की समीक्षा की।

आचार्य मिहिर प्रकाश पांडिया को भारतीय चिकित्सा परिषद द्वारा डीएम न्यूरोएनेस्थिसियोलॉजी के लिए शिक्षण अनुसूची तैयार करने वाली समिति के सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया था।

डॉ. गिरिजा प्रसाद रथ ने आयोजन सचिव के रूप में 'एम्स न्यूरोएनेस्थिसिया अपडेट 2015' आयोजित किया। पाठ्यक्रम निदेशक के रूप में गुड़गांव में मेडेंट्स न्यूरोक्रिटिकल केयर 2015 और जयपुर में आईएसएसीओएन 2015 में 'न्यूरोमॉनिटरिंग वर्कशॉप' आयोजित किया। वेब संपादक, इंडियन सोसायटी ऑफ न्यूरोएनेस्थिसियोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर (आईएसएनएसीसी), कार्यकारी संपादक, जर्नल ऑफ न्यूरोएनेस्थिसियोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर (जेएनएसीसी), संपादक बोर्ड सदस्य, इंडियन जर्नल ऑफ एनेस्थिसिया (आईजेए), वर्ल्ड जर्नल ऑफ एनेस्थिसियोलॉजी (डब्ल्यूजेए), अनुभाग संपादक (न्यूरोएनेस्थिसिया) ऑफ एनाल्स ऑफ कार्डियक एनेस्थिसिया और एसोसिएट संपादक, इंडियन जर्नल ऑफ क्लिनिकल एनेस्थिसिया (आईजेसीए) के पद पर कार्यरत हैं।

बार्सिलोना, स्पेन में आयोजित न्यूरो एनेस्थिसिया एंड न्यूरो–इंटेंसिव केयर (यूरोन्यूरो 2016) पर 9वें अंतरराष्ट्रीय अद्यतन के अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक सलाहकार बोर्ड सदस्य के रूप में नामित हैं। नॉर्थन जर्नल ऑफ आईएसए के संपादकीय बोर्ड सदस्य के रूप में नामित हैं। एनेस्थिसिया एसेस एंड रिसर्चीस (एईआर) और एनेस्थिसियोलॉजी एंड पेन मेडिसिन (एएपीएम) के अंतरराष्ट्रीय सलाहकार बोर्ड सदस्य और प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाएं जैसे मिनेरवा एनेस्टेसियोलॉजिका, जर्नल ऑफ न्यूरोसर्जिकल एनेस्थिसियोलॉजी, न्यूरोक्रिटिकल केयर, और जर्नल ऑफ क्लिनिकल एनेस्थिसिया के सह–समीक्षक के रूप में नामित हैं। मृतक अंगों और ऊतकों के दान के लिए

एम्स नर्सों के सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम (ओआरबीओ द्वारा आयोजित) में शामिल (कोर संकाय)। वर्ष 2015–16 के लिए यंग इंडियन बायो–मेडिकल साइंटिस्ट्स के लिए आईसीएमआर अंतरराष्ट्रीय अध्येतावृत्ति से सम्मानित।

डॉ. नीरज कुमार : कुंभ मेला 2015, 27 मार्च 2015, नासिक के संबंध में जन आपातकालीन प्रबंधन और एम्स–बीईसीसी पर कार्यशाला आयोजित करने के लिए वीपी मेडिकल कॉलेज, नासिक के डीन से एक प्रशंसा पत्र प्राप्त किया; भारत स्काउट्स एंड गाइड्स, उज्जैन से 1 मार्च 2016 को आर. डी. गरडी मेडिकल कॉलेज उज्जैन, म. प्र. से मास्टर प्रशिक्षु एम्स – बीईसीसी ''सिंहस्थ 2016'' के रूप में *''अभिनंदन पत्र''* प्राप्त किया; फस्ट काडवेरिक एयरवे कार्यशाला के पाठ्यक्रम समन्वयक, 6 मार्च 2016, सीटीआरएफ, जेपीएनएटीसी, एम्स, नई दिल्ली; एटीएलएस प्रशिक्षक पाठ्यक्रम में *प्रशिक्षक प्रत्याशी* (आईसी) की स्थिति प्राप्त की, 8–9 मार्च 2016, जेपीएनएटीसी, एम्स, नई दिल्ली।

डॉ. केशवल गोयल : एम्स एडवांस्ड लाइफ केयर सपोर्ट (एसीएलएस) के कोर संकायों के सदस्य। जेपीएनएटीसी, नई दिल्ली में सितंबर 2015 में परिचयात्मक पाठ्यक्रम; दिसंबर 2015 से जेपीएनएटीसी में आयोजित *प्रशिक्षक पाठ्यक्रम* के एम्स अल्ट्रासाउंड लाइफ सपोर्ट पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक उत्तीर्ण; अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन (एएचए) से *प्रशिक्षक पाठ्यक्रम* के बीएलएस और उन्नत कार्डियक लाइफ सपोर्ट पाठ्यक्रम (एसीएलएस) अद्यतन सफलतापूर्वक उत्तीर्ण; जेपीएनएटीसी, नई दिल्ली में बीईसीसी अगस्त 2015 के पाठ्यक्रम निदेशक; आयोजित : एम्स न्यूरोएनेस्थिसिया अद्यतन, एम्स न्यूरोसाइंस पूर्व छात्र कांग्रेस, ट्रॉमाकॉन 2015 की आयोजन समिति के कार्यकारी सदस्य, पहली काडवेरिक डिफिकल्ट एयरवे कार्यशाला।

डॉ. नवदीप सोखल : मेक इन इंडिया के लिए एनआरडीसी द्वारा पेटेंट व्यावसायीकरण। ''ए ब्रेथ सैम्पल लाइन फॉर इफेक्टिव वेंटिलेशन मॉनिटरिंग'' शीर्षक पर मेरे पेटेंट आवेदक ''मेक इन इंडिया'' के तहत एनआरडीसी के अनुसंधान विपणन समिति द्वारा व्यावसायीकरण के लिए स्वीकार कर लिया गया है। एनआरडीसी द्वारा 1 जून 2015 को इकोनॉमिक टाइम्स समाचार पत्र में प्रौद्योगिकी व्यावसायीकरण के लिए इस प्रौद्योगिकी के लिए विज्ञापित है।

न्यूरोइमेजिंग और इंटरवेंशनल न्यूरोरेडियोलॉजी

विशिष्टताएं

- 10 वर्ष पुराने 6 स्लाइस सीटी स्कैनर की जगह नवीनतम 128 स्लाइस ड्यूल ऊर्जा सीटी स्कैनर लगाए गए।
- परस्पर पुनः निर्माण मॉडलिंग के साथ नवीन सीटी लो–डोज सीटी प्रोटोकोल्स की सहायता से अब डोज में 60 प्रतिशत तक की कमी और चिकित्सीय कार्यकलापों में तीव्र प्रगति संभव हो गई है और उत्कृष्ट इमेज गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सकती है। इससे विशेष रूप से बच्चों और जहां पर सांस चालू रखने के लिए इसे प्राप्त करने की आवश्यकता हो, रोगियों की अनुमति में वृद्धि हुई है।
- नए सीटी स्कैनर की स्थापना से गाइडेड बायोप्सीज़ में सहायता हेतु सीटी फ्लोरोस्कोपी और विशेष रूप से एक्यूट स्ट्रोक में प्रमस्तिष्कीय परफ्यूजन आकलन हेतु सीटी परफ्यूजन आरंभ कर दिया गया है।
- मौजूदा 1.5 टी एमआर को 'साइलेंट एम आर' प्रणाली से उन्नत कर दिया है, जो साइलेंट रिस्कैन में सहायक है जिसमें रोगी लंबी अवधि तक परीक्षणों के दौरान शांत रहते हैं और सहयोग करते हैं। पहले की प्रणाली के उच्च प्रवणता वाले कॉइल स्विचिंग का शोर बहुत से रोगियों को विशेष रूप से हाइ एण्ड अधिग्रहण तकनीक के दौरान परेशान करता था। इसमें सुधार के साथ इस प्रकार की परेशानी को बड़े

पैमाने पर दूर कर दिया गया है और वाइड बोर मैग्नेट से विशेष रूप से रोगियों में क्लस्ट्रोफोबिया को कम किया गया है।

- वाई – फाई सुविधा के साथ वार्डों, आईसीयू और ओपीडी कक्ष में थिन क्लाइंट्स में पीएसीएस सर्वर के उन्नयन और जांच केंद्रों की स्थापना के साथ पीएसीएस नेटवर्क एनएससी के वार्डों तथा ओपीडी कक्षों में संचालित है। रिपोर्ट, सम्पादन, साइन आउट और सभी प्रकार के अध्ययन के लिए ऑन लाइन नेटवर्क को सुगम बनाने के लिए रिपोर्टिंग कक्ष की व्यवस्था में सुधार के साथ सभी न्यूरो इमेजिंग प्रक्रियाओं की रिपोर्टिंग को ऑन लाइन कर दिया गया है। सीटी, एमआरआई, यूएस एण्ड डीएसए इत्यादि हेतु एनएससी वार्डों के ऑन लाइन से स्वतः मांग सक्रिय कर दी गई है। न्यूरोरेडियोलॉजी संपर्कों के लिए पीएसीएस से केस अभिलेखों की ऑटोफेचिंग सक्रिय कर दी गई है। पृथक इमेजिंग फिल्मों को अब डिजिटाइज्ड कर दिया गया है और रोगी के यूएचआईडी पंजीकरण पर पीएसीएस से एकीकृत किया गया है।

शिक्षा

स्नातक पूर्व : न्यूरोलॉजी तकनीकों का परिचय, ब्रेन ट्यूमर इमेजिंग के मूल तत्व, स्ट्रोक इमेजिंग और सीएनएस की अनुकूल विसंगतियां विषयों पर 6वें सत्र के एमबीबीएस छात्रों के लिए यूजी व्याख्यानों और संगोष्ठियों के लिए सामग्रियां और मार्गदर्शन प्रदान किया। न्यूरोलॉजी में उनकी वैकल्पिक तैनाती के दौरान न्यूरो इमेजिंग व्याख्या के मूल्य तत्वों के बारे में पढ़ाया गया।

स्नातकोत्तर : न्यूरोलॉजी विभाग में क्रमिक आधार पर तैनात एमडी रेडियोलॉजी विभाग के स्नातकोत्तर छात्रों की रिपोर्टिंग न्यूरोइमेजिंग (सीटी और एमआरआई) और सभी न्यूरोइमेजिंग प्रोटोकॉल्स में प्रशिक्षित किया जाता है और संकाय की देख रेख में कार्य करने के लिए प्रेरित किया जाता है। डी एम (न्यूरोरेडियोलॉजी) छात्रों को सभी न्यूरोइमेजिंग प्रक्रियाओं के निष्पादन का प्रशिक्षण दिया जाता है और इंटरवेंशनल थेरेप्यूटिक न्यूरोरेडियोलॉजी प्रक्रियाओं में सहायता की जाती है, जिनके बारे में बाद में उनसे नियमित आधार पर चर्चा की जाती है। आईसीयू में न्यूरो इंटरवेंशनल थेरेप्यूटिक प्रक्रियाओं से गुजरने वाले रोगियों की प्रक्रिया उपरांत देख रेख और प्रबंधन के बारे में भी उन्हें प्रशिक्षित किया जाता है और उनके संवादात्मक कौशलों में सुधार और संवादात्मक विकास हेतु उनके उन्मुखीकरण के लिए वार्डों, संगोष्ठियों, जर्नल क्लबों तथा केस परिचर्चा का नियमित रूप से आयोजन किया जाता है। सीनियर रेजीडेंट्स न्यूरोलॉजी और न्यूरोसर्जरी विभाग द्वारा प्रतिदिन आयोजित किए जाने वाले अंतः विभागीय सम्मेलनों में नियमित रूप से न्यूरोरेडियोलॉजिकल परिणाम प्रस्तुत करते हैं जिससे उन्हें क्लिनिकल न्यूरोइमेजिंग व्याख्या कौशल और प्रस्तुतीकरण की कला को सीखने में मदद मिलती है। उन्हें क्रमिक आधार पर कम से कम एक वर्ष के लिए बाइप्लेन न्यूरो इंटरवेंशनल अध्ययन हेतु भेजा जाता है और न्यूरो एंजियोग्राफिक और न्यूरो इंटरवेंशनल कौशलों का प्रशिक्षण दिया जाता है।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

शैलेश बी. गायकवाड़ : 7 अजय गर्ग : 19 लेवे जोसफ देवराजन : 2

मौखिक शोध पत्र / पोस्टर की प्रस्तुति : 15

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. हाई ग्रेड ग्लियोमा में ट्यूमर पुनरावृत्ति के परिवर्तनों से संबंधित विभिन्न उपचार के लिए पारगम्यता और नियोएंजियोजेनेसिस के इमेजिंग आकलन की दक्षता। अजय गर्ग, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2014–17, 14 लाख रु.।

पूर्ण

1. ग्रेड सेरिब्रल ग्लियोमा में ऑपरेशन से पहले पारगम्यता और नियोएंजियोजेनेसिस के इमेजिंग आकलन की दक्षता। अजय गर्ग, आंतरिक परियोजना, 2 वर्ष, 2013–14, 4.8 लाख रु.।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. गतिशील संवेदनशीलता परफ्यूजन और लाक्षणीकरण और ग्लिोमस की ग्रेडिंग में कंट्रास्ट उन्नत परफ्यूजन चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग की भूमिका।
2. उच्च ग्रेड ग्लियोमास वाले रोगियों में ट्यूमर पुनरावृत्ति से इलाज के बाद प्रभाव के अंतर में कंप्यूटेड टोमोग्राफी परफ्यूजन की भूमिका : एक भावी वर्णानात्मक अध्ययन।
3. सेरेब्रल पाइल अर्टेरियोवेनस फिस्टुला : एक पूर्वव्यापी विश्लेषण।

पूर्ण

1. तीव्र इस्केमिक स्ट्रोक के प्रबंधन में इमेजिंग की भूमिका : एक पूर्वव्यापी विश्लेषण।
2. इंट्रामेडुलरी नियोप्लास्टिक और नियोप्लास्टिक घावों में स्पाइनल कोर्ड डिफ्यूजन टेंसर इमेजिंग : एक व्यवहार्यता अध्ययन।
3. इंट्राक्रेनियल डुरल अर्टेरियोवेनस फिस्टुला : एक पूर्वव्यापी विश्लेषण।
4. स्पाइनल डुरल अर्टेरियोवेनस फिस्टुला के चुंबकी अनुनाद इमेजिंग पर निष्कर्षों का मूल्यांकन : एक पूर्वव्यापी विश्लेषण।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. सामान्य जनसंख्या में स्ट्रोक और संज्ञानात्मक गिरावट के कारणों को सुलझाना – एक पार सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य अध्ययन (तंत्रिका विज्ञान)।
2. स्ट्रोक और ट्रांसिएंट एसिम्प्टोमेटिक अटैक वाले रोगियों में रोगसूचक और स्पर्शोन्मुख कोरोनरी धमनी रोग की व्याप्ति (तंत्रिका विज्ञान)।
3. रेटिनोब्लास्टोमा के लिए इंट्रा–अर्टेरियल कीमोथैरेपी (नेत्र विज्ञान)

पूर्ण

1. श्रवण मतिभ्रम के साथ खंडित मनस्किता के रोगियों में टेंसर इमेजिंग प्रसार के माध्यम से सफेद पदार्थ अखंडता का आकलन (मनोचिकित्सा)।
2. इडियोपैथिक इंट्राक्रेनियल हाइपरटेंशन वाले रोगियों में छह महीनों में खराब दृश्य परिणाम का भविष्यवक्ता (तंत्रिका विज्ञान)।
3. इमेजिंग मार्गदर्शित रिसेक्शन की तुलना में दो आयामी फ्लोरोस्कोपिक मार्गदर्शन से अकार्यात्मक पिट्यूटरी मैक्रो एडिनोमा के रिसेक्शन की सीमा में उच्च क्षेत्र ऑपरेशन के बीच चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग मार्ग दर्शन का उपयोग करते हुए ट्रांसस्फिनोइडल सूक्ष्म दर्शी/एंडोस्कोपिक सर्जरी की दक्षता के मूल्यांकन हेतु यादृच्छिक दो शाखा वाले समानांतर समूह क्लिनिकल परीक्षण (तंत्रिका शल्य चिकित्सा)।

4. संयुक्त रि–मॉडलिंग और एक्स्ट्रा – अर्टिकुलर डिस्ट्रेक्शन के साथ व्याकुलता, संपीड़न, विस्तार, कटौती (डीसीईआर) संयुक्त : बेसिलर जांच और एटलैंटो – एक्सियल डिसलोकेशन में इसके अनुप्रयोग के लिए 2 नए संशोधनों का विवरण : भावी अध्ययन (तंत्रिका शल्य चिकित्सा)।
5. वेस्टीबुलर स्कैवेनोमा और इसके इंट्रा–ऑपरेटिव सहसंबंध में फेसियल नर्व स्थिति की भविष्यवाणी के लिए डिफ्यूजन टेंसर इमेजिंग (डीटीआई) ट्रेक्टोग्राफी (तंत्रिका शल्य चिकित्सा)।
6. सरवाइकल स्पोंडायलोटिक मायलोपैथी के लिए हिंज – डोर सरवाइकल लैमिनोप्लास्टी से पहले और बाद सरवाइकल रोटेशन और पोस्ट–ऑपरेटिव एक्सियल नेक लक्षण के लिए इसका संबंध (तंत्रिका शल्य चिकित्सा)।
7. स्पाइनल डुरल अर्टेरियोवेनस फिस्टुला के ऑब्लिटेरेशन करवा रहे रोगियों के परिणाम और इंट्रा–ऑपरेटिव इंडोकायनाइन ग्रीन एंजियोग्राफी की भूमिका (तंत्रिका शल्य चिकित्सा)।

प्रकाशन

पत्रिका : 10

रोगी उपचार

विभाग पूरे वर्ष में सप्ताह के सातों दिन रोगी की देखभाल करता है और सब आर्चेनॉइड हैमरेज, स्ट्रोक, एक्यूट इनसेफेलोपैथीज, माइलोपैथीज़, ट्रमेटिक अथवा आइरोजेनिक सेरेब्रो–वेस्कुलर इंजरी आदि जैसे आपातकालीन स्थितियों में नियमित रूप से सेवाएं देता है। बाह्य रोगियों और अंतः रोगियों से प्राप्त सभी सीटी स्कैन अनुरोधों को उसी दिन किया जाता है और प्रायः तत्काल किया जाता है, ताकि रोगी के उपचार हेतु तुरंत निर्णय लिए जा सके। इस विभाग में सीटी स्कैन के लिए प्रतीक्षा नहीं करनी पड़ती है। न्यूरोसाइंसेज केंद्र में आने वाले रोगियों के प्रमस्तिष्कीय एवं वेस्कुलर अध्ययन हेतु ईएनटी और ओफ्थैल्मोलॉजी जैसे अन्य अनेक विभागों में भी नियमित रूप से डीएसए किए जाते हैं। इस प्रकार से न्यूरो साइंसेज के रोगियों के साथ साथ ईएनटी, ओफ्थैल्मोलॉजी, पीडियाट्रिक्स, कार्डियोलॉजी, अन्य के साथ साथ ऑर्थोपीडियक्स का भी नियमित आधार पर न्यूरोइंटरवेंशनल थेरोप्यूटिक संचालन किया जाता है। इसके अतिरिक्त, मोबाइल सीटी स्कैनर का उपयोग कर आईसीयू अथवा वैंटिलेटर वाले रोगियों का सीटी स्कैन किया जाता है। डिजिटल एक्स रे यूनिट अथवा सीआर यूनिट का उपयोग कर नियमित आधार पर एक्स रे किए जाते हैं और इमेजें पीएसीएस नेटवर्क पर अपलोड की जाती हैं। जब भी आवश्यक होता है न्यूरोसाइंसेज सेंटर के अस्वस्थ और चलने फिरने में असमर्थ रोगियों का वार्डों और आईसीयू में पोर्टेबल अल्ट्रा साउंड किया जाता है। सभी परामर्शदाता और रेजिडेंट्स आईपी आधारित प्रोटोकोल के माध्यम से पीएसीएस इमेजों को प्राप्त करते हैं और इस प्रकार से इंटरनेट अथवा अपना स्मार्ट फोन उपयोग कर कहीं से भी इमेजों को देखा जा सकता है। उच्च रिजोल्यूशन डिकॉम कम्पैटिबल प्रोजेक्शन प्रणाली का उपयोग कर बहु विधीय इमेज अवलोकन हेतु विभागीय सम्मेलन कक्षों में सुधार किया गया है, ताकि चिकित्सीय परामर्शदाता और रेजिडेंट्स बड़ी प्रोजेक्शन स्क्रीन पर अपने रोगियों की इमेजों को काल क्रमानुसार और तुलनात्मक रूप में आसानी से देख सकें। यहां तक कि पुरानी और स्कैन की गई इमेजों को प्रभावी रूप से तत्काल देखा जा सकता है जो शीघ्र निर्णय लेने में सहायक सिद्ध होती हैं।

न्यूरोइमेजिंग और इंटरवेंशनल प्रक्रियाओं का निष्पादन

सी टी स्कैन	नियमित	7843
	आपातकालीन	10980
	सी टी एंजियोग्राफी	598
	निर्देशित इमेज	419
	मोबाइल सीटी	1412

	परफ्यूजन	39
	एचआरसीटी	23
	कुल	21,314
डिजिटल सबट्रेक्शन एंजियोग्राफी	सेरेब्रल एंड स्पाइनल डीएसए	930
	थेराप्यूटिक न्यूरो – इंटरवेंशनल प्रक्रियाएं : (सेरेब्रा एन्यूरिज्म, सेरेब्रल एंड स्पाइनल एवीएम एम्बोलाइजेशन, कैराटाइड रेवेस्कुलराइजेशन आदि)	523
	सेरेब्रल वैसोस्पेम के लिए कैमिकल एंजियोप्लास्टी (एसएएच में)	31
	सेरेब्रल इंट्रा–अर्टिरियल थ्रोम्बोलायसिस/क्लोट रेट्रिवेल इन स्ट्रोक	14
	कुल	1498
अल्ट्रासाउंड परीक्षाएं/डोपलर अध्ययन / यूएस निर्देशित बायोप्सी		1305
एमआरआई	एनएससी एमआरआई	1711
	गामा नाइफ प्लानिंग	831
	इंट्रा – ऑपरेटिव एमआरआई (ओटी)	43
	एनएमआर सुविधा	1985
	कुल	4570
एक्स–रे		19800
	महायोग :	66,755

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण उपलब्धियां

आचार्य एस. बी. गायकवाड़ को ''वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ इस्केमिक स्ट्रोक ट्रीटमेंट'' सोसायटी के आजीवन सदस्य के रूप में नामित किया गया था; वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ इंटरवेंशनल एंड थैराप्यूटिक न्यूरोरेडियोलॉजी के सदस्य; निम्नलिखित संस्थाओं के सदस्य : इंडियन रेडियोलॉजिकल एंड इमेजिंग एसोसिएशन (आईआरआईए), इंडियन एपिलेप्सी सोसायटी (आईईएस), इंडियन सोसायटी ऑफ वेस्कुलर एंड इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी (आईएसवीआईआर), इंडियन सोसायटी ऑफ न्यूरोरेडियोलॉजी, दिल्ली न्यूरोलॉजिकल एसोसिएशन, इंडियन सोसायटी ऑफ पीडियाट्रिक रेडियोलॉजी एंड एशिया पेसिफिक सोसायटी ऑफ कार्डियोवेस्कुलर एंड इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी (एपीएससीवीआईआर)।

नैदानिक तंत्रिका मनोरोग विज्ञान

विशेषताएं

अंतिम वर्ष में एक अलग से विशेष क्लिनिक : संज्ञानात्मक विकार एवं स्मरण क्लिनिक ('सीडी' एवं 'एम' क्लीनिक) (तंत्रिका विज्ञान विभाग एवं नैदानिक तंत्रिका मनो रोग विज्ञान विभाग द्वारा) कमरा नं. 5 और 14 में प्रत्येक बुधवार को सुबह औपचारिक रूप से आरंभ किए गए।

शिक्षा

स्नातकपूर्व अध्यापन :

- बी. एससी. (ऑनर्स) मनोरोगविज्ञान पाठ्यक्रम प्रथम वर्ष
- एम.बी.बी.एस. अध्यापन
- बी. एससी. (ऑनर्स/पोस्ट सर्टिफिकेट) नर्सिंग

स्नातकोत्तर अध्यापन

- एम डी, एम सीएच, डीएम, एम एससी (नर्सिंग) थीसिस : अ. भा. आ. सं.
- पीएचडी थीसिस : अ. भा. आ. सं.
- अल्पावधि प्रशिक्षण (क्लिनिकल न्यूरो साइकोलॉजी) : अ. भा. आ. सं.
- पीएचडी नैदानिक तंत्रिका मनोरोगविज्ञान के लिए चल रहे पाठ्यक्रम पाठ्यचर्या, तंत्रिका विज्ञान केंद्र, अ. भा. आ. सं.

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

प्रदत्त व्याख्यान

आशिमा नेहरा : 12

मौखिक शोध पत्र / पोस्टर की प्रस्तुति : 23

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. शाइजोफ्रेनिया वाले रोगियों के बीच संज्ञानात्मक कार्य में इसकी क्षमता के आकलन के लिए एक कंप्यूटरीकृत तंत्रिका संज्ञानात्मक उपचार पैकेज का विकास और चरण।। का परीक्षण, आशिमा नेहरा, डीएसटी (अंडर) संज्ञानात्मक विज्ञान अनुसंधान पहल, 2015, 36 माह, 2015, 17.42 लाख रुपए।

पूर्ण

1. एक मल्टीटास्किंग प्रतिमान का उपयोग एमसीआई और एडी में संज्ञानात्मक में गिरावट की प्रगति की पूर्व नैदानिक भविष्यवक्ता। आशिमा नेहरा वाधवा, डीएसटी, 3 वर्ष, 2013–16, 37 लाख रु.।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. मानक औषधीय उपचार की तुलना में हल्के अल्जाइमर रोग वाले रोगियों में मेमोरी, भाषा, ध्यान और जीवन की गुणवत्ता पर संज्ञानात्मक पुनर्वास के प्रभाव का अध्ययन करना : एक यादृच्छिक नियंत्रित नैदानिक परीक्षण।
2. हल्के और मध्यम अभिघातजन्य मस्तिष्क चोट वाले रोगियों में संज्ञानात्मक और मनोवैज्ञानिक कार्य में सुधार के लिए समग्र का विकास और प्रभावशीलता तथा एकीकृत मनोवैज्ञानिक पुनर्वास : एक यादृच्छिक नियंत्रित नैदानिक परीक्षण।
3. पोस्ट स्ट्रोक अफासिया वाले रोगियों में भाषा और जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए मानक फार्मोकोलॉजिकल उपचार के लिए एक सहायक के रूप में ''व्यापक न्यूरोसाइकोलॉजिकल पुनर्वास'' का विकास और प्रभावकारिता : यादृच्छिक नियंत्रित नैदानिक परीक्षण।
4. एल्कोहल निर्भरता पुरुष में कंप्यूटराइज्ड कॉगनेटिव बायस मोडिफिकेशन (सीबीएम) का विकास और यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (आरसीटी) के माध्यम से इसकी प्रभावशीलता का मूल्यांकन करना।
5. शाइजोफ्रेनिया वाले रोगियों के बीच संज्ञानात्मक कार्यों में इसकी क्षमता के आकलन के लिए एक कंप्यूटरीकृत तंत्रिका संज्ञानात्मक उपचार पैकेज का विकास और चरण ।। का परीक्षण।

सहयोगी परियोजनाएं

1. रोज़ परीक्षण : टेम्पोरल लोब सर्जरी के लिए रेडियोसर्जरी बनाम लोबेक्टोमी। एक बहु केंद्रित अंतरराष्ट्रीय परीक्षण (राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान, तंत्रिका शल्य चिकित्सा)।
2. स्ट्रोक और संज्ञानात्मक अस्वीकार के कारणों को जानने के लिए जनसंख्या आधार पर भावी कोहोर्ट अध्ययन : एक पार सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य। एम्स – इरास्मस कोहोर्ट अध्ययन (तंत्रिका विज्ञान)।
3. औषधि दवा प्रतिरोधी वाले किशोरावस्था और वयस्कों में मोडिफाइड अत्कीन्स डायइट (एमएडी) की प्रभावकारिता, सुरक्षा और सहनशीलता : यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (नैदानिक तंत्रिका मनोरोग विज्ञान, तंत्रिका विज्ञान, बाल रोग विज्ञान)।
4. मिर्गी वाले मोटापे से ग्रस्त व्यक्तियों में एंटी एपिलेप्टिक ड्रग (एईडी) के स्पिनोसेरेबेलर एटाक्सिया टाइप 12, क्लिनिकल न्यूरोसाइकोलॉजी, न्यूरोलॉजी में संज्ञानात्मक हानि : एक परस्पर अनुभागीय, तुलनात्मक अध्ययन (नैदानिक तंत्रिका मनोरोग विज्ञान, तंत्रिका विज्ञान, औषधि विज्ञान)।
5. बी एम आई 25–29.9 कि. ग्रा./एम2 बनाम 30–34.9 कि. ग्रा./एम2 में वाले व्यक्तियों में पोषण तथा जीवन शैली परिवर्तनों का प्रभाव तथा बी एम आई ≥35 कि. ग्रा./एम2 में बेरियाट्रिक सर्जरी के प्रभाव का निर्धारण करना (शल्य चिकित्सा, डायटेटिक्स, नैदानिक तंत्रिका मनोरोग विज्ञान, जैव सांख्यिकी, शरीर क्रिया विज्ञान)।
6. हल्की संज्ञानात्मक हानि और डेमेंशिया वाले व्यक्तियों में तनाव और इसके योगदान (बायोफिजिक्स, न्यूरोलॉजी, साइकाइट्री)।
7. सामान्य स्वस्थ स्वयंसेवकों में परिवर्तन प्रेरित भावनाओं के ईईजी संबद्ध की मात्रात्मकता (नैदानिक न्यूरोसाइकोलॉजी, फिजियोलॉजी)।
8. कार्डियोथौरेसिक सर्जरी से गुजर रहे रोगियों में कार्डियोपल्मोनरी बाइपास पर बाईडारेक्शनल कैवोपल्मोनरी एनास्टोमोसिस (बीडी ग्लेन) के तीन विभिन्न तकनीकों की तुलना। (कार्डियक बायोकैमिस्ट्री और क्लिनिकल न्यूरोसाइकोलॉजी, कार्डियक एनेस्थिसिया)।
9. कार्डियोपल्मोनरी बायपास के साथ या उसके बिना बायडारेक्शनल सुपीरियर कैवोपल्मनरी एनास्टोमोसिस की तुलना (कार्डियोथोरेसिस सर्जरी, कार्डियक बायोकैमिस्ट्री एंड क्लिनिकल न्यूरोसाइकॉलोजी, कार्डियक–एनेस्थिसिया)।
10. पॉलीकैमोथैरेपी आधारित मैथोट्रेक्स्ट के लिए संपूर्ण प्रतिक्रिया के बाद नए निदान प्राइमरी सीएनएस लिम्फोमा के रोगियों में संपूर्ण ब्रेन रेडियाथैरेपी खुराक की कमी की व्यवहार्यता का मूल्यांकन करने के लिए अध्ययन (क्लिनिकल न्यूरोसाइकोलॉजी रेडिएशन ऑन्कोलॉजी, मेडिकल ऑन्कोलॉजी, पैथोलॉजी, बायोस्टेस्टीक्स, न्यूरोसर्जरी, न्यूरोरेडियोलॉजी)।
11. नकारात्मक लक्षण और मानसिक असंतुलन में संज्ञानात्मक कार्य पर उच्च आवृत्ति दोहराव ट्रांसक्रानियल चुंबकीय उत्तेजना का प्रभाव (क्लिनिकल न्यूरोसाइकोलॉजी, साइकाइट्री)।
12. मिर्गी वाले भारतीय व्यक्तियों के लिए एंटी स्टीगमा हस्तक्षेप (तंत्रिका विज्ञान, मनोचिकित्सा, नैदानिक तंत्रिका मनोरोग विज्ञान)
13. स्मृति की हानि से जुड़े उच्च तीव्रता स्टैटिन का उपयोग क्या है? एक संभावित अवलोकन अध्ययन (हृद विज्ञान, तंत्रिका विज्ञान, नैदानिक तंत्रिका मनोरोग विज्ञान)
14. हल्के संज्ञानात्मक हानि और अल्जाइमर रोग में संज्ञानात्मक प्रदर्शन के मात्रात्मक ईईजी संबद्ध (नैदानिक तंत्रिका मनोरोग विज्ञान, शरीर क्रिया विज्ञान, जैव सांख्यिकी)।
15. ''वयस्क आबादी के बीच बेरिएट्रिक सर्जरी के साथ या उसके बिना मोटापे के साथ जुड़े जोखिम वाले कारकों का आकलन और पोषण और जीवन शैली संशोधन के हस्तक्षेप। (एक गैर यादृच्छिक नियंत्रित चिकित्सीय परीक्षण)'' (नैदानिक तंत्रिका मनोरोग विज्ञान, डायटेरिक्स, सामान्य सर्जरी, शरीर क्रिया विज्ञान)।

16. उन्माद जैसे व्यवहार के चूहा मॉडल में क्लॉक जीन का अध्ययन (हृद् जैव रसायन, मनोचिकित्सा, नैदानिक तंत्रिका मनोरोग विज्ञान)
17. ग्लूकोमा में संज्ञानात्मक प्रदर्शन के तंत्रिका संबंध' : एक मात्रात्मक ईईजी अध्ययन। (शरीर क्रिया विज्ञान, नेत्र विज्ञान, नैदानिक तंत्रिका मनोरोग विज्ञान, जैव सांख्यिकी)
18. बाइनोकुलर प्रतिद्वंद्विता के दौरान अनुरूपत और भावात्मक संयोजक के तंत्रिका प्रसंस्करण : एक क्यूईईजी अध्ययन (शरीर क्रिया विज्ञान, नैदानिक तंत्रिका मनोरोग विज्ञान, जैव सांख्यिकी)
19. ग्लूकोमा में संज्ञान का तंत्रिका प्रसंस्करण : एक मात्रात्मक ईईजी अध्ययन (शरीर क्रिया विज्ञान, नेत्र विज्ञान)

रोगी उपचार

बाह्य रोगी सेवा (ओपीडी) : 3 रजिस्ट्रियों के साथ 4 नैदानिक न्यूरोसाइकोलॉजी ओपीडी/सप्ताह है :

1. नैदानिक न्यूरोसाइकोलॉजी (सीएनपी) क्लिनिक : सोमवार, मंगलवार, बुधवार और शुक्रवार
2. विशेष क्लिनिक :
   - क. मंगलवार : न्यूरोसाइकोलॉजिकल रिहैबिलिटेशन (एनआर) क्लिनिक
   - ख. बुधवार : संज्ञानात्मक विकार और मेमोरी (सीडीएम) क्लिनिक

तंत्रिका विकृति विज्ञान

विशिष्टताएं

विभाग में मुख्य गतिविधियां सेवा, शिक्षण और अनुसंधान के क्षेत्र में है। नैदानिक सेवाएं न्यूरोसर्जिकल और नयूरोलॉजिकल प्रकरणों दोनों के कार्य करने के लिए इम्युनोहिस्टोकैमिस्ट्री, एंजाइम हिस्टोकैमिस्ट्री और आण्विक विधियों की अत्याधुनिक तकनीकें शामिल हैं। तंत्रिका विकृति विज्ञान के शिक्षण में विकृति विज्ञान में स्नातकपूर्व और स्नातकोत्तर के लिए किया जाता है। तंत्रिका अर्बुद विज्ञान के विशेष संदर्भ के साथ सहकर्मी समीक्षित पत्रिकाओं में 31 शोध पत्रों के प्रकाशन के साथ अनुसंधान योगदान बहुत महत्वपूर्ण है। इसके अलावा, डॉ. चित्रा सरकार और डॉ. एम. सी. शर्मा ने सीएनएस ट्यूमर के डब्ल्यूएचओ पाठ्यपुस्तक में दो अध्यायों में योगदान दिया है।

शिक्षा

स्नातक पूर्व : तंत्रिका विकृति विज्ञान सहित सामान्य और प्रणालीगत विकृति विज्ञान में एमबीबीएस कक्षाएं।
स्नातकोत्तर : रिपोर्टिंग, स्लाइड संगोष्ठियां, पत्रिका क्लब, न्यूरोपैथ सम्मेलन आदि के दौरान प्रकरण चर्चा।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

प्रदत्त व्याख्यान

चित्रा सरकार : 8 एम. सी. शर्मा : 13 वैशाली सूरी : 5

मौखिक शोध पत्र / पोस्टर की प्रस्तुति : 17

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. पूरे एग्ज़ोम अनुक्रमण के माध्यम से ग्लियोमा विकास और प्रगति को सुलझाना, चित्रा सरकार, डीबीटी, 3 वर्ष, 2013–16, 99 लाख रुपए।
2. जेसी बोस अनुसंधान अध्येतावृत्ति, चित्रा सरकार, डीएसटी, 5 वर्ष, 2016–20, 10 लाख रुपए प्रति वर्ष।

पूर्ण

1. ग्लियोमास में पॉलीकोम्ब रिप्रैसिव कॉम्पलेक्सिस का एक क्लीनिकोपैथोलॉजिकल तथा मॉलीक्यूलर आनुवंशिक अध्ययन। चित्रा सरकार, आई. सी. एम. आर., 3 वर्ष, 2012–15, 50 लाख रुपए (लगभग)।
2. ग्लियोब्लास्टोमा मल्टीफोरम में एक बड़े इम्प्रिंटिड एम आई आर एन ए क्लस्टर की भूमिका समझने के लिए जीनोमिक और कार्यात्मक उपागम। चित्रा सरकार, डीबीटी, 3 वर्ष, 2012–15, 50 लाख रुपए (लगभग)।
3. वयस्क और बाल चिकित्सा मेनिंजियोमास में क्लिनिकोपैथोलॉजिकल सुविधाओं और आणविक आनुवंशिक परिवर्तन का अध्ययन, वैशाली सूरी, एम्स, 3 वर्ष, 2013–15, 10 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. ओलिगोडेंड्रोग्लियोमास में एमआईआरएनए रूपरेखा।
2. मिर्गी से जुड़े ट्यूमर – आनुवंशिक परिवर्तन और माइक्रो आरएनए रूपरेखा का अध्ययन।
3. पीडियाट्रिक मेनिंजियोमस – क्लिनिकोपैथोलॉजिकल सुविधाओं, हार्मोनल रूपरेखा और आनुवंशिक परिवर्तन का अध्ययन।
4. वयस्क मेडुलोब्लास्टोमा – आण्विक सबटाइपिंग और क्लिनिकोपैथोलॉजिकल सह–संबंध।
5. ओलिगोडेंड्रोग्लियोमास में बीआरएएफ और पीआई3के/एमटीओआर पाथवे में बदलाव।
6. डीएनईटी और गैंग्लियोग्लियोमस में एमटीओआर पाथवे।
7. हॉडकिंस लिम्फोमा में आईएल–6 का अध्ययन।
8. सीएनएस पीएनईटी के इम्युनोहिस्टोकैमिकल और आण्विक विश्लेषण का अध्ययन।
9. स्पाइनल एपेंडायमोमा में एनएफ–2 और एमटीओआर पाथवे का अध्ययन।
10. पिनियल ट्यूमर में आण्विक बदलाव और प्रोग्नोस्टिक मार्करों का अध्ययन।

पूर्ण

1. ग्लियोमास में हिस्टॉन मार्कर की अभिव्यक्ति।
2. बाल चिकित्सा ग्लायोब्लास्टोमास में एमआईआरएनए रूपरेखा।
3. जीबीएम के आण्विक वर्गीकरण के लिए सरल दृष्टिकोण।
4. ईजेडएच2, साइक्लिन डी1 और सीएनएस के एटीआरटी में वीईजीएफ की अभिव्यक्ति।
5. इंट्राक्रेनियल जर्म सेल ट्यूमर – बहु केंद्रीय।
6. पीडियाट्रिक ओलिगोडेंड्रोग्लियोमस – आण्विक आनुवंशिकी परिवर्तनों का अध्ययन।
7. ग्लियोब्लास्टोमास में डीएनए मिथायल ट्रांसफेरेसेस की अभिव्यक्ति।
8. एपेंडायमोमा में आरईएलए फ्यूजन का अध्ययन।
9. एपेंडायमोमा में न्यूक्लियोफोस्मिन का अध्ययन।
10. फोकल कोर्टिकल डिस्प्लासिया में ह्मार्टिन – ट्यूबरिन, डब्ल्यूएनटी/बी केटेनिन, एम–टीओआर सिगनलिंग और स्टेम कोशिका मार्करों का अध्ययन।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. ग्लियोमस में एफएटी1 जीन अभिव्यक्ति का विनियमन। जैव रसायन।
2. ''मिर्गी के उपचार में कठिनाई'' पर विशेष संदर्भ सहित मिर्गी में उत्कृष्टता केन्द्र। न्यूरोसर्जरी।

पूर्ण

1. ग्लियोमास में चिप अनुक्रम। आईजीआईबी, दिल्ली
2. ग्लियोमा में फैट1, पी53 और एचआईएफ1अल्फा के बीच अंतःक्रिया संकेत। जैव रसायन।

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण उपलब्धियां

आचार्य चित्रा सरकार को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के जे सी बोस अध्येतावृत्ति से सम्मानित किया गया; भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के अध्येतावृत्ति से सम्मानित किया गया; इंटरनेशनल सोसायटी ऑफ न्यूरोपैथोलॉजी के उपाध्यक्ष; सचिव, न्यूरोपैथोलॉजी सोसायटी ऑफ इंडिया; एम्स आंतरिक बाह्य अनुसंधान समिति (मूलभूत विज्ञान) के अध्यक्ष; सदस्य, एडिटोरियल बोर्ड ऑफ जर्नल न्यूरोथोलॉजी (जापान से प्रकाशित); सदस्य, आईसीएमआर के वैज्ञानिकों की पदोन्नति के लिए आकलन समिति; 2013–2015 के लिए भारतीय विज्ञान अकादमी परिसर, बैंगलोर के सदस्य; पत्रिका "करंट साइंस" शासी निकाय के अनुभाग संपादक (2013–2015); राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान केंद्र, मानेसर के वैज्ञानिक सलाहकार समिति और शासी निकाय के सदस्य; इंस्टीट्यूट ऑफ पैथोलॉजी, नई दिल्ली के वैज्ञानिक सलाहकार समिति के सदस्य; राष्ट्रीय प्रतिरक्षा संस्थान, नई दिल्ली के मानव एथिक्स समिति के सह–अध्यक्ष (2013–2015); डॉ. अम्बेडकर सेंटर ऑफ बायोमेडिकल रिसर्च, नई दिल्ली के मानव एथिक्स समिति के सदस्य (2012–2015); टास्क फोर्स ऑफ न्यूरोसाइंसेज, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के सदस्य; मई 2016 में प्रकाशित किए जाने के लिए सेंट्रल नर्वस सिस्टम के ट्यूमर के अद्यतन डब्ल्यूएचओ वर्गीकरण में निम्नलिखित अध्यायों के सह–लेखक के लिए डब्ल्यूएचओ द्वारा आमंत्रित थे। (1) सीएनएस अम्ब्रयोनल ट्यूमर, एनओएस और (2) एम्ब्रयोनल ट्यूमर विद् मल्टीलेयर्ड रोसेटस, सी19 एमसी– अल्टर्ड एंड एनओएस।

आचार्य एम. सी. शर्मा को मई 2016 में प्रकाशित किए जाने के लिए सेट्रल नर्वस सिस्टम के ट्यूमर के अद्यतन डब्ल्यूएचओ वर्गीकरण में निम्नलिखित अध्यायों के सह–लेखक के लिए डब्ल्यूएचओ द्वारा आमंत्रित किया गया था। (1) ट्यूबर सक्लेरोसिस जटिलता और (2) सबपेंडयमल जाइंट सेल एस्ट्रोकाइटोमा।

रोगी उपचार

तंत्रिका विकृति विज्ञान प्रयोगशाला

कुल स्पेसिमेन	3789
फ्रोजेन सेक्शन	371
मसल सहित कुल इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री	18549
मसल एंजाइम–हिस्टोकेमिस्ट्री	1330
मसल इम्युनोब्लॉट	95
आण्विक जांच (एफआईएसएच, पीसीआर, वास्तविक समय पीसीआर, एमजीएमटी)	554
ईएम रिपोर्ट	75

11.1 डॉ. बी. बी. दीक्षित पुस्तकालय

प्रभारी आचार्य /अध्यक्ष पुस्तकालय समिति
एस. राजेश्वरी

मुख्य पुस्तकालयाध्यक्ष
एस. शिव चिदंबरम

समय और सदस्यता

पुस्तकालय रविवार और अवकाशों सहित सप्ताह के सभी दिनों पर हर समय खुला रहता है। इसमें लगभग 3000 नियमित सदस्य हैं और हर दिन यहां लगभग 300 पाठक आते हैं।

विशिष्टताएं

पुस्तकालय में 166,500 से अधिक पुस्तकें और बाउंड पत्रिकाएं, पैम्फ्लेट्स आदि के रूप में अन्य दस्तावेज हैं। हालांकि यह केन्द्रीय पुस्तकालय एम्स में संकाय सदस्यों, रेजीडेंटों, शोध छात्रों और छात्रों के लिए एक शैक्षिक और अनुसंधान पुस्तकालय है, हाल ही में इसमें लगभग 51 हिंदी पुस्तकों का एक संग्रह विकसित किया गया है। यह पुस्तकालय चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान का समर्थन करने के लिए आधुनिक सुविधाओं से भी युक्त है। यह ऑनलाइन पत्रिकाओं और डेटाबेस में शामिल लगभग 1500 पत्रिकाओं की सदस्यता प्राप्त करता है और रखरखाव करता है। इसके अलावा, इस के पास नवीनतम व्यवस्थित समीक्षा डेटाबेस, बीएमजे केस रिपोर्ट, बीएमजे बेस्ट प्रैक्टिस, एक्सेस मेडिसिन और 64 ई–पुस्तक की सदस्यता भी है। इन ऑनलाइन डेटाबेस और पत्रिकाओं के लिए परिसर में आईपी सक्षम पहुंच के माध्यम से देखा जा सकता है। कुछ सोसायटी आधारित पत्रिकाओं को विशिष्ट यूजरनेम और पासवर्ड के माध्यम से देखा जा सकता है। यह आवश्यक और उपलब्धता जानकारी पुस्तकालय में समय समय पर परिचालित करता है और एम्स की वेबसाइट ***http://www.aiims.edu/en/library.html*** पर भी ये परिपत्र उपलब्ध हैं।

पुस्तकालय समिति पुस्तकालय के प्रबंधन के लिए एक सलाहकार निकाय है। यह पुस्तकों और पत्रिकाओं / आवधिक और डेटाबेस की सदस्यता की खरीद के संबंध में मुख्य पुस्तकालयाध्यक्ष को सलाह देता है। वर्तमान समिति के अध्यक्ष के रूप में प्रभारी आचार्य और चार आचार्य, तीन अपर आचार्य और सदस्यों के रूप में विभिन्न विभागों से दो सहायक आचार्य और समन्वयक के रूप में मुख्य पुस्तकालयाध्यक्ष होते हैं।

सभी प्रलेखन / ग्रंथ सूची सेवाओं के साथ कुछ पुस्तकालय के संचालन एकीकृत पुस्तकालय प्रबंधन सॉफ्टवेयर 'लिबसिसप्रीमिया' पर उपयोग कर कंप्यूटरीकृत किया गया है। पुस्तकालय के लिए तीन सर्वर और 54 डेस्कटॉपों तथा दस थिन क्लाइंट से मिलकर एक इन–हाउस सूचना संचार और प्रबंधन प्रणाली है। पुस्तकालय में चिकित्सा साहित्य पर सीडी–रोमवर्क स्टेशन का भी रखरखाव किया जाता है। पुस्तकालय से मुद्रण और रिप्रोग्राफिक सेवाएं प्रदान भी की गई हैं। पुस्तकालय में अब तक स्नातक छात्रों के लिए पारंपरिक पुस्तक बैंक की सुविधा भी दी गई है।

पुस्तकालय में एकल बिन्दु खोजें : isearch@B.B. Dikshit Library के माध्यम से सबस्क्राइब ई–संसाधन ब्राउज़िंग और डाउनलोड करने की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए इस वर्ष के दौरान ई.बी.एस.सी.ओ. खोज डिस्कवरी सेवा (ई.डी.एस.) को कार्यान्वित किया है। यह एक तेजी से, पूर्ण टेक्स्ट ई–संसाधन (ई–पत्रिकाएं, ई–पुस्तकें और सूची) की खोज के लिए सरल और व्यापक

तरीका है। यह पुस्तकालय में परिणामों के एक समुच्चय को पाने के लिए उपयोग और सभी सबस्क्राइब ई–संसाधनों से खोज करने के लिए एम्स के प्रयोक्ताओं हेतु एक एकीकृत मंच प्रदान करता है।

प्रोफेसर एम. सी. मिश्रा, निदेशक, एम्स ने डॉ राजेश्वरी, प्रोफेसर प्रभारी / पुस्तकालय, श्री वी. श्रीनिवास, उप निदेशक (प्रशासन), आईएएस, डॉ डी. के. शर्मा, चिकित्सा अधीक्षक, प्रोफेसर एस. के. आचार्य, अध्यक्ष (अनुसंधान) और प्रख्यात संकाय सदस्य की उपस्थिति में रीडिंग हॉल का उद्घाटन किया।इस हॉल में पुस्तकालय डिजिटल संसाधनों ब्राउज़िंग के लिए लैपटॉप और अन्य डिजिटल उपकरणों के कनेक्शन और वाई–फाई की सुविधा हेतु 10 थिन क्लाइंट ग्राहकों, पर्याप्त विद्युत पावर पॉइंटों के साथ 80 लोगों की बैठक क्षमता है। जबकि प्रोफेसर मिश्रा ने रीडिंग हॉल का निरीक्षण करते हुए नव स्थापित खोज सेवाओं के माध्यम से ई–संसाधनों को ब्राउज किया। डॉ एस शिव चिदंबरम ने पुस्तकालय से सभी सबस्क्राइब ई–संसाधनों के एकल बिंदु खोज इंजन के रूप में खोज सेवा की उपयोगिता का प्रदर्शन किया।

सभी पुस्तकों और पुस्तकालय में प्राप्त अन्य दस्तावेजों पर जानकारी परिसर के अंदर इंट्रानेट के माध्यम से ऑनलाइन उपलब्ध हैं और इन्हें नियमित रूप से अपडेट किया जा रहा है। पुस्तकालय वर्तमान जागरूकता सेवा और ग्रंथ सूची तथा संदर्भ सेवाएं प्रदान करता है। यह निरंतर रूप से एम्स संस्थागत रिपोजिटरी और पुस्तकों के नए आगमन बुलेटिन संकलित एवं प्रकाशित करता है। क्रमशः विभिन्न पत्रिकाओं और पुस्तकों में संकाय सदस्यों और अनुसंधान छात्रों द्वारा प्रकाशित शोध पत्र / लेख की ग्रंथ सूची के विवरण की खोज पाठकों द्वारा की जा सकती है। पुस्तकालय में पुस्तकालय के बाहर जैसे छात्रावास और संकाय आवासीय क्षेत्रों से सब्सक्राइब्ड ई–संसाधनों का उपयोग करने के लिए वाइ–फाइ और वीपीएन दूरदराज के उपयोग की सुविधा प्रदान की गई है।

इस वर्ष के दौरान पुस्तकालय के भूतल में पत्रिकाओं संग्रह के शैल्विंग और संग्रह को पुनः व्यवस्थित किया गया। ऑप्टीमाइजर और दो रोलर (दोनों तरफ के स्टेयर केस) में वर्ष 1999 के लिए शुरूआती वर्ष से सभी बैक वॉल्यूम की पत्रिकाओं की व्यवस्था की गई है। खुली अलमारियों में शेष बैक वॉल्यूम की पत्रिकाओं में वर्ष 2000 के बाद वर्णानुक्रम में व्यवस्था की गई है।

वर्ष के दौरान पुस्तकालय द्वारा आयोजित कार्यशाला / उन्मुखीकरण

1. पुस्तकालय में 13 मई 2015 को 'सिंगल प्वाइंट सर्च ऑफ सब्सक्राइब्ड ई–रिसोर्सेज' पर एक दिवसीय कार्यशाला।
2. 18 सितंबर 2015 को 'लाइब्रेरी रिसोर्स शेयरिंग फ्रॉम डेलनेट' पर डॉ संगीता कौल, डेलनेट द्वारा एक विशेष व्याख्यान दिया गया।
3. 24 – 26 सितंबर 2015 को एम्स संस्थान दिवस 2015 में पोस्टर प्रस्तुति में पुस्तकालय ने भाग लिया।

4. माइक्रो एनाटॉमी ई–लर्निंग प्रयोगशाला, एम्स में 11 और 18 सितंबर और 1 अक्टूबर 2015 को एम्स के संकाय सदस्यों के लिए ई–संसाधन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है।

5. बी.बी.डी.एल. पर ई–अध्ययन हॉल में 12 अक्तूबर 2015 को निवासियों, विद्वानों और छात्रों के लिए 'एक्सेस मेडिसिन डेटाबेस : हाउ टू ब्राउज एण्ड रिट्रिव बेसिक मेडिसिन ई–बुक्स' पर व्याख्यान
6. पुस्तकालय में 12 फरवरी 2016 को बसंत पंचमी दिवस पर निवासियों, विद्वानों और छात्रों के लिए बी.बी.डी.एल. पर प्रवेश और ई–संसाधनों की उपलब्धता पर उन्मुखीकरण कार्यक्रम।

सम्मेलन और प्रकाशन
डॉ. एस. शिव चिदंबरम, मुख्य पुस्तकालयाध्यक्ष

1. पूर्व सम्मेलन कार्यशाला एम्स, नई दिल्ली में 1 अक्तूबर 2015 – चिकित्सा पत्रिका संपादक के लिए डब्ल्यूएएमई अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन।
2. व्याख्यान : ऑनलाइन इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों का उपयोग : मुद्दे और चुनौतियां। विकास पुस्तकालय नेटवर्क (डेलनेट) द्वारा 7 अक्तूबर 2015 को डेलनेट, नई दिल्ली में पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञानः उभरती चुनौतियों में वर्तमान मुद्दों पर संगोष्ठी का आयोजन किया।
3. व्याख्यान : स्वास्थ्य विज्ञान में सूचना संसाधन। राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान (एनआईएचएफडब्ल्यू) परिसर, मुनिरका, नई दिल्ली में 14 अक्तूबर 2015 को 'आईटी एप्लीकेशन फॉर इंफॉर्मेशन मैनेजमेंट इन मेडिकल लाइब्रेरीज़' पर कार्यशाला।
4. 29 अक्तूबर 2015 को पेट्रोलियम एवं ऊर्जा अध्ययन विश्वविद्यालय (यूपीईएस), देहरादून, उत्तराखंड में डी स्पेस और ओपन स्रोत हार्वेस्टर सिस्टम का उपयोग करते हुए निर्माण संस्थागत संग्रहालय पर तीन दिन राष्ट्रीय कार्यशाला में मुख्य अतिथि।
5. मौखिक पत्र : जेएनयू, नई दिल्ली में 4–6 नवम्बर, 2015 तक एनडीएलटीडी – यूएसए और इंफ्लिबनेट सेंटर के साथ सहयोग में जेएनयू द्वारा आयोजित ''इवॉल्विंग जीनरे ऑफ ईटीडी फॉर नॉलेज डिस्कवरी'' इलेक्ट्रॉनिक्स शोध और शोध प्रबंध पर चिकित्सा विज्ञान, 18वीं अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में स्थापित इलेक्ट्रॉनिक्स शोध और शोध प्रबंध पुस्तकालय पर व्यवहार्यता अध्ययन।
6. मौखिक पत्र : 26–28 नवम्बर 2015 को आईईजी, दिल्ली, भारत 16वीं कॉलनेट बैठक और वेबोमेट्रिक्स, इंफोमेट्रिक्स और साइटोमेट्रेटिक्स (डब्ल्यूआईएस) पर 11वीं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में चिकित्सा लाइब्रेरीज़ में ई–संसाधन पर्यावरण में खोज सेवा की आर्थिक व्यवहार्यता और आवश्यकता
7. व्याख्यान : चिकित्सा पुस्तकालय में पी से ई यात्रा : केयर डेटाबेस कोक्रेन और डेट डेटाबेस तक के बिन्दु के लिए इंडेक्स मेडिकस। एशियन लाइब्रेरी एसोसिएशन के साथ सहयोग में एशिया पैसिफिक इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, नई दिल्ली में 19 दिसम्बर 2015 पर 'फ्रॉम पी से ई : मैनेजिंग द ट्रांसफॉर्मेशन' पर संगोष्ठी।
8. ज्ञान संसाधन प्रबंधन (केआरएम) 2016 पर एक दो दिवसीय संगोष्ठी में अध्यक्ष : टाटा मेमोरियल अस्पताल, मुम्बई में भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान पुस्तकालय संघ द्वारा 28–29 जनवरी 2016 को डिजिटल सामग्री – कॉपीराइट्स और पुस्तकालयों का आयोजन।
9. प्रतिनिधि : डॉक्यूमेंटेशन रिसर्च एण्ड ट्रेनिंग सेंटर (डीआरटीसी), इंडियन स्टेटिस्टिकल इंस्टीट्यूट (आईएसआई), बैंगलोर, भारत द्वारा आयोजित 9–11 मार्च 2016 को ''बिग डेटा एण्ड नॉलेज डिस्कवरी'' पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन।

श्री एम. के. विश्वकर्मा, पुस्तकालयाध्यक्ष ग्रेड –I

1. प्रतिनिधि : संयुक्त राष्ट्र सूचना केन्द्र, नई दिल्ली में 11 अगस्त 2015 को ''यूथ एण्ड सस्टेनेबल डेवलपमेंट : रोल ऑफ मीडिया, नॉलेज नेटवर्क्स एण्ड लाइब्रेरीज़'' पर संगोष्ठी

2. प्रतिनिधि : दिल्ली विश्वविद्यालय में 26–28 नवम्बर 2015 तक ''वेबोमेट्रिक्स, इंफोमेट्रिक्स और साइटोमेट्रेटिक्स (डब्ल्यूआईएस)'' पर 11वां अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन।

3. प्रतिनिधि : अशोक विश्वविद्यालय, सोनीपत, हरियाणा में 19 फरवरी 2016 को संयुक्त राष्ट्र सूचना केन्द्र (यूएनआईसी) द्वारा आयोजित ''इम्पैक्ट ऑफ टेक्नोलॉजी ऑन आर्ट एण्ड कल्चर : मैनेजिंग लाइब्रेरीज़ एण्ड आर्काइव्स'' पर संगोष्ठी।

श्री जहांगीर खान, पुस्तकालयाध्यक्ष ग्रेड –I

1. प्रतिनिधि : जेएनयू, नई दिल्ली में 4–6 नवम्बर, 2015 तक एनडीएलटीडी – यूएसए और इंफ्लिबनेट सेंटर के साथ सहयोग में जेएनयू द्वारा आयोजित ''इवॉल्विंग जीनरे ऑफ ईटीडी फॉर नॉलेज डिस्कवरी'' इलेक्ट्रॉनिक्स शोध और शोध प्रबंध पर 18वीं अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी
2. बाबा फरीद स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, फरीदकोट, पंजाब में 16–18 दिसम्बर 2015 को भारतीय चिकित्सा पुस्तकालय संघ के राष्ट्रीय सम्मेलन (एमएलएआई – 2015) पर ''बिल्डिंग नेक्स्ट–जनरेशन हेल्थ साइंस लाइब्रेरीज़ एण्ड इंफॉर्मेशन सर्विस'' पर मौखिक पत्र।
3. प्रतिनिधि : अशोक विश्वविद्यालय, सोनीपत, हरियाणा में 19 फरवरी 2016 को ''इम्पैक्ट ऑफ टेक्नोलॉजी ऑन आर्ट एण्ड कल्चर : मैनेजिंग लाइब्रेरीज़ एण्ड आर्काइव्स'' पर संगोष्ठी।

श्री अजय सरोहा, पुस्तकालयाध्यक्ष ग्रेड –II

1. राष्ट्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण संस्थान, नई दिल्ली में 12 – 16 अक्तूबर 2015 तक चिकित्सा पुस्तकालयों में सूचना प्रबंधन के लिए आईटी अनुप्रयोग पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

श्री राकेश रावत, डीईओ, ग्रेड – ए

1. प्रशिक्षण पाठ्यक्रम : 7 अक्तूबर 2015 में सी–मेट, एम्स में ''नोटिंग एण्ड ड्राफ्टिंग''

2. 23 और 24 नवम्बर 2015 में कार्यशाला : सी–मेट, एम्स में ''यूज ऑफ आई.टी. टूल्स इन ऑफिस एडमिनिस्ट्रेशन''

3. प्रतिनिधि : 16–18 दिसम्बर 2015 में बाबा फरीद यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंस, फरीदकोट, पंजाब में भारतीय चिकित्सा पुस्तकालय संघ (एमएलएआई) का राष्ट्रीय सम्मेलन।

11.2 कैफेटेरिया

अध्यक्ष

डॉ. ओ. पी. खरबंदा	डॉ. एम. बाजपेयी
(29.11.2015 तक)	(31.11.2015 से)

सदस्य सचिव
डॉ. सुषमा सागर

लेखा अधिकारी
सुश्री मीनाक्षी डबराल

महा प्रबंधक
श्री एस. के. कौशिक

उप महाप्रबंधक
श्री के. के. शर्मा

लक्ष्य एवं उद्देश्य

संस्थान के कर्मचारियों को उचित मूल्य पर पौष्टिक भोजन प्रदान करने के लिए वर्ष 1972 में एम्स कैफेटेरिया की स्थापना की गई। कैफेटेरिया उपकरण, फर्नीचर, बर्तनों एवं अन्य मूल आवश्यकताओं के लिए एम्स से बिना कोई सहायता प्राप्त किए 'न लाभ–न हानि'' आधार पर चलाया जा रहा है।

प्रबंध समिति

निदेशक, एम्स द्वारा कैफेटेरिया विभाग से संबंधित नीतिगत मामलों पर निर्णय लेने के लिए एक समिति का गठन किया गया। सदस्य निम्नानुसार हैं :

डॉ. एम. बाजपेयी	अध्यक्ष
डॉ. नीना मल्होत्रा	सदस्य
डॉ. बिनोद कुमार खैतान	सदस्य
डॉ. वनलाल्नग्का डारलोंग	सदस्य
डॉ. राजेश खड़गावत	सदस्य
डॉ. सुमित सिन्हा	सदस्य
एफ. एम्स का प्रतिनिधि	सदस्य
आरडीए का प्रतिनिधि	सदस्य
ऑफिसर्स एसोसिएशन का प्रतिनिधि	सदस्य
नर्सिस यूनियन का प्रतिनिधि	सदस्य
कर्मचारी यूनियन का प्रतिनिधि	सदस्य
डॉ. सुषमा सागर	सदस्य–सचिव

श्री एस. के. कौशिक — सह–समन्वयकर्ता

सेवा सुविधाएं

कैफेटेरिया द्वारा संस्थान के लगभग 10,000 कर्मचारियों को सेवाएं प्रदान करने के लिए 9 इकाइयां चलाई जाती हैं। ये हैं :

1. जवाहर लाल नेहरू सभागार के निकट स्थित मुख्य कैफेटेरिया (24 घंटे सेवा)
2. मुख्य अस्पताल की नौंवी मंजिल पर स्थित मुख्य ऑपरेशन थिएटर कैफेटेरिया
3. केन्द्र की दूसरी मंजिल पर स्थित सी एन सेंटर कैफेटेरिया
4. केन्द्र की पांचवी मंजिल पर स्थित डॉ. आर. पी. केन्द्र ऑपरेशन थिएटर कैफेटेरिया
5. दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र
6. डॉ. बी. आर. अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल
7. मुख्य कैफेटेरिया के निकट स्थित संकाय कक्ष कैफेटेरिया
8. दूरस्थ ओ.पी.डी, ग्राम बाडसा झज्जर, हरियाणा
9. ऑर्थोपेडिक ओटी में कम्प्यूटर की सुविधा और दैनिक सेवा के पास चाय / कॉफी आउटलेट

एम्स ओपीडी कैंटीन की स्थापना एम्स कैफेटेरिया के प्रबंधन के अधीन रोगियों और उनके रिश्तेदारों की हर समय जरूरतें पूरी करने के लिए की गई है।

इसके अतिरिक्त कैफेटेरिया सभी उच्च अधिकारियों तथा संकाय–सदस्यों को उनकी दिन–प्रतिदिन की आवश्यकताओं के साथ–साथ महत्वपूर्ण सरकारी बैठकों, कार्यशालाओं एवं संगोष्ठी आदि हेतु विशेष आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु भी सेवाएं प्रदान करता है।

स्टाफ क्षमता

कैफेटेरिया में तदर्थ / अस्थायी /संविदा आधार के साथ–साथ नियमित आधार पर 92 कर्मचारी नियुक्त हैं।

वार्षिक कुल बिक्री

कैफेटेरिया विभाग की कुल बिक्री लगभग 3,89,00,000 रु. है।

विकास गतिविधियां

बहुमंजिला कैफेटेरिया ब्लॉक निर्माणाधीन है और इसे सितम्बर 2016 के अंत तक पूरा करने की संभावना है।

भविष्य की योजनाएं

संस्थान में बनने वाले सभी टावरों में कर्मचारियों, रोगियों एवं उनके रिश्तेदारों की आवश्यकताओं की पूर्ति करने के लिए स्वच्छ परिस्थितियों में स्वास्थ्यप्रद भोजन प्रदान करने के लिए नवीनतम प्रौद्योगिकी से सुसज्जित एक कैफेटेरिया सेवाओं के विस्तार का प्रस्ताव रखा गया है।

11.3 केंद्रीय पशु सुविधा

प्रभारी आचार्य
डॉ. एस. के. मौलिक
वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी
डॉ. पी. के. यादव

वर्ष के दौरान केवल चूहों, चुहियों, खरगोश, गिनी पिग और हेमस्टर्स सुविधाओं को बनाए रखा गया।

छोटे पशु (रोडेंट)

वर्ष के दौरान जानवरों की संख्या को बनाए रखा गया था :

चूहे (विस्टर) :	1138	चूहे (स्प्रग डॉलें)	437
चुहिया (स्विस अलबिनो)	300	खरगोश (न्यूजीलैंड)	105
गिनी पिग्स (डंकिन हार्टली)	45		

संस्थान के विभिन्न विभागों को कुल 3860 छोटे पशु (चूहे, चुहिया, खरगोश एवं गिनी पिग) उपलब्ध कराए गए तथा दिल्ली के तथा दिल्ली के बाहर के सहयोगी संस्थानों में अनेक जंतु (499 चूहे, 54 चूहिया, 13 खरगोश तथा 6 गिनी पिग) बेचे गए।

प्रायोगिक शल्यचिकित्सा

संकाय द्वारा सुविधा में, विभिन्न विभागों से अन्वेषकों और छात्रों द्वारा इकतीस शल्य चिकित्सा प्रक्रियाओं का प्रदर्शन किया गया था। इन में शल्यचिकित्सा, बायोमेडिकल इंजीनियरिंग एकक, तंत्रिका शल्यचिकित्सा जठरांत्र शल्य चिकित्सा, बालचिकित्सा, प्रयोशाला चिकित्सा, जैवप्रौद्योगिकी, स्टेम कोशिका सुविधा एवं विकृति विज्ञान विभाग शामिल हैं।

संस्थागत पशु एथिक्स कमेटी (आई.ए.ई.सी)
वर्ष के दौरान संस्थागत पशु एथिक्स कमेटी (आईएईसी) को पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (भारत सरकार) के तहत जंतुओं पर प्रयोगों के नियंत्रण एवं पर्यवेक्षण के प्रयोजन के लिए समिति द्वारा अनुमोदित किया गया है। एम्स की सीपीसीएसईए पंजीकरण सं. 10/ जीओ / ईआरईबीआई / एसएल / 99 / सीपीसीएसईए है। संस्थागत पशु एथिक्स कमेटी (आईएईसी) ने वर्ष के दौरान विभिन्न अन्वेषकों की छोटे जंतुओं (रोडेंट) पर 72 परियोजनाओं को समाशोधित किया है।

प्रदत्त सेवाएं
सी.ए.एफ में सूक्ष्मजैवविज्ञान, बायोमेडिकल इंजीनियरिंग यूनिट, जैव रसायन, जैव प्रौद्योगिकी, प्रजनन जीवविज्ञान, शरीररचना, मनोचिकित्सा, विकृतिविज्ञान, प्रयोगशाला चिकित्सा, स्टेम कोशिका सुविधा तंत्रिकाविज्ञान एवं तंत्रिकाशल्यचिकित्सा से संबंधित पशुओं की देखरेख की जाती है। इस सुविधा में औसतन हर माह उपरोक्त विभागों से संबंधित निम्नलिखित पशु रखे जाते हैं : 10 स्प्रैग डॉले चूहे, 130 विस्टार चूहे, 170 चुहियां, 15 खरगोश, 23 गिनी पिग और 9 हेमस्टर।

सी.ए.एफ द्वारा विभिन्न अन्वेषकों को ये प्रयोगशाला सुविधाएं भी प्रदान की जाती हैं अर्थात सेरा का निर्वात शुष्कन तथा सीरम नमूने का संग्रहण, रुधिर–विज्ञान, नैदानिक जैव रसायन, सूक्ष्मदर्शी जांच एवं एक्स–रे सुविधा।

अंतिम चरण में इम्युनोडेफिशियंट पशुओं के लिए अनुसंधान में सुविधाएं (न्यूड और एस.सी.आई.डी चूहे) हैं और जल्द ही कार्य किया जाएगा।

शैक्षिक कार्यक्रम

डॉ. पी. के. यादव

1. व्याख्यान : पर्यावरण और वन मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय पशु कल्याण संस्थान तथा पशु कल्याण पर एक सप्ताह और दो सप्ताह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।
2. व्याख्यान और भागीदारी : प्रयोगशाला पशु वैज्ञानिक एसोसिएशन का (एलएएसए) 6वां अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन तथा एसीटीआरईसी–टीएमसी के साथ एक दिवसीय पूर्व सम्मेलन कार्यशाला सहयोग से आयोजित तथा प्रयोगशाला पशु की देखभाल (ए.ए.ए.एल.ए.सी) इंटरनेशनल की मूल्यांकन एवं प्रत्यायन के लिए एसोसिएशन, अमेरिका, 14 – 16 अक्टूबर 2015, टाटा मेमोरियल सेंटर, खारघर, नवी मुंबई।
3. 10वीं एम्स सर्जिकल सप्ताह में भाग लिया, अंतरराष्ट्रीय मिनिमल एक्सेस सर्जरी सम्मेलन, सीएमई कम लाइव ऑपरेटिव कार्यशाला एण्डोसर्ज 2016 तथा भारतीय हर्निया सोसायटी (आईएचएससीओएन) की 8वीं नेशनल कांफ्रेंस, भारत की (मध्य अवधि सेल्सीकोन–2016) के इंडोस्कोपिक और लेप्रोस्कोपिक सर्जन के सोसायटी मध्यावधि सम्मेलन, 4 – 6 मार्च 2016, एम्स, नई दिल्ली।

11.4 केंद्रीय कार्यशाला

संकाय समन्वयकर्ता
गंगा प्रसाद

मुख्य तकनीकी अधिकारी
ए. के. शर्मा (15 दिसंबर 2015 तक) कालू राम (16 दिसंबर 2015 से)

वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी

हरिंदर पाल नितिन श्रीवास्तव

उद्देश्य

केंद्रीय कार्यशाला, रोगी उपचार सेवाओं की गतिविधियों को बढ़ावा देने में एवं सुचारू संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह चिकित्सा शिक्षा, वैज्ञानिक अनुसंधान एवं अस्पताल सेवाओं में प्रयुक्त विभिन्न उपकरणों की मरम्मत एवं रखरखाव, मुख्य अस्पताल में रोगी की देखभाल, डॉ. बी. आर. अम्बेडकर इंस्टीट्यूट रोटरी कैंसर अस्पताल, जे. पी. एन. एपेक्स ट्रामा सेंटर नेत्र विज्ञान के लिए डॉ. आर. पी. केंद्र, दंत चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान के लिए केंद्र, राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केन्द्र, गाजियाबाद और सीआरएचएसपी, बल्लभगढ़ में संलग्न है।

कार्यशाला न केवल एम्स के कई विषयों में उपकरणों की सभी श्रेणियों की गुणवत्ता का कार्य सुनिश्चित करता है बल्कि यह उपकरणों को संशोधन भी प्रदान करता है और विभिन्न विभागों और केन्द्रों की जरूरतों के अनुसार नए निर्माण कार्य करता है।

उपर्युक्त प्रदर्शित सेवाओं हेतु केंद्रीय कार्यशाला के विभिन्न अनुभाग सेवा प्रदान करते हैं। प्रत्येक अनुभाग तकनीकी अधिकारी की अध्यक्षता में सहायक स्टाफ द्वारा संचालित किया जाता है।

- इलेक्ट्रॉनिक अनुभाग
- इलेक्ट्रिकल अनुभाग
- रेफ्रीजरेटिंग अनुभाग
- मैकेनिकल अनुभाग – 1 एवं 2
- फाइन इंस्ट्रयूमेंट अनुभाग
- पेंटिंग अनुभाग
- अपहॉलस्ट्री एवं कारपेंटरी अनुभाग

समूह बी और समूह सी कर्मचारियों की संख्या

- तकनीकी अधिकारी : 4
- तकनीशियन (ग्रेड–I) : 5
- तकनीशियन (ग्रेड–II) : 10
- कार्यशाला सहायक : 2
- सहायक (एन एस) : 1
- स्टोर क्लर्क (यू डी सी) : 1
- खलासी : 6

स्थान और समय

केंद्रीय कार्यशाला बेसमेंट, भूतल और पहले तल पर लॉन्ड्री तथा शवागार के बगल में स्थित भवन में है।

केंद्रीय कार्यशाला में पिछले वर्षों के दौरान अनेक विकास किए गए जिसमें मुख्य अस्पताल के 7वें तल पर विस्तारित सुविधा की स्थापना शामिल है। इस विस्तार केंद्र में तत्काल आधार पर उपकरणों की मरम्मत की जाती है। इसमें स्थान का लाभ है जिससे मरम्मत करने वाले व्यक्ति के समय एवं श्रम की भी बचत होती है।

उपलब्ध सेवाएं

मरम्मत और रखरखाव
केंद्रीय कार्यशाला नैदानिक और चिकित्सीय उपकरणों के निवारक तथा सुधारात्मक रखरखाव के लिए जिम्मेदार है और यह नई तकनीक का मूल्यांकन करता है, युक्ति की दर की जांच की जाती है और सुनिश्चित किया जाता है कि उपकरण प्रचालन की उचित तथा सुरक्षित स्थिति में है।

तकनीशियनों और अधिकारियों का एक कुशल दल उपरोक्त उल्लिखित सुविधाएं प्रदान करने के लिए उपलब्ध है। यह दल अस्पताल में विभिन्न उपकरणों के अच्छी स्थिति में कार्य करने का रखरखाव करने हेतु दक्ष तरीके से समर्थन प्रदान करता है। इसमें शामिल हैं बीपी के साधन, इनफ्यूजन पंप, मल्टी पैरामीटर मॉनिटर, डिफ़िब्रिलेटर्स, रोगी वार्मर्स, ओटी टेबल, रेफ्रिजरेटर, डीप फ्रीज़र, माइक्रोवेव ओवन्स, इंडक्शन हीटर, स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीन, ओटी प्रकाश, माइक्रोस्कोप, नीडल डिस्ट्रोयर, पानी स्नान, एक्स–रे व्यू बॉक्स, ओटी की देखभाल मशीन, सक्शन मशीन, वॉल सक्शन और ऑक्सीजन नियामक, फ्लो मीटर, सर्वो स्टेबलाइजर्स, बॉयलर, हॉट प्लेट्स, टेबल टॉप सेंट्रीफ्युज, स्टेनलेस स्टील ड्रम और अन्य शल्य चिकित्सा उपकरण।

इस कार्यशाला द्वारा अस्पताल के सभी फर्नीचर जैसे रोगी बेड, रोगी ट्रॉलियां, रोगी लॉकर्स, इंस्ट्रूमेंट ट्रॉलियां, लोड करने के लिए ट्रॉलियां, बिस्तर की ओर लॉकर, पुश कार्ट और बहुत सारे उपकरणों की मरम्मत और पेंटिंग का कार्य भी किया जाता है।

केंद्रीय कार्यशाला में 7773 मरम्मत के कार्य प्राप्त और पूरे किए गए।

2. विनिर्माण एवं मार्गदर्शन
धीरे धीरे मरम्मत एवं रखरखाव गतिविधियों का भार बढ़ने के बावजूद केंद्रीय कार्यशाला, संस्थान की विभिन्न अनुसंधान गतिविधियों में अपने डिज़ाइन एवं संरचना कार्य द्वारा सहायता प्रदान करने में सक्षम हो गयी है।

इस दौरान केंद्रीय कार्यशाला द्वारा 14 विभिन्न संरचनात्मक कार्य (711 आइटम्स) किए गए जिसमें ब्लू लाइट सोर्स, टेम्परेचर चार्टर होल्डर, टीआर ट्यूब, स्टीलेट, हेगर डाइलेटर, स्पेसिमेन ट्रे, सक्शन बॉटल लिड, सर्वर के लिए स्टैंड, ओटी के गद्दे, एल्युमिनियम टैग, पीसीएनएल रोल, वुडन स्प्लिंट, डिवाइस होल्डर आदि शामिल हैं।

3. अल्पकालिक प्रशिक्षण

केंद्रीय कार्यशाला द्वारा सक्रिय तौर पर विभिन्न इंजीनियरिंग कॉलेजों में डिप्लोमा / स्नातक पूर्व विद्यार्थियों के लिए 4 से 6 हफ्ते के अल्पकालिक प्रशिक्षण और मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है।

11.5 कंप्यूटर सुविधा

आचार्य प्रभारी
पी. पी. कोतवाल

अध्यक्ष कंप्यूटरीकरण समिति
दीपक अग्रवाल

सिस्टम विश्लेषक

एस. एन. रघु कुमार	सतीश प्रसाद	सुशील कुमार मेहर

वरिष्ठ प्रोग्रामर

संजय गुप्ता	विनय पाण्डे	हरी शंकर
पवन शर्मा	श्यामल बरुआ	

प्रोग्रामर

तृप्ता शर्मा	संजीव कुमार	अमित	अंकिता सैनी
	गीतिका गुप्ता	राघवेंद्र गुप्ता	

नर्सिंग सूचना विज्ञान विशेषज्ञ
मेटिल्डा रोबिन और टीम

शिक्षा

स्नातकोत्तर

जैव प्रौद्योगिकी विभाग एवं नर्सिंग महाविद्यालय के स्नातकोत्तर छात्रों के लिए सिद्धांत और अभ्यास पहलुओं की कंप्यूटर प्रोग्रामिंग की कक्षाओं का संचालन किया गया था। चिकित्सा सूचना विज्ञान का अध्ययन करने के लिए प्रतिनियुक्त सशस्त्र बलों के अधिकारियों को 2 वर्ष की अवधि के लिए प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

स्नातक पूर्व

बी. एस. सी. (ऑनर्स) नर्सिंग के प्रथम वर्ष तथा बी. एस. सी. नर्सिंग (पोस्ट – सर्टिफिकेट) के छात्रों के लिए कंप्यूटर्स के बेसिक, इंटरनेट, विंडो एप्लीकेशंस, कंप्यूटर – एडिड लर्निंग, डेटाबेस आदि में तीन – माह के कंप्यूटर पाठ्यक्रम का संचालन किया गया था। कंप्यूटर ओरिएंटेशन प्रोग्राम एमबीबीएस छात्रों के लिए भी आयोजित किया गया था।

ई–लर्निंग मॉड्यूल

नर्सों के लिए इसकी शुरूआत 1 सितंबर 2015 को ऑनलाइन निरंतर चिकित्सा शिक्षा प्रदान करने के लिए आरंभ की गयी, जिससे उन्हें अपना ज्ञान अपडेट करने में मदद मिलती है।

एम्स संकाय के लिए, गुणवत्ता आश्वासन मॉड्यूल की शुरूआत की गई, जो संबंधित संकाय सदस्यों द्वारा शैक्षिक डॉक्टरों की ग्रेडिंग का एक कंप्यूटरीकृत तरीका है और इसे एम्स के कुछ विभागों में सफलता पूर्वक कार्यान्वित किया गया है।

सेवाएं

एम्स के आईटी विभाग द्वारा संकल्पित और डिजाइन एपॉईंटमेन्ट प्रणाली का विकास एनआईसी ई–अस्पताल दल द्वारा किया गया। इसे डिजिटल इण्डिया प्रयास के भाग के रूप में परियोजना के तौर पर लिया गया जिसे माननीय प्रधानमंत्री, श्री नरेंद्र मोदी ने 2015 में आरंभ किया। वर्तमान में हमने ऑनलाइन पंजीकरण प्रणाली का उपयोग करते हुए एपॉईंटमेन्ट प्रणाली (ओआरएस) / रोगी पोर्टल (आधार कार्ड संख्या के साथ संबंधित), कॉल सेंटर, आईवीआरएस, मोबाइल अनुप्रयोग (aiims@delhi) और एपॉईंटमेन्ट काउंटर से स्थल पर ही एपॉईंटमेन्ट प्रणाली का 100 प्रतिशत पालन करने के लिए विभिन्न प्रणालियां बनाई हैं। रोगी स्वागत कक्ष काउंटर 4 अगस्त 2015 को टाटा कंसल्टेंसी सर्विसिस (टीसीएस) के सहयोग

से आरंभ किए गए थे और वर्तमान में आरएके ओपीडी रोल आउट अपने अंतिम चरण पर है।

एम्स द्वारा मई 2014 से एकल विंडो एग्जिट काउंटर (एसडब्ल्यूईसी) की संकल्पना आरंभ की गई। यह इस संकल्पना पर आधारित था कि फॉलोअप के लिए भावी समय तय किए बिना कोई भी रोगी एम्स से बाहर नहीं जाना चाहिए। विभिन्न विभागों के समय तय करने, प्रक्रिया, जांचों और क्लिनिकों पर एग्जिट काउंटर भी बनाए गए हैं। बिलिंग और रेडियोलॉजी के समय तय करने की विशेषता भी जनवरी 2016 में जोड़ी गई। एसडब्ल्यूईसी सुबह 8.00 से रात 8.00 बजे तक कार्य करता है। स्वयं सेवा कीओस्क एम्स के विभिन्न स्थानों पर बनाए गए हैं, ताकि रोगी अपना समय स्वयं तय कर सकें। ऑनलाइन पंजीकरण की वर्तमान स्थिति इस प्रकार हैं :

कुल तय किए गए समय : > 11500 प्रतिदिन

नए तय किए गए समय : > 6500 प्रतिदिन

फॉलोअप के लिए तय किए गए समय : > 5000 प्रतिदिन

ओआरएस वेबसाइट के माध्यम से तय किए गए समय : लगभग 500/दिन

मोबाइल एप : > 20 प्रतिदिन

एम्स रोगी पोर्टल : > 300 प्रतिदिन

आईवीआरएस : > 70 प्रतिदिन

ड्यूटी रोस्टर के साथ बायोमेट्रिक उपस्थिति :
बायोमेट्रिक परियोजना का कार्यान्वयन जून 2015 में 50 बायो मेट्रिक मशीनों का उपयोग करते हुए आरंभ किया गया जिसमें कैमरे अंदर लगे हुए थे और इन्हें एम्स में सभी जगह लगाया गया। लगभग 10000 कर्मचारियों का पंजीकरण किया गया। सभी कर्मचारियों को इन मशीनों में अपनी उपस्थिति दर्ज करने के लिए प्रशिक्षण दिया गया और इसके बाद अक्तूबर 2015 से बायोमेट्रिक उपस्थिति को अनिवार्य बनाया गया। विभागों / अनुभागों / वार्डों के लिए ऑनलाइन ड्यूटी रोस्टर की शुरूआत की गई और निर्दिष्ट कर्मचारियों को ड्यूटी रजिस्टर भरने का प्रशिक्षण दिया गया और इसमें छुट्टियों को भी डाला गया, जिसके जरिए कर्मचारी ऑनलाइन विधि से अपने आने / जाने का समय और छुट्टियों की जानकारी ले सकता है।

अस्पताल का कंप्यूटरीकरण

ईएचएस ऑनलाइन इंडेंट की शुरूआत दिसंबर 2015 में की गई थी, जहां डॉक्टर अपने लिए दवा लिख सकते हैं और वास्तविक समय पर ईएचएस फार्मेसी में दवाओं की सूची और उपलब्ध स्टोक देख सकते हैं।
आर.पी. केंद्र में कैश कार्ड की शुरूआत रोगियों को एम्स की भुगतान सुविधाओं में नकद रहित लेन देन करने की सुविधा देने हेतु की गई। नेत्र दान अभियान को बढ़ाने के लिए मृत्यु प्रमाण पत्र अप्रैल 2016 में नेत्र बैंक के साथ जोड़ा गया, जिसमें अस्पताल में मृत्यु की सूचना नेत्र बैंक के अधिकारियों को एसएमएस अलर्ट द्वारा भेजा जाता है। आरपीसी में ई – एमएलसी की शुरूआत मार्च 2016 में की गई थी ताकि चिकित्सा – कानूनी मामलों को अधिसूचित किया जाए और स्थायी रिकॉर्ड रखा जा सके।

ब्लड बैंक मॉड्यूल की शुरूआत जून 2015 में पारदर्शिता लाने, तत्काल प्रतिक्रिया द्वारा ब्लड बैंक में कार्य प्रवाह और रक्त दान की प्रक्रिया को सुचारु रूप से चलाए जाने के लिए की गई।

आहार मॉड्यूल को दिसंबर 2015 में ऑनलाइन बनाया गया और इसमें स्टोर इंडेंट, उपयोगिता और रोगियों को आहार का वितरण शामिल हैं।

एम्स की सभी क्लिनिकल प्रयोगशालाएं अब पूरी तरह कंप्यूटरीकृत हैं, जिनमें से 60 प्रतिशत मशीनें स्वचालित रिपोर्टिंग के लिए इंटरफेस की गई है।

गैस्ट्रोएंटरोलॉजी नैदानिक मॉड्यूल : 6 क्लिनिक, अर्थात जीई ओपीडी, लिवर क्लिनिक, आईबीडी क्लिनिक, अग्न्याशय क्लिनिक, हस्तक्षेप क्लिनिक, एबी2 आईसीयू, निम्नलिखित किए जाते हैं : निदान, रोगी निदान की पिछली जानकारी, जांच, इमेजिंग जांच, एंडोस्कोपी, उपचार, आदेश की प्रविष्टि, छुट्टी का सारांश और विभिन्न क्लिनिक में स्कोर गणना।

निरंतर प्रबंधन और समर्थन द्वारा अस्पताल के कंप्यूटरीकरण सॉफ्टवेयर / हार्डवेयर आदि के कार्यान्वयन को समर्थन दिया गया, ताकि मुख्य अस्पताल और एम्स झझर (हरियाणा) सहित सभी केंद्रों में कार्रवाई की जा सके।

इन–हाउस_मॉड्यूल

1. एमएसएसओ : निम्नलिखित ऑनलाइन फॉर्म जोड़े गए थे

क. ब्रह्म फाउंडेशन सर्टिफिकेट
ख. विकलांगता प्रमाण पत्र (तृतीय, चतुर्थ) (बाल चिकित्सा)
ग. अस्वीकृति प्रमाण पत्र (बाल चिकित्सा)
घ. बाल कल्याण प्रमाण पत्र
ङ दिल्ली आरोग्य (बाल चिकित्सा)
च. गुर्दा प्रत्यारोपण (बाल चिकित्सा)
छ. प्रधानमंत्री कोष (बाल चिकित्सा)
ज. गरीब रोगी छूट
झ. सीएनसी छूट
ञ. न्यूरोसर्जरी छूट
ट. अज्ञात रोगी

2. ओआरबीओ (दाताओं का पंजीकरण और डोनर कार्ड का आबंटन)
3. फाइल ट्रैकिंग (पंजीकरण काउंटर करने से पहले फाइलों पर नज़र रखने के लिए न्यूरोलॉजी)
4. कार्डियो डिस्प्ले सिस्टम (कार्डियोलॉजी तलों पर वार्ड में रोगियों के लिए प्रणाली का प्रदर्शन)
5. परिवहन सुविधा (जहां कर्मचारियों की ओर से अनुरोध ऑनलाइन रूप में भेजा जाता है और फिर एसएमएस वाहन चालक तथा कर्मचारियों को भेजा जाता है तथा तद्नुसार आवश्यक तिथि और आवश्यक स्थान पर आबंटित किया जाता है)।
6. अकादमिक (पहले से विकसित पोर्टल जहां ई मेल और एसएमएस संकाय सदस्यों तथा छात्रों को उनकी अध्यापन कक्षाओं के लिए भेजे जाते हैं)।

आईटी मूलसंरचना और नेटवर्किंग, इंटरनेट और इंट्रानेट प्रबंधन गतिविधियां

1. एम्स के संकाय, अधिकारियों एवं स्टाफ को 430 नए इंटरनेट कनेक्शन प्रदान किए गए हैं।
2. विभिन्न गोष्ठियों, सम्मेलनों, वार्ताओं, वीडियो कांफ्रेंस आदि के लिए समय समय पर एम्स में आयोजन करने के लिए उच्च गति एनकेएन इंटरनेट संपर्क प्रदान करना।
   i) विश्व टीबी दिवस संगोष्ठी पर व्याख्यान के प्रसारण हेतु एम्स और यूएसए।
   ii) एम्स और ग्लासगो, ग्लासगो आपातकालीन शल्य चिकित्सा और ट्रामा संगोष्ठी के लिए ब्रिटेन (जीईएसटीएस–2016)।
   iii) ऑर्थो विभाग द्वारा ऑर्थो ओटी एम्स और आगरा हेतु ऑनलाइन सर्जरी प्रसारित ।
   iv) एम्स और चार पैन अफ्रीकी मेडिकल कॉलेज।
   v) जीआई सर्जरी और ओआरबीडी, एम्स द्वारा मृतक डोनर ट्रांसप्लांटेशन के आयोजन पर दूसरा राष्ट्रीय गोलमेज सम्मेलन।
   vi) सम्मेलन हॉल जे. एल. सभागार में पूर्व एशिया शिखर सम्मेलन फ्रेम कार्य के अंतर्गत ट्रामा केयर और नर्सिंग में गोलमेज सम्मेलन सहयोग।
   vii) बोर्ड कक्ष और कन्वर्जेंस ब्लॉक में मेडिकल जनरल संपादकों के लिए डब्ल्यूएएमई अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन पर कार्यशाला।
3. aiims.edu वेबसाइट पर निम्नलिखित नए मॉड्यूल / अनुभाग बनाए गए हैं :

    1. ब्रेकिंग न्यूज़
    2. लाइव स्ट्रीमिंग
    3. एम्स चैनल
    4. पुरस्कार
    5. ऑनलाइन पत्रिका खोज के लिए एक बिंदु खोज सुविधा।

4. एम्स की वेबसाइट पर कुल अपडेट किए, बनाए और अपलोड किए गए पेज लगभग 3500।
5. वर्ष 2015–16 के दौरान एम्स वेबसाइट पर देखने वालों की कुल संख्या लगभग 75 लाख है।
6. द्विभाषी वेबसाइट निर्माण की प्रक्रिया जारी है। अब तक आरपीसी के अलावा सभी विभागों / केंद्रों का हिंदी में अनुवाद हो चुका है जिसे एम्स की वेबसाइट में दर्शाया गया है।
7. यूनीफाइड थ्रैट मैनेजमेंट (यूटीएम) एवं गेटवे लेवल एंटीवाइरस, एंटी–स्पेम, आईपीएस/आईडीएस, लोड बैलेसिंग और कंटेंट फिल्टरिंग में प्रबंधन के लिए कंप्यूटर नेटवर्क्स एवं एप्लीकेशंस की सुरक्षा हेतु स्थापना की गई।
8. लगभग 18 छात्रावास के स्थानों पर वायरलैस नेटवर्किंग क्षेत्रों के सफलतापूर्वक कार्यान्वयन का सतत प्रबंध, छात्रों एवं रेजीडेंट डॉक्टरों के लिए इंटरनेट, सूचना तथा ऑनलाइन पत्रिकाओं की पहुंच हेतु वाई फाई जोन्स का निर्माण किया। अब तक लगभग 6000 छात्रों ने इस सुविधा का लाभ उठाया है। वर्तमान में 1300 प्रयोक्ता इस सुविधा के लिए पंजीकृत हैं।
9. बी.बी.डी.एल ओपीएसी की सेवाएं जारी तथा एम्स वेबसाइट के जरिए बी बी दीक्षित पुस्तकालय के माध्यम से पुस्तकालय ऑन लाइन संस्थान का अंशदान बढ़ाया गया।
10. छात्रों हेतु इंटरनेट एवं ऑनलाइन पत्रिका की पहुंच हेतु बी. बी. दीक्षित पुस्तकालय में वाई – फाई जोन का सतत प्रबंध।
11. वेबसाइट www.aiims.edu, www.aiims.ac.in का रख रखाव किया जा रहा है।
12. संकाय और छात्रों के लिए एनकेएन लीज़ लाइन के जरिए उच्च गति इंटरनेट सुविधा का रखरखाव एम्स नेटवर्क पर लगभग 6300 नोड पर 24/7 आधार पर किया जा रहा है।
13. वेब सर्वर, प्रोक्सी सर्वर एवं मेल सर्वर 24X7X365 दिन का अनुरक्षण।
14. इंटरनेट एवं नेटवर्क प्रयोक्ताओं की शिकायतों एवं रेजोल्यूशन हेतु 24X7X365 सुविधा प्रबंध एवं कॉल अनुरक्षण।
15. बल्लभगढ़, एम्स केंद्रों के लिए विशेष रूप से बाहर निरंतर प्रबंधन द्वारा ई–अस्पताल मॉड्यूल पहुंच के लिए वी पी एन आधारित पहुंच तंत्र।
16. एनडीडीटीसी, जेपीएनएटीसी और मिर्गी उत्कृष्टता केंद्र एवं मस्तिष्क अनुसंधान केंद्र, गुड़गांव को जोड़ने के लिए आईपीएसईसी टनल का निरंतर प्रबंधन।
17. एमएसी आई डी आधारित अभिप्रमाणन ई–अस्पताल सॉफ्टवेयर में वार्ड, ओपीडी, आईसीयू और ओ टी आदि तक वाई फाई आधारित पहुंच तथा इंटरनेट हेतु एम्स के संकाय और नर्सिंग कर्मचारियों को प्रदान किए गए।
18. सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ और इसके पीएचसी में ओपीडी, आईपीडी और स्टोर की सूचना प्रणालियों का रखरखव और समर्थन निरंतर जारी रखा गया।
19. एनडीडीटीसी, गाजियाबाद के संकाय और छात्रों के लिए पुनः लगाए गए लैन की नेटवर्किंग की स्थापना, साइबेरोम यूटीएम फायरवॉल को इंटरनेट गेटवे मैनेजमेंट के लिए स्थापित किया गया।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां

डॉ. दीपक अग्रवाल ईएमआर, एचआईएस, पीएसीएस तथा एम्स, नई दिल्ली में अन्य नवाचारी आईसीटी उपायों के सफल कार्यान्वयन में अहम रहे; एम्स अनुसंधान एथिक्स और प्रस्तुतीकरण पाठ्यक्रम के कार्यक्रम निदेशक का आयोजन डॉक्टरों और नर्सों के लिए किया गया था; एम्स–व्यक्तित्व विकास, संचार और प्रस्तुतीकरण कौशलों पर कार्यशाला के कार्यक्रम

निदेशक, जिसका आयोजन पूरे भारत में समय समय पर किया जाता है। स्कॉच पुरस्कार 2015 : एम्स को ऑनलाइन समय तय करने की प्रणाली तथा रोगी पोर्टल को 11 दिसंबर 2015 को भारत का यह सबसे उच्च स्वतंत्र सम्मान दिया गया था। एम्स ओपीडी परिवर्तन परियोजना 2015 : 'टेक्नोलॉजी एवेंजेलिस्ट पुरस्कार' और सुश्री मेटिल्डा रोबिन तथा एनआईएस में उनके दल को 25 दिसंबर 2015 तक एम्स के रूपांतरण की परियोजना की शुरूआत के दौरान टीसीएस द्वारा एम्स के रूपांतरण परियोजना के लिए बदलाव के चैम्पियन होने के कारण सम्मानित किया गया। एक्सप्रेस पब्लिक हेल्थ पुरस्कार 2016 : एम्स को इण्डियन एक्सप्रेस समूह सार्वजनिक स्वास्थ्य पुरस्कार 2016 में सबसे प्रभावी स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी प्रणाली के लिए जन स्वास्थ्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जिसका आयोजन हैदराबाद में एक्सप्रेस हैल्थ केयर सभा के समापन के अवसर पर किया गया; एम्स में ओपीडी में पंजीकरण कराने के लिए ऑनलाइन विधि की सफल शुरूआत के प्रति असाधारण योगदान हेतु प्रशंसा प्रमाण पत्र 1 जुलाई 2015 को प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिया गया, जो डिजिटल इण्डिया प्रयासों में से एक चुना गया था।

श्री एस. एन. रघु कुमार और श्री हरी शंकर ने 2015 में एम्स में एमबीबीएस छात्रों और रेजीडेंट डॉक्टरों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया।

श्री सतीश प्रसाद डेटा एंट्री ऑपरेटर के लिए सीमैट में 'कार्यालय प्रशासन आईटी टूलों के उपयोग' पर 2 दिवसीय (प्रत्येक) कार्यशाला के लिए अध्यापन / प्रशिक्षण संकाय थे, 23–24 नवंबर 2015 और 10–11 फरवरी 2016; प्रशासनिक लैन (नोवल नेटवेयर सर्वर) की देखरेख की जो प्रशासन और वित्तीय प्रणाली को पूरकता प्रदान करता है और एम्स वित्त / प्रशासन हेतु सॉफ्टवेयर का रखरखाव करता है; एम्स में लागू ई कार्यालय परियोजना (एनआईसी) करने के लिए कर्मियों को समन्वित और प्रशिक्षित किया ; विंडोज ओएस की कक्षा लीं, इण्डियन रेड क्रॉस सोसायटी (आईपी यूनिवर्सिटी से संबद्ध मास्टर कोर्स) के लिए आपदा प्रबंधन में इस्तेमाल इंटरनेट और सॉफ्टवेयर अनुप्रयोग किया।

श्री एस. के. मेहर बायोमेडिसिन, एम. एस सी बायोटेक में कंप्यूटर अनुप्रयोगों के पाठ्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम समन्वयक थे। उन्होंने एम्स में दो वर्ष की अवधि के लिए तैनात चिकित्सा सूचना विज्ञान के क्षेत्र में सशस्त्र बलों के तीन चिकित्सकों को प्रशिक्षण दिया है, एम्स के एम बी बी एस छात्रों के लिए कंप्यूटर अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया; चिकित्सा सूचना विज्ञान पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के आयोजक अध्यक्ष (आईसीएमआई 2016) जिसका आयोजन एम्स, भुवनेश्वर में किया गया। एपीएएमआई 2016 के वैज्ञानिक कार्यक्रम सदस्य, जिसका आयोजन सिओल, दक्षिणी कोरिया में किया गया, डीएसटी परियोजना के सह अन्वेषक : oldagesolutions.org

श्री संजय गुप्ता ने हार्डवेयर, नेटवर्किंग के प्रावधान, स्थापना और कमिशनिंग के साथ स्थल तैयारी और सॉफ्टवेयर कार्यान्वयन तथा प्रशिक्षण आदि का कार्य एनडीडीटीसी, गाजियाबाद में की; ई – कार्यालय का उपयोग करने के लिए प्रशासनिक कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया।

श्री विनय पाण्डे ने एम्स में संस्थागत रिपॉजिटरी की डिजाइन और विकास किया। यह एम्स के बौद्धिक परिणाम की डिजिटल प्रतियों के संग्रह, संरक्षण और प्रसार के लिए एक ऑनलाइन पुरालेख है। इन्होंने इण्डियन रेड क्रॉस सोसायटी के लिए आपदा प्रबंधन, साइबर आतंकवाद पर कक्षाएं की (आईपी विश्वविद्यालय से संबद्ध स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम); नर्सिंग कॉलेज, एम्स में एमएससी, बीएससी सूचना प्रौद्योगिकी और चिकित्सा सूचना विज्ञान कक्षाएं ली।

श्री श्यामल बरुआ ने ओपीडी मॉड्यूल और ई हॉस्पिटल के रेडियोलॉजी मॉड्यूल के बारे में एनआईसी दल के साथ समन्वय किया है।

सुश्री तृप्ता शर्मा एडीटी और स्टोर मॉड्यूल के बारे में एनआईसी दल के साथ समन्वय करती हैं।

नर्सिंग सूचना विज्ञान विशेषज्ञ (एनआईएस) सुश्री मेटिल्डा रॉबिन के नेतृत्व में 80 नर्सों के एक दल ने पूरे एम्स में कंप्यूटरीकृत मॉड्यूल के कार्यान्वयन का समर्थन किया और संकाय, नर्सों, तकनीशियनों, पैरामेडिकल और लिपिकीय कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया। अनुसंधन एथिक्स और प्रकाशन में कुल 8 कार्यशालाओं का आयोजन किया गया और

लगभग 240 नर्सों तथा डॉक्टरों को बुनियादी अनुसंधान तथा व्यक्तित्व विकास पर कार्यशाला एवं संचार कौशलों (पीडीसीपी) में प्रशिक्षण दिया गया, जिसका आयोजन पिछले वर्ष प्रति माह किया गया।

सुश्री अर्चना और सुश्री ऋतु शैक्षिक अनुभाग, ओआरबीओ (दाता पंजीकरण और जारी किए गए दाता कार्ड) के लिए कार्यक्रम विकसित और कार्यान्वित, न्यूरोलॉजी विभाग के लिए एमएसएसओ, कार्डियो–प्रदर्शन प्रणाली और फाइल ट्रैकिंग।

11.6 इलेक्ट्रॉन सूक्ष्मदर्शी सुविधा

(शारीरिक रचना विभाग)
प्रभारी अधिकारी

तापोश के. दास* (5 मई 2015 तक) — टी. सी. नाग (6 मई 2015 से)

सहायक आचार्य
सुभाष सी. यादव (8 जून 2015 से)

तकनीकी अधिकारी
संदीप आर्य

* 6 मई 2015 को मृत्यु हुई

शिक्षा

1. एम्स के जैवप्रौद्योगिकी विभाग के 10 एम. बायो टेक विद्यार्थियों ने 18 अगस्त से 1 सितंबर 2015 तक (उनके प्रथम सेमिस्टर सेल जैव विज्ञान प्रैक्टिकल्स के तौर पर) दो हफ्ते का प्रशिक्षण प्राप्त किया।

2. शरीर रचना स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए ईएम कक्षाएं (सैद्धांतिक और प्रायोगिक दोनों) 9 अक्तूबर से 5 नवंबर 2015 के बीच आयोजित किया गया।

सी एम ई / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

1. इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी फॉर सांइटिफिक इंवेस्टीगेटर्स में 16 से 28 नवंबर 2015 के बीच 31 वें राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में देश के विभिन्न भागों से 20 उम्मीदवारों ने हिस्सा लिया। एम्स संकाय कर्मचारियों तथा बाहरी विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभागियों के लिए 12 व्याख्यान दिए गए थे।
2. तकनीकी व्यक्तियों हेतु इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी में ग्रीष्म प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 15 मई से 26 जून 2015 को किया गया। चार उम्मीदवारों को सैम्पल प्रोसेसिंग, अल्ट्रा माइक्रोस्कोटॉमी, सीपीडी, स्पूटर कोटिंग, टीईएम एंड एसईएम जांच एवं माइक्रोस्कोप के दैनिक व्यवस्थापन का प्रशिक्षण प्रदान किया गया।
3. जैव रसायन विभाग से सात स्नातक छात्र, श्री वेंकटेश्वर कॉलेज, नई दिल्ली, डॉ. मीनाक्षी कुहर के मार्गदर्शन में 18 फरवरी 2016 को ईएम सुविधा दौरा किया तथा ईएम अवलोकन के लिए ईएम के सिद्धांतों और जैविक नमूने के प्रसंस्करण पर निर्देश दिए थे।
4. जैव रसायन विभाग, श्री वेंकटेश्वर कॉलेज, नई दिल्ली के एक संकाय (डॉ. कृति त्यागी), श्री वेंकटेश्वर कॉलेज, नई दिल्ली से 10 बीएससी (मानद) छात्रों ने 25 फरवरी 2016 को ईएम सुविधा का दौरा किया और उन्हें ईएम के सिद्धांतों तथा ईएम अवलोकन के लिए जैविक नमूनों के प्रसंसाधन पर अनुदेश दिए गए।
5. फिजियोलॉजी विभाग, यूनिवर्सिटी ऑफ कलकत्ता में एम. एससी के द्वितीय वर्ष में पढ़ने वाले चार छात्रों ने 9 मार्च 2016 को ईएम सुविधा का दौरा किया और उन्हें प्रो. टी के घोष के मार्ग दर्शन में ईएम के सिद्धांतों तथा ईएम अवलोकन के लिए जैविक नमूनों के प्रसंसाधन पर अनुदेश दिए गए।

प्रदत्त व्याख्यान
टी.सी. नाग : 4 — सुभाष सी. यादव : 1

अनुसंधान
वित्तपोषित परियोजनाएं
जारी

1. भारतीय जनसंख्या में गठिया रोगियों में टीएच 17 कोशिकाओं (टी हेल्पर) की भूमिका का अध्ययन करने के लिए। टी. के. दास (डॉ. ए. शरीफ द्वारा चलाया जाता है)। आईसीएमआर। 3 वर्ष. 2015–18, 40 लाख रुपए।
2. वेरिएबल फोटोपेरियोइटस के प्रकटन के पश्चात नियोनेटल चिक रेटीना में मोर्फोलोजिकल एवं बायोकेमिकल परिवर्तन। डॉ. टी. सी. नाग। एसईआरबी। 3 वर्ष. 2013–16. 33.6 लाख रुपए।
3. आयु बढ़ने के साथ और प्रयोगात्मक लोहे अधिभार में चूहा रेटिना में लोहे विनियामक प्रोटीन की अभिव्यक्ति पैटर्न। डॉ. टी. सी. नाग, सीएसआईआर. 3 वर्ष. 2015 – 17. 22.8 लाख रुपए।
4. सामान्य उम्र बढ़ने के साथ मानव कोरॉइडल वाहिकाओं की अल्ट्रास्ट्रक्चरल और इम्यूनोहिस्टोकेमिकल विश्लेषण, डॉ. टी. सी. नाग। आईसीएमआर। 3 वर्ष। 2015–2018, 21.4 लाख रुपए।

पूर्ण

1. प्रकाश प्रेरित रेटिनल क्षति के एक चूहा मॉडल में हिस्टोन एसीटेल ट्रांसफिरेज तथा एसआईआरटी1. डॉ. टी. सी. नाग, एम्स, 2 वर्ष. 2013–15. 7.5 लाख रुपए।
2. प्रेरित नेफ्रोटोक्सिटी मार्कर की पहचान और मूल्यांकन : फ्लोरोसिस का जल्दी पता लगाने के लिए नैदानिक उपकरण। स्वर्गीय डॉ. टी. के. दास. एम्स, 2 वर्ष, 2014–2016, 10 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं
जारी

1. चूहे के मस्तिष्क में मिडिल सेरीब्रल धमनी अवरोधन मॉडल द्वारा इस्केमिया–रिपरफ्यूज़न अभिघात में ऑटोफेगी एवं एपोप्टोसिस के बीच सह–संबंध।
2. चूहे के मिडिल सेरीब्रल धमनी अवरोधन में एंजियोटेनसिन रिसेप्टर मॉड्यूलेशन का प्रभाव : एक मोर्फोलॉजिकल और बायोकैमिकल का अध्ययन।
3. वेरिएबल फोटोपेरियोइटस के प्रकटन के पश्चात नियोनेटल चिक रेटीना में मोर्फोलोजिकल एवं बायोकेमिकल परिवर्तन।
4. आयु बढ़ने के साथ और प्रयोगात्मक लोहे अधिभार में चूहा रेटिना में लोहे विनियामक प्रोटीन की अभिव्यक्ति पैटर्न।
5. पोस्ट–हैच चिक रेटिना में प्रकाश–प्रेरित ऑक्सीडेटिव तनाव और एण्डोजिनस न्यूरोप्रोटेक्टिव मैकेनिज्म।

पूर्ण

1. स्विस अल्बिनो चूहों पर प्रकाश प्रेरित रेटिना क्षति में सिरट्यून 1 की भूमिका।

सहयोगात्मक परियोजनाएं
पूर्ण

1. विभिन्न जैव फिल्म सामग्री के लिए विभिन्न जीवाणुओं की बायोफिल्म गठन की जीवाणु पालन और प्रवृत्ति का अध्ययन करना। (आर्थोपेडिक्स)

प्रकाशन
पत्रिकाएं : 12 सार : 1

विशेष प्रयोगशाला सुविधाएं
वर्ष के दौरान, अनुसंधान एवं रोगी उपचार हेतु विशेष प्रयोगशाला सुविधाएं निम्नानुसार प्रदान की गई :–

क्र. सं.	सुविधाएं	उपभोक्ता सं.		विश्लेषित नमूने	
		बाहरी	आंतरिक	बाहरी	आंतरिक
1.	ट्रांसमिशन इलेक्ट्रॉन सूक्ष्मदर्शी	324	269	1903	1698
2.	स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप	5	20	26	98

पुरस्कार एवं सम्मान तथा महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रोफेसर टी. सी. नाग, इंट जे देव न्यूरोस्की और इंडियन जे मेड रेस से पांडुलिपियों की समीक्षा की।

11.7 छात्रावास अनुभाग

अधीक्षक
एस. के. खंडेलवाल

उप अधीक्षक

के. के. दीपक	एस. दत्ता गुप्ता	नीरजा भटला
एस. के. मौलिक	तनुज दादा	राकेश कुमार
राज कुमार यादव	विजय शर्मा	के. एच. रीता
पार्थ हल्दर	कपिल यादव	कमलेश कुमारी शर्मा

प्रशासन अधिकारी (छात्रावास)
केशव. के. गिरिधारी

लेखा अधिकारी
त्रिलोक चंद

भण्डार अधिकारी
नरेन्द्र

वार्डेन्स
श्रीमती रमणी थॉमस (छात्रावास) | श्री मोहन शर्मा

उप वार्डन
सीमा प्रूथि | सतप्रकाश कालिया | सुचिता कुमारी

सहायक वार्डन
सुखपाल मलिक | रानी वर्गीज | तृप्ता शर्मा

जूनियर वार्डन
बाबू लाल मीणा | दिनेश देसाई | निर्मला
राजेश रावत | सुनील देवी

एम्स में लगभग 1360 (लगभग) सिंगल/डबल कमरे तथा विवाहितों के लिए 145 आवास तथा नर्सिंग छात्रों/स्टाफ नर्सों के लिए 406 आवासों की क्षमता सहित रेजीडेंट्स हेतु विभिन्न छात्रावास हैं। यह आवास विभिन्न छात्रावासों एवं मुख्य कैम्पस के आवासों, मस्जिद मोठ, आयुर्विज्ञान नगर, एफ. टी. ए. छात्रावास एवं जेपीएनएटीसी छात्रावास (राज नगर) में फैले हुए हैं।

मौजूदा छात्रावासों की सूची और कुल संख्या

क्र.सं.	छात्रावास का नाम	एकल	दो/तीन/चार/पांच/छः/आठ सीटर	अतिथि कक्ष	कुल संख्या
पुरुष छात्रावास					
1	छात्रावास सं. 1 (चरक)	62	3x2=6	शून्य	68
2	(जीवक) छात्रावास सं. 2	55	2x2=4	1	60
3	(सुश्रुत) छात्रावास सं. 3	70	6x2=12	1	83
4	(माधव) छात्रावास सं. 4	52	7x2=14	शून्य	66
5	(नागार्जुन) छात्रावास सं. 5	52	5x2=10	शून्य	62
6	(वागभट्ट) छात्रावास सं. 6	69	6x2=12	शून्य	81
7	(अश्विनी) छात्रावास सं. 7	108		1	109
8	(भारद्वाज) छात्रावास सं. 8	108		1	109
9	एम.एम.आर.डी.एच (शिवालिक छात्रावास)	154		शून्य	154
10	जे.पी.एन.ए.टी.सी	57		शून्य	57
11	आरपीसी–1 (धनवंतरी छात्रावास)	72		शून्य	72
			कुल		921
महिला छात्रावास					
12	(सरस्वती) छात्रावास सं. 9	62	16+2+0+1(32+6+5)	1	106
13	(पार्वती) छात्रावास सं. 10	107	3+0+1+0+0+1(6+4+8)	1	126
14	(मंदाकिनी) छात्रावास सं. 11	24	3+1+2+0(6+3+8)	शून्य	41
15	आर.पी.सी–2 (लक्ष्मी)	20	13+1+0+0+1(26+3+6)	1	56
16	एम.एम.आर.डी.एच–2 (गोदावरी)		54x2=108	2	110
			कुल		439
नए नर्सिंग छात्रावास					
17	एन.एन.एच/एम.एम (कावेरी)	160	76+14+4+0+0(152+42+16)	2	372
	स्टाफ नर्स	34			34
			कुल		406
विवाहितों हेतु क्वार्टर					
18	एफ–टाइप	17	शून्य	शून्य	17
19	एम.एम.आर.डी.एच (शिवालिक)	42	शून्य	शून्य	42
20	ए. वी. नगर टाइप 3	80	शून्य	शून्य	80
21	जे.पी.एन.ए.टी.सी	6	शून्य	शून्य	6
			कुल		145
			महायोग		1911

महत्वपूर्ण कार्यक्रम

1. फरवरी 2016 में सीनियर रेजिडेंट, जूनियर रेजिडेंट, पीएचडी के लिए एक नया महिला छात्रावास, एम.एम.आर.डी.एच संख्या 2 (गोदावरी) को शुरू किया गया।
2. महिला छात्रावास सं. 10 में एक नई कॉफी शॉप का निर्माण किया गया था।
3. चार कमरे आधुनिक सुविधाओं के साथ छात्रावास सं. 7 में पुनर्निर्मित किए गए।
4. पुरुष छात्रावास संख्या 1 से 8 में न्यू आर. ओ. संयंत्र स्थापित किए गए थे।
5. छात्रावास सं. 8 में एक नया अतिथि कमरा बनाया गया था।
6. ए. वी. नगर में नवीनीकृत टाइप 3, छात्रावास विवाहित आवास कमरा नं. 101 और 241
7. मस्जिद मोठ के नर्स छात्रावास की सभी बालकनियां ग्रिल के साथ कवर हो रही है। (कार्य पहले से ही शुरू कर दिया गया है)।
8. एक नई जिमखाना सुविधा जे.पी.एन.ए.टी.सी छात्रावास में की गयी है।
9. जे.पी.एन.ए.टी.सी छात्रावास में मैस रसोई पुनर्निर्मित की गई।
10. पुरुष छात्रावास परिसर में एक नव पुनर्निर्मित नाई की दुकान शुरू की गई थी।

भविष्य की योजनाएं

1. नए छात्रावासों में छात्रों, रेजीडेंट डॉक्टरों और पीएचडी छात्रों की पूरी तरह स्वीकृत संख्या के लिए रहने की आधुनिक सुविधाएं प्रदान करने हेतु विस्तार / निर्माण।
2. पुरुष छात्रावास सं 7 और 8 के सभी कमरों का नवीनीकरण
3. रेजीडेंट डॉक्टर छात्रावास, मस्जिद मोठ में एक नया सुरक्षा बूथ बनाया जा रहा है।
4. रेजीडेंट डॉक्टर हॉस्टल, मस्जिद मोठ के सभी आम शौचालय का नवीकरण
5. ए वी नगर में टाइप 3 के छात्रावास विवाहित आवास का नवीकरण
6. मस्जिद मोठ डॉक्टर छात्रावास सं. 2, नए महिला छात्रावास में आर. ओ. संयंत्र की स्थापना,
7. नए महिला छात्रावासों, मस्जिद मोठ डॉक्टरों के छात्रावास नंबर 2 में आम शौचालय, आगंतुकों का कमरा, रिसेप्शन और चारदीवारी का निर्माण।
8. नए नर्स छात्रावास, मस्जिद मोठ में दो अतिथि कमरों का नवीकरण।
9. मॉड्यूलर किचन के साथ एक आधुनिक मेस के रूप में छात्रावास सं. 8 भूतल मेस का नवीकरण।
10. महिला छात्रावास में एक नए ब्यूटी पार्लर का प्रस्ताव।

11.8 नीति विषयक समिति

संस्थान की नीति विषयक समिति की बैठकों की संख्या निम्नानुसार थी :

- संस्थान की नीति विषयक समिति : 12
- मूलभूत और नैदानिक विज्ञान के लिए स्नातकोत्तर अनुसंधान हेतु संस्थान की नीति विषयक समिति : 12

संस्थान की नीति विषयक समिति द्वारा समीक्षा की गई परियोजनाओं की संख्या निम्नानुसार थी :

- नए परियोजना प्रस्ताव : 489
- पुरानी परियोजनाएं : 132

बुनियादी और नैदानिक विज्ञान के लिए स्नातकोत्तर अनुसंधान के लिए संस्थान की नीति विषयक समिति द्वारा समीक्षा की गई परियोजनाओं की संख्या निम्नानुसार थी :

- नए शोध : 645
- समीक्षा शोध : 409
- पुराने शोध : 47

इसके अतिरिक्त, संस्थान की नीति विषयक समिति द्वारा गंभीर प्रतिकूल प्रतिक्रियाएं, गंभीर प्रतिकूल घटनाओं, छमाही प्रगति रिपोर्ट एवं पूर्णता रिपोर्ट आदि की अधिसूचनाएं प्राप्त करना जारी रहा।

संस्थान की नीति विषयक समिति की मानक प्रचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) को आवश्यकतानुसार संशोधित किया गया और उन्हें एम्स वेबसाइट पर उपलब्ध कराया गया।

महत्वपूर्ण उपलब्धियां
संस्थान की नीति विषयक समिति और बुनियादी और नैदानिक सेवा के लिए स्नातकोत्तर अनुसंधान के लिए संस्थान की नीति विषयक समिति को भारतीय औषधि नियंत्रक तथा फेडरल वाइड एश्योरेंस (एफडब्ल्यूए) के साथ पंजीकृत किया गया।

11.9 के. एल. विग आयुर्विज्ञान शिक्षा एवं प्रौद्योगिकी केंद्र (सीएमईटी)

प्रमुख
ओ. पी. खरबन्दा

प्रभारी आचार्य
के. के. दीपक
(बुनियादी विज्ञान के लिए)

रीता सूद
(चिकित्सा और संबद्ध विषयों के लिए)

अनुराग श्रीवास्तव
(शल्य चिकित्सा विषयों हेतु)

शिक्षा मीडिया पत्रकार
योगेश कुमार

प्रबंधक (एच आर डी)
सौरव सरकार

व्याख्याता, अंग्रेजी एवं सम्प्रेषण, कौशल

सुश्री सरस्वती (1 सितंबर 2015 तक) सुश्री इला (21 दिसंबर 2015 से)

विशिष्टताएं
एम्स संकाय के लिए

- चार माइक्रोटीचिंग सत्र आयोजित, फरवरी से मार्च 2016 के दौरान; 32 प्रतिभागियों ने सत्र में भाग लिया।

- मेडिकल, नर्सिंग और दंत चिकित्सा संकाय के लिए मेडिकल और स्वास्थ्य पेशेवर शिक्षा में बुनियादी पाठ्यक्रम की सहायता से अध्यापन की विधि में उनके कौशल उन्नत बनाना और मेडिकल शिक्षा की और इनकी समझ बढ़ाना, कार्यक्रम में विभिन्न विषयों के 27 संकाय सदस्यों ने हिस्सा लिया।

रेजीडेंट और संकाय के लिए

- इसके अलावा रेजीडेंट और संकाय दोनों के लिए उनके सूचना पुनः प्राप्ति, ग्रंथ सूची प्रबंधन, एमएस वर्ड में वैज्ञानिक लेखन के लिए प्रबंधन उपकरण, प्रभावी प्रस्तुतीकरण, पावर पॉइंट में एनीमेशन और मेडिकल फोटोग्राफी में कुशलता बढ़ाने के लिए 11 प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किए गए।

कर्मचारी विकास गतिविधि

- वित्त प्रभाग के कर्मचारियों के लिए प्रोद्भवन लेखांकन पर कार्यक्रम प्रशिक्षण।

- प्रशासनिक मामलों पर प्रशिक्षण इस वित्तीय वर्ष के दौरान पांच बैचों में आयोजित किया गया।

- पूरे सचिवीय कैडर को प्रशिक्षण हेतु इस वर्ष के दौरान सात बैचों में आयोजित किया गया।

- कंप्यूटर कौशल पर डेटा एंट्री ऑपरेटरों के प्रशिक्षण को दो बैचों में आयोजित किया गया।

एम्स के संकाय, रेजीडेंट और स्टाफ द्वारा अग्रिम रूप से 6 माह का एक कैलेंडर (सीएमईटी) प्रशिक्षण कैलेंडर बांटा गया, जिसके परिणाम स्वरूप प्रतिभागियों की बेहतर संख्या आई। वर्ष के दौरान सीएमईटी द्वारा कुल 44 कार्यशालाओं का आयोजन कराया गया, सीएमईटी ने 'संस्थान दिवस प्रदर्शनी – 2015' के आयोजन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

शिक्षा
सी एम ई / कार्यशालाएं / संगोष्ठियां / राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

आयोजित 44 कार्यशालाओं का विवरण नीचे दिया गया है :

क्र. सं.	कार्यशाला का विषय	लक्ष्य समूह	दिनांक
1.	एक वैज्ञानिक शोधपत्र लेखन	संकाय	10 से 11 अप्रैल 2015
2.	ओएससीई और ओएसपीई	संकाय	6 मई 2015
3.	स्वास्थ्य और अनुसंधान में जैवनैतिकता	रेजीडेंट	14 से 15 मई 2015
4.	बिब्लियोग्राफी प्रबंधन	रेजीडेंट और स्वास्थ्य पेशेवर	25 जुलाई 2015
5.	नैदानिक परीक्षा या परीक्षण विश्वसनीयता का संकल्पना और मापन	संकाय	12 अगस्त 2015
6.	एक शोध पत्र लेखन	रेजीडेंट	17 से 18 अगस्त 2015
7.	प्रभावी प्रतिक्रिया देना	संकाय	20 अगस्त 2015
8.	एमएस वर्ड में वैज्ञानिक लेखन के लिए प्रबंधन उपकरण	रेजीडेंट और स्वास्थ्य पेशेवर	22 अगस्त 2015
9.	परीक्षा की वैधता की संकल्पना एवं मापन	संकाय	8 अक्तूबर 2015
10.	डिजाइनिंग प्रभावी प्रस्तुतीकरण	रेजीडेंट और स्वास्थ्य पेशेवर	10 अक्तूबर 2015
11.	योग्यता आधारित पाठ्यक्रम	संकाय	12 अक्तूबर 2015
12.	चिकित्सा में संचार कौशल	रेजीडेंट	30 अक्तूबर 2015
13.	चिकित्सा स्कूलों में आकलन के पूर्वाभास वैधता	संकाय	19 नवंबर 2015
14.	मेडिकल फोटोग्राफी का परिचय	रेजीडेंट और स्वास्थ्य पेशेवर	5 दिसंबर 2015
15.	स्वास्थ्य विज्ञान और बिब्लियोग्राफी प्रबंधन में सूचना पुनर्प्राप्ति	रेजीडेंट और स्वास्थ्य पेशेवर	19 जनवरी 2016

16.	मेडिकल छात्रों को शिक्षित करने के लिए एक मानवीय डॉक्टर बनना	रेजीडेंट और स्वास्थ्य पेशेवर	29 जनवरी 2016
17.	सूक्ष्म अध्यापन	संकाय में शामिल नए व्यक्ति	3 फरवरी 2016
18.	एमएस वर्ड में वैज्ञानिक लेखन के लिए प्रबंधन उपकरण	रेजीडेंट और स्वास्थ्य पेशेवर	9 फरवरी 2016
19.	सूक्ष्म अध्यापन	संकाय में शामिल नए व्यक्ति	12 फरवरी 2016
20.	डिजाइनिंग प्रभावी प्रस्तुति	रेजीडेंट और स्वास्थ्य पेशेवर	16 फरवरी 2016
21.	विज्ञान के साथ आधारित योग मन, चिकित्सा एवं ध्यान–साक्ष्य	रेजीडेंट और स्वास्थ्य पेशेवर	18 फरवरी 2016
22.	स्वास्थ्य विज्ञान और बिब्लियोग्राफी प्रबंधन में सूचना पुनर्प्राप्ति	रेजीडेंट और स्वास्थ्य पेशेवर	23 फरवरी 2016
23.	सूक्ष्म अध्यापन	संकाय में शामिल नए व्यक्ति	26 फरवरी 2016
24.	एमएस वर्ड में वैज्ञानिक लेखन के लिए प्रबंधन उपकरण	रेजीडेंट और स्वास्थ्य पेशेवर	8 मार्च 2016
25.	डिजाइनिंग प्रभावी प्रस्तुति	रेजीडेंट और स्वास्थ्य पेशेवर	15 मार्च 2016
26.	सूक्ष्मशिक्षण	संकाय में शामिल नए व्यक्ति	17 मार्च 2016
27.	एक शोध पत्र लेखन	राष्ट्रीय संकाय	26 से 27 मार्च 2016
28.	पावर पॉइंट में एनीमेशन	रेजीडेंट और स्वास्थ्य पेशेवर	29 मार्च 2016
29.	शिक्षा के क्षेत्र में आधारभूत पाठयक्रम	संकाय	30 मार्च से 1 अप्रैल 2016
30	प्रोद्भवन लेखन पर प्रशिक्षण 31 प्रतिभागी	वित्त प्रभाग के कर्मचारी	1 से 12 मई 2015
31-35	प्रशासनिक मामलों पर प्रशिक्षण (5 बैच) प्रतिभागियों की संख्या = 129	प्रशासनिक संवर्ग के कर्मचारी	18 मई 2015 से 4 मार्च 2016
36-42 43-44	एक प्रभावी सचिव के स्टाफ किया जा रहा (7 बैच) प्रतिभागियों की संख्या = 146 कार्यालय प्रशासन में आईटी उपकरण के उपयोग (2 बैच) प्रतिभागियों की संख्या = 50	सचिवीय संवर्ग के कर्मचारी डीईओ संवर्ग के कर्मचारी	21 जुलाई 2015 से 19 फरवरी 2016 23 नवंबर 2015 से 11 फरवरी 2016

सुविधा विस्तार

- सी.एम.ई.टी द्वारा एम्स के विभिन विभागों को कार्यशाला / सी.एम.ई के आयोजन के लिए रसद की सहायता प्रदान की गई। सी.एम.ई.टी सुविधा वर्ष के दौरान 174 दिनों के लिए बुक की गई थी।
- सीएमईटी द्वारा ऑडियो – विजुअल तथा कंप्यूटर सुविधाओं सहित अन्य विभागों को सीएमईटी / गतिविधि के

आयोजन के लिए जगह, तकनीकी समर्थन प्रदान किया गया।

- सीएमईटी ने नर्सिंग महाविद्यालय एम्स के लिए प्रायोगिक सत्र (24 दिन) के लिए भी उक्त सुविधा प्रदान की गई।

प्रदर्शनियों का आयोजन

सीएमईटी ने 60 वें संस्थान दिवस की प्रदर्शनी का आयोजन 24 से 26 सितम्बर 2015 के आयोजन में एक प्रमुख भूमिका निभाई।

- विषय वस्तु ''साफ रहें – स्वस्थ रहें'
- लोगो के डिजाइन और टैग लाइन प्रतियोगिता 2015 का आयोजन किया गया। इसमें 8 प्रविष्टियां प्राप्त हुई और 3 प्रतिभागियों (पहले, दूसरे और तीसरे) स्थान पर उन्हें संस्थान के संस्थापना दिवस की प्रदर्शनी 2015 में सम्मानित किया गया।
- 40 से अधिक विभागों ने प्रदर्शनी में भाग लिया।
- इसमें कुल प्राप्त पोस्टर / प्रदर्श की संख्या लगभग 240 थी जिसमें 12 अंतः क्रियात्मक सत्र और वीडियो प्रस्तुतीकरण तथा लघु नाटिकाएं थी।
- माननीय स्वास्थ्य मंत्री ने 24 सितंबर 2015 को सुबह 11 बजे प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

सी एम ई ,राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

प्रदत्त व्याख्यान

के. के. दीपक

1. ओएससीई और ओएसपीई, 6 मई 2015, सीएमईटी

रीता सूद

1. लर्निंग कार्यस्थल आधारित मूल्यांकन का आकलन, 8 अप्रैल 2015, सीएमईटी
2. प्रभावी प्रतिक्रिया देना, 20 अगस्त 2015, सीएमईटी
3. चिकित्सा शिक्षा में आधारभूत पाठयक्रम, 4 – 6 नवंबर 2015, सीएमईटी

अनुराग श्रीवास्तव

1. ओएससीई और ओएसपीई, 6 मई 2015, सीएमईटी

योगेश कुमार

2. बिब्लियोग्राफी प्रबंधन, 25 जुलाई 2015, सीएमईटी
3. एमएस वर्ड में वैज्ञानिक लेखन के लिए उपकरण, 22 अगस्त 2015, सीएमईटी
4. डिजाइनिंग प्रभावी प्रस्तुतीकरण, 10 अक्तूबर 2015, सीएमईटी
5. मेडिकल फोटोग्राफी का परिचय, 5 दिसंबर 2015, सीएमईटी
6. स्वास्थ्य विज्ञान और बिब्लियोग्राफी प्रबंधन में सूचना पुनर्प्राप्ति, 19 जनवरी 2016, सीएमईटी
7. एमएस वर्ड में वैज्ञानिक लेखन के लिए उपकरण, 9 फरवरी 2016, सीएमईटी
8. डिजाइनिंग प्रभावी प्रस्तुतीकरण, 16 फरवरी 2016, सीएमईटी
9. स्वास्थ्य विज्ञान और बिब्लियोग्राफी प्रबंधन में सूचना पुनर्प्राप्ति, 23 फरवरी 2016, सीएमईटी
10. एमएस वर्ड में वैज्ञानिक लेखन के लिए उपकरण, 8 मार्च 2016, सीएमईटी
11. डिजाइनिंग प्रभावी प्रस्तुतीकरण, 15 मार्च 2016, सीएमईटी
12. पावर पॉइंट में एनीमेशन, 29 मार्च 2016, सीएमईटी
13. शैक्षिक प्रक्रिया के लिए प्रणाली दृष्टिकोण, 30 मार्च 2016, सीएमईटी
14. शिक्षा के क्षेत्र में मीडिया, 30 मार्च 2016, सीएमईटी
15. ई–लर्निंग, 31 मार्च 2016, सीएमईटी

मीडिया उत्पादन का विवरण

विवरण	कुल संख्या
क्लिनिकल फोटोग्राफी	21717
एक्स–रे स्कैन, सीटी एमआरआई नोर्मल स्कैन और स्लाइड स्कैन	10152
फोटोग्राफी कलर प्रिंट्स, इमेजिस और दस्तावेजों की स्कैनिंग	1331
कलर प्रिंटिंग (पोस्ट कार्ड साइज़)	1258
वीडियो रिकॉर्डिंग और संपादन	428 नौकरियां
बड़े प्रारूप के पोस्टरों को डिजाइन करना /प्रिंट करना	2916
कलर फोटोग्राफी ए3	2430
कलर फोटोग्राफी ए4	3691
प्रमाण पत्र	510

10 मीडिया और प्रोटोकॉल प्रभाग

अध्यक्ष
डॉ. नीरजा भाटला

प्रवक्ता
डॉ. अमित गुप्ता

सीनियर वार्डन
एस. पी. पांडे

मीडिया समन्वयक
राजीव मैखुरी

जेआरओ
सुशील कुमार बिश्वनाथ आचार्य

विशिष्टताएं

मीडिया और प्रोटोकॉल प्रभाग को जनता के साथ इंटरफेस प्रदान करने के लिए कार्य करना होता है, जो विभिन्न मीडिया एजेंसियों और संस्थान के साथ मीडिया हाउस के साथ बातचीत, एक रोगी देखभाल, अनुसंधान और अन्य प्रशासनिक मुद्दों से संबंधित मामलों पर प्रेस सम्मेलन के आयोजन के माध्यम से किया जाता है। संकाय और अन्य स्टाफ के सदस्यों की विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से संस्थान की उपलब्धियों का प्रचार नियमित रूप से किया जाता है। एम्स का दौरा करने वाले अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडलों के साथ समन्वय प्रभाग का अन्य प्रमुख कार्य है। यह प्रभाग विभिन्न स्तरों पर विभिन्न युवा आदान–प्रदान कार्यक्रम के तहत संस्थान का दौरा करने वाले छात्रों की अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय टीमों के अध्ययन दौरे के लिए सहायता भी प्रदान करता है। प्रभाग सार्वजनिक व्याख्यान का आयोजन करता है और इस नियमित प्रथा के लिए व्यापक प्रचार–प्रसार करने पर इसे उत्कृष्ट प्रतिक्रिया मिली है। मीडिया और प्रोटोकॉल प्रभाग ने संस्थान के डायमंड जुबली समारोह की प्रदर्शनी और सार्वजनिक व्याख्यान श्रृंखला कार्यक्रम के संपादित वीडियो में भाग लिया। विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर जनता की जागरूकता के लिए ये फिर से चलाए जा रहे थे। कई बार देश के अंदर से और विभिन्न दूतावासों के मामले विशेष स्वास्थ्य देखभाल की जरूरत के साथ एम्स में भेजे जाते हैं। प्रभाग संबंधित विभाग द्वारा समन्वय और उनके उपचार की सुविधा प्रदान करता है। इन मामलों के प्रबंधन मीडिया और प्रोटोकॉल प्रभाग द्वारा किए गए और शीघ्र और प्रभावी कदम उठाए गए थे।

सार्वजनिक व्याख्यान श्रृंखला कार्यक्रम

निम्नलिखित अनुसूची के अनुसार और प्रेस सम्मेलनों से संबंधित संकाय सदस्यों के साथ प्रत्येक व्याख्यान से पहले सार्वजनिक व्याख्यान आयोजित किए गए।

क्र. सं.	दिनांक	सार्वजनिक व्याख्यान	समन्वयक विभाग	सहयोगी विभाग
1.	01.04.2015	टीबी नियंत्रण – हम एक साथ कर सकते हैं	चिकित्सा	शल्य चिकित्सा, बाल चिकित्सा, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान
2.	30.04.2015	आत्मकेंद्रित जागरूकता : उन्हें मेनस्ट्रीम में लाना	बाल चिकित्सा	शल्य चिकित्सा, बाल चिकित्सा एवं स्त्री रोग विज्ञान
3.	15.05.2015	रेटिनोब्लास्टोमा (नेत्र कैंसर) : जिंदगी बचाएं, दृष्टि बचाएं	डॉ. आर. पी. केंद्र नेत्र विज्ञान	बाल चिकित्सा, शल्य चिकित्सा, रेडियोथैरेपी
4.	27.05.2015	खुशी से रहें, कई स्केलेरोसिस के साथ स्वतंत्र रहें	तंत्रिका विज्ञान	शल्य चिकित्सा, मूत्र विज्ञान
5.	30.05.2015	तंबाकू छोड़ें, स्वास्थ्य चुनें	मनोचिकित्सा और एनडीडीटीसी	सीडीईआर, ईएनटी, हृदय रोग विज्ञान, आईआरसीएच, पीएमएसडी, सीओएन
6.	24.07.2015	सिर और गर्दन कैंसर : बढ़ी हुई समस्या और इसके समाधान	ईएनटी	रेडियोथैरेपी, एनडीडीटीसी, चिकित्सा कैंसर विज्ञान, मूत्र विज्ञान, एमओएचएफडब्ल्यू
7.	28.07.2015	हेपेटाइटिस : कारण, उपचार और रोकथाम	गैस्ट्रोइंटेरोलॉजी	
8.	27.8.2015	शाइज़ोफ्रेनिया	मनोचिकित्सा	
9.	23.09.2015	डेंगू बुखार	चिकित्सा	आपातकालीन चिकित्सा, बाल चिकित्सा, सूक्ष्म जीव विज्ञान, समुदाय केंद्र चिकित्सा, रक्ताधान
10.	08.10.2015	अंधेपन की रोकथाम	डॉ. आर. पी. केंद्र नेत्र विज्ञान	
11.	09.10.2015	मास मीडिया और मानसिक बीमारी	मनोचिकित्सा	
12.	30.10.2015	सिर पर चोट के साथ जीवन : रोकथाम और उपचार	तंत्रिका शल्य चिकित्सा	पीएमआर, तंत्रिका विज्ञान, आपातकालीन चिकित्सा, नैदानिक तंत्रिका मनोविज्ञान
13.	17.11.2015	एंटीबायोटिक दवाओं के तर्कसंगत उपयोग को प्रोत्साहित करना	प्रयोगशाला चिकित्सा (टी. सी.)	शल्य चिकित्सा, बाल चिकित्सा, सूक्ष्म जीव विज्ञान, आईसीएमआर
14.	02.12.2015	बच्चों में मिर्गी : चुनौतियां और समाधान	बाल चिकित्सा	शल्य चिकित्सा, तंत्रिका विज्ञान, तंत्रिका शल्य चिकित्सा

15.	22.12.2015	वायु प्रदूषण : आपके स्वास्थ्य की रक्षा कैसे करें	पल्मोनरी मेडिसिन और नींद विकार	शल्य चिकित्सा, बाल चिकित्सा, हृदय रोग विज्ञान, नेत्र विज्ञान, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान
16.	28.01.2016	बचपन का मोटापा : बढ़ती चुनौती – निहितार्थ और रोकथाम	बाल चिकित्सा	शल्य चिकित्सा, शरीर क्रिया विज्ञान, मनोविज्ञान और डायटेटिक्स
17.	18.02.2016	बचपन में कैंसर के उपचार से परे : जीवित लोगों की जिंदगी में सुधार	बाल चिकित्सा	शल्य चिकित्सा, मनोरोग रेडियोथैरेपी, बाल शल्य चिकित्सा, नेत्र विज्ञान
18.	09.03.2016	दीर्घकालिक वृक्क रोग : चुनौती और समाधान	नेफ्रोलॉजी	बाल चिकित्सा, शल्य चिकित्सा
19.	17.03.2016	टीबी नियंत्रण : टीबी को समाप्त करने के लिए एकजुट हो जाएं	चिकित्सा	शून्य
20.	23.03.2016	आप अपने घुटने के जोड़ों के दर्द से कैसे बचें : रोकथाम और उपचार	ऑर्थोपेडिक्स	बाल चिकित्सा, शल्य चिकित्सा, एनीस्थीसियोलॉजी, चिकित्सा, अस्थि रोग विज्ञान

प्रेस सम्मेलन

इसके अलावा अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान की विभिन्न उपलब्धियों पर प्रकाश डालने के लिए सार्वजनिक व्याख्यान के लिए पहले से प्रेस सम्मेलन आयोजित किए गए।

एम्स में नई सुविधाओं/सेवाओं का उद्घाटन

क्र. सं.	दिनांक	विषय
1.	07.04.2015	चिरकारी स्थिति के नियंत्रण के लिए केंद्र का शुभारंभ
2.	14.07.2015	काया–कल्प का पर्दा उठाने वाला : स्वच्छ और हरित एम्स
3.	06.08.2015	निदेशक अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान की अगुवाई के तहत 7 एम्स वन कॉन्सेप्ट डिजिटल इंडिया, डॉ. एम. सी. मिश्रा और डॉ. दीपक अग्रवाल अध्यक्ष कंप्यूटरीकरण, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
4.	18.08.2015 – 21.08.2015	राष्ट्रीय मौखिक स्वास्थ्य कार्यक्रम और डब्ल्यूएचओ के कार्यान्वयन के लिए राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र की वेबसाइट का शुभारंभ।
5.	27.08.2015	भारत और दक्षिणी – पूर्वी – एशिया, एम्स के लिए उत्कृष्टता केंद्र का शुभारंभ।
6.	15.11.2015	कैंसर दवाओं के लिए एचएलएल लाइफ केयर फार्मेसी का उदघाटन।
7.	12.12.2015	एमओएचएफडब्ल्यू और एचसीएम द्वारा झज्जर में राष्ट्रीय कैंसर संस्थान का भूमि पूजन।

8.	17.12.2015	विश्राम सदनों और रैन बसेरों का निरीक्षण
9.	25.12.2015	टीसीएस' एम्स ओपीडी ट्रांसफॉर्मेशन
10.	22.02.2016	एम्स ट्रॉमा सेंटर का विस्तार

कठिन स्थितियों के नए शल्य चिकित्सा तकनीकी / प्रबंधन

1.	13.03.2015	9वां सर्जिकल वीक एंडोसर्ज 2015
2.	09.09.2015	गर्भाशय रक्ताधान के 1000 से अधिक मामलों और कई अन्य भ्रूण चिकित्सीय प्रक्रियाओं की सफलता की कहानी
3.	01.10.2015	हृदय विफलता, इसकी जटिलताएं, प्रबंधन, नए उपचार, रोकथाम, उपचार, आदि।
4.	13.11.2015	गर्भावधि मधुमेह के इतिहास वाली महिलाओं में टाइप 2 मधुमेह की रोकथाम का विकास
5.	22.02.2016	वीईईजी के लिए प्रतीक्षा समय की कमी

महत्वपूर्ण नए अनुसंधान

1.	20.05.2015	डॉ. मंजरी त्रिपाठी के तहत एम्स, तंत्रिका विज्ञान विभाग द्वारा मिर्गी और व्यवहार अध्ययन/अनुसंधान का संचालन
2.	29.06.2015	हृदय विज्ञान के अभ्यास की पत्रिका के पहले अंक का शुभारंभ।
3.	29.06.2015	भारत में तीव्र डिकम्पंसेटिड हृदय विफलता की महामारी विज्ञान और कार्डियोमायोपैथी का महामारी विज्ञान – द ईपीओसीएच–डी अध्ययन भी प्रकाशित
4.	15.10.2015	'स्पेस्फिक लर्निंग डिस्ऑर्डर (एसएलडी) – इंडियन सिनेरियो' पर पुस्तक का विमोचन
5.	16.11.2015	एनडीटीवी गंगा का एक्स फैक्टर – क्या गंगा का पानी शुद्ध है इसका पता लगाने के लिए वैज्ञानिक
6.	03.12.2015	इंडियन सोसायटी ऑफ स्लीप रिसर्च (आईएसएसआर) – डॉ. मंजरी त्रिपाठी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में आयोजित राष्ट्रीय / अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन / संगोष्ठी/ कार्यशाला / कांग्रेस / प्री–कांग्रेस / संगोष्ठी का कवरेज

क्र. सं.	दिनांक	विषय
1.	13.04.2015	मानसिक स्वास्थ्य पर संगोष्ठी : जेंडर, युवा और सामाजिक न्याय
2.	19.06.2015	अंतरराष्ट्रीय योग दिवस
3.	21.07.2015	विश्व मस्तिष्क दिवस

4.	31.07.2015	डॉ. एस. के. आचार्य विभागाध्यक्ष और आचार्य गेस्ट्रोइंटेरोलॉजी, एम्स की अगुवाई के तहत साउथ एशिया लिवर एसोसिएशन
5.	08.09.2015	30 वें राष्ट्रीय नेत्र दान पखवाड़े की मीडिया कवरेज
6.	25.09.2015	60 वां संस्थान दिवस – डायमंड जुबली सेलिब्रेशन
7.	14.10.2015	11 वें ओआरबीओ दिवस पर वीडियो कॉन्फ्रेंस
8.	15.10.2015 – 16.10.2015	ट्रॉमा केयर और नर्सिंग पर ईएएस गोलमेज सम्मेलन
9.	18.10.2015	43 वां वार्षिक दीक्षांत समारोह, एम्स
10.	23.10.2015	5 वां एम्स वार्षिक मेरुदंड शल्य चिकित्सा कार्यशाला
11.	14.11.2015	मेडिकल राइटर्स बैठक – 2015
12.	19.11.2015 – 20.11.2015	पहला एम्स – फ्रेंच पब्लिक हेल्थ एंड मेडिकल इनोवेशन फोरम
13.	24.11.2015	दिल्ली पुलिस के अधिकारियों के लिए आयोजित सम्मान कार्यक्रम
14.	27.11.2015 – 28.11.2015	एनडीटीवी और हिटाची कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन ग्रुप द्वारा वीडियो शूट
15.	16.12.2015 – 18.12.2015	सार्क राष्ट्रीय कार्यशाला – मीडिया कवरेज
16.	21.12.2015	एनबीसीसी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर समारोह
17.	8.01. 2016 . 10.01.2016	अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान दर्द अभ्यास और क्षेत्रीय संज्ञाहरण सम्मेलन, (एपीपीआरए–2016)
18.	15.01.2016	आईआईसी मानसिक स्वास्थ्य चर्चा
19.	14.01.2016 – 17.01.2016	एम्स पीयूएलएमओसीआरआईटी – 2016 : पल्मोनरी, महत्वपूर्ण देखभाल और निद्रा चिकित्सा और एम्स में अद्यतन – चेस्ट अल्ट्रासाउंड कार्यशाला
20.	03.02.2016	भारत में हृदय देखभाल पर प्रलेखन
21.	1.03.2016	कैंसर में अनुवाद अनुसंधान पर पहला भारत–अमेरिका संयुक्त सम्मेलन
22.	6.03.2016	पहला विश्व लिम्फेडेमा दिवस
23.	15.03.2016	एम्स के स्वामी विवेकानंद योग और अनुसंधान संस्थान के साथ शैक्षिक सहयोग पर समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर
24.	10.03.2016	49 वां आर. पी. सेंटर स्थापना दिवस 2016 और प्रेस मीटिंग की व्यवस्था

अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल

प्रभाग द्वारा नीचे दर्शाए गए कई अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडलों के दौरों को सुकर बनाया गया।

क्र. सं.	दिनांक	संस्था / देश
1.	12.08.2015–13.08.2015	इंडोनेशिया से प्रतिनिधिमंडलों का दौरा
2.	08.03.2016–17.03.2016	हैदराबाद – एम. एससी नर्सिंग छात्रों का दौरा
3.	17.03.2016	कज़ान राज्य चिकित्सा विश्वविद्यालय, रूस
4.	18.03.2016	श्री. ए. के. गायन, एमओएच और क्यूएल, मॉरीशस

महत्वपूर्ण उपलब्धियां

1. एम्स वार्षिक दिवस प्रदर्शनी में भाग लिया। आगंतुकों के जागरूकता के लिए तीन दिनों से फिर से सार्वजनिक व्याख्यान संपादित वीडियो चलाई गई।

12. प्रकाशन

पत्रिकाएं

1. अब्दुलकादर आर एस, गोस्वामी के, राय एस के, मिश्रा पी, कांत एस. एचआईवी–रिस्क बिहेवियर अमंग द मेल माइग्रेंट फैक्टरी वर्क्रर्स इन ए नॉर्थ इंडियन सिटी. *इंडियन जे कम्युनिटी मेड* 2015; 40(2) : 108–15.
2. अभिषेक के, जैन एस, खड़गावत आर. ए केस ऑफ फाइब्रोडायस्प्लासिया ओसिफिकेंस प्रोग्रेसिवा : 20 ईयर्स ऑफ फॉलो–अप. *न्यूरो इंडिया* 2016;64: 354–6.
3. आबीद सी के, जैन एस, जैकरे आर, चट्टोपाध्याय एस, सिंह एच. फॉर्मुलेशन एंड कैरेक्टराइजेशन ऑफ एंटीमाइक्रोबायल क्वार्टनरी एमोनियम डेंड्रिमर इन पॉली (मिथाइल मेथेकेरिलेट) बोन सीमेंट. *जे बायोमेड मेटर रेस बी एप्पल बायोमेटर* 2015 नवंबर 19. डीओआई : 10.1002/जेबीएम.बी.33553.
4. अब्राहम आर ए, कपिल यू, अग्रवाल एस के, पाण्डे आर एम, शर्मा एम, रामकृष्णन एल. मेजरमेंट ऑफ क्रिएटेनिन फ्रॉम डेरिएड ब्लड स्पॉट बाय एंजाइमेटिक मेथड. *इंट जे एडव रेस केम साइं* 2015;2: 42–6.
5. आचार्य एस, गोयल ए, भल्ला ए एस, शर्मा आर, सेठ ए, गुप्ता ए के. इन विवो कैरेक्टराइजेशन ऑफ यूरिनरी कैलकुली ऑन ड्यूल – एनर्जी सी टी : गोइंग ए स्टेप अहैड विद् सब – डिफरेंशिएशन ऑफ कैल्शियम स्टोंस. *एक्टा रेडियल* 2015; 56 (7) : 881–9.
6. आचार्य एस के, पॉल एस बी. एडिटोरियल : हिपेटोसेलुलर कार्सिनेमा – ए रेयर कॉम्प्लीकेशन ऑफ हेपेटिक वेनस आउटफ्लो ट्रैक्ट ऑब्स्ट्रक्शन – ऑथर्स रिप्लाइ. *एलिमेंट फर्माकोल थेर* 2015; 41 (11): 1213–4.
7. आचरा ए, नरसेरिया पी, लोधा आर, काबरा एस के, कपिल ए. प्रोकेलसिटोनिन इन पीडियाट्रिक इनटेंसिव केयर यूनिट ऑफ ए टर्शरी केयर हॉस्पिटल. *क्लिन एपिडेमियोल ग्लोब हेल्थ* 2016;4: 80–2.
8. आचरा ए, विस्पुते टी, पाण्डे पी, सीनु वी, सिंह यू बी. मायकोबैक्टीरियम फॉरट्यूटम कॉम्प्लीकेटिंग ब्रेस्ट प्रोस्थेटिक इम्प्लांट. *क्लिन एपिडेमियोल ग्लोबल हेल्थ* 2016. मुद्रण से पहले ई–प्रकाशन.
9. आफताब एस, बैद्य डी के, मैत्रा एस. न्यू ओनसेट फ्रीक्वेंट वेंट्रिकुलर इक्टोपिक इन ए ह्यूमन इम्यूनोडेफिशियंसी वायरस इंफेक्टिड वूमेन आफ्टर अनइवेंटफुल सिज़ेरियन सेक्शन अंडर स्पाइनल एनीस्थिसिया। *जे क्लिन एनेस्थ* 2015; 27 (3) : 274–5.
10. अग्रवाल ए, शर्मा एस के, सिन्हा एस, रागेश आर, मेमोन एस, गुप्ता एस डी, *एट ऑल.* प्राइमरी सर्जंस सिंड्रोम प्रेजेंटिंग एज़ फ्लेकसिड क्वाड्रिपेरेसिस. *जे एसोस फिजिशियन इंडिया* 2015;63: 60[illegible]3.
11. अग्रवाल बी. पाण्डे एस, भुटिया ओ, रॉयचौधरी ए. यूज़ ऑफ थर्मोप्लास्टिसाइस्ड नेसल स्प्लिंट इन नेसो–ओर्बिटोएथेमोयड फ्रेक्चर्स : ए टेक्निकल नोट. *बीआर जे ओरल मैक्सिलोफैक सर्ज* 2016;54(1): ई3–4.
12. अग्रवाल बी. पाण्डे एस, रॉयचौधरी ए. न्यू टेक्निक फॉर क्लोजर ऑफ एन ओरोएंट्रल फिस्टुला यूजिंग प्लेटलेट–रिच फाइब्रिन. *बीआर जे ओरल मैक्सिलोफेक सर्ज* 2016;54(2): ई31–2.
13. अग्रवाल के के, मुखर्जी ए, शर्मा पी, बाल सी, कुमार आर. इंक्रीमेंटल वैल्यू ऑफ 99एमटीसी–एमडीपी हाइब्रिड एसपीईसीटी/सीटी ओवर प्लैनर सिंटीग्राफी एंड एसपीईसीटी इन एवेसुलर नेक्रोसिस ऑफ द फेमोरल हेड. *न्यूक्लि मेड कम्युन* 2015;36: 1055–62.
14. अग्रवाल के के, रॉय एस जी, कुमार आर. ड्यूरेटिक 18 एफ – फ्लोरोडियोक्सिग्लूकोज पीईटी/कंप्यूटिड टोमोग्राफी इन एवेल्यूएशन ऑफ जेनिटोयूरिनरी मेलिग्नेंसी. *पीईटी क्लिन* 2016;11: 39–46.

15. अग्रवाल के के, सेठ आर, बेहरा ए, जाना एम, कुमार आर. 18 एफ– फ्लोरोडियोक्सिग्लूकोज पीईटी/सीटी इन लैंग्रेहेंस सेल हिस्टियोसायटोसिस : स्पेक्ट्रम ऑफ मेनिफेस्टेशंस. *जेपीएन जे रेडियोल* 2016;34(4): 267–76.

16. अग्रवाल एम बी, मल्होत्रा एच, चक्रबर्ती पी, वर्मा एन, मैथ्यूस वी, भट्टाचार्य जे, *एट ऑल।* मायेलोप्रोलिफरेटिव न्यूप्लाज्मा वक्रिंग ग्रुप (एम पी एन – डब्ल्यू जी) कंसेंसस रेकमेंडेशंस फॉर डायग्नोसिस एण्ड मैनेजमेंट ऑफ प्राइमरी मायेलोफाइब्रोसिस, पॉलीसिथेमिया वीरा एण्ड एसेंशियल थ्रोम्बोसायथेमिया. *इंडियन जे मेड पीडियाट्र ऑंकोल* 2015; 36 (1) : 3–16.

17. अग्रवाल एन, गुप्ता एम, कृपलानी ए, भाटला एन, सिंह एन. कम्पैरिज़न ऑफ कम्बाइंड हार्मोनल वेजाइनल रिंग विद अल्ट्रालो–डोज़ कम्बाइंड ओरल कॉन्ट्रासेप्टिव पिल्स इन द मेनेजमेंट ऑफ हेवी मेंस्ट्रुअल ब्लीडिंग : ए पायलट स्टडी. *जे ऑबस्टेट गाइनेकॉल* 2016;36: 71–5.

18. अग्रवाल एन, गुप्ता एम, सिंह एन, कछावा जी, कृपलानी ए. सक्सेसफुल मेनेजमेंट ऑफ प्रेग्नेंसी इन अनकरेक्टिड टेट्रालॉजी ऑफ फैलोट विद पल्मोनरी एट्रेसिया. *जे ऑबस्टेट गाइनेकॉल इंडिया* 2015;65: 417–9.

19. अग्रवाल एन, सिंह एस, कृपलानी ए, भाटला एन, सिंह एन, सेफ्टी एण्ड एफिकेसी ऑफ गाबापेंटिन इन मैनेजमेंट ऑफ सायकोसोमेटिक एण्ड सेक्सुअल सिम्प्टम्स इन पोस्टमेनोपौजल वूमेन : ए पायलट स्टडी. *जे मिडलाइफ हेल्थ* 2015; 6: 10–5.

20. अग्रवाल पी, कौल बी, शुक्ला जी, श्रीवास्तव ए, सिंह एम बी, गोयल वी, *एट ऑल.* लेटेरेलाइजिंग वैल्यू ऑफ यूनिलेटरल रिलेटिव इक्टल इमोबिलिटी इन पेशेंट्स विद रिफ्रैक्टरी फोकल सीजर्स –– लुकिंग बीयोंड यूनिलेटरल ऑटोमेटिज्म्स. *सीजर* 2015;33: 66–71.

21. अग्रवाल आर, धूरिया एस, अग्रवाल ए एन, माथुर वी एन, सहगल आई एस, मुथू वी, *एट ऑल.* गाइडलाइंस फॉर डायग्नोसिस एण्ड मैनेजमेंट ऑफ ब्रोंकियल अस्थमा : जॉइंट रेकमेंडेशंस ऑफ नेशनल कॉलेज ऑफ चेस्ट फिजिशियंस (इंडिया) एंड इंडियन चेस्ट सोसायटी. *इंडियन जे चेस्ट डिस एलाइड साइं* 2015;57 स्पेक नं : 5–52

22. अग्रवाल आर, धूरिया एस, अग्रवाल ए एन, मटुरू वी एन, सहगल आई एस, मुथु वी, *एट ऑल.* गाइडलाइंस फॉर डायग्नोसिस एण्ड मैनेजमेंट ऑफ ब्रोंकियल अस्थमा : जॉइंट आई सी एस / एन सीसीपी (1) रेकमेंडेशंस। *लंग इंडिया* 2015; 32 : एस3–42.

23. अग्रवाल एस, गहलोत जी पी, भाटला ए, बख्शी एस. स्मॉल सेल ऑस्टियोसार्कोमा ऑफ द पेरिएटल रीजन : ए यूनिक केस एट एन अनयूजवल साइट. *बीएमजे केस रिप* 2015:2015.

24. अग्रवाल एस, जॉर्ज जे, पधान आर के, वेदिराजा पी के, बेहरा एस, हसन ए, *एट ऑल.* रिडक्शन इन मोर्टेलिटी इन सीवियर एक्युट पैंक्रियाटाइटिस : ए टाइम ट्रेंड एनालायसिस ओवर 16 ईयर्स. *पैंक्रिएटोलॉजी* 2016; 16(2): 194–9.

25. अग्रवाल एस, कुमार टी, शर्मा एम सी, दामले एन ए, गांधी ए के. पैराथाइरॉयड कार्सिनोमा विद कॉन्ट्रालेटर सबक्युटेनियस एंड ब्रेस्ट रिकरेंसिस : ए रेयर प्रेजेंटेशन. *हेड नेक* 2016;38: ई115–8.

26. अग्रवाल एस, सूरी वी, शर्मा एम सी, सरकार सी. थेरेपी एंड प्रोग्रेशन – इंड्यूज्ड ओ6–मिथाइलगुआनिन – डीएनए मिथाइलट्रांसफेरेस एंड मिसमैच रिपेयर अल्टरेशंस इन रिकरंट ग्लियोब्लास्टोमा मल्टीफॉर्म. *इंडियन जे कैंसर* 2015;52(4): 568–73.

27. अग्रवाल एस के, गुप्ता एस डी. लिवर बायोप्सी इन पेशेंट्स ऑन हिमोडायलेसिस विद हिपेटाइटिस सी वायरस इंफेक्शन : एन इम्पोर्टेंट टूल. इंडियन जे नेफ्रोल 2015;25:152?7 .

28. अग्रवाल एस के, सिंह यू बी, जैदी एस एच, गुप्ता एस, पाण्डे आर एम. कम्पैरिज़न ऑफ इंटरफेरोन गामा रिलीज़ एस्से एंड ट्यूबरकुलीन स्किन टेस्ट्स फॉर डायग्नोसिस ऑफ लेटेंट ट्यूबरकुलोसिस इन पेशेंट्स मेंटेनेंस हीमोडायलिसिस. *इंडियन जे मेड रेस* 2015;141: 463–8.

29. अग्रवाल टी, बांदीवेडेकर पी, सत्पथी जी, शर्मा एन, टिटियाल जे एस. डिटेक्शन ऑफ फंगल हाइफे यूजिंग स्मार्टफोन एण्ड पॉकेट मैग्निफायर गोइंग सेलुलर. *कॉर्निया* 2015; 34 :355–7.
30. अग्रवाल टी, बांदीवेडेकर पी, शर्मा एन, सागर पी, टिटियाल जे एस. स्ट्यूरेलेस एंटीरियर लेम्लर केराटोप्लास्टी विद फैकोइम्युल्सिफिकेशन. कॉर्निया 2015;34(6): 615–20.
31. अग्रवाल टी, गुप्ता एस, शर्मा एन, खोखर एस, झांजी वी. एयर–एस्सिटिड इम्प्लांटेशन ऑफ एंटीरियर चैंबर इंट्राऑक्युलर लेंस. आइ कॉन्टैक्ट लेंस 2015;41(3): 164–6.
32. अग्रवाल एस, गहलोत जी, भल्ला ए एस, बख्शी एस. स्मॉल सेल ऑस्टियोसार्कोमा ऑफ पेरिटल रीजन : ए यूनिक केस एट एन अनुयूज़वल साइट. *बीएमजे केस रिप* 2015; 2015.
33. अग्रवाल सी, चौहान एस, कुमार ए, यादव एस सी, हसीजा एस, दास एस एन, एट ऑल. कम्पैरिज़न ऑफ इंट्राऑपरेटिव अल्ट्राफिल्ट्रेशन वर्सेस मोडिफाइड अल्ट्राफिल्ट्रेशन यूजिंग पीडी फ्लुड इन पेशेंट्स विद क्रोनिक रीनल फेलियर अंडरगोइंग सीएबीजी ऑन सीपीबी. *इंडियन जे एक्स्ट्राकोपोरियल टेक्नॉल* 2015; (24): 30–5.
34. अग्रवाल पी, जमशेद एन, एक्का एम, इमरान ए. सुसाइडल पॉइसनिंग विद साइपरमिथ्रीन : ए क्लीनिकल डिलेमा इन द इमरजेंसी डिपार्टमेंट. *जे इर्मेज ट्रॉमा शॉक* 2015;8: 123–5.
35. अग्रवाल आर, गोगटे एन, कुमार आर, साहनी पी. द रिवाइज्ड गाइडलाइंस ऑफ द मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया फॉर एकेडमिक प्रोमोशंस : नीड फॉर ए रिथिंक. *नेटल मेड इंडिया* 2016;29: 1–5. (पब्लिशड सिमुलटेनियसली इन *जे एनीस्थिसियोल क्लिन फर्माकोल 2016;32: 1–4; जे फैमिली मेड प्राइम केयर 2015;4: 483–6; इंडियन जे एनीस्थिसियोल 2016;60: 1–5; इंडियन जे गैस्ट्रोइंटेरोल 2016;35: 3–6; इंडियन पीडियाट्रि 2016;53: 23–6; जे आयुर्वेद इंटेग्रे मेड 2016;7: 3–5; इंडियन जे पैथोल माइक्रोबायोल 2016;59: 2–5; इंडियन जे यूरोल 2016;32: 1–4; इंडियन जे मेड एथिक्स 2016;1: 2–5; इंडियन जे फर्माकोल 2016;48: 111–3; इंडियन जे मेड माइक्रोबायोल 2016;34: 131–4; जे कंसर्व डेंट 2016;19: 1–4; जे पोस्टग्रेड मेड 2016;62: 69–72.)*
36. अग्रवाल एस, दास एस एन. गारसिनोल इंहेबिट्स ट्यूमर सेल प्रोलिफेरेशन, एंजियोजेनेसिस, सेल साइकिल प्रोग्रेशन एंड इंड्यूसेज़ एपॉपटोसिस वाया एनएफ–कापा बी इंहेबिशन इन ओरल कैंसर. ट्यूमर बायोल 2015; डीओआई : 10.1007/एस 13277–015–4583–8.
37. अग्रवाल एस, दास एस एन. टीडीजी शॉज़ एंटीट्यूमर एक्टिविटी बाय बीटा–जीबीपी एंड ट्रेग इंहेबिशन इन ओरल स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा. ओरल डिस 2016; मार्च 23. डीओआई : 10.1111 / ओडीआई. 12479.
38. अग्रवाल एस, प्रनीत के, राठौड़ वाय, वरण वी, सिंह पी. लेपेरोस्कोपिक मेनेजमेंट ऑफ मेश एरोशन इनटू स्मॉल बाउल एंड यूरिनरी ब्लैडर फॉलोइंग टोटल एक्स्ट्रा–पेरिटोनियल रिपेयर ऑफ इंगुनल हर्निया. जे मिनिम एक्सेस सर्ज 2016;12(1): 79–82.
39. अग्रवाल एस, शर्मा ए पी, कुमार आर, आनंद एस. टोटली रोबोटिक रॉक्स–एन–वाय गैस्ट्रिक बायपास : टेक्नीक. इंडियन जे सर्ज 2015;77(2): 164–6.
40. अग्रवाल डी, अहमद एस, खान एस, गुप्ता डी, सिन्हा एस, सत्यार्थी जी डी. आउटकम इन 2068 पेशेंट्स ऑफ हेड इंजरी : एक्सपीरियंस एट ए लेवल 1 ट्रॉमा सेंटर इन इंडिया. एशियन जे न्यूरोसर्ज. 2016; 11:143–5.
41. अग्रवाल डी, कुरवले एन, शर्मा बी एस. ल्यूकोसाइटोसिस आफ्टर रूटिन क्रेनियल सर्जरी : ए पोटेंशियल मारकर फॉर ब्रेन डैमेज इन इंट्राक्रेनियल सर्जरी. एशियन जे न्यूरोसर्ज. 2016; 11:109–13.

42. अग्रवाल डी, सैनी आर, सिंह पी के, सिन्हा एस, गुप्ता डी के, सत्यार्थी जी डी, मिश्रा एम सी. बेडसाइड कम्प्यूटिड टोमोग्राफी इन ट्रॉमेटिक ब्रेन इंजरी : एक्सपीरियंस ऑफ 10,000 कंसेक्युटिव केसिस इन न्यूरोसर्जरी एट ए लेवल 1 ट्रॉमा सेंटर इन इंडिया. न्यूरोल इंडिया. 2016; 64:62–5.

43. अग्रवाल डी, सिंह पी के, सिन्हा एस, गुप्ता डी के, सत्यार्थी जी डी, मिश्रा एम सी. रिमेनिंग अनकॉनशेंस : द बर्डन ऑफ ट्रॉमेटिक ब्रेन इंजरीज़ इन इंडिया. जे न्यूरोसाइं रूरल प्रैक्ट. 2015; 6: 520–2.

44. अग्रवाल डी, सिन्हा टी पी, भोई एस. असेस्मेंट ऑफ अल्ट्रासाउंड एज़ ए डायग्नोस्टिक मोडेलिटी फॉर डिटेक्टिंग पोटेंशियली अनस्टेबल सरवाइकल स्पाइन फ्रैक्चर्स इन पीडियाट्रिक सीवियर ट्रॉमेटिक ब्रेन इंजरी : ए फीजिबिलिटी स्टडी. जे पीडियाट्रि न्यूरोसाइंस. 2015; 10:119–22.

45. अहिरवार ए के, जैन ए, सिंह ए, गोस्वामी बी, भटनागर एम के, भट्टाचार्जी जे. द स्टडी ऑफ माक्रर्स ऑफ एंडोथिलियल डिस्फंक्शन इन मेटाबोलिक सिंड्रोम. *हॉर्मो मॉल बायोल क्लिन इंवेस्टीगे* 2015;24:131–6.

46. अहमद ए, भटनागर एस, खुराना डी, जोशी एस, थुल्कर एस. अल्ट्रासांउड–गाइडिड रेडियोफ्रिक्वेंसी ट्रीटमेंट ऑफ इंटरकॉस्टल नर्वस फॉर द प्रीवेंशन ऑफ इंसिडेंटल पेन एराइसिंग ड्यू टू रिब मेटास्टेसिस : ए प्रोस्पेक्टिव स्टडी. *एम जे हॉस- पैलिएट केयर* 2015.

47. अहमद एन एच, ब्रूर एस. डेंगू फीवर आउटब्रेक इन दिल्ली, नॉर्थ इंडिया : ए क्लिनिको–एपिडेमियोलॉजिकल स्टडी. *इंडियन जे कम्युनिटी मेड* 2015;40: 135–8.

48. अहमद एन एच, चौधरी ए. पैटर्न ऑफ को–इंफेक्शन बाय एंटेरिक पैथोजेनिक पैरासाइट्स अमंग एचआईवी सीरो–पॉजिटिव इंडिविजुअल्स इन ए टर्शरी केयर हॉस्पिटल, मुंबई, इंडिया. *इंडियन जे सेक्स ट्रांस्म डिज़* 2015;36: 40–7.

49. अहमद एन एच, हुसैन टी, बिस्वाल आई. एंटीमाइक्रोबायल रेजीस्टेंस ऑफ बैक्टीरियल आइसोलेट्स फ्रॉम रेस्पिरेटरी सेक्रेशंस ऑफ वेंटिलेटिड पेशेंट्स इन ए मल्टी–स्पेशियलिटी हॉस्पिटल. *एविसेना जे मेड* 2015;5: 74–8.

50. अहमद एन एच, कौशल्या आर, बरुआ एफ के, ग्रोवर आर के. एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस पैटर्न ऑफ यूरोपैथोजींस : एन एक्सपीरियंस फ्रॉम नॉर्थ इंडियन कैंसर पेशेंट्स. जे ग्लोब इंफेक्ट डिज. 2015;7(3): 113–115.

51. अहमद एन एच, रघुरामन के, बरुआ एफ के, ग्रोवर आर के. एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस पैटर्न ऑफ यूरोपैथोजींस : एन एक्सपीरियंस फ्रॉम नॉर्थ इंडियन कैंसर पेशेंट्स. *जे ग्लोब इंफेक्ट डिज.* 2015; 7: 113–5

52. आहुजा वी, सुबोध एस, टुटेजा ए, मिश्रा वी, गर्ग एस के, गुप्ता एन, *एट ऑल.* जीनोम–वाइड जीन एक्सप्रेशन एनालायसिस फॉर टार्गेट जींस टू डिफरेंटिएट पेशेंट्स विद इंटेस्टिनल ट्यूबरकुलोसिस एंड क्रोहंस डिजीज एंड डिस्क्रिमीनेटिव वैल्यू ऑफ एफओएक्सपी3 एमआरएनए एक्सप्रेशन. *गैस्ट्रोएंटेरोल रिप (ऑक्स)* 2016;4(1): 59–67.

53. आहुजा वी. इंवेंटरी ऑफ ए रिसर्वोइर : फ्रेंड्स एंड फोइस. इंडियन जे मेड रेस 2015;142(1): 4.

54. अख्तर एम जेड, राजेश्वरी एम आर. ट्रिप्लेक्स फॉर्मिंग ओलिगोन्युक्लियोटाइड्स टार्गेटिड टू एचएमजीए1 सिलेक्टिवली इंहेबिट इट्स एक्सप्रेशन एंड इंड्यूज़ एपॉपटोसिस इन ह्यूमन सरवाइकल कैंसर. *जे बायोमोल स्ट्रक्ट डायन* 2016;21: 1–15.

55. एकोरी ई, गुप्ता एन, बग्गा आर, ब्राउन एस, डेरी सी, काबरा एम, *एट ऑल.* लाइव बर्थस इन वूमन विद रिकरंट हाइडेटिफॉर्म मोल एंड टू एनएलआरपी7 म्यूटेशंस. *रिप्रोड बायोमेड ऑनलाइन* 2015; 31: 120–4.

56. आलम एम एस, चौधरी वी, जीशान एम, त्यागी आर के, राठौड़ एस, शर्मा वाय डी. इंटरेक्शन ऑफ प्लाज्मोडियम विवैक्स ट्राइप्टोफन–रिच एंटीजन पीवीटीआरएजी38 विद बैंड 3 ऑन ह्यूमन एरिथ्रोसाइट सर्फेस फेसिलिटेट्स पेरासाइट ग्रोथ. जे बायोल केम 2015;290(33):20257–72.

57. आलम एम एस, राठौड़ एस, त्यागी आर के, शर्मा वाई डी. होस्ट–पैरासाइट इंटरेक्शन : मल्टीपल साइट्स इन द प्लाज्मोडियम विवैक्स ट्रिप्टोफन–रिच एंटीजन पीवीटीआरएजी38 इंटरेक्ट विद द एरिथ्रोसाइट रिसेप्टर बैंड 3. एफईबीएस लेट. 2016;590(2):232–41.

58. अली एम के, भास्कर पिल्लई बी, शिवशंकर आर, मोहन डी, फातमी जेड ए, प्रदीपा आर, *एट ऑल.* सोशियोइकोनॉमी स्टे्टस एंड कार्डियोवैस्कुलर रिस्क इन अर्बन साउथ एशिया : द सीएआरआरएस स्टडी. *यूर जे प्रीव कार्डियोल* 2016;23: 408–19.

59. अल्पर बी एस, मेलोन – मोसेस एम, मैकलैल्लन जे एस, प्रसाद के, मानहैमेर ई. ऑथर्स रिप्लाई टू वार्डलो एंड बर्ज. बीएमजे 2015; 350: एच1795.

60. अल्पर बी एस, मेलोन – मोसेस एम, प्रसाद के. इंटरवेंशन फॉर एक्यूट स्ट्रोक. जेएएमए 2015; 314: 625–6.

61. अमरचंद आर, कृष्णन ए, सरफ डी एस, माथुर पी, शुक्ला डी के, नाथ एल एम. लेशंस फॉर एडरेसिंग नॉन कम्युनिकेबल डिजीज़ विदइन ए प्राइमरी हेल्थ–केयरसिस्टम फ्रॉम द बल्लभगढ़ प्रोजेक्ट, इंडिया. *डब्ल्यूएचओ साउथ–ईस्ट एशिया जे पब्लिक हेल्थ* 2015; 4(2): 130–8.

62. अम्बेकर ए, राव आर, अग्रवाल ए, गोयल एस, मिश्रा ए, किशोर के, एट ऑल. पैटर्न ऑफ ड्रग यूज़ एण्ड एसोसिएटिड बिहेवियर्स अमंग फीमेल इंजेक्टिंग ड्रग यूजर्स फ्रॉम नॉर्थईस्ट इंडिया : ए मल्टी सेंट्रिक, क्रॉस – सेक्शनल, कम्पेरेटिव स्टडी. सबस्टेंस यूज़ मिसयूज 2015;50: 1332–40.

63. अम्बेकर ए, राव आर, मिश्रा ए के, अग्रवाल ए. टाइप ऑफ ओपिओइड इंजेक्टिड : डज़ इट मैटर? ए मल्टीसेंट्रिक क्रॉस – सेक्शनल स्टडी ऑफ पीपल हू इंजेक्ट ड्रग्स. ड्रग एल्कोहल रेव 2015; 34 : 97–104.

64. अम्बिले डी, नरेंद्र पी एल, थोरेट डी एस, अग्रवाल पी, खान एम ए. कम्पेरेटिव स्टडी ऑफ अल्कालाइड लिग्नोकेन, एडिशन ऑफ पोटेशियम क्लोराइड टू लिग्नोकेनिन एंड प्लेन लिग्नोकेनिन ऑन ओनसेट एंड ड्यूरेशन ऑफ ब्रेकियल प्लेक्सस ब्लॉक बाय सुपरक्लेविकुलर अप्रोच. *जर्नल ऑफ मेडिकल साइंसेज़ एंड क्लीनिकल रिसर्च* 2015;3(9): 7670–8.

65. आनंद एस, शिवशंकर आर, अली एम के, कोंडल डी, बीनूकुमार बी, मोंटेज़–रथ एम ई, *एट ऑल.* प्रीवेलेंस ऑफ क्रोनिक किडनी डिज़ीज इन टू मेजर इंडियन सिटीज़ एंड प्रोजेक्शंस फॉर एसोसिएटिड कार्डियोवैस्कुलर डिजीज़. *किडनी इंट* 2015;88: 178–85.

66. आनंद एस, यादव सी, मुखोपाध्याय जे, कुमार एन, कुमार ए. फाइब्रोडास्प्लासिया ओसिफिकेंस प्रोग्रेसिवा; ए रेयर केस रिपोर्ट एंड रिव्यू ऑफ लिटरेचर. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ऑर्थोपेडिक्स साइंसेज* 2015;1(3): 9–13.

67. अंद्राबी वाय, पैटिनो एम, दास सी जे, आइजनर बी, साहनी डी वी, कम्बडेकोन ए. एडवांसेस इन सीटी इमेजिंग फॉर यूरोलिथियासिस. *इंडियन जे यूरोल* 2015;31(3): 185–93.

68. एंड्रूज पी जे, सिंक्लेयर एच एल, रोड्रिगेज़ ए, हेरिस बी ए, बेटिसन सी जी, रोड्स जे के, मुर्रे जी डी; यूरोथर्म 3235 ट्रायल कोलेबोरेटर्स. हाइपोथर्मिया फॉर इंट्राक्रेनियल हाइपरटेंशन आफ्टर ट्रॉमेटिक ब्रेन इंजरी. एन इंग्लै. जे मेड. 2015 दिसंबर 17; 373(25):2403–12. डीओआई : 10.1056/एनईजेएमओए1507581. ईपब 2015 अक्तूबर 7.

69. अंजलि जी, कौर एस, लाकरा आर, तनेजा जे, कलसे जी एस, नागेंद्र ए, *एट ऑल.* एफएसएच स्टिमुलेट्स आईआरएस–2 एक्सप्रेशन इन ह्यूमन ग्रेनुलोसा सेल्स थ्रू सीएएमपी/एसपी1, एन इन

ऑपेरिटव एफएसएच एक्शन इन पीसीओएस पेशेंट्स. *सेल सिग्नल* 2015;27(12): 2452–66.
70. अनु बी, गर्ग एच, सागर एस, रंजन पी, सिंघल एम. मंजा इंजरी : ए डेंजरस मेकेनिज्म ऑफ सर्वाइकल इंजरी. जे सर्ज रेस स्कॉलर्स जे मेड केस रिपोर्ट्स मार्च 2015; 3(1): 60–3.
71. अनु बी, गुप्ता ए, शर्मा पी, रंजन पी, कुमार ए. ब्लंट ट्रॉमेटिक सुपीरियर ग्लूटियल आटर्री सूडोएन्युरिज्म प्रेजेंटिंग एज़ ग्लूटियल हेमेटोमा विदआउट बोनी इंजरी : ए रेयर केस रिपोर्ट. चाइनीज़ जर्नल ऑफ ट्रॉमेटोलॉजी. http://dx.doi.org/10.1016/j.cjtee.2015.11.018
72. अनु बी, कुमार एम, सिंघल एम, रंजन पी, सागर एस. प्रेशर अल्सर सर्विलांस इन न्यूरोट्रॉमा पेशेंट्स एट लेवल 1 ट्रॉमा सेंटर इन इंडिया. ओमान मेडिकल जर्नल. नवंबर 2015; 30(6): 441–6.
73. अनु बी, रतन ए, रंजन पी, सिंघल एम, गुप्ता ए, कुमार एस, एट ऑल. आर फॉल्स मोर कॉमन दैन रोड ट्रैफिक एक्सिडेंट्स इन पीडियाट्रिक ट्रॉमा? एक्सपीरियंस फ्रॉम ए लेवल 1 ट्रॉमा सेंटर इन नई दिल्ली, इंडिया. चीन जे ट्रॉमेटोलॉजी (अंग्रेजी संस्करण) 19(2). दिसम्बर 2015. डीओआई :10.1016/जे.सीजेटीईई. 2015.10.004.
74. अनु बी, विशाल के, सुषमा एस, सुबोध के, अमित जी (2015) लार्ज एक्स्ट्राप्लियूरल हीमेटोमा : ए रेयर डिलेयड प्रेजेंटेशन आफ्टर ब्लंट थोरेसिस ट्रॉमा. जे ट्रॉमा ट्रीट 4 : 241. डीओआई :10. 4172/2167–1222.1000241.
75. अंसारी एम टी, गौतम डी, कोतवाल पीपी. मदर्स फिबुला इन सन्स फोरआर्म : यूज़ ऑफ मेटरनल बोन ग्राफ्टिंग फॉर एन्यूरिज़्म बोन सिस्ट नॉट अमेंएबल टू क्यूरटेज–ए केस रिपोर्ट विद रिव्यू ऑफ लिटरेचर. *एसआईसीओटी जे* 2016;2: 18.
76. अनुपा जी, भट एम ए, श्रीवास्तव ए के, शर्मा जे बी, मेहता एन, पाटिल ए, *एट ऑल.* केटियोनिक एंटीमाइक्रोबायल पेप्टाइड, मेगेनिन डाउन–रेगुलेट्स सेक्रेशन ऑफ प्रो–इंफ्लेमेटरी साइटोकाइनेज़ बाय अर्ली प्लेसेंटल साइटोट्रोफोब्लास्ट्स. *रिप्रोड बायोल एंडोक्राइनोल* 2015;13: 121.
77. अरावा एस, बागमर एस, जैन पी, कुमारन एम, कुमार एस, रे आर. प्राइमरी इंट्राकार्डियक मेलिग्नेंट पेरिफेरल नर्व शीथ ट्यूमर : ए रेयर केस रिपोर्ट. *इंडियन जे पैथोल माइक्रोबायोल* 2015;58(4): 531–3.
78. अरावा एस, ब्रेटा एम, मदान के, नाथ डी, मेहता एस, जैन डी. स्क्लेरोजिंग लिपोसार्कोमा ऑफ द एंटीरियर मीडियास्टेनम : एन अनयूजवल केस. *इंडियन जे पैथोल माइक्रोबायोल* 2016;59: 69–71.
79. अरविंदन ए, सुब्रह्मण्यम आर, बैद्य डी के. रिलाइबिलिटी एण्ड इंटरप्रीटेशन ऑफ पल्मोनरी फंक्शन टेस्ट्स वेन मोर्बिड ओबेसिटी कम्बाइन्स विद् क्रोनिक ऑब्स्ट्रेक्टिव पल्मोनरी डिजीज एण्ड न्यूरोमस्कुलर वीकनेस. *जे क्लिन एनीस्थ* 2015 जून 27(4):369–70.
80. अर्चना एस, नॉन्गकायरिह बी, आनंद के, पांडव सी एस. फेसिबिलिटी एंड वेलिडिटी ऑफ यूजिंग डब्ल्यूएचओ एडोल्सेंट जॉब एड एल्गोरिदम बाय हेल्थ वर्क्स फॉर रिप्रोडक्टिव मोर्बिडिटाइटिस अमंग एडोलसेंट गर्ल्स इन रूरल नॉर्थ इंडिया. *बीएमसी हेल्थ सर्व रेस* 2015;15: 400.
81. अर्चना एस, नॉन्गकायरिह बी, कृष्णन ए, पांडव सी एस. अवेयरनेस अबाउट रिप्रोडक्टिव ट्रैक्ट इंफेक्शंस अमंग रूरल एडोलेसेंट गर्ल्स इन हरियाणा. *इंडि जे यूथ एडोल हेल्थ* 2015; 2(1 और 2): 3–7.
82. अरोड़ा ए, रॉयचौधरी ए, भुटिया ओ, पाण्डे एस, सिंह एस, दास बी के. एंटीबायोटिक्स इन थर्ड मोलर एक्सट्रैक्शन; आर दे रियली नेसेसरी : ए नॉन–इंफेरियोरिटी रेंडोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल. *नेटल जे मैक्सिलोफेक सर्ज* 2015;5(2): 166–71.
83. अरोड़ा एम के, बैद्य डी के. बुक रिव्यू : क्रिटिकल केयर मैनुअल ऑफ क्लिनिकल प्रोसिजर्स एंड कम्पेटेंसिस. *इंडियन जे मेड रेस* 2015;141(4): 498.

84. अरोड़ा पी, गुप्ता एस के, मलिक एन, मित्तल आर, शर्मा ओ डी, कुमार एल. फ्लो साइटोमेट्री इन डायग्नोसिस ऑफ मायलोमेटस प्लुरल एफ्युज़न : ए केस रिपोर्ट. *इंडियन जे हेमेटोल ब्लड ट्रांसफ्युज* 2016;32(1): 138–42.

85. अरोड़ा एस, छाबड़ा ए, सुब्रमण्यम आर, अरोड़ा एम के, मिश्रा एम सी, बंसल वी के. ट्रांसवर्सस एबडोमिनिज़ प्लेन ब्लॉक फॉर लेपेरोस्कोपिक इंग्युनल हर्निया रिपेयर : ए रेंडोमाइज्ड ट्रायल. जर्नल ऑफ क्लिनिकल एनीस्थिसिया 2016: 33; 357–364.

86. अरोड़ा एस, ढल वी एस, करुणानिधि एस, कुमार परिदा जी, शर्मा ए, शमीम एस ए. (99एम) टीसी–एमडीपी एसपीईसीटी/सीटी एज़ द वन–स्टॉप इमेजिंग मोडेलिटी फॉर द डायग्नोसिस ऑफ अर्ली सेटिंग ऑफ केनबॉक डिजीज. *रिव स्पे मेड न्युक्लि इमेजेन मॉल* 2015;34: 185–7.

87. अरोड़ा एस, ढल वी एस, मुखर्जी ए, तुलसयन एस, बेहरा ए, त्रिपाठी एम. मेटास्टेटिक सुपर स्कैन ऑन (99एम) टीसी–मिथाइलीन डिफोस्फोनेट बोन सिंटिग्राफी इन पीडियाट्रिक न्यूरोब्लास्टोमा. *इंडियन जे न्युक्लि मेड* 2015;30: 286–7.

88. अरोड़ा एस, सुंदरराजन आर, जोशी पी, कुमार आर, बाल सी. सोमेटोस्टेटिन रिसेप्टर एक्सप्रेसिंग बिलेटरल ओवरियन मेटास्टेसिस डिटेक्टिड बाय (68) जीए डीओटीएएनओसी पीईटी/सीटी. *क्लिन न्यूक्लि मेड* 2015;40: 496–8.

89. अरोड़ा टी, शर्मा एस, शर्मा एन, टिटियाल जे एस. बिलेटरल रिकरंट ओक्युलर सर्फेस स्क्वैमस सेल कैंसर एसोसिएटिड विद एपिडर्मोडायसप्लासियावेरूसिफॉर्मिस. बीएमजे केस रिप 2015;30: 2015.

90. अरोड़ा वी, बाली एस जे, गुप्ता एस के, वशिष्ट पी, अग्रवाल टी, श्रीनिवास वी, *एट ऑल.* इम्पैक्ट ऑफ इनिशियल टॉपिकल मेडिकल थेरेपी ऑन शॉर्ट–टर्म क्वालिटी ऑफ लाइफ इन न्यूली डायग्नोस्ड पेशेंट्स विद प्राइमरी ग्लोकोमा. *इंडियन जे ऑफ्थलमोल* 2015;63: 511–5.

91. असोथी आर, आनंद वी, दास डी, अंतिल पी एस, खंडपुर एस, शर्मा वी के, *एट ऑल.* डिस्टिंक्टिव ट्रेग एसोसिएटिड सीसीआर4–सीसीएल22 एक्सप्रेशन प्रोफाइल विद अल्टरेड फ्रीक्वेंसी ऑफ टीएच17/ट्रेग सेल इन द इम्युनोपैथोजेनेसिस ऑफ पेम्फिगस वुल्गेरिस. *इम्युनोबायोलॉजी* 2015;220: 1129–35.

92. आवले आर, माजी आर, छाबड़ा जी, चंद्रा डी, पती एच पी, मुखोपाध्याय ए के. हेयरी सेल ल्यूकेमिया विद अटिप्कल प्रेजेंटेशन. *जे ट्रांसलेशनल क्लिन केस रिप फैम फिजिशियन* 2016; 2 (1): 6–8.

93. बाबू ए, माधवन के, सिंघल एम, सागर एस, रंजन पी. प्रेशर अल्सर सर्विलांस इन न्यूरोट्रॉमा पेशेंट्स एट ए लेवल वन ट्रॉमा सेंटर इन इंडिया. ओमान मेड जे 2015;30(6): 441–6.

94. बाबू ए, पाण्डे एम के, गुप्ता ए, रंजन पी, सिंघल एम. पेरिग्राफ्ट सेरोमा प्रेजेंटिंग्स डिस्चार्जिंग सिनस एंड स्पॉन्टेनियस एक्सटेरियोजेशन ऑफ वैस्कुलर ग्राफ्ट – ए रेयर एंटिटी फॉलोइंग वैस्कुलर रिपयेर विद पीटीएफई ग्राफ्ट. जे क्लिन डायग्न रेस 2015;9(9):15–6.

95. बाबू ए, रतन ए, रंजन पी, कुमार एस, गुप्ता ए (2015) सायलोथोरैक्स ड्यू टू ब्लंट टोरसो ट्रॉमा : ए रेयर इटियोलॉजी. जे ट्रॉमा ट्रीट 4 : 243. डीओआई :10.4172/2167–1222.1000243

96. बाबू बी वी, कुसुमा वाय एस. यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज इन इंडिया : ए मूव विद होप एंड डिस्पेयर. *इंट जे मेड साइं पब्लिक हेल्थ* 2016;5(3): 384–7.

97. बागची एस, अग्रवाल एस, कलैवनी एम, भौमिक डी, सिंह जी, महाजन एस, *एट ऑल.* प्राइमरी एफएसजीएस इन नेफ्रोटिक एडल्ट्स : क्लिनिकल प्रोफाइल, रिस्पॉन्स टू इम्युनोसप्रेशन एंड आउटकम. *नेफ्रन* 2016;132: 81–5.

98. बागची एस, मित्तल पी, सिंह जी, अग्रवाल एस के, सिंह एल, भौमिक डी, *एट ऑल.* पैटर्न ऑफ बायोप्सी–प्रोवेन किडनी डिजीज इन द एल्डरली इन ए टर्शरी केयर हॉस्पिटल इन इंडिया : ए क्लिनिकोपैथोलॉजिकल स्टडी. *इंट यूरोल नेफ्रोल.* 2016;48(4): 553–60.

99. बागची एस, सिंह जी, यादव आर, कलैवनी एम, महाजन एस, भौमिक डी, *एट ऑल.* क्लिनिकल एंड

हिस्टोपैथोलॉजिक प्रोफाइल ऑफ पेशेंट्स विद प्राइमरी आईजीए नेफ्रोपैथी सीन इन ए टर्शरी हॉस्पिटल इन इंडिया. *रेन फेलिय* 2016;38: 431–6.

100. बग्गा ए, सिन्हा ए. ऑथर्स रिप्लाइ. *किडनी इंट* 2015;87: 1074.
101. बागड़ी एन के, बासु एस, कुमार ए. लोकलाइज्ड गिगेंटिज्म. *इंडियन पीडियाट्रि* 2015;52: 265.
102. बागड़ी एन के, जोश बी, शाह एस के, भुटिया टी डी, काबरा एस के, लोधा आर. इम्पैक्ट ऑफ मैलन्युट्रिशन ऑन द आउटकम ऑफ क्रिटिकली इल चिल्ड्रन. *इंडियन जे पीडियाट्रि* 2015;82: 601–5.
103. बागड़ी एन के, कुमार ए. वॉट इज़ आइडियल मेंटेनेंस इंट्रावेनस फ्लुड इन चिल्ड्रन? *इंडियन पीडियाट्रि* 2015; 5: 442.
104. बगुल पी के, डिंडा ए के, बनर्जी एस के. इफेक्ट ऑफ रिसवेराट्रॉल ऑन सरट्यूइंस एक्सप्रेशन एंड कार्डियक कॉम्प्लीकेशंस इन डायबिटीज़. *बायोकेम बायोफिजि रेस कम्युन* 2015;468: 221–7.
105. बहल ए, शर्मा ए, रैना वी, कुमार एल, बख्शी एस, गुप्ता आर, *एट ऑल.* लॉन्ग–टर्म आउटकम्स फॉर पेशेंट्स विद एक्यूट मायलोयड ल्यूकेमिया : ए सिंगल–सेंटर एक्सपीरियंस फ्रॉम एम्स, इंडिया. *एशिया पैस्फि जे क्लिन ओंकोल* 2015;11: 242–52.
106. बहर एन सी, मेरियस एस, कावस एम, वैन क्रेवल आर, विल्किनसन आर जे, त्यागी जे एस, *एट ऑल.* जीन एक्सपर्ट एमटीबी /रिफ टू डायग्नोस ट्यूबरकुलोस मेनिनिजाइटीज़ : परहैप्स द फर्स्ट टेस्ट बट नॉट द लास्ट. क्लिन इंफेक्ट डिस 2016;62(9):1133–5.
107. बैद्य ए, घोष ए, चोपड़ा एस, गर्ग ए, सूद एस, कपिल ए, *एट ऑल.* कंजेनाइटल साइफिलिस इन द इरा ऑफ डिक्रिसिंग सीरोप्रीवेलेंस. *इंडियन जे मेड माइक्रोबायोल* 2016;34: 111–2.
108. बैद्य ए, त्रिपाठी एम, पाण्डे पी, सिंह यू बी. मायकोबैक्टीरियम एबसेक्सस एज़ ए कॉज़ ऑफ क्रोनिक मेनिंजाइटिस : ए रेयर क्लिनिकल एंटिटी. *एम जे मेड साइं* 2016;351: 437–9.
109. बैद्य डी के, चंद्रलेखा, दारलोंग वी, पाण्डे आर, गोस्वामी डी, मैत्रा एस. कम्पेरेटिव सोनोएनाटॉमी ऑफ क्लासिक ''शॉर्ट एक्सिस'' प्रोब पोजिशन विद ए नोवल ''मेडियल–ओबलिक'' प्रोब पोजिशन फॉर अल्ट्रासाउंड–गाइडिड इंटरनल जुगलर वेन कैनुलेशन : ए क्रॉसओवर स्टडी. *जे इमर्ज मेड* 2015; 48(5): 590–6.
110. बैद्य डी के, मैत्रा एस, अरोड़ा एम के, अग्रवाल ए. क्वाड्रेटस लमबोरम ब्लॉक : एन इफेक्टिव मेथड ऑफ पेरिऑप्रेटिव एनेलजेसिया इन चिल्ड्रन अंडरगोइंग पायलोप्लास्टी. *जे क्लिन एनीस्थि* 2015; 27(8): 694–6.
111. बायली जी आर. एफिकेसी एंड सेफ्टी ऑफ फेरिक कार्बोक्सिमेल्टोज़ इन करेक्टिंग आयरन–डेफिशिएंसी एनिमिया : ए रिव्यू ऑफ रेंडोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल्स अक्रोस डिफरेंट इंडिकेशंस. *आर्जेंमिटेल्फोरहंग* 2010;60: 386–98.
112. बजाज एम एस, आंग्मो डी, पुष्कर एन, हाडा एम. इरेटम टू : मोडिफाइड टेक्नीक ऑफ लेवेरेटर प्लीकेशन फॉर द करेक्शन ऑफ मारकस गन जॉ–विंकिंग प्टोसिस : ए केस सीरीज़. इंट ऑफ्थलमोल 2015;35(4): 587–91.
113. बाजपेयी डी, बनर्जी ए, पाठक एस, ठाकुर बी, जैन एस के, सिंह एन. सिंगल न्युक्लियोटाइड पॉलीमॉर्फिज्म इन द डीएनए रिपेयर जींस इन एचपीवी–पोजिटिव सरवाइकल कैंसर. *यूर जे कैंसर प्रीव* 2016;25: 224–31.
114. बख्शी एस, बत्रा ए, बिस्वास बी, धवन डी, पॉल आर, श्रीनिवास वी. एप्रिपिटेंट एज़ एन एड–ऑन थेरेपी इन चिल्ड्रन रिसिविंग हाइली इमेटोजेनिक कीमोथेरेपी : ए रेंडोमाइज्ड, डबल–ब्लाइंड, प्लेसेबो–कंट्रोल्ड ट्रायल. *सपोर्ट केयर कैंसर* 2015;23: 3229–37.
115. बाल सी, अरोड़ा जी, कुमार पी, दामले एन, दास टी, चक्रबर्ती एस, *एट ऑल.* फर्माकोकाइनेटिक, डोसिमेट्री एंड टॉक्सिसिटी स्टडी ऑफ (1)(7)(7) एलयू – ईडीटीएमपी इन पेशेंट्स : फेज 0/आई

स्टडी. *करक्यु रेडियोफर्मा* 2016;9: 71–84.

116. बाल सी, बल्लाल एस, सुंदरराजन आर, चोपड़ा एस, गर्ग ए. रेडियोआयोडिन रिम्नेंट एब्लेशन इन लॉ–रिस्क डिफरेंटिएटिड थायरॉइड कैंसर पेशेंट्स हू हैड आर0 डिस्कशन इज़ एन ओवर ट्रीटमेंट. *कैंसर मेड* 2015;4: 1031–8.

117. बाल सी, बल्लाल एस. इज़ देयर एनी टू एसोसिएशन बिटवीन बीआरएएफ वी600ई म्युटेशन एंड रिकरैंस, पार्टिकुलरी इन लो– रिस्क, पैपिलरी थाइरॉयड कैंसर? *जे क्लिन ऑंकोल* 2015;33: 2481.

118. बाल सी एस, पाधी ए के. रेडियोआइयोडिन रिमेनेंट एब्लेशन : ए क्रिटिकल रिव्यू. *वर्ल्ड जे न्युक्लि मेड* 2015;14: 144–55.

119. बालचंद्रन आर, खरबंदा ओ पी. ऑर्थोडोंटिक मेनजेमेंट ऑफ डिस्प्लेज्ड प्रीमेक्सिला इन वैन डेर वाउडे सिंड्रोम : ए केस रिपोर्ट. *जे क्लेफ्ट लिप पेलेट क्रेनियोफैक एनोमल* 2016;3: 42–5

120. बालचंद्रन आर, मिश्रा आर के, खरबंदा ओ. पी. पोस्टेक्सपेंशन चेंजिस रिलेटिड टू कॉन्डायलर पोजिशन. *एम जे ऑर्थोड डेंटोफेशियल ऑर्थोप* 2015;148(1): 9–10.

121. बालकृष्णन पी, प्रसाद आर, रोहिला जे, सरैया ए, मखारिया जी, शर्मा आर. सिम्प्टोमेटिक आउटकम फॉलोइंग लेपेरोस्कोपिक हेलर कार्डियोमायोटॉमी विद डोर फंडोप्लीकेशन वर्सेस लेपेरोस्कोपिक हेलर कार्डियोमायोटॉमी विद एंजल ऑफ हिज़ एसेंट्यूटेशन : रिजल्ट्स ऑफ ए रेंडोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल. *सर्ज एंडोसोक* 2015;29(8): 2344–51.

122. बलहारा वायपीएस, दयाल पी. डेवलपमेंट ऑफ हिंदी वर्जन ऑफ एल्कोहल यूज़ डिसऑर्डर आइडेंटिफिकेशन टेस्ट (एयूडीआईटी) : एन अपडेट. इंडियन जे फिजिकल मेड 2016;38: 85–6.

123. बलहारा वाय. पी. एस., गुप्ता आर, एटिलोला ओ, कनीज़ आर, मोहारोविक टी, गजधर डब्ल्यू, एट ऑल. प्रोब्लेमेटिक इंटरनेट यूज़ एंड इट्स कोरिलेट्स अमंग स्टूडेंट्स फ्रॉम थ्री मेडिकल स्कूल्स अक्रोस थ्री कंट्रीज़. एकेड साइकियाट्रिक 2015;39: 634–8.

124. बलहारा वाय पी एस, गुप्ता आर. रिवाइज्ड साइज़ ऑफ पिक्टोरियल वार्निंग ऑन सिगरेट पैकेजिस – ए स्टेप इन राइट डायरेक्शन. निकोटीन तोब रेस 2015;17: 1401–2.

125. बलहारा वाय पी एस, मिश्रा ए. ए स्टडी एक्सप्लोरिंग एट्रिब्यूट्स एंड नेचर ऑफ द रिट्रेक्टिड लिटरेचर ऑन मेंटल डिस्ऑर्डर्स. इंडियन जे मेड एथिक्स 2015;12: 30–7.

126. बलहारा वाय पी एस, सरकार एस, गुप्ता आर. फोस्फोडायस्टेरेस – 5 इंहेबिटर्स फॉर इरेक्टल डिस्फंक्शन इन पेशेंट्स विद डायबिटीज़ मेलिटस : ए सिस्टेमेटिक रिव्यू एंड मेटा–एनालायसिस ऑफ रेंडोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल्स. इंडियन जे एंडोक्रायनल मेटाब 2015;19: 451–61.

127. बालियान वी, शैलेंद्र एस, अजय के वाय, कुमार ए, गमनगट्टी एस, सिन्हा एस. अनयूज़वल कॉर्ड ट्रांसेक्शन इन ए पेशेंट विद ट्रॉमेटिक स्पॉन्डायलोलिस्थेसिस. *एशियन जे न्यूरोसर्ज* 2016;11(1): 72.

128. बलाल एस, सुंदरराजन आर, गर्ग ए, चोपड़ा एस, बाल सी. इंटरमीडिएट–रिस्क डिफरेंटिएटिड थाइरॉयड कार्सिनोमा पेशेंट्स हू वर सर्जिकली एब्लेटिड डू नॉट नीड एडजुवेंट रेडियोआयोडिन थेरेपी: लॉन्ग–टर्म आउटकम स्टडी. *क्लिन एंडोक्रायनोल (ऑक्सफ)* 2016;84: 408–16.

129. बलाल एस, सुंदरराजन आर, सिंह एच, गर्ग ए, चोपड़ा एस, बाल सी. इंफ्लुएंस ऑफ पीरियर कार्बिमेजोल ऑन द आउटकम ऑफ रेडियोआयोडिन थेरेपी इन पीडियाट्रिक एंड एडोलसेंट ग्रेवस' डिजीज. *न्यूक्लि मेड कम्युन* 2015;36: 566–72.

130. बंध्या पी, ठुकराल ए, नांगिया एस. रिकरंट एपनिया इन ए प्रीटर्म नियोनेट. *नियो रिव्यूज़* 2016;17: ई102–ई4.

131. बनर्जी जे, बनर्जी दीक्षित ए, त्रिपाठी एम, सरकार सी, गुप्ता वाय के, चंद्रा पी एस. एनहांस्ड एंडोजीनस एक्टिवेशन ऑफ एनएमडीए रिसेप्टर्स इन पायरेमिडल न्यूरोंस ऑफ हिप्पोकैम्प्ल टिशूज़ फ्रॉम

पेशेंट्स विद मीसियल टेमपोरल लोब एपिलेप्सी : ए मेकेनिज्म ऑफ हाइपर एक्सिटेशन. *एपिलेप्सी रेस* 2015;117: 11–6.

132. बैनिक ए, ब्राउन आर ई, बैमबर्ग जे, लेहिरी डी के, खुराना डी, फ्रिडलैंड आर पी, ... पद्मा एम वी, एट ऑल. ट्रांसलेशन ऑफ प्री–क्लिनिकल स्टडीज़ इंटू सक्सेसफुल क्लिनिकल ट्रायल्स फॉर एल्जाइमर्स डिजीज : वॉट आर द रोडब्लॉक्स एंड हाउ कैन दे बी ओवरकम? जे एज्लाइमर डिज 2015; 47: 815–43.

133. बैनिक एस, कुमार पी, प्रभाकर एच, सिंह जी पी. डेक्समिडेटोमाइडिन एंड प्रोपोफोल फॉर सेरेब्रेल एंजियोग्राफी इन नॉन–इंट्यूबेटिड पेशेंट्स : ए कम्पेरेटिव स्टडी. जे न्यूरोएनीस्थियोल क्रिट केयर. 2015; 2:121–6.

134. बंसल ए, कुमार ए, शर्मा एम सी, पुरकेत एस, शर्मा बी एस. लेटरल वेंट्रिकुलर सिस्टिक कोरोयड प्लेक्सस पैपिलोमा प्रेजेंटिंग विद रिकरंट ड्रॉप अटैक्स : ए रेयर मैनिकफेस्टेशन ऑफ ए रेयर वेरिएंट. *न्यूरोल इंडिया* 2015;63: 619–21.

135. बंसल ए के, विष्णुभाटला एस, बख्शी एस. कोरिलेशन ऑफ सीरम इम्युनोग्लोबुलिंस विद इंफेक्शन–रिलेटिड पैरामीटर्स ड्यूरिंग इंडक्शन कीमोथेरेपी ऑफ पीडियाट्रिक एक्यूट मायालोड ल्यूकेमिया : ए प्रोस्पेक्टिव स्टडी. *पीडियाट्रि हेमोटोल ओंकोल* 2015;32: 129–37.

136. बंसल के, गोयल एम, ढींगरा आर. एसोसिएशन ऑफ सीवियर अर्ली चाइल्डहुड केरिज़ विद आयरन डेफिशिएंसी एनीमिया. *जे इंडियन सोश पीडोड प्रीव डेंट* 2016;34: 36–42.

137. बंसल पी जी, टूटेजा जी एस, भाटिया एन, विक्रम एन के, सिद्धू ए. इम्पैक्ट ऑफ विकली आयरन फॉलिक एसिड सप्लीमेंशन विद एंड विदआउट एंड विदआउट विटामिन बी 12 ऑन एनीमिक एडोल्सेंट गर्ल्स : ए रेंडोमाइज्ड क्लिनिकल ट्रायल. *यूरो जे क्लिन न्यूट्र* 2016;70: 730–7.

138. बंसल आर, पारख एन, नायक एन, जगिया पी, गुलाटी, जुनेजा आर, एट ऑल. एक्यूट एरिथेमिया और वेंट्रिकुलर डिस्फंक्शन – वेन इज़ इट सारकॉइड? इंडियन पर्सपेक्टिव. जे प्रैक्ट कार्डियोवैस्कु साइं 2015;1(3): 252–61.

139. बंसल आर, पारख एन, नायक एन, जगिया पी, गुलाटी जी, जुनेजा आर, एट ऑल. डिस्फंक्शन–वेन इज़ इट सारकॉइड? इंडियन पर्सपेक्टिव. जे प्रैक्ट कार्डियोवैस्कु साइ. 2015;1(3): 252.

140. बंसल एस के, जैसवाल डी, गुप्ता एन, सिंह के, दादा आर, शंखवार एस एन, *एट ऑल.* ग्रेड/ग्रेड डिलिशंस ऑन वाय – क्रोमोसम कोरिलेट विद मेल इंफरटिलिटी : एन ऑरिजनल स्टडी, मेटा–एनालायसिस, एंड ट्रायल सिक्वेंशल एनालायसिस. *साइंस रिप* 2016;6: 19798.

141. बंसल वी, कुमार एम, भारद्वाज ए, ब्राह्मणे एच जी, सिंह एच. इन वीवो एफिकेसी एंड टॉक्सिटी एवेल्यूएशन ऑफ पॉलीकेप्रोलेक्टोन नैनोपार्टिकल्स एंड एल्यूमीनियम बेस्ड एडमिक्सचर फॉर्मूलेशन एज़ वैक्सीन डिलीवरी सिस्टम. *वैक्सीन* 2015;33: 5623–32.

142. बंसल वी के, कृष्णा ए, मानिक पी, कुमार एस, प्रजापति ओ, सुब्रमण्यम आर, एट ऑल, ए प्रोस्पेक्टिव रेंडोमाइज्ड कम्प्रेशन ऑफ टेस्टिकुलर फंक्शंस, सेक्सुअल फंक्शंस एंड क्वालिटी ऑफ लाइफ फॉलोइंग लैपेरोस्कॉपिक टोटली एक्स्ट्रा–पेरिटोनियल (टीईपी) एंड ट्रांस–एब्डोमिनल प्री–पेरिटोनियल (टीएपीपी) इंग्युनल हर्निया रिपेयर्स. सर्ज एंडोज़ 2016: डीओआई10.1007/एस00464–016–5142–0.

143. बंसल वी के, कृष्णा ए, मिश्रा एम सी, प्रकाश पी, कुमार एस, राजन के, *एट ऑल.* फैक्टर्स एफेक्टिंग शॉर्ट–टर्म एंड लॉन्ग–टर्म आउटकम्स आफ्टर बिलियोएंटेरिक रिकंस्ट्रक्शन फॉर पोस्ट–कोलेसिस्टेक्टॉमी बायल डक्ट इंजरी : एक्सपीरियंस एट ए टर्शरी केयर सेंटर. *इंडियन जे सर्ज* 2015;77(पूरक2): 472–9.

144. बंसल वी के, राजन के, शर्मा ए, पालीवाल पी, चौबल जी, जिंदल वी, एट ऑल. प्रोस्पेक्टिव केस–कंट्रोल स्टडी टू एवेल्यूएट द रोल ऑफ ग्लूटेथियोन एस ट्रांसफेरेज़ (जीएसटीटी1 एंड जीएसटीएम1) जीन डिलिशन इन ब्रेस्ट कार्सिनोमा एंड इट्स प्रोग्नोस्टिक सिग्निफिकेंस. *इंडियन जे*

सर्ज 2015; 77 (पूरक 3): 1067–72.
145. बरखा बी, बिंद्रा ए. जर्नल क्लब. जे न्यूरोएनीस्थिसियोलॉजी क्रिटिकल केयर 2016;3 : 68–70.
146. बरखा बी, कपूर आई, बिंद्रा ए. एन अनयूज़वल केस ऑफ पीडियाट्रिक सेरेब्रल एनोक्सिया! जे न्यूरोएनीस्थिसियोल क्रिटिकल केयर 2016; 3: 58–60.
147. बर्रे वी पी, कलोइया जी एस. मेनेजिंग द केयरगीवर्स बर्डन ऑफ मेंटली रिटार्डेड चाइल्ड विद बीहेवियरल प्रॉब्लम्स : ए केस रिपोर्ट. इंडियन जर्नल ऑफ साइकोसोशल साइंसेज़ 2015; 5 (1): 36–42.
148. बरुआ एफ के, अहमद एन एच, ग्रोवर आर के. सर्जिकल साइट इंफेक्शन कौज्ड बाय ऐरोमोनास हाइड्रोफिला इन ए पेशेंट विद अंडरलाइंग मेलिग्नेंसी. *जे क्लिन डायग रेस* 2015;9: डीडी01–02.
149. बरुआ एफ के, हुसैन ए एन, कौशल्या, ग्रोवर आर के. एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस प्रोफाइल ऑफ नॉन–फर्मेंटिंग ग्राम–नेगेटिव बेसिली आइसोलेटिड फ्रॉम द ब्लड कल्चर्स ऑफ कैंसर पेशेंट्स. *जे ग्लोब इंफेक्श डिजी* 2015;7: 46–7.
150. बरुआ आर आर, भटनागर वी, अग्रवाल एस, दत्ता गुप्ता एस. कोरिलेशन ऑफ प्री एंड पोस्ट ऑपरेटिव लीवर फंक्शन, डक्ट डायमीटर एट पोर्टा हीपेटिस एंड पोर्टल फाइब्रोसिस विद सर्जिकल आउटकम्स इन बिलेरी एट्रेसिया. *जे इंडियन एसोसि पीडियाट्रि सर्ज* 2015; 20: 184–8.
151. बसाक टी, गर्ग जी, भारद्वाज एन, तंवर वी एस, सेठ एस, कार्तिकेन जी, एट ऑल. लो होलो–ट्रांसकोबेलेमिन लेवल्स आर प्रीवेलेंट इन वेजिटेरियन्स एंड इज़ एसोसिएटिड विद कोरोनरी आटर्री डिजीज इन इंडियन पॉपुलेशन. बायोमार्क्रर्स 2016;17: 1–5.
152. बसाक टी, वार्ष्णेय एस, हामीद जेड, घोष एस, सेठ एस, सेनगुप्ता एस. आइडेंटिफिकेशन ऑफ मेटाबोलिक मार्क्रर्स इन कोरोनरी आटर्री डिजीज़ यूजिंग एन अनटार्गेटिड एलसी–एमएस बेस्ड मेटाबॉलोमिक अप्रोच. जे प्रोटियोमिक्स 2015;127:169–77.
153. बासु ए, चड्डा आर के, सूद एम, कौर एच, कुकरेती आर. एसोसिएशन ऑफ सेरोटोनिन ट्रांसपोर्टर (एसएलसी6ए4) एंड रिसेप्टर (5एचटीआर1ए, 5एचटीआर2ए) पॉलीमोर्फिज्म्स विद रिस्पॉन्स टू ट्रीटमेंट विद एसिटेलोप्रेम इन पेशेंट्स विद मेजर डिप्रेसिव डिस्ऑर्डर ए प्रीलिमिनरी स्टडी. *इंडियन जे मेड रेस* 2015;142: 40–5.
154. बासु ए, थानपाल एस, सूद एम, खंडेलवाल एस के. केटेटोनिया : एन अनयूज़वल मेनिफेस्टेशन ऑफ विल्सन डिजीज़. *जे न्यूरोसाइकियाट्री क्लिन न्यूरोसाइं* 2015;27: 72–3.
155. भाटला एम, चंद्रा एस, भाटला जे, कलोइया जी एस. फेथ हीलर्स इन मॉर्डन साइकियाट्रिक प्रैक्टिस : रिजल्ट्स ऑफ ए 4 ईयर्स स्टडी. दिल्ली साइकियाट्रिक जर्नल 2015;18: 48–53.
156. बत्रा ए, बख्शी एस. रोल ऑफ एप्रीटेंट इन कीमोथेरेपी इंड्यूज्ड नौज़िया एंड वॉमिटिंग इन पीडियाट्रिक पॉपुलेशन. *लैंसेट ऑन्कोल* 2015;16: ई259–60.
157. बत्रा ए, कश्यप एस, सिंह एल, बख्शी एस. सरट्यून 1 एक्सप्रेशन एंड कोरिलेशन विद हिस्टोपैथोलॉजिकल फीचर्स इन रेटिनोब्लास्टोमा. *ऑक्युल ओंकोल पैथो* 2015;2(2): 86–90.
158. बत्रा ए, कुमारी एम, पॉल आर, पाटेकर एम, धवन डी, बख्शी एस. क्वालिटी ऑफ लाइफ अस्सेमेंट इन रेटिनोब्लास्टोमा : ए क्रॉस–सेक्शनल स्टडी ऑफ 122 सरवाइवर्स फ्रॉम इंडिया. *पीडियाट्रि ब्लड कैंसर* 2016;63(2): 313–7.
159. बत्रा ए, पाटेकर एम, बख्शी एस. शॉर्ट स्टेचर इन रेटिनोब्लास्टोमा सरवाइवर्स : ए क्रॉस–सेक्शनल स्टडी ऑफ 138 पेशेंट्स. *क्लिन ट्रांसल ओंकोल* 2016;18(4): 381–4.
160. बत्रा ए, ठाकर ए, बख्शी एस. ऑटोटोक्सिटी इन रेटिनोब्लास्टोमा सरवाइवर्स ट्रीटेड विद कार्बोप्लेटीन बेस्ड कीमोथेरेपी : ए क्रॉस–सेक्शनल स्टडी ऑफ 116 पेशेंट्स. *पीडियाट्रि ब्लड कैंसर* 2015;62: 2060.
161. बत्रा पी, माथुर पी, जॉन एन वी, नायर एस ए, अग्रवाल आर, सोनी के डी, बिंद्रा ए, गोयल के, मिश्रा

एम सी. इम्पैक्ट ऑफ मल्टीफेस्टिड प्रीवेंटिव मेजर्स ऑन वेंटिलेटर–एसोसिएटिड निमोनिया एट ए सिंगल सर्जिकल सेंटर इंटेंसिव केयर मेड. 2015 दिसंबर; 41(12):2231–2. डीओआई : 10.1007/एस00134–015–4047–जेड. ईपब 2015 सितंबर 10. सार उपलब्ध नहीं। पीएमआईडी : 26359168.

162. बत्रा पी, माथुर पी, जॉन एन वी, नायर एस ए, अग्रवाल आर, सोनी के डी, एट ऑल. इम्पैक्ट ऑफ मल्टीफेक्टिड प्रीवेंटिव मेजर्स ऑन वेंटिलेटर – एसोसिएटिड निमोनिया एट ए सिंगल सर्जिकल सेंटर. इंटेंसिव केयर मेड 2015; 41:2231–2.

163. बावा ई पी, रामचंद्रन आर, रेवाड़ी वी, बंसल वी के, त्रिखा ए. एनाल्जेसिक एफिकेसी ऑफ अल्ट्रासाउंड गाइडिड ट्रांसवर्सस एब्डोमिनिस प्लेन ब्लॉक वर्सेस लोकल एनीस्थिटिक इंफिल्ट्रेशन इन एडल्ट पेशेंट्स अंडरगोइंग सिंगल इंशियन लेपेरोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टॉमी : ए रेंडोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल. एनीस्थिसिया : एस्से एंड रिसर्चिस 2016:10 (3), 561.

164. बावा ई पी, शर्मा ए, चुम्बर एस, आनंद आर के. गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल स्ट्रोमल ट्यूमर इन ए पेशेंट विद मल्टीप्ल क्युटेनियस एंड यूटेराइन लियोमायोमेटोसिस – इम्प्लीकेशंस एंड एनीस्थेटिक मेनेजमेंट. *इंडियन जे सर्ज ऑन्को* 2015;6(2): 106–9.

165. बेहरा सी, गर्ग ए, चोपड़ा एस, कुमार आर. क्रोनिक डिस्ट्रेस विद पिका कल्मिनेटिंग इन सुसाइड : ए केस रिपोर्ट. *इंडियन इंटरनेट जे फोरेंसिक मेड टॉक्सिकोल* 2015;13: 21.

166. बेहरा सी, स्वैन आर, भारद्वाज डी एन, मिलियो टी. स्किन सुसाइड नोट रिटन इन मेंहदी (हिना). *मेड लेग जे* 2016;84: 39–41.

167. बेहरा सी, स्वैन आर, मृधा ए आर, पुनिया एस. सुसाइड बाय इंजेक्टिंग लिस्प्रो इंसुलिन विद् एन इंट्रावेनस कैनुला. *मेड लेग जे* 2015; 83 (3) :147–9.

168. बेहरा एच एस, सत्पथी जी. केरेक्टराइजेशन एंड एक्सप्रेशन एनालायसिस ऑफ ट्रोफोजॉइड एंड सिस्ट प्रोटींस ऑफ एकेंथामीबा स्पे. आइसोलेटिड फ्रॉम एकेंथामीबा केराटाइटिस (एके) पेशेंट. *मोल बायोकेम पेरासिटोल* 2016;205: 29–34.

169. बेहरा पी, गुप्ता एस के. कमेंट ऑन : प्रीवेलेंस ऑफ डिप्रेशन एंड एसोसिएटिड रिस्क फैक्टर्स अमंग द एल्डरली इन अर्बन एंड रूरल फील्ड प्रैक्टिस एरिया ऑफ ए टर्शरी केयर इंस्टिट्यूशन इन लुधियाना. *इंडियन जे पब्लिक हेल्थ* 2015;59(4): 330–1.

170. बेंसन आर, मलिक एस, भानु प्रसाद वी, हरेश के पी, गुप्ता एस, जुल्का पी के, *एट ऑल.* मेडुलोमायोब्लास्टोमा ट्रीटेड विद क्रेनियोस्पाइनल रेडिएशन एंड एडजुवेंट कीमोथेरेपी : रिपोर्ट ऑफ 4 केसिस एंड रिव्यू ऑफ द लिटरेचर. *जे मिस्र नेटल कैंस इंस्टी* 2015;27:109–11.

171. बेंसन आर, मलिक एस, जुल्का पी के, रथ जी के. मॉलिकुलर प्रीडिक्टिव एंड प्रोग्नोस्टिक फैक्टर्स इन एपेंडायमोमा. *न्यूरल इंडिया* 2016;64:279–86.

172. बर्ग सी जे, अजय वी एस, अली एम के, कोंडल डी, खान एच एम, शिवशंकर आर, *एट ऑल.* ए क्रॉस–सेक्शनल स्टडी ऑफ द प्रीवेलेंस एंड कोरिलेट्स ऑफ तंबाकू यूज़ इन चेन्नई, दिल्ली, एंड कराची : डेटा फ्रॉम द सीएआरआरएस स्टडी. *बीएमसी पब्लिक हेल्थ* 2015;15: 483.

173. बर्गिन पी एस, बेघी ई, त्रिपाठी एम, स्मिथ पी, डी–सूजा डब्ल्यू जे. इंविटेशन टू पार्टिसिपेट इन द एपिनेट–फर्स्ट ट्रायल्स. एपिलेप्सिया 2015; 56: 807.

174. बर्मूडेज़ ए, भाटला एन, लीयूंग ई. कैंसर ऑफ द सर्विक्स यूटेरी. एफआईजीओ कैंसर रिपोर्ट 2015. *इंट जे गायनेकॉल ऑब्स्टे* 2015;131: एस88–एस95.

175. भद आर, अंबेकर ए, दयाल पी. दी लिजर्ड : एन अनकंवेंशनल साइकोएक्टिव सबस्टेंस? जर्नल ऑफ सबस्टेंस यूज़ 2016;21: 113–4.

176. भद आर, चड्डा आर, कुमार एन, गोयल पी. ए रेयर एसोसिएशन ऑफ सिजोफेरियन एंड मेयर–रोकिटेंस्की–कुस्टर–हॉसर सिंड्रोम. *इंडियन जे साइकियाट्रि* 2015;57(3): 324–5.

177. भद आर, लाल आर, बल्हारा वाय पी एस. डिसऑर्डर्स रिलेटिड टू यूज़ ऑफ साइकोएक्टिव सबस्टेंसिस इन डीएसएम – 5 : चेंजिस एंड चैलेंजिस. इंडियन जे साइकोल मेड 2015;37: 470–2.

178. भादू डी, बाजपेयी एम, अबीद ए, सुकन्या जी, अग्रवाल एस, श्रीनिवास एम, *एट ऑल.* स्टडी ऑफ प्रोग्नोस्टिक सिग्निफिकेंस ऑफ एंटिनेटल अल्ट्रासोनोग्राफी एंड रेनिन एंजियोटेंसिन सिस्टम एक्टिवेशन इन प्रीडिक्टिंग डिजीज सेवियरटी इन पोस्टेरियर यूरेथ्रल वाल्वेज़. *जे इंडियन एसोसि पीडियाट्रि सर्ज* 2015;20: 63–70.

179. भादू डी, चंद के, जाना एम, गुप्ता ए के, भटनागर वी. कोलोनिक डुप्लीकेशन : ट्रीटमेंट बाय लिमिटेड डिविजन ऑफ कॉमन वाल. *जे इंडियन एसोसिए पीडियाट्रि सर्ज* 2015; 20: 146–7.

180. भदौरिया ए एस, कपिल यू, कौर एस. एसोसिएशन ऑफ ड्यूरेशन ऑफ टाइम स्पेंट ऑन टेलीविजन, कंप्यूटर एंड वीडियो गेम्स विद ऑब्सिटी अमंगस्ट चिल्ड्रन इन नेशनल कैपिटल टेरीटॉरी ऑफ दिल्ली. *इंट जे प्रीव मेड* 2015;6: 80.

181. भदौरिया ए एस, कपिल यू. ऑथर्स रिप्लाइ : टेलीविजन व्यूइंग एंड ओवरवेट एंड ऑब्सिटी अमंगस्ट चिल्ड्रन. *बायोमेड जे* 2015;38(1): 96.

182. भगत एम, पलानीचामी जे के, रामालिंगम पी, मुदासीर एम, इरशाद के, कोस्डल के, *एट ऑल.* एचआईएफ– 2 अल्फा मीडिएट्स ए माक्रड इंक्रीज़ इन माइग्रेशन एंड स्टेमनेस कैरेक्टरिस्टक्स इन ए सबसेट ऑफ ग्लियोमा सेल्स अंड हाइपोक्सिया बाय एक्टिवेटिंग एन ऑक्ट–4/एसओएक्स–2–मेना (आईएनवी) एक्सिस. *इंट जे बायोकेम सेल बायोल* 2016;74: 60–71.

183. भाकुनी टी, शर्मा ए, राशिद क्यू, कपिल सी, सक्सेना आर, महापात्रा एम, *एट ऑल.* एंटीथ्रोम्बीन ||| डेफिशिएंसी इन इंडियन पेशेंट्स विद डीप वेन थ्रोम्ब्रोसिस : आइडेंटिफिकेशन ऑफ फर्स्ट इंडिया बेस्ड एटी वेरिएंट्स इंक्लुडिंग ए नोवल पॉइंट म्यूटेशन (टी280ए) दैट लीड्स टू एग्रीगेशन. *पीएलओएस वन* 2015;10(3):ई0121889.

184. भल्ला ए एस, गोयल ए, गुलेरिया आर, गुप्ता ए के. ऑथर्स रिप्लाइ टू कमेंट्स. *इंडियन जे रेडियोल इमेजिंग* 2015;25(4): 475–6.

185. भल्ला ए एस, गोयल ए, गुलेरिया आर, गुप्ता ए के. चेस्ट ट्यूबरकुलोसिस : रेडियोलॉजिक रिव्यू एंड इमेजिंग रेकमेंडेशंस. *इंडियन जे रेडियोल इमेजिंग* 2015;25(3): 213–25.

186. भल्ला डी, लॉटफेलिनजेड ई, टिमालसीना यू, कपूर एस, कुमार के एस, अबडेल्रेहमन ए, एट ऑल. ए कॉम्प्रीहेंसिव रिव्यू ऑफ एपिलेप्सी इन द अरब वर्ल्ड. सीजर 2016; 34: 54–9.

187. भल्ला एस, उन्नीकृष्णन आर, श्रीवास्तव आर, टंडन एन, मोहन वी, प्रभाकरण डी. इनोवेशन इन कैपेसिटी बिल्डिंग ऑफ प्राइमरी–केयर फिजिशियंस इन डायबिटीज़ मेनेजमेंट इन इंडिया : ए न्यू स्लैंट इन मेडिकल एजुकेशन. *लैंसेट डायबिटीज़ एंडोक्राइनोल* 2016;4: 200–2.

188. भान एम के, पॉल वी के. आउटपेंशेट ट्रीटमेंट फॉर नियोनेट्स एंड यंग इंफेंट्स विद क्लिनकली सस्पेक्टिड सीवियर इंफेक्शन. *लैंसेट ग्लोबल हेल्थ* 2015;3: ई245–6.

189. भानुप्रसाद वी, मलिक एस, भास्कर एस, मोहंती बी के. पीडियाट्रिक हेड नेक स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा : रिपोर्ट ऑफ 12 केसिस एंड इल्युस्ट्रेटिड रिव्यू ऑफ लिटरेचर. *इंट जे पीडियाट्रि ओटोराइनोलैरिंजियल* 2015;79:1279–82.

190. भारद्वाज एम, सेन एस, शर्मा ए, कश्यप एस, चोसडोल के, पुष्कर एन, *एट ऑल.* जेडईबी2/एसआईपी1 एज़ नोवल प्रोग्नोस्टिक इंडिकेटर इन आइलीड सेबेसियस ग्लैंड कार्सिनोमा. ह्यूम पैथोल 2015;46: 1437–42.

191. भारद्वाज एम, शर्मा ए, सेंस एस, सत्पथी जी, पुष्कर एन, कश्यप एस. ओक्युलर एडेंक्सल लिम्फोमस एंड क्लैमाइडिया एसोसिएशन : एन इंडियन स्कैनेरियो. कैंसर रेस 2015;75(15): 1293.

192. भारद्वाज एन, माथुर पी, कुमार एस, गुप्ता ए, गुप्ता डी, जॉन एन वी, वर्गीज़ पी, मिश्रा एम सी. डिप्रेज्ड मोनोसाइटिक एक्टिविटी मे बी ए प्रीडिक्टर फॉर स्पेसिस. जे लैब फिजिशियंस. 2015 जनवरी–जून 7(1):26–31. डीओआई : 10.4103/0974–2727.154785. पीएमआईडी : 25949056.

193. भारी एन, केयरमेल एम जे, वेदी के के, नाथ डी, संदीप एस, कुमार आर, एट ऑल. नेक्रोबायोटिक जेंथोग्रेन्यूलोमा विद मल्टीप्लाइ मायलोमा. क्लिन एक्सप डर्माटोल 2015; 40: 811–4.

194. भारी एन, वर्मा के के. रिसेंट एडवांसेज़ इन इम्युनोबुलस डिजीज़. नेपाल जे डर्मटोल वेनेरियल लेप्रोल 2015; 13: 1.

195. भारी एन, एक्सेस आई, पाण्डे एम, अरवा एस, रमम एम. प्राइमरी क्युटेनियस ट्रिकोस्पोरोनोसिस रिस्पॉन्सिव टू वोरिकोंनेजोल. जेएएमए डर्माटोल 2015;151: 1139–41.

196. भारती एस, रानी एन, भाटिया जे, आर्य डी एस. 5–एचटी2 बी रिस्पेटर ब्लॉकेड अटेन्युट्स बीटा–एड्रीनर्जिक रिस्पेटर–स्टिमुलेटिड मायोकार्डियल रिमॉडलिंग इन रैट्स वाया इंहेबिटिंग एपॉपटोसिस : रोल ऑफ एमएपीकेएस एंड एचएसपीएस. अपोपटोसिस 2015;20(4): 455–65.

197. भारती वी, गुप्ता एस डी, दास एस एन. *कमीफोरा मुकुल* एक्स्ट्रैक्ट एंड गुगललेस्टेरोन एक्ज़िबिट एंटीट्यूमर एक्टिविटी थ्रू इंहेबिशन ऑफ साइक्लिन डी1, एनएफ–के बीटा एंड इंडक्शन ऑफ एपॉपटोसिस इन ओरल कैंसर सेल्स. एशियन जे फर्मा क्लिन रेस. 2015; 8(4): 291–295.

198. भारती वी, गुप्ता यू डी, दास एस एन. *प्लंबेगो जेलेनिका* एक्स्ट्रैक्ट इंहेबिटीज़ साइक्लिन डी1, एनएफ–केबीटा एंड इंड्यूसेज़ एपॉपटोसिस इन ओरल कैंसर सेल्स. जे. फर्माक रेस 2015; 9 (4): 264–270.

199. भट्ट एम, भगत एच, भुकल आई, साहनी एन, खन्ना पी, गुप्ता एस के. प्रोस्पेक्टिव रेंडोमाइज्ड एवेल्यूएशन ऑफ प्रोपोफोल एंड डिसफ्लुरेन इन पेशेंट्स अंडरगोइंग सर्जरी फॉर सेरेबेलोपोनटाइन एंगल ट्यूमर्स. *एनीस्थि पेन इंटेंसिव केयर* 2015;19(5): 478–84

200. भट्ट एम ए, अनुपा जी, घोष डी. ट्रांसजनरेशनल एपिजेनेटिक इंहेरिटेंस : वेयर डू वी स्टैंड टूडे. *जे रिप्रोड हेल्थ मेड* 2015;2: 47–9.

201. भाटिया डी, खंडेलवाल पी, सिन्हा ए, हरि पी, चियोंग एच आई, बग्गा ए. इंकम्प्लीट पेंट्रेंस ऑफ सीडी46 म्यूटेंशन कॉजिंग फैमिलियल एटिपकली हीमोलायटिक यूरेमिक सिंड्रोम. *पीडियाट्रि नेफ्रोल* 2015;30: 2215–20.

202. भाटिया आर, बाली पी, चौधरी आर एम. एपिडेमियोलॉजी एंड जेनेटिक एस्पेक्ट्स ऑफ मल्टीप्लाइ स्केलेरोसिस इन इंडिया. एन इंडियन एकेड न्यूरोल 2015; 18 (पूरक 1) : एस6–एस10.

203. भाटिया आर, कटारिया वी, विभा डी, कक्कड़ ए, प्रसाद के, माथुर एस, *एट ऑल.* मिस्ट्री केस : न्यूरोक्युटेनियस मेलेनोसिस विद डिफ्यूज़ लेप्टोमेनिजियल मेलिग्नेंट मेलेनोमा इन एन एडल्ट. *न्यूरोलॉजी* 2016;86(8): ई75–9.

204. भाटिया आर, ओला वी. ड्यूल एंटीप्लेटलेट थेरेपी एंड न्यूअर एजेंट्स : मोर एफिकेसी बट लेट्स कीप द ब्रेन सेफ! इंडियन हार्ट जे 2015; 67 पूरक 3 : एस7–एस10.

205. भाटिया आर, शर्मा वी के, रमम एम, सेतुरमन जी, यादव सी पी. क्लिनिकल प्रोफाइल एंड क्वालिटी ऑफ लाइफ पेशेंट्स विद ऑक्युपेशनल कॉन्टैक्ट डर्मेटाइटिस फ्रॉम नई दिल्ली, इंडिया. कॉन्टैक्ट डर्मेटाइटिस 2015;73: 172–81.

206. भटनागर एस, नागर पी के, वर्मा पी, मोहन टी, परिदा एम एम, होटी एस एल, *एट ऑल.* एवेल्युएशन ऑफ मल्टीपल एंटीजेनिक पेप्टाइड्स (एमएपी) एज़ बेटर डायग्नोस्टिक फॉर चिकनगुनिया वायरस यूजिंग एनवल्प ई2 पेप्टाइड्स. *वायरल इम्यूनोल* 2015;28(2): 107–12.

207. भटनागर एस, नोबले एस, चर्तुवेदी एस के, गीलेन जे. डेवलपमेंट एंड साइकोमेट्रिक अस्समेंट ऑफ ए स्प्रीट्यूलिटी क्वेश्चनायर फॉर इंडियन पैलिएटिव केयर पेशेंट्स. *इंडियन जे पैलिएट केयर* 2016; 22(1): 9–18.
208. भटनागर एस. ''इफ नॉट अस, देन हू? इफ नॉट नाओ, देन वेन?'' – द नीड फॉर रिसोर्स स्ट्रेटिफाइड गाइडलाइंस. *इंडियन जे पैलिएट केयर* 2016;22(1): 1–2.
209. भटनागर वी. सर्जिकल गैस्ट्रोइंटेरोलॉजी इन चिल्ड्रन. *जे इंडियन एसोस पीडियाट्रि सर्ज* 2015; 20: 103–4.
210. भट्ट के, आर्य एस, भुटिया ओ, पाण्डे एस, रॉयचौधरी ए. रेट्रोस्पेक्टिव स्टडी ऑफ मैंडीबुलर एंगल फ्रैक्चर्स ट्रीटेड विद थ्री डिफरेंट फिक्सेक्शन सिस्टम्स. *नेटल जे मैक्सीलोफैक सर्ज* 2015;6(1): 31–6.
211. भट्ट एस पी, मिश्रा ए, निगम पी, गुलेरिया आर, पाशा एमएक्यू. फीनोटाइप, बॉडी कम्पोजिशन, एंड प्रीडिक्शन एक्वेशंस (इंडियन फैटी लीवर इंडैक्स) फॉर नॉन–एल्कोहोलिक फैटी लीवर डिज़ीज इन नॉन–डायबिटिक एशियन इंडियंस : ए केस–कंट्रोल स्टडी. *पीएलओएस वन* 2015;10: ई0142260.
212. भट्टाचार्जी एच के, बंसल वी के, अजहरुद्दीन एम, कुमार एस, कृष्णा ए, राजेश्वरी एस, रामचंद्रन आर, मिश्रा एस सी. इम्पैक्ट ऑफ स्टैंडर्ड प्रेशर एंड लो प्रेशर निमोपेरिटोनियम ऑन शोल्डर पेन फॉलोइंग लेपेरोस्कोपिक कोलेसिस्टेकटॉमी : ए रेंडोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल. सर्जिकल एंडोस्कोपी 2016:डीओआई10.1007/एस00464–016–5108–2.
213. भट्टाचार्जी एच के, बंसल वी के, नेपाल बी, श्रीवास्तव एस, डिंडा ए के, मिश्रा एम सी. इज़ इंटरल्यूकिन 10 (आईएल 10) एक्सप्रेशन इन ब्रेस्ट कैंसर ए माक्रर ऑफ पुअर प्रोग्नोसिस? इंडियन जे सर्ज ओंकोल 2016;7(3): 320–5.
214. भट्टाचार्जी एस, कुमार आर, अग्रवाल ए, ओ'ग्रेडी के, जोनेस एच. रिस्क फैक्टर्स फॉर सबस्टेंस यूज़ अमंग स्ट्रीट चिल्ड्रन एंटरिंग ट्रीटमेंट इन इंडिया. इंडियन जर्नल ऑफ साइकोलॉजिकल मेडिसिन 2016;38: 419.
215. भवानी जी एस, शाह एच, दलाल ए बी, शुक्ला ए, डांडा एस, अग्रवाल एस, *एट ऑल.* नोवल एंड रिकरंट म्यूटेशंस इन डब्ल्यूआईएसपी3 एंड एन अटिप्कली फीनोटाइप. *एम जे मेड जीनेट ए* 2015;167: 2481–4.
216. भवानी जी एस, शाह एच, शुक्ला ए, गुप्ता एन, गौरीशंकर के, राव ए पी, *एट ऑल.* क्लिनिकल एंड म्यूटेशन प्रोफाइल ऑफ मल्टीसेंट्रिक ओस्टियोलायसिस नोड्यूलोसिस एंड आर्थोपैथी. *एम जे मेड जीनेट ए* 2016;170: 410–7.
217. भोई एस, ठाकुर एन, वर्मा पी, साहनी सी, वंकर एस, अग्रवाल डी, एट ऑल. डज़ कम्युनिटी इमरजेंसी केयर इंनिशिएटिव इम्प्रूव द नॉलेज एंड स्किल ऑफ हेल्थ केयर वक्रर्स एंड लेपर्संस इन बेसिक इमरजेंसी केयर इन इंडिया? जे इर्मेज ट्रॉमा शॉक. 2016; 9:10–6.
218. भौमिक एस, कौल वी. अस्समेंट ऑफ पीवीए/सिल्वर नैनोकम्पोजिट हाइड्रोजेल पैच एज़ एंटीमाइक्रोबायल ड्रेसिंग स्कैफ्फोल्ड : सिंथेसिस, कैरेक्टराइजेशन एंड बायोलॉजिकल एवेल्यूएशन. *मेटर साइंस इंजी सी मेटर बायोल एप्ल* 2016;59: 109–19.
219. बिडकोल ए एम, दलाल ए, त्रिवेदी आर, शुक्ला ए, नामपूरथी एस, शंकर वी एच, *एट ऑल.* रिकरंट एंड नोवल जीएलबी1 म्यूटेशंस इन इंडिया. *जीन* 2015;567: 173–81.
220. बिंद्रा ए, बिठल पी, शोखल एन, अरोड़ा ए. पेन रिलीफ कैन बी पेनफुल. इंडियन जे पैलिएट केयर 2015 सिंतबर; 21:355–7.
221. बिंद्रा ए, चौहान आर एस, गोयल के. आईएसएनएसीसी/कॉन्फ्रेंस/मीटिंग रिपोर्ट : एम्स न्यूरोएनीस्थिसिया अपडेट 2015. जर्नल न्यूरोएनीस्थिसियोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर 2016; 3: 71–73.

222. बिंद्रा ए, चौहान आर एस, प्रभाकर एच, चंद्रा पी एस, त्रिपाठी एम. पेरीऑप्रेटिव एनीस्थेटिक इम्प्लीकेशंस ऑफ एपिलेप्सी सर्जरी : ए रेट्रोस्पेक्टि एनालायसिस. जे एनीस्थि 2015; 29: 229–34.
223. बिरला एस, खड़गावत आर, ज्योत्सना वी पी, जैन वी, गर्ग एम के, भल्ला ए एस, *एट ऑल.* आइडेंटिफिकेशन ऑफ नोवल जीएचआरएचआर एंड जीएच1 म्यूटेशंस इन पेशेंट्स विद आइसोलेटिड ग्रोथ हार्मोन डेफिशिएंसी. *ग्रोथ हार्मोन आईजीएफ रेस* 2016;29: 50–6.
224. बिरला एस, पी ज्योत्सना वी, सिंगला आर, त्रिपाठी एम, शर्मा ए. इम्पैक्ट ऑफ ए नोवल 14 बीपी एमईएन1 डिलिशन इन ए पेशेंट विद हाइपरपैराथाइरॉयडिज्म एंड गैस्ट्रिनोमा. *एंडोक्राइनोल डायबिटीज़ मेटाब केस रिप* 2015;2015: 150011.
225. बिष्ट ए, गुप्ता एस के, सिंह एस. ट्रांसफ्यूजन रिएक्शन रिपोर्टिंग कल्चर इन हीमोविजिलेंस प्रोग्राम ऑफ इंडिया सींस इट्स इंसेप्शन. इंट जे रेस फाउंडेशन हॉस्प हेल्थ एडम 2015;3(2): 69–70.
226. बिस्वास आई, हुसैन एन ए, ग्रोवर आर के. केडेसिया लेपेगी इन ए पेशेंट विद मेलिग्नेंसी : रिपोर्ट ऑफ ए रेयर केस. *जे कैंसर रेस थेर* 2015; 11: 646.
227. बिस्वास ए, चौधरी पी बी, जुल्का पी के, रथ जी के. रेडिएशन इंड्यूज्ड डिपिगमेंटेशन डिस्ऑर्डर इन टू पेशेंट्स विद ब्रेस्ट कैंसर : एक्सप्लोरिंग ए रेयर एकंपेनिमेंट. *जे मिस्र नेटल कैंस इंस्टी* 2015;27:101–4.
228. बिस्वास ए, चौधरी पी बी, एम एस के, सिगामणि ई, शर्मा एम सी, कालरा एस के, *एट ऑल.* प्राइमरी पीनियल मेलिग्नेंट मेलेनोमा – इल्यूस्ट्रेटिड रिव्यू. *तुर्की न्यूरोसर्ज* 2015;25: 201–9.
229. बिस्वास ए, दास एस, कपूर एम, सेठ एस, भार्गव बी, राव वी आर. एपिडेमियोलॉजी ऑफ कार्डियोमायोपैथी – ए क्लिनिकल एंड जेनेटिक स्टडी ऑफ हाइपरट्रोफिक कार्डियोमायोपैथी : द ईपीओसीएच – एच स्टडी. जे प्रैक्ट कार्डियोवैस्कु साइं 2015;1(2): 143.
230. बिस्वास ए, जुल्का पी के, बख्शी एस, सूरी ए, रथ जी के. इंट्राक्रेनियल अटीपिकल टेराटॉयड राब्डोयड ट्यूमर : करंट मेनेजमेंट एंड ए सिंगल इंस्टीट्यूट एक्सपीरियंस ऑफ 15 पेशेंट्स फ्रॉम नॉर्थ इंडिया. *एक्टा न्यूरोकाइर (वियेना)* 2015;157:589–96.
231. बिस्वास ए, मलिक एस, पुरकेत एस, गांधी ए, सरकार सी, सिंह एम, *एट ऑल.* ट्रीटमेंट आउटकम एंड पैटर्स ऑफ फेलियर इन पेशेंट्स ऑफ पिनियलोब्लास्टोमा : रिव्यू ऑफ लिटरेचर एंड क्लिनिकल एक्सपीरियंस फ्रॉम ए रीजनल कैंसर सेंटर इन नॉर्थ इंडिया. *चाइल्ड्स नर्व सिस्ट* 2015;31: 1291–304.
232. बिस्वास ए, मलिक एस, पुरकेत एस, रॉय एस, सरकार सी, बख्शी एस, *एट ऑल.* ट्रीटमेंट आउटकम एंड पैटर्स ऑफ फेलियर पेशेंट्स ऑफ नॉन–पिनियल सुप्रेटेंटोरियल प्रीमिटिव न्यूरोएक्टोडर्मल ट्यूमर : रिव्यू ऑफ लिटरेचर एंड क्लीनिकल एक्सपीरियंस फ्रॉम ए रीजनल कैंसर सेंटर इन नॉर्थ इंडिया. *एक्टा न्यूरोकाइर (वियेना)* 2015;157: 1251–66.
233. बिस्वास ए, पांगते जी, देवगन वी, सिंगला पी, मूर्ति पी, धारीवाल ए सी, *एट ऑल.* इंडियन नेशनल गाइडलाइंस फॉर क्लिनिकल मेनेजमेंट ऑफ डेंगू फीवर. *जेआईएमए* 2015;113(12): 196–206.
234. बिस्वास बी, बख्शी एस, सेनगुप्ता एम. चाइल्डहुड इविंग सार्कोमा ऑफ ऑर्बिट : इज़ इट सो फेटल? *जे पीडियाट्रि हेमेटोल ओंकोल* 2016;38(1): 82–3.
235. बिस्वास बी, रस्तोगी एस, खान एस ए, शुक्ला एन के, डियो एस वी, अग्रवाल एस, *एट ऑल.* डेवलपिंग ए प्रोग्नोस्टिक मॉडल फॉर लोकलाइज्ड इविंग सार्कोमा फैमिली ऑफ ट्यूमर्स : ए सिंगल इंस्टीट्यूशनल एक्सपीरियंस ऑफ 224 केसिस ट्रीटेड विद यूनिफॉर्म कीमोथेरेपी प्रोटोकाल. *जे सर्ज ओंकोल* 2015;111: 683–9.
236. बिस्वास बी, शर्मा एम सी, मृधा ए आर, बख्शी एस. एक्सप्रेशन ऑफ कैथेप्सिन एल इन ट्यूमर सेल्स एंड ट्यूमर–एसोसिएटिड मेक्रोफजिस इन पेशेंट्स विद इविंग सार्कोमा फैमिली ऑफ ट्यूमर्स : ए पायलट स्टडी. *इंडियन जे पैथोल माइक्रोबायोल* 2015;58(2): 170–4.

237. बिस्वास बी, ठाकर ए, मोहंती बी के, विष्णुभाटला एस, बख्शी एस, प्रोग्नोस्टिक फैक्टर्स इन हेड एंड नेक इविंग सार्कोमा फैमिली ऑफ ट्यूमर्स. *लैरिंगोस्कोप* 2015;125: ई112–7.

238. बिट्टनर आर, मोंटगोमरी एम ए, अरेगुई ई, बंसल वी, बिंजीनर जे, बिसगार्ड टी, बुहक एच, दुदाई एम, फर्जिल जी एस, फिटजेगीबोंस आर जे, फॉर्टेल्नी आर एच, ग्रीम्स के एल, क्लिंगे यू, कॉकर्लिंग एफ, कुमार एस, कुकलेता जे, लोमेंटो डी, मिश्रा एम सी, मोरेल्स – कोंडे एस, रेनपुल्ड डब्ल्यू, रोसेनबर्ग जे, सिंह के, टिमोनी एम, वेहे डी, चौबे पी. सर्ज एंडोसोक 2015 जून;29 (6):1655–6. डीओआई : 10.1007/एस00464–015–4156–3.

239. बिट्टनर आर, मोंटगोमरी एम ए, अरेगुई ई, बंसल वी, बिंजीनर जे, बिसगार्ड टी, बुहक एच, दुदाई एम, फर्जिल जी एस, फिटजेगीबोंस आर जे, फॉर्टेल्नी आर एच, ग्रीम्स के एल, क्लिंगे यू, कॉकर्लिंग एफ, कुमार एस, कुकलेता जे, लोमेंटो डी, मिश्रा एम सी, मोरेल्स – कोंडे एस, रेनपुल्ड डब्ल्यू, रोसेनबर्ग जे, सिंह के, टिमोनी एम, वेहे डी, चौबे पी; इंटरनेशनल एंडोहर्निया सोसायटी. अपडेट ऑफ गाइडलाइंस ऑन लेपेरोस्कोपिक (टीएपीपी) एंड एंडोस्कोपिक (टीईपी) ट्रीटमेंट ऑफ इंगुनियल हर्निया (इंटरनेशनल एंडोहर्निया सोसायटी). सर्ज एंडोस. 2015 फरवरी; 29(2):289–321. डीओआई : 10. 1007/एस00464–014–3917–8.

240. ब्लैकक्वायर डी, डेमचुक ए एम, अल–हज़ा एम, देशपांडे ए, पेट्रसिच डब्ल्यू, अविव री, ... भाटिया आर, एट ऑल. प्रीडिक्ट /सनीब्रुक आईसीएच सीटीए स्टडी ग्रुप. इंट्रासेरेब्रल हेमेटोमा मोर्फोलॉजिक अपीयरेंस ऑन नॉनकॉन्ट्रास्ट कम्प्युटिड टोमोग्राफी प्रीडिक्टस सिग्निफिकेंट हेमेटोमा एक्सपेंशन. स्ट्रोक 2015; 46: 3111–16.

241. ब्लूमफील्ड जी एस, एक्सवीयर डी, बेलिस डी, आलम डी, डेविस पी, दौराइराज पी, *एट ऑल.* ट्रेनिंग एंड केपेसिटी बिल्डिंग इन एलएमआईसी फॉर रिसर्च इन हार्ट एंड लंग डिजीज : द एनएचएलबीआई – यूनाइटिड हेल्थ ग्लोबल हेल्थ सेंटर्स ऑफ एक्सीलेंस प्रोग्राम. *ग्लोब हार्ट* 2016;11: 17–25.

242. बोहरा वी, रामाकृष्णन एस, पारख एन. ए केस ऑफ वैस्कुलर हार्ट डिजीज. जे प्रैक्ट कार्डियोवैस्कु साइंस 2015;1(3): 276–80.

243. बोपाना एस, शालीमार. इंटेस्टाइनल एफएक्सआर : ए न्यू थेराप्यूटिक टार्गेट फॉर नॉनएल्कोहोलिक फैट्टी लीवर डिजीज. *जे क्लिन एक्स्प हेपेटोल* 2015;5(3): 264–6.

244. बोस आर, अग्रवाल डी, सिंह एम, काले एस एस, गोपीशंकर एन, बिष्ठ आर के, एट ऑल. ड्रेनिंग वेन शील्डिंग इन इंट्राक्रेनियल आर्टरियोवेनस मैल्फॉमेशंस ड्यूरिंग गामा – नाइफ : ए न्यू वे ऑफ प्रीवेंटिंग पोस्ट गामा–नाइफ एडीमा एंड हेमरेज. न्यूरोसर्जरी. 2015; 76: 623–31; डिस्कशन 631–2.

245. बुश ए, काबरा एस के. एडिटोरियल : एडवांसेज़ इन पीडियाट्रिक पल्मोनोलॉजी. *इंडियन जे पीडियाट्रि* 2015;82: 715–6.

246. बुश ए, काबरा एस के. एडिटोरियल : न्यू टेक्निक्स फॉर ओल्ड एंड न्यू डिजीज. *इंडियन जे पीडियाट्रि* 2015;82: 930–1.

247. कारिलो – लारको आर एम, मिरांडा जे जे, ली एक्स, क्यु सी, एक्सयु एक्स, अली एम, *एट ऑल.* प्रीवेलेंस ऑफ प्रेग्मेटिकली डिफाइंड हाइ सीवी रिस्क एंड इट्स कोरिलेट्स इन एलएमआईसी : ए रिपोर्ट फ्रॉम 10 एलएमआईसी एरियास इन अफ्रीका, एशिया, एंड साउथ अमेरिका. *ग्लोब हार्ट* 2016; 11: 27–36.

248. केस्टीनेत्ती एफ, क्रोसिस ए, कुमार आर, पेकेक के, तैयब डी. 15 ईयर्स ऑफ पेरागैंग्लियोमा : इमेजिंग एंड इमेजिंग–बेस्ड ट्रीटमेंट ऑफ फियोक्रोमोसायटोमा एंड पेरागैंग्लियोमा. *एंडोक रिलेट कैंसर* 2015; 22: टी135–45.

249. चड्डा आर के, पात्रा बी एन, गुप्ता एन. रिसेंट डेवलपमेंट्स इन कम्युनिटी मेंटल हेल्थ : रिलिवेंस एंड रिलेशनशिप विद द मेंटल हेल्थ केयर बिल. *इंडियन जे सोश साइकियाट्रि* 2015;31: 153–60.

250. चड्डा एम एस, पोतदार वी ए, साहा एस, कौल पी ए, ब्रुर एस, दार एल, *एट ऑल.* डायनेमिक्स ऑफ इंफ्लुएंजा सीजनेलिटी एट सब–रीजनल लेवल्स इन इंडिया एंड इम्प्लीकेशंस फॉर वैक्सिनेशन टाइमिंग. *पीएलओएस वन* 2015;10: ई0124122.

251. चक्रबर्ती ए, कुमार ए, यादव एस सी, कुमार एल, बिसोई ए के, चौहान एस. ए कम्पेरिज़न ऑफ रिंजर्स लैक्टेट विद एसीटेट एंड मेलेट कंटेनिंग क्रिस्टलॉयड फॉर प्राइमिंग इन एडल्ट पेशेंट्स अंडरगोइंग कार्डियोपल्मोनरी बायपास. इंड जे एक्स्ट्राकोर्पोरियल टेक्नोलॉजी 2015;(24): 7–12.

252. चक्रबर्ती पी एस, करुणानिधि एस, ढल वी एस, कुमार के, त्रिपाठी एम. डायस्ट्रोफिक केल्सिफिकेशन इन मसल्स ऑफ लेग्स इन कैल्सिनोसिस, रायनॉड्स फिनोमेनन, इसोफेगियल डायस्मोटिलिटी, स्केलेरोडेक्टिली, एंड टेलिंजेक्टसिया सिंड्रोम : एक्युरेट एवेल्यूएशन ऑफ द एक्सटेंट विद (99 एम) टीसी–मिथाइलीन डिफोस्फोनेट सिंगल फोटोन एमिशन कम्प्युटिड टोमोग्राफी/कम्प्युटिड टोमोग्राफी. *इंडियन जे न्युक्लि मेड* 2015;30: 360–1.

253. चक्रबर्ती पी एस, कुमार आर, त्रिपाठी एम, दास सी जे, बाल सी. डिटेक्शन ऑफ ब्रेन मेटास्टेसिस विद 68जीए–लेबल्ड पीएसएमए लिगेंड पीईटी/सीटी : ए नोवल रेडियोट्रेसर फॉर इमेजिंग ऑफ प्रोस्टेट कार्सिनोमा. *क्लिन न्युक्लि मेड* 2015;40(4): 328–9.

254. चान टी सी, अग्रवाल टी, वाजपेयी आर बी, झांजी वी. क्रॉस–लिंकिंग फॉर माइक्रोबायोल केरेटाइटिस. क्युर ओपिन ओफ्थलमोल 2016;27(4): 348–52.

255. चांद के, भटनागर वी, अग्रवाल एस, श्रीनिवास एम, दास एन, सिंह एम के, एट ऑल. द इंसिडेंस ऑफ पोर्टल हाइपरटेंशन इन चिल्ड्रन विद कोलेडोकल सिस्ट एंड द कोरिलेशन ऑफ नाइट्रिक ऑक्साइड लेवल्स इन द पेरीफेरल ब्लड विद पोर्टल प्रेशर एंड लीवर हिस्टोलॉजी. *जे इंडियन एसोस पीडियाट्रि सर्ज* 2015;20: 133–8.

256. चंद्रा पी, गंगवे ए, सिंघल डी, कुमार ए. फ्लोटिंग इरिस सिस्ट मिमिकिंग इंट्राविटरियल सिस्टीसेरोसिस. बीएमजे केस रिप 2015:2015.

257. चंद्रा पी एस, कुरवले एन, गर्ग ए, द्ववेदी आर, मालविया एस वी, त्रिपाठी एम. एंडोस्कोपी–अस्सिटिड इंटरहेमिफेरिक ट्रांसकेलोसल हेमिसफेरोटॉमी : प्रीलिमिनरी डिस्क्रिप्शन ऑफ ए नोवल टेक्निक. न्यूरोसर्जरी. 2015; 76: 485–94.

258. चंद्रा पी एस, त्रिपाठी एम. एंडोस्कोपिक एपिलेप्सी सर्जरी : इर्मेजेंसी ऑफ ए न्यू प्रोसिजर. न्यूरोल इंडिया 2015; 63: 571–82.

259. चंद्रा एस पी, कुरवले एन एस, छिब्बर एस एस, बनर्जी जे, द्ववेदी आर, गर्ग ए, *एट ऑल.* एंडोस्कोपिक–अस्सिटिड (थ्रू ए मिनी क्रेनियोटॉमी) कोर्पस केलोस्टॉमी कम्बाइंड विद एंटीरियर, हिप्पोकैंपल, एंड पोस्टीरियर कमिसयूरोटॉमी इन लेनोक्स–गेस्टॉट सिंड्रोम : ए पायलट स्टडी टू एस्टेब्लिश इट्स सेफ्टी एंड एफिकेसी. *न्यूरोसर्जरी* 2016;78: 743–51.

260. चंद्रशेखर एस एच, हरि एस, अरोड़ा आर, कौशल एस, सिंह एम के, डडवाल वी. इंवेसिव स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा ऑफ सर्विक्स शोइंग हॉरिजॉन्टल एंडोमेट्रियल स्प्रेड विद एक्सटेंशन एंड इंवोल्वमेंट ऑफ द मायोमेट्रियम : ए केस रिपोर्ट. *इंडियन जे कैंसर* 2015;52: 496–7.

261. चाओ जे एच, साहा ए, कपूर के, शर्मा एस, मारायनेस एम, गुलैट्ट जे. सर्कुलर राइट अपर क्वाड्रेंट मास, नॉट इंटुस्सक्रिप्शन. *पीडियाट्रिक एमर्जेंसी केयर,* 2015; 31: 384–7.

262. चरण के, गोयल ए, गुप्ता जे के, यादव एच एन. रोल ऑफ आट्रियल नेट्रियूरेटिक पेप्टाइड इन इस्केमिक प्रीकंडिशनिंग–इंड्यूज्ड कार्डियोप्रोटेक्शन इन द डायबेटिक रैट हार्ट. *जे सर्ज रेस* 2016:201: 272–8.

263. चौबे आर, सैजवाल एस, महापात्रा एम, चिकारा एस, सक्सेना आर. प्रोग्नोस्टिक रिलिवेंस ऑफ अबेरेंट एसओसीएस–1 जीन प्रोमोटर मिथाइलेशन इन मायलोडिस्प्लास्टिक सिंड्रोम्स पेशेंट्स. *इंट जे लैब हेमेटोल* 2015;37(2):265–71.
264. चौधरी जी, डोगरा टी डी, रैना ए. एवेल्यूएशन ऑफ ब्लड, बुकल स्वैब्स, एंड हेयर फॉलिकल्स फॉर डीएनए प्रोफाइलिंग टेक्निक्स यूजिंग एसटीआर माक्रस. *क्रोट मेड जे* 2015;56: 239–45.
265. चौधरी ओ, कुमार एस, बाला एम, सिंह जे, हाजारिका ए, लुथरा के. एसोसिएशन ऑफ डीसी–एसआईजीएनआर एक्सप्रेशन इन पेरीफेरल ब्लड मोनोन्युक्लियर सेल्स विद. *वायरल इम्युनोलॉजी* 2015;28: 472–5.
266. चौधरी आर, घोष ए, चंदोलिया ए. पैथोजेनेसिस ऑफ मायकोप्लाज्मा निमोनिया : एन अपडेट. *इंडियन जे मेड माइक्रोबायोल* 2016;34: 7–16.
267. चौहान ए, शर्मा यू, जगन्नाथन एन आर, गुप्ता एन आर, गुप्ता वाय के. रैपेमिसिन एमेलिओरेट्स ब्रेन मेटाबोलिटिज़ अल्ट्रेशंस आफ्टर ट्रांसिएंट फोकल इस्केमिया इन रैट्स. *यूर जे फार्माकोल* 2015;757: 28–33.
268. चौहान आर सी, राय एस के, कांत एस, लोधा आर, कुमार एन, सिंह एन. बर्डन अमंग केयरगीवर्स ऑफ चिल्ड्रन लिविंग विद ह्यूमन इम्युनोडेफिसिएंसी वायरस इन नॉर्थ इंडिया. *एन एम जे मेड साइं* 2016;8: 129–33.
269. चौहान एस, शर्मा के पी, बिसोई ए के, पांगेनी आर, मदान के, चौहान वाय एस. मैनेजमेंट ऑफ पल्मोनरी अल्वियोलर प्रोटेनोसिस विद होल लंग लेवेज यूजिंग एक्स्ट्राकोर्पोरियल मेम्ब्रेन ऑक्सिजीनेशन सपोर्ट इन ए पोस्ट्रेनल ट्रांसप्लांट पेशेंट विद ग्राफ्ट फेलियर. *एन कार्ड एनीस्थि* 2016;19: 379–82.
270. चौहान एस एस, कौर जे, कुमार एम, मत्ता श्रीवास्तव जी, एल्यास ए, *एट ऑल.* प्रीडिक्शन ऑफ रिकरेंस – फ्री सर्वाइवल यूजिंग ए प्रोटीन एक्सप्रेशन–बेस्ड रिस्क क्लासिफायर फॉर हैड एण्ड नेक कैंसर. *ओंकोजेनेसिस* 2015;4: ई147.
271. चौहान वी, बिंद्रा ए, बिठल पी के. अनुयूज़वल एसोसिएशन बीटविन स्पाइनल कॉर्ड ट्यूमर एंड पेरियोपरेटिव एरिहायथेमिया. जे न्यूरोएनीस्थीसियोल क्रिट केयर 2015; 2: 127–9.
272. चौरसिया आर, रौत डी, जमन एस, चटर्जी के, पाण्डे एच सी, मौर्या ए के. कम्प्रेशन ऑफ प्रोक्लेसी अल्ट्रियो एलीट एंड प्रोक्लिक्सी अल्ट्रियो एनएटी एस्से फॉर स्क्रीनिंग फॉर स्क्रीनिंग ऑफ ट्रांसफ्यूजन ट्रांसमेटिड इंफेक्शन्स अमंग ब्लड डोनर्स इन इंडिया. *इंट जे माइक्रोबायोल* 2016;2016: 2543156.
273. चौरसिया आर, जमन एस, चटर्जी के, दास बी. रेट्रोस्पेक्टिव रिव्यू ऑफ प्लेटलेट ट्रांसफ्यूजन प्रैक्टिसेज़ ड्यूरिंग 2013 डेंगू एपिडेमिक ऑफ दिल्ली, इंडिया. *ट्रांसफ्यूज मेड हेमथर* 2015;42(4): 227–31.
274. चावला बी, हाडा एम, सेठ आर, सेन एस, गुप्ता वी, कश्यप एस, एट ऑल. ट्रेबेक्युलेक्टॉमी इन आइस विद अनसस्पेक्टिड रेटिनोब्लास्टोमा. ओफ्थल्मिक जीनेट 2016;11: 1–4.
275. चावला बी, हसन एफ, अजाद आर, सेठ आर, उपाध्याय ए डी, पथी एस, *एट ऑल.* क्लिनिकल प्रेजेंटेशन एंड सर्वाइवल ऑफ रेटिनोब्लास्टोमा इन इंडियन चिल्ड्रन. *बीआर जे ओफ्थल्मोल* 2016;100: 172–8.
276. चावला आर, बायपारेड्डी आर, चंद्रा पी, वोहरा आर. फेमिलियल एक्स्युडेटिव विट्रियोरेटिनोपैथी : प्रेजेंटेशन इन द फर्स्ट वीक ऑफ लाइफ. जे पीडियाट्रि ओफ्थल्मोल स्ट्रेबिसमस 2015;52(5): 317–8.
277. छाबड़ा ए, सुब्रमण्यम आर, श्रीवास्तव ए, प्रभाकर एच, कलैवनी एम, परांजपे एस. स्पेक्ट्रल एंट्रोपी मॉनिटरिंग फॉर एडल्ट्स एंड चिल्ड्रन अंडरगोइंग जनरल एनीस्थिसिया. *कोरेन डेटाबेस सिस्ट रेव* 2016;3: सीडी010135.
278. छाबड़ा एच, मल्होत्रा एच, मारवाह एस, डेव बी, सी के, सोहेल एस, *एट ऑल.* एन ऑब्जरवेशनल स्टडी टू एक्सेस बैक पेन इन पेशेंट्स विद सीवियर ओस्टियोप्रोसिस ट्रीटेड विद टेरीपेरेटाइड वर्सेस

एंटीरेसोर्पेटिव्स : एन इंडियन सबपॉपुलेशन एनालायसिस. *इंडियन जे एंडोक्रि मेटाब* 2015;19(4): 483–90.

279. चाराकोडावाला टी, गजेंद्र एस, तिवारी पी, गोगिया ए, गुप्ता आर. थेरेपी रिलेटिड एक्यूट मायलॉयड ल्यूकेमिया विद टी (8; 16) मिमिकिंग एक्यूट प्रोमायेलोसिस्टिक ल्यूकेमिया. *इंडियन जे हेमेटोल ब्लड ट्रांसफ्यूज* 2016;32(पूरक1): 20–2.

280. चिकानायाकानाहाली नरसिम्हा पी, गुप्ता एस, खोखर एस, वनाति एम, दादा टी, पाण्डे आर एम, *एट ऑल.* कॉर्नियल पॉलिशिंग आफ्टर प्टेरिजियम एक्सिशन विद् मोटराइज्ड डायमण्ड बुर : ए रेण्डोमाइज्ड कंट्रोल ट्रायल. *आई कॉन्टैक्ट लेंस* 2015;41: 268–72.

281. चोपड़ा ए, सोनी एस, वर्मा डी, कुमार डी, द्विवेदी आर, विश्वनाथन ए, *एट ऑल.* प्रीवेलेंस ऑफ कॉमन फ्यूजन ट्रांसक्रिप्ट्स इन एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया : ए रिपोर्ट ऑफ 304 केसिस. *एशिया–पैसिफ जे क्लिन ओंकोल* 2015;11: 293–8.

282. चोपड़ा एस, गर्ग ए, चोपड़ा एम, घोष ए, श्रीनिवास वी, सूद, *एट ऑल.* डिक्लिनिंग ट्रेंड्स ऑफ सिफलिस सीरोप्रीवेलेंस अमंग एंटिनेटल क्लिनिक केसिस एंड एसटीडी क्लिनिक केसिस इन ए टर्शरी केयर सेंटर : फ्रॉम जनवरी 2002 टू दिसंबर 2012. *इंडियन जे मेड माइक्रोबायोल* 2015; 33 पूरक : 126–8.

283. चौधरी ए, पति एस के, पात्रो आर के, देवरारी ए के, दार एल. कम्पेरिज़न ऑफ कंवेंशनल, इम्युनोलॉजिकल एंड मॉलिकुलर टेक्निक्स फॉर द डायग्नोसिस ऑफ सिम्प्टोमेटिक कंजेनाइटल ह्यूमन साइटोमेगालोवायरस इंफेक्शन इन नियोनेट्स एण्ड इंफेंट्स. *इंडियन जे मेड माइक्रोबायोल* 2015;33 (पूरक): 15–9.

284. चौधरी पी, जैसवाल ए के, कुमार आदर्श, गुप्ता एस के. एक्स्ट्रैक्शन एंड आइडेंटिफिकेशन ऑफ 'फिनिट' इन बायोलॉजिकल सैंपल्स यूजिंग डिफरेंट सोल्वेंट सिस्टम्स ऑफ टीएलसी. *जे इंडियन सोश टॉक्सिकोल* 2015;11(1): 17–22.

285. चौधरी ए, नरूला जे, कुमार पी, अग्रवाल एस, किरण यू. इंवर्टिड लेफ्ट आर्टिरियल एपेंडेज : ए कॉम्प्लीकेशन ऑफ डि–एयरिंग ड्यूरिंग कार्डियक सर्जरी. कैन जे एनीस्थि 2015;62: 1119–20.

286. चौधरी एम, रघु एम जी, होते एम पी, कलैवनी एम वी. इंट्रावेनस मैग्नीशियम सल्फेट एंड इट्स कॉम्बीनेशन विद ओरल विटामिन सी फॉर एएफ प्रोफायलेक्सिस इन पेशेंट्स अंडरगोइंग कोरोनरी आर्टरी बायपास सर्जरी : ए रेंडोमाइज्ड डबल ब्लाइंड कंट्रोल्टड ट्रायल. जे ऑफ फर्माकोल एंड क्लिन रेस 2016;1(1): 555554.

287. चौधरी एम. डिक्समेडेटोमाइडिन : द एनीस्थेटिक एज़ एन एंटीएरिथेमिक. कार्डियोल फर्माकोल 2015;4(3): 4–6.

288. चौहान आर एस, बिंद्रा ए, मिश्रा एन, सिन्हा एस. ए रेयर केस ऑफ एब्डोमिनल कम्पार्टमेंट सिंड्रोम फॉलोइंग रिपेयर ऑफ लार्ज मायोलोमेनिनगोसेल. जे पीडियाट्रि न्यूरोसा 2015; 10:365–7.

289. चौधरी आर, सिन्हा बी, शंकर एम जे, तनेजा एस, भंडारी एन, रोलिंस एन, *एट ऑल.* ब्रेस्टफीडिंग एंड मेटरनल हेल आउटकम्स : ए सिस्टेमेटिक रिव्यू एंड मेटा–एनालायसिस. *एक्टा पीडियाट्रि* 2015; 104: 96–113.

290. चौधरी यू के, पटेल के, गुप्ता एस के, जगिया पी, सिंह एस पी. राइट कोरोनरी आर्टरी टू पल्मोनरी आर्टिकल फिस्टुला एसोसिएटिड विद टेट्रालॉजी ऑफ फैलोट : ए केस रिपोर्ट एंड रिव्यू ऑफ लिटरेचर. वर्ल्ड जे पीडियाट्रि कंजनाइट हार्ट सर्ज 2015;6(4): 654–7.

291. चौधरी यू के, पटेल के, सेठ एस, रे आर, जगिया पी, साहू एम. कंजेनाइटल एरिथ्रोपोयटिक पोरफारिया विद कैल्सिफिक कंस्ट्रिक्टिव पेरीकार्डिटिस ए केस रिपोर्ट एंड ब्रीफ रिव्यू ऑफ लिटरेचर. वर्ल्ड *जे पीडियाट्रिक कंजनाइट हार्ट सर्ज* 2015;6(4): 646–9.

292. चुम्बर एस, पोल एम एम, अख्तर जे, उनियाल एम. मेल्रोटेशन ऑफ द गट हार्बोयूरिंगमिडगट वॉलवुलस इन एन एडल्ट विद सिटस इंवर्सेस टोटलिस : ए क्लिनिकल डिले एंड टीट्रमेंट डायलेमा. बीएमजे केस रिप 2015:2015.

293. डबास ए, बत्रा ए, खडगावत आर, ज्योत्सना वी पी, बख्शी एस. ग्रोथ एंड एंडोक्राइनल अब्नॉर्मेलिटिस इन पीडियाट्रिक लैंगरहैंस सेल हिस्टियोसाटोसिस. *इंडियन जे पीडियाट्रि* 2016;83: 657–60.

294. डबास ए, खडगावत आर, बाल सी एस. ड्यूल एक्टोपिक थाइरॉयड : ए रेयर एंटिटी. ड्यूल इक्टोपिक थाइरॉयड टिशू. *जे पीडियाट्रि चाइल्ड हेल्थ* 2015;51: 647, 648.

295. डबास ए, खडगावत आर. विटामिन डी रिसेप्टर पॉलीमोर्फिज्मस एंड बोन मास एक्यूरल इन इंडियन गर्ल्स. *इंडियन जे पीडियाट्रि* 2015;82: 975–6.

296. डबास ए जी, खडगावत आर, डेवलपिंग इंडिजेनस थेरापुटिक कैल्शियम सप्लीमेंटशन फॉर ट्रीटिंग न्यूट्रिशनल रिकेट्स. *जे पीडियाट्रि* 2015;167: 12–4.

297. डबास एच, शर्मा के के, जोशी पी, अग्रवाल एस. वीडियो टीचिंग प्रोग्राम ऑन मेनेजमेंट ऑफ कोलोस्टॉमी. एवेल्यूएशन ऑफ इट्स इम्पैक्ट ऑन केयरगीवर्स. *जे इंडियन एसोशि पीडियाट्रि सर्ज* 2016; 21: 54–6.

298. डबास वाय, बख्शी एस, एक्सेस आई. फेटल केसिस ऑफ ब्लडस्ट्रेम इंफेक्शन बाय फुसेरियम सोलानी एंड रिव्यू ऑफ पब्लिशड लिटरेचर. *मायकोपैथोलॉजिया* 2016;181(3–4): 291–6.

299. दादा आर, कुमार एस बी, टोलेहेंस एम. योगा एंड मेडिटेशन एज़ ए थेरापुटिक इंटरवेंशन इन ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस एंड ऑक्सिडेटिव डीएनए डैमेज टू पैटर्नल जीनोम. *जर्नल ऑफ योगा एंड फिजिकल थेरेपी* 2015;5: 217–9.

300. दादा टी, राठी ए, आंग्मो डी, अग्रवाल टी, वनाति एम, खोखर एस के, एट ऑल. क्लिनिकल आउटकम्स ऑफ क्लियर लेंस एक्स्ट्रैक्शन इन आई विद प्राइमरी एंगल क्लोज़र. जे कैटेरैक्ट रिफ्रैक्ट सर्ज 2015;41(7): 1470–7.

301. दलेला एम, श्रीवास्तव टी जी, खरबंदा एस, सिंह एच. पीएच–सेंसिटिव बायोकम्पैटिबल नैनोपार्टिकल्स ऑफ पैक्लिटेएक्सल–कंजुगेटिड पॉली (स्टीरेन–को–मेलिक एसिड) फॉर एंटीकैंसर ड्रग डिलीवरी इन सॉलिड ट्यूमर्स ऑफ सिंजेनिक माइस. *एसीएस एप्ल मेटर इंटरफेसिज़* 2015;7: 26530–48.

302. डेरिवेमुला एस बी, गोस्वामी के, गुप्ता एस के, साल्वे एच, सिंह यू, गोस्वामी ए के. वर्क–रिलेटिड नेक पेन अमंग डेस्क जॉब वर्क्रर्स ऑफ टर्शरी केयर हॉस्पिटल इन न्यू दिल्ली, इंडिया : बर्डन एंड डिटर्मिनेंट्स. *इंडियन जे कम्युनिटी मेड* 2016;41(1): 50–4.

303. डारलोंग वी, बियानी जी, बैद्य डी के, पाण्डे आर, चंद्रलेखा, पुंज जे, *एट ऑल.* कम्पेरिजन ऑफ एयर–क्यू एंड अम्बु औरा–आई फॉर कंट्रोल्ड वेंटिलेशन इन इंफेंट्स : ए रेंडोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल. *पीडियाट्रि एनीस्थि* 2015;25(8): 795–800.

304. डारलोंग वी, गर्ग आर, पाण्डे आर, खोखर एस, चंद्रलेखा सिन्हा आर, *एट ऑल.* एवेल्यूएशन ऑफ मिनिमल डोज़ ऑफ एट्राक्युरिम फॉर केटेरैक्ट सर्जरी इन चिल्ड्रन : ए प्रोस्पेक्टिव रेंडोमाइज्ड डबल–ब्लाइंड स्टडी. *सऊदी जे एनीस्थि* 2015;9(3): 283–8.

305. डारलोंग वी, खन्ना पी, बैद्या डी के, चंद्रलेखा, पाण्डे आर, पुंज जे, *एट ऑल.* पेरिऑपरेटिव कॉम्प्लीकेशंस ऑफ कोकेलर इम्प्लांट सर्जरी इन चिल्ड्रन. *जे एनीस्थि* 2015;29: 126–30.

306. दास ए, भल्ला ए एस, शर्मा आर, कुमार ए, शर्मा एम, गमनगट्टी एस, *एट ऑल.* बीनाइन नेक मेसिस शोइंग रेस्ट्रिक्टिड डिफ्यूज़न : इज़ देयर ए हिस्टोलॉजिकल बेसिस फॉर डिसकोर्डेंट बीहेवियर? *वर्ल्ड जे रेडियोल* 2016;8: 174–82.

307. दास ए, सिंह ए, गजेंद्र ए, गुप्ता आर, सेजवाल एस, सेठ आर. एन अनयूज़वल केस ऑफ फीनोटाइप स्विच बीटविन एएमएल एफएबी सबटाइप्स. *क्लिन केस रिप* 2015;3(2):118–20.

308. दास ए, सिंह पी के, सूरी वी, सेबल एम एन, शर्मा बी एस. स्पाइनल हेमेंजियोपेरीसायटोमा : एन इंस्टीट्यूशनल एक्सपीरियंस एंड रिव्यू ऑफ लीटरेचर. *यूरो स्पाइन जे* 2015;24 (पूरक4): एस606–13.

309. दास बी के. द नैरो रोड टू द इंडिजीनस रोटावायरस वैक्सीन. *इंडियन जे मेड माइक्रोबायोल* 2015; 33: 203–4.

310. दास सी जे, बलियान वी, शर्मा एस. इमेज–गाइडिड यूरोलॉजिकल इंटरवेंशंस : वॉट द यूरोलॉजिस्ट्स मस्ट नो. *इंडियन जे यूरोल* 2015;31(3): 202–8.

311. दास सी जे, मनचंदा एस, पांडा ए, शर्मा ए, गुप्ता ए के. रिसेंट एडवांसेज़ इन इमेजिंग ऑफ स्मॉल एंड लार्ज बाउल. *पीईटी क्लिन* 2016;11(1): 21–37.

312. दास सी जे, थिंगुजम यू, पांडा ए, शर्मा एस, गुप्ता ए के. परफ्यूजन कम्प्युटिड टोमोग्राफी इन रीनल सेल कार्सिनोमा. *वर्ल्ड जे रेडियोल* 2015;7(7): 170–9.

313. दास जे के, रिज़वी ए, भट्टी जेड, पॉल वी, बहल आर, शाहीदुल्लाह एम, *एट ऑल.* स्टेट ऑफ नियोनेटल हेल्थ केयर इन ऐट कंट्रीज़ ऑफ द साक्र रीजन, साउथ एशिया : हाउ कैन वी मेक ए डिफरेंस? *पीडियाट्रि इंट चाइल्ड हेल्थ* 2015;35: 174–86.

314. दास के के, वल्लभ टी, पाटिल एस एम, रे जे, दीपक के के. नॉलेज ऑन एथिकल ऑथरशिप : ए कम्पेरेटिव स्टडी बिटवीन मेडिकल एंड फार्मेसी फैकल्टी. *जे यंग फर्मा* 2016;8(2): 136–40.

315. दास पी, गहलोत जी पी, मेहता आर, गुप्ता एस डी. इंटरप्रेटेशन ऑफ इलियल बायोप्सी. *इंडियन जे पैथोल माइक्रोबायोल* 2015;58: 146?53.

316. दास पी, गुप्ता एस डी. कैंसर स्टेम सेल्स इन हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमास. *इंडियन जे मेड रेस* 2015;142: 362–5.

317. दास पी, विजय एम के, यादव आर, कुमार एस, शर्मा जे, गुप्ता एस डी. जायंट विलस एडेनोमा ऑफ रेक्टम मिमिकिंग एन इंफिल्ट्रेटिंग एडेनोकार्सिनोमा. *ट्रॉप गैस्ट्रोइंटेरोल* 2015;36: 137–9.

318. दास आर, खलील एस, मृधा बी आर, मखारिया जी के, दत्तागुप्ता एस, चौधरी आर. मोलिकुलर केरेक्टराइजेशन एंडज्ञ सबटाइपिंग ऑफ ब्लास्टोसिस्ट्स स्पीशिज़ इन इरिटेबल बाउल सिंड्रोम पेशेंट्स फ्रॉम नॉर्थ इंडिया. *पीएलओएस वन* 2016;11: ई0147055.

319. दास आर आर, शंकर जे, देव एन. हाइ – डोज़ वर्सेस लो–डोज़ एंटीवेनम इन द ट्रीटमेंट ऑफ पॉइजनस स्नेक बाइट्स : ए सिस्टेमेटिक रिव्यू. *इंडियन जे क्रिट केयर मेड* 2015;19: 340–9.

320. दास आर आर, शंकर जे, शंकर एम जे. सिक न्यूनेट स्कोर : बेटर दैन अदर्स इन रिसोर्स रिस्ट्रिक्टिड सेटिंग्स? *इंडियन जे पीडियाट्रि* 2016;83: 97–8.

321. दास आर आर, शंकर एम जे. स्ट्रेसफुल लाइफ इन एनआईसीयू : टाइम टू नर्स द नियोनेटल नर्सेस. *इंडियन जे पीडियाट्रि* 2015;82: 983–4.

322. दास एस, बिस्वास ए, कपूर एम, सेठ एस, भार्गव बी, राव वी आर. एपिडेमियोलॉजी ऑफ कार्डियोमायोपेथी – ए क्लिनिकल एंड जेनेटिक स्टडी ऑफ डिलेटिड कार्डियोमायोपैथी : द ईपीओसीएच–डी स्टडी. जे प्रैक्ट कार्डियोवैस्कुल साइंस 2015;1(1): 30.

323. दास एस, इर्पाची के, अग्रवाल एस, राजशेखर पी. जायंट राइट आर्टियल मायोक्सोमा इन द ऐट डिकेट ऑफ लाइफ. जर्नल ऑफ कार्डियोवेस्कुलर मेडिसिन एंड सर्जरी 2015;1(1): 49–53.

324. दास एस, कुमार पी, किरण यू. रोल ऑफ फीनोक्सीबेंजेमाइन इन पेरिऑप्रेटिव क्लिनिकल प्रैक्टिस. एं कार्डि एनीस्थि 2015;18: 577–8.

325. दास एस, कुमार पी. कम्पेरिजन ऑफ मिनिमल लीक टेस्ट एंड मैनुअल कफ प्रेशर मेजरमेंट टेक्नीक मेथड फॉर इंफ्लेटिंग द एंडोट्रेकियल ट्यूब कफ. इंडियन जर्नल ऑफ क्लिनिकल एनीस्थिसिया 2015; 2: 78–81.

326. दास एस, कुमार एस, नाथ एम, भल्ला ए पी. पेरिऑप्रेटिव मैनेजमेंट ऑफ कम्बाइंड सर्जरी फॉर फियोक्रोमोसाइटोमा एंड डबल आउटलेट राइट वेंट्रिकल : ए रेयर कॉम्बीनेशन. इंडियन जे एनीस्थि 2015;59: 378–80.

327. दास एस, लाधा एस, ऐरन बी. रोल ऑफ इंट्रा–ऑप्रेटिव ट्रांसइसोफेगियल इकोकार्डियोग्राफी इन एवेल्यूएशन ऑफ फोंटन कंड्यूट फॉर थ्रोम्बोसिस. जर्नल ऑफ पेरिऑप्रेटिव इकोकार्डियोग्राफी 2015;3(2): 55–7.

328. दास एस, लाधा एस, एरेन बी. अनरप्चर्ड साइनस ऑफ वलसल्वा एन्यूरिज्म विद राइट वेंट्रीकुलर आउटफ्लो ट्रैक्ट ऑब्स्ट्रक्शन एंड वेंट्रीकुलर स्पेक्टल डिफेक्ट – ए रेयर कॉम्बिनेशन. इकोकार्डियोग्राफी 2015;32(8): 1322–4.

329. दास एस, नंदा एस के, बिसोई ए के, मखीजा एन. इफेक्ट्स ऑफ टू डिफरेंट डोसिज़ ऑफ फीनोक्सीबेंजाइमिन ड्यूरिंग कार्डियो–पल्मोनरी बायपास इंफैंट्स अंडरगोइंग आर्टीरियल स्विच ऑपरेशन फॉर ट्रांसपोजिशन ऑफ ग्रेट आर्टीरिज़. जर्नल ऑफ कार्डियोवैस्कुलर मेडिसिन एंड सर्जरी 2015; 1: 17–21.

330. दास गुप्ता ए, कुमार एल. क्रोनिक मायलोड ल्यूकेमिया : ए पैराडिग्म शिफ्ट इन मैनजेमेंट. *नेटल मेड जे इंडिया* नवबंर–दिसंबर;27(6): 316–23.

331. दास गुप्ता ए, महापात्रा एम, सक्सेना आर. ए स्टडी फॉर प्रोपोज़ल ऑफ यूज़ ऑफ रेगुलेटरी टी सेल्स एज़ ए प्रोग्नोस्टिक माक्रर एंड इस्टेबिलिशंग एन ऑप्टीमल थ्रेशहोल्ड लेवल फॉर देयर एक्सपीरियंस इन क्रोनिक लिम्फोसाइटिक ल्यूकेमिया. *ल्यूक लिम्फोमा* 2015;56(6):1831–8.

332. दास डी, अग्रवाल वी, जोशी आर, पद्मा एम वी, त्रिपाठी एम. इफेक्ट ऑफ रिडक्शन ऑफ एंटीएपिलेप्टिक ड्रग्स इन पेशेंट्स विद ड्रग–रिफ्रेक्टरी एपिलेप्सी. सीजर 2015; 27:25–9.

333. दास डी, कुमार एम, सूरी वी, पद्मा एम वी, त्रिपाठी एम, सिमुलेटेनियस ऑक्यूरेंस ऑफ स्क्लेरोडर्मा, न्यूरोमायोटोनिया, एंड इंफ्लेमेटरी मायोपैथी : एविडेंस ऑफ कॉमन इम्युनोलॉजिकल इटियोलॉजी. एन इंडियन एके न्यूरोल 2016; जनवरी: 25–9.

334. दास डी, प्रसाद के, जोसेफ एल. सेरेब्रल वीनस थ्रोम्बोसिस : एन इंडियन पर्सपेक्टिव. न्यूरल इंडिया 2015; 63: 318–28.

335. दास एन आर. सर्जिकल गैस्ट्रोइंटेरोलॉजी बाय संजीव हरिभक्ति (बुक रिव्यू). *ट्रॉप गैस्ट्रोइंटेरोल* 2015;36:71.

336. दत्ता पी के, पवार डी के, बैद्या डी के, मैत्रा एस, अरविंदन ए, श्रीनिवास एम. *एट ऑल.* डिक्स्ट्रोज़–कंटेनिंग इंट्राऑप्रेटिव फ्लूड इन नियोनेट्स : ए रेंडोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल. *पीडियाट्रि एनीस्थि* 2016;26(6): 599–607.

337. दत्तात्रेय आर, गर्ग आर. डोसिंग ऑफ डिक्सेमीथेसोन इन क्रोनिक कैंसर पेन. *जे एनीस्थि क्रिट केयर ओपन एक्सेस* 2015;3(2): 00094.

338. डेव एच, स्मृत वी, दुग्गल आर, खरबंदा ओ पी. मैनेजमेंट ऑफ हॉरिजॉन्टली इम्पेक्टिड, सीविरली रोटेटिड एंड डिलेसेरेटिड सेंट्रल इंसाइजर इन अर्ली मिक्स्ड डेंटिशन : ए केसर रिपोर्ट. *जे डेंट चाइल्ड* 2015;82 (3): 163–7.

339. डेव एच आर, स्मृति वी डी, खरबंदा ओ पी. द एक्स्ट्रैक्शन ऑफ मैक्सिलरी लेटरल इंसाइजर्स फॉर द ट्रीटमेंट ऑफ ए क्लास ।। क्राउडिड मैलोक्युल्यूशन : ए केस रिपोर्ट. *ऑस्ट ऑर्थोड जे.* 2015;31(1): 107–15.

340. दयाल एम, गमनगट्टी एस. इंफेरियर वेना कावा वेब कॉजिंग बुड–चिरारी सिंड्रोम. *अरब जे गैस्ट्रोइंटेरोल* 2015;16(3–4): 148–9.
341. दयाल पी, बल्हारा वाय पी एस, मिश्रा ए के. एन ओपन लेबल न्यूट्रेलिस्टिक स्टडी ऑफ प्रीडिक्टर्स ऑफ रिटेंशन एंड कम्प्लायंस टू नालट्रीक्सोन मेंटेनेंस ट्रीटमेंट अमंग पेशेंट्स विद ओपियोड डिपेंडेंस. जर्नल ऑफ सबस्टेंस यूज़ 2016;21: 309–16.
342. दयाल पी, बल्हारा वाय पी एस. प्रोफाइल ऑफ फीमेल पेशेंट्स सीकिंग इन–पेशेंट ट्रीटमेंट फॉर प्रीस्क्रिप्शन ओपियोड अब्यूज़ फ्रॉम ए टर्शरी केयर ड्रग डिपेंटडेंस ट्रीटमेंट सेंटर फ्रॉम इंडिया. इंडियन जे मेड रेस 2016;143: 95–100.
343. दायमा ए, दास जे, सेठ टी, माहापात्रा एम, मिश्रा पी सी, सक्सेना आर. क्लिनिको–हेमेटोलॉजिकल प्रोफाइल एंड आउटकम ऑफ एक्यूट प्रोमायलोसायटिक ल्यूकेमिकया पेशेंट्स एट ए टर्शरी केयर सेंटर इन नॉर्थ इंडिया. *इंडियन जे कैंसर* 2015;52(3):309–12.
344. डी'क्रूज़ ए के, शर्मा एस, अग्रवाल जे पी, ठाकर ए, तेली ए, आर्य एस, *एट ऑल.* इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च कंसेंस डॉक्यूमेंट फॉर द मैनेजमेंट ऑफ टंग कैंसर. इंडियन *जे मेड पीडियाट्रि ओंकोल* 2015;36:140–5.
345. देबी यू, थुल्कर एस, शर्मा एस, शर्मा एम सी, सीनू वी, डियो एस वी, *एट ऑल.* रोल ऑफ डायरेक्शनल वैक्युम अस्सिटिड ब्रेस्ट बायोप्सी इन प्रीवियसली एक्यूवोकेलबायोप्सिस फॉर ब्रेस्ट मेसेस ससपिसियस फॉर मेलिग्नेंसी. *मलेशिया जे पैथोल* 2015;37: 25–33.
346. दीपा एम, ग्रेस एम, बीनूकुमार बी, प्रदीपा आर, रूपा एस, खान एच एम, *एट ऑल.* हाइ बर्डन ऑफ प्री डायबिटीज़ एंड डायबिटीज़ इन थ्री लार्ज सिटीज़ इन साउथ एशिया : द सेंटर फॉर सी आर्डियो–मेटाबोलिक रिस्क रिडक्शन इन साउथ एशिया (सीएआरआरएस) स्टडी. *डायबिटीज़ रेस क्लिन प्रैक्ट* 2015;110: 172–82.
347. दीपक के के, अल–उमरान के यू, अल–शेख एम एच, एडकोली बी वी, अल–रूबैश ए. सायकोमेट्रिक्स ऑफ मल्टीपल चॉइस क्वेश्चंस विद नॉन–फंक्शनिंग डिस्ट्रैक्टर्स : इम्प्लीकेशंस टू मेडिकल एजुकेशन. *इंडियन जे फिजिकल फर्माकोल* 2015;59(4): 428–35.
348. दीपक के के. डिक्लिनिंग एक्सपेरिमेंटल स्किल्स अमंग फिजियोलॉजिस्ट्स. *इंडियन जे फिजियोल फर्माकोल* 2015;59: 124.
349. दीप्ति एस, गुप्ता एस के, रामाकृष्णन एस, तलवार एस, कोठारी एस एस. कंस्ट्रिक्टिव पेरीकार्डिटिस फॉलोइंग ओपन–हार्ट सर्जरी इन ए चाइल्ड. एन पीडियाट्रि कार्डियोल 2016;9(1): 68–71.
350. डेका डी, डढवाल वी, शर्मा ए के, शिंदे यू, अग्रवाल एस, अग्रवाल आर, *एट ऑल.* पेरिनेटल सर्वाइवल एंड प्रोसिजर–रिलेटिड कॉम्प्लीकेशंस आफ्टर इंट्रायूटेराइन ट्रांसफ्यूजन फॉर रेड सेल एलोइम्युनाइजेशन. *आर्क गाइनेकोल ऑब्स्टेट* 2016;293: 967–73.
351. डेल सेरो एम जे, मोलेडिना एस, हॉवर्थ एस जी, इवी डी, अल दबाग एम, बंजर एच, एट ऑल. कार्डियक केथेटराइजेशन इन चिल्ड्रन विद पल्मोनरी हाइपरटेंसिव वैस्कुलर डिजीज : कंसेंस स्टेटमेंट फ्रॉम द पल्मोनरी वैस्कुलर रिसर्च इंस्टीट्यूट, पीडियाट्रिक एंड कंजेनाइटल हार्ट डिज़ीज टास्क फॉर्सेस. पल्मो किर 2016;6(1): 118–25.
352. डेनी एल, भाटला एन. प्रीफेस फॉर बेस्ट प्रैक्टिस एंड रिसर्च क्लिनिकल ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी – इशू 29.6. *बेस्ट प्रैक्ट रेस क्लिन ओब्स्टेट गायनेकोल* 2015;29: 765–6.
353. देशमुख वी, लाहारिया सी, कृष्णामूर्ति एस, दास एम के, पाण्डे आर एम, अरोड़ा एन के. टेकन टू हेल्थ केयर प्रोवाइडर और नॉट, अंडर–फाइव चिल्ड्रन डाय ऑफ प्रीवेंटेबल कॉसिस : फाइंडिंग्स फ्रॉम क्रॉस–सेक्शनल सर्वे एंड सोशल ऑटोप्सी इन रूरल इंडिया. *इंडियन जे कम्युनिटी मेड* 2016;41: 108–19.

354. देशमुख वी, प्रसून पी, रे एस. रोल ऑफ पेरिफेरिन इन डिफाइंनिंग स्पेसिफिक पॉपुलेशंस ऑफ सेल बॉडीज़ इन द डोरसल रूट गैंगलिया. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मेडिकल साइंस एंड पब्लिक हेल्थ* 2016; 5:1.
355. देवी एस के, सुनकेसुला जी, भट्टाचार्जी एस, बैद्या डी के, मैत्रा एस. बिलेटरल फियोक्रोमासाइटोमा : टू ट्यूमर्स मे नॉट बी सेम! *एनीस्थीसि एस्से रेस* 2015;9(3): 451–2.
356. धमीजा ई, मधुसूदन के एस, शालीमार, दास पी, श्रीवास्तव डी एन, गुप्ता ए के. प्राइमरी हेपेटिक डिफ्यूज़ लार्ज बी–सेल लिम्फोमा : अनयूज़वल प्रेजेंटेशन एंड इमेजिंग फीचर्स. *क्युर प्रोब्ल डायग्न रेडियोल* 2015;44: 290–3.
357. धमीजा ई, पॉल एस बी, गमनगट्ठी एस आर, आचार्य एस के. बिलेरी कॉम्प्लीकेशंस ऑफ आर्टीरियल कीमोएम्बोलाइजेशन ऑफ हेपेटोसुलेलर कार्सिनोमा. *डायग्न इंटरव इमेजिंग* 2015;96(11): 1169–75.
358. धमीजा ई, थुल्कर एस, भटनागर एस. यूटिलिटी एंड पोटेंशियल ऑफ बेडसाइड अल्ट्रासाउंड इन पैलिएटिव केयर. *इंडियन जे पैलिएट केयर* 2015;21(2): 132–6.
359. धवन ए, चोपड़ा ए, अम्बेकर ए, रे आर. ट्रीटमेंट सीकिंग बीहेवियर ऑफ इंहैलेंट यूजिंग स्ट्रीट चिल्ड्रन : आर वी प्रीपेयर्ड टू मीट देयर ट्रीटमेंट नीड्स. इंडियन जे फिजिकल मेड 2015;37: 282–7.
360. धवन ए, चोपड़ा ए, जैन आर, यादव डी, वेदामूर्ताचार नल. इफेक्टिवनेस ऑफ योगी ब्रीथिंग इंटरवेंशन ऑन क्वालिटी ऑफ लाइफ ऑफ ओपियोड डिपेंडडेंट यूजर्स. इंट जे योग 2015;8: 144–7.
361. धवन ए, चोपड़ा ए, रे आर. प्रीफेरेंसिस फॉर ट्रीटमेंट सेटिंग बाय सबस्टेंस यूजर्स इन इंडिया. इंडियन जे फिजिकल मेड 2016;38: 42–5.
362. धवन बी, सेबस्टियन एस, मल्होत्रा आर, कपिल ए, गौतम डी. प्रोस्थेटिक जॉइंट इंफेक्शन ड्यू टू लायोबैक्टर थर्मोफिलस डायग्नोस्ड बाय 16 एस आरएनए जीन सिक्वेंसिंग. *इंडियन जे मेड माइक्रोबायोल* 2016;34: 100–2.
363. धीमन आर, पिल्लै जी, कश्यप एस, वनाथी एम. एंटीरियर सेग्मेंट ऑप्टिकल कोहेरेंस टोमोग्राफी ऑफ इंट्रास्ट्रोमल कोर्नियल डोनर लेंटियूल फॉर रिकरंट इंट्रास्ट्रोमल एपिथीलियल इंक्लुशन सिस्ट इन ए कोर्नियल ग्राफ्ट. बीएमजे केयर रिप 2015: 2015.
364. धीमन आर, सिंह ए, टंडन आर, वनाथी एम. कॉन्टैक्ट लेंस इंड्यूज्ड सूडोमोनास केराटाइटिस फॉलोइंग डिसेमेट स्ट्रिपिंग ऑटोमेटिड एंडोथिलियल केरेटोप्लास्टी. कॉन्ट लेंस एंटीरियर आइ 2015;38(5): 379–81.
365. ढींगरा आर, श्रीवास्तव एस, बेहरा एस, वेदिराज पी के, वेनुथुरिमिली ए, शालीमार, *एट ऑल.* सिंगल और मल्टीपोर्ट पर्सक्यूटेनियस एंडोस्कोपिक नेक्रोसेक्टॉमी परफॉर्मड विद द पेशेंट अंडर कॉन्शस सेडेशन इज़ ए सेफ एंड इफेक्टिव ट्रीटमेंट फॉर इंफेक्टिड पैंक्रियाटिक नेक्रोसिस (विद वीडियो). *गैस्ट्रोइंटेस्ट एंडोस्क* 2015;81: 351–9.
366. ढल वी एस, अरोड़ा एस, परीदा जी के, शमीम एस ए, त्रिपाठी एम. एवेल्यूएटिंग द एक्सटेंट ऑफ इंवोल्वमेंट इन हेमेंजियोपेरिसायटोमा यूजिंग थ्री–फेज बोन सिंटीग्राफी. *यूरो जे न्यूक्लि मेड मोल इमेजिंग* 2015;42: 809–10.
367. ढल वी एस, खानगेम्बम बी सी, शर्मा पी, राणा एन, वर्मा एस, शर्मा डी, *एट ऑल.* सर्जिकल स्कार साइट रिकर्रेंस इन पेशेंट्स विद सर्वाइकल कैंसर ऑन 18एफ–एफडीजी पीईटी–सीटी : ए केस–कंट्रोल स्टडी. *इंट जे गायनेकोल कैंसर* 2016;26: 354–60.
368. ढल वी एस, पासाह ए, राणा एन, अरोड़ा एस, मलिक एस, कुमार आर. पेरेनियोप्लास्टिक पेमफिगस एज़ ए फर्स्ट सिग ऑफ मेटास्टेटिक रेट्रोपेरिटोनियल इंफ्लेमेटरी मायोफाइब्रोब्लास्टिक ट्यूमर : (18)एफ–एफडीजी पीईटी/सीटी फाइंडिंग्स. *रेव स्पे मेड न्युक्लि इमेजिन मॉल* 2016;35: 260–2.
369. ढल वी एस, पासाह ए, राणा एन, कौर के, त्रिपाठी एम, कुमार आर. 18 एफ–एफडीजी पीईटी /

सीटी ऑफ वाइडस्प्रेड रोसई–डोर्फमैन डिजीज. *क्लिन न्युक्लि मेड* 2016;41: 57–9.
370. ढल वी एस, शर्मा पी, पटेल सी, कुंडू पी, अग्रवाल एस, बख्शी एस, *एट ऑल.* डायग्नोस्टिक वैल्यू ऑफ 18एफ–एफडीजी पीईटी/सीटी इन पीडियाट्रिक न्यूरोब्लास्टोमा : कम्पेरिज़न विद कम्पेरिज़न विद 131आई–एमआईबीजी सिंटीग्राफी. *न्यूक्लि मेड कम्युन* 2015;36: 1007–13.
371. डिंडा ए के, त्रिपाठी डी आर, दासगुप्ता एस. ग्लायकेशन ऑफ राइबोन्युक्लियस ए अफेक्ट्स इट्स एंजाइमेटिक एक्टिविटी एंड डीएनए बाइंडिंग एबिलिटी. *बायोकाइमी* 2015;118: 162–72.
372. दीक्षित ए बी, बनर्जी जे, त्रिपाठी एम, चंद्रा पी एस. प्रीसर्जिकल एपिलेप्टोजेनिक नेटवक्र एनालायसिस : ए वे टू इंहैंस एपिलेप्सी सर्जरी आउटकम. न्यूरोल इंडिया 2015; 63: 743–50.
373. दीक्षित ए बी, त्रिपाठी एम, चंद्रा पी एस, बनर्जी जे. मॉलिकुलर बायोमाक्रर्स इन ड्रग–रेजिस्टेंट एपिलेप्सी : फैक्ट्स एंड पोसिबिलिटीज़. इंट जे सर्ज 2015; पीआईआई : एस1743–9191(15)01131–0.
374. डोरसे एस एम, हारिस एम, सिंह ए, विटशे डब्ल्यू आर टी, रोडेल सी बी, कोगन एफ, *एट ऑल.* विजुअलाइलेशन ऑफ इंजेक्टेबल हाइड्रोजेल्स यूजिंग केमिकल्स एक्सचेंज सैचुरेशन ट्रांसफर एमआरआई. *एसीएस बायोमटिरियल्स साइंस एंड इंजीनियरिंग* 2015;1: 227–37.
375. दोशी एस, रामाकृष्णन एस, गुप्ता एस के. इंवेसिव हेमोडायनेमिक्स ऑफ कंस्ट्रीक्टिव पेरीकार्डिटिस. इंडियन हार्ट जे 2015;67: 175–82.
376. दौलतशाही डी, योगेंद्रकुमार वी, अविव आर आई, रोडिग्रेज–लुना डी, मोलीना सी ए, सिल्वा वाय, ... भाटिया आर, एट ऑल; प्रीडिक्ट / सनीब्रुक आईसीएच सीटीए स्टडी ग्रुप. स्मॉल इंट्रासेरेब्रल हेमरेजिस हेव ए लो स्पॉट साइन प्रीवेलेंस एंड आर लेस लाइकली टू एक्सपैंड. इंस्ट जे स्ट्रोक 2016; 11: 191–7.
377. डाउंस एस एम, सिंह ए, गुप्ता वी, लॉक के, घोष–जेरथ एस. द नीड फॉर मल्टीसेक्टोरल फूड चेन अप्रोचिस टू रिड्यूज़ ट्रांस फैट कंजप्शन इन इंडिया. *बीएमसी पब्लिक हेल्थ* 2015;15: 693.
378. ड्रेक एल जे, सिंह एस, मिश्रा सी के, सिन्हा ए, कुमार एस, भूषण आर, *एट ऑल.* बिहार पोयनीरिंग स्कूल–बेस्ड डीवॉर्मिंग प्रोग्राम : लेशंस लर्न इन डीवॉर्मिंग ओवर 17 मिलियन इंडियन स्कूल–एज चिल्ड्रन इन वन सस्टेनबल कैंपेन. *पीएलओएस नेग्ल ट्रॉप डिज़* 2015; 9(11): ई0004106.
379. दुबे एस के, सिंह जी पी, मित्रा आर. एंड–टाइडल सीओ2 मॉनिटरिंग : ए वे टू रिलोकेट एंड कंफर्म द लॉस्ट ट्रेकियोस्टॉमी ट्रैक्ट! जे न्यूरोएंनीस्थिसियोल क्रिट केयर. 2016; 3:67.
380. दुबे आर, चक्रबर्ती बी, सैनी एल, मदान पी, गुलाटी एस. बिलेटरल ऑफ्थल्मोप्लेजिया इन ए चाइल्ड विद माइग्रेन. *ब्रेन डेव* 2016;38: 525–8.
381. दुबे आर, कौशिक जे एस, इसराणी ए, सैनी एल, पटेल एच, चक्रबर्ती बी, *एट ऑल.* फिंगर ड्रॉप साइन : रेयर प्रेजेंटेशन ऑफ ए कॉमन डिस्ऑर्डर. *ब्रेन डेव* 2016;38: 250–2.
382. दुबे आर, सैनी एल, मनोकरण आर के, चक्रबर्ती बी, अग्रवाल डी, कुमार ए, *एट ऑल.* ए ट्रीम्बलिंग चाइल्ड एट रेस्ट, एक्शन एंड इंटेंशन : ए यूनिक ट्रीटेबल एंटिटी. *पीडियाट्रि न्यूरोल* 2015;53: 268–9.
383. दुग्गल आर, सिंह एन. डिटेक्शन ऑफ एपोपटोसिस इन ह्यूमन पेरियोडोंटल लिग्मेंट ड्यूरिंग टूथ मूवमेंट. *जे डेंट स्पेशिएलिटीज़* 2015;3: 140–5.
384. दुराईपांडी के, गुप्ता एन, करूणाकरण ए, काले पी, धाका एस, वर्मा एन, *एट ऑल.* नेसो–ऑफ्थलमिक मायसिस एंड प्यूबिक लॉस इंफेस्टेशन ऑफ नोज़. *जर्नल ऑफ केस रिपोर्ट्स* 2016;6: 1–3.
385. द्विवेदी डी के, कुमार आर, बोरा जी एस, थुल्कर एस, शर्मा एस, गुप्ता एस डी, *एट ऑल.* स्ट्रेटिफिकेशन ऑफ द अग्रेसिवनेस ऑफ प्रोस्टेट कैंसर यूजिंग प्री–बायोप्सी मल्टीपेरामेट्रिक एमआरआई (एमपीएमआरआई). *एनएमआर बायोमेड* 2016;29: 232–38.
386. द्विवेदी आर, गुप्ता वाय के, सिंह एम, जोशी आर, तिवारी पी, कलीकल टी, *एट ऑल.* कोरिलेशन ऑफ सलिवा एंड सीरम फ्री वेलप्रोयक एसिड कॉन्सेंट्रेशंस इन पर्संस विद एपिलेप्सी. *सीजर* 2015;25: 187–90.

387. द्विवेदी आर, सिंह एम, कलीकल टी, गुप्ता वाय के, त्रिपाठी एम. कॉन्सेंट्रेशन ऑफ एंटीएपिलेप्टिक ड्रग्स इन पर्सस विद एपिलेप्सी : ए कम्परेटिव स्टडी इन सीरम एंड सलिवा. इंट जे न्यूरोसाइंस 2015: 1–7.

388. द्विवेदी एस एन, पाठक एम. प्रोम्प्टिंग पॉइंट्स फॉर सिस्टेमेटिक रिव्यू एंड मेटा एनालायसिस. *इंडियन जे चाइल्ड हेल्थ.* 2015;2(4): 149–50.

389. द्विवेदी डी के, कुमार आर, बोरा जी एस, थुल्कर एस, शर्मा एस, गुप्ता एस डी, एट ऑल. स्ट्रेटिफिकेशन ऑफ द अग्रेसिवनेस ऑफ प्रोस्टेट कैंसर यूजिंग प्री–बायोप्सी मल्टीपेरामेट्रिक एमआरआई (एमपीएमआरआई). एनएमआर बायोमेड 2016;29(3): 232–8.

390. आइंस्टाइन ए जे, पास्कुअल टी एन, मक्ररी एम, कार्तिकेन जी, विटोला जे वी, माहमेरियन जे जे, एट ऑल. आईएनसीएपीएस इंवेस्टीगेटर्स ग्रुप. करंट वर्ल्डवाइड न्युक्लियर कार्डियोलॉजी प्रैक्टिसेज़ एंड रेडिएशन एक्सपोज़र : रिजल्ट्स फ्रॉम द 65 कंट्री आईएईएफ न्युक्लियर कार्डियोलॉजी प्रोटोकॉल्स क्रॉस–सेक्शनल स्टडी (आईएनसीएपीएस). यूरो हार्ट जे 2015;36: 1689–96.

391. एक्का एम, अग्रवाल पी. टॉक्सिस एल्कोहोल्स. *जे महात्मा गांधी इंस्टी मेड साइं* 2015; 20: 38–45.

392. एक्का एम, सिन्हा एस. रेट्रोफेरिंजियल अब्सेस एज़ ए रेयर प्रेजेंटेशन ऑफ पल्मोनरी ट्यूबरकुलोसिस. *लंग इंडिया* 2015; 32: 262–4.

393. इंगेलगो एम एम, सैंप्सन यू के, रबादान – डायल सी, स्मिथ आर, मिरांडा जे, ब्लूमफिल्ड जी एस, *एट ऑल* टेक्लिंग एनसीडी इन एलएमआईसी : अचीवमेंट्स एंड लेशंस लर्न फ्रॉम द. *ग्लोब हार्ट* 2016; 11: 5–15.

394. फैक एम ए, दादा आर, कादरी आर, दादा टी. सीवायपी1बी1–मीडिएटिड पैथोबायोलॉजी ऑफ प्राइमरी कंजेनाइटल ग्लोकोमा. *जे क्युर ग्लोकोमा प्रैक्ट* 2015;9: 77–80.

395. फॉल सी एच डी, सचदेवा एच एस, ओस्मंड सी, रेस्ट्रेपो–मेंडेज़ एम सी, विक्टोरा सी, मार्टोरेल आर, *एट ऑल.* एसोसिएशन बिटवीन मेटरनल एज एट चाइल्डबर्थ एंड चाइल्ड एंड एडल्ट आउटकम्स इन द ऑफस्पाइरिंग : ए प्रोस्पेक्टिव स्टडी इन फाइव लो–इनकम एंड मिडल–इनकम कंट्रीज़ (सीओएचओआरटीएस कोलेबोरेशन). *लैंसेट ग्लोब हेल्थ* 2015;3: ई366–377.

396. फारूख के, खत्री के, गुप्ता बी, शर्मा वी. मैनेजमेंट ऑफ निग्लेक्टिड ट्रॉमेटिक बिलेटरल सर्वाइकल फैसट डिसलोकेशंस विदआउट न्यूरोलॉजिकल डिफिक्ट. ट्रॉमा 2015; 20(3): ई18385.

397. फारूख के, खत्री के, शर्मा वी, गमनगट्टी एस. बिलेटरल लिपोमा अर्बोस्केन्स विद् ऑस्टियोआर्थराइटिस नी : केस रिपोर्ट एण्ड लिटरेचर रिव्यू. *जे क्लिन ऑर्थोप ट्रॉमा* 2015; 6(2): 131–3.

398. फेगिन वी एल, कृष्णामूर्ति आर, भट्टाचार्जी आर, परमार पी, थीडम ए, हुसैन टी, ... पद्मा एम वी, एट ऑल. रिबुरस्ट स्टडी कोलेब्रेशन राइटिंग ग्रुप. न्यू स्ट्रेटेजी टू रिड्यूज़ द ग्लोबल बर्डन ऑफ स्ट्रोक. स्ट्रोक. 2015; 46: 1740–7.

399. फ्लेशिग पी, मेहंदीरत्ता ए, हेबरकॉर्न यू, क्राटोच्विल सी, गायसल एफ एल. पीईटी/एमआरआई एंड पीईटी /सीटी इन लंग लेशंस एंड थोरेसिस मेलिग्नेंसिस. *सेमिन न्यूक्लि मेड* 2015;45: 268–81.

400. फोरोजंफर एम एच, एलेक्सेंडर एल, एंडरसन एच आर, बैकमन वी एफ, बिरयुकोव एस, ब्रॉरर एम, *एट ऑल.* ग्लोबल, रीजनल, एंड नेशनल कम्पेरेटिव रिस्क अस्समेंट ऑफ 79 बिहेवियरल, एनवार्यनमेंटल एंड ऑक्युपेशनल एंड मेटाबॉलिक रिस्क्स और क्लस्टर्स ऑफ रिस्क्स इन 188 कंट्रीज़, 1990–2013 : ए सिस्टेमेटिक एनालायसिस फॉर द ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज स्टडी 2013. *लैंसेट* 2015;386: 2287–323.

401. गहलोत जी पी, मिर्धा ए आर, नाथ डी, खान एस.ए, गमनगट्टी एस। इंट्रोओसेसुअस प्राइमरी मलिगनेंट पेरिफेरल नर्व शीद ट्यूमर ऑफ दी केलकेनेअसः एन अनयूजअल केस एंड रिव्यू ऑफ लिटरेचर। *इंडियन जे पेथोल माइक्रोबायोल* 2015, 58(2):220–2

402. गजेन्द्र एस, साहु आर के। एयूर रॉडस इन क्रोनिक माइलोमोनोसाइटिक ल्यूकेमिया केन चेंग दी डायग्नोसिस। *तुक्र जे हिमेटोल* 2015:32(3):278–9
403. गमनगट्टी एस, गुप्ता पी, साहनी पी, पाल एस, दाश एन आर, शालीमार। हेमोरेजिक एक्यूट पेनक्रियटिटिस फॉलोबिंग परक्यूटैनियूअस ट्रांशेपेटिक बाइलियरी ड्रनेजः ए रेयर एंड सिरीअस कंप्लिकेशन। *ट्रॉप गैसट्रोएनटेरोल* 2015,36:49–51
404. गमनगट्टी एस, प्रसाद टी.वी. कुमार ए, सिंघल एम, सागर एस। एंजियोएम्बोलाइजेशन इन मेक्सिलोफेशियल ट्रॉमा : एन इनिशियल एक्पीरियंस इन ए टरशिअरी केयर सेन्टर।*जे मेक्सिलोफेक ओरल सर्ज* 2016:15(1):59–66
405. गमनगट्टी एस, रंगराजन के, कुमार ए, जिनीश। ब्लंट अबडोमिनल ट्रॉमा : इमेजिंग एंड इंटरवेंशन। *कर्र प्रोबल डायगन रेडियोल* 2015:44(4):321–36
406. गमनगट्टी एस, रथीनाम डी, रंगराजन के, कुमार ए, फारूकी के, शर्मा वी। इमेजिंग इवेल्यूशन ऑफ ट्रॉमेटिक थोराकोलूमबर स्पाइन इंज्यूरिज :रेडियोलोजिकल रिव्यू। *वर्ल्ड जे रेडियोल* 2015;7(9):253–65
407. गमनगट्टी एस, सिंह टी , शर्मा आर, श्रीवास्तव डी.एन, दाश एन आर, गर्ग पी के। यूनिलोबर वर्सेस बाइलोबार बाइलियरी ड्रेनेजः इफेक्ट ऑन क्वालिटी ऑफ लाइफ एंड बिलीरूबीन लेवल रिडक्शन। *इंडियन जे पल्लिएट केयर* 2016;22(1):50–62
408. गमनगट्टी एस, थिंगुजम यू, गर्ग पी, नोंग्थोम्बम एस, दाश एन.आर। एंडोस्कोपिक अल्ट्रासाउंड गाइडेड थ्रोम्बिन इंजेक्शन ऑफ एंजियोग्रफिकली ऑक्कल्ट पेनक्रियटिटिस एसोसिएटेड विसेरेल आर्टरी स्यूडोएनेयूरेसमः केस सीरिज। *वर्ल्ड जे गैसट्रोइंटेस्ट एंडोस्क* 2015;7(13):1107–13
409. गमनगट्टी एस, प्रसाद टी वी, कुमार ए, सिंघल एम, सागर एस। एंजियोएम्बोलाइजेशन इन मेक्सिलोफेशियल ट्रॉमाः एन इनिशियल एक्सपीरियंस इन ए टरशिअरी केयर सेन्टर। *जे मेक्सिलोफेश्यिल ओरल सर्ज* 2016;15 (1):59–66
410. गनी एम ए, चारू बी ए, सोफी आर ए, अहमद ए , भट जे आई। मेटरनल ओवर्ट हाइपोथाइरोडिजम एंड न्यूरोबिहेवीयोरल आउटकम ऑफ नियोनेट्सः ए कोहार्ट स्टडी फ्राम एन आयोडिन–डेफीशियंट एरिया ऑफ नोर्दन इंडिया। *इंडियन पीडियाट्र* 2015:52:864–6
411. गांधी ए के, लविराज एम ए, कश्यथ एल , पुरकेट एस, शर्मा डी एन, जुल्का पी के, एट ऑल। रिकरंट बोवन एस डिसीसेस ऑफ स्कैल्प ट्रीटेड विद हाइ डोज रेट सरफेस मोल्ड ब्रेकीथेरेपीः ए केस रिपोर्ट एंड रिव्यू ऑफ दी लिटरेचर। *जे कंटैम्प ब्रेकीथेरेपी* 2015,6:389–94
412. गांधी ए के, रॉय एस, बिस्वास ए, भास्कर एस, शर्मा ए, ठाकर ए, एट ऑल । एडेनोइड सिस्टिक कार्सीनोमा ऑफ हेड एंड नेकः ए सिंगल इंस्टीटयूशनल एनालिसिस ऑफ 66 पेशेंट्स ट्रीटेड विद मल्टीमोडालिटी एप्रोच। *इंडियन जे मेड पीडियाटर ओंकोल* 2015,36: 166–71
413. गांधी ए के, रॉय एस, बिस्वास ए, रजा एम डब्ल्यू, सक्सेना टी, भास्कर एस, एट ऑल। ट्रिटेमेंट ऑफ सक्वामोअस सेल कारसीनोमा ऑफ एक्सटरनल ऑडिटोरी केनलः ए टरशिअरी कैंसर सेंटर एक्सपीरियंस। *ऑरिस नासुस लारनेक्स* 2016;43:45–9
414. गांधी ए के, रॉय एस, मिर्धा ए आर, शर्मा डी एन। वाल्वर मेटास्टेसिस फ्राम कारसीनोमा ब्रेस्ट अनविलिंग डिस्टेंट मेटास्टेसिसः एक्सप्लोरिंग एन अनयूजुयल मेटास्टेटिक पेटर्न। *जे इजिप्ट नाटल कंक इंस्ट* 2015;27 (4):243–6
415. गांधी ए के, शर्मा डी एन, जुल्का पी के, रथ जी के। एटीट्यूड एंड प्रैक्टिस ऑफ ब्रेकीथेरेपी इन इंडियाः ए स्टडी बेस्ड ऑन दी सर्वे अमंगस्ट अटेंडीस ऑफ एन्यूल मीटिंग ऑफ इंडियन ब्रेकीथेरेपी सोसाइटी। *जे कंटेम्प ब्रेकीथेरेपी* 2015:7:462–8
416. गांधी ए के, शर्मा डी एन, रथ जी के। प्रोफाइलेक्टिक क्रेनियल इराडियेशन इन ब्रेस्ट कैंसरः ए न्यू वे फॉरवार्ड। *इंडियन जे मेड पीडियाटर ओंकॉल* 2015;36:77–8

417. गणेश आर, सरकार एस, सागर आर। शेल शॉकः एन एनटिटि दट प्रीडेटेड कॉम्बेट–रिलेटेड पोस्टट्रॉमेटिक स्ट्रेस डिसोर्डर। *जे मेन्टल हेल्थ हम बीहेव* 2015;20(2):85–71

418. गंगेर ए, वनाथी एम, मोहन्ती एस, टंडन आर लांग–टर्म आउटकम्स ऑफ कल्टीवेटेड लिम्बल इपीथेलियल ट्रांसप्लांटेशनः इवेल्यूशन एंड कम्पेरीजन ऑफ रिजल्ट्स इन चिल्ड्रेन एंड अडल्टस। बयोमेड रेस इंट 2015;2015:480983

419. गनी एम ए, ढींगरा एं, निसार एस, श्रीनिवास वी, शाह जेड ए, रशिद ए, एट ऑल। ओरल ग्लूकोज टोलरेंस टेस्ट सिग्नीफीकेन्टली इम्पेक्टस दी प्रीवेलेंस ऑफ अबनॉर्मल ग्लूकोज टोलरेंस अमंग इंडियन विमेन विद पोलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोमः लेसंस फ्रॉम अ लार्ज डाटाबेस ऑफ टू टरशिआरी केयर सेन्टर्स ऑन दी इंडियन सबकोन्टिनेंट। *फर्टाइल स्टेरिल* 2016;105:194–201–31

420. गनी एम ए, मारवाहा आर के, ढींगरा ए, निसार एक्स, मनी के, मसूदी एस, एट ऑल। ऑब्सर्वेशन ऑफ फिनोटिपिक वेरिएशन अमंग इंडियन वुमन विद पोलीसिस्टिक ओवरी सिन्ड्रोम फ्रॉम डेल्ही एंड श्रीनगर। *गाएनेकोल एंडोक्राइनोल* 2016;32:566–70

421. गनी एम ए, मारवाहा आर के, निसार एस, फारूकी के जे, जन आर ए, वाणी एस ए एट ऑल। इम्पेक्ट ऑफ हाइपोविटामिनोसिस डी ऑन क्लीनिकल, हारमोनल एंड इन्सूलिन सोंसिविटी पैरामिटर्स इन नार्मल बॉडी मास इंडेक्स पोलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम विमेन। *जे ऑबस्टेट गाइनेकॉल* 2016,36:508–121

422. गारेकर एच, भार्गव एम, वर्मा आर, मीना एस। अग्रेशन एंड साइकोसिस इन पेशेन्ट्स सीकिंग एमरजेन्सी साइकाइट्रिक केयर इन न्यू दिल्ली, इंडिया। *इन्ट जे एमर्ज मेन्ट हेल्थ* 2015:17:251

423. गर्ग बी, मोर्रे वी, तीवारी वी, कोटवाल पी पी। नेल प्रीसर्विंग मोडिफाइड लेटरल सबपेरियोस्टिल अपरोच फॉर सबुंगल ग्लूमस ट्यूमरः ए नोवेल सर्जिकल अपरोच। *मसक्यूलोस्केलेट सर्ज* 2016;100(1):43–8

424. गर्ग बी, पन्नु सी डी, पउडेल आर आर, मोरे वी। ऑथर रेस्पोन्स! आइसोलेटेड स्पोनटेनियस प्राइमरी टयूबरक्यूलर इरेक्टर स्पाइन एबेसेसः ए केस रिपोर्ट एंड रिव्यू ऑफ लिटेरेचर। *एशियन स्पाइन जे* 2015; 9(5):831–2

425. गर्ग बी, पन्नु सी डी, पउडेल आर आर, मोरे वी। आइसोलेटड स्योनटेनियस प्राइमरी टयूबरक्यूलर इेरेक्टर स्पाइनी ऐबसेसः ए केस रिपोर्ट एंड रिव्यू ऑफ लिटरेचर। *एशियन स्पाइन जे* 2015;9(2):276–80

ए गर्ग जी, कच्छावा जी, रमोत आर, खडगावत आर, टंडन एन, श्रीनिवास वी, एट ऑल। इफेक्ट ऑफ वीटामिन डी सपलीमेनटेशन ऑन इन्सूलिन काइनेटिक्स एंड कार्डियोवास्क्यूलर रिस्क फैक्टर्स इन पोलीसिस्टिक ओविरियन सिन्ड्रोम। ए पाइलेट स्टडी। *एण्डोक्र कनेक्ट* 2015;4:108–16

426. गर्ग एच, कुमार आर। एन अपडेट ऑन दी रोल ऑफ मेडिकल ट्रीटमेन्ट इंकलूडिंग एंटीआक्सिडेंट थेरेपी इन वेरीकोसेल। एशियन जे एंड्रोल 2016;18:1–7

427. गर्ग एच, कुमार आर। इम्पेरिकल ड्रग थेरेपी फॉर आइडियोपेथिक मेल इनफर्टिलिटीः वट इज दी न्यू इवीडेन्स? यूरोलोजी |2015;86:1056–75

428. गर्ग के, दाश सी, कक्कड ए, शर्मा एम सी, सिंह पी के, शर्मा बी एस। एटीपिकल थेलामिक न्यूरोसाइटोनाः ए रेअर नियोप्लास्म। *न्यूरोल इंडिया* 2016;64:180–2

429. गर्ग पी, माथुर यू, सोनी पी, टंडन आर, मोरिस टी डब्ल्यू , कमस्टोक टी एल। क्लीनिकल एंड एंटीबेक्टिरयल इफीकेसी एंड सेफ्टी ऑफ बेसीफलोक्सासिन ओपथालामिक संस्पेन्शन कम्पेयरड विद मोक्सिफलोक्सासिन ऑपथालमिक सोल्यूशन। एशिया पेक जे ऑपथालमोल फिला 2015;4(3),140–5

430. गर्ग पी के, चंद्रशेखर एस एच, केशरी वी के, पाण्डे डी। लेफ्ट करिनल न्यूनोनेक्टोमी थ्रू मेडियन स्टेरनोटोमीः सर्जीकल एक्सपीरियंस ऑफ टू पेशन्ट्स। *लंग इंडिया* 2015,32(6):627–30

431. गर्ग पी के, देव एस वी, कुमार आर। रोल ऑफ पोसीट्रोन इमिशन टोमोग्राफी–कम्प्यूटेड टोमोग्राफी इन लोकली एडवांसड ब्रेस्ट कैंसर। *इंडियन जे सर्ज ओंकल* 2015,6(4):420–6
432. गर्ग पी के, इमरी सी डब्ल्यू! सिवीरिटी क्लासीफिकेशन ऑफ एक्यूट पेनक्रियाटिटिसः दी कंटीन्यूयिंग सर्च फॉर इन बेटर सिस्टम। *पेनक्रियाटोलॉजी* 2015,15(2):99–100
433. गर्ग आर, दत्ता के। इन्सेन्टिव स्पाइरोमेटरी थ्रू ट्रेकियोस्टोमी स्टोमा। *अनेष्ठ इन्टेसिव केयर* 2016;44(1):125–7
434. गर्ग आर, गुप्ता ए। अल्ट्रासाउंडः अ प्रोमिसिंग टूल फॉर कंटेम्परारी एयरवे मनेजमेंट। *वर्ल्ड जेक्लिन केसेस* 2015,3(11):926–9
435. गर्ग आर, लखन एस ई, धनशेखरन ए के। हउ टू रिव्यू अ केस रिपोर्ट। *जे मेड केस रेप* 2016,10:88
436. गर्ग आर, मेंडिलिया ए, अग्रवाल एस, भटनागर वी, सिंह एम के, जाना एम। एंटेनटाली डायग्नोस्ड सुपरारेलन सिस्टिक टेराटोमा। *वर्ल्ड जे एंडोकर सर्ज* 2015,7:44–6
437. गर्ग आर, सैनी एस नोवेल रूट फॉर इमरजेन्सी एंड क्रोनिक ड्रग थेरेपी। *जे ड्रग डिस्कॉव डेवेल्प एंड डेलिव* 2015,2(2):1014
438. गर्ग आर, सैनी एस। सबलिंगुयल रूट डयूरिंग पीरियोपेरेटिव एंड क्रोनिक पैन मेनजमेंट। *जे एनेस्थ क्रिट केयर ओपन ऐक्सेस* 2015,3(1):00085
439. गर्ग आर, सोखल एन, रथ जी। एनेस्थेरिक कंसीडेरेशन ऑफ अ चाइल्ड विद कॉनकोमिटेंट क्रेनियोवरटेबल जंक्शन एनोमली एंड एरेस्टेड हाइड्रोसेफालस। एक्टा एनेस्थेसियोल बेल्ज 2015,66(1):33–6
440. गर्ग आर। सिमुलेशन फॉर एयरवे मेनजमेंट इन अ क्रिटिकल केयर सेट अप। *जे एनेस्थ क्रिट केयर ओपन एक्सेस* 2016,4(3):00148
441. गस्तालदी ए सी, परेडी पी, तलवार ए, मिआह एस, बर्नेस पी जे, उस्मानी ओ एस। ओसिलेटिंग पोजीटिव एक्सपाइरेशन प्रेशर ऑन रेस्पीरेटरी रेसिसटेंस इन क्रोनिक ऑब्सट्रक्टिव पुलमोनरी डीजीस विद अ स्माल अमाउंट ऑफ सिक्रेशनः ए रेडोमाइज्ड क्लीनिकल ट्रायल। *मेडिसन (बाल्टीमोर)* 2015;94:ई1845
442. गौर पी, चावला ए, वर्मा के, मुखर्जी एस, ललवाणी एस, मल्होत्रा आर, एट ऑल करेक्टराइजेशन ऑफ ह्यूमन डायफ्राम एट हाई स्ट्रेन रेट लोडिंग। *जे मेक बीहेव बायोम्ड माटेर* 2016,60:603–16
443. गौतम एम,कुमार आर, प्रसून पी, राय एस बी। एंटीनोसीसेप्टिव इफेक्ट ऑफ 1400 डब्ल्यू , एन इन्हीबिटर ऑफ इन्डयूसीबल नाइट्रिक ऑक्साइड सिनथेस, फॉलोविंग हिंड पॉ इन्सीजन इन रेटस। *नाइट्रिक ऑक्साइड* 2015;50:98–104
444. गौतम एम, प्रसून पी, कुमार आर, रीटा के एच, केलर एस, राय एस बी। रोल ऑफ न्यूरोकिनिन टाइप 1 रिसेप्टर इन नोसीसेप्शन एट दी पेरीफेरी एंड दी स्पाइनल लेवल इन दी रेट। *स्पाइनल कोर्ड* 2016;54:172–82
445. गौतम एस, श्रीवास्तव ए, कटारिया के, धर ए, रंजन पी, कुमार जे। न्यू ब्रेस्ट पैन चार्ट फॉर ऑब्जेक्टिव रिकॉर्ड ऑफ मस्तालजिया। इंडियन जे सर्ज 2016;78(3):245–8
446. गबदेजेसिन आर ए, अडेयमो ए, वेब एन जे, ग्रीनबाम एल ए, अबोगुनावरदाना ए, बग्गा ए, एट ऑल। मिडवेस्ट पिडियार्टिक नेफ्रोलोजी कोन्सोरिटयम। एच.एल.ए. डी क्यू ए 1 एंड पी एल सी जी 2 आर केंडीडेट रिस्क लोकी फॉर चाइल्डहुड–ओनसेट स्टेरोयेड–सेंसीटिव नेफ्रोटिक सिन्ड्रोम। *जे एम सोक नेफ्रोल* 2015;25:1701–10
447. जीबीडी 2013 डेलीस एंड हेल कोलाबोरेटर्स, मुर्रे सी जे, बारबर आर एम, फोरमेन के जे, अब्बासोगलु ओजगोरेन ए, अब्द–अल्लाह एफ, अबेरा एसएफ, एट ऑल। ग्लोबल, रीजनल, एंड नेशनल डिसेबिल्टी–एडजस्टेड लाइफ इयर्स (डेलीस) फॉर 306 डीजिसेस एंड इन्जुरिस एंड हेल्दी लाइफ

एक्सपेक्टेंसी (हेल) फॉर 188 कंट्रीज, 1990–2013: क्वाएनीफाइंग दी इपीडेमियोलोजीकल ट्रांजीशन! लैनसेट 2015;386:2145–91

448. जीबीडी 2013 मोर्टालिटी एंड कोसेस ऑफ डेथ कोलाबोरेटर्स। ग्लोबल, रीजनल, एंड नेशनल ऐज–सेक्स स्पेसीफिक आल–कॉस एंड कॉस–स्पेसीफिक मोर्टालिटी फॉर 240 कॉसेस आफ डेथ, 1990–2013:अ सिस्टैमेटिक एनालिसिस फॉर दी ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीस स्टडी 2013। *लैंसेट* 2015;385:117–71

449. जीबीडी 2013 रिस्क फैक्टर्स कोलाबोरेटर्स, फोरौजेंफर एम एच, एलेक्जेंडर एल, एंडर्सन एच आर, बचमैन वी एफ, बीरयूकॉव एस, ब्रैयूर एम, एट ऑल। ग्लोबल, रीजनल एंड नेशनल कम्पेरेटिव रिस्क एसेसमेन्ट आफ 79 बीहेवीयोरल, एंवायरोमेंटल एंड औक्यूपेश्नल, एंड मेटाबोलिक रिस्क्स और क्लस्टर्स ऑफ रिस्क्स इन 188 कंट्रीज, 1990–2013:अ सिस्टेमेटिक एनालिसिस फॉर दी ग्लोबल बर्डेन ऑफ डिजीस स्टडी 2013। लैंसेट 2015, 386:2287–323

450. जोर्ज जे.टी., शर्मा के के। अ रेंडामाइजड स्टडी टू एसेस दी इफेक्टिवनेस ऑफ ऐलोवेरा जेल ऑन एक्यूट रेडियेशन डर्माटिटिस। *इन्ट जे नर्सिंग एडुक् रेस* 2015;3:109–14

451. गेरा एस, डाली जे एस, शर्मा के आर, गर्ग आर, आर्या एम। इवेल्यूश ऑफ इंट्यूबेटिंग कंडीशनस् इन चिल्ड्रन ऑफ्टर सेवोफ्लूरेन इंडक्शन यूजिंग प्रोपोफोल ओर रोक्यूरोनियम ब्रोमाइड–ए रेंडोमाइज्ड, प्रोस्पेक्टिव, डबल बलाइन्ड स्टडी। *एक्टा एनेसथेसियोल बेल्ज* 2015;66(4):25–30

452. गेटाहुन एच, मत्तीली ए, अबूबकर आई, अजीज एम ए, बद्देल ए, बर्रीरा डी, एट ऑल। मेनजमेंट ऑफ लेटेंट माइकोबेक्टेरियम ट्यूबरक्यूलोसिस इंफेक्शनः डब्ल्यू.एच.ओ. गाइडलाइन फॉर लो ट्यूबर क्यूलोसिस बर्डन कंट्रीज। *ईर रेस्पिय जे* 2015;46:1563–76

453. घरदे पी, रस्तोगी ए, कुमार एस, चौधरी एस के। मेनजमेंट ऑफ एक्यूट इन्ट्रा–ऑपरेटिव थ्रोम्बौमबोलिस्म इन रेनल सेल कारसीनोमा। एनेस्थः एसेस रेस 2015;9(3):417–419

454. घोष डी, नागपाल एस, भट्ट एम ए, अनुपा जी, श्रीवास्तवा ए, शर्मा जे बी एट ऑल। जैल फ्री प्रोटियोमिक्स रीविल्स नियोप्लास्टिक पोटेंशियल इन एंडोमेट्रियम ऑफ इनफरटाइल पेशन्टस विद स्टेज 4 ओवेरियान एंडोमेट्रियोसिस। *जे रिप्रोड हेल्द मेड* 2015;2:83–95

455. घोष एस, गुप्ता बी, सिंह एम, भट्टाचार्या आई, गहलोत जी पी, पॉल वी के, एट ऑल। अ डायग्नोस्टिक कोन्नड्रमः ए रेअर कॉस आफ एब्डोमिनल डिस्टेंशन इन अ प्रीटर्म नियोनेट। *इंडियन जे पीडियाटर* 2015;82:763–4

456. घोष–जेरथ एस, सिंह ए, मग्सूमबोल एम एस, लिंगदोह री, कम्बोज पी, गोल्डबर्ग जी। कॉन्ट्रिब्यूशन ऑफ इंडिजीनियस फुड्स टूवार्डस् न्यूट्रियंट इंटेक एंड न्यूट्रिशनल स्टेटस ऑफ वुमन इन दी संथाल ट्रायबल कम्यूनिटी ऑफ झारखंड, इंडिया। *पब्लिक हेल्थ न्यूट्र* 2016 {ई.पब अहेड ऑफ प्रिंट}

457. गिल्बर्ट सी, वॉरमाल्ड आर, फिल्डर ए, देवरारी ए के, जेपेडर–रोनेरो एल सी, क्यूयिन जी, एट ऑल। पोटन्शियल फॉर ए पाराडिग्म चेंज इन दी डीटेक्शन ऑफ रेटिनोपेथी ऑफ प्रीमैच्योरिटी रिक्वारिंग ट्रीटमेंट। *अक्र दिस चाइल्ड फेटल नियोनटल एंड* 2016;101:एफ 6–9

458. गिरी ए के, बनर्जी पी, चक्रबर्ती एस, कौसेर वाई, उंदरू ए, राय एस, एट ऑल। जीनोम वाइड एसोसिएशन स्टडी ऑफ आइडेंटिफाइड वेरियंट्स विद टाइप 2 डायबीटीज। *साइ रेप* 2016;6:21440

459. गिरी ए के, मिर्धा एस, बनर्जी पी, अग्रवाल ए, मेहदी एस जे, ढींगरा आर, एट ऑल। इंडियन एंड इंडिको कॉन्सोर्टियम कॉमन वेरियंट्स इन सी.एल.डी.एन. 2 एंड एम.ओ.आर.सी.4 जींस कॉन्फेर डीजीस एसेप्टिब्लिटी इन पेशंट्स विद क्रोनिक पेनक्रिएटाइटिस। *पी एल ओ एस वन* 2016:11(1):ई0147345

460. गिरीधर पी, मल्लिक एस, भास्कर एस, पथी एस, मोहन्ती बी के, बिस्वास ए, एट ऑल। हेड एंड नेक एक्स्ट्रा नोडल एन.एच.एल. (एच.एन.ई.एन.एल.)–ट्रीटमेंट आडटकम एंड पैटर्न ऑफ फेलियर –ए सिंगल इंस्टीटयूशन एक्सपीरियंस। *एशियन पेक जे कैंसर प्रीव* 2015;16:6267–72

461. गिरीधर पी, मल्लिक एस, दामोदर कुमारन, जोर्ज ए, कौशल एस, जुल्का पी के। प्रीमिटिव न्यूरो–एक्टोडर्मल ट्यूमर ऑफ किडनी इन अडल्टः रिपोर्ट ऑफ फोर कंजीक्यूटिव केससे एंड रिव्यू ऑफ लिटरेचर। *जे इजिप्ट नट्ल कैंक इंस्ट* 2015;27(4):235–8

462. गिरीधर पी, मल्लिक एस, हरेश के पी, गुप्ता एस, जुल्का पी के, रथ जी के। इंट्राक्रेनियल फिबरोसरकोमा ट्रीटेड विद एडजुवेंट रेडियशन एंड टेमोजोलोमाइडः रिपोर्ट ऑफ अ केस एंड रिव्यू ऑफ ऑल पब्लिश्ड केसेस। *जे इजिप्ट नट्ल कैंक इंस्ट* 2016;28:111–6

463. गिरीधर पी, मल्लिक एस, लविराज एम ए, भास्कर एस, एस्थेसियोन्यूरोब्लास्टोमा विद लार्ज इंट्राक्रेनियल एक्सटेंशन ट्रीटेड विद इंडक्शन किमोथेरेपी, डे–बल्किंग सर्जरी एंड इमेज गाइडेड इंटेंसिटी मोड्यूलेटिड रेडियोथेरेपी। *इयूर आर्क ओटोरहिनोलासनीगोल* 2016;273:1323

464. गिरीधर पी, मल्लिक एस, रथ जी के, जुल्का पी के। रेडियेशन इंड्यूस्ड लंग इंजुरीः प्रीडिक्शन एसेसमेंट एंड मेनेजमेंट। *एशियन पेक जे कैंसर प्रीव* 2015:16:2613:7

465. ग्लोबल बर्डन ऑफ डीजीस स्टडी 2013 कोलाबोरेटर्स। ग्लोबल, रीजनल एंड नेशनल इंसिडेंस, प्रीवलेंस एंड इयर्स लिवड विद डीसेब्लिटी फॉर 301 एक्यूट एंड क्रोनिक डीजीसेस एंड इंज्यूरिज इन 188 कंट्रीज 1990–2013ः ए सिस्टेमेटिक एनालिसिस फॉर दी ग्लोबल बर्डन ऑफ डीजीस स्टडी 2013। *लैंसेट* 2015;386:743–800

466. ग्लोबल बर्डन ऑफ डीजीस स्टडी 2013 डी.ए.एल.वाई.एस. एंड एच.ए.एल.ई. कोलाबोरेटर्स। ग्लोबल, रीजनल एंड नेशनल डीसेब्लिटी–एडजस्टड लाइफ इयर्स (डी.ए.एच.वाई.एस.) फॉर 306 डीजीसेस एंड इन्ज्यूरिज एंड हेल्दी लाइफ एक्सपेक्टेन्सी (एच.ए.एल.ई.) फॉर 188 कंट्रीज, 1990–2013ः क्वालीफाइंग दी इपीडेमियोलोजीकल ट्रांजीशन। *लैंसेट* 2015;386:2145–91

467. ग्लोबल बर्डन ऑफ डीजीस स्टडी रिस्क फैक्टर्स कोलाबोरटर्स। ग्लोबल, रिजनल, नेशनल कम्पेरेटिव रिस्क एसेसमेन्ट ऑफ 79 बीहेवीयोरल, इन्वायरोन्मेंटल एंड ओक्योपेशनल, एंड मेटाबोलिक रिस्क्स ओर क्लास्टर ऑफ रिस्क्स इन 188 कंट्रीज, 1990–2013 :ए सिस्टेमेटिक एनालिसिस फॉर दी ग्लोबल बर्डन ऑफ डीजीस स्टडी 2013। *लैंसेट* 2015:386:2287–323

468. गोयल ए, शर्मा एस, जैन वी, कुमार ए, अनेजा एस। कॉन्करंट इट्रांमेड्यूलरी एंड इंट्रासेरेबल ट्यूबरक्यूलोमा। *इंडियन जे पीडियाट्र* 2016;83(2):187–8

469. गोयल एन,कुमार ए, महेश पी एस, भेंडे एम, नारायण आर, हीदेटका एम। थींकिंग बीयोंड वेट ऐज–रिलेटेड मैक्यूलर डीजेनेरेशन। डी.जी.ओ. 2016;26(3):2454–784

470. गोयल पी, भटनागर वी, दास एन, कलैयवाणी एम। इवेल्यूशन ऑफ ब्लड लेवल्स ऑफ नाइट्रिक ऑक्साइड एज ए मीन्स ऑफ डीफ्रेन्शिएशन बिटवीन नियोनाटल हेपेटाइटिस एंड एक्स्ट्रा हेप्टिक बाइलियारी एट्रेशिया– ए पाइलट स्टडी। *जे इंडियन एसो पीडियाटर सर्ज* 2015:20:139–42

471. गोयल आर, किशोर डी, कुमार एस, अग्रवाल टी, नागपाल एस, अपूर्वा ए जी। केस रिपोर्ट ऑफ सम्प सिड्रोम आफ्टर लेसर कंजक्टिवोडाक्रायोसिस्टोराइनोस्टोमी। केस रेप ऑपथालमोल 2015;6(1):115–9

472. गोयल एस, अरोडा जे, मेहता वी, शर्मा एम, सूरी आर के, रथ जी एट ऑल। ऐड्डक्टर ऐक्सेसोरीयस–एन अन्यूजअल सुपर न्यूमेरारी ऐड्डक्टर मसल ऑफ थाई। *क्लीनटरे* 2015:166(3):114–7

473. गोगिया ए, इकबाल एन, शर्मा एम.सी., रैना वी। आइसोलेटिड रिक्टर एस ट्रांसफॉरमेशन ऑफ ब्रेन पेरेकिमाः रेमिशन विद डी एंजेलिस प्रोटोकॉल । *इंडियन जे कैंसर* 2015;52:329–30

474. गोगिया ए, रैना वी, देव एस, शुक्ला एन के, मोहन्ती बी के। मेल ब्रेस्ट कैंसरः ए सिंगल इंस्टीट्यूट एक्सपेरियंस। *इंडियन जे कैंसर* 2015;52(4):526–9

475. गोगिया ए, रैना वी, गुप्ता आर, कुमार एल, शर्मा ए, कुमार आर, एट ऑल। प्रोग्नोस्टिक एंड प्रीडीक्टिव सिगनीफीकैंस ऑफ स्मज सेल परसेन्टैज ऑन रूटीन ब्लड स्मीयर इन क्रोनिक लिम्फोसाइटिक ल्यूकेमीया। *क्लीन लिम्फोमा मैलोना ल्यूक* 2014;14:514–17

476. गोगिया ए, शर्मा ए, रैना वी , चोपडा ए। सुपीरियर वेना कावा सिन्ड्रोमः इनिशियल प्रेजेन्टेशन ऑफ एक्यूट मैलोइड ल्यूकेमीया इन ए चाइल्ड। *इंडियन जे कैंसर* 2015;52:21
477. गोगिया वी, गुप्ता एस, अग्रवाल टी, पाण्डे वी, टण्डन आर। चैंजिंग प्रैटर्न ऑफ यूटिलाइजेशन ऑफ ह्यूमन डोनर कोर्निया इन इंडिया। इंडियन जे ऑप्थालमोल 2015;63(8):654–8
478. गेला एस, गुप्ता ए, केशरी जी के, नाथ एम, वेलपंडीयन टी। इवेल्यूशन ऑफ हेप्टिकमेटाबोलिस्म एंड फॉर्माकोकाइनेटिक्स ऑफ ब्रूफेन इन रेट्स अंडर क्रोनिक हाइपोबेरिक हाइपोशिया फॉर टारगेटड थेरेपी एट हाई एल्टीट्यूड। जे फार्म बायोक्ड एनल 2016;121:114–22
479. गोस्वामी ए.के., गुप्ता एस के, कलैयवाणी एम, नोंगकीनृह बी, पाण्डव सी एस। बर्डन ऑफ हाइपरटेंशन एंड डाइबीटिस अमंग अर्बन पोप्यूलेशन एज्ड ?60 इयर्स इन साउथ दिल्लीः ए कम्यूनीटि बेस्ट स्टडी। *जे क्लीन डायगेन रेस* 2016;10(3):एलसी01–5
480. गोस्वामी डी, कश्यप एल, बत्रा आर के, भगत सी।सेन्ट्रल ब्रोंकाइल कासा कारसीनोइडःमेनजमेंट ऑफ अ केस एंड एनेस्थेटिक पर्सपेक्टिवस। *सउदी जे एनेस्थ* 2016;10(1):104–6
481. गोस्वामी डी, सीथारमेया एस, केडिया एस के, नायक बी के, अक्षत एस। एनेस्थेटिक डायलेम्मा इन प्लानिंग बाइलेटरल कैटेरेक्ट सर्जरी फॉर एन इन्फेन्ट एसोसिएटिड विद कांग्जेनीटल कार्डियक एनोमली। *इंडियन जे ऑप्थालमोल* 2015:63(6):548–9
482. गोस्वामी डी, शर्मा ए, व्यास वी, वासुदेवन बी। एसोसिएशन ऑफ ओ.एच.वी.आई.आर.ए. सिन्ड्रोम विद ओरटिक स्टेनोसिस एंड ब्लॉक वर्टेब्राः ए केस रिपोर्ट एंड एनेस्थेटिक मनेजमेंट। *जे ऑब्स्टेट गाएनेकॉल* 2016;25:1–3
483. गोस्वामी एम, हरिप्रसाद जी, दुबे ए, कुमार आर, नागपुरे एन एस, श्रीनिवासन ए, एट ऑल। प्रोटियोनिक्स एनालिसिस ऑफ लिवर टिश्यू ऑफ *लोबेयो रोहिता। करंट प्रोटेयोम* 2015;12:56–62
484. गोस्वामी एस, श्रीवास्तव ए, पुष्कर एन, बजाज एम एस, कश्यय एस, कौर जे। इंडक्शन ऑफ एपोप्टोसिस बाइजीऐक्साथिन इन हयूमन यूवियल मेलानोमा सेल्स। कैंसर रेस 2015;75(15):3812
485. गौद्रा बी जी, सिंह पी एम, बोर्ले ए, फरीद एन, हेरींस के। एनेस्थिशिया फॉर एडवान्सड ब्रोंकोस्कोपिक प्रोसीजर्सः स्टेट –ऑफ –दी –आर्ट रिव्यू। *लंग* 2015:193(4):453–65
486. गौर एस, कौशिक वी, कुमार वी, भट पी, यादव एस सी, यादव जे के। एंटीमाइक्रोबियल पेप्टाइड (सीएन–एएमपीट) फ्रॉम लिक्विड एंडोस्पर्म को कोकोस न्यूसीफेरा फॉम्रस अमीलोइड– लाइक फाइब्रील्लर स्ट्रक्चर। *जे पेप्ट साइ* 2016;22 :201–7
487. गोयल ए, मधुसुधन के एस, गमनगट्टी एस, बरूआह वी, शालीमार, शर्मा आर। रेडियोलोजिकल मेनजमेंट ऑफ मल्टीवल हेपाटिक आर्टरी स्यूडौन्यूरीस्म एसोसिएटिड विद कोलेंगिटिक एबेसेस। *इंडियन जे रेडियोल इमेजिंग* 2016;26(1):99–102
488. गोयल एम, यू.ए.वाई. मेनन बी के, डिप्पल डी डब्ल्यू, हक्क डब्ल्यू, डेविस एस एम...... भाटिया आर, एट ऑल। एंडोवास्क्यूलर थेरेपी इन एक्यूट इसकेमिक स्ट्रोकः चेलेंजेस एंड ट्रांजीशन फ्राम ट्रायल्स टू बेडसाइड। स्ट्रोक 2016;47:548:53
489. गोयल एन, अग्रवाल डी, सिंगला आर, काले एसएस, सिंह एम, शर्मा बी एस। स्टीरियोटेक्टिक रेडियोसर्जरी इन हिमेंजियोब्लास्टोमाः एक्सपीरीयंस ओवर 14 इयर्स। जे न्यूरोसाइ रूरल प्रेक्ट 2016;7:23–7
490. गोयल एस, परिहार ए, पुरी वी, शर्मा एन, गोयल ए, अरोडा वी के। एन अन्यूजुयल लार्ज एब्डोमिनल मलाकोप्लाकिया फांलोविग ट्रॉमाः डायग्नोज्ड ऑन एफ.एन.ए.सी.। *डायग्न साइटोपेथोल* 2015;43(6):490–4
491. गोयल एस, संधु पी एस, शर्मा ए, मलिक एम ए, बंसल पी, कौर जे। इंफीरियर रेक्ट्स मसल ओक्यूलर सिस्टिसेरकोसिस :ए केस रिपोर्ट । सउदी जे ऑप्थालमोल 2015;29(2):175–7

492. ग्रीनलेंड के, डिक्सॅन आर, खान एस ए, गुनावरदेना के, कीहारा जे एच, स्मिथ जे एल एट ऑल। दी इपीडेमियोलोजी ऑफ सोइल–ट्रांस्मीटिड हेलेमिंथस इन बिहार स्टेट, इंडिया। *पीएलओएसनेग्ल ट्रप दिस* 2015;9(5):इ0003790
493. ग्रोवर एन। एपरोच टू साइकोथेरेपी केस फॉरम्यूलेशनः ए बिगन्नर थेरेपिस्ट एस कर्न्सन्स – ए केस स्टडी इंडियन जे क्लीन –साइकोल 2015;43(1):68–73
494. गुलाटी एस, चक्रवर्ती बी, कुमार ए, जैन पी, पटेल एच, सैनी एल। एक्वायर्ड डिमीलिनेटिंग डिसोर्डर्स ऑफ सेन्ट्रल नर्वस सिस्टमः ए पिडीयाट्रिक कोहार्ट। *एन इंडियन एकेड न्यूरोल* 2015;18(स्पल.1):48–55
495. गुलाटी एस, दुबे आर। एडेप्टिव फंकशनिग एंड फीडिंग बीहेवीयरःकी टार्गेटस इन ऑटिज्म मेनेजमेंट। *इंडियन जे पीडियट्र* 2015;82:671:2
496. गुलाटी एस, जैन पी, कानान एल, सहगल आर, चक्रबर्ती बी। दी क्लीनिकल केरक्टरस्टिकस एंड ट्रीटमेंट रेस्पोन्स इन चिल्ड्रन विद वेस्ट सिन्ड्रोम इन अ डेवेल्पिंग कंट्रीःए रेट्रोस्पेक्टिव केस रिकॉर्ड एनालिसिस। *जे चाइल्ड न्यूरोल* 2015;30:1440–7
497. गुलाटी एस, कौशिक जे एस। हाउ आई ट्रीट अ फर्स्ट सिंगल सिजर इन अ चाइल्ड। *एन इंडियन ऐक्ट न्यूरोल* 2016:19:29–36
498. गुलाटी एस, मिश्रा ए, नंदा के पाण्डे आर एम, गर्ग वी, गांगुली एस, एट ऑल। इफीकेसी एंड टोलरेंस ऑफ अ डायबीटीस स्पेस्फिक फार्मुला इन पेशेंट्स विद टाइप 2 डायबीटीज मैल्लीट्सः एन ओपन लेबल, रेंडमाइस्ड, क्रॅासोवर स्टडी। *डायबीटीज मिटेब सिन्ड्र* 2015;9:252–7
499. गुलेरिया आर, हड्डा वी। इवोल्यूशन एंड दी कोर ऑफ क्रिटिकल केयर। *वर्ल्ड क्लीन पल्म क्रिट केयर मेड* 2015;4:1–8
500. गुप्ता ए, बंसल के, मारवाहा एम। इफेक्ट ऑफ हाई–मोलिक्यूलर वेट कोम्पोनेंट ऑफ क्रेनबेरी ऑन प्लेक एंड सलाइवरी स्ट्रेपटोकोकस म्यूटर म्यूटनस काउंट इंन चिल्ड्रनः एन इन वीवो स्टडी। *जे इंडियन सॉक पेडोड प्रीव डेंट* 2015;33(2):128–33
501. गुप्ता ए, भाटिया आर, शर्मा जी, प्रसाद के, सिंह एम बी,विभा डी। प्रीडिक्टर्स ऑफ इस्केमिक स्ट्रोक इन रियुमेटिक हार्ट डीजीस। *जे स्ट्रोक सेरेब्रोवास्क डीस* 2015;24:2810:15
502. गुप्ता ए, गर्ग आर, गुप्ता एन। अपडेट इन पेरियोपेरेटिव एनेस्थेटिक मेनेजमेंट ऑफ फीयाक्रोमोसाइडोना। *वर्ल्ड जे एनेस्थेसियोल* 2015;4(3):83–90
503. गुप्ता ए, गोयल वी, श्रीवास्तव ए के, शुक्ला जी, बिहारी एम। रेमिशन एंड रिलेप्स ऑफ मैस्थेनिया ग्रेविस ऑन लांग –टर्म एजाथियाप्राइनः एन एमबिस्पेक्टिव स्टडी। मसल ननर्व 2016 जनवरी 23
504. गुप्ता ए, गुप्ता एन, गर्ग आर। न्यूयर ओरल एंटीकोगुलेंट्स एंड एनेस्थेसिया। *जे एनेस्थ क्रिट केयर ओपन ऐक्सेस* 2015;2(3):00059
505. गुप्ता ए, जैन जी, कौर एम, जरयाल ए.के, दीपक के के, भौमिक डी, एट ऑल। एसोसिएशन ऑफ इम्पेयर्ड बेरोरफलेक्स सेंसिटिवीटी एंड इंक्रिज्ड अरटेरियल स्टिफनेस इन पेरीटोनियल डायलिसिस पेशेंट्स। *क्लीन ऐक्सप नेफ्रोल* 2016;20(2):302–8
506. गुप्ता ए, कलैयवाणी एम, गुप्ता एस के, राय एस के, नोंग्कीनृह बी। बर्डन ऑफ अंडरन्यूट्रिशन, कोम्पोसिट इंडेक्स ऑफ एंथ्रोपोनेटरिक फेलीयर (सी.आई.ए.एफ.) एंड परसेप्शन ऑफ केयरगिवर्स अबाउट अंडरन्यूट्रिशन अमंग अंडर फाइव चिल्ड्रन इन रूलर इंडिया। *इंडियन जे नयूट्र डाइट* 2015;52(2):140–52
507. गुप्ता ए, खरबंदा ओपी, सरदाना वी, बालाचंद्रन आर, सरदाना एच के। अ नोलेज बेस्ड एल्गोरिद्म फॉर ऑटोनेटिक डिटेक्शन ऑफ सीफालोमेट्रिक लेंडमाक्रस ऑन सी.बी.सी.टी. इमेजेस। *इंट जे कम्प्यूट एसिस्ट रेडियोल सर्ज* 2015;10(11):1737–52

508. गुप्ता ए, कुमार आर, कुमार के, बख्शी एस। मल्टीपल नोड्यूलर लंग मीटास्टेसेस विद नो ओबीवियस प्राइमरी शोयिंग लो पोजीटिव 18 फलुरो डीऑक्सीग्लुकोज एफ डी जी अपटेक ऑन पोसीट्रोन इमीशन टोमोग्राफी (पी.ई.टी.) स्कैनः ए यूनीक केस ऑफ मीटाक्टेरिक एमिलाबास्टोमा। *कैंसर ट्रीट कॉमन* 2016;5:11–13

509. गुप्ता ए, कुमार आर, साहु वी, अग्निहोत्री वी, सिंह ए पी, भास्कर एस, एट ऑल। एन.एफ. के बी–पी50 एज ए ब्लड बेस्ड प्रोटीन माक्रर फॉर अर्ली डायग्नोसिस एंड प्रोग्नोसिस ऑफ हेड एंड नेक स्क्वामोस सेल कारसीनोमा। *बायोकेम बायोफ्रिज रेस कॉमन* 2015;467:248–53

510. गुप्ता ए, शुक्ला जी, अफसर एम, गोयल वी, बिहारी एम। रेस्टलेस लेग्स सिन्ड्रोम। अ प्रीडिक्टर ऑफ सबकोर्टियल स्ट्रोकः ए प्रोस्पेक्टिव स्टडी ऑन 346 स्ट्रोक पेशेंट्स। स्लीप मेड 2015;पीआईआई:एस1389–9457(15)00853–9

511. गुप्ता ए, जाना एन। हिमोफीलिया मेनजमेंट एंड फॉलो–अपः रोल ऑफ रडियोलोजीकल एंड फंक्शनल एसेसमेंट ऑफ दी डीजीस सीवियरिटी। *इंडियन जे पिडीयाट्र* 2015;82(12):1084–5

512. गुप्ता ए.के., लोढा आर, काबरा एस के, नॉन सिस्टिक फिबरोसिस ब्रोंकाइकटेसिस। *इंडियन जे पिडीयाट्र* 2015:82:938–44

513. गुप्ता ए के, श्रीवास्तव एस, सिंह ए, सिंह एस। डे नोवो होल–जीनोम सिक्वेंस एंड एनोटेशन ऑफ अ लेशमेनिया स्ट्रेन आइसोलेटिड फ्रॉम अ केस ऑफ पोस्ट –काला–अजार डेर्मल लेशमेनियासिस। *जीनोम एनौनस* 2015;3(4):ई00809–15

514. गुप्ता बी, बनर्जी एस, प्रसाद ए, फारूकी के, शर्मा वी, त्रिखा वी। एनालजेसिक इफीकेसी ऑफ थ्री डिफरेंट डोसेज ऑफ इंट्रा–आर्टिक्यूलर मोरफाइन इन अथ्रोस्कोपिक नी सर्जरीजः रेंडामाइज्ड डबल–ब्लाइंड ट्रायल। इंडियन जे एनेस्थ। 2015 अक्टूबर;59(10):642–7

515. गुप्ता बी, गुप्ता एस, हीजाम बी, शेंडे पी, रेवारी वी। कम्पेरीजन ऑफ थ्री सुपराग्लोटिक ऐयरवे डिवाइससेस फॉर ऐयरवे रेसक्यू इन दी प्रोन पोजीशनः ए मनीकिन–बेस्ड स्टडी। *जे इमर्ज ट्रॉमा शॉक* 2015;8(4):188–92

516. गुप्ता बी, गुप्ता एस के, सुरी एस, फारूकी के, यादव एन, मिश्रा एम। इफीकेसी ऑफ कान्ट्रास्टिंग बैकग्राउंड ऑन अ ड्रग लेबलः ए प्रोस्पेक्टिव, रेंडामाइज्ड स्टडी। *जे एनेस्थेसियोल क्लीन फारमाकॉल* 2015;31(2):230:3

517. गुप्ता बंसल पी, सिंह टोटेजा जी, भाटिया एन, किशोर विक्रम एन, सिद्धु ए; कुमार गर्ग ए, एट ऑल। डेफीसिएंसिस ऑफ सीरम फेर्रीटिन एंड वीटामिन बी 12, बट नॉट फोलेट, आर कॉमन इन अडोलेसेंट गर्ल्स रीजाइडिंग इन अ स्लम इन डेल्ही। *इंट जे वीटाम न्यूट्र रेस इन जेड फर वीटाम एर्नाहिंगसफॉर्सचुंग जे इंट वीटामीनोल न्यूट्र* 2015;85:14–22

518. गुप्ता डी, भोई एस, सागर गलवान्कर, अमित गुप्ता एंड डी एन राव। सीरम लेवल्स ऑफ आई एल–6, टी एन एफ–अल्फा एंड आई एल–10 एज अर्ली प्रीडिक्टर्स ऑफ मोर्टेलिटी इन ट्रॉमा हिमोरेजिक शॉक पेशेन्ट्स। क्लीनिकल इम्यूनोलॉजी, एंडोक्राइन एंड मेटाबोलिक ड्रग्स, 1(2):111–124

519. गुप्ता डी, शर्मा डी, कानन एन, प्रप्रुयेथम एस, मॉक सी, वेंग जे एट ऑल। गाइडलाइन एडेहरेन्स एंड आउटकम्स इन सर्विस एडल्ट ट्रॉमेटिक ब्रेन इनज्यूरी फॉर दी सी.एच.आई.आर.ए.जी. (कोलाबोरेटिव हेड इनज्यूरी एंड गाइडलाइन्स) स्टडी। *वर्ल्ड न्यूरोसर्ज* 2016;89:169–79

520. गुप्ता डी के, शर्मा एस। फैक्टर्स फॉर मोर्टालिटी इन टी.ई.एफ./ई.ए.इन. इंडिया। *जे जेपीएन सॉक पेरीनाटल नियोनाटल मेड* 2015;51:565

521. गुप्ता डी के, वाघानी जी, सिद्धकी एस, साहनी सी, सिंह पी के, कुमार ए, एट ऑल। अर्ली वर्सेस डीलेयेड डीकम्प्रेशन इन एक्यूट सबक्जियल सरवाईकल स्पाइनल कॉर्ड ट्रॉमा सेन्टर फ्रॉम इंडिया। *एशियन जे न्यूरोसर्ज* 2015;10(3):158–65

522. गुप्ता डी के, पीडियाट्रिक सर्जरी इन इंडियाः टाइम फॉर रिव्यू। *जे इंडियन एसो पीडियटर सर्ज* 2015;20:57–9

523. गुप्ता डी एल, भोई एस, गलवान्कर एस, राव डी एन। सिरम लेवल्स ऑफ आईएल–6, टी.एन.एफ– एंड आई एल–10 एज एन अर्ली प्रीडिक्टिव माक्रर ऑफ मोर्टालिटी इन ट्रॉमा हिमोरेजिक शॉक पेशेन्ट्स। *क्लीन इम्मूयूलोल एंडो मैटाबोलिक ड्रग* 2014;1(2):111–24

524. गुप्ता डी एल, नागर पी के, भोई एस, राव डी एन। क्लीनिकल रिलेवेन्स ऑफ सिंगल न्येक्लियोटाइड पोलीमोरफिस्म विदीन दी 13 साइटोकाइनस जीन इन नॉर्थ इंडियन ट्रॉमा पेशेन्ट्स, इन रिकवरी ऑफ हिमोरेजिक शॉक पेशेन्ट्स। *सकैन्ड जे ट्रॉमा रिसे इमर्ज मेड* 2015;23(1):96

525. गुप्ता ई, गुप्ता ए। ब्ल्ड–बोर्न वायरसेस एंड हेल्द केयर वक्रर्सः ए नेग्लेक्टेड एन्टिटी। इंडियन जे मेड माइक्रोबायोल 2016;34:137–8

526. गुप्ता एम, कुमथ एम, पनवार एम, यादव ए, खार्व वी। रोल ऑफ रिट्टन इंफोर्मड कांसेन्ट फॉर्म दी पेशेन्ट एडमिटिड इन हॉस्पीटल विस अ विस रिसेन्ट इंटरप्रेटेशन बाई दी इंडियन लीगल सिस्टम *जे. आई.एम.ए.* 2015:113(11):153–56

527. गुप्ता एन, चौधरी आर, काबरा एस के, लोढा आर, मिर्धा बी आर, दास बी के, एट ऑल। इन सर्च ऑफ स्क्रब टाइफसः ए प्रोस्पेक्टिव एनालिसिस ऑफ क्लीनिकल एंड इपीडेमियोलोजीकल प्रोफाइल ऑफ पेशेन्ट्स फ्रॉम अ टरशियरी केयर हॉस्पीटल इन न्यू डेल्ही। *एडवांसेस इन इनफेक्शियस डीजीसेस* 2015;5(4):140–7

528. गुप्ता एन, गर्ग आर, गुप्ता ए, भारती एस जे, चंपाडिया वी के। एनेस्थेटिक मेनेजमेंट ऑफ अ पेशेन्ट विद डायलेटेड कार्डियोमायोपेथी फॉर फ्रेक्चर फेमुर सर्जरीः ए केस रिपोर्ट। *जे एनेस्थ क्रिट केयर ओपन एक्सेस* 2015;2(1):00041

529. गुप्ता एन, गर्ग आर, सैनी एस, कुमार वी। ग्लाइडस्कोप वीडियो लारिन्गोस्कोपःएसिसटेड वासोट्रेकशियल इंट्यूबेशन बाई कफ इंफलेशन टेकनिक इन हेड एंड नेक कैंसर पेशेन्ट्स। *बी आर जे ऐ एनेस्थ* 2016;116 (4):559–60

530. गुप्ता एन, गोथवाल एस, सतपथी ए के, मिस्सागलिया एस, तवियान डी, दास पी, एट ऑल। चनारिन डार्फमेन सिन्ड्रोम अ केस रिपोर्ट विद नोवेल नॉनसेन्स मूयटेशन। *जीन* 2016;575:359–62

531. गुप्ता इन, गुप्ता ए, गर्ग आर। पेरियोपेरेटिब एनेस्थेटिक चेलेंजेस फॉर इंट्रा–ओपरेटिव रेडियेशन थेरेपी। *जे एनेस्थ क्रिट केयर ओपन ऐक्सेस* 2015;3(6):00116

532. गुप्ता एन, गुप्ता ए, गर्ग आर।प्रोफेशनल बर्नाउट इन एनेस्थेशिया एंड क्रिटिकल केयर हाउ टू डीक्रिस इट। *जे एनेस्थ क्रिट केयर ओपन ऐक्सेस* 2015;2(3):00056

533. गुप्ता एन, जैन पी, काबरा एम, गुलाटी एस, सेतुरमन जी। एक्रोडेरमाटेटिस डीसमेटाबोलिका–रिपोर्ट ऑफ टू केसेस। *इंडियन जे पीडियट्र* 2015;82:869–70

534. गुप्ता एन, खान आर, कुमार आर, कुमार एल, शर्मा ए। वेरसीकेन एंड इट्स एसोसिएटेड मोलिक्यूल्सः पोटेंशियल डायग्नोस्टिक माक्रर्स फॉर मल्टीपल मैलोमा। *क्लीन चाइम एक्ट्रा* 2015;442:119–24

535. गुप्ता एन, सैनी एस एस, मुर्की एस, कुमार पी, देवरारी ए के। कन्टीन्यूअस पोजीटिव ऐयरवे प्रेशर इन प्रीटर्म नियोनेट्सः एन अपडेट ऑफ करंट इवीडेन्स एंड इंप्लीकेशन्स फॉर डेवेलपिंग कंट्रीज। *इंडियन पीडियट्र* 2015;52:319–28

536. गुप्ता एन, सिंह जी पी। इलेक्ट्रौनसेफालोग्राफी–बेस्ड मॉनीटर्स। जे न्यूरोएनेस्थेसियोल क्रिट केयर 2015;2:168–78

537. गुप्ता एन, सिंह पी के, कुमार एम, शास्त्री एस, गुलाटी एस, कुमार ए, एट ऑल। इर्राटुम टुः ग्लेटेरिक एसिडेमिया टाइप1– क्लीनिको –मोलीक्यूलर प्रोफाइल एंड नोवेल म्यूटेशन इन.जी.सी.डी.एच. जीन इन इंडियन पेशेन्ट्स। *जे.आई.एम.डी. रेप* 2015;21:129

538. गुप्ता एन, सिंह पी के, कुमार एम, शास्त्री एस, गुलाटी एस, कुमार ए, एट ऑल। ग्लूटेरिक एसिडेमिया टाइप–1–क्लीनिको–मोलीक्यूलर प्रोफाइल एंड नोवेल म्यूटेशन इन.जी.सी.डी.एच. जीन इन इंडियन पेशन्ट्स। *जे आई एम डी रेप* 2015;21:45–55

539. गुप्ता एन, वशिष्ट पी, मल्होत्रा एस, सेंजम एस एस, मिश्रा वी, भारद्वाज ए। रेपिड एसेसमेन्ट ऑफ डेल्ही, इंडिया पी.एल.ओ.एस. वन 2015;10(4):ई0124206

540. गुप्ता एन, वशिष्ट पी, टंडन आर, गुप्ता एस के, द्विवेदी एस, मणी के। प्रीवेलेंस ऑफ कोर्नियल डीजीसेस इन दी रूरल इंडियन पोपुलेशनः दी कोर्नियल ओपेसिटी रूरल इपिडेमियोलोजीकल (सी.ओ. आर.ई.) स्टडीःबी.आर. जे ऑपथालमोल 2015;99(2):147–52

541. गुप्ता एन,। कॉमेंटरीः एंडोट्रेशियल ट्यूब लीकः वाह्ट शुड वी डू? *जे एनेस्थेसियोल क्लीन फार्माकॉल* 2015;31 (4):459–60

542. गुप्ता पी, खुराना एम एल, खडगावत आर, बाल सी एस, शर्मा एस सी, एट ऑल। प्लास्मा फ्री मीटानेफ्राइन, नोमीटानेफ्राइन एंड 3– मीथोक्सीटीरेमाइन फॉर दी डायग्नोसिस ऑफ फियोक्रोमोसाइटोमा/पारागंगलियोना। *इंडियन जे एंडोक्राइनॉल मीटेब* 2015;19:633–8

543. गुप्ता आर, कुमावत बी एल, पलीवाल पी, टंडन आर, शर्मा एन, सेन एस, एट ऑल।एसोसिएशन ऑफ जेड.ई.बी.1 एंड टी.एफ.4 आर एस 613872 चेंजेस विद लेट ऑनसेट फुक्स एंडोथेनियल कोर्नियल डिस्ट्रॉफी इन पेशन्ट्स फ्रॉम नॉर्दन इंडिया। *मोल विज* 2015;21:1252–60

544. गुप्ता आर, शर्मा ए, अग्रवाल एस के, डींडा एके। सी1 क्यू नेफ्रोपेथी एंड आइसोलेटिड सी डी 59 डेफीसिएंसी मेनीफेस्टिंग एज नेक्रोटाइजिंग क्रिसेन्टिक ग्लोमेरूलोनेफरिटिस : ए रेअर एसोसिएशन ऑफ टू डीजीसेस। *सउदी जे किडनी दिस ट्रांसप्ल* 2015;26:1274–8

545. गुप्ता आर के, त्रिपाठी एम, साहु एम के, नजर ए एच, अग्रवाल के, कुमार के, एट ऑल। एसीमिटरीकल एफ–18 फलोरोरोडीआक्सीग्लोकोज अपटेक इन दी ब्रेस्ट्सः ए डायलेम्मा सोलव्ड बाई पेशन्ट हिस्ट्री। *इंडियन जे न्यूकल मेड* 2016;31:83–4

546. गुप्ता एस, चौरासिया एस, शंकर एम जे, देवरारी ए के, पॉल वी के, अग्रवाल आर।इरटिम टूः नियोलाटल रिसर्च इन इंडिया :करंट स्टेट्स, चेलेंजेस, एंड दी वे फॉरवार्ड। *इंडियन जे पीडियाट्र* 2015;82:396

547. गुप्ता एस, गोगिया वी, टी आर, सेन एस, वेंकटेश पी। पोस्टेरियर लेन्स केपसुलर नियोवास्क्यूलराइजेशन ऑफ यंग मेनेजमेंट यूसिंग एंडोडायथेरमी एसिसटेड बायोप्सी। कैन जे ऑपथालमाल 2015;50(1):ई4–7

548. गुप्ता एस, गोयल एम, वर्मा डी, शर्मा ए, भारद्वाज एन, काबरा एम, एट ऑल। एडवर्स प्रेग्नेंसी आउटकम इन पेशन्ट्स विद लॉ प्रेग्नेसी– एसोसिरटेड प्लास्मा प्रोट्रीन –एःदी इंडियन एक्सपीरियंस। *जे ऑबस्टेट गायनेकोल रेस* 2015;41:003–8

549. गुप्ता एस, गुप्ता एस, कुमार ए। दी हाइपोडर्मिक नीडल एज ए डर्माब्रेडिंग डिवाइस फॉर रेसीपीएंट एरिया प्रीपरेशन फॉर स्किन ग्राफटिंग इन विटीलिगो। जे एम एक्ड डर्माटॉल 2015;72:ई105–106

550. गुप्ता एस, गुप्ता एस। ए सिम्पल, नोवेल मेथॉड फॉर नेल फोटोग्राफी । जे एम एक्ड डर्माटॉल 2015;72:ई131

551. गुप्ता एस, गुप्ता एस। रिप्लाई टूः नेल फोटोग्राफी –ऑल 10 फिंगरनेल्स इन बन फ्रेम। जे एम एक्ड डर्माटॉल 2015;73:ई147

552. गुप्ता एस, कुमार ए, महेन्द्र ए, गुप्ता एस। ए मिनीमली इनवेसिव, स्कारलेस टेकनिक ऑफ डोनर टिश्यू हारवेस्टिंग फॉर नॉनकल्चर्ड इपीडेरमल सेल सस्पेंशन ट्रांसप्लान्टेशन इन विटीलिगो। जे एम एक्ड डर्माटॉल 2015;73:ई213–215

553. गुप्ता एस, कुमारन एस एस, सक्सेना आर, गडवाणी एस, मेनन पी, शर्मा पी, बी.ओ.एल.डी. एफ.एम.आर. आई. एंड डी.टी.आई इन स्ट्राबिस्मिक एम्बलीयोफस फॉलोविंग ओक्यूशन थेरेपी। *इन्ट ऑप्थालमोल* 2015;1–12

554. गुप्ता एस, मित्तल एस, नायक एन, सतपथी जी, खोखर एस, अग्रवाल टी। इन विट्रो एंटीबायोटिक ससेप्टिबीलिटी ऑफ सुडोनोनास ऐरोगीनोसा कोर्नियल अल्सर आइसोलेट्स। *ओक्यूल इम्मूयूनोल इंफलैम* 2015;23:252–5

555. गुप्ता एस, प्रसाद जी, कुंदू आर, मैत्रा एस। ऑन टेबल एक्सट्यूबेशन आफटर इमरजेंसी थोराकोटॉमी फॉर मीडियास्टीनल मास इन अ नियोनेट। *जे क्लीन एनेस्थ* 2015;27(5):432–4

556. गुप्ता एस, साह एस, सोम टी, सक्सेना एम, यादव सी पी, संकर एम जे, एट ऑल। चेलेंजस ऑफ इम्पलीमेटिंग यूनीवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग एट ए टरशियरी केयर सेन्टर फ्रॉम इंडिया। *इंडियन जे पीडियट्र* 2015;82:688–93

557. गुप्ता एस, साहनी के, टेभरे एम के, माथुर एस, शर्मा वी के। ए नॉवेल प्वाइंट–ऑफ–केयर इन वीवो टेकनीक फॉर प्रीपेरेशन ऑफ इपीडर्मल सेल सस्पेन्शन फॉर ट्रांसप्लाटेशन इन वीटिलिगो। जे एम एक्ड डर्माटल 2015;72:ई 5–66

558. गुप्ता एस के, बख्शी एस, कुमार एल, सेठ आर, कुमार आर। आई.के.जेड.एफ.1 (आई.के.ए.आर.ओ.एस.) डीलीशन इन बी–ऑल एंड इट्स क्लीनिकल कोरीलेशनः ए प्रोस्पेक्टिव स्टडी फ्रॉम अ टराशियरी केयर सेन्टर इन नॉर्थन इंडिया। *ल्यूक रेस* 2016;41:7–11

559. गुप्ता एस के, चंद्रमोहन जे ,कुमार एल। ए.एम.एल. ट्रांसफॉरमेशन आफटर ऑटोलोगस स्टेम सेल ट्रांसप्लांट फॉर मल्टीपल मैलोमा। *बी.एम.जे. केस रेप* 2015:2015

560. गुप्ता एस के, चोपडा ए, सिंह एस, कुमार आर, बख्शी एस, कुमार एल एट ऑल। ऐबसेन्स ऑफ सी डी9 एक्सप्रेशन इन एक्यूट मैलोयड ल्यूकेमियाः पोसिबल कोर्रिलेशन विद टी (8:21)। *इंट जे लेब हिमाटॉल* 2015;37(3):ई56–8

561. गुप्ता एस के, डोंगरे एस, माथुर आर, मोहन्ती आई आर, श्रीवास्तव एस, माथुर एस , एट ऑल। जेनिस्टेन एमेलियोरट्स कार्डियक इंफलामेशन एंड ऑक्सीडेटिब स्ट्रेस इन स्ट्रेपटोजोटोसिन–इंड्यूस्ड डायबेटिक कार्डियोमायोपे थी इन रेट्स। *मोल सेल बायोकेम* 2015;408(1–2):63–72

562. गुप्ता एस के, गुलाटी जी एस, एंडरसन आर एच। क्लेरीफागिंग दी एनाटॉमी ऑफ दी फिफथ आक्र अर्टरी। इन पीडियाट्र कारडियोल 2016;9:62–7

563. गुप्ता एस के, गुप्ता ए, रामाकृष्णन एस, एंडरसन आर एच। क्लेरीफायिंग दी एट्रीयोवेंट्रीक्यूलर जंक्शनल एनाटॉमी इन दी सेटिंग ऑफ डबल आउटलेट राइट एट्रीयम ।इन पीडियाट्र कारडीयोल 2015;8(3):233–9

564. गुप्ता एस के, रामाकृष्णन एस, गुलाटी जी एस, हेनरी जी डब्ल्यू, स्पाइसर डी.ई, बेक्कर सी एल, एट ऑल। क्लेरीफायिंग दी एनाटॉमी ऑफ हार्ट्स विद कॉन्कोर्डेंट वेंट्रीक्यूलो–आर्टरियल कनेक्शन बट अबनॉर्मली रिलेटेड आर्टेरियल ट्रक्स। कारडियोल यंग 2016;26:1–18

565. गुप्ता एस के, शेतकर एस एस, रामाकृष्णन एस, कोठारी एस एस। सेलाइन कॉन्ट्रास्ट इकोकार्डियोग्राफी इन दी इरा ऑफ मल्टीमोडालिटी इमेजिंग–इर्म्पोटेंस ऑफ ''बब्लिंग इट राइट''। इकोकार्डियोग्राफी 2015;32:1707–19

566. गुप्ता एस के। क्लीनिकल एप्परोच टू अ नियोनेट विद साइनोसिस। इंडियन जे पीडियाट्र 2015;82:1050–60

567. गुप्ता वी, अरावा एस, बख्शी एस, वशिष्ट के आर, रेड्डी आर, गुप्ता एस। सबक्यूटानियस पन्नीक्यूलिटिस–लाइक टी–सेल लिम्फोमा विद हिमोफागोसाइटिक सिन्ड्रोम इन ए चाइल्ड। *पीडियाट्र डर्माटॉल* 2016;33(2):ई72–ई76

568. गुप्ता वी, डाउन्स एस एम, घोष–जेरथ एस, लॉक के, सिंह ए। अनहेल्दी फैट इन स्ट्रीट एंड स्नैक फुडस इन लॉ–सोशियोइकोनोमिक सेटिंग्स इन इंडियाः ए केस स्टडी ऑफ दी फुड इंवायरमेन्टस ऑफ रूरल विलेजेस एंड एन अर्बन स्लम। *जे न्यूट्र एजु बीहेव* 2016;48:269–279ई1

569. गुप्ता बी, खांडपुर एस। ब्लेफारोचलासिस विद डबल लिपः ए केस ऑफ ऐस्चेर सिन्ड्रोम। इंडियन जे डर्माटॉल वेनेरियोल लेप्रोल 2015;81:651

570. गुप्ता वी, खुटे पी, पटेल ए, गुप्ता एस। नॉन–हीलिंग जेनिटल हेर्पेस मिमिक्किंग डोनोवेनोसिस इन एन इमयूनूकम्पीटेंट मेन। इंट जे.एस.टी.डी. एड्स 2016;27:72–4

571. गुप्ता वी,मिर्धा ए आर, शर्मा वी के। पीडियाट्रिक डर्माटोलॉजी फोटोक्वीज : मल्टीपल इरीथेमेटेयस पापुलेस ऑन दी बैक। रिकरंट पायोजेनिक ग्रानुलोमस विद सेटेल्लीटोसिस। पीडियाट्र डर्माटॉल 2016;33:97–8

572. गुप्ता वी, पत्रा एस, अरावा एस, सेथुरमन जी। हिडन अक्राल लेन्टीजीनियस मेलानोमा विद क्यूटानियस मीटास्टासेस मास्क्यूरेडिंग एज कापोसीस सरकोमा इन एन एच.आई.वी.–पोजीटिव इंडियन मेन। बी.एम.जे. केस रेप 2016:2016

573. गुप्ता वी, पत्रा एस, फिरदौस अली एम, सेथुरमन जी। स्केलेरोडर्मोयड हाइपरट्राइकोटिक प्लेक्स विद इन्सूलिन–डीपेन्डेन्ट डायबीटिस मेलीटस। पीडियाट्र डर्माटॉल 2015;32:731–2

574. गुप्ता वी, राय ए, मुथा एस, फिरदौस अली एम, शर्मा वी के। पेनाइल कारसीनोमा प्रेसेटिंग एस इंग्यूनोल बुबो, मास्क्यूरेडिंग एस ए वेनेरियल डिजीस । इन्ट जे एस.टी.डी. एड्स 2016;27:323–5

575. गुप्ता वी, साहनी के, खुटे पी, शर्मा पी के, अली एम एफ। डाउलिंग –डिगोस डीजीस एंड मेलिंगनेंट मेलानोमा : एसोसिएशन ओर मेयर कोइन्सीडेन्स? इंडियन जे डर्माटॉल वेनेरियोल लेप्रोल 2015:81:627–8

576. गुप्ता वी, सेषाद्रि डी, खेतान बी के, नाथ डी, मिर्धा ए आर। पेरीफेरल टी–सेल लिफोमा, नॉट अदरवाइज स्पेसीफाइड प्रजेन्टिंग विद मल्टीपल टेन्डर क्यूरेनियस नोड्यूल्स एंड प्लेक्स। *इंडियन जे डर्माटॉल वेनेरियोल लेप्रोल* 2015;81(3):313–5

577. गुप्ता वाय, मारवाहा आर.के., कुकरेजा एस, भद्रा के, नारंग ए, मनी के, एट ऑल। रिलेशनशिप बिटवीन बीएमडी एंड प्रिवेलेंट वर्टेब्रल फ्रेक्चर्स इन इंडियन वुमैन ओल्डर दैन 50 इयर। *जे क्लिन डेंसीटोम* 2016;19:141–5

578. गुप्ता वाय.के. मीनू एम, मोहन पी। द तमिलू फियास्को एंड लेसन्स लर्न्ट। *इंडियन जे फार्माकोल* 2015;47 (1):11–6

579. गुरूप्रसाद बी, चौधरी पी, शोयडन टी, कुमार वी.एल। आर्टिसुनेट एमिलियोरेट्स फंक्शनल लिमिटेशन्स इन फ्रियूएंड्स कंपलीट एड्जुवेंट–इंड्यूस्ड मोनोअर्थीराइटिस इन रेट बाई मेनटेनिंग ऑक्सीडेटिव होमियोस्टेसिस एंड इंहीबिटिंग सी.ओ.एक्स–2 एक्सप्रेशन। *इन्फलेमेशन* 2015;38:1028:35

580. हाडा एम, पुष्कर एन, मील आर, चंगोले एम, बजाज एम। पेरीऑरबिरल नेक्रोटाइसिंग फसिस्टिस। डी.ओ.एस. टाइम्स 2015;21(1):29–31

581. हड्डा वी, कुमार आर, मदन के, मोहन ए। एयर कॉलम बीसाइड दी ट्रेशिया। *बी.एम.जे. केस रिपोर्टस* 2016:2016

582. हड्डा वी, कुमार आर, एंडोब्रोंकाइल अल्ट्रासांउडः ए न्यू टूल फॉर पुल्मोनोलोजिस्ट। *इंसाइट्स इन चेस्ट डीजीस* 2015;1:4

583. हड्डा वी, कुमारी आर। प्रोटोकॉल्स फॉर वियनिंग फ्रॉम एन.आई.बी.: अपरेजल ऑफ इवीडेन्स। *इंसाइट्स इन चेस्ट डीजीस* 2015;1:4

584. हघीघी आर आर, चटर्जी एस, टेबिन एम, शर्मा एस, जागिया पी, राय आर, एट ऑल। डी.ई.सी.टी. इवेल्यूशन ऑफ नॉन केल्सीफाइड कोरोनॉरी आर्टरी प्लेक। *मेड फिस* 2015;42(10):5945–54

585. हल्दर पी, मोरीन्यू जी, दास ए, मेहेंदले एस। ए सर्वीलियंस मॉडल फॉर सेक्यूयली ट्रांसमीटिड इम्फेक्शन इन इंडिया। *इंडियन जे पब्लिक हेल्थ* 2015;59(4):286–94
586. हल्दर ए, जैन एम, एंड कुमार पी। प्राइमरी टेस्टीक्यूलर फेलियर :एन ओवरवियू। *जे क्लीन डायग्न रेस* 2015;3(1):1000–105
587. हल्दर ए, जैन एम, कल्सी ए के। एस.एन.पी. माइक्रोरेरे इन एफ.आई.एस.एच. नेगेटिव क्लीनिकली सस्पेक्टेड 22क्यू11.2 माइक्रोडिलीशन सिन्ड्रोम। *साइनटीफिका (कायरो)* 2016;2016:5826431
588. हल्दर ए. रिप्रोडक्टिव जेनेटिक काउंसलिंग इन जीनोमिक इरा। ई.सी. गाइनेकेलोजी 2015;2(1):132–48
589. हल्दर एन, पेशिन एस एस, पांडे आर एम, गुप्ता वाई के। अवेयरनेस एसेसमेंट ऑफ हार्मफुल इपेक्ट्स ऑफ मक्ररी इन अ हेल्द केयर सेट–अप इन इंडियाः ए सर्वे–बेस्ड स्टडी। *टॉक्सीकल इंड हेल्द* 2015;31:1144–51
590. हन एस एच, ली जे एच, किम एस वाई, पाक्र के डब्ल्यू, चेन सी, त्रिपाठी एम, एट ऑल। डॉनेपेजिल 23 एम जी इन एशियन पेशेन्ट्स विद मोडेरेट–टू–सर्व अल्जेहमर एस डीजीस। एक्टान्यूरोल स्कैन्ड 2016
591. हांडा एन, रथीनाम डी, सिंह ए, जाना एम। सेमिनल वेसिकल इंवोल्वमेंटः अ रेअर एक्सट्रानोडल मेनीफेटेशन ऑफ नॉन–होजकिन एस लिम्फोमा। *बी.एम.जे. केस रेप* 2016:2016
592. हरेश के.पी., बेंसन आर, मल्लिक एस, गुप्ता एस, शर्मा डी, पांडे आर, एट ऑल। आउटकम्स ऑफ यंग पेशेन्ट्स विद रेक्टल कैंसर फ्रॉम अ टरशिअरी कैंसर केयर सेन्टर इन इंडिया। *क्लीन कोलोरेक्टल कैंसर* 2016;15:ई23–8
593. हरिस एम, यादव एस के, रिजवान ए, सिंह ए, वांग ई, हरिहरण एच, एट ऑल। मोलिक्यूलट मैगनेटिक रिसोनेंस इमेजिंग इन कैंसर। *जॉर्नल ऑफ ट्रासलेश्नल मेडिसिन* 2015;13:313
594. हसेगावा एम, सिन्हा आर के, कुमार एम, आलम एम, थिनएल रैना डी, एट ऑल। इंट्रासेल्यूलर टारगेटिंग ऑफ दी ऑकोजेनिक म्यूक1–सी प्रोटीन विद ए नोवेल गो–203 नानोपार्टिकल फॉरम्यूलेशन। *क्लीन कैंसर रेस* 2015;21:2338–47
595. हसीजा एन, गुप्ता पी, गर्ग आर। इंट्राऑपरेटिव टेशीकाइडिया–रीसेट बाई सिंगल शोर शॉर्ट एक्टिंग बीटा ब्लॉकर। *जे कारडियोल कर्र रेस* 2015;2(4):00069
596. हसीजा एस, कुमार पी, उमा बी, किरण यू। लेटर टू एडिटरः फैलेम्व्यू इन दी लेफट अट्रियम। एन कार्ड एनेस्थ 2015;18:274–5
597. हजारी एन, जोसेफ ए, मेहता एम, सागर आर। ऐसेसमेंट ऑफ स्लीप डिस्टरबेन्सेस इन चिल्ड्रन विद एटेंशन–डेफिसिट हाईपराक्टिविटी डिसॉर्डर। *जे इंडियन एसो/ चाइल्ड एडोलेस/ मेन्ट हेल्द* 2016;11 (1):56–79
598. हजारिका ए, कुमार एस, सिंह एम। एब्नॉर्मल हेंट पोजीशन लीडिंग टू पोसिबल ब्रेशियल प्लेक्सस इन्जूरी ड्यूरिंग स्पाइनल इंटरवेंशनल न्यूरोरेडियोलॉजीः आर वी अवेयर ऑफ इट? *जे न्यूरौनस्थेसियोल क्रिट केयर* 2015;2:142–3
599. हजारिका ए, सिंह जी पी, मलिक वी, बीठाल पी के। वासोप्लेजिक सिन्ड्रोमः ए चेलेंज टू एनेस्थेटिक मनेजमेंट। जे न्यूरौनस्थेसियोल क्रिट केयर। 2015:2:139–41
600. हेजाजी ए, सिंह डी, कुबेर एस, कल्याणसुंदरम् डी, गुरूराजा एस। मशीनिंग डेयेज इन एफ आर पी एसः लेसर वर्सेस कन्वेंशनल ड्रीलिंग। *कोम्पोसिट पार्ट एः अप्लाइड साइंस एंड मेनुफेक्चरिंग* 2016;82:42–52
601. होडा एन, नाज एच, जीमल ई, शाण्डिलय ए, डे एस, हसन एम, आई , एट ऑल। करक्यूमिन स्पेसिफिकली बाइंड्स टू दी हयूमन केल्सियम कलमोड्यूलिन–डिपेंडेंट प्रोटिन काइनेस 4: फलोरेसेन्स एंड मोलीक्यूलर डायनेमिक्स सीमुलेशन स्टडीस। *जे बायोमोल स्ट्रक्ट डायन* 2016;34:572–84

602. हुसैन एम एस, इरफान एम, बालहारा वाई पी एस, गियासुद्दीन एन ए, सुल्ताना एस एन। ए सर्वे ऑफ डेकं एडजस्टमेंट इन दी इंडियन सबकान्टीनेंट। जे आयुब मेड कॉल ऐबोटाबाद 2015;27:36–9
603. होते ए, सरकार सी, गुप्ता एस डी, कुमार आर, भल्ला ए एस, ठाकर ए। एक्सेप्रशन ऑफ वास्क्यूलर एंडोथेलियल ग्रोथ फेक्टर इन जुवेनाइल एंजियोफिबरोमा। *इंट जे पीडियाट्र ओटोराइनोलाटींगोल* 2015;79:900–2
604. होते एम, सेठ एस, चौधरी एस के, रमन जे, सैनी ए , कौशिक एम, एट ऑल। रिपोर्ट ऑफ एन एक्सटर्नल बेसल एन्यूलूफलास्टी डिवाइस फॉर मित्राल रिगुरगीटेशन (बेसल एयूलूप्लास्टी ऑफ दी कार्डिया एक्सटर्नली डिवाइस इम्पलीमेन्टेशन)। *जे प्रेक्ट कार्डियोवास्क साइ* 2015;1(2):200–2
605. हुयांग एच, हु एक्स–एफ, झाओ एफ–एच, गारलेंड एस एम, भाटला एन, क्याओ वाई–एल। एस्टीमेशन ऑफ कैंसर बर्डन एटरीब्यूटेबल टू इन्फेक्शन इन एशिया। *जे इपीडेमियोल* 2015;25:626–38
606. हफमैन एम डी, खलील ए, ऑस्मांड सी, फाल सी.एच.डी., टंडन एन, लक्ष्मी आर, एट ऑल। एसोसिएशन बिटवीन एंथ्रोपोमेटरी, कार्डियोमेटाबोलिक रिस्क फैक्टर्स एंड अर्ली लाइफ फैक्टर्स एंड अडल्ट मेजर्स ऑफ एंडोथेलियल फंक्शनःरिजल्ट्स फ्रॉम दी न्यू डेल्ही बर्थ कोहार्ट। *इंडियन जे मेड रेस* 2015;142:690–8
607. हूघेस डी ए, गोंजालेज डी ई, ल्यूकीना ई ए, मेहता ए, काबरा एम, एल्सटेन डी, एट ऑल। वेलाग्लूसेरासिलफा (वी.पी.आर.आई.वी.) एंजाइम्स रिप्लेसमेंट थेरेपी इन पेशेन्ट्स विद गाउचेर डीजीसः लोंग–टर्म डाटा फ्रॉम फेस 3 क्लीनिकल ट्रायलस्। *एम जे हिमाटॉल* 2015;90:584–91
608. हुई एस पी, नग टी सी, घोष एस। केरक्टराइजेशन ऑफ प्रोलिफेरेटिंग न्यूरल प्रोजेनीटर्स आफटर स्पाइनल कॉर्ड इन्ज्यूरी इन अडल्ट जेब्राफिश। *पी एल ओ एस वन* 2015;10:ई0143595
609. हुसैन ए, चंदेल आर के, गनी एम ए, दर एम ए, रादेर वाई एच, वाणी जेड ए, एट ऑल। प्रीवलेंस ऑफ साइकाइट्रिक डिसार्डर्स इन पेशन्ट्स विद अ डायग्नोसिस ऑफ पोलीसिस्टिक ओवरी सिन्ड्रोम इन कश्मीर। *इंडियन जे साइकॉल मेड* 2015;37:66–70
610. हयूनह टी जे, अवीव आर आई, दौलत शाही डी, ग्लेडस्टोन डी जे, लौपोसिस ए, किस ए, ...भाटिया आर, एट ऑल। प्रीडिक्ट/सन्नीब्रुक सी ट ए, इंवेस्टिगेटर्स । वेलीडेशन ऑफ दी 9–पॉइंट एंड डेरीवेशन ऑफ दी प्रीडिक्ट ए/बी स्कोर्स। स्ट्रोक 2015;46:3105–10
611. इंगवेरसेन एस एच, पेट्री के सी, टंडन एन, यून के–एच, चेन एल, वोरा जे, एट ऑल। लीरागूलोटाइड फॉर्माकोकाइनेटिक्स एंड डोज–एक्सपोसर रिस्पोंस इन एशियन सबजेक्ट्स विद टाइप 2 डायबीटिज फ्रॉम चाइना, इंडिया एंड साउथ कोरिया। *डायबीटिज रेस क्लीन प्रेक्ट* 2015;108:113–9
612. इप्राची के, हसीजा एस, मल्होत्रा पी। वीडियो कॉमेनट्रीः अप्रोचेस टू इंटरनल जुगलर एंड सबक्लेवियन वेन। एन.कार्ड एनेस्थ 2016;19:142
613. इकबाल एन, शुक्ला एन के, देव एस पी, अग्रवाल एस, शर्मा डी एन, शर्मा एम सी एट ऑल। प्रोगनोस्टिक फैक्टर्स एफेक्टिंग सरवाइवल इन मेटास्टिक सॉफ्ट टिश्यू सरकोनाः एन एनालिसिस ऑफ 110 पेशेन्ट्स। *क्लीन ट्रांस ओंकॉल* 2016:18:310–6
614. इकबाल एन, शुक्ला एन के, देव एस वी, अग्रवाल एस, शर्मा डी एन, शर्मा एम सी, एट ऑल। नोनृहाबडोमयोसरकोमाटोयस अंब्डोमिनोपेल्विक सरकोमासः एनालिसिस ऑफ प्रोग्नोस्टिक फैक्टर्स। *इंडियन जे मेड पीडियट्र ओंकॉल* 2016;37:100–5
615. इकबाल एस, विष्णुभाटला एस, रैना वी, शर्मा एस, गोगिया ए, देव एस एस एट ऑल। सरकुलेटिंग सेल–फ्री डी.एन.ए. एंड इट्स इंटिग्रिटी एस अ प्रोगनोस्टिक माक्रर फॉर ब्रेस्ट कैंसर। *स्प्रिंगरप्लस* 2015;4:265
616. इर्पाची के, हसीजा एस, मल्होत्रा पी। वीडियो कमेंटरी ऑन अपरोचेस टू आइ.जे.वी. कन्नूलेशन। एन कार्ड एनेस्थ 2016;19(1):142

617. इर्पाची के, कपूर पी एम, नरूला जे, साहु एम। वीडियो कमेंटरी ऑन इमेजिंग दी कोनोनरी साइनस। एन कार्ड एनेस्थ 2015;18(2):216

618. इरशाद के, मोहापात्रा एस के, श्रीवास्तवा सी, गर्ग एच, मिश्रा एस, दीक्षित बी, एट ऑल। ए कम्बाइन्ड जीन सिग्नेचर ऑफ हाइपोक्सिया एंड नोच पाथवे इन हयूमन एलियोब्लास्टोमा एंड इट्स प्रोग्नोस्टिक रिलेवेंस। *पी एल ओएस वन* 2015;10:ई0118201

619. इरशाद एम, गुप्ता पी, मनकोटिया डी एस, अंसारी एम ए। मल्टीप्लेक्स क्यूपी सीआर फॉर सेरोडीटेक्शन एंड सेरोटाइपिंग ऑफ हेपाटाइटिस वाइरसः ए ब्रीफ रिव्यू। *वर्ल्ड जे गेंसट्रेएनटेरोल* 2016;22(20):4824–34

620. इस्माइल जे, संकर जे। सिस्टेमेटिक इंफलामेटरी रेस्पोंस सिन्ड्रोम (एस.आई.आर.ए.) एंड सेप्सिस–इन एवेर– इवोल्विंग पेराडिग्म। *इंडियन जे पीडियाट्र* 2015;82:675–6

621. इस्रानी ए, चक्रबर्ती बी, गुलाटी एस, कुमार ए। मोयामोया डीजीस; सस्पेक्टिंग ऑन कन्वेंशनल एम.आर. आई. ब्रेन विदाउट एंजियोग्राफी । *एन इंडियन एक्ड न्यूरोल* 2015;18(3):353–4

622. इस्रानी ए, चक्रबर्ती बी, गुलाटी एस, कुमार ए। आइसोलेटिड फ्रांटल वेरियंट ऑफ अडरेनोलेयूकोडिस्ट्राफी। *पीडियाट्र न्यूरोल* 2016;54:100–1

623. इस्रानी ए, चक्रबर्ती बी, कुमार ए, गुलाटी एस। मोयामोया डीजीस, सस्पेक्टिंग ऑन कंवेंशनल एम.आर. आई. ब्रेन विदाउट एंजियोग्राफी। *एन इंडियन एक्ड न्यूरोल* 2015;18:353–4

624. जाकस एल एम, कपूर डी, सिंह के, नारायण के.एम.वी., अली एम के, कादिर एम एम, एट ऑल वेजेटेरियनिस्म एंड कार्डियोमेटाबोलिक डीजीस रिस्क फैक्टर्सः डिफरेंसेस बिटवीन साउथ एशियन एंड यूएस अडल्ट्स। *न्यूट्रिशन* 2016;32:975–84

625. जाफरी जेड, अहमद एन, शुक्ला डी। डायोड लेसर फॉर ट्रीटमेंट ऑफ पेरीफेशल जाइंट सेल ग्रानुलोमाः ए केस रिपोर्ट। *जे डेन्ट लेसर्स* 2015;9:107–9

626. जैन ए, मदन एन के, अरावा एस, पांडे डी, मदन के। डीलेयड डायग्नोसिस ऑफ एंडोब्रोंकाइल म्यूकोइपीडमीइड कारसीनोमा इन ए 29–इयर्स –ओल्ड मेल। *लंग इंडिया* 2016;33:323–5

627. जैन ए, रामाकृष्णन एस, खडगावत आर। एंडोक्राइन अब्नॉर्मलेटीज इन डायलेटेड कार्डियोमयोपेथी। जे प्रेक्ट कार्डियोवास्क साइ 2015;1(3):247–51

628. जैन डी, इकबाल एस, वालिया आर, मलिक पी, साइरियक एस, माथुर एस आर, एट ऑल। इवेल्यूशन ऑफ इपीडर्मल ग्रोथ फेक्टर रिसेप्टर म्यूटेशन बेस्ड ऑन म्यूटेशन स्पेसिफिक इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री इन नॉन–स्माल सेल लंग कैंसरः ए प्रीलिमिनरी स्टडी। *इंडियन जे मेड रेस* 2016;143:308–14

629. जैन डी, माथुर एस आर, शर्मा एम सी, अप्पर वी के। साइटोमोरफोलॉजी ऑफ सेबसियस कारसीनोमा विद एनालिसिस ऑफ पी 40 एंटीबॉडी एक्सप्रेशन। *डायग्न साइटोपेथोल* 2015;43(6):456–61.

630. जैन के जी, मोहन्ती एस, राय ए आर, मल्होत्रा आर, ऐरन बी। कल्चर एंडडीफरेंशिएशन ऑफ मेसेनचिमल स्टेम सेल इंटू ओस्टियोब्लास्ट ऑन डीग्रेडेबल बायोमेडिकल कोम्पोसिट स्काफोल्डः इन विट्रो स्टडी। *इंडियन जे मेड रेस* 2015;142(6):747–58

631. जैन पी, गुलाटी एस, टोटेजा जी एस, बख्शी एस, सेठ आर, पांडे आर एम। सीरम अल्फा टोकोफेरोल, वीटामिन बी12 एंड फोलेट लेवलस इन चाइल्डहुड एक्यूट सिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया सरवाइवट्स विद विदाउट न्यूरोपेथी। *जे चाइल्ड न्यूरोल* 2015;30:786–8

632. जैन पी, राजेश्वरी एस एम, सिंह जे, कुमार टी, अग्रवाल एस पी, दास पी। मायोफाइब्रिल्लर मायोपेथी प्रजेन्टिंग एस नियोनाटल इंटेस्टीनल स्यूडो–ऑब्स्ट्रक्शनः एन एकसट्रिली रेअर एंटीटि। *फीटल पीडियाट्र पेथॉल* 2016;35:124–8

633. जैन पी, शास्त्री एस, गुलाटी एस, कलीकल टी, काबरा एम, गुप्ता एन, एट ऑल। प्रीवेलेंस ऑफ यूजीटी 1ए6 पोलोमोरफिस्मस इन चिल्ड्रन विद इपीलेप्सी ऑन वालपोरेट मोनोथेरेपी। *न्यूरोल इंडिया* 2015;63(1):35–9
634. जैन पी के, नारूला जे, हसीजा एस, किरण यू। इंट्रेस्टिंग इमेज्सः इज इट रियाली रेप्चर्ड साइनस ऑफ वालसाल्वा? दी कुसियल रोल ऑफ कम्प्रीहेंन्सिव ट्रांसेसोफागियल इकोकार्डियाग्राफी इन क्लीनिकल डीसिजन मेंकिंग। एन कार्ड एनेस्थ 2015;18:221–4
635. जैन पी के, मलिक वी, दिव्या ए, नरूला जे, होते एम। इंट्रावेंट्रीक्यूलर सेप्टल हाइडेटिड सिस्टः ट्रासेसोफगियल इकोकार्डियोग्राफी एस ए थेरेपेटिक टूल ड्यूरिंग बाइपस। एन कार्ड एनेस्थ 2015;18(3):421–4
636. जैन आर, झांझी एस, जैन वी, गुप्ता टी, मित्तल एस, चौहान पी, एट ऑल। बायोकेमिकल वेलीडेशन ऑफ सेल्फ रिपोर्टिड स्मोकलेस टोबाक्को यूर्सस रिजल्ट्स फ्रॉम अ क्लीनिकल ट्रायल ऑफ वेरेनीक्लाइन इन इंडिया। जे साइकोएक्टिव ड्रग्स 2015;47:331–5
637. जैन आर, वर्मा ए। लैबोरट्री अपरोच फॉर डायग्नोसिस ऑफ टोल्युन–बेस्ड इनहेलेन्ट अब्युज इन अ क्लीनिकल सेटिंग। जे फॉर्मा बायौलिएड साई 2016;8:18–22
638. जैन एस, माहापात्रा एम, पती एच पी। सीडी34 इम्यूयूनोहिस्टोकेमिस्ट्री इन बोन मेरो बायोप्सीस फॉर अर्ली रेस्पोन्स एसेसमैंट इन एक्यूट मेलोइड ल्यूकेमिया । *इन्ट जे लैब हि*माटॉल 2015;37(6):746–51
639. जैन वी, कुरपड ए वी, कुमार बी, देवी एस, श्रीनिवास वी, पॉल वी के। बॉडी कम्पोसिशन ऑफ टर्म हेल्दी इंडियन न्यूबोर्न। *इयूर जे क्लीन न्यूटर* 2016;70:488–93
640. जैन वी, रविंद्रनाथ ए। डायबीटिज इंसीपीडस इन चिल्ड्रन। *जे पीडियाट्र एंडोक्रोइनॉल मिटाब* 2016;29:3945
641. जैन वी, सतपथी ए के, यादव जे। सुर्रेपेटीटियस इन्सूलिन ओवरडोसिंग इन एडोलेस्सेंट्स विद टाइप1 डायबीटिज। *इंडियन पीडियट्र* 2015;52:701–3
642. जैन वी, न्यूट्रिशनल कॉन्सेप्ट्स इन फिटल प्रोग्रमिंग। *एन एफ आई बुलेटिन* 2016;37:5–8
643. जैन वी के, खोखर एस, अग्रवाल ए , वनाथी एम, कौशिक जे , राम जे। माइक्रोइनसीजन वर्सेस स्टैंडर्ड कोर्नियल इनसीजन फाकौम्यूलसीफिकेशनः विस्युल आउटकम। ऑप्टोम विस साइ 2015;92(7):796–803
644. जयसवाल ए, मिर्धा ए आर , नाथ डी, भल्ला ए एस, ठक्कर ए। इंट्रापेरोटिड फेशियल नर्व शेवानोमाः ए केस रिपोर्ट। *वर्ल्ड जे क्लीन केसेस* 2015;3(3):322–6
645. जयसवाल ए के, चौधरी पी, मोंगरे एन, मली बी डी, कुमार वी, वर्मा ए के। हाई परफोस्मेन्स थिन लेयर क्रोमाटोग्राफी डिटेक्शन ऑफ इंमीडाक्लोप्रीड। *जे इन्सट केमिस्ट्स (इंडिया)* 2015;87(2):42–44
646. जयसवाल ए के, दास एस, कुमार वी, गुप्ता एम, सिंह एन। साइमलटेनियस डिटरमिनेशन ऑफ जिंक (जेडएन), केडनियम (सीडी), लीड (पीबी) एंड कोपर (सीयू) इन ब्लड यूजिंग डीफरेंशियल पल्स एनोडिक –स्ट्रिपिंग वोल्टामेट्री। *इन्ट जे इंग रेस* 2015;4:235–9
647. जयसवाल ए के, गुप्ता एस के, मिल्लो टी, यादव ए, प्रसाद के। डेथ इस ड्यू टू पॉयसानिंग बट विस्सेरा रिपोर्ट इस नेगेटिव। *इंडियन जे फॉरेंसिक मेड पेथोल* 2015;8:29–36
648. जयसवाल ए के, रोहिल्ला एच, कुमार एस, कौर जे। डीफरेन्शियल पल्स एनोडिक स्ट्रिपिंग वोल्टामेट्री (डी.पी.ए.एस.वी.) डीटरमिनेशन ऑफ हेवी मेटल जिंक ब्लड। *इंडियन जे क्रिमीनोल क्रिमीनालास्टिकस* 2015;34 (1):94–101
649. जयसवाल ए के, सिंह एन, मिलो टी, यादव ए, गुप्ता एस के। एनोडिक स्ट्रिपिंग वोल्टामेट्री डीटरमिनेशन ऑफ टोटल अर्सेनिक इन यूरिन यूसिंग गोल्ड रोटेटिंग डीस्क इलेक्ट्रोड :ए मेथोड वेलीडेशन। *जॉर्नल ऑफ फॉरेन्सिक केमिस्ट्री एंड टॉक्सीकोलॉजी* 2015;1:5–11

650. जयसवाल पी, उपाध्याय ए, गोथवाल एस, सिंह डी, दुबे के, गर्ग ए, एट ऑल। कम्पेरिजन ऑफ टू टाइपस ऑफ इंटरवेंशन टू एन्हेन्स प्लासेंटल रिडिस्ट्रिब्यूशन इन टर्म इनफैन्टसः रेंडामाइस्ड कांट्रल ट्रायल। *यूर जे पीडियाटर* 2015;174:1159–67
651. जाजोडिया ए, कौर एच, कल्पना के, कानोजिया एन, गुप्ता एम, बघेल आर, एट ऑल। इंवेल्यूशन ऑफ जेनेटिक एसोसिएशन ऑफ न्यूरोडेवेल्पमेंट एंड न्यूरोइम्मूयूनोलोजीकल जीनस विद एंटीसाइकोटिक ट्रीटमेंट रेस्पोन्स इन शिजोफ्रेनिया इन इंडियन पोपुलेशन। *मोल जेनेट जीनोमिक मेड* 2016;4:18–27
652. जाजोडिया ए, कौर एच, कुमारी के, गुप्ता एम, बघेल आर, श्रीवास्तव ए, एट ऑल। इवीडेन्स फॉर शिजोफ्रेनिया ससेप्टिबीलिटी अल्लेस इन दी इंडियन पोपुलेशनः एन एसोसिएशन ऑफ न्यूरोडेवेलपमेन्टल जीन्स इन केस कांट्रल एंड फैमिलियल सैम्पल्स। *शिजोफ्रेनिया रेस* 2015;162:112–117
653. जखेटिया ए, गोयल वी, पलानियपपन आर, नाथ डी, कुमार एस। मेनेजमेंट ऑफ जॉइन्ट सेल मलिगनेंट फिब्रोस हिस्टियोसाइटोमा (एम.एफ.एच.) ऑफ हेड एंड नेक विद वास्कयूलर रिकंसट्रक्शन। *इंट जे एड्व केस रिपोर्ट्स* 2016;3(3):120–123
654. जमाल ए, स्वर्णलथा एम, सुल्तान एस, जोशी पी, पानडा एस के, कुमार वी। द जीआई फैंज ई 3 यूबीक्विटीन लिगस टीआरयूएसएस डेट गेट्स डेरेगुलेटेड इन ह्यूमेन कैंसरस इज ए नोवल सब्सट्रेट ऑफ द एस–पैंज ई 3 यूबीक्विटीन लिगस स्केप 2। *सेल साइकिल* 2015;14(16):2688–700
655. जाना एम, भल्ला ए एस, गुप्ता ए के। अप्रोच टू पीडियाट्रिक चेस्ट रेडियोग्राफ। *इंडियन जे पीडियाटर* 2016;83(6):533–42
656. जट के आर, चावला डी। सर्फेक्टेंट थेरेपी फॉर ब्रोचिओलिटिस इन क्रिटिकली इल इन्फन्ट्स। *कोच्राने डेटाबेस सिस्ट रेव* 2015;24:सीडी009194
657. जट के आर, काबरा एस के। ओबेसिटी एंड पुल्मोनरी फंक्शन टेस्ट्स। *इंडियन जे पीडियाटर* 2015;82:1089–90
658. जट के आर, वालिया डी के, खैरवा ए। एनटी–आईजीई थेरेपी फॉर एलर्जिक ब्रोंचोपुल्मोनरी अस्पेरगिलोसिस इन पीपल विद सिस्टिक फाइब्रोसिस। *कोच्राने डेटाबेस सिस्ट रेव* 2015;4(11):सीडी010288
659. जट के आर, सिंघल के के, गुग्लानी वी। ओटोहेलर वर्सिस मेर्टड–डोस इनहेलर विद स्पेसर इन चिल्ड्रेन विद अस्थमा। *पीडियाटर एलर्जि इम्यूनॉल* 2016;27:217–20
660. जेनम एस, धनशेखरण एस, लोधा आर, मुर्खजी ए, कुमार सैनी डी, सिंह एस, एट ऑल। अप्रोचींग ए डाइग्नोस्टीक पॉइंट–ऑफ–केयर टेस्ट फॉर पीडियार्टिक ट्यबरक्लोसिस थरू इवाल्यूएशन ऑफ एम्यून बायोमाक्रस अक्रोस द क्लीनिकल डिजीज स्पेक्ट्रम। *साई रेप* 2016;6:18520
661. झा. एके, घरदे पी, चौहान एस, किरण यू, कपूर पी एम। इकोकारडीयोग्राफीक असेस्टमेन्ट ऑफ द अलटरेशनस इन पुल्मोनरी बल्ड फलो एसोसिएटेड विद केटामाइन एंड इथोमिडेट एडमिनेसट्रशन इन चिल्ड्रेन विद टेड्रालोजी फेलोट। एकोकारडियोग्राफी 2016;33(2):307–13
662. झा. के ए, नग टी सी, कुमार वी, कुमार बी, कुमार पी, वाधवा एस, एट ऑल। डिफरेंशियल एक्सप्रेशन ऑफ एक्यूपी1 एंड एक्यूपी4 इन अवासकुलर चीक रेटीना एक्सपोज्ड टू मोडरेट लाइट ऑफ वेरिएबल फोटोपीरियड्स। *न्यूरोकेम रेस* 2015;40:2153–66
663. झा.पी, अग्रवाल आर, पाठक पी, कुमार ए, पुरखेत एस, मलिक एस, एट ऑल। जीनोम–वाइड स्मोल नॉनकोडिग आर.एन.ए. प्रोफाइलींग ऑफ पीडियाट्रिक हाई–ग्रेड ग्लीओमास रीविलस डेरागुलेशन ऑफ सेवेरल मीआर.एन.ए.एस. आईडेनटिफाइस डाउनरेगुलेशन ऑफ स्नोआर.एन.ए. क्लस्टर एच.बी.आई.आई.–52 एंड डीलाइनएटिस एच3एफ3ए एंड टी.पी.53 म्यूटेंट–स्पेसिफिक मीआर एन.ए.एस. एंड स्नोआर.एन.ए.एस.। *इंट जे कैंसर* 2015;137:2343–53

664. झांजी एस, जेन आर, जेन वी, गुप्ता टी, मित्तल एस, गोयलज़ पी, एट ऑल। इवाल्यूएटिंग द एफेक्ट्स ऑफ वैरेनिक्लिन ऑन क्रेविंग, वीथड्राअल एंड एफैक्ट इन ए रेंडोममाइजड, डबल–ब्लाइन्ड प्लेसबो–कंट्रोल्ड क्लीनिकल ट्राइल ऑफ वैरेनिकिलन फॉर स्मोकलेस टोबेको डिपेनडेन्स इन इंडिया। *जे साइकोएक्टीव ड्रग्स* 2015;47(4):325–30
665. झांजी एस, पंत एस, गिरिधर एन के, सेठी एच, गुणशेखर रंगास्वामी आर, जेन आर, एट ऑल। ऑपीओइड सबस्टिट्यूशन ट्रिटमेंट इन तिहार प्रीजन्स इंडियाः प्रोसेस ऑफ इम्प्लिमेनटेशन। इंट जे ड्रग पोलीसी 2015;26:890–1
666. झांजी एस, सेठी एच। करैक्टरस्टिकस ऑफ ओपायोड ड्रग यूजर्स इन एन अर्बन कम्यूनीटी क्लीनिक। इंडियन जर्नल ऑफ सोशल साइक्यिाट्री 2016;32:154
667. झांजी एस। डिस्लेक्सिया एंड सब्सटेंस अब्यूसः द अंडर–रेकॉग्नाइज्ड लिंक। इंडियन जे साइकोल मेड 2015:37:374–5
668. झांजी एस। पूटींग टोबेको हार्म रीडक्शन इन पर्सपेक्टिव :इज इट ए वीयाबल अलटरनेटिव? इंडियन जे मेड रेस 2016;143:25–9
669. जीमेनेज–हेफरनेन ए, एलमन्न ए, साडो एच, ह्यूक डी, बाल सी, परमेश्वर आर, एट ऑल। रिजल्ट्स ऑफ ए प्रोस्पेक्टिव मल्टीसेन्टर इंटरनेशनल एटोमिक एनर्जी एजंसी सेन्टीनेल नोड ट्राइल ऑन द वेल्यू ऑफ एस पी ई सी टी/सी टी ओवर प्लेनर इमेजिंग इन वेरियस मेलिगनेंसिस। *जे. न्यूक्ली मेड* 2015;56:1338–44.
670. जोली जी पी, मोहन ए, गुलेरिया आर, पोउलोस आर, गोर्ज जे, इवाल्यूशन ऑफ मेटर्रड डोस इनहेलर यूज टेकनीक एंड रेसपोन्स टू एजूकेशनल ट्रैनिंग। *इंडियन जे चैस्ट डीस एलाईड साई* 2015;57:17–20
671. जोज़ ए, नागोरी एस, अग्रवाल बी, भूटिया ओ, रोयचौधरी ए। मेनजमेंट ऑफ मेक्सीलोफेसीइल ट्रॅामा इन इमरजैन्सीः एन अपडेट ऑफ चैलेंजस एंड कोंट्रोवर्सिस। *जे इमार्ज ट्रॅामा एंड शॉक* 2016;9(2):73
672. जोज़ बी, लोधा आर, काबरा एस के। कोमपेरिजन ऑफ टू न्यू जनरेशन प्लस ओक्सीमीटरस वीद आर्टरियल ऑक्सीजन सेट्यूरेशन इन क्रिटकली ।।। चिल्ड्रेन : ओथर्स रीपलाई इंडियन जे पीडियेटर 2015;82:667
673. जोशी पी, अग्रवाल एस, सिंह जी, एक्सस आई, भौमिक डी। ए फाइन नीडल एसपीरेशन सीटोलोजी इन टाइम सेबस नाइन–क्यूटेनियस फयोहाइपोमाइयोकोसिस कोजड बाय एक्सोफीलिया जैनसेलमाई इन ए रेनल ट्रान्सप्लान्ट पेशेन्टः डाइग्नोसस बाय फाइन नीडल एसपीरेशन सीटोलोजी। जे साईटोल 2016;33:55–7
674. जोशी पी, मिर्धा ए आर, सिंह एस, किनरा पी, राय आर, ठाकूर ए। लार्ज लीपिड–रिच मेममेरी एनालॉग सेक्रेटरी कारसीनोमा ऑफ पेरॉटीट ग्लेन्डः एन अनयूजल केश। इंडियन जे पेथोल माइकोबाइल 2015;58:351–3
675. जोशी पी, तिवारी ए, बंसल एम, मंजू वी एम, सिन्हा ए, हरी पी, एट ऑल। ए कंपेरेटिव स्टडी टू फाइंड आउट द हेल्थ रिलेटिड क्यूओएल ऑफ चिल्ड्रन विद ई एस आर डी ऑन वेरियस रीनल रिप्लेसमेंट थैरेपीजः सेल्फ एंड पेरैंटल पर्सेप्शन। *इंडियन जे नर्सिंग एड्युक* 2015;7:142–6
676. जोशी पी, वत्स एम। डिटर्मिनेन्ट्स ऑफ हेल्थ केयर सर्विसेज यूटिलाईजेशन फॉर चाइल्डहुड इलनेसेस इन ए सेलेक्टेड विलेज ऑफ झज्जर, हरियाणा। *नर्सिंग जे इंडिया* 2015;106:112–15
677. जोशी पी के, एस्को टी, मैट्सन एच, इकल्यूंड एन, गांदिन आई, न्यूटाईल टी, एट ऑल। डायरेक्शनल डोमिनेन्स ऑन स्टेचर एंड कॉग्निशन इन डाईवर्स ह्यूमन पॉपूलेशन्स। *नेचर* 2015;523:459–62
678. जोशी आर, रीता के एच, शर्मा एस के, त्रिपाठी एम, गुप्ता वाय के। पंचगव्य घ्रिता, एन आयुर्वेदिक फॉर्म्यूलेशन एटेन्यूएट्स सीजर्स, कॉग्निटिव इंपेयरमेंट एंड ऑक्सिडेटिव स्ट्रैस इन पेंटीलेनेटेट्राजोल इंड्यूस्ड सीजर्स इन रैट्स। *इंडियन जे एक्स्प बायोल* 2015;53(7):446–51

679. जोशी आर, रीता के एच, शर्मा एस के, त्रिपाठी एम, गुप्ता वाय के। फार्माकोडायनामिक एंड फार्माकोकायनेटिक इंटरेक्शन ऑफ पंचगव्य घ्रिता विद फेनीटोईन एंड कारर्वामेजपाइन इन मैक्सीमल इलेक्ट्रोशॉक इंड्यूस्ड सीजर्स इन रैट्स। *आयु* 2015:36(2):196–202
680. जोशी आर, त्रिपाठी एम, गुप्ता पी, गुप्ता वाय के। ऑथर्स रिस्पोंस। इंडियन जे मेड रेस 2015;141:490
681. जोशी एस, गुप्ता एन, खान आर, कुमार आर, शर्मा एम, कुमार एल, एट ऑल। इंटररिलेशनशिप बिटवीन एंजियोजेनसिस , इंफलेमेशन एंड ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस इन इंडियन पेशेंट्स विद मल्टीपल मायलोमा। *क्लीन ट्रांसल ओंकोल* 2016;18:132–7
682. जुल्का पी.के., शर्मा डी एन, मदन आर, मलिक एस, हरेश के पी, गुप्ता एस, एट ऑल। ट्रीटमेंट कॉम्पिलयांस इन लंग कैंसर पेशेंट्स। *क्लीन ऑकोल (आर कोल रेडियोल)* 2015;27:754–5
683. ज्योत्सना वी.पी., मलिक ई, बिरला एस, शर्मा ए। नोवल एम.ई.एन. 1 जीन फाइंडिंग्स इन रेयर स्पोरेडिक इंसुलिनोमा–– ऐ केस कंट्रोल स्टडी। *बीएमसी एंडोकर डिसोर्ड* 2015;15:44
684. ज्योत्सना वी.पी.। रोल ऑफ बायलेटरल एड्रेनलेक्टोमी इन एड्रेनोकोर्टिकोट्रोपिक हॉरमोन–डिपेंडेन्ट कशिंग्स सिंड्रोम। *इंडियन जे एंडोक्रायनोल मेटाब* 2015;19:537:40
685. काबरा एम, गुप्ता एन गेलेक्टोसेमिया। ए नॉट टू बी मिस्ड इनबोर्न एरर ऑफ मेटाबोलिज्म। *इंडियन पीडियाटिर* 2016;53:19–20
686. काबरा एस के, बुश ए। एडिटोरियलः ओल्ड प्रॉब्लेम्स एंड न्यू सोल्यूशंस इन पीडियाट्रिक पुल्मोनोलॉजी। *इंडियन जे पिडियाटर* 2015;82:825–6
687. काबरा एस के, लोधा आर वेंटीलेटर–एसोसिएटेड न्यूमोनिया इन पिडियाट्रिक इंटैन्सिव केयर यूनिटः ऑथर्स रिप्लाय। *इंडियन जे पिडियाटर* 2015;82:664
688. कच्छावा जी. सुवर्णा खदिलकर (इडी): एंडोक्रायनोलॉजी इन ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनाकोलॉजी। *जे आब्स्टेट गायनेकोल इंडिया* 2015;65(6):429–30
689. कहर पी.सी. कहर एम के, डबराल एच, अग्रवाल आर, कोठारी एस एस, सक्सेना ए एट ऑल। चेंजिस इन मायोक्रार्डियल कॉन्टैटिलिटी एंड इलेक्ट्रोमकेनिकल इंटरवल ड्यूरिंग द फर्स्ट मंथ ऑफ लाईफ इन हेल्थी न्यूनेट्स। पिड्याटर कार्डियोल 2016;37(2):409–18
690. कक्कड ए, जैन डी, खन्ना पी, देव एसएस, सरकार सी। सार्कोमेटोइड कार्सिनोमा ऑफ लंग– ए केस रिपोर्ट एंड रिव्यू ऑफ एपिडर्मल ग्रोथ फेक्टर रिसेप्टर म्यूटेशन स्टेटस। *लंग इंडिया* 2015;32:533–5
691. कक्कड ए, कौर के, कुमार टी, शेरियन एल बी, कौशल आर, शर्मा एम सी, एट ऑल। पिगमेन्टिड फियोक्रोमोसाईटोमाः एन अनयूजल वैरिएंट ऑफ ए कॉमन ट्यूमर। *एंडोकर पैथोल* 2016;27:42–5
692. कक्कड ए, कुमार ए, दास ए, पाठक पी, शर्मा एम सी, सिंह एम, एट ऑल। 1पी/14 क्यू को–डिलीशन :ए डिटर्मिनेंट ऑफ रिकरेंस इन हिस्टोलॉजिकली बिनिग्न मेंनिजियोमास। *इंडियन जे पैथोल मायक्रोबायोल* 2015;58(4):433–8
693. कक्कड ए, माथुर एस आर, जैन डी, अय्यर वी के, नल्वा ए, शर्मा एम सी। यूटीलिटी ऑफ डीओजी 1 इम्यूनोमाक्रर इन फाईन नीडल एस्पीरेट्स ऑफ गेस्ट्रोइंटस्टाइनल स्ट्रोमल ट्यूमर। *एक्टा सायटोल* 2015;59 (1):61–7
694. कक्कड ए, मोहंती एस, भार्गव बी, ऐरन बी। रोल ऑफ हयूमन कार्डिएक बायोप्सी डिराईब्ड कंडीशन्ड मीडिया इन मॉड्यूलेटिंग बोन मेरो डिराईब्ड मिसेंकायमल स्टेम सेल्स ट्वार्ड्स कार्डियोमायोसाईट लाईक सेल्स। जे प्रेक्ट कार्डियोवस्क एससीआई 2015;1(2):150–5
695. कक्कड ए, राजेश्वरी एम, भेथानाभोतला एस, कौर के, जैन डी, गोगिया ए, एट ऑल। प्राईमरी डिफयूज लार्ज बी–सेल लिंफोमा ऑफ द प्रोस्टेटः ए रिपोर्ट ऑफ टू केसिस विद डायग्नोस्टिक कंसिडरेशन। *जे कैंसर रेस थिर* 2015;11(4):977–9

696. कक्कड ए, सेबल एम, सूरी वी, सरकार सी, गर्ग ए, सत्यार्थ जी डी, एट ऑल। सेरीबेलर लायपोन्यूरोसायटोमा, इन अनयूजवल ट्यूमर ऑफ द सेन्ट्रल नर्वस सिस्टम– अल्ट्रास्ट्रक्चरल एग्जामिनेशन। *अल्ट्रास्ट्रक्ट पैथोल* 2015;39(6):419–23
697. कक्कड ए, शर्मा एम सी, नंबीराजन ए, सरकार सी, सूरी वी, गुलाटी एस। ग्लायकोजेन स्टोरेज डिसऑर्डर इयू टू ग्लायकोजेन ब्रांचिंग एंजाइम (जीबीइ) डेफिशियंसी : ए डायग्नोस्टिक डिलेमा। *अल्ट्रास्ट्रक्ट पैथोल* 2015;39:293–7
698. कक्कड ए, शर्मा एम सी, उप्पल एम, चुम्बर एस। ट्यूब्यूलोसिस्टिक रीनल सैल कार्सिनोमाः रिपोर्ट ऑफ ए रेयर केस। *कैन यूरोल एस्सोक* 2015;9(9–10):ई654–7
699. कक्कड ए, वेल्नोनथायल ए जी, शर्मा एम सी, बोरा जी, पांडा ए, सेठ ए। कंपोसिट रीनल सैल कार्सिनोमा एंड एंजियोमायोलिपोमा इन ए पेंशंट विद ट्यूबरस स्केलेरोसिसः ए डायग्लोस्टिक डिलेमा। *कैन यूरोल एस्सोक* 2015;9(7–8):ई507–10
700. ककुंजे आर, सेथुरामचनद्रन ए, परिदा एस, बिडकर पी.यू, तलवार पी। इफेक्ट्स ऑफ एडिंग लो–डोज क्लोनिडाईन टू इंट्राथेकल हाईपरबेरिक रोपीवैकेनः ए रेंडामाईज्ड डबल–ब्लाइंड क्लिनिकल ट्रायल। *एनेस्थ एसेज रेस* 2016;10(1):38–44
701. कलाई यू, हड्डा वी, मदन के, अरावा एस, अली एफ, जैन एन, मोहन ए। ए 35–ईयर ओल्ड वूमैन विद प्रोडक्टिव कफ एंड ब्रीथलैसनैस। *लंग इंडिया* 2015;32:651–4
702. कलाई यू, मदन के, जैन डी, मोहन ए, गुलेरिया आर। लैरिजियल मेटास्टैसिस फ्रोम लंग कैंसर। *लंग इंडिया* 2015;32:268–70
703. कल्लियनपुर ए ए, कपाली ए, शुक्ल एन के, देव एस, मुदुली डी, यादव आर। इंट्रास्क्रोटल पैराटेस्टीकुलर मैलिग्नैंट फाईब्रस हिस्टियोसायटोमा–ए रेयर केस एंड इट्स मैनेजमैंट। *इंडियन जे कैंसर* 2015;52 (4):688–9
704. कल्लियनपुर ए ए, प्रवीण, शुक्ल एन के, देव एस वी, खन्ना पी, दुर्गापाल पी। प्राईमरी मैमरी रेहेब्डोमायोसार्कोमा इन ए नाइनटीन ईयर ओल्ड फीमेल :ए केस रिपोर्ट एंड रिव्यू ऑफ लिटरेचर। *इंडियन जे कैंसर* 2015;52(4):295–6
705. कालरा बी, गुप्ता वाय, कालरा एस। ब्रेस्ट फीडिंगः प्रीवेंटिव थैरेपी फॉर टाईप 2 डायबिटीज। *जे पैक मेड एस्सोक* 2015;65:1134–6
706. कालरा बी, गुप्ता वाय, कालरा एस। प्री–कंसेपशन मैनेजमैंट ऑफ डायबीटीज। *जे पैक मेड एस्सोक* 2015;65:1242–3
707. कालरा एन, खाखा डी सी, सत्पथी एस, डे ए बी। इंपेक्ट ऑफ जैकोब्सन प्रोग्रेसिव मसल रिलेक्सेशन (जेपीएमआर) एंड डीप बीथिंग एक्सरसाईज ऑन एनजल्इटी, सायकोलोजिकल डिस्ट्रैस एंड क्वालिटी ऑफ स्लीप ऑफ हॉस्पिटलाईज्ड ओल्डर एडल्ट्स। *जे सायकोसोक रेस* 2016;10(2):221–231
708. कालरा एस, आमीर ए एच, रजा ए, दास ए के, आजाद खान ए के, श्रेष्ठ डी, ईटी एएल। प्लेस ऑफ सल्फोनायलूरियास इन द मैनेजमैंट ऑफ टाईप 2 डायबिटीज मेलीटस इन साउथ एशियाः ए कोन्सेसस स्टेटमेंट। *इंडियन जे एंडोक्रायनोल मेटाव* 2015;19:577–96.
709. कालरा एस, गुप्ता वाय. संपादक हेतु पत्र : क्रेमर सी. के. आदि सभी द्वारा 'द इम्पेक्ट ऑफ क्रोनिक लिरेगलुटाइड थेरेपी ऑन ग्लूकेगोन सेक्रीशन इन टाइप 2 डायबिटीज़ : इंसाइट फ्रॉम द एलआईबीआरए ट्रायल'' पर टिप्पणी। जे क्लिन एण्डोक्राइनोल मेटाब 2015;100: एल116–117

710. कमल वी के, अग्रवाल डी, पाण्डे आर एम. प्रोग्नोस्टिक मॉडल्स फॉर प्रीडिक्शन ऑफ आउटकम्स आफ्टर ट्रॉमेटिक ब्रेन इंजरी बेस्ड ऑन पेशेंट्स एडमिशन कैरेक्टरस्टिक्स, *ब्रेन इंज* 2016; 22: 1–14.

711. कमरन एफ, कविन के, विजय एस, शिवानंद जी. बाइलेटरल लिपोमा अर्बोरिस्कैंस विद् ओस्टिओअर्थराइटिस नी : केस रिपोर्ट एण्ड लिटरेचर रिव्यू। *जे क्लिन ऑर्थोप ट्रॉमा 2015; 6(2):131–6.*

712. कंडासामी डी, गमनगट्टी एस, गुप्ता एके. पीडियाट्रिक इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी : नॉन – वेस्कुलर इंटरवेंशंस। *इण्डियन जे पीडियाट्र* 2016;83(7): 711–6.

713. कंडासामी डी, गमनगट्टी एस, गुप्ता एके. पीडियाट्रिक इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी : वेस्कुलर इंटरवेंशंस। *इण्डियन जे पीडियाट्र* 2016;83 (7): 702–10.

714. कन्नन एल, जैन पी, शर्मा एस, गुलाटी एस. सबएक्युट स्क्लेरोसिंग पेनेंसेफेलिटिस मासक्वेरेडिंग एज़ रेपिड – ओनसेट डिस्टोनिया – पार्किंसोनिज्म इन ए चाइल्ड। न्यूरोल इंडिया 2015;63: 109–10.

715. कांत एस, हल्दर पी, पांडव सी एस, मिश्रा पी, राय एस. मेकिंग द पोस्ट ग्रेजुएट जर्नल क्लब एन इफेक्टिव लर्निंग ऑर्प्चुनिटी एक्सपीरियंस फ्रॉम सेंटर फॉर कम्युनिटी मेडिसिन, एम्स, नई दिल्ली, *नेट मेड जे इंड* 2014; 27 (6): 329–31.

716. कांत एस, श्रीवास्तव आर, राय एस के, मिश्रा पी, चारलेट एल, पांडव सी एस. इंड्यूज्ड एबॉर्शन इन विलेजिस ऑफ बल्लभगढ़ एचडीएसएस : रेट्स, ट्रेंड्स कौसिस एण्ड डिटर्मिनेंट्स। रिपोर्ट हेल्थ 2015;12:51.

717. कपिल ए, जैन एनसी. इम्पेक्ट फेक्टर : इज़ इट द अल्टीमेट पैरामीटर फॉर द क्वालिटी ऑफ पब्लिकेशन? *इण्डियन मेड माइक्रोबायोल* 2016;34:1–2.

718. कपिल ए. टेमिंग एंटीमाइक्रोबायल रेसिस्टेंस : ए नेशनल चैलेंज। *नेटल मेड जे इंडिया* 2015;28: 1–3.

719. कपिल यू, पाण्डे आर एम, सरीन एन, खेंदूजा पी, भदौरिया ए एस. आयोडिन न्यूट्रीशनल स्टेट्स इन हिमाचल प्रदेश राज्य, इण्डिया. *इंडियन जे एण्डोक्राइनोल मेटाब* 2015;19:602–7.

720. कपिल यू, सरीन एन, नांबियार वी एस, खंडूजा पी, सोफी एन वाय. आयोडिन न्यूट्रिशन स्टेट्स अमंग एडोलसेंट गर्लस इन उत्तराखंड, इंडिया. *जे ट्रोप पीडियाट्र* 2016;62(1): 81–2.

721. कपूर एन, गर्ग आर, टीव्कीक आई. पैलिएटिव न्यूट्रिशनल केयर फॉर कैंसर पेशेंट्स। पैलिएट मेड होस्प केयर ओपन जे 2016;2(1): ई1–ई6.

722. कपूर एन, गर्ग आर. ओंको – सर्जरी एण्ड न्यूट्रिशन इन कैंसर पेशेंट्स। *जे एनेस्थ क्रिट केयर ओपन एक्सेस* 2016;4(3): 00143.

723. कपूर पी एम, नरुला जे, किरण यू. वीडियो कॉमेंट्री ऑन इमेजिंग द राइट वेंट्रिकल. एन्न कार्ड एनेस्थ 2015;18(1): 116.

724. कपूर पीएम, तनेजा एस, किरण यू. राजाशेखर पी. कॉम्पेरिजन ऑफ द इफेक्ट्स ऑफ इंहेलेशनल एनेस्थेसिया विद् डिस्फ्लूरेन एण्ड टोटल इंट्रावेनस एनेस्थेसिया ऑन कार्डियक बायोमार्क्र्स आफ्टर ऑर्टिक वॉल्व रिप्लेसमेंट, एन्न कार्ड एनेस्थ 2015;18(4): 502–9.

725. कपूर पीएम. एडिटोरियल फ्रॉम कार्डियो पल्मोनरी बायपास टू ईसीएमओ, मैकेनिकल एसिस्ट डिवाइसिस, क्वालिटी कंट्रोल एण्ड डिक्रीज़ इन 30 दिन मोर्टेलिटी इन कार्डियक एनेस्थेसिया – आर वी नियरर अवर गोल? एन्न कार्ड एनेस्थ 2015;18(2): 129.

726. कपूर पीएम. एडिटोरियल ऑन अर्डोस जर्नरी फ्रॉम आईएसीटीए एजुकेशन एण्ड रिसर्च सेल टू इण्डियन कॉलेज ऑफ कार्डियक एनेस्थेसिया। एन्न कार्ड एनेस्थ 2015;18(4): 461–3

727. कपूर पीएम. एडिटोरियल ऑन इवॉल्यूशनरी चेंज। द न्यू फेस ऑफ एनाल्स ऑफ कार्डियक एनेस्थेसिया। एन्न कार्ड एनेस्थ 2015;18(1): 1–3.

728. कपूर पीएम. एडिटोरियल ऑन नौंसेस ऑफ सोशल मीडिया इन मेडिकल जर्नलिज्म। एन्न कार्ड एनेस्थ 2015;18(3): 283–5.

729. कपूर पीएम. एडिटर इम्पोर्चुनेट रोल टुवर्डस मेडिकल जर्नलिज्म इन 2016 – वे टू गो! एन्न कार्ड एनेस्थ 2016;19(1): 1–3.

730. कपूर आर, पति एच पी, महापात्रा एम, मांगा ए. प्रीसेंस ऑफ एसेंशियल हाइपरटेंशन ऑर डायबिटीज़ मेलिट्स। प्रीसेंस ऑफ एसेंशियल हाइपरटेंशन ऑर डायबिटीज़ मेलिट्स इज़ ए प्रीडिक्टोर ऑफ इंट्राक्रेनियल ब्लीडिंग इन एलडर्ली पेशेंट्स : ए स्टडी ऑफ 108 पेशेंट्स विद आइसोलेट थ्रोम्बोसायटोपेनिया फ्रॉम सिंगल रेफ्रेंस सेंटर। तुर्क जे हेमेटोल 2015;32(2): 158–162.
731. कपूर वी, अग्रवाल एस, दास एस एन. 6 – जिंजरोल मेडिएटस इट्स एंटी ट्यूमर एक्टिविटीज़ इन ह्यूमन ओरल एण्ड सर्विकल कैंसर सेल लाइंस थ्रो एपोप्टोसिस एण्ड सेल सायकल अरेस्ट। फिटोथर रेस 2016;30(4):588–95.
732. कप्पीकेरी वीकेएस, कृपलानी एएम. बिलेटरल सिंक्रोनौस कार्सिनोमा ब्रेस्ट – ए रेयर केस प्रेजेंटेशन। स्प्रिंगरपलस 2015;4: 193.
733. कार आर, पालानिचेमी जेके, बैनर्जी ए, चट्टोपाध्याय पी, जैन एस के, सिंह एन. सूरविविन एसआईआरएनए इंक्रीसिस सेंसिटिविटी ऑफ प्राइमरी कल्चर्स ऑफ ओवेरियन कैंसर सेल्स टू पेकलिटेक्सल। क्लिन ट्रांसल ओंकोल 2015;17: 737–42.
734. कार आर, शर्मा सी, सेन एस, जैन एस के, दत्ता गुत्ता एस, सिंह एन. रिस्पॉन्स ऑफ प्राइमरी कल्चर ऑफ ह्यूमन ओवेरियन कैंसर सेल्स टू कीमोथेरेपी : इन विट्रो इंडिविजुअल्स थेरेपी। जे क्लिन रेस थर 2015 प्रिंट से पहले ऑनलाइन प्रकाशित।
735. कार्थी एम, चौहान एस, बिसोई ए के, चंदर एन, सिंह एस पी, यादव एस सी, आदि सभी। आर्टिरियल स्विच ऑपरेशन यूजिंग द इंटीग्रेटिड ईसीएमओ – सीपीबी सरकिट इन ए चाइल्ड विद् डी – टीजीए, रिग्रेस्ड वेंट्रीकल एण्ड रेयर बॉम्बे ब्लड ग्रुप। इंड जे एक्स्ट्राकॉर्पोरीयल टेक्नोलॉजी 2015;(24): 25–6.
736. कार्तिकेयन जी, सेनगुतुवन एन बी, देवासेनापति एन, भाल वी के, आयरन बी. स्पोंटेनियस नोर्मेलाइजेशन ऑफ वॉल्व फंक्शन ऑफ्टर फेल्ड फिब्रिनोलिटिक थेरेपी फॉर लेफ्ट – साइडिड प्रोस्थेटिक वॉल्व थ्रोम्बोसिस। जे एएम कॉल कार्डियोल 2015;65:1484–5.
737. कार्तिकेयन जी. रोउटिन जीनोटाइपिंग ऑफ पेशेंट्स ऑन क्लोपिडोग्रेल : व्हाय द रेसिस्टेंस? इण्डियन हार्ट जे 2015;67: 93–4.
738. करुणानिधि एस, कुमार जी, ढल्ल वीएस, रॉय एसजी, कुमार आर. आइसोलेट सेंट्रल नर्वस सिस्टम रिलेप्स ऑफ्टर 10 इयर्स इन ए केस ऑफ प्राइमरी टेस्टीकुलर लिम्फोमा डिटेक्टिड ऑन (18) एफ – एफडीजी पीईटी / सीटी. न्यूक्लि मेड मोल इमेजिंग 2015;49: 329–30.
739. करुणानिधि एस, सौंदरराजन आर, शर्मा पी, नासवा एन, बाल सी, कुमार आर. स्पेक्ट्रम ऑफ फिजियोलॉजिक एण्ड पैथोलॉजिक स्केलेटल मसल (18) एफ–एफडीजी अपटेक ऑन पीईटी/सीटी. एजेआर एएम जे रोएंटजिनोल 2015;205:डब्ल्यू141–9.
740. कसाब एम ए, मुदास्सिर एम, सिंह ए, एन एम, भगत एम, पालानिचेमी जेके, आदि सभी। जीन साइलेंसिंग एण्ड एक्टिवेशन ऑफ ह्यूमन पैपिलोमावायरस 18 आईएस मॉड्यूलेटड बाय सेंस प्रोमोटर एसोसिएटड आरएनए इन बायडायइरेक्शनली ट्रांसस्क्राइब्ड लॉन्ग कंट्रोल रीजन। पीएलओएस वन 2015;10: ई0128416.
741. कटारिया के, बगडिया ए, श्रीवास्तव ए. आर ब्रेस्ट सर्जिकल ऑपरेशंस क्लीन ऑर क्लीन कॉन्टेमिनेटिड? इण्डियन जे सर्ज 2015;77 (पूरक 3): 1360–2.
742. कैथिरिसेन पी, शरण पी, नॉन्गकायरिह बी, मिश्रा ए के. रजिस्ट्रेशन एण्ड डेफिनिशंस ऑफ मेंटल डिसऑर्डर इन स्वीडिश सर्वाइवर्स ऑफ द 2004 साउथीस्ट एशिया सुनामी। लेंसेट साइकियाट्रिक 2015;2(11): 962.
743. कात्याल जे, कुमार एच, गुप्ता वाई के. एंटीकंवुल्सेंट एक्टिविटी ऑफ द साइक्लोऑक्सीजंस – 2 (सीओएक्स–2) इंहेबिटर इटोरिकोएक्सीब इन पेंटिलेनेटेट्राट्रेजोल– काइंडल्ड रैट्स इन असोसिएटिड विद मेमोरी इम्पेयर्ड. *एपिलेप्सी बिहेव* 2015;44:98-103.

744. कौर ए, शाह एन, लोगानी ए, मिश्रा एन. बायोटोक्सिटी ऑफ कॉमनली यूज्ड रूट कैनाल सीलर्स : ए मेटा–एनालायसिस. *जे कनसर्व डेंट* 2015; 18(2) : 83–8.

745. कौर बी, सहगल आर, लोगानी ए, धर पी. मोर्फोमेट्रिक एवेल्यूशन ऑफ टेम्पोरोमेंडीबुलर जॉइंट यूजिंग कोन बीम कंप्यूटिड टोमोग्राफी। *अमेरिकन जर्नल ऑफ ओरल मेडिसिन एण्ड रेडियोलॉजी* 2015;2(4): 169–76.

746. कौर जे, पंडित एस, शर्मा एमसी, जुल्का पीके, रथ जीके. इंट्राड्यूरल एक्स्ट्रा मेड्लरी हिमेंजियोपेरिकायटोमा ऑफ डोरसल स्पाइन. *चाइल्ड नर्व सिस्ट* 2015;31:173–5.

747. कौर एम, चंद्रण डीएस, जरयाल एके, भौमिक डी, अग्रवाल एसके, दीपक केके. बेरोरिफ्लेक्स डिस्फंक्शन इन क्रोनिक किडनी डिजीज। वर्ल्ड जे नेफ्रोल. 2016;5(1): 53–65.

748. कौर एम, साहु एस, शर्मा एन, टिटियाल जेएस. फेम्टोसेकेण्ड लेजर अस्सिटेड कैट्रक्ट सर्जरी इन फेकिक इंट्राऑकुलर लेंस विद् कैट्रक्ट। जे रिफ्रैक्ट सर्ज 2016;32(2):131–4.

749. कौर एम, सक्सेना आर, सिंह डी, बिहारी एम, शर्मा पी, मेनन वी. कॉरिलेशन बिटवीन स्ट्रक्चरल एण्ड फंक्शनल चेंजिस इन रेटिना इन पार्क्रिंसंस डिजीज। जे न्यूरोफ्थाल्मोल 2015;35(3): 254–8.

750. कौर एम, शर्मा एन, टिटियाल जे एस. इंडिकेटर फेम्टोसेकेण्ड लेजर – अस्सिटेड कॉर्नियल इंसिशन कौज्ड बाय रेफ्रेंस इंक मार्क। जे कैट्रक्ट रिफ्रैक्ट सर्ज 2015;41(7):1530–1.

751. कौर एम, श्रीवास्तव एस, जरयाल एके, दीपक के के. बेरोरिफ्लैक्स डिस्फंक्शन इन प्रेडर विल्ली सिंड्रोम. *जे क्लिन डायग्न रेस* 2016;10:सीडी01–02.

752. कौशिक ए, मक्कर एन, पाण्डे पी, पैरिश एन, सिंह यू, लेमिचाने जी. कारबापेनेम्स एण्ड रिफेम्पिन एक्सहिबिट एनर्जी अगेंस्ट माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस एण्ड माइकोबैक्टीरियम एब. एंटीमाइक्रोब एजेंट्स कीमोथर 2015;59:6561–7.

753. कौशिक एमके, कुमार वीएम, मलिक एचएन. इफेक्ट ऑफ लेटरल प्रीऑप्टिक एरिया लेशन ऑन स्लीपवेकफुलनेश एण्ड थर्मोरेगुलेशन इन कोल्ड एक्लिमेटाइज्ड रेट्स। *इण्डियन जे फिजियोल फार्माकोल* 2015;59: 275–84.

754. केडिया एस, कुर्रे एल, प्रताप मौली वी, ढींगरा आर, श्रीवास्तव एस, प्रधान आर, आदि सभी। फ्रीक्वेंसी, नेचुरल कोर्स एण्ड क्लिनिकल सिग्निफिकेंस ऑफ सिम्प्टोमेटिक टर्मिनल इलाइटिस। *जे डिग डिस* 2016;17(1):36–43.

755. केडिया एस, शर्मा आर, नेगी बी, मौली वी पी, आनंतकृष्णन ए, ढींगरा आर, आदि सभी। कम्प्यूटराइज्ड टोमोग्राफी – बेस्ड प्रीडिक्टिव मॉडल फॉर डिफरेंशिएशन ऑफ क्रॉन्स डिजीज फ्रॉम इंटेस्टाइनल ट्यूबरकुलोसिस। *इण्डियन जे गैस्ट्रोएंटेरोल* 2015;34(2): 135–43.

756. कीले जे डब्ल्यू, रीड जी एम, रोबर्ट्स एम सी, इवांस एस सी, मेडिना – मोरा एम ई, रोबल्स आर, आदि सभी। डेवलपिंग ए साइंस ऑफ क्लिनिकल यूटिलिटी इन डायग्नोस्टिक क्लासिफिकेशन सिस्टम्स फील्ड स्टडी स्ट्रेटेजीस फॉर आईसीडी – 11 मेंटल एण्ड बिहेवियर डिस्ऑर्डर। एम सायकोल 2016 जनवरी;71(1):3–16.

757. खाखा डी, कपूर बी, इफेक्ट ऑफ कोपिंग स्ट्रेटेजीस इंटरवेंशन ऑन द कोपिंग स्टाइल्स एडोप्टिड बाय पीपल लिविंग विद् एचआईवी / एड्स एट ए टर्शरी केयर हॉस्पिटल इन द नेशनल कैपिटल।*नर्सिंग मिडवाइफरी रेस जे* 2015; 11:45–56.

758. खाखा डी सी, कपूर बी, खाखा सी सी, खाखा आर. इफेक्ट ऑफ सोशल वायबिलिटी इंटरवेंशन ऑन सोशल *सपोर्ट* ऑफ पीपल लिविंग विद् एचआईवी / एड्स एट ए टर्शरी केयर हॉस्पिटल। बाबा फरिद यूनि. जे 2015; 8: 6–13.

759. खाखा डी सी, कपूर बी, मंजू, शर्मा एस के. थ्री साइड्स ऑफ ए कॉइन इन द लाइफ ऑफ पीपल लिविंग विद् एचआईवी (पीएलडब्ल्यूएच)। इण्डियन जे कॉम मेड 2015; 90: 233–8.

760. खलिफा एम, नौरीन ए, एरटेलथेलनर के, बंदेगी एआर, डेलपोर्ट आर, फिर्दौस डब्ल्यूजेजे, आदि सभी। लैक ऑफ एसोसिएशन ऑफ आरएस 3798220 विद् स्मॉल एपोलिपोप्रोटीन (ए) आइसोफॉर्मस एण्ड हाई लिपोप्रोटीन (ए) लेवल्स इन ईस्ट एण्ड साउथीस्ट एशियन। एथरस्क्लेरोसिस 2015;242:521–8.

761. खलिफा एस, मिरधा बी आर, सिन्हा एस, पाण्डा ए, सिंह वाय. जोसेफ ए, आदि सभी। इंटेस्टीनल पैरासिटोसिस इन रिलेशन टू एंटी रेट्रोवायरल थेरेपी, सीडी4(+) टी – सेल काउंट एण्ड डायरिया इन एचआईवी पेशेंट्स कोरीयन जे पैरासिटोल 2015;53:705–12.

762. खान आई, जाकारिया एम के, कुमार एम, मणि पी, चट्टोपाध्याय पी, सरकार डी पी, आदि सभी। ए नोवल प्लेसेंटल लाइक एल्कालाइन फोस्फेटेज प्रोमोटर ड्राइवन ट्रांसक्रिप्शनल साइलेंसिंग कंबाइंड विद् सिंगल चेन वेरिएबल फ्रेगमेंट एंटीबॉडी बेस्ड वाइरोसोमल डिलिवरी फॉर नियोप्लास्टिक सेल टार्गेटिंग (करेक्टिड)। जे ट्रांस मेड 2015;13: 254.

763. खान आईए, पिल्लई एस, रामपाल आर, चौहान एस के, तिवारी वी, मौली वी पी, आदि सभी। प्रीवलेंस एसोसिएशन ऑफ मायकोबैक्टीरियम अवियम सबस्पेशीज़ पैराट्यूबरकुलोसिस विद् डिजीज कोर्स इन पेशेंट्स विद अल्सरो – कान्स्ट्रक्टिव इलिओकोलोनिक डिजीज। पीएलओएस वन 2016;11: ई0152063.

764. खान एल, मखधूमी एमए, कुमार एस, नायर ए, एण्ड रबी आर, क्लक्र बीई, आदि सभी। आइडेंटिफिकेशन ऑफ सीडी4 – बाइंडिंग साइट डिपेंडेंट प्लाज्मा न्यूट्रालाइजिंग एंटीबॉडीज़ इन अन। पीएलओएस वन 2015;10: ई0125575.

765. खान एमए, इस्लाम एचएम. ऑन इंफरेंसिस इन एक्सेप्टेंस सैम्पिलिंग प्लान फॉर इंवर्स रेयलेह डिस्ट्रिब्यूटिड लाइफटाइम। *जे स्टेट एप्पल प्रो* 2015;4(2): 285–288.

766. खान एम एफ, नाग टी सी, इगाथिनेथेन सी, ओसौगवु यू एल, रुबिनी एम. ए न्यू मैथड ऑफ डिटेक्टिंग चेंजिस इन कॉर्नियल हेल्थ इन रिस्पॉन्स टू टोक्सिक इंसल्ट्स। माइक्रोन 2015;78: 45–53.

767. खान आर, नायर एस, सेठ टी, मिश्रा पी, महापात्रा एम, अग्रवाल टी, आदि सभी। ऑकुलर ग्राफ्ट वर्सस हॉस्ट डिजीज इन एलोजेनि स्टेम सेल ट्रांसप्लांटेशन इन ए टर्शरी केयर सेंटर इन इण्डिया। इण्डियन जे मेड रेस 2015;142(5):543–8.

768. खांडेकर बी, कुमार एल, कुमार एस, गुप्ता एस डी, कल्याणवनी एम, अय्यर वी, आदि सभी। ट्यूमर मोर्फोलॉजी आफ्टर नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी एज़ ए प्रीडिक्टर ऑफ सर्वाइवल इन सीरोस ओवरियन कैंसर : एन एक्सपीरियंस फ्रॉम ए टर्शरी केयर सेंटर इन इण्डिया। मले. जे पैथोल 2015;37(2): 115–21.

769. खंडेलवाल डी, गुप्ता एन, मुखर्जी ए, लोधा आर, सिंह वी, ग्रेवाल एच एम, भटनागर एस, सिंह एस, काबरा एस के; दिल्ली पीडियाट्रिक टीबी स्टडी ग्रुप. ऑथर्स रिस्पॉन्सस. *इंडियन जे मेड रेस* 2015;141: 842–3.

770. खंडेलवाल पी, शर्मा एस, भारद्वाज एस, थेरगोंकर आर डब्ल्यू, सिन्हा ए, हरि पी, आदि सभी। एक्सपीरियंस विद् कंटिन्यूज रेनाल रिप्लेसमेंट थेरेपी। इण्डियन जे पीडियाट्र 2015;82: 752–4.

771. खंडेलवाल एस, भाटिया ए, मिश्रा ए. सायकोलॉजिकल हेल्थ इन द समर टीम ऑफ एन इण्डियन एक्सपीडिशन टू अंटार्कटिका। जर्नल ऑफ मेंटल हेल्थ एण्ड ह्यूमन बिहेवियर 2015;20: 65.

772. खंडेलवाल एस, देब के, कृष्णा वी. रेस्ट्रेंट एण्ड सिक्लुशन इन इण्डिया। इंडियन जर्नल ऑफ सोशल साइकियाट्रिक 2015;31: 141.

773. खंडेलवाल एस. भाटिया ए, मिश्रा एके. सायकोलॉजिकल हेल्थ इन द समर टीम ऑफ अन इण्डियन एक्सपीडिशन टू अंटार्कटिका। *जे मेंटल हेल्थ हम बिहेव* 2015; 20: 65–70.

774. खंडेलवाल एस के, देब के एस, कृष्णा वी. रेस्ट्रेंट एण्ड सिक्लुशन इन इण्डिया। इंडियन जर्नल सोशल साइकियाट्रिक 2015;31: 141–5.

775. खन्ना डी, चक्रवर्ती पी, दास पी, बंसल पी, लिनियर नेवोइड एपिडर्मोलायटिक हाइपरकेराटोसिस लोकलाइज्ड टू द सोल। स्कीमेड 2015; 13 : 399–401.
776. खन्ना पी, रे बी आर, गोविंदराजन एस आर, सिन्हा आर, चंद्रलेखा, तलवार पी. एनेस्थेटिक मैनजेमेंट ऑफ पीडियाट्रिक पेशेंट्स विद् स्टुर्ग – वेबर सिंड्रोम : आवर एक्सपीरियंस एण्ड रिव्यू ऑफ लिटरेचर। जे एनेस्थ 2015;29(6): 857–61.
777. खन्ना पी, रे बी आर, गोविंदराजन एस आर, सिन्हा आर, चंद्रलेखा, तलवार पी. एनेस्थेटिक मैनजेमेंट ऑफ पीडियाट्रिक पेशेंट्स विद् स्टुर्ग – वेबर सिंड्रोम : आवर एक्सपीरियंस एण्ड रिव्यू ऑफ लिटरेचर। जे एनेस्थ 2015;29(6): 857–61.
778. खरबंदा ओ पी, चौरसिया एस. फंक्शनल जॉ ऑर्थोपेडिक्स फॉर क्लास 2 मालक्लुशन : व्हेयर डो वी स्टैण्ड टुडे? इंड ऑर्थोडोंट सोक 2015;49: 33–41.
779. खेर पी, तलवार ए, चंद्रण डी, गुलेरिया आर, जरयाल ए के, कुमार जी, आदि सभी। इम्पेयर्ड सिस्टेमिक वेस्कुलर रीएक्टिविटी एण्ड राइज्ड हाई–सेंसिटिविटी सी रीएक्टिव प्रोटीन लेवल्स इन क्रोनिक ऑब्स्ट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज, *इंडियन जे मेड रेस* 2016;143:205–12.
780. खत्री के, शर्मा वी, लखोटिया डी, भल्ला आर, फरुख के. पोस्टीरियर क्रूसिएट लिग्मेंट लिग्मेंट ट्रिबियल एवेलुएशन ट्रीटेड विद् ओपन रीडक्शन एण्ड इंटर्नल फिक्सेशन थ्रो द बुक्रसेंड शैफर एप्रोच। मलेशियन जे ऑर्थोपेडिक्ट। जून 2015; 9(2): 1–8
781. खिलनानी जी सी, जैन एन, तिवारी पी, हड्डा वी, सिंह एल. ए यंग मैन विद् हेमोप्टीसिस : रेयर एसोसिएशन ऑफ इडियोपैथिक पल्मोनरी हेमोसिडेरोसिस, सेलियाक डिजीज एण्ड डिलेटिड कार्डियोमायोपैथी। लंग इण्डिया 2015;32: 70–2.
782. खिन्हिन, एंटिक एन ए, एण्डसनि सी, हीले ई, जॉन्ग एन एस, फेरानबार्ब, ...त्रिपाठी एम, आदि सभी। प्रीडिक्टर्स ऑफ ऑब्स्ट्रेक्टिव स्लीप ए एपनिया सेवेरिटी इन पेशेंट्स एनरोल्ड इन द स्लीप एपनिया कार्डियोवेस्कुलर एण्ड पॉइंट ''सेव'' ट्रायल। एटीएस जे 2015 मई।
783. खोखर एस, गुप्ता एस, गोगिया वी, तिवारी आर, अग्रवाल टी. चेंजिस इन स्टेरियोक्यूटी फॉलोइंग इम्प्लांटेबल कोलामर लेंस इम्प्लांटेशन इन पेशेंट्स विद् मयोपिया। *इंडियन जे ऑफ्थेलमोल* 2015;63(10): 788–90.
784. खोखर डी, महाजन आर, पाण्डे ए के, धीमरी के, वर्मा एच, बिष्ट बी, आदि सभी। एल्वियोलर सॉफ्ट पार्ट सर्कोमा ऑफ द मेंडिबल : ए रेयर केस। ओंक गैस हेप रेस 2015;4: 102–3.
785. खुराना एस, पुष्कर एन, नायक एस एस, चंदोला एम डी, गोंसिकर वी, बजाज एम एस. पेरियोरबिटल नेक्रोटाइसिंग फेसिटिस इन इंफेंट्स : प्रेजेंटेशन एंड मैनेजमेंट ऑफ सिक्स केसिस. *ट्रॉप डॉक्ट* 2015; 45(3) : 188–93.
786. किर डी, गुप्ता एस, जॉली जी, कलैयवाणी एम, लोधा आर, काबरा एस के. हेल्थ रिलेटिड क्वालिटी ऑफ लाइफ इन इण्डियन चिल्ड्रन विद् सिस्टिक फिब्रोसिस। इंडियन पीडियाट्र 2015;52: 403–8.
787. किरण कुमार जी एन, शर्मा जी, फारुकी के, शर्मा वी. चिन जे ट्रॉमेटोल ऑन – टेबल रिकंस्ट्रक्शन एण्ड फिक्सेशन ऑफ मेसोन टाइप 3 रेडियल हैड फ्रैक्चर्स। चिन जे ट्रॉमेटोल। 2015 अक्तूबर 1; 18(5):288–92.
788. किरण कुमार जीएन, शर्मा जी, खत्री के, फारुख के, लखोटिया डी, शर्मा वी आदि सभी। ट्रीटमेंट ऑफ अनस्टेबल इंट्राट्रोकेंटेरिक फ्रैक्चर्स विद प्रोक्सीमल फेमोरल नेल ऑटोरोटेशन 2 : अवर एक्सपीरियंस इन इण्डियन पेशेंट्स। ओपन ऑर्थोपेडिक्स जे 2015;9:456–9
789. किशोर एस, उपाध्याय ए डी, ज्योत्सना वी पी. केटेगरीज ऑफ फूट एट रिस्क इन पेशेंट्स ऑफ डायबिटीज़ एट ए टर्शरी केयर सेंटर : इंसाइट्स इंटू नीड फॉर फूट केयर। *इंडियन जे एंडोक्राइनोल मेटाब* 2015;19: 405–10.

790. किशोर एस, उपाध्याय ए डी, वी पी जे. अवेयरनेस ऑफ फूट केयर अमंग पेशेंट्स विद डायबिटीज़ अटेंडिंग ए टर्शरी केयर हॉस्पिटल। नेटल मेड जे इंडिया 2015;28: 122–5.
791. क्लिओंस्की डी जे, एब्डलमोहसेन के, एबे ए, अबेडिन एमजे, एबेलिओविच एच, एसेवेडो अरोजेना ए, आदि सभी। गाइडलाइंस फॉर द यूज़ एण्ड इंटरप्रीटेशन ऑफ एसे फॉर मोनिटरिंग ऑटोफेजी (तीसरा संस्करण)। *ऑटोफेजी* 2016;12: 1–222.
792. कोककायील पी, धवन बी, यरीप्लाज्मा : करंट पर्सपेक्टिव्स। *इंडियन जे मेड माइक्रोबायोल* 2015;33: 205–14.
793. कोरवार ए, शर्मा एस, लोगानी ए, शाह एन. पल्प रिस्पॉन्स टू हाई फ्लोराइड रिलीजिंग ग्लास ईओनोमर, सिल्वर डायमाइन फ्लोराइड, एण्ड कैल्शियम हाइड्रोक्साइड यूज्ड फॉर इंडायरेक्ट पल्प ट्रीटमेंट : एन इन विवो कम्पेरेटिव स्टडी।*कंटेम क्लिन डेंट* 2015;6(3): 288–92.
794. कोथीवाला एस के, खांडपुर एस, सिंह एम के, दुर्गापाल पी. एरिथेमा नोडोसम लेप्रोसम ऑन ग्लांस पेनिस : अनयूजअल मेनिफेस्टेशन ऑफ कॉमन डिजीज. *इंट जे डर्मेटोल* 2015; 54:1060–3
795. कोथीवाला एस के, खन्ना एन. म्यूकोक्यूटेनियस ब्लीस्टर्स एंड ए मीडियास्टीनल मास : लाइफसेविंग रोल ऑफ सर्जरी. *इंडियन जे मेड रेस* 2015;142: 227–8.
796. कृपलानी ए, पटेल एम. प्रीमेंस्ट्रूल सिंड्रोम : ए मैथ ऑर ए रीलिटी। इंट जे ग्यनीकोल ओब्स्टेट – इण्डिया 2015;2(2): 1.
797. कृष्णामूर्ति बी, रानी एन, भारती एस, गोलेच्चा एम, भाटिया जे, नाग टीसी, आदि सभी। फेबुक्सोस्टेट एमेलिओरेटस डोक्सोरूबिसिन इंड्यूज्ड कार्डियोटोक्सीसिटी इन रेट्स। कीमो बायोल इंटरेक्ट 2015;237: 96–103.
798. कृष्णन ए, अमरचंद आर, गुप्ता वी, लेफॉन्ड केई, सुलायंकटची आर ए, साहा एस, आदि सभी। एपिडेमियोलॉजी ऑफ एक्यूट रेस्पिरेटरी इंफेक्शंस इन चिल्ड्रन – प्रीलिमिनरी रिजल्ट ऑफ ए कोहर्ट इन ए रुरल नोर्थ इण्डियन कॉम्युनिटी। बीएमसी इंफेक्ट डिस 2015;15: 462.
799. कृष्णन ए. बुक रिव्यू ऑफ टेक्स्टबुक ऑफ कॉम्युनिटी मेडिकल। भास्कर राव, उषा रानी (संपादक)। पारस मेडिकल पब्लिशर्स। नेटल मेड जे इंडिया 2015;28(4): 208.
800. कृष्णन ए. कॉम्युनिटी मेडिसिन इन इण्डिया – व्हीच वे फोर्वड? इंडियन जे कम्युनिटी मेड 2016;41(1): 5–10.
801. कृष्णन एस, ढिल्लन आर के, भाडेलिया ए, स्चुरमन ए, बासु पी, भटला एन, आदि सभी। रिपोर्ट फ्रॉम ए सिम्पोजियम ऑन कैटालाइजिंग प्राइमरी एण्ड सेकेण्डरी प्रीवेंशन ऑफ कैंसर इन इण्डिया। कैंसर कौसिस कंट्रोल 2015;26(11): 1671–84.
802. कृष्णन एस, शिवराम एस, एण्डर्सन बीओ, बासु पी, बेलिंसन जे एल, भाटला एन, आदि सभी। यूजिंग इम्प्लीमेंटेशन साइंस टू एडवांस कैंसर प्रीवेंशन इन इण्डियौ एशियन पैक जे कैंसर प्रीव 2015;16(9): 3639–44.
803. क्षितिज के के, वरुण एस के, रंजन ए, केसरी जे आर. स्टडी ऑफ सिरम मेलोनडायडिहाइड्रे एण्ड विटामिन सी स्टेट्स इन टाइप 2 डायबिटीज़ मेलिटस। इंट जे कर रेस एके. रेव 2015;3(4): 20–5.
804. कुचे एम एस, कुदयार आर पी, गुप्ता ए, पण्डिता के के, ज्ञानी एम ए. जेंडर डिफरेंसिस इन इंसुलिन एण्ड सी – पेप्टाइड कांसेंट्रेशंस एट बर्थ यूजिंग कॉर्ड ब्लड कॉरिलेशन। आक्र एण्डोक्राइनोल मेटाब 2016;60:264–6.
805. कुमार ए, बाड़े जी, त्रिवेदी ए, ज्योत्सना वी पी, तलवार ए. पोस्टुरल वेरिएशन ऑफ पुल्मोनरी डिफ्युजिंग केपेसिटी एज़ ए माक्रर ऑफ लंग माइक्रोएंजियोपैथी इन इण्डियन पेशेंट्स विद् टाइप 2 डायबिटीज़ मेलिटस। इंडियन जे इंडोक्राइन मेटाब 2016;20: 238–44.

806. कुमार ए, कुमार पी, मिश्रा एस, सागर आर, कठुरिया पी, विभा डी, आदि सभी। बायोमार्क्रर्स टू एंहांस एक्युरेसी एण्ड प्रीसिशन ऑफ प्रीडिक्शन ऑफ शॉर्ट टर्म एण्ड लॉन्ग टर्मआउटकम आफ्टर स्पोंटेनियस इंट्रासेरेब्रेल हेमरेज : ए स्टडी प्रोटोकोल फॉर ए प्रोस्पेक्टिव कोहर्ट स्टडी। बीएमसी न्यूरोल 2015 अगस्त 12; 15: 136.
807. कुमार ए, लाले एस वी, महाजन एस, चौधरी वी, कौल वी. आरओपी एंड एटीआरपी फेब्रिकेटिड ड्यूल टार्गेटिड रिडॉक्स सेंसिटिव पॉलीमेर्सोम्स बेस्ड ऑन पीपीईजीएमए – पीसीएल – एसएस – पीसीएल – पीपीईजीएमए ट्रीब्लॉक कोपॉलीमेरेज फॉर ब्रेस्ट कैंसर थेराप्यूटिक्स. *एसीएस एप्ला मैटर इंटरफेस*. 2015; 7 : 9211–27.
808. कुमार ए, मोहंती एस, नंदी एसबी, गुप्ता एस, खैतान बी के, शर्मा एस, आदि सभी। हेयर एण्ड स्कीन डिराइव्ड प्रोजेनिटर सेल्स : इन सर्च ऑफ ए कैंडिडेट सेल फॉर रिजनरेटिव मेडिसिन। इंडियन जे मेड रेस 2016; 143: 175–83.
809. कुमार ए, पाण्डा ए, गमनगट्टी एस. ब्लंट पेंक्रीटिक ट्रॉमा : ए पर्सिस्टेंट डायग्नोस्टिक कोन्नड्रम वर्ल्ड जे रेडियोल 2016; 8(2) : 159–73.
810. कुमार ए, प्रसाद एम, खटुरिया पी, नायर पी, पण्डित ए के, साहु जे के, प्रसाद के. लॉ सोशियोइकोनोमिक स्टेट्स इज़ अन इंडिपेंडेंट रिस्क फैक्टर्स फॉर इस्केमिक स्ट्रोक : ए केस कंट्रोल स्टडी इन नोर्थ इण्डियन पॉपुलेशन। न्यूरोएपिडेमियोलॉजी। 2015; 44: 138–43.
811. कुमार ए, रॉय एस, बंसल एम, तिंवाला एस, एरोन एन, टीमकर एस, आदि सभी। मोडिफाइड एप्रोचिस इन मैनेजमेंट ऑफ सबमैकुलर हेमरेज सेकेण्डरी टू वेट एज़ रिलेटिड मैकुलर डिजनरेशन। एशिया पेक जे ऑफ्थेलमोल (फीला) 2016;5(2): 143–6.
812. कुमार ए, सत्यर्थी जीडी, सेबल एम, सुरी वी, शर्मा बीएस. सोलिटेरी एक्स्ट्रामेडुलरी प्लाज्मासिटोमा ऑफ थोरेसिक एपिड्यूरल स्पेस प्रेजेंटिंग विद् डोर्सल कम्प्रेसिव मायलोपैथी : ए केस रिपोर्ट एण्ड रिव्यू ऑफ लिटरेचर। *जे न्यूरोसाइंस रुरल प्रेक्ट* 2015;6: 410–2.
813. कुमार ए, शर्मा ए, मोहंती बी के, ठक्कर ए, शुक्ला एन के, थुलकर एस पी, आदि सभी। ए फेस 2 रेण्डमाइज्ड स्टडी टू कम्पेयर शॉर्ट कोर्स पैलिएटिव रेडियोथेरेपी विद् शॉर्ट कोर्स कंकरेंट पैलिएटिव कीमोथेरेपी पल्स रेडियोथेरेपी इन एडवांस्ड एण्ड अनरिसेक्टेबल हैड एण्ड नेक कैंसर। *रेडियोथर ऑंकोल* 2015;117: 145–51.
814. कुमार ए, वर्मा एन, अग्रवाल डी, शर्मा बी एस. एण्डोस्कोपिक लेवेज फॉर एंटीबायोटिक अनरेस्पोंसिव सेवियर एसिनेटोबेक्टर बौमनी वेंट्रिकुलिटिस : अन अनएक्सप्लोर्ड ट्रीटमेंट ऑप्शन। एक्टा न्यूरोचीर (वाइन) 2015;157:1225–7.
815. कुमार एएम, चिन्नाकली पी, शेवाडे एच, गुप्ता वी, नागपाल पी, हैरिस एडी. शॉर्ट एपिडेटा कोर्स : डो पर्टिसिपेंट्स यूज़ द डेटा एंट्री टूल टु इयर्स पोस्ट – ट्रेनिंग? पब्लिक हेल्थ एक्शन 2015;5(4): 261–5.
816. कुमार डी, बागरी एन. पीडियाट्रिक कार्डियोलॉजी इन इण्डिया : ओनसेट ऑफ ए न्यू इरा। *इण्डियन पीडियाट्र* 2015;52: 563–5.
817. कुमार डी, मुट्रेजा आई, केशवन पी सी, भट एम, डिंडा ए के, मित्रा एस. ऑर्गनिकली मोडिफाइड सिलिका नेनोपार्टिकल्स इंटरेक्शन विद् मैक्रोफेज सेल्स : असेस्मेंट ऑफ सेल वायबिलिटी ऑन द बेसिस ऑफ सायकोकेमिकल प्रोपर्टिज़। *जे फार्मा साइंस* 2015;104: 3943–51.
818. कुमार जी, श्रीवास्तव ए, शर्मा एस के, राव टी डी, गुप्ता वाय के. एफिकेसी एण्ड सेफ्टी एवेल्युशन ऑफ आयुर्वेदिक ट्रीटमेंट (अश्वगंधा पाउडर और सिद्ध मकरध्वज) इन रियूमेटोइड अर्थराइटिस पेशेंट्स : ए पायलट प्रोस्पेक्टिव स्टडी। *इण्डियन जे मेड रेस* / 2015;141(1): 100–6.

819. कुमार एच, कात्याल जे, गुप्ता वाई के. लो डोज जिंक सप्लीमेंटेशन बेनिफिशियली अफेक्ट्स सीजर्स डेवलपमेंट इन एक्सपेरिमेंटल सीजर मॉडल्स इन रैट्स. *बायोल ट्रेस एलिम रेस.* 2015;163 (1-2) : 208–16.
820. कुमार जे, गुप्ता ए के, सिंह जी, काले पी, एक्सेस आई, सेठ आर, आदि सभी। स्पोंटेनियस रिमिशन ऑफ एक्यूट मायलोब्लास्टिक ल्यूकेमिया विद् इम्प्रूवमेंट इन सीडी4 काउंट्स इन एचआईवी इंफेक्टिड चाइल्ड को – इंफेस्टेड विद् डिमोडेक्स माइट। पीडियाट्र इंफेक्ट डिस जे 2015;7: 102–4.
821. कुमार के, पाण्डेय आर के, भल्ला ए पी, कश्यप एल, गर्ग आर, दारलॉन्ग वी, आदि सभी। कम्पेरिजन ऑफ कंवेंशनल इंफ्रेइंगुइनल वर्सस मोडिफाइड प्रोक्सीमल सुप्रेइंगुइनल एप्रोच ऑफ फेसिया इलियाका कम्पार्टमेंट ब्लॉक फॉर पोस्टऑपरेटिव एनाल्जेसिया इन टोटल हिप अर्थोप्लास्टी। ए प्रोस्पेक्टिव रेण्डमाइज्ड स्टडी। एक्टा एनेस्थेसियोल बेल्ग 2015;66(3): 95–100.
822. कुमार के, सिंह एच, गुप्ता आर के, बाल सी, कुमार आर. इर्लोटिनिब – इंड्यूस्ड क्युटेनियस टोक्सीसिटी : फाइंडिंग ऑन 18एफ–एफडीजी पीईटी / सीटी इमेजिंग। *क्लिन न्यूक्ल मेड* 2015;40:ई251–2.
823. कुमार के एम पी, साबू बी, राव पी वी, सरदा ए, विश्वानाथन वी, कालरा एस, आदि सभी। टाइप 1 डायबिटीज़ : एवेयरनेस, मैनेजमेंट एण्ड चैलेंजिस : करेंट सिनेरियो इन इण्डिया। इण्डिन जे एण्डोक्राइनोल मेटाब 2015;19:एस6–8.
824. कुमार के आर, बत्रा आर के, धिर आर, शर्मा एस सी. इनाडवर्टेंट न्यूमोथोरेक्स कौज्ड बाय इंट्यूबेटिंग बौगी। *जे एनेस्थेसियोल क्लिन फार्माकोल* 2015;31:271–2.
825. कुमार एल, प्रमाणिक आर, कुमार एस, भटला एन, मलिक एस. न्यूएडजुवेंट कीमोथेरेपी इन गायनेकोलॉजिकल कैंसर्स – इम्प्लिकेशंस फॉर स्टेजिंग। बेस्ट प्रेक्ट रेस क्लिन ओबस्टेट गायनेकोल 2015;29: 790–801.
826. कुमार एम, भोई एस, कमल वी के, मोहंती एस, राव डी एन, गालवंकर एस. एवेल्यूशन ऑफ बोन मैरो एरिथ्रोपोईटिन रिसेप्टर इन ट्रॉमा हेमोरेजिक शॉक। *इंट जे एड रेस बायोल साइंस* 2015;2(8): 43–9.
827. कुमार एम, भोई एस, सेल्वी ए, कमल वी के, मोहंती एस, राव डीएन. एवेल्यूशन ऑफ सिरम ग्रेनुलोसिटे कोलोनी स्टिमुलेटिंग फेक्टर इन पेशेंट्स एडमिटेड विद् ट्रॉमा हेमोरेजिक शॉक। इंट जे एड रेस बायोल साइंस 2015;2(7) 107–14.
828. कुमार एम, भोई एस, सुब्रमण्डयम ए, कमल वीके, मोहंती एस, राव डी, आदि सभी। एवेल्यूशन ऑफ सर्कुलेटिंग हेमेटोपोइटिक प्रोजेनिटर सेल्स इन पेशेंट्स विद् ट्रॉमा हेमोरेजिक शॉक एण्ड इट्स कोरिलेशन विद् आउटकम्स। इंट जे क्रिट इल्लन इंज साइंस 2016;6: 56–60.
829. कुमार एम, दहिया एस, शर्मा पी, शर्मा एस, सिंह टी पी, कपिल ए, आदि सभी। स्ट्रक्चर बेस्ड इन सिलिको एनालाइसिस ऑफ क्विनोलोन रेसिस्टेंस इन क्लिनिकल आइसोलेट्स ऑफ सेलमोनेला टाइफी फ्रॉम इण्डिया। पीएलओएस वन 2015;10:ई0126560.
830. कुमार एम, मत्ता ए, मसूयी ओ, श्रीवास्तव जी, कौर जे, ठक्कर ए, आदि सभी। न्यूक्लियर हेटेरोजेनियस न्यूक्लियर रिबोन्यूक्लिओप्रोटीन डी इज़ एसोसिएट विद् पूर प्रोग्नोसिस एण्ड इंटरेक्टोम एनालाइसिस रिवील्स इट्स नोवल बाइंडिंग पार्टनर्स इन ओरल कैंसर। *जे ट्रांसल मेड* 2015;13: 285.
831. कुमार एम, मुखर्जी जे, सिन्हा एम, कौर पी, शर्मा एस, गुप्ता एम एन, आदि सभी। एंहांस्मेंट ऑफ स्टेबिलिटी ऑफ ए लिपेज़ बाय सबजेक्टिंग टू थ्री फेज पार्टिशनिंग (टीपीपी) : स्ट्रक्चर्स ऑन नेटिव एण्ड टीपीपी – ट्रीटीड लिपेज फ्रॉम थर्मोमायसेस लेनुजिनोसा। सस्टेन कीम प्रोसेस 2015;3:14.
832. कुमार एम, राव डी एन, मोहंती एस, सेल्वी ए, भोई एस. इंटरल्यूकिन (आईएल)–8 इन अर्ली प्रीडिक्टर ऑफ मोर्टेलिटी फॉलोइंग ट्रॉमा हेमोरेजिक शॉक। इंट जे एड रेस बायोल साइंस 2015;2(7): 12–20.

833. कुमार एम, श्रीवास्तव जी, कौर जे, अस्सी जे, एल्यास ए, लिओंग आई, आदि सभी। प्रोग्नोस्टिक सिग्निफिकेंस ऑफ सायटोप्लाज्मिक एस100ए2 ओवरएक्सप्रेशन इन ओरल कैंसर पेशेंट्स। *जे ट्रांसल मेड* 2015;16: 13–8.
834. कुमार एम वी, चौधरी एस के, तलवार एस, घार्डे पी, साहु एम, कुमार एस, आदि सभी। एक्स्ट्राएनाटोमिक बायपास टू सुप्रेसेलिक एब्डोमिनल ऑर्टा फॉर कॉम्प्लेट थोरेसिक ऑर्टिक ऑब्स्ट्रक्शन। अन थोरेक सर्ज 2016;101: 1552–7.
835. कुमार एन, बिंद्रा ए, कुमार एन, यादव एन, शर्मा एस. एनेस्थेटिक कॉन्सर्नस इन ए ह्यूज कोंजिनिटल सबलिंगुअल स्वैलिंग ऑब्स्क्युरिंग एयरवे एक्सेस। साउदी जे एनेस्थ 2015;9: 202–3.
836. कुमार एन, बिंद्रा ए, महाजन सी, यादव एन. एयरवे मैनेजमेंट इन ए पेशेंट् ऑफ एंकीलॉसिंग स्पोंडिलिटिज़ विद् ट्रॉमेटिक सर्विकल स्पाइन इंजरी। साउदी जे एनेस्थ। 2015; 9:327–9.
837. कुमार एन, कौर जी, कांगा यू, मेहरा एन के, निओलिया एस सी, टंडन एन, आदि सभी। सीटीएलए4+49जी ऑलइले एसोसिएट्स विद् अर्ली ओनसेट ऑफ टाइप 1 डायबिटीज़ इन नोर्थ इण्डियस। इंट जे इम्यूनोजेनेट 2015;42: 445–52.
838. कुमार एन, खान ए ए, कुमार एन, बिंद्रा ए, महाजन सी, गोयल के. ग्लांजमैन थ्रोम्बास्थेनिया एण्ड इट्स पेरिऑपरेटिव मैनेजमेंट इन हैड ट्रॉमा : ए रेयर एण्ड चैलेंजिंग सिचुएशन। जे न्यूरोएनेस्थेसियोल क्रिट केयर 2016; 3: 52–5.
839. कुमार एन, पदमा श्रीवास्तव एमवी, वर्मा आर, शर्मा एच, मोदक टी. कैन लॉ – फ्रीक्वेंसी रेपिटिटिव ट्रांसक्रेनियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन प्रीसिपिटेट ए लेट ओनसेट सिजर इन ए स्ट्रोक पेशेंट? क्लिन न्यूरोफिजियोल 2016;127(2): 1734–6.
840. कुमार एन, यादव सी, सिंह एस. एवेल्यूशन ऑफ पेन इन बिलेटरल टोटल नी रिप्लेसमेंट विद् एण्ड विदाउट टौर्निक्वेट : ए प्रोस्पेक्टिव रेण्डोमाइज्ड कंट्रोल ट्रायल। *जे क्लिन ऑर्थोप ट्रॉप* 2015;6(2): 85–8.
841. कुमार एन, यादव एस, टोटल नी ऑर्थोप्लास्टी इन ए केस ऑफ ट्यूबरकुलोसिस नी इन हीलिंग स्टेज; इज़ इट सेफ? जे पोस्टग्रेड मेड एजु रेस 2015;49(3):139–42.
842. कुमार एन, पदमा एम वी, वर्मा आर, शर्मा एच, मोदक टी. कैन लो फ्रीक्वेंसी रेपिटिटिव ट्रांसक्रेनियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन प्रीसिपिटेट लेट – ऑनसेट सिजर इन ए स्ट्रोक पेशेंट? क्लिन न्यूरोफिजियोल 2016; 127: 1734–6.
843. कुमार पी, हसिजा एस, किरण यू. केस रिपोर्ट : यूनिडायरेक्शनल वॉल्वड पैच क्लोजर ऑफ वेंट्रिकुलर सेप्टल डिफेक्ट विद् इसेन्मेन्गर साइकियाट्रिक जर्नल ऑफ पेरिऑपरेटिव इकोकार्डियोग्राफी 2015;3:62–5.
844. कुमार पी, जितेश वी, गुप्ता एस के. डस ए सिंगल स्पेशिलिटी इंटेंसिव केयर यूनिट मेक बेटर बिजनेस सेंस देन ए मल्टी–स्पेशिलिटी इंटेंसिव केयर यूनिट? ए कोस्टिंग स्टडी इन ए ट्रॉमा सेंटर इन इंडिया. *सउदी जे एनीस्थि* 2015; 9(2) : 189–94.
845. कुमार पी, जितेश वी, विज ए, गुप्ता एस के. नीड फॉर ए हैण्ड्स – ऑन एप्रोच टू हैंड – ऑफ्स : ए स्टडी ऑफ नर्सिंग हैण्डओवर्स इन अन इण्डियन न्यूरोसाइंसिस सेंटर। एशियन जे न्यूरोसर्ज http://www.ncbi.nlm.nih.gov/pubmed/?term=Need+for+a+hands-on+approach+to+hand-offs%3A+A+study+of+nursing+handovers+in+an+Indian+Neurosciences+Center 2016;11(1): 54–9.
846. कुमार पी, कठुरिया पी, नायर पी, प्रसाद के. प्रीडिक्शन ऑफ अपर लिम्ब मोटर रिकवरी आफ्टर सबएक्युट इस्केमिक स्ट्रोक यूजिंग डिफ्युजन टेंसर इमेजिंग : ए सिस्टेमेटिक रिव्यू एण्ड मेटा – एनालाइसिस। जे स्ट्रोक 2016; 18: 50–9.
847. कुमार पी, कुमार ए, लोधा आर, काबरा एस के. चाइल्डहुड ट्यूबकुलोसिस इन जनरल प्रेक्टिस। इण्डियन जे पीडियाट्र 2015;82: 368–74.

848. कुमार पी, कुमार ए, मिश्रा एस? फारुख एम, विवेकानंदा एस, श्रीवास्तव ए के, आदि सभी। एसोसिएशन बिटवीन लिम्फोटोक्सिन अल्फा (–252 ए / जी एण्ड – 804 सी/ए) जीन पॉलीमोर्फिज्मस एण्ड रिस्क ऑफ स्ट्रोक इन नोर्थ इण्डियन पॉपुलेशन : ए हॉस्पिटल – बेस्ड केस – कंट्रोल स्टडी। इंट जे न्यूरोसाइंस 2016 जनवरी 20:1–9.

849. कुमार पी, कुमार ए, मिश्रा एस, सागर आर, फारुख एम, कुमारी आर, आदि सभी। एसोसिएशन ऑफ ट्रांसफॉर्मिंग ग्रोथ फेक्टर – बी1 जीन सी509टी, जी800ए एण्ड टी869सी पॉलीमोर्फिज्मस विद् इंट्रासेरेब्रल हेमोरेज इन नोर्थ इण्डियन पॉपुलेशन : ए केस कंट्रोल स्टडी। न्यूरोल साइंस 2016; 37: 353–9.

850. कुमार पी, कुमार ए, मिश्रा एस, सागर आर, फारुख एम, सुरोलिया, आदि सभी। ट्यूमर नेक्रोसिस फैक्टर – अल्फा (–308जी/ए, +488जी/ए, –857सी/टी एण्ड –1031 टी/सी) जीन पॉलीमोर्फिज्मस एण्ड रिस्क ऑफ इस्केमिक स्ट्रोक इन नोर्थ इण्डियन पॉपुलेशन : ए हॉस्पिटल बेस्ड केस – कंट्रोल स्टडी। मेटा जीन 2015 नवंबर 17; 7: 34–9.

851. कुमार पी, कुमार ए, पण्डित ए के, पाठक ए, प्रसाद के. सीसोनल वेरिएशंस इन स्ट्रोक : ए स्टडी इन ए हॉस्पिटल इन नोर्थ इण्डिया। जे स्ट्रोक 2015; 17: 219–20.

852. कुमार पी, कुमार ए, सागर आर, मिश्रा एस, फारुख एम, सुरोलिया वी, आदि सभी। एसोसिएशन बीटवीन इंटरल्यूकिन – 6 (जी174सी एण्ड सी572जी) प्रोमोटर जीन पॉलीमोर्फिज्मस एण्ड रिस्क ऑफ इस्केमिक स्ट्रोक इन नोर्थ इण्डियन पॉपुलेशन : ए केस कंट्रोल स्टडी। न्यूरोल रेस 2016 फरवरी 18:1–6.

853. कुमार पी, कुमार ए, सागर आर, मिश्रा एस, फारुख एम, सुरोलिया वी, आदि सभी। एसोसिएशन बीटवीन इंटरल्यूकिन – 10 – 1082 जी / ए जीन पॉलीमोर्फिज्मस एण्ड रिस्क ऑफ स्ट्रोक इन नोर्थ इण्डियन पॉपुलेशन : ए केस कंट्रोल स्टडी। जे स्ट्रोक सेरेब्रोवेस्क डिस 2016;25:461–8.

854. कुमार पी, कुमार पी, बालूनी वी, सिंह एस. जेनेटिक म्युटेशंस एसोसिएटेड विद् रिफेम्पिसिन एण्ड आइसोनाइजिड रेसिस्टेंस इन एमडीआर – टीबी पेशेंट्स इन नोर्थ – वेस्ट इण्डिया। इंट जे ट्यूबर लंग डिस 2015;19(4):434–9.

855. कुमार पी, मेहता पी, इस्मेल जे, अग्रवाल एस, जाना एम, लोधा आर, आदि सभी। ब्रोको – बिलियरी फिस्टुला : ए रेयर कॉम्प्लिकेशन आफ्टर रैपचर्ड लिवर एबस्केस इन ए 3 1/2 इयर ओल्ड चाइल्ड। लंग इण्डिया 2015;32: 489–91.

856. कुमार पी, शर्मा डी एन, कुमार एस, गांधी ए के, रथ जी के, जुल्का पी के. पल्स्ड – डोज – रेट बनाम हाई–डोज–रेट इंट्राकेविटरी रेडियोथेरेपी फॉर लोकली एडवांस्ड कार्सिनोमा ऑफ सर्विक्स : ए प्रोस्पेक्टिव रेण्डोमाइज्ड स्टडी। ब्रेकीथेरेपी 2016;15: 327–32.

857. कुमार पी, यादव ए के, कुमार ए, सागर आर, पण्डित ए के, प्रसाद के. एसोसिएशन बिटवीन इंटरल्यूकिन – 6 (जी174सी एण्ड जी572सी) प्रोमोटर जीन पॉलीमोर्फिज्मस एण्ड रिस्क ऑफ इस्केमिक स्ट्रोक : ए मेटा – एनालाइसिस। एन्न न्यूरोसाइंस 2015;22: 61–9.

858. कुमार आर, गुप्ता वाय के, सिंह एस, अरुणराज एस. सिसस क्वाड्रागुलेरिस एटेंन्यूटेस द एडजुवेंट इंड्यूज्ड अर्थराइटिस बाय डाउन रेगुलेटिंग प्रा–इंफ्लेमेटरी सायटोकाइन एण्ड इंहिबिटिंग एंजियोजेनेसिस। *जे इथनोफार्माकोल* 2015;175: 346–55.

859. कुमार आर, गुप्ता वाय के, सिंह एस, अरुणराज एस. पिक्रोरिजा कुरौ इंहिबिट्स एक्सपेरिमेंटल आर्थराइटिस थ्रो इंहिबिशन ऑफ प्रो – इंफ्लेमेटरी सायटोकाइंस, एंजियोजेनेसिस एण्ड एमएमपी। पैथोथर रेस 2016;30(1): 112–9.

860. कुमार आर, गुप्ता वाय के, सिंह एस. एंटीइंफ्लेमेटरी एण्ड एंटिग्रेनुलोमा एक्टिविटी ऑफ बरबेरिज़ एरिस्टेटा डीसी. इन एक्सपेरिमेंटल मॉडल्स ऑफ इंफ्लेमेशन. रेट्स। इण्डियन जे फार्माकोल 2016;48(2):155–61.

861. कुमार आर, कुमार ए, बेलियान वी, गमनगट्टी एस, भल्ला एएस, शर्मा आर, आदि सभी। कॉरिलेटिंग एमडीसीटी लिवर इंजरी ग्रेड एण्ड क्लिनिकल आउटकम इन पेशेंट्स विदाउट सिग्निफिकेंट एक्स्ट्रा – हेपेटिक इंजरी। इण्डियन जे सर्ज 2015

862. कुमार आर, कुमार डी, कुमार एन, कुमार पी. एडल्ट सर्को – कोसीजियल टेराटोमा : ए ब्रिफ रिव्यू। जे न्यूक्लियर मेड रेडिट थर 2016;7:278.

863. कुमार आर, कुमार आर, कुमार वी, मल्होत्रा आर. कम्पेरेटिव एनालाइसिस ऑफ ड्यूल – फेस 18एफ – फ्लोराइड पीईटी / सीटी एण्ड थ्री फेस बोन साइंटीग्राफी इन द एवेल्यूशन ऑफ सेप्टिक (ऑर पेनफुल) हिप प्रोस्थेसिस : ए प्रोस्पेक्टिव स्टडी। जे ऑर्थोप साइंस 2016;21(2):205–10.

864. कुमार आर, कुमार आर, कुमार वी, मल्होत्रा आर. पोटेंशियल क्लिनिकल इम्प्लिकेशन ऑफ एफ – एफडीजी पीईटी / सीटी इन डायग्नोसिस ऑफ पेरिप्रोस्थेटिक इंफेक्शन एण्ड इट्स कम्पेरिजन विद् एफ – फ्लोराइड पीईटी / सीटी. *जे मेड इमेजिंग रेडियाट ऑकोल* 2016;60(3):315–22.

865. कुमार आर, मुखर्जी ए, मित्तल बी आर. स्पेशल टेकनिक्स इन पीईटी / कम्प्यूटिड टोमोग्राफी इमेजिंग फॉर एवेल्यूशन ऑफ हेड एण्ड नेक कैंसर। पीईटी क्लिन 2016;11: 13–20.

866. कुमार आर, नदरजफ जे, कुमार ए, गमनगट्टी एस. मिश्री ऑफ न्यूरोसर्जन : गौजोमा कौसिंग फॉरिजन बॉडी ग्रेनुलोमा – रोल ऑफ रेडियोलॉजिस्ट। *एशियन जे न्यूरोसर्ज* 2016;11(1): 74–5.

867. कुमार आर, वाधवा एस, सिंह यू, यादव एसएल. ए स्टडी ऑफ इफेक्ट्स ऑफ इंटरवेंशन ऑफ बोटुलिनम टोक्सिन ए ऑन लोअर लिम्ब इन चिल्ड्रन विद् स्पेस्टिक सेरेब्रल प्लासी। *आईजेपीएमआर* 2015;26(4): 94–101.

868. कुमार आर, इस्थेसिओन्यूरोब्लास्टोमा : मल्टीमॉडल मैनेजमेंट एण्ड रिव्यू ऑफ लिटरेचर। *वर्ल्ड जे क्लिन केसिस* 2015;3(9):774–8.

869. कुमार आर, जर्नेलोलॉजी एण्ड ऑथर्स : ब्रिडगिंग द डिवाइड। इण्डियन जे यूरोल। 2015;31:163

870. कुमार आर, मयेस्थेनिया ग्रेविस एण्ड थायमिक नियोप्लाज्मा : ए ब्रिफ रिव्यू। वर्ल्ड जे क्लिन केसिस 2015;3(12):980–3.

871. कुमार आर, पीईटी / कंप्यूटिड टोमोग्राफी – बेस्ड इंटरवेंशन। *पीईटी क्लिन* 2015;10: 11–2.

872. कुमार आर, स्पेशल टेकनिक्स एण्ड टेकनिकल एडवांसिस इन पीईटी / कंप्यूटिड टोमोग्राफिक इमेजिंग। *पीईटी क्लिन* 2016;11: 11–3.

873. कुमार आर एम, सैनी एल, कौशिक जे एस, चक्रबर्ती बी, कुमार ए, गुलाटी एस. ए काम्बिनेशन ऑफ मोयामोया पैटर्न एण्ड सेरेब्रल वेनस सिनस थ्रोम्बोसिस : ए केस ऑफ ट्यूबरकुलोसिस वेस्कुलोपैथी। *जे ट्रोप पीडियाट्र* 2015;61(5): 393–6.

874. कुमार एस, चौहान एस, कुमार ए, कुमार जी, चौधरी एम, चौधरी यू के, आदि सभी। चेंजिस इन बीआईएस एण्ड एनआईआरएस ड्यूरिंग कार्डियोपल्मोनरी बायपास इन एडल्ट पेशेंट्स अंडरगोइंग सीपीबी। इंड जे एक्स्ट्राकॉर्पोरील टेक्नोलॉजी 2015;(24):58–64

875. कुमार एस, गोयल एस, भल्ला ए एस. स्पोंटेनियस ट्रेकीयल रैप्चर इन ए केस ऑफ इंटरस्टिशियल लंग डिजीज (आईएलडी) : ए केस रिपोर्ट। *जे क्लिन डायग्न रेस* 2015;9(6):टीडी01–2.

876. कुमार एस, गोयल के, दुबे एस, बिंद्रा ए, केडिया एस. एनाफेलेक्टिक रीक्शन आफ्टर ऑटोलॉगस ब्लड ट्रांसफ्युजन : ए केस रिपोर्ट एण्ड रिव्यू ऑफ द लिटरेचर। एशियन जे न्यूरोसर्ज 2015; 10: 145–7.

877. कुमार एस, जितेंद्रा के, सिंह के, कपूर वी, सिन्हा एम, एक्सेस आई, आदि सभी। बायोलॉजिकल प्रोपर्टिज़ एण्ड कैरेक्टराइजेशन ऑफ एएसएल50 प्रोटीन फ्रॉम एज़ड ऑलइयूम सेतिवम बल्बस। एप्पल बायोकेम बायोटेक्नोल 2015;176(7):1914–27.

878. कुमार एस, मलिक एमए, गोस्वामी एस, सिहोता आर, कौर जे. कैंडिडेट जिंस इंवोल्वड इन द ससेप्टिबिलिटी ऑफ प्राइमरी ओपन एंगल ग्लूकोमा। जीन 2016;577(2):119–31.

879. कुमार एस, सिद्दीकी जेड ए, कुमार एस, व्यास एस. होफ्फा फ्रैक्चर रिहेबिलिटेशन। साउदी जे स्पोर्ट्स मेडिसिन 2015;15(3):291–94.
880. कुमार एस, सिंह ए, यमिनी एस, डे एस, सिंह टीपी. क्रिस्टल स्ट्रक्चर ऑफ एमजी (2+) कॉन्टेनिंग हेमोपेक्सिन – फोल्ड प्रोटीन फ्रॉम काबुली चना (चिकपी–व्हाइट, सीडब्ल्यू – 25) एट 2.45 रिसॉल्यूशन रिवील्स इट्स मेटल आयएंन ट्रांसपोर्ट प्रोपर्टी। प्रोटीन जे 2015;34: 284–90.
881. कुमार एस, सिंह ए, कुमार एन, दुबे एसके. वीडियो लेरिंजोस्कोप : ए बोन फॉर एयरवे मैनेजमेंट इन सिवियर फेशियल ट्रॉमा। *इण्डियन जे डेंट रेस* 2016;27(1):106–7.
882. कुमार एस, सुलतानिया एम, वत्सल एस, शर्मा एमसी. प्राइमरी एक्टोपिक मेडिएस्टिनल गोइटर इन ए पेशेंट विद् क्रॉहन्स डिजीज प्रेजेंटिंग एज़ मायस्थेनिया ग्रेविस। *एन्न थोरेक सर्ज* 2015; 100: 2333–6.
883. कुमार एस, पोल एम, मिश्रा बी, सागर एस, सिंघल एम, मिश्रा एमसी, गुप्ता ए. ट्रॉमेटिक डायफ्रेग्मेटिक इंजरी : ए माक्रर ऑफ सिरियस इंजरी चैलेंजिंग ट्रॉमा सर्जंस। इण्डियन जे सर्ज 2015; 77(पूरक 2): : 666–9
884. कुमार एस, रेडियोलॉजी क्विज़। जे प्रेक्ट कार्डियोवेस्क साइंस 2015;1:193–4.
885. कुमार एसबी, चावला बी, बिष्ट एस, यादव आरके, दादा आर. टुबैको यूज़ इंक्रीसिस ऑक्सीडेटिव डीएनए डेमेज इन स्पर्म – पॉसिबल इटियोलॉजी ऑफ चाइल्डहुड कैंसर। एशियन पेक जे कैंसर प्रेव 2015;16: 6967–72.
886. कुमार एसबी, गौतम एस, मधुरी टी, चावला बी, यादव आरके, कुमार पी, आदि सभी। इम्प्रूवमेंट इन स्पर्म डीएनए क्वालिटी फॉलोइंग सिम्प्ल लाइफस्टाइल इंटरवेंशन : ए स्टडी इन फादर्स ऑफ चिल्ड्रन विद् नॉन – फमिलियल स्पोरेडिक हेरिटेबल रेटिनोब्लास्टोमा। *जे क्लिन केस रेप* 2015;5:509.
887. कुमार एस बी, यादव आर, यादव आर के, टोलहुनेस एम, दादा आर. टेलोमेरेज़ एक्टिविटी एण्ड सेलुलर एजिंग माइट बी पॉजिटिवली मोडिफाइड बाय ए योग – बेस्ड लाइफस्टाइल इंटरवेंशन। जे अल्टर्न कॉम्प्लिमेंट मेड 2015;21: 370–2.
888. कुमार एस बी, यादव आर के, दादा आर. योग एज़ अन इफेक्टिव लाइफस्टाइल इंटरवेंशन फॉर भोपाल मेथिल इसोसीनेट गेस लीकेज केटास्ट्रोक विकटिम्स। *इंट जे योगा* 2015;8(2): 162.
889. कुमार टी, सिंह ए, कौशल एस, सुरी वी, धर ए. रिकरेंट एंजियोमेटोइड फिब्रोस हिस्टीओसिटोमा ऑफ थाई इन ए मिडल एज़्ड फिमेल : ए केस रिपोर्ट। इंट जे बायोमेड एड रेस 2016;7(1): 44–7.
890. कुमार वी, बिन एब्ड राजक एचआर, कॉन्ग एचसी, तान एएच. फंक्शनल आउटकम्स ऑफ द सेकेण्ड सर्जरी आर सिमिलर टू द फर्स्ट इन एशियंस अंडरगोइंग स्टेज्ड – बिलेटरल टोटल नी अर्थ्रोप्लास्टी। *एन्न एकेड मेड सिंगापोर* 2015;44(11): 514–8.
891. कुमार वी, चंद्रा पी, कुमार ए. सेंट्रल रेटिनल वेन ऑक्लुशन विद सिलिओरेटिनल आर्टरी ऑक्लुशन इन हाइपरहोमोसिस्टेनेमिया। बीएमजे केस रेप 2015:2015
892. कुमार वी, चंद्रा पी, कुमार ए. मैक्युलर कोंजिनिटल हाइपरट्रोफी ऑफ रेटिनल पिग्मेंट एपिथेलियम (सीएचआरपीई) इन ए पेशेंट विद् बेस्ट विटेलिफॉर्म डिस्ट्रोफी (बीवीडी)। बीएमजे केस रेप 2015:2015
893. कुमार वी, गडकर ए, चंद्रा पी, कुमार ए. इंट्राऑपरेटिव ऑप्टिकल कोहरेंस टोमोग्राफी (ओसीटी) : ए न्यू फ्रान्टियर इन विट्रीओ – रेटिनल सर्जरी। डीजेओ 2016;26: 192–4.
894. कुमार वी, गर्ग बी, मल्होत्रा आर. टोटल हिप रिप्लेसमेंट फॉर अर्थराइटिस फॉलोइंग ट्यूबरकुलोसिस ऑफ हिप। *वर्ल्ड जे ऑर्थोप* 2015;6(8): 636–40.
895. कुमार वी, गर्ग आर, भारत एसजे, गुप्ता एन. ए रेयर कौज़ ऑफ रेस्पीरेटरी डिस्ट्रेस आफ्टर ट्रांसथोरेसिक ओइसोफेजेक्टोमी। *इण्डियन जे एनेस्थ* 2015;59(11):743–5.
896. कुमार वी, गर्ग आर, भारती एस जे, गुप्ता एन, भटनागर एस, मिश्रा एस, आदि सभी। लॉन्ग – टर्म हाइ–डोस ओरल मोर्फिन इन फैंटम लिम्ब पेन विद नो एडिक्शन रिस्क. *इंडियन जे पेलिएट केयर* 2015;

21:85–7.
897. कुमार वी, जनकीरमन डी, चंद्रा पी, कुमार ए. अल्ट्रा–वाइड फील्ड इमेजिंग इन पेरिफेरल एक्सयूडेटिव हेमोरेजिककोरिओरेटिनोपैथी (पीईएचसीआर)। बीएमजे केस रेस 2015:2015.
898. कुमार वी, ठक्कर बी, चंद्रा पी, कुमार ए. मैक्युलर इंफ्रेक्शन इन ए पेशेंट् ऑफ टोक्सोप्लाज्मा रेटिनोकोरोडिटिस। बीएमजे केस रेप 2016:2016.
899. कुमार वी एल, गुरुप्रसाद बी, चौधरी पी, फतमी एसएमए, ओलिवेरा आरएसबी, रेमस एमवी. प्रोटेक्टिव इफेक्ट ऑफ प्रोटींस डिराइव्ड फ्रॉम कोलोट्रोपिस प्रोसेरा लेटेक्स अगेंस्ट एक्युट इंफ्लेमेशन इन रेट। *ऑटोन ऑटेकॉइड फार्माकोल* 2015;35:1–8.
900. कुमार वी एल, शर्मा एन, रेमस एमवी, सिल्वा आरएफ, कारवालहो सीपीएस. प्रोटेक्टिव इफेक्ट ऑफ प्रोटींस डिराइव्ड फ्रॉम सीड एक्सप्लांट्स कल्चरर्स ऑफ कैलोट्रोपिस प्रोसेरा इन ए प्रीक्लिनिकल मॉडल ऑफ अर्थराइटिस। प्लांट मेड लेट 2015;2:ई52–ई56
901. कुमार एन तजमुल एम, यादव एस. प्रोटियोमिक एनालाइसिस ऑफ मेचर लेजेरेनिया साइसेरिया सीड। *एप्पल बायोकेम बायोटेक्नोल* 2015;175:3643–56.
902. कुंडू आर, बैद्य डी के, अरोड़ा एम के, मैत्रा एस, दारलॉन्ग वी, गोस्वामी डी, आदि सभी। कौडल बुपिवैक्सीन एंड मोर्फिन प्रोवाइड्स इफेक्टिव पोस्टोपरेटिव एनलजेसिया बट डस नॉट प्रीवेंट हिमोडायनेमिक रिस्पॉन्स टू न्यूमोपेरिटोनियम फॉर मेजर लेपेरोस्कोपिक सर्जरीस इन चिल्ड्रन. *जे एनीस्थि* 2015; 29(4):618–21.
903. कुंडू आर, देहरण एम, चंद्रलेखा, त्रिखा ए, नाग एच एल. सेफ्टी एण्ड एनालजेसिक एफिकेसी ऑफ इट रेवेनस डेक्समेडेटोमिडाइन इन अथ्रोस्कोपिक नी सर्जरी। *एनेस्थ एसे रेस* 2015;9(3): 319–96.
904. कुंजुन्नी आर, सेठीअनाथन एस, बिहारी एम, चट्टोपाध्याय पी, सुब्बिह वी, साइलेंसिंग ऑफ ह्यूमन कट सी जीन (एचसीयूटीसी) इंड्यूस एपोप्टोसिस इन हेपजी2 सेल्स। बायोल ट्रेस इलेम रेस 2016;172: 120–6.
905. कुपिल्लीई पीपी, भाद आर, राव आर, दयाल पी, अंबेकर ए. मिसयूज़ ऑफ प्रेसक्रिप्शन ऑपिओइड्स इन क्रोनिक नॉन–कैंसर पेन। नेटल मेड जे इण्डिया 2015;28: 284–5.
906. करवले एन एस, चंद्रा एस पी, चौकसी पी, अरोड़ा ए, गर्ग ए, सरकार सी, आदि सभी। इम्पैक्ट ऑफ इंट्राऑपरेटिव एमआरआई ऑन आउटकम्स इन एपिलेप्सी सर्जरी : प्रीलिमनरी एक्सपीरियंस ऑफ टू इयर्स. *बी आर जे न्यूरोसर्ज* 2015;29:380–5.
907. करवले एन एस, सुरी वी, श्रीवास्तव ए, सुरी ए, मोहंती एस, यादव पी, आदि सभी। रोल ऑफ बोन मैरो डिराइव्ड प्लूरिपोटेंट स्टेम सेल इन पेरिफेरल नर्व रिपेयर इन एडल्ट रेट्स : ए मोर्फोमेट्रिक एवेल्यूशन। जे न्यूरोसाइंस रुरल प्रेक्ट 2015;6: 152–9.
908. कुसुमेश आर, वनाथी एम. ग्राफ्ट रिजेक्शन इन पीडियाट्रिक पेनेट्रेटिंग केराटोप्लास्टी : क्लिनिकल फीचर्स एंड आउटकम्स. *ओमान जे ओफ्थाल्मोल* 2015; 8(1):33–7.
909. लखोटिया डी, शर्मा जी, खत्री के, कुमार जी एन, शर्मा वी, फरुकी के. मिनिमली इंवेसिव ऑस्टियोसिंथेसिस ऑफ डिस्टल टिबियल फ्रेक्चर्स यूजिंग एंटेरोलेटरल लॉकिंग प्लेट : एवेल्यूशन ऑफ रिजल्ट्स एण्ड कॉम्प्लिकेशंस। चिन जे ट्रॉमेटोल। 2016 फरवरी 1; 19(1):39–44
910. लाल आर, देब के एस, केडिया एस. सबस्टेंस यूज़ इन वूमेन : करेंट स्टेट्स एण्ड फ्युचर डायरेक्शंस इण्डियन जे साइकियाट्रिक 2015;57(पूरक2) : एस275–85.
911. लाल एस वी, कुमार ए, नाज एफ, भारती ए सी, कौल वी. मल्टीफंक्शनल एटीआरपी बेस्ड पीएच रेस्पोंसिव पॉलीमेरिक नैनोपार्टिकल्स फॉर इम्प्रूव्ड डोक्सोरुबिसिन कीमोथेरेपी इन ब्रेस्ट कैंसर बाय प्रोटोन स्पोंज इफेक्ट / एण्डो – लिसोसोमल एस्केप। *पॉली केम* 2015;6:2115–32.

912. लाले एस वी, कुमार ए, प्रसाद एस, भारती ए सी, कौल वी, फोलिक एसिड एण्ड ट्रासटुजुमैब फंक्शनलाइज्ड रेडोक्स रेस्पोंसिव पॉलीमेर्संस फॉर इंट्रासेलुलर डोक्सोरुबिसिन डिलिवरी इन ब्रेस्ट कैंसर। *बायोमैक्रोमोलिकुलस* 2015;16:1736–52.

913. लालवानी एस, राजकुमारी एन, माथुर पी, शर्मा वी, त्रिखा वी. सेप्सिस इन फेटल पेल्विक ट्रॉमा पेशेंट्स : फ्रॉम ए लेवल – 1 इण्डियन ट्रॉमा सेंटर। यूर ट्रॉमा एमर्ज सर्ज। 2016 फरवरी; 42(1):43–5.

914. लालवानी एस, शामुघम, एम, बगल आर, शॉनी सी, बेहरा सी, भारद्वाज डीएन. नॉन ऑब्स्टेट्रिक एसिडेंटल मेटर्नल डैथ्स : ए रेट्रोस्पेक्टिव ऑटोप्सी बेस्ड स्टडी। *जे इंट मेड साइंस एकेड* 2015; 28(3):132–4.

915. लैंगर एस, शर्मा एस, कपूर आर, सुब्राराव के, सेजवाल एस, सक्सेना आर. पी–190 क्रोनिक मायलोजीनस प्रेसेंटिंग एज़ एक्स्ट्रामेडुलरी ब्लास्ट क्राइसिस। *इण्डियन जे कैंसर* 2015;52(3):323–4.

916. लता वी के रोहन वी, वीना पी, मधुलिका एस, सरीन आरके, जसवाल ए के. डिटर्मिनेशन ऑफ केटामाइन बाय एलसी – एमएस/एमएस – ए मैथड वेलिडेशन फॉर फोरेंसिक इंवेस्टीगेशन। *यूनिवर्सल जे फार्मेसी* 2015; 4(1):72–9.

917. लठवाल ए, आर्या एस के, सिंह आई बी, अहल वत आर, जैन के. स्टडी ऑफ द अवेयरनेस लेवल्स ऑफ यूनिवर्सल प्रीकौशंस इन हाई–रिस्क एरियाज़ ऑफ ए सुपर–स्पेशलिटी टर्शरी केयर हॉस्पिटल। *इंट जे रेस फाउंडेशन होस्प हेल्थ एडम* 2015; 3(2):98–102.

918. लठवाल ए, सिद्धार्थ वी, शर्मा डी के, सत्पथी एस, कुमार एन. देबारिंग ऑफ ए सर्विस प्रोवाइडर इन ए पब्लिक सेक्टर टर्शरी केयर टीचिंग हॉस्पिटल – ए केस रिपोर्ट। *जे एकेड हॉस्प एडमिन* 2015; 27(1 और 2): 6–10.

919. लेवे बी ए, मीर एस ए, गनी एम ए, शाहीन एफ, शाह पी ए. नॉन–रिवर्सल ऑफ एड्रीनल हायपोफंक्शन आफ्टर ट्रीटमेंट ऑफ एड्रीनल ट्यूबरकुलोसिस. *इजिप्शियन सोस इंटर्न मेड* 2015; 27 : 42–4.

920. लक्ष्मण केवी, घोष एस, ढींगरा के, पाटिल आर. इफेक्ट ऑफ ईआर : वायएजी ऑर एनडीःवायएजी लेजर एक्सपौज ऑन फ्लोरोसेड एण्ड नॉ–फ्लोरोसेड रूट सर्फेस : अन इन विट्रो स्टडी। *लेजर थर* 2015;24: 93–101.

921. ली एल, वॉन्न एक्स–एच, विलियमस सी, वोल्स्की बी, स्टेकज्को ओ, सीमेन एम एस, आदि सभी। ए ब्रोड रेंज ऑफ म्युटेशंस इन एचआईवी – 1 न्यूट्रालाइजिंग ह्यूमन मोनोक्लोनल एंटीबॉडिज़ स्पेसिफिक फॉर वी2, वी3 एण्ड द सीडी4 बाइंडिंग साइट। मोल इम्यूनोल 2015;66: 364–74.

922. लिंडर ओ, पेसकौल टी एन, मर्कुरी एम, एकैम्पा डब्ल्यू, बुरचर्ट डब्ल्यू, फ्लोटाटस ए, आदि सभी; आईएनसीएपीएस इंवेस्टीगेटर्स ग्रुप, न्यूक्लियर कार्डियोलॉजी प्रेक्टिस एण्ड एसोसिएट रेडिएशन डोसिस इन यूरोप : रिजल्ट्स ऑफ द आईएईए न्यूक्लियर कार्डियोलॉजी प्रोटोकोल्स स्टडी (आईएनसीएपीएस) फॉर द 27 यूरोपीयन कंट्रीज़। यूर जे न्यू मेड मोल इमेजिंग 2016;43:718–28.

923. लोधा आर, काबरा एस के. डेंगू इंफेक्शन : चैलेंजिस एण्ड वे फॉरवर्ड। *इण्डियन जे पीडियाट्र* 2015;82: 1077–9.

924. लोधा आर. न्यूट्रिशनल रिहेबिलिटेशन ऑफ चिल्ड्रन विद् सिवियर एक्यूट मलन्यूट्रिशन। इण्डियन जे पीडियाट्र 2016;83:1–2.

925. लॉन्गनाथन एन, हड्डा वी, मदन के, मोहन ए, खिलनानी जी सी, गुलेरिया आर. बुलौस मेंटौक्स रीएक्शन। *एन जेड मेड जे* 2015;128:101–2.

926. लोगानी ए, सिंह ए, चावला ए, कुमार वी, शाह एन. कॉन्ट्रेरी इलेक्ट्रोड पॉजिशंस एण्ड इट्स इफेक्ट ऑन द एक्युरेसी ऑफ एपेक्स लोकेटर। *जे डेंट स्पेशियलिटी* 2015;3(1): 40–2.

927. लोहानी एन, राजेश्वरी एम आर. प्रीफेरेंशियल बाइंडिंग ऑफ एंटीकैंसर ड्रग्स टू ट्रीप्लेक्स डीएनए कम्पेयर्ड टू ड्यूप्लेक्स डीएनए : ए स्पेक्ट्रोस्कोपिक एण्ड कैलोरिमेट्रिक स्टडी। आरएससी एड 2016;6:39903–17.

928. लोहानी एन, सिंह एच एन, राजेश्वरी एम आर. स्ट्रक्चरल एस्पेक्ट्स ऑफ द इंटरेक्शन ऑफ एंटीकैंसर

ड्रग एक्टीनोमायसीन – डी टू द जीसी रिच रिजन ऑफ एचएमजीबी1 जीन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल मैक्रोमॉलिकुल 2016;87: 433–42.

929. लोहिया ए, कांत एस, कपिल ए, गुप्ता एस के, मिश्रा पी, राय एस के. पैटर्न ऑफ एंटीबायोटिक रेसिस्टेंस अमंग कम्युनिटी डिराइव्ड आइसोलेट्स ऑफ एंटरोबैक्टीरियाज़ यूजिंग यूरिन सैम्पल : ए स्टडी फ्रॉम नोर्थन इण्डिया। *जे क्लिन डायग्न रेस* 2015;9(7):एलसी15–9.

930. लोहिया ए, यादव के, कांत एस, कुमार आर, पांडव सी एस. प्रीवलेंस ऑफ आयोडिन डेफिशियंसी अमंग एडल्ट पॉपुलेशन रेसिडिंग इन रुरल बल्लभगढ़, डिस्ट्रिक्ट फरीदाबाद, हरियाणा। *इण्डियन जे पब्लिक हेल्थ* 2015;59(4):314–7.

931. लोकदर्शी जी, पुष्कर एन, बजाज एम. एस, मील आर. एंट्रोपिओन : अंडरस्टैण्डिंग द मैनेजमेंट। एक्सपर्ट रिव्यू ऑफ ऑफ्थेलमोलॉजी 2015;10(6): 1–8.

932. लोकदर्शी जी, पुष्कर एन, बजाज एम एस. स्क्लेरोसिंग लैशंस ऑफ द ओर्बिट : ए रिव्यू। मीडल ईस्ट एएफआर जे ऑफ्थेलमोल 2015;22(4):447–51

933. लोकदर्शी जी, वुथालुरु एस, पुष्कर एन, कुमार आर, कश्यप एस, माथुर एस. सेंटिनल लिम्फ नोड बायोप्सी इन मेलिग्नेंट आइलिड ट्यूमर : हाइब्रिड सिंगल फोटोन एमिशन कंप्यूटिड टोमोग्राफी / कंप्यूटिड टोमोग्राफी एण्ड ड्यूल डाय टेकनिक। *एम जे ऑफ्थेलमोल* 2016; 162: 199–200.

934. लोरा ए, शरण पी. इंफॉर्मेशन फॉर ग्लोबल मेंटल हेल्थ। *ग्लोबल मेंटल हेल्थ* 2015;2: ई17.

935. लुथरा के. एंटीवायरल एक्टिविटी ऑफ सिस्टेटिन सी अगेंस्ट एचआईवी। *इण्डियन जे मेड रेस* 2015;141:383–4.

936. मदान के, अयुब 2, जैन डी, मोहन ए, गुलेरिया आर, नेक्रोटिक मेडिएस्टिनल लिम्फ नोड इंलारजमेंट इन ए मिडल – एज़्ड फिमेल। लंग इण्डिया 2015; 32: 293–95.

937. मदान के, अयूब आई आई, मोहन ए, जैन डी, गुलेरिया आर, काबरा एस के. एंडोब्रोंकियल अल्ट्रासाउंड – गाइडिड ट्रांसब्रोकियल नीडल एस्पीरेशन (ईबीयूएस–टीबीएनए) इन मीडियास्टाइनल लिम्फेडेनोपैथी. *इंडियन जे पीडियाट्रि* 2015; 82(4) : 378–80.

938. मदान के, धूरिया एस, सहगल आई एस, मोहन ए, मेहता आर. पट्टाभिरमन वी, आदि सभी। ए मल्टीसेंटर एक्सपीरियंस विद् द प्लेसमेंट ऑफ सेल्फ – एक्सपेंडिंग मेटालिक ट्रेकीओब्रोंकियल वाय स्टेंट्स। *जे ब्रोंकोलॉजी इंटर्व पल्मोनोल* 2016;23:29–38.

939. मदान के, गर्ग पी, काबरा एसके, मोहन ए, गुलेरिया आर. ट्रांसइसोफेगल ब्रोंकोस्कोपिक अल्ट्रासाउंड–गाइडिड फाइन – नीडल एस्पीरेशन (ईयूएस–बी–एफएनए) इन ए 3–इयर–ओल्ड चाइल्ड। *जे ब्रोंकोलॉजी इंटर्व पल्मोनोल* 2015;22:347–50.

940. मदान के, हड्डा वी, खिलनानी जी सी, गुलेरिया आर. एक्सपेक्टोरेटिंग द डायग्नोसिस : रैपचर्ड हाइडेटिड सिस्ट। बीएमजे 2015;350:एच654.

941. मदान के, नट्टूसामी एल, जैन डी, मोहन ए, गुलेरिया आर. वोकल कॉर्ड प्लासी कौज्ड बाय मीडियास्टीनल ट्यूबरकुलोसिस। ट्रोप डॉक्ट 2016;46:102–5.

942. मदान के, तिवारी पी, हड्डा वी, गुलेरिया आर, पल्मोनरी 'मर्क्यूरी' एम्बोलिज्म। *बीएमजे केस रेप* 2015;2015.

943. मदान के, वेंकटनारायण के, मोहन ए, हड्डा वी, खिलनानी जी सी, गुलेरिया आर. फ्लेक्सिबल ब्रोंकोस्कोपिक इंसर्शन ऑफ सेल्फ – एक्सपेंडिंग मेटल स्टेंट्स इन मेलिग्नेंट ट्रेकीयल लैशंस विदाउट फ्लोरोस्कोपिक गाइडेंस। *जे एसोक चेस्ट फिजिशियन* 2016;4:56–62.

944. मदान के, वेनुथुरिमिल्ली ए, मोहन ए, गुलेरिया आर. ओइसोफेजियल स्टेंट – एसोसिएट इसोफेगोरेस्पीरेटरी फिस्टुला। *बीएमजे केस रेप* 2015;2015.

945. मदान एन के, मदान के, जैन डी, वालिया आर, मोहन ए, हड्डा वी, आदि सभी। यूटिलिटी कॉन्वेंशनल ट्रांसब्रोंकियल नीडल एस्पीरेशन विद् रैपिड ऑन–साइट एवेल्यूशन (सी–टीबीएनए–आरओएसई) एट ए टर्शरी केयर सेंटर विद् एण्डोब्रोंकियल अल्ट्रासाउंड (ईबीयूएस) फेसिलिटी। *जे सिटोल* 2016;33(1): 22–6.
946. मदान एन के, वेल्लोनथेयिल ए जी, अरावा एस, अली एम एफ, गोयल एम, सिंह एम के. पर्फोरेटिंग ग्रेनुलोमा अननुलेर इन ए यंग मेल फॉलोइंग एप्लिकेशन ऑफ द टैटो। *इण्डियन डर्मेटोल ऑनलाइन जे* 2015;6: 296–8.
947. मदान के, बेंसन आर, शर्मा डी एन, जुल्का पी के, रथ जी के. रेडिएशन इंड्यूज्ड हार्ट डिजीज : पैथोजेनेसिस, मैनेजमेंट एण्ड रिव्यू लिटरेचर। *जे इजिप्ट नेटल कैंस इंस्ट* 2015;27:187–93.
948. मदान के, कैरो एके, शर्मा ए, रॉय एस, सिंह एस, सिंह एल, आदि सभी। एस्पीरेशन न्यूमोनिया रिलेटिड डैथ्स इन हैड एण्ड नेक कैंसर पेशेंट्स : ए रेट्रोस्पेक्टिव एनालाइसिस ऑफ रिस्क फेक्टर्स फ्रॉम ए टर्शरी केयर सेंटर इन नोर्थ इण्डिया। जे लेरिंगोल आटोल 2015;129(7):710–4.
949. मदान आर, सिंह एल, हरेश के पी, रथ जी के. मेटास्टेटिक एडेनोकार्सिनोमा ऑफ प्रोस्टेट इन ए 28 – इयर – ओल्ड मेल : द आउटकम इज़ पूर इन यंग पेशेंट्स? *इण्डियन जे पैलिएट केयर* 2015;21:242–4
950. मधुमति जे, प्रिंस पी आर, राव डी एन, करांडे ए ए, रेड्डी ए म वी, कालीराज पी. एपिटोप मैपिंग ऑफ ब्रुजीमालायी एएलटी–2 एण्ड द डेवलपमेंट ऑफ ए मल्टी – एपिटोप वैक्सीन फॉर लिम्फेटिक फाइलेरिया। *जे हेलमिंथोल* 2016;19:1–12.
951. मधुप्रकाश जे, बोब्बिली के बी, मोरस्कैबचर बी एम, सिंह टी पी, स्वामी एम जे, पोडिल ए आर. इंवर्स रिलेशनशिप बिटवीन चिटोबैज़ एण्ड ट्रांसग्लाइकोसिलेशन एक्टिविटिज़ ऑफ काइटिनेस–डी फ्रॉम सेररेटिया प्रोटीमैकुलेंस रिवील्ड बाय म्युटेशनल एण्ड बायोफिजिकल एनालाइसिस। साइंस रेप 2015;5: 15657.
952. मधुसूदन के एस, गमनगट्टी एस, गर्ग पी, शालिमार, दाश एन आर, पाल एस, आदि सभी। एंडोवेस्कुलर एम्बोलाइजेशन ऑफ विसरल आर्टरी स्युडोन्यूरोसिम्स यूजिंग मोडिफाइड इंजेक्शन टेकनिक विद् एन–बुटील स्यानोक्रिलेट ग्लू। *ले वेस्क इंटर्व रेडियोल* 2015;26: 1718–25.
953. मधुसूदन के एस, गमनगट्टी एस, गुप्ता ए के. एंडोवेस्कुलर एम्बोलाइजेशन ऑफ स्यूडोन्यूरोसिम्स ऑफ लेफ्ट कोलिक आर्टरी डेवलपिंग आफ्टर रीनाल बायोप्सी। *इण्डियन जे नेफ्रोल* 2015;25(4):242–5.
954. मधुसूदन के एस, श्रीवास्तव डी एन, दाश एन आर, वेनुथुली ए, शर्मा आर, गमनगट्टी एस, गुप्ता ए के. एल्वियोलर एकिनोकोकोसिस ऑफ द लीवर : ए डायग्नोस्टिक प्रॉबल्म इन ए नॉन–एंडेमिक एरिया. सर प्रॉब्ल डायग्न रेडियोल 2016;45:80–3
955. महापात्रा ए, सूद एम, भाद आर, त्रिपाठी एम. बिहेवियर वेरियंट फ्रंटोटेम्पोरल डेमेंशिया विद् बिलेटरल इंसुलर हाइपोमेटाबोलिज्म : ए केस रिपोर्ट। *जे क्लिन डायग्न रेस* 2016;10:वीडी 01–वीडी 02.
956. महापात्रा एम, सिंह पी के, अग्रवाल एम, प्रभु एम, मिश्रा पी, सेठ टी, आदि सभी। एपिडेमियोलॉजी, क्लिनिको – हेमेटोलॉजिकल प्रोफाइल एण्ड मैनेजमेंट ऑफ एप्लास्टिक एनेमिया : एम्स एक्सपीरियंस। *जे एसोक फिजिशियन इण्डिया* 2015;63 (3 पूरक) : 30–5.
957. महाराणा पी के, शर्मा एन, दास एस, अग्रवाल टी, सेन एस, प्रकाश जी, आदि सभी। सेल्जमान नोडुलर डिजनरेशन। ओकुल सर्फ 2016;14(1):20–30.
958. महावर के के, अग्रवाल एस. कसंसेस स्टेटमेंट्स एंड बेरियाट्रिक सर्जरी. *ओबसे सर्ज* 2015;25(6) : 1063–5.
959. महेश्वरी एस के, गुप्ता एस, शरण पी. सबस्टेंस मिसयूज़ अमंग पेशेंट्स हैविंग सिज़ोफेरियन एण्ड इट्स इफेक्ट ऑन देयर क्लिनिकल स्टेट्स। दिल्ली साइकियाट्रिक जर्नल 2015 अप्रैल;18(1):62–71.
960. माहे आर, कृपलानी ए, मोगिली के डी, भटला एन, कच्छवा जी, सक्सेना आर. रेंडोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल कम्पेरिंग फेरिक कार्बोक्सीमाल्टोज़ एण्ड आयरन सुक्रोज़ फॉर ट्रीटमेंट ऑफ आयरन डेफिशियंसी

एनेमिया ड्यू टू एब्नोर्मल यूटेरिन ब्लीडिंग। *इंट जे गायनेकोल ओब्स्टेट* 2016;133(1): 43–8.
961. मेहताब एच, पठान एम एफ, अहमद टी, बजाज एस, सहाय आर, राजा एस ए, आदि सभी। द ढाका डिक्लेरेशन 2015. *इण्डियन जे एण्डोक्राइनोल मेटाब* 2015;19:441–2.
962. मैत्रा एस, भट्टाचार्जी एस, खन्ना पी, बैद्य डी के, हाइ फ्रीक्वेंसी वेंटिलेशन डस नॉट प्रोवाइड मोर्टेलिटी बेनिफिट इन कम्पेरिजन विद कवेंशनल लंग प्रोटेक्टिव वेंटिलेशन इन एक्यूट रेस्पिरेटरी डिस्ट्रेस सिंड्रोम पेशेंट्स : ए मेटा – एनालायसिस ऑफ द रेंडोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल्स. एनीस्थियोलॉजी 2015; 122(4) : 841–51.
963. मैत्रा एस, भट्टाचार्जी एस, खन्ना पी, बैद्य डी के, हाइ फ्रीक्वेंसी वेंटिलेशन डस नॉट प्रोवाइड मोर्टेलिटी बेनिफिट इन कम्पेरिजन विद कवेंशनल लंग प्रोटेक्टिव वेंटिलेशन इन एक्यूट रेस्पिरेटरी डिस्ट्रेस सिंड्रोम : ए मेटा – एनालायसिस ऑफ द रेंडोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल्स. सर्वे एनीस्थियोलॉजी 2016; 60(2) :51.
964. मैत्रा एस, भट्टाचार्य एस, खन्ना पी, बैद्य डीके. इन रिप्ले। *एनीस्थियोल* 2016; 124(1): 247–8.
965. मजूमदार ए, मिश्रा पी, शर्मा एस, कांत एस, कृष्णा ए, पांडव सीएस. प्रीवलेंस ऑफ नैनोलकोहोलिक फेट्टी लिवर डिजीज इन एन एडल्ट पॉपुलेशन इन ए रुरल कॉम्युनिटी ऑफ हरियाणा, इण्डिया। *इण्डियन जे पब्लिक हेल्थ* 2016;60(1):26–33.
966. मजुमदार पी, खण्डेलवाल एस के, सूद एम, नेहरा ए, शर्मा बीएस. ए कम्पेरेटिव स्टडी ऑफ कॉग्निटिव फंक्शन फॉलोइंग ट्रॉमेटिक ब्रेन इंजरी : सिग्निफिकेंस ऑफ इंशियल ग्लास्गो कोमा स्केल स्कोर टू प्रीडिक्ट कॉग्निटिव आउटकम। *जे मेंटल हेल्थ ह्यूम. बिहेव* 2015;20: 59–64.
967. मजुमदार पी, सरकार एस, गुप्ता आर, पात्रा बी एन, बल्हारा वाय पी एस. प्रीडिक्टर्स ऑफ रेटेंशन इन ट्रीटमेंट इन ए टर्शरी केयर डि–एडिक्शन सेंटर। *इण्डियन जे* साइकियाट्रिक 2016;58: 27–30.
968. मखारिया ए. केटास्सि सी, मखारिया जी के. द ओवरलैप बिटवीन इरिटेबल बाउल सिंड्रोम एण्ड नॉन – सेलियाक ग्लूटेन सेंसिटिविटी : ए क्लिनिकल डाइलेम्मा। न्यूट्राइंट्स 2015;7(12):10417–26.
969. मखारिया जी के. घोषाल यू सी, रामकृष्णा बी एस, अग्निहोत्री ए, अहुजा वी, चौधरी एस डी, आदि सभी। इंटरमिटेंट डायरेक्टली ऑब्ज्वर्ड थेरेपी फॉर एब्डोमिनल ट्यूबरकुलोसिस : ए मल्टीसेंटर रेण्डोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल कम्पेरिंग 6 मंथस वर्सस 9 मंथस ऑफ थेरेपी। *क्लिन इंफेक्ट डिज़* 2015;61: 750–7.
970. मखारिया जी के. सेलियाक डिजीज स्क्रीनिंग इन सदर्न एण्ड ईस्ट एशिया। डिग डिस 2015;33(2):167–74.
971. मखिजा एन, नरुला जे, केसरी वीके, गुप्ता एसके, तलवार एस. यूनिडायरेक्टशनल वेंट्रिकुलर सेप्टल वॉल्ड पैच फॉर रिपेयर ऑफ लेट प्रेजेंटिंग वेंट्रिकुलर सेप्टल डिफेक्ट विद् ऑर्टोपल्मोनरी विंडो। एन्न पीडिया. कार्डियोल 2016;9: 90–3.
972. मक्कड़ जे के, भाटिया एन, बाला आई, द्विवेदी डी, सिंह पीएम. ए कम्पेरिजन ऑफ सिंगल डोज़ डेक्सामिथेसोन विद् प्रोपोफोल फॉर द प्रीवेंशन ऑफ एमर्जेंस डिलिरियम आफ्टर डेसफ्लूरेन एनेस्थेसिया इन चिल्ड्रन। *एनेस्थेसिया* 2016;71(1): 50–7.
973. माल जी, व्यास एस, श्रीनिवासन ए, पाटिल एनवीआर, पाठक केएमएल. स्टडिज़ ऑन लिक्वेफेक्शन टाइम एण्ड प्रोटिंस इंवोल्वड इन द इम्प्रूवमेंट ऑफ सेमिनल कैरेक्टराइस्टिक्स इन ड्रोमेडरी केमल्स (केमल्स ड्रोमेडेरियस)। साइंटिफिका (कैरो) 2016;2016:4659358.
974. मल्होत्रा एम, श्रीवास्तव डीके, वर्मा आर. इफेक्ट ऑफ साइकोसोशल एनवार्यनमेंट इन चिल्ड्रन हेविंग मदर विद सिज़ोफेरियन. *साइकायट्री रेस* 2015; 226(2–3):418–24.
975. मल्होत्रा एन, डडवाल वी, शर्मा के ए, गुप्ता डी, अग्रवाल एस, डेका डी. द लेपेरोस्कोपिक मैनेजमेंट ऑफ स्व सिंड्रोम : केस सिरिज़। *जे ट्रुक जीईआर ग्यानेकोल एसोक* 2015;16:252–6.
976. मल्होत्रा एन, पटेल ए, मेहता एन, राणा एच, सेनगुप्ता जे, घोष डी. फिजियोलॉजिकल बैलेंस बिटवीन एफ वीईजीएफ एंड एस वीईजीएफ 1 इज़ मेंटैन्ड विद ओवरियन फॉलिकल्स इन नोर्मो रिस्पॉन्डर वूमन

इरेस्पेक्टिव ऑफ जीएनआरएच–ए एंड जीएनआरएच–एंट प्रोटोकॉल्स. *जे रिपोर्ड हेल्थ साइं* 2015;1: 41–3.

977. मल्होत्रा पी, अधिकारी एम, सिंह एसके, कुमार आर. एन–एसिटिल ट्राइप्टोफेन ग्लूकोपायरेनोसाइड (एनएटीजी) प्रोवाइडर्स रेडियोप्रोटेक्शन टू म्युरिन मैक्रोफेज जे774ए.1 सेल्स। फ्री रेडिक रेस 2015;49(12):1488–98.

978. मल्होत्रा पी के, सुब्रमणियम ए, मलिक वी, किरण यू, वेलायुधाम डी. बी–टाइप नेट्रीयूरेटिक पेप्टाइड एज़ प्रोग्नोस्टिक माक्रर इन टेट्रालॉजी ऑफ फेलोट सर्जरी। एशियन कार्डियोवेस्क थोरेक अन्न 2015;23(2):146–52.

979. मल्होत्रा आर, कुमार वी, गर्ग बी, सिंह आर, जैन वी, कोशिक पी, आदि सभी। रोल ऑफ ऑटोलॉगस प्लेटलेट रीच प्लाज्मा इन ट्रीटमेंट ऑफ लॉन्ग बोनस नोनुनिओंस : ए प्रोस्पेक्टिव स्टडी। *मस्कुलोस्केलेट सर्ज* 2015;99(3):243–8.

980. मल्होत्रा आर, सिंह ए, लेखा सी, कुमार वी, कार्तिकेयन जी, मलिक वी, आदि सभी। ए प्रोस्पेक्टिव रेण्डमाइज्ड स्टडी टू कम्पेयर सिस्टेमिक एम्बोली यूजिंग द कंप्यूटिड – अस्सिटेड एण्ड कवेंशनल टेकनिक्स ऑफ टोटल नी आर्थोप्लास्टी। *जे बोन जॉइंट सर्ज एएम* 2015;97(11): 889–94.

981. मल्होत्रा आर, यादव के, कुसुमा वाय एस, सिन्हा एस, यादव वी, पाण्डव सी एस. चैलेंजिस इन स्केलिंग अप सक्सेसफुल पब्लिक हेल्थ इंटरवेंशंस : लेशंस लर्नंट फ्रॉम रेसिस्टेंस टू ए नेशनवाइड रोल–आउट ऑफ वीकली आयरन – फोलिक एसिड सप्लीमेंटेशन प्रोग्राम फॉर एडोलसेंट्स इन इण्डिया। *नेटल मेड जे इण्डिया* 2015;28(2):81–5.

982. मल्होत्रा वी, चंद्रा एस पी, दास डी, गर्ग ए, त्रिपाठी एम, बाल सी एस, आदि सभी। ए स्क्रीनिंग टूल टू आइडेंटिफाइ सर्जिकल कैंडिडेट्स विद् ड्रग रिफ्रेक्टरी एपिलेप्सी इन ए रिसोर्स लिमिटेड सेटिंग्स। *एपिलेप्सी रेस* 2016;121:14–20.

983. मल्होत्रा ए, जयराज पी ए, शंकर ए, रथ जीके, मुखोपाध्याय एस, कमल वी के. पैसिव स्मोकिंग एण्ड ब्रेस्ट कैंसर – ए सस्पिशियस लिंक। *एशियन पेक जे कैंसर प्रेव* 2015;16:5715–9.

984. मलिक एन, कृपलानी ए, अग्रवाल एन, भाटला एन, कच्छवा जी, यादव आर के. डीहाइड्रोएपिएंड्रोस्टेरोन एज़ एन एडजंक्ट टू गोनाडोट्रोपिंस इन इंफर्टाइल इण्डियन वूमेन विद् प्रीमेच्युर ओवेरियन एजिंग : ए पायलट स्टडी। *जे हम रिप्रोड साइंस* 2015;8: 135–41.

985. मलिक पी एस रैना वी. लंग कैंसर : प्रीवलेंट ट्रेंड्स एण्ड इमर्जिंग कॉन्सेप्ट्स। *इण्डियन जे मेड रेस* 2015;141(1): 5–7.

986. मलिक आर, श्रीवास्तव ए, गंभीर एस, याच्छा एसके, सिडेगोवाड एम, पोन्नुसामी एम, आदि सभी। असेस्मेंट ऑफ गैस्ट्रिक एम्पिटंग इन चिल्ड्रन : इस्टेब्लिशमेंट ऑफ कंट्रोल वैल्यूज़ यूटिलाइजिंग ए स्टैण्डरडाइज्ड वेजिटेरियन मील। *जे गैस्ट्रोएंटेरोल हेपेटोल* 2016;31:319–25.

987. मलिक आर, श्रीवास्तव ए, यच्छा एस के, पोद्दार यू, लाल आर. चाइल्डहुड एब्डोमिनल ट्यूबरकुलोसिस : डिजीज पैटर्न्स, डायग्नोसिस, एण्ड ड्रग रेसिस्टेंस। *इण्डियन जे गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी* 2015;34: 418–25.

988. मलिक एस, भाटिया जे, सुचल के, गमद एन, डिंडा ए के, गुप्ता वायके, आदि सभी। नोबिलेटिन एमिलियोरेट्स सिस्पैटिन – इंड्यूज्ड एक्यूट किडनी इंजरी ड्यू टू इट्स एंटी–ऑक्सीडेंट, एंटी–इंफ्लेमेटरी एण्ड एंटी–एपोप्टोटिक इफेक्ट्स। एक्स. टोक्सीकॉल पैथोल 2015;67:427–33.

989. मलिक वी, सुब्रह्मण्यम ए, कपूर पीएम. स्ट्रेन एण्ड स्ट्रेन रेट : अन इमर्जिंग टेक्नोलॉजी इन द पेरिऑपरेटिव पीरियड। एन्न कार्ड एनेस्थ 2016;19(1):112–21.

990. मलिक एस, अरवा एस, मुथुकुमारन एस, शर्मा बी, चौधरी एस के, राय आर. मेसोथिलियल/मोनोसाइटिक इंसिडेंटल कार्डियक एक्सक्रेसेंस मिमिकिंग कार्डियक ट्यूमर. *एशियन कार्डियोवैस्क थोरैक एन* 2016;24:42–4.

991. मलिक एस, बेंसन आर, भास्कर एस, मोहंती बी के. लॉन्ग–टर्म ट्रीटमेंट आउटकम्स ऑफ जुवेनाइल नेसोफेरिंजियल एंजियोफिब्रोमा ट्रीटेड विद् रेडियोथेरेपी। एक्टा ऑटोराइनोलेरिंजियोल इटल 2015;35:75–9.
992. मलिक एस, बेंसन आर, जुल्का पी के, रथ जी के. एडजुवेंट कीमोरेडियोथेरैपी इन द ट्रीटमेंट ऑफ गाल ब्लैडर कार्सिनोमा : व्हाट इज़ द करेंट एविडेंस। *जे इजिप्ट नेटल कैंक इंस्ट* 2016;28:1–6.
993. मलिक एस, बेंसन आर, हरीश केपी, रथ जीके. नियोएडजुवेंट ट्रीटमेंट इंटेंसिफिकेशन ऑर एडजुवेंट कीमोथेरेपी फॉर लोकली एडवांस्ड कार्सिनोमा रेक्टम : द ऑप्टिमम ट्रीटमेंट एप्रोच रिमेंस अनरिसॉल्वड। जे इजिप्ट नेटल कैंक इंस्ट 2015;27:179–85.
994. मलिक एस, ब्रेटा एम, गुप्ता एसडी, डिंडा एके, मोहंती बीके, सिंह एमके. एंजियोजेनेसिस, प्रोलिफिरेक्टिव एक्टिविटी एण्ड डीएनए प्लॉइडी इन ओरल वेरुकौस कार्सिनोमा : ए कम्पेरेटिव स्टडी इंक्लूडिंग वेरुकौस हाइपरप्लासिया एण्ड स्क्वेमस सेल कार्सिनोमा। *पैथोल ऑंकोल रेस* 2015;21(4):1249–57.
995. मलिक एस, गांधी एके, बेंसन आर, शर्मा डीएन, हरेश केपी, गुप्ता एस, आदि सभी। आउटकम्स ऑफ एडल्ट मेडुलोब्लास्टोमास ट्रीटेड विद् ए मल्टीमॉडेलिटी एप्रोच : ए टर्शरी कैंसर सेंटर एक्सपीरियंस। *साउथ एशियन जे कैंसर* 2015;4:174–8.
996. मलिक एस, गांधी एके, जोशी एनपी, कुमार ए, पुरी टी, शर्मा डीएन, एट ऑल। आउटकम्स ऑफ पीडियाट्रिक ग्लियोब्लास्टोमा ट्रीटेड विद् एडजुवेंट कीमोरेडिएशन विद् टेमोजोलोमाइड एण्ड कॉरिलेशन विद् प्रोग्नोस्टिक फेक्टर्स। *इण्डियन जे मेड पीडियाट्र ऑंकोल* 2015;36:99–104.
997. मलिक एस, गांधी एके, रथ जीके. थेरोपियूटिक एप्रोच बियोंड कंवेंशनल टेमोजोलोमाइड फॉर न्यूली डायग्नोस्ड ग्लियोब्लास्टोमा : रिव्यू ऑफ द प्रेजेंट एविडेंस एण्ड फ्युचर डायरेक्शन। *इण्डियन जे मेड पीडियाट्र ऑंकोल* 2015;36(4):229–37.
998. मलिक एस, गांधी एके, शर्मा डीएन, गुप्ता एस, हरेश केपी, रथ जीके, एट ऑल। पीडियाट्रिक ग्लियोसर्कोमा ट्रीटेड विद एडजुवेंट रेडियोथेरेपी एण्ड टेमोजोलोमाइड। चाइल्ड्स नर्व सिस्ट 2015;31:2341–4.
999. मलिक एस, मदन आर, जुल्का पीके, रथ जीके. रेडिएशन इंड्यूज्ड सिस्टिटिस एण्ड प्रोकटिटिस – प्रीडिक्शन, असेस्मेंट एण्ड मैनेजमेंट। *एशियन पेक जे कैंसर प्रेव* 2015;16:5589–94.
1000. मलिक एस, रॉय एस, दास एस, जोशी एनपी, रोशन वी, गांधी एके, एट ऑल। रोल ऑफ एडजुवेंट रेडिएशन इन द मैनेजमेंट ऑफ सेंट्रल न्यूरोसिटोमा : एक्सपीरियंस फ्रॉम ए टर्शरी कैंसर केयर सेंटर ऑफ इण्डिया। *इण्डियन जे कैंसर* 2015;52:590–7.
1001. मलिक एचएन, कुमार वीएम. स्लीप मेडिसिन एजुकेशन इन इण्डिया। स्लीप एण्ड बायोलॉजिकल रिदम. 2016;14 (पूरक1): 37–एस44.
1002. मंडल ए, काबरा एसके, लोधा आर. सिस्टिक फिब्रोसिस इन इण्डिया : प्रेजेंट पास्ट एण्ड फ्युचर। *जे पल्म. मेड रेस्पीर रेस* 2015;1:002.
1003. मंडल ए, काबरा एसके, लोधा आर. अप्पर एयरवे ऑब्स्ट्रक्शन इन चिल्ड्रन, *इण्डियन जे पीडियाट्र* 2015;82:737–44.
1004. मंडल ए, मुखर्जी ए, लक्ष्मी आर, काबरा एसके, लोधा आर. डिस्लिपिडेमिया इन एचआईवी इंफेक्टिड चिल्ड्रन रिसिविंग हाइली एक्टिव एंटीरेट्रोवायरल थेरेपी। *इंडियन जे पीडियाट्र* 2016;83:226–31.
1005. मंडल पी, जैन आर, झांजी एस, श्रीनिवास वी. सायकोलॉजिकल बैरियर्स टू टुबैको सेसेशन इन इण्डियन बुप्रीनोर्फिन – नैलोक्सोन मेंटेनेड पेशेंट्स : ए पायलट स्टडी। *इण्डियन जे सायकोल मेड* 2015;37:299–304.

1006. मंडल पीके, सहारन एस, त्रिपाठी एम, मुरारी जी. ब्रेन ग्लूटाथिओन लेवल्स – ए नोवल बायोमाक्रर फॉर माइल्ड कॉग्निटिव इम्पेर्मेंट एण्ड अल्जाइमर्स डिजीज। बायोल साइकियाट्री 2015; 78: 702–10.

1007. मेंडेलिया ए, गर्ग आर, अग्रवाल एस, काले एसएस. वर्टेब्रल ओस्टिओमयेलिटिस एण्ड एपिडुरल ऐब्सिस ड्यू टू क्युक्रोमायकोसिस इन ए नियोनेट विद् इसोफेजियल एट्रेसिया। *जे क्लिन नियोनेटोल* 2015; 4:271–4.

1008. मनिवण्णन पी, पुरोहित ए, वेंकटेशन एस, अहुजा ए, अग्रवाल एम, कुमार आर, एट ऑल। ल्यूकेमिया ट्रांसफॉर्मेशन ऑफ सिवियर एप्लास्टिक एनेमिया फॉलोइंग मैच्ड एलॉजेनिक स्टेम सेल ट्रांसप्लांटेशन, ट्रांसप्लेंटिड अगेन इन सीआर1. इण्डियन जे हेमेटोल ब्लड ट्रांसफ्युस 2016;32(पूरक1):223–7.

1009. मंजू वीएम, जोशी पी, गुलाटी एस. ए स्टडी टू एक्सिस द नॉलेज एण्ड एटिट्यूट ऑफ पेरेंट्स ऑफ चिल्ड्रन विद् एपिलेप्सी। *इण्डियन जे चाइल्ड हेल्थ* 2015;2: 76–8.

1010. मन्नान आर, चंद्रा पी. रेयर केस ऑफ यूनिलेटरल ऑप्टिक नर्व एप्लासिया। बीएमजे केस रेप 2015:2015

1011. मनोहरण डी, दास सीजे, अग्रवाल ए, गुप्ता एके. डिफ्युजन वेटिड इमेजिंग इन गाइनेकोलॉजिकल मेलिग्नेंसिस – प्रेजेंट एण्ड फ्युचर। *वर्ल्ड जे रेडियोल* 2016;8(3):288–97.

1012. मनोकरण आरके, सैनी एल, कौशिक जेएस, चक्रबर्ती बी, कुमार ए, गुलाटी एस. ए कॉम्बिनेशन ऑफ मोयामोया पैटर्न एण्ड सेरेब्रल वेनौस सिन्युस थ्रोम्बोसिस; ए केस ऑफ ट्यूबरक्युलर वेस्कुलोपैथी। *जे ट्रोप पीडियाट्र* 2015;61:393–6.

1013. मराठे एस, तलवार एस, सर्जरी फॉर ट्रांसपॉजिशन ऑफ ग्रेट आर्टरीस़ – ए हिस्टोरिकल पर्सपेक्टिव। एनन पीडियाट्र कार्डियोल 2015;8:122–8.

1014. मारवाह एम, बंसल के, श्रीवास्तव ए, महेश्वरी एन. सर्जिकल रिट्राइवल ऑफ टूथ फ्रेग्मेंट फ्रॉम लॉअर लिप एण्ड रीअटैचमेंट आफ्टर सिक्स मंथ्स ऑफ ट्रॉमा। *इंट जे ऑफ क्लिन पीडियाट्र डेंट* 2015;8(2):145–8.

1015. मारवाह आरके, गर्ग एमके, भाद्रा के, महाले एन, मित्तल ए, टंडन एन. असेस्मेंट एण्ड रिलेशन ऑफ टोटल एण्ड रिजनल फेट मास विद् बोन मिनरल कंटेंट अमंग इण्डियन अर्बन एडोलसेंट्स। *जे पीडियाट्र एण्डोक्राइनोल मेटाब* 2015;28: 1085–93.

1016. मारवाह आरके, गर्ग एमके, भद्रा के, टंडन एन. बोन मिनरल कंटेंट हेज स्ट्रोंगर एसोसिएशन विद् लीन मास दैन फेट मास अमंग इण्डियन अर्बन एडोलसेंट्स। *इण्डियन जे एण्डोक्राइनोल मेटाब* 2015;19: 608–15.

1017. मारवाह आर के, श्रीनिवास वी, तलवार डी, येनमंद्रा वी के, चल्ला ए, लक्ष्मी आर, एट ऑल। इम्पैक्ट ऑफ सोलर अल्ट्रावायलेट बी रेडिएशन (290–320 एनएम) ऑन विटामिन डी सिंथेसिस इन चिल्ड्रन विद टाइप 4 एंड 5 स्किन. *बीआर जे डर्मेटोल* 2015;173:604–6.

1018. मारवाह आरके, येनमंद्रा वी के श्रीनिवास वी, सहाय आर, बरूआ एमपी, देसाई ए, एट ऑल। रिजनल एण्ड सीजनल वेरिएशन इन अल्ट्रावायलेट बी इर्रेडिएशन एण्ड विटामिन डी सिंथेसिस इन इण्डिया। *ऑस्टीओपोरोस इंट* 2016;27: 1611–7.

1019. मैस्करेनहास डीडी, रैना ए, एस्टोन सीई, संघेरा डीके. जेनेटिक एण्ड कल्चरल रिकंस्ट्रक्शन ऑफ द माइग्रेशन ऑफ एन एंशियंट लिनिएज। बायो मेड रेस इंट 2015;2015:651415.

1020. मसरुर एम, अमित जे, जाविद जे, मिर आर, प्रशांत वाय, इम्तियाज़ ए, एट ऑल। क्लिनिकल इम्प्लिकेशन ऑफ ईजीएफ ए61जी पॉलीमोर्फिज्म इन द रिस्क ऑफ नॉन स्मॉल सेल लंग एडनोकार्सिनोमा पेशेंट्स : ए केस कंट्रोल स्टडी। *एशियन पेक जे कैंसर प्रेव* 2015;16:7529–34.

1021. मसरुर एम, जैन ए, जाविद जे, मिर आर, प्रशांत वाय, इम्तियाज ए, एट ऑल। क्लिनिकल सिग्निफिकेंस ऑफ द एनक्यूओ1 सी609टी पॉलीमोर्फिज्म इन नॉन स्मॉल सेल लंग एडेनोकार्सिनोमा

पेशेंट्स। एशियन पेक जे कैंसर प्रेव 2015;16:7653–8.

1022. मैथ्यू एन, खाखा डी सी, कुरैशी ए, सागर आर, खाखा सी सी. स्ट्रेस एंड कोपिंग अमंग एडोलेसेंट्स इन सिलेक्टिड स्कूल्स इन द कैपिटल सिटी ऑफ इंडिया. *इंडियन जे पीडियाट्रि* 2015; 82(9) : 809–16

1023. माथुर डी, गोयल के, कौल वी, आनंद ए. द मोलिकुलर लिंक्स ऑफ री – इमर्जिंग थेरेपी : ए रिव्यू ऑफ एविडेंस ऑफ ब्रहमी (बेकोपा मोननैरा)। *फ्रंट फार्माकोल* 2016;7:44.

1024. माथुर पी, कुमार एस, गुप्ता ए, गुप्ता डी, जॉन एनवी, वर्गीज पी, एट ऑल। डिप्रेस्ड मोनोसायटिक एक्टिविटी मे बी ए प्रीडिक्टर फॉर सेप्सिस। जे लेबोरेटरी फिजिशियनस 2015; 7(1) डीओआई : 10. 4103/0974–2727.154785

1025. माथुर पी, तक वी, गुंजियाल जे, नायर एस ए, लालवानी एस, कुमार एस एट ऑल। डिवाइस – एसोसिएटिड इंफेक्शंस एट ए लेवल–1 ट्रॉमा सेंटर ऑफ ए डेवलपिंग नेशन : इम्पैक्ट ऑफ ऑटोमेटिड सर्विलांस, ट्रेनिंग एंड फीडबैक्स. इंडियन जे मेड माइक्रोबायोल 2015; जनवरी – मार्च; 33(1) : 51–62. डीओआई : 10.4103/0255–0857.148378.

1026. माथुर आर, दत्ता एस, वेल्पांडियन टी, माथुर एस आर. सिडिम गुएजावा लिन. लीफ एक्स्ट्रैक्ट अफेक्ट्स हेपेटिक ग्लूकोस ट्रांसपोर्टर – 2 टू एटेंन्यूट अर्ली ऑनसेट ऑफ इंसुलिन रेसिस्टेंस कंसीक्वेंट टू हाइ फ्रूक्टोस इंटेक : एन एक्सपेरिमेंटल स्टडी. फर्माकोजेंसी *रेस* 2015; 7(2) : 166–75.

1027. माथुर वीपी. ए वर्ड ऑफ कौशन ऑन द न्यू स्कैम ऑन ऑथरशिप। *इण्डियन जे डेंट रेस* 2015;26(4):443.

1028. मौलिक एसके. रेजुवेनेटिंग द फेलिंग हार्ट इन डायबिटीज़ : रोल ऑफ ग्रोथ डिफरेंशिएशन फेक्टर – 11. *जर्नल प्रेक्टिस कार्डियोवेस्क साइंस* 2015:1(3):227–8.

1029. मील आर, बख्शी एस, पुष्कर एन, विष्णुभाटला एस. रेंडोमाइज्ड, कंट्रोल्ड ट्रायल इन ग्रुप्स सी एंड डी रेटिनोब्लास्टोमा. ओफ्थाल्मोलॉजी 2015; 122(2) : 433–5.

1030. मेहरा बी, मटलानी एम, रावत डी, गौतम एच, भल्ला पी. एचआईवी–टीबी क्रॉस सेक्शन एण्ड कॉलाबोरेटिव स्ट्रेटेजी : 8 इयर्स ऑफ अवर एक्सपीरियंस फ्रॉम इन अर्बन हेल्थ सेंटर इन नोर्थ इण्डियौ *इण्डियन जे चेस्ट डिस एलाइड साइंस* 2016;58:11–16.

1031. मेहरोत्रा एन, बैद्या ए, ब्रिजवाल एम, अग्रवाल आर, चौधरी आर. एक्टिनोमायकोसिस ऑफ आई : फॉर्गोटेन बट नॉट अनकॉमन। *एनेरोब* 2015;35(पीटी बी) : 1–2.

1032. मेनन पीआर, चक्रबर्ती ए. व्हाई एंटीबायोटिक 'इंविसिबिलिटी डे' इज़ बेटर दैन 'इंविसिबल एंटीबायोटिक' फ्युचर? इण्डियन पीडियाट्रिक्स 2016; 53: 290–1.

1033. मिनोत्रा आर, समरीत वीडी, खरबंदा ओपी. सबस्टीट्यूशन ऑफ द माइक्रोडोंटिक लेटरल इंसिसोर विद् द पेलाटेली इम्पेक्टिड कैनाइन : ए केस रिपोर्ट। *जे वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ ऑर्थोडोंटिस्ट्स* 2015;4: 85–91.

1034. मिर एए, गोयल बी, दत्ता एसके, इकुर्थी एस, पाल ए. कम्पेरिजन बिटवीन मेजर्ड एण्ड कैलकुलेटिड फ्री कैल्शियम वैल्यूस एट डिफरेंट सिरम एल्बुमिन कासेंट्रेशंस। *जे लैब फिजिशियंस* 2016;8:71–6.

1035. मिश्रा ए, अग्रवाल डी, गुप्ता डी, सिन्हा एस, सत्यार्थी जी डी, सिंह पी के. ट्रॉमेटिक स्पोंडिलोप्टोसिस : ए सीरिज ऑफ 20 पेशेंट्स. जे न्यूरोसर्ज स्पाइन 2015; 22 : 647–52.

1036. मिश्रा ए, प्रकाश एस, कौर जी, श्रीनिवास वी, अहुजा वी, गुप्ता एसडी, एट ऑल। प्रीवलेंस ऑफ सेलियाक डिजीज अमंग फर्स्ट – डिग्री रिलेटिव्स ऑफ इण्डियन सेलियाक डिजीज पेशेंट्स। *डिग लिवर डिस* 2016;48(3): 255–9.

1037. मिश्रा बी, मधुसूदन केएस, किलाम्बी आर, दास पी, पाल एस, श्रीवास्तव डीएन. मलिग्नेंट शेवेननोमा ऑफ द इसोफेगस : ए रेयर केस रिपोर्ट। *कोरियन जे थोरेक कार्डियोवेस्क सर्ज* 2016;49: 63–6.

1038. मिश्रा जे, सागर आर, जोसेफ एए, गजाले ए, मरजेनिच एमएम. ट्रेनिंग सेंसरी सिग्नल – टू – नोइस रिसॉल्यूशन इन चिल्ड्रन विद् एडीएचडी इन ए ग्लोबल मेंटल हेल्थ सेटिंग। ट्रांसल साइकियाट्री 2016;6:781.

1039. मिश्रा एम, द्विवेदी एस, हसन एमए, प्रवीण के, खान एमए. एसोसिएशन ऑफ फीडिंग प्रेक्टिसिस एण्ड इम्यूनाइजेशन विद् न्यूट्रिशनल स्टेट्स ऑफ इंफेंट्स इन जास्रा ब्लॉक ऑफ इलाहाबाद डिस्ट्रिक्ट। *इण्डियन जे चाइल्ड हेल्थ* 2015;2(2): 72–5.

1040. मिश्रा आरबी, बिंद्रा ए, कुमार एन, देवरंजन एसएलजे. पोस्ट – इंट्यूबेशन क्वाड्रिप्लेजिया इन ए चाइल्ड : ए ड्रीडफुल प्रीसेंटेशन। जे न्यूरोएनेस्थेसियोल क्रिट केयर 2016; 3: 65–66.

1041. मिश्रा एस, भटनागर ए, चानाना जी, भटनागर एस. सिम्पटम बर्डन इन पेशेंट्स विद् लंग कैंसर एट ए टर्शरी ओंकोलॉजी सेंटर इन इण्डिया। *यूरोपीयन जर्नल ऑफ पैलिएटिव केयर* 2015;22(5):239–43.

1042. मिश्रा एस, चीमा ए, अग्रवाल आर, देवरारी एके, पॉल वी. ओरल जिंक फॉर द प्रीवेंशन ऑफ हाइपरबिलिरुबिनेमिया इन नियोनेट्स। *कोक्रेन डेटाबेस सिस्ट रेव*। 2015;14(7): सीडी008432.

1043. मिश्रा एस, जोशी एस, एनेस्थेटिक मैनेजमेंट ऑफ ए केस ऑफ रेट्रोपेरिटोनियल ट्यूमर विद् पेमफिगस वुलगेरिस विद् मल्टीपल कॉमोर्बिड कंडिशंस। *इजिपशियन जर्नल ऑफ एनेस्थेसिया* 2016;32: 151–3.

1044. मिश्रा एस, कुसुमा वाय एस, बाबू बीवी. इलनेस प्रीवेंशन प्रेक्टिसिस अमंग ए माइग्रेंट इंडिजिनस कॉम्युनिटी इन अन एस्टर्न इण्डियन सिटी। कुरेर : *द जर्नल ऑफ मेडिकल एंथ्रोपोलॉजी* 2015;38: 194–203.

1045. मिश्रा एस, कुसुम वाई एस, बाबू बी वी. माइग्रेशन एंड हेल्थ केयर एक्सिस : बैरियर्स टू एक्सिस गर्वमेंट हेल्थ सर्विसेज बाय माइग्रेंट ट्राइबल कम्युनिटी लिविंग इन एन ईस्टर्न इंडियन सिटी. *इंट जे मेड साइं पब्लिक हेल्थ* 2015 : 4; 101–108

1046. मिश्रा ए, अनूप एस, गुलाटी एस, मणि के, भट्ट एसपी, पाण्डे आरएम. बॉडी फेट पैटर्निंग, हिपेटिक फेट एण्ड पेंक्रीटिक वॉल्यूम ऑफ नॉन – ओबेस एशियन इण्डियन विद् टाइप 2 डायबिटीज़ इन नोर्थ इण्डिया : ए केस–कंट्रोल स्टडी। *पीएलओएस वन* 2015;10:ई0140447.

1047. मिश्रा ए, अनूप एस, गुलाटी एस, मणि के, भट्ट एसपी, पाण्डे आरएम. करेक्टशनः बॉडी फेट पैटर्निंग, हिपेटिक फेट एण्ड पेंक्रीटिक वॉल्यूम ऑफ नॉन – ओबेस एशियन इण्डियन विद् टाइप 2 डायबिटीज़ इन नोर्थ इण्डिया : ए केस–कंट्रोल स्टडी। *पीएलओएस वन* 2015;10:ई0142749

1048. मिश्रा एमसी, बंसल वीके, सुबोध, कृष्ण ए, बंसल डी, रायएस, एट ऑल। प्रोस्पेटिक्व रेण्डोमाइज्ड कंट्रोल्ड स्टडी कम्पेरिंग लॉन्ग टर्म आउटकम्स, क्रोनिक पेन, क्वालिटी ऑफ लाइफ एण्ड कॉस्ट इफेक्टिवनेस फॉलोइंग टू टेकनिक्स ऑफ मेश फिक्सेशननॉन – एब्सोर्बेबल वर्सस एब्सोर्बेबल ट्रैकर्स – फॉर लेपेरोस्कोपिक मेश रिपेयर ऑफ इंसिशनल एण्ड वेंट्रल हरनिस। हार्निया 2015;एस(3):3–194.

1049. मिश्रा एस, कुमार पी, कुमार ए, सागर आर, चक्रबर्ती के, प्रसाद के. जेनेटिक एसोसिएशन बिटवीन इंफ्लेमेटरी जिनस (आई1–1अल्फा, सीडी 14, लीगल्स 2, पासमा 6) एण्ड रिस्क ऑफ इस्चेमिक स्ट्रोक : ए मेटा – एनालाइसिस। मेटा जीन 2016;8:21–9.

1050. मिश्रा वी, वशिष्ठ पी, मल्होत्रा एस, गुप्ता एस के. मॉडल्स फॉर प्राइमरी आइ केयर सर्विसेज इन इंडिया. *इंडियन जे कम्यूनिटी मेड* 2015; 40(2) : 79–84.

1051. मित्तल डी, अग्रवाल एस, यादव डी के, प्रमाणिक डी डी, शर्मा एम सी, बग्गा डी. टेस्टीकुलर ट्यूमर्स इन अनडिसेंडेड टेस्टिस इन चिल्ड्रन बिलो 5 इयर ऑफ एज. *इंडियन जे पीडियाट्रि* 2015; 82: 549–52.

1052. मित्तल डी, बग्गा ए, टंडन आर, शर्मा एमसी, भटनागर वी. हिर्स्चस्प्रुंग डिजीज विद् इंफेंटाइल नेफ्रोपैथिक सिस्टिनोसिस। *जे इण्डियन एसोक पीडियाट्र सर्ज* 2015; 20: 153–4.

1053. मित्तल डी, मेंडेलिया ए, बाजपेयी एम, अग्रवाल एस. एड्रेनल न्यूरोब्लास्टोमा विद् मेटास्टेटिक मेंडिबुलर मास : अन अनयूजवल प्रीसेंटेशन। *जे केन रेस थर* 2015; 11: 645–7.

1054. मित्तल डी, तालियान आर, शर्मा पीएल, यादव एचएन. इफेक्ट ऑफ पिओग्लिटेजोन ऑन द एब्रोगेटिड कार्डियोप्रोटेक्टिव इफेक्ट ऑफ इस्चेमिक प्रीकंडिशनिंग इन हाइपरलिपिडेमिक रेट हार्ट। *इण्डियन जे फार्माकोल* 2016;48:59–63.

1055. मित्तल आर, कुमार एन, यादव सी, कुमार ए. डायरेक्ट रिपेयर विदआउट एग्यूमेंटेशन ऑफ पेटेलर टेंडन एवुल्शन फोलाइंग टीकेए. *केस रैप ऑर्थोप* 2015; 2015 : 391295.

1056. मित्तल एस, मोहन ए, गुलेरिया आर, अग्रवाल आर, मदन के. रैपिड डायग्नोसिस ऑफ इंफेक्शन इन क्रिटिकली इल्ल : इज़ मोलिक्युलर डायग्नोसिस द मैजिक बुलेट? *क्रिट केयर मेड* 2016;44: ई314–315.

1057. मोदाक टी, सरकार एस, सागर आर. डोरोथी डिक्स : ए प्रोपोनेंट ऑफ ह्यूमन ट्रीटमेंट ऑफ मेंटली इल. *जे मेंटल हेल्थ हुम बिहेव* 2016;21(1): 69–71.

1058. मोदी एस, अरोड़ा जी, बाल सी एस, श्रीनिवास वी, कैलाश एस, सागर आर, एट ऑल. इफेक्ट ऑफ बेसल गैंगलिया कैल्सिफिकेशन ऑन इट्स ग्लूकोज़ मेटाबॉलिज्म एंड डोपामिनर्जिक फंक्शन इन इडियोपैथिक हायपोपैराथाइरॉयडिज्म. *क्लिन. एंडोक्राइनोल* (ऑक्स) 2015;83(4) : 563–71.

1059. मोगंती आरआर, स्वरूप वी. श्रीवास्तव एके, पदमा एमवी. नॉन – इंवेसिव बायोमार्कर्स फॉर स्पाइनोसेरेबेलर एटेक्सियास, टाइप 2 एण्ड 12 पेशेंट्स एण्ड देयर कॉरिलेशन विद् सेरेबेलर डिजनरेशन। *पार्किंसोनिज्मस एण्ड रिलेटिड डिसऑर्डर* 2016;22:ई152–ई153.

1060. मोगंती आरआर. फ्राइडराइच एटेक्सिया : डायग्नोसिस एण्ड थेरेपियूटिक स्ट्रेटेजीस। साइंस स्पेक्ट्रम 2016;1:102–26.

1061. मोहन ए, अंसारी ए, उनियाल ए, उपाध्याय एडी, गुलेरिया आर. एक्यूट चेंजिस इन फिजियोलॉजिकल कार्डियोपल्मोनरी पैरामीटर्स ड्यूरिंग एण्ड आफ्टर फ्लैक्सिबल फाइब्रोप्टिक ब्रोंकोस्कोपी। *लंग इण्डिया* 2016;33: 111–2.

1062. मोहन ए, लातीफी एएन, गुलेरिया आर. इंक्रीसिंग इंसिडेंस ऑफ एडेनोकार्सिनोमा लंग इन इण्डिया : फॉलोइंग द ग्लोबल ट्रेंड? *इण्डियन जे कैंसर* 2016;53: 92–5.

1063. मोहन ए, मोहिम आई, पॉलोस आर, मोहन सी, मदन के, हड्डा वी, एट ऑल। लैक ऑफ एफिकेसी ऑफ प्री ब्रोंकोस्कोपी इंहेल्ड सलबुटेमोल ऑन सिम्पटमस एण्ड लंग फंक्शंस इन पेशेंट्स विद् प्री – एग्ज़िस्टिंग एयरवे ऑब्स्ट्रक्श। *लंग इण्डिया* 2016;33: 362–6.

1064. मोहन ए, श्रेष्ठा पी, गुलेरिया आर, पाण्डे आरएम, विग एन. डेवलपमेंट ऑफ ए मोर्टेलिटी प्रीडिक्शन फॉर्मूला ड्यू टू सेप्सिस / सीवियर सेप्सिस इन ए मेडिकल इंटेंसिव केयर यूनिट। *लंग इण्डिया* 2015;32: 313–9.

1065. मोहन ए, उनियाल ए, चंद्रा एस, ओजुकुम एमसी, गौर बी, बरुर एस, एट ऑल। सिग्निफिकेंस ऑफ वायरल इंफेक्शंस डिटेक्टिड बाय रिवर्स – ट्रांसक्रिप्टेस – मल्टीप्लेक्स पीसीआर ऑन हॉस्पिटल – रिलेटिड आउटकम्स इन एक्यूट एक्सासेरबेशंसन ऑफ क्रोनिक ऑब्स्ट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज। *लंग इण्डिया* 2015;32:667–8.

1066. मोहन बी, हल्लुर वी, सिंह जी, संधु एचके, अप्पानानवर एसबी, तनेजा एन. ऑक्युरेंस ऑफ बीएलए एनडीएम – $_1$ एण्ड एब्सेंस ऑफ बीएलएकेपीसी जींस इंकोडिंग कारबेपेनेम रेसिस्टेंस इन यूरोपैथोजेनस फ्रॉम ए टर्शरी केयर सेंटर फ्रॉम नोर्थ इण्डिया। *इण्डियन जे मेड रेस* 2015;142:336–43.

1067. मोहन आई, गुप्ता आर, मिश्रा ए, शर्मा केके, अग्रवाल ए, विक्रम एनके, एट ऑल। डिस्पार्टिज़ इन प्रीवलेंस ऑफ कार्डियोमेटाबोलिक रिस्क फेक्टर्स इन रुरल, अर्बन – पूअर, एण्ड अर्बन – मिडल क्लास वूमेन इन इण्डिया। *पीएलओएस* वन 2016;11:ई0149437.

1068. मोहन एन, कुमार जे, चक्रबर्ती ए, रंजन पी. कम्प्रेहेंसिव रिव्यू ऑफ एंटी – ट्यूबरकुलर ट्रीटमेंट इंड्यूज्ड लिवर इंजरी। *इंट जे बेसिक क्लिन फार्माकोल* 2015; 4(3):397–403.

1069. मोहनसेल्वी एस, सुब्रमण्यम आर, सरदार ए, आनंद आर, अग्रवाल ए, खन्ना पी. न्यूरोसर्जरी इन मोर्बिडली

ऑबेस पेशेंट्स। *जे न्यूरोएनेस्थेसियोल क्रिट केयर* 2016;3:3–8.
1070. मोहन कुमार एन, रंजन पी, कुमारी ए. ड्रग – इंड्यूज्ड लिवर इंजरी : डायग्नोसिंग (एण्ड ट्रीटिंग) इट अर्ली। *जे फेम प्रेक्ट* 2015;64:634–44.
1071. मोहपात्रा बीके, कमल चौहान के, ठाकुर यूएस, बेहरा सी. जेनेटिक एनालाइसिस ऑफ द शॉर्ट टेंडम रिपीट लोकी इन पॉपुलेशन सेम्पल्स फ्रॉम नैनीताल, उत्तराखण्ड, जे फोरेंसिंग मेड टोक्सिकोल 2015;33(1):29–31.
1072. मोहपात्रा एस, सामंतराय जेसी, घोष ए. ए कम्पेरेटिव स्टडी ऑफ सिरम, यूरिन एण्ड सेलिवा यूजिंग आरके39 स्ट्रिप फॉर द डायग्नोसिस ऑफ वाइसरेल लीशमानियासिस। *जे आर्थ्रोपोड बोर्न डिस* 2016;10: 87–91.
1073. मोहपात्रा एस, शर्मा एस, देब एम, पुरोहित जी. सोलिटेरी सिस्टिसेक्रोसिस एफेक्टिंग डिलटॉइड मसल : ए रेयर एंटीटी। *एनाल्स ऑफ ट्रोपिकल मेडिसिन एण्ड पब्लिक हेल्थ* 2015;8: 210.
1074. मंडल डी, जाना एम, सुर पीके, खान ईएम. प्राइमरी सिनोनेसल मेनिंजियोमा इन ए चाइल्ड। *इयर नोस थ्रोट जे* 2015;94(9):ई7–9.
1075. मंडल के, चक्रबर्ती एस, घोष एके, कुमार एस, नायक बी, नंदी एस, एट ऑल। नोवल आइडेंटिफिकेशन ऑफ फेक्टर XI डेफिशियंसी इन इण्डियन सहीवाल (बॉस इंडिकस) कैटल। मोल बायोल रेप 2016;43(4):213–9.
1076. मोरे वी एम, दास ए, अंसारी एमटी, गोवडा केके. ओस्टियोकोंड्रोमा ऑफ द प्रोक्सिमल फिबुला – रीविजिटेड। *जे क्लिन डायग्न रेस* 2015;9:आरएल01.
1077. मोरे वी एम, जलन डी, मित्तल आर, गमनगट्टी एस. ऑथर्स रिप्ले। *इण्डियन जे ऑर्थोप* 2015;49(2):262.
1078. मोरे वीएम, नाग एचएल, चौधरी बी, पन्नु सीडी, मीना एस, कुमार के, एट ऑल। अथ्रोस्कोपिक एनाटोमिक डबल ब्लाइंड एंटीरियर क्रूसेट लिग्मेंट रिकंस्ट्रक्शन : अवर एक्सपीरियंस विद् फॉलोअप ऑफ 4 इयर्स। *जे क्लिन ऑथ्रोप ट्रॉमा* 2016;7(1):17–22.
1079. मोरे वीएम, नाग एचएल, चौधरी बी, शंकीनीनी एसआर, नारांजी एसएम. ए प्रोस्पेक्टिव कम्पेरेटिव स्टडी ऑफ क्लिनिकल एण्ड फंक्शनल आउटकम्स बिटवीन एनाटोमिक डबल ब्लाइंड एण्ड सिंगल बंडल हेमस्ट्रिंग ग्राफ्ट्स फॉर अथ्रोस्कोपिक एंटीरियर क्रूसिएट लिग्मेंट रिकंस्ट्रक्शन। *इंट जे सर्ज* 2015;21:162–7.
1080. मोरे वी, गर्ग बी, तिवारी वी, कोटवाल पीपी. एम्स टेस्ट : ए सिम्पल टेस्ट टू लूक फॉर प्रेसेंस ऑफ पलमेरिस लॉन्गस। *मस्कुलोस्केलेट सर्ज* 2015;99(2): 155–8.
1081. मोटवानी आर, झाझरिया एसके. वेरियंट ब्रांचिंग पैटर्न ऑफ सुपीरियर थाइरॉइड आर्टरी एण्ड इट्स क्लिनिकल रिलिवेंस : ए केस रिपोर्ट। *जे क्लिन डायग्न रेस* 2015;9:एडी05–6.
1082. मोक्सोन एसजी, लॉन जेई, डिकसन केई, सिमेन – केपियू ए, गुप्ता जी, देवरारी ए के, आदि सभी। इंपेशेंट् केयर ऑफ स्मॉल एण्ड सिक न्यूबॉर्न्स : ए मल्टी – कंट्री एनालाइसिस ऑफ हेल्थ सिस्टम बॉटलनेक्स एण्ड पोटेंशियल सॉल्यूशंस। बीएमसी प्रेग्नेंसी चाइल्डबर्थ 2015;15 (पूरक 2): एस7.
1083. मोक्सोन एसजी, रॉयसेन एच, करबर केजे, अमौजो ए, फौरनियर एस, ग्रोव जे, देवरारी एके, एट ऑल। काउंट एवरी न्यूबोर्न : ए मेजरमेंट इम्प्रूवमेंट रोडमैप फॉर कवरेज डेटा। बीएमसी प्रेग्नेंसी चाइल्डबर्थ 2015; 15(पूरक 2): एस8.
1084. मिर्धा ए आर, रंजन आर, किनरा पी, राय आर, खान एस ए, शिवांनद जी. एंजियोमायोमेटस हेमेर्टोमा ऑफ पोपलिटियल लिम्फ नोड : एन अनयूजवल एंटिटी. *जे पैथोल ट्रांसले मेड* 2015; 49(2) : 156–8.
1085. मोहम्मद असलम एमके, कुमारसेन ए, रजक एसके, ताजमुल एम, दत्ता टी के, मोहंती टीके, एट ऑल। कम्पेरेटिव प्रोटियोमिक एनालाइसिस ऑफ ट्राराइन, इंडिसिन, एण्ड क्रॉसब्रेड (बॉस ट्रॉस × बॉस इंडिक्स) बल स्परमेटोजोआ फॉर आइडेंटिफिकेशन ऑफ प्रोटिंस रिलेटिड टू स्पर्म मालफंक्शंस एण्ड सबफर्टिलिटी

इन क्रॉसब्रेड बल्स। थेरियोजेनोलॉजी 2015;84:624–33.
1086. मुखर्जी ए, अग्रवाल केके, गोजिया ए, बाल सी, कुमार आर. बिलेटरल रेनाल इंवॉल्वमेंट इन मेंटल सेल लिम्फोमा ऑन एफडीजी पीईटी / सीटी. *क्लिन न्यूक्लि. मेड* 2016;41(4): ई206–7.
1087. मुखर्जी ए, चक्रबर्ती पी एस, बेहरा ए, बाल सी, कुमार आर. रेडिएशन – इंड्यूज्ड इसोफेजिटिस मैस्वार्डिंग एज डिजीज प्रोग्रेशन इन केस ऑफ इसोफेजियल कार्सिनामा : ए डायग्नोस्टिक डायलेमा सोल्वड ऑन फोलो–अप एफडीजी पीईटी / सीटी. *क्लिन न्यूक्लि मेड* 2015; 40: ई380–1.
1088. मुखर्जी ए, खण्डेलवाल डी, सिंगल एम, लोधा आर, काबरा एसके. आउटकम्स ऑफ केटेगरी 2 एंटी – ट्यूबरकुलोसिस ट्रीटमेंट इन इण्डियन चिल्ड्रन। *इंट जे ट्यूबर. लंग डिस* 2015;19:1153–7.
1089. मुखर्जी ए, पटेल सीडी, नायक एन, शर्मा जी, रॉय ए. क्वांटीटेटिव असेस्मेंट ऑफ कार्डियक मैकनिकल डिससिंक्रोनी एण्ड प्रीडिक्शन ऑफ रेस्पोंस टू कार्डियक रिसिंक्रोनाइजेशन थेरेपी इन पेशेंट्स विद् नॉनइस्केमिक डिलेटिड कार्डियोमयोपैथी यूजिंग गेटिड मयोकार्डियल परफ्युजन एसपीईसीटी। *न्यूकली मेड कॉमन* 2015;36: 494–501.
1090. मुखर्जी ए, पटेल सीडी, नायक एन, शर्मा जी, रॉय ए. क्वांटीटेटिव असेस्मेंट ऑफ कार्डियक मैकनिकल डिससिंक्रोनी एण्ड प्रीडिक्शन ऑफ रेस्पोंस टू कार्डियक रिसिंक्रोनाइजेशन थेरेपी इन पेशेंट्स विद् नॉनइस्चेमिक डिलेटिड कार्डियोमायोपैथी यूजिंग इक्विलिब्रियम रेडियोन्यूक्लिड एंजियोग्राफी। *यूरोपेस* 2016;18: 851–7.
1091. मुखोपाध्याय एके. न्यूरल फेब्रिक्स ऑफ द माइंड : सिस्टम्स न्यूरोसाइंस, सिस्टम्स सायकोलॉजी एण्ड कोंशसनेस। *एन्न* साइकियाट्री *मेंट हेल्थ* 2015;3(7):1049.
1092. मुखोपाध्याय एके. सिस्टम्स सेल : ए टेस्टेबल मॉडल फॉर सिस्टमस होलिज्म। *इंट आक्र मेड* 2015; 8(104) 1–10.
1093. मुखोपाध्याय एके. द आउटलाइन ऑफ सिस्टम्स इंजीनियरिंग फॉर डेवलपिंग ए कॉन्सियस वेयर। *इंट जे इमर्जिंग ट्रेंड्स इलेक्ट्रिकल इलेक्ट्रोनिक्स* 2015;11(5):25–33.
1094. मुंडे के, जैन वी, प्रूथी जी, शाह एन. क्लिनिकल स्टडी टू एवेल्यूएट द वीयर ऑफ नेचुरल एनेमल एंटागोनिस्ट टू जिर्कोनिकली एण्ड मेटल सेरेमिक क्राउंस। *जे प्रोस्थेट डेंट* 2015;114(3):358–63.
1095. मुन्नस सीएफ, शॉ एन, केली एम, स्पीकर बीएल, थेचर टीडी, ओजोनो के, एट ऑल। ग्लोबल कॉनसेंसस रिकॉमेंडेशंस ऑन प्रीवेंशन एण्ड मैनेजमेंट ऑफ न्यूट्रिशनल रिकेट्स। *हॉर्म रेस पीडियाट्र* 2016;85:83–106.
1096. मुन्नस सीएफ, शॉ एन, केली एम, स्पीकर बीएल, थेचर टीडी, ओजोनो के, एट ऑल। ग्लोबल कॉनसेंसस रिकॉमेंडेशंस ऑन प्रीवेंशन एण्ड मैनेजमेंट ऑफ न्यूट्रिशनल रिकेट्स। *जे क्लिन एण्डोक्राइनोल मेटाब* 2016;101: 394–415.
1097. मुरे सीजेएल, बारबर आरएम, फोरेमेन केजे, एबबासोग्लु ओजगोरेन ए, एब्ड – अल्लाह एफ, एबेरा एसएफ, एट ऑल। ग्लोबल, रिजनल, एण्ड नेशनल डिसेबिलिटी – एडजुस्टिड लाइफ इयर्स (डेली) फॉर 306 डिजीज एण्ड इंजरिज़ एण्ड हेल्दी लाइफ एक्सपेक्टेंसी (एचएएलई) फॉर 188 कंट्रीज़। *लांसेट* 2015; 386:2145–91.
1098. मुरुगन एमके, जगिया पी, सक्सेना ए. क्रिसक्रॉस पुल्मोनरी आर्टरीस़ विद् पार्टियल एनोमेलौस पुल्मोनरी वेनस ड्रेनेज ऑन मल्टीस्लिक कार्डियक सीटी. जे कार्डियोवेस्क कम्पूट टोमोग्र 2015;9(1):71–3
1099. मुथुकृष्णन एसपी, सिंह ए, समपथ एन, जरयाल एके. री : हाउ टू मेक द बेस्ट यूज़ ऑफ इंट्राऑपरेटिव मोटर इवोक्ड पोटेंशियल मोनिटरिंग? एक्सपीरियंस इन 1162 कॉन्सिक्युटिव स्पाइनल डिफॉर्मिटी सर्जिकल प्रोसिजर्स। *स्पाइन (फिला पीए 1976)* 2015;40:588.

1100. नदराजह जे, बालियान वी, यादव एके, कुमार ए, गमनगट्टी एस, सैनी ए, एट ऑल। ट्रॉमेटिक स्यूडोन्यूरोसिम्स ऑफ बलबौरेथ्रल आर्टरी मैनेजड बाय कॉइल एम्बोलाइजेशन। *इण्डियन जे सर्ज* 2015; 77 (पूरक 1) : 140–2.

1101. नदराजह जे, मधुसूदन केएस, यादव एके, चंद्राशेखर एसएच, कुमार ए, गुप्ता एके. एमआर इमेजिंग ऑफ कवरनौस साइनस लैशंस : पिक्टोरियल रिव्यू। *जे न्यूरोरेडियोल* 2015;42(6): 305–19.

1102. नाग टीसी. अल्ट्रास्ट्रक्चरल चेंजिस इन द मेलेनोसायटेस ऑफ एजिंग ह्यूमन कोरॉइड। माइक्रोन 2015;79:16–23.

1103. नाग वीएल, दाश एनआर, श्रीवास्तव ए, श्रीवास्तव डीके, मौर्या एसके, ढोले टीएन. सोसियो डेमोग्राफिक वेरियबल्स एण्ड सायकोसोशल स्ट्रेससोर्स अमंग इंटीग्रेटिड काउंसलिंग एण्ड टेस्टिंग सेंटर (आईसीटीसी) अटेंडीस : ए प्रीलिमिनरी रिपोर्ट फ्रॉम नोर्थ। *जे एड्स क्लिन रेस सेक्स ट्रांस्म डिस* 2016:006.

1104. नागराजन एस, पॉल वीके, यादव एन, गुप्ता एस. द नेशनल रुरल हेल्थ मिशन इन इण्डिया : इट्स इम्पेक्ट ऑन मेटर्नल, नियोनेटल, एण्ड इंफेंट मोर्टेलिटी। *सेमिन फेटल नियोनेटल मेड* 2015; 20: 315–20.

1105. नागेश सी एम, सक्सेना ए, पटेल सी, करुणानिधि एस, नेडिग एम, मल्होत्रा ए. द रोल ऑफ 18 एफ फ्लोरोडियोक्सीग्लूकोज पोजिस्ट्रोन एमिशन टोमोग्राफी (18 एफ–एफडीजी–पीईटी) इन चिल्ड्रन विद रूमेटिक कार्डिटिस एंड क्रोनिक रूमेटिक हार्ट डिजीज. *न्यूक्लि मेड रेव सेंट ईस्ट यूर* 2015; 18 : 25–8.

1106. नगोरी एसए, जोस ए, अरोड़ा ए, गंगनानी एस, खोलाकिया वाय, अग्रवाल बी, एट ऑल। ए मिस्कन्सेप्शंस रिगार्डिंग ऑटोजिनस टूथ ट्रांसप्लांटेशंस : ए सर्वे। *जे मैक्सीलोफेक ओरल सर्ज* 2016;15(2):173–8.

1107. नागपाल आर, शर्मा एन, वसादेवा वी, महाराणा पीके, टिटियाल जेएस, सिन्हा आर, एट ऑल। टोरिक इंट्राऑक्युलर लेंस वर्सस मोनोफोकल इंट्राऑक्युलर लेंस इम्प्लांटेशन एण्ड फोटोरिफ्रेक्टिव केराटेक्टोमी : ए रेण्डोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल। *एम जे ऑफ्थेलमोल* 2015;160:479–486.ई2.

1108. नायक वी, अहमद एफ यू, गुप्ता ए, गर्ग ए, सरकार सी, शर्मा बी, एट ऑल. इंट्राक्रेनियल फंगल ग्रैनुलोमास : ए सिंगल इंस्टीट्यूशनल क्लिनिकोपैथोलॉजिक स्टडी ऑफ 66 पेशेंट्स एंड रिव्यू ऑफ द लिटरेचर. *वर्ल्ड न्यूरोसर्ज* 2015; 83(6) : 1166–72.

1109. नायर ए, ढींगरा ए, गोपी ए, ज्योत्सना वीपी. नॉन्सप्रेसिबल ओरल डेक्सामेथेसोन सप्रेशन टेस्ट्स बट नोट कुशिंग सिंड्रोम। *केस रेप एण्डोक्राइनोल* 2016;2016: 3684287.

1110. नायर ए, गुलेरिया आर, कण्डास्वामी डी, शर्मा आर, टंडन एन, सिंह यूबी, एट ऑल। प्रीवलेंस ऑफ पुल्मोनरी ट्यूबरकुलोसिस इन यंग एडल्ट पेशेंट्स विद् टाइप 1 डायबिटीज़ मेलिट्स इन इण्डिया। मल्टीडिस्सिप रेसपीर मेड 2016;11:22.

1111. नायर ए, कंडासामी डी, त्रिपाठी एम, ज्योत्सना वी पी. गाल ब्लेडर एजेंसी इन प्रेडर विल्ली सिंड्रोम. *इंडियन जे एंडोक्राइनोल मेटाब* 2015; 19(2) : 305.

1112. नायर एस, वानथी एम, गंगर ए, टंडन आर. ऑक्युलर ग्राफ्ट वर्सस हॉस्ट डिजीज : ए रिव्यू ऑफ क्लिनिकल मैनिफेस्टेशंस, डायग्नोस्टिक, एप्रोचिस एण्ड ट्रीटमेंट। ओपन जर्नल ऑफ ऑफ्थेलमोलॉजी 2016;6: 20–33.

1113. नायर वी, मदन एच, सोफेट एस, गंगुली पी, जेकोब एमजे, दत्ता आर, एट ऑल। एफिकेसी ऑफ स्टेम सेल इन इम्प्रूवमेंट ऑफ लेफ्ट वेंट्रिकुलर फंक्शन इन एक्यूट मयोकार्डियल इंफ्रेक्शन – एमआई3 ट्रायल इण्डियन जे मेड रेस 2015;142: 165–74.

1114. नायर वीपी, अनांग एस, सुब्रमणि सी, माधवी ए, बख्शी के, श्रीवास्तव ए एट ऑल। एण्डोप्लाज्मिक रेटिकुलम स्ट्रेस इंड्यूज्ड सिंथेसिस ऑफ ए नोवल वायरल फेक्टर मेडिएटेस एफिशियंट रिप्लिकेशन ऑफ जीनोटाइप – 1 हेपेटाइटिस ई वायरस। *पीएलओएस पैथोज* 2016;12(4): ई1005521.

1115. नाकरा टी, रंजन आर, नाथ डी, कटारिया के, यादव आर, दास पी. मल्टीफोकल एडेनोइड सिस्टिक कार्सिनोमा ऑफ द ब्रेस्ट : नोट ऑलवेज ए क्विट कोर्स। *श्री लंका जे सर्ज* 2015;33(3):18–9.
1116. नालवा ए, नाथ डी, सुरी वी, जमलुद्दीन एमए, श्रीवास्तव ए. मयेलॉइड सर्कोमा ऑफ द ब्रेस्ट इन एन एल्यूकेमिक पेशेंट : ए रेयर एंटीटी इन अन अनकॉमन लोकेशन। *मालायस ले पैथोल* 2015;37: 63–6.
1117. नाम्बीराजन ए, जैन डी, मलिक पी, अरावा एस, माथुर एसआर. मेटास्टेटिक एल्वियोलर सॉफ्ट पार्ट सर्कोमा ऑफ द लंग : मेटास्टेटिक एल्वियोलर सॉफ्ट पार्ट सर्कोमा ऑफ द लंग–ए मोर्फोलॉजिक पिटफॉल ऑन सिटोलॉजी एण्ड एबेरेंट सीडी10 एक्सप्रेशन ऑन हिस्टोलॉजी। डायग्न सिटोपैथोल 2016;44(3):250–4.
1118. नाम्बीराजन ए, मिरधा एआर, कुमार पी, राय आर. कोंजिनिटल सेलुलर प्लेक्सिफॉर्म शेवेननोमा मिमिकिंग ए वेस्कुलर लैशन : पोटेंशियल पिटफॉल्स इन क्लिनिकल एण्ड हिस्टोपैथोलॉजिकल असेस्मेंट। *इण्डियन जे डर्मेटोल* वेनेरिओल *लेप्रोल* 2016;82(1):79–81.
1119. नाम्बीराजन ए, सुरी वी, शर्मा एमसी, कुमार आर, गर्ग ए, गुलाटी एस, एट ऑल। ए 7 इयर ओल्ड गर्ल विद् रिकरेंट एपिसोडेस ऑफ एब्डोमिनल पेन, सीजर्स, एण्ड लॉस ऑफ विजन : प्राइमरी डिफ्युज़ लेप्टोमेनिंजियल प्रीमिटिव न्यूरोएक्टोडर्मल ट्यूमर मासक्वेरेडिंग एज़ क्रोनिक मेनिंजिटिस। न्यूरोल इण्डिया 2015;63:736–42.
1120. नाम्बीराजन ए, जैन डी, मलिक पी, अरवा एस, माथुर एसआर. मेटास्टेटिक एल्वियोलर सॉफ्ट पार्ट सर्कोमा ऑफ द लंग – ए मोर्फोलॉजिक पिटफॉल ऑन सायटोलॉजी एण्ड एबेरेंट सीडी10 एक्सप्रेशन ऑन हिस्टोलॉजी। *डायग्न सिटोपैथोल* 2015;44(3):250–4.
1121. नांगिया एस, पॉल वीके, देवरारी एके, श्रीनिवास वी, अग्रवाल आर, चावला डी. टोपिकल ऑयल एप्लिकेशन एण्ड ट्रांस – एपिडर्मल वाटर लॉस इन प्रीटर्म वेरी लॉ बर्थ वेट इंफेंट्स – ए रेण्डोमाइज्ड ट्रायल। *जे ट्रोप पीडियाट्र* 2015;61: 414–20.
1122. नारा एस, चमीताचल एस, मिरधा एस, सिंह एच, टंडन आर, मोहंती एस, आदि सभी। स्ट्रेटेजीस फॉर फास्टर डेटाकमेंट ऑफ कॉर्नियल सेल शीट यूजिंग माइक्रोपेटर्नड थेरामोरेस्पोंसिव मैट्राइसिस। जे मेटर कीम बी 2015;3:4155–69.
1123. नारंग आर, सक्सेना ए, रामकृष्णन एस, द्विवेदी एसएन, बग्गा ए. ओससिलोमेट्रिक ब्लड प्रेशर इन इण्डियन स्कूल चिल्ड्रन : सिम्प्लिफाइड परसेंटाइल टेबल्स एण्ड चार्ट्स। *इण्डियन पीडियाट्र* 2015;52:939–45.
1124. नरसिम्हा सी पी, गुप्ता एस, खोखर एस, वनाति एम, दादा टी, पाण्डे आर एम, एट ऑल। कॉर्नियल पोलिशिंग आफ्टर प्टेरिजियम एक्सिशन विद् मोटराइज्ड डायमण्ड बर। ए रेण्डोमाइज्ड कंट्रोल ट्रायल। *आई कॉन्टैक्ट लेंस* 2015; 41 (5) :268–72.
1125. नरुला जे, कपूर पीएम. वीडियो कमेंटरी ऑन ट्रांसइसोफेजियल इकोकार्डियोग्राफी फॉर डेक्सट्रो – ट्रांसपॉजिशन ऑफ ग्रेट आर्टरीस। एन्न कार्ड एनेस्थ 2016;19(1): 143.
1126. नरुला जे, सिंह एसपी, मल्होत्रा पी. टीईई फॉर डायरेक्ट क्लोजर फॉर एलवी न्यूरोसिम्स रिपेयर : अन्न कार्ड एनेस्थ 2015;18:393.
1127. नरुला जे, सिंह एसपी, मल्होत्रा पी. वीडियो कमेंट्री ऑन टीईई फॉर डायरेक्ट क्लोजर फॉर एलवी न्यूरोसिम्स रीपेयर। एन्न कार्ड एनेस्थ 2015;18(3):393.
1128. नटराज वी, बत्रा ए, रस्तोगी एस, खान एस ए, शर्मा एमसी, विष्णुभटला एस, एट ऑल। डेवलपिंग ए प्रोग्नोस्टिक मॉडल फॉर पेशेंट्स विद् लोकलाइज्ड ओस्टियोसार्कोमा ट्रीटेड विद् यूनिफॉर्म कीमोथेरेपी प्रोटोकोल विदाउट हाई डोज़ मेथोट्रीक्सेट : ए सिंगल सेंटर एक्सपीरियंस ऑफ 237 पेशेंट्स। *जे सर्ज ओंकोल* 2015;112:662–8.

1129. नटराज वी, माथुर एन, रानी एल, गुप्ता आर, बख्शी एस. सीरियल असेस्मेंट ऑफ सर्कुलेटिंग टी रेगुलेटरी सेल्स एण्ड टी हेल्पर 17 सेल्स इन पीडियाट्रिक नॉन – हॉडग्किन लिम्फोमा : ए प्रोस्पेक्टिव स्टडी। *ल्यूक लिम्फोमा* 2016;57(7): 1739–42.
1130. नाथ डी, आरव एस, जोशी पी, मदन के, माथुर एस. प्राइमरी पुल्मोनरी लियोमायोसार्कोमा ऑफ लंग : अन अनयूजवल एंटीटी विद् ब्रिफ रिव्यू। *इण्डियन जे पैथोल माइक्रोबायोल* 2015;58:338–40.
1131. नाथ डी, गुप्ता ए, आरव एस, जैन डी, मदन के. सिंक्रोनौस एक्जीससेन्स ऑफ ग्रेनुलर सेल ट्यूमर एण्ड स्मॉल सेल कार्सिनोमा ऑफ लंग : अन अनयूजवल एंटीटी। *इण्डियन जे पैथोल माइक्रोबायोल* 2016;59–90–2.
1132. नटुसामी एल, मदन के, मोहन ए, हड्डा वी, जैन डी, मदन एनके, एट ऑल। यूटिलिटी ऑफ सेमी–रिजिड थोरेकोस्कोपी इन अनडायग्नोस्ड एक्सयूडेटिव प्लूरल इफ्युजन। *लंग इण्डिया* 2015;32:119–26.
1133. नवीन वाय, अहमद एसआर, सैनी एन, गुप्ता बी, शॉहनी सी, गर्ग आर. इफेक्ट ऑफ एनेस्थेसिया ऑन द पेरिऑपरेटिव आउटकम्स ऑफ पेल्वी – एसीटेबुलर सर्जरिस इन द एपेक्स ट्रॉमा सेंटर ऑफ ए डेवलपिंग कंट्री – ए रेट्रोस्पेक्टिव एनालाइसिस। बर्न्स एण्ड ट्रॉमा 2015;3:10
1134. नय्यर आर, यादव एस, सिंह पी, कुमार आर, सेठ ए, डोगरा पीएन. आउटकम्स ऑफ पायेलोप्लास्टी इन वेरी पूर्ली फंक्शनिंग किडनीज़ : एग्जामिनिंग द मैथ्स। यूरोलॉजी। 2016 मार्च 9. पीआईआई : एस0090-4295(16)00275-2. डीओआई: 10.1016/ जे.यूरोलॉजी.2016.02.045. (मुद्रण से पहले ई प्रकाशन)।
1135. नाज एफ, कौल वी, श्रीवास्तव ए, गुप्ता वायके, डिंडा एके. बायोकाइनेटिक्स ऑफ अल्ट्राफाइन गोल्ड नैनोपार्टिकल्स (एयु एनपी) रिलेटिंग टूरिडिस्ट्रिब्यूशन एण्ड यूरिनरी एक्सक्रिशन : ए लॉन्ग – टर्म इन विवो स्टडी। *जे ड्रग टार्गेट* 2016;24:720–9.
1136. नीरु, खाखा डीसी, सत्पथी एस, डे एबी. इम्पेक्ट ऑफ जेकोबसोन प्रोग्रेसिव मसल रिलेक्सेशन (जेपीएमआर) एण्ड डीप ब्रीथिंग एक्सरसाइज़ ऑन एंक्सिटी, सायकोलॉजिकल डिस्ट्रेस एण्ड क्वालिटी ऑफ स्लीप ऑफ हॉस्पिटलाइज्ड ओल्डर एडल्ट्स। *जे सायकोसोक रेस* 2015;10(2):211–23.
1137. नेगी एन, दास बी. जिनएक्सपर्ट टेकनोलॉजी : ए न्यू रे ऑफ होप फॉर द डायग्नोसिस ऑफ ट्यूबरक्युलर पेरिकार्डियल एफ्युजन। *जर्नल ऑफ द प्रेक्टिस ऑफ कार्डियोवेस्कुलर साइंस* 2015;1: 233.
1138. नियोगी एसबी, नेगांधी एच, कर आर, भट्टाचार्य एम, सेन आर, वर्मा एन, एट ऑल। डायग्नोस्टिक एक्युरेसी ऑफ हेइमोग्लोबिंकलर स्ट्रिप (एचसीएस – एचएलएल), ए डिजिटल हेइमोग्लोबिनोमीटर (ट्रू एचबी) एण्ड ए नॉन इंवेसिव डिवाइस (टच एचबी) फॉर स्क्रीनिंग पेशेंट्स विद् एनेमिया। *जे क्लिन पैथोल* 2016;69(2(:164–70.
1139. नेताम आर, यादव आरके, खण्डगवात आर, सर्वोत्तम के, यादव आर. इंटरल्यूकिन – 6, विटामिन डी और डायबिटीज़ रिस्क – फेक्टर्स मोडिफाइड बाय ए शॉर्ट – टर्म योगा – बेस्ड लाइफस्टाइल इंटरवेंशन इन ओवरवेट / ओबेज़ इंडिविजुअल्स। *इण्डियन जे मेड रेस* 2015;141:775–82.
1140. नयामाठी ए, एक्स्ट्रेंड एम, श्रीवास्तव एन, कार्पेंटर सीएल, सेलम बीई, एआई–हैरासी एस, एट ऑल। एएसएचए – लाइफ इंटरवेंशन पर्सपेक्टिव्स वॉइज्ड बाय रुरल इण्डियन वूमेन लिविंग विद् एड्स। *हेल्थ केयर वूमेन इंट* 2016;37:412–25.
1141. ओझा ए, गुप्ता वाई के. एवेल्यूएशन ऑफ जीनोटोक्सीस पोटेंशियल ऑफ कॉमनली यूज्ड ऑर्गेनोफोस्फेट पेस्टीसाइड्स इन पेरीफेरल ब्लड लिम्फोसाइटेस ऑफ रैट्स. *ह्यूम एक्सप टॉक्सिकोल* 2015; 34(4) : 390–400.
1142. वननगट – गमस्कु एस, चेन डब्ल्यूएम, बुरन ओ, कॉपर एनजे, क्विनलेन एआर, मायचालेकीयज जेसी, एट ऑल। फाइन मैपिंग ऑफ टाइप 1 डायबिटीज़ सबसेप्टिबिलिटी लोकी एण्ड एविडेंस फॉर कोलोकेलाइलेशन ऑफ कौज्ल वेरियंट्स विद् लिम्फोइड जीन एंहांसिस। नेट जीनेट 2015;47(4): 381–6.

1143. औई सीजे, मखारिया जीके, हिल्मी आई, जिबसन पीआर, फौक केएम, अहुजा वी, एट ऑल। एशिया पैसिफिक एसोसिएशन ऑफ गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी (एपीएजीई) वक्रिंग ग्रुप ऑन इंफ्लेमेटरी बाउल डिजीज। एशिया पैसिफिक कंसिनस स्टेटमेंट्स ऑन क्रॉहन्स डिजीज। पार्ट 2 : मैनेजमेंट। *जे गैस्ट्रोएंटेरोल हेपेटोल* 2016; 31(1):56–68.
1144. औई सीजे, मखारिया जीके, हिल्मी आई, जिबसन पीआर, फौक केएम, अहुजा वी, एट ऑल। एशिया पैसिफिक एसोसिएशन ऑफ गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी (एपीएजीई) वक्रिंग ग्रुप ऑन इंफ्लेमेटरी बाउल डिजीज। एशिया पैसिफिक कंसिनस स्टेटमेंट्स ऑन क्रॉहन्स डिजीज। पार्ट 1 : डेफिनिशन, डायग्नोसिस, एण्ड एपिडेमियोलॉजी, *जे गैस्ट्रोएंटेरोल हेपटोल* 2016; 31(1): 45–55.
1145. ओजैयर एफएफ, जमशेद एन, शर्मा ए, अग्रवाल पी. एथिकल इशूज़ इन इलेक्ट्रोनिक हेल्थ रिकॉर्डस : ए जनरल ओवरव्यू। पर्सपेक्ट क्लिन रेस 2015;6:73–6.
1146. पढ़न आरके, दास पी, शालिमार, प्राइमरी हेपेटिक लिम्फोमा। *ट्रोप गैस्ट्रोएंटेरोल* 2015;36:14–20.
1147. पदमा एमवी. इज़ इट पॉसिबल टू फेसिलिटेट न्यूरल प्लास्टिसिटी फॉर एंहांसिंग पोस्ट क्रोनिक स्ट्रोक रिकवरी? न्यूरोल इण्डिया 2015; 63:310–11.
1148. पदमा एमवी. सिंगल स्मॉल एंहांसिंग सीटी लैशंस, विद् स्पेशल रेफ्रेंस टू न्यूरोसिस्टिसरकोसिस : हाउ आई ट्रीट। एन्न इण्डियन एकेड न्यूरोल 2015;18:286–9.
1149. पद्मा एमवी. द एडिटोरियल डिबेट : प्रोस एण्ड कोंस, मैनेजमेंट ऑफ स्ट्रोक : द ट्राईयूम्फस एण्ड द ट्रेवेल्स। न्यूरोल इण्डिया 2016;64:6–7.
1150. पाहवा आर, कुमार यू, दास एन. मॉड्यूलेशन ऑफ पीबीएमसी – डिके एक्सिलेरेटिंग फेक्टर (पीबीएमसी – डीएएफ) एण्ड सायटोकाइस इन रियूमेटोइड अर्थराइटिस। *मोल सेल बायोकेम* 2016;414(1–2):85–94.
1151. पाहवा एस, भल्ला एएस, रॉयचौधरी ए, भुटिया ओ. मल्टीडिटेक्टर कंप्यूटिड टोमोग्राफी ऑफ टेम्पोरोमेंडीबुलर जॉइंट : ए रॉड लेस ट्रैवल्ड। *वर्ल्ड ले क्लिन केसिस* 2015;3(5):442–9.
1152. पाहवा एस, हरी एस, थुलकर एस, अंग्राल एस. एवेल्यूशन ऑफ ब्रेस्ट पेरिकायमल डेंसिटी विद् क्वांट्रा सॉफ्टवेयर। *इण्डियन जे रेडियोल इमेजिंग* 2015;25(4): 391–6.
1153. पाहवा एस, शर्मा एस, दास सीजे, धामिजा ई, अग्रवाल एस. इंट्राऑर्बिटल सिस्टिक लैशंस : अन इमेजिंग स्पेक्ट्रम। *क्युर प्रोबल डायग्न रेडियोल* 2015;44(5): 437–48.
1154. पाल ए, परमर ए, मंडल पी, सागर आर. ए केस परसिस्टेंट डिलुजनल डिसऑर्डर : रोल ऑफ डिमेंशंस ऑफ डेल्यूशन रीपप्रैस्ड। *जे मेंटल हेल्थ हम बिहेव* 2015;21(1): 64–65.
1155. पाल एच, श्रीवास्तव ए, द्विवेदी एसएन, पाण्डे ए, नाथ जे. प्रीवलेंस ऑफ ड्रग एब्यूज़ इन इण्डिया थ्रो ए नेशनल हाउसहोल्ड सर्वे। *इंट. जे. क्योर साइंस* 2015;15:ई103–113.
1156. पल्लवी पी, सागर आर, मेहता एम, शर्मा एस, सुब्रमण्यम ए, शाम्शी, एफ, एट ऑल। सिरम सायटोकाइनेस एण्ड एंक्सिटी इन एडोलसेंट डिप्रेशन पेशेंट्स : जेंडर इफेक्ट। साइकियाट्री रेस 2015; 229 (1–2): 374–80.
1157. पांडा ए, भल्ला ए एस, शर्मा आर, अरोड़ा ए, गुप्ता ए के. ''स्ट्रेडलिंग अक्रॉस बाउंडरीज'' – थोरैकोएब्डोमिनल लेशंस : स्पेक्ट्रम एंड पैटर्न अप्रोच. *सर प्रॉब्ल डायग्न रेडियोल* 2015; 44(2) : 122–143.
1158. पांडा ए, घोष ए के, मिर्धा बी आर, एक्सेस आई, पॉल एस, सामतंराय जे सी, *एट ऑल.* एमएएलडीआई–टीओएफ मास स्पेक्ट्रोमेट्री फॉर रैपिड आइडेंटिफिकेशन ऑफ क्लिनिकल फंगल आइसोलेट्स बेस्ड ऑन राइबोसोमल प्रोटीन बायोमार्क्रर्स. *जे माइक्रोबायोल मेथड्स* 2015;109:93–105.
1159. पांडा ए, खालिल एस, मृधा बीआर, सिंह वाय, कौशिक एस. प्रीवलेंस ऑफ नेइग्लेरिया फौलेरी इन एंवार्यमेंट सैम्पल्स फ्रॉम नोर्दन पार्ट ऑफ इण्डिया। *पीएलओएस वन* 2015;10: ई0137736.

1160. पांडा ए, कुमार ए, गमनगट्टी एस, भल्ला ए एस, शर्मा आर, कुमार एस, *एट ऑल.* एवेल्यूएशन ऑफ डायग्नोस्टिक यूटिलिटी ऑफ मल्टीडिटेक्टर सीटी एंड एमआरआई इन ब्लंट पैंक्रियाटिक ट्रॉमा : ए प्रोस्पेक्टिव स्टडी. *एक्टा रेडियोल* 2015 अप्रैल; 56(4) : 387–96.

1161. पांडा ए, कुमार ए, गमनगट्टी एस, भल्ला ए एस, शर्मा आर, कुमार एस, *एट ऑल.* आर ट्रॉमेटिक बाइलेटरल एड्रेनल इंजरिज़ एसोसिएटेड विद् हाई मोर्बिडिटी एण्ड मोर्टेलिटी? – ए प्रोस्पेक्टिव ऑब्सर्वेशनल स्टडी। *जे ट्रॉमा मैनेज आउटकम्स* 20156;9: 6.

1162. पांडा ए, कुमार ए, गमनगट्टी एस, मिश्रा बी. विट्रोप्सी कंप्यूटिड टोमोग्राफी इन ट्रॉमा : नोर्मल पोस्टमॉर्टम चेंजिस एण्ड पैथोलॉजिक स्पेक्ट्रम ऑफ फाइंडिंग। *क्युर प्रोबल डायग्न रेडियोल* 2015;44(5): 391–406.

1163. पांडा ए, पाल सिंह टी, सत्पथी जी, वाधवानी एम, मटवानी एम. कम्पेरिजन ऑफ पॉलीमेरेज चेन रिएक्शन एंड स्टैण्डर्ड माइक्रोबायोलॉजिकल टेक्निक्सि इन प्रीसुमेड बैक्टीरियल कॉर्नियल अल्सर्स. *इंट ओफ्थाल्मोल* 2015 अप्रैल; 35(2) : 159–65.

1164. पाण्डा एस, सिक्का के, पुंज जे, शर्मा एससी. बिलेटरल कोंजिनिटल एल्वियोलर साइनेकी – ए रेयर कौज़ ऑफ ट्रिस्मस। *मैक्सीलोफेक प्लास्ट रिकंस्ट्र सर्ज* 2016;38(1):8.

1165. पाण्डा एसके, कपूर एन, पालिवाल डी, दुर्गपाल एच : रिकॉम्बिनेंट हेपेटाइटिस ई वायरस लाइक पार्टिकल्स केन फंक्शन एज़ आरएनए नैनोकैरिज़। *जै नैनोबायोटेक्नोलॉजी* 2015;13(44):1287–92.

1166. पाण्डेय एके, करुणानिथि एस, पटेल सीडी, शर्मा एसके, बाल सी, कुमार आर. कोल्ड स्पॉट इन द यूनिफॉर्म सीओ–57 इमेज मे नोट नेसेर्सली बी ड्यू टू फोटोमल्टीप्लायर ट्यूब फेल्योर ऑर वेरिएशन इन फोटोमल्टीप्लायर ट्यूब टूनिंग : ए टेकनिकल नोट। इण्डियन जे न्यूक्लियर मेड 2015;30:187–9.

1167. पाण्डेय एके, कुमार जेपी, अहीर डी, शर्मा ए, हसन बी, पटेल सी, एट ऑल। डेवलपमेंट ऑफ ए कंवर्शन प्रोग्राम टू मेक एसआईएमआईएनडी – जनरेटिड एसपीईसीटी डेटा इंटरफाइल एक्सेप्टेबल टू जेलेरिस। न्यू. मेड कॉमन 2015;36: 1264–7.

1168. पाण्डेय एके, शर्मा एसके, अग्रवाल केके, शर्मा पी, बाल सी, कुमार आर. डिजिटल कंट्रास्ट एंहांसमेंट ऑफ (18)फ्लोरिन – फ्लोरोडियोक्साग्लुकोस पॉजिट्रोन एमिशन टोमोग्राफी इमेज इन हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा। *इण्डियन जे न्यू. मेड* 2016;31:20–6.

1169. पाण्डेय एके, शर्मा एसके, करुणानिथि एस, कुमार पी, बाल सी, कुमार आर. कैरेक्टराइजेशन ऑफ पैरेलल – होल कोलिमेटोर यूजिंग मोंटे कारलो सिमुलेशन। *इण्डियन जे न्यू.मेड* 2015;30: 128–34.

1170. पाण्डेय डी, गर्ग पीके, जखेटिया ए, पाण्डेय आर, भोरिवाल एस, नाथ डी, एट ऑल। सर्जिकल एक्सपीरियंस ऑफ प्राइमरी सेलिवरी ग्लैंड ट्यूमर्स ऑफ लंग : ए केस सिरिज़। *इंट्र जे सर्ज* 2015;21:92–6.

1171. पाण्डेय डी, गर्ग पीके, जखेटिया ए, शर्मा जे, चंद्रशेखरण एसएच. मार्कीडली एलिवेटिड लिवर ट्रांसमिनेसिस फॉलोइंग पेंक्रीटीकॉडौडेनेक्टोमी : सेलियाक आर्टरीथ्रोम्बोसिस इन डिस्गस। *हेपेटोबिलियरी सर्ज न्यूट्र* 2015;4(5): 367–8.

1172. पाण्डेय डी, गर्ग पीके, राय एमडी, मिश्रा ए. सर्जिकल कॉन्ट्रोवर्सिस इन द मैनेजमेंट ऑफ पोस्ट – कीमोथेरेपी नॉन रेट्रोपेरिटोनियल रेसिड्यूल डिजीज इन मेटास्टेटिक नॉन सेमिनोमेटौस जर्म सेल ट्यूमर्स। साउथ एशियन जे कैंसर 2016;5(1): 20–2.

1173. पाण्डेय आर एम. कॉमनली यूज़्ड टी–टेस्ट्स इन मेडिकल रिसर्च। *जे प्रेक्ट कार्डियोवेस्क साइं* 2015;1:185–8.

1174. पाण्डेय आर, सिंह पीएम, गर्ग आर, दारलॉन्ग वी, पुंज जे. पेरिऑपरेटिव कंसर्नंस इन ए बीटा – केटोथिओलेज़ – डेफिशियंट चाइल्ड। *जे एनेस्थे* 2015;29 (4):647.

1175. पाण्डेय आरके, बत्रा एमएम, दारलॉन्ग वी, गर्ग आर, पुंज जे, कुमार एस. एनेस्थेटिक मैनेजमेंट आूफ पार्टयूरियंट विद् थोरेसिक किफोस्कोलिओसिस, मलेरिया एण्ड एक्यूट रेस्पीरेटरी डिस्ट्रेस सिंड्रोम फॉर

अर्जेंट सीसेरियन सेक्शन। *जे एनेस्थेसियोल क्लिन फार्माकोल* 2015;31 (4):558–9.
1176. पाण्डेय आरके, सुब्रमण्डयम आरके, दारलॉन्ग वी, लेखा सी, गर्ग आर, पुंज जे एट ऑल। एवेल्यूशन ऑफ ग्लोटिक व्यू थ्रो एयर – क्यू इंट्यूबेटिंग लेरिंजियल एयरवे इन द सुपाइन एण्ड लेटरल पॉजिशन एण्ड असेसिंग इट एज़ ए कनड्यट फॉर ब्लाइंड एण्डोट्रेकियल इंट्यूबेशन इन चिल्ड्रन इन द सुपाइन पॉजिशन। पीडियाट्र एनेस्थ 2015;25 (12): 1241–7.
1177. पाण्डेय वी, भुटिया ओ, नगोरी एसए, सेठ ए, रॉयचौधरी ए. मैनेजमेंट ऑफ मेंडिबुलर एंगल फ्रैक्चर्स यूजिंग ए 1.7 मि. मी. 3 – डाइमेंशनल स्ट्रूट प्लेट। *जे ओरल बायोल क्रेनिओफेक रेस* 2016;6(1): 35–40.
1178. पण्डित एके, कुमार पी, कुमार ए, चक्रबर्ती के, मिश्रा एस, प्रसाद के. हाई डोज़ स्टेटीन थेरेपी एण्ड रिस्क ऑफ इंट्रोसेरब्रल हेमोरेज : ए मेटा – एनालाइसिस। एक्टा न्यूरोल स्कैंड 9 दिसंबर 2015. डीओआई : 10.1111/एएनई.12540.
1179. पण्डित ए के, प्रसाद के, सेठ टी. ऑटोलॉगस हेमेटोपॉइटिक स्टेम सेल ट्रांसप्लांटेशन इन प्रोग्रेसिव सिवियर मल्टीपल स्क्लेरोसिस। एन्न इण्डियन एकेड न्यूरोल 2015; 18: 459–63.
1180. पंडित बी एन, चतुर्वेदी वी, प्रारख एन, गडे एस, त्रेहन वी. रैपिड गाइडिंग कैथेटर स्वैपिंग फॉर मैनेजमेंट ऑफ रप्चर ड्यूरिंग पर्सक्यूटेनियस वेनोप्लास्टी फॉर इडियोपैथिक ओक्ल्यूशन ऑफ सुपिरियर वेना कावा. *कार्डियोवैस्क इंटरव थेर* 2015;30(2): 171–5.
1181. पंत एन, कुमार जी, उपाध्याय ए डी, गुप्ता वाई के, चतुर्वेदी पी के. कोरिलेशन बिटवीन लीड एंड कैडमियम कंसंट्रेशन एंड सीमन क्वालिटी. *एंड्रोलॉजिया* 2015; 47 : 887–91.
1182. प्रारख एन, जगिया पी, होते एम, आरव एस. जायंट हाइडेटिड क्रिस्ट ऑफ द इंटरवेंट्रिकुलर सेप्टम। इकोकार्डियोग्राफी 2016;33:488–90.
1183. पारख एन, कार्तिकेयन जी, भार्गव बी. क्रीटिंग हेल्थी हार्ट एंवार्यमेंट। इण्डियन जे मेड रेस 2015;142(3): 235.
1184. पारख एन, मेहरोत्रा एस, सेठ एस, रामाकृष्णन एस, कोठारी एस एस, भार्गव बी, एट ऑल. एनटी प्रो बी टाइप नेट्रीयूरेटिक पेप्टाइड लेवल्स इन कंस्ट्रिक्टिव पेरीकार्डिटिस एंड रेस्ट्रिस्टिव कार्डियोमायोपैथी. *इंडियन हार्ट जे* 2015;67(1):40–4.
1185. पारख एन. सडन कार्डियक डेथ। जे प्रेक्ट कार्डियोवेस्क साइंस 2015;1(2): 113.
1186. परिदा जीके, धुल्ल वीएस, करुणानिथि एस, अरोड़ा एस, शर्मा ए, शमीम एसए. एक्युरेट कैरेक्टराइजेशन ऑफ स्केलेटल लैशंस इन ट्यूबरौस स्क्लेरोसिस कॉम्प्लेक्स यूजिंग 99एमटीसी एमडीपी एसपीईसीटी / सीटी। क्लिन न्यू मेड 2015;40:ई444–5.
1187. परिदा जीके, सौन्दर्यराजन आर, पाशा ए, बाल सी, कुमार आर. मेटाबोलिक स्केलेटल सुपरस्कैन ऑन 18एफ – एफडीजी पीईटी / सीटी इन ए केस ऑफ एक्युट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया। क्लिन न्यू. मेड 2015;40:567–8.
1188. परमार ए, रंजन आर, सरकार एस, सागर आर. लेट – ओनसेट ओब्सेसिव – कॉमपल्सिव डिस्ऑर्डर विदाउट एविडेंस ऑफ फोकल सेरेब्रल लैशंस : ए केस सिरीज़। *दिल्ली साइकियाट्रिक जर्नल* 2015;18(2): 447–9.
1189. पासवान एस एस, कटारिया के, प्रसाद आर, श्रीवास्तव ए, सीनू वी, मिश्रा बी. फेसिबिलिटी ऑफ फास्ट ट्रैक डिस्चार्ज इन ब्रेस्ट कैंसर पेशेंट्स अंडरगोइंग डेफिनिटिव सर्जरी एंड इम्पैक्ट ऑन क्वालिटी ऑफ लाइफ : ए प्रोस्पेक्टिव स्टडी फ्रॉम टर्शरी केयर सेंटर इन इंडिया. *जे सर्ज ओंकोल* 2015;111(3):265–9.
1190. पटेल एस, कुमार एल, सिंह एन. मेटफोर्मिन एण्ड एपिथेलियल ओवेरियन कैंसर थेरोपियूटिक्स। सेल ओंकोल (डीऑर्डर) 2015;38(5):365–75.

1191. पटेल एस, सिंह एन, कुमार एल. एवेल्यूशन ऑफ इफेक्ट्स ऑफ मेटफोर्मिन इन प्राइमरी ओवेरियन कैंसर्स सेल्स। एशियन पेक जे कैंसर प्रेव 2015;16(16): 6973–9.

1192. पटेल एसए, शिवाशंकर आर, अली एमके, अंजाना आरएम, दीपा एम, कपूर डी, एट ऑल। इज़ द 'साउथ एशियन फिनोटाइप' यूनिक टू साउथ एशियंस?: कम्पेरिंग कार्डियोमेटाबोलिक रिस्क फेक्टर्स इन द सीएआरआरएस एण्ड एनएचएएनईएस स्टडीज़। *ग्लोब हार्ट* 2016;11:89–96.ई3.

1193. पटेल वी, पारीख आर, नंदराज एस, बालसुब्रह्मण्यम पी, नारायण के, पॉल वीके, एट ऑल। एस्युरिंग हेल्थ कवरेज फॉर ऑल इन इण्डिया। *लांसेट* 2015;386: 2422–35.

1194. पाठक एन, दास बी. पॉलीमरेज चेन रिएक्शन एज़ ए डायग्नोस्टिक टूल इन ह्यूमन वायरल मायोकार्डिटिस। *जे प्रेक्टिस कार्डियोवेस्कुलर साइंस* 2015; 1: 168.

1195. पैथी एस, फ्रांसिस एजी, रॉय एस. कमेंट्स ऑन – – नियोएडजुवेंट कीमो – रेडिएशन विद् आईएमआरटी इन रिसेक्टेबल एण्ड बोर्डरलाइन रिसेक्टेबल पेंक्रीटिक कैंसर। एशियन पेक जे कैंसर प्रेव 2015; 16 (13): 5585.

1196. पैथी एस, कुमार एल, पांडे आरएम, उपाध्याय ए, रॉय एस, डडवाल वी, आदि सभी। इम्पैक्ट ऑफ ट्रीटमेंट टाइन ऑन कीमोरेडियोथेरेपी इन लोकली एडवांस्ड सरवाइकल कार्सिनोमा. *एशियन पेक जे कैंसर प्रेव* 2015; 16 (12): 5075–9..

1197. पैथी एस, कमेंट्स ऑन : रिकरेंस ऑफ प्राइरमी सायनोवायरल सर्कोमा ऑफ द लेक्राइमल ग्लैंड। डेल जे ऑफ्थेलमोल 2015;26:70.

1198. पाटिल पी, खरबंदा ओपी, दुग्गल आर, दास टीके, कल्याणसुदंरम डी, सर्फेस डिटरओरेशन एण्ड एलिमेंटल कम्पोजिशन ऑफ रिट्रीव्ड ऑर्थोडोंटिक मिनिस्क्रूव्स। एएम जे ऑर्थोड डेंटोफेशियल ऑर्थोप 2015;147: एस88–100.

1199. पटनायक आर, बैद्या डीके, मैत्रा एस. अनएंटिसेप्टिड डिफिकल्ट इंट्यूबेशन इन ए पेशेंट विद् जुवेनाइल पेगट डिजीज। *जे क्लिन एनेस्थ* 2015;27(5): 427–8.

1200. पटनायक यू, सिक्का के, अग्रवाल एस, कुमार आर, ठाकर ए, शर्मा एससी. कोकेलर इम्प्लिकेशन : द इण्डियन पर्सपेक्टिव। *एन्न जे ओटोलेरिंजोल, हेड नेक सर्ज* 2015;23:36–8.

1201. पटनायक यू, श्रीवास्तव ए, सिक्का के, ठाकर ए, सर्जरी फॉर वर्टिगो : 10 – इयर ऑडिट फ्रॉम ए कम्टेम्परी वर्टिगो क्लिनिक। *जे लेरिंगोल ओटोल* 2015;129: 1182–7.

1202. पट्टन वी, सेठ एस, जहांगीर डब्ल्यू, भार्गव बी, मौलिक एसके, इफेक्ट ऑफ एट्रोवस्टेटिन एण्ड पाइओग्लिटेजोन ऑन प्लाज्मा लेवल्स ऑफ एडहेशन मोलिक्युल्स इन नॉन – डायबिटीक पेशेंट्स विद हाइपरटेंशन ऑर स्टेबल एंजिना ऑर बोथ। *जे क्लिन मेड रेस* 2015;7(8):613–9.

1203. पटनायक आरडी, चरण डी. डिवेलप्रोक्से सोडियम लीडिंग टू सिग्निफिकेंट सस्टेनेड इम्प्रूवमेंट इन टार्डिव डिस्काइनेसियसा इन ए पेशेंट् विद बाइपोलर डिस्ऑर्डर। *इण्डियन जे* साइकियाट्री 2016;58 (1): 103–4.

1204. पटनायक आरडी, सागर आर. हेल्थ इंश्योरेंस फॉर मेंटल हेल्थ इन इण्डिया : ए वेलकम स्टेम टुवर्ड पेरिटी एण्ड यूनिवर्सल कवरेज। *जे मेंटल हेल्थ हम बिहेव* 2015;21(1): 1–3.

1205. पटनायक आरडी, सागर आर. टू द एंड्स ऑफ द अर्थ एण्ड बीयोंड : सायकोलॉजिकल एस्पेक्ट्स ऑफ याकम्पोलर एक्सपीडिशंस। *जे मेंटल हेल्थ हम बिहेव* 2015;(2): 45–7.

1206. पटनायक आरडी, सागर आर. ट्रेसिंग द जर्नरी ऑफ डिसुलफिरम : फ्रोम अन अनइंटेंडिड डिस्कवरी टू ए ट्रीटमेंट ऑप्शन फॉर एल्कोहोलिज्म। *जे मेंटल हेल्थ हम बिहेव* 2015;1:41–43.

1207. पेटरसन वी, सिंह एम, राजभण्डारी एच, विष्णुभटला एस. वेलिडेशन ऑफ ए फोन एप्प फॉर एपिलेप्सी डायग्नोसिस इन इण्डिया एण्ड नेपाल। सिजर 2015;30:46–9.

1208. पॉल एस बी, शालीमार, श्रीनिवास वी, गमनगट्टी एस आर, शर्मा एच, धमीजा ई, एट ऑल। इंसिडेंस एंड रिस्क फैक्टर्स ऑफ हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा इन पेशेंट्स विद हेपेटिक वेनस आउटफ्लो ट्रैक्ट

ऑब्स्ट्रक्शन. *एलिमेंट फर्माकोल थेयर* 2015; 41: 961–71.

1209. पावर एस, रागेश आर, निश्चल एन, दास सीजे, त्रिपाठी एम, शर्मा एसके. डिस्सेमिनेटिड ट्यूबरकुलोसिस मासक्वेरेडिंग एज़ मेटास्टेटिक पेंक्रीटिक कार्सिनोमा। *जे एसोक फिजिशियन इण्डिया* 2015;63(5):66–8.

1210. पवार एस, रागेश आर, निश्चल एन, शर्मा एस. पाण्डा पीके, शर्मा एसके. यूनिक ट्रायड ऑफ 'प्रेग्नेंसी, काला अजार एण्ड हिमोफेगोसिस्टिक लिम्फोहिस्टियोसिटोसिस सिंड्रोम फ्रॉम ए नॉन – एंडेमिक रिजन;। जे एसोक फिजिशियन इण्डिया 2015;63:65–8.

1211. पवार एस, शर्मा ए, रागेश आर, निश्चल एन, झा एस, दास सीजे, एट ऑल। अन इंटर्सटिंग केस ऑफ बाइलेटरल लंग कोंसोलिडेशन। *ले एसोक फिजिशियंस इण्डिया* 2015;63(7):54–7.

1212. पीसाह एस के, पुरकायस्था डी आर, कौल पी ए, दावूद एफ एस, साहा एस, अमरचंद आर, *आदि* / द कॉस्ट ऑफ एक्यूट रेस्पिरेट्री इंफेक्शंस इन नॉर्दन इंडिया : ए मल्टी–साइट स्टडी. *बीएमसी पब्लिक हेल्थ* 2015;15:330.

1213. पेशिन एसएस, हल्दर एन, जठीकार्ता सी, गुप्ता वायके. यूज़ ऑफ मक्ररी – बेस्ड मेडिकल इक्विपमेंट एण्ड मक्ररी कंटेंट इन इफ्ल्यूंट्स ऑफ टर्शरी केयर हॉस्पिटल इन इण्डिया। एंवार्योन मोनिट एक्सिस 2015;187(3): 145.

1214. पिल्लै आरएस, माथुर वीपी, जैन वी, शाह एन, कालरा एस, कुमार पी, एट ऑल। एसोसिएशन बिटवीन डेंटल प्रोस्थेसिस नीड, न्यूट्रिशनल स्टेट्स एण्ड क्वालिटी ऑफ लाठफ ऑफ एलडर्ली सबजेक्ट्स। क्वाल लाईफ रेस 2015;24(12):2863–71.

1215. पूनिया एस, बेहरा सी, मृधा एआर, स्वैन आर. कार्डियक रैप्चर डिलेयड फॉर ए वीक इन एन सिम्प्टोमैटिक चाइल्ड फॉलोइंग ब्लंट ट्रॉमा। मेड साइंस लॉ 2016:56(3):217–20.

1216. पोडेल आर, कुमार वी एस, कुमार ए, खान एसए. पब्लिकेशन ट्रेंड इन द इंडियन जर्नल ऑफ ऑर्थोपेडिक्स : व्हाट इज़ पब्लिशड एण्ड वाय? *इण्डियन जे ऑर्थोप* 2015;49(6):661–4.

1217. प्रभाकर एच, कलाईवेनी एम. प्रोपोफोल वर्सस थायोपेंटल सोडियम फॉर द ट्रीटमेंट ऑफ रिफ्रैक्टरी स्टेट्स एपिलेप्टिकस। कोकैन डेटाबेस सिस्ट रेव 2015;सीडी009202.

1218. प्रभाकर एच, रथ एस, कलाईवेनी एम, भंडारी एन. एड्रेनलाइन विद लिडोकाइन फॉर डिजिटल नर्व ब्लॉक्स. कोक्रन डेटाबेस सिस्ट रिव 2015;सीडी010645.

1219. प्रभाकर एच, सिंह जी पी, अली जेड, कलाईवेनी एम, स्मिथ एमए. फार्माकोलॉजिकल एण्ड नॉन – फार्माकोलॉजिकल इंटरवेंशंस फॉर रिड्यूसिंग इंड्यूज्ड रोक्युरोनियम ब्रोमाइड इंड्यूस्ड पेन ऑन इंजेक्शन इन चिल्ड्रन एण्ड एडल्ट्स। कोकैन डेटाबेस सिस्ट रेव 2016;2:सीडी009346.

1220. प्रभाकर एच, सिंह जी पी, आनंद वी, कलाईवेनी एम. मैननिटॉल वर्सिस हाइपरटॉनिक सेलाइन फॉर ब्रेन रिलेक्शन इन पेशेंट्स अंडरगोइंग क्रेनियोटॉमी. साओ पॉलो मेड जे 2015;133:166–7.

1221. प्रभाकर एच, सिंह जी पी, अली जेड, कलाईवेनी एम. स्मिथ एमए. फार्माकोलॉजिकल एण्ड नॉन – फार्माकोलॉजिकल इंटरवेंशंस फॉर रिड्यूसिंग रिक्युरोनियम ब्रोमाइड इंड्यूस्ड पेन ऑन इंजेक्शन इन चिल्ड्रन एण्ड एडल्ट्स। कोक्रेन डेटाबेस सिस्ट रेव। 2016.12;2:सीडी009346.

1222. प्रभाकर पी, रीटा के एच, मौलिक एस के, डिंडा ए के, गुप्ता वाय के. प्रोटेक्टिव इफेक्ट ऑफ थिमोक्विनोन एगेंस्ट हाइ फ्रेक्टोस डाइट – इंड्यूस्ड मेटोबोलिक सिंड्रोम इन रेट्स. र्इयूआर जे न्यूट्रि 2015; 54(7):1117–27.

1223. प्रजापति एससी, सिंह आर, चौहान एसएस. ह्यूमन डिपेपटीडायल पेप्टाइडेस 3 रेगुलेट्स जी – प्रोटीन कप्लड रिसेप्टर – डिपेंडेंट सीए 2 + कंसेंट्रेशन इन ह्यूमन एम्ब्रयोनिक किडनी 293टी सेल्स। बायोल केम 2016;397(6):563–9.

1224. प्रकाश के, चंद्रण डीएस, खडगवत आर, जरयाल एके, दीपक केके. कॉरिलेशंस बिटवीन एण्डोथेलियल फंक्शन इन द सिस्टमिक एण्ड सेरेब्रल सर्कुलेशन एण्ड इंसुलिन रेसिस्टेंस इन टाइप 2 डायबिटीज़

मेलिट्स। डायब. वेस्क डिस रेस 2016;13:49–55.
1225. प्रकाश के, चंद्रण डीएस, खडगवत आर, जरयाल एके, दीपक केके. वेस्ट सक्रमफरेंस रैदर दैन बॉडी मास इंडेक्स इन बेटर इंडिकेटर ऑफ इंसुलिन रेसिस्टेंस इन टाइप 2 डायबिटीज़ मेलिट्स इन नोर्थ इण्डियन पॉपुलेशन। *इण्डियन जे फिजियोल फार्माकोल* 2016;60(1):52–7.
1226. प्रकाश पी, बंसल वीके, मिश्रा एमसी, बाबू डी, सागर आर, कृष्णा ए, आदि सभी। ए प्रोस्पेक्टिव रेण्डोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल कम्पेरिंग क्रोनिक ग्रोइन पेन एण्ड क्वालिटी ऑफ लाइफ इन लाइटवेट वर्सस हैवीवेट पॉपीप्रोपिलेन मेश इन लेपेरोस्कोपिक इंगुइनल हार्निया रिपेयर। जे मिनिम एक्सेस सर्ज 2016;12(2): 154–61.
1227. प्रकाश एस, अम्बेडकर ए, दयाल पी. ओकेशनल एल्कोहल यूज, रिलेप्स टू ओपियॉइड एण्ड द रोल ऑफ डिसुलफिरम। जर्नल ऑफ सबस्टेंस यूज़ 2016;21:228–9.
1228. प्रकाश एस, सागर आर. फिनोमेनोलॉजी ऑफ ऑब्सेसिव कॉमपल्सिव डिस्ऑर्डर : टेकिंग ए फ्रेश लॉक। एशियन जे सायकियाट्र 2015;17:114–5.
1229. प्रकाश एस, सागर आर. सायकियाट्रिक क्लासिफिकेशन : करेंट डिबेट एण्ड फ्युचर डायरेक्शंस। एशियन जे सायकियाट्र 2016;20:15–21.
1230. प्रकाश वी, ठुकराल ए, शंकर एमजे, अग्रवाल आरके, पॉल वीके, देवरारी एके. एफिकेसी एण्ड एक्सेप्टेबिलिटी ऑफ एन ''एप्प ऑन सिक न्यूबोर्न केयर'' इन फिजिशियन फ्रॉम न्यूबोर्न यूनिट्स। *बीएमसी मेड एजुक* 2016;16:84
1231. प्रसाद जीएल, कुमार आर, कुरवाले एन, सुरी वी. इंटरवेंट्रिकुलर गैंग्लियोग्लियोमास : ए रिव्यू। वर्ल्ड जे न्यूरोसर्ज 2016;87:39–44.
1232. प्रसाद जीएल, शर्मा एमएस, काले एसएस, अग्रवाल डी, सिंह एम, शर्मा बीएस. गमन नाइफ रेडियोसर्जरी इन द ट्रीटमेंट ऑफ एब्ड्यूसेंस नर्व शेवेननोमा : ए रेट्रोस्पेक्टिव स्टडी। जे न्यूरोसर्ज। 2016;29: 1–6.
1233. प्रसाद टी वी, मधुसूदन के एस, श्रीवास्तव डी एन, दास एन आर, गुप्ता ए के. ट्रांसऑर्टियल कीमोएम्बोलाइजेशन फॉर लिवर मेटोस्टेसिस फ्रॉम सॉलिड स्यूडोपैपिलरी एपिथिलियल नियोप्लाज्मा ऑफ पैन्क्रियास : ए केस रिपोर्ट. वर्ल्ड जे रेडियोल 2015;7:61–5.
1234. प्रात जे, बेलहाडज़ एच, बेरेक जे, बरमुडेज ए, भाटला एन, चेन जे, आदि सभी। एफआईजीओ कमेटी ऑन गायनेकोलॉजिक ओंकोलॉजी। एब्रिज्ड रिपब्लिकेशन ऑफ एफआईजीओ स्टेजिंग क्लासिफिकेशन फॉर कैंसर ऑफ द ओवरी। फॉलोपेन ट्यूब, एण्ड पेरिटोनियम। *यूर जे गायनेकोल ओंकोल* 2015;36(4):367–9.
1235. प्रताप मौली वी, बेंजामीन जे, भूषण सिंह एम, मणि के, गर्ग एस के, सराया ए, एट आल. इफेक्ट ऑफ प्रोबायोटिक वीएसएल 3 इन द ट्रीटमेंट ऑफ मिनिमल हिपेटिक एंसेफेलोपैथी : ए नॉन – इंफेरियोरिटी रेंडोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल. हिपेटोल रेस 2015; 45 (8) : 880–9.
1236. प्रवीण ईपी, चौहान एस, साहू जे, गोयल एसके, द्विवेदी एसएन, खुराना एमएल, आदि सभी। इफेक्ट ऑफ डिफरेंट इंसुलिन रेस्पोंस पैटर्न ड्यूरिंग ओरल ग्लूकोस टोलरेंस टेस्ट ऑन ग्लाइसेमिया इन इंडिविजुअल्स विद् नोर्मल ग्लूकोस टोलरेंस। डायबिटीज़ टेकनोल थर 2016;18:316–26.
1237. प्रीतम सी, ठाकर ए, प्राइमरी स्लिवल – म्युकोसेले – ईएनटी पर्सपेक्टिव इन अर्ली डायग्नोसिस एण्ड मैनेजमेंट। *क्लिनिकल राइनोलॉजी* 2015;8:27–9.
1238. प्रियादर्शनी पी, अग्रवाल एस, गुलेरिया एस, शर्मा एस, गुलाटी जी एस. शॉर्ट–टर्म इफेक्ट्स ऑफ रीनल ट्रांसप्लाटेशन ऑन कोरोनरी आर्टरी क्लासीफिकेशन : ए प्रोस्पेक्टिव स्टडी. साउदी जे किडनी डिस् ट्रांस्प्ल 2015;26(3):536–43.
1239. पूनिया पी, भारद्वाज एन, माथुर पी, गुप्ता जी, मिश्रा एम सी. प्रोफाइल ऑफ फेटल स्ट्रेप्टोकोकल बैक्टीरियामिया एट ए टर्शरी केयर इंडियन हॉस्पीटल. इंडियन जे मेड

माइक्रोबायोल 2015; 33 (1) : 148 – 51.
1240. पुरी आई, विभा डी, प्रसाद के, भाटिया आर. इज़ कोंजिनिटल मेलानोसायटिक नाइवस ए लिंक बिटवीन हिरायामा डिजीज एण्ड मोयामोया पैटर्न : ए न्यू सिंड्रोम ऑर ए कॉ–इंसिडेंस? बीएमजे केस रेप. 2016 जनवरी 8;2016
1241. पुरी पी, आनंद एसी, सरस्वत वीए, आचार्य एसके, धीमन आरके, सरीन एसके, एट ऑल। इण्डियन नेशनल एसोसिएशन फॉर स्टडी ऑफ द लिवर (आईएनएएसएल) गाइडेंस फॉर एंटीवायरल थेरेपी अगेंस्ट एचसीवी इंफेक्शन इन 2015. जे क्लिन एक्स हेपेटोल 2015;5(3):221–38.
1242. पुरकैत एस, जैन डी, मदन के, माथुर एस, अय्यर वीके. कम्बाइंड स्मॉल सेल कार्सिनोमा ऑफ द लंग : ए केस डायग्नोस्ड ऑन ब्रोकोस्कोपिक वॉश साइटोलॉजी एण्ड ब्रोंकियल बायोप्सी साइटोपैथोलॉजी 2015; 26 : 197–99.
1243. पुरकैत एस, शर्मा वी, झा पी, शर्मा एमसी, सुरी वी, सुरी ए, एट ऑल। ईजेडएच2 एक्सप्रेशन इन ग्लियोमास : कॉरिलेशन विद् सीडीकेएन2ए जीन डिलेशन / पी16 लॉस एण्ड एमआईबी – 1 प्रोलिफेरेशन इंडेक्स। *न्यूरोपैथोलॉजी* 2015;35(5): 421–31.
1244. पुरकैत एस, शर्मा वी, कुमार ए, पाठक पी, मलिक एस, झा पी, एट ऑल। एक्सप्रेशन ऑफ डीएनए मेथिलट्रांसफरेसिस 1 एण्ड 3 बी कॉरिलेट्स विद् ईजेडएच2 एण्ड दिस 3 – माक्रर एपिजेनेटिक सिग्नेचर प्रीडिक्टस आउटकम इन ग्लियोब्लास्टोमास। *एक्स मोल पैथोल* 2016;100(2):312–20.
1245. पुरोहित ए, वेंकटेशन एस, अग्रवाल एम, सिंह जे, शर्मा आर, महापात्रा एम, पति एच पी, सक्सेना आर. इम्युनोफिनोटाइपिक एबेरेंसी ऑफ ए केस ऑफ हेयरी सेल ल्यूकेमिया. इंडियन जे हिमेटोल ब्लड ट्रांसफ्यूस 2015; 31 (2) : 292–4.
1246. पुरोहित एएच, अग्रवाल एम, कोतरु एम, पति एचपी. प्लेटलेट एग्रीगेशन स्टडी : वैल्यूएबल एड टू डायग्नोज़ डिस्फाइब्रिनोजेनेमिया। इजिप्ट जे हेइमेटोल 2015;40:11–12.
1247. पुरोहित एएच, कुमार पी, शर्मा एस, कपिल ए, गुप्ता ए, मुखोपाध्याय एके. वॉल्यूम, कंडक्टिविटी, एण्ड स्कैट्टर पैरामीटर्स एज़ डायग्नोस्टिक एड टू बैक्टीरियल सेप्सिस : ए टर्शरी केयर एक्सपीरियंस। *इण्डियन जे पैथोल माइक्रोबायोल* 2015;58(4): 459–63.
1248. पुष्कर एन, बत्रा जे, मील आर, बजाज एम एस, चावला बी, घोष एस. लेटरल आइलिड रोटेशन फ्लेप : ए नोवल तकनीक फॉर रिकंस्ट्रक्शन ऑफ फुल थिकनेस आइलिड डिफेक्ट. इंट ऑफ्थेल्मोल 2015; 35 (6) : 793–9.
1249. पुष्कर एन, खुराना एस, कश्यप एस, सेन एस, श्रेय डी, मील आर, एट ऑल। ओरबिटल शेवेननोमा : ए क्लिनिकोपैथोलॉजिक स्टडी. इंट ऑफ्थेल्मोल 2015; 35 (4) : 481–6.
1250. क़ाद्री एम, कामते एम, शर्मा एस, ओलजैती एस, ग्राफलैण्ड जे, ब्रीडवेल्ड जी जे, एट ऑल. मैग्नीज ट्रांसपोर्ट डिस्ऑर्डर : नोवल एसएलसी30ए10 म्यूटेशन्स एण्ड अर्ली फिनोटाइप्स। मोव डिस्ऑर्डर 2015; 30 (7) : 996–1001.
1251. रेबोडोएरिवेलो एमएस, इम्पेरिएबल बी, एण्ड रैनिया वोमिकोट्रोका आर, ब्राण्डोओ ए, कुमार पी, सिंह एस, आदि सभी। परफोर्मेंस ऑफ फौर ट्रांसपोर्ट एण्ड स्टोरेज सिस्टमस फॉर मोलिकुलर डिटेक्शन ऑफ मल्टीड्रग – रेसिस्टेंट ट्यूबरकुलोसिस। पीएलओएस वन 2015;10(10):ई0139382.
1252. रहेजा ए, बोरकर एस ए, नालवा ए, सूरी वी. प्राइमरी स्पाइनल एक्स्टाओसियस सर्वाइकल कोंड्रोमा इन एन अडल्ट. न्यूरोल इंडिया 2015; 63 (1) : 114–6
1253. रहेजा ए, सिंह पीके, नाम्बीराजन ए, शर्मा एमसी, शर्मा बीएस. डिफ्युज लेप्टोमेनिजियल स्प्रेड ऑफ सुप्राटेंटोरियल रिकरेंट पिलोसयाटिक एस्ट्रोसायटोमा इन ए चाइल्ड। *जे पीडियाट्र न्यूरोसाइंस* 2015;10: 408–11.

1254. रहेजा ए, सुरी ए, सिंह एस, कुमार आर, कुमार आर, नाम्बीराजन ए, एट ऑल। मल्टीमॉडेलिटी मैनेजमेंट ऑफ ए जायंट स्कल बेस हेमेनजियोएण्डोथेलियओमा ऑफ द स्फेनोपेट्रोस्लीवल रिजन। *जे क्लिन न्यूरोसाइंस* 2015;22:1495–8.
1255. रहेजा ए, टंडन वी, सुरी ए, सरत चंद्रा पी, काले एसएस, गग्र ए, एट ऑल। इंशियल एक्सपीरियंस ऑफ यूजिंग हाई फील्ड स्ट्रेंथ इंट्राऑपरेटिव एमआरआई फॉर न्यूरोसर्जिकल प्रोसिजर्स। *जे क्लिन न्यूरोसाइंस* 2015;22:1326–31.
1256. राहुल के, हाण्डा एन, चंद्रशेखरण एसएच, उषा टी, सिंह ए, अन एटिपिकल केस ऑफ पीओईएमएस सिंड्रोम विद् एन ऑस्टीओलाइटिक बोन लैशन। *जे क्लिन डायग्न रेस* 2015;9(6):एक्सडी01–एक्सडी02
1257. राहुल के, पाण्डा ए, हाण्डा एन, हरि एस. एपिडर्मल इंक्लूशन सिस्ट इन ए मेल ब्रेस्ट : पैरलल लाइनियर इकोज़ (ट्रम – ट्रैक एपीरियंस) ऑफ सोनोग्राफी एज़ ए डायग्नोस्टिक क्लू। *बीएमजे केस रेप 2015 : 2015*
1258. राय एन, कुमार ए, यादव एससी, देवगौरो वी, मखिजा एन, चौहान एस. ए कम्पेरिजन ऑफ रिंगर लेक्टेट विद् एसिटेट एण्ड मेलीट कंटेनिंग बैलेंस्ड क्रिस्टेलॉइड फॉर प्राइमिंग इन पीडियाट्रिक पेशेंट्स अंडरगोइंग कार्डियोपल्मोनरी बायपास। इण्डियन जे एक्स्ट्राकॉर्पोरील टेकनोल 2015;(24): 47–54.
1259. राय एन, प्रसाद के, भटिया आर, विभा डी, सिंह एमबी, राय वीके, एट ऑल। डेवलपमेंट एण्ड इम्प्लिमेंटेशन ऑफ एक्यूट स्ट्रोक केयर पाथवे इन ए टर्शरी केयर हॉस्पिटल इन इण्डिया : ए क्लस्टर – रेण्डोमाइज्ड स्टडी। न्यूरोल इण्डिया 2016; 64 पूरक : एस39–45.
1260. राय एन के, गोयल वी, कुमार एन, शुल्का जी, श्रीवास्तव ए के, सिंह एस, एट ऑल। न्यूरोसाइकियाट्रिक को– मोर्बिडिटीज़ इन नॉन – डीमेंटिड पार्किन्सन डिजीज. एन. इंडियन अकैड न्यूरोल 2015;18(1):33–8.
1261. राय आर, दास बी, चौधरी एन, तालुकदार ए, राव डीएन. एमएपी ऑफ एफ1 और वी एंटीजंस फ्रॉम यरसिनिया पेसटिस एस्ट्राइड इंनेट एण्ड एडेप्टिव इम्यून रेस्पोंस। *जे माइक्रोबायोल पैथोजेनेसिस* 2015;87:13–20.
1262. राय एसके, गुप्ता ए, श्रीवास्तव आर, बैरवा एम, मिश्रा पी, कांत एस, आदि सभी। डिकेडल ट्रांसशन ऑफ एडल्ट मोर्टेलिटी पैटर्न एट बल्लभगढ़ एचडीएसएस : एविडेंस फ्रॉम वर्बल ऑटोप्सी डेटा। बीएमसी पब्लिक हेल्थ 2015;15:781.
1263. रैना ए, चौधरी जी, डोगरा टी डी, खण्डेलवाल डी, बलयान ए, जैन वी, एट ऑल। बेनिफिट ऑफ एसटीआर – बेस्ड काइमेरिस्म एनालाइसिस टू आइडेंटीफाइ टीए–जीवीएचडी एज ए कॉज ऑफ डेथ : युटिलिटी ऑफ वेरियस बायोलॉजिकल स्पेसमेंस. मेड साइं. लॉ. 2016;56(2):142–6.
1264. रैना ए, लीनार्स ए, बीके एम, लीनास एल, टीडी डी. डिसेप्शन एण्ड वेजिनल स्लाइड्स : डो वी नीड टू प्रीसर्व ए कंट्रोल सैम्प्ल ऑफ विटामिंस इन एवरी केस ऑफ रेप? जे फोरेंसिक मेड लेग एएफएफ 2016;1:103.
1265. रायजादा एन, ज्योत्सना वीपी, उपाध्याय एडी, गुप्ता एन. बोन मिरनल डेंसिटी इन यंग एडल्ट वूमेन विद् कोंजिनिटल एड्रेनल हाइपरप्लासिया। *इण्डियन जे एण्डोक्राइनोल मेटाब* 2016;20:62–6.
1266. रायजादा एन, रहमान एसएच, कांडास्वामी डी, ज्योत्सना वीपी. रेयर एसोसिएशन ऑफ इंसुलिन ऑटोइम्यून सिंड्रोम विद् एंकीलोसिंग स्पोंडिलिटिस। *एण्डोक्राइनोल डायबिटीज़ मेटाब केस रेप* 2015;2015:150090.
1267. राज जेजेआर, आनंद एस. एफिशियंट एनालाइसिस एण्ड एवेल्यूशन ऑफ इलास्टिसिटी ऑफ ब्रेस्ट ट्यूमर्स यूजिंग अल्ट्रासाउंड इन इण्डियन वूमेन। इंट जे बायोमेड इंजीनियरिंग टेकनोल 2015;18:227–39.

1268. राज के, भाटिया आर, प्रसाद के, पद्मा एम वी, विष्णुभाटला एस, सिंह एम बी. सीजनल डिफरेंसिस एण्ड सिरकेडियन वेरिएशन इन स्ट्रोक ऑक्यूरेंस एण्ड स्ट्रोक सबटाइप्स. जे. स्ट्रोक सेरेब्रोवेस डिस 2015; 24 : 10–6.
1269. राज वाय, साहु डी, पाण्डे ए, वेंकटेश एस, रेड्डी डी, बक्काली टी, एट ऑल। मॉडलिंग एण्ड एस्टीमेशन ऑफ एचआईवी प्रीवलेंस एण्ड नंबर ऑफ पीपल लिविंग विद् एचआईवी इन इण्डिया। 2010 – 2011. इंट जे एसटीडी एड्स 2015 पीआईआई : 0956462415612650 (मुद्रण से पहले ई प्रकाशन)
1270. राजारमन पी, एनडर्सन बी ओ, बासु पी, बेलिनसन जे एल. क्रूज एडी, ढिल्लन पी., एट ऑल रिकमंडेशन्स फॉर स्क्रीनिंग एण्ड अर्ली डिटेक्शन ऑफ कॉमन कैंसर इंन इंडिया. लैनसेट ओंकोल 2015; 16 (7) : ई352 – 61.
1271. राजशेखर पी, तलवार एस, कोठारी एसएस, आनंद ए, आयरन बी. इंस्टीट्यूशनल एक्सपीरियंस ऑफ एस्सिस्टिंग कैवोपल्मोनरी सर्कुलेशन विद् सेंट्रल सिस्टेमिक आर्टरी–टू–सेंट्रल सिस्टेमिक वेन शंट। वर्ल्ड जे पीडियाट्र कॉन्जिनिटल हार्ट सर्ज 2016;7(1):36–42.
1272. राजावेल एआर, कुमार एनपी, नटराजन आर, वेनेमैल पी, राठिनाकुमार ए, जम्बुलिंगम पी. मोर्फोलॉजिकल एण्ड मोलिक्युलर कैरेक्टराइजेशन ऑफ द इकोलॉजिकल, बायोलॉजिकल एण्ड बिहेवियरल वेरियंट्स ऑफ द जेई वेक्टर क्युलेक्स ट्रिटाइनहिन्चस : एन असेस्मेंट ऑफ इट्स टेक्सोनोमिक स्टेट्स। *जे वेक्टोर बोर्न डिस* 2015;52(1): 40–51.
1273. राजेश कुमार आरके, वेननीला आर, कार्तिकेयन एस, प्रसाद एनआर, अरुमुगम एम, वेलपण्डियन टी, आदि सभी। एंटीप्रोलिफेरेटिव एक्टिविटी ऑफ मेरिन स्टींग्रे डेसयेटिस सेफेन वेनोम ऑन ह्यूमन सर्विकल कार्सिनोमा सेल लाइन। जे वेनोम एनिम टोक्सिंस इंकल ट्रोप डिस 2015;21:41.
1274. राजेश्वरी एम, शर्मा एमसी, कक्कड़ ए, नाम्बीराजन ए, सुरी वी, सरकार सी, एट ऑल। एवेल्यूशन ऑफ क्रोमोसोम 1क्यू गेन इन इंट्रेक्रेनियल इपेंडिमोमास। *जे न्यूरोनकोल* 2016;127(2): 271–8.
1275. राजकुमारी एन, माथुर पी, फरुख के, शर्मा वी. वाउंड इंफेक्शन बाय सेलमोनेला टाइफी इन ए स्पाइनल इंजरी पेशेंट् विदाउट अंडरलाइंग ओस्टीओमयेलिटिस। इण्डियन जे मेड माइक्रोबायोल। 2015 जुलाई–सितंबर;33(3):453–4
1276. राजकुमारी एन, माथुर पी, गुंजीयाल जे, मिश्रा एमसी. इफेक्टीवनेस ऑफ इंटेंसिव इंटरएक्टिव क्लासिस एण्ड हैण्ड्स ऑन प्रेक्टिस टू इंक्रीज़ अवेयरनेस अबाउट शार्पस इंजरिज़ एण्ड स्पालशिश अमंग हेल्थ केयर वर्क्रर्स। जे क्लिन डायग्न रेस 2015; 9(7): डीसी17–21. डीओआई : 10. 7860/जेसीडीआर/2015/12833.6219.
1277. राजकुमारी एन, माथुर पी, थानबौना बी, सजन एस, मिश्रा एमसी. मेग्निट्यूब ऑफ इंटेरोकोक्कल बैक्टीरियम इन ट्रॉमा पेशेंट्स एडमिटिड फॉर इंटेंसिव ट्रॉमा केयर : ए टर्शरी केयर एक्सपीरियंस फ्रॉम साउथ एशियन कंट्री। जे लैब फिजिशियंस 2015;7(1): 38–42. डीओआई : 10.4103/0974–2727. 151699.
1278. राजपूत पी, शर्मा ए, हरिकृष्णन एस, बरुआ बीजे, अहुजा वी, मखारिया जीके. एडहेरेंस टू ग्लूटेन – फ्री डाइट एण्ड बैरियस टू एडहेरेंस इन पेशेंट्स विद् सेलियाक डिजीज। *इण्डियन जे गैस्ट्रोएंटेरोल* 2015;34(5):380–6.
1279. रल्हन आर, चौहान एस, कौर जे, कुमार एम, मत्ता ए, श्रीवास्तव जी ऑल। प्रीडिक्शन ऑफ रिकरेंस फ्री सर्वाइवल यूजिंग ए प्रोटीन एक्सप्रेशन – बेस्ड रिस्क क्लासिफायर फॉर हैड एण्ड नेक कैंसर। ओंकोजेनेसिस। 2015;4:ई147.
1280. रामाकृष्ण बी एस, मखारिया जी के, आहुजा वी, घोषाल यू सी, जयंती वी. पारेखत बी एट ऑल. इंडियन सोसाइटी ऑफ गेस्ट्रोइंटेरोलॉजी कंसेंसस स्टेटमेंट ऑन क्रोहन डिजीज इन इंडिया. इंडियन जे गेस्ट्रोइंटेरोल 2015; 34 (1) : 3–22.

1281. रामकृष्ण बीएस, मखारिया जीके, चेट्री के, दत्ता एस, माथुर पी, अहुजा वी, एट ऑल। प्रीवलेंस ऑफ एडल्ट सेलियाक डिजीज इन इण्डिया : रिजनल वेरिएशन एण्ड एसोसिएशंस। *एम जे गैस्ट्रोएंटेरोल* 2016;111(1):115–23.
1282. रामकृष्ण एस, कौशिक एम. सीएसआई कार्डियक प्रीवेंट 2015. जे प्रेक्ट कार्डियोवेस्क साइंस 2015;1(3):301–2.
1283. रामकृष्ण एस. करेंट कॉन्सेप्ट्स इन मैनेजमेंट ऑफ पल्मोनरी हाइपरटेंशन : फाइटिंग द ओल्ड डेमोन विद् मॉडर्न वीपंस। इण्डियन जे पीडियाट्र 2015;82: 1128–34.
1284. रामकृष्ण एस. वेस्कुलर पल्स – ए की कम्पेनियन टू इंटरवेंशनिस्ट्स – 'जेस्ट प्लग इट'। इण्डियन हार्ट जे 2015;67:399–405.
1285. रामालिंगम के, श्रीवास्तव ए, वुथालुरु एस, धर ए, चौधरी आर. डक्ट एक्टेसिया एण्ड पेरिडक्टल मैसेटिस इन इंडियन वुमेन. इंडियन जे सर्ज 2015;77(पूरक3) : 957–62.
1286. रमण एम. अहैड ऑफ प्रिंट : रिड्यूसिंग टाइम टू पब्लिकेशन फॉर एक्सेप्टीड मैनुस्क्रीप्ट्स। इण्डियन जे डर्मेटोल वेनेरिओल लेप्रोल 2015;81: 341–3.
1287. रमण वीएस, अग्रवाल एस, भटनागर वी, गुप्ता एके. कॉरिलेशन बिटवीन फंक्शनल आउटकम्स एण्ड पोस्टओपरेटिव पेल्विक एमआरआई इन चिल्ड्रन विद् एनोरेक्टल मालफोर्मेशन। जे इण्डियन एसोक पीडियाट्र सर्ज 2015; 20:116–20.
1288. रमण वी एस, अग्रवाल एस, भटनागर वी, पंडा एस एस, गुप्ता ए के. कॉजिनाइटल सिस्टिक लेशन्स ऑफ द लंग्स : द परिल्स ऑफ मिसडायग्नोसिस – ए सिंगल सेंटर एक्सपीरियंस. लंग इंडिया 2015; 32 : 116–118.
1289. रमण वीएस, भटनागर वी. ब्ल्यू रबर ब्लेड नवस सिंड्रोम – रोल ऑफ एग्रेसिव सर्जिकल रिसेक्शन। ट्रॉप गैस्ट्रोएंटेरोल 2015;36:125–7.
1290. रामनाथन ए, इम्मैनुअल सी, राव डीएन, कालीराज पी. डिस्सेक्टिंग द इम्यून रेस्पोंस इलिसिटेड बाय डब्ल्यूबीएएलटी – 2, एएलटी एमएपी इन क्लिनिकल पॉपुलेशन एण्ड माउस मॉडल : ए प्रोफिलेक्टिक मेजर अगेंस्ट लिम्फेटिक फिलेराइसिस। लिम्फेट रेस बायोल 2015;13(2):120–5.
1291. रामानुजम बी, अरोड़ा ए, मल्होत्रा वी, दास डी, मेहता एस, त्रिपाठी एम. ए केस ऑफ रिकरेंट स्टेट्स एपिलेप्टिकस एण्ड सक्सेसफुल मैनेजमेंट विद् प्रोजेस्टेरोन। एपिलेप्टिक डिसोर्ड 2016;18: 101–5.
1292. रामानुजम बी, दाश वी, डबला एस, त्रिपाठी एम, पदमा एमवी. एपिलेप्सिया पार्टिलिस कंटीनुअस एज प्रजेंटिंग मैनीफिस्टेएशन ऑफ एड्स : ए रेरिटी. जे इंट एसो. प्रोविड एड्स 2016;15: 19–22.
1293. रामदुर्ग एस, अंबेडकर ए, लाल आर. कॉ–रिलेशनशिप बिटवीन सेक्सुअल डिस्फंक्शन एण्ड हाई – रिस्क सेक्सुअल बिहेवियर इन पेशेंट्स रिसिविंग बुप्रीनोर्फिन एण्ड नालट्रीक्सोन मेंटेनेंस थेरेपी फॉर ऑपिओइड डिपेंडेंस। इंड साइकियाट्रिक जे 2015;24:29–34.
1294. रमेश वी, कौशल एच, मिश्रा एके, सिंह आर, सलोत्रा पी. क्लिनिको – एपिडेमियोलॉजिकल एनालाइसिस ऑफ पॉस्ट काला अजार डर्मल लीशमानियासिस (पीकेडीएल) केसिस इन इण्डिया ओवर लास्ट टू डिकेडस : ए हॉस्पिटल बेस्ड रेट्रोस्पेक्टिव स्टडी। बीएमसी पब्लिक हेल्थ 2015;15(1): 1092.
1295. रमेश वी, सेन एमके, सेथुरमन जी, डी'सौजा पी. क्युटेनियस ट्यूबरकुलासिस ड्यू टू मल्टीड्रग – रेसिस्टेंट ट्यूबरक्ले बेसिली एण्ड डिफिकल्टीज़ इन क्लिनिकल डायग्नोसिस। इण्डियन जे डर्मेटोल वेनेरिओल लेप्रोल 2015;81:380–4.
1296. रेमोस ए, टीएसई पी–डब्ल्यू, वॉन्ग जे, इथायेथुल्ला एएस, वैदियू एच. सिक्वेंस वेरिएशन इन द रेस्पोंस इलिमेंट डिटर्मिनेज़ बाइंडिंग बाय द ट्रांसक्रिप्शन फेक्टर पी73. बायोकेमिस्ट्री 2015;54:6961–72.

1297. राणा बी, जुनेजा ए, सक्सेना एम, गुडवानी एस, कुमारन एस एस, अग्रवाल आर के, एट ऑल। रीजन्स ऑफ इंटरेस्ट बेस्ड ऑटोमेटिड डायग्नोसिस ऑफ पार्किन्सन डिजीज यूजिंग टी1 – वेटेज एमआरआई, एक्सपर्ट सिस्टम विद एप्लीकेशन्स. 2015; 42 : 4506–16.

1298. राणा एम, देवी एस, गौरीनाथ एस, गोस्वामी आर, त्यागी आरके. ए कम्प्रेहेंसिव एनालाइसिस एण्ड फंक्शनल कैरेक्टराइजेशन ऑफ नेचुरली ऑक्युरिंग नॉन – सिनॉनीमस वेरियंट्स ऑफ न्यूक्लियर रिसेप्टर पीएक्सआर. बायोकीम बायोफिजिक्स एक्टा 2016. (मुद्रण से पहले ई प्रकाशन)

1299. राणा एस एस, दुग्गल आर, खरबंदा ओ पी. एरिया एण्ड वॉल्यूम ऑफ द फेरिंजियल एयरवे इन सर्जिकली ट्रीएटिड यूनीलेटरल क्लिफ्ट लिप एण्ड पेलेट पेशेंट्स : ए कोन बीम कम्प्यूटिड टोमोग्राफी स्टडी. जे. क्लिफ्ट लिप पेलेट एण्ड क्राइनोफेशियल एनोमोल 2015; 2 : 27–33.

1300. रंगामणि एस, कुमार केएस, मनोहरण एन, बाडवे आरएन, रमेश सी, एप्पाजी एल, एट ऑल। पीडियाट्रिक रेटिनोब्लास्टोमा इन इंडिया : एविडेंस फ्रॉम द नेशनल कैंसर रजिस्ट्री प्रोग्राम। *एशियन पेक जे कैंसर प्रेव* 2015;16(10): 4193–8.

1301. रानी ए के, कुमार ए, दास एन आर. कॉपर – टी माइग्रेशन इंटू स्टमक : ए लेपेरोस्कोपिक मैनेजमेंट. जे ओब्स्टेट ग्यानेकोल इंडिया 2015 ; 65 : 54–5.

1302. रानी एल, माथुर एन, गोजिया ए, विष्णुभटला एस, कुमार एल, शर्मा ए, एट ऑल। इम्यूनोग्लोबुलिन हैवी चेन वेरिएबल रिजन जीन रिप्रीटोरी एण्ड बी – सेल रिसेप्टर स्टेरिओटाइप्स इन इण्डियन पेशेंट्स विद् क्रोनिक लिम्फोसिटिक ल्यूकेमिया। *ल्यूक लिम्फोमा* 2016;4:1–12.

1303. रानी एन, भारती एस, भाटिया जे, नाग टीसी, राय आर, आर्या डीएस. क्रिसिन, ए पीपीएआर– γ एगोनिस्ट इम्प्रूव्स मयोकार्डियल इंजरी इन डायबिटीक रेट्स थ्रो इंहिबिटिंग एजीई – आरएजीई मेडिएटेड ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस एण्ड इंफ्लेमेशन। कीमो बायोल इंटरेक्ट 2016;250:59–67.

1304. रानी एन, भारती एस, भाटिया जे, तोमर ए, नाग टी सी, राय आर, एट ऑल। इंहीबिटशिन ऑफ टीजीएफ–बीटा बाय ए नोवल पीपीएआर–गामा एगोनिस्ट, क्रिसिन, सालवेजेस बीटा – रिसेप्टर स्टिमुलेटिड मायोकार्डियल इंजरी इन रेट्स थ्रू एमएपीके – डिपेंडेंट मैकेनिज्म. न्यूट्रि मेटेब (लॉन्ड) 2015; 12 (1) : 11.

1305. रंजन ए, सेठी डी. स्पेक्ट्रम ऑफ लैशंस ऑफ लिवर इन ऑटोप्सी इन इण्डिया : वन इयर स्टडी। इण्डियन जे क्लिन प्रेक्ट 2015; 26 (5): 461–3.

1306. रंजन पी, चक्रबर्ती ए, कुमारी ए, कुमार जे. इम्यूनाइजेशन इन पेशेंट्स विद् रियूमेटिक डिजीज : ए प्रेक्टिकल गाइड फॉर जनरल प्रेक्टिशनर्स। *जे क्लिन डायग्न रेस* 2015;9(5):ओई01–4.

1307. रंजन पी, दत्ता एस, कक्कड़ ए, गोयल ए, विक्रम एन के, शर्मा एम सी, सूद आर. टी–सेल लिम्फोमा मस्कुरीडिंग एज एक्स्ट्रापल्मोनरी ट्यूबरकुलोसिस : केस रिपोर्ट एण्ड रिव्यू ऑफ लिटरेचर. जे. फैमिली मेड प्रिम केयर 2015; 4 (2) : 280–3.

1308. रंजन पी, जाना एम, कृष्णन एस, नाथ डी, सूद आर. डिसमिनेटिड क्रिप्टोकोकोसिस विद एंड्रेनेल एण्ड लंग इंवॉल्वमेंट इन एन इम्युनोकॉम्पेटेंट पेशेंट्स. जे. क्लिन डायग्न. रेस 2015; 9 (4) : ओडी04–5.

1309. रंजन पी, कुमार वी, गांगुली एस, सुकुमार एम, शर्मा एस, सिंह एन, एट ऑल। हेमोफेगोसिटिक लिम्फोहिस्टियोसिटोसिस एसोसिएटेड विद् वाइसरेल लीशमानियासिस : वैरिड प्रेजेंटेशन। इण्डियन जे हेमेटोल ब्लड ट्रांसफस 2015;1–4.

1310. रंजन पी, नायर एस, गोयल ए, शर्मा एम, विक्रम एन, सूद आर. प्राइमरी लिम्फोएपिथेलियोमा – लाइक कार्सिनोमा ऑफ द लंग इन अन एडोलसेंट गर्ल विद् अनयूजवल प्रेसेंटेशंस। *इंट जे रेस मेड साइंस* 2016;4:1282–5.

1311. रंजन पी, शर्मा एस, पति एचपी, विक्रम एनके, सूद आर. हिमोफेगोसिस्टिक लिम्फोहिस्टियोसिटोसिस कॉम्प्लिकेटिंग द क्लिनिकल प्रेजेंटेशन ऑफ एडल्ट ओनसेट स्टील्स डिजीज। *इंट जे हेल्थ साइंस रेस आईजेएचएसआर* 2016;6:301–4.
1312. रंजन पी, सुनेजा एम, सुब्रामणियन एन के, कुमार वी, गांगुली एस, कुमार टी, एट ऑल। फीवर ऑफ अननॉन ओरिगिन : एन अनयुजुअल प्रजेंटेशन ऑफ किकुची – फुजीमोटो डिजीज. केस रिपोर्ट्स इम्युनोल 2015; 2015 : 314217.
1313. रंजन आर, गनानावल एस, सागर आर, डिसिग्नर ड्रग्स : अन ओवरव्यू एण्ड चैलेंजिस इन इण्डियन ड्रग एब्यूज स्नेरियो। दिल्ली साइकियाट्री जे 2015;18(1): 177–83.
1314. रंजन आर, जैन डी, सिंह एल, अय्यर वीके, शर्मा एमसी, माथुर एसआर. डिफरेंटेशन ऑफ हिस्टोप्लाज्मा एण्ड क्रिप्टोकोकस इन साइटोलॉजी स्मीयर : ए डायग्नोस्टिक डिलेमा इन सीवियरली नेक्रोटिक केस. साइटोपैथोलॉजी 2015; 26 : 244–9.
1315. रंजन आर, मेहता एम, सागर आर, सरकार एस. रिलेशनशिप ऑफ कॉग्निटिव फंक्शन एण्ड एडजस्टमेंट डिफिकल्टीज़ अमंग चिल्ड्रन एण्ड एडोलसेंट्स विद् डिस्सोसिएटिव डिस्ऑर्डर। जे न्यूरोसाइंस रुरल प्रेक्ट 2016;7(2): 238–43.
1316. रंजन आर, सिंह एल, नाथ डी, सबले एमएन, मल्होत्रा एन, भटला एन, आदि सभी। यूटेरिन एडेनोमेटोइड ट्यूमर्स : ए स्टडी ऑफ फाइव केसिस इंक्लूडिंग थ्री केसिस ऑफ द रेयर लैओमयोएडेनोमेटोइड वेरियंट। *जे ओब्स्टेट गायनोकोल इण्डिया* 2015;65:255–8.
1317. रंजनी एच, महरीन टीएस, प्रदीपा आर, अंजाना आरएम, गर्ग आर, आनंद के, एट ऑल। एपिडेमियोलॉजी ऑफ चाइल्डहुड ओवरवेट एण्ड ऑबेसिटी इन इण्डिया : ए सिस्टेमेटिक रिव्यू। इण्डियन जे मेड रेस 2016; 143(2): 160–74.
1318. रंजहा आर, अग्रवाल एस, बोपन्ना एस, अहुजा वी, पॉल जे. साइट – स्पेसिफिक माइक्रो आरएनए एक्सप्रेशन मे लीड टू डिफरेंट सबटाइप्स इन अल्सरेटिव कोलिटिस। पीएलओएस वन 2015;10(11): ई0142869.
1319. राव आर, अंबेडकर ए, अग्रवाल ए, पावर एकेएस, मिश्रा एके, खण्डेलवाल एस. एवेल्यूशन ऑफ ए फाइव डे ट्रेनिंग प्रोग्राम ऑन ओपिओइड सबस्टीट्यूशन थेरेपी इन इण्डिया। ड्रग्स : एजुकेशन, प्रीवेंशन एण्ड पॉलिसी 2016;0: 1–5.
1320. राव आर, मंडल पी, गुप्ता आर, रामशंकर पी, मिश्रा ए, अंबेडकर ए, आदि सभी। फेक्टर्स एफेक्टिंग ड्रग यूज़ ड्यूरिंग इंकार्सिरेशन : ए क्रॉस – सेक्शनल स्टडी ऑफ ओपिओइड – डिपेंडेंट पर्संस फ्रॉम इण्डिया। जे सबस्ट एब्यूज ट्रीट 2016;61: 13–7.
1321. रस्तोगी एन, माथुर पी, बिंद्रा ए, गोयल के, शोखल एन, कुमार एस, एट ऑल। इंफेक्शंस ड्यू टू एलिजाबेथ किंग मेनिंगोसेप्टिका इन क्रिटिकली इंजर्ड ट्रॉमा पेशेंट्स : ए सेवन इयर स्टडी। जे हॉस्प इंफेक्ट। 2016 जनवरी; 92(1): 30–2.
1322. रथ जी के, शर्मा डीएन, मलिक एस, गांधी एके, जोशी एनपी, हरेश केपी, एट ऑल। क्लिनिकल आउटकम ऑफ पेशेंट्स विद् प्राइमरी ग्लिसर्कोमा ट्रीटीड विद् कॉन्कोमिटेंट एण्ड एडजुवेंट टेमोजोलोमाइड : ए सिंगल इंस्टीट्यूशनल एनालाइसिस ऑफ 27 केसिस। इण्डियन जे कैंसर 2015;52:599–603.
1323. राठौर डीके, नायर डी, राजा एस, सैनी एस, सिंह आर, कुमार ए, एट ऑल। अंडरवेट फुल टर्म इण्डियन नियोनेट्स शो डिफरेंसिस इन अम्बिलिकल कॉर्ड ब्लड ल्यूकोसायट फिनोटाइप : ए क्रॉस – सेक्शनल स्टडी। पीएलओएस वन 2015;10(4): ई0123589.
1324. राठौर एस, कुमार एस, हड्डा वी, भल्ला ए, शर्मा एन, वर्मा एस. पीआईआरओ कॉन्सेप्ट : स्टेजिंग ऑफ सेप्सिस। जे पोस्टग्रेड मेड 2015;61:235–42.

1325. रावत आर, सागर आर, खाखा डीसी, पबर्टी : ए स्ट्रेसफुल फेज़ ऑफ ट्रांसशन फॉर गर्ल्स। आईओएसआर। जे नर्सिंग हेल्थ साइंस 2015;4:7–12.
1326. राय एमडी, वत्सल एस, कुमार एस. मेटास्टेटिक इंगुइनल लिम्फ नोड्स विद् टू डिफरेंट हिस्टोलॉजिकल टाइप्स इन ए केस ऑफ कार्सिनोमा ऑफ अननॉन प्राइमरी साइट। जे कैंसर मेटास्टेसिस ट्रीट 2015;1:101–3.
1327. रे एसबी, गौतम एम, प्रसून पी, कुमार आर, रीता केएच, केलर एस. रोल ऑफ न्यूरोकाइनिन टाइप 1 रिसेप्टर इन नोसिसेप्शन एट द पेरिफेरी एण्ड द स्पाइनल लेवल इन द रेट। स्पाइनल कॉर्ड 2016;54:172–82.
1328. राजिक ए, गोयल ए, गुप्ता एके. दुराल क्लासिफिकेशन एण्ड कैलवायरल हाइप्रोस्टोसिस : ए रेयर कौज़ ऑफ ऑब्स्ट्रक्टिव हाइड्रोसेफेलोस इन 'मेलिग्नेंट' ओस्टिोपेट्रोसिस। बीएमजे केस रेप 2015:2015.
1329. रेड्डी वीबी., कुसुमा वायएस., पाडव सीएस., गोस्वामी ए., कृष्णन ए. प्रीवलेंस ऑफ मालन्यूट्रिशन डायरिया एण्ड एक्यूट रेस्पीरेटरी इंफेक्शंस अमंग अंडर फाइव चिल्ड्रन ऑफ सुगाली ट्राइब ऑफ चित्तौर डिस्ट्रिक्ट, आंध्र प्रदेश, भारत। जे नेट साइंस बायोल मेड 2016;7(2): 155–60.
1330. रीड जीएम, रेबेलो टीजे, पिक केएम, मेडिना – मोरा एमई, गुरेजे ओ, झाओ, एम, आदि सभी। डब्ल्यूएचओ ग्लोबल क्लिनिकल प्रेक्टिस नेटवक्र फॉर मेंटल हेल्थ। लेंसेट साइकियाट्रिक 2015;2(5): 379–80.
1331. रेग्मी एसके, सिंह यूबी, शर्मा जेबी, कुमार आर. रिलेवेंस ऑफ सीमेन पॉलिमरेज़ चेन रीएक्शन पॉजिटिव फॉर ट्यूबरकुलोसिस इन सिम्प्टोमैटिक मेन अंडरगोइंग इंफर्टिलिटी एवेल्यूशन जे हम रिप्रोड साइंस 2015;8: 165–9.
1332. रेवाडी वी, रामचंद्रण आर. टेगेडर्म टीएम फॉर प्रीवेंशन ऑफ इंट्राऑपरेटिव टूथ एस्पीरेशन। जे एनेस्थ 2015;29(6): 977.
1333. रेवाड़ी वी, सबपथी एस, रामचंद्रण आर. जायंट मैक्सिलरी हेमेंजियोमा इन ए चाइल्ड – केटामाइन टू द रिस्क्यू। एक्टा एनेस्थेसियोल ताइवान 2015;53(3): 114–5.
1334. रेवाड़ी वी. फरदर कॉम्पोनेंट्स फॉर द फेस बेसिक एयरवे चैकलिस्ट। एनेस्थेसिया 2015;70(6): 751.
1335. रिजवान एसए, राय एसके, गोस्वामी के, मिश्रा पी, कांत एस. एचआईवी / एड्स नॉलेज अमंग एडल्ट मेल माइग्रेंट फेक्टरी वक्रर्स ऑफ एन इंडस्ट्रियल सिटी इन नोर्थ इण्डिया। नेटल जे कॉम मेड 2015;6(2): 236–42.
1336. रोड्रिग्ज़ लुना डी, स्टेवर्ट टी, डोवललेटशाही डी, कोसिओर जेसी, एविव आरआई, मोलिना सीए .... भटिया आर. एट ऑल। प्रीडिक्ट / सननिब्रोक आईसीएच सीटीए स्टडी ग्रुप। पेरिहेमेटोमल एडेमा इज़ ग्रेटर इन इन प्रेसेंस ऑफ ए स्पॉट सिंग्न बट डज़ नोट प्रीडिक्ट इंट्रोसेरेब्रल हेमेटोमा एक्सपेंशन। स्ट्रोक 2016; 47:350–5.
1337. रोड्रिग्ज़ – मालाव एनआई, फर्नेंडो टीआर, पटेल पीसी, कून्ट्रेरेस जेआर, पालानिश्चेमी जेके, ट्रान टीएम, एट ऑल। बीएएलआर – 6 रेगुलेट्स सेल ग्रोथ एण्ड सेल सर्वाइवल इन बी – लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया। मोल कैंसर 2015;14:214.
1338. रोहातगी एस, आहुजा वी, मखारिया जीके, राय टी, दास पी, दासगुप्ता एस, एट ऑल वीएसएल #3 इंड्यूस्ड एण्ड मेंटेनस शॉर्ट – टर्म क्लिनिकल रिस्पॉन्स इन पेशेंट्स विद एक्टिव माइक्रोस्कोपिक कोलाइटिस : ए टू – फेज रेंडोमाइज्ड क्लिनिक ट्रायल. बीएमजे ओपन गैस्ट्रोइंटेरोल 2015; 2 : ई000018.
1339. रोलिंस एनसी, भण्डारी एन, हाजीभोय एन, होर्टान एस, लुटर सीके, मर्टिनेज़ जेसी एट ऑल; लांसेट ब्रेस्टफीडिंग सिरिज़ ग्रुप। वाय इंवेस्ट, एण्ड व्हाट इट विल टेक टू इम्प्रूव ब्रेस्टफीडिंग प्रेक्टिसिस? लांसेट 2016;387:491–504

1340. रोशन वी, पैथी एस, मलिक एस, चंदर एस, सेन एस, चावला बी. एडजुवेंट रेडियोथेरेपी विद् थ्री डिमेंशनल कांफोर्मल रेडियोथेरेपी फॉर लेक्राइमल ग्लैंड एडेनोइड सिस्टिक कार्सिनोमा। जे क्लिन डायग्न रेस 2015;9(10):एक्ससी05–7.
1341. रॉय केके, कंसल वाय, सुबैया एम, कुमार एस, शर्मा जेबी, सिंह एन, हिस्टेरोस्कोपिक सेप्टल रिसेक्शन यूजिंग यूनिपोलर रिसेक्टोस्कोप वर्सस बिपोलर रिसेक्टोस्कोप : प्रोस्पेक्टिव, रेण्डोमाइज्ड स्टडी। जे ऑब्स्टेट गायनेकोल रेस 2015;41:952–6.
1342. रॉय एम, अग्रवाल एस, गुप्ता ए, बख्शी एस, भल्ला एएस. एक्स्ट्रागोनेडाल योल्क सेक ट्यूमर ऑफ द हैड एण्ड नेक रिजन : ए रिपोर्ट ऑफ टू केसिस। *जे कैंसर रेस थर* 2015;11(4):1000–2.
1343. रॉय एम, अग्रवाल एस, मृधा एआर, अरोड़ा जे, मदन के, जैन डी, आदि सभी। मेटास्टेटिक एम्पुलरी एडेनोकार्सिनोमा इन एक्सफोलिएटिव स्प्यूटम सिटोलॉजी : ए रेयर प्रीसेंटेशन। लंग इण्डिया 2015;32: 535–7.
1344. रॉय एम, अग्रवाल एस, गुप्ता ए, बख्शी एस, भल्ला एएस. एक्स्ट्रागोनाडल योल्क सेक ट्यूमर ऑफ द हैड एण्ड नेक रिजन : ए रिपोर्ट ऑफ टू केसिस। *जे कैंसर रेस थर* 2015;11:1000–2.
1345. रॉय एम, जैन डी, यादव आर, माथुर एसआर, अय्यर वीके। टीटीएफ–1 एण्ड नेपसिन – ए आर नोट मार्क्रर्स फॉर बिलियरी फिनोटाइप : अन इम्यूनोहिसटोकेमिकल स्टडी ऑफ गालब्लैडर एडीनोकार्सिनोमास। एम जे सर्ज पैथोल 2015;39(12): 1742–4.
1346. रॉय एन, गरडिन एम, घोष एस, गुप्ता ए, कुमार वी, खाजांची एम, एट ऑल। 30 डे इन हॉस्पिटल ट्रॉमा मोर्टेलिटी इन फौर अर्बन यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल यूजिंग इन इण्डियन ट्रॉमा रजिस्टरी। वर्ल्ड जे सर्ज। 24 फरवरी 2016 (मुद्रण से पहले ई प्रकाशन)
1347. रॉय एन, गरडिन एम, घोष एसएन, गुप्ता ए, शाहा एमएल, खाजांची एम, एट ऑल। द चेन्नई कॉन्सेंस ऑन इन हॉस्पिटल ट्रॉमा केयर फॉर इण्डिया। जे इमर्ज ट्रॉमा शॉक 2016;9:90–2
1348. रॉय एस, जरयाल ए के, श्रीवास्तव एके, दीपक केके. कार्डियोवेगल बैरोरिफ्लैक्स सेंसिटिविटी इन पाक्रिंसंस डिजीज एण्ड मल्टीपल सिस्टम एट्रोफी। जे क्लिन न्यूरोल 2016;12:218–23.
1349. रॉय एस, मदन आर, गोगिया ए, त्रिपाठी के, शर्मा डी, जुल्का पीके, एट ऑल। शॉर्ट कोर्स पैलिएटिव रेडियोथेरेपी इन द मैनेजमेंट ऑफ कोरोइडल मेटास्टेसिस : अन इफेक्टिव टेकनिक सिंस एजिस। जे इजिप्ट नेटल कैंस इंस्ट 2016;28:49–53.
1350. रॉय एस, मलिक एस, कक्कड़ ए, जाना एम, जुल्का पीके. रिकरेंट मेलिग्नेंट सिनो – नेसल सोलिटेरी फिब्रस ट्यूमर : इलिमिनेट द एनेमी एट द फर्स्ट इंस्टेंस। जे कैंसर रेस थर 2015;11(3): 650.
1351. रॉय एस, मंडल डी, मेलगंडी डब्ल्यू, जाना एम, चौधरी केके, दास एस, आदि सभी। इम्पेक्ट ऑफ पॉस्ट ऑपरेटिव रेडिएशन ऑन कोरोनरी आर्टरीस इन पेशेंट्स ऑफ अर्ली ब्रेस्ट कैंसर : ए पायलट डोसिमेट्रिक स्टडी फ्रॉम ए टर्शरी कैंसर केयर सेंटर फ्रॉम इण्डिया। इण्डियन जे कैंसर 2015;52: 114–7.
1352. रॉय एस, पैथी एस, कुमार आर, मोहंती बीके, रैना वी, जैसवाल ए, आदि सभी। एफिकेसी ऑफ 18 एफ – फ्लोरोडिऑक्सीग्लूकोस पॉजिट्रोन एमिशन टोमोग्राफी / कंप्यूटिड टोमोग्राफी एज़ ए प्रीडिक्टर ऑफ रेस्पोंस इन लोकली एडवांस्ड नॉन स्मॉल सेल कार्सिनोमा ऑफ द लंग। न्यू. मेड कॉमन 2016; 37: 129–38.
1353. रॉय एस, पैथी एस, मोहंती बीके, रैना वी, जैसवाल, ए कुमार आर, आदि सभी। एक्सीलेरेटिड हिपोफ्रेक्शनेटिड रेडियोथेरेपी विद् कॉन्कोमिटेंट कीमोथेरेपी इन लोकली एडवांस्ड स्क्वेमस सेल कार्सिनोमा ऑफ लंग : एवेल्यूशन ऑफ रेस्पोंस, सर्वाइवल, टोक्सिसिटी एण्ड क्वालिटी ऑफ लाइफ फ्रॉम ए फेस 2 रेण्डोमाइज्ड स्टडी। बीआर जे रेडियोल 2016;89:20150966

1354. रॉय एस, श्रीवास्तव एके, जरयाल एके, दीपक केके. कार्डियोवेस्कुलर रेस्पॉसिस ड्यूरिंग कोल्ड प्रेसोर टेस्ट आर डिफरेंट इन पाक्रिंसंस डिजीज एण्ड मल्टीपल सिस्टम एट्रोफी विद् पाक्रिंसोनिज्म। क्लिनौटन रेस 2015;25:219–24.

1355. रॉय एसजी, करुणानिधि एस, अग्रवाल केके, बाल सी, कुमार आर. इम्पोर्टेंस ऑफ एसपीईसीटी / सीटी इन डिटेक्टिंग मल्टीपल हेमेंजियोमास ऑन 99एमटीसी – लेबलेड आरबीसी ब्लड पूल साइंटीग्राफी। क्लिन न्यू मेड 2015;40:345–6.

1356. रॉयचौधरी एस, नगोरी एसए, रॉयचौधरी ए. न्यूरोसेंसरी डिस्टर्बेंस आफ्टर बाइलेटरल सेगिटल स्प्लिट ऑस्टिओटोमी : ए रेट्रोस्पेक्टिव स्टडी। जे ओरल बायोलक्रेनियोफेक रेस 2015;5;(2):65–8.

1357. रुफाई एसबी, सिंह ए, कुमार पी, सिंह जे, सिंह एस. परफोर्मेंस ऑफ एक्सपर्ट एमटीबी / आरआईएफ एसे इन डायग्नोसिस ऑफ प्लॅरल ट्यूबरकुलोसिस बाय यूज़ ऑफ प्लूरल फ्लूइड सैम्प्ल्स। जे क्लिन माइक्रोबायोल 2015;53(11):3636–8.

1358. रुकमंगडेकर एलए, मखारिया जीके, मिश्रा ए, दास पी, हरिप्रसाद जी, श्रीनिवासन ए, एट ऑल। प्रोटीओम एनालाइसिस ऑफ द मैक्रोस्कोपिकली एफेक्टिव कोलोनिक म्युकोसा ऑफ क्रॉहन्स डिजीज एण्ड इंटेस्टाइनल ट्यूबरकुलोसिस साइंस रेप 2016;6:23162.

1359. सचदेव एचपी, कपिल यू, नियोनेटल विटामिन ए, सप्लीमेंटेशन फॉर इम्प्रूविंग इंफेंट सर्वाइवल : होप या हाइप? नेटल मेड जे इण्डिया 2015;28(2): 64–5.

1360. सचदेव जे, बंसल के, चौपड़ा आर. इफेक्ट ऑफ कॉम्प्रेहेंसिव डेंटल रिहेबिलिटेशन ऑन ग्रोथ पैरामीटर्स इन पीडियाट्रिक पेशेंट्स विद् सिवियर अर्ली चाइल्डहुड कैरिज़। इंट जे क्लिन पीडियाट्र डेंट 2016;9: 15–20.

1361. सचदेव ए, वर्मा आर, इंटरनेट गेमिंग एडिक्शन : ए टेकनोलॉजिकल हजार्ड। इंट जे हाई रिस्क बिहेव एडिक्ट 2015;4(4): ई26359.

1362. सचिदानंद जेबी, पंडिया एमपी, रथ जीपी, बिठल पीके, दास एचएच. रेस्पीरेटरी कॉम्प्लिकेशंस इन द अर्ली पोस्ट ऑपरेटिव पीरियड फॉलोइंग इलेक्टिव क्रेनियोटोमिस। जे न्यूरोएनेस्थेसियोल क्रिटिकल केयर 2015;2(2): 114–20.

1363. साधु एस, खैतान बीके, जोशी बी, सेनगुप्ता यू, नौटियाल एके, मित्रा डीके. रिसिप्रोसिटी बिटवीन रेगुलेटरी टी सेल्स एण्ड टीएच 17 सेल्स : रिलिवेंस टू पोलाराइज्ड इम्यूनिटी इन लेप्रोसी। पीएलओएस नेगल ट्रोप डिस 2016;10(1):ई0004338

1364. सैडोव्स्की सीई, लोवरिक एस, अशरफ एस, पबस्ट डब्ल्यूएल, जी एचवाय, कोहल एस, एट ऑल। ए सिंग जीन कौज़ इन 29.5 प्रतिशत ऑफ केसिस ऑफ स्टीरॉयड रेसिस्टेंट नेफ्रोटिक सिंड्रोम। जे एम सोक नेफ्रोल 2015;26:1279–89.

1365. सागर पी, हांडा केके, गुलाटी एस, कुमार आर सबमेंडिबुलर डक्ट री राउटिंग फॉर ड्रोलिंग इन न्यूरोलॉजिकली इम्पेयर्ड चिल्ड्रन। इण्डियन जे ओटॉलेरिंजोल हैड नेक सर्ज 2016;68: 75–9.

1366. सागर आर, पटनायक आरडी. यूज़ ऑफ स्मार्टफोन एप्पस फॉर मेंटल हेल्थ : कैन दे ट्रांसलेट टू ए स्मार्ट एण्ड इफेक्टिव मेंटल हेल्थ केयर? जे मेंटल हेल्थ हम बिहेव 2015; 20(1):1–3.

1367. सागर आर, रिकॉन्स्ट्रक्टिव प्लास्टिक सर्जरी ऑफ प्रेशर अल्सर्स : बुक रिव्यू। नेटल मेड जे इण्डिया 2015

1368. साह आरजी, अग्रवाल के, शर्मा यू प्रसाद आर, सीनू वी, जगन्नाथन एनआर. करेक्टराइजेशन ऑफ मेलिग्नेंट ब्रेस्ट टिशू ऑफ ब्रेस्ट कैंसर पेशेंट्स एण्ड द नॉर्मल ब्रेस्ट टिशू ऑफ हेल्दी लेक्टेटिंग वुमेन वॉलेंटीयर्स यूजिंग डिफ्यूजन एमआरआई एण्ड इन विवो 1एच एमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी. जे. मेग्न रेसोन इमेजिंग 2015; 41 (1) : 169 – 74

1369. साहा बी, जीवा शंकर एम, गुप्ता एस, अग्रवाल आर, गुप्ता एन, देवरारी ए, एट. ऑल. आयरन स्टोरीज इन टर्म एंड लेट प्रीटर्म स्मॉल फॉर जेस्टेशनल एज एंड प्रोप्राइट फॉर गेस्टेशनल एज नियानेट्स एट बर्थ एंड इन अर्ली इंफेंसी। *इंडियन जे पीडियाट्रि* 2015; 83(7) : 622–7.
1370. साहा एस, पांडे बीजी, चौडेकर ए, कृष्णन ए, गरबर एसआई, राय एसके. एट ऑल. एवेल्यूशन ऑफ केस डेफिनिशन्स फॉर एस्टिमेशन ऑफ रेस्पायरेटरी सिंकायटियल वायरस एसोसिएटेड हॉस्पीटलाइजेशन्स अमंग चिल्ड्रन इन ए रूरल कम्युनिटी ऑफ नॉदर्न इंडिया। *जे ग्लोब हेल्थ* 2015; 5(2) : 010419.
1371. साहा एस, सैनी एस, मखारिया जीके, दत्ता गुप्ता एस, गोस्वामी आर. प्रीवलेंस ऑफ सेलियाक डिजीज इन आइडियोपैथिक हाइपोपैराथयरॉइडिज्म एंड इफेक्ट ऑफ ग्लुटेन – फ्री डाइट ऑन कैलकाइमिक कंट्रोल। *क्लीन एंडोक्राइनॉल (ऑक्स)* 2016; 84(4) : 578–86.
1372. सहाय पी, भागमर एस, नाथ डी, अरोड़ा एस, भास्कर एस, जॉजिया ए, *एट ऑल.* एक्स्ट्रपल्मोनरी स्मॉल सेल कार्सिनोमा – ए केस सीरिज ऑफ ऑर्थोफर्जियल एंड इसोफेजियल प्राइमरी साइट्स ट्रीटेड विद् कीमो – रेडियोथैरेपी। *एशियन पैक जे कैंसर प्रीव* 2015; 16(16) : 7025–9.
1373. सहाय पी, शुक्ला एनके, अरोड़ा एस, मोहांती बीके. रिकरंट सेबसेयस कार्सिनोमा ऑफ द आइलिड : आउटकम आफ्टर पोस्टऑपरेटिव रिइरेडिएशन। *हैड नीक* 2016; 38(1): ई16–9.
1374. साही पीके, गुप्ता एन. फार्मोकोजेनेटिक्स ऑफ अस्थमा। *इंडियन जे पीडियट्र* 2015; 82: 773–4.
1375. साही पीके, शास्त्री एस, लोढ़ा आर, गुप्ता एन, पांडेय आरएम, काबरा एसके, *एट ऑल.* एडीआरबी2 पॉलीमार्फिज्म एंड सेलबुटामॉल रिस्पोंसिवनेस इन नॉदर्न इंडियन चिल्ड्रन विद् माइल्ड टु मॉडरेट एक्ससेब्रेशन ऑफ अस्थमा। *इंडियन पीडियाट्रिक्स* 2016; 53 : 211–5.
1376. साहू एमसी, गुप्ता एसके, शर्मा डीके, आर्य एस, लथवाल ए. स्टडी ऑफ द ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम एट एन एपेक्स टर्शरी केयर टीचिंग हॉस्पीटल एंड रिकमेंडेशन्स फॉर इम्प्रूवमेंट। *इंट जे रेज फाउंडेशन हॉस्प हैल्थेक एड* 2015; 3(2) : 110–13.
1377. साहू एमके, त्रिपाठी एम, दीपक आर, गुप्ता आरके, दामले एन, बाल सी. डिसेमिनेटेड हिस्टोप्लाज्मोसिस डिमॉस्ट्रेटेड ऑन एफ18 – फ्लोरोडिओक्सीग्लुकोज पॉसिट्रोन एमिशन टोमोग्राफी / कम्प्यूटेड टोमोग्राफी इन ए रिनल ट्रांसप्लांट रेसिपिएंट। *इंडियन जे न्यूक्लि मेड* 2016; 31: 162–4.
1378. साहू टी, ठुकराल ए, शंकर एमजे. चेस्ट वॉल स्वेलिंग इन ए लेट प्रीटर्म, इम्युनोकम्पेटेंट नियोनेट। *नियोरिव्यूस* 2015; 16 : ई714–6.
1379. साहू एम, कामत एन, सुब्रमनियन ए, चौहान एस, बिसो एके. सक्सेसफुल मैनेजमेंट ऑफ ए केस ऑफ सेवर इंट्रापल्मोनरी हैमरेज आफ्टर पल्मोनरी थ्रोम्बो – एंडर्टेरिक्टोमी। इंडियन जे थ्रोरैक कार्डियोवेस्क सर्ज 2015; 31(2) : 162–4.
1380. साहू एमके, बिसोई एके, चंदर एनसी, अग्रवाल एस, चौहान एस. अबरनेथी सिंड्रोम, ए रेयर एक्यूज ऑफ हाइपोक्सेमिया : ए केयर रिपोर्ट, एन्ना पीडियाट्रि कार्डियोल 2015; 8(1) : 64–6.
1381. साहू एमके, दास ए, मलिक वी, सुब्रमणियन ए, सिंह एसपी, होते एम. कम्पेरिजन ऑफ लेवोसिमेंडन एंड नाइट्रोग्लायसेरिन ऑन आउटकम्स इन पेशेंट्स अंडरगॉइंग कोरोनरी आर्टेरी बाइपास ग्राफ्ट सर्जरी। एन्न कार्ड एनेस्थ 2016; 19 : 52–8.
1382. साहू एमके, मानिकला वीके, सिंह एसपी, बिसोई एके, चौधरी यूके. यूज ऑफ डेक्समेडिटोमाइडिन एज एन एडजुक्ट इन द ट्रीटमेंट ऑफ पैराडोक्सीकल हाइपरटेंशन आफ्टर सर्जिकल रिपेयर ऑफ कोएरेक्टेशन ऑफ द ओर्टा इन इंफेंट्स। एन्ना कार्ड एनेस्थ 2015; 18 : 437–40
1383. साहू एमके, सिद्धार्थ बी, चौधरी ए, विष्णुभाटला एस, सिंह एसपी, मेनन आर, *एट ऑल.* इंसिडेंस, माइक्रोबायोलॉजिकल प्रोफाइल ऑफ नोसोकोमियल इंफेक्शन्स एंड देयर एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस पैटर्नस इन ए हाइ वॉल्यूम कार्डियक सर्जिकल इटेंसिव केयर यूनिट। *एन्ना कार्ड एनेस्थ* 2016; 19 : 281–7.

1384. सहगल के, रावड़े जे, खन्ना एन, धवन बी. को–इंफेक्शन्स विद् यूरिया प्लाज्मा परवुम एंड हेर्पेस सिम्प्लेक्स वायरस इन एन एक्वायर्ड इम्युनोडेफिसिएंसी सिंड्रोम पेशेंट। इंडियन जे सेक्स ट्रांस डिस 2015; 36: 111–2.
1385. सैकिया बी, कुमार एन, श्रीनिवास वी. प्रीडिक्शन ऑफ एक्स्टुबेशन फैलियर इन न्यूबर्न्स, इंफेंट्स एंड चिल्ड्रन : ब्रीफ रिपोर्ट ऑफ ए प्रोस्पेक्टिव (ब्लाइंडेड) कोहॉर्ट स्टडी एट ए टर्शरी केयर पीडियाट्रिक सेंटर इन इंडिया। *स्प्रिंगरपल्स* 2015; 4 : 827.
1386. सैनी एके, आहूजा ए, सेठ ए, डोगरा पीएन, कुमार आर, सिंह पी, *एट ऑल.* हिस्टोमॉर्फोलॉजिकल फ्यूचर्स ऑफ रिसेक्टेड ब्लैडर ट्यूमर्स : डू एनर्जी सोर्स मेकेस एन डिफरेंस। *यूरोल एन्ना* 2015; 7 : 466–9.
1387. सैनी सी, तारिक एम, कुमार एस, राव डीएन. रोल ऑफ फॉक्सपी3+ ट्रेग सेल्स मीडिएटिंग इम्युन सप्रेशन इन लेप्रोसी। *करंट इम्युनोलॉजिकल रिव्यू* 2015; 11(1): 66–72.
1388. सैनी आई, डवमन एल, गुप्ता नीरज, काबरा एसके. बायोलॉजिकल एजेंट्स इन जेआईए। *इंडियन पीडियाट्रिक्स* 2016; 53: 260–1.
1389. सैनी आई, कलाईवाणी एम, काबरा एसके. कैलसिनोसिस इन जुवेनाइल डेर्माटोमायोसिटिस : फ्रेक्वेंसी, रिस्क फैक्टर्स एंड आउटकम। *रूमेटोल इंट* 2016; 36 : 961–5.
1390. सैनी के, चौहान एस, किरण यू, बिसोई एके, चौधरी एम, हासिजा एस. कम्पेरिजन ऑफ पैरास्टेर्नल इंटरकोस्टल ब्लॉक यूजिंग रोपिवेकाइन या बुपिवेकाइन फॉर पोस्टऑपरेटिव एनालगेसिया इन पेशेंट्स अंडरगोइंग कार्डियक सर्जरी। वर्ल्ड जे कार्डियोवेस्क सर्ज 2015; 5 : 49–57.
1391. सैनी एल, चक्रबर्ती बी, कुमार ए, गुलाटी एस. ए म्यूटेशन पॉजिटिव केस ऑफ मेगलेंसेफेलिक लियूकोएंसेफेलोपैथी विद् सबकार्टिकल किस्ट्स : क्लासिकल इमेजिंग फाइंडिंग्स। *पीडियट्र न्यूरोल* 2015; 53 : 547–8.
1392. सैनी एल, चक्रबर्ती बी, कुमार ए, गुलाटी एस. काइस्टिक लेशन ऑफ द फॉर्थ वेंट्रिकल : द रोल ऑफ सीआईएसएस. *न्यूरोलॉजी* 2015; 85 : 1181–2.
1393. सैनी एल, कुमार ए, चक्रबर्ती बी, गुलाटी एस. ए रेयर एक्यूज ऑफ ओसिपिटल हैडेक। *जे पीडियट्र नयूरोसाइं* 2015; 10 : 416–7.
1394. सैनी एल, मनोकरन आर, चक्रबर्ती बी, गुलाटी एस. रिकरंट हैडेक इन ए 5 ईयर ओल्ड बॉय। *एन्ना इंडियन एकाड न्यूरोल* 2016; 19 : 143–5.
1395. सैनी एम, धीमन आर, दादा टी, टंडन आर, वनथी एम, टॉपिकल काइक्लोस्पोरिन टू कंट्रोल आकुलर सरफेस डिजीज इन पेशेंट्स विद् क्रॉनिक ग्लायूकोमा आफ्टर लॉन्ग–टर्म यूसेज ऑफ टॉपिकल ऑक्यूलर हाइपोटेंसिव मेडिकेशन्स। आई (लॉन्ड). 2015; 29(6) : 808–14.
1396. सैनी एस, जैकॉब टीजी, भारद्वाज डीएन, रॉय टीएस. एज – रिलेटेड चेंजेस इन द डक्टुलर सिस्टम एंड स्टेलेट सेल्स ऑफ ह्यूमन पैनक्रियास। *जे एनाट सोक इंडिया* 2015; 64: 99–106.
1397. सालवे एच, रिजवान एसए, कांत एस, राय एसके, खार्या पी, कुमार एस. प्री–ट्रीटमेंट प्रैक्टिसेस अमंग पेशेंट्स एटेंडिंग एन एनिमल बाइट मैनेजमेंट क्लिनिक एट ए प्राइमरी हेल्थ सेंटर इन हरियाणा, नॉर्थ इंडिया। *ट्रॉप डॉक्ट* 2015; 45(2) : 123–5.
1398. सालवे एचआर, राय एसके, कांत एस, राय वाई, रेड्डी डीसीएस. डेमोग्राफिक एंड सेक्सुअल बिहेवियर कैरेक्टरस्टिक्स ऑफ मेन हू हैव सेक्स विद मेन (एमएसएम) रजिस्टर्ड इन ए टरगेटेड इंटरवेंशन (टीआई) प्रोग्राम इन इंडिया। *वर्ल्ड जे एड्स* 2015; 5: 256–64.
1399. संदीप एस, चंद्रशेखरन एसएच, खंडेलवाल आरके, थिंगुजम यू. डोरसल पैनक्रिएटिक एजेंसिस : डिसक्रिप्शन ऑफ सीटी साइन। *बीएमजे केस रिप* 2016 : 2016.
1400. संदीप एस, दास सीजे, खंडेलवाल आरके. लेप्टोमेनिंजियल मेटास्टेसेस इन पाइनियोब्लास्टोमा। *बीएमजे केस रिप* 2015 : 2015.

1401. शंकर जे, लोथा डब्ल्यू, इस्माइल जे, अनुभूति सी, मीणा आरएस, शंकर एमजे. विटामिन डी डेफिसिएंसी एंड लेंथ ऑफ पीडियाट्रिक इंटेंसिव केयर यूनिट स्टे : ए प्रोस्पेक्टिव ऑब्जेवेशनल स्टडी। *एन्ना इंटेंसिव केयर* 2016; 6 : 3.
1402. शंकर जे, शंकर एमजे. द ऑथर्स रिप्ले। पीडियाट्र क्रिट केयर मेड 2015; 16 : 390.
1403. शंकर जे, शुक्ला ए, दुबे एन, शंकर एमजे. कैन इंफेरियर वेना कावा सेचुरेशन्स बीयूज्ड इंस्टिएड ऑफ एससीवीओ2 इन चिल्ड्रन विद् सेप्टिक शॉक? *इंटेंसिव केयर मेड* 2015; 41 : 1141–2.
1404. शंकर जे, सिंह ए, नरसारिया पी, देव एन, सिंह पी, दुबे एन. प्रीहॉस्पीटल ट्रांसपोर्ट प्रैक्टिस प्रीवलेंट अमंग पेशेंट्स प्रेजेंटिंग टु द पीडियाट्रिक इर्मेजेंसी ऑफ ए टर्शरी केयर हॉस्पीटल। *इंडियन जे क्रिट केयर मेड* 2015; 19 : 474–8.
1405. शंकर जे. एक्यूट फिजियोलॉजी एंड क्रॉनिक हेल्थ एवेल्यूशन ।। फॉर क्रिटिकली इल चिल्ड्रन? *इंडियन जे क्रिट केयर मेड* 2015; 19 : 446–8.
1406. शंकर एमजे, चंद्रशेखरन ए, कुमार पी, ठुकराल ए, अग्रवाल आर, पॉल वीके. विटामिन के प्रोफायलेक्सिया फॉर प्रीवेंशन ऑफ विटामिन के डेफिसिएंसी ब्लीडिंग : ए सिस्टमेटिक रिव्यू। *जे पेरिनेटोल* 2016; 36 (सप्ली 1) : एस29–35.
1407. शंकर एमजे, नटराजन सीके, दास आरआर, अग्रवाल आर, चंद्रशेखरन ए, पॉल वीके. वेन डु न्यूबर्न्स डाइ? ए सिस्टमेटिक रिव्यू ऑफ टाइमिंग ऑफ ओवरऑल एंड एक्यूज – स्पेसिफिक नियोनेटल देथस इन डेवलपिंग कंट्रीज। *जे पेरिनेटोल* 2016; 36 (सप्ली 1) : एस1 – एस11.
1408. शंकर एमजे, शंकर जे, मेहता एम, भाट वी, श्रीनिवासन आर. एंटी – वेस्कुलर एंडोथेलियल ग्रोथ फैक्टर (वीईजीएफ) ड्रग्स फॉर ट्रीटमेंट ऑफ रेटिनोपैथी ऑफ प्रीमेच्योरिटी। *कॉक्रेन डाटाबेस सिस्ट रेव* 2016; 2 : सीडी 009734.
1409. शंकर एमजे, सिन्हा बी, चौधरी आर, भंडारी एन, तनेजा एस, मार्टिनस जे, *एट ऑल.* ऑप्टिमल ब्रेस्टफीडिंग प्रैक्टिस एंड इंफैंट एंड चाइल्ड मार्टेलिटी : ए सिस्टमेटिक रिव्यू एंड मेटा–एनालायसिस। *एक्टा पीडियट्र* 2015; 104 : 3–13.
1410. शंकरनारायणन आर, प्रभु पीआर, पवलिता एम, घेट टी, भाटला एन, मुवोंग आर, *एट ऑल.* इंडियन एचपीवी वैक्सीन स्टडी ग्रुप। इम्युनोजेनिसिटी एंड एचपीवी इंफेक्शन आफ्टर वन, टू, एंड थ्री डोज ऑफ क्वाडरिवलेंट एचपीवी वैक्सीन इन गर्ल्स इन इंडिया : ए मल्टीसेंटर प्रोस्पेक्टिव कोहॉर्ट स्टडी। लैंसेट ऑन्कोल 2016; 17(1) : 67–77.
1411. संख्यान ए, शर्मा सी, दत्ता डी, शर्मा टी, चोसडोल के, वाकिता टी, *एट ऑल.* इंहेबिशन ऑफ प्रीएस1–हेपेटोकाइट इंटरेक्शन बाय एन ऐरे ऑफ रिकॉम्बिनेंट ह्यूमन एंटीबॉडीज फ्रॉम नेचुरली रिक्वार्ड इंडिविजुअल्स। *साइं रेप* 2016; 6: 21240.
1412. संख्यान एन, लोढ़ा आर, शर्मा एस, मेनन पीआर, चौधरी ए, काबरा एसके, एट ऑल. पेरिफेरल न्यूरोपैथी इन चिल्ड्रन ऑन स्टेवुडाइन थैरेपी। इंडियन जे पीडियाट्र 2015; 82(2) : 136–9.
1413. संकोह ओ; इंडेपथ नेटवक्र। चेस : एन इनोवेटिव कॉन्सेप्ट फॉर ए न्यू जनरेशन ऑफ पॉपुलेशन सरविलेंस। *लैंसेट ग्लोब हेल्थ* 2015; 3(12) : ई742.
1414. संथानम पी, चंद्रमहांती एस, क्रोइस ए, यु आर, रुसजेनिवस्की पी, कुमार, *एट ऑल.* न्यूक्लियर इमेजिंग ऑफ न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर्स विद् अननॉन प्राइमरी : वाय, वेन एंड हाव? *यूर जे न्यूक्ल मेड मॉल इमेजिंग* 2015; 42: 1144–55.
1415. सरन जे, खरबांदा ओपी. लैटर टू एडिटर : अल्ट्रावियॉलेट फोटोफंक्शनाइलाइजेशन इंक्रिएसेस रिमूवल टॉक्र वैल्यूस एंड हॉरिजोंटल स्टेबिलिटी ऑफ ऑर्थोडोंटिक मिनिस्क्रू। *एम जे ऑर्थोड डेंटोफेस ऑर्थोप* 2015; 148 : 274–82.
1416. सरनगल आर, यादव एस, सकराल ए, डोगरा एस. नॉनकल्चर्ड एपिडर्मल – मेलैनोकाइट सेल सस्पेंसन

एंड डर्मल – फैट ग्राफ्टिंग फॉर द रिकंस्ट्रक्शन ऑफ एन इनरेगुलर, एट्रोफिक एंड डेपिगमेंटेड फॉरहैड स्कार : एन इनोवेटिव एप्रोच। जे कोसमेट डर्मेटोल 2015; 14 : 332–5.

1417. सारस्वत एम, जोइनवारा एस, तोमर एके, सिंह एस, यादव एस, रेंकोनेन आर. एन–ग्लायकोप्रोटियोमिक्स ऑफ ह्यूमन सेमिनल प्लाज्मा ग्लाकोप्रोटीन्स। *जे प्रोटियोम रेस* 2016; 15: 991–1001.

1418. सारस्वत एम, जोइनवारा एस, तोमर एके, सिंह एस, यादव एस, रेंकोनेन आर. एन–ग्लायकोप्रोटियोमिक्स ऑफ ह्यूमन सेमिनल प्लाज्मा ग्लाकोप्रोटीन्स। *जे प्रोटियोम रेस* 2016; 15(3): 991–1001-

1419. सरदार ए, भोई डी, बैद्या डीके, सिंह सीए. फाइबरोप्टिक इंटुबेशन विद् इंट्राओरल डिजिटल मैनीपुलेशन मे बी सुपिरियर टू सी–मैक वीडियोलार्यंजोस्कोपी इन मिनिमाइजिंग हाइपरटेंसिव रिस्पोंस इन सरवाइकल पैरागैलियोमा ऑफ द पैराफार्यंजियलरिया। *पीडियाट्रि एनेस्थ* 2015; 25: 863–4.

1420. सरदार ए, खन्ना पी, सिंह ए, शर्मा ए. लॉन्ग – स्टेंडिंग मेनिंजोमायलोसेल कैन बी ए प्रीडिक्टर ऑफ डिफिकल्ट एयरवे एंड पोस्टऑपरेटिव हाइपोवेंटिलेशन : चैलेंज टु द एनेस्थेसियोलॉजिस्ट। *बीएमजे केस रिप* 2016 : 2016

1421. सरीन एन, कपिल यू, नम्बियर वी, पांडे आरएम, खेंदुजा पी. आयोडिन न्यूट्रिशनल स्टेट्स इन उत्तराखंड स्टेट, इंडिया। *इंडियन जे एंडोक्राइनॉल मेटाब* 2016; 20 : 171–6.

1422. सरीन एन, कपिल यू. कंट्रोवर्सिस कंटीन्यू : यूनिवर्सल सप्लीमेंटेशन ऑफ मेगाडोज ऑफ विटामिन ए टू यांग चिल्ड्रन इन इंडिया। *इंडियन जे कम्युनिटी मेड* 2016; 41(2) : 89–92.

1423. सरकार सी. एपिडर्मल ग्रोथ फैक्टर रिसेप्टर (ईजीएफआर) जीन एम्प्लीफिकेशन इन हाई ग्रेड ग्लियोमास। *न्यूरोल इंडिया* 2016; 64(1) : 27–8.

1424. सरकार एस, परमर ए, चटर्जी बी. सबस्टेंस यूज डिसऑर्डर्स इन द एल्डर्ली : ए रिव्यू। जर्नल ऑफ जेरियट्रिक मेंटल हेल्थ 2015; 2 : 74.

1425. सरकार एस, पात्रा बीएन, कट्टिमणि एस. सबस्टेंस यूज डिसऑर्डर एंड द फैमिली : एन इंडियन परस्पेक्टिव। *मेडिकल जे डॉ. डी वाई पाटिल यूनिवर्सिटी* 2016; 9 : 7–13.

1426. सरकार एस, सागर आर. प्रोमोटिंग ऑफ मेडिकल एजुकेशन इन टीचिंग एंड लर्निंग ऑफ साइकेयट्री। *जे मेंटल हेल्थ ह्यू बिहेव* 2016; 21(1) : 4–7.

1427. सतपथी एस, स्वेन आर, पांडे वी, बेहरा सी. एन एडोलसेंट विद् बेस्टिलिटी बिहेवियर : साइकोलॉजिकल एवेल्यूशन एंड कम्युनिटी हेल्थ कॉसर्न्स। *इंडियन जे कम्युनिटी मेड* 2015; 41 (1) : 23–6.

1428. सोहनी सी, अरोड़ा एमके, कुमार एस, बारिक पीके, रंजन पी. इंनिशियल मैनेजमेंट इन ब्लंट ट्रॉमा नीक। जे एनेस्थिसियोल क्लीन फार्माकोल 2015; 31(4) :

1429. सक्सेना ए, कुमार आरके. द नेशनल रुमेटिक हार्ट कंसोर्टियम : ए नेशनवाइड इनिशिएटिव फॉर द कंट्रोल ऑफ रुमेटिक हार्ट डिजीज इन इंडिया। नेटल मेड जे इंडिया 2015; 28(3) : 144–6.

1430. सक्सेना ए, मेहता ए, रामाकृष्णन एस, शर्मा एम, सल्हान एस, कलाईवेनी एम, एट ऑल. पल्स ऑक्सीमेट्री एज ए स्क्रीनिंग टूल फॉर डिटेक्टिंग मैजर कंजेनाइटल हार्ट डिफेक्ट्स इन इंडियन न्यूबर्न्स। आर्च डिस चाइल्ड फेटल नियोनेटल एड 2015; 100(5) : एफ416–21.

1431. सक्सेना ए. एडल्ट विद् कंजेनिटल हार्ट डिजीज इन डेवलपिंग कंट्री : स्कोप, चेलेंजीस एंड पॉसिबल सॉल्यूशन्स। करं ट्रीट ऑप्शन्स कार्डियोवेस्क मेड 2015; 17(11) : 46.

1432. सक्सेना ए. कैथेटर इंटरवेंशन्स फॉर माइट्रल स्टेनोसिस इन चिल्ड्रन : रिजल्ट्स एंड परस्पेक्टिव्स। वर्ल्ड जे पीडियाट्र कंगेनाइट हार्ट सर्ज 2015; 6(2) : 250–6.

1433. सक्सेना ए. एडिटोरियल : इम्प्रूविंग पीडियाट्रिक कार्डियक केयर इन इंडिया – एक्सपेंडिंग रोल ऑफ पीडियाट्रिशियन्स। इंडियन जे पीडियाट्र 2015; 82: 1126–7.

1434. सक्सेना ए. एवेल्यूशन ऑफ एक्वार्ड वॉल्वुलर हार्ट डिजीज बाय द पीडियाट्रिशियन : वेन टू फॉलो, वेन टू रेफेर फॉर इंटरवेंशन? पार्ट 1. इंडियन जे पीडियाट्र 2015; 82 (11) : 1033–41.

1435. सक्सेना ए. रिकरंट कोआर्क्टेशन : इंटरवेशनल एंड रिजल्टस। वर्ल्ड जे पीडियाट्र कॉन्जेनाइट हार्ट सर्ज 2015; 6(2) : 257–65.
1436. सक्सेना ए. रुमेटिक हार्ट डिजीज स्क्रीनिंग बाय "पॉइंट – ऑफ – केयर" इकोकार्डियोग्राफी : एन एसेप्टेबल अल्टनेटिव इन रिसोर्स लिमिटेड सीटिंग्स? ट्रांसल पीडियाट्र. 2015; 4(3) : 210–3.
1437. सक्सेना ए. रुमेटिक हार्ट डिजीज स्क्रीनिंग इन रिसोर्स लिमिटेड सीटिंग्स : इज हैंड हेल्ड डिवाइस द अंसर? ट्रांसल पीडियाट्र 2015; 4(3) : 256–7.
1438. सक्सेना आर, होवेन एम, वेर्नोन एस. लेजर सुचर स्ट्रेच : रिपोर्ट ऑफ ए न्यू टेक्नीक टू एड इंट्रोओकुलर प्रेसर कंट्रोल फॉलोविंग फिल्टरिंग सर्जरी। क्लीन एक्सपेरिमेंट ऑफ्थेलमॉल 2015; 43(4) : 389–91.
1439. सक्सेना आर, कुमार एमवी, कुमार एस, घराडे पी, तलवार एस, चौधरी एसके. थ्रोम्बस इन द प्रोक्सीमल एओर्टा : कार्डियोपल्मोनरी बाइपास स्ट्रेटेजी एंड सर्जिकल मैनेजमेंट। एन्ना थोरैक सर्ज 2015; 100 : 311–3.
1440. सक्सेना आर, नरूला जे, मलिक वी, कुमार एस, तलवार एस. जाइंट लेफ्ट आर्टियल माइक्सोमा। जे कार्ड सर्ज 2015; 30(10) : 746–8.
1441. सक्सेना आर, फुलझेल एस, शर्मा पी, पिंटो सीएन. पेरियोस्टियल फिक्शन प्रोसीडर्स इन द मैनेजमेंट ऑफ इनकॉमाइटेंट स्ट्रेबिसमस। मीडिल ईस्ट अफ्र जे ऑफ्थेलमॉल 2015; 22(3) : 320–6.
1442. सक्सेना आर, तलवार एस, घराडे पी, कुमार एमवी, चौधरी एसके. रिपेयर ऑफ कॉन्कोमाइटेंट डबल ओरिफिक मिट्रल एंड ट्रिकस्पिड वॉल्वस। वर्ल्ड जे पीडियाट्र कॉन्जेनाइट हार्ट सर्ज 2016; 7 : 120–2.
1443. सक्सेना आर, वशिष्ट पी, सिंह डी, टंडन आर. प्रीवेंटिंग चाइल्डहुड ब्लाइंडनेस : सिनर्जी बीटवीन ऑफ्थेलमॉलॉजी एंड कम्युनिटी मेडिसिन। इंडियन जे कम्युनिटी मेड 2015; 40(3) : 149–51.
1444. सक्सेना आर, वशिष्ट पी, टंडन आर, पांडे आरएम, भरद्वाज ए, मेनन वी, *एट ऑल.* प्रीवलेंस ऑफ मायोपिया एंड इट्स रिस्क फैक्टर्स इन अर्बन स्कूल चिल्ड्रन इन दिल्ली : द नॉर्थ इंडिया मायोपिया स्टडी (एनआईएम स्टडी)। *पीएलओएस वन* 2015; 10: ई0117349.
1445. साजावाल एस, सिंह एन, महापात्रा एम, सक्सेना आर. कैलरेटिकुलीन म्यूटेशन प्रोफाइल इन इंडियन पेशेंट्स विद् प्राइमरी मायइलोफाब्रोसिस। *हिमेटोलॉजी* 2015; 20(10) : 567–70.
1446. सी जेए, कौकिनेन के, मखारिया जीके, गिब्सन पीआर, मुरे जेए. प्रैक्टिकल इनसाइट्स इनटु ग्लुटेन – फ्री डाइट्स। *नेट रिव गैस्ट्रोएंटेरोल हिपेटोल* 2015; 12(10): 580–91.
1447. सहरावत यू, पोखरियाल आर, गुप्ता एके, हरिप्रसाद आर, खान एमआई, गुप्ता डी, *एट ऑल.* कम्परेटिव प्रोटियोमिक एनालायसिस ऑफ एडवांस्ड ओवरियन कैंसर टिशू टू आइडेंटिफाई पोटेंशियल बायोमार्क्रस ऑफ रिस्पोंडर्स एंड नॉनरिस्पोडर्स टू फस्ट – लाइन कीमोथैरेपी ऑफ कार्बोप्लाटिन एंड पैक्लिटेक्सेल । *बायोमार्क्र कैंसर* 2016; 8: 43–56.
1448. सेनगुटटुवन एनबी, रामाकृष्णन एस, सिंह एस, मिश्रा एस. परक्यूटेनियस मैनेजमेंट ऑफ कोरोनरी एम्बोलिज्म विद् प्रोस्थेटिक हार्ट वॉल्व थ्रोम्बोसिस आफ्टर बेंटल्स प्रोसीडर्स। इंडियन हार्ट जे 2015; 67: 589–91.
1449. शेषाद्री डी, खैतान बीके, खन्ना एन, सागर आर. डिहैबिलिटेशन इन द एरा ऑफ एलिमिनेशन एंड रिहैबिलिटेशन : ए स्टडी ऑफ 100 लेप्रोसी पेशेंट्स फ्रॉम ए टर्शरी केयर हॉस्पीटल इन इंडिया। लेप्र रिव 2015; 86: 62–74.
1450. सेठ ए, महापात्रा एसके, नायक बी, सैनी एके, बिश्वास बी. प्रीमाइटिव न्यूरोएक्टोडर्मल ट्यूमर्स ऑफ किडनी : अवर एक्सपीरिएंस इन ए टर्शरी केयर सेंटर। इंडियन जे कैंसर 2016 जन–मार्च; 53
1451. सेठ आर, दास आरआर, पुरी के, सिंह पी. क्लिनिकल प्रोफाइल एंड कीमोथैरेपी रिस्पोंस इन चिल्ड्रन विद् हॉडगकिन लिम्फोमा एट ए टर्शरी केयर सेंटर। *जे क्लीन डायग्न रेस* 2015; 9 : एससी25–एससी30.

1452. सेठ आर, सेलवम पी, जैन आर, गोश आर, अरुण जे, लोढ़ा आर. लैंगरहांस सेल हिस्टियोकाइटोसिस इन ए पीडियाट्रिक एचआईवी पेशेंट। *वायरस डिजीज* 2015; 26 : 200–2.

1453. सेठ आर, सिंह ए, यादव एम. कार्डियो – ऑन्कोलॉजी : एन इमर्जिंग कॉन्सेप्ट। *जे प्रैक्ट कार्डियोवेस्क साइं.* 2015; 1 : 99.

1454. सेठ आर, सिंह ए. ल्यूकेमियस इन चिल्ड्रन। *इंडियन जे पीडियट्र* 2015; 82: 817–24.

1455. सेठ आर, सिंह पी, पुरी के, अरोड़ा ए, राठौर एएस. मॉर्बिडिटी प्रोफाइल एंड आउटकम ऑफ हाइपरल्यूकोकाइटोसिस इन चाइल्डहुड एक्यूट ल्यूकेमिया : एक्सपीरिएंस फ्रॉम ए टर्शरी सेंटर। *इंट जे हिमेटोलॉजी रेज* 2015; 1 : 90–4.

1456. सेठ एस, भार्गव बी, मौलिक एसके, मैकडोंघ टी, सक्सेना ए, ऐरन बी, *एट ऑल.* कंसेंसस स्टेटमेंट ऑन मैनेजमेंट ऑफ क्रॉनिक हार्ट फैलियर इन इंडिया। *जे प्रैक्ट कार्डियोवेस्क साइं* 2015 : 1(2) : 105–12.

1457. सेठ एस, गोस्वामी एसके. ''फ्रॉम मॉलीकुलस टू बेडसाइड''। जे प्रैक्ट कार्डियोवेस्क साइं 2015; 1(1) : 1.

1458. सेठ एस, खनाल एस, रामाकृष्णन एस, गुप्ता एन, बहल वीके. एपिडेमियोलॉजी ऑफ एक्यूट डिकॉम्पेंस्टेड हार्ट फैलियर इन इंडिया : द एएफएआर स्टडी (एक्यूट फैलियर रजिस्ट्री स्टडी)। जे प्रैक्ट कार्डियोवेस्क साइं. 2015; 1(1) : 35.

1459. सेठ एस. ''हेल्थ मिनिस्ट्री स्क्रीनिंग कमिटी (इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च)''। जे प्रैक्ट कार्डियोवेस्क साइं. 2015; 1(2) : 216.

1460. सेतुरमन जी, मारवाहा आरके, चल्ला ए, येनमान्द्र वीके, रामाकृष्णन एल, थुल्कर एस, एट ऑल. विटामिन डी : ए न्यू प्रोमिसिंग थैरेपी फॉर कॉजेनिटल एकथयोसिस। पीडियाट्रिक्स 2016; 137: ई20151313.

1461. सेतुरमन जी, श्रीनिवास वी, येनमान्द्र वीके, गुप्ता एन, शर्मा वीके, मारवाहा आरके, एट अल. थ्रेशोल्ड लेवल्स ऑफ 25– हाइड्रक्सीविटामिन डी एंड पैराथायरॉइड हार्मोन फॉर इम्पेयर्ड बोन हेल्थ इन चिल्ड्रन विद् कॉजेनिटल एक्थियोसिस एंड टाइप 4 एंड 5। ब्रे. जे डर्मेटोल 2015; 172 : 208–14.

1462. शाह बी, गजेंद्र एस, गुप्ता आर, शर्मा ए. नोवल साइटोजेनेटिक एबरेशन्स इन ए पेशेंट ऑफ क्रॉनिक मायलॉइड ल्यूकेमिया विद् ब्लास्ट क्राइसिस। *जे क्लीन डायग्न रेस* 2015; 9(5) : एक्सडी05–एक्सडी06.

1463. शाह डीएम, अरोड़ा एम, त्रिखा ए, प्रसाद जी, सुंदर आर, कोटवाल पी, *एट ऑल.* कम्पेरिजन ऑफ डेक्सामेथसन एंड क्लोनाइडिन एज एन एडजुवेंट टू 1.5 परसेंट लिग्नोकाइन विद् एडरेनालाइन इन इंफ्राक्लेविकुलर ब्रेकियल प्लेक्सस ब्लॉक फॉर अपर लिम्ब सर्जिरीज। *जे एनास्थेसियोल क्लीन फार्माकोल* 2015; 31(3) : 354–9.

1464. शाह एन, जाधव जीआर, मित्तल पी, लोगानी ए. कंर्जेवेटिव मैनेजमेंट ऑफ डेंस एवाजिनेट्स एंड अटैकेड सुपरन्यूमेरेरी टूथ / ऑडोंटोमी इन मैंडिबुलर प्रीमोलर विद् डुअल रेडियोल्युकेंसिस। *कंटेम्प क्लीन डेंट* 2015; 6 (सप्ली 1) : एस269–73.

1465. शाह एसके, लोधा आर. इम्प्लीकेशन्स ऑफ विटामिन डी डेफिसिएंसी इन क्रिटिकली इल चिल्ड्रन। *इंडियन जे पीडियट्र* 2015; 82 : 977–9.

1466. शालीमार, आचार्य एसके. मैनेजमेंट इन एक्यूट लिवर फैलियर। *जे क्लीन एक्सप हेपेटोल* 2015; 5 (पूरक 1) : एस104–15.

1467. शालीमार, कुमार ए, केडिया एस, शर्मा एच, गमनगट्टी एसआर, गुलाटी जीएस, *एट ऑल.* हिपेटिक वेनस आउटफ्लो ट्रेक्ट ऑब्स्ट्रेक्शन : ट्रीटमेंट आउटकम्स एंड डेवलपमेंट ऑफ ए न्यू प्रोग्नोस्टिक स्कोर। *एलीमेंट फार्माकोल थेर* 2016; 43(11) : 1154–67.

1468. शालीमार, कुमार डी, वदिराज पीके, नायक बी, ठाकुर बी, दास पी, *एट ऑल.* एक्यूट ऑन क्रॉनिक लिवर फैलियर ड्यू टु एक्यूट हेपेटिक इनसॉल्ट्स : इटियोजीस, कोर्स, एक्स्ट्रहेपेटिक ऑर्गन फैलियर एंड प्रीडिक्टर्स ऑफ मॉर्टिलिटी। *जे गैस्ट्रोएंटेरोल हेपेटोल* 2016; 31(4) : 856–64.

1469. शालीमार। एंटीबायॉटिक्स इन एक्यूट लिवर फैलियर (एएलएफ) *जे क्लीन एक्सप हेपेटोल* 2015; 5(1) : 95–7.
1470. शालीमार। रोल ऑफ पेंटोक्सीफाइलाइन एंड स्टेरॉइड्स फॉर एल्कोहलिक हेपेटाइटिस – हैज द लास्ट वर्ड बीन सैड? *जे क्लीन एक्सप हेपेटोल* 2015; 5(2) : 170–2.
1471. शालीमार। यूज ऑफ नॉन – सिलेक्टिव बीटा – ब्लॉकर्स इन डिकम्पेन्सेटिड सिरोसिस : कंट्रोवर्सी कंटीन्यूस। *जे क्लीन एक्सप हेपेटोल* 2015; 5(4) : 352–4.
1472. शमीम एसए, कुमार ए, कुमार आर. पीईटी / कंप्यूटेड टोमोग्राफी इन न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर : वेल्यू टू पेशेंट मैनेजमेंट एंड सरवाइवल आउटकम्स। *पीईटी क्लीन* 2015; 10: 411–21.
1473. शंकर ए, रॉय एस, भंडारी आर, मलिक ए, रथ जीके, जुल्का पीके, *एट ऑल.* लेवल ऑफ एवरनेस ऑफ लंग कैंसर रिस्क फैक्टर्स, साइंस, सिम्पटम्स एंड सेफ प्रैक्टिस अमंग कॉलेज टीचर्स ऑफ डिफरेंट स्टेट्स इन इंडिया : डू एवरनेस प्रोग्राम हेव एन इम्पैक्ट ऑन एडोप्शन ऑफ सेफ प्रैक्टिस? *गल्फ जे ऑन्कोलॉग* 2015; 1: 57–62.
1474. शंकर ए, रॉय एस, मलिक ए, जुल्का पीके, रथ जीके. प्रीवेंशन ऑफ कीमोथेरेपी – इंड्युस्ड नौसिया एंड वॉमिटिंग इन कैंसर पेशेंट्स। *एशियन पैक जे कैंसर प्रीव* 2015; 16: 6207–13.
1475. शंकर ए, रॉय एस, रथ जीके, जुल्का पीके, कमल वीके, मलिक ए, *एट ऑल.* एरोमेट्स इंहेबिशन एंड कैपेसिटेबाइन कम्बिनेशन एज फर्स्ट ऑर सेकेंड लाइन ट्रीटमेंट फॉर मेटास्टेटिक ब्रेस्ट कैंसर – ए रेट्रोस्पेक्टिव एनालयसिस। *एशियन पैक जे कैंसर प्रीव* 2015; 16: 6359–64.
1476. शंकर ए, साहू आरके, मलिक ए, कक्कड़ ए, रथ जीके. एक्स्ट्रा स्केलेटल ओस्टियोसर्कोमा ऑफ गॉल ब्लैडर : ए केस रिपोर्ट। *जे इप्टि नेटल कैंक इंस्टी* 2015; 27 : 231–4.
1477. शंकर एच, कुमार एन, राव डीएन, चेंढियोक एन, संधीर आर, कृपलानी ए, *एट ऑल.* कम्परिजन ऑफ हिमेटोलॉजिकल एंड बायोकैमिकल चेंजेस बिटवीन नॉन–एनाएमिक एंड एनाएमिक प्रीमाइग्रेविड विमैन इन ए नॉर्थ इंडियन पोपुलेशन टू स्टेबलिश नॉर्मेटिव वेल्यूस। *जे ऑब्स्टेट गायनेकॉल* 2015; 35(3) : 221–4.
1478. शरण जे, शांतनु वीएल, कौल वी, मिश्रा एम, खरबंदा ओपी. एन ओवरव्यू ऑफ सरफेस मॉडिफिकेशन्स ऑफ टाइटेनियम एंड इटस एलॉयस फॉर बायोमेडिकल एप्लीकेशन्स। *ट्रेंड्स बायोमीटर अर्टिफ ऑर्गन्स* 2015; 29(2) : 176–87.
1479. शरण पी, सुंदर एएस. इटिंग डिसऑर्डर्स इन विमैन। *इंडियन जे साइकायट्री* 2015; 57 (सप्ली 2) : एस286–95.
1480. शर्मा ए, अग्रवाल सी, माथुर वीपी, सरदाना डी. सेवर जिंजिवल एनलार्जमेंट विद् कोएक्जीटिंग एरोसिव लाइकेन प्लेनस इन सेवर क्रॉनिक पेरियोडोंटिट्स पेशेंट। *केस रिप डेंट* 2015 : 2015.
1481. शर्मा ए, भाकुनी टी, रंजन आर, कुमार आर, किशोर के, कमल वीके, *एट ऑल.* पॉलीमॉर्फिज्म इन फैक्टर वी एंड एंटीथ्रोम्बिन 3 जीन इन रिकरंट प्रेग्नेंसी लॉस : ए केस – कंट्रोल स्टडी इन इंडियन पोपुलेशन। *जे थ्रोम्ब थ्रोम्बोलायसिस* 2015; 39(4) : 481–8.
1482. शर्मा ए, बोर्ले ए, त्रिखा ए. एनेस्थिसिया फॉर इन विट्रो फार्टिलाइजेशन। *जे ऑब्स्टेट एनेस्थ क्रिट केयर* 2015; 5: 62–72.
1483. शर्मा ए, प्रसाद जी, आनंद आर, ब्लू रबर ब्लेब नर्व सिंड्रोम – एनेस्थेटिक एक्सपीरिएंस ऑफ प्रोलोंजड बॉवेल सर्जरी इन ए टेवल ईयर ओल्ड चाइल्ड एंड रिव्यू। *एजिप्टियन जे एनेस्थिसिया* 2015; 31(2) : 203–6.
1484. शर्मा ए, सिंह एन, महापात्रा एम, रंजन आर, किशोर के, सक्सेना आर. फैक्टर्स कंट्रिबुटिंग टू एपीसी – रेजिस्टेंस इन विमैन विद् रिकरंट स्पोंटेनियस मिसकैरेएज : इंडियन परस्पेक्टिव। *ब्लड सेल्स मॉल डिस* 2015; 55(3) : 213–5.

1485. शर्मा सी, बिश्वास एनआर, ओझा एस, वेलपांडियन टी. कम्प्रीहेंसिव एवेल्यूशन ऑफ फॉर्मूलेशन फैक्टर्स फॉर ऑकुलर पेनेट्रेशन ऑफ फ्लोरक्वानोलोनेस इन रेबिट्स यूजिंग कैसेट डोजिंग टेक्नीक। ड्रग डेस डेवल थेर 2016; 10 : 811–23.

1486. शर्मा डीएन, देव एसवी, रथ जीके, शुक्ला एनके, बख्शी एस, गांधी एके, *एट ऑल.* पेरिऑपरेटिव हाई–डोज–रेट इंटरस्टिशियल ब्रेकायथेरेपी कम्बाइंड विद् एक्स्टर्नल बीम रेडिएशन थेरेपी फॉर सॉफ्ट टिशू सर्कोमा। *ब्रेकायथेरेपी* 2015; 14(4) : 571–7.

1487. शर्मा डीएन, गैफनी डीके. कॉनकरंट कीमोब्रेकाइथेरेपी इन लॉकली एडवांस्ड सरवाइकल कार्सिनोमा : ए हाइपोथेसिस वॉर्थ एक्सप्लोरिंग। *ब्रेकायथेरेपी* 2016; 15 : 200–4.

1488. शर्मा डीएन, गांधी एके, भाटला एन, कुमार एस, रथ जीके. हाई–डोज – रेट इंटरस्टिशियल ब्रेकीथेरेपी फॉर फीमेल पेरि–यूरेथरल कैंसर। *जे कंटेम्प ब्रेकायथेरेपी* 2016; 8: 41–7.

1489. शर्मा जी, लोधा आर, शास्त्री एस, सैनी एस, कपिल ए, सिंगला एम, *एट ऑल.* जिंक सप्लीमेंटेशन फॉर वन ईयर अमंग चिल्ड्रन विद् कायस्टिक फाइब्रोसिस डोज नॉट डिक्रिज पल्मोनरी इंफेक्शन। *रेस्पेयर केयर* 2016; 61 : 78–84.

1490. शर्मा जी, शर्मा वी, कैन ए ट्रोकैंटर स्टेबिलिशिंग प्लेट प्रीवेंट लेटरल वॉल फ्रेक्चर्स इन एओ / ओटीए 31–ए2 पर ट्रोकैंटेरिक फ्रैक्चर्स विद् क्रिटिकल थीन फेमोरल लेटरल वॉल्स। इनजरी 2015; 46(10) : 2085–6.

1491. शर्मा जी, सिंह आर, जीएन केके, जैन वी, गुप्ता ए, गमनगट्टी एस, *एट ऑल.* विच एओ / ओटीए 31–ए2 परट्रोकैंटेरिक फ्रैक्चर्स कैन बीन ट्रीटेड विद् ए डायनेमिक हिप स्क्रू विद्आउट डेवलपिंग ए लेटरल वॉल फ्रैक्चर? ए सीटी – बेस्ड स्टडी। *इंट ऑर्थोप* 2016; 40(5) : 1009–17.

1492. शर्मा जीएसके, जैन ए, यादव ए, काबी डी, कुमार ए. कोरिलेशन बीटवीन स्केलेटल एज एंड डेंटल एज इन लिविंग इंडिविजुअल्स। *जे इंडियन एकाड फॉरेंसिक मेड* 2015; 37 : 283.

1493. शर्मा एच, वर्मा एके, दास पी, दत्तगुप्ता एस, आहुजा वी, मखारिया जीके. प्रीवलेंस ऑफ सेलियक डिजीज इन इंडियन पेशेंट्स विद् इरिटेबल बोवेल सिंड्रोम एंड अनइंवेस्टिगेटेड डायस्पेपसिया। *जे डिज डिस* 2015; 16(8) : 443–8.

1494. शर्मा आई, कौर एम, मिश्रा एके, सूद एन, रमेश वी, कुब्बा ए, सिंह ए. हिस्टोपैथेलॉजिकल डायग्नोसिस ऑफ लेप्रोसी टाइप 1 रिएक्शन विद् एम्फेसिस ऑन इंटरऑब्जेवर वेरिएशन। इंडियन जे लेप्र 2015; 87 : 101–7.

1495. शर्मा आई, सिंह एपी, सिंह एलसी, मिश्रा एके, रमेश वी, सक्सेना एस. इज सीएक्ससीएल 10 / सीएक्ससीआर 3 एक्सिस ओवरएक्सप्रेशन ए बैटर इंडिकेटर ऑफ लेप्रोसी टाइप 1 रिएक्शन दैन इंड्युसिबल नाइट्रिक ऑक्साइड सिंथेसिस? इंडियन जे मेड रेज 2015; 142(6) : 681–9.

1496. शर्मा जेबी, अग्रवाल एम, कर्माकर डी, कुमार एस. एवेल्यूशन ऑफ एन इफेक्टिव एंड चीप एनालजेसिक प्रोटोकॉल प्रीयोर टू इंट्रा – यूटेराइन डिवाइस इंसर्शन इन ए डेवलपिंग कंट्रीज। *इंट जे रिप्रोड कंट्रासेप्ट ऑब्स्टेट गायनेकॉल* 2015; 4(4) : 1061–5.

1497. शर्मा जेबी, शर्मा एस, उषा बीआर, गुप्ता ए, कुमार एस, मुखोपाध्याय एके. ए क्रॉस सेक्शनल स्टडी ऑफ ट्यूमर माक्रर्स ड्यूरिंग नॉर्मल एंड हाई – रिस्क प्रेग्नेंसिस। *इंट जे गायनेकॉल ऑब्स्टेट* 2015; 129 : 203–6.

1498. शर्मा जेबी, शर्मा एस, उषा बीआर, यादव एम, कुमार एस, मुखोपाध्याय एके. क्रॉस सेक्शनल स्टडी ऑफ सीरम पैराथायरॉइड हार्मोन लेवल इन हाई – रिस्क प्रेग्नेंसिस एज कम्परेड टू नॉनप्रेगनेंट कंट्रोल। *इंडियन जे एंडोक्राइनॉल मेटाब* 2016; 20 : 92–6.

1499. शर्मा जेबी, स्नेहा जे, सिंह यूबी, कुमार एस, कुमार रॉय के, सिंह एन, *एट ऑल.* इफेक्ट ऑफ एंटीट्यूबरकुलर थेरेपी ऑन एंडोमेट्रियल फंक्शन इन इंफार्टिल विमेन विद् फीमेल जेनिटल

ट्यूबरकुलोसिस। *इंफेक्ट डिसऑर्ड ड्रग टरगेट्स* 2016; 16 (2) : 101–8.
1500. शर्मा जेबी, स्नेहा जे, सिंह यूबी, कुमार एस, रॉय केके, सिंह एन, *एट ऑल.* कम्परेटिव स्टडी ऑफ लेप्रोस्कोपिक एब्डोमिनोपेल्विक एंड फैलोपियन ट्यूब फाइंडिंग्स बिफॉर एंड ऑफ्टर एंटीट्यूबरकुलर थेरेपी इन फीमेल जेनिटल ट्यूबरकुलोसिस विद् इनफर्टिलिटी। *जे मिनिम इनवेसिव गाइनकोल* 2016; 23: 215–22.
1501. शर्मा जेबी. करंट डायग्नोसिस एंड मैनेजमेंट ऑफ फीमेल जेनिटल ट्यूबरकुलोसिस। *जे आब्स्टेट गाइनेकॉल इंडिया* 2015; 65 : 362–71.
1502. शर्मा केए, डढवाल वी, सैनी एके, अग्रवाल एस, कंडपाल एस. वट इज योर डायग्नोसिस? *जे टूर्क जर गाइनेकॉल एसो* 2015; 16(3) : 192–3.
1503. शर्मा एन, अरोड़ा टी, जैन वी, अग्रवाल टी, जैन आर, जैन वी, *एट ऑल.* जेटिफ्लोक्ससिन 0.3 परसेंट वर्सिस फॉर्टिफाइड टोब्रामायसिन – सेफैजोलिन इन ट्रीटिंग नॉनपरफॉरेटेड बैक्टीरियल कॉर्नियल अल्सर्स : रैंडोमाइज्ड, कंट्रोल्ड ट्रायल। *कॉर्नियां* 2016; 35 : 56–61.
1504. शर्मा एन, फैलेरा आर, अरोड़ा टी, अग्रवाल टी, बंदीवडेकर पी, वाजपेयी आरबी. एवेल्यूशन ऑफ ए लॉ–कोस्ट डिजाइन केरैटोप्रोस्थेसिस इन एंड – स्टेज कॉर्नियल डिजीज : ए प्रीलिमिनरी स्टडी। ब्र. जे ऑफ्थेलमॉल 2016; 100(3) : 323–7.
1505. शर्मा एन, लाथी एसएस, सेहरा एसवी, अग्रवाल टी, सिन्हा आर, टिटियाल जेएस, *एट ऑल.* कम्पेरिजन ऑफ अम्बिलिकल कोर्ड सीरम एंड एमनियोटिक मेम्ब्रान ट्रांसप्लांटेशन इन एक्यूट ऑकुलर कैमिकल बर्न्स। ब्र. जे ऑफ्थेलमॉल 2015; 99(5) : 669–73.
1506. शर्मा एन, शंकरन पी, अग्रवाल टी, अरोड़ा टी, चावला बी, टिटियाल जेएस, *एट ऑल.* एवेल्यूशन ऑफ इंट्राकैमेरल एम्फोटेरिसिन बी इन द मैनेजमेंट ऑफ फंगल कैराटाइटिस : रैंडोमाइज्ड कंट्रोलड ट्रायल। ऑकुल इम्युनोल इंफ्लेम 2015; 23 : 1–5.
1507. शर्मा एन, शर्मा वीके, अरोड़ा टी, सिंह केआर, अग्रवाल टी. वाजपेयी आरबी. नॉवेल टेक्नीक फॉर डिससेमेट मेम्बान रेमनेंट स्ट्रीपपिंग इन हैजी कॉर्निया ड्यूरिंग डीएसएईके। कॉर्निया 2016; 35(1) : 140–2.
1508. शर्मा एन, शिवलिंगम वी, मौर्य एस, प्रसाद ए, खंडेवाल पी, यादव एससी, *एट ऑल.* न्यू इनसाइट्स इनटु इन विट्रो एमलॉइडोजेनिक प्रोपर्टीज ऑफ ह्यूमन सीरम एल्बुमिन सजेस्ट कंसिडरेशन्स फॉर थेराप्यूटिक प्रीक्यूशन्स। *एफईबीएस लेट* 2015; 589 : 4033–8.
1509. शर्मा एन, सुरी के, सेहरा एसवी, टिटियाल जेएस, सिन्हा आर, टंडन आर, एट ऑल. कॉलेजन क्रॉस लिंकिंग इन केरैटोकोनस इन एशियन आईस : विजुअल, रेफ्रेक्टिव एंड कंफोकल माइक्रोस्कोपी आउटकम्स इन ए प्रोस्पेक्टिव रैडोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल। इंट ऑफ्थेलमॉल 2015; 35(6) : 827–32.
1510. शर्मा एन, थेनारासुन एसए, कौर एम, पुष्कर एन, खन्ना एन, अग्रवाल टी, एट ऑल. एडजुवेंट रोल ऑफ एमनियोटिक मेम्ब्रान ट्रांसप्लांटेशन इन एक्यूट ऑकुलर स्टेवेन्स – जॉनसन सिंड्रोम : ए रैंडोमाइज्ड कंट्रोल ट्रायल। ऑफ्थेलमोलॉजी 2016; 123 : 484–91.
1511. शर्मा पी, अरोड़ाएस, करुणानिधि एस, खडगावत आर, दुर्गापाल पी, शर्मा आर, *एट ऑल.* सोमेटोस्टेटिन रिसेप्टर बेस्ड पीईटी / सीटी इमेजिंग विद् 68जीए – डीओटीए – एनएएल3–ओक्ट्रेयोटाइड फॉर लॉकलाइजेशन ऑफ क्लिनिकली एंड बायोकैमिकली सस्पेक्टेड इनसुलिनोमा। *क्यू जे न्यूक्ल मेड मॉल इमेजिंग* 2016; 60 : 69–76.
1512. शर्मा पी, गुप्ता एन, चौधरी एमआर, फड़के एसआर, सप्रा एस, हलदर ए, *एट ऑल.* विलियम्स – बेयूरेन सिंड्रोम : एक्सपीरिएंस ऑफ 43 पेशेंट्स एंड ए रिपोर्ट ऑफ एन एटाइपिंग केस फ्रॉम ए टर्शरी केयर सेंटर इन इंडिया। *काइटोजेनेट जीनोम रेज* 2015; 146 : 187–94.
1513. शर्मा पी, कुमार आर, अलावी ए. पीईटी / कंप्यूटेड टोमोग्राफी यूजिंग न्यू रेडियोफार्मास्यूटिकल्स इन

टरगेटेड थेरेपी। *पीईटी क्लीन* 2015; 10: 495–505.
1514. शर्मा पी, मखारिया जी, यादव आर, द्विवेदी एसएन, दीपक केके. गैस्ट्री मायोइलेक्ट्रिकल एक्टिविटी इन पेशेंट्स विद् इंफ्लेमेटरी बॉवेल डिजीज। *जे स्मूथ मसल रेज* 2015; 51 : 50–7.
1515. शर्मा पी, मुखर्जी ए, करुणानिधि एस, नासवा एन, कुमार आर, अमिनी एसी, *एट ऑल.* एक्यूरेसी ऑफ 68जीए डीओटीएएनओसी पीईटी / सीटी इमेजिंग इन पेशेंट्स विद् मल्टीपल एंडोक्राइन नियोप्लासिया सिंड्रोम। *क्लीन न्यूक्ल मेड* 2015; 40 : ई351–6.
1516. शर्मा पी, पुजारी जी, वेलेज डीएमए, द्विवेदी एसएन, दीपक केके. इफेक्ट ऑफ योग – बेस्ड इंटरवेंशन इन पेशेंट्स विद् इंफ्लेमेटरी बॉवेल डिजीज। *इंट जे योग थेरेपी* 2015; 25 : 101–12.
1517. शर्मा आर, कुमार वी, राजा डी. डिजास्टर प्रीपरेडनेस अमंग विमेन, द इनविजिबल फॉर्स ऑफ रेसिलिएंस : ए स्टडी फ्रॉम दिल्ली, इंडिया। *इंट जे हेल्थ सिस्ट डिजास्टर मैनेज* 2015; 3(3) : 163–8.
1518. शर्मा आर, सेठ ए, चंद्र जे, गोहैन एस, कपूर एस, सिंह पी *एट ऑल.* एंडोक्राइनोपैथीज इन एडोलसेंट्स विद् थेलेसेमिया मैजर रिसिविंग ओरल आयरन केलेशन थेरेपी। *पीडियट्र इंट चाइल्ड हेल्थ* 2016; 36 : 22–7.
1519. शर्मा एस, अग्रवाल एस, नागेंदला एमके, गुप्ता डीके. ओमेंटल एसिनर सेल कार्सिनोमा ऑफ पैनक्रिएटिक ओरिजन इन ए चाइल्ड : ए क्लिनिकोपैथोलॉजिकल रेरिटी। *पीडियट्र सर्ज इंट* 2016; 32 : 307–11.
1520. शर्मा एस, आरिफ एम, निराला आरके, गुप्ता आर, ठाकुर एससी. क्यूमुलेटिव थेराप्यूटिक इफेक्ट्स ऑफ फाइटोकैमिकल्स इन एर्निका मोनटाना फ्लोर एक्स्ट्रक्ट एलेविटेड कोलेजन – इंड्युस्ड अर्थराइटिस : इंहिबिशन ऑफ बोथ प्रो–इंफ्लेमटरी मेडिएटर्स एंड ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस। *जे साइं. फूड एगरिक* 2016; 96(5) : 1500–10.
1521. शर्मा एस, दास पी, डिंडा ए, गुप्ता डीके. डिससेमिनेटेड हिस्टियोकाइटिक सार्कोमा इन ए चाइल्ड : ए क्लिनिकोपैथोलॉजिकल डिकोटोमी विद् एट इयर्स सरवाइकल। *बीएमजे केस रिप* 2016; 2016.
1522. शर्मा एस, गोगिया वी, गर्ग पी, वेंकटेश पी, गुप्ता एस, शर्मा वाय. इनोवेटिव मल्टीप्लानर रिकंस्ट्रक्शन एण्ड वॉल्यूम – रेंडर्ड कम्प्यूटिड टोमोग्राफी इन द असेस्मेंट ऑफ स्क्लेरल बकल – रिलेटिड कॉम्प्लीकेशन्स। *रेटिना* 2015; 35(8) : 1656–61
1523. शर्मा एस, गोयल एस, मजूमदार एस, मणिगंदन डी, सहाय पी, बिश्वास ए, *एट ऑल.* इम्पैक्ट ऑफ पेशेंट पॉजिशनिंग ऑन रेडियोथेरेपी डोज डिस्ट्रीब्यूशन : एन एसेसमेंट इन पेरोटिड ट्यूमर। *इंट जे कैंसर थेर ऑन्कोल* 2016; 4(1) : 416.
1524. शर्मा एस, गुप्ता डीके. मेल क्लोअका मैलफॉर्मेशन : रेयर वरिएंट ऑफ एनोरेक्टल मैलफॉर्मेशन। *पीडियट्र सर्ज इंट* 2015; 31 : 747–52.
1525. शर्मा एस, गुप्ता डीके. मैनेजमेंट ऑप्शन्स ऑफ कॉनजेनिटल पाउच कोलोन – ए रेयर वरिएंट ऑफ एनोरेक्टल मैलफॉर्मेशन। *पीडियट्र सर्ज इंट* 2015; 31 : 753–8.
1526. शर्मा एस, गुप्ता डीके स्टेम – सेल थैरेपी फॉर न्यूरोलॉजिक डिजीज. जे न्यूरोएनेस्थिसियोल क्रिट केयर 2015; 2 : 15–22.
1527. शर्मा एस, राय बी, डिंडा एके, रॉय टीएस. कोकलेयोटोपी ऑफ ह्यूमन कोकलियर न्यूक्लेस। *जे एनाटोमिकल सोश इंडिया* 2015; 64 : 18–26.
1528. शर्मा एस, शर्मा एस, चंद्रा एम, मिना एस, बलहारा वाईपीएस, वर्मा आर. साइकोलॉजिकल वेल–बीइंग इन प्राइमरी सरवाइवर्स ऑफ उत्तराखंड डिजास्टर इन इंडिया। *इंडियन जे सोश साइकायट्री* 2015; 31 : 29–36.
1529. शर्मा एस, तंवर ए, गुप्ता डीके. कुरकुमिन : एन एडजुवेंट थेराप्यूटिक रेमेडी फॉर लीवर कैंसर। *हिपेटोमा रेस* 2016; 2 : 62–70.

1530. शर्मा एस, जैन पी, गुलाटी एस, संख्यान एन, अग्रवाल ए. यूज ऑफ द मॉडिफाइड एटकिंस डाइट इन लेनोक्स गेस्ट्यूट सिंड्रोम। *जे चाइल्ड न्यूरोल* 2015; 30 : 576–9.
1531. शर्मा एस. न्यूवर इमेजिंग मॉडेलिटीस इन यूरोलॉजी। इंडियन जे यूरोल 2015; 31(3) : 168–9.
1532. शर्मा एसके, गोयल ए, गुप्ता एसके, मोहन के, श्रीनिवास वी, राय एसके, *एट ऑल.* प्रीवलेंस ऑफ ट्यूबरकुलोसिस इन फरीदाबाद डिस्ट्रिक्ट, हरियाणा स्टेट, इंडिया। *इंडियन जे मेड रेस* 2015; 141 : 228–35.
1533. शर्मा एसके, झा एस. डु स्लीप डिसऑर्डर्स प्रीडिस्पोस टु द डेवलपमेंट ऑफ टाइप 2 डायबिटीज मेलिट्स? *इंडियन जे चेस्ट डिस एलायड साइं* 2015; 57: 77–9.
1534. शर्मा एसके, कटोच वीएम, मोहन ए, कधिरवन टी, इलावरसी ए, रगेश आर, *एट ऑल.* कंसेंसस एंड एविडेंस – बेस्ड इंडियन इनिशिएटिव ऑन आब्स्ट्रेक्टिव स्लीप एपनिया गाइडलाइन्स 2014 (फर्स्ट एडिशन)। *लंग इंडिया* 2015; 32 : 422–34.
1535. शर्मा एसके, कटोच वीएम, मोहन ए, कधिरवन टी, इलावरसी ए, रगेश आर, *एट ऑल.* इंडियन इनीशिएटिव ऑन ऑब्स्ट्रक्टिव स्लीप एपनिया गाइडलाइन्स वक्रिंग ग्रुप; इंडियन। कंसेंसस एण्ड एविडेंस – बेस्ड आईएनओएसए गाइडलाइन्स 2014 (फर्स्ट एडिशन). *इडियन जे चेस्ट डिस एलाइड साइं* 2015; 57 (1) : 48–64.
1536. शर्मा एसके, कोहली एम, चौबे जे, यादव आरएन, शर्मा आर, सिंह बीके, *एट ऑल.* एवेल्यूएशन ऑफ एक्स्पर्ट एमटीबी / आरआईएफ एसे परफॉर्मेन्स इन डायग्नोसिंग एक्स्ट्रापल्मोनरी ट्यूबरकुलोसिस अमंग एडल्ट्स इन ए टर्शरी केयर सेंटर इन इंडिया. *इयूर रेस्पियर जे* 2014; 44 : 1090–3.
1537. शर्मा एसके, कोहली एम, यादव आरएन, चौबे जे, भसीन डी, श्रीनिवास वी, *एट ऑल.* एवेल्यूएटिंग द डायग्नोस्टिक एक्यूरेसी ऑफ एक्स्पर्ट एमटीबी / आरआईएफ एसे इन पल्मोनरी ट्यूबरकुलोसिस। *पीएलओएस वन* 2015; 10 : ई0141011.
1538. शर्मा एसके, कुमार एस, अग्रवाल एन, मिश्रा पी, सेठ टी, महापात्रा एम. ओरल हाई डोज डेक्सामेथसोन फॉर प्योर रेड सेल एप्लासिया फॉलोविंग एबीओ – मिसमेचड एलोजेनेइक पेरिफेरल ब्लड स्टेम सेल ट्रांसप्लांटेशन : ए केस रिपोर्ट। *इंडियन जे हिमेटोल ब्लड ट्रांसफ्यूस* 2015; 31 (2) : 317–8.
1539. शर्मा एसके, नेहरा ए, सिन्हा एस, सोनेजा एम, सुनेश के, श्रीनिवास वी, *एट ऑल.* स्लीप डिसऑर्डर्स इन प्रेग्नेंसी एंड देयर एसोसिएशन विद् प्रेग्नेंसी आउटकम्स : ए प्रोस्पेक्टिव ऑब्जेवेशनल स्टडी। *स्लीप ब्रेथ* 2016; 20: 87–93.
1540. शर्मा एसके, सोनेजा एम, रंजन एस. मैलीग्नेंसिस इन ह्यूमन इम्युनोडेफिसिएंसी वायरस इंफेक्टेड पेशेंट्स इन इंडिया : इनिशियल एक्सपीरिएंस इन द एचएएआरटी एरा। *इंडियन जे मेड रेस* 2015; 142 : 563–7.
1541. शर्मा यू, जगन्नाथन एनआर. ब्रेस्ट मैग्नेटिक रेजोनेंस स्पेक्ट्रोस्कोपी (एमआरएस)। *ईमैगरेस* 2015; 4 : 821–32.
1542. शर्मा यू, उपाध्याय डी, मेवार एस, मिश्रा ए, दास पी, गुप्ता एसडी, *एट ऑल.* मेटाबॉलिक एडेनोर्मेलिटिस ऑफ गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल म्यूकोसा इन सेलियाक डिजीज : एन इन – विट्रो प्रोटोन न्यूक्लियर मैग्नेटिक रेजोनेंस स्पेक्ट्रोस्कोपी स्टडी. *जे गैस्ट्रोइंटेरोल हिपेटोल* 2015; 30 : 1492–8.
1543. शर्मा वी, पुरकैत एस, ठक्कर एस, मैलगुलवर पीबी, कुमार ए, पाठक पी, *एट ऑल.* एनालायसिस ऑफ ईजेडएच2 : माइक्रो–आरएनए नेटवर्क इन लॉ एंड हाई ग्रेड एस्ट्रोकाइटिक ट्यूमर्स। *ब्रेन ट्यूमर पैथोल* 2016; 33 : 117–28.
1544. शर्मा वीके, चिरामेल एमजे, राव ए. डेर्मोस्कोपी : ए रेपिड बेडसाइड टूल टू एसेस मॉनिलेथरिक्स। इंडियन जे डर्मेटोल वेनेरियोल लेप्रोल 2016; 82 : 73–4.

1545. शर्मा वीके, पाई जी, देसवर्ते सी, लोढ़ा आर, सिंह एस, कांग एलडब्ल्यू *एट ऑल.* डिससेमिनेटेड माइकोबैक्टीरियम एवियम कॉम्प्लेक्स इंफेक्शन इन ए चाइल्ड विद् पार्टिशयल डोमिनेंट इंटरफेरॉन गामा रिसेप्टर 1 डेफिसिएंसी इन इंडिया। *जे क्लीन इम्युनोल* 2015; 35 : 459–62.
1546. शर्मा वीके. हाइपोक्रॉमिक विटिलिगो : ए परस्पेक्टिव। ब्र जे डर्मेटोल 2015; 172 : 561–2.
1547. शर्मा कमलेश के, गुप्ता वीपी, सेठ एस. ए स्टडी टु एवेल्युटेड द इफेक्टिवनेस ऑफ एन इंडिजेनस एक्ससाइज प्रोटोकॉल इन पेशेंट्स विद् हार्ट फैलियर टु इम्प्रूव देयर क्वालिटी ऑफ लाइफ : (एक्ससाइज इन कंजेस्टिव हार्ट फैलियर स्टडी (ई–सीएचएफ स्टडी)। जे प्रैक्ट कार्डियोवेस्क साइं 2015; 1 : 39.
1548. शेखर एस, कुमार आर, राय एन, कुमार वी, डे एबी, डे एस. क्वांटिफिकेशन ऑफ टयू एंड पी–टयू 181 सीरम लेवल्स इन अल्जाइमर्स डिजीज पेशेंट्स, माइल्ड कॉगनिटिव इम्पेयरमेंट पेशेंट्स एंड एल्डर्ली कंट्रोल्स। *जर्नल ऑफ इंडियन एकेडमी ऑफ जेरियाट्रिक्स* 2015; 11 सप्ली
1549. शेन जे, कोंडल डी, रुबिंस्टिन ए, अराजोला वी, गटिरेज एल, मिरांडा जेजे, *एट अल.* ए मल्टीएथेनिक स्टडी ऑफ प्री – डायबिटीज एंड डायबिटीज इन एलएमआईसी। *ग्लोब हार्ट* 2016; 11: 61–70.
1550. शतकर एसएस, कोठारी एसएस. इंटरमिटेंट रिस्ट्रिक्टिव वेंट्रिकुलर सेप्टल डिफेक्ट इ न टेट्रालॉजी ऑफ फैलॉट. एन पीडियाात्रि कार्डियोल 2015; 8 (1) : 80 – 1.
1551. शी एल, दोरबाला एस, पेज डी, शॉ एलजे, जुकोटायंस्की केए, पास्कल टीएन. आईएनसीएपीएस इंवेस्टिगेटर्स ग्रुप। जेंडर डिफरेंसेस इन रेडिएशन डोज फ्रॉम न्यूक्लियर कार्डियोलॉजी स्टडीज एक्रॉस द वर्ल्ड : फाइंडिंग्स फ्रॉम द आईएनसीएपीएस रजिस्ट्री। जेएसीसी कार्डियोवेस्क इमेजिंग 2016; 9 (4) : 376–84.
1552. श्रेष्ठा एन, हजराह पी, सागर आर. इनसिडेंस एंड प्रीवलेंस ऑफ पोस्टपार्टम डिप्रेसन इन ए रूरल कम्युनिटी ऑफ इंडिया। *जर्नल ऑफ चितवन मेडिकल कॉलेज* 2015; 5(2) : 11–9.
1553. श्रीवास्तव एन, सिंह पी, सेठ ए, डोगरा पीएन, कुमार आर. डिवाइस मैलफंक्शन विद् द डे विन्की एस सर्जिकल सिस्टम एंड इम्पैक्ट ऑन सर्जिकल प्रोसीडर्स : कुड डिवाइस एजिंग बी रिस्पोंसिबल? यूर यूरोल 2015 नवंबर; 68 (5) : 914–5.
1554. शुक्ला एचएस, सिरोही बी, बिहारी ए, शर्मा ए, मजूमदार जे, गांगुली एम, *एट ऑल.* इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च कंसेंसस डॉक्यूमेंट फॉर द मैनेजमेंट ऑफ गैलब्लेडर कैंसर। *इंडियन जे मेड पीडियाट्र ऑन्कोल* 2015; 36: 79–84.
1555. शुक्ला जे, डिंडा एके, श्रीवास्तव एके, श्रीवास्तव के, मित्तल बीआर, बंदोपाध्याय जीपी. नैनोटैमोक्सीफेन डिलीवरी सिस्टम : टॉक्सीसिटी एसेसमेंट आफ्टर ओरल एडमिनिस्ट्रेशन एंड बायोडिस्ट्रीब्यूशन स्टडी आफ्टर इंट्रावेनस डिलीवरी ऑफ रेडियालेबलड नैनोटामोक्सीफेन। *वर्ल्ड जे न्यूक्ल मेड* 2016; 15 : 7–11.
1556. शुक्ला एस, आइनस्टाइन ए, शुक्ला ए, शुक्ला डी. कम्पेरिजन ऑफ द स्पेसिमेन एडेक्वासी एंड स्मियर क्वालिटी इन ओरम स्मियर प्रीपेड बाय मैनुअल लिक्विड – बेस्ड काइटोलॉजी एंड कंवेंशनल मैथड्स। *जे ओरल मैक्सीलोफेक पैथोल* 2015; 19 : 315.
1557. शैलेंद्रन एस, बालियान वी, यादव एके, कुमार ए, गमनगट्टी एस. पोस्ट ट्रेकियोस्टोमी कैरोटिड – ट्रेकियल फिस्टुला। *इंडियन जे ओटोलर्यनजॉल हैड नीक सर्ज* 2016; 68(1) : 97–9.
1558. सिद्धार्थ वी, बक्शी एस, सत्पथी एस, गुप्ता एसके. एसेसमेंट ऑफ मेडिकेशन मैनेजमेंट प्रैक्टिस एट डे केयर फैसिलिटी। *जे एकाड हास्प एडमिन* 2015; 27(1 एंड 2) : 21–34.
1559. सिद्धार्थ वी, कुमार एस, विज ए, गुप्ता एसके. कोस्ट एनालयसिस ऑफ ऑपरेशन थिएटर सर्विसेज एट एन एपेक्स टर्शरी केयर ट्रॉमा सेंटर ऑफ इंडिया। *इंडियन जे सर्ज* 2015; 77(सप्ली 2) : एस530–5.
1560. सिहोता आर, अंगमो डी, चंद्र ए, गुप्ता वी, शर्मा ए, पांडे आरएम. एवेल्यूटिंग द लॉन्ग – टर्म एफिसेसी ऑफ शॉर्ट – डुरेशन 0.1 एमजी/एमल एंड 0.2 एमजी/एमएल एमएमसी इन प्राइमरी ट्यूबरकुलेक्टोमी

फॉर प्राइमरी एडल्ट ग्लूकोमा। *ग्रेएफेस आर्च क्लीन एक्स्प ऑफ्थेलमॉल* 2015; 253 : 1153–9.
1561. सिहोता आर, अंगमो डी, सेन एस, गुप्ता वी, दादा टी, पांडे आरएम. द लॉन्ग – टर्म आउटकम ऑफ प्राइमरी 'ब्लेड – स्पेरिंग, एपिथेलियल एक्सचेंज' इन डिसफंक्शनल फिल्टरिंग ब्लेबस। *जे ग्लूकोमा* 2016; 25 : 571–8.
1562. सिकरी एके, बेहरा सी, मूर्ति ओपी, रौतजी आर. हैंड्स टाइड विद् बैग फुल ऑफ बुक्स इन सुसाइडल हैंगिंग। *जे फॉरेंसिक साइं* 2016; 61: एस265–7.
1563. सिक्का के, अग्रवाल आर, देवराज के, लोढ़ा जेवी, ठाकर ए. हैजर्डस कॉम्प्लीकेशन्स ऑफ एनिमेट फॉरेन बॉडीज इन ओटोलॉजी प्रैक्टिस। *जे लरीनगोल ओटोल* 2015; 129: 540–3.
1564. सिंह ए, चंद्रशेखर एसएच, हांडा एन, बालियान वी, कुमार पी. पेरिपोर्टल नियोप्लाज्मा – ए सीटी परस्पेक्टिव : रिव्यू आर्टिकल। *ब्रा. जे रेडियोल* 2016; 89(1060) : 20150756.
1565. सिंह ए, गुप्ता वी, घोष ए, लॉक के, घोष – जेराथ एस. क्वांटिटेटिव एस्टिमेट्स ऑफ डाइटरी इनटेक विद् स्पेशल एम्फेसिस ऑन स्नेकिंग पैटर्न एंड न्यूट्रिशनल स्टेट्स ऑफ फ्री लिविंग एडल्ट्स इन अर्बन स्लमस ऑफ देल्ही : इम्पैक्ट ऑफ न्यूट्रिशन ट्रांजिशन। *बीएमसी न्यूट्र* 2015; 1: 22.
1566. सिंह ए, मंडल ए, मोहन एस, सेठ आर. प्राइमरी पुल्मोनरी प्राइमिटिव न्यूरोएक्टोडर्मल ट्यूमर ऑफ लंग इन ए चाइल्ड। *अमेरिकन जे केस रिपोर्ट्स* / 2016; 4 : 31–7.
1567. सिंह ए, मंडल ए, सेठ आर, काबरा एसके. नोमा इन ए चाइल्ड विद् एक्यूट ल्यूकेमिया : वेन द 'फेस ऑफ पोवर्टी' फाइंड्स एन एली। *बीएमजे केस रिप* 2016 : 2016.
1568. सिंह ए, मंडल ए, सेठ आर. एन अनयूअल केस ऑफ हिपेटोस्प्लेनोमेगली विद् साइटोपेनिया। *इंट जे पीडियाट्र* 2015; 3 : 803–7.
1569. सिंह ए, मंडल ए, सेठ आर. हर्पीज वायरस इंड्युस्ड बुल्लोयस लेशन्स इन ए चाइल्ड विद् एक्यूट ल्यूकेमिया। *इंडियन जे पीडियाट्र डर्मेटोल* 2016; 17 : 21–3.
1570. सिंह ए, पुरकैत एस, गोगिया ए, मल्लिक एस. नॉन – हॉडग्किन लिम्फोमा अनक्लासिफाइबल बीटवीन डिफ्यूज लार्ज बी–सेल – लिम्फोमा एंड बुर्कीट लिम्फोमा। *जे करं रेज साइं मेड* 2015; 1 : 54–6.
1571. सिंह ए, रघुनंदन सी, भट्टाचार्य जे. एंडोथेलिन : लिंक बीटवीन द प्राइमरी प्लासेंटल एक्यूस एंड द सेकेंडरी सिस्टेमिक एंडोथेलियस डायफंक्शन इन पैथोफिजियोलॉजी ऑफ प्री–एक्लाम्पसिया। *ऑब्स्टेट गाइनेकोल इंट जे* 2015; 2(3) : 00042.
1572. सिंह ए, रेड्डी डी, हारिस एम, कै के, राजेंद्र रेड्डी के, हरिहरन एच, *एट ऑल.* टी1पी एमआरआई ऑफ हेल्थी एंड फाइब्रोटिक ह्यूमन लिवर्स एट 1.5 टी. *जे ट्रांसल मेड* 2015; 13 : 292.
1573. सिंह ए, सेठ आर, पाई जी, धवमन एल, सत्पथी ए. मेसेंकाइमल हैमेर्टोमा ऑफ चेस्ट वॉल इन एन इंफैंट : मिमिकिंग परसिस्टेंट निमोनिया। *जे क्लीन डायग्न रेज* 2015; 9 : एसडी03–04.
1574. सिंह एके, हलदर पी, राय एसके, कांत एस. ए सिस्टमेटिक रिव्यू टु एक्सप्लोर द फैक्टर्स रिलेटेड टु पेरेंट टु चाइल्ड ट्रांसमिशन ऑफ एचआईवी, सरवाइवल एंड ट्रीटमेंट प्रोविजन ऑफ चिल्ड्रन विद् एचआईवी इन इंडिया। *वर्ल्ड जे एड्स* 2015; 5(3) : 245–55.
1575. सिंह एपी, कुमार आर, मोहन एन, साहू वी, डे एबी, डे एस. एडेंटिफिकेशन ऑफ सीरम सिर्टुइन्स एज नॉवेल नॉनइनवेसिव प्रोटीन माक्रर्स फॉर फ्रेल्टी। *जर्नल ऑफ इंडियन एकेडमी ऑफ जेरियट्रिक्स* 2015; 11 सप्ली
1576. सिंह डी, सक्सेना आर, सिन्हा आर, टिटियाल जेएस. स्टेरियोएक्यूटी चेंजेस आफ्टर लेजर इन सीटू केराटोमिलेयूसिस। ऑप्टोम विज साइं 2015; 92(2) : 196–200.
1577. सिंह जी, कुमार एम, सोनी यू, अरोड़ा वी, बंसल वी, गुप्ता डी, *एट ऑल.* कैंसर सेल टरगेटिंग यूजिंग फोलिक एसिड / एंटी – एचईआर2 एंटीबॉडी कंजुगेटेड फ्लोरसेंट सीडीएसई / सीडीएस /

जेडएनएस – मेर्कैप्टोप्रोपिनिक एसिड एंड सीडीईटी – मेक्रैप्टोसक्सिनिक एसिड क्वांटम डॉट्स। *जर्नल ऑफ नैनोसाइंस एंड नैनोटेक्नोलॉजी* 2016; 16: 130–43.
1578. सिंह जी, कुमार एम, सोनी यू, अरोड़ा वी, बंसल वी, गुप्ता डी, *एट ऑल.* कैंसर सेल टरगेटिंग यूजिंग फोलिक एसिड / एंटी – एचईआर2 एंटीबॉडी कंजुगेटेड फ्लोरसेंट सीडीएसई / सीडीएस / जेडएनएस – एमपीए एंड सीडीटीई – एमएसए क्वांटम डॉट्स। जे नैनोसाइं नैनोटेक्नोल 2015; 15 : 9382–95.
1579. सिंह जीपी, बिंदु बी, पांडिया एमपी, बिठल पीके. मफुक्की सिंड्रोम : एनेस्थेटिक मैनेजमेंट एण्ड रिव्यू ऑफ लिटरेचर. जे न्यूरोएनेस्थिसियोल क्रिट केयर 2015; 2 : 136–8.
1580. सिंह जीपी. नियर इंफ्रारेड स्पेक्ट्रोस्कोपी – करंट स्टेट्स। जे न्यूरोएनेस्थिसियोल क्रिट केयर 2016; 3 : 66–9.
1581. सिंह एच, मोहन पी, कुमार आर, गुप्ता वाईके. डिफरेंस इन डिसक्राइब्ड इंडिकेशन्स ऑफ मेडिसिन्स अमंग ड्रग इंफॉर्मेशन सोर्सेस इन इंडिया : एन इशू अरजेंटली टू बी एड्रेसड। *जे नेट साइं बायोल मेड* 2016; 7(1) : 93–7.
1582. सिंह एच, पटेल सीडी, शर्मा जी, नायक एन. कम्पेरिजन ऑफ लेफ्ट वेंट्रिकुलर सिस्टोलिक फंक्शन एण्ड मैकेनिकल डिससिंक्रोनी यूजिंग एक्विलीब्रियम रेडियोन्यूक्लिड एंजियोग्राफी इन पेशेंट्स विद राइट वेंट्रिकुलर आउटफ्लो ट्रैक्ट वर्सिस राइट वेंट्रिकुलर एपिकल पैसिंग : ए प्रॉस्पेक्टिव सिंगल – सेंटर स्टडी. *जे न्यूक्लि कार्डियोल* 2015; 22 : 903–11.
1583. सिंह एचएन, राजेश्वरी एमआर. एडेंटिफिकेशन ऑफ जीन्स कंटेनिंग एक्सपेंडेड प्यूरिन रिपीट्स इन द ह्यूमन जीनोम एंड देयर एपेरेंट प्रोटेक्टिव रोल अगेंस्ट कैंसर। *जे बायोमॉल स्ट्रेक्ट डाय* 2016; 34 : 689–704.
1584. सिंह एचएन, राजेश्वरी एमआर. रोल ऑफ लॉन्ग प्यूरिन स्ट्रेचीस इन कंट्रोलिंग द एक्सप्रेशन ऑफ जीन्स एसोसिएटेड विद् न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर्स। *जीन* 2015; 572 : 175–83.
1585. सिंह आई, अग्निहोत्री ए, शर्मा ए, वर्मा एके, दास पी, ठाकुर बी, *एट ऑल.* पेशेंट्स विद् सीलियक डिजीज मे हेव नॉर्मल वेट ऑर मेय इवन बी ओवरवेट। *इंडियन जे गैस्ट्रोएंटेरोल* 2016; 35 : 20–4.
1586. सिंह आई, फारुक एम, पद्मा एमवी, गोयल वी, बिहारी एम, ग्रोवर ए, एट ऑल. इनवेस्टिगेशन ऑफ माइटोकोंड्रियल डीएनए वरिएशन्स अमंग इंडियन फ्रेंड्रिच एटेक्सिया (एफआरडीए) पेशेंट्स। माइटोकोंड्रियन 2015; 25 : 1–5.
1587. सिंह जे, शंकर एमएम, कुमार पी, कोवीन डी, रस्तोगी एन, सिंह एस; इंडियन टीबी डायग्नोस्टिक्स नेटवक्र। जेनेटिक डायवर्सिटी एंड ड्रग सस्पेलिबिलिटी प्रोफाइल ऑफ माइकोबैक्टीरियम ट्यूमरकुलोसिस आइसोलेटेड फ्रॉम डिफरेंट रिजन्स ऑफ इंडिया। *जे इंफेक्ट* 2015; 71(2) : 207–19.
1588. सिंह केपी, जोशी एके, जोशी एमके, जोशी सी, सिंह वी, सिंह एम. वूडेन स्टिक पेनिट्रेशन फ्रॉम पेरिनियल रिजन अनटु द थोरैक्स। वर्ल्ड जे एमेज मेड 2015; 6(4) : 305–7.
1589. सिंह एल, पुष्कर एन, सैनी एन, सेन एस, शर्मा ए, बक्शी एस. एट ऑल एक्सप्रेशन ऑफ प्रो–एपॉप्टॉटिक बैक्स एण्ड एंटी – एपॉप्टॉटिक बीसीएल – 2 प्रोटीन्स इन ह्यूमन रेटिनोब्लास्टोमा. क्लिन एक्सपेरिमेंट ऑफ्थेल्मोल 2015; 43 (3) : 259–67.
1590. सिंह एल, पुष्कर एन, सेन एस, सिंह एमके, चौहान एफए, कश्यप एस. प्रोग्नॉस्टिक सिग्नीफिकेन्स ऑफ पोलो – लाइक काइनेस इन रेटिनोब्लास्टोमा : कोरेलेशन विद् पेशेंट आउटकम, क्लिनिकल एण्ड हिस्टोपैथोलॉजिकल पैरामीटर्स. क्लिन एक्सपेरिमेंट ऑफ्थेल्मोल 2015; 43 (6) : 550–7.
1591. सिंह एल, रंजन आर, मदन आर, अरवा एसके, दीपक आरके, सिंह एमके. माइक्रोवेसल डेंसिटी एंड केआई–67 लेबलिंग इंडेक्स इन एस्थेसियोन्यूरोब्लास्टोमा : इज देयर ए प्रोग्नोस्टिक रोल? *एन्ना डायग्न पैथोल* 2015; 19 : 391–6.

1592. सिंह एल, सैनी एन, बक्शी एस, पुष्कर एन, सेन एस, शर्मा ए, एट ऑल. प्रोग्नॉस्टिक सिग्नीफिकेन्स ऑफ माइटोकोंड्रियल ऑक्सीडेटिव फॉस्फोरिलेशन कॉम्प्लेक्स : थेराप्यूटिक टरगेट इन द ट्रीटमेंट ऑफ रेटिनोब्लास्टोमा। माइटोकोंड्रियन 2015; 23 : 55–63.
1593. सिंह एल, सिंह जी, भारद्वाज एस, सिंह ए, बग्गा ए, डिंडा ए. डेंस डिपोजिट डिजीज माइमिकिंग ए रिनल स्मॉल वेसल वैस्कुलाइटिस। *जे एम सोश नेफ्रोल* 2016; 27 : 59–62.
1594. सिंह एल, सिंह एस, जैन डी, शर्मा एससी. म्यूकोएपिडर्मोइड कार्सिनोमा ऑफ आइलिड : ए यूजअल ट्यूमर एट एन अनयूजअल साइट। *जे कैंसर रेज थेर* 2015; 11 (4) : 1027.
1595. सिंह एल, पुष्कर एन, सेन एस, सिंह एमके, बख्शी एस, चावला बी, एट ऑल. एक्सप्रेशन ऑफ सीडीसी25ए एंड सीडीसी25बी फोस्फेट्स प्रोटीन्स इन ह्यूमन रेटिनोब्लास्टोमा एंड इट्स कोरिलेशन विद् क्लिनिकोपैथोलॉजिकल पैरामीटर्स। ब्रे जे ऑफ्थेलमॉल 2015; 99(4) : 457–63.
1596. सिंह एमबी, एपिलेप्सी इन डेवलपिंग कंट्रीज़ : पर्सपेक्विस फ्रॉम इंडिया. न्यूरोलॉजी 2015; 84 : 1592–4.
1597. सिंह एमबी. हेटेरोजेनेटी इन न्यूरोलॉजिक एजुकेशन एंड केयर इन एशियन एंड ओशेयनियन रिजन न्यूरोलॉजी 2015; 84 : 1184–5.
1598. सिंह एमके, सिंह एल, पुष्कर एन, सेन एस, शर्मा ए, चौहान एफए, एट ऑल. कोरिलेशन ऑफ हाई मोबिलिटी ग्रुप बॉक्स – 1 प्रोटीन (एचएमजीबी1) विद् क्लिनिकोपैथोलॉजिकल पैरामीटर्स इन प्राइमरी रेटिनोब्लास्टोमा। पैथोल ऑन्कोल रेज 2015; 21 (4) : 1237–42.
1599. सिंह एन, गुप्ता एम, कृपलानी ए, वानामैल पी. रोल ऑफ एम्ब्रयो ग्लू एज ए ट्रांसफर मीडियम इन द आउटकम ऑफ फ्रेश नॉन–डोनर इन–विट्रो फार्टिलाइजेशन साइकल्स। *जे ह्यू रिप्रोड साइं* 2015; 8 : 214–7.
1600. सिंह एन, गुप्ता एस, पांडे आरएम, चौहान एसएस, सराय ए. हाइ लेवल्स ऑफ सेल – फ्री सरकुलेटिंग न्यूक्लिक एसिड इन पैनक्रिएटिक कैंसर आर एसोसिएटिड विद् वेस्कुलर इंकेसमेंट, मेटोस्टेसिस एण्ड पुअर सर्वाइवल. *कैंसर इंवेस्ट* 2015; 33 : 78–85.
1601. सिंह एन, कौर एसडी, मलिक एन, मल्होत्रा एन, वेनामेल पी. डू इंक्रीस्ड लेवल्स ऑफ प्रोजेस्टेरॉन एण्ड प्रोजेस्टेरॉन / इस्ट्राडियोल रेशियो ऑन द डे ऑफ ह्यूमन क्रोनिक गोनेडोट्रॉपिन अफेक्टस प्रेग्नेंसी आउटकम इन लॉन्ग एगोनिस्ट प्रोटोकॉल इन फ्रेश इन विट्रो फर्टिलाइजेशन / इंट्रासाइटोप्लाज्मिक स्पर्म इंजेक्शन साइकल्स? *जे ह्यू रिप्रोड साइं* 2015; 8 (2) : 80–5.
1602. सिंह एन, कृपलानी ए, माहे आर, कच्छवाहा जी. मैनेजमेंट ऑफ नैरो इंट्रोटियस विद् फेंटॉन ऑपरेशन फ्लोड बाय सक्सेसफुल प्रेग्नेंसी इन ए विमेन विद रिपेयर्ड ब्लेडर एक्स्ट्रोफी. *जे ऑब्स्टेट ग्यनीकोल* 2015; 35 : 426.
1603. सिंह एन, कुमार आर, मल्होत्रा ए, भल्ला एएस, कुमार यू, सूद आर. डायग्नोस्टिक यूटिलिटी ऑफ फ्लोरोडिऑक्सीग्लूकोज पॉजिट्रॉन एमिशन टोमोग्राफी / कंप्यूटेड टोमोग्राफी इन प्रीक्सिया ऑफ अननॉन ओरिजिन। *इंडियन जे न्यूक्ल मेड* 2015; 30(3) : 204–12.
1604. सिंह एन, मिश्रा पी, त्यागी एस, पति एचपी, महापात्रा एम, सेठ टी, *एट ऑल.* क्लिनिकोहिमेटोलॉजिक प्रोफाइल ऑफ पेशेंट्स विद फैक्टर 8 इंहिबिटर्स : ए केस सीरिज़. *क्लिन एप्पल थ्रोम्ब हिमोस्ट* 2015; 21 (3) : 246–50.
1605. सिंह एन, साहू डीके, चौधरी आर, मिश्रा ए, गोयल एमएम, फहीम एम, एट ऑल. आइसोस्कि एनालायसिस एंड फंक्शनल एनोटेशन ऑफ द इंफ्रैटेंटोरियल एपेनडायमोमा ट्यूमर टिशू ऑन पैकबायो आरएस।। प्लेटफॉर्म। *मेटा जीन* 2015; 7: 70–5.
1606. सिंह एन, साहू डीके, गोयल एम, कांत आर, गुप्ता डीके. रेट्रोस्पेक्टिव एनालायसिस ऑफ एफएफपीई बेस्ड विलम्स ट्यूमर सैम्पल्स थ्रु कॉपी नंबर एंड सोमेटिक म्यूटेशन रिलेटेड मॉलीकुलर इनवर्जन प्रोब बेस्ड एरे। *जीन* 2015; 565 : 295–308.

1607. सिंह एन, साहू डीके, मिश्रा ए, अग्रवाल पी, गोयल एमएम, चंद्र ए, *एट ऑल.* मल्टीयोमिक्स एप्रोच शॉविंग जीनोम – वाइड कॉपी नंबर एल्टरेशन्स एंड डिफरेंशियल जीन एक्सप्रेशन इन डिफरेंट टाइप्स ऑफ नॉर्थ – इंडियन पीडियाट्रिक ब्रेन ट्यूमर्स। *जीन* 2016; 576 (2 पीटी 2) : 734–42.
1608. सिंह एन, साहू डीके, ओझा बीके, श्रीवास्तव सी, गुप्ता डीके. एनालायसिस ऑफ क्रोमोसोमल एबरेशन्स इन नॉर्थ – इंडियन मेडुलोब्लास्टोमा। *जे कैंसर साइं थेर* 2014; 6: 10.
1609. सिंह एन, साहू डीके, पुरवर पी, गुप्ता एस, त्रिपाठी एके, दीक्षित जे, *एट ऑल.* 6–सीजीएच एरे बेस्ड केस रिपोर्ट ऑफ ए पेशेंट सफरिंग विद् एमेलोजेनेसिस इम्परफेक्टा, जैलिली सिंड्रोम, सिटुस इनवर्सिस एंड ऑलिगोजूस्पर्मिया। *जे जेनेट डिसॉर्ड जेनेट रिप* 2015; 4 : 1.
1610. सिंह एन, सराया ए. सर्कुलेटिंग न्यूक्लेइक एसिड्स : एन ओवरव्यू। *कीमो ओपन एसेस* 2015; 4 : 172.
1611. सिंह एन, सेजवाल एस, उपाध्याय ए, चिकारा एस, महापात्रा एम, सक्सेना आर. कोरिलेशन ऑफ जेएके2वी617एफ म्यूटेशनल स्टेट्स इन प्राइमरी माइलोफाइब्रोसिस विद् क्लिनिको – हिमेटोलॉजिक कैरेक्टरस्टिक्स एंड इंटरनेशनल प्रोग्नोस्टिक स्कोरिंग सिस्टम : ए सिंगल सेंटर एक्सपीरिएंस। *इंडियन जे पैथोलमाइक्रोबियल* 2015; 58(2) : 187–91.
1612. सिंह एन, शर्मा ए, सेजवाल एस, आहुजा ए, उपाध्याय ए, महापात्रा एम, *एट ऑल.* प्रीवलेंस ऑफ जेएके2वी617एफ म्यूटेशन इन डीप वेनस थ्रोम्बोसिस पेशेंट्स एण्ड इट्स क्लिनिक सिग्नीफिकेन्स एज ए थ्रोम्बोफिलिक रिस्क फेक्टर : इंडियन पर्सपेक्टिव. *क्लिन एप्पल थ्रोम्ब हिमोस्ट* 2015; 21 : 579–83.
1613. सिंह एन, श्रीनिवास वी, गुप्ता केबी, चौधरी ए, मित्तल ए, वर्मा – बसिल एम, *एट ऑल.* डायग्नोसिस ऑफ पल्मोनरी एंड एक्स्ट्रापल्मोनरी ट्यूबरकुलोसिस बेस्ड ऑन डिटेक्शन ऑफ माइकोबैक्टीरियल एंटीजन 85बी बाय इम्युनो – पीसीआर. *डायग्न माइक्रोबियोल इंफेक्ट डिस* 2015; 83 : 359–64.
1614. सिंह एन, श्रीनिवास वी, श्योराण ए, शर्मा एस, गुप्ता केबी, खुल्लर जीके, *एट ऑल.* सीरोडायग्नोस्टिक पोटेंशियल ऑफ इम्युनो – पीसीआर यूजिंग ए कोकटाइल ऑफ माइकोबैक्टीरियल एंटीजन 85बी, ईएसएटी–6 एंड कोर्ड फैक्टर इन ट्यूबरकुलोसिस पेशेंट्स। *जे माइक्रोबियोल मैथड्स* 2016; 120 : 56–64
1615. सिंह एन, तोशयन वी, कुमार एस, वेनामेल पी, मधु एम. डज एंडोमट्रियल इनजरी एन्हांस इम्प्लांटेशन इन रिकरंट इन–विट्रो फर्टिलाइजेशन फैलियर? ए प्रोस्पेक्टिव रैडोमाइज्ड कंट्रोल स्टडी फ्रॉम टर्शरी केयर सेंटर। *जे ह्यू रिप्रोड साइं* 2015; 8(4) : 218–23.
1616. सिंह एन, उषा बीआर, मलिक एन, मल्होत्रा एन, पंत एस, वेनामेल पी. थ्री – डायमेंशनल सोनोग्राफी – बेस्ड ऑटोमेटेड वॉल्यूम कैलकुलेशन (सोनोवीसी) वर्सिस टू डायमेशनल मैनुअल फॉलिकुलर ट्रेकिंग इन इन–विट्रो फर्टिलाइजेशन। *इंट जे गयनीकोल ऑब्स्टेट* 2015; 131(2) : 166–9.
1617. सिंह पी, अरोड़ा एस, लाल एस, स्टैंड टीए, मखारिया जीके. सीलियक डिजीज इन वुमेन विद इंफर्टिलिटी : ए मेटा – एनालासिस. *जे क्लिन गैस्ट्रोइंटेरोल* 2016; 50 (1) : 33–9.
1618. सिंह पी, अरोड़ा एस, लाल एस, स्टैंड टीए, मखारिया जीके. रिस्क ऑफ सीलियाक डिजीज इन फस्ट – एंड सेकेंड – डिग्री रिलेटिव्स ऑफ पेशेंट्स विद् सीलियाक डिजीज : ए सिस्टमेटिक रिव्यू एंड मेटा–एनालायसिस। *एम जे गैस्ट्रोएंटेरोल* / 2015; 110(11) : 1539–48.
1619. सिंह पी, अरोड़ा एस, सिंह ए, स्टैंड टीए, मखारिया जीके. प्रीवलेंस ऑफ सीलियाक डिजीज इन एशिया : ए सिस्टमेटिक रिव्यू एंड मेटा–एनालायसिस। *जे गैस्ट्रोएंटेरोल हिपेटोल.* 2016; 31(6) : 1095–101.
1620. सिंह पी, कुर्रे एल, अग्निहोत्री ए, दास पी, वर्मा एके, श्रीनिवास वी, *एट ऑल.* टिटर्स ऑफ एंटी – टिशू ट्रांसग्लूटेमिनेस एंटीबॉडी कोरेलेट वेल विद सेवेरिटी ऑफ विलयस एर्ब्नोमिलिटिज़ इन सेलियाक डिजीज. *जे क्लिन गैस्ट्रोइंटेरोल* 2015; 49 : 212–7.
1621. सिंह पी, मिर्धा बीआर, श्रीनिवास ए, रुकमणगदचार एलए, सिंह एस, शर्मा पी. *एट ऑल.* एडेंटिफिकेशन ऑफ इनवेजन प्रोटीन्स ऑफ क्रिप्टोस्पोरिडियम परवुम। *वर्ल्ड जे माइक्रोबियोल बायोटेक्नोल* 2015;

31 : 1923–34.
1622. सिंह पी, शर्मा पीके, अग्निहोत्री ए, ज्योत्सना वीपी, दास पी, गुप्ता एसडी, *एट ऑल.* कोएलियाक डिजीज इन पेशेंट्स विद् शॉर्ट स्टचर : ए टर्शरी केयर सेंटर एक्सपीरिएंस। *नेटल मेड जे इंडिया* 2015; 28: 176–80.
1623. सिंह पी, सिंह एस, मिर्धा बीआर, गुलेरिया आर, अग्रवाल एसके, मोहन ए. एवेल्यूशन ऑफ लूप – मेडिएटेड आइसोथर्मल एम्प्लीफिकेशन एसे फॉर द डिटेक्शन ऑफ न्यूमोसिस्टिस जिरोवेकी इन इम्युनोकॉम्प्रोमाइज्ड पेशेंट्स। *मॉल बियोल इंट* 2015; 2015 : 819091.
1624. सिंह पी, वाधवा एन, लोढ़ा आर, सोमरफेल्ट एच, अनेजा एस, नाटचु यूसी *एट ऑल. प्रीडिक्टर्स ऑफ टाइम टु रिकवरी इन इंफैंट्स विद् प्रोबेबल सीरियस बैक्टीरियल इंफेक्शन। पीएलओएस वन* 2015; 10 : ई0124594.
1625. सिंह पी, यादव एस, महापात्रा एस, सेठ ए. आउटकम्स फॉलोविंग रेट्रोपेरिटोनियल लिम्फ नोड डिससेक्शन इन पोस्टकीमोथेरेपी रेजिडुअल मेसेस इन एडवांस्ड टेस्टिकुलर जर्म सेल ट्यूमर्स। इंडियन जे यूरो 2016. जनवरी–मार्च; 32(1) : 40–4.
1626. सिंह पी, यादव एस, सिंह ए, सैनी एके, कुमार आर, सेठ ए, एट ऑल. सिस्टेमिक इंफ्लेमेटरी रिस्पोंस सिंड्रोम फॉलोविंग परक्यूटेनियस नेफ्रोलिथोटोमी : एसेसमेंट ऑफ रिस्क फैक्टर्स एंड देयर इम्पैक्ट ऑन पेशेंट आउटकम्स। यूरोल इंट. 2016; 96(2) : 207–11.
1627. सिंह पीएम, बोरले ए, रामाचंद्रन आर, त्रिखा ए, गौद्रा बीजी. फोंटेन्स सरकुलेशन विद् डेक्स्ट्रोकार्डिया, रिसेंट पल्मोनरी एम्बोलिज्म एंड इंफेरियर वेना केवा फिल्टर : एनेस्थेटिक चेलेंजेस फॉर अरजेंट हीस्टेरेक्टोमी। *एन्ना कार्ड एनेस्थ* 2016; 19(1) : 177–81.
1628. सिंह पीएम, बोरले ए, रेवाड़ी वी, मक्कड़ जेके, त्रिखा ए, सिन्हा एसी, *एट ऑल.* एपरेपिटेंट फॉर पोस्टऑपरेटिव नॉसिया एंड वॉमिटिंग : ए सिस्टेमेटिक रिव्यू एंड मेटा एनालायसिस। *पोस्टग्रेड मेड जे* 2016; 92(1084) : 87–98.
1629. सिंह पीएम, राजेश्वरी एस, बोरले ए, रंगास्वामी वी. सेवोफ्लुरेंस बेस्ड जनरल एनेस्थिसिया इंडक्शन वाय नैसोफार्यंजियल एंडोट्रेकियल ट्यूब प्रीयोर टू डिफाइनिटीव एयरवे कंट्रोल इन पीडियाट्रिक ओरल ट्यूमर्स। *एनेस्थ प्रोग* 2015; 62(3) : 118–21.
1630. सिंह आर, बेबी बी, दामोदरन एन, श्रीवास्तव वी, सुरी ए, बनर्जी एस, *एट ऑल.* डिजाइन एंड वेलीडेशन ऑफ एन ओपन – सोर्स, पार्टियल टास्क ट्रेनर फॉर एंडोनसल न्यूरो–एंडोस्कोपिक स्कील्स डेवलपमेंट : इंडियन एक्सपीरिएंस। *वर्ल्ड न्यूरोसर्ज* 2016, 86: 259–69.
1631. सिंह आर, टंडन एस, राठौर एम, तिवारी एन, सिंह एन, शितूत एपी. क्लिनिकल परफॉर्मेनस ऑफ आईसीडीएएस II, रेडियोविजियोग्राफी एंड अल्टर्नेटिंग करंट इम्पेडेंस स्पेक्ट्रोस्कोपी डिवाइस फॉर द डिटेक्शन एंड एसेसमेंट ऑफ कोक्लुजल केरिज इन प्राइमरी मॉलर्स। *जे इंडियन सोश पीडोड प्री डेंट* 2016; 34 : 152–8
1632. सिंह आरपी, सिंह ए, सिरोही एचवी, सिंह एके, कौर पी, शर्मा एस, *एट ऑल.* डुअल बाइडिंग मोड ऑफ एंटीथायरॉइड ड्रग मेथिमैजोल टू मैमेलियन हेमेपेरोक्सीडेसेस – स्ट्रक्चरल डिटर्मिनेशन ऑफ द लेक्टोपेरोक्सीडेस – मेथीमेलोज कॉम्प्लेक्स एट 1.97 रिजॉल्यूशन। *एफईबीएस ओपन बायो* 2016; 6: 640–50.
1633. सिंह एस, डे बी, सचदेवा केएस, काबरा एसके, चोपड़ा केके, चौधरी वीके *एट ऑल.* चैलेंजिस इन ट्यूबरकुलोसिस डायग्नोसिस एण्ड मैनेजमंट : रिकंडमंडेशन्स ऑफ द एक्सपर्ट पैनल. *जे लैब फिजिशियन* 2015; 7 : 1–3.

1634. सिंह एस, धवन बी, कपिल ए, काबरा एस, सूरी ए, श्रीनिवास वी. नोसोकोमियल ब्लडस्ट्रीम इंफेक्शन एक्यूज्ड बाय स्टेफिलोकोकस हिमोलायटिक्स एंटीमाइक्रोबियल रजिस्टेंटस एंड मॉलीकुलर कैरेक्टराइजेशन। *जर्नल ऑफ पेशेंट सेफ्टी एंड इंफेक्शन कंट्रोल* 2015; 3(2) : 45.

1635. सिंह एस, दोषी एस, सलाहुद्दीन एस, तारिक एम. बर्वाद पी, रामकृष्णन एल. एट ऑल. एंटीस्ट्रेप्टोकाइनेज एंटीबॉडीज़ एण्ड आउटकम ऑफ फाइब्रियोलाइटिक थेरैपी विद स्ट्रेप्टोकाइनेज फॉर लेफ्ट – साइड प्रोस्थेटिक वॉल्व थ्रोम्बोसिस. एम हार्ट जे 2015; 169 : 170 – 4.

1636. सिंह एस, गुप्ता एसके, आर्या एस, अग्रवाल वी. थुइलेफी टी. हैड हाइजीन पॉलिसी फॉर ए टर्शरी केयर हॉस्पीटल। *इंट जे रेज फाउंडेशन हॉस्प हेल्थिक एडम* 2015; 3(2) : 103–9.

1637. सिंह एस, गुप्ता एसके, आर्या एस, शर्मा डीके, अग्रवाल वी. एडवर्ज ड्रग रिएक्शन पॉलिसी इन ए टर्शरीकेयर हॉस्पीटल। *इंट जे रेज फाउंडेशन हॉस्प हेल्थिक एडम* 2015; 3(1) : 41–7.

1638. सिंह एस, करवासरा आर, कालरा पी, कुमार आर, रानी एस, गुप्ता वायके. रोल ऑफ होमियोपैथिक मदर टिंचर्स इन रिह्यूमेटॉइड आर्थराइटिस : एन एक्सपेरिमेंटल स्टडी. *इंडियन जे रेस होमियोपैथी* 2015; 9 (1) : 42–8

1639. सिंह एस, खंडपुर एस, शर्मा वीके. एलर्जिक कॉन्टेक्ट डर्मिटाइटिस टू पार्थेनियम हिस्टेरोफोरस मिमिकिंग एक्टिनिक प्रुरिगो. इंडियन जे डर्मेटोल वेनेरोल लेप्रोल 2015; 81 : 82–4.

1640. सिंह एस, कुमार पी, शर्मा वीके. केटिराइजिन – इंड्युस्ड अर्टिकरी मैस्करेडिंग एज मल्टीपल ड्रग इंटोलेरेंस सिंड्रोम। इंडियन जे डर्मेटोल वेनेरियोल लेप्रोल 2015; 81 : 537–9.

1641. सिंह एस, कुमार आर, जैन एच, गुप्ता वायके, एंटी–इंफ्लेमेटरी एण्ड एंटीआर्थराइटिक एक्टिविटी ऑफ यूएनआईएम – 301 (ए पॉलीहर्बल यूनानी फॉर्म्यूलेशन) इन विस्टर रैट्स। *फार्मकोजेनोसी रेस* 2015; 7 (2) : 188–92.

1642. सिंह एस, सराया ए, शर्मा आर. इंक्रीस्ड लेवल्स ऑफ स्पर्म प्रोटीन्स 17 एमआरएनए एण्ड सरकुलेटिंग एंटीबॉडीज़ इन पेरियमपुलरी कार्सिनोमा पेशेंट्स. *इंट जे क्लिन ओंकोल* 2015; 20 (4) : 736–44.

1643. सिंह एस, शारिफ ए, रॉय टी, दास टी, रानी एन. डेवलपमेंट ऑफ मायएंटेरिक प्लेक्सस इन ह्यूमन फोटेसस : ए क्वांटिटेटिव स्टडी. *एनाट सेल बायोल* 2015; 48 : 124–9.

1644. सिंह एस, शर्मा बीबी, शर्मा एसके, सबीर एम, सिंह वी, आईएसएएसी कोलेबोरेटिंग इंवेस्टिगेटर्स। प्रीवलेंस एंड सेवेरिटी ऑफ अस्थमा अमंग इंडियन स्कूल चिल्ड्रन एज बीटवीन 6 एंड 14 इयर्स : एसोसिएशन्स विद् पेरेंटल स्मॉकिंग एंड ट्रैफिक पॉल्यूशन। *जे अस्थमा ऑफ जे एसो केयर अस्थमा* 2016; 53 : 238–44.

1645. सिंह एस, शर्मा डीके, अग्रवाल वी, गांधी पी, राजपुरोशी एस. एटिट्यूड ऑफ डॉक्टर्स टुवर्ड्स यूथेनेसिया इन देल्ही, इंडिया। *एशियन जे ऑन्कोल* 2015; 1 : 49–54.

1646. सिंह एस, शर्मा डीके, भोई एस, सरदाना एसआर, चौहान एस. कोड ब्लू पॉलिसी फॉर ए टर्शरी केयर ट्रॉमा हॉस्पीटल। *इंट जे रेस फाउंडेशन हॉस्प हेल्थिक एड* 2015; 3(2) : 114–22.

1647. सिंह एस, सिंह ए, प्रजापति एस, काबरा एसके, लोढ़ा आर, मुखर्जी ए, *एट ऑल.* देल्ही पीडियाट्रिक टीबी स्टडी ग्रुप। एक्सपार्ट एमटीबी / आरआईएफ एसे कैन बी यूजड ऑन अचीव्ड गैस्ट्रिक एसपीरेट एंड इंड्युस्ड स्पेटम सैम्पल्स फॉर सेंसिटिव डायग्नोसिस ऑफ पीडियाट्रिक ट्यूबरकुलोसिस। *बीएमसी माइक्रोबियोल* 2015; 15 : 191.

1648. सिंह एस, सिंह ए, शर्मा डी, सिंह ए, नरुला एमके, भट्टाचार्य जे. इफेक्ट ऑफ 1–एर्जिनाइन ऑन नाइट्रिक ऑक्साइड लेवल्स इन इंट्रायूटेराइन ग्रोथ रेस्ट्रिक्शन एंड इट्स कोरिलेशन विद् फेटल आउटकम। *इंडियन जे क्लीन बायोकैम* 2015; 30 : 298–304.

1649. सिंह एस, वर्मा एन, करवासरा आर, कालरा पी, कुमार आर, गुप्ता वाईके. सेफ्टी एंड एफिसेसी ऑफ हाइड्रोएल्कोहोलिक एक्स्ट्रेक्ट फ्रॉम लैवसोनिया इनर्मिस लीव्स ऑन लिपिड प्रोफाइल इन एलोक्सन – इंड्युस्ड डायबेटिक रेट्स। *आयु* 2015; 36(1) : 107–12.
1650. सिंह एस, वुंडवेली एलटी, डागा ए, मदान एन, अग्रवाल वी. एसडब्ल्यूओटी एनालायसिस ऑफ इंडेंटिंग प्रोसेस ऑफ जनरल स्टोरस। *जे एकाड हॉस्प एडमिन* 2015; 27(1 एंड 2) : 64–72.
1651. सिंह एस. कैन स्टेब्लिशमेंट ऑफ ह्यूमन माइक्रोबायोम बी कस्टमाइज्ड आफ्टर बर्थ विद् लोकल ट्रेडिशन्स ऑफ फस्ट फीड एंड इंटीमेट किसिंग? *जे लैब फिजिशियन्स* 2015; 7(2) : 73–4.
1652. सिंह एसपी, चौहान एस, बिसोई एके, साहू एम. लेक्टेट क्लीरेंस फॉर इनिशिएटिंग एंड वीनिंग ऑफ एक्स्ट्राकोर्पोरियल मेम्ब्रन ऑक्सीजनेशन इन ए चाइल्ड विद् रिग्रेस्ड लेफ्ट वेंट्रिकल आफ्टर अर्टिरियल स्विच ऑपरेशन। एन कार्ड एनेस्थ 2016; 19 : 188–91.
1653. सिंह एसपी, चौधरी एम, होते एमपी, राजशेखर पी. द इफेक्ट ऑफ रामिप्रिल वेन एडमिनिस्टेरेड अर्ली आफ्टर कोरोनरी आर्टेरी बाइपास ग्राफ्टिंग सर्जरी। इंडियन जर्नल ऑफ क्लिनिकल एनेस्थिसिया 2015; 2 : 169–172.
1654. सिंह एसपी, मेनोन आर, साहु एमके, राजशेखर पी, कपूर पीएम. सिंगल ल्यूमेन ट्यूब एज एंडोब्रोंकियल स्टेंट टू मैनेज लेफ्ट ब्रोंकियल कम्प्रेशन पोस्ट टोटल एनोमलस पल्मोनरी वेनस कनेक्शन रिपेयर. एन कार्ड एनेस्थि 2015; 18 : 217 – 20.
1655. सिंह एसपी, नरुला जे, कपूर पीएम. वीडियो कोमेंटरी ऑन टीईई फॉर एंडोवेंट्रिकुलर पैच प्लास्टि / डोर प्रोसीडर। एन कार्ड एनेस्थ 2015; 18(3) : 392.
1656. सिंह एसपी. हेमाटुरिया इन ए चाइल्ड, एट अवर्स आफ्टर कार्डियक सर्जरी। एन कार्ड एनेस्थ 2015; 18 : 417–8
1657. सिंह यूबी, पांडे पी, मेहता जी, भटनागर एके, मोहन ए, गोयल वी, *एट ऑल.* जीनोटाइपिक फीनोटाइपिक एंड क्लिनिकल वेलीडेशन ऑफ जीन–एक्सपार्ट इन एक्स्ट्रा–पल्मोनरी एंड पल्मोनरी ट्यूबरकुलोसिस इन इंडिया। *पीएलओएस वन* 2016; 11(2) : ई0149258.
1658. सिंह वाई, मिर्धा बीआर, गुलेरिया आर, खलील एस, पांडा ए, चौधरी आर *एट ऑल.* मॉलीकुलर डिटेक्शन ऑफ डीएचएफआर जीन पॉलीमॉर्फिज्म इन न्यूमोसिस्टिस जीरोवेसी आइसोलेट्स फ्रॉम इंडियन पेशेंट्स। *जे इंफेक्ट डेव स्टेरिस* 2015; 9 : 1250–6.
1659. सिंह वाई, शर्मा आर. इंडिविजुअल अल्फा फ्रीक्वेंसी (आईएएफ) बेस्ड क्वोटिटेटिव ईईजी को–रिलेट्स ऑफ साइकोलॉजिकल स्ट्रेस। *इंडियन जे फिजियोल फार्माकोल* 2015; 59(4) : 414–21.
1660. सिंह वाई, सिंह जे, शर्मा आर, तलवार ए. एफएफटी ट्रांसफॉर्म्ड क्वाटिटेटिव ईईजी एनालायसिस ऑफ शॉर्ट टर्म मेमोरी लोड। *एन न्यूरोसाइं* 2015; 22: 176–9.
1661. सिंघल ए, भाटिया आर, श्रीवास्तव एमवी, प्रसाद के, सिंह एमबी. मल्टीपल स्क्लेरोसिस इन इंडिया : एन इंस्टिट्यूशनल स्टडी. मुल्ट स्क्लेर रिलेट डिसऑर्ड 2015; 4 : 250–7.
1662. सिंघल केके, प्रसाद के, भाटिया आर, कुमार ए, सिंह एमबी. प्रिसक्रिप्शन ऑफ 'इनइफेक्टिव न्यूरोप्रोटेक्टिव' ड्रग्स टू स्ट्रोक पेशेंट्स : ए क्रॉस सेक्शनल स्टडी इन नॉर्थ इंडियन पॉपुलेशन। इंट जे न्यूरोसाइं 2015 अगस्त 19 : 1–6.
1663. सिंघल आर, एन्नारपु जीके, पांडे ए, चावला एस, ओझा ए, गुप्ता ए, *एट ऑल.* हिमोग्लोबिन इंटरेक्शन विद् जीपी1बीए इंड्युस्ड प्लेटलेट एक्टिवेशन एंड एपोप्टोसिस : ए नॉवेल मैकेनिज्म एसोसिएटेड विद् इंट्रावेस्कुलर हिमोलायसिस। *हिमेटोलॉजिक* 2015; 100 (12) : 1526–33.
1664. सिंगला ए, मल्होत्रा आर, कुमार वी, लेखा सी, कार्तिकेयन जी, मलिक वी. ए रैंडोमाइज्ड कंट्रोलड स्टडी टू कम्पेयर द टोटल एंड हिडन ब्लड लॉस इन कंप्यूटर – एसिस्टेड सर्जरी एंड कंवेंशनल सर्जिकल टेक्नीक ऑफ टोटल नी रिप्लेसमेंट। क्लीन ऑर्थोप सर्ज 2015; 7 : 211–6.

1665. सिंगला एम, कर एम, सेठी टी, काबरा एसके, लोढ़ा आर, चंदेल ए *एट ऑल.* इम्युन रिस्पोंस टू डेंगू वायरस इंफेक्शन इन पीडियाट्रिक पेशेंट्स इन न्यू देल्ही, इंडिया – एसोसिएशन ऑफ विरेमिया, इंफ्लेमेटरी मीडिएटर्स एंड मोनोकाइट्स विद् डिजीज सेवेरिटी। *पीएलओएस नेगल ट्रॉप डिस* 2016; 10 : ई0004497.
1666. सिंगला आर, गुप्ता वाई, कालरा एस. मस्कुलोकेलेटल इफेक्ट्स ऑफ डायबिटीज मेलिटस। *जे पाक मेड एसो* 2015; 65 : 1024–7.
1667. सिन्हा एसी, सिंह पीएम, भाट एस. आर वी ऑपरेटिव टू लेट? मॉर्टेलिटी एनालायसिस एंड स्टोकेस्टिक सिमुलेशन ऑफ कोस्ट्स एसोसिएटेड विद् बैरियट्रिक सर्जरी : रिकंसिडरिंग द बीएमआई थ्रेशोल्ड। *ऑब्स सर्ज* 2016; 26(1) : 219–28.
1668. सिन्हा एसी, सिंह पीएम. ऑप्टिमल ड्रग डोजिंग इन द ऑब्स – स्टिल मैनी इयर्स अहैड। *ऑब्स सर्ज* 2015; 25(11) : 2159–60.
1669. सिन्हा बी, चौधरी आर, शंकर एमजे, मार्टिनस जे, तनेजा एस, मजूमदार एस *एट ऑल* इंटरवेंशन्स टू इम्प्रूव ब्रेस्टफीडिंग आउटकम्स : ए सिस्टमेटिक रिव्यू एंड मेटा – एनालायसिस। *एक्टा पीडियट्र* 2015; 104 : 114–34.
1670. सिन्हा डीएन, सुलियनकटची आरए, अमरचंद आर, कृष्णन ए. प्रीवलेंस एंड सोशियोडेमोग्राफिक डिटर्मिनेंट्स ऑफ एनी टेबेको यूज एंड डुअल यूज इन सिक्स कंट्रीज ऑफ द डब्ल्यूएचओ साउथ – ईस्ट रिजन : फाइंडिंग्स फ्रॉम द डेमोग्राफिक एंड हेल्थ सर्वे। *निकोटाइन टेबे रेज* 2016; 18(5) : 750–6
1671. सिन्हा आर, कुमार केआर, चंदीरन आर. नॉवेल टेक्नीक टू प्रीवेंट डेमेज टू द इंफ्लेशन ट्यूब ऑफ द कुफेड एंडोट्रेकियल ट्यूब ड्यूरिंग एयर–क्यू गाइडेड इंटुकेशन। एक्टा एनेस्थिसियोल ताईवन 2016; 54(1) : 33–4.
1672. सिन्हा आर, मैत्रा एस, द इफेक्ट ऑफ पेरिबुलबर ब्लॉक विद् जनरल एनेस्थिसिया फॉर विटेरियोरेटिनल सर्जरी इन प्रीमेचोर एंड एक्स–प्रीमेचोर इंफेक्ट्स विद् रेटिनोपैथी ऑफ प्रीमेच्योरिटी। *ए ए केस रिप* 2016; 6(2) : 25–7.
1673. सिन्हा आर, शर्मा ए, आनंद आर, राय बीआर, सिंह पीएम. इंस्पायर्ड – एक्सपायर्ड ऑक्सीजन गैप : एन अल्टरनेटिव मैथड फॉर ऑक्सीजन सेचुरेशन मॉनिटरिंग इन ए पेशेंट विद् एन अनडायग्नोस्ड हिमोग्लोबिनोपैथी। *पीडियट्र एनेस्थ* 2015; 25(7) : 758–60.
1674. सिन्हा आर, शर्मा ए, राय बीआर, चंदिरन आर, चंद्रलेखा सी, सिन्हा आर. इफेक्ट ऑफ एडिशन ऑफ मैग्नेजियम टू लोकल एनेस्थिसिया फॉर पेरिबुलबर ब्लॉक : ए प्रोस्पेक्टिव रैंडोमाइज्ड डबल – ब्लाइंड स्टडी। *साउदी जे एनेस्थ* 2016; 10(1) : 64–7.
1675. सिन्हा आर, शर्मा ए, राय बीआर, पांडे आरके, डार्लोंग वी, पुंज जे, *एट ऑल.* कम्पेरिजन ऑफ द ससेक्स ऑफ टू टेक्नीक्स फॉर द एंडोट्रेकियल इंटुबेशन विद् सी–एमएसी वीडियो लार्यंजोस्कोपी मिलर ब्लेड इन चिल्ड्रन : ए प्रोस्पेक्टिव रैडोमाइज्ड स्टडी। *एनेस्थेसियोल रेज प्रैक्ट* 2016; 2016 : 4196813
1676. सिन्हा आर, शिंडे डी, मैत्रा एस, कुमार एन, राय बीआर, मोहन वीके. ग्रेनिस्टेरॉन वर्सिस गैनिस्टेरॉन – डेक्सामेथसोन फॉर प्रीवेंशन ऑफ पोस्टऑपरेटिव नौसिया एंड वॉमिटिंग इन पीडियाट्रिक स्ट्रेबिज्मस सर्जरी : ए रैंडोमाइज्ड डबल – ब्लाइंड ट्रायल। *एनेस्थिसियोल रेज प्रैक्ट* 2016; 2016 : 4281719.
1677. सिन्हा एस, रहेजा ए, गर्ग एम, मूर्ति एस, अग्रवाल डी, गुप्ता डीके, एट ऑल. डिसोम्प्रेसिव क्रेनिएक्टॉमी इन ट्रॉमेटिक ब्रेन इंजरी : ए सिंगल – सेंटर, मल्टीवेरिएंट एनालाइसिस ऑफ 1,236 पेशेंट्स एट ए टर्शरी केयर हॉस्पीटल इन इंडिया. न्यूरोल इंडिया 2015; 63 : 175–83.
1678. सोखल एन, रथ जीपी, चतुर्वेदी ए, दाश एचएच, बिठल पीके, चंद्र एसपी. एनेस्थिसिया फॉर वेक क्रेनियोटोमी : ए रेट्रोस्पेक्टिव स्टडी ऑफ 54 केस। इंडियन जे एनेस्थ 2015 मई; 59 : 300–5.
1679. सोलंकी एचके, अहमद एफ, गुप्ता एसके, नॉनगकानरिह बी. रोड ट्रांसपोर्ट इन अर्बन इंडिया : इट्स

इम्प्लीकेशन्स ऑन हेल्थ। *इंडियन जे कम्युनिटी मेड* 2016; 41(1) : 16–22.

1680. सोम डी, टाक एम, सेतिया एम, पाटिल ए, सेनगुप्ता ए, चिलकपति सीएम, एट ऑल. ए ग्रिड मैक्ट्रिक्स – बेस्ड रमन स्पेक्ट्रोस्कोपिक मैथड टू कैरेटराइज डिफरेंट सेल मिलियू इन बायोपजिड एक्सीलरी सेंटिनल लिम्फ नोड ऑफ ब्रेस्ट कैंसर पेशेंट्स। लेजर्स मेड साइं 2016; 31(1) : 95–111.

1681. सोमसुंदरम वी, पुरोहित ए, मनिवानन पी, सक्सेना आर. ट्रांसफ्यूजन – एक्वार्ड हिमोग्लोबिनोपैथीज : ए रिपोर्ट ऑफ टू केस। *जे लैब फिजिशियन्स* 2015; 7(2) : 128–30.

1682. सोनी एस, चोपड़ा ए, बख्शी एस, विश्वनाथ ए, वर्मा डी, राय एस, *एट ऑल.* प्रोग्नोस्टिक इम्पेक्ट ऑफ सीडी56 इन पीडियाट्रिक एएमएल। *इंट जे लैब हिमेटोल* 2015; 37(6) : ई157–9.

1683. सोनी एस, साहनी पी, नंदी एस. एन एनालायसिस ऑफ द ऑरिजिन्स, सबजेक्ट्स एंड एवार्ड्स रिसिवड फॉर प्रेजेंटेशन्स एट द एनुअल आईएएसजी कॉन्फ्रेस (2009–2013)। *इंडियन जे सर्ज* 2015; 77 : 486–8.

1684. सूद एम, चड्डा आरके. साइकोसोशल रिहेबिलिटेशन फॉर सेवेर मेंटल इलनेसेस इन जनरल हॉस्पीटल साइकयट्रिक सीटिंग्स इन साउथ एशिया। *बीजेसाइ इंटरनेशनल.* 2015; 12 : 47–8.

1685. सूद एम, गुप्ता एन, वर्कशॉप ऑन मैनेजमेंट ऑफ 'डिफिकल्ट टू ट्रीट' सीरियस मेंटल इलनेसेस यूजिंग प्रोब्लम बेस्ड लर्निंग एप्रोच। *इंडियन जे सोश साइकयट्री* 2016; 32 : 174–6.

1686. सूद एम, पत्रा बीएन, अग्रवाल ए, खंडेलवाल एसके. पिटुटरी मैक्रो–एडेनोमा प्रेजेंटिंग विद् मल्टीपल साइकायट्रिक कॉम्प्लकेशन्स. *इंडियन जे साइकोल मेड* 2015; 37 : 462–4.

1687. सूद आर. द लीडरशिप क्राइसिस ऑफ मेडिकल प्रोफेशन इन इंडिया : ऑन्गोइंग इम्पैक्ट ऑन द हेल्थ सिस्टम। *जे फम मेड प्राइम केयर* 2015; 4: 474.

1688. सूद एस. गोनोकोकल एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस। *इंडियन जे मेड माइक्रोबियल* 2015; 33 : 341–2.

1689. श्रीवास्तव ए, दीक्षित एबी, बनर्जी जे, त्रिपाठी एम, सरत चंद्र पी. रोल ऑफ इंफ्लेमेशन एंड इट्स माइरन बेस्ड रेगुलेशन इन एपिलेप्सी : इम्प्लीकेशन्स फॉर थेरेपी क्लीन किम एक्टा 2016; 452 : 1–9.

1690. श्रीवास्तव पी, भाद आर, शर्मा पी, वार्ष्णेय एम, शरण पी. सक्सेफुल मैनेजमेंट ऑफ डिफिकल्ट – टू – ट्रीट इर्रिटेबल बॉवेल सिंड्रोम इनकॉर्पोरेटिंग ए साइकोलॉजिकल एप्रोच। *नेटल मेड जे इंडिया* 2015; 28(4) : 188–9.

1691. श्रीवास्तव आर, बत्रा ए, त्यागी ए, धवन डी, रामाकृष्णन एल, बख्शी एस. एडिपोंनेक्टीन कोरिलेट्स विद् ऑबसिटी : ए स्टडी ऑफ 159 चाइल्डहुड एक्यूट ल्यूकेमिया सरवाइवर्स फ्रॉम इंडिया। *इंडियन जे कैंसर* 2015; 52(2) : 195–7.

1692. श्रीवास्तव आर, पुष्पम डी, धवन डी, बख्शी एस. इंडिकेटर्स ऑफ मैलन्यूट्रिशन इन चिल्ड्रन विद् कैंसर : ए स्टडी ऑफ 690 पेशेंट्स फ्रॉम ए टर्शरी केयर कैंसर सेंटर। *इंडियन जे कैंसर* 2015; 52(2) : 199–201.

1693. श्रीवास्तव एस, केडिया एस, कुमार एस, प्रताप मौली वी, ढिंगारा आर, सचदेव वी. *एट ऑल.* सीरम ह्यूमन ट्रेफॉइल फैक्टर 3 इज ए बायोमाक्रर फॉर म्यूकोसल हीलिंग इन अल्सरेटिव कोलाइटिस पेशेंट्स विद् मिनिमल डिजीज एक्टिविटी। *जे क्रॉन्ह्स कोलाइटिस* 2015; 9(7) : 575–9.

1694. श्रीवास्तव एस, शालीमार, विष्णुभाटला एस, प्रकाश एस, शर्मा एच, ठाकुर बी, *एट ऑल.* रैंडोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रालय कम्पेरिंग द एफिसेसी ऑफ टेर्लिप्रेसिन एंड एल्बुमिन विद् ए कॉम्बिनेशन ऑफ कॉनकरंट डोपमिन, फ्लोरोसेमिड, एंड अल्बुमिन इन हेपेटोरिनल सिंड्रोम। *जे क्लीन एक्स हेपेटोल* 2015; 5 : 276–85.

1695. स्टिफन डी, वत्स एम, लोढ़ा आर, काबरा एसके. ए रैंडोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल ऑफ 2 इंहैलेशन मैथड्स वेन यूजिंग ए प्रेसराइज्ड मीटर्ड डज इंहेलर विद् वॉल्वड होल्डिंग चेम्बर। *रेस्पिर केयर* 2015; 60 : 1743–8.

1696. स्टेवैनोविक डी, अर्बन आर, एटिलोला ओ, वोस्टेनिस पी, सिंह बल्हारा वाईपी, एविकेना एम, एट ऑल.

डज द स्ट्रेंथस एंड फिफिकल्टीज क्वेशनरीज – सेल्फ रिपोर्ट यल्ड इनवेरिएंट मैजरमेंट्स एक्रॉस डिफरेंट नेशन्स? डेटा फ्रॉम द इंटरनेशनल चाइल्ड मेंटल हेल्थ स्टडी ग्रुप। एपिडेमियोल साइकायट्र साइं 2015; 24 : 323–34.

1697. सुब्बेहा एम, कुमार एस, रॉय केके, शर्मा जेबी, सिंह एन. एक्स्ट्राहेपेटिक पोर्टल – वेन ऑब्स्ट्रेक्शन इन प्रेगनेंसी। *ताईवान जे ऑब्स्टेट गायनीकॉल* 2015; 54 : 394–7.

1698. सुब्बेहा एके, अराव एस, बागची एस, मदान के, दास सीजे, अग्रवाल एसके. केविटरी लांग लेशन 6 इयर्स आफ्टर रिनल ट्रांसप्लांटेशन। *वर्ल्ड जे ट्रांसप्लांट* 2016; 6 : 447–50.

1699. सुब्रामणियम डी, श्रीवास्तव एके, गुलाटी एस, राजेश्वरी एमआर. प्लाज्मा सरकुलेटिंग सेल–फ्री माइटोकोंड्रियल डीएनए इन द एसेसमेंट ऑफ फ्रेडरीच एटाक्सिया। *जे न्यूरोल साइं* 2016; 365 : 82–8.

1700. सुधामन एस, प्रसाद के, बिहारी एम, मुथान यूबी, जुयाल आरसी, थेलमा बीके. डिसकवरी ऑफ ए फ्रेमशिफ्ट म्यूटेशन इन पोडोकैलीक्सिन – लाइक (पोडक्सल) जीन, कोडिंग फॉर ए न्यूराल एडहेंस मॉलीकुलर, एज एजयूजअल फॉर ऑटोसोमल – रिसेसिव जुवेनाइल पाक्रिसोनिज्म। जे मेड जेनेट 2016 फरवरी 10. पीआईआई. जमेडजेनेट – 2015–103459

1701. सुधारसन एस, सुभाप्रधा एन, सीदेवी पी, शांमुगम वी, मदेश्वरन पी, शांमुगम ए, *एट ऑल.* एंटीऑक्सीडेंट एंड एंटीकोएगुलेंट एक्टिविटी ऑफ सलफेटेड पॉलीसैकेराइड फ्रॉम ग्रेसिलरिया डेबिलिस (फॉरसकल). *इंट जे बियोल मैक्रोमॉल* 2015; 81 : 1031–8.

1702. सुजाता एन, गुप्ता एस, सूद एम. ए रेट्रोस्पेक्टिव स्टडी टू एसेस द डीले इन ट्रीटमेंट सीकिंग एंड फैक्टर्स कंट्रीबुटिंग टू डीले इन सीकिंग ट्रीटमेट अमंग द कैरेजिवर्स ऑफ पर्सन्स हेविंग फस्ट एपिसोड साइकोसिस। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ नर्सिंग एजुकेशन* 2015; 7 : 228–32

1703. सुंदरवाल एस, दुगान आर, भागत टी, एबेंजर डीएल, लियू एच, यू वाई, *एट ऑल.* रिडुस्ड डीओसीके4 एक्सप्रेशन लीड्स टू आर्थरॉइड डिसप्लासिया इन माइलोडायस्प्लास्टिक सिंड्रोम। *प्रोक नेटल एकाड साइं यूएसए* 2015; 112 : ई6359–6368.

1704. सुरेश सीपी, शाहा ए, कौर एम, कुमार आर, दुबे एनके, बसाक टी, *एट ऑल.* डिफरेंशियली एक्सप्रेस्ड यूरिनरी बायोमाक्रर्स इन चिल्ड्रन विद् इडियोपैथिक नेफ्रोटिक सिंड्रोम। *क्लीन एक्स्प नेफ्रोल* 2016; 20 : 273–83.

1705. स्वैन आर, बेहरा सी, मिर्धा एआर, गुप्ता एसके. मैसिव हिपेटोबिलियरी एसकारियसिस एट ऑटोप्सी। *बीएमजे केस रिप* 2015; 2015.

1706. स्वैन आर, कुमार ए, साहू जे, लक्ष्मी आर, गुप्ता एसके. भरद्वाज डीएन, *एट ऑल.* एस्टिमेशन ऑफ पोस्ट–मोर्टम इंटरवेल : ए कम्पेरिजन बीटवीन सेरेब्रोस्पाइनल फ्लुइड एंड विट्रेयस ह्यूमर कैमिस्ट्री। *जे फॉरेंसिक लेग मेड* 2015; 36 : 144–8.

1707. स्वामी पी, गांधी टीके, पणिग्राही बीके, त्रिपाठी एम, स्नेहनंद। ए नॉवेल रोबुस्ट डायग्नोस्टिक मॉडल टु डिटेक्ट सीजर्स इन इलेक्ट्रोएंसेफैलोग्राफी एक्सपार्ट सिस्टम्स एप्लीकेशन्स मार्च 2016; 234–241

1708. स्वाति बी, सेंथिल के, गुरेश, मंजारी टी, नेहरा ए. कंप्यूटराइज्ड ऑप्स इन न्यूरोसाइकोलॉजिकल टेस्टिंग यूजिंग ई–एप्लीकेशन ऑफ मल्टीटस्कींग पैराडागम (कंटेम्प) : एन एडवांसमेंट ऑफ न्यूरोसाइकोलॉजिकल एसेसमेंट एंड रिहेबिलिटेशन फॉर अर्ली डेमेंशिया। एप्ल न्यूरोसाइकोल मार्च 2016, 48–52

1709. स्वाति बी, श्रीनिवास वी, मंजारी टी, आशिमा एन. डेमेंशिया एसेसमेंट बाय रेपिड टेस्ट (डार्ट) : एन इंडियन स्क्रीनिंग टूल फॉर डेमेंशिया। जे अल्जहेमर्स डिस पाक्रिंसनिज्म 2015; 5 : 198–201.

1710. ताइकमैन डीबी, बैकस जे, बीथेग सी, बौचनर एच, डे लीयू पीडब्ल्यू, ड्रेनेज जेएम, *एट ऑल.* शेयरिंग क्लिनिकल ट्रायल डेटा : ए प्रोपोजल फ्रॉम द इंटरनेशनल कमिटी ऑफ मेडिकल जर्नल एडिटर्स। नेटल मेड जे इंडिया 2016; 29 : 6–8. (न *सीएमएजे* 2016;188: 91–2; *डेटच अर्जटेबल इंट* 2016;113: 41–3; *बीएमजे* 2016;532: आई255. *चिन मेड जे (एंगल)* 2016;129: 127–8. *एन जेड मेड जे* 2016;129: 7–9;

रिव्यू मेड चिल 2016;144: 11–3; *एथियोप जे हेल्थ साइं* 2016;26: 2–4; *पीएलओएस मेड* 2016;13: ई1001950; *लैंसेट* 2016;387: ई9–11; *एन एंगल जे मेड* 2016;374: 384–6; *डैन मेड जे* 2016;63; *जेएएमए* 2016;315: 467–8; *एन इंटर्न मेड* 2016;164: 505–6 में एक साथ प्रकाशित)

1711. तालुकदार ए, शर्मा एके, राय आर, डेका डी, राव डीएन. इफेक्ट ऑफ कोएंजाइम क्यू10 ऑन टीएच1/टीएच2 डिकोटोमी ऑफ द पीबीएमसी डिराइव्ड फ्रॉम फीमेल्स विद् आइडियोपैथिक रिकरंट प्रेगनेंसी लॉस। *एम जे रिप इम्युनोल* 2015; 73(1) : 61–65.

1712. तालुकदार ए, शर्मा केए, राय आर, डेका डी, राव डीएन. इफेक्ट ऑफ कोएंजाइम क्यू10 ऑन टीएच1/टीएच2 पैराडिग्म इन फीमेल्स विद् आइडियोपैथिक रिकरंट प्रेगनेंसी लॉस। *एम जे रिप इम्युनोल* 2015; 74 : 169–80.

1713. तलवार जीपी, गर्ग के, अत्री एन, सिंह पी, गौर जे, कृपलानी ए, *एट ऑल.* ए सेफ वाइड स्पेक्ट्रम पॉलीहर्बल माइक्रोबिसाइड एंड थ्री मेरिटोरियस स्ट्रेन्स ऑफ प्रोबायोटिक्स फॉर रिग्रेसिंग इंफेक्शन्स एंड रेस्टोरेशन ऑफ विजाइनल हेल्थ (रिग्रेशन ऑफ वेजाइनोसिस विद् बीएएसएएनटी एंड प्रोबायोटिक्स। *जे विमेंस हेल्थ केयर* 2015; 4 (5) : 256.

1714. तलवार पी, सिन्हा जे, ग्रोवर एस, अग्रवाल आर, कुशवाहा एस, पद्मा एमवी, एट ऑल. मेटा – एनालायसिस ऑफ एपोलिपोप्रोटीन ई लेवल्स इन द सेरेब्रोस्पाइन फ्लुइड ऑफ पेशेंट्स विद् अल्जाइमर्स डिजीज। जे न्यूरोल साइं 2016; 360 : 179–87.

1715. तलवार एस, बंसल ए, चौधरी एसके, जुइजा आर, कोठारी एसएस, सक्सेना ए, एट ऑल. रिजल्ट्स ऑफ फैंटन ऑपरेशन इन पेशेंट्स विद् कॉन्जेनिटली करेक्टेड ट्रांसपॉजिशन ऑफ गेट आर्टेरिस। इंटरेक्ट कार्डियोवेस्क थोरैक सर्ज 2016; 22 : 188–93.

1716. तलवार एस, भोजे ए, ऐरन बी. सिम्पल टेक्नीक फॉर क्लोसिंग मल्टीपल मस्कुलर एंड एपिकल वेंट्रिकुलर सेप्टल डिफेक्ट्स। जे कार्ड सर्ज 2015; 30 : 731–4.

1717. तलवार एस, दास ए, चौधरी एसके, ऐरन बी. डायफ्रैगमेटिक फेनेस्ट्रेशन फॉर रेजिस्टेंट प्लेयूरल इफुजन्स आफ्टर यूनिवेंट्रिकुलर पैलिएशन। वर्ल्ड जे पीडियाट्र कंजेनिट हार्ट सर्ज 2016; 7(2) : 146–51.

1718. तलवार एस, कामत एन, चौधरी एसके, रामाकृष्णन एस, सक्सेना ए, कोठारी एसएस, एट ऑल. मिड – टर्म आउटकम्स ऑफ पेशेंट्स अंडरगोइंग एडजस्टेबल पल्मोनरी अर्टेरी बैंडिंग। इंडियन हार्ट जे 2016; 68 : 72–6.

1719. तलवार एस, कोठारी एसएस, चौधरी एसके, ऐरन बी. स्टेंटिंग ऑफ द वेंट्रिकुलर सेप्टल डिफेक्ट टू रिट्रेन द लेफ्ट वेंट्रिकल इन पेशेंट्स विद् ट्रांसपॉजिशन ऑफ ग्रेट अर्टेरीज एंड रेस्ट्रीक्टिव वेंट्रिकुलर सेप्टल डिफेक्ट। जे थोरैक कार्डियोवेस्क सर्ज 2015; 150(5) : 1364–6.

1720. तलवार एस, कुमार एमवी, भोजे ए, वहौधरी एसके, ऐरन बी. अर्टियल स्विच ऑपरेशन इन ए लेट प्रेजेंटर विद् डी–ट्रांसपोज्ड ग्रेट अर्टेरीज जुक्स्टेपोज्ड अर्टियल एपेंडेजीस एंड बिलटेरल सुपीरियर वेनकावा। वर्ल्ड जे पीडियाट्र कंजेनिट हार्ट सर्ज 2016; 7 : 227–30.

1721. तलवार एस, कुमार एमवी, चौधरी एसके, ऐरन बी. थायरॉइड हार्मोन सप्लीमेंटेशन फॉलोविंग ओपन – हार्ट सर्जरी इन चिल्ड्रन। इंडियन जे थोरैक कार्डियोवेस सर्ज 2016; 32 : 17–22.

1722. तलवार एस, कुमार एमवी, माखिजा एन, कपूर पीएम, चौधरी एसके, ऐरन बी. बायडायरेक्शनल ग्लेन : ओपन टेक्नीक ऑफ एनास्टोमोसिस ऑन कार्डियोपल्मोनरी बाईपास। इंडियन जे थोरैक कार्डियोवेस सर्ज 2015; 31 : 209–12.

1723. तलवार एस, कुमार आर, भोजे, चौधरी एसके, ऐरन बी. एनाटोमिकल रिपेयर ऑफ एन अनयूजुअल कॉम्बिनेशन ऑफ टेट्रोलॉजी ऑफ फैलोट एंड एटरियोवेंट्रिकुलर सेप्टल डिफेक्ट विद् अनरूफड कोरोनरी सिनस। जे कार्ड सर्ज 2015; 30 : 849–52.

1724. तलवार एस, कोठारी एसएस, चौधरी एसके, ऐरन बी. स्टेंटिंग ऑफ वेंट्रिकुलर सेप्टल डिफेक्ट्स टू रिट्रेन द लेफ्ट वेंट्रिकल इन पेशेंट्स विद् ट्रांसपॉजिशन ऑफ द ग्रेट एर्टेरीज एंड रेस्ट्रीक्टिव वेंट्रिकुलर सेप्टल डिफेट। जे थोरैक कार्डियोवेस्क सर्ज 2015; 150(5) : 1364–6.
1725. टंडन एन, कालरा एस, बल्हारा वाईपीएस, बरुआ एमपी, चड्डा एम, चंदेलिया एचबी, *एट ऑल.* फोरम फॉर इंजेक्शन टेक्नीक (एफआईटी), इंडिया : द इंडियन रिकमेंडेशन्स 2.0, फॉर बेस्ट प्रैक्टिस इन इनसुलिन इंजेक्शन टेक्नीक, 2015. *इंडियन जे एंडोक्राइनोल मेटाब* 2015; 19 : 317–31.
1726. टंडन एन. अंडरस्टेंडिंग टाइप 1 डायबिटीज थ्रु जेनेटिक्स : एडवांस्ड एंड प्रोस्पेक्ट्स। *इंडियन जे एंडोक्राइनोल मेटाब* 2015; 19 : एस39–43.
1727. तनेजा एस, चौहान एस, कपूर पीएम, जगिया पी, बिसोई एके. प्रीवलेंस ऑफ कैरोटाइड अर्टेरी स्टेनोसिस इन न्यूरोलॉजिकली सिम्प्टोमेटिक पेशेंट्स अंडरगोइंग सीएबीजी फॉर सीएडी : रोल ऑफ एनेस्थेसियोलॉजिस्ट इन प्रीऑपरेटिव एसेसमेंट एंड इंट्राऑपरेटिव मैनेजमेंट। एन कार्डियक एनेस्थ 2016; 19(1) : 76–83.
1728. तनेजा एस, सिंह एसपी, मल्होत्रा पी. वीडियो कमेंटरी ऑन ट्रांस – इसोफेजियल इकोकार्डियोग्राफी ऑफ ट्राइकुसपिड वॉल्व। एम कार्ड एनेस्थ 2015; 18(4) : 613–5.
1729. तंवर पी, कुमार आर. डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम – ''ए मैन बियॉन्ड साइंस''। *जे क्लीन डायग्रेज* 2015; 9(8) : जेए01.
1730. तारिक एम, नक्वी आरए, संतोष केवी, कमल वीके, खन्ना एन, राव डीएन. एसोसिएशन ऑफ टीएनएफ – अल्फा – (308 (जीजी)), आईएल – 10 (– 819 (टीटी)), आईएल – 10 (– 1082 (जीजी)) एण्ड प्रोग्रेशन ऑफ लेप्रॉसी इन नॉर्थ इंडियन पॉपुलेशन. साइटोकाइन 2015; 73 : 61–5.
1731. तायवाडे एसके, दामले एनए, बाल सी. पीएसएमए एक्सप्रेशन इन पैपिलरी थायरॉइड कार्सिनोमा : ऑपनिंग ए न्यू होरिजन इन मैनेजमेंट ऑफ थायरॉइड कैंसर? *क्लीन न्यूक्ल मेड* 2016; 41 : ई263–265.
1732. तायवाडे एसके, दामले एनए, कुमार के, रंजन पी, अग्रवाल एस, बाल सी, *एट ऑल.* रेडियोआयोडिन थेरेपी अंडर आरएचटीएसएच फॉर फॉलिकुलर थायरॉइड कार्सिनोमा विद् सेलर मेटास्टेसिस एंड नॉन–राइजिंग टीएसएच। *बीजेआर केस रेप* 2016; 2 : 20150322
1733. तायवाडे एसके, दामले एनए, कुमार के, रंजन पी, अग्रवाल एस, बाल सी, *एट ऑल.* रेडियोआयोडिन थेरेपी अंडर आरएचटीएसएच फॉर फॉलिकुलर थायरॉइड कार्सिनोमा विद् सेलर मेटास्टेसिस एंड नॉन–राइजिंग टीएसएच। *बीजेआर केस रेप* 2016; 2 : 20150322
1734. तेजवानी पीएल, नेरकर एच, धर ए, कटारिया के, हरि एस, थुल्कर एस, *एट ऑल.* रिग्रेशन ऑफ फाइबरोडेनोमस विद् सेंटक्रोमैन : ए रैंडोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल। *इंडियन जे सर्ज* 2015; 77 (सप्ली 2) : 484–9.
1735. टेम्भरे एमके, परिहार एएस, शर्मा ए, गुप्ता एस, चट्टोपाध्याय पी, शर्मा वीके. पार्टिसिपेशन ऑफ टी सेल इम्युनोग्लोबुलिन एण्ड म्यूसिन डोमेन – 3 (टीआईएम – 3) एण्ड इट्स लाइगैंड (गेलेक्टिन – 9) इन द पैथोजेनेसिस ऑफ एक्टिव जनर्लाइज्ड विटिलिगो. *इम्युनोल रेस* 2015; 62 : 23–34.
1736. टेम्भरे एमके, परिहार एएस, शर्मा वीके, शर्मा ए, चट्टोपाध्याय पी, गुप्ता एस. अल्टरेशन इन रेगुलेटरी टी सेल्स एण्ड प्रोग्राम्ड सेल डैथ 1 – एक्सप्रेसिंग रेगुलेटरी टी सेल्स इन एक्टिव जनर्लाइज्ड विटिलिगो एण्ड देयर क्लिनिकल कोरेलेशन. ब्र जे डर्मेटोल 2015; 172 : 940–50.
1737. टियो एआर, फेटर्स एमडी, स्टुफ्लेबम के, टेटेनो एम, बल्हारा वाय, चोइ टीवाय, एट ऑल. आइडेंटीफिकेशन ऑफ द हिकीकोमोरी सिंड्रोम ऑफ सोशल विड्रॉल : फिजियोसोशल फीचर्स एण्ड ट्रीटमेंट प्रीफरेंस इन फोर कंट्रीज़. इंट जे सोश साइक्याट्री 2015; 61 : 64–72.

1738. तेवतिया पी, मोहंती एस, काबरा एम, गुलाटी एस, ऐरन बी. एन्हांस्ड रिप्रोग्रामिंग इफिसिएंसी एंड काइनेटिक्स ऑफ इंड्युस्ड प्लुरिपोटेंट स्टेम सेल्स डिराइव्ड फ्रॉम ह्यूमन डकेन मसकुलर डायस्ट्रॉफी। *पीएलओए कर* 2015; 3 : 7.

1739. तिवारी एन, सिंह एन, सिंह एस, अग्रवाल एन, गुप्ता एनके. कॉर्पस एलीनियम ऑन हार्ड प्लेटे – एन अनुयूजअल ''मिसडायग्नोसिस'' ऑफ फॉरेग बॉडी : ए केस रिपोर्ट। *इंट जे पीडियट्र ऑटोरिनोलार्यंजल* 2015; 79 : 2463–5.

1740. ठकर ए, होता ए, भल्ला एएस, गुप्ता एसडी, सरकार सी, कुमार आर. ओवर्ट एण्ड ऑक्यूल्ट विडियन कैनल इनवॉल्वमेंट इन जुवेनाइल एंजियोफाइब्रोमा एण्ड इट्स पॉसीबल इम्पैक्ट ऑन रिकरेंस। *हैड नीक* 2015; 38(सप्ली 1) : ई421–5.

1741. ठाकरन वी, रामाकृष्णन एस, वर्मा एसके, शेतकर एस, सेठ एस, भार्गव बी. एक्यूट इफेक्ट्स ऑफ चीविंग टोबैको ऑन कोरोनरी माइक्रोसरकुलेशन एंड हिमोडायनेमिक्स इन हेबिटचुअल टोबैको चेवर्स। जे प्रैक्ट कार्डियोवेस्क साइं 2015; 1(2) : 138–42.

1742. ठाकुर बी, श्रीनिवास वी, द्विवेदी एसएन, पांडे ए. एपिडमियोलॉजिकल एप्रेजल ऑन नियोनेटल मार्टिलिटी इन इंडिया : कंवेंशनल वर्सिस हायरार्कियल मॉड्ल्स। *स्टेटीस्टीक्स एंड एप्लीकेशन्स* 2015; 13(1 एंड 2) : 95–114.

1743. ठाकुर सीपी, नारायण एस, मित्रा डीके ठाकुर एम, पांडे एसएन, कुमार पी. एट ऑल. एंटीलेशमानियल एक्टिविटी ऑफ गेव अमेरिकन एल. : ए ट्रेडिशनल इंडियन मेडिसिनल प्लांट। इंडियन जे ट्रेडिट नॉवले 2015; 14(4) : 658–63

1744. थॉमस एस, सुहानी, देसाई जी, पठानिया ओपी, जैन एम, अग्रवाल ए, एट ऑल. क्लिनिको–एपिडेमियोलॉजिकल प्रोफाइल ऑफ ब्रेस्ट कैंसर पेशेंट्स एंड द रेट्रोस्पेक्टिव एप्लीकेशन ऑफ गैल मॉडल 2 : एन इंडियन परस्पेक्टिव। ब्रेस्ट डिस 2016; 36(1) : 15–22.

1745. ठुकराल ए, लॉकयर जे, बुचर एसएल, बरकेलहेमर एस, बोस सी, देवरारी ए *एट ऑल.* एवेल्यूशन ऑफ एन एजुकेशनल प्रोग्राम फॉर एसेंशियल न्यूबर्न केयर इन रिसोर्स – लिमिटेड सीटिंग्स : एसेंशियल केयर फॉर एवरी बैबी। *बीएमसी पीडियट्र* 2015; 15 : 71.

1746. तियान एम, अजय वीएस, डुंजु डी, हमीद एसएस, ली एक्स, लुइ जेड, *एट ऑल.* ए कलस्टर रैंडोमाइज्ड, कंट्रोल्ड ट्रायल ऑफ ए सिम्लीफाइड मल्टीफेक्टिड मैनेजमेंट प्रोग्राम इन इंडिविजुअल्स एट हाइ कार्डियोवेस्कुलर रिस्क (सिमकार्ड ट्रायल) इन रूरल तिब्बत, चीन एण्ड हरियाणा, इंडिया। सर्कुलेशन 2015; 132 (9) : 815–24.

1747. टिटियाल जेएस, कौर एम, शर्मा एन. फेमैटोसेकेंड लेजर – एसिस्टेड कैटरेक्ट सर्जरी टेक्नीक टू एन्हांस सेफ्टी इन पोस्टिरियर पोलर कैटरेक्ट। *जे रेफ्रेक्ट सर्ज* 2015; 31(12) : 826–8.

1748. टिटियाल जेएस, शर्मा एन, अग्रवाल एके, प्रकाश जी, टंडन आर, वाजपेयी आर. लाइव रिलेटिड वर्सिस केडेवेरिक लिम्बल एलोग्राफ्ट इन लिम्बल स्टेम सेल डेफिशिएंसी. ऑक्यूल इम्युनोल इंफ्लेम 2015; 23(3) : 232–9.

1749. टिटियाल जेएस, तिनवाला एसआई, शेखर एच, सिन्हा आर. सुचरलेस क्लियर कॉर्नियल डीएसएईके विद ए मॉडीफाइड एप्रोच फॉर प्रीवेंटिंग पैपिलरी ब्लॉक एण्ड ग्राफ्ट डिसलोकेशन : केस सीरिज विद रेट्रोस्पेक्टिव कम्पेरेटिव एनालाइसिस. इंट ऑफ्थेल्मोल 2015; 35 (2) : 233–40.

1750. तिवारी एएन, बंसल एम, मंजु वीएम, जोशी पी, सिन्हा ए, हरि पी *एट ऑल.* ए कम्परेटिव स्टडी टू फाइड आउट द हेल्थ रिलेटेड क्वालिटी ऑफ लाइफ ऑफ चिल्ड्रन विद् एंड स्टेच रिनल डिजीज ऑन वैरियस रिनल रिप्लेसमेंट थेरैपीज : सेल्फ एंड परेंटल परसेप्शन। *इंट जे नर्सिंग एजु* 2015; 7 : 142–4.

1751. तिवारी पी, थॉमस एमके, पठानिया एस, धवन डी, गुप्ता वाईके, विष्णुभाटला एस, *एट ऑल.* सीरम क्रेएटाइनिन वर्सिस प्लाज्मा मेथेट्रेक्सट लेवल्स टू प्रीडिक्ट टॉक्सीसिटीस इन चिल्ड्रेन रिसिविंग हाई –

डोज मैथोट्रेक्स्ट। *पीडियट्र हेमेटोल ऑन्कोल* 2015; 32 : 576–84.

1752. तिवारी वी, अंसारी एमटी, मित्तल एस, शर्मा पी, नालवा ए. जाइंट सेल ट्यूमर ऑफ टेंडोन शीथ विद् साइमलटेनियस टू टेंडन इनवॉल्वमेंट ऑफ द फूट ट्रीटेड विद् एक्सीजन ऑफ द ट्यूमर एंड रिकंस्ट्रक्शन ऑफ द फ्लेक्सोर रेटिनाकुलम यूजिंग टाइबिलिस पोस्टिरियर टेंडोन इन ए पीडियाट्रिक पेशेंट : ए रेयर केस रिपोर्ट। *फूट एंकल सर्ज* 2015; 21 : ई60–3.
1753. तिवारी वी, खान एसए, कुमार ए, पौडेल आर, कुमार वीएस. फंक्शनल इम्प्रूवमेंट आफ्टर हिप अर्थोस्कोपी इन केस ऑफ एक्टिव पीडियाट्रिक हिप जॉइंट ट्यूबरकुलोसिस : ए रेट्रोस्पेक्टिव कम्परेटिव स्टडी विज–ए–विज कंर्जेवेटिव ट्रीटमेंट। *जे चाइल्ड ऑर्थोप* 2015; 9(6) : 495–503.
1754. तिवारी एम, अग्रवाल एन, डिंडा ए, यादव एससी. ओवरएक्सप्रेशन एंड प्यूरीफिकेशन ऑफ फोल्डेड डोमेन ऑफ प्रोस्टेट कैंसर रिलेटेड प्रोटीन्स एमएसएमबी एंड पीएसए. *मॉल बायोल रिप* 2016; 43 : 349–58.
1755. तोमर जीएस, कपूर आई, बिंद्रा ए, महाजन सी. रैपिड सिक्वेंस इंडक्शन विद् फाइबरस्कोपी : एन अनकॉमन प्रैक्टिस। जे न्यूरोएनेस्थिसियोल क्रिट केयर 2016; 3 : 56–7.
1756. तोमर जीएस, कुमार एन, सक्सेना ए, गोयल के. हैड इंजरी पेशेंट विद् बाइलेटरल वॉकल कॉर्ड पैरालायसिस : ए मिसटेक एंड ए लेशन लर्नट। बीएमजे केस रिप 2015; 18 : 2015581704.
1757. तोमर जीएस, कुमार एस, दुबे एसके, गोयल के. पोस्टऑपरेटिव एक्स्ट्राडुरल हिमेटोमा ऑफ द सरवाइकल स्पाइन : ए रेयर बट एवॉइडेबल कम्प्लीकेशन। *जे क्लीन एनेस्थ* 2016; 31 : 120–1.
1758. तोमर जीएस, कुमार एस, सक्सेना ए, दुबे एसके, गोयल के. अनयूजअल प्रेजेंटेशन ऑफ रेट डिपेंडेंट इंटरमिटेंट ट्रांसिएंट बुंडल ब्रांच ब्लॉक इन ए पेशेंट विद् हैड इंजरी। जेएनएससी 2015; 2(1) : 63–4.
1759. तोमर जीएस, सक्सेना ए, कुमार एन, गोयल के. ए वेल – नॉन एंड इम्पोर्टेंट एडवर्ज इफेक्ट ऑफ फीनोटोइन इन ए न्यूरोसर्जिकल पेशेंट। बीएमजे केस रिपोर्ट्स 2015; पब्लिश्ड ऑनलाइन 16 अक्टूबर 2015, डीओआई 10.1136/बीसीआर–2015–212227
1760. तोमर एस, लोधा आर, दास बी, कपिल ए. हैंड हाइजीन कम्पलेंस ऑफ हेल्थकेयर वर्क्रर्स इन ए पीडियाट्रिक इंटेंसिव कयेर यूनिट। *इंडियन पीडियट्र* 2015; 52 : 620–1.
1761. तोमर एस, लोधा आर, दास बी, सूद एस, कपिल ए. सेंट्रल लाइन – एसोसिएटेड ब्लडस्ट्रीम इंफेक्शन्स (सीएलएबीएसआई) : माइक्रोबायोलॉजी एंड एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस पैटर्न ऑफ आइसोलेट्स फ्रॉम द पीडियाट्रिक आईसीयू ऑफ ए टर्शरी केयर इंडियन हॉस्पीटल। *क्लिनिकल एपिडमियोलॉजी एंड ग्लोबल हेल्थ* 2015; 3: एस16–9.
1762. तोमर एस, लोधा आर, श्रीनिवास वी, दास बी, सूद एस, कपिल ए. इंसिडेंस एंड रिस्क फैक्टर्स फॉर सेंट्रल लाइन एसोसिएटेड ब्लड स्ट्रीम इंफेक्शन्स (सीएलएबीएसआई) इन द पीडियाट्रिक आईसीयू (पीआईसीयू) ऑफ ए टर्शरी केयर इंडियन हॉस्पीटल : ए प्रोस्पेक्टिव कोहोर्ट स्टडी। *जर्नल ऑफ पेशेंट सेफ्टी एंड इंफेक्शन कंट्रोल* 2015; 3(2) : 106–107.
1763. त्रिपाठी ए, काबरा एसके, सचदेव एचपी, लोढ़ा आर. मॉर्टेलिटी एंड अदर आउटकम्स इन रिलेशन टू फर्स्ट अवर फ्लुइड रेसुसिटेशन रेट : ए सिस्टमेटिक रिव्यू। *इंडियन पीडियट्र* 2015; 52 : 965–72.
1764. त्रिपाठी एच, मेहदी एमयू, गुप्ता डी, सेन एस, कश्यप एस, नाग टीसी, *एट ऑल.* लॉन्ग – टर्म प्रीर्जेवेशन ऑफ डोनर कोर्नियस इन ग्लायसेरोल फॉर केराटोप्लास्टि : एक्सप्लोरिंग न्यू प्रोटोकॉल्स। *ब्र जे ऑफ्थेलमॉल* 2016; 100: 284–90.
1765. त्रिपाठी एम, अरोड़ जी, दास सीजे ग्रोवर टी, गुप्ता आर, बल सी. इंसीडेंटल डिटेक्शन ऑफ इंट्राक्रेनियल ट्यूबरकुलोमस ऑन (99एम)टीसी – टीआरओडीएटी – 1 एसपीईसीटी /सीटी. *क्लिन न्यूक्लि मेड* 2015; 40 : ई321–322.
1766. त्रिपाठी एम, चंद्र देव आर, दामोदरन एन, सूरी ए, श्रीवास्तव वी, बैबी बी, *एट अल.* क्वांटिटेटिव एनालाइसिस ऑफ वेरिएबल एक्सटेंट ऑफ एंटीरियर क्लिनोडेक्टॉमी विद इंट्राड्यूरल एण्ड एक्स्ट्राड्यूरल

अप्रोचीस : 3–डाइमेंशनल एनालाइसिस एण्ड कैडवर डिसेक्शन. *न्यूरोसर्जरी* 2015; 11 : 147–61.
1767. त्रिपाठी एम, देव आरसी, सूरी ए, श्रीवास्तव वी, बेबी बी, कुमार एस, *एट ऑल.* क्वांटिटेटिव एनालाइसिस ऑफ द कावास वर्सिस मॉडिफाइड डोलेंक – कावास एप्रोच फॉर मिडिल क्रेनियल फोसा लेशन्स विद् वेरिएबल एंटेरोपोस्टेरियर एक्सटेंशन। *जे न्यूरोसर्ज* 2015; 123 : 14–22.
1768. त्रिपाठी एम, दीक्षित ए, चंद्र पीएस. 3. ग्लेक्टीन – 3, एन इम्पोर्टेंट यट अनएक्सप्लोरेड मॉलीकुलर इन ड्रग रेजिस्टेंट एपिलेप्सी। न्यूरोल इंडिया 2016; 64 : 237–8.
1769. त्रिपाठी एम, टांग सीसी, फेइजिन ए, डे ल्यूसिया आई, नजीम ए, धवन वी, *एट ऑल.* ऑटोमेटेड डिफरेंशियल डायग्नोसिस ऑफ अर्ली पाक्रिसोनिज्म यूजिंग मेटाबोलिक ब्रेन नेटवर्क्स : ए वेलीडेशन स्टडी। *जे न्यूक्ल मेड* 2016; 57 : 60–6.
1770. त्रिपाठी एम, त्रिपाठी एम, गर्ग ए, दामले एन, बाल सी. आइक्टल ऑनसेट जोन एंड साइजर प्रोपेगेशन डिलाइनेटेड ऑन आइक्टल एफ–18 फ्लोरोडिऑक्सीग्लुकोज पॉजिट्रॉन एमिशन टोमोग्राफी / कंप्यूटेड टोमोग्राफी। *इंडियन जे न्येक्ल मेड* 2016; 31 : 77–8.
1771. त्रिपाठी यूके, छिल्लर एस, कुमरेसन ए, अस्लम एमकेएम, रजक एसके, नायक एस, *एट ऑल* मॉर्फोमेट्रिक एवेल्यूशन ऑफ सेमीनिफेरोयस ट्यूबुल एंड प्रोपर्टीयोनेट न्यूमेरिकल एनालायसिस ऑफ सेर्टोली एंड स्पर्मेटोजेनिक सेल्स इंडिकेट डिफरेंस बीटवीन क्रॉसब्रेड प्यूरीब्रेड बुल्स। *वेट वर्ल्ड* 2015; 8 : 645–50.
1772. त्यागी जेएस. द टीबी बैटल : हव वेल आर वी फाइटिंग द बैग? *इन* स्पेशियल इशू ऑफ नेचुरल इंडियन ऑन 'बायोटेक्नोलॉजी – ए एजेंट फॉर सस्टेनेबल सोशियो – इकॉनोमिक ट्रांसफॉर्मेशन' ऑन 30 इयर्स ऑफ डिपार्टमेंट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी, मिनिस्ट्री ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, गवर्नमेंट ऑफ इंडिया। 2016; 42–44.
1773. त्यागी के, गुप्ता डी, सैनी ई, चौधरी एस, जामवाल ए, अलम एमएस, एट ऑल. रिकॉग्निशन ऑफ ह्यूमन एरिर्थोकाइट रिसेप्टर्स बाय द ट्राइप्टोफन – रिच एंटीजन्स ऑफ मंकी मलेरिया पैरासाइट प्लाज्मोडियम कनोवलेसी। पीएलओएस वन 2015; 10(9) : ई0138691.
1774. त्यागी के, होसैन एमई, ठाकुर वी, अग्रवाल पी, मल्होत्रा पी, मोहम्मद ए, एट ऑल. प्लाज्मोडियम विवैक्स ट्राइप्टोफैन रिच एंटीजन पीवीटीआरएजी36.6 इंटरेक्ट्स विद् पीवीईटीआरएएमपी एंड पीवीटीआरएजी56.6 इंटरेक्ट्स विद् पीवीएमएसपी7 ड्यूरिंग एरिथ्रोकाइटिक स्टेजस ऑफ द पैरासाइट पीएलओएस वन 2016; 11(3) : ई0151065.
1775. उमाराव पी, बोस एस, भट्टाचार्य एस, कुमार ए, जैन एस. न्यूरोप्रोटेक्टिव पोटेंशियल ऑफ सुपरपैरामैग्नेटिक आयरन ऑक्साइड नैनोपार्टिकल्स अलॉन्ग विद् एक्सपोजर टू इलेक्ट्रोमैग्नेटिक फील्ड इन 6–ओएचडीए रेट मॉडल ऑफ पाक्रिंसन्स डिजीज। जे. नैनोसाइं. नैनोटेक्नोल. 2016; 16 : 261–9.
1776. उपाध्याय ए, वर्मा केके, लाल पी, चावला डी, श्रीनिवास वी. हेपरिन फॉर प्रोलॉन्गिंग पेरिफेरल इंट्रावेनस कैथेटर यूज इन नियोनेट्स : ए रैंडोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल। *जे पेरिनेटोल* 2015; 35 : 274–7.
1777. उपाध्याय डी, शर्मा यू, मखारिया जीके, जगननाथ एनआर. रोल ऑफ एनएमआर मेटाबोनोमिक्स इन सीलियाक डिजीज (सीईडी)। *बायोमेडिकल स्पेक्ट्रोस्कोपी एंड इमेजिंग* 2016; 5 : 27–40.
1778. उपाध्याय आर, कुमार पी, शर्मा डीएन, हरेश केपी, गुप्ता एस, जुल्का पीके, *एट ऑल.* इनवेसव लोबुलर कार्सिनोमा ऑफ द मेल ब्रेस्ट : ए रेयर हिस्टोलॉजी ऑफ एन अनकॉमन डिजीज। *जे इजिप्ट नेटल कैन इंस्ट* 2016; 28 : 55–8.
1779. उर्वशी, शर्मा केके, गुप्ता वीपी, सेठ एस. ए स्टडी टू एवेल्यूट द इफेक्टिवनेस ऑफ एन इंडिजनस एक्ससाइज प्रोटोकॉल इन पेशेंट्स विद् हार्ट फैलियर टू इम्प्रूव देयर क्वालिटी ऑफ लाइफ : (एक्सरसाइज इन कंजेस्टिव हार्ट फैलियर स्टडी (ई–सीएचएफ स्टडी) *जे प्रैक्ट कार्डियोवेस्क साइं* 2015; 1 : 39–44.
1780. वेल्लोनथेइल एजी, जैन डी, मदन के, अरावा एस. पल्मोनरी एडेनोकार्सिनोमा विद् सिगनेट रिंग फीचर्स :

डिटेलड साइटोफार्मोलॉजिक एनालायसिस। *डायग्न साइटोपैथोल* 2016; 44: 607–11.
1781. वेल्लोनथेइल एजी, कक्कड़ ए, सिंह ए, डोगरा पीएन, रे आर. एडल्ट ग्रेनुलोसा सेल ट्यूमर ऑफ द टेस्टिस मैसक्वारेडिंग हाइड्रोसेल। *इंट ब्रज जे यूरोल* 2015; 41(6) : 1226–31.
1782. वेल्लोनथेइल एजी, कक्कड़ ए, सिंह एमके, रमम एम. ऑक्रोनोसिस विद् सबटेल हिस्टोलॉजिकल फाइंडिंग्स। इंडियन जे डर्मेटोल वेनेरियोल लेप्रोल 2015; 81 : 623–4.
1783. वेल्लोनथेइल एजी, सिंह एमके, ढींडा एके, कक्कड़ ए, ठकर ए, दास एसएन. प्रोग्नोस्टिक सिगनिफिकेंस ऑफ साइटोप्लाज्मिक पी27 इन ओरल स्क्वामस सेल कार्सिनोमा। जे ओरल पैथोल मेड 2016; जनवरी 11. डीओआई : 10.1111/जेओपी.12392.
1784. वेल्लोनथेइल एजी, सिंह एमके, ढींडा एके, कक्कड़ ए, ठकर ए, दास एसएन. एक्सप्रेशन ऑफ सेल साइकिल एसोसिएटिड प्रोटीन्स पी53, पीआरबी, पी16, पी27 और कोरेलेशन विद सर्वाइवल : ए कम्पेरेटिव स्टडी ऑन ओरल सिक्वेमस सेल कार्सिनोमा एण्ड वेरुकोकस कार्सिनोमा। *एप्ल इम्युनोहिस्टोकैम मॉल मॉर्फोल* 2016; 24 : 193–200.
1785. वर्गीज ए, खाखा डीसी, चड्डा आरके. पैटर्न एंड टाइप ऑफ एग्रेसिव बिहेवियर इन पेशेंट्स विद् सेवेर मेंटल इलनेस एज परसिवड बाय द कैरेगिवर्स एंड कोपिंग स्ट्रेटेजीस यूज्ड बाय देम इन ए टर्शरी केयर हॉस्पीटल। *अक्र साइकायट्र नर्सिंग* 2015; 30 : 62–9.
1786. वार्ष्णेय ए, शर्मा एस, डे एस, गुप्ता डीके. मैलीगनेंट सिस्टेमिक हाइपरटेंशन, एंसेफैलोपैथी एंड ब्रेडीकार्डिया फॉलोविंग सप्लेनेक्टोमी फॉर हेयरडिटरी स्फेरोकाइटोसिस। *बीएमजे केस रिप* 2015 डीओआई : 10. 1136/बीसीआर–2014–209029.
1787. वार्ष्णेय एम, गुप्ता आर, बल्हारा वाईपीएस. यस, इंडिया हैज डन इट : डिक्रिमिनलाइजेशन ऑफ सुसाइड इन इंडिया। एशियन जे साइकायट्र 2015; 17 : 103.
1788. वार्ष्णेय एम, महापात्रा ए, कृष्णन वी, गुप्ता आर, देव केएस, वियोलेंस एंड मेंटल इलनेस : वट इज द ट्रू स्टोरी? *जे एपिडमियोल कम्युनिटी हेल्थ* 2016; 70(3) : 223–5.
1789. वासामति एस, सरदाना वी, सरदाना एचके, खरबंदा ओपी. ऑटोमेटिक लैंडमाक्र एडेंटिफिकेशन इन लेटरल सेफैलोमेट्रिक इमेज यूजिंग ऑप्टिमाइज्ड टेम्प्लेट मैचिंग। *जे मेड इमेजिंग हेल्थ इंफॉर्म* 2015; 5 : 458–70.
1790. वासन एस, राजलक्ष्मी पी, थुल्कर एस. इमेजिंग केस : एनके / टी–सेल लिम्फोमा, नेजल टाइप। *इरान जे ऑटोराइनोलेरिंजॉल* 2015; 27(83) : 481.
1791. वशिष्ठ ए, पृथ्वी राज डी, गुप्ता यूडी, भाट आर, त्यागी जेएस. द अल्फा 10 हेलिक्स ऑफ डेवआर, द माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस डोर्मेंसी रिस्पोंस रेगुलेटर, रेगुलेट्स इट्स डीएनए बाइंडिंग एंड एक्टिविटी। फेब जे 2016; 283(7) : 1286–99.
1792. वशिष्ठ पी, गुप्ता एन, टंडन आर, गुप्ता एसके, द्विवेदी एस, मणि के. पोपुलेशन – बेस्ड एसेसमेंट ऑफ विजन – रिलेटेड क्वालिटी ऑफ लाइफ इन कोर्नियल डिजीज : रिजल्ट्स फ्रॉम द कोर स्टडी। *ब्र जे ऑफ्थेलमॉल* 2016; 100 : 588–93.
1793. वासुदेवन बी, बोर्ले ए, सिंह पीएम, रामचंद्रन आर, रेवाड़ी वी, त्रिखा ए. द इफेक्ट ऑफ एनेस्थेटिक टेक्नीक फॉर ट्रांस वेजाइनल अल्ट्रासाउंड – गाइड उसाइट रेट्रिवल ऑन रिप्रोडक्टिव आउटकम्स : ए सिस्टमेटिक रिव्यू एंड मेटा – एनालायसिस। *जे ऑब्स्टेट एनेस्थ क्रिट केयर* 2015; 5: 54–61.
1794. वसुंधरा सी, ज्योत्सना वीपी, कंडासामी डी, गुप्ता एन. क्लिनिकल, हार्मोनल एंड रेडियोलॉजिकल प्रोफाइल ऑफ 46एक्सवाई डिसऑर्डर्स ऑफ सेक्सुअल डेवलपमेंट। *इंडियन जे एंडोक्राइनोल मेटाब* 2016; 20(3) : 300–7.
1795. वेदिथी एससी, लवणिया एम, कुमार एम, कौर पी, तुरनकर आरपी, सिंह आई, *एट ऑल.* ए रिपोर्ट ऑफ रिफैम्पिन – रेजिस्टेंट लेप्रोसी फ्रॉम नॉदर्न एंड ईस्टर्न इंडिया : एडेंटिफिकेशन एंड इन सिलिको

एनालायसिस ऑफ मॉलीकुलर इंटरेक्शन्स। *मेड माइक्रोबियोल इम्युनोल* 2015; 204 : 193–203.

1796. वेलपांडियन टी, कोटनाला ए, हल्दर एन, रवि एके, अर्चूनन वी, सिहोता आर. स्टेबिलिटी ऑफ लेटेनोप्रोस्ट इन जेनेरिक फॉरम्यूलेशन यूजिंग कंटोल्ड डिग्रेडेशन एण्ड पेशेंट यूसेज सिमुलेशन स्टडीज़. क्यूर आइ रेस 2015; 40 (6) : 561–71.

1797. वेंकटेशन एस, पुरोहित ए, आहूजा ए, चंद्र डी, अग्रवाल एम, अमृता आर, *एट ऑल.* अनयुजुअल मेसिव बोन मैरो फाइब्रोसिस इन एक्यूट प्रोमायलोकाइटिक ल्यूकेमिया फॉलोविंग अर्सेनिक ट्राइऑक्साइड थैरेपी। *लियूक रेज रिप* 2015; 4(2) : 76–8.

1798. वेंकटेश पी, गोगिया वी, गुप्ता एस, तायाडे ए, शिल्पी एन, शाह बीएम, *एट ऑल.* पल्स साइक्लोफास्फमाइड थैरेपी इन द मैनेजमेंट ऑफ पेशेंट्स विद् मैकुलर सेरपिगिनस कोरोइडोपैथी। *इंडियन जे ऑफ्थेलमॉल* 2015; 63: 318–22.

1799. वेंकटेश पी, गोगिया वी, खंडूजा एस, गुप्ता एस, कुमार एल, गर्ग एस. थेराप्यूटिक विट्रेक्टोमी फॉर विट्रियल रिकरेंसी ऑफ इंट्राऑकुलर लिम्फोमा रेजिस्टेंट टू इंट्राविट्रियल मैथोट्रेक्सट पोस्ट सिस्टेमिक कीमोथैरेपी। *जे कैंसर रेज थेर* 2015; 11(3) : 668.

1800. वेंकटेश पी, सागर पी, कुमार ए, मोहंती एस, सेठ टी, गोगिया वी, एट ऑल. ए पायलट, रैंडोमाइज्ड शाम कंट्रोल ट्रायल ऑफ ऑटोलोगस बोन मैरो डेराइव्ड मोनोन्यूक्लियर सेल्स इन एक्यूट इस्केमिक सेंट्रल रेटिनल वेन। बीजेएमएमआर 2016; 13(2) : 1–7.

1801. वेंकटेसुलू बी, मल्लिक एस, जॉर्ज ए, भास्कर एस. स्मॉल सेल कार्सिनोमा ऑफ द लंग इन ए ट्रीटेड केस ऑफ मायोएपिथेलियल कार्सिनोमा ऑफ द टंग – रिपोर्ट ऑफ ए रेयर केस विद् इलस्ट्रेटेड रिव्यू ऑफ द लिट्रेचर। *जे इजिप्ट नेटल कैं इंस्ट* 2016; 28 : 45–8.

1802. वेंकटेसुलू बीपी, पेथी एस, वैलोनथेयल एजी, चावला बी. एपिथेलियल – मायोपिथेलियल कार्सिनोमा ऑफ लैक्राइमल ग्लैंड फ्रॉम एन एक्स–प्लेयोमॉर्फिक एडेनोमा। *बीएमजे केस रिप* 2015 : 2015

1803. वेणुगोपालन जी, नविनाथ एम, बहल पी, सोबिया एन, दास सीजे, नायक एन, *एट ऑल.* हाइपोकैलसेमिक कार्डियोमायोपैथी डू टू विटमिन डी डेफिसिएंसी इन ए वेरी ओल्ड मैन। *जे एम जेरियट्र सोश* 2015; 63(8) : 1708–9.

1804. वर्मा एच, दास ए, सिंघल एसके, गुप्ता एन, कौर ए. स्क्वानोमा यूजिंग ग्रेटर ओसीपिटल नर्व न्यूरेलजिया – केस रिपोर्ट। *आर्च क्लीन एक्स सर्ज* 2016; 5: 59–6.

1805. वर्मा एच, दास ए, सिंघल एसके, गुप्ता एन. एंडोस्कोपिक माइकोड ब्राइडर एसिस्टेड मारसुपैलाइजेशन ऑफ वेलेकुला काइस्ट – न्यू ट्रीटमेंट मॉडिलिटी। *ऑनलाइन जे ऑटोलार्यंजॉल* 2015; 5: 157–62.

1806. वर्मा एच, दास ए, सिंघल एसके, गुप्ता एन. जाइंट टोंसिलोलिथ : ए केस रिपोर्ट एंड रिव्यू ऑफ लिटरेचर। *इंट जे साइं रिप* 2015; 1: 89–91.

1807. वर्मा केके, भारी एन, सेतुरमन जी. एजेथियोप्राइन डज नॉट इंफ्लुएंस पैच टेस्ट रिएक्टिविटी इन पार्थेनियम डर्मेटाइटिस। कॉन्टेक्ट डर्मेटाइटिस 2016; 74 : 64–5.

1808. वर्मा केके, सेतुरमन जी, कलावाणी एम. वीकली एजेथियोप्राइन पल्स वर्सिस डेली एजेथियोप्राइन इन द ट्रीटमेंट ऑफ पार्थेनियम डर्माटाइटिस : ए नॉन – इंफेरियोरिटी रैंडोमाइज्ड कंट्रोलड स्टडी। इंडियन जे डर्मेटोल वेनेरियोल लेप्रोल 2015; 81 : 251–6.

1809. वर्मा केके, सिंह एस, कुमार पी, पांडे आरएम. सीजनल वरिएशन इन कॉन्टेक्ट हाइपरसेंसिटीविटी टू पार्थेनियम इन पेशेंट्स ऑफ पार्थेनियम डर्मेटाइटिस। इंडियन जे डर्मेटोल 2016; 61 : 53–6.

1810. वर्मा केएल, वर्मा आर, शर्मा एम, सरीन आरके, जायसवाल एके. इम्पोर्टेंस ऑफ अल्ट्राप्योर वॉटर इन एनालाइटिकल मैथड्स फॉर डिटर्मिनेशन ऑफ ड्रग ऑफ एब्यूज बाय मास स्पेक्ट्रोमेट्री। *एसएमयू मेड जे* 2015; 2(2) : 249–64.

1811. वर्मा एम, अरोड़ा ए, मालवीय एस, नेहरा ए, सागर आर, त्रिपाठी एम. डू एक्सप्रेस्ड इमोशन्स रिजल्ट इन स्टिगम? ए पोटेंशियली मॉडिफाइबल फैक्टर इन पर्सन्स विद् एपिलेप्सी इन इंडिया। *एपिलेप्सी बिहेव* 2015; 52(पीटी ए) : 205–11.
1812. वर्मा आर, चंद्र एम, शर्मा एस, शर्मा एस, मीना एस, सिंह बल्हारा वाई. साइकोलॉजिकल वेल–बीइंग इन प्राइमरी सरवाइवर्स ऑफ उत्तराखंड डिजास्टर इन इंडिया। इंडियन जर्नल ऑफ सोशल साइकायट्री 2015; 31 : 29.
1813. वर्मा एसके, रामकृष्णन एस, राय आर, भार्गव बी. माइ एप्रोच टू एसवीजी ग्राफ्ट विद् टोटल ऑक्लुजन : इलस्ट्रेटेड विद् ए केस। जे प्रैक्ट कार्डियोवेस्क साइं 2015; 1(3) : 281–84.
1814. वर्मा एसके. कार्डियोलॉजी इन रिव्यू। जे प्रैक्ट कार्डियोवेस्क साइं 2015; 1(3) : 244–46.
1815. वर्मा एसके. कार्डियोलॉजी अपडेट। जे प्रैक्ट कार्डियोवेस्क साइं 2015; 1(1) : 87.
1816. वर्मा एसके, सिंह पीके, गर्ग के, सत्यर्थी जीडी, शर्मा एमसी, सिंह एम, *एट ऑल.* जाइंट कैलवायरल कैवरनस हमैंजियोमा। *जे पीडियट्र न्यूरोसाइं* 2015; 10 : 41–4.
1817. विभा डी, बिहारी एम, गोयल वी, शुक्ला जी, भाटिया आर, श्रीवास्तव एके, एट ऑल क्लिनिकल प्रोफाइल ऑफ मोनोमेलिका मायोट्रॉफी (एमएमए) एंड रोल ऑफ परसिस्टेंट वायरल इंफेक्शन। जे न्यूरोल साइं 2015; 359 (1–2) : 4–7.
1818. विक्टर ईएम, वसंत ईएम, थांकप्पन एम, राघवन एस, दाधीच ए, जोशी पी, *एट ऑल.* द इम्पैक्ट ऑफ हैंड हाइजीन एवेरनेस प्रोग्राम ऑन हेल्थ केयर प्रोफेशनल्स कम्पेंस विद् हैंड हाइजीन इन ए टर्शरी केयर हॉस्पीटल : ए क्लिनिकल ऑडिट। *जे पेशेंट सेफ्टी इंफेक्ट कंट्रोल* 2015; 3(1) : 17–20.
1819. विकटोरिया सीजी, बहल आर, बैरोस एजे, फ्रांका जीवी, होर्टन एस, क्रेसेवेक जे *एट ऑल.* लैंसेट ब्रेस्टफीडिंग सीरिज ग्रुप। ब्रेस्टफीडिंग इन द 21 सेंचुरी : एपिडमियोलॉजी, मैकेनिज्म एंड लाइफलॉन्ग इफेक्ट। *लैंसेट* 2016; 387 : 475–90
1820. विकटोरिया सीजी, विल्लर जे, बैरोस एफसी, इस्माइल एलसी, पॉल वीके, *एट ऑल.* एंथ्रोपोमेट्रिक कैरेक्टराइजेशन ऑफ इम्पेयर्ड फेटल ग्रोथ : रिस्क फैक्टर्स फॉर एंड प्रोग्नोसिस ऑफ न्यूबर्न्स विद् स्टुनटिंग ऑर वेस्टिंग। *जेएएमए पीडियट्र* 2015; 169(7) : ई151431. डीओआई : 10.1001 / जैमपीडिट्रिक्स. 2015. 1431. ईपब्लि 2015 जुलाई 6.
1821. विजय एम, मृर्धा एआर, राय आर, किनरा पी, मिश्रा बी, चंद्रशेखर एचएस. फोकल हिमेटोपोयटिक हाइपरप्लासिया ऑफ रिब : ए रेयर सियूडोट्यूमर एंड रिव्यू ऑफ लिटरेचर. *जे पैथोल ट्रांसल मेड* 2015; 49 (2) : 159–62.
1822. विजयदीप एस, कांत एस, चंद्रशेखर आर, गुप्ता एसके. इंटीग्रेशन इन ऑपरेशन थिएटर : नीड ऑफ द अवर। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च फाउंडेशन ऑफ हॉस्पीटल एंड हेल्थकेयर एडमिनिस्ट्रेशन 2015; 3(2) : 123–8.
1823. विक्रम के, नागपाल बीएन, पांडे वी, श्रीवास्तव ए, सक्सेना आर, अंविकार ए, *एट ऑल.* एन एपिडमियोलॉजिकल स्टडी ऑफ डेंगू इन दिल्ली, इंडिया। *एक्टा ट्रॉप* 2016; 153 : 21–7.
1824. विक्रम के, नागपाल बीएन, पांडे वी, श्रीवास्तव ए, सक्सेना आर, सिंह एच, *एट ऑल.* डिटेक्शन ऑफ डेंगू वायरस इन इंडिविजुअल एडीज एजिप्टी मॉस्क्यूटोस इन दिल्ली, इंडिया। *जे वेक्टर बोर्न डिस* 2015; 52(2) : 129–33.
1825. विनय के, यादव एस. अनकॉमन प्रेजेंटेशन ऑफ ए लेस कॉमन ट्यूमर। इंडिया जे मेड रेज 2016; 143 : 249–50.
1826. विनुथ डीपी, अग्रवाल पी, काले एडी, हेलिकेरिमथ एस, शुक्ला डी. एसेटिक एसिड एज एन एडजेंक्ट विटल स्टेन इन डायग्नोसिस ऑफ टुबैको एसोसिएटेड ओरल लेशन्स – ए पायलट स्टडी। *जे ओरल मैक्सीलोफैक पैथोल* 2015; 19 : 134–8.

1827. वो एए, सिन्हा ए, हास एम, चोई जे, मिरोचा जे, काहवाजी जे, *एट ऑल.* फैक्टर्स प्रीडिक्टिंग रिस्क फॉर एंटीबॉडी – मीडिएटिड रिजेक्शन एंड ग्राफ्ट लॉस इन हाइली ह्यूमन ल्यूकोसाइट एंटीजन सेंसिटाइज्ड पेशेंट्स ट्रांसप्लांटिड आफ्टर डिसेंसिटाइजेशन. *ट्रांसप्लांटेशन* 2015; 99 : 1423–30.
1828. वाधवन डी, सिंघल एस, शारदा एन, अरोड़ा आर. एपेंडिसाइटिस इन पोस्टपैर्टम पीरियड : ए डायग्नोस्टिक चैलेंजेस। *जे क्लीन डायग्न रेज* 2015; 9(10) : क्यूडी10–1.
1829. वाधवा बी, जैन वी, भूतिया ओ, भल्ला एएस, प्रुथी जी. फ्लेपलेस वर्सिस ओपन फ्लेप टेक्नीक्स ऑफ इम्प्लांट प्लेसमेंट : ए 15–मंथ फॉलो–अप स्टडी। *इंडियन जे डेंट रेस* 2015; 26(4) : 372–7.
1830. वाधवनी एम, मील आर, कश्यप एस. सेबैसेयस ग्लैंड कार्सिनोमा मैक्वारेडिंग एज ए कैलेजियन इन ए 18 इयर ओल्ड गर्ल। जे क्लिन केस रिप 2015; 5 : 562.
1831. वहीदुजमन एम, शर्मा सी, डे बी, भाटला एन, सिंह एन. डेवलपमेंट ऑफ काइमेरिक कैंडिडेट वैक्सीन अगेंस्ट एचपीवी18 : ए प्रूफ ऑफ कॉन्सेप्ट। *इम्युनोल रेज* 2015; 62 : 189–97.
1832. वालिया आर, मदन के, मोहन ए, जैन डी, हड्डा वी, खिलनानी जी सी, *एट ऑल.* डायग्नोस्टिक यूटिलिटी ऑफ कंवेंशनल ट्रांसब्रोंकियल नीडल एस्पिरेशन विदआउट रैपिड ऑन–साइट एवेल्यूएशन इन पेशेंट्स विद लंग कैंसर. *लंग इंडिया* 2015; 32 (2) : 198–9.
1833. वाल्श एम, वाइटलॉक आर, गर्ग एएक्स, लैगार्डो जेएफ, डंकन एई, जिम्मेरमैन आर, एट ऑल. रिमोट इम्पैक्ट इंवेस्टिगेटर्स इफेक्ट्स ऑफ रिमोट इस्केमिक प्रीकंडिशनिंग इन हाई –रिस्क पेशेंट्स अंडरगोइंग कार्डियक सर्जरी (रिमोट इम्पैक्ट) : ए रैडोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल। सीएमएजे 2016; 188 : 329–36.
1834. वाटकिंस डी, ज़ुलके जे, एंगेल एम, डेनियल आर, फ्रांसिस वी, शाबूडिन जी, एट ऑल. सेवन की एक्शन्स टू एराडिकेट रुमेटिक हार्ट डिजीज इन अफ्रीका : द एडिस अबाब कम्युनिक। कार्डियोवेस्क जे अफ्र 2016; 27 : 1–5.
1835. वेइस एसएल, फिजराल्ड जेसी, मैफेई एफए, केन जेएम, रोड्रिगेज – नुनेज ए, हसिंग डीडी, *एट ऑल.* डिसकोर्डेंट एडेंटिफिकेशन ऑफ पीडियाट्रिक सेवर सेप्सिस बाय रिसर्च एंड क्लिनिकल डेफिनेशन्स इन द एसपीआरओयूटी इंटरनेशनल पॉइंट प्रीवलेंस स्टडी। *क्रिट केयर* 2015; 19 : 325.
1836. वेइस एसएल, फिजराल्ड जेसी, पैपकेन जे, व्हीलर डी, जैरामिलो – बसटेमेंट जेसी, सालू ए, *एट ऑल.* ग्लोबल एपिडमियोलॉजी ऑफ पीडियाट्रिक सेवेर सेप्सिस : द सेप्सिस प्रीवलेंस, आउटकम्स एंड थैरापीज स्टडी। *एम जे रेस्पायर क्रिट केयर मेड.* 2015; 191 : 1147–57.
1837. वाइटकॉम्ब डीसी, फ्रुलौनी एल, गर्ग पी, ग्रीर जेबी, स्कनेडर ए, यादव डी, *एट ऑल.* क्रॉनिक पैनक्रिएटाइटिस : एन इंटरनेशनल ड्राफ्ट कंसेंसस प्रोपोजल फॉर ए न्यू मैकेनिस्टिक डेफिनेशन। *पैनक्रिएटोलॉजी* 2016; 16(2) : 218–24.
1838. वाइटलॉक आरपी, डेवरेक्स पीजे, टियोह केएच, लामी ए, विंसेंट जे, पोग जे, एट ऑल. एसआईआरएस इंवेस्टिगेटर्स। माइथिलप्रीडनिसोलोन इन पशेंट्स अंडरगॉइंग कार्डियोपल्मोनरी बाईपास (एसआईआरएस) : ए रैंडोमाइज्ड, डबल – ब्लाइंड, प्लासेबा – कंट्रोल्ड ट्रायल। लैंसेट 2015; 386 : 1243–53.
1839. विंकर एमए, फेरिस एलई, वर्ल्ड एसोसिएशन ऑफ मेडिकल एडिटर्स (डब्ल्यूएएमई) एथिक्स एंड पॉलिसी कमिटी एंड द डब्ल्यूएएमई बोर्ड*। प्रोमोटिंग ग्लोबल हेल्थ : द वर्ल्ड एसोसिएशन ऑफ मेडिकल एडिटर्स पॉजिशन ऑन एडिटर्स रिस्पोंसिबिलिटी। नेटल मेड जे इंडिया 2015; 28 : 113–16 (पब्लिशड साइमलटेनियसली इन इंडियन जे यूरोल 2015; 31 : 165–7; इंट जे ओक्यूप एंवायरोन मेड. 2015; 6 : 125–7) (पियूश साहनी डब्ल्यूएएमई एथिक्स एंड पॉलिसी कमिटी के एक सदस्य हैं)
1840. यादव ए, गुप्ता एसके, प्रसाद के, कुमार ए, पुनिया एस, जायसवाल एके. डेथ इज डू टू पॉइजनिंग : नेगेटिव विसरा रिपोर्ट – इंट्रीकेसिस देयरऑफ। *इंडियन पॉलिसी जे* 2015; 62(1) : 216–27.

1841. यादव ए, पवार एम, गर्ग आर, बनर्जी एन. टू कम्पेयर द इफेक्ट्स ऑफ मल्टीपल सेशन्स ऑफ हाइपरबैरिक ऑक्सीजीन थैरेपी इन न्यूरोलॉजिकल इम्प्रूवमेंट इन हैड इंजरी पेशेंट्स : ए प्रोस्पेक्टिव रैंडोमाइज्ड ट्रायल। *जे न्यूरोएंस्थिसियोल क्रिट केयर* 2015; 2(2) : 110–3.

1842. यादव ए, रहील एमएस, शर्मा एसके, कुमार एम. कार्डियक टैम्पोनड ड्यू टू कार्डियक रप्चर इन मायोकार्डियल इंफ्रेक्शन – ए साइलेंट किलर। *जे पंजाब एकाड फॉरेंसिक मेड टॉक्सीकॉल* 2015; 15(1) : 30–3.

1843. यादव ए, स्वेन आर, बक्शी एमएस, गुप्ता एस. सुसाइडल शॉटगन वुड ऑन चेस्ट : एन अनकॉमन साइट विद् एन अनयूजअल ट्रैक। *जे इंडियन एकाड फॉरेंसिक मेड* 2015; 37: 430.

1844. यादव एके, कंडासामी डी, शर्मा आर, साहनी पी. सेरोयस सिस्टडेनोमा ऑफ पैनक्रियास : इमेजिंग डायग्नोसिस। *ट्रॉप गैस्ट्राएंटेरोल* 2015; 36: 52–4.

1845. यादव बी, रैना ए, बालयान ए. पेस्टिसाइड यूज एंड एप्लीकेशन पैटर्न अमंग फर्मर्स : ए स्टडी फ्रॉम द एनसीआर रिजन (गुड़गांव) ऑफ हरियाणा। *इंटरनेशनल जे रेज एप्लाइड, नेचुरल सोश साइं* 2016; 4(3) : 125–32.

1846. यादव जे, जैन वी. कुशिंग सिंड्रोम रिलेटेड टू ल्यूकेमिक इंफिल्ट्रेशन ऑफ द सेंट्रल नर्वस सिस्टम। *जे पीडियट्र एंडोक्राइनोल मेटाब* 2015; 28 : 717–9.

1847. यादव जे, सत्पथी एके, जैन वी. एडिसोनियन क्राइसिस ड्यू टू एंटीट्यूबरकुलर थैरेपी। *इंडियन जे पीडियट्र* 2015; 82 : 860.

1848. यादव जेएस, कौर एस, श्रीवास्तव ए, सागर आर. स्टडी ऑफ कॉमन फैक्टर्स अमंग चिल्ड्रन विद् पैरासोमनिया एंड टेम्पोरल लोब एपिलेप्सी। *दिल्ली साइकायट्री जर्नल* 2015; 18(1) : 114–8.

1849. यादव के, अग्रवाल एस, गुलेरिया एस, कुमार आर. कम्परेटिव स्टडी ऑफ लेप्रोस्कोपिक एंड मिनी – इंसिजन ओपन डोनर नेफ्रेक्टोमी : हेव वी हार्ड द लास्ट वर्ड इन द डिबेट? क्लीन ट्रांसप्लांट 2016; 30(3) : 328–34

1850. यादव के, आकांक्षा, जरयाल एके, कोशिक पी, चटर्जी के, दीपक केके. इफेक्ट ऑफ हाइपोवोलेमिया ऑन इफिसेसी ऑफ रिफलेक्स मैंटेनेंस ऑफ ब्लड प्रेशर ऑन ऑर्थोस्टेटिक चैलेंजी। *हाई ब्लड प्रेस कार्डियोवेस्क प्रीव* 2016; 23 : 25–30.

1851. यादव के, कुमार आर, चक्रबर्ती ए, पांडव सीएस. ए रिलाइबल एंड एक्यूरेट पोर्टेबल डिवाइस फॉर रैपिड क्वांटिटेटिव एस्टिमेशन ऑफ आयोडिन कंटेंट इन डिफरेंट टाइप ऑफ एडिबल साल्ट। *इंडियन जे पब्लिक हेल्थ* 2015; 59(3) : 204–9.

1852. यादव एन, अहमद आरएस, सैनी एन, गुप्ता बी, साहनी सी, गर्ग आर, *एट ऑल.* इफेक्ट ऑफ एनेस्थिसिया ऑन द प्रीऑपरेटिव आउटकम्स ऑफ पेल्वी–एसेटेबुलर फ्रेक्चर सर्जरीस इन द एपेक्स ट्रॉमा सेंटर ऑफ ए डेवलपिंग कंट्री; ए रेट्रोस्पेक्टिव एनालायसिस। *बर्न्स ट्रॉमा* 2015; 3: 10.

1853. यादव एन, अयूब ए, गर्ग आर, नंदा एस, गुप्ता बी, साहनी सी. सोनोग्राफिक एसेसमेंट ऑफ प्रीडिक्टर्स ऑफ डेथ ऑफ द कॉर्नर पॉकेट फॉर अल्ट्रासाउंड – गाइड सुपरक्लेविकुलर ब्रेकियल प्लेक्स ब्लॉक। *जे एनेस्थिसियोल क्लिनिक फार्मा* 2016; 32: 25–8.

1854. यादव पी, खलील एस, मिर्धा बीआर, माखारिया जीके, भटनागर एस. मॉलीकुलर कैरेक्टराइजेशन ऑफ क्लिनिकल आइसोलेट्स ऑफ साइक्लोस्पोरा काइटेनेंसिस फ्रॉम पेशेंट्स विद् डायरिया इन इंडिया। *इंडियन जे मेड माइक्रोबियल* 2015; 33: 351–6.

1855. यादव आर, बालासुंदरम पी, मिर्धा एआर, अय्यर वीके, माथुर एसआर. प्राइमरी ओवरियन नॉन हॉडकिन लिम्फोमा डायग्नोसिस ऑफ टू केसेस ऑन फाइन नीडल एस्पीरेशन काइटोलॉजी। *काइटोजर्नल* 2016; 13(1) : 2.

1856. यादव आर, पांडिया एमपी, बिठल पीके भारती एसजे, कपूर आई. डिफिकल्ट एयरवे लीडिंग टू कार्बन

डाइऑक्साइड नैक्रोसिस इन ए केस ऑफ फिक्स्ड सरवाइकल स्पाइन। *जे न्यूरोएनेस्थिसियोल क्रिट केयर* 2016; 3: 46–8.
1857. यादव आरके, दास सीजे, बागची एस, अग्रवाल एस. सिम्प्टोमेटिक पोंटाइन एंड एक्स्ट्रा–पोंटाइन लेशन्स इन ए पेशेंट विद् एंट –स्टेच रिनल डिजीज। *साउदी जे किडनी डिस ट्रांसप्ल* 2016; 27(2) : 395–7.
1858. यादव आरके, सर्वोत्तम के, मगन डी, यादव आर. ए टू ईयर फॉलो–अप केस ऑफ क्रॉनिक फेटिगई सिंड्रोम : सबस्टेंशियल इम्प्रूवमेंट इन पर्सनेलिटी फॉलोविंग ए योग – बेस्ड लाइफस्टाइल इंटरवेंशन. *जे अल्टर्न कॉम्प्लीमेंट मेड* 2015; 21: 246–9.
1859. यादव एस, बिरला एस, मरुमुदी ई, शर्मा ए, खड़गावत आर, खुराना एमएल, *एट ऑल.* क्लिनिकल प्रोफाइल एंड इंहेरिटेंस पैटर्न ऑफ सीवाईपी21ए2 जीन म्यूटेशन्स इन पैटर्न विद् क्लासिकल कंजेनिटल एडरीनल हाइपरप्लासिया फ्रॉम 10 फैमिलीस। *इंडियन जे एंडोक्राइनोल मेटाब* 2015; 19 : 644–8.
1860. यादव एस, डोगरा एस. ए क्यूटेनियस रिएक्शन टू माइक्रोनीडलिंग फॉर पोस्टेन स्कैररिंग एक्यूज्ड बाय निकल हाइपरसेंसिटीविटी। एस्थेट सर्ज जे 2016; 36 : एनपी168–70.
1861. यादव एस, कुमार आर. सोलिटरी सेकेंड मेटाटेरसल मेटास्टेसिस एज द फस्ट साइट ऑफ डिसटेंट स्प्रेड इन टीसीसी यूरिनरी ब्लैडर : ए केस रिपोर्ट। इंडियन जे यूरोल. 2015; 31 : 363–5.
1862. यादव ए, मदन के. ट्यूबरकुलोस 'लॉक जैव'। *बीएमजे केस रिप* 2015; 2015.
1863. यादव एस, नय्यर आर, सेठ ए. सिक्वेंशियल अनयूजअल साइट मेटास्टेसस इन रिनल सेल कैंसर : सागा ऑफ रिपीटेड ट्यूमर इम्प्लांटेशन एंड प्रोलोंगड सरवाइवल विद्आउट सिस्टेमिक थैरेपी। यूरोल एन. 2016 जनवरी–मार्च; 8(1) : 102–4.
1864. यादव एस, शर्मा एस, सिंह पी, नायक बी. प्रेगनेंसी विद् रेप्चर्ड रिनल अर्टेरी एन्यूरिज्म मैनेजमेंट कंसर्न्स एंड एंडोवेस्कुलर मैनेजमेंट। बीएमजे केस रिप 2015; 26 : 2015.
1865. यादव एस, सिंह ए, सिंह पी. बिलियरी पेरिटोनिटिस फॉलोविंग परक्यूटेनियस नेफ्रोलिथोटोमी : मिनिमली इनवेसिव मैनेजमेंट। इंडियन जे यूरोल. 2015; 31(3) : 251–3.
1866. यादव एसके, कुमार एस, मिश्रा एमसी, सागर एस, बंसल वी. रेट्रोस्पेक्टिव एवेल्यूशन ऑफ मैगनाइटेड सेवेरिटी एंड आउटकम ऑफ ट्रॉमेटिक हिपेटोबिलियरी इंजरी एट ए लेवल –1 ट्रॉमा सेंटर इन इंडिया। इंडिया जे सर्ज 2015 : डीओआई 10.1007/एस12262–015–1365–वाई.
1867. यादव वी, पठानिया ए, यादव के. स्पॉट यूरिन सैम्पल इज ए वैलिड मैथड फॉर एस्टिमेटिंग पोपुलेशन सोडियम इनटेक। *नेटल मेड जे इंडिया* 2015; 28(5) : 239–40.
1868. यादव वीके, मण्डल आरएस, पूनिया बीएल, कुमार आर, डे एस, सिंह एस, *एट ऑल.* स्ट्रक्चरल एंड बाइंडिंग स्टडीज ऑफ एसएपी–1 प्रोटीन विद् हेपरिन. *कैम बायोल ड्रग डेस* 2015; 85: 404–10.
1869. यादव ओपी, डिंडा एके, मोहंती बीके, मिश्रा आर, अहलावत वी, कुंडु ए. इज रेडियल अर्टेरी डोपलर स्कैनिंग मेंडेटरी फॉर यूज एज कोरोनरी बाइपास कंडुइट? *एशियन कार्डियोवेस्क थोरैक एन* 2015; 23: 822–7.
1870. यादव ओपी, शर्मा वी, प्रकाश ए, अहलावत वी, कुंडु ए, मोहंती बीके, *एट ऑल.* कोरिलेशन बीटवीन डोपलर, मैनुअल मॉर्फोमेट्री, एंड हिस्टोपैथोलॉजी बेस्ड मॉर्फोमेट्री ऑफ रेडियल अर्टेरी एज ए कंडुइट इन कोरोनरी अर्टेरी बाइपास ग्राफ्टिंग। *कार्डियोल रेज प्रैक्ट* 2016; 2016 : 8047340
1871. वाइप सीएच, बुचीमैजा आई, हार्टमन एम, देव एसवी, चेउंग पीएस, इम्प्रूविंग आउटकम्स इन ब्रेस्ट कैंसर फॉर लॉ एंड मिडल इनकम कंट्रीज. *वर्ल्ड जे सर्ज* 2015; 39(3): 686–92.
1872. यूसुफ एसडी, जेनी एमए, जरगर एम, परवेज टी, राशिद एफ. द आईसीएएम–1 जीएलवाई241एआरजी पॉलीमॉर्फिज्म इज नॉट एसोसिएटेड विद् पॉलीसाइस्टिक ओवरी सिंड्रोम – रिजल्ट्स फ्रॉम ए केस कंट्रोल स्टडी इन कश्मीर, इंडिया। *एशियन पैक जे कैंसर प्रीव* 2016; 17 : 1583–8.

1873. जैनुल आबिद सीकेवी, जैकरेरी आर, जैन एस, चट्टोपाध्याय एस, आसिफ एस, सिंह एच. एंटीमाइक्रोबियल एफिकेसी ऑफ सिंथेजाइज्ड क्वाटेर्नरी एमोनियम पॉलीएमिडोमिन डेंड्रिमर्स एंड डेंड्रिटिक पॉलीमर नेटवर्क। *जे नैनोसाइं नेनोटेक्नोल* 2016; 16 : 998–1007.

1874. ज़ीशन एम, त्यागी के, शर्मा वाईडी. सीडी4+ टी सेल रिस्पोंस कोरिलेट्स विद् नेचुरली एक्वायर्ड एंटीबॉडीज अगेंस्ट प्लाज्मोडियम विवैक्स ट्रिप्टोफेन – रिच एंटीजन्स। इंफेक्ट मिमन 2015; 83(5) : 2018–29.

1875. जुल्के एल, एंजेल एमई, कार्तिकेयन जी, रंगारजन एस, मैकी पी, कुपिडो बी, एट एल. कैरेक्टरस्टिक्स कॉम्प्लीकेशन्स एंड गेप्स इन एविडेंस – बेस्ड इंटरवेंशन्स इन रूमेटिक हर्ट डिजीज : द ग्लोबल रूमेटिक हर्ट डिजीज रजिस्ट्री : (द रेमेडी स्टडी). यूर हार्ट जे 2015; 36 : 1115–22.

सार

1 अब्रहम आरए, कपिल यू, अग्रवाल एसके, पांडे आरएम, शर्मा एम, रामकृष्णन एल. मैजरमेंट ऑफ क्रेटिनाइन फ्रॉम ड्रायड ब्लड स्पॉट बाय एंजाइमेटिक मैथड। इंटरनेशनल जे ऑफ एडवांस्ड रिसर्च इन कैमिकल साइंस 2015; 2 : 42–6.

2 अफसन एमए, देश आर, पाल एस, मधुसूदन केएस, गमनगट्टी एस, साहनी पी. परक्यूटेनियस ट्रांसहेपेटिक बाइलरी ड्रेनेज फॉर आब्स्ट्रेक्टिव जॉइंडिस : एसेसमेंट ऑफ आउटकम एंड क्वालिटी ऑफ लाइफ। *ट्रॉप गैस्ट्रोएंटेरोल* 2016; 36: एस85.

3 अग्रवाल के, शर्मा यू, हरि एस, सीनू वी, प्रसाद आर, माथुर एस, एट ऑल. डिफ्यूजन वेटेड इमेजिंग (डीडब्ल्यूआई) एज ए टूल टू डिफरेंशिएट ब्रेस्ड लेशन्स. *जे प्रोटीन्स प्रोटियोमिक्स* 2015; 6 (सप्ली 1) : 88

4 अग्रवाल एस, जैन वी, बक्शी एस, श्रीनिवास एम, अय्यर वीके, माथुर एस, *एट ऑल.* आउटकम ऑफ चिल्ड्रन विद् स्टेज आईवी विलम्स ट्यूमर ट्रीटेड ऑन एम्स – डब्ल्यूटी–99 प्रोटोकॉल। *पीडियट्र ब्लड कैंसर* 2015; 62(4) : एस143–418.

5 अग्रवाल एस, कपूर आर, चट्टोपाध्याय पी, गुप्ता डीके. प्रीवलेंस ऑफ सी–किट कॉपी नंबर वेरिएशन्स (सीएनवीएस) इन न्यूरोब्लास्टोमा। *पीडियट्र ब्लड कैंसर* 2015; 62: एस4.

6 अग्रवाल एस, मित्तल डी, अय्यर वीके, माथुर एस, जाना एम, बक्शी एस, *एट ऑल.* हिपेटोब्लास्टोमा : आउटकम्स ऑफ 72 पेशेंट्स ट्रीटेड इन ए सिंगल सेंटर। *पीडियट्र ब्लड कैंसर* 2015; 62: एस4.

7 अग्रवाल एस, यादव डीके, मित्तल डी, बक्शी एस, श्रीनिवास एम, जाना एम, *एट ऑल.* रिकवरी ऑफ न्यूरोलॉजिकल डेफिसिट्स इन पेशेंट्स ऑफ न्यूरोब्लास्टोमा विद् इंट्रास्पाइनल एक्सटेशन : इज सर्जिकल डिकम्प्रेशन रियली रिक्वायर्ड? *पीडियट्र ब्लड कैंसर* 2015; 62: एस4.

8 अग्रवाल एस, दास एसएन, शर्मा एससी, देवराज के. वेस्कुलर एंडोथेलियल ग्रोथ फैक्टर (वीईजीएफ) एक्सप्रेशन इन पेशेंट्स विद् ओरल स्क्वामस सेल कार्सिनोमा एंड इट्स इफेक्ट्स ऑन ट्यूमर सेल ग्रोथ। *मॉल कैंसर थेर* 2015; 14(12 सप्ली) : एब्स्ट्रेक्ट एनआर ए01.

9 अग्रवाल एस, दास एसएन, शर्मा एससी. इमबैलेंस इन रेगुलेटरी टी (ट्रेग) सेल्स फ्रीक्वेंसी इन पेरिफेरल सरकुलेशन ऑफ पेशेंट्स विद् ओरल क्वामस सेल कार्सिनोमा एंड देयर इफेक्ट्स ऑन ग्रोथ ऑफ ओरल कैंसर। *कैंसर इम्युनोलॉजी रिसर्च* 2016; 4 : ए068.

10 अग्रवाल एस, सिंह वीपी, भट्टाचार्जी एच, गुलेरिया आर, सिन्हा एस, कश्यप एल. इम्पैक्ट ऑफ बैरियट्रिक सर्जरी ऑन आब्स्ट्रेक्टिव स्लीप एपनिया – ए प्रोस्पेक्टिव स्टडी। आबसिटी सर्जरी 2015; 25 (सप्ली 1) : एस219.

11 अग्रवाल एस, श्रीसंत एस, गुरनानी एन, शर्मा एस. नॉन – ऑपरेटिव मैनेजमेंट ऑफ स्टेपल लाइन लीक्स फॉलोविंग लैप्रोस्कोपिक स्लीव गैस्ट्रेक्टोमी विद्आउट द यूज ऑफ एंडोस्कोपिक स्टेंट्स। अब्स सर्ज

2015; 25 (सप्ली 1) : एस40.

12 अग्रवाल एस, उप्पल एम, कश्यप एल. इम्पैक्ट ऑफ यूज ऑफ बायो–एब्जोर्बेबल स्टेपल लाइन रिइंफॉर्समेंट ऑन ऑपरेटिव टाइम एंड ब्लीडिंग इन सुपर – ऑबेज पेशेंट्स अंडरगोइंग लैप्रोस्कोपिक स्लीव गैस्ट्रेक्टोमी। ऑब्ज सर्ज 2015; 25 (सप्ली 1) : एस40.

13 अग्रवाल ए, अम्बेडकर ए, राव आर, मिश्रा ए. पंजाब ओपियॉइड डिपेंडेंस सर्वे : वट हेव वी लर्नंट फ्रॉम इट? इंडियन जे साइकायट्री 2016 : 58 (सप्ली 1) : एस24.

14 अहीर डी, पांडे एके, पटेल सीडी, बाल सीएस, कुमार आर. कंट्रास्ट इन द सीटी स्लाइस इमेज कोरिस्पोंडिंग टू लीवर ऑफ व्हील बॉडी पीईटी / सीटी स्कैन कैन बी एंहांस्ड यूजिंग इमेडजस्ट फंक्शन एवलेबल इन द एमएटीएलएबी। *इंडियन जे न्यूक्ल मेड* 2015; 30: 29–72.

15 अहवाल एस, एंड्रयूज जीआर, रॉय ए, लक्ष्मी आर. ए स्टडी टू कम्पेयर द कार्डियोवस्कुलर डिजीज (सीवीडी) रिस्क एसोसिएटेड विद् स्मॉकलेस टोबेको कंज्मप्शन एंड स्मॉकिंग। जर्नल ऑफ नर्सिंग साइंस एंड प्रैक्टिस 2015; 5(3) : 1–8.

16 अम्बष्ठ एके, कुमार पी, कुमार वी, डे एबी. ए पायलट स्टडी ऑफ नॉलेज अबाउट अल्जाइमर डिजीज। *जे इंडियन एकाड जेरियट्र* 2015; 11(एस) : 1

17 अंबेकर ए, सिंह टी, मिश्रा ए, राव आर, अग्रवाल ए. फैक्टर्स एसोसिएटेड विद् रिस्क ऑफ ट्रांजिशन टू इंजेक्टिंग अमंग ए सैम्पल ऑफ नॉन – इंजेक्टिंग ऑपियॉइड यूजर्स : ए मल्टी – साइट स्टडी फ्रॉम नॉर्थ इंडिया। इंडियन जे साइकायट्री 2016 : 58 (सप्ली 1) : एस64.

18 अंबेकर ए, मोहन ए, राव आर. ऑल यू वॉन्ट टू नो अबाउट पॉलिसी एंड लीगल इशू रिलेटेड टू ट्रीटमेंट ऑफ ऑपियॉइड डिपेंडेंस। इंडियन जे साइकायट्री 2016 : 58 (सप्ली 1) : एस20.

19 एंटिल पी, दास डी, खांडपुर एस, शर्मा वीके, सिंह एम, शर्मा ए. रोल ऑफ डेंड्रिटिक सेल्स इन इम्युनोपैथोजेनेसिस ऑफ पेम्फिगस वुलेगेरिज्म (बीए7पी.149)। *जे इम्युनोल* 2015; 194: 115.9.

20 अंवर एम, पांडा एसके, डे एबी. रिजनरेटिव पोटेंशियल ऑफ मसल स्टेम सेल – स्टेबलिशमेंट ऑफ एन एनिमल मॉडल। *जे इंडियन एकाड जेरियट्र* 2015; 11(एस) : 52.

21 अरोड़ा आर, त्रेहन ए, बसंल डी, सेठ टी, राधाकृष्णन वी, अरोड़ा बी, *एट ऑल.* इंडियन पीडियाात्रिक ऑन्कोलॉजी ग्रुप – एन इनिशिएटिव ऑफ द पीडियाट्रिक हिमेटोलॉजी ऑन्कोलॉजी कैप्टर ऑफ इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स। *पीडियट्र ब्लड कैंसर* 2015; 62(4) : एस143–418.

22 बक्शी एस, बत्रा ए, कुमारी एम, पॉल आर, पाटेकर एम, धवन डी. पेरेंट्स परस्पेक्टिव ऑफ क्वालिटी ऑफ लाइफ इन रेटिनोब्लास्टोमा सरवाइवर्स : ए क्रॉस – सेक्शनल स्टडी ऑफ 122 पेशेंट्स। *पीडियट्र ब्लड कैंसर* 2015; 62(4): एस143–418.

23 बक्शी एस, इकबाल एन, अग्रवाल एस, शुक्ला एन, देव एस, शर्मा डीएन, *एट ऑल.* स्टेज 3 डिजीज इन पीडियाट्रिक नॉन–रुबेडोमायोसार्कोमेटस साफ्ट टिशू सार्कोमा इज एन इंडिपेंडेंट प्रीडिक्टर ऑफ पुअर आउटकम डेसपाइट सर्जिकल रिसेक्शन। *पीडियाट्र ब्लड कैंसर* 2015; 62: एस4.

24 बक्शी एस, कुमार एल कुमार आर. प्रीवलेंस ऑफ जीनोमिक अल्टरेशन्स इन बी–सेल एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया (बी–एएलएल)। *इंडियन जे हिमेटोल ब्लड ट्रांसफ्यूज* 2015; 31: एस75.

25 बलहारा वाईपीएस, वर्मा आर, सरकार एस. स्टिगमा एंड मेंटल डिसऑर्डर्स : वट हैपेंस वेन साइकाइट्रिक डिसऑर्डर्स एंड सबस्टेंस यूज डिसऑर्डर्स को–ओकुर? एब्स्ट्रेक्ट्स ऑफ 22 एनुअल कॉन्फ्रेंस ऑफ इंडियन एसोसिएशन फॉर सोशल साइकायट्री। *इंडियन जे सोश साइकायट्री* 2016; 32 : 71.

26 बंधु के, यादव आर, नेहरा ए, डे एबी. एवेल्यूशन ऑफ सिंकोप फॉर कार्डियोवेस्कुलर एक्यूज एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन कागनीटिव स्टेट्स। *जे इंडियन एकाड जेरियट्र* 2015; 11(एस) : 8.

27 बेनर्जी जे, प्रधान आर, डे एस, डे एबी. रोल ऑफ साइक्लिन डिपेंडेंट काइनेस (सीडीके4) एज ए ब्लड बेस्ड प्रोग्नोस्टिक प्रोटीन माक्रर इन लंग एंड हैड एंड नीक कैसर इन ओल्डर पेशेंट्स इन इंडिया। *जे इंडियन एकाड जेरियट्र* 2015;11(एस) : 57.

28 बंसल वीके, असूरी के, सुमन एस, प्रजापति ओ, गर्ग पी, सागर आर, मिश्रा एमसी. कम्पेरिजन ऑफ क्वालिटी ऑफ लाइफ आफ्टर सिंगल स्टेज वर्सिस टू स्टेच मैनेजमेंट ऑफ पेशेंट्स विद् कंकॉमिनेंट गैल स्टोन्स एंड कॉमन बाइल डक्ट स्टोन्स : ए प्रोस्पेक्टिव रैंडोमाइज्ड कंट्रोल ट्रायल। सर्ज एंडोस्क (2016) 30 : एस325–एस500 डीओआई 10.1007/एस00464–016–4771–7

29 बंसल वीके, बंसल डी, असूरी के, मिंज एम, सिंह एस, प्रजापति ओ, सुब्रमाणियम आर, मिश्रा एमसी. ओवरकमिंग द लर्निंग कर्व इन ए कॉम्प्लेक्स लैप्रोस्कोपिक प्रोसीडर (लैप्रोस्कोपिक डोनर नेफ्रेक्टोमी)। सर्ज एंडोस (2016) 30:एस325–एस500 डीओआई 10.1007/एस00464–016–4771–7

30 बरुआ बीजे, कुमार टी, दास पी, ठाकुर बी, आहूजा वी, गुप्ता एसडी, *एट ऑल.* प्रीवलेंस ऑफ इओसिनोफिलिक इसोफेगाइटिस इन पेशेंट्स विद् गैस्ट्रोइसोफेगल रिफ्लक्स डिजीज : ए क्रॉस सेक्शनल टर्शरी केयर हॉस्पीटल बेस्ड स्टडी। *इंडियन जे गैस्ट्रोएंटेरोल* 2015 : 34 (सप्ली 1) : ई–9.

31 बरुआ बीजे, नायक बी, नड्डा एन, कुमार एच, कुमार ए, शालीमार, *एट ऑल.* इफेक्ट ऑफ एल्बुमिन इंफ्यूजन (लॉ वर्सिस स्टैंडर्ड डोज) ऑन द नाइट्रिक ऑक्साइड एंड साइटोकाइन लेवल्स इन प्लाज्मा एंड एससिटिक फ्लुइड ऑफ स्पोंटेनियस बैक्टीरियल पेरिटोनाइटिस पेशेंट्स। *इंडियन जे गैस्ट्रोएंटेरोल* 2015 : 34 (सप्ली 1) : एल–70.

32 बत्रा ए, कश्यप एस, सिंह एल, बक्शी एस. साइटोप्लाज्मिक एक्सप्रेशन ऑफ फोक्सो3ए इन रेटिनोब्लास्टोमा प्रीडिक्ट्स हाई रिस्क हिस्टोपैथोलॉजिकल फीचर्स। *पीडियट्र ब्लड कैंसर* 2015; 62(4) : एस143–418.

33 बत्रा ए, कश्यप एस, सिंह एल, बक्शी एस. सरटुइन1 एक्सप्रेशन एंड कोरिलेशन विद् हिस्टोपैथोलॉजिकल फीचर्स इन रेटिनोब्लास्टोमा। *पीडियट्र ब्लड कैंसर* 2015; 62(4) : एस143–418.

34 बत्रा ए, ठाकर ए, पाटेकर एम, बक्शी एस. लॉन्ग टर्म नॉन–विजुअल आउटकम्स इन सरवाइवर्स ऑफ रेटिनोब्लास्टोमा। *पीडियट्र ब्लड कैंसर* 2015; 62 : एस181–181.

35 भारती एस, पांडिया एम, चौधरी टी, खान एमए, दाश एचएच. प्रीऑपरेटिव फैक्टर्स इफेक्टिंग पेशेंट आउटकम आफ्टर न्यूरोसर्जिकल क्लिपिंग ऑफ रेप्चर्ड इंट्राक्रेनियल एन्यूरिज्म। *जे न्यूरोसर्ज एनेस्थिसियोल* 2015; 27 : 414.

36 भारद्वाज एम, शर्मा ए, सेन एस, सत्पथी जी, पुष्कर एन, कश्यप एस, *एट ऑल.* एब्स्ट्रेक्ट 1293 : ओकुलर एडनेक्सल लिम्फोमस एंड क्लैमायडिया एसोसिएशन : एन इंडियन सीनेरियो। *कैंसर रेज* 2015; 75: 1293–1293.

37 भार्गव आर, मंडल पी, गुप्ता ए, धवन ए साइकोसोशियल डिटर्मिनेंट ऑफ ड्रॉप–आउट फ्रॉम ट्रीटमेंट एट चाइल्ड एंड एडोलसेंट क्लिनिक ऑफ नेशनल ड्रग डिपेंडेंस ट्रीटमेंट सेंटर। इंडियन जे साइकायट्री 2016; 58(सप्ली 1) : एस105.

38 भाटिया आर, अल्फोंसा ए, शर्मा के, शर्मा जी. नॉलेज रिगर्डिंग ओरल एंटीकोएगुलेशन थैरेपी अमंग पेशेंट्स विद् स्ट्रोक एंड दोज एट हाई रिस्क ऑफ थ्रोम्बोएम्बोलिक एवेंट्स। न्यूरोलॉजी 2015; 84 (मीटिंग अब्स्ट्रेक्ट्स) पी6.241.

39 भाटिया आर, थॉमस ए, अग्रवाल एम. इफेक्टीवनेस ऑफ ए स्ट्रक्चर्ड टीचिंग प्रोग्राम इन इम्प्रूविंग द नॉलेज एंड स्कील्स ऑफ द केयर गिवर्स एंड प्रीवेंटिंग सेकेंडरी कॉम्प्लीकेंशन्स इन हॉस्पीटलाइज्ड स्ट्रोक पेशेंट्स। न्यूरोलॉजी 2015; 84 (मीटिंग अब्स्ट्रेक्ट्स) पीएस.147.

40 भाट के, रॉय चौधरी ए, जैन जी, मोहोड एम, भूतिया ओ. रेडियोग्राफिक स्टडी ऑफ टीएमजे एंकायलोसिस केस एंड प्रोपोजल ऑफ ए सीटी रिपोर्टिंग फॉर्मेट। *इंट जे ओरल मैक्सीलोफैक सर्ज* 2015; 44: ई38.

41 भट्टाचार्जी एचके, बंसल वीके, जलालुद्दीन ए, कुमार एस, असूरी के, सुब्रमाणियम आर, रामचंद्रन आर, मिश्रा एमसी. इम्पैक्ट ऑफ स्टैंडर्ड प्रेशर एंड लॉ प्रेशर न्यूमोपेरिटोनियम इन शोल्डर पैन फॉलोविंग लैप्रोस्कोपिक कोलेकाइस्टेक्टोमी : ए डबल ब्लाइंड रैंडोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल। सर्ज एंडोस्क (2016) 30:एस211–एस263 डीओआई 10.1007/एस00464–016–4770–8

42 भट्टाचार्य ए, अग्रवाल एसके, मंहास जे, खेरा एन, कुमार जे, बोस बी, *एट ऑल.* स्टडिंग द एसोसिएशन बीटवीन ईजीआर1 एंड सीआर1 स्पेसिफिक सेल लाइन्स *इन विट्रो। इंडियन जे क्लिन बायोकैम* 2015; 30 (सप्ली 1) : एस81–एस82.

43 भेथानभोटला एस, बख्शी एस, विष्णुभोटला एस, कपूर जी, जैन एस, कालरा एम, *एट ऑल.* आउटकम ऑफ पीडियाट्रिक हॉडकिन लिम्फोमा ट्रीटेड विद् एबीवीडी : ए मल्टीसेंट्रिक एनालायसिस ऑफ 335 पेशेंट्स। *पीडियट्र ब्लड कैंसर* 2015; 62(4) : एस143–418.

44 भेथानभोटला एस, जैन एस, कपूर जी, कालरा एम, महाजन ए, विष्णुभोटला एस, *एट ऑल.* आउटकम ऑफ पीडियाट्रिक हॉडकिन लिम्फोमा ट्रीटेड विद् एबीवीडी : ए मल्टीसेंट्रिक एनालायसिस ऑफ ऑफ 335 पेशेंट्स। *पीडियट्र ब्लड कैंसर* 2015; 62: एस147–8.

45 बिष्ट पीके, काले एसएस, नाथनसबपथी जी, कुमार पी, सिंह एमजे, अग्रवाल डी, *एट ऑल.* प्रीलिमिनरी एक्सपीरिएंस ऑफ फ्रैक्शनेटेड स्टिरियोटेक्टिक रेडियोसर्जरी विद् एक्सटेंड सिस्टम ऑफ गामा नाइफ। *इंट जे कैंसर थेर ऑन्को* 2016; 4(1) : 4114.

46 बिश्वास एम, मल्लिक एस, पुरकैत एस, रॉव एस, सरकार सी, बख्शी एस. *एट ऑल.* ट्रीटमेंट आउटकम एंड पैटर्न्स ऑफ फैलियर इन पेशेंट्स ऑफ सुपरटेंटोरियल प्रीमिटिव न्यूरोएक्टोडर्मेलट्यूमर : क्लिनिकल एक्सपीरिएंस फ्रॉम ए रिजनल कैंसर सेंटर इन नॉर्थ इंडिया। *पीडियट्र ब्लड कैंसर* 2015; 62(एस4) : एस272.

47 बोपन्ना एस, दास पी, गुप्ता एसडी, श्रीनिवास वी, मौली वीपी, केडिया एस, *एट ऑल.* हाई रिस्क ऑफ कोलोरेक्टल कैंसर इन अल्सरेटिव कोलाइटिस इन इंडिया। *इंडियन जे गैस्ट्रोएंटेरोल* 2015 : 34 (सप्ली 1) : एलआई–30.

48 चड्ढा आरके, सूद एम, भार्गव आर, पात्रा बीएन. डेवलपमेंट ऑफ प्रीवेंटिव साइकायट्री मॉड्यूल फॉर जनरल हॉस्पीटल साइकायट्री यूनिट्स (जीएचपीयू)। *इंडियन जे सोश साइकायट्री* 2016; 32 : 69.

49 चटर्जी बी, अग्रवाल ए, सिंह आरकेएल, आदरकर एस, आंबेकर ए, राव आर, एट ऑल खंडेलवाल एस. ड्रग ट्रीटमेंट क्लिनिक्स : ए गवर्नमेंट ऑफ इंडिया स्कीम टू प्रोमोट एफॉर्डेबल, एसेसिबल एंड क्वालिटी एडिक्शन ट्रीटमेंट सर्विसेज इन इंडिया। इंडियन जे साइकायट्री 2016; 58(सप्ली 1) : एस29.

50 चटर्जी बी, मंडल पी, सागर आर, कुमार एन. एटिट्यूट टुवर्ड्स मेंटली इल अमंग नर्सिंग प्रोफेशनल्स : एविडेंस फ्रॉम ए टर्शरी केयर जनरल हॉस्पीटल. *इंडियन जे साइकायट्री* 2015; 57 (सप्ली) : एस92.

51 चटर्जी पी, वेणुगोपाल जी, चक्रवर्ती ए. नॉर्मल गाइट स्पीड, ग्रिप स्ट्रेंथ एंड थर्टी सेकेंड चेयर राइजिंग अमंग ओल्डर इंडियन्स। *जे फ्रेलिटी एजिंग* 2015; 4 (सप्ली 1) : 108.

52 चौहान एस, सबेस्टियन एम टी, गुप्ता ए, मैथ्यू एम, सागर एस. आउट ऑफ हॉस्पीटल टाइम एंड सरवाइवल : एसेसमेंट ऑफ गोल्डन अवर इन ट्रॉमा विक्टीम्स ऑफ ए लेवल 1 ट्रॉमा सेंटर इंडिया। एब्स्ट्रेक्टेड इन जर्नल ऑफ 19 वर्ल्ड कांग्रेस ऑफ डिजास्टर एंड इर्मेजेंसी मेडिसिन 21–24 अप्रैल 2015, कैप टाउन साउथ अफ्रीका. 2015; वॉल्यू. 30 : एस 141.

53 चौहान वी, खुराना एम एल, जैन वी, खडगावत आर, दादा आर. म्यूटेशनल एनालायसिस ऑफ एनआर5ए1, एसआरवाई, डीएएक्स1, एसओएक्स9, डीएचएच जीन्स इन इंडियन पेशेंट्स विद् गोंडल डायजेनेसिस एंड 46, एक्सवाई कार्योटाइप. *एंडोक्राइन रिव्यूस* 2015; 36 : ओआर21–3.
54 चौहान वी, खुराना एम एल, ज्योत्सना वी पी, जैन वी, खडगावत आर, दादा आर. नॉवेल हेटेरोजायगस चेंजेस इन इंडियन पेशेंट्स विद् गोंडल डायजेनेसिस एंड 46, एक्सवाई कार्योटाइप. *पीडियाट्रि डायबिटीज* 2015; 16 (सप्ली 21) : 1–50.
55 चौहान वी, सिंह जी पी, जननी एस, रथ जी. एनेस्थेटिक मैनेजमेंट ऑफ चिल्ड्रन विद् सरवाइकल स्पाइन इंजरी : ए रेट्रोस्पेक्टिव रिव्यू ऑफ 112 केस। जे न्यूरोसर्ज एनेस्थिसियोल 2016; 28 : एस45
56 चौहान वी, सिंह जी पी, रथ जी पी. एनेस्थेटिक मैनेजमेंट ऑफ चिल्ड्रन विद् ट्रॉमेटिक ब्रेन इंजरी; ए रेट्रोस्पेक्टिव स्टडी। जे न्यूरोसर्ज एनेस्थिसियोल 2015; 27 : 456.
57 चौरसिया आर, जमन एस, चटर्जी के. स्क्रीनिंग ब्लड डोनेशन्स बाय न्यूक्लेइक एसिड एम्प्लीफिकेशन टेस्टिंग : आर वी गिविंग बेनीफिट टू द डोनर्स? *वॉक्स सैंगुइनिस* 2015; 109 (एस1) : 1–400.
58 चौरसिया आर, जमन एस, चटर्जी के. स्क्रीनिंग ब्लड डोनर्स विद् प्रोक्लेक्स अल्टेरिया इलेक्ट एंड प्रोक्लेक्स अल्टेरियो नेट एसेस : ए कम्परेटिव स्टडी। *वॉक्स सैंगुइनिस* 2015; 109 (एस1) : 1–400.
59 चावला एन, बलहारा वाई पी एस, धवन ए. इंटरनेट बेस्ड लर्निंग इन एडिक्शन साइकायट्री फॉर प्रोफेशनल्स : रिव्यू। इंडियन जे साइकायट्री 2016; 58(सप्ली 1) : एस56.
60 चावला एन, बलहारा वाई पी एस, गुप्ता आर, बेरा एस सी, सरकार एस, लाल आर. प्रोफाइल ऑफ ट्रीटमेंट सीकिंग इंडिविजुअल्स एट ए डुअल डिसऑर्डर क्लिनिक ऑफ ए टर्शरी केयर डि–एडिक्शन सेंटर इन इंडिया ओवर 12 ईयर पीरियेड। इंडियन जे साइकायट्री 2016; 58 (सप्ली 1) : एस56.
61 चावला एन, कुमार एस, बल्हारा वाई पी एस. ओलांजपिन इंडस्ड स्कीन इरप्शन्स : इंडियन जे साइकायट्री 2016; 58 (सप्ली 1) : एस142.
62 चावला एन, सिंह के एस, पटनायक आर डी. पिका एसोसिएटेड विद् रिस्पीरिडोन यूज : ए केस रिपोर्ट। *इंडियन जे साइयकट्री* 2015; 58 (सप्ली) : एस137
63 छाबरा जी, शर्मा एस, शुक्ला एन के, देव एस वी एस, अरुलसेल्वी जे. डी – डिमर ए प्रीडिक्टर फॉर लिम्फ नोड मेटास्टेसिस इन ब्रेस्ट कैंसर। *इंडियन जे हिमेटोल ब्लड ट्रांसफ्यूज* 2015; 31(एस) : एस18.
64 चौधरी एसके, कुमार एल, सेक्सना आर, तलवार एस, घराडे पी, यादव आर, एट ऑल. माइकोबैक्टीरियल आर्थोपैथी : इटस ए रियलिटी। इंडियन जे थॉरैक कार्डियोवेस्क सर्ज 2016; 32(1) : 84.
65 चौधरी एस के, कुमार एम वी, सक्सेना आर, तलवार एस, जॉन बी, गुप्ता वी पी, एट ऑल. आउटकम इन पेशेंट्स अंडरगोइंग एयोर्टिक आर्क प्रोसीडर्स विद् हाई फ्लो सेरेब्रल परफ्यूजन। इंडियन जे थोरैक कार्डिवेस्क सर्ज 2016; 32(1) : 85.
66 चौधरी एस के, कुमार एम वी, सक्सेना आर, तलवार एस, थॉमस एम, लिजु एल, एट ऑल. बेनटल्स प्रोसीजर विद् हैंड मेड बायोलॉजिकल कंडुइट। इंडियन जे थोरैक कार्डिवेस्क सर्ज 2016; 32(1) : 83.
67 चौधरी एस के, कुमार एम वी, तलवार एस, घारडे पी, साहू एम, कुमार एस, एट ऑल. एक्स्ट्रा – एनाटोमिक बाईपास टू सुप्रा – सेलियक एब्डोमिनल एयोर्टा फॉर कॉम्प्लेक्स थोरैसिक एयोर्टिक ऑब्स्ट्रेक्शन। इंडियन जे थोरैक कार्डियोवेस्क सर्ज 2016; 32(1) : 84.
68 चौधरी एस के, मुथुककुमारन एस, अग्रवाल पी, तलवार एस, चंद्र डी, सोलंकी वाई, एट ऑल. एडिक्शन ऑफ हेमिर्च रिप्लेसमेंट फॉर मॉडेरेटली डिलेटेड डिस्टेल एसेंडिंग एयोर्टा : इज इट सेफ? इंडियन जे थोरैक कार्डियोवेस्क सर्ज 2016; 32(1) : 85.
69 माथुर एस आर, जैन डी, वालिया आर, मदन के, अय्यर वी के. कम्परेटिव एनालायसिस ऑफ कंवेशनल टीबीएनए एंड एबुस – टीबीएनए विद् रैपिड ऑन–साइट एवेल्यूशन इन द डायग्नोसिस ऑफ मेडियास्टिनल लिम्फडेनोपैथी *काइटोपैथोलॉजी* 2015; 26 (सप्ली 1) : 38–96.

70 दास डी, आनंद वी, सिंह पी, खांदपुर एस, शर्मा वी के, शर्मा ए. इनवॉल्वमेंट ऑफ गामा लेम्ब्डा टी सेल्स एंड स्केवेंजर रिसेप्टर्स इन द इम्युनोपैथोजेनेसिस ऑफ पेम्फिगस वेल्गेरिस (बीए11पी.129). *जे इम्युनोल* 2015; 194: 184–11.

71 दास पी, गहलोत जी पी एस, मेहता आर, मखारिया ए, वर्मा ए के, गुप्ता एस डी, *एट ऑल.* पेशेंट्स विद् माइल्ड इंटरोपैथी हेवल एपोप्टेटिक इंजरी ऑफ इंटरोकाइटस सिमिलर टू डैट इन एडवांस्ड इंटरोपैथी इन पेशेंट्स विद् सेलियक डिजीज : इम्प्लीकेशन्स ऑन द ट्रीटमेंट ऑफ सेलियाक डिजीज। *इंडियन जे गैस्ट्रोएंटेरोल* 2015 : 34 (सप्ली 1) : वाईआईए–5.

72 दास पी, रावत आर, सिंह जी, वैलोनथिइल एजी, गहलोत गौरव पी एस, डिंडा ए के; आहूजा वी, अग्रवाल संजय वाईके, दत्ता गुप्ता एस, मखारिया जी के. इम्युनोहिस्टोकैमिकल स्टेनिंग विद् एंटी – टीटीजी 2 एबी इज नॉट स्पेसिफिक फॉर सेलियाक डिजीज। *जे गैस्ट्रोएंटेरोल हिपेटोल* 2015; 30 (सप्ली 4) : 40.

73 दत्ता एस के. रिस्ट्रक्चरिंग द क्लिनिकल डायग्नोस्टिक लैब : वन लैब कंसेप्ट। *इंडियन जे क्लीन बायोकैम* 2015; 30 : एस16.

74 दयाल पी, बल्हारा वाई पी एस, मिश्रा ए के. प्रीडिक्टर्स ऑफ एट्रिशन विद् बुप्रेनॉर्फिन/नैलोक्सोन ट्रीटमेंट इन इमर्जिंग एडल्ट्स। इंडियन जे साइकायट्री 2016; 58 (सप्ली 1) : एस51.

75 देबनाथ ए, गुप्ता आर, सिंह ए. ए पी टी एम.आर.आई. ऑफ इंट्राकेनियल मास लेशन्स एट 3टी. पीईएनएन – सीईएसटी 2015, 25–28 अक्टूबर, फिलाडेल्फिया, यूएसए

76 देबनाथ ए, गुप्ता आर, सिंह ए. पोटेंशियलिटी ऑफ ए पी टी एम.आर.आई. फॉर बैटर डायग्नोसिस। बीआईटीईआरएम 2016, आईआईटी दिल्ली।

77 देसाई जी, कुमार वी, डे ए बी, कुमार पी. ए कम्पेरिजन ऑफ स्केल्स इज एसेसमेंट ऑफ माइल्ड कॉग्निटिव इम्पेयरमेंट इन इंडियास। *जे इंडियन एकाड जेरियट्र* 2015; 11 (एस) : 16.

78 देसाई पी, यादव एस, सिंह पी, डोगारा पी एन. नैरो बैंड इमेजिंग साइटोस्कोपी इन नॉन मसल इनवेसिव ब्लैडर कैंसर : ए प्रोस्पेक्टिव कम्पेरिजन टू द स्टैंडर्ड वाइट लाइट काइस्टोस्कोपी। इंडियन जे यूरोल 2016; 32 : एस57.

79 धर पी, कौशल पी, मेहरा आर. मॉड्यूलेशन ऑफ एमएपी2 एंड ताउ फॉलोविंग अल्फा लिपोइक एसिड सप्लीमेंटेशन एमेलियोरेट्स अर्सेनिक इंड्युस्ड एडवर्ज इफेक्ट्स इन डेवलपिंग रेट सेरेबेलम। *एफएएसईबी जे* 2015; 29 : 708.4.

80 डोगरा के, कोशिक पी, चटर्जी के. प्रोब्लम्स फेस्ड ड्यूरिंग एफेरेसिस प्रोसीडर्स फ्रॉम ए टर्शरी केयर हॉस्पीटल ऑफ नॉर्थ इंडिया। *वॉक्स सैंगुइनिस* 2015; 109 (एस 1) : 1–400.

81 डोगरा पी एन, गुप्ता आर, सिंह पी, सैनी ए के, कुमार आर, सेठ ए. यूरेटेरोस्कोपिक रिमूवल ऑफ कैलकुलस इन पुअर्ली फंक्शनिंग (<10%) किडनी ड्यू टू यूरेटेरिक स्टोन : ए प्रोस्पेक्टिव आउटकम एनालायसिस। जे यूरोल, 2015; 193 (सप्ली) : ई313

82 डोंगारे एस एस, गुप्ता एस के, माथुर आर, सक्सेना आर, श्रीवास्तव एस, नाग टी सी. जेनिस्टेन एमेलियोरेट्स डायबिटीज रेटिनोपैथी बाय सप्रेशन ऑफ ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस, इंफ्लेमेशन एंड एंजियोजेनिक मार्क्रर्स इन स्ट्रेप्टोजोटोसिन इंड्युस्ड रेटिनल नियोवेस्कुलराइजेशन इन नियोनेटल रेट्स (एनएसटीजेड). *इनवेस्ट ऑफ्थेलमॉल विज साइं* 2015; 56 : 175.

83 फारुक एम, कुमारी आर, सुरोलिया वी, श्रीवास्तव ए के. म्यूटेशन स्क्रीनिंग ऑफ एएफजी312 इन इंडियन सेरेबेलर एटाक्सिया पेशेंट्स : एन अर्ली ऑनसेट सेरेबेलर एटाक्सिया विद् डायजेनिक म्यूटेशन्स इन प्रोटियसिस एडेंटिफाइड थ्रु होल एक्सोम सिक्वेंसिंग। मूवमेंट डिसऑर्डर्स, 2015; 30 (सप्ली 1) : एस361.

84 गर्ग एच, अग्रवाल एस, आहूजा वी. इम्पैक्ट ऑफ कंकोमिटेंट लैप्रोस्कोपिक स्लीव गैस्ट्रेक्टोमी एंड हिताल हर्निया रिपेयर ऑन गैस्ट्रोएसोफेगल रेफलेक्स डिजीज इन मॉर्बिडली आबेस पेशेंट्स। ऑबेस सर्ज 2015;

25 (सप्ली 1) : एस157.
85 गौतम एस, चावला बी, कुमार एस बी, बिष्ट एस, दादा आर. स्पर्म डीएनए डेमेज इन नॉन – फैमिलियल स्पोरेडिक हेरिटेबल रेटिनोब्लास्टोमा (एनएफएसएचआरबी). *क्लिन एपिडेमियोल ग्लोब हेल्थ* 2015; 3 (सप्लीमेंट 1) : एस20–5.
86 गुप्ता ए, मैथ्यू ए एस, हरदीप कौर, स्नेहा एलियस, सविता शोकीन, सुषमा सागर, महेश सी. मिश्रा. टू स्टडी द इंजरी पैटर्न एंड इट्स आउटकम इन एल्कोहल इंटोक्सीकेटेड ट्रॉमा पेशेंट्स एडमिटेड इन लेवल 1 ट्रॉमा सेंटर ऑफ ए डेवलपिंग नेशन। एब्स्ट्रेक्टेड इन जर्नल ऑफ 19 वर्ल्ड कांग्रेस ऑफ डिजास्टर एंड इर्मेजेंसी मेडिसिन 21–24 अप्रैल 2015 कैप टाउन साउथ अफ्रीका। 2015; वॉल्यू. 30 : एस 164
87 गुप्ता ए, शरन पी, सागर आर, कांत एस. फीनोमेनोलॉजी एंड कल्चरल एस्पेक्ट्स ऑफ पैनिक अटैक्स एंड पैनिक डिसऑर्डर अमंग पेशेंट्स एटेंडिंग ए साइकायट्रीक क्लिनिक इन नॉदर्न इंडिया : एन एक्सप्लोरेटरी स्टडी। *यूर साइकायट्री* 2016; 33 : एस495.
88 गुप्ता ए, शुक्ला जी, अफसर एम, पूर्णिमा एस, विभा डी. प्रीवेंशन ऑफ न्यू वेस्कुलर इवेंट्स इन पेशेंट्स विद् ऑब्स्ट्रेक्टिव स्लीप एपनिया एंड स्ट्रोक, यूजिंग सीपीएपी : रैंडोमाइज्ड कंट्रोलड ट्रायल। स्लीप मेड 2015; 16 : एस26.
89 गुप्ता आर, कृष्णन वी, देब के एस, महापात्रा ए, शरन पी. एआरएफआईडी इन एडल्ट्स : प्रोब्लम्स विद् द डीएसएम 5 एंड आईसीडी–11 कंसेप्टुलाइजेशन ऑफ रेस्ट्रीक्टिव इटिंग डिसऑर्डर्स। *यूर साइकायट्री* 2016; 33 : एस184.
90 गुप्ता आर, गोयल पी, रंजन आर, कुमारन एस, सागर आर. ए फंक्शनल न्यूरोइमेजिंग इंवेस्टिगेशन ऑफ ब्रेन पैथवे इनवोल्वड इन पेशेंट्स ड्यूरिंग एक्टिव मैनिया यूजिंग स्ट्रूप कलर वर्ड टेस्ट। *यूर साइकायट्री* 2016; 33 : एस232–3.
91 गुप्ता आर, गोयल पी, रंजन आर, कुमारन एस, सागर आर. एन एफएमआरआई स्टडी इन पेशेंट्स विद् एक्टिव मैनिया यूजिंग वर्बेल एन– बैक टेस्ट। *यूर साइकायट्री* 2016; 33 : एस405.
92 गुप्ता आर, कृष्णन वी, देब के एस, महापात्रा ए, शरन पी. एआरएफआईडी इन एडल्ट्स : प्रोब्लम्स विद् द डीएसएम 5 एंड आईसीडी–11 कंसेप्टुलाइजेशन ऑफ रेस्ट्रीक्टिव इटिंग डिसऑर्डर्स। *यूर साइकायट्री* 2016; 33 : एस184.
93 गुप्ता आर, रानी एल, माथुर एन, गोगिया ए, सुंदर डी, शर्मा ए, *एट ऑल.* इम्पैक्ट ऑफ डीएनए मीथेलेशन एंड जीन एक्सप्रेशन प्रोफाइल ऑन ट्रीटमेंट इनिशिएशन एंड ट्रीटमेंट फ्री सरवाइवल इन अर्ली स्टेज सीएलएल. *जे क्लिन ऑन्कोल* 2015; 33(सप्ली) : ई22073.
94 गुप्ता आर, रानी एल, माथुर एन, गोगिया ए, विष्णुभाटला एस, शर्मा ए, कुमार एल, *एट ऑल.* एनालायसिस ऑफ आईजीएचवी – डी – जे जीन रिएरेंजमेंट एंड बी–सेल रिसेप्टर स्टिरियोटाइप्स इन क्रॉनिक लिम्फोसाइटिक ल्यूकेमिया : एन इंडियन स्टडी। *ल्यूकेमिया एंड लिम्फोमा* 2015; 56(एस1) : 124.
95 गुप्ता आर, साहू ए, पावर ए, देब के एस. ट्राइकोटिलोमेनिया – ए प्रोपोजल फॉर चेंज ऑफ डायग्नोस्टिक क्राइटेरिया इन आईसीडी –11. *जे बिहेवियरल एडिक्शन्स* 2015; 4 (सप्ली 1) : 19.
96 गुप्ता एस, हरेश के पी, मलिक एस, मानिकंदन ए, शर्मा डी एन, जुल्का पी के, *एट ऑल.* क्लिनिकल आउटकम ऑफ पीडियाट्रिक ब्रेनस्टेम ग्लियोमा ट्रीटेड विद् कंकरंट कीमोरेडियोथेरैपी विद् टेमोजोलोमाइड : एन इंस्टिट्यूशनल एक्सपीरिएंस। *जे क्लिन ऑन्कोल* 2015; 33(सप्ली : एएससीओ मीटिंग अब्स्ट्रेक्ट्स) : ई13045.
97 गुप्ता टी, मोहन ए, के लुथरा, आरएम पांडे, आर गुलेरिया, आर पाउलोस। प्लेटिनम बेस्ड डबलेट कीमोथेरैपी फॉर नॉन–स्मॉल सेल लंग कैंसर इम्प्रूव्स सिम्पटोम प्रोफाइल बट बोर्सेन्स द ऑक्सीडेंट – एंटीऑक्सीडेंट बैलेंस। *लंग कैंसर* 2015; 1: 2.

98 हलदर ए, कुमार पी, जैन एम. जीनोमिक एंड एपिजेनोमिक फैक्टर्स इन मेल इंफार्टिलिटी। इन : क्रॉस ब्रीड मेल इंफेर्टिलिटी एंड बोवाइन जीनोमिक्स मैनुअल। एडिटेड बाय एस डे, एनडीआरआई, करनाल, इंडिया 2016; पीपी.80
(http://cbp.icar.gov.in/Data/Coordinator/7100/S%20De%20NDRI%20Karnal%20Course%20 details.pdf)
99 हरेश के पी, गुप्ता एस, मलिक एस, मानिकंदन ए, शर्मा डी एन, जुल्का पी के, *एट ऑल.* क्लिनिकल आउटकम ऑफ एडल्ट ब्रेनस्टेम ग्लियोमा ट्रीटेड विद् कंकरंट कीमोरेडियोथेरैपी : एन इंस्टिट्यूशनल एक्सपीरिएंस। *जे क्लिन ऑन्कोल* 2015; 33 (सप्ली : एएससीओ मीटिंग अब्स्ट्रेक्ट्स) : 2064.
100 हर्ष पी, गुप्ता वी, पिल्लई एस, सुरेंद्रनाथ ए, बोपन्ना एस, मखरिया जी के, *एट ऑल.* प्रीवलेंस ऑफ ब्लड – बॉर्न वायरल इंफेक्शन्स इन पेशेंट्स विद् इंफ्लेमेट्री बॉवेल डिजीज। *इंडियन जे गैस्ट्रोएंटेरोल* 2015 : 34 (सप्ली 1) : एल–17.
101 हफमैन एमडी, खलील ए, ओसमंड सी, फॉल सीएचडी, टंडन एन, लक्ष्मी आर, एट ऑल. एसोसिएशन बीटवीन एंर्थोपोमेट्री, कार्डियोमेटाबोलिक रिस्क फैक्टर्स एंड अर्ली लाइफ फैक्टर्स एंड एडल्ट मैजर्स ऑफ एंडोथेलियल फंक्शन : रिजल्ट्स फ्रॉम द नई दिल्ली बार्थ कोहोर्ट। इंडियन जे मेड रेज 2015; 690–8.
102 इंदानी एच, डे एबी. ऑर्थोस्टेटिक हाइपोटेंशन अमंग हॉस्पीटलाइज्ड ओल्डर इंडियन्स एंड इट्स एसोसिएशन विद् फ्रैल्टी। *जे इंडियनएकाड जेरियाट्र* 2015; 11(एस) : 13.
103 अय्यर वीके, रामटेके पी, चित्रकार पी, मलिक एस, वालिया आर, जैन डी, *एट ऑल.* एएलके – 1 इम्युनोकाइटोकैमिस्ट्री इन फाइन नीडल एस्पीरेशन डायग्नोसिस ऑफ एनाप्लास्टिक लार्ज सेल लिम्फोमा। *साइटोपैथोलॉजी* 2015; 26 (सप्पल 1) : 38–96.
104 जैन डी, जंगरा के, मलिक पी, शर्मा एमसी. एएलके इम्युनोहिस्टोकैमिस्ट्री इन नेस्क्लेक : इवैल्यूएशन ऑफ परफॉर्मेंस ऑफ डी5एफ3 – आईएचसी विदआउट यूजिंग ऑटोमेटेड वेंटाना सिस्टम। *जे थोरैक ऑन्कोल* 2015; 10(9) सप्पल 2 : एस692–3.
105 जैन डी, पटनायक वी, अग्रवाल ए, कुमार एस, पांडे डी, रामनाथन पी. मिर – 326 इज डाउन – रेगुलेटेड इन नॉन–स्मॉल सेल लंग कैंसर एंड टारगेट्स एनएफआईबी, ए लंग डेवलपमेंटल जीन : ए पायलट स्टडी। *जे थोरैक ऑन्कोल* 2015; 10(9) सप्पल 2 : एस476–7.
106 जैन एस, दास बीके, त्यागी जे, कपिल ए, चौधरी आर, सूद एस, *एट ऑल.* एंटीमाइक्रोबियल ससेप्टीबिलिटी एंड सीरोटाइप डिस्ट्रिब्यूशन ऑफ इनवेसिव एंड नॉन – इनवेसिव स्ट्रेप्टोकोकस निमोनिया आइसोलेट्स एंड कम्पेरिजन फ्रॉम हैल्थी कैरियर्स। *इंटरनेशनल जे इंफेशियस डिस* 2016; 45 (सप्पल 1) : 95–6.
107 जैन एस, रंजन आर, कुमार एस, सागर आर. पॉलीसिस्टिक ओवरियन सिंड्रोम इन बोर्डरलाइन परसनेलिटी डिसऑर्डर. *इंडियन जे साइकायट्री* 2015; 57 (सप्पल) : एस73.
108 जैन टी, कुमार आर, बाल सीएस, शर्मा पी, सिंगला एस, अरोड़ा जी, *एट ऑल.* इवैल्यूएशन ऑफ एसपीईसीटी – सीटी स्किंटिग्राफी फॉर डिटेक्शन ऑफ सेंटिनल लिम्फनोड्स इन अर्ली स्टेज ब्रेस्ट कैंसर पेशेंट्स विद् रिस्पेक्ट टू बॉडी मास इंडेक्स। *जे न्यूक्ल मेड* 2015; 56: 1328.
109 जैन वी, अग्रवाल एस, बख्शी एस, श्रीनिवास एम, अय्यर वीके, माथुर एस, *एट ऑल.* आउटकम ऑफ चिल्ड्रन विद् स्टेज 4 विल्मस ट्यूमर ट्रीटेड ऑन एम्स–डब्ल्यूटी–99 प्रोटोकॉल. *पीडियट्र ब्लड कैंसर* 2015; 62: एस4.
110 जैन वी, जाना एम, अहमद एन, विक्रम एन. प्रीवेलेंस ऑफ फैट्टी लीवर एंड कार्डियोमेटाबोलिक कॉम्प्लीकेशन्स इन ओवरवेट इंडियन एडोलेसेंट्स। *पीडियाट्र डायबिटीज* 2015; 16 (सप्पल 21) : 1–150.
111 जैन वी, कुमार बी, देवी एस, कुरपाद ए. बॉडी कम्पोजिशन इन टर्म ब्रेस्टफीड इंडियन न्यूबॉर्न्स बाय आइसोटोप डाइलूशन मैथड। *पीडियाट्र डायबिटीज* 2015; 16 (सप्पल 21) : 1–150.

112 जलोटा ए, दास बीसी, यादव एके, चोसडोल के, सिन्हा एस. ए कॉम्बिनेशन ऑफ सिस्प्लेटिन एंड 2 – डेयोक्सी – डी – ग्लूकोज रिजल्ट्स इन सिर्जिस्टिक सेल डैथ इन बोथ नॉर्मोक्सिया एंड हाइपोक्सिया बाय द एटेन्यूएशन ऑफ ऑटोफेजी। *कैंसर रिसर्च* 2015; 75 (15 सप्पल) : 1044. डीओआई : 10. 1158/1538–7445.एएम2015–1044

113 जठार एस, डे एबी. स्टडी ऑफ बायोमार्कर ऑफ फ्रेल्टी इन द एजिंग पोपुलेशन। *जे इंडियन एकाड जेरियट्र* 2015; 11(एस) : 15.

114 झांजी एस, भाद आर, सेठी एच, राव आर. टोबेको यूज इन ऑपियॉइड डेपेंडेंट पेशेंट्स ऑन बुप्रेनोर्फिन मैंटेनेंस ट्रीटमेंट। इंडियन जे साइकायट्री 2016; 58(सप्पल 1) : एस105.

115. जॉली जीपी, पुलोस आरएम, मोहन ए, गुलेरिया आर, जॉर्ज जे. इवैल्यूएशन ऑफ पेशेंट एक्सीपिरियंस बिफोर एण्ड आफ्टर ब्रोंकोस्कोपी इन ए टर्शरी केयर सेंटर. एम जे रिस्पीर क्रिट केयर मेड 191; 2015 : ए2779.

116. ज्योत्सना वीपी, ढींगरा ए, एम्मिनी एसी, टंडन एन, गुप्ता एन. एड्रेनेलेक्टॉमी इन एसीटीएच डिपेंडेंट कुशिंग्स *एंडोक्राइन रिव्यूस* 2015

117. ज्योत्सना वीपी, मलिक ई, बिरला एस, शर्मा ए. एसीटीएच जीन म्यूटेशनस इन स्पोर्डिक इंटीरियर पिट्यूटरी ट्यमर्स. एंडोक्राइन रिव्यूस, अप्रैल 2015

118. कालरा एस, सिन्हा ए, थेरगोंकर आर, भारद्वाज एस, हरी पी, बंसल वी एट ऑल. एफएसजीएस रिकरेंस आफ्टर रीनल ट्रांसप्लांट : एक्सपीरियंस फ्रॉम ए पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी यूनिट इन नॉर्थ इंडिया. *पीडियाट्रिक ट्रांसप्लाटेंशन* 2015; 19 : 19–64.

119. कपूर ए, कपूर एस, स्ट्रेडनी सी, ताउडोर्फ एल, सिंह एमबी. इंजरीज़ इन अनट्रीटिड एपिलेप्सी इन रूरल इंडिया : ए क्रॉस – सेक्शनल पैरलल ग्रुप स्टडी. एपिलेप्सिया 2015; 56 (सप्पल. 1) : 3–263.

120. कर एम, सिंगला एम, सेठी टी, काबरा एसके, लोधा आर, चंदेल ए, एट ऑल। आइडेंटीफिकेशन ऑफ वायरल एण्ड इम्युनोलॉजिकल कोरेलेट्स ऑफ डिजीज सेवेरिटी एण्ड रिकवरी इन पीडियाट्रिक डेंगू पेशेंट्स. *इंटरनेशनल जे इंफेक्शन्स डिस* 2016; 45 (सप्पल 1) : 440.

121. कौर ए, भट्टाचार्य ए, मनहास जे, सलुजा एस, खन्ना पी, डे डी, एट एट ऑल. मेटफॉर्मिन इंड्यूसिस मॉड्यूलेशन ऑफ डिफरेंशिएशन मार्कस इन कोलोरेक्टल कैंसर सेल लाइन्स. *इंडियन जे क्लिनल बायोकैम* 2015; 30 (सप्पल 1) : एस82– एस83.

122. खलील एस, पांडा ए, जोसेफ ए, सिंह वाय, मृधा बीआर, इंटेस्टाइनल पैरासीटिक इंफेक्शन्स इन एआरटी नैव एण्ड ऑन–एआरटी एड्स पेशेंट्स. जे बैक्टेरियोल पैरोसिटोल 2015; 6 (4).

123. खान आईए, पिल्लई एस, सुरेन्द्रनाथ ए, चौहान एसके, तिवारी वी, रामपाल आर. एट ऑल प्रीवलेंस ऑफ माइक्रोबैक्टीरियम एवियम सबस्पीशीइज़ पैराट्यूबरकुलोसिसिन पेशेंट्स विद अल्सेरो कंस्ट्रिक्टिव इलियोसेकल डिजीज. *इंडियन जे गेस्ट्रोइंटेरॉल* 2015 : 34 (सप्पल 1) : एसआई–8.

124. खंडेलवाल एसके, देब केएस, कृष्णनन वी. रिस्ट्रेंट एण्ड सेक्लुशन इन इंडिया. इंडियन जे सो. साइकियाट्री. 2015; 31 (2) : 141–7.

125. खन्ना वी, अग्रवाल एस, पांडा एसएस, बक्शी एस, जाना एम, गुप्ता एके, आदि आउटकम ऑफ पल्मोनरीमेटास्टेसेक्टॉमी इन पीडियाट्रिक सॉलिड ट्यूमर्स. पीडियाट्र ब्लड कैंसर 2015; 62 : एस4.

126. खरबंदा ओपी, अग्रवाल के, खजांची आर, एससी शर्मा, सुषमा सागर, मनीष सिंघल, आशू ग्रोवर, डी.के. शुक्ला. स्टेट्स ऑफ क्लिफ्ट केयर इन इंडिया : ऑब्जर्वेशन ऑफ थ्री सेंटर पायलट प्रोजेक्ट. एबस्ट्रेक्टिड इन 9 कॉग्रेस ऑफ द इंटरनेशनल क्लिफ्ट लिप एण्ड पेलेट फाउंडेशन क्लिफ्ट 2015. 2015

127. खेड़ा एन, अग्रवाल एस के, भट्टाचार्य ए, मनहास जे, अंसारी एमटी, मित्तल आर, मृधा एआर, सेन एस. इल्युसिडेटिंग द लिंक बिटविन ऑस्टियोब्लास्टिक डिफरेंशिएशन ऑफ ह्यूमन बोन मैरो डिराइव्ड

मेसेकाइमल स्टेम सेल एण्ड ट्यूमोरीजिनेसिस. *इंडियन जे क्लिनल बायोकैम* 2015; 30 (सप्पल 1) : एस86.

128. किलाम्बी आर, पाल एस, दास एनआर, मधुसुदन केएस, सक्सेना आर, शालीमार, आदि हाइपरस्प्लेनिज्म इन पेशेंट्स विद एक्स्ट्राहिपेटिक पोर्टल वेनस ऑब्स्ट्रक्शन (ईएचओ) : इट्स कोरेलेशन विद स्प्लेनोमेगेली एण्ड सेवेरिटी ऑफ पोर्टल हाइपरटेंशन *जे क्लिन एक्सप. हिपेटॉल 2015*; 5 : एस 51.

129. किर डी, जॉली जीपी, गुप्ता एस, काबरा एसके, लोधा आर. हेल्थ रिलेटिड क्वालिटी ऑफ लाइफ इन इंडियन चिल्ड्रन विद सिस्टिक फाइब्रोसिस असेस्ड यूजिंग रिवाइज्ड सिस्टिक फाइब्रोसिस क्वेशनायर. *एम जे रिस्पीर क्रिट केयर मेड* 2015; 191 : ए3331.

130. कुलश्रेष्ठ वी, करण एम, कुमारी आर, कच्छवा जी, माहे आर, शर्मा जेबी, एट ऑल इसेन्मेंगर सिंड्रोम इन प्रेगनेंसी : केस सीरीज एण्ड रिव्यू ऑफ लिटरेचर. एओजीडी *बुलेटिन ऑन क्रिटिक केयर इन ऑब्स्टेट्रिक्स* 2016; 15 (10) : 121.

131. कुमार ए, दत्ता एस, कल्याण सुंदरम डी. लिक्विड स्लिपपेज इन कंफाइड फ्लोस : इंफेक्ट ऑफ पेरियोडिक माइक्रोपैटर्न्स ऑफ अरबिट्रेरी पिच एण्ड एम्प्लीट्यूड. एएसएमई 2016 5वां इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन माइक्रो / नैनो स्केल हीट एण्ड मास ट्रांसफर, जनवरी 2016.

132. कुमार जी, सौंदाराजन आर, कुमार आर. इंक्रीमेंटल वेल्यू ऑफ एफडीजी पीईटी/सीटी इन द इवेल्यूएशन ऑफ असाइट्स ऑफ मेलिग्नेंट ऑर्गिन विद एन अननॉन प्राइमरी. *जे न्यूक्लि मेड* 2015; 56 : 1422

133. कुमार जी, सौंदाराजन आर. पाशा ए, कुमार आर. इंक्रीमेंटल रोल एफडीजी पीईटी/सीटी इन मैनेजमेंट ऑफ पेशेंट्स विद ऑब्डोमिनल बुरकिट्ट लिम्फोमा. *जे न्यूक्लि मेड* 2015; 56 :1360.

134. कुमार के, अग्रवाल एस, सेठ आर, बिसोई एके. ह्यूज सेरविको–थोरेसिक मेलिग्नेंट नर्व शीथ ट्यूमर इन ए 10– इयर ओल्ड चाइल्ड. पीडियाट्र ब्लड कैंसर 2015; 62 : एस 4.

135. कुमार के, रॉय एसजी, पटेल सीडी, रामकृष्णनन एस, कुमार आर, बिसोई एके, एडेनोसाइन स्ट्रेस मायोकार्डियल परफ्यूजन सिंटीग्राफी एण्ड एडेनोसाइन स्ट्रेस इकोकार्डियोग्राफी इन पोस्ट आर्टिरियल स्विच ऑपरेशन पेशेंट्स : ए मिड–टर्म फ्लो अप. इयू *जे न्यूक्लि मेड मॉल इमेजिंग* 2015; 42 : एस 516.

136. कुमार एम, पांडे जी, चौहान एसएस. डाउन रेगुलेशन ऑफ एस100ए2 रिड्यूस द रेट ऑफ प्रोलिफिरेशन एण्ड सेंसिटाइज़िज ओरल कैंसर सेल टू कीमोथेरेप्यूटिक ड्रग्स. *जे एनअल्स ऑफ ओंकोलॉजी* 2015; 16 (सप्पल 1) :

137. कुमार एम. फेसिलिटेटिंग डिसीसस्ड ऑर्गन एण्ड टिशू डोनेशन इन मल्टी ट्रांसप्लांट हॉस्पिटलः ए ट्रांसप्लांट कॉर्डिनेटर पर्सपेक्टिव. *इंडियन जे ट्रांसप्लांटेशन* 2015; 9 : 76.

138. कुमार पी, बहल एस, सहारे पीडी, कुमार एस, सिंह एम. ऑप्टिकली स्टीमुलेटिड ल्यूमिनेंस (ओएसएल) रिसपॉन्स ऑफ एएल2ओ3 : सी, बीएएफसीएल : ईयू और के2सीए2 (एसओ 4) 3 : ईयू फॉस्फोरस. *रेड प्रोट डोसिम* 2015; 167 (4) : 453–60.

139. कुमार आर, देसाई पी, राव एन. लेपेरोस्कोपिक नेफ्रॉन – स्पेरिंग एक्सिशन ऑफ हिलर पैरागैंगलियोमा : टिप्स एण्ड टैकनीक जे यूरोल, 2015; 193 (सप्पल) : ई 909

140. कुमार आर, दुबे आर, सैनी एल, कौशिक जेएस, पटेल एच, चक्रबर्ती बी, गुलाटी एस : एंटी गैड पॉजीटिव ऑटोइम्यून एपिलेप्सी इन चिल्ड्रन : ए रिपोर्ट ऑफ 3 केसिस : पी0687 : एपिलेप्सिया, 56 (सप्पल 1) : 3–262, 2015.

141. कुमार आर, मुखर्जी ए, पटेल सी, बाल सीएस. रोल ऑफ एफआई18– एफडीजी पीईटी/सीटी इन डिटेक्शन ऑफ कंट्रालेटरल ब्रेस्ट कैंसर इन पेशेंट्स ऑफ नोन ब्रेस्ट कैंसर अंडरगोइंग पीईटी/ सीटी स्कैन फॉर रिस्टेजिंग. *जे न्यूक्लि मेड* 2015; 56 : 291.

142. कुमार एस, अमित गुप्ता, सुषमा सागर, अनु बाबू. पेनेट्रेटिंग एण्ड ब्लंट ट्रॉमा टू नेक : एन एक्सपीरियंस ऑफ थ्री इयर्स फ्रॉम एपेक्स ट्रॉमा सेंटर इन इंडिया. एबस्ट्रेक्टिड इन जर्नल ऑफ 19 वर्ल्ड कॉन्ग्रेस ऑफ डिजास्टर एण्ड एमर्जेंसी मेडिसिन. 21 – 24 अप्रैल 2015, *केपटाउन साउथ अफ्रीका.* 2015; वॉल. 30 : एस 136

143. कुमार एस, जाखेटिया ए, देव एस, शुक्ला एन. सर्जिकल रिजल्ट ऑफ लिम्ब प्रीसर्वेक्शन सर्जरी यूजिंग वेस्कुलर रिकंस्ट्रक्शन इन पेशेंट्स विद एक्सट्रीमिटी सार्कोमा इंवॉल्विंग मेजर न्यूरोवेस्कुलर स्ट्रक्चर्स. *इयूर जे कैंसर* 2015; 51 (3) : एस 695.

144. कुमार एस, जाखेटिया ए, रामनाथन पी, पाण्डे डी, देव एसवी, शुक्ला एनके. ब्रोंकोपल्मोनरी कार्सिनॉइड : ए डेवलपिंग नेशन कैंसर सेंटर्स पर्सपेक्टिव. *जे थोरेक ऑंकोल* 2015; 10 (9) सप्लिमेंट 2 : 750.

145. कुमार एस, प्रभाकर पी, रीता केएच, गुप्ता वायके. प्रोटेक्टिव इफेक्ट ऑफ क्रिसिन अगेंस्ट सीजर्स एण्ड कॉगनिटिव इम्पेयरमेंट इन पेंटीलेनेटेट्राजॉल इंड्यूरुड सीजर्स इन रैट्स. *इंडियन जे फिज़ियोल फार्माकोल* 2015; 59 (5) : 127.

146. कुमार वी, देसाई जीआर, यादव एसके, चटर्जी पी, देव एबी. सबजेक्टिव मेमोरी लॉस इन एल्डर्ली : हाउ डज़ इट मैटर? *जे इंडियन अकैड. जेरियाट्र* 2015; 11 (एस) : 16.

147. कुमार आर, शर्मा ए, करण एम, कच्छवा जी, शर्मा जेबी, कृपलानी ए. एक्यूट एऑर्टिक डिसेक्शन इन थर्ड ट्रिमेस्टर ऑफ प्रेग्नेंसी. *एओजीडी बुलेटिन ऑन क्रिटिकल केयर इन ऑबेस्ट्रिक्स* 2016; 15(10) : 116.

148. लाल आर, देब केएस, केडिया एस. सबस्टेंस यूज इन वुमेन : करंट स्टेट्स एण्ड फ्यूचर डायरेक्शन्स. *इंडियन जे साइकियाट्री* 2015; 57 (सप्पल 2) : एस275.

149. मदन पी, गुलासी एस, सप्रा एस, सागर आर, चक्रबर्ती बी, मोहम्मद ए, त्रिपाठी एम, काबरा एम, पाण्डे आरएम : पीडियाट्रिक साइकोजेनिक नॉनएपिलेप्टिक इवेंस्ट्स : न्यूअर पर्सपेक्टिव : पी0081 :*एपिलेप्सिया* 56 (सप्पल 1) : 3–262, 2015.

150. महापात्रा ए, गुप्ता आर, सागर आर. द रिलेवेंस ऑफ एवॉइडेंट / रिस्ट्रिक्टिव फूड इनटेक डिसऑर्डर; द न्यू डीएसएम –5 डायग्नोसिस : ए रिव्यू. *इंडियन जे साइकियाट्री* 2015; 57 (सप्पल 1) : एस124.

151. माहे आर, गोयल टी, गुप्ता एम, कच्छवा जी, कृपलानी ए. टू इवेल्यूएट द प्रेगनेंसी रेट आफ्टर एंडोमटीरियल स्क्रेचिंग इन कपल्स विद अनएक्सप्लेन्ड इंफर्टीलिटी इन ओव्यूलेशन इंडक्शन एण्ड आईयूआई साइकिल्स. *फर्टिल स्टीरिल* 2015; 104 (3)एस : ई343.

152. मजुमदार ए एस, संजय देसाई, कृष्णा एम, दत्ता एस, सरकार यू, धर ए एट ऑल। ए फर्स्ट ऑफ इट्स काइंड फेज 2 क्लिनिकल ट्रायल इन क्रिटिकल लिम्ब इस्केमिया पेशेंट्स यूजिंग बोन मैरो डिराइव्ड, पूल्ड, एलोजेनिक मेसेकाइमल स्ट्रोमल सेल्स (स्टेमपेयूसेल®). साइटोथैरेपी 2015; 17 (6) सप्लिमेंट : एस84.

153. मालापुरा एस, धुल वी, शर्मा पी, परिदा जी, बाल सीएस, कुमार आर. 68जीए – डीओटीएएनओसी पीईटी – सीटी रिस्टेजिंग गेस्ट्रोइंटेस्टाइनल न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर्स आफ्टर प्राइमरी ट्रीटमेंट : ए सिंगल इंस्टीट्यूशनल एक्सपीरियंस. *जे न्यूक्लि मेड* 2015; 56 : 270.

154. मलिक आर, श्रीवास्तव ए, गंभीर एस, येछा एसके, सिद्देगोवडा एम, पून्नुसामी एम एट ऑल असेस्टमेंट ऑफ गेस्ट्रिक एम्पटींग इन चिल्ड्रन : इस्टेब्लिशमेंट ऑफ कंट्रोल वेल्यूस युटिलाइजिंग ए स्टैंड्र्डाइज़ वेजीटेरियन मील. *जे गेस्ट्रोइंटेरोल हिपेटोल* 2016; 31 : 319–25.

155. मलिक आर, श्रीवास्तव ए, येछा एसके, पोद्दार यू, लाल आर. चाइल्डहुड एब्डोमिनल ट्यूबरकुलोसिस : डिजीज पैटर्न्स, डायग्नोसिस एण्ड ड्रग रजिस्टेंस. *इंडियन जे गेस्ट्रोइंटेरॉल* 2015; 34 : 418–25.

156. मलिक एस, खड़गावत आर, गुप्ता एस, आनंद एस. ए डायग्नोस्टिक प्लेटफॉर्म टू प्रीडिक्ट डायबिटीज़. इंडिया – कनाडा सेंटर फॉर इनोवेटिव मल्टीडिस्प्लिनरी पार्टनरशिप टू एसलेरेट कम्युनिटी ट्रांसफॉर्मेशन

एण्ड सस्टेनेबिलिटी. कनाडा मेकगिल समर इंस्टीट्यूट इन इंफेक्शस डिजीज एण्ड ग्लोबल हेल्थ. 13–17 जून 2016, कॉन्फ्रेंस प्रोसीडिंग्स

157. मलिक एस, खड़गावत आर, गुप्ता एस, आनंद एस. नॉन इंवेसिव डायबिटीज़ मॉनिटरिंग यूजिंग सलाइवा सिगनल प्रोसेसिंग, इंफॉर्मेटिक्स कम्युनिकेशन एण्ड एनर्जी सिस्टम्स, एनआईटीसी, इंडिया, 19 – 21 फरवरी, 2015, आईईईई इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस (10.1109/स्पाइसिस.2015.7091562).

158. मलिक एस, पारिख एच, खड़गावत आर, गुप्ता एस, आनंद एस. सलाइवा : ए डायग्नोस्टिक टूल टू प्रीडिक्ट ब्लड ग्लूकोज. ग्लोबल हेल्थकेयर समिट 2016, इंडिया, 29 दसम्बर 2015, कॉन्फ्रेंस प्रोसीडिंग्स

159. मलिक एस एस, सेन के, आनंद एस. मेजरमेंट ऑफ डिइलेक्ट्रिक प्रॉपर्टीज़ ऑफ रिंगर लेक्टेट सॉल्यूशन विद रिसपेक्ट टू डी–ग्लूकोस. इलेक्ट्रिकल, कम्प्यूटर एण्ड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजीज (आईसीईसीसीटी), 2015 आईईईई इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन पीपी.1–4, 2015.

160. मलिक एल, अम्बेडकर ए, लाल आर, परमार ए. सेक्सुअल डिस्फ्यूजन अमंग ऑपियोइड (हिरोइन) डिपेंडेंट मेन : ए डिस्क्रिप्टिव स्टडी. इंडियन जे साइकियाट्री 2016; 58 (सप्पल 1) : एस 69.

161. मलिक एन, बेथानाभोटला एस, कुमार एल. प्योर एरिथरॉइड ल्यूकेमिया विद आइसोक्रोमोसोम 12पी – ल्यूकेमिक डिफरेंशिएशन ऑफ ए जर्म सेल ट्यूमर? *इंडियन जे हिमेटोल ब्लड ट्रांसफस* 2015; 31 : एस 74 – एस 75.

162. मनचंदा एम, रोएब्स ई, रोडरफील्ड एम, दत्ता गुप्ता एस, दास पी, सिंह आर, एट ऑल। इलेवेशन ऑफ केथेस्पिन एल एण्ड बी एक्सप्रेशन इन लिवर फाइब्रोसिस : ए स्टडी इन माइस मॉडल्स एण्ड पेशेंट्स *जे हिमेटोलॉजी 2015*; 62 (सप्पल 2) : एस 341– एस 342.

163. मंडल ए, मुखर्जी ए, लक्ष्मी आर, काबरा एसके, लोधा आर – डिडलिपिडेमिया इन एचआईवी इंफेक्टिड चिल्ड्रन रिसीविंग हाइली एक्टिव एंटीरिट्रोवायरल थेरैपी. इंडियन जे पीडियाट्र 2015; 83 : 226–31.

164. मनहास जे, भट्टाचार्य ए, अग्रवाल एसके, भट एम, घोष डी, दास पी. एट ऑल अंडरस्टेडिंग एग्रेसिव कोलोरेक्टल कैंसर बाय जीन एक्सप्रेशन एनालाइसिस ऑफ कैंसर स्टेम सेल्स. *इयूर जे कैंसर* 2015; 51 (पूरक 3) : एस 1.

165. मनिका एस, अम्बष्ठ एके, डे एबी. ए स्टडी ऑफ फंक्शनली एण्ड कॉग्निटिव डिक्लाइन इन द ओल्डेस्ट ओल्ड. *जे इंडियन अकैड. जेरियाट्र* 2015; 11 (एस) : 8–9.

166. मारवाह आर के, श्रीनिवास वी, तलवार डी, येनमंद्रा वी के, चल्लाक ए, लक्ष्मी आर एट ऑल। इम्पैक्ट ऑफ सोलर यूवीबी (290–320 एनएम) ऑन विटामिन डी सिंथेसिस इन चिल्ड्रन विद टाइप 4 एंड 5 स्किन. *बीआर जे डर्मेटोलॉजी* 2015; 173 : 604–6.

167. मारवाह आर के, येनमंद्रा वी के, श्रीनिवास वी, सहाय आर, बरुआ एमपी, देसाई ए, एट ऑल। रीजनल एण्ड सीजनल वेरिएशन्स इन अल्ट्रावायलट बी इररेडिएशन एण्ड विटामिन डी सिंथेसिस इन इंडिया रीजनल एण्ड सीजनल वेरिएशन्स इन अल्ट्रावायलेट बी इररेडिएशन एण्ड विटामिन डी सिंथेसिस इन इंडिया. ऑस्टियोपोरोस इंट 2015; 27 : 1611–7.

168. मौर्या एसपी, सिंह आर, नेगी एन, कपिल ए, चौधरी आर, दास बीके. द लेवल ऑफ एजुकेशन अफेक्ट्स सीडी4 सेल काउंट एण्ड वेलनेस अमंग एचआईवी इंफेक्टिड एडल्ट बिटवीन एज ग्रूप 18 टू 60 इयर्स. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंफेक्शस डिजीज* 2016; 45 : 264.

169. मेहंदीरत्ता ए, पार्क सीएस, क्रेन डीई, सिडेसो ई, केनेडी जे, मैकइंटोश बीजे, एट ऑल। वेरिएशन्स इन सेरेब्रल हिमोडायनेमिक्स एण्ड कैपिलरी ट्रांजिट टाइम हिटेरोजैनेटी इन पेशेंट्स बिफोर एण्ड आफ्टर कैरॉटिड एंडे एंडेरटेरेक्टॉमी. 23 प्रोसीडिंग ऑफ इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर मेग्नेटिक रेसोनेंस इन मेडिसिन (आईएसएमआरएम), मई 2015, टोरोंटो, कनाडा (ई.के. जेवोस्की एवॉर्ड)

170. मेहरा एस, नारंग आर, ठाकुर बी, कुमार एम, सिंह आर, चौहान एसएस. क्लिनिकल सिग्नीफिकेन्स ऑफ सिस्टीन कैथेप्सिंस इन ह्यूमन डिलेटिड कार्डियोमायोपैथी. यूरोपियन जर्नल ऑफ हार्ट फेल्योर 2015; 17 (सप्पल 1) : 5–441.
171. मेहरा एके, परमार ए, कोलोइया जीके, बल्हारा वायपीएस. ए डिस्क्रिप्टिव एनालाइसिस ऑफ इंस्ट्रक्शन्स टू ऑथर्स फॉर स्टेटिस्टेकल रिपोर्टिंग ऑफ आर्टिकल इन एडिक्शन मेडिसिन जर्नल्स. इंडियन जे. साइकियाट्री 2016; 58 (सप्पल 1) : एस 56.
172. मिश्रा एमसी, बंसल वीके, सुबोध एच, कृष्णा ए, बंसल डी, रे एस, राजेश्वरी एस. इंसिजनल हर्निया : डेली केसिस. हनिर्या 2015 अप्रैल; 19 सप्पल 1 : एस85–92. डीओआई : 10.1007/बीएफ03355332.
173. मिश्रा एमसी, बंसल वीके, सुबोध के, कृषा ए, बंसल डी, रे एस, राजेश्वरी एस. इंग्विनल हर्निया : लैप वर्सिस ओपन. हर्निया 2015 अप्रैल; 19 सप्पल 1 : एस57–62. डीओआई : 10.1007/बीएफ03355327.
174. मिश्रा एमसी, बंसल वीके, सुबोध के, कृष्णा ए, बंसल डी, रे एस, राजेश्वरी एस. इंग्विनल हर्निया – पोस्ट ऑप क्रोनिक पेन : इंसिडेंस, इवेल्यूएशन, लीगल कंसिक्वेंस, थेरैपी, फॉलो अप. हर्निया. 2015 अप्रैल; 19 सप्पल 1 : एस 267–74. डीओआई : 10.1007/बीएफ03355370.
175. मिश्रा एमसी, मणिक पी, बंसल वीके, असूरी के, सागर आर, कुमार ए, कुमार एस, कुमार ए, सुब्रामणियम आर. ए पर्सपेक्टिव रेंडमाइज़ड कम्पेरिजन ऑफ टेस्टीकुलर फंक्शन, सेक्चुअल फंक्शन एण्ड क्वालिटी ऑफ लाइफ फ्लोविंग लेपेरोस्कोपिक टोटली एक्स्ट्रा पेरिटोनियल (टीईपी) एण्ड ट्रेन्स एब्डोमिनल प्री – पेरिटोनियल (टीएपीपी) इंग्विनल हर्निया रिपेयर. सर्ज एंडोसैक. (2016) 30 :एस211–: एस 263 डीओआई 10.1007/एस00464–016–4770 –8
176. मोदक टी, बल्हारा वायपीएस, सिहं एस, कोरिलेशन बिटवीन सेविरिटी ऑफ एल्कोहल यूज डिस्ऑर्डर एण्ड डिसेबिलिटी अमंग पर्सन्स सीकिंग ट्रीटमेंट एट द टर्शरी केयर ड्रग डिपेंडेंस ट्रीटमेंट सेंटर. *इंडियन जे साइकियाट्री* 2016; 58 (सप्पल 1) : एस 78.
177. नालवा ए, वालिया आर, जैन डी, मदन के, माथुर एस, अय्यर वीके. डायग्नोस्टिक युटिलिटी एण्ड एप्लीकेशन ऑफ इम्युनोसाइटोकेमिस्ट्री इन लिक्विड बेस्ड प्रीपरेशन इन रेस्पीरेटरी लेशन्स. साइटोपैथोलॉजी 2015; 26 (सप्पल 1) : 19–37.
178. नायक बी, नोंगथोम्बम एसके, कुमार एच, कुमार ए, मोग पी, नड्डा एन, एट ऑल। एवेल्यूएशन ऑफ नाइट्रिक ऑक्साइड, साइटीकाइन्स एण्ड ऑक्सीडेंट्स इन द हिपेटिक एण्ड सिस्टेमिक सर्कुलेशन्स ऑफ नॉन एल्कोहोलिक फैटी लिवर डिजीज पेशेंट्स. *इंडियन जे गेस्ट्रोइंटेरॉल* 2015; 34 (सप्पल 1) : एल–38
179. नायक बी, यादव डीके, नाड्डा एन, पॉल एस, शालीमार, आचार्य एसके. हाइ सेंस्टीविटी सी–रिएक्टिव प्रोटीन (एचएस–सीआरपी) लेवल्स इन एचसीसी पेशेंट्स एण्ड इट्स मॉड्यूलेशन ड्यूरिंग लोकोरीजनल थेरैपी. *जे क्लिन एक्सप. हिपेटॉल* 2015; 5 (सप्पल 2) : एस 60.
180. नोंगथोम्बम एसके, नायक बी, कुमार ए, रॉय एन, सचदेव वी, शालीमार एट ऑल। प्रीवलेंस ऑफ स्मॉल इंटेस्टाइनल बैक्टीरियल ओवरग्रोथ (एसआईबीओ) एण्ड इंसुलिन रजिस्टेंस इन बोथ ओबीस एण्ड नॉन ओबीस नॉन एल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज (एनएएफएलडी) पेशेंट्स. *जे क्लिन एक्सप. हिपेटॉल 2015*; 5 (सप्पल 2) : एस 23 – एस 24.
181. पाल ए, मंडल पी, परमार ए, सागर आर. ए केस परसिस्टेंट डिलुजनल डिसऑर्डर : रोल ऑफ कल्चर रिविजिटेड. *इंडियन जे साइकियाट्री* 2015; 57 (पूरक) : एस135.
182. पाण्डे डी, भारत बी, पाण्डे पी, कुमार एस, मदन के, गुलेरिया आर. सर्जरी फॉर प्राइमरी लंग ट्यूमर्स विद हिस्टोलॉजी अदर दैन नॉन–स्मॉल सेल लंग कैंसर : ए सिंगल सेंटर एक्सपीरियंस. जे थोरेक ओंकोल 2015; 10 (9 सप्पल 2) : एस 569

183. पंवार आर, रामचंद्रन एस, खान एए, पाल एस, दास एनआर साहनी पी, शालीमार, आचार्य एसके. नॉन – हिपेटिक सर्जरी इन क्रोनिक लिवर डिजीज पेशेंट्स : वॉट आर द रिक्सस? *जे क्लिन एक्सप. हिपेटॉल 2015*; 5 : एस 29.
184. परमार ए, मंडल पी, त्रिपाठी एम, सागर आर. एस्किटलोपरम इंड्यूस्ड सीवियर हाइपोनेट्रेमिया : ए केस रिपोर्ट. *इंडियन जे साइकियाट्री* 2015; 57 : (सप्पल) एस158
185. परमार ए, रंजन आर, सागर आर. ऑब्सेसिव कम्पलेसिव डिसऑर्डर : ऑनसेट एट 78 इयर्स ऑफ एज. ''ए केस रिपोर्ट''. *इंडियन जे साइकियाट्री* 2015; 57 (सप्पल) : एस129.
186. पटेल सीडी, रॉय एसजी, सेठ एस, मुखर्जी ए, कुमार के. रिलेशनशिप ऑफ मायोकार्डियल परफ्यूजन, फंक्शन एण्ड डिससिंक्रॉनी विद एक्सरसाइज टॉलरेंस ऑफ हार्ट फेल्योर पेशेंट्स. *एशिया ओसेनिया जे न्यूक्लि मेड बायोल* 2015; 3 : एस 110.
187. पाटिल वी, निशांत केएन, राव आर, अम्बेडकर ए. ऑपियॉइड सबस्टिट्यूशन थेरैपी फॉर हेरोइन डिपेंडेंट प्रेग्नेंट फीमेल. इंडियन जे साइकियाट्री 2016; 58 (सप्पल 1) : एस 151
188. पटनायक पी, जैन एस, रंजन आर, सागर आर. एथिकल चेलेंजीस इन साइकियाट्री रिसर्च. *इंडियन जे साइकियाट्री* 2015; 57 (सप्पल) : एस 100.
189. पॉल एसबी, गमनगट्टी एस, सागर वी, यादव डी, श्रीनिवास वी, शर्मा एच, एट ऑल। हिपेटोसेल्यूलर कार्सिनोमा एसोसिएटिड विद हिपेटिक वेनस आउटफ्लो ट्रैक्ट ऑब्स्ट्रक्शन : ए रेयर एंटिटी (एबेस्ट्रैक्ट). *जे क्लिन एक्सप. हिपेटॉल 2015*; 5 (सप्पल 2) : एस50–1.
190. गर्ग पीके, डी मीना, डी बाबू, आर प्रधान, आर ढींगरा, वी बंसल, एस कुमार एट ऑल। एंडोस्कोपिक वर्सिस लेपेरोस्कोपिक ड्रेनेज ऑफ पैनक्रिएटिक स्यूडोसाइस्ट/वॉल्ड ऑफ नेक्रोसिस : ए रेंडोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल. गेस्ट्रोइंटेरोलॉजी 2016 : 150 (4), एस 209. 1.
191. पोलोस आर, गुप्ता टी, मोहन ए, लुथरा के, पाण्डे आरएम, गुलेरिया आर. प्लेटिनम बेस्ड डबलेट कीमोथेरैपी फॉर नॉन – स्मॉल सेल लंग कैंसर इम्प्रूव्स सिम्पटम प्रोफाइल बट वरसेंस द ऑक्सीडेंट–एंटीऑक्सीडेंट बैलेंस. *एम जे रिस्पीर क्रिट केयर मेड* 191; 2015 : ए 2779.
192. प्रधान आर, डे एस, द्विवेदी एस एन, डे एबी. इवेल्यूएशन ऑफ प्रोटीन्स इन सीरम एज मार्कर ऑफ एजिंग. *जे इंडियन अकैड. जेरियाट्र* 2015; 11 (एस) : 50
193. प्रधान आर के, कुमार एस, केडिया एस, ढींगरा आर, मौली वीपी, बोपन्ना एस. एट ऑल। टेम्पोरल रिलेशनशिप ऑफ प्रेग्नेंसी टू लॉन्ग–टर्म डिजीज कोर्स एण्ड प्रेग्नेंसी एण्ड फेटल आउटकम्स इन इंफ्लेमेटरी बोवेल डिजीज. *इंडियन जे गेस्ट्रोइंटेरॉल* 2015 : 34 (सप्पल 1) : एलआई –31
194. प्रसाद बी, पैथी एस, मलिक एस, बिस्वास ए, चंदर एस. कंफॉर्मल रेडिएशन थेरैपी फॉर पीडियाट्रिकोर्बिटल ग्रेन्यूलोसाइटिक सार्कोमस. *जे कैंसर रेस थेर* 2015; 11 (7) : 104–05.
195. प्रेम एनएन, कंडेल आर, वेणुगोपालन जी, डे एबी. न्यूली डायग्नोस्ड एचआईवी एल्डर्ली पेशेंट्स : ए केस सीरिज. *जे इंडियन अकैड. जेरियाट्र* 2015; 11 (एस) : 12.
196. पुष्कर एन, वेकारिया एल, सिंह एल, कश्यप एस, बक्शी एस. एक्सप्रेशन ऑफ वेस्कुलर एंडोथिलियल ग्रोथ फोक्टर एण्ड केआई–67 प्रोटीन इन कीमोरिडक्शन फेल्ड रेटिनोब्लास्टोमा. पीडियाट्र ब्लड कैंसर 2015; 62 (4) : एस 143–418.
197. राघव आर, जैन आर, रॉय टीएस, धवन ए, कुमार पी. इफेक्ट ऑफ एक्यूट एण्ड क्रोनिक एडमिनिस्ट्रेशन ऑफ नलबुफाइन ऑन मोटर एक्टिविटी इन ओपिएट डिपेंडेंट. इंडियन जर्नल ऑफ फार्माकोलॉजी 2015; 47 : 66.
198. राघवेन्द्र एल, गौर वी, सोनी ए, रस्तोगी एस, सिंह एस. सी. रिएक्टिव प्रोटीन एण्ड प्रोटीन ल्यूकोसाइट काउंट एज ए मार्कर फॉर द स्क्रीनिंग ऑफ अर्ली सेपसिस. *इंडियन जे हिमेटोल ब्लड ट्रांसफ्यूज* 2015; 31 (एस) : एस 93.

199. राघवेन्दर एस, काबरा एसके, रे पी. इवेल्यूएशन ऑफ चिकनगुनिया वायरस इंफेक्शन एण्ड स्क्रीनिंग ऑफ एंटीबॉडीज़. *इंटरनेशनल जे इंफेक्शस डिज.* 2016; 45 (सप्पल 1) : 240.

200. रामकृष्णा बीएस, मखारिया जीके, खत्री के, दत्ता एस, माथुर पी, आहुजा वी, एट ऑल। जियोग्राफिक वेरिएशन्स इन द प्रीवलेंस ऑफ सेलियाक डिजीज इन एडल्ट्स इन इंडिया. *इंडियन जे गेस्ट्रोइंटेरॉल* 2015 : 34 (सप्पल 1) : पीएलई–3.

201. रंजन ए. एक्स्ट्रामेड्यूलरी प्लाज्माब्लास्टिक प्लाज्मा सेल माइलोमा प्रेजेंटिंग एज प्लाज्माब्लास्टिक लिम्फोमा. जे ब्लड डिस्ऑर्ड. ट्रांस 2015; कॉन्फ्रेंस प्रोसीडिंगस : 33.

202. रंजन आर, दीपक एस, कुमार एस, सागर आर. साइक्लोसेरिन इंड्यूस्ड एक्यूट साइकोसिस इन ए यंग मेल विद ड्रग – रेजिस्टेंट ट्यूबरकुलोसिस. *इंडियन जे साइकियाट्री* 2015; 57 (सप्पल) : एस 147.

203. रंजन आर, जैन एस, सागर आर, पाण्डे ए. सेफ्टी पिन्स इन पेरिटोनियम : ए केस ऑफ पिका विद इंस्टेस्टाइनल परफॉरेशन एण्ड पेरिटोनिटिस. *इंडियन जे साइकियाट्री* 2015; 57 (सप्पल) : एस 60.

204. रंजन आर, दीपक एस, सागर आर. ऑक्सकार्बेजेपाइन एण्ड क्वेटियापाइन इंड्यूस्ड स्टीवेन्स जॉनसन सिंड्रोम : ए रेयर केस रिपोर्ट *इंडियन जे साइकियाट्री* 2015; 57 (सप्पल) : एस 142.

205. राव आर, गुप्ता एसके, प्रशांत आर, अम्बेडर ए, धवन ए. फैक्टर्स एसोसिएटिड विद रिटेंशन ऑन ऑपियॉइड सबस्टिट्यूशन थेरैपी इन ए कम्युनिटी क्लिनिक सेटिंग. इंडियन जे साइकियाट्री 2016; 58 (सप्पल 1) : एस 66.

206. रे एसबी, रीता केएच. रोल ऑफ न्यूरोकाइनिन टाइप 1 रिसेप्टर इन नोकिसेप्शन एट द पेरिफेरी एण्ड द स्पाइनल लेवल इन द रैट. *इंडियन जे फार्माकोल* 2015; 47 (सप्पल) : एस 24.

207. रीता केएच. कुमार एस, प्रभाकर पी, गुप्ता वायके. (+) – केटेचिन इज प्रोटेक्टिव एगेंस्ट पेंटीलेनेटेट्राजॉल – इंड्यूस्ड सीजर्स एण्ड सीज़ – इंड्यूस्ड कागनिटिव इम्पेयरमेंट इन रैट्स. *इंडियन जे फार्माकोल* 2015; 47 (सप्पल) : एस 26–एस 27.

208. रीता केएच. प्रभाकर पी, गुप्ता वायके. रोल ऑफ मेट्रिक्स मेटेलोप्रोटिनेस–9 (एमएमपी–9), रो काइनेस (रॉक ।।) एण्ड ग्लाइकोजन सिंथेस काइनेस–3बीटा (जीएसके–3बीटा) इन द प्रोटेक्टिव इफेक्ट ऑफ करक्यूमिन इन पेंटिलेनेटेट्राजॉल (पीटीजेड) – इंड्यूस्ड कांडलिंग इन रैट्स. *एपिलेप्सिया* 2015; 56 (सप्पल 1) : 194.

209. रीता केएच, सिंह डी, गुप्ता वायके. प्रोटेक्टिव इफेक्ट ऑफ ट्यूरिन अगेंस्ट स्ट्रेप्टोजोटोसिन (एसटीजेड) – इंड्यूस्ड कॉगनिटिव इम्पेयरमेंट इन स्पोरेडिक मॉडल ऑफ अल्जाइमर डिजीज इन रैट्स. *इंडियन जे फिजियोल फार्माकोल* 2015; 59 (5) : 60.

210. रोक टी, मेहंदीरत्ता ए, केन्निंग एल, लॉरी एम, चैप्पल एमए. ए मॉडीफाइड डिकंवॉल्यूशन मैथ्ड टू क्वांटिफई ब्रेन ट्यूमर हिमोडायनेमिक पैरामीटर्स इन द प्रसेंस ऑफ कंट्रास्ट एजेंट एक्स्ट्रावेसेशन. 23 प्रोसीडिंग ऑफ इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर मैग्नेटिक रेसोनेंस इन मेडिसिन (आईएसएमआरएम), मई 2015, टोरोंटो, कनाडा.

211. रॉय ए, लक्ष्मी आर, तारीक एम, रेड्डी केएस, प्रभाकरण एस, इंडीपेंडेंट एसोसिएशन ऑफ सीवीयर विटामिन डी डेफिशिएंसी एज ए रिक्स ऑफ एक्यूट मायोकार्डियल इंफ्रेक्शन इन इंडियन्स. इंडियन हार्ट जे 2015 : 27–32 : 1–9.

212. रॉय चौधरी ए, भट्ट के, सक्सेना आर, भूटिया ओ, सेन एस, चट्टोपाध्याय पीपी, एट ऑल। ए केस कंट्रोल स्टडी टू इवेल्यूएट कोरेलेशन बिटवीन हाइपरकोएगुलेबिलिटी एण्ड टीएमजे एंकीलोसिस आफ्टर मंडीबुलर कॉन्डीलर ट्रॉमा. *इंट जे ओरल मैक्सिलोफैक सर्ज* 2015; 44 : ई 280.

213. सागर आर, अनामिका साहू, सुषमा सागर, अनीश सिंघल. फंक्शनल, क्वालिटी ऑफ लाइफ एण्ड फिजियोलॉजिकल आउटकम्स फ्लॉइंग ट्रॉमा रिलेटिड एम्पुटेशन : द पर्सपेक्टिव फ्रॉम डेवलपिंग कंट्री.

एब्स्ट्रेक्टिड इन जर्नल ऑफ 19 वर्ल्ड कॉन्ग्रेस ऑफ डिजास्टर एण्ड एमर्जेंसी मेडिसिन 21 – 24 अप्रैल 2015 कैपटाउन साउथ अफ्रीका. 2015; वॉल. 30, सप्पल. 1 : एस 86
214. सागर आर, पात्र बीएन, भार्गव आर, गुप्ता ए. चाइल्ड एण्ड एडोलसेंट मेंटल हेल्थ : इंडियन पर्सपेक्टिव. *इंडियन जे साइकियाट्री* 2016; 58 (सप्पल) : एस 31.
215. सागर आर, सिंघल एम, पीयूष रंजन, अनू बाबू, सुबोध कुमार, अमित गुप्ता. पीडियाट्रिक ट्रॉमा : एन एक्सपीरियंस फ्रॉम ए लेवल I ट्रॉमा सेंटर, इंडिया. एबेस्ट्रेक्टिड इन जर्नल ऑफ 19 वर्ल्ड कॉन्ग्रेस ऑफ डिजास्टर एण्ड एमर्जेंसी मेडिसिन 21 – 24 अप्रैल 2015 केपटाउन साउथ अफ्रीका. 2015; 30 सप्पल. 1 : एस 40
216. साहा एसके, कुमार ए, पाल एस, पंवार आर, दास एनआर, आहुजा वी, एट ऑल। अर्ली कोलेक्टॉमी इन स्टीरॉइड–रेफ्रेक्टोरी एक्यूट सीवीयर अल्सरेटिव कोलाइटिस इम्प्रूव्स ऑपरेटिव आउटकम. ट्रॉप गेस्ट्रोइंटेरोल 2016; 36 : एस 42.
217. सहारे पीडी, सिंह एम, कुमार पी. इफेक्ट ऑफ एनीलिंग एण्ड इम्प्योरिटी कंसेंट्रेशन ऑन द टीएल करैट्रिस्टिक्स ऑफ नैनोक्रिस्टलाइन एमएन–डॉप्ड सीएएफ2. *रेडिएशन मेजरमेंट्स* 2015; 80 : 29–37.
218. सलुजा एस, भट्टाचार्य ए, खेरा एन, अग्रवाल एस के, अंसारी एमटी, मैनेगुली वी एट ऑल। कम्पेयरिंग मैकेनिकल स्टीफनेस, ईएमटी/एमईटी एण्ड स्टेमनेस इन कोलॉन कार्सिनोमा सेल लाइन्स एण्ड ह्यूमन बोन मैरो डिराइव्ड मैसनकाइमल स्टेम सेल्स. *इंडियन जे क्लिनल बायोकैम* 2015; 30 (सप्पल 1) : एस 86– एस 87.
219. शंकर एम, सिंह जे, मुनाव्वर ए, काबरा एसके, सूद आर, प्रनीथ एम. एट ऑल। जीनोटाइप्स ऑफ माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस आइसोलेटिड फ्रॉम ब्लड ऑफ एक्टिव ट्यूबरक्युलोसिस पेशेंट्स. *इंट जे इंफेक्ट डिस* 2016; 45 (पूरक 1) : 409.
220. सतीजा ए, सिं वी, सिंह एसपी, मिश्रा एस, भटनागर एस. द इम्पैक्ट ऑफ पेन ऑन क्वालिटी ऑफ लाइफ ऑफ पेशेंट्स विद एडवांस्ड कैंसर. *इंडियन जे पैलिएट केयर* 2016; 22 (2) : 201.
221. सेबस्टीयन एस, धवन बी, मल्होत्रा आर, कपिल ए, चौधरी आर, श्रीनिवास वी, एट ऑल। माइक्रोबियल प्रोफाइल ऑफ प्रोस्थेटिक जॉइंट इंफेक्शन्स एण्ड इफेक्टिवनेस ऑफ सेफुरोजाइम प्रोफिलेक्सिस : एक्सपीरियंस फ्रॉम ए टर्शरी केयर हॉस्पीटल. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इफेक्शस डिजीज* 2016; 45 : 123.
222. सेठी ए, शर्मा ए, कच्छवा जी, कुमारी एआर, कुलश्रेष्ठ वी, शंकर जे. एट ऑल। सेक्सेसफुल मैनेजमेंट ऑफ हिनोच शोनेलेइन पुरपुरा इन प्रेग्नेंसी : ए केस रिपोर्ट.*एओजीडी बुलेटिन ऑन क्रिटिकल केयर इन ऑब्स्टेट्रिक्स* 2016; 15 (10) : 119
223. सेतुरमन जी, मरवाहा आरके, छल्ला ए, येनामंद्रा वीके, रामकृष्णनन एल, ठुल्कर एस एट ऑल। ए न्यू प्रोमिसिंग थेरैपी फॉर कंजैनाइटल इक्थियोसिस. पीडियाट्रिक्स 2016; 137 : 1–5.
224. शाह बी, यादव पी, अम्बेडकर ए, मंडल पी. जेंडर सेंसिटिव सबस्टेंस यूज ट्रीटमेंट सर्विसिस : चैलेंजिस एण्ड ऑपच्युर्निटीस. *इंडियन जे साइकियाट्री* 2016; 58 (सप्पल 1) : एस 68.
225. शाक्या एस, सुरोलिया वी, फारूक एम, श्रीवास्तव एके, सिंह आई, गर्ग ए, मुखर्जी एम, शुक्ला जी. गोयल वी, बेहरी एम. ए यूनिक कॉम्बीनेशन ऑफ स्पीनोसेरेबेलर एटेक्सिया टाइप 2 एण्ड 3 म्यूटेशन्स इन ए पेशेंट. मूवमेंट डिस्ऑर्डर्स, 2015; 30 (सप्पल.1) : एस 366.
226. शालीमार, कुमार आर, शर्मा एच, नायक बी, वासुदेवन एस, कपिल ए, एट ऑल। एसोसिएशन बिटवीन हाइपर अमोनिया एण्ड इंफेक्शन इन एक्यूट लिवर फेल्योर. *जे क्लिन एक्सप. हिपेटॉल 2015*; 5 (सप्पल 2) : एस 5.
227. शर्मा ए, आनंद वी, शर्मा ए, सेठ ए, शर्मा एम. रोल ऑफ फंक्शनल डिटरमिनेट्स ऑफ टीएच17 एंड ट्रेग सेल्स इन इम्यून इंवेजन ऑफ यूरोथिलियल कार्सिनोमा ऑफ ब्लेडर : एन्नल्स ऑफ ओंकोलॉजी 2015;

26 (सप्पल 8) : viii5–viii14.
228. शर्मा ए, शर्मा एम. अग्रवाल एम, खान आर. मॉड्यूलेटरी इफेक्ट्स ऑफ कीमोरेडिएशन ऑन एक्सप्रेशन ऑफ एंजियोजेनिक फेक्टर्स एण्ड लेमिनिन इन सर्वाइकल कैंसर्स. *इंट जे गायने कैंसर* 2015; 25 (सप्पल 19) : 164–65.
229. शर्मा एम, खान आर, शर्मा ए, अग्रवाल एम, शर्मा ए एंजियोजेनिक फेक्टर्स एण्ड लेमिनिन एक्सप्रेशन इन सर्वाइकल कैंसर : कोरेलेशन विद ट्रीटमेंट रिसपॉन्स. *एन्नल्स ऑफ ओंकोलॉजी* 2015; 26 (सप्पल 8) : viii12–viii12.
230. शर्मा एम, शर्मा ए. ऑल रेडिएशन फ्रेक्शन कीमो–सेंसिटाइजेशन इन "बियोन्ड एफआईजीओ" स्टेज बल्की यूटेराइन सर्विक्स कैंसर्स : ट्रीटमेंट आउकम्स. *इंट जे गायनी कैंसर* 2015; 25 (सप्पल 19) : 923–24.
231. शर्मा पी, गुप्ता आर, सागर आर. साइकोसिस एंड मेडिएशन. *इंडियन जे साइकियाट्री* 2015; 57 (सप्पल) : एस 83
232. शर्मा पी, मेहता एम, सागर आर, एफिकेसी ऑफ ग्रुप ट्रांसडायग्नोस्टिक कॉग्निटिव बिहेवियर थेरैपी इन एंडोल्सेंट्स विद कमोर्बिड हेडेक एण्ड एंग्ज़ाइटी डिस्ऑर्डर. *इयूर साइकियाट्री* 2015; 30 : 853.
233. शर्मा एस, मणिगंदन डी, सहाय पी, बिस्वास ए, सुब्रामणि वी, चंदर एस. एट ऑल। इंफ्लुएंस ऑफ क्लिपिंग पीटीवी इन ब्लिड–अप रीजन ऑन आईएमआरटी प्लान क्वालिटी एण्ड डिलीवरेबिलिटी. *मेड फिस* 2015; 42 : 3447.
234. शर्मा एसके, अजमाणि एस, शर्मा ए, सिंह एस, सिन्हा एस, विष्णुभाटला एस. कम्पेरिजन ऑफ इफिकेसी ऑफ डिफरेंट ट्रीटमेंट रिजिमेन्स इन पल्मोनरी हाइपरटेंशन सेकेंडरी टू लंग डिजीज एंड/और हाइपोक्सिया. *एम जे रिस्पिर क्राइट केयर मेड* 2014; 189 : ए1892
235. शर्मा वी, मेहता एम, सागर आर. इफेक्ट ऑफ मेटा– कॉगनिटिव थेरैपी ऑन पेशेंट्स ऑफ डिप्रेशन : ए केस सीरिज फ्रॉम इंडिया. *इयूर साइकियाट्री* 2016; 33 : एस 522–3.
236. श्रीवास्तव पी, देसाई पी, नायक बी, डोगरा पीएन. रोबोटिक असिस्टेड एक्सटेंडिड इंटीरियर पिलोलिथोटॉमी फॉर स्टेगहॉर्न स्टोन. इंडियन जे यूरोल 2016; 32 : एस164
237. श्रीवास्तव पी, नाय्यर आर, सेठ ए, डोगरा पीएन. इंजी. एग–शेल किडनी : ए रेयर प्रजेंटेशन ऑफ यूरेटेरोपेलविक जंक्शन ऑब्स्ट्रक्शन इंडियन जे यूरोल. जनवरी 2016 32 सप्पल 1, एस 147
238. शुक्ला एके, नायक बी, कुमार आर सेठ ए, डोगरा पीएन. चेंजिंग टेंड्स इन रीनल ट्यूमर सर्जरी. इंडियन जे यूरोल 2016; 32 : एस 128
239. शुक्ला एके, नायक बी, कुमार आर, सेठ ए, डोगरा पीएन. इंजुरीज़ डू नॉट ऑलवेज नीड कंवर्जन. इंडियन जे यूरोल. 2016; 32 (सप्पल1) : एस 128
240. शुक्ला जी. स्लीप एण्ड रिफ्रेक्टरी एपिलेप्सी : मैकेनिज्मस इम्पैक्टिंग ट्रीटमेंट आउटकम्स. जे न्यूरोल साइं. 2015; 357 : ई 482.
241. सिंह ए, साहू पी, काबरा वी. एट ऑल। टी1 मैपिंग ऑफ हयसूमन ब्रेस्ट टिशू यूजिंग टी1 और टी2 और पीडी वेटेड एमआरआई इमेजिस एट 3टी. प्रोसीडिंगस ऑफ जॉइंट एनुअल मीटिंग आईएसएमआरएम –ईएसएमआरएमबी इन टोरोंटो, ओंटेरियो, कनाडा, 2015. पी–1085. (ई. के. जेवोस्की एवॉर्ड)
242. सिंह एएन, पाल एस, दास एनआर, मधुसुधन केएस, टंडन एन, साहनी पी. टू कोरेलेट रिडक्शन इन पैनक्रिएटिक पेरेंकाइमा फ्लोइंग पैनक्रिएटिकोड्कओडेनेक्टॉमी विद रिक्स ऑफ न्यू – ऑनसेट डायबिटीज़ यूजिंग मल्टी डिटेक्टर रो कम्प्यूटिड टेमोग्राफी इमेजिंग वॉल्यूमेट्री. ट्रॉप गेस्ट्रोएंटरोल 2016; 36 : एस 105.
243. सिंह एच, हल्दर ए, नारंग आर, डे एबी. एसोसिएशन ऑफ मेजर जेरियाट्रिक सिंड्रोम्स विद हार्ट फेल्योर इन ओल्डर पेशेंट्स ऑफ ए टर्शरी केयर हॉस्पीटल. *जे इंडियन अकैड. जेरियाट्र* 2015; 11(एस) : 4.

244. सिंह आई, शाक्या एस, फारूक एम, श्रीवास्तव एके, पदमा एमवी, बिहारी एम, मुखर्जी एम. इंडिया शेयर्स द कॉमन माइटोकॉन्ड्रियल लिनेज विद कॉकेशियन्स विद इंक्रीज्ड लोड ऑफ माइटोकॉन्ड्रियल इन फ्रेडरीच एटेक्सिया (फ्रेडा) वेरिएशन्स मूवमेंट डिस्ऑर्डर्स, 2015; 30 (सप्पल 1) : एस 366.
245. सिंह जे, गुप्ता आर, प्रजापति डी, राव आर. यूज ऑफ ओपियम कंटेनिंग हर्बल ड्रग एण्ड एसोसिएटिड मानिया. इंडियन जे साइकियाट्री 2016; 58 (पूरक 1) : एस 155.
246. सिंह एल, पुष्कर एन, बक्शी एस, सैनी एन, सेन एस, ए. शर्मा एट ऑल। डीओ माइटोकॉन्ड्रियल डी–लूप म्यूटेशन्स प्ले ए रोल इन ह्यूमन रेटिनोब्लास्टोमा? पीडियाट्रिक ब्लड कैंसर 2015; 62 (4) : एस 143–418.
247. सिंह एम, बहरानी के, भाटिया आर, विभा डी, विष्णु भाटला एस, प्रसाद के. टेलीफोनिक रिव्यू ऑफ एपिलेप्सी पेशेंट्स इन इंडिया – ए रेंडोमाइज्ड पैरलल ग्रूप स्टडी. *जे न्यूरोलॉजी साइं* 2015; 357 : ई 157.
248. सिंह एम, कपूर एस, पैटरसन वी, प्रसाद ए, श्रीनिवास वी. मेकिंग एपिलेप्सी ट्रीटमेंट मोर अफॉर्डेबल : कैन रेशनेलाइजिंग पर्सक्रिप्शन्स रिड्यूस्ड कॉस्ट? न्यूरोलॉजी 2015; 84 (14 सप्पल) पी 3.199.
249. सिंह एम बी, राय एन, भाटिया आर, विभा डी, प्रसाद के. रीजन्स फॉर रेफरल डीले अमंगस्ट एपिलेप्सी सर्जरी कैंडिडेट्स इन इंडिया – ए क्वेशननायर बेस्ड स्टडी. एपिलेप्सिया 2015; 56 (सप्पल 1) : 3–263.
250. सिंह एमके, गुप्लाटी एस, अग्रवाल ए, चक्रबर्ती बी, पाण्डे आरएम, त्रिपाठी एम, काबरा एम : एफिकेसी ऑफ मॉडीफाइड एटकिन्स डाइट वर्सिस कीटोजेनिक डाइट इन चिल्ड्रन विद रिफ्रेक्टरी एपिलेप्सी एज्ड 1 इयर टू 18 इयर्स : ए रेंडोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल (आरसीटी) : पी1000 : एपिलेप्सिया, 56 (सपपल 1) : 3–262, 2015 :
251. सिंह प्रभजोत, कुमार ए, कपिल ए, डोगरा पीएन. टारगेटिड एंटीबायोटिक प्रोफीलेक्सि रिड्यूसिस इंफेक्शस कॉम्प्लीकेशन्स फ्लोइंग टीआरयूएस प्रोस्टेट बायोप्सी : डेटा फ्रॉम ए डेवलपिंग कंट्री. इयूर यूरोल सप्पल 2016; 15 (3) : ई158
252. सिंह प्रभजोत, सिंह ए, डोगरा पीएन. आउटकम एनालाइसिस ऑफ ट्रांसपेरिटोनियल वर्सिस एक्स्ट्रापेरिटोनियल रोबोट असिस्टेड रेडिकल प्रोस्टेटेक्टॉमी. बीजेयूआई 2016 सप्पल 1,13–4
253. सिंह आर, मुखर्जी ए, काबरा एसके, लोधा आर, दास बीके. अटेन्यूएटिड रेस्टिंग मेमोरी बी सेल कम्पार्टमेंट इन एचआईवी इफेक्टिड चिल्ड्रन डिस्पाइट हाइली एक्टिव एंटीरेट्रोवायरल थेरैपी (एचएएआरटी). *इंट जे. इफेक्ट डिज.* 2016; 45 : 32.
254. सिंह एसपी, सतीजा ए, सिंह वी, मिश्रा एस, भटनागर एस. इवेल्यूएशन ऑफ टोटाल पैन इन कैंसर पेशेंट्स इन इंडियन कंटेक्स्ट : ए पायलट स्टडी. *इंडियन जे पालियट केयर* 2016; 22 (2) : 201.
255. सिंह टी, अम्बेडकर ए, मिश्रा एके. राव आर, अग्रवाल ए, ''नॉलेज एटिट्यूड बिलीफस एण्ड प्रैक्टिस ऑफ इंजेक्टिंग ड्रग यूजर्स : ए मल्टी साइट स्टडी फ्रॉम नॉर्थ इंडिया'', इंडियन जे साइकियाट्री 2016; 58 (सप्पल 1) : एस 90
256. सिंगला ए, खट्टर एन, नय्यर आर, मेहरा एस, गोयल एच, सूद आर. डू द स्कोरिंग सिस्टम्स रिएली प्रीडिक्ट स्टोन फ्री स्टेट्स आफ्टर पीसीएनएल? : ए प्रॉस्पेक्टिव स्टडी. इंडियन जे यूरोल. जनवरी 2016; 32 सप्पल 1, एस 92.
257. सिंगला ए, खट्टर एन, नैय्यर आर, मेहरा एस, सूद आर. मक्कड़ ए. एप्लाइंग स्कोरिंग सिस्टम्स टू डिटरमाइन स्टोन फ्री स्टेट्स आफ्टर पीसीएनएल : इज इट ए केकवॉल्क? इंडियन जे यूरोल. जनवरी 2016; 32 सप्पल 1, एस 92.
258. सिन्हा एस, महाजन एस, महाजन एस, शर्मा एसके. ए कम्पेरिजन ऑफ स्लीप डिस्ऑर्ड्र्ड ब्रीथिंग चेंजेस एण्ड क्वालिटी ऑफ स्लीप एण्ड लाइव इन एण्ड स्टेज रीनल डिजीज (ईएसआरडी) पेशेंट्स बिफोर एण्ड आफ्टर रीनल ट्रांसप्लांट *एम जे रेस्पीर क्रिट केयर मेड* 2014; 189 : ए 3611.

259. सोनी एन, डे एबी, द्विवेदी एसएन, मोहल ए. क्लिनिकल पैरामीटर्स अफेक्टिंग द प्रीवलेंस ऑफ ऑस्टियोपोरोसिस इन ओल्डर सीपीओडी पेशेंट्स. *जे इंडियन अकैड. जेरियाट्र* 2015; 11 (एस) : 6.
260. सूद एम, चड्डा आरके, देब केएस, वर्मा आर. इम्प्रूविंग कम्युनिकेशन्स विद द केयरगिवर्स ऑफ पर्सन्स विद मेंटल इलनेस. सिम्पोसिया *इंडियन जे साइकियाट्री* 2016; 58 (एस 1) : एस 33.
261. सूद आर, पाण्डे पी, कौशल डी, नय्यर आर, खट्टर एन. रोल ऑफ प्री–ट्रीटमेंट फेक्टर्स इन रिसपॉन्स ऑफ केस्ट्रेट रेजिस्टेंट प्रोस्टेट कैंसर पेशेंट्स टू डोकटेक्सल थेरैपी : द इंडियन एक्सपीरियंस. बीजेयू इंटरनेशनल. 2015; 116 (1 पूरक 1) :19
262. सूद एस, महाजन एन. सिंह आर, कपिल ए, दास बीके, श्रीनिवास वी. एट ऑल। पी05.07 नेसेरिया गोनोरिया मल्टीएंटीजन सिक्वेंस टाइपिंग (एनजी–मस्त) ऑफ आइसोलेट्स कलेक्टिड फ्रॉम एसटीडी पेशेंट्स इन दिल्ली, इंडिया. सैक्स ट्रेनसम इंफेक्ट 2015; 91 : ए 110–ए110.
263. श्रीवास्तव एके, फारूक एम, शाक्या एस, कुमारी आर, डाक्ले पी, दाश डी, मुखर्जी एम, गर्ग ए, शुक्ला जी, गोयल वी, बिहारी एम. ऑटोसोमल रिसेसिव सेरेबेलर अटेक्सियास इन इंडिया : जैनेटिक हिटेरोजैनेटी एण्ड म्यूटेशन स्पेक्ट्रम रिवील्ड बाय होल एक्सोम सिक्वेंसिंग. मूवमेंट डिस्ऑर्डर्स, 2015; 30 (सप्पल 1) : एस 366.
264. श्रीवास्तव एके, सिंह आई, फारूक एम, शाक्या एस, सुरोलिया वी, शुक्ला जी, गोयल वी, पदमा एमवी, बिहारी एम. क्लिनिको – जैनीटिक स्टडी ऑफ 96 फ्रेडा पेशेंट्स फ्रॉम नॉर्थ इंडिया. एन्न ऑफ इंडेकेड ऑफ न्यूरोल 2015 :18 (एब्स्ट्रैक्ट्स) : एस31.
265. श्रीवास्तव सी, इरशाद के, चट्टोपाध्याय पी, सरकार सी, गुप्ता डी, सिन्हा एस. एट ऑल ए पॉजीटिव कोरेलेशन बिटवीन सेल एण्ड एसओएक्स2 एक्सप्रेशन इन हाइपॉसिक जीबीएम. इयूर जे कैंसर 2015; 51 : एस 587.
266. श्रीवास्तव पी, मेहता एम, सागर आर, अम्बेडर ए. कम्पयूटर असिस्टेड कांग्निटिव बिहेवियर थेरैपी फॉर एंडोलसेंट्स विद डिप्रेशन – ए पायलट स्टडी. *इयूर साइकियाट्री* 2015; 30 : 427.
267. श्रीवास्तव आर, बत्रा ए, त्यागी ए, धवन डी, रामकृष्णन एल, बक्शी एस. एडिपोनेक्टिन कोरेलेट्स विद ओबेसिटी : ए स्टडी ऑफ 159 चाइल्डहुड एक्यूट ल्यूकेमिया सर्वाइवर्स फ्रॉम इंडिया. इंडिया जे कैंसर 2016; 52 : 195–7.
268. श्रीवास्तव एस, कृपलानी ए, माहे आर, कच्छवा जी, कुलश्रेष्ठ वी, कुमारी आर. ए ट्विस्टेड टेल ऑफ प्रेग्नेंसी. *एओजीडी बुलेटिन ऑन क्रिटिकल केयर इन ऑब्स्टेट्रिक्स* 2016; 15 (10) : 118.
269. सूरज कुमार एन, प्रधान आर, सावन बी, केदिया एस, राजन डी, प्रताप मोली वी, एट ऑल। इवेल्यूएशन ऑफ एक्स्पर्ट एमटीबी / आरआईएफ एसे परफॉर्मेन्स इन डायग्नोसिस ऑफ एब्डोमिनल ट्यूबरक्यूलोसिस एण्ड ड्रग रजिस्टेंस इन नॉर्थ इंडिया. *इंडियन जे गेस्ट्रोइंटेरॉल.* 2015; 34 (सप्पल 1) : ए 92.
270. सुरेन्द्रनाथ ए, खान आईए, पिल्ली एस, चौहान एसके, तिवारी वी, रामपाल आर, एट ऑल। डिजीज बिहेवियर एण्ड ट्रीटमेंट आउटकम्स इन क्रोहन डिजीज एण्ड इंटेस्टाइनल ट्यूबरक्यूलोसिस पेशेंट्स विद और विद आउट मैप इंफैक्शन. *इंडियन जे गेस्ट्रोइंटेरॉल* 2015 : 34 (सप्पल 1) : एस–आई6.
271. स्वैन आर, कुमार ए, साहू जे, लक्ष्मी आर, सुप्ता एसके, भारद्वाज डीएन, एट ऑल। एस्टीमेशन ऑफ पोस्ट मॉर्टम इंटर्वल : ए कम्पेरिजन बिटवीन सेरेब्रोस्पाइनल फ्लुइड एण्ड विट्रअस ह्यूमर कैमिस्ट्री. जे फोरेंसिक लेग मेड 2015; 636 : 144–8
272. स्वामी पी, आनंद एस, पाणिगृही बीके, गांधी टी, संतोष जे. एप्लीकेशन ऑफ फोटोप्लेथिस्मोग्राफी फॉर ब्रेन – कम्प्यूटर इंटरफेस : ए पायलट स्टडी. आईईईई प्रोसीडिंग ऑफ इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन रिलियबिलिटी, इंफोकॉम टेक्नोलॉजीस एण्ड ऑप्टिमाइजेशन, नोएडा, इंडिया, पीपी. 1—4. डीओआई :10. 1109/आईसीआरआईटीओ.2015.7359311

273. स्वामी पी, आनंद एस, पाणिगृही बीके. ऑटोमेटिक डिटेक्शन ऑफ एपिलेप्टिफॉर्म सिग्नेचर्स इन इलेक्ट्रोइंसेफेलोग्राफी. प्रोसीडिंग्स ऑफ 7 इंटरनेशनल वर्कशॉप ऑन सीज़र्स प्रीडिक्शन (आईडब्ल्यूएसपी7) कॉन्फ्रेंस, यूनिवर्सिटी ऑफ मेलबोर्न, ऑस्ट्रेलियां
274. स्वाति, कुलश्रेष्ठ वी, शर्मा ए, कुमारी आर, शर्मा जेबी, कच्छवा जी, एट ऑल। एमर्जेंसी पेरिपाटर्म हिस्टेरेक्टॉमी – ए लाइफ सेविंग प्रोसीजर. *एओजीडी बुलेटिन ऑन क्रिटिकल केयर इन ऑब्स्टेट्रिक्स* 2016; 15 (10) : 108.
275. स्वीटी, गोडियाल एके, सिंह एन, आनंद एस, पाणिगृही बीके, संतोष जे. विजुअलाइजेशन टूल फॉर ईईजी सिग्नल सेगमेंटेशन. प्रोसीडिंग्स ऑफ आईसीएसपीआईएन 2016 : 18 इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन सिग्नल प्रोसेसिंग एण्ड इंटीग्रेटिड नेटवर्क, पेरिस, फ्रांस, फरवरी 22–23, 2016.
276. टक्कर ए, फारूक एम, शाक्या एस, गर्ग ए, श्रीवास्तव एके. केस ऑफ स्पिनोसेरेबेलर अटेक्सिया टाइप – 12 एसोसिएटिड विद ओनली 43 सीएजी रिपीट्स इन पीपीपी2आर2बी जीन. मूवमेंट डिसऑर्डर्स 2015; 30 (सप्पल 1) : एस 367.
277. तमूली डी, फारूक एम, जरयाल एके, श्रीवास्तव एके, दीपक केके. सिम्पेथिटिकली इंड्यूस्ड सुडोमोटर एण्ड कोल्ड प्रेसर टेस्ट इन पेशेंट्स ऑफ स्पिनोसेरेबेलर अटेक्सिया 2 : ए प्रीलिमिनरी स्टडी. मूवमेंट डिसऑडर्स, 2015; 30 (सप्पल 1) : एस 367.
278. तंवर आर, पाण्डे पी, गोयल एच, नय्यर आर, खट्टर एन, सूद आर. इंडोयूरोलॉजिकल मैनेजमेंट ऑफ अनयुजुअल फॉरेन बॉडीज़ ऑफ द यूरिनरी ब्लेडर : आवर एक्सपीरियंस. इंडियन जे यूरोल. जनवरी 2016; 32 सप्पल 1, एस 112.
279. तायवाडे एस, कुमार आर, दामले एन, त्रिपाठी एम, शमीम एसए, बाल सीएस. रोल ऑफ 18 एफ – एफडीजी पीईटी – सीटी इन रीस्टेजिंग ऑफ पेशेंट्स विद प्रीमिटिव न्यूरोएक्टोडर्मल ट्यूमर. *जे न्यूक्लि मेड* 2015; 56 : 1421.
280. ठाकुर एस. असेस्टमेंट ऑफ पैलिएटिव केयर नीड्स इन ओल्डर कैंसर पेशेंट्स. *जे इंडियन अकैड. जेरियाट्र* 2015; 11 (एस) : 55.
281. थेरगोंकर आर, भारद्वारज एस, हरी पी, कालरा एस, सिन्हा ए, बंसल वी, एट ऑल। पोस्ट–ट्रांसप्लांट लिम्फोप्रोलिफरेटिव डिसऑर्डर : एक्सपीरियंस फ्रॉम ए पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी यूनिट इन नॉर्थ इंडिया. *पीडियाट्रिक ट्रांसप्लाटेंशन* 2015; 19 : 19–64.
282. तिवारी डीपी, नायक बी, कुमार आर, सेठ ए, डोगरा पीएन. कम्पेरिजन ऑफ ऑपेरेटिव आउटकम्स ऑफ ओपन, लेपेरोस्कोपिक एण्ड रोबोटिक पार्शियल नेफ्रेक्टॉमी : ए सिंगल सेंटर एक्सपीरियंस ऑफ 5 इयर्स. इंडियन जे यूरोल 2016; 32 : एस 87
283. तिवारी डीपी, नायक बी, कुमार आर. लेपेरोस्कोपिक रिपेयर ऑफ इंफीरियर वेना केव रेंट : इंट्रा – ऑपरेटिव इंजरीज़ डू नॉट ऑलवेज नीड कंवर्जन. इंडियन जे यूरोल 2016; 32 : एस 164
284. तोलेहुनेस एमआर, सागर आर, खान एस, दादा आर. ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस एण्ड एसेलेरेटिड एजिंग इन एमडीडी. जे इंट सोक एंटियोक्सिड न्यूट्रि हेल्थ 2015; 1.
285. तोमर जीएस, सिंह जीपी, बिठल पीके. कम्पेयर द इफेक्ट्स ऑफ 2 डिफरेंट टेक्नीक्स ऑफ चेस्ट फिजियोथेरैपी ऑन इंट्राक्रेनियल प्रेशर इन ट्रॉमेटिक ब्रेन इंजरी पेशेंट्स : ए रेंडोमाइज्ड क्रॉस ओवर स्टडी. जे न्यूरोसर्ज एनेस्थिसियोल. 2016; 28 : एस 18.
286. वेलोनथिएल, वारी एन, अहमद ए, सक्सेना डी, वालिया आर, अय्यर वीके, एट ऑल। जिपीकैन –3 एज ए नोवल मार्कर ऑफ प्रोग्नोसिस इन विल्यम्स ट्यूमर. पीडियाट्रिक ब्लड कैंसर 2015; 62 : S4.
287. वार्ष्णे एम, महापात्रा ए, कृष्णन वी, गुप्ता आर, देब केएस. वायलेंस एण्ड मेंटल इलनेस : वॉट इज द ट्रू स्टोरी? जे एपिडेमियोल कम्युनिटी हेल्थ 2016; 70 (3) : 223–5.

288. वेंकटरमन वी, अंजाना आरएम, प्रदीपा आर, दीपा एम, जयाश्री आर, एंबालागन वायपी, आदि स्टेबिलिटी एण्ड रिलिएबिलिटी ऑफ ग्लीकेटिड हिमोग्लोब इन मेजरमेंट इन ब्लड सैम्पल स्टोर्ड एट – 200सी. जे डायबिटीज़ कॉम्प्लीकेशन्स 2015; 30 : 121–5.
289. वेणुगोपाल जी, कंडेला आर, कुमार वी, अम्बाष्ठा ए, जठर एस, चटर्जी पी, एट ऑल। इम्पैक्ट ऑफ न्यूट्रिशन एण्ड एक्सरसाइज इन फ्रेल ओल्डर पेशेंट्स इन ए टर्शरी केयर हॉस्पिटल इन इंडिया. जे फ्रेलिटी एजिंग 2015; 4 (सप्पल 1) : 51.
290. वेणुगोपाल जी, नविनाथ एम, डे एबी. वेलिडेटिंग टू न्यू क्लिनिकल क्राइटेरिया फोर डिटेक्शन ऑफ फ्रेलिटी एमंग ओल्डर इंडियन्स. *जे इंडियन अकैड. जेरियाट्र* 2015; 11 (एस) :18.
291. वर्मा ए, जैन आर, धवन ए, लक्ष्मी आर. असेस्टमेंट ऑफ लिपिड पेरॉक्सीडेशन बायोमार्कर मेलोंडी–एल्डीहाइड एमंग एडोलसेंट इनहैलेंट यूजर्स. इंडियन जर्नल ऑफ फार्माकोलॉजी 2015; 47 : एस 145.
292. वर्मा आर, दुदानी के, मिना एस, गोयल एस. इलेक्ट्रोफिजियोलॉजी एज डायग्नोस्टिक टूल इन साइकियाट्री. सिम्पोसिया *इंडियन जे साइकियेट्री* 2016; 58 (एस 1) : एस 30.
293. विमल ए, आनंद एस, भासिन एस, स्वामी पी, शर्मा एस. ब्रेस डिजाइन फॉर नी–एंगल मेजरमेंट इन ह्यूमर गेट यूजिंग इंफ्रारेड सेंसर. आईईईई प्रोसीडिंग ऑफ इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन सिगनल प्रोसीडिंग एण्ड कम्युनिकेशन्स, नोएडा, इंडिया. डीओआई : 10.1109/ICSPCom.2015.7150647.
294. यादव डीके, बग्गा डी. आचार्य एस. नियोनेटल सार्कोकोसिजियल टेरेटोमा – अर्ली कम्प्लीकेशन एण्ड लॉन्ग टर्म ऑउटकम. पीडियाट्र ब्लड कैंसर 2015; 62 (एस4) : पी 666.
295. यादव पी, सागर आर, मंजूनाथ एन. टोकोफोबिया : ए मोर्बिड फीयर ऑफ चाइल्ड बर्थ. *इंडियन जे साइकियाट्री* 2015; 57 (सप्पल) : एस150.
296. यादव एस, नैय्यर आर, सिंह पी, सैनी एके, कुमार आर, सेठ ए, डोगरा पीएन. यूटेरोपेलविक जंक्शन ऑब्स्ट्रक्शन : मिडटर्म आउटकम्स ऑफ पिलोप्लास्टी इन वेरी पुअली फंक्शनिंग किडनीज़. इंडियन जे यूरोल 2016; 32 : एस 85.
297. चौहान एस, सैनी के, बिसोई एके. कम्पेरिजन ऑफ पैरेस्टर्नल इंटरकॉस्टल ब्लॉक यूजिंग लिग्नोकैन, रोपिवैकेन और बूपिवैक्सीन फॉर पोस्टऑपरेटिव एनालजेसिया इन चिल्ड्रन अंडरगोइंग कार्डिक सर्जरी. वर्ल्ड जे पीडियाट्र कंजैनाइट हर्ट सर्ज 2016; 7 (2) : 267.

पुस्तकों में अध्याय

1. आथिरा आर, जैन वी. टाइप 1 डायबिटीज मेलिट्स : एडवांस इन मैनेजमेंट. इन : गुप्ता एस (एड). रिसेंट एडवांसेस इन पीडियट्रिक्स वॉल 23 : हॉट टॉपिक्स. फर्स्ट एडिसन नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2015 : 165–79.
2. अग्रवाल के, जगन्नाथन एनआर. न्यूक्लियर मैग्नेटिक रिसोनेंस (एनएमआर) एण्ड मैग्नेटिक रिसोनेंस इमेजिंग (एमआरआई). इन : घातक ए, पाठक ए, शर्मा वीपी (डीडीएस.) लाइट एण्ड इट्स मैनी वंडर्स. नई दिल्ली : एम/एस. वीवा बुक्स प्रा. लि.; 2015 : 393–423.
3. अग्रवाल एन, अग्रवाल एल, चुम्बर एस. मेल जेनिटेलिया. इन : चुम्बर एस (इडी). क्लिनिकल सर्जरी. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स ; 2015 : 520–38.
4. अग्रवाल एस. पीडियाट्रिक सर्जरी. इन चुम्बर एस (इडी). क्लिनिकल सर्जरी प्रथम संस्करण नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2015 :1027-44.
5. अग्रवाल एल, सुहानी, शर्मा एपी, चुम्बर एस. मेडिको–लीगल आस्पेक्ट्स ऑफ सर्जरी. इन : धवन आईके, चुम्बर एस, गुप्ता ए (संपा.). इनीशियल्स ऑफ सर्जरी. दूसरा संस्करण. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स; 2016.

6. अग्रवाल एन, देव एसवीएस, तुदु एसके, अग्रवाल एस, गुप्ता ए, चुम्बर एस. रेट्रोपेरिटोनियम. इन : चुम्बर एस (संपा.). क्लिनिकल सर्जरी प्रथम संस्करण नई दिल्ली : ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2015 : 995-1001.
7. अग्रवाल आर, साहनी पी. द रिजल्ट सेक्शन. इन : साहनी पी, अग्रवाल आर (संपा.). रिपोर्टिंग एण्ड पब्लिशिंग रिसर्च इन बायोमेडिकल साइंस. पहला संस्करण. नई दिल्ली : नेटल मेड जे इंडिया; 2015 : 24–44.
8. आहुजा वी, मौली पीवी. बेसिक कंसीडरेशन इन गेस्ट्रोइंटेरोलॉजी. इन : मुंजाल वायपी (संपा.). एपीआई टेक्स्ट बुक ऑफ मेडिसिन. 10वां संस्करण. मुम्बई : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2015 : 1034–7.
9. अजमानी एस, शर्मा एसके. नॉन–कम्युनिसिबल डिजीज. इन : जेपी नारायण (संपा.). क्रोनिक ऑब्स्ट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज : एपिडेमियोलॉजी एण्ड मैनेजमेंट. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर.
10. अम्बेडकर ए, गोयल एस. क्लिनिकल प्रैक्टिस गाइडलाइन्स फॉर ट्रीटमेंट ऑफ एम्फीटेमिन टाइप स्टिमुलेंट्स. इन : बासु डी, दलाल पीके (संपा.). क्लिनिकल प्रैक्टिस गाइडलाइन्स ऑन न्यूवर एण्ड इमर्जिंग एडडिक्टिव डिस्ऑर्डर्स इन इंडिया. नई दिल्ली : इंडियन साइकियाट्रिक सोसाइटी; 2016 :
11. एप्सिंगी एस, इचेमपति केके, मल्होत्रा आर. ऑर्थोस्कोपिक सिंगल बंडल पोस्टीरियर क्रुसिएट लिगामेंट (पीसीएल) रिकंस्ट्रक्शन विद हैमस्ट्रिंग्स ग्राफ्ट. इन : मल्होत्रा आर, एप्सिंगी एस, इकेमपति केके, गौतम डी (संपा.). मास्टरिंग ऑर्थोपेडिक टेकनीक्स –नी रिकंस्ट्रक्शन. प्रथम संस्करण दिल्ली : जेपी पब्लिशर्स; 2016 : 113–22.
12. एप्सिंगी एस, इचेमपति केके, मल्होत्रा आर. ऑस्टियोकोंड्रियल ऑटोग्राफ्ट ट्रांसफर. इन : मल्होत्रा आर, एप्सिंगी एस, इचेमपति केके, गौतम डी (संपा.). मास्टरिंग ऑर्थोपेडिक तकनीकें –नी रिकंस्ट्रक्शन. प्रथम संस्करण दिल्ली : जेपी पब्लिशर्स; 2016 : 317–22.
13. एप्सिंगी एस, इचेमपति केके, मल्होत्रा आर. पोस्टरोलेटरल कॉर्नर रिकंस्ट्रक्शन : द मॉडीफाइड लार्सन तकनीकें. इन : मल्होत्रा आर, एप्सिंगी एस, इचेमपति केके, गौतम डी (संपा.). मास्टरिंग ऑर्थोपेडिक तकनीकें –नी रिकंस्ट्रक्शन. प्रथम संस्करण दिल्ली : जेपी पब्लिशर्स; 2016 : 149–56.
14. अरोड़ा एमके, बैदया डीके. सेंट्रल वेनस कैथेटर मैनेजमेंट गाइडलाइन्स. इन : मल्होत्रा एसके (संपा.). प्रैक्टिस गाइडलाइन्स इन एनेस्थिसियां बाय इंडियन सोसाइटी ऑफ एनेस्थिसियोलॉजिस्ट. पहला संस्करण. जेपी ब्रदर्स; 2016 : 76–8.
15. अरोड़ा एमके, खन्ना पीके. बैद्या डीके. वीडियो अस्सिटेड थोरेकोस्कोपिक सर्जरी : एनेस्थेटिक कंसीडरेशन्स. इन : सहगल आर, त्रिखा ए (संपा.). इयरबुक ऑफ एनेस्थिसियोलॉजी–5 बाय इंडियन कॉलेज एनेस्थिसियोलॉजिस्ट. 5वां संस्करण. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स ; 2016 : 290–8.
16. आसुरी के, बंसल वीके, चुम्बर एस, गुप्ता ए. लिम्फैटिक्स एण्ड लिम्फ नोड्स. इन : धवन आईके, चुम्बर एस, गुप्ता ए (संपा.). एसेंशियल्स ऑफ सर्जरी. दूसरा संस्करण. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स ; 2016 :1225–35.
17. आसुरी के, बंसल वीके, महाजन आर, धर ए, चुम्बर एस. आर्टरीज इन : धवन आईके, चुम्बर एस, गुप्ता ए (संपा.). एसेंशियल्स ऑफ सर्जरी. दूसरा संस्करण. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स ; 2016 : 1236–59.
18. आसुरी के, प्रसाद आर, अग्रवाल एस, चुम्बर एस, मिश्रा एमसी, अग्रवाल एल. हर्निया. इन : चुम्बर एस (संपा.). क्लिनिकल सर्जरी. प्रथम संस्करण नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल; 2015 : 1008-26.
19. आसुरी के, राठौर वायएस, बंसल वीके, शाद एसके, चुम्बर एस. वेन्स. इन : धवन आईके, चुम्बर एस, गुप्ता ए (संपा.). एसेंशियल्स ऑफ सर्जरी. दूसरा संस्करण. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स ; 2016 : 1260–71.
20. बागरी एनके. एबोला वायरस डिजीज. इन : गुप्ता पी (संपा.). टेक्स्टबुक ऑफ कम्युनिटी मेडिसिन. तीसरा संस्करण. नई दिल्ली : सीबीएस पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स; 2016 : 337–40. इनीशियल्स ऑफ सर्जरी

21. बल्हारा वायपीएस, गुप्ता आर, ओलेंका, रजना, टोंका *एट ऑल* / प्रोबलेमेटिक इटरनेट यूज एण्ड इट्स कोरेलेट्स फ्रॉम 3 मेडिकल स्कूल इन 3 कंट्रीज़, इन : अकैड. साइकियाट्री 2015 :
22. बल्हारा वायपीएस, प्रकाश एस, कालरा एस. साइकोलॉजिकल स्ट्रेस एण्ड रोल ऑफ रिलेक्सेशन रिस्पॉन्स इन डायबिटीज़. इन : श्रीधर जीार (संपा.). एडवांस इन डायबिटीज : नोवल इनसाइट्स. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (प्रा.) लि.; 2016 : 1–16.
23. बल्हारा वायपीएस, प्रकाश एस, महापात्रा ए, सरकार एस. ड्यूल डायग्नोसिस : साइकोटिक डिस्ऑर्ड्स. इन : बासु डी, दलाल पीके, बल्हारा वायपीएस (संपा.). क्लिनिकल प्रैक्टिस गाइडलाइन्स ऑन न्यूअर एण्ड इमर्जिंग एडडिक्टिव डिस्ऑर्ड्स इन इंडिया. इंडियन साइकियाट्रीक सोसाइटी; 2016 : 263- 308.
24. बल्हारा वायपीएस, सिंह एस. रिलेशनशिप बिटविन शाइजोफर्निया, एंटी साइकोटिक्स, एण्ड डिसग्लेसिमिया. इन : बजाज एस (संपा.). आरएसएसडीआई अपडेट – 2015. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (प्रा.) लि.; 2016 : 438–45.
25. बलियान वी, भल्ला एएस. इंफेक्शन्स ऑफ एक्स्टर्नल एण्ड मिडल इयर. इन : भल्ला एएस, जाना एम (संपा.). क्लिनिकोरेडियोलॉजिकल सीरिज़ : टेम्पोरल बोन इमेजिंग. पहला संस्करण. नई दिल्ली : जेपी पब्लिशर्स; 2016 : 87–103.
26. बलियान वी, भल्ला एएस. इंटरप्रेटिंग द चेस्ट रेडियोग्राफ. इन : गुप्ता एके, भल्ला एएस (संपा.). इमेजिंग ऑफ पीडियाट्रिक चेस्ट : एन एटलस. प्रथम संस्करण. नई दिल्ली : जेपी पब्लिशर्स; 2015 : 1–4.
27. बलियान वी, जाना एम. थोरेसिक मासेस। इन : गुप्ता एके, भल्ला एएस (संपा.). इमेजिंग ऑफ पीडियाट्रिक चेस्ट : एन एटलस. प्रथम संस्करण. नई दिल्ली : जेपी पब्लिशर्स; 2015 : 169–74.
28. बलियान वी, जाना एम. अल्ट्रासाउंड. इन : गुप्ता एके, भल्ला एएस (संपा.). इमेजिंग ऑफ पीडियाट्रिक चेस्ट : एन एटलस. प्रथम संस्करण. नई दिल्ली : जेपी पब्लिशर्स; 2015 : 15–22.
29. बनर्जी एस, यादव सीएस. टीएचए इन फ्रैक्चर इन अपर एण्ड ऑफ फेमूर, एन ऑपरेटिव मैनुअल ऑफ प्रोक्सिमल फिमोरल फ्रैक्चर्स, जे पी पब्लीकेशन, पहला संस्करण, फरवरी 2016
30. बंसल वी, महाजन आर, आसुरी के, चुम्बर एस. आर्टरीज़. इन : चुम्बर एस (संपा.). क्लिनिकल सर्जरी. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स ; 2015 : 59–75.
31. बंसल वी, महाजन आर, आसुरी के, चुम्बर एस. लिम्फेटिक्स. इन : चुम्बर एस (संपा.). क्लिनिकल सर्जरी. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स ; 2015 : 85–90.
32. बत्रा एस, मल्होत्रा आर. आउटकम मेजर ऑफ नी. इन : मल्होत्रा आर, एप्सिंगी एस, इचेमपति केके, गौतम डी (संपा.). मास्टरिंग ऑर्थोपेडिक टेकनीक्स –नी रिकंस्ट्रक्शन. प्रथम संस्करण दिल्ली : जेपी पब्लिशर्स; 2016 : 407–40.
33. बेरी जी, वर्मा केके, कुमार आर, चुम्बर एस. स्किन, हेयर एण्ड नेल्स. इन : चुम्बर एस (संपा.). क्लिनिकल सर्जरी – ए टेक्स्ट एण्ड अटलस. पहला संस्करण. दिल्ली : जेपी; 2016 : 186–202.
34. भल्ला एएस, जाना एम. कंवेंशनल रेडियोलॉजी. इन : मुंजाल वायपी (इडी). एपीआई टेक्स्ट बुक ऑफ मेडिसिन. 10वां संस्करण. नई दिल्ली : जेपी पब्लिशर्स; 2015 : 126–40.
35. भल्ला एएस. कंजेनाइटल एनोमेलिस ऑफ एक्स्टर्नल ऑफ मिडल इयर. इन : भल्ला एएस, जाना एम (संपा.). क्लिनिकोरेडियोलॉजिकल सीरिज : टेम्पोरल बोन इमेजिंग. पहला संस्करण. नई दिल्ली : जेपी पब्लिशर्स; 2016 : 51–65.
36. भल्ला एएस. इंटरस्टिशियल लंग डिजीज. इन : गुप्ता एके, भल्ला एएस (संपा.). इमेजिंग ऑफ पीडियाट्रिक चेस्ट : एन एटलस. प्रथम संस्करण. नई दिल्ली : जेपी पब्लिशर्स; 2015 : 137–55.
37. भल्ला एएस. नियोनेटल रेस्पेरेटरी डिस्ट्रेस. इन : गुप्ता एके, भल्ला एएस (संपा.). इमेजिंग ऑफ पीडियाट्रिक चेस्ट : एन एटलस. प्रथम संस्करण. नई दिल्ली : जेपी पब्लिशर्स; 2015 : 23–33.

38. भल्ला एएस. ट्यूबरक्युलोसिस. इन : गुप्ता एके, भल्ला एएस (संपा.). इमेजिंग ऑफ पीडियाट्रिक चेस्ट : एन एटलस. प्रथम संस्करण. नई दिल्ली : जेपी पब्लिशर्स; 2015 : 68–79
39. भारती एस जे, चौधरी टी. द ऑक्यूलोकार्डियक रिलेक्स. इन : चौधरी टी (संपा.). ट्रिजेमिनोकार्डिक रिलेक्स. पहला संस्करण. सैन डिएगो : इल्सेवियर, सीए : अकैडमिक प्रेस; 2015 : 89–99.
40. भारी एन, वर्मा केके. लेजर्स फॉर वेस्कुलर लेशन्स. इन : विश्वानाथ वी, गोपलानी वी (संपा.). कॉस्मेटिक डर्मेटोलॉजी : ए प्रैक्टिकल एण्ड एविडेंस बेस्ड एप्रोच. पहला संस्करण. दिल्ली : विले पब्लिशर्स; 2015 : 636–49.
41. भाटिया आर, चौधरी आर. एप्रोच टू माइलोपैथी. इन : प्रभाकर एस, सिंह जी (संपा.). डिफरेंशियल डायग्नोसिस इन न्यूरोलॉजी. प्रथम संस्करण नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स; 2015.
42. भाटिया आर, पंडित एके, प्रसाद के. इंट्रासेरेब्रल हिमोरेज. इन : चोपरा जेएस, साहनी आईएम (संपा.). न्यूरोलॉजी इन द ट्रॉपिक्स. दूसरा संस्करण. नई दिल्ली : इल्सेवियर; 2016.
43. भाटिया आर, पाठक ए. इंट्रासेरेब्रल हिमोरेज. इन : प्रभाकर एस. मोनोग्राम्स इन स्ट्रोक. प्रथम संस्करण नई दिल्ली : जेपी; 2015
44. भाटला एन, दाश बीबी. ह्यूमन पेपिलोमावायरस एण्ड परवोवायरस इंफेक्शन. इन : मंजुला वायपी, शर्मा एसके, *एट ऑल।* (संपा.). एपीआई टेक्स्टबुक ऑफ मेडिसिन. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (प्रा.) लि.; 2015 : 1569–79.
45. भाटला एन, राय एस. गोनाडल हेल्थ एण्ड स्क्रीनिंग. इन : अरोड़ा एम, उन्नी जे (संपा.). वर्ल्ड क्लिनिक्स ऑब्स्ट्रेक्टिक्स एण्ड गायनेकोलॉजी : पेरिमेनोपॉसल हेल्थ. वॉल्यूम 4. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (प्रा.) लि.; 2015 : 93–104.
46. भटनागर एस, गर्ग आर, गुप्ता एन. रीसेंट एडवांस इन ओंको–एनेस्थिसियां. इन : सहगल आर, त्रिखा ए, सिंह बी (संपा.). इयर बुक ऑफ एनेस्थिसियोलॉजी 2016. वॉल्यूम 5. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (प्रा.) लि.; 2015 : 100–19.
47. भटनागर एस. हाउ टू स्टार्ट एण्ड रन ए पेन क्लिनिक. इन : पैलिएटिव केयर इन पैन मैनेजमेंट दिल्ली : वीले इंडिया प्रा. लि. ; 2015 : 252 –257.
48. भटनागर वी, श्रीनिवास एम. ऑब्स्ट्रक्टिव नेफ्रोपैथी. इन : श्रीवास्तव आरएन, बग्गा ए (संपा.). पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी. छठवां संस्करण, नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2016 : 476-89.
49. भट्टाचार्या एच, कुमार ए, चुम्बर एस, अग्रवाल एस, अग्रवाल एन. पेरिटोनियम एण्ड पेरिटोनियल केविटी. इन : चुम्बर एस (संपा.). क्लिनिकल सर्जरी प्रथम संस्करण नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2015 : 694-703.
50. बिन्द्रा ए. इंटेंसिव केयर मैनेजमेंट ऑफ पेशेंट्स विद हैड इंजरी. इन : एसेशियल्स ऑफ ट्रॉमा एण्ड क्रिटिकल केयर.
51. बोथरा एम, जैन वी. एप्रोच टू हाइपोग्लाइसेमिया. इन : गुप्ता पी, मेनन पीएसएन, रामजी एस, लोधा आर (संपा.). पोस्टग्रेजुएट टेक्स्ट ऑफ पीडियाट्रिक्स. पहला संस्करण. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2015 : 143–49.
52. ब्राडले पीजे, ठाकर ए. ए टीनेजर एण्ड अर्ली एडल्ट प्रेजेंटिंग विद नेसल ऑब्स्ट्रक्शन. इन : अहमद जेड, मोर्टन आरपी, गिलेस एम (संपा.). सिम्पटम ओरिएंटिड एप्रोच टू ऑटोराइनोलेंरिजियोलॉजी – 2016. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2016.
53. चंद्रा कुमार एन. चैकलिस्ट फॉर यूज इन नियोनेट्स. इन : मुरकी एस, ठाकरे आर. (संपा.). आईएपी टेक्स्टबुक ऑफ प्रोटोकॉल्स इन नियोनेटोलॉजी. पहला संस्करण. मुम्बई : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2016 : 378–92.

54. चंद्रशेखरन ए, शंकर जेएम. नियोनेटल हेल्थ इन इंडिया. इन : गुप्ता पी. टेक्स्टबुक ऑफ कम्युनिटी मेडिसिन. तीसरा संस्करण. नई दिल्ली : इंडियन अकैडमिक ऑफ पीडियाट्रिक्स; 2016 : 397–405.
55. चंद्रशेखर एसएच. ट्यूमर्स ऑफ टेम्पोरल बोन : इमेजिंग. इन : भल्ला एएस, जाना एम (संपा.). क्लिनिक रेडियोलॉजिकल सीरिज : टेम्पोरल बोन इमेजिंग. प्रथम संस्करण. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (प्रा.) लि.; 2016 : 185–209.
56. चट्टोपाध्याय टीके, प्रसाद आर, अग्रवाल एस, चुम्बर एस. इसोफैगस. इन : चुम्बर एस (संपा.). क्लिनिकल सर्जरी प्रथम संस्करण जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2015 : 379-88.
57. चावला बी, सेठ आर, मोक्शा एल. कीमोथिरैपी फॉर ऑक्यूलर कैंसर्स. इन : वेलपांडियन टी. फार्माकोलॉजी ऑफ ऑक्यूलर थैरेप्यूटिक्स. पहला संस्करण. दिल्ली : एडिस स्प्रिंगर; 2016 : 333–58.
58. चौधरी एसके. कार्डियक सर्जरी. इन : चुम्बर एसके (संपा.). इनीशियल्स ऑफ सर्जरी. जे पी पब्लिशर्स; 2016.
59. कोर पुलमोनेले. इन : मंजुला वायपी (संपा.). एपीआई टेक्स्टबुक ऑफ मेडिसिन. 10वां संस्करण. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (पी); 2015 : 2447–53.
60. धर एल. लेबोरेटरी टेस्ट्स फॉर मॉनिटरिंग प्रोग्रेशन ऑफ एचआईवी इंफेक्शन एण्ड द रिसपॉन्स टू एंटी रेट्रोवायरल थेरैपी. इन : लेबोरेटरी सर्विस डिविजन, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (नाको), नेशनल गाइडलाइन्स फॉर एचआईवी टेस्टिंग. तीसरा संस्करण. नई दिल्ली : नाको; 2015 : 45–52.
61. धर एल. मॉलीक्यूलर एण्ड अदर एसे फॉर द डायग्नोसिस ऑफ एचआईवी इंफेक्शन. इन : ले लेबोरेटरी सर्विस डिविजन, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (नाको), नेशनल गाइडलाइन्स फॉर एचआईवी टेस्टिंग. तीसरा संस्करण. नई दिल्ली :नाको; 2015 : 32–35.
62. दास पी, गहलोत जीपीएस, दत्ता गुप्ता एस. पैथोलॉजी ऑफ ट्यूबरक्युलोसिस. इन : एस के शर्मा (संपा.). ट्यूबरकुलोसिस. दूसरा संस्करण. नई दिल्ली : जेपी पब्लिकेशन; 2015
63. दास पी, रे आर. पैथोलॉजिकल आस्पेक्ट्स ऑफ रिह्यूमेटिक मिट्रल स्टेनोसिस. इन : हरीकृष्णनन एस (संपा.). रिह्यूमेटिक हार्ट डिजीज. दूसरा संस्करण. नई दिल्ली : जेपी पब्लिकेशन; 2016 : 25-37.
64. दास एनआर, किलाम्बी आर, अग्रवाल एस, कुमार एस, चुम्बर एस, अग्रवाल एन. लार्ज इंटेस्टाइन. इन : चुम्बर एस (संपा.). क्लिनिकल सर्जरी प्रथम संस्करण नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2015 : 804-26.
65. दास एनआर, किलाम्बी आर. कॉम्प्लीकेशन्स ऑफ इंस्टेस्टाइनल स्टोमस एण्ड देयर मैनेजमेंट. इन : चट्टोपाध्याय टीके, साहनी पी, पाल एस (संपा.). जीआई सर्जरी एनुअल वॉल. 22. नई दिल्ली : आईएएसजी; 2015 : 39–73.
66. दास एनआर, नारायाण ए, अग्रवाल एस, चुम्बर एस, अग्रवाल एन. रेक्टम एण्ड एनल कैनाल. इन : चुम्बर एस (संपा.). क्लिनिकल सर्जरी प्रथम संस्करण नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2015 : 827-43.
67. दास एनआर, सिंह एएन, किलाम्बी आर, अग्रवाल एस, चुम्बर एस, अग्रवाल एन. स्मॉल इंस्टेटाइन. इन : चुम्बर एस (संपा.). क्लिनिकल सर्जरी प्रथम संस्करण नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2015 : 796-803.
68. देव एसवीएस, श्रीवास्तव ए, साहा एस, चुम्बर एस. माउथ. इन : चुम्बर एस (संपा.). क्लिनिकल सर्जरी. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स ; 2015 : 253–66.
69. देव एसवीएस, उनियाल एम, चुम्बर एस, साहा एस. मेटाबोलिज्म एण्ड न्यूट्रिशियन इन सर्जिकल पेशेंट्स. इन : एसेंशियल्स ऑफ सर्जरी. दूसरा संस्करण. नई दिल्ली : जेपी; 2016.

70. धर पी, सुब्रामणियम आर, सिन्हा आर, पुष्पारंजन एच. प्री–ऑपरेटिव इल्यूएशन ऑफ पीडियाट्रिक पेशेंट्स. इन : आहुजा एस, भट्टाचार्या ए (संपा.). एसेंशियल्स ऑफ पीडियाट्रिक एनेस्थिसिया एण्ड इंटेंसिव केयर. प्रथम संस्करण नई दिल्ली : सीबीएस पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स; 2016 : 49–65.
71. धवन आईके, मैथ्यूस एस, शर्मा ए, अग्रवाल एस, चुम्बर एस, अग्रवाल एन. एपेंडिक्स. इन : चुम्बर एस (संपा.). क्लिनिकल सर्जरी प्रथम संस्करण नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2015 : 844-62.
72. डोगरा पीएन, अंसारी एमएस, सैनी ए, बाजपेयी एम, गुप्ता ए. यूरिनरी ब्लेडर एण्ड प्रोस्टेट इन : धवन आईके, चुम्बर एस, गुप्ता ए. एडिटर्स एसेंशियल्स ऑफ सर्जरी (दूसरा संस्करण). नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2016. 1172-1188.
73. दुरान ए, गुलाटी के. गुनासेकर ए, गुप्ता एसके, कुमार पी, लहरिया सी, *एट ऑल* / पब्लिक हॉस्पिटल गवर्नेंस इन इंडिया – ए केस स्टडी ऑन द ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसिस, नई दिल्ली. इन : हंटिंगटन डी, हॉर्ट के (संपा.). पब्लिक हॉस्पिटल गवर्नेंस इन एशिया एण्ड द पैसिफिक. वॉल 1, सं.1. जिनेवा : वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन; 2015 : 222–55.
74. इचेमपति केके, एप्सिंगी एस, रेड्डी एवीजी, मल्होत्रा आर. हाइ टिबिअल ऑस्टियोटॉमी इन लिगामेंट डेफिशिएंट नी. इन : मल्होत्रा आर, एप्सिंगी एस, इचेमपति केके, गौतम डी (संपा.). मास्टरिंग ऑर्थोपेडिक टेकनीक्स–नी रिकंस्ट्रक्शन. प्रथम संस्करण दिल्ली : जेपी पब्लिशर्स; 2016 : 371–84.
75. गमनगट्टी एस, प्रसाद टीवी. इमेजिंग एण्ड इंटरवेंशन इन हिमोबिलिया. इन : टेक्स्टबुक ऑफ सर्जिकल गेस्ट्रोएटेरोलॉजी. पहला संस्करण. नई दिल्ली : जेपी पब्लिशर्स; 2016 : 784–788.
76. गर्ग बी, टंडन वी. सर्वाकल डिस्क डिजेनरेशन डिस्ऑर्ड्स. इन : कुलकर्णी जीएस (संपा.). टेक्स्टबुक ऑफ ऑर्थोपेडिक्टस एण्ड ट्रॉमा. तीसरा संस्करण
77. गर्ग आर, गुप्ता ए. एनेस्थेटिक कन्सर्न इन पीडियाट्रिक पेशेंट्स. इन : गुप्ता बी (संपा.). एसेंशियल्स ऑफ ट्रॉमा एनेस्थिसिया एण्ड इंटेंसिव केयर. पहला संस्करण. नई दिल्ली : पीईईपीईई पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूट्र्स (पी) लि.; 2016 : 430–45.
78. गर्ग आर, मौर्या आई. कैलोरीमेट्री फॉर एंटरील फीडिंग इन क्रिटिकली इल पेशेंट्स. इन : राजेन्द्रम आर, पाटेल वीबी, प्रीडी वीआर (संपा.). डाइट एण्ड न्यूट्रिशन इन क्रिटिकल केयर. पहला संस्करण. न्यू यॉक्र : स्प्रिंगर; 2015 : 1230–47.
79. गर्ग आर. एनेस्थेटिक चैलेंजिस इन एंडोस्कोपिक असेस्टमेंट एण्ड मैनेजमेंट ऑफ कम्प्रोमिस्ड एयरवे इन चिल्ड्रन. इन : खोंड जी, गोगई बी (संपा.). हैंडबुक ऑफ पीडियाट्रिक एयरवे. पहला संस्करण. गुवाहाटी : पीडियाट्रिक एयरवे; 2015 : 46–51.
80. गर्ग आर. एनेस्थेटिक कन्सर्न इन जेरियाट्री पेशेंट्स. इन : गुप्ता बी (संपा.). एसेंशियल्स ऑफ ट्रॉमा एनेस्थिसिया एण्ड इंटेंसिव केयर. पहला संस्करण. नई दिल्ली : पीईईपीईई पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूट्र्स (पी) लि.; 2016 : 445–55.
81. गर्ग आर. स्पेशल कंसीडरेशन्स इन ऑक्यूलर ट्रॉमा. इन : गुप्ता बी (संपा.). एसेंशियल्स ऑफ ट्रॉमा एनेस्थिसिया एण्ड इंटेंसिव केयर. पहला संस्करण. नई दिल्ली : पीईईपीईई पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूट्र्स (पी) लि.; 2016 : 468–80.
82. गर्ग एस, साहा एस, चुम्बर एस. नेक. इन : चुम्बर एस (संपा.). क्लिनिकल सर्जरी. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स; 2015 : 305–16.
83. गौतम डी, जैन वी, मित्तल आर. आर्थ्रोस्कोपिक सिनावेक्टॉमी. इन : मल्होत्रा आर, एप्सिंगी एस, इचेमपति केके, गौतम डी (संपा.). मास्टरिंग ऑर्थोपेडिक टेकनीक्स–नी रिकंस्ट्रक्शन. प्रथम संस्करण दिल्ली : जेपी पब्लिशर्स; 2016 : 233–42.

84. गौतम डी, जैन वी, मित्तल आर. ऑस्टियोकॉन्ड्रल डिफेक्ट – एन ओवरव्यू ऑफ मैनेजमेंट एण्ड गाइड टू डिसिजन मैकिंग. इन : मल्होत्रा आर, एप्सिंगी एस, इचेमपति केके, गौतम डी (संपा.). मास्टरिंग ऑर्थोपेडिक टेकनीक्स– नी रिकंस्ट्रक्शन. प्रथम संस्करण दिल्ली : जेपी पब्लिशर्स; 2016 : 305–16.
85. जॉर्ज जे, पंवार आर, सलुजा एसएस, साहनी पी. सर्जरी फॉर पोर्टल हाइपरटेंशन. इन : मिश्रा पीके (संपा.). टेक्स्टबुक ऑफ सर्जिकल गेस्ट्रोएटेरोलॉजी. प्रथम संस्करण नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स; 2016 : 1357–67.
86. गोयल ए, शर्मा एस, ठाकर ए, अग्रवाल एन, चुम्बर एस. नैक. इन : धवन आईके, चुम्बर एस (संपा.). एसेंशियल्स ऑफ सर्जरी. दूसरा संस्करण. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2016 : 554–70.
87. गोयल पी, शर्मा एस, गुप्ता डीके. रीसेंट एडवांसिस इन स्पिना बिफिडा इन : गुप्ते एस. रीसेंट एडवांसिस इन पीडियाट्रिक्स. प्रथम संस्करण नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2016 : 3-21.
88. गोस्वामी डी, त्रिपाठी एस राजेश्वरी एस. एनेस्थिसिया फॉर सर्जन्स. इन : धवन आईके, चुम्बर एस, गुप्ता ए (संपा.). एसेंशियल्स ऑफ सर्जरी. दूसरा संस्करण. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2016 : 195–13.
89. गोद्रा बीजी, सिंह पीएम. प्रिंसिपलस ऑफ टोटल इंट्रावेनस एनेस्थिसिया. इन : काय एएम, काय एडी, अरमान आरडी (संपा.). एसेंशियल्स ऑफ फार्माकोलॉजी फॉर एनेस्थिसिया, पेन मेडिसिन, एण्ड क्रिटिकल केयर. प्रथम संस्करण. न्यू यॉर्क : स्प्रिंगर मेडिकल साइंसिस; 2015 : 73–86.
90. गोयल ए, भटनागर एस. पैलिएटिव केयर फॉर द टर्मिनल कैंसर. इन : टेक्स्ट बुक ऑफ जेरियाट्रिक मेडिसिन. हैदराबाद एण्ड नई दिल्ली : पारास मेडिकल पब्लिशर; 2015 : 703–5.
91. गोयल ए. इमेजिंग मॉडेलिटि्स एण्ड टेकनीक्स इन : भल्ला एएस, जाना एम (संपा.). क्लिनिको रेडियोलॉजिकल सीरिज : टेम्पोरल बोन इमेजिंग. प्रथम संस्करण. नई दिल्ली : जेपी पब्लिशर्स; 2016.
92. गोयल ए. लेशन्स ऑफ पेट्रस एपेक्स. इन : भल्ला एएस, जाना एम (संपा.). क्लिनिकोरेडियोलॉजिकल सीरिज : टेम्पोरल बोन इमेजिंग. प्रथम संस्करण. नई दिल्ली : जेपी पब्लिशर्स; 2016.
93. गोयल के, चौधरी टी. एनेस्थिसिया एण्ड ट्रिगेमिनोकार्डियक रिफ्लेक्स. इन : चौधरी टी, स्कैलर बी, एडिटर्स. ट्रिगेमिनल कार्डियक रिफ्लेक्स. प्रथम संस्करण. अकैडमिक प्रेस. 2015.
94. गोयल के. मैनेजमेंट ऑफ इलेक्ट्रोलाइट डिस्ऑर्ड्स इन ए सर्जिकल पेशेंट्स. इन : शर्मा ए, कुमार एस, मिश्रा एमसी एडिटर्स. एम्स क्रिटिकल केयर कोर्स फॉर सर्जन्स. स्टुडेंट मैनुअल. प्रथम संस्करण 2014. 65-72
95. गोयल एम, कृपलानी ए, कछवा जी. नॉन कंट्रासेप्शन एप्लीकेशन ऑफ हार्मोनल कंट्रासेप्शन. इन : अरोड़ा एम, ब्ल्यूमेंथल, शेवियर एन, जोशी आर (संपा.). कंट्रासेप्शन टुडे इन वर्ल्ड क्लिनिक्स इन ऑब्स्टेट्रिक्स एण्ड गायनीकोलॉजी. 5वां संस्करण. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (प्रा.) लि.; 2015 : 14–125.
96. गुलाटी एस, चक्रबर्ती बी, दुबे आर. रोल ऑफ सीजर्स इन द पैथोफिजियोलॉजी ऑफ डाउन एण्ड अल्जाइमर्स डिजीज. इन : सलेही ए, रफी एम, फिलिप्स सी. (संपा.). रीसेंट एडवांसिस इन अल्जाइमर रिसर्च. पहला संस्करण. नई दिल्ली : बेंथम साइंस पब्लिशर्स; 2015 : 117–26.
97. गुलाटी एस, सिंह एलआर, गुप्ते एस, चौधरी बीबी. पीडियाट्रिक न्यूरोलॉजी. इन : गुप्ते एस. द शॉर्ट टेक्स्टबुक ऑफ पीडियाट्रिक्स. 12वां संस्करण. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2016 : 506–48.
98. गुप्ता ए, हल्दर एस, चुम्बर एस. डेथ. इन : चुम्बर एस (संपा.). क्लिनिकल सर्जरी. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स; 2015 : 647–9.

99. गुप्ता ए, हल्दर एस, चुम्बर एस. डॉक्टर – पेशेंट् रिलेशनशिप एण्ड मेडिकोलीगल नेग्लीजेंस. इन : चुम्बर एस (संपा.). क्लिनिकल सर्जरी. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स ; 2015 : 650–52.
100. गुप्ता ए, मिश्रा एम सी, यादव सीएस, चौधरी बी, सुब्रामणियम पी, चुम्बर एस. पेशेंट् विद ट्रॉमा. इन : चुम्बर एस (संपा.). क्लिनिकल सर्जरी. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स ; 2015 : 599–646.
101. गुप्ता ए, प्रियादर्शनी पी, अग्रवाल एल, कश्यप एल, आनंद आर, चुम्बर एस. इंस्ट्रूमेंट्स, सुचर्स एण्ड मशीन इन : धवन आईके, चुम्बर एस, गुप्ता ए. एडिटर्स एसेंशियल्स ऑफ सर्जरी (दूसरा संस्करण). नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2016. 1486-1485
102. गुप्ता एके. पीडियाट्रिक रेडियोलॉजी. इन : पार्थेसार्थी ए (संपा.). आईएपी टेक्स्टबुक ऑफ पीडियाट्रिक्स. 5वां संस्करण. ग्वालियर : जेपी पब्लिशर्स; 2016 :
103. गुप्ता बी, गर्ग आर. ट्रॉमा इन प्रेग्नेंसी : असेस्टमेंट एण्ड एनेस्थेटिक मैनेजमेंट. इन : गुप्ता बी (संपा.) . एसेंशियल्स ऑफ ट्रॉमा एनेस्थिसिया एण्ड इंटेंसिव केयर. पहला संस्करण. नई दिल्ली : पीईईपीईई पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स (पी) लि.; 2016 : 455–68.
104. गुप्ता बी, गोखले ए. कार्डियोपल्मोनरी सेरेब्रल रिससिटेशन इन पार्टयूरिएंट. इन : बलदवा एन (संपा.). टेक्टसबुक ऑफ ऑबेस्टेट्रिक एनेस्थिसिया. प्रथम संस्करण. मुम्बई : सीबीएस पब्लिशर्स; 2016 : 90–103.
105. गुप्ता बी. एब्डोमिनल ट्रॉमा. इन : गुप्ता बी (संपा.). एसेंशियल्स ऑफ ट्रॉमा एनेस्थिसिया एण्ड इंटेंसिव केयर. प्रथम संस्करण. नई दिल्ली : पी पी पब्लिशर्स; 2016 : 323–41.
106. गुप्ता बी. एयरवे मैनेजमेंट इन ट्रॉमा. इन : गुप्ता बी (संपा.). एसेंशियल्स ऑफ ट्रॉमा एनेस्थिसिया एण्ड इंटेंसिव केयर. प्रथम संस्करण. नई दिल्ली : पी पी पब्लिशर्स; 2016 : 53–81.
107. गुप्ता बी. एप्रोच टू ए ट्रॉमा पेशेंट्स एण्ड एनेस्थेटिक कंसीडरेशन्स. इन : गुप्ता बी (संपा.). एसेंशियल्स ऑफ ट्रॉमा एनेस्थिसिया एण्ड इंटेंसिव केयर. प्रथम संस्करण. नई दिल्ली : पी पी पब्लिशर्स; 2016 : 32–52.
108. गुप्ता बी. बर्डन ऑफ ट्रॉमा. इन : गुप्ता बी (संपा.). एसेंशियल्स ऑफ ट्रॉमा एनेस्थिसिया एण्ड इंटेंसिव केयर. प्रथम संस्करण. नई दिल्ली : पी पी पब्लिशर्स; 2016 : 01–08.
109. गुप्ता बी. कार्डियक ट्रॉमा. इन : गुप्ता बी (संपा.). एसेंशियल्स ऑफ ट्रॉमा एनेस्थिसिया एण्ड इंटेंसिव केयर. प्रथम संस्करण. नई दिल्ली : पी पी पब्लिशर्स; 2016 : 404–19.
110. गुप्ता बी. कम्प्रेहेंसिव एप्रोच टू ए पेशेंट विद मस्कुलोस्केलेटल ट्रॉमा. इन : गुप्ता बी (संपा.). एसेंशियल्स ऑफ ट्रॉमा एनेस्थिसिया एण्ड इंटेंसिव केयर. प्रथम संस्करण. नई दिल्ली : पी पी पब्लिशर्स; 2016 : 372–403.
111. गुप्ता बी. इनीशियल एप्रोच टू ए स्पाइन इंजर्ड पेशेंट एण्ड एनेस्थेटिक कंसीडरेशन्स. इन : गुप्ता बी, तलवार पी, त्रिखा ए (संपा.). एसेंशियल्स ऑफ ट्रॉमा एनेस्थिसिया एण्ड इंटेंसिव केयर. प्रथम संस्करण. नई दिल्ली : पी पी पब्लिशर्स; 2016 : 342–71.
112. गुप्ता बी. इंट्रा एब्डोमिनल हाइपरटेंशन एण्ड एब्डोमिनल कम्पार्टमेंट सिंड्रोम. इन : गुप्ता बी (संपा.). एसेंशियल्स ऑफ ट्रॉमा एनेस्थिसिया एण्ड इंटेंसिव केयर. प्रथम संस्करण. नई दिल्ली : पी पी पब्लिशर्स; 2016 : 600–14.
113. गुप्ता बी. इंट्रावेनस एनेस्थेटिक एजेंट्स. इन : डिसूजा एन, गुप्ता बी (संपा.). एसेंशियल्स ऑफ ट्रॉमा एनेस्थिसिया एण्ड इंटेंसिव केयर. प्रथम संस्करण. नई दिल्ली : पी पी पब्लिशर्स; 2016 : 187–207.
114. गुप्ता बी. मैक्सिलोफेशियल ट्रॉमा. इन : गुप्ता बी (संपा.). एसेंशियल्स ऑफ ट्रॉमा एनेस्थिसिया एण्ड इंटेंसिव केयर. प्रथम संस्करण. नई दिल्ली : पी पी पब्लिशर्स; 2016 : 91–112.

115. गुप्ता बी. मैकेनिकल वेंटिलेशन इन ट्रॉमा. इन : गुप्ता बी, सेंथिल एस, रेवारी वी (संपा.). एसेंशियल्स ऑफ ट्रॉमा एनेस्थिसिया एण्ड इंटेंसिव केयर. प्रथम संस्करण. नई दिल्ली : पी पी पब्लिशर्स; 2016 : 480–93.

116. गुप्ता बी. न्यूट्रिशन इन द क्रिटिकली इंज्यर्ड पेशेंट. इन : गोखले ए, गुप्ता बी (संपा.). एसेंशियल्स ऑफ ट्रॉमा एनेस्थिसिया एण्ड इंटेंसिव केयर. प्रथम संस्करण. नई दिल्ली : पी पी पब्लिशर्स; 2016 : 494–514.

117. गुप्ता बी. ऑर्गन डोनेशन आफ्टर ब्रेन डेथ. इन : गुप्ता बी (संपा.). एसेंशियल्स ऑफ ट्रॉमा एनेस्थिसिया एण्ड इंटेंसिव केयर. प्रथम संस्करण. नई दिल्ली : पी पी पब्लिशर्स; 2016 : 626–57.

118. गुप्ता बी. पैथोफिजियोलॉजी एण्ड मैनेजमेंट ऑफ शॉक. इन : कुदलकर ए, गुप्ता बी (संपा.). एसेंशियल्स ऑफ ट्रॉमा एनेस्थिसिया एण्ड इंटेंसिव केयर. प्रथम संस्करण. नई दिल्ली : पी पी पब्लिशर्स; 2016 : 113–31.

119. गुप्ता बी. पेरिऑपरेटिव मैनेजमेंट ऑफ लेरिंजोट्रेकियोब्रॉन्कियल इंजुरीज़. इन : गुप्ता बी (संपा.). एसेंशियल्स ऑफ ट्रॉमा एनेस्थिसिया एण्ड इंटेंसिव केयर. प्रथम संस्करण. नई दिल्ली : पी पी पब्लिशर्स; 2016 : 82–90.

120. गुप्ता बी. रीजनल एनेस्थिसिया टेकनीक्स इन ट्रॉमा पेशेंट्स. इन : सक्सेना ए, गुप्ता एन, गुप्ता बी (संपा.). एसेंशियल्स ऑफ ट्रॉमा एनेस्थिसिया एण्ड इंटेंसिव केयर. प्रथम संस्करण. नई दिल्ली : पी पी पब्लिशर्स; 2016 : 228–53.

121. गुप्ता बी. थोरेसिक ट्रॉमा एण्ड एनेस्थेटिस्ट. इन : गुप्ता बी (संपा.). एसेंशियल्स ऑफ ट्रॉमा एनेस्थिसिया एण्ड इंटेंसिव केयर. प्रथम संस्करण. नई दिल्ली : पी पी पब्लिशर्स; 2016 : 286–322.

122. गुप्ता बी. ट्रॉमा केयर सिस्टम्स. इन : गुप्ता बी (संपा.). एसेंशियल्स ऑफ ट्रॉमा एनेस्थिसिया एण्ड इंटेंसिव केयर. प्रथम संस्करण. नई दिल्ली : पी पी पब्लिशर्स; 2016 : 09–19.

123. गुप्ता बी. ट्रॉमा इन प्रेग्नेंसी : असेस्टमेंट एण्ड मैनेजमेंट. इन : गुप्ता बी, गर्ग आर (संपा.). एसेंशियल्स ऑफ ट्रॉमा एनेस्थिसिया एण्ड इंटेंसिव केयर. प्रथम संस्करण. नई दिल्ली : पी पी पब्लिशर्स; 2016 : 455–67.

124. गुप्ता डीके, शर्मा एस. हाइड्रोमेट्रोकोलपोस. इन : पुरी पी, होल्लारथ एम (संपा.). पीडियाट्रिक सर्जरी एटलस सीरीज़. दूसरा संस्करण. जर्मनी : स्प्रिंगर; 2016.

125. गुप्ता डीके, शर्मा एस. सर्जिकल कंडीशन्स इन एडोलसेंट्स. इन : भावे एस. एडोलसेंट मेडिसिन. दूसरा संस्करण. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2015.

126. गुप्ता डीके : फोरवर्ड. इन : पोरांग एच (संपा.). कम्प्रेहेंसिव पीडियाट्रिक सर्जरी. 2015; 6000 पीपी.

127. गुप्ता एन, काबरा एम. प्रीवेंशन ऑफ जेनेटिक डिस्ऑर्डर्स. इन : गुप्ता पी, मेनन पीएसएन, रामजी एस, लोधा आर (संपा.). पोस्टग्रेजुएट टेक्स्टबुक ऑफ पीडियाट्रिक्स. पहला संस्करण. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2015 : 52–6.

128. गुप्ता एन. ऑर्गनिक एकैडमिक्स. इन : गुप्ता पी, मेनन पीएसएन, रामजी एस, लोधा आर (संपा.). पोस्टगेजुएट टेक्स्टबुक ऑफ पीडियाट्रिक्स. पहला संस्करण. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2015 : 80–6.

129. गुप्ता टी, जैन वी, आम्मिनी एसी. ऑबेसिटी. इन : मेहता एम, सागर आर (संपा.). ए प्रैक्टिकल एप्रोच टू कॉग्निटिव बिहेवियर थेरैपी फॉर एडोलसेंट्स. पहला संस्करण. नई दिल्ली : स्प्रिंगर; 2015 : 375–94.

130. गुप्ता वी, पाल एस, अग्रवाल एस, चुम्बर एस, अग्रवाल एन. गॉल ब्लेडर एण्ड बाइलरी सिस्टम्स. इन : चुम्बर एस (संपा.). क्लिनिकल सर्जरी प्रथम संस्करण नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2015 : 895-929.

131. हल्दर ए, क्लिनिकल, कंवेंशनल एण्ड मॉलीक्यूर साइटोजेनेटिक्स. इन : मंजुल वायपी (संपा.). एपीआई टेक्स्ट बुक ऑफ मेडिसिन. 10वां संस्करण. दिल्ली : जेपी; 2015 : 180–188.
132. हल्दर एन, सक्सेना आर, फुलझेले एस, वेलपांडियन टी (संपा.). ड्रग्स एक्टिंग थ्रू ऑटोनॉमिक सिस्टम फॉर ऑक्यूलर यूज. वेलपांडियन टी. फॉर्माकोलॉजी ऑफ ऑक्यूलर थेराप्यूटिक्स; 2016 : 159–206.
133. हांडा जी, राठौर वायएस, चुम्बर एस. एम्प्यूटेशन एण्ड रिहेबिलिटेशन. इन : धवन आईके, चुम्बर एस, गुप्ता ए (संपा.). एसेंशियल्स ऑफ सर्जरी. दूसरा संस्करण. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2016 : 1272–86.
134. हरी पी, श्रीवास्तव आरएन. यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन्स. इन : श्रीवास्तव आरएन, बग्गा ए (संपा.). पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी. 6वां संस्करण. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2016 : 267–89.
135. हजोच पी, शर्मा डी, सेठ टी, चुम्बर एस, अग्रवाल एन. स्पलीन. इन : धवन आईके, चुम्बर एस, गुप्ता ए (संपा.). एसेंशियल्स ऑफ सर्जरी, दूसरा संस्करण. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2016 : 962–78.
136. जैन एस, चट्टोपाध्याय एस, सिंह एच. हाइब्रिड सेमी–सिंथेटिक पॉलीहाइड्रोक्सी एसिड बेस्ड – बायोमटीरियल्स. इन : पिल्लै वी, चूनारा वायई कुमार पी (संपा.). फ्रंटियर्स इन बायोमटीरियल्स : अनफोल्डिंग द बायोपॉलीमर लैंडस्केप. वॉल 37. बेंथम ई–बुक्स; 2016 : 143–79.
137. जैन एस, कुमार यू. लूपस नेफ्रिटिस : द करंट सीनेरियो. इन : वंडर जी, पारीक केके (संपा.). मेडिसिन अपडेट 2016–1 (प्रोग्रेस इन मेडिसिन 2016), वॉल 26. नई दिल्ली : जेपी; 2015 : 148–54.
138. जैन वी, गौतम डी, मित्तल आर. डिसिजन मैकिंग इन मैनिसकस टीयर्स. इन : मल्होत्रा आर, एप्सिंगी एस, इचेमपति केके, गौतम डी (संपा.). मास्टरिंग ऑर्थोपेडिक टेकनीक्स –नी रिकंस्ट्रक्शन. प्रथम संस्करण दिल्ली : जेपी पब्लिशर्स; 2016 : 195–200.
139. जैन वी, गौतम डी, मित्तल आर. इनसाइड – आउट मेनिस्केल रिपेयर. इन : मल्होत्रा आर, एप्सिंगी एस, इचेमपति केके, गौतम डी (संपा.). मास्टरिंग ऑर्थोपेडिक तकनीकें – नी रिकंस्ट्रक्शन. प्रथम संस्करण दिल्ली : जेपी पब्लिशर्स; 2016 : 205–9.
140. जैन वी, गौतम डी, मित्तल आर. आउटसाइट – इन मेनिस्केल रिपेयर. इन : मल्होत्रा आर, एप्सिंगी एस, इचेमपति केके, गौतम डी (संपा.). मास्टरिंग ऑर्थोपेडिक टेकनीक्स– नी रिकंस्ट्रक्शन. प्रथम संस्करण दिल्ली : जेपी पब्लिशर्स; 2016 : 210–04.
141. जैन वी, गुप्ते एस, कोफ ए डब्ल्यू. पीडियाट्रिक एंडोक्राइनोलॉजी. इन : गुप्ते एस. द शॉर्ट टेक्स्टबुक ऑफ पीडियाट्रिक्स. 12वां संस्करण. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2016 : 739–60.
142. जैन वी, शर्मा एस, गुप्ता डीके. रीसेंट एडवांसिस इन एनोरेक्टल मैलफॉर्मेशन्स. इन : गुप्ते एस (संपा.) . रीसेंट एडवांस इन पीडियाट्रिक्स. प्रथम संस्करण नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2016 : 196-216.
143. जैन वी. मैंनेजमेंट ऑफ टाइप 1 डायबिटीज मेलिटस इन चिल्ड्रन एण्ड एडोलसेंट. इन : वर्मा आईसी, काबरा एसके (संपा.). एडवांस्ड इन पीडियाट्रिक्स. वॉल 6. पहला संस्करण. नई दिल्ली : इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स; 2016 : 101–16.
144. जैन वी. टाइप 1 डायबिटीज मेलिटस. इन : जैन वी, मेनन आर (संपा.). केस बेस्ड रिव्यूस इन पीडियाट्रिक एंडोक्राइनोलॉजी. पहला संस्करण. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2015 : 98–112.
145. जैसवाल ए, चौधरी बी, चुम्बर एस. स्पाइन. इन : चुम्बर एस (संपा.). क्लिनिकल सर्जरी. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स ; 2015 : 176–85
146. जमशेद एन, अग्रवाल पी, कॉमन पॉइजिइनिंग. इन : महेता वाय, शर्मा जे, गुप्ता एमके (संपा.). टेक्स्टबुक ऑफ क्रिटिकल केयर इंक्ल्युडिंग ट्रॉमा एण्ड एमर्जेंसी केयर. जेपी पब्लिशर्स; 2016.

147. जाना एम, भल्ला एएस. कंजेनाइटल लंग एब्नॉर्मेलिटीस. इन : गुप्ता एके, भल्ला एएस (संपा.). इमेजिंग ऑफ पीडियाट्रिक चेस्ट : एन एटलस. प्रथम संस्करण. नई दिल्ली : जेपी पब्लिशर्स; 2015 : 34–51.
148. जाना एम. एयरवे डिजीज. इन : गुप्ता एके, भल्ला एएस (संपा.). इमेजिंग ऑफ पीडियाट्रिक चेस्ट : एन एटलस. प्रथम संस्करण. नई दिल्ली : जेपी पब्लिशर्स; 2015 : 80–105.
149. जाना एम. इमेजिंग इन कॉकलियर इम्प्लांट. इन : भल्ला एएस, जाना एम (संपा.). क्लिनिको रेडियोलॉजिकल सीरिज : टेम्पोरल बोन इमेजिंग. पहला संस्करण. नई दिल्ली : जेपी पब्लिशर्स; 2016 :
150. जाना एम. इम्युनोकम्प्रोमिस्ड होस्ट. इन : गुप्ता एके, भल्ला एएस (संपा.). इमेजिंग ऑफ पीडियाट्रिक चेस्ट : एन एटलस. प्रथम संस्करण. नई दिल्ली : जेपी पब्लिशर्स; 2015 : 156–68.
151. जाना एम. इनर इयर एनोमेलिस : इमेजिंग. इन : भल्ला एएस, जाना एम (संपा.). क्लिनिकोरेडियोलॉजिकल सीरिज : टेम्पोरल बोन इमेजिंग. पहला संस्करण. नई दिल्ली : जेपी पब्लिशर्स; 2016 : .
152. जाट केआर, लोधा आर, काबरा एसके. अल्फा–1 एंटीट्रिप्सिन डेफिशिएंसी. इन : गुप्ता पी, मेनन पीएसएन, रामजी एस, लोधा आर (संपा.). पीजी टेक्स्टबुक ऑफ पीडियाट्रिक्स. पहला संस्करण. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (प्रा.) लि..; 2015 : 1704–05.
153. जाट केआर, मरवाहा आरके. वोन विलिब्रांड डिजीज एण्ड अदर रेयर कोएगुलेशन डिस्ऑर्ड्र्स. इन : लोकेशवर एमआर, शाह एन, अग्रवाल बी (संपा.). टेक्स्टबुक ऑफ पीडियाट्रिक हिमेटोलॉजी एण्ड हिमेटो–ओंकोलॉजी. पहला संस्करण. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (प्रा.) लि.; 2016 : 296–310.
154. जाट केआर, शर्मा एम. लंग एबसेस. इन : गुप्ता पी, मेनन पीएसएन, रामजी एस, लोधा आर (संपा.). पीजी टेक्स्टबुक ऑफ पीडियाट्रिक्स. पहला संस्करण. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (प्रा.) लि..; 2015 : 1755–57.
155. जाट केआर. एस्पजिलियोसिस. इन : गुप्ता पी, मेनन पीएसएन, रामजी एस, लोधा आर (संपा.). पीजी टेक्स्टबुक ऑफ पीडियाट्रिक्स. पहला संस्करण. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (प्रा.) लि..; 2015 : 1288–91.
156. काबरा एम, गुप्ता एन. पेरोक्सियोमल डिस्ऑर्डर्स. इन : गुप्ता पी, मेनन पीएसएन, रामजी एस, लोधा आर (संपा.). पोस्टग्रेजुएट टेक्स्टबुक ऑफ पीडियाट्रिक्स. पहला संस्करण. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2015 : 95–9.
157. काबरा एसके, जाट केआर, लोधा आर. सिसटिक फाइब्रोसिस. इन : गुप्ता पी, मेनन पीएसएन, रामजी एस, लोधा आर (संपा.). पीजी टेक्स्टबुक ऑफ पीडियाट्रिक्स. पहला संस्करण. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (प्रा.) लि.; 2015 : 1747–50.
158. कैरो एके, चंद्रशेखर एसएच. एप्रोच टू फेशियल नर्व पाल्सी. इन : भल्ला एएस, जाना एम (संपा.). क्लिनिको रेडियोलॉजिकल सीरिज़ – टेम्पोरल बोन इमेजिंग. प्रथम संस्करण.नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (प्रा.) लि.; 2016 : 294–300.
159. कैरो एके, शर्मा एससी. ट्यूमर ऑफ टेम्पोरल बोन. इन : भल्ला एएस, जाना एम, शर्मा एससी (संपा.). क्लिनिको रेडियोलॉजिकल सीरिज़ – टेम्पोरल बोन इमेजिंग. प्रथम संस्करण नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2016 : 210–8.
160. केलिथ एस, रागेश आर, शर्मा ए, शर्मा एसके, संदीप पीके, शर्मा सीएस, *एट ऑल*। ए केस ऑफ पैराडोक्सिअल वोकल कॉर्ड मोशन प्रजेंटिंग एज ऑब्स्ट्रक्टिव स्लीप एपनिया. इन : अमेरिकन अकैडमी ऑफ स्लीप मेडिसिन, इंटरनेशनल क्लासीफिकेशन ऑफ स्लीप डिस्ऑर्ड्र्स–3 केस बुक ऑफ स्लीप डिस्ऑर्ड्र्स, डेरियन, आईएल : अमेरिकन अकैडमी ऑफ स्लीप मेडिसिन; 2015 : 115–122.

161. कलसोत्रा पी, चापिती पी, कुमार आर, ठाकर ए. एमर्जेंसीज़ ऑफ इयर, नोस एण्ड थ्रोट. इन : धवन आई के, चुम्बर एस, गुप्ता ए (संपा.). एसेंशियल्स ऑफ सर्जरी. दूसरा संस्करण. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2016 : 1045–54.

162. कंडासामी डी, सिंह एस. एप्रोच टू टिनिटस. इन : भल्ला ए एस, जाना एम, शर्मा एस सी (संपा.). क्लिनिको रेडियोलॉजिकल सीरिज – टेम्पोरल बोन इमेजिंग. प्रथम संस्करण नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2016 : 284–93.

163. कंडासामी डी. इमेजिंग इन टिनिटस . इन : भल्ला एएस, जाना एम (संपा.). क्लिनिकोरेडियोलॉजिकल सीरिज : टेम्पोरल बोन इमेजिंग. पहला संस्करण. नई दिल्ली : जेपी पब्लिशर्स; 2016 :

164. कंडासामी डी. इमेजिंग इन वर्टिगो. इन : भल्ला एएस, जाना एम (संपा.). क्लिनिकोरेडियोलॉजिकल सीरिज : टेम्पोरल बोन इमेजिंग. पहला संस्करण. नई दिल्ली : जेपी पब्लिशर्स; 2016 : .

165. कपिल ए. एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस. इन : गुप्ता पी, खान एएम (संपा.). टेक्स्टबुक ऑफ कम्युनिटी मेडिसिन 2016. नई दिल्ली : सीबीएस पब्लिशर एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्रा. लि.; 2015.

166. कपिल यू, सरीन एन, गुप्ता ए. न्यूट्रिशन एण्ड हेल्थ. इन : गुप्ता पी, खान ए एम. टेक्स्टबुक ऑफ कम्युनिटी मेडिसिन. नई दिल्ली : सीबीएस पब्लिशर एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर; 2015 : 108–1769.

167. कपिल यू, सरीन एन. इंटीग्रेटिड चाइल्ड डेवलपमेंट सर्विस स्कीम. इन : पतवारी एके, सचदेव एचपीएस (संपा.). जेपी फ्रंटियर्स इन सोशल पीडियाट्रिक्स. दूसरा संस्करण. नई दिल्ली : द हेल्थ साइंसिस पब्लिशर; 2015 : 364–71.

168. कपिल यू, सरीन एन. आयोडीन डेफिशिएंसी डिस्ऑर्डर्स. सेक्शन 22 : न्यूट्रिशन एण्ड न्यूट्रिशनल डिस्ऑर्ड्स. इन : गुप्ता पी (संपा.). टेस्क्टबुक ऑफ पीडियाट्रिक्स फॉर पोस्ट ग्रेजुएट. प्रथम संस्करण नई दिल्ली : सीबीएस पब्लिशर एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर; 2015 : 22.13.

169. कपिल यू, सरीन एन. नेशनल न्यूट्रिशनल प्रोग्राम्स इन इंडिया. इन : पतवारी एके, सचदेव एचपीएस (संपा.). जेपी फ्रंटियर्स इन सोशल पीडियाट्रिक्स. दूसरा संस्करण. नई दिल्ली : द हेल्थ साइंसिस पब्लिशर्स; 2015 : 354–63.

170. कपिल यू, सरीन एन. न्यूट्रिशन रिहेबिलिटेशन ऑफ चिल्ड्रन विद प्रोटीन एनर्जी मैलन्यूट्रिशन (पीईएम) इन डेवलपिंग कंट्रीज़. इन : जेएस चौपड़ा (संपा.). न्यूरोलॉजी इन ट्रॉपिक्स दूसरा संस्करण. नई दिल्ली : इल्सेवियर एशिया; 2015 : 353–61.

171. कपिल यू, सरीन एन. विटामिन ए डेफिशिएंसी डिस्ऑर्ड्स : डायग्नोसिस एण्ड देयर असेस्टमेंट. इन : माथुर जीपी, माथुर एस, फरीदी एमएमए, अनेजा एस, गुलाटी एस (संपा.). टेक्स्ट बुक ऑफ पीडियाट्रिक्स. तीसरा संस्करण. नई दिल्ली : सीबीएस पब्लिशर; 2015 : 37.1.

172. कपिल यू, शर्मा आरपी, सरीन एन. करंट स्टेटस ऑफ इंटीग्रेटिड चाइल्ड डेवलपमेंट सर्विस प्रोग्राम एण्ड फ्यूचर स्ट्रेटिजीस. इन : माथुर जीपी, माथुर एस, फरीदी एमएमए, अनेजा एस, गुलाटी एस (संपा.). टेक्स्ट बुक ऑफ पीडियाट्रिक्स. तीसरा संस्करण. नई दिल्ली : सीबीएस पब्लिशर; 2015 : 37.2.

173. कपिल यू, सिंह एन. न्यूट्रिशनल सपोर्ट टू हॉस्पिटलाइजड् पेशेंट. इन : मिश्रा पीके (संपा.). टेक्स्टबुक ऑफ सर्जिकल गेस्ट्रोइंटेरोलॉजी. प्रथम संस्करण नई दिल्ली : द हेल्थ साइंसिस पब्लिशर; 2015 : 69–85.

174. कपूर आई, सिंह जीपी, सेरेब्रल साल्ट वेस्टिंग, हिमांशु प्रभाकर, कॉम्प्लीकेशन्स इन न्यूरोएनेस्थिसिया, पहला, लंदन, यूके, इल्सेवियर, 2016, 257– 264

175. कपूर आई, सिंह जीपी, सिंड्रोम ऑफ इन एप्रोप्रिएट एंटीडियूरेटिक हार्मोन सेक्रिएशन (एसआईएडीएच), हिमांशु प्रभाकर, कॉम्प्लीकेशन्स इन न्यूरोएनेस्थिसिया, पहला, लंदन, यूके, इल्सेवियर, 2016, 273 – 279

176. कार्तिकेयन जी, भार्गव बी. कोरोनरी इंटरवेंशन्स : ए ब्रीफ हिस्ट्री. इन : चंद्रा पी (संपा.). एनआईसी हैंडबुक ऑफ इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी. नई दिल्ली : जेपी पब्लिशर्स; 2015 : 1–5.

177. केडिया एस, आहुजा वी. क्रोहन डिजीज. इन : मिश्रा पीके (संपा.). टेक्स्टबुक ऑफ सर्जिकल गेस्ट्रोइंटेरोलॉजी. वॉल. 2. दिल्ली : जेपी हेल्थ रिव्यूवर्स, 2016 : 1081.
178. केडिया एस, रामपाल आर, आहुजा वी. इम्युनोपैथोजेनेसिस ऑफ आईबीडी एण्ड इट्स क्लिनिकल रेलेवेंस. इन : आनंद एसी, आचार्य एसके (संपा.). प्रोग्रेस इन गेस्ट्रोइंटेरोलॉजी एण्ड हिपेटोलॉजी. प्रथम संस्करण नई दिल्ली : इल्सेवियर; 2016 : 74–84.
179. खडगावत आर, टंडन एन, विश्वानाथ एस, साहा एस, चुम्बर एस. थाइरॉइड. इन : चुम्बर एस (संपा.). क्लिनिकल सर्जरी. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स ; 2015 : 285–302.
180. खंडेलवाल एसके, पटनायक आर. जेरियाट्रिक साइकियाट्री इन इंडिया : डेवलपमेंट्स एण्ड फ्यूचर डायरेक्शन्स. इन. एस मल्होत्रा, एस चक्रबर्ती (संपा.). डेवलपमेंट ऑफ साइकियाट्री इन इंडिया : क्लिनिकल, रिसर्च एण्ड पॉलिसी पर्सपेक्टिव्स. नई दिल्ली : स्प्रिंगर; 2015 : 493–513.
181. खन्ना एन, कोठीवाल एसके. टॉपिकल थेरैपी फॉर सोरायसिस : ए रिव्यू करंट ट्रीटमेंट ऑप्शन्स. वर्ल्ड क्लिनिक्स : डर्मेटोलॉजी : सोरायसिस इशू; 2015 : 125-45.
182. खन्ना पी, बैद्य डी, अरोड़ा एमके. वीएटीएस. इन : सहगल आर, त्रिखा ए (संपा.). इयर बुक ऑफ एनेस्थिसिया. प्रथम संस्करण. नई दिल्ली : जेपी; 2015–2016.
183. खरबंदा ओपी, दरेंडेलियर एएम. ऑक्ल्यूशन एण्ड ऑर्थोडोंटिक्स. क्लिनबर्ग आई. स्टीवन ई इकर्ट (संपा). फंक्शनल ऑक्ल्यूशन इन रेस्टोरेटिव एण्ड प्रोस्थोडोंटिक्स. दूसरा संस्करण. यूएसए : इल्सेवियर; 2016 : 201–14.
184. खरबंदा ओपी, शरण जे. पंजानी एस. डेंटल हार्ड टिशू एण्ड पल्प. इन : तलवार जीपी (संपा.). टेक्स्ट बुक ऑफ बायोकैमिस्ट्री, बायोटेक्नोलॉजी, एलाइड एण्ड मॉलीक्यूलर मेडिसिन. चौथा संस्करण. नई दिल्ली : पीएचआई लर्निंग; 2016 : 396–409.
185. खरबंदा ओपी, शरण जे. पेरियोडोंटिम. इन : तलवार जीपी (संपा.). टेक्स्ट बुक ऑफ बायोकैमिस्ट्री, बायोटेक्नोलॉजी, एलाइड एण्ड मॉलीक्यूलर मेडिसिन. चौथा संस्करण. नई दिल्ली : पीएचआई लर्निंग; 2016 : 410–22.
186. खरबंदा ओपी, वाधवन एन, बालचंद्रन आर, कंडासामी डी, कपिल एसडी. फंक्शनल एण्ड टेक्निकल करैक्टरिस्टिक ऑफ डिफरेंट कोन बीम टोमोग्राफी यूनिट्स. इन : कपिल एसडी (संपा.). कोन बीम कम्प्यूटिड टोमोग्राफी इन ऑर्थोडोंटिक्स. प्रथम संस्करण. यूएसए : विले ब्लैकवेल; 2014 : 43–66.
187. खरबंदा ओपी. ऑर्थोडोंटिक स्पेशियलिटी एजुकेशन इन द इंडियन सबकोटिनेंट. इन : एलियाडेस टी, अथोनसुइ एई (संपा.). ऑर्थोडोंटिक पोस्टग्रेजुएट एजुकेशन : ए ग्लोबल पर्सपेक्टिव. प्रथम संस्करण. जर्मनी : थीम ; 2016 : 88–111.
188. कोठारी एसएस. चेस्ट एक्स–रे एवेल्यूएशन इन कंजेनाइटल हार्ट डिजीज. इन : कार्डियोलॉजी अपडेट सीएसआई. 2016
189. कोठारी एसएस. इंफेक्टिव एंडोकार्डिटिस इन इंडिया. इन : एपीआई टेक्स्टबुक ऑफ मेडिसिन. 2015 : जे पी ब्रदर
190. कोठारी एसएस. रोल ऑफ ब्लड गैसीस इन कार्डियक आईसीयू. इन : एमर्जेंसी मैनुअल सीएसआई टेक्स्ट बुक.
191. कोतवाल पीपी, अग्रवाल ए. फ्रैक्चर्स ऑफ द ओलेक्रेनॉन. इन : कुलकर्णी जीएस, बाभुल्कर एस (संपा.). टेक्स्टबुक ऑफ ऑर्थोपेडिक्टस एण्ड ट्रॉमा. तीसरा संस्करण. नई दिल्ली : जेपी पब्लिशर्स; 2015 : 1949–55.
192. कोतवाल पीपी, अग्रवाल ए. साइडवाइप इंजुरीज़ ऑफ द एल्बो. इन : कुलकर्णी जीएस, बाभुल्कर एस (संपा.). टेक्स्टबुक ऑफ ऑर्थोपेडिक्टस एण्ड ट्रॉमा. तीसरा संस्करण. नई दिल्ली : जेपी पब्लिशर्स; 2015 : 1956–60.

193. कोतवाल पीपी, अंसारी एमटी. द हैंड. इन : तुक्र ऑर्थोपेडिक्स. 7वां संस्करण. पब्लिशर : लिप्पिनकोट विलियम्स एण्ड विल्किंस; 2016 :
194. कोतवाल पीपी, मित्तल एस, गर्ग बी. एनाटॉमी ऑफ द रिस्ट. इन : कुलकर्णी जीएस, बाभुल्कर एस (संपा). टेक्स्टबुक ऑफ ऑर्थोपेडिक्स एण्ड ट्रॉमा. तीसरा संस्करण. नई दिल्ली : जेपी पब्लिशर्स; 2015 : 1934–6.
195. कोतवाल पीपी, मित्तल एस. कार्पल टनल सिंड्रोल. इन : कुलकर्णी जीएस, बाभुल्कर एस (संपा.). टेक्स्टबुक ऑफ ऑर्थोपेडिक्स एण्ड ट्रॉमा. तीसरा संस्करण. नई दिल्ली : जेपी पब्लिशर्स; 2015 : 1979–85.
196. कोतवाल पीपी, मित्तल एस. क्रोनिंग टेनोसिनोविटिस इन : कुलकर्णी जीएस, बाभुल्कर एस (संपा.). टेक्स्टबुक ऑफ ऑर्थोपेडिक्स एण्ड ट्रॉमा. तीसरा संस्करण. नई दिल्ली : जेपी पब्लिशर्स; 2015 : 1986–92.
197. कोतवाल पीपी, मित्तल एस. डे क्वेरवेन टेनोसिनोविटिस. इन : कुलकर्णी जीएस, बाभुल्कर एस (संपा.). टेक्स्टबुक ऑफ ऑर्थोपेडिक्स एण्ड ट्रॉमा. तीसरा संस्करण. नई दिल्ली : जेपी पब्लिशर्स; 2015 : 1975–8.
198. कोतवाल पीपी, सादिक एम. मोंटेजिया फ्रैक्चर डिस्लोकेशन. इन : कुलकर्णी जीएस, बाभुल्कर एस (संपा). टेक्स्टबुक ऑफ ऑर्थोपेडिक्स एण्ड ट्रॉमा. तीसरा संस्करण. नई दिल्ली : जेपी पब्लिशर्स; 2015 : 1440–3.
199. कोतवाल पीपी, शंकर वी. फ्रेक्चर डिस्टल रेडियस. इन : कुलकर्णी जीएस, बाभुल्कर एस (संपा.). टेक्स्टबुक ऑफ ऑर्थोपेडिक्स एण्ड ट्रॉमा. तीसरा संस्करण. नई दिल्ली : जेपी पब्लिशर्स; 2015 : 1944–59.
200. कोतवाल पीपी, शंकर वी. फंक्शनल एनाटॉमी ऑफ हैंड – बेसिक टेकनीक्स एण्ड रिहेबिलिएशन. इन : कुलकर्णी जीएस, बाभुल्कर एस (संपा.). टेक्स्टबुक ऑफ ऑर्थोपेडिक्स एण्ड ट्रॉमा. तीसरा संस्करण. नई दिल्ली : जेपी पब्लिशर्स; 2015 : 1976–84.
201. कोतवाल पीपी, सिंगला ए. फ्रैक्चर्स ऑफ द रेडियस एण्ड उलना. इन : कुलकर्णी जीएस, बाभुल्कर एस (संपा.). टेक्स्टबुक ऑफ ऑर्थोपेडिक्स एण्ड ट्रॉमा. तीसरा संस्करण. नई दिल्ली : जेपी पब्लिशर्स; 2015 : 1449–52.
202. कॉल वी, भौमिक एस, तनुषा एवी. हाइड्रोजेल्स फॉर फॉर्मास्युटिकल एप्लीकेशन्स. इन : ठाकुर वीके, ठाकुर एमके (संपा.). हैंड बुक ऑफ पॉलीमर्स फॉर फार्मास्युटिकल टेक्नोलॉजीज़. वॉल. 4. बायोएक्टिव एण्ड कम्पेटिबल सिंथेटिक/हाइब्रिड पॉलीमर्स. वाइली पब्लीकेशन्स।
203. कृपलानी ए, कच्छवा जी, वांघड़ी टी. डिसऑर्ड्स ऑफ सेक्सुअल डेवलपमेंट. इन : खालीकार एस (संपा.). एंडोक्राइनोलॉजी इन ऑबेस्टेट्रिक्स एण्ड गायनीकोलॉजी. प्रथम संस्करण. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स हेल्थ साइंसिस पब्लिशर; 2015 : 107–15.
204. कृपलानी ए, कछवा जी. रीसेंट एडवांससिस इन पॉलीसिस्टिक ओवेरियन सिंड्रोम. इन : मल्होत्रा, त्रिवेदी पी, मल्होत्रा एन, सिंह एस, पेइ एचडी (संपा.). एआईसीओजी ऑबेस्टेट्रिक्स एण्ड गायनीकोलॉजी अपडेट 2016. प्रथम संस्करण. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (प्रा.) लि., इंडिया; 2016 : 241–5.
205. कृपलानी ए, सिंघल एस. न्युनेंस ऑफ पोस्टमीनोपॉजल होर्मोन रिप्लेस्टमेंट थेरैपी. इन : मिश्रा वीएन (संपा.). मोनोग्राम होर्मोन रिप्लेस्टमेंट थेरैपी इन मीनोपॉज एण्ड एंड्रेनोपॉज. दूसरा संस्करण. नई दिल्ली : जेपी द हेल्थ साइंसिस पब्लिशर, इंडिया; 2016 : 17–26.
206. कृष्णन ए. कैपिसिटी बिल्डिंग ऑफ वर्कफोर्स फॉर एनसीडी. इन : जेएस ठाकुर (संपा.). पब्लिक हेल्थ एप्रोचिस टू नॉन– कम्युनिकेबल डिजीज I. नई दिल्ली : वॉल्टर्स क्लुवर हेल्थ (इंडिया); 2015 : 147–58.

207. कृष्णन ए. मॉनिटरिंग, इवेल्यूएशन एण्ड बिल्डिंग इंफॉर्मेशन सिस्टम फॉर एनसीडी. इन : जेएस ठाकुर (संपा.). पब्लिक हेल्थ एप्रोचिस टू नॉन–कम्युनिकेबल डिजीज I. नई दिल्ली : वॉल्टर्स क्लुवर हेल्थ (इंडिया); 2015 : 210–20.

208. कुलश्रेष्ठ वी, अग्रवाल एन. कॉम्प्लीकेशन्स ऑफ होर्मोनल कंट्रासेप्टिव्स एण्ड देयर नॉन – कंट्रोसेप्टिव्स बैनिफिट्स. इन : गोयल एन, हिमश्वेता, गुप्ता बी (संपा.). कंट्रासेप्शन. प्रथम संस्करण. नई दिल्ली :सीबीएस पब्लिशर्स; 2016.

209. कुमार ए, बासरा एम, कुमार एस, चुम्बर एस. फीमेल पेशेंट्स. इन : धवन आईके, चुम्बर एस, गुप्ता ए (संपा.). एसेंशियल्स ऑफ सर्जरी. दूसरा संस्करण. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स; 2015 : 552–72.

210. कुमार ए, गमनगट्टी एस. टेम्पोरल बोन ट्रॉमा. इन : भल्ला एएस, जाना एम (संपा.). क्लिनिकोरेडियोलॉजिकल सीरिज : टेम्पोरल बोन इमेजिंग. प्रथम संस्करण. नई दिल्ली : जेपी पब्लिशर्स; 2016.

211. कुमार ए, कुमार जे. न्यूरोइमेजिंग. इन : गुप्ता पी, मेनन पीएसएन, रामजी एस, लोधा आर (संपा.). पीजी टेक्स्टबुक ऑफ पीडियाट्रिक्स. पहला संस्करण. नई दिल्ली : जेपी पब्लिशर्स; 2015 : 2064–73.

212. कुमार ए, साहा एस, श्रीवास्तव ए, चुम्बर एस. सेलिवरी ग्लेंड्स. इन : चुम्बर एस (संपा.). क्लिनिकल सर्जरी. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स ; 2015 : 267–75.

213. कुमार ए. पल्मोनरी इंफेक्शन्स. इन : गुप्ता एके, भल्ला एएस (संपा.). इमेजिंग ऑफ पीडियाट्रिक चेस्ट : एन एटलस. प्रथम संस्करण. नई दिल्ली : जेपी पब्लिशर्स; 2015 : 52–67.

214. कुमार आर, करुणानिथि एस. न्यूक्लियर मेडिसिन इमेजिंग इन गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल डिजीज. इन : पीके मिश्रा (संपा.). टेस्क्ट बुक ऑफ सर्जिकल गैस्ट्रोइंटेरोलॉजी. प्रथम संस्करण. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (प्रा.) लि.; 2015 : 37–51.

215. कुमार आर, करुणानिथि एस. पॉजिट्रॉन इमिशन कम्प्यूटिड टोमोग्राफी एण्ड पॉजिट्रॉन इमिशन मैग्नेटिक रेसोनेंस इमेजिंग. इन : वायपी मुंजल (संपा.). एपीआई टेक्स्ट बुक ऑफ मेडिसिन. 10वां संस्करण. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (प्रा.) लि.; 2015 : 186–95.

216. कुमार आर, संधु जेएस. बाइपोलार टीयूआरपी. इन चुगताइ बी, एट ऑल। ट्रीटमेंट ऑफ बेनिन प्रोस्टेटिक हाइपरप्लासिया : मॉर्डन अल्टरनेटिव टू ट्रांसयूरेथ्रल रिसेक्शन ऑफ द प्रोस्टेट. न्यू यॉर्क : स्प्रिंगर; 2015 :19-24.

217. कुमार आर, ठक्कर सर्जिकल मैनेजमेंट ऑफ ऑब्स्ट्रक्टिव स्लीप एपनिया. इन : नांजिया वी, स्वामी एस (संपा.). स्लीप रिलेटिड ब्रीदिंग डिसऑर्डर्स – 2016. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2016 : 140–50.

218. कुमार एस, *एट ऑल* / इसोफेगस. इन : चुम्बर एस (संपा.). एसेंशियल्स ऑफ सर्जरी. दूसरा संस्करण. नई दिल्ली : जेपी; 2016.

219. कुमार एस, *एट ऑल* / लार्ज इंस्टेस्टाइन. इन : चुम्बर एस (संपा.). एसेंशियल्स ऑफ सर्जरी. दूसरा संस्करण. नई दिल्ली : जेपी; 2016.

220. कुमार एस, *एट ऑल* / ओंकोलॉजी. इन : चुम्बर एस (संपा.). एसेंशियल्स ऑफ सर्जरी. दूसरा संस्करण. नई दिल्ली : जेपी; 2016.

221. कुमार वी, गोयल एन (संपा.). आइ इंफेक्शन्स इंडियन मेडिकल एसोसिएशन रेशनल यूज ऑफ एंटीमाइक्रोबियल्स – इंडिय पर्सपेक्टिव. प्रथम संस्करण दिल्ली : आईएमए; 2015 : 409–11.

222. कुमार वी, शंकर वी. डायग्नोस्टिक ऑर्थ्रोस्कोपी ऑफ द नी. इन : मल्होत्रा आर (संपा.). मास्टरिंग ऑर्थोपेडिक टेकनीक्स - नी रिकंस्ट्रक्शन. पहला संस्करण. दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2016 :

223. कुमार वी डी, एप्सिंगी एस. ऑर्थ्रोकोपिक मेनिसेक्टॉमी. इन : मल्होत्रा आर (संपा.). मास्टरिंग ऑर्थोपेडिक टेकनीक्स – नी रिकंस्ट्रक्शन. पहला संसकरण. दिल्ली : जे पी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2016 : 225–32.
224. कुमार वी एल, वर्मा एस. असेस्टमेंट ऑफ जीनोटॉक्सिक एण्ड जीनोप्रोटेक्टिव प्रोफाइल ऑफ सम कमॉनली यूज हर्बल मेडिसिन्स. इन : गुप्ता वीके (संपा.). नेचुरल्स प्रोडक्ट्स : रिसर्च रिव्यूस . नई दिल्ली : दया पब्लिशिंग हाउस; 2016 : 405–25.
225. लाल आर, सिन्हा के, केडिया एस. सबस्टेनस एब्यूज इन वुमेन; करंट स्टेट्स. इन : टीएसएस राव (संपा.). सप्लीमेंट इंडियन जर्नल ऑफ साइकियाट्री. सप्पलीमेंट 2. 2015 : 275–85.
226. लहल एसएस, सिंह एआर, गुप्ता एम. डेवलपिंग एन एमर्जेंसी मेडिसिन डिपार्टमेंट इन एन इंडियन नर्सिंग होम और हॉस्पिटल. इन : वंडर जीएस, पारेख केके (संपा.). मेडिसिन अपडेट 2016 – I (प्रोग्रेस इन मेडिसिन). दूसरा संस्करण. नई दिल्ली : जेपी पब्लिशर्स; 2016 : 1803–8.
227. महाजन आर, बंसल वी, मुखर्जी ए, आसुरी के, चुम्बर एस. वेन्स. इन : चुम्बर एस (संपा.). क्लिनिकल सर्जरी. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स ; 2015 : 76–84.
228. महापात्रा एम, मिश्रा पी, सेठ टी. एलोजेनिक स्टेम सेल ट्रांसप्लांटेशन : एम्स एक्सपीरियंस. इन : धूत पीएस, पारेख पी, मिश्रा डी (संपा.). स्टेम सेल बैंकिंग ट्रांसप्लांटेशन., पहला संस्करण. नई दिल्ली : ग्रास हॉपर; 2016, : 122–8.
229. मखारिया जीके, टंडन आरके. इंस्टेटाइनल ट्यूबरकुलोसिस. इन : साहा एके, भट्टाचार्य ए (संपा.). क्रोनिक डायरिया. कोलकाता : इंडियन कॉलेज ऑफ फिजिशियन्स; 2016. 109–25.
230. मखारिया जीके. एब्डोमिनल ट्यूबरक्युलोसिस. इन : मुंजल वायपी, शर्मा एस के, अग्रवाल एके, गुप्ता पी, कामथ एसए, नदकर एमवाय, *एट ऑल। (संपा.).* एपीआई टेक्स्टबुक ऑफ मेडिसिन, 10वां संस्करण. जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2015 : 1120–7.
231. मल्होत्रा पी, भगतवाला के, करिया एन, नंदा एन. इकोकार्डियोग्राफी एक्जामिनेशन ऑफ ट्राइकस्पिड वेल्यू. इन : नंदा एनसी (संपा.). कम्प्रेहेंसिव टेक्स्टबुक ऑफ इकोकार्डियोग्राफी. पहला संस्करण. दिल्ली : जेपी ब्रदर्स; 2015 : 984–1030.
232. मल्होत्रा पी, गोयल वी, ओजा पी. एक्स्ट्राकॉर्पोरीयल मेम्ब्रेन ऑक्सीजनेशन : ए न्यू थेरेप्यूटिक मॉडेलिटी – वेयर वी आर इन इंडिया. इन : वंडर जीएस, पारीक केके (संपा.). मेडिसिन अपडेट 2016 – 1 (प्रोग्रेस इन मेडिसिन 2016). दूसरा संस्करण. दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2016 : 1634–8.
233. मल्होत्रा पी. इकोकार्डियोग्राफी इन एक्स्ट्राकॉर्पोरीयल मेम्ब्रेन ऑक्सीजनेशन. इन : चोपड़ा एचके (संपा.). सीएसआई कार्डियोलॉजी अपडेट. पहला संस्करण. दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 201 : 1152–71.
234. मल्होत्रा पी. ईसीएमओ इन एसटीईएमआई. इन : चोपड़ा एचके (संपा.). एसटीईएमआई अपडेट 2015. प्रथम संस्करण. माउंट आबू : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2015 : 1052–83.
235. मल्होत्रा पी. एक्स्ट्रा कॉर्पोरीयल मेम्ब्रेन ऑक्सीजन. इन : मेहता वाय (संपा.). टेक्स्टबुक ऑफ क्रिटिकल केयर. पहला संस्करण. दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2015 : 202–18.
236. मनचंदा एस. इंटर्नल ऑडिटरी कैनाल एनोमेलिस : इमेजिंग. इन : भल्ला एएस, जाना एम (संपा.). टेम्पोरल बोन इमेजिंग. पहला संस्करण. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (प्रा.) लि.; 2016 : 139–52.
237. मनचंदा एस. रिपोर्टिंग टेम्प्लेट विद इल्युस्ट्रेटिव केस (कंजेनाइटल एनोमेलिस ऑफ एक्सटर्नल एण्ड मिडल इयर). इन : भल्ला एएस, जाना एम (संपा.). टेम्पोरल बोन इमेजिंग. पहला संस्करण. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (प्रा.) लि.; 2016 : 72–84.

238. मनचंदा एस. रिपोर्टिंग टेम्प्लेट विद इल्युस्ट्रेटिव केस (इंफेक्शन्स ऑफ एक्सटर्नल एण्ड मिडल इयर). इन : भल्ला एएस, जाना एम (संपा.). टेम्पोरल बोन इमेजिंग. पहला संस्करण. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (प्रा.) लि.; 2016 : 111–22.
239. मनचंदा एस. रिपोर्टिंग टेम्प्लेट विद इल्युस्ट्रेटिव केसिस (इनर इयर, इंटर्नल ऑडिटरी कैनाल एण्ड कॉकलियर इम्प्लांट). इन : भल्ला एएस, जाना एम (संपा.). टेम्पोरल बोन इमेजिंग. पहला संस्करण. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (प्रा.) लि.; 2016 : 166–182.
240. मनचंदा एस. रिपोर्टिंग टेम्प्लेट विद इल्युस्ट्रेटिव केस (मिसलेनियस). इन : भल्ला एएस, जाना एम (संपा.). टेम्पोरल बोन इमेजिंग. पहला संस्करण. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (प्रा.) लि.; 2016 : 253–262.
241. मनचंदा एस. रिपोर्टिंग टेम्प्लेट विद इल्युस्ट्रेटिव केस (ट्यूमर्स). इन : भल्ला एएस, जाना एम (संपा.). टेम्पोरल बोन इमेजिंग. पहला संस्करण. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (प्रा.) लि.; 2016 : 219–28.
242. मारुपाका एसके, माधवी एन, मित्तल एमआरआई इन स्पोर्ट्स इंजुरीज़ ऑफ द नी. इन : मल्होत्रा आर, एप्सिंगी एस, इचेमपति केके,, गौतम डी (संपा.). मास्टरिंग ऑर्थोपेडिक टेकनीकस –नी रिकंस्ट्रक्शन. प्रथम संस्करण दिल्ली : जेपी पब्लिशर्स; 2016 : 13–38.
243. माथुर एवी, चुम्बर एस, अग्रवाल एस, अग्रवाल एन. ऑब्डोमिनल वॉल एण्ड अम्बिलीकस. इन : चुम्बर एस (संपा.). क्लिनिकल सर्जरी प्रथम संस्करण नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2015 : 981-9.
244. माथुर वीपी, ढिल्लन जेके. ड्रग फॉर ओरल हेल्थ, इंडिया फार्माकोपिया कमिशन, नेशनल फॉर्मूलरी ऑफ इंडिया. तीसरा संस्करण. नई दिल्ली : मिनिस्ट्री ऑफ हेल्थ एण्ड फैमिली, वेलफेयर गर्वमेंट ऑफ इंडिया; 2015 : 475–9.
245. महेता वी, मखारिया जीके. एप्रोच टू ए पेशेंट विद क्रोनिक डायरिया. इन : पारीक केके, वंडर गुरप्रीत एस (संपा.). प्रोग्रेस इन मेडिसिन. नई दिल्ली : जेपी; 2016 : 353–8.
246. मेनन पीआर, अरिदम सी. पल्मोनरी हाइपरटेंशन एण्ड कोर पल्मोनेल. इन : जाट केआर, काबरा एसके, लोधा आर (संपा.). केस बेस्ड रिव्यूज़ इन पीडियाट्रिक पल्मोनोलॉजी. प्रथम संस्करण. 2015.
247. मेनन पीआर, लोधा आर, काबरा एसके. एनाटॉमी ऑफ रेस्पीरेटरी ट्रैक. इन : काबरा एसके, लोधा आर(संपा.). एसेंशियल्स पीडियाट्रिक पल्मोनोलॉजी. तीसरा संस्करण. 2015
248. मेनन पीआर, लोधा आर, काबरा एसके. लॉन्ग टर्म ट्रीटमेंट ऑफ अस्थमा. इन : काबरा एसके, लोधा आर (संपा.). एसेंशियल्स पीडियाट्रिक पल्मोनोलॉजी. तीसरा संस्करण. 2015
249. मेनन पीआर, लोधा आर, काबरा एसके. रेस्पीरेटरी होम केयर फॉर चिल्ड्रन. इन : काबरा एसके, लोधा आर (संपा.). एसेंशियल्स पीडियाट्रिक पल्मोनोलॉजी. तीसरा संस्करण. 2015
250. मेनन पीआर, लोधा आर. एनार्यनमेंटल चैलेंजिस टू चाइल्ड हेल्थ. इन : पटवारी एके, सचदेवा एचपीएस (संपा.). फ्रंटियर्स इन सोशल पीडियाट्रिक्स. दूसरा संस्करण. 2015
251. मेनन पीआर. क्लिनिकल एप्रोच टू ए पॉइजंड चाइल्ड. इन : गुप्ता पी, मेनन पीएसएन, रामजी एस, लोधा आर (संपा.). पोस्ट ग्रेजुएट टेक्स्टबुक ऑफ पीडियाट्रिक. प्रथम संस्करण .2015
252. मिश्रा पी. हिमोफिलिया. इन : गुप्ता पी (संपा.). पोस्टग्रेजुएट टेक्स्टबुक ऑफ पीडियाट्रिक्स. पहला संस्करण . नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2015 : 1597–603.
253. मिश्रा पी. प्लेटलेट : मोर्फोलॉजी. इन : मेहता एस (संपा.). प्लेटलेट. पहला संस्करण. जयपुर : जेपी; 2016 : 1–6.
254. मिश्रा आर, जैन वी. नॉर्मल ग्रोथ. इन : गुप्ता पी, मेनन पीएसएन, रामजी एस, लोधा आर (संपा.). पोस्टग्रेजुएट टेक्स्टबुक ऑफ पीडियाट्रिक्स. पहला संस्करण. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2015 : 634–37.

255. मिश्रा एमसी, आसुरी के, चुम्बर एस. लिम्फ नोड्स. इन : चुम्बर एस (संपा.). क्लिनिकल सर्जरी. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स ; 2015 : 91–107
256. मिश्रा एमसी, आसुरी के, साहा एस, चुम्बर एस. हर्निया. इन : चुम्बर एस (संपा.). क्लिनिकल सर्जरी. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स ; 2015 : 503–19.
257. मित्तल ए, शर्मा ए, कोहली एम, शर्मा एसके. एक्सपर्ट एमबीबी / आरआईएफ इन द डायग्नोसिस ऑफ ट्यूबरक्युलोसिस : चेलैंजिस द गोल्ड स्टैंड्र्ड. इन : वांडर जीएस, पारीक केके (संपा.). मेडिसिन अपडेट 2016-I (प्रोग्रेस इन मेडिसिन 2016). नई दिल्ली : द हेल्थ साइंसिस पब्लिशर; 2016 : 923–930.
258. एमके दगा, अरविंद के. क्लोस्ट्रीडायल इंफेक्शन. इन : मुंजाल वाय, शर्मा एसके (संपा.). एपीआई टेक्स्टबुक ऑफ मेडिसिन. 10वां संस्करण. जेपी; 2015 : 1502–1507.
259. मोहन ए, धुंगाना ए, मलिक वी. स्लीप डिस्ऑर्डर ब्रीथिंग इन हॉस्पीटलाइज्ड पेशेंट्स. इन : मुसानी एआई (संपा.). करंट पल्मोनोलॉजी रिपोर्ट्स. प्रथम संस्करण. जर्मनी : स्प्रिंगर; 2016.
260. मोहन ए, धुंगाना ए. एआरडीएस इन ट्रॉपिकल इंफेक्शन्स. इन : ए भल्ला (संपा.). अपडेट ऑन ट्रॉपिकल फीवर. प्रथम संस्करण, चंडीगढ़, 2015
261. मोहंती एस. सेल्युलर थेरैपी फॉर ऑक्यूलर डिजीज. इन : त्रिमूर्ति वेलपांडियन (संपा.). फार्माकोलॉजी ऑफ ऑक्यूलर थेरेप्यूटिक्स. न्यू यॉर्क : स्प्रिंगर नेचर; 2016 : 467–78.
262. मोका पी, मखारिया जीके, शर्मा एमपी. इंवेस्टीगेशन्स : जीआई इंडोस्कोपी. इन : शर्मा ओपी (संपा.). प्रिंसिपल एण्ड प्रैक्टिस ऑफ जेरियाट्रिक मेडिसिन. नई दिल्ली : विवा बुक्स; 2015 : 280–6.
263. मोका पी, मखारिया जीके. अल्सरेटिव कोलाइटिस. इन : मिश्रा पीके (संपा.). टेक्स्टबुक ऑफ सर्जिकल गैस्ट्रोइंटेरोलॉजी, पहला संस्करण. नई दिल्ली : जेपी द हेल्थ साइंसिस पब्लिशर्स; 2016 : 1155–67.
264. मुखोपाध्याय एके. फ्रॉम सिंगनल टू विल एण्ड फ्रॉम विल टू कंशसनेस इन : मिश्रा एससी, उप्पलुरी आर, अग्रवाल वी (संपा.). द साइंस एण्ड स्पिर्च्युअल क्वेस्ट. द रोल ऑफ स्पिर्च्युअल्टी इन द एज ऑफ साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी. कोलकाता : भक्तिवेदांता इंस्टीट्यूट; 2015 : 41–52.
265. नाग एचएल, फारूकी के, चुम्बर एस. बोन्स. इन : चुम्बर एस (संपा.). क्लिनिकल सर्जरी : ए टेक्स्ट एण्ड एटलस. प्रथम संस्करण. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (प्रा.) लि.; 2016 : 123–37
266. नाग एचएल, मित्तल आर, यादव सीएस, चुम्बर एस. जॉइंट, मसल्स, टेंडन एण्ड फेशिया. इन : चुम्बर एस (संपा.). क्लिनिकल सर्जरी. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स ; 2015 : 138–61
267. नायक एम, वहल एन, मल्होत्रा आर. पेटेल्लोफिमोरल ऑर्थराइटिस. इन : मल्होत्रा आर, एप्सिंगी एस, इचेमपति केके, गौतम डी (संपा.). मास्टरिंग ऑर्थोपेडिक टेकनीक्स –नी रिकंस्ट्रक्शन. प्रथम संस्करण दिल्ली : जेपी पब्लिशर्स; 2016 : 291–304.
268. नैय्यर आर, कुमार ए. मैनेजमेंट ऑफ बीपीएच इन : शारदा एके (संपा.). प्रोसीडिंग्स ऑफ द 31 नेशनल कंटीन्यूइंग मेडिकल एजुकेशन प्रोग्राम इन सर्जरी – 2015. नई दिल्ली : एमएएमसी; 2015.
269. पदमा एमवी, दाश डी. एप्रोच टू ए पेशेंट विद एक्यूट इस्चेमिक स्ट्रोक विद इन फोर आवर्स ऑफ ऑनसेट. इल्सेवियर पब्लिशर्स.
270. पदमा एमवी, शर्मा एच, जैसवाल ए. डायबिटीज़ एण्ड स्ट्रोक. इन : आरएसएसडीआई टेक्स्ट बुक ऑफ डायबिटीज़
271. पदमा एमवी. कॉग्नीशन एण्ड एजिंग. टेक्स्ट बुक ऑफ डेमेंशिया.
272. पाल एस, अग्रवाल एस, बाजपेयी एम, चुम्बर एस, अग्रवाल एन. लिवर एण्ड पोर्टल वेन. इन : चुम्बर एस (संपा.). क्लिनिकल सर्जरी प्रथम संस्करण नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2015 : 863-94.
273. पाण्डे जीके, पाल एस. लिवर रिसेक्शन. इन : मिश्रा पीके (संपा.). टेक्स्टबुक ऑफ सर्जिकल गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी प्रथम संस्करण. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स ; 2016 : 852–77.

274. पाण्डे एके, शर्मा पीडी, शर्मा एसके, सरकार के, शर्मा ए, कुमार आर, एट ऑल। इमेज नॉइस रिमूवल यूजिंग प्रिंसिपल ऑफ सुप्रेथ्रेशहोल्ड स्टोकास्टिक रेसोनेंस. इन : महारत्न के, डालापति जीके, बनर्जी पीके, मलिक एके, मुखर्जी एम (संपा.). कम्प्यूटेशनल एडवांसमेंट इनकम्युनिकेशन सर्क्रिट एण्ड सिस्टम्स : प्रोसीडिंग्स ऑफ आईसीसीएसीसीएस 2014. न्यू यॉक्र : स्प्रिंगर इंडिया; 2015 : 507–14.
275. पाण्डे डी, रामनाथन पी, गर्ग पीके, पाण्डे आर. कार्सिनोमा स्टमक. इन : मिश्रा पीके (संपा.). टेक्स्टबुक ऑफ सर्जिकल गैस्ट्रोइंटेरोलॉजी. प्रथम संस्करण. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (प्रा.) लि.; 2015 : 300–12.
276. पाण्डे आरके, गर्ग आर, दरलोंग वी. बैग–मास्क वेंटिलेशन. इन : गुर्जर एम (संपा.). मैनुअल ऑफ आईसीयू पॉसीजर. पहला संस्करण. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (प्रा.) लि.; 2016 : 3–16.
277. पंवार आर, गुप्ता वी, कुमार एस, अग्रवाल एस, चुम्बर एस, अग्रवाल एन. इसोफेगस. इन : चुम्बर एस (संपा.). क्लिनिकल सर्जरी प्रथम संस्करण नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2015 : 704-43.
278. पारख एन, बहल वीके. क्रोनिक स्टेबल एंजिना–मेडिकल थेरैपी वर्सिस रिवेस्कुलराइजेशन. इन : पारीक केके, वांडर जीएस (संपा.). प्रोग्रेस इन मेडिसिन. 2016. प्रथम संस्करण दिल्ली : जेपी;
279. प्रसाद आर, कटवारिया के, सिंघल एस, कुमार के. रेक्टल प्रोलेप्स. इन : मिश्रा पीके (संपा.). टेक्स्टबुक ऑफ सर्जिकल गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी. प्रथम संस्करण नई दिल्ली : जेपी; 2016 : 1023–35.
280. पाठक एम, द्विवेदी एसएन. कम्पीटिंग रिस्क सर्वाइवल एनालाइसिस / हैजार्ड मॉडलिंग : एन एप्रैजल. इन : तिवारी एन (संपा.). स्टेटिस्टिकल एण्ड मैथेमेटिकल साइंसिस एण्ड देयर एप्लीकेशन्स. प्रथम संस्करण नई दिल्ली : नरोसा पब्लिशिंग हाउस; 2016 : 182–196.
281. पति एचपी, मुतरेजा डी. हिमोग्लोबिनो – पैथीज. इन : गुप्ता पी (संपा.). पोस्टग्रेजुएट टेक्स्टबुक ऑफ पीडियाट्रिक्स. पहला संस्करण. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2015 : 1553–5.
282. पॉल वीके, ठुकराल ए. इफेक्टिव स्ट्रैटजिस फॉर इम्प्रूविंग न्यूबोर्न हेल्थ. इन : पटवारी एके, सचदेव एचपीएस (संपा.). फ्रंटियर्स इन सोशल पीडियाट्रिक्स. दूसरा संस्करण. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2016 :
283. पेराकाथ बी, समरसम आई, पाल एस, अग्रवाल एस, चुम्बर एस, अग्रवाल एन. स्टमक एण्ड ड्यूडेनम . इन : चुम्बर एस (संपा.). क्लिनिकल सर्जरी प्रथम संस्करण नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2015 : 713-68.
284. प्रसाद के, विभा डी, ट्यूबरकुलर मेनिनजाइटिस : फ्रॉम कंट्रोवर्सी टू कंसेन्सस. इन : वांडर जीएस (संपा.). मेडिसिन अपडेट बुक. हैदराबाद; 2015 : 940-3.
285. प्रियादर्शनी पी, आसुरी के, कुडवा ए, चुम्बर एस, साहा एस. सर्जिकल इंफेक्शन्स. इन : धवन आईके, चुम्बर एस, गुप्ता ए (संपा.). एसेंशियल्स ऑफ सर्जरी. दूसरा संस्करण. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल; 2016 : 124–40.
286. प्रियादर्शनी पी, कृष्णा ए, भारी एन, रमन एम, चुम्बर एस, वर्मा केके, *एट ऑल* / स्पेसिफिक इंफेक्शन्स. इन : धवन आईके, चुम्बर एस, गुप्ता ए (संपा.). एसेंशियल्स ऑफ सर्जरी. दूसरा संस्करण. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स ; 2016 : 141–78.
287. प्रियादर्शनी पी, शर्मा एस, चुम्बर एस, अग्रवाल एन. फेस एण्ड सेलाइवरी ग्लैंड. इन : धवन आईके, चुम्बर एस, गुप्ता ए (संपा.). एसेंशियल्स ऑफ सर्जरी. दूसरा संस्करण. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2016 : 505-17.
288. पुंज जे. एमओडीएस एण्ड इंफेक्शन. एसेंशियल्स ऑफ सर्जरी. दूसरा संस्करण.
289. पुंज जे. पीडियाट्रिक एनेस्थिसियां. इन : माथुर जीपी (संपा.). पीडियाट्रिक मेडिसिन. दूसरा संस्करण.

290. राघवन एम, बाजपेयी एम, चुम्बर एस. चाइल्ड एण्ड न्यूबोर्न. इन : चुम्बर एस (संपा.). क्लिनिकल सर्जरी. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स ; 2015 : 573–80.

291. राय एस, माहे आर, कुमार एस, रॉय केके. गायनीकोलॉजी फॉर सर्जन्स. इन : चुम्बर एस (संपा.). क्लिनिकल सर्जरी – टेक्स्ट एण्ड एटलस. प्रथम संस्करण. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स; 2015 : 1117–40.

292. राय एस. नेशनल एड्स कंट्रोल प्रोग्राम. इन : तनेजा डीके (संपा.). हेल्थ पॉलिसीज़ एण्ड प्रोग्राम्स इन इंडिया. 14वां संस्करण. नई दिल्ली : डॉक्टर पब्लीकेशन; 2015 : 280–305.

293. राय एस. रिवाइज्ड नेशनल ट्यूबरक्युलोसिस कंट्रोल प्रोग्राम. इन : तनेजा डीके (संपा.). हेल्थ पॉलिसी एण्ड प्रोग्राम इन इंडिया. 14वां संस्करण. नई दिल्ली : डॉक्टर पब्लीकेशन; 2015 : 197–206.

294. राज डी, लोधा आर. एबर्नोमेलिटिस ऑफ एसिड – बेस बैलेंस. इन : गुप्ता पी, मेनन पीएसएन, रामजी एस, लोधा आर (संपा.). पीजी टेक्स्टबुक ऑफ पीडियाट्रिक्स. पहला संस्करण. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (प्रा.) लि..; 2015 : 198–203.

295. राज डी, लोधा आर. एसिड बेस इक्विलिब्रियम . इन : गुप्ता पी, मेनन पीएसएन, रामजी एस, लोधा आर (संपा.). पीजी टेक्स्टबुक ऑफ पीडियाट्रिक्स. पहला संस्करण. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (प्रा.) लि.; 2015 : 194–8.

296. राज डी, लोधा आर. मैकेनिकल वेंटिलेशन. इन : गुप्ता पी, मेनन पीएसएन, रामजी एस, लोधा आर (संपा.). पीजी टेक्स्टबुक ऑफ पीडियाट्रिक्स. पहला संस्करण. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (प्रा.) लि.; 2015 : 266–74.

297. राजेश्वरी एस. जर्नल एनेस्थिसिया एण्ड एयरवे मैनेजमेंट. इन : आहुजा एस, भट्टाचार्य ए (संपा.). एसेंशियल्स ऑफ पीडियाट्रिक एनेस्थिसिया एण्ड इंटेंसिव केयर. पहला संस्करण. नई दिल्ली : सीबीएस पब्लिशर्स; जनवरी 2015.

298. राजेश्वरी एस. प्री ऑपरेटिव इवेल्यूएशन ऑफ द मोर्बिडली ओबेस. इन : सिन्हा ए (संपा.). ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस; मार्च 2016

299. राजेश्वरी एस. प्री ऑपरेटिव इवेल्यूएशन : ए. इवेल्यूएशन ऑफ द चाइल्ड द ऊपर रेस्पीरेटरी इंफेक्शन. बी. इवेल्यूएशन ऑफ द चाइल्ड विद ए मुरमुर. इन : आहुजा एस, भट्टाचार्य ए (संपा.). एसेंशियल्स ऑफ पीडियाट्रिक एनेस्थिसिया एण्ड इंटेंसिव केयर. पहला संस्करण. नई दिल्ली : सीबीएस पब्लिशर्स; जनवरी 2015.

300. रामचंद्रन आर, चुम्बर एस, देव एसवीएस, साहा एस. रिसपॉन्स ऑफ द बॉडी टू इंजुरी. इन : एसेंशियल्स ऑफ सर्जरी.दूसरा संस्करण. नई दिल्ली : जेपी; 2016.

301. रंजन आर, कुमार यू. फीवर ऑफ अननोन ओरिजिन डयू टू कनेक्टिव टिशू डिजीज. इन : पारीक केके, माथुर जी (संपा.). मोनोग्राफ फीवर ऑफ अननोन ओरिजिन. प्रथम संस्करण. मुम्बई : एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडिया – द इंडियन कॉलेज ऑफ फिजिशियन; 2015 : 85–93.

302. रेवाड़ी वी, रामचंद्रन आर. केटामिन – प्रेजेंट स्टेटस इन एनेस्थिसियां प्रैक्टिस. इन : सहगल आर, त्रिखा ए (संपा.). इयरबुक ऑफ एनेस्थिसियोलॉजी. प्रथम संस्करण. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2016.

303. रेवाड़ी वी, संबापैथी एसपी, गुप्ता बी, मैकेनिकल वेंटिलेशन इन द ट्रॉमा पेशेंट. इन : गुप्ता बी (संपा.). एसेंशियल्स ऑफ ट्रॉमा एनेस्थिसिया एण्ड इंटेंसिव केयर. प्रथम संस्करण. नई दिल्ली : पी पी पब्लिशर्स; 2016.

304. सागर आर, देब केएस. एनोरेक्सिया नर्वोसा एण्ड बुलिमिया. इन : गुप्ता पी, मेनन पीएसएन, रामजी एस, लोधा आर (संपा.). पीजी टेक्स्टबुक ऑफ पीडियाट्रिक्स. दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2015 : 795–8.

305. सागर आर, गोयल एस. मेंटल इलनेस : इंटरग्रेटिंग इट्स मैनेजमेंट विद अदर नॉन–कम्युनिकेबल डिजीज. इन : नारायण जेपी, कुमार आर (संपा.). टेक्स्टबुक ऑफ नॉन–कम्युनिकेबल डिजीज : द हेल्थ चैलेंज ऑफ 21 सेंचुरी. दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2015 : 123–41.
306. सागर आर, पटनायक आरडी. साइकियाट्री इन इंडिया : ट्रेनिंग एण्ड ट्रेनिंग सेंटर्स. इन : राव टीएसएस, टंडन ए (संपा.). प्रोविजन फॉर ट्रेनिंग सेंटर्स : रिसेंट डेवलपमेंट. इंडियन जर्नल ऑफ साइकियाट्री. माइसुरु : इंडिया जर्नल ऑफ साइकियाट्री।
307. सागर आर, रंजन आर. ऑप्सेशनल डेफिसिट एण्ड कंडक्ट डिस्ऑर्डर. इन : गुप्ता पी, मेनन पीएसएन, रामजी एस, लोधा आर (संपा.). पीजी टेक्स्टबुक ऑफ पीडियाट्रिक्स. दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2015 : 788–92.
308. सागर आर, वर्मा आर. अटैंशन डेफिसिट हाइपरेक्टिविटि डिस्ऑर्डर. इन : गुप्ता पी, मेनन पीएसएन, रामजी एस, लोधा आर (संपा.). पीजी टेक्स्टबुक ऑफ पीडियाट्रिक्स. दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2015 :782–788.
309. सागर एस, कटारिया के. टूर्निक्वेट फॉर वेस्कुलर इंजरीज़ : मैनुअल ऑफ आईसीयू प्रॉसीजर्स बाय मोहन गुर्जर (पीपी 386–391) आईएसबीएन नंबर : 978-93-5152-422-9
310. साहा एस, अग्रवाल एन, पाल एस, चुम्बर एस. रेक्टम एण्ड एनुस. इन : चुम्बर एस (संपा.). क्लिनिकल सर्जरी. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स ; 2015 : 493–502.
311. संजीव सिन्हा. एचआईवी–टीबी कोइंफेक्शन. इन : एपीआई मेडिसिन, एपीआई, 2015.
312. सतीशचंद्रा पी, त्रिपाठी एम. एपिलेप्सिस. इन : वादिया एनएच, खादिलकर एसवी (संपा.). न्यूरोलॉजी प्रैक्टिस. दूसरा संस्करण. दिल्ली : रीड इल्सेवियर इंडिया; 2015 : 195-208.
313. सक्सेना ए. क्लिनिकल एप्रोच टू कंजेनाइटल सिनोटिक हार्ट डिजीज. इन : गुहा एस (संपा.). कार्डियोलॉजी अपडेट. 2015. पहला संस्करण. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (प्रा.) लि.; 2016 : 929–34.
314. सक्सेना ए कंजेस्टिव हार्ट फेल्योर : डायग्नोसिस एण्ड मैनजमेंट. इन : पार्थेसार्थी ए (संपा.). आईएपी टेक्स्टबुक ऑफ पीडियाट्रिक्स. 6वां संस्करण. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (प्रा.) लि.; 2016 : 515–24.
315. सक्सेना आर, पुरोहित ए, वेंकटेशन एस. रोल ऑफ लेबोरेटरी इन हिमेटोपोइटिक स्टेम सेल ट्रांसप्लांटेशन. इन : धूत पीएस, पारिख पी, मिश्रा डी (संपा.). स्टेम सेल बैंकिंग ट्रांसप्लांटेशन, पहला संस्करण . नई दिल्ली : ग्रासहॉपर; 2016.
316. सहगल आर, रॉय टीएस. बेसिक एण्ड एप्लाइड एनाटॉमी ऑफ ब्रेकियल प्लेक्सस. इन : महापात्रा एके, मिधा आर, सिन्हा एस (संपा.). सर्जरी ऑफ ब्रेकियल प्लेक्सस. प्रथम संस्करण. नोएडा : थीम मेडिकल एण्ड साइंटिफिक पब्लिशर्स; 2016 : 1–12.
317. सेठ आर, सिंह ए. ल्यूकेमिस इन चिल्ड्रन. इन : पंधी बीएस (संपा.). पीडियाट्रिक्स इन जर्नल प्रैक्टिस. पहला संस्करण. नई दिल्ली : इंडियन जे ऑफ पीडियाट्रिक्स; 2015 : 207–23.
318. सेठ टी, जैन वी, शांतनु के, कौशिक पी, चुम्बर एस. हिमोस्टेसिस एण्ड डिस्ऑर्डर्स ऑफ सर्जिकल ब्लीडिंग. इन : धवन आईके, चुम्बर एस, गुप्ता ए (संपा.). एसेंशियल्स ऑफ सर्जरी. दूसरा संस्करण. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2016 : 68-87.
319. सेठ टी. एप्रोच टू ब्लीडिंग एण्ड कोएगुलेशन डिस्ऑर्डर्स. इन : गुप्ता पी (संपा.). पोस्टग्रेजुएट टेक्स्टबुक ऑफ पीडियाट्रिक्स. पहला संस्करण . नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2015 : 1592–7.

320. शालीमार, आचार्य एसके. एक्यूट लिवर फेल्योर. इन : एपीआई टेक्स्टबुक; 2015
321. शालीमार, आचार्य एसके. सर्जरी इन एक्यूट एण्ड क्रोनिक लिवर डिजीज. इन : मिश्रा पीके (संपा.). टेक्स्टबुक ऑफ सर्जिकल गैस्ट्रोइंटेरोलॉजी. प्रथम संस्करण नई दिल्ली : जेपी पब्लिशर्स; 2016 : 961–6.
322. शर्मा ए. कीमोथेरैपी प्रिंसिपल एण्ड टेकनीक्स फॉर गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल कैंसर. इन : मिश्रा पीके (संपा.). टेक्स्टबुक ऑफ सर्जिकल गैस्ट्रोइंटेरोलॉजी. प्रथम संस्करण. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (प्रा.) लि.; 2015 : 61–8.
323. शर्मा ए. जेनेटिक्स ऑफ एंटीबॉडी डावर्सिटी. इन : तलवार जीपी, हुसनैन एसई, सरीन एसके (संपा.). टेक्स्टबुक ऑफ बायोकैमिस्ट्री, बायोटेक्नोलॉजी, एलाइड एण्ड मॉलीक्यूलर मेडिसिन. चौथा संस्करण. दिल्ली : पीएचआई लर्निंग प्रा. लि.; 2016 : 1207 –1212.
324. शर्मा एचपी, विजयकुमार एआर, वेलपांडियन टी (संपा.). सिस्टेमिक टॉक्सीसिटी ऑफ ड्रग एप्लाइड टू द आइ. वेलपांडियन टी. फार्माकोलॉजी ऑफ ऑक्यूलर थेरेप्यूटिक्स; 2016 : 375–84.
325. शर्मा जेबी, यादव एम. ब्लड कम्पोनेंट थेरैपी. इन : शर्मा ए (संपा.). प्रैक्टिकल गाइड टू थर्ड ट्रिमेस्टर ऑफ प्रेग्नेंसी एण्ड प्यूरपेरियम . प्रथम संस्करण. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2016 : 687–91.
326. शर्मा केए, कृपलानी ए. इम्युनोलॉजिकल डिस्ऑर्डर्स इन प्रेग्नेंसी. इन : शर्मा ए (संपा.). प्रैक्टिकल गाइड टू थर्ड ट्रिमेस्टर ऑफ प्रेग्नेंसी एण्ड प्यूरपेरियम. प्रथम संस्करण. नई दिल्ली : जेपी; 2016
327. शर्मा आर, गोयल ए. गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल इमेजिंग. इन : मिश्रा पीके (संपा.). सर्जिकल गैस्ट्रोइंटेरोलॉजी. प्रथम संस्करण. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स; 2015 :
328. शर्मा आर, कंडासामी डी. एमआरआई इन मेडिसिन. इन : मुंजल वायपी (संपा.). एपीआई टेक्स्ट बुक ऑफ मेडिसिन. 10वां संस्करण. नई दिल्ली : जेपी पब्लिशर्स; 2015 :
329. शर्मा आर. केयर ऑफ द बेबी अंडर फोटोथेरैपी. *मैनुअल ऑफ न्यूबॉर्न नर्सिंग.* प्रथम संस्करण बैंगलुरू : द नियोनेटोलॉजी चैप्टर ऑफ इंडियन अकैडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स; 2015 : 212–19.
330. शर्मा एस, गुप्ता डीके. कोलोनिक इंटरपॉजीशन. इन : पुरी पी, होलवॉर्थ एम (संपा.). पीडियाट्रिक सर्जरी एटलस सीरिज. दूसरा संस्करण. जर्मनी : स्प्रिंगर; 2016.
331. शर्मा एस, सिन्हा ए. कंजेनाइटल एनोमेलिस ऑफ किडनी एण्ड यूरिनरी ट्रैक्ट. इन : गुप्ता पी, मेनन पीएसएन, रामजी एस, लोधा आर (संपा.). पीजी टेक्स्टबुक ऑफ पीडियाट्रिक्स. प्रथम संस्करण नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2015 : 1978-84.
332. शर्मा वी, चुम्बर एस. हैंड एण्ड फुट. इन : चुम्बर एस (संपा.). क्लिनिकल सर्जरी. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स ; 2015 : 162–75
333. साहनी सी. जेरियाट्रिक ट्रॉमा. इन : प्रिंसिपल एण्ड प्रैक्टिस ऑफ जेरियाट्रिक मेडिसिन।
334. सिक्का के, वर्मा एच. कॉकलियर इम्प्लांट : सर्जिकल पर्सपेक्टिव्स. इन : भल्ला ए, जाना एम, शर्मा एससी (संपा.). क्लिनिको–रेडियोलॉजिकल सीरिज : टेम्पोरल बोन इमेजिंग. प्रथम संस्करण नई दिल्ली : जेपी; 2016 : 153–8.
335. सिंह ए, वेलपांडियन टी (संपा.). हर्बल ड्रग्स फॉर ऑफ्थेल्मेमिक यूज. वेलपांडियन टी. फार्माकोलॉजी ऑफ ऑक्यूलर थेरेप्यूटिक्स; 2016 : 517–35.
336. सिंह जीपी, चौधरी टी, चैप्पेल्लानी आरबी, चैप्पेल्लानी आरबी, तुमुल चौधरी, बेरंहार्ड जे. शैलर, ट्रिजेमिनोकार्डियाक रिफ्लेक्स, पहला, लंदन, यूके, इल्सेवियर, 2015, 145–151
337. सिंह जीपी, कपूर आई डायबिटीज़ इंसिपिडस, हिमांशु प्रभाकर, कॉम्प्लीकेशन्स इन न्यूरोएनेस्थिसिया, पहला, लंदन, यूके, इल्सेवियर, 2016, 265 – 271

338. सिंह जीपी, कपूर आई, ब्रेन स्वेलिंग एण्ड टेंस ब्रेन, हिमांशु प्रभाकर, कॉम्प्लीकेशन्स इन न्यूरोएनेस्थिसिया, पहला, लंदन, यूके, इल्सेवियर, 2016, 45 – 57
339. सिंह जीपी, कपूर आई, ओस्मोटिक डिमिलिनेशन सिंड्रोम, हिमांशु प्रभाकर, कॉम्प्लीकेशन्स इन न्यूरोएनेस्थिसिया, पहला, लंदन, यूके, इल्सेवियर, 2016, 249 – 256.
340. सिंह जीपी, कपूर आई, न्यूमॉर्फिक्स, हिमांशु प्रभाकर, कॉम्प्लीकेशन्स इन न्यूरोएनेस्थिसिया, पहला, लंदन, यूके, इल्सेवियर, 2016, 71 – 76
341. सिंह आई, मखारिया जीके. हाउ डू आई मैनेज रिकरंट ओरल अल्सर इन 2016? पर्सपेक्टिव ऑफ ए ओरल सर्जन एण्ड ए गैस्ट्रोइंटेरोलॉजिस्ट. इन : आनंद एसी, आचार्य एसके (संपा.). प्रोग्रेस इन गैस्ट्रोइंटेरोलॉजी एण्ड हिपेटोलॉजी. प्रथम संस्करण नई दिल्ली : इल्सेवियर; 2015 : 303–9.
342. सिंह एल, सिंह जी, डींढा एके. एडल्ट नेफ्रोटिक सिंड्रोम. इन : अली एम (संपा.). नेफ्रोटिक सिंड्रोम. न्यू यॉक्र : नोवा साइंस पब्लिशर; 2015 : 165-175.
343. सिंह पी, अंसाररी एमएस, गुप्ता ए, बाजपेयी एम, चुम्बर एस. पेनिस एण्ड यूरेथ्रा इन : धवन आईके, चुम्बर एस, गुप्ता ए. एडिटर्स एसेंशियल्स ऑफ सर्जरी (दूसरा संस्करण). नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2016. 1204-1224
344. सिंह पी, कुमार आर. लेपेरोस्कोपिक एण्ड रोबोटिक रेट्रोपेरिटोनियोस्कोपिक नेफ्रोक्टॉमी. इंटरनेशनल कंसुलेशन ऑन यूरोलॉजिकल डिजीज. मिनीमली इंवेसिव नेफ्रोक्टॉमी. पहला संस्करण, ईएयू – आईसीयूडी, 2015, पीपी. 19-30.
345. सिंह पीएम, अरोरा एस, सिन्हा ए. एम्बुलेटरी एनेस्थिसिया. इन : सिक्का पीके, बीमन एसटी, स्ट्रीट झा (संपा.). बेसिक क्लिनिकल एनेस्थिसिया. पहला संस्करण. न्यू यॉक्र : स्प्रिंगर साइंस; 2015 : 415–20.
346. सिंह पीएम, शाह डी, सिन्हा ए. एनेस्थिसिया मशीन. इन : सिक्का पीके, बीमन एसटी, स्ट्रीट झा (संपा.). बेसिक क्लिनिकल एनेस्थिसिया. पहला संस्करण. न्यू यॉक्र : स्प्रिंगर साइंस; 2015 : 45–68.
347. सिंह एस, कंडासामी डी. एप्रोच टू वर्टिगो. इन : भल्ला एएस, जाना एम, शर्मा एससी (संपा.). क्लिनिको–रेडियोलॉजिकल सीरिज : टेम्पोरल बोन इमेजिंग. प्रथम संस्करण नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2016 : 278–83.
348. सिंह एस, सिक्का के. एक्स्टर्नल एण्ड मिडल इयर इंफेक्शन्स : सर्जिकल पर्सपेक्टिव्स. इन : भल्ला ए, जाना एम, शर्मा एससी (संपा.). क्लिनिको–रेडियोलॉजिकल सीरिज : टेम्पोरल बोन इमेजिंग. प्रथम संस्करण नई दिल्ली : जेपी; 2016 : 104–9.
349. सिंह एस. कोलेस्टेरॉल एब्जॉर्प्शन इंहिबिटर्स. इन : घोष टी (संपा.). हैंडबुक ऑफ लिपिडोलॉजी. प्रथम संस्करण. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (प्रा.) लि..; 2016 : 152–63.
350. सिंह एस. ईपीटीबी इन डिसडैन. इंडियन पब्लिक हेल्थ सीनेरियो. इन : सेठी एच (संपा.). इराडिकेटिंग टीबी इन इंडिया : चैलेंजिस, पर्सपेक्टिव्स, सॉल्यूशन्स. प्रथम संस्करण. नई दिल्ली : ग्लोबल पॉलिसी जर्नल (विशेष मुद्दे), विली – ब्लैकवेल, डरहम यूनिवर्सिटी; 2015 : 56–61.
351. सिंह एसबी, मंगला वी, पाल एस. नॉन सिरोटिक पोर्टल हाइपरटेंशन. इन : मिश्रा पीके (संपा.). टेक्स्टबुक ऑफ सर्जिकल गैस्ट्रोइंटेरोलॉजी. प्रथम संस्करण. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स; 2016 : 878–94.
352. सिंघल एके, जैन वी. यूरोलॉजी. इन : पार्थेसारथी ए, ब्रोकर ए, गुप्ता ए, धर्मपालन डी (संपा.). फ्रिक्वेंटली आस्क्ड क्वेशन्स इन पीडियाटिक्स एण्ड एंडोलसेंट प्रैक्टिस. प्रथम संस्करण नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2015 : 392-418.
353. सिंघल एके, जैन वी. यूरोलॉजी. इन : पार्थसारथी ए, ब्रोकर ए, गुप्ता ए, धर्मपालन डी (संपा.). मैनेजमेंट प्रोटोकॉल्स इन पीडियाट्रिक एण्ड एंडोलसेंट प्रैक्टिस. प्रथम संस्करण नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स; 2016 : 188-209.

354. सिंघल एके, जैन वी. यूरोलॉजी. इन : पार्थसारथी ए, ब्रोकर ए, गुप्ता ए, धर्मपालन डी (संपा.). इंडियन अकैडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स मैनेजमेंट एल्गोरिद्मस फॉर कॉमन पीडियाट्रिक इलनेस. प्रथम संस्करण नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2016 : 152-61.

355. सिंघल एम, चुम्बर एस. नर्व्स. इन : चुम्बर एस (संपा.). क्लिनिकल सर्जरी. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स; 2015 : 108–22

356. सिंघल एस. एंटेपार्टम फीटल सर्विलेंस इन : त्रिदेवी एसएस (संपा.). हाइ रिस्क प्रेग्नेंसी. दूसरा संस्करण. दिल्ली : जे. पी. ब्रदर्स; 2015 : 58–71.

357. सिंघल एस. एप्रोच टू इंफर्टिलिटी. इन : पुरी एम (संपा.). क्लिनिकल मैथ्ड्स ऑब्स्टेट्रिक्स एण्ड गायनेकोलॉजी. प्रथम संस्करण दिल्ली : जे. पी. ब्रदर्स; 2015 : .

358. सिंघल एस. एप्रोच टू वेजाइनल डिस्चार्ज. इन : पुरी एम (संपा.). क्लिनिकल मैथ्ड्स ऑब्स्टेट्रिक्स एण्ड गयनेकोलॉजी. प्रथम संस्करण दिल्ली : जे. पी. ब्रदर्स; 2015 :

359. सिंघला वी, मखारिया जीके. इंफ्लेमेटरी बाउल डिजीज. इन : हसैम एम, अकबर एफएसएम, मामुन एएम (संपा.). टेक्स्ट बुक ऑफ हिपेटो – गैस्ट्रोइंटेरोलॉजी. नई दिल्ली : हेल्थ साइंस पब्लिशर्स; 2015 : 77–93.

360. सिन्हा ए, बग्गा ए. ट्यूबुलर डिसऑर्डर. इन : श्रीवास्तव आरएन, बग्गा ए (संपा.). पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी. 6वां संस्करण. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2016 : 290–329.

361. सिन्हा ए, श्रीवास्तव आरएन. क्रोनिक किडनी डिजीज. इन : श्रीवास्तव आरएन, बग्गा ए (संपा.). पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी. 6वां संस्करण. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2016 : 374–413.

362. सिन्हा सी, गुप्ता बी – त्रिएज एण्ड ट्रॉमा स्कोरिंग इन : गुप्ता बी (संपा.). एसेंशियल्स ऑफ ट्रॉमा एनेस्थिसिया एण्ड इंटेंसिव केयर- प्रथम संस्करण- नई दिल्ली : पी पी पब्लिशर्स; 2016 : 20–31.

363. सिन्हा एस, गर्ग एस, दीवान आरके, रामचंदनी आर, चुम्बर एस. चेस्ट. इन : चुम्बर एस (संपा.). क्लिनिकल सर्जरी. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स ; 2015 : 337–53.

364. सिन्हा एस, वाघनी जी, बिंद्रा ए, मिश्रा एमसी. स्पाइनल इंजरी : इन टेक्स्टबुक ऑफ क्रिटिकल केयर : इंक्लुडिंग ट्रॉमा एण्ड एमर्जेंसी केयर

365. सूद आर, लिंडग्रेन एस, गोर्डन डी. इसिंग द ट्रांसजिशन ऑफ क्लिनिकल वर्क द रोल ऑफ एन इंटरशिप ओरिएंटेशन प्रोग्राम इन इंडिया. केस स्टडी 2.1 एज ए पार्ट ऑफ चैप्टर – द रोल ऑफ द डॉक्टर एण्ड द कॉम्पीटेंसिस एक्सपेक्टिड फ्रॉम द डॉक्टर ऑफ द फ्यूचर. इन : अब्दुलरहमान केएबी, मेनिन एस, हार्डेन आर, केनेडी सी (संपा.). राउटलेज इंटरनेशनल हैंडबुक ऑफ मेडिकल एजुकेशन. प्रथम संस्करण. यूके : राउटलेज (टेलर एण्ड फ्रैंकिस); 2016 : 20–21.

366. सूद आर. फैकल्टी डेवलपमेंट : द नीड ऑफ टुमारो. इन : भुइयान पीएस, रेज एनएन, सूपे ए (संपा.). द आर्ट ऑफ टीचिंग मेडिकल स्टुडेंट्स. तीसरा संस्करण. मुम्बई : इल्सेवियर; 2015 : 25–37.

367. श्रीजीत वी, मखारिया जीके, शर्मा एमपी. अपर जीआई ब्लीडिंग. इन : शर्मा ओपी (संपा.). प्रिंसिपल्स एण्ड प्रैक्टिक्स ऑफ जेरियाट्रिक मेडिसिन. नई दिल्ली : विवा बुक्स; 2015 : 280–6.

368. श्रीनिवास वी. स्टेस्टिक्स फॉर सर्जन्स. इन : मिश्रा पी के. टेक्स्टबुक ऑफ सर्जिकल गैस्ट्रोइंटेरोलॉजी. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2016 : 86–103.

369. श्रीकुमार वी, बाउल केयर एण्ड मैनेजमेंट, आईएससीओएस. इन : आईएससीओएस टेक्स्टबुक ऑफ कम्प्रेहेंसिव मैनेजमेंट ऑफ स्पाइनल कॉर्ड इंजरीज़. प्रथम संस्करण. नई दिल्ली : वॉल्टर्स क्लुवर (भारत); 2015 : 423–32.

370. श्रीकुमार वी, सिंह यू, एटो एस, एंड्रेया एमडी, नडेओ एम, स्ट्रीट जे, *एट ऑल* / रेस्पीरेटरी मैनेजमेंट, आईएससीओएस इन : आईएससीओएस टेक्स्टबुक ऑफ कम्प्रेहेंसिव मैनेजमेंट ऑफ स्पाइनल कॉर्ड इंजरीज़. पहला संस्करण. नई दिल्ली : वॉल्टर्स क्लुवर (भारत); 2015 : 457–72.

371. श्रीकुमार वी, सिंह यू. रेस्पीरेटरी कॉम्प्लीकेशन्स, आईएससीओएस. इन : आईएससीओएस टेक्स्टबुक ऑफ कम्प्रेहेंसिव मैनेजमेंट ऑफ स्पाइनल कॉर्ड इंजरीज़. प्रथम संस्करण. नई दिल्ली : वॉल्टर्स क्लुवर (भारत); 2015 : 776–82.
372. श्रीवास्तव ए, देव एसवीएस, सीनू वी, चुम्बर एस. ब्रेस्ट. इन : चुम्बर एस (संपा.). क्लिनिकल सर्जरी. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स ; 2015 : 317–36.
373. श्रीवास्तव ए, सागर एस, चुम्बर एस. लम्प, अल्सर, सिनस और फिस्टुला. इन : चुम्बर एस (संपा.). क्लिनिकल सर्जरी. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स ; 2015 : 25–58.
374. श्रीवास्तव ए, सिंघल एम, चुम्बर एस. हिस्ट्री ऑफ द पेशेंट. इन : चुम्बर एस (संपा.). क्लिनिकल सर्जरी. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स; 2015 : 3–14.
375. श्रीवास्तव ए, सिंघल एम, चुम्बर एस. सिम्पटम एण्ड साइन. इन : चुम्बर एस (संपा.). क्लिनिकल सर्जरी. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स ; 2015 : 15–24.
376. श्रीवास्तव एके, फारुक एम. एप्रोच टू अटेक्सिया ऑफ लिम्ब एण्ड गैट . इन : प्रभाकर एस, सिंह जी (संपा.). डिफरेंशियल डायग्नोसिस इन न्यूरोलॉजी. प्रथम संस्करण नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स ; 2015 : 251-68.
377. श्रीवास्तव पी, मेहता एम, अम्बेडकर ए, सागर आर. डिप्रेशन. इन : मेहता एम, सागर आर (संपा.). ए प्रैक्टिकल एप्रोचिस टू कॉगनिटिव बिहेवियर थेरैपी फॉर एडोलसेंट्स. नई दिल्ली : स्प्रिंगर इंडिया; 2015:
378. सुब्रामणियम पी, श्रीवास्तव पीएमवी, सूरी ए, सिन्हा एस, अग्रवाल एस, चुम्बर एस. फेस एण्ड हैड. इन : चुम्बर एस (संपा.). क्लिनिकल सर्जरी. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स ; 2015 : 217–42
379. सुब्रामणियम आर, सिन्हा आर. जर्नल एनेस्थिसिया कंसीडरेशन्स इन पीडियाट्रिक पेशेंट. इन : आहुजा एस, भट्टाचार्य ए (संपा.). इनीशियल ऑफ पीडियाट्रिक एनेस्थिसिया एण्ड इंटेंसिव केयर. प्रथम संस्करण. नई दिल्ली : सीबीएस पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्रा. लि.; 2016 : 76–86.
380. सुगंधि एन, भटनागर वी. सीएनएस मालफॉर्मेशन्स. इन : गुप्ता पी, मेनन पीएसएन, रामजी एस, लोधा आर (संपा.). पीजी टेक्स्टबुक ऑफ पीडियाट्रिक्स. प्रथम संस्करण नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2015 : 625–34.
381. सुरी वी, नम्बीराजन ए, शर्मा एमसी, सरकार सी. सर्जिकल पैथोलॉजी ऑफ इंट्रेक्टेबल एपिलेप्सी. इन : गोयल वी और मुथुकुमार एन (संपा.). प्रोग्रेस इन क्लिनिकल न्यूरोसाइंस. 30वां संस्करण. हैराबाद : थीम मेडिकल पब्लिशर्स; 2015 : 13–30.
382. ठक्कर ए, कुमार आर. फेरिंक्स. इन : धवन आईके, चुम्बर एस (संपा.). एसेंशियल्स ऑफ सर्जरी. दूसरा संस्करण. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2016 : 548–53.
383. थोमस एस, कुमार एम, अग्रवाल एन, दास एनआर, कुमार एस, चुम्बर एस, *एट ऑल।* एब्डोमेन. इन : धवन आईके, चुम्बर एस, गुप्ता ए (संपा.). एसेंशियल्स ऑफ सर्जरी. दूसरा संस्करण. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स; 2015 : 389–492.
384. थोमस एस, अग्रवाल एस, कुमार एस, चुम्बर एस, अग्रवाल एन. एक्यूट एब्डोमेन. इन : चुम्बर एस (संपा.). क्लिनिकल सर्जरी – टेक्स्ट एण्ड एटलस. प्रथम संस्करण. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स; 2015 : 679–93.
385. ठुकराल ए. ब्रेस्ट फीडिंग प्रोब्लम्स इन नियोनेटल पीरियड इन : मुरकी एस, ठाकरे आर (संपा.). आईएपी टेक्स्टबुक ऑफ प्रोटोकॉल्स इन नियोनेटोलॉजी. पहला संस्करण. मुम्बई : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2016 : 228 –33.
386. ठुकराल ए. मल्टीपल गेस्टेजेशन. इन : कुमार आर, पेजावर, ठाकरे आर (संपा.). मैनुअल ऑफ न्यूबॉर्न नर्सिंग. पहला संस्करण. बैंगलोर : एरो मेडिकल इंफॉर्मेशन सर्विस; 2015 : 467 –70.
387. त्रिखा ए, वासुदेव बी. एम्नियोटिक फ्लुइड एम्बोलिज्म. इन : मेहता वाय (संपा.). टेक्स्टबुक ऑफ क्रिटिकल केयर. प्रथम संस्करण. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर; 2016 : 682–9.

388. त्रिखा ए. एनाफिलेक्टिक रिएक्शन ड्यूरिंग एनेस्थिसिया. इन : मल्होत्रा एसके (संपा.). प्रैक्टिकल गाइडलाइन्स इन एनेस्थिसिया. प्रथम संस्करण. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर; 2016 : 23–31.
389. त्रिपाठी एम, दास डी. डमेंटिया इन द ट्रॉपिक्स. इन : चोपड़ा जेएस, सावहने आईएम (संपा.). न्यूरोलॉजी इन द ट्रॉपिक्स दूसरा संस्करण. नई दिल्ली : इल्सेवियर; 2015; 796-809.
390. त्रिपाठी एम. निमेटोड्स. इन : लिसाक डी, ट्रूंग डी, कैरोल वी, बैद्यासिरी आर (संपा.). इंटरनेशनल न्यूरोलॉजी : ए क्लिनिकल एप्रोच. दूसरा संस्करण. लंदन : वेली ब्लैकवेल; 2015 : 300 –303.
391. त्रिपाठी एम. ट्रीमेटोडेस : शाइजटोसोमेसिस. इन : लिसाक डी, ट्रूंग डी, कैरोल वी, बैद्यासिरी आर (संपा). इंटरनेशनल न्यूरोलॉजी : ए क्लिनिकल एप्रोच. दूसरा संस्करण. लंदन : वेली ब्लैकवेल; 2015 : 297–300
392. वाज जेसी, मार्क्वेस एफबी, फर्नान्डेस आर, अलवेस सी, वेलपांडियन टी (संपा.). ड्रग ट्रांसपोर्ट एक्रॉस ब्लड – ऑक्यूलर बैरियर एण्ड फार्माकोकाइनेटिस. वेलपांडियन टी. फार्माकोलॉजी ऑफ ऑक्यूलर थेरेप्यूटिक्स; 2016 : 37–64.
393. वेलपांडियन टी (संपा.), दास यूएस. एक्स्टेम्पेरेन्यूसली यूस्ड ड्रग फॉर्मूलेशन्स फॉर ऑक्यूलर एमर्जेंसी. वेलपांडियन टी. फार्माकोलॉजी ऑफ ऑक्यूलर थेरेप्यूटिक्स; 2016 : 385–418.
394. वेलपांडियन टी (संपा.), मोक्ष एल. म्यूकोएडहेसिव पॉलीमर्स एण्ड ऑक्यूलर लुब्रीकेंट्स. वेलपांडियन टी. फार्माकोलॉजी ऑफ ऑक्यूलर थेरेप्यूटिक्स; 2016 : 269–84.
395. वेलपांडियन टी (संपा.), पटनायक एस, दास यूएस, मिश्रा के, राजेश कुमार आरके, शर्मा एचपी, *एट ऑल।* मिसिलेनियस ड्रग एण्ड एजेंट्स फॉर ऑक्यूलर यूज. वेलपांडियन टी. फार्माकोलॉजी ऑफ ऑक्यूलर थेरेप्यूटिक्स; 2016 : 431–66.
396. वेलपांडियन टी (संपा.). पर्सेवेक्टिव्स फॉर टोपिकल ऑक्यूलर ड्रग फॉर्मूलेशन्स. इन : वेलपांडियन टी (संपा.). फार्माकोलॉजी ऑफ ऑक्यूलर थेरेप्यूटिक्स; 2016 : 419–30.
397. वेलपांडियन टी, गुप्ता एसके (संपा.). ऑक्यूलर फार्माकोलॉजी एण्ड थेरेप्यूटिक्स : ऑर्गिन, प्रिंसिपल, चैलेंजिस एण्ड प्रैक्टिक्स. इन : वेलपांडियन टी (संपा.). फार्माकोलॉजी ऑफ ऑक्यूलर थेरेप्यूटिक्स; 2016 : 1–12.
398. वेलपांडियन टी, कुमारमणिककेवल जी. फार्माकोजीनोमिक्स ऑफ ड्रग्स इन ऑक्यूलर थेरेप्यूटिक्स. इन : वेलपांडियन टी (संपा.). फार्माकोलॉजी ऑफ ऑक्यूलर थेरेप्यूटिक्स; 2016 : 65–82.
399. वर्मा एच. एप्रोचिस टू हीयरिंग लोस. इन : भल्ला एएस, जाना एम, शर्मा एस सी (संपा.). क्लिनिको रेडियोलॉजी सीरिज – टेम्पोरल बोन इमेजिंग. प्रथम संस्करण नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2016 : 265–7.
400. वर्मा के, भारी एन. एग्ज़िमा. इन ले. कर्न. बिजु वासुदेवन, कल. मानस चटर्जी (संपा.). आईएडीवीएल कलर एटलस ऑफ डर्मेटोलॉजी. पहला संस्करण. दिल्ली : जेपी; 2016 : 279–96.
401. वर्मा के, साहनी के. लिम्फो – प्रोलिफरेटिव डिस्ऑर्ड्र्स. इन : एस सच्चिदानंद चेतन ओबराय अरुण सी. इनामदर (संपा.). आईएडीवीएल टेक्स्टबुक ऑफ डर्मेटोलॉजी. फोर्थ एड. मुम्बई : भलानी पब्लिशिंग हाउस; 2015 : 2154–98.
402. वर्मा केके, परिदा डीके. रेडिएशन ट्रीटमेंट ऑफ क्युटेनियस टी–सेल लिम्फोमास : इंडियन एक्सपीरियंस. इन : रेनेटो जी. पैनीजोन एम. हेंरिच सेगेनशेमिएडट रेडिएशन ट्रीटमेंट एण्ड रेडिएशन रिएक्शन्स इन डर्मेटोलॉजी सैकंड जर्मनी स्प्रिंगर; 2015 : 143–55.
403. वर्मा एसके, राम जे, मिश्रा एस. फाइब्रिटेस इन डिस्लिपिडेमिया. इन : घोष टी (संपा.). हैंडबुक ऑफ लिपिडोलॉजी. 2015. प्रथम संस्करण. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स;

404. विभा डी, सक्सेना आर, भाटिया आर. ऑप्टिकल कोहेरेंस टोमोग्राफी (अक्तूबर) फॉर द न्यूरोलॉजिस्ट. इन : सिंह जी. आईएएन अपडेट. चंडीगढ़ : जेपी; 2015.
405. व्यास एस, खंडेलवाल आर. रेडियोलॉजी. इन : धवन आईके, चुम्बर एस, गुप्ता ए (संपा.). एसेंशियल्स ऑफ सर्जरी. दूसरा संस्करण. नई दिल्ली : जेपी पब्लिशर्स; 2016 : 257–70.
406. वाधवा एस. मोबिलिटी एड्स. इन : शर्मा ओपी (संपा.). प्रिंसिपल एण्ड प्रैक्टि्स ऑफ जेरियाट्रिक मेडिसिन. प्रथम संस्करण. नई दिल्ली : विवा बुक्स; 2015 : 709–17.
407. वाधवा एस. सॉफ्ट टिशू प्रॉब्लम. इन : शर्मा ओपी (संपा.). प्रिंसिपल एण्ड प्रैक्टि्स ऑफ जेरियाट्रिक मेडिसिन. प्रथम संस्करण. नई दिल्ली : विवा बुक्स; 2015 : 372–83.
408. वहल एन, नायम एम, मल्होत्रा आर. पेटेलो – फिमोरल जॉइंट : एनाटॉमी एण्ड बायोमैकेनिस इन : मल्होत्रा आर, एप्सिंगी एस, इचेमपति केके,, गौतम डी (संपा.). मास्टरिंग ऑर्थोपेडिक टेकनीक्स –नी रिकंस्ट्रक्शन. प्रथम संस्करण दिल्ली : जेपी पब्लिशर्स; 2016 : 243–52.
409. यादव जे, जैन वी. ग्रोथ चाट्‌र्स एण्ड नोमोग्राम्स. इन : जैन वी, मेनन आर (संपा.). केस बेस्ड रिव्यूस इन पीडियाट्रिक एंडोक्राइनोलॉजी. पहला संस्करण. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2015 : 275–83.
410. यादव जे, जैन वी. प्रोटोकॉल्स फॉर डायनेमिक एंडोक्राइन एसे. इन : जैन वी, मेनन आर (संपा.). केस बेस्ड रिव्यू इन पीडियाट्रिक एंडोक्राइनोलॉजी. पहला संस्करण. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2015 : 284–92.
411. यादव जे, सत्पथी ए, जैन वी. एंडोक्राइन कॉज ऑफ डिस्टर्ब्ड सोडियम एण्ड वॉटर होमियोस्टेसिस. इन : जैन वी, मेनन आर (संपा.). केस बेस्ड रिव्यू इन पीडियाट्रिक एंडोक्राइनोलॉजी. पहला संस्करण. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2015 : 157–68.

पुस्तकें

1. अग्रवाल आर, देवरारी एके, पॉल वीके (संपा.). प्रोटोकॉल्स इन नियोनेटोलॉजी. पहला संस्करण, नई दिल्ली : सीबीएस पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स; 2015
2. अग्रवाल एसके, अग्रवाल ए. किडनी नॉर्मल फंक्शन एण्ड डिस्फंक्शन्स. इन : तलवार जीपी, हुसनैन एसई, सरीन एसके (संपा.). टेक्स्टबुक ऑफ बायोकेमिस्ट्री, बायोटेक्नोलॉजी, एलाइड एण्ड मॉलीक्यूलर मेडिसिन. चौथा संस्करण. दिल्ली : पीएचआई पब्लीकेशन्स प्रा. लि.; 2015 : 374–88.
3. अग्रवाल ए, कुमार ए, राव आर, अम्बेडकर ए. क्वालिटी एश्योरेंस इन इम्प्लेमेंटेशन ऑफ हार्म रिडक्शन सर्विस : ए फील्ड मैनुअल फॉर सुपरविसिंग एण्ड मेंटोरिंग टार्गेटिड इंटरवेंशन्स एण्ड ओएसटी सेंटर्स वर्किंग विद इंजेक्टिंग ड्रग यूजर्स एण्ड देयर स्पॉस अडर द नेशनल एड्स कंट्रोल प्रोग्राम. नई दिल्ली : नेशनल एड्स कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन; 2015
4. अग्रवाल ए. डिक्रिमिनाइजेशन ऑफ ड्रग यूज : एविडेंस – बेस्ड एण्ड बेस्ट प्रैक्टि्स : रिपोर्ट ऑफ नेशनल कंसॉल्यूशन मीटिंग. नई दिल्ली : सामाजिक न्याय एवं आधिकारिकता मंत्रालय, भारत सरकार; 2015.
5. अम्बेडकर ए, राव आर, अग्रवाल ए, मिश्रा ए, कुमार आर, कुमार एम. साइज एस्टीमेशन ऑफ ऑपियॉइड डिपेंडेंट पॉपुलेशन इन पंजाब – पंजाब ऑपियॉइड डिपेंडेंस सर्वे. नई दिल्ली : सामाजिक न्याय एवं आधिकारिकता मंत्रालय, भारत सरकार; 2015.
6. बग्गा ए, सिन्हा ए (सेक्शन संपा.). पीजी टेक्स्ट बुक ऑफ पीडियाट्रिक्स. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (प्रा.) लि..; 2015.
7. बासु डी, दलाल पीके, बल्हारा वायपीएस. क्लिनिकल प्रैक्टि्स गाइडलाइन्स ऑन न्यूवर एण्ड इमर्जिंग एडिक्टिव डिसऑर्ड्स इन इंडिया. इंडिया साइकियाट्री सोसाइटी; 2016.

8. भल्ला एएस, जाना एम. क्लिनिकोरेडियोलॉजिकल सीरिज : टेम्पोरल बोन इमेजिंग. पहला संस्करण. नई दिल्ली : जेपी पब्लिशर्स; 2016.
9. चट्टोपाध्याय टीके, साहनी पी, पाल एस (संपा.). जी. आई. सर्जरी एनुअल वॉल्यूम 22. नई दिल्ली : आईएएसजी; 2015 : 1–218.
10. चुम्बर एस (संपा.). क्लिनिकल सर्जरी. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2015
11. डढ़वाल वी, शर्मा केए, सहगल आर, *एट ऑल* / पॉकिट बुक ऑफ मर्टिनल केयर. डब्ल्यूएचओ; 2015.
12. दयाल पी. एल्कोहल यूज डिस्ऑर्ड्स आइडेंटीफिकेशन टेस्ट : गाइडलाइन्स फॉर यूज इन प्राइमरी केयर (ऑडिट) सैकंड एडिशन हैज बीन ट्रांसलेटिड फ्रॉम द इंग्लिश लैंग्वेज टू हिन्दी लैंग्वेज. दूसरा संस्करण. स्विट्जरलैंड : वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन (डब्ल्यूएचओ); 2016.
13. देव एसवीएस, मनोहरण एन, जुल्का पीके, रथ जीके. हॉस्पिटल बेस्ट कैंसर रजिस्ट्री – 2012, डॉ. बीआरएआईआरसीएच, एम्स, नई दिल्ली. फरवरी 2016
14. डे एबी, गोयल ए, प्रेम एनएन, कुमार ए, कुमार वी. द जेरोंटोलॉजी एण्ड जेरियाट्रिक अपडेट. प्रथम संस्करण 2015. नई दिल्ली : बुकप्रिंट इंडिया.
15. धवन आईके, चुम्बर एस, गुप्ता ए. एडिटर्स. एसेंशियल्स ऑफ सर्जरी (दूसरा संस्करण). नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2016.
16. गोस्वामी ए. डेंगू चिकनगुनिया एण्ड मलेरिया बुकलेट (इंग्लिश एंड हिन्दी). नई दिल्ली : सीसीएम, एम्स; 2015.
17. गुप्ता एके, भल्ला एएस. इमेजिंग ऑफ पीडियाट्रिक चेस्ट : एन एटलस. पहला संस्करण. नई दिल्ली : जेपी पब्लिशर्स; 2015.
18. गुप्ता बी. एसेंशियल्स ऑफ ट्रॉमा एनेस्थिसिया एण्ड इंटेंसिव केयर. प्रथम संस्करण नई दिल्ली : पी पी पब्लिशर्स 2016 : 1–667.
19. गुप्ता डी, मेहता एम, सागर आर. मैनुअल फॉर मैनेजमेंट ऑफ मेरिटल डिस्कॉर्ड. नई दिल्ली : साइकोमैट्रिक्स; 2015.
20. गुप्ता एन. हेल्थ एजुकेशन बुकलेट रिफ्रेक्टिव एरर्स फ्रिक्वेंटली आस्क्ड क्वेशन्स (एफएक्यू).
21. गुप्ता पी, मेनन पीएसएन, रामजी एस, लोधा आर (संपा.). पीजी टेक्स्टबुक ऑफ पीडियाट्रिक्स. पहला संस्करण. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (प्रा.) लि..; 2015.
22. गुप्ता वी, सेनजाम एसएस. ट्रेनिंग ऑफ स्कूल टीचर्स फॉर स्कूल विजन स्क्रीनिंग टू प्रीवेंट एण्ड कंट्रोल चाइल्डहुड विजुअल इम्पेयरमेंट एण्ड ब्लाइंडनेस : टीचर्स ट्रैनिंग मैनुअल. नई दिल्ली : आरपी सेंटर, एम्स; 2015.
23. जैन वी, मेनन आर (संपा.). केस बेस्ड रिव्यू इन पीडियाट्रिक एंडोक्राइनोलॉजी. पहला संस्करण. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (प्रा.) लि..; 2015.
24. जोशी पी. वेंकटेश एल. टेक्स्ट बुक ऑफ नर्सिंग एजुकेशन. प्रथम संस्करण दिल्ली : इल्सेवियर; 2015.
25. जोशी पी. कोर्स फॉर डायबेटिक एजुकेटर. आईएल एण्ड एफएस स्किल्स डेवलपमेंट, 2015.
26. जुल्का पीके, मनोहरण एन, रथ जीके. कैंसर इंसिडेंस एण्ड मोर्टेलिटी इन दिल्ली यूटी अर्बन, 2010. दिल्ली कैंसर रजिस्ट्री, डॉ. बीआरएआईआरसीएच, एम्स, नई दिल्ली. नवम्बर 2015.
27. काबरा एम, गुप्ता एन (संपा.). सेक्शन ऑन मेटाबोलिक डिस्ऑर्डर्स. पीजी टेक्स्टबुक ऑफ पीडियाट्रिक्स. पहला संस्करण. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (प्रा.) लि..; 2015.
28. काबरा एसके, लोधा आर (संपा.). पीडियाट्रिक इंटेंसिव केयर प्रोटोकॉल्स ऑफ एम्स. छठवां संस्करण. नई दिल्ली : इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स; 2016.
29. काबरा एसके, वर्मा आईसी (संपा.). एडवांस इन पीडियाट्रिक्स. सातवां संस्करण. नई दिल्ली : इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स; 2015.

30. कौर आर, यादव के, सिन्हा एस, हल्दर पी, मल्होत्रा एस, कांत एस, *एट ऑल / एसेलेरेटिड एफर्ट्स टू अचिव इलिमिनेशन ऑफ आयरन डेफिशिएंसी एनीमिया.* प्रथम संस्करण नई दिल्ली : एम्स; 2016.
31. कौर आर. जैनेटिक कंसीडरेशन्स इन मेंटल डिस्ऑडर्स. मॉडल ऑन हेल्थ केयर फॉर स्पेशल ग्रूप्स एण्ड सिचुएशन. नई दिल्ली : यूजीसी, ई–पाठशाला परियोजना (एचसीएसजी–32); 2015.
32. खन्ना एन, सिंह एस. भूटानी कलर्स एटलस ऑफ डर्मेटोलॉजी. 6वां संस्करण नई दिल्ली : जेपी पब्लिशर्स; 2015.
33. खन्ना एन. इलस्ट्रेटिड सिनोप्सिस ऑफ डर्मेटोलॉजी एण्ड सेक्सुअली ट्रांसमिटिड डिजीज. 5वां संस्करण. नई दिल्ली : इल्सेवियर; 2016.
34. खन्ना एन. वर्ल्ड क्लिनिक्स इन सोरायसिस. 2 वाल्यूम. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स; 2015.
35. कृपलानी ए. डेवलपिंग मर्टिनल हेल्थ पॉकेट बुक : इम्प्रूविंग क्वालिटी ऑफ केयर ऑफ मैटर्नल हेल्थ सर्विस इन कंट्रीज ऑफ साउथ इस्ट एशिया रीजन., डिपार्टमेंट ऑफ ओबस्टेट्रिक्स एण्ड गाइनिकोलॉजी एम्स, नई दिल्ली.
36. मखारिया जीके. सेलियाक डिजीज. पहला संस्करण. नई दिल्ली : कोंटेंटवॉरेक्स ; 2015 : 1–129.
37. मल्होत्रा पी (संपा). क्लिनिकल सिमुलेशन इन मेडिसिन. प्रथम संस्करण दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2015 : 1–408.
38. मल्होत्रा आर,एप्सिंगी एस, इकेमपति केके, गौतम डी. मास्टरिंग ऑर्थोपेडिक टेकनीक्स – नी रिकंस्ट्रक्शन. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स, सेंट लुइस; 2016.
39. मल्होत्रा एस, वशिष्ट पी, गुप्ता एन, सेनजाम एसएस, गुप्ता एसके. रिफ्रेक्टिव एरर्स; फ्रीक्वेंटली आस्क्ड क्वेशन्स. प्रथम संस्करण नई दिल्ली : डिपार्टमेंट ऑफ कम्यूनिटि ऑपथेल्मोलॉजी, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद सेन्टर फॉर ऑपथेलमिक साइंसिस एंड सेंटर फॉर कम्यूनिटि मेडिसिन ऑल इंडिया इंसिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसिस संस्थान; 2015.
40. मेथ्यू केजी, अग्रवाल पी. मेडिसिन : प्रेप मैनुअल फॉर अंडरग्रेजुएट्स. पांचवा संस्करण. रीड इल्सेवियर इंडिया प्रा. लि.; 2015
41. मेहता एम, सागर आर. स्पेसिफिक लर्निंग डिसेबिलिटी : कम्प्रेहेंसिव डायग्नोस्टिक बैटरी. नई दिल्ली : साइकोमैट्रिक्स; 2015.
42. मिश्रा पीके, नयीम एम, सिंह आरके, सिंह एस, पाल एस, सलुजा एसएस, *एट ऑल* / (संपा.). टेक्स्टबुक ऑफ सर्जिकल गेस्ट्रोएंटेरोलॉजी. प्रथम संस्करण. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स; 2016 : 1–1448.
43. राव आर, अग्रवाल ए, अम्बेडकर ए. क्लिनिकल प्रैक्टिस गाइडलाइन्स ऑन मेथाडोन मैंटेनेस ट्रीटमेंट अंडर द नेशनल एड्स कंट्रोल प्रोग्राम. नई दिल्ली : राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन, गर्वमेंट ऑफ इंडिया; 2016.
44. राव आर, अरुमुगम वी, शर्मा सी, बेडोइ एस, पीटर्स टी, मेहता ए, रोबर्टसन जे. कम्युनिटी एक्शन ऑन हार्म रिडक्शन इन इंडिया : इम्पैक्ट असेस्टमेंट. नई दिल्ली : इंडिया एचआईवी / एड्स एलाइंस; 2015
45. रे एमडी. गेटवे टू ऑपरेटिव सर्जरी. नई दिल्ली : सीबीएस पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स; 2015.
46. सागर आर *एट ऑल* / असेस्टमेंट ऑफ कॉगनिटिव फंक्शन्स एण्ड सीरम ब्रेन–डेराइव्ड न्यूरोट्रोफिक फैक्टर इन बाइपोलर डिस्ऑर्डर : ए वन – इयर नेचुराइलिस्टिक फोलो–अप स्टडी. नई दिल्ली : एम्स और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग; 2015.
47. सागर आर *एट ऑल* / न्यूरोकॉगनिटिव स्टडी एण्ड यूज ऑफ फंक्शनल मैग्नेटिक रिसोनेंस इमेजिंग (एफएमआरआई) इन पेशेंट्स हैविंग मेजर डिप्रेसिव डिस्ऑर्डर एण्ड मैनिया. नई दिल्ली : एम्स एंड डिपार्टमेंट ऑफ साइंस एंड टेकनोलॉजी (डीएसटी); 2015.

48. सागर आर, पात्रा बीएन. स्टडी ऑन गैप्स एनालाइसिस इन मेंटल हेल्थ केयर सर्विसेज इन चाइल्ड केयर इंसटीट्यूशन्स. नई दिल्ली : एम्स एण्ड नेशनल कमिशन ऑफ प्रोटेक्शन ऑफ चाइल्ड राइट्स; 2015.
49. सागर आर, साहू ए. डेवलपमेंट ऑफ गाइडलाइन्स ऑन होम – बेस्ड इंटरवेंशन्स फॉर मैनेजमेंट ऑफ इंटेलेक्चुअल डिसेबिलिटी (आईडी). नई दिल्ली : एम्स एण्ड डब्ल्यूएचओ – एसईएआरओ; 2015.
50. सागर आर, साहू ए. मेंटल रिटार्डेशन : रोल ऑफ अर्ली इंटरवेंशन – इनवाइटिड आर्टिकल. एमआईएनडीएस–न्यूजलेटर 2015; 5 (11) : 2.
51. साहनी पी, अग्रवाल आर (संपा.). रिपोर्टिंग एण्ड पब्लिशिंग रिसर्च इन द बायोमेडिकल साइंस. पहला संस्करण. नई दिल्ली : नेटल मेड जे इंडिया; 2015 : 1–326.
52. सहगल आर, त्रिखा ए, ईयर बुक ऑफ एनेस्थिसियोलॉजी – 5. प्रथम संस्करण नई दिल्ली : जेपी; 2016 : 1–380.
53. *सेनजाम एसएस, गुप्ता एन. मैनुअल ऑन ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर्स ऑफ वॉलंटियर्स इन प्राइमरी आइ केयर. नई दिल्ली : आरपी सेंटर, एम्स; 2015.*
54. सेठ आर. चाइल्डहुड कैंसर. पहला संस्करण. नई दिल्ली : मल्होत्रा एंटरप्राइजिज़; 2016.
55. सेठ आर. लेट इफेक्ट्स इन चाइल्डहुड कैंसर (हिन्दी और अंग्रेजी). पहला संस्करण. नई दिल्ली : मल्होत्रा एंटरप्राइजिज़; 2016.
56. शर्मा जेबी. टेक्स्टबुक ऑफ मिडवाइफरी फॉर नर्स. नई दिल्ली : अविचल पब्लिशिंग कंपनी; 2015.
57. शर्मा आर. एपीआई टेक्स्ट बुक ऑफ मेडिसिन. 10वां संस्करण. नई दिल्ली : जेपी पब्लिशर्स. (रेडियोलॉजी सैक्शन एडिटर).
58. श्रीवास्तव आरएन, बग्गा ए (संपा.). पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी. छठवां संस्करण. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (प्रा.) लि.; 2016.
59. टंडन आर, पर्सन्स डिजीज ऑफ द आइ. दूसरा संस्करण. इल्सेवियर.
60. त्रिपाठी एम. सोडियम वालप्रोरेट – इंडियन कंसेन्सस डॉक्यूमेंट प्रथम संस्करण दिल्ली : इल्सेवियर; 2015 : 15-19.
61. वनाथी एम, चौधरी जेड. अंडरग्रेजुएट ऑफ्थेल्मोलॉजी. पहला संस्करण, नई दिल्ली : वाल्टर लुवर्स (भारत) प्रा. लि.; 2015.

विषय–सूची

क्र. सं.	केंद्र नाम	पृष्ठ सं.
1.	अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (मुख्य)	
2.	डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र, अ. भा. आ. सं.	
3.	हृद – तंत्रिका केंद्र, अ. भा. आ. सं.	
4.	डॉ. बी. आर. अम्बेडकर, सं. रो. कैं. अ., अ. भा. आ. सं.	
5	जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र, अ. भा. आ. सं.	
6	दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र. अ. भा. आ. सं.	
7	राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र, अ. भा. आ. सं.	
8	यू. एन. डी. सी. पी., अ. भा. आ. सं.	

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (मुख्य)
दिनांक 31.03.2016 के अनुसार तुलन – पत्र

(राशि रुपयों में)

संग्रह / पूंजीगत निधि एवं देयताएं	अनुसूची	2015-16	2014-15
संग्रह / पूंजीगत निधि	1	21618023488	19168177578
रिजर्व और अधिशेष	2	2053142621	1313738462
उद्दिष्ट / विन्यास निधि	3	65084858	13637514
सुरक्षित ऋण एवं आदाता	4	0	0
असुरक्षित ऋण एवं आदाता	5	0	0
आस्थगित क्रेडिट देयताएं	6	0	0
चालू देयताएं एवं व्यवस्थाएं	7	1227208836	1486489142
कुल		**24963459803**	**21982042696**
परिसंपत्ति			
स्थायी परिसंपत्ति	8	17903185859	15894303983
उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश	9	50000000	0
निवेश – अन्य	10	233253424	640753424
चालू परिसंपत्ति, ऋण एवं अग्रिम आदि	11	6777020520	5446985289
विविध व्यय (बट्टे खाते अथवा समायोजित की सीमा तक नहीं)			
कुल		**24963459803**	**21982042696**
लेखा की लेखा नीतियां एवं टिप्पण के रूप में भाग	24		

ह./–
लेखा अधिकारी

ह./–
वित्त सलाहकार

ह./–
वरिष्ठ वित्त सलाहकार

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (मुख्य)
दिनांक 31.03.2016 के समाप्ति वर्ष का आय एवं व्यय लेखा

आय	अनुसूची	**2015-16**	**2014-15**
विक्रय / सेवाओं से आय	**12**	251843801	234993884
अनुदान / आर्थिक सहायता	**13**	9708267985	8286808877
शुल्क / चन्दा	**14**	95638101	92581113
निवेश से आय (निधि में अंतरित उद्दिष्ट / स्थायी निधि से निवेश में आय)	**15**	0	0
रायल्टी, प्रकाशन आदि से आय	**16**	0	0
अर्जित ब्याज	**17**	60472616	176219516
अन्य आय	**18**	621842503	252305852
समाप्त भंडार एवं कार्य प्रगति के भंडार में वृद्धि / (कमी)	**19**	0	0
कुल (क)		**10738065006**	**9042909242**
व्यय			
स्थापना व्यय	**20**	6432377057	5604650340
अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	**21**	861371296	910366661
सामग्री एवं आपूर्ति	**21**ख	2654532894	2011865402
अनुदान, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय	**22**	0	0
ब्याज	**23**	0	0
अवमूल्यन (समाप्ति वर्ष – अनुसूची 8 हेतु पत्राचार पर शुद्ध कुल)			
कुल (ख)		**9948281247**	**8526882403**
व्यय पर आय की अधिकता (क–ख) में होने वाला शेष		789783759	516026839
विशेष रिजर्व हेतु अंतरण (प्रत्येक उल्लिखित)			

सामान्य रिजर्व हेतु / से अंतरण			
समग्र / पूंजीगत निधि में लाया गया अधिशेष / (कमी) का होने वाला शेष		789783759	516026839
कुल		**10738065006**	**9042909242**

ह./–
लेखा अधिकारी

ह./–
वित्त सलाहकार

ह./–
वरिष्ठ वित्त सलाहकार

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.03.2016 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची – 1 – कार्पस / पूंजी निधि :	2015-16		2014-15	
वर्ष के प्रारंभ में शेष	19168177578			
जमा : कार्पस / पूंजी निधि के लिए अंशदान	2804025944			
वर्ष के दौरान निराकृत न्यून	354180034	21618023488		19168177578
वर्ष समाप्ति के अनुसार शेष		**21618023488**		**19168177578**

अनुसूची 2 – रिजर्व एवं अधिशेष :	2015-16		2014-15	
1. पूंजी रिजर्व :				
गत लेखा के अनुसार				
समीक्ष्य वर्ष में जमा				
न्यून : वर्ष के दौरान कटौतियां				
2. पुर्नमूल्यांकन रिजर्व				
गत लेखा के अनुसार				
समीक्ष्य वर्ष में जमा				
न्यून : वर्ष के दौरान कटौतियां				
3. विशेष रिजर्व				
गत लेखा के अनुसार				
समीक्ष्य वर्ष में जमा				
न्यून : वर्ष के दौरान कटौतियां				
4. सामान्य रिजर्व				
गत लेखा के अनुसार	1313738462			
समीक्ष्य वर्ष में जमा	789783759			
न्यून : वर्ष के दौरान कटौतियां	50379600	2053142621		1313738462
कुल		2053142621		1313738462

ह./–
लेखा अधिकारी

ह./–
वित्त सलाहकार

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.03.2016 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 3 – उद्दिष्ट / विन्यास निधि	2015-16	2014-15
क) निधि का अथशेष		
ख) निधि में जमा :		
i. दान / अनुदान	63637514	13637514
ii. निधि के खाते से किये गए निवेश से आय	1447344	0
iii. अन्य जमा (विशेष प्रकार)		
कुल (क+ख)	**65084858**	**13637514**
ग) निधि के उद्देश्यों के लिए उपयोग / व्यय		
i. पूंजी व्यय		
- स्थायी परिसंपत्ति		
- अन्य		
ii. राजस्व व्यय		
- वेतन, मजदूरी एवं भत्ते आदि		
- किराया		
- अन्य प्रशासनिक व्यय		
कुल		
कुल (ग)	0	0
वर्ष समाप्ति (क+ख+ग) के अनुसार शुद्ध शेष	**65084858**	**13637514**

ह./–
लेखा अधिकारी

ह./–
वित्त सलाहकार

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.03.2016 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 4 – सुरक्षित ऋण एवं आदाता :	2015-16		2014-15	
1. केंद्र सरकार				
2. राज्य सरकार				
3. वित्तीय संस्थाएं				
क) मियादी ऋण				
ख) प्रोद्भूत ब्याज एवं देय				
4. बैंक :				
क) मियादी ऋण				
– प्रोद्भूत ब्याज एवं देय				
ख) अन्य ऋण (उल्लिखित)				
– प्रोद्भूत ब्याज एवं देय				
5. अन्य संस्थाएं एवं एजेंसियां				
6. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स				
7. अन्य (उल्लिखित)				
कुल	0	0	0	0

ह./–
लेखा अधिकारी

ह./–
वित्त सलाहकार

वित्तीय विवरण प्रपत्र (गैर – लाभ संगठन)
अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
दिनांक 31.03.2016 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 5 – असुरक्षित ऋण एवं आदाता	2015-16	2014-15
1. केन्द्र सरकार		
2. राज्य सरकार		
3. वित्तीय संस्थाएं		
4. बैंक :		
क) मियादी ऋण		
ख) अन्य ऋण (विशेष)		
5. अन्य संस्थाएं एवं एजेंसियां		
6. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स		
7. सावधि जमा		
8. अन्य (उल्लिखित)		
कुल	0	0
टिप्पणी : एक वर्ष के भीतर राशि देय		

अनुसूची 6 – आस्थगित क्रेडिट देयताएं	2015-16	2014-15
क) महत्वपूर्ण उपकरण एवं अन्य परिसंपत्ति के आडमान द्वारा सुरक्षित स्वीकृतियां		
ख) अन्य		
कुल	0	0
टिप्पणी : एक वर्ष के भीतर राशि देय		

ह./–
लेखा अधिकारी

ह./–
वित्त सलाहकार

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.03.2016 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 7 – सामयिक देयताएं एवं व्यवस्थाएं	2015-16		2014-15	
क. सामयिक देयताएं एवं व्यवस्थाएं				
1. स्वीकृतियां				
2. विविध ऋणदाता :				
क) चल संपत्ति हेतु				
क) अन्य (सीमा शुल्क भुगतान किये जाने हेतु)		67122133		0
3. प्राप्त अग्रिम				
4. ब्याज प्रोद्भूत लेकिन निम्न पर देय नहीं :				
क) सुरक्षित ऋण / उधार				
क) असुरक्षित ऋण / उधार				
5. सांविधिक देयताएं				
क) अतिशोध्य				
क) अन्य				
6. अन्य सामयिक देयताएं		1160086703		1486489142
कुल (क)		**1227208836**		**1486489142**
ख. व्यवस्थाएं				
1. कराधान हेतु				
2. उपदान				
3. अधिवर्षिता / पेंशन				
6. संचित अवकाश के बदले नकद भुगतान				
6. व्यवसाय वारंटी / दावा				
6. अन्य (विशेष विवरण)				
कुल (ख)				
कुल (क+ख)		**1227208836**		**1486489142**

ह./–
लेखा अधिकारी

ह./–
वित्त सलाहकार

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.03.2016 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 8 –स्थायी परिसंपत्ति विवरण		सकल ब्लॉक				अवमूल्यन				शुद्ध ब्लॉक	
		वर्ष के प्रारंभ के अनुसार लागत / मूल्यांकन	समीक्ष्य वर्ष में वृद्धि	समीक्ष्य वर्ष में कटौतियां	वर्ष समाप्ति पर लागत / मूल्यांकन	वर्ष के प्रारंभ के अनुसार	समीक्ष्य वर्ष में वृद्धि पर	समीक्ष्य वर्ष में कटौती पर	वर्ष की समाप्ति तक कुल	**2015-2016**	**2014-2015**
क.	स्थायी परिसंपत्ति :										
1	भूमि :										
	क) पूर्ण स्वामित्व / पट्टे पर	112832263	728361824	0	841194087	0	0	0	0	841194087	112832263
2	भवन :				0					0	
	क) पूर्ण स्वामित्व भूमि पर	6185182962	494555167		6679738129	0	0	0	0	6679738129	6185182962
	ख) पट्टे पर भूमि				0					0	
	ग) मालिकी फ्लेट / परिसर				0					0	
	घ) भूमि पर अधिरचना सत्ता से संबंधित नहीं				0					0	
3	मशीनरी एवं उपकरण संयंत्र	8941792429	996813015	349902619	9588702825				0	9588702825	8941792429
4	वाहन	37859959	5251121	4253803	38857277				0	38857277	37859959
5	फर्नीचर उपस्कर				0					0	
6	कार्यालय उपकरण				0					0	
7	कंप्यूटर / पेरीफेरल्स	0	16768580	0	16768580	0	0	0	0	16768580	0
8	विद्युत व्यवस्था				0					0	
9	पुस्तकालय की पुस्तकें	616636370	121312203	23612	737924961				0	737924961	616636370
10	ट्यूबवेल एवं जल आपूर्ति				0					0	
11	अन्य स्थायी परिसंपत्ति		0	0	0				0	0	
				0	0					0	
	सामयिक वर्ष का कुल	**15894303983**	**2363061910**	**354180034**	**17903185859**	**0**	**0**	**0**	**0**	**17903185859**	**15894303983**

ह./–
लेखा अधिकारी

ह./–
वित्त सलाहकार

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.03.2016 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 9 – उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश	**2015-16**	**2014-15**
1. सरकारी प्रतिभूतियों में		
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां		
3. शेयर		
4. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स		
5. गौण एवं संयुक्त उद्यम		
6. अन्य सावधि जमा (इन्फोयसिस का विन्यास निधि)	50000000	0
कुल	**50000000**	0

अनुसूची 10 – निवेश – अन्य	**2015-16**	**2014-15**
1. सरकारी प्रतिभूतियों में		
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां		
3. शेयर		
4. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स		
5. गौण एवं संयुक्त उद्यम		
6. अन्य (एन.पी.एस. सावधि जमा)	220000000	627500000
7. दान का निवेश	13253424	13253424
कुल	**233253424**	**640753424**

ह./–
लेखा अधिकारी

ह./–
वित्त सलाहकार

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.03.2016 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 11 – सामयिक परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि	2015-16		2014-15	
क सामयिक परिसंपत्ति :				
1. वस्तुसूचियां :				
क) भण्डार एवं स्पेयर्स				
ख) खुले औजार				
ग) व्यापार में स्टॉक				
समाप्त सामग्री				
कार्य प्रगति पर है				
कच्चा माल				
2. विविध देनदार :				
क) उधार बकाया		56533770		30724480
ख) अन्य (बाह्य वसूलियां)		0		0
ग) केंद्र से विविध वसूलियां वसूलनीय (इंजी निर्माण कार्य)		15126638		0
3. नकद रोकड़ शेष (चैक / ड्राफ्ट एवं अग्रदाय सम्मिलित हैं)		1106150		1063150
4. बैंक शेष :				
क) अनुसूची बैंक के पास :				
चालू खाते में		2212748834		2354553191
जमा खाते में (हाशिया राशि सम्मिलित है)		6275770		6455666
बचत खाते में				
ख) गैर अनुसूची बैंक के पास :				
चालू खाते में				
जमा खाते में				
बचत खाते में				
5. डाकघर – बचत खाता				

कुल (क)		2291791162		2392796487

ह./–
लेखा अधिकारी

ह./–
वित्त सलाहकार

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.03.2016 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 11 – सामयिक परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि (जारी)	2015-16		2014-15	
ख. ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसंपत्ति				
1. ऋण :				
क) कर्मचारीगण		12467068		13332091
ख) अन्य सत्ताएं जो सत्ता के लिए समान गतिविधियों / उद्देश्यों में लगे हुए हैं।				
ग) अन्य (आयरन एवं स्टील की खरीद हेतु अग्रिम)		2340588		2340588
2. अग्रिम एवं अन्य नकद वसूलनीय राशि अथवा प्राप्त की जाने वाली राशि हेतु प्रकार :				
क) मूलधन खाते में				
ख) पूर्व भुगतान				
ग) अन्य		4470421702		3038516123
3. आय प्रोद्भूत :				
क) उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश पर				
ख) निवेश पर अन्य				
ग) ऋण एवं अग्रिमों पर				
घ) अन्य				
(आय देय अवास्तविक – रु. .... शामिल है)				
4. दावे वसूलनीय :				
कुल (ख)		**4485229358**		**3054188802**
कुल (क+ख)		**6777020520**		**5446985289**

ह./–
लेखा अधिकारी

ह./–
वित्त सलाहकार

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.03.2016 को समाप्ति वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 12 – विक्रय / सेवाओं से आय	**2015-16**	**2014-15**
1) विक्रय से आय		
1. परिष्कृत सामग्री का विक्रय	-	-
2. कच्चा माल का विक्रय		
3. रद्दी का विक्रय		
2) सेवाओं से आय		
क) अस्पताल प्राप्तियां	251843801	234993884
ख) व्यवसायिक / परामर्श सेवाएं		
ग) एजेंसी कमीशन एवं दलाली		
घ) अनुरक्षण सेवाएं (उपकरण / संपत्ति)		
ङ) अन्य (विशेष) अस्पताल प्राप्ति		
कुल	251843801	234993884

अनुसूची 13 – अनुदान / आर्थिक सहायता	**2015-16**	**2014-15**
(अटल अनुदान एवं प्राप्त आर्थिक सहायता)	-	-
1. केन्द्र सरकार	9708267985	8286808877
2. राज्य सरकार / सरकारों से		
3. सरकारी एजेंसियों से		
4. संस्थानों / कल्याण निकायों से		
5. अंतर्राष्ट्रीय संगठन		
6. अन्य (विशेष)		
कुल	**9708267985**	**8286808877**

ह./–
लेखा अधिकारी

ह./–
वित्त सलाहकार

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.03.2016 को समाप्त अवधि / वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 14 – शुल्क / चंदा	2015-16	2014-15
1. शिक्षा शुल्क एवं परीक्षा शुल्क	20993114	24044324
2. लाइसेंस शुल्क	31898648	25504758
3. सेमिनार / प्रोग्राम शुल्क		
4. परामर्श शुल्क		
5. अन्य (विशेष) ई. एच. एस.	42746339	43032031
कुल	**95638101**	**92581113**

टिप्पणी : प्रकट की जाने वाली प्रत्येक मदों के लिए नीति लेखाकरण

अनुसूची 15 – निवेश से आय	उद्दिष्ट निधि से निवेश		निवेश – अन्य	
(निधि में अंतरित उद्दिष्ट / विन्यास निधियों से निवेश में आय)	2015-16	2014-15	2015-16	2014-15
1. ब्याज				
क) सरकारी प्रतिभूतियों पर				
क) अन्य बॉन्ड्स / डिबेंचर्स				
2. लाभांश				
क) शेयरों पर				
क) पारस्परिक निधि प्रतिभूतियों पर				
3. किराया				
4. अन्य (विशेष)				
कुल	0	0	0	0
उद्दिष्ट / विन्यास निधि में अंतरित				

ह./–
लेखा अधिकारी

ह./–
वित्त सलाहकार

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.03.2016 को समाप्त अवधि / वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 16 – रॉयल्टी, प्रकाशन आदि से आय	2015-16	2014-15
1. रॉयल्टी से आय		
2. प्रकाशन से आय		
3. अन्य (विशेष)		
कुल	0	0

अनुसूची 17 – ब्याज अर्जित	2015-16	2014-15
1. अवधि जमा पर :		
क) अनुसूचित बैंकों के पास	58618843	173326550
ख) गैर – अनुसूचित बैंकों के पास		
ग) संस्थाओं के पास		
घ) अन्य		
2. बचत खातों पर :		
क) अनुसूचित बैंकों के पास		
ख) गैर – अनुसूचित बैंकों के पास		
ग) डाकघर बचत खाता		
घ) अन्य		
3. ऋणों पर :		
क) कर्मचारीगण / स्टाफ	1853773	2892966
ख) अन्य		
4. देनदारों एवं अन्य प्राप्तियों पर ब्याज		
कुल	**60472616**	**176219516**
टिप्पणी : दर्शाये गए स्रोतों पर कर कटौति की गई		

ह./–
लेखा अधिकारी

ह./–
वित्त सलाहकार

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.03.2016 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 18 – अन्य आय	2015-16	2014-15
1. विविध प्राप्ति	551823759	207941121
2. स्थापना प्राप्ति (योजना)	70018744	44364731
3. अन्य (विशेष)		
कुल	**621842503**	**252305852**

अनुसूची 19 – समाप्त सामग्री एवं कार्य में प्रगति के भंडार में वृद्धि / (कमी)	2015-16	2014-15
क) बंद भंडार		
– समाप्त सामग्री		
– कार्य प्रगति		
ख) न्यून : अथ स्टॉक		
– समाप्त सामग्री		
– कार्य प्रगति		
शुद्ध वृद्धि / (कमी) (क+ख)	0	0

अनुसूची 20 – स्थापना व्यय	2015-16	2014-15
वेतन एवं मजदूरी	5082956939	4680497964
यात्रा भत्ते	20283787	26561800
भविष्य निधि में अंशदान		
अन्य निधि में अंशदान (स्कीम सेल)	24954491	40387370
कर्मचारी कल्याण व्यय	960000	480000
कर्मचारीगण पर व्यय ''सेवानिवृत्ति एवं सेवांत हितलाभ''	1159778558	730283344

अन्य (एन. पी. एस.)	142530091	124833832
अवकाश वेतन पेंशन अंशदान	913191	1606030
कुल	**6432377057**	**5604650340**

ह./–
लेखा अधिकारी

ह./–
वित्त सलाहकार

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.03.2016 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 21 – अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	2015-16	2014-15
क) अस्पताल भंडार की खरीद		
ख) श्रम एवं संसाधन व्यय		
ग) वार्डों में गाड़ी – भाड़ा एवं ढुलाई		
घ) विद्युत एवं पावर	561588612	
ङ) जल प्रभार	58139891	
च) बीमा		
छ) मरम्मत एवं अनुरक्षण (ए.एम.सी. / सी.ए.एम.सी.)	15739165	50040193
ज) भवन की मरम्मत एवं अनुरक्षण	122353385	182490458
झ) किराया, दर एवं कर		
ञ) वाहन, चालू एवं अनुरक्षण		
ट) डाक, दूरभाष एवं संचार प्रभार		
ठ) मुद्रण एवं लेखन सामग्री		
ड) यात्रा एवं वाहन व्यय	46646771	29477521
ढ़) सेमिनार एवं कार्यशालाओं पर व्यय		
ण) अभिदान व्यय		
त) फीस पर व्यय		
थ) लेखा परीक्षक पारिश्रमिक		
द) आतिथ्य व्यय		
ध) वृत्तिक प्रभार		
न) अलाभकर एवं संदिग्ध ऋणों / अग्रिमों हेतु व्यवस्था		
प) बट्टे खाते में डाली गई अवसूलनीय राशि		
फ) पैकिंग प्रभार		
ब) माल भाड़ा एवं अग्रेषण व्यय		
भ) वितरण व्यय		
म) विज्ञापन एवं प्रचार		
य) अन्य (विशेष उल्लेख) (आकस्मिक प्रभार)	56903472	648358489
कुल	**861371296**	**910366661**

ह./–
लेखा अधिकारी

ह./–
वित्त सलाहकार

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.03.2016 को समाप्ति वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 21ख – सामग्री एवं आपूर्ति	**2015-16**	**2014-15**
अस्पताल भंडार	2654532894	2011865402
कुल	**2654532894**	**2011865402**

ह./–
लेखा अधिकारी

ह./–
वित्त सलाहकार

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.03.2016 को समाप्त अवधि / वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 22 – अनुदान, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय	2015-16	2014-15
क) संस्थाओं / संगठनों को दिये गए अनुदान ख) संस्थाओं / संगठनों को दी गई आर्थिक सहायता		
कुल	0	0
टिप्पणी : अनुदानों एवं आर्थिक सहायता की राशि के साथ सत्ताओं, उनकी गतिविधियों के नाम को प्रकट किया जाना है।		

अनुसूची 23 – ब्याज	2015-16	2014-15
क) सावधि ऋणों पर ख) अन्य ऋणों पर (बैंक प्रभार सहित) ग) अन्य (विशेष उल्लेख)		
कुल	0	0

ह./–
लेखा अधिकारी

ह./–
वित्त सलाहकार

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली

दिनांक 31.03.2016 को समाप्त अवधि / वर्ष हेतु प्राप्ति एवं भुगतान

(राशि रुपयों में)

प्राप्तियां	2015-16	2014-15	भुगतान	2015-16	2014-15
I. अथशेष			**I.** व्यय		
क) नकद राशि	1063150	895650	क) स्थापना व्यय (अनुसूची 20क)	6407422566	5564666274
ख) बैंक शेष			ख) अन्य प्रशासनिक व्यय (अनुसूची 21क)	814304546	889539563
i) चालू खाते में	2354553191	2464735224	ग) अस्पताल भंडार की खरीद	2621742495	1998210508
ii) जमा खाते में	6455666	5742016			
iii) बचत खाता			**II.** स्थायी परिसंपत्ति एवं पूंजीगत कार्य		
			प्रगति पर व्यय		
II. भारत सरकार से प्राप्त अनुदान			क) स्थायी परिसंपत्ति की खरीद	1769458157	1158306626
योजना			ख) पूंजीगत कार्य प्रगति पर व्यय	2034373986	971178944
i) राजस्व	3900000000	3570000000			
ii) पूंजी	3100000000	2640000000	**IV** केंद्रों को अंतरित सरकारी अनुदान		
गैर–योजना			डॉ. रा. प्र. केंद्र		
i) राजस्व	11200000000	10010000000	योजना		
ii) पूंजी	0	0	क) पूंजीगत परिसंपत्ति	226400000	450000000
चूक समिति			ख) सहायता अनुदान वेतन	78000000	68000000
i) राजस्व	50000000	108900000	ग) सहायता अनुदान सामान्य	84629000	110000000
ii) पूंजी	310000000	150000000	गैर–योजना		
रा. औ. नि. उप. केन्द्र			क) सहायता अनुदान वेतन	570000000	526600000
i) राजस्व	155000000	146200000	ख) सहायता अनुदान सामान्य	150000000	180800000
ii) पूंजी	15000000	20124000	हृ. तं. केंद्र		
			योजना		
III विशिष्ट उद्देश्य हेतु प्राप्त अनुदान			क) पूंजीगत परिसंपत्ति	218000000	279200000
क) स्कीम प्रकोष्ठ	802450971	756736851	ख) सहायता अनुदान वेतन	400973000	375700000
ख) रोगी उपचार खाते में प्राप्त अनुदान	105811678	80695940	ग) सहायता अनुदान सामान्य	190000000	145000000
			गैर–योजना		

IV. विन्यास / दान			क) सहायता अनुदान वेतन	1340000000	1203400000
क) निर्धन रोगी खाता	1707958	2720037	ख) सहायता अनुदान सामान्य	300000000	330600000
ख) विन्यास निधि	50000000	2100000			
			रा. औ. नि. उप. केंद्र		
V. निवेश पर आय			योजना		
विन्यास निधि (इन्फोसिस)	1447344	0	i) पूंजीगत परिसंपत्ति	15000000	20124000
एन.पी.एस.	16888605	14266208	ii) सहायता अनुदान सामान्य	65000000	59300000
			iii) सहायता अनुदान वेतन	90000000	86900000
VI. ब्याज प्राप्त किया					
क) बैंक जमा पर	64829884	178564122	डॉ. बी. आर. अ. सं. रो. कैं. अ.		
ख) ऋण, अग्रिम आदि	1853773	2892966	योजना		
VII प्राप्तियां			क) पूंजीगत परिसंपत्ति	68000000	491120000
क) सामान्य भविष्य निधि	480837144	467982896	ख) सहायता अनुदान वेतन	18550000	16050000
ख) बाह्य वसूलियां	799517198	637352917	ग) सहायता अनुदान सामान्य	81000000	67500000
ग) जमा कार्य			गैर – योजना		
पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन	158000000	0	क) सहायता अनुदान वेतन	529100000	461000000
घ) आवर्ती निधि	85855000	73748000	ख) सहायता अनुदान सामान्य	290000000	300000000
			जे. पी. एन. ए. ट्रॉमा केंद्र		
ङ) वसीयत संपदा प्राप्ति तारीख (एन.पी.एस.)	51990494	178978493	योजना		
च) एफडी परिपक्वता खाता (एन.पी.एस.)	825000000	600000000	i) पूंजीगत परिसंपत्ति	80958686	183798466
			ii) सहायता अनुदान (सामान्य)	590580782	567800000
			iii) सहायता अनुदान (वेतन)	701625233	693700000
VIII. अन्य आय			दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र		
क) परीक्षा शुल्क सहित विभिन्न प्राप्तियां	551823759	207130465	योजना		
			i) पूंजीगत परिसंपत्ति	12642638	20000000
ख) अस्पताल प्राप्तियां	237035862	230137000	ii) सहायता अनुदान सामान्य	65000000	62000000
			iii) सहायता अनुदान वेतन	28474000	11341000
ग) शिक्षण शुल्क	20993114	24044324	अन्य भुगतान		
			क) विशिष्ट अनुदान से भुगतान (स्कीम सेल)	803773554	823737515
घ) लाइसेंस शुल्क	31898648	25504758	ख) रोगी उपचार खाते हेतु भुगतान	72969598	60531147

ङ) कर्मचारी स्वास्थ्य योजना (ई.एच.एस.)	42746339	43032031	ग) निर्धन रोगी खाता	313713	79090
IX. अन्य प्राप्तियां			घ) सा. भ. नि.	480837144	467982896
क) विशिष्ट उद्देश्य हेतु प्राप्त निधि (शिशु आनुवंशिकी)	104356250	49239622	ङ) बाह्य वसूलियां	806073890	649129163
ख) कोकिलर इंप्लांट रोगी उपचार	36254000	26987000	च) जमा कार्य (पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन)	150000000	0
ग) अन्य	92161275	91609643	III अन्य विविध भुगतान	980574777	880024815
			विशिष्ट उद्देश्य हेतु प्राप्त निधि से भुगतान		
सीमा शुल्क खाता	165951235	110000000	(शिशु आनुवंशिकी)	102981840	49051570
पी डी खाता	4000000	4500000	कोकिलर इंप्लांट रोगी उपचार	34704500	26793000
			सीमा शुल्क खाता (भुगतान)	198023057	242531885
			पी. डी. खाता	2809622	4132694
			आवर्ती निधि	81055000	66919000
			विन्यास निधि		
			निवेश (एफ.डी.)	50000000	0
			V. अंतशेष		
			क) नकद राशि	1106150	1063150
			ख) बैंक राशि		
			i) चालू खाते में	2212748834	2354553191
			ii) जमा खाते में	6275770	6455666
			iii) बचत खाते में		
कुल	**25825482538**	**22924820163**	कुल	**25825482538**	**22924820163**

ह./–
लेखा अधिकारी

ह./–
वित्त सलाहकार

ह./–
वरिष्ठ वित्त सलाहकार

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली

दिनांक 31.03.2016 को समाप्त अवधि / वर्ष हेतु प्राप्ति एवं भुगतान का अनुसूची के रूप में भाग

स्थापना व्यय

अनुसूची 20 क			**2015-16**	**2014-15**
क)	वेतन एवं मजदूरी		5082956939	4680901268
ख)	यात्रा भत्ता (टी. ए.)		20283787	26561800
ग)	अवकाश वेतन पेंशन अंशदान			
	भुगतान	1336166		
	प्राप्तियां	422975	913191	1606030
घ)	कर्मचारीगण पर व्यय ''सेवानिवृत्ति एवं सेवांत हितलाभ''		1159778558	730283344
ङ)	बीमा योजना से जुड़ी हुई जमा		960000	480000
च)	अन्य		0	0
छ)	नई पेंशन योजना			
	राष्ट्रीय सुरक्षा जमा लि. को	229031316		
	एन. पी. एस. खाते को	40611004		
	न्यून प्राप्तियां (एन.पी.एस.)	127112229	142530091	124833832
	कुल		**6407422566**	**5564666274**

ह./–
लेखा अधिकारी

ह./–
वित्त सलाहकार

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली

दिनांक 31.03.2016 को समाप्त अवधि / वर्ष हेतु प्राप्ति एवं भुगतान का अनुसूची के रूप में भाग

अन्य प्रशासनिक व्यय

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 21 क	2015-16	2014-15
क) मरम्मत एवं अनुरक्षण	138084300	232530741
ख) यात्रा एवं वाहन व्यय	46646771	29477521
ग) आकस्मिक प्रभार	9844972	
घ) विद्युत एवं शक्ति	561588612	627531301
ङ) जल प्रभार	58139891	
च) अन्य	0	0
कुल	**814304546**	**889539563**

ह./–
लेखा अधिकारी

ह./–
वित्त सलाहकार

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

सा. भ. नि. अनुभाग

दिनांक 31 मार्च 2016 को समाप्त वर्ष हेतु अ. भा. आ. सं. के सामान्य भविष्य निधि का प्राप्ति एवं भुगतान

प्राप्तियां		राशि	भुगतान		राशि
रोकड़ पुस्तक अथशेष		62465934	आहरण		1158302627
प्राप्तियां (अंशदान / वसूली)		1264213271	वर्ष 2015–16 के दौरान निवेश		2180000000
जमा ब्याज प्राप्त		416434356	रोकड़ पुस्तक अंतशेष		44065934
जमा निवेश परिपक्वता		1639255000			
कुल		**3382368561**	कुल		**3382368561**

सा. भ. नि. का आय एवं व्यय लेखा

व्यय		राशि	आय		राशि
अभिदान पर प्रदत्त ब्याज		377549988	निवेश पर ब्याज		416434356
व्यय पर आय की अधिकता		97593611	अधिक व्यवस्था आहरण		48135441
			निवेश के मूल्यांकन पर समायोजन		10573802
कुल		**475143599**	कुल		**475143599**

दिनांक 31 मार्च, 2016 के अनुसार अ. भा. आ. सं. के सामान्य भविष्य निधि का तुलन–पत्र

देयताएं		राशि	परिसंपत्ति		राशि
सामान्य भविष्य निधि			निवेश		4824938830
अथशेष	4336085962				
वर्ष 2015–16 के दौरान प्राप्त सा. भ. नि. अभिदान	1264213271		बैंक में रोकड़ अंतशेष		44065934
सा. भ. नि. खाते के लिए जमा ब्याज क्रेडिट	377549988				

कुल	5977849221				
न्यून आहरण वर्ष 2015–16	1158302627				
न्यून अधिक व्यवस्था आहरण	48135441				
कुल सा. भ. नि. देयता		4771411153			
अधिशेष (व्यय पर आय की अधिकता का शेष)		97593611			
कुल		**4869004764**	कुल		**4869004764**

ह./–
लेखा अधिकारी

ह./–
वित्त सलाहकार

अस्पताल बिलिंग अनुभाग (अ. भा. आ. सं.)
प्राप्ति एवं भुगतान के लेखा का विवरण
राष्ट्रीय बीमारी सहायता निधि (एन.आई.ए.एफ.) : 2015–16

	प्राप्तियां	रुपए		भुगतान	रुपए
1	दिनांक 1.4.2015 के अनुसार बैंक के पास अनुदान का अथशेष	174542464		वर्ष के दौरान किया गया भुगतान	147413937
2	वर्ष के दौरान प्राप्त अनुदान	227944865		वर्ष के दौरान बैंक द्वारा बैंक निकासी शुल्क को नामे डाला गया	51
3	वर्ष के दौरान बैंक से प्राप्त ब्याज	8162824		दिनांक 31.3.2016 के अनुसार अंतशेष	263236165
	कुल	**410650153**			**410650153**

ह./–
लेखा अधिकारी

ह./–
वित्त सलाहकार

अस्पताल बिलिंग अनुभाग (अ. भा. आ. सं.)
प्राप्ति एवं भुगतान के लेखा का विवरण
(अनुदान / वित्तीय सहायता)
दिल्ली आरोग्य कोष

2015-16

	प्राप्तियां	रुपए		भुगतान	रुपए
1	दिनांक 1.4.2015 के अनुसार बैंक के पास अनुदान का अथशेष	4674908		वर्ष के दौरान किया गया भुगतान	8849466
2	वर्ष के दौरान प्राप्त अनुदान	21017873		वर्ष के दौरान बैंक द्वारा बैंक निकासी शुल्क को नामे डाला गया	3200
3	वर्ष के दौरान बैंक से प्राप्त ब्याज	0		दिनांक 31.3.2016 के अनुसार अंतशेष	16840115
	कुल	**25692781**			**25692781**

ह./–
लेखा अधिकारी

ह./–
वित्त सलाहकार

अनुसूचित 24

लेखा की लेखाकरण नीतियां एवं टिप्पणी के रूप में भाग

1. संस्थान की गतिविधियां मुख्यतः भारत सरकार के अनुदान से वित्तपोषित है और संस्थान के लेखा को सामान्यतः लेखाकरण सिद्धांतों के अनुसार तैयार किया गया है।
2. खातों को रोकड़ आधार अर्थात वास्तविक प्राप्ति एवं भुगतान आधार पर तैयार किया गया है।
3. खातों में परिसंपत्ति अर्थात मशीनरी एवं उपकरण, वाहनों, भवनों आदि पर कोई मूल्यह्रास प्रदान नहीं किया गया है और परिसंपत्ति को एतिहासिक लागत पर पालन किया गया। उपयोगी जीवन के पूर्ण होने पर निराकरण के समय परिसंपत्ति को पूंजीगत संग्रह निधि के अतिरिक्त परिसंपत्ति से हटा दिया जाता है।
4. उपदान, पेंशन एवं अवकाश नकदी आदि को देयता हेतु खातों में कोई व्यवस्था नहीं की गई है जैसा कि भारत सरकार से अनुदानों को वास्तविक व्यय के लिए प्राप्त किया गया है। उपदान, पेंशन एवं अवकाश नकदी आदि के भुगतान को वास्तविक भुगतान के समय पर केवल खातों में गिना जाता है।
5. लेखा अवधि की समाप्ति पर भंडार एवं आपूर्ति का कोई बंद स्टॉक खातों में समाविष्ट नहीं किया जाता है क्योंकि भंडार एवं आपूर्ति पर सभी व्यय खातों में भुगतान के समय अंतिम व्यय के रूप में समझे जाते हैं।
6. संस्थान की आय को आयकर अधिनियम 1961 की धारा 11 के तहत आयकर से छूट दी गई है।
7. अनुसंधान परियोजनाओं के लिए अनुदानों से वित्तपोषित सभी परिसंपत्तियां (मशीनरी एवं उपकरण, वाहन आदि) अनुसंधान परियोजनाओं की गतिविधियों हेतु प्रयोग किया जाता है तथा संस्थान की परिसंपत्ति में शामिल नहीं किया जाता है। ऐसी परिसंपत्ति (मशीनरी एवं उपकरण, वाहन आदि) को या तो फंडिग एजेंसी को लौटा दी जाती है अथवा फंडिग एजेंसी की स्वीकृति के अनुसार परियोजनाओं के पूर्ण होने तक विभागों में प्रयोग किया जाता है।
8. वर्ष 2015–16 के दौरान अनुसंधान परियोजनाओं हेतु विभिन्न परियोजना अन्वेषकों द्वारा किये गए व्यय को दर्शानेवाला विवरण तथा दिनांक 31.03.2016 के अनुसार संस्थान के पास बची हुई शेष राशि खाते के साथ संलग्न है।
9. दिनांक 31.03.2016 के अनुसार सा. भ. नि. लेखा को खाते के साथ संलग्न किया गया है।
10. दिनांक 31.03.2016 के अनुसार संस्थान के विभिन्न केंद्रों के खातों को खाते के साथ संलग्न किया गया है।
11. दिनांक 31.03.2016 को समाप्त वर्ष का लेखा नये प्रपत्र में तैयार किया गया है और ग्रुपिंग एवं रीग्रुपिंग तथा वर्गीकरण अच्छी प्रस्तुति हेतु जहां भी आवश्यक हुआ परिवर्तन / अपनाया गया है।
12. प्रत्येक विभाग / केंद्रों में संस्थान की परिसंपत्ति को उद्देश्य हेतु नामित किये गए संकाय / अधिकारी के द्वारा वर्ष में एक बार प्रत्यक्ष सत्यापित किया जाता है तथा कोई महत्वपूर्ण / बड़ा अंतर होने की रिपोर्ट प्राप्त नहीं हुई है।
13. संस्थान के प्रत्येक विभाग / केंद्रों में भंडार एवं आपूर्ति को उद्देश्य हेतु नामित किये गए संकाय / अधिकारी के द्वारा वर्ष में एक बार प्रत्यक्ष सत्यापित किया जाता है तथा कोई महत्वपूर्ण / बड़ा अंतर होने की रिपोर्ट प्राप्त नहीं हुई है।
14. संस्थान ने रोगी उपचार के लिए अपेक्षित जांच / प्रक्रियाओं हेतु विभिन्न आवर्ती निधि बना रखी है उसी को संस्थान के संबद्ध खातों में सम्मिलित किया जाता है।

15. विभिन्न स्रोतों से बिना किसी संलग्न शर्तो के दान / प्राप्तियों को संबद्ध केंद्री की अथवा संस्थान की यथा मामले अनुसार आय के रूप में माना जाता है।

ह./–	ह./–	ह./–
वित्त सलाहकार	वरिष्ठ वित्त सलाहकार	निदेशक

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्रविज्ञान केंद्र
दिनांक 31.03.2016 के अनुसार तुलन – पत्र

(राशि रुपयों में)

समग्र / पूंजी निधि एवं देयताएं	अनुसूची	2015-16	2014-15
समग्र / पूंजी निधि	1	2697371076	2471832848
रिजर्व और अधिशेष	2	164620595	131467131
उद्दिष्ट / विन्यास निधि	3	11692753	10845725
सुरक्षित ऋण एवं आदाता	4		
असुरक्षित ऋण एवं आदाता	5		
आस्थगित क्रेडिट देयताएं	6		
चालू देयताएं एवं व्यवस्थाएं	7	14102065	11950670
कुल		**2887786489**	**2626096374**
परिसंपत्ति			
स्थायी परिसंपत्ति	8	2498844990	2381627211
उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश	9		
निवेश – अन्य	10		
चालू परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि	11	388941499	244469163
विविध व्यय (बट्टा खाता अथवा समायोजित की सीमा तक नहीं)			
कुल		**2887786489**	**2626096374**

ह./–
लेखा अधिकारी

ह./–
वित्त सलाहकार

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्रविज्ञान केंद्र
दिनांक 31.03.2016 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय लेखा

(राशि रुपयों में)

आय	अनुसूची	**2015-16**	**2014-15**
विक्रय / सेवाओं से आय (अस्पताल प्राप्तियां)	**12**	220334012	180758524
अनुदान / आर्थिक सहायता	**13**	882629000	877348473
फीस / अभिदान	**14**		
निवेश से आय (निधि में अंतरित उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश पर आय)	**15**		
रायल्टी, प्रकाशन आदि के लिए आय	**16**		
ब्याज अर्जित	**17**	23338805	10421246
अन्य आय	**18**	1012769	1153294
समाप्त सामग्री एवं कार्य प्रगति के भंडार में वृद्धि / (कमी)	**19**		
कुल (क)		**1127314586**	**1069681537**
व्यय			
स्थापना व्यय	**20**	655773341	602710529
अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	**21**	438387781	438670717
अनुदान, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय	**22**		
ब्याज	**23**		
अवमूल्यन (अनुसूची 8 में वर्ष समाप्ति पर पत्राचार शुद्ध कुल)			
कुल (ख)		**1094161122**	**1041381246**
व्यय पर आय की अधिकता होने वाली शेष (क–ख)		33153464	28300291
विशेष रिजर्व में अंतरित (विशेष उल्लेख प्रत्येक)			
सामान्य रिजर्व में / से अंतरित			
समग्र / पूंजीगत निधि में लाया गया अधिशेष / (घाटा) होने वाला शेष		**1127314586**	**1069681537**

ह./–
लेखा अधिकारी

ह./–
वित्त सलाहकार

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र
दिनांक 31.03.2016 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची – 1 – समग्र / पूंजीगत निधि :	2015-16		2014-15	
वर्ष के प्रारंभानुसार शेष	2471832848			
जमा : समग्र / पूंजीगत निधि के लिए अंशदान	226400000			
न्यून : वर्ष के दौरान निराकृत स्थायी परिसंपत्ति	861772	2697371076		2471832848
वर्ष समाप्ति के अनुसार शेष		**2697371076**		**2471832848**

अनुसूची 2 – रिजर्व एवं अधिशेष :	2015-2016		2014-2015	
1. पूंजीगत रिजर्व :				
पिछले लेखा के अनुसार				
वर्ष के दौरान जमा				
न्यून : वर्ष के दौरान कटौतियां				
2. पुर्नमूल्यांकन रिजर्व				
पिछले लेखा के अनुसार				
वर्ष के दौरान जमा				
न्यून : वर्ष के दौरान कटौतियां				
3. विशेष रिजर्व				
पिछले लेखा के अनुसार				
वर्ष के दौरान जमा				
न्यून : वर्ष के दौरान कटौतियां				
4. सामान्य रिजर्व				
पिछले लेखा के अनुसार	131467131			
वर्ष के दौरान जमा	33153464	164620595		131467131
न्यून : वर्ष के दौरान कटौतियां				
कुल	0	**164620595**	**0**	**131467131**

ह./–
लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र
दिनांक 31.03.2016 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 3 – उद्दिष्ट / विन्यास निधि	स्कीम गैर रा. प्र. केंद्र		कुल	
	स्कीम गैर रा. प्र. केंद्र		**2015-16**	**2014-15**
क) निधि का अथशेष	10845725			
ख) निधि में जमा :				
i. दान / अनुदान	22412928			
ii. निधि के खाते में किये गए निवेश से आय	0			
iii. अन्य जमा (विशेष उल्लेख प्रकृति)				
iv वर्ष के दौरान न्यून व्यय	21565900		11692753	10845725
कुल (क+ख)			**11692753**	**10845725**
ग) निधि के उद्देश्यों के लिए उपयोग / व्यय				
i. पूंजीगत व्यय				
- स्थायी परिसंपत्ति				
- अन्य				
ii. राजस्व व्यय				
- वेतन, मजदूरी एवं भत्ते आदि				
- किराया				
- अन्य प्रशासनिक व्यय				
कुल				
कुल (ग)			0	0
वर्ष समाप्ति (क+ख+ग) के अनुसार शुद्ध शेष			**11692753**	**10845725**

ह./–
लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र
दिनांक 31.03.2016 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 4 – सुरक्षित ऋण एवं आदाता :	2015-16		2014-15	
1. केंद्र सरकार				
2. राज्य सरकार				
3. वित्तीय संस्थाएं				
क) अवधि ऋण				
ख) ब्याज प्रोद्भूत एवं देय				
4. बैंक :				
क) अवधि ऋण				
– ब्याज प्रोद्भूत एवं देय				
ख) अन्य ऋण (विशेष)				
– ब्याज प्रोद्भूत एवं देय				
5. अन्य संस्थाएं एवं एजेंसियां				
6. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स				
7. अन्य (विशेष)				
कुल	0	0	0	0
टिप्पणी : एक वर्ष के भीतर राशि देय				

ह./–
लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र
दिनांक 31.03.2016 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 5 – असुरक्षित ऋण एवं आदाता	2015-16	2014-15
1. केन्द्र सरकार		
2. राज्य सरकार		
3. वित्तीय संस्थाएं		
4. बैंक :		
क) अवधि ऋण		
ख) अन्य ऋण (विशेष)		
5. अन्य संस्थाएं एवं एजेंसियां		
6. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स		
7. सावधि जमा		
8. अन्य (विशेष)		
कुल	0	0
टिप्पणी : एक वर्ष के भीतर राशि देय		

अनुसूची 6 – आस्थगित जमा देयताएं	2015-16	2014-15
क) पूंजीगत उपकरणों एवं अन्य परिसंपत्तियों के आडमान द्वारा प्रतिभूति स्वीकृतियां		
ख) अन्य		
कुल	0	0
टिप्पणी : एक वर्ष के भीतर राशि देय		

ह./–
लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र
दिनांक 31.03.2016 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 7 – चालू देयताएं एवं व्यवस्थाएं	2015-16		2014-15	
क. चालू देयताएं एवं व्यवस्थाएं				
1. स्वीकृतियां				
2. विविध ऋणदाता :				
क) चल संपत्ति हेतु				
क) अन्य				
3. सरकारी एजेंसियों से रोगियों हेतु प्राप्त अग्रिम				
i) एन.आई.ए.एफ.		1374459		1374459
4. परियोजना अनुदान				
ii) एन.पी.सी.बी.		827		827
5. ब्याज प्रोद्भूत परन्तु निम्न पर देय नहीं :				
क) सुरक्षित ऋण / आदाता				
क) असुरक्षित ऋण / आदाता				
6. सांविधिक देयताएं				
क) अतिदेय (ओवरड्यू)				
क) अन्य				
7. जमानत जमा (ई.एम.डी.)				
अथशेष	10348306			
वर्ष के दौरान प्राप्त	2434000			
वर्ष के दौरान वापस	3400000	9382306		10348306
8. अन्य चालू देयताएं		227078		227078
9. अ. भा. आ. सं. (मुख्य) को छूट दी जाने वाली वसूलियों के लिए राशि		3117395		0
कुल (क)		**14102065**		**11950670**

ख. व्यवस्थाएं 1. कराधान हेतु 2. उपदान 3. अधिवर्षिता / पेंशन 6. संचित अवकाश नकदी 6. ट्रेड वारंटी / दावा 6. अन्य (विशेष)				
कुल (ख)				
कुल (क+ख)		**14102065**		**11950670**

ह./–
लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र
दिनांक 31.03.2016 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

	अनुसूची 8 – स्थायी परिसंपत्ति विवरण	सकल ब्लॉक				अवमूल्यन				शुद्ध ब्लॉक	
		वर्ष के प्रारंभ के अनुसार लागत / मूल्यांकन	वर्ष के दौरान जमा	वर्ष के दौरान कटौतियां	वर्ष समाप्ति पर लागत / मूल्यांकन	वर्ष के प्रारंभ के अनुसार	वर्ष के दौरान जमा पर	वर्ष के दौरान कटौतियों पर	वर्ष की समाप्ति तक कुल	**2015-2016**	**2014-2015**
क.	स्थायी परिसंपत्ति :										
1	भूमि :										
	क) पूर्ण स्वामित्व										
	ख) पट्टे पर										
2	भवन :										
	क) पूर्ण स्वामित्व भूमि पर	233443859	0	0	233443859	0	0	0	0	233443859	233443859
	ख) पट्टे पर भूमि पर										
	ग) स्वामित्व फ्लैट / परिसर										
	घ) भूमि पर अधिरचना सत्ता से संबंधित नहीं										
3	मशीनरी एवं उपकरण संयंत्र	2125620235	116211311	516962	2241314584	0	0	0	0	2241314584	2125620235
4	वाहन	7067847	764161	142436	7689572	0	0	0	0	7689572	7067847
5	फर्नीचर, उपस्कर	15495270	1104079	202374	16396975	0	0	0	0	16396975	15495270
6	कार्यालय उपकरण										
7	कंप्यूटर / पेरीफेरल्स										

8	विद्युत संस्थापन										
9	पुस्तकालय पुस्तकें										
10	ट्यूबवेल एवं जल आपूर्ति										
11	अन्य स्थायी परिसंपत्ति (उपर्युक्त में सम्मिलित किराये पर खरीद आधार पर परिसंपत्ति की लागत में तारीख दिये जाने हेतु)										
	चालू वर्ष का कुल	2381627211	118079551	861772	2498844990	0	0	0	0	**2498844990**	**2381627211**
	पिछले वर्ष										
ख.	पूंजीगत कार्य प्रगति										
	कुल										

ह./–
लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र
दिनांक 31.03.2016 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 9 – उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश	**2015-16**	**2014-15**
1. सरकारी जमानतों में		
2. अन्य अनुमोदित जमानतें		
3. शेयर		
4. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स		
5. आर्थिक सहायता एवं संयुक्त उद्यम		
6. अन्य (अलग अलग उल्लेख किये जाने हेतु)		0
कुल	**0**	0

अनुसूची 10 – निवेश – अन्य	**2015-16**	**2014-15**
1. सरकारी जमानतों में		
2. अन्य अनुमोदित जमानतें		
3. शेयर		
4. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स		
5. आर्थिक सहायता एवं संयुक्त उद्यम		
6. अन्य (अलग अलग उल्लेख किये जाने हेतु)		
कुल	0	0

ह./–
लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र
दिनांक 31.03.2016 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

				(राशि रुपयों में)
	2015-16		2014-15	
अनुसूची 11 – चालू परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि				
क चालू परिसंपत्ति :				
1. प्राप्ति हेतु अग्रिम :				
क) मशीनरी एवं उपकरण				
विदेशी खरीद — अथशेष	5663039			
वर्ष के दौरान जमा	134612169			
वर्ष के दौरान समायोजित	5663039	134612169		5663039
ख) सामग्री एवं आपूर्ति — अथशेष	15511535			
वर्ष के दौरान जमा	6992629			
वर्ष के दौरान समायोजित	5729436	16774728		15511535
ग) स्टॉक–इन–ट्रेड				
समाप्त चल संपत्ति				
कार्य–प्रगति				
कच्चा माल				
2. विविध देनदार :				
क) छः माह से अधिक अवधि हेतु बकाया ऋण		76253		76253
ख) अन्य				
3. हाथ में नकद शेष (चैक / ड्राफ्ट एवं अग्रदाय सहित)		21500		20000
4. बैंक शेष :				
क) अनुसूचित बैंकों के पास :				
चालू खाते में		235854683		222577695
जमा खाते में (मार्जिन राशि सहित)				
बचत खाते में				

ख) गैर–अनुसूचित बैंकों के पास : चालू खाते में जमा खाते में बचत खाते में				
5. पी.डी.ए. अग्रिम		900470		0
कुल (क)		**388239803**		**243848522**

ह./–
लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र
दिनांक 31.03.2016 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 11 – चालू परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि (जारी..)	2015-16		2014-15	
ख. ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसंपत्ति				
1. ऋण :				
क) स्टाफ				
i) मोटर कार		2564		5212
ii) भवन निर्माण अग्रिम		10804		36884
iii) कंप्यूटर अग्रिम		154000		105500
iv) त्योहार अग्रिम		534328		473045
2. अग्रिम एवं अन्य नकद वसूलनीय राशि अथवा माल के रूप में अथवा प्राप्त किये जाने के लिए मूल्य हेतु :				
क) पूंजीगत खाते में				
ख) भुगतान पूर्व				
ग) अन्य				
3. आय प्रोद्भूत :				
क) उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश पर				
ख) निवेश – अन्य पर				
ग) ऋण एवं अग्रिमों पर				
घ) अन्य				
(अवसूली देय रु. .... की आय शामिल है)				
4. प्राप्य दावे :				
कुल (ख)		**701696**		**620641**
कुल (क+ख)		**388941499**		**244469163**

ह./–
लेखा अधिकारी

डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र

दिनांक 31.03.2016 को समाप्त अवधि / वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 12 – उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश	**2015-16**	**2014-15**
1) विक्रय से आय		
1. अस्पताल प्राप्तियां	219605563	179983795
2. प्रशासनिक प्रभार (परियोजना)	728449	774729
3. रद्दी माल का विक्रय		
2) सेवाओं से आय		
क) श्रम एवं संसाधन प्रभार		
ख) व्यवसायिक / परामर्श सेवाएं		
ग) एजेंसी कमीशन एवं दलाली		
घ) अनुरक्षण सेवाएं (उपकरण / संपत्ति)		
ङ) अन्य (विशेष) अस्पताल प्राप्ति		
कुल	**220334012**	**180758524**

अनुसूची 13 – अनुदान / आर्थिक सहायता	**2015-16**	**2014-15**
1) विक्रय से आय		
(अटल अनुदान एवं प्राप्त आर्थिक सहायता)	-	-
1. केन्द्र सरकार	882629000	877348473
2. राज्य सरकार		
3. सरकारी एजेंसियां		
4. संस्थाएं / कल्याण निकाय		
5. अंतरराष्ट्रीय संगठन		
6. अन्य (विशेष)		
कुल	**882629000**	**877348473**

ह./–

लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र
दिनांक 31.03.2016 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 14 – फीस / अभिदान	2015-16	2014-15
1. शिक्षण शुल्क एवं परीक्षा शुल्क		
2. लाइसेंस शुल्क		
3. सेमिनार / प्रोग्राम शुल्क		
4. परामर्श शुल्क		
5. अन्य (विशेष) ई. एच. एस.		
कुल	0	0

अनुसूची 15 – निवेश से आय	उद्दिष्ट निधि से निवेश		निवेश – अन्य	
(निधि में अंतरित उद्दिष्ट / विन्यास निधियों से निवेश पर आय)	2015-16	2014-15	2015-16	2014-15
1. ब्याज				
क) सरकारी जमानतों पर				
क) अन्य बॉन्ड्स / डिबेंचर्स				
2. लाभांश				
क) शेयरों पर				
क) पारस्परिक निधि जमानतों पर				
3. किराया				
4. अन्य (विशेष)				
कुल				
उद्दिष्ट/विन्यास निधि में अंतरित	0	0	0	0

ह./–
लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र
दिनांक 31.03.2016 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 16 – रॉयल्टी, प्रकाशन आदि से आय	2015-16	2014-15
1. रॉयल्टी से आय		
2. प्रकाशन से आय		
3. अन्य (विशेष)		
कुल	0	0

अनुसूची 17 – ब्याज अर्जित	2015-16	2014-15
1. अवधि जमा पर :		
क) अनुसूचित बैंकों के पास	23248224	10259246
ख) गैर – अनुसूचित बैंकों के पास		
ग) संस्थाओं के पास		
घ) अन्य		
2. बचत खाते पर :		
क) अनुसूचित बैंकों के पास		
ख) गैर – अनुसूचित बैंकों के पास		
ग) डाकघर बचत खाता		
घ) अन्य		
3. ऋणों पर :		
क) कर्मचारीगण / स्टाफ	90581	162000
ख) अन्य		
4. देनदारों एवं अन्य प्राप्यों से ब्याज		
कुल	**23338805**	**10421246**

ह./–
लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र
दिनांक 31.03.2016 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 18 – अन्य आय	2015-16	2014-15
1. विविध प्राप्ति	1012769	1153294
2. स्थापना प्राप्ति (स्कीम)		
3. अन्य (विशेष)		
कुल	**1012769**	**1153294**

अनुसूची 19 – समाप्त चल संपत्ति के भंडार एवं कार्य – प्रगति में वृद्धि / (कमी)	2015-16	2014-15
क) बंद भंडार		
– समाप्त चल संपत्ति		
– कार्य प्रगति		
ख) न्यून : अथ भंडार		
– समाप्त चल संपत्ति		
– कार्य प्रगति		
शुद्ध वृद्धि / (कमी) (क+ख)	0	0

अनुसूची 20 – स्थापना व्यय	2015-16	2014-15
वेतन एवं मजदूरी	644784526	593958689
भत्ते एवं बोनस		
एन. पी. एस. के लिए अंशदान	10988815	8751840
अन्य निधि के लिए अंशदान (स्कीम सेल)		

स्टाफ कल्याण व्यय कर्मचारीगण पर व्यय ''सेवानिवृत्ति एवं सेवांत हितलाभ'' अन्य (एन. पी. एस. एवं एल. एस. पी. सी.)		
कुल	**655773341**	**602710529**

ह./–
लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र
दिनांक 31.03.2016 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 21 – अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	2015-16	2014-15
क) खरीद (सामग्री एवं आपूर्ति)	297247722	298102264
ख) कार्यालय व्यय	37137264	19592776
ग) प्रशासनिक प्रभार (परियोजना)	527540	426832
घ) विद्युत एवं पावर		
ङ) जल प्रभार		
च) बीमा		
छ) मरम्मत एवं अनुरक्षण (एम एंड ई)	1446378	2187103
ज) सीमा शुल्क		
झ) किराया, दर एवं कर		
ञ) वाहन, चालू एवं अनुरक्षण		
ट) डाक, टेलीफोन एवं संचार प्रभार		
ठ) मुद्रण एवं लेखन सामग्री		
ड) यात्रा एवं वाहन व्यय		
ढ़) सेमिनार / कार्यशाला पर व्यय		
ण) अभिदान व्यय		
त) सफाई पर व्यय	21602174	
थ) भवन अनुरक्षण (लघु कार्य आरजी)	26047710	41157875
द) मशीनरी एवं उपकरण का अनुरक्षण (सी.ए.एम.सी. / ए.एम.सी.)	40096283	60790598
ध) भवन अनुरक्षण (गैर योजना)	13852090	16102101
न) बुरे एवं संदिग्ध ऋण / अग्रिमों हेतु व्यवस्था		
प) अवसूलनीय शेष राशि बट्टे खाते में		
फ) स्वेप प्रभार (आई.डी.बी.आई. नामे / जमा कार्ड कमीशन)	430620	311168
ब) माल भाड़ा एवं अग्रेषण व्यय		

भ) वितरण व्यय म) विज्ञापन एवं प्रचार य) अन्य (उल्लिखित) (आकस्मिक प्रभार)		
कुल	**438387781**	**438670717**

ह./–
लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र
दिनांक 31.03.2016 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 22 – अनुदानों, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय	2015-16	2014-15
क) संस्थाओं / संगठनों को दिया गया अनुदान		
ख) संस्थाओं / संगठनों को दी गई आर्थिक सहायता		
कुल	0	0
टिप्पणी : अनुदानों एवं आर्थिक सहायता की राशि के साथ सत्ताओं, उनकी गतिविधियों के नाम को प्रकट किया जाना है।		

अनुसूची 23 – ब्याज	2015-16	2014-15
क) स्थायी ऋणों पर		
ख) अन्य ऋणों पर (बैंक प्रभार सहित)		
ग) अन्य (विशेष)		
कुल	0	0

ह./–
लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र
दिनांक 31.03.2016 को समाप्त वर्ष हेतु प्राप्ति एवं भुगतान

(राशि रुपयों में)

प्राप्तियां	2015-16	2014-15	भुगतान	2015-16	2014-15
1. अथशेष			1. व्यय		
क) नकद राशि	20000	20000	क) स्थापना व्यय (अनुसूची 20 में संगत)	644784526	593958689
ख) बैंक शेष	222577695	107435696	ख) अन्य प्रशासनिक व्यय (अनुसूची 21 में संगत)	439406039	437489408
i) चालू खाते में					
ii) जमा खाते में			2. विभिन्न परियोजनाओं हेतु निधि से किया गया भुगतान		
iii) बचत खाते में					
2. अनुदान प्राप्त			3. निवेश एवं जमा किया गया		
क) भारत सरकार से	1109029000	1327180105	क) उद्दिष्ट / विन्यास निधि में से	22093440	26238011
ख) राज्य सरकार से			ख) निजी निधि में से (निवेश – अन्य)		
ग) अन्य स्रोतों से (विवरण)	23141377	19108622			
			4. स्थायी परिसंपत्ति एवं पूंजीगत कार्य – प्रगति पर व्यय		
			क) स्थायी परिसंपत्ति की खरीद	247929151	360196950
			ख) पूंजीगत कार्य प्रगति पर व्यय		
3. निवेश पर आय से					
क) उद्दिष्ट / विन्यास निधि			5. अधिशेष राशि / ऋण की वापसी	986408	859500
ख) निजी निधि (अन्य निवेश)			क) भारत सरकार को		
			ख) राज्य सरकार को		
4. ब्याज प्राप्त			ग) निधि की व्यवस्था अन्य को		
क) बैंक जमा पर					
ख) ऋण, अग्रिम आदि	90581	162000	6. वित्त प्रभार (ब्याज)		

			7. अन्य भुगतान	191597828	174242357
5. अन्य आय	219605563	180083795	8. अंतशेष		
6. राशि उधार			क) नकद राशि	21500	
			ख) बैंक शेष		
7. कोई अन्य प्राप्ति	208209359	181592392	i) चालू खाते में	235854683	222597695
			ii) जमा खाते में		
			iii) बचत खाते में		
कुल	**1782673575**	**1815582610**	कुल	**1782673575**	**1815582610**

ह./–
लेखा अधिकारी

ह./–
वित्त सलाहकार

हृद वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केंद्र

दिनांक 31.03.2016 के अनुसार तुलन – पत्र

(राशि रुपयों में)

समग्र / पूंजीगत निधि एवं देयताएं	अनुसूची	**2015-16**	**2014-15**
समग्र / पूंजीगत निधि	**1**	5720458799	5401865987
रिजर्व और अधिशेष	**2**	338984608	267395668
उद्दिष्ट / विन्यास निधि	**3**	2351552	2041552
आवर्ती निधि	**4**	73171221	52500203
सुरक्षित ऋण एवं आदाता	**5**	0	0
असुरक्षित ऋण एवं आदाता	**6**	0	0
आस्थगित क्रेडिट देयताएं	**7**	0	0
चालू देयताएं एवं व्यवस्था	**8**	56277336	46613020
कुल		**6191243516**	**5770416430**
परिसंपत्ति			
स्थायी परिसंपत्ति	**9**	5351153142	4897786150
उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश	**10**	0	0
निवेश – अन्य	**11**	0	0
चालू परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि	**12**	840090374	872630280
विविध व्यय		0	0
(बट्टे खाते अथवा समायोजित की सीमा तक नहीं)			
आय पर व्यय की अधिकता का शेष			
कुल		**6191243516**	**5770416430**

ह./–
वित्त एवं मुख्य लेखा अधिकारी (हृ. तं. केंद्र)

ह./–
वित्त सलाहकार

हृद वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केंद्र

दिनांक 31.03.2016 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय लेखा

(राशि रुपयों में)

आय	अनुसूची	2015-16	2014-15
विक्रय / सेवाओं से आय	13	598726367	631293678
अनुदान / आर्थिक सहायता	14	2113173785	1944505882
फीस / अभिदान	15	0	0
निवेश से आय (निधि में अंतरित उद्दिष्ट एवं विन्यास निधि से निवेश पर आय)	16	0	0
रायल्टी, प्रकाशन आदि से आय	17	0	0
ब्याज अर्जित	18	38162460	33414353
अन्य आय	19	2476213	13040630
समाप्त चल संपत्ति एवं कार्य प्रगति की वृद्धि / (कमी)	20	0	0
कुल (क)		**2752538825**	**2622254543**
व्यय			
स्थापना व्यय	21	1729077526	1612956255
अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	22	210053707	129915134
सामग्री एवं आपूर्ति	23	741772803	870798265
अनुदान, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय	24	0	0
ब्याज एवं वित्त व्यय	25	45849	30803
अवमूल्यन (अनुसूची 11 में वर्ष समाप्ति तदनानुसार पर शुद्ध कुल)			
कुल (ख)		**2680949885**	**2613700457**
व्यय पर आय की अधिकता होने वाला शेष (क–ख)		71588940	8554086
विशेष रिजर्व में अंतरण (विशेष उल्लेख प्रत्येक)		0	0

सामान्य रिजर्व में / से अंतरण		0	0
समग्र / पूंजीगत निधि में लाया गया अधिशेष / (घाटा) होने वाला शेष		**71588940**	**8554086**

ह./–
वित्त एवं मुख्य लेखा अधिकारी (हृ. तं. केंद्र)

ह./–
वित्त सलाहकार

हृद वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केंद्र

दिनांक 31.03.2016 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची – 1 – समग्र / पूंजीगत निधि	अनुलग्नक	**2015-2016**	**2014-2015**
वर्ष के प्रारंभ के अनुसार शेष (हृ. तं. कें. मुख्य)		5350474284	0
जमा : समग्र / पूंजीगत निधि के लिए अंशदान (हृ. तं. कें. मुख्य)	**1**	318592812	5350474284
जमा : दान खाता में सृजित समग्र / पूंजी	**2**	51391703	51391703
जमा / कटौती : आय और व्यय लेखा से अंतरित शुद्ध आय / (व्यय) का शेष		0	0
वर्ष समाप्ति पर शेष		**5720458799**	**5401865987**

अनुसूची 2 – रिजर्व एवं अधिशेष	-	**2015-2016**	**2014-2015**
1. पूंजीगत रिजर्व	-	-	
-	-	-	
वर्ष के प्रारंभ के अनुसार शेष	**3**	267395668	267395668
जमा : वर्ष के दौरान जमा	**3**	71588940	0
2. पुनर्मूल्यांकन रिजर्व	-	-	
वर्ष के प्रारंभ के अनुसार शेष		0	0
जमा : वर्ष के दौरान जमा		0	0
न्यून : वर्ष के दौरान कटौतियां		0	0
3. विशेष रिजर्व	-	-	
वर्ष के प्रारंभ के अनुसार शेष		0	0

जमा : वर्ष के दौरान जमा		0	0
न्यून : वर्ष के दौरान कटौतियां		0	0
4. सामान्य रिजर्व	-	-	
वर्ष के प्रारंभ के अनुसार शेष		0	0
जमा : वर्ष के दौरान जमा		0	0
न्यून : वर्ष के दौरान कटौतियां		0	0
5. व्यय पर आय की अधिकता		0	
कुल		**338984608**	**267395668**

ह./–
वित्त एवं मुख्य लेखा अधिकारी

हृद वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केंद्र

दिनांक 31.03.2016 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 3 – उद्दिष्ट / विन्यास निधि	हृद विज्ञान	सी.टी.वी.एस.	तंत्रिका विज्ञान	तंत्रिका सर्जरी	**2015-2016**	**2014-2015**
					कुल	कुल
क) निधि का अथशेष	61806	188750	984591	806405	2041552	0
ख) निधि में जमा :	0				0	0
i. दान / अनुदान	0	0	0	310000	310000	0
ii. निधि के खाते में किये गए निवेश से आय	0				0	0
iii. रोगियों से प्राप्त	0				0	0
iv. अन्य जमा (विशेष उल्लेख प्रकृति)	0				0	0
कुल (क+ख)	**61806**	**188750**	**984591**	**1116405**	**2351552**	**0**
ग) निधि के उद्देश्यों के लिए उपयोग / व्यय						
i. पूंजीगत व्यय						
स्थायी परिसंपत्ति	0				0	0
अन्य	0				0	0
कुल (ग **i**)	**0**				**0**	**0**
ii. राजस्व व्यय					0	0
वेतन, मजदूरी एवं भत्ते आदि	0				0	0
किराया	0				0	0
बैंक प्रभार	0				0	0
अन्य प्रशासनिक व्यय	0				0	0

कुल ग **(ii)**	**0**				**0**	**0**
कुल ग	**0**				**0**	**0**
घ) रोगियों को वापसी	0				0	***0***
समाप्त वर्ष के अनुसार शुद्ध शेष (क+ख+ग–घ)	**61806**	**188750**	**984591**	**1116405**	**2351552**	**2041552**

ह./–
वित्त एवं मुख्य लेखा अधिकारी (हृ. तं. केंद्र)

हृद वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केंद्र

दिनांक 31.03.2016 के अनुसार तुलन पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 4 – आवर्ती निधि	**2015-2016**						**2014-2015**
	प्रयोगशाला जांच	हृद जांच	स्ट्रेस थैलियम	एम.आर.आई.	तंत्रिका विज्ञान रोगी निधि	कुल	कुल
क) निधि का अथशेष	6966751	11169742	34124	740830	33588756	52500203	52500203
ख) निधि में जमा							
i. रोगियों से प्राप्त	10941260	4952640	9904292	3102000	19810499	48710691	
ii. अस्पताल प्राप्तियों में राशि अंतरण	**0**	**0**	**0**	**0**		0	**0**
कुल (क+ख)	**17908011**	**16122382**	**9938416**	**3842830**	**53399255**	**101210894**	**52500203**
ग) निधि के उद्देश्यों के लिए उपयोग / व्यय							
i. पूंजीगत व्यय							
स्थायी परिसंपत्ति	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**
अन्य (विशेष)	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**
कुल (ग **i**)	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**
ii राजस्व व्यय							
सामग्री एवं आपूर्ति	3250	757927	5807292	303950	21167254	28039673	**0**
अन्य (विशेष)						0	
कुल (ग **ii**)	**3250**	**757927**	**5807292**	**303950**	**21167254**	**28039673**	**0**
कुल (ग)	**3250**	**757927**	**5807292**	**303950**	**21167254**	**28039673**	**0**
समाप्त वर्ष के अनुसार शेष (क+ख–ग)	**17904761**	**15364455**	**4131124**	**3538880**	**32232001**	**73171221**	**52500203**

ह./–

वित्त एवं मुख्य लेखा अधिकारी (हृ. तं. केंद्र)

हृद वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केंद्र

दिनांक 31.03.2016 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 5 – सुरक्षित ऋण एवं आदाता	2015-2016	2014-2015
1. पूंजीगत सरकार	-	-
2. राज्य सरकार (विशेष)	-	-
3. वित्तीय संस्थाएं		
क) अवधि ऋण	-	-
ख) ब्याज प्रोदभूत एवं देय	-	-
4. बैंक		
क) अवधि ऋण		
– ब्याज प्रोदभूत एवं देय	-	-
ख) अन्य ऋण (विशेष)		
– ब्याज प्रोदभूत एवं देय	-	-
5. अन्य संस्थाएं एवं एजेंसियां	-	-
6. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स	-	-
7. अन्य (विशेष)	-	-
कुल	-	-

टिप्पणी : एक वर्ष के भीतर देय राशि

ह./–

वित्त एवं मुख्य लेखा अधिकारी (हृ. तं. केंद्र)

हृद वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केंद्र

दिनांक 31.03.2016 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 6 – असुरक्षित ऋण एवं आदाता	2015-2016	2014-2015
1. पूंजीगत सरकार	-	-
2. राज्य सरकार (विशेष)	-	-
3. वित्तीय संस्थाएं		
क) अवधि ऋण	-	-
ख) ब्याज प्रोद्भूत एवं देय	-	-
4. बैंक		
क) अवधि ऋण		
– ब्याज प्रोदभूत एवं देय	-	-
ख) अन्य ऋण (विशेष)		
– ब्याज प्रोदभूत एवं देय	-	-
5. अन्य संस्थाएं एवं एजेंसियां	-	-
6. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स	-	-
7. अन्य (विशेष)	-	-
कुल	-	-
टिप्पणी : एक वर्ष के भीतर देय राशि		

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 7 – आस्थगित जमा देयताएं	2015-2016	2014-2015
क) पूंजीगत उपकरण एवं अन्य परिसंपत्तियों के आडमान द्वारा प्रतिभूति स्वीकृति	-	-
ख) अन्य	-	-
कुल	-	-
टिप्पणी : एक वर्ष के भीतर देय राशि		

ह./–

वित्त एवं मुख्य लेखा अधिकारी (हृ. तं. केंद्र)

हृद वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केंद्र

दिनांक 31.03.2016 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 8 – चालू देयताएं	संदर्भ सं.	अनुलग्नक	**2015-2016**	**2014-2015**
क. चालू देयताएं				
1. स्वीकृतियां			-	-
2. विविध ऋणदाताओं				
क) चल संपत्ति हेतु			-	-
ख) अन्य				
3. अग्रिम प्राप्त			-	-
4. ब्याज प्रोद्भूत परन्तु देय पर नहीं				
क) सुरक्षित ऋण / आदाता			-	-
ख) असुरक्षित ऋण / आदाता			-	-
5. सांविधिक देयताएं				
क) अतिदेय			0	0
ख) अन्य			0	0
6. अन्य चालू देयताएं	**1,2 & 32**	**4**	6477473	303045
7. ई. एम. डी.	**21**	**5**	49492194	45366694
8. एन. ए. सी. ओ.			0	0
9. रिटर्न आर. टी. जी. एस.	**76**		78252	712864

10. अग्रदाय			20000	20000
11. एम्स तंत्रिका विज्ञान निर्धन रोगी खाता			209417	210417
कुल (क)			**56277336**	**46613020**
ख. व्यवस्थाएं				
1. कराधान हेतु			-	-
2. उपदान			-	-
3. अधिवर्षिता / पेंशन			-	-
4. संचित अवकाश नकदी			-	-
5. ट्रेड वारंटी / दावे			-	-
6. संचित अवमूल्यन				
7. अन्य			-	-
कुल (ख)			**-**	**-**
कुल (क+ख)			**56277336**	**46613020**

ह./–
वित्त एवं मुख्य लेखा अधिकारी (हृ. तं. केंद्र)

हृद–वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केंद्र

दिनांक 31.03.2016 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

अनुसूची 9 – स्थायी परिसंपत्ति (राशि रुपयों में)

पेज नं.	विवरण	सकल ब्लॉक							अवमूल्यन				शुद्ध ब्लॉक	
		वर्ष के प्रारंभ के अनुसार लागत / मूल्यांकन	वर्ष के दौरान जमा	वर्ष के दौरान कटौतियां	वर्ष के दौरान जमा (साख – पत्र)	वर्ष के दौरान जमा (पी.डी.ए.)	वर्ष के दौरान जमा (सीमा शुल्क)	वर्ष समाप्ति पर लागत / मूल्यांकन	वर्ष के प्रारंभ के अनुसार	वर्ष के लिए	वर्ष के दौरान कटौती पर	वर्ष समाप्ति तक कुल	**2015-2016**	**2014-2015**
	स्थायी परिसंपत्ति												सामयिक के अनुसार	
	भूमि													
	क) पूर्ण स्वामित्व	0	0	0				0	0	0	0	0	0	0
	ख) पट्टे पर	0	0	0				0	0	0	0	0	0	0
	भवन													
	क) पूर्ण स्वामित्व भूमि पर	0	0	0				0	0	0	0	0	0	0
	ख) पट्टे की भूमि पर	0	0	0				0	0	0	0	0	0	0
	ग) स्वामित्व फ्लैट / परिसर	0	0	0				0	0	0	0	0	0	0
	घ) भूमि पर अधिरचना सत्ता से संबद्ध नहीं													
	अमूर्त स्थायी परिसंपत्ति													
	क) सॉफ्टवेयर	0	0	0				0	0	0	0	0	0	0
66	संयंत्र, मशीनरी एवं उपकरण *	4447149530	107411797	0	238539183	481905	27168790	4820751205	0	0	0	0	4820751205	4474261843
69	स्पेयर एवं	0	19692029					19692029					19692029	0

	अनुषंगी (सीटीसी)													
70	स्पेयर एवं अनुषंगी (एनएससी)		32310790					32310790					32310790	0
70	साख पत्र स्पेयर एवं अनुषंगी (एनएससी)		7139000					7139000					7139000	0
72	वाहन	1305522	1540429	0				2845951	0	0	0	0	2845951	1305522
68	फर्नीचर, उपस्कर	3366078	1807163	0				5173241	0	0	0	0	5173241	3366078
66	कंप्यूटर / पेरीफेरल्स	0	2937226	0				2937226	0	0	0	0	2937226	0
	विद्युत संस्थापन	0	0	0				0	0	0	0	0	0	0
	पुस्तकालय पुस्तकें	0	0	0				0	0	0	0	0	0	0
	ट्यूबवेल एवं जल आपूर्ति	0	0	0				0	0	0	0	0	0	0
	कार्यालय उपकरण	0	0	0				0	0	0	0	0	0	0
	चालू वर्ष का कुल	**4451821130**	**172838434**	0				**4890849442**	**0**	**0**	**0**	**0**	**4890849442**	**4478933443**
	पिछले वर्ष	0	0	0				**0**	0	0	0	**0**	0	0
2	पूंजीगत कार्य प्रगति	418852707	41450993	0				460303700	0	0	0	0	460303700	418852707
	कुल	**4870673837**	**214289427**	**0**	**238539183**	**481905**	**27168790**	**5351153142**	**0**	**0**	**0**	**0**	**5351153142**	**4897786150**

(उपर्युक्त में सम्मिलित किराये पर खरीद आधार पर परिसंपत्ति की लागत में तारीख दिये जाने हेतु)

टिप्पणी : * अंतशेष – (सीमा शुल्क + पीडीए) = चालू वर्ष हेतु अथशेष, (4474261843–(26500000+612313)=4447149530)

ह./–

वित्त एवं मुख्य लेखा अधिकारी (हृ.तं.कें.)

हृद वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केंद्र

दिनांक 31.03.2016 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 10 – उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश	2015-2016	2014-2015
1. सरकारी जमानतों में	-	-
2. अन्य अनुमोदित जमानतें	-	-
3. शेयर	-	-
4. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स	-	-
5. आर्थिक सहायता एवं संयुक्त उद्यम	-	-
6. अन्य (अलग अलग उल्लेख करें)	-	-
कुल	-	-

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 11 – निवेश अन्य	2015-2016	2014-2015
1. सरकारी जमानतों में	-	-
2. अन्य अनुमोदित जमानतें	-	-
3. शेयर	-	-
4. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स	-	-
5. आर्थिक सहायता एवं संयुक्त उद्यम	-	-
6. अन्य (अलग अलग उल्लेख करें)	-	-
कुल	-	-

ह./–

वित्त एवं मुख्य लेखा अधिकारी (हृ. तं. केंद्र)

हृद वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केंद्र

दिनांक 31.03.2016 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 12 – चालू परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि	2015-2016	2014-2015
क. चालू परिसंपत्ति		
1. इनवेंटरीज		
क) भंडार एवं स्पेयर्स	0	0
ख) खुले औजार	0	0
ग) ट्रेड में भंडार		
समाप्त चल संपत्ति	0	0
कार्य–प्रगति	0	0
कच्चा माल	0	0
2. विविध देनदार		
क) छः माह से अधिक अवधि का बकाया ऋण	0	0
ख) अन्य (एंजियो रोगी खाता)	3245441	3245441
3. नकद राशि शेष (चैक / ड्राफ्ट एवं अग्रदाय सहित)		
क) अग्रदाय	61000	61000
4. बैंक शेष		
क) अनुसूचित बैंकों के पास :		
– चालू खाते में	145525430	59783863
गामा नाइफ	55123472	116772660
एंजियो रोगी खाता	7707731	25556493
सी. टी. रोगी खाता	39768636	23177532
तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता	13507299	2995284

एम्स तंत्रिका विज्ञान निर्धन रोगी खाता	208532	210162
– जमा खाते में (मार्जिन राशि सहित)	0	0
– बचत खाते में	0	0
ख) गैर–अनुसूचित बैंकों के पास :		
– चालू खाते में	0	0
– जमा खाते में	0	0
– बचत खाते में	0	0
5. डाक घर – बचत खाते	0	0
कुल (क)	**265147542**	**231802435**

ह./–
वित्त एवं मुख्य लेखा अधिकारी

हृद वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केंद्र

दिनांक 31.03.2016 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूचित के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 12 – चालू परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि (जारी..)	अनुलग्नक	**2015-2016**	**2014-2015**
ख. ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसंपत्ति			
1. ऋण			
क) स्टाफ	**6**	6128775	7424411
ख) सत्ता के उस सदृश गतिविधियों / उद्देश्यों में लगी हुई अन्य सत्ताएं			
ग) अन्य (रोगी उपचार – सी.जी.एच.एस.)			
2. अग्रिम एवं अन्य नकद वसूलनीय राशि अथवा माल के रूप में अथवा प्राप्त होने के लिए मूल्य हेतु			
क) पूंजीगत खाते में			
ख) भुगतान पूर्व			
ग) अस्थायी आकस्मिक अग्रिम			
घ) अन्य			
3. आय प्रोद्भूत :			
क) उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश पर			
ख) निवेश – अन्य पर			
ग) ऋण एवं अग्रिमों पर			
घ) अन्य			
(अवसूली देय रु. .... की आय शामिल है)			
4. दावे वसूलनीय			
5. साख–पत्र	**7**	14505131	194614527
*6. सीमा शुल्क**	**8**	12831210	0
*7. जमा पूर्व अग्रिम**		130408	0
8. टी.डी.आर. जारी			
9. कार्य के लिए अग्रिम		174596762	174596762

10. अग्रिम भुगतान डीएवीपी		2775672	0
11. सी. टी. रोगी खाते से अंतरण मशीनरी एवं उपकरण		49025000	49025000
12. रोगी उपचार (सी.जी.एच.एस.)		3349874	3567145
13. सावधि जमा (गामा नाइफ)		170000000	70000000
14. सावधि जमा (एंजियो रोगी खाता)		109800000	109800000
15. सावधि जमा (तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता)		31800000	31800000
कुल (ख)		**574942832**	**640827845**
कुल (क)+(ख)		**840090374**	**872630280**

टिप्पणी :– * वित्त वर्ष 2014–15 के लिए एस.ए.आर. में सांविधिक लेखा परीक्षा द्वारा सुझाव दिये गए अनुसार सीमा शुल्क और पी. डी. ए. खाते हेतु अग्रिम भुगतान के लिए मशीनरी एवं उपकरण शीर्ष के तहत व्यय से सीमा शुल्क के खाते में रुपए 4.00 करोड़ और पी. डी. ए. के खाते में रुपए 10.00 लाख की राशि को अंतरित किया गया।

ह./–
वित्त एवं मुख्य लेखा अधिकारी (हृ. तं. केंद्र)

हृद वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केंद्र

दिनांक 31.03.2016 को समाप्त अवधि / वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 13 – विक्रय / सेवा से आय	अनुलग्नक	2015-2016	2014-2015
1) विक्रय से आय			
क) समाप्त चल संपत्ति का विक्रय		0	0
ख) कच्चे माल का विक्रय		0	0
ग) रद्दी का विक्रय		0	0
2) सेवा से आय			
क) श्रम एवं संसाधन प्रभार			
ख) व्यवसायिक / परामर्श सेवा		0	0
ग) एजेंसी कमीशन एवं दलाली		0	0
घ) अनुरक्षण सेवाएं (उपकरण / संपत्ति)		0	0
ङ) अस्पताल प्राप्तियां (सी.एन.सी. मुख्य)	**9**	54591737	48576398
च) अस्पताल प्राप्तियां (गामा नाईफ)		30139961	32588648
छ) अस्पताल प्राप्तियां (एंजियो रोगी खाता)		178103816	207234838
ज) अस्पताल प्राप्तियां (सी. टी. रोगी खाता)		253826831	269782008
झ) अस्पताल प्राप्तियां (तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता)		81253830	73111786
ञ) रोगी उपचार सी. जी. एच. एस.		810192	
ट) अन्य (विशेष)		0	0
कुल	-	**598726367**	**631293678**

अनुसूची 14 – अनुदान / आर्थिक सहायता	अनुलग्नक	**2015-2016**	**2014-2015**
(अटल अनुदान एवं आर्थिक सहायता प्राप्त) – एम्स मुख्य के माध्यम से			
1) केन्द्र सरकार		-	-
राजस्व सामान्य (योजना)			
(ii) सहायता अनुदान (वेतन)		400973000	375700000
(iii) सहायता अनुदान (सामान्य)	**10**	72200785	34805882
			1534000000
गैर – योजना			
(iii) सहायता अनुदान (सामान्य)		300000000	
(ii) सहायता अनुदान (वेतन)		1340000000	
2) राज्य सरकार / सरकारें			0
3) सरकारी एजेंसियां		0	0
4) संस्थाएं / कल्याण निकाय		0	0
5) अंतरराष्ट्रीय संगठन		0	0
6) अन्य (विशेष)		0	0
कुल	**-**	**2113173785**	**1944505882**

ह./–
वित्त एवं मुख्य लेखा अधिकारी (हृ. तं. केंद्र)

हृद वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केंद्र

दिनांक 31.03.2016 को समाप्त अवधि / वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 15 – फीस / अभिदान	2015-2016	2014-2015
1) प्रवेश शुल्क	-	-
2) वार्षिक फीस / अभिदान	-	-
3) सेमिनार / प्रोग्राम फीस	-	-
4) परामर्श फीस	-	-
5) टेंडर फीस	-	-
कुल	-	-
टिप्पणी : प्रत्येक मद के लिए लेखा नीतियां प्रकट की जाती हैं		

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 16 – निवेश से आय	उद्दिष्ट निधि से निवेश		निवेश अन्य	
(निधि में अंतरित उद्दिष्ट / विन्यास निधि के निवेश पर आय)	2015-2016	2014-2015	2015-2016	2014-2015
1) ब्याज				
क) सरकारी जमानतों पर	-	-	-	-
ख) अन्य बॉन्ड्स / डिबेंचर्स	-	-	-	-
2) लाभांश				
क) शेयरों पर	-	-	-	-
ख) पारस्परिक निधि जमानतों पर	-	-	-	-
3. किराया	-	-	-	-
4) अन्य (विशेष)	-	-	-	-
कुल	-	-	-	-
टिप्पणी : उद्दिष्ट / विन्यास निधि में अंतरित				

ह./–

वित्त एवं मुख्य लेखा अधिकारी (हृ. तं. केंद्र)

हृद वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केंद्र

दिनांक 31.03.2016 को समाप्त अवधि / वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 17 – रॉयल्टी, प्रकाशन आदि से आय	अनुलग्नक	2015-2016	2014-2015
1) रॉयल्टी से आय		-	-
2) प्रकाशन से आय		-	-
3) अन्य (विशेष)		-	-
कुल		-	-

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 18 – ब्याज अर्जित	अनुलग्नक	2015-2016	2014-2015
1) अवधि जमा पर			
क) अनुसूचित बैंक के पास (हृ. तं. केंद्र मुख्य)		12570374	14141283
अनुसूचित बैंक के पास (गामा नाइफ)		10201356	9981684
अनुसूचित बैंक के पास (एंजियो ग्राफी रोगी खाता)		9711422	8363964
अनुसूचित बैंक के पास (सी. टी. रोगी खाता)		687320	311669
अनुसूचित बैंक के पास (तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता)		3066041	615753
ख) गैर – अनुसूचित बैंक के पास		0	0
ग) संस्थाओं के पास		0	0
घ) अन्य		0	
2) बचत खाते पर			
क) अनुसूचित बैंक के पास		0	0
ख) गैर – अनुसूचित बैंक के पास		0	0
ग) संस्थाओं के पास		0	0

घ) अन्य		0	0
3) ऋणों पर			
क) कर्मचारीगण / स्टाफ	**11**	1925947	0
ख) अन्य		0	0
4) देनदारों एवं अन्य प्राप्त करने योग्य पर ब्याज		0	0
कुल		**38162460**	**33414353**
टिप्पणी : दर्शाये गए स्रोतों पर कटौति की गई			

ह./–
वित्त एवं मुख्य लेखा अधिकारी (हृ. तं. केंद्र)

हृद वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केंद्र

दिनांक 31.03.2016 को समाप्त अवधि / वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 19 – अन्य आय	अनुलग्नक	2015-2016	2014-2015
1) विक्रय / परिसंपत्ति निपटाने पर लाभ			
क) निजी परिसंपत्ति		0	0
ख) अनुदान अथवा निशुल्क प्राप्त में से अर्जित परिसंपत्ति		0	0
2) निर्यात प्रोत्साहन वसूली			
क) परिसमाप क्षति		0	0
3) विविध सेवाओं के लिए फीस		0	0
4) विविध प्राप्ति	**12**	1077484	13040630
5) लाइसेंस फीस वसूली		1398729	
कुल		**2476213**	**13040630**

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 20 – समाप्त चल संपत्ति एवं कार्य – प्रगति के भंडार में वृद्धि / (कमी)	अनुलग्नक	2015-2016	2014-2015
क) बंद भंडार			
समाप्त चल संपत्ति		0	0
कार्य – प्रगति		0	0
ख) न्यून : अथ भंडार			
समाप्त चल संपत्ति		0	0
कार्य – प्रगति		0	0
शुद्ध वृद्धि / (कमी) (क–ख)		0	0

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 21 – स्थापना व्यय	अनुलग्नक	2015-2016	2014-2015
क) वेतन एवं मजदूरी (योजना)		400973043	375637573
ख) वेतन एवं मजदूरी (गैर – योजना)	13	1271503521	1203866944
ग) भविष्य निधि के लिए अंशदान			
घ) अन्य निधि के लिए अंशदान (एन.पी.एस.)		51135814	30053247
ङ) स्टाफ कल्याण व्यय		0	0
च) कर्मचारीगण सेवानिवृत्ति एवं सेवांत हितलाभ पर व्यय		0	0
छ) यात्रा एवं वाहन व्यय	14	5465148	3398491
ज) अन्य (विशेष)		0	0
कुल		**1729077526**	**1612956255**

ह./–
वित्त एवं मुख्य लेखा अधिकारी (हृ. तं. केंद्र)

हृद वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केंद्र

दिनांक 31.03.2016 को समाप्त अवधि / वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 22 – अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	अनुलग्नक	2015-2016	2014-2015
श्रम एवं संसाधन व्यय		-	-
गाड़ी भाड़ा एवं आवक वाहन		-	-
कार्यालय अनुरक्षण व्यय	**16**	9323271	9728256
जल प्रभार		0	
सर्जरी एवं डिस्पोजल			
भवन की मरम्मत एवं अनुरक्षण		32005824	41251891
मशीनरी की मरम्मत एवं अनुरक्षण		4637983	3210104
वाहन चालू एवं अनुरक्षण			
डाक, दूरभाष एवं संचार प्रभार			
मुद्रण एवं लेखन सामग्री			
सेमिनार / कार्यशाला पर व्यय			
प्रतिनिधिमंडल शुल्क			
हृद – प्रक्रिया – बी. पी. एल.			
फीस प्रक्रिया हेतु हृद विज्ञान			
व्यवसायिक प्रभार			
पैकिंग प्रभार			
भार एवं अग्रेषण व्यय			
वितरण व्यय			
विज्ञापन एवं प्रचार			
एनएससी निर्धन रोगी		1738590	1263904

उपभोज्य एवं मशीनरी एवं उपकरण के लिए प्रयोग किये गए रिजेंट का व्यय		38912083	
व्यवसायिक प्रभार			
प्रतिभूति सेवाएं		27243562	
बाहरी श्रमशक्ति प्रभार		30592854	0
स्वच्छता सेवा		30919234	29765831
निर्धन / बीपीएल रोगी उपचार व्यय (एंजियो रोगी खाता)		1147756	2964715
निशुल्क प्रक्रिया (एंजियो रोगी खाता)		23281195	
निर्धन / बीपीएल रोगी उपचार व्यय (सी. टी. रोगी खाता)		7468372	19774859
निर्धन / बीपीएल रोगी उपचार व्यय (तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता)		2782983	1955574
एम्स सी. टी. रोगी खाता में अंतरण (वर्ष 2014–15)			20000000
अन्य (विशेष)			
कुल		**210053707**	**129915134**

ह./–
वित्त एवं मुख्य लेखा अधिकारी (हृ. तं. केंद्र)

हृद वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केंद्र

दिनांक 31.03.2016 को समाप्त अवधि / वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 23 – सामग्री एवं आपूर्ति	अनुलग्नक	**2015-2016**	**2014-2015**
सामग्री एवं आपूर्ति	**15**	257058462	337917363
सामग्री एवं आपूर्ति (गामा नाइफ)		1988522	988793
सामग्री एवं आपूर्ति (एंजियो रोगी खाता)		181225596	193590583
सामग्री एवं आपूर्ति (सी. टी. रोगी खाता)		230442963	256171137
एम्स हृद तंत्रिका केंद्र खाते में अंतरित सामग्री एवं आपूर्ति (तंत्रिका सर्जरी खाता)		71017535	82090469
सामग्री एवं आपूर्ति (ओआरबीओ)		39725	39920
कुल		**741772803**	**870798265**

ह./–

वित्त एवं मुख्य लेखा अधिकारी (हृ. तं. केंद्र)

हृद वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केंद्र

दिनांक 31.03.2016 को समाप्त अवधि /वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 24 – अनुदान, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय	2015-2016	2014-2015
क) संस्थाओं / संगठनों को दिये गए अनुदान	-	-
ख) संस्थाओं / संगठनों को दी गई आर्थिक सहायता	-	-
कुल	**-**	**-**
टिप्पणी : अनुदान / आर्थिक सहायता राशि के साथ सत्ताओं के नाम, उनकी गतिविधियां प्रकट की जाती हैं।		

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 25 – ब्याज एवं वित्तीय व्यय	2015-2016	2014-2015
क) स्थायी ऋणों पर	-	-
ख) अन्य ऋणों पर (बैंक प्रभार पर)	-	-
ग) बैंक प्रभार (हृ. तं. कें. मुख्य)	14734	
ग) बैंक प्रभार (गामा नाईफ)	1984	
ग) बैंक प्रभार (एंजियो रोगी खाता)	9453	11738
ग) बैंक प्रभार (सी. टी. रोगी खाता)	11711	13619
ग) बैंक प्रभार (तंत्रिका सर्जरी खाता)	7338	5446
ग) बैंक प्रभार (निर्धन रोगी खाता)	630	
घ) अन्य (विशेष)	0	0
कुल	**45849**	**30803**

ह./–

वित्त एवं मुख्य लेखा अधिकारी (हृ. तं. केंद्र)

हृद वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केंद्र (समेकित)
दिनांक 31.03.2016 को समाप्त वर्ष हेतु प्राप्ति एवं भुगतान

प्राप्तियां	2015-16	2014-15	भुगतान	2015-16	2014-15
I. अथशेष			**I.** व्यय		
क) नकद राशि	61000	61000	क) स्थापना व्यय (अनुसूची 21 में संगत)	1729077526	1582903008
ख) बैंक शेष	0	0	ख) प्रशासनिक व्यय (अनुसूची 22 में संगत)	210054707	109918634
(i) चालू खाते में			सामग्री एवं आपूर्ति (अनुसूची 23 में संगत)	741772803	871158265
हृ. तं. कें. मुख्य	59783863	86827399			
गामा नाइफ	116772660	75191121			
एंजियो रोगी खाता	25556493	76524727			
न्यूरो सर्जरी रोगी खाता	2995284	29219234			
सी. टी. रोगी खाता	23177532	29043470			
एम्स न्यूरो साईंस निर्धन रोगी खाता	210162	161132			
(ii) जमा खाते में	0	0			0
(iii) बचत खाते में	0	0			0
		0			0
ग) सावधि जमा		0			0
सावधि जमा (गामा नाइफ)	70000000	70000000			0
सावधि जमा (एंजियो रोगी खाता)	109800000	59800000			
सावधि जमा (तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता)	31800000	15900000			
II. अनुदान प्राप्त	0		**II.** विभिन्न परियोजनाओं हेतु निधि से किया गया भुगतान		0
क) भारत सरकार से – एम्स मुख्य के माध्यम से	0				0
पूंजी (परिसंपत्ति नई)					
(i) सहायता अनुदान (योजना)	218000000	279200000			

राजस्व सामान्य (योजना)			**II.** विभिन्न परियोजनाओं हेतु निधि से किया गया भुगतान		
(ii) सहायता अनुदान (वेतन)	400973000	375700000			0
(iii सहायता अनुदान (सामान्य)	190000000	110000000			0
गैर योजना					
(iii सहायता अनुदान (सामान्य)	300000000				
(ii) सहायता अनुदान (वेतन)	1340000000	1534000000			
ख) राज्य सरकार से	0				
ग) अन्य स्रोतों से (विवरण)	0				
(अलग से दर्शाने के लिए पूंजी एवं राजस्व व्यय हेतु अनुदान)	0				
III. निवेश पर आय से	0		**III.** निवेश एवं जमा किया गया		
क) उद्दिष्ट / विन्यास निधि			क) उद्दिष्ट / विन्यास निधि में से		
ख) आवर्ती निधि			ख) आवर्ती निधि		
i) रक्त जांच / प्रयोगशाला जांच	10941260	11230090	i) रक्त जांच / प्रयोगशाला जांच	3250	10147122
ii) हृद जांच	4952640	4933780	ii) हृद जांच	757927	645803
iii) स्ट्रेस थैलियम	4097000	3539250	iii) स्ट्रेस थैलियम	5807292	3892526
IV) तंत्रिका विज्ञान रोगी निधि	19810499	20333934	IV) तंत्रिका विज्ञान रोगी निधि	21167254	9838704
V) एम.आर.आई. प्रभार	3102000	2200400	V) एम.आर.आई. प्रभार	303950	1459570
ग) निजी निधि (अन्य निवेश)	0		ग) निजी निधि में से (निवेश – अन्य)		
IV. ब्याज प्राप्त	0		**IV.** स्थायी परिसंपत्ति एवं पूंजीगत		
क) बैंक जमा पर (हृ. तं. कें. मुख्य)	12570374	14141283	कार्य प्रगति पर व्यय		
बैंक जमा पर (गामा नाइफ)	10201356	9981684	क) स्थायी परिसंपत्ति की खरीद	214289427	486182836
बैंक जमा पर (एंजियो रोगी खाता)	9711422	8363964	ख) पूंजीगत कार्य प्रगति पर व्यय		
बैंक जमा पर (तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता)	3066041	615753	ग) साख पत्र (मशीनरी एवं उपकरण)	58429787	
बैंक जमा पर (सी. टी. रोगी खाता)	687320	311669	**V.** अधिशेष राशि / ऋणों की वापसी		
ख) ऋण एवं अग्रिम आदि	1925947		क) भारत सरकार को		
			ख) राज्य सरकार को		

V. अन्य आय	0		ग) निधि उपलब्ध कराने वाले अन्य को		
विविध आय	1398729	1174005	**VI.** वित्त प्रभार (ब्याज)		
VI. उधार दी गई राशि	0		बैंक प्रभार (हृ. तं. कें. मुख्य)	14734	
			बैंक प्रभार (गामा नाइफ)	1983.5	
			बैंक प्रभार (एंजियो रोगी खाता)	9452.67	11738
			बैंक प्रभार (तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता)	7338	5446
			बैंक प्रभार (सी. टी. रोगी खाता)	11711.38	13619
			बैंक प्रभार (एम्स तंत्रिका विज्ञान निर्धन रोगी खाता)	630	255
VII. कोई अन्य प्राप्तियां (विवरण दें)	0		**VII.** अन्य भुगतान (विशेष)		
क) दान / अनुदान	310000	452700	दान/ अनुदान		
ख) बयाना राशि जमा	9116500	6947000	बयाना राशि जमा	4991000	3726935
ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसंपत्ति	0		ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसंपत्ति		
कंप्यूटर अग्रिम	935700	711600	कंप्यूटर अग्रिम	720000	660000
वाहन अग्रिम	430396	369338	वाहन अग्रिम	330000	150000
त्योहार अग्रिम	1776620	1344824	त्योहार अग्रिम	1723500	1642500
भवन निर्माण अग्रिम	926420	769110	भवन निर्माण अग्रिम	0	
रिटर्न आर.टी.जी.एस.	22827163	32954726	रिटर्न आर.टी.जी.एस.	23461775	32241862
रोगी उपचार (सी.जी.एच.एस.)	1027463	36690	रोगी उपचार (सी.जी.एच.एस.)		439997
तंत्रिका विज्ञान रोगी से निधि का अंतरण	3542779		तंत्रिका विज्ञान रोगी से निधि का अंतरण	3542779	
विविध प्राप्ति	1077484	9037577	डी.ए.वी.पी. को भुगतान किया गया अग्रिम	2775672	
सीमा शुल्क	1500000		सीमा शुल्क	15000000	
कर्मचारी वसूली	430066570	371000043	कर्मचारी वसूली	430063420	401057200
इंजीनियरिंग से वसूली	6171278				
अस्पताल प्राप्ति (सी. टी. रोगी खाता)	54591737	48576398			
अस्पताल प्राप्ति (गामा नाइफ)	30139961	32588648			
अस्पताल प्राप्ति (एंजियो रोगी खाता)	176956060	207234838			
अस्पताल प्राप्ति (एम्स तंत्रिका विज्ञान निर्धन रोगी खाता)		52785			
एम्स सी एन सी से प्राप्त अनुदान (एंजियो	1147756		एंजियो रोगी खाते में अंतरित अनुदान	1147756	

रोगी खाता)					
एम्स सी एन सी से प्राप्त अनुदान (सी. टी. रोगी खाता)	7468372		सी. टी. रोगी खाते में अंतरित अनुदान	7468372	
एम्स सी एन सी से प्राप्त अनुदान (तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता)	2782983		तंत्रिका सर्जरी रोगी खाते में अंतरित अनुदान	2782983	
अस्पताल प्राप्ति (तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता)	78470847	73111786	एम्स सी. टी. रोगी खाते में अंतरित (एंजियो रोगी खाता)		20000000
अस्पताल प्राप्ति (सी. टी. रोगी खाता)	246358459	269782008	**VIII.** अंतशेष		
वापस एवं वसूली		2829048	क) नकद राशि	61000	61000
टी. डी. आर.		100000000	ख) बैंक शेष	0	
			(i) चालू खाते में (सी. एन. सी. मुख्य)		
			सी. एन. सी. मुख्य	145525430	59783863
			गामा नाइफ	55123471.5	116772660
			एंजियो रोगी खाता	7707731.33	25556493
			तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता	13507299.34	2995284
			सी. टी. रोगी खाता	39768636.33	23177532
			एम्स तंत्रिका विज्ञान निर्धन रोगी खाता	208532	210162
			ii) जमा खाते में		
			iii) बचत खाते में	0	
			ग) सावधि जमा		
			सावधि जमा (गामा नाइफ)	170000000	70000000
			सावधि जमा (एंजियो रोगी खाता)	109800000	109800000
			सावधि जमा (तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता)	31800000	31800000
कुल	**4049219130**	**3976253014**	कुल	**4049219130**	**3976253014**

ह./–
वित्त एवं मुख्य लेखा अधिकारी (हृ. तं. केंद्र)

ह./–
वित्त सलाहकार

डॉ. बी. आर. अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल

दिनांक 31 मार्च, 2016 के अनुसार तुलन – पत्र

(राशि रुपयों में)

समग्र / पूंजीगत निधि एवं देयताएं	अनुसूची	**2015-2016**	**2014-2015**
समग्र / पूंजी निधि	**1**	2304526381	2257956334
रिजर्व और अधिशेष	**2**		0
उद्दिष्ट / विन्यास निधि	**3**	72338093	67,848,570
सुरक्षित ऋण एवं आदाता	**4**	0	0
असुरक्षित ऋण एवं आदाता	**5**	0	0
आस्थगित क्रेडिट देयताएं	**6**	.....	......
चालू देयताएं एवं व्यवस्थाएं	**7**	25643323	12577110
कुल		2402507797	2338382014
परिसंपत्ति			
स्थायी परिसंपत्ति	**8**	1977426324	1781127146
निवेश – उद्दिष्ट / विन्यास निधि से	**9**	---	0
निवेश – अन्य	**10**	---	0
चालू परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि	**11**	415541711	511450636
विविध व्यय (आय पर व्यय की अधिकता का शेष) (बट्टे खाते अथवा समायोजित की सीमा तक नहीं)		9539762	45804232
कुल		2402507797	2338382014

ह./–
लेखा अधिकारी

ह./–
वित्त सलाहकार

डॉ. बी. आर. अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल
दिनांक 2015–16 के समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय लेखा

(राशि रुपयों में)

आय	अनुसूची	2015-2016	2014-2015
			0
विक्रय / सेवाओं से आय	12	20172025	0
अनुदान / आर्थिक सहायता	13	918650000	844550000
फीस / अभिदान	14		0
निवेश से आय (अंतरित उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश पर आय)	15		0
रायल्टी, प्रकाशन आदि से आय	16		
अर्जित ब्याज	17	4895285	2947564
अन्य आय	18	0	23847980
समाप्त चल संपत्ति एवं कार्य प्रगति के भंडार में वृद्धि / (कमी)	19		0
कुल (क)		943717310	871345544
व्यय			
स्थापना व्यय	20	531422187	488102752
अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	21	376030653	395339293
अनुदान, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय	22		0
ब्याज	23		0
अवमूल्यन (समाप्त वर्ष – अनुसूची 8 में पत्राचार पर शुद्ध कुल)			0
कुल (ख)		907452840	883442045
व्यय पर आय की अधिकता होने वाला शेष (क–ख)		36264470	-12096501
विशेष रिजर्व में अंतरित (प्रत्येक उल्लेख करें)			

सामान्य रिजर्व में / से अंतरित			0
अधिशेष / (घाटा) होने वाला शेष (आय एवं व्यय में समायोजित)		36264470	-12096501
कुल		**943717310**	**871345544**

ह./–
लेखा अधिकारी

ह./–
वित्त सलाहकार

डॉ. बी. आर. अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल

दिनांक 31 मार्च, 2016 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची – 1 – समग्र / पूंजीगत निधि :	2015-2016		2014-2015	
वर्ष के प्रारंभ के अनुसार शेष		2257956334		1793378811
जमा : समग्र / पूंजीगत निधि के लिए अंशदान	68000000		491120000	
न्यून : मशीनरी एवं उपकरण निराकृत	21429953		21339835	
न्यून : पूंजी में परिणत अधिक	0		5202642	
जमा / (कटौती) : शुद्ध आय / (व्यय) का शेष	0		0	
आय एवं व्यय लेखा से अंतरित		46570047	0	464577523
वर्ष के अंत तक के अनुसार शेष		**2304526381**		**2257956334**

	2015-2016		2014-2015	
अनुसूची 2 – रिजर्व एवं अधिशेष :				
1. पूंजीगत रिजर्व :	....		....	
अंतिम लेखा के अनुसार	....		....	
वर्ष के दौरान अतिरिक्त	(...)		(...)	
न्यून : वर्ष के दौरान कटौतियां	______	....	______	......
2. पुर्नमूल्यांकन रिजर्व :	.....		.....	
अंतिम लेखा के अनुसार	....		....	
वर्ष के दौरान अतिरिक्त	(...)		(...)	
न्यून : वर्ष के दौरान कटौतियां	______	......	______	......
3. विशेष रिजर्व :	.....		.....	

अंतिम लेखा के अनुसार	.....		.....	
वर्ष के दौरान अतिरिक्त	(...)		(...)	
न्यून : वर्ष के दौरान कटौतियां	———	.....	———	.....
4. <u>सामान्य रिजर्व :</u>	....		....	
अंतिम लेखा के अनुसार	0		....	
वर्ष के दौरान अतिरिक्त	0		(....)	
न्यून : वर्ष के दौरान कटौतियां	————	....	————	....
		0		......
कुल		0		0

ह./—

ह./—

डॉ. बी. आर. अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल
दिनांक 31 मार्च, 2016 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 3 – उद्दिष्ट / विन्यास निधि	निधि – अनुसार विवरण					कुल	
	आर. टी. आवर्ती निधि	चिकित्सा अर्बुद विज्ञान आवर्ती निधि	निर्धन रोगी खाता निधि	रोगी उपचार खाता निधि	एच. एम. सी. पी. एफ.	**2015-2016**	**2014-2015**
क) निधि का अथशेष	548888	1447639	568341	69202367	2081335	73848570	67187828
ख) निधि में जमा :							
i दान / अनुदान	2255250	523500	2655440	70813060	4367	76251617	55099444
ii निधि खाते में किये गए निवेश से आय	0	0				0	
iii अन्य जमा (उल्लेख करें प्रकृति)			518954	16333264	996	16853214	2170051
कुल (क+ख)	**2804138**	**1971139**	**3742735**	**156348691**	**2086698**	**166953401**	**124457323**
क) निधि के उद्देश्यों के लिए उपयोग / व्यय							
i पूंजीगत व्यय	0	0					
- स्थायी परिसंपत्ति	0	0					
- अन्य	96920	0	1774392	90668207	2075789	94615308	50608753
कुल	**96920**	**0**	**1774392**	**90668207**	**2075789**	**94615308**	**50608753**
ii राजस्व व्यय	0	0				0	
- वेतन, मजदूरी एवं भत्ते आदि	0	0				0	

- किराया	0	0				0	
- अन्य प्रशासनिक व्यय कुल	**0**	**0**				**0**	**0**
कुल (ग)	**96920**	**0**	**1774392**	**90668207**	**2075789**	**94615308**	**50608753**
समाप्त वर्ष तक के अनुसार शुद्ध शेष (क+ख+ग)	2707218	1971139	1968343	65680484	10909	72338093	73848570

ह./–

ह./–

डॉ. बी. आर. अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल

दिनांक 31 मार्च, 2016 तक के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 4 – सुरक्षित ऋण एवं आदाता :	2015-2016		2014-2015	
			.....	
1. केंद्र सरकार			......	
2. राज्य सरकार (उल्लिखित)				
3. वित्तीय संस्थाएं		.....		
क) अवधि ऋण		.....		
ख) ब्याज प्रोद्भूत एवं देय		________	......	
		......		
4. बैंक :		....		
क) अवधि ऋण		......	......	
– ब्याज प्रोद्भूत एवं देय		....	......	
ख) अन्य ऋण (उल्लिखित)		________	......	
– ब्याज प्रोद्भूत एवं देय			....	
5. अन्य संस्थाएं एवं एजेंसियां			......	
6. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स				
7. अन्य (उल्लिखित)				
कुल				

टिप्पणी : एक वर्ष के भीतर देय राशि

ह./– ह./–

डॉ. बी. आर. अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल

दिनांक 31 मार्च, 2016 तक के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 5 – असुरक्षित ऋण एवं आदाता :	**2015-2016**	**2014-2015**
	...	.....
	....	.....
1. केंद्र सरकार	....	.....
2. राज्य सरकार (उल्लिखित)	....	.....
3. वित्तीय संस्थाएं	.....	
4. बैंक :		
क) अवधि ऋण	.....	....
ख) अन्य ऋण (उल्लिखित)	...	....
5. अन्य संस्थाएं एवं एजेंसियां	......	....
6. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स	......	.....
7. सावधि जमा	.....	.....
8. अन्य (उल्लिखित)	.....	......
कुल		
टिप्पणी : एक वर्ष के भीतर देय राशि		

अनुसूची 6 – आस्थगित क्रेडिट देयताएं :	2015-2016	2014-2015
क) पूंजीगत उपकरण एवं अन्य परिसंपत्ति के आडमान द्वारा प्रतिभूति स्वीकृतियां ख) अन्य	.....	.....
कुल	.....	......
टिप्पणी : एक वर्ष के भीतर देय राशि	- -	- -

ह./–

ह./–

डॉ. बी. आर. अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल

दिनांक 31 मार्च, 2016 तक के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 7 – चालू देयताएं एवं व्यवस्थाएं	2015-2016		2014-2015	
क. चालू देयताएं				
1. स्वीकृति				
2. विविध ऋणदाता :				
क) चल संपत्ति के लिए		......		......
ख) अन्य	.....		.....	
3. प्राप्त किये गए अग्रिम	.....	.....	.....	.....
4. ब्याज प्रोद्भूत परन्तु देय पर नहीं :		.....		.....
क) सुरक्षित ऋण / आदाता				
ख) असुरक्षित ऋण / आदाता	.....		.....	
	....		....	
5. सांविधिक देयताएं :				
क) अतिदेय				.....
ख) अन्य	.....	1645220	.....	
6. अन्य चालू देयताएं				
क) बैंक ओवर ड्राफ्ट (रोकड़ पुस्तक के अनुसार)	21717283		6363090	
ख) ईएमडी / जमानत जमा	2280820		214020	
ग) एफडीआर जारी	0	23998103	6000000	12577110
कुल (क)		**25643323**		**12577110**
क. व्यवस्थाएं		.....		0
1. कराधान हेतु				

2. उपदान 3. अधिवर्षिता / पेंशन 4. संचित अवकाश नकदी 5. ट्रेड वारंटी / दावा अन्य (उल्लिखित)		....		 0
कुल (ख)		.....		0
कुल (क+ख)		**25643323**		**12577110**

ह./–

ह./–

डॉ. बी. आर. अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल
दिनांक 31 मार्च, 2016 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 8 – स्थायी परिसंपत्ति

विवरण	सकल ब्लॉक				अवमूल्यन				शुद्ध ब्लॉक	
	वर्ष के प्रारंभ के अनुसार लागत / मूल्यांकन	वर्ष के दौरान जमा	वर्ष के दौरान कटौतियां	वर्ष समाप्ति पर लागत / मूल्यांकन	वर्ष के प्रारंभ के अनुसार	वर्ष के दौरान जमा पर	वर्ष के दौरान कटौतियों पर	वर्ष की समाप्ति तक कुल	**2015-2016**	**2014-2015**
क. स्थायी परिसंपत्ति :										
1. भूमि :										
क) पूर्ण स्वामित्व										
ख) पट्टे पर										
2. भवन :										
क) पूर्ण स्वामित्व भूमि पर	339060768			339060768				0	339060768	339060768
ख) पट्टे वाली भूमि पर										
ग) स्वामित्व फ्लैट / परिसर										
घ) भूमि पर अधिरचना सत्ता से संबंधित नहीं										
3. संयंत्र मशीनरी एवं उपकरण	1428526697	217729131	21429953	1624825875				0	1624825875	1428526697
4. वाहन	2699309	0		2699309				0	2699309	2699309
5. फर्नीचर, उपस्कर	10840372			10840372				0	10840372	10840372
6. कार्यालय उपकरण										
7. कंप्यूटर / पेरीफेरल										

8. विद्युत संस्थापन 9. पुस्तकालय पुस्तकें 10. ट्यूबवेल एवं जल आपूर्ति 11. अन्य स्थायी परिसंपत्ति										
चालू वर्ष का कुल	**1781127146**	**217729131**	**21429953**	**1977426324**	**0**	**0**	**0**	**0**	**1977426324**	**1781127146**
पिछले वर्ष	1677208740	130460883	26542477	1781127146					1781127146	1677208740
ख. पूंजीगत कार्य प्रगति	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**
कुल	**1781127146**	**217729131**	**21429953**	**1977426324**	**0**	**0**	**0**	**0**	**1977426324**	**1781127146**

ह./—

ह./—

डॉ. बी. आर. अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल

दिनांक 31 मार्च, 2016 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 9 – उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश	2015-2016	2014-2015
1. सरकारी प्रतिभूतियों में	....	
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	....	
3. शेयर	....	
4. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स	.....	
5. आर्थिक सहायता एवं संयुक्त उद्यम	....	
6. अन्य (उल्लेख करें)	.....	
कुल	.....	

अनुसूची 10 – निवेश – अन्य	2015-2016	2014-2015
	....	
1. सरकारी प्रतिभूतियों में	....	
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	....	
3. शेयर	.....	
4. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स	....	
5. आर्थिक सहायता एवं संयुक्त उद्यम	....	
6. अन्य (उल्लेख करें)	....	
कुल	.....	

ह./–　　　　　　　　　　　　ह./–

डॉ. बी. आर. अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल
दिनांक 31 मार्च, 2016 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 11 – चालू परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि	2015-2016		2014-2015	
क. चालू परिसंपत्ति :				
1. इन्वेंटर :				
क) भंडार एवं स्पेयर्स	0		0	
ख) खुले औजार	0		0	
ग) स्टॉक–इन–ट्रेड				
समाप्त चल संपत्ति	0		0	
कार्य–प्रगति	0		0	
कच्चा माल	0	0	0	0
2. विविध देनदार :				
क) छः माह से अधिक अवधि के लिए बकाया ऋण	0		0	
ख) अन्य	61659736	61659736	71852043	71852043
3. नकद राशि शेष (चैक / ड्राफ्ट एवं अग्रदाय सहित)				
4. बैंक शेष :				
क) अनुसूचित बैंकों के पास :				
– चालू खाते में			0	
– जमा खाते में (मार्जिन राशि सहित)	26000000		0	
– बचत खाते में	0		0	
ख) गैर–अनुसूचित बैंकों के पास :				

– चालू खाते में	0		0	
– जमा खाते में	0		0	
– बचत खाते में	0		0	
5. डाक घर बचत खाता	0	26000000	0	0
कुल (क)		87659736		71852043

ह./–

ह./–

डॉ. बी. आर. अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल

दिनांक 31 मार्च, 2016 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 11 – चालू परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि (जारी..)	2015-2016		2014-2015	
ख. ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसंपत्ति				
1. ऋण				
क) स्टाफ	547265		652541	
ख) सत्ता के उस सदृश गतिविधियों / उद्देश्यों में लगी हुई अन्य सत्ताएं	0		0	
ग) अन्य (उल्लिखित)	0	547265	0	652541
2. अग्रिम एवं अन्य नकद वसूलनीय राशि में अथवा माल के रूप में अथवा प्राप्त होने के लिए मूल्य हेतु :				
क) पूंजीगत खाते में	2626000		2626000	
ख) एन.डी.एम.सी.	324708710		436320052	
ग) अन्य	0	327334710	0	438946052
3. आय प्रोद्भूत :				
क) उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश पर	0		0	
ख) निवेश – अन्य पर	0		0	
ग) ऋण एवं अग्रिम पर	0		0	
घ) अन्य	0		0	
(अवसूली देय रु. .... की आय शामिल है)				
4. दावा वसूलनीय :	0	0	0	0
कुल (ख)		**327881975**		**439598593**
कुल (क+ख)		**415541711**		**511450636**

ह./–

ह./–

डॉ. बी. आर. अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल

वर्ष 2015–16 की समाप्ति हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 12 – विक्रय / सेवाओं से आय	**2015-2016**	**2014-2015**
1) विक्रय से आय		
क) समाप्त चल संपत्ति का विक्रय		
ख) कच्चे माल का विक्रय		
ग) रद्दी की बिक्री		
2) सेवाओं से आय		
क) अस्पताल प्राप्तियां	20172025	23847980
ख) व्यवसायिक / परामर्श सेवाएं		
ग) एजेंसी कमीशन एवं दलाली		
घ) अनुरक्षण सेवाएं (उपकरण / उचित रूप से)		
ङ) अन्य (उल्लिखित)		
कुल	**20172025**	**23847980**

अनुसूची 13 – अनुदान / आर्थिक सहायता	**2015-2016**	**2014-2015**
(प्राप्त अटल अनुदान एवं प्राप्त आर्थिक सहायता)		
1. केन्द्र सरकार	918650000	844550000
2. राज्य सरकार		
3. सरकारी एजेंसियां		

4. संस्थाएं / कल्याण निकाय 5. अंतरराष्ट्रीय संगठन 6. अन्य (उल्लिखित)		
<u>कुल</u>	**918650000**	**844550000**

ह./–

ह./–

डॉ. बी. आर. अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल

वर्ष 2015–16 की समाप्ति हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 14 – फीस / अभिदान	**2015-2016**	**2014-2015**
1) प्रवेश शुल्क 2) वार्षिक फीस / अभिदान 3) सेमिनार / प्रोग्राम फीस 4) परामर्श फीस 5) अन्य (उल्लिखित)		
कुल		
टिप्पणी : प्रत्येक मद के लिए लेखा नीतियां प्रकट की जाती हैं।		

अनुसूची 15 – निवेश से आय (निधि में अंतरित उद्दिष्ट / विन्यास निधि के निवेश पर आय)	उद्दिष्ट निधि से निवेश		निवेश – अन्य	
	2015-2016	**2014-2015**	**2015-2016**	**2014-2015**
1) ब्याज				
क) सरकारी जमानत पर	....	.....	.....	....
ख) अन्य बॉन्ड्स / डिबेंचर्स	.....	.....	.....	.....
2) लाभांश				
क) शेयरों पर	.....	.....	.....	.....
ख) म्यूचुअल निधि जमानत पर	.....	.....	.....	.....

3. किराया 4) अन्य (उल्लिखित)	.....	.....	....	.....
<u>कुल</u>				
उद्दिष्ट / विन्यास निधि में अंतरित				

ह./—

ह./—

डॉ. बी. आर. अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल
समाप्त वर्ष 2015–16 हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 16 – रॉयल्टी, प्रकाशन आदि से आय	2015-2016	2014-2015
1) रॉयल्टी से आय		
2) प्रकाशन से आय		
3) अन्य (उल्लिखित)		
कुल		

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 17 – ब्याज अर्जित	2015-2016	2014-2015
1) अवधि जमा पर :	4895285	2947564
क) अनुसूचित बैंकों के पास		
ख) गैर – अनुसूचित बैंकों के पास		
ग) संस्थाओं के पास		
घ) अन्य		
2) बचत खाते में :		
क) अनुसूचित बैंकों के पास		
ख) गैर – अनुसूचित बैंकों के पास		
ग) डाकघर बचत खाता		
घ) अन्य		
3) ऋणों पर :		
क) कर्मचारीगण / स्टाफ		
ख) अन्य		
4) देनदारों और अन्य वसूलनीय पर ब्याज		

कुल	**4895285**	**2947564**
टिप्पणी : दर्शाये गए स्रोतों पर कर कटौती किया		

ह./–

ह./–

डॉ. बी. आर. अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल

समाप्त वर्ष 2015–16 हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 18 – अन्य आय	**2015-2016**	**2014-2015**
1) परिसंपत्ति के विक्रय / निपटाने पर लाभ : क) निजी परिसंपत्ति ख) अनुदानों में से अर्जित परिसंपत्ति अथवा निशुल्क प्राप्त 2) निर्यात प्रोत्साहन वसूली 3) विविध सेवाओं हेतु फीस 4) विविध		
कुल	0	

अनुसूची 19 – समाप्त चल संपत्ति एवं कार्य – प्रगति के भंडार में वृद्धि / (कमी)	**2015-2016**	**2014-2015**
क) बंद भंडार – समाप्त चल संपत्ति – कार्य – प्रगति ख) न्यून : अथ भंडार – समाप्त चल संपत्ति – कार्य – प्रगति		
शुद्ध वृद्धि / (कमी) (क+ख)		

अनुसूची 20 – स्थापना व्यय	**2015-2016**	**2014-2015**
क) वेतन एवं मजदूरी	522831744	480973482
ख) भत्ते एवं बोनस	8590443	7129270
ग) भविष्य निधि के लिए अंशदान		.....
घ) अन्य निधि के लिए अंशदान (उल्लिखित)	....	.....
ङ) स्टाफ कल्याण व्यय	....	.....
च) कर्मचारीगण सेवानिवृत्ति एवं सेवांत हितलाभ पर व्यय	...	.....
छ) अन्य (उल्लिखित) अग्रिम	.....	.....
कुल	**531422187**	**488102752**

ह./–

ह./–

डॉ. बी. आर. अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल
समाप्त वर्ष 2015–16 हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 21 – अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	2015-2016	2014-2015
क) खरीद		
ख) श्रम एवं संसाधन व्यय		
ग) विद्युत एवं शक्ति		
घ) विद्युत एवं पावर		
ङ) जल प्रभार		
च) बीमा		
छ) मरम्मत एवं अनुरक्षण	42155634	86262723
ज) उत्पाद शुल्क		
झ) किराया, दर एवं कर		
ञ) चालू, वाहन एवं अनुरक्षण		
ट) डाक, दूरभाष एवं संचार प्रभार		
ठ) मुद्रण एवं लेखन सामग्री		
ड) यात्रा एवं वाहन व्यय		
ढ़) सेमिनार / कार्यशालाओं पर व्यय		
ण) अभिदान व्यय		
त) फीस पर व्यय		
थ) लेखा परीक्षक मेहनताना		
द) आतिथ्य व्यय		
ध) व्यवसायिक प्रभार		
न) बुरे एवं संदिग्ध ऋण / अग्रिम के लिए व्यवस्था		
प) अवसूलनीय शेष बट्टे खाते में		
फ) पैकिंग प्रभार		

ब) अन्य (उल्लिखित)		
आकस्मिक बिल	5790595	2651358
सामग्री एवं आपूर्ति	268475538	264143365
श्रमशक्ति का किराया	25950300	33174902
राजस्व सामान्य योजना	11195260	9106945
रीजेंट्स	20270641	
गत वर्ष 2014–15 का समाशोधन एवं अग्रेषण	547465	
इंजी. कार्य की विविध वसूली को एम्स (मुख्य) के लिए दी गई छूट	1645220	
कुल	**376030653**	**395339293**

ह./–

ह./–

डॉ. बी. आर. अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल

समाप्त वर्ष 2015–16 हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 22 – अनुदान, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय	2015-2016	2014-2015
क) संस्थाओं / संगठनों को दिया गया अनुदान ख) संस्थाओं / संगठनों की दी गई आर्थिक सहायता कुल		

टिप्पणी : अनुदानों / आर्थिक सहायताओं की राशि के साथ सत्ताओं के नाम, उनकी गतिविधियों को प्रकट किया जाता है।

-	2015-2016	2014-2015
अनुसूची 23 – ब्याज क) स्थायी ऋण पर ख) अन्य ऋणों पर (बैंक प्रभार सहित) ग) अन्य (उल्लिखित)		
कुल		

ह./–

ह./–

डॉ. बी. आर. अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल

दिनांक 31.03.2016 को समाप्त वर्ष हेतु प्राप्ति एवं भुगतान

(राशि रुपयों में)

प्राप्तियां	2015-2016	2014-2015	भुगतान	2015-2016	2014-2015
I. शेष (अथ)			**I.** व्यय		
क) नकद राशि			क) स्थापना व्यय (अनुसूची 20 में संगत)	531422187	488102752
ख) बैंक शेष			ख) प्रशासनिक व्यय (अनुसूची 21 में संगत)	353567327	395339293
(i) चालू खाता	65488953	65851422			
(ii) जमा खाता			**II.** विभिन्न परियोजनाओं हेतु निधि से किया गया भुगतान		
(iii) बचत खाता			(परियोजना अथवा निधि का नाम प्रत्येक परियोजना हेतु किये गए भुगतान के ब्योरे के साथ दर्शाया जाना चाहिए)		
II. अनुदान प्राप्त किया					
क) भारत सरकार से					....
(i) राज्य सरकार	161550000	574670000	**III.** निवेश एवं जमा किए गए		
(ii) अन्य स्रोत (विवरण)	825100000	761000000	क) उद्दिष्ट / विन्यास निधि में से		
ख) राज्य सरकार से			ख) आवर्ती निधियां		
ग) अन्य स्रोतों से			(i) आर. टी. आवर्ती निधि	96920	565840
(पूंजी एवं राजस्व को अलग अलग दर्शाये जाने हेतु)			(ii) चिकित्सा अर्बुद विज्ञान निधि		
			(iii) निर्धन रोगी खाता	1774392	5286173
III. निवेश पर			(iv) रोगी उपचार खाता	90668207	44256079
क) उद्दिष्ट / विन्यास निधि			(v) एच.एम.सी.पी.एफ. खाता	2075789	500661
ख) आवर्ती निधियां			(vi) आई.सी.एम.आर.	100000	
(i) आर. टी. आवर्ती निधि	2255250	363000	**IV.** स्थायी परिसंपत्ति एवं पूंजीगत कार्य – प्रगति		

			पर व्यय		
(ii) चिकित्सा अर्बुद विज्ञान निधि	523500	71960	क) स्थायी परिसंपत्ति की खरीद	106665254	486109926
(iii) निर्धन रोगी खाता	2655440	806850	ख) पूंजीगत कार्य प्रगति पर व्यय		
(iv) रोगी उपचार खाता	81144505	51996338			
(v) एच.एम.सी.पी.एफ. खाता	4367	2020132	**V.** अधिशेष राशि / ऋण की वापसी		
(vi) आई.सी.एम.आर.	100000	0	क) भारत सरकार को		
ख) निधि (अन्य निवेश)			ख) राज्य सरकार को		
IV. ब्याज प्राप्त किया			ग) निधि उपलब्ध कराने वाले अन्य को		
क) बैंक जमा पर					
ख) ऋण एवं अग्रिम आदि	5417054	4958779	**VI.** वित्त प्रभार (ब्याज)		
V. अन्य आय (उल्लिखित)			**VII.** अन्य भुगतान (उल्लिखित)		
क) दान / अनुदान			क) दान / अनुदान		
ख) ई.एम.डी.	2161800	135000	ख) ई.एम.डी.	95000	60000
ग) ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसंपत्ति			ग) ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसंपत्ति		
(i) वाहन अग्रिम	115333	218516	(i) वाहन अग्रिम	84000	210000
(ii) कंप्यूटर अग्रिम	47993	135400	(ii) कंप्यूटर अग्रिम	30000	
(iii) त्योहार अग्रिम	591450	478800	(iii) त्योहार अग्रिम	535500	634500
घ) अस्पताल प्राप्तियां / विविध प्राप्तियां	20172025	23847980	घ) टी.डी.आर. जारी किये	6000000	6000000
ङ) टी. डी. आर. जारी किया	6000000	6000000	ङ) कर्मचारी से वसूली		
च) कर्मचारी से वसूली			(i) एम्स वसूलियां	11593941	20991764
(i) अ. भा. आ. सं. वसूलियां	11593941	20991764	(ii) बाह्य वसूलियां	126903017	97606430
(ii) बाह्य वसूलियां	126903017	97606430	च) रीजेंट्स	20270641	
VI. राशि उधार					
VII. अन्य प्राप्तियां (विवरण दें)			**VIII.** अंतशेष		
बैंक ओवरड्राफ्ट		6363090	क) नकद राशि		
			ख) बैंक शेष		
			i) चालू खाते में	59942453	71852043
			ii) जमा खाते में		
			बचत खाता		

कुल	1311824628	1617515461	कुल	1311824628	1617515461

ह./–
लेखा अधिकारी

ह./–
वित्त सलाहकार

जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र
दिनांक 31 मार्च, 2016 के अनुसार तुलन – पत्र

(राशि रुपयों में)

समग्र / पूंजीगत निधि एवं देयताएं	अनुसूची	2015-16	2014-15
समग्र / पूंजीगत निधि	1	2817852700	2736479662
रिजर्व एवं अधिशेष	2	127230198	102508040
उद्दिष्ट / विन्यास निधि			
सुरक्षित ऋण एवं आदाता			
असुरक्षित ऋण एवं आदाता			
आस्थगित क्रेडिट देयताएं			
चालू देयताएं एवं व्यवस्थाएं	3	26594895	22312571
कुल		**2971677793**	**2861300273**
परिसंपत्ति		**2015-16**	**2014-15**
स्थायी परिसंपत्ति	4	2749722781	2604053057
निवेश – उद्दिष्ट / विन्यास निधि से			
निवेश – अन्य			
चालू परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि	5	221955012	257247216
विविध व्यय (बट्टे खाते अथवा समायोजित की सीमा तक नहीं)			
कुल		**2971677793**	**2861300273**

ह./–
लेखा अधिकारी

ह./–
वित्त सलाहकार

जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र
दिनांक 31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय लेखा

(राशि रुपयों में)

आय	अनुसूची	2015-16	2014-15
सेवाओं से आय	6	13006046	6637105
अनुदान / आर्थिक सहायता	7	1292206015	1261500000
फीस / अभिदान	8	100368	24070
निवेश से आय (उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश पर आय)			
रायल्टी, प्रकाशन से आय			
ब्याज अर्जित	9	13560528	10546579
अन्य आय			
कुल (क)		**1318872957**	**1278707754**

व्यय	अनुसूची	2015-16	2014-15
स्थापना व्यय	11	701625233	684965271
अन्य प्रशासनिक व्यय	12	592498701	563162602
अनुदान, आर्थिक सहायता पर व्यय			
बैंक प्रभार	13	26865	26725
अवमूल्यन			
कुल (ख)		**1294150799**	**1248154598**
व्यय पर आय की अधिकता से होने वाली शेष (क–ख)		24722158	30553156
विशेष रिजर्व में अंतरित (प्रत्येक उल्लिखित)			
सामान्य रिजर्व में अंतरित			
सामान्य रिजर्व में लाये गए अधिशेष / कमी से होने वाला शेष		**24722158**	**30553156**

ह./–
लेखा अधिकारी

ह./–
वित्त सलाहकार

जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र
दिनांक 31.03.2016 के अनुसार तुलन पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

अनुसूची 1 – समग्र / पूंजीगत निधि		2015-16		2014-15
वर्ष के प्रारंभ के अनुसार शेष	2736479662		2552681196	
जमा : समग्र / पूंजीगत निधि के लिए अंशदान	80958686		183798466	**2736479662**
जमा / (कटौति) : निराकृत पूंजीगत परिसंपत्ति	-7981620			
जमा : एम. पी. एल.ई.डी. निधि	8395972	**2817852700**		
कुल		**2817852700**		**2736479662**

ह./–
लेखा अधिकारी

जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र
दिनांक 31.03.2016 के अनुसार तुलन पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

अनुसूची 2 – रिजर्व एवं अधिशेष		2015-16		2014-15
1. पूंजीगत रिजर्व :				
अंतिम लेखा के अनुसार				
वर्ष के दौरान जमा				
न्यून : वर्ष के दौरान कटौति				
2. पुर्नमूल्यांकन रिजर्व :				
अंतिम लेखा के अनुसार				
वर्ष के दौरान जमा				
न्यून : वर्ष के दौरान कटौति				
3. विशेष रिजर्व :				
अंतिम लेखा के अनुसार				
वर्ष के दौरान जमा				
न्यून : वर्ष के दौरान कटौति				
4. सामान्य रिजर्व :				
अंतिम लेखा के अनुसार	102508040		71954884	
जमा : व्यय पर आय की अधिकता	24722158	**127230198**	30553156	**102508040**
न्यून : वर्ष के दौरान कटौति				
कुल		**127230198**		**102508040**

ह./–
लेखा अधिकारी

जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र

दिनांक 31.03.2016 के अनुसार तुलन पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

अनुसूची – 3 देयताएं एवं व्यवस्थाएं		2015-16		2014-15
चालू देयताएं				
1. स्वीकृतियां				
2. विविध देनदार :				
क) चल संपत्ति हेतु				
ख) अन्य				
i) छूट प्राप्त विविध वसूलियां		2345263		
i) बयाना राशि जमा				
अथ	7739968		3340968	
जमा : वर्ष के दौरान प्राप्त	7116000		6044000	
न्यून : वर्ष के दौरान वापसी	4147000		1645000	
समाप्त वर्ष में ई.एम.डी.		10708968		7739968
3. प्राप्त किये गए अग्रिम				
4. ब्याज प्रोद्भूत परन्तु निम्न पर देय नहीं :				
क) सुरक्षित ऋण / आदाता				
ख) असुरक्षित ऋण / आदाता				
5. सांविधिक देयताएं :				
क) अतिदेय				
ख) अन्य				
i) रोगी खाता				
अथ	10755936		10021313	
जमा – वर्ष के दौरान प्राप्त	2262500		4200555	

न्यून – वर्ष के दौरान वापसी	1974506		3465932	
रोगी खाते का अंतशेष		11043930		10755936
ii) ए.आई.टी.एस.सी.				
अथ	2126860			
जमा – वर्ष के दौरान प्राप्त	3769198		7125000	
न्यून – वर्ष के दौरान वापसी	5095106		4998140	
ए.आई.टी.एस.सी. का अंतशेष		800952		2126860
iii) आर.आई.ए. प्रयोगशाला				
अथ				
जमा – वर्ष के दौरान प्राप्त	8800			
न्यून – वर्ष के दौरान वापस	2825			
आर.आई.ए. प्रयोगशाला का अंतशेष		5975		
iv) ए.टी.एल.एस.		1689807		1689807
व्यवस्थाएं				
1. कराधान				
2. उपदान				
3. अधिवर्षिता / पेंशन				
4. संचित अवकाश नकदी				
5. ट्रेड वारंटी / दावे				
6. अन्य				
कुल		**26594895**		**22312571**

ह./–
लेखा अधिकारी

जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र

दिनांक 31 मार्च, 2016 के अनुसार तुलन पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 4 – स्थायी परिसंपत्ति	अनुलग्नक से	सकल ब्लॉक				अवमूल्यन				शुद्ध ब्लॉक	
		वर्ष के प्रारंभ के अनुसार मूल्यांकन	वर्ष के दौरान जमा	वर्ष के दौरान कटौति	वर्ष समाप्ति पर मूल्यांकन	वर्ष के प्रारंभ के अनुसार	वर्ष के दौरान जमा पर	वर्ष के दौरान कटौति पर	वर्ष की समाप्ति तक कुल	**2015-16**	**2014-15**
1. भूमि :					-				-	-	
क) पूर्ण स्वामित्व		54310794			54310794				0	54310794	54310794
ख) पट्टे पर					0				0	0	
2. भवन :		689076549			689076549				0	689076549	689076549
3. संयंत्र मशीनरी एवं उपकरण		1851199736	143352234	7981620	1986570350				0	1986570350	1851199736
4. वाहन			8395972		8395972				0	8395972	Nil
5. फर्नीचर एवं उपस्कर		9465978	1903138		11369116				0	11369116	9465978
6. कार्यालय उपकरण					0				0	0	
7. कंप्यूटर पेरीफेरल					0				0	0	
8. विद्युत संस्थापन					0				0	0	
9. अन्य स्थायी परिसंपत्ति					0				0	0	
वर्ष 15–16 का कुल		**2604053057**	**153651344**	**7981620**	**2749722781**	**0**	**0**	**0**	**0**	**2749722781**	**2604053057**
वर्ष 14–15 का कुल											**2604053057**

टिप्पणी :–

(i) संयंत्र मशीनरी एवं उपकरण :–

वर्ष के दौरान खरीदे गए मशीनरी एवं उपकरण			58107290
एल.सी. मार्जिन से वर्ष के दौरान मशीनरी की खरीद			84410332
पी.डी.ए. की राशि से खरीदी गई मशीनरी			463155
अनुरक्षण एवं सेवाओं के लिए किया गया अग्रिम भुगतान			371457
वर्ष के दौरान मशीनरी की कुल खरीद			**143352234**

ह./–
लेखा अधिकारी

जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र

दिनांक 31.03.2016 के अनुसार तुलन पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 5 चालू परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम		2015-16		2014-15
1. नकद राशि (चैक / ड्राफ्ट एवं अग्रदाय सहित)				
2. बैंक शेष :				
क) चालू खाता		122626639		94126364
ख) जमा खाता (सावधि जमा)				
3. ऋण :				
क) सत्ता के कर्मचारियों को				
i) त्योहार अग्रिम				
अथशेष	59250		110625	
वर्ष के दौरान किया गया भुगतान	315000		121500	
वर्ष के दौरान वसूल की गई राशि	200250		172875	
त्योहार अग्रिम का अंतशेष		174000		59250
ii) कंप्यूटर अग्रिम				
अथशेष	19000		30000	
वर्ष के दौरान किया गया भुगतान				
वर्ष के दौरान वसूल की गई राशि	12000		11000	
कंप्यूटर अग्रिम का अंतशेष		7000		19000
ख) अन्य को				
4. मशीनरी एवं उपकरण के लिए अग्रिम				
विदेशी खरीद के लिए अग्रिम अथशेष भुगतान	84410332		64769656	
वर्ष के दौरान जमा	20576801		84410332	
न्यून – वर्ष के दौरान अग्रिम समायोजन (स्थायी परिसंपत्ति में अंतरित)	84410332		64769656	84410332
मशीनरी एवं उपकरण के लिए अग्रिम का अंतशेष		20576801		
अग्रिम एम एंड एस विदेशी खरीद		371457		
5. सीमा शुल्क अग्रिम				

अथ अग्रिम	54620915		35781400	
वर्ष के दौरान			26000000	
बंद अग्रिम			7160485	
सीमा शुल्क अग्रिम का अंतशेष		54620915		54620915
6. पी.डी.ए. अग्रिम				
अथशेष	9057675		9302490	
पिछले वर्ष से अथशेष				
वर्ष के दौरान	463155		244815	
पी.डी.ए. अग्रिम का अंतशेष		8594520		9057675
5. अग्रिम एवं अन्य वसूलनीय राशि :				
क) सत्ता के कर्मचारियों से				
ख) अन्य से				
मैसर्स एच.एस.सी.सी.		6500000		6500000
एन.डी.एम.सी.		5979000		5979000
आई.जी.एल.		1304680		1304680
ट्राईजेन		1170000		1170000
आई.जी.एल.		30000		
6. अन्य				
कुल		**221955012**		**257247216**

ह./–
लेखा अधिकारी

जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र
दिनांक 31.03.2016 को समाप्त अवधि / वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

अनुसूची 6 – सेवाओं से आय	**2015-16**	**2014-15**
क) अस्पताल प्राप्तियां	9681068	6111715
ख) अन्य	3324978	525390
कुल	**13006046**	**6637105**

ह./–
लेखा अधिकारी

जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र

दिनांक 31.03.2016 को समाप्त अवधि / वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 7 – अनुदान एवं आर्थिक सहायता	**2015-16**	**2014-15**
क) केन्द्र सरकार से (एम्स मुख्य के माध्यम से)	1292206015	1261500000
ख) अन्य		
कुल	**1292206015**	**1261500000**

ह./–
लेखा अधिकारी

जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र

दिनांक 31.03.2016 को समाप्त अवधि / वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 8 – फीस / अभिदान	2015-16	2014-15
क) अनुलिपि आई.डी. कार्ड फीस	1040	2370
ख) सूचना का अधिकार शुल्क	1828	700
ग) प्रवेश शुल्क		
घ) वार्षिक शुल्क / अभिदान		
ङ) सेमिनार / प्रोग्राम फीस	97500	21000
च) परामर्श शुल्क		
छ) अन्य		
कुल	**100368**	**24070**

ह./–
लेखा अधिकारी

जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र

दिनांक 31.03.2016 को समाप्त अवधि / वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 9 – ब्याज अर्जित	2015-16	2014-15
1. अवधि जमा पर :		
क) सावधि जमा खाता (टी.डी.आर.)	13560528	10546579
ख) अन्य		
कुल	**13560528**	**10546579**

ह./–
लेखा अधिकारी

जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॅामा केंद्र

दिनांक 31.03.2016 को समाप्त अवधि / वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 10 – स्थापना व्यय	2015-16	2014-15
क) वेतन एवं मजदूरी		
बकाया वेतन 101–02–001	8807954	13382849
मूल वेतन 101–02–002	222680512	229593830
महंगाई वेतन 101–02–003	1931090	1680425
प्रतिनियुक्ति वेतन 101–02–004		
वैयक्तिक वेतन 101–02–005	214210	1767674
विशेष वेतन 101–02–006	423277	1314260
ख) भत्ते एवं बोनस		
वार्षिक भत्ता 101–04–002	4419900	4336775
बोनस 101–04–003	1878109	1901413
वाहन भत्ता 101–04–005	34443237	35513383
महंगाई भत्ता 101–04–007	261277225	235272164
महंगाई भत्ता बकाया 101–04–008	6235339	6600148
विकलांग भत्ता 101–04–011	71984	567140
अस्पताल रोगी उपचार भत्ता 101–04–014	3036374	2229001
मकान किराया भत्ता 101–04–015	54998393	53357069
लर्निंग रिसोर्स एलाउंस 101–04–017	2691131	2516083
अवकाश नकदी 101–04–018	889300	126727
यात्रा रियायत अवकाश (एल.टी.सी.) 101–04–019	5115870	3179041
चिकित्सा प्रतिपूर्ति 101–04–020	250956	765453
प्रैक्टिसबंदी भत्ता 101–04–021	16190243	17462450
नर्सिंग भत्ता 101–04–022	26339766	28702987
अधिसमय भत्ता 101–04–023	33393	39476

परिवहन भत्ता 101–04–026	9214933	7895443
यात्रा भत्ता 101–04–027	2409205	1977979
शिक्षण शुल्क भत्ता 101–04–028	5595712	4126587
वर्दी भत्ता 101–04–029	4104029	4776807
धुलाई भत्ता 101–04–030	2821744	2815547
कर्मचारी दूरभाष बिल प्रतिपूर्ति 103–12–003	644247	685464
पुस्तक भत्ता 103–14–001	201000	345000
अन्य भत्ता	24706100	22034096
सकल वेतन	**701625233**	**684965271**

ह./–
लेखा अधिकारी

जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र

दिनांक 31.03.2016 को समाप्त अवधि / वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 11 – अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	**2015-16**	**2014-15**
सामान्य भंडार 102–01–002	4777734	4123397
लिनन एवं लेखन सामग्री भंडार 102–01–003	7119765	6178569
दवाई भंडार 102–01–004	117855105	110373310
एम. एंड एस. उपभोज्य अन्य (उल्लिखित) 102–01–006	87968944	84171268
सर्जिकल भंडार 102–01–005	135924116	112935120
केन्द्रित ट्रॉमा सेवाएं 303–01–002	698821	520586
श्रम शक्ति आउटसोर्सिंग प्रभार 103–27–013	22198656	14778770
सुरक्षा सेवाएं प्रभार 103–27–019	57214439	65038849
प्रतिनिधि मंडल शुल्क 103–14–002	1362298	1166400
विधिक परामर्श हेतु शुल्क 103–14–004	44424	39000
मानदेय 103–14–005	108000	98000
विविध व्यय अन्य 406–01–003	9164793	17131590
समाचार पत्र बिल अभिदान व्यय 103–27–014	23745	30662
डाक, दूरभाष एवं संचार प्रभार – अन्य 103–12–005	75487	13000
दूरभाष व्यय 103–12–004	2035218	2245462
चालू वाहन एवं अनुरक्षण अस्पताल 103–26–001	421700	475723
पेट्रोल, तेल एवं लुबरीकैंट्स 103–27–016	21182186	17198951
जल प्रभार 103–04–001	13336241	15764612
विद्युत एवं शक्ति व्यय 103–02–001	64157336	69011858
रिप. एवं अनुरक्षण अन्य (उल्लिखित) 103–21–008	46829693	41867475
कुल	**592498701**	**563162602**

ह./–
लेखा अधिकारी

जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र

दिनांक 31.03.2016 को समाप्त अवधि / वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 12 – बैंक प्रभार	**2015-16**	**2014-15**
आर.टी.जी.एस. प्रभार	26865	26725
कुल	**26865**	**26725**

ह./–
लेखा अधिकारी

जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र

दिनांक 31.03.2016 को समाप्त वर्ष हेतु प्राप्ति एवं भुगतान

(राशि रुपयों में)

प्राप्तियां	2015-16	2014-15	भुगतान	2015-16	2014-15
I. अथशेष			**I.** व्यय		
क) नकद राशि		6706	क) स्थापना व्यय	701625233	684965271
ख) बैंक शेष			ख) प्रशासनिक व्यय	449248089	422057517
(i) चालू खाते में	94126364	46625167			
(ii) जमा खाते में			**II.** विभिन्न परियोजनाओं हेतु निधि से किया गया भुगतान		
(iii) बचत खाते में			क) ए.आई.टी.एस.सी.	5095106	4998140
			ख) रिया लैब	2825	
II. अनुदान प्राप्त किया			ग) ए.टी.एल.एस.		1704757
क) भारत सरकार से (एम्स)	1373164701	1445298466	घ) आई.एन.सी.पी.टी.		100000
अनुदान प्राप्तियां 1,455,65,000					
न्यून – अनुदान वापसी 82,485,299			**III.** निवेश एवं जमा किए गए		
ख) राज्य सरकार से			क) उद्दिष्ट / विन्यास निधि में से		
ग) अन्य स्रोतों से			ख) निजी निधि में से		
डॉ. कर्ण सिंह (सांसद एल.ई.डी. निधि)	8395972				
			IV. स्थायी परिसंपत्ति एवं पूंजीगत कार्य – प्रगति पर व्यय		
III. निवेश पर आय से			क) स्थायी परिसंपत्ति की खरीद		149480232
क) उद्दिष्ट / विन्यास निधि			i) मशीनरी एवं उपकरण	58478747	
ख) निजी निधि			ii) फर्नीचर	1903138	
			ख) पूंजीगत कार्य प्रगति पर व्यय (वर्ष के दौरान एल.सी. अग्रिम)	20576801	
IV. ब्याज प्राप्त किया					
क) बैंक जमा पर	13560528	10546579			
ख) ऋण, अग्रिम आदि			**V.** अधिशेष राशि / ऋणों की वापसी		

			क) भारत सरकार को (एम्स)		
V. अन्य आय			ख) राज्य सरकार को		
क) अस्पताल प्राप्तियां	9681068	6111715	ग) निधि उपलब्ध कराने वाले अन्य को		
ख) विविध प्राप्तियां	3425346	549460			
			VI. वित्त प्रभार	978	10058
VI. राशि उधार					
बयाना राशि जमा	7116000	6044000	**VII.** अन्य भुगतान		
			क) इंजी. अनुरक्षण	130555944	132753739
VII. कोई अन्य प्राप्ति			ख) लघु कार्य	10375292	8398013
क) अग्रदाय	85000		ग) आई.जी.एल. अग्रिम	30000	
ख) ए.आई.टी.एस.सी.	3769198	7125000	घ) त्योहार अग्रिम भुगतान किए	315000	121500
ग) आई.एन.सी.पी.टी.		100000	ङ) एम. एंड एस. अग्रिम	371457	
घ) रोगी प्राप्तियां	2262500	4200555	च) बयाना राशि जमा	4147000	1645000
ङ) रिया लैब	8800		छ) एम्बुलेंस (डॉ. कर्ण सिंह, सांसद एल.ई.डी. निधि)	8395972	
च) त्योहार अग्रिम	200250	172875	ज) रोगी उपचार	1974506	3465932
छ) कंप्यूटर अग्रिम	12000	11000	झ) सीमा शुल्क के रूप में अग्रिम भुगतान किया		26000000
ज) अन्य विविध		3035000			
			VIII. अंतशेष		
			क) नकद राशि	85000	
			ख) बैंक शेष		
			i) चालू खाते में	122626639	94126364
			ii) जमा खाते में		
			iii) बचत खाता		
	1515807727	**1529826523**		**1515807727**	**1529826523**

ह./–
लेखा अधिकारी

ह./–
वित्त सलाहकार

दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र

दिनांक 31.03.2016 के अनुसार तुलन – पत्र

(राशि रुपयों में)

समग्र / पूंजीगत निधि एवं देयताएं	अनुसूची	2015-2016	2014-2015
समग्र / पूंजीगत निधि	1	552439092	539796454
रिजर्व और अधिशेष	2	22065526	19854924
उद्दिष्ट / विन्यास निधि	3	7701697	0
सुरक्षित ऋण एवं आदाता	4	0	
असुरक्षित ऋण एवं आदाता	5	0	
आस्थगित क्रेडिट देयताएं	6	0	
चालू देयताएं एवं व्यवस्थाएं	7	10564484	9163487
कुल		**592770799**	**568814865**
परिसंपत्ति			
स्थायी परिसंपत्ति	8	550190445	537845572
उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश	9	0	
निवेश – अन्य	10	0	
चालू परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि	11	42580354	30969293
विविध व्यय			
(बट्टे खाते अथवा समायोजित की सीमा तक नहीं)			
कुल		**592770799**	**568814865**

- -

ह./–
लेखा अधिकारी

ह./–
वित्त सलाहकार

दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र

दिनांक 31.03.2016 को समाप्त अवधि / वर्ष हेतु आय एवं व्यय लेखा

आय	अनुसूची	**2015-2016**	**2014-2015**
अस्पताल प्राप्तियां	**12**	2007610	1578750
अनुदान / आर्थिक सहायता	**13**	93474000	73341000
फीस / अभिदान	**14**	0	0
निवेश से आय (निवेश में अंतरित उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश पर आय)	**15**	0	0
रॉयल्टी, प्रकाशन आदि के लिए आय	**16**	0	0
ब्याज अर्जित	**17**	1682066	3406427
अन्य आय	**18**	40815	22800
समाप्त चल संपत्ति एवं कार्य – प्रगति के भंडार में वृद्धि / (कमी)	**19**	0	0
कुल (क)		**97204491**	**78348977**
व्यय			
स्थापना व्यय	**20**	28473723	11329106
अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	**21**	66515848	65000342
अनुदान, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय	**22**	0	0
ब्याज	**23**	4318	5317
अवमूल्यन (अनुसूची 8 में संगत – समाप्त वर्ष पर शुद्ध कुल)			
कुल (ख)		**94993889**	**76334765**
व्यय पर आय की अधिकता होने वाला शेष (क–ख)		2210602	2014212
विशेष रिजर्व में अंतरण (प्रत्येक उल्लिखित)			
सामान्य रिजर्व में / से अंतरित			
अधिशेष / (कमी) होने वाले शेष को समग्र / पूंजीगत निधि में लाया गया			

ह./–
लेखा अधिकारी

ह./–
वित्त सलाहकार

दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र

दिनांक 31.03.2016 के अनुसार तुलन पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची – 1 – समग्र / पूंजीगत निधि :	2015-2016		2015-2016	
वर्ष के प्रारंभ के अनुसार शेष	539796454			
जमा : समग्र / पूंजीगत निधि के लिए अंशदान	12642638	552439092		539796454
जमा / कटौती : आय और व्यय लेखा से अंतरित शुद्ध आय / (व्यय) का शेष				
वर्ष समाप्ति के अनुसार शेष		**552439092**		**539796454**

अनुसूची 2 – रिजर्व एवं अधिशेष :	2015-2016		2014-2015	
1. पूंजीगत रिजर्व				
पिछले खाते के अनुसार	19854924		17840712	
वर्ष के दौरान जमा	2210602	22065526	2014212	19854924
न्यून : वर्ष के दौरान कटौतियां				
2. पुर्नमूल्यांकन रिजर्व				
पिछले खाते के अनुसार				
वर्ष के दौरान जमा				
न्यून : वर्ष के दौरान कटौतियां				
3. विशेष रिजर्व				
पिछले खाते के अनुसार				
वर्ष के दौरान जमा				
न्यून : वर्ष के दौरान कटौतियां				
4. सामान्य रिजर्व				
पिछले खाते के अनुसार				
वर्ष के दौरान जमा				
न्यून : वर्ष के दौरान कटौतियां				
कुल	0	22065526	0	19854924

ह./–

लेखा अधिकारी

दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र

दिनांक 31.03.2016 के अनुसार तुलन पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 3 – उद्दिष्ट / विन्यास निधि	निधि वार विवरण				कुल	
	एन.ओ.एच.पी.	निधि एक्सएक्स	निधि वाईवाई	निधि जेडजेड	**2015-2016**	**2014-2015**
क) निधि का अथशेष	-				-	
ख) निधि में जमा :					-	
i. दान / अनुदान	10341266				10341266	
ii. निधि के कारण किये गए निवेश से आय					0	
iii. अन्य जमा (उल्लिखित प्रकृति)					0	
कुल (क+ख)	**10341266**				**10341266**	**0**
ग) निधि के उद्देश्यों के लिए उपयोग / व्यय						
i. पूंजीगत व्यय						
- स्थायी परिसंपत्ति					0	
- अन्य	0				0	
ii. राजस्व व्यय						
- वेतन, मजदूरी एवं भत्ते आदि					0	
- किराया					0	
- अन्य प्रशासनिक व्यय	2639569				2639569	
कुल						
कुल (ग)	**2639569**				**2639569**	0
वर्ष समाप्ति के अनुसार (क+ख–ग) शुद्ध शेष	**7701697**				**7701697**	**0**

ह./–

लेखा अधिकारी

दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र

दिनांक 31.03.2016 के अनुसार तुलन पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 4 – सुरक्षित ऋण एवं आदाता :	2015-2016		2014-2015	
1. केंद्र सरकार				
2. राज्य सरकार				
3. वित्तीय संस्थाएं				
क) अवधि ऋण				
ख) ब्याज प्रोद्भूत एवं देय				
4. बैंक :				
क) अवधि ऋण				
– ब्याज प्रोद्भूत एवं देय				
ख) अन्य ऋण (उल्लिखित)				
– ब्याज प्रोद्भूत एवं देय				
5. अन्य संस्थाएं एवं एजेंसियां				
6. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स				
7. अन्य (उल्लिखित)				
कुल	0	0	0	0
टिप्पणी : एक वर्ष के भीतर राशि देय				

दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र
दिनांक 31.03.2016 के अनुसार तुलन पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 5 – असुरक्षित ऋण एवं आदाता :	2015-2016	2014-2015
1. केन्द्र सरकार		
2. राज्य सरकार		
3. वित्तीय संस्थाएं		
4. बैंक :		
क) अवधि ऋण		
ख) अन्य ऋण (उल्लिखित)		
5. अन्य संस्थाएं एवं एजेंसियां		
6. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स		
7. सावधि जमा		
8. अन्य (उल्लिखित)		
कुल	0	0
टिप्पणी : एक वर्ष के भीतर देय राशि		

अनुसूची 6 – आस्थगित क्रेडिट देयताएं :	2015-2016	2014-2015
क) पूंजीगत उपकरण एवं अन्य परिसंपत्तियों के आडमान द्वारा सुरक्षित स्वीकृतियां		
ख) अन्य		
कुल	0	0
टिप्पणी : एक वर्ष के भीतर देय राशि		

दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र

दिनांक 31.03.2016 के अनुसार तुलन पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 7 – चालू देयताएं एवं व्यवस्थाएं	2015-2016		2014-2015	
क. चालू देयताएं एवं व्यवस्थाएं				
1. स्वीकृतियां				
2. विविध ऋणदाता :				
क) चल संपत्ति हेतु				
ख) अन्य				
3. अग्रिम प्राप्त किया				
4. ब्याज प्रोद्भूत निम्न पर देय नहीं :				
क) सुरक्षित ऋण / आदाता				
ख) असुरक्षित ऋण / आदाता				
5. सांविधिक देयताएं :				
क) अतिदेय				
ख) अन्य				
6. अन्य चालू देयताएं (एम्स मुख्य को प्रतिपूर्ति किये जाने हेतु राशि)		1847482		
7. जमानत जमा		8717002		9163487
कुल (क)		**10564484**		**9163487**
ख. व्यवस्थाएं				
1. कराधान हेतु				
2. उपदान				
3. अधिवर्षिता / पेंशन				
6. संचित अवकाश नकदी				
6. ट्रेड वारंटी / दावे				
6. अन्य (उल्लिखित)				
कुल (ख)		0		0
कुल (क+ख)		**10564484**		**9163487**

दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र

दिनांक 31.03.2016 के अनुसार तुलन पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 8 –स्थायी परिसंपत्ति		सकल ब्लॉक				अवमूल्यन				शुद्ध ब्लॉक	
	विवरण	वर्ष के प्रारंभ के अनुसार लागत / मूल्यांकन	वर्ष के दौरान जमा	वर्ष के दौरान कटौतियां	वर्ष समाप्ति पर लागत / मूल्यांकन	वर्ष के प्रारंभ के अनुसार	वर्ष के दौरान जमा पर	वर्ष के दौरान कटौतियों पर	समाप्त वर्ष तक कुल	**2015-2016**	**2014-2015**
क.	स्थायी परिसंपत्ति :										
1	भूमि :										
	क) पूर्ण स्वामित्व										
	ख) पट्टे पर										
2	भवन :										
	क) पूर्ण स्वामित्व भूमि पर	308762005	0		308762005					308762005	308762005
	ख) पट्टे पर भूमि पर										
	ग) स्वामित्व फ्लैट / परिसर										
	घ) भूमि पर अधिरचना सत्ता से संबंधित नहीं										
3	संयंत्र, मशीनरी एवं उपकरण	229083567	12344873		241428440					241428440	229083567
4	वाहन										
5	फर्नीचर, उपस्कर										
6	कार्यालय उपकरण										
7	कंप्यूटर / पेरीफेरल										
8	विद्युत संस्थापन										

9	पुस्तकालय पुस्तकें										
10	ट्यूबवेल एवं जल आपूर्ति										
11	अन्य स्थायी परिसंपत्ति										
	चालू वर्ष की कुल	**537845572**	**12344873**	**0**	**550190445**	**0**	**0**	**0**	**0**	**550190445**	**537845572**
	पिछले वर्ष										
ख.	पूंजीगत कार्य प्रगति	-	-	-	-	0	0	0	0	0	-
	कुल	537845572	12344873		550190445					550190445	537845572

दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र

दिनांक 31.03.2016 के अनुसार तुलन पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 9 – उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश	2015-2016	2014-2015
1. सरकारी प्रतिभूतियों में		
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां		
3. शेयर		
4. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स		
5. आर्थिक सहायता एवं संयुक्त उद्यम		
6. अन्य (अलग अलग उल्लेख करें)	0	0
कुल	**0**	0

अनुसूची 10 – निवेश – अन्य	2015-2016	2014-2015
1. सरकारी प्रतिभूतियों में		
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां		
3. शेयर		
4. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स		
5. आर्थिक सहायता एवं संयुक्त उद्यम		
6. अन्य (अलग अलग उल्लेख करें)		
कुल	0	0

दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र

दिनांक 31.03.2016 के अनुसार तुलन पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

				(राशि रुपयों में)
अनुसूची 11 – चालू परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि	2015-2016		2014-2015	
क. चालू परिसंपत्ति :				
1. इनवेंटरीज :				
क) भंडार एवं स्पेयर्स				
ख) खुले औजार				
ग) स्टॉक–इन–ट्रेड				
समाप्त चल संपत्ति				
कार्य–प्रगति				
कच्चा माल				
2. विविध देनदार :				
क) छः माह से अधिक अवधि का बकाया ऋण				
ख) अन्य				
3. नकद राशि शेष (चैक / ड्राफ्ट एवं अग्रदाय सहित)		5000		5000
4. बैंक शेष :				
क) अनुसूचित बैंकों के पास :				
चालू खाते में		36741383		25130322
जमा खाते में (मार्जिन राशि सहित)				
बचत खाते में				
ख) गैर अनुसूची बैंक के पास :				
चालू खाते में				
जमा खाते में				
बचत खाते में				

5. डाक घर – बचत खाता				
कुल (क)		**36746383**		**25135322**

दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र

दिनांक 31.03.2016 के अनुसार तुलन पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 11 – चालू परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि (जारी..)	2015-2016		2014-2015	
ख. ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसंपत्ति				
1. ऋण :				
क) स्टाफ				
ख) सत्ता के उस सदृश गतिविधियों / उद्देश्यों में लगी हुई अन्य सत्ताएं				
ग) अन्य (उल्लिखित) आयरन एवं स्टील और हिंदुस्तान स्टील को अग्रिम				
2. अग्रिम एवं अन्य वसूलनीय राशि नकदी में अथवा माल के रूप में अथवा प्राप्त प्राप्त किए जाने के लिए मूल्य हेतु				
क) पूंजीगत खाते में				
ख) भुगतान पूर्व				
ग) अन्य				
3. आय प्रोद्भूत :				
क) उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश पर				
ख) निवेश – अन्य पर				
ग) ऋण एवं अग्रिमों पर				
घ) अन्य				
(अवसूली देय रु. .... की आय शामिल है)				
4. दावा वसूलनीय :				
5. अन्य अग्रिम				
i. एन.डी.एम.सी. को अग्रिम भुगतान		2364500		2364500
ii. एन.डी.एम.सी. को जमानत जमा		3000000		3000000
iii. डी.जी.एस. एंड डी. को अग्रिम भुगतान		469471		469471
कुल (ख)		**5833971**		**5833971**
कुल (क)+(ख)		**42580354**		**30969293**

दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र

दिनांक 31.03.2016 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 12 – उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश	2015-2016	2014-2015
1) विक्रय से आय	-	-
1. समाप्त चल संपत्ति का विक्रय		
2. कच्चे माल का विक्रय		
3. रद्दी की विक्रय		
2) सेवाओं से आय		
क) श्रम एवं संसाधन प्रभार		
ख) व्यवसायिक / परामर्श सेवाएं		
ग) एजेंसी कमीशन एवं दलाली		
घ) अनुरक्षण सेवाएं (उपकरण / संपत्ति)		
ङ) अन्य (उल्लिखित) अस्पताल प्राप्ति	2007610	1578750
कुल	**2007610**	**1578750**

अनुसूची 13 – अनुदान / आर्थिक सहायता	2015-2016	2014-2015
1) विक्रय से आय	-	-
(अटल अनुदान एवं आर्थिक सहायता प्राप्त)	-	-
1. केन्द्र सरकार (एम्स (मुख्य) के माध्यम से)		
सहायता अनुदान (वेतन)	28474000	11341000
सहायता अनुदान (सामान्य)	65000000	62000000
2. राज्य सरकार		
3. सरकारी एजेंसियां		
4. संस्थाएं / कल्याण निकाय		
5. अंतरराष्ट्रीय संगठन		
6. अन्य (उल्लिखित)		
कुल	**93474000**	**73341000**

दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र

दिनांक 31.03.2016 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 14 – फीस / अभिदान	2015-2016	2014-2015
1. शिक्षण एवं परीक्षा शुल्क		
2. लाइसेंस शुल्क		
3. सेमिनार / प्रोग्राम शुल्क		
4. परामर्श शुल्क		
5. अन्य (उल्लिखित) ई. एच. एस.		
कुल	**0**	**0**

टिप्पणी : प्रत्येक मद के लिए लेखा नीतियां प्रकट की जाती हैं।

अनुसूची 15 – निवेश से आय	उद्दिष्ट निधि से निवेश		निवेश – अन्य	
(उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश पर आय को निधि में अंतरित किया)	2015-2016	2014-2015	2015-2016	2014-2015
1. ब्याज				
क) सरकारी प्रतिभूतियों पर				
क) अन्य बॉन्ड्स / डिबेंचर्स				
2. लाभांश				
क) शेयरों पर				
क) पारस्परिक निधि प्रतिभूतियों पर				
3. किराया				
4. अन्य (उल्लिखित)				
कुल				
उद्दिष्ट / विन्यास निधि में अंतरित				

दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र

दिनांक 31.03.2016 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 16 – रॉयल्टी, प्रकाशन आदि से आय	2015-2016	2014-2015
1. रॉयल्टी से आय		
2. प्रकाशन से आय		
3. अन्य (उल्लिखित)		
कुल	0	0

अनुसूची 17 – ब्याज अर्जित	2015-2016	2014-2015
1. अवधि जमा पर :		
क) अनुसूचित बैंकों के पास	1682066	3406427
ख) गैर – अनुसूचित बैंकों के पास		
ग) संस्थाओं के पास		
घ) अन्य		
2. बचत खातों पर :		
क) अनुसूचित बैंकों के पास		
ख) गैर – अनुसूचित बैंकों के पास		
ग) डाकघर बचत खाता		
घ) अन्य		
3. ऋणों पर :		
क) कर्मचारीगण / स्टाफ		
ख) अन्य		
4. देनदारों और अन्य वसूलनीय पर ब्याज		
कुल	**1682066**	**3406427**

दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र

दिनांक 31.03.2016 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 18 – अन्य आय	2015-2016	2014-2015
1. विविध प्राप्ति	40815	22800
2. स्थापना प्राप्ति (स्कीम)		
3. अन्य (उल्लिखित)		
कुल	**40815**	**22800**

अनुसूची 19 – समाप्त चल संपत्ति एवं कार्य – प्रगति के भंडार में वृद्धि / (कमी)	2015-2016	2014-2015
क) बंद भंडार		
– समाप्त चल संपत्ति		
– कार्य प्रगति		
ख) न्यून : अथ भंडार		
– समाप्त चल संपत्ति		
– कार्य प्रगति		
शुद्ध वृद्धि / (कमी) (क+ख)	0	0

अनुसूची 20 – स्थापना व्यय	2015-2016	2014-2015
वेतन एवं मजदूरी	28473723	11329106
भत्ता एवं बोनस		
भविष्य निधि हेतु अंशदान		
अन्य निधि हेतु अंशदान (स्कीम सेल)		
स्टाफ कल्याण व्यय		
कर्मचारियों पर व्यय ''सेवानिवृत्ति एवं सेवांत हितलाभ''		
अन्य (एन. पी. एस. एवं एल. एस. पी. सी.)		
कुल	**28473723**	**11329106**

दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र

दिनांक 31.03.2016 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 21 – अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	2015-2016	2014-2015
क) सामग्री एवं आपूर्ति की खरीद	45981709	50443154
ख) श्रम एवं संसाधन व्यय		
ग) आवक भार एवं वाहन		
घ) विद्युत एवं पावर		
ङ) जल प्रभार		
च) बीमा		
छ) मरम्मत एवं अनुरक्षण	19100060	13418543
ज) उत्पाद शुल्क		
झ) किराया, दर एवं कर		
ञ) वाहन, चालू एवं अनुरक्षण		
ट) डाक, दूरभाष एवं संचार प्रभार		
ठ) मुद्रण एवं लेखन सामग्री		
ड) यात्रा एवं वाहन व्यय		
ढ़) सेमिनार / कार्यशालाओं पर व्यय		
ण) अभिदान व्यय		
त) फीस पर व्यय		
थ) लेखा परीक्षक पारिश्रमिक		
द) आतिथ्य व्यय		
ध) व्यवसायिक प्रभार		
न) बुरे एवं संदिग्ध ऋण / अग्रिम हेतु व्यवस्था		
प) बट्टे खाते की अवसूलनीय शेष		
फ) पैकिंग प्रभार		
ब) माल एवं अग्रेषण व्यय		
भ) वितरण व्यय		

म) विज्ञापन एवं प्रचार		
य) अन्य (उल्लिखित) (आकस्मिक प्रभार)	1434079	1138645
कुल	**66515848**	**65000342**

दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र

दिनांक 31.03.2016 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 22 – अनुदान, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय	2015-2016	2014-2015
क) संस्थान / संगठन को दिया गया अनुदान ख) संस्थान / संगठन को दी गई आर्थिक सहायता		
कुल	0	0
टिप्पणी : अनुदान / आर्थिक सहायताओं की राशि के साथ सत्ता के नाम, उनकी गतिविधियों को प्रकट किया जाता है।		

अनुसूची 23 – ब्याज	2015-2016	2014-2015
क) स्थायी ऋणों पर		
ख) अन्य ऋणों पर (बैंक प्रभार सहित)	4318	5317
ग) अन्य (उल्लिखित)		
कुल	**4318**	**5317**

दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र

दिनांक 31.03.2016 को समाप्त वर्ष हेतु प्राप्ति एवं भुगतान

प्राप्तियां	**2015-16**	**2014-15**	भुगतान	**2015-16**	**2014-15**
1. अथशेष			**I.** व्यय		
क) नकद राशि	5000	5000	क) स्थापना व्यय	28473723	11329106
ख) बैंक शेष			ख) प्रशासनिक व्यय	19100060	13418543
i) चालू खाते में	25130322	-10464197			
ii) जमा खाते में					
iii) बचत खाता					
II. अनुदान प्राप्त			**II.** विभिन्न परियोजनाओं हेतु निधि से किया भुगतान		
क) भारत सरकार से					
योजना			**III.** निवेश एवं जमा किया गया		
i) राजस्व	65000000	62000000	क) उद्दिष्ट एवं विन्यास निधि में से		
ii) पूंजी	12642638	20000000	परियोजना एन.ओ.एच.पी.	2639569	
गैर योजना			परियोजना डब्ल्यू.एच.ओ.	927612	
i) राजस्व	28474000	11341000	ख) निजी निधि में से (अन्य निवेश)		
ii) पूंजी					
चूक समिति			**IV.** स्थायी परिसंपत्ति एवं पूंजीगत कार्य प्रगति पर व्यय		
i) राजस्व			क) स्थायी परिसंपत्ति की खरीद	12344873	19840769
ii) पूंजी			ख) पूंजीगत कार्य प्रगति पर व्यय		
एन.डी.डी.टी.सी.					
i) राजस्व			**V.** अधिशेष राशि / ऋण की वापसी	-	-

ii) पूंजी			क) भारत सरकार को	-	-
ख) राज्य सरकार से			ख) राज्य सरकार को	-	-
ग) अन्य स्रोतों से			ग) निधि उपलब्ध कराने वाले अन्य को		
विशिष्ट उद्देश्य हेतु प्राप्त अनुदान					
रोगी उपचार हेतु प्राप्त अनुदान			**VI.** वित्त प्रभार (ब्याज)	4318	5317
निर्धन रोगी उपचार हेतु प्राप्त अनुदान					
III. निवेश पर आय से			**VII.** अन्य भुगतान		
क) उद्दिष्ट / विन्यास निधि			कर्मचारी वसूली	6691607	3591462
परियोजना एन.ओ.एच.पी.	10341266		बाह्य वसूली	576466	606862
परियोजना डब्ल्यू.एच.ओ.	927612		जमानत जमा	2054985	2416140
ख) निजी निधि में से (अन्य निवेश)			सामग्री एवं आपूर्ति	45981709	50443154
			कार्यालय व्यय	1434079	1138645
IV. ब्याज प्राप्त					
क) बैंक जमा पर	1682066	3406427			
ख) ऋण, अग्रिम आदि			**VIII.** अंतशेष		
			क) नकद राशि	5000	5000
V. अन्य कोई प्राप्ति			ख) बैंक शेष	-	-
-	-	-	i) चालू खाते में	36741383	25130322
VI. राशि उधार	-	-	ii) जमा खाते में		
			iii) बचत खाता		
VII. अन्य कोई प्राप्ति				-	-
कर्मचारी वसूली	6691607	3591462			
बाह्य वसूली	576466	606862			
विविध प्राप्ति	40815	22800			
अस्पताल प्राप्ति	2007610	1578750			
इंजी. वसूली	1847482	0			

जमानत जमा	1608500	5837216			
टी.डी.आर.		30000000			
कुल	**156975384**	**127925321**		**156975384**	**127925321**

ह./–
लेखा अधिकारी

ह./–
वित्त सलाहकार

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र

दिनांक 31.03.2016 के अनुसार तुलन – पत्र

(राशि रुपयों में)

समग्र / पूंजीगत निधि एवं देयताएं	अनुसूची	2015-16	2014-15
समग्र / पूंजीगत निधि	1	221793406	211672470
रिजर्व और अधिशेष	2	22216215	20271218
उद्दिष्ट / विन्यास निधि	3	0	0
सुरक्षित ऋण एवं आदाता	4	0	0
असुरक्षित ऋण एवं आदाता	5	0	0
आस्थगित क्रेडिट देयताएं	6	0	0
चालू देयताएं एवं व्यवस्था	7	5327911	448847
कुल		**249337532**	**232392535**
परिसंपत्ति			
स्थायी परिसंपत्ति	8	216609386	206488450
उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश	9	0	0
निवेश – अन्य	10	0	0
चालू परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि	11	32728146	25904085
विविध व्यय			
(बट्टे खाते अथवा समायोजित की सीमा तक नहीं)			
कुल		**249337532**	**232392535**

ह./–
लेखा अधिकारी

ह./–
वित्त सलाहकार

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र

दिनांक 31.03.2016 को समाप्त अवधि / वर्ष हेतु आय एवं व्यय लेखा

आय	अनुसूची	2015-16	2014-15
विक्रय / सेवाओं (अस्पताल प्राप्तियां) से आय	12	477048	445035
अनुदान / आर्थिक सहायता	13	155000000	146200000
फीस / अभिदान	14		
निवेश से आय (उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश पर आय को निधि में अंतरित)	15		
रॉयल्टी, प्रकाशन आदि के लिए आय	16		
अर्जित ब्याज	17	0	0
अन्य आय	18	315677	5290
समाप्त चल संपत्ति एवं कार्य – प्रगति के भंडार में वृद्धि / (कमी)	19		
कुल (क)		**155792725**	**146650325**
व्यय			
स्थापना व्यय	20	94243314	86834850
अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	21	59604414	47840902
अनुदान, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय	22		
ब्याज	23		
अवमूल्यन (अनुसूची 8 में संगत – समाप्त वर्ष पर शुद्ध कुल)			
कुल (ख)		**153847728**	**134675752**
व्यय पर आय की अधिकता होने वाला शेष (क–ख)		1944997	11974573
विशेष रिजर्व में अंतरित (उल्लिखित प्रत्येक)			
सामान्य रिजर्व में / से अंतरित			
समग्र / पूंजीगत निधि में अधिशेष / (कमी) होने वाला शेष		**155792725**	**146650325**

ह./–
लेखा अधिकारी

ह./–
वित्त सलाहकार

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र

दिनांक 31.03.2016 के अनुसार तुलन पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची – 1 – समग्र / पूंजीगत निधि	2015-16		2014-15	
वर्ष के प्रारंभ के अनुसार शेष	211672470			
जमा : समग्र / पूंजीगत निधि के लिए अंशदान	10120936			
न्यून : वर्ष के दौरान निराकृत स्थायी परिसंपत्ति		221793406		211672470
वर्ष समाप्ति के अनुसार शेष		**221793406**		**211672470**

अनुसूची 2 – रिजर्व एवं अधिशेष :	2015-2016		2014-2015	
1. पूंजीगत रिजर्व				
पिछले खाते के अनुसार				
वर्ष के दौरान जमा				
न्यून : वर्ष के दौरान कटौतियां				
2. पुर्नमूल्यांकन रिजर्व				
पिछले खाते के अनुसार				
वर्ष के दौरान जमा				
न्यून : वर्ष के दौरान कटौतियां				
3. विशेष रिजर्व				
पिछले खाते के अनुसार				
वर्ष के दौरान जमा				
न्यून : वर्ष के दौरान कटौतियां				
4. सामान्य रिजर्व				
पिछले खाते के अनुसार	20271218			
वर्ष के दौरान जमा	1944997	22216215		20271218
न्यून : वर्ष के दौरान कटौतियां				
कुल	0	**22216215**	**0**	**20271218**

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र

दिनांक 31.03.2016 के अनुसार तुलन पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 3 – उद्दिष्ट / विन्यास निधि	योजना–गैर		कुल	
	योजना		**2015-16**	**2014-15**
क) निधि का अथशेष ख) निधि में जमा : i. दान / अनुदान ii. निधि के खाते में किये गए निवेश से आय iii. अन्य जमा (उल्लिखित प्रकृति) iv वर्ष के दौरान न्यून व्यय	0		0	
कुल (क+ख)			**0**	**0**
ग) निधि के उद्देश्यों के लिए उपयोग / व्यय i. पूंजीगत व्यय - स्थायी परिसंपत्ति - अन्य ii. राजस्व व्यय - वेतन, मजदूरी एवं भत्ते आदि - किराया - अन्य प्रशासनिक व्यय कुल				
कुल (ग)			0	0
समाप्त वर्ष के अनुसार शुद्ध शेष (क+ख–ग)				**0**

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र

दिनांक 31.03.2016 के अनुसार तुलन पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 4 – सुरक्षित ऋण एवं आदाता :	2015-16		2014-15	
1. केंद्र सरकार				
2. राज्य सरकार				
3. वित्तीय संस्थाएं				
क) अवधि ऋण				
ख) ब्याज प्रोद्भूत एवं देय				
4. बैंक :				
क) अवधि ऋण				
– ब्याज प्रोद्भूत एवं देय				
ख) अन्य ऋण (उल्लिखित)				
– ब्याज प्रोद्भूत एवं देय				
5. अन्य संस्थाएं एवं एजेंसियां				
6. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स				
7. अन्य (उल्लिखित)				
कुल	0	0	0	0
टिप्पणी : एक वर्ष के भीतर राशि देय				

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र

दिनांक 31.03.2016 के अनुसार तुलन पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 5 – असुरक्षित ऋण एवं आदाता	2015-16	2014-15
1. केन्द्र सरकार 2. राज्य सरकार 3. वित्तीय संस्थाएं 4. बैंक : क) अवधि ऋण ख) अन्य ऋण (उल्लिखित) 5. अन्य संस्थाएं एवं एजेंसियां 6. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स 7. सावधि जमा 8. अन्य (उल्लिखित)		
कुल	0	0
टिप्पणी : एक वर्ष के भीतर देय राशि		

अनुसूची 6 – आस्थगित क्रेडिट देयताएं :	2015-16	2014-15
क) पूंजीगत उपकरण एवं अन्य परिसंपत्ति के आडमान द्वारा प्रतिभूति स्वीकृतियां ख) अन्य		
कुल	0	0
टिप्पणी : एक वर्ष के भीतर देय राशि		

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र

दिनांक 31.03.2016 के अनुसार तुलन पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 7 – चालू देयताएं एवं व्यवस्थाएं	2015-16		2014-15	
क. चालू देयताएं एवं व्यवस्थाएं				
1. स्वीकृतियां				
2. विविध ऋणदाता :				
क) चल संपत्ति हेतु				
क) अन्य				
3. सरकारी एजेंसियों से रोगियों हेतु प्राप्त अग्रिम				
i) एन.आई.ए.एफ.				
4. परियोजना अनुदान				
ii) एन.पी.सी.बी.				
5. ब्याज प्रोद्भूत परन्तु निम्न पर देय नहीं :				
क) सुरक्षित ऋण / आदाता				
क) असुरक्षित ऋण / आदाता				
6. सांविधिक देयताएं				
क) अतिदेय				
क) अन्य				
7. जमानत जमा (ई.एम.डी.)				
अथशेष	335000			
वर्ष के दौरान प्राप्त	0			
वर्ष के दौरान वापसी	0	335000		335000
8. अन्य चालू देयताएं		113847		113847
9. मंत्रालय को वापस किये जाने हेतु अधिक अनुदान		4879064		0
कुल (क)		**5327911**		**448847**

ख. <u>व्यवस्थाएं</u> 1. कराधान हेतु 2. उपदान 3. अधिवर्षिता / पेंशन 6. संचित अवकाश नकदी 6. ट्रेड वारंटीज / दावे 6. अन्य (उल्लिखित)				
कुल (ख)				
कुल (क+ख)		**5327911**		**448847**

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र

दिनांक 31.03.2016 के अनुसार तुलन पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 8 – स्थायी परिसंपत्ति

विवरण	सकल ब्लॉक				अवमूल्यन				शुद्ध ब्लॉक	
	वर्ष के प्रारंभ के अनुसार लागत / मूल्यांकन	वर्ष के दौरान जमा	वर्ष के दौरान कटौति	वर्ष समाप्ति पर लागत / मूल्यांकन	वर्ष के प्रारंभ के अनुसार	वर्ष के दौरान जमा पर	वर्ष के दौरान कटौतियों पर	वर्ष समाप्ति तक कुल	चालू वर्ष समाप्त 15–16 के अनुसार	गत वर्ष समाप्त 14–15 के अनुसार
क. स्थायी परिसंपत्ति :										
1. भूमि :										
क) पूर्ण स्वामित्व										
ख) पट्टे पर										
2. भवन :										
क) पूर्ण स्वामित्व भूमि पर	105740093	4093954		109834047		-	-	-	109834047	105740093
ख) पट्टे पर भूमि पर										
ग) स्वामित्व फ्लेट / परिसर										
घ) भूमि पर अधिरचना सत्ता से संबंधित नहीं										
3. संयंत्र मशीनरी एवं उपकरण	45719232	1493154		47212386					47212386	45719232
4. वाहन	12241608			12241608					12241608	12241608
5. फर्नीचर, उपस्कर	8781819	741859		9523678					9523678	8781819
6. कार्यालय उपकरण										
7. कंप्यूटर / पेरीफेरल										
8. विद्युत संस्थापन										
9. पुस्तकालय पुस्तकें	34005698	3791969		37797667					37797667	34005698

10. ट्यूबवेल एवं जल आपूर्ति 11. अन्य स्थायी परिसंपत्ति										
चालू वर्ष का कुल	**206488450**	**10120936**	**0**	**216609386**	**0**	**0**	**0**	**0**	**216609386**	**206488450**
गत वर्ष										
ख. पूंजीगत कार्य प्रगति	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
कुल	**206488450**	**10120936**	**0**	**216609386**	**0**	**0**	**0**	**0**	**216609386**	**206488450**

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र
दिनांक 31.03.2016 के अनुसार तुलन पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 9 – उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश	**2015-16**	**2014-15**
1. सरकारी प्रतिभूतियों में		
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां		
3. शेयर		
4. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स		
5. आर्थिक सहायता एवं संयुक्त उद्यम		
6. अन्य (उल्लेख करें)		0
कुल	**0**	0

अनुसूची 10 – निवेश – अन्य	**2015-16**	**2014-15**
1. सरकारी प्रतिभूतियों में		
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां		
3. शेयर		
4. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स		
5. आर्थिक सहायता एवं संयुक्त उद्यम		
6. अन्य (उल्लेख करें)		
कुल	0	0

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र

दिनांक 31.03.2016 के अनुसार तुलन पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

					(राशि रुपयों में)
अनुसूची 11 – चालू परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि		**2015-16**		**2014-15**	
क. चालू परिसंपत्ति :					
1. प्राप्ति हेतु अग्रिम					
क) सामग्री एवं आपूर्ति	अथशेष	270000			
	वर्ष के दौरान जमा	16120			
	वर्ष के दौरान समायोजित	15000	271120		270000
ख) मशीनरी एवं उपकरण	अथशेष	0			
	वर्ष के दौरान जमा	0			
	वर्ष के दौरान समायोजित	0	0		
2. प्रशिक्षण कार्यक्रम हेतु अग्रिम	अथशेष	3683000			
	वर्ष के दौरान जमा	6582962			
	वर्ष के दौरान समायोजित	11000	10254962		3683000
2. विविध देनदार :					
क) छः माह से अधिक अवधि के लिए बकाया ऋण					
ख) अन्य					
3. नकद राशि शेष (चैक / ड्राफ्ट एवं अग्रदाय सहित)			20000		20000
4. बैंक शेष :					
क) अनुसूचित बैंकों के पास :					
चालू खाते में			21741356		21490377
जमा खाते में (मार्जिन राशि सहित)					
बचत खाते में					
ख) गैर अनुसूची बैंक के पास :					

चालू खाते में जमा खाते में बचत खाते में				
5. <u>सीमा शुल्क अग्रिम</u>		400000		400000
6. बाह्य वसूली 2013–14		40708		40708
कुल (क)		**32728146**		**25904085**

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र

दिनांक 31.03.2016 के अनुसार तुलन पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 11 – चालू परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि (जारी..)	2015-16		2014-15	
ख. ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसंपत्ति				
1. ऋण :				
क) स्टाफ				
i) मोटर कार				
ii) भवन निर्माण अग्रिम				
iii) कंप्यूटर अग्रिम				
iv) त्योहार अग्रिम				
2. अग्रिम एवं अन्य नकद वसूलनीय राशि अथवा माल के रूप में अथवा प्राप्त किये जाने के लिए मूल्य हेतु :				
क) पूंजीगत खाते में				
ख) भुगतान पूर्व				
ग) अन्य				
3. आय प्रोद्भूत :				
क) उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश पर				
ख) निवेश – अन्य पर				
ग) ऋण एवं अग्रिम पर				
घ) अन्य				
(अवसूली देय रु. .... की आय शामिल है)				
4. प्राप्य दावे :				
कुल (ख)		0		0
कुल (क+ख)		32728146		25904085

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र

दिनांक 31.03.2016 को समाप्त अवधि / वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 12 – उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश	**2015-16**	**2014-15**
1) विक्रय से आय		
1. अस्पताल प्राप्तियां	477048	445035
2. प्रशासनिक प्रभार (परियोजनाएं)		
3. रद्दी का विक्रय		
2) सेवाओं से आय		
क) श्रम एवं संसाधन प्रभार		
ख) व्यवसायिक / परामर्श सेवाएं		
ग) एजेंसी कमीशन एवं दलाली		
घ) अनुरक्षण सेवाएं (उपकरण / संपत्ति)		
ङ) अन्य (उल्लिखित) अस्पताल प्राप्ति		
कुल	**477048**	**445035**

अनुसूची 13 – अनुदान / आर्थिक सहायता	**2015-16**	**2014-16**
1) विक्रय से आय		
(अटल अनुदान एवं प्राप्त आर्थिक सहायता)	-	-
1. केन्द्र सरकार	155000000	146200000
2. राज्य सरकार / सरकारें		
3. सरकारी एजेंसियां		
4. संस्थाएं / कल्याण निकायें		
5. अंतरराष्ट्रीय संगठन		
6. अन्य (उल्लिखित)		
कुल	**155000000**	**146200000**

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र

दिनांक 31.03.2016 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 14 – फीस / अभिदान	2015-16	2014-15
1. शिक्षण एवं परीक्षा शुल्क		
2. लाइसेंस शुल्क		
3. सेमिनार / कार्यक्रम फीस		
4. परामर्श शुल्क		
5. अन्य (उल्लिखित) ई. एच. एस.		
कुल	0	0

टिप्पणी : प्रत्येक मद के लिए लेखा नीतियों को प्रकट किया जाता है।

अनुसूची 15 – निवेश से आय	उद्दिष्ट निधि से निवेश		निवेश – अन्य	
(उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश पर आय को निधि में अंतरित किया)	2015-16	2014-15	2015-16	2014-15
1. ब्याज				
क) सरकारी जमानतों पर				
क) अन्य बॉन्ड्स / डिबेंचर्स				
2. लाभांश				
क) शेयरों पर				
क) पारस्परिक निधि जमानतों पर				
3. किराया				
4. अन्य				
कुल				
उद्दिष्ट / विन्यास निधि में अंतरित				

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र

दिनांक 31.03.2016 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 16 – रॉयल्टी, प्रकाशन आदि से आय	2015-16	2014-15
1. रॉयल्टी से आय 2. प्रकाशन से आय 3. अन्य (उल्लिखित)		
कुल	0	0

अनुसूची 17 – ब्याज अर्जित	2015-16	2014-15
1. अवधि जमा पर : क) अनुसूचित बैंकों के पास ख) गैर – अनुसूचित बैंकों के पास ग) संस्थाओं के पास घ) अन्य 2. बचत खाते पर : क) अनुसूचित बैंकों के पास ख) गैर – अनुसूचित बैंकों के पास ग) डाकघर बचत खाता घ) अन्य 3. ऋणों पर : क) कर्मचारीगण / स्टाफ ख) अन्य 4. देनदारों एवं अन्य प्राप्यों से ब्याज		
कुल	**0**	**0**

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र

दिनांक 31.03.2016 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 18 – अन्य आय	2015-16	2014-15
1. विविध प्राप्ति	315677	5290
2. स्थापना प्राप्ति (स्कीम)		
3. अन्य (उल्लिखित)		
कुल	**315677**	**5290**

अनुसूची 19 – समाप्त चल संपत्ति के भंडार एवं कार्य – प्रगति में वृद्धि / (कमी)	2015-16	2014-15
क) बंद भंडार		
– समाप्त चल संपत्ति		
– कार्य प्रगति		
ख) न्यून : अथ भंडार		
– समाप्त चल संपत्ति		
– कार्य प्रगति		
शुद्ध वृद्धि / (कमी) (क+ख)	0	0

अनुसूची 20 – स्थापना व्यय	2015-16	2014-15
वेतन	91740602	86834850
भत्ते एवं बोनस		
एन. पी. एस. के लिए अंशदान	2502712	0
अन्य निधि के लिए अंशदान (स्कीम सेल)		
स्टाफ कल्याण व्यय		

कर्मचारीगण पर व्यय : ''सेवानिवृत्ति एवं सेवांत हितलाभ'' अन्य (एन. पी. एस. एवं एल. एस. पी. सी.)		
कुल	**94243314**	**86834850**

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र

दिनांक 31.03.2016 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 21 – अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	2015-16	2014-15
क) खरीद (सामग्री एवं आपूर्ति)	42917683	34467627
ख) बाह्य सेवाओं हेतु मजदूरी	16660731	13373275
ग) विविध व्यय (अग्रिम समयोजन)	26000	0
घ) विद्युत एवं पावर		
ङ) जल प्रभार		
च) बीमा		
छ) मरम्मत एवं अनुरक्षण (एम एंड ई)		
ज) उत्पाद शुल्क		
झ) किराया, दर एवं कर		
ञ) वाहन, चालू एवं अनुरक्षण		
ट) डाक, दूरभाष एवं संचार प्रभार		
ठ) मुद्रण एवं लेखन सामग्री		
ड) यात्रा एवं वाहन व्यय		
ढ़) सेमिनार / कार्यशाला पर व्यय		
ण) अभिदान व्यय		
त) स्वच्छता पर व्यय		
थ) भवन अनुरक्षण (लघु कार्य आरजी)		
द) मशीनरी एवं उपकरण अनुरक्षण (सी.ए.एम.सी. / ए.एम.सी.)		
ध) भवन अनुरक्षण (गैर योजना)		
न) बुरे एवं संदिग्ध ऋण / अग्रिमों हेतु व्यवस्था		
प) बट्टे खाते की अवसूलनीय शेष		
फ) स्वेप प्रभार (आई.डी.बी.आई. नामे / जमा कार्ड कमीशन)		
ब) भार एवं अग्रेषण व्यय		
भ) वितरण व्यय		

म) विज्ञापन एवं प्रचार य) अन्य (उल्लिखित) (आकस्मिक प्रभार)		
कुल	**59604414**	**47840902**

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र

दिनांक 31.03.2016 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 22 – अनुदान, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय	2015-16	2014-15
क) संस्थाओं / संगठनों को दिए गए अनुदान ख) संस्थाओं / संगठनों को दी गई आर्थिक सहायता		
कुल	0	0
टिप्पणी : अनुदान / आर्थिक सहायता की राशि के साथ सत्ताओं के नाम, उनकी गतिविधियों को प्रकट किया जाता है।		

अनुसूची 23 – ब्याज	2015-16	2014-15
क) स्थायी ऋणों पर ख) अन्य ऋणों पर (बैंक प्रभार शामिल हैं) ग) अन्य (उल्लिखित)		
कुल	0	0

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र
दिनांक 31.03.2016 को समाप्त वर्ष हेतु प्राप्ति एवं भुगतान

प्राप्तियां	2015-16	2014-15	भुगतान	2015-16	2014-15
1. अथशेष			1. व्यय		
क) नकद राशि			क) स्थापना व्यय	94243314	86834850
ख) बैंक शेष			ख) प्रशासनिक व्यय	59578414	47840902
i) चालू खाते में	21490377	10433679			
ii) जमा खाते में			2. अग्रिम भुगतान		0
iii) बचत खाते में			i) सामग्री एवं आपूर्ति	16120	0
			ii) प्रशिक्षण कार्यक्रम हेतु अस्थायी अग्रिम	6582962	3712000
2. अनुदान प्राप्त किया			3. निवेश एवं जमा किये गए		
सहायता अनुदान (पूंजीगत परिसंपत्ति)	15000000	20124000	क) उद्दिष्ट / विन्यास निधि में से		
सहायता अनुदान (योजना)	65000000	59300000	ख) निजी निधि में से (निवेश – अन्य)		
सहायता अनुदान वेतन	90000000	86900000			
			4. स्थायी परिसंपत्ति एवं पूंजीगत कार्य – प्रगति पर व्यय		
			क) स्थायी परिसंपत्ति की खरीद	10120936	17379876
			ख) पूंजीगत कार्य प्रगति पर व्यय	0	0
3. निवेश पर आय निम्न से					
क) उद्दिष्ट / विन्यास निधि	0	0	5. अधिशेष राशि / ऋण की वापसी		
ख) निजी निधि (अन्य निवेश)	0	0	क) भारत सरकार को		
			ख) राज्य सरकार को		
4. ब्याज प्राप्त किया			ग) निधि उपलब्ध कराने वाले अन्य को		
क) बैंक जमा पर	0	0			
ख) ऋण, अग्रिम आदि	0	0	6. वित्त प्रभार (ब्याज)		
5. अस्पताल सेवाओं से आय					

अस्पताल प्राप्तियां	477048	445035	7. अन्य भुगतान (उल्लिखित)		
5. अन्य आय			बाह्य वसूलियां (सा. भ. नि., एन. पी. एस., भ. नि. अ., आयकर, लाइसेंस शुल्क आदि)	26521973	24449153
विविध प्राप्तियां	315677	5290	8. अंतशेष		
ई. एम. डी.	0	200000	क) नकद राशि		
6. राशि उधार			ख) बैंक शेष		
			(i) चालू खाते में	21741356	21490376
7. कोई अन्य प्राप्तियां			(ii) जमा खाते में		
बाह्य वसूलियां (सा. भ. नि., एन. पी. एस., भ. नि. अ., आयकर, लाइसेंस शुल्क आदि)	26521973	24449153	(iii) बचत खाते में		
कुल	**218805075**	**201857157**	कुल	**218805075**	**201707157**

ह./–
लेखा अधिकारी

ह./–
वित्त सलाहकार

वित्त वर्ष 2015–2016 हेतु यू. एन. डी. सी. पी. का लेखा

अथ शेष		प्राप्तियां		व्यय		अंत शेष	
दिनांक 01.04.2015 के अनुसार बैंक में नकद	दिनांक 01.04.2015 के अनुसार बकाया अग्रिम	वर्ष के दौरान प्राप्त किया गया अनुदान	अस्पताल प्राप्तियां	अन्य प्रशासनिक व्यय	मंत्रालय को वापस किया गया अनुदान	दिनांक 31.03. 2016 के अनुसार बैंक में नकद	दिनांक 31.03. 2016 के अनुसार बकाया अग्रिम
2810826	2585632	597000	195914	677358	1787994	1773388	1950632

ह./–
लेखा अधिकारी

31 मार्च 2016 को समाप्त वर्ष के लिए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली के लेखों पर भारत के लेखा नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की अलग लेखा परीक्षा रिपोर्ट

हमने एम्स अधिनियम 1956 की धारा 18 (2) के साथ पठित नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कर्तव्य, शक्तियां तथा सेवा की शर्तें) अधिनियम, 1971 की धारा 19 (2) के तहत 31 मार्च 2016 की स्थिति के अनुसार अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली के संलग्न तुलन–पत्र तथा उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय लेखा/प्राप्ति एवं भुगतान लेखा की लेखा परीक्षा की है। ये वित्तीय विवरण एम्स के प्रबंधन का उत्तरदायित्व है। हमारा उत्तरदायित्व हमारी लेखा परीक्षा के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर अपनी राय व्यक्त करना है।

2. इस विशेष लेखा परीक्षा रिपोर्ट में केवल वर्गीकरण, बाकी लेखा कार्यों के साथ समरूपता, लेखांकन मानक और प्रकटन मानदंडों आदि के संबंध में लेखा व्यवहार पर भारत के लेखा नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की टिप्पणयां निहित है। विधि, नियमों और विनियमों (औचित्य एवं नियमितता) के अनुपालन में और कार्यक्षमता–सह–निष्पादन पहलुओं आदि से संबंधित वित्तीय लेन–देन पर यदि कोई लेखा परीक्षण है, तो उसे निरीक्षण रिपोर्ट/सी.ए.जी. की लेखा परीक्षा रिपोर्टों के माध्यम से अलग से सूचित किया गया है।

3. भारत में सामान्यतः स्वीकृत लेखा परीक्षा मानकों के अनुसार हमने अपनी लेखा परीक्षा आयोजित की है। इन मानकों में अपेक्षा की जाती है कि हम इस प्रकार से लेखा परीक्षा की योजना बनाए एवं उसे निष्पादित करें कि यह युक्ति संगत आश्वासन प्राप्त हो सके कि क्या वित्तीय विवरण, विषय संबंधी भ्रामक विवरणों से मुक्त है। लेखा परीक्षा में वित्तीय विवरणों में परीक्षा पर आधारित–जांच, तथ्यों को समर्थित करने वाले साक्ष्य और प्रकटन शामिल है। लेखा परीक्षा में प्रबंधन द्वारा प्रयोग किए गए लेखा सिद्धान्तों और महत्वपूर्ण अनुमानों का मूल्यांकन किया जाना भी शामिल है। साथ ही विवरणों के समग्र प्रस्तुतीकरण का मूल्यांकन करना भी सम्मिलित है। हमारा विश्वास है कि हमारी लेखा परीक्षा हमारे राय के लिए उचित आधार प्रदान करती है।

4. हमारी लेखा परीक्षा के आधार पर, हम सूचित करते हैं किः

i) टिप्पणी संख्या क.2.1.3 में वर्णित अग्रिम विवरण को छोडकर हमने वह समस्त सूचना तथा स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं जो हमारी पूरी जानकारी तथा विश्वास के अनुसार हमारे लेखा परीक्षा के प्रयोजन के लिए आवश्यक है।

ii) इस रिपोर्ट में दिए गए तुलन–पत्र, आय एवं व्यय लेखा तथा प्राप्ति एवं भुगतान लेखा, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अनुमोदित प्रारूप में तैयार नहीं किए गए हैं। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान ने प्रोद्भवन आधार पर अपने खातों को व्यवस्थित नही रखा था जो कि केंद्रीय स्वायत्त निकायों के लिए निर्धारित खातों की एक समान प्रारूपता के तहत जरूरी हैं। इस वर्ष से खातों की एक समान प्रारूपता को अपनाने के लिए एक प्रयास किया गया था लेकिन अभी भी एम्स के विभिन्न केंद्रों को खातों के नए प्रारूप के अनुसार एम्स (मुख्य) खाते में एकीकरण के लिए अपने खातों को मानकीकृत करने की आवश्यकता है।

(iii) हमारे मतानुसार, हमारे द्वारा लेखा पुस्तकों एवं अन्य की जांच से प्रतीत होता है कि एम्स के द्वारा लेखांकन की दोहरी प्रविष्टि पद्धति पर लेखा पुस्तक एवं अन्य संबंधित रिकॉर्डों का अनुरक्षण किया गया है।

(iv) हम आगे सूचित करते है कि :

क. शेष राशि
क.1 देयता
क.1.1. मौजूदा देयताएं और प्रावधानें :
क1.1.1. एम्स (मुख्य)₹ 12272.09 लाख
क.1.1.1.आवर्ती निधि : ₹199.32 लाख

तुलन–पत्र में आवर्ती निधि की अंतशेष राशि ₹199.32 लाख थी जबकि 31 मार्च 2016 को आवर्ती निधि के लिए जारी किए गए रिकॉर्ड में बकाया राशि ₹91.40 लाख दर्शाई गई है। यही समान अंतर पिछले लेखा परीक्षा में देखा गया था और एम्स ने इस अंतर का समाधान करने का आश्वासन दिया था लेकिन वह लेखा समाधान नहीं किया गया।

क. 2 परिसंपत्ति
क.2.1 चालू परिसंपत्ति, ऋण एवं अग्रिम
क.2.1.1 राजेन्द्र प्रसाद नेत्रविज्ञान केन्द्र ₹3889.41 लाख

हृद् वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केंद्र 8400.90 लाख रुपए

₹33.21 लाख की राशि (सी.एन.सी. ₹32.45 लाख और आर.पी.सी. ₹0.76 लाख) विविध देनदार के रुप में अंकित की गई थी हालांकि, एम्स के संबंधित केन्द्रों के द्वारा पक्ष के नाम का संकेत देने वाले विवरण, पक्ष से राशि की पुष्टि, जिस समय से राशि बकाया थी तथा ऋण संबंधी मूल्यांकन नहीं किया गया था।

क.2.1.2 एम्स (मुख्य)₹67770.20 लाख

इसी प्रकार एम्स मुख्य खातों के अनुसूची 11 के अनुसार विविध देनदार योजना के तहत ₹565.54 लाख की राशि वाले 5 वर्ष से अधिक पुराने थे और अनुसंधान अनुभाग द्वारा चलाए जा रहे योजनाओं के तहत शेष राशि शून्य दर्शायी गयी थी। एम्स के संबंधित केन्द्रों द्वारा अतिदेय देनदार और ऋण की समीक्षा नहीं की गई थी।

क.2.1.2.1 पी.डी.खाता ₹138.77 लाख

तुलन–पत्र के अनुसूची 11 में दर्शाए गए पूर्व जमा खाते की अंतशेष राशि ₹138.77 लाख थी (22127.48 लाख रुपयों में शामिल) जबकि बैंक विवरण में यह ₹80.37 लाख थी और ₹58.40 लाख के अंतर का समाधान किए बिना छोड दिया। अतः संस्थान की परिसंपत्ति को इसी समान राशि के द्वारा अधिक वर्णित किया गया। इस

प्रकार का अंतर पिछली रिपोर्ट में भी देखा गया था और एम्स ने इस अंतर का समाधान करने का आश्वासन दिया था जो नहीं किया गया।

क.2.1.2.2 मशीनरी एवं उपकरण की विदेशी खरीद हेतु अग्रिम भुगतान (योजित) ₹44704.22 लाख

विदेशी मशीनरी एवं उपकरण की खरीद हेतु ₹3037.04 लाख का अग्रिम भुगतान किया गया था, हालांकि, वार्षिक खातों में केवल ₹2990.70 लाख ही तुलन–पत्र के परिसंपत्ति पक्षों में दर्शाया गया था। अतः संस्थान की परिसंपत्ति को ₹46.34 लाख के अंदर ही दिखाया गया।

क.2.1.2.3 आकस्मिक घाटा

₹2.04 लाख के आकस्मिक घाटे को एम्स के खातों में प्रकट नहीं किया गया जो लेखा परीक्षा मानदंड (ए एस–1) के तहत आवश्यक था।

क.2.1.3 दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र के लिए ₹425.80 लाख

अनुसूची II ऋण, अग्रिम तथा अन्य परिसंपत्ति

उपर्युक्त में एन. डी. एम. सी. को (₹2.64 लाख) अग्रिम भुगतान किया गया (₹30.00 लाख) एन. डी. एम. सी. को प्रतिभूति जमा किया गया और डी. जी. एस. एवं डी को किया गया (₹4.69 लाख) अग्रिम भुगतान शामिल है। ये अग्रिम 5 साल से अधिक पुराने थे। इसके आगे, इन अग्रिमों का विवरण लेखा परीक्षा के लिए उपलब्ध नहीं कराया गया है।

ख. आय एवं व्यय
ख. 1. व्यय
ख. 1.1 एम्स (मुख्य)₹99482.81 लाख

₹26545.32 लाख की सामग्री एवं आपूर्ति खर्चा (अनु.–21 बी) जिसमें व्यपगमन जमा खाते के लिए ₹8.05 लाख और अर्जित ब्याज जो कि आय था व्यय नहीं। इसके परिणाम स्वरूप व्यय खाता को अधिक दर्शाया गया था और किस कारण से आय खाते को ₹8.05 लाख से समझा गया।

ग. सामान्य

ग.1 केन्द्रों से (इंजीनियरी कार्य हेतु) विविध वसूली के रूप में प्राप्त ₹151.26 लाख एम्स द्वारा दर्शाया गया। इस शीर्ष के तहत किए गए वसूलियों को एम्स के ही विविध केन्द्रों के बीच समायोजित किए जाने की आवश्यकता है। अतः एम्स के इंट्रा केन्द्रीय लेन–देन होने से समाधान के बाद ये लेन देन शून्य हो जाएंगें। इस प्रकार एम्स (मुख्य) और केन्द्रों के खातों में परिसंपत्ति और देनदारियों के अनावश्यक वर्णन को स्पष्ट करने के लिए खातों में वसूलों/भुगतानों में सामंजस्य होना चाहिए।

ग.2 बैंक में एम्स की विविध इकाइयों के समाधान विवरण में असंगत बकाया राशि थी जिसका विवरण निम्नानुसार है:

विषय	आवधी (अनुबंध में विवरण)	रुपयों में राशि
चैक जारी किया गया लेकिन डेबिट नहीं हुआ	मई 2014 से मार्च 2016 तक	1228827685
चैक जो जमा किए गए लेकिन खाते में जमा नहीं हुए	मई 1989 से मार्च 2016 तक	266257451
चैक जो जारी नहीं हुआ लेकिन अधिक डेबिट हो गया	मार्च 2008 से मार्च 2016 तक	207470613
बैंक द्वारा अधिक जमा किया गया	मई 2009 से मार्च 2016 तक	159764938

ग.3 निम्नलिखित परिसंपत्ति एम्स के वार्षिक खातों में दिखाई दे रही थी हालांकि परिसंपत्ति पंजिका को इस प्रकार व्यवस्थित नहीं रखा गया था कि तुलन–पत्र में दर्शाए गए परिसंपत्ति के अग्रिमों को परिसंपत्ति पंजिका के द्वारा जांचा जा सके।

इकाई का नाम	परिसंपत्ति	राशि (लाख रुपयों में)
एम्स (मुख्य)	प्लांट मशीनरी और उपकरण	95887.02
	भवन निर्माण	66797.38
	जमीन	8411.94
डॉ. रा.प्र.केन्द्र	मशीन एवं उपकरण	22413.14

इकाई का नाम	परिसंपत्ति	राशि
	भवन निर्माण	2334.44
	फर्नीचर व फिक्स्चर	163.97
हृद् तंत्रिका केन्द्र	मशीनरी और उपकरण	48207.51
	फर्नीचर व फिक्स्चर	51.73
बी.आर.ए. सं.रो.कैं.अस्पताल	मशीनरी एवं उपकरण	16248.26
	फर्नीचर व फिक्स्चर	108.40
	भवन निर्माण	3390.60
जे.पी.एन.ए.ट्रॉमा केन्द्र	प्लांट, मशीनरी एवं उपकरण	19865.70
	फर्नीचर एवं फिक्स्चर	113.69
सी. डी. ई. आर.	भवन निर्माण	3087.62
	मशीनरी	2414.28
एन.डी.डी.टी.सी.	प्लांट, मशीनरी एवं उपकरण	472.12

	भवन निर्माण	1098.34
	फर्नीचर व फिक्स्चर	95.24
	कुल	291161.38

ग.4 बीमांकिक आधार पर खातों में सेवानिवृत्ति लाभों के लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया था जो कि आई. सी. ए. आई. के लेखा परीक्षा मानक (ए एस–15) के अनुसार जरूरी है।

ग.5 प्रोद्भवन आधार पर एम्स द्वारा मार्च महीने के वेतन एवं भत्ते के लिए कोई प्रावधान नहीं बनाया गया था।

ग. 6 संयंत्र मशीनरी एवं उपकरण (₹95887.02 लाख) वाहन (₹388.57 लाख) भवन निर्माण (₹66797.38 लाख) और पुस्तकालय के लिए पुस्तकें (₹7379.24 लाख) जैसे अचल संपत्तियों पर कोई मूल्यह्रास नहीं लगाया गया है जो कि आई. सी. ए. आई. के लेखा परीक्षा मानक (एएस–6) के तहत जरूरी है।

घ. सहायता अनुदान

वर्ष 2015–16 के दौरान एम्स ने ₹187300.00 लाख के सहायता अनुदान में से योजना राशि ₹70000.00 लाख और गैर–योजना राशि ₹112000.00 लाख, चूक समिति (योजना) के लिए ₹3600.00 लाख और राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केन्द्र एन.डी.डी.टी.सी. हेतु ₹1700.00 लाख (योजना) प्राप्त किए। ₹9300.00 लाख मार्च 2016 में प्राप्त किया गया था इनके पास ₹1604.00 लाख का अव्ययित शेष और ₹18962.16 लाख की अपनी आय भी थी।₹1763.42 लाख के अव्ययित शेष को छोडकर ₹31.03.2016 तक उपगत व्यय कुल ₹206102.74 लाख (योजना पूंजी ₹36015.38 लाख, योजना राजस्व ₹34568.52 लाख, चूक समिति के लिए ₹1313.42 लाख एवं गैर योजना के लिए ₹129565.72 लाख तथा एन.डी.डी.टी.सी. के लिए ₹1639.69 लाख) थी। इसके अतिरिक्त एम्स ने विभिन्न योजनाओं की राशि ₹8024.50 लाख और उपगत व्यय ₹8038.77 लाख का अनुदान भी प्राप्त किया।

V. पूर्ववर्ती पैराग्राफों में हमारे अवलोकन के अनुसार हम सूचित करते हैं कि इस रिपोर्ट के साथ दिया गया तुलन– पत्र, आय और व्यय खाता तथा प्राप्ति एवं भुगतान खाता लेखा पुस्तकों के समनुरूप हैं।

VI. हमारी राय में तथा हमारी पूरी जानकारी एवं दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार इस लेखा परीक्षा रिपोर्ट के संलग्नक–1 में वर्णित लेखाकरण नीतियों और लेखा टिप्पणियों के साथ पठित उक्त वित्तीय विवरण एवं उपर्युक्त वर्णित महत्त्वपूर्ण मामलें तथा अन्य के विषय में भारत में सामान्य रूप से स्वीकृत लेखाकरण सिद्धान्तों के अनुरूप एक सत्य एवं निष्पक्ष दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं:

क. जहां तक कि यह अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के दिनांक 31 मार्च, 2016 तक के तुलन–पत्र, उसकी कार्य स्थिति से संबंधित है; तथा

ख. उस तिथि को समाप्त होने वाले अधिशेष के आय एवं व्यय खाता से संबंधित है।

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक
के लिए तथा उनकी ओर से
महा निदेशक लेखा परीक्षक
(केन्द्रीय व्यय)

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक :

संलग्नक–1

1. आंतरिक लेखा परीक्षा पद्धति की पर्याप्तता

2015–16 के दौरान एम्स के आंतरिक लेखा परीक्षा विंग के द्वारा 144 इकाइयों की कुल संख्या में से केवल 12 इकाइयों की योजना बनाई गई और उनका लेखा परीक्षण किया गया। वहां आंतरिक लेखा परीक्षा नियम पुस्तिका नहीं थी।

2. आंतरिक नियंत्रण पद्धति की पर्याप्तता

निम्नलिखित के लिए एम्स के आंतरिक नियंत्रण पद्धति को अपर्याप्त बताया गयाः

1. एम्स के विविध इकाइयों के समाधान विवरण में बैंकों में गैर–समाधान शेष पाए गए। चैक जमा किए गए लेकिन मई 1989 के बाद खातों में जमा होने की कोई तारीख नहीं थी।
2. परिसंपत्ति पंजिका को इस प्रकार से व्यवस्थित नहीं रखा गया कि तुलन–पत्र में दर्शाए गए परिसंपत्ति के अग्रिमों को परिसंपत्ति पंजिका के द्वारा जांचा जा सके।

3. अचल परिसंपत्ति के भौतिक जांच की पद्धति

वर्ष 2015–16 के दौरान अचल परिसंपत्तियों की भौतिक जांच की गई थी।

4. आविष्कार की भौतिक जांच की पद्धति

वर्ष 2015–16 तक के लिए लेखन सामग्री, पुस्तकों और प्रकाशनों एवं उपभोज्य मदों की भौतिक जांच की गई थी।

5. वैधानिक देय राशि के भुगतान में नियमितता

खातों के अनुसार 6 महीने से अधिक की कोई भी वैधानिक देयताएं बकाया नहीं थीं।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के दिनांक 31 मार्च 2016 को समाप्त होने वाले वर्ष के खातों के संबंध में भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट के उत्तर

क.1.1.1 आवर्ती निधिः ₹199.32 लाख
अगले वित्त वर्ष के खातों में आवश्यक परिशोधन किया जाएगा।

क.2.1.1 डॉ. राजेन्द्र प्रसाद नेत्रविज्ञान केन्द्र–₹3889.41 लाख
हृद् वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केन्द्र ₹8400.90 लाख

यह पुरानी बकाया राशि थी और इन बकाया राशियों को चुकाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

क.2.1.2 एम्स (मुख्य)₹67770.20 लाख

कुछ शोध परियोजनाओं में उपलब्ध शेष राशि से अधिक व्यय विक्रेताओं के लंबित वेतन/लंबित बिल आदि जैसे कुछ अपरिहार्य वस्तुओं पर होने वाले खर्च पर किए गए हैं। हालांकि ऐसे अधिकांश मामलों में इनकी प्रतिपूर्ति अनुदानग्राही संस्थानों के द्वारा आगे जारी किए जाने वाली राशि से हो रही हैं। चालू वर्ष में इन बकाया राशि को समाप्त करने के लिए एक कठोर समीक्षा की जाएगी।

क.2.1.2.1 ₹138.77 लाख का पी.डी.खाता

अगले वित्त वर्ष के खातों में आवश्यक परिशोधन किए जाएंगे।

क.2.1.2.2 मशीनरी एवं उपकरण (योजित) की विदेशी खरीद हेतु अग्रिम भुगतान ₹44704.22 लाख

अगले वित्त वर्ष के खातों में सुधार के लिए प्रेक्षण को नोट किया गया है।

क.2.1.2.3 आकस्मिक घाटा

भविष्य में अनुपालन के लिए नोट किया गया है।

क.2.1.3 दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र के लिए ₹425.80 लाख

यह पुराने बकाया विविध देनदार थे और इन बकाया राशियों को चुकाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

ख.1.1 एम्स (मुख्य)₹99482.81 लाख

व्यपगत जमा एवं अर्जित ब्याज को छात्रावास अनुभाग से एम्स (मुख्य) में स्थानांतरित किया गया था और इस तरह यह छात्रावास अनुभाग के तहत व्यय के रूप में वर्गीकृत किया जाना था। भूल से, यह सामग्री और आपूर्ति के रूप में गलत वर्गीकृत किया गया था हालांकि यह एक व्यय था और प्राप्ति नहीं थी। अतः इस पैरा को छोडा जा सकता है।

ग.1. भविष्य में अनुपालन के लिए नोट किया गया है।

ग.2. पुराने बकाया राशियों के समाधान के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। इन शेष राशि के समाधान हेतु एक विशेष अभियान चलाने का प्रस्ताव किया गया है। इस मामले के प्रगति के बारे में लेखा परीक्षा को सूचित किया जाएगा।

ग.3. एम्स के भण्डार अनुभाग तथा विभिन्न विभागों/केन्द्रों के द्वारा परिसंपत्ति पंजिका व्यवस्थित की जा रही है। परीक्षा जांच आधार पर लेखा परीक्षा ने भी इन रजिस्टरों को देखा है। हालांकि, लेखा परीक्षा के सुझावों को नोट कर लिया गया है।

ग.4. खातों में सेवानिवृत्ति लाभों के लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया था क्योंकि एम्स ने अपने खातों को प्रोद्भवन आधार पर व्यवस्थित नहीं किया था। प्रोद्भवन के आधार पर जब तुलन–पत्र तैयार की जाएगी तब प्रावधान बनाया जाएगा। नकदी आधार पर खाते तैयार किए गए हैं और यह नोट्स (टिप्पणियों) में भी बताया गया है।

ग.5. एम्स द्वारा मार्च महीने के वेतन और भत्ते के लिए कोई प्रावधान नहीं बनाया गया है क्योंकि मार्च महीने का वेतन केवल अप्रैल महीने में दिया जाता है और खाते नकदी आधार पर बनाए जाते हैं। हालांकि खातों में वित्तीय वर्ष में 12 महीने का वेतन डेबिट कर दिया गया है। अतः इस पैरा को छोडा जा सकता है।

ग.6. प्लांट, मशीनरी और उपकरण इत्यादि जैसे अचल संपत्तियों पर कोई मूल्यह्रास नहीं लगाया गया है और सेवा से परिसंपत्तियों के नष्ट होने/हटा दिए जाने तक इन्हें ऐतिहासिक लागत पर चलाया जाएगा। इसे पर्याप्त रूप से खातों के टिप्पणियों में प्रस्तुत किया गया है। लेखा मानकों की आवश्यकता के अनुसार संस्थान के लिए मूल्यह्रास नीति निर्धारित किए जा रहे हैं। पर्याप्त प्रकटीकरण को ध्यान में

रखते हुए, इस पैरा को छोड.ा जा सकता है।

घ. (सहायता अनुदान) रिपोर्ट में दर्ज किए गए तथ्य सत्यापित हैं। पिछले वर्षों में ₹16.04 करोड़ की अव्ययित शेष राशि भी थी।.